96वाँ वार्षिक प्रतिवेदन
2018-2019
भाग - I

दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली

www.du.ac.in

दिल्ली विश्वविद्यालय
96वाँ वार्षिक प्रतिवेदन
आमुख

दिल्ली विश्वविद्यालय देश का एक अग्रणी विश्वविद्यालय है जिसकी विरासत लगभग एक शताब्दी पुरानी है। वर्ष 1922 में अपनी स्थापना के बाद से ही विश्वविद्यालय ने उच्चतम शैक्षिक मानकों को बनाए रखा है तथा देश में उच्चतर शिक्षा में कतिपय श्रेष्ठ प्रक्रियाओं का निर्वहन किया है। अपने आदर्श-वाक्य *निष्ठा धृतिः सत्यम्* की भावना के अनुरूप विश्वविद्यालय ने राष्ट्र निर्माण की अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर कायम रखा है तथा सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों का निर्बाध अनुपालन सुनिश्चित किया है। 1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 की अवधि के लिए विश्वविद्यालय का 96वां वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना अत्यंत गौरव का विषय है।

दिल्ली विश्वविद्यालय को शीर्ष 25 केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंक प्रदान किया गया है और इसे आउटलुक-आईसीएआरई इंडिया रैंकिंग्स द्वारा शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में से 8वीं रैंक पर दी गई है। यह सेंटर फॉर वर्ल्ड यूनीवर्सिटी रैंकिंग द्वारा प्रदान की गई राष्ट्रीय रैंकिंग में 7वें स्थान पर है। नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क के अनुसार, दिल्ली विश्वविद्यालय को भारत के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में 13वें स्थान पर रखा गया है। क्यूएस इंडिया रैंकिंग द्वारा इसे भारतीय शैक्षणिक संस्थाओं और विश्वविद्यालयों में 7वां स्थान दिया गया है। क्यूएस वर्ल्ड यूनीवर्सिटी रैंकिंग्स के अनुसार विश्वविद्यालय को 474वें स्थान पर रखा गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि विश्वविद्यालय ने अलम्नाई आउटकम्स में विश्व में 20वीं रैंक और क्यूएस ग्रेजुएट एम्पलॉयबिलिटी रैंकिंग्स में विश्व में 191-200वीं रैंक हासिल करते हुए एक उत्कृष्ट लक्ष्य हासिल किया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उत्कृष्ट संस्था (आईओई) के रूप में मान्यता प्राप्त करते हुए एक अत्यंत उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। यह उत्कृष्टता हमारे छात्रों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों, प्रशासनिक कर्मियों, पूर्व छात्रों और सभी हितधारकों के सतत प्रयासों और बहुमूल्य योगदान के फलस्वरूप ही हासिल की गई है।

दिल्ली विश्वविद्यालय वर्ष 2018 में आकलन और प्रत्यायन प्रक्रिया से गुजरा है जिसे प्रथम चक्र के अंतर्गत, राष्ट्रीय आकलन और प्रत्यायन परिषद् (एनएएसी) द्वारा संचालित किया गया था। यह प्रत्यायन एनएएसी की संशोधित संरचना के अनुरूप है, जिसे 2017 में क्रियान्वित किया गया था, जिसमें मुख्य ध्यान केवल गुणात्मक सहयोगी आकलन से हटाकर अब आंकड़ा-आधारित परिमाणात्मक मूल्यांकन (70 प्रतिशत) और सहयोगी आकलन (30 प्रतिशत) पर किया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय को प्रथम चक्र में A+ ग्रेड और 3.28 सीजीपीए अंकों के साथ प्रत्यायन प्रदान किया गया जो 30 नवम्बर 2018 से 5 वर्ष की अवधि के लिए वैध है। यह ग्रेड उन सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में सर्वोच्च है, जिनका इस अवधि के दौरान संशोधित आकलन फ्रेमवर्क के प्रथम चक्र में आकलन किया गया था।

दिल्ली विश्वविद्यालय यूजीसी (ग्रेडेड स्वायत्तता प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालयों (केवल) का वर्गीकरण) विनियम, 2018 के उपबंधों के अनुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा श्रेणी-I के रूप में ग्रेड किए जाने वाले पांच केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से एक है।

विश्वविद्यालय के एच-इंडेक्स ने 192 के आंकड़े को छू लिया है, जो भारतीय विश्वविद्यालयों में सर्वोच्च है। विश्वविद्यालय में 360 से अधिक शोध परियोजनाएं चल रही हैं जिनके लिए लगभग 272 करोड़ रुपए की राशि इस अवधि के दौरान बाह्य स्रोतों से प्राप्त की गई है।

विश्वविद्यालय 500 से अधिक कार्यक्रम संचालित करता है जिनमें स्नातकपूर्व कार्यक्रम, अनेक स्नातकोत्तर कार्यक्रम (निष्णात, एम.फिल और पीएच.डी.) प्रमाण-पत्र और डिप्लोमा कार्यक्रम शामिल हैं। विश्वविद्यालय ने वर्ष 2018-19 में इसकी सभी स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर पाठ्यचर्या को नवीन और आधुनिक बनाने की एक विस्तृत प्रक्रिया प्रारंभ की और शिक्षण परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या संरचना (एलओसीएफ) का समावेश किया। विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत पाठ्यक्रमों को विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) के अंतर्गत संशोधित किया गया। संशोधित पाठ्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2019-20 से प्रभावी हुए तथा ये विश्वविद्यालय की नियमित और दूरस्थ शिक्षण पद्धति, दोनों ही में नामांकित छात्रों के लिए समान रूप से लागू हैं। संशोधित स्नातकपूर्व पाठ्यक्रम स्कूल ऑफ़ ओपन लर्निंग और नॉन-कॉलिजिएट महिला शिक्षा बोर्ड में नामांकित छात्रों के लिए समान रूप से लागू हैं। ।

विश्वविद्यालय डिजिटलीकरण के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है तथा इसने अपने प्रशासन, पुस्तकालय प्रणाली और शिक्षाशास्त्र पद्धतियों से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं को ऑनलाइन प्रणाली में स्थानांतरित किया है। विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ अपने सहयोग को भी विस्तारित कर रहा है तथा इसने विदेशी छात्रों के प्रवेश को व्यापक बनाने के लिए एक विशेष अभियान आरंभ किया है, जिसके फलस्वरूप इसने इस समुदाय तक व्यापक पहुंच बनाई है तथा *वसुधैव कुटुंबकम* के अपने सांस्कृतिक दृष्टिकोण का विस्तार किया है। इसने मानव संसाधन विकास मंत्रालय की उन्नत भारत अभियान पहल के तत्वावधान में पांच गांवों को भी अपनाया है और यह इन समुदायों में निरंतर आवश्यकता-आधारित और भागीदारीपूर्ण समुदाय विकास कार्य संचालित करना जारी रखे हुए है।

वैश्विक शिक्षा और शोध में एक उभरते हुए अग्रेता के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय इसके साथ जुड़े लगभग सात लाख छात्रों को सेवा प्रदान करते हुए हमारे राष्ट्र के बौद्धिक विकास के प्रति उल्लेखनीय योगदान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

योगेश के. त्यागी
कुलपति

संपादकीय समिति

दिल्ली विश्वविद्यालय की 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष की 96वीं वार्षिक रिर्पोट प्रस्तुत है। इस रिर्पोट के दो भाग हैः

भाग-I में संकायों, विभागों, केंद्रों और महाविद्यालयों, अवसंरचनात्मक विभागों और वित्त विभाग सहित दिल्ली विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति से संबंधित जानकारी है

भाग-II में सूचना और आंकड़े हैं।

इस रिर्पोट को तैयार करने वाले संपादकीय मंडल में निम्नलिखित सदस्य हैं :

1.	प्रोफेसर पमी दुआ	संकायाध्यक्ष, शैक्षणिक कार्यकलाप व परियोजनाएं, अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर तरूण कुमार दास	कुलसचिव, दिल्ली विश्वविद्यालय
3.	डॉ. पायल मागो	संयुक्त संकायाध्यक्ष-महाविद्यालय
4.	प्रोफेसर योगेंद्र सिंह	संकायाध्यक्ष, अनुसंधान, जीवन-विज्ञान
5.	प्रोफेसर टी. आर. सेशाद्री	संकायाध्यक्ष, अनुसंधान (शारीरिक विज्ञान व गणित विज्ञान)
6.	प्रोफेसर सुमन कुंडू	संकायाध्यक्ष, अंतर आयामी और अनुप्रयुक्त विज्ञान
7.	प्रोफेसर रितेश कुमार सिंह	संकायाध्यक्ष, वाणिज्य
8.	प्रोफेसर सुनीता सिंह सेनगुप्ता	संकायाध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन
9.	प्रोफेसर नीरा अग्निमित्रा	अध्यक्ष, सामाजिक कार्य विभाग
10.	प्रोफेसर अरुण जगन्नाथ	वनस्पति विभाग
11.	प्रोफेसर संजय कपूर	पौध आणविक जीव-विज्ञान विभाग
12.	प्रोफेसर वंदना रॉय	संकायाध्यक्ष, आयुर्विज्ञान संकाय
13.	प्रोफेसर अजय कुमार	गणित विभाग
14.	प्रोफेसर नंदिता बाबू	मनोविज्ञान विभाग
15.	प्रोफेसर शर्मिष्ठा पंजा	अंग्रेजी विभाग
16.	डॉ. के. रत्नाबली	विधि संकाय
17.	डॉ. मुकेश मेहलावत	प्रचालनात्मक अनुसंधान विभाग
18.	डॉ. असानी भादुरी	उप संकायाध्यक्ष
19.	कैप्टेन परमिंदर सहगल	कार्यक्रम समन्वयक, एनएसएस एंड ओआईसी, एनसीसी
20.	डॉ. उमा चौधरी	भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय
21.	डॉ. सुरिंदर कौर	श्री गुरू तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय
22.	डॉ. रेनू बवेजा	शिवाजी महाविद्यालय
23.	डॉ. सुधीर शर्मा	संयुक्त रजिस्ट्रार (परिषद्)

सहयोगित सदस्य:

i)	प्रोफेसर कविता शर्मा	संकायाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय
ii)	प्रोफेसर मोहन	संकायाध्यक्ष, कला संकाय
iii)	डॉ. के. पी. सिंह	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग

शोधार्थी सुश्री देवकी कश्यप, वाणिज्य विभाग के समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया जाता है। इस प्रतिवेदन में दिल्ली विश्वविद्यालय की वर्ष 2018-19 (अप्रैल 1, 2018 से मार्च 31, 2019) के कार्यकलापों और उपलब्धियों की झलकियों को दर्शाया गया है।

विषय-सूची

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण 1

छात्र पंजीकरण 3

वर्ष की उपलब्धियां 3

स्थापना दिवस 3
दीक्षांत समारोह 3
विश्वविद्यालय की रैंकिंग; विश्वविद्यालय की हालिया पहलें [उत्कृष्टता का संस्थान (इंस्टिट्यूट ऑफ़ एमिनेंस); नेक प्रत्यायन; ग्रेडेड स्वायत्तता; पाठ्यचर्या संसोधन; नये केंद्र/संस्थानों की स्थापना; परीक्षाएं; दाखिला (एडमिशंस); प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रक्रियाएं; पुस्तकालय प्रणाली; परिसर से जुडी परियोजनाएं तथा वैल्यू-एडेड सेवाएं; व्याख्यान श्रृंखलाएं] 4
शोध संबंधी मुख्य विशेषताएं [बाह्य (एक्सट्राम्युरल) शोध अनुदान; डी.एस.टी-एफ.आई.एस.टी विभाग; यू.जी.सी. एस.ए.पी. (डी.आर.एस, डी.एस.ए, सी.ए.एस, ए.एस.पी) के अंतर्गत विभाग; विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क और ऊष्मायन (इनक्यूबेशन) केंद्र; आई.पी.आर. प्रकोष्ठ और पेटेंट निधियां; एक करोड़ रूपए से अधिक के अनुदान वाले संकाय सदस्य; दस लाख रूपए से अधिक अनुदान वाले संकाय सदस्य; विदेशी अनुदानों] 12
संकाय को पुरस्कार/सम्मान 20
चिकित्सा विज्ञान में/संकाय को पुरस्कार/सम्मान 23
आयोजित संगोष्ठियां/सम्मलेन/कार्यशालाएं 26
शैक्षिणक समुदाय-उद्योग सम्बद्धता 30
विदेशी विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन 31
सामाजिक अगिगम्यता (आउटरीच) 31
नियोजन गतिविधियां 33
समान अवसर प्रकोष्ठ की पहल 33
आर॰टी॰आई॰ स्कंध (विंग) 34
खेल-कूद विशष्टताएं 34

सामान्य सुविधाएं और कार्यक्रम

पूर्व छात्र मामले 35
दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली 36
दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक सह-शिक्षा माध्यमिक विद्यालय 40
दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद् 41
दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन 42
हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय 45
विदेशी छात्रों का पंजीकरण 45
गांधी भवन 46
उद्यान समिति 48
अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह 49
राष्ट्रीय कैडिट कोर 50
राष्ट्रीय सेवा योजना 50

नॉन-कालिजिएट महिला शिक्षा बोर्ड 52
छात्र कल्याण कार्यालय 53
विश्वविद्यालय अतिथि गृह 55

शैक्षणिक केंद्र

कृषि आर्थिकी अनुसंधान केंद्र 56
संसूचक और संबंधित सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी केंद्र 57
उद्यमिता और आजीविका उन्मुख कार्यक्रम केंद्र 65
अपरिवर्तित पारिस्थितिक तंत्र पर्यावरण प्रबंधन केंद्र 66
फसल पौध अनुवांशिक परिचालन केंद्र 68
संक्रामक रोग अनुसंधान शिक्षा और प्रशिक्षण नवाचार केंद्र 69
पर्वत और पर्वतीय पर्यावरण अंतर-आयामी अध्ययन केंद्र 71
उच्चतर शिक्षा व्यावसायिक विकास केंद्र 73
क्लस्टर नवाचार केंद्र 74
दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर केंद्र 80
दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म 86
डी.एस.कोठारी विज्ञान, नैतिकता और शिक्षा केंद्र 88
विकासशील देश अनुसंधान केंद्र 89
डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र 91
साईबर सुरक्षा और विधि संस्थान 97
आसूचना और संचार केंद्र 97
पादप जीनोमिक्स अंतः-विषयक केंद्र 99
विश्वविद्यालय विज्ञान इंस्ट्रूमेंटेशन केंद्र 101
महिला अध्ययन और विकास केंद्र 102
विश्व विश्वविद्यालय स्वास्थ्य सेवा केंद्र 104

विभाग

अनुप्रयुक्त समाज विज्ञान और मानविकी संकाय

व्यापार आर्थिकी 108

कला संकाय

अरबी 110
बौद्ध-धर्म अध्ययन 111
अंग्रेजी 113
जर्मन भाषा और रोमंस अध्ययन 120
हिन्दी 124
पुस्तकालय और सूचना विज्ञान 126
भाषा विज्ञान 132
आधुनिक भारतीय भाषाएँ और साहित्यिक अध्ययन 136
फारसी भाषा 141
दर्शन शास्त्र 142

मनोविज्ञान....148
पंजाबी....151
संस्कृत....154
स्लोवेनिक एवं फिनो यूग्रीयन अध्ययन....162
उर्दू....168

आयुर्वेदिक और यूनानी औषधि संकाय....173

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान....175

वाणिज्य और व्यापार संकाय

वाणिज्य....180
वित्तीय अध्ययन....188

शिक्षा संकाय

शिक्षा....190

होम्योपैथिक औषधि संकाय

नेहरू होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय....196

अंतर-आयामी और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय

जैव-रसायन....197
जैव-भौतिकी....207
इलैक्ट्रोनिक विज्ञान....210
आनुवांशिकी....218
सूक्ष्म जीवविज्ञान....224
शारीरिक शिक्षा और खेल-कूद विज्ञान....227
पादप आणविक जीवविज्ञान....229

विधि संकाय

कैम्पस विधि केंद्र....234
विधि केंद्र-I....240
विधि केंद्र-II....244

प्रबंधन अध्ययन संकाय....253

गणितीय विज्ञान संकाय

कंप्यूटर विज्ञान....255
गणित....258
परिचालन अनुसंधान....265
सांख्यिकी....271

आयुर्विज्ञान संकाय........276
शरीर-रचना-विज्ञान (एलएचएमसी)........279
शरीर-रचना-विज्ञान (एमएएमसी)........282
शरीर-रचना-विज्ञान (यूसीएमएस)........284
निश्चेतन (यूसीएमएस)........285
निश्चेतन (एमएएमसी)........288
निश्चेतन (एलएचएमसी)........292
निश्चेतन (जीआईपीएमईआर)........294
जैव-रसायन (एलएचएमसी)........295
जैव-रसायन (एमएएमसी)........297
जैव-रसायन (वीपीसीआई)........301
जैव-रसायन (यूसीएमएस)........303
हृदयरोग विज्ञान (जी.बी. पंत स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान)........305
समुदाय औषध (एलएचएमसी)........308
समुदाय औषध (एमएएमसी)........312
त्वचा विज्ञान और यौन संक्रामक रोग (एलएचएमसी)........321
त्वचा विज्ञान और यौन संक्रामक रोग (यूसीएमएस)........322
न्याय चिकित्सा (एमएएमसी)........326
सामान्य औषध (एलएचएमसी)........328
सामान्य औषध (एमएएमसी)........332
सूक्ष्म जीवविज्ञान (एमएएमसी)........335
सूक्ष्म जीवविज्ञान (यूसीएमएस)........337
सूक्ष्म जीवविज्ञान (वीपीसीआई)........341
सूक्ष्म जीवविज्ञान (एलएचएमसी)........346
प्रसूति-विज्ञान और स्त्री रोग-विज्ञान (एमएएमसी)........349
प्रसूति-विज्ञान और स्त्री रोग-विज्ञान (यूसीएमएस)........351
प्रसूति-विज्ञान और स्त्री रोग-विज्ञान (एलएचएमसी)........355
अस्थि रोग विज्ञान (एमएएमसी)........362
नेत्र-विज्ञान (एलएचएमसी)........366
नेत्र-विज्ञान (यूसीएमएस)........368
कान-नाक-गला रोग विज्ञान (एलएचएमसी)........369
कान-नाक-गला रोग विज्ञान (एमएएमसी)........370
कान-नाक-गला रोग विज्ञान (यूसीएमएस)........372
विकृति-विज्ञान (एलएचएमसी)........372
विकृति-विज्ञान (एमएएमसी)........375
विकृति-विज्ञान (वीपीसीआई)........381
विकृति-विज्ञान (यूसीएमएस)........382
बाल-चिकित्सा (एमएएमसी)........386
भेषजगुण विज्ञान (एलएचएमसी)........392
भेषजगुण विज्ञान (एमएएमसी)........394
भेषजगुण विज्ञान (वीपीसीआई)........401

शरीर क्रिया विज्ञान (एलएचएमसी)....403
शरीर क्रिया विज्ञान (एमएएमसी)....406
शरीर क्रिया विज्ञान (यूसीएमएस)....407
शरीर क्रिया विज्ञान (वीपीसीआई)....409
बाल दंत-चिकित्सा व निवारक दंत-चिकित्सा (यूसीएमएस)....410
विकिरण चिकित्सा विज्ञान (एमएएमसी)....411
शल्य चिकित्सा (एलएचएमसी)....414
शल्य चिकित्सा (एमएएमसी)....418
शल्य चिकित्सा (यूसीएमएस)....421
विश्वविद्यालय का आयुर्विज्ञान महाविद्यालय....424
वी.पी.वक्ष संस्थान....429

संगीत और ललित कला संकाय

संगीत....448

विज्ञान संकाय

नृविज्ञान....450
वनस्पति-विज्ञान....459
रसायन-विज्ञान....470
पर्यावरणीय अध्ययन....495
भूविज्ञान....503
भौतिकी और खगोल भौतिकी....508
प्राणी विज्ञान....538

सामाजिक विज्ञान संकाय

प्रौढ़, सतत शिक्षा एवं विस्तार....546
अफ्रीकी अध्ययन....548
पूर्व एशियाई अध्ययन....553
अर्थशास्त्र....558
भूगोल....564
इतिहास....570
राजनीति विज्ञान....585
समाज कार्य....598
सामाजिक-विज्ञान....611

महाविद्यालय

आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय....622
अदिति महाविद्यालय....626
अहिल्याबाई नर्सिंग महाविद्यालय....630
अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी....630
आर्यभट्ट महाविद्यालय....634

आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय....................637
भगिनि निवेदिता महाविद्यालय 641
भारती महाविद्यालय....................644
भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय....................648
चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय 652
नर्सिंग आर्मी अस्पताल महाविद्यालय (अनुसंधान व निर्दिष्ट)....................655
व्यवसायिक अध्ययन महाविद्यालय 657
दौलत राम महाविद्यालय....................659
दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय....................662
दिल्ली कला और वाणिज्य महाविद्यालय....................667
दिल्ली भेषज विज्ञान और अनुसंधान संस्थान....................670
देशबंधु महाविद्यालय....................673
डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय 677
दुर्गाबाई देशमुख विशेष शिक्षा महाविद्यालय(दृष्टिबाधित)....................679
दयाल सिंह महाविद्यालय....................681
दयाल सिंह महाविद्यालय (सांय) 685
गार्गी महाविद्यालय 688
हंसराज महाविद्यालय 692
हिन्दू महाविद्यालय 696
होली फैमिली नर्सिंग महाविद्यालय 699
इंदिरा गांधी भौतिक शिक्षा और खेल विज्ञान केंद्र....................701
इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय....................703
गृह आर्थिकी संस्थान....................708
जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय....................712
जीसस और मैरी महाविद्यालय....................717
कालिंदी महाविद्यालय....................721
कमला नेहरू महाविद्यालय 726
केशव महाविद्यालय....................730
किरोड़ीमल महाविद्यालय....................734
लेडी इर्विन महाविद्यालय....................738
लेडी श्रीराम महिला महाविद्यालय....................741
लक्ष्मीबाई महाविद्यालय 746
महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय....................750
महर्षि वाल्मीकि शिक्षा महाविद्यालय....................753
मैत्रेयी महाविद्यालय 755
माता सुंदरी महिला महाविद्यालय....................759
मौलाना आजाद दंत विज्ञान संस्थान 762
मिरांडा हाउस 766
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय 772
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (सांय) 775
पी.जी.डी.ए.वी महाविद्यालय....................777
पी.जी.डी.ए.वी महाविद्यालय (सांय)....................779

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक विकलांग व्यक्ति संस्थान (दिव्यांगजन)....780
राजधानी महाविद्यालय....783
राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय....786
रामानुजन महाविद्यालय....788
रामजस महाविद्यालय....793
रामलाल आनंद महाविद्यालय....796
सत्यवती महाविद्यालय....801
मुक्त अधिगम विद्यालय....803
शहीद भगत सिंह महाविद्यालय....804
शहीद राजगुरू अनुप्रयूक्त विज्ञान महिला महाविद्यालय....807
शहीद सुखदेव व्यापार अध्ययन महाविद्यालय....812
शिवाजी महाविद्यालय....816
श्रीराम वाणिज्य महाविद्यालय....821
श्यामलाल महाविद्यालय....826
श्यामलाल महाविद्यालय (सांय)....833
श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय (महिला)....836
श्री अरबिंदो महाविद्यालय....839
श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांय)....843
श्री गुरू गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय....847
श्री गुरू नानक देव खालसा महाविद्यालय....853
श्री गुरू तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय....857
श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय....862
सेंट स्टीफन महाविद्यालय....866
स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय....869
विवेकानंद महाविद्यालय....873
जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय....875
जाकिर हुसैन स्नातकोत्त्र महाविद्यालय (सांय)....880

विश्वविद्यालय छात्रावास/हॉल

अंबेडकर-गांगुली महिला छात्रावास....882
अरावली स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास....883
केंद्रीय शिक्षा संस्थान छात्रावास....884
डी.एस. कोठारी छात्रावास....884
गीतांजली छात्रावास....885
ग्वेयर हॉल छात्रावास....886
अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास....887
अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास....888
जुबली हॉल छात्रावास....889
मानसरोवर छात्रावास....890
मेघदूत छात्रावास....890
पूर्वोत्तर महिला छात्रावास....891

स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास 892
राजीव गांधी स्नातकोत्तर महिला छात्रावास 893
सारामती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास 894
सामाजिक कार्य छात्रावास 894
स्नातक-पूर्व बालिका छात्रावास 896
विश्वविद्यालय महिला छात्रावास 897
वी.के.आर.वी. राव छात्रावास 897
डब्लूयूएस विश्वविद्यालय छात्रावास 898

वार्षिक लेखे 899

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण

कुलाधिपति

माननीय एम. वेंकैया नायडु

सम-कुलाधिपति

न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा	02.09.2018 तक
न्यायमूर्ति रंजन गोगोई	03.09.2018 से प्रभावी

कुलपति

प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी

सम-कुलपति

प्रोफेसर जितेंद्र पॉल खुराना (स्थानापन्न)

महाविद्यालयों के संकायाध्यक्ष

प्रोफेसर अरुण के. पांडेय	04.04.2018 से 30.06.2018 तक
प्रोफेसर जितेंद्र पॉल खुराना (अंतरिम)	04.07.2018 से प्रभावी

निदेशक, दक्षिणी दिल्ली परिसर

प्रोफेसर जितेंद्र पॉल खुराना

निदेशक, मुक्त अधिगम परिसर

प्रोफेसर चन्द्र शेखर दुबे (स्थानापन्न)

कोषाध्यक्ष

श्री टी. एस. कृपानिधि

कुलानुशासक

प्रोफेसर नीता सहगल (स्थानापन्न)

छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष

प्रोफेसर राजीव गुप्ता

कुलसचिव

प्रोफेसर तरुण कुमार दास

संकाय के संकायाध्यक्ष

कला

प्रोफेसर मोहन

विज्ञान

प्रोफेसर महाराज के. पंडित	07.11.2018 तक
प्रोफेसर इंद्रजीत सिंह	08.11.2018 से प्रभावी

सामाजिक विज्ञान

प्रोफेसर विजय कुमार दीक्षित	28.12.2018 तक

प्रोफेसर सुधीर ए. शाह	13.03.2019 से प्रभावी

विधि

प्रोफेसर (सुश्री) वेद कुमारी

प्रबंधन अध्ययन

प्रोफेसर सुनीता सिंह सेनगुप्ता

गणितीय विज्ञान

प्रोफेसर प्रकाश चन्द्र झा

चिकित्सा विज्ञान

प्रोफेसर रचना गुप्ता	25.07.2018 तक
प्रोफेसर वंदना रॉय	26.07.2018 से प्रभावी

संगीत और ललित कला

प्रोफेसर सुनेरा कासलीवाल	31.01.2019 तक
प्रोफेसर दीप्ति ओमचेरी भल्ला	01.02.2019 से प्रभावी

प्रौद्योगिकी

प्रोफेसर सचिन महेश्वरी

आयुर्वेदिक और यूनानी

डॉ. उमा शंकर शर्मा	01.09.2018 तक
डॉ. विवेक भूषण	25.10.2018 से प्रभावी

शिक्षा

प्रोफेसर (सुश्री) एन. रंगनाथन

अंतर-आयामी और अनुप्रयुक्त विज्ञान

प्रोफेसर प्रदीप कुमार बर्मा	07.09.2018 तक
प्रोफेसर अक्षय कुमार प्रधान	15.09.2018 तक
प्रोफेसर सुमन कुंडू	16.09.2018 से प्रभावी

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी

प्रोफेसर विजय कुमार कौल

वाणिज्य और व्यापार

प्रोफेसर कविता शर्मा	12.03.2019 तक
प्रोफेसर रितेश कुमार सिंह	13.03.2019 से प्रभावी

होम्योपैथिक औषध

प्रोफेसर रचना गुप्ता	25.07.2018 तक
प्रोफेसर वंदना रॉय	26.07.2018 से प्रभावी

छात्र पंजीकरण

विश्वविद्यालय ने, उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2018-19 में, 1,93,380 स्नातक-पूर्व छात्रों और एमफिल/पीएचडी 26,925 स्नातकोत्तर छात्रों, और प्रमाण-पत्र/डिप्लोमा/स्नातकोत्तर डिप्लोमा में 7046 छात्रों का पंजीकरण किया है। पारंपरिक मोड में नामांकित छात्रों की कुल संख्या 2,27,351 है। इसके अतिरिक्त, 3,89,132 छात्रों को डिस्टेंस मोड में नामांकित किया गया है और 30,684 नॉन-कालिजिएट छात्राएं भी इस प्रमुख विश्वविद्यालय का हिस्सा बनी। पारंपरिक और डिस्टेंस मोड में सभी कार्यक्रमों में 2018-19 में कुल नामांकन में 6,47,167 था। वर्तमान में आधे से ज्यादा छात्र दिल्ली के अलावा अन्य राज्यों से हैं।

वर्ष की उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय को 1922 से संस्था के रूप में एक प्रतिष्ठित विरासत का विशेषाधिकार प्राप्त है। संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित, यह निर्धारित विधियों, अध्यादेशों, नियमों और विनियमों द्वारा निर्देशित है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में 16 संकाय, 86 विभाग, 20 केंद्र, 3 संस्थान और 91 महाविद्यालय है। भारत के सबसे बड़े विश्वविद्यालयों में से एक है। औपचारिक और अनौपचारिक/दूरस्थ शिक्षा मोड में लगभग सात लाख छात्रों के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय अपनी परंपराओं और विकास को ध्यान में रखते हुए सशक्त होता जा रहा है।

विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्टाधीन विगत एक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित उपलब्धियों और साइनपोस्ट में परिलक्षित है। वर्ष 2018-2019 (1 अप्रैल, 2018 - 31 मार्च, 2019) की उल्लेखनीय उपलब्धियों का संक्षिप्त अवलोकन यहां प्रस्तुत किया गया है।

स्थापना दिवस

दिल्ली विश्वविद्यालय ने 1 मई, 2018 को कन्वेंशन हॉल, वाइसरीगल लॉज में अपना 96 वां स्थापना दिवस आयोजित किया। विशिष्ट अतिथियों, जो विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र भी हैं, में माननीय प्रधानमंत्री के अपर प्रमुख सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा; भारत के पूर्व अटॉर्नी जनरल श्री मुकुल रोहतगी और आईपीएस श्री आलोक कुमार वर्मा, निदेशक, केंद्रीय जांच ब्यूरो शामिल थे। इस विशेष अवसर पर कुलपति ने विशिष्ट अतिथियों के साथ विश्वविद्यालय के विशिष्ट बैंगनी झंडें का ध्वजारोहण किया और तत्पश्चात प्रत्येक ने वृक्षारोपण किया। विशिष्ट अतिथियों ने श्रोताओं को संबोधित किया, इसके बाद सेवानिवृत्त व सेवारत शिक्षकों को सम्मानित करते हुए पुरस्कार वितरित किए।

पहले के वर्षों की तरह, अत्यधिक योग्य व्यक्तियों को पुरस्कार प्रदान किए गए जिन्होंने अतीत और वर्तमान में विश्वविद्यालय को अनुकरणीय सेवा प्रदान की है। ये पुरस्कार सेवानिवृत्त शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को 'विशिष्ट सेवा पुरस्कारों' और विश्वविद्यालय के विभागों व महाविद्यालयों में सेवारत शिक्षकों के लिए 'उत्कृष्टता पुरस्कार' की श्रेणी में थे।

दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय ने 19 नवंबर, 2018 को अपना 95 वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया। विश्वविद्यालय को भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद का मुख्य अतिथि के रूप में स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ । भारत सरकार के मानव संसाधन एवं विकास राज्य मंत्री डॉ सत्यपाल सिंह सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफ़ेसर योगेश के. के. त्यागी ने की।

पीएचडी के 607 अभ्यर्थियों और 22 एम.सीएच और 17 डीएम अभ्यर्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई। मेधावी विद्यार्थियों को 161 पदक और 34 पुरस्कार प्रदान किए गए। दीक्षांत समारोह का एक लाइव वेबकास्ट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध था।

विश्वविद्यालय की रैंकिंग

आउटलुक-आईसीएआरई इंडिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2019 शीर्ष 25 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दिल्ली विश्वविद्यालय को रेक 1 प्राप्त हुआ। यह भी सराहनीय है कि 56 दावेदारों में टाइम्स हायर एजुकेशन इंडिया रैंकिंग में यह 10वें स्थान पर है। राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा रैंकिंग के आधार पर, राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) ने दिल्ली विश्वविद्यालय को 13वें रैंक दिया।

राष्ट्रीय रैंकिंग

रैंकिंग	2019
विश्वविद्यालयों के लिए राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)	13 (वर्ष 2019 के लिए प्रकाशित)
विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग केंद्र (सीडब्ल्यूयूआर): राष्ट्रीय रैंक	7 (2019-20)

अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग

समग्र रैंकिंग	2019/20
टाईम्स हायर एजूकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिग	601-800 (**वर्ष** 2020 **के लिए प्रकाशित)**
द इंडिया रैंक	10 (2020)
द एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग	156 (2019)
द इमर्जिंग इकोनोमिक्स रैंकिंग	130 (2019)
सेंटर फॉर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग	608 (2019-20)
क्यूएस इंडिया रैंकिंग	**भारतीय शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों के बीच** 7**वां स्थान (**2020)
क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग	474 (2020)
क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग	67 (2020)
क्यूएस ब्रिक्स यूनिवर्सिटी रैंकिंग	42 (2019) **शीर्ष** 10 **भारतीय सार्वजनिक शिक्षण संस्थानों/विश्वविद्यालयों में**

क्यूएस वर्ल्ड विषयवार, 2019	
विकास अध्ययन	17
नृविज्ञान	51-100
भूगोल और क्षेत्र अध्ययन	151-200
समाजशास्त्र	101-150
अर्थशास्त्र और अर्थव्यवस्था	101-150

भौतिकी और खगोल विज्ञान	251-300
रसायन-विज्ञान	251-300
जैविक विज्ञान	301-350
क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ग्रेजुएट एम्लायेबिलिटी रैंकिंग	
संकेतक	**वर्ष 2020 के लिए प्रकाशित**
समग्र स्कोर	191-200
पूर्व छात्र परिणाम	20
नियोक्ता प्रतिष्ठा	173
नियोक्ता-छात्र संबंध	201+
नियोक्ताओं के साथ साझेदारी	201+

- **नृविज्ञान विभाग**, क्यूएस ग्लोबल रैंकिंग-2019 में शीर्ष 100 में चित्रित किया गया। यह गौरव हासिल करने वाला भारत का एकमात्र नृविज्ञान विभाग है।
- **अर्थशास्त्र विभाग** ने RePEc, ने अर्थशास्त्र में काम करने के कागजात और प्रकाशनों के एक वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक संग्रह द्वारा भारत में विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र विभागों के बीच सबसे अधिक स्थान पर है (https://ideas.repec.org/top/top.india.html).
- **गणित विभाग** को टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग 2019 में एशिया में 156वां स्थान प्राप्त हुआ और भारत में क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 10वां स्थान प्राप्त हुआ।
- **भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग** ने क्यूएस रैंकिंग में देश के सर्वोच्च विश्वविद्यालय भौतिकी विभाग के रूप में अपनी स्थिति कायम रखी ।
- समाज कार्य विभाग सर्वेक्षण, 2019 के अनुसार भारत में **समाज कार्य विभाग** को दूसरे सर्वश्रेष्ठ समाज कार्य स्कूल का रैंक दिया गया है।

विश्वविद्यालय की हालिया पहलें

उत्कृष्टता का संस्थान (इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस)

दिल्ली विश्वविद्यालय को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा 'उत्कृष्ट संस्थान' के रूप में मान्यता प्रदान करने में महत्वपूर्ण गौरव प्राप्त किया। यह उत्कृष्टता हमारे छात्रों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों, प्रशासनिक कर्मचारियों, पूर्व छात्रों और सभी हितधारकों के सतत प्रयासों और योगदान के परिणामस्वरूप प्राप्त हुई है। यह इस अर्थ में असाधारण है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा इस प्रकार की मान्यता प्रदान करने वाली संस्थानों में प्रतिस्पर्धा अत्यंत कठोर और गंभीर थी।

आईओई प्रस्ताव व्यापक विचार केंद्रित विषयों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के कार्यों के महत्वपूर्ण कायाकल्प पर केंद्रित था। इस कायाकल्प में विश्वविद्यालय के समस्त कार्य शामिल है-अकादमिक, प्रशासनिक और वित्तीय। शिक्षाविदों में जोर इस बात पर रखा गया था कि हम क्या सिखाएंगे, हम कैसे सिखाएंगे और कैसे विश्वविद्यालय अपने उत्पादों को समाज और राष्ट्र की भावी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बाजार में प्रस्तुत करता है और यह उभरती वैश्विक चुनौतियों का किस प्रकार सामना करता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय की सामरिक योजना में भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का नेतृत्व करते हुए परिसर और उससे आगे अकादमिक जीवन को उत्तेजित करने की परिकल्पना की गई है । जैसा कि आईओई दस्तावेज़ में कहा गया है:

"हमारा उद्देश्य सैद्धांतिक और स्व-आश्वस्त अगुआवों के एक प्रतिबद्ध कैडर का निर्माण करना है जो उन्हें राष्ट्र को आगे ले जाने, हमारे युवा नागरिकों को आवश्यक स्थान और विश्व स्तरीय अवसर प्रदान करने, हमारे विद्वानों को प्रमुख बनने के लिए पर्यावरण और संसाधन प्रदान करने में सक्षम बनाना है और वैश्विक मंतव्यों में योगदान देना, और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा की गुणवत्ता के साथ गठबंधन करना जो विश्व में एक प्रमुख शैक्षिक अदाकार के रूप में भारत की प्रख्यात स्थिति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।"

एक नवीन अंतर-आयामी/बहु-आयामी आधारित पहल के अंतर्गत शिक्षण, शोध और कौशल वृद्धि और विकास कार्यक्रमों के लिए, छात्रावास सुविधाओं सहित आधुनिक सुविधाओं और निवासी छात्रों व कर्मचारियों के लिए मनोरंजक सुविधाओं, स्वास्थ्य और कल्याण सुविधाओं के विस्तार और उन्नयन, और संकाय हेतु आवासीय परिवेश के आवास के लिए वित्तीय सहायता चाही गई है ।

नेक प्रत्यायन

दिल्ली विश्वविद्यालय, ने प्रथम प्रक्रिया के अंतर्गत राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा आयोजित 2018 में मूल्यांकन और प्रत्यायन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली है। यह मान्यता एनएएसी के संशोधित ढांचे के अनुरूप है, जिसे 2017 में लागू किया गया था, और जिसमें प्राथमिक ध्यान केवल गुणात्मक सहकर्मी निर्णय (पुराने ढांचे) से बदलकर आंकड़ा आधारित मात्रात्मक मूल्यांकन (70%) और सहकर्मी निर्णय (30%) पर दिया गया।

विश्वविद्यालय ने इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए स्व-अध्ययन रिपोर्ट (एसएसआर) प्रस्तुत कर मान्यता के लिए अपना आवेदन किया। प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, विश्वविद्यालय ने आंकड़ा सत्यापन और सत्यापन प्रक्रिया और छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण को सफलतापूर्वक पूरा किया। एनएएसी समकक्ष दल ने 29-30 अक्तूबर, 2018 के दौरान विश्वविद्यालय का दौरा किया। समकक्ष दल के लिए यात्रा का कार्यक्रम एसएसआर के गुणात्मक मैट्रिक्स में सूचीबद्ध गतिविधियों के व्यापक स्पेक्ट्रम और उसमें किए गए दावों के सत्यापन को ध्यान में रखते हुए किया गया था। समकक्ष दल ने एसएसआर के गुणात्मक मैट्रिस में किए गए दावों का गहन सत्यापन किया और संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, प्रशासनिक कर्मचारियों, संकाय सदस्यों, छात्रों और पूर्व छात्रों के साथ शैक्षणिक सक्षमता और प्रशासनिक कार्यकरण की जानकारी लेने के लिए उनसे चर्चा की।

दिल्ली विश्वविद्यालय को अपनी पहली प्रक्रिया में ए + ग्रेड के साथ 3.28 के सीजीपीए स्कोर सहित मान्यता दी गई थी, जो 30 नवंबर, 2018 से 5 साल की अवधि के लिए मान्य है।

ग्रेडेड स्वायत्तता

दिल्ली विश्वविद्यालय उन पांच केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से एक है जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा श्रेणी-1 के रूप में वर्गीकृत किया जाना है, जो ग्रेडेड स्वायत्तता विनियमों, 2018 के अनुदान के लिए यूजीसी (केवल विश्वविद्यालयों का वर्गीकरण)) के प्रावधान के अनुसार है। दिल्ली विश्वविद्यालय, यूजीसी की मंज़ूरी के बिना निम्नलिखित पहल कर सकता है, बशर्ते सरकार से धन की कोई मांग न की जाए:

क. वर्तमान शैक्षणिक संरचना के इसके हिस्से के रूप में किसी में नया पाठ्यक्रम/कार्यक्रम/विभाग/स्कूल/केंद्र शुरू कर सकता है।

ख. अपने भौगोलिक क्षेत्राधिकार में घटक इकाइयां/ऑफ-कैंपस केंद्र खोल सकता है।

ग. राष्ट्रीय कौशल योग्यता संरचना के अनुरूप कौशल पाठ्यक्रम शुरू कर सकता है।

घ. शोध पार्क, इन्क्यूबेशन सेंटर, यूनिवर्सिटी- सोसायटी लिंकेज सेंटर खोल सकता है।

ङ. विश्व प्रसिद्ध रैंकिंग संरचना में से शीर्ष 500 में से किसी भी विदेशी संकाय की सेवा प्राप्त कर सकता है।

च. विदेशी छात्रों को योग्यता के आधार पर दाखिला देने के लिए स्वतंत्र होगा, जो उनके अनुमोदित देशज छात्रों की संख्या का अधिकतम 20 प्रतिशत होगा।

छ. प्रतिभाशाली संकाय को आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहन संरचना बना सकेगा।

ज. विदेशी शिक्षण संस्थानों के साथ अकादमिक सहयोग कर सकता है।

पाठ्यचर्या संसोधन

दिल्ली विश्वविद्यालय ने वर्ष 2018-19 में अपने सभी स्नातक-पूर्व और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को अद्यतन करने और आधुनिक बनाने की व्यापक प्रक्रिया की और अभिग्रहण परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना (एलओसीएफ) को शामिल किया और चयन-आधारित क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के अंतर्गत पाठ्यक्रमों में संशोधन किया। संशोधित पाठ्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2019-20 से प्रभावी हैं और विश्वविद्यालय के नियमित या दूरस्थ शिक्षा मोड में नामांकित छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। संशोधित स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रम मुक्त अधिगम विद्यालय (एसओएल) के छात्रों के साथ-साथ नॉन कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीवेब) की छात्राओं पर भी लागू होते हैं। इन पाठ्यक्रमों से नियमित और डिस्टेंस लर्निंग (एसओएल) मोड के साथ-साथ एन॰सी॰ डब्ल्यू॰ई॰बी॰ के अंतर्गत दाखिला लेने वाले लगभग सात लाख छात्रों को लाभ होने की आशा है। यह उल्लेखनीय है कि दूरस्थ शिक्षा मोड में संशोधित पाठ्यक्रम पारंपरिक मोड के बराबर हैं।

संशोधित पाठ्यक्रम अभिग्रहण परिणामों, ज्ञान परिणामों, कौशल परिणामों और व्यक्तित्व परिणामों के मामले में छात्रों के विभिन्न अभिग्रहण की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाता है। छात्रों की विभिन्न अभिग्रहण की आवश्यकताओं को शामिल करने वाले पाठ्यक्रम मान्यता प्रक्रियाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप और अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक मानकों को पूरा करते हैं।

पाठ्यक्रम विकास के विभिन्न स्तरों पर हितधारकों को शामिल करते हुए एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करके स्नातक-पूर्व और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में संशोधन किया गया है।

सीबीसीएस के अंतर्गत लगभग 2500 पाठ्यक्रमों को शामिल करते हुए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संशोधन समिति ने 67 स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में संशोधन और पुनर्गठन किया। प्रत्येक कार्यक्रम में तीन प्रकार के पाठ्यक्रम सूचीबद्ध किए गए थे: (i) मुख्य पाठ्यक्रम (ii) वैकल्पिक पाठ्यक्रम - विभाग के छात्रों के विषय विशिष्ट, और (iii) खुले वैकल्पिक पाठ्यक्रम - उसी या अन्य विभागों के छात्रों के लिए खुले हैं, जो विभाग द्वारा निर्धारित पूर्व अपेक्षित पात्रता पूरी करते हों। डिग्री के सफल समापन के लिए आवश्यक 80 से 100 क्रेडिट (मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के 8 क्रेडिट सहित) के बीच कुल क्रेडिट के साथ सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन और संशोधित किया गया। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संशोधन और पुनर्गठन का समन्वय करने वाली समिति ने एलओसीएफ अपेक्षाओं के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करने के उद्देश्य से सभी विभागों को एक प्रारूप दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किया गया एलओसीएफ आधारित स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रम संशोधन (यूजीसीआर) भारत में ऐसी पहलों में से एक था जिसमें अनुभवात्मक सीखने से संबंधित गतिविधियों के लिए समय/स्थान निर्धारित किया गया था । इस पूरी कार्य की चार महीने में आंतरिक स्वत: डिजाइन डैशबोर्ड के जरिए पिक्चर इन पिक्चर (पिनपी) मोड पर लगातार जाँची गई। एलओसीएफ के अंतर्गत 70 से अधिक स्नातक-पूर्व कार्यक्रमों के लगभग 3500 पाठ्यक्रमों को शामिल किया गया था। दो पूर्व कुलपतियों सहित प्रतिपुष्टि और सुझाव प्राप्त करने के लिए लगभग 1000 हितधारकों (अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय विशेषज्ञ, पूर्व छात्र, छात्र, उद्योग आदि) की सहायता ली गई। पाठ्यक्रम संशोधन के मुख्य आकर्षण में से एक था शिक्षाशास्त्र के मामले में पाठ्यक्रम के उद्देश्यों और साप्ताहिक शिक्षण-सीखने की प्रक्रियाओं की रूपरेखा। पाठ्यक्रम के उद्देश्यों का प्रतिनिधित्व नैतिकता, सामाजिक, सांस्कृतिक दृष्टिकोण, वैश्विक ज्ञान, चौथी

औद्योगिक क्रांति से संबंधित कौशल, पर्यावरण लचीलापन/स्थिरता और सार्वजनिक हित और सीएसआर से संबंधित अध्ययनों के संदर्भ में किया गया था ।

यह आशा की जाती है कि अभिग्रहण के परिणामों को विस्तारित करने वाले संशोधित स्नातक-पूर्व और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालयों में सीखने के परिणामों की तुलनीयता बनाने में सहायक होगें और छात्रों की गतिशीलता को सुगम बनाएंगे।

नए केंद्र/संस्थानों की स्थापना

विश्वविद्यालय दो नए केंद्रों की स्थापना की प्रक्रिया कर रहा है-नामत: दिव्यांग अध्ययन केंद्र और दिल्ली जननीति और अभिशासन स्कूल। दिव्यांग अध्ययन केंद्र, चालू होने के बाद प्रमाण पत्र, डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम और शोध कार्यक्रम प्रस्तावित करेगा। दिल्ली जननीति और अभिशासन स्कूल का दृष्टिकोण जननीति और अभिशासन के अभिग्रहण और शोध के लिए एक अंतःविषय मंच प्रदान करना है।

तीन नए केंद्रों/संस्थानों ने पहले ही काम करना शुरू कर दिया है:

- दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म
- दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स
- साइबर सुरक्षा और कानून संस्थान

परीक्षाएं

- विश्वविद्यालय ने 2018 में, आवेदकों की सुगम अभिगम्यता के लिए देश के अनेक शहरों में प्रवेश परीक्षाएं आयोजित कीं। कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली को स्नातकोत्तर, एमफिल और पीएचडी के सभी कार्यक्रमों में लागू किया गया था। वर्ष 2016 से शुरू हुए भारत-व्यापी प्रवेश-परीक्षा स्थलों के जारी समय में 18 शहरों में परीक्षा केंद्र है।
- वर्ष 2018 की बड़ी उपलब्धियों में से एक था विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों/विभागों में विशेष रूप से मुक्त अधिगम विद्यालय (एसओएल) में परीक्षाओं का आयोजन करना यह पहला अवसर था जब एसओएल की परीक्षाओं के आयोजन के लिए किसी सरकारी या निजी स्कूल को परीक्षा केंद्र के रूप में मान्य नहीं किया गया था। समय-तालिका विशेष रूप से डिजाइन की गई थी ताकि परीक्षा केंद्रों की संख्या 181 से 70 तक हो जाए और इसके परिणामस्वरूप किसी बाहरी पर्यवेक्षक की तैनाती नहीं हुई।
- ट्रांसक्रिप्ट, डुप्लीकेट डिग्री/अंक-तालिका, डिग्री/ अंक-तालिका का साथ्यांकन, डिग्री/ अंक-तालिका का सत्यापन, पुनर्मूल्यांकन/पुनर्जांच के लिए ऑनलाइन शुल्क संग्रह प्रणाली।
- परीक्षा विंग का समर्पित, व्यापक और उपयोगकर्ता अनुकूल ऑनलाइन पोर्टल जिसमें परीक्षा-समय सारणी, परिणाम, सूचनाएं, सेवाओं और प्रपत्रों की सुगम पहुंच है
- सैद्धांतिक परीक्षाओं, आंतरिक मूल्यांकन और प्रैक्टिकल प्रश्न-पत्रों के अंक प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल
- सभी स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रमों और अधिकांश स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए परिणाम प्रसंस्करण सॉफ्टवेयर के माध्यम से परिणामों की प्रसंस्करण
- डिग्री/विशेष प्रमाण पत्र के एडवांस डिग्री/डुप्लीकेट डिग्री/डिग्री/विशेष प्रमाणपत्र के साथ्यांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन

- ऑनलाइन परीक्षा प्रवेश-पत्र और ऑनलाइन प्रवेश टिकट
- वेब प्राप्त अंक-तालिका
- देश के 13 शहरों में तीन पारियों में नौ पेशेवर स्नातक-पूर्व कार्यक्रमों के लिए 2017 में पहली बार कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा का आयोजन
- दिल्ली सहित देश के 18 शहरों में सभी स्नातकोत्तर कार्यक्रमों, पेशेवर स्नातक-पूर्व कार्यक्रमों, एमफिल और पीएचडी कार्यक्रमों के लिए कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा का आयोजन।

दाखिला (एडमिशंस)

विश्वविद्यालय प्रवेश की निष्पक्षता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित कार्य किए गए है :

- विषय के आधार पर 2016 से स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर, एमफिल और पीएचडी आवेदकों के लिए छात्र हितैषी, गड़बड़ मुक्त, ऑनलाइन, निष्पक्ष और पारदर्शी केंद्रीकृत ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की दिशा में अपनाई और कार्यान्वित की गई। गो-ग्रीन, गो-डिजिटल और न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप "न्यूनतम अनिवार्य दस्तावेजों की प्रस्तुति की आवश्यकता और ऑनलाइन कोष या अनिवार्य फोरेंसिक जांच से सत्यापन के बाद इन्हें वापस करना।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से प्रवेश की प्रक्रिया और कार्यक्रम के बारे में केंद्रीकृत और विस्तृत जानकारी बुलेटिन उपलब्ध हैं।
- जिन कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षाएं अनिवार्य हैं, उनकी व्यापक अभिगम्यता के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में परीक्षाएं आयोजित की गई।
- दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया को (क) दिल्ली के विभिन्न महाविद्यालयों में संवाद का आयोजन करके, (ख) डिजिटल और प्रिंट मीडिया को रिपोर्ट करके (ग) प्रेस ब्रीफिंग/विज्ञप्ति के जरिए संवेदनशील बनाया गया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय केंद्रीकृत प्रवेश प्रबंधन प्रणाली ने निम्नलिखित कार्य सुकर किए :

  क. उनके स्कोर कार्ड के आधार पर महाविद्यालयों/विभागों में पात्रता की सुविधा के लिए पात्रता के जांच साधन

  ख. भुगतान करने के लिए आवेदक अनुकूल ई-वॉलेट

  ग. आवेदकों के लिए पाठ्यक्रम और श्रेणीवार रिक्त सीटों का प्रकटन

  घ. सीबीएसई के साथ अभ्यर्थियों के अंकों के ऑनलाइन सत्यापन के लिए सफल एकीकरण

  ङ. प्रवेश की प्रत्येक प्रक्रिया में आवेदकों को एसएमएस के माध्यम से अलर्ट/अपडेट
- केवल भारत के उन बोर्डों पर विचार करने के लिए एक नीति अपनाई गई, जो फर्जी बोर्डों से बचने के लिए स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त हैं।
- विशेष अभियान शुरू करके सभी आरक्षित और अल्पसंख्यक श्रेणियों के अंतर्गत 100% प्रवेश के उपाय किए गए।
- खेल, पाठ्येत्तर गतिविधियों, और संगीत में सभी निष्पादन आधारित प्रवेश की वीडियोग्राफी।
- खेल कोटे में प्रवेश एक केंद्रीकृत, कठोर और निष्पक्ष प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है ।

- खेल कोटा प्रवेश प्रक्रिया को एक खेल के लिए एक ही खेल परीक्षण में विभिन्न महाविद्यालयों में कई खेल परीक्षणों को बदलकर सरल और छात्र अनुकूल बनाया गया है।
- खेल कोटे में प्रवेश की भांति तरह, केंद्रीकृत ईसीए परीक्षण की व्यवस्था करके पाठ्येतर गतिविधियों (ईसीए) प्रवेश को सरल बनाया जाता है। अब, एक आवेदक को एक ईसीए के लिए कई परीक्षण लेने की आवश्यकता नहीं है; एक ट्रायल होगा।
- एमफिल/पीएचडी में प्रवेश के लिए, प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम का प्रचार करके एम.फिल/पीएच.डी प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है।
- त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए शिकायत समितियों का गठन किया।
- भुगतान संबंधी सभी शिकायतों नामित बैंक के सहयोग से विशेष सहायता हेल्प-डेस्क बनाकर, शून्य करना।
- एनसीडब्ल्यूईबी में प्रवेश के लिए सॉफ्टवेयर के जरिए दिल्ली की महिला आवेदकों के लिए स्वत: चयन सेलेक्शन किया गया।
- एक महाविद्यालय से दूसरे महाविद्यालय में छात्रों के स्थानांतरण पर प्रवेश-शुल्क के स्वत: समायोजन की सुविधा दी गई।

प्रशासनिक एंव वित्तीय प्रक्रिया

सभी प्रक्रियाओं में "भ्रष्टाचार के खिलाफ शून्य सहिष्णुता" की नीति को लागू करने के लिए पारदर्शिता और प्रतिबद्धता सुनिश्चित हेतु निम्नलिखित ऑनलाइन प्रणाली लागू हैं:

- छात्र शिकायत निवारण प्रणाली
- छात्रावास आवास
- छात्रों और कंपनियों के लिए केंद्रीय नियोजन प्रकोष्ठ
- छात्रवृत्ति वितरण
- उपस्थिति प्रबंधन प्रणाली
- समय-सारणी प्रबंधन प्रणाली
- संकाय सदस्यों और गैर शिक्षण स्टाफ का प्रोफाइल प्रबंधन
- आवास आबंटन
- चिकित्सा बिल प्रतिपूर्ति
- संकाय की सेवाओं की पुष्टि
- महाविद्यालय आम सभा में शिक्षकों के प्रतिनिधित्व के लिए प्रपत्र
- शोध परियोजना प्रबंधन
- बिल प्रसंस्करण और ट्रैकिंग
- ई-प्रापण और जीईएम
- विश्वविद्यालय सूचना प्रबंधन प्रणाली
- आईक्यूएसी प्रपत्र
- माल-सूची प्रबंधन

पुस्तकालय प्रणाली

ई- ShodhSindhu, जे-Gate@e- ShodhSindhu, इंटरनेट एक्सेस सुविधा और इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस में सुधार के अलावा, डीयू पुस्तकालय प्रणाली में निम्नलिखित डिजिटल पहल शुरू की गई हैं:

- नेत्रहीनों के लिए सुलभ संसाधन
- पीएचडी की शोध का डिजिटल संग्रह
- साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर (पीडीएस) - टर्निटिन; इनफिब्लनेट के माध्यम से उर्कुंड

परिसर से जुडी परियोजनाएं तथा वैल्यू-एडेड सेवाएं

विश्वविद्यालय ने पूरे कैंपस-में वाई-फाई नेटवर्क लगाने के लिए एमएचआरडी, यूजीसी और एनआईसीआई के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है। इस परियोजना से 150 से अधिक विभागों/अकादमिक इकाइयों/केंद्रों और प्रशासनिक इकाइयों और लगभग 30,000 उपयोगकर्ताओं के समवर्ती उपयोगकर्ता आधार वाले लगभग 20 छात्रावासों में मौजूदा वाई-फाई संयोजकता में वृद्धि होगी। निम्नलिखित पहलें लागू हैं:

- केम्पसों में वाई-फाई संरचना का विस्तार
- 40 गिबैकप्लेन के साथ एन +1 रिडनडेंसी सहित फ्यूचिरस्टिक नेटवर्क का नियोजन
- रिंग आर्किटेक्चर में पुन: डिजाईन की गई परिसर टोपोलॉजी
- मजबूत आइडेंटिटि प्रबंधन
- वाई-फाई रोमिंग सुविधा
- संकाय सदस्यों और शोधार्थियों के लिए एजूरोम के माध्यम से वैश्विक वाई-फाई रोमिंग सुविधा
- 10 जी के साथ एनकेएन कनेक्टिविटी
- सभी महाविद्यालयों को एमपीएलएस वीपीएन कनेक्टिविटी
- परिसर और महाविद्यालयों में फैले मजबूत आईसीटी नेटवर्क
- संकाय सदस्यों और शोध विद्वानों की सुविधा के लिए एजूरोम का एकीकरण
- इन-आंतरिक पहचान प्रबंधन सेवाएं
- मुक्त स्त्रोत प्रौद्योगिकी हिमाकत और एकीकरण
- इंफ्लिबनेट संसाधनों के साथ एकीकरण

व्याख्यान श्रृंखलाएँ

चेतना- डीयू प्रख्यात पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला

चेतना व्याख्यान श्रृंखला का उद्देश्य विश्वविद्यालय और उसके बहुसंख्यक विश्वविद्यालय प्रवासी पूर्व-छात्रों के बीच सतत संबंध को मजबूत सुदृढ़ है।

चेतना - डॉ. बिबेक देबरॉय, 8 फरवरी, 2019

दिल्ली विश्वविद्यालय ने विशिष्ट पूर्व-छात्र डॉ. बिबेक देबरॉय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष और नीति आयोग के सदस्य द्वारा महाभारत, रामायण और पुराणों में शासन की धारणा पर बोध का तीसरा व्याख्यान 8 फरवरी, 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय के वायरीगल लॉज के कन्वेंशन हॉल में दोपहर 2:30 बजे आयोजित किया। व्याख्यान की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर योगेश त्यागी ने की।

डॉ. बिबेक देबरॉय दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के पूर्व छात्र हैं। उन्हें अर्थशास्त्र और संस्कृत के असंबंधित क्षेत्रों में दो मानद डॉक्टरेट की उपाधि धारण करने का गौरव प्राप्त है। डॉ. देबरॉय ने प्राचीन काल से लेकर आज तक शासन को देखने की भारतीय विचारधाराओं पर चर्चा की। अर्थशास्त्र, इंडोलॉजी और संस्कृत में उनका गहन ज्ञान उनकी चर्चा में स्पष्ट रूप से स्पष्ट था जो इन क्षेत्रों का रचनात्मक मिश्रण परिलक्षित होता है।

चेतना - श्री शक्ति सिन्हा, 23 फरवरी, 2019

दिल्ली विश्वविद्यालय ने प्रतिष्ठित पूर्व-छात्र द्वारा और नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय के निदेशक श्री शक्ति सिन्हा द्वारा 23 फरवरी, 2019 को दोपहर 2:30 बजे दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केंद्र में "प्रधानमंत्री: दशकों से अधिक" पर चौथे व्याख्यान का आयोजन किया, दिल्ली विश्वविद्यालय। व्याख्यान की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर योगेश त्यागी ने की।

श्री शक्ति सिन्हा दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हैं और उन्होंने हिंदू महाविद्यालय के इतिहास विभाग में अध्ययन किया है। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी थे और दिवंगत प्रधानमंत्री श्री ए.बी. वाजपेयी के निजी सचिव के रूप में कार्य करते थे। श्री सिन्हा ने भारत के सभी प्रधानमंत्रियों के बारे में विस्तार से चर्चा की और उनके शासन में संसदीय कार्यप्रणाली के बारे में विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों ने उत्साह से भाग लिया और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

राजदूत व्याख्यान श्रृंखला

राजदूत श्रृंखला का आयोजन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सहयोग से दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स (डीएसएसए) के तत्वावधान में विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला के हिस्से के रूप में किया जाता है।

राजदूत व्याख्यान श्रृंखला राजदूत आसोक मुखर्जी, 29 मार्च, 2019

दिल्ली विश्वविद्यालय ने शुक्रवार, 29 मार्च, 2019 को कन्वेंशन हॉल के वाइसरीगल लॉज में में दोपहर 2:30 बजे संयुक्त राष्ट्र में भारत के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि राजदूत अशोक मुखर्जी द्वारा 'भारत पर बहुपक्षीयता का प्रभाव' नामक एक प्रतिष्ठित व्याख्यान का आयोजन किया, व्याख्यान की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर योगेश त्यागी ने की।

अपने व्याख्यान के दौरान राजदूत मुखर्जी ने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राष्ट्र के अपने 17 सतत विकासात्मक लक्ष्यों (एसडीजी) के साथ एजेंडा 2030 में निहित बहुपक्षीय सतत विकास उद्देश्य को लागू करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग महत्वपूर्ण है । उनके व्याख्यान के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों, शोध विद्वानों और संकाय सदस्यों के साथ एक सक्रिय प्रश्नोत्तर सत्र हुआ।

शोध संबंधी मुख्य विशेषताएं

दिल्ली विश्वविद्यालय शोध और नवाचार में उत्कृष्टता के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित है। विश्वविद्यालय शोध-प्रधान है और अपने प्रख्यात संकाय द्वारा संचालित गुणवत्ता शोध के माध्यम से ज्ञान के साथ-साथ तकनीकी जानकारी अर्जित करना और साझा करना चाहता है। शोध में उत्कृष्टता के प्रति इसकी सशक्त प्रतिबद्धता इस तथ्य से स्पष्ट है कि विश्वविद्यालय का एच-इंडेक्स 191 (स्कोपस डेटाबेस के अनुसार) पर कायम है, जो भारतीय विश्वविद्यालयों में सबसे अधिक है।

बाह्य (एक्सट्राम्युरल) शोध अनुदान

विश्वविद्यालय ने लगभग हर राष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसी अनेक अंतर्राष्ट्रीय वित्त-पोषण एजेंसियों यथा डीबीटी, डीएसटी, आईएफआईसीएआर, यूजीसी, एमओईएफ, आईएईए, आईसीएआर, डीआरडीओ, सीएसआईआर, एमओईएस, आईसीएमआर, एमएनआरई, विश्व बैंक, टेरी, इंडो-यूएसएसटीएफ, गेल, आईयूएसी, आईसीएसएसआर, एमसीआईटी, एनयूएसटी, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्वे, यूनिवर्सिटी ऑफ टर्की, इसरो, एसडीटीटी, विज्ञान प्रसार, सर्ब-डीएसटी, जापान फाउंडेशन, सेवा-टीएचडीसी, मोसजेएंडई, डीएई, एमडब्ल्यूसीडी, इनसा, टीआईएसएस-डीयू, लेवरहुमे ट्रस्ट यूके, आईसीएचआर आदि से बाह्य शोध परियोजनाओं को आकर्षित किया है। वर्ष 2018-19 में, विश्वविद्यालय में एक करोड़ रूपए से अधिक की 34 शोध परियोजनाएं चल रही हैं और 10 लाख रुपये से अधिक अनुदान की 222 शोध परियोजनाएं चल रही है।

इस अवधि के दौरान 361 परियोजनाएं चल रही थीं जिनकी राशि लगभग 272 करोड़ रुपये थी। दिल्ली विश्वविद्यालय चरण-2 (2014-2019) के लिए सर्वाधिक डीएसटी-पीयूआरएसई अनुदान 40.80 करोड़ रुपये का प्राप्तकर्ता भी है।

डी.एस.टी-एफ.आई.एस.टी विभाग

नृविज्ञान; वनस्पति विज्ञान; रसायन विज्ञान; आनुवांशिकी; गणित; भौतिकी और खगोल भौतिकी; पादप आणविक जीव विज्ञान; प्राणीशास्त्र

यू.जी.सी. एस.ए.पी. (डी.आर.एस, डी.एस.ए, सी.ए.एस, ए.एस.पी) के अंतर्गत विभाग

विभागीय शोध सहायता (डीआरएस)

जैव-रसायन; वनस्पति विज्ञान; डॉ. बी. आर. अंबेडकर जैव-चिकित्सा अनुसंधान संस्थान; हिंदी; आधुनिक भारतीय भाषाएं और साहित्यिक अध्ययन; फारसी; मनोविज्ञान

विशेष सहायता विभाग (डीएसए)

अंग्रेज़ी

उन्नत अध्ययन केंद्र (सीएएस)

बौद्ध अध्ययन; रसायन-विज्ञान; अर्थशास्त्र; भूविज्ञान; इतिहास; भाषाविज्ञान; भौतिकी और खगोल भौतिकी; राजनीतिक विज्ञान; प्राणी विज्ञान

क्षेत्र अध्ययन कार्यक्रम (एएसपी)

अफ्रीकी अध्ययन; पूर्व एशियाई अध्ययन

विश्वविद्यालय के शोध जर्नल

ऐसे अनेक शोध जर्नल हैं जिनका प्रकाशन विभागों और महाविद्यालयों द्वारा किया जाता जिसमें हैं; *भारतीय आर्थिक समीक्षा; जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज; इंडियन लॉ जर्नल; इंडियन जर्नल ऑफ अफ्रीकन स्टडीज; जर्नल ऑफ लॉ टीचर्स ऑफ इंडिया; इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एंड एलाइड साइंसेज; पुस्तकालय और सूचना विज्ञान जर्नल; फारसी अनुसंधान जर्नल; रामानुजन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड रिसर्च; समकालीन विधि दिल्ली जर्नल; फाइटोमॉर्फोलॉजी; वागेश्वरी आदि* शामिल है।

विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क और ऊष्मायन (इनक्यूबेशन) केंद्र

इलेक्ट्रोप्रेनिर पार्क

इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन में स्टार्ट-अप्स को समर्थन करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एसटीपीआई) और भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के तत्वावधान में इलेक्ट्रोप्रेनिर पार्क की स्थापना की गई है। भारत में ईएसडीएम क्षेत्र में अनुसंधान और विकास, नवाचार, उद्यमिता को बढ़ावा देने, बौद्धिक संपदा के सृजन को सक्षम बनाने, उत्पादों के लिए प्रोटोटाइप, विकास और व्यावसायीकरण के दौरान सहायता प्रदान करने के लिए एक समग्र पारिस्थितिकी प्रणाली की स्थापना की गई है। भारत और अन्य विकास बाजारों के लिए योजना के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर रोजगार पैदा करते हैं, और सामरिक क्षेत्रों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी पैदा करते हैं। यह पार्क नवाचारों को उनकी आवश्यकताओं जैसे स्ट्रैटेजिक, निवेश, विधिक, प्रबंधन आदि में सलाह प्रदान करता है।

इलेक्ट्रोप्रेनर पार्क की उपलब्धियां (अप्रैल 2016 से)

- **20 स्टार्ट-अप** इनक्यूबेटेड, 5 प्री-इनक्यूबेटेड
- **10 स्टार्ट-अप** पूर्ण
- **19 आईपी** पेटेंट दायर
- **20** उत्पाद लॉन्च
- विकासाधीन **20** उत्पाद
- स्टार्ट-अप्स द्वारा 25 **करोड़** रुपये का राजस्व अर्जन
- स्टार्ट-अप्स को **11.42 करोड़** रुपये बाह्य वित्त-पोषण का

वर्ष 2018-19 में इलेक्ट्रोप्रेनर पार्क में ऊष्मायन के अंतर्गत निवर्तमान स्टार्ट-अप ∗:

प्रारंभ	उत्पाद
ईवीआई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	स्वदेशी विकसित डीसी आधारित फास्ट चार्जिंग समाधान और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन
क्विकप्रोटो	गैस और बिजली उपयोगिता कंपनियों के लिए निगरानी और नियंत्रण प्रणाली की एक श्रृंखला विकसित करना
लीप एयरोनॉटिक्स	शहरी परिवहन के लिए पूरी तरह से इलेक्ट्रिक "वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग" वाहन विकसित करना
ड्वेपी इनोवेशन	चूक का पता लगाने और कारीगर की सुरक्षा के लिए कंपन आधारित ट्रेन डिटेक्शन सिस्टम विकसित करना

∗ दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा स्टार्ट-अप

प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर

सूक्ष्म, लघु मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमओएमएसएमई) ने इनक्यूबेटर के माध्यम से एसएमई के उद्यमशीलता और प्रबंधकीय विकास के लिए सहायता योजना के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयूसीआईसी, टीबीआई) के क्लस्टर इनोवेशन सेंटर में प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर (टीबीआई) का समर्थन किया है। टीबीआई की स्थापना उदीयमान तकनीकी और ज्ञान आधारित अभिनव उद्यमों को बढ़ावा देकर विचारों के पोषण को सुगम बनाने के उद्देश्य से की गई है। डीयूसीआईसी-टीबीआई (एमएसएमई), के एमएसएमई मंत्रालय माध्यम से), सलाह और सह काम करने की जगह छात्रों को स्टार्ट अप की सुविधा के लिए वित्त-पोषण प्रदान करता है। अब तक, आठ परियोजनाओं को इनक्यूबेटे किया गया है और तीन लाभदायक कंपनियों शुरू की गई है।

एमएचआरडी मंत्रालय से वित्त-पोषण से दिल्ली विश्वविद्यालय में डिजाइन इनोवेशन केंद्र

डिजाइन केंद्रित नवाचार एक बल गुणक है जो देश को मूल्य श्रृंखला को अग्रसर करने में मदद कर सकता है, जिससे भारतीय उद्योग विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना सकता है। इस संदर्भ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने बारहवीं योजना में डिजाइन इनोवेशन के लिए एक राष्ट्रीय पहल शुरू करने का प्रस्ताव रखा । इस पहल के तहत इन सभी स्कूलों को एक साथ जोड़ने वाले 20 नए डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी), वन ओपन डिजाइन स्कूल (ओडीएस) और एक नेशनल डिजाइन इनोवेशन नेटवर्क (एनडीआईएन) की स्थापना की गई। दिल्ली विश्वविद्यालय उन 5 संस्थानों में से एक था जिन्हें एक हब और स्पोक मॉडल पर पहले दौर पर निम्नलिखित साझेदारियों के साथ डीआईसी परियोजना प्रदान की गई थी: दिल्ली विश्वविद्यालय (हब); जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली (स्पोक 1); इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, जेएंडके (स्पोक 2); निफ्ट, नई दिल्ली (3 स्पोक 3)।

एमएचआरडी द्वारा प्रदान किया गया वित्त-पोषण **10 करोड़ रुपये है (हब: 7 करोड़, स्पोक: 1 करोड़ प्रत्येक)**

डीआईसी, डीयू ने जुलाई 2015 से, कई डिजाइन नवाचार परियोजनाएं की हैं और डिजाइन थिंकिंग और उद्यमिता पर पाठ्यक्रमों की पेशकश की है। यह अत्याधुनिक डिजाइन और उत्पाद विकास सुविधाओं की स्थापना की प्रक्रिया में है। यह अभिनव विचारों के साथ छात्रों को फैलोशिप, इंटर्नशिप और उद्योग लिंकेज कार्यक्रम प्रदान करता है।

आई.पी.आर. प्रकोष्ठ और पेटेंट निधियां

विश्वविद्यालय में पेटेंट फाइलिंग और सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए दिशा निर्देश है । विश्वविद्यालय संकाय के लिए एक पेटेंट निधि की स्थापना की गई थी। वर्ष 2018-19 के दौरान तीन पेटेंट (2 भारतीय और 1 विदेशी) प्रदान किए गए, आठ पेटेंट आवेदन (6 भारतीय और 2 विदेशी) प्रकाशित किए गए और 3 नए भारतीय पेटेंट आवेदन दायर किए गए।

एक करोड़ रुपये से अधिक के अनुदान वाले संकाय सदस्य:

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय के कुछ संकाय सदस्यों को परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं और एक करोड़ रुपये से अधिक के मूल्य की चल रही शोध परियोजनाएं निम्नानुसार है :

1. प्रोफेसर दमन सलूजा, **एसीबीआर**, डीबीटी से 1.28 करोड़ रुपये
2. डॉ. विपिन गुप्ता, **नृविज्ञान** डीबीटी से 3.81 करोड़ रुपये
3. प्रोफेसर मनु अग्रवाल, **वनस्पति विज्ञान**, आईसीएआर से 1.12 करोड़ रुपये
4. प्रोफेसर अरुण जगन्नाथ, **वनस्पति विज्ञान,** डीबीटी से 1.08 करोड़ रुपये
5. डॉ. रेणु देसवाल, **वनस्पति विज्ञान,** आईबीएसडी से 1.23 करोड़ रुपये
6. डॉ. गरिमा खरे, **जैव-रसायन,** डीबीटी से 1.18 करोड़ रुपये और 1.03 करोड़ रुपये
7. प्रोफेसर वी. के. चौधरी, **जैव-रसायन,** डीबीटी से 3.55 करोड़ रुपये, 2.09 करोड़ रुपये और 2.47 करोड़ रुपये
8. डॉ. सतीश के. अवस्थी, **रसायन-विज्ञान**, डीएसटी से 4.28 करोड़ रुपये
9. प्रोफेसर सी. आर. बाबू, **सीईएमडीई,** डीडीए से 2.15 करोड़ रुपये, 2 करोड़ रुपये और डीडीए से 1.16 करोड़ रुपये
10. प्रोफेसर क्रिस्टेल देवडासन, **अंग्रेज़ी,** यूजीसी से 1.07 करोड़ रुपये
11. प्रोफेसर राधे श्याम शर्मा, **पर्यावरण अध्ययन,** एमओईएफ से 1.29 करोड़ रुपये
12. प्रोफेसर बी. के. थेल्मा, **आनुवंशिकी**, डीबीटी से 5.71 करोड़ रुपये और 1.06 करोड़ रुपये
13. प्रोफेसर ए. के. प्रधान, **आनुवंशिकी,** डीबीटी बीबीएसआरसी और डीबीटी से 1.08 करोड़ रुपये, 4.86 करोड़ रुपये और 11.87 करोड़ रुपये
14. डॉ. महोम्मद नईमुद्दीन, **भौतिकी और खगोल भौतिकी,** डीएसटी से 1.78 करोड़ रुपये
15. डॉ. विनय गुप्ता, **भौतिकी और खगोल भौतिकी,** डीएसटी से 4.44 करोड़ रुपये
16. प्रोफेसर बी. सी. चौधरी, **भौतिकी और खगोल भौतिकी,** डीएसटी से 1.78 करोड़ रुपये
17. प्रोफेसर कीर्ति रंजन, **भौतिकी और खगोल भौतिकी**, डीएसटी से 11.73 करोड़ रुपये
18. प्रोफेसर जे. पी. खुराना, **पादप आणविक जीवविज्ञान**, डीबीटी से 1.38 करोड़ रुपये
19. प्रोफेसर संजय कपूर, **पादप आणविक जीवविज्ञान,** डीबीटी से 1.31 करोड़ रुपये और 1.67 करोड़ रुपये
20. प्रोफेसर अरुण के. शर्मा, **पादप आणविक जीवविज्ञान,** डीबीटी से 1.30 करोड़ रुपये
21. प्रोफेसर अखिलेश के. त्यागी, **पादप आणविक जीवविज्ञान**, डीबीटी एनआईपीजीआर और डीबीटी से 1.96 करोड़ रुपये और 9.17 करोड़ रुपये
22. प्रोफेसर अनिल ग्रोवर, **पादप आणविक जीवविज्ञान,** एनएएसएफ से 1.12 करोड़ रुपये
23. डॉ. आर. के. नेगी, **प्राणी विज्ञान**, डीबीटी से 1.11 करोड़ रुपये
24. प्रोफेसर विनोद कुमार, **प्राणी विज्ञान**, डीबीटी से 1.59 करोड़ रुपये

दस लाख रुपये से अधिक अनुदान वाले संकाय सदस्य:

1. डॉ. अजय के. यादव	एसीबीआर
2. डॉ. अपर्णा दीक्षित	एसीबीआर
3. प्रोफेसर दमन सलूजा	एसीबीआर
4. प्रोफेसर वानी ब्रह्मचारी	एसीबीआर
5. डॉ. मधु चोपड़ा	एसीबीआर
6. डॉ. एल. आर. सिंह	एसीबीआर
7. डॉ. ऋचा आर्य	एसीबीआर
8. डॉ. इतेन्द्र सिंह	एसीबीआर
9. डॉ. राखी श्रीवास्तव	एसीबीआर
10. डॉ. चन्दर भूषण मिश्रा	एसीबीआर
11. प्रोफेसर जे. पी. दुबे	प्रौढ़ सतत शिक्षा और विस्तार
12. प्रोफेसर ए. के. कपूर	नृविज्ञान
13. डॉ. विपिन गुप्ता	नृविज्ञान
14. डॉ. मीनल ढ़ल	नृविज्ञान
15. प्रोफेसर अनूप के. कपूर	नृविज्ञान
16. डॉ. मैरी ग्रेस डी तुन्गिदम	नृविज्ञान
17. प्रोफेसर एस. एम. पटनायक	नृविज्ञान
18. प्रोफेसर वी. आर. राव	नृविज्ञान
19. प्रोफेसर शैलेन्द्र गोयल (3)	वनस्पति विज्ञान
20. डॉ. जसमीत कौर अबत	वनस्पति विज्ञान
21. डॉ. गिरीश मिश्रा	वनस्पति विज्ञान
22. प्रोफेसर मनु अग्रवाल (3)	वनस्पति विज्ञान
23. डॉ. यशवंती मुद्गिल (2)	वनस्पति विज्ञान
24. डॉ. स्मिता त्रिपाठी	वनस्पति विज्ञान
25. डॉ. कुलदीप शर्मा	वनस्पति विज्ञान
26. डॉ. प्रिया पंजाबी मसदं	वनस्पति विज्ञान
27. प्रोफेसर आर. गीता	वनस्पति विज्ञान
28. डॉ. रतुल बैश्य (2)	वनस्पति विज्ञान
29. प्रोफेसर एस. सी. भाटला (2)	वनस्पति विज्ञान
30. प्रोफेसर वीना अग्रवाल	वनस्पति विज्ञान
31. डॉ. संदीप दास	वनस्पति विज्ञान
32. प्रोफेसर पी. एल. उनियाल	वनस्पति विज्ञान
33. प्रोफेसर के. एस. राव	वनस्पति विज्ञान
34. प्रोफेसर विष्णु भट	वनस्पति विज्ञान
35. प्रोफेसर सुमन लखनपॉल	वनस्पति विज्ञान
36. प्रोफेसर सुमुन कुंडु (2)	जैव-रसायन
37. डॉ. अमिता गुप्ता (2)	जैव-रसायन
38. प्रोफेसर डी. पी. सरकार	जैव-रसायन
39. प्रोफेसर अलो नाग (2)	जैव-रसायन
40. डॉ. मनीषा गोयल (2)	जैवभौतिकी

41. प्रोफेसर हीरा पॉल गैंगनेगी	बौद्ध अध्ययन
42. प्रोफेसर सी. आर. बाबू (5)	सीईएमडीई
43. प्रोफेसर इंद्रजीत सिंह	सीईएमडीई
44. प्रोफेसर एस. डी. बीजू	सीईएमडीई
45. डॉ. चीराश्री घोष (2)	सीईएमडीई
46. डॉ. सुनीता नेगी	सीआईसी
47. डॉ. सोनम सिंह	सीआईसी
48. डॉ. सत्चिदानन्दा पुरोहित	सीआईसी
49. प्रोफेसर राज किशोर शर्मा (2)	रसायन-विज्ञान
50. डॉ. फिरासत हुसैन	रसायन-विज्ञान
51. प्रोफेसर सुभो मोजुमदार	रसायन-विज्ञान
52. प्रोफेसर अखिलेश के. वर्मा (4)	रसायन-विज्ञान
53. प्रोफेसर अशोक के. प्रसाद	रसायन-विज्ञान
54. प्रोफेसर रमा कान्त (2)	रसायन-विज्ञान
55. प्रोफेसर रमेश चन्द्र (3)	रसायन-विज्ञान
56. डॉ. बी. के. सिंह (4)	रसायन-विज्ञान
57. डॉ. पूजा यादव	रसायन-विज्ञान
58. डॉ. अर्चना गुप्ता	रसायन-विज्ञान
59. डॉ. तरुणा सिंह	रसायन-विज्ञान
60. डॉ. एस. के. अवस्थी	रसायन-विज्ञान
61. डॉ. सन्दीप कौर	रसायन-विज्ञान
62. डॉ. सरोज यादव	रसायन-विज्ञान
63. डॉ. के. गोपलिया	रसायन-विज्ञान
64. प्रोफेसर दीवान एस. रावत (2)	रसायन-विज्ञान
65. प्रोफेसर सुनील कुमार शर्मा (2)	रसायन-विज्ञान
66. प्रोफेसर राजीव गुप्ता (2)	रसायन-विज्ञान
67. डॉ. एन. तिरुपति	रसायन-विज्ञान
68. डॉ. ए. सक्थिवेल	रसायन-विज्ञान
69. डॉ. अमरजीत कौर	रसायन-विज्ञान
70. डॉ. ससंका डेका (2)	रसायन-विज्ञान
71. डॉ. सुरेन्द्र सिंह (2)	रसायन-विज्ञान
72. डॉ. आर. नागराजन	रसायन-विज्ञान
73. डॉ. पी. वेंकटेसू (2)	रसायन-विज्ञान
74. डॉ. इन्द्रजीत रॉय (2)	रसायन-विज्ञान
75. प्रोफेसर पार्बती बिस्वास (2)	रसायन-विज्ञान
76. प्रोफेसर सीतारमण उमा	रसायन-विज्ञान
77. प्रोफेसर गुरमीत सिंह	रसायन-विज्ञान
78. डॉ. रमेन्द्र प्रताप	रसायन-विज्ञान
79. प्रोफेसर मृदुला गुप्ता (2)	इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान
80. डॉ. प्रीति सिंह	इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान
81. डॉ. नमिता सोनी	पर्यावरण अध्ययन
82. डॉ. स्वाति दिवाकर	पर्यावरण अध्ययन

83. सुश्री वंदना मिश्रा	पर्यावरण अध्ययन
84. प्रोफेसर सुनीता सिंह सेनगुप्ता	एफएमएस
85. डॉ. मोनिका सिंघानिया	एफएमएस
86. प्रोफेसर एस. सी. राय	भूगोल
87. डॉ. पी. के. पाठक	भूगोल
88. डॉ. मनिका गुप्ता	भूविज्ञान
89. डॉ. लोंग्जम कबिता चानू	भूविज्ञान
90. प्रोफेसर पंकज श्रीवास्तव (2)	भूविज्ञान
91. डॉ. शशक शेखर	भूविज्ञान
92. डॉ. शिन्जना सेन (2)	भूविज्ञान
93. डॉ. प्रमोद कुमार	भूविज्ञान
94. श्री नीलांजन घोष	भूविज्ञान
95. प्रोफेसर जे. पी. श्रीवास्तव	भूविज्ञान
96. प्रोफेसर एन. सी. पन्त	भूविज्ञान
97. प्रोफेसर सुरजीत सरकार (3)	आनुवंशिकी
98. प्रोफेसर बी. के. थेल्मा	आनुवंशिकी
99. डॉ. वर्तिका सिन्हा	आनुवंशिकी
100. डॉ. नोरेम अरुणा देवी	आनुवंशिकी
101. डॉ. तपस्या श्रीवास्तव	आनुवंशिकी
102. प्रोफेसर ए. के. प्रधान	आनुवंशिकी
103. प्रोफेसर एम. वी. राजम (2)	आनुवंशिकी
104. प्रोफेसर पी. के. बर्मा	आनुवंशिकी
105. डॉ. कौस्तव दत्ता (3)	आनुवंशिकी
106. डॉ. मंजू मुकुल काम्बले	हिंदी
107. डॉ. तन्मोय भट्टाचार्य	भाषा विज्ञान
108. डॉ. हेमंत कुमार सिंह	गणित
109. प्रोफेसर पी. सी. पटनायक	आधुनिक भारतीय भाषाएँ और साहित्यिक अध्ययन
110. प्रोफेसर रानी गुप्ता (2)	सूक्ष्म जीवविज्ञान
111. डॉ. स्वाति साह (2)	सूक्ष्म जीवविज्ञान
112. डॉ. राजीव कॉल	सूक्ष्म जीवविज्ञान
113. डॉ. नेहा पांडेय	सूक्ष्म जीवविज्ञान
114. डॉ. बलागंपथी	दर्शन शास्त्र
115. डॉ. समित कुमार मंडल	भौतिकी और खगोल भौतिकी
116. डॉ. संजय कुमार चमोली (2)	भौतिकी और खगोल भौतिकी
117. प्रोफेसर विनय गुप्ता (3)	भौतिकी और खगोल भौतिकी
118. प्रोफेसर संजय जैन (2)	भौतिकी और खगोल भौतिकी
119. डॉ. संजीव कुमार वर्मा	भौतिकी और खगोल भौतिकी
120. डॉ. अशोक कुमार	भौतिकी और खगोल भौतिकी
121. प्रोफेसर पी. डी. सहारे (2)	भौतिकी और खगोल भौतिकी
122. डॉ. संगीता नेगी	भौतिकी और खगोल भौतिकी
123. डॉ. बिनय कुमार (2)	भौतिकी और खगोल भौतिकी
124. प्रोफेसर टी. आर. सेशाद्री	भौतिकी और खगोल भौतिकी

125. डॉ. एस. मुरुगवेल	भौतिकी और खगोल भौतिकी
126. डॉ. उन्नति	भौतिकी और खगोल भौतिकी
127. डॉ. एस. ए. हाश्मी	भौतिकी और खगोल भौतिकी
128. डॉ. एस. ए. अन्नापूर्नी	भौतिकी और खगोल भौतिकी
129. डॉ. अवधेश प्रसाद	भौतिकी और खगोल भौतिकी
130. डॉ. निवेदिता देव	भौतिकी और खगोल भौतिकी
131. प्रोफेसर एच. पी. सिंह	भौतिकी और खगोल भौतिकी
132. डॉ. देवकी नंदन गुप्ता	भौतिकी और खगोल भौतिकी
133. डॉ. अमिता चन्द्र	भौतिकी और खगोल भौतिकी
134. प्रोफेसर परमजीत खुराना (2)	पादप आणविक जीवविज्ञान
135. प्रोफेसर जी. के. पांडेय (2)	पादप आणविक जीवविज्ञान
136. प्रोफेसर सौरभ रघुवंशी (2)	पादप आणविक जीवविज्ञान
137. डॉ. प्रज्ञा हेजिब	पादप आणविक जीवविज्ञान
138. डॉ. सुरेखा के. अग्रवाल (2)	पादप आणविक जीवविज्ञान
139. डॉ. रेखा सक्सेना (2)	राजनीतिक विज्ञान
140. प्रोफेसर संजीव कुमार एच एम	राजनीतिक विज्ञान
141. प्रोफेसर नीरा अग्निमित्रा	सामाजिक कार्य
142. डॉ. राधिका चोपड़ा	समाजशास्त्र
143. डॉ. बलराम शुक्ला	संस्कृत
144. प्रोफेसर रीना चक्रबर्ती (3)	प्राणी विज्ञान
145. प्रोफेसर शिबनाथ मज़ूमदर	प्राणी विज्ञान
146. डॉ. नीरजा अग्रवाल	प्राणी विज्ञान
147. प्रोफेसर नीता सहगल	प्राणी विज्ञान
148. सुश्री शमा सिंह	प्राणी विज्ञान
149. डॉ. सोनम पोपली	प्राणी विज्ञान
150. डॉ. निधि श्रीवास्तव	प्राणी विज्ञान
151. डॉ. रीता सिंह	प्राणी विज्ञान
152. प्रोफेसर योगेन्द्र सिंह (2)	प्राणी विज्ञान
153. प्रोफेसर विनोद कुमार	प्राणी विज्ञान
154. प्रोफेसर रूप लाल (2)	प्राणी विज्ञान
155. प्रोफेसर राजगोपाल रमन (2)	प्राणी विज्ञान
156. प्रोफेसर आलोक चन्द्र भारती (3)	प्राणी विज्ञान
157. प्रोफेसर आर.के. सेठ	प्राणी विज्ञान
158. प्रोफेसर डी. के. सिंह(2)	प्राणी विज्ञान
159. डॉ. राम कृष्ण नेगी	प्राणी विज्ञान

विदेशी अनुदान

	नाम	विभाग	राशि (रुपए)
1.	डॉ. बी. डब्ल्यू. पांडेय	भूगोल	785880

संकाय को पुरस्कार/सम्मान

डॉ. के. एन. सरस्वती, **नृविज्ञान विभाग**, आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, मार्च, 2019.

प्रोफेसर पी. सी. जोशी, **नृविज्ञान विभाग,** पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के मानव विज्ञान विभाग से आजीवन उपलब्धि पुरस्कार, फरवरी, 2019.

प्रोफेसर वीना अग्रवाल, **वनस्पति विज्ञान विभाग**, 2018 में समरकंद राज्य विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान द्वारा "मानद प्रोफेसर".

प्रोफेसर पी. एल. उन्नियाल, **वनस्पति विज्ञान विभाग,** 2019 में इंडियन फर्न सोसायटी, भारत के फेलो.

प्रोफेसर रेणु देसवाल, **वनस्पति विज्ञान विभाग**, कार्यकारी समिति सदस्य, सीबकथॉर्न एसोसिएशन ऑफ इंडिया, 2017 से.

प्रोफेसर के. टी. एस. सराओ, **बौद्ध अध्ययन विभाग**, स्वतंत्रता दिवस सम्मान 2018 के हिस्से के रूप में भारत के राष्ट्रपति द्वारा पाली भाषा में उत्कृष्टता के लिए सम्मान के लिए प्रतिष्ठित प्रमाणपत्र.

प्रोफेसर (डॉ.) ऊषा टंडन, प्रभारी-प्रोफेसर, **कैम्पस विधि केंद्र** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2019 पर, इंडियन नेशनल बार एसोसिएशन द्वारा ''फिनोमिनल शी''.

प्रो रमेश चंद्रा, **रसायन विज्ञान विभाग**, अध्यक्ष - वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ नैनोमेडिकल साइंसेज, जनवरी, 2019.

प्रोफेसर रमेश चन्द्र, **रसायन-विज्ञान विभाग**, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ (आईएससीए) द्वारा 2017-2018 के लिए मिलेनियम प्लेक ऑफ ऑनर अवार्ड (विज्ञान और प्रौद्योगिकी में योगदान के लिए आजीवन उपलब्धि पुरस्कार).

प्रोफेसर अजय कुमार सिंह, **वाणिज्य विभाग,** "भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और प्रत्यायन: नीति और सर्वोत्तम प्रथाओं" पर छठे क्षेत्रीय सम्मेलन में उच्च शिक्षा मंच द्वारा उच्च शिक्षा में नेतृत्व पुरस्कार पर.

प्रोफेसर वी. के श्रोत्रिया, वाणिज्य विभाग, दिसंबर 2018 को उस्मानिया विश्वविद्यालय में 2018 के लिए सर्वश्रेष्ठ बिजनेस एकेडमिक ऑफ द ईयर (बीबीएवाई) स्वर्ण पदक पुरस्कार.

डॉ. मनस्विनी एम. योगी (विशेष कार्याधिकारी), **दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म**, में होप एंड आस्था फाउंडेशन द्वारा शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए संकल्प से सिद्धि पुरस्कार 2018 दिसंबर 2018.

प्रोफेसर पमी दुआ, **अर्थशास्त्र विभाग,** सदस्य, मौद्रिक नीति समिति, भारतीय रिजर्व बैंक, 2016 से 2020 तक.

प्रोफेसर श्रीकांत गुप्ता, **अर्थशास्त्र विभाग,** उपाध्यक्ष, इंडियन सोसायटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स (आईएनएसईई), 2018-2020.

प्रोफेसर मीनाक्षी जे. वी. **अर्थशास्त्र विभाग**, राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य.

प्रोफेसर राम सिंह, **अर्थशास्त्र विभाग**, भारत सरकार के अकादमिक और अनुसंधान सहयोग (एसपीएआरसी) को बढ़ावा देने की योजना के लिए उप-डोमेन चेयर.

प्रोफेसर रोहिणी सोमनाथन, **अर्थशास्त्र विभाग**, इंटरनेशनल इकोनॉमिक एसोसिएशन (आईईए) फेलो (आजीवन शीर्ष), 2018.

प्रोफेसर एम. के. पंडित, **पर्यावरण अध्ययन विभाग,** सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, सिंगापुर द्वारा प्रतिष्ठित एनजी एन कोंगसी विजिटिंग प्रोफेसर.

डॉ. चिराश्री घोष, **पर्यावरण अध्ययन विभाग**, को ओडिशा के भुवनेश्वर में बुद्धिजीवियों की सामाजिक उत्तरदायित्व (इसरी, भारत) द्वारा दिसंबर 2018 में "भारत विकास पुरस्कार".

डॉ. चिराश्री घोष, **पर्यावरण अध्ययन विभाग**, को राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी (एनईएसए) द्वारा दिसंबर 2018 में "वर्ष का पर्यावरणीय पुरस्कार" से सम्मानित.

प्रोफेसर थेल्मा, **आनुवंशिकी विभाग**, को प्रोफेसर एसपी रायचौधरी वृत्तिका व्याख्यान पुरस्कार, इंडियन सोसायटी ऑफ सैल बायोलॉजी.

प्रोफेसर राजम, **आनुवंशिकी विभाग**, प्रोफेसर एच. सी. आर्य स्वर्ण पदक, 2018. आईआईटी, गुवाहटी में फरवरी, 2019 में 40वीं पीटीसीए की बैठक के दौरान उनका स्मारक व्याख्यान दिया.

प्रोफेसर प्रदीप कुमार बर्मा, **आनुवंशिकी विभाग**, इंडियन सोसायटी ऑफ सैल बायोलॉजी 2019-2021 के उपाध्यक्ष.

प्रोफेसर आर. बी. सिंह, **भूगोल विभाग,** 2018-22 के लिए पहला भारतीय और दूसरा एशियाई महासचिव और अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ के कोषाध्यक्ष.

प्रोफेसर आर. बी. सिंह, **भूगोल विभाग,** 2019-20 के लिए भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ के पृथ्वी प्रणाली विज्ञान अनुभाग के अध्यक्ष.

डॉ. सुभाष आनंद, **भूगोल विभाग,** 2016-2020 के लिए जियोहेरिटेज, इंटरनेशनल जियोग्राफिकल यूनियन आयोग के कार्यकारी सदस्य.

प्रोफेसर सी. एस. दुबे, **भूविज्ञान विभाग**, 2017-2019 के लिए ओपन एजुकेशन रिसोर्सेज (ओईआर), इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन, नॉर्वे के राजदूत.

प्रोफेसर पी. श्रीवास्तव, **भूविज्ञान विभाग**, फेलो, द क्ले मिनरल सोसायटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली, 2018.

प्रोफेसर एम. साहनी, **जर्मनिक और रोमंस अध्ययन विभाग**, अंतर्राष्ट्रीय हिस्पेनिज्य पर ड्यूक्स डी सोरिया फाउंडेशन और स्पेन के राजा फिलिप द्वारा आमंत्रित अंतर्राष्ट्रीय 35 वैश्विक हिस्पेनिस्टों में से एक को चर्चा के लिए आमंत्रित सितंबर 2018.

प्रोफेसर सीमा बावा, **इतिहास विभाग**, हरियाणा इतिहास कांग्रेस गुड़गांव के तीसरे अधिवेशन में अध्यक्षीय भाषण (प्राचीन भारत अनुभाग) अक्तूबर 2018.

डॉ. आर. के. भट्ट, (2019), पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, विशेष पुस्तकालय संघ द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार -एशियाई अध्याय; सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ लाइब्रेरी उत्तर प्रदेश द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार.

डॉ. के. पी. सिंह, (2018), **पुस्तकालय और सूचना विज्ञान**, विभाग - कार्यरत एलआईएस अगुआ के लिए प्रोफेशनल एक्सीलेंस अवार्ड.

प्रोफेसर अनुपम महाजन, **संगीत विभाग**, संगीत श्री, एबीपी पुरस्कार, नई दिल्ली.

प्रोफेसर दीप्ति ओम्चेरी भल्ला, **संगीत विभाग,** भारत निर्माण द्वारा मेक इन इंडिया पुरस्कार, नई दिल्ली.

प्रोफेसर पी. बी. कन्नाकुमार, **संगीत विभाग**, कर्नाटक संगीता सभा, नई दिल्ली द्वारा 2019 में संगीत रत्नाकर पुरस्कार.

प्रोफेसर टी. वी. मनीकंदन, **संगीत विभाग**, कर्नाटक संगीता सभा, नई दिल्ली द्वारा मार्च, 2019 में संगीत रत्नाकर पुरस्कार.

प्रोफेसर अविनाश खैरे, **भौतिकी और खगोल भौतिकी**, सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय के 2018 में कुलपति नियुक्त किए गए।

प्रोफेसर ब्रजेश सी. चौधरी, **भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग**, प्रवक्ता, भारत-फर्मिलैब न्यूट्रिनो सहयोग: अप्रैल 2012- मार्च 2017; अप्रैल मार्च 2024.

प्रोफेसर ब्रजेश सी. चौधरी, **भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग**, प्रवक्ता, भारत-सीएमएस सहयोग: अगस्त 2017- अगस्त 2021.

प्रोफेसर समित के. मंडल, **भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग**, (मतदान अधिकार के साथ), फेयर-नुस्तार सहयोग, जीएसआई, डर्मस्टैड्ट, जर्मनी के नुस्तार परिषद जनवरी 2019 से 2024 तक.

प्रोफेसर समित के. मंडल, **भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग**, संयुक्त सचिव: इंडियन फिजिकल एसोसिएशन जुलाई 2014 से जुलाई 2018 तक.

प्रोफेसर अखिलेश के. त्यागी, **पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग,** पी. परिजा स्मारक व्याख्यान, रेवेनशा विश्वविद्यालय, कटक, 2019.

प्रोफेसर परमजीत खुराना, **पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग**, प्रोफेसर जे. सी. बोस राष्ट्रीय फैलोशिप विभाग, भारत सरकार, 2017-2022.

प्रोफेसर परमजीत खुराना, **पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग**, महासचिव (आउटस्टेशन), राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद, भारत, 2019.

प्रोफेसर इन्द्रनील दासगुप्ता, **पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग**, जे. सी. बोस फैलोशिप, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2017-2022.

प्रोफेसर जी. के. पांडेय, **पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग**, जे. जे. चिनॉय स्वर्ण पदक पुरस्कार, इंडियन सोसायटी ऑफ प्लांट फिजियोलॉजी, नई दिल्ली, भारत, 2018.

प्रोफेसर जी. के. पांडेय **पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग**, नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज (एनएएएस), नई दिल्ली, के फेलो भारत, 2018.

प्रोफेसर नवनीता चड्ढा बेहेरा, **राजनीतिक विज्ञान विभाग**, मार्च 2019 में आईएसए के उपध्यक्ष.

प्रोफेसर सुनील के. चौधरी, **राजनीतिक विज्ञान विभाग**, प्रोफेसर जी राम रेड्डी आईपीएसए राष्ट्रीय पुरस्कार, भारतीय राजनीति विज्ञान संघ, 2018.

प्रोफेसर वी. एस. द्विवेदी (2018), **संस्कृत विभाग**, बौधीक विचार मंच एवीएम परम्परिक साहित्यकार परिषद, उत्तर प्रदेश, 2018 द्वारा सारस्वत सम्मान.

प्रोफेसर संजय भट्ट, **सामाजिक कार्य विभाग**, हेरिटेज श्री पुरस्कार 2018; और क्षेत्रीय अध्यक्ष (दक्षिण एशिया), अंतर्राष्ट्रीय समाज कल्याण परिषद के रूप में नियुक्त किया गया.

डॉ. संजोय रॉय, **सामाजिक कार्य विभाग**, ग्लोरी ऑफ इंडिया स्वर्ण पदक विजेता पुरस्कार, 2018;

डॉ. संजोय रॉय, **सामाजिक कार्य विभाग**, लोकतंत्र के रक्षक के लिए नीलकंठ पुरस्कार और प्रशंसा स्क्रॉल.

डॉ. संजोय रॉय, **सामाजिक कार्य विभाग**, वैश्विक शिक्षा और कॉर्पोरेट नेतृत्व पुरस्कार द्वारा वर्ष का सर्वश्रेष्ठ शिक्षाविद ऑफ द इयर पुरस्कार (पुरुष), 2018 और रिफासिमेंटो इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ एडिटर्स द्वारा वर्ष 2018 के राइजिंग पर्सनैलिटी घोषित किए गए.

प्रोफेसर मदन मोहन चतुर्वेदी, **प्राणी विज्ञान विभाग**, सदस्य, शासी बोर्ड (बीओजी), और बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट (बीओएम), जीएसएफसी विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात;

प्रोफेसर मदन मोहन चतुर्वेदी, **प्राणी विज्ञान विभाग**, अध्यक्ष, जैविक विज्ञान, मुंबई, भारतीय शिक्षक संघ.

प्रोफेसर रीता सिंह, **प्राणी विज्ञान विभाग**, प्रोफेसर एल. एस. रामास्वामी स्मारक वक्ता पुरस्कार और स्वर्ण पदक.

चिकित्सा विज्ञान में/संकाय को पुरस्कार/सम्मान

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, **निश्चेतन विभाग (यूसीएमएस)**, नॉर्थ जोन के प्रेसिडेंट, इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (आईएसए).

डॉ. कपिल चौधरी, **निश्चेतन विभाग (एमएएमसी)**, इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट दिल्ली चैप्टर, द्वारा एनेथेसियोलॉजी अवार्ड की विशेषता में विशिष्ट सेवाएं अक्तूबर 2018.

डॉ. संकट मोचन, **शरीर-रचना-विज्ञान विभाग (एमएएमसी)**, डॉ. एच. के. चटर्जी नेटकॉन 2018 में प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ मौखिक शोध के लिए स्वर्ण पदक.

डॉ. रेनू चौहान, **शरीर-रचना-विज्ञान विभाग (यूसीएमएस)**, भारतीय चिकित्सक मंच द्वारा शिक्षक दिवस पर उत्कृष्ट और अनुकरणीय शिक्षक पुरस्कार, सितम्बर 2018.

डॉ. रेनू चौहान, **शरीर-रचना-विज्ञान विभाग (यूसीएमएस)**, दिसंबर, 2018 को चिकित्सा व्यवसाय और समुदाय में उत्कृष्ट योगदान की मान्यता पर दिल्ली डॉक्टर्स फोरम द्वारा सम्मानित किया गया.

डॉ. टी. के. मिश्रा, **जैव-रसायन विभाग (एमएएमसी)**, एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया द्वारा एफएएमबीआई की फैलोशिप.

डॉ. एस. के. बंसल, **जैव-रसायन विभाग** (वीपीसीआई), महासचिव, बायोटेक्नोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया.

डॉ. एस. के. बंसल, **जैव-रसायन विभाग** (वीपीसीआई), उपाध्यक्ष- एसीबीआई दिल्ली चैप्टर.

डॉ. मोहित गुप्ता, **हृदयरोग विभाग** (जी. बी. पंत स्नातकोत्तर संस्थान), कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया के सचिव- दिल्ली शाखा.

डॉ. गीरिश एम.पी., **हृदयरोग विभाग** (जी. बी. पंत स्नातकोत्तर संस्थान), कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया- दिल्ली शाखा के संयुक्त सचिव.

डॉ. सुनीला गर्ग, **समुदाय औषध विभाग (एमएएमसी)**, आईएमए और एनडीबी द्वारा प्रख्यात शिक्षक पुरस्कार 2018.

डॉ. सुनीला गर्ग, **समुदाय औषध विभाग (एमएएमसी)**, के. एन. राव आईपीएचए (लखनऊ) के दौरान, "स्वास्थ्य देखभाल पहुंचने" में नवाचारों के लिए स्मारक व्याख्यान.

डॉ. नंदनी शर्मा, **समुदाय औषध विभाग (एमएएमसी)**, फरवरी, 2019 में दिल्ली राज्य चिकित्सा चिकित्सक पुरस्कार.

डॉ. अर्चना सिंघल, **त्वचा विज्ञान और यौन संक्रामक रोग विभाग (यूसीएमएस)**, फेलो, पुडुचेरी, अक्तूबर, 2018 में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज.

डॉ. चन्दर ग्रोवर, **त्वचा विज्ञान और यौन संक्रामक रोग विभाग (यूसीएमएस)**, मुंबई, भारत, फरवरी, 2019 में आयोजित 5वें आरएसएफ वार्षिक सम्मेलन और डर्मोस्कोपी और ट्राइकोस्कोपी पर कार्यशाला में रीता स्किन फाउंडेशन में मानद फेलो.

डॉ. सी. पी. बवेजा, **सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग (एमएएमसी)**, दिल्ली सरकार, 2019 से "डॉक्टर स्टेट अवार्ड".

डॉ. सी. पी. बवेजा, **सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग (एमएएमसी)**, मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली, 2018 का "विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार".

डॉ. सुनीता अग्रवाल, **औषध विभाग**, **(एमएएमसी)**, श्रीमती पवन कुमारी जैन एपीआई दिल्ली स्टेट चैप्टर में ओरेशन अवार्ड.

डॉ. एन. पी. सिंह, **सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग (यूसीएमएस)**, 2016-2018 से आईएएमएम, राष्ट्रीय अध्याय के कार्यकारी सदस्य; कार्यकारिणी सदस्य आईएएमएम, दिल्ली चैप्टर, 2018-19.

डॉ. अनुराधा चौधरी, **सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग** (वीपीसीआई), अमिती विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, भारत 2018 द्वारा स्वास्थ्य देखभाल में महिला अचीवर पुरस्कार.

डॉ. बिंदिया गुप्ता, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग (यूसीएमएस)**, कार्यकारी समिति के सदस्य एओजिन इंडिया.

डॉ. सांध्य जैन, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग (यूसीएमएस)**, 'सम्मानजनक मातृ देखभाल' एओजीडी वार्षिक सम्मेलन 25 नवंबर 2018 को सर्वश्रेष्ठ स्लोगन के लिए स्वर्ण पदक.

डॉ. गीता राधाकृष्णन, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग (यूसीएमएस)**, सेवारत डॉक्टरों के लिए दिल्ली राज्य पुरस्कार, दिल्ली, फरवरी, 2018.

डॉ. शालिनी राजाराम, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग (यूसीएमएस)**, अध्यक्ष, एसोसिएशन ऑफ गाइनइकोलॉजिक ऑन्कोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, 2018-2019.

डॉ. शालिनी राजाराम, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग (यूसीएमएस)**, अध्यक्ष, सोसाइटी ऑफ वेजाइनल सर्जन, दिल्ली, 2018-19.

डॉ. शालिनी राजाराम, प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग **(यूसीएमएस)**, ओजीएसआई कोरिऑन पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान (वरिष्ठ श्रेणी), 2018 के लिए.

डॉ. शालिनी राजाराम, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग (यूसीएमएस)**, आईसीओजी- डॉ. उषा सरैया कानपुर के स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी में अतिथि समन्वय, अक्तूबर 2018.

डॉ. शालिनी राजाराम, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग (यूसीएमएस)**, एपीजे अब्दुल कलाम उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार दिल्ली स्त्री रोग मंच, अगस्त 2018.

डॉ. ऋचा शर्मा, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग (यूसीएमएस)**, एफओजीएसआई- डॉ. सी.एस. डॉन एआईकोग पुरस्कार, बेंगलुरु जनवरी 2019; फॉग्सी - पद्मभूषण कमलाबाई होस्पेट अवार्ड 2018, एआईकोग, बेंगलुरु जनवरी 2019.

डॉ. ऋचा शर्मा, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग (यूसीएमएस)**, एफओजीएसआई- लीडर ऑफ पुरस्कार 2019 टूमारो, उत्तर क्षेत्र युवा एफओजीएसआई सम्मेलन नोएडा. फरवरी 2019.

डॉ. अल्पना सिंह, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग (यूसीएमएस)**, वर्ष 2018 जूनियर कोरिशन पुरस्कार, एआईकोग, बेंगलुरु, जनवरी 2019.

डॉ. अल्पना सिंह, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग (यूसीएमएस)**, एफआईसीओजी (भारतीय महाविद्यालय प्रसूति और स्त्री रोग के फेलो) जनवरी 2019.

डॉ. अमिता सुनेजा, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग (यूसीएमएस)**, पूर्वी दिल्ली गायनी फोरम द्वारा शिक्षक पुरस्कार 2018 सितम्बर 2018.

डॉ. आभा सिंह, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग** (एलएचएमसी), एसोसिएशन ऑफ प्रसूति एवं स्त्री रोग दिल्ली के अध्यक्ष (एओजीडी वर्ष 2018-2019).

डॉ. आभा सिंह, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग** (एलएचएमसी), इकोनोमिक्स टाईम्स हेल्थवर्ल्ड फर्टिलिटी कॉन्क्लेव में "उत्तर भारत के प्रेरक स्त्री रोग विशेषज्ञ", अक्तूबर 2018.

डॉ. आभा सिंह, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग** (एलएचएमसी), दिल्ली के मूलचंद अस्पताल में गायनकॉन द्वारा स्त्री रोग का आइकन.

डॉ. स्वाति अग्रवाल, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग** (एलएचएमसी), वर्ष 2018 के लिए फोगएसआई द्वारा उत्तर क्षेत्र के लिए “डॉ. कामिनी राव ओरेटर” पुरस्कार.

डॉ. विधि चौधरी, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग** (एलएचएमसी), "उत्तर भारत के प्रेरक स्त्री रोग विशेषज्ञ, इकोनोमिक्स टाईम्स हेल्थवर्ल्ड फर्टिलिटी कॉन्क्लेव, अक्तूबर 2018.

डॉ. मीनाक्षी सिंह, **प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग** (एलएचएमसी), 11 जनवरी, 2019 को एआईसीओजी 2019, बेंगलुरु में एफीसोग फैलोशिप.

डॉ. ललित मैनी, **अस्थि-चिकित्सक विभाग (एमएएमसी)**, स्वास्थ्य देखभाल में उत्कृष्ट नवाचार के लिए रोटरी वोकेशनल अवार्ड 2018; इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, जून 2018.

डॉ. ए. अग्रवाल, **बाल चिकित्सा विभाग (एमएएमसी)**, अध्यक्ष आईएपी उत्तरी दिल्ली.

डॉ. वंदना रॉय, **भेषजगुण विज्ञान विभाग (एमएएमसी)**, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी की सदस्यता.

डॉ. वंदना रॉय, **भेषजगुण विज्ञान विभाग (एमएएमसी)**, दिल्ली फार्माकोलॉजिकल सोसायटी की कार्यकारिणी सदस्य.

डॉ. सतेन्द्र सिंह, **शरीर-विज्ञान विभाग (यूसीएमएस)**, अगस्त 2018 को विकलांगता क्षेत्र में पहल के लिए मुंबई में पर्याप्त मिशन द्वारा शोरवीर पुरस्कार 2018.

डॉ. अनूप मोहता, **शल्य चिकित्सा विभाग** (एलएचएमसी), अक्तूबर, 2018 को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज इंडिया की फैलोशिप.

डॉ. देबोर्शी शर्मा, शल्य चिकित्सा विभाग (एलएचएमसी), एसजीपीजीआई, लखनऊ, 2018 में आयोजित 13वें एमसिकॉन के दौरान उपाध्यक्ष (सीजेड), एसोसिएशन ऑफ मिनिमल एक्सेस सर्जन ऑफ इंडिया.

डॉ. प्रिया हाजरा, **शल्य चिकित्सा विभाग** (एलएचएमसी), इंटरनेशनल महाविद्यालय ऑफ रोबोटिक सर्जन के फेलो, मई 2018 को सम्मानित किया गया।

डॉ. पवानिन्द्र लाल, **शल्य चिकित्सा विभाग (एमएएमसी)**, डॉ. ए के सेंसर्मा चेन्नई, दिसंबर 2018 में एआइकॉन में एएसआई द्वारा एंडोमेंट लेक्चर अवार्ड.

आयोजित संगोष्ठियां/सम्मलेन/कार्यशालाएं

(चयनित सूची नीचे प्रदान की गई है। विभागों/केंद्रों के अंतर्गत पूरी सूची दी गई है)

अफ्रीकन अध्ययन विभाग, अफ्रीका के कायाकल्प पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: क्षमता और चुनौतियां. इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर) के सहयोग से अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 06-08 फरवरी 2019.

नृविज्ञान विभाग, "भारतीय जनजातियों का वैश्वीकरण: अतीत, वर्तमान और भविष्य गतिशीलता" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 26 अक्तूबर 2018.

शरीर-रचना-विज्ञान विभाग (एलएचएमसी) ने 18 अप्रैल 2018 को दाधीचि देह दान समिति, नई दिल्ली के स्वयंसेवकों के लिए अंग और शरीर दान के बारे में एक संवेदीकरण सत्र का आयोजन किया।

शरीर-रचना-विज्ञान विभाग (एमएएमसी) ने 18 -20 दिसंबर 2018 को इंटरनेशनल थर्ड एशियन एंड अफ्रीकन स्टेरेलोलॉजी कांग्रेस और हैंड्स ऑन ट्रेनिंग स्टेरेलोलॉजी वर्कशॉप का आयोजन किया।

शरीर-रचना-विज्ञान विभाग (यूसीएमएस) ने 20.12.2018 को गला और हाइपोफेरिनिक्स और हाथों के कैंसर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के हिस्से के रूप में एक कार्यशाला का आयोजन किया।

निश्चेतन विभाग (एलएचएमसी) ने 16-30 जुलाई, 2018 को एक्यूपंक्चर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

निश्चेतन विभाग (एमएएमसी) ने 'तथ्य और संज्ञाहरण में मिथकों" अक्तूबर 2018 पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन का आयोजन किया

निश्चेतन विभाग (यूसीएमएस) ने यूसीएमएस में "क्रिटिकल केयर - एक प्रतिमान बदलाव" पर सीएमई का आयोजन किया. 19th - 20th जनवरी 2019

निश्चेतन विभाग (जिप्मेर) ने अकॉर्डियन - मेट्रोपोलियन, नई दिल्ली, दिसंबर 2018 में क्रिटिकल केयर पर सम्मेलन आयोजित किया। इससे पहले पूर्व शैक्षणिक कार्यशाला, जिप्मेर, नई दिल्ली में 2 दिसंबर 2018 को हुई थी।

अरबी विभाग ने 29-30 जनवरी 2019 को "दिल्ली के अरबी विद्वानों और उनके अकादमिक योगदान" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

जैव-भौतिकी विभाग, ने "जीव विज्ञान में स्व-संगठन" पर 16 मार्च, 2019 को एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की.

व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग ने 27 अक्तूबर 2018 को दिल्ली दक्षिण परिसर विश्वविद्यालय के एस पी जैन केंद्र में "2020 में भारत: विकसित राष्ट्र की ओर" पर पैंतालीसवें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया।

जैव-रसायन विभाग (एलएचएमसी), एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकेमिस्ट ऑफ इंडिया के 16-18 नवबंर, 2018 को आयोजित 26वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन का हिस्सा था.

जैव-रसायन विभाग (एमएएमसी) ने "मायलोप्रोलाइफरटिव नियोप्लाज्म के निदान और निगरानी में आणविक तकनीक" शीर्षक पर 27 -28 सितंबर 2018 को एक कार्यशाला का आयोजन किया।

ह्रदयरोग, विभाग जिप्मेर ने 23-24 मार्च 2019 को कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली शाखा के दिल्ली सीएसआई अध्याय वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया।

समुदाय औषध विभाग (एलएचएमसी) ने व्यावसायिक और पर्यावरण स्वास्थ्य पर, 15-17 फरवरी 2019 को चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

समुदाय औषध विभाग (एमएएमसी) ने दक्षिणपूर्व एशिया क्षेत्र में कान और श्रवण देखभाल पर 3-5 अक्तूबर 2018 को विश्व स्वास्थ संगठन बहुदेशीय कार्यशाला का आयोजन किया.

रसायन-विज्ञान विभाग, ने प्रोफेसर रमेश चन्द्र, नैनोमेडिकल साइंसेज पर छठी विश्व कांग्रेस - इंस्कॉन-2018 और 'मानवता के भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी', 7-10 जनवरी, 2019 को उपग्रह सम्मेलन.

वाणिज्य, विभाग ने 12-13 अक्तूबर, 2018 को एमबीए-आईबी और एमबीए-एचआरडी द्वारा आयोजित 23वें बिजनेस कन्वेंशन एडिशन में "धुंधली सीमाएं अज्ञात सीमाएं".

समुदाय औषध विभाग (एमएएमसी) ने 14 नवंबर, 2018 को प्रतिरक्षण और वैक्सीन सुरक्षा में नई पहलों पर सीएमई का आयोजन किया।

त्वचा विज्ञान और यौन संक्रामक रोग विभाग ने आईडीवीएल द्वारा मासिक नैदानिक बैठक का आयोजन, 29 सितंबर 2018.

अर्थशास्त्र, विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स द्वारा 13-14 दिसंबर 2018 को आयोजित दो दिवसीय एशिया-प्रशांत नवाचार सम्मेलन 2018.

शिक्षा विभाग ने आईएएसई-एमएचआरडी के तत्वावधान में इंटरफेस ऑफ चिल्ड्रन लिटरेचर, स्कूली पाठ्यक्रम और शिक्षा शास्त्र पर 23 फरवरी, 2019 को एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

अंग्रेजी विभाग, ने शेक्सपियर सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा 7 और 8 मार्च, 2019 को किरोड़ी मल महाविद्यालय के सहयोग से शेक्सपियर में पॉलिटिक्स, पावर एंड स्पेक्टेकल्स पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

पर्यावरण अध्ययन विभाग, द्वारा 26 मार्च, 2019, को पर्यावरण प्रदूषण प्रयोगशाला द्वारा आयोजित; भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा प्रायोजित। पृथ्वी पारिस्थितिकी तंत्र पर उभरती प्रदूषण चुनौतियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला- सफर, भारत की अनोखी पहल

वित्तीय अध्ययन विभाग, द्वारा वित्तीय सेवाओं में उद्यमिता पर सम्मेलन का आयोजन 2 नवंबर, 2018 को किया गया।

सामान्य औषध विभाग (एलएचएमसी) दिल्ली मधुमेह मंच के सहयोग से सीएमई ऑन डायबिटीज-1, डायबीटीज 2 जुलाई 21, अगस्त 2018 का आयोजन किया गया।

सामान्य औषध विभाग (एमएएमसी) ने 14 से 15 दिसंबर 2018 को "जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण की चुनौती - स्वास्थ्य और आर्थिक बोझ पर प्रभाव" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।
भूविज्ञान विभाग, ने भारतीय तलछट बेसिनों की स्ट्रैटिग्राफी और जियोक्रोनोलॉजी में प्रगति पर कार्यशाला: भावी कार्ययोजना, 26.02.2019 (प्रोफेसर पी. पी.चक्रवर्ती, संयोजक).

जर्मनिक और रोमंस अध्ययन विभाग, द्वारा, 'याद रखना और भूलना: इतिहास और स्मृति पर दृष्टिकोण', विषय पर 7 - 9 मार्च 2019 को वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी.

हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसी), नई दिल्ली के सहयोग से 'आदिवासी साहित्य, संस्कृति और कला: चुनौतियां एवं सम्भावनाएं' विषय पर 12-13 अप्रैल, 2018 को एक राष्ट्रीय संगोष्ठी.

भाषाविज्ञान विभाग काउई क्लेयर, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, ब्रिटेन. अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के अंग्रेजी लहजे में स्थानीय और वैश्विक रुझान, 6 मार्च, 2019.

गणितीय विभाग, रामानुजन मैथमेटिकल सोसायटी का 33वां वार्षिक सम्मेलन, जून 1-3, 2018.

आधुनिक भारतीय भाषाएँ विभाग, "गांधीवादी विचार और भारतीय साहित्यिक संस्कृति" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 09 और 10 मार्च 2019.

सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग, डॉ. रोहित के. सूक्ष्म जीवविज्ञान और इम्यूनोलॉजी विभाग जांगरा, से, अल्बर्ट आइंस्टीन स्कूल ऑफ मेडिसिन, न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका ने, "स्क्रीनिंग फॉर होस्ट फैक्टर्स एंड न्यूट्रालिज़िंग mAbs फॉर रेस्पिरेटरी वायरस इन्फेक्शन्स" मार्च 11, 2019 पर एक वार्ता दी गई।

सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग (एमएएमसी) ने 13 मार्च, 2019 को लिंक किए गए आईसीटीसी और पीपीटीसीटी के प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए एचआईवी सेरोलॉजी के लिए बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन योजना पर कार्यशाला का आयोजन किया.

सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग (यूसीएमएस) ने अंतर्राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी दिवस का आयोजन किया, अतिथि वक्ता को आमंत्रित किया। डॉ. उर्मी बाजपेयी "फेग थेरेपी" अप्रैल, 2018.

सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग (वीपीसीआई) ने यूरोपियन सोसायटी ऑफ क्लीनिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड इंफेक्शियश डिजीज सहयोग से "महत्वपूर्ण मानव रोगजनक कवक में एंटीफंगल प्रतिरोध" पर एक अंतर्राष्ट्रीय स्नातकोत्तर तकनीकी 19 से 21 सितंबर 2018 को कार्यशाला का आयोजन किया।

सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग (एलएचएमसी) ने संगठित संक्रमण नियंत्रण और रोकथाम: प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण का 10-11 दिसंबर 2018 को आयोजन किया.

संगीत विभाग, ने मल्हार उत्सव 2018 का आयोजन किया। संगीत विभाग द्वारा 30 अगस्त- 31 अगस्त, 2018 को आयोजित भारतीय शास्त्रीय संगीत का वार्षिक दो दिवसीय महोत्सव.

प्रसूति और स्त्रीरोग विभाग (एलएचएमसी) एओजीडी का वार्षिक सम्मेलन 24 नवंबर- 2018 का आयोजन किया गया।

प्रसूति और स्त्रीरोग विभाग (एमएएमसी) प्रसूति और स्त्री रोग, 7 से 9 सितंबर 2018 को 21वां प्रैक्टिकल कोर्स और सीएमई का आयोजन किया।

प्रसूति और स्त्रीरोग विभाग (यूसीएमएस) ने सोसाइटी ऑफ फेटल मेडिसिन और एओजीडी 29 अगस्त 2018 के तत्वावधान में 'भ्रूण चिकित्सा पर सीएमई' का आयोजन किया।

ऑपरेशनल रिसर्च विभाग, डॉ. मुकेश कुमार महलावत, आयोजन सचिव, ने दिल्ली विश्वविद्यालय में 15 फरवरी, 2019 को परिचालन अनुसंधान विभाग द्वारा आयोजित बिजनेस एनालिटिक्स और अनुसंधान पर संगोष्ठी-सह-कार्यशाला का आयोजन किया.

अस्थि-चिकित्सक विभाग (एमएएमसी) ने एमएएमसी घुटना एवं कंधे कार्यशाला का 22 दिसंबर 2018 को आयोजन.

आंख-नाक-गला चिकित्सा विभाग (एलएचएमसी) ने एसोसिएशन ऑफ ओटोलरीनोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया दिल्ली शाखा का 41 वां वार्षिक सम्मेलन मार्च 2019 में आयोजित किया.

आंख-नाक-गला चिकित्सा विभाग (यूसीएमएस) ने लेरिनिक्स एंड हाइपोफेरिनिक्स ऑफ कैंसर, पर शिकागो सेंटर, नई दिल्ली में 21 से 22 दिसंबर 2018 को कैंसर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया.

विकृति-विज्ञान विभाग (एमएएमसी) ने 23 फरवरी 2019 को स्नातकोत्तर छात्रों के लिए "साइटोलॉजिकल अप्रोच टू लिम्फ नोड लेशन" पर इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलॉजिस्ट कार्यशाला के दिल्ली चेप्टर का आयोजन किया.

विकृति-विज्ञान विभाग (यूसीएमएस) ने 25 अगस्त 2018 को दिल्ली चैप्टर इंडियन एकेडमी ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट की त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया.

बाल चिकित्सा विभाग (एमएएमसी) ने 28 फरवरी, 2019 को 10वें विश्व दुर्लभ रोग दिवस का आयोजन किया.

फ़ारसी विभाग, ने फखरुद्दीन अली अहमद स्मारक समिति, लखनऊ द्वारा उर्दू और फारसी की अदबी और तहजीबी रिश्तों पर प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का 10 -11 मई, 2018 को आयोजन किया।

भेषजगुण विभाग (एमएएमसी) ने दिल्ली सरकार के चिकित्सालयों में कार्यरत डॉक्टरों के लिए एमएएमसी में 19-22 फरवरी 2019 को एनसीटी दिल्ली सरकार के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में दवाओं की उपलब्धता और तर्कसंगत उपयोग पर चौथी सीएमई कार्यशाला का आयोजन किया।

दर्शन शास्त्र विभाग, जापान के क्योटो के टी ए दोशीश विश्वविद्यालय ओजोग ने "धार्मिक सह-अस्तित्व के विभिन्न रूपों", यूरोपीय, जापानी और भारतीय परिप्रेक्ष्य में" पर 8 फरवरी 2019 को भाषण दिया.

भौतिकी विभाग, ने "नैनो-संरचित सामग्री और उपकरणों" पर, "दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत, में 17-20, दिसंबर 2018 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया.

मनोविज्ञान विभाग, ने मनोविज्ञान विभाग में यूजीसी-एसएपी (डीआरएस-1) द्वारा प्रायोजित 'एथिक्स इन साइकोलॉजिकल रिसर्च' पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन 16 मार्च, 2019 को आयोजित किया.

शारीरिक शिक्षा विभाग, ने युवा मामलों और खेल मंत्रालय वग किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 25-27 सितंबर, 2018 आयोजकों में से एक के रूप में "ओलंपिक और वैश्विक संदर्भ में भारतीय मूल्यों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन किया.

शरीर विज्ञान विभाग (एमएएमसी) ने संगठित फिजियोलॉजी अपडेट 2018 "तनाव प्रतिक्रिया में गहन शोध: एचटीपीए एक्सिस न्यूट्रिशन एंड एक्सरसाइज का " 15 नवंबर 2018 को आयोजन किया.

पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, ने प्रोफेसर परमजीत खुराना ने 8-9 मार्च, 2019 को इलाहाबाद के एनएससी में "विज्ञान में महिलाओं के लिए विज्ञान" की बैठक का आयोजन किया गया।

राजनीतिक विज्ञान विभाग, ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति और सार्वजनिक नीति पर राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से 5-6 फरवरी, 2019 को भारत लोक नीति नेटवर्क का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया.

फेफड़ा औषध विभाग (वीपीसीआई) नेशनल सेंटर ऑफ रेस्पिरेटरी एलर्जी, अस्थमा एंड इम्यूनोलॉजी (एनसीआरएआई), ने 12 अप्रैल 2018 द्वारा प्रयोगशाला कर्मचारियों के लिए गुणवत्ता प्रयोगशाला सेवाओं पर एक कार्यशाला का आयोजन किया.

पंजाबी विभाग ने डॉ. धर्मवीर सिंह द्वारा 28.02.2019 को पंजाबी विभाग के विभागीय संगोष्ठि हॉल में "गुरु नानक देव जी और समाज" पर प्रोफेसर हरभजन सिंह स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया।

स्लोवेनिक एवं फिनो यूग्रीयन अध्ययन विभाग, ने दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा समर्थित "संस्कृति, भाषा और पहचान निर्धारण: वैश्वीकरण विश्व में प्रवासी" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का 27-28 फरवरी, 2019 को आयोजन किया.

सामाजिक कार्य विभाग ने नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया के सहयोग से मानव विकास और सामाजिक समावेश ''सामाजिक कार्य शिक्षा के लिए अनिवार्यता'' विषय पर 1 से 3 नवंबर, 2018 को छठे भारतीय सामाजिक कार्य कांग्रेस का आयोजन किया.

समाजशास्त्र विभाग, ने 7 अप्रैल, 2018 को ''रीडिंग मार्क्स केपिटल'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया.

सांख्यिकी विभाग प्रोफेसर देबेस कुंडू, गणित एवं सांख्यिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर ने "सिम्पल स्टेप-स्ट्रेस मॉडल्स विथ ए क्योर फ्रेक्शन" पर 22 फरवरी, 2019 को एक कार्यशाला आयोजित की.

शल्य चिकित्सा विभाग (एमएएमसी) ने सर्जरी अपडेट2018, का सितंबर 24-29, 2018 को आयोजन किया.

शल्य चिकित्सा विभाग (यूसीएमएस) ने सर्जनों के लिए दो दिवसीय एक्यूट क्रिटिकल केयर पाठ्यक्रम 2018 का 13-14 अगस्त 2018 को आयोजन किया.

प्राणी विज्ञान विभाग, ने 24 मई, 2019 को डी नोवो सॉफ्टवेयर के एप्लीकेशन साइंटिस्ट डॉ हेमंत अग्रवाल द्वारा "एफसीएस एक्सप्रेस-फ्लो डाटा एनालिसिस सॉफ्टवेयर" पर सेमिनार आयोजित किया

प्राणी विज्ञान विभाग, ने केआईआईटी, भुवनेश्वर में, 3 मई 2018 को कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी एंड इंटरनेशनल सोसायटी फॉर माइक्रोबियल इकोलॉजी (आईएसएमईई) के तत्वावधान में "हैंड्स ऑन टू कंप्यूटेशनल बायोलॉजी फॉर (मेटा) जीनोमिक्स एनालिसिस पर एआईएसएमई राजदूत बैठक और कार्यशाला का आयोजन किया.

शैक्षिणक समुदाय-उद्योग सम्बद्धता

दिल्ली विश्वविद्यालय ने शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता की दिशा में योगदान देने में उद्योग की भागीदारी को सदैव बढ़ावा दिया है। कई विभागों ने उद्योग के साथ उद्योग को ज्ञान भागीदारों के रूप में स्थापित किया है ताकि ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप और प्लेसमेंट गतिविधियों, वार्षिक छात्रवृत्तियों, विशेष व्याख्यानसहित विभिन्न तरीकों से संकाय और छात्रों के साथ उद्योग जुड़ाव सुनिश्चित किया जा सके, जिनमें शामिल हैं छात्रों के लिए सदस्यता, स्टार्ट-अप और नवाचार की सुविधा, संकाय और पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास सहित अनुसंधान सहयोग। विश्वविद्यालय के कई संकाय सदस्य भी अपने क्षेत्रों में विशेषज्ञता के आधार पर उद्योग और सरकारी संगठनों को परामर्श सेवाएं प्रदान करते हैं जिनमें शामिल है - प्रबंधन अध्ययन, सामाजिक विज्ञान, अंतर-आयामी और अनुप्रयुक्त विज्ञान, वाणिज्य, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान क्लस्टर इनोवेशन सेंटर, आसूचना और संचार विभाग। कुछ संकायों और केंद्रों ने उद्योग भागीदारों के साथ सक्रिय इंटरफ़ेस स्थापित किया है। विश्वविद्यालय, उद्योग साझेदार और विश्वविद्यालय के बीच उचित समझौता ज्ञापन की सुविधा देकर उद्योग के साथ अनुसंधान गतिविधियों को भी बढ़ावा देता है ।

हाल ही में, उद्योग विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय के सभी स्नातक-पूर्व और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम संशोधन में सक्रिय रूप से भाग लिया। कई कंपनियों ने विश्वविद्यालय में विभागों और महाविद्यालयों का दौरा किया और विज्ञान, अनुप्रयुक्त विज्ञान, गणितीय विज्ञान, वाणिज्य, प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान, मानविकी और विधि पाठ्यक्रमों के छात्रों को नियोजन की पेशकश की। विभिन्न प्रबंधन कार्यक्रमों का अध्ययन करने वाले छात्रों को अधिक रोजगारपरक बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्राप्त करने हेतु उद्योग के साथ सक्रिय रूप से जोड़ा गया। विशेष प्रयोजन परियोजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से अनुसंधान कार्यक्रमों में

उद्योग की भागीदारी भी मजबूत थी। उद्योग विशेषज्ञों ने उद्यमिता और नवाचार पर व्याख्यान भी दिए और कार्यशालाएं आयोजित कीं।

विदेशी विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन

दिल्ली विश्वविद्यालय अपनी अकादमिक जानकारियों और अनुभवों को समृद्ध करने के लिए ने प्रमुख संस्थानों के साथ अकादमिक सहयोग करने की अपनी परंपरा को कायम रखा है। विश्वविद्यालय ने अपने प्रयास में विश्व स्तर पर कई संस्थानों के साथ अकादमिक और अनुसंधान सहयोग के लिए हस्ताक्षर किए हैं। रिपोर्टिंग अवधि में निम्नलिखित के साथ समझौता ज्ञापन और समझौते किए गए हैं:

- वियना विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रिया
- द ग्रेजुएट स्कूल ऑफ साईंस, ओसाका विश्वविद्यालय, जापान
- कॉनकोर्डिया विश्वविद्यालय, कनाडा
- वियतनाम राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, हनोई
- क्यूशू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हनोई
- टोक्यो विदेशी अध्ययन विश्वविद्यालय, जापान
- युन्नान विश्वविद्यालय, चीन
- ताइपे विश्वविद्यालय, ताइवान
- पॉट्सडैम विश्वविद्यालय, जर्मनी
- टोंगयोंग विश्वविद्यालय, कोरिया
- इरासमस + समझौता, ग्रेनेडा विश्वविद्यालय, स्पेन
- त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल
- कज़ान फेडरल यूनिवर्सिटी, इलाबुगा, रूस
- नेपल्स विश्वविद्यालय, इटली
- मार्टिन लूथर विश्वविद्यालय हाले - विटेनबर्ग, जर्मनी
- इवोस लोरलैंड विश्वविद्यालय, बुडापेस्ट, हंगरी
- राष्ट्रीय चुंग चेंग विश्वविद्यालय, ताइवान (छात्र विनिमय समझौता)
- हेलसिंकी विश्वविद्यालय, फिनलैंड
- मास्को सिटी विश्वविद्यालय (एमसीयू), मास्को, रूस

सामाजिक अगिगम्यता (आउटरीच)

दिल्ली विश्वविद्यालय, परिसर के इतर एक विश्वविद्यालय के रूप में विकसित होने और एक ऐसे परिसर जो समय की सामाजिक महत्वपूर्ण वास्तविकताओं के लिए जीवित है, के मंतव्य की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है। विश्वविद्यालय की सामाजिक अभिगम्यता पहल इस प्रतिबद्धता का उदाहरण है। विभागों ने सामाजिक अभिगम्यता के विविध कार्यों में बहुआयामी पहलों का आयोजन जारी रखा। इनमें *स्वच्छ भारत अभियान* के अंतर्गत *स्वच्छता पखवाड़ा* या पर्यावरण चेतना, डिजिटल साक्षरता, स्वास्थ्य, महिलाओं के क्षेत्र में स्वैच्छिक पहल, सशक्तिकरण, शहरी सामुदायिक विकास जैसे सरकार द्वारा बुलाए गए राष्ट्रीय अभियानों के अनुरूप पहल शामिल थी। पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह महात्मा गांधी की 150वीं जयंती समारोह के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रमों का आयोजन भी कर रहा है। समुदाय के साथ मजबूत संबंध बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने यूजीसी की सामुदायिक महाविद्यालय योजना को भी अपनाया है। इस योजना के अंतर्गत, पड़ोस के महाविद्यालयों को स्थानीय स्तर पर कम लागत और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से सामुदायिक महाविद्यालयों के रूप में

नामित किया गया है, जिसमें कौशल विकास के साथ-साथ पारंपरिक पाठ्यक्रम दोनों शामिल हैं, जिसके फलस्वरूप शिक्षार्थी को सीधे रोजगार क्षेत्र में जाने अथवा उच्च शिक्षा ग्रहण करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं।

विश्वविद्यालय ने चार वर्ष पूर्व सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ की स्थापना की थी। इस प्रकोष्ठ के अंतर्गत पांच गांवों–जगतपुर, झरोदा माजरा, मुकुंदपुर, बदरपुर खादर और चौहान पट्टी–को अंगीकृत किया गया था। इसके बाद पांचों गांवों में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उन्नाव भारत अभियान नामक एक अन्य महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत काम भी शुरू किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत के बाद से, छात्रों और संकाय के दलों ने इन गांवों में से प्रत्येक में "प्रक्रिया" मोड में आधारित कार्य किए हैं। अनिवार्य मिशन एक समावेशी भारत की वास्तुकला के निर्माण में मदद करने के लिए ज्ञान संस्थानों का लाभ उठाकर ग्रामीण विकास प्रक्रियाओं में परिवर्तनकारी परिवर्तन की दृष्टि से प्रेरित है। परिवर्तनकारी परिवर्तन लाने और ग्रामीण स्थानों में विकास प्रक्रियाओं को प्रेरित करने के लिए, टीमें विशेष गांव की समस्याओं के चिह्निकरण में भाग लेती हैं; और फिर इसके समाधान के लिए सहभागी समुदाय की पहलों में संलग्न होती हैं। इस प्रकार एक बॉटम-अप दृष्टिकोण का पता लगाया गया कि छात्रों ने जमीनी स्तर पर कमियों को सही ढंग से समझा और बुनियादी परिवहन, जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य से संबंधित अवसंरचना वृद्धि के लिए प्रभावी अंतर-क्षेत्रीय अभिसरण का पता लगाने वाले सक्षम प्राधिकारियों को सूचित किया।

विचाराधीन वर्ष में, मुख्य पहलों में शामिल थे: अक्तूबर 2018 के माह में स्वच्छता पखवाड़ा के लिए सक्रिय और अभिनव गांव विशिष्ट कार्य। स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के संदर्भ में यह काम महत्वपूर्ण सामुदायिक जुड़ाव के साथ एक महत्वपूर्ण पहल थी । बच्चों, युवाओं, महिलाओं और आम आबादी के साथ प्रयासों के माध्यम से स्वच्छता और स्वच्छता पर सामुदायिक जागरूकता बनाई गई और समेकित की गई। गलियों और नालों की सफाई की निगरानी में सामुदायिक भागीदारी और एमसीडी के सहयोग से छिड़काव और फॉगिंग पर जोर दिया गया, साथ ही रैलियों के संचालन, इंटरैक्टिव सत्रों और पेम्फलेट के वितरण के माध्यम से डेंगू की रोकथाम के संबंध में सूचना के प्रसार पर भी जोर दिया गया। कूड़ेदान लगाने, डिग्रेडेबल और अग्रेडेबल कचरे को पृथक्करण, गांवों में नालों की नियमित व्यापकता और सफाई का कार्य शुरू किया गया। सामुदायिक शौचालयों की व्यवस्था/रखरखाव के लिए अभियान चलाया गया।

मोहल्ला क्लीनिक और मोबाइल वैन के मंच का उपयोग करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था पर सतत स्वास्थ्य सेवाओं के प्रावधान पर काम जारी रहा। स्थानीय स्वास्थ्य प्रदाताओं के साथ नेटवर्किंग के माध्यम से प्रत्येक गांव में उत्कृष्ट सामुदायिक लामबंदी और भागीदारी के साथ स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। दवाइयां भी वितरित की गई। यहां के निवासियों की स्वास्थ्य समस्यों को दूर करने के लिए एक गांव समुदाय में मोहल्ला क्लीनिक शुरू करने के ठोस कदम उठाए गए। किशोर स्वास्थ्य पर जोर दिया गया और सखी सहेली कार्यक्रम नामक पहल के माध्यम से मासिक धर्म महिला स्वच्छता के बारे में जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। मेडेकिंस संस फ्रंटियर्स/डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के सहयोग से एक समुदाय के बच्चों के साथ साइकोसेक्सुअल शिक्षा सत्र का आयोजन किया गया। दिल्ली पुलिस और विश्वविद्यालय की संयुक्त पहल के रूप में आत्मरक्षा प्रशिक्षण सत्रों का भी आयोजन किया गया। समुदाय के निवासियों को समाज के विविध वर्गों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। लोकप्रिय मांग पर सभी गांवों में युवतियों और महिलाओं के लिए मेहंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए और इनमें अपार भागीदारी दर्ज की गई। छात्रों ने एक गांव में नए आंगनबाड़ी केंद्र की स्थापना की सुविधा दी और बच्चों के साथ इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया। एम.सी.डी. स्कूल भवन के जीर्णोद्धार में भी उनकी अहम भूमिका रही। परिवार की भागीदारी के साथ स्कूल ड्रॉप आउट को वापस स्कूलों में शामिल करने के लिए चिह्नित करने और प्रेरित करने की पहल भी की गई। छात्रों ने लोगों के साथ प्रतिबद्ध जुड़ाव का प्रदर्शन किया और विभिन्न स्थानीय निकायों के समक्ष अपने मुद्दों को प्रस्तुत किया।

नियोजन गतिविधियां

विश्वविद्यालय के स्तर पर सभी संघटक महाविद्यालयों और विभागों में स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर और पीएचडी की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों की व्यवस्था करने के लिए विश्वविद्यालय में एक केंद्रीय नियोजन प्रकोष्ठ (सीपीसी) है। केंद्रीय नियोजन प्रकोष्ठ, डीन-छात्र कल्याण के अंतर्गत नियोजन प्रकोष्ठ परामर्शी समिति की सलाह पर काम करता है, जिसमें सभी महाविद्यालयों और विभागों के डिप्टी डीन-छात्र कल्याण, सलाहकार और नियोजन समन्वयक शामिल हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2018-19, वर्ष 2008 में स्थापना के बाद अपने कामकाज के सीपीसी का ग्यारहवां वर्ष था। पंजीकृत छात्रों की कुल संख्या इंटर्नशिप पंजीकरण सहित 7000 से अधिक है। इस वर्ष कुल 8 कंपनियों को शॉर्ट लिस्ट किया गया और उत्तर कैंपस के साथ-साथ साउथ कैंपस में ऑन-कैंपस सेलेक्शन ड्राइव किया गया। अमेजन इंडिया, विप्रो टेक्नोलॉजीज, इनसाइट टेकहब इंटरनेशनल, शाही एक्सपोर्ट्स, एटीएस इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी अलग-अलग कंपनियों के जॉब ऑफर के साथ 1100 से ज्यादा स्टूडेंट्स को शॉर्टलिस्ट किया गया। लगभग 750 छात्रों को अंततः आकर्षक वेतन पैकेज के साथ विभिन्न सरकारी और निजी क्षेत्रों में रोजगार मिला। इस वर्ष स्नातकोत्तर और पीएच.डी उम्मीदवारों की कॉर्पोरेट नौकरियों की अत्यधिक संख्या थी।

नियमित सीपीसी कार्यकलापों के साथ-साथ इस वर्ष क्षमता वृद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को उन्हें विशेष आजीविका मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया गया था। इन कार्यशालाओं ने छात्रों को अपने बुनियादी कौशल अर्थात् सीवी लेखन, साक्षात्कार का सामना करने, आत्म मूल्यांकन और स्वरोजगार को बढ़ाने के लिए पेशेवरों के साथ बातचीत करने में मदद की। विभिन्न महाविद्यालयों से प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को भी इंटर्न के रूप में विभिन्न कंपनियों में भेजा गया ताकि सूचना और प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया जा सके।

समान अवसर प्रकोष्ठ की पहल

एक समावेशी विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण और विकलांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने के प्रयोजन के प्रति प्रतिबद्ध, विश्वविद्यालय के समान अवसर प्रकोष्ठ ने अप्रैल, 2018- मार्च, 2019 की अवधि के दौरान ऐसे छात्रों के लिए विभिन्न सुविधाओं में सुधार की दिशा में प्रयास जारी रखा है। इसकी कुछ मुख्य गतिविधियां नीचे उल्लिखित हैं:

ईओसी अकादमिक प्रयोजनों के लिए विकलांग छात्रों को आवश्यकता आधारित स्वयंसेवक समर्थन प्रदान करता है। इस वर्ष ऐसी समर्थन सेवाओं की अवधि में विगत वर्ष के 9400 घंटे से बढ़कर इस वर्ष 10526 घंटे हो गई। इस समर्थन ने विकलांग छात्रों को पठन सेवाओं के संदर्भ में, उनके असाइनमेंट को पूरा करने और उनके फॉर्म आदि भरने के मामले में महत्वपूर्ण मदद प्रदान की है।

दृष्टिबाधित छात्रों के अध्ययन के लिए सुलभ प्रारूप में सामग्री की उपलब्धता महत्वपूर्ण है। इस वर्ष इस सपोर्ट एक्टिविटी में लगभग 30% की बढ़ोतरी हुई थी - विगत वर्ष लगभग 700 पुस्तकों को सुलभ फॉर्मेट में परिवर्तित किया गया और इस वर्ष यह संख्या लगभग 1000 पुस्तकें हो गई है। इस गतिविधि की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि अधिकांश पुस्तकें एक गैर सरकारी संगठन-सक्षम ट्रस्ट को निःशुल्क रूपांतरण के लिए आउटसोर्स थीं जिसने विश्वविद्यालय के वित्तीय संसाधनों की एक पर्याप्त राशि को बचाने में मदद की।

प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी रिपोर्ट अवधि के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए विकलांग छात्रों को महत्वपूर्ण परामर्श और सहायता प्रदान की गई। ऐसे छात्रों और उनके माता-पिता को व्यक्तिगत मार्गदर्शन ने उन्हें अपने प्रश्नों और कठिनाइयों को हल करने में मदद की।

प्रचलित सड़क कानूनों और नियमों के कारण अपनी तीन बसों में से दो को बंद करने की मजबूरी होने के बावजूद ईओसी ने यह सुनिश्चित किया है कि विकलांग छात्रों को दी जा रही सीमित परिवहन सुविधा में कमी न हो । यह एक शेष बस के सावधानीपूर्वक अनुकूलन के माध्यम से ऐसा किया गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय विकलांगता से संबंधित एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसे "विकलांगता पर संवाद" कहा जाता है। वर्तमान में पांच देशों के विश्वविद्यालय इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। विगत कुछ वर्षों से विश्वविद्यालय के विकलांग छात्रों और कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय प्रकटन और अभिज्ञान अर्जन किया। रिपोर्ट के वर्ष के दौरान, दो छात्रों और विश्वविद्यालय के तीन स्टाफ सदस्यों ने एक सप्ताह की चर्चा में भाग लेने के लिए हम्बोल्ट विश्वविद्यालय, बर्लिन, जर्मनी का दौरा किया।

ईओसी ने विश्वविद्यालय की तैयारी समिति को विकलांग अध्ययन केंद्र की स्थापना के सभी पहलुओं के संबंध में सिफारिशें करने के लिए अपने काम में सहायता भी प्रदान की है। समिति अपनी रिपोर्ट पहले ही सौंप चुकी है।

आर.टी.आई. स्कंध (विंग)

सूचना के अधिकार अधिनियम की भावना के अनुरूप, विश्वविद्यालय सक्रिय रूप से अपने हितधारकों की जानकारी के लिए अपने कामकाज के सभी कार्यों से संबंधित जानकारी का प्रकटन कर रहा है, जिसमें अन्य के साथ-साथ कर्मचारी, छात्र, पूर्व छात्र और भावी छात्र और कर्मचारी शामिल हैं।

वर्ष 2018-19 के दौरान विश्वविद्यालय में आरटीआई के कार्यान्वयन की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं :

- विश्वविद्यालय ने 19 सितंबर, 2018 को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में लगभग 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में माननीय सूचना आयुक्त ने व्यापक प्रस्तुति दी।
- विश्वविद्यालय ने केंद्रीय सूचना आयोग द्वारा आयोजित पारदर्शिता लेखापरीक्षा में पहली बार भाग लिया और लगभग 90% का पारदर्शिता स्कोर प्राप्त किया और इसे रैंक 'बी' में रखा गया। यह केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में सबसे अधिक था।
- विश्वविद्यालय में प्राप्त मूल आवेदनों की मात्रा लगभग एमएचआरडी जैसे नोडल मंत्रालयों द्वारा प्राप्त आवेदनों के समान है। वर्ष के दौरान 2624 मूल आवेदन प्राप्त किए गए, 446 में प्रथम अपील सुनवाई हुई और द्वितीय अपील की 60 सुनवाई में भाग लिया गया।

खेल-कूद विशष्टताएं

विश्वविद्यालय की सुश्री भव्या ऋषि ने अक्तूबर, 2018 में क्वालालंपुर (मलेशिया) में 8वीं विश्व विश्वविद्यालय बैडमिंटन चैम्पियनशिप 2018 के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों की टीम का हिस्सा थीं।

अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट

विश्वविद्यालय के छात्रों ने नॉर्थ जोन और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट (पुरुष और महिला) में बैडमिंटन (महिला), स्क्वैश रैकेट (पुरुष), भारोत्तोलन (पुरुष), शतरंज (महिला), निशानेबाजी (पुरुष और महिला), जूडो (महिला), ताइक्वांडो (पुरुष), कुश्ती (पुरुष), तैराकी (पुरुष और महिला), बास्केटबॉल (महिला) और टेबल टेनिस (महिला) में 56 स्वर्ण पदक जीते ।

नॉर्थ जोन में विश्वविद्यालय और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में इन एक्वाटिक्स (पुरुष और महिला), शतरंज (पुरुष), फुटबॉल (महिला), शूटिंग (पुरुष और महिला), बास्केटबॉल (पुरुष) और साइक्लिंग (महिला) में छात्रों ने 65 रजत पदक जीते।

दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ जोन में टेबल टेनिस (पुरुष), निशानेबाजी (पुरुष और महिला), जूडो (महिला), मुक्केबाजी (पुरुष), साइकिलिंग (महिला), योग (पुरुष), कुश्ती (महिला), तैराकी (पुरुष और महिला), शतरंज (पुरुष), टेनिस (महिला), ताइक्वांडो (महिला) और स्क्वैश रैकेट (महिला) में छात्रों ने 63 कांस्य पदक जीते।
अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट 2018-19 में टीम चैम्पियनशिप

- अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप 2018-19 में विश्वविद्यालय की टीम ने डाइविंग (पुरुष) और स्क्वैश रैकेट (पुरुष) ओवरऑल चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- विश्वविद्यालय की टीम ने अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप 2018-19 में तैराकी (पुरुष और महिला) और जूडो (महिला) में ओवरऑल चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता ।
- विश्वविद्यालय की टीम ने अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप 2018-19 में शतरंज (पुरुष) में स्क्वैश रैकेट (महिला) और टेबल टेनिस (पुरुष) में ओवरऑल चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।

सामान्य सुविधाएं और कार्यक्रम

पूर्व छात्र मामलें 2018-2019

दिल्ली विश्वविद्यालय ने परामर्शदाता/डीन सिडनी आर. रिबेरो द्वारा आयोजित डीयू-पूर्व छात्र अंत: संवेदी अभियान के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप वर्ष 2018-19 में अपने संस्थापन वर्ष 1922 के बाद पहली बार पूर्व-छात्रों से लगभग 4 करोड़ रुपए से अधिक की छात्रवृत्ति दान-स्वरूप प्राप्त की। पूर्व छात्र दानदाताओं में डॉ मदन गोपाल सेठ, सुश्री मीरा सेठ, आईएएस सेवानिवृत्त, प्रेम सिंह राणा, आईएएस सेवानिवृत्त और डॉ स्नेह राणा, डॉ. आई पी मित्तल और डॉ. सुश्री वेद मित्तल और अपने पिता की समृति में प्रख्यात अधिवक्ता मुकुल रोहतगी, हमारे पूर्व छात्र न्यायमूर्ति अवध बिहारी रोहतगी शामिल है।

वर्ष **संवेदनशीलता** के साथ एक यादगार से शुरू हुआदिल्ली विश्वविद्यालय प्रख्यात पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला : व्याख्यान दिए। डीयू 4 शक्ति सिन्हा ने .पूर्व छात्र डॉ व्याख्यान दिए और 3 बिबेक देबरॉय ने .पूर्व छात्र डॉ **स्थापना दिवस** 01 मई 2019 को उपकुलपति प्रोफेसर योगेश के त्यागी ने पूर्व छात्रा, जम्मूकश्मीर की प्रख्यात - मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल, उच्च न्यायालय, वरिष्ठ अधिवक्ता, अमन सिन्हा, दिल्ली की मधुप व्यास, आईएएस, सचिव दिल्ली सरकार, सुश्री पिंकी आनंद, अपर सॉलिसिटर जनरल को डॉ हर्षवर्धन सिंह पूर्व डिप्टी डीजी डब्ल्यूटीओ, वरिष्ठ अधिवक्ता और रामजी श्रीनिवासन, भारतीय सर्वोच्च न्यायालय का सम्मान किया।

डॉ दुर्गादास अग्रवाल, अध्यक्ष, सीईओ पाइपिंग टेक्नोलॉजी एंड प्रोडक्ट्स और ह्यूस्टन यूएसए यूनिवर्सिटी की सुशीला अग्रवाल, परमिंदर सिंह चीफ कमर्शियल ऑफिसर, मीडियाकॉर्प और गुरमीत सिंह, पूर्व एमडी **याहू! इंडिया** और फाउंडर और सीईओ डीएयूडब्ल्यूयू यूएसए, डॉगीता गोप आईनाथ ., मुख्य अर्थशास्त्री, आईएमएफ, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका, देवेंद्र के जैन, अध्यक्ष यूएसडी 2 बिलियन आईनोक्स आदि समूह और रश्मि डागा, सीईओ और संस्थापक फेश मेन्यू, 2018 - 2019 में नई कॉर्पोरेटव्यवसायिक ऊंचाइयों को प्राप्त करने - वाले प्रख्यात उच्च उपलब्धि पूर्व छात्र थे।

हमने 29 देशों से ***से अधिक पूर्व छात्रों की आवश्यकताओं 4000***की पूर्ति की है और समीक्षाधीन वर्ष में युवा और “मिडस्ट्रीमछात्रों” के लिए हमारी परामर्श मार्गदर्शन सेवाओं को बढ़ाया है। हमारे-**डीयू पूर्व छात्र ग्लोबल डाटाबेस** ने एक सिग्निफिकेंट 502 में ***अति प्रख्यात पूर्व छात्रों की विशेष शॉर्टलिस्ट*** में अनेक कई स्रोतों से **50500 नामों** की संख्या को भी पार कर लिया है।

यह अत्यंत गर्व की बात है कि डीयू के पूर्व छात्र न्यायाधीशों को देश की शीर्ष अदालत में पदोन्नत किया जाता है। उच्चतम न्यायालय के **9 न्यायमूर्ति** और उच्च न्यायालयों के **60 से अधिक न्यायमूर्ति** डीयू के पूर्व छात्र हैं। लॉर्डशिप न्यायाधीश ऋषिकेश रॉय और जस्टिस एस रविंद्र भट को भारत के सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत किया गया, जबकि हाल ही में सेवाऔर नॉन रेजिडेंट 2019 निवृत्त न्यायमूर्ति मदन बी लोकुर इंडिया जस्टिस रिपोर्ट-जज, फिजी के सुप्रीम कोर्ट के अध्यक्ष है, जबकि न्यायमूर्ति डॉअर्जन के सीकरी ., इंडियन फेडरेशन ऑफ स्पोर्ट गेमिंगआईएफएसजी-, इंटरनेशनल जज सिंगापुर इंटरनेशनल कमर्शियल कोर्ट एसआईसीसी और न्यूज ब्रॉडकास्टिंग स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी न्यूज ब्रॉडकास्टिंग एसोसिएशन एनबीए के अध्यक्ष है। 2018 - 2019 में जस्टिस ज्योति सिंह जस्टिस प्रतीक जालान -, जस्टिस तलवंत सिंह, जस्टिस रजनीश भटनागर और जस्टिस आशा मेनन को दिल्ली उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया, जबकि जस्टिस प्रदीप नंद्राजोग मुंबई के मुख्य न्यायाधीश बने और अजय कुमार त्रिपाठी, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के 2018 - 2019 में मुख्य न्यायाधीश है।

डीयू कोर्ट 2018 - 2023 में डीयूएए के प्रतिनिधि हरि शंकर गुप्ता, प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार अग्रवाल, प्रोफेसर जयप्रकाश शर्मा, श्री अमन कुमार, प्रोफेसर जेएल गुप्ता, श्री राजेश बी मंगला एफसीए, अभिभाषक नाथूराम शर्मा, डॉ संजीव कुमार सिंघल, डॉ एल एस चौधरी और श्री स्वर्ण स्वरूप दुबे थे।

सांविधिक डीयू पूर्व छात्र एसोसिएशन डीयूएए की नई सदस्यता और नवीकरण, मानदंडों के अनुरूप किया गया और एसोसिएशन ने डीयू कोर्ट में अपने 10 सदस्यों का चुनाव किया; बाद में, पूर्व छात्रों का कार्यकारी परिषद, वित्त समिति और अन्य आधिकारिक निकायों के लिए भी चुनाव किया गया।

पूर्व छात्रों के मुख्य समन्वयकों और पूर्व छात्रों के प्रतिनिधियों के हमारे नेटवर्क (संकाय), में काफी विस्तार हुआ है और इसमें से अधिक विभागों 110, महाविद्यालयों, एसओएल और एनसीडब्ल्यूईबी के प्रतिनिधि शामिल है।

विश्व भर में पूर्व छात्रों के साथ जुड़ने और समृद्ध करने के लिए, हमारे eZine "L' affaire पूर्व छात्रोंछात्र -पूर्व " संस्करण7: डीयू" का अपलोड किया गया है और इसका विषय 2019 शताब्दी की ओर है"!

विश्वविद्यालय शताब्दी 2020 - 2021 - 2022 के वैश्विक महोत्सव के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और योजनाएं बनाई जा रही हैं और इसमें एक महत्वपूर्ण पूर्व छात्र का नेतृत्व शामिल है। पूर्वछात्रों से संबंधित - विरासत, पुरानी यादों और संसाधन जुटाव परियोजनाएं और कार्यक्रमों की शुरुआत 2018 - 2019 में की गई थी।

***

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली ने नए संशोधित अध्यादेश XVI को ध्यान में रखते हुए अपने 34 घटक पुस्तकालयों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली पुस्तकालय और सूचना सेवाओं को दुरुस्त करने के लिए अनेक उपाय किए हैं। संक्षिप्त सूची नीचे दी गई है।

प्रिंट संसाधन

पुस्तकालय प्रणाली ने रखरखाव अनुदान से क्रय की और अब इसके संग्रह में 13637 पुस्तकें जुड़ गई है। 31-03-2019 तक पुस्तकों का कुल संग्रह 1692736 हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली में वर्तमान में 1174 पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली में 44231 शोध ग्रंथ/शोध प्रबंध भी हैं।

इलेक्ट्रॉनिक संसाधन

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली ने उपयोगकर्ताओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की सशक्त अभिगम्यता जारी रखा। विभिन्न विषयों और आयामों में 43 इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस हैं जो विश्वविद्यालय के उपयोगकर्ता समुदाय के लिए उपलब्ध हैं।

ऑडियो पुस्तक संसाधन और ब्रेल पुस्तकालय

ब्रेल पुस्तकालय नेत्रहीन छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए शिक्षण, अभिग्रहण और अनुसंधान का समर्थन करने में सक्रिय है। इसमें 3 ऑडियो बुक प्रोडक्शन स्टूडियो, 2 उच्च क्षमता वाले ब्रेल ऍक्बासर्स, डेज़ी सिस्टम, स्पार्श, ओबीआई, पुट्टी, सिग्टुना, जॉ, डक्सबरी, लीप ऑफिस आदि सहित विभिन्न सॉफ्टवेयर के साथ 22 नवीनतम कंप्यूटरों का नेटवर्क है। यहां 1837 ऑडियो पुस्तकें, 1928 ब्रेल बुक्स, 1793 ई-टेक्स्ट और ई-पब्लिशिंग फॉर्मेट में 401 किताबें हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में 323 सदस्य पंजीकृत हैं। इसमें सीडी और पेन ड्राइव पर 2331 किताबें प्रसारित की हैं। ब्रेल पुस्तकालय सुगम्य पुस्तकालय का सदस्य भी है जिसके अंतर्गत प्रयोक्ता रिमोट एक्सेस के जरिए ऑडियो पुस्तक या ई-टेक्स्ट के रूप में अध्ययन सामग्री डाउनलोड कर सकता है।

अन्य प्रमुख पुस्तकालयों में गतिविधियां

केंद्रीय पुस्तकालय (कला पुस्तकालय सहित): केंद्रीय पुस्तकालय (कला पुस्तकालय सहित) ने पिछले वित्त वर्ष में 4450 पुस्तकें जोड़ी, 3548 सदस्य बनाएं और 48392 पुस्तकें जारी कीं। पुस्तकों के प्रचलन के साथ 4450 खंडों का संग्रह जोड़ा। पुस्तकालय छात्रों और संकाय सदस्यों को साहित्यिक चोरी की जांच सेवाएं प्रदान कर रहा है। शोध कार्य की जांच करने और समानता रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों के साथ एक समर्पित डेस्क स्थापित किया गया है। केंद्रीय पुस्तकालय में रिसर्च फ्लोर पर इंटरनेट एक्सेस सुविधा का उपयोग प्रतिदिन औसतन 25-30 विद्वानों द्वारा नियमित रूप से किया जा रहा है। पुस्तकालय प्रिंट प्रारूप में 240 पत्रिकाओं की सदस्यता ले रही है। पुस्तकालय ने अन्य विश्वविद्यालयों को ऋण पर 617 दस्तावेज भेजे और अंतर-पुस्तकालय पुस्तकालय ऋण के रूप में अन्य संगठनों से 211 दस्तावेज प्राप्त किए। केंद्रीय पुस्तकालय में शोध और शोध प्रबंधों का कुल संग्रह, लगभग 37689 (23223 शोध और 14466 शोध प्रबंध) है, जिन्हें वर्ष के दौरान दर्ज किया गया है। आगरा, बनारस, इलाहाबाद, रोहतक, महेंद्रगढ़, केरल, कर्नाटक, और मुंबई आदि बाहर के विश्वविद्यालयों से आए कई आगंतुकों ने पुस्तकालय का दौरा किया।

केंद्रीय विज्ञान पुस्तकालय: केंद्रीय विज्ञान पुस्तकालय ने पिछले वित्त वर्ष में 2776 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता और 1212 खंडों का संग्रह जोड़ा और 64153 जोड़ने में सफल रहा है। पुस्तकालय ने जेसीसीसी के माध्यम से देश के विभिन्न पुस्तकालयों को और कई दस्तावेज/लेख प्राप्त किए और भेजे। प्रिंट और ऑनलाइन सहित वर्तमान पत्रिकाओं की सदस्यता 213 है।

रतन टाटा पुस्तकालय: पुस्तकालय में पिछले वित्त वर्ष में 1156 खंड जोड़े गए और रतन टाटा पुस्तकालय ने विभिन्न संसाधनों और एक हाई एंड सर्वर तक पहुंच के लिए 105 टर्मिनलों वाली अपनी कंप्यूटिंग सुविधा और अद्वितीय ई-पुस्तकालय का संवर्धन किया है। रतन टाटा पुस्तकालय की कुल पत्रिकाओं की सदस्यता प्रिंट और ऑनलाइन जर्नल सहित 232 है। इसके संग्रह में लगभग 1500 शोध किए और शोध प्रबंध भी हैं। यह संयुक्त राष्ट्र और भारत सरकार द्वारा प्रकाशनों के कोष के रूप में भी कार्य करता है

दक्षिणी दिल्ली कैंपस: दक्षिण दिल्ली कैंपस पुस्तकालय पिछले वित्त वर्ष में 1680 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता और लगभग 14860 पुस्तकों के संचलन के साथ 1941 खंडों का संग्रह जोड़ने में सक्षम हुआ है। इसमें लगभग 164 प्रिंट जर्नल, 15628 पत्रिकाओं की सदस्यता है, और यह पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत है। परिसंचरण-समस्या-वापसी, अनुस्मारक, सदस्यता, अधिग्रहण-आदेश और बिलिंग, धारावाहिक नियंत्रण और ओपीएसी जैसी पुस्तकालय गतिविधियां ट्रोडॉन पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करके पूरी तरह से स्वचालित वातावरण में होती हैं।

संगीत और ललित कला पुस्तकालय के संकाय: संगीत और ललित कला के पुस्तकालय में 398 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता है और 16399 पुस्तकों का संग्रह है। बाहर के विश्वविद्यालयों से भी बड़ी संख्या में आगंतुकों ने पुस्तकालय का दौरा किया। अपने डिजिटल संग्रह में इसमें 2643 कैसेट, 1150 सीडी की 104 टॉकिंग बुक्स के अलावा 305 ब्रेल पुस्तकें हैं। ऑडियो-विजुअल पुस्तकालय के विस्तार के रूप में, इसमें 10 सीडी प्लेयर सहित एक श्रवण कक्ष है जहां छात्र ऑडियो सामग्री सुन सकते हैं।

संगोष्ठी/ सम्मेलन / कार्यशालाएं/ प्रदर्शनी

डॉ. तारीक अशरफ (उप पुस्तकालयाध्यक्ष, दक्षिण दिल्ली कैंपस पुस्तकालय)
उनमुख कार्यक्रम, 9 अगस्त, 2018, व्यापार आर्थिकी विभाग और 16 अगस्त एमएफसी, अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग के दौरान लेक्चर दिया।

पुस्तकालय स्वचालन और डिजिटाइजेशन पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 17-21 दिसंबर, 2018 को किया गया।

पुस्तकालय स्टाफ द्वारा प्रकाशन

डॉ. तारीक अशरफ

स्मार्ट लाइब्रेरी: परिवर्तन, चुनौतियां मुद्दे और रणनीतियां, नई दिल्ली: एशियन लाइब्रेरी एसोसिएशन, 2018
डिजिटल पदचिह्न का विस्तार: पुस्तकालयों और सूचना केंद्र, नई दिल्ली की भूमिका; एशियन लाइब्रेरी एसोसिएशन, 2018 पृष्ठ 665.

डॉ. राजेश सिंह
सिंह, आर., सिंह, आर. (2018). अधिग्रहण और अकादमिक पुस्तकालयों में ई पुस्तकों की पहुंच: कुछ चिंताएं. लाइब्रेरी हेराल्ड, 56(2), 264-271.

सिंह, आर., कुमार, एस.(2018). सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं की सूचना साक्षरता योग्यता का आकलन. लाइब्रेरी हेराल्ड, 56(4), 481-491.

सिंह, आर., कुमार, एस. (2018). अनुसंधान के विभिन्न अवधियों में सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं की सूचना साक्षरता योग्यता: एक अध्ययन। जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस, 43(1), 123-140.

सिंह, आर., कुमार, एस. (2018). सामाजिक विज्ञान विज्ञान शोधार्थियों की शोध की भिन्न अवधियों में साक्षरता सक्षमता की जानकारी: एक अध्ययन. जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस, 43(1), 123-140.

सिंह, आर., कुमार, एस. (2019). कानूनी अनुसंधान में सूचना साक्षरता योग्यता मूल्यांकन और निर्धारण' [इन: डिजिटल परिवर्तन रणनीतियों और ई-लर्निंग में रुझान: गोपनीयता, संरक्षण और नीति द्वारा संपादित किया गया डॉ. प्रिया राय और डॉ. आकाश सिंह, सेगमेंट बुक्स, नई दिल्ली, 2019. पृष्ठ 464-476. आईएसबीएन-.978-93-81513-14-9.

सिंह, आर., कुमार, एस. (2018). शोधकर्ताओं जागरूकता और विश्वविद्यालय पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं से संतुष्टि: सूचना साक्षरता योग्यता की एक शर्त. जर्नल ऑफ इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन, 54(3), 149-161.
सिंह, आर., कुमार, एस.(2018). इतिहास में शोध विद्वानों की सूचना साक्षरता योग्यता का स्तर। असेसमेंट एंड मैपिंग, 5(2), 46-54.

सिंह, आर., कुमार, एस. (2019). सूचना का उपयोग नैतिकता के संबंध में सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं के सूचना साक्षरता योग्यता स्तर: एक अध्ययन। डीईएसआईडीओसी जर्नल ऑफ लाइब्रेरी और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, 39(2), 101-108.

सुविधायें

सूचना साक्षरता कार्यक्रम: डीडीएस नियमित रूप से 2006 से सूचना साक्षरता कार्यक्रम आयोजित रहा है और 133 ई-संसाधन अभिविन्यास कार्यक्रम, 15 प्रत्यक्ष प्रशिक्षण सत्र, सामाजिक विज्ञान में शोधार्थियों के लिए 15 एक दिवसीय कार्यशालाओं सहित दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और महाविद्यालयों में कुल 163 सूचना साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किए हैं। चालू वर्ष में डीवाईडीएस ने विभागों/महाविद्यालयों और सम्मेलन केंद्र में 15 सूचना साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

समानता का पता लगाना: केंद्रीय पुस्तकालय को छात्रों द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य के लिए समानता का पता लगाने का कार्य सौंपा गया है। केंद्रीय पुस्तकालय ने समानता का पता लगाने का कार्य शुरू कर दिया है।

दस्तावेज़ वितरण सेवा: जे-गेट @यूजीसी इंफोनेट यूजीसी-इंफोनेट डिजिटल पुस्तकालय समूह द्वारा अभिदत्त किए गए सभी डेटाबेस के लिए लेख स्तर तक की अभिगम्यता प्रदान करता है, लगभग 5,200 ओपन एक्सेस इलेक्ट्रॉनिक जर्नल, प्रिंट जर्नल ने 30 विश्वविद्यालय पुस्तकालयों को इनफ्लिबनेट केंद्र के अंतर-पुस्तकालय ऋण (आईएल) केंद्रों के रूप में डिजाइन किया है। डीयूएलएस, सेवाओं के लिए 30 नामित आईएलएल केंद्रों में से एक है।

मानव संसाधन: पुस्तकालयों में कंप्यूटर के उपयोग पर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए केंद्रीय पुस्तकालय में बनाई गई प्रशिक्षण सुविधा विश्वविद्यालय और महाविद्यालय पुस्तकालयों के पुस्तकालय कर्मचारियों के हितार्थ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर रही है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डीयूएलएस-वेबसाइट

डीयूएलएस -वेबसाइट जिसमें चयनित पुस्तकालयों (ओपीएसी) की सूची शामिल है; ई-रेफरेंसिंग का प्रावधान, ई-जर्नल की ए-जेड सूची, ऑनलाइन सूचना साक्षरता ट्यूटोरियल, विषय पोर्टल, अपने पुस्तकालय से पूछें, मुक्त अभिगम्यता संसाधनों और कई अन्य उपयोगकर्ता के अनुकूल सुविधाओं सहित इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुंच, चल रहा है।

डिजिटल पुस्तकालय

पुस्तकालय ने ड्यूलस में कॉपीराइट क्षेत्र में उपलब्ध 14386 पुस्तकों को डिजिटिकरण किया है और मुक्त स्रोत समग्री प्रबंधन प्रणाली कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम, अर्थात् 'डी-स्पेस' का उपयोग करके वैश्विक इंटरनेट अभिगम्यता के लिए वेब पर रखा गया है। यूआरएल http://library.du.ac.in/dspace है। यही स्थिति डिजिटल पुस्तकालय ऑफ इंडिया के पोर्टल पर भी उपलब्ध है।

ग्रीष्म-प्रशिक्षण

डीडब्ल्यूएस ने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के छात्रों को 7,500 रुपये प्रति माह की दर से ग्रीष्म प्रशिक्षुता के रूप में शामिल करना जारी रखा। इस अवधि में 13 छात्रों को विभिन्न पुस्तकालयों में प्रशिक्षण दिया गया है।

***

दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक सह-शिक्षा माध्यमिक विद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक केंद्र सह-शिक्षा माध्यमिक विद्यालय की अपने आसपास के क्षेत्र के प्रतिष्ठित विद्यालय में गिनती हो रही है। यह ब्लॉक - सी, मौरिस नगर, दिल्ली - 07 के आवासीय क्षेत्र में स्थित है। स्वयंसेवी महिला संगठन के एक छोटे समूह ने वर्ष 1945 में विद्यालय की शुरुआत की थी। दरअसल, पूर्व स्वतंत्र भारत में सर मौरिस ग्येर के विनम्र अनुरोध पर उनकी शुरुआत की गई थी। वर्ष 1964 के बाद से विद्यालय को दिल्ली सरकार से 95% और दिल्ली विश्वविद्यालय से 5% सहायता मिलती है। विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रो मोहनी रजा के कार्यकाल में विद्यालय के लिए एक आधुनिक भवन की व्यवस्था की है, जिसका रखरखाव विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किया जाता है। विश्वविद्यालय ने विद्यालय से सटे विद्यालय, क्वार्टर सी-4 का आबंटन भी कर दिया है। उस भवन में कुछ प्राथमिक कक्षाएं स्थानांतरित की गई हैं। नर्सरी सेक्शन भी उस भवन में संचालित होता है। वर्ष 2003 में विद्यालय को 8वीं से 10वीं कक्षा में अपग्रेड किया गया था।

विद्यालय की प्रबंध समिति में 13 व्यक्ति हैं, जिनमें विश्वविद्यालय द्वारा नामित 6 प्रोफेसर, 1 कार्यकारी परिषद् सदस्य, दिल्ली सरकार द्वारा नामित 2, स्कूल से 3 और अभिभावक शिक्षक संघ से 1 शामिल हैं । वर्तमान प्रबंध समिति के सदस्य है :

प्रोफेसर शोभा बगई (अध्यक्ष)
श्री अनुराग शौकीन (कार्यवाहक प्रबंधक, सचिव/कार्यपालक परिषद् सदस्य)
प्रोफेसर नमिता रंगनाथन (सहायक प्रबंधक)
प्रोफेसर दिवेश कुमार सिन्हा (सदस्य)
प्रोफेसर अनिता शर्मा (सदस्य)
डॉ. गरिमा भारती (एचओएस)
श्रीमती सीमा कुमारी (उप-प्रधानाचार्य, जीजीएसएस बुरारी) कार्यकारणी समिति के परामर्शी बोर्ड की सदस्य
श्रीमती नीलम मेहंदीरत्ता (कर्मचारी प्रतिनिधि)
श्रीमती विभा शर्मा (कर्मचारी प्रतिनिधि)
श्री मोहम्मद ज़मिल (पीटीए सचिव)
विद्यालय स्टाफ में शामिल है: डॉ. गरिमा भारती (एचएएस) 6 टीजीटी, 6 सहायक शिक्षक, 1 योग शिक्षक, 1 पीईटी शिक्षक, 1 चपरासी, 1 चौकीदार और संविदा पर: 1 कार्यालय सहायक, 1 पुस्तकालय शिक्षक, 2 नर्सरी शिक्षक,1 नर्सरी आया, 1 आई.टी. सहायक, 1 कंप्यूटर शिक्षक और 2 सफाई कर्मचारी (अनुबंध) या दैनिक मजदूरी आधार पर)।

शैक्षणिक सत्र 2018-19 (1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019) के दौरान आयोजित विभिन्न शैक्षणिक और सह पाठयक्रम कार्यकलापों का विवरण:

विद्यालय में छात्रों की संख्या लगभग 600 है। दसवीं कक्षा का परिणाम 65 प्रतिशत रहा जबकि दिल्ली का समग्र पास प्रतिशत 70 प्रतिशत था। पिछले 5 साल से छात्रों का नामांकन लगातार बढ़ रहा है लेकिन स्थान की कमी के कारण विद्यालय अधिकतर ज्यादा छात्रों को समायोजित नहीं कर पाता।

विद्यालय ने सत्र 2017-18 के दौरान निम्नलिखित समारोह आयोजित किए हैं: अप्रैल के महीने में पृथ्वी विज्ञान सप्ताह; स्वतंत्रता दिवस; वार्षिक दिवस; बाल दिवस; रेडक्रॉस दिवस; संविधान दिवस 26 नवम्बर से 25 जनवरी तक; गणतंत्र दिवस; 23.03.2017 को भगत सिंह शहीद दिवस।

आयोजित विभिन्न कार्यशालाएं और संगोष्ठी:

यह सह-शिक्षा विद्यालय है, और इसमें 10 से 15 वर्ष आयु वर्ग के छात्र हैं। बालिकाओं के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग की सहायता से बालिकाओं के लिए मार्गदर्शन एवं परामर्श कार्यशाला की व्यवस्था की गई थी।

अभिभावकों को अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने और अपने बच्चों की शिक्षा में सुधार लाने के लिए प्रेरित करने के लिए परामर्श भी दिया गया।

विद्यालय ने छात्रों में भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया था।

विद्यालय ने विधिक साक्षरता दिवस पर विधिक साक्षरता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया था।

छात्रों ने "गांधी भवन" में गांधी जी के शहीद दिवस में भी भाग लिया।

यह विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के 'फ्लावर शो' में भाग लेता है और उसे अनेक पुरस्कार भी मिले हैं।

यह विद्यालय शिक्षा निदेशालय और अन्य शिक्षा संगठन द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यकलापों जैसेकि खेल, योग, चित्रकला और वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि की विभिन्न गतिविधियों में भी भाग लेता है। छात्रों को भ्रमण के लिए ले जाया जाता है। उन्होंने विभिन्न अंतर-विद्यालय प्रतियोगिताओं अर्थात खेल, योग, वाद-विवाद और चित्रकला आदि में भी भाग लिया और राष्ट्रीय पुरस्कार (ताइक्वांडो) भी जीते हैं। जोनल प्रतियोगिता में छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

***

दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद्

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताएं, पुरुष और महिला वर्गों के लिए 58 खेलों/खेलों में आयोजित की गईं और इसके बाद उत्तर क्षेत्र के लिए विश्वविद्यालय टीमों के चयन परीक्षण और कोचिंग शिविर और पुरुष और महिला वर्ग के लिए अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट आयोजित किए गए। भारतीय विश्वविद्यालय एसोसिएशन द्वारा आयोजित नॉर्थ जोन और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट में विश्वविद्यालय की टीमों ने 62 खेलों/खेलों में हिस्सा लिया।
वर्ष 2018-19 में कुल 638 छात्रों (पुरुष एवं महिला) ने नार्थ जोन और ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

सम्मान/गौरव

विश्वविद्यालय की सुश्री भव्या ऋषि अक्तूबर, 2018 में कौलालंपुर (मलेशिया) में 8वीं विश्व विश्वविद्यालय बैडमिंटन चैम्पियनशिप 2018 के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों की टीम का हिस्सा थीं।

उत्तरी जोन और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट (पुरुष और महिला) बैडमिंटन (महिला), स्क्वैश रैकेट (पुरुष), भारोत्तोलन (पुरुष), शतरंज (महिला), निशानेबाजी (पुरुष और महिला), जूडो (महिला), ताइक्वांडो (पुरुष), कुश्ती (पुरुष), तैराकी (पुरुष और महिला), बास्केटबॉल (महिला) और टेबल टेनिस (महिला) में विश्वविद्यालय के छात्रों ने 56 (छपपन) स्वर्ण पदक जीते।

उत्तरी जोन और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में विश्वविद्यालय के छात्रों ने तैराकी (पुरुष और महिला), शतरंज (पुरुष), फुटबॉल (महिला), निशानेबाजी (पुरुष और महिला), बास्केटबॉल (पुरुष) और साइकिलिंग (महिला) में 65 (पैंसठ) पदक जीते ।

उत्तरी जोन और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में विश्वविद्यालय के छात्रों ने टेबल टेनिस (पुरुष), निशानेबाजी (पुरुष और महिला), जूडो (महिला), मुक्केबाजी (पुरुष), साइक्लिंग (महिला), योग (पुरुष), कुश्ती (महिला), तैराकी (पुरुष और महिला), शतरंज (पुरुष), टेनिस (महिला), ताइक्वांडो (महिला) और स्क्वैश रैकेट (महिला) में 63 (तिरसठ) कांस्य पदक जीते। (अनुबंध-4)

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट 2018-19 में टीम चैंपियनशिप:

विश्वविद्यालय की टीम ने अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप 2018-19 में ओवरऑल चैम्पियनशिप में डाइविंग (पुरुष) और स्क्वैश रैकेट (पुरुष) में स्वर्ण पदक जीता।

अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप 2018-19 में ओवरऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय की टीम ने तैराकी (पुरुष और महिला) और जूडो (महिला)।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप 2018-19 में ओवरऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय की टीम ने शतरंज (पुरुष) में स्क्वैश रैकेट (महिला) और टेबल टेनिस (पुरुष) कांस्य पदक जीते।

***

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन एक सामाजिक कल्याण संगठन है और इसका पंजीकरण 31 अक्तूबर, 1964 को केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में विस्तारित 1860 (पंजाब संशोधन अधिनियम 1957) के सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम XXI के अंतर्गत पंजीकृत किया गया था। और दिल्ली विश्वविद्यालय में और उसके आसपास महिलाओं के हितलाभ के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोरंजक, शैक्षिक और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और जारी रखने के लिए किया गया था। दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन की शुरुआत सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. दुर्गाबाई देशमुख ने की थी, जो एक महान दूरदर्शी और तत्कालीन कुलपति प्रोफेसर सी.डी. देशमुख की पत्नी हैं, जिनकी दृष्टि वंचित और अल्पधिकार प्राप्त महिलाओं को सशक्त बनाना था।

कार्यक्रम और गतिविधियां:

प्ले स्कूल: दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन एक बच्चे के बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक, एस्थेटिक और शारीरिक विकास को बढ़ावा देने के लिए क्रमशः 1966 और 1967 में स्थापित दो प्री-स्कूल दुर्गाबाई देशमुख बलवाड़ी और उषा गांगुली शिशु विहार का संचालन करती हैं। बालवाड़ी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए है, जहां उन्हें नि:शुलक पोषाहार दिया जाता है। दोनों विद्यालयों में लगभग 200 बच्चे पंजीकृत हैं।

महिला छात्रावास: दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन ने दिल्ली विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों की एकल महिला शिक्षकों के हितलाभ के लिए 1975 में अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष के उपलक्ष्य में कामकाजी महिला छात्रावास श्री सदन की स्थापना की। अन्य दो छात्रावास, प्राचीन दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन और नवीन दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन एम.फिल और पीएच.डी को आवास सुविधा प्रदान करते हैं। दिल्ली छात्रावासों में विश्वविद्यालय के लगभग छात्र 36 छात्र और एक पूर्णकालिक वार्डन है।

वात्सल्य: इस शिशु देखभाल कार्यक्रम का प्रयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय में कामकाजी माताओं के बच्चों की खुशहाली से संबंधित तनाव को कम करने के उद्देश्य से समर्थन करना है। यह डे-केयर सुविधा 6 महीने से अधिक आयु वर्ग से लेकर 6 साल के बच्चों के लिए है। इस सुविधा में 50 बच्चे हैं।

माइंड बॉडी सेंटर: दिल्ली विश्वविद्यालय में महिला छात्रों के कल्याण को बढ़ावा देना इस केंद्र का एक प्रमुख उद्देश्य है। इसका उद्घाटन फरवरी 2014 में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो दिनेश सिंह ने किया था। चूंकि मन और शरीर की समस्याएं आपस में जुड़ी हुई हैं, इसलिए केंद्र के चिकित्सक, प्राकृतिक चिकित्सक और काउंसलर की विशेषज्ञता से उनका समग्र रूप से समाधान करने की आवश्यकता है। नि:शुल्क परामर्श के अलावा केंद्र में योग और एक्यूप्रेशर तकनीक का प्रयोग भी किया जाता है।

स्मारिका शॉप: दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में नवंबर 2014 में स्मारिका शॉप का शुभारंभ किया गया था जिसका उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिनेश सिंह ने किया था। इस गतिविधि का प्राथमिक उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय ब्रांड को बढ़ावा देना और साथ ही छात्रों और दिल्ली विश्वविद्यालय समुदाय के अन्य सदस्यों के बीच गर्व और अपनत्व की भावना उजागर करना है। स्मारिका की वस्तुओं के डिजाइन और बिक्री का प्रबंधन दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन के सदस्य कर रहे हैं। कुछ स्मारिका वस्तुओं जैसे फोल्डर, स्वेट शर्ट, बैग, पेन, चाबी चेन, मग आदि की काफी मांग रही है।

सहयोग: सहयोग कार्यक्रम में आसपास के कक्षा एक से बारह तक के स्कूली छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार लाने के उद्देश्य सहायता प्राप्त होती है। ट्यूशन सपोर्ट के इस कार्यक्रम में बच्चों को पौष्टिक नाश्ता और हेल्थ ड्रिंक दिए जाते हैं। कक्षाएं सप्ताह में छह दिन 3 से 5 बजे तक आयोजित की जाती हैं और इस कार्यक्रम में लगभग 40 बच्चे पंजीकृत है।

दृष्टि: दिल्ली विश्वविद्यालय के नेत्रहीन छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन के सदस्यों ने दृष्टि कार्यक्रम के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सदस्य पाठ को पढ़ते हैं और रिकार्ड करते हैं। अध्ययन सामग्री की व्यवस्था करते हैं और नेत्रहीन व्यक्तियों को भावनात्मक समर्थन प्रदान करते हैं।

जागृति: इस कार्यक्रम में महिलाओं में कैंसर की बढ़ती घटनाओं का संज्ञान लेते हुए, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों में, व्याख्यान, चर्चा, स्क्रीनिंग कैंप, नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताओं और अन्य कार्यकलापों के आयोजन के माध्यम से जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जाता है।

कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम: इस चार महीने का कंप्यूटर कोर्स बुनियादी ज्ञान प्रदान करने के लिए आयोजित किया जाता है जिसमें एमएस-वर्ड, एक्सेल, पावरपॉइंट, एक्सेस और इंटरनेट शामिल हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लड़कियों को बुनियादी कंप्यूटर कौशल प्राप्त करने में मदद करना है।

भाषा परिचय कार्यक्रम: दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन, दिल्ली विश्वविद्यालयों के सदस्यों, स्टाफ, संकाय और छात्रों के लिए नि:शुल्क अल्पकालिक भाषा परिचय पाठ्यक्रम आयोजित करने की पहल कर रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत चीनी भाषा के तीन महीने के पाठ्यक्रम से हुई ।

सभी गतिविधियां

डीडीबी और यूजीएसवी विद्यालय के अभिभावकों के साथ 13.4.18 को उन्मुख कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

ग्रीष्म शिविर कैंप का आयोजन 15.5.18 से 15.6.18 तक किया गया। इसमें लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया और बच्चों ने अपशिष्ट सामग्री से कौशल को विकसित करने के लिए अनेक गतिविधियों का ज्ञान प्राप्त किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केंद्र गांधी भवन में स्कूली बच्चों ने 21.8.18 को गांधी पर खेल प्रतियोगिता में भाग लिया।

डीडीबी और यूजीएसवी स्कूल ने वर्ष 2018-19 के दौरान निम्नलिखित आयोजन किए है: शिक्षक दिवस; गाँधी जयंती; दशहरा; बाल दिवस; ईद; अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस; स्नातक दिवस; मनोरंजन दिवस और होली।
केरल में बाढ़ संकट के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ द्वारा 1.10.18 को मुख्यमंत्री संकट राहत कोष में एक लाख रुपये का चेक दान स्वरूप दिया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन को दिल्ली महिला आयोग से नवंबर 2017 को महिला पंचायत परियोजना प्राप्त हुई। महिला पंचायत परियोजना के सभी कर्मचारियों को वेतन चेक वितरित कर दिया गया है और शेष राशि दिल्ली महिला आयोग को वापस कर दी गई।

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन में अनेक बोर्ड लगाए गए : अक्तूबर 2018 में 1 साइन बोर्ड, 2 एमबीसी बोर्ड, 1 छात्रावास नोटिस बोर्ड, 1 विद्यालय बोर्ड, 1 वात्सल्य और एसएस बोर्ड।

दिवाली मेले का आयोजन 22.10.2018 को किया गया। दिल्ली के कई एनजीओ के साथ लगभग 70 स्टॉल लगाए गए थे, इसमें रजिस्ट्रार प्रोफेसर तरुण दास मुख्य अतिथि थे।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाते हुए वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन को 26.10.18 को सांत्वना पुरस्कार मिला।

एनएएसी टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन का 30.10.18 को दौरा किया। हमारे पदाधिकारियों द्वारा प्रस्तुति दी गई और उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन की विभिन्न गतिविधियों की सराहना की और हमारी संस्था में वरिष्ठ नागरिक के लिए कार्यक्रमों के संचालित करने की सिफारिश की।

अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष और नौ कार्यकारी परिषद् सदस्य पद के लिए 1 मार्च 2019 को कार्यकारी परिषद् का चुनाव हुआ था। चुनाव का परिणाम इस प्रकार है:

डॉ. गीता सहारे :	**अध्यक्ष**
डॉ. सुदर्शन पाठक :	**सचिव**
डॉ. नीलिमा अस्थाना :	**कोषाध्यक्ष**

कार्यकारी परिषद् के सदस्य:

डॉ. जानकी पांडे
सुश्री सुष्मिता दास
सुश्री गार्गी मजूमदर
सुश्री रोमा बैनर्जी
सुश्री गायत्री चतुर्वेदी
सुश्री ऋतुश्री कुकरेती
सुश्री रमा तिवारी

सुश्री नमिता अग्रवाल
सुश्री नीरजा दूबे

***

हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय

वर्ष 2018-19 का विशेष महत्व है क्योंकि इस वर्ष हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय से प्रकाशित लगभग 130 मानक पुस्तकों को 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन (जो विदेश मंत्रालय, भारत सरकार और मॉरीशस सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था) में प्रदर्शित किया गया था। सम्मेलन के बाद इन पुस्तकों को मॉरीशस में विश्व हिंदी साचिवालय (भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा उद्घाटन किया गया) को उपहार में दे दिया था ताकि साचिवालय पुस्तकालय में आने वाले छात्र और आगंतुक लाभान्वित हो सके। हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय की स्थानापन्न निदेशक को आधिकारिक प्रतिनिधि के रूप में विश्व हिंदी सम्मेलन में आमंत्रित किया गया था और उन्होंने उद्घाटन से लेकर अंतिम सत्र तक कार्यक्रम का संचालन किया।

निदेशालय ने 5 जनवरी से 14 जनवरी 2019 तक नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में भी भाग लिया। इस मेले में निदेशालय से प्रकाशित पुस्तकों की भारी मांग थी।

***

विदेशी छात्रों का पंजीकरण

अंतर्राष्ट्रीय छात्र समुदाय ने शैक्षणिक वर्ष 2018-2019 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश लेने में अपनी रुचि दिखाना जारी रखा। विदेशी छात्रों के कार्यालय में आइसीआइसीआर छात्रवृत्ति धारकों के 700 आवेदनों सहित 2070 आवेदन प्राप्त हुए। शैक्षणिक सत्र 2018-2019 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों से लेकर पीएच.डी कार्यक्रम तक के विभिन्न कार्यक्रमों के प्रथम वर्ष में कुल 435 छात्रों में 74 विभिन्न देशों के छात्रों को प्रवेश दिया गया।

विदेशी छात्र रजिस्ट्री कार्यालय ने नामांकित छात्रों, आवासीय छात्रावासों, दूतावासों, महाविद्यालयों, विभागों और संस्थानों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को अपने शिक्षाविदों से संबंधित किसी भी समस्या का सामना न करना पड़ा। विदेशी छात्रों की रजिस्ट्री की विभिन्न सर्वोत्तम प्रथाओं में शामिल हैं-आईसीसीआर और एमओईए के साथ अंतर-संयोजता: इन संस्थानों के बीच एक प्रभावी संयोजकता है जो प्रवेश के लिए आवेदन की स्थिति के बारे में अन्य देशों में रहने वाले उम्मीदवारों को जानकारी साझा करने की सुविधा प्रदान करता है; जानकारी का प्रसार करने: ईमेल, फोन, एफएसआर में व्यक्तिगत संपर्क, विदेशों में विश्वविद्यालयों, पूर्व छात्रों, विदेशों में भारतीय मिशनों के माध्यम से विदेशी छात्रों के प्रश्नों के बारे में जानकारी का प्रसार करना; एकीकृत सेवाएं प्रदान करना: काउंसलिंग के माध्यम से महाविद्यालयों/विभागों/एफआरआरओ/छात्रावास प्रवेश/सुविधाओं के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान करके दिल्ली विश्वविद्यालय में विदेशी नागरिकों के प्रवेश और आवास को सुविधाजनक बनाया गया है; पारदर्शिता: नामांकित छात्रों के आंकड़े वर्ष/महाविद्याल/पाठ्यक्रम/देश वार को उपयोगकर्ता के अनुकूल तरीके से ऑनलाइन साझा किया जाता है; नोडल अधिकारियों की नियुक्ति: पहले से नामांकित विदेशी छात्रों की सुविधा के लिए विदेशी छात्रों के लिए एक शिक्षक को नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है और महाविद्यालयों/विभागों में प्रवेश लेने वाले। एफएसआर ने आवधिक बैठकों और संचार के अन्य तरीकों के माध्यम से छात्रों के प्रवेश और अन्य गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए नोडल अधिकारी; विश्वविद्यालय में विभिन्न विदेशी छात्र संघ के साथ बातचीत की।

विदेशी छात्र रजिस्ट्री द्वारा की गई कार्रवाई :

विदेशी छात्र रजिस्ट्री द्वारा की गई विभिन्न कार्रवाइयों में शामिल हैं -विदेशी छात्रों के लिए परामर्श : यह प्रवेश के समय और साथ ही व्यक्तिगत संपर्कों और बैठकों के आयोजन के माध्यम से एफएसआर कार्यालय में नियमित आधार पर किया जाता है; पहले से नामांकित विदेशी छात्रों के हितार्थ राजदूतों/दूतावास अधिकारियों के साथ बैठक और महाविद्यालयों/विभागों में प्रवेश लेने वालों को व पूर्ण प्रवेश प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक प्रवेश समिति बनाई गई है; नामांकित छात्रों का डेटा विदेशी छात्र रजिस्ट्री की वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाता है; एफएसआर ने विदेशी छात्रों के ठहरने से संबंधित मुद्दों के लिए विदेशियों के क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के साथ बैठक की ।

विदेशी नागरिकों के साथ-साथ भारतीय छात्रों के बीच अधिक सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सक्षम करने के लिए और विदेशी नागरिकों के बीच बाधाओं को दूर करने के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से, एफएसआर ने सम्मेलन केंद्र, उत्तर परिसर में 11, 2019 को अंतर्राष्ट्रीय छात्र मेला 2018-19 का आयोजन किया। इस अवसर पर आईसीसीआर के महानिदेशक अखिलेश मिश्र, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति है। इस दौरान, देश के विभिन्न दूतावासों के राजनयिक भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। इस कार्यक्रम ने विश्वविद्यालय में विदेशी नागरिकों के बीच और राजनयिकों और छात्रों के बीच बातचीत का अवसर प्रदान किया।

***

गांधी भवन

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

7 अप्रैल 2018 को गांधी भवन के निदेशक प्रो रमेश सी॰ भारद्वाज के व्याख्यान का आयोजन किया गया। 30 अप्रैल 2018 को 'लार्ड बुद्ध और भारतीय साहित्य में समानता के उनके संदेश' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। 21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो योगेश कुमार त्यागी मुख्य अतिथि थे। 21 मई 2018 को आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया। 5 जून 2019 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इसी दिन प्लास्टिक मुक्त कैंपस अभियान शुरू किया गया था। 'इंडिया ऑफ माय ड्रीम्स' पर 10 दिवसीय ग्रीष्म स्कूल - 9 जुलाई से 19 जुलाई 2018 तक महात्मा गांधी की एक पौराणिक पुस्तक का आयोजन किया गया था। इसी दिन परिसर में प्लास्टिक मुक्त रैली/मार्च का भी आयोजन किया गया था। भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) की इच्छानुसार 'गांधी पर नाटक' के तत्वावधान में 23 अगस्त 2018 को महात्मा गांधी पर नाटक प्रत्यूषा का आयोजन किया गया था। 24 अगस्त 2018 को 'सफलता बिना तनाव' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। अहिंसा के गांधीवादी दर्शन विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महात्मा गांधी पर फोटो प्रदर्शनी का आयोजन गांधी जयंती -2 अक्तूबर 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी ने महात्मा गांधी पर फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस दिन महात्मा को संगीतमय श्रद्धांजलि का भी आयोजन किया गया। अहिंसा दिवस कार्यक्रम से पूर्व एक स्वच्छता अभियान का भी आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस ने सांप्रदायिक सौहार्द पर व्याख्यान दिया। भरत झुनझुनवाला ने 9 अक्तूबर 2018 को अपनी पुस्तक 'यहूदियों, ईसाइयों, मुसलमानों और हिंदुओं के एक समान देवताओं' के संदर्भ में सामुदायिक सद्भावना पर व्याख्यान दिया। गांधी भवन में राष्ट्रीय उर्दू भाषा परिषद् (एनसीपुल), नई दिल्ली, के सहयोग से 23 और 24 अक्तूबर 2018 को गांधी की 'राष्ट्रभाषा विचारधारा' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। काकासाहेब कलेलकर की 134वीं जयंती के अवसर पर 'पीपल टू पीपल कम्युनिकेशन: गांधीवादी परिप्रेक्ष्य' पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन आचार्य काकासाहेब कलेलकर स्मारक निधि, गांधी हिन्दुस्तानी साहित्य सभा, राजघाट, नई दिल्ली और गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से 1 और 2 दिसंबर 2018 को किया गया। 21 से 30 जनवरी 2019

तक 'द मेकिंग ऑफ इंडिविजुअल एंड सोसाइटी' विषय पर एक शीतकालीन स्कूल का आयोजन किया गया। शहीद दिवस - 30 जनवरी 2019 को महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। 30 जनवरी से 5 फरवरी 2019 तक गांधी सप्ताह उत्सव का आयोजन किया गया। 21 फरवरी 2019 को मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। इसमें 'मातृभाषा दिवस' पर संवाद और 20 फरवरी 2019 को विद्यालय के साथ-साथ महाविद्यालय के छात्रों के लिए 'मातृभ्य का महत्व' विषय पर एक भाषण आयोजित किया गया था। इसी दिन सर्वभाष युवा कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। माननीय कुलपति महोदय के निर्देश पर गांधी भवन में प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को भजनों की प्रस्तुति का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय बिरादरी, विशेष रूप से महात्मा गांधी के बारे में युवाओं को जागरूक करने के लिए 12 मार्च 2019 को विश्व साहित्य में गांधी विषय - उनके जीवन और दर्शन पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

गांधी अध्ययन सर्किल महाविद्यालय द्वार - कार्यक्रम आयोजित

उपर्युक्त गतिविधियों/कार्यक्रमों के अलावा, गांधी अध्ययन सर्कल के तत्वावधान में विभिन्न महाविद्यालयों ने विभिन्न कार्योन्मुखी कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं। छात्रों/युवाओं के बीच गांधीवादी मूल्यों को आत्मसात करने के लिए उनके महाविद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। निम्नलिखित महाविद्यालयों में गांधीवादी मूल्यों पर कार्यक्रम/कार्यक्रम आयोजित किए हैं: रामलाल आनंद महाविद्यालय, श्यामलाल महाविद्यालय; सत्यवती महाविद्यालय; स्वामी श्रृद्धानंद महाविद्यालय; जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय; जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय; जाकिर हुसैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय (सांय)

सुविधायें:

योग-ध्यान अभ्यास सत्र-सोमवार - शुक्रवार (नि:शुल्क प्रशिक्षण).
दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, तीस हजारी, दिल्ली के तत्वावधान में नि:शुल्क कानूनी सहायता क्लिनिक।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

प्रोफेसर रमेश सी. भारद्वाज
भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'गांधीजी और भारतीय विद्या भवन' पर 22.2.2019 को व्याख्यान दिया गया।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी भाषा और साहित्य के बराबर महात्मा गांधी का प्रभाव' 11.3.2019 को व्याख्यान दिया।

भारतीय अध्ययन केंद्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित (बीएचयू) 'भारतीय ज्ञान परंपरा के पुरस्कृत' पर 16.3.2019 को विशेष व्याख्यान दिया।

संगीत नाटक अकादमी, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'गांधीजी का भाषा चिंतन' पर 26.3.2019 को व्याख्यान दिया।

गांधी भवन द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

योग-ध्यान प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम - तीन महीने (वर्ष में दो बार)।
चरखा/कताई प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम- तीन महीने।
खादी (हथकरघा) प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम- तीन महीने।

***

उद्यान समिति

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

***वर्षा वृक्षारोपण* 2018: उत्तरी परिसर के विभिन्न स्थलों और दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में वृक्षारोपण/झाड़ियों/जड़ी बूटियों/हेज प्लांटों का रोपण**

15 अगस्त 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति के संरक्षण में हरित स्थानों को बढ़ाने और कायाकल्प करने के लिए देशी वृक्षारोपण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शुरू की गई थी। दिल्ली की देशी और स्थापित पेड़ प्रजातियों (26 वर्गीकरण प्रजातियों का प्रतिनिधित्व) के कम से कम 2000 पौधे गणित संकाय; सामाजिक विज्ञान; संगीत; कला और विज्ञान संकायों के भवनों के आस-पास लगाए गए। टाटा पावर-डीडीएल लिमिटेड के पूर्व छात्रों के साथ-साथ सरकारी नर्सरियों द्वारा गार्डन कमेटी को पौधे भेंट किए गए। विश्वविद्यालय उद्यान समिति के 'मालियों' द्वारा अंकुरित पौधों का भी उपयोग किया गया था।

दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न विश्वविद्यालयों में देशी वृक्ष प्रजातियों का रोपण

विश्वविद्यालय के विभिन्न विश्वविद्यालयों ने 'कदम्ब' (*नेलोलामारिकाकाडाम्बा*), 'शहतूत' (*मोरुस्निगरा*), 'अमलतास' (*कैसिफिस्टुला*), 'कचनार' (*बौहिनिया विविधगाटा*) और 'जकरंद' (जकरंद जैसी पेड़ प्रजातियों के साथ *वर्षा वृक्षारोपण* 2018 अभियान में भाग लिया)। महाविद्यालय पर्यावरण क्लब के छात्रों और आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय, डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय, जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, कालिंदी महाविद्यालय, लेडी श्रीराम महाविद्यालय, शिवाजी महाविद्यालय, श्री गुरू तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय और श्री वैंकटेश्वर महाविद्यालय के शिक्षक वृक्षारोपण में सबसे आगे थे ।

नए लॉन और उद्यान के रखरखाव विकास/नवीकरण

दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक एसोसिएशन कार्यालय के समक्ष लगभग 173.68 वर्गमीटर के क्षेत्र के लॉन के एक हिस्से का नवीकरण।

पर्यावरण अध्ययन विभाग में लगभग 708.82 वर्गमीटर के क्षेत्र में 5 छोटे लॉन का नवीकरण।

नृविज्ञान विभाग के भीतरी हिस्से पर लगभग 156.25 वर्गमीटर के क्षेत्र में एक लॉन का नवीकरण।

भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के भीतरी हिस्से पर चार लगभग 859 वर्गमीटर के क्षेत्र में छोटे लॉन का नवीकरण।

आईक्यूएसी कार्यालय के पास 36 वर्गमीटर के क्षेत्र के एक छोटे से लॉन का नवीकरण।

पीवीसी कार्यालय के पास लगभग 12 वर्गमीटर के क्षेत्र के लॉन के छोटे पैच का नवीकरण।

गणित विस्तार भवन के पास लॉन के लगभग 367.46 वर्गमीटर के क्षेत्र में नया विकास कार्यक्रम।

सम्मान/पुरस्कार

उद्यान समिति को निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं:

इंद्रप्रस्थ बागवानी सोसाइटी द्वारा आयोजित फ्लावर शो 2019 में "बेस्ट रेजिडेंशियल गार्डन" के लिए प्रथम पुरस्कार कर्नल एएस बेरार रोलिंग ट्रॉफी।

प्रथम पुरस्कार इंद्रप्रस्थ बागवानी सोसाइटी द्वारा आयोजित फ्लावर शो 2019 में "बेस्ट ऑफिशियल गार्डन" के लिए अरुण कुमार रोलिंग शील्ड।

इंद्रप्रस्थ हॉर्टिकल्चर सोसायटी द्वारा आयोजित फ्लावर शो 2019 में प्रथम पुरस्कार, पुष्पांजलि वेलफेयर एसोसिएशन चैलेंज रोलिंग ट्रॉफी के लिए "बेस्ट इंस्टीट्यूशनल गार्डन"।

सुविधाएं

विश्वविद्यालय उद्यान समिति के 'मालियों' और कर्मचारियों ने स्थापना दिवस, दीक्षांत दिवस, विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों की बैठक, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सेमिनार, व्याख्यान श्रृंखला, अभिविन्यास और रिफ्रेशर पाठ्यक्रमों जैसे स्थापना दिवस, दीक्षांत दिवस, विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों की बैठक, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सेमिनार, व्याख्यान श्रृंखला, अभिविन्यास और रिफ्रेशर पाठ्यक्रमों के लिए सजावट और फूल व्यवस्थाओं में सहायता प्रदान की, जो 1/4/2018 से 31/3/2019 की अवधि के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यालयों और विभागों द्वारा आयोजित किए गए हैं।

विश्वविद्यालय उद्यान समिति की गतिविधियों से हितधारकों को अवगत कराने के लिए एक वेबसाइट शुरू की गई थी। छात्र स्वयंसेवकों द्वारा डिजाइन की गई, इस साइट में आन-लाईन मांग प्रपत्र भी है जो http://www.universitygardens.du.ac.in पर उपलब्ध है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

61 वां वार्षिक फ्लावर शो - 2019

61 वां वार्षिक फ्लावर शो शुक्रवार 1 मार्च 2019 को मुगल गार्डन में आयोजित किया गया था। इसमें दिल्ली-एनसीआर के 26 महाविद्यालयों, 14 छात्रावासों, संस्थानों और स्कूलों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों सहित लगभग 7000 फुटफॉल्स ने पुष्प प्रदर्शन और मेले का आनंद लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के प्रो कुलपति और रजिस्ट्रार ने किया। 72 रोलिंग शील्ड और कप सहित अनेक पुरस्कार प्रदान किए गए। लोकप्रिय स्टालों में दिल्ली के जैव विविधता पार्कों पर शैक्षिक प्रदर्शन शामिल थे; वन संरक्षण: उत्पादकता और आजीविका, साथ ही हर्बल और औषधीय पौधे शामिल थे। फ्लावर शो पंडाल में फोटोग्राफी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में 60 से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया। बागवानी इकाई, पर्यावरण विभाग, दिल्ली सरकार द्वारा एक नया और लोकप्रिय प्रदर्शन आयोजित किया गया था। आगंतुकों द्वारा सराहना किए गए कुछ उल्लेखनीय पौधे थे; ट्यूलिप, विदेशज बड़े और मिनी डाहलियास, बोनसाइस, बल्बस पौधे, कैक्टी और दूरेदार पादप थे।

***

अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

खानपान की व्यवस्थाएं उक्त अवधि के दौरान दोपहर के भोजन/रात्रि भोज/हाई-टी/सम्मेलनों/बैठकों/संगोष्ठियों सहित 339 बुकिंग के लिए विशेष खानपान व्यवस्था की गई।

आवासीय कमरे : अवधि के दौरान आवास और खाद्य पदार्थों के लिए एक हजार चार सौ पैंसठ कमरे उपलब्ध कराए गए थे। अतिथि अंतर्राष्ट्रीय अतिथि-गृह में ठहरे अधिकांश और सभी मेहमानों की सेवाओं से संतुष्ट थे। सुविधायें : बारह ऑयल फिल्ड रूम हीटर, बीस टेलीफोन सेट, अठारह गद्दे, एक रेफ्रिजरेटर, एक डीप फ्रीजर, छत्तीस बिस्तर चादरें, बारह कंबल, बारह कंबल और बारह रजाई की जीईएम के माध्यम से खरीद की गई।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी : इंजीनियरी विभाग ने छह अतिथि कमरों की सफेदी, छह कमरों के ग्रेनाइट अलमारी बनाने और आठ कमरे में प्रतिस्थापन का कार्य किया।

***

राष्ट्रीय कैडिट कोर

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के 46 महाविद्यालयों में सीनियर विंग और सीनियर डिवीजन में एनसीसी कैडेटों का नामांकन किया गया और महाविद्यालय एनसीसी इकाइयों द्वारा लगभग 5,500 कैडेटों को व्यक्तिगत रूप से नामांकित किया गया। एनसीसी कैडेट्स ने स्थापना दिवस, विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह, राजदूत व्याख्यान श्रृंखला, पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला, सड़क सुरक्षा कार्यक्रम, शौर्य दिवस, रक्तदान शिविर आदि विभिन्न विश्वविद्यालय स्तर की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

एनसीसी कैडेट्स ने स्वच्छ भारत अभियान, एकता दिवस, बुनियादी नेतृत्व शिविर, सेना अटैचमेंट शिविर, संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, वायु सैनिक शिविर, थल सैनिक शिविर, नव सैनिक शिविर, विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर, पूर्व-गणतंत्र दिवस शिविर, गणतंत्र दिवस शिविर, सीएम की रैली, प्रधानमंत्री की रैली, अमर जवान ज्योति, राष्ट्रीय एकता शिविर, युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम आदि का आयोजन किया गया।

***

राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

सत्र 2018-2019 में 63 महाविद्यालय इकाइयों के स्वयंसेवकों द्वारा एनएसएस केंद्र के तत्वावधान में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया। उनमें से कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं।

स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप, 1 मई 2018- 31 जुलाई 2018: मानव संसाधन विकास मंत्रालय और युवा मामलों और खेल मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय ने स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के एनएसएस स्वयंसेवकों ने सफलतापूर्वक 100 घंटे की इंटर्नशिप पूरी की।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस : एनएसएस केंद्र द्वारा गांधी भवन के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। माननीय कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय ने इस अवसर पर उपस्थित होकर प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के 150 से अधिक एनएसएस स्वयंसेवियों ने भाग लिया।

एसवीईईपी महाविद्यालय परिसर राजदूत, अगस्त 2018 : एसवीईईपी (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और निर्वाचक भागीदारी) महाविद्यालय परिसर राजदूतों की नियुक्ति, प्रत्येक महाविद्यालय के स्वयंसेवकों को 2018-2019 के दौरान भारत निर्वाचन आयोग से संबंधित कार्यक्रमों/गतिविधियों के समन्वय के लिए एससीसीए के रूप में नामित किया गया था, जो मुख्य चुनाव कार्यालय, दिल्ली और एनएसएस केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय के समन्वय से है।

स्वच्छता पखवाड़ा, 1 अगस्त से 15 अगस्त 2018 : एनएसएस केंद्र के दायरे में आने वाली एनएसएस इकाइयों ने 1 अगस्त से 15 अगस्त 2018 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। एनएसएस इकाइयों ने स्वच्छ भारत के लिए शपथ ली। अंगीकृत की गई मलिन बस्तियों में स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता के प्रति जागरूकता प्रसारित की गई। महाविद्यालयों में सफाई अभियान चलाया गया और स्वयंसेवकों को समाज सेवा के प्रति उत्तरदायी बनाया गया।

केरल बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत कार्य, अगस्त 2018 : दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक केरल के बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री एकत्र करने में शामिल थे। एनएसएस इकाइयों ने राहत कार्यों के लिए दिल्ली में केरल हाउस के साथ समन्वय किया।

कार्यक्रम अधिकारियों का अभिविन्यास, एनएसएस: 20 सितंबर 2018 : एनएसएस केंद्र ने 20 सितंबर 2018 को सत्यकम भवन सभागार में कार्यक्रम अधिकारियों, एनएसएस के साथ उन्मुखीकरण सह संवाद सत्र का आयोजन किया। एनएसएस के निदेशक एवं क्षेत्रीय निदेशक एनएसएस ने कार्यक्रम अधिकारियों से बातचीत की। सत्र 2016-2017 और 2017-2018 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम अधिकारी का सम्मान क्रमश: डॉ. सरिता शर्मा, कमला नेहरू महाविद्यालय और डॉ. संगीता शर्मा, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय को प्रदान किए गए।

साहसिक शिविर, 12 सितंबर से 21 सितंबर 2018 : अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान, जल क्रीड़ा केंद्र पौंग बांध में युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय द्वारा साहसिक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दो कार्यक्रम अधिकारियों के साथ बीस एनएसएस स्वयंसेवियों ने भाग लिया और शिविर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

एनएसएस दिवस का आयोजन, 24 सितंबर 2018 : एनएसएस दिवस 15 सितंबर से 2 अक्तूबर 2018 तक स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छता ही सेवा विषय पर मनाया गया। एनएसएस स्वयंसेवियों ने जागरूकता अभियान, डोर टू डोर बैठकें, नुक्कड़ नाटक व वॉल पेंटिंग बनाई गई।

सर्जिकल स्ट्राइक दिवस का आयोजन, 29 सितंबर 2018 : सैनिकों की बहादुरी को यादगार बनाने और नमन करने के लिए एनएसएस स्वयंसेवकों ने सर्जिकल स्ट्राइक विषय पर कविताओं और लेखन-कार्य में योगदान दिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस, 31 अक्तूबर 2018 : सरदार वल्लभ पटेल की जयंती के अवसर पर एनएसएस इकाइयों द्वारा 31 अक्तूबर 2018 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। समारोह के भाग के रूप में एनएसएस इकाइयों ने "एकता" पर राष्ट्रीय एकता, एकता दौड़ और नुक्कड़ नाटक पर प्रतिज्ञा जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया।

गणतंत्र दिवस परेड शिविर, 1 जनवरी से 31 जनवरी 2019 : अंतर्राष्ट्रीय युवा छात्रावास, न्याय मार्ग में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड शिविर में चाणक्यपुरी दिल्ली विश्वविद्यालय की दो एनएसएस स्वयंसेवी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय से सुश्री रिया कुमारी और दयाल सिंह महाविद्यालय से विवेक आंनद गणतंत्र दिवस परेड 2019 में एनएसएस की टुकड़ी का हिस्सा थे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस, 25 जनवरी 2019 : स्वयंसेवकों में लोकतांत्रिक मानदंडों को सुदृढ़ करने के लिए 25 जनवरी 2019 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। स्वयंसेवकों द्वारा लोकतांत्रिक परंपरा की भावना को बनाए रखने और नैतिक चुनावी भागीदारी के लिए शपथ ली गई।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा वॉकथॉन, 4 फरवरी 2019 : दिल्ली यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा सप्ताह 2019 के उद्घाटन के रूप में इंडिया गेट पर एक वॉकथॉन का आयोजन किया जिसे दिल्ली के पुलिस आयुक्त ने हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम में दो सौ एनएसएस स्वयंसेवियों ने भाग लिया और दिल्ली के लोगों के बीच सड़क सुरक्षा संदेश को बढ़ावा दिया।

राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव, 27 फरवरी 2019 : जिला युवा संसद में भाग लेने वाले दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के एनएसएस स्वयंसेवकों को युवा मामलों और खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय युवा संसद के लिए विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित महोत्सव में आगंतुक के रूप में आमंत्रित किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय: 95 वार्षिक दीक्षांत समारोह; परीक्षा पर चर्चा की बात पीएम के साथ; रक्तदान शिविर: पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि दी; परिणति- प्रख्यात पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला; परिणति दिल्ली विश्वविद्यालय प्रख्यात पूर्व छात्र व्याख्यान; विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला; शहीद दिवस का स्मरणोत्सव।

सम्मान/गौरव

दिल्ली के एनएसएस विश्वविद्यालय के कैप्टन परमिंदर सहगल कार्यक्रम समन्वयक को निम्नलिखित सम्मान प्रदान किया गया है:

मुख्य निर्वाचन कार्यालय दिल्ली के मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में उत्कृष्ट योगदान के लिए जिलाधिकारी (दक्षिण-पश्चिम) द्वारा सम्मानित किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाइयों के माध्यम से महिला सुरक्षा अभियान को बढ़ावा देने के लिए भागीदरी जन सहयोग समिति द्वारा महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण पुरस्कार प्रदान किया गया।

***

नॉन-कॉलिजिएट महिला शिक्षा बोर्ड

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

नॉन-कालिजिएट महिला शिक्षा बोर्ड की स्थापना दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम 1943 के अंतर्गत सितंबर 1944 में हुई थी। बोर्ड छात्रों को नियमित कक्षाओं में भाग लिए बिना कुछ परीक्षाओं में भाग लेने की सुविधा प्रदान करता है। नॉन-कालिजिएट महिला शिक्षा बोर्ड महिला छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अकादमिक विकल्प के रूप में उभरा है। बोर्ड ने तीन छात्रों के साथ शुरुआत की थी और वर्तमान में लगभग 29821 छात्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहा है। वे दिल्ली विश्वविद्यालय के 26 शिक्षण केंद्रों में स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर रहे हैं। ये केंद्र दिल्ली क्षेत्र में है और छात्रों की अकादमिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। स्नातक-पूर्व केंद्रों के अलावा एक स्नातकोत्तर केन्द्र ट्यूटोरियल बिल्डिंग, कला संकाय में स्थित है। बीए (भाग 1, द्वितीय और तृतीय) में 18702, बी कॉम (भाग 1, द्वितीय और तृतीय) में 11119 छात्र और स्नातक पाठ्यक्रम भाग 1 और 2 में 863 छात्र हैं।

छात्रों को नॉन-कालिजिएट महिला शिक्षा बोर्ड शिक्षण की लघु शिक्षण अवधि के पचास दिनों के भीतर अपने संबंधित शिक्षण केंद्रों में वाद-विवाद, प्रश्न उत्तर, रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर दिया गया था। सांस्कृतिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाता है। नॉन-कॉलिजिएट महिला शिक्षा बोर्ड ई-पत्रिका को हर वर्ष अद्यतन किया जाता है और इसमें 26 शिक्षण केंद्रों के विभिन्न लेख और रचनात्मक लेखन शामिल होते हैं।

स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रमों का उत्तीर्ण प्रतिशत इस प्रकार है:

पाठ्यक्रम	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
बी.ए. (कार्यक्रम)	83.8%	87.5%	85.2%
बी.कॉम.	77.7%	85.00%	79%

बोर्ड ने 26 शिक्षण केंद्रों के स्नातक-पूर्व छात्रों को सुविधा प्रदान की और इन छात्रों में से ने बी.ए. (कार्यक्रम)/ बी.कॉम. में वर्ष 2018-19 में प्रथम 3 स्थान प्राप्त किए।

इस वर्ष के दौरान छात्रों को लगभग 2027 पुस्तकें (नि:शुल्क) प्रदान की गई थीं।

इस वर्ष 2018-19 के दौरान 631 जरूरतमंद और योग्य छात्रों को 3000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

यूएनडीपी दिशा समर्थित परियोजना जिसे आजीविका का साध्य कहा जाता है, जहां राष्ट्रीय कौशल विकास निगम शिक्षुता प्रभाग और यूएनडीपी दिशा के समर्थन से 403 से अधिक संकायों ने 2444 छात्रों के साथ पूरे

सत्र में अंत:संवाद किया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षण के दौरान अपने काम, जुनून और कौशल वृद्धि को जारी रखने के लिए ग्रेजुएशन के माध्यम से छात्रों को एक मंच प्रदान करना था।

महिला शिक्षा क्षेत्र में एक नया क्षितिज हासिल करने की दिशा में बोर्ड अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए हर कदम उठा रहा है।

नॉन-कालिजिएट महिला शिक्षा बोर्ड के शिक्षण केंद्र :

अदिति महाविद्यालय
आर्यभट्ट महाविद्यालय
भगिनी निवेदिता महाविद्यालय
भारती महाविद्यालय
व्यवसायिक अध्ययन महाविद्यालय
डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय
दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय
हंसराज महाविद्यालय
जानकी देवी मैमोरियल महाविद्यालय
जीसस एंड मैरी महाविद्यालय
कालिंदी महाविद्यालय
केशव महाविद्यालय
लक्ष्मीबाई महाविद्यालय
महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय
मैत्रेयी महाविद्यालय
माता सुंदरी महाविद्यालय
मिरांडा हाउस
मोती लाल नेहरू महाविद्यालय
पीजीडीएवी महाविद्यालय
राजधानी महाविद्यालय
रामानुजन महाविद्यालय
सत्यवती महाविद्यालय
सर अरबिंदो महाविद्यालय
श्री गुरू गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय
एपीएम महाविद्यालय
विवेकानंद महाविद्यालय
स्नातकोत्तर शिक्षण केन्द्र

***

छात्र कल्याण कार्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

शैक्षणिक सत्र 2018-19 की प्रवेश प्रक्रिया में निम्नलिखित गतिविधियां हैं:

परामर्श गतिविधियां (2018-19)

मुक्त दिवस: सम्मेलन केंद्र, नार्थ कैंपस में मुक्त दिवस आयोजित किए गए (दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया के बारे में इच्छुक उम्मीदवारों और उनके माता-पिता का मार्गदर्शन करने के लिए परामर्श सत्र आयोजित किए जाते हैं)। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से एक महीने पहले इनका आयोजन किया गया था। कुल मिलाकर, 50,000 से अधिक प्रवेश उम्मीदवारों और माता पिता ने इन सत्रों में भाग लिया । इच्छुक उम्मीदवारों और उनके माता-पिता से फीडबैक भी लिए गए और उन्होंने मुक्त दिवसों में भाग लेने के बाद उच्च स्तर के उत्साह और संतुष्टि के साथ बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखाई। पहली बार एम.फिल./पीएच.डी. उम्मीदवारों के लिए मुक्त दिवसों भी का आयोजन किया गया, साथ ही उन्हें नवीनतम नियमों और विनियमों और चयन की प्रक्रिया से अवगत करवाने के लिए भी मुक्त दिवसों का आयोजन किया गया।

परिवर्तन: दिल्ली के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों के लिए परामर्श सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों के संचालन का मूल आधार दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में शिक्षकों का मार्गदर्शन करना था। उन्हें दाखिले की पूरी प्रक्रिया समझाई गई ताकि वे संबंधित विद्यालयों में अपने छात्रों को आवश्यक मार्गदर्शन कर सकें।

सहायता डेस्क: स्नातक-पूर्व छात्रों के प्रवेश के लिए छात्र सहायता डेस्क की स्थापना, संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण कार्यालय, सम्मेलन कक्ष में प्रात: 9.30 से सायं 5.30 बजे की गई। यह कार्रवाई प्रवेश प्रक्रिया के बारे में इच्छुक छात्रों की सहायता और मार्गदर्शन करने के लिए शुरू की गई थी। सहायता डेस्क एक महीने से अधिक समय तक संचालित रहा। प्रवेश से संबंधित जानकारी भी उन्हीं स्वयं सेवकों द्वारा ईमेल और टेलीफोन के माध्यम से उपलब्ध कराई गई जो सहायता डेस्क की देखभाल रहे थे।

प्रवेश गतिविधियां

स्नातक प्रवेश : प्रवेश विशेषकार्याधिकारी कार्यालय सहित संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण कार्यालय ने प्रवेश प्रक्रिया की देखभाल की और सभी श्रेणियों (जनरल/ओबीसी/एससी/एसटी/दिव्यांग) प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय सूचना बुलेटिन तैयार और डाटा विश्लेषण करने में जुटे रहे। सभी वर्गों के छात्रों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फॉर्म के माध्यम से पंजीकरण करने हेतु अनुमत किया गया। सूचना बुलेटिन को सभी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन पर नि:शुल्क उपलब्ध कराया गया था। दिव्यांग अभ्यर्थियों को उनके दाखिले से संबंधित अतिरिक्त सुविधाएं अलग से प्रदान की गई। दाखिले से संबंधित एससी/एसटी/ओबीसी और दिव्यांग वर्ग के अभ्यर्थियों की शिकायतों के समाधान के लिए संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण द्वारा एक समिति का गठन किया गया था। छात्र द्वारा प्रवेश रद्द करने और रद्द करने के बाद फीस का समायोजन किया गया। छात्र केंद्र बनाया गया और छात्रों को प्रवेश प्रक्रिया को सुचारू बनाने में काफी मदद की गई।

स्नातकोत्तर प्रवेश : स्नातकोत्तर प्रवेश प्रक्रिया जिसमें पंजीकरण और मेरिट सूची का प्रकाशन शामिल है, केवल ऑनलाइन प्रारूप में थी। इस वर्ष स्नातकोत्तर छात्रावासों में पंजीकरण भी केंद्रीकृत कर दिए गए।

केंद्रीय नियोजन प्रकोष्ठ

केंद्रीय नियोजन प्रकोष्ठ प्रतिष्ठित कंपनियों में बिजनेस लीडर्स और सीनियर मैनेजर्स के साथ संपर्क स्थापित करता है। केंद्रीय नियोजन प्रकोष्ठ, छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष के अंतर्गत नियोजन प्रकोष्ठ एडवाजरी की सलाह पर काम करता है, जिसमें सभी महाविद्यालयों और विभागों के उपछात्र कल्याण संकायाध्यक्ष, कंसल्टेंट और नियोजन समन्वयक शामिल हैं। सलाहकार समिति नियोजन प्रकोष्ठ के कामकाज पर नजर रखता है और मार्गदर्शन करता है। छात्रों के नेतृत्व कौशल को विकसित करने के लिए विभिन्न क्षमता वृद्धि कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस वर्ष केंद्रीय नियोजन प्रकोष्ठ में पंजीकृत छात्रों की बड़ी संख्या में अमेजन इंडिया, विप्रो टेक्नोलॉजीज, इनसाइट टेकहब इंटरनेशनल, शाही एक्सपोर्ट्स, एटीएस इंफ्रास्ट्रक्चर सहित कंपनियों से नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त हुए।

केंद्रीय नियोजन प्रकोष्ठ कार्यकलाप : विश्वविद्यालय में स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर, पीएच.डी की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों की व्यवस्था करने के लिए केंद्रीय नियोजन प्रकोष्ठ (सीपीसी) है। वर्ष 2008 में स्थापना के बाद शैक्षणिक वर्ष 2018-19 सीपीसी का 11वां वर्ष था। पंजीकृत छात्रों की कुल संख्या इंटर्नशिप पंजीकरण सहित 7000 से अधिक है। इस साल कुल 8 कंपनियों को शॉर्ट लिस्ट किया गया जो नॉर्थ के साथ-साथ साउथ कैंपस में ऑन-कैंपस चयन अभियान किया गया। 1100 से अधिक छात्रों को विभिन्न कंपनियों से नियुक्ति प्रस्ताव के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया और 750 छात्रों को अंतत: बेहतर वेतन पैकेज सहित विभिन्न सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त हुआ। इस वर्ष स्नातकोत्तर और पीएचडी उम्मीदवारों को अत्यधिक कॉर्पोरेट नौकरियां प्राप्त हुईं। नियमित सीपीसी गतिविधियों के साथ-साथ, क्षमता वृद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत इस वर्ष, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को उन्हें विशेष कैरियर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया गया था। इन कार्यशालाओं ने हमारे छात्रों को अपने बुनियादी कौशल को बढ़ाने अर्थात् सीवी तैयार करने, साक्षात्कार का सामना करने; आत्म मूल्यांकन करने हेतु पेशावरों से चर्चा करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस वर्ष डीएसडब्ल्यू कार्यालय द्वारा ऐसे दो क्षमता वृद्धि कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

इंटर्नशिप कार्यक्रम : विभिन्न महाविद्यालयों के प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को इंटर्न के रूप में विभिन्न कंपनियों में भेजा गया ताकि कंपनियों के साथ जानकारी और अनुभव प्राप्त किया जा सके। इसके लिए अलग-अलग कंपनियों को इंटर्नशिप के लिए सीपीसी के साथ पंजीकरण कराने के लिए आमंत्रित किया गया था।

***

विश्वविद्यालय अतिथि गृह

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विश्वविद्यालय अतिथि गृह, विश्वविद्यालय के गेट नंबर 01 के पास स्थित है। अतिथि गृह प्रमुख अकादमिक बैठकों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। परीक्षकों और आगंतुक वैज्ञानिकों को आतिथ्य उपलब्द करवाया जाता है।

सुविधायें

विश्वविद्यालय अतिथि गृह में मुख्य भवन में 33 कमरे और 06 बांस के कॉटेज रूम हैं, जिनमें संलग्न बाथरूम, फोन, टीवी आदि हैं। एक कमरे में दो व्यक्ति रह सकते हैं। अतिथि गृह में कमरे के मेहमानों को मुफ्त इंटरनेट और वाई-फाई की सुविधा दी जाती है। इसमें सुरक्षित, स्वस्थ और स्वादिष्ट भोजन प्रदान करने के लिए एक रसोईघर है। इसमें 35-40 व्यक्तियों की बैठने की क्षमता के साथ एक स्वच्छ डाइनिंग हॉल भी है। इसमें 70-80 व्यक्तियों की बैठने की क्षमता के साथ माइक और प्रोजेक्टर सुविधाओं के साथ एक लाउंज है। इसमें 10-12 व्यक्तियों की बैठक करने के लिए एक छोटा सा समिति कक्ष भी है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विश्वविद्यालय अतिथि गृह में अतिथियों को सभी समय के भोजन की व्यवस्था की जाती है सम्मेलन/सेमिनार/सेवानिवृत्ति पार्टियों आदि जैसे कार्यक्रमों के लिए नाश्ते, दोपहर का भोजन/रात्रिभोज/हाईटी की विशेष व्यवस्था की जाती है।

****

शैक्षणिक केंद्र

कृषि आर्थिकी अनुसंधान केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

एईआरसी, दिल्ली ने 2018-19 में अनुसंधान कार्य में प्रगति जारी रखी। संकाय सदस्यों ने पत्रिकाओ में प्रकाशन, सम्मेलनों में प्रस्तुतिकरण, शोध रिपोर्ट और उच्च स्तर की समितियों के लिए आदानों के रूप में योगदान दिया गया है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए शोध अध्ययन

पूरे हो चुके शोध अध्ययन

सी. एस. सी. शेखर और योगेश भट्ट (2018), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-एनएएम): हरियाणा में प्रदर्शन और संभावनाओं की एक समीक्षा, 2017-2018.

चल रहे - शोध अध्ययन

1. कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी), भारत सरकार के लिए गन्ने की कीमत और परिवहन लागत।
2. खुदरा बिंदुओं पर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के कामकाज पर अध्ययन।
3. सतत ग्राम सर्वेक्षण (सीवीएस) - सीवीएस पांच वर्षो के आवधिक अंतराल पर एक गांव की अर्थव्यवस्था का अध्ययन करके ग्रामीण परिवर्तन की बदलती गतिशीलता का अध्ययन करने का प्रयास करता है। वर्तमान अध्ययन इस श्रृंखला में पहला है।
4. विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों के लिए कौशल में अंतराल का आकलन -अध्ययन कृषि मशीनीकरण में विभिन्न हितधारकों की कौशल आवश्यकताओं का विश्लेषण करने का प्रयास करता है।
5. सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में आहार और चारे का आकलन -अध्ययन विभिन्न राज्यों में आहार और चारे की उपलब्धता के विश्वसनीय अनुमान करने का प्रयास करता है।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

सी.एस.सी. शेखर

मद्रास विश्वविद्यालय में 6 मार्च, 2019 को "किसानों की आय में सुधार: नीति विकल्प और चुनौतियां" पर 2018-19 के लिए राजरत्नम बंदोबस्ती व्याख्यान दिया।

उच्चतर शिक्षा व्यावसायिक विकास केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, में 27 सितम्बर, 2018 को विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के शिक्षकों के लिए व्यावसायिक प्रबंधन, अर्थशास्त्र और वाणिज्य में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "भारत में खाद्य मुद्रास्फीति" पर व्याख्यान दिया।

23-24 फरवरी, 2019 को रेवेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, ओड़िशा में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत में हरित क्रांति और कृषि स्थिरता: मुद्दे और चुनौतियां" पर मुख्य भाषण दिया।

21-22 फरवरी, 2019 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली में अर्थशास्त्र में वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत पत्र, "मध्य आय में परिवर्तन: भारत के लिए चुनौतियां और रास्ते" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

18 जनवरी, 2019 को सिम्बायोसिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड इंटरनेशनल बिजनेस, पुणे में "राष्ट्रीय सम्मेलन ग्रामीण भारत में परिवर्तन 2030: सतत विकास लक्ष्यों के लिए रणनीतियाँ" पर पैनल चर्चा

10-11 जनवरी, 2019 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद के कृषि में प्रबंधन केंद्र में आयोजित कृषि-आर्थिक अनुसंधान 2019 पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में कृषि मूल्य नीति किस ओर?" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया (दो सत्रों की अध्यक्षता भी की)।

11-13 नवम्बर, 2018 को राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद में, स्वस्थ आहार और बेहतर पोषण के लिए खाद्य प्रणाली का संरेखण पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय एनआईएन शताब्दी सम्मेलन में "भारत में खाद्य मुद्रास्फीति और अस्थिरता - पोषण असुरक्षा के लिए निहितार्थ" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया

8-10 अक्तूबर, 2018 को आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र, हैदराबाद में, प्रो आर.राधा कृष्ण के सम्मान में समावेशी विकासः मुद्दे और चुनौतियां पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कृषि मूल्य नीति" पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

18 मार्च, 2019 को भूमि उपयोग और भूमि आवरण परिवर्तन और उच्च एशिया, आईईजी, भारत में पारिस्थितिकी तंत्र और सतत विकास पर इसका प्रभाव, पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता की।

योगेश भट्ट

जनवरी 11-10, को भारतीय प्रबंधन संस्थान 2019, अहमदाबाद में कृषिआर्थिक नीति और अनुसंधान पर - राष्ट्रीय सम्मेलन में"इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाजार प्रदर्शन और हरियाणा में:(एनएएम-ई) संभावनाओं की समीक्षा”

मीडिया में लेख

सी.एस.सी. शेखर

"पीएम-किसान, बहुत कम देर से", फाइनेंशियल एक्सप्रेस, 20 फरवरी, 2019.
"कृषि मूल्य और खरीद नीति?" फाइनेंशियल एक्सप्रेस, 10 जुलाई 2018.
"स्पॉट का एकीकरण और भविष्य - चुनौतियां और आगे की राह" कमोडिटी इनसाइट्स एल्बम 2018 में, एमसीएक्स (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया)।

संकाय की संख्या
01(पूर्णकालिक) + मानद निदेशक

***

संसूचक और संबंधित सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

केंद्र इससे पहले 2012 में सर्न, जिनेवा, स्विट्जरलैंड में सीएमएस प्रयोग में हिग्स बोसोन की प्रमुख खोज में शामिल था और 2015-16 में इसने सीएमएस प्रयोग के साथ अपना जुड़ाव जारी रखा। बीईएल, बेंगलुरु के सहयोग से डिजाइन, विकसित और गढ़ा गया बहु-पट्टी सी सेंसर को केआईटी, जर्मनी में चिह्नित किया गया था। ये अत्याधुनिक डिटेक्टर हैं और भारत में लगभग पहली बार विकसित किए गए हैं।

प्रकाशन

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). पीपी $\to$ डब्ल्यूजेड समावेशी और पार-अनुभागीय अंतर उत्पादन का मापन $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर चार्ज किए गए विषम ट्रिपल गेज युग्मन पर अवरोधों का मापन । जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1904, 122.

प्रियंका व अन्य (2019). सीएमएस पर एकल टॉप क्वार्क उत्पादन। यूनिवर्स 5 संख्या1, 19.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). (2019). $ \sqrt{s}=13 $ TeV पर एक एकल शीर्ष क्वार्क जोड़े में प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में या एक एकल शीर्ष क्वार्क के साथ सहयोग में उत्पादन डार्क मैटर की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1903, 141.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). (2019). $\sqrt{s}$ =13TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में e$^{\pm}\mu^{\mp}$ में हल्के शीर्ष स्क्वार्कों के जोड़े में उत्पादन की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1903, 101.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). हिग्स बोसोन की चौड़ाई और चार-लेप्टान अंतिम स्थिति में ऑन-शेल और ऑफ-शेल उत्पादन से एनालमस HVV युग्मन का मापन। फिजिक्स रिव्यू, डी99 सं.11, 112003.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर सभी जेट्स अंतिम स्थिति में शीर्ष क्वार्क और लेप्टान + जेट चैनल के साथ संयोजन में द्रव्यमान का मापन। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी79 संख्या4, 313.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर पीपी टकराव की घटना में डिलेप्टन का उपयोग करते हुए मजबूत युग्मन में the $\mathrm{t}\overline{\mathrm{t}}$पार अनुभागीय उत्पादन,शीर्ष क्वार्क मॉस का मापन । द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी79 संख्या 5, 368.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्करों से डिलेप्टन मास स्पेक्ट्रा में संपर्क इंटरेक्शन और बड़े अतिरिक्त आयामों की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1904, 114.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में दो विपरीत रूप से चार्ज किए गए लेप्टन और जेट की घटनाओं में वेक्टर जैसे क्वार्क की खोज। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी79 सं.4, 364.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर पीपी टक्करों में लेप्टान + जेट्स अंतिम स्थिति में एक शीर्ष क्वार्क और एक सदिश-समान टॉप क्वार्क के क्षय के लिए एक विशाल प्रतिध्वनि की खोज. द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी79 सं.3, 208.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर हिग्स बोसोन उत्पादन के लिए अलग-अलग पार अनुभागों की माप और व्याख्या। फिजिक्स लेटर्स , बी792, 369-396.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $ \sqrt{s}=13 $ TeV पर रेज़र चरों का उपयोग करके पीपी टकराव में अति समरूपता के लिए समावेशी खोज और शून्य और एक लिप्टन अंतिम अवस्थाओं में वस्तु पहचान को प्रोत्साहन। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1903, 031.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt {s}$ =13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में एक Z बॉसन के सहयोग में सिंगल टॉप क्वार्क प्रोडक्शन का अवलोकन। फिजिक्स रिव्यू लेटर्स, 122 सं.13, 132003.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में छद्म कार्य के रूप में ऊर्जा घनत्व का मापन. द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी79 अंक 5, 391.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में एक फोटॉन, एक लेप्टान और लापता अनुप्रस्थ गति की घटनाओं में सुपर समरूपता की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1901, 154.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $ \sqrt{s_{\mathrm{NN}}} $ = 5.02 TeV पर प्रोटॉन-लीड टक्करों बहुत आगे के जेट पार अनुभाग की समावेशिता का मापन। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1905, 043.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्करों में एक आकर्षण क्वार्क डब्ल्यू बॉसन के संबद्ध उत्पादन का मापन।द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी79 अंक 3, 269.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में एक लेप्टोक्वार्क और लापता अनुप्रस्थ गति की घटनाओं में काले पदार्थ की खोज। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, बी795, 76-99.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में समान संकेत डिम्यून के साथ दूसरी पीढ़ी के स्लेप्टान के प्रतिध्वनि उत्पादन की खोज। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी79 सं.4, 305.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में एकल शीर्ष क्वार्क और एक हिग्स बॉसन के संबद्ध उत्पादन की खोज। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, डी99 सं.9, 092005.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} = $ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में हिग्स बॉसन जोड़े के उत्पादन के लिए खोजों का संयोजन। फिजिक्स रिव्यू लेटर्स, 122 सं.12, 121803.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s}=$ 8 और 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में डिपोथोन अंतिम अवस्था में 70 और 110 जीईवी के बीच बड़े पैमाने पर एक मानक मॉडल जैसे हिग्स बोसोन की खोज। फिजिक्स लेटर्स, बी793, 320-347.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में विस्थापित जेट में लंबे समय तक जीवित रहने वाले कणों की खोज। फिजिक्स रिव्यू , डी99 स,.3, 032011.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). सभी सेट अंतिम स्थितियों में एक वेक्टर जैसे क्वार्क और एक शीर्ष या निचले क्वार्क में क्षय होने वाले डब्ल्यू बॉसन की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1903, 127.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर दो लेप्टान का उपयोग करते हुए प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में पार-अनुभागीय अंतर $\mathrm{t\overline{t}}$ का मापन। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1902, 149.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s}=13\,\text {Te}\text {V} $ पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में निचले क्वार्क के जोड़े में क्षय होने वाले हिग्स बॉसन के साथ उत्पादित डार्क मैटर की खोज।द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी79 स. 3, 280.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में$\ell\ell\gamma$ अंतिम स्थिति में निकलने वाले लेप्टॉन की खोज।जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1904, 015.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर पहली पीढ़ी के स्केलर लेप्टोक्वार्क की जोड़ी के उत्पादन के लिए खोज.फिजिक्स रिव्यू , डी99 स.5, 052002.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में दो τ लेप्टॉन और दो जेटों में कठोर स्थिति में भारी न्यूट्रिनो और तीसरी पीढ़ी के लेप्टोक्वार्क की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1903, 170.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\mathrm{b\overline{b}b\overline{b}}$ अंतिम स्थिति में $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर अनुगूंज रहित हिग्स बॉसन जोड़ी की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1904, 112

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में निचले क्वार्क-एंटीकार्क जोड़े में क्षय करने वाले कम द्रव्यमान वाले अनुगूंज की खोज। फिजिक्स रिव्यू, डी99 स. 1, 012005.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में जेड के दुर्लभ क्षय और हिग्स बोसोन के J$/\psi$ और एक फोटॉन की खोज।द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी79 स. 2, 94.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). एक जेट और एक उभरते जेट के लिए क्षय होते नए कणों की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1902, 179.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019).$\sqrt s$ =13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में युग्मित तीन-जेट अनुनादों की खोज। फिजिक्स रिव्यू , डी99 स. 1, 012010.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019).) $ \sqrt{s}=13 $ TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में अनुनाद युक्त$ \mathrm{t}\overline{\mathrm{t}} $ उत्पादन की खोज।जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स,1904,031.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $ \sqrt{s}=13 $ TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में समान संकेत डाइलेप्टन और एकल-लेप्टन अंतिम स्थिति में 5/3 चार्ज के साथ शीर्ष क्वार्क भागीदारों की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1903, 082.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s_\mathrm{NN}} =$ 8.16 TeV पर उच्च गुणांक तत्काल पीपीबी टकरावों में तत्काल J/ψ मेसन एलिप्टिक प्रवाह का अवलोकन।फिजिक्स लेटर्स, बी791, 172-194.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में एकल फोटॉन और लापता अनुप्रस्थ गति के साथ अंतिम स्थिति में नई भौतिकी की खोज के लिए 5/3 चार्ज के साथ शीर्ष क्वार्क भागीदारों की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1902, 074.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s_\mathrm{NN}} =$ 5.02 TeV पर पीपीबी टकरावों में प्रोटॉन से विशिष्ट Υ फोटो उत्पादन का मापन। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी79 स. 3, 277.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s}=13\,\text {Te}\text {V} $ पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में हिग्स बॉसन कपलिंग का संयुक्त माप। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी79 स. 5, 421.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में एक शीर्ष क्वार्क और एक डब्ल्यू बोसोन के लिए क्षय वेक्टर जैसे क्वार्क के एकल उत्पादन की खोज. द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी79, 90.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s_\mathrm{NN}} =$ 5.02 TeV पर पीपी टकरावों और पीबी-पीबी में आइसोलेटेड फोटॉन टैग्ड जेटों के जेट आकार। फिजिक्स रिव्यू लेटर्स, 122 स. 15, 152001.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में वेक्टर बोसॉन संलयन के माध्यम से उत्पादित हिग्स बोसॉन की अदृश्य किरणों की खोज।फिजिक्स लेटर्स, बी793, 520-551.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर τ लेप्टॉन के हिग्स बोसॉन क्षय में प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में हिग्स बोसॉन और एक वेक्टर बोसॉन के संबद्ध उत्पादन की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1906, 093.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर दूसरी पीढ़ी के लेप्टोक्वार्क्स की जोड़ी के उत्पादन की खोज। फिजिक्स रिव्यू , डी99 स. 3, 032014.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में Z$\to4\mu$ घटनाओं के उपयोग से$L_{\mu}-L_{\tau}$ गॉज बोसान की खोज। फिजिक्स लेटर्स, बी792, 345-368.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s}= $13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में मल्टीजेट घटनाओं में विस्थापित कोने के साथ लंबे समय तक रहने वाले कणों की खोज।फिजिक्स रिव्यू , डी98 सं.9, 092011.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में बड़े क्षेत्र के जेट का उपयोग करके चार बी क्वार्क अंतिम स्थिति में हिग्स बोसोन जोड़े के उत्पादन की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1901, 040.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में दो हिग्स बोसोन या एक हिग्स बोसोन और एक डब्ल्यू या जेड बोसोन में भारी अनुनाद की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1901, 051.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में संकीर्ण एच Hγ अनुनाद की खोज। फिजिक्स रिव्यू लेटर्स, 122 स. 8, 081804.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में τ लेप्टान पर क्षय होने वाले डब्ल्यू 'बोसोन और एक न्यूट्रिनो की खोज फिजिक्स लेटर्स, बी792, 107-131.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में एक शीर्ष क्वार्क जोड़ी के साथ मिलकर निर्मित डार्क मैटर कणों की खोज । फिजिक्स रिव्यू लेटर्स, 122 सं.1, 011803.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में डिप्थोन क्षय चैनल में समावेशी और अंतर हिग्स बोसॉन उत्पादन क्रॉस सेक्शन का मापन। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1901, 183.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में हिग्स बोसोन के लिए दो म्यूऑन की खोज। फिजिक्स रिव्यू लेटर्स, 122 स. 2, 021801.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). 13 $~\text {Te}\text {V}$ पर$\mathrm {p}\mathrm {p}$ टकरावों में शीर्ष क्वार्क जोड़ी उत्पादन में अंतर्निहित घटना का अध्ययन । द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी79 स. 2, 123.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में समावेशी पृथक-फोटॉन और फोटॉन + जेट उत्पादन के लिए अंतर क्रॉस सेक्शन का मापन। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी79 स. 1, 20.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s} =$ 8 और13 TeV पर जेट विमानों के साथ मिलकर जेड बोसोन जोड़ी उत्पादन के लिए अंतर क्रॉस सेक्शन का मापन । फिजिक्स लेटर्स, बी789, 19-44.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $ \sqrt{s}=13 $ TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में समान संकेत डिल्टन चैनलों में भारी मेजराना न्यूट्रिनो की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1901, 122.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में तीसरी पीढ़ी के क्वार्कों के युग्मित लेप्टोक्वार्क्स की खोज। फिजिक्स रिव्यू लेटर्स, 121 स. 24, 241802.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $ \sqrt{s}=13 $ TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में मल्टीजेट फाइनल स्टेट्स का उपयोग करके ईवेंट आकार चर को मापा जाता है। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1812, 117.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s}=8\,\text {TeV} $ पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में ${\mathrm {B}} ^{*{\mathrm {s}}2}(5840)^0 \rightarrow {\mathrm {B}} ^0 \mathrm {K} ^0_{\mathrm {S}} $ क्षय सहित ${\mathrm {B}} ^{*{\mathrm {s}}2}(5840)^0 $ and ${\mathrm {B}} _{{\mathrm {s}}1}(5830)^0 $ मेसन का अध्ययन। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी78 स. 11, 939.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर पीपी टकराव में ν_τ और हैड्रोन के लिए क्षय हो रहे τ लेप्टॉन का पुनर्निर्माण और पहचान का प्रदर्शन है .जर्नल ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन, 13 स. 10, P10005.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में उच्च-द्रव्यमान द्विध्रुवीय घटनाओं में मानक मॉडल से परे भौतिकी की खोज। फिजिक्स रिव्यू ,डी98 स. 9, 092001.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $ \sqrt{s_{\mathrm{NN}}} = 5.44 $ TeV पर XeXe टक्करों में चार्ज-कण परमाणु संशोधन कारक। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1810, 138.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य(2018). नीचे से क्वार्क तक हिग्स बोसोन का अवलोकन। फिजिक्स रिव्यू लेटर्स, 121 स. 12, 121801.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य(2018).$\sqrt{s}=$ 13TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में $\mathrm{t\overline{t}}$ घटनाओं से $\mathrm{t\overline{t}}$ जेट उपसंरचना प्रक्षेपण का मापन। फिजिक्स रिव्यू , डी98 स. 9, 092014.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $ \sqrt{s}=8 $ TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में आकर्षण और नीचे क्वार्क क्षय के लिए एक चार्ज हिग्स बोसोन की खोज।जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1811, 115.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में क्वार्क जोड़ियों में क्षय होने वाले युग्म-निर्मित अनुनादों की खोज। फिजिक्स रिव्यू , डी98 स. 11, 112014.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में एकल शीर्ष क्वार्क और एक फोटॉन के जुड़े उत्पादन के लिए साक्ष्य। फिजिक्स रिव्यू लेटर्स, 121 स. 22, 221802.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s} =$ 8 और 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में बी क्वार्क जेट्स के साथ मिलकर निर्मित म्यून जोड़े के बड़े पैमाने पर अनुनाद की खोज । जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1811, 161.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में अंतिम रूप से चार्ज किए गए लेप्टान के साथ अंतिम राज्यों में चारगिनोस और शीर्ष स्क्वार्क्स की जोड़ी के उत्पादन के लिए खोज. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1811, 079.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $ \sqrt{s}=13 $ TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में डीजेट घटनाओं में जेट द्रव्यमान के एक कार्य के रूप में अंतर जेट क्रॉस सेक्शन का मापन। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1811, 113.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). परमाणु इंटरैक्शन का उपयोग करके सीएमएस आंतरिक ट्रैकिंग प्रणाली की संरचना का सटीक मापन। जर्नल ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन, 13 सं.10, पृष्ठ 10034.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $ \sqrt{s}=13 $ TeV पर एक वेक्टर बोसॉन और एक हिग्स बोसोन में क्षयशील लेप्टोन, न्यूट्रिनोस और बी क्वार्क के साथ भारी गूंज की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1811, 172.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में एक τ लेप्टान जोड़ी और लापता अनुप्रस्थ गति की घटनाओं में सुपरसिमेट्री की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1811,151.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s}=13\,\text {TeV} $ पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में न्यूनतम-पूर्वाग्रह घटनाओं में चार्ज कण स्पेक्ट्रा का मापन। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी78 स..9, 697.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में $\ell\ell\gamma$ चैनलों में हिग्स बोसोन के क्षय की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1811, 152.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में इलेक्ट्रॉनों और म्यूनों के अति सममित भागीदारों की खोज। फिजिक्स लेटर्स, बी790, 140-166.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर पीपी टकरावों में एक डब्ल्यू बोसोन जोड़ी के क्षय के हिग्स बोसोन के गुणों की माप । फिजिक्स लेटर्स, बी791, 96.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019). $\sqrt{s_{_\mathrm{NN}}} =$ 5.02 TeV पर पीबी-पीबी टकरावों में Υ(1S), Υ(2S), और Υ(3S) के परमाणु संशोधन कारकों का मापन। फिजिक्स लेटर्स, B790,270-293.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\gamma\gamma$ या $\tau^+\tau^-$ at $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर एक हिग्स बोसोन के क्षय के साथ उत्पन्न डार्क मैटर की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1809, 046.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर पीपी टकराव में Z$\to\psi\ell^+\ell^-$ क्षय का अवलोकन। फिजिक्स रिव्यू लेटर्स, 121 स. 14, 141801.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). 13 TeV पर नीचे क्वार्क-एंटीकार्क जोड़े के लिए क्षय हो रहे हिग्स बोसोन के गुंजयमान युग्म उत्पादन के लिए खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1808, 152.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में एक τ लेप्टॉन और एक नीचे के क्वार्क पर क्षय होने वाले तीसरी पीढ़ी के एक स्केलर लेप्टोक्वार्क की खोज । जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1807, 115.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में कम से कम चार क्वार्क में जोड़ी-निर्मित प्रतिध्वनियों के प्रत्येक क्षय की खोज। फिजिक्स रिव्यू लेटर्स, 121 स. 14, 141802.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). 8 TeV पर पीपी टकराव में ड्रेल-यान घटनाओं के आगे-पीछे की विषमता का उपयोग करते हुए कमजोर मिश्रण कोण का मापन। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी 78 स. 9, 701.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $ \sqrt{s}=13 $ TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में संकीर्ण और विस्तृत द्विज अनुनादों के लिए खोज और डार्क मैटर मध्यस्थों और अन्य नए कणों पर बाधाएं। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1808, 130.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s} =$ 8 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में B$^+$$\to$ K$^+\mu^+\mu^-$ क्षय का कोणीय विश्लेषण। फिजिक्स रिव्यू, डी98 स. 11, 112011.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2019).$\sqrt{s}=$ 13 TeV पर पीपी टकरावों में $\gamma\gamma\mathrm{b\overline{b}}$ की अंतिम स्थिति में हिग्स बोसोन जोड़ी उत्पादन की खोज। फिजिक्स लेटर्स, B788, 7-36.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में $\mathrm{b\overline{b}}$ जोड़ी में मानक मॉडल हिग्स बोसोन के क्षय से परे की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1808, 113.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). χ_b1(3P) और χ_b2(3P) का अवलोकन और उनके द्रव्यमान का मापन। फिजिक्स रिव्यू लेटर्स,121, 092002.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर अदिश और एक न्यूट्रिनो को क्षय करने वाले अदिश और सदिश लेप्टोक्वार्क के मॉडल पर अवरोध । फिजिक्स रिव्यू , डी98 स. 3, 032005.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s}=$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में दो बी क्वार्क और τ लेप्टॉन के साथ अंतिम अवस्था में हिग्स बोसोन के एक जोड़े को हल्के छद्मस्केलरो के एक विदेशी क्षय की खोजे। फिजिक्स लेटर्स, बी785, 462.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s}=13$ TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में डब्ल्यू बोसोन के साथ मिलकर एकल शीर्ष क्वार्क के लिए उत्पादन क्रॉस सेक्शन का मापन । जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1810, 117.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s}=13$ TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों और उच्च-बहुलता अंतिम स्थिति में ब्लैक-होल और स्फालरों की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1811, 042.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में सिंगल-लिप्टन फ़ाइनल अवस्थाओं में चार-बॉडी या चारगिनो-मध्यस्थता मोड के माध्यम से क्षय करने वाले शीर्ष स्क्वार्क्स की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1809, 065.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s_{\mathrm{NN}}}=5.02$ TeV पर पीबी पीबी और पीपी टकरावों में तैयार जेट द्रव्यमान का मापन। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1810, 161.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s}=13$ TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में दो हल्के छद्मस्केलरों के अंतिम अवस्था में दो न्यूनों और दो τ लेप्टॉनों में हिग्स बोसोन के एक विदेशी क्षय की खोजें । जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1811, 018.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s} =$ 13 TeV पर लेप्टन के साथ अंतिम स्थिति में वेक्टर जैसी टी और बी क्वार्क जोड़े की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1808, 177.

अलबर्ट एम सिर्नयन व अन्य (2018). $\sqrt{s_{\mathrm{NN}}} =$ 5.02 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन प्रेरित टकरावों में द्विगुणों का उपयोग करते हुए नाभिक में ग्लूओन वितरण में बाधा। फिजिक्स रिव्यू लेटर्स, 121 स. 6, 062002.

शोध परियोजनाएं

डी.एस.टी. प्रमुख अनुसन्धान परियोजना, 2014-2020, कॉम्पैक्ट मून सोलेनोइड (सीएमएस) अद्यतन और संचालन और उपयोग, डॉ. कीर्ति रंजन, 117300000 रुपए
डी.एस.टी. प्रमुख अनुसन्धान परियोजना, 2014-2020, क्षेत्रीय डब्ल्यूएलसीजी ग्रिड सिस्टम का अद्यतन और संचालन, डॉ. कीर्ति रंजन, 2530000 रुपए

डी.एस.टी. प्रमुख अनुसन्धान परियोजना, 2015-2018, डॉ. अशोक कुमार, 2348000 रुपए।

डी.एस.टी. प्रमुख अनुसन्धान परियोजना, 2013-2018, आईएनओ परियोजना के लिए विश्वविद्यालय समूहों द्वारा अनुसंधान एवं विकास प्रयास, डॉ. मो. नैमुद्दीन, 17841000 रुपए।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

आशुतोष भारद्वाज

सत्र की अध्यक्षता, ब्लोइस 2016: 28वीं रेंकोन्ट्रेस डी ब्लिस - कण भौतिकी और कॉस्मोलॉजी, 29 मई-जून 3, 2016, ब्लिस (फ्रांस)।

अंतर-संस्थागत सहयोग

सभी अनुसंधान परियोजनाएं अंतर-संस्थागत परियोजनाएं हैं।

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल की संख्या

प्रस्तुत पीएच.डी. - 1

***

उद्यमिता और आजीविका उन्मुख कार्यक्रम केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

उद्यमिता केंद्र इस वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में उद्यमिता प्रकोष्ठों की स्थापना और गतिविधियों में संलग्न रहा।

11 अप्रैल 2018 को भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय में उद्यमिता सेल की स्थापना की गई। किरोड़ीमल महाविद्यालय ने फरवरी 2017 में अपने महाविद्यालय में ई-सेल की स्थापना के बाद उद्यमिता और स्टार्टअप पर छह महीने का यूजीसी पाठ्यक्रम शुरू किया है। सीईसीओपी ने "उद्यमिता" पर दो व्याख्यान आयोजित किए और युवा सफल महिला उद्यमी, इंटरएक्टिव बीज की निदेशक के अनुभव पर एक अन्य व्याख्यान आयोजित किया।

केशव महाविद्यालय, जाकिर हुसैन महाविद्यालय और महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में उद्यमिता कोशिकाओं की स्थापना की।

लेडी इर्विन महाविद्यालय ने "फूडप्रेन्यूर" कॉन्सेप्ट से बिजनेस तक पर एक दिन की कार्यशाला का आयोजन किया। 28 मई, 2019 को निदेशक, सीईसीओपी को "फूड प्रोसेसिंग में महिलाएं" पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया।

सीईसीओपी के निदेशक ने बातचीत करने के लिए जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, विवेकानंद महाविद्यालय, शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली सरकार, आदि सहित कई महाविद्यालयों और सरकारी संगठनों को आमंत्रित किया है।

कई दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में अपने उद्यमिता प्रकोष्ठों में सक्रिय कार्य कर रहे हैं।

***

अपरिवर्तित पारिस्थितिक तंत्र पर्यावरण प्रबंधन केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

केंद्र द्वारा प्रमुख बल दिये जाने वाले क्षेत्रों में समकालीन पर्यावरण और पारिस्थितिक चुनौतियों को संबोधित करने की कार्रवाई अनुसंधान शामिल हैं, जो पारिस्थितिक तंत्र और जीवन की गुणवत्ता और कार्य अनुसंधान में क्षमता निर्माण के लिए खतरा हैं। सीईएमडीई जैविक आक्रमण, अपपरिवर्तित पारिस्थितिक तंत्र की पारिस्थितिक बहाली और जैव विविधता के संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय रहा है। इसने उन तंत्रों की समझ में योगदान किया जिनके माध्यम से प्राकृतिक और/या विदेशी पौधे अपनी प्रतिस्पर्धी या सामान्य पारिस्थितिकी में सफलता प्राप्त करते हैं। निदेशक के डॉक्टरेट छात्र कई विदेशी प्रजातियों की आक्रमण पारिस्थितिकी पर काम कर रहे हैं। केंद्र ने संरक्षित क्षेत्रों में, एक आक्रामक विदेशी प्रजाति - लैंटाना के प्रबंधन के लिए एक सफल रणनीति भी विकसित की है।

प्रकाशन

बेसर्रा पी., काल्लावे आर., कैटफोर्ड जे, इन्दरजीत, एन्डोनियन के., लूस एम., अस्चेहौग ई., औरमोंटेसिनोस डी., (2018). अनौपचारिक पौधों की वृद्धि और प्रजातियों की समृद्धि पर नीलगिरी ग्लोब्युलस के निरोधात्मक प्रभाव विदेशी क्षेत्रों में अधिक होते हैं। ग्लोबल इकोलॉजी एंड बायोग्राफी 27, 68-76.

बर्गर ए., ब्रौकुइस्स आर., पाठक पी. के., हिच्री, आई., इन्दरजीत, भाटिया एस., बोस्कारी ए., ल्गम्बेर्डिएव ए.यू., और गुप्ता, जे.के. (2018). नाइट्रिक ऑक्साइड चयापचय के मार्ग और फलियां नोड्यूल में फाइटोग्लोबिन के संचालन: लापता लिंक और भविष्य की दिशाएं। प्लांट सेल और एनवॉयरमेंट, 41, 2057-2068.

एस्सल, एफ.,व अन्य (2019). पृथ्वी पर प्राकृतिक और आक्रामक पौधों की प्रजातियों की सापेक्ष समृद्धि के चालक। एओबी प्लांट्स, आगामी

इन्दरजीत, पेर्ग्ल, जे., वन क्लयूनेन, एम., हेज्डा, एम., बाबू सी.आर., मजूमदर, एस.ए, सिंह, पी., सिंह, एस.पी., सलाम्मा एस., राव, बी.आर.पी., और प्य्सेक, पी. (2018). भारतीय राज्यों की प्राकृतिक विदेशी वनस्पतियां जैव-भौगोलिक पैटर्न, वर्गीकरण संरचना और प्रजातियों समृद्धि के वाहक। जैविक आक्रमण, 20, 1625-1638.

एस.पी सिंह, इन्दरजीत, सिंह, जे. एस., मजूमदर, एस., मोयानो, जे., नुनेज़, एम.ए., और रिचार्डसन, डी. (2018). देर क्रेटेशियस में पाइंस (पीनस प्रजाति) की दृढ़ता और एन्थ्रोपीन में उनके बढ़ते प्रभुत्व पर अंतर्दृष्टि। पारिस्थितिकी और विकास, 00:1-15. https://doi.org/10.1002/ece3.4499.

वन क्लयूनेन, व अन्य (2019). ग्लोबल नेचुरलाइज़्ड एलियन फ्लोरा (ग्लोनफ़) डेटाबेस। इकोलॉजी, पारिस्थितिकीय,100(1) ई2542.

शोध परियोजनाएं

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 18 जून, 2018 को "जैव विविधता और संरक्षण के संदर्भ में प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा के आक्रमण पारिस्थितिकी का अध्ययन" पूरा हुआ।

दिल्ली विकास प्राधिकरण, 2017-2018, जैव विविधता पार्क कार्यक्रम, 92676380 रुपए।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

जीयूबीआईसी की बैठक में आमंत्रित व्याख्यान, "शहरी आक्रमण", टोरंटो विश्वविद्यालय, कनाडा, 17-21 जून, 2019.

दक्षिण अफ्रीका के स्टेलनबोश विश्वविद्यालय में कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए आमंत्रित। 6 से 9 नवंबर 2018, स्टेलनबोश, दक्षिण अफ्रीका। कार्यशाला ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के लिए आक्रमण विज्ञान के एक शोध नेटवर्क की स्थापना पर केंद्रित थी।

अलबर्टा विश्वविद्यालय के प्राकृतिक संसाधन विभाग में, "जैविक आक्रमण के कारण" नामक व्याख्यान कनाडा, 11 जनवरी, 2018.

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

टोरंटो विश्वविद्यालय, कनाडा: प्रोफेसर इंद्रजीत के अंतर्गत काम करने वाले एक शोध छात्र का टोरंटो विश्वविद्यालय में एक संकाय द्वारा सह-पर्यवेक्षण किया गया।

अल्बर्टा विश्वविद्यालय, कनाडा: अनुसंधान परियोजना सहयोग

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

दिल्ली विकास प्राधिकरण के संयुक्त सहयोग से सीईएमडीई, सात दिल्ली जैव विभिन्नता वाले पार्कों का विकास और प्रबंधन कर रहा है- जो दुनिया में अपनी तरह का पहला शहर है और ये शहर और इसके नागरिकों के लिए कई तरह की पारिस्थितिक सेवाओं का प्रतिपादन कर रहे हैं। डीडीए का जैव विविधता पार्क कार्यक्रम दुनिया में किसी भी विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त की गई अब तक की सबसे बड़ी अधिगम्यता गतिविधि है। जैव विविधता पार्क पर्यावरण जागरूकता, पर्यावरण शिक्षा और प्रकृति संरक्षण क्षेत्रों को बढ़ावा देने का केंद्र बन गये हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक छात्र, अनिवार्य पर्यावरणीय शिक्षा के एक भाग के रूप में जैव विविधता पार्क में पौधों की विविधता के बारे में जानने के लिए जाते हैं।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

एक छात्र ने पीएचडी जमा की थीसिस (पर्यावरण अध्ययन विभाग में पंजीकृत)।

संकाय की संख्या

प्रोफेसर: एमेरिटस: 1; गैर-शिक्षण कर्मचारी: 4.

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोफेसर सी. आर. बबलू पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और अन्य एजेंसियों के मंत्रालय में कई टास्क फोर्स समितियों में शामिल हैं। प्रोफेसर इंद्रजीत जैव प्रौद्योगिकी विभाग में कई टास्क फोर्स समितियों में शामिल हैं।

***

फसल पौध अनुवांशिक परिचालन केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

पारंपरिक और आणविक प्रजनन के माध्यम से तेल बीज सरसों (ब्रैसिका जंकिया) का आनुवंशिक सुधार केंद्र की प्रमुख गतिविधि रही है। इसमें क्षेत्र प्रजनन पर व्यापक कार्य, ब्रीडिंग में माइक्रोस्पोर-डिराइव्ड डबल हैल्पोइड्स (डीएच) के अनुप्रयोग, मार्कर-असिस्टेड प्रजनन में आणविक मानचित्रण और जीनोम अनुक्रमण के अनुप्रयोग शामिल हैं। कुछ सीएमएस-आधारित और जीएम-आधारित उत्पादक संकरों के विकास, बेहतर गुणवत्ता और सफेद जंग प्रतिरोध लाइनों के साथ कई शुद्ध प्रजातियां और हेटरोसिस प्रजनन के लिए कुछ आशाजनक कंबाइनरों की पहचान के लिए काम किया गया है। केंद्र ने दस महत्वपूर्ण तिलहन सरसों लाइनों के जीनोम का अनुक्रमण किया है जो महत्वपूर्ण गुणों के कुछ लक्षणों के लिए उम्मीदवार जीन की पहचान और महत्वपूर्ण क्यूटीएल और जीन के विविधीकरण में भी मदद करेगा।

प्रकाशन

अरोरा, एच., पद्मजा, के.एल., कुमार, पी., मुखी, एन., तिवारी ए. के., मुखोपाध्याय, ए. गुप्ता, वी., प्रधानए. के., औरपेंटल, डी. (2019). ब्रैसिका जंकिया में बीजेयूडब्ल्यूआरआर1, एक सीसी-एनबी-एलआरआर जीन की पहचान की गई है, यह अल्बुगो कैंडिडा के कारण होने वाले सफेद जंग के प्रतिरोध का सामना करता है। थोर एपल. जेनेट (प्रेस में)

राउत के., यादव, बी. जी., यादव, एस. के., मुखोपाध्याय, ए., गुप्ता, वी., पेंटल, डी., और प्रधान, ए. के. (2018). ब्रासिका जंकिया में तेल सामग्री के लिए क्यूटीएल परिदृश्य: उच्च और '0' इरुसिक पृष्ठभूमि में बहु द्वि-अभिभावकीय आबादी में विश्लेषण। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, 9, 1448

सिवा सुब्रमानियन, आर., प्रधान, ए के., पेंटल, डी., और कौर, जे. (2018). एराबिडोप्सिस में जीनोम-वाइड एसोसिएशन मैपिंग वैकल्पिक जीन के लिए वैकल्पिक मात्रात्मक रोग प्रतिरोध के नये जीन की पहचान करता है। मॉलिक्यूलर प्लांट पैथोलॉजी,19, 2719

शोध परियोजनाएं

डीबीटी-बीबीएसआरसी (यूके), 2018-2021, आर्थिक और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए सरसों रेप में अजैविक तनाव सहिष्णुता के जीनोमिक्स के नेतृत्व में सुधार, 10843000 रुपए।

डीबीटी,2019-2022, *सीआरआईएसपीआर-सीएएस9 मध्यस्थता जीनोम संपादन का उपयोग कर भारतीय तिलहन सरसों का पोषण सुधार*, 5345000 रुपए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

सहयोगात्मक अनुसंधान जिसमें नौ भारतीय और सात यूके संस्थान शामिल हैं।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

केंद्र में विकसित प्रौद्योगिकी की सार्वजनिक अभिगम्यता के लिए डीयू-बीआईआरएसी (डीबीटी) - बीज कंपनियों (भारतीय) को शामिल करते हुए सात त्रिपक्षीय प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गये।

***

संक्रामक रोग अनुसंधान शिक्षा और प्रशिक्षण नवाचार केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

संक्रामक रोग अनुसंधान शिक्षा और प्रशिक्षण नवाचार केंद्र (सीआईआईडीआरईटी) को शिक्षा परिषद् और कार्यकारी परिषद् के अनुमोदन से 2015 में दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-ए के अंतर्गत स्थापित किया गया था। अपने जनादेश के अनुसार, इसने कई गतिविधियों की शुरुआत की है, जिसमें विज्ञान विभाग के महाविद्यालय के छात्रों के साथ बातचीत करना उन्हें अपने करियर के रूप में अनुसंधान और नवाचार करने के लिए प्रेरित करना शामिल है। सीआईआईडीआरईटी ने वैज्ञानिक अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों से अपने क्षेत्र में अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय वैज्ञानिकों द्वारा सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किए हैं। सीआईआईडीआरईटी ने 'एंटरप्रेन्योरशिप गेस्ट पब्लिक लेक्चर सीरीज़' के माध्यम से उद्योग-अकादमिक सहभागिता का आयोजन किया है, जिसमें उद्यमियों द्वारा किए गए व्याख्यान और नवाचार के सूत्रधार शामिल हैं। सीआईआईडीआरईटी अकादमिया और उद्योग दोनों के वैज्ञानिकों को विशेषज्ञ सलाह के साथ-साथ अत्याधुनिक प्रोटीन और जीनोमिक विश्लेषणात्मक सुविधाएं प्रदान कर रहा है, साथ ही बायोटेक उद्योग के लिए परामर्श प्रदान करता है। सीआईआईडीआरईटी योजना के अंतर्गत उद्योग के विशेषज्ञों के सहयोग से जीनोमिक्स और प्रोटिओमिक्स के विभिन्न पहलुओं को आवृत करने वाले प्रत्यक्ष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 'जैव प्रौद्योगिकी में नवाचार के लिए सतत शिक्षा और कौशल संवर्धन' (सीआईआईडीआरईटी-सीईएसएफआईबी) आयोजित करता है।

सीआईआईडीआरईटी ने 10 अरब क्लोनों वाले एक अति-बड़े फेज-प्रदर्शित मानव एंटीबॉडी (एससीएफवी) पुस्तकालय का विकास किया है। महत्वपूर्ण मानव लक्ष्य प्रोटीन के बाइंडरों के चयन के लिए इस पुस्तकालय का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है। पुस्तकालय को अब भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा सर्पदंश उपचार पर एक मिशन परियोजना में शामिल किया जा रहा है।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर विजय के. चौधरी निदेशक, सीआईआईडीआरईटी:

"संक्रामक रोग जीवविज्ञान" पर डीबीटी कार्य बल के सह-अध्यक्ष।

डीबीटी एनईआर तकनीकी विशेषज्ञ समिति (टीईसी) चिकित्सा जैव-प्रौद्यागिकी-II के सह-अध्यक्ष।

"स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी त्वरण और व्यावसायीकरण (एचटीएसी)" पर आईसीएमआर निगरानी समिति के अध्यक्ष।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण संगठन (टीटीओ) पर डीबीटी विशेषज्ञ समूह के सदस्य।

डॉ. अमिता गुप्ता भारत की बैक्टीरियोफेज सोसायटी की संयुक्त सचिव हैं।

दायर किये गये पेटेंट

एक एंटीबॉडी आंशिक पुस्तकालय और इसके उपयोग; प्रोफेसर विजय के. चौधरी, अमिता गुप्ता, वैशाली वर्मा. पीसीटी आवेदन सं. PCT/IN2018/050802.

पॉलीपेप्टाइड्स को स्थिर करने के लिए एक प्रक्रिया; प्रोफेसर विजय के. चौधरी, अमिता गुप्ता, वैशाली वर्मा, चरणप्रीत कौर, पायल ग्रोवर. पीसीटी सं. PCT/IN2018/050722.

इमल्सन पीसीआर मिश्रण को शुद्ध करने की प्रक्रिया और इसका कार्यान्वयन; वैशाली वर्मा, अमितागुप्ता प्रोफेसर विजय के. चौधरी। भारतीय पेटेंट आवेदन सं. 201811038157, 8 अक्तूबर 2018.

पोस्टर/मौखिक प्रस्तुति

वैशाली वर्मा ने 2 फरवरी, 2019 को जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा में बायोसाइंसेज एंड बायोटेक्नोलॉजी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मोनोबायोटिनिलेटेड प्रोटीन के रूप में बेहतर प्रतिरक्षा के लिए अभिकर्मकों" पर मौखिक प्रस्तुति में पहला स्थान प्राप्त किया।

इंपैक्ट: टीकाकरण-मुक्त फेज-आधारित एंटीबॉडी क्लोनिंग प्रौद्योगिकी। वर्मा, वी., गुप्ता, ए., वी.के. चौधरी। जयपुर, भारत में 30 सितम्बर से 2 अक्तूबर 2018 तक नेक्स्टजेन जीनोमिक्स, बायोलॉजी, बायो इनफॉरमैटिक्स एंड टेक्नोलॉजीज कॉन्फ्रेंस आयोजित किया गया।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशाला/व्याख्यान

28 मार्च 2019 को यूडीएससी में 3.30 बजे, अंतर्राष्ट्रीय एड्स वैक्सीन इनिशिएटिव के डॉ. मार्क थैबॉर्ग, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, द्वारा "अभिनव प्रौद्योगिकी और साझेदारी के माध्यम से मोनोक्लोनल एंटीबाडी तक वैश्विक पहुँच को सक्षम करना" पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

डॉ. आशुतोष पास्टर, प्रबंधक, फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दिल्ली द्वारा "जैव-उद्यमिता:" पर व्याख्यान का आयोजन: "स्टार्टअप कैसे शुरू करें" और बीआईआरएसी_बीआईजी इनोवेटर, टीबीआईयू, आईआईटी-दिल्ली और प्रमुख-लिविंग साइंस ग्रुप, डॉ. स्रीता अहलावत द्वारा यूडीएससी में पर 28 जनवरी 2019 को शाम 4.00 बजे "स्टार्ट-अप दुनिया में जीवन: नई तकनीक और एक विज्ञान संचार मंच विकसित करना" पर व्याख्यान।

सीआईडीआरईटी में, डीबीटी वित्तपोषित चिकित्सा और चिकित्सीय अनुप्रयोगों के लिए "एंटिबॉडी टेक्नोलॉजी अनुसंधान" उत्कृष्टता केंद्र के तत्वावधान में डीबीटी द्वारा प्रायोजित "रेबीजेंट एंटिबॉडीज़ पर विशेष ध्यान देने के साथ सांप काटने के उपचार के तौर-तरीकों के लिए रणनीतियाँ" पर चिंतन बैठक आयोजित की गई।

यूडीएससी में 14 नवम्बर, 2018 को अपराह्न 3.30 बजे स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, ला जोला, कैलिफ़ोर्निया, यूएसए में आईएवीआई (इंटरनेशनल एड्स वैक्सीन इनिशिएटिव) के निदेशक, डॉ. परवीन सोक द्वारा, "परिवर्तनशील रोगजनकों के खिलाफ एंटीबॉडी की खोज" पर व्याख्यान।

9 अगस्त, 2018 को प्रोफेसर क्रिस्टोफर ब्रोअर्ड, निदेशक, उभरते रोग स्नातक कार्यक्रम, यूनिफॉर्म्ड सर्विसेज यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, बेथेस्डा मैरीलैंड, यूएसए द्वारा "नीपा वायरस और हेंड्रा वायरस: वैश्विक प्रतिरोधी उपायों के लिए बुनियादी विज्ञान" पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

प्रोफेसर विजय के. चौधरी

4 जनवरी, 2019 को हाफकीन इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग, रिसर्च एंड टेस्टिंग में व्याख्यान दिया।

चित्रकूट, सतना, म.प्र. में 6-8 दिसंबर 2018 को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (एनएएसआई) के 88वें वार्षिक सत्र में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्व विद्यालय (एमजीसीजीवी) और दीनदयाल अनुसंधान संस्थान (डीआरआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, सतत ग्रामीण विकास के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पारिस्थितिकी तंत्र पर संगोष्ठी में "निदान में एंटिबॉडीज़ःग्रामीण भारत के लिए रैपिड टेस्ट" पर व्याख्यान दिया। 17 सितंबर 2018 को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में "जीनोम सीक्वेंसिंग - जेल टू एनजीएस और बियॉन्ड" नामक व्याख्यान दिया।

नॉर्थ-ईस्ट इंडिया, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग में, जूलॉजी विभाग (एनईएचयू) और जूलॉजिकल सोसाइटी (कोलकता) द्वारा 19 अप्रैल 2018 को संयुक्त रूप से आयोजित जूलॉजिकल रिसर्च के हालिया रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "द मैजिक ऑफ एंटीबॉडीज" नामक एक व्याख्यान दिया।

***

पर्वत और पर्वतीय पर्यावरण अंतर-आयामी अध्ययन केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विद्युत परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन और नदी घाटियों के पर्यावरण संवेदनशीलता अध्ययन के क्षेत्र में केंद्र के महत्वपूर्ण योगदान को महसूस करते हुए, भारत सरकार ने 2001-2002 में इसे एक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता दी। इसे बिजली क्षेत्र में पर्यावरण प्रभाव और पर्यावरण प्रबंधन के मुद्दों से संबंधित अध्ययन करने के लिए एक अनुसंधान और विकास केंद्र के रूप में स्थापित किया गया था। केंद्र ने पूरे भारत में पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन और जैव विविधता संरक्षण से संबंधित कई अध्ययन किए हैं। यह केंद्र पर्यावरणीय प्रभाव आकलन और सतत विकास के क्षेत्र में भारत सरकार, उसके सार्वजनिक उपक्रमों और निजी क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों को विशेषज्ञ सलाह और परामर्श सेवाएं भी प्रदान करता है। केंद्र को एक अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा और पारिस्थितिकी, जैव विविधता संरक्षण प्रबंधन, जलीय पारिस्थितिकी, रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) के क्षेत्र में व्यापक विशेषज्ञता उपलब्ध है। केंद्र ने सतत विकास के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। केंद्र के संकाय सदस्य और वैज्ञानिक भी पर्यावरण अध्ययन विभाग के पूर्णकालिक शिक्षण कार्यक्रमों में लगे हुए हैं और केंद्र में पीएचडी स्तर के अनुसंधानों का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर महाराज के. पंडित, निदेशक, सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में सम्मानीय अतिथि प्रोफेसर।

प्रकाशन

बेरी, ई., शर्मा, एस.के., पंडित, एम.के.औरगीता, आर. (2018). रोडोडेंड्रोन में पुष्प मोनोसिमेट्री और कोरोला रंजकता पैटर्न के बीच विकास संबंधी सहसंबंध। पादप प्रणाली और विकास 304 (2), 219-230.

जे.पी. भट्ट एवं एम.के. पंडित, (2019).12492.

जे.पी. भट्ट एवं एम.के. पंडित, (2019). अरुणाचल प्रदेश, भारत की स्थानीय शिकार प्रथायें और वन्यजीव संरक्षण। पशु संरक्षण, doi.10.1111/1cv.12492.

के. मनीष, (2019). युगों से हिमालयी पौधों की प्रजातियों की विविधता और वितरण के स्थूल पारिस्थितिक नमूने और वाहक। बायोग्राफी की सीमायें। http://dx.doi.org/10.21425/F5FBG38754

के. मनीष और एम.के. पंडित, (2019). वर्तमान और भावी जलवायु में हिमालय में पौधों की प्रजातियों के लिए संरक्षण प्राथमिकताओं की पहचान करना: सिक्किम हिमालय, भारत से एक प्रकरण अध्ययन। जैविक संरक्षण, 233,176-184.

के. मनीष और एम.के. पंडित, (2018). भूभौतिकीय उथल-पुथल और हिमालय में पौधों की प्रजातियों के विकासवादी विविधता। पियर जे.6: ई5919.

के. मनीष और एम.के. पंडित,(2018). पूर्वी हिमालय में पौध पारस्थितिकी और विभिन्नता के साथ-साथ स्थानिक पौधों की फाइलोजेनेटिक विविधता, संरचना और विविधीकरण पैटर्न https://doi.org/10.1080/17550874.2018.15.

के. मनीष और एम.के. पंडित,(2019). वर्तमान और भावी जलवायु में हिमालय में पौधों की प्रजातियों के लिए संरक्षण प्राथमिकताओं की पहचान करना: सिक्किम हिमालय, भारत से एक प्रकरण अध्ययन। जैविक संरक्षण, 233, 176-184.

के. मनीष और एम.के. पंडित, (2018). भूभौतिकीय उथल-पुथल और हिमालय में पौधों की प्रजातियों के विकासवादी विविधता। सहकर्मी जर्नल.6: ई 5919.

के. मनीष और एम. के. पंडित,(2018). पूर्वी हिमालय में पौध पारस्थितिकी और विभिन्नता के साथ-साथ स्थानिक पौधों की फाइलोजेनेटिक विविधता, संरचना और विविधीकरण पैटर्न https://doi.org/10.1080/17550874.2018.15

विभाग के संपादक (सदस्य)/संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में सेवारत शिक्षकों की संख्या- 01

शोध परियोजनाएं

आरएस एनवायरोलिंक टेक्नोलॉजीज, प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव, 2018-19, दो पंप भंडारण योजनाओं के लिए ईआईए अध्ययन के हिस्से के रूप में जैव विविधता अध्ययन। पिन्नपुरम, आंध्र प्रदेश और सौंदत्ती, कर्नाटक, 400000 रुपए।

आरएस एनवायरोलिंक टेक्नोलॉजीज, प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव, 2018-19, उत्तराखंड में गोरी गंगा IIIए एचईपी की जैव विविधता अध्ययन, 270000 रुपए।

डब्ल्यूएपीसीओएस लिमिटेड, गुड़गांव, 2018-19, ओडिशा के कामाख्यानगर में ओडिशा थर्मल पावर प्लांट परियोजना के लिए पारिस्थितिक अध्ययन, 490000 रुपए।

आरएस एनवायरोलिंक टेक्नोलॉजीज, प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव, 2018-19, दिखु एचईपी, नागालैंड की जैव विविधता का अध्ययन, 490000 रुपए।

संगोष्ठ/सम्मेलन में हिस्सेदारी

जया अरोरा, डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 2-3 जून, 2018 को पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान और राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी द्वारा आयोजित नये भारत के लिए पर्यावरणीय चुनौतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

ऋषभ कौशिक, 27 से 29 मार्च 2018 को कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके में आयोजित "एससीएससी (संरक्षण विज्ञान विषय पर छात्र सम्मेलन) में राइजोस्फेयर बैक्टीरियल माइक्रोबायोम और पौधों के आक्रमण" पर पोस्टर प्रस्तुति।

रिषभ कौशिक, 19 से 22 नवम्बर 2018 को पुणे, भारत में सूक्ष्मजीव अनुसंधान पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सजातीय देशी और विदेशी प्रोसोपाइज कंजेनरो के रिजोस्फीयर बैक्टीरियल माइक्रोबायोम", पर प्रस्तुति।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

पारिस्थितिक सर्वेक्षण और नदी बेसिन अध्ययन, डब्लूएपीसीओएस लिमिटेड, गुड़गांव।
जैव विविधता अध्ययन, आरएस एनवायरोलिंक टेक्नोलॉजीज, गुड़गांव।

संकाय की संख्या

स्थायी: 1; संविदा पर: 2.

***

उच्चतर शिक्षा व्यावसायिक विकास केन्द्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

उच्चतर शिक्षा व्यावसायिक विकास केन्द्र (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पूरे देश में उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए विभिन्न प्रकार के संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने वाले देश के अग्रणी संस्थानों में से एक है। सीपीडीएचई अनुसंधान विधियों, शिक्षाशास्त्र, आईसीटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और शिक्षा के क्षेत्र में सक्षम विकास के लिए काम करता है। सीपीडीएचई ने उच्च शिक्षा केंद्र को शैक्षणिक गतिविधियों का केंद्र बनाने के लिए, एक नई बहूआयामी और एकीकृत भूमिका की परिकल्पना की है। केंद्र विश्वविद्यालय और महाविद्यालय प्रशासन में शामिल संकायों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करता है, जिसमें प्रिंसिपल, निदेशक, संस्थानों के प्रमुख, सोसाइटी, संस्कृति, भाषा विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, शिक्षा और विकास, प्रबंधन, आईटी/कंप्यूटर जागरूकता, लिंग मुद्दे और ऐसे कई क्षेत्र के बीच के संबंधों के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से शिक्षकों के लिए अभिविन्यास/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम शामिल हैं। सीपीडीएचई का लक्ष्य उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रतिभा का निर्माण करना है। इस वर्ष सीपीडीएचई ने 4 अभिविन्यास कार्यक्रम, 8 पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और 5 अल्पावधि पाठ्यक्रम/ कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसमें देशभर के विश्वविद्यालयों/ महाविद्यालयों से शिक्षण बिरादरी के क्रमशः 175, 315 और 230 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन पाठ्यक्रमों में विविध भौगोलिक स्थानों के शिक्षकों ने भाग लिया। लोकप्रिय विषय क्षेत्रों में से कुछ पाठ्यक्रम संचालित किए गए थे, जो निम्नलिखित हैं: (1) राष्ट्र और समाज चिंतन के विभिन्न आयाम और शिक्षक, (2) भारतीय और पाश्चात्य शोध दृष्टि, (3) राष्ट्र संवर्धन में मीडिया की भूमिका, (4) प्रबंधन और व्यवसाय में नैतिकता, (5) इतिहास की भारतीय व पाश्चात्य दृष्टि, और (6) एक अंतर अनुशासनात्मक संदर्भ में लिंग।

प्रकाशन

गीता सिंह और सुरेन्द्र मोर. 'क्या विकास पर्यावरण को प्रभावित करता है? विश्व से साक्ष्य', अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र का जर्नल (खंड 10, संख्या 1, जनवरी-जून 2019). आईएसएसएन सं. 0976-0792.

आयोजित सम्मेलन

अभिविन्यास कार्यक्रम: तीन अभिविन्यास कार्यक्रमों, अर्थात् ओआर-92: 08/06/2018 - 06/07/2018; ओआर-93: शीर्षकः स्वत्वाधिकारी: राष्ट्र और समाज चिंतन के विभिन्न आयाम और शिक्षक - 03/07/2018 - 30/07/2018; ओआर-94: शीर्षक: भारतीय और पाश्चात्य शोध दृष्टि - 09/10/2018 - 06/11/2018. का आयोजन किया गया।

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम:

राष्ट्र संवर्धन मे मीडिया की भूमिका- शीर्षक से पत्रकारिता और जनसंचार (एसआरसी) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम - 03/07/2018 - 23/07/2018.

जीव विज्ञान (एसआरसी) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम - 17/07/2018 - 06/08/2018.

प्रबंधन और व्यवसाय में नैतिकता- शीर्षक से व्यवसाय प्रबंधन, अर्थशास्त्र और वाणिज्य (एसआरसी) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम: - 19/09/2018 - 11/10/2018.

इतिहास की भारतीय व पाश्चात्य दृष्टि- शीर्षक से इतिहास में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (एसआरसी):- 09/10/2018 - 30/10/2018.

विश्व के समकालीन मुद्दों (आईडीसी) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम - 27/11/2018 - 17/12/2018.

सामाजिक सरोकारों और सामाजिक विज्ञान (आईडीसी) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम - 27/11/2018 - 17/12/2018 . एक अंतःविषय संदर्भ में लिंग- शीर्षक से: लैंगिक अध्ययन में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडीसी) 15/01/2019 - 05/02/2019.

भारतीय दर्शन, परंपरा और संस्कृति (आईडीसी) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम - 15/01/2019 - 05/02/2019

लघु अवधि के पाठ्यक्रम: व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व और नैतिकता पर लघु अवधि पाठ्यक्रम आयोजित किए गए हैं - 23/10/2018 - 29/10/2018; राष्ट्र निर्माण - 18/12/2018 - 24/12/2018; अनुसंधान क्रियाविधि - 18/12/2018 - 24/12/2018; एमओओसी, ई-सामग्री विकास और मुक्त शैक्षिक संसाधन पर कार्यशाला - 13/03/2019 - 19/03/2019; प्रधानाध्यापकों की बैठक (एक दिन) - 25/03/2019.

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

प्रोफेसर गीता सिंह, निदेशक, सीपीडीएचई, वर्ष 2018-2019 वर्ष के दौरान
प्रबंधन संस्थान, तुगलकाबाद इंस्टीच्यूशनल एरिया, नई दिल्ली द्वारा 11.07.2018 को आयोजित "स्वयम् के बारे में एनआरसी के लिए प्रशिक्षण कार्यशालायें" में भाग लिया।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर) पुणे, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित (मार्च 27-29, 2019) "शिक्षक प्रशिक्षण पर कार्यशाला" में भाग लिया।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोफेसर गीता सिंह, निदेशक, सीपीडीएचई वर्ष 2018-2019 में विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रही हैं।

संकाय की संख्या

एक स्थायी संकाय (निदेशक)

***

क्लस्टर नवाचार केंद

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

सीआईसी (बी.टेक.) के आठ छात्रों का जीएसओसी 2018 के लिए चयन किया गया था। सीआईसी ने 'डिजिटल मीडिया', 'उच्च शिक्षा संस्थानों में लिंग-आधारित हिंसा', 'ई-वेस्ट मैनेजमेंट', 'लाइफस्टाइल डिजीज' पर कई कार्यशालायें आयोजित कीं और रोशनारा बाग, दिल्ली में 'स्वच्छता जागरूकता', 'हेल्थ कैंप ऑन लाइफस्टाइल' पर आयोजित शिविर का आयोजन किया। सीआईसी ने जनवरी 2019 में आयोजित पहले पूर्वछात्र मिलन समारोह के साथ पूर्व छात्रों से बातचीत शुरू की। दिल्ली एमएचआरडी द्वारा 21 नवम्बर 2018 को सीआईसी में विश्वविद्यालय की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) स्थापित की गई थी।

सम्मान/गौरव

डॉ. असानी भादूरी ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (आईआईपीए) में जून 25-26 जुलाई, 2018 को आयोजित जलवायु स्मार्ट गवर्नेंस पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के सिमुलेशन अभ्यास समूह प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. एम. कौशिक ने नैनोबायोटेक -2018, इंडियन सोसायटी ऑफ नैनोमेडिसिन के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में प्रथम पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया, एन. सरकार, आर. एस. शर्मा, एम. कौशिक* हरित संश्लेषण के माध्यम से प्राप्त सीयूओ और एनआईओ नैनोकणों का तुलनात्मक विश्लेषण: बेहतर स्थिरीकरण, पारिस्थितिकता और रंजक की फोटोकैटलिटिक गिरावट की खोज के लिए, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स, नई दिल्ली, दिल्ली। (24-27 अक्तूबर, 2018).

प्रकाशन

अहमद, एस., कौशिक, एम., चौधरी, एस., और कुकरेती एस. (2018). जी-तारों का गठन, द्वि-आणविक और टेट्रामोलेक्युलर क्वाड्रप्लेक्स: मानव एसवाईटीएक्स जीन के जी-समृद्ध डीएनए अनुक्रम की कैटियन प्रेरित संरचनात्मक बहुरूपता। बायोपॉलिमर्स, 109 (5), e23115.

अहमद, एस., कौशिक, एम., चौधरी, एस., और कुकरेती एस. (2018). एक साइटोसिन युक्त डीएनए अनुक्रम की संरचनात्मक बहुरूपता, जो आई-आकृति संरचना बनाती है: पीएच आधारित बायोसेंसर की खोज। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमौलिक्यूल्स, 111, 455-461.

बगई एस., (2018). संतुलित संख्या प्रणाली: गणितीय पहेलियों के लिए आवेदन। रेजोनेन्स, 23, (12), 1395-1410.

चौधरी, एस., कौशिक, एम., अहमद, एस., कुकरेती आर., और कुकरेती, एस. (2018). मानव एपोलिपोप्रोटीन ई (एपीओई) जीन कोडिंग क्षेत्र के सिंगल न्यूक्लियोटाइड पॉलीमॉर्फिज्म (एसएनपी) साइट पर हेयरपिन से द्वैध/ एंटीपैरालेल जीक्वाड्रप्लेक्स पर संरचनात्मक बदलान। एसीएस ओमेगा, 3 (3), 3173-3182.

धनगर, टी.के., पाठक, ए. के., और भादूरी, ए. (2018). प्रवाह संतुलन विश्लेषण के माध्यम से माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस में चयापचय प्रतिक्रियाओं के लिए आवश्यक जीन की पहचान। डीयू जर्नल ऑफ अंडर ग्रेजुएट रिसर्च एंड इनोवेशन 4(1): 125-129.

कौशिक, एम., महेश्वरी एस., और रघुनन्द आर. (2019). कैंसर चिकित्सा विज्ञान में एसआई आरएनए की संभावनाओं की खोज। करेंट कैंसर थेरेपी रिव्यूज, स्वीकृत।

कौशिक, एम, एस. कोमल, नीलम, मिश्रा एस. मिश्रा एस., और कुकरेती एस. (2018) उन्नत नैनोमटेरियल्स आधारित विद्युत रासायनिक जीनोसेंसर में उभरती प्रवृत्ति। करेंट फर्माच्यूटिकल डिजाइन, 24 (31), 3697-3709.

कौशिक, एम., महेन्द्रू, एस., चौधरी, एस., कुमारएम. और कुकरेती एस. (2019), कैंसर प्रबंधन के पारंपरिक और आधुनिक दृष्टिकोणों के समग्र मिश्रण की शर्त। करेंट कैंसर थेरेपी रिव्यूज, 15 (1), 55-64.

कौशिक, एम., चौधरी, एस., एस. कोमल, और कुकरेती एस.(2019). "एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी के अनुप्रयोग" बेंथहैम साइंस पब्लिशर्स में एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करते हुए डीएनए संरचना को डिकोड करना: 8/19/2016-Ebk Series/NMR/EOI-41; संस्करण 7.

कौशिक, एम., महेन्द्रू, एस., कुमार, एस., चौधरी, एस., अहमद, एस., एस. कोमल, और कुकरेती एस. (2018). कैंसर कोशिकाओं में रसायन विज्ञान का अवलोकन। फ्रंटियर्स इन ड्रग डिज़ाइन एंड डिस्कवरी, 9, 35-90.

एस. कोमल, एस. कुकरेती और एम. कौशिक, (2019), डीएनए अंतःसक्रियता के पर्यावरण के अनुकूल चांदी नैनोकणों की क्षमता की खोज: फिजियोकेमिकल दृष्टिकोण, *जर्नल ऑफ़ फोटोकैमिस्ट्री और फ़ोटोबायोलॉजी* पार्ट बी, 194, 158-165.

एस. कोमल, एस. कुकरेती और एम. कौशिक, (2018). चिटोसन और साइट्रेट-कम किये हुए सोने के नैनोकणों की डीएनए को नुकसान पहुंचाने वाली क्षमता की खोज: भौतिक रासायनिक दृष्टिकोण। *इंटरनैशनल जरनल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमॉलिक्यूल्स, 1*15, 801-810.

कुमार, एम., कौशिक, एम., और कुकरेती एस. (2018). मानव टोपोमेर के छंटे हुए दोहरा दोहरावों द्वारा प्रदर्शित द्वि-आण्विक चतुर्भुज से जी-ट्रिप्लेक्स/ ट्राई-जी-क्वार्डप्लेक्स में एक टोपोलॉजिकल संक्रमण। यूरोपीयन बायोफिज़िकल जर्नल, 47, 903-915.

कुमार, एस., पाल, एस.के., और सिंह, आर.पी. (2018). इंट्रा ईएलएम वेरिएंट्स आवासीय भवनों में ऊर्जा के प्रदर्शन की भविष्यवाणी करने के लिए आधारित मॉडल बनाते हैं। सतत ऊर्जा, ग्रिड और नेटवर्क, 16, 177-187.

कुमार, एस., पिसिअरेल्ली, सी., और सिंह, एच. पी. (2019). न्यूनतम रिज़ॉल्यूशन के साथ पीटीजेड कैमरा नेटवर्क का पुन: संयोजन। बुएडवासेज इन इंटेलीजेंट सिस्टम्स एंड कम्प्यूटिंग, 741, 869-878.

मिश्रा, आर., मेनन, डी., गुंजन, ए., विरमानी, आर., गौर, एम., नाज़ एस., जयसिंघानीएन., भादूरी, ए., व अन्य (2019). मल्टीकोमेन रेगुलेटर Rv1364c और ऑस्मोसेंसरी काइनेज, प्रोटीन काइनेज डी के माध्यम से माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस वैकल्पिक सिग्मा कारक सिगएफ ट्यूनिंग। जर्नल ऑफ बैक्टिरियोलॉजी, 201 (7) e00725-18.

प्रदीप, महाजन, ए., भारती, वी., सिंह, एच. पी., जोस्युला, एल., और कुमार, पी (2018). इनडोर वातावरण के 3 डी मानचित्र का निर्माण। प्रोसीडिया कम्प्यूटर साइंस, 125, 124-131.

राठी, एन., सिंह, एच. पी., और कुमार, एस. (2018). भवन संरचना के कंपन को रोकने के लिए एक तंत्रिका नेटवर्क आधारित नियंत्रक की मॉडलिंग। एआईपी कान्फ्रेन्स प्रोसिडिंग्स, 1975, 030018.

रानी, एम., कुमार, एन., और सिंह, एच. पी. (2019). विद्युत संचालित सहकारी कई मोबाइल मैनिपुलेटरों के लिए गति/बल नियंत्रण योजना। कंट्रोल इंजीनियरिंग प्रैक्टिस, 88, 52-64.

रानी, एम., कुमार, एन., और सिंह, एच. पी. (2019). एक्टुएटर डायनामिक्स सहित बाधित मोबाइल मैनिपुलेटर्स का बल/गति नियंत्रण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ डायनामिक्स एंड कंट्रोल, 1-15.

रानी, एम., कुमार, एन., औरसिंह, एच. पी. (2018). विवश मोबाइल मैनिपुलेटर्स की कुशल स्थिति/बल नियंत्रण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ डायनामिक्स एंड कंट्रोल, 6, 1629-1638.

सरकार, एन., शर्मा, आर.एस., औरएम. कौशिक, (2019). राष्ट्रीय सुरक्षा में डीएनए/आरएनए एप्टामर्स की क्षमता की खोज करना। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस लेटर्स, स्वीकृत।

सिंह, ए., नीलम, और एम. कौशिक, (2019), अज़ादिराच्टा इंडिका (नीम) पत्ती के सत्व और बछड़े-थाइमस के साथ उसकी प्रतिक्रिया से संश्लेषित जिंक ऑक्साइड नैनोकणों की भौतिक रासायनिक जांच। डीएनए रिजल्ट्स इन फिजिक्स, 102168.

सिंह, एच. पी., जैन, ए., सिंह, ए., और अरोरा, एस. (2019). पीवीटी प्रणाली के प्रदर्शन पर अवशोषक प्लेट आकार और द्रव्यमान प्रवाह दर का प्रभाव। एप्लाइड थर्मल इंजीनियरिंग, 156, 692-701.

वर्मा,ए. के., दीक्षित, और वी. एस. (2019). प्रोफाइल इंजेक्शन हमलों का एक तुलनात्मक मूल्यांकन। एडवांसेज इन डेटा एंड इन्फार्मेशन साइंस (पृष्ठ 43-52). स्प्रिंगर, सिंगापुर.

शर्मा, जे., बगई,एस., त्यागी, पी., और बिसवाल, बी. (2018). पेरेंटिंग गिफ्टेड चिल्ड्रन: वॉयसेज फ्रॉम इंडिया। इन पेरेंटिंग फॉर हाई पोटेंशियल। संस्करण 7, अंक 4. (पृष्ठ 24-27). नेशनल एसोसिएशन ऑफ गिफ्टेड चिल्ड्रेन, यूएसए।

संपादक (सपादकों)/संपादकीय बोर्ड के सदस्य (सदस्यो) के रूप में सेवारत विभाग शिक्षकों की संख्या-03

शोध परियोजनाएं

डॉ. जे. एस. पुरोहित, डीएसटी, 2017-20, 3 वर्ष, जीडीएच की एच3 विशिष्ट प्रोटीज गतिविधि की विशेषता का वर्णन, 62.76 लाख

आयोजित सम्मेलन

सुश्री पूनम, ए.आर./वी.आर./ एमआर समुदाय, "संवर्धित वास्तविकता", 30 सितम्बर, 2018.

मो. दानिश कलीम, पेटीएम लैब्स में वरिष्ठ डेटा वैज्ञानिक, "मशीन लर्निंग इन इंडस्ट्री",11 अक्तूबर, 2018
प्रोफेसर रेखा चतुर्वेदी, पूर्व अध्यक्ष आईपीआर, दिल्ली विश्वविद्यालय "बौद्धिक संपदा अधिकार", 10 जनवरी, 2019

श्री संतोष, ए.आर./वी.आर./एम.आर. समुदाय, "संवर्धित वास्तविकता", 2 मार्च, 2019

अजीत डोवाल, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, भारत सरकार, "निर्णय लेने की कला", 19 मार्च, 2019 (ऑनलाइन)

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

अलका दत्त

जीजीएसआईपीयू प्रायोजित "समानता, विविधता एवं समावेशी उत्कृष्टता के लिए शिक्षा" शीर्षक 6 और 7 दिसंबर, 2018 को आयोजित दो दिवसीय अंतर-अनुशासनात्मक सम्मेलन में "छात्रों के विकास पर ई-लर्निंग का प्रभाव" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहयोग से राजधानी महाविद्यालय द्वारा पर्यावरणीय स्वास्थ्य, समाज और नीतियों की उभरती चुनौतियों विषय पर, 15 और 16 फरवरी, 2019 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में "शिक्षा के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता के एसडीजी लक्ष्यों को प्राप्त करना" प्रस्तुत किया।
डॉ. अंजनी कुमार वर्मा

अंजनी कुमार वर्मा, डॉ. वीर सेन दीक्षितपेट्रोलियम और ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, बिधौली परिसर, देहरादून, उत्तराखंड, भारत द्वारा 21-22 दिसंबर, 2018 को आयोजित आईसीआईसीसीडी -2018 की कार्यवाही में, "केएसओएम का उपयोग करके शिलिंग हमलों में एक सटीक सुधार"।

डॉ. असानी भादूरी

मौखिक प्रस्तुति: विवेकानंद महाविद्यालय में 13-14 मार्च, 2019 को भोजन की गाथा: राजनीति, सौंदर्यशास्त्र, और प्रौद्योगिकी में "बदलती खाद्य आदतें और जीवन शैली के रोग: छात्रों में व्यवहार जोखिम कारकों का विश्लेषण”

मौखिक प्रस्तुति: “आईआईटी बीएचयू में मार्च 8-9, 2019. आईआईटी बीएचयू में 8-9 मार्च, 2019 में अध्यापन-अधिगम अनुभव साझाकरण सम्मेलन (एसटीईसी2019) में "विज्ञान संचार और अंतःविषय परिवेश के नए चेहरे के रूप में नागरिक विज्ञान"।

आमंत्रित वार्ता: जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गाँधी फ़ैज़-ए-आम महाविद्यालय, शाहजहाँपुर, 26 नवंबर, 2018 को अतिथि व्याख्यान “हमारे आसपास जीवन, दुनिया भर में प्रौद्योगिकी” पर वार्ता देने के लिए आमंत्रित किया गया।

अक्तूबर 9, 2018. आमंत्रित वार्ता: 9 अक्तूबर, 2018 को सैंट स्टीफन महाविद्यालय में "बर्डवाचिंग इन इंडिया" पर वार्ता देने के लिए आमंत्रित किया गया।

डॉ. महिमा कौशिक

वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग वेस्ट ब्लॉक -और, आर.के.पुरम, नई दिल्ली-110006 के तत्वावधान में दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस महाविद्यालय में, (14 फरवरी, 2019) "उभरती हरित प्रोद्योगिकी तथा तकनीकी शब्दावली" राष्ट्रीय कार्यशाला/संगोष्ठी में हालिया प्रगति और चुनौतियां” पर वार्ता।

हरित संश्लेषण के माध्यम से प्राप्त सीयूओ और एनआईओ नैनोकणों का तुलनात्मक विश्लेषण: बेहतर स्थिरीकरण, पारिस्थितिकता और रंजक के फोटोकैटालिटिक अपवर्तन की खोज के लिए एन. सरकार, आर. एस. शर्मा, एम. कौशिक* [पहला पोस्टर पुरस्कार] नैनोबोटेक -2018, इंडियन सोसायटी ऑफ नैनोमेडिसिन का तीसरा वार्षिक सम्मेलन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स, नई दिल्ली, दिल्ली (24-27 अक्तूबर, 2018)
फेफड़े के फाइब्रोसिस के उपचार के लिए पॉलिमेरिक नैनोपार्टिकल ड्रग डिलीवरी सिस्टम का डिजाइन तैयार करना। ए.सिंह, आर. कुलश्रेष्ठ, ए. पांडे, एम. कौशिक, ए.के. डिंडा। नैनोबोटेक -2018, इंडियन सोसायटी ऑफ नैनोमेडिसिन का तीसरा वार्षिक सम्मेलन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स, नई दिल्ली, दिल्ली (24-27 अक्तूबर, 2018)

हरित विधि द्वारा संश्लेषित एनआईओ नैनोकणों की विशेषता और अंत: क्रिया: एप्टासेंसरों के रूप में आवेदन [मौखिक प्रस्तुति] एन. सरकार, आर. एस.शर्मा, एम. कौशिक* थिएम रसायन विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन: संश्लेषण का विज्ञान; रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (28 सितंबर, 2018)

सचिन कुमार

गुणवत्ता विश्वसनीयता इन्फोकॉम टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस ऑपरेशंस, 2018 के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अनुसंधान प्रक्रिया प्रबंधन: एक प्रकरण अध्ययन", पर मुख्य टिप्पणी।

प्रोफेसर शोभा बगई

"चिकित्सा में गणितीय मॉडलिंग", कम्प्यूटेशनल और गणितीय अध्ययन में 3-सप्ताह का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 5 सितम्बर 2018.

"जैव-भूगोल: वन्यजीव भंडार का गणितीय विश्लेषण", कम्प्यूटेशनल और गणितीय अध्ययन में 3-सप्ताह का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 2018.

"अनुसंधान से नवाचार के लिए मार्ग", अंतःविषय एफडीपी - प्रभावी शिक्षण और शिक्षण अभ्यास, श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय, 26 सितम्बर, 2018.

"जैव भूगोल: वन्यजीव रिजर्व का गणितीय विश्लेषण", बी.आर. अम्बेडकर महाविद्यालय, 26 सितम्बर 2018.

"महाविद्यालय गणित के लिए सीनियर सेकेंडरी स्कूल गणित का मेटामॉर्फोसिस: रेखीय बीजगणित पर विशेष जोर", गणित शिक्षक संघ का उद्घाटन सम्मेलन, होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन, मुंबई, 3 - 5 जनवरी 2019.

"पूर्व स्नातक स्तर पर गणित में सीखने पर आधारित समस्या", मास्टाकॉम 19, माता सुंदरी महिला महाविद्यालय, 19 जनवरी, 2019

"पूर्व स्नातक स्तर पर गणित में सीखने पर आधारित समस्या", सेंट स्टीफन महिला महाविद्यालय, 31जनवरी, 2019

"फिजियोलॉजी में गणितीय मॉडलिंग", अंतःविषय विज्ञान में जटिल प्रणालियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली, 11 - 12 मार्च, 2019.
ज्योति शर्मा
"विज्ञान के लिए लोग और लोगों के लिए विज्ञान", राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 28 फरवरी. 2019.

"बदलती दुनिया में शैक्षणिक नवाचार", अंतःविषय एफडीपी - प्रभावी शिक्षण और शिक्षण अभ्यास, श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय, 24 सितम्बर 2018.

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

एमएचआरडी द्वारा 21 नवबंर 2018 को सीआईसी में दिल्ली विश्वविद्यालय का इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) स्थापित किया गया था।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

2018-19 के दौरान बी.ए. आनर्स के छात्रों द्वारा ग्यारहवें सेमेस्टर में लंबी परियोजनाएं की गईं। सत्र इन परियोजनाओं में निम्नलिखित सामाजिक मुद्दों को संबोधित किया गया: पीसीओएस के साथ महिलाओं का स्वास्थ्य; उच्च शिक्षा सेटअप में लिंग आधारित हिंसा; समकालीन राजनीतिक प्रवचन का तर्कपूर्ण विश्लेषण; कौशल प्रशिक्षण - लेखन और संपादन; स्वच्छता और पर्यटन - रोशनारा बाग, दिल्ली का एक प्रकरण अध्ययन; दिल्ली में महिला ई-रिक्शा चालक: सामाजिक संबंध और सांस्कृतिक परिवर्तन की खोज; जीवन शैली के रोग - डीयू के छात्रों में व्यवहार जोखिम वाले कारकों को लक्षित करने के लिए सामाजिक जुड़ाव; ई-कचरा प्रबंधन; दास्तानगोई; पर्यावरण (जलवायु परिवर्तन) में सार्वजनिक छात्रवृत्ति रिपोर्टिंग; विकलांगता और छात्रों के लिए पहुँच - एक समाज शास्त्रीय अध्ययन

संकाय की संख्या

प्रोफेसर: 4; एसोसिएट प्रोफेसर: 4; सहायक प्रोफेसर: 14

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

क्लस्टर नवाचार केंद्र की रोबोटिक सोसाइटी ने स्नातक छात्रों के लिए अपने समर इंटर्नशिप प्रोग्राम सीआरआपी 2018 का आयोजन किया। इंटर्नशिप प्रोग्राम की अवधि 21 मई 2018 से 20 जुलाई 2018 तक थी। 4 संकाय सदस्यों के साथ 70 छात्रों ने 11 नवंबर 2018 को क्लस्टर नवाचार केंद का दौरा किया।

मैत्रेयी महाविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान के बी.एससी छात्रों ने क्लस्टर नवाचार केंद्र के भौतिक विज्ञान में बीटेक के छात्रों के साथ बातचीत की।

सीआईसी ने 25 - 27 अक्तूबर, 2018 से अपने वार्षिक टेक फेस्ट कन्वोक 3.0 का आयोजन किया।

एम.एससी. (गणित शिक्षा) के छात्रों ने 23 अक्तूबर 2018 को, सीआईसी की गणित शिक्षा सोसायटी के माध्यम से, प्रोफेसर पंकज त्यागी और डॉ. ज्योति शर्मा के मार्गदर्शन में अपना वार्षिक कार्यक्रम "मैट्रिक्स 3.0" का आयोजन किया। इस आयोजन में दिल्ली के विभिन्न स्कूलों के 200 से अधिक स्कूली छात्रों ने अपने शिक्षकों के साथ विभिन्न प्रतियोगी और गैर- प्रतियोगी स्पर्धाओं में भाग लिया। प्रतियोगिता में गणितीय खेल, समस्या समाधान, प्रश्नोत्तरी और स्कूल के शिक्षकों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं शामिल थीं।

डॉ. ज्योति शर्मा (मुख्य अन्वेषक), प्रोफेसर पंकज त्यागी (सह-अन्वेषक), प्रोफेसर शोभा बगाई (सह-अन्वेषक) और प्रोफेसर बी. बिस्वाल (सह-अन्वेषक) ने नवोदय विद्यालय के 30 छात्रों के लिए 15-17 अक्तूबर 2018 से, गिफ्टेड एजुकेशन परियोजना के अंतर्गत, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय द्वारा वित्त पोषित, तीन दिवसीय मेंटरिंग कार्यशाला का आयोजन किया, जो विज्ञान और गणित सीखने के अभिनव तरीकों के लिए "उच्च मानक छात्रों के लिए शैक्षणिक बातचीत" की अवधारणा पर आधारित है।

***

दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां:

दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर केंद्र (डीयूसीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय में आईसीटी सेवाओं की सुविधा के लिए उपकेंद्र के रूप में कार्य करता है। पिछले एक वर्ष (2018-2019) में, डीयूसीसी ने अपने सभी हितधारकों के लाभ के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के कार्यालयों, संकायों, विभागों और महाविद्यालयों के लिए आईसीटी के बुनियादी ढांचे और सेवाओं को मजबूत करना जारी रखा है। डीयूसीसी आईसीटी से संबंधित सभी गतिविधियों के केंद्रीय हब के रूप में पूरे विश्वविद्यालय में इंटरनेट और वाई-फाई कनेक्टिविटी प्रदान करता है। नेटवर्क और उस पर चलने वाली सेवाओं की अधिकतम उपलब्धता सुनिश्चित करने वाले डिज़ाइन की योजना बनाई गई है। डीयू की वाई-फाई प्रणाली में सभी छात्रों/ संकायों/कर्मचारियों को लैपटॉप, स्मार्ट फोन, टैबलेट आदि जैसे विभिन्न प्रकार के उपकरणों इंटरनेट का उपयोग करने में सक्षम करती है। चूंकि डीयूसीसी को विभिन्न सेवाएं होस्ट करने के लिए डेटा सेंटर माना जाता है, इसलिए इसमें डी यू की परीक्षा के लिए आवेदन, दिल्ली विश्वविद्यालय के परीक्षाफल, ई-मेलिंग प्रणाली, पुस्तकालय प्रणाली, यूजी प्रवेश, एफएसआर प्रवेश, पीजी प्रवेश, एम.फिल/पी. एचडी में प्रवेश, भर्ती आदि विभिन्न उपयोगिताओं और ऑन-लाइन एप्लिकेशनों, को लिंक करने के लिए विभिन्न सर्वर उपलब्ध हैं। इस समय डीयूसीसी डाटा सेंटर में होस्ट किए गए 100 से अधिक वर्चुअल मशीन इंस्टेंस और नेटवर्क उपकरण वाले 40 से अधिक सर्वर हैं। डाटा सेंटर के अलावा, डीयूसीसी ई-मेलिंग, डीयू मुख्य वेब-साइट, ई-प्रोक्योरमेंट और जीईएम, बायो-मैट्रिक प्रबंधन और प्रशिक्षण (बुनियादी से अग्रिम पाठ्यक्रमों तक) जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करता है और उनका प्रबंधन करता है। डीयूसीसी सभी सेवाएं प्रदान करने के लिए ओपन सोर्स तकनीक का उपयोग करने में गर्व महसूस करता है।

डीयूसीसी डिजिटल पहलें

नई मजबूत ईमेल प्रणाली

दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर केन्द्र ने ईमेल सेवाओं को एक्सचेंज से अधिक सशक्त ओपन सोर्स 'जिम्ब्रा' में माइग्रेट कर दिया है। सेवाओं की उपलब्धता और आवंटित स्थान के संबंध में उपयोग कर्ताओं का अनुभव कई गुना बढ़ गया है। उपयोगकर्ता खातों और डेटा की सुरक्षा के लिए सुरक्षा मानकों को भी एकीकृत किया गया है।

नया होस्टिंग प्लेटफार्म

विभिन्न विभागों/संकायों/महाविद्यालयों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए वेब होस्ट मैनेजर (डब्ल्यूएचएम) स्थापित किया गया था और कई ऑनलाइन अनुप्रयोगों के साथ-साथ वेबसाइटों को भी उक्त सर्वर में स्थानांतरित किया गया था। डब्ल्यूएचएम प्लेटफॉर्म ने उपयोगकर्ताओं को अधिक सुरक्षित और लचीला मंच प्रदान किया।

विश्वविद्यालय प्रक्रिया का स्वचालन

हस्त चालित हस्तक्षेप को कम करने और सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न ऑनलाइन फॉर्म लॉन्च किए गए थे। ऑनलाइन मोड में परिवर्तित की गईं कुछ हस्त चालित सेवाएं निम्नलिखित हैं: कैम्पस वाई-फाई अनुप्रयोग; कैम्पस वाई-फाई पासवर्ड को दुबारा सेट करना; ईमेल अनुप्रयोग; अदेयता प्रमाण पत्र; जीईएम उपयोगकर्ता पंजीकरण; ई-प्रोक्योरमेंट उपयोगकर्ता पंजीकरण; विभागों/ महाविद्यालयों /केंद्रों/छात्रावासों के लिए वेब-स्पेस पंजीकरण; फैकल्टी वेब-पेज पंजीकरण; दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर में 10 जीबीपीएस की बैंडविड्थ। उत्तर और दक्षिणी परिसर तथा संबंधित महाविद्यालयों में बैंडविड्थ की पूर्ण क्षमता का उपयोग किया गया था। राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) 10 जीबीपीएस बैंडविड्थ प्रदान करता रहा। दिल्ली विश्वविद्यालय देश भर में एनकेएन संसाधनों के उच्चतम उपयोगकर्ताओं में से एक रहा है। हाल ही में दक्षिणी परिसर में बैंडविड्थ को भी 1 जीबीपीएस से बढ़ाकर 10 जीबीपीएस कर दिया गया है।

परिसर (कैम्पस) कनेक्ट परियोजना

वाई-फाई नेटवर्क को बढ़ाने और मजबूत बैक एंड स्थापित करने के लिए एमएचआरडी के अनुदान के साथ, डीयूसीसी ने सभी विभागों की कनेक्टिविटी बहाल करने और बैंडविड्थ को 1 जीबीपीएस से बढ़ा कर 10 जीबीपीएस तक करने की योजना बनाई। कोर स्विच और वितरण स्विच के बीच बैंडविड्थ को 10 जीबीपीएस से 40 जीबीपीएस तक बढ़ाने की योजना है। परिसर की सभी भवनों में नेटवर्क की अधिकतम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रिंग आर्किटेक्चर को हाइब्रिड नेटवर्क के माध्यम से जोड़ा जाएगा। प्रत्येक भवन रिंग का हिस्सा होगा और दो तरफ से जुड़ा होगा ताकि एक तरफ से बाधित होने पर भी नेटवर्क उपलब्ध रहे।

मैत्रेयी महाविद्यालय (एमसीएन) और दिल्ली यूनिवर्सिटी कंप्यूटर सेंटर (डीयूसीसी) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये और मैत्रेयी महाविद्यालय में लघु अवधि के निम्नलिखित पाठ्यक्रम शुरू किए: "बेसिक वेबसाइट डिजाइनिंग"; "उन्नत वेबसाइट डिजाइनिंग और विकास"।

दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए पूरे परिसर में मेटलैब और सिमुलिंक एक्सेस का प्रबंध।

दिल्ली विश्वविद्यालय अपने संकाय सदस्यों, शैक्षणिक शोधकर्ताओं और छात्रों द्वारा उपयोग के लिए मेटलैब और सिमुलिंक उत्पाद प्रदान करता है।

पूरे परिसर के लाइसेंस के लाभ: इसमें सभी संकाय, शोधकर्ता और छात्र शामिल हैं।

घर पर और कक्षा, प्रयोगशाला और क्षेत्र अनुसंधान तथा ऑफ-नेटवर्क में पहुँच।

परिसर के स्वामित्व वाली मशीनों के साथ-साथ संकायों और छात्रों के स्वामित्व वाले व्यक्तिगत कंप्यूटरों पर स्थापना।

पूर्ण सुइट उत्पादों की व्यापक और सबसे अद्यतित सरणी प्रदान करता है, यह उन्नत शैक्षिक अनुसंधान के लिए परिचयात्मक स्तर के पाठ्यक्रमों से लेकर हर चीज का समर्थन करता है।

मेटलैब एक ऑनलाइन वेब ब्राउज़र से पहुँच प्रदान करता है।

वैकल्पिक ऐड-ऑन: मेटलैब अकादमिक ऑनलाइन प्रशिक्षण सूट के साथ अपने सभी परिसर उपयोगकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण प्रदान करना।

निम्नलिखित यूआईएमएस मॉड्यूल का कार्यान्वयन: डीयू वेंडर बिल ट्रैकिंग सिस्टम; नामांकन संख्या उत्पादन प्रणाली; ऑनलाइन शुल्क।

प्रवेश पोर्टल

पूर्व स्नातक/स्नातकोत्तर/एम.फिल/ पीएच.डी. विदेशी छात्रों और चिकित्सा विज्ञान के संकाय सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के साथ प्रवेश पोर्टल के लिए विकास शुरू हुआ।

वर्तमान परियोजनाएं

विश्वविद्यालय सूचना प्रबंधन प्रणाली

इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों को सूचना तक प्रभावी पहुंच प्रदान करने के लिए विभिन्न प्रक्रियाओं के सहज एकीकरण के साथ लचीला समाधान प्रदान करना है।

मॉड्यूल:

शिक्षा संबंधी - प्रवेश, छात्र जीवन चक्र प्रबंधन, परीक्षा, प्रशिक्षण और नियुक्ति, टाइम टेबल, ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली, नामांकन संख्या उत्पादन प्रणाली।

वित्त और लेखा - अनुदान प्रबंधन, संपत्ति और सूची, अनुसंधान परियोजना प्रबंधन, ऑनलाइन शुल्क, विक्रेता बिल ट्रैकिंग प्रबंधन प्रणाली

मानव संसाधन और वेतन - भर्ती, कर्मचारी सूचना प्रणाली, पेरोल, अवकाश प्रबंधन

प्रशासन - एस्टेट प्रबंधन, फ़ाइल का पता लगाना, शिकायत प्रबंधन और निवारण, कानूनी मामलों का प्रबंधन।

2018-19 के दौरान निम्नलिखित मॉड्यूल विकसित / कार्यान्वित किए गए थे:

ऑनलाइन शुल्क पोर्टल - सभी विभागों में नया और मजबूत ऑनलाइन शुल्क पोर्टल।

विक्रेताओं के बिल का पता लगाना - सभी चरणों में बिलों को दर्ज करने और पता लगाने के लिए केंद्रीकृत प्रणाली।

नामांकन नंबर उत्पन्न करने की प्रणाली

कर्मचारी प्रोफ़ाइल
समय सारणी
उत्तर और दक्षिण दोनों परिसरों में एएए प्रमाणीकरण के साथ पूरे परिसर में विस्तृत वाई-फाई
पूरे परिसर में सफलतापूर्वक वाई-फाई सुविधा लॉन्च की गई और यह उत्तर और दक्षिण दोनों परिसरों में चल रही है। यह सेवा विश्वविद्यालय के संकाय, छात्र और कर्मचारियों के लिए उपलब्ध है। इस समय वाई-फाई सुविधा का लाभ उठाना चाहने वाले सभी संकाय, कर्मचारी और छात्रों को अलग-अलग लॉगिन और पासवर्ड के साथ पूरे परिसर में वाई-फाई सुविधा प्रदान की गई है। वाई-फाई सेटअप को व्यक्तिगत इंटरनेट उपयोगकर्ता स्तर पर प्रमाणीकरण, प्राधिकरण और लेखांकन (एएए) के लिए बनाया गया है। बहुत से उपयोगकर्ता पहले से ही परिसर की वाई-फाई सुविधा का लाभ उठा रहे हैं और इनकी संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है।

नेटवर्क की निगरानी

वाई-फाई नेटवर्क की लगातार निगरानी करने के लिए, निगरानी सॉफ्टवेयर (ज़ैबिक्स) डाला जाता है जो सक्रिय होकर समस्या के निवारण में मदद कर सकता है और नेटवर्क, सर्वर और अनुप्रयोग के लिए अधिकतम अपटाइम बनाए रखने में मदद करता है।

महाविद्यालय नेटवर्क

परिसर के बाहर के सभी महाविद्यालयों के लिए 100 एमबीपीएस की बैंडविड्थ जारी रही। इंटरनेट सेवाओं को अधिकतम समय तक बनाए रखने की आवश्यकता को देखते हुए, डीयूसीसी ने यह सुनिश्चित करने के लिए मजबूत कदम उठाए हैं कि महाविद्यालय की वीपीएन कनेक्टिविटी रिंग आर्किटेक्चर के भीतर बनी रहे, एक तरफ से वीपीएन कनेक्टिविटी बाधित होने की स्थिति में, रिंग के दूसरी तरफ से नेटवर्क उपलब्ध रहता है।

सहस्थानीय (कोलोकेशन) सर्वर होस्टिंग

परीक्षा

आभासी कक्षा
सामूहिक (क्लस्टर) नवाचार केंद्र
विश्वविद्यालय (डीयू) सामुदायिक रेडियो
दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली
ब्रेल पुस्तकालय
मुक्त शिक्षा का विद्यालय (स्कूल ऑफ़ ओपन लर्निंग)
वर्चुअल लर्निंग पर्यावरण (वीएलई)
नामांकन डेटा प्रबंधन प्रणाली (ईडीएमएस)
यूट्यूब पर लाइव वेबकास्टिंग
वार्षिक दीक्षांत समारोह
विश्वविद्यालय का 97वाँ स्थापना दिवस
प्रख्यात पूर्वछात्र व्याख्यान श्रृंखला
प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला
अतीत की विभिन्न घटनाओं के अभिलेखागार
वेबसाइटें और विभागों की वेबसाइटें लॉन्च की गई है/प्रावधान किया गया है।
संस्कृत विभाग- http: //sanskrit.du.ac.in
इतिहास विभाग - http://history.du.ac.in
राजनीति विज्ञान विभाग - http://polscience.du.ac.in
साइबर सुरक्षा और कानून संस्थान - http://icsl.du.ac.in
दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म - http://dsj.du.ac.in
प्रौढ़ शिक्षा और सतत शिक्षा विभाग - http://dacee.du.ac.in
अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध - http://ir.du.ac.in
एनसीडब्ल्यूईबी - http://ncweb.du.ac.in
पीजी मेन्स हॉस्टल - http://pgmenhostel.du.ac.in/
विभिन्न संकाय पृष्ठ - http://people.du.ac.in

पूरे परिसर में सॉफ्टवेयर

डीयूसीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय, कर्मचारी, अनुसंधान विद्वानों, स्नातकोत्तर और पूर्व स्नातक छात्रों के उपयोग के लिए निम्नलिखित नेटवर्क लाइसेंस सॉफ्टवेयर प्रदान करता है:
एसपीएसएस वी 22 + एएमओएस (विंडोज 32 बिट और 64 बिट, यूनिक्स और मैक प्लेटफॉर्म)
मेटलैब आर 2014वी
सिग्मा प्लॉट 12 (केवल विंडोज के लिए)

बॉयोमीट्रिक उपस्थिति प्रणाली:

डीयूसीसी में बॉयोमीट्रिक अटेंडेंस सिस्टम सर्वर प्रबंधित किया जाता है। वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय (उत्तरी परिसर) के विभिन्न स्थानों पर 87 बायोमेट्रिक अटेंडेंस मशीनें काम कर रही हैं, जिनमें वीसी कार्यालय, परीक्षा भवन, नया प्रशासनिक ब्लॉक, स्वास्थ्य केंद्र, छात्रावास सहित विभिन्न संकाय और विभाग शामिल हैं। बायोमीट्रिक उपस्थिति प्रणाली की प्रभावी निगरानी के लिए, विभाग प्रमुखों और सहायक पंजीयक/उप पंजीयक आदि जैसे सभी नामित अधिकारियों को लगभग 135 लॉगिन आईडी पासवर्ड प्रदान किए जाते हैं। उनके पास दैनिक, मासिक या वार्षिक आधार पर अपने विभागों की उपस्थिति रिपोर्टों तक पहुंचने के अधिकार हैं। रिपोर्ट को एक्सेल, पीडीएफ, आरटीएफ, वर्ड, आरटीपी आदि विभिन्न स्वरूपों में निर्यातित किया और सहेजा जा सकता है।

डीयूसीसी बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली जब डीयूसीसी के लिए आवश्यक हो, विभिन्न रिपोर्टें अर्थात्, उपस्थिति रजिस्टर, देर से आने की रिपोर्ट, अनुपस्थिति रिपोर्ट, व्यक्तिगत कर्मचारियों का विश्लेषणात्मक सारांश, आवश्यक समय अवधि के लिए सभी कर्मचारियों की ग्राफिकल रिपोर्ट, सभी विभागों और व्यक्तिगत कर्मचारियों को उपस्थिति सारांश भेजने के लिए ईमेल सुविधा उत्पन्न करती है।

डीयूसीसी में आयोजित प्रशिक्षण

डीयूसीसी ने संकाय, कर्मचारी, शोध अध्येता, स्नातकोत्तर छात्र, महाविद्यालय प्रणाली प्रशासक/तकनीकी स्टाफ सभी को शामिल करने के लिए पूरे वर्ष एक्सेल, एसपीएसएस, मैटलैब, वेब डिजाइनिंग में बेसिक से एडवांस कोर्स के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जो शिक्षण, अनुसंधान उपकरण, और छात्रों द्वारा की जाने वाली परियोजनाओं के लिए उपयोगी हैं।

एसपीएसएस - (सामाजिक विज्ञान के लिए सांख्यिकीय पैकेज), 21-05-2018 से 25-05-2018 तक 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों के लिए 13-07-2018 को आयोजित "उपस्थिति प्रबंधन प्रणाली" पर प्रशिक्षण सत्र (बैच 1) में 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों (बैच 2), के लिए 17-07-2018 को आयोजित "उपस्थिति प्रबंधन प्रणाली" पर प्रशिक्षण सत्र में 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

27-08-2018 को आयोजित "उपस्थिति प्रबंधन प्रणाली" (विधि संकाय के लिए) पर प्रशिक्षण सत्र में 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

"साहित्यिक चोरी कैसे रोकें" पर 14-09-2018 को आयोजित कार्यशाला में 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
"मेटलैब के साथ डीप लर्निंग डीमिस्टिफाइंग", 19-09-2018 को आयोजित मैथवर्क संगोष्ठी में 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जीईएम "गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस" पर 25-09-2018 को आयोजित कार्यशाला में 39 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

बायोटेक ऑडिटोरियम, दक्षिणी परिसर में 9-10-2018 को आयोजित ई-प्रोक्योरमेंट पर प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

वेंडर बिल ट्रैकिंग प्रबंधन प्रणाली पर 11-1-2019 को आयोजित बैठक/प्रदर्शन में 81 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समय सारणी प्रबंधन प्रणाली पर 17-01-2019 को आयोजित प्रदर्शन/प्रशिक्षण सत्र (बैच 1) में 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

समय सारणी प्रबंधन प्रणाली पर 22-01-2019 को आयोजित प्रदर्शन/प्रशिक्षण सत्र में 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जीईएम पर 30-01-2019 को आयोजित कार्यशाला में 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एसटी आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से 20-02-2019 को आयोजित लेटेक्स और साइलैब पर एफडीपी में 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ऑनलाइन शुल्क भुगतान पोर्टल के लिए 26-02-2019 को आयोजित प्रदर्शन/प्रशिक्षण सत्र में 42 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वेंडर बिल ट्रैकिंग प्रबंधन प्रणाली पर 25-04-2019को आयोजित बैठक/प्रदर्शन में 69 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

नियमित गतिविधियां

नई पहलों के अलावा, दिल्ली विश्वविद्यालय के कंप्यूटर केंद्र (डीयूसीसी) ने वायर्ड नेटवर्क के माध्यम से भारत के सबसे बड़े शैक्षिक आईटी नेटवर्क के 15000 से अधिक उपकरणों और इंटरनेट नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) के माध्यम से 1.50 लाख मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं की इंटरनेट की आवश्यकताओं को पूरा किया है।

डीयूसीसी दिल्ली विश्वविद्यालय की मुख्य आईटी अवसंरचना का प्रबंधन कर रही है जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

डेटा सेंटर जिसमें सर्वर, कोर स्विच, जोनल स्विच, राउटर, यूटीएम डिवाइस, स्टोरेज आदि 60 से अधिक सक्रिय उपकरण हैं।

400 से अधिक नेटवर्क स्विच (और बढ़ रहे) वाले वायर्ड उपकरण।

वाई-फाई उपकरण जिसमें 100+ स्विच और 500 वायरलेस उपयोग बिंदु शामिल हैं।

दोनों परिसरों में 43 किलोमीटर का फाइबर ऑप्टिक केबल नेटवर्क बिछाया गया है

विश्वविद्यालय की मुख्य वेबसाइट, डीएनएस, प्रॉक्सी, ईमेल, पेमेंट गेटवे, लाइसेंस और वेब सर्वर के साथ महाविद्यालय और विभागीय वेबसाइट जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों को होस्ट करने वाले सर्वर।

परीक्षा, प्रशासन, वित्त, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, पुस्तकालय कैटलॉग और ब्रेल सॉफ्टवेयर आदि के लिए लोकेशन सर्वर।

डीयूसीसी सक्रिय रूप से दिल्ली विश्वविद्यालय वेबसाइट के सामग्री प्रबंधन, तकनीकी सहायता और विश्वविद्यालय फेसबुक पेज पर नियमित अद्यतन, महाविद्यालयों / विभागों/केंद्रों के लिए वेब होस्टिंग सेवायें, संकाय सदस्यों वेब होस्टिंग सेवायें प्रदान कर रहा है। नेटवर्क और वेबसाइट डिजाइनिंग और रखरखाव के अलावा, डीयूसीसी ने सफलतापूर्वक सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला, स्टूडियो व्याख्यान, ज्ञानोदय, वार्षिक दीक्षांत समारोह, अंतर्ध्वनि आदि कार्यक्रमों के लिए तकनीकी सहायता और होस्ट किए गए वीडियो प्रदान किए हैं।

डीयूसीसी में 1500 से अधिक सदस्य हैं, जिनमें स्नातकोत्त छात्र, शोध अध्येता, संकाय और कर्मचारी शामिल हैं, जो निःशुल्क इंटरनेट और प्रिंटिंग सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। डीयूसीसी की भविष्य की योजनाओं में परिसर और महाविद्यालय वाई-फाई का आभासी संयोजन शामिल है, जिससे उपयोगकर्ता किसी भी स्थान पर इंटरनेट से जुड़े रहें। यह अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा।

विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों को आईसीटी वीपीएस का प्रावधान

वेबकास्ट
लाइव स्ट्रीमिंग

दिल्ली विश्वविद्यालय की एसी/ईसी बैठकों, कोर्ट मीटिंग और अन्य प्रमुख कार्यक्रमों/बैठकों जैसी मुख्य घटनाओं के लिए तकनीकी बुनियादी ढांचे का प्रावधान। इसमें वाई-फाई सेटअप, कंप्यूटिंग सुविधाएं आदि शामिल हैं।

ई-प्रोक्योरमेंट और जीईएम का प्रबंधन

दिल्ली विश्वविद्यालय समुदाय को सभी ई-प्रोक्योरमेंट और जीईएम संबंधित उपयोगिताओं के समाधान का एकल बिंदु प्रदान किया जाता है।

प्रशासनिक इकाइयों और विभागों को निम्नलिखित महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान किए जाते हैं:-

जीईएम खातों की व्यवस्था और सुविधा
ई-प्रोक्योरमेंट खातों की व्यवस्था और सुविधा।

दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकारियों के लिए "ई-मार्केटिंग के लिए जीईएम के कार्यान्वयन" पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रशासनिक कार्यालयों, विभागों, महाविद्यालयों के लगभग 130 अधिकारी/संकाय शामिल हुए।

जीईएम
102 विभागों के 446 उपयोगकर्ता
ई-प्रोक्योरमेंट
दिल्ली विश्वविद्यालय ई-प्रोक्योरमेंट उपयोगकर्ता: 58 विभागों और 37 महाविद्यालयों के 456 उपयोगकर्ता
2018-19 के लिए-
निविदाओं की संख्या - 2121
निविदाओं का मूल्य - 9038.58 (रुपए लाख में)

***

दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

स्कूल ने 12 और 13 अप्रैल 2018 को अपना वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव अरुशन आयोजित किया। वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, फ़ोटोग्राफ़ी, एड-मैड, कविता और रचनात्मक लेखन पर अंतर- महाविद्यालय प्रतियोगितायें आयोजित की गई थीं। अगस्त 2018 में प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए एक अभिविन्यास सप्ताह आयोजित किया गया था, जिसमें मीडिया और शिक्षा क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तियों श्री एन.के. सिंह, सुश्री नीलांजना बसु, श्री के जी सुरेश, सुश्री देवना गुप्ता को छात्रों से बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया गया था। मीडिया संगठनों के लिए 15 फील्ड विजिट आयोजित किए गए। दूसरी सलाहकार परिषद् की बैठक 29 नवंबर, 2017 को आयोजित की

गई थी जिसमें श्री जगदीश उपासने, श्री के जी सुरेश, श्री विजय क्रांति, अरुण भगत और श्री सतीश के सिंह शामिल थे।

सम्मान/गौरव:

डॉ. मनस्विनी एम योगी (ओएसडी) को होप एंड फेथ फाउंडेशन द्वारा 23 दिसंबर 2018 को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए संकल्प से सिद्धि पुरस्कार 2018 से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन :

आर.एन. मिश्रा (2018) भवदिया का उप संपादन किया। डॉ. मुखर्जी स्मृति न्यास: नई दिल्ली।

जर्नल/समाचार पत्रिका :

स्कूल की पत्रिका- 'सृजन' 12 अप्रैल 2018 को जारी की गई।
पहला ई-न्यूज़ लेटर-प्रवाह-द फ्लक्स, 16 अप्रैल 2019 को जारी किया गया।

आयोजित सम्मेलन

आयोजित सम्मेलनों की कुल संख्या- 12

प्रख्यात मीडिया हस्तियों, मीडिया चैनलों और शिक्षाविदों द्वारा 9 अगस्त 2018 से 31 मार्च 2019 तक विभिन्न विषयों पर सोलह संगोष्ठियां आयोजित की गई थीं।

श्री एन.के. सिंह-प्रख्यात पत्रकार, 9 अगस्त 2018 को 'पत्रकारिता के विभिन्न आयाम' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

श्री नोवी कपाड़िया द्वारा 'खेल पत्रकारिता' का आयोजन 10 सितंबर 2018 को हुआ।

सुश्री गायशा गोंजालेज द्वारा 12 सितंबर 2018 को, मीडिया साक्षरता, डिजिटल डिसइनफॉर्मेशन, नागरिक समाज, सरकारों और निजी क्षेत्र के लिए सिफारिशें' विषय पर आयोजित की गई।

श्री मुकेश भारद्वाज द्वारा 17 सितंबर 2018 को 'रिपोर्टिंग एंड एडिटिंग' विषय पर आयोजित की गई।

श्री धीरेंद्र पुंडीर द्वारा 'राजनीति और स्टिंग ऑपरेशन' विषय पर 24 सितंबर 2018 को आयोजित की गई।

श्री प्रबल प्रताप सिंह द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता' विषय पर 1 अक्तूबर 2018 को आयोजित की गई।

श्री प्रणव मुखर्जी द्वारा 'नाटक एवं संचार' विषय पर 11 अक्तूबर 2018 को आयोजित की गई।

श्री सौरभ द्विवेदी द्वारा 'ऑनलाइन पत्रकारिता' विषय पर 28 जनवरी 2019 को आयोजित की गई।

अशोक आचार्य द्वारा 'समावेशी राजनीति' विषय पर 5 फरवरी 2019 को आयोजित की गई।

गुलशन सचदेवा द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय विकास नीति' विषय पर 21 फरवरी 2019 को आयोजित की गई।

अप्रैल 2018 को 'राष्ट्रवाद और मीडिया' द्वारा समर्थित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

डॉ. मनस्विनी एम योगी ने '17 अक्तूबर 2018 को दिल्ली महानगर शिक्षा द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'हिंदी सिनेमा में पिता की भूमिका: बॉलीवुड के सिनेमाई लेंस के माध्यम से भारतीय समाज में संबंधों की शक्ति की खोज' पर प्रस्तुति दी।

संकायों की संख्या

पूर्णकालिक संकाय -2
अतिथि संकाय - अकादमी और उद्योग से 35.

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

डीएसजे, स्पेनिश ऑनलाइन समाचार एजेंसी से इंटर्नशिप और शैक्षणिक मंचों के लिए सहयोग।

डीएसजे, स्पुतनिक न्यूज एजेंसी (रूसी दूतावास)से इंटर्नशिप और शैक्षणिक मंचों के लिए सहयोग।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

छात्र एनजीओ और इंटर्नशाला (टाइम्स ऑफ इंडिया की पहल) के साथ काम कर रहे हैं

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

गौरी जोशी को जून-जुलाई 2018 में 'सेंटरशिफ्टः इंटीग्रेटेड मार्केट सॉल्यूशन्स' के साथ एक इंटर्नशिप के लिए चुना गया था। छात्रों ने जनवरी-मार्च 2019 में पैनासोनिक के मुख्य कार्यालय में आयोजित पैनासोनिक कैमरा वर्कशॉप में भाग लिया। टीपीसीआई में 1 जनवरी -14 जनवरी 2019 तक रिपोर्टिंग, फोटोग्राफी और कंटेंट राइटिंग के लिए सात छात्रों का चयन किया गया था। सौ छात्रों ने फरवरी-मार्च 2019 में स्पुतनिक - रूसी समाचार एजेंसी (रूसी दूतावास का एक समकक्ष) में रूसी मीडिया के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग चर्चा में भाग लिया।

***

डी. एस. कोठारी विज्ञान, नैतिकता और शिक्षा केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां:

डी एस कोठारी सेंटर फॉर साइंस, एथिक्स एंड एजुकेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षकों के बौद्धिक जीवन को समृद्ध करने वाली अनेक गतिविधियों सहित एक जीवंत केंद्र है। हम हर वर्ष वर्किंग पेपर्स प्रकाशित करते हैं। इस वर्ष हमने तीन वर्किंग पेपर प्रकाशित किए हैं। हम सम्मेलन और सेमिनार भी आयोजित करते हैं। हमने इस वर्ष भी एक सम्मेलन और डी. एस. कोठारी मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया है। इसके अलावा, हमारे पास छात्रों और शिक्षकों के लिए पुस्तकों का अच्छा संग्रह है। हमने कुल 53 किताबें खरीदीं।

प्रकाशन:

इशिता वाधवा (2018-2019)/ I. वैली स्कूल में इंजीनियर्ड रिक्त स्थान का एक नृवंशविज्ञानी अध्ययन।

नेमत चड्ढा (2018-2019)/ II अप्रतिबंधित कैनवास: वैली आर्ट विलेज में पेंटिंग के माध्यम से बचपन की खोज।

पूजा (2018-2019)/III ऋषि वैली स्कूल में एक कक्षा की खिड़की से देखते हुए।

आयोजित संगोष्ठी/ सम्मलेन

शुक्रवार 28 सितंबर, 2018 को, समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। "जे. कृष्णमूर्ति और शैक्षिक अभ्यास: समावेशी शिक्षा के लिए सामाजिक और नैतिक दृष्टिकोण" नामक एक पुस्तक चर्चा" (ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2018).

डी.एस. कोठारी सेंटर फॉर साइंस, एथिक्स एंड एजुकेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय और साउथ एशियन यूनिवर्सिटी ने संयुक्त रूप से दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के एफएसआई हॉल में, 15 फरवरी, 2019 को "हिंसा और समकालीन समाजः शिक्षा और सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन की संभावनाएं" पर एक पैनल चर्चा आयोजित की थी।

***

विकासशील देश अनुसंधान केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

केंद्र ने 2018-19 में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों के साथ विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जिन्हें व्यापक मीडिया कवरेज प्राप्त हुआ जो अपने आप में एक उपलब्धि है। मासिक व्याख्यान, इंटरैक्टिव प्रवचन, सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं ने महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने के अलावा सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में केंद्र को एक प्रतिस्पर्धी अनुसंधान केंद्र बना दिया है। स्थिरता के साथ निरंतरता में विश्वास करते हुए, केंद्र अपने त्रैमासिक समाचार पत्र, वार्षिक रिपोर्ट और मासिक हिंदी पत्रिका के अंकों को लगातार प्रकाशित कर रहा है। परियोजना समीक्षा: उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव सर्वेक्षण के सफल समापन के बाद, एक अन्य परियोजना समीक्षा: दिल्ली नगरपालिका चुनाव अपने उपयुक्त चुनावी नतीजों ने देश के उभरते हुए चुनाव विश्लेषण केंद्र के रूप में अकादमिक जगत में हमारी उपस्थिति को मजबूत किया है। उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र - आईसीएसएसआर, नई दिल्ली के समर्थन से, केंद्र ने सामाजिक विज्ञान और मानविकी के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े शिक्षाविदों को विषय पर गंभीर चर्चाओं में शामिल कर भारतीय विचारों पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर सुनील के. चौधरी, निदेशक डीसीआरसी को, 29 दिसंबर, 2018 को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश में आयोजित 58वें अखिल भारतीय राजनीति विज्ञान संघ के सम्मेलन में प्रोफेसर जी. राम रेड्डी आईपीएसए अवार्ड, 2018 से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर सुनील के. चौधरी को लोकतंत्र और शासन के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने के लिए आईपीएसए प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
प्रोफेसर कौशल कुमार शर्मा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में प्रॉक्टर और डीसीआरसी के फेलो को उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र (एनआरसी), भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) का मानद निदेशक नियुक्त किया गया है।

प्रकाशन

संचयन त्रैमासिक न्यूज़लेटर के चार अंक, संस्करण 3, सं. 2, 3 और 4 (2018) और संस्करण 4 सं. 1 (2019).

संश्लेषण, मासिक हिंदी पत्रिका 2018-19 के छह अंक।

परियोजनायें

आईसीएसएसआर प्रायोजित परियोजना, 'समीक्षा: यूपी विधानसभा चुनाव सर्वेक्षण'।

24-25 जनवरी 2019 को आईसीएसएसआर ने 'इंडिक थॉट' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला प्रायोजित की।

आयोजित संगोष्ठी/व्याख्यान/कार्यशाला/अंत:संवादी चर्चा

केंद्र ने 24-25 जनवरी 2019 को उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र-आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'भारतीय चिंतन' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में कुछ प्रमुख संसाधन व्यक्तियों में श्री शक्ति सिन्हा, निदेशक, नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली; प्रोफेसर कौशल कुमार शर्मा, निदेशक, एनआरसी-आईसीएसएसआर, नई दिल्ली; प्रोफेसर एम. पी. सिंह, प्रोफेसर बालाजी रंगनाथन, डॉ. दिनेश गहलोत, डॉ. हरिराम परिहार, डॉ. हिमांशु रॉय, डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय शामिल थे।

केंद्र ने 26 अक्तूबर 2018 को 'भारत की राज्य राजनीति' पर एक कार्यशाला आयोजित की। पैनल में प्रोफेसर आशुतोष कुमार, पंजाब युनिवर्सिटी, चण्डीगढ़ और डॉ. हिमांशु रॉय, दिल्ली विश्वविद्यालय शामिल थे।

मासिक व्याख्यान की श्रृंखला में, केंद्र ने 31 मई 2018 को अपना बारहवां मासिक व्याख्यान आयोजित किया। एक प्रख्यात शिक्षाविद् और सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, दिल्ली के श्री अतुल भाई कोठारी जी ने 'भारत में उच्च शिक्षा: आयाम और दिशाएं' विषय पर व्याख्यान दिया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर उमेश राय, पूर्व निदेशक, दक्षिणी परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय ने की थी और मेजर हर्ष कुमार, सचिव, एनसीईआरटी, नई दिल्ली इस अवसर पर सम्मानित अतिथि थे।

केंद्र ने 31 जुलाई 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर शांता नेदुंगदी वर्मा के साथ 'इंडियाज ग्लोबल एंगेजमेंट:स्क्रिप्टिंग ए प्रो-एक्टिव नैरेटिव' पर एक इंटरएक्टिव वार्ता का आयोजन किया।

केंद्र ने 31 अगस्त 2018 को 'मीडिया और शासन' पर एक इंटरएक्टिव प्रवचन का आयोजन किया, श्री विजय क्रांति, वरिष्ठ सलाहकार और संपादक, डीडी न्यूज मुख्य वक्ता थे। डीडी न्यूज के श्री चन्द्र शेखर, पैनल चर्चा की अध्यक्षता की और फेलो कुमार राजेश कार्यक्रम के समन्वयक थे।

केंद्र ने 3 अप्रैल 2018 को 11वें पाब्लो नेरुदा व्याख्यान का आयोजन किया। प्रोफेसर सुनील के. चौधरी ने 'प्रभावी शिक्षण के दार्शनिक मूल' पर व्याख्यान दिया।

केंद्र ने 24 दिसंबर 2018 को, 'राजनीति का धर्म' विषय पर पहला अटल बिहारी वाजपेयी व्याख्यान आयोजित किया। एक प्रख्यात विद्वान और आध्यात्मिक गुरु, श्री पवन सिन्हा जी ने व्याख्यान दिया था।

केंद्र ने 'बदलता चुनावी परिदृश्य: विधानसभा चुनाव, 2018 का एक अध्ययन' विषय पर एक चर्चा का आयोजन किया। इस चर्चा में डॉ. हरिराम परिहार, डॉ. दिनेश गहलोत, प्रोफेसर रमेश भारद्वाज और फेलो सरद कुमार यादव ने भाग लिया।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

'समीक्षा: उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव सर्वेक्षण' और 'समीक्षा: दिल्ली नगर निगम चुनाव सर्वेक्षण' के माध्यम से हम दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों से बड़ी संख्या में छात्रों को अनुभवजन्य प्रशिक्षण में शामिल करने में सक्षम रहे।

संकाय की संख्या

मानद (अवैतनिक): 28

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

केंद्र ने 'नैतिकता और जीवन में संभावना' विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह के भाग के रूप में 1 नवंबर 2018 को अध्येताओं, छात्रों, विद्वानों और कर्मचारियों के बीच एक बातचीत का आयोजन किया।

केंद्र नियमित रूप से राजदूतों, शिक्षाविदों और अनुसंधान विद्वानों सहित विदेशी आगंतुकों का स्वागत करता है। 23 जुलाई 2018 को, सुश्री कैथरीन स्टोरे, द्वितीय सचिव (राजनीतिक), ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग ने 'भारत और ऑस्ट्रेलिया में चुनावी लोकतंत्र की बदलती प्रवृत्ति' पर अपने विचार व्यक्त करने और साझा करने के लिए एक अकादमिक इंटरफ़ेस में भाग लेने के लिए डीसीआरसी का दौरा किया। लंदन के एक वरिष्ठ कानूनी सलाहकार श्री अनुराग बाना ने भी 8 जनवरी 2019 को केंद्र का दौरा किया।

पिछले वर्ष में, डीसीआरसी और इसके कार्यक्रमों को प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्रों और मीडिया में व्यापक कवरेज मिला है। प्रोफेसर सुनील की पुस्तक *ऑन पार्टीज एंड पार्टी सिस्टम्स*, का भारत में इज़राइल के पूर्व राजदूत महामहिम डैनियल कार्मोन और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विमोचन किया गया था, डीडी न्यूज, लोक सत्य और नवभारत टाइम्स द्वारा इस समाचार को प्रकाशित और प्रसारित किया गया था।

भारतीय चिंतन पर केंद्र की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 25 जनवरी 2019 को डीडी न्यूज पर प्रसारित की गई थी। केंद्र द्वारा 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाने की सूचना हिंदुस्तान, लोक सत्य और दैनिक जागरण सहित कई दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित की गई थी। कर्नाटक चुनाव और भारत में गठबंधन राजनीति पर प्रोफेसर सुनील का साक्षात्कार दैनिक जागरण अखबार में प्रकाशित हुआ था। उन्हें 'राज्य सभा टीवी' द्वारा 'बूस्ट टू हायर एजुकेशन' विषय पर एक पैनल चर्चा के लिए भी आमंत्रित किया गया था।

डीसीआरसी ने डिजिटल इंडिया को ध्यान में रखते हुए, अपने ट्विटर हैंडल @dcrcofficial को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी किया है।

***

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (एसीबीआर) दिल्ली विश्वविद्यालय के पहले शोध केंद्रों में से एक है, जिसमें वैज्ञानिकों का एक बहु-विशिष्ट समूह एक सहयोगी टीम के रूप में काम करता है और जैवचिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में सक्रिय शिक्षण और अनुसंधान पूरा करता है। केंद्र एक उत्कृष्ट वातावरण प्रदान करता है, जहां छात्रों को एक केंद्रित, कौशल आधारित स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान किया जाता है और उन्हें मानव स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न विषयों में प्रशिक्षित किया जाता है। अनुसंधान मुख्य रूप से रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के इंटरफेस पर बल देता है और औषधियों की खोज और औषधियों के विकास, जैव-प्रौद्योगिकी, आणविक मॉडलिंग, डीएनए डायग्नोस्टिक्स, आणविक ऑन्कोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, जीनोमिक्स और प्रोटिओमिक्स, मेडिसिनल केमिस्ट्री, कैंसर जेनेटिक्स, ह्यूमन जेनेटिक्स और न्यूरोफार्माकोलॉजी जैसे बुनियादी और अनुप्रयुक्त जैव चिकित्सा विज्ञान के कुछ अग्रिम क्षेत्रों में अनुसंधान किये जा रहे हैं। एसीबीआर ने थोड़े ही समय में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर अपना नाम और प्रसिद्धि अर्जित कर ली है। हमारे कई संकाय सदस्य प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के संपादकीय मंडलों में हैं, आईएनएसए के फेलो और भारतीय विज्ञान अकादमी (इलाहाबाद), जीआरसी के सदस्य हैं और उन्हें कई प्रतिष्ठित शोध अनुदान सौंपे गए हैं। केंद्र को कई पेटेंट दिए गए हैं और व्यावसायिक दोहन के लिए दो नैदानिक प्रोटोकॉल उद्योग में स्थानांतरित कर दिए गये हैं। बहुत कम समय में संकाय उच्च प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में शोध प्रकाशित कर विज्ञान में अपनी एक छाप छोड़ी है। हमारे छात्रों ने भी सोंफर्मा पुरस्कार, सीएसआईआर-एसपीएम, पीएम-पुरस्कार आदि कई पुरस्कार प्राप्त कर हमें गौरवान्वित किया है। हमारे पूर्व छात्र विभिन्न महाविद्यालयों, प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों, उद्योग और प्रकाशन गृहों में उच्च पदों पर हैं।

सम्मान/गौरव

डॉ. मनीषा यादव: स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार, भारत द्वारा दीर्घकालिक विदेशी फैलोशिप (एक वर्ष) से सम्मानित।

डॉ. अपर्णा दीक्षित:भारत सरकार के डीबीटी द्वारा अभिनव युवा जैव प्रौद्योगिकी पुरस्कार (आईवाईबीए 2018).

प्रकाशन

बानो, एन., यादव एम., और दास, बी.सी. (2018). एचपीवी + वी और एचपीवी-वी ओरल कैंसर स्टेम सेल के बीच कर्क्यूमिन के विभेदक निरोधात्मक प्रभाव। कैंसर विज्ञान में फ्रंटियर्स इन ऑंकोलॉजी; 8, 412.

बानो एन., यादव एम., मोहनिया, डी., और दास, बी.सी. (2018). एचपीवी 16 संक्रमण के साथ या बिना मौखिक कैंसर और कैंसर स्टेम कोशिकाओं में एनएफ-केबी और एमआईआरएनए की भूमिका। प्लॉस वन, 13(10), e0205518.

दीक्षित, ए. बी.,शर्मा, डी., त्रिपाठी, एम. व अन्य, (2018). जीनोम-वाइड डीएनए मिथाइलेशन और आरएनएसेक विश्लेषण फोकल कॉर्टिकल डिसप्लेसिया (एफसीडी) टाइप-II में एबरैंट सिग्नलिंग रास्ते की पहचान करते हैं। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 8:17976.

गुलाटी, पी., कोहली, एस., औरब्रह्मचारी, वी. (2018). माइलबग्स की प्रशंसा में। जे जेनेटिक्स। 97(2), 379-389.

गुप्ता, एस., कुमार, पी., कौर, एच., शर्मा, एन., गुप्ता, एस., सालुजा, डी., भारती, ए.सी., औरदासबी. (2018) पी 50 के साथ संयोजन के रूप में NF-/B/c-Rel का कॉन्सेप्टिव एक्टिवेशन और ओवरएक्सप्रेशन आक्रामक जीभ ट्यूमरजेनेसिस में योगदान देता है। ऑंकोटार्गेट, 9(68), 33011-33029.

जलोटा, ए., कुमार, एम., दास, बी. सी., यादव, ए. के., चोसडोल, के., और सिन्हा, एस. (2018). हाइपोक्सिया प्रेरित रसायन विज्ञान और ग्लियोमा कोशिकाओं में स्टेमनेस को लक्षित करने वाला दवा का एक संयोजन। ऑंकोटार्गेट, 9(26), 18351-18366.

कुमार, आर., लाल, एन., नेमश, वी., औरलूथरा, पी.एम. (2018). डीमेथोक्साइकरक्यूमिन ने एमएन-ओसओडी को लक्षित करने के लिए एपोपोटिक पॉथवे की सक्रियता और मानव ग्लियोमा यू87 में एमजी कोशिकाओं को टॉक्सीकोलॉजी और एप्लाइड फार्माकोलॉजी में Akt/NF-κB के निषेध के लिए अग्रणी बनाया। टॉक्सिकोल अप्पल फार्माकोल, 15(345), 75-93.

कुमार, पी., वसीम, एल., चौपड़ा, एम., छिक्कारा, ए. (2018). डीसल्फ़ाइड क्रॉस-लिंक्ड बायोडिग्रेडेबल पॉलीमरिक नैनोग्लोबिन के माध्यम से वोरिनोस्टैट और ईटोपोसाइड की सह-डिलीवरी:. संश्लेषण, विशेषता, बायोडिग्रेडेशन और कैंसर विरोधी गतिविधि।, एएपीएस फार्म साइंस टेक, 19(2), 634-647.

कुमारी, एन., अग्रवाल, एस., कुमारी, आर., शर्मा, डी., लूथरा, औरपी.एम. (2018). हेमिपार्किन्सन रोग के 6-ओएचडीए प्रेरित कृंतक मॉडल में आईडीपीयू (1-7-इमिनो-3-प्रोपिल-2,3-डिहाइड्रोथियाजेलो [4,5-डी] पिरीमिडीन-6 (7एच) -वाईएल) यूरिया) का तंत्रिका-प्रभावी प्रभाव। न्यूरोसाइंस लेटर्स, 675 (2018), 74-82.

मिश्रा, सी. बी., कुमारी, एस., प्रकाश, ए., आर. यादव, तिवारी, ए.के., पांडेपी., औरतिवारी, एम. (2018). प्रभावी आक्षेपरोधी कार्रवाई के साथ शक्तिशाली मानव साइक्लोऑक्सीजिनेज-2 अवरोधकों के रूप में नवल मिथाइलसुल्फोनिल फिनाइल व्युत्पन्नों की खोज: इन विट्रो, इन विवो और इन-सिलिको डिजाइन, संश्लेषण। औषधीय रसायन विज्ञान का यूरोपीय जर्नल, 151, 520-532.

मिश्रा, सी. बी., कुमारी, एस., सिराज, एफ., यादव, आर., कुमारी, एस., तिवारी, औरए.के., तिवारी, एम. (2018), नये 1-[4-4- बेंजो {1,3} डायोक्जोला-5-वाईएलमिथाइल-पिपरेजीन-1-वाईएल)-फिनाइल] -3-फिनाइल-यूरिया (बीपीपीयू) पेंटीलेनेटेट्राजोल से प्रेरित बायोमेडिसिन और फार्माकोथेरेपी में मिर्गी के पुराने चूहे मॉडलों पर मिर्गी विरोधी और अनुभूति को बढ़ाने वाला प्रभाव,105, 470-480

मिश्रा, सी. बी., कुमारी, एस., अंजली, ए., बुआ, एस., तिवारी, एम., क्लौदिउ टी. सुपुरण (2018). प्रभावी आक्षेपरोधी कार्रवाई के साथ कार्बोनिक एनहाइड्रेज़ अवरोधकों के रूप में बेनज़ेनसल्फोनेमाइड डे व्युत्पन्नों की खोज: डिजाइन, संश्लेषण और औषधीय मूल्यांकन। औषधीय रसायन विज्ञान का जर्नल, 61, 3151-3165

मिश्रा, सी. बी., कुमारी, एस., अंजलि, ए. बुआ, एस., बुओनानो, एम., मोंटी, एस.एम., तिवारी, एम., और सुपूरन, सी. टी. (2018). शक्तिशाली ऐंठन विरोधी कार्बोनिक एनहाइड्रेज अवरोधकों की खोज: डिजाइन, संश्लेषण, इन विट्रो और इन विवो मूल्यांकन। औषधीय रसायन विज्ञान का यूरोपीय जर्नल, 9(156), 430-443.

नागार्जुन, डी., मित्तल, जी., ढांडा, आर.एस., गैंड, आर., औरयादव, एम. (2018). भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में आईसीयू में भर्ती सेप्सिस रोगियों में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का खतरनाक स्तर - एक केस नियंत्रण पूर्वव्यापी अध्ययन। रोगाणुरोधी प्रतिरोध और संक्रमण नियंत्रण, 7, 150.

नेमती, एम., मल्ला, एन., यादव, एम., खोररामदलजाद, एच., और जफरजादेह, ए. (2018). ट्रिकोमोनीसिस के विरुद्ध हमोरल और टी सेल की मध्यस्थता प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया। पैरासाइट इम्यूनोलॉजी, मार, 40(3).

पॉल, डी.,दीक्षित,ए.बी.,श्रीवासत्व, ए.व अन्य, (2018). हिप्पोकैम्पल स्केलेरोसिस के रोगियों में परिवर्तित परिवर्तनशील विकास कारक बीटा/एसएमएडी 3। मिर्गी अनुसंधान, 146.

पांडे, आर., शर्मा, एम., औरसालुजा, डी. (2018) एसआईएन-3 जीवन काल के प्रमुख निर्धारक के रूप में और स्वास्थ्य पर इसकी लिंग आधारित अंतर भूमिका। काईनोर्हेब्डीटीज एलिगेंस। एजिंग (अल्बानी एनवाई), 10(12), 3910-3937.

पटेल, एस.एस., रे, आर.एस., शर्मा, ए., मेहता, वी., कत्याल, ए., और उदय बानू, एम. (2018). स्ट्रेप्टोजोटोकिन प्रेरित डायबिटिक चूहों में यूरेटीसिडिका के पत्तों का एंटीडिप्रेसेंट और एंगेरियोलाइटिक जैसा प्रभाव। मेटाब ब्रेन डिस., 33(4):1281-1292.

पवार, ए., झा, पी., कोनवार, सी., चौधरी, यू., चौपड़ा, एम., औरसालुजा, डी. (2019). एथेमब्युटोल माइकोबैक्टीरियम, ट्यूबरकुलोसिस के ग्लूटामेट रेसमास-पेप्टिडोग्लाइकन जैवसंश्लेषण में शामिल एक एंजाइम को लक्षित करता है। एप्ल. माइक्रोबॉयल बायोटेक्नोल, 103(2), 843-851.

पवार, ए., झा, पी., कोनवार, सी., चौधरी, यू., चौपड़ा, एम., औरसालुजा, डी. (2018 एथेमब्युटोल माइकोबैक्टीरियम, ट्यूबरकुलोसिस के ग्लूटामेट रेसमास पेप्टिडोग्लाइकन जैवसंश्लेषण में शामिल एक एंजाइम को लक्षित करता है। एप्ल. माइक्रोबॉयल बायोटेक्नोल। doi: 10.1007/s00253-018-9518

सचदेव, डी., वासनिक, के., पटेल, ए.एल., सोनकर, एस.सी., देसाई, पी.,प्रामाणिक, जे.एम., केरकर, एस., सेठी, एस., शर्मा, एन., मित्तल, पी., घोंपे, पी., खंदारी, औरए., सालुजा, डी. (2018). क्लैमाइडिया और निसेरिया और पोर्टेबल प्रतिदीप्ति डिटेक्टर के लिए एक घर में विकसित बीकन-आधारित पीसीआर डायग्नोस्टिक परख किट का बहु-केंद्रित सत्यापन। जे. मेड. माइक्रोबॉयल। 67(9), 1287-1293.

शर्मा, एम., पांडे, आर., औरसालुजा, डी. (2018). आरओएस सी. के सिन-3 म्यूटेंट में परिवर्तित ऑटोफैगी और जीवनकाल को विनियमित करने में प्रमुख कारक है। एलीगेंस ऑटोफागी., 14(7), 1239-1255.

शर्मा, एम., झा, पी., वर्मा,पी., औरचौपड़ा, एम. (2019). संयुक्त तुलनात्मक आणविक क्षेत्र विश्लेषण, तुलनात्मक आणविक समानता सूचकांक विश्लेषण, आणविक डॉ.किंग और आणविक डायस्टिक्स हिस्टोन

डेसेटाइलेज 6 अवरोधकों का अध्ययन। रासायनिक जीवविज्ञान और औषधि डिजाइन, https://doi.org/10.1111/cbdd.13488.

श्वेता, एस., कुमार, जी., वशिष्ट, एम., पांडे, आर., राठोर, एस., चौरसिआ, बी.के., सिंघल, जे., देशमुख,ए., कलामुद्दीन, एम., पॉल, जी., पांडा,ए.,टाटिया, एस., रावत,के., गुप्ता,डी., मोहम्मद, ए., नटराजन, के., औरमल्होत्रा, पी. (2018). प्लाजमोडियम के जैव रासायनिक लक्षण प्रतिरक्षा मॉडुलन में अपनी भूमिका के लिए बाध्यकारी प्रोटीन के पूरक हैं। बायोकेमिकल जर्नल, 475, 2877-2891.

सिन्हा, आर., सिंह, पी., सैनी, एन.के., कुमार, ए., पाठक, आर., चंदोलिया, ए., चौपड़ा, एम., औरबोस, एम. (2018). मिथाइलबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस एच37आरवी में आरवी 3499सी (एमसीई4ए) प्रोटीन जैसे मिथाइल-स्वीकार करने वाले केमोटैक्सिस कोलेस्ट्रॉल निर्भर अस्तित्व मे मध्यस्थता करता है। ट्यूबरकुलोसिस, 109, 52-60.

सोनी, एन., ज्योति, के., जैन, यू.के., कत्याल, ए.,चन्द्र, आर., औरमदन, जे. (2018). बी16एफ1, माउस मेलेनोमा स्किन कैंसर सेल्स में सिल्वर नैनोसंरचना के असर वाले नोसापिनोइड्स ने दवा वितरण, साइटोटॉक्सिसिटी, एपोप्टोसिस और सेल्युलर अपटेक को बढ़ाया। बायोमेड फर्माकोथर, 105, 1360.

श्रीवास्तव., के., चन्द्र, एस., नारंग, आर., भाटिया, जे., सालुजा, डी. (2018). आवश्यक उच्च रक्तचाप में ई-सेलेक्टीन जीन:एक केस-नियंत्रण अध्ययन। यूर. जे. क्लिन. इनवेस्ट., 48(1). श्रीवास्तव, ए., दीक्षित, ए.बी.,पॉल, डी. व अन्य (2017). हिप्पोकैम्पल स्केलेरोसिस (एचएस) और फोकल कॉर्टिकल डिसप्लेसिया (एफसीडी) के रोगियों में साइटोकिन/केमोकाइन नियामक नेटवर्क का तुलनात्मक विश्लेषण। वैज्ञानिक रिपोर्टें, 21; 7 (1):15904.

उमर, टी., शालिनी , एस., राज़ा, के., गुसांई, एस., कुमार, जे., अहमद, डब्ल्यू., तिवारी, एम., और होड़, एन. (2018). नए अमाइलॉइड बीटा-डिस्एग्रीगेटिंग एजेंट:संश्लेषण, औषधीय मूल्यांकन, क्रिस्टल संरचना और एन-(4(-(क्लोरोक्विनोलिन-4-वाईएल) ऑक्सी)-3-इथोऑक्सीबैंजाइल)एमाइन्स की आणविक डॉ. किंग। मेड केम कॉम, 9(11),1891-904.

वशिष्ठ, वी., जिंघन, एन., और यादव ए.के. (2018). ग्लियोमा सर्वाइवल में जीएसके 3 के आइसोफॉर्म की प्रतिरोधी भूमिका। जे कैंसर, 9(10), 1846-1855.

वर्मा, वी., अरोरा, आर., ढांडा, आर.एस., गैंड, आर., और यादव, एम. (2018). यूरोपेथोजेनिक ई. कोलाई संक्रमित यूटीआई के मरीजों के प्लाज्मा में इंटरल्यूकिन -1β और नाइट्रिक ऑक्साइड के स्तर को दर्शाने वाला डेटा। डेटा संक्षिप्त, 19, 526-529.

वर्मा, वी., गुप्ता, एस., कुमार, पी., रावत, ए., ढांडा, आर.एस., और यादव, एम. (2019). यूरोपथोजेनिक एस्चेरिचिया कोलाई के एंडोटॉक्सिन के खाली जैवसक्रिय ए-हेमोलिसीन का कुशल उत्पादन। प्रिपरेटिव बायोकेमेस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, 31, 1-7.

यादव, ए. के., और वशिष्ठ, वी. (2018). जीएसके3 बीटा और एचएनआरएनपीए1 (आरएनए बाइंडिंग प्रोटीन) सावाईएमसी ट्रांसक्रिप्शनल रेगुलेटर के साथ सहयोग करता है, चिकित्सीय तनाव के अंतर्गत जीएसके3 अल्फ़ा को रोकता है। न्यूरो-ऑन्कोलॉजी, 20(6), पृष्ठ vi78, https://doi.org/10.1093/neuonc/noy148.322.

यादव, ए. के. (2018). ग्लोबोमा की प्रगति के दौरान ड्युबिक्यूटिनेटिंग एंजाइम (यूएसपी5) आरएनए बाइंडिंग प्रोटीन (एचएनआरएनपीए1) के साथ सहयोग करते हैं, चिकित्सीय अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। न्यूरो-ऑन्कोलॉजी, 20(6), vi49, https://doi.org/10.1093/neuonc/noy148.196

वसीम, एल., और चौपड़ा, एम. (2018). आरओएस उत्पादन के माध्यम से पैनोबिनोस्टैट और टॉपोइज़ोमिरेज़ अवरोधकों के सिनर्जिस्टिक कैंसर रोधी प्रभाव और और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर कोशिकाओं में आंतरिक एपोप्टोटिक मार्ग प्रेरण। सेल्यूलर ऑन्कोलॉजी,41(2), 201-212.

ज़फर, ए., सिंह, एस., सतीजा, वाई. के., सालुजा, डी., और नसीम, I. (2018). ट्रिपल-नेगेटिव स्तन कैंसर कोशिकाओं में कपमस्ट्रोल की कैंसर प्रतिरोधी गतिविधि में अंतर्निहित आणविक तंत्र को समझना। टॉक्सिकॉल. इन विट्रो। 46, 19-28.

शोध परियोजनाएं

"एसईआरबी, 2018/01, "माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस संक्रमण के दौरान सूमोलेशन की भूमिका का निर्णय," 1000000 रुपए।

आईवाईबीए अनुदान, परियोजना क्रमांक बीटी/11/आईवाईबीए/2018/04 दिनांक 06/02/2019, डीबीटी, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित, 2018-2021, "हिप्पोकैम्पस स्क्लेरोसिस रोगियों के एंटीरियर टेम्पोरल लोब (एएलटी) और हिप्पोकैम्पस में एसआरसी काइनेज प्रेरित उच्च ग्लुटामेटर्जिक गतिविधि का तुलनात्मक विश्लेषण", 5816800.

प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार, भारत सरकार से सिनर्जी अनुदान, एफ. सं.: पीआरएन.एसए/एपीलेप/2017, 2018-2021, "एपिलेप्टोजेनिक क्षेत्र (ईज़ी) को परिभाषित करने में फोकल कॉर्टिकल डिसप्लेसिया (एफसीडी) के रोगियों के मस्तिष्क के विभाजित ऊतकों के मास स्पेक्ट्रोमेट्रिक लिपिड प्रोफाइल की भूमिका की जांच", 6605000.

आयोजित सम्मेलन

एसयूआरपी 2018 के अंतर्गत वक्ता

डॉ. अनिर्बान बसु, प्रोफेसर, एनबीआरसी, मानेसर, जापानी एन्सिफलाइटिस वायरस संक्रमण में होस्ट रोग ज़नक़ों से प्रतिक्रिया: रोगजनकों से चिकित्सा तक, 1 जून।

डॉ. शैलजा सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, मॉलिक्यूलर मेडिसिन का विशेष केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली, हमारे द्वारा विशेष रूप से विकसित और उपयोग किये गये मलेरिया-रोधी दवा की खोज के लिए उभरते उपकरण और तकनीकें। 4 जून।

डॉ. ज्योतिर्मय बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, जैव भौतिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली, मिर्गी के दौरे को समझना, एक नेटवर्क विकार: एक सेलुलर इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल दृष्टिकोण, 8 जून।

डॉ. लैशराम आर. सिंह, सहायक प्रोफेसर, एसीबीआर, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, प्रोटीन सतह, प्रोटिओपैथी और मानव रोग, 11 जून।

डॉ. सुरजीत सरकार, सहायक प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ जेनेटिक्स, दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली, ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर: मानव न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों की विशाल जटिलताओं को हल करने वाला एक छोटा जीव, 14 जून।

डॉ. यतेंद्र सतीजा, इन्स्पायर फैकल्टी, एसीबीआर, दिल्ली विश्वविद्यालय,नई दिल्ली, वास्तविक समय पीसीआर में यांत्रिकी अंतर्दृष्टि, 18 जून।

डॉ. कामना श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, एसीबीआर, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, हृदय रोगों के लिए प्रारंभिक बायोमार्कर, 22 जून।

डॉ. जी. एस. सोढ़ी, एसोसिएट प्रोफेसर, श्री गुरू तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय, उंगलियों के निशान की रासायनिक पहचान, 25 जून।

डॉ. एम. इम्तियाज हसन, सहायक प्रोफेसर (जैवभौतिकी), सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च इन बेसिक साइंसेज, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, प्रोटीन में संरचना-कार्य संबंध: अत्याधुनिक उपकरण और विधियाँ, 29 जून।

डॉ. कुंजांग चोसडोल, प्रोफेसर, जैव-रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली, ट्यूमर की ग्रेडिंग/उप-ग्रेडिंग ग्रेडिंग में आणविक मार्कर का नैदानिक महत्व, 9 जुलाई।

आयोजित सम्मेलन

25-27 मार्च, 2019 को, डीबीटी द्वारा प्रायोजित ड्रग डिजाइन में जैव सूचना विज्ञान और आणविक मॉडलिंग पर नौवीं कार्यशाला। आयोजक सचिव डॉ. मधु चोपड़ा; कई आमंत्रित वक्ताओं ने अपनी वार्ताएं प्रस्तुत कीं; डॉ. दिनेश गुप्ता, आईसीजीईबी; डॉ. देबासीसा मोहन्ती, एनआईआई; डॉ. गीतांजलि यादव, एनआईपीजीआर; डॉ.लिपिटुक्राल, आईजीआईबी; डॉ. अर्नब भट्टाचार्जी, जे. एन. यू.; डॉ. अंकिता नारंग, आईजीआईबी; डॉ. लुबना वसीम, एम्स; डॉ. अभिलाष, आईआईटी, नई दिल्ली.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

डॉ. मधु चोपड़ा: नई दिल्ली के राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज में 27 से 29 मई 2019 को 'पशु परीक्षण के लिए वैकल्पिक तरीकों' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में "औषधियों को तैयार करने में पशुओं उपयोग में में कमी लाने के लिए कंप्यूटर एडेड ड्रग डिजाइन"।

डॉ. मधु चोपड़ा: केआईईटी स्कूल ऑफ फार्मेसी, गाजियाबाद में 16-17 अगस्त 2018 को कम्प्यूटेशनल ड्रग डिस्कवरी में उभरते रुझान पर राष्ट्रीय सम्मेलन (ईटीसीडीडी-2018) में "तंत्र के आधार औषधियों की सही डिजाइन और विकास" ।

डॉ. मधु चोपड़ा: 3 जुलाई, 2018 को आईआईएलएम-सीईटी, ग्रेटर नोएडा के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के संकाय विकास कार्यक्रम में "दवा की तर्कसंगत डिजाइन और विकास के लिए कम्प्यूटेशनल विधियां", 3-7 जुलाई, 2018 को एपीजेएकेटीयू द्वारा प्रायोजित इनसिलिको ड्रग डिजाइनिंग के लिए पात्र तरीके।

डॉ. अपर्णा दीक्षित: जीवन विज्ञान विभाग, आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर, जनवरी 2019 में आमंत्रित वक्ता।

डॉ. अपर्णा दीक्षित: 15वीं राष्ट्रीय ईईजी कार्यशाला और मिर्गी सर्जरी और तंत्रिका जीवविज्ञान, बीएचयू, बनारस के लिए स्नातकोत्तर वर्ग में आमंत्रित वक्ता, 21 -23 नवम्बर 2018.

डॉ. अपर्णा दीक्षित: आईआईटी गुवाहाटी में 17-18 सितंबर 2018 को आयोजित 12एनएटीएफओई पर पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

सहयोग (डॉ. मधु चोपड़ा) के साथ

डॉ. अनिल के. मिश्रा और डॉ. पूजा पंवार, आईएनएमएएस, दिल्ली
डॉ. अरुणा छिक्कारा, दयाल सिंह महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय)

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी.: 10

***

साइबर सुरक्षा और विधि संस्थान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन साइबर सिक्योरिटी एंड लॉ (पीजीडीसीएसएल) ने अकादमिक सत्र 2018-19 से इंस्टीट्यूट ऑफ साइबर सिक्योरिटी एंड लॉ (आईसीएसएल) के तत्वावधान में व्यवसायिक अध्ययन के शहीद सुखदेव महाविद्यालय से अपना पहला बैच आरंभ किया। यह एक स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम है, जिसमें संकाय का वितरण उद्योग के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के लिए जीएफआर और दिशानिर्देशों के अनुसार होता है। पहले बैच में 57 छात्रों ने दाखिला लिया और सभी श्रेणियों की सभी सीटें भरी हुई थीं, किसी ने पाठ्यक्रम नहीं छोड़ा।

शोध परियोजनाएं

पीजीडीसीएसएल के छात्रों ने पहले सत्र में, पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, ज्ञान साथी, लुसाइडस इंक से साइबर सुरक्षा क्षेत्र के उद्योग के विशेषज्ञों की देखरेख में विभिन्न परियोजनाओं का संचालन किया:

***

आसूचना और संचार केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

संस्थान ने विश्वविद्यालय सूचना प्रबंधन प्रणाली (यूआईएमएस) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यूआईएमएस के अंतर्गत, आईआईसी ऑनलाइन पूर्व स्नातक और स्नातकोत्तर प्रवेश, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की ऑनलाइन भर्ती, मानव संसाधन प्रबंधन, वित्त प्रबंधन, दस्तावेज़ प्रबंधन, महाविद्यालय प्रबंधन आदि के लिए उद्यम अनुप्रयोगों का विकास और प्रबंधन कर रहा है और वर्तमान में छात्र जीवन चक्र प्रबंधन कार्यान्वित किया जा रहा है।

संस्थान ने औद्योगिक व्याख्यान श्रृंखला जैसी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित कीं, जिसमें प्रमुख व्यक्तियों ने आईटी उद्योग क्षेत्र में वर्तमान रुझानों पर विशेष व्याख्यान देने के लिए संस्थान का दौरा किया। इसके अलावा छात्रों और संकायों ने समय-समय पर उद्योग-विश्वविद्यालय संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया। संकाय ने राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, कार्यशालाओं जैसे विभिन्न मंचों पर सक्रिय रूप से अपने शोध कार्य प्रस्तुत किये। इस वर्ष में भी पहले की तरह रोजगार दिलाने की गतिविधियों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया गया है जिसके परिणामस्वरूप पहले दौर में 40% नियुक्तियां हुई हैं। कई शीर्ष आईटी उद्योग नियुक्ति करने के लिए परिसर में आ रहे हैं। इस वर्ष संस्थान में आने वाले उद्योगों में स्नैपडील, जिलेटियस सॉल्यूशंस, एरिकेंट टेक्नोलॉजीज, ह्यूज सिस्टिक, क्यू इंफो टेक्नोलॉजी आदि शामिल हैं।

प्रकाशन

कुमार, एस., कुमार, एम. एम., बुद्धिराजा, आर., दास, एम.के., एस.सिंह,(2018). विस्तारित छवि सुरक्षा के लिए प्रसार मॉडल के रूप में युग्मित मानचित्र जाली की जांच, टेनकॉन 2018-2018 दसवें आईईईई क्षेत्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियां (जेजू, कोरिया, 28-31 अक्तूबर, 2018).doi:10.1109/TENCON.2018.865 0305.

कुमार, एस., कुमार, एम.,बुद्धिराजा, आर., दास, एम.के., सिंह, एस. (2018). सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली अराजक गतिशील प्रणालियों के साथ एक नए फेरबदल सिफर मॉडल का प्रदर्शन मूल्यांकन, टेनकॉन 2018 - 2018 आईईईई क्षेत्रीय 10वें सम्मेलन की कार्यवाहियां (जेजू, कोरिया,, 28-31 अक्तूबर 2018). doi: 10.1109/TENCON.2018.8650471.

जर्नल

विभाग द्वारा प्रकाशित

कुमार, एस., कुमार, एम., बुद्धिराजा, आर., दास, एम.के., सिंह, एस. (2018). बेहतर सूचना सुरक्षा के लिए एक क्रिप्टोग्राफिक मॉडल। *सूचना सुरक्षा और अनुप्रयोग का जर्नल,* 43, 123-138.

कुमार, एस., कुमार, एम., बुद्धिराजा, आर., दास, एम.के., सिंह, एस. (2018). आंशिक ब्राउनियन मोशन पर आधारित प्रसार तंत्र के साथ छवियों को सुरक्षित करना। *सूचना सुरक्षा और अनुप्रयोग का जर्नल,* 40, 134-144.

कुमार, एस., कुमार, एम., बुद्धिराजा, आर., दास, एम.के., सिंह, एस. (2018). लॉजिस्टिक मैप का उपयोग करते हुए एक सुरक्षित क्रिप्टोग्राफिक मॉडल, *प्रोसीडिया कम्प्यूटर साइंस,* 143, 804-811.

शोध परियोजनाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय/डीएसटी, 2014-2019, नेटवर्क आर्किटेक्चर और सुरक्षा के लिए रिसर्च इन्फ्रास्ट्रक्चर की स्थापना, साइबर सुरक्षा और फोरेंसिक 750000 रुपए।

आयोजित सम्मेलन

9 सितम्बर, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर में "गूगल एमएलसीसी अध्ययन जाम" पर कार्यशाला।

22 और 23 अक्तूबर 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस के दक्षिणी परिसर में "आईईएसए मेकथॉन" पर कार्यशाला/टेक कार्यक्रम।

27 जनवरी, 2019 और 10 फरवरी, 2019 को"रास्पबेरी पाई सामुदायिक बूटकैम्प" पर कार्यशाला।

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

25 अक्तूबर 2018 को टेकसपुर में एक वार्षिक राष्ट्रीय एक दिवसीय तकनीकी संगोष्ठी।

15-16 मार्च 2019 को छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए ओपन सोर्स प्रौद्योगिकी पर एक वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन एन्विसिज'19।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

01: राष्ट्रीय त्सिंग हुआ विश्वविद्यालय, ताइवान के साथ ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम।

नियोजन ब्यौरा

परिसर में
दौरा करने वाले संगठनों की संख्या: 05; भाग लेने वाले छात्रों की संख्या:38; नियोजित छात्रों की संख्या: 18.

परिसर के बाहर

नियोजित छात्रों की संख्या: 11
नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 29 और 76.31
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 03

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

सामाजिक उद्यमिता और सशक्तिकरण के लिए कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन के साथ सहयोग किया।

संकाय की संख्या: 03 (पद)

अवकाश प्राप्त 01, 2016 से अनुपस्थित 01

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

आईआईसी विभिन्न स्वचालन प्रक्रियाओं के लिए विश्वविद्यालय को आईटी आधारित समाधान और सेवाएं प्रदान करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। आईआईसी में विकसित सॉफ्टवेयर को जेएनयू, सीयूएच, सीयूबी, पटना आदि विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में लागू किया गया है। एनआईसी, भारत सरकार ने राष्ट्रीय स्तर के आइडिया चैलेंज सहित हैकथॉन और आइडिया चैंपियनशिप के आयोजन के लिए आईआईसी से संपर्क किया है।

एम.एससी. उत्तीर्ण छात्र, श्री संदीप कुमार सिंह, को कैप्टन अनुज नैयर मेमोरियल स्वर्ण पदक -2018, दिल्ली विश्वविद्यालय से सम्मानित किया गया।

श्री अविनाश कुमार शुधांशु और सुश्री हिमांशी ने जवाहर भवन ट्रस्ट मेरिट-कम मीन्स छात्रवृत्ति प्राप्त की।

***

पादप जीनोमिक्स अंतः-विषयक केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

इस केंद्र में किए जाने वाले प्रमुख कार्यक्रम फसल पौधों के संरचनात्मक और कार्यात्मक जीनोमिक्स पर केंद्रित हैं। अब तक, हमने चावल, टमाटर और गेहूं जीनोम के अनुक्रमण में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भाग लिया है। गेहूं जीनोम पर काम लगभग पूरा होने वाला है और पिछले वर्ष, 'साइंस' में एक लेख प्रकाशित किया गया था, जो एक उच्च प्रभाव वाली पत्रिका है, जिसमें गेहूं जीनोम का अत्यधिक उन्नत संस्करण है। आदर्श पादप फेनोटाइप और विभिन्न प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियों के प्रति सहिष्णुता के लिए गेहूँ की किस्मों में सुधार हेतु गेहूँ के इस उच्च-गुणवत्ता वाले जीनोम अनुक्रम का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दोहन किया जा रहा है। इसके साथ ही, हमने ओएसबीजेडआईपी1 और ओएसबीजेडआईपी62 जैसे चावल बीजेडआईपी जीनों के लक्षण वर्णन और एफ- बॉक्स प्रोटीन कोडिंग जीन जैसे ओएसएफबीके1 और जेटलपस को अपनाया है, जिसकी पौधे के विकास को विनियमित करने, विशेष रूप से फूल और पैनिक विकास के संक्रमण के संबंध में, साथ ही पौधे की ऊँचाई के नियंत्रण संयंत्र में एक प्रमुख भूमिका है

सम्मान/गौरव

राष्ट्रीय कृषि-जैव प्रौद्योगिकी संस्थान (एनएबीआई), मोहाली (2018 के बाद से) की कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) के सदस्य।

सीएसआईआर, नई दिल्ली (2018 के बाद से) के पीएसी (प्लांट साइंस) के अध्यक्ष।

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए), नई दिल्ली (2019-2021) के उपाध्यक्ष (अंतर्राष्ट्रीय मामले)।

प्रकाशन

अंतर्राष्ट्रीय गेहूं जीनोम अनुक्रमण कंसोर्टियम व अन्य। (2018). पूरी तरह से एनोटेट संदर्भ जीनोम का उपयोग करके गेहूं अनुसंधान और प्रजनन में सीमा को स्थानांतरित करना। साइंस 361 (6403): ईएएआर7161 (1-13).

पांडे, ए., यादव, वी., शर्मा, ए., खुराना, जे.पी., और पांडे, जी.के. (2018). यूएनसी-53, रेस जीटीपासेस, एबीएल-1 और यूएनसी -5 सिग्नलिंग पाथवे के घटक हैं जो सी में डीटीसी और एएलएम न्यूरॉन प्रवासन को नियंत्रित करते हैं। एलिगेंस। कोशिका आसंजन और प्रवासन 12: 195-203. (doi: 10.1007/s12192-017-0854-1).

पांडे, ए.एस., शर्मा, ई., जैन, एन., सिंह, बी., बर्मन, एन., औरखुराना, जे.पी. (2018). एक चावल bZIP प्रतिलेखन कारक, OsbZIP16, अरबिडोप्सिस में व्यक्त किये जाने पर अजैविक तनाव सहनशीलता को नियंत्रित करता है। प्लांट बायोकेम का जर्नल। बायोटेक, 27, 393-400. (doi.org/10.1007/s13562-018-0448-8).

ई. शर्मा, एम. जैन,, और खुराना, जे. पी. (2018). चावल में सूखे तनाव के अंतर्गत विशिष्ट जीन समूहों और मार्गों का विभेदक मात्रात्मक विनियमन। जीनोमिक्स। doi: 10.1016/j.ygeno.2018.11.024.

जर्नल

संपादकीय मंडल के सदस्य: दो जर्नल

शोध परियोजनाएं

प्रोफेसर जे. पी. खुराना, डीबीटी, 2015-2020, शीर्षक "चावल में फूलों के संक्रमण को नियंत्रित करने में शामिल जीनों की कार्यात्मक मान्यता" 14000000 रुपए।

प्रोफेसर जे.पी. खुराना, एसईआरबी, 2018-2023; जे.सी. बोस फैलोशिप परियोजना; सीए. 90 लाख; 31 अक्तूबर, 2019 तक प्रारंभिक मंजूरी।

सम्मेलन/संगोष्ठी में प्रस्तुति

अगस्त 2018 में सीपीडीएचई और दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया।

अक्तूबर 2018 में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/कार्यशाला में भाग लिया और आईसीजीईबी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पैनल चर्चा में भाग लिया।

दिसंबर 2018 में सीएसआईआर-एनबीआरआई, लखनऊ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्लांट फिजियोलॉजी कांग्रेस में पूर्ण सत्र में व्याख्यान दिया।

फरवरी 2019 में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी में एनएएसआई द्वारा आयोजित कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता की।

फरवरी 2019 में एनएएएस कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में आयोजित कृषि कांग्रेस के समय एक सत्र की अध्यक्षता की।

फरवरी 2019 में नई दिल्ली में आयोजित एएएसएसए-आईएनएसए-एनआईएससीएआईआर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

संकाय की संख्या

चार सदस्य जुड़े हुए हैं और वे पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, यूडीएससी के नियमित वेतन पर हैं।

***

विश्वविद्यालय विज्ञान इंस्ट्रूमेंटेशन केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विश्वविद्यालय विज्ञान इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर द्वारा सभी शोधकर्ताओं और विज्ञान विभागों के संकाय सदस्यों और दिल्ली विश्वविद्यालय के घटक महाविद्यालयों के लिए परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरणों के साथ एक केंद्रीकृत सुविधा बनाए रखी जाती है। केंद्र सप्ताह में 6 दिन (सुबह 9:00 से शाम 5:30 बजे तक) खुला रहता है। वर्तमान में निम्नलिखित साधन उपलब्ध हैं।

वाइब्रेटिंग सैंपल मैग्नेटोमीटर

ब्रूकर उच्च संकल्प एक्स-रे विवर्तनोमीटर

एटीआर और स्पेक्युलर परावर्तन के साथ पर्किन एल्मर एफटीआईआर स्पेक्ट्रोमीटर

उड़ान के चौगुने समय के साथ एगिलेंट एलसीएमएस

थर्मल विश्लेषण पर्किन एल्मर टीजीए, डीटीए और डीएससी

जल अंतर स्कैनिंग कैलोरीमीटर

जियोल 400 मेगाहर्टज परमाणु चुंबकीय अनुनाद

टीईएम नमूना तैयार करने का उपकरण

जटिल बिंदु ड्रायर

जियोल स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसईएम) ईडीएस के साथ

एफईआई उच्च संकल्प ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (टीईएम)

सीएचएनएस विश्लेषक

तरल नाइट्रोजन (एलएन2) भंडारण टैंक और वितरण की सुविधा

रेनीशॉ लेजर रमन स्पेक्ट्रोमीटर

कैरी ग्रहण प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (ठोस और द्रव नमूने)

समय समाधान प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रोमीटर (होरिबा यवन)
सेंटेक इलिप्सोमीटर

ऊपरी रूपांतरण और नीचे-रूपांतरण प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रोमीटर

ऑटो नमूने के साथ लाइन्सिस टीजीए

एफआईआर संलग्नक के साथ थर्मो फिशर एफटीआईआर स्पेक्ट्रोमीटर

ब्रॉडबैंड डिइलेक्ट्रिक/प्रतिबाधा विश्लेषक (मेगाहर्ट्ज से 10 मेगाहर्ट्ज)

जास्को सर्कुलर डाइक्रोइज़्म स्पेक्ट्रोपोलिमीटर

बी.ई.टी. सतह क्षेत्र विश्लेषक

जेईएस एफईएसईएम

सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर

निकॉन कन्फोकल माइक्रोस्कोप

***

महिला अध्ययन और विकास केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

सिंघुआ विश्वविद्यालय के चीनी प्रतिनिधिमंडल ने 10 अगस्त, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन और विकास केंद्र का दौरा किया।

डब्ल्यूएसडीसी ने 20-02-2019 से 10-03-2019 तक केंद्र के लिए एक लोगो डिजाइन प्रतियोगिता आयोजित की। यह प्रतियोगिता दिल्ली में स्थित सभी विश्वविद्यालयों में नामांकित सभी छात्रों के लिए खुली थी।

प्रकाशन

भाटिया, एम., (सह-लेखन) (2019). 'मदर्स एट द मॉल': दिल्ली से ग्लोकल एस्पिरेशंस एंड मदरिंग का अध्ययन। सहकर्मी समीक्षा जर्नलःफेमिनिस्ट एनकाउंटर्स द्वारा प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया। संस्कृति और राजनीति में महत्वपूर्ण अध्ययन का एक जर्नल।

शोध परियोजनाएं

यूजीसी, 2014-2019, लिंग और नया मध्यम वर्ग।

आयोजित सम्मेलन

महिला अध्ययन और विकास केंद्र ने 2018-19 की अवधि के दौरान तीन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाएं आयोजित कीं।

सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 15-10-2018 से 21-10-2018 तक मानव अधिकारों पर लिंग संवेदीकरण पर आयोजित छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला/संकाय विकास कार्यक्रम।

मिरांडा हाउस, विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, ईओ क्लेयर (यूएस) और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ दलित स्टडीज (आईआईएसडी) के सहयोग से 7 जनवरी, 2019 से 21 जनवरी, 2019 तक वैश्विक नारीवाद पर अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम: कार्यक्रम और प्रतियोगिता।

सामाजिक अध्ययन ट्रस्ट के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन और विकास केंद्र (उन्नत अध्ययन) द्वारा 11 फरवरी, 2019 से 16 फरवरी, 2019 तक आयोजित लिंग और विकास पर छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला।

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

डॉ. मंजीत भाटिया ने 25 अप्रैल, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित विभाग में लिंग संवेदीकरण पर एक प्रस्तुति दी।

डॉ. मंजीत भाटिया ने 21 जून, 2018 को योग दिवस के अवसर पर सीआईई विभाग के गैर - शिक्षण और शिक्षण स्टाफ के लिए लिंग संवेदीकरण पर एक प्रस्तुति दी।

घरेलू हिंसा पर एक व्याख्यान: 28 नवंबर, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली-110007 में एक संकाय विकास कार्यक्रम में डॉ. मंजीत भाटिया द्वारा एक अध्ययन।

डॉ. मंजीत भाटिया ने दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में 20 दिसंबर, 2018 को कानून लैंगिक न्याय के लिए एक साधन पर एक सत्र को संबोधित किया।

डॉ. मंजीत भाटिया ने एचआईपीए, मेला लॉन शिमला में में शुक्रवार 15 मार्च, 2019 को आयोजित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कानूनी हस्तक्षेप के माध्यम से लैंगिक समानता: 2030 एजेंडा में अवसर और चुनौतियां पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

कृपया बिंदु 4 देखें। महिला अध्ययन और विकास केंद्र ने द्ल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ परामर्श किया।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

सिंघुआ विश्वविद्यालय, बीजिंग से बारह छात्रों और एक शिक्षक के दल ने विभिन्न स्रोतों से सीखने के उद्देश्य से 10 अगस्त, 2018 को महिला अध्ययन और विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय का दौरा किया।

अमेरिका के विस्कॉन्सिन एउ-क्लेयर विश्वविद्यालय के ग्यारह छात्रों और दो शिक्षकों ने महिला अध्ययन और विकास केंद्र का दौरा किया और मिरांडा हाउस, कमला नेहरू महाविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य संस्थानों के छात्रों ने 7 जनवरी, 2019 से 21 जनवरी, 2019 तक विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, ईओ क्लेयर (यूएस) और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ दलित स्टडीज (आईआईएसडी) के सहयोग से महिला अध्ययन और विकास केंद्र में आयोजित वैश्विक नारीवाद पर निमज्जन कार्यक्रम: संदर्भ और प्रतियोगिता में भाग लिया।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

डब्ल्यूएसडीसी दिल्ली एनसीआर में विभिन्न घटक महाविद्यालयों, विभागों और दिल्ली विश्वविद्यालय के संकायों और अन्य राज्य और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के छात्रों को आकर्षित करता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र केंद्र को विभिन्न क्षेत्रों, राष्ट्रीयता, जातीयता के के साथ पार-अनुभागीय प्रतिभागी प्रदान करते हैं, लिंग और जाति निरपेक्ष समावेशी और समग्र शिक्षा को बढ़ावा देते हैं।

प्राकृतिक विज्ञान, गणित, वाणिज्य, मानविकी और सामाजिक विज्ञान प्रबंधन के विविध विषयों में स्नातकोत्तर और शोध छात्र डब्ल्यूएसडीसी द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों में भाग लेते हैं। वे अपने साथ अपने क्षेत्रों से ज्ञान और दृष्टिकोण लाते हैं जो केंद्र द्वारा प्रस्तावित अंतःविषय दृष्टिकोण और एक क्षेत्र के रूप में महिलाओं के अध्ययन के साथ मिलता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने केंद्र में प्रस्तावित पाठ्यक्रमों/कार्यशालाओं में भाग लिया है।

डब्ल्यूएसडीसी के कर्मचारियों और संकायों में सांस्कृतिक और क्षेत्रीय भिन्नता का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण है। शिक्षण और अनुसंधान के लिए संचार और प्रवचन की एक विधा के रूप में द्विभाषावाद (अंग्रेजी और हिंदी दोनों) को बढ़ावा दिया जाता है।

संकाय की संख्या:

स्थायी: 02 (एक निदेशक, एक स्थायी संकाय)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

केंद्र ने अपनी कार्यशालाओं और अनुसंधान परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की है।
इसने विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों के साथ सहयोग किया। इसने अन्य विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक गतिविधियाँ आयोजित कीं।

***

विश्व विश्वविद्यालय स्वास्थ्य सेवा केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

डब्ल्यू. यू. एस. स्वास्थ्य केंद्र 19 मार्च 1955 को स्थापित किया गया। वर्तमान भवन 64 वर्ष से अधिक पुराना है। विगत वर्षों में कई नई सुविधाएं शामिल की गई हैं।

डब्ल्यू. यू. एस. स्वास्थ्य केंद्र (उत्तरी परिसर) लगभग 1,60,000 लाभार्थियों अर्थात् नियमित, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके आश्रितों, निवासी और अनिवासी छात्रों और तदर्थ कर्मचारियों (शिक्षण) की आवश्यकताओं को पूरा करता है। वित्तीय वर्ष 2018-19 की कुल ओपीडी उपस्थिति 1,17,740 और कुल नैदानिक सेवाएं (फिजियोथेरेपी, पैथोलॉजी लैब।, नर्सिंग और ड्रेसिंग) 60,885 थी। प्रतिदिन लगभग 410 मरीज ओपीडी में परामर्श लेते हैं। यह संख्या बढ़ती जा रही है।

डब्ल्यू. यू. एस. स्वास्थ्य केंद्र (दक्षिणी परिसर) लगभग 15,000 लाभार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। प्रतिदिन (प्रति सप्ताह छह दिन) लगभग 95 रोगी डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केंद्र (दक्षिणी परिसर) की ओपीडी सुविधाओं का लाभ उठाते हैं।

डब्ल्यू. यू. एस. स्वास्थ्य केंद्र (पूर्वी दिल्ली) लगभग 5000 लाभार्थी ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। प्रति दिन (प्रति सप्ताह पांच दिन) लगभग 20 रोगी डब्ल्यू. यू. एस. स्वास्थ्य केंद्र (पूर्वी दिल्ली) की ओपीडी सुविधा का लाभ उठाते हैं।

डब्ल्यू. यू. एस. स्वास्थ्य केंद्र (पश्चिमी दिल्ली) के लगभग 5500 लाभार्थी ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। प्रतिदिन (पांच दिन प्रति सप्ताह) लगभग 40 रोगी डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केंद्र (पश्चिम दिल्ली) ओपीडी की सुविधा का लाभ उठाते हैं।

वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल, 2018 - 31 मार्च, 2019 के लिए डब्ल्यू. यू. एस. स्वास्थ्य केंद्र की कुल ओपीडी उपस्थिति. इस प्रकार है:

उत्तरी परिसर: 1,17,740
दक्षिणी परिसर: 24,431
पूर्वी दिल्ली: 3,860
पश्चिमी दिल्ली: 9,461

कुल नैदानिक सेवाएँ वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 के लिए डब्ल्यू. यू. एस. स्वास्थ्य केन्द्र के लिए कुल नैदानिक सेवाएँ इस प्रकार है:

उत्तरी परिसर: 60,885
दक्षिणी परिसर : 8,951
पश्चिमी दिल्ली: 1,256
पूर्वी दिल्ली: 19
डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केंद्र (उत्तर) ने नियमित स्वास्थ्य सेवाओं के अलावा, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित टूर्नामेंट/अन्य विश्वविद्यालय के कार्यों के दौरान रविवार/राजपत्रित अवकाश के दिन भी आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं:

ऑनलाइन स्नातक कार्यक्रमों के लिए खेल परीक्षण, 2018: 22 जून 2018 से 30 जून 2018 तक।

इंटर कॉलेज जूडो (एम एंड डब्ल्यू) चैम्पियनशिप, 2018-19: 14 और 15 नवंबर, 2018

9 95वां वार्षिक दीक्षांत समारोह: 19 नवंबर, 2018 तक।

70 वाँ गणतंत्र दिवस कार्यक्रम: 26 जनवरी, 2019

2018-19: 30-31-जनवरी, 2019 नियमित स्वास्थ्य सेवाओं के अलावा,

प्रख्यात पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला: 8 फरवरी, 2019

टेम्पेस्ट 2019: 14, 15 और 16 फरवरी, 2019

इंटर कॉलेज फुटबॉल टूर्नामेंट: 25 फरवरी, 2019

रक्तदान शिविर: 25 फरवरी, 2019

61वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी: 1 मार्च, 2019

होली के अवसर पर: 21 मार्च, 2019

डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केंद्र (उत्तरी परिसर) में 7 अप्रैल 2018 को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। इस वर्ष के विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय था सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज: हर कोई, हर जगह। सभी संकायों/विभागों/केंद्रों/ महाविद्यालयों /छात्रावासों में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज से संबंधित मुद्दों को उजागर करने वाले पत्रक प्रसारित किए गए, जिन्हें सभी ने बहुत सराहा। विश्वविद्यालय बिरादरी की जानकारी के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट और डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केंद्र की वेबसाइट पर सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज पर एक लेख: हर कोई हर जगह अपलोड किया गया था।

पूरे विश्वविद्यालय परिसर क्षेत्र और विश्वविद्यालय एन्क्लेव महाविद्यालयों में गहनता से पीरेथ्रॉयड कीटनाशक स्प्रे किया गया था। सभी संकायों/विभागों/केंद्रों/ महाविद्यालयों /छात्रावासों में डेंगू बुखार, चिकनगुनिया, मलेरिया और मौसमी इन्फ्लुएंजा से संबंधित मुद्दों को उजागर करने वाले पत्रक वितरित किए गए, जिन्हें काफी सराहा गया। विश्वविद्यालय के बिरादरी की जानकारी के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in और डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केंद्र की वेबसाइट http://wushealthcentre.du.ac.in पर डेंगू बुखार, चिकनगुनिया, मलेरिया, उच्च रक्तचाप और मौसमी इन्फ्लुएंजा पर लेख अपलोड किए गए थे।

प्रतिष्ठित चिकित्सालयों के सहयोग से समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शिविर, कार्डियाक चेकअप शिविर, मधुमेह नियंत्रण शिविर आयोजित किए गए हैं।

वर्तमान सुविधाएं:

डब्ल्यू यू एस स्वास्थ्य केंद्र (उत्तरी परिसर) हर दिन विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, उनके आश्रितों और छात्रों के लिए प्रति दिन चौबीसों घंटे सेवाएं प्रदान करता है। यह रविवार/राजपत्रित अवकाश को सुबह 10:30 बजे से 08:00 बजे तक सेवाएं प्रदान करता है।

ओपीडी समय: सोमवार से शनिवार

सुबह की ड्यूटी: सुबह 08:00 बजे से दोपहर 02:30 बजे तक

शाम की ड्यूटी: 01:30 बजे से रात 08:00 बजे तक

रात्रि सेवा: रात 08:00 बजे से सुबह 08:00 बजे तक

शाम की पारी में 2 अंशकालिक चिकित्सा अधिकारी और 1 पूर्णकालिक चिकित्सा अधिकारी मरीजों की जांच करते हैं।

रविवार/राजपत्रित अवकाश: 00:00 बजे से सुबह 10:30 बजे तक।

रात की सेवा: हर दिन (केवल आपातकालीन सेवाएं)

डब्ल्यू यू एस स्वास्थ्य केंद्र (उत्तरी परिसर) केंद्र बिंदु है और इसमें 9 समर्पित चिकित्सा अधिकारियों की टीम है [अनुबंध पर 1 चिकित्सा सलाहकार, अनुबंध पर 1 चिकित्सा अधिकारी और 3 अंश कालिक चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा अधिकारियों के 2 स्वीकृत पदों पर)], अंशकालिक विशेषज्ञ [जो कार्डियोलॉजी में दो घंटे (प्रति सप्ताह तीन बार), न्यूरोलॉजी (सप्ताह में एक बार), मनोचिकित्सा (प्रति सप्ताह एक बार), अस्थि रोग विशेषज्ञ (प्रति सप्ताह पाँच दिन), ईएनटी (प्रति सप्ताह पांच दिन), बाल चिकित्सक (प्रति सप्ताह चार दिन), त्वचा (प्रति सप्ताह 4 दिन), नेत्र विज्ञान (प्रति सप्ताह तीन बार), , दंत चिकित्सा (3 घंटे, प्रति सप्ताह में छह दिन)], के लिए विशिष्ट सेवाएं प्रदान करते हैं। इसके अलावा 8 स्थायी फार्मासिस्ट, 1 तकनीकी सहायक (पैथोलॉजी प्रयोगशाला), 6 मिंनिस्ट्रीयल कर्मचारी, अनुबंध के आधार पर 19 कर्मचारी, 3 एम्बुलेंस चालक भी है।

डब्ल्यू यू एस स्वास्थ्य केंद्र (उत्तरी परिसर) में पैथोलॉजी लैबोरेटरी, फिजियोथेरेपी इकाई, नर्सिंग स्टेशन, ड्रेसिंग रूम है और यहाँ बुनियादी जीवन समर्थक एम्बुलेंस भी उपलब्ध है।

डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केंद्र (दक्षिणी परिसर) सोमवार से शनिवार तक सुबह 09:00 बजे से शाम 05:30 बजे तक और शनिवार को सुबह 09:00 बजे से शाम 03:30 बजे तक अपने लाभार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। इसमें 04 चिकित्सा अधिकारी हैं (अनुबंध पर 01 चिकित्सा सलाहकार और 02 अंशकालिक चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा अधिकारी के 1 स्वीकृत पद के विरुद्ध), 03 अंशकालिक विशेषज्ञ [जो नेत्र रोग विज्ञान में दो घंटे (सप्ताह में दो बार), दंत चिकित्सा (सप्ताह में तीन बार) और कार्डियोलॉजी (सप्ताह में तीन बार) सेवा प्रदान करते हैं, इसके अलावा 1 एम्बुलेंस चालक भी है। इस स्वास्थ्य केंद्र में पैथोलॉजी प्रयोगशाला, फिजियोथेरेपी यूनिट, ड्रेसिंग रूम है और यहाँ बुनियादी जीवन समर्थक एम्बुलेंस भी उपलब्ध है।

डब्ल्यू यू एस स्वास्थ्य केंद्र (पूर्वी दिल्ली) और डब्ल्यू यू एस स्वास्थ्य केंद्र (पश्चिमी दिल्ली) सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 09:00 बजे से अपराहन 03:30 बजे तक अपने लाभार्थियों को सेवा प्रदान करते हैं। इन स्वास्थ्य केंद्रों में 1 पूर्णकालिक चिकित्सा अधिकारी है। इन स्वास्थ्य केंद्रों में एक मेडिकल स्टोर और फार्मेसी भी है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सरकारी मेडिकल स्टोर डिपो (जीएमएसडी) से ब्रांडेड दवाओं का प्रावधान।
रोगियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल का प्रावधान।
गणमान्य व्यक्तियों और खेल गतिविधियों के लिए चिकित्सा कवर उपलब्ध कराया गया।

रोगियों का त्वरित और समय पर निपटान।
प्रतिपूर्ति के चिकित्सा दावों का समय पर निपटान।
नये मेडिकल परीक्षण का समय पर निपटान नियुक्तियों/पेंशन की गणना।

****

विभाग

अनुप्रयुक्त समाज विज्ञान और एवं मानविकी संकाय

व्यापार आर्थिकी

आयोजित संगोष्ठी

श्री सौरभ जैन, (वीपी, पेटीएम), "बिल्ड फॉर इंडिया" पहल, ब्लॉकचैन और सीएसआर, पेटीएम में अवसर, 8 अगस्त 2018।

श्री आशीष खन्ना, (एवीपी, कुशमैन एंड वेकफील्ड), अचल संपत्ति क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्षेत्रों में कार्य नीति और संस्कृति, 24 अगस्त 2018।

श्री नितिन मित्तल, (प्रमुख प्रतिभा अधिग्रहण (ग्लोबल शेयर्ड सर्विसेज़) -एरिक्सन), क्या एनालिटिक्स से प्रेरित एचआर पहल कर्मचारियों पर मानवीय या अमानवीय प्रभाव डालती है? 1 सितंबर, 2018।

श्री मनीष शर्मा, (आईबीएम-एचआरबीपी), कर्मचारी विशेषताओं और संगठनात्मक प्रदर्शन के बीच संबंध, 1 सितंबर, 2018।

सुश्री दीपंजना भट्टाचार्जी (पीरामल फाउंडेशन-मानव संसाधन प्रोग्राम मैनेजर), डेटा-संचालित भर्ती प्रक्रिया: कार्यान्वयन की सुविधा और इसकी क्षमता का दोहन, 1 सितंबर 2018।

श्री संदीप दत्ता, (मुख्य अभ्यास अधिकारी, फ्रैक्टल एनालिटिक्स), एआई और इसकी अधुनिकता, 20 सितंबर, 2018।

श्री छबीलेंद्र राउल (विशेष सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा, कृषि मंत्रालय के विभाग), भारत 2020 में: एक विकसित राष्ट्र की ओर, 27 अक्तूबर 2018।

श्री नोमित जोशी (प्रमुख विपणन - जियोनी इंडिया), ऑफलाइन और ऑनलाइन मार्केटिंग में ग्राहक के व्यवहार में बदलाव, 13 अक्तूबर 2018।

श्री राजेश गर्ग, (निदेशक वित्त और अनुपालन - कार्ल स्टॉरज़ जीएमबीएच एंड कंपनी के.जी.), वीयूसीए वर्ल्ड में प्रोफेशनल्स से उद्योग की अपेक्षा, 16 फरवरी 2019।

श्री कॉलिन मेंडेस (महाप्रबंधक- एचआर, वोल्टास बेको), डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन: स्किल्स टू सस्टेन एंड ग्रो, 28 फरवरी 2019।

आयोजित सम्मेलन

27 अक्तूबर 2018 को एस.पी.जैन सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर में “भारत में 2020: एक विकसित राष्ट्र की ओर”, पैंतालिसवां वार्षिक सम्मेलन।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

संगोष्ठी में प्रस्तुति

ए. जी. दस्तीदार, अर्थशास्त्र की असमानता पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की और कैस यंग स्कॉलर्स सेमिनार, 6 और 7 दिसंबर, 2018 को सीईएसपी, जेएनयू में 2 पत्रों पर चर्चा की।

चर्चित पत्रों का विवरण: बालकृष्ण पाधी द्वारा, "जाने और रहने वाले: भारत में पारिश्रमिक असमानता और पारिश्रमिक गतिशीलता, 2004-05 से 2011-12" सीएसआरडी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और मृणालिनी झा द्वारा "भारत में अवसर और आर्थिक विकास की असमानता", दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स।

वाई गुप्त, 31 मई और 1 जून 2018 को अरावली जैव विविधता पार्क, नई दिल्ली में आयोजित "कटे हुए वन क्षेत्र और सामुदायिक बंजर भूमि पर जैव विविधता पार्कों के विकास के लिए हितधारक परामर्श" पर नाबार्ड की कार्यशाला में "पारिस्थितिक रूप से बहाल खनन क्षेत्रों के आर्थिक लाभ: पूर्णापानी से सबक" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एस कुमार ने यूपीएसए एंड वीमेनस स्टडीज सेंटर, कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल द्वारा 30 नवंबर से 1 दिसंबर 2018 तक आयोजित “21वीं सदी के भारत में लिंग भेदभाव पर काबू पाना” पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में “क्या खेल में पुरुष एकाधिकार समाप्त हो रहा है” शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

टी रॉय चौधरी ने कैस यंग स्कॉलर्स सेमिनार, 2018, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ इकोनॉमिक स्कॉलर्स सेमिनार, 2018 में "महिला श्रम आपूर्ति: नारी श्रम परिकल्पना और निर्धारक" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सम्मेलन में प्रस्तुति

वाई गुप्ता ने 22-23 अक्तूबर 2018 को आईआईसी नई दिल्ली में "लीड एंड लेड बैटरियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-भारत के लिए रोड मैप" पर "लीड एसिड बैटरियों की चुनौतियां" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वाई गुप्त ने 17-18 जनवरी, 2019 को टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, नई दिल्ली में व्यवसाय, अर्थशास्त्र, और सतत विकास पर दूसरे सम्मेलन (आईसीईएसडी 2019) में सतत विकास का अर्थशास्त्र: स्वास्थ्य पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

वी. के. कौल, ने 18-19 अक्तूबर, 2018 को कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटीस बर्कले, यूएसए में वैश्विक प्रतिक्रिया का सामना पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ‘जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारत की प्रतिक्रिया: एक राष्ट्रीय नवाचार प्रणाली परिप्रेक्ष्य’ पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। बीएएससी, सीएलटीसी, द वॉग एमएनसी सेंटर, क्लॉसन सेंटर और आईईएएस द्वारा प्रायोजित।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्र: 48 (87.27%); परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या: 20.

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप: 47 (98%); परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या: 31.

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

छात्रों ने रूट्स की पहल के अंतर्गत समाज के वंचितों की मदद के लिए गतिविधियाँ शुरू कीं। इनमें गर्म कपड़े और सूखे राशन एकत्र करने के अभियान शामिल हैं।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी.: 02 (दो)

संकाय की संख्या

स्थायी: 07
तदर्थ: 01

****

कला संकाय

अरबी

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

अरबी विभाग ने 29-30 जनवरी, 2019 को "दिल्ली के अरबी विद्वानों और उनके शैक्षणिक योगदान" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। प्रोफेसर के. ए. फ़ारिक मेमोरियल व्याख्यान श्रृंखला -12 के अंतर्गत, 29 जनवरी 2019 को प्रोफेसर शरीफ़ हुसैन क़ासमी को "देहली के चंद ग़ैर मूरूफ उलमा-ए-दीन" पर बात करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रकाशन

अख्तर, एच.एस. (2019). गाँधी जी और हिंदुस्तानी ज़बान आजकल, *सलूनी जर्नल*, पृष्ठ 27-28.

अख्तर, एच.एस. (2019). इकबाल हैदर और उनका फ़न, *सलूनी जर्नल*, पृष्ठ 66-99.

अकरम, एम. (2018). “شأةالمعاجمو المصطلحاتالعربيةالطبية”, .एच.एफ., नई दिल्ली.

एम. अकरम, (2018). हकीम मोहम्मद अजमल खान और अरबी जबान ओ अदब, शमा-ए-हयात।

एम. अकरम, (2018). तालीम और अखलाकियत। *सलूनी जर्नल*।

एम. एन. खान, (2019). मा अलुगाह अल अरबिया, कायफा अल-अरबिया, नसीर अल ज़बर, बी(संपा.) 1(1), पृष्ठ 335-351.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

एम अख्तर,

अरब-खाड़ी विभाग, अरब और एशियाई अध्ययन स्कूल, ईएफएलयू, हैदराबाद द्वारा अरब की खाड़ी में निबंध साहित्य पर 13-15 नवंबर 2018 तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *मजल्लाह अल-अरबी वा-दरौहा फि-इथ्रेल अल-लोगाह अल-अरबिया* शोध पत्र प्रस्तुत किया।

इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जेक्टिव स्टडीज, नई दिल्ली में मौलाना मनज़िर अहसन गिलानी के जीवन और योगदान पर 1-2 दिसंबर 2018 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में *मौलाना मनज़िर अहसान गिलानी अपनी निगारीशात के आइने* में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

13-14 फरवरी 2019 को अरबी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और *दिरास मुक़रनाह बेना अल-सहर वा-ताहा हुसैन फाई-रिवायतइहिमा फ़ि-* "क़फ़िलाह अल-ज़मान वा शजरत-उल-बोस 1950 ई. के बाद के अरबी उपन्यासों पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 2019 में विश्व साहित्य में गांधी पर एक दिवसीय संगोष्ठी में *अरब दुनिया पर महात्मा गांधी के असरात* एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एन हसन,

भारत में मदरसों और जामियात में अरबी भाषा के शिक्षणः समस्याएं और समाधान पर शोध पत्र प्रस्तुत किया; सेंटर ऑफ अरेबिक एंड अफ्रीकन स्टडीज स्कूल ऑफ लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज, जेएनयू, 12-13 मार्च, 2019 द्वारा 21वीं सदी में अरबी भाषा पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः चुनौतियां और समाधान।

अल-मुस्तफा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, ईरान (भारत शाखा) और सेंटर फॉर इंटरफेथ अंडरस्टैंडिंग द्वारा एएमयू, अलीगढ़ में 13-14 फरवरी, 2019 को आयोजित विश्व धर्मों में परिवार व्यवस्था पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *इस्लाम के परिप्रेक्ष्य में पारिवारिक जीवन* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अरबी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में 26-27 फरवरी, 2019 को 1900-1950 में अरबी अध्ययन के लिए भारत के योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *शेख सनाउल्लाह अमृतसरी और अरबी के लिए उनका योगदान* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अखिल भारतीय अरबी शिक्षकों और विद्वानों के संगठन और अरबी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, 29-30 मार्च 2019 द्वारा आयोजित *अरब इतिहासकारों के लेखन में भारत* पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *"मुशादातुन फाई अल-हिंद"* (भारत जैसा मैंने देखा) के विशेष संदर्भ के साथ *अमीना अल-सईद के लेखन में चित्रित भारतीय समाज की विशेषता पर* शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एम. एन. खान,
भारतीय भाषाओं पर अरबी के प्रभाव पर पी.जी. अरबी विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर 11-12 सितंबर 2018दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *भारतीय भाषाओं पर अरबी के प्रभाव पर* शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मशीउल मुल्क हकीम मोहम्मद अजमल खान और अरबी साहित्य में उनके योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में, अरबी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में 26-27 फरवरी 2019 को 1900-1950 में भारत में अरबी अध्ययन पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल. की संख्या (10)

पीएच.डी.-	1	
एम.फिल.	-	9

संकाय की संख्या (9)

स्थायी	-	7 (2 प्रोफेसर, 2 एसोसिएट प्रोफेसर, 3 सहायक प्रोफेसर)
अतिथि संकाय	-	2

***

बौध-धर्म अध्ययन

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर के. टी .एस. सराओ

स्वतंत्रता दिवस सम्मान (2018) के भाग के रूप में भारत के राष्ट्रपति द्वारा पालि भाषा में उत्कृष्टता के लिए सम्मान का प्रमाण पत्र।

क्वांटम भौतिकी पर राष्ट्रीय सम्मेलन, आधुनिक विज्ञान में मस्तिष्क के कार्य और तिब्बत हाउस, नई दिल्ली द्वारा बौद्ध दर्शन, 1-2 दिसंबर 2018 को आयोजित सत्र।

प्रकाशन

एस बी पावागढ़ी, (2018)। पाली साहित्य में मानसिक स्वास्थ्य पर की गई चर्चा। आर मिश्रा, (सं.), *प्राचीन भारतीय चिकित्सा,* 102-108 में।

आर के राणा, (2018). तथागत के कुछ पहलू (बुद्ध की प्रकृति) आर मिश्रा के सिद्धांत (संपा.), प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति,30-46.

बाकू का अग्नि मंदिर, बाबा नानक वा उदासी परम्परा (हिंदी में), इतिहास, भाग 4,सं. 4, 70-84.

के. टी. एस. सराओ, (2018). दक्षिण पूर्व एशिया में बौद्ध धर्म। एस जसरोटिया में, (संपा.), शुभी पब्लिकेशन,10-19.

के. टी. एस. सराओ, (2019). सतत विकास पर बौद्ध परिप्रेक्ष्य। ए के नायक (संपा.) में *स्थायी सामुदायिक प्रणालियों के लिए संक्रमण रणनीतियाँ: डिज़ाइन और सिस्टम परिप्रेक्ष्य*, स्विट्जरलैंड, एजी: स्प्रिंगर नेचर,39-50.

के. टी. एस. सराओ, (2019). भारत में बौद्ध धर्म के इतिहास के विषय। टीयू टी.एन. (संपा.) में, *दुनिया भर में बौद्ध धर्म,* हनोई: रिलीजन पब्लिशर, 209-240.

जर्नल

संपादक (संपादकों)/ संपादकीय मंडल के सदस्य(सदस्यों) के रूप में सेवारत विभाग के संकायों की संख्या -1

सम्मेलनों में प्रस्तुति

के. टी. एस. सराओ,

शिक्षा विभाग, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में 4 अक्तूबर 2018 को *बौद्ध धर्म और आध्यात्मिकता* पर विशेष व्याख्यान।

बौद्ध अध्ययन विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में 14-20 नवंबर, 2018 को शांति अध्ययन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-प्रायोजित शांति अध्ययन और संघर्ष के समाधान पर अल्पावधि पाठ्यक्रम और में शांति संघर्ष के समाधान पर बौद्ध परिप्रेक्ष्य पर विशेष व्याख्यान।

रामकृष्ण मिशन आश्रम, नई दिल्ली में 11 सितंबर 2018, को स्वामी विवेकानंद, बौद्ध धर्म और अंतरधर्मीय संवाद पर विशेष व्याख्यान।

प्राचीन भारतीय बौद्ध शैक्षिक प्रणाली और संस्थानों पर मुख्य भाषण। दिल्ली विश्वविद्यालय के दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय में 12-13 अक्तूबर 2018 को तेरहवीं शताब्दी सीई तक प्रारंभिक भारत में शैक्षिक उत्कृष्टता और ज्ञान के स्थलों पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

दक्षिण पूर्व एशिया में बौद्ध धर्म पर मुख्य भाषण और फेनोम पेन्ह, कंबोडिया में, 03-08 सितंबर 2018 को दक्षिण पूर्व एशिया में बौद्ध धर्म पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

लुम्बिनी, नेपाल में 28-30 अप्रैल, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन में पारिस्थितिकी और पर्यावरण चेतना पर बौद्ध परिप्रेक्ष्य पर प्रस्तुति।

सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा 22 नवंबर 2018 को आयोजित इंडो-कोरियन संबंधों और बौद्ध धर्म पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में द प्रिंसेस ऑफ अयोध्या और इंडो- कोरियन संबंधों पर मुख्य भाषण।

नई दिल्ली में 16-17 जनवरी 2019 को वसुधैव कुटुंबकम, विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन सेमिनार में 'वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत पर बौद्ध और जैन धर्म पर प्रस्तुति।

श्री गुरु नानक देव की राष्ट्रीय संगोष्ठी में बाकू के महाराज मंदिर और उदासी परम्परा में बाबा नानक के दर्शन पर प्रस्तुति खालसा महाविद्यालय, पटियाला द्वारा 19 जनवरी 2019 को विस्माद का काव्यशास्त्र: भविष्य की एक संभावना।

दिल्ली विश्वविद्यालय के जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के इतिहास विभाग में 01 मार्च 2019 को आयोजित लोकप्रिय संस्कृति पर संगोष्ठी में जातक की परंपरा के रूप में बुद्ध की जीवनी पर मुख्य भाषण।

साहित्य अकादमी और फाउंडेशन ऑफ सार्क राइटर्स एंड लिटरेचर, नई दिल्ली द्वारा 22-24 फरवरी, 2019 को आयोजित साउथ एशियन फेस्टिवल ऑफ बुद्धिज्म एंड सूफीज्म में आज की वैश्वीकृत दुनिया में बौद्ध धर्म की प्रासंगिकता पर मुख्य भाषण।

पाली भाषा और साहित्य पर संस्कृत, कलादि (केरल), श्री शंकराचार्य विश्वविद्यालय, 10-20 जनवरी 2019 द्वारा आयोजित 10-दिवसीय कार्यशाला में आज की की वैश्वीकृत दुनिया में पाली आधारित बौद्ध धर्म की प्रासंगिकता पर मुख्य भाषण।

आयोजित संगोष्ठी/कार्यशाला (1)

एस आर भट्ट, (2018). 12 फरवरी 2018 को पहला मित्तल मेमोरियल व्याख्यान आयोजित किया गया था।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. की संख्या (18)

एम.फिल. - 12

पीएच.डी.- 06

संकाय की संख्या (10)

स्थायी - 10

***

अंग्रेजी

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

अंग्रेजी विभाग ने केएमसी और दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के सहयोग से 7 और 8 अप्रैल, 2019 को शेक्सपियर में राजनीतिक, शक्ति एवं परिदृश्य पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सहित कई सेमिनार और सम्मेलन आयोजित किए। विभाग ने 18-20 सितंबर, 2018 से प्रोफेसर जेनिफर वावरज़िनक, पोट्सडैम विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा "स्वच्छंदतावाद और नई राजनीति" पर तीन दिवसीय संगोष्ठी श्रृंखला आयोजित की। 24 अक्तूबर, 2018 को "1947 विभाजन पुरालेख" शीर्षक से एक प्रदर्शनी आयोजित की गई थी।

सम्मान/गौरव

सी. आर. देवदावसन, (2018). साहित्य के फिक्की राष्ट्रीय पुरस्कार लिए जूरी के सदस्य, अगस्त।

प्रकाशन

ए. अनेजा, (2019). स्वयं के लिए बोलते हुए: विकलांगता विशिष्ट आंदोलनों की आवाज़ की पुष्टि की ओर। नेत्रहीनों के सशक्तिकरण और भविष्य की चुनौतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, ए के एस बुक्स: चेन्नई, 2019, पृष्ठ 145-158.

एस एंटनी, (2018). पागलपन में एक विधि की खोज में: नए युग के डिजिटल शैक्षणिक अभ्यासों और चुनौतियों का एक महत्वपूर्ण अवलोकन। शीना थॉमस (संपा.) में। द भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज द्वारा प्रकाशित *शिक्षा में नए युग के रुझान*, भोपाल, 29-38.

एस. एंटनी, (2019). इकोटोन्स ऑफ़ लोकी ऑफ कल्चरल डाइवर्सिटी: झुम्पा लाहिड़ी की तराई में स्थानिक प्रतिनिधित्व में प्रकृति संस्कृति सातत्य। सांध्य तिवारी (संपा.) में। पोस्ट मॉडर्न इंडियन वुमेन राइटर्स इन इंग्लिश: क्रिटिकल कंसर्न एंड ट्रेंड्स। रिसर्च इंडिया प्रेस: नई दिल्ली, 138-154

आर. भट्टाचार्य, (2018). ब्रिटिश भारत में सार्वजनिक महिला: शहरी मंच पर प्रतीक, नई दिल्ली, लंदन और न्यूयॉर्क: रूटलेज।

आर भट्टाचार्य, (2018). इच्छामति का बेचैन जल। अनूदित और प्रस्तुत नई दिल्ली: रूपा।

एस. चटर्जी और एस गुप्ता, (2019). विरोध, दमन, पुनर्गठन: 2018 में भारतीय उच्च शिक्षा पर विचार। विशेष अंक, छात्र विरोध और राष्ट्रवादी-नेओली नेक्सस, पोस्टकोलोनियल स्टडीज, 22 (1), पृष्ठ 117-130.

एस. चटर्जी, (2018). भारत में अंग्रेजी साहित्यिक अध्ययन: महत्वपूर्ण सोच और साधन अभियानों के बीच। चिन ई लो, सुज़ैन चू और कैथरीन बेविस (संपा.) में एशिया-प्रशांत में साहित्य शिक्षा: ग्लोबल टाइम्स में नीतियां, अभ्यास और परिप्रेक्ष्य (लंदन और न्यूयॉर्क: रूटलेज), पृष्ठ 73-85.

एस. चटर्जी, (2019). भारत में छात्र विरोध, मीडिया और विश्वविद्यालय।विशेष अंक, छात्र विरोध और राष्ट्रवादी-नेओली नेक्सस, पोस्टकोलोनियल स्टडीज, 22 (1), पृष्ठ 79-94.

सी. आर. देवदावसन, (2018). फ़ारवर्ड, विजुएलिटी एंड आइडेंटिटी इन वरुगीज़ ई.डी. पोस्ट-मिलेनियल इंडियन ग्राफिक नैरेटिव्स लंदन, पालग्रेव, xi- xii.

पी कुमार, (2019). दक्षिण एशिया में नागरिकता और विभाजन के अवशेष: भारत की पूर्वी सीमाओं पर अनधिकृत प्रवासी। महत्वपूर्ण गुणात्मक अनुसंधान में प्रस्थान 8.1, (स्प्रिंग 2019): 50-65.

आर कुमार, (2019). दलित साहित्य और आलोचना। ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली।

आर कुमार, (2019). दलित आंदोलनों के सामाजिक आयाम: ओडिशा में दलित संघर्ष का एक अध्ययन। एस एस बेचैन, (संपा.) में। समाज साहित्य के प्रश्न और दलित चेतना (समाज, साहित्य और दलित सह चेतना)। अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2019, पृष्ठ 90-102.

पी नेगी, (2018). किन्नौर: वैश्विक संघर्ष का एक स्थल। दाथ यात्रा: अंग्रेजी में अंत:विषय अध्ययन का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 3 (2).

एस पांजा, (2018). पुनर्जागरण का नया इतिहासवाद: अस्वीकृत ऋण और असामान्य अंधेरे बिंदु। द जेएमसी रिब्यू, 2, पृष्ठ.1-38.

एस पांजा, (2019). शब्द और छवि का अंतरसंबंध। ए पांडे, (संपा) में। बुक थर्ड आई: फोटोग्राफी और दिल्ली को देखने के तरीके: स्पीकिंग टाइगर।

आई राजा, (2018). नए साहित्य: भारतीय उपमहाद्वीप और श्रीलंका। अंग्रेजी अध्ययन में वर्षों का कार्य 97, पृष्ठ 1344-1353.

ए शर्मा, और जी सभरवाल, (2018). गुस्सा एक छोटा पागलपन है। संजीव जैन और आलोक सरीन (संपा.) में भारत में विभाजन का मनोवैज्ञानिक प्रभाव, सेज: नई दिल्ली।

जर्नल

पाँच संकाय छह पत्रिकाओं में संपादक/सह-संपादक/प्रबंध संपादक हैं
सात पत्रिकाओं में पांच संकाय संपादकीय बोर्ड/समीक्षक बोर्ड/सलाहकार बोर्ड के सदस्य हैं।

आयोजित संगोष्ठी

आयोजित संगोष्ठियों की कुल संख्या - 15

वी एडमिक, पोट्सडैम विश्वविद्यालय, जर्मनी छिपे हुए राक्षस - उन्नीसवीं सदी के अंत में ब्रिटेन में लोकप्रिय गॉथिक उपन्यास, 4 अक्तूबर, 2018.

पी बोरगोहिन, एक अकादमिक और द्विभाषी लेखक, "लेक्चर फॉर कम्युनिटी, ट्रैवल, ट्रांसफॉर्मेशन एंड नरेशन इन येशी दोरजी थोंगचीचीज ऑटोबायोग्राफी हनिहिरु सकुलोर हैहोब (ए चाइल्डहुड ऑफ लॉफ्टर एंड टीयर्स; 2016)", 5 नवंबर, 2018

के कॉक्स, शेफ़ील्ड हैलम विश्वविद्यालय (यूके) में अंग्रेजी के प्रधान व्याख्याता और अंग्रेजी विभाग के प्रमुख 'क्रूड स्टीचेज' फ्रैंकस्टीन से बग़दाद में फ्रैंकस्टीन के अनुकूलन के अध्ययन में स्थान और प्रैक्सी के रूप में दर्दनाक त्वचा", 29 जनवरी, 2019।

के कॉक्स, शेफ़ील्ड हैलम विश्वविद्यालय (यूके) में अंग्रेजी के प्रधान व्याख्याता और अंग्रेजी विभाग के प्रमुख 'ट्रॉमा, पोर्टल्स एंड द आइडिया ऑफ पोस्ट-होम; नया अजीब शरणार्थी अनुभव', 5 फरवरी, 2019

एस लेम्के, अल्बर्ट-लुडविग्स-यूनिवर्सिटी फ्रीबर्ग के अंग्रेजी विभाग में सांस्कृतिक अध्ययन के प्रोफेसर, "ह्वेनहॉलीवुड सेन्सेशनालजाइजेस अंडरडॉ.ग्स प्रीकेरिटी और स्लमडॉ.ग मिलियनेयर एंड द हंगर गेम्स", 19 फरवरी, 2019.

डी. मजुमदार, अपनी मातृ संस्था - जादवपुर यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी साहित्य के सहायक प्रोफेसर, "पेट्रार्क एंड द कंस्ट्रक्शन ऑफ सेल्फहुड", 8 अक्तूबर, 2018.

के एस मुरलीधरन, असिस्टेंट प्रोफेसर इन इंग्लिश एंड लैंग्वेजेस, अमृता यूनिवर्सिटी, कोच्चि कैंपस में अंग्रेजी और भाषाओं के सहायक प्रोफेसर, "लेक्चर ऑन ट्रैवल राइटिंग: सम कंटेम्परेरी रीडिंग", 16 नवंबर, 2018.

एच मूर, (2019) स्कॉटलैंड में आधारित एक पुरस्कार विजेता पर्यावरण कवि और सामाजिक रूप से व्यस्त कलाकार, "एकोजोआ:रिविदनिंग ऑफ एंथ्रोपोसीन", 4 फरवरी, 2019.

एस मजुमदार, (2019) अशोक विश्वविद्यालय में अंग्रेजी और रचनात्मक लेखन के प्रोफेसर, 12 फरवरी 2019 को एक इंटरएक्टिव सत्र।

जे जी सिंह, (2019), मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, संयुक्त राज्य अमेरिका, अंग्रेजी के प्रोफेसर, "शेक्सपियर और पोस्टकोलोनियल थ्योरी" 19 फरवरी, 2019।

एच त्रिवेदी, (2018) अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में पूर्व प्रोफेसर, "नोबेल सैवेज एंड द वाउंड्ड नेशन: नायपॉल एंड इंडिया", 5 सितंबर, 2018.

आयोजित सम्मेलन

भारत की शेक्सपियर सोसाइटी द्वारा 7 और 8 मार्च, 2019 को केएमसी और अंग्रेजी विभाग के सहयोग से शेक्सपियर में राजनीति, सत्ता और दृष्टि पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

13-15 मार्च, 2019 को यूजीसी-एसएपी डीएसए-III कार्यक्रम के तत्वावधान में दलित अध्ययन केंद्र (सीडीएस) द्वारा "दलित साहित्य: ग्रंथ और संदर्भ" पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

8-10 अक्तूबर, 2018 को "माकियावेली में उसका समय, और हमारा" पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्रोफेसर वावरज़िन्क, जे., पोट्सडैम विश्वविद्यालय, जर्मनी, "रोमांटिकतावाद और नई राजनीति" पर 3-दिवसीय संगोष्ठी श्रृंखला।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

ए. अनेजा,

सोसाइटी फॉर डिसएबिलिटी एंड रिहेबिलिटेशन स्टडीज के सहयोग से 12 दिसंबर, 2018 को जेएनयू के विकलांगता अध्ययन प्रोग्राम द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी में विकलांग और विकलांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने और समानता सुनिश्चित करने पर प्रस्तुति।

पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय विकलांगों के सशक्तिकरण के राष्ट्रीय संस्थान के सहयोग से आयोजित विकलांगों के कार्यक्रम, डीईपीडब्ल्यूडी के, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, चेन्नई द्वारा 7-8 फरवरी, 2019 को भारत-नीति में विकलांगता अधिकार और स्थिति पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति।

28 मार्च, 2019 को भारत के जेडसीसी -नोरेरेट-III क्षेत्र के पुनर्वास परिषद् के सहयोग से जामिया मिलिया इस्लामिया की इकाई को सक्षम करने के लिए विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों, रियायतों और हकों पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुति।

समान अवसर सेल, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 6 मार्च, 2019 को विकलांगता अध्ययन के आयामोः मूल्यांकन और संभावनाएँ पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुति।

गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 29-30 मार्च, 2019 से आयोजित तृतीयक शिक्षा में उभरते रुझानः चुनौतियों और संभावनाओं का आकलन पर दो दिवसीय बहु-विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति।

26 अगस्त -2 सितंबर, 2018 से बर्लिन के हम्बोल्ट विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विकलांगता पर संवाद पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुति।

अमर ज्योति चेरिटेबल ट्रस्ट, नई दिल्ली, भारत द्वारा एशियन सेंटर फॉर इन्क्लूसिव एजुकेशन, ढाका, बांग्लादेश के सहयोग से 28-30 नवंबर, 2018 से आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति।

स्लावोनिक और फिनो-युगेरियन स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 27 फरवरी से 28 फरवरी, 2019 तक भारत में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संस्कृति, भाषा और पहचान गठन: एक वैश्वीकृत दुनिया में प्रवासी (पूर्व और मध्य यूरोप और रूस के विशेष संदर्भ के साथ) पर प्रस्तुति।

एस एंटनी,

अंग्रेजी विभाग, श्रीशंकराचार्य विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केंद्र, त्रिवेंद्रम में 4-6 अप्रैल, 2018 को साहित्य में पूंजीवादी राजनीति और विश्व साहित्य में पारिस्थितिकी पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में रोज़शान एंडर्यूस की फिल्म, *तुम कितने वर्ष के हो*? में इकोप्रोनेसिस की सीमा की खोज पर प्रस्तुति।

8 फरवरी 2019 को मार अथानासियस कॉलेज (स्वायत्त) कोथमंगलम, केरल द्वारा सिनेमाई कल्पनाः लिंग और कामुकता पर चर्चा पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक असामान्य चाहः समकालीन/मलयालम सिनेमा में नायक की एक खोज पर प्रस्तुति।

14 फरवरी 2019 को सेंट स्टीफन महाविद्यालय के द इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी के वार्षिक उत्सव में लोगो में पाठ के ऑप्टिकल गूँज: समकालीन साहित्य के प्रतीकों में स्मृति का पता लगाने पर प्रस्तुति।

उमा विश्वविद्यालय, स्वीडन में भारत के नॉर्डिक केंद्र, दिल्ली, भारत में, 10 सितंबर, 2018 को साहित्य में आंदोलन स्थान और स्वास्थ्य पर संगोष्ठी में ओइको बनाए रखने के लिए ओइकोस को गाओ:भारत में दक्षिण केरल के लैटिन कैथोलिक समुदायों के विकसित साहित्य और प्रदर्शनकारी संस्कृतियों में इको-एथिक्स पर प्रस्तुति।

आर भट्टाचार्य,

तुलनात्मक साहित्य विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में 20 जनवरी, 2019 को शहरी कथाओं को रचने में कृत्रिम क्षेत्र पर आमंत्रित वार्ता।

अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में 19 फरवरी 2019 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'साहित्यिक सामान्य: तुलनात्मक फ्रेम्स' पर मुख्य वक्तव्य।

रॉयल मिलिट्री महाविद्यालय, कनाडा में 12-14 जून 2018 को अंग्रेजी-भाषी विश्व (18वीं से 21वीं शताब्दी तक) में 'समारोह, पुनर्निर्माण, प्रतिनिधित्व और युद्ध कथाएँ' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्मृति और युद्ध की यादों में वियतनामी अमेरिकी महिलाओं द्वारा संस्मरणों में आघात पर प्रस्तुति।

वाई. के. दुबे, ने सरकारी इंजीनियरिंग महाविद्यालय, भरतपुर, राजस्थान में 13 अगस्त, 2018 को प्रेरण कार्यक्रम में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर वार्ता प्रस्तुत की।

पी. कुमार,

अंग्रेजी विभाग, अशोक विश्वविद्यालय में सितंबर 2018 में एक प्रवासी के रूप में मुहाजिरों पर आमंत्रित वार्ता। दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित एक संकाय विकास कार्यक्रम में भारतीय साहित्य का इतिहास और दलित विमर्श पर आमंत्रित वार्ता। 2018।

कुमार मंगलम विश्वविद्यालय, गोहाना रोड, हरियाणा के अंग्रेजी विभाग में 04. 04. 2018 को दलित साहित्य से परिचय पर विशेष चर्चा।

केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा 16.11.2018 को आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में समापन सत्र में सीमांत की समझ पर मुख्य भाषण।

26 फरवरी 2019 को अंग्रेजी विभाग, दयाल सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में शरणकुमार लिम्बाले की अकर्माशी: भारत में एक बहिष्कृत जाति पर विशेष व्याख्यान।

8 मार्च 2019 को संबलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा के अंग्रेजी विभाग में दलित साहित्य और आलोचना पर विशेष बातचीत।

27 फरवरी 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के राजधानी महाविद्यालय द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में पाठ से प्रदर्शनः कक्षा और परे में नाटक पर विशेष बातचीत।

17 जनवरी 2019 को अंग्रेजी विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय लोकप्रिय कथा साहित्य पर विशेष बातचीत:कैनन को फिर से परिभाषित करना।

अंग्रेजी विभाग, जाकिर हुसैन महाविद्यालय (सांय), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 16 मार्च को आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में सीमांत क्षेत्रों को फिर से परिभाषित करने पर विशेष बातचीत।

इतिहास विभाग दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली की ओर से 13 फरवरी 2019 को आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में दलित इतिहास लेखन की समझ पर विशेष चर्चा।

13 मार्च, 2019 को अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में दलित साहित्य का अनुवाद करने पर विशेष बातचीत।

22 मार्च, 2019 को जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशन, स्कूल ऑफ सोशल साइंस, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में दलित साहित्य के लिए शैक्षणिक दृष्टिकोण पर विशेष बातचीत।

पी नेगी, किर्तदास, केरल अनुसंधान प्रशिक्षण एवं विकास संस्थान, चेवयुर, कोझीकोड, केरल, भारत, 10 -12 अक्तूबर, 2018 को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अध्ययन द्वारा 'भारत में जनजातीय महिलाओं की समकालीन सामाजिक संस्कृति-चुनौतियां और संभावनाएं' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में तीन दिवसीय सम्मेलन में 'आदिवासी महिलाएं और पारंपरिक जीवन: हिमाचल प्रदेश में किन्नौर की संस्कृति में महिलाओं की भूमिका का एक अध्ययन' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एस पांजा,

पश्चिम बंगाल के विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर में 5-11 मार्च, 2019 को अतिथि फेलो के रूप में प्रारंभिक आधुनिक साहित्य पर पांच व्याख्यान दिए।

28 फरवरी, 2019 को कोलकाता के लोरेटो महाविद्यालय में पहला रत्ना चटर्जी मेमोरियल व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

और रूसी विज्ञान अकादमी के रूसी संग्रहालय में पीटर द ग्रेट म्यूजियम ऑफ एंथ्रोपोलॉजी एंड एंथोग्राफी (कुन्स्टकमेरा) सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में 25-27 अक्तूबर को गेरसिम लेबेडेफ (1749-1817) और भारतीय राष्ट्रीय पुनर्जागरण की सुबह पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लेबेडेफ और कैंडल: भारतीय मंच पर दो विपरीत नाटक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पीजीडीएवी महाविद्यालय में 12-13 मार्च, 2019 को 21वीं सदी की भारतीय महिलाः प्रतिनिधित्व और अभिव्यक्तियाँ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रैक्सिस में भारतीय नारीवाद: आज की स्थिति पर मुख्य भाषण दिया। ।

आई राजा,

पीजीडीएवी महाविद्यालय, दिल्ली यूनिवर्सिटी में 12 मार्च, 2019 को 21वीं सदी में भारतीय स्त्री: प्रतिनिधित्व और अभिव्यक्ति, पर दो दिवसीय सम्मेलन में अपरिचित जमीन परः समकालीन कथाओं में लिंग, परिवार और देखभाल पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पर सिचुआन विश्वविद्यालय, चेंगदू, चीन में 18 नवंबर, 2018 को पूर्वी यूरोप में मार्क्सवादी क्रिटिकल थ्योरी पर एक सम्मेलन में इन द शैडो ऑफ कॉस्मोपॉलिटिज्म: एग्नेस हेलर एंड आइडिया ऑफ होम पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

हम्बोल्ट यूनिवर्सिटी, बर्लिन में 31 जनवरी 2019 को द इमेजिनेटेड सेल्फ: माइग्रेशन, केयर एंड द अटैचमेंट टू इनवॉइस ऑन केयर, माइग्रेशन, जेंडर: एंबीलेबल इंटरडिपेंडेंसी, आमंत्रित शोध पत्र प्रस्तुत किया।

ए शर्मा,

मैरी शेली के फ्रेंकस्टीन की 200वीं वर्षगांठ पर, भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में 8 अगस्त, 2018 को मैरी शेली के फ्रेंकस्टीन: 1818 के पाठ में रोमांटिक प्रवचन का पुनर्गठन, पर आमंत्रित वक्ता।

अंग्रेजी की वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला में मैत्रेयी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 21 फरवरी, 2019 को रोमांटिक कविताओं और एशिया के विचार पर मुख्य भाषण।

नेटवर्क्स ऑफ़ एम्पायर एंड द स्टोरी ऑफ़ ओपियम: ब्रिटिश स्वच्छंदतावाद, ओरिएंटलिज़्म और घोष की इबिस ट्रिलॉजी पर 19 अप्रैल, 2018 को ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ़ साउथ एशियन स्टडीज़, द यूनिवर्सिटी ऑफ़ एक्सटर, यूनाइटेड किंगडम के वार्षिक सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत किया।

एसोसिएशन फॉर एशियन स्टडीज, *एएएस-इन-एशिया*, नई दिल्ली में 6 जुलाई, 2018 को एशिया इन मोशनः भौगोलिकता और वंशावली पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की और *ट्रैवलिंग ग्रंथः इंडोनेशिया में इतिहास और ऐतिहासिक रूपांतरों का प्रसार: लक्ष्मी पामुंजक की अम्बा: लाल का प्रश्न* पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

आमंत्रित अध्यक्ष और चर्चा। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्लावोनिक और फिन उग्रेन अध्ययन विभाग में 28 फरवरी, 2019 को *संस्कृति, भाषा और पहचान पूर्व और मध्य यूरोप और रूस के विशेष संदर्भ के साथ एक वैश्वीकरण की दुनिया में प्रवासी के गठन* पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित अध्यक्ष रहे और चर्चा में भाग लिया।

वी. के. सिंह ने भारत की शेक्सपियर सोसाइटी द्वारा 7 मार्च और 8 मार्च, 2019 को केएमसी और अंग्रेजी विभाग डीयू के सहयोग से आयोजित शेक्सपियर में राजनीति, शक्ति एवं चश्मे पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *शेक्सपियर की राजनीतिक बुद्धिमत्ताः एक भारतीय परिप्रेक्ष्य से एक अध्ययन* पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

पॉट्सडैम विश्वविद्यालय के साथ उच्च शिक्षा में इंडो-जर्मन साझेदारी (आईजीपी) के अंतर्गत एम.फिल. अध्येता, अनुग्या और पीएच.डी. अध्येता हिमानी कपूर, "महानगरीय कल्पना लेखन: विश्व के साहित्यिक अंतरिक्ष में शैली का विनिमय" परियोजना के छात्र विनिमय के हिस्से के रूप में 2018 में जर्मनी गईं।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या (43)

पीएच.डी. - 07
एम.फिल. - 36

संकाय की संख्या (21)

स्वीकृत पद

प्रोफेसर - 7
एसोसिएट प्रोफेसर- 19
सहायक प्रोफेसर - 10

भरे हुए पद

प्रोफेसर - 05
एसोसिएट प्रोफेसर- 09
सहायक प्रोफेसर - 07

रिक्त पद

प्रोफेसर - 02
एसोसिएट प्रोफेसर- 10
सहायक प्रोफेसर - 03

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अनेजा, ए.

वंचितों के एक प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवी संगठन, एडवोकेसी ऑफ ऑल इंडिया कन्फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड के उपाध्यक्ष और अध्यक्ष।

दिल्ली सरकार की आयुक्त (विकलांग) की सलाहकार समिति के सदस्य।

पीडब्ल्यूडी छात्रों की गतिशीलता पर समिति, समाज कल्याण विभाग, दिल्ली एनसीटी सरकार
सदस्य, विकलांग व्यक्तियों के लिए पदों की पहचान के लिए समिति, नेहरू युवा केंद्र संगठन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।

एस एंटनी, (2018) डबलिन, आयरलैंड में स्थित ग्लोबल अंडरग्रेजुएट अवार्ड्स 2018 की साहित्य श्रेणी के लिए जज पैनल के सदस्य।

एस चटर्जी, (2015-2020)। हिंसा में अध्ययन केंद्र, मेमोरी और ट्रामा (सीएसवीएमटी), अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-विभाग विशेष सहायता- III कार्यक्रम, 2015-2020 के संयोजक।

वाई. के. दुबे, (2018)। आयरलैंड के डबलिन में स्थित ग्लोबल अंडरग्रेजुएट अवार्ड्स 2018 की साहित्य श्रेणी के लिए जज पैनल के सदस्य।।

आर कुमार, बोर्ड ऑफ स्टडीज, केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, हरियाणा के सदस्य।

एस पांजा, (2019) अतिथि फेलो, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल 5 मार्च से 11 मार्च 2019 तक।

***

जर्मन भाषा और रोमंस अध्ययन

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

जर्मनिक और रोमंस अध्ययन विभाग ने जर्मनिक और रोमंस अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 7- 9 मार्च 2019 को *स्मृति और विस्मृतिः इतिहास और स्मृति पर परिप्रेक्ष्य* पर वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर के. अग्रवाल

पॉल वेलेरी-मोंटपेलियर 3 विश्वविद्यालय में अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित (11 मार्च- 1 अप्रैल 2018)।
ब्राउन यूनिवर्सिटी, संयुक्त राज्य अमेरिका में सहायक प्रोफेसरशिप से एसोसिएट प्रोफेसरशिप में पदोन्नति के उद्देश्य के लिए बाहरी परीक्षक रहे ।

वेस्ट ब्रिटनी विश्वविद्यालय, ब्रेस्ट, फ्रांस में अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित (22 मार्च -24 मार्च)।

फ्रेंच, यूजीसी-मानव विकास केंद्र, पांडिचेरी विश्वविद्यालय के लिए एमओओसी कार्यक्रम की परामर्शदात्री समिति के सदस्य।

प्रोफेसर एम. साव्हने

ड्यूक्स डी सोरिया फाउंडेशन और स्पेन के राजा फिलिप द्वारा 26-27 सितंबर 2018 को अंतर्राष्ट्रीय हिस्पेनिज्म पर चर्चा के लिए आमंत्रित किए गए विश्व के 35 हिस्पैनिक लोगों में से एक रहे।

प्रकाशन

के अग्रवाल, (2018)। रेने मारन: यूनि कॉनसाइंस इंट्रानक्विले इंटरकल्चरल फ्रैंकोफोनीस, अंक 33.

एफ ईरानी, (2018)। रंगोली एंथोलॉजी टोम 2 बुक।

एफ ईरानी, (2018)। गुजराती से फ्रेंच में एक छोटी कहानी, चंद्रकांत बख्शी की "अनार" का "ला रेबेलेः के रूप में अनुवादः किरण चौधरी और एन कमला में: *रंगोली टोम 1: विभिन्न भारतीय भाषाओं से फ्रेंच में अनुवादित लघु कथाओं का संकलन*, गोयल पब्लिशर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड।

गुजराती से फ्रेंच में एक छोटी कहानी कुंदनिका कपाड़िया की "न्याय" का "जस्टिस" के रूप में अनुवाद। किरण चौधरी और एन. कमला में *रंगोली टोम 2 विभिन्न भारतीय भाषाओं से फ्रेंच में अनुवादित छोटी कहानियों का एक संकलन/* गोयल पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड

आर कुमार (2018). डाला पार्ते डेल'इनक्विरनेते: माइक्रोसेतोरिया इ इंपेग्नो सिविल। *इन लियोनार्दो सियासिया*, गोयल पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।

आर कुमार, (2018). युद्ध, सीमाएँ और शत्रु: मानव समाज की लगातार घटनाएँ:

"विस्डम हेराल्ड", अंतर्राष्ट्रीय बहु-विषयक सहकर्मी समीक्षा की तिमाही शोध पत्रिका, खंड -IX-अंक.-3, पृष्ठ 405-412.

टी. राय, एम तवोसानि, (2018). Il फोकालिजातोर “अंचे” नेइ तेस्ती स्क्रिटी दी स्तुदेंती कॉन लिंगु
इंदोरी कम एल1, इन ली लिंगु एक्स्त्रायूरोपी इ इतालिनोः एस्पेती दिदातिको-एक्वीजिनली इ सोशियोलिंगुस्तिकी, अति जेल ली कांग्रेसो इंतरलेजनल दी स्तदी देला सोसाइटी दी लिंगुस्तिका इतालियाना। पृष्ठ 323-238.

टी. राय, एम. तवोसानि, (2019). इरोरि, सिक्वेंज इ इंतरफेरेंज नेल'इपरेदिमेंतो दी इतालिनो, पालेर्मो [इटली] में एएटीआई सम्मेलन की कार्यवाही में भारत, 28जून- 1जुलाई, 2017. खंड शिक्षाशास्त्र। एएटीआई ऑनलाइन वर्किंग पेपर

एम. साव्हने, (2018). चाउक्राउन में आधुनिक भारत में लैटिन अमेरिकी यात्री, लीला और अन्य भारतीय आधुनिकता, विचार और व्यवहार की खोज, (सिंगापुर: स्प्रिंगर), पृष्ठ 267-284.

विभाग के सेवारत शिक्षकों की संख्या:

संपादकीय बोर्ड के सदस्य - तीन पत्रिकाओं में तीन शिक्षक

आयोजित संगोष्ठी

'याद रखना और भूलना: इतिहास और स्मृति पर दृष्टिकोण' विषय पर 7 - 9 मार्च 2019 को वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

एफ.इरानी., हॉट स्किल्स: अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सह शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम: गोयल पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, इंस्टीट्यूट फ्रैंकिस एन इंडे (भारत में फ्रांस के दूतावास के लिए विभाजन) के साथ संयुक्त रूप से आयोजित। 30 नवंबर-1 दिसंबर 2018.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

के अग्रवाल,

पॉल वालेरी-मॉन्टपेलियर विश्वविद्यालय 3 में 19-20 मार्च, 2018 को अफ्रीकी प्रेस और साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय बातचीत में, अफ्रीकी पुनर्जागरण या अफ्रीकी साहित्यिक तथ्य के पुनर्नियोजन के विचलित रास्ते: फ्रांसिस औपियासिस से पॉल हज़ौमे पर शोध पत्र प्रस्तुत किया (फिक्शन, प्रेस और राजनीति: लिंग संबंधी मुद्दे पर सत्र की अध्यक्षता की।

सेमिनार के संदर्भ में फ्रांस एट एफ्रीकः मार्सेल ग्रियाउल और हम्प्टे बीएई के बीच टकराव की चुनौतियांपर व्याख्यान। मैन एंड मेन के बीच का अर्थ - ' कैमस एंड अल्जीरिया: द इंटेलेक्चुअल जियोग्राफी ऑफ अल्बर्ट कैमस' जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के सहयोग से दिल्ली के एलायंस फ्रैंकेइस द्वारा 3 मई 2019 को आयोजित सम्मेलन में एक नई राजनीतिक कल्पना' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

पूर्व स्नातक छात्रों को 29 मार्च, 2018 को आइडेंटिटी एट ब्लैकचर्स डैंस ब्लैक बाज़ार दि'अलायन मबांकू »पर व्याख्यान दिया।

एफ. ईरानी, अपने शिक्षण/शिक्षा का प्रबंधन करें: शैक्षिक फ़ाइल पर टिप्पणी के लिए संसाधन व्यक्ति। (कक्षा शिक्षण और शिक्षण प्रबंधन: पाठ योजना),2018

आर. कुमार,

हिमाचल प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (एचआईपीए), शिमला द्वारा 15 मार्च 2019 को आयोजित "सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी)" पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत में जल संसाधनों की स्थिरता और सतत विकास के लक्ष्यः2030 के एजेंडा में अवसर और चुनौतियां" महत्वपूर्ण विश्लेषण पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

"एशिया और अफ्रीका में 21वीं सदी के मानव अधिकारः लोगों की आकांक्षाएं और चुनौतियां" विषय पर 18 जनवरी 2019 को दिल्ली के वयस्क, सतत शिक्षा और विस्तार विभाग के सहयोग से द सेंटर फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड पीस रिसर्च द्वारा आयोजित एक दिन की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मानव अधिकार - किसका? एक वास्तविक मानवीय कारण या राजनैतिक सुविधा का एक एजेंडा पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

जर्मनिक और रोमंस अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 7-9 मार्च 2019 को आयोजित याद रखना और भूलनाः इतिहास और स्मृति पर परिप्रेक्ष्य पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *लियोनार्डो साइस्किया द्वारा स्मृति के रंगमंच के माध्यम से एक नई पहचान के पुनर्निर्माण* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

ई पांडा, ने जर्मन और रोमंस अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की 7-9 मार्च 2019 को आयोजित "याद रखना और भूल जाना: इतिहास और स्मृति पर परिप्रेक्ष्य" पर वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्मृति पर शाओलस्टिक मुकासॉन्गा के सीई क्यू बड़बड़ाने के घाव को आकार देने के लिए एक उपकरण के रूप में प्रस्तुत किया।

टी राय,

जर्मन और रोमंस अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2018 द्वारा आयोजित "काल्पनिक होमलैंड्स" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

भारत में इतालवी: किस तरह का द्विभाषीवाद? बहुभाषी संदर्भों में इतालवी भाषाविज्ञान और भाषा शिक्षा "इतालवी के तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: संपर्क, अधिग्रहण, शिक्षण 2018।" पर पर्चा पढ़ा

एम. साव्हने

9 अक्तूबर 2018 को मैक्सिको-नॉटेड स्टेट्स बॉर्डर की कथा पर व्याख्यान।

बोगाटा, कोलंबिया में 12-15 जून 2018 को आईआईएलआई (लैटिन अमेरिकी साहित्य का अंतर्राष्ट्रीय संस्थान) की कांग्रेस में (ऑक्टेवियो पाज़, सेवरो सरयू और समकालीनों रोड्रिगो रे रोजा, मार्गो ग्लैंट्ज़, जुआन अल्फ्रेडो पिंटो सावेद्रा, रॉबर्टो बोलेनो) भारत के साथ लैटिन अमेरिकी बातचीत शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कॉम्प्लिटेंस यूनिवर्सिटी, मैड्रिड में 2 अक्तूबर 2018 को शिक्षा पर वार्ता में व्याख्यान दिया।

3 अक्तूबर, 2018 को यूनिवर्सिटी ऑफ वलाडोलिड में कक्षा में स्पैनिश और भारतीय संगीत वीडियो पर वार्ता प्रस्तुत की।

कासा इंडिया, वल्लडोलिड, स्पेन, 2018 में गांधी और शिक्षा पर व्याख्यान।

भारतीय दर्शनशास्त्र और लैटिन अमेरिकी दर्शनशास्त्र के बीच पुलों के निर्माण पर 22 मार्च, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में एक सत्र की अध्यक्षता की।

1-2 मार्च 2019 को यूनिवर्सिटी ऑफ मैसूर के स्कूल ऑफ फॉरेन लैंग्वेजेज में जेनी रिवेरा और उनके कॉरिडोस पर व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर (9)

मोंटपेलियर-III विश्वविद्यालय (फ्रेंच)

फ्रेंच भाषी विश्वविद्यालय एजेंसी (एयूएफ) - (फ्रेंच)

वुपर्टल विश्वविद्यालय (जर्मनी)

फ्रे विश्वविद्यालय, बर्लिन, जर्मनी (जर्मन)

पॉट्सडैम विश्वविद्यालय, जर्मनी (जर्मन)

वियना विश्वविद्यालय, जर्मनी (जर्मन)

सैंटियागो डी कम्पोस्टेला विश्वविद्यालय, स्पेन (स्पेनिश)

नवार्रा विश्वविद्यालय, पैम्प्लोना, स्पेन (स्पेनिश)

ट्यूरिन विश्वविद्यालय, इटली (इतालवी)

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

28 फरवरी से 1 मार्च 2019 को फ्रैंकोफोन दिवस कार्यक्रम पर कॉनफ्लुयेन्स 2019 आयोजित किया गया। सम्मानित अतिथियों श्री डोमिनिक मार्कोटे, क्यूबेक वाणिज्य दूतावास के निदेशक, फ्रांसीसी दूतावास की सुश्री मैरीलाइन लादिन, रवांडा दूतावास से श्री एमिले एम वेपसी और श्री मुकोयो रूतिषा ने इस अवसर पर बधाई दी। विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के लगभग 300 छात्रों ने कविता, गीत, रंगमंच, व्यंजन, क्विज, निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

30 मार्च 2019 को स्पेनिश दिवस कार्यक्रम का आयोजन।

1 फरवरी 2019 को पुर्तगाली ओलंपियाड का आयोजन किया गया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या (11)

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या (3)

स्पेनिश	-	01
इतालवी	-	01
जर्मन	-	01

प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या (8)

स्पेनिश	-	01
इतालवी	-	02
जर्मन	-	02
फ्रेंच	-	03

संकाय की संख्या (34)

स्थायी	-	12
तदर्थ	-	13

अतिथि - 09

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोफेसर अनिल भट्टी, प्रोफेसर एमेरिटस द्वारा 22 फरवरी 2019 को "तुलनात्मक साहित्य में समानता की अवधारणा" पर व्याख्यान।

मालिनी गुप्ता द्वारा मार्च 2019 के "व्याख्या के शिल्प" पर व्याख्यान।

फरवरी 2019 को साहित्य में पुर्तगाली नोबेल पुरस्कार के जीवन और काम पर वार्ता।

अनुवाद सिद्धांत और अनुवाद की राजनीति के नए दृष्टिकोण पर प्रोफेसर अल्मोथ डेजनर द्वारा 01.03.19 को वार्ता।

डिपार्टमेंट ऑफ जर्मनिक एंड रोमंस स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय और हैचेट इंडिया ने हचेट इंडिया, 2019 द्वारा प्रकाशित द गॉलैंक बुक ऑफ साउथ एशियन साइंस फिक्शन का शुभारंभ किया और 2 अप्रैल 2019 को इसे डॉ. तरुण के. संत द्वारा संपादित किया गया। लेखकों द्वारा एक पाठन कार्यक्रम आयोजित किया गया - मंजुला पद्मनाभन, केकी दारुवाला, रुक्मिणी भय नायर, सामी अहमद खान, सूरज (क्लार्क) प्रसाद, माया जोशी, मोहम्मद सलमान और सुमिता शर्मा और दर्शकों के साथ चर्चा की।

एमएस मेरियन - आर टैगोर इंटरनेशनल सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (आईसीएएस: एमपी) के सहयोग से जर्मनिक और रोमंस स्टडीज विभाग ने 5 मार्च, 2019 को प्रोफेसर हार्टमुट रोज़ा निदेशक, मैक्स वेबर सेंटर फॉर एडवांस्ड कल्चरल एंड सोशल स्टडीज़, एरफ़र्ट, जर्मनी द्वारा "सामाजिक त्वरण, अलगाव और प्रतिध्वनिः आधुनिकता के सिद्धांत" पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। (https://www.versobooks.com/blogs/2158-social-acceleration-and-the-need-for-speed)।

लिस्बन विश्वविद्यालय में भारतीय अध्ययन केंद्र के निदेशक श्री शिव कुमार सिंह ने मंगलवार, 12 मार्च 2019 को "पुर्तगाली और हिंदी के माध्यम से भारत-यूरोपीय संबंध" पर वार्ता प्रस्तुत की।
कविता, गीत, रंगमंच, प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं में लगभग 180 छात्रों ने भाग लिया।

***

हिन्दी

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग देश के अग्रणी विभागों में से एक है। यह अकादमिक उत्कृष्टता के उच्च मानक निर्मित करता है, उन्हें 'बनाये रखता और बढ़ावा देता है'। विभाग ने एक बहुत ही गतिशील पाठ्यक्रम विकसित किया है जो बदलते समय और ज्ञान और आवश्यकताओं में तेजी से बढ़ रही आवश्यकताओं को प्रतिबिंबित और उन्नत कर सकता है। विभाग द्वारा अनुसंधान के उच्च मानकों को यूजीसी मानदंडों के अनुसार बनाए रखा जाता है।

विभाग ने डीआरएस-एसएपी के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर की दो संगोष्ठियां आयोजित की हैं, यू जी सी द्वारा वित्तपोषित एक प्रमुख शोध कार्यक्रम चला रहा है। विभाग ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसी), नई दिल्ली के सहयोग से; 12-13 अप्रैल, 2018 को 'हिंदी साहित्य के इतिहस का पुनरालेखन और 'आदिवासी साहित्य, संस्कृति और कला:. चुनौतियां एवं संभावनाएं' पर एक राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया।

प्रकाशन

ए मिश्रा, (2019). अस्थि फूल, राजकमल प्रकाशन, पृष्ठ 286.

मोहन (2019). हिंदी सीखने वाले कोरियाई विद्यार्थियों का अधिगम, व्यवहार और अपेक्षाएं, कला संकाय शोध पत्रिका, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में।

मोहन (2019). सॉस्यूर की भाषिक प्रतीक संबंधी अवधारणा; एजोनेन्स। रूसी और तुलनात्मक साहित्य अध्ययन का एक जर्नल, कालीकट विश्वविद्यालय

आर पटेल, (2018). मुकुटधर पांडे: एक कृति व्यक्तित्व। आर रेणु में. (संपा.) आजकल, पृष्ठ 17-20.

आर पटेल, (2018). रामकाव्य परंपरा और रामचंद्रिका। एस.एस. मिन्हास में (संपा.) जीवन,

साहित्य एवं कला में राम। अंक 2018, पृष्ठ 129-137.

आर पटेल, (2018). हिंदी में छायावाद. एमपी सिंह में. (संपा.) पृष्ठ 109-120

आर पटेल, (2019). हिंदी साहित्य में प्रेम का स्वरूप और प्रसाद साहित्य। रामा में (संपा.)

प्रसाद का साहित्य: विविध आयाम, पृष्ठ 45-50.

आर पटेल, (2019). सामाजिक क्रांति के अग्रदूत, गुरू घासीदास बेचैन में, एस.एस. (संपा.) समाज

साहित्य की प्रेरणा और दलित चेतना। पृष्ठ 83-89.

आर पटेल, (2019). हिंदी साहित्य में प्रेम का स्वरूप और प्रसाद साहित्य। रामा में (संपा.)

प्रसाद का साहित्य: विविध आयाम, पृष्ठ 45-50.

एस सिंह, बाकी हैं पूर्वाग्रहों के अंधेरे', समाचार पत्र अमर उजाला, दिल्ली; 11 नवंबर, 2018

एस सिंह, कब तक रहेगा अंधेरा, समाचार पत्र अमर उजाला, दिल्ली; 23 दिसंबर, 2018

वी तिवारी, (2018). आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के श्रेष्ठ निबन्ध। लोकभारती प्रकाशन, पृष्ठ 224.

वी तिवारी, (2018). नाज़िम हिकमत के देश में। आधार प्रकाशन, पंचकुला पृष्ठ 120.

वी तिवारी, (2018). पक्षधर। 24 बी.के. ऑफसेट, शहादरा, पृष्ठ 336.

वी तिवारी, (2018). विश्वविद्यालयों से ऐसे मनुष्य तैयार हों जो अपने परिवेश और अपनी अस्मिता के प्रति जाग्रत हों। पृष्ठ 70-75.

वी तिवारी, (2018). परम्परा, अधुनिकता और समकालीन हिंदी कहानी। एआईएससीईटी प्रकाशन, भोपाल, एस. चौबे (संपा.) में। स्वप्न और यथार्थ; 2018, एआईएससीईटी पब्लिकेशन, भोपाल, 2018, पृष्ठ 399-409.

वी तिवारी, (2019). सांप्रदायिकता के सवाल, युवा पीढी और समाकालीन हिन्दी कहानी। पी. रवि (संपा.) में, वी जी गोपालकृष्णन, (संपा.)। *साम्प्रदायिकता,धर्मनिरपेक्षता एवं साहित्य, 2019* अनन्या प्रकाशन, दिल्ली, पृष्ठ 86-114.

वी तिवारी, (2019). यथार्थ से वैचारिक और सामवेदनात्मक संगार का तथ्य। ए. अरविंदाक्षन (संपा.) में। *हमारे समय में में मुक्तिबोध, 2019*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, पृष्ठ 219-225.

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

एस. सिंह,

दयाल सिंह महाविद्यालय, दिल्ली में 05 सितम्बर, 2018 को हिंदी में दलित साहित्य का योगदान पर व्याख्यान।

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली में, 2018 में समकालीन विमर्षों में स्त्री, दलित और आदिवासी साहित्य पर व्याख्यान।

स्वतंत्रता की सीमाएँ पर व्याख्यान। साहित्य अकादमी, दिल्ली, 2018.

वी. तिवारी,

कथेतर गद्य और कहानी पर व्याख्यान।, बनमाली सृजन पीठ, भोपाल; 17-18 जुलाई, 2018.

हिंदी कथा साहित्य का बदलता परिदृश्य पर व्याख्यान। जीसस और मैरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 28 जनवरी, 2019.

हिंदी साहित्य में वर्तमान समाज, संस्कृति और राजनीति पर व्याख्यान। जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली, 01 मार्च, 2019.

साहित्यिक पत्रकारिता की चुनौतियां और भविष्य पर व्याख्यान। भारतीय भाषा परिषद्, कोलकता; 16-17 फरवरी, 2019

एनजीटी, नई दिल्ली में 14 सितम्बर, 2018 को हिंदी दिवस पर मुख्य अतिथि।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या (49)

पीएच.डी.- 23

एम.फिल. - 26

संकाय की संख्या (20)

स्थायी - 20

***

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने अपना 72 वां वार्षिक दिवस मनाया।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर आर. के. भट्ट
विशेष पुस्तकालय संघ-एशिया अध्याय द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार।
उत्तर प्रदेश के पुस्तकालयों के संवर्धन की सोसायटी द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार।

डॉ. के. पी. सिंह

डीएलए - कार्यात्मक एलआईएस नेता के लिए व्यावसायिक उत्कृष्टता पुरस्कार।
एसपीएलयूपी-सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार-2018.
एसएलए-सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार-2018.

प्रकाशन

ए. असमी और एम. मार्गाम (2018). उत्तर भारत में केंद्रीय विश्वविद्यालयों के अनुसंधान विद्वानों द्वारा सोशल बुकमार्किंग साइटों का उपयोग। *एनल्स ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन स्टडीज* 65 (2), पृष्ठ 105-111.

बेबी और एस. कुमार, (2018). भौतिकी में महिला संकाय सदस्यों का अनुसंधान आउटपुट: केंद्रीय विश्वविद्यालयों का एक वैज्ञानिक अध्ययन। *सूचना प्रबंधन का एसआरईएलएस जर्नल।* 55 (2), पृष्ठ 92-97.

वी. के. बाजपेयी और एम. मार्गाम, (2019). कॉलेज लाइब्रेरी, दिल्ली विश्वविद्यालय में कार्यरत पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पेशेवरों के आईसीटी कौशल और दक्षताएं: एक अध्ययन*, पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास 2275*, पृष्ठ 1-29.

बेबी और एस. कुमार, (2018). भौतिकी और खगोल विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय महिला वैज्ञानिकों का अनुसंधान आउटपुट: एक साइंटोमेट्रिक्स अध्ययन। *पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास।*

आर. के. भट्ट, व अन्य। (2018). *शैक्षणिक पुस्तकालय।* दिल्ली: के. के. पब्लिकेशंस।

आर. के. भट्ट, (2018). लाइब्रेरी के लिए जीवन रक्षा किट: एक विपणन दृष्टिकोण। दिल्ली: के. के. पब्लिकेशंस।
आर. के. भट्ट और एम. पी. सिंह, (2019). रंगनाथन के वर्गीकृत कैटलॉग कोड: एक व्यावहारिक पुस्तिका। दिल्ली: नरेंद्र पब्लिशिंग हाउस।

आर. के. भट्ट और डी. गुप्ता,(2018) एलआईएस में मार्केटिंग मैनेजमेंट की अनिवार्यता। *पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास।*

एस. के. भारती और एम. मार्गाम,(2019). भारत में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की पुस्तकालय वेबसाइटों की सामग्री का मूल्यांकन। *पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास* 2290,पृष्ठ 1-23.

चौधरी, पी.के. और सिंह, के.पी. (2018). दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रकाशनों का वैज्ञानिक अध्ययन। जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस 43(1), पृष्ठ 76-89.

दर, एस.ए. और मरगम, एम. (2018). डिजिटल घुमंतू: दिल्ली मेट्रो में छात्रों को मोबाइल उपकरणों का उपयोग करने का अनुभव। *लाइब्रेरी हाई टेक न्यूज़।* 35(7): पृष्ठ 5-10.

दर, एस.ए. और मरगम, एम. (2018). सूचना सेवाओं को बढ़ाने में मोबाइल उपकरणों का लाभ उठाना: दिल्ली के विभिन्न विश्वविद्यालयों में छात्रों की धारणा। वर्ल्ड डिजिटल लाइब्रेरीज 11(1), पृष्ठ 29-40.

पी. गुप्ता और एम. मरगम, (2018). उत्तरी भारत के चुनिंदा विश्वविद्यालय पुस्तकालयों में इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा प्रणालियों के अनुप्रयोग। *लाइब्रेरी दर्शन और अभ्यास* 2167 (2018): 1-17.

डी. गुप्ता और एम. मरगम, (2018). डिजिटल पर्यावरण में दिल्ली विश्वविद्यालय में विज्ञान अनुसंधान विद्वानों के पैटर्न की जानकारी: एक अध्ययन। जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस 43(1-2), पृष्ठ 58-75.

जे. पी. जोशी, और के पी सिंह, (2018). *राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के चयनित पुस्तकालयों में कंसोर्टिया-आधारित संसाधनों के उपयोग और आवश्यकता का अध्ययन। पुस्तकालय विज्ञान में प्रगति के जर्नल।* 5(3), पृष्ठ 71-78.

जे पी जोशी, और के पी सिंह, (2018). राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के चयनित पुस्तकालयों में कंसोर्टिया आधारित संसाधनों के उपयोग और आवश्यकता का अध्ययन: एक समीक्षा साहित्य। *इंजीनियरिंग, आईटी और सामाजिक विज्ञान में अंनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।* 8(2), पृष्ठ 224-237.

किमी और मीरा। (2018). संगीत नाटक अकादमी और प्रसार भारती अभिलेखागार का एक मल्टीमीडिया परिप्रेक्ष्य: एक तुलनात्मक अध्ययन। *आईएसएसटी जर्नल ऑफ एडवांसेस इन लाइब्रेरियनशिप,* 9(1) पृष्ठ 45-56.

किमी और मीरा। (2018). मल्टीमीडिया लाइब्रेरी में मल्टीमीडिया संसाधनों का संग्रहण और पुनर्प्राप्ति: एक अध्ययन। *आईएएसएलआईसी* 62(4), पृष्ठ 105-126

एम. कुमार और जी. जी. श्रीवास्तव,(2018). *साहित्यिक चोरी के प्रति जागरूकता:जामिया मिलिया इस्लामिया का एक अध्ययन,दिल्ली, लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस का जर्नल* 43(1) 2018, पृष्ठ 163-174.

एम. कुमार और एम. चंद, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के डॉ. बी. आर अम्बेडकर केंद्रीय पुस्तकालय के साहित्यिक चोरी के बारे में जागरूकता का उपयोगकर्ता अध्ययन, दिल्ली। *लाइब्रेरी हेराल्ड 56(4*), पृष्ठ 501-514

एम. कुमार और ए. शुक्ला, (2018). जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली के डॉ. जाकिर हुसैन लाइब्रेरी द्वारा लाइब्रेरी उत्पादों और सेवाओं का विपणन, *लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस का जर्नल 43(2),* पृष्ठ 327-341.

एम. लांबा और एम. मरगम, (2019). लाइब्रेरी 2.0 में नया प्रतिमान: ट्विटर की भावनाओं का विश्लेषण। स्मार्ट लाइब्रेरी के लिए उभरते रुझान में। संपा. सोनल सिंह, बी के सिंह और नीलम थापा। नई दिल्ली: श्री प्रकाशक और वितरक। (1), पृष्ठ 195-201

एम. लांबा और एम. मरगम, (2018). अस्थायी सूचना सेवा प्रदान करने के लिए पुस्तकालयों में भावनाओं के विश्लेषण का अनुप्रयोग: उत्पादकता के विभिन्न पहलुओं पर एक प्रकरण अध्ययन। *सोशल नेटवर्किंग अनीलिसिस एंड माइनिंग (स्प्रिंगर)।* पृष्ठ 63-75.

एच. लुन और एम. मरगम, (2018). भारत में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान ब्लॉग: एक मूल्यांकन अध्ययन। *लाइब्रेरी दर्शन और अभ्यास* 2091, पृष्ठ 1-16.

एम लांबा और एम मरगम, (2018). अस्थायी सूचना सेवा प्रदान करने के लिए पुस्तकालयों में भावनाओं के विश्लेषण का अनुप्रयोग: उत्पादकता के विभिन्न पहलुओं पर एक प्रकरण अध्ययन। *सोशल नेटवर्किंग अनीलिसिस एंड माइनिंग (स्प्रिंगर)।* पृष्ठ 63-75.

एच. लुन और एम. मरगम, (2018). भारत में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान ब्लॉग: एक मूल्यांकन अध्ययन। *लाइब्रेरी दर्शन और अभ्यास* 2091, पृष्ठ 1-16.

मीरा और किमी (2019). दिल्ली के मल्टीमीडिया पुस्तकालयों के मूल्यांकन के लिए एक मॉडल। विद्या वार्ता: *सहकर्मी समीक्षा का संदर्भित अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान जर्नल।* 30(2) 2019. पृष्ठ 35-49.

मीरा और रूचि (2018). लाइब्रेरी और सूचना अध्ययन के इतिहास में प्रकाशित लेखों के सहयोग के रुझान, जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस 43(1), पृष्ठ 141-162

एम. सिंह और आर. के. भट्ट, (2018). पुस्तकालय और सूचना स्रोतों और सेवाओं के संवर्धन में सोशल मीडिया के उपयोग के लिए अनुसंधान विद्वानों का दृष्टिकोण:दिल्ली विश्वविद्यालय का एक अध्ययन, दिल्ली। *लाइब्रेरी दर्शन और अभ्यास।*

एम. पी. सतीजा, डेनियल, ए. मार्टिनेज़ और मैनुएल, रोज़ा सन सेगुंडो (2018). *लाइब्रेरी वर्गीकरण और एस आर रंगनाथन: एक निदर्शिका। सतीजा रिसर्च फाउंडेशन फॉर लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस (एसआरएफएलआईएस) और ईएसएस पब्लिकेशंस।*

एम. पी. सतीजा, मार्टिनेज़, ए. एंड स्वेन, एन.के. (संपा.). (2019). साहित्यिक चोरी: एक अंतर्राष्ट्रीय पाठक। *ईएसएस पब्लिकेशंस*: नई दिल्ली. पृष्ठ 1-363.

एम. पी. सतीजा, एस. सिंह और एच. चंदर, (संपा.)(2018). पंजाबी संदर्भ स्रोत: एक वर्णनात्मक दिग्दर्शिका। *सतीजा रिसर्च फाउंडेशन फॉर लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस,* नई दिल्ली. पृष्ठ Xvi, 429.

के. पी. सिंह, आर. के. शर्मा, आर. के. भट्ट, मीरा और जे.एन. सिंह (सं.) (2019). अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, तीसरा डीएलए-एसआरएफएलआईएस शिखर सम्मेलन: सतत लाइब्रेरियनशिप के लिए सूचना प्रबंधन में डिजिटल युग की रणनीतियाँ। गुप्ता इलेक्ट्रोस्टेट, डीएलए और एसएफ आरएलआईएस द्वारा प्रायोजित, 19-20 अप्रैल 2019.

एम सिंह और आर के भट्ट, (2018). *डिजिटल युग में दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुसंधान विद्वानों के व्यवहार की जानकारी: एक अध्ययन: जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस,* 43(1) ,पृष्ठ 18-30.

के. पी. सिंह और एन. तिवारी, (2018). *दिल्ली एनसीआर में प्रबंधन पुस्तकालयों में एलआईएस पेशेवरों की भर्ती और चयन: एक अध्ययन। ज्ञानकोश - द जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस।* 9(2) पृष्ठ 1-13.

के. पी. सिंह, (2019). एलआईएस पाठ्यक्रमों में चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस): उच्च शिक्षा प्रणाली के नए युग में प्रवेश। *लाइब्रेरी हेराल्ड 57*(1) पृष्ठ 1-18.

के. पी. सिंह,(2019). बौद्धिक संपदा अधिकार: रचनात्मकता संरक्षण के लिए अपरिहार्य। *लाइब्रेरी हेराल्ड 57(1),पृष्ठ 73-83*

के. पी. सिंह, एच. चंदर और ए. शुक्ला, (2018.) भारत में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान (एलआईएस) के जर्नल (1912-2016): एक ग्रंथमितीय अध्ययन।*इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉलेज कंटेंट डेवलपमेंट एंड टेक्नोलॉजी (आईजेकेसीडीटी)।* 8(2), पृष्ठ 69-85.

के. पी. सिंह और टी. डे, (2018). रसायन विज्ञान की धारा-ए के भारतीय जर्नलों का ग्रंथमितीय अध्ययन: एक ग्रंथमितीय अध्ययन।*आईएएसएलआईसी बुलेटिन। 63(4*), पृष्ठ 195-206.

के. पी. सिंह, (2018). लाइब्रेरी और सूचना विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक झलक और शिक्षकों और पूर्व छात्रों की पहली पीढ़ी को याद रखना: इसकी विविधता को संरक्षित करना। *लाइब्रेरी हेराल्ड। 56(2*), पृष्ठ 197-208

एस. सिंह, (संपा.) (2018). गुरु नानक: अंग्रेजी, पंजाबी और हिंदी की ओपन एक्सेस पुस्तकों में एक वेबलियोग्राफी। *सतीजा रिसर्च फाउंडेशन फॉर लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस: नई दिल्ली।* पृष्ठ xvi, 177.

के. पी. सिंह, और एन तिवारी,(2018). भारत में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रबंधन पुस्तकालयों में मानव संसाधन योजना के विशेष संदर्भ के साथ मानव संसाधन विकास: एक वर्णनात्मक अध्ययन। *जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस।* 43(1), पृष्ठ 1- 17.

के. पी. सिंह, (2018). दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग की अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों (2017-2018) का वार्षिक लेखा: एक रिपोर्ट। *जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस* 43(1), पृष्ठ 175-191.

आर. शर्मा और एम. मरगम, (2018). मोबाइल उपकरणों का शैक्षिक उपयोग: उत्तर प्रदेश, भारत के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के छात्रों द्वारा मोबाइल उपकरणों के उपयोग का एक सर्वेक्षण। *जर्नल ऑफ नॉलेज एंड कम्यूनिकेशन मैनेजमेंट 8(1*), पृष्ठ 20-32.

आर. सिंह, और एस. कुमार, (2018). अनुसंधान की विभिन्न अवधियों में सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं की सूचना साक्षरता योग्यता: एक अध्ययन। *जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस* 43(1), पृष्ठ 123-140.

आर. सिंह, और एस. कुमार, (2018). शोधकर्ताओं की जागरूकता और विश्वविद्यालय के पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं से संतुष्टि: सूचना साक्षरता योग्यता की एक शर्त। *जर्नल ऑफ इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन, 54(3)*, पृष्ठ 149-161.

आर. सिंह, और एस. कुमार, (2018). सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं की सूचना साक्षरता योग्यता का आकलन। *लाइब्रेरी हेराल्ड, 56(4),* पृष्ठ 481-491.

आर. सिंह, और एस. कुमार, (2018). इतिहास में रिसर्च स्कॉलर्स की सूचना साक्षरता योग्यता का स्तर: मूल्यांकन और मानचित्रण। *जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट,* 5(2), पृष्ठ 46-54.

आर. सिंह, और एस. कुमार, (2019). सूचना उपयोग की नैतिकता के सम्मान के साथ सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं की सूचना साक्षरता योग्यता का स्तर: एक अध्ययन। *पुस्तकालय और सूचना प्रौद्योगिकी के डीईएसआईडीओसी जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी।* 39(2), पृष्ठ 101-108.

आर. सिंह, और एस. कुमार, *अनुसंधान की विभिन्न अवधि में सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं की सूचना साक्षरता कुशलता का अध्ययन। जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस 43(*1) पृष्ठ 123-140.

आर. सिंह, और एस. कुमार, (2018). शोधकर्ताओं की जागरूकता और विश्वविद्यालय के पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं से संतुष्टि: सूचना साक्षरता योग्यता की एक शर्त। *जर्नल ऑफ इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन* 54(3), पृष्ठ 149-161.

आर. सिंह और एस. कुमार, सूचना का आकलन साक्षरता सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं की योग्यता। *लाइब्रेरी हेराल्ड*, 56(4), पृष्ठ 481-491.

आर. सिंह और एस. कुमार, (2018). इतिहास में रिसर्च स्कॉलर्स की सूचना साक्षरता योग्यता स्तर: मूल्यांकन और मानचित्रण। *जर्नल ऑफ इंफार्मेशन मैनेजमेंट*, 5(2), पृष्ठ 46-54.

आर. सिंह, और एस. कुमार, (2019). सूचना के उपयोग में नैतिकता का सम्मान करने के साथ सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं की सूचना साक्षरता योग्यता स्तर-एक अध्ययन। *डीईएसआईडीओसी जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, 39(2),* पृष्ठ 101-108.

के. पी. सिंह और दिव्यांशु गुप्ता, (2019). अनुसंधान विद्वानों द्वारा ई-संसाधनों का उपयोग: केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली का एक प्रकरण अध्ययन। 21 वीं सदी में रंगनाथन के दर्शन की प्रासंगिकता में। प्रोफेसर एम. पी. सिंह और डॉ. शरद कुमार सोनकर द्वारा संपादित। द बुक लाइन पब्लिशर्स: नई दिल्ली। पृष्ठ 10-20.

के. पी. सिंह, और प्रीति (2019). अर्थशास्त्र में छात्रों के व्यवहार की जानकारी: एक प्रकरण अध्ययन - प्रोफेसर वी. पी. खरे, सोनल सिंह और अन्य द्वारा संपादित के सम्मान में। श्री पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स: नई दिल्ली। पृष्ठ 600-611.

एन. तिवारी और के. पी. सिंह, (2018). पुस्तकालयों में मानव संसाधन विकास: एक साहित्यिक समीक्षा। *लाइब्रेरी हेराल्ड।* 56(2), पृष्ठ 242-254.

एस. वर्मा और एम. मरगम, (2019). ब्राजील और भारत में डिजिटल लाइब्रेरी पर अत्यधिक उद्धृत प्रकाशनों का सममितीय विश्लेषण: एक तुलनात्मक अध्ययन। लाइब्रेरी फिलास्फी एंड प्रैक्टिस 2273, पृष्ठ 1-20.

एस. वर्मा और एम. मरगम, (2019). खेल मनोविज्ञान में प्रकाशन: एक अल्मेट्रिक अध्ययन। एस. सिंह, बी. के. सिंह और एन. थापा, (सं.) नई दिल्ली में: श्री पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स: 439-454 (संस.. संख्या 2).

एस वर्मा और एम मरगम, (2018). पारंपरिक ग्रंथमितीयता से परे अनुसंधान प्रभाव को मापने के लिए अल्मेट्रिक उपकरण। स्मार्ट वातावरण में बदलते डिजिटल लैंडस्केप में। सं. राम नंद मालवीय व अन्य। नई दिल्ली: ऑरेंज बुक्स इंटरनेशनल, पृष्ठ 305-309.

एस वर्मा और एम मरगम, (2018). भारत में डिजिटल लाइब्रेरी में अत्यधिक उद्धृत प्रकाशन (1989-2017): एक अल्मेट्रिक विश्लेषण। आईसीटी उपकरण और प्रौद्योगिकी के माध्यम से अभिनव लाइब्रेरियनशिप में। संपा. मनोज कुमार वर्मा, न चक्रवर्ती और कृष्णा देवी, नई दिल्ली: श्री पब्लिशर्स (2018): पृष्ठ 182-201.

पी के वालिया, (2018). डिजिटल वातावरण में स्नातक छात्रों के व्यवहार की जानकारी: शहीद सुखदेव महाविद्यालय ऑफ बिजनेस स्टडीज का एक प्रकरण अध्ययन, *(एसएससीबीएस) एसआरईएलएस जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट* 55(2), पृष्ठ 108-113

सम्मेलनों की कार्यवाही

एम कुमार और आर के भट्ट, (2019). पुस्तकालय का विपणन: डॉ. बी. आर. अम्बेडकर केंद्रीय पुस्तकालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा पुस्तकालय उत्पादों और सेवाओं के विपणन का अध्ययन। पुस्तकालय और पुस्तकालयाध्यक्षों पर पुनर्विचार, आईसीओएएसएल की सम्मेलन कार्यवाही 2019. पृष्ठ 223-234.

आर सिंह और एस कुमार, (2019). सूचना साक्षरता योग्यता मूल्यांकन और कानूनी अनुसंधान में मानचित्रण। प्रिया राय और आकाश सिंह (संपा.) में, डिजिटल परिवर्तन रणनीतियाँ और ई-लर्निंग में रुझान: गोपनीयता, संरक्षण और नीति की कार्यवाही में, सेगमेंट बुक्स, नई दिल्ली, 2019. पृष्ठ 464-476.

के. पी. सिंह और आर के भट्ट, साहित्यिक चोरी के बारे में जागरूकता: जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली का एक प्रकरण अध्ययन। पी राय और ए सिंह, (सं.) में। डिजिटल परिवर्तन रणनीतियाँ और ई-लर्निंग की गोपनीयता संरक्षण और नीति में रुझान की कार्यवाही में। सेगमेंट बुक्स, नई दिल्ली, 2019. पृष्ठ 699-711.

के. पी. सिंह, और आर के भट्ट, (2018). साहित्यिक चोरी के बारे में जागरूकता: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली का एक प्रकरण अध्ययन। डिजिटल परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: संरक्षण, नीति और गोपनीयता की कार्यवाही में। सेगमेंट बुक्स, नई दिल्ली, 2019, पृष्ठ 699-711.

एस वर्मा और एम मरगम,(2018). दिल्ली विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान विभाग की रिसर्च गेट प्रोफाइल का एक अध्ययन: एक अल्ट्रामेट्रिक परिप्रेक्ष्य। आईसी डी में: संरक्षण, नीति और गोपनीयता। संपा. प्रिय राय, आकाश सिंह। सेगमेंट बुक्स,

पी के चौधरी और के. पी. सिंह, (2018). एस एंड टी में कोर और सहयोगी अनुसंधान आउटपुट: एनएसआईटी का एक प्रकरण अध्ययन। निफ्ट-बीओएसएलए में मॉडर्न लाइब्रेरियनशिप पर राष्ट्रीय सम्मेलन:अवसर और चुनौतियां। नव विष्णु पब्लिकेशंस: अजमेर, राजस्थान। पृष्ठ 511-521. आईएसबीएन: 9788193330746

पी के चौधरी और के. पी. सिंह, (2018). 2006 से 2015 के दौरान कोर और सहयोगी अनुसंधान उत्पादकता: दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का प्रकरण अध्ययन।विकासशील स्मार्ट पुस्तकालयों में: परिवर्तन चुनौतियां, मुद्दे और रणनीतियाँ। एशियन लाइब्रेरी एसोसिएशन: नई दिल्ली। पृष्ठ 439-446.

टी डे, और के. पी. सिंह, (2018). इंडियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री सेक्शन बी: एक ग्रंथमितीय अध्ययन। ईआरएमईडी पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में। डिजिटल हेल्थ इंडिया: ए रियलिटी। एलाइड पब्लिशर्स: नई दिल्ली। पृष्ठ 200-220.

जे पी जोशी, और के. पी. सिंह,((2018). दिल्ली एनसीआर के चयनित पुस्तकालयों में संघ-आधारित संसाधनों का उपयोग करना। नॉलेज मैनेजमेंट और डिजिटल लाइब्रेरी टुडे में महात्मा गांधी के विज़न की प्रासंगिकता। गौतम बुक सेंटर: दिल्ली। पृष्ठ 19-37.

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या (5)

पीएच.डी. - 01

एम.फिल. - 04

संकाय की संख्या (7)

स्थायी - 07

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी (5)

मधुसुधन, एम. (2018)

छठे भारतीय सामाजिक कार्य कांग्रेस 2018 (आईएसडब्ल्यूसी 2018), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में अनुसंधान में साहित्यिक चोरी पर आयोजित कार्यशाला, दिनांक: (02 नवंबर 2018)।

एनएएसएसडीओसी, दिल्ली में, दिनांक: (16 अगस्त 2018) मोबाइल पुस्तकालय सेवाओं: छोटे उपकरणों पर बड़े विचार पर पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। ।

पीपीएसटी, भारत की संसद, दिल्ली में, दिनांक: (12 जुलाई 2018) को). डिजिटल पुस्तकालय: उपयोगकर्ता परिप्रेक्ष्य और संस्थागत रणनीतियाँ पर आमंत्रित व्याख्यान।

आइडियल टीचिंग अवार्ड्स प्रोग्राम (आईटीएपी) 2018 हैदराबाद, दिनांक: (02 अक्तूबर 2018) में जूरी के सदस्य।

***

भाषा विज्ञान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

सन् 1963 में डिप्लोमा कोर्स की शुरुआत के साथ स्थापित विभाग अब एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. और दो पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग को 1988 में एसएपी का दर्जा मिला और 2010 से यह उन्नत अध्ययन (सीएएस) का केंद्र रहा है। विभाग के पास एक भाषा विज्ञान प्रयोगशाला है जिसका उपयोग फ़ोनैटिक्स और समाजशास्त्र पर शिक्षण और अनुसंधान के लिए किया जाता है। इसमें कई दुर्लभ पुस्तकों के साथ एक छोटी सा पुस्तकालय भी है। विभाग ने हाल ही में अपने विभिन्न कार्यक्रमों के लिए अपने पाठ्यक्रम को पुनर्गठित और संशोधित किया है। इसका उद्देश्य मुख्य क्षेत्रों में प्रशिक्षण को मजबूत करना और वैकल्पिक क्षेत्रों में विविधता लाना है। यह सैद्धांतिक और आनुभविक रूप से संचालित अनुसंधान के बीच संतुलन प्रदान करता है। हमारे कुछ छात्रों को फुलब्राइट फेलोशिप से सम्मानित किया गया है

सम्मान/गौरव

डॉ. गेल कोएल्हो को ब्रिल (नीदरलैंड्स) द्वारा अक्तूबर 2018 में प्रकाशित अपनी पुस्तक "बेट्टा कुरुम्बा में एनोटेट ग्रंथ" के लिए द्रविड़ जनजातियों पर सर्वश्रेष्ठ मोनोग्राफ के लिए भारत के द्रविड़ भाषाई संघ से पुरस्कार मिला था।

डॉ. शोभा सत्यनाथ को ग्लोसॉक 2 (लीडेन यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड) में एक पूर्ण वार्ता देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रकाशन

तन्मय भट्टाचार्य, (2018). प्रतिरोध के रूप में विकलांगता अध्ययन: व्यवस्था की राजनीति। अनीता घई (संपा.) दक्षिण एशिया में विकलांगता: ज्ञान और अनुभव, पृष्ठ 75-98.

तन्मय भट्टाचार्य, (2018). दक्षिण एशियाई भाषाओं में प्रचार: लोगों और उनके कार्यों के लिए। नेपाली भाषा विज्ञान, 33(1), पृष्ठ 60-68.

तन्मय भट्टाचार्य, (2018). बीइंग ह्यूमन, अगेन, पार्ट 2. एनईस्कॉलर 4(1), पृष्ठ 44-53.

गेल काएल्हो, (2018). बेट्टा कुरुम्बा में एनोटेट ग्रंथ। नीदरलैंड: ब्रिल पब्लिशर्स

गेल काएल्हो, (2018). बेट्टा कुरुम्बा में जटिल की भविष्यवाणी की गई है। दक्षिण एशियाई भाषाओं और भाषा विज्ञान का जर्नल 5(1),पृष्ठ 23-77.

शोभा सत्यनाथ, (2018). कोहिमा: भारत में एक छोटे लेकिन विविधता पूर्ण शहर में भाषा की विविधता और परिवर्तन। डिक स्मैकमैन और पैट्रिक हेनरिक (सं.), शहरी समाजशास्त्रियों में: भाषाई प्रक्रिया और अनुभव के रूप में शहर, पृष्ठ 95-112.

संपादक के रूप में सेवारत विभाग के शिक्षकों की संख्या :

संपादक- तीन पत्रिकाओं में दो शिक्षक मुख्य संपादक/संपादक/सह संपादक के रूप में सेवारत हैं

चार पत्रिकाओं में संपादकीय मंडल के सदस्य के रूप में सेवारत (दो)

अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग

शोभा सत्यानाथ कंडा यूनिवर्सिटी ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जापान के साथ वर्ल्ड इंग्लिश पर एक परियोजना में समन्वयक हैं। परियोजना ने भारतीय अंग्रेजी के मॉड्यूल विकसित किए: चरण I (मॉड्यूल की तैयारी) और चरण II (मॉड्यूल का फिल्मांकन) (2018-2022)।

प्रमुख अनुसंधान परियोजनाएँ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की प्रमुख अनुसंधान परियोजना, 2015-18, मेइतोलेन की छह बोलियों में भाषाई अंतर, तन्मय भट्टाचार्य, 11,99,400 रुपए।

सम्मेलन/सम्मेलन आयोजित

आयोजित सम्मेलन की कुल संख्या - 11

अंदेशा मंगला। वधिर शिक्षा में भारतीय सांकेतिक भाषा की भूमिका, अक्तूबर 2018.

इशानी गुहा, पीएचडी अध्येता, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए। संख्याएँ विलक्षणता और बहुलता की विभिन्न अवधारणाओं को व्यक्त करती हैं। 16 नवंबर, 2018।

अश्विनी वैद्य (आईआईटी, दिल्ली)। कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान पर। 16-17 मई, 2019.

मानसी बजाज, पुनिउबी फोनोलॉजी के विभिन्न पहलू। अप्रैल, 2019.

कावी क्लेयर, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के व्याख्याता। ब्रिटेन। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के अंग्रेजी लहजे में स्थानीय और वैश्विक रुझान। 6 मार्च, 2019

हरीश लोकुन, मध्य और दक्षिण एशिया के लिए क्षेत्रीय भर्ती प्रबंधक, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, यूके, कार्यशाला/सहभागिता, 6 मार्च, 2019

जॉन पीटरसन, क्रिश्चियन-अल्ब्रेक्ट्स-यूनिवर्सिहिट ज़ू कील, जर्मनी। झारखंड एक स्प्रचबंड के रूप में? पूर्वी मध्य भारत में इंडो-आर्यन पर मुंडा प्रभाव। 1 मई, 2019.

जुंजी यामाबे, संकाय सदस्य, नोट्रे डेम सेशिन विश्वविद्यालय, ओकायामा, जापान, 29 मार्च, 2019 को ओडिया में दोहरा उद्देश्य-मामले की बाधा।

पबित्र सरकार, जादवपुर विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर और रबींद्र भारती विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, बांग्ला फोनोलॉजी, 26 मार्च, 2019 को।

डॉ. सेन्घुन जे. ली., एसोसिएट प्रोफेसर, अंतर्राष्ट्रीय क्रिश्चियन यूनिवर्सिटी, टोक्यो, जापान, फोनेटिक्स और सेग्मेंट-टोन इंटरैक्शन के स्वर विज्ञान। 8 मार्च 2019.

श्रीनिवास मूर्ति, संस्कृत के पूर्व प्रोफेसर और प्रिंसिपल, एमईएस महाविद्यालय, बैंगलोर। भारतीय व्याकरणिक परंपराओं में अर्थ, 25 अप्रैल, 2019।

प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

तन्मय भट्टाचार्य,

40 वें आईसीओएलएसआई, सीआईआईएल, मैसूर में 5 दिसंबर, 2018 को. "द मिसिंग" नाउन डेक्सिस में स्थानिक एंकरेज के रूप में।

माइतिलोन में स्थानिक डिक्सिस और दोहरापन, भाषा का 39वां वार्षिक सम्मेलन

सोसायटी ऑफ नेपाल, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, 27 नवंबर, 2018.

तिबेतो-बर्मन भाषा में दोहरी स्पष्टता का एक स्पष्ट मामला, इंटरफेसेस सम्मेलन में नाममात्र, सोजंग विश्वविद्यालय, सियोल, 3 नवंबर, 2018.

एसएएलए 34, कोन्स्टन विश्वविद्यालय, जर्मनी में 20 जून, 2018 को हिंदी-उर्दू में क्रिया विशेषण और सापेक्ष कृदंतों में समझौता।

2018 मुंबई में 9 जून, 2018 को रिकार्ड की गई सिंकटॉक की 117 वीं कड़ी के रूप में 'द टाइप एंड टोकन' पर पैनल चर्चा

गेल कोएल्हो,

'बेट्टा कुरुम्बा में केजुटीवाइजर ∗-पीपीआई ~ ∗-पीआई [-डब्ल्यूआई] को प्रभावित करने वाले नवाचार', द्रविड़ भाषाविज्ञान का 46वां अखिल भारतीय सम्मेलन, भाषाविज्ञान विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, 21-23 जून, 2018.

शोभा सत्यनाथ,

शहरीकरण और नए बहुभाषावाद का उदय: सिद्धांत और समाजशास्त्रियों के तरीकों के लिए निहितार्थ, पूरण सत्र वार्ता, ग्लोसॉक 2 (शहर में वैश्वीकरण समाजशास्त्रीय संचार), लीडेन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड, 13-15 दिसंबर, 2018.

समय और स्थान के अनुसार भारत में अंग्रेजी का मानचित्रण। विदेशी अध्ययन का टोक्यो विश्वविद्यालय, जापान, 6 जुलाई, 2018.

बहुसांस्कृतिक भारत और अंग्रेजी की भारतीयता। कांडा यूनिवर्सिटी ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जापान, 10 जुलाई, 2018.

बहुभाषी शहरी परिदृश्य में सह-अस्तित्व: दिल्ली का एक प्रकरण अध्ययन। एएएस-2018, पैनल ऑन लैंग्वेज चॉइस एंड आइडेंटिटी इन साउथ एंड साउथईस्ट एशिया। वाशिंगटन डी.सी., मार्च 22-25, 2018।

बोली संपर्क और कई व्याकरण। एनडब्ल्यूएवीएपी 5, द यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड, ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया, 1-3 फरवरी, 2018.

द्विभाषावाद पर भारतीय दृष्टिकोण। भाषाविज्ञान विभाग, कॉर्नेल विश्वविद्यालय। असमानता सेल, कॉर्नेल विश्वविद्यालय, इथाका और दक्षिण एशिया अध्ययन, सिरैक्यूज़ विश्वविद्यालय द्वारा 28 मार्च, 2018 को संयुक्त रूप से आयोजित आमंत्रित वार्ता।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

सहयोग एआरजी- (ब्रिक्स + 7) कार्यक्रम के एक भाग के रूप में हनुक यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, दक्षिण कोरिया के साथ सतत जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के छात्र वर्ष में 2-3 बार हिंदी शिक्षण और भारतीय अध्ययन कार्यक्रम के लिए आते हैं।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

छात्र फुलब्राइट फेलोशिप (एफएलटीए) से सम्मानित

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या:06
भर्ती के लिए परिसर में आनेवाली कंपनियों की संख्या: 1

विस्तार और अधिगम्य गतिविधियाँ

शोभा सत्यानाथ 2012 से मणिपुर में (सीमावर्ती म्यांमार में स्थित) ज़ोमी समुदाय से जुड़ी हैं और उनकी भाषा से संबंधित विभिन्न मुद्दों, उनकी क्षेत्रीय किस्मों के प्रलेखन, विभिन्न समूहों के लिए भाषाई और सांस्कृतिक संबंधों की प्रकृति, उनकी भाषा में भाषण किस्में और विकासशील साहित्य में उनकी मदद करती हैं। प्रलेखन का पहला चरण ज़ोमी भाषा और साहित्य सोसायटी (जेडओएलएलएस) द्वारा प्रकाशित किया गया है।

तन्मय भट्टाचार्य ने सहपिडिया यूनेस्को फैलोशिप (सितम्बर-दिसंबर, 2017) की मदद से सांस्कृतिक विरासत (मणिपुर-वाद्ययंत्र की परंपरा को अधिक उम्र की एक वरिष्ठ वादिका को फिल्माने के द्वारा) में योगदान दिया।

समाजशास्त्रियों के हिस्से के रूप में, छात्रों ने स्थानीय पड़ोस का अध्ययन करने के उद्देश्य से फील्डवर्क किया। यह स्थानीय लोगों और विश्वविद्यालय समुदायों को एकजुट करता है।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी.02

एम.फिल. 05

संकाय की संख्या

एसोसिएट प्रोफेसर-3

सहायक प्रोफेसर -1

तदर्थ-सहायक प्रोफेसर- 3

रिक्त -10

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

शोभा सत्यनाथ ने वर्षों से प्राकृतिक भाषा के उपयोग के समाजशास्त्रीय भाषण निगम का निर्माण जारी रखा है। (i) भारतीय मूल के एक समुदाय द्वारा बोली जाने वाली गुयानी अंग्रेजी (1800-1921 के दौरान ब्रिटिश गुयाना में चले गए)

(ii)) असमिया (भौगोलिक किस्में)

(iii) नेफामी

(iv) नागामी

(v) बंगाली (भौगोलिक किस्में)

(vi) हिंदी- अंग्रेजी

(vii) भारतीय अंग्रेजी

(viii) भारत की कई अन्य भाषाएँ

***

आधुनिक भारतीय भाषाएँ और साहित्यिक अध्ययन

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

आधुनिक भारतीय भाषाविज्ञान और साहित्य अध्ययन विभाग ने 04 अप्रैल 2018 को "सुब्रमण्य भारती: द मेकिंग ऑफ़ अ नेशनल पोएट" और एंडोवमेंट व्याख्यान पर 20वें एंडोवमेंट व्याख्यान और 31 जनवरी 2019 को "महाकवि भारती और वल्लथोल" एंडोवमेंट व्याख्यान का आयोजन किया। एक विशिष्ट व्याख्यान *चर्या: बंगाली में एक दार्शनिक अध्ययन, मध्यकालीन बंगाली अध्ययन में हालिया रुझान, आधुनिक बंगाली नाटक का प्रारंभिक चरण, ओकिकुरा तेनशिन (काकुजो) और रबींद्रनाथ टैगोर शांतिनिकेतन में, अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान के टैगोर के केंद्र की शुरुआत* क्रमशः 14 अगस्त, 30 अगस्त, और 26 अप्रैल 2018 को आयोजित किया गया था। बुधवार को साप्ताहिक सेमिनार में संकाय सदस्यों ने अपनी रुचि के क्षेत्र के विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किए और विभाग अनुसंधान मंच के अंतर्गत मासिक सेमिनार जिसमें पीएच.डी. और एम.फिल शोध अध्येताओं ने हर महीने के आखिरी शुक्रवार को अपने शोध के क्षेत्रों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए।

प्रकाशन

एस के बर्मन, (2019). *भावोइया संगीतेनारी।* मुंशी मोहम्मद यूनुस और अल्मोहसीना मोअजम्मिल (संपा.) में। बंगला साहित्य पाठ, पाठ केंद्रिकता ओ पाठक प्रतिक्रिया, सं.-II. पृष्ठ 121-127.

पी चक्रवर्ती, (2018). *बंगाली साहित्य का इतिहास: सबाल्टर्न अध्ययन का कुलीन प्रवचन,* एडू वर्ल्ड, 8(3), पृष्ठ 143-152.

आर दास, (2018). *बिष्णु प्रसाद राभा: जीवन के पहलू और एक किंवदंती के कार्य* । डी.पी. में

चट्टोपाध्याय (संपा.). भारतीय सभ्यता के असमिया भाषा साहित्य और संस्कृति में विज्ञान दर्शन और संस्कृति का इतिहास, (संस.VI, भाग 10), पृष्ठ 299-313

यू देवी, (2018). (अनुवाद) मुथुपालानी की *रथिका संतवानम*। चेन्नई: काव्या।

यू देवी, (2018*). मुलियपारी काटंकु पनमुका कोटपट्टु अनकुमुराई*। चेन्नई: काव्या।

यू देवी, (2019). दुल्हन रहस्यवाद: सांसारिक प्रेम की अस्वीकृति। एल. डार्विन और जी. पलानीराजन (संपा.) में। *भाषा और साहित्य में हालिया रुझान*। कन्नूर: पुस्तक भवन।

यू देवी, (2019). सुब्राभारती मनियानिन सिरुकथाइपालील पिन नवीनाथुवम। रामा-पांडियन (संपा.) में। सुब्राभारती मनियानिन *पडाइपुकलाई,* पृष्ठ 122-128.

यू देवी, (2019). थेरिकाथा - अथी पेनकलिन अलगियालएस थेनारासु और एन विजयन (संपा.) में। *भाषाविज्ञान और साहित्य के परिदृश्य,* चेन्नई: थमिझागा इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड एडवांसमेंट।

यू देवी, (2019). तोलकप्पियार मरबयालिल उयिरकलिन पाकुपाडु - पनामुगा नोक्कु। शेनलैक्स, इंटरनेशनल तमिल जर्नल। संस.3. पृष्ठ 128-134.

पी सी पटनायक, (2018). जनजाति के अध्ययन, जनजातीय विद्या, और जनजातीय जीवन में नए परिप्रेक्ष्य। सबिता प्रधान (सं.) में, *आदिवासी साहित्य और भाषा,*पृष्ठ 121-132

जी राजगोपाल, (2018). तिरुक्कुरल के कामतुप्पल की व्याख्या और पारगमन: सीमा और स्वतंत्रता। जी जॉन सैमुअल (संपा.) में। *तिरुक्कुरल पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की स्मारिका - तमिल भारत की सीमा से परे तिरुक्कुरल,* पृष्ठ 113-130)

ए एच सिंह, (2018). संस्कृति, पहचान और साहित्य परंपरा: मणिपुरी साहित्य और सांस्कृतिक इतिहास में एक अध्ययन। *ज्ञानप्रदीप - आधुनिक भारतीय भाषाओं और साहित्य अध्ययन विभाग का जर्नल।* संस.6.,(पृष्ठ 89-97

ए एच सिंह, (2019). *मणिपुर के पाठ और प्रदर्शन परंपराओं में रामकथा, अर्ज़ूमन आरा, धूर्जटि सरमा और भास्कर ज्योति गोगोई (संपा.) में। उत्तर-पूर्व भारत की कथात्मक संस्कृतियाँ और पाठ्य परंपराएँ* । प्रोफेसर कैलाश. सी. बराल के सम्मान में निबंधों का संग्रह, पृष्ठ 32-41

आर जी वेंकट (2018). परिशोधना विधानम प्राणियानम क्रामम (तेलुगु में)। गुंडेमेडा श्रीनिवास राव, (सं.), *व्यास श्री (तेलुगु में), विशाखापत्तनम*: रोशन पब्लिकेशंस।

आर जी वेंकट (2018). तेलंगानालो मट्टम (काकातेयुला नंदी आसफ जाहिला वरकु) (तेलुगु में), कुमारी, ए. और प्रसाद, जी (संपा.) में। काकतयीयुला नंदी आसफ जाही वरकु तेलंगाना, हैदराबाद: तेलंगाना साहित्य अकादमी।

आर जी वेंकट (2018). विमरसुकुदिगा पलगुम्मी पद्मराजू (तेलुगु में)। के.वी. पद्मावती (सं।) में। व्यास पद्मालु (तेलुगु में)। विशाखापत्तनम: रोशन पब्लिकेशंस।

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्य

संपादक : 1
संपादकीय मंडलों के सदस्य : 3

शोध परियोजनाएं

सार्क कल्चरल सेंटर, हिंदू मंदिर मणिपुर की संस्कृति: मैपिंग, संरक्षण और संवर्धन की तरफ, ए.एच. सिंह, आदि। 05.12.2018 से 31.03.2019. 1000 अमरीकी डॉलर।

आयोजित संगोष्ठी - 3

पूर्व छात्र बंगाली सिलेबाई: एक समीक्षा पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 29 सितंबर 2018.

मातृभाषा दिवस - अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस, सिंधी भाषा, एमएचआरडी, नई दिल्ली के प्रचार के लिए राष्ट्रीय परिषद् द्वारा प्रायोजित, 21 फरवरी 2019.

"गांधीवादी विचार और भारतीय साहित्य संस्कृति" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 09 और 10 मार्च 2019.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

एस. के. बर्मन

एस के बर्मन,

जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय (सांय), नई दिल्ली में 15-16 नवंबर, 2019 को आयोजित पाठ पाठकीयता एवं पाठक की राष्ट्रीय संगोष्ठी में, *उत्तर बागेर भावोइया संगीते नारी* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एक पत्र प्रस्तुत किया, प्रेमाख्यान, आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 29-30 जनवरी 2019 को भारतीय वर्नाकुलर साहित्यः प्रेमाख्यान पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *महास्वेतार छोटोगल्पो: आदिबासी समाज* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

ए चक्रवर्ती,

23 अप्रैल, 2018 को दिल्ली में दिल्ली विश्वविद्यालय के देशबंधु महाविद्यालय में आयोजित बलात्कार कथा और लोकप्रिय संस्कृति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *समकालीन बंगाली लोकप्रिय संस्कृति में बलात्कार कथा* पर एक व्याख्यान दिया।

एक व्याख्यान दिया, नेशनल सिम्पोजियम इन द डिपार्टमेंट ऑफ एमआईएल एवं एलएस विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 29 सितंबर, 2018 को *पूर्व स्नातक बंगाली सिलेबाई: एक समीक्षा* पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *सिलेबस मेकिंग: आदर्श और वास्तविकता* पर एक व्याख्यान दिया।

पांडुलिपि, कर्नाटक जनपद विश्वविद्यालय, कर्नाटक में 10-12 जनवरी, 2019 को *पांडुलिपियों में प्रतिविम्बित लोक जीवन* पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *पांडुलिपि और लोक जीवन: परे पांडुलिपि की संभ्रांतवादी परिभाषाओं से परे* पर एक व्याख्यान दिया।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में 25 मार्च, 2019 को *समकालीन साहित्य के साहित्यिक रुझान: पूर्व और पश्चिम* पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण दिया।

विश्वभारती, शांतिनिकेतन, 26-28 मार्च, 2019 को नई दिशाओं में पांडुलिपि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *पांडुलिपि को बहुस्तरीय पाठ के रूप में समझने* पर एक व्याख्यान दिया।

मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद में 11-14 मार्च, 2019 को बहुस्तरीय और संवाद फ्रेम, के माध्यम से दक्षिण एशियाई कथाओं का अध्ययन करने पर XVI सीएलएआई द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *बांग्लादेश में राज्य-प्रायोजित साहित्यिक इतिहास और साहित्य एंथोलॉजी* पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

यू देवी,

तमिलनाडु भाषायी शोधकर्ता समूह के सहयोग से चेन्नई के थमिझागा इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड एडवांसमेंट द्वारा कुमारगाम, कोयम्बटूर में 27 जनवरी 2019 को आयोजित अनुप्रयुक्त भाषा शास्त्र में हाल के रुझानों पर *थेरिकथा-एथी पेनलकलिन अलागियाल* पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एन.जी.बी. आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कोयम्बटूर के तमिल विभाग द्वारा 30 जनवरी 2019 को आयोजित नैतिकता और सौंदर्यशास्त्र पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *विरोधी सांस्कृतिक सौंदर्यशास्त्र* पर एक व्याख्यान दिया।

टी. ई. मलयालम विश्वविद्यालय, तिरूर केरल में 15-17 मार्च 2019 को लोकगीत और दर्शन और अन्य मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में केट्रीभोजना और मुलियप्पपारी अनुष्ठान- एक लाक्षणिक दृष्टिकोण पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

श्री भारती महाविद्यालय फॉर वुमन, कुन्नाथुर, अरणी, तमिलनाडु में 08 मार्च, 2019 को महिला सशक्तिकरण के साहित्यिक प्रतिनिधित्व पर व्याख्यान दिया।

गाँधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 12 मार्च 2019 को आयोजित विश्व साहित्य में गांधी पर संगोष्ठी में *तमिल साहित्य में गाँधी का प्रतिनिधित्व* पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

भारतीय भाषा और ग्रामीण कला विभाग, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, गांधीग्राम द्वारा 26 मार्च 2019 को आयोजित लोक और जनजातीय विद्या में नए रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में *महिला लोकगीतों को पढ़ने के नए रुझानों* पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

पर शिव नादर विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश द्वारा, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में, 08-09 मार्च, 2019 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सार्वजनिक क्षेत्र में संग्रह करना: उन्नीसवीं शताब्दी के अंत और बीसवीं शताब्दी की शुरुआत में बंगाल के पागलपन बारे में समझना, पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वी. आर. गम्पा,

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, संस्कृत विभाग, दिल्ली द्वारा 16-18 नवंबर 2018 को आयोजित भरतीय भाषा संगम पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *तेलुगु फ़िक्शन पर वैश्वीकरण के प्रभाव: आचनात्मक अध्ययन* पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में 11-12 फरवरी 2019 को आधुनिक भारतीय भाषा विभाग द्वारा आयोजित *भारतीय भाषाओं और साहित्य पर वैश्वीकरण के प्रभाव* पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *तेलुगु साहित्य में वैश्वीकरण पर परिप्रेक्ष्य ऐ या ने?* पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में 09-10 मार्च 2019 को आधुनिक भारतीय भाषा विभाग द्वारा आयोजित गांधीवादी विचार और भारतीय साहित्य संस्कृति पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *बीस बिंदुओं का कार्यक्रम: गांधीवादी मार्ग से तेलुगु उपन्यास से इंदिरा गांधी तक की उत्पत्ति* पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वी नारायणप्पा,

तेलुगु विभाग, तुलनात्मक साहित्य, अनंतपुरमु और दक्षिण भारतीय भाषाओं की लोकगीत सोसायटी, तिरुवनंतपुरम में 30- 31 जनवरी 2019 को *तेलुगु कन्नड़ सामेतालु -तुलानात्मक परिशीलन* पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

स्नेहा क्लब, ए.पी, एससी वेलफेयर सोसाइटी और महाबोधि साहित्य वेदिका, अनन्तपुरम द्वारा 27- 28 फरवरी 2019 को संयुक्त रूप से आयोजित प्रैसीना तेलुगु साहित्य - आदुनिकला पुनर्मूल्यांकनम पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *भारतीया वाड्गमयलू स्त्री पात्रा प्रमुख्यम: नाडु - नीडु* पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

पी सी पटनायक,

आईएलटीए, थिकुंग जनरल जी. बी. मनवरिंग की जन्मशती के अवसर पर, एमएलएलडीबी और आईएलटीए द्वारा 18 जुलाई 2018 को फुलॉन्गडोंग, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *लेप्चा संस्कृति के संरक्षण* पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

आदिवासी विकास विभाग, सिक्किम सरकार, गंगाटोक के श्रमसा गार्डन में 6-8 अगस्त 2018 को आयोजित *जनजातीय भाषा और संस्कृति के प्रलेखन और संरक्षण* पर एक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

एमएलएलडीबी, और आईएलटीए द्वारा आयोजित, चौरसटा, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल में 20 दिसंबर 2018 को पानो गाएबो अच्युक की 287 वीं जयंती के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम में अध्यक्षीय भाषण दिया।

जीआईटी-डैबलिंग, कलिम्पोंग, पश्चिम बंगाल में के पी. तमसांग की 104 वीं जयंती के अवसर पर, 19 जनवरी 2019 को एमएलएलडीबी और आईएलटीए द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में अध्यक्षीय भाषण दिया।

उद्रजा द्वारा भुवनेश्वर में 25-26 फरवरी 2019 को आयोजित *मौखिक परंपराओं के तत्वों पर* व्याख्यान दिया और लिपि-साहित्य 2019 के राष्ट्रीय अधिवेशन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

उत्कृष्टता विभाग, विश्वभारती में 26-29 मार्च 2019 को *पूर्वी भारत के जनजातीय जीवन पर अंदरूनी सूत्र और बाहरी लोगों के दृष्टिकोण* राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण दिया और एक सत्र की अध्यक्षता की।

जी राजगोपाल,

तमिल भाषा विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई तमिलनाडु में 08 मार्च 2019 को *तमिल अयवेदुगिल अयवियाल नेरिमुरई - मोलिपुलैमिक सिक्कल,* (अनुसंधान और तमिल भाषा में भाषा प्रवीणता के मुद्दे) पर एक व्याख्यान दिया

गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 21 फरवरी, 2019 को आयोजित मातृभाषा दिवस संगोष्ठी में *मातृभाषा दिवस में भारत के वर्तमान संदर्भ में मातृभाषा और अन्य भाषा* पर व्याख्यान दिया।

एनसीपीएसएल, एमएचआरडी, भारत सरकार के सहयोग से 21 फरवरी, 2019 को दिल्ली के दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय, कला विभाग, आधुनिक भारतीय भाषाओं और साहित्य अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस संगोष्ठी में एक अध्यक्षीय टिप्पणी दी।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गये

इरास्मस+एक्सचेंज प्रोग्राम, चार्ल्स यूनिवर्सिटी, प्राग, चेक गणराज्य।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या (25)

पीएच.डी.- 9

एम.फिल. - 16

संकाय की संख्या: **(15)**

स्थायी - 11

तदर्थ- 4

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

ए चक्रवर्ती,(2018). संयोजक ने 30 नवंबर -6 दिसंबर, 2018 को *पूर्व स्नातक बंगाली प्रोग्राम सिलेबस उन्नयन*, संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया है।

आर दास, (2018). प्रमुख असमिया दैनिक, *दैनिक जनभूमि* में पाक्षिक कॉलम के रूप में 'अव्यक्तिगत' शीर्षक से लिखते रहे हैं ।

वी.आर गम्पा, (2018).

संयोजक ने, आधुनिक भारतीय भाषा और साहित्य अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली -110007 में 13, अक्तूबर 2018 को *अंग्रेजी में तेलुगु लेखनः* नए परिप्रेक्ष्य *पर* एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। सह-संयोजक के रूप में आधुनिक भारतीय भाषा और साहित्य अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय -110007 में 9-10 मार्च 2019 में *गांधीवादी विचार और भारतीय साहित्य संस्कृति* पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

***

फारसी

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

फारसी विभाग फारसी में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा कोर्स, एडवांस डिप्लोमा कोर्स, मास्टर ऑफ आर्ट, स्नातकोत्तर के बाद फारसी उन्नत अनुवाद और व्याख्या में एक वर्ष का डिप्लोमा, एम. फिल. और पीएच. डी. कार्यक्रम चलाता है।विभाग यूजीसी-डीएसए एसएपी-द्वितीय अनुदान द्वारा समर्थित है। संकाय सदस्यों के पास 2018-19 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की पत्रिकाओं में 01 से अधिक प्रकाशन हैं।

कुछ संकाय सदस्य पेशेवर सोसायटियों और अनुदान एजेंसियों से जुड़े हैं। एक संकाय विभिन्न विश्वविद्यालयों के यूजीसी के विशेष सहायता कार्यक्रम की सलाहकार समिति में और यूजीसी और आईसीसीआर की कई समितियों के विशेषज्ञ रहे हैं। विभाग नियमित शिक्षण और अनुसंधान के अलावा, साप्ताहिक संगोष्ठियां, वार्षिक कार्यशाला और सम्मेलन आयोजित करता है। विभाग ने 2018-19 में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी का आयोजन किया।

शोध परियोजनाएं

डीआरएस एसएपी-II (इंडो-फारसी साहित्य)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग। 2014-2019 (5 वर्ष)। 44,00,000/-रुपए।

आयोजित सम्मेलन

10 -11 मई, 2018 को फखरुद्दीन अली अहमद मेमोरियल कमेटी, लखनऊ द्वारा प्रायोजित "उर्दू और फ़ारसी के अदबी और तहज़ीबी रिश्ते" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।
29 मार्च, 2019 को एनसीपीयूएल, जीओआई, नई दिल्ली द्वारा समर्थित हजरत अमीर ख़ुसरो देहलवी व्याख्यान श्रृंखला "अमीर ख़ुसरो हिंदुस्तानी तहज़ीब-ओ-सक़फ़त का आलमबदर" पर आयोजित की गई थी।

प्रदत्त पी.डी.एच./एमकी संख्या.फिल.

प्रदत्त पी.एच.डी. - 05
प्रदत्त एम.फिल. - 09

संकाय की संख्या (11)

स्थायी संकाय	-	04
तदर्थसंकाय	-	02
अतिथि संकाय	-	04
शोध एसोसिएट	-	01 + 01 (रिक्त)

***

दर्शन शास्त्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दर्शनशास्त्र विभाग ने हमेशा अपने विचारों और शोध को प्रस्तुत करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय विद्वानों के लिए एक मंच बनाने का लक्ष्य रखा है। कई प्रतिष्ठित विद्वानों को आमंत्रित किया गया, जिनके संपर्क में संकाय और छात्रों दोनों के लिए मूल्यवान था और कुछ बहुत ही उपयोगी और संवादात्मक चर्चाएं हुईं। विभाग ने अन्य विषयों के छात्रों के लिए सफलतापूर्वक चार अंतःविषय पाठ्यक्रमों की पेशकश की। गठित की गई विभिन्न समितियों ने अपना काम पूरी लगन से किया और कई शैक्षणिक और प्रशासनिक मामलों को प्रभावी ढंग से संबोधित किया। संकाय सदस्यों ने संगोष्ठियों और सम्मेलनों में दृढ़ता से भाग लिया और कुछ को मुख्य वक्ता के रूप में विशेष और सार्वजनिक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

प्रकाशन

के.जी आदित्य, (2018). अद्वैत, धर्म और राष्ट्रीय राजनीतिक प्रवचन *'एक नए भारत के लिए राजनीति में*, रूपा पब्लिकेशन।

डी बालगणपति, (2018). थाईलैंड में हिंदू धर्म: इसकी उपस्थिति और अनुपस्थिति, *दक्षिण एशियाई अध्ययन का जर्नल,,* संस्.24. सं..2. पृष्ठ 73-86.

डी बालगणपति, (2018). उच्च शिक्षा पर विघटनकारी प्रौद्योगिकी का प्रभाव। विश्वविद्यालय समाचार, *ए जर्नल ऑफ़ हायर एजुकेशन,* एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज़। सं.56. सं.12.

डी बालगणपति और जे आर जयश्री, (2018). आधुनिक दक्षिण एशियाई विचारकों में दत्तात्रेय रानाडे। डी एन पाठक और एस कुमार, (संपा.) में। सेज. 2018. पृष्ठ 292-297.

एन भौमिक, (2018). पुस्तक की समीक्षा: अमिताव घोष की द ग्रेट डिअरेंजमेंट, Online https://www.iamrenew.com/book-review/books-amitav-ghoshs-great-derangement/

एन भौमिक, (2018). मानव जांच पर विचार। गौहाटी विश्वविद्यालय, जर्नल ऑफ फिलॉसफी,संस्.3, 157-164.

एन भौमिक, (2018). मन की बात।सहभागिता, संस.1, त्रैमासिक 3, ऑनलाइन: https://lilainteractions.in/mind-talk-the-confluence-of-thought-and-action/

एन भौमिक, (2018). प्राथमिक अद्वैतवाद और तार्किक परमाणुवाद। गुवाहाटी यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ़ फिलॉसफी, संस.3, पृष्ठ 23-38.

एस मोतीलाल और प्रकृति प्रजापति (2018). विकास एजेंडा और मानवाधिकार उल्लंघन: दक्षिण एशियाई प्रसंग, जे ड्रायडेक और लोरी केलेहर (संपा.) नैतकता विकास पुस्तिका, रूटलेज पृष्ठ 376-381

अनुसंधान परियोजनाएं

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, एक प्रमुख अनुसंधान परियोजना, आंध्र के प्रारंभिक बौद्ध संप्रदाय के सिद्धांत के अंतर का अध्ययन, बालगणपति, डी. 2015-2018), 13.5 *लाख।*

आईसीएसएसआर, नई दिल्ली प्रमुख वित्तपोषण परियोजना कल्चर वैश्वीकरण की भूलभुलैया के माध्यम से: लोकप्रिय कल्पना और डिजिटल और गैर-डिजिटल तेलुगु साहित्य की वैकल्पिक कथाओं का अध्ययन - भारत में संस्कृति और राजनीति का इंटरफ़ेस: वैकल्पिक कथाओं में एक अन्वेषण। बालगणपति, डी. 2017-2019, 45 लाख।

आयोजित संगोष्ठी -31

डी. बालगणपति,रामानुजन महाविद्यालय, नई दिल्ली के सहयोग में 22 मार्च 2019 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लैटिन अमेरिकी और भारतीय दर्शन के बीच पुल का निर्माण"।

ए. चतुर्वेदी, अशोक विश्वविद्यालय के दर्शन के सहायक प्रोफेसर ने 22 फरवरी, 2019 को "सद्भाव और स्वायत्तता: प्लेटो के पूर्व दर्शन में क्रम के दो मॉडल"पर व्याख्यान दिया।

पी पी गोखले, माननीय सहायक निदेशक, पाली विभाग, एस.पी. पुणे विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने 4 जनवरी 2019 को "उदात्त नजरिया बनाने के लिए एक दलील (ब्रह्मविहार)" विषय पर वार्ता प्रस्तुत की।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायधीश, जे के काटजू ने 14 फरवरी, 2019 को 'भारतीय शिक्षाविदों को अपनी वास्तविकताओं से कैसे काटा जाता है' पर वार्ता प्रस्तुत की।

जेड काज़मीरेस्कक, बेलस्टॉक विश्वविद्यालय, पोलैंड के धार्मिक अध्ययन और दर्शन के प्रोफेसर ने 8 फरवरी 2019 को "सभी धर्म किस तरह से समान हैं?" पर वार्ता प्रस्तुत की।

ओजोग, टी. ए. डोशीशा विश्वविद्यालय, क्योटो, जापान ने 8 फरवरी 2019 को "धार्मिक सह-अस्तित्व के विभिन्न रूप" पर वार्ता प्रस्तुत की। यूरोपीय, जापानी और भारतीय परिप्रेक्ष्य

ए एस राठौर, प्रोफेसर, लेखक और एक आयरनमैन ट्रायथलेट ने 1 फरवरी 2019 को "आत्मकथा के एक दर्शन की ओर" पर वार्ता प्रस्तुत की।

के वीरमणि, सार्वजनिक बौद्धिक, लेखक और नेता ने 4 फरवरी 2019 को "पेरियार के दर्शन और आत्म सम्मान आंदोलनों" पर वार्ता प्रस्तुत की।

2 दिनों (13-14 अक्तूबर) के आई.सी.पी.आर. प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के 'भारतीय मन की घोषणा: भारतीय दर्शन का पुनरोद्धार '(दर्शन ज्ञान संगम), नई दिल्ली के संयोजक।

दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में 15 -17 अक्तूबर, 2018 को *महिलायें, लिंग और पितृसत्ता:हाशिये की खोज* पर एक आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी।

संगोष्ठी/सम्मेलन की प्रस्तुतियाँ

डी बालागणपति, आधुनिक शिक्षा प्रणाली में सार्वभौमिक नैकिकता: प्रौद्योगिकी, तर्क और 14-15 अप्रैल 2018 को तिब्बत हाउस और रामानुजन महाविद्यालय द्वारा आयोजित सार्वभौमिक नैकिकता पर दूसरे कॉन्क्लेव में: शिक्षा में भावनात्मक खुफिया के परिप्रेक्ष्य पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

17 अगस्त 2018 को चीन नेशनल कन्वेंशन सेंटर बीजिंग में आयोजित दर्शन के 24वें विश्व सम्मेलन में "नए युग में जीवन के बारे में जागरूकता" पर गोलमेज सम्मेलन में *शांति में होना: भारतीय अवधारणाओं की खोज* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

8 सितंबर 2018 को हंसराज महाविद्यालय, नई दिल्ली में "मीडिया एथिक्स" पर आमंत्रित वार्ता।

13 और 14 अक्तूबर 2018 को आईसीपीआर द्वारा आयोजित *विचारों में स्वराज पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारतीय दर्शन की पुनरुत्थान और भारतीय मन को मुक्त करना"* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

14 मार्च 2019 को लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, नई दिल्ली में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान के लिए *स्वायत्तता का सिद्धांत: एक मानवाधिकार परिप्रेक्ष्य* पर आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की।

15 अगस्त 2018 (13 से 19 अगस्त) को चीन के राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर बीजिंग में आयोजित 24वें विश्व सम्मेलन में "मूल्य और मानव बनना सीखना" पर गोलमेज सम्मेलन में *मूल्य किस अर्थ में हमें मानव होना सीखा सकता है?* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कन्वेंशन सेंटर, जेएनयू में 18- 20 मार्च 2019 को "लैटिन अमेरिकी और भारतीय दर्शन के बीच पुल निर्माण" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *भारतीय दर्शन के आवर्त और संकल्पना* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

उडुपी में भारतीय विद्या परिषद् और तत्वा संशोधन संस्कार द्वारा 4-6 जनवरी 2019 को आयोजित विचार-विमर्श मंथन कार्यक्रम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *दाना के यूरोसेन्ट्रिक डिपॉजिट्स का एक अध्ययन* प्रस्तुत किया गया ।

धर्म और इतिहास और भारतीय संस्कृति विभाग, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान में 30 और 31 मार्च, 2019 को "कला, वास्तुकला और सौंदर्यशास्त्र के लेंस के माध्यम से भारतीय इतिहास को फिर से देखना" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *रचनात्मकता: समकालीन धर्म के संकट के समाधान के रूप में सौंदर्य शास्त्र* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शिमला के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडी में8 और 9 फरवरी 2019 को आयोजित *वैश्वीकरण के भूलभुलैया के माध्यम से संस्कृति: तेलुगु के मानकीकरण के प्रतिरोध का एक अध्ययन* पर “लोकप्रिय निर्माण की कल्पना और भारत में राजनीति पर प्रवचन: ज्ञान निर्माण के वैकल्पिक स्थलों के रूप में सांस्कृतिक कथाओं की खोज” पर कार्यशाला का आयोजन किया।

दौरान नव नालंदा महाविहार, नालंदा द्वारा 21-23 जनवरी 2019 को 13वें "रिश्ते और आधुनिक विज्ञान के दर्शन पर नालंदा संवाद" में *सामाजिक संबंध: तर्क और भावना का बौद्ध सामंजस्य* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

विष्णुमोहन फाउंडेशन, चेन्नई द्वारा 19-21 जनवरी 2019 के दौरान आयोजित शांति सम्मेलन में *शांति की अवधारणाओं की खोज: एक पोषण स्थल के रूप में परिवार* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आईसीपीआर के सहयोग से विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा नई दिल्ली में 16 और 17 जनवरी 2019 को आयोजित "वसुधैव कुटुम्बकम: भारत की प्राचीन सोच की समकालीन सामरिक वास्तविकता के लिए प्रासंगिकता" पर दो दिवसीय संगोष्ठी में *दान की भारतीय अवधारणा और इसके अनुप्रयोग का क्षेत्र* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एन भौमिक,

तर्क और सत्य पर मुंबई विश्वविद्यालय कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति।*"सत्य पर अधिक"* और *"गैर-शास्त्रीय तर्क"* विषयों पर व्याख्यान दिए। 24-26 सितंबर, 2018.

30 नवंबर, 2018 को जेएनयू में दर्शन की प्रासंगिकता पर व्याख्यान दिया।

एन चोपड़ा,

लिंग्विस्टिक साइंस एंड टेक्नोलॉजी केंद्र, आईआईटी गुवाहाटी द्वारा 10-12 अक्तूबर, 2018 को आयोजित 5वें एसीसीसी (संज्ञानात्मक विज्ञान का वार्षिक सम्मेलन) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एआई और मानव मन वास्तविक अर्थ की खोज: हाइडेगरियन फिनोमेनोलॉजी और ईईईईए-अनुभूति (अमूर्त) का उपयोग करके संज्ञानात्मक विज्ञान की नींव का पुनर्निर्माण पर प्रस्तुति।

सम्मेलन, इंटरलाकेन, स्विटज़रलैंड 26, 27 और 28 जून 2019 को "द साइंस ऑफ कॉन्शियसनेस" पर सम्मेलन में धर्मशास्त्रीय तर्कवाद और शास्त्रीय संज्ञानात्मकता को प्रभावित करना -हाइडेगरियन फिनोमेनोलॉजी और अवतारवाद के प्रकाश में पर प्रस्तुति।

ए गौतम,

भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् द्वारा 15 अक्तूबर 2018 को आयोजित लिंग संवेदीकरण (महिला, लिंग और पितृसत्ता: हाशियों का अन्वेषण) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *ज्ञानमीमांसा पर नारीवादी परिप्रेक्ष्य की जांच* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर फिलॉसफी में 10 अप्रैल, 2018 को *मिरांडा फ्रिकर के माध्यम से प्रशंसापत्र ज्ञान को समझने के लिए* आमंत्रित वार्ता।

ए के गुप्ता,

माता सुंदरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय मेंसितम्बर 2018 में अद्वैत नैतिकता पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में नवम्बर, 2018 में एम.एच.आर.डी. प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम 'मध्यकाल हिंदी साहित्य वेदांत दर्शन' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय दर्शन विभाग द्वारा 13 -14 फरवरी, 2019 को नैतिक भाषा पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में *अद्वैत नैतिकता और निष्प्रभावी भाषा का वितरण पर* एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय में 13 फरवरी, 2019 को यूजीसी प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

शांति और सुलह पर, चेन्नई में 19, 20 और 22 जनवरी 2019 को आयोजित चौथे वार्षिक सम्मेलन में *परिवार और गैर-द्वन्द्वात्मक प्रेम: शांति के पथ की परीक्षा पर* एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

आई.जी.एन.सी.ए., नई दिल्ली में 05 जनवरी, 2019 को एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में *राम के आयाम* पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय में 16 अक्तूबर,2019 को *महिला, लिंग और पितृसत्ता* पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में *भारतीय संस्कृति में नारी का स्थान* में पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

एबीपी न्यूज़ पर आयोजित हिंसा पर एक चर्चा में भाग लिया।

आर जायसवाल,

दर्शन और धर्म विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अद्वैत वेदांत की परंपरा: इसके समकालीन व्याख्याता और प्रो रेवती रमण पांडे पर आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, (27-29) जुलाई, 2018) में राष्ट्रवाद से ब्रह्मांडवाद: अरबिंदो के विचारों का विश्लेषण पर आमंत्रित वार्ता।

आमंत्रित वार्ता: आईसीपीआर में 19 सितंबर, 2018 को कोरियाई प्रतिनिधियों के साथ संगोष्ठी में शांति अध्ययन पर संवादःकोरिया और भारत पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

इंडियालॉग फाउंडेशन, गांधी स्मृति और दर्शन समिति और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (30 और 31 अक्तूबर 2018) द्वारा सह-आयोजित 'वैकल्पिक विवाद समाधान पर गांधीवादी परिप्रेक्ष्य' में गांधी और टैगोर के विशेष संदर्भ के साथ संघर्ष के समाधान की तकनीक पर आमंत्रित वार्ता।

आईसीपीआर में *महिलाओं, लिंग और पितृसत्ताः हाशिये की* खोज पर आयोजित (15 - 17 अक्तूबर 2018)। राष्ट्रीय संगोष्ठी में *क्वेस्ट एक अलग प्रतिमान की ओर: एक 'महिला' की खोज* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एशियाई दर्शन सम्मेलन (7 से 8 मार्च 2019) में धार्मिक असहिष्णुता की समस्या के लिए गांधीवादी समाधान पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

भारतीय दर्शन कांग्रेस (9-11 मार्च 2019) में गांधी और टैगोर के विशेष संदर्भ के साथ संघर्ष के समाधान की तकनीक पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पी के केशव,

आईआईटी बॉम्बे द्वारा 22-24 नवंबर, 2018 को आयोजित *"बहुवाद और असमान समाजों में शिक्षण की नैतिकता"* पर *अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कक्षा में जाति:एक नैतिक पूछताछ* पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आईआईटी बॉम्बे द्वारा 22-24 नवंबर, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बहुवादी और असमान समाजों में शिक्षण *की नैतिकता"* पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

दलित अध्ययन के केंद्र, अंग्रेजी विभाग द्वारा 26 नवंबर 2018 को भारतीय संविधान का महत्व और इसे संरक्षित करने की आवश्यकता' पर आयोजित संगोष्ठी में भारतीय संविधान बनाने में चर्चाएँ पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

30 नवंबर, 2018 को देबीप्रसाद चट्टोपाध्याय के जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित "भारतीय दर्शन में मृत क्या है और जीवन क्या है" में विषय पर देबीप्रसाद चट्टोपाध्याय के दार्शनिक तरीके पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय और रामानुजन महाविद्यालय द्वारा 22 मार्च 2019 को आयोजित "लैटिन अमेरिकी दर्शनशास्त्र और भारतीय दर्शनशास्त्र के बीच पुल का निर्माण" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *भारतीय दर्शन:एक स्वदेशी परिप्रेक्ष्य* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय और रामानुजन महाविद्यालय द्वारा 22 मार्च, 2019 को आयोजित "लैटिन अमेरिकी दर्शनशास्त्र और भारतीय दर्शन के बीच पुल का निर्माण" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

13-15 *मार्च*, 2019 *को दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के दलित अध्ययन केंद्र द्वारा "दलित साहित्य: ग्रंथ और संदर्भ" पर आयोजित* राष्ट्रीय सम्मेलन में *एक सत्र की अध्यक्षता की और पैनल चर्चा में भाग लिया।*

जवाहरलाल विश्वविद्यालय में, 18-20 मार्च, 2019 को "लैटिन अमेरिकी दर्शन और भारतीय दर्शन के बीच पुल का निर्माण" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

राजनीति विज्ञान विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय (प्रातः) में 19 फरवरी 2019 को आमंत्रित व्याख्यान दिया और *अम्बेडकर के दर्शन को समझने में मुद्दे* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

इंडियन सोशल साइंसेज और केआईआईटीएस, भुवनेश्वर द्वारा 27-30 दिसंबर, 2019 को आयोजित XLII भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में सूचना सोसाइटी *सूचना सोसाइटी के दर्शन का गठन और अन्वेषण* (दर्शनशास्त्र अनुसंधान समिति के अध्यक्ष का विशेष व्याख्यान) पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एस मोतीलाल,

"ए वर्ल्ड वर्ल्ड यूनाइटेड: एलायंस एंड कलेक्टिव एक्शन फॉर ए एथिकल डेवलपमेंट', जीआरईटीएचए-आईडीईए, बोर्डोक्स फ्रांस द्वारा 25-27 जून 2018 को आयोजित 'एक एकजुट विश्व: सहयोग और नैतिक विकास के लिए सामूहिक कार्रवाई' पर सम्मेलन में मानव दायरे के भीतर और परे गठबंधन: वैश्विक "कल्याण के लिए एक सतर्कता वार्ता पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

फिलॉसफी विभाग, अशोका यूनिवर्सिटी द्वारा 23 मार्च 2019 को आयोजित फिलकॉन 2019 में *मानव जीवन से परे विकास नैतिकता और गठबंधनों* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

दर्शन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 22 मार्च, 2019 को आयोजित लैटिन अमेरिकी दर्शन और भारतीय दर्शन के बीच पुल का निर्माण पर सम्मेलन में "विकास और मानव कल्याण के बीच अंतराल: भारतीय और लैटिन अमेरिकी दर्शन से सबक" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एस राय

न्याय और आचार: महिलाओं, लिंग और पितृसत्ता में पारिस्थितिकी-नारीवाद के चश्मे के माध्यम से: हाशिये की खोज (आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 15-17 अक्तूबर 2018) पर एक भाषण दिया।

भारत के बहुलतावादी लोकाचार के संदर्भ में विवेकानंद के 'सर्वधर्म समभाव' को समझना, भारतीय दर्शन का पुनरोद्धार: भारतीय मन की उद्घोषणा (आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 13-14 अक्तूबर, 2018) पर एक भाषण दिया।

एमिटी यूनिवर्सिटी मानेसर में 2-3 अगस्त 2018 को "एक बेहतर दुनिया के लिए भारत विद्या का सक्रिय अध्ययन (अंतर्राष्ट्रीय), *"वैदिक साहित्य में पारिस्थितिक जागरूकता"* पर एक भाषण दिया।

देशबंधु महाविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 8 अगस्त 2018 को आयोजित "भारतीय दार्शनिक दिवस समारोह" में सत्र की अध्यक्षता की।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 22 सितंबर 2018 को आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में *दार्शनिक परामर्श* पर भाषण दिया।

अद्वैत वेदांत की परंपरा : इसके समकालीन व्याख्याकार और प्रो रेवती रमण पांडे (27-29 जुलाई, 2018) पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के धर्म विभाग द्वारा आयोजित आईपीसीआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पारिस्थितिक चेतना और वेदांत दर्शन" आमंत्रित व्याख्यान दिया।

आईसीपीआर महिला, लिंग और पितृसत्ता: हाशिये की खोज में एक सत्र (15 -17 अक्तूबर 2018)।

दौलत राम महाविद्यालय द्वारा आईसीपीआर और पी.ए संगमा फाउंडेशन के सहयोग से 10-11 जनवरी, 2019 को आयोजित *पर्यावरणीय स्थिरता की आवश्यकता और प्रासंगिकता"* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या (17)

एम.फिल. - 10
पीएच.डी. - 7

संकाय की संख्या (16)

प्रोफेसर - 04 + 04 (रिक्त)
एसोसिएट प्रोफेसर- 02 + 13 (रिक्त)
सहायक प्रोफेसर - 10 + 01 (रिक्त)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डी बाला गणपति,

नव नालंदा महाविहार में आयोजित बिहार 7 -11 मार्च 2019 को आयोजित एशियाई दर्शन सम्मेलन के महासचिव

सदस्य दर्शनशास्त्र का अध्ययन मंडल, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा, जम्मू, सदस्य (चांसलर द्वारा नामित), वर्ष 2018-19 के लिए प्रबंधन बोर्ड, मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, मार्च 2019 से आज तक गवर्निंग बॉडी ऑफ मैत्रेयी महाविद्यालय, नई दिल्ली के अध्यक्ष।

2017 से नैतिकता और मूल्यों के लिए केंद्र, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली के मुख्य सलाहकार, सदस्य (बाहरी विशेषज्ञ), स्कूल ऑफ ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेज के स्कूल बोर्ड, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, बागला, सांबा, जम्मू और कश्मीर अगस्त 2018 से, सदस्य, समिति यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा दर्शनशास्त्र 2018 के लिए, सीखने के परिणामों पर आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (एलओसीएफ) का मसौदा तैयार करने के लिए, भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली की मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित 2018 की समीक्षा समिति के सदस्य।

एस मोतीलाल ने "सार्वजनिक नीति की नैतिक नींव और उनके पार-सांस्कृतिक अनुप्रयोग : एक समीक्षा" पर नैतिकता और सार्वजनिक मामलों के कार्यक्रम, दर्शनशास्त्र विभाग, कार्लटन विश्वविद्यालय और कनाडा-भारत उत्कृष्टता केंद्र, कार्लटन विश्वविद्यालय (12 और 13 जून, 2018), ओटावा, कनाडा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

एस राय,

स्वयम (एमएचआरडी परियोजना) के लिए "भारत में राष्ट्रवाद" और "समकालीन राजनीतिक दर्शन में उदारवाद और साम्यवादियों के बीच बहस" सामग्री लेखन।

डॉ. पूजा राय के साथ "लिंग, समानता और गरिमा: एक पश्चिमी परिप्रेक्ष्य" पर स्वयम (एमएचआरडी परियोजना) के लिए सामग्री लेखन।

नैतिकता और इसके विभाजनों पर स्वयम (एमएचआरडी परियोजना) के लिए सामग्री लेखन

सामान्य और व्यावहारिक नैतिकता के सिद्धांत: पश्चिमी परिप्रेक्ष्य पर स्वयम (एमएचआरडी परियोजना) के लिए सामग्री लेखन।

***

मनोविज्ञान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

मनोविज्ञान विभाग, मनोविज्ञान में एम.ए., अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान में एम.ए., और मनोविज्ञान में पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग की दो इकाइयां हैं- उत्तरी परिसर में मनोविज्ञान इकाई और दक्षिणी परिसर में अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान इकाई। विभाग की अनुसंधान गतिविधियां सामुदायिक विकास, वृद्धावस्था,

बहुभिन्नरूपी तकनीकों, परामर्श सेवाओं और कौशल, न्यूरो-इमेजिंग अनुसंधान, बौद्ध धर्म और मनोविज्ञान में प्रगति, भारतीय मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य, कला चिकित्सा और संगीत चिकित्सा से स्वयं को समझने के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

विभाग यूजीसी-एसएपी/कैस, आईसीएसएसआर, डीएसटी-एफआईएसटी, डीआरडीओ, एआईसीटीई, एलएसआरबी, अनुसंधान एवं विकास,दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुदान द्वारा समर्थित है। वर्ष 2015 में 44 लाख रुपए (गैर-आवर्ती - 5 लाख रुपए; पुनरावर्ती- 39 लाख रुपए) का स्वीकृत यूजीसी-एसएपी अनुदान प्राप्त हुआ और इसके अंतर्गत गतिविधियाँ जारी हैं। यूजीसी-एसएपी के अंतर्गत, विभाग ने अपनी गतिविधियों के तीसरे वर्ष में प्रवेश किया।

विभाग समुदाय की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक परामर्श केंद्र और एक विकासात्मक संसाधन केंद्र चलाता है।

प्रकाशन

एन बाबू, फेल्डमैन और रॉबर्ट, एस (2018)। *द डेवलपमेंट अक्रॉस द लाइफ स्पैन,* पियरसन: इंडिया।

एन बाबू, फेल्डमैन और रॉबर्ट, एस (2018)। बाल विकास, पीयरसन: भारत।

डी छाबड़ा, जे के पेन्बर्टी, डी डुकर, ए एविटाबिल, एम लिंच, व अन्य। (2018). फिजिशियन बर्नआउट, जीवन की गुणवत्ता और भावनात्मक बाढ़ पर नकल और संचार कौशल कार्यक्रम का प्रभाव। सुरक्षा और स्वास्थ्य और कार्य, 9, 381-387.

डी छाबड़ा, जे के पेन्बर्टी, जे एम पेन्बर्टी, एन एविटाबिल, एन ले, व अन्य। (2019). ऑटोइम्यून रोगों और संबंधित लक्षणों के लिए चिंता आधारित उपचार। ओबीएम एकीकृत और पूरक चिकित्सा, 3(4), 1-10.

ए. गुप्ता, और एस पी के जेना, (2018) चिंता का प्रभाव, संज्ञानात्मक व्यवहार उपचार और वंचित बच्चों के आचरण और शैक्षणिक समस्याओं पर अकादमिक प्रशिक्षण। मनोविज्ञान और मनोचिकित्सा जर्नल, आईएसएसएन: आईएसएसएन: 2161-0487, 8, 4:347.

एस पी के जेना, (2018)

अभिगम अक्ष्यमताः सिद्धांत से प्रयोग तक (अधिगम अक्षमता: सिद्धांत का अभ्यास), सेज, नई दिल्ली, आईएसबीएन 978-81-321-0969-3 (अध्याय. 14) पृष्ठ 268 (अंग्रेजी में मेरे मूल काम का हिंदी अनुवाद: लर्निंग डिसेबिलिटी: थ्योरी टू प्रैक्टिस, एक ही प्रकाशक द्वारा)

डी तनेजा और एस पी के जेना, (2018), ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार: भाई बहन के विकास पर इसका प्रभाव, आईजेआरएआर- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू (आईजेआरएआर), ई-आईएसएसएन 2348-1269, पी- आईएसएसएन 2349-5138, .5, 3, 20-29.

जर्नल

संपादकों/संपादकीय मंडल के सदस्यों के रूप में सेवारत विभागों के सदस्यों की संख्या
समीक्षक बोर्ड के सदस्य- दो पत्रिकाओं में सेवारत एक संकाय

अनुसंधान परियोजनाएँ (2)

आरजीएनआईवाईडी, गरीबी रेखा - के नीचे के लोगों में लचीलापन और उद्यमिता विकास, एस पी के जेना, 25 अक्तूबर 2016 को शुरू हुई।

यूजीसी एसएपी डीआरएस-I (मनोविज्ञान)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग। 2014-2019 (5 वर्ष)। 44,00,000/- रुपए

आयोजित ससम्मेलन - 7

डॉ. अरविंद मिश्रा द्वारा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली के मनोविज्ञान विभाग, उत्तरी परिसर में 12 अक्तूबर 2018 को आयोजित मल्टीवेरिएट तकनीकों पर विशेष व्याख्यान।

30 जनवरी 2019 को सुश्री भौमिक द्वारा 'टूटे समय में सुनने और गायन' पर कार्यशाला।

20 सितंबर 2018 को दक्षिणी परिसर के मनोविज्ञान विभाग में स्टोरी वर्थ शेयरिंग कंपनी के एक विशेषज्ञ, हिमांशु पोसवाल द्वारा 'कहानी कहने' पर कार्यशाला।

14 सितंबर 2018 को दक्षिणी परिसर के मनोविज्ञान विभाग में सुश्री कृतिका सक्सेना (वीआईएमएचएएनएस) द्वारा अभिव्यंजक कला उपचार पर कार्यशाला।

6 सितंबर 2018 को दक्षिणी परिसर के मनोविज्ञान विभाग में विशेषज्ञ सुश्री पल्लवी श्रीवास्तव द्वारा हिप्नोथेरेपी और तौर-तरीकों पर कार्यशाला।

16 अगस्त 2019 को दक्षिणी परिसर के मनोविज्ञान विभाग में शोध के लिए अमेरिकन साइकोलॉजी एसोसिएशन के साइकेनेट के 'आवेदन सीखने और उपयोग पर कार्यशाला।

16 मार्च 2018 को दक्षिणी परिसर के मनोविज्ञान विभाग में संसाधन व्यक्ति, डॉ. अजय प्रताप, वाबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा तनाव प्रबंधन और टीम बिल्डिंग पर कार्यशाला।

आयोजित सम्मेलन

16 मार्च, 2019 को मनोविज्ञान विभाग में यूजीसी-एसएपी (डीआरएस-I) द्वारा प्रायोजित 'मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में नैतिकता' पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

एन बाबू, शहरी झुग्गियों की किशोर लड़कियों में अरक्षितता और लचीलेपन का अनुभव। संगोष्ठी में भारत में किशोरावस्था की लड़कियों के साथ-रहने का अनुभव प्रस्तुत किये गये। पार-सांस्कृतिक मनोविज्ञानकी 24वीं कांग्रेस, द यूनिवर्सिटी ऑफ गेल्फ, कनाडा, 1-5 जुलाई, 2018.

एन बाबू, संगोष्ठी में भारत में किशोरावस्था की लड़कियों के साथ-रहने का अनुभव प्रस्तुत किये गये। पार-सांस्कृतिक मनोविज्ञानकी 24वीं कांग्रेस, द यूनिवर्सिटी ऑफ गेल्फ, कनाडा,1-5 जुलाई, 2018.

एस पी के जेना, आपराधिक व्यवहार को समझना: आपराधिक और फोरेंसिक मनोविज्ञान पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, अपराध और फॉरेंसिक साइंस की एलएनजेएन राष्ट्रीय संस्थान, रोहिणी, दिल्ली, 18 मार्च, 2019.

एस पी के जेना, पारंपरिक चिकित्सा के घालमेल पर नैदानिक मनोविज्ञान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अनुसंधान विधि पर कार्यशाला। 9 जनवरी, 2019.

एस पी के जेना, समकालीन पश्चिमी स्वास्थ्य प्रणाली का अभ्यास, दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 8-9 जनवरी, 2019.

प्रतिमा और एस पी के जेना, मुख्य धारा की शिक्षा में सीखने में कठिनाई का अनुभव करने वाले छात्रों को प्रबंधित करने की रणनीतियाँ। *समावेशी समाज निर्माण की दिशा में* विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान की राष्ट्रीय अकादमी 2018 की 28वीं कांग्रेस।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

विस्तार और अभिगम्य गतिविधियों को अभ्यास के आंतरिक भाग के रूप में विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप किये जाते हैं, जिनमें छात्र सर्वेक्षण, मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन और समुदाय में हस्तक्षेप करते हैं। विभाग के छात्रों ने स्कूलों (जैसे डीयूएससू) का दौरा किया और बच्चों को संज्ञानात्मक आश्वासन दिया और जहाँ आवश्यक था हस्तक्षेप कियाविभाग का एक परामर्श केंद्र है जहाँ विभिन्न आयु समूहों के लोगों को विभिन्न संज्ञानात्मक और मनोवैज्ञानिक-सामाजिक मुद्दों पर परामर्श सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। विभाग का विकासात्मक संसाधन केंद्र पेरेंटिंग प्रशिक्षण, संज्ञानात्मक वृद्धि के लिए प्रशिक्षण, खेल उपचार आदि जैसी सेवाएं प्रदान करता है।

नियोजन ब्यौरा (18)

नियोजित छात्रों की संख्या - 10
प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल. की संख्या
प्रदत्त पीएच.डी.की संख्या - 10

संकाय की संख्या (उत्तरी और दक्षिणी परिसर)

स्थायी - 10 (08+02)
तदर्थ - 04 (01 + 03)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी (10)

एस पी के जेना, (2018)। निदेशक, व्यवहार विज्ञान संस्थान, गुजरात फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधी नगर, गुजरात।

***

पंजाबी

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

पंजाबी विभाग एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., प्रमाणपत्र और डिप्लोमा कार्यक्रमों के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग ने शैक्षिक सत्र 2018-2019 के दौरान राष्ट्रीय संगोष्ठी, स्मारक व्याख्यान, लेखक से मुलाकात और विशेष व्याख्यान आदि सफल साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए हैं। यह अनुसंधान-उन्मुख अध्ययन के लिए प्रतिबद्ध है और हमारे संकाय सदस्यों ने अन्य शैक्षणिक और साहित्यिक संस्थानों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों/सम्मेलन/ व्याख्यान/पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

पंजाबी आलोचना के दिल्ली स्कूल का तंत्रिका केंद्र होने की उल्लेखनीय विरासत के साथ, विभाग ने बदलते समय राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों, विशेष वार्षिक व्याख्यान आयोजित करके परंपरा को बनाये रखा है। विभाग द्वारा एक तरफ विचारकों, लेखकों और शिक्षकों के बीच और दूसरी ओर बुद्धिजीवियों और छात्रों के बीच बातचीत के लिए लाइव वायर मंच प्रदान किया गया, यह सुनिश्चित किया है कि विभाग दशकों तक पंजाबी साहित्य और संस्कृति के गतिशील परिवर्तन के केंद्र में बना रहे।

प्रकाशन

कौर, जे. (2018). जफरनामे दी सांवादिकता, 'पंजाबी दा भारती भाषावां नाल संबंध। थापर, पी. आर. (संपा.) में। मनप्रीत प्रकाशन, एनबीटी, नई दिल्ली, पृष्ठ 114-120

जे कौर, (2019)। वाहिखाता: दमित स्वाइ दा बिरतांत, पंजाबी स्वाजीवनियन साहितक मुलांकन। बलबीर माधोपुरी (संपा.), नवयुग पब्लिशर्स, पृष्ठ 109-119

जे कौर, 2018, ज़फरनामा: धर्मक अते राजनीतक पहलु, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी:जीवन अते विचधारा, डॉ. सतवंत कौर मान और अमृतपाल कौर विर्क (संपा.), ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी पब्लिशर्स, पटियाला। पृष्ठ 23-27.

जे कौर, 2019, वाहिखाता: दमित स्वाइ दा बिरतांत, पंजाबी वर्तक: प्राप्तियां ते संभावन, डॉ. सतवंत कौर मान और अमृतपाल कौर विर्क (संपा.), ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी पब्लिशर्स, पटियाला। पृष्ठ 1-5

जे कौर, (2019), बुढ़ा मगरमच्छ (अनूदित), एनबीटी, नई दिल्ली। नसराली, बी (2019)। औन वली काल दा वर्वा- होमो देउर, सृजन, 191,पृष्ठ 55-64

बी नसराली, (2019), डाक खाना खास, पटियाला, पंजाब, ग्रेसियस बुक।

बी नसराली, (2019). दर्शन दा गल्पनिक इतिहस, हुन, 41 पृष्ठ 110-117.

आर रवि, अप्रैल-जून (2019). शबद में प्रकाशित पंजाबी लघु कथा (साहित्य, कला और संस्कृति का एक अंतर्राष्ट्रीय त्रैमासिक) विषय पर डॉ. धनवंत कौर का साक्षात्कार।

आर रवि, (उपनाम डॉ. रवीन्दर कुमार) (2018). विशविकरण दे संदर्भ विच पंजाबी भाषा, साहित अते सभियाचार, विशविकरण दे संदर्भ विच पंजाबी भाषा, साहित अते सभियाचार, बीसवीं सदी की प्रथम भारतीय योजना, पटियाला। ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी पब्लिशर्स, पटियाला

आर रवि, (उर्फ डॉ. रविंदर कुमार) नवंबर 2018, पंजाबी कहानी की कहानी, मंतव्य -9 (हिंदी जर्नल)।

आर रवि, (2018). सामकालीन पंजाबी कहानी: कुछ सवाल, गुरबचन भुल्लर (दिल्ली) और हरजीत अटवाल (यू.के.) के समक्ष उठाये गये प्रश्न। मंतव्य -9 (हिंदी जर्नल)।

आयोजित संगोष्ठी -4

विभाग ने पंजाबी विभाग के विभागीय सम्मेलन कक्ष में 09.04.2018 को डॉ. वरियाम सिंह संधू के साथ रू-ब-रू का आयोजन किया।

विभाग ने पंजाबी विभाग के विभागीय सम्मेलन कक्ष में 31.08.2018 को प्रोफेसर सतिंदर सिंह द्वारा वितरित साहित दर साहित प्रवेश पत्र विषय पर विस्तारित व्याख्यान का आयोजन किया।

विभाग ने पंजाबी विभाग के विभागीय सम्मेलन कक्ष में 08.10.2018 को प्रोफेसर हरभजन सिंह भाटिया द्वारा पंजाबी अलोचना अते मेटा अलोचना विषय पर विस्तारित व्याख्यान का आयोजन किया।

विभाग ने डॉ. धर्म वीर सिंह द्वारा 28.02.2019 को विभागीय सम्मेलन कक्ष में, पंजाबी विभाग में'गुरु नानक देव जी और समाज" पर प्रोफेसर हरभजन सिंह मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया।

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

जे कौर, विषय पर में श्री गुरू तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय द्वारा फरवरी, 2019 में गुरु नानक की विरासत और दर्शन विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बाबर बानी दा काव प्रवचन' प्रस्तुत किया था।

आर रविंदर, (उपनाम डॉ. रविंदर कुमार)

'विश्व पंजाबी सम्मेलन', विशव पंजाबी भाईचारा (रजि.) चंडीगढ़ और आजाद पंजाबी मंच, कुआलालंपुर द्वारा 22-23 नवंबर 2018 को कुआलालंपुर (मलेशिया) में आयोजित दो दिवसीय आयोजित दो दिवसीय 'विश्व पंजाबी सम्मेलन', वर्तमान और भविष्य' पर एक प्रमुख व्याख्यान दिया।

साहित्य अकादमी (पत्रों की राष्ट्रीय अकादमी) द्वारा भोपाल (मध्य प्रदेश), 14-15 जुलाई, 2018 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर पर 'पूर्वोत्तर और उत्तर के लेखकों की बैठक' में *समकलीन पंजाबी कहानी दियां परिवर्तन* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

जशन-ए-पंजाबी गुरमुखी विश्व फाउंडेशन द्वारा 29-31 मार्च, 2019 को आयोजित एक तीन दिन साहित्यिक उत्सव *में 'बंटवारे दी काले किस्से, ऐ साडी नसल दे हिस्से'* पर एक सत्र का संचालन किया।

दयानंद महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र में हरयाणा पंजाबी साहित अकादमी, पंचकुला, के सहयोग से 29 मार्च, 2019 को आयोजित *गुरु नानक बानी: समकलीन परसंगिकता पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी* के एक दिवसीय सत्र की अध्यक्षता की और वक्तव्य दिया।

माता सुंदरी महाविद्यालय फॉर वुमेन, नई दिल्ली द्वारा 15-16 मार्च, 2019 को आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में सोसियो-कल्चरल स्टडी ऑफ एग्रीकल्चर पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एन सिंह, और एस कुमार, प्रस्तुत विषय पंजाबी विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला द्वारा 05-07 फरवरी, 2019 को आयोजित पंजाबी भाषा और संस्कृति की विविधता: समकालीन परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *"पंजाबी बागड़ी बोली का एक व्याकरणिक विश्लेषण"* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

संकाय और छात्र नियमित रूप से पंजाबी अकादमी, दिल्ली, पंजाबी भवन, दिल्ली, साहित्य अकादमी दिल्ली, केंद्रीय साहित्य सम्मेलन, दिल्ली और अन्य एनसीआर संगठनों के कार्यक्रमों द्वारा आयोजित साहित्यिक समारोहों में भाग लेते हैं।

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल. डिग्री की संख्या

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या	-	05
प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या	-	18

संकाय की संख्या (8)

स्वीकृत		
प्रोफेसर	-	2
एसोसिएट प्रोफेसर	-	4
सहायक प्रोफेसर	-	6
भरे हुए पद		
प्रोफेसर	-	1
एसोसिएट प्रोफेसर	-	3
सहायक प्रोफेसर	-	5
वास्तविक (सीएएस और एमपीएस सहित)		
प्रोफेसर	-	1
एसोसिएट प्रोफेसर	-	3

सहायक प्रोफेसर - 4

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग शारीरिक रूप से अक्षम और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। पंजाबी आलोचना के दिल्ली स्कूल के रूप में इसकी अपनी अंतर्राष्ट्रीय पहचान है।
जे. कौर. ने दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरू तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय में 22 और 23 फरवरी, 2019 को *गुरु नानक की विरासत और दर्शन* विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजक के रूप में भाग लिया।

आर रविन्दर, (उर्फ डॉ. रविन्द्र कुमार) ने सीआईआईएल, मैसूर के सहयोग से साहित्य अकादमी (नेशनल एकेडमी ऑफ लेटर्स) द्वारा 23-01-2019 से 25-01-2019 तक, मैसूर में आयोजित दक्षिण भारतीय भाषाओं की लघु कथाओं की पंजाबी में अनुवाद कार्यशाला में एक समन्वयक और अनुवादक के रूप में भाग लिया।

(उर्फ डॉ. रविंदर कुमार) ने विश्व पंजाबी सम्मेलन (रजि.) और पंजाब कला परिषद्, द्वारा 10-11 मार्च, 2018 को चंडीगढ़ में आयोजित'पंजाबियत: बर्तमान भविख' विषय पर दो दिनों के छठे विश्व पंजाबी सम्मेलन में एक आयोजक के रूप में भाग लिया और 'पंजाबी साहित्य और कला' पर एक सत्र में भाग लिया।

***

संस्कृत

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

संस्कृत विभाग ने 25.02.2019 को एनएन चौधरी मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया।
संस्कृत विभाग ने 05.04.2019 को पारंपरिक नव वर्ष विक्रम संवत: 2073 को सत्यकाम भवन, सामाजिक विज्ञान विस्तार भवन में मनाया था।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर वी. एस. द्विवेदी (2018). बौद्धिक विचार मंच एवं पारंपरिक साहित्य परिषद् उत्तर प्रदेश द्वारा 25.4.2018 को सारस्वत सम्मान प्राप्त किया।

प्रकाशन

जर्नल प्रकाशन (11)

एस चंद्रा, और अंजू (2018). सांख्य-योग दर्शन परिभाषा डेटाबेस एवं ऑनलाइन खोज *रिसर्च रिव्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लीनरी,* 2455:3085 (ऑनलाइन), संस्करण 03, अंक 11, पृष्ठ 890-894

एस चंद्रा, और अंजू (2018). साख्य-योग दर्शन की तकनीकी शर्तों का अर्थ। *जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर),* संस्करण 5:5, पृष्ठ 66-72.

एस चंद्रा, वी कुमार, और अंजू (2018). नियम और उदाहरण आधारित हाइब्रिड दृष्टिकोण का उपयोग करके संस्कृत के लिए स्वचालित रूपात्मक व्युत्पन्न प्रक्रिया। *इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन इंजीनियरिंग एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट (आईजेआरईएएम),,* 2454-9150, संस्करण 04, अंक 08,पृष्ठ 232-237.

एस चंद्रा, वी कुमार, और अंजू (2019). डीएस-आईएएसटी कन्वर्ट:देवनागरी और संस्कृत लिप्यंतरण के अंतर्राष्ट्रीय वर्णमाला के बीच एक स्वचालित स्क्रिप्ट कन्वर्टर। *इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज (आईजेआरएआर)* संस्करण 06, अंक 1, पृष्ठ 748-752.

एस चंद्रा, और अंजू (2019). सांख्य-योग दर्शन के पारिभाषिक शब्दों के विश्लेषण हेतु वेब तन्त्र का विकास।*गिरीश नाथ झा, सुधीर कुमार आर्य, अभिजीत दीक्षित और अतुल कुमार ओझा (संपा.) में, वेदा एज ग्लोबल हेरिटेज साइंटिफिक पर्सपेक्टिव।* भारत, नई दिल्ली: विद्यानिधि प्रकाशन, पृष्ठ 123-130.

एस चंद्रा, (2018). पाणिनीय अष्टाध्यायी में कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग भाषाओं की मूलभूत अवधारणाएं. *एस शर्मा और वाई शर्मा (संपा.) में, वर्तमान शिक्षा और वेद. भारत, नई दिल्ली: भारतीय विद्या प्रकाशन*, पृष्ठ 132-146.

एस चंद्रा एवं बी. कुमार (2018). पाणिनीय नियम आधारित संस्कृतसनाद्यन्त विश्लेषक तंत्र. *एस. शर्मा एवं वाई. शर्मा (संपा.) में, वर्तमान शिक्षा और वेद . भारत,नई दिल्ली: भारतीय विद्या प्रकाशन*, पृष्ठ 147-165.

एस चंद्रा, और बी कुमार, (2018). वेदान्त ग्रन्थों के अर्थनिर्धारण हेतु नियम एवं उदाहरण संयुक्त विधि का प्रयोग करके संस्कृत सनाद्यन्त क्रियापदों की संगणकीय पहचान एवं विश्लेषण। *जी एन झा, बी सिंह और एस सेनगुप्ता (संपा.) में, वेदांत साइंस एंड टेक्नोलॉजी: ए मल्टीडायमेंशनल एप्रोच।* पृष्ठ 00-00.

एस चंद्रा, और बी कुमार, (2019). संस्कृत सनाद्यन्त विश्लेषक. *गिरीश नाथ झा, सुधीर कुमार आर्य, अभिजीत दीक्षित और अतुल कुमार ओझा (संपा.) में, वेदा एज ग्लोबल हेरिटेज साइंटिफिक पर्सपेक्टिव। सं.-I.* भारत, नई दिल्ली: विद्यानिधि प्रकाशन, पृष्ठ 131-140

एस चंद्रा, और बी कुमार,(2018). उदाहरण-नियम संयुक्त विधि से संस्कृत क्रियापदों का अभिज्ञान, विश्लेषण एवं रूपसिद्धि तंत्र का विकास. *जी एन झा, बी सिंह और एस सेनगुप्ता (संपा.) में,* वेदांत साइंस एंड टेक्नोलॉजी: ए मल्टीडायमेंशनल एप्रोच। पृष्ठ 00-00

एस चंद्रा, और बी कुमार, (2019). ई-शिक्षण हेतु संस्कृतक्रियापदों की रूपसिद्धि के लिए वेब तन्त्र का विकास. *(संपा.) गिरीश नाथ झा, सुधीर कुमार आर्य, अभिजीत दीक्षित और अतुल कुमार ओझा (संपा.) में।, वेदा एज ग्लोबल हेरिटेज साइंटिफिक पर्सपेक्टिव।* सं.-I, पृष्ठ 224-233.

एस चंद्रा और एम आर कुमार, (2018). संस्कृत छन्द शिक्षण हेतु छात्रों एवं शिक्षकों के लिये वेब आधारित सहायक तंत्र का विकास। *में जी एन झा, बी सिंह और एस सेनगुप्ता (संपा.) वेदांत साइंस एंड टेक्नोलॉजी: ए मल्टीडायमेंशनल एप्रोच। (पृष्ठ 00-00).* भारत, नई दिल्ली: डीके प्रिंट वर्ल्ड।

एस चंद्रा और साक्षी (2018). नियम एवं उदाहरण मिश्रित विधि से वेदान्त ग्रन्थों के व्याकरणिक विश्लेषण के लिए तद्धितान्त पदों की संगणकीय पहचान एवं विश्लेषण। *जी एन झा, बी सिंह और एस सेनगुप्ता (संपा.) में वेदांत साइंस एंड टेक्नोलॉजी: ए मल्टीडायमेंशनल एप्रोच।* पृष्ठ 00-00

एस चंद्रा और साक्षी (2019). संस्कृत साहित्य में प्रयुक्त तद्धितान्त पदों की पहचान एवं विश्लेषण। *गिरीश नाथ झा, सुधीर कुमार आर्य, अभिजीत दीक्षित और अतुल कुमार ओझा (संपा.) में।, वेदा एज ग्लोबल हेरिटेज साइंटिफिक पर्सपेक्टिव।* सं.-I, भारत, नई दिल्ली: विद्यानिधि प्रकाशन,पृष्ठ 187-196

वी पी डिंडोरिया (2018). वासवदत्त, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली, वी एस द्विवेदी, जीवन शैली में संरक्षण: भारतीय विरासत, जीवन शैली में संरक्षण: भारतीय विरासत (8वें क्षेत्रीय 3आर फोरम एशिया और प्रशांत के अवसर पर प्रकाशित)। भारत के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा प्रकाशित।

वी एस द्विवेदी,(2018). पाश्चात्य देशों में मानवाधिकार का ऐतिहासिक विकास अनंता (इंटरनेशनल जर्नल ऑफ संस्कृत रिसर्च), दिल्ली। सं. 2018:4(1), पृष्ठ 12-18.

वी एस द्विवेदी,(2018). मानवाधिकारवादी सिद्धांत। अनंता (इंटरनेशनल जर्नल ऑफ संस्कृत रिसर्च), दिल्ली। सं. 2018:4(1), भाग बी पृष्ठ 60-64.

ए पी सिंह, (2018). छंदसमीक्षा में अद्वैत विमर्श (पंचांगतावाद के संदर्भ में), शोध-नवनीत (इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल, आईएसएसएन 2321-6581), सं.- X, पृष्ठ 115-118

बी शुक्ला, (2018) कथाकौतुकम: संस्कृत रेंडरिंग ऑफ पर्सियन युसुफ-जुलेखा ऑफ जामी संबोधी -XLI, पृष्ठ 11-26.

डी एस तिवारी,(2019). उपनिषदिका धर्म-दर्शन के प्रसर में दाराशिकोह का योगदान *पाटलिपुत्र जर्नल ऑफ इंडोलॉजी, पटना में, सं.12, जनवरी, 2019, पृष्ठ 29*-33,

बी शुक्ला, (संपा.) (2018) सतानाधनिराकनासामकायनम (डॉ. आर गणेश का संपादित संस्कृत काव्य संग्रह)। नई दिल्ली: साहित्य अकादमी।

बी शुक्ला, (अनुवाद) (2018)। निःशबद-नूपुर (रूमी की 100 ग़ज़लों का संग्रह और हिंदी अनुवाद)।: नई दिल्ली: एमजीएएचवी वर्धा और राजकमल।

डी एस तिवारी, (2019)। गणितीय अध्ययन में यजुर्वेद का महत्व: वैश्विक धरोहर के रूप में वेद पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में *आधुनिक परिप्रेक्ष्य: वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य जेएनयू,नई दिल्ली में, वैश्विक धरोहर के रूप में वेद पुस्तक में: वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य।* जी एन झा, एस के आर्य, अभिजीत दीक्षित, ए के ओझा द्वारा संपादित, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली

डी एस तिवारी, (2019). यतीन्द्र विमल चौधुरी के जीवनचरितात्मक रूपकों में नारी की समाजिक स्थिति:एक अनुशीलन पाटिलपुत्र में (सह-लेखक), जर्नल ऑफ इंडोलॉजी, पटना, सं.11, पृष्ठ 1-6.

आर के त्रिपाठी (2018) अध्याय लेखन 'भारतीय विद्यासार' सं.-2, एआईसीटीई, स्वीकृत, भारतीय विद्या-भवन, नई दिल्ली से प्रकाशित

आर के त्रिपाठी (2019). भौगोलिक अभिधान कोश (आर्श महाकव्यों से सम्बन्ध), विद्यानिधि प्राकाशन, दिल्ली

जर्नल

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में संपादक के रूप में सेवारत (6)

संपादक मंडल-तीन संकाय सदस्य छः जर्नलों में सेवारत

अनुसंधान अनुदान / अन्य परियोजनाएं

आईसीएसएसआर, भारतीय और ईरानी सजातीय शब्दावली, बी.शुक्ला, फरवरी-2018 से 2 वर्ष की अवधि के लिए, कुल राशि- 700,000 रुपए

आयोजित संगोष्ठी-4

आर. सी. भारद्वाज, 30 अप्रैल 2018 को 'भगवान बुद्ध और भारतीय साहित्य में समानता का संदेश' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

आर. सी. भारद्वाज, आर्ट ऑफ़ लिविंग के सहयोग से 24 अगस्त 2018 को 'तनाव के बिना सफलता' पर एक संगोष्ठी आयोजित किया गया।

आर. सी. भारद्वाज, गाँधी 150 के तत्वावधान में 1 और 2 जनवरी, 2018 को गाँधी भवन में 'अहिंसा पर गांधीवादी दर्शन' 'विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आर सी भारद्वाज, नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू लैंग्वेज (एनसीपीयूएल), नई दिल्ली, भारत सरकार के सहयोग से 23 और 24 अक्तूबर 2018 को 'राष्ट्रभाषा पर गांधी का दृष्टिकोण' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन गांधी भवन में किया गया था।

सी रमेश भारद्वाज, (प्रोफेसर) 'लोगों से लोगों का संवाद: ए गांधीवादी परिप्रेक्ष्य' पर दो दिवसीय संगोष्ठी, आचार्य काकासाहेब कालेलकर स्मारक निधि, गांधी हिंदुस्तानी साहित्य सभा, राजघाट, नई दिल्ली और गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 1 और 2 दिसंबर 2018 को संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी। आर सी भारद्वाज, 12 मार्च 2019 को विश्वविद्यालय बिरादरी, विशेषकर युवाओं को महात्मा गांधी के बारे में जागरूक करने के लिए - उनके जीवन और उनके दर्शन पर 'गांधी इन वर्ल्ड लिटरेचर' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

आर. सी. भारद्वाज,

गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में 7 अप्रैल 2018 को भारतीय संस्कृति एवं योग पर विशेष व्याख्यान।

11 जनवरी 2019 को *'स्व, बलिदान और ब्रह्मांड - वैदिक विचार - अनुष्ठान और दर्शन* पर चर्चा, लेखक - प्रोफेसर रोमिला थापर के पुस्तक विमोचन में उपस्थिति।

11 मार्च 2019 को हिंदी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) द्वारा आयोजित '*हिंदी भाषा और साहित्य पर महात्मा गांधी का प्रभाव*' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

वी के डिंडोरिया, गोपथब्राह्मणानुसार वेदार्थ निर्णय: महर्षि विश्वामित्र वेद-वेदांग कार्यशाला सह राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल हुए वी.वी.बी.आई.एस और आई.एस. (पी. यू.), होशियारपुर, भारत में 28 मार्च 2019 को "वेदार्थनिर्णये ब्राह्मणानां भूमिका।

वी के द्विवेदी,

के सम्मेलन वाइडर एसोसियेशन ऑफ वैदिक स्टडीज (वेभ्स) द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) दिल्ली के सहयोग से 27-29 नवंबर, 2018 को वेभ्स के 'भारतीय कलाओं का वैदिक परिप्रेक्ष्य' पर भारत सम्मेलन में *ऋग्वेद में विविध कलायें* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

'सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय वेरावल गुजरात में 18-20 मई, 2018 को 49वें अखिल भारतीय ओरिएंटल सम्मेलन में *वेदों में वर्णित प्रेरणा की आधुनिक प्रासंगिकता* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

स्वामी संपूर्णानंद वैदिक शोध संस्थान में, गुरुकुल प्रभात आश्रम टिकारी भोला मेरठ, यू.पी. में 13 जनवरी, 2019 को *राष्ट्रीय वैदिक शोध संगोष्ठी में ऐतरेय ब्राह्मण में वर्णित पुरोहितों के कार्य एवं विशेषताएं* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी वुमेन महाविद्यालय, दिल्ली द्वारा 11-12 जनवरी, 2019 को संस्कृत वांङ्गमय में शास्त्रीय परंपरा और लोकजीवन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *अथर्ववेदीय लोकजीवन* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

बी शुक्ला,

1-3 अगस्त, 2018 को क़ोम, ईरान, संस्कृत विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया के स्नातक सेमेस्टर की एक कार्यशाला में *हिंदू धर्म* के पहलू पर व्याख्यान दिए।

दिल्ली संस्कृत अकादमी और भारती महाविद्यालय के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय, भारती महाविद्यालय में 22-23 अक्तूबर 2018 को आधुनिक युग में भारतीय राजनीति की प्रासंगिकता पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *शुक्ल, बलराम, भारतीय राजनीति में कल्याणकारी राज्य की अवधारणा* पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

संस्कृत विभाग, हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा-नागपुर में 07.04.2018 को महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय में विशेष व्याख्यान।

संस्कृत विभाग, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालय, वर्धा-नागपुर में 6.04.2018 को *आलोचना के सार्वभौम मापदण्ड के रूप में रससिद्धान्त* पर व्याख्यान।

भाषा साहित्य एवं संस्कृत प्रकोष्ठ, इफ़को में, हिंदी सप्ताह समारोह के अवसर पर, 11 सितंबर 2018 को *भारत : भाषाओं का लोकतन्त्र* पर विशेष व्याख्यान।

मैसूर में साहित्य अकादमी और अमृता स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज के सहयोग से 20.10.2018 को *संस्कृते कथा साहित्य परम्परा पर एक दिवसीय संगोष्ठी में भारतीय कथानां पारसीक विश्वयात्रा* पर विशेष व्याख्यान।

आईआईसीएम रांची में राजभाषा कार्यशाला में, 05 सितंबर 2018 को *हिन्दी के कार्यान्वयन में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयाँ एवं इनका निराकरण* पर विशेष व्याख्यान।

आईआईसीएम-रांची में राजभाषा कार्यशाला में, 05 सितंबर 2018 को हिन्दी राजभाषा का वैश्विक स्वरूप पर विशेष व्याख्यान।

कविकुल गुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक-नागपुर के संस्कृत और अनेय भाषा विभाग में 30.03.2019 को *संस्कृत नाटक में प्राकृत की मुख्य भूमिका* दो सत्र, चर्चा ।

हिंदी विभाग, देशबंधु महाविद्यालय में 26.02.2019 को "कवियों के राम कार्यक्रम में *प्राकृत एवं अपभ्रंश कवियों के राम* पर विशेष व्याख्यान।

ए पी सिंह,

पी.जी. संस्कृत विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय में 02-04 नवंबर, 2018 को वर्तमान युग में वेदांत दर्शन की स्थिति और प्रासंगिकता' पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *ब्रह्मसिद्धि में प्रतिपादित आनन्दमिमांषा: एक दृष्टि पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।*

पी.जी. संस्कृत विभाग, एसपीएम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 11-12 जनवरी, 2019 को'संस्कृत वांग्मय में शास्त्रीय परम्परा एवम लोकजीवन' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *शंकर वेदांत में जीवनमूल्य पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।*

डी एस तिवारी

इटली, रोम में भाषाविज्ञान और साहित्य पर 20-22 जुलाई, 2018 को द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *साहित्यिक निर्माण विश्लेषण* पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

7-8 अप्रैल, 2018 को संस्कृत और संगीत, ललित कला, दिल्ली और राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली और भारती महाविद्यालय, नई दिल्ली की कालिदास अकादमी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *संस्कृत साहित्य में विज्ञान* पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

27-28 अक्तूबर, 2018 को पीजीडीएवी महाविद्यालय और अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित वर्तमान शिक्षा और वेद पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन में यज्ञ विज्ञान एवं परंपरा पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 29 दिसंबर, 2018 को कृषि संस्कृति द्वारा आयोजित शिक्षा, शिक्षात्मक अध्ययन, मानवविज्ञान, लिंग अध्ययन, मानविकी, मनोविज्ञान, दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र, कानून और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र सं-। की अध्यक्षता की।

डीईएसएम, एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा 20-22 दिसम्बर, 2018 को गणित शिक्षा पर आयोजित 7वें राष्ट्रीय सम्मेलन में *प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में वर्णित संख्या प्रणाली और संख्याः वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य* में व्याख्यान दिया।

संस्कृत संगीत और ललित कला की कालीदास अकादमी, दिल्ली और राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली और भारती महाविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 7-8 अप्रैल, 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *संस्कृत वांग्मय में गणितीय परम्परा एवम उसकी प्रासांगिकता* पर व्याख्यान दिया।

20-22 जुलाई, 2018 को रोम, इटली में भाषाविज्ञान और साहित्य पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *भवभूति के नाटक में रसादि ध्वनि का आवेदन*।

डीईएसएम, एनसीईआरटी, नई दिल्ली (20-22 दिसंबर, 2018) द्वारा गणित शिक्षा पर आयोजित 7वें राष्ट्रीय सम्मेलन में पाँचवें सत्र की अध्यक्षता की।

श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल, गुजरात (18-20 मई, 2018) में 49वें एआईओसी में सुश्रुतसंहिता के विशेष संदर्भ के साथ प्राचीन भारतीय चिकित्सा विज्ञान में सर्जरी की अवधारणा।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में कृषि संस्कृति द्वारा शिक्षा, अनुदेशात्मक अध्ययन, मानवविज्ञान, लिंग अध्ययन, मानविकी, मनोविज्ञान, दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र, विधि और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन पर 29 दिसंबर, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *वेदों में गणितीय शिक्षा, सौंदर्यशास्त्र, दर्शनशास्त्र आदि* पर व्याख्यान।

30 अगस्त, 2018 को संस्कृत, रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित *संस्कृत अद्वैतार्थ शिक्षण संस्थाएं तथा शिक्षण प्रविधि* पर व्याख्यान दिया।

गुरुकुल प्रभात आश्रम, उ.प्र. में 13 जनवरी, 2019 को स्वामी-संपूर्णानंद-वैदिक-षोडश-संथानम द्वारा आयोजित *ऐतरेय ब्राह्मण में विविध ज्ञान-विज्ञान* विषय पर राष्ट्रीय वैदिक शोध सम्मेलन में *ऐतरेय ब्राह्मण में अध्यात्मिका ज्ञान: आधुनिका संदर्भ*।

30 मार्च, 2019 को नई दिल्ली के स्कूल ऑफ संस्कृत एंड इंडिक स्टडीज, जेएनयू और इंद्रप्रस्थ केंद्र द्वारा आयोजित *भारत मंथन* पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

संस्कृत, संगीत एवं ललित कला की कालिदास अकादमी, दिल्ली एवं भारती महाविद्यालय, दिल्ली द्वारा 19-20 जनवरी, 2019 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *प्राचीन और आधुनिक संस्कृत साहित्य में कालिदास साहित्य में लोकमंगल की भावना और विज्ञान* पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 23 फरवरी, 2019 को डॉ. जी. सी. मिश्रा एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा आयोजित शिक्षा, कानून, प्रशासन, लैंगिक अध्ययन, मानविकी और विभिन्न प्रबंधन आचरण में अभिनव अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र सं-II की अध्यक्षता की।

संस्कृत, संगीत और ललित कला की कालिदास अकादमी, दिल्ली और भारती महाविद्यालय, दिल्ली द्वारा 19-20जनवरी, 2019 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *वेदों में जल विज्ञान (जल विज्ञान): आधुनिक परिप्रेक्ष्य।*

यूजीसी-एचआरडीसी, जेएनयू, नई दिल्ली में 13 फरवरी, 2019 को *संस्कृत साहित्य में विज्ञान* पर व्याख्यान।

यूजीसी-एचआरडीसी, जेएनयू, नई दिल्ली में 20 फरवरी, 2019 को संस्कृत साहित्य में गणितीय परंपरा पर व्याख्यान दिया।

संस्कृत विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान और आईसीपीआर, नई दिल्ली द्वारा संस्कृत साहित्य में विज्ञान विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में 17 फरवरी, 2019 को *संस्कृत साहित्य के बहु आयाम और वृहद विश्व पर* व्याख्यान दिया।

संस्कृत विभाग, रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विश्व परिप्रेक्ष्य में संस्कृत साहित्य विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 16 मार्च, 2019 को *विश्व साहित्य में संस्कृत कथा साहित्य पर* व्याख्यान दिया।

06 मार्च, 2019 को संस्कृत विभाग, अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़, एम.डी विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा आयोजित *संस्कृत साहित्य में विज्ञान* पर व्याख्यान।

23 फरवरी, 2019 को जेएनयू, नई दिल्ली में डॉ. जी सी मिश्रा एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा आयोजित *भारतीय बौद्धिक परंपरा में विज्ञान, दर्शन और प्रबंधन* पर व्याख्यान।

शिक्षण अधिगम केंद्र द्वारा आईआईटी, बीएचयू, वाराणसी में 08 फरवरी, 2019 को पं. एम. एम. मालवीय राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत शिक्षक और प्रशिक्षण के संकाय प्रेरण कार्यक्रम में *पाठ्यक्रम डिजाइन और सामग्री विकास* पर व्याख्यान।

स्वामी-संपूर्णानंद-वैदिक-शोध-संस्थान, गुरुकुल प्रभात आश्रम, यू.पी. में 13 जनवरी, 2019 को ऐतरेय ब्राह्मणे विविध ज्ञान-विज्ञानम पर राष्ट्रीय वैदिक शोध सम्मेलन में सारस्वत आतिथि (सम्मानित अतिथि) व्याख्यान।

आर के त्रिपाठी,

संस्कृत अकादमी, दिल्ली में 06 सितम्बर, 2018 को *रससिद्धांत-विकास परम्परा* पर व्याख्यान दिया

संस्कृत अकादमी, दिल्ली में, 07 सितंबर, 2018 को *काव्यशास्त्र का स्वरुप एवं अलंकारसिद्धांत-विमर्ष* पर व्याख्यान दिया,

संस्कृत अकादमी, दिल्ली में 10 सितम्बर, 2018 को *रीति एवम ध्वनि सम्प्रदाय-विमर्श* पर व्याख्यान दिया गया।

संस्कृत अकादमी, दिल्ली में 13 सितंबर, 2018 को *वक्रोक्ति और औचित्य-सिद्धान्त* पर व्याख्यान दिया गया।

संस्कृत अकादमी, दिल्ली में 14 सितम्बर, 2018 में *अर्श-काव्यों का उद्भव एवम विकास* पर व्याख्यान दिया।

संस्कृत अकादमी, दिल्ली में 17 सितम्बर, 2018 में *नाट्यशास्त्र एवं नाट्यपरम्परा-विमर्ष* पर व्याख्यान दिया।

संस्कृत अकादमी, दिल्ली में 27 सितंबर, 2018 को *रूपकों का उद्भव एवम विकास* पर व्याख्यान दिया।

संस्कृत अकादमी, दिल्ली में 29-सितंबर, 2018 को *संस्कृत-कव्यों का स्वरूप एवं विभा* पर व्याख्यान दिया गया।

संस्कृत विभाग, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) द्वारा 11-3-2018 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता।

संस्कृत विभाग, एसपीएम महाविद्यालय, डीयू, दिल्ली द्वारा 11.01.2019 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता।

संस्कृत विभाग, एसपीएम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 12.01.2019 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता।

संस्कृत विभाग और वनस्पति विज्ञान विभाग, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ.प्र.) द्वारा 26.01.2019 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

संस्कृत विभाग और वनस्पति विज्ञान विभाग, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ.प्र.) द्वारा 26.01.2019 को आयोजित *वैदिक वनस्पतियों की वैज्ञानिकता* पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

एचआरडीसी, जेएनयू, दिल्ली में 14.02.2019 को पुनश्चर्या कोर्स में संसाधन व्यक्ति के रूप में *अलंकार सिद्धान्त* पर व्याख्यान दिया।

21.02.2019 को मैथिली भोजपुरी अकादमी, दिल्ली में *भोजपुरी की प्रासांगिकता* पर व्याख्यान दिया।

संस्कृत विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 16.02.2019 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *आधुनिक संस्कृत साहित्य की परम्परा* पर व्याख्यान दिया।

दयाल सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 12.03.2018 को *संस्कृत साहित्य की प्रासांगिकता* पर विशेष व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय में 18.02.2019 को *संस्कृत साहित्य में आनंद की अवधारणा* पर विशेष व्याख्यान दिया।

नियोजन ब्यौरा (6)

नियोजित छात्रों की संख्या - 06
यूपीएचईएससी के माध्यम से सहायक प्रोफेसर के पद के लिए पीएच.डी. अध्येताओं का चयन किया गया था।
एक पीएच.डी. अध्येता का असम में सहायक प्रोफेसर के पद के लिए चयन किया गया था।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.की संख्या

पीएच.डी. - 19
एम.फिल. - 20

संकाय की संख्या

कुल संकाय - 24

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोफेसर वीके द्विवेदी ने पंडित मदनमोहन मालवीय राष्ट्रीय योजना शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संकाय विकास केंद्र ईश्वर सरन महाविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 7-2-2019 से 13-2-2019 तक उच्च शिक्षा में ई-लर्निंग पर भागीदारी और पूर्ण प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला में भाग लिया।

प्रोफेसर आर.सी भारद्वाज द्वारा आयोजित:

21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 मई 2018 को आतंकमाद प्रतिरोध दिवस और 5 जून 2018 को विश्व पर्यावरण दिवस।

गांधी स्मृति और दर्शन समिति, राजघाट, नई दिल्ली के सहयोग से गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में 9-19 जुलाई 2018 तक महात्मा गांधी की एक प्रसिद्ध पुस्तक 'मेरे सपनों का भारत' पर समर स्कूल आयोजित किया गया था।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार की इच्छा के अनुरूप 23 अगस्त 2018 को 'गांधी पर नाटकों' के तत्वावधान में महात्मा गांधी के जीवन में एक घटना को दर्शाने वाले नाटकों की 'गांधी पर नाटक' नामक एक प्रतियोगिता आयोजित की गई।

2 अक्तूबर 2018 को, प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी, दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति ने दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन में महात्मा गांधी पर फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। 2 अक्तूबर 2018 को गांधी जयंती और अहिंसा के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

2 अक्तूबर 2018 को गांधी जयंती के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कला और केंद्रीय पुस्तकालय संकाय में एक स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया था।

महात्मा गांधी की 'मंगल प्रभात' और 'रचनात्मक कार्यक्रम' पुस्तकों के संदर्भ सहित 21 से 30 जनवरी 2019 तक 'व्यक्ति और समाज का निर्माण' पर एक शीतकालीन कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

गांधी भवन, मुक्त अधिगम स्कूल, दिल्ली विश्वविद्यालय और गांधी हिंदुस्तानी साहित्य सभा, राजघाट, नई दिल्ली द्वारा गांधी 150 के तत्वावधान में 30 जनवरी से 5 फरवरी, 2019 तक संयुक्त रूप से एक गांधी सप्ताह का आयोजन किया गया था।

महात्मा गांधी 150 वीं जयंती, गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय, नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू भाषा के प्रसार के लिए राष्ट्रीय परिषद् (एनसीपीयूएल), भारत सरकार, नई दिल्ली और गांधी हिंदुस्तानी साहित्य सभा, राजघाट, नई दिल्ली के तत्वावधान में मातृभाषा दिवस मनाने के लिए कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया।

प्रोफेसर यू. शंकर (2018) को 13 दिसम्बर 2018 से एनसीडब्ल्यूएईबी का उपनिदेशक नियुक्त किया गया।

***

स्लोवेनिक एवं फिनो युगेरियन अध्ययन

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

स्लावोनिक और फिनो-युगेरियन अध्ययन विभाग को देश का ऐसा एकमात्र विभाग होने पर गर्व है, जहां रूसी और पोलिश के अलावा, बल्गेरियाई, चेक, क्रोएशियाई और हंगेरियन भाषाओं के पाठ्यक्रम पढ़ाए जाते हैं। इससे विभाग को कक्षा शिक्षण से परे विभिन्न गतिविधियों का संचालन करने का अवसर मिलता है।

इस वर्ष विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय में स्लावोनिक और फिनो-युगेरियन अध्ययन विभाग की स्वतंत्र स्थापना के तीस वर्ष - एक प्रमुख उपलब्धि का उत्सव मनाया। इसे 28 फरवरी, 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) और बुल्गारिया, दूतावास और संस्कृति केंद्र, चेक गणराज्य, क्रोएशिया, हंगरी, पोलैंड और रूसी संघ, नई दिल्ली द्वारा समर्थित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : "संस्कृति, भाषा और पहचान का गठन: एक विश्वव्यापी दुनिया में प्रवासी (पूर्व और मध्य यूरोप और रूस के लिए विशेष संदर्भ के साथ)" के आयोजन द्वारा चिह्नित किया गया था।

पोलैंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों के 20 सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने विभाग का दौरा किया और 1 सितंबर, 2018 को पोलिश विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा के अवसरों पर एक प्रस्तुति दी।

प्रकाशन

एस बेनीवाल, (2018). Виджайдан детха - Чехов Раджастана (विजयदान देथा - राजस्थान के चेखोव) *यंग रिसर्चरेस ऑफ चेखोव*, अंक. 08, प्रकाशक «Литературный музей» मॉस्को, 2018, पृष्ठ सं. 180-185.

एस बेनीवाल, (2018). राजनीतिक सुधार और भाषाई लिंगवाद: भारतीय मीडिया प्रवचन का एक अध्ययन। सेनिय वुरल (संपा.) भाषा और साहित्य के माध्यम से संस्कृति को समझना, कैम्ब्रिज स्कॉलर्स प्रकाशन, यूके,2018, पृष्ठ सं. 97-111

जी मुंजाल, (2019). टॉल्स्टॉय और गांधी: दार्शनिक क्षितिज। (संपा.) गांधी हिंदुस्तानी साहित्य सभा, राजघाट, पृष्ठ 164.

जी मुंजाल, (2019. लियो टॉलस्टॉय के ईश्वर का राज्य आपके भीतर है: गांधी पर प्रभाव। *डॉ. गिरीश मुंजाल (संपा.)टॉल्स्टॉय एंड गांधी में: दार्शनिक क्षितिज,* गांधी हिंदुस्तानी साहित्य सभा, राजघाट, पृष्ठ 131-148.

एम कोव्स, (2018). अमृता शेर-गिल इज़ ए मैगिर इरोडालोम, [अमृता शेर-गिल और हंगेरियन साहित्य] ऑर्फियस नोस्टर, *एक Károli Gáspár Református Egyetem eszme-vallás-és kutúrtörténeti folyóiratában*, X. संस्करण, (2018), सं. 2. पृष्ठ 42-53.

एम कोव्स (2018). Németh László, गांधी की मृत्यु, गांधी हलाला [हिंदी में] अनुवाद: गिरधर राठी- मार्गित कोव्स, इंट्रोडक्शन बाई मार्गेट कॉव्स, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन, 2018.

एम कोव्स (2019फोटो फ्रेम्ड स्थापना दूसरी और तीसरी पीढ़ी की कथायें विभाजन एवं विनाश पर पुनर्दृष्टि। रक्षानंद जलील, तरुण के. संत और देबजानी सेनगुप्ता (संपा.) में। *1947 में भारत का विभाजन 70 वर्ष।* ओरिएंट ब्लैकस्वान, हैदराबाद, 2017, 2019 पृष्ठ 54-65.

जर्नल

संपादक(कों)/ संपादक मंडल के सदस्य(यों) के रूप में सेवारत विभाग के शिक्षक

संपादक- एक जर्नल में एक शिक्षक

आयोजित संगोष्ठी/कार्यशाला

हंगरी के सूचना और संस्कृति केंद्र और पोलैंड के दूतावास के सहयोग से विभाग ने 24 जनवरी, 2019 को *"दिल्ली विश्वविद्यालय में हंगेरियन और पोलिश भाषा अध्ययन का 50 वर्ष का उत्सव"* नामक एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

राष्ट्रीय अनुसंधान विश्वविद्यालय, मॉस्को ने 13 नवंबर, 2018 को "रूस में निगरानी अध्ययन, विशेषज्ञ विश्लेषण, बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान के अवसरों" पर एक कार्यशाला आयोजित की।

सुश्री जस्ट्याना गुज़ियाक द्वारा 5-6 मार्च, 2019 को "स्लावोनिक मिथकों और महापुरूषों की खोज" पर एक दो-दिवसीय कार्यशाला।

आयोजित सम्मेलन

27-28 फरवरी, 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा समर्थित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "संस्कृति, भाषा और पहचान का गठन: भूमंडलीकरण की दुनिया में प्रवासी"

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

सी वी जेम्स, एईसी ट्रेनिंग कॉलेज और केंद्र, सेना शिक्षा केंद्र (एसीई), पचमढ़ी, मध्य प्रदेश में 21 और 23 अगस्त, 2018 को रूसी भाषा विभाग की व्यवहारिक संगोष्ठियों में, *व्याख्यात्मक व्याकरण के माध्यम से रूसी सीखने में आसानी* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एम कोव्स,

हिंदू गर्ल्स महाविद्यालय, जगाधरी में 14-15 दिसंबर, 2018 को "स्वतंत्रता आंदोलन के कवियों" *स्वतंत्रता आंदोलन के अंग्रेज़ी कवि* पर सत्र की अध्यक्षता की।

सी आर ए महाविद्यालय सोनीपत, हरियाणा में 8 फरवरी, 2019 को शेक्सपियर की कविता: नाटकीयता, कथात्मकता, गीतात्मकता" पर सम्मेलन में हैमलेट में कला और कविता, माइम एवं नाटकों की प्रतिद्वंद्विता पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

हंगेरियन कल्चर अब्रॉड, विदेश मंत्रालय और व्यापार, हंगरी बुडापेस्ट, हंगरी के प्रतिनिधित्व में 27- 28 अगस्त, 2019 को A magyar kultúra képviseletében külföldön पर सम्मेलन में हंगेरियन भाषा के छात्रों के साथ हंगेरियन साहित्य का हिंदी में अनुवाद पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अंग्रेजी विभाग, केवीए डीएवी महाविद्यालय फॉर विमेन, करनाल के सहयोग से शेक्सपियर एसोसिएशन ने 18-19 जनवरी, 2019 को "शेक्सपियर की महिलाएँ-चमकती या सिकुड़ती: एक लिंग परिप्रेक्ष्य" पर हुए भारत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *शेक्सपियर की महिला पात्र: विकसित होती हुई, न कि चमकती या सिकुड़ती* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

स्लावोनिक और फिनो-युगेरियन अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 27-28 फरवरी, 2019 को संस्कृति, भाषा और पहचान का गठन: एक वैश्विक दुनिया में प्रवासी (पूर्व और मध्य यूरोप और रूस के लिए विशेष संदर्भ के साथ)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 1991 में हंगेरियन और सर्बियाई समुदाय में पहला यूगोस्लाव युद्ध: रोलैंड ऑर्किक का उपन्यास: फैंटम कमांडो पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

जी मुंजाल

टॉल्स्टॉय एस्टेट-म्यूजियम "यास्नाया पोलीना", तुला क्षेत्र, रूस में 2-5 सितंबर 2018 को लियो टॉल्स्टॉय और अन्य रूसी क्लासिक्स के अनुवादक पर तेरहवीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में टॉल्स्टॉय के विचारों का अनुवाद पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

साहित्य अनुवाद संस्थान, मास्को, रूस में 6-9 सितंबर 2018 को"साहित्यिक अनुवादकों" की अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में, साहित्यिक कृतियों में अशाब्दिक घटकों को अनुवादित करने की समस्याएँ पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रूसी अध्ययन विभाग, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद, भारत में 24-26 अक्तूबर 2018 को '21वीं सदी में रूसी अध्ययन: वर्तमान रुझान और नवाचार' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मातृभूमि की अवधारणा के दार्शनिक और सौंदर्यबोध तत्व पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कज़ान फेडरल यूनिवर्सिटी, कज़ान, रूस में 27-29 नवंबर 2018 को लियो टॉलस्टॉयः एक रचनात्मक यात्रा के मूल और लैंडमार्क पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लियो टॉलस्टॉय की कृटियों में गैर-मौखिक तत्व पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

स्लावोनिक और फिनो-युगेरियन अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 27 फरवरी -28 फरवरी, 2019 को'संस्कृति, भाषा और पहचान का गठन: एक वैश्विक दुनिया में प्रवासी (पूर्व और मध्य यूरोप और रूस के विशेष संदर्भ में)' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रूसी प्रवासियों की भाषा के बारे में पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

स्लावोनिक और फिनो-युगेरियन स्टडीज़, दिल्ली विश्वविद्यालय में 24 जनवरी 2019 को हंगेरियन और पोलिश संगोष्ठियों में (सुबह का सत्र), कुंवर नारायण की हिंदी कविता (PolskiprzekładwierszyKunwaraNarajana) का पोलिश अनुवाद पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

स्लावोनिक और फिनो-युगेरियन अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 24 जनवरी 2019 को हंगरी और पोलिश संगोष्ठी में नवीन पद्धति और पोलिश व्याकरणिक मामलों पर पाठ्यक्रम पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

ए रानी,

स्लावोनिक और फिनो-युगेरियन अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 27 फरवरी -28 फरवरी, 2019 को 'संस्कृति, भाषा और पहचान का गठन: एक वैश्विक दुनिया में प्रवासी (पूर्व और मध्य यूरोप और रूस के विशेष संदर्भ में)' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *सोवियत संघ के पतन के बाद आंतरिक प्रवासी और पहचान की समस्या* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

योगेश कुमार राय

स्लावोनिक और फिनो-युगेरियन अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 27 फरवरी -28 फरवरी, 2019 को 'संस्कृति, भाषा और पहचान का गठन: एक वैश्विक दुनिया में प्रवासी (पूर्व और मध्य यूरोप और रूस के विशेष संदर्भ में)' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *सोवियत संघ के लिए रूसी नॉस्टेल्जिया: भविष्य में वापस जाना* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एन सूर्यनारायण,

सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में 26-28 अप्रैल, 2018 को मनोवैज्ञानिक अध्ययन के संदर्भ में भारत-रूस: अतीत, वर्तमान और भविष्य पर इंडोलॉजिस्टों के तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *भारतीय युवाओं की नैतिक शिक्षा के स्रोत के रूप में रूसी साहित्यिक ग्रंथ: एक पार-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य।*

मास्को, रूस में 7- 8 दिसम्बर, 2018 को बुलात ओकुदजावा की रचनात्मक विरासत को समर्पित छठे अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन *इक्कीसवीं सदी के संस्कृति के संदर्भ में बुलात ओकुदजावा की कृतियां* में "अपठित ओकुदजावा- *बुलात ओकुदजावा के गद्य की भारतीय धारणा।*

स्लावोनिक और फिनो-युगेरियन अध्ययन विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय में 27 फरवरी -28 फरवरी, 2019 को "संस्कृति, भाषा और पहचान का गठन: एक वैश्विक दुनिया में प्रवासी (पूर्व और मध्य यूरोप और रूस के विशेष संदर्भ में)' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *डायस्पोरा ब्लूज़ और कॉमेडी शो - अन्ना फिशबैन की 'मेरा जिद्दी जीभ*।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

फेडरल स्टेट ऑटोमोटिव एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलाब्यूगा इंस्टीट्यूट (ब्रांच) ऑफ हायर प्रोफेशनल लर्निंग (कज़ान (वोल्गा रीजन) फेडरल यूनिवर्सिटी, एलबुगा, रूस और दिल्ली विश्वविद्यालय। 01.02.2019 से

योटोवस लोरेंड विश्वविद्यालय, हंगरी और दिल्ली विश्वविद्यालय 08.02.2019 से।

मॉस्को सिटी विश्वविद्यालय (एमसीडब्ल्यू) मॉस्को, रूस और दिल्ली विश्वविद्यालय 08.02.2019 से

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

प्रदर्शनी (हंगरी सूचना और सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से) "अविस्मरणीय मूड, समझदार सबक, भारत में वास्तुकार इस्तवान मेद्ग्यात्से"। इस प्रदर्शनी का आयोजन सेंट आर्ट, न्यू वर्कशॉप के इतिहासकारों द्वारा 23 अगस्त, 2018 को इस्तवान मेद्गात्से की 140वीं जयंती के अवसर पर किया गया था।

पोलैंड दूतावास के सहयोग से 10 जनवरी, 2019 को द्वितीय विश्वयुद्ध के समय भारत में काम कर चुके एक प्रसिद्ध पोलिश पेंटर, स्टीफन नोरब्लिन के साथ फिल्म "चित्रांजलि - स्टीफन नोरब्लिन इन इंडिया" का प्रदर्शन।

नियोजन ब्यौरा

क्रोएशियाई/पोलिश/बल्गेरियाई/चेक रूसी भाषा के छात्रों के लिए मेट्रो सेवा (पुणे) भारत द्वारा आयोजित ऑनलाइन एप्टीट्यूड टेस्ट (अंग्रेजी + तर्क) और साक्षात्कार के साथ एक नियोजन सत्र। कुछ छात्रों को साक्षात्कार के दूसरे दौर के लिए चुना गया और फिर 8 मार्च, 2019 को उपयुक्त नियोजन का प्रस्ताव दिया गया।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

26 सितंबर, 2018 को "स्वच्छ समुदाय, स्वस्थ नागरिक" पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

विभाग की पूर्व छात्रा, मॉस्को से पीएच.डी. मिस लीना सरीन ने 20 सितंबर, 2018 को एमए रूसी अध्ययन (भाग I और II) और एम. फिल./पीएच. डी. के छात्रों के लिए *"आधुनिक रूसी साहित्य: इंटरनेट पर प्रमुख साहित्यिक रुझान और विशेषताएँ"* पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

बुल्गारिया के छात्रों के समर संगोष्ठियों में भाग ले चुके श्री राजेश कुमार, श्री अजयेंदर सोलंकी, सुश्री प्रियंका गुप्ता और श्री शिवम ने 20 सितंबर, 2018 को बल्गेरिया में अपने सीखने के अनुभव के बारे में एक प्रस्तुति दी।

विशेष व्याख्यान:

एस.एफ.यू.एस. विभाग के सहायक प्रोफेसर, डॉ. सी. वी. जेम्स ने 25 सितंबर, 2018 को "तंत्र भाषा के संदर्भ में व्याख्यात्मक व्याकरण" पर व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर एंड्रिया सीडलर, हंगरी अध्ययन, विएना विश्वविद्यालय, मोजार्ट वियना और प्राग में व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर और राजनयिक पिओटर क्लोडकोव्स्की "पोलैंड की स्वतंत्रता की सौवीं वर्षगांठ के संदर्भ में राष्ट्रीय और सांस्कृतिक पहचान के महत्वपूर्ण सिद्धांत के रूप में पोलिश भाषा" पर व्याख्यान दिया।

सर्बिया के नोवी सैड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर, प्रोफेसर ज़ोया करानोविक ने 07 दिसंबर, 2018 को "सर्बियाई लोक परंपरा (वास्तविकता से कल्पना तक) मे किंवदंतियों के 'फ्लाइंग चर्च' के बारे में व्याख्यान दिया।

श्री रोलैंड ऑस्र्किक - कवि, उपन्यासकार, हंगरी, यूनिवर्सिटी में क्रोएशियाई और सर्बियाई भाषाओं के सहायक प्रोफेसर ने 7 फरवरी, 2019 को इस्तवान डोमोकोनोस की कविता "मी नो स्पीकिंग मैगीर" पर व्याख्यान दिया।

वार्षिक फ़िल्म समारोह: लिटिल यूरोप, 2018-19 भारत में चेक गणराज्य के दूतावास और रूसी संघ के दूतावासों, द रिपब्लिक ऑफ़ पोलैंड, बुल्गारिया, हंगरी और क्रोएशिया के दूतावासों के सक्रिय समर्थन के साथ 23 अक्तूबर - 05 नवंबर 2018 को "एज ऑफ़ कमिंग"।

फिल्म का प्रदर्शन:

25 अक्तूबर, 2018 को बल्गेरियन, *द वर्ल्ड इज़ बिग एंड साल्वेशन लार्क्स द कॉर्नर* का प्रदर्शन। इसके बाद फिल्म अध्येता सुश्री आनंदना कपूर द्वारा कार्यशाला आयोजित की गई।

26 अक्तूबर, 2018 को पोलिश फिल्म, *सी यू यू टुमॉरो* का प्रदर्शन। इसके बाद फिल्म अध्येता सुश्री आनंदना कपूर द्वारा कार्यशाला आयोजित की गई।

इसके बाद 29 अक्तूबर, 2018 को क्रोएशियाई फिल्म, *आर्मिन* का प्रदर्शन। इसके बाद फिल्म अध्येता सुश्री आनंदना कपूर द्वारा कार्यशाला आयोजित की गई।

31 अक्तूबर, 2018 को हंगेरियन फिल्म, *सनशाइन* का प्रदर्शन। इसके बाद फिल्म अध्येता सुश्री आनंदना कपूर द्वारा कार्यशाला आयोजित की गई।

02 नवंबर, शुक्रवार, 2018 को रूसी फिल्म, *लीजेंड नंबर 17* का प्रदर्शन। इसके बाद फिल्म अध्येता सुश्री आनंदना कपूर द्वारा कार्यशाला आयोजित की गई।

26 सितंबर, 2018 को यूरोपीय लेखकों द्वारा "संस्कृतियों में लेखन, सीमाओं के पार लेखन" पर एक पैनल चर्चा।

एक विशेष व्याख्यान

24 जनवरी, 2019 को "दिल्ली विश्वविद्यालय में हंगेरियन और पोलिश भाषा अध्ययन के 50 वर्ष का समारोह" पर एक दिवसीय संगोष्ठी। संगोष्ठी के आयोजन स्थल पर हंगेरियन सूचना और संस्कृति केंद्र और पोलैंड के पोलिश और हंगेरियन पुस्तकों के दूतावास के साथ एक प्रदर्शनी, हस्तशिल्प और अन्य स्मृति चिन्ह का आयोजित किया गया था।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.की संख्या (2)

एम.फिल. - 02

संकाय की संख्या (3)

स्वीकृत पदों की संख्या
प्रोफेसर - 03 (2- रूसी/1-स्लाविक)
सहायक प्रोफेसर - 08 (07- रूसी\01-बल्गेरियन)

स्थायी संकायों की वर्तमान संख्या

एसोसिएट प्रोफेसर - 03 (सीएएस के द्वारा)

रिक्त पद:

प्रोफेसर - 03
एसोसिएट प्रोफेसर - 03
सहायक प्रोफेसर - 05

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

चेक गणराज्य के राजदूत, महामहिम श्री मिलन होवोर्का द्वारा 23 अक्तूबर, मंगलवार, 2018 को फिल्म-महोत्सव "एज ऑफ़ कमिंग" का उद्घाटन। चेक फिल्म: क्लोजली वॉचेड ट्रेन्स, की स्क्रीनिंग के बाद प्रख्यात फिल्म अध्येता, सुश्री आनंदना कपूर द्वारा आयोजित कार्यशाला का आयोजन किया गया।

17 जनवरी, 2019 को लेखिका, सुश्री ममता कालिया की उपस्थिति में डॉ. पीटर सागी भारत विद्या के हंगरी के प्रोफेसर, ईएलटीई विश्वविद्यालय, बुडापेस्ट, डॉ. पीटर सागी द्वारा लिखित और वाणी प्रकाशन, दिल्ली द्वारा प्रकाशित एक पुस्तक "स्त्री एवं सामाजिक प्रसंग: ममता कालिया का कथा साहित्य" का विमोचन समारोह, इस अवसर के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर अपूर्वानंद (हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने पुस्तक पर चर्चा की।

***

उर्दू

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

उर्दू विभाग सक्रिय रूप से उर्दू और साहित्य के विभिन्न क्षेत्रों में शोध और प्रकाशन कार्य में लगा हुआ है। कई विशिष्ट अतिथियों, प्रोफेसरों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने विशेष व्याख्यान देने और संकाय सदस्यों के साथ-साथ विभाग के छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए विभाग का दौरा किया।

प्रकाशन

ए.बी. अब्बाद,(2018). अफसाना और तन्कीद के बाब मुझे चंद ज़ुरूरी बातें। प्रो साहेब अली में (संपा.), *उर्दू तन्कीद मकसूद-ओ-मिन्हाज,* पृष्ठ 191-202

ए.बी. अब्बाद,(2018). *अल्लामा इकबाल का तसव्वुर-ए-इत्तेहाद, कारवान-ए-अदद,* पृष्ठ 33-37, भोपाल।

ए.बी. अब्बाद,(2018). *जग नात का ताज तोरे सर सो...*, आजकल पृष्ठ 9-12 नई दिल्ली।

ए.बी. अब्बाद,(2018). पंडित बृज नारायण चकबस्त और नोवेक के तनकीद। अज़ीज़ नबील (संपा.) में *पंडित बृज नारायण चकबस्त: हयात और शख्सियत*, पृष्ठ 359-366.

ए.बी. अब्बाद,(2018). पेश लफ़्ज़। अहमद सज्जाद (संपा.) में। *ग़ुबार-ए-शौक़*, पृष्ठ 9-20

ए.बी. अब्बाद, (2018). *शाहर-ए-तनकीद का नक़िद-ए-काज कुलाह, फ़िक्र-ओ-नज़र,* , अलीगढ़, पृष्ठ 59-70,

ए.बी. अब्बाद,(2018). *सर सैयद की तालीमी जद्दो जहद और एस, हबे क़ौम, ऐवान-ए उर्दू,*, नई दिल्ली, पृष्ठ 18-22. संस्क. 28,i

ए अर्जुमंद, (2018). फ़हमीदा रियाज़: एक प्रखर प्रगतिशील रचानाकार। नया पथ, नई दिल्ली, पृष्ठ 140-147

ए अर्जुमंद, (2018). बाद-ए सिमूम और बाद-ए नमाज़-ए (भूमिका के साथ दो लघु कथाएँ (मिस्र के लेखक मोहम्मद अब्दुस सलाम एलिमरी की दो लघु कथाओं का हिंदी अनुवाद)।*त्रैमासिक इमरोज़,* अलीगढ़, संस्क. 8, पृष्ठ 111-131

ए अर्जुमंद, (2018). खाकिस्तार-ओ खाक (अंग्रेजी से अफगान लेखक अतीक रहीमी की उपन्यासिका अर्थ और एशेज का उर्दू अनुवाद), *नाया वर्क,*, मुंबई, सं.19:52, पृष्ठ 185-230

ए अर्जुमंद, (2018). खाक पार होती है तेरी लालकरी है है (अरुंधति रॉय के उपन्यास मिनिस्ट्री ऑफ उटमोस्ट हैप्पीनेस) का विश्लेषण, *एस्बात बुक सीरीज़,* मुंबई, सं.17, पृष्ठ 30-40.

ए अर्जुमंद, (2019). *लाश की नुमाइश और दिगर इराकी काहानियां,* सिटी प्रेस, कराची, पृष्ठ: 190.

ए अर्जुमंद, (2018). लाश की नुमाईश। *हिंदी त्रैमासिक ज़मीन,* नई दिल्ली, संस्क.1, पृष्ठ 70-75

ए अर्जुमंद, (2018). नैय्यर मसूद की हुनरकारी, पृष्ठ 68-96.

ए अर्जुमंद, (2018). *राख और खाक। हिंदी त्रैमासिक ज़मीन,* नई दिल्ली, संस्क. पृष्ठ 7-46.

ए अर्जुमंद, (2018). सूरज का सातवां घोड़ा, *त्रैमासिक इमरोज़, अलीगढ़,* संस्क.8, पृष्ठ 147-203

एन एम कमल, (2018). बच्चन का अदब और उर्दू का फ़रोग" ग़ज़ाला फातिमा मासूम जज़्बों की जमालियत में, दिल्ली।

एस ए करीम, (2018). सोहेल अज़ीमाबादी की मुन्तखब काहनियां, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली।

एम काज़िम, (2018).*एक बेमिसाल उस्ताद: एजाज़ अफ़ज़ल, त्रैमासिक फ़िक्र-ओ-तहरीर,* कोलकाता, पृष्ठ 04-10.

एस ए करीम,(2018). *सोहेल अज़ीमाबादी,* बिहार उर्दू अकादमी, पटना।

एम काज़िम, (2018). मजाज की शायरी में औरत का तसव्वुर। *मजाज़ की* शायरी *और उसकी मिरास में,* पृष्ठ 173-184.

एम काज़िम, (2018). जमशेदपुरी संकलन में इस्मत चुगताई के नाटक। *इस्मत शनासी* पृष्ठ 251-266.

एम काज़िम, (2018).जदीद दौर का मुनफरिद अफसाना निगार: असलम जमशेदपुरी। अनीस (संपा.) में, *इक्कीसवीं सदी में उर्दू अफसाना,* पृष्ठ 134-148.

एम काज़िम, और डी बानी, (2019). एक जायजा। *त्रैमासिक उर्दू रिसर्च जर्नल,* नई दिल्ली, पृष्ठ: 20 - 28.

एम काज़िम, (2018). शाइस्ता युसुफ के शेरी जेहात। *त्रैमासिक उर्दू रिसर्च जर्नल,* पृष्ठ: 21-28.

एम काज़िम, (2018). दो गज ज़मीन की तलाश में। *त्रैमासिक फ़िक्र-ओ-तहरीर,* पृष्ठ 95-99.

आई ए खान, (2018). अब्दुल क़वी देसनवी और इक़बाल।*जहान ए उर्दू में* (*उर्दू त्रैमासिक*)

आई ए खान, (2018). उर्दू अदब पर दबिस्तां ए सर सैयद के असरात। ऐवान ए उर्दू, (मासिक संदर्भित उर्दू जर्नल)

एस ओमेर, (2018). इस्मत चुगताई बहैसियत खाका निगार, *शमा-ए-हयात,* पृष्ठ 88-93

एस ओमेर, (2018). इंशा और उनके अहद का तहज़ीबी मन्ज़रनामा। *अर्मुघन,* सं.-5, अंक: 7, पृष्ठ 397-406

एस ओमेर, (2018). कलीमुद्दीन अहमद: एक बाज़याफ़्त। *उर्दू जर्नल,* सं.-8, अंक: 9-10, पृष्ठ 351-356

एस ओमेर, (2018). खुद आगी का सफर: नेसाई शेरी आवाज। *उर्दू दुनिया,* सं. 21, अंक: 03, पृष्ठ 20-22.

एम ए कादरी,(2019).बशीर चिराग एक माया नाज़ शायर *त्रैमासिक जर्नल "पंजाब" में,* मलेरकोटला, पंजाब से, अंक 3.

आयोजित संगोष्ठी/व्याख्यान (7)

प्रोफेसर एस. आर. किदवई की अध्यक्षता में ग़ालिब इंस्टीट्यूट द्वारा प्रकाशित पुस्तक ग़ालिब और अहदे गली की चर्चा। तारीख:26.07.2018.

काजी अब्दुस सत्तार पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी। तारीख:14.11.2018.

डॉ. मोहम्मद काजिम, "पारसी उर्दू नाटक और रंगमंच" विषय पर एक व्याख्यान। प्रोफेसर सैयद अली करीम (इरतेजा करीम) की अध्यक्षता में, संचालन डॉ. इरशाद अहमद खान 19.03.2019

27.03.2019 को उर्दू अदब में देवलामई अनासिर पर एक राष्ट्रीय अनुसंधान विद्वान संगोष्ठी।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

शायरी की कहकसां का इक तबिंदा सितारा: ऐजाज़ अफ़ज़ल, पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी, कोलकाता में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी। 2018

आई ए खान, असनाफ-ए-अदब की तदरीस (राष्ट्रीय) एपीडीयूटी जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा 29 नवंबर 2018 को आयोजित।

आई ए खान, लखनऊ विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में 2-4 दिसंबर 2018 को शगिर्दन-ए-शारिब में *शारिब रुदालवी की तन्क़ीदी इम्तेयाज़त* पेश किया गया।

आई ए खान, जेएमआई के *उर्दू* विभाग में एनसीपीयूएल के साथ 12-14 मार्च 2019 को *उर्दू का गैर-अफसानवी अदब :1901 ता हाल पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।*

एन एम कमाल ने व्याख्यान दिया

गैर - काल्पनिक गद्य, जेएमआई नई दिल्ली में, 27-7-2018 को।

एमजेआई, हिंद दिल्ली में 5/5/2018 को *हिंदुस्तान में उर्दू अफ़साना*

ग़ालिब अकादमी दिल्ली में 30/6/2018 को अदब ए अत्फ़ाल।

जेएमआई, दिल्ली में 30/72018 को *स्वतंत्रता आंदोलन और उर्दू* ।

दस्तानात की परंपरा जेएमआई, दिल्ली में 8/2/2019

एएमयू अलीगढ़ में 23/3/2019 को *दास्तान की तकनीक*।

गालिब अकादमी, दिल्ली में 30/6/2018 को *अदब ए अतफल*।

एन एम कमाल ने एक अध्यक्षीय अभिभाषण प्रस्तुत किया

जेएनयू, नई दिल्ली में 1/7/2018 को *अख्तर शेरानी की कविता।*

ग़ालिब इंस्टीट्यूट, दिल्ली में 10/11/2019 को *इंशा की कविता।*

साहित्य अकादमी, दिल्ली में, 23/11/2018 को *अब्दुर रहमान बिजनौरी*

जेएमआई, दिल्ली में, 29/11/2018 को टेक्स्ट का पाठन

ग़ालिब अकादमी, दिल्ली में 15/2/2019 को ग़ालिब और उनकी उम्र,

एन. एम. कमाल ने शोध पत्र प्रस्तुत किए

गाँधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में 30/4/2018 को *उर्दू साहित्य में गौतम बुद्ध*।

खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 1/11/2018 को *हिन्दी में लोक साहित्य की परंपरा*।

सेंट जॉन्स कॉलेज, आगरा में, 13/1/2019 को सेमाब अकबराबादी की कविता

जेएनयू, दिल्ली में 30/1/2019 को *बोस्तान ए खयाल में रज्मनिगारी*

गालिब अकादमी, दिल्ली में 24/2/2019 को *गालिब के अहद की दास्तानें*

दिल्ली में 18/3/2019 को एनसीपीयूएल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *स्वतंत्रता के बाद उर्दू अनुसंधान,*

गाँधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में 30/4/2018 को *उर्दू साहित्य में गौतम बुद्ध*

एम.जे.आई. हिंद, दिल्ली में 5/5/2018 को *हिंदुस्तान में उर्दू अफसाना*

काज़िम, एम. ने शोध पत्र प्रस्तुत किए

एनसीपीयूएल, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, फतेहपुर विलेज रोड एवर ग्रीन वेलफेयर सोसायटी द्वारा 28 जुलाई, 2018 को *उर्दू अदब में मेटियाबुरज की खिदमत* पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में उर्दू अदब में मेटियाबुरज की खिदमत पर

पश्चिम बंगाल के हावड़ा, नरसिंह दत्त महाविद्यालय द्वारा 28-29, अप्रैल 2018 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *'ज़फ़र उगनवी: हयात-ओ-करीम' में जफर उगनवी की अफसाना निगारी पर*

उर्दू विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा 07-10 दिसंबर, 2018 को आयोजित चार दिवसीय बहुभाषी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 'फिक्शन पर वर्तमान सामाजिक परिवर्तन का प्रभाव' में उर्दू फिक्शन की मौजूदा सूरत-ए-हाल,

यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र (अकादमिक स्टाफ कॉलेज), गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में व्याख्यान की एक श्रृंखला में 24 जुलाई 2018 को, *भाषा और साहित्य में अनुसंधान पद्धति,*

उर्दू विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 02-04, दिसंबर 2018 को आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रोफेसर शारिब रुदुलवी' में *शारिब रुदुलवी की तनकीदी जेहात,*

नवंबर 2018 में उर्दू के महिला विभाग, अज़हर विश्वविद्यालय, काइरो, मिस्र द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी *में भारत में समकालीन प्रदर्शन कलाएँ,*

नवंबर 2018 में उर्दू और अनुवाद विभाग, अजहर विश्वविद्यालय, काइरो, मिस्र द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, *समकालीन सोशल मीडिया और हमारा समाज,*

उर्दू विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान, द्वारा 6-7मार्च, 2019 को आयोजित, अल्लामा इकबाल: जीवन और योगदान, पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में*अल्लामा इकबाल की शायरी में फन-ए-लतीफा,*

उर्दू विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 12-14 मार्च 2019 को आयोजित *ग़ैर अफ़सानवी उर्दू नस्र* पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में, *बीसवीं सदी के निस्फ़ आखिर में उर्दू सफ़रनामा,*

उर्दू विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 5 मार्च, 2019 को *समकालीन उर्दू नाटक और रंगमंच पर,* एक विस्तार व्याख्यान,

उर्दू विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 5 मार्च, 2019 को *समकालीन उर्दू नाटक*

गवर्नमेंट गर्ल्स जनरल कॉलेज, पश्चिम बंगाल सरकार, कोलकाता द्वारा 30 मार्च, 2019 को आयोजित *उर्दू फिक्शन का आगाज़-ओरतेक़ा* पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में, *हम असर दास्तांगोई और नज़ीरें,*

महबूब उर रहमान फ़ारूक़ी की अदबी और अदबी सहफ़ती खिदमत पर सैफ़ एजुकेशनल ट्रस्ट, नई दिल्ली द्वारा 9 मार्च 2019 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, *महबूब उर रहमान फ़ारूक़ी की अदबी और सहाफ़ती खिदमत,*

द मुस्लिम इंस्टीट्यूट, कोलकाता द्वारा 15 फरवरी 2019 को प्रोफेसर नियाज़ अहमद खान पर आयोजित संगोष्ठी में, नियाज़ अहमद खान की अदबी ख़िदमत, पर एक विस्तारित व्याख्यान,

वर्षगांठ के अवसर पर, द मुस्लिम इंस्टीट्यूट, कोलकाता द्वारा फरवरी 2019 में आयोजित *नियाज़ अहमद खान मेमोरियल लेक्चर,*

सेंटर ऑफ़ एडवांस स्टडीज, उर्दू विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के केंद्र में 25-26 मार्च 2019 को काज़ी अब्दुस सत्तार का अफसाना लाला इमाम बख्श: ऐक तज़ियाती मुतालिया, काजी अब्दुस सत्तार और उनका अहद पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी।

नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ़ उर्दू लैंग्वेज, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा 18 से 20 मार्च 2019 तक आयोजित वैश्विक संदर्भ में उर्दू भाषा के संरक्षण और संवर्धन पर एक विश्व उर्दू सम्मेलन में *उर्दू: ललित कलाएं और इन्फोटेनमेंट,*

उर्दू विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, द्वारा 25- 27 फरवरी 2019 को आयोजित हिंदुस्तानी मज़हबःफ़लसफ़ा और अदब पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *उर्दू नाटक पार हिंदुस्तानी असातीर के असरात*

वर्ल्ड उर्दू ड्रामा एसोसिएशन और वेस्ट बंगाल उर्दू अकादमी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल सरकार, कोलकाता द्वारा उर्दू ज़बान-ओ-अदब के मौज़ूदा मसाइल पर 1-3 फरवरी 2019 तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *उर्दू नाटक और रंगमंच की मौज़ूदा सूरत-ए-हाल*।

वर्ल्ड उर्दू एसोसिएशन और भारतीय भाषाओं के केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 30-31 जनवरी, 2019 को आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "उर्दू, फारसी और अरबी में महाकाव्य काव्य: युद्ध और शांति की एक गाथा" में *उर्दू नाटक में सोलह-ओ-जंग की दास्तान,*

एम काज़िम, अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू हिंद, नई दिल्ली द्वारा 24 मार्च, 2019 को उर्दू तहरीक नवासी की तशकील-ए-नौ पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *उर्दू ड्रामा की तारीख नवासी: एक जाइज़ा,*

एस. ओमेर,

शोध पत्र प्रस्तुत किए

ग़ालिब इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 10-11 नवंबर 2018 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी इंशा अल्लाह खान इंशा और इनके अहद का तहज़ीबी मन्ज़रनामा में *इंशा अल्लाह खान इंशा और भारतीय परंपरा*।

दिल्ली विश्वविद्यालय के राजधानी महाविद्यालय द्वारा समकालीन साहित्य और राष्ट्रवाद पर दिसंबर 2018 में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *कौमियत और उर्दू अदब,*

इकबाल की फ़िकरी जेहत पर फेथ फाउंडेशन द्वारा 29-30 मार्च, 2019 को आयोजित और एनसीपीयूएल, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *इक़बाल का फ़िकरी-ओ-नाज़रती इरतेक़ा,*

प्रोफेसर मौलाना सईद अहमद अकबराबादीः शख्सियत और खिदमत पर जमीयत फैजान-ए-उलमा-ए-हिंद द्वारा एनसीपीयूएल, दिल्ली के सहयोग से, 30 मार्च 2019 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में*शहीद अहमद अकबराबादी बहैसियत सफरनामा निगार*

स्कूल में ज़रिया-ए-तालीम की सूरत-ए-हाल (उर्दू के हवाले से) के एनसीपीयूएल, नई दिल्ली के सहयोग से प्रगति मज़दूर जन कल्याण सेवा (रजि।) द्वारा 24 मार्च 2019 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी उर्दू ज़रिया-ए-तालीम और सरकारी इदारे: मास्सेल और इमकानात में *स्कूल में ज़रिया-ए-तालीम की सूरत-ए-हाल*

आस्था फाउंडेशन द्वारा, 29-30 मार्च 2019 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में इकबाल और कुरान।

एम.ए. कादरी,

शोध पत्र प्रस्तुत किए

ग़ालिब इंस्टीट्यूट में 23 नवंबर 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *मुग़लिया अहद के अखरी दौर का फ़ारसी अदब तसव्वुफ़ के हवाले से,*

दिसंबर 2018 में कठुआ जम्मू में राष्ट्रीय संगोष्ठी में *दौरे हाजिर में कृष्ण चंदर की अफसाना निगारी की अहमियात ओ इबादत,*

श्रीनगर में 15 जुलाई 2018 को राष्ट्रीय संगोष्ठी में *इक्कीसवीं सदी में उर्दू अदब,*

नई दिल्ली 2018 में इस्लामिक कल्चरल सेंटर में राष्ट्रीय संगोष्ठी में *मौलाना ममलूकुल अली की मकतूब निगारी,*

फ़रवरी 2019 में मलेरकोटला पंजाब में राष्ट्रीय संगोष्ठी में *पंजाब में उर्दू अदब।*

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल.की संख्या

पीएच.डी. - 12
एम.फिल. - 23

संकाय की संख्या

संकाय की कुल संख्या - 15

****

आयुर्वेदिक और यूनानी औषध संकाय

प्रस्तावना: आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा संकाय को आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाने के लिए आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय, करोल बाग के साथ संबद्ध किया गया है। तिबिया महाविद्यालय के रूप में लोकप्रिय आयुर्वेदिक और यूनानी तिबिया महाविद्यालय, देश का एक प्रमुख संस्थान है। यह एक छत के नीचे आयुर्वेद और यूनानी, चिकित्सा की दो प्राचीन पद्धतियों में शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने वाला देश का एकमात्र संस्थान है। इस संस्थान के अलावा, आयुर्वेद के क्षेत्र में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), सरिता विहार नामक एक नया संस्थान जोड़ा गया। संस्थान आयुर्वेद के विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट पाठ्यक्रम और विशेषता फेलोशिप कार्यक्रम प्रदान करता है।

आयुर्वेदिक और यूनानी तिबिया महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

संस्थान एक ही छत के नीचे चिकित्सा, अर्थात, आयुर्वेद और यूनानी टीबी की दो प्राचीन धाराओं में शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करता है। बैचलर ऑफ आयुर्वेद मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएएमएस) में 60 सीटें हैं और बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन एंड सर्जरी बीयूएमएस) में 60 सीटें हैं। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में एमडी आयुर्वेद (क्रियाशिर) में 03 और एमडी यूनानी चिकित्सा में 10 सीटें हैं (आइमुल सईदला 3, मोअज्जत 3, मुनफुल अज़ा 2, क़ाबलात वा अमराज़े निस्वां 2)।

संस्थान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 1916 में इसकी स्थापना के कारण है। इसका उद्घाटन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने किया था। इसलिए, गणतंत्र दिवस समारोह-2019 में इसे 13 फरवरी, 1921 को महात्मा गांधी से संबंधित दिल्ली के ऐतिहासिक स्थलों में से एक के रूप में प्रदर्शित किया गया है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे पुराने संस्थानों में से एक है।

15-ओपीडी और आईपीडी वाले इस 240 बिस्तर वाले शिक्षण अस्पताल के माध्यम से इन प्रणालियों में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करता है। यह एक्स-रे, अल्ट्रासोनोग्राफी, पैथो प्रयोगशाला पंचकर्म, क्षार सूत्र और इलाज बिट तदबीर जैसी सुविधाएं भी प्रदान करता है।

प्रकाशन

i. शमीम और मोहम्मद इदरीस (2019)। धतूरा स्ट्रैमोनियम (धतूरा) - औषधीय क्रियाएं, चिकित्सीय उपयोग और फाइटोकेमिस्ट्री - एक समीक्षा:इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड बायोलॉजिकल साइंसेज। 9(1). 622-631.
ii. अंजू और मोहम्मद इदरीस (2019). मुर्दारसंग- खनिज मूल की एक प्रभावी यूनानी दवा: *एशियन जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड फार्माकोलॉजी।* 5(X). 451- 455.
iii. और मोहम्मद इदरीस (2018). यूनानी म्यूकोएडेसिव योनि टैबलेट का डिजाइन और विकास- एक नवीन दृष्टिकोण: *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन फार्मेसी एंड फार्मास्युटिकल साइंसेज।* 3(3), 23-27.
iv. अंजू और मोहम्मद इदरीस (2018). यूनानी म्यूकोएडेसिव योनि दवा वितरण प्रणाली पर एक संक्षिप्त समीक्षा: *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन फार्मेसी एंड फार्मास्युटिकल साइंसेज।* 3(3),23-27.
v. अंजू और मोहम्मद इदरीस (2019). कनोचा (फिलान्थस मादेरास्पेटेन्सीस)-एक लोकप्रिय यूनानी औषधि: *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंस्टीच्यूशनल फार्मेसी एंड फार्मास्युटिकल साइंसेज।*14(2).14-19.
vi. अंजू और मोहम्मद इदरीस (2018). एक यूनानी दवा पर संक्षिप्त समीक्षा: खातमी (अल्थेआ ऑफिसिनैलिस): एशियन जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड फार्माकोलॉजी।4(4).394-398.
vii. अंजू और मोहम्मद इदरीस (2018). एक बहुमुखी यूनानी औषधि: आसापगोल (प्लांटैगो ओवाटा)। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड फार्मास्युटिकल रिसर्च।*12(4):76-86.
viii. अंजू और मोहम्मद इदरीस (2018).मकोय (सोलनम निगरम) - एक यूनानी दवा पर समीक्षा: जर्नल ऑफ फार्मा रिसर्च।7(9).204-209.
ix. अंजू और मोहम्मद इदरीस (2018). मेथी (ट्राइगोनेला फेनम-ग्रेसम): एक बहुक्रियाशील यूनानी औषधि: *जर्नल ऑफ हर्बल मेडिकल रिसर्च।* 3 (26).1-9.
x. अंजू और मोहम्मद इदरीस (2018). अलसी (लिनम यूसिटेसिमम) **-** एक संभावित बहुक्रियाशील यूनानी दवा। *एडवांस फार्मास्युटिकल जर्नल।* 3 (3).76-82.
xi. सीमा रानी, खलीकुर्रहमान और मोहम्मद इदरीस (2018).सुपारी (एरेका केचू लिन.) की नृवंशीय, औषधीय और फाइटोकेमिकल जांच - एक समीक्षा: *रिसर्च एंड रिव्यूज*।- ए जर्नल ऑफ फर्माकोलॉजी।8(1).6-20.
xii. कुछ संकाय सदस्य संपादक/समीक्षक के रूप में कार्य कर रहे हैं।

शोध परियोजनाएं

डॉ. सुजाता राजन, एसोसिएट प्रोफेसर, शरीर क्रिया विभाग को एक शोध परियोजना से सम्मानित किया गया है।

आयोजित संगोष्ठी

काया चिकित्सा, क्रिया शारीर, इल्मुल सैदला, मोलाजत, मुनफुल अजा और कबालत वा अमराज़े निस्वान के स्नातकोत्तर विभागों में कई विभागीय संगोष्ठियां आयोजित की गईं।

आयोजित सम्मलेन

i. 02 द्रव्यगुण और पंचकर्म के विभाग में 02 सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) आयोजित किये गये थे।
ii. पंचकर्म पर 01 कार्यशाला आयोजित की गई।

नियोजन ब्यौरा (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

80% से अधिक छात्रों को निजी क्षेत्र में रोजगार मिला।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

बल्लीमारान, पुरानी दिल्ली में 02 ओपीडी (आयुर्वेद और यूनानी दोनों में 01) मल्टीस्पेशलिटी क्लिनिक, चल रहे हैं।

संकाय की संख्या

i. आयुर्वाद : 25
ii. यूनानी : 22

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, (एआईआईए)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

यह एम्स की तरह स्थापित किया गया पहला अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) है, जो माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2 अक्तूबर, 2017 को नई दिल्ली में दूसरे आयुर्वेद दिवस पर राष्ट्र को समर्पित किया गया था। आयुष मंत्रालय के अंतर्गत एक सर्वोच्च संस्थान के रूप में स्थापित, एआईआईए आयुर्वेद और आधुनिक नैदानिक उपकरणों और प्रौद्योगिकी के पारंपरिक ज्ञान के बीच तालमेल बना रहा है। एआईआईए को एनएबीएच प्रत्यायन से सम्मानित किया गया है। जुलाई, 2017 में एनएबीएच मान्यता के साथ सार्वजनिक क्षेत्र का पहला आयुर्वेद अस्पताल बनना इसके गुणवत्ता रोगी सेवाएं प्रदान करने का संकेत देता है।

मौलिक सिद्धांतों की वैज्ञानिक मान्यता और अनुसंधान एवं विकास, गुणवत्ता नियंत्रण और मानकीकरण तथा आयुर्वेदिक दवाओं के सुरक्षा मूल्यांकन के लिए आधुनिक विज्ञान और आधुनिक चिकित्सा के उपकरणों और प्रौद्योगिकी का उपयोग करने वाला एआईआईए देश में अपनी तरह का पहला संस्थान है। संस्थान के अंतःविषय नैदानिक अनुसंधान और मानव संसाधन विकास कार्यक्रम आयुर्वेद क्षेत्र की अप्रत्याशित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्षमता निर्माण में मदद कर रहे हैं। आरंभ में संस्थान को आयुष मंत्रालय के एक स्वायत्त पंजीकृत निकाय के रूप में स्थापित किया था (पंजीकरण संख्या एसई/93/जिला-दक्षिण-पूर्व/2013) अगले अगले 10 वर्षों में इसे राष्ट्रीय महत्व के दर्जे में ऊपर उठाने के उद्देश्य से यह केंद्र सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित है। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली की स्वास्थ्य की स्थिति में

सुधार करने के लिए कड़ी मेहनत करता है और समाज के बड़े क्षेत्रों में निवारक, प्रोत्साहक, उपचारात्मक, उपशामक और पुनर्वास सेवाओं का विस्तार करता है। रोगियों के लिए नैदानिक सेवाएं 2014 में आरंभ की गई थीं जबकि शैक्षणिक सत्र 2016 से आरंभ हुआ था।

वर्तमान में 56 स्नातकोत्तर सीटों के साथ 11 विषयों में एमडी पाठ्यक्रम चल रहे हैं। आयुर्वेद संहिता और सिद्धान्त (4), द्रव्यगुण विज्ञान (4), कौमारभृत्य/बाल रोग 93), काया चिकित्सा (9), पंचकर्म (6), प्रसूति और स्त्री रोग (6), रस शास्त्र और भैषज्य कल्पना (6), रोग निदान और विकृत विज्ञान (4) और शलाक्य (5) सीटें।

सम्मान/गौरव

- प्रोफेसर मंजूषा राजगोपाला को ऑल इंडिया आयुर्वेदिक स्पेशलिस्ट (स्नातकोत्तर) एसोसिएशन शाखा, बरेली द्वारा 25-02-2019 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयुर्वेद में सार्वजनिक स्वास्थ्य की अवधारणा, लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड मिला।
- प्रोफेसर वी. डी. अग्रवाल को फ़रवरी, 2019 में बरेली में सार्वजनिक स्वास्थ्य में आयुर्वेद पर राष्ट्रीय सम्मेलन में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- ऑल इंडिया आयुर्वेद पीजी एसोसिएशन के सहयोग से आयुर्वेद के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के माध्यम से क्रोनिक किडनी रोग के प्रबंधन पर मार्च, 2019 में सीएमई में डॉ. वी. जी. हैदर को आयुर्वेद मार्तंड पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- डॉ. शिबानी दाश ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मेनोपॉज जागरूकता अभियान में पहला पुरस्कार जीता।
- फ़रवरी, 2018 में एआईआईए में कैंसर जागरूकता सप्ताह के दौरान निबंध लेखन प्रतियोगिता में डॉ. अनु रुहेला ने पहला पुरस्कार जीता।
- अप्रैल, 2018 में आयुष मंत्रालय के सीसीआरएएस द्वारा डॉ. गैलिब को यंग साइंटिस्ट अवार्ड मिला।

प्रकाशन

1) एन.के कुमावत, डी किशोर, जे के वैश्य, पी बालाकृष्णन और टी एम नेसारी, (2019)। तिनोस्पोरा कॉर्डिफ़ोलिया: 21वीं सदी के भारत की एक अद्भुत चमत्कार जड़ी बूटी। मेडीसिनल प्लांट्स-इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइटोमेडिसिन्स एंड रिलेटेड इंडस्ट्रीज,11(2), 117-122.
2) वी पाण्डेय, जे के वैश्य, पी बालाकृष्णन और टी एम नेसारी, (2019). थीमैटिक हर्बल गार्डन। मेडीसिनल प्लांट्स-इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइटोमेडिसिन्स एंड रिलेटेड इंडस्ट्रीज, 11(3), 228-232.
3) राव, एम.वी., और हरती, एस. (2019). आयुस्चर्या 2018-'सार्वजनिक स्वास्थ्य के उन्नयन के लिए दिनचर्या और ऋतुचर्या पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन. जर्नल ऑफ आयुर्वेदा एंड इटीग्रेटिव मेडिसीन,10(3), 230.
4) पाणिग्रही, एम., व्यास, एम., बघे, ए.एस., व्यास, एच., और मोहन्ती, के.पी. (2018).क्रिया-कर्ण सिद्धान्त की संकल्पना:एक समीक्षा। अनुसंधान और समीक्षा: ए जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक साइंस, योगा एंड नेचुरोपैथी, 4(3), 31-36.
5) सुजाता ढोके, शुभांगी काम्बले, ए.एस. बघेल, हितेश व्यास, महेश शर्मा, पी., व्यास, एम., के भोजानी, एम., और कौशिक, आर. (2018). आयुर्वेद में सारा परीक्षा का महत्व: एक महत्वपूर्ण समीक्षा। अनुसंधान और समीक्षा: ए जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक साइंस, योगा एंड नेचुरोपैथी, 5(3), 1-6.
6) व्यास, के.वाई., शुक्ला, वी.जे., रुकनुद्दीन, जी., और प्रजापति, पी.के. (2017). गुग्गुलु सोढाना का फार्मास्यूटिकल मानकीकरण। जर्नल ऑफ आयुर्वेद मेडिकल साइंस, 2(2).
7) रुकनुद्दीन, जी. (2018). क्या आयुर्वेद की दवाएं लीवर की चोट को प्रेरित करती हैं? वर्ल्ड जर्नल ऑफ हेपेटोलॉजी, 10(3),400.

8) कौर, एच., रुकनुद्दीन, जी., पटगिरी, बी., बेडर्कर, पी., और प्रजापति, पी.के. (2018). ब्रोन्कियल अस्थमा के लिए अष्टांगवलेह-ए पॉलीहर्बल आयुर्वेदिक निरूपण पर सिंथेटिक समीक्षा। जर्नल ऑफ़ आयुर्वेदा मेडिकल साइंसेज, 3(1).
9) भिंडे, एस.एस., भिंडे, एस.एम., ग़ालिब, आर., और प्रजापति, पी.के. (2018). संधिशोथ का आयुर्वेदिक प्रबंधन: एक मामले का अध्ययन। मेडिकल जर्नल ऑफ डॉ. डी वाई पाटिल विद्यापीठ, 11(2), 186.
10) गुप्ता, एस. (2019). (2019). आयुर्वेद के माध्यम से क्रोनिक किडनी रोग (मुत्रघटा) का प्रबंधन: एक मामले की रिपोर्ट। नेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद, 7(01).
11) घोडेला, एन.के. (2017).घाव भरने के लिए आहार -एक आयुर्वेद परिप्रेक्ष्य। जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटेड मेडिकल साइंसेज। (आईएसएसएन 2456-3110), 2(1), 154-161.
12) दमामी, एस.के., यादव, पी.आर., रुकनुद्दीन, जी., और प्रजापति, पी.के. (2019).एंटीऑक्सीडेंट संभावना वाले चयनित आयुर्वेदिक सूत्र-एक समीक्षा। जर्नल ऑफ़ आयुर्वेद एंड होलिस्टिक मेडिसिन (जेएएचएम), 7(1), 73-94.
13) रूहिला, ए., यादव, पी., रुकनुद्दीन, जी., और प्रजापति, पी.के. (2018).धातुओं और खनिजों की कैंसर-रोधी गतिविधि की समीक्षा। जर्नल ऑफ आयुर्वेदा मेडिकल साइंसेज, 3(3)

जर्नल

- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली
- संपादक(कों)/ संपादक मंडल के सदस्य(यों) के रूप में सेवारत महाविद्यालय के शिक्षकों की संख्या: 11

शोध परियोजनाएं

- *केंद्रीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् (सीसीआरएएस)*, 2017, *प्रकृति मूल्यांकन स्केल / प्रश्नावली का सत्यापन - सीसीआरएएस द्वारा एक परियोजना: रुपए* 5,86,800/- (*सीसीआरएएस, नई दिल्ली से धन*)
- हैकथॉन 2017 मानव संसाधन विकास मंत्रालय/आयुष मंत्रालय, 2017-2018 के अंतर्गत 30 मार्च 2019 को की गई मानव संसाधन विकास मंत्रालय/आयुष मंत्रालय द्वारा तैनाती, आयुष चिकित्सा पद्धति के प्रचार के लिए खेल, रुपए 3,00,000/-
- हैकथॉन 2017 मानव संसाधन विकास मंत्रालय/आयुष मंत्रालय। 2017-2018 के अंतर्गत 30 मार्च 2019 को की गई मानव संसाधन विकास मंत्रालय/आयुष मंत्रालय द्वारा तैनाती, हैकथॉन 2017, 2017-2018 के अंतर्गत मानव संसाधन विकास मंत्रालय / आयुष मंत्रालय, 30 मार्च 2019 को की गई तैनाती, अनुदान आवेदन जमा करने और अनुदान आवेदनों की वास्तविक समय ट्रैकिंग के लिए ऑनलाइन पोर्टल, रुपए 3,00,000/-
- आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, स्वस्थ गर्भावस्था के लिए आयुर्वेदिक देखभाल 2018,1.5 करोड़।

दायर और मंज़ूर पेटेंट

- संख्या: दो और एंटीट्यूबरकुलर हर्बल एरोसोल और हर्बल एरोसोल हाइपोक्सिमिया।

आयोजित संगोष्ठी

- डॉ. नम्रता राज, योग शिक्षक, एआईआईए में, 21 जून 2018 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2018 समारोह।
- पोषण माह के भाग के रूप में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2018, एआईआईए में, 1 से 7 सितम्बर, 2018 तक।
- स्वच्छता पखवाड़ा गतिविधियां 2018, 15 से 30 अक्तूबर, 2018 तक।

आयोजित सम्मेलन

- राज्य स्तरीय नर्सिंग सम्मेलन, आयुर्वेद के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल: संभावनाएं और भविष्य, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, सरिता विहार, नई दिल्ली। अप्रैल, 2018.
- उत्कृष्टता की ओर बढ़ना। "राष्ट्रीय आयुष संस्थानों के प्रमुखों का राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत सरकार का आयुष मंत्रालय। जुलाई, 2018.
- आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एआईआईए द्वारा आयोजित 'सार्वजनिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए' दीनचर्या और ऋतुचर्या पर राष्ट्रीय सम्मेलन। दिसंबर 2018.
- आयुष कौशल परिषद् क्षेत्र, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान। नवंबर 2018.

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

1. डॉ. स्वाति चौहान, डॉ. मनीषा अग्रवाल, डॉ. सोनम, डॉ. मोनिका, "8वां विश्व आयुर्वेद कांग्रेस और आरोग्य एक्सपो, स्वास्थ्य पर ध्यान को पुनः केंद्रित करना, अहमदाबाद, गुजरात में राष्ट्रीय सम्मेलन, दिसंबर, 2018
2. डॉ. क्षय्मायी पी जती, भुवनेश्वर, उड़ीसा में, जनवरी 2019 में "चिकित्सा, प्रौद्योगिकी और समग्र स्वास्थ्य में उन्नति पर राष्ट्रीय सम्मेलन।
3. डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा, डॉ. मोनिका, डॉ. मसूदा, डॉ. सुमन गिहार, डॉ. स्तुति शर्मा, डॉ. निदा क़मर और डॉ. अनीता, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "कुमारकॉन - 2019, जोधपुर, राजस्थान, फरवरी, 2019.
4. डॉ. स्मृतिमय साहू, डॉ. प्रीति, डॉ. रॉबिन बादल, डॉ. गुंजन शर्मा, डॉ. मीनाक्षी शर्मा, डॉ. भावना दत्त, डॉ. स्मिता बारोड, डॉ. खुशबू और डॉ. निरंजन राम. मार्च 2019 में, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय सम्मेलन "विश्व आयुर्वेद" कांग्रेस और आयुष्मान भारत एक्सपो 2019.
5. डॉ. नसरीन हनीफा, डॉ. मनीषा और डॉ. महिमा गुजराल, डॉ. सरोज मीणा, डॉ. प्रियंका मीणा, डॉ. मोनिका सोडे, सितंबर, 2019 में, गवर्नमेंट आयुर्वेदिक महाविद्यालय, गुवाहाटी, असम में आयोजित सम्मेलन "शाल्य कोन गुवाहाटी 2019.
6. डॉ. अंजलि शर्मा, डॉ. निदा क़मर, डॉ. अनीता, डॉ. स्तुति शर्मा, डॉ. निधि बाजपेई और डॉ. नेहा दीक्षित, अक्तूबर 2019 में वीर सावरकर प्रिस्टिस्तान, दादर, मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन "सुप्रजाता 2019.

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

क) आयुष मंत्रालय के उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत सहयोग अनुसंधान पर एआईआईए और सीएसआईआर- इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (सीएसआईआर -आईजीआईबी), नई दिल्ली के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अप्रैल, 2018.

ख) आयुर्वेद में अनुसंधान और विकास और अकादमिक क्षेत्र में सहयोग पर एआईआईए और आईआईटी दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर। जुलाई, 2018.

ग) आयुर्वेद में अकादमिक सहयोग की स्थापना पर एआईआईए और संयुक्त राज्य अमेरिका, बोस्टन के स्पाउल्डिंग पुनर्वास अस्पताल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। मार्च, 2019.

घ) आयुर्वेद के क्षेत्र में सहयोग और सहभागिता पर एआईआईए, नई दिल्ली और द मेडिकल यूनिवर्सिटी ऑफ़ ग्राज़, ग्राज़, ऑस्ट्रिया के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सितंबर, 2018.

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

1. निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, लासा दिल्ली वसुंधरा एन्क्लेव दिल्ली -96. 3 अप्रैल, 2018
2. एकीकृत कैंसर केयर यूनिट का उद्घाटन। 25 अप्रैल, 2018.
3. निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल रोहिणी दिल्ली। 12 मई, 2018
4. महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए कार्रवाई का अंतर्राष्ट्रीय दिन। 28 मई, 2018
5. निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर, ताजपुर पहाड़ी बदरपुर दिल्ली। 9 सितंबर, 2018
6. निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, पुलिस लाइन मुखर्जी नगर नई दिल्ली। 8 अक्तूबर, 2018.
7. एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर। 26 अक्तूबर, 2018.
8. इलेक्ट्रिकल लोको शेड में नि: शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर। 31 अक्तूबर, 2018.
9. आईटीबीपी नई दिल्ली में नि: शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर। 24 नवंबर, 2018
10. ललित महाजन पब्लिक स्कूल वसंत विहार नई दिल्ली में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर। 20 दिसंबर ,2018
11. अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह। 26 जनवरी, 2019
12. स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन। 30 जनवरी, 2019.
13. माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट- 7 फरीदाबाद में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर। 3 फरवरी, 2019.
14. डी-10, मतावली गली, चंद्र नगर, मुख्य क्रावल नगर रोड ज्योति शहादरा पर नि: शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर। 6 मार्च, 2019.

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

पुस्तकालय का विकास

संस्थान का पुस्तकालय संकाय सदस्यों, निवासियों, अनुसंधान अध्येताओं, कर्मचारियों और छात्रों की सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कम्प्यूटरीकृत है और इसमें सर्कुलेशन सेक्शन, आवधिक धारा, संदर्भ अनुभाग और पुस्तक अनुभाग शामिल हैं। संस्थान का पुस्तकालय 3एम (आरएफआईडी) डिटेक्शन सिस्टम से लैस होने की प्रक्रिया में है और इलेक्ट्रॉनिक सर्वाइलांस के अंतर्गत है, जो यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि कोई पाठक बिना जाँच के पुस्तकालय की सामग्री नहीं लेता।

संग्रह

- पुस्तकें : 15,376
- सीडी : 300
- समाचार पत्र : 06
- पत्रिकायें : 08

कई डॉक्टरों ने प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीते हैं

- मंथन -राज्य स्तर, हिमालय में डॉ.पूनम गुलाटी को तृतीय स्थान मिला। 15 मार्च, 2018.

- "कैंसर जागरूकता सप्ताह" में भाग लिया और वैज्ञानिक लेखन प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। 3- 9 फरवरी।
- हिंदी पखवाड़ा के एक भाग के रूप में एआईआईए में गैर-हिंदी भाषी कर्मचारियों और छात्रों के लिए 'श्रुति लेखन प्रतियोगिता' में पहला पुरस्कार। 14 से 28 सितंबर, 2018.
- डॉ.पूनम गुलाटी को अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार 2018 में बुसप्यू एजिंग पर "जरा - जराचिकित्सा अनुपस्थिति पर केंद्रित" सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र की प्रस्तुति के लिए मूल्य से सम्मानित किया गया - 29 और 30 अगस्त 2018.
- स्वछता पखवाड़ा के एक हिस्से के रूप में आयोजित लघु फिल्म प्रतियोगिता में भाग लिया, एआईआईए, नई दिल्ली में "स्वछता ही सेवा" नामक फिल्म पर दूसरा पुरस्कार मिला। 16-30 अक्तूबर, 2018

संकाय की संख्या: 35

****

वाणिज्य और व्यापार संकाय

वाणिज्य

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

वाणिज्य विभाग ने शिक्षा के क्षेत्र के साथ-साथ पाठ्येतर गतिविधियों में भी अपनी उत्कृष्टता चिह्नित की है। यह स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के संशोधन में सक्रिय रूप से संलग्न था। एमबीए (आईबी) और एमबीए (एचआरडी) ने वार्षिक प्रबंधन मेला (सिनर्जी-18) का आयोजन किया, जिसमें कॉरपोरेट क्रैकर, क्विच, काउच पोटैटो, एड मैड और फीफा जैसे उल्लेखनीय आयोजनों ने काफी दर्शकों को आकर्षित किया।13 अक्तूबर 2018 को यूरडिशन-2018 बिजनेस कन्वेंशन आयोजित किया गया था, जिसमें एमबीए (आईबी) और एमबीए (एचआरडी) छात्रों को 'धुंधली सीमाएँ अनसुलझे सीमांत' और सिम्पोजिया से कॉरपोरेट जगत के बारे में प्रेरित और प्रकाशित किया गया था। विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न व्याख्यान श्रृंखलाओं ने अध्येताओं को कार्यप्रणाली और उनके अनुभव से अवगत कराया।

इसके अलावा, विभाग ने कर्मचारियों के साथ-साथ गैर-स्टाफ सदस्यों का ध्यान आकर्षित करते हुए "वर्ल्ड स्माइल डे" मनाया। "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" के अवसर पर महिलाओं की उपलब्धियों को चिह्नित किया गया।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर अजय कुमार सिंह

बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा मंच द्वारा उच्च शिक्षा पुरस्कार 2018 में नेतृत्व पर 6ठे क्षेत्रीय सम्मेलन में "भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और प्रत्यायन: नीति और सर्वोत्तम प्रथाएं" के लिए सम्मानित किया गया।

क्लब प्रशिक्षक आरटीएन. को वर्ष 2017-18 में समुदाय की सेवा के लिए, रोटरी क्लब ऑफ़ दिल्ली मौर्य (रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3012) के अध्यक्ष, आरटीएन सचिन गुप्ता, और संस्कृत विश्वविद्यालय के चांसलर द्वारा प्रशंसा पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रोफेसर मदन लाल

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री अरबिंदो महाविद्यालय में 18-19जनवरी, 2019 को आयोजित सामरिक व्यापार अनिवार्यता: विकास और नवाचार का पोषण पर दो दिवसीय सेमिनार में "भारत के सेवा निर्यात में वृद्धि और अस्थिरता: नीति अवधि विश्लेषण" के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रोफेसर आर. के. सिंह

दिल्ली के स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड रिसर्च, दिल्ली में 10 वां प्रोफेसर पी. एन. सिंह स्मारक व्याख्यान देने के लिए अकादमिक युग के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ऑक्सफोर्ड में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया और "कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व और संगठनात्मक प्रतिबद्धता: एक मेटा-विश्लेषण" पर सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रोफेसर वी. के. श्रोत्रिया

उस्मानिया विश्वविद्यालय में " उद्यमियों की सफलता, मनोवैज्ञानिक पूंजी और वित्तीय प्रदर्शन के बीच संबंध की खोज - भारत में स्टार्ट-अप उद्यमियों का एक अध्ययन" - शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए, 20-22 दिसंबर 2018 को 2018 के लिए वर्ष का सर्वश्रेष्ठ व्यावसायिक शैक्षणिक (बीबीएवाई) स्वर्ण पदक पुरस्कार।

प्रकाशन

चांदनी असवाल और कविता शर्मा, (2018). उपभोक्ता की हरित खरीद इरादे के निर्धारक कारक: नवाचार की मध्यस्थता की भूमिका, *जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज*, संस्क. X, 57-68.

पी. अग्रवाल और ए के सिंह (2018). भारत में सीएसआर और स्थिरता रिपोर्टिंग प्रथाएं: शीर्ष-सूचीबद्ध कंपनियों का एक गहन सामग्री विश्लेषण। सोशल रिस्पान्सबिलिटी *जर्नल।* इमरल्ड ग्रुप पब्लिशिंग लिमिटेड।

जी. बतरा, आर.के. सिंह और जे.पी. शर्मा, (2018). *स्थिरता के प्रकटीकरण पर हितधारक प्रभाव: एक अनुभवजन्य जांच।* बिजनेस एनालिस्ट, 38(1), 131-152

एन. भसीन और एन. अरोरा, (2018). जलवायु परिवर्तन संबंधी चिंताओं को दूर करने में भारत की विकसित भूमिका। मैनेजमेंट एंड इकोनॉमिक रिसर्च *जर्नल*, 5(S3).

एन. भसीन और एस गर्ग (2018). क्या मेजबान देश संस्थागत गुणवत्ता अंतर-क्षेत्रीय एफडीआई में एक विभेदक के रूप में कार्य करता है? चयनित एशियाई अर्थव्यवस्थाओं से साक्ष्य। *फॉरेन ट्रेड रिव्यू, 53(2), 81-97.*

एन. भसीन (2018). *भारत में व्यापार करने में आसानी: अतीत, वर्तमान और भविष्य।* नई सदी के प्रकाशन: नई दिल्ली

जी. बतरा, आर.के. सिंह और जे.पी. शर्मा, (2018). स्थिरता के प्रकटीकरण पर हितधारक प्रभाव: एक अनुभवजन्य जांच। *बिजनेस एनालिस्ट, 38(1), 131-152*

चंद्रा, ए., शुक्ला आर. और गुप्ता, ए. (2018). डिजिटल भुगतान का उपयोग, स्वीकृति और उपभोक्ता व्यवहार पर इसका प्रभाव: दिल्ली क्षेत्र का एक अध्ययन। *जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च एंड इनसाइट। (आईएसएसएन: 2456 1088), 3, 3-13.*

एच.के., कौर, ए. और जम्ब, जे. (2019). संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग: एक शक्तिशाली एंटीबायोटिक। *बिजनेस थॉट के जर्नल में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया* (मार्च 2019-अप्रैल 2020), सं. 10

डांगी एच.के. और सैनी, आर. एच के और सैनी, आर (2018). एएचपी का उपयोग करके सोशल नेटवर्किंग साइटों की प्रभावशीलता को मापना। एफ्यूलजेंस, संस्क. 16 सं. 1 (विशेष अंक) पृष्ठ 40-46

डांगी और रश्मि, एच.के. (2018). अंधे या ब्रांडेड? एक उभरते बाजार में स्टोर ब्रांडों बनाम राष्ट्रीय ब्रांडों के ग्राहक मूल्यांकन पर ब्रांड संकेतों का प्रभाव। *मिंट. जर्नल ऑफ इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट पुदीना। भारतीय संस्कृति और व्यवसाय प्रबंधन के जे। संस्क. 16 सं. 2 पृष्ठ 170-202.*

डांगी, एच. के और मलिक, ए. (2018). *व्यवसाय अनुसंधान मामले।*इंडेक्स इंटरनेशनल गाजियाबाद उत्तर प्रदेश

जैन, एम.के., चंद्रा, ए. और गुप्ता आर.के. (2018). क्या विलय और अधिग्रहण प्रथाओं को गैर-मौद्रिक मुद्दों से जोड़ा जाता है?*सारांश आरकेजी जर्नल ऑफ मैनेजमेंट (0975-4601), 9(2), 9-13.*

झुनझुनवाला, एस. (2018). नियंत्रण संघर्ष, लागत और सक्रियता, *आईयूपी जर्नल ऑफ कॉर्पोरेट गवर्नेंस*

मक्कर, शिखा और सिंह, अजय कुमार (2018) एक आध्यात्मिकता माप पैमाने का विकास, करेंट साइकोलॉजी, 1-8, स्प्रिंगर साइंस बिजनेस मीडिया, एलएलसी, स्प्रिंगर नेचर का हिस्सा 2018.

झुनझुनवाला, एस. और श्वेता (2018). *कॉर्पोरेट प्रशासन और नवाचार, वीयूसीए बाजारों में लचीली रणनीतियाँ।* स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड।

लाल, एम.और कश्यप, एच. (2018). *उपभोक्ता शिकायत व्यवहार को बदलने के लिए सहायक कारक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ 360 मैनेजमेंट रिव्यू, 06, (02), 28-54.*

शर्मा, कविता और कौर, परमिंदर (2019). उपभोक्ता व्यवहार उच्च ऊर्जा कुशल उत्पाद की ओर इशारा करता है: *एक सतत भविष्य की दिशा में समाज के लिए प्रभावशीलता, उत्पाद ज्ञान और पर्यावरण की चिंता: पार-सांस्कृतिक रणनीतियाँ, अभ्यास और उन्नति*, संपा. ब्लूम्सबरी इंडिया

शर्मा, कविता और कौर, परमिंदर (2019). *फ्रैंचाइज़र और फ्रैंचाइजी के संबंध का एक अध्ययन, बिजनेस एनालिस्ट,*, संस्क. 39, अंक 1, जनवरी -जून, 150-164

सिंह, अमित के. और श्रीवास्तव, आर. (2018). ब्रिक्स देशों के शेयर बाजारों पर वैश्विक वित्तीय संकट के प्रभाव का मूल्यांकन। *इंडियन जर्नल ऑफ फाइनेंस।. संस्क. 12, सं. 7, 2018, पृष्ठ 37-42,*

शर्मा, कविता और गुप्ता, स्वाति (2018). व्यापार के सिद्धान्त, टैक्समैन पब्लिशर्स।

शर्माजे.पी.और कनोजिया, एस. (2019). *व्यापार कानून।* भारत लॉ हाउस, भारत लॉ हाउस।

शर्मा, जे.पी., कनोजिया, एस. और गुप्ता, एस. (2018). भारतीय कंपनियों में ई-कॉर्पोरेट प्रशासन के लिए विधायी सुधारों का एक अनुभवजन्य मूल्यांकन। *आस्ट्रेलएशियन एकाउंटिंग, बिजनेस एंड फाइनेन्स जर्नल,, संस्क. 12, अंक 2, 29-45.*

शर्मा, जे.पी., कनोजिया, एस.और सचदेव, एस. (2018). चुनिंदा देशों के सचेतक संरक्षण तंत्र की तुलना। *इंडियन जर्नल ऑफ कॉर्पोरेट गवर्नेंस, संस्क. 11, अंक 1,*

शर्मा, एन.और लाल, एम. (2019). हरित पभोक्तावाद, परिप्रेक्ष्य, निरंतरता, और व्यवहार (संपा.) में प्रकाशित हरित खरीद के इरादों के माध्यम से हरित प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त करने के लिए हरित भरोसे की जांच करना। एप्पल अकादमिक प्रेस, इंक.9 स्पिनंकर वे वेयरटाउन, न्यू जर्सी 08758 अमेरीका

सिंह, अमित के., कालरा, एस.और झाम, जे. (2018). आईपीओ प्रदर्शन का पूर्वानुमान करने वाले कारक: एक विश्लेषण। *इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च एंड कैपिटल मार्केट्स, संस्क. 5, सं. 3, 2018, पृष्ठ 37-42,*

सिंह,आर के,और शर्मा एन. (2018). *प्रबंधन और विपणन में हालिया विकास पर संपादित पुस्तक में कार्यस्थल आध्यात्मिकता।* मिशा बुक्स, नई दिल्ली, 133-140.

सिंह, आर. के. और बाब्बर, एम. (2019). *कार्यस्थल पर विभिन्न धर्मों के लिए एक समावेशी लेंस।* ग्लोबल सस्टेनेबल इनोवेशन एंड अलायंस'पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित, मैक्सीमैक्स पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

सिंह जे.के. और सिंह, ए. के. (2018). *स्टॉक मार्केट्स में निवेश।* ए के पब्लिकेशंस

सिंह, आर.के., शर्मा, एन., सचदेव, टी. (2019). मान, भारत में संगठनात्मक संस्कृति और संगठनात्मक प्रभावकारिता। *द इंडियन जर्नल ऑफ़ इंडस्ट्रियल रिलेशंस, संस्क. -54 (4), 2019.*

सिंह, आर.के. और चौधरी, पी. (2018). उच्च शिक्षा में रचनात्मकता पर संगठनात्मक संस्कृति के प्रभाव को मापना। *शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता आश्वासन, संस्क. 26 (4), 2018, 410-422.*

सिंह, आर.के. और अरोरा, एस. (2018). संतुलित स्कोरकार्ड को अपनाना: इसके पूर्वजों और परिणामों की खोज। *बेंचमार्किंग: ऐन इंटरनेशनल जर्नल I, संस्क. 25(3), 2018, 874-892.*

सिंह, आर. के. और बतरा, जी. (2019). *कॉर्पोरेट स्थिरता रिपोर्ट में प्रेरकों और बाधाओं पर हितधारकों की धारणा।* "बिजनेस इनोवेशन एंड सस्टेनेबिलिटी" पर एक पुस्तक में, ब्लूम्सबरी इंडिया, 1-17

श्रोत्रिया, वी.के .और ढांडा, यू. (2019). कर्मचारी संबद्धता के लिए आकलन साधन की सामग्री की वैधता। *सेज ओपेन.9 (1). 1-7*

श्रोत्रिया, वी.के .सिंह, एस.वी.पी. (2019). भारत के लिए सार्वजनिक नीति में खुशी के समावेश की रक्षा में। *इंडिया पॉलिसी फाउंडेशन, नई दिल्ली। (मोनोग्राफ)*

तोमर, एम., कौर, ऐ और डांगी, एच.के. (2018). फायर वल्नेरेबिलिटी पर स्थानिक-लौकिक भिन्नता का प्रभाव: दिल्ली, भारत के दक्षिण-पश्चिम प्रभाग का एक प्रकरण अध्ययन। विट ट्रांजेक्शन इन *इंजीनियरिंग साइंस, संस्क. 121, 2018 विट प्रेस पृष्ठ 273-282*

त्रिपाठी, वी.और पंवार, एन. (2019). स्टॉक मार्केट में निवेश, तीसरा संस्करण, टैक्समैन पब्लिकेशन्स।

त्रिपाठी, वी. (2018). निवेश की बुनियादी बातें, दूसरा संस्करण, टैक्समैन पब्लिकेशन्स।

विभाग लेप्रकाशित जर्नल

जर्नल ऑफ कामर्स एंड ब्जनेस स्टडीज आईएसएसएन: 2322-0767

संपादकों/ संपादकीय मंडल के सदस्यों के रूप के कार्यरत संकाय की संख्या-6

शोध परियोजनाएं

भारतीय सामाजिक विज्ञान और अनुसंधान परिषद्, व्यापार का विश्लेषण, आर्थिक विकास और भारत में गरीबी, प्रो मदन लाल, रुपए 300000.

उपभोक्ता मामले विभाग, उपभोक्ता मामले मंत्रालय, खाद्य और सार्वजनिक वितरण, भारत सरकार, भारत के विभिन्न शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राहकों की शिक्षा और उपभोक्ता जागरूकता विभाग, निर्माताओं, वितरकों, खुदरा विक्रेताओं और विभिन्न उत्पादों और सेवाओं के विक्रेताओं द्वारा गलत उपायों के खिलाफ उनके अधिकारों और संरक्षण - चरण-वार आयोजित करने के लिए एक शोध-सह-कार्यान्वयन परियोजना, डॉ. आशीष चंद्रा, रुपए 10,00,000/-

आईसीएसएसआर दिल्ली, स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के लिए पूर्व-खरीद सूचना खोज व्यवहार, डॉ. एच.के. डांगी, रुपए ??

आयोजित संगोष्ठी /अतिथि व्याख्यान

कुल संख्या: 43

श्री सलीम मुस्तफा, सामग्री लेखक और गीतकार, शैक्षिक अनुसंधान में साहित्यिक चोरी के मुद्दे, दिनांक: 24 दिसंबर 2018।

आईआईएसएसी (उद्योग सहभागिता और छात्र गतिविधि समिति) ने 8 और 9 सितंबर 2018 और 15 और 16 सितंबर 2019 को सिम्पोजिया एमबीए (आईबी) और एमबीए (एचआरडी) का आयोजन किया।

श्री गुरु गोबिंद सिंह महाविद्यालय ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय और पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से, ज्ञान साझेदार ने 26 फरवरी 2019 को ' "भारत के व्यापार परिदृश्य को बदलना: विघटनकारी अविष्कार और उद्यमिता की भूमिका" पर 'विमर्ष 2019' का आयोजन किया।

गीतांजलि शिवदासानी, एनल ग्रीन पावर को "कर्मचारी संबद्धता 9" पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था, दिनांक: 18 जनवरी 2019

करन प्रिमलानी, मैजिक ब्रिक्स ने प्रतिस्पर्धी बाजार में सफल होने के लिए और मैजिकब्रिक्स पर एक अवलोकन प्रस्तुत किया, दिनांक: 9 मार्च 2019

मधुकर व्यास, श्री बालाजी ग्रुप ने कॉर्पोरेट अनुभव और नियंत्रण उपकरण पर प्रस्तुति दी, दिनांक: 25 जनवरी 2019

संग्राम सिन्हा, पेरनोड, रिकार्ड भारत ने अंतर्राष्ट्रीय विपणन पर सांस्कृतिक प्रभावों को प्रस्तुत किया, दिनांक: 2 फरवरी 2019

हेल्पसुग्रीन डॉ.ट कॉम, सोशल एंटरप्रेन्योरशिप - ए स्टोरी ऑफ चैंज दिनांक: 2 फरवरी 2109

डॉ. रूपेंदु भौमिक ने ग्लोबल ट्रेंड्स स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट पर प्रस्तुति दी। दिनांक: 15 फरवरी 2019

प्रोफेसर रजनीश नरूला, जॉन एच. डायनेमिक चेयर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस रेगुलेशन ऑन हेनली बिज़नेस स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ़ रीडिंग, यूके, ब्रेक्सिट - असमान वैश्वीकरण की सीमा। दिनांक: 22 जनवरी 2019

आयोजित सम्मेलन

12-13 अक्तूबर 2018 को एमबीए-आईबी और एमबीए-एचआरडी द्वारा तेइसवां बिजनेस कन्वेंशन एरुडिशन "धुंधली सीमाएं अनसुलझे सीमांत" आयोजित किया गया।

सम्मानित अतिथि राजीव तलवार, (पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष, डीएलएफ लिमिटेड में सीईओ और पूर्णकालिक निदेशक अजय दुआ, पूर्व सचिव, डीआईपीपी, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय।

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

नीति भसीन

10 मई, 2018 को पीएचडी चैंबर, नई दिल्ली में आयोजित "औद्योगिक विकास: जलन मुद्दे और रास्ता आगे" में व्याख्यान दिया।

13-14 दिसंबर, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में अनुभवजन्य मुद्दों पर छठे आईआईएफटी सम्मेलन में ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह पर द्विपक्षीय निवेश संधियों (बीआईटीएस) का प्रभाव पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आशीष चंद्रा ने 29 नवंबर से 01 दिसंबर, 2018 के दौरान आईआईएम शिलाग द्वारा आयोजित सुसकॉन VII- में सामुदायिक, वार्तालाप और संरक्षण और सहयोग पर 7वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “सोशल मीडिया के माध्यम से सस्टेनेबिलिटी मार्केटिंग: एक अनुभवजन्य अध्ययन” प्रस्तुत किया।

डांगी, एच.के. और अनुराधा मलिक ने 7-10 मार्च 2019 को आईआईएम कोझीकोड में भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोझीकोड और आईआईएचएमआर जयपुर द्वारा संयुक्त रूप से वैश्विक स्वास्थ्य और चिकित्सा पर्यटन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पूर्व-खरीद जानकारी खोज व्यवहार" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया

सुनैना कनौजिया,

जीएसओएम इमर्जिंग मार्केट्स कॉन्फ्रेंस 2018, सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय, रूस में 4-6 अक्तूबर, 2018 को *"कॉर्पोरेट प्रशासन की विफलता: किंगफिशर एयरलाइंस का अध्ययन"* नामक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

फरवरी 2019 में, पीजीडीएवी महाविद्यालय में *डेटा संरक्षण* पर विशेष व्याख्यान दिया।

फरवरी 2019 में दौलत राम महाविद्यालय के वार्षिक साइबर सेल उत्सव में सामान्य *डेटा संरक्षण विनियमन* पर विशेष व्याख्यान दिया।

मदन लाल,

18-19 जनवरी, 2019 को श्री अरबिंदो महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित विकास और नवाचार का प्रोत्साहन पर दो दिवसीय संगोष्ठी में भारत के *सेवा निर्यात में वृद्धि और अस्थिरता: रणनीतिक व्यापार के एक नीति अवधि विश्लेषण"* पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वाणिज्य विभाग, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 24-25 फरवरी, 2019 आयोजित व्यवसाय और प्रबंधन पर छठे राष्ट्रीय सम्मेलन में *“उपभोक्ता शिकायतों में सोशल मीडिया की भूमिका: दिल्ली-एनसीआर के सरकारी और निजी स्कूल शिक्षकों के बीच तुलनात्मक अध्ययन”* पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

कविता शर्मा

दौरान उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 20-22 दिसंबर, 2018 को आयोजित 71वें अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन में *"मल्टी फाइबर व्यवस्था का प्रभाव (एमएफए) अमेरिकी बाजार के लिए भारत के वस्त्र और वस्त्र निर्यात पर चरण समाप्त"* पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

हयात रीजेंसी मिनियापोलिस यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका (यूएसए) में 25 -28 जून 2018 को एआईबी वार्षिक बैठक 2018 में *"भारत में गरीबी और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के बीच संबंधों का एक अध्ययन"* पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

जीवाजी यूनिवर्सिटी में 1 अगस्त, 2018 को *अनुसंधान पद्धति-साहित्य खोज और समीक्षा* पर एक भाषण दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्री महाविद्यालय में 13 नवंबर, 2018 को *संकाय विकास कार्यक्रम में अनुसंधान पद्धति* पर एक भाषण दिया।

सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 29-जनवरी, 2019 को आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में *लिंग भूमिकाएँ और विपणन निर्णय* पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

प्रेस्टिज प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर में दिनांक 16.03.2019 को तृतीय राष्ट्रीय विपणन संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में अतिथि के रूप में आमंत्रित।

25 जनवरी, 2019 को व्यवसाय और प्रबंधन: 21वीं सदी में मार्गदर्शन करना पर 6ठे राष्ट्रीय सम्मेलन में *21वीं सदी में विपणन* तकनीकी सत्र की अध्यक्ष।

पीएचडीसीसीआई द्वारा 27 मार्च, 2019 को आयोजित *निर्यात विकास प्रक्षेपवक्र के पुनरुद्धार* पर ओपन हाउस चर्चा में पैनल स्पीकर।

आर. के. सिंह

किरोड़ी मल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 16 और 17 नवंबर, 2018 को आयोजित "वैश्विक व्यापार अनुसंधान और प्रबंधन प्रथाओं में उभरते मुद्दे" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत *"सहकारिता लेंस से स्थिरता और प्रेरणा में प्रभाव"* पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

फॉर्च्यून इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस वसंत विहार, नई दिल्ली द्वारा19 और 20 दिसंबर, 2018 को आयोजित अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्रबंधन में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन में *"कॉर्पोरेट स्थिरता रिपोर्ट में प्रेरणा और प्रभाव पर हितधारकों की धारणाएं"* शोध पत्र की सह-प्रस्तुति।

श्री गुरु गोबिंद सिंह महाविद्यालय ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 9 फरवरी, 2018 को प्रबंधन, अर्थव्यवस्था और एप्लाइड बिजनेस में समकालीन सुधारों पर आयोजित चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में *'कार्यस्थल आध्यात्मिकता के लिए एक सैद्धांतिक मॉडल'* शोध पत्र की सह-प्रस्तुति।

गीतरत्न जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय से संबद्ध इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, दिल्ली में 7 और 8 दिसंबर 2018 "वैश्विक सूचना और व्यापार रणनीतियाँ" पर नौवें राष्ट्रीय सम्मेलन में *'संगठनात्मक प्रभावशीलता के लिए धार्मिक विविधता का प्रबंधन: एक वैचारिक मॉडल'* पर शोध पत्र की सह-प्रस्तुति।

किरोड़ी मल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 16 और 17 नवंबर 2018 को आयोजित आयोजित "वैश्विक व्यापार अनुसंधान और प्रबंधन प्रथाओं में उभरते मुद्दे" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में *'संगठनात्मक प्रभावशीलता अनुसंधान के लिए एक सहक्रियाशीलता दृष्टिकोण'* पर पर शोध पत्र की सह-प्रस्तुति।

आईआईएम, कोझीकोड, केरल द्वारा 7-8 दिसंबर 2018 को आयोजित समाज और प्रबंधनःभारतीय संस्कृति की तुलना में पश्चिमी संस्कृति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *संस्कृति और सीखना: एक पारंपरिक और आधुनिक परिप्रेक्ष्य'* पर एक शोधपत्र की सह-प्रस्तुति।

कोवेंट्री यूनिवर्सिटी (यूके) में 17 मई से 19 मई 2018 तक *अध्यात्म के अध्ययन के ब्रिटिश एसोसिएशन* के छठे यूरोपीय सम्मेलन में अनुपस्थिति में एक पोस्टर की सह-प्रस्तुति।

आईआईएम, कोझीकोड, केरल द्वारा 7-8 दिसंबर 2018 को आयोजित समाज और प्रबंधनःभारतीय संस्कृति की तुलना में पश्चिमी संस्कृति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *'संतुलित स्कोरकार्ड अपनाना और संगठनात्मक प्रभावशीलता: एक मॉडरेटर के रूप में पीएमएस प्रभावशीलता की खोज'* पर एक शोधपत्र की सह-प्रस्तुति।

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा 24 और 25 फरवरी 2019 को व्यवसाय और प्रबंधन पर आयोजित छठे राष्ट्रीय सम्मेलन में *व्यक्तिगत आध्यात्मिकता और संगठनात्मक प्रभावकारिता के बीच संबंधों की जांच: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य* पर एक शोधपत्र की सह-प्रस्तुति।

विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, दिल्ली द्वारा 31 जनवरी-1 फरवरी, 2019 को आयोजित "सचेतनता, नवाचार, डिजिटाइजेशन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्थिरता" पर विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'व्यक्तिगत आध्यात्मिकता, धार्मिक विश्वास और संगठनात्मक प्रदर्शन के बीच संबंधों की जांच': 'प्रत्यक्ष और मॉडरेशन प्रभावों के बीच संबंधों की जांच' पर एक शोधपत्र की सह-प्रस्तुति।

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा 24 और 25 फरवरी 2019 को व्यवसाय और प्रबंधन पर आयोजित छठे राष्ट्रीय सम्मेलन में *व्यक्तिगत आध्यात्मिकता और संगठनात्मक प्रभावकारिता के बीच संबंधों की जांच: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य* पर एक शोधपत्र की सह-प्रस्तुति।

दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 4 और 5 जनवरी को "ग्लोबल विजन 2030: चुनौतियां और अवसर" पर बीसवें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *'कार्यस्थल पर धार्मिक विविधता: एक वैचारिक ढांचा'* पर एक शोधपत्र की सह-प्रस्तुति।

सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, पुणे में 3-5 जनवरी, 2019 को आयोजित "अनिश्चित वातावरण में प्रबंधन की चुनौतियां" पर सोलहवें एआईएमएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (वीडियो कॉन्फ्रेंस) में कार्यस्थल पर धार्मिक विविधता की बारीकियों को समझना' पर एक शोधपत्र की सह-प्रस्तुति।

वी के श्रोत्रिय,

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 8-9 जून, 2018 को शास्त्री इंडो-कैनेडियन इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित *असमानता और मानव कल्याण: हमें अपना ध्यान स्थानांतरित करने की आवश्यकता क्यों है पर* अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *उभरते भारत और कनाडा पर: सतत विकास लक्ष्यों की चुनौतियाँ* पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 20-22 दिसंबर 2018 को आयोजित 71 वें अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन- 2018 में *भारतीय संगठनों के लिए कर्मचारी संबद्धता मापन उपकरण* पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

30-31 मार्च 2019 को राजस्थान के 39वें वार्षिक सम्मेलन में आयोजित तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

उत्तर पूर्वी भारत में व्यापार संबंधः समस्याएँ और संभावनाएँ पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में 11 अक्तूबर 2018 को एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

दिल्ली विश्वविद्यालय के जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय में5 फरवरी, 2019 को *सतत विकास और विश्व अर्थव्यवस्था पर* प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *दिल्ली मेट्रो रेल निगम में संगठनात्मक नागरिकता व्यवहार* पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वनिता त्रिपाठी**,** दिल्ली स्कूल ऑफ मैनेजमेंट**,** दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी में व्यवसाय और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

एमबीए (**आईबी**)
नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 44, 85%
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 44

एमबीए (**एचआरडी**)
नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 36, 70.58%
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 48

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी.: 14
एम.फिल.:19

संकाय की संख्या

प्रोफेसर: 07
एसोसिएट प्रोफेसर: 08
सहायक प्रोफेसर: 01
सहायक प्रोफेसर (तदर्थ): 16

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग में एम.फिल/पीएच.डी करने वाले/अध्येताओं के लिए अल्पावधि अनुसंधान परियोजना के अवसरों के लिए विभाग ने पीएचडीसीसीआई के साथ सहयोग किया। पहले चरण में सात अध्येताओं को पीएचडीसीसीआई द्वारा सुझाए गए विषयों पर उद्योग/क्षेत्र विशिष्ट अनुसंधान करने के लिए चुना गया था। समन्वयक प्रोफेसर कविता शर्मा और डॉ. नीति भसीन द्वारा शोध सहयोग किया गया था।

12 जनवरी, 2019 को नेहरू प्लेस के इरोस होटल में पूर्व छात्र रात्रिभोज का आयोजन किया गया था। पूर्व छात्र रात्रिभोज में पूर्व छात्रों को विश्वविद्यालय में वापस आकर एक दूसरे से और वर्तमान छात्रों से ज़ुड़ने का अवसर मिला। इसमें संगीत सोसायटी द्वारा मधुर प्रदर्शन और वर्तमान छात्रों और पूर्व छात्रों के साथ इंटरेक्टिव सत्र हुए।

नवंबर 2018 में एम.कॉम, एमबीए-आईबी, शैक्षणिक सत्र के उद्घाटन पर एमबीए-एचआरडी और एम.फिल/पीएच.डी के नए आने वाले बैच के लिए विन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रोफेसर अजय के. सिंह को 3 अगस्त 2018 से 9 मई 2019 तक दिल्ली विश्वविद्यालय का डीन (कार्य) नियुक्त किया गया।

प्रोफेसर कविता शर्मा को सह-अध्यक्ष पूर्व-स्नातक पाठ्यक्रम संशोधन समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय का सह-अध्यक्ष और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संशोधन समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय का सह-अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

एम.कॉम की ईसीए सोसायटी ने 24 जनवरी 2019 को "स्वास्थ्य-जोखिम में व्यापार और लाभ" सम्मेलन का आयोजन किया।

***

वित्तीय अध्ययन

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

वित्तीय अध्ययन विभाग ने 22 सितंबर, 2018 को नई दिल्ली के होटल शांगरी-ला में "वित्तीय नवाचार के लिए प्रौद्योगिकी का उत्थान।" विषय पर अपने 31वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया। कन्वेंशन का उद्घाटन औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग, भारत सरकार के सचिव श्री रमेश अभिषेक ने किया, रियल एस्टेट प्राइवेट इक्विटी इनवेस्टमेंट, अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट के पार्टनर और प्रमुख, श्री निपुण साहनी ने मुख्य भाषण दिया और प्रोफेसर युसुफ इरानी, डीन, इकोले सुपीरियर डी कॉमर्स, पाऊ, फ्रांस इस अवसर पर सम्मानित अतिथि थे।

प्रकाशन

मैत्रा, डी., और डावर, वी. (2019). कमोडिटी फ्यूचर्स, शेयर बाजार और विनिमय दर के बीच लाभ और अस्थिरता फैलना: भारत से साक्ष्य। *ग्लोबल बिजनेस रिव्यू*, 20(1), 214-237.

सहगल, एस., पांडे, पी., और डेस्टिंग, एफ. (2018). पूर्वी एशियाई आर्थिक समुदाय क्षेत्र में शेयर बाजार एकीकरण गतिशीलता और इसके निर्धारक। *जर्नल ऑफ क्वांटिटिव इकोनॉमिक्स*, 16(2), 389-425.

सहगल, एस., जैन, पी., और डेस्टिंग, एफ. (2018). सामान्य और संकट काल में परिपक्व और उभरते हुए इक्विटी बाजारों के बीच सूचना प्रसारण: एक अनुभवजन्य जांच। *जर्नल ऑफ क्वांटिटिभ इकोनॉमिक्स,* 16(1), 185-225.

आयोजित सम्मेलन

4 अक्तूबर, 2018 को फाइनेंशियल मॉडलिंग पर कार्यशाला आयोजित की गई थी।
2 नवंबर, 2018 को वित्तीय सेवाओं में उद्यमिता पर सम्मेलन आयोजित किया गया था।
7 फरवरी, 2019 को ईएससी पाऊ, फ्रांस द्वारा सम्मेलन।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

विभाग ने इनके साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं:

1. स्ट्रैथक्लाइड बिज़नेस स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ़ स्ट्रैथक्लाइड
2. पश्चिमी सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया
3. पाइक लर्निंग सॉल्यूशंस

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या - 33 (33 में से) = 100%
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या - 20

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.की संख्या

पीएच.डी. - 3

संकाय की संख्या

आठ

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग ने व्याख्यान की श्रृंखला आयोजित की जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं -
धन प्रबंधन उद्योग और संपत्ति आबंटन मूल्यांकन, 11/08/2018.
सुश्री रेंस सूद (कोटक महिंद्रा बैंक) द्वारा कॉर्पोरेट बैंकिंग - 29/08/2018.
श्री नीरज जुनेजा, वीपी, आरबीएस द्वारा बैंकिंग उद्योग का अवलोकन और बैंकिंग ऑपरेशन के साथ जुड़े जोखिम - 01/09/2018.
कोलियर्स इंटरनेशनल द्वारा अतिथि व्याख्यान - 10/11/2018.
मनीलॉजिस्ट द्वारा अतिथि व्याख्यान - 08/02/2019.
बर्मिंघम विश्वविद्यालय द्वारा विशेष व्याख्यान - 8/03/2019.

****

शिक्षा संकाय

शिक्षा

प्रमुख कार्यकलाप और शैक्षणिक उपलब्धियां

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन (आईएएसई) योजना के तत्वावधान में, विभाग में राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन, सेमिनार, संगोष्ठी और कार्यशालाएं आयोजित की गईं। आवृत किए गए कुछ विषय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देने के साथ उच्च शैक्षिक संस्थानों की विविधता को समझ रहे थे। नाटक शिक्षा सहित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। सामाजिक विज्ञान शिक्षण में एक प्रभावी शैक्षणिक उपकरण के रूप में फिल्मों का उपयोग किया गया। आईक्यूएसी प्रकोष्ठ ने गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए प्रशासनिक मामलों पर दो कार्यशालाएं आयोजित कीं। संपूर्ण विश्वविद्यालय के लिए शिक्षा के उच्च शिक्षा पर एक मोनोग्राफ विकसित किया गया था। क्षेत्र में स्थित शोधकर्ताओं, शिक्षकों और अन्य चिकित्सकों के लिए प्राथमिक शिक्षा के लिए एक संसाधन केंद्र स्थापित किया गया था। मुख्य अकादमिक इकाई, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार के एनसीटी के शैक्षिक मूल्यांकन पर सेवारत शिक्षकों की शिक्षा क्षमता निर्माण के कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिक्षकों के लिए शोध पद्धति एवं गणित शिक्षा में सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा कार्यशालाएँ भी आयोजित की गई और दिल्ली सरकार के स्कूलों में शैक्षिक प्रबंधन में मेंटर शिक्षकों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। विभाग एससीईआरटी दिल्ली के लिए प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के लिए गणित और सामाजिक विज्ञान शिक्षा जैसे कुछ शैक्षणिक क्षेत्रों में शिक्षा की बुनियाद पर संसाधन सामग्री विकसित करने में सक्षम रहा।

प्रकाशन

वी. बानिवाल(2018). वैदिक परंपराओं के शिक्षण और अधिगम के लिए बुबेर और उपनिषदिक विचार में विधि के रूप में संवाद: वैदिक अध्ययन के विश्व संघ (वेब्स) के 13वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। डलास, टेक्सास, संयुक्त राज्य अमेरिका, 2-5 अगस्त, 2018. नारायणन एम. कोमरेथ और शशि तिवारी (संपा.)। जॉन्स क्रीक जीए: एससीवी इंक.

वी. बानिवाल(2018). 'अन्य 'के लिए खुला होने के नाते कृष्णमूर्ति का संवाद एम, थापेन (संपा.) में, कृष्णमूर्ति और शैक्षिक अभ्यास: समावेशी शिक्षा के लिए सामाजिक और नैतिक दृष्टि। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, पृष्ठ 128-143.

एस. चन्दर, आर. कुमार और भारती (2018). 21वीं सदी में शिक्षक शिक्षा। नई दिल्ली: सेज.

चंदर, एस., मुखोपाध्याय, एम. और कुमार, आर.((2018). एनएसओयू और ओएसओयू में ओईआर का व्यापक अध्ययन। सीईएमसीए (सीओएल)।

चेन्नत, एस.और बहरी, ए. (संपा.) (2019). विकलांगता, समावेश और शिक्षक शिक्षा: एक समग्र परिप्रेक्ष्य। दिल्ली।

चेन्नत, एस. और लाख्यानी, एस. (2018). कला के माध्यम से विकलांगता को फिर से परिभाषित करना। दिल्ली: ग्लोबल।

जॉर्ज, ए.एम. और शर्मा, आर.एम. (2019). जीवन आदर्श सीखना, बी.एड इंटरेक्शन में एक 'शिक्षक', बनने के लिए बातचीत, अवलोकन और अध्ययन किया जाना है। जर्नल ऑफ इंडियन एजूकेशन, 5-24.

कनवारिया, वी.के. और कुकरेजा, डी. (2018). शैक्षिक साइबरस्पेस: भारत में उच्च शिक्षा के लिए संभावनाएं, एस.के. पांडा (सं।) भारत में उच्च शिक्षा: अवसर और चुनौतियाँ (150-163). दिल्ली: अंकित पब्लिकेशंस, दिल्ली।

कनवारिया, वी.के. और कुमार, एस. (2019). शिक्षक शिक्षा: भारत में प्रमुख मुद्दे और चुनौतियाँ, एस. पांडा (संपा.) में शिक्षक शिक्षा के वैश्विक आयाम (13-27)। नई दिल्ली: अंकित पब्लिकेशंस, नई दिल्ली।

कनवारिया, वी.के. और नागपाल, बी. (2018). 21वीं सदी में शिक्षा: भारत में नवाचार और दीक्षाएँ। एआईटीईए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज़, 2231380X, 7(14), 16-22.

कनवारिया, वी.के. और नागपाल, बी. (2018). एमओओसी: शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के डिजिटलाइजेशन का एक उपकरण। पी. कौल (संपा.) में।शिक्षक शिक्षा में: उभरता हुआ दृष्टिकोण (15-27). नई दिल्ली: अध्ययन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।

कनवारिया, वी.के. और नागपाल, बी. (2018). सोशल नेटवर्किंग: शिक्षा में हाल की प्रवृत्ति। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लीनरी स्टडीज एंड रिसर्च, 2349820X, 5(1), 6-13.

कनवारिया, वी.के.और पायल (2018). एक आईसीटी सक्षम कक्षा में शिक्षकों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव स्टडीज इन सोसियोलॉजी एंड ह्यूमिनिटीज, 24564931, 3(4), 1-4.

कनवारिया, वी.के.और पायल (2018). आईसीटी के साथ सीखना: शिक्षकों की धारणाओं से उपयोग और बाधाएं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसेंट साइंटिफिक रिसर्च, 09763031, 9(1).

कनवारिया, वी.के. और शर्मा, एम. (2018). सीखना और निर्देशात्मक रणनीतियाँ: कक्षाओं में नवाचारों पर नीतियां और जमीनी हकीकत। जर्नल ऑफ ऑल इंडिया एसोसियेशन फॉर एजूकेशनल रिसर्च, 09709827, 30 (1&2), 61-78.

कनवारिया, वी.के. और शर्मा, एम. (2019). भारत में समकालीन शिक्षा: मुद्दे, त्रुचियां और माप, एस पांडा (संपा.)में भारत में शिक्षक शिक्षा: रुझान और रणनीति (61-80), नई दिल्ली: गोयल प्रकाशन।

कनवारिया, वी.के. (2018). शैक्षिक प्रौद्योगिकी: पूर्व-सेवा शिक्षकों और पूर्व-सेवा शिक्षक प्रशिक्षकों के बीच गलतफहमी। जामिया जर्नल ऑफ एजूकेशन: एन इंटरनेशनल बाइएनुअल पब्लिकेशन, 23483490, 4(2), 67-76.

कनवारिया, वी.के. (2018). शिक्षा में तकनीकी की समझ एवं नवीन प्रयोग, 2018. भारतीय आधुनिक शिक्षा, 09725636, 38(3), 105-111.

कनवारिया, वी.के. (2018). सामाजिक रूप से वंचित समूह, शिक्षा और आईसीटी की भूमिका। समाजशास्त्र शिक्षक, 20523181, 7(2), 28-37.

कनवारिया, वी.के. (2018). गणित में अवधारणा की प्राप्ति के लिए शिक्षण: पारंपरिक तरीके बनाम सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करना। स्टाफ एंड एजुकेशनल डेवलपमेंट इंटरनेशनल, 09719008, 22(2), 37-51.

कनवारिया, वी.के. (2019). शिक्षक शिक्षा में डिजिटल मूल्यांकन प्रथाएं: डिजिटल साहित्यिक चोरी की जाँच। नेशनल जर्नल ऑफ एजूकेशन, 09729569, प्रकाशन के अधीन.

कनवारिया, वी.के. (2019). विद्यालयी शिक्षक चयन: कितना तार्किक कितना संगत. रिसर्च रीइंफोर्समेंट जर्नल 23483857, प्रकाशन के अधीन.

कनवारिया, वी.के. (संपा.) (2018). अकादमिक लेखन, साहित्यिक चोरी और उद्धरण। दिल्ली: शिप्रा पब्लिकेशंस।

कनवारिया, वी.के. (संपा.) (2018). शिक्षा के लिए आईसीटी: कुछ अवधारणाएं और शोध। दिल्ली: नई दिल्ली पब्लिशर्स।

खिर्वाद्कर, ए.और चौधरी, पी. (2019). तकनीकी शैक्षणिक सामग्री ज्ञान (टीपीएसीके) पूर्व-सेवा कार्यक्रम में शिक्षक उम्मीदवारों की तैयारी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस एंड इनोवेटिव रिसर्च 6(i), 54 - 59.

नेगी, एस. और कनवारिया, वी.के. (2019). स्कूलों में साइबर-बदमाशी: एक अन्वेषण। दिल्ली: अंश बुक इंटरनेशनल, 9788193446140.

प्रसाद, आर.(2018). भारत में उच्च शिक्षा में विकलांग छात्र: एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण। जर्नल ऑफ एजूकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, XXXII, 107-123.

राय, जी.((2018). बचपन और बढ़ना। मेरठ: आर लाल पब्लिकेशंस। आईएसबीएन 93-87053-87-3.

सक्सेना,वी. (2018). टी.सी. ढल (संपा.) में एक सक्रिय-चिंतनशील शिक्षक के लिए स्पर्शरेखा प्रतिमान। ढल(संपा.) शिक्षक: क्वालिटी एजुकेशन 2018 के लिए एक चिंतनशील व्यवसायी, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र। 978-93-84789-84-8, पृष्ठ

सिंह, एस. (2018). बाबा साहिब भीम राव अम्बेकर के जीवन के शैक्षिक चिंतन की प्रासांगिता। मानविकी और सामाजिक विज्ञान की समीक्षा, 5(1), 87-97. आईएसएसएन 2349-5928.

संपादकीय बोर्ड के संपादकों (सदस्यों) / सदस्यों के रूप में सेवारत विभाग के शिक्षकों की संख्या: 35

शोध परियोजनाएं

अरोरा, पी. (2018-20). प्रधान अन्वेषक, आईसीएसएसआर प्रमुख शोध परियोजना, जम्मू और कश्मीर के छात्रों और शिक्षकों के बीच नागरिकता और लोकतंत्र की अवधारणा का अध्ययन; (2018-2020). लगभग 12 लाख.
चंदर, एस. (2017-18). सह-अन्वेषक,; सीईएमसीए (शिक्षण का राष्ट्रमंडल) के लिए एनएसओयू और ओएसओयू में ओईआर का व्यापक अध्ययन; प्रोफेसर मर्मर मुखोपाध्याय (प्रधान अन्वेषक); लगभग. 5 लाख

आयोजित संगोष्ठी

सक्सेना, वी. (2018). सीआइई द्वारा फ्लेयर के साथ मिलकर आयोजित की गई बच्चों के लिए इंटरनेट और मोबाइल सुरक्षा और साइकोसोशल और सिस्टमिक प्रतिक्रिया पर राष्ट्रीय संगोष्ठी ।

वी. बानिवाल(2019) आईएएसई के तत्वावधान में दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में आयोजित 'शिक्षा में एकदार्शनिक अध्ययन का उद्देश्य' विषय पर छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-संगोष्ठी।

बहरी, ए. (2019). 15 मार्च, दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में तत्कालीन आईएएसई-एमएचआरडी के अंतर्गत पर्यावरण और विकास पर संगोष्ठी: एसडीजी के संदर्भ में एक परिप्रेक्ष्य का निर्माण।

एल. गुप्ता. (2019). दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में तत्वावधान में आईएएसई-एमएचआरडी के अंतर्गत 3 मार्च को शिक्षकों के विचारों, विश्वासों और चुनौतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: कक्षा में प्रभाव।

वी. के कनवारिया. (2019). शिक्षा में स्नातकोत्तर अनुसंधान संगोष्ठी, प्रोफेसर/डॉ.एस के पुलिस्ट, इग्नू, एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर फॉर रिसर्च इन एजुकेशन।

वी. के कनवारिया (2019). शिक्षा में स्नातकोत्तर अनुसंधान संगोष्ठी, प्रोफेसर/डॉ.ए.के. राजपूत, एनसीईआरटी, शिक्षा में मात्रात्मक अनुसंधान में क्षेत्र-अनुभव।

वी. के कनवारिया (2019). शिक्षा में स्नातकोत्तर अनुसंधान संगोष्ठी, प्रो/डॉ. गुरजीत कौर, जेएमआई, शैक्षिक अनुसंधान में नृवंशविज्ञान परंपरा।

वी. के कनवारिया (2019). शिक्षा में स्नातकोत्तर अनुसंधान संगोष्ठी, प्रोफेसर/डॉ.अनूप के. धर, एयूडी, एक्शन रिसर्च इन एजुकेशन।

वी. के कनवारिया (2019).शिक्षा में स्नातकोत्तर अनुसंधान संगोष्ठी, प्रोफेसर/डॉ.अनुराग सक्सेना, डेटा वितरण और अनुसंधान में सांख्यिकीय तरीके, इग्नू।

वी. के कनवारिया (2019). शिक्षा में स्नातकोत्तर अनुसंधान संगोष्ठी, प्रोफेसर/डॉ.एच. कौर भाटिया, जेएमआई, शिक्षा में दार्शनिक अनुसंधान।

आर. मूर्ति. (2019). दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में तत्कालीन आईएएसई-एमएचआरडी के अंतर्गत 12-13 मार्च को शिक्षा में इतिहास और सार्वजनिक नीति के साथ जुड़ाव:कार्यप्रणाली और अभ्यास पर संगोष्ठी।

एन. नारंग. (2019). दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग केतत्वावधान में आईएएसई-एमएचआरडी के अंतर्गत 23 फरवरी को बच्चों के साहित्य, स्कूल पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र के इंटरफेस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

ए. रंजन (2019). शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आईएएसई-एमएचआरडी के अंतर्गत 12 मार्च को शिक्षा में इतिहास और सार्वजनिक नीति को संलग्न करनाः कार्यप्रणाली और अभ्यास पर संगोष्ठी।

एस. सिन्हा (2019). साहित्यिक पर्यावरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: तत्वावधान में आईएएसई-एमएचआरडी दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में 8 मार्च को विविध संदर्भों में बच्चों का साहित्य।

प्रख्यात वैज्ञानिक प्रोफेसर अरविंद, निदेशक, आईआईएसईआर, मोहाली ने 14 दिसंबर को स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। उन्होंने विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान और समाज के साथ इसके संबंध के बारे में वार्ता प्रस्तुत की। प्रोफेसर गौहर रज़ा, वैज्ञानिक और उर्दू कवि ने 26 फरवरी को बसु मेमोरियल व्याख्यान दिया, जिसमें बड़ी संख्या में पूर्व छात्रों ने भाग लिया। उन्होंने वैज्ञानिक स्वभाव के विकास के बारे में बताया।

आयोजित सम्मेलन

दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में तत्कालीन आईएएसई-एमएचआरडी के तत्वावधान में फरवरी-मार्च को कला पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

संगोष्ठी/सम्मेलन की प्रस्तुतियाँ

एस. चन्दर (2019). समावेशी पुनर्वास में समावेशी शिक्षा की दिशा में मानव संसाधन के लिए आईसीटी आधारित समर्थन: मानसिक स्वास्थ्य और विशेष शिक्षा की आवश्यकता अभिसरण; मानसिक स्वास्थ्य भाव भारत पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

एम छाबड़ा, और शगुफ्ता. (2018). सीखना: तुलनात्मक लेंस से दृश्य, लर्निंग 2018 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सशक्तिकरण के लिए शिक्षा। शिक्षा विभाग, लेडी इरविन महाविद्यालय, दिल्ली।

कनवारिया, वी.के. (2018). शिक्षा में डिजिटल नवाचार: शिक्षण, अधिगम और व्यावसायिक विकास। डिजिटल नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन: सतत विकास के लिए एक उपकरण, 30/03/2019. एलएलडीआईएमएस, नई दिल्ली।

कौर, पी. और कनवारिया, वी.के. (2018). स्कूल के दिमाग के हरित भविष्य के विचार को आकार देना। हरित भविष्य की ओर बढ़ते हुए: चुनौतियां, नवाचार और समाधान पर 22/11/2018 को राष्ट्रीय संगोष्ठी। हिमगिरी ज़ी विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड।

निवास, आर. (2018). मुख्य वक्ता। समय प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। डीएवी महाविद्यालय ऑफ एजुकेशन फॉर विमेन, अमृतसर।

प्रसाद, आर. (2018). सीखने की अक्षमता की अवधारणात्मक समझ पर लोकप्रिय व्याख्यान दिया। डूमडूमा कॉलेज, तिनसुकिया, असम।

प्रसाद, आर. (2018). आईक्यूएसी, डूमडोमा कॉलेज, तिनसुकिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *संसाधन व्यक्ति और बेरोजगारी तथा विश्वविद्यालय-उद्योग-इंटरफेस: समस्या, विरोधाभास और संभावनाएं* पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शैलजा, सी. (2018).

लोकमान्य तिलक ट्रेनिंग महाविद्यालय, डबोक, उदयपुर, राजस्थान में 27 अप्रैल, 2018 को 'शिक्षक शिक्षा: सामाजिक सरोकार' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षक शिक्षा में लिंग संवेदनशीलता पर सत्र के आरंभकर्ता के रूप में आमंत्रित।

सक्सेना, वी. (2018). आमंत्रित वार्ता, शिक्षाशास्त्र के विविधता के प्रतिमान को समझना। संकाय प्रेरण कार्यक्रम यूजीसी-एचआरडीसी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

सक्सेना, वी. (2019). मुख्य संबोधन, शिक्षा पर डिजिटल प्रौद्योगिकी और सामाजिक मीडिया का प्रभाव। डॉ. डी.वाई पाटिल महाविद्यालय ऑफ एजूकेशन पिंपरी, पुणे में राष्ट्रीय संगोष्ठी।

सक्सेना, वी. (2019). व्याख्यान श्रृंखला। आईआईटी-बीएचयू-संकाय प्रेरण कार्यक्रम, आईआईटी, बीएचयू, वाराणसी।

सक्सेना, वी. (2019). मैं से हम तक: साथ सीखने के प्रतिमानों का विकास, आईडीईसी-एपीडीईसी, बैंगलोर, भारत का 25वां अंतर्राष्ट्रीय लोकतांत्रिक सम्मेलन।

सक्सेना, वी. (2019). समावेशी शिक्षा में पुनर्विचार प्रचलित निष्कर्ष। नई दिल्ली भारत, एशियाई समावेशी शिक्षा केंद्र, बांग्लादेश और अमरज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट दिल्ली द्वारा आयोजित समावेशी शिक्षा पर पांचवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

तंवर, ए. और कनवारिया, वी.के. (2018). उच्च शिक्षा में हरित भविष्य की परिभाषा और रूपरेखा। 22/11/2018 को हिमगिरी ज़ी विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड में राष्ट्रीय संगोष्ठी में हरित भविष्य की ओर बढ़ते हुए: चुनौतियां, नवाचार और समाधान।

तंवर, ए. और कनवारिया, वी.के. (2018). लिविंग इंडेक्स, शासन और सार्वजनिक जीवन में आसानी: एक अन्वेषण। मानव विकास की सामाजिक अर्थव्यवस्था और भारत में रहने की आसानी पर 07/10/2018 को आंध्र विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय संगोष्ठी ।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

पूर्व-सेवा शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम विकास जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय: पाठ्यचर्या की समीक्षा: पूर्व-सेवा शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के लिए शैक्षणिक उपकरणों के रूप में उपयोग किए

जाने वाले मामलों के विवरण की समीक्षा करने के लिए गठित समिति के सदस्य। दो दिवसीय कार्यशाला का पहला चरण मई में पूरा हुआ है।

नियोजन ब्यौरा

दिल्ली विश्वविद्यालय केंद्रीय नियोजन प्रकोष्ठ द्वारा प्रबंधित

प्रदत्त पीएच.डी. / एम.फिल.की संख्या

पीएच.डी.	:	19
एम.फिल.	:	17

संकाय की संख्या

प्रोफेसर	-	04
एसोसिएट प्रोफेसर	-	06
सहायक प्रोफेसर	-	28

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विकलांग छात्रों की इकाई को सक्षम करना विकलांग छात्रों को सीखने की सुविधा प्रदान करता है। वर्तमान में, पाठ्यक्रम के लगभग 27 छात्रों की आवश्यकताओं और अध्ययन के कार्यक्रमों को पूरा किया जाता है। सामाजिक विज्ञान में उपयोगकर्ताओं के लिए ब्रेल पुस्तकों का एक संग्रह उपलब्ध कराया गया है। रीडिंग और लेक्चर की रिकॉर्डिंग नियमित रूप से की जाती है। सक्षम करने वाली इकाई, छात्रवृत्ति और दृश्य हानि वाले छात्रों के लिए विशेष लैपटॉप जैसे सहायक उपकरणों की खरीद की सुविधा प्रदान करती है। रीडिंग के लगभग 160 वॉयस रिकॉर्डिंग, ज्यादातर हिंदी में उपलब्ध हैं। इसके अलावा, 2019 में छात्रों के लिए बड़ी संख्या महत्वपूर्ण पुस्तकों के ब्रेल संस्करण खरीदे गए हैं।

विभाग की अपनी वेबसाइट http://www.doe.du.ac.in है जो लगभग हर दिन अपडेट की जाती है। वेबसाइट नेत्रहीनों और वधिरों के अनुकूल है और एक अत्यधिक समर्पित टीम द्वारा इसका रखरखाव किया जाता है। इसमें घर, हमारे बारे में, संकाय, शिक्षाविदों, छात्रों, विद्वानों, बोलचाल/मौखिक परीक्षा, प्रवेश, आईक्यूएसी, संसाधन, सीआई स्टाफ, सीआई पूर्व छात्र वेबसाइट, ऑनर बोर्ड, इन्फ्रास्ट्रक्चर एवे सुविधायें, उपयोगी विश्वविद्यालय लिंक, उपयोगी वेब लिंक, वार्षिक रिपोर्ट, दृष्टि और श्रवण विकलांगता के लिए विशेष वेब संसाधन, एंटी-रैगिंग, एंटी-स्मोकिंग, अजा/अजजा/अपिब शिकायत सेल, छात्रों की शिकायत निवारण और उत्तर पूर्व छात्र शिकायत और संपर्क करें आदि शीर्षक के अंतर्गत जानकारिया अपलब्ध हैं।, । सभी छात्रों, घटक महाविद्यालयों और संकाय सदस्यों द्वारा वेबसाइट पर नियमित रूप से खोज की जाती है। विभाग के पास यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार एक सतर्क एंटी-रैगिंग सेल है। विभाग में इससे संलग्न एक स्कूल अर्थात् सीआई प्रायोगिक बेसिक स्कूल भी है, जो विभागीय प्राधिकरण के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अंतर्गत काम करता है। दिल्ली के अन्य स्कूलों की तुलना में इस स्कूल में शिक्षक-छात्र अनुपात बहुत अच्छा है।
क्षेत्र में शोधकर्ताओं, शिक्षकों और अन्य व्यवसाय के लोगों की प्राथमिक शिक्षा के लिए एक संसाधन केंद्र स्थापित किया गया था। यह उन सभी के लिए एक परामर्श और चर्चा स्थल के रूप में कार्य करता है जो प्राथमिक शिक्षा में रुचि रखते हैं। इसमें पुस्तकों, रिपोर्टों और नीति दस्तावेजों का एक समृद्ध संग्रह है।

****

होम्योपैथिक औषधि संकाय

प्रस्तावना: होम्योपैथिक चिकित्सा संकाय में फिलहाल केवल एक महाविद्यालय, नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल महाविद्यालय एंड हॉस्पिटल संबद्ध है। यह भारत के प्रमुख और प्रतिष्ठित होम्योपैथिक मेडिकल महाविद्यालय में से एक है। महाविद्यालय 1992 से (बीएचएमएस) बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन डिग्री के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है। 2009 के बाद से दो विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ हुआ है। इन दो पाठ्यक्रमों के अलावा विश्वविद्यालय ने मटेरिया मेडिका के क्षेत्र में 2018 में तीन सीटों की क्षमता के साथ एक और एमडी पाठ्यक्रम प्रदान किया है।

नेहरू होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली के जीएनसीटी के अंतर्गत नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल महाविद्यालय एवं हॉस्पिटल, 1992 से दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है और 5 और 1/2 वर्ष का स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करता है जिनमें बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बी.ए.एम.एस), 2009 से 100 सीटें और 3 वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स, एम डी (होम्योपैथी) प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन के दो विषयों और मेडिसन के ऑर्गेनॉन, प्रत्येक विषय में 02 सीटें और 2018-19 सत्र से मटेरिया मेडिका में 3 सीटें शामिल हैं। महाविद्यालय को (सीसीएच) सेंट्रल काउंसिल ऑफ होम्योपैथी द्वारा मान्यता प्राप्त है और इसे सीसीएच के दिशानिर्देशों द्वारा विनियमित किया जाता है।

इस संस्थान के पास अपने महाविद्यालय के साथ एक 100 बिस्तरों वाला संलग्न अस्पताल है, जो चिकित्सा देखभाल की सुविधा प्रदान करता है, जहां एक पूरी तरह कार्यात्मक बाहरी रोगी विभाग (ओपीडी) और आंतरिक रोगी विभाग (आईपीडी) बहुत से रोगियों को देखभाल प्रदान कर रहा है। एनएचएमसी और अस्पताल के ओपीडी में प्रति वर्ष औसतन 1.65 लाख मरीज आते हैं। अनुसंधान के क्षेत्र में, एनएचएमसी ओपीडी में कई अनुसंधान परियोजनाएं भी संचालित की जा रही हैं।

अस्पताल आईपीडी सेवाएँ भी चला रहा है जिसमें रोगियों को मानकीकृत केस रिकॉर्ड और नैदानिक सुविधाओं के साथ होम्योपैथिक उपचार प्रदान किया जाता है। वरिष्ठ संकाय सदस्य रोगियों की देखभाल कर रहे हैं, जिन्हें पर्याप्त व्यक्तिगत रोगी देखभाल के लिए संकाय और कनिष्ठ निवासियों की एक टीम के साथ इकाइयां आवंटित का गई हैं। 2018-19 में, 11972 रोगियों को एनएचएमसी और अस्पताल के आईपीडी में चिकित्सा प्रदान की गई, जिससे निर्धारित लक्ष्य पूरा किया गया। आईपीडी में डे केयर यूनिट भी कार्यात्मक है। रोगियों के लाभ के लिए आहार विशेषज्ञ और योग प्रशिक्षक की सेवाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

रोगियों को परिवार नियोजन सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, जिनमें कॉपर टी, मल्टीलैड सम्मिलन, नए गर्भनिरोधक जैसे इंजेक्टेबल गर्भनिरोधक इंज अंतरा आदि शामिल हैं। पीएपी स्मीयर द्वारा स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की जांच भी की जाती है। इसके अलावा, रोगियों की आवश्यकता के अनुसार एमटीपी डी एंड सी, डी एंड ई, पॉलीपेक्टोमी की जाती है। मेडिकल गर्भपात के लिए दवाएं भी उपलब्ध है। हम नियमित रूप से भारत सरकार के कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं, हमने जुलाई में विश्व जनसंख्या महीना मनाया।

इसके अलावा संस्थान पल्स पोलियो प्रतिरक्षण कार्यक्रम और परिवार कल्याण सेवाओं के साथ आयुष की मुख्यधारा जैसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह मनाया गया।

संकाय और छात्रों के व्यावसायिक ज्ञान में वृद्धि और शिक्षा और स्वास्थ्य वितरण के मानकों के नियमित उन्नयन के लिए, समय-समय पर संस्थान में नियमित नैदानिक बैठकें आयोजित की जाती हैं।

सम्मान/गौरव

डॉ. संजीव राय प्राचार्य/विभागाध्यक्ष को दिल्ली के एनसीटी के सरकार द्वारा राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

शोध परियोजनाएं

अनुसंधान के क्षेत्र में, एनएचएमसी ओपीडी में कई अनुसंधान परियोजनाएं भी संचालित की जा रही हैं जिसमें सोरायसिस, बाल रोग, गठिया, बात, पित्त की पथरी, विटिलिगो जैसी विभिन्न चिकित्सा स्थितियों में होम्योपैथिक उपचार की नैदानिक प्रभावकारिता स्थापित करने पर जोर दिया गया है।

संकाय की संख्या

नियमित - 24
अतिथि संकाय - 13

****

अंतर-आयामी और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय

जैव-रसायन

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने विभिन्न मानव रोगों से निपटने के लिए आणविक रणनीतियों के विकास के क्षेत्र में यूजीसी-एसएपी के तीसरे वर्ष का कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया। विभाग में इस वर्ष राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा कई सेमिनार आयोजित किए गए। विभाग ने एनएएसी मूल्यांकन की औपचारिकताओं को सफलतापूर्वक पूरा किया और एनएएसी पीयर टीम द्वारा विभाग और परिसर का दौरा किया गया। विभाग ने छात्रों के लिए आईएचबीटी, पालमपुर के लिए एक शैक्षिक दौरे और मैकलॉयड गंज की यात्रा का आयोजन किया। विभाग ने "गो ग्रीन, गो क्लीन" थीम पर 1 से 15 सितंबर 2018 तक स्वछता पखवाड़ा आयोजित किया। विभाग ने अपनी वेबसाइट को अत्यंत जानकारीपूर्ण बनाने के लिए इसे मजबूत और फिर से संगठित किया। लर्निंग आउटकम बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क (एलओसीएएफ) दिशानिर्देशों के अनुसार बैचलर्स बायोकैमिस्ट्री प्रोग्राम (सीबीसीएस) के पाठ्यक्रम में संशोधन शुरू किया गया था। कैंसर, मलेरिया, हृदय रोगों, तपेदिक, लीशमैनियासिस और लक्षित जीन और दवा वितरण के लिए सेंदाई वाय्रोसोम का उपयोग कर मुकाबला करने की रणनीतियों को समझने और विकसित करने के लिए संकाय उच्च-स्तरीय अनुसंधान में लगे रहे।

सम्मान/गौरव

प्रथम पुरस्कार/सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार - संजय कुमार डे, पंकज प्रभाकर, विकाश कुमार पांचाल, मनीषा सैनी, बीके थेलमा, सीसी करथा, सुबीर के मौलिक और सुमन कुंडू। (2019) "संरचना आधारित विधियों द्वारा पहचाने जाने वाले डोपामाइन-ए-हाइड्रॉक्सीलेस के अवरोधकों ने चूहे के मॉडल में ऊंचा सिस्टोलिक रक्तचाप और हृदय अतिवृद्धि को रोका।" 20 -23 फरवरी, 2019 को सीएसआईआर-सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट, लखनऊ, द्वारा आयोजित “ड्रग डिस्कवरी रिसर्च 2019 में वर्तमान रुझान” पर 7वीं संगोष्ठी।

यामा अत्री, हिना भारती और आलोक नाग (2019)। गर्भाशय ग्रीवा कार्सिनोजेनेसिस में प्रभाव के साथ यूबिकिटिन लिगेज, कुलिन 4ए। 8वीं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस संगोष्ठी, 27-28 फरवरी 2019, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली। (सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार जीता)।

तीसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार - संजय कुमार डे, पंकज प्रभाकर, विकाश कुमार पांचाल, मनीषा सैनी, बीके थेल्मा, सीसी करथा, सुबीर के मौलिक और सुमन कुंडू। (2019) "संरचना समर्थित नए उपचार डिज़ाइन द्वारा डोपामाइन-बीटा-हाइड्रॉक्सिलेज़ के अवरोधकों की पहचान की गई है जो चूहे के मॉडल में बढ़े हुए सिस्टोलिक कर्त चाप और कार्डियक हाइपरट्रॉफी को रोकता है।" बायोलॉजिकल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्रीय केंद्र (आरसीबी), फरीदाबाद, भारत में 12 से16 फरवरी, 2019 तक आयोजित "नोवल थेरेप्यूटिक्स 2019 पर स्ट्रक्चर असिस्टेड डिज़ाइन" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।

सिमरन कौर, आलो नाग और कुलभूषण शर्मा (2019). पेरॉक्सिसोम प्रोलिफरेटर सक्रिय रिसेप्टर गामा गैर-छोटे सेल फेफड़े के कार्सिनोमा से लेकर गामा विकिरण तक संवेदीकरण करता है। ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट और कैंसर रोकथाम और चिकित्सा विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 08-09 फरवरी, 2019, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली। (सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार जीता)

सिमरन कौर, आलो नाग और कुलभूषण शर्मा (2018), 4-6 अक्तूबर, 2018 को मैंगलोर में अंतर्राष्ट्रीय जीवविज्ञान सम्मेलन में दूसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार "पेरोक्सिसोम प्रोलिफ़रेटर सक्रिय रिसेप्टर गामा गैर-छोटे सेल फेफड़े के कार्सिनोमा से गामा विकिरण के लिए संवेदनशीलता"।

संजय कुमार डे, पंकज प्रभाकर, मनीषा सैनी, तोयनजी जोसेफ, बीके थेलमा, सुबीर के मौलिक और सुमन कुंडू। (2018) प्रोफेसर देवेंद्र के. अग्रवाल यंग इन्वेस्टिगेटर अवार्ड। 8-10 फरवरी, 2018 को मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, भारत में कार्डियोवास्कुलर रिसर्च (इंडियन सेक्शन) की वार्षिक बैठक 2018 में "डोपामाइन-ए-हाइड्रॉक्सीलेज़ अवरोधकों ने संरचना आधारित विधियों द्वारा प्राप्त एल-एनएएमई प्रेरित उच्च रक्तचाप से ग्रस्त चूहों में एंटी-हाइपरटेंसिव प्रभाव का प्रदर्शन किया"।

संजय कुमार डे, पंकज प्रभाकर, मनीषा सैनी, खिलौनाजी जोसेफ, बीके थेलमा, सुबीर के मौलिक और सुमन कुंडू। (2018) सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार। पीजीआईएमआर चंडीगढ़, भारत में 16 -18 फरवरी, 2018 को इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर हार्ट रिसर्च (इंडियन सेक्शन) की वार्षिक बैठक 2018, "डोपामाइन-हाइड्रॉक्सीलेज़ के अवरोधकों को संरचना आधारित विधियों द्वारा पहचाना गया, जो एल-नेम प्रेरित उच्च रक्तचाप वाले चूहों में सिस्टोलिक रक्तचाप को रोकते हैं"।

प्रकाशन

आर्य, आर., शर्मा, बी., धेम्बला, सी., पाल, आर.के., पटेल, ए.के., सुन्द्द, एम., घोष, बी., मकड़े, आर.डी., कुंडु, एस. (2019). एक सुधारक स्विच एक बंद एपीओ से एक खुले होलो-रूप में एसाइल चेन आवास के लिए एसाइल वाहक प्रोटीन से लैस करता है। बायोकामिका एट बायोफिसिका एक्टा - प्रोटीन और प्रोटिओमिक्स 1867, 163-174.

भारती एच., सिंघल ए., राज़ा एम., घोषपी. सी.और नाग ए. (2019). "शक्तिशाली एंटी-मलेरियल्स के रूप में आयनोफोर्स: मेकिंग में एक चमत्कार"। *करेंट टॉपिक्स इन मेडिसिनल केमिस्ट्री* 18(23):2029-2041.

दासौनी, पी., महापात्रा, एम., सक्सेना, आर. और कुंडु, एस. (2018). रक्त का अपवर्तक सूचकांक मानव में हीमोग्लोबिन विकार का एक संभावित गुणात्मक संकेतक है। जर्नल ऑफ प्रोटीन्स एंड प्रोटिओमिक्स , 9(3), 2018, 159-168.

गांगुली, एन., चन्द्र, एस., चौबे, एम., सरकार, डी. पी., और मजूमदार, एस.एस. (2018) मजबूत ट्रांसजीन वितरण के लिए एक संयुक्त दृष्टिकोण और स्तन ग्रंथि में दूध में बायोरोथेक्टिक्स उत्पन्न करने के लिए रोगाणु जीन एकीकरण को दरकिनार करने के लिए लक्षित अभिव्यक्ति। *एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी, 102*(14), 6221-6234.

जय सिंघानियां, एन., डावा, एस., सिंह, के., नंदी, ए., मेनन, डी., भंडारी, पी.डी., खरे, जी., त्यागी, ए.के., और गंडोत्रा, एस. (2018). माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस संक्रमण के दौरान सूजन के लिए नेक्रोसिस चालित ट्राइग्लिसराइड सिंथेस मैक्रोफेज को बढ़ाता है। फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी । 9, 1490.

कौर एस., नाग ए., सिंह ए. के. और शर्मा के (2018). “रेडियो संरक्षण के लिए पीपीएआरवई को लक्षित करने की क्षमता”. करेंट ड्रग टार्गेट्स. 19(15):1818-1830.

नन्दी, डी., चीमा, पी. एस., जैसवाल, एन., और नाग, ए. (2018). फॉक्सएमआई: बायोमार्कर के रूप में एक ऑन्कोजीन का पुन: उपयोग करना। सेमिनार्स इन कैंसर बायोलॉजी. 52: 74-84.

राज़ा, एम., भारती, एच., सिंघल, ए., नाग, ए., और घोष, पी.सी. (2018). "लंबे संचलन वाले लिपोसोमल मदुरैमिकिन, संस्कृति में प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम रक्त के चरणों के विकास को रोकता है और प्रयोगात्मक मलेरिया के मुराइन मॉडल को पूरी तरह से ठीक करता है" नैनोस्केल. 10, 13773-13791.

यादव, यू., आर्य, आर., कुंडु एस. और सुन्द्द, एम.(2018) "टाइप II एसिल कैरियर प्रोटीन (एसीपी) का 'मान्यता हेलिक्स' अपने सहयोगियों को बांधने के लिए सतह की तरह एक 'यूबिकिटिन इंटरैक्टिंग मोटिफ (यूआईएम)' का उपयोग करता है।" बायोकेमेस्ट्री *57*(26) 3690-3701

नन्दी, डी., सिंघल, ए. क्यू., और आलो नाग (2019). "कैंसर में दवा प्रतिरोध और नैनोमेडिसिन-आधारित प्राकृतिक उत्पादों की भूमिका" आमंत्रित पुस्तक अध्याय। कैंसर के प्रबंधन के लिए बायोएक्टिव प्राकृतिक उत्पाद: बेंच से बेडसाइड, स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर (प्रेस में)।

जर्नल

दो शिक्षक (प्रोफेसर सुमन कुंडू और प्रोफेसर आलो नाग) ने संपादकीय बोर्ड के सदस्यों के रूप में कार्य किया और उनमें से एक (प्रोफेसर सुमन कुंडू) जर्नल ऑफ़ प्रोटीन और प्रोटिओमिक्स के प्रमुख संपादक-इन-चीफ के रूप में सेवारत हैं (प्रोटिओमिक्स सोसायटी, भारत की एक पत्रिका)

शोध परियोजनाएं

विभाग में चार नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जिसमें 2018-19 के दौरान कुल 212.32324 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ। विभाग के संकाय सदस्यों को 2018-19 में यीजीसी-एसएपी II विभाग परियोजना के रूप में कुल 15,42,625/- रुपए मिले।

डीबीटी, "यूडीएससी कैंपस में स्थित क्षय रोग अनुसंधान के लिए बायोसेफ्टी सुविधा (स्तर 3) का रखरखाव और संचालन" अगस्त 2018-अगस्त 2021, डॉ. गरिमा खरे, रुपए 103.15132 लाख।

डीबीटी, "ड्रग डिस्कवरी प्रयासों के प्रभावी नियंत्रण के लिए तपेदिक-लक्ष्य आधारित आभासी स्क्रीनिंग और औषधीय पौधों की पूरी सेल स्क्रीनिंग" सितंबर 2018- सितंबर 2021, डॉ. गरिमा खरे, 41.104 लाख रुपए।

यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम फॉर साइंटिफिक रिसर्च, "लीशमैनियाजोरोज फॉस्फोपेंटेथिनिल ट्रांसफरेज (एलएमजे पेज टैस) की संरचना और संज्ञानात्मक एसीपी के साथ इसकी अंतःक्रिया को समझना "1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 तक प्रोफेसर सुमन कुंडू, रुपए 2,63,400 (लघु परियोजना)

डीआरडीओ (एलएसआरबी), "हेमोग्लोबिन आधारित कृत्रिम ऑक्सीजन वाहक का विकास: इंजीनियरिंग पुनः संयोजक और पैक हीमोग्लोबिन", 13 जून 2018 से 12 जून 2021 तक, प्रोफेसर सुमन कुंडू, 65, 43, 392 रुपए।

दायर और मंजूर पेटेंट

राष्ट्रीय पेटेंट - 03

पूर्ण भारतीय पेटेंट, "नवल मलेरिया विरोधी लिपोसोमल सूत्रीकरण", प्रहलाद चंद्र घोष, आलो नाग, मोहसिन रजा, आकृति सिंघल और हिना भारती ने प्रस्तुत किया, (आईडी 201711016131, 15 फरवरी, 2018)। आगे की प्रक्रिया के लिए 06 फरवरी, 2019 को फॉर्म 16 और परीक्षा शुल्क जमा किया गया था।

"एक नयी एंटी-हाइपरटेंसिव कार्डियो-सुरक्षात्मक रचना", सुमन कुंडू, बी.के. थलमा, जी। कोवुरू, पंकज प्रभाकर, संजय कुमार डे, अनंतिम भारतीय पेटेंट (आईडी 20181100589), 16 फरवरी, 2019

"नए एंटी-हाइपरटेंसिव और एंटी-कार्डियक हाइपरट्रॉफिक कम्पाउंड्स", सुमन कुंडू, बी.के. थेला, सुबीर कुमार मौलिक, पंकज प्रभाकर, संजय कुमार डे), अंतिम भारतीय पेटेंट (आईडी 201711036983), 16 अक्तूबर, 2018.

आयोजित संगोष्ठी - 21

"सिंथेटिक बायोलॉजी: उपयोगों की अवधारणा", डॉ.पवन के. धर, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 29 मार्च, 2019.

"थ्री-वे मैरिज का आनंद लेना: ए स्टोरी ऑफ मैथ्स, बायोलॉजी एंड मेडिसिन", डॉ.अनुराग अग्रवाल, आईजीआईबी, नई दिल्ली में 22 फरवरी 2019.

"रोगाणुरोधी प्रतिरोध और बैक्टीरिया थैरेपी की संभावनाएँ और चुनौतियाँ", डॉ.उर्मी बाजपेयी, बायोमेडिकल साइंस विभाग, आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 16 जनवरी 2019.

"स्पेक्ट्रोस्कोपिक, मास स्पेक्ट्रोमेट्रिक और 2 डी-डीआईजी विधियों का उपयोग करके हीमोग्लोबिन विकारों की पहचान और लक्षण वर्णन", सुश्री पुष्पांजलि दासौनी, जैव रसायन विभाग, यूडीएससी में 20 मार्च 2019.

"विकिरण प्रेरित सूजन और क्षति पर प्रतिरक्षण का प्रभाव", सुश्री सिमरन कौर, जैव रसायन विभाग, यूडीएससी में 5 मार्च 2019.

"न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर में डोपामिनर्जिक सिस्टम में ड्रग टारगेट के कम्प्यूटेशनल स्टडीज", श्री अविजीत पोडर, बायोकैमिस्ट्री विभाग, यूडीएससी में 1 मार्च 2019.

"वैक्सीनोलॉजी के सिद्धांत और मलेरिया वैक्सीन विकास के लिए उनका उपयोग", प्रोफेसर दीपक गौड़, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 18 दिसंबर 2018.

"एसडब्ल्यूआरआसीः एक न्यूक्लियोसोम एडिटिंग मशीन", डॉ.रोशन कुमार सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ़ मैसाचुसेट्स मेडिकल स्कूल, वॉर्सेस्टर (यूएसए), 6 दिसंबर 2018.

"जी प्रोटीन-युग्मित रिसेप्टरों की संरचना, कार्य एवं अनुरूपण", डॉ.अरुण शुक्ला, डिपार्टमेंट ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज एंड बायोइंजीनियरिंग, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कानपुर, 13 नवंबर 2018.

"सिकल सेल रोग में फेफड़े के पैथोफिज़ियोलॉजी के इनलेट इम्यून मैकेनिज्म", डॉ.पृथ्वी सुंदर, यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग स्कूल ऑफ मेडिसिन, पिट्सबर्ग, 26 अक्तूबर 2018.

"अंतर को भरना: उन बच्चों को टीके लगवाना जिनकी उन्हें सबसे ज्यादा आवश्यकता है", प्रोफेसरगगनदीप कांग, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद, 26 सितंबर 2018.

"जटिल बीमारियों में विटामिन बी 12 की भूमिका: एक वास्तविकता की जांच के लिए समय?", डॉ.शांतनु सेनगुप्ता, इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी), नई दिल्ली, 31 अगस्त 2018.

"डॉ.न्ड्रिटिक सेल डायवर्सिटी डेवलपमेंट एवं इनटेट इम्यून रिस्पॉन्स के मैकेनिज्म को समझना", डॉ.प्रफुल्लकुमार बी. टेलर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली, 27 जुलाई 2018.

गेल्सोलिन पर सॉल्यूशन एक्स-रे स्कैटरिंग आधारित कार्य - जन्म के समय जीवन को बचाने के लिए मूल निष्कर्ष", डॉ.आशीष, प्रमुख वैज्ञानिक, आईएमटेक, चंडीगढ़, 21 जून 2018.

"स्तन कैंसर के इलाज के लिए रोगजनन और लिपोसोमल डिलीवरी ऑफ एंटी-एमआईआर -191 में एमआईआर-191 की पात्रता की भूमिका" सुश्री शिवानी शर्मा, जैव रसायन विभाग, यूडीएससी, 7 दिसंबर 2018.

"माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के टॉक्सिन-एंटीटॉक्सिन लोकी के लिए प्रचारकों की पहचान और विशेषता", सुश्री निधि गुप्ता, जैव रसायन विभाग, यूडीएससी, 30 नवंबर 2018.

"भौतिक-रासायनिक गुणों की विशेषता और उच्च विश्लेषणात्मक तकनीकों का उपयोग करके मानव जैविक नमूनों में लिपोसोम का विश्लेषण", सुश्री वंदना, जैव रसायन विभाग, यूडीएससी, 9 नवंबर 2018.

"मलेरिया के उपचार के लिए वैस्कुलर वाहक का उपयोग करते हुए मलेरिया रोधी यौगिकों का वितरण" श्री मोहसिन

"नए ड्रग की लक्ष्य की विशेषता और माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के खिलाफ निरोधात्मक अणु की पहचान", सुश्री स्वाति सिंह, जैव रसायन विभाग, यूडीएससी, 25 जुलाई 2018.

"एम. तपेदिक प्रोटिओम के लिए संज्ञानात्मक प्रतिजन-एंटीबॉडी जोड़े के चयन के लिए रणनीतियाँ", सुश्री वैशाली वर्मा, जैव रसायन विभाग, यूडीएससी, 11 मई 2018.

"क्षय रोग के खिलाफ टीकों का विकास और मूल्यांकन", सुश्री शुभिता माथुर, जैव रसायन विभाग, यूडीएससी, 9 मई 2018.

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

प्रोफेसर आलो नाग 8-10 मार्च, 2019, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ राजस्थान, अजमेर, राजस्थान को रोग और चिकित्सा विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एफओएक्स को लक्षित करना: कैंसर के प्रतिरोध की एक संभावना युक्त रणनीति" के लिए आमंत्रित वार्ता ।

डॉ. गरिमा खरे: नैनोमेडिकल साइंसेज, आईएसएनएलसीओएन 2019 पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 7-9 जनवरी 2019 को आयोजित छठे विश्व कांग्रेस में मौखिक प्रस्तुति दी।

डॉ. गरिमा खरे: इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बैंगलोर के सूक्ष्म जीवविज्ञान एवं सेल बायोलॉजी विभाग में 30 अगस्त 2018 को "नई एंटी-रोधी दवाओं की पहचान के लिए माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के फॉस्फोपेंटेटेनेइलेशन मार्ग को लक्षित करना।" पर एक सीआईडीआर - एमसीबी वक्तव्य दिया।

सुमन कुंडू, आमंत्रित अध्यक्ष: 14 मार्च, 2019 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के 11वें वार्षिक सम्मेलन- बायोइपॉच 2019 में "उच्च रक्तचाप और हृदय अतिवृद्धि के उपचार के लिए डोपामाइन बीटा हाइड्रॉक्सिलेज़ के नए अवरोधक: कंप्यूटर से पशु मॉडल तक"।

सुमन कुंडू, आमंत्रित अध्यक्ष: स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, किशनगढ़, राजस्थानमें 8-10 मार्च, 2019) रोग और चिकित्सा विज्ञान के आणविक आधार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हेमोग्लोबिन्स फार्म साइटो-टॉक्सिक एमाइलॉयड्स" पर चर्चा की (9 मार्च, 2019 को चर्चा)।

सुमन कुंडू, आमंत्रित वक्ता: बायोस्पार्क्स 2019 में मुख्य अतिथि वक्ता, 20 फरवरी, 2019 को देशबंधु महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के बायोकैमिस्ट्री विभाग में "वंडरलैंड में बायोकैमिस्ट्स: आगे क्या है"।

सुमन कुंडू, आमंत्रित वक्ता: भौतिकी विभाग, उदय प्रताप महाविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश में 19-20 फरवरी, 2019 में एप्लाइड स्पेक्ट्रोस्कोपी: जीवविज्ञान और चिकित्सा विज्ञान" पर संगोष्ठी में "कृत्रिम रक्त स्तर के उपयोग को सुगम बनाने के लिए हीमोग्लोबिन्स में अभूतपूर्व हेम स्थिरता के लिए एक गाइड के रूप में स्पेक्ट्रोस्कोपी", (19 फरवरी, 2019 को तर्चा)

सुमन कुंडू, आमंत्रित अध्यक्ष: श्री जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवस्कुलर साइंसेज, एनआईएमएचएएनएस कन्वेंशन सेंटर, बैंगलोर, कर्नाटक में 15-17 फरवरी, 2019 को पर आयोजित कार्डियोवास्कुलर साइंसेज के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (कार्डियोवास्कुलर साइंसेज में अंतर्राष्ट्रीय अकादमी - भारत का अनुभाग) कार्डियोवास्कुलर साइंसेज में ट्रांसलेशन रिसर्च पर "उच्च रक्तचाप और हृदय अतिवृद्धि का इलाज करने के लिए डोपामाइन बीटा हाइड्रॉक्सिलेज़ के खिलाफ नए अवरोधक: कंप्यूटर से पशु मॉडल तक" (17 फरवरी, 2019 को वार्ता)।

सुमन कुंडू, इंस्पायर रिसर्च (इंस्पायर) कैंप के लिए विज्ञान प्रयोजन में नवाचार के लिए 19 दिसंबर, 2018 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव रसायन विभाग, दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा प्रायोजित, शीर्षक: "स्टोरी ऑफ़ प्रोटीन - द अमेजिंग लाइफ मॉलिक्यूल", संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित वार्ता।

सुमन कुंडू, आमंत्रित वक्ता: 17- 20 दिसंबर 2018 आरसीबी मास स्पेक्ट्रोमेट्री और प्रोटिओमिक्स कार्यशाला में "बेस मास ऑफ़ मास स्पेक्ट्रोमेट्री और प्रोटिओमिक्स में इसका उपयोग" (17 दिसंबर 2018 को व्याख्यान)

सुमन कुंडू, आमंत्रित वक्ता: "संशोधित नमूना तैयारी और पाचन विधि का उपयोग कर हीमोग्लोबिन व्युत्पन्नों में एकल उत्परिवर्तन की पहचान और एमएएलडीआई एमएस/एमएस के साथ मिलकर नियंत्रण रेखा की पृथक्करण शक्ति" 12-14 दिसंबर, 2018 को सेल बायोलॉजी और आणविक चिकित्सा के लिए प्रोटिओमिक्स पर प्रोटीन सोसायटी, भारत के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की 10वीं वार्षिक बैठक, नेशनल सेंटर फ़ॉर सेल साइंस (एनसीसीएस), पुणे, (14 दिसंबर, 2018 को वार्ता)

सुमन कुंडू, 12 अक्तूबर 2018 को जैव रसायन विभाग, गृह अर्थशास्त्र महाविद्यालय संस्थान, दिल्ली में "हीमोग्लोबिन अनुसंधान में दिलचस्प प्रगति: पाठ्य पुस्तक से परे" मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित।

सुमन कुंडू, बॉटनिकल सोसायटी, वनस्पति विज्ञान विभाग, आचार्य नारायण देव महाविद्यालय, दिल्ली के उत्सव *तरुमित्र* के उद्घाटन में 11 अक्तूबर, 2018 को मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित "हीमोग्लोबिन अनुसंधान में दिलचस्प प्रगति: पाठ से परे पुस्तक"।

सुमन कुंडू, जूलॉजी विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय, दिल्ली की जूलॉजिकल सोसायटी *इनहेरिटेंस* के उद्घाटन में 17 सितंबर, 2018 को "हीमोग्लोबिन अनुसंधान में दिलचस्प प्रगति: पाठ्य पुस्तक से परे" पर मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित।

सुमन कुंडू, आईसीजीईबी, नई दिल्ली में 25 अगस्त, 2018 को प्रोटीन सोसायटी की बैठक में आमंत्रित वक्ता: "संभावित एंटी-हाइपरटेन्सिव के रूप में डोपामाइन बीटा हाइड्रॉक्सिलेज़ के अवरोधक: हम कितनी दूर हैं?"

उच्च शिक्षा के व्यावसायिक विकास केंद्र (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय में 17 जुलाई, 2018 से 6 अगस्त, 2018 तक जीवन विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप

में आमंत्रित किया गया, वार्ता का शीर्षक "ड्रग डिस्कवरी रिसर्च में एक केस स्टडी: प्रयोगशाला से पशु मॉडल तक" (30 जुलाई, 2018 को वार्ता)

सुमन कुंडू, राजीव गांधी केंद्र, तिरुवनंतपुरम, केरल, 29 मई, 2018 को हृदय रोग और मधुमेह जीवविज्ञान समूह, जैव प्रौद्योगिकी के लिए आमंत्रित वक्ता:, "संभावित एंटी-हाइपरटेन्सिव के रूप में डोपामाइन बीटा हाइड्रॉक्सिल के अवरोधक: हम कितनी दूर हैं?"।

सुमन कुंडू, इंस्पायर रिसर्च (इंस्पायर) कैंप के लिए विज्ञान प्रयोजन में नवाचार के लिए 20 जुलाई, 2018 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जैव रसायन विभाग द्वारा प्रायोजित (डीएसटी), शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, दिल्ली द्वारा प्रायोजित, शीर्षक: "स्टोरी ऑफ़ प्रोटीन - द अमेजिंग लाइफ मॉलिक्यूल", पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित वार्ता।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

प्रोफेसर देबी पी सरकार प्रोफेसर सिद्धार्थ एस. घोष, बायोसाइंसेज और बायोइंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, गुवाहाटी और प्रोफेसर सिद्धार्थ एस. जाना, डिपार्टमेंट ऑफ बायोसाइंसेज, इंडियन एकेडमी फॉर कल्टिवेशन ऑफ साइंसेज, कोलकाता के साथ "संदानी वायरोसोम का उपयोग करके लक्षित जीन और दवा वितरण" सहयोग कर रहे हैं।

प्रोफेसर सुमन कुंडू प्रोफेसर बी दास, असामान्य हेमोग्लोबिन अनुसंधान इकाई, बायोसाइंसेज और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर, उड़ीसा से सिकल सेल रोगों पर शोध में सहयोग।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

10 एम एससी छात्रों और 6 पीएचडी छात्रों (100%) ने उच्च शिक्षा या नौकरी (पीएचडी, बी.एड., पोस्ट-डॉक्टरेट, वैज्ञानिक लेखन आदि) को चुना।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

30 मार्च, 2019 को शहीद राजगुरु महाविद्यालय के जैव रसायन विभाग के छात्रों और शिक्षकों द्वारा दौरा। संकायों द्वारा विभिन्न अनुसंधान प्रयोगशालाओं और केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन इकाइयों के दौरे के बाद छात्रों को विभाग की गतिविधियों के बारे में उन्मुख किया गया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी.	:	06
एम.फिल.	:	-

संकाय की संख्या:

स्थायी: 06

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग अपने पशु सदन में जानवरों के काम के लिए सीपीसीएसईए पंजीकरण को नवीनीकृत करने की दिशा में बड़े पैमाने पर काम कर रहा है, जो एक महत्वपूर्ण कार्य है।

प्रो सुमन कुंडू

एम्स, नई दिल्ली और आईसीजीईबी, नई दिल्ली द्वारा 13-14 अक्तूबर, 2018 को संयुक्त रूप से "कार्डियोवस्कुलर रिसर्च कन्वर्जेंस" सम्मेलन के भाग के रूप में "कोरोनरी धमनी रोग, उच्च रक्तचाप और मधुमेह पर एक सत्र में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मॉलिक्यूलर मेडिसिन एंड स्टेम सेल रिसर्च (एआईएमएमएससीआर), एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा (जुलाई, 2018) में 2018-2019 के दौरान बायोकैमिस्ट्री (आनर्स) में पूर्व स्नातक प्रोग्राम के लिए शैक्षणिक पाठ्यक्रम डिजाइन करने के क्षेत्रीय सलाहकार मंडल (एएबी) के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया है।

बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, सीएसआईआर-आईजीआईबी, नई दिल्ली में डॉक्टरल सलाहकार समिति (डीएसी- II), 17 जुलाई, 2018

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में जैव रसायन विज्ञान में पीजी बोर्ड ऑफ स्टडीज में 13-6-2018 से 12-6-2020 तक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित,

प्रोफेसर आलो नाग

डीबीटी द्वारा 29 अप्रैल, 2019 को गुड़गांव के हयात होटल में आयोजित रामलिंगस्वामी कॉन्क्लेव-2019 में रामलिंगस्वामी फैलो की 10वीं मेंटरशिप बैठक में संरक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया।

6 अप्रैल, 2019 को रेडिसन ब्लू प्लाज़ा, दिल्ली में आयोजित सैन एंटोनियो ब्रेस्ट कैंसर संगोष्ठी के आयोजकों द्वारा जज के रूप में आमंत्रित किया गया।

28 फरवरी 2019 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली में आयोजित एनसीआर-क्लस्टर यंग इमर्जिंग साइंटिस्ट (वाईएस) संगोष्ठी के आयोजकों द्वारा जज के रूप में आमंत्रित किया गया।

छात्र/डॉक्टरेट के बाद - पुरस्कार/सम्मान/गौरव

चेतना धेम्बाला को 11- 15 मार्च, 2019, भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान (आईआईसीबी) कोलकाता, भारत में एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला: पैरासिटिक प्रोटोजोआ के जेनेटिक मैनिपुलेशन में तृतीय एडवांस्ड स्कूल: सीआरआईएसपीआर-सीएएस9 जीनोम एडिटिंग में हालिया प्रगति के लिए 20 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों में से एक के रूप में चुना गया। उसका सार "लीसमेनिया का मुकाबला करने के लिए एंटीलेशमनियल यौगिकों की पहचान करने के लिए लीसमेनिया प्रमुख 4 'फॉस्फोपेंटेथिनाइल ट्रांसफरेज में संरचना और कार्य में अंतर्दृष्टि")

प्रदीप सिंह चीमा, 2019, मौखिक प्रस्तुति के लिए चयनित। गर्भाशय ग्रीवा कार्सिनोमा में फॉक्सएम1 के छोटे अणु मध्यस्थता निषेध के माध्यम से एक संभावित कैंसर विरोधी चिकित्सा 08-09 फरवरी, 2019, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट और कैंसर रोकथाम और चिकित्सा विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

यामा अत्री, 2019, स्थानीय/विश्वविद्यालय, सर्वश्रेष्ठ बैनर पुरस्कार। आठवीं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस संगोष्ठी, 27-28 फरवरी 2019, दिल्ली दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली।

मनीषा सैनी, 15-17 फरवरी 2019 को श्री जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवास्कुलर साइंसेज एंड रिसर्च, बैंगलोर इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ कार्डियोवस्कुलर साइंसेज (इंडिया सेक्शन) के वार्षिक सम्मेलन में कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज में अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सीसी कारा यात्रा पुरस्कार।

गौरव कुमार, 15-17 फरवरी 2019 को श्री जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवास्कुलर साइंसेज एंड रिसर्च, बैंगलोर इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ कार्डियोवस्कुलर साइंसेज (इंडिया सेक्शन) के वार्षिक सम्मेलन में हृदय विज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सीसी कारा यात्रा पुरस्कार

वार्षिक विज्ञान दिवस समारोह, सीआरएस रिसर्च स्कॉलर्स वर्कशॉप में चेतना धेम्बला को सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार, 8-9 जनवरी, 2019, यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम फॉर साइंटिफिक रिसर्च, डीएवीवी विश्वविद्यालय, इंदौर, भारत "एक बंद एपो से एक समग्र स्विच-होलो-फॉर्म में एसाइल वाहक प्रोटीन से लैस एसाइल चेन आवास" पर मौखिक प्रस्तुति के लिए, चेतना धेम्बाला, ऋचा आर्य, भास्कर शर्मा, रविकांत पाल, मोनिका सुंदर, बिप्लब घोष, रवींद्र डी. माकड़े और सुमन कुंडू।

गौरव कुमार, 2018, नेशनल, दूसरी सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति (बेसिक साइंस)। उच्च रक्तचाप का मुकाबला करने के लिए गैर-पारंपरिक चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में साइटोक्रोम बी 5 रिडक्टेस 3। हृदय अनुसंधान अभिसरण - 2018 (सीआरसी-2018),13-14 अक्तूबर 2018, आईसीजीईबी और एम्स, नई दिल्ली।

मनीषा सैनी, 2018, राष्ट्रीय, तृतीय सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति (बेसिक साइंस)। एसएचआर में जीके4 यौगिक की एंटीहाइपरेटिव गतिविधि की स्क्रीनिंग; एक तीव्र और जीर्ण अध्ययन। हृदय अनुसंधान अभिसरण - 2018 (सीआरसी -2018),13-14 अक्तूबर 2018, आईसीजीईबी और एम्स, नई दिल्ली।

संजय कुमार डे (2018) एएसबीएमबी पोस्ट-डॉक्टरल ट्रैवल अवार्ड।"डोपामाइन-ß-मोनोआक्सीजेनस अवरोधक, जो संरचना आधारित विधियों द्वारा प्राप्त किए गए, एल-एनएएमई प्रेरित उच्च रक्तचाप से ग्रस्त चूहों में एंटीहाइपरटेंसिव प्रभाव दिखाते हैं। अमेरिकन सोसाइटी ऑफ बायोकैमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, 21 -25 अप्रैल, 2018, सैन डिएगो द्वारा यूएसए आयोजित 'प्रायोगिक जीवविज्ञान 2018' में।

संजय कुमार डे (2018) सीएसआईआर अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार। "एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी 2018 मीटिंग", 21 -25 अप्रैल, 2018, सैन डिएगो, यूएसए में "संरचना आधारित विधियों द्वारा प्राप्त किए गए डोपामाइन-ß-मोनोआक्सीजेनस अवरोधकों ने एल-एनएएमई प्रेरित हाइपरटेंसिव चूहों में एंटीहाइपरटेंसिव प्रभाव प्रदर्शित किया।

संजय कुमार डे (2018) इम्यूनोलॉजी फाउंडेशन बर्सरी ग्रांट। "एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी 2018 मीटिंग", 21 -25 अप्रैल, 2018, सैन डिएगो, यूएसए "संरचना आधारित विधियों द्वारा प्राप्त किए गए डोपामाइन-ß-मोनोआक्सीजेनस अवरोधकों ने एल-एनएएमई प्रेरित हाइपरटेंसिव चूहों में एंटीहाइपरटेंसिव प्रभाव प्रदर्शित किया।

छात्र/डॉक्टरेट के बाद - संगोष्ठी/सम्मेलन/प्रस्तुतियां

आकाश सिंघल, हिना भारती, मोहसिन रजा, प्रहलाद सी। घोष और आलोक नाग. 2019. प्लाज़मोडियल सूमो कंजुगेटिंग एंजाइम, पीएफयूबीबी9 के बायोफिजिकल और बायोकेमिकल गुणों की खोज। रोग और चिकित्सा विज्ञान के आणविक आधार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 8-10 मार्च, 2019, केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान, अजमेर, राजस्थान (पोस्टर प्रस्तुति)।

दीप्तिश्री नंदी, प्रदीप सिंह चीमा और आलोक नाग, 2019.

8-10 मार्च, 2019 को केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान, अजमेर, राजस्थान में आर्टीमिसिनिन में फॉक्सएम1 के निहितार्थों को उजागर करते हुए हेपेटोसेलुलर इलेक्ट्रोमा की मध्यस्थता ट्यूमर दमन। रोगों और चिकित्सा विज्ञान के आणविक आधार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पोस्टर प्रस्तुति)।

यामा अत्री, हिना भारती और आलोक नाग,2019. 8-10 मार्च, 2019 को केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान, अजमेर, राजस्थान रोग और चिकित्सा विज्ञान के आणविक आधार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, (पोस्टर प्रस्तुति)।

दीप्तिश्री नंदी, प्रदीप सिंह चीमा, और आलोक नाग,2019. के निहितार्थ को उजागर करना। 27-28 फरवरी 2019 को दिल्ली दक्षिणी परिसर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 8वें राष्ट्रीय विज्ञान दिवस संगोष्ठी में हेपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा के पेज छापे पर आर्टीमिसिनिन में फॉक्सएम1 के निहितार्थ को उजागर करना। (पोस्टर प्रस्तुति)।

हिना भारती, आकृति सिंघल, मोहसिन राज़ा, प्रहलाद सी. घोष और आलो नाग,2019. 27-28 फरवरी 2019 को दिल्ली दक्षिणी परिसर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 8वीं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस संगोष्ठी, संरचना-कार्य सहसंबंध और एक अनिवार्य प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम ड्युबिकिटिनास के जैव रासायनिक लक्षण वर्णन:पीएफयूसीएचएल3 (पोस्टर प्रस्तुति)।

आकृति सिंघल, हिना भारती, मोहसिन राज़ा, प्रहलाद सी. घोष और आलो नाग,2019. 27-28 फरवरी 2019 को दिल्ली दक्षिणी परिसर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 8 वीं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस संगोष्ठी को प्लाज़मोडियल सूमो कंजुगेटिंग एंजाइम, पीएफयूबीबी9 की बायोफिजिकल और बायोकेमिकल गुणों की खोज। (पोस्टर प्रस्तुति)।

हिना भारती, आकाश सिंघल, मोहसिन रज़ा, प्रहलाद सी. घोष और आलोक नाग.2019, 25-26 फरवरी, 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय उत्तरी परिसर, नई दिल्ली एकीकृत रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और ट्रांसलेशनल मेडिसीन (आईसीबीटीएम-2019) पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संरचना-कार्य सहसंबंध और एक अनिवार्य प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम ड्युबिकिटिनास के जैव रासायनिक लक्षण वर्णन: पीएफयूसीएचएल3 (पोस्टर प्रस्तुति)।

आकृति सिंघल, हिना भारती, मोहसिन राज़ा, प्रहलाद सी. घोष और आलो नाग.2019. दिल्ली विश्वविद्यालय उत्तरी परिसर, नई दिल्ली एकीकृत रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और ट्रांसलेशनल मेडिसीन (आईसीबीटीएम-2019) पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्लाज़मोडियल सूमो कंजुगेटिंग एंजाइम, पीएफयूबीबी9 की बायोफिजिकल और बायोकेमिकल गुणों की खोज(पोस्टर प्रस्तुति)।

यामा अत्री और आलो नाग, 2019. 08-09 फरवरी, 2019 को स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट और कैंसर रोकथाम और चिकित्सा विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में गर्भाशय ग्रीवा कार्सिनोजेनेसिस में प्रभाव के साथ यूबिकिटिन लिगेज, कुलिन4 ए (पोस्टर प्रस्तुति)।

प्रदीप सिंह चीमा, दीप्तश्री नन्दी, नेहा जैसवाल, संजय देय, सुमन कुंडु और आलो नाग, 2019. 08-09 फरवरी, 2019 में स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट और कैंसर रोकथाम और चिकित्सा विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में गर्भाशय ग्रीवा कार्सिनोमा में फॉक्सएम1 के छोटे अणु मध्यस्थता निषेध के माध्यम से एक होनहार कैंसर विरोधी चिकित्सा। (पोस्टर प्रस्तुति; मौखिक प्रस्तुति के लिए चयनित)।

चेतना धेम्बला, ऋचा आर्य, भास्कर शर्मा, रवि कान्त पाल, मोनिका सुन्द्द, बिप्लब घोष, रविन्द्र डी. मकड़े और सुमन कुंडु (2019), 15-17 मार्च, 2019, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर) कोलकाता, भारत में 43वीं इंडियन बायोफिजिकल सोसायटी मीटिंग मॉलिक्यूलर टू सिस्टम्स 2019 में “एक बंद एपो से होलियो-फॉर्म के लिए एक संचलन स्विच फैटी एसिड संश्लेषण के लिए एसाइल वाहक प्रोटीन से लैस करता है" (पोस्टर प्रस्तुति)।

चेतना धेम्बला, मोनिका सुन्द्द, और सुमन कुंडु (2019), 11-15 मार्च, 2019, केमिकल बायोलॉजी का भारतीय संस्थान (आईआईसीबी) कोलकाता, भारत में पैरासिटिक प्रोटोजोआ के जेनेटिक मैनिपुलेशन में 3 उन्नत स्कूल: सीआरआआईएसपीआर-सीएएस9 जीनोम एडिशन में हालिया प्रगति, "लीसमेनिया प्रमुख 4'फॉस्फोपेंटेथिनाइल स्थानान्तरण की संरचना और समारोह में अंतर्दृष्टि, लीशमैनियासिस का मुकाबला करने के लिए एंटीलेनिज़ेनियल यौगिकों की पहचान करने के लिए"(पोस्टर प्रस्तुति)।

निधि मित्तल, मोहम्मद असीम खान, श्रुति भट्ट, संजीव कुमार यादव और सुमन कुंडु (2019), 15-17 मार्च 2019 को, आईआईएसईआर कोलकाता में, इंडियन बायफ़िज़िकल सोसाइटी ऑन मोलेक्यूलस की 43वीं वार्षिक बैठक में"हीमोग्लोबिन आधारित रक्त विकल्प के उत्पादन के लिए अपेक्षित सुविधाओं का अनुकूलन करने के लिए प्लेटफॉर्म"। (पोस्टर प्रस्तुति)

संजीव कुमार यादव, मोहम्मद असीम खान और सुमन कुंडु* 15-17 मार्च, 2019,आईआईएसईआर कोलकाता में बायोफिज़िक्स में उभरते रुझानों पर इंडियन बायोफिजिकल सोसायटी की 43 वीं वार्षिक बैठक में "नए हीमोग्लोबिन में लिगैंड बाइंडिंग की स्थिरता और विनियमन" (पोस्टर प्रस्तुति)

मोहम्मद असीम खान, निधि मित्तल, संजीव कुमार यादव, श्रुति भट्ट और सुमन कुंडु* 15-17 मार्च, 2019 से आईआईएसईआर कोलकाता में अणु-संबंधी प्रणाली पर भारतीय बायोफिजिकल सोसायटी की 43वीं वार्षिक बैठक में "हेमोग्लोबिन आधारित कृत्रिम ऑक्सीजन वाहक - संभावित रक्त पदार्थ को डिजाइन करने के लिए पुनरावर्ती मानव हीमोग्लोबिन में हेम प्रतिधारण को बढ़ाना" (पोस्टर प्रस्तुति)

चेतना धेम्बला, ऋचा आर्य, भास्कर शर्मा, रवि कान्त पाल, मोनिका सुन्द्, बिप्लब घोष, रविन्द्र डी. मकड़े और सुमन कुंडु (2019), 27- 28 फरवरी, 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण दिल्ली, नई दिल्ली, भारत में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस संगोष्ठी-2019 में) "एक बंद एपीओ से समग्र रूप में पुनर्व्यवस्था, फैटी एसिड संश्लेषण के लिए एसाइल वाहक प्रोटीन से लैस है"। (पोस्टर प्रस्तुति)

मनीषा सैनी, संजय कुमार देय, विकास कुमार, पंकज प्रभाकर, सी. सी. करथा, सुमन कुंडु, (2019) 15-17 फरवरी 2019 से, इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ कार्डियोवस्कुलर साइंसेज (इंडिया सेक्शन), श्री जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवास्कुलर साइंसेज एंड रिसर्च, बैंगलोर के वार्षिक सम्मेलन में "एंटी-हाइपरटेंसिव प्रभावों की यौगिकों की जांच: सिलिको से विवो में" (पोस्टर प्रस्तुति)।

चेतना धेम्बला, ऋचा आर्य, भास्कर शर्मा, रवि कान्त पाल, अशोक पटेल, मोनिका सुन्द्, बिप्लब घोष, रविन्द्र डी. मकड़े और सुमन कुंडु (2018) 28-30 नवंबर, 2018 को हॉलिडे इन, एयरोसिटी, नई दिल्ली, भारत में आणविक चिकित्सा संस्थान, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में वर्शियल लीशमैनियासिस (आईईसी - वीएल) की समाप्ति और नियंत्रण के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में"एक बंद एपीओ से होलियो-फॉर्म के लिए एक कंफ़ॉर्मल स्विच एसाइल चेन आवास के लिए एसाइल वाहक प्रोटीन से लैस करता है" । (पोस्टर प्रस्तुति)

मोहम्मद असीम खान, मनीष शांडिल्य, संजीव कुमार यादव और सुमन कुंडु* आईसीजीईबी, नई दिल्ली में 29-30 मई 2018 को लिपिड बाईलेयर में प्रत्यक्ष प्रशिक्षण कार्यशाला में "इनकी तह और स्थिरता के बारे में अधिक जानकारी के लिए हीमोग्लोबिन के उपन्यास वर्गों को खोलना"। (पोस्टर प्रस्तुति)

***

जैव-भौतिकी

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

प्रोफेसर शुभेंदु घोष मेम्ब्रेन बायोफिज़िक्स, आयन चैनल्स और न्यूरो-बायोफ़िज़िक्स पर काम कर रहे हैं। प्रयोगों में एकल-चैनल रिकॉर्डिंग, पैच-क्लैंप इलेक्ट्रो-फिजियोलॉजिकल तरीके शामिल हैं। सीखने, स्मृति (अनुभूति) और गणितीय और कम्प्यूटेशनल न्यूरोसाइंस पर विशेष जोर दिया जाता है। डॉ. मनीषा गोयल (सहायक प्रोफेसर) क्रिस्टलोग्राफिक संरचना निर्धारण और जैव सूचना विज्ञान पर काम करती हैं। उनकी प्रयोगशाला विभिन्न आर्कियल चैपोरों के कार्यात्मक और संरचनात्मक लक्षण वर्णन पर काम कर रही है। डॉ.मनीष कुमार की प्रयोगशाला में प्रोटीन अनुक्रम-संरचना-कार्य सहसंबंध, जीनोम एनोटेशन और रोगाणुओं में एंटीबायोटिक प्रतिरोध के विकास को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों को समझने पर काम होता है।

प्रकाशन

कौशिक वी, वर्मा वीवी, गोयल एम. (2018) डीयूएफ83 वर्ग के सीएएस4 प्रोटीन का कार्यात्मक विचलन और तुलनात्मक इन-सिलिको अध्ययन। जे.मोल रिकोगनिशन 31(5):e2694.

रानी एस, ए शर्मा, गोयल एम. (2018). आर्किया में सीएसए ए चैपरोन की संरचना-कार्य-विकास संबंध को नेविगेट करना। *क्रिटिकल रिव्यूज इन माइक्रोबायोलॉजी*, 44(3):274-289.

शर्मा, डी., गर्ग, ए., कुमार, एम., खान, ए. यू. (2019). कार्बापेनम-प्रतिरोधी के. निमोनिया के नैदानिक अलगाव (एनडीएम-4) के प्रोटीन की रूपरेखा: प्रतिरोध और संभावित दवा लक्ष्यों के तंत्र की खोज।*जे. प्रोटिओमिक्स*. 200:102-110.

सिंघल, एन., पांडे, डी., कुमार, एम. और विर्दी जे.एस. (2019). यरसिनिया इंटरकोलिसिया बायोटोप 1 ए में "बीएलएबी जैसे" सेफेलोस्पोरिन की अनिश्चित अभिव्यक्ति में परिवर्तनशीलता को समझने के लिए एएमपीआर और एएमपीडी का आणविक विश्लेषण। *जीन*. 704:25-30.

सिंघल, एन, पांडे, डी, एन एस सिंह, एम कुमार. और विरदी, जे.एस. (2019). यरसिनिया इंटरकोलिसिया की जीवनी में एएमपीडी होमोलागस: गुणसूत्र एएमपीसी- प्रकार सेफलोस्पोरिनसेस के विनियमन में निहितार्थ। *इंफेक्शन जेनेटिक्स एंड इवोल्यूशन*. 69:211-215.

सिंघल, एन, पांडे, डी, एम कुमार और विरदी, जे.एस. (2019). यरसिनिया इंटरकोलिसिया बायोटोप 1 ए उपभेदों के "बीएलएबी जैसे" क्रोमोसोमल इनड्यूसिबल सेफालोस्पोरिनेज के आणविक लक्षण।*माइक्रोबायल ड्रग रेजिस्टेंस*.

बी कुमारी, आर कुमा और एम कुमार. (2019). एसोसिएशन नियम खनन का उपयोग करते हुए तालमेल का निर्धारण करने वाले अवशेषों की पहचान करना। *बोयोइन्फार्मेटिक्स*.

बी कुमारी, आर कुमार और एम कुमार. (2018). कम-जटिलता वाले प्रोटीनों के तुलनात्मक कार्यात्मक विश्लेषण द्वारा एमिलॉइड क्षेत्रों का अनुमान। *पीयर जे.* 6:e5823.

ए गर्ग, बी कुमारी, एन सिघल, एम कुमार. (2018) नए दवा के लक्ष्य के रूप में रोगजनकों के आणविक-नकल-उत्प्रेरण मार्गों का उपयोग करना। *ड्रग डिस्कवरी टुडे*. 30256-3.

ए श्रीवास्तव.*, आर कुमार.*और एम कुमार. (2018) चाउ के सामान्य पीएसईएएसी के माध्यम से 3-स्तरीय अनुमान प्रणाली का उपयोग करके बीटा-लैक्टामेस की भविष्यवाणी करना और वर्गीकरण। *जर्नल ऑफ थियोरोटिकल बायोलॉजी*. 457:29-36.

बी कुमारी, आर कुमार और एम कुमार. (2018). प्रोटीन में दुर्लभ पामिटोयलेशन घटनाओं की भविष्यवाणी। *जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी*. सितंबर; 25(9):997-1008. doi: 10.1089/cmb.2017.0069.

ए गर्ग, बी कुमारी, और एम कुमार. मानव रोगों में एचएसपी 70 की उभरती भूमिका। हीट शॉक प्रोटीन, संस्क. 14, एलेक्ज़ेंडर ए ए आसिया और पुनीत कौर (संपा.):*एचएसपी70 इन ह्युमन डिजीज एंड डिस्आर्डर्स।*

शोध परियोजनाएं

डीबीटी वित्त पोषित: चिकनगुनिया वायरस से एक झिल्ली प्रोटीन पर संरचना-कार्य अध्ययन, मार्च 2019-मार्च, 2022 34,12,400 रुपए।

आयोजित संगोष्ठी

प्रोफेसर शंदर अहमद, प्रोफेसर शंदर अहमद, कम्प्यूटेशनल और इंटीग्रेटिव साइंसेज का स्कूल, जेएनयू; बायोइनफॉरमैटिक्स में डेटा वाहित अनुमालित मॉडल। 13 अगस्त, 2018.

डॉ. डेनियल उन्गर, यॉर्क विश्वविद्यालय, यूके, भविष्य की दवा के विकास में मदद करने के लिए गोल्गी संगठन और ग्लाइकन प्रसंस्करण को जोड़ना। 5 मार्च, 2019.

विभाग 15 दिनों में एक बार वार्ता का आयोजन करता है, जहाँ छात्र, शिक्षक और अतिथि बातचीत करते हैं।

आयोजित सम्मेलन:

एक दिवसीय संगोष्ठी "जीवविज्ञान में स्व-संगठन" 16 मार्च, 2019। वक्ता: जोनाथन एशमोर, यूके, पबित्र पाल चौधुरी, आईएसआई कोलकाता, संजय जैन, डीयू, ज्योतिर्मय बनर्जी, एम्स की गणितीय कार्यशाला, 23 अप्रैल, 2018.

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा नें 2-3 नवंबर, 2018 को न्यूरोफिज़ियोलॉजी और न्यूरोपैथोलॉजी-2018 में हाल की प्रगति (आरएएनएन-2018) पर प्रोफेसर सुभेंदु घोष द्वारा" आयन चैनल्स का फॉस्फोराइलेशन और माइटोकॉन्ड्रिया मेडिएटेड न्यूरॉनल सेल डेथ में उनकी प्रशंसनीय भूमिका।

उदय प्रताप महाविद्यालय, वाराणसी में 19-20 फरवरी, 2019 को अनुप्रयुक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी: जीवविज्ञान और चिकित्सा विज्ञान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रो सुभेंदु घोष द्वारा चैनल्स का सामूहिक व्यवहार: भौतिकी से जीवविज्ञान तक"।

एस.पी. मुकर्जी महाविद्यालय, डीयू में 11-13 अक्तूबर, 2018 को डिफरेंशियल इक्वेशन और एप्लिकेशन पर साइंस एकेडेमीज लेक्चर कार्यशाला में प्रोफेसर सुभेंदु घोष द्वारा "ब्रेन साइंस में डिफरेंशियल इक्वेशन का अनुप्रयोग"

डॉ. मनीष कुमार ने 11 वें यंग इन्वेस्टिगेटर मीट (वाईआईएम 2019), गुवाहाटी (06-08 मार्च 2019) में भाग लिया है।

डॉ. मनीष कुमार ने 2019 नैनो मेडिकल साइंसेज, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 8 जनवरी, 2019 को 6ठे विश्व कांग्रेस में कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान द्वारा संक्रामक रोग का मुकाबला (7-10 जनवरी, 2019) शीर्षक व्याख्यान दिया।

डॉ. मनीष कुमार ने इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली में 12 दिसंबर 2018 को बायोमेडिसिन और हेल्थकेयर के लिए संगणना पर राष्ट्रीय कार्यशाला में 'स्वास्थ्य अनुसंधान में डेटा वाहित ए तरीके' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

डॉ. मनीष कुमार ने 11 दिसंबर, 2018 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट जीनोम रिसर्च, नई दिल्ली में डेटा क्यूरेशन एंड डेटाबेस डेवलपमेंट (दिसंबर 11-12, 2018) पर राष्ट्रीय कार्यशाला में है 'डेटा संकलन और डेटाबेस में नए रुझान' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

डॉ. मनीष कुमार ने 6 अप्रैल, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर में डेटाबेस डेवलपमेंट एंड बायोक्यूरेशन (6-7 अप्रैल, 2018) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आधुनिक जैविक अनुसंधान में 'मैनुअल और ऑटोमैटिक क्यूरेशन की भूमिका' शीर्षक व्याख्यान दिया।

अन्य अंतर संस्थागत सहयोग

प्रोफेसर सुभेंदु घोष ने आईआईटी बॉम्बे (बायोसाइंस एंड बायोइंजीनियरिंग विभाग), आईआईटी मद्रास (जैव-प्रौद्योगिकी विभाग), आईआईटी दिल्ली (स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज) के साथ डीबीटी से संयुक्त परियोजना अनुदान सहयोग है।

प्रदत्त एम.फिल./ पी.एच.डी.की संख्या

प्रदत्त एम.फिल.की संख्या : 0
प्रदत्त पीएच.डी.की संख्या: 1 ; सुश्री अभीशिखा श्रीवास्तव

संकाय की संख्या

स्थायी: 3

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोफेसर जोनाथन अश्मोरे, प्रोफेसर, फिजियोलॉजी और न्यूरोसाइंस विभाग, ईआर इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन, ने 14 से 20 मार्च, 2019 तक यूसुफ हमीद-रॉयल सोसाइटी ऑफ लंदन पुरस्कार के हिस्से के रूप में विभाग का दौरा किया।

***

इलैक्ट्रोनिक विज्ञान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां:

संकाय सदस्य सक्रिय रूप से अनुसंधान में लगे हुए हैं और साथ ही ऑप्टिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, अर्धचालक, माइक्रोवेव और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक के क्षेत्र में पीएचडी की डिग्री के लिए अनुसंधान का पर्यवेक्षण कर रहे हैं। विभाग के पास यूजीसी, सीएसआईआर, डीआरडीओ आदि द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और कई अनुसंधान परियोजनाएं हैं। सुश्री निहारिका कोहली को शास्त्री इंडो-कैनेडियन फेलोशिप के लिए चुना गया था। इसके अलावा, विभाग नियमित आधार पर सेमिनार, व्याख्यान और वार्ताएं आयोजित करता है। इस साल आईईईई ईडीएस दिल्ली चैप्टर और डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स साइंस ने संयुक्त रूप से 31 मार्च, 2019 को दिल्ली दक्षिणी परिसर विश्वविद्यालय में विजिटर्स प्रोग्राम का आयोजन किया। इसके अलावा विभाग ने मार्च 2019 में रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स एप्लिकेशन लेबोरेटरी (डीईएएल) देहरादून की वार्षिक शैक्षिक यात्रा का भी आयोजन किया।

प्रकाशन (कुल संख्या) : 64

चेतना, कुमार, एस, गर्ग, ए, चौधुरी, ए, जैन, ए, कपूर, ए (2019). गैस संवेदी अनुप्रयोगों के लिए सब्सट्रेट के रूप में ग्राफीन ऑक्साइड पर इलेक्ट्रोकेमिकली बढ़ते जेडएन ओनरोडों की एक नई विधि। *मिटिरियल्स रिसर्च एक्सप्रेस,* 6(7).

शर्मा, एस, सैनी, बी, कौर, आर, तोमर, एम, गुप्ता, वी, कपूर, ए (2019). CdxZn1-xO पतली फिल्मों को जमा स्पंदित लेजर की कम प्रतिरोधकता। *सिरेमिक्स इंटरनेशनल,* 45(2 ए), 1900 -1908.

कुमार, ए, कुमार, आर, कुमार, एम, भट्ट, जी, खन्ना, एम, कपूर, ए (2018). हानिपूर्ण मोड अनुनाद सेंसर के लिए जेडएनओ पतली फिल्म की वर्णक्रमीय जांच। *एडवांस्ड साइंस लेटर्स.* 24(2), 796-801.

सिंह, वाई. पी., जैन, ए., कपूर, ए. (2018). एल्युमिनियम नैनोस्ट्रक्चरों ने थिनफिल्म सिलिकॉन सोलर सेल में ऑप्टिकल अवशोषण बढ़ाया।*रिसेंट इनोवेशन्स इन केमिकल इंजीनियरिंग.* 11(3), 179-184.

मदन, डी, कपूर, ए, शर्मा, वी के (2018). सेंसर जलीय पर्यावरण के लिए अल्ट्राहाई सेंसिटिविटी प्लास्मोनिक अपवर्तक-सूचकांक। *आईईईईफोटोनिक्स लेटर्स.* 30(2), 149-152.

एन ढींगरा, जे आनंद, जी जे सक्सेना, और ई के शर्मा (2018), टैलबोट प्रभाव, ऑप्टिकल फाइबर तकनीक द्वारा नाड़ी पुनरावृत्ति दर गुणन के लिए समाक्षीय ऑप्टिकल फाइबर की डिज़ाइन। *फाइबर टेक.*, आईएसएसएन: 1068-5200, 46, 248-257, DOI: https://doi.org/10.1016/j.yofte.2018.10.017. (प्रभाव कारक: 1.350).

एन सोनी, एन सिंह, ए कपूर, ई के शर्मा (2018), कम रिज़ॉल्यूशन छवि मान्यता क्लाउड हॉपफील्ड न्यूरल नेटवर्क का उपयोग, उन्नत कम्प्यूटिंग और इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग में प्रगति, *एडवान्सेज इन इंटेलिजेंट सिस्टम और कम्प्यूटिंग*, eआईएसबीएन: 978-981-10-6872-0, 563, 39-46, DOI: https://doi.org/10.1007/978-981-10-6872-0_4.

कुमारी, वी. कुमार, ए. सक्सेना, एम. और गुप्ता, एम. (2018). गौसियन डॉ.प्ड डबल गेट जंक्शन का अध्ययन (जीडी-डीजी-जेएल) ट्रांजिस्टर में सोर्स ड्रेन डिप्लेशन लंबाई शामिल है: उप-दहलीज व्यवहार के लिए मॉडल। सुपरलेटिक्स एंड माइक्रोस्ट्रक्चर्स, 113, 57-70.

चंदर, एस. गुप्ता, एस. अजय, गुप्ता, एम. (2018). में माइक्रोवेव एप्लिकेशन के लिए पैशन तकनीक का उपयोग करके AlGaN/GaN एचईएमटी में टूटे वोल्टेज का संवर्धन। सुपरलेटिक्स एंड माइक्रोस्ट्रक्चर्स, 120, 217-222.

पाल, पी. प्रताप, वाई. गुप्ता एम. और काबरा, एस. (2019). बायोसेंसर अनुप्रयोगों के लिए AlGaN/GaN एमओएस-एचईएमटी की मॉडलिंग और सिमुलेशन। आईईईई सेंसर, 19(2), 587-593.

उपासना, नारंग, आर. सक्सेना, एम. गुप्ता, एम. (2019). भविष्य के कम बिजली अनुप्रयोगों के लिए अच्छी तरह से अनुकूलित डिइलेक्ट्रिक पॉकेट टनल ट्रांजिस्टर की प्रयोज्यता की खोज। सुपरलेटिक्स एंड माइक्रोस्ट्रक्चर्स, 126, 8-16.

त्रिवेदी, एन. कुमार, एम. हलधर, एस. देसवाल, एस.एस. गुप्ता एम और गुप्ता, आर.एस. (2019). इन एकल छोर दोहरे मेटल गेट जंक्शनलेस एक्युमुलेशन मोड (सराउंडिंग गेट) नेनोवर मॉसफेट में इंटरफेस ट्रैप्स निर्भर लीनियरिटी आकलन। जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स ए (स्प्रिंगर) प्रकाशन के लिए स्वीकृत

बंसल एम., कौर, एच. (2019). फिक्स्ड ट्रैप चार्ज की उपस्थिति के साथ नकारात्मक-कैपेसिटेंस जर्मेनियम फिन एफईटी का विश्लेषण। आईईईई ट्रांजेक्शन्स आन इलेक्ट्रान, 66(4), 2019, 1979 - 1984.

बंसल एम., कौर, एच (2019). फेरोइलेक्ट्रिक सीज-ऑन-इन्सुलेटर फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर (एफएसजीओआईएफआई) के लिए एक विश्लेषणात्मक सबथ्रेशहोल्ड वर्तमान मॉडल, सेमिकंडक्टर साइंस टेक्नोलॉजी, 34, 015016.

मेहता, एच., कौर, एच (2018). डबल गेट जंक्शन रहित ट्रांजिस्टर (डीजीजेएलटा) पर गाऊसी डोपिंग प्रोफाइल और नकारात्मक कैपेसिटेंस प्रभाव का प्रभाव। *आईईईई ट्रांस. इलेक्ट्रान डिवाइसेज*, 65(7) 2699-2706.

जयंत, एस, कैथल, के, बीरवाल, ए, पटेल, के। (2019). सीएसआरआर समर्थित बीएसएफ का उपयोग करते हुए 7वां क्रम हार्मोनिक दमन और व्यापक अस्वीकृति बैंड, इंडियन जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड फिजिक्स, 57, 85-89.

सिंह, जे, प्रसाद, एन, पेटा, के.आर., भटनागर, पी. के (2018), स्थिर और कुशल फोटोवोल्टिक डिवाइस के लिए पी3एचटी:पीसीबीएम बहुपरत ग्रेफीन के समावेश से ट्रैप समर्थित नॉन-जेमीनेट पुनर्संयोजन को दबाना।

जर्नल ऑफमिटिरियल सीइंस*:* मिटिरियल्स इन इलेक्ट्रानिक्स, 19, 18200-18208.

गौतम, के. सिंह, आई, भटनागर, पी के, पेटा, के आर (2018). संयुग्मित पॉलिमर आधारित प्रकाश उत्सर्जक डायोड के प्रकाश को बढ़ाने के लिए एकल मोड वेवगाइडिंग प्रभाव जेडएनओ नैनोरोड। जर्नल ऑफ ल्यूमिसेन्स, 204, 59-63.

मद्दका, आर., पार्क , बी., किम, एम.डी., पेटा, के.आर., चिन्ह, एन.डी., किम, डी., किम, एस.-जी., जी. मुरली. (2018). कमरे के तापमान पर आरजीओ/जीएएन नैनोरोड्स के एच2, एच2एस गैस सेंसिंग गुण: यूवी रोशनी का प्रभाव। *सेंसर एंड एक्चुएटर्स बी,* 264, 353-362.

चंद्रकलावती, टी., पेटा, के.आर., आर., जयलक्ष्मी (2018). एयू नैनोकणों के साथ संवर्धित यूवी फोटोरिसेप्स शामिल आरजीओ/सी हेटरोस्ट्रक्चर "मिटिरियल्स रिसर्च एक्सप्रेस, 5, 025011.

पेटा, के.आर., किम, एम-डी. (2018). स्कॉटकी बैरियर डायोड में रिवर्स बायस के अंतर्गत रिसाव वर्तमान परिवहन तंत्र। *सुपरलेटिक्स एंड माइक्रोस्ट्रक्चर्स,* 113, 678-683.

राजपूत, ए., पटेल, के., और बीरवल, ए. और बीरवाल, ए (2018). यू- आकार की मुड़ी हुई उच्च प्रतिबाधा रेखा का उपयोग करके कॉम्पैक्ट माइक्रोस्ट्रिप कम पास फिल्टर डिजाइन। माइक्रोवेब एंड ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी लेटर्स, 60(7), 1812-1815.

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

सैनी, बी., शर्मा, एस., कौर, आर., पाल, एस., कपूर, ए. (2018). InGaN/GaN एमक्यूडब्ल्यू सौर कोशिकाओं के लिए इंटरलेयरों की क्षतिपूरण ध्रुवीकरण का अनुकूलन। *एआईपी कान्फ्रेन्स प्रोसिडिंग्स.* 1953(1), 100076.

सैनी, बी., शर्मा, एस., कौर, आर., पाल, एस., कपूर, ए. (2018). स्पंदित लेजर निक्षेप का उपयोग करके ऑक्सीजन परिवेश में टेरनेरी CdxZn1-$_x$O की पतली फिल्मों की वृद्धि। *एआईपी कान्फ्रेन्स प्रोसिडिंग्स.* 1953(1), 100059.

अग्रवाल, एन., कपूर, ए. (2018). लैंबर्ट-डब्ल्यू फ़ंक्शन का उपयोग करके श्रृंखला और समानांतर जुड़े सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल पर आंशिक छायांकन के प्रभाव की जांच। *एआईपी कान्फ्रेन्स प्रोसिडिंग्स.* 2006(1), 030050.

शर्मा, एस., सैनी, बी., कौर, आर., तोमर, एम., गुप्ता, वी., कपूर, ए. (2019). जीएएनएमक्यूडब्ल्यूएससी में फोटो-जनरेट किए गए कैरियर्स का बेहतर निष्कर्षण: ट्रिपल इंडियम सामग्री के साथ कंपित क्वांटम वेल्स का प्रभाव। *स्प्रिंगर प्रोसिडिंग्स इन फिजिक्स.* 215(1), 469-475.

शर्मा, एस., सैनी, बी., कौर, आर., तोमर, एम., गुप्ता, वी., कपूर, ए. (2019). स्पंदित लेजर जमाव का उपयोग करके Cd0.05Zn0.95O पतली फिल्मों की वृद्धि पर ऑक्सीजन के दबाव का प्रभाव। *स्प्रिंगर प्रोसिडिंग्स इन फिजिक्स.* 215(1), 1059-1064.

जे पी नाथ, एन ढींगरा, जी जे सक्सेना और ई के शर्मा (2018), एवेनेस्सेंटली कपल्ड SOI वेवगाइड्स पर आधारित कॉम्पैक्ट मोड डिवीजन मल्टी-प्लेस्ड ऑन-चिप इंटरकनेक्ट पर आधारित है। *फाइबर ऑप्टिक और फोटोनिक्स (फोटोनिक्स-2018) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन,* दिसंबर 12-15, 2018, IIT दिल्ली, भारत।

जे पी नाथ, एन ढींगरा, जी जे सक्सेना और ई के शर्मा (2019), मोड डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग के लिए एक कॉम्पैक्ट सिलिकॉन आधारित सह-दिशात्मक युग्मक का डिजाइन। आईओएनएस मणिपाल 2019, जनवरी 11-14, 2019, एमएएचई, मणिपाल, भारत

एन ढींगरा, जे सी सांग,, जी जे सक्सेना, ई के शर्मा, बी एम ए रहमान (2018), जर्मेनियम टेलुराइड चरण परिवर्तन सामग्री आधारित 1 × 2 इलेक्ट्रो-ऑप्टिक स्विच, ऑप्टिकल वेव और वेवगाइड सिद्धांत और

न्यूमेरिकल मॉडलिंग पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (ओडब्ल्यूटीएमएम-2018) बैड सैसडॉ.फ्र्ड, जर्मनी, 13-14 अप्रैल 2018।

एन ढींगरा, जे सी सांग, जी जे सक्सेना, ई के शर्मा, बी एम ए रहमान (2018), उच्च समाप्ति अनुपात सहित जर्मेनियम टेलुराइड आधारित कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रो-ऑप्टिक स्विच, फाइबर ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स (फोटोनिक्स-2018) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दिसंबर 12-15, 2018, आईआईटी दिल्ली, भारत।

एन सोनी, ई के शर्मा, एन सिंह, ए कपूर (2018), डीप लर्निंग के लिए ऑप्टिकल आधारित नेटवर्क की सफलता, सतत वैश्विक विकास के लिए कम्प्यूटिंग। कंप्यूटर अनुप्रयोग और प्रबंधन संस्थान(बीवीआईसीएएम), पश्चिम विहार, रोहतक रोड, नई दिल्ली, 2018 द्वारा आयोजित 5वां आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

पी हजीब, ई के शर्मा (2019), सेमीकंडक्टर ऑप्टिकल एम्पलीफायर में चार वेव मिक्सिंग के आधार पर ऑल-ऑप्टिकल वेवलेंथ कन्वर्टर का अध्ययन: थ्योरी एंड कम्प्यूटेशनल टेक्निक्स (ओपीटीसीटी-2019), 23-24 मार्च 2019, आईआईटी दिल्ली, भारत।

सिंह, पी. कुमारी, वी. सक्सेना एम. और गुप्ता एम. (2018). वीएलएसआई डिजाइन और टेस्ट (वीडीएटी2018) पर 22 वां अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, त्यागराज कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मदुरै, तमिलनाडु, भारत में 28-30 जून को वीएलएसआई डिजाइन और टेस्ट (वीडीएटी2018) पर 22वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में रेसेस्ड दोहरे गेट एमआईएसएचईएमटी पर थ्रेशोल्ड वोल्टेज की जांच: सिमुलेशन स्टडी, (पेपर आईडी- 151)।

नेहा, कुमारी. वी. गुप्ता एम. और सक्सेना, एम.((2018). नैनो-आवेदन प्रगति और नवाचार पर पुणे, भारत में 25-26 अक्तूबर को चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में न्यूमेरिकल सिमुलेशन का उपयोग करके 3-स्टेप फील्ड प्लेट AlGaN/GaN एचईएमटी का तापमान आधारित विश्लेषण।

मोनिका, नारंग, आर. सक्सेना एम. और गुप्ता एम., (2018) नैनो-आवेदन प्रगति और नवाचार पर पुणे, भारत में 25-26 अक्तूबर को चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न गेट इंजीनियरिंग तकनीकों के साथ डोपिंग रहित टीईईटी में GaN और GaAs का तुलनात्मक अध्ययन।

सिंह, पी. कुमारी, वी. सक्सेना एम. और गुप्ता एम. (2018). नैनो-आवेदन प्रगति और नवाचार पर पुणे, भारत में 25-26 अक्तूबर को चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सफायर, एसआईसी और सिलिकॉन सब्सट्रेट के साथ दोहरे गेट एमआईएसएचईएमटी का मूल्यांकन।

नेहा, कुमारी, वी. गुप्ता एम. और सक्सेना, एम. (2018). कोलकाता, भारत में 24 -25 नवंबर को आईईईई इलेक्ट्रॉन डिवाइस कोलकाता सम्मेलन (2018 ईडीकेओएन) में विभिन्न फील्ड प्लेट AlGaN/GaN एचईएमटी का ब्रेकडाउन वोल्टेज विश्लेषण: टीसीएडी आधारित मूल्यांकन।

कुमारी, वी. कुमार, ए. गुप्ता एम. और सक्सेना, एम. (2018). कोलकाता, भारत में 24 -25 नवंबर को आईईईई इलेक्ट्रॉन डिवाइस कोलकाता सम्मेलन (2018 ईडीकेओएन) में शेल-कोर आर्किटेक्चर डबल गेट जंक्शन कम ट्रांजिस्टर का सब-थ्रेसहोल्ड वर्तमान मॉडल।

खुशवंत, कुमारी, वी. गुप्ता एम. और सक्सेना, एम. (2018). बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर इंजीनियरिंग-यूपीसीओएन-2018, बनारस, उत्तर प्रदेश, भारत में 2-4 नवंबर को 5वें आईईईई उत्तर प्रदेश खंड अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में AlGaN/GaN एचईएमटी की विद्युत विशेषताओं पर फील्ड प्लेट गलत संरेखण की जांच।

कुमारी, वी. सक्सेना एम. और गुप्ता, एम. (2018). कोलकाता, भारत में 24 -25 नवंबर को आईईईई इलेक्ट्रॉन डिवाइस कोलकाता सम्मेलन (2018 ईडीकेओएन) में उच्च आवृत्ति अनुप्रयोगों के लिए रिंगफेट आर्किटेक्चर: टीसीएडी आधारित मूल्यांकन।

उपासना, कसुन्द्र, एच. गुप्ता एम. और सक्सेना, एम. (2018). कोलकाता, भारत में 24 -25 नवंबर को आईईईई इलेक्ट्रॉन डिवाइस कोलकाता सम्मेलन (2018 ईडीकेओएन) में एसओसी अनुप्रयोगों के लिए नाली क्षेत्र विस्तारित सुरंग ट्रांजिस्टर में मिश्रित अर्धचालक सामग्री का प्रभाव।

पांडे पी. और कौर एच., (2018) रॉयल ऑर्किड रिज़ॉर्ट एंड कन्वेंशन सेंटर, बैंगलोर में 16 -19 दिसंबर आयोजित इमर्जिंग इलेक्ट्रॉनिक्स पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईई) 2018 में एनआईएसआई2 स्रोत/नाली के साथ फेरोइलेक्ट्रिक नेनोवायर फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर के लिए भूतल संभावित मॉडल"

बंसल एम., कौर एच., (2018) रॉयल ऑर्किड रिज़ॉर्ट एंड कन्वेंशन सेंटर, बैंगलोर में 16 -19 दिसंबर आयोजित इमर्जिंग इलेक्ट्रॉनिक्स पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईई) 2018 में इन्सुलेटर एफईटी पर फेरोइलेक्ट्रिक जीईएसएन: खड़े स्विचिंग अनुप्रयोगों के लिए उपकरण और सर्किट विश्लेषण।

पांडे पी., और कौर एच., (2018). एसडीएमआईटी मंगलोर में 27-28 अक्तूबर को प्रौद्योगिकी संरक्षण के लिए (I2सीटी) चौथे आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में खड़ी स्विचिंग विशेषताओं और बेहतर प्रदर्शन के लिए पुन: उपयोग करने योग्य एफईटी पर एसबीटी फेरोइलेक्ट्रिक परत का प्रभाव।

पांडे पी., और कौर एच., (2018). एसडीएमआईटी मंगलोर में 27-28 अक्तूबर को प्रौद्योगिकी संरक्षण के लिए (I2सीटी) चौथे आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पुनर्विन्यास योग्य फेरोइलेक्ट्रिक फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर (आर-एफई-एफईटी) का ड्रेन वर्तमान मॉडल।

जगोई एस., पवार डी., कौर एच., (2018). 20-21 सितंबर को एसआरएम विश्वविद्यालय, दिल्ली-एनसीआर परिसर, मोदीनगर, गाजियाबाद में माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक और दूरसंचार इंजीनियरिंग 2016 पर दूसरे आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमईटीई-2018) में गैर-समान रूप से डोप की प्रभावकारिता और अण्डाकार एमओएसएफईटी के उपकरण प्रदर्शन में सुधार करने के लिए बहु-स्तरित गेट डिइलेक्ट्रिक डिजाइन।

बंसल एम. और कौर एच., (2018). भारती होटल नोवोटेल, कोलकाता, भारत में 28 -30 नवंबर को आयोजित आईईईई अंतर्राष्ट्रीय माइक्रोवेव और आरएफ सम्मेलन (आईएमएआरसी) 2018 में फेरोइलेक्ट्रिक Ge0.97Sn0.03 डबल गेट एफईटी (एफईजीईएसएनडीजीएफईटी) के उपकरण की विशेषताओं पर फेरोइलेक्ट्रिक सामग्री के गुणों का प्रभाव।

मेहता एच. और कौर एच., (2018). पुणे, महाराष्ट्र में भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय में 25-26 अक्तूबर को आयोजित नैनो टेक्नोलॉजी पर नैनोकॉन-2018 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ऊंचे तापमान पर उच्च-के स्पेसर के साथ सममित डबल गेट नेगेटिव कैपेसिटी जंक्शन रहित ट्रांजिस्टर का प्रदर्शन मूल्यांकन

बंसल एम. और कौर एच., (2018). भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पुणे-सतारा रोड परिसर, पुणे, भारत में, 25-26 अक्तूबर को आयोजित नैनोकॉन-2018 में उच्च तापमान पर जर्मेनियम फेरोइलेक्ट्रिक डबल गेट एफईटी (जीईएफईडीजीएफईटी) का सुपीरियर डिवाइस प्रदर्शन और विश्वसनीयता।

बंसल एम. और कौर एच., (2018). रेडिसन ब्लू होटल, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, भारत में, 28-29 सितंबर को आयोजित कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज 2018 (जीयूसीओएन) पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में स्विचिंग विशेषताओं और बेहतर उच्च अस्थिरता के साथ फेरोइलेक्ट्रिक-इंसुलेटर-जर्मेनियम डबल गेट (एफ-आई-जीईडीजी) एफईटी।

बंसल एम. और कौर एच., (2018). रेडिसन ब्लू होटल, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, भारत में, 28-29 सितंबर को आयोजित कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज 2018 (जीयूसीओएन) पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अत्यधिक कम बिजली अनुप्रयोग के लिए फेरोइलेक्ट्रिक-इंसुलेटर-जर्मेनियम डबल गेट (एफ-आई-जीईडीजी) एफईटी की स्विचिंग विशेषताओं में सुधार ।

मेहता एच. और कौर एच., (2018). रेडिसन ब्लू होटल, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, भारत में, 28-29 सितंबर को आयोजित कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज 2018 (जीयूसीओएन) पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में फेरोइलेक्ट्रिक एचएफओ2 और नॉन-यूनिफॉर्म डोपिंग का नैनोस्केल प्लानर एसओआई जंक्शन रहित ट्रांजिस्टर पर प्रभाव।

मेहता एच. और कौर एच., (2018). रेडिसन ब्लू होटल, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, भारत में, 28-29 सितंबर को आयोजित कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज 2018 (जीयूसीओएन) पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डबल गेट ग्रेडेड चैनल नेगेटिव कैपेसिटेंस एफईटी (डीजीजीसीएनसीएफईटी): कम विद्युत डिजिटल/एनालॉग अनुप्रयोग के लिए प्रदर्शन आकलन।

बंसल एम. और कौर एच., (2018). कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, त्रिवेंद्रम, केरल, भारत में 5 -7 जुलाई को आयोजित नियंत्रण, संचार और कम्प्यूटिंग 2018 (आईसी4) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में नकारात्मक क्षमता जर्मनियम-डबल गेट एफआटी- अल्ट्रा-लो वोल्टेज/कम बिजली अनुप्रयोग के लिए एक नए उपकरण की अवधारणा।

पटेल, के, बीरवल, ए, सिंह, पी. (2018). सीएसआईआर- राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली में 19-10 सितंबर 2018 को इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स माप पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीईईएम2018) में आरएफ ऊर्जा प्राप्ति के लिए स्पेक्ट्रम विश्लेषक का उपयोग करते हुए सीपीडब्ल्यू- फेड एंटेना द्वारा प्राप्त विद्युत क्षेत्र की ताकत में अनिश्चितता,

पटेल, के, (2019). दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली में 27-28 फरवरी 2019 को 8वीं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस संगोष्ठी में प्राकृतिक संसाधन-पोर्टेबल बिजली उपकरणों का उपयोग करते हुए कम बिजली उत्पादन।

सिंह, जे., निरवाल, वी., एस., प्रसाद, एन., पेटा, के., आर., और भटनागर, पी., के. (2018) आईयूएमआरएस - आईसीईएम, 19 - 24 अगस्त, डीसीसी,डाइजॉन, दक्षिण कोरिया में इसके फोटोवोल्टिक अनुप्रयोग के लिए मल्टीलेयर ग्राफीन को शामिल करके पी3एचटीःपीसीएमबी कम्पोजिट के डार्क इलेक्ट्रिकल पैरामीटर्स में सुधार।

गौतम, के., सिंह, आई., भटनागर, पी.के., पेटा, के.आर.(2018) आईयूएमआरएस-आईसीईएम, 19-24 अगस्त, डीसीसी,डाइजॉन, दक्षिण कोरिया में हाइड्रोथर्मल विधि में जेडएनओ नैनोरोड्स के लिए विकास की चुनौतियां और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स में उनके अनुप्रयोग।

सिंह, जे., प्रसाद, एन., भटनागर, सी., पेटा, के.आर., भटनागर, पी.के. (2018). पी3एचटी आधारित कार्बनिक फोटोवोल्टिक संरचनाओं में ग्राफीन के निगमन पर व्यवस्थित अध्ययन। *सामग्री विज्ञान और अनुप्रयोग में प्रगति;स्मारेट पर्यावरण निगरानी और स्थिरता के लिए आईओटी,* फरीदाबाद, भारत।

गौतम, के., सिंह, आई., भटनागर, पी.के., पेटा, के.आर. (2018). विभिन्न जोडएनओ नैनोस्ट्रक्चर के लिए समाधान आधारित विकास रणनीतियाँ। एएमएसआईएसईएमएस। लिंगायाज विद्यापीठ, जसाना रोड, फरीदाबाद, भारत।

बीरवल. ए, सिंह. एस, और कनाजिया. बी.के. (2019), स्मार्ट आईओटी सिस्टम पर स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जीएसएम, एलटीई और डब्ल्यूएलएएन एप्लिकेशन के लिए स्मार्ट कॉम्पैक्ट फोल्डेड माइक्रोस्ट्रिप एंटीना": कम्प्यूटिंग में नवाचार (एसएसआईसी-2019), 18-22 जनवरी 2019, जयपुर।

बीरवल. ए , सिंह. एस, और कनाजिया. बी.के. (2018), एंटीना और प्रोपेगैशन (इनकैप) पर 16-19 दिसंबर, 2018 को हैदराबाद में आईईईई भारतीय सम्मेलन में जीएनएस और वाई-फाई एप्लिकेशन के लिए "सीपीडब्ल्यूडी- ब्रॉडबैंड स्लॉट एंटेना"।

अमित बीरवल (2018). भू-स्थानिक विश्व में ब्रिक्स राष्ट्रों की चुनौतियाँ, राष्ट्रीय संगोष्ठी, एशियाइयों की सदी: एशियाई देशों की भूमिका और प्रभाव। *यूपीएसए, यूजीसी-एचआरडीसी, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल* में 31 मई, 2018 से 01जून 2018 तक।

जर्नल

संपादक (संपादकों)/संपादकीय बोर्ड के सदस्य(यों) के रूप में सेवारत विभाग के शिक्षकों की संख्या - 01
(डॉ. कमलेश पटेल - एसोसिएट एडिटर, एमएपीएएन- जर्नल ऑफ मेट्रोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया)

शोध परियोजनाएं

सीएसआईआर वित्त पोषित परियोजना, परियोजना का शीर्षक "कम विद्युत डिजिटल सर्किट डिजाइन और ऑप्टिकल अनुप्रयोगों के लिए गेट इलेक्ट्रोड इंजीनियर और डिइलेक्ट्रिक पॉकेट स्टीप सब-थेरेसहोल्ड उपकरण की मॉडलिंग और सिमुलेशन"। राशि 25 लाख।

डीआरडीओ (एसएसपीएल) वित्त पोषित परियोजना, परियोजना का शीर्षक "हाई पावर जीएएन एचईएमटी के थर्मल प्रबंधन के लिए डिवाइस सिमुलेशन"। राशि: 23.02 लाख।

आयोजित संगोष्ठी : 01

डॉ. प्रवीण सक्सेना, सीईओ और सीटीओ, टेक नेक्स्ट लैब प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ द्वारा शनिवार, 6 अप्रैल, 2019 को कक्ष संख्या 115, कला संकाय, दिल्ली साउथ कैंपस, नई दिल्ली में "नई युग अर्धचालक प्रक्रिया और उपकरण प्रौद्योगिकी के लिए टीएनएल परमाणु उपकरण" पर एक दिवसीय सम्मेलन।

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

अंतर्राष्ट्रीय

प्रोफेसर एनाक्षी के. शर्मा - सम्मेलन प्रस्तुति - एन. ढींगरा, जे.सी. साँग, जी.जे. सक्सेना, ई.के. शर्मा, बी.एम.ए. रहमान (2018), जर्मेनियम टेलुराइड चरण परिवर्तन सामग्री आधारित 1×2 इलेक्ट्रो-ऑप्टिक स्विच, ऑप्टिकल वेव और वेवगाइड सिद्धांत और न्यूमेरिकल मॉडलिंग पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (ओडब्ल्यूटीएनएम-2018) बैड ससेंड्राफ, जर्मनी, 13-14 अप्रैल 2018.

प्रोफेसर मृदुला गुप्ता - 20-22 जून 2018 को बार्सिलोना, स्पेन के क्लेडफेल, स्पेन में, मिगडेट-2018 में "गॉसियन डॉ.प्ड डबल गेट जंक्शनलेस (जीडी-डीजी-जेएल) ट्रांजिस्टर की टीसीएडी आधारित जांच पर आमंत्रित वार्ता"।

प्रोफेसर मृदुला गुप्ता - 7 मार्च 2019 को एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा में इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग में आईईईई-डब्ल्यूआईई नेटवर्किंग और पैनल चर्चा के सदस्य।

डॉ. हरसुप्रीत कौर - सम्मेलन प्रस्तुति - जगोई एस., पवार डी., कौर एच., (2018). 20-21 सितंबर को एसआरएम विश्वविद्यालय, दिल्ली-एनसीआर परिसर, मोदीनगर, गाजियाबाद में माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक और दूरसंचार इंजीनियरिंग 2016 पर दूसरे आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमईटीई-2018) में असमान रूप से डोप की प्रभावकारिता और अण्डाकार एमओएसएफईटी के उपकरण प्रदर्शन में सुधार करने के लिए बहु-स्तरित गेट डिइलेक्ट्रिक डिजाइन।

डॉ.पी. कोटेश्वरा राव - सम्मेलन प्रस्तुति सिंह - जे., निरवाल, वी., एस., प्रसाद, एन., पेटा, के., आर., और भटनागर, पी., के. (2018) आईयूएमआरएस - आईसीईएम, 19 - 24 अगस्त को डीसीसी,डाइजॉन, दक्षिण

कोरिया में इसके फोटोवोल्टिक अनुप्रयोग के लिए मल्टीलेयर ग्राफीन को शामिल करके पी3एचटीःपीसीएमबी कम्पोजिट के डार्क इलेक्ट्रिकल पैरामीटर्स में सुधार।

डॉ. पी. कोटेश्वरा राव - सम्मेलन प्रस्तुति - गौतम, के., सिंह, आई., भटनागर, पी.के., पेटा, के.आर. (2018) आईयूएमआरएस-आईसीईएम, 19-24 अगस्त, डीसीसी,डाइजॉन, दक्षिण कोरिया में हाइड्रोथर्मल विधि में जेडएनओ नैनोरोड्स के लिए विकास की चुनौतियां और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स में उनके अनुप्रयोग।

डॉ. कमलेश पटेल - सम्मेलन प्रस्तुति - पटेल, के, बीरवल, ए, सिंह, पी. (2018). सीएसआईआर- राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला,नई दिल्ली में 19-10 सितंबर 2018 को इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स माप पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीईईएम2018) में आरएफ ऊर्जा प्राप्ति के लिए स्पेक्ट्रम विश्लेषक का उपयोग करते हुए सीपीडब्ल्यू- फेड एंटेना द्वारा प्राप्त विद्युत क्षेत्र की ताकत में अनिश्चितता।

अमित बीरवल - सम्मेलन प्रस्तुति - बीरवल. ए , सिंह. एस, और कनाजिया. बी.के. (2019), स्मार्ट आईओटी सिस्टम पर स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जीएसएम, एलटीई और डब्ल्यूएलएएन एप्लिकेशन के लिए स्मार्ट कॉम्पैक्ट फोल्डेड माइक्रोस्ट्रिप एंटीना": कम्प्यूटिंग में नवाचार (एसएसआईसी-2019), 18-22 जनवरी 2019, जयपुर।

अमित बीरवल - सम्मेलन प्रस्तुति - बीरवल. ए, सिंह. एस, और कनाजिया बी.के. (2018), एंटीना और प्रोपेगैशन (इनकैप) पर 16-19 दिसंबर, 2018 को हैदराबाद में आईईईई भारतीय सम्मेलन में जीएनएस और वाई-फाई एप्लिकेशन के लिए "सीपीडब्ल्यूडी- ब्रॉडबैंड स्लॉट एंटेना"।

अमित बीरवल - सम्मेलन प्रस्तुति - बीरवल, अमित. (2018). भू-स्थानिक विश्व में ब्रिक्स राष्ट्रों की चुनौतियाँ, राष्ट्रीय संगोष्ठी, एशियाइयों की सदी: एशियाई देशों की भूमिका और प्रभाव। *यूपीएसए, यूजीसी-एचआरडीसी, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल* में 31मई,2 018 से 01जून 2018 तक।

राष्ट्रीय

प्रोफेसर मृदुला गुप्ता - आचार्य नरेन्द्र देव महाविद्यालय में 'सैटेलाइट कम्युनिकेशन' पर 31 जनवरी 2019 को आमंत्रित वार्ता।

प्रोफेसर मृदुला गुप्ता - 4 अप्रैल, 2019 को महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, आईपी यूनिवर्सिटी में सेमीकंडक्टर डिवाइस टेक्नोलॉजी: मॉडलिंग और सिमुलेशन में उन्नति पर आमंत्रित वार्ता।

डॉ. हरसुप्रीत कौर - 20 फरवरी, 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय के भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज में "उभरते नैनोइलेक्ट्रोनिक उपकरणों" पर आमंत्रित वार्ता।

डॉ. कमलेश पटेल - आमंत्रित वार्ता -, आठवीं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस संगोष्ठी, दिल्ली साउथ कैंपस, नई दिल्ली में 27-28 फरवरी 2019 को प्राकृतिक संसाधन-पोर्टेबल बिजली उपकरणों का उपयोग करते हुए कम बिजली उत्पादन।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र - 01

निहारिका कोहली शास्त्री इंडो-कैनेडियन फैलोशिप के अंतर्गत नियोजन ब्यौरा

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत - 09 और 60% (एम. टेक.)

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप -02

विभाग ने 31 मार्च 2019 को यूडीएससी में वार्षिक आगंतुक कार्यक्रम का आयोजन किया और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया।

31 मार्च, 2019 को वार्षिक पूर्व छात्रों की बैठक आयोजित की गई।

मार्च 2019 में रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डीईएएल) देहरादून का शैक्षिक दौरा।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.की संख्या -

दस (10)

संकाय की संख्या -

08 (07 स्थायी और 01 बीएसआर फेलो)

***

आनुवांशिकी

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

संकाय सदस्यों ने उल्लेखनीय वैज्ञानिक योगदान दिया है। प्रोफेसर ए.के. प्रधान के समूह के शोध कार्य ने कुछ सीएमएस-आधारित और जीएम-आधारित उत्पादक संकरों का विकास किया, जिसमें बेहतर गुणवत्ता और सफेद रस्ट प्रतिरोध के साथ कई शुद्ध प्रजातियां और हेटेरोसिस प्रजनन के लिए कुछ आशाजनक संयोजकों की पहचान की गई। प्रोफेसर थेल्मा लैब के अनुसंधान मुख्य आकर्षण में निम्नलिखित प्रदर्शन शामिल हैं i) नवजात शिशुओं के बीच जन्मजात हाइपोथायरायडिज्म की सामान्य स्थिति में ओलिगोजेनिक योगदान; ii) पारिवारिक पार्किंसंस रोग में नया डाइजेनिक प्रभाव; iii) मामूली प्रभाव के जीनों के संचयी योगदान के लिए आनुवंशिक प्रमाण और iv) एआरएल15 की विशेषता के लिए उम्मीदवार जीन आधारित और परिकल्पना मुक्त दृष्टिकोण, एक श्लेष ऊतक व्युत्पन्न सेल लाइन में रुमेटीइड गठिया के लिए प्रयोगशाला में पहचाने जाने वाले अतिसंवेदनशील नए जीन। प्रोफेसर एम. वी. राजम ने टमाटर में वायरल और फंगल रोगजनन में शामिल कई नए जीनों की पहचान और लक्षण वर्णन किया है और टमाटर, बैंगन और फूलगोभी के कीटों के कायापलट और इन जीनों के आरएनएआई की मध्यस्थता वाली सिलिंग का उपयोग करके, फसल सुरक्षा के लिए उनकी क्षमता का प्रदर्शन किया है। प्रोफेसर पी.के. बर्मा के समूह ने *अरबिडोप्सिस थलियाना* से टेपेटम विशिष्ट प्रमोटर ए9 का विश्लेषण किया है, जिससे प्रमोटर के विनियमन में शामिल प्रतिलेखन कारकों की पहचान हुई। डॉ. एस सरकार के समूह ने मानव तंत्रिका अपक्षयी विकारों के रोगजनन को ठीक करने के लिए दवा के कई नए लक्ष्यों की खोज की है और तंत्रिका तंत्र के विकास में ग्लोबिन जीन की आवश्यक भूमिका का भी प्रदर्शन किया है। डॉ.जगप्रीत कौर के समूह ने अल्टरनेरिया ब्रैसिका के प्रति आनुवंशिक संरचना अंतर्निहित प्रतिरोध को उजागर करने के लिए भौगोलिक रूप से विविध अरबिडोप्सिस एक्सेस (140 अभिग्रहण) के सेट का उपयोग किया है, जो संभावित रूप से प्रतिरोधी फसलों को विकसित करने में मदद कर सकता है। डॉ.तपस्या श्रीवास्तव के समूह ने हाइपोक्सिया में ग्लियोमा कोशिकाओं के कैंसर स्टेम सेल गठन को विनियमित करने में टीईटी प्रोटीन की भूमिका का प्रदर्शन किया है और हमारे उत्तर भारतीय कोहर्ट में निकोटीन निर्भरता और फेफड़ों के कैंसर के खतरे के एक मजबूत भविष्यवक्ता के रूप में एसएनपी आरएस16969968 की स्थापना की है, जो एशियाई देशों के विपरीत है। डॉ.अरुण देवी नोरेम का समूह पार्वुलिंस द्वारा प्राइली आइसोमेराइजेशन की भूमिका को समझने की दिशा में काम कर रहा है, और बताया कि एस. सेरेविसिए एस्से1 डी.डिओइडियम होमोलॉग ग्रोथ और डेवलपमेंट के लिए महत्वपूर्ण है। डॉ. कौस्तुभ दत्ता के समूह ने माइटोकॉन्ड्रियल राइबोसोम के लिए स्थानीयकृत एक जीटी पेस की पहचान की है जिसके एटीपी/एडीपी अनुपात में परिवर्तन का जवाब देने और श्वसन करने के लिए कोशिकाओं की क्षमता को विनियमित करने की संभावना है।

सम्मान/गौरव (2018-19)

प्रो थेल्मा को मानव रोगाणु जीनोम एडिटिंग के नैदानिक उपयोग पर अंतर्राष्ट्रीय आयोग का सदस्य चुना गया है

प्रोफेसर थेल्मा को प्रोफेसर एस पी रायचौधरी एंडोमेंट लेक्चर अवार्ड, इंडियन सोसाइटी ऑफ सेल बायोलॉजी से सम्मानित किया गया है

प्रोफेसर राजम को प्रोफेसर एच. सी. आर्य गोल्ड मेडल, 2018 से सम्मानित किया गया और उन्होंने 14-16 फरवरी, 2019, आईआईटी, गुवाहाटी के दौरान 40वीं पीटीसीए(आई) की बैठक के दौरान मेमोरियल लेक्चर दिया।

प्रोफेसर प्रदीप कुमार बर्मा को इंडियन सोसाइटी ऑफ सेल बायोलॉजी (2019-2021) का उपाध्यक्ष चुना गया है।

प्रकाशन

जॉन जे., कौशल पी, भाटिया टी., निमगावंकर वी.एल., देश पांडे एस.एन., थेल्मा बी. के. (2019) स्किज़ोफ्रेनिया के लिए न्यूरोडेवलपमेंडल मार्ग जीन के ओलिगोजेनिक योगदान के लिए दुर्लभ संस्करण आधारित साक्ष्य। *सिजोफ्रे. रेस.* S0920-9964(18)30741-2. doi: 10.1016/j.schres.2018.12.045.

जॉन जे, कुक्षल पी, शर्मा ए, भाटिया टी, निमगांवकर वीएल, देशपांडे एसएन, थेल्मा बीके। प्रोटीन टायरोसिन फॉस्फेट में दुर्लभ वेरिएंट, सिज़ोफ्रेनिया में रिसेप्टर टाइप ए (पीटीपीआरए): एक परिवार-आधारित अध्ययन से साक्ष्य। *सिजोफ्रे. रेस.* S0920-9964(18)30700-X. doi: 10.1016/j.schres.2018.12.012.

जुयाल जी, सूद ए, मिधा वी, थेल्मा बी.के. (2018). अल्सरेटिव कोलाइटिस की आनुवंशिकी: भारतीय अध्ययन से वृद्धिशील लाभ के परिप्रेक्ष्य में । *जे. जीनेट* 97(5):1493-1507.

कुमार एस, यादव एन, पांडे एस, थेल्मा बीके. (2018) तंत्रिका संबंधी विकारों के जटिल रूपों के लिए आनुवंशिक जोखिम कारकों की खोज में प्रगति: समकालीन दृष्टिकोण, सफलता, चुनौतियां और संभावनाएं*जे. जीनेट*97(3):625-648.

कपूर एस, थेल्मा बी.के (2018 भारत में नवजात जांच और चयापचय की जन्मजात त्रुटियों की स्थिति। *इंडियन जे. पिडियाट्र.* 85(12):1110-1117. doi: 10.1007/s12098-018-2681-5.

पुंचिचिरा टी. जे, देशपांडे एस.एन., थेल्मा बी.के. (2018). यूएचपीएलसी-पीडीए डिटेक्शन का उपयोग करके मानव सीरम में डोपामाइन-β-हाइड्रॉक्सीलेस गतिविधि का निर्धारण *न्यूरोकेन.रेस.*43(12):2324-2332. doi: 10.1007/s11064-018-2653-1.

जॉन जे, शर्मा ए, कुक्षल पी, भाटिया टी, निमगांवकर वीएल, देशपांडे एसएन, थेल्मा बीके (2018). सिज़ोफ्रेनिया के जोखिम कारक के रूप में मेटालोप्रोटीनस 2 (टीआईएमपी2) के ऊतक अवरोधक में दुर्लभ रूप: वेरिल और सहसंयोजक विश्लेषण से साक्ष्य। *सिज़ोफ्रेनिया बुलेटिन,* 189:190-195.

कश्यप एस, कुमार यू, पांडे एके, कांजीलाल एम, चट्टोपाध्याय पी, यादव सी, थेल्मा बीके। (2018). संधिशोथ सिनोवियल फाइब्रोब्लास्ट्स में एडीपी राइबोसाइलेशन फैक्टर-जैसे प्रोटीन 15 का कार्यात्मक लक्षण वर्णन। *क्लिन. एक्सप. रयूमैटोल.* 36(4):581-588.

सूद ए, मिधा वी, मखारिया जी, थेल्मा बीके, हल्ली एसएस, मेहता वी, महाजन आर, नारंग वी, सूद के, कौर के। (2018). सीलिएक रोग के लिए एक सरल फेनोटाइपिक वर्गीकरण। इन्टेस्ट. रेस. 16(2):288-292.

सिंह ए, बेनीवाल आरपी, कुक्षल पी, भाटिया टी, थेल्मा बीके, देशपांडे एसएन (2018). सिज़ोफ्रेनिया में ओलानज़ापाइन की प्रारंभिक प्रतिक्रिया के साथ आनुवांशिक वेरिएंट के सहयोग का प्रारंभिक अध्ययन।*इंडियन जे.साइकियाट्री*. 60(1):10-16.

गुप्ता ए, पांडे आर, सिन्हा आर, चौधरी ए, पाल आरके और राजम एमवी (2019). टमाटर की कटाई के बाद के फलों की विशेषताओं में सुधार, ओट आर्जिनिन डिकार्बोसिले जीन की फल विशिष्ट अभिव्यक्ति द्वारा। *प्लांट ग्रोथ रेगु.* 88: 61.

गुलज़ार बी, मुजीब ए, राजम एमवी, फ्रुख ए और ज़फर एन 2019. कैथरीनथस रोजस (एल) में लेबल मुक्त शाट प्रोटिओमिक विधि और सेलुलर भूमिका के माध्यम से दैहिक भ्रूणजनन (एसई) संबंधित प्रोटीन की पहचान। जी. डॉ.न. प्लांट सेल, टिस, आर्द. कल्चर, *Doi*.10.1007/s11240-019-01563-0.

टेटोरी एम एंड राजम एमवी. 2018, *पीई एक्स6* जीन के आरएनए साइलेंसिंग से फ़्यूज़ेरियम ऑक्सीस्पोरम के रंजकता, स्पोरुलेशन और रोगज़नक़ता में कमी आती है। प्लांट पैथोलाजी. 67: 67-75, Doi: 10.1111/ppa.12712.

गुलाटी पी, कौर पी, राजम एमवी, श्रीवास्तव टी, अली एमए, मिश्रा पी, इस्लाम एसएस 2018. सीएनटी इलेक्ट्रोड की फोटोकॉन्डिक्टिव प्रतिक्रिया का उपयोग करके ल्यूकेमिया बायोमार्कर का पता लगाना:चार्गेट प्रेरित फ़र्मी स्तर के उतार-चढ़ाव पर आधारित संवेदन तंत्र का विश्लेषण। *सेंसर एक्चुएटर* B 270: 45-55.

गुलाटी पी, कौर पी, राजम एमवी, श्रीवास्तव टी, मिश्रा पी, इस्लाम एसएस। (2018). ल्यूकेमिया का पता लगाने के लिए एकल-दीवार कार्बन नैनोट्यूब आधारित इलेक्ट्रोकेमिकल इम्युनोसे ।*एनाली. बायोकेम.* 10.1016/j.ab.2018.07.020.

महतो बीके, शर्मा पी, राजम एमवी, रेड्डी पीएम और धार-रे एस। (2018).मिर्ची काली मिर्च के एग्रोबैक्टीरियम-मध्यस्थ आनुवंशिक परिवर्तन के लिए एक कुशल विधि (कैप्सिकम एनुलम एल।)। इंड.जे.प्लांट फिजियो. doi.org/10.1007/s40502-018-0389-1.

राउत कादंबिनी, यादव बाल गोविंद, यादव सतीश कुमार, मुखोपाध्याय अरुंधति, गुप्ता विभा, पेंटल दीपक और प्रधान अक्षय के (2018). ब्रैसिका जंकिया में तेल की सामग्री के लिए क्यूटीएल परिदृश्य: उच्च और '0' इरुसिक पृष्ठभूमि में कई द्वि-अभिभावकीय आबादी में विश्लेषण। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस* 9:1448. doi: 10.3389/fpls.2018.01448.

हीना अरोरा, के। लक्ष्मी पद्मजा, कुमार परितोष, नितिका मुखी, ए के तिवारी, अरुंधति मुखोपाध्याय, विभा गुप्ता, अक्षय के प्रधान, दीपक पेंटल (2019). BjuWRR1, एक CC-NB-LRR जीन जिसे ब्रैसिका जंकिया में पहचाना जाता है, अल्बुगो कैंडिडा के कारण होने वाले सफेद जंग के प्रतिरोध का सामना करता है। *थ्योर. एप. जेनेट.* (in press)

शिवसुब्रमण्यम आर, अक्षय के प्रधान, दीपक पेंटल, जगप्रीत कौर (2018). अर्बिडोफिस में जीनोम-वाइड एसोसिएशन मैपिंग वैकल्पिक जीन के लिए वैकल्पिक मात्रात्मक रोग प्रतिरोध के उपन्यास जीन की पहचान करता है। *मॉलिक्यूलर प्लांट पैथोलॉजी*, 19: 2719.

मंडल एस, राजा राममोहन एस, कौर जे। (2018) *अल्टरनेरिया ब्रैसिका के मॉडल ब्रैसिसेकी के सदस्य अरबिडोप्सिस थलियाना के साथ संपर्क सरसों (ब्रैसिका कबाड़) के समान है। फिजियो, मॉल. बायो. प्लांट्स.* 24(1):51-59.

सरकार एस (2018). न्यूरोफिब्रिलरी टेंगल्स ने मानव न्यूरोनल ताओपैथियों की मध्यस्थता की: फ्लाई मॉडल से अंतर्दृष्टि। *जे. जीनेट*97(3):783-793.

राज के, सरकार एस (2019). ड्रोसोफिला इंसुलिन रिसेप्टर का ऊतक-विशिष्ट अपरेग्युलेशन- सेलुलर ट्रांसक्रिप्शन मशीनरी की बहाली द्वारा पॉली (क्यू) मध्यस्थता न्यूरोटॉक्सिसिटी को कम करता है। *मॉल न्यूरोबोयोलॉजी.* 56(2):1310-1329. doi: 10.1007/s12035-018-1160-3.

कुमार परितोष, सिंह एके, मेहरोत्रा एके, पेंटल डी, बर्मा पीके (2018). कपास के (गॉसिपियम हिरसुतम एल.) टेटेटम ऊतक में मुख्य रूप से व्यक्त जीन के प्रवर्तक की पहचान और लक्षण वर्णन ।*प्लांट बायोटेक्नोलॉजी रिपोर्ट्स* 12:377-388

लोहिया आर, जैन पी, जैन एम, मिश्रा एच, बर्मा पीके, श्रीवास्तव ए, सरन एस (2018). डिक्टोस्टेलियमडिस्कोडियम सिरॉ2ए का विलोपन कोशिका प्रसार और आटोफेज को रोकता है। *जर्नल ऑफ बायोसाइसेज* 43:351-364

शर्मा पीए, वर्मा वी, बर्मा पीके (2018). तंबाकू ट्रांसजेनिस में अस्थानिक स्थानों पर टेपेटम विशिष्ट जीन टीए29 और ए9 के अपस्ट्रीम नियामक मॉड्यूल (यूआरएम) द्वारा संचालित गतिविधि का विश्लेषण। *जर्नल ऑफ प्लांट बायोकेमेस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी* 27: 443-452

शर्मा पीए, बर्मा पीके (2018). नियामक सीआईएस-तत्वों और प्रतिलेखन कारकों की पहचान करने के लिए टेपेटम विशिष्ट जीन के अपस्ट्रीम नियामक मॉड्यूल (यूआरएम) के सिलिको विश्लेषण में। अमेरिकन*जर्नल ऑफ मॉलीक्यूलर बायोलॉजी* 8:15-25.

चौबे ए, राजम एम.वी. (2018) स्पर्मिडाइन सिंथेज़ जीन के आरएनएआई-मध्यस्थता वाले सिलिंग से तम्बाकू में प्रजनन क्षमता कम हो जाती है। फिजियो,मॉल. बायो. प्लांट्स. 24(6):1069-1081. doi: 10.1007/s12298-018-0572-x.

गुलाटी पी, कौर पी, राजम एमवी, श्रीवास्तव टी, मिश्रा पी, इस्लाम एसएस। (2018). ल्यूकेमिया का पता लगाने के लिए एकल-दीवार कार्बन नैनोट्यूब आधारित इलेक्ट्रोकेमिकल इम्युनोसे। *एनल. बोयोकेम.* 557:111-119. doi: 10.1016/j.ab.2018.07.020.

जर्नल

संपादक मंडल में संकाय सदस्य

दो (प्रोफेसर ए. के. प्रधान, प्रोफेसर एम.वी. राजम)

शोध परियोजनाएं

प्रो बी के थेल्मा- "भारतीय आंदोलन विकार रजिस्ट्री और बायोबैंक: भारतीय रोगियों[26428] में आंदोलन विकारों का नैदानिक और आनुवंशिक मूल्यांकन [26428]" में मूवमेंट, वित्तपोषक एजेंसी-डीबीटी (2018-21)

प्रो एम वी राजम- "सीआरआईएसपीआर / सीएएस9 ने पपीता पत्ता कर्ल रोग में निहित जर्मीवायरसों की मध्यस्थता को नियंत्रित किया।"। वित्तपोषक एजेंसी-डीबीटी (2019-22), स्वीकृत राशि: रुपए 51.80 लाख.

प्रो ए के प्रधान- आर्थिक और पर्यावरणीय स्थिरता (समन्वयक और प्रधान अन्वेषक) के लिए सरसों रेप में अजैविक तनाव सहिष्णुता के जीनोमिक्स के नेतृत्व में सुधार, अवधि: 2018-2021.वित्त पोषक एजेंसी: डीबीटी-बीबीएसआरसी (यूके), स्वीकृत राशि: 108.43 लाख.

प्रो ए के प्रधान- भारतीय तिलहन सरसों का पोषण सुधार, सीआरआईएसपीआर -सीएएस9 मेडिटेड जेनेटिक एडिटिंग का उपयोग करना। (मुख्य अन्वेषक), अवधि: 2019-2022, वित्त पोषक एजेंसी: डीबीटी, स्वीकृत राशि: 53.45 लाख.

प्रो पी के बर्मा- निकोटियाना टैबैकम से टेपेटम विशिष्ट टीए29 प्रमोटर के नियमन का विश्लेषण। अवधि: 2018-2021. वित्त पोषक एजेंसी- विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), राशि: 39.53 लाख.

सुरजीत सरकार- शीर्षक: ड्रोसोफिला रोग मॉडल (2018-2021) में मानव ताओपैथियों के रोगजनन में न्यूरॉफिब्रिलरी टैंगल्स (एनएफटी) की एकत्रीकरण गतिशीलता और भूमिका को उत्तेजित करना। वित्त पोषक एजेंसी: जैव प्रौद्योगिकी विभाग(डीबीटी), राशि: रुपए57.6 लाख.

दायर और मंजूर पेटेंट

प्रोफेसर बी.के. थेल्मा- दो- आवेदन आईडी 201711036983 और आवेदन आईडी 201811005899 जमा किए गये हैं।

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. विभा श्रीवास्तव, प्रोफेसर और इंडो-यू.एस. जीईटी विजिटिंग फेलो, यूडीएससी और प्लांट बायोटेक्नोलॉजी के प्रोफेसर, फसल, मृदा और पर्यावरण विज्ञान विभाग, अर्कांसस विश्वविद्यालय, फेयटविले, यूएसए द्वारा संगोष्ठी।

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

प्रोफेसर बी. के. थेल्मा- दिल्ली, 4 अक्तूबर, 2018 को फिजियोलॉजी और संबद्ध विज्ञान के रक्षा संस्थान में सम्मेलन।

प्रोफेसर बी.के. थेल्मा- मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, आईआईएससी। बैंगलोर - 15 नवम्बर, 2018.

प्रोफेसर बी.के. थेल्मा- वक्ता: राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, यूडीएससी, 28-29 फरवरी, 2019.

प्रोफेसर बी.के. थेल्मा- वक्ता: भक्तिवेदांत इंस्टीट्यूट, बंगलौर “फ्यूजन 2019” अयुरजीनॉमिक्स पर 24 फरवरी, 2019.

प्रोफेसर बी.के. थेल्मा- गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में 28-29 मार्च 2019 को सम्मेलन।

“भारत में जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान - वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। जामिया हमदर्द (हमदर्द विश्वविद्यालय), नई दिल्ली। 26-27 मार्च, 2019

XIV कृषि विज्ञान कांग्रेस, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, नई दिल्ली। 20-23 फरवरी, 2019

मैत्रेयी महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय), नई दिल्ली में 19-20 फरवरी, 2019 को "जीवन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में रुझान: अभिनव प्रतिमान" पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी में 14-16 फरवरी, 2019 को "पादप विज्ञान और कृषि-जैव प्रौद्योगिकी में रुझान-2019" पर प्लांट टिशू कल्चर एसोसिएशन, भारत की 40वीं वार्षिक बैठक और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

तेलंगाना विज्ञान अकादमी और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल में 22-24 दिसम्बर, 2018 को तेलंगाना राज्य विज्ञान कांग्रेस।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में 7-8 दिसम्बर, 2108 को पादप तनाव जीवविज्ञान में हाल की घटनायें पर राष्ट्र स्तरीय संगोष्ठी।

राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ और और पादप कायिकी की इंडियन सोसाइटी में 2-5 दिसम्बर, 2018 को चौथा अंतर्राष्ट्रीय पादप कायिकी सम्मेलन - 2018.

आईएआरआई, नई दिल्ली में 19 नवम्बर, 2018 को खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए पादप जीवविज्ञान में नवाचारों को जोड़ने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

जीव विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय सोसाइटी और भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन, जयपुर संस्करण में 15-17 नवम्बर, 2018 को पर्यावरणीय स्थिरता के लिए अंतःविषय दृष्टिकोण, पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान के स्नातकोत्तर संस्थान, चण्डीगढ़ में 12-14 नवम्बर, 2018 को विषाणु विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "इंटरवायरोकॉन-2018",

पादप विज्ञान में हाल के रुझानों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। काकतीय विश्वविद्यालय, वारंगल। 9-10 सितंबर, 2018.

यूजीसी - सीएएस कार्यक्रम के अंतर्गत व्याख्यान श्रृंखला। उस्मानिया यूनिवर्सिटी, 31 मई, 2018.

डॉ. जगप्रीत कौर- अध्यक्ष: वार्ता का शीर्षक: एनआईपीजीआर द्वारा आयोजित सम्मेलन में इंडियन ऑयल में स्टेम रॉट टॉलरेंस का विकास: प्लांट एसोसिएटेड सूक्ष्मजीवों -2019 की आणविक जटिलताएँ।

डॉ. सुरजीत सरकार- तीसरी मद्रास मेडिकल मिशन (एमएमएम) जेनेटिक्स मीटिंग (3एमजीएम2018), द मद्रास मेडिकल मिशन, चेन्नई, भारत में आमंत्रित वार्ता (07.09.2018) (वार्ता का शीर्षक: व्यावहारिक दवाओं को लक्षित करना दमनकारक पॉली (क्यू) मध्यस्थता संबंधी न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों के रोगजनन का पता लगाता है।

डॉ. सुरजीत सरकार- कॉन्फोकल माइक्रोस्कोपी, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में कार्यशाला में आमंत्रित व्याख्यान, (15-17 नवंबर 2018) (बात का शीर्षक: बायोमेडिकल रिसर्च में माइक्रोस्कोपिक तरीके)।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

प्रोफेसर थेल्मा - नौ भारतीय और सात यूके संस्थानों को शामिल कर सहयोगात्मक शोध।
प्रोफेसर राजम - तीन भारतीय संस्थान (आईआईएचआर, ड्यू दक्षिणी परिसर डीयू नॉर्थ कैंपस) को शामिल कर सहयोगात्मक शोध।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

एक

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

लैब में विकसित तकनीक की सार्वजनिक अधिगम्यता के लिए डीयू-बीआईआरएसी (डीईबीटी) - बीज कंपनियों (भारतीय) को मिलाकर सात त्रिपक्षीय प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी.: 10
संकाय की संख्या-नौ

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोफेसर थेल्मा

सदस्य के रूप में चयनित- आईसीएमआर, दुर्लभ रोग कार्य बल

सदस्य, शीर्षसमिति, भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में चयनित।

टीम लीडर के रूप में चयनित, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन जीनोम साइंस एंड प्रेडिक्टिव मेडिसिन, (द्वितीय चरण)।

सदस्य, चयन समिति, इंस्पायर संकाय कार्यक्रम के रूप में चयनित।

प्रोफेसर राजम को "ब्लैक राइस में उपज से संबंधित जीन के सत्यापन" पर डीबीटी की एक नेट-वर्क परियोजना का टीम लीडर चुना गया है।

डॉ. सुरजीत सरकार

चयन समिति (2018), डीबीटी- न्यूटन- भाभा इंडो-यूके पीएचडी-प्लेसमेंट कार्यक्रम। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सदस्य चयनित।

डीबीटी- मानव जेनेटिक्स और जीनोम विश्लेषण टास्क फोर्स (2018), जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सदस्य चयनित

भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के "डीबीटी- जैव प्रौद्योगिकी कैरियर उन्नति और पुनः उन्मुखीकरण कार्यक्रम (बायो-केयर)" के चयन के लिए के सदस्य चयनित

इंडियन सोसाइटी ऑफ सेल बायोलॉजी (2019-2021) के कार्यकारी सदस्य चयनित

आईआईटी-गुवाहाटी में आयोजित प्लांट टिशू कल्चर एसोसिएशन के तत्वावधान में विभाग के डॉक्टरल छात्र श्री कमलेश सोनी को ट्रेंड ऑन प्लांट साइंस एंड एग्रो-बायोटेक्नोलॉजी 2019 के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए अपने काम के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार मिला।(14 से 16 फरवरी 2019)

श्री कमलेश सोनी को दिल्ली दक्षिणी परिसर में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस संगोष्ठी (27 और 28 फरवरी 2019) में प्रस्तुत अपने काम के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार मिला।

प्रो प्रदीप कुमार बर्मा, ईरान के ऑब्जर्वर और जूरी सदस्य के रूप में तेहरान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय जीवविज्ञान ओलंपियाड 2018 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्रों के साथ गए।

***

सूक्ष्म जीव विज्ञान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां:

प्रोफेसर स्वाति साहा प्रयोगशाला में लीसमेनिया डीएनए जीव विज्ञान के दो पहलुओं - डीएनए प्रतिकृति और क्रोमैटिन संशोधन की जांच करती हैं। पिछले साल हमने लीसमेनिया डोनोवानी में डीएनए प्रतिकृति प्रोटीन सीडीसी 45 की जांच की है। हमने पुष्टि की है कि प्रतिकृति में इस प्रोटीन की भूमिका लीसमेनिया में संरक्षित है। हम डीएनए पोलीमरेज़ क्लैंप प्रोटीन पीसीएनए के साथ प्रतिक्रिया करने के लिए लीसमेनिया सीडीसी 45 प्राप्च करते हैं। जिस मोटिफ के माध्यम से यह पीसीएनए के साथ संपर्क करता है, उसकी पहचान की गई है। वर्तमान में संपर्क की भूमिका की जांच की जा रही है। लीसमेनिया डोनोवानी में जीएनएटी-परिवार हिस्टोन एसिटाइलट्रांसफेरेज़ एल्वबा और एल्बॉब की फ़ंक्शन भूमिकाओं की जांच की जाती है। डॉ.राजीव कौल प्रयोगशाला ने कापोसी सार्कोमा से जुड़े हर्पीसवायरस (केएसएचवी) कोडित अव्यक्त प्रोटीन एलएएनए की भूमिका का अध्ययन किया जिससे उपकला की प्रगति में कैंसर कोशिकाओं के मे सेंकाईमल संक्रमण (ईएमटी) की जांच की गई। एलएएनए को टीसीएफ8/जेडईबी1 के साथ सह-स्थानीयकरण करता पाया गया, जो ईएमटी में एक प्रमुख योगदानकर्ता है, आगे केएसएचवी - संक्रमित कोशिकाओं के एपिथेलियल-टू-मेसेनकाइमल संक्रमण में एलएएनए की एक महत्वपूर्ण भूमिका का सुझाव देता है। सेल्युलर मेटास्टेसिस दमन कारक एनएम23-एचआई के साथ

हेपेटाइटिस सी वायरस कोर प्रोटीन इंटरैक्शन और सेल माइग्रेशन और आक्रमण को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका का भी अध्ययन किया गया था। एक अलग अध्ययन में, केएसएचवी लिटिक प्रोटीन के-आरटीए और के8 को सेलुलर और वायरल क्रोमैटिन को बाँधने के लिए जीन की अभिव्यक्ति को जांचा गया।आंकड़ों से पता चला है कि के-आरटीए / के8 प्रोटीन विशेष रूप से होस्ट/वायरल जीनोम पर होस्ट/वायरल जीन के केएसएचवी लिटिक पुनर्सक्रियन के दौरान प्रतिलेखन को संशोधित करने के लिए इन रूपांकनों को बांधते हैं। प्रोफेसर रानी गुप्ता प्रयोगशाला ने संवैधानिक जीएपी प्रमोटर के अंतर्गत लाइपेस जीन व्यक्त किया। बाद में मिथाइल ऑलिस का उपयोग करके लिप + होस्ट में एओएक्स-1 प्रमोटर के अंतर्गत क्लोन किए गए रिपोर्टर जीन एमाइलेज की अभिव्यक्ति की गई। लाइपेज ने मिथाइल ऑल्टाइट के टूटने का नेतृत्व किया, जिससे एओएक्स1 प्रमोटर के अंतर्गत रिपोर्टर प्रोटीन एमाइलेज की अभिव्यक्ति के लिए मेथनॉल की निरंतर रिहाई की अनुमति मिली। डॉ. वाई. खासा प्रयोगशाला ने पुन: संयोजक स्ट्रेप्टोकिनेज के उत्पादन का अध्ययन किया, जो कि पाइचिया अभिव्यक्ति प्रणाली में चिकित्सीय रूप से महत्वपूर्ण थ्रोम्बोलाइटिक एजेंट है। इसकी अभिव्यक्ति बायोरिएक्टर पर अनुकूलित की गई थी। एस. सरवीसे से यूबिक्यूटिन- जैसे प्रोटीज 1 (यूएलपी1) के उत्प्रेरक डोमेन का बायोप्रोसेस ऑप्टिमाइज़ेशन ई कोलाई फेड-बैच कल्चर में किया गया था, जहां 3.25 / एल का एक एससीयूएलपी1 उत्पादन हासिल किया गया था।

प्रकाशन

पॉल, सी, खेड़ा, एल, और कौल, आर (2019). हेपेटाइटिस सी वायरस कोर प्रोटीन सेलुलर मेटास्टेसिस दमनकारक Nm23-H1 के साथ अंतःक्रिया से सेल प्रवास और आक्रमण को बढ़ावा देता है। *आर्काइव्स ऑफ वायरोलॉजी*, 1-15.

कौल, आर, पुरुषोत्तमन, पी, उप्पल, टी, और वर्मा, एस सी (2019). केएसएचवी लिटिक प्रोटीन के-आरटीए और के8 जीन अभिव्यक्ति को संशोधित करने के लिए सेलुलर और वायरल क्रोमैटिन से बाँधते हैं। *प्लॉस वन*, *14*(4), e0215394.

गौर, एन, टिकला, टी, और कौल, आर (2019). कपोसी सार्कोमा से जुड़े हर्पीज वायरस (केएसएचवी) अव्यक्त प्रोटीन एलएएनए उपकला-से-मेसेनकाइमल संक्रमण से जुड़े सेलुलर जीन को नियंत्रित करता है। *आर्काइव्स ऑफ वायरोलॉजी*, *164*(1), 91-104.

ए दुआ, एस फरीदी, ए कश्यप, और आर गुप्ता, (2018). ट्राइकोस्पोरन असाहि एमएसआर 54 से एक नया थियोल सक्रिय फॉस्फोलिपेज़ टीएपीएलबी1 की विशेषता। *जैविक मैक्रोमॉलिक्यूल की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका*, *120*, 537-546.

बब्बल, आदिवासी, मोहंती, एस., और खासा, वाई. पी (2019). ई कोलाई फेड-बैच कल्चर में एस.सेरेविसिए से यूबिकिटिन जैसे प्रोटीज 1 (यूएलपी1) के उत्प्रेरक डोमेन के अतिप्रवाह के लिए बायोप्रोसेस अनुकूलन। *एंजाइम एंड माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी 120*, 98-109.

अद्वितीय, बब्बल, एस मोहंती और वाई पी खासा, (2018). पिचिया पेस्टोरिस में पुनः संयोजक स्ट्रेप्टोकिनेस के डिसलाइकोसिलेटेड और प्लास्मिन प्रतिरोधी वेरिएंट की इंजीनियरिंग। *एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी 102*(24), 10561-10577.

शोध परियोजनाएं

डीबीटी, प्रोटोजोआ परजीवी लीसमेनिया डोनोवानी में सेल चक्र पर निर्भर जीन अभिव्यक्ति की जांच: एक जीनोम-विस्तारित अध्ययन। 2019-2022 प्रोफेसर स्वाति साहा, 82.6 लाख।

एसईआरबी, अपने मूल सेल वॉल एंकरिंग प्रोटीन: बायोप्रोसेस ऑप्टिमाइज़ेशन और इसके बायोटेक्नोलॉजिकल अनुप्रयोगों का उपयोग करके खमीर सेल सतह प्रदर्शन प्रौद्योगिकी के विकास के लिए पिचिया पास्टोरिस का जीनोम खनन। 2019-2022, डॉ. वाई.पी. खासा, 39.59 लाख

डीआरडीओ, एल-थीनिन के एंजाइमैटिक संश्लेषण के लिए प्रक्रिया विकास, बैसिलस लिचेनफॉर्मिस से गामा-ग्लूटामाइल ट्रांसपेप्टिडेस का उपयोग कर एक न्यूट्रास्यूटिकल। *2018-2021. प्रो रानी गुप्ता, 33.14लाख*

आयोजित संगोष्ठी

कुल संख्या : एक

डॉ. रोहित के. जांगर माइक्रोबायोलॉजी और इम्यूनोलॉजी विभाग के डॉ. रोहित के जांगड़ा, अल्बर्ट आइंस्टीन स्कूल ऑफ मेडिसिन, न्यूयॉर्क, यूएसए, ने 11 मार्च 2019 को "मेजबान कारकों के लिए स्क्रीनिंग और श्वसन वायरस के संक्रमण के लिए एमएबीएसको बेअसर" करने पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. वाईपी खासा ने राजस्थान विश्वविद्यालय, किशनगढ़, अजमेर में 08-10 मार्च, 2019 को रोग और चिकित्सा विज्ञान के आणविक आधार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमबीडीटी-2019) में"खमीर अभिव्यक्ति प्रणाली में पुनः संयोजक चिकित्सा के अति-उत्पादन के लिए बायोप्रोसेस रणनीतियों का विकास: एक केस स्टडी के रूप में स्ट्रेप्टोकिनेस" आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. वाईपी खासा ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, हौज खास, नई दिल्ली, 110016, भारत में 16-18 दिसंबर, 2018 के बीच "हाल की प्रगति और स्वास्थ्य**,** बायोएनेर्जी और पर्यावरण के लिए बायोप्रोसेसिंग में आवेदन" पर छठे वार्षिक बायोप्रोसेसिंग भारत सम्मेलन में *"एन-ग्लाइकोसिलेशन की इंजीनियरिंग और पुनः संयोजक स्ट्रेप्टोकिनेस के प्लास्मिन अतिसंवेदनशील अवशेष: प्रक्रिया विकास और पिचिया पास्टोरिस में स्केल-अप रणनीति"* आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की।

प्रो स्वाति साहा ने बैंगलोर, भारत (13 वीं - 14 जुलाई 2018) में जीनोम बायोलॉजी 2018: स्वास्थ्य और बीमारी में तंत्र, "लीसेमैनिया डोनोवानी में सेल चक्र चरण-जुड़े तरीके में एचएटी2- निर्भर एच4के10 एसिटिलेशन द्वारा मध्यस्थता सक्रियण मध्यस्थता" पर आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की

प्रो स्वाति साहा ने होस्ट-पैथोजन इंटरैक्शन पर, हैदराबाद, भारत (9 वीं - 12 दिसंबर, 2018) को भारत और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट के 59वें वार्षिक सम्मेलन में "एच4के10 एसिटिलीकरण एचएटी2 acetyltransferase हिस्टोन द्वारा मध्यस्थता से विभिन्न कोशिका चक्र के चरणों में ट्रांस्क्रिप्शनल सक्रियण को नियंत्रित करता है" पर आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की।

प्रो स्वाति साहा ने नई दिल्ली, भारत (28 - 30 नवंबर 2018) में उन्मूलन लीशमैनियासिस के उन्मूलन और नियंत्रण के लिए नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, "एचएटी2- आश्रित एच4के10 एसिटिलेशन सेल चक्र चरण-निर्भर तरीके से ट्रांसक्रिप्शनल सक्रियण को नियंत्रित करता है" पर आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की।

आरती यादव, वार्ष्णेय शर्मा, ज्योति पाल और स्वाति साहा ने नई दिल्ली, भारत (28 - 30 नवंबर 2018) में उन्मूलन लीशमैनियासिस के उन्मूलन और नियंत्रण के लिए नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, "लीसमेनिया डोनोवानी में Cdc45 के पीआईपी बॉक्स की भूमिका" पर पोस्टर प्रस्तुति दी

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

7 एम.एससी. छात्रों और 5 पीएच.डी. छात्रों ने उच्च शिक्षा और औद्योगिक नौकरियों (पीएचडी, पोस्ट-डॉक्टरेट, उद्योग नौकरी आदि) को चुना।

इंटरनेशनल पनासिया लिमिटेड (आईपीएल) ने 2 अप्रैल 2018 को अपने गुड़गांव स्थल के लिए परिसर भर्ती के लिए माइक्रोबायोलॉजी विभाग का दौरा किया। (3 छात्रों को पद का प्रस्ताव दिया गया)।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी. : 4

**संकाय की संख्या : ** 5

***

शारीरिक शिक्षा और खेल-कूद विज्ञान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने शारीरिक शिक्षा में पूर्व स्नातक और स्नातकोत्तर स्तरों के लिए पाठ्यक्रमों में संशोधन शुरू किया। इसने विभाग के पीएचडी छात्रों के लिए अभिनव पाठ्यक्रम कार्य, पूर्व-प्रस्तुत सेमिनार, मौखिक परीक्षा आयोजित की। हमारे संकाय ने विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों का संसाधन व्यक्तियों, प्रमुख वक्ताओं, विभिन्न समितियों के तकनीकी विशेषज्ञों और यूजीसी कार्यक्रमों के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञों के रूप में दौरा किया। विभाग पर्यवेक्षक खेल मनोविज्ञान, खेल बायोमैकेनिक्स, पाठ्यक्रम विकास, खेल और व्यायाम फिजियोलॉजी, प्रशिक्षण और खेल प्रदर्शन, खेल में प्रबंधन अवधारणा, खेल चोट में अनुसंधान करता है और खेल मनोविज्ञान में उपकरणों का निर्माण और सत्यापन करता है। बीए कार्यक्रम में अनुशासन पाठ्यक्रम के रूप में शारीरिक शिक्षा शुरू करने के लिए महाविद्यालयों में सुविधाओं और बुनियादी ढांचे की उपलब्धता के मूल्यांकन के लिए निरीक्षण भी विभाग की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

प्रकाशन

सांध्य तिवारी, संदीप तिवारी और कुमार प्रदीप. "ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के लिए शारीरिक शिक्षा की एक व्यापक पाठ्य पुस्तक" दिल्ली: आर्य बुक डिपो पब्लिकेशन. 2018
त्यागी एस., वनिक ए. और वासुजा एम. (मई 2018) फिटनेस प्रशिक्षकों के लिए फिटनेस प्रशिक्षक मैनुअल - एरोबिक्स और समूह प्रशिक्षक {नया संस्करण} 2018

आयोजित सम्मेलन

किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से 25-27 सितम्बर, 2018 को आयोजित “ओलंपिक और वैश्विक संदर्भ में भारतीय मूल्यों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन” के आयोजकों में से एक था।

डॉ. सरिता त्यागी मई 5 -6 मई, 2018 को आईजीआईपीईएसएस में आयोजित “कार्यात्मक प्रशिक्षण” पर कार्यशाला की आयोजक सचिव रहीं।

डॉ. सरिता त्यागी ने 5 अक्तूबर, 2018 (शुक्रवार) को आईजीआईपीईएसएस, बी-ब्लॉक, विकास पुरी में ”कार्यस्थल पर महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए संवेदीकरण” पर एक कार्यशाला आयोजित की।

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रदीप कुमार, 20 से 21 सितंबर, 2018 को इंपीरियल महाविद्यालय, लंदन, यूनाइटेड किंगडम में स्वास्थ्य, कल्याण और समाज पर आयोजित आठवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और दो शोध पत्र प्रस्तुत किए। सम्मेलन की कार्यवाही में प्रस्तुत दोनों शोध पत्र निम्नानुसार है- 1. शीर्षक- राष्ट्रीय स्तर के भारतीय एथलीटों के खेल प्रदर्शन पर चिंता और मानसिक कौशल प्रशिक्षण का एक पारस्परिक प्रभाव (एकल लेखक के रूप में प्रस्तुत); 2. शीर्षक: विपश्यना- कल्याण और शांति (सह-लेखक लेकिन एकल वक्ता) के लिए अस्तित्व के सामान्य जीनेसीस को उन्मोचित करने वाला सत्य आधारित ध्यान।

संदीप तिवारी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल महाविद्यालय द्वारा 25-27 सितम्बर, 2018 को आयोजित ओलंपिक और वैश्विक संदर्भ में भारतीय मूल्यों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "शारीरिक शिक्षा, शारीरिक गतिविधि और खेल के सतत विकास लक्ष्य और संशोधित अंतर्राष्ट्रीय घोषणापत्र" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

संदीप तिवारी, पंजाब युनिवर्सिटी, चण्डीगड़ में 21 जनवरी, 2019 को शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित “खिलाड़ियों का मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन" पर एक विशेष वक्तव्य दिया।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

डॉ. सरिता त्यागी, मई 5-6 मई, 2018 को आईजीआईपीईएसएस में आयोजित "कार्यात्मक प्रशिक्षण" पर दो दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

डॉ. सरिता त्यागी, आईजीआईपीईएसएस में 2, जुलाई 2018 से 29 जुलाई, 2018 तक आयोजित फिटनेस प्रशिक्षक पाठ्यक्रम (फिटको) में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में सेवा की।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

प्रदत्त पीएच.डी. की संख्या: 07

संकाय की संख्या

आठ मान्यता प्राप्त एसोसिएट प्रोफेसर

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. संदीप तिवारी एनसीईआरटी द्वारा 23 जुलाई, 2018 को एनसीईआरटी, नई दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान शारीरिक शिक्षा के पाठ्यक्रम के विकास के विशेषज्ञ नियुक्त किए गये।

डॉ. सरिता त्यागी को खेल विज्ञान, अनुसंधान और प्रबंधन, दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज रिसर्च यूनिवर्सिटी, दिल्ली के लिए अकादमी द्वारा विजिटिंग फैकल्टी के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. अनिल कुमार वणिक पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के बोर्ड ऑफ स्टडीज के विशेषज्ञ सदस्य नियुक्त किए गये।

***

पादप आणविक जीवविज्ञान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

प्रोफेसर ए के त्यागी द्वारा किए गए कार्य से विविध भारतीय इंडिका और सुगंधित चावल के उपयोग में अनाज के आकार/वजन से जुड़े मेटाक्यूएटील की पहचान करने में मदद की है। छोले में वृद्धि की आदत और फूल के समय के आनुवंशिक निर्धारकों को परिभाषित करने के लिए आनुवांशिकी का आगे उपयोग किया गया है। प्रोफेसर जे.पी. खुराना प्रकाश संवेदी रिसेप्टर्स, मुख्य रूप से क्रिप्टोक्रोम पर पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो पौधे की ऊंचाई और फूलों के समय को विनियमित करने के लिए यूवी-ए/नीली रोशनी का अनुभव करते हैं। गेहूं और शहतूत में जीनोमिक संसाधन विकसित किए जा रहे हैं। चयनित ताप तनाव उत्तरदायी प्रतिलेखन कारक जीन के कार्यात्मक सत्यापन के लिए, प्रोफेसर परमजीत खुराना द्वारा अधिक अभिव्यक्ति वाले ट्रांसजेनिक विकसित किए गए थे। प्रोफेसर अनिल ग्रोवर द्वारा चावल में हीट शॉक फैक्टर (एचएसएफएस) की जांच की जा रही है। परिणाम बताते हैं कि Cpn60β4 क्लोरोप्लास्ट विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और यह अरबिडोप्सिस में पौधे की वृद्धि, विकास और फूलों का एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रोफेसर इंद्रनील दासगुप्ता ने पौधों में आरएनए आधारित एंटी-वायरल रेसिस्टेंस पाथ (आरएनएआई) के मॉड्यूलेशन का अध्ययन किया है, उन्होंने चावल टंग्रो वायरस के साथ राइस अपोइन संक्रमण में नियमित रूप से विनियमित जीन के सेट की पहचान की है। प्रोफेसर संजय कपूर पुरुष गैमेटोफाइट विकास के आणविक पहलुओं को समझने पर काम करते हैं। प्रोफेसर अरुण शर्मा ने टमाटर में फल पकने से संबंधित 85 ईआरएफ की पहचान की। कृत्रिम माइक्रो आरएनए (एमिअएनएएनए) का उपयोग करके एसआईएमबीडी5, एसआईएमबीडी6, एसआईएमबीडी7 और एसआईएमबीडी13 के ओवरएक्प्रेशन और साइलेंसिंग का प्रयास किया गया है। प्रोफेसर गिरधर पांडे अरबिडोप्सिस और चावल में पोषक तत्वों की सीमा और अजैविक तनाव के अंतर्गत कैल्शियम मध्यस्थता संकेत घटकों के कार्यात्मक जीनोमिक्स विश्लेषण पर ध्यान केंद्रित करते हैं। सौरभ रघुवंशी एमआई आरएनए-मध्यस्थता वाले सूखा उत्तरदायी नियामक नेटवर्क के कार्यात्मक लक्षण वर्णन में लगे हुए हैं। डॉ.सुरेखा कटियार टेट्रास्पैन प्रोटीन की जैविक भूमिका को स्पष्ट करने में लगी हुई हैं।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर अखिलेश के त्यागी: पी.परीजा मेमोरियल लेक्चर अवार्ड, रावेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, 2019.

प्रोफेसर परमजीत खुराना:

प्रो जे सी बोस नेशनल फैलोशिप 2017-2022 के लिए, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार। (आउटस्टेशन), द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इलाहाबाद, भारत, 2019।

पादप विज्ञान पर अनुभागीय समिति के सदस्य भारतीय अकादमी विज्ञान, (2019)

प्रोफेसर इंद्रनील दासगुप्ता:

जे.सी. बोस फैलोशिप, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 2017 -2022, पुरस्कार। चालू वित्त वर्ष के लिए 19 लाख।

प्रो जी के पांडे:

जे.जे. चिनॉय गोल्ड मेडल अवार्ड, इंडियन सोसाइटी ऑफ प्लांट फिजियोलॉजी, नई दिल्ली, भारत (2018)
नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज (एनएएएस), नई दिल्ली, भारत (2018) के निर्वाचित फेलो।

प्रकाशन

पी अग्रवाल, और पी खुराना, (2019). गर्मी और अन्य अजैविक तनाव स्थितियों के जवाब में गेहूं से एचएसएफएस के कार्यात्मक चरित्र। फंक.इंट,जीनो. *(doi.org/10.1007/s10142-019-00666-3)*

पी अग्रवाल, वी के बरनवाल और पी खुराना, (2019). अजैविक तनाव के अंतर्गत गेहूं में बीजेडआईपी प्रतिलेखन कारकों के जीनोम-वाइड विश्लेषण और एक टैबजेडआईपी के कार्यात्मक लक्षण वर्णन। *साइंटिफेक रिपोर्ट्स(doi.org/10.1038/s41598-019-40659-7)*

यू बसु, डी बजाज, ए शर्मा, एन मलिक, ए डावरे, ठाकरो, वी लक्ष्मी, एच उपाध्याय, आर कुमार, एस त्रिपाठी, सी भारद्वाज, ए त्यागी, और एस के परिदा, (2019). मटर में बीज की पैदावार बढ़ाने के लिए प्रकाश संश्लेषण दक्षता का आनुवंशिक विच्छेदन। *प्लांट सेल एंड एनव्वायरमेंट*. 42: 158-173.

ए.पी परिदा, ए शर्मा, और ए के शर्मा, (2019). एमबीडी4 पर: एक मिथाइलेटेड डीएनए बाइंडिंग प्रोटीन नकारात्मक रूप से फॉस्फेट भुखमरी जीन के एक सबसेट को नियंत्रित करता है। *जे. बायो साइंस* 44:14.

पी सिंह, आई मैथ्यू, ए वर्मा, ए त्यागी, और पी अग्रवाल, (2019). डीएलएन रेपेसर मोटिफ / एस के साथ चावल प्रोटीन का विश्लेषण। *इंट.जे. मॉल.साइंस.* 20:1600.

पी अग्रवाल, और पी खुराना, (2018). गेहूं से टीएएमएडीएस की अधिकता फूलों के प्रमोटरों की अभिव्यक्ति को बढ़ाकर फूलों को बढ़ावा देती है और थर्मल तनाव से सुरक्षा प्रदान करती है। *प्लांट जीन. (*doi.org/10.1016/j.plgene.2018.100168)

एम भेरी, और जी.के.पांडे, (2018). प्रोटीन फॉस्फेटस प्लांट सिग्नलिंग नेटवर्क में रिएक्टिव ऑक्सीजन प्रजाति से मिलते हैं। *एनव्वायरमेंट एंड एक्सपेरिमेंटल बाटनी*; https://doi.org/10.1016/j.envexpbot.2018. 10.032
वी गहलौत, वी.के बरनवाल, और पी खुराना, (2018) मिरनॉम्स फसल पौधों को थर्मोटॉलेंस प्रदान करने में शामिल हैं। *3 बायोटेक*. 8: 497

एस हेरात, वी.के बरनवाल और पी खुराना, (2018). ट्रिटिकम ब्यूटीविम एनएसएलटीपी की पहचान और विकास और तनाव शमन भूमिकाओं में दो सदस्यों की कार्यात्मक मान्यता। प्लांट फिजियो. *बायोकेम. (doi.org/10.1016/j.plaphy.2018.07.030).*

अंतर्राष्ट्रीय गेहूं जीनोम अनुक्रमण कंसोर्टियम (आईडब्ल्यूजीएससी) (2018)। पूरी तरह से एनोटेट संदर्भ जीनोम का उपयोग करके गेहूं अनुसंधान और प्रजनन में सीमा को स्थानांतरित करना। *साइंस* 361; 661-674.
पंडियाराजन, आर और ए ग्रोवर 2018. पौधों में विवो प्रमोटर इंजीनियरिंग में: क्या हम तैयार हैं?*प्लांट साइंस* 277: 132-138.

ए.पी परिदा, यू रघुवंशी, ए पारीक, वी सिंह, आर कुमार, और ए.के शर्मा, (2018). टमाटर से एमबीडी डोमेन युक्त प्रोटीन एन्कोडिंग जीनों के जीनोम-वाइड विश्लेषण फल विकास और अजैव तनाव प्रतिक्रियाओं में उनकी भूमिका का सुझाव देते हैं। *मॉलिक्यूलर बायो.रेप.*. 45:2653-2669.

ए शंकर, जे.एल फर्नांडीस, के कौर, एम शर्मा, एस कुंडू, और जी के पांडे, (2018). चावल फाइटोग्लोबिन कम खनिज पोषक तत्वों और अरबिडोप्सिस थालियाना में अजैविक तनाव के अंतर्गत प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करता है। *प्लांट सेस एनव्वॉयरमेंट* 2018 जन;41(1):215-230.

सी शर्मा, जी सरिपल्ली, एस कुमार, टी गौतम, ए कुमार, एस रानी, एन जैन, पी प्रसाद, एस रघुवंशी, एम जैन, जे बी शर्मा, के.वी. प्रभु, पी.के. शर्मा, एच.एस. बाल्यान, और पी के गुप्ता, (2018) *पत्ती के जंग संक्रमित ब्रेड गेहूं में अंकुर प्रतिरोध जीन एलआर28 को शामिल करने में प्रतिलेख का अध्ययन। फंक्शनल प्लांट बायोलॉजी* 45: 1046-1064.

एम शर्मा, और जी के पांडे, (2018). ओएसपीयूबी75, एक आर्माडिलो/यू-बॉक्स प्रोटीन जीएसके3 काइनेज के साथ संपर्क करता है और अजैव तनाव प्रतिक्रिया के नकारात्मक नियामक के रूप में कार्य करता है। *पर्यावरण और प्रायोगिक वनस्पति विज्ञान*, https:// doi.org/ 10.1016/ j. envexpbot. 2018.10.022.

एम शर्मा, और जी के पांडे, (2018). संपादकीय: जीनोमिक्स और कार्यात्मक जीनोमिक्स ऑफ़ स्ट्रेस-मध्यस्थता सिग्नलिंग इन प्लांट्स: खंड II। *करेंट जीनोमिक्स*. 2018 जन;19(1):2-3.

ए सिंह, ए.के यादव, के कौर, एस के सान्याल, एस के झा, जे एल फर्नांडीस, पी शर्मा, आई टोकस, ए पांडे, एस लुआन, और जी के पांडे, (2018). प्रोटीन फॉस्फेट 2सी, एपी2सी1 के साथ संपर्क और नकारात्मक रूप से अरबिडोप्सिस में पोटेशियम की कमी की स्थिति के अंतर्गत सीआईपीके9 के कार्य को नियंत्रित करता है। *प्रायोगिक वनस्पति विज्ञान जर्नल* 69(16):4003-4015.

ए.के यादव, एस के झा, एस के सान्याल, एस लुआन, और जी के पांडे, (2018). अरबिडोप्सिस कैल्सीनुरिन बी जैसे प्रोटीन सीबीएल- इंटरस्टिंग प्रोटीन केसीज 9 के फॉस्फोराइलेशन गतिविधि को नियमित रूप से नियंत्रित करते हैं। *बायोकेम जर्नल* 30;475(16):2621-2636.

के यादव, एस के झा, एम शर्मा, और जी के पांडे, (2018). मिटोजेन सक्रिय काइनेज: पौधों में एक बहुमुखी सिग्नलिंग झरना। *जर्नल ऑफप्रोटीन और प्रोटिओमिक्स*, 9(1) 2018 पृष्ठ 57-72.

जर्नल

शिक्षक विभिन्न वैज्ञानिक जर्नलों के कई संपादकीय मंडलों में शामिल हैं :

प्रोफेसर अखिलेश के. त्यागी, प्रोफेसर जितेन्द्र पी. खुराना, प्रोफेसर परमजीत खुराना, प्रोफेसर अनिल ग्रोवर, प्रोफेसर इंद्रानिल दास गुप्ता, प्रोफेसर अरुण के. शर्मा और प्रोफेसर गिरधर के. पांडे.

शोध परियोजनाएं

एनएएसएप, आईसीएआर पीआई के रूप में, "चावल में गर्मी तनाव के अंतर्गत सुपर दाताओं और छोटी बाल प्रजनन क्षमता और कम चाकीनेसके लिए जेनेटिक तत्व की पहचान", 2018 - 2020. (4 सीसीपीआई के साथ अर्थात् मदन पाल सिंह, प्लांट फिजियोलॉजी विभाग, आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली; गिरीश चंदेल, आईजीकेवी, रायपुर; मनु अग्रवाल, दिल्ली दिल्ली विश्वविद्यालय; एस. वानीस्री, पीजेटीएसएयू, हैदराबाद)। 1.12 करोड़

"जीनोमिक्स दृष्टिकोण द्वारा शहतूत की आनुवंशिक वृद्धि: एक बहु-घटक नेटवर्क परियोजना"; नेटवर्क-परियोजना 1: शहतूत के लिए जीनोमिक संसाधन: भारतीय शहतूत परमाणु जीनोम अनुक्रमण। नेटवर्क-परियोजना 3 ए: शहतूत में वृद्धि और अजैविक तनाव संबंधी जीनों की खोज और सत्यापन, डीबीटी द्वारा वित्त पोषित, जून 2018 से; 1.27 करोड़

डीबीटी, तनाव सहिष्णु चावल, 2018-2021 विकसित करने के लिए कैल्शियम सिग्नलिंग घटकों के जीनोम संपादन का लक्ष्य, प्रोफेसर गिरधर के पांडे, 65 लाख।

डीबीटी, चावल में के + संवेदी मशीनरी की पहचान, 2016-2019, प्रोफेसर गिरधर के पांडे, 15 लाख।

आयोजित संगोष्ठी

14 मार्च से 15 मार्च 2019 तक डीपीएमबी वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन

प्रोफेसर परमजीत खुराना ने 8-9 मार्च, 2019 को एनएएसआई, इलाहाबाद में "महिलाओं और विज्ञान के लिए महिलाओं की बैठक" का आयोजन किया।

डॉ. सौरभ रघुवंशी ने डेटाबेस डेवलपमेंट एंड बायोकेशन, 6-7 अप्रैल, 2018, यूडीएससी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। डीबीटी और डीयू द्वारा वित्त पोषित।

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रोफेसर परमजीत खुराना

"रोजगार सृजन की दिशा में कौशल विकास के लिए एस एंड टी" एनएएसआई-आईसीएआर में दो दिन 'जागरूकता निर्माण और स्वास्थ्य, पोषण और पर्यावरण पर संवेदीकरण कार्यक्रम, निकोबारी आदिवासियों के आईसीएआर, 20-21 अप्रैल, 2018 को, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान में।

"लिंग संवेदीकरण: मानसिकता बदलना" पर विषयगत संबोधन एआईआईएमएस ऋषिकेश में महिलाओं के तकनीकी सशक्तिकरण पर संवेदीकरण कार्यशाला पर एनएएसआई- एआईआईएमएस ऋषिकेश, 25-26 मई, 2018.

18 जून, 2018 को डीएसटी के विज्ञान ज्योति कार्यक्रम के अंतर्गत। "लिंग संवेदीकरण: मानसिकता बदलना" पर इग्नू में तीन सप्ताह के आवासीय कार्यक्रम के दौरान समापन व्याख्यान "मोटिवेशनल गाइडेंस के माध्यम से छात्राओं के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में ब्रेकिंग स्टीरियोटाइप्स" शीर्षक से।

27-28 जून, 2018 को चकराता उत्तराखंड में नासी-यूके चैप्टर और यूसीओएसटी में प्रस्तावना व्याख्यान "उत्तराखंड की जनजातीय आबादी के लिए जागरूकता और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के निर्माण और संवेदनशीलता" पर दो दिनों की कार्यशाला का आयोजन किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय बॉटनिकल सोसायटी, दिल्ली में 5 सितंबर, 2018 को वनस्पति विज्ञान विभाग, यूनिव में "जलवायु स्मार्ट कृषि के लिए जीन और जीनोम" पर उद्घाटन वार्ता ।

14 सितंबर, 2018 को डीएसटी के विज्ञान ज्योति कार्यक्रम के अंतर्गत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में छात्राओं के लिए तीन सप्ताह के आवासीय कार्यक्रम के दौरान आईआईटी-गुवाहाटी में "भविष्य के लिए पौधे" पर व्याख्यान।

19 सितंबर, 2018 को "प्लांट जीनोमिक्स के युग में जलवायु स्मार्ट कृषि" पर देशबंधु महाविद्यालय वनस्पति सोसायटी का उद्घाटन भाषण।

20 सितंबर, 2018 को "बदलती परिस्थितियों के अंतर्गत पौधे की जीव विज्ञान की भूमिका" पर ज़ाकिर हुसैन महाविद्यालय वनस्पति सोसायटी का उद्घाटन भाषण।

एनएएसआई का 88वीं वार्षिक बैठक और संगोष्ठी एमजीसीजीवी एंड डीआरआई पर, 6-8 दिसम्बर, 2018 से, चित्रकूट, मध्य प्रदेश में।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान अनुसंधान विभाग में 1-3 फरवरी, 2019 को "वर्तमान रुझान और भविष्य में संभावनाएँ, वनस्पति विज्ञान अनुसंधान विभाग में पादप विज्ञान अनुसंधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी में" थर्मल टॉलरेंस की आणविक भौतिक विज्ञान" पर आमंत्रित वार्ता।

4-5 फरवरी, 2019 को आईबीएसडी/एनएएसआई और बीसीआईएल द्वारा, जैव-स्वायत्तता की दिशा में जीविका के उपयोग के लिए रोडमैप आयोजित आईएनएसए-आईबीएसडी में भाग लिया।

14-16 फरवरी, 2019 को आईआईटी-गुवाहाटी द्वारा आयोजित प्लांट साइंसेज और एग्रोबायोटेक्नोलॉजी-2019 (आसीपीटीए) में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'शहतूत जीनोमिक्स' पर मुख्य व्याख्यान।

'शहतूत जीनोमिक्स परिदृश्य - कम ट्राडोडन मार्ग पर एक मुलाकात' अंतर्राष्ट्रीय सेरीकल्चर कमीशन और सेंट्रल सिल्क बोर्ड, इंडिया द्वारा आयोजित, सेरीकल्चर एंड इंसेक्ट बायोटेक्नोलॉजी (एपीएसईआरआई) की छठी एशिया प्रशांत कांग्रेस में, मार्च 2-4, 2019 से मैसूर, भारत में आमंत्रित वार्ता।

प्रोफेसर अनिल ग्रोवर

मोंटपेलियर, फ्रांस में अंतर्राष्ट्रीय प्लांट आणविक जीवविज्ञान बैठक में सदस्य, निदेशक मंडल, आईएसपीएमबी के रूप में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया (4-12 अगस्त, 2018)

प्रोफेसर इंद्रनील दासगुप्ता

12 -14 नवंबर, 2018 तक पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़ में आयोजित इंडियन वायरोलॉजिकल सोसायटी के 27वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया। एक सत्र की अध्यक्षता की और एक वाता प्रस्तुत की।

प्रोफेसर गिरधर के पांडे

जैविक विज्ञान, शिवाजी महाविद्यालय, नई दिल्ली में हाल की प्रगति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 10 अप्रैल 2019 को हम आणविक जीव विज्ञान अनुसंधान से क्या सीख रहे हैं?

पौधों में आर्माडिलो/यू-बॉक्स प्रोटीन के कार्यात्मक जीनोमिक्स: तनाव सहिष्णुता के विकास के लिए उपयोग। डीएई-बीआरएनएस जीवन संगोष्ठी 2018 (फ्रंटियर इन सस्टेनेबल एग्रीकल्चर), भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई, 26-28 अप्रैल 2018.

कैल्शियम फॉस्फोराइलेशन-डिफॉस्फोराइलेशन नेटवर्क को कैसे नियंत्रित करता है? के + पौधों में कमी तनाव संकेत जेनेटिक्स, एपिजेनेटिक्स, पर्यावरण और पोषण की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन के अंतर्गत पौधों, जानवरों और मानव स्वास्थ्य के लिए पोषण (जीईईएनपीएएचएच2019), 22-24 फरवरी 2019.

कैल्शियम सिग्नलिंग अर्बिडॉ.प्सिस में ऑक्सीडेटिव तनाव प्रतिक्रियाओं को कैसे नियंत्रित करता है? सीआपीके-वीडीएसी मॉड्यूल की भूमिका। फूड सिक्योरिटी (सीआरओपी-एफएस), वर्ल्ड यूनिवर्सिटी नेटवर्क,आईसीजीईबी-जेएनयू, नई दिल्ली में 7-8 दिसंबर, 2018 को जलवायु परिवर्तनकारी ओपन पार्टनरशिप।

पौधों में आर्माडिलो/यू-बॉक्स प्रोटीन की भूमिका: तनाव सहिष्णुता के विकास के लिए उपयोग। इंटरनेशनल प्लांट फिजियोलॉजी कांग्रेस, सीएसआईआर-एनबीआरआई, लखनऊ, यूपी, भारत, 2-5 दिसंबर 2018को।

पौधों में फाइटोग्लोबिन, खनिज पोषक तत्वों की कमी और अजैविक तनाव: हम कार्यात्मक जीनोमिक दृष्टिकोण से क्या सीख रहे हैं? प्लांट जेनेटिक्स और जीनोमिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: स्थिर कृषि के लिए नेक्स्ट जेन क्रॉप्स, चंडीगढ़, भारत, 19-20.

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी. - 4

संकाय की संख्या

10 (स्थायी)

****

विधि संकाय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विधि संकाय के तीन कानून केंद्र एलएलबी पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। कई शैक्षणिक घटनाओं और गतिविधियों के साथ एक जीवंत शैक्षणिक वर्ष 2018-19 था। तीनों कानून केंद्रों की घटनाओं और गतिविधियों का विवरण उनकी स्वतंत्र रिपोर्ट में दिया गया है। संकाय के स्तर पर एलएलएम और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है, 'प्रख्यात प्रोफेसर के व्याख्यान' के रूप में कई ज्ञान संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किए गये जिनमें कि प्रोफेसर वेद पी. नंदा, जॉन इवांस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, डेनवर विश्वविद्यालय द्वारा व्याख्यान और एमेरिटस प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वार्ता और इंटरैक्टिव सत्र, संगोष्ठी, विदेशी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा यात्रा आदि शामिल हैं। संकाय ने 17 से 24 मार्च 2019 तक संकाय विकास कार्यक्रम भी आयोजित किया। और 30 मार्च 2019 को पूर्व छात्रों की बैठक हुई, जिसमें पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

आयोजित सम्मेलन

आयोजित संगोष्ठियों की कुल संख्या: 06

वाल्डेनबर्गर रेच्त्स्नव्ल्टे (बर्लिन स्थित लॉ फर्म) के पार्टनर मिस्टर जार्ग कॉफमैन ने 29 सितंबर 2018 को "जीडीपीआर, ब्लॉकचेन एंड कंट्रोलर" पर वार्ता प्रस्तुत की।

प्रोफेसर जीन अल्लाओ, एसोसिएट डीन (रिसर्च), लॉ फैकल्टी, मोनाश विश्वविद्यालय, ने "डिकोलॉनिज़ेशन कंट्रीब्यूशन टू इंटरनैशनल लॉ: द कॉन्सेप्ट ऑफ़ जूस कॉगेन्स एंड ओब्लाइजेशन एर्गा ओमेन्स" पर 4 अक्तूबर 2018 को वार्ता प्रस्तुत की।

श्री थॉमस ई. नन्ने, मिसौरी विश्वविद्यालय, कान्सास सिटी स्कूल ऑफ़ लॉ, 18 जनवरी 2019 को "मूटिंग काव्याख्यान "।

18 फरवरी, 2019 को माननीय न्यायमूर्ति सपना मल्ल, न्यायाधीश, नेपाल की सर्वोच्च न्यायालय, "सामाजिक परिवर्तन के लिए वकालत रणनीतियाँ"।

8 मार्च, 2019 को प्रोफेसर वेद पी. नंदा, जॉन इवांस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, डेनवर विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के एमेरिटस प्रोफेसर, "लिंग परिप्रेक्ष्य से अंतर्राष्ट्रीय विकास का विश्लेषण" पर विशेष व्याख्यान।

कानून, अर्थशास्त्र और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 16 से 17 नवंबर 2018 को उमंग भवन में आयोजित की गई थी, जिसे दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित किया गया था।

प्रदत्त एलएल.एम./पीएच.डी.की संख्या

एलएल.एम.: 55
पीएच.डी.: 05

कैम्पस विधि केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

कैंपस लॉ सेंटर का विभाग भारत में सबसे अधिक पसंद किए जाने वाले स्कूलों में से एक है। शैक्षणिक वर्ष 2018-19 फ्रेशर्स के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम के साथ शुरू हुआ। प्रमुख गतिविधियों में 14वीं के.के. लूथरा मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता शामिल है, जिसमें एनएलएसआईयू, बैंगलोर, एनएएलएसआर, हैदराबाद,

सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, आईएलएस, पुणे, नॉर्थम्ब्रिया लॉ स्कूल (यूके), यूनिवर्सिटी ऑफ़ ब्रिस्टल लॉ स्कूल, (यूके), श्री लंका लॉ कॉलेज और लंदन कॉलेज ऑफ लीगल स्टडीज (दक्षिण), बांग्लादेश; 52 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों ने भाग लिया। 2 फरवरी, 2019 को मध्यस्थता पर एक कार्यशाला; आपराधिक जांच में गुणवत्ता नियंत्रण पर तीन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (22-23 फरवरी 2019), महिला स्वास्थ्य मुद्दों के विशेष संदर्भ के साथ स्वास्थ्य कानून (14 - 15 फरवरी 2019) और अंतर्राष्ट्रीय कानून का घरेलू स्वागत (12 - 13 अप्रैल 2019); सीएलसी-सीसीआई मूट कोर्ट ऑन कॉम्पिटिशन लॉ, 2019, पहली सीएलसी दिल्ली एनसीआर मूट कोर्ट प्रतियोगिता 5 और 6 अप्रैल, 2019, प्लेसमेंट वीक आदि आयोजित किए गये।

सम्मान/गौरव

महलवार, वंदना को फुलब्राइट नेहरू पोस्टडॉ.क्टोरल रिसर्च फेलो से सम्मानित किया गया।

इंडियन नेशनल बार एसोसिएशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2019 पर प्रोफेसर (डॉ.) उषा टंडन, कैंपस लॉ सेंटर की प्रोफेसर-इन-चार्ज को “फेनोमेनल शी”, 2019 से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

आर ग्रेवाल, (2018). भारत में शरणार्थी कानून की आवश्यकता: एक कानूनी विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, एडमिनिस्ट्रेशन, लीडरशिप एंड एजुकेशन ए रेफरीड, मल्टीडिसिप्लिनरी, 4 (2), 48-55.

जीन्गेर, के (2018). आईएचएल की प्रयोज्यता के सिद्धांतों का परिचय। जर्नल ऑफ लॉ कैम्पस सेंटर, VI, 62-73.

जीन्गेर, के (2018). एपी II में क्षमता की आवश्यकता एनआईएसी के लिए इसकी प्रयोज्यता को अक्षम कर सकती है। आईएसआईएल इयरबुक ऑफ इंटरनेशनल ह्युमेनिटेरियन एंड रिफ्यूजी लॉ, XVI-XVII, 2016-17, 43-56.

एच कौर, (2019). भारत में बाल बलात्कार कानून और आपराधिक न्याय प्रणाली में शामिल जटिलताएं। पी. अरविंद भानु (सं.) में, वुमेन एंड लॉ. 169-178. नई दिल्ली: सत्यम लॉ इंटरनेशनल।

कूनन, एस. कुलेट, पी. भुल्लर, एल (संपा)। (2019). भारत में स्वच्छता का अधिकार: महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य। नई दिल्ली, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

कूनन, एस. (2019). भारत में स्वच्छता हस्तक्षेप: जेंडर मायोपिया और लैंगिक समानता के लिए निहितार्थ', इंडियन जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज, XVI (1&2), 40-58.

कुमार सिंह, के (2018). बायर-मोनसेंटो मर्जर और भारत का आईपी एग्रीकल्चर टू एग्रीकल्चर बायोटेक्नोलॉजी: कानून और नीति के एक जटिल वेब के माध्यम से नेविगेट करना, एशियन बायोटेक्नोलॉजी और डेवलपमेंट रिव्यू।20(1), 3-25.

भारत की बौद्धिक संपदा में गड़बड़ी, प्रतिलिपि, बाधित करना। पुस्तक की पुस्तक समीक्षा "प्रशांत रेड्डी टी. और सुमति चन्द्रशेखरन द्वारा, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया 2016 "जर्नल ऑफ द कैम्पस लॉ सेंटर, VI, 93-96.

एस सिंह, (2018). वन नेशन वन इलेक्शन- भारत के लिए आइडिया कितना व्यावहारिक है। एनएलयूडेए, 3, 96-127.

टंडन, यू व अन्य, (2018). अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक कानून में बलात्कार और यौन हिंसा के अन्य रूपों की प्रारंभिक परीक्षा: एक नारीवादी विश्लेषण, प्रारंभिक जांच में गुणवत्ता नियंत्रण 589-630, ब्रुसेल्स: टूएप.

एन त्यागी (2018). यूनिफॉर्म सिविल कोड द्वारा परिवार कानून में संशोधन और सुधार: सशक्तिकरण और लिंग न्याय के लिए एक अधूरा एजेंडा महिला, सोशल एक्शन, 68(1).

एन त्यागी (2018). बौद्धिक संपदा अधिकारों और मानव अधिकारों के बीच इंटरफेस: निजी संपत्ति अधिकारों और चिकित्सा तक पहुंच का अवलोकन। भारत, नई दिल्ली: भारतीय पर विशेष जोर के साथ आईपीआर और मानवाधिकार में। विधि संस्थान

संपादक/सह संपादक/संपादक मंडल के सदस्य के रूप में कार्य रत विभाग के शिक्षक

संपादक/सह संपादक - दो पत्रिकाओं में एक संकाय सदस्य

संपादक मंडल के सदस्य -पांच अलग-अलग पत्रिकाओं में पांच संकाय

आयोजित संगोष्ठी/कार्यशाला -23

माननीय न्यायमूर्ति श्री नवीन सिन्हा, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश, माननीय श्री न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री ए.एस. चंद्रहोक और श्री राकेश मुंजाल, वरिष्ठ अधिवक्ता, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 18 अगस्त 2018 को फ्रेशर्स के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम में भाषण दिया।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता पद्म विभूषण श्री फली एस. नरीमन ने 22 सितंबर 2018 को " दुनिया 105, 441 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से घूम रही है: गति बनाए रखें" पर वार्ता प्रस्तुत की।

पद्म श्री प्रोफेसर डॉ. एन. आर. माधव मेनन ने 11 अक्तूबर 2018 को "कानूनी शिक्षा और कानूनी पेशे के बदलते आयाम" विषय पर व्याख्यान दिया, ।

श्री (डॉ.) सुभाष सी. कश्यप, एक राजनीतिक वैज्ञानिक और संवैधानिक कानून के विशेषज्ञ ने 1 नवंबर 2018 को "संविधान के बारे में लोकप्रिय मिथक"

माननीय श्री न्यायमूर्ति आरसी लाहोटी, भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने 10 जनवरी 2019 को "लाइव-इन रिलेशनशिप-लीगल इश्यूज", पर वार्ता प्रस्तुत की।

किंग्स कॉलेज लंदन के एमेरिटस प्रोफेसर, प्रोफेसर रिचर्ड व्हिश ने 31 जनवरी, 2019 को "यूरोपीय संघ में प्रभुत्व का दुरुपयोग" विषय पर व्याख्यान दिया।

माननीय श्री न्यायमूर्ति वाल्मीकि जे. मेहता, न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय ने 9 फरवरी 2019 को "अनुबंध कानून" विषय पर वार्ता प्रस्तुत की।

भारत के अटॉर्नी जनरल और वरिष्ठ अधिवक्ता, श्री के. वेणुगोपाल ने 2 मार्च 2019 को साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला के समापन दिवस पर वार्ता प्रस्तुत की।

मूट कोर्ट सोसायटी, सीएलसी, श्रीमती निर्मल लूथरा के साथ 14 वां के.के. लूथरा मेमोरियल मूट कोर्ट, 2018 से 19 से 21 जनवरी, 2019 तक। माननीय श्री जस्टिस उदय यू. ललित, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। माननीय न्यायमूर्ति श्री रोहिंगटन एफ. नरीमन, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश, माननीय श्री न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, माननीय श्री न्यायमूर्ति प्रतीक जालान और माननीय श्रीमान श्री मनोज के ओहिरी। दिल्ली उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

मूट कोर्ट सोसायटी, सीएलसी, प्रतिस्पर्धा आयोग के साथ मिलकर15 और 16 मार्च, 2019 को सीएलसी-सीसीआई मूट कोर्ट प्रतियोगिता कानून, 2019 आयोजित की ।

कैंपस लॉ सेंटर ने इंटरनेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडिया (आईसीसी इंडिया) के साथ मिलकर आईसीसी इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन द्वारा 2 फरवरी 2019 को आर्बिट्रेशन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि माननीय श्री न्यायमूर्ति मनमोहन, न्यायाधीश, दिल्ली के उच्च न्यायालय और श्री अजय थॉमस, स्वतंत्र मध्यस्थ, उपाध्यक्ष आईसीसी इंडिया आर्बिट्रेशन ग्रुप सम्मानित अतिथि थे।

आयोजित सम्मेलन

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित 14 और 15 फरवरी 2019 को विशेष स्वास्थ्य संदर्भ के साथ स्वास्थ्य कानून पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

प्रोफेसर (डॉ.) सी. राज कुमार, कुलपति ओ.पी. जिंदल ग्लोबल और प्रोफेसर (डॉ.) हेमंत सेनानायके, चेयर प्रोफेसर, मेडिसिन संकाय, कोलंबो विश्वविद्यालय, श्रीलंका उद्घाटन सत्र के लिए क्रमशः मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि थे।

इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट में 22 से 23 फरवरी 2019 तक *आपराधिक जांच में गुणवत्ता नियंत्रण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन* आयोजित किया गया, जिसमें कैम्पस लॉ सेंटर एकेडमिक पार्टनर था।

अंतर्राष्ट्रीय कानून का घरेलू स्वागत 12 और 13 अप्रैल 2019 को हुआ। उच्चायुक्त और भारत में लिथुएनियन और अर्जेंटीना दूतावास के कार्यवाहक इस घटना के साक्षी बने।

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

अल्का चावला

30 अप्रैल, 2019 को फिक्की में विश्व आईपी दिवस पर एक कार्यशाला में सत्र की अध्यक्षता की। 30.04.2019 को सेवारत सीबीआईसी अधिकारियों के लिए, फरीदाबाद में बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रवर्तन पर दो दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति।

"द कॉपीराइट एक्ट 1957: परिचय, अपराध, उल्लंघन और सीमा शुल्क की भूमिका" पर नेशनल एकेडमी ऑफ कस्टम्स, इनडायरेक्ट टैक्स और नारकोटिक्स में सीमा शुल्क विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित किया।

ईजेकील जरीन

सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 22 फरवरी 2019 को नॉर्थ ईस्ट डे मनाने के लिए आयोजित "टेल्स ऑफ़ प्लुरलिज़्म" पर पैनल चर्चा में सह-पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

हरलीन कौर

12 जनवरी 2019 को भारतीय बाल संरक्षण संस्थान, दिल्ली के सहयोग से लॉ मन्त्र द्वारा आयोजित महिलाओं और बाल अधिकारों के संरक्षण और मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में" सरोगेट चाइल्ड के संरक्षण की आवश्यकता: एक व्यापक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ढांचे की आवश्यकता" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

गोविंद बल्लभ पंत सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली में 18 मार्च 2019 को "आईपीसी और संबद्ध कानून: उभरते मुद्दे" के अंतर्गत यौन अपराध।

“गोविंदबल्लभ पंत सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली में 11 फरवरी 2019 को विकलांगता अधिनियम, 2016 के साथ विकलांगव्यक्तियों के अधिकार।

उषा टंडन

हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, गुरुग्राम में 14 सितंबर, 2018 को "पर्यावरणीय अपराध: नियंत्रण और समीक्षा" पर "पर्यावरणीय अपराधों, व्याख्या, प्रवर्तन, कानूनी और सांविधिक आवश्यकताओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम"।

जो एशिया-पैसिफिक स्कूलों और इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड गवर्नेंस (एनएपीएआईपीएजी) के नेटवर्क के सहयोग से श्रीलंका विश्वविद्यालय द्वारा कोलंबो और कैंडी, श्रीलंका में, 6-7 अक्तूबर 2018आयोजित सतत विकास के लिए शासनपर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'लिंग, आपदा प्रबंधन और सतत विकास' पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

सीआईएलआरएपी द्वारा 22-23 फरवरी, 2019 को भारतीय विधि संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 'क्वालिटी कंट्रोल इन क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'प्रारंभिक टिप्पणी' और 'समापन टिप्पणी' पर चर्चा की।

भारतीय कानून संस्थान, नई दिल्ली में 22-23 फरवरी, 2019 को सीआईएलआरएपी द्वारा आयोजित 'आपराधिक जांच में गुणवत्ता नियंत्रण' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सह-पैनलिस्ट रहीं और 'भारतीय आपराधिक न्याय में जांच योजनाओं का उपयोग: मानव तस्करी का अपराध' पर प्रस्तुति दी।

सेंटर फॉर लीगल स्टडीज, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत यूनिवर्सिटी कैंपस में, 23 अक्तूबर 2018 को सेंटर फॉर पोस्ट ग्रेजुएट लीगल स्टडीज द्वारा भविष्य के लिए भारतीय विधि कानून का सुधार पर 'भारत में विधिक शिक्षा क्या है? पर सम्मेलन के पूर्ण अधिवेशन में विशेष भाषण दिया?।

10 जुलाई 2018 को एनएलयूडी, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली के सीईएलपीआर द्वारा आयोजित पर पर्यावरण कानून और नीति पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'अंतर्राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कानून में प्रतिमानों को बदलना' पर व्याख्यान दिया।

वंदना महलवार

अंतर्राष्ट्रीय इस्लाम विश्वविद्यालय, कुआलालंपुर, मलेशिया में 31 जनवरी - 1 फरवरी 2019 को आईपी एंड इनोवेशन रिसर्चर्स के पहले एशिया सम्मेलन में 'कॉपीराइट एंड एकेडमिक कोर्स पैक्स: हाउ कंग्रूस? शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

24 और 25 अक्तूबर 2018 को राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से बौद्धिक सौंदर्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

31 अक्तूबर 2018 को सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के सहयोग से प्री-कंसेप्शन एंड प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक्स एक्ट, 1994 पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

1 नवंबर 2018 को साइबर शांति फाउंडेशन के सहयोग से "डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन सुरक्षा" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

नियोजन

हमारे छात्रों की भर्ती को सुविधाजनक बनाने के लिए 9 से 14 मार्च 2019 तक एक नियोजन सप्ताह का आयोजन किया गया था। 17 रिक्रूटर आए और 40 छात्रों को भर्ती किया।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

कैंपस लॉ सेंटर के लीगल एड सोसाइटी द्वारा मुख्य रूप से निम्न विस्तार और अधिगम्य गतिविधियाँ की जा रही हैं:

29/08/2018- 01/09/2018: नि: शुल्क कानूनी सहायता शिविर, एक्टुस कानूनी एसोसिएट्स

25/09/2018 - 26/09/2018: आधार और विधिक सेवा शिविर का आयोजन किया। 50 स्वयंसेवक और 75 लाभार्थी

29/10/2018- 30/10/2018: पैरा लीगल सर्विस ट्रेनिंग

09/11/2018: राष्ट्रीय कानूनी सेवा दिवस पर कानूनी जागरूकता अभियान; 26 स्वयंसेवक और 96 लाभार्थी

24/11/2018: दरवाजे-दरवाजे अभियान 2018; 47 स्वयंसेवक और लगभग 10,000 लाभार्थी।

15/01/2019: कानूनी जागरूकता अभियान, बरारी; 28 छात्र स्वयंसेवक और 85 लाभार्थी।

15/02/2019: सड़क सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम; 6 छात्र स्वयंसेवक और 100 से अधिक लाभार्थी।

26/02/2019: रक्तदान शिविर; 40 दाता।

13/03/2019: कानूनी जागरूकता अभियान, तिमारपुर; 25 छात्र स्वयंसेवक और 82 लाभार्थी।

14/03/2019: अपशिष्ट प्रबंधन अभियान, तीस हजारी, कश्मीरी गेट और जामा मस्जिद; 9 छात्र स्वयंसेवक।

24/03/2019: स्वास्थ्य और आधार शिविर, मजनू का टीला; लगभग 125 लाभार्थी।
28/03/2019: 42 छात्र स्वयंसेवकों ने तिहाड़ जेल का दौरा किया और 87 कैदियों का एक सामान्य सर्वेक्षण किया।

संकाय की संख्या

43 स्थायी संकाय
7 अतिथि संकाय

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

2019 यूएसए के लिए सुश्री सुभम कुमार जैन को आईएएफएल स्टूडेंटशिप, दिया गया है; आईआईएनए इंटर्नशिप, 2019 यूरोप में श्री कुणाल सैनी और सुश्री रवि कुमार जोतवानी को प्रदान किया गया है। श्री ऋषभ पांडे ने चीनी राजनीतिक और कानूनी संस्कृति में एक पूरी तरह से वित्त पोषित शंघाई समर स्कूल में प्रवेश प्राप्त किया।

कैम्पस लॉ सेंटर पूर्व छात्र संगठन (सीएलसीसीए) के सहयोग से कैम्पस लॉ सेंटर ने 9 से 14 मार्च 2019 तक एक नियोजन सप्ताह का आयोजन किया। माननीय श्री जस्टिस अरुण मिश्रा ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

प्रोफेसर (डॉ.) उषा टंडन द अंडरग्रेजुएट अवार्ड्स (लॉ), 2018, डबलिन, आयरलैंड की जज थीं। वे सलाहकार परिषद्, एमएसबी ग्लोबल लॉ इंस्टीट्यूट, एमएसबी यूनिवर्सिटी, भरतपुर, 2019 की सदस्य थीं।

***

विधि केंद्र- I

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विधि केंद्र - I (एलसी-I) 2018-19 के दौरान शैक्षणिक और सह-पाठयक्रम गतिविधियों में सबसे आगे रहा है। इसने डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र , भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के साथ 21 से 23 फरवरी, 2019 तक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून के क्षेत्र के प्रोफेसर पीटर वान डेन बोशे, विश्व व्यापार संगठन के अपीलीय निकाय के सदस्य (डब्ल्यूटीओ) और प्रोफेसर रॉबर्ट हॉसे, लॉयड सी. नेल्सन अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक कानून के प्रोफेसर, न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ जैसे प्रसिद्ध व्यक्ति शामिल हुए थे। पंद्रहवीं अखिल दिल्ली - एनसीआर मूट कोर्ट प्रतियोगिता 16 मार्च 2019 को आयोजित की गई थी। सह-पाठयक्रम के संबंध में, विधिक सेवा सोसायटी दिल्ली में लोगों को कानूनी सहायता और जागरूकता प्रदान करने के लिए सक्रिय रूप से लगी हुई है। पैरालीगल वालंटियर्स दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और कई परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

प्रकाशन

तुलनात्मक कानूनी अनुसंधान की पद्धति। में ई.पू. निर्मल, सिंह, रजनीश कुमार और निर्मल, आरती; (संपा.) कानूनी शोध और कार्यप्रणाली। 93-110, नई दिल्ली: सत्यम इंटरनेशनल पब्लिकेशन।

मानवाधिकार के नए आयाम निजता और उसके भविष्य के निहितार्थ। आहूजा में, वी. के. (संपा) मानवाधिकार - समकालीन मुद्दे। 235-253, लखनऊ: ईस्टर्न बुक कंपनी।

आनंद पुष्कर. (2018, अक्तूबर 10). क्या भारत के निवेश संधि मध्यस्थता मामलों पर सूचना का अधिकार लागू होता है? द वायर। https://thewire.in/trade/does-right-to-information-Apply-to-indias-investment-treaty-arbitration-cases. से पुनः प्राप्त।

आनंद पुष्कर. (2019, मार्च. 3). चोगस पर आईसीजे की राय के साथ, क्या सूर्य अंततः ब्रिटिश साम्राज्य पर सेट है? द वायर। https://thewire.in/world/with-icj-opinion-on-chagos-has-the-sun-finally-set-on-the-british-empire. से पुनः प्राप्त।

आनंद पुष्कर. (2019, मई 3). वेदांत, आईएफसी निर्णय पर्यावरणीय न्याय की मांग करने वालों को नया गोला बारूद देते हैं। द वायर। https://thewire.in/law/vedanta-ifc-judgements-environmental-justice. से पुनः प्राप्त।

आनंद पुस्कर और वर्षा सिंह. (2019). भारत और अंतर्राष्ट्रीय विवाद निपटान - अंतर्राष्ट्रीय न्यायालयों और न्यायाधिकरणों में भारत की भागीदारी पर कुछ विचार। एविडन कैंट में, निकोस स्काउटैरिस और जेमी त्रिनिदाद (ईडीएस), द फ्यूचर ऑफ़ इंटरनेशनल कोर्ट्स - रीजनल, इंस्टीट्यूशनल, और प्रोसेडुरल चैलेंजेस।. 37-54. लंदन: रूटलेज.

पूनम दास. (2018). प्रौद्योगिकी के उपयोग से महिला की गोपनीयता में घुसपैठ और साइबर अपराधों के लिए उसकी भेद्यता - भारत में कानूनी चुनौतियां, एनएलयूए कानून और नीति समीक्षा। 3(II), 9-32.

मलाया, सुस्मिथा पी. (2018). उपभोक्ताओं के कल्याण के लिए एक अंतर्दृष्टि: भारत में वित्तीय क्षेत्र में नियामक तंत्रों को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता। कश्मीर जर्नल ऑफ लीगल स्टडीज। 7, 1-12.

मलाया, सुस्मिथा पी. (2018). वृत्तचित्र क्रेडिट और मनी लॉन्ड्रिंग: एक अवलोकन। चार्टर्ड सेक्रेटरी। 48 (4), 72-74.

मलाया, सुस्मिथा पी. (2018). वृत्तचित्र क्रेडिट धोखाधड़ी: भारत में बैंकिंग क्षेत्र के विनियमन की आवश्यकता। जर्नल ऑफ इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट। 60, 216-236.

मलाया, सुस्मिथा पी. (2018). निकेश ताराचंद शाह बनाम भारत संघ: भारत में मनी लॉन्ड्रिंग कानून को लागू करना। जर्नल ऑफ़ लॉ टीचर्स ऑफ़ इंडिया।. 7, 147-153.

मिश्रा, सिद्दार्थ और एकलव्य आनंद (2018). सुरक्षा की जिम्मेदारी और वैश्विक दक्षिण: एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य, जर्नल ऑफ़ लॉ टीचर्स ऑफ़ इंडिया। 7, 53-64.

सिद्धार्थ मिश्रा. (2018). भारत में कॉपीराइट कानून का प्रवर्तन - ए रोड हाफ ट्रैवर्सड। आशुतोष मिश्रा (सं.) कॉपीराइट संरक्षण में - परिप्रेक्ष्य और आयाम विकसित करना। 66-84, दिल्ली: वीएमएल पब्लिकेशंस ।

सिद्धार्थ मिश्रा. (2019). मानवाधिकार आयोग से मानवाधिकार परिषद् में परिवर्तन- चाहे बादवाला पूर्ववर्ती में लागू होता है। वीके आहूजा (सं।) मानवाधिकार में - समकालीन मुद्दे, प्रोफेसर उपेंद्र बक्सी के सम्मान में प्रयास। 615-642, लखनऊ: ईस्टर्न बुक कंपनी।

रंजन, प्रभाष और पुष्कर आनंद।(2018). दक्षिण एशियाई देशों की निवेश संधियाँ कितनी 'स्वस्थ' हैं: दक्षिण एशियाई देशों के बीआईटी और एफटीए निवेश अध्यायों में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रावधानों का एक अनुभवजन्य अध्ययन। आईसीएसआईडी की समीक्षा - विदेशी निवेश कानून का जर्नल. 33(2). 406-432.

रंजन, प्रभाष और पुष्कर आनंद।(2018, May 17). वोडाफोन बनाम भारत - थोड़ा थोड़ा करके, अंतर्राष्ट्रीय पंचाट स्पष्ट हो जाता है। द वायर। https://thewire.in/business/vodafone-versus-india-bit-international-arbitration. से पुनः प्राप्त।

आलोक शर्मा, (2018). भारतीय महिला सशक्तिकरण में डॉ. अम्बेडकर की भूमिका: हिंदू कोड बिल के विशेष संदर्भ में। *एकाडमिया.* संस्क. 2 सं. 1 जनवरी, 2017 at पृष्ठ 58-78.

आलोक शर्मा, (2018). न्याय, गरिमा और समानता का तिहरा इनकार। नई दिल्ली: इंडिया पॉलिसी फाउंडेशन।

केंद्र द्वारा प्रकाशित जर्नल- 01

जर्नल ऑफ लॉ टीचर्स ऑफ इंडिया, खंड 7, संख्या 1, 2016-17 (2018 में प्रकाशित).

आयोजित सम्मेलन

कानून केंद्र-1 द्वारा डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से, 21-23 फरवरी, 2019 को आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय, आईआईएफटी, क्लेरी लॉ एसोसिएट और श्री सिद्धार्थ लूथरा द्वारा वित्त पोषित। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

सम्मेलन के लिए अतिथि वक्ताओं में प्रोफेसर पीटर वान डेन बोशे, विश्व व्यापार संगठन के अपीलीय निकाय के सदस्य, और, लॉयड सी. नेल्सन इंटरनेशनल इकोनॉमिक लॉ, न्यू यॉर्क स्कूल ऑफ लॉ के प्रोफेसर, प्रोफेसर रॉबर्ट हॉसे शामिल थे। सम्मेलन में प्रोफेसर अभिजीत दास, प्रमुख, डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र, आईआईएफटी नई दिल्ली जैसे गणमान्य व्यक्ति भी शामिल थे।

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

दया देवी

एमिटी लॉ स्कूल, नोएडा में 9 और 10 अगस्त, 2018 को समकालीन समाज में उभरते रुझान और परिवर्तनः एक वैश्विक भविष्य का परिप्रेक्ष्य पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता ।

पारदर्शिता और प्रशासन में जवाबदेही के केंद्र, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 17-18 नवम्बर, 2018 को भविष्य के काम, श्रम नीति और कानून पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

भारतीय विधि संस्थान, नई दिल्ली में विधि मंत्र द्वारा, 12 जनवरी, 2019 को आयोजित महिलाओं और बाल अधिकारों के संरक्षण कानून मुद्दे और चुनौतियां पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत में महिला कार्यकर्ता का सामाजिक संरक्षण और सशक्तिकरण: मुद्दे और चुनौतियाँ" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

बासुकी नाथ दुबे,

ग्रेटर नोएडा आईआईएमटी कॉलेज ऑफ लॉ, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में 30 मार्च 2019 को आयोजित 'इक्कीसवीं सदी में मानव विकास बहु क्षेत्रीय मुद्दों के मुद्दे और चुनौतियां में संसाधन व्यक्ति।

सरबजीत कौर,

वैधानिक और संसदीय अध्ययन संस्थान विठ्ठलभाई पटेल हाउस, रफी मार्ग, नई दिल्ली में 15 सितंबर, 2018 को "संविधान में संशोधन" पर व्याख्यान।

अपेक्षा कुमारी

मानवाधिकार और लैंगिक न्याय, 2018 के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में "बाल कल्याण समितियों के कामकाज की बाल अधिकारों से तुलना, एक अवलोकन" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पी बी पंकजा

स्कूल ऑफ लॉ, सत्यभामा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में अनुसंधान पद्धति पर 7-8 मार्च, 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में "डेटा कलेक्शन के तरीके और उपकरण" में संसाधन व्यक्ति -

मेघ राज

इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट एंड नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली द्वारा आईआईआईडीईएम कैम्पस, दिल्ली में 25 मार्च, 2019 को "सोशल मीडिया और यंग वोटर की भूमिका पर सेमिनार में" सोशल मीडिया और यूथ पार्टिशन इन पॉलिटिक्स" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कानून मंत्र और द इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट, दिल्ली द्वारा महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा: मुद्दों और चुनौतियों पर 12 जनवरी 2019 को आयोजित महिला और बाल अधिकारों के संरक्षण पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "महिलाओं की सुरक्षा कार्यस्थल अधिनियम, 2013: कानून और कार्यान्वयन के बीच की खाई को पाटना" शोध पत्र प्रस्तुत किया।

के. रत्नावली

इंडियन सोसाइटी फॉर इंटरनेशनल लॉ (आईएसआईएल), नई दिल्ली द्वारा 5 जनवरी, 2019 को आयोजित विंटर रिफ्यूजीज़ एंड माइग्रेंट्स पर में 'न्यू यॉर्क डिक्लेरेशन एंड ग्लोबल कॉम्पेक्ट ऑन रिफ्यूजी' पैनल चर्चा में पैनलिस्ट।

ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टेरी), भारत पर्यावास केन्द्र, 12 सितम्बर, 2018 में आयोजित *सरकारी अधिकारियों, सार्वजनिक उपक्रमों, कॉरपोरेट्स, चिकित्सकों और शोधकर्ताओं के लिए डिज़ाइन किए गए सामाजिक प्रभाव आकलन और पुनर्वास पर* पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (10 से 15 सितंबर 2018) में *'आदिवासी आबादी का संवैधानिक, कानूनी और प्रथागत अधिकार' पर व्याख्यान दिया।*

ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टेरी), भारत पर्यावास केन्द्र, में आयोजित सरकारी अधिकारियों, सार्वजनिक उपक्रमों, कॉरपोरेट्स, चिकित्सकों और शोधकर्ताओं के लिए डिज़ाइन किए गए सामाजिक प्रभाव आकलन और पुनर्वास और पुनर्वास पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (2 से 6 अप्रैल 2018) में 5 अप्रैल 2018 को 'आदिवासियों के संवैधानिक, कानूनी और प्रथागत अधिकार, उनकी भूमि पर अधिकार' *पर व्याख्यान दिया।*

अलोक शर्मा

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली में आपराधिक कानून और अपराध विज्ञान केंद्र में के.एल. अरोड़ा चेयर द्वारा आयोजित "आपराधिक कानून में महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य की खोज" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "गिरफ्तारी से संबंधित कानूनी प्रावधानों का कार्यान्वयन: अधिकारों का उल्लंघन" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

2 जुलाई, 2018 को सीबीआई अकादमी, गाजियाबाद में प्रशिक्षण सत्र में "सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 का अवलोकन, इसके संशोधन और सीआरपीसी, आईपीसी और साक्ष्य अधिनियम में संबंधित संशोधन" पर व्याख्यान दिया गया।

सीबीआई अकादमी, गाजियाबाद में 9 फरवरी, 2019 को प्रशिक्षण सत्र में "सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 का अवलोकन, इसके संशोधन और सीआरपीसी, आईपीसी और साक्ष्य अधिनियम में संबंधित संशोधन" पर व्याख्यान दिया।

12 मार्च, 2019 को सीबीआई अकादमी, गाजियाबाद में प्रशिक्षण सत्र में "सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000, उसके संशोधन और सीआरपीसी, आईपीसी और साक्ष्य अधिनियमों में संबंधित संशोधन का अवलोकन" अभिविन्यास कार्यशाला/शिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) कानून, दिल्ली विश्वविद्यालय में 26-27 जनवरी, 2019 के संकाय में पर "वैकल्पिक विवाद समाधान" पर व्याख्यान दिया ।

अंजू सिन्हा

कानून मंत्र द्वारा 12 जनवरी, 2019 को आयोजित महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के संरक्षण पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "महिलाओं और बच्चों के संबंध में जेल प्रणाली में सुधार की आवश्यकता: मुद्दे और चुनौतियां"

विकेश राम त्रिपाठी

आईएसआईएल नई दिल्ली में 12-13 मई, 2018 को आयोजित द इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ के 47 वें वार्षिक सम्मेलन में "घरेलू और पार सीमा आईपी विवादों के निपटान में डब्ल्लयूआईपीओ की भूमिका" ।

विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 16-17 नवंबर, 2018 को आयोजित *कानून, अर्थशास्त्र और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय सम्मेलन* में संसाधन व्यक्ति।

वीआईपीएस, नई दिल्ली में 19 जनवरी, 2019 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून पर राष्ट्रीय सम्मेलन में, "आईएचएल के अंतर्गत महिलाओं का संरक्षण: एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

विधि केंद्र -1, कानून संकाय, डीयू और सेंटर फॉर डब्ल्यूटीओ अध्ययन, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली में , 21- 23 फरवरी 2019 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में "डब्ल्यूटीओ विवाद निपटान प्रणाली और विकासशील देश: एक आलोचनात्मक विश्लेषण" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शंकर सिंह यादव

18 सितंबर, 2018 को केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में आयोजित ई-कॉमर्स और डिजिटल युग में उपभोक्ता संरक्षण: मुद्दे और चुनौतियां पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने वाले ई-कॉमर्स और प्रतिस्पर्धी प्रतिस्पर्धात्मक व्यवसाय आचरण: एक विश्लेषण" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में 18 सितंबर, 2018 को आयोजित ई-कॉमर्स और डिजिटल युग में उपभोक्ता संरक्षण: मुद्दे और चुनौतियां पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने वाले ई-कॉमर्स और प्रतिस्पर्धी प्रतिस्पर्धात्मक व्यवसाय आचरण: एक विश्लेषण" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में 18 सितंबर, 2018 को आयोजित ई-कॉमर्स और डिजिटल युग में उपभोक्ता संरक्षण: मुद्दे और चुनौतियां पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

लिंग संबंधी मुद्दों पर लोगों को जागरूक करने के लिए लिंग संवेदनशीलता समिति द्वारा 19 से 20 अप्रैल, 2019 तक दो दिवसीय कला-प्रदर्शनी 'अस्तित्व' का आयोजन किया गया।

16 फरवरी, 2019 को समान अधिकार समिति द्वारा विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर जागरूकता अभियान सह विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

17 फरवरी 2019 को शक्ति नगर अंडर ब्रिज में 7 वें अभिगम्य कार्यक्रम, विधिक सेवा सोसायटी के 40 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया।

दिल्ली के ए ब्लॉक कीर्ति नगर में 8वां अधिगम्य (मेगा) कार्यक्रम; कानूनी सेवा सोसायटी के 55 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया।

26 और 28 फरवरी 2019 को किशोरियों में कानूनी जागरूकता फैलाने के लिए 60 पीएलवी ने सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एंड मास (एसपीवाईएम) का दौरा किया।

संकाय की संख्या: 56

स्थायी संकाय -56

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सरबजीत कौर: प्रशासनिक कार्यों की न्यायिक समीक्षा के आधार - क्षितिज का विस्तार विषय पर कानून के शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या कार्यक्रम के हिस्से के रूप में समकालीन कानून: मुद्दे और परिप्रेक्ष्य श्रेणी में स्वयम पोर्टल पर शिक्षण सामग्री तैयार की और वीडियो व्याख्यान (ई-पाठ के साथ) रिकॉर्ड किए। स्वयम पोर्टल मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार के तत्वावधान में संचालित है। लिंक: http://swayam.gov.in.

***

विधि केंद्र-II

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विधि संकाय के विधि केंद्र-II ने 2018-19 के दौरान अकादमिक, पाठ्येतर और विस्तार गतिविधियों की झड़ी लगा दी है। द्वितीय विधि केंद्र-II संवाद व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें 4 अक्तूबर, 2018 को डॉ. अनिरुद्ध राजपूत, अंतर्राष्ट्रीय कानून आयोग, संयुक्त राष्ट्र द्वारा "अंतर्राष्ट्रीय कानून के संहिताकरण और

प्रगतिशील विकास में अंतर्राष्ट्रीय कानून आयोग की भूमिका" पर एक व्यावहारिक चर्चा शामिल थी। विधि केंद्र-II के छात्रों ने 13 अप्रैल, 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 'प्रणब सर की पाठशाला' में भाग लिया, जहाँ उन्होंने भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के साथ बातचीत की। उन्होंने छात्रों के साथ जुड़े रहने और जिज्ञासु युवाओं के सवालों के जवाब देने के लिए यह पहल की है। विधि केंद्र-II ने 20 अक्तूबर, 2018 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सहयोग से मानवाधिकार पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। महामहिम ब्रिगेडियर डॉ.बी. डी. मिश्रा, राज्यपाल, अरुणाचल प्रदेश राज्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

सम्मान/गौरव

विधि केंद्र- II के 2014-2017 बैच की सुश्री प्रेरणा सिंह को 19 नवंबर, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के 95वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा हीरा लाल डागा मेमोरियल पदक और विश्वविद्यालय विधि संघ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

वी के आहूजा (संपा.) (2019). समकालीन मुद्दे - प्रोफेसर उपेंद्र बक्सी के सम्मान में एक चेष्टा-विमर्श। लखनऊ: ईस्टर्न बुक कंपनी।

वी के आहूजा (2019). बौद्धिक संपदा अधिकारों के लिए मानव अधिकार दृष्टिकोण। वी के आहूजा (सं.) मानवाधिकार: समकालीन मुद्दे - प्रोफेसर उपेन्द्र सक्सेना के सम्मान में एक दिलचस्प चर्चा। 51-75. लखनऊ: ईस्टर्न बुक कंपनी।

वी. देशवाल (2018). सतर्क न्यायिक सत्ता। एमडीयू लॉ जर्नल, XX, 49-61.

गोगोई, जुपी और सिन्हा, मनोज के. (2018). भारत के विशेष संदर्भ में बौद्धिक संपदा अधिकार और मानवाधिकार (संपा.) नई दिल्ली: आईएलआई पब्लिकेशंस

गोगोई, जुपी (2018). भौगोलिक संकेतों के कानून के माध्यम से मानव अधिकारों को बढ़ावा देना: भ्रम या एक वास्तविकता। मनोज के. सिन्हा और जुपी गोगोई (सं.) में । भारत के नविशेष संदर्भ के साथ बौद्धिक संपदा अधिकार और मानव अधिकार। 255-272. नई दिल्ली: आईएलआई पब्लिकेशंस

गोगोई, जुपी (2018). के सामाजिक-आर्थिक विकास में भौगोलिक संकेत की भूमिका: एक महत्वपूर्ण अध्ययन। विधिज्योति II, 101-122.

किरण गुप्ता. (2018). कानूनी अनुसंधान के प्रति विश्लेषणात्मक परिप्रेक्ष्य। में ई.पू. निर्मल व अन्य (संपा.) कानूनी अनुसंधान और कार्यप्रणाली: परिप्रेक्ष्य, प्रक्रिया और अभ्यास। 73-82. नई दिल्ली: सत्यम लॉ इंटरनेशनल।

ह्नाम्ते, इरविन एल. (2018). पारंपरिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों का संरक्षण: तब और अब। जर्नल ऑफ कंटेम्परेरी लॉ, I (1), 56-63.

अनुपम झा. (2018). पेरिस समझौता और भारत: क्रीड़ा या गंभीर गठबंधन? प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण (अमेरिकी बार एसोसिएशन ऊर्जा और संसाधन अनुभाग), 33 (2), 1-7.

झा, अनुपम और गुन्पुथ, आर.पी. (2017). ट्रिपिंग और संधि खरीदारी: द्विपक्षीय समझौतों और उपचार में विवाद। काठमांडु स्कूल रिव्यू, 5, 29-42.

नायक, बालाजी बी.जी. और एलेग्जेंडर, अतुल. (2019). यातना न्यायशास्त्र और भारत के विधि आयोग का कार्य: एक मानव अधिकार परिप्रेक्ष्य। कानूनी अध्ययन और अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 8(1), 159-166. https://drive.google.com/file/d/1QiwkmMJ6jb_AZj7EmTdZbKyup10VtGsr/view से पुनर्प्राप्त।

नसीमा पी.के. (2018). सामाजिक वैश्वीकरण और नए कानूनी मानदंडों का परिचय-ट्रिपल तलाक अध्यादेश 2018 के प्रकाश में एक अध्ययन। *दिल्ली जर्नल ऑफ कंटेम्परारी लॉ रिव्यू,* 1, 48 -55.

सोनवाने ए. (2019). बच्चों के मानव अधिकारों के संरक्षण के लिए संयुक्त राष्ट्र और भारतीय कानूनी प्रणाली की भूमिका। वी. के. आहूजा (सं.) मानवाधिकार - समकालीन मुद्दे: उपेंद्र बक्सी के प्रोफेसर के सम्मान में एक प्रयास। 428-442. लखनऊ: ईस्टर्न बुक कंपनी.

सोनवाने ए. (2018). मानवाधिकार और लुप्तप्राय पहचान: मानवीय संकट के बीच रोहिंग्याओं की भारतीय दृष्टिकोण दिल्ली जर्नल ऑफ कंटेम्परारी लॉ, 72-77, , http://lc2.du.ac.in/DATA/Delhi%20Journal%20of%20Contemporary%20Law.pdf से पुनर्प्राप्त।

सोनी, किसले और आनंद, आशुतोष राज. (2019). एंथ्रोपोसिन के युग में काउंटरवैलिंग आपदा। एस. शिवकुमार, मनोहर थिरानी और लिसा पी. लुकोस (संपा.) में।सार्क देशों में आपदा प्रबंधन कानून। 21- 30. नई दिल्ली: मोहन लॉ हाउस।

श्रीवास्तव, ए. के. (2019). माल का बहुविध परिवहन और बीमा की उनकी आवश्यकता। मानविकी और सामाजिक विज्ञान जर्नल, संस्क. 24 (1), 67-74. http://iosrjournals.org/iosr-jhss/pages/24(1)version2html से पुनर्प्राप्त।

प्रमोद तिवारी (2018). समकालीन विश्व-एक अध्ययन में तुलनात्मक कानून की भूमिका। विधि समीक्षा (जय नारायण पी। जी। कॉलेज लखनऊ द्वारा प्रकाशित),38(1), 109-112.

प्रमोद तिवारी (2018). टाइपोलॉजीकल स्कूल ऑफ क्रिमिनोलॉजी: क्रिटिकल एंड कम्पेरेटिव आउटलुक। देहरादून कानून की समीक्षा, 10 (1), 331-339.

उपाध्याय, संतोष (2019). सशस्त्र संघर्ष और पर्यावरण। अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण कानून का इयरबुक, 28, 115-119.

वशिष्ठ, अर्चा और आहूजा, पर्थवी.(2019). यौन अल्पसंख्यकों के मानव अधिकारों का संरक्षण: अस्वीकार्य स्वीकार करना। वी. के. आहूजा (सं।) मानवाधिकार समकालीन मुद्दे। 212-234. लखनऊ: ईस्टर्न बुक कंपनी।

वशिष्ठ, अर्चा. (2018). अनाचार: द कर्टन अनफोल्डेड। अरविंद पी में। भानु (सं।) अनाचार: न उठाया जाने वाला पर्दा। अरविंद पी भानु (संपा.) में। महिला और कानून। 145-154. नई दिल्ली: सत्यम लॉ, अंतर्राष्ट्रीय.

वाधवा, ईशा. (2018). भारतीय कॉपीराइट कानून में अपवाद और सीमाएं प्रदर्शित करना।मनोज कुमार सिन्हा और गोगोई, जुपी. (संपा.) में, भारत में विशेष जोर के साथ आईपीआर और मानवाधिकार, 209-234. नई दिल्ली: भारतीय विधि संस्थान.

समाचार पत्र और पत्रिकाएं

देसवाल, वी. (2018, दिसम्बर 06). किशोरों का कठोर सजा - क्या हमने अपने बच्चों को फेल कर दिया है। टाइम्स ऑफ इंडिया। https://timesofindia.indiatimes.com/life-style/relationships/soul-curry/harsher-sentencing-of-juveniles-have-we-failed-our-children/articleshow/66966170.cms से पुनर्प्राप्त।

देसवाल, वी. (2018, अक्तूबर 08). मी टू टू इन इंडिया- बयानबाजी बनाम वास्तविकता। टाइम्स ऑफ इंडिया। https://timesofindia.indiatimes.com/life-style/relationships/love-sex/metoo-in-india-rhetoric-versus-reality/articleshow/66117332.cms से पुनर्प्राप्त।

देसवाल, वी. (2019, फरवरी 14). क्या कानून का प्यार से कोई लेना देना है? टाइम्स ऑफ इंडिया।https://timesofindia.indiatimes.com/blogs/legally-speaking/what-has-law-got-to-do-with-love/ से पुनर्प्राप्त

देसवाल, वी. (2019, फरवरी 22). बच्चों को शारीरिक दंड और कानून। टाइम्स ऑफ इंडिया।https://timesofindia.indiatimes.com/blogs/legally-speaking/corporal-punishment-against-children-and-the-law/ से पुनर्प्राप्त

देसवाल, वी. (2019, फरवरी 8). क्या आप अपनी सहमति के बिना अपने को जन्म देने के लिए अपने माता-पिता मुकदमा कर सकते हैं? टाइम्स ऑफ इंडिया।https://timesofindia.indiatimes.com/blogs/legally-speaking/can-you-sue-your-parents-for-giving-birth-to-you-without-your-consent/ से पुनर्प्राप्त।

देसवाल, वी. (2019, जनवरी 28). पत्नी को वेश्या कहना घोर उकसावे का काम है- कुछ जुमले।टाइम्स ऑफ इंडिया।https://timesofindia.indiatimes.com/blogs/legally-speaking/calling-wife-prostitute-is-grave-provocation-some-ruminations/ से पुनर्प्राप्त।

देसवाल, वी. (2019, जनवरी03). क्या भारत में विवाहेतर संबंध कानूनी हैं?टाइम्स ऑफ इंडिया।https://timesofindia.indiatimes.com/life-style/relationships/love-sex/are-extra-marital-affairs-legal-in-india/articleshow/67349869.cms से पुनर्प्राप्त।

देसवाल, वी. (2019, जनवरी16). क्या कोई पुरुष अपनी पत्नी का बलात्कार कर सकता है? टाइम्स ऑफ इंडिया।https://timesofindia.indiatimes.com/blogs/legally-speaking/can-a-man-rape-his-wife/ से पुनर्प्राप्त।

देसवाल, वी. (2019, जनवरी19). नारीवाद 'अप' शब्द क्यों नहीं है?टाइम्स ऑफ इंडिया।https://timesofindia.indiatimes.com/blogs/legally-speaking/why-feminism-is-not-the-f-word/ से पुनर्प्राप्त।

देसवाल, वी. (2019, जनवरी24). भारत में बाल विवाह की कानूनी स्थिति। टाइम्स ऑफ इंडिया। https://timesofindia.indiatimes.com/blogs/legally-speaking/legal-status-of-child-marriages-in-india/ से पुनर्प्राप्त।

देसवाल, वी. (2019, मार्च 4). भारत में लिव-इन-रिलेशनशिप की गतिशीलता को डिकोड करना। टाइम्स ऑफ इंडिया।https://timesofindia.indiatimes.com/blogs/legally-speaking/decoding-the-dynamics-of-live-in-relationships/ से पुनर्प्राप्त।

देसवाल, वी. (2019, मार्च 8). रात में गिरफ्तारी से मना करने से लेकर नहीं कहने तक - प्रत्येक भारतीय महिला को इन कानूनों को जानना चाहिए। टाइम्स ऑफ इंडिया।https://timesofindia.indiatimes.com/life-style/relationships/love-sex/अंतर्राष्ट्रीय-womens-day-2019-from-right-against-arrest-at-night-to-right-to-say-no-every-indian-woman-should-know-these-laws/articleshow/68301617.cms से पुनर्प्राप्त।

कुमार, आशीष. (2019, मार्च 13). राय: अयोध्या विवाद में मध्यस्थता: सहयोगात्मक निर्णय के लिए संभावनाएँ। आउटलुक. https://www.outlookindia.com/website/story/india-news-mediation-in-ayodhya-dispute-possibilities-for-collaborative-resolution/326985 से पुनर्प्राप्त

केंद्र द्वारा प्रकाशित जर्नल - 02

संपादकीय मंडल के संपादकों/सदस्यों के रूप के कार्यरत संकाय की संख्या

संपादक/ एसोसिएटसंपादक- दो जर्नलों में दे शिक्षक

संपादकीय मंडल के सदस्य- चार जर्नलों में चार शिक्षक

शोध परियोजनाएं

न्याय विभाग, कानून मंत्रालय, भारत सरकार, 2018-19, "भारत में मध्यस्थता (एडीआर) की प्रभावशीलता: पारिवारिक विवाद में ऑनलाइन मध्यस्थता और मध्यस्थता पर विशेष ध्यान, उपभोक्ता निवारण विवाद, वाणिज्यिक विवाद, बौद्धिक संपदा विवाद, बहु राष्ट्रीय कंपनियां विवाद", रुपए 12 लाख।

परियोजना से जुड़े संकाय: डॉ. आशुतोष मिश्रा, श्री आशुतोष आचार्य

आयोजित संगोष्ठी -4

प्रोफेसर (डॉ.) वेद पी. नंदा, डेनवर विश्वविद्यालय और अवैतनिक प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय ने लिंग संवेदीकरण कमेटी द्वारा 8 मार्च, 2019 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस में सम्मेलन में एक वार्ता के रूप में अपने विचार साझा किए।

डॉ. स्तेलिओस एंड्रेडाकिस, ब्रुक यूनिवर्सिटी, लंदन में कॉरपोरेट और वित्तीय कानून के वरिष्ठ व्याख्याता और पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम्स के निदेशक द्वारा 27 फरवरी, 2019 को ब्रुक यूनिवर्सिटी, लंदन में व्याख्यान: ब्रेक्सिट पर व्याख्यान: होना या न होना (या नहीं होना?)

श्री विनय कुमार संदूजा, 26 फरवरी, 2019 को प्लेसमेंट एंड इंटर्नशिप समिति द्वारा आयोजित प्रतियोगिता कानून और दिवाला और दिवालियापन संहिता के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्री विनय कुमार संदूजा रजिस्ट्रार, भारतीय मध्यस्थता परिषद्,श्री मानस कुमार चौधरी, साथी, खेतान और कं. श्री मुनीश के. शर्मा, प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव और इन्सॉल्वेंसी प्रोफेशनल।

सुश्री स्वाति जयहिंद मालीवाल, अध्यक्ष, डीसीडब्ल्यू, लिंग संवेदीकरण समिति द्वारा 18 फरवरी, 2019 को एसिड अटैक सर्वाइवर्स के पुनर्वास: समस्याएं और चुनौतियां पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

विधि केंद्र-II ने में सितम्बर 19, 2018 को भारतीय दंड संहिता की धारा 377 और आगे की राह पर उमंग भवन, विधि संकाय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन

जस्टिस फॉर राइट्स फाउंडेशन के सहयोग से लॉ सेंटर- II ने 24 अगस्त, 2018 को पुलिस सुधारों और एनएचआरसी की भूमिका की आवश्यकता पर एक सम्मेलन आयोजित किया। यह सम्मेलन न्यायमूर्ति परमोद कोहली, पूर्व मुख्य न्यायाधीश, सिक्किम उच्च न्यायालय और पूर्व अध्यक्ष, केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था।

केंद्र ने ऑल इंडिया लॉ स्टूडेंट्स फेडरेशन के सहयोग से 6 अक्तूबर, 2018 को कानूनी कौशल और अनुसंधान पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। माननीय न्यायमूर्ति राजीव शकधर, दिल्ली उच्च न्यायालय इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे और श्री विक्रमजीत बनर्जी, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल सम्मानित अतिथि थे।

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

आहूजा, वी.के.

बेनेट विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, 16 फरवरी, 2019 को सिद्धांत और व्यवहार की पहेली पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में, "शिक्षाविदों के लिए सतत कानूनी शिक्षा" पर वार्ता प्रस्तुत की।

शोभित विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), नई दिल्ली के सहयोग से, 22 दिसंबर, 2018 को मारकेश संधि के विशेष संदर्भ में मानव अधिकारों पर आयोजित एक दिवसीय मूल प्रशिक्षण कार्यक्रम में अंधों और नेत्रहीनों को मानव अधिकार पर संसाधन व्यक्ति के रूप में वार्ता प्रस्तुत की।

यूनाइटेड वर्ल्ड स्कूल ऑफ लॉ, कर्णावती विश्वविद्यालय, गांधीनगर द्वारा 19 मार्च, 2019 को आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला - दस में बौद्धिक संपदा अधिकार कानून की बारीकियों में अंतर्दृष्टि: कानूनी और प्रबंधन के परिप्रेक्ष्य का विश्लेषण, "कॉपीराइट और शिक्षा का अधिकार: दिल्ली विश्वविद्यालय फोटोकॉपी मामले का निर्णय विश्लेषण" पर वार्ता प्रस्तुत की।

यूनाइटेड वर्ल्ड स्कूल ऑफ लॉ, कर्णावती विश्वविद्यालय, गांधीनगर द्वारा 18 मार्च, 2019 को आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला - दस "बौद्धिक संपदा अधिकार: एक अवलोकन" पर वार्ता प्रस्तुत की।

रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति के साथ सहयोग से 19 जनवरी, 2019 को विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस लीगल स्टडीज, कोच्चि में, 7 मार्च, 2019 को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण पर"103 वां संशोधन अधिनियम: एक कदम आगे या संविधान पर एक सनकी धोखाधड़ी?" पर राष्ट्रीय स्तर पर पैनल चर्चा में एक सत्र की अध्यक्षता की।

न्यायिक अकादमी झारखंड, रांची में 15 अप्रैल 2018 को सिविल जूड (जूनियर डिवीजन), के लिए उन्मुखीकरण प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में "आईपी विवादों में न्यायिक मामले" पर व्याख्यान दिया।

डीएचजेएस और डीजेएस अधिकारियों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों और प्रवर्तन पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम में, दिल्ली न्यायिक अकादमी, द्वारका, नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 2018 को "आईपीआर कानूनी व्यवस्था की उत्पत्ति और विकास" पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रांची में 16 अप्रैल 2018 को "ट्रेड मार्क्स के उल्लंघन" पर व्याख्यान दिया।

5 मार्च 2019 को माता सुंदरी महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) में "बौद्धिक संपदा अधिकार: एक अवलोकन" पर व्याख्यान दिया।

केरल के केंद्रीय विश्वविद्यालय में "बौद्धिक संपदा अधिकार" पर 8 मार्च, 2019 को पर व्याख्यान दिया।

लोयड लॉ कॉलेज, ग्रेटर नोएडा में 24 मार्च, 2019 को "पेटेंट और जन स्वास्थ्य" पर व्याख्यान दिया।

लोक नायक जय प्रकाश नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एवं फॉरेंसिक साइंस (गृह मंत्रालय, भारत सरकार), दिल्ली द्वारा, 22 जनवरी, 2019 को आयोजित बौद्धिक संपदा अधिकार उल्लंघन पर संगोष्ठी में "ट्रेड मार्क्स का उल्लंघन और अवहेलना" पर व्याख्यान दिया।

वी देशवाल

हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन गुड़गांव द्वारा 5 जून 2018 को आयोजित केंद्रीय सरकार के अनुभाग अधिकारियों के लिए एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "कार्यस्थल अधिनियम, 2013 में यौन उत्पीड़न के खिलाफ महिलाओं की सुरक्षा" पर व्याख्यान दिया।

संकाय विकास केंद्र, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 24 दिसंबर, 2018 को आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में "यौन उत्पीड़न और बलात्कार से संबंधित कानून" पर पर व्याख्यान दिया।

सीडीए विश्वविद्यालय, सिरसा, हरियाणा में 26 नवंबर, 2018 को संविधान दिवस के अवसर पर बाबा साहेब डॉ. बीआर अंबेडकर पर पुनर्विचार पर दो दिनों की राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाषण दिया गया।

गोवा में मानवाधिकार कानून नेटवर्क द्वारा 19-24 जून, 2018 को आयोजित महिलाओं के खिलाफ हिंसा और भेदभाव से संबंधित कानून में समकालीन विकास पर 5-दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में "आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम, 2013" पर व्याख्यान दिया।

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान चेन्नई के सहयोग से संभागीय प्रशिक्षण केंद्र, हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान, रोहतक द्वारा 10 अप्रैल 2018 को आयोजित कानूनी जागरूकता कार्यक्रम में "कार्यस्थल पर लिंग आधारित भेदभाव" विषय पर व्याख्यान दिया।

बैंकॉक में मार्टिन जेम्स फाउंडेशन, बर्मिंघम द्वारा 13-14 मार्च, 2019 को आयोजित, बच्चों के लिए वैकल्पिक देखभाल पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में पालक देखभाल" विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

भारतीय दलित अध्ययन संस्थान और डब्ल्यूएसडीसी डीयू के सहयोग से यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन के महिला अध्ययन विभाग, ईओ क्लेयर, यूएसए द्वारा 10 जनवरी 2019 को आयोजित वैश्विक नारीवाद पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में "भारत में महिलाओं के लिए कानून" विषय पर व्याख्यान दिया।

चूंकि संसाधन व्यक्ति ने पर एक व्याख्यान दिया, जो एचएएसए, गुरुग्राम द्वारा 17 दिसंबर 2018 से - 29 मार्च 2019 तक आयोजित आईटीएस अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय स्तर के फाउंडेशन कोर्स में संसाधन व्यक्ति के रूप में "आपराधिक कानून के सामान्य सिद्धांत" (15 जनवरी, 2019) और "महिलाओं के यौन उत्पीड़न" (जनवरी 18 जनवरी, 2019) विषय पर व्याख्यान दिया।

सेक्टर -14 गुड़गांव के गवर्नमेंट महाविद्यालय फॉर गर्ल्स द्वारा 19 मार्च, 2019 को आयोजित एनएसएस कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में "लड़कियों के लिए कानूनी जागरूकता" विषय पर व्याख्यान दिया।

28 मार्च, 2019 को एचआरडीसी, बीपीएसएमवी खानपुर द्वारा आयोजित लिंग संवेदीकरण पर एमएचआरडी एंड यूजीसी प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया।

कुमार, आशीष

महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के एक संसाधन संस्थान - "मानव संसाधन विकास की राष्ट्रीय अकादमी (एनएएचआरडी) द्वारा सरकार/पीएसयू अधिकारियों के लिए एक राष्ट्रीय कार्यशाला में26 अक्तूबर 2018 को "मध्यस्थता की कार्यवाही से निपटने पर एक इंटरैक्टिव प्रस्तुति दी।"

विधि केंद्र- I, विधि संकाय, डीयू द्वारा डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से, 21-23 फरवरी, 2019 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्रतियोगिता और व्यापार के मुद्दों का संगम" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नायक, बालाजी बी.जी.

इंडियन सोसायटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ, नई दिल्ली द्वारा 12-13 मई, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय कानून पर 47वें वार्षिक सम्मेलन में, "अंतर्राष्ट्रीय कानून के लिए भारत के बढ़ते सम्मान: हाल के विकास का एक कालक्रम" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

5 जनवरी, 2019 को इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ, नई दिल्ली द्वारा अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन और शरणार्थी कानून पर शीतकालीन पाठ्यक्रम में "न्यूयॉर्क घोषणा और वैश्विक कॉम्पैक्ट शरणार्थियों" पर पैनल चर्चा में भाग लिया।

नसीमा, पी.के.

वीआईटी विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा 29 सितंबर, 2018 को भारत में आपराधिक न्याय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "जब अकेले उम्र ही बलात्कार का अपराध तय करती है- पास्को अधिनियम और जेजे अधिनियम के प्रकाश में एक आत्मनिरीक्षण"।

भारतीय दर्शन शास्त्र विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई में द्वारा आयोजित, 14-15 नवंबर, 2018 को आईसीपीआर (दिल्ली) द्वारा प्रायोजित मन और चेतना की घटना:भारतीय और पश्चिमी परिप्रेक्ष्य पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अद्वैत वेदांत-आधुनिक सामाजिक न्याय के लोकतांत्रिक पुनरुत्थान के लिए एक साधन'शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कानूनी अध्ययन परिषद्, नई दिल्ली में विधि संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के सहयोग से 22-23 सितंबर, 2018 को, , भारत में इस्लाम और समकालीन कानूनी मुद्दों पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "इस्लाम में लैंगिक समानता: आत्मनिरीक्षण" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय दिल्ली, नई दिल्ली द्वारा 24-26 अक्तूबर 2018 को आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय महिला और व्यापार सम्मेलन में "सतत व्यवसाय विकास में महिलाओं की भूमिका, कारण और समाधान" नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पीजी डिपार्टमेंट ऑफ बैंकिंग एंड इंश्योरेंस मैनेजमेंट एंड डिपार्टमेंट ऑफ बैंक मैनेजमेंट, एथिराज कॉलेज फॉर वुमन (स्वायत्त) द्वारा

30- 31 जनवरी, 2019 को आयोजित *सामाजिक समानताः समावेशी विकास और स्थिरता के लिए एक उत्प्रेरक* पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में (अनुपस्थिति में) "कानून, समानता और सामाजिक परिवर्तन-एक आत्मनिरीक्षण" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शर्मा, अन्जय

इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ, नई दिल्ली द्वारा 12-13 मई, 2018 को आयोजित आईएसआईएल के 47वें वार्षिक सम्मेलन में द इंटरनेशनल क्रिमिनल लॉ: अवधारणा वर्गीकरण और अधिकार क्षेत्र पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

19 जनवरी, 2019 को आईसीआरसी के सहयोग से वीआईपीएस द्वारा आयोजित *अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कानून पर राष्ट्रीय सम्मेलन* में एनआईएसी के दौरान अर्थ और कानून को लागू करने पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।।

पर फेडरेशन के प्रस्तुतिकरण की अधिसूचना-एमिटी यूनिवर्सिटी, नोयडा, उ.प्र द्वारा 14-15 फरवरी, 2019 को आयोजित *तुलनात्मक संवैधानिक कानून पर* एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *भारत और ऑस्ट्रेलिया फेडरेशन की धारणा- एक तुलनात्मक अध्ययन* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अजय सोनवाने

आईएलआ, आरजीएनयूएल, पंजाब, एनएलयूजेए, असम, एमएनएलयू, नागपुर, एमएनएलयू, औरंगाबाद, डीसीपीसीआर, भारत सरकार के सहयोग से विधि मंत्र द्वारा 12 जनवरी, 2019 को भारतीय विधि संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित महिलाओं और बाल अधिकारों के संरक्षण: मुद्दे और चुनौतियाँ पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में बच्चों के अधिकार और बाल श्रम की संवेदनशीलता - मानव अधिकार परिप्रेक्ष्य पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

संतोष उपाध्याय

19 जनवरी, 2019 को वाआईपीएस, दिल्ली और आईसीआरसी, क्षेत्रीय प्रतिनिधिमंडल, दिल्ली द्वारा आयोजित जिनेवा सम्मेलनों 1949 की 70 वीं वर्षगांठ के उत्सव के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून पर राष्ट्रीय सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र संक्रमणकालीन प्रशासन के लिए व्यवसाय के कानून की प्रयोज्यता पर चर्चा पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

विधि केंद्र- II ने 2018-19 के दौरान, निम्नलिखित कई विस्तार और अधिगम्य गतिविधियों का संचालन किया है:

11 अप्रैल 2018 को विधि केंद्र-II में एक महिला सुरक्षा कार्यशाला और महिला सुरक्षा पुस्तिका के विमोचन का आयोजन किया गया।

बरारी के लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए 20 अप्रैल, 2018 को कानूनी सहायता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 7-8 मामलों की जांच की गई।

केरल के लोगों को समर्थन देने के लिए 28 अगस्त, 2018 को एक दान अभियान का आयोजन किया।

विधि केंद्र- II ने 24 सितंबर, 2018 को एनएसएस दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन राम मनोहर लोहिया अस्पताल और रक्त कनेक्ट फाउंडेशन (एनजीओ), नई दिल्ली के सहयोग से किया गया था।

7 फरवरी 2019 को, एनएसएस सोसायटी ने स्वास्थ्य जागरूकता पर एक चर्चा का आयोजन किया, जिसमें सीपीआर से लेकर अंग दान और महिलाओं में कैंसर की रोकथाम तक के स्वास्थ्य विषयों पर 3 व्याख्यान दिए गए। ।

विधि केंद्र- II के छात्रों ने संकाय सदस्य श्री आशुतोष श्रीवास्तव के साथ 14 मार्च 2019 को मंडोली जेल का दौरा किया।

विधि केंद्र- II की एनएसएस समिति ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम की मदद से 05 जनवरी, 2019 को स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया।

150 छात्रों को पीएलवी चुना गया था और 2-3 नवंबर, 2018 को उमंग भवन स्थित मूट कोर्ट हॉल में डीएसएलएसए द्वारा 2-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

आंगनवाड़ी परियोजना - डीएसएलएसए द्वारा 12-15 अगस्त, 2018 को शुरू की गई थी और इसमें छात्रों ने भाग लिया था।

दरवाजे-दरवाजे अभियान- यह एक प्रमुख अभियान था जो डीएसएलएसए द्वारा 15-24 नवंबर, 2018 तक आयोजित किया गया था। 24 पीएलवी ने भाग लिया। अभियान का उद्देश्य जनता तक पहुंचना और स्थानीय रूप से सामना किए गए विभिन्न कानूनी मुद्दों पर सर्वेक्षण करना था।

यातायात जागरुकता अभियान - राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाने के लिए, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के साथ 20 पीएलवी ने 3 दिसंबर, 2018 को राजपथ, इंडिया गेट, नई दिल्ली में ट्रैफिक चौराहे पर यात्रियों में जागरूकता फैलाई।

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय-46
अतिथि संकाय-13

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

केंद्र के छात्रों ने इस दौरान आयोजित कई मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त किए।

डॉ. वागेश्वरी देशवाल, विधि केंद्र- II की सहायक प्रोफेसर (सीनियर स्केल) को 2018-19 में अक्सर विभिन्न टीवी कार्यक्रमों में कानून विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया है।

जिनेवा, स्विट्जरलैंड के प्रोफ़ेसर (डॉ.) एचसी क्रिस्टोफ़ स्टुकलेबर्गर, ग्लोबेथिक्स. नेट के अध्यक्ष और संस्थापक ने विधि केंद्र- II, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय का दौरा किया और 19 नवंबर, 2018 को "नैतिकता पर उच्च शिक्षा" में शिक्षकों के साथ बातचीत की।

दूसरी संवाद व्याख्यान श्रृंखला 2018 में, श्री गोविंद गेहा, वरिष्ठ सलाहकार, दूरसंचार नियामक और पूर्व सदस्य, टीडीएसएटी और श्री इलम चंद कंबोज, पंजीकृत इन्सॉल्वेंसी प्रोफेशनल और पूर्व एसोसिएट उपाध्यक्ष, हीरो मोटर कॉर्प लिमिटेड ने 15 नवंबर, 2018 को कानून और सीएस ने छात्रों के साथ बातचीत की। दिल्ली उच्च न्यायालय के अधिवक्ता डॉ. राजेश गुप्ता ने 14 मार्च, 2019 को छात्रों के साथ वार्ता प्रस्तुत की।

****

प्रबंधन अध्ययन संकाय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

एफएमएस द्वारा दुनिया की बेहतरीन संस्थानों से और विविध कार्य अनुभवों के साथ संकाय सदस्यों को आकर्षित करना जारी है। पिछले दशकों में एफएमएस में पेश किए जाने वाले कार्यक्रमों की प्रकृति और संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। एफएमएस की भारत और विदेशों में अग्रणी व्यावसायिक घरानों, प्रबंधन संस्थानों और पेशेवर संघों के साथ आदान-प्रदान कार्यक्रम और सहयोगी व्यवस्था है। इसके योगदान की सराहना में, इंडस्ट्रियल फाइनेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और एमवे कॉर्पोरेशन ने क्रमशः इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरियल डेवलपमेंट में चेयर प्रोफेसर्सशिप बनाई है। दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर में एफएमएस के अनुसंधान और विकास विंग के रूप में बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की सहायता से शांति प्रसाद जैन एडवांस्ड मैनेजमेंट रिसर्च सेंटर, स्थापित किया गया है।

एफएमएस अर्थशास्त्र, कानून, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, नृविज्ञान, वाणिज्य और संचालन अनुसंधान के कुछ बेहतरीन विभागों के साथ दुनिया के प्रमुख विश्वविद्यालयों में से एक - दिल्ली विश्वविद्यालय का एक हिस्सा होने का विशेषाधिकार प्राप्त है। हमारे सहयोगी प्रयासों में विभिन्न विभागों के इनपुट शामिल होते हैं जो अवधारणाओं के संदर्भ के साथ-साथ बहुत व्यापक दृष्टिकोण और गहन समझ प्रदान करते हैं। वर्षों से संस्थान

ने अपने विद्वान शिक्षकों और छात्रों के लिए प्रमुखता हासिल की है, जो आज भारत और विदेशों दोनों जगह कॉरपोरेट जगत में प्रतिष्ठित पदों पर काबिज हैं। हमारे लगातार उद्योग संपर्क, मजबूत उद्योग इंटरफेस और संरक्षक कार्यक्रम लगातार प्रासंगिक उपकरणों के ज्ञान को जोड़ते हैं और समस्याओं और अवसरों के माध्यम से निर्णायक रूप से सोचने की क्षमता को बढ़ाते हैं। वर्षों से हमारा उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड, इस तथ्य को दोहराता है कि एफएमएस की उत्कृष्टता की पूर्णता और अथक दृढ़ता के लिए प्रयास हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के आधार हैं।

प्रकाशन

बनर्जी, एस., बंसल, एस., और गुप्ता, जी. (2018), बिक्री के बाद सेवाओं और उपभोक्ता संतुष्टि: विश्लेषण अंतर्दृष्टि से, 'इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस (सीरियल प्रकाशन, एबीडीसी सूचीबद्ध),खंड 17, संख्या 4, पृष्ठ 225-235.

गुप्ता, जी. और अग्रवाल, एस. (2018), 'शिकायत दान और ग्राहक प्रतिक्रिया परिणाम: ऑनलाइन रिटेल के संदर्भ में एक जांच, व्यावसायिक प्रबंधन की समीक्षा एनडीआईएम - नई दिल्ली प्रबंधन संस्थान (आईएसएसएन: 0972-8686) , खंड 16, सं. 2 (जुलाई-दिसंबर), पृष्ठ 25-35।

नागपाल, एस. और गुप्ता, जी। (2018), 'विनिर्माण फर्मों के परिचालन प्रदर्शन पर प्रभाव का आकलन', संस्क. 4. 'हरित आयाम, पर्यावरण अभिविन्यास और आकार: विनिर्माण फर्मों के परिचालन प्रदर्शन पर प्रभाव का आकलन', मैनेजमेंट पर्सपेक्टिव (IILM ग्रेजुएट बिज़नेस स्कूल, नोएडा), एक्ट्स। 4.

तंवर, आर. और गुप्ता, जी. (2018), 'ऑनलाइन ब्रांड ट्रस्ट: एक एंटी-कॉन्टेन्डेंस फ्रेमवर्क', 'ऑनलाइन ब्रांड ट्रस्ट: एन-एंटेकेन्डेंट-कंजम्पशन फ्रेमवर्क ', एसजेसीसी मैनेजमेंट रिसर्च रिव्यू - सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ कॉमर्स, बैंगलोर (आईएसएसएन: 2249-4359), खंड 8, सं. 2 (दिसंबर), पृष्ठ 50-62.

श्रीवास्तव, एम. और गुप्ता, जी. (2018), हरित अनुकूलन के वाहक: संगठनात्मक और उपभोक्ता परिप्रेक्ष्य का संश्लेषण', जेआईएमक्यूयूईएसटी जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, खंड 14, संख्या 2 (जुलाई-दिसम्बर), पृष्ठ 38-43.

जर्नल

एम.एल. सिंगला और अपेक्षा हूडा. "विकासशील ई-गवर्नेंस को अपनाने पर देशों में नागरिकों के लक्षणों के प्रभाव की जाँच" सरकार का बदलना: जनता, प्रक्रियी, नीति (समीक्षाधीन, 2018) में, ।

एम.एल. सिंगला और अपेक्षा हूडा. कार ए., सिन्हा एस., गुप्ता एम. (संपा.) "सरकारी क्षेत्र के लिए मूल्य श्रृंखला विकास: एक एसएपी-लैप दृष्टिकोण" कर ए, सिन्हा एस, गुप्ता एम (संपा.) डिजिटल इंडिया में। उभरते बाजारों के सिद्धांत और व्यवहार में प्रगति। स्प्रिंगर, चाम, 2018।

संगोष्ठियां

जी. गुप्ता और एम श्रीवास्तव, (2018), सीपीजे कॉलेज ऑफ़ हायर स्टडीज़ एंड स्कूल ऑफ़ लॉ में 16 नवंबर, 2018 को 'हरित अपनाने के सूत्रधार और अवरोधक: मांग एवं आपूर्ति पक्ष के कारकों को समझने' पर राष्ट्रीय सम्मेलन,

जी. गुप्ता और एस राजपूत. (2018), जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदिरापुरम, गाज़ियाबाद में 1 दिसंबर को भारत की संकल्पना 2.0-आर्थिक नीतियां- संभावनाएँ और चुनौतियाँ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, 'विपणन में सीएसआर: जिम्मेदार विपणन का नया युग'।

जी. गुप्ता (2018), जी. गुप्ता (2018), संचालन अनुसंधान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में दिसंबर, 2018 में सेवा की गुणवत्ता, विफलता और पुनर्प्राप्ति: चुनिंदा सेवाओं के लिए ग्राहकों की प्रतिक्रिया का प्रभाव विश्लेषण पर आईसीक्यूआरआईटीबीओ'

जी. गुप्ता और के सिंघारिया, (2019), एमिटी यूनिवर्सिटी स्कूल, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा में 27-28 फरवरी, 2019 को), 'ग्राहक जुड़ाव: डिजिटल युग में निर्माण की खोज' वैश्विक नेतृत्व अनुसंधान सम्मेलन (जीएलआरसी -2019)।

जी. गुप्ता और एस चौहान, (2019), दिल्ली स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली में 29-30 मार्च, 2019 को 'व्यवसाय में व्यवधान- डिजिटलीकरण के युग को गले लगाते हुए' विषय पर व्यवसाय और प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सीएसआर संचार के लिए नए डिजिटल मीडिया को अपनाना: भूमिका और प्रभाव को समझना'।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए

राष्ट्रीय समझौते- कैट- 2018

नियोजन ब्यौरा (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 198 और 100%
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 68

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी.:18
संकाय की संख्या : 22

****

गणितीय विज्ञान संकाय

कंप्यूटर विज्ञान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

कंप्यूटर विज्ञान विभाग दो स्नातकोत्तर डिग्री प्रोग्राम-एम.सी.ए और एम.एससी कंप्यूटर विज्ञान कराता है। विभाग ने कंप्यूटर विज्ञान में मुख्य क्षमता विकसित करने और विद्यार्थियों को विकास कार्य करने के लिए तैयार करने के साथ-साथ शोध में चुनौतियों का सामना करने के उद्देश्य से वर्ष 1982 में तीन वर्षीय मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन(एम.सी.ए) कार्यक्रम वर्ष 2004 में एम.एससी कंप्यूटर साइंस कोर्स शुरू किया। एम.सी.ए और एम.एससी. के विद्यार्थियों को सभी 67 नौकरियों के प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। अमेज़ॅन, नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स, डायरेक्ट, सूमोग्लिक, मॉर्गन स्टेनली, नगरो, थोरोगूड, एकोलाइट, अरिस्टोक्रेट जैसी प्रतिष्ठित सॉफ्टवेयर कंपनियों ने कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लिया। न्यूनतम और अधिकतम वेतन पैकेज रुपए 5.1 एल.पी.ए.और रुपए28.75 एल.पी.ए थे। वर्तमान में विभाग ने लगभग 50 पीएच.डी. विद्यार्थियों और 4 (चार) को वर्ष 2018-19 में उपाधि(डिग्री) प्रदान की। 20 एम.एससी. अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की गईं, जिनमें से कुछ प्रकाशनों के विभिन्न चरणों में हैं। कंप्यूटर विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों द्वारा वार्षिक तकनीकी उत्सव "संकलन" के चौदहवें संस्करण का आयोजन किया गया।

प्रकाशन

अग्रवाल एट अल. (2018). पारेटो-इष्टतम प्रक्रिया मॉडल की खोज: एम.ओ.ई.ए. तकनीकों की तुलना। जेनेटिक एंड इवोल्यूशनरी कम्प्यूटेशन कॉन्फ्रेंस कम्पेनियन की कार्यवाही में (पृष्ठ 286-287). ए.सी.एम.

बंसल एट अल. (2018). यूनिवर्सल फेसिलिटी लोकेशन के लिए ए5-एप्रोक्सिमेशन। सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी और सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान के फाउंडेशन की कार्यवाही में, (पृष्ठ 359-370)।

बेदी और पी.(2018). समानांतर प्रोएक्टिव क्रॉस डोमेन कॉन्टेक्स्ट अवेयर रिक्मेंडर सिस्टम जरनल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फज़ी सिस्टम्स, 34 (3), 1521-1533.

बेदी, पी., अग्रवाल, एस.के और ऋचा. (2018). ट्रस्ट और प्रतिष्ठा-आधारित मल्टी-एजेंट रिक्मेंडर सिस्टम। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल विज्ञान और इंजीनियरिंग, 16 (4), 350-362.

चटर्जी एट अल. (2019). आइडेंटिफिकेशन ऑफ ब्रेन रीजन्स एसोसिएटेड विथ वर्किंग मेमोरी डेफिसिट इन सिज़ोफ्रेनिया। एफ 1000अनुसंधान; 8 (124).

चटर्जी, आई; अग्रवाल, एम; राणा, बी.; लखानी, एन. और कुमार, एन.(2018). एफ.एम.आर.आई डेटा का उपयोग करके सिज़ोफ्रेनिया रोगियों के कंप्यूटर-ऐडेड डाइग्नोसिस हेतु द्वि-उद्देश्य दृष्टिकोण। मल्टीमीडिया टूल्स और अनुप्रयोग।

डुरी, एस., और भटनागर, वी.(2019). स्केक: सिमेंटिक कनेक्टिविटी अवेयर कीवर्ड एक्सट्रैक्शन इन्फार्मेशन साइंसेज, 477, 100-117.

गौतम, ए., और बेदी, पी.(2019). एफएस-सीएआरएस: तेज और स्केलेबल संदर्भ-जागरूक न्यूज रिकॅमेंडर सिस्टम, जिसमें टेंसर फैक्टराइजेशन का उपयोग किया गया है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल विज्ञान और इंजीनियरिंग, 18 (2), 118-129.

ग्रोवर एट अल. (2018).हार्ड यूनिफ़ॉर्म कैपिसिएटेड- मेडियन प्रोब्लम के लिए बेहतर स्थानीय खोज आधारित एप्रोक्सीमेशनएल्गोरिदम। इन्फॉरमेटिका, 42 (3).

गुप्ता, एन., और बेदी, पी.(2018, सितंबर). ब्लॉकचैन आधारित स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स का उपयोग करते हुए ई-अपशिष्ट प्रबंधन। वर्ष 2018 में कम्प्यूटिंग, संचार और सूचना विज्ञान(आई.सी.ए.सी.सी.आई) में उन्नतिपर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पृष्ठ 915-921). आई.ई.ई.ई।

गुप्ता एट अल. (2018). "यूनिफ़ॉर्म हार्ड कैपेसिटेटेड नैपसेक मेडियन प्रॉब्लम के लिए सतत फैक्टर एप्रोक्सीमेशन एल्गोरिथम"। सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी और सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान के फाउंडेशन की कार्यवाही में, (पृष्ठ 337-358)।

जिंदल, वी., और बेदी, पी.(2019). वास्तविक सड़क की स्थितियों के लिए एम.ए.सी.ओ.में पैरामीटर ट्यूनिंग। वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस, 106 (3), 1309-1323.

जिंदल, वी., और बेदी, पी.(2018). वेहिकुलर एडहॉक नेटवर्को में कुशल रेस्पॉन्स के लिए उच्च परफार्मेंस एडॉ.प्टिव ट्रैफिक नियंत्रण। इंटरनेशनल जर्नलऑफ कम्प्यूटेशनल साइंसऔर इंजीनियरिंग, 16 (4), 390-400.

जिंदल, वी., और बेदी, पी. (2018). वी.ए.एन.ई.टी.में ट्रैवेल टाइम को कम करने के लिए एक बेहतर हाइब्रिड एंटी पार्टिकल ऑप्टिमाइजेशन(आई.एच.ए.पी.ओ.) एल्गोरिदम। एप्लाइड सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, 64, 526-535.

कुंडू एट अल. (2019). पारेटो- आप्टिमल प्रक्रिया मॉडल की खोज के लिए एम.ओ.ई.ए : एक प्रायोगिक तुलना। जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल साइंस और इंजीनियरिंग।

पुरी एट अल. (2018)। ग्रीन बिल्डिंग्स के डिजाइन पर जलवायु प्रभाव का कॉसेप्ट ड्रिफ्ट आधारित विश्लेषण। शहरीकरण में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में चुनौतियां : आधारिक संरचना में लचीलापन और स्थिरता (पृष्ठ 113-120)। रेस्टन, वी.ए. : अमेरिकन सोसायटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स।

सक्सेना एट अल. (2019). संरचनात्मक पदानुक्रम का उपयोग करके समान नेटवर्क की पहचान करना। फिजिका ए : सांख्यिकीय यांत्रिकी और इसके अनुप्रयोग, 121029.

सक्सेना एट अल. (2018). नेटवर्क पदानुक्रम और सामुदायिक संरचना का उपयोग करते हुए सामाजिक केंद्रीयता। डाटा माइनिंग एंड नॉलेज डिस्कवरी, 32 (5), 1421-1443.

शर्मा, सी., और बेदी, पी.(2018). ट्विटर के लिए समुदाय आधारित हैशटैग सिफारिशकर्ता प्रणाली (सी.एच.आर.एस)। जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फज़ी सिस्टम्स, 34 (3), 1511-1519.

सिंघल, ए., और बेदी, पी.(2018, सितंबर). एस.वी.डी. फीचर्स का उपयोग करके ब्लाइंड क्वांटिटेटिव स्टेग्नैलिसिस। वर्ष 2018 में इंटनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांस्ड इन कम्प्यूटिंग, कम्युनिकेशंस और इंफॉर्मेटिक्स (आई.सी.ए.सी.सी.आई) (पृष्ठ 369-374). आई.ई.ई.ई.

तनेजा, एस. और कुमार एन. (2018)। पाइथन प्रोग्रामिंग : ए मॉड्यूलर अप्रोच। ग्राफिक्स, डेटाबेस, मोबाइल और वेब एप्लिकेशन सहित। पियर्सन. आई.एस.बी.एन 9789332585348.

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों) / सदस्य (सदस्यों) के रूप में सेवारत विभाग के शिक्षकों की संख्या

एसोसिएट एडिटर : एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शिक्षक।

संगोष्ठी/ सममेलन में प्रस्तुति

"बिल्डिंग ब्लॉक्स फॉर स्किल्स एंड कॉम्पिटिटिवनेस- डिजिटल इंडिया के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड स्किल्स से मुकाबला करने का स्किल-सेट"थीम परलीड पैनलिस्ट,न्यू इंडिया के लिए फ्यूचरिस्टिक स्किल्स लैंडस्केप को कोलाज करने का आइडिया कॉन्क्लेव, ए डेवलपमेंट प्रोफेशनल्स मीट 2019, गोविंद बल्लभ पंत सोशल साइंस संस्थान, प्रयागराज, भारत, मार्च 7-8, 2019.

रेकमेंडर सिस्टम और ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी, कृषि में इंटेलिजेंस इंटेलिजेंस (ए.आई) पर राष्ट्रीय कार्यशाला : स्थिति और संभावनाएं, एन.ए.एस.सी कॉम्प्लेक्स, आई.ए.आर.आई, नई दिल्ली, 30-31 जुलाई, 2018.

हस्ताक्षरित अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

यूनिवर्सिटी ऑफ आइज़ू, जापान
एपटेक, यूरोपीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ले क्रेमलिन बिसेट्रे, फ्रांस) (प्रक्रिया में)

नियोजन विवरण (नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 43 विद्यार्थी
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या : 18

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

"नेटवर्क साइंस: फाउंडेशन ऑफ सोशल नेटवर्क एनालिसिस" पर संकाय विकास कार्यक्रम 03-12-2018 से 08-12-2018.

आई.ई.ई.ई दिल्ली सेक्शनद्वारा आयोजित "इंटरनेट ऑफ थिंग्स" पर कार्यशाला, 07-09-2018.

"पानी बचाओ" पर कार्यशाला, 20-04-2018

प्रदत्त एम. फिल/ पीएच. डी डिग्री की संख्या

पीएच.डी.: 4

संकायों की संख्या

स्थायी - 6
तदर्थ - 6

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कंप्यूटर विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने संकलन के चौदहवें वर्ष में पत्रिका 'श्रीजन' के आठवें संस्करण को ऑनलाइन और प्रिंट दोनों रूपों में शुरू किया।

***

गणित

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

गणित विभाग को टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग-2019 में एशिया में 156 और भारत में क्यू.एस.वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 10 वां स्थान मिला है। संकाय सदस्यों ने वर्ष 2018-19 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पत्रिकाओं में लगभग 58 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। इस अवधि के दौरान एक सह-संपादित पुस्तक जर्नलाइज्ड नेश इक्यूइलिब्रियॅम प्रोब्लॅम्स, बिलेवल प्रोग्रामिंग और एम.पी.ई.सी भी प्रकाशित हुई है। विभाग ने जून, 2018 में रामानुजन गणितीय सोसायटी का 33 वां वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया। विभाग यू.जी.सी-डी.एस.ए I; डीएसटी-पीयूआरएसई और डीएसटी-एफआईएसटी अनुदान द्वारा समर्थित है और गणित में एम.ए / एम.एससी. और एम.फिल./पीएच.डी प्रोग्राम कराता है। विभाग ने जून,2018 में गणित में प्री-एंट्रेंस समर स्कूल का आयोजन किया।

सम्मान/ गौरव

प्रोफेसर दिनेश सिंह ने 27 मार्च, 2019 को एस.जी.टी विश्वविद्यालय में रिफॉर्मिंग इंडिया की शिक्षा प्रणाली पर एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया जिसकी भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने अध्यक्षता की।

अजय कुमार, कुमाऊं विश्वविद्यालय के लिए कुलपति के नामित।

प्रकाशन

अम्बेठकर एट अल. (2018). नियंत्रण आयतन विधि का उपयोग करके मोडरेटरे नॉल्ड्स संख्या में एक आयताकार डोमेन में युग्मित द्रव प्रवाह और गर्मी हस्तांतरण का संख्यात्मक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल मैथमेटिक्स*, 10 (4), 397-410.

एंटनी एट अल.(2019). ऑपरेटर स्पेस टेंसॅर उत्पादों और आगमनात्मक(इंडक्टिव) सीमाएं। *जर्नल ऑफ मैथमैटिकल एनालॉयसिस एंड एप्लीकेशन*, 470 (1), 235-250.

आरेनड्ट एट अल.(2018). एसिम्पटोटिक बिहेवियर ऑफ पॉवर्स ऑफ कॅम्पोजिशन ऑपरेटर्स ऑन बान्च स्पेसेस ऑफ होलोमोर्फिक फॅन्कशन। *इंडियाना युनिवर्सिटी मैथमैटिकल जर्नल*, 67 (4), 1571-1595.

ऑस्सेल एट अल.(2018*). जेनरलाइज्ड नाश इक्यूइलिब्रियम प्रॉब्लम्स,बाइलवेल प्रोग्रामिंग और एम.पी.ई.सी*, स्प्रिंगर,

बजरगांन एट अल. (2018). सेल्फ सिमिलर फ्लो बिहेंड एन एक्सपोनेंशियल शॉक वेव इन सेल्फ ग्रेविटेटिंग रोटेटिंग एक्सिम्मेट्रिक डस्टी गैस विथ हीट कंडक्शन एंड रेडिएशन हीट फ्लक्स, *इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स*, 92 (9), 1119-1135.

बोहरा एट अल. (2018). पहली तरह के सामान्यीकृत बेसेल कार्यों के लिए आर.डी.आई.आईसमस्याएं। *कम्प्यूटेशनल मैथेड्स और फ़ंक्शन सिद्धांत*, 18 (1), 99-123.

बंसल एट अल. (2019). गैबरी परिवर्तन के लिए हार्डी की प्रमेय। *जर्नल ऑफ़ ऑस्ट्रेलियन मैथमैटिकल सोसाइटी*, 106 (2), 143-159.

क्रेस्पिएट अल. (2018). प्वाइंटवाइज एंड ग्लोबल वेल पोजेड्नेस इन ऑप्टिमाइजेशन : एक प्रत्यक्ष दृष्टिकोण। *अन्नल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च*, 269 (1-2), 149-166 ।

दास, पी., और दास. टी.(2019). समान स्थानों पर माप और विस्तार पर एक नोट, एप्लाइड जनरल टोपोलॉजी 20 (1), 19-31 .

दास एट अल. (2019). पॉइंटवाइज़ डायनामिक्सके लिए विस्तार और विशिष्टता माप, *बुलेटिन ब्राज़ीलियन गणितीय सोसायटी*, डीओआई: 10.1007 / s00574-019-00134-3.

दास एट अल. (2019). सेंसिटिविटी, प्रोपर्टी पी एंड यूनिफॉर्म एन्ट्रॉपी। *एशियन-यूरोपीय जर्नल ऑफ मैथमैटिक्स*, 12 (1), आर्टिकल नं.1950002, 8 पृष्ठ

दास एट अल. (2018). नॉनकॉम्पैक्ट और गैर-मेट्रिजेबल स्पेसेसपर टोपोलॉजिकल अनोसोव होमोमोर्फिम्स के लिए बॉवेन का अपघटन प्रमेय(डिकोम्पोजिशन थ्योरम)। *कम्यूनिकेशन्स ऑफ कोरियाई मैथमेटिकल सोसायटी*, 33(1), 337-344.

दीपशिखा, वशिष्ठ और एल.(2018). ऑन वेविंग फ्रेम्स। *ह्यूस्टन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स*, 44 (3), 887-915.

दीपशिखा, वशिष्ठ और एल. (2018). वेविंग के-फ्रेम्स इन हिल्बर्ट स्पेसेस। *रिजल्ट इन मैथमैटिक्स*, 73 (2), 1-20.

दीपशिखा, वशिष्ठ और एल. (2018). वेक्टर-वैल्यूड (सुपर) वेविंगफ्रेमस। *जर्नल ऑफ ज्योमेट्री एंड फिजिक्स*, 134, 48-57.

गर्ग एट अल. (2018). ट्रांन्जिटिविटीज ऑफ मैप्स ऑन जी-स्पेसस। *एडवान्सेस इन प्योर एंड एप्लाइड मैथमैटिक्स*, 9 (2), 75-83.

गुप्ता एट अल. (2018). ऑन क्लोज्ड लाइ आइटियल्स ऑफ सरटेन टेंसॅर प्रोडक्ट्स ऑफ सी ∗-एल्जब्राज। *मैथमैसिचे नचरिच्तेन*, 291 (8-9), 1297-1309.

ज्योति, वशिष्ठ और एल.के.(2018). K- मैट्रिक्स-वेलवेट वेव पैकेट फ्रेम्स इन $ L ^ {2} (\ mathbb {R} ^ {d}, \ mathbb {C} ^ {s \ टाइम्स r}। *मैथमैटिकल फिजिक्स एनालिसिस एंड जियोमैट्री*, 21 (3).आर्टिकल21.

ज्योति एट अल. (2018).सॅम ऑफ मैट्रिक्स-वेलवेटेड वेव पैकेट फ्रेम्स इन L^2(R)^d, C^ {sx r}), *ग्लासनिक मैथमेटिकी*, 53 (1), 153-177.

कपूर एट अल. (2019). ए स्ट्रीक्ट कॉन्स्ट्रेंट क्वॉलिफिकेशन इन वेक्टर ऑप्टिमाइज़ेशन, *इंडियन जर्नल ऑफ़ इंडस्ट्रियल एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स*, 10 (1), 109-120.

कपूर एट अल. (2019). एक एकीकृत वेक्टर अनुकूलन समस्या के लिए स्थिरता और स्केलराइजेशन। *जर्नल ऑफ ऑप्टिमाइज़ेशन थ्योरी और एप्लिकेशन*, https://doi.org/10.1007/s10957-019-01514-x .

कपूर एट अल. (2019).यूनिफाइड सेमी-इनफिनिट वेक्टर ऑप्टिमाइज़ेशनमें स्थिरता । *जर्नल ऑफ़ ग्लोबल ऑप्टिमाइज़ेशन*, https://doi.org/10.1007/s10898-019-00761-6 .

करुणा, ललिता और सी.एस. (2019). सेट अनुकूलन(*ऑप्टिमाइजेशन*) में बाहरी और आंतरिक स्थिरता। 68 (4), 833-852.

करुणा, ललिता और सी.एस. (2018). कॅन्टिन्यूइटी ऑफ एप्रोक्सीमेट वीक इफिसिएंट सॉल्यूशन सेट मैप इन पैरामीट्रिक सेट ऑप्टिमाइजेशन। *जर्नल नॉनलीनियर एंड कॉवेक्स एनालिसिस*, 19 (7), 1247-1262.

खुशबू, ललिता और सी.एस. (2019). सामान्यीकृत ओरिएंटेड डिस्टेंस फंक्शन का उपयोग करके एक सेट ऑप्टिमाइज़ेशन समस्या के लिए स्केलेरेशन, *पॉजिटिविटी* : 10.1007 / s11117-019-00659-3.

खुशबू, ललिता और सी.एस. (2019). सेट अनुकूलन में एक एकीकृत न्यूनतम समाधान। *जर्नल ऑफ ग्लोबल ऑप्टिमाइज़ेशन*, 74 (1), 195-211.

खुशबू, ललिता और सी.एस. (2018).स्केलेराइजेशन फॉर ए यूनिफाइड वेक्टर ऑप्टिमाइजेशन प्रोब्लम बेस्ड ऑन ऑर्डर रिप्रेजेंटिंग एंड आर्डर प्रजेरविंग प्रोपर्टीज। *जर्नल ऑफ ग्लोबल ऑप्टिमाइज़ेशन*, 70 (4), 903-916.

कुमार एट अल. (2019). सुपरसाइक्लिक सी.- सेमीग्रुप्स, स्थिरता और कहीं-कहीं घनी कक्षाएँ(आर्बिट्स), *जर्नल ऑफ़ मैथमैटिकल एनालिसिस एंड एप्लीकेशंस*, 476 (2), 539-548.

कुमार एट अल. (2018). कन्वरजेंस ऑफ पॉवर्स ऑफ कम्पोजीशन ऑपरेटर्स् ऑन सर्टेन स्पेसेस ऑफ होलोमोर्फिक फंक्शन्स डिफाइन्ड ऑन द राइट हॉफ प्लेन । *आर्चीव डेर मैथमेटिक*, 110 (5), 487-500.

कुमार एट अल. (2018). डेल्टा एक्सटेंशन ऑफ रिंग्स एंड इनवैरिएंस प्रोपर्टीज ऑफ रिंग एक्सटेंशन अंडर ग्रुप एक्शन *जर्नल ऑफ एल्जेब्रा एंड इट्स एप्लीकेशन्स*, 17 (12), 1850239.

कुमार एट अल. (2018). ए कॉरिजेंडॅम टू "हेरेडिटरी प्रोपर्टीज बिटवीन ए रिंग एंड इट्स मैक्जीमल सबरिंग", *यूक्रेनियन मैथमेटिकल्स जर्नल*, 17 (4), 583-584.

कुमार एट अल. (2018). ऑनλ- एक्सटेंशन ऑफ कॅम्यूटेटिव रिंग्स। *जर्नल ऑफ एल्जेब्रा एंड इट्स एप्लीकेशन*, 17(4), 1850063.

कुमार एट अल. (2019).अर्ध रैखिक युग्मित तरंग समीकरण की सॉल्वैबिलिटी और नियंत्रणीयता(कंट्रोलेबिलिटी) / *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड और कम्प्यूटेशनल मैथमैटिक्स*, 5 (2), 5-30.

कुमार एंड एस.(2018). एप्रोक्सीमेट कंट्रोलेबिलिटी ऑफ सेकेंड-ऑर्डर इम्प्लसिव स्टोचस्टिक डिफरेंशियल सिस्टम विथ नॉनलोकल कंडीशन्स। *नॉनलिनियर स्टडीज़*, 25 (2), 301-313.

कुमार एट अल. (2019). लाई सिमेटरी एनालिसिस, कॉम्प्लेक्स एंड सिंगुलर सोल्युशन्स ऑफ($ 2 + 1 $) - डाइमेंसिनॅल कॅम्बाइंड एम.सी.बी.एस.एनएम.सी.बी.एस इक्यूएशन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ डायनामिकल कंट्रोल*, 7 (2), 496–509.

कुमार एट अल. (2019). सॉलिटेरी वेव सोल्यूशन्स ऑफ (3 + 1)- डाइमेंसनॅल एक्सटेंडेड ज़खारोव-कुज़नेत्सोव इम्यूएशन बाय लाई सिमेटेरी एप्रोच। *कंप्यूटर और गणित अनुप्रयोगों सहित*, 77 (8), 2096-2113.

कुमार एट अल. (2019). कैओटिक बिहेवियर ऑफ ऑफ प्रिडेटॅर-प्रे मॉडल विथ ग्रुप डिफेंस एंड नॉन लिनियर हार्वेस्टिंग इन प्रे। *कैओस सोलिटन्स फ्रैक्टल्स*, 119, 19-28.

कुमार एट अल. (2018).सिमेट्री एनालिसिस एंड सॅम न्यू एक्जेक्ट सोल्यूशन्स ऑफ बॉम-इनफील्ड एक्यूशन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ जियोमेट्रिक मेथड्स इन मॉडर्न फिजिक्स*, 15 (11), 1850183, 13 पृष्ठ

कुमार एट अल. (2018). सिमेट्री एनालिसिस एंड इनवेरिएंट सोल्यूशन्स ऑफ $ (3 + 1) $ - डाइमैंशनॅल कदोमत्सेव-पेटविशिली इक्यूएशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ जियोमेट्रिक मेथड्स इन मॉडर्न फिजिक्स, 15 (8), 1850125, 19 पृष्ठ

लता एट अल. (2018). ए क्लास ऑफ सब-हर्डी स्पेसेस एसोसिएटेड विथ वेट शिफ़्ट्स। *ह्यूस्टन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स*, 44 (1), 301-308.

लूथरा एट अल. (2018).पॉलीनोमिएल्स इन ऑपरेटर्स स्पेस थ्योरी : मैट्रिक्स ऑर्डरिंग एंड एल्जेब्रेइक एस्पेक्ट्स। *पॉजिटिविटी*, 22 (2), 629-652.

लूथरा एट अल. (2018). न्यूक्यिरिटी प्रोपर्टीज एंड सी* -एन्वेलॅप्स ऑफ ऑपरेटर सिस्टम इंडक्टिव लिमिट्स। *जनरल ऑफ कोरियन मैथमेटिकल सोसायटी*, 55 (5), 1045-1061.

मादन एट अल. (2019). स्टारलाइकनेस एसोसिएटेड विथ लेम्निस्केट ऑफबर्नौली । टू एपियर इन फिलोमेट (*फिलोमैट*) .

पटेल एट अल. (2018), एग्जेक्ट सोल्यूशन ऑफ शॉक्स-वेव स्ट्रक्चर इन नॉन-आइडियल गैस अंडर कॉस्टेंट एंड वेरिएबल कोफिसिएंट ऑफ विसकॉसिटी एंड हीट-कॉन्डॅक्टिविटी। *शॉक-वेव*, doi.org/10.1007/s00193-018-0855-8

पटेल एट अल. (2018). डार्क एंड किन्क सोलिटॅन सोल्यूशन ऑफ जेनेरालाइज्ड ZKBBM इक्यूशन बाय इटेराटिव स्कीम। *चाइनीज जर्नल ऑफ फिजिक्स*, 56, 819-829.

रस्तोगी एट अल. (2019). नॉन-एनालायटिक ग्रोथ बाउंडस एंड डिले सेमिग्रुप्स। *सेमिग्रुप्स फोरम*, http://link.springer.com/article/10.1007/s00233-019-10010-7 .

सलमान एट अल. (2018). बहु-संवेदनशीलता और गैर-स्वायत्त असतत प्रणालियों में संवेदनशीलता के अन्य मजबूत रूप। *कैओस सोलिटन्स एंड फ्रैक्टल्स*, 115, 341-348.

शर्मा एट अल. (2018). नॉन-रेड्यूस्ड रिंग्स ऑफ स्माल ऑर्डर एंड दिअर मैक्सिमल ग्रॉफ। *जर्नल ऑफ अल्जेब्रा एंड रिलेटेड टॉप्क्सि*, 6 (1), 35-44.

शर्मा एट अल. (2018). जब मैक्सिमल ग्राफ प्लेनर, आउटरप्लेनर और रिंग ग्रैप होता है। *डिस्क्रेट मैथमैटिक्स, एल्गोरिदम एंड एप्लीकेशन*, 10 (3), 1850032.

सिंह एट अल. (2019). इंडिसेस ऑफ ए फिनिटिस्टिक स्पेस विथ मोड 2 कोहोमोलॉजीpn S2. *इंडियन जर्नल ऑफ प्योर ऑफ एप्लाइड मैथमैटिक्स*, 50 (1), 23-34.

सिंह, एच.के, और सिंह, एस.के. (2018).पैरामेट्रीजेड बोर्सुक-उलम थ्योरम्स फॉर फ्री एनवोलुशन्स ऑन FPm×S3. *टोपोलॉजी एंड इट्स एप्लीकेशन्स* 241 (1), 20-37.

सिंह एट अल. (2018). बोर्सुक-उलम थ्योरम्स एंड दियर पैरामेट्रीजेडवर्शन्स फॉर और FPm×S3. *बुलेटिन ऑफ ब्राज़ीलियन मैथमैटिकल सोसाइटी* (नई श्रृंखला), 49 (1), 179-197.

सिंह एट अल. (2018). फ्री एक्शन्स ऑफ फाइनाइट ग्रुप्स ऑन स्पेसेस ऑफ कोहमोलॉजी टाइप(0, b). *ग्लासगो मैथमैटिकल जर्नल*, 60 (3), 673-680.

सिंह एट अल. (2018). द सेट ऑफ बैलेंस्ड प्वाइंट्स ऑफ मैप्स ऑफ कोहोमोलॉजी लेंस स्पेसेस। *ह्यूस्टॅन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स*, 44 (3), 1051-1061.

ठाकुर एट अल. (2019).डेवेनेय, केऑस एंड स्ट्रॉगर फॉर्मस ऑफ सेंसिटिविटी ऑन द प्रोडक्ट ऑफ सेमीफ्लोज, *सेमीग्रुप फोरम*, 98 (3), 631-644.

वशिष्ठ एट अल. (2018). ऑन जेनेरालाइज्ड वेविंग फ्रेम्स इन हिल्बर्ट स्पेसेस । *रॉकी माउंटेन जर्नल ऑफ मैथमैटिक्स*, 48 (2), 661-685.

वशिष्ठ एट अल. (2018). फुरस्टनबर्ग फैमिलीज एंड ट्रांजिटिविटी इन नॉन-आटोनोमॅस सिस्टम्स। *एशियन-यूरोपियन जर्नल ऑफ मैथमैटिक्स*, doi.org/10.1142/ S1793557120500291.

वशिष्ठ एट अल. (2018). गैर-स्वायत्त प्रणालियों में संवेदनशीलता के मजबूत रूपों पर। *ताइवानेसेस जर्नल ऑफ मैथमैटिक्स*, 22 (5), 1139-1159.

पत्रिका

ललित कुमार गणितीय अभिलेखागार में जर्नल ऑफ ग्लोबल रिसर्च के संपादकीय बोर्ड में हैं।

अनुसंधान परियोजनायें

डीएसटी-एसईआरबी (मैर्टिक्स स्कीम), 2019-21, कुछ रिंग एक्सटेंशन पर, रुपए 6,60, 000 / -

डीएसटी-एसईआरबी (मैर्टिक्स स्कीम), परियोजना, 2018-20, वेक्टर में स्कैलराइज़ेशन पहलू और सेट ऑप्टिमाइज़ेशन, रुपए 6,60,000 / -

डीएसटी-एसईआरबी (मैर्टिक्स स्कीम), 2018-21, फाइनाइट ग्रुप एक्शन्स ऑन प्रॉडक्ट्स ऑफ स्पेसेस ऑफ टाइप (0,0) एंडबोर्सुक-उलम टाइप थ्योरम फॉर प्रोडक्ट ऑफ प्रोडक्टिव स्पेस, रुपए 6,60,000 /-

डीएसटी-एसईआरबी(ई.एम.आर योजना), 2018-21, इंडेक्स ऑफ फाइनिटिस्टिक स्पेसेस एंड ट्रांसफोरमेशन ग्रुप्स ऑन प्रोजेक्टिव स्पेस, रुपए17,51,970/-

आयोजित सेमिनार

संगोष्ठी की कुल संख्या -4
रिसर्च स्कॉलर सेमिनार, 28 दिसंबर, 2018.
गणितीय जीव विज्ञान पर कार्यशाला, 23 अप्रैल,2018.

प्रोफेसर राधा केसर (आई.डब्ल्यु.एम), 17 अगस्त, 2018 को सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन मेंस्थानीय संरचनाओं और परिमित समूहों का प्रतिनिधित्व।

प्रोफेसर हिगिनियो रामोस, सलामांका विश्वविद्यालय, स्पेन में27 जून, 2018 को रनगे-कुट्टा कोलेक्शॅन मैथेड पर एक नया रूप देने पर वार्ता की।

आयोजित सम्मेलन

रामानुजन मैथमैटिकल सोसाइटी का 33वां वार्षिक सम्मेलन , 1-3 जून, 2018
इंटरनेशनल मीट ऑन एनालिसिस, 24 नवंबर, 2018

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

दिनेश सिंह

19 फरवरी, 2019 और 22 अप्रैल, 2019 को राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा के कुलपति के पद के लिए नामों के पैनल का चयन करने के लिए, राजस्थान सरकार के नामिती के रूप में, खोज समिति की एक बैठक में भाग लिया।

मुख्य अतिथि और गुरुत्वाकर्षण ब्रह्मांड विज्ञान और गणितीय भौतिकी परअंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उद्घाटन व्याख्यान दिया, जी.एल.ए. विश्वविद्यालय, मथुरा

नेशनल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, साउथ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि।

सी.ए.जी.द्वारा 18 फरवरी, 2019 को जयपुर में आयोजित उच्च शिक्षा पर एक सेमिनार में एक पैनलिस्ट के रूप में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया।

गौर,अतुल ने 22-24 दिसंबर, 2018 के दौरान इंस्टिट्यूट ऑफ बेसिक साइंसेज,डॉ. बी. आर.अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगराकी ओर से आयोजित"गणितीय विज्ञान और विकास" विषयपर सम्मेलन में मिनिमल रिंग एक्सटेंशन्स, λ-एक्सटेंशन्स, और डेल्टा-एक्सटेंशन ऑफ द रिंग्सपर एक वार्ता प्रस्तुत की।

कुमार, अजय

27-30 नवंबर, 2018 के दौरानइंडियन मैथमेटिकल सोसाइटी के 84वें वार्षिक सम्मेलन, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में ऑपरेटॅर स्पेसेस एंड ऑपरेटॅर सिस्टम सैंसॅर प्रोडक्ट्स विषय पर एक आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की ।

20-22 नवंबर, 2018 के दौरान इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन बानच अल्जेब्रा, हार्मोनिक एनालिसिस,एंड ऑपरेटॅर थ्योरी,सरदार पटेल विश्वविद्यालय में स्थानीय रूप से कॉम्पैक्ट समूहों पर अनिश्चिततापूर्ण सिद्धांतों पर अंतर्राष्ट्रीय में आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की।

ललिता, सी.एस

डीएसटीआईएनएसपीआईआरईसाइंस कैंप, दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 21 दिसंबर, 2018 को मेंटर/संसाधन व्यक्ति के रूप में गणित मेंपहेलियाँ विषय पर व्याख्यान दिया ।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् में 22 दिसंबर, 2018 को गणित शिक्षा पर 7 वेंराष्ट्रीय सम्मेलन में औषधि में गणित विषयपर एक व्याख्यान दिया।

गणित और खगोल विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय में 11-12 नवंबर, 2018 के दौरान गणित में हालिया रुझानों पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में कॉन्वेक्स सेट्स इन फाइनाइट एंड इनफाइनाइट डाइमेंशनल स्पेसेस विषय पर व्याख्यान दिया।

रंजना जैन ने 1-3 जून, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय में रामानुजन मैथमैटिकल सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन में बानाचअल्जेब्रस में आयडल्स बनाम लाइ आइडल्स विषय पर एक आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की ।

श्यामलाल महाविद्यालय में 11 दिसंबर, 2018 को “एडवांस्डइन इंटीग्रेटेड साइंसेज: लर्निंग एंड एडाप्टेशन फॉर इफेक्टिव टीचिंग एंड रिसर्च, पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में मेडिसिन मेंगणित परएक व्याख्यान दिया ।

यू.जी.सी- मानव संसाधन विकास केंद्र, पॉन्डिचेरी विश्वविद्यालय में 15 सितंबर, 2018 कोगणित और सांख्यिकी में रिफ्रेशर कोर्स में वेक्टर ऑप्टिमाइज़ेशन के परिचय पर दो व्याख्यान दिए।

यू.जी.सी- मानव संसाधन विकास केंद्र,जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 1 सितंबर, 2018 को कम्प्यूटेशनल और गणितीय अध्ययन में रिफ्रेशर कोर्स में वेक्टर ऑप्टिमाइज़ेशन के परिचय पर दो व्याख्यान दिए।

उच्चतर शिक्षा व्यावसायिक विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में 16 अगस्त, 2018 कोओरिएंटेशन प्रोग्राम(ओ.आर-93) में फन इन मैथमेटिक्स पर एक व्याख्यान दिया ।

उच्चतर शिक्षा व्यावसायिक विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में 20 जून, 2018 कोओरिएंटेशन प्रोग्राम(ओ.आर-93) में गणित में पहेलियाँ पर एक व्याख्यान दिया ।

दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद राजगुरू अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय में 27 मार्च, 2019 कोमशीन लर्निंग में गणित पर एक व्याख्यान दिया ।

दिल्ली विश्वविद्यालय के इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में 26 मार्च, 2019 कोमशीन लर्निंग में गणित पर व्याख्यान दिया ।

दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी महाविद्यालय के गणित महोत्सव 'एब्सकिसा 2019' के उद्घाटन समारोह में औषधिमें गणित विषय पर व्याख्यान दिया ।

गणित विभाग, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा में 17-19जनवरी, 2019 के दौरान गणितीय विज्ञान और इसके अनुप्रयोगों (आरएएमएसए-2019) हाल ही की नया अभिनव उन्नति पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कॉनवेक्स ऑप्टिमाइजेशन और इसके अनुप्रयोगोंपर एक व्याख्यान दिया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

आठ संकाय सदस्यों ने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले, शिव नादर विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, भारत, महाराजा सयाजीराव बड़ौदा विश्वविद्यालय, गुजरात, भारत, डिडिएर एसेल, पेरीपिग्नेनविश्वविद्यालय, फ्रांस और जियोवानी पाओलो क्रिस्पी, इंसुब्रिया विश्वविद्यालय, इटली, वोल्फगैंग एरेन्ड्ट, इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड एनालिसिस, यूनिवर्सिटी ऑफ उल्म, जर्मनी और चालेंडर, आई., इंस्टीट्यूट केमिली जॉर्डन, फ्रांस, प्रिंस मोहम्मद बिन फहद विश्वविद्यालय, सऊदी अरब और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारतसहित अन्य विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग किया।

नियोजन विवरण (नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत)

प्लेसमेंट सेल में पंजीकृत 71 विद्यार्थियों में से कुल 21 विद्यार्थियों को नियोजन दिया गया था। प्लेसमेंट के लिए 16 कंपनियों को आमंत्रित किया गया जिन्होंने प्रति वर्ष 5.64 लाख रुपये का औसत वार्षिक पैकेज दिया था।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

5-15 जून, 2018 के दौरान समाज के कमजोर वर्गों के शैक्षणिक सशक्तीकरण के लिएप्री-एंट्रेंस समर स्कूल 2018 का आयोजनकिया गया था जिसमें गणित में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षाओं के लिए नि:शुल्क कक्षाएं आयोजित की गई थीं।

ए.सी.पी हिबू तमांग, आई.पी.एस ने 25 अक्तूबर, 2018 को "स्पूनर" (पूर्वोत्तरक्षेत्र के लिए विशेष पुलिस इकाई) शीर्षक पर एक चर्चा की।

गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 14 सितंबर, 2018 को “स्वच्छ भारत अभियान” के भाग के रूप में स्वच्छता और स्वास्थ्य-रक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एम.ए. / एम.एससी. विद्यार्थियों के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों द्वारा क्रमशः 14 सितंबर, 2018 और 21 मई, 2018 को स्वच्छता और आतंकवाद विरोधी प्रतिज्ञाएँ ली गई थीं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून, 2018 को विभाग के विद्यार्थियों द्वारा वार्ता और योग प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया।

डॉ. मंजीत भाटिया महिला अध्ययन और विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में 25 अप्रैल, 2018 को "जेंडर सेंसिटिविटी" पर एक वार्ता प्रस्तुत की ।

मिजोरम विश्वविद्यालय के एम.एससी. गणित के विद्यार्थियोंके एक समूह ने बेहतर प्रदर्शन के लिए सामान्य अध्ययन यात्रा के अंतर्गत दिनांक 24.01.2019 को विभाग का दौरा किया।

प्रदत्त एम. फिल./ पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी. : 26
एम.फिल. : 14

संकाय की संख्या :

स्थायी -22

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सदस्य, इंसपायर फ़ेलोशिप स्टैंडिंग कमेटी और मूल्यांकन समिति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग.2018-21.

प्रोफेसर अजय कुमार, सदस्य, विशेषज्ञ समिति शारीरिक और गणितीय विज्ञान, एस.ई;आर.बी., विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2018-21.

प्रोफेसर सी.एस. ललिता, एल.ओ.सी.एफ, 2018 में स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रमों को संशोधित करने के लिए यू.जी.सी.की उच्च शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता सुधार के लिए गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य रहे हैं।

***

परिचालन अनुसंधान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

संक्रियात्मक अनुसंधान विभाग ने अपनी स्थापना के बाद से ही स्वयं को अनुकूलन(ऑप्टिमाइजेशन) और डेटा विश्लेषण के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया है। विभाग नियमित रूप से विद्यार्थी उन्मुख और अनुसंधान उन्मुख कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों दोनों का आयोजन करता है। विभाग नेवर्ष 2018-19 के दौरान "प्रेरणा", "कॉर्पोरेट ग्रूमिंग एंड सॉफ्ट स्किल्स", "बिजनेस एनालिटिक्स एंड रिसर्च", "डेटा साइंस कॉन्क्लेव" और "मशीन लर्निंग" विषयपर सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की हैं। उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने विद्यार्थियों और संकायों के साथ बातचीत की और व्याख्यान दिए।

सम्मान / गौरव

प्रोफेसर चंद्र के. जग्गी

एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा द्वारा फरवरी, 2019 में 19वें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार क्षितिज इनबुश इरा विश्व शिखर सम्मेलन में एमिटी अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार।

इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट, विशाखापत्तनम द्वारा जुलाई, 2018 में लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड।

श्री कौशल कुमार

डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बंगलौर, भारत द्वारा 29-30 नवंबर, 2018 को आयोजित प्रबंधन अनुसंधान में विद्यार्थियों के 18वें कंसोर्टियम में ओवरऑल बेस्ट पेपर अवार्ड।

प्रकाशन

आनंद एट अल. (2018).संयोजन विश्लेषण का उपयोग करके मोबाइल फोन की बिक्री की भविष्यवाणी करने के लिए विकल्प आधारित प्रसार(डिफ्यूजन) मॉडल। द जर्नल ऑफ हाई टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट रिसर्च, 29 (2), 216-226.

आनंद एट अल. (2018).सिस्टम विश्वसनीयता प्रबंधन: समाधान और प्रौद्योगिकी। सी.आर.सी प्रेस.

आनंद एट अल. (2018). मॉडलिंग सॉफ्टवेयर फॉल्ट हटाने और भेद्यता का पता लगाने और संबंधित पैच रिलीज पॉलिसी। सिस्टम विश्वसनीयता प्रबंधन में(पृष्ठ 35-50). सी.आर.सी. प्रेस.

अग्रवाल एट अल. (2019). जागरूकता और अपनाने की प्रक्रिया के बीच समय अंतराल को शामिल करते हुए मॉडलिंगइनोवेशन एडॉ.प्शन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 1-8.

आनंद एट अल.(2019). सॉफ्टवेयर पैच शेड्यूलिंग नीति जिसमें कार्यात्मक सुरक्षा मानक शामिल हैं। सिस्टम विश्वसनीयता इंजीनियरिंग में उन्नति(पृष्ठ 267-279). अकादमिक प्रेस।

आनंद एट अल. (2019). सॉफ्टवेयर विश्वसनीयता आश्वासन में हालिया प्रगति। सी.आर.सी. प्रेस

बंसल एट अल. (2019). प्रभावी ग्राहक जीवनकाल की भविष्यवाणी करना: दूरसंचार उद्योग के लिए अस्तित्व विश्लेषण का एक अनुप्रयोग। सांख्यिकी-सिद्धांत और विधियों में संप्रेषण, 1-16.

चेन एट अल. (2018). डीईए के माध्यम से विभिन्न जोखिम उपायों में फॅजी पोर्टफोलियो का दक्षता मूल्यांकन। एनल्स, 269 (1-2), 103-127.

चेन एट अल. (2018). वास्तविक बाधाओं के साथ एक नया अनिश्चित माध्य-विचरण-विषमता पोर्टफोलियो चयन मॉडल के लिए एक नोवेलहाइब्रिड हेयुरिस्टिक एल्गोरिथ्म। एप्लाइड इंटेलिजेंस, 48 (9), 2996-3018.

चेन एट अल. (2018). लेनदेन लागत के साथ फॅजी पोर्टफोलियो चयन के लिए एक हाइब्रिड एफ.ए-एस.ए एल्गोरिथ्म। एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च , 269 (1-2), 129-147.

चौधरी एट अल. (2018). एक नए उत्पाद के लिए इष्टतम नियंत्रण प्रचार नीति जिसमें खंड(सेगमेंटेड) बाजार में पुनरावृत्ति खरीद शामिल है: एक नियंत्रण सिद्धांतिक दृष्टिकोण। औद्योगिक इंजीनियरिंगमें ।इंटेक ओपन।

दरबारी एट अल. (2019). सबसे खराब विधि का उपयोग करके खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में टिकाऊ नवाचार प्रैक्टिसेसका प्रदर्शन मूल्यांकन। बैंकाक, थाईलैंड में 5-7 मार्च, 2019 को आयोजितऔद्योगिक इंजीनियरिंग और संचालन प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीयसम्मेलन की कार्यवाहियों में।

गांधी एट अल. (2019). आपूर्तिकर्ता चयन के साथ द्वि-उद्देश्यी आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन। अन्वेषणात्मक संगणना के महत्वपूर्ण दृष्टिकोण की खोज में (पृष्ठ 238-255)। आई.जी.आई. ग्लोबल।

गुप्ता, एट अल. (2018). वायरलेस सेंसर नेटवर्क की विश्वसनीयता को अधिकतम करने के लिए एक इष्टतम कायाकल्प रणनीति। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च एंड मैनेजमेंट। डीओआई: http://ijasrm.com/special-issue-oct-2018.

गुप्ता एट अल. (2018). मल्टी-एट्रीब्यूट ग्रुप डिसीजन मेकिंग बेस्ड ऑन एक्सटेंडेड टीओपीएसआईएस मैथेड अंडर इंटरवल-वैल्यूड इंचुइशनिस्टिक फ़ॅजी एनवायरमेंट। एप्लाइड सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, 69, 554-567.

गुप्ता एट अल. (2019). स्टोकेस्टिक रिवार्ड नेट्स का उपयोग करके एलटीई के आरएलसी प्रोटोकॉल का विश्लेषणात्मक मॉडलिंग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्यूनिकेशन सिस्टम्स,32 (6). डीओआई: https://doi.org/10.1002/dac.3903

गुप्ता एट अल. (2019). ए जेनरलाइज्ड टीओपीएसआईएस मैथेड फॉर इंचुइशनिस्टिक फ़ॅजी मल्टीपल एट्रीब्यूट ग्रुप डिसीजन मेकिंग कंसीडरिंग डिफरेंट सेनारियोज ऑफ एट्रीब्यूट्स वेट इंफॉर्मेशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फ़ॅज़ी सिस्टम,21, 369-387.

जग्गी एट अल. (2019). स्टैकेलबर्ग और नैश संतुलन समाधान का उपयोग करके दो-इकोलोन आपूर्ति श्रृंखला में प्रदर्शित स्टॉक पर निर्भर डिमांड के साथ वस्तुओं के मूल्यह्रासके लिए इन्वेंटरी और क्रेडिट निर्णय। एनल्स ऑफ ऑपेशन्स रिसर्च, 274 (1-2), 309-329.

जग्गी एट अल. (2018). बुल्विप प्रभाव को मापने और दबाने के लिए मात्रात्मक विश्लेषण। युगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 25 (2).

जग्गी एट अल. (2019). डेटेरिओरेटिंगवस्तुओं के लिए ऋण वित्तपोषण, भंडारण प्रणाली और निवेश पर बदलती मांग का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सिस्टम्स साइंस: ऑपरेशंस एंड लॉजिस्टिक्स, 6 (2), 143-161.

हसुइके एट अल. (2018).निवेशक के अनुकूल (इन्वेंटर-फ्रेंडली) और मजबूत पोर्टफोलियो चयन(सिलेक्शन) मॉडल वित्तीय प्रवृत्ति और जोखिम से बचने के पूर्वानुमानों को एकीकृत करता है। एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च , 269 (1-2), 205-221.

खन्ना एट अल. (2018).अपूर्ण गुणवत्ता वाले वातावरण के अंतर्गत ग्राहक-आधारित दो-स्तरीय क्रेडिट नीतियों के साथ आपूर्ति श्रृंखला। गणित, 6 (12), 299.

खन्ना एट अल. (2018). निरीक्षण त्रुटियों, बिक्री रिटर्न, और मुद्रास्फीति के अंतर्गत आंशिक सीमाओं के साथ अपूर्ण गुणवत्ता की वस्तुओं के लिए इन्वेंट्री और मूल्य निर्धारण निर्णय। RAIRO-आपेरेशन रिसर्च. डीओआई: https://doi.org/10.1051/ro/2018102.

खन्ना एट अल. (2019). रखरखाव और वारंटी नीति के साथ अपूर्ण उत्पादन प्रणालियों के लिए एकीकृत विक्रेता-खरीदार रणनीति। आरएआईआरओ- ऑपरेशंस रिसर्च। डीओआई: https://doi.org/10.1051/ro/2019029

कुमार एंड के.(2019)। इष्टतम क्षमता आबंटन जब मरीज प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क में भीड़(कन्जेशन) का सामना करते हैं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथमैटिकल,इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साईंसेस, 4 (2), 400-408.

लारोपुइया एट अल. (2019). स्टोकेस्टिक गेम और मार्कोव प्रक्रियाओं के आधार पर साइबर-फिजिकल हमलों की मॉडलिंग करना । विश्वसनीयता इंजीनियरिंग और सिस्टम सुरक्षा , 181, 28-37.

ली एट अल. (2018). व्यापार उन्मुखीकरण नीति और रिवर्स लॉजिस्टिक्स सेवाओं के तीसरे पक्ष के प्रदाताओं की स्थापना के लिए प्रक्रिया विश्लेषण मूल्यांकन। जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडॅक्शन, 182, 1033-1047.

मजूमदार एट अल. (2018). बैकऑर्डर और वैरिएबलउत्पादन लागत के साथ एक बहु-रिटेलर आपूर्ति श्रृंखला मॉडल। आरएआईआरओ- ऑपरेशंस रिसर्च, 52 (3), 943-954.

मालेकपुर एट अल. (2018). एकीकृत ग्रे रिलेशनल विश्लेषण और टिकाऊ बिजली उत्पादन योजना के लिए मल्टी ऑब्जेक्टिव ग्रे लीनियर प्रोग्रामिंग, अन्ल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 269 (1-2), 474-503.

मेहलावत एट अल. (2018). महत्वपूर्ण(क्रिटिकल) पथ चयन के आवेदन के साथ सहज ज्ञान युक्त फजी मल्टी-मापदंड समूह निर्णय ।अनल्स ऑफ ऑपरेशन रिसर्च,269 (1-2), 505-520.

मेहलावत एट अल. (2018). कई मापदंड असाइनमेंट समस्या के लिए एक नया पॉसिबिलिस्टिकअनुकूलन(ऑप्टिमाइजेशन) मॉडल। आई.ई;ई.ई. ट्रांजेक्शन ऑन फजी सिटम्स, 26 (4), 1775-1788.

मेहलावत एट अल. (2018). उच्च अंत क्षणोंसे युक्त फजी मल्टी-उद्देश्य पोर्टफोलियो चयन मॉडल पर आधारित डेटा इनवेलॅपमेंटविश्लेषण,सूचना विज्ञान, 460-461, 128-150.

सिंघल एट अल. (2019). पोटेंशियल मार्केट और संबंधित मूल्य निर्धारण नीति की उपस्थिति में मल्टी-स्टेज डिफ्यूजन प्रक्रिया को समझना। युगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च।

सोलंकी एट अल. (2019).स्थिरता की आपूर्ति श्रृंखला रणनीतियों के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए एक व्याख्यात्मक संरचनात्मक मॉडल। 5-7 मार्च, 2019 को बैंकाक, थाईलैंड में औद्योगिक इंजीनियरिंग और संचालन प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही।

श्रीवास्तव एट अल. (2018). विफलता के स्वतंत्र प्रतिस्पर्धी कारणों के साथ इष्टतम त्रिकोणीय चक्रीय-तनाव ए.एल.टी योजना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिलाइबिलिटी एंड एप्लीकेशन्स, 19 (1), 43-58.

श्रीवास्तव एट अल. (2019). निर्भर प्रतिस्पर्धा जोखिम के साथ टेम्पर्डविफलता दर मॉडल का उपयोग करके कोपुला आधारित निरंतर-तनाव पी.ए.एन.टी.। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलाइबिलिटी मैनेजमेंट, 36 (4), 510-525.

श्रीवास्तव , पी.डब्लू, और मनीषा.(2019). त्रिकोणीय चक्रीय त्वरित डिग्रेडेशनशून्य-विफलता टेस्टयोजना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलाइबिलिटी मैनेजमेंट, 36 (3), 358-377.

श्रीवास्तव, पी.डब्लू., और सविता. (2018). एक पुल(ब्रिज) नेटवर्क के लिए रैंप-तनाव(स्ट्रेस) त्वरित जीवन परीक्षण(लाइफ टेस्ट) योजनाओं का डिजाइन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिलाइबिलिटी एंड एप्लीकेशन, 19 (2), 83-93.

तिवारी एट अल. (2018). स्टोकेस्टिक मांग के लिए आपूर्तिकर्ता और खुदरा विक्रेता की एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला। गणितीय मॉडलिंग और विश्लेषण, 23 (4), 582-595.

संपादन मंडल के संपादक(संपादकों)/सदस्य(सदस्यों) के रूप में सेवारत विभाग शिक्षकों की संख्या

संपादक/ एसोसिएट संपादक - पाँच राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय जर्नलमें सेवारत पांच शिक्षक
संपादकीय समीक्षा बोर्ड सदस्य - तीन जर्नलमें सेवारत तीन शिक्षक

अनुसंधान परियोजनायें

डी.एस.टी.- पी.यू.आर.एस.ई., दिल्ली विश्वविद्यालय से चरण-II अनुदान, 2014-2018. रुपए 25 लाख.

प्रधान अन्वेषक(प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर), स्वीकृत एस.ई.आर.बी.-डी.एस.टी गणितीय अनुसंधान प्रभाव केंद्र समर्थन (एम.ए.टी.आर.आई.सी.एस.), "सॉफ्टवेयर घटक मूल्यांकन और घटक-आधारित सॉफ्टवेयर विकास में चयन के लिए अनिश्चितता के अंतर्गत बहु-मापदंड अनुकूलन मॉडल का विकास", 2019-2022, रुपए 6.6 लाख.

प्रधान अन्वेषक (प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर) ने "इंटरनेशनल एसेट एलोकेशन" को नेशनल नेचुरल साइंस फाउंडेशन ऑफ चाइना से प्रोफेसर वी-गुओ झांग, साउथ चाइना यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ग्वांगझू, चीन के साथ संयुक्त रूप से मंजूरी दी (नं। 71720107002)।

आयोजित सेमिनार -4

डॉ. मुकेश कुमार मेहलावत, ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी, संक्रियात्मक अनुसंधान विभाग,दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा15 फरवरी, 2019 को बिजनेस एनालिटिक्स एंड रिसर्च डिपार्टमेंट ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च पर सेमिनार-कम-वर्कशॉप आयोजित की गई।

डॉ. अदिति खन्ना ने एसोसिएशन ऑफ़ इन्वेंटरी एकेडमिशियन एंड प्रैक्टिशनर्स एवंसंक्रियात्मक अनुसंधान विभाग,दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के साथ मिलकर 17-20 दिसंबर, 2018 को रिसर्च पेपर कैसे लिखे? पर चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. आदर्श आनंद, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 27-29 दिसंबर, 2018 को गुणवत्ता, विश्वसनीयता, इन्फोकॉम प्रौद्योगिकी और व्यवसाय संचालन पर 9 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यक्रम समिति के सचिव।

दिल्ली विश्वविद्यालय,दिल्ली द्वारा 21-23 दिसंबर, 2018 को इन्वेंटरी, आपूर्ति श्रृंखला और विश्वसनीयता मॉडलिंग में उभरते रुझान पर प्रथम अंनरराष्ट्रीय सम्मेलन में संयुक्त सचिव।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुति

चन्द्र के. जग्गी

आमंत्रित वार्ता, इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स (आई.एस.पी.एस.) के 38वें वार्षिक सम्मेलन और विश्वसनीयता और सांख्यिकी के लिए भारतीय संघ के चौथा सम्मेलन (आई.ए.आर.एस.), सांख्यिकी विभाग, एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणाके संयोजन में "सांख्यिकी और संचालन(ऑपरेशन्स) अनुसंधान में उभरते नवाचार (ई.आई.एस.ओ.आर.-2018)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन,, 27-30 दिसंबर, 2018.

आमंत्रित वार्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली मेंगुणवत्ता, विश्वसनीयता, इन्फोकॉम प्रौद्योगिकी और व्यवसाय संचालन (रुझान और भविष्य की दिशा) पर 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 27-29 दिसंबर, 2018.

व्याख्यान, बी.के. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पिलानी में "रिसर्च मेथडोलॉजी एंड लेटेक्स" पर व्याख्यान, संकाय विकास कार्यक्रम, 7-8 सितंबर, 2018.

आमंत्रित वार्ता, अनुप्रयुक्त गणितीय विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एन.सी.ए.एम.एस-2018), गणित विभाग, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात, 14 अप्रैल, 2018.

आमंत्रित वार्ता, सांख्यिकी तथा ओ.आर. में हाल के रुझानों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सांख्यिकी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, 22 मार्च- 23 मार्च, 2019.

आमंत्रित वार्ता, अनुकूलन, इंटरफेस, नमूना लेने की तकनीक और संबंधित क्षेत्रों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सांख्यिकी और ऑपरेशन्स अनुसंधान विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, मार्च 09-10, 2019.

आमंत्रित वार्ता, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय प्रबंधन में हाल के रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, (आई.सी.आर.टी.ई.टी.बी.एम.-2019), एमिटी विश्वविद्यालय परिसर, नोएडा, भारत, 20-22 फरवरी, 2019.

गुप्ता, पंकज

शेखावाटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, सीकर, राजस्थान द्वारा 26 फरवरी, 2018 को आयोजित “विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रबंधन के लिए गणितीय अनुप्रयोगों में हाल की उन्नति” पर राजस्थान गणित परिषद् के 30 वें वार्षिक सम्मेलन में बहु-विशेषता निर्णय लेने पर आमंत्रित वार्ता।

यू.जी.सी.-एच.आर.डी.सी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 21 जनवरी, 2018 को आयोजित “समकालीन अध्ययन” में 5वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रिफ्रेशर कोर्स) मेंचर्चा के लिए ए.एच.पी.पर आमंत्रित आमंत्रित वार्ता ।

झा सी. प्रकाश

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दीमापुर, नागालैंड द्वारा 10-14 दिसंबर, 2018 कोआयोजित “बीजगणित और अनुकूलन पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम” पर कार्यशाला में ओमनी-चैनल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर वार्ता की।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दीमापुर, नागालैंड द्वारा 10-14 दिसंबर, 2018 को आयोजित “बीजगणित और अनुकूलन पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम” पर कार्यशाला में उत्पाद संवर्धन और सेगमेंट मीडिया के अंतर्गत मॉडलिंग और अनुकूलन पर एक वार्ता की।

जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा 02-04 नवंबर, 2018 को "इंटरडिसिप्लिनरी मैथमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कम्प्यूटेशनल तकनीकों" पर आई.ए.आर.एसके तीसरे सम्मेलन के साथ कॉनजंक्शन में फोरम फॉर इंटरडिसिप्लिनरी मैथमेटिक्स (एफ.आई.एम) के सत्ताईसवेंअंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में फजी-ए.एच.पी का उपयोग करते हुए दोषपूर्ण प्राथमिकताके साथ डी.एम.ए.आई.सीसिक्स सिग्मा केकार्यान्वयन संबंधी प्रस्तुत पेपर।

कुमार, कौशल

ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बॉम्बे द्वारा 16-19 दिसंबर, 2018को आयोजित "ऑपरेशंस रिसर्च एंड मैनेजमेंट साइंस में उभरते रुझान" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के उपयोग में सुधार के लिए एक धारित सेट कवरिंग लोकेशनमॉडल संबंधी पेपर प्रस्तुत किया।

प्रबंधन अध्ययन विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर द्वारा 29-30 नवंबर, 2018 कोआयोजित "मैनेजमेंट रिसर्च में विद्यार्थियोंका18वांकंसोर्टियम" में अधिकतम उपयोग करने के लिए और मरीज की जेब खर्च को कम करने के लिए प्राथमिक देखभाल नेटवर्क का पुनर्गठन संबंधी पेपर प्रस्तुत किया।

मेहलावत, मुकेश कुमार

शेखावाटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, सीकर, राजस्थान द्वारा 26 फरवरी, 2019 को आयोजित “विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रबंधन के लिए गणितीय अनुप्रयोगों में हाल की उन्नति” पर राजस्थान गणिता परिषद् के 30 वें वार्षिक सम्मेलन में डी.ई.ए का उपयोग करते हुए प्रदर्शन मूल्यांकन संबंधी आमंत्रित वार्ता।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 81 (81%)
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या : 32

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

28 सितंबर, 2018 को शिव शक्ति मॉडल स्कूल, रंगपुरी का दौरा किया गया।

दक्षिण दिल्ली के रोटारैक्ट क्लब के सहयोग से आयोजित दूसरों के जीवन को बचाने के लिए रक्तदान के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए एक आदर्श वाक्य के साथ 9 अक्तूबर, 2018 को ब्लड बैंक शिविर।

प्रदत्त एम. फिल./ पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी. : 5
एम.फिल. : 14

संकायों की संख्या

स्थायी -12

***

सांख्यिकी

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

सांख्यिकी विभाग सांख्यिकी के विविध क्षेत्रों में अनुसंधान और शिक्षण को अंजाम देने में संबद्ध है। इसने अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए कंप्यूटर की सांख्यिकी और ज्ञान की शक्ति का उपयोग किया है। विभाग का मुख्य जोर बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान का संचालन करना और सांख्यिकी के अनुशासन(डिस्प्लीन) में प्रशिक्षित जनशक्ति का विकास करना है। विभाग एक पाठ्यक्रम के साथ तीन डिग्री उन्मुख कार्यक्रम अर्थात् एम.ए/एम.एससी. सांख्यिकी, एम.फिल. और पीएच.डी. आयोजित करता है, जो सांख्यिकी के विभिन्न क्षेत्रों में उभरते और मुख्य क्षेत्रों को शामिल करता है। विभाग भारत और विदेशों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा विशेष आमंत्रित वार्ता भी आयोजित करता है। प्रतिष्ठित प्रोफेसरों ने अनुसंधान वार्ता देने के लिए विभाग का दौरा किया और संकाय और विद्यार्थियों के साथ बातचीत की। विभाग ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों / संगठनों में विद्यार्थियों के उपयुक्त स्थान में एक बड़ी सफलता हासिल की है।

प्रकाशन

अग्रवाल एट अल. (2017). वजनी(वेविंग) मैट्रिक्स के आधार पर अनुमानित मिश्रण डिजाइन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल डिजाइन एंड प्रोसेस ऑप्टिमाइजेशन, 5 (4), 285-300। (22 मई, 2018 को ऑनलाइन प्रकाशित)।

अग्रवाल एट अल. (2018).डारोच और वाल्टर मॉडल के लिए रूढ़िवादी रूप से अवरुद्ध डिजाइन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर स्टेटिस्टिकल साईंसेस, 14(I), 239-250.

सिंह एट अल. (2018). मिश्रण डिजाइन हैडमार्ड मैट्रिक्सपर आधारित है। सांख्यिकी और अनुप्रयोग, 16 (सं.2. नई श्रृंखला), 77-87.

सिंह एट अल. (2019). तागुची के फिक्स्ड एलिमेंट ऑर्थोगोनल एरर्स पर आधारित मिक्सचर डिजाइन का निर्माण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्टेटिस्टिक्स एंड रिलाइबिलिटी इंजीनियरिंग, खंड 5 (2), 89-95.

चतुर्वेदी एट अल. (2018).रिकॉर्ड के आधार पर वितरण के सामान्यीकृत उल्टे पैमाने के परिवार के मापदंडों और विश्वसनीयता विशेषताओं पर इंटरफेस। सांख्यिकी, अनुकूलन और इन्फार्मेशनकम्प्यूटिंग, 6 (2), 189-207.

चतुर्वेदी एट अल. (2018). प्रगतिशील टाइप II सही सेंसरिंग के आधार पर आजीवन वितरण के एक परिवार के विश्वसनीयता कार्यों के लिए सांख्यिकीय निष्कर्ष(इंटरफेस)। सांख्यिकीय, 78 (1), 81-101.

चतुर्वेदी एट अल. (2018). वितरण के सकारात्मक घातीय परिवार के लिए पी (एक्स>वाई) का अनुमान। सांख्यिकीय, 78 (2), 149-167.

चतुर्वेदी एट अल. (2018). वितरण के सामान्यीकृत उल्टे पैमाने के परिवार के विश्वसनीयता कार्यों का अनुमान और परीक्षण प्रक्रियाएं। सांख्यिकी, 53 (01), 148-176.https: //doi.org/10.1080/02331888.2018.1527843.

चतुर्वेदी एट अल. (2019). व्युत्क्रम गौसियन वितरण के मापदंडों का अनुक्रमिक न्यूनतम जोखिम बिंदु अनुमान। अमेरिकन जर्नलऑफ मैथमेटिकल एंड मैनेजमेंट साइंसेस। https://doi.org/10.1080/01966324.2019.1570883.

चतुर्वेदी एट अल. (2019). अभिलेखों के आधार पर आजीवन वितरण के एक परिवार की विश्वसनीयता विशेषताओं का संकोचन अनुमानक। कम्युनिकेशन इन स्टेटिस्टिक्स - थ्योरी एंड मैथेड्स https://doi.org/10.1080/03610926.2018.1510001 .

चतुर्वेदी एट अल. (2019). तीन-चरण प्रक्रिया के माध्यम से बेहरेंस-फिशर समस्या के बहुभिन्नरूपी एनालॉग के लिए द्वितीय-क्रम सन्निकटन। कम्युनिकेशन इन स्टेटिस्टिक्स - थ्योरी एंड मैथेड्स। https://doi.org/10.1080/03610926.2019.1589517।

चतुर्वेदी एट अल. (2019). नाकगामी वितरण की विश्वसनीयता कार्यों का अनुमान और परीक्षण प्रक्रियाएं। ऑस्ट्रियाई जर्नल ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स, 48, 15-34. http://www.ajs.or.at/doi:10.17713/ajs.v48i3.827 .

चतुर्वेदी एट अल. (2019). आनुपातिक खतरे दर मॉडल से रिकॉर्ड मूल्यों का उपयोग करके विश्वसनीयता कार्यों के आकलन पर। ऑस्ट्रियाई जर्नल ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स, 48, 35-53। http://www.ajs.or.at/doi:10.17713/ajs.v48i3.831.

गोयल एट अल. (2019). हीमोग्लोबिन A1c के आधार पर टाइप 2 मधुमेह की प्राकृतिक रोग प्रगति की भविष्यवाणी करने के लिए मार्कोव मॉडल को मल्टीस्टैट करें। जे नेफ्रोफार्मको, 8 (1) 04.

ग्रोवर एट अल. (2019). मार्कोव मॉडल के लगातार छिपे (हिडेन) समय का उपयोग करके क्रोनिक किडनी रोग के गर्भपात की संभावनाओं के आकलन पर। जे. नेफ्रोपार्मकोल, 8 (1) e07, DOI: 10.15171 / npj.2019.07.

ग्रोवर एट अल. (2018). एक से अधिक सहसंबंध / एसोसिएशन तकनीक का उपयोग करके एचआईवी / एड्स रोगियों के जीवन रक्षा समय को प्रभावित करने वाले पूर्ववर्तियों की कमी के प्रभाव की जांच करना। जे.कम्यून डिस, 50 (3), 15-21.

ग्रोवर एट अल. (2018). तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के साथ रोगियों में दर्दनाक लंबर पंक्चर के लिए इलाज का फ्रैक्शन अनुमान । अनुसंधान और समीक्षा: जर्नल ऑफ ऑन्कोलॉजी और हेमेटोलॉजी, 7 (3), 12-21.

ग्रोवर एट अल, एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (ए.एल.एल.) वालेमरीजों के लिए बीमा प्रीमियम का एक्चुरियल मॉडलिंग। जर्नल ऑफ एप्लाइड क्वांटिटेटिव मेथड्स, 13 (4). (ऑनलाइन)

कुमारी, पांडे और आर. (2019).टाइप-II सेंसरिंग के अंतर्गत बीटा लॉग वेइबुल वितरण के बायेसियन पैरामीटर के अनुमान पर। कम्युनिकेशन इन स्टेटिस्टिक्स - सिमुलेशन और कम्प्यूटेशन। https://www.tandfonline.com/ doi/full/10.1080/03610918.2019.1565579।

कुमारी एट अल. (2019). कुमार स्वामी-जी वितरण की विश्वसनीयता कार्यों और रिकॉर्ड के आधार पर एक करेक्टराइजेशनके लिए आकलन और परीक्षण प्रक्रियाएं। जर्नल ऑफ स्टेटिस्टिकल थ्योरी एंड प्रेक्टिस, 13:22। https://doi.org/10.1007/s42519-018-0014-7.

कुमारी एट अल. (2018). उच्च-गतिशीलता समूह बॉक्स 1 प्रोटीन (एच.एम.जी.बी.1) जीन बहुरूपता और कैंसर की संवेदनशीलता: एक व्यापक मेटा-विश्लेषण। क्लिनिका किमिका. एक्टा, 483, 170-182.https: //doi.org/10.1016/j.cca.2018.04.042.

पांडे एट अल. (2018). प्रगतिशील टाइपII सेंसरिंग के अंतर्गत संख्यात्मक अनुमानों के माध्यम से बायेसियन अनुमान। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च इन मैथमेटिकल एंड स्टेटिस्टकल साइंसेस,, 5 (6), 362-379.

पांडे एट अल. (2018). बेइज़ियन एनालिसिस ऑफ़ पावर जनरल वीबुल डिस्ट्रीब्यूशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड और कम्प्यूटेशनल मैथमेटिक्स, 4 (6): 141-157.

राठौर एट अल. (2018). श्वेनेला स्पे.ISTPL2,द्वारा मिट्टी के सूक्ष्म जगत में पाइरेन का बायोडाइग्रेडेशन। एक मनोदैहिक, क्षारीय और हलोफिलिक जीवाणु। बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी रिपोर्ट्स, 4, 129-136. https://doi.org/10.1016/j.biteb.2018.10.004।

सभरवाल एट अल. (2019). सी(α) परीक्षण के साथ लक्षणों की गंभीरता के आधार पर द्विध्रुवी विकार और सिज़ोफ्रेनिया के बीच अंतर का परीक्षण करना। जर्नल ऑफ एप्लाइड स्टेटिस्टिक्स, 1-10.DOI: 10.1080 / 02664763.2019.1573882 .

सभरवाल एट अल. (2018). क्रोनिक किडनी रोग की प्रगति के लिए एक भविष्यवाणी मॉडल: एक व्यवस्थित समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल एग्रीकल्चर स्टेटिस्टिक्स साइंसेस 14 (2), 637-646.

सभरवाल एट अल. (2019). सिमुलेशन स्टडी के माध्यम से क्रोनिक किडनी रोग की प्रगति पर रोगनिरोधी कारकों के सांख्यिकीय महत्व। जे. नेफ्रोपार्मकोल, 8 (2): 20.

सारन एट अल. (2018). इरलांग-ट्रन्केटेड घातीय वितरण और संबंधित इंटरफेससे सामान्यीकृत आदेश आँकड़ों के मोमेंट्सके लिए रिलेशनशिप। प्रोबस्टैट फोरम, 11, 91-103.

वार्ष्णेय एट अल. (2018). एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी के अंतर्गत एचआईवी/एड्स रोगियों के लंबे समय तक जीवित रहने के अनुमान के लिए क्योर फ्रैक्शन मॉडल। जे. कम्यूनिटी डिस., 50 (3): 1-10.

आयोजित सेमिनार -3

प्रोफेसर अनूप चतुर्वेदी, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद,25 जनवरी,2019 को "बिग डाटा की खोज के लिए डाटा माइनिंग तकनीक"।.

प्रोफेसर देबासीस कुंडू, गणित और सांख्यिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर 22 फरवरी,2019 को "सिंपल स्टेप-स्ट्रेस मॉडल्स विद ए क्योर फ्रैक्शन"।

प्रोफेसर रवीन्द्र नाथ दास, सांख्यिकी विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, 20 जुलाई, 2018 को "रोबस्ट फर्स्ट-ऑर्डर लाइफ टाइम इंप्रूवमेंट प्रायोगिक डिजाइन"।

आयोजित सम्मेलन :

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में27-29 दिसंबर, 2018 को गुणवत्ता, विश्वसनीयता, इन्फोकॉम प्रौद्योगिकी और व्यापार संचालन, पर आयोजित 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, गुरप्रीत ग्रोवर

संगोष्ठी/ सममेलन में प्रस्तुति:

चतुर्वेदी, अजीत ने जम्मू विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित" अनुमान और परीक्षण वितरण के सामान्यीकृत उल्टे पैमाने के परिवार के विश्वसनीयता कार्यों के आकलन और परीक्षण प्रक्रियाओं पर एक आमंत्रित वार्ताकी।

गर्ग रेणु

एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक, भारतमें 27-30 दिसंबर, 2018को"प्रगतिशील रूप से पहले असफल सेंसर डेटा का उपयोग करके उलटे वीबुल वितरण में तनाव-शक्ति विश्वसनीयता का अनुमान", पर आयोजित सांख्यिकी और संचालन अनुसंधान में उभरते नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में 21-23 दिसंबर, 2018 को "विश्वसनीयता के डेटा का उपयोग करके नाकगामी डिस्ट्रीब्यूशन में विश्वसनीयता का अनुमान", पर आयोजित इन्वेंटरी में उभरते रुझान, आपूर्ति श्रृंखला और विश्वसनीयता मॉडलिंगके अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया।

कुमारी, तरुणा

नेपाल में "काठमांडू 2018 में एसोसिएशन ऑफ एशिया पैसिफिक ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटीज (एपीओआरएस) के 11वें त्रिवार्षिक सम्मेलन" में "वितरण के सामान्यीकृत उल्टे परिवार का मजबूत बायेसियन विश्लेषण" में पेपर प्रस्तुत किया। सम्मेलन का शीर्षक - इंटरडिसिप्लिनरी गणित, सांख्यिकी और कम्प्यूटेशनल तकनीकों (आईएमएससीटी 2018 - एफएमएस XXVII) पर 6-9 अगस्त, 2018 को आई.ए.आर.एसके तीसरे सम्मेलन के साथ अंतःविषय गणित (एफ.आई.एम) के लिए फोरम का तेईसवाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

गणित विभाग, डी.यू.,दिल्ली, भारत, में1-3 जून, 2018 को आयोजित" रामानुज मैथमेटिकल सोसाइटी का 33 वाँ वार्षिक सम्मेलन " (ए.सी.आर.एम.एस.-2018) में "वेइबुल वितरण और टाइप II सेंसॅरिंग स्कीमके अंतर्गत दो से अधिक राज्यों के साथ तनाव-शक्ति (स्ट्रेस-स्ट्रेंथ) वाले मॉडल का अनुमान और तुलना" पर पेपर प्रस्तुत किया।

पांडे, रंजीता

सांख्यिकी विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय में 21-22 दिसंबर, 2018 को आयोजित सांख्यिकीय विधियों और डेटा विज्ञान में उन्नतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बीटा लॉग वेइबुल वितरण के लिए प्रगतिशील टाइपII सेंसॅरिंग योजना के अंतर्गत इंटरफेस" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

संक्रियात्मक अनुसंधान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और लुलिया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, स्वीडन द्वारा 27-29 दिसंबर,2018 को संयुक्त रूप से आयोजित गुणवत्ता, विश्वसनीयता, इन्फोकॉम प्रौद्योगिकी और व्यवसाय संचालन पर 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "टाइप II प्रगतिशील सेंसॅरिंग के अंतर्गत अनुमानों के माध्यम से बायेसियन अनुमान" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

सिंह, पूनम ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर में 3-7 जनवरी, 2019 को 106 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस में गणितीय विज्ञान (सांख्यिकी सहित) के सेक्शन में "प्रोजेक्शन के माध्यम से मिश्रण प्रयोगों के लिए डिजाइन" पर प्लेटिनम जुबली व्याख्यान दिया।

थपलियाल, पूजा ने दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में 27-29 दिसंबर, 2018 को गुणवत्ता, विश्वसनीयता, इन्फोकॉम टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस ऑपरेशंस पर 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बी.आई.बी.डी.का उपयोग करके ट्रेंड फ्री ऑर्थोगोनल मेन इफेक्ट प्लान का निर्माण" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

वर्मा, कनिका ने दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में 27-29 दिसंबर, 2018 को गुणवत्ता, विश्वसनीयता, इन्फोकॉम टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस ऑपरेशंस पर 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अर्लंग-ट्रॅन्केटेड घातांक वितरण और संबंधित इंटरफेससे सामान्यीकृत स्टेटिस्टिक्स ऑर्डर के मोमेंट्सके लिए रिलेशनशिप", विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

नियोजन विवरण (नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत)

विद्यार्थियों की सहभागिता की संख्या और प्रतिशत	: 71, 80.68%
नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत	: 52 और 73.23%
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या	: 30

विस्तार और अभिगामय कार्यकलाप

5 सितंबर, 2018 को शिक्षक दिवस समारोह
27 अक्तूबर, 2018 को समूह चर्चा सत्र
02 नवंबर, 2018 को सी.वी. मेकिंग कार्यशाला
14-16 जनवरी, 2019 को कपड़े संग्रह अभियान
29 जनवरी, 2019 को रक्तदान शिविर
12 फरवरी, 2019 को सरस्वती पूजा सहित आचारनीतिदिवस समारोह
16 फरवरी, 2019 को तुगलकाबाद किले में हेरिटेज वॉक
21 फरवरी, 2019 को योगी हैमंती मुखोपाध्याय, आईआईटी, दिल्ली द्वारा योग सत्र
एम.ए/एम.एससी.प्रथम वर्ष के विद्यार्थी के लिए आयोजित एप्टीट्यूड टेस्ट की श्रृंखला
अनुसंधान गतिविधि प्रकोष्ठके अंतर्गत अनुसंधान विद्वानों(स्कॉलर्स)/शिक्षकों द्वारा द्वैमासिक प्रस्तुतियाँ

प्रदत्त पीएच.डी./एम. फिल की संख्या :

पीएच.डी.	- 05
एम.फिल.	- 07

स्थायी/ अस्थायी/ तदर्थ शिक्षकों की संख्या

स्थायी	: 04
अस्थायी	:00
तदर्थ	: 05

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

विभाग का अपना प्लेसमेंट प्रकोष्ठ(सेल) है, जिसे 'क्रेडेंस' कहा जाता है। प्रत्येक वर्ष लगभग 75% विद्यार्थियों को प्लेसमेंट सेल के माध्यम से रोजगार प्राप्त होता है। वर्ष 2018-19 में, प्लेसमेंट सेल के माध्यम से 52 (अब तक) विद्यार्थियों को रोजगार दिया गया। विभाग में विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए नवीनतम कंप्यूटिंग सुविधाओं के साथ दो अच्छी तरह से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत प्रयोगशालाएं उपलब्ध हैं।

****

आयुर्विज्ञान संकाय

स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर, सुपर-स्पेशिएलिटी और पीएच.डी. स्तरों पर चिकित्सा विज्ञान में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए वर्ष 1970 में चिकित्सा विज्ञान संकाय शुरू किया। इससे चौदह महाविद्यालय/संस्थान संबद्धहैं। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज इसका अपना महाविद्यालय है।

मेडिकल महाविद्यालय और उससे जुड़े चिकित्सालयों की संख्या:-

1.	मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली-110002
2.	लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली-110001
3.	यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिल्ली-110095
4.	वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली-110007
5.	जी.बी. पंत इंस्टीट्यूट ऑफ पी.जी. मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, दिल्ली-110002
6.	मौलाना आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, नई दिल्ली-110002
7.	इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज, दिल्ली-110095
8.	आर्मी चिकित्सालय (अनुसंधान और निर्दिष्ट), दिल्ली कैंट-110010
9.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, मुनिरका, दिल्ली-110067
10.	कस्तूरबा चिकित्सालय, दिल्ली-110002
11.	इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज, तिमारपुर, दिल्ली-110054
12.	हिंदू राव अस्पताल, मलका गंज, दिल्ली-110007
13.	केंद्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, दिल्ली-110002
14.	चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, गीता कॉलोनी, दिल्ली-110031

पढ़ाए जा रहे पाठ्यक्रम:

स्नातक-पूर्व(अंडरग्रेजुएट): -

1. एम.बी.बी.एस
2. बी.डी.एस.
3. बी.एससी. (एम.आई.टी.) रेडियोलॉजी

(i) स्नातकोत्तर :- **मेडिकल एम.डी. और एम.एस. पाठ्यक्रम :**

(i)	निश्चेतन
(ii)	शरीर-रचना-विज्ञान
(iii)	जीव रसायन विज्ञान(बायोकेमिस्ट्री)
(iv)	सामुदायिक(कम्यूनिटी) स्वास्थ्य प्रशासन
(v)	सामुदायिक औषध
(vi)	डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी और कुष्ठ रोग(लेप्रोसी)
(vii)	सामान्य(जनरल)दवाइयां
(viii)	सामान्य(जनरल)सर्जरी
(ix)	जनरल सर्जरी
(x)	सूक्ष्म जीवविज्ञान(माइक्रोबायलॉजी)
(xi)	प्रसूति एवं स्त्री रोग
(xii)	नेत्र विज्ञान

(xiii)	हड्डी रोग(ऑर्थोपैडिक्स)
(xiv)	ऑटोरहिनालॅन्गोलॉजी (ई.एन.टी)
(xv)	पेडिएट्रिक्स
(xvi)	पैथोलॉजी
(xvii)	फार्माकोलॉजी
(xviii)	फिजियोलॉजी
(xix)	मानसिक रोगों की चिकित्सा(शायकिटेरी)
(xx)	पल्मोनरी मेडिसिन
(xxi)	रेडियो निदान(डायग्नोसिस)
(xxii)	विकिरण कैंसर विज्ञान

(ii) स्नातकोत्तर चिकित्सकीय पाठ्यक्रम :-

(i) एम.डी.एस कंजर्वेटिव और एंडोडोंटिक्स
(ii) एम.डी.एस ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी
(iii) एम.डी.एस ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी
(iv) एम.डी.एस ओरल पैथोलॉजी
(v) एम.डी.एस ऑर्थोडॉन्टिक्स और डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स
(vi) एम.डी.एस पेडोडोंटिक्स और प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री
(vii) एम.डी.एस पीरियडोंटोलॉजी
(viii) एम.डी.एस प्रोस्थोडॉन्टिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज
(ix) एम.डी.एस पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री

(iii) एम.एससी. और एम.फिल. पाठ्यक्रम:
(i) एम.एससी. (मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी)
(ii) एम.फिल. (नैदानिक(क्लिीनिकल) मनोविज्ञान)

सुपर-स्पेशलिटी पाठ्यक्रम :-
(i) डी.एम कार्डियोलॉजी
(ii) डी.एम मेडिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
(iii) डी.एम नियोनटोलॉजी
(iv) डी.एम न्यूरोलॉजी
(v) डी.एम कार्डिएक एनेस्थीसिया
(vi) डी.एम पल्मोनरी मेडिसिन
(vii) एम.सीएच. कार्डियो-वैस्कुलर एंड थोरैसिक सर्जरी (सी.वी.टी.एस)
(viii) एम.सीएच. न्यूरोसर्जरी
(ix) एम.सीएच. बाल चिकित्सा सर्जरी
(x) एम.सीएच. सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी

पीएच.डी प्रोग्राम:-

क्र.सं.	**विभाग**
i.	निश्चेतन विज्ञान

ii. शरीर-रचना-विज्ञान
iii. जैव रसायन विज्ञान(बायोकेमिस्ट्री)
iv. सामुदायिक(कम्यूनिटी) चिकित्सा
v. त्वचाविज्ञान, वेनेरोलाजी और कुष्ठ रोग(लेप्रोसी)
vi. सामान्य(जनरल)दवाई
vii. सामान्य(जनरल) सर्जरी
viii. सूक्ष्म जीवविज्ञान(माइक्रोबायलॉजी)
ix. प्रसूति एवं स्त्री रोग
x. पेडिएट्रिक्स
xi. पैथोलॉजी
xii. फार्माकोलॉजी
xiii. फिजियोलॉजी
xiv. रेडियोलोजी
xv. पल्मोनरी मेडेसिन

पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम: -

i. एनेस्थिसियोलॉजी (डी.ए)
ii. डर्मा., वीईएन, और एलईपी (डी.डी.वी.एल)
iii. स्वास्थ्य प्रशासन (डी.एच.ए)
iv. स्वास्थ्य शिक्षा (डी.एच.ई)
v. प्रसूति एवं स्त्री रोग (डी.जी.ओ)
vi. नेत्र विज्ञान (डी.ओ.)
vii. ओटोरहिनोलारिनोगोलॉजी (डी.एल.ओ)
viii. बाल चिकित्सा (डी.सी.एच)
ix. विकिरण चिकित्सा (डी.आर.एम)
x. रेडियो-निदान (डी.एम.आर.डी)

चिकित्सा विज्ञान संकाय में निम्नलिखित विभाग हैं:

क्र.सं.	**विभाग**
i.	निश्चेतन विज्ञान
ii.	शरीर-रचना-विज्ञान
iii.	जैव रसायन विज्ञान
iv.	सामुदायिक चिकित्सा
v.	त्वचा विज्ञान, रतिज रोग, लैप्रोलॉजी
vi.	न्याय चिकित्सा
vii.	सामान्य औषध
viii.	सामान्य सर्जरी
ix.	सूक्ष्म जीवविज्ञान
x.	प्रसूति एवं स्त्री रोग
xi.	नेत्र विज्ञान
xii.	हड्डी रोग (आर्थोपैडिक्स)
xiii.	ओटोरहिनोलार्योगोलॉजी (ई.एन.टी)
xiv.	पेडिएट्रिक्स

xv. पैथालॉजी
xvi. फार्माकोलॉजी
xvii. फिजियोलॉजी
xviii. मानसिक रोगों की चिकित्सा(शायकिटेरी)
xix. पल्मोनरी मेडिसिन
xx. रेडियोलॉजी
xxi. विकिरण (रेडिएशन) कैंसर विज्ञान
xxii. दंत विज्ञान (डैंटल साइंस)

दाखिला: प्रत्येक वर्ष संकाय अपने स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर, सुपर-स्पेशलिटी और पीएच.डी. पाठ्यक्रम के लिए विद्यार्थियों को दाखिला देता है।

वर्ष 2018 में, निम्नलिखित विद्यार्थियों को दाखिला दिया गया था: -
एम.बी.बी.एस - एम.एस. / डिप्लोमा / एम.डी.एस) विद्यार्थी - 556
डी.एम.और एम.सीएच.विद्यार्थी - 51
598 विद्यार्थी
बी.डी.एस. - 40 विद्यार्थी
स्नातकोत्तर (एम.डी)/
पीएच.डी.विद्यार्थी:0
बी.एससी .(एम.आई.टी.) रेडियोलॉजी - संबंधित महाविद्यालय द्वारा प्रवेश
एम.एससी. (मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी) - संबंधित महाविद्यालय द्वारा प्रवेश
एम.फिल. (क्लिनिकल साइकोलॉजी) - संबंधित महाविद्यालय द्वारा प्रवेश

***

शरीर रचना विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जरनल्स में दस से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। विद्यार्थियों और जनता के बीच अंग और शरीर दान के बारे में सामाजिक जागरूकता के लिए अभियान चलाए। मेडिकल विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के लिए गतिविधियाँ शुरू की गई हैं। भारतीय सेना सद्भावना मिशन के अंतर्गत जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के विद्यार्थियों की क्षमता निर्माण यात्रा की सुविधा प्रदान की है। शिक्षण के साथ-साथ सार्वजनिक सेवा के लिए किए गए 600 से अधिक निकायों का प्रतीक चिह्न(इमब्लेमिंग) (एलएचएमसी इमब्लेमिंग के लिए नोडल केंद्र) प्रदान किए।

प्रकाशन :

अरोड़ा, एस., वर्मा, एम., कौर, एस., छाबड़ा, एस., जैन, पी. (2018). उत्तर भारतीय जनसंख्या में सर्जिकल महत्व के त्रिक(सेक्रल) पैरामीटर का मापन। जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च, 12 (2), 05-09.

गुप्ता, एम. अग्रवाल, एस.भारतीय जनसंख्या के गर्भाशय ग्रीव रीढ़(सर्वाइकल स्पाइन) में फोरेमिना ट्रांसवर्सारिया और एसेसॅरीफोरेमिना की घटना का मॉर्फोमेट्रिक अध्ययन। (2019). जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, खंड -13 (3), ए;सी.07-ए.सी.11.

हंसदक, आर. (2018). राइट एक्सिलरी धमनी की अनामोलॅसब्रांचिंग पैटर्न: केस रिपोर्ट। इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 8 (3), 54-55.

जैन, पी.(2018). देहरादून में एक सरकारी शिक्षण चिकित्सालयमें प्रसवपूर्व महिलाओं में एनीमिया के बारे में नॉलेज,एटीट्यूड तथा प्रैक्टिस पर एक अध्ययन। Ejpmr, 5 (10): 202-205.

जैन, पी.(2018).सीओलिएक ट्रंक और बाएं गैस्ट्रिक धमनी विविधता: एक नैदानिक व्याख्या। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च, 10 (7), 71840-71843.

जेफ, आर.बी., अग्रवाल, एस., जेफ, वी., काकर, एस., गुप्ता, यू., तुली, ए. (2018). सामान्य प्रारंभिक गर्भधारण और आवर्तक गर्भपात के रोगियों में सीरम संवहनी एंडोथेलियल वृद्धि कारक घटक। जे. इवोलुशन मेड. डेंट. Sci.7 (46): 5794-57.

महाजन, आर., तुली, ए., रहेजा, एस., तोमर, एस., बेरी, एस. (2018). उनके क्लिनिकल इम्प्लीकेशंस के साथ ऑर्बिट की सुतुरल हड्डियों का मॉर्फोमेट्रिक अध्ययन । जे.सी.ई.एम.आर, 2 (2): 29-36.

शिलाल, पी., अग्रवाल, एस., तुली, ए., कक्कर, एस. (2018). मिडिल हेपेटिक नस के जल निकासी पैटर्न में भिन्नता और लिवर के बाएं लोब में बाएं हेपेटिक नस। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 9ए.सी.13 -ए.सी.17.

सलूजा, एस., अग्रवाल, एस., तुली, ए., रहेजा, एस. तिग्गा, एस., पॉल, एस.(2018).मॉर्फोमेट्रिक एनालिसिस ऑफ द सैकरम एंड इट्स सर्जिकल इम्प्लिमेंट्स। डी.ओ.आई: 10.7860 / जे.सी.डी.आर. / 2018 / 33991.11661.

सलूजा, एस., अग्रवाल, एस., पॉल, एस., रहेजा, एस., तुली, ए., तिग्गा, एस.(2018).मॉर्फोमेट्रिक एनालिसिस ऑफ द सैकरल हिअटॅस इन इंडियन्स: इट्स क्लिनिकल इंपोर्टेंस। इंट. जे अनाट रेस., खंड 7 (1.1): 6064-70.

यादव, ए., सिंह, वी., चौहान, के. शर्मा, एस.पी., वर्मा, एन., यादव, ए. (2018). पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जनसंख्या में गैल स्टोन का प्रचलन। जे. अनाट. साइंसेस, 24 (1): 38-42.

प्रकाशित / संपादित जर्नल

डॉ.अनीता तुली: ऑनलाइन जर्नल 'ब्राचियल प्लेक्सस, फॉरेंसिक एंड न्यूरोसाइंस, ए.एस.आई.के जर्नल के लिए संपादकीय बोर्ड की सदस्य ।

डॉ. शशि रहेजा: इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलॉजी के लिए संपादकीय बोर्ड की सदस्य।

आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

इमोशनल इंटेलिजेंस पर संगोष्ठी। स्थान: एस.जे. ऑडिटोरियम, एलएचएमसी, दिनांक: सितंबर 2018.

एनाटॉमी लेक्चर थिएटर, एलएचएमसी, में मई 2018 को अंतर्महाविद्यालय (इंटरकॉलेज) ई.बी.एस.ओ.-इल्सेविअर्स बेसिक साइंसेस ओलम्पियाड - एम.बी.बी.एस के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों क्विच प्रतियोगिता आयोजित की गई।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

अंजु यादव, एस.जी.आर.डी. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, श्री अमृतसर मेंअगस्त,2018 को ई.टी.एच.ओ.एस.-2018 (राष्ट्रीय जैव-आचार नीति, चिकित्सा और अनुसंधान सम्मेलन) पर "मेडिकल विद्यार्थियों में जैव-नैतिक अवधारणाओं को शुरू करने का महत्व-प्रथम वर्ष एम.बी.बी.एससे शुरू" शीर्षक पर मुख्य वक्ता।

मिनाक्षी मल्होत्रा ने एन.ए.टी.सी.ओ.एन., एम्स ऋषिकेश में नवंबर,2018 में “एनिमेशन वीडियो एडेड एम्ब्रायोलॉजी लेक्चर्स के प्रति विद्यार्थी धारणा” शीर्षक पर मौखिक पेपर प्रस्तुत किया।

शीतल जोशीने एन.ए.टी.सी.ओ.एन., एम्स ऋषिकेश में नवंबर,2018 में "स्टडी ऑफ आरटेरियल सप्लाई ऑफ थम्ब इन कोरिलेशन विथ पैटर्न ऑफ आरचेस एंड क्लिनिकल इम्प्लीकेशन" शीर्षक पर मौखिक पेपर प्रस्तुत किया।

शिल्पा बाथलने एन.ए.टी.सी.ओ.एन., एम्स ऋषिकेश में नवंबर,2018 में "मेन्डिब्ले के घातांको पर उम्र का प्रभाव को अनिवार्य: उत्तर-भारतीय जनसंख्या में एक रेडियो-मॉर्फोमेट्रिक अध्ययन" शीर्षक पर मौखिक पेपर प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग:

शरीर-रचना-विज्ञान विभाग द्वारा मार्च, 2019 को 1 वांकैडैविक बेसिक एफ.ई.एस.एस. कार्यशाला (एलएचएमसी नई दिल्ली में ई.एन.टी. विभाग द्वारा आयोजित) आयोजित की गई थी।

फैकल्टी ने एमएएमसी, नई दिल्ली / एम्स, नई दिल्ली में दिसम्बर,2018 को आयोजित 3री एशियन एंड अफ्रीकन स्टेरिओलॉजी कॉग्रेस एंड हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग स्टेरिओलॉजी वर्कशॉप में सहभागिता की।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप :

भारतीय सेना के सहयोग से भारतीय आर्मी की फ्लेगशिप 'सदभावना' के अंतर्गत जे.के. की छात्राओं के लिए क्षमता निर्माण यात्रा 19 फरवरी और 27 दिसंबर, 2018 को आयोजित की गई थी।

भारतीय आर्मी की फ्लेगशिप 'सदभावना' के अंतर्गतजुलाई 2018 कोनुब्रा घाटी लद्दाख की छात्राओं के लिए शैक्षिक और प्रेरक यात्रा आयोजित की गई थी

दधीचि देहदान समिति, नई दिल्ली के स्वयंसेवकों के लिए अंग और शरीर दान के बारे में संवेदीकरण सत्र। स्थान: एनाटॉमी लेक्चर थियेटर, एलएचएमसी, अप्रैल, 2018.

एन.ओ.टी.टी.ओ. ऑर्गन डोनेशन के सहयोग सेएस.एल.एम., लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय, के अंतर्गत फरवरी 2019 में ऑर्गन डोनेशन अवेयरनेस फोरम का आयोजन किया गया।

संकायों की संख्या : 14

अन्य महत्वपूर्णजानकारी :

इमब्लेमिंग: मेडिकल विद्यार्थियों के शिक्षण और साथ ही सार्वजनिक सेवा के लिए उपर्युक्तअवधि के दौरान 600 से अधिक बॉडीजको इमब्लेम किया गया (एलएचएमसी इमब्लेमिंग के लिए नोडल केंद्र)।

शिक्षण के साथ-साथ सार्वजनिक सेवा के लिए किए गए 600 से अधिक निकायों का प्रतीक चिह्न (इमब्लेमिंग) (एलएचएमसी इमब्लेमिंग के लिए नोडल केंद्र) प्रदान किए।

***

शरीर रचना विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

आधिकारिक रूप से शव-संलेपन(इंबामिंग)सुविधा दिल्ली की एन.सी.टी सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त सुसज्जित शव-संलेपन(इंबामिंग) सुविधा वाली संस्था है। इस सुविधा में नवीनतम तकनीकी से पूर्ण, शरीर संरक्षण, हैंडलिंग और भंडारण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाता है ताकि रिश्तेदारों की आसानी के लिए शवों को निर्बाध रूप से स्थानांतरित किया जा सके। इस सुविधा में रिश्तेदारों हेतुअंतिम सम्मान देने के लिए एक देखने का कमरा भी है। कैंपस चिकित्सालयोंमें किए गए शव परीक्षण के लिए भ्रूण ऑटोप्सी यूनिट की स्थापना की गई है। विभाग के पास सामान्य और विभिन्न महाद्वीपीय विसंगतियों को प्रदर्शित करने वाला एक भ्रूण भंडार है। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार संग्रहालय का उन्नयन, हाल ही के उन्नतियों सहित औषधि काविकास,इतिहास जैसे कि बहुमूल्य संरचनात्मक नमूनों (सूखा और गीला), चार्ट, मॉडल के अलावा पर आणविक जीव विज्ञान प्रकाश डालता है। यह एक सीखने की संपत्ति बन गई है। बुक बैंक और अस्थि बैंक सुविधाओं का उन्नयन जिसका अब शिक्षण और अनुसंधान के लिए संसाधन का अधिकतम उपयोग हुआ है। विभाग में एक आधुनिक आणविक और साइटोजेनेटिक्स प्रयोगशाला है जहां अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं।

प्रकाशन

अग्रवाल, वी., तिवारी, एस., मिश्रा, एस. (2018). विभिन्न गर्भावधि आयु में मानव भ्रूणों में इलेऑम और इलेओकेइकल जंक्शन में न्यूरॉन विशिष्ट एनोलेज़ और S 100 की एक्सप्रेशन। एमएएमसी जे. मेड. साइंस, 4, 75-81.

भदोरिया, पी., पांगते, बी., मिश्रा, एस. (2018). उत्तर भारतीय आबादी में इसके नैदानिक विवक्षा (इम्लीकेश्न) के साथ टिबिया के समीपस्थ अंत(प्रॉक्सिमल इंड) का मॉर्फोमेट्रिक अध्ययन। इवोल्युशन मेड. डेंट. विज्ञान, 7 (23), 6808-13.

महाजन, ए., तिवारी, एस., मिश्रा, एस. (2018). सीलिएक, यकृत और बेहतर मेसेन्टेरिक धमनी में भिन्नता का एक अनूठा समूह (कॉगलोमेरेशन): एक नैदानिक (क्लीनिकोइमब्रायोलॉजिकल) दृष्टिकोण। इंट. जे. ऐप. बेसिक मेड. रेस, 8 (4), 256-58.

मिश्रा, एस., रॉय, टी.एस., वाधवा, एस. (2018).मानव भ्रूण में उदर कोक्लेयर नाभिक का रूपात्मक(मोरफोलॉलिकल) और आकारिकीय परिपक्वता (मोरोमेट्रिकल मेचुरेशन)। जे.केमिकल न्यूरोनेटोमी, 93, 38-47.

मोचन, एस., भटला, एन., लूथरा, के., कुमार, आर., द्विवेदी, एस., शर्मा, ए., ढींगरा, आर. (2018). ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम तनाव को प्रेरित करने और प्रीक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति उत्पन्न करने में sVEGFR (sFlt) की भूमिका। जे. अनाट एस. इंड., 67 (2), 93-103।.

पाटिल, एस., सेठी, एम., मिश्रा, एस.(2018). क्लिंगलर की फाइबर विच्छेदन विधि- न्यूरोएनाटॉमी सिखाने के लिए एक सहायक दृष्टिकोण। इंट. जे. अनाट रेस., 6 (1.3), 5041-5045.

पूनिया, डी., गोस्वामी , पी. और मिश्रा, एस. (2018). प्रोब पेटेंट फोरफ़ेन ओवले के साथ डायाफ्रामिक क्रुअरा की वैरिएंट मॉर्फोलॉजी और धमनी आपूर्ति। मॉर्फोलॉगी, 102 (339), 289-93.

वाधवा, एस., मिश्रा, एस., दास, एस., एस. और वासुदेव, एन. (2018). स्नातक-पूर्वविद्यार्थियों के लिए हैंड्स-ऑनपर न्यूरोनाटॉमी सीखने का अभ्यास। Ejbps, 5 (1), 416-420.

अनुसंधान परियोजनायें

मानव पेट के विकास में घ्रेलिन का एक्सप्रेशन। डॉ. एस. मिश्रा, डॉ. एन. वासुदेव,प्लानयोजना "एमएएमसी में चिकित्सा अनुसंधान को मजबूत करना"के अंतर्गतएन.सी.टी सरकार द्वारा समर्थित ।

जेनोटॉक्सिटी इन फोरमेल्डिहाइडे एक्सपोज्ड सब्जेक्ट. डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. वासुदेव प्लान योजना "एमएएमसी में चिकित्सा अनुसंधान को मजबूत करना"के अंतर्गत एन.सी.टी सरकार द्वारा समर्थित ।

मानव भ्रूण के गैस्ट्रिक म्यूकोसा के स्टरोलॉजिकल मात्रा का ठहराव। डॉ. बबीता पांगटे, डॉ. एस मिश्रा, डॉ. एन.वासुदेव,प्लानयोजना "एमएएमसी में चिकित्सा अनुसंधान को मजबूत करना"के अंतर्गत एन.सी.टी सरकार द्वारा समर्थित ।

लौकिक(टैम्पोरल) हड्डी और खोपड़ी आधार(स्कॅल बेस) के पेट्रोॲस की स्टीरियोस्कोपिक शरीर रचना। डॉ. सुरभि वाधवा, डॉ. एस मिश्रा, डॉ. एन. वासुदेव,प्लानयोजना "एमएएमसी में चिकित्सा अनुसंधान को मजबूत करना"के अंतर्गत एन.सी.टी सरकार द्वारा समर्थित ।

नई कैडवेरीक संरक्षण तकनीक- संशोधित थिएल इमबलिंग। डॉ. प्रीति गोस्वामी, डॉ. एन. वासुदेव, डॉ. दिनेश कुमार,प्लानयोजना "एमएएमसी में चिकित्सा अनुसंधान को मजबूत करना"के अंतर्गत एन.सी.टी सरकार द्वारा समर्थित।

मानव भ्रूण टेस्ट बॅड्स में सिनैप्टोफिसिन और बी.डी.एन.एफ के एक्सप्रेशन का अध्ययन। श्री अध्ययन(द्वितीय वर्ष एम.बी.बी.एस विद्यार्थी), पर्यवेक्षक- डॉ. सबिता मिश्रा को आई.सी.एस.आर एस.टी.एस ने समर्थन दिया।

मानव मस्तिष्क वर्गों को स्टेनिंगकरने के लिए एलस्टन, मुलिगन, प्रशिया नीला और एस्ट्रा ब्लू विधि का तुलनात्मक अध्ययन। डॉ. अनीता महाजन प्लान योजना "एमएएमसी में चिकित्सा अनुसंधान को मजबूत करना" के अंतर्गत एन.सी.टी सरकार द्वारा समर्थित।

आयोजित सम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय: तृतीय एशियन एंड अफ्रीकन स्टेरियोलॉजी कांग्रेस एंड हैंड्स ऑन ट्रेनिंग स्टेरोलॉजी वर्कशॉप, नई दिल्ली, दिसम्बर,2018.

सेमिनार /सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

काहकाशन, ने एम्स ऋषिकेश में नवंबर 2018 में आयोजित एन.ए.टी.सी.ओ.एन 66 में आयोजित 'मानव फेफड़े के प्रसव पूर्व विकास और ट्यूबॅलोजेनेसिस में एफ.जी.एफ 10 का एक्सप्रेशन'शीर्षक पर मौखिक प्रस्तुति की।

सुरभि वाधवा ने मेदांता मेडिसिटी में नवंबर, 2018 में ए.ओ.जी.डी. के 40वें वार्षिक सम्मेलन में पेल्विक रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी पर एक कार्यशाला में मध्य मूत्रमार्ग के गुप्तांगों के एनाटॉमी पर अतिथि व्याख्यान (गेस्ट लेक्चर) दिया।

संकटमोचन ने एम्स ऋषिकेश में नवंबर 2018 में आयोजित एन.ए.टी.सी.ओ.एन 66 में आयोजित 'प्लास्टिनेशन का उपयोग करते हुए ताजा और पुराने उत्सर्जित फेफड़ों का तुलनात्मक अध्ययन ; प्लास्टिनेशन का उपयोग : गुणात्मक और मात्रात्मक दृष्टिकोण' शीर्षक पर मौखिक प्रस्तुति की ।

संकटमोचन ने एम्स ऋषिकेश में नवंबर 2018 में आयोजित एन.ए.टी.सी.ओ.एन 66 में आयोजित 'वी.ई.जी.एफ. ट्रोफोब्लास्टिक कोशिकाओं के साथ एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम तनाव को कम करती है; प्रीक्लेम्पसिया में निहितार्थ। शीर्षक पर पोस्टर की प्रस्तुति की।

स्वाति तिवारी ने एन.सी.बी.एस., बेंगलुरु में फ़रवरी 2019 में आयोजित 'आणविक तंत्रिका विज्ञान: जीन से लेकर स्वास्थ्य और बीमारी में सर्किट' शीर्षक वाली अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'मिडट्रीमस्टर और थर्ड ट्राइमेस्टर अवधि के दौरान मनुष्यों में मानव एंटेरिक नर्वस सिस्टम के विकास' शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुति की।

अन्य अंतर संस्थागत सहयोग

टर्किश सोसाइटी ऑफ स्टिरियोलॉजी एंड एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से नई दिल्ली में 18-20 दिसंबर 2018 को तृतीय एशियन और अफ्रीकन स्टिरियोलॉजी कांग्रेस और हैंड्स ऑन ट्रेनिंग स्टीरियोलॉजी वर्कशॉप का आयोजन किया गया था।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

शरीर दान जागरूकता अभियान
पोलियो रोकथाम कार्यक्रम

संकाय की संख्या: 10

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सबिता मिश्रा

कनिंघम के मैनुअल फॉर प्रैक्टिकल एनाटॉमी 16वां संस्करण खंड 1, 2, 3 का समीक्षक।

इल्सेविअर्स समीक्षकों का प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

सितंबर, 2018 में लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली में 'इमोशनल इंटेलिजेंस' पर एक सत्र की अध्यक्षता की और जी.आई.पी.एम.ई.आर., नई दिल्ली द्वारा आयोजित जलशीर्ष में नए मोर्चे (न्यू फ्रॉन्टियर्स इन हाइड्रोसेपालुस) पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. नीलम वासुदेवा और डॉ. सबिता मिश्रा ने एमएएमसी में डिपार्टमेंट ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी में 'भ्रूण ऑटोप्सी' पर एक सत्र की अध्यक्षता की है।

डॉ. निधि मंगला ने वर्ष 2018 के लिए प्री/पैराक्लिनिकल विषय में सर्वश्रेष्ठ थीसिस के लिए प्यारेलाल शर्मा और बिशन देवी स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

डॉ. संकट मोचन ने 'डॉ. एन.ए.टी.सी.ओ.एन. 2018 में प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर के लिए डॉ. एच.के. चटर्जी स्वर्ण पदक' प्राप्त किया।

***

शरीर रचना विज्ञान (यूसीएमएस)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

चिकित्सा पेशे में कदम रखने से पहले प्रथम सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों ने शवों(कैडवर्स) को उचित सम्मान देने के लिए कैडवरिक शपथ ली, जो कि उनके पहले शिक्षक थे। विभाग ने अन्य संकाय एल्युमिनी के सहयोग से प्रसिद्ध यूसीएमएस. एल्युमिनस द्वारा अतिथि व्याख्यान (प्रेरक वार्ता) शुरू की। आयोजक डोनम समूह को सलाहकार ऑर्गन डोनम के रूप में प्रमाण पत्र वितरित किए।

सम्मान / गौरव

डॉ. रेणु चौहान

भारत के फिजिशियन फ़ोरम द्वारा 5 सितंबर, 2018 को शिक्षक दिवस पर उत्कृष्ट और अनुकरणीय शिक्षक पुरस्कार और दिसम्बर, 2018 को चिकित्सा पेशे और समुदाय के लिए उत्कृष्ट योगदान के संबंध में दिल्ली डॉक्टर्स फ़ोरम द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया।

संविधान क्लब, जनवरी, 2019 में ए.आर. फाउंडेशन द्वारा सामाजिक गतिविधियों के लिए जय हिंद पुरस्कार से सम्मानित।

प्रकाशन

धुरंधर, डी., भारिहोके, वी., और कालरा, एस.(2018). अल्बिनो चूहों के यकृत पर सुक्रालोज अंतर्ग्रहण(इनजेशन) के प्रभावों का एक हिस्टोमोर्फोमेट्रिक मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च। 7 (5): 45-46.

धुरंधर, डी., भारिहोके, वी. और कालरा, एस.(2018). अल्बिनो चूहों के यकृत पर सुक्रालोज़ के प्रभावों का एक ऊतकीय(हिस्टोलॉजिकल) मूल्यांकन। मॉर्फोलोगी, 102 (338), 197-204.

धुरंधर, डी., कालरा, एस. और भारिहोके, वी. (2018). शरीर के वजन पर सुक्रालोज़ की खपत का प्रभाव- विस्टर अल्बिनो चूहों पर एक नोवेल प्रयोग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 7 (5), 55-56.

आयोजित सेमिनार

शरीर-रचना-विज्ञान विभाग, यूसीएमएस में दिसंबर, 2018 को ई.एन.टी कार्यशाला (लारयन्क्स और हाईपोफारयन्क्स के कैंसर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का एक हिस्सा और पप्रीकॉन्फ्रेंस कार्यशाला पर हैंड्स ऑन) का आयोजन किया गया था।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

डॉ. रेणु चौहान ने विवेकानद स्कूल, आनंद विहार ने अप्रैल 2018 को दधीचि देह दान समिति के लिए अंग और पूरे शरीर दान पर एक व्याख्यान दिया।

संकाय की संख्या : 2

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. कालरा सुनीता : कनिंघम की मैनुअल ऑफ प्रैक्टिकल एनाटॉमी, खंड 1, 16वें संस्करण की समीक्षा की गई।

***

निश्चेतन (यूसीएमएस)

सम्मान / गौरव

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना को इंडियन सोसायटी ऑफ अनेस्थेसियोलॉजिस्ट (आई.एस.ए), नॉर्थ ज़ोन के प्रसीडेंट के रूप में चुना गया था।

प्रकाशन :

अरोड़ा, वी., त्यागी, ए., वर्मा, जी.(2018). छिद्रित पेरिटोनिटिस में परिणाम की भविष्यवाणी : सिक्यूएन्शियल ऑगेन फंक्शन मूल्यांकन स्कोर और इन्फ्लेमेटॅरी मेडिएटर्स। जे. अनेस्थेसिओल क्लिन. फार्माकोल, 34 (2), 253-254.

चिल्कोटी, जी.टी., कुमार, एम., मोहता, एम, सक्सेना, ए.के., शर्मा, एन., सिंह, जे.(2019). कम्प्रेजन ऑफ पोस्टोपरेटिव अनाल्गेसिक इफिसेसी ऑफ लो-डोज बोलुस इंट्रावेनस डेक्समेडेटोमिडाइन और इंट्रापेरिटोनियल डेक्समेडोमिडाइन विथ बुपिवेकाइने इन पेसेंट अंडरगोइंग लैप्रोस्कोपिक कोलेलिस्टेक्टोमी : एक यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण, इंडियन जे. अनएस्थ, 63 (2), 106-113.

चौधरी, एस., मीना, जे.(2018). सामान्य एनेस्थेसिया के अंतर्गत वैकल्पिक एल.एस.सी.एस से गुजरने वाले रोगियों में आई-जेल, पी.एल.एम.ए और एंडोट्रैचियल ट्यूब की भूमिका की तुलना और मूल्यांकन। इंट.जे. ऑफ साइंस एंड रिसर्च, खंड 8, 2319-7064.

डोलमा, एल., सल्होत्रा, आर., रौतेला, आर.एस, बनर्जी, ए.(2018). सबअर्बनॉइड ब्लॉक के अंतर्गत गर्दन फीमर फ्रैक्चर की सर्जरी के लिए या बिना डीएक्समेडिटोमिडाइन के इज़ोबैरिक रोपाइवाकेन। जे. अनास्थेसियोल क्लिन. फार्माकोल, 34 (4), 518-523.

कायिना, सीए., सल्होत्रा, आर., सेठी, एके., मोहता, एम., शर्मा, एके. (2018). पोस्टिनटुबेशन सिक्यूएल्स : फ्लुटिकासोने का प्रभाव और इंट्रा-ऑपरेटिव मांसपेशियों के आराम की तकनीक। अनेस्थ. एसेज रेज, 12 (4), 891-896.

मोहता, एम. (2018)। सूँघने की स्थिति से परे ऊंचा स्थान - वायुमार्ग प्रबंधन के लिए एक सहायता।, जे अनानेसिशिओल क्लीन फार्माकोल, 34, 247-248।

मोहता, एम., दुग्गल, एस., चिल्कोटी, जीटी. (2018). रेंडमाइज्ड डबॅल-ब्लाइंड कम्प्रेजन ऑफ बोलुस फेनाइलेफ्रनि ऑर एफेड्रिन फॉर ट्रीटमेंट ऑफ हाइपोटेंशन इन वूमेन विथ प्री-इक्लेम्प्सिअ अंडरगोविंग सीजेरियन सेक्शन, एनेस्थीसिया, 73, 839-6.

मोहता, एम., दुबे, एम., मल्होत्रा, आरके., त्यागी, ए.(2019). कम्प्रेजन ऑफ पोटेंसी ऑफ फेनाइलेफ्रिन और नोरेपेनेफ्रिन बोलुस डोजेज यूज्ड टू ट्रीट पोस्ट-स्पाइनल हाइपोटेंशन ड्यूरिंग इलेक्टिव सीजेरियन सेक्शन। इंट.जे. ओब्स्टेट एनेस्ट, 38, 25-31.

मोहता, एम., रानी, ए., सेठी, एके., जैन, एके. (2019). ट्यूबरकुलर रीढ़ की सर्जरी में रोपाइवाकेन और डेक्समेडेटोमिडाइन के साथ लोकल वाउंड इनफिल्ट्रेशन एनाल्जेसिया की प्रभावकारिता - एक पायलट रेंडमाइज्ड डब्ल-ब्लाइंड कंट्रोल्ड ट्रायल, इंडियन जे. अनास्थे. 63, 182-7.

सालहोत्रा, आर., त्यागी, ए. (2019). मेडिसन इरर्स : दे कांटिन्यू। जे. अनास्थेसियोल क्लिन फार्माकोल, 35 (1), 1-2.

सालहोत्रा, आर., त्यागी, ए. (2019). मेडिसन इरर्स : दे कांटिन्यू। जे. अनास्थेसियोल क्लिन फार्माकोल, 35 (1), 1-2.

सक्सेना, कुमार अशोक, जैन, परमानंद, दुरेजा, गुरु प्रसाद, एट अल. (2018). भारत में न्यूरोपैथिक दर्द का औषधीय (फार्माकोलॉजिकल) प्रबंधन : भारतीय विशेषज्ञों का एक आम सहमति बयान, इंडियन जे. पैन, 3 2 (3), 1-13.

सक्सेना, कुमार अशोक, जैन, परमानंद, भटनागर, एस.(2018). भारत में वयस्क लोगों में पुराने(क्रोनिक) दर्द की व्यापकता(प्रीवेलेंस)। इंडियन जे. पालियावेटिव केयर, 24, 492-477.

सक्सेना, कुमार अशोक (2019). मूल वैज्ञानिक अनुसंधान डेटा के संदर्भ में बहुत अधिक अथवा बहुत कम उम्मीद। इंड. पैन., 33, 48-49.

त्यागी, ए., रामानुजम, एम.(2018). एपिड्यूरल वॉल्यूम एक्सटेंशन, एनेस्थीसिया, 73 (5), 645.

त्यागी, ए., कुमार, एम. 2018, अग्नाशय में थोरैसिक एपिड्यूरल। क्रिट केयर मेड., 46 (7), ई -720-ई 722.

त्यागी, ए., लूथरा, ए., कुमार, एम., दास, एस.(2018)। गुर्दे की तीव्र चोट(इंजॅरी) की महामारी विज्ञान और मूत्र(यरिनेरी) की भूमिका [टीआईएमपी-2] • [आईजीएफबीपी7] : गंभीर रूप से बीमार प्रसूति रोगियों में एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन। इंट. जे. ओब्सटेट अनेस्थ, 36, 77-84.

त्यागी, ए., सल्होत्रा,, आर.(2018)। कुल हिप आर्थ्रोप्लास्टी और पेरिफेरल नर्व ब्लॉक : सीमित लेकिन मुख्य भूमिका?, जे अनासेस्थिओल क्लिन फार्माकोल, 34 (3), 379-380.

त्यागी, ए., लहान, एस., वर्मा, जी., दास, एस., कुमार, एम.(2018)। प्रारंभिक गुर्दे की तीव्र चोट में इंट्रा-अब्डोमिनल के दबाव की भूमिका : गंभीर रूप से बीमार प्रसूति रोगियों में एक भावी कोहार्ट अध्ययन। इंडियन जे. क्रिट केयर मेड, 22 (8), 602-607.

त्यागी, ए., वर्मा, जी., लूथरा, ए., लहान, एस., दास, एस., राय, जी., सेठी, एके। (2019)। स्ट्रोक वॉल्यूम भिन्नता निर्देशित टेट्रास्टार्च बनाम रिंगर्स लैक्टेट के साथ प्रारंभिक पोस्टऑपरेटिव एक्यूट किडनी चोट का जोखिम। सऊदी जे. अनेस्थ. 13 (1), 9-15.

त्यागी, ए., गुप्ता, वाईआर., दास, एस., राय, जी., गुप्ता, ए.(2019). अग्नाशयशोथ पर सेगमेंटल थोरैसिक एपिड्यूरल ब्लॉक का प्रभाव प्रेरित अंग की शिथिलता : एक प्रारंभिक अध्ययन, इंडियन जे क्रिट केयर मेड, 23 (2), 89-94.

आयोजित सेमिनार और सम्मेलन :

17 वीं उत्तर क्षेत्र आई.एस.ए सम्मेलन और एनएसी-आईसीएआर कॉम्प्लेक्स, पूसा, नई दिल्ली में दिल्ली शाखा का 57 वां वार्षिक सम्मेलन। अप्रैल, 2018.

यूसीएमएस. में "क्रिटिकल केयर-एक प्रतिमान बदलाव" पर सी.एम.ई। जनवरी, 2019.

यूसीएमएस में पाँच शोध पत्रों की प्रस्तुति के लिए आई.एस.ए दिल्ली चैप्टर की मासिक नैदानिक बैठक। मार्च, 2019.

सेमिनार / सम्मेलन प्रस्तुतियाँ: (चयनित)

अशोक कुमार सक्सेना

बोस्टन, अमेरिका में सितंबर, 2018 को आयोजित 17वें विश्व कांग्रेस ऑन पैन के दौरान क्रॉनिक पेन में "व्यवस्थित समीक्षा" पर आमंत्रित संकाय के रूप में पोस्थेराप्टिक नियुरालजिया एंड मोडरेटेड पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

बेंगलुरु में आयोजित फ़रवरी, 201.9 को स्टडी ऑन पैन(ISSPOM 2019) हेतु भारतीय समाज के 34वें वार्षिक सम्मेलन में "फ्यूचर प्रूफिंग ऑफ पैन एजुकेशन एंड पोस्टमॉडर्न पैन एजुकेशन" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

"गेस्टेशन डायबिटीज में अनैस्थैटिक चिंताओं पर अपडेट" पर सितंबर, 2018 को जोधपुर में 11वीं राष्ट्रीय ओब्स्टेट्रिक अनास्थेसियोलॉजिस्ट सम्मेलन(ए.ओ.ए 2018) में एक वार्ता की।

डॉ. सुजाता चौधरी

"वेट टैप नाउ व्हाट?" सुरक्षित नेविगेशन और जोखिम प्रबंधन" पर सितम्बर, 2019 को जोधपुर में ए.ओ.ए.(एसोसिएशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स) 2018, 11वीं राष्ट्रीय ओब्स्टेट्रिक अनास्थेसियोलॉजिस्ट सम्मेलन(ए.ओ.ए 2018) में एक वार्ता की।

डी.एम.सी. लुधियाना, पी.जी. असेम्बली, में फरवरी, 2019 को "गर्भवती रोगी में सी.पी.आर" पर आमंत्रित संकाय और वार्ता की।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी :

प्रोफ़ेसर अशोक कुमार सक्सेना के पर्यवेक्षण में डॉ. स्वाति दास (तृतीय वर्ष के पी.जी. विद्यार्थी) को आई.एस.ए टी.एन. झा अवार्ड, नवंबर, 2019 के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. मेधा मोहता के पर्यवेक्षण में डॉ. अंकिता गर्ग (3 वर्ष की पी.जी विद्यार्थी) को डब्लिन, आयरलैंड में सितंबर, 2018 को आयोजित ई.एस.आर.ए कांग्रेस में सर्वश्रेष्ठ फ्री पेपर प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।

***

निश्चेतन (एमएएमसी)

सम्मान / गौरव

डॉ. कपिल चौधरी को अक्तूबर 2018 के महीने में विश्व निश्चेतन दिवस के अवसर पर इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसियोलॉजिस्ट दिल्ली चैप्टर द्वारा "निश्चेतन विज्ञान की स्पेशियलिटी में प्रतिष्ठित सेवाओं हेतु अवार्ड" के रूप में सम्मानित किया गया।

डॉ. कपिल चौधरी को जनवरी, 2018 में वर्ष 2017 के लिए इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया हेतु समीक्षा करने के लिए सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस अवार्ड मिला।

प्रकाशन

भालोत्रा, ए.आर. (2018)। नकारात्मक दबाव फुफ्फुसीय एडिमा`। कोरियाई जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी, 71(1), 71-72.

भालोत्रा, ए.आर. (2018)। ए सिम्पल मैथॅड ऑफ टोपिकेलाइजेशन टू फेसिलिटेट अवेक फाइब्रोप्टिक नासोट्रैक्लल इंटुबैशन : तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में अनुभव। तुर्की जर्नल ऑफ एनेस्थेसियोलॉजी एंड रीइनिमेशन, 46 (4), 333-34.

भालोत्रा, ए.आर. (2018). शिशुओं के दाब नियंत्रित वेंटिलेशन के दौरान श्वास सर्किट अनुपालन और प्रदर्शित ज्वारीय मात्रा। पेडियाट्रिक अनेस्थिसिया, 28 (3), 301-302.

भालोत्रा, ए.आर. (2018). आइए हम अभी तक इंट्रापार्टम सिजेरियन सेक्शन के लिए एक पूर्ववर्ती एपिड्यूरल कैथेटर को नहीं छोड़ते हैं। कोरियाई जर्नल ऑफ अनेस्थिसियोलॉजी, 71 (3), 244-245.

भालोत्रा, ए.आर. (2018). इंडोस्कोपिक प्रक्रियाओं के लिए प्रोप्रोफोल के साथ केटामाइन। कोरियाई जर्नल ऑफ अनेस्थिसियोलॉजी, 71 (4), 334-335.

भालोत्रा, ए.आर. (2018). न्यूरोमस्कुलर ब्लॉक का उलटा। इंडियन जर्नल ऑफ अनेस्थिसिया, 62,484-5.

भालोत्रा, एआर., ठाकुर, पी. (2018). फुफ्फुसीय एडिमा में सक्शन, कोई चूषण या निष्क्रिय जल निकासी नहीं। तुर्की जर्नल ऑफ अएनेस्थिसियोलॉजी एंड रीनिमेशपन,, 46 (6), 480-481.

भालोत्रा, ए.आर. (2019). क्या हम आई.एल.एम.ए. ट्यूब का दुरुपयोग कर रहे हैं ? चिंता का एक कारण? इंडियन जर्नल ऑफ अनेस्थिसिया, 63 (1), 76-77.

भालहोत्रा, ए.आर. (2018)। बच्चों में मांसपेशियों को शिथिल करने के अतिरिक्त सावधानी बरतें। बाल चिकित्सा जांच, 2 (4), 269-270।

चक्रवर्ती, आर., बूडू, एमएस., केराई, एस.(2018). 27 वर्ष के पोलीट्रॉमा रोगी में छाती की नली के माध्यम से नासोगैस्ट्रिक फीड के असामान्य घटना का मामला। इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर, 22,547-51.

चौधरी, के., मेहरा, एस., सक्सेना, केएन., वाधवा, बी., सीकरी, एच.(2018)। इंट्राकैनायल ट्यूमर के साथ एक भाग(पार्चुरिएंट) में आपातकालीन सिजेरियन डिलीवरी : एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की चुनौती। एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 4,145-148.

चौधरी, एन., सक्सेना, केएन., वाधवा, बी.(2018). डाइलेटेड कार्डियोमायोपैथी के साथ एक रोगी में इंट्राडर्मल स्टेराइल पानी ब्लॉक के साथ लेबॅर एनाल्जेसिया। जर्नल ऑफ़ ऑब्स्टेट्रिक अनेस्थिसिया एंड क्रिटिकल केयर, 8, 96-98.

चौधरी, एन., कुमार, ए., वधावन, एस., भदोरिया, पी., पंवार, वी.(2018)। रेट्रोस्टर्नल गोइटर : एनेस्थेटिक विवक्षा(इमप्लीकेशन) और प्रबंधन। इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल अनेस्थिसिया, 5 (3), 453-456.

गहलोत, डी., सक्सेना, केएन., सिंह, आर.(2018). स्पॉटेनिअॅस सेवियर हाइपोग्लाइसीमिया : देरी से उभरने का कारण। एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस, 4,159-60.

गहलोत, डी., सक्सेना, केएन., तनेजा, बी., मिश्रा, डी.(2018). गैर-दर्दनाक डायाफ्रामिक हर्निया के साथ एक वयस्क का अनेस्थिेटिक प्रबंधन। अनेस्थिसिया इंटेंसिव केयर एंड पैन थैरेपी, 1(1), 3-3.

गौतम, वीके., कुमार, ए., अग्रवाल, एम., हरना, बी., सबत, डी.(2019). पूरे घुटने के प्रतिस्थापन के लिए पश्चात के रोगियों में एनाल्जेसिया के लिए दो कॉकटेल रेजिमेंस के पेरीआर्टीकुलर इंफिल्ट्रेशन का तुलनात्मक मूल्यांकन। जर्नल ऑफ आर्थोस्कोपी और ज्वाइंट सर्जरी, 6 (2), 98-102.

गुप्ता, बी., अग्रवाल, एम., सिन्हा, एसके. (2018). ट्रेकिओ-इसोफेजिअल नालव्रण(फिस्टुला) की मरम्मत में अनेस्थिेटिक प्रबंधन में हाल ही की उन्नति। इंडियन अनेस्थिेटिस फोरम, 19 (2), 39-44.

गुप्ता, एल.(2018). संपादकीय लेख : साहित्यिक चोरी : एक अनैतिक शिलालेख। जर्नल ऑफ रीजॅनल अनेस्थिेसिया एंड इंटेंसिव केयर, 1 (1), 9-10.

गुप्ता, एल., जैन, टी.(2018). फ्लिप-फ्लॉप परिसंचरण : एक असामान्य कारण और नवजात विकृति का मामला। इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया, 5 (4), 627-628.

गुप्ता, बी., गुप्ता, एल.(2018). प्रोपोफोल के बाद बड़े पैमाने पर ऐंठन का एक दुर्लभ मामला। इंडियन अनेस्थिेटिट्स फोरम,19 (2), 93-94.

गुप्ता, बी., गुप्ता, एल.(2018). पूरी अंतःशिरा अनेस्थिसिया(टीआईवीए) - एक संक्षिप्त समीक्षा। फार्मास्युटिकल साइंस एंड एनालिटिकल रिसर्च जर्नल, 1 (1): 180002.

गुप्ता, एल., गुप्ता, बी.(2018). न्यूरोसर्जरी (भाग II) के लिए अनेस्थिसिया। इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल अएनेस्थीसिया, 5 (3), 299-305.

गुप्ता, एल., जैन, टी.(2018). ए.एन.एस.एच.आई. विधि : ओकुलोकार्डिक रिफ्लेक्स प्रीवेंशन के लिए एक नया दृष्टिकोण। अनेस्थिसिया-इंटेंसिव केयर एंड पैन थेरेपी, 1 (1): 1-1.

गुप्ता, एल., गुप्ता, एच.(2018). श्वसन स्थितियों(कंडीशन्स) के लिए फिजियोथेरेपी। उन्नत नर्सिंग और रोगी देखभाल इंटरनेशनल जर्नल, 1 (1), 1-8.

गुप्ता, बी., गुप्ता, एल.(2019). एंडोट्रैचियल ट्यूब के बाहरी व्यास का महत्व : कम ज्ञात पैरामीटर। कोरियन जर्नल ऑफ अनेस्थिसियोलॉजी, 72 (1), 72-73.

गुप्ता, एल., गुप्ता, बी.(2018). नेत्र शल्य चिकित्सा के लिए अनेस्थिसिया कंसीडरेशन्स। इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया और एनाल्जेसिया, 5 (5), 869-877.

गुप्ता, बी., गुप्ता, एल.(2018). एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट-प्रासंगिकता। एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर मेडिसिन जर्नल, 3 (1), 000131.

गुप्ता, एल., गुप्ता, बी., भदोरिया, पी., वर्मा, यू.सी. (2018)। चूषण कैथेटर का उपयोग करके बच्चों(प्लेसमेंट के बाद) में प्रोसील लेरिंजल मास्क वायुमार्ग सम्मिलन में आसानी : पारंपरिक तकनीकों के साथ तुलना। इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल अनेस्थिसिया, 5 (2), 216-221.
गुप्ता, बी., गुप्ता, एल.(2018). एनेस्थीसिया और ह्रदय रोग। एनेस्थिसियोलॉजी के अभिलेखागार, 1 (1), 1-9.

गुप्ता, एल., गुप्ता, बी., गुप्ता, ए., जैन, आर.(2018). जन्मजात(कोन्जेनिटल) सिस्टिक एडेनोमैटॉइड विकृति के साथ एक शिशु में संवेदनाहारी कंसीडरेशन्स। इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया, 5 (1), 156-158.

गुप्ता, एल., गुप्ता, बी.(2018). न्यूरोसर्जरी (भाग I) के लिए अनेस्थिसिया। एक समीक्षा लेख। इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया, 5 (1), 1-8.

गुप्ता, बी., गुप्ता, एल.(2018). वृक्क रोग के लिए अनेस्थिसिया कंसीडरेशन्स। एक समीक्षा लेख। ए.आर.सी जर्नल ऑफ अनेस्थिसियोलॉजी, 3 (1), 9-14.

गुप्ता, बी., गुप्ता, एल.(2018). फाहर और प्रिमरोज़ सिंड्रोम के एक मामले में अनेस्थिसिया कंसीडरेशन्स। एनेस्थिसियोलॉजी ओपन जर्नल, 3 (1), 1-6.

गुप्ता, बी., गुप्ता, एल.(2018). गर्भावस्था में एनीमिया के लिए अनेस्थिसिया कंसीडरेशन्स। इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड चिकित्सा साइंसेस, 1 (2), 10-13.

गुप्ता, बी., केराई, खान आई.(2018). ऑर्गनोफॉस्फोरस-पाइरेथ्रॉइड संयुक्त पॉइज़ोइंग लंबे समय तक या तो जहर की तुलना में लंबे समय तक कोलीनर्जिक लक्षणों से जुड़ा हो सकता है। इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, 62, 903-5.

गुप्ता, डी., केराई एस., बड्डू, एमएस. (2018). कॉपर सल्फेट विषाक्तता का एक घातक और धोखा देने वाला मामला। इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, 62,819-20.

गुप्ता, बी., केराई, एस.(2018). समवर्ती दवाओं द्वारा जटिल अमलोडिपाइन विषाक्तता। कोरियाई जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी, 71,489-90.

गुप्ता, बी., केराई, एस.(2018). क्या इंट्रालिपिड इमल्शन का तर्कहीन उपयोग एम्लोडिपाइन विषाक्तता में उचित है। कोरियाई जर्नल ऑफ अनेस्थिसियोलॉजी। डीओआई पर उपलब्ध: 10.4097 / kja.d.18.00152.

गुप्ता, बी., केराई, एस.(2018). वैकल्पिक पर्कुट्यूनेशियस डिलाटेशनल ट्रेटाकोस्टॉमी में फाइबरकोप का वारंटेड उपयोग। इंडियन एनेस्थेटिस्ट्स फोरम, 19,34-5.

कोहली, एम., अश्विन, ए., पंवार, वी., वधावन, एस.(2018). मैनेजमेंट ऑफ अनएक्सपेक्टेड सॅबग्लोटिक स्टेनोसिस इन ए नियोनेट विथ कॉन्जेनिटल ट्रेकिओसोफेजिअल फिस्टुला। इंडियन जर्नल ऑफ केस रिपोर्ट्स, 4 (4), 336-337.

मनोहर, एम., गुप्ता, बी., गुप्ता, एल.(2018). एनेस्थेसियोलॉजिस्ट द्वारा बंद-पाश(क्लोज्ड-लूप)की निगरानी- अनेस्थिसिया के दौरान रोगी की निगरानी के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण। कोरियाई जर्नल ऑफ अनेस्थिसियोलॉजी, 71 (5), 417-418.

मिश्रा, डी., सक्सेना, केएन और वाधवा, बी.(2018). मेथेमोग्लोबिनमिया का एक असामान्य मामला। मैड्रिड जर्नल ऑफ़ केस रिपोर्ट्स एंड स्टडीज़, 2 (1), 1000113.

सक्सेना, केएन., चोपड़ा, एन.(2018). प्रोपोफोल फॉर कॉन्सियस सेडेशन फॉर फाइब्रेऑप्टिक नासोट्रचियल इंचुबेशन : कम्प्रेजन विथ फेनटानयल-मिडेजोलम कोम्बीनेशन। एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन जर्नल, 3(2), 000133.

सक्सेना, केएन., साहा, एम., मिश्रा, डी., वडगवा, बी.(2018). टी.के.आर. के लिए कम इजेक्शन फ्रेक्शन के साथ रोगियों का अनेस्थिसिएटिक प्रबंधन : ए केस सीरीज, जर्नल ऑफ अनेस्थिटिक रिसर्च एंड पेन मेडिसिन डीओआई.org/10.28967/jarpm.2019.01.19001.

सक्सेना, केएन., वाधवा, बी., मिश्रा, डी.(2019). गंभीर माइट्रल स्टेनोसिस के साथ आंशिक रोगियों में सीजेरियन सेक्शन का अनेस्थिटिक प्रबंधन : एक केस श्रृंखला। जर्नल ऑफ़ ऑब्स्टेट्रिक अनेस्थिसिया एंड क्रिटिकल केयर, 9(1), 46-49.

सक्सेना, के.एन. (2018). केटामाइन के साथ प्रबंधित रेट्रोप्रोटीन्जियल एब्सेस - एक केस रिपोर्ट। केस स्टडीज में उन्नति, 1 (3), AICS.000513.2018। डोई : 10.31031/AICS.2018.01. 000,513.

सक्सेना, केएन., मंडल, ए., वाधवा, बी.(2018). एबस्टीन एनोमली के साथ एक रोगी में अनेस्थिटिक प्रबंधन। जर्नल ऑफ अनेस्थिसियोलॉजी एंड पैन रिसर्च, 1, 105.

सिंह, ए., गुप्ता, एल.(2018). लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के लिए सुप्राग्लॉटिक एयरवे डिवाइस - एक संक्षप्ति समीक्षा। बी.ए.ओ.जे. अनेस्थिसिया, 2 (1), 005.

सिंह, ए., दीपक, जी.पी, गुप्ता, एल.(2018). रीढ़ की हड्डी में सुई डालने से पहले टूटी हुई हाइपोडर्मिक सुई : एक असामान्य जटिलता। यूरोपीय जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एंड मेडिकल रिसर्च, 5 (4), 412-413.

सिंह, ए., गुप्ता, एल.(2018). सुपरग्लोटिक एयरवे डिवाइसेस : भविष्य की एक दस्तक। अनेस्थिसिया और क्रिटिकल केयर मेडिसिन जर्नल, 3 (1), 000129.

सिंह, ए., भालोत्रा, एआर., आनंद, आर.(2018). वैकल्पिक सर्जरी के दौर से गुजर रहे वयस्क रोगियों में प्रोसेल लेरिंजल मास्क एयरवे, आई-जेल और सुप्रीम लेरिंजल मास्क एयरवे का तुलनात्मक मूल्यांकन : एक यादृच्छिक परीक्षण। इंडियन जर्नल ऑफ अनेस्थिसिया, 62 (11), 858-864.

ठाकुर, पी., भालोत्रा, एआर., चौधरी, के. (2018). मूल स्थान पर (इन सीटू) मोंटगोमरी ट्यूब के साथ एक मरीज में अनेस्थिसिया : डिफिकल्ट टू इजी ! पेडिएट्रिक अनेस्थिसिया, 28 (9), 825.

आयोजित सेमिनार / सम्मेलन

आई.एस.ए, का मासिक क्लिनिकल मीट, दिल्ली चैप्टर नवंबर, 2018
ऑब्स्टेट्रिक अनेस्थिसिया में बदलते रुझान, एमएएमसी, मार्च, 2019
अल्ट्रासाउंड निर्देशित रीजनल अनेस्थिसिया पर कार्यशाला, एमएएमसी, मई, 2019
उत्तर क्षेत्र पी.जी असेम्बली, जी.बी पंत चिकित्सालय के सहयोग से, फरवरी, 2018
राष्ट्रीय स्तर पी.जी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम(छह दिन का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम), अगस्त-सितंबर, 2018
"अनेस्थिसिया में तथ्य और मिथक" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन, अक्तूबर, 2018

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. अमित कोहली गाजा राजा मेडिकल महाविद्यालय, ग्वालियर, एम.पी, में जुलाई, 2018 को उन्नत एयरवे कौशल कार्यशाला के मुख्य समन्वयक और प्रशिक्षक; आई.जी.एम.सी, शिमला में सितंबर, 2018 को उन्नत एयरवे कार्यशाला के मुख्य समन्वयक और प्रशिक्षक ; टी.एम.सी, मुरादाबाद में 2 दिसंबर, 2018 को एयरवे प्रबंधन कार्यशाला के मुख्य समन्वयक और प्रशिक्षक; एल.एन मेडिकल महाविद्यालय, भोपाल में दिसंबर, 2018 को उन्नत एयरवे कौशल कार्यशाला के मुख्य समन्वयक और प्रशिक्षक; थे।

***

निश्चेतन (एलएचएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

निश्चेतन एलएचएमसी विभाग विभिन्न शल्य चिकित्सा विशिष्टताओं जैसे कि प्रसूति, स्त्री रोग, सामान्य सर्जरी, बाल चिकित्सा सर्जरी, हड्डी रोग, नेत्र, ई.एन.टी, दंत चिकित्सा और ओरोफेसियल मैक्सिमरी सर्जरी, ई.सी.टी, शल्य चिकित्सा आई.सी.यू, दर्द और उपशामक देखभाल क्लिनिक के प्रबंधन के अलावा रेडियोलॉजिकल प्रक्रियाओं के लिए निश्चेतन सेवाएं प्रदान करता है। एम.डी निश्चेतन विज्ञान और प्री-ट्रॉमा तकनीशियन प्रशिक्षण के लिए स्नातकोत्तर प्रशिक्षण प्रत्येक वर्ष विद्यार्थियों को प्रदान किया जाता है। विभाग आगामी शैक्षणिक सत्र में डी.एम बाल चिकित्सा निश्चेतन विज्ञान पाठ्यक्रम हेतु सक्रियता से काम कर रहा है। निश्चेतन विज्ञान विभाग के अपने प्रशिक्षित संकाय द्वारा प्रत्येक वर्ष अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन द्वारा मान्यता प्राप्त ए.सी.एल.एस/बी.एल.एस पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

सम्मान/गौरव

डॉ. निशांत कुमार ने आगरा में आयोजित नवंबर, 2018 में इस्कॉन 2018 में आई.जे.ए. अवार्ड के लिए सर्वश्रेष्ठ समीक्षक का पुरस्कार जीता।

प्रकाशन

हेयारन, एन., तंवर, एस., सिंह, आर., सरदाना, आर.(2018). पेरेक्यूटेनियस ट्रेकियोस्टोमी में डाईलेटेशनल फोर्स : कितना अधिक है? जे.क्लिन. एनेस्थ. 52, 51-52.

कुमार, एन., सरदाना, आर., जैन, ए.(2019). लैप्रोस्कोपिक हर्निया की मरम्मत के लिए इनगुनियल कैनाल ब्लॉक : केस सीरीज़। जर्नल ऑफ मेडिकल कॉलेज, 9: 55-57.

कुमार, एन., सिंह, आर., शर्मा, एन., जैन, ए.(2018). पश्चवर्ती प्रतिवर्ती एन्सेफैलोपैथी सिंड्रोम की ए टिपिकल प्रस्तुति : दो मामले। जे. अनेस्थिसिओल क्लिन फार्माकोल, 34, 120-122.

कुमार, एन. (2018) परीक्षण टाइम्स : संकेत करने के लिए रूटीन! एनेस्थ. एनालॉग 2018; 126: 1451-2.

सिंह, ए., गुप्ता, ए., दत्ता, पी. के., पांडे, एम.(2018). इनगुनियल हर्निया सर्जरी के लिए इंट्राएथियल लेवोबुपिवाकेन बनाम बुपिवैकेन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। के.जे.ए.

सिंह, ए., अय्यर, केवी., गुप्ता, ए.(2018). एक बड़े जन्मजात रैन्युला के मामले में एयरवे प्रबंधन। एस.जे.ए. खंड 12, अंक 1.

सिंह, एम., सिंह, आर., जैन, ए. (2018). वैकल्पिक स्त्री रोग संबंधी सर्जरी के बाद पोस्टऑपरेटिव दर्द से राहत के लिए एपिड्यूरल एनाल्जेसिया प्राप्त करने वाले रोगियों में डायनेमिक दर्द स्कोर्स पर विभिन्न एपिड्यूरल एनाल्जेसिया के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक अवलोकन अध्ययन। जे. अनेस्थिसियोलॉजी क्लिनिकल फार्माकोलॉजी 2018; 34: 362-37.

सिंह, आर., हयारन, एन., नागर, डी., जैन, ए.(2018). भारत में एक तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में एक्लम्पसिया में तंत्रिका संबंधी जटिलताओं का स्पेक्ट्रम। जे. ऑब्स्टेट गायनेकोल. कैन. 40, 876-882.

पत्रिकाएं (जर्नल)

डॉ. निशांत कुमार इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया के सहायक संपादक हैं।

आयोजित सम्मेलन

बाल चिकित्सा अनेस्थिसिया सी.एम.ई. : नवजात शिशु और नवजात। एलएचएमसी अप्रैल, 2018.

एक्यूपंक्चर प्रशिक्षण कार्यशाला एलएचएमसी, जुलाई, 2018

आई.एस.ए मासिक क्लिनिकल मीट एलएचएमसी अक्तूबर, 2018

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. रंजू सिंह ने

"वर्क लाइफ बैलेंस फॉर ए फिजिशियन", ए.ओ.ए, जोधपुर, सितंबर, 2018 पर व्याख्यान दिया।

केयर ऑफ सिस्टम एंड इंडवेलिंग डिवाइसेस : डीएसपीआरयूडी, एमएएमसी दिल्ली द्वारा आयोजित नर्सों के लिए इंफेक्शन प्रिवेंशन एंड कंट्रोल पर बेस्ट प्रैक्टिस सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम, में व्याख्यान दिया।

वेंटीलेटर एसोसिएटेड न्यूमोनियास हॉस्पिटल इन्फेक्शन कंट्रोल प्रोग्राम, डिपार्टमेंट ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, एलएचएमसी, दिल्ली, दिसंबर,, 2018 में एक वार्ता की।

डॉ. गरिमा अग्रवाल ने मार्च, 2019 में रोहतक के आर.एस.ए.सी.पी.सी.ओ.एन के एक सिंड्रोमिक बच्चे के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रबंधकीय प्रबंधन पर एक व्याख्यान दिया।

संकाय की संख्या : 1

***

निश्चेतन (जी.आई.पी.एम.ई.आर)

प्रकाशन

चौधुरी, एएच., आहूजा, बी., विश्वास, पीएस., उप्पल. (2019). भारत में इंटर आईसीयू ट्रांसफर के बाद मल्टीड्रग प्रतिरोधी संक्रमण की महामारी विज्ञान। इंडियन जे. क्रिट केयर मेड, 23, 1-6.

चौधुरी, एएच., खुराना, पी., विश्वास, पीएस., उप्पल, आर.(2019). यकृत की बीमारी के साथ गंभीर रूप से बीमार रोगियों में मल्टीड्रग-प्रतिरोधी बैक्टीरिया के लिए महामारी विज्ञान और जोखिम कारक। सऊदी जे. अनास्टे, 12,389-94.

धीर, ए., टेम्पे, डीके. (2018). कार्डियक सर्जरी में एनीमिया और रोगी रक्त प्रबंधन : साहित्य समीक्षा और वर्तमान साक्ष्य। जे. कार्डियोथोरैक वास्क. अनेस्थि., 32, 2726-42.

खिलनानी, जीसी., ज़िरपे, के., हाडा, वी एट अल. (2019). गहन चिकित्सा इकाई में एंटीबायोटिक प्रिस्क्रिप्शन के लिए दिशानिर्देश (आईसीयू में एंटीबायोटिक प्रिस्क्रिप्शन के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति के लिए)। इंड जे. क्रिट केयर मेड, 23 (सप्ल 1), एस 1-एस 63.

मलिक, आई., गंजू, पी. (2019). मस्तिष्क धमनी विस्फार सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक असामान्यताओं का व्यापक महत्व और प्रबंधन। न्यूरोल इंडिया, 67, 427-32.

मोटवानी, एसके., दत्त, वी., टेम्पे, डीके. (2018). रोगी पोस्ट महाधमनी वाल्व रिप्लेसमेंट में पेसिंग के कारण गंभीर माइट्रल रिग्रिटेशन। एक केस रिपोर्ट।, वर्ल्ड जर्नल ऑफ कार्डियोवास्कुलर सर्जरी, 8, 22-27.

शर्मा, एमयू., गंजू, पी., जैन, एस. (2018). एंडोवस्कुलर न्यूरोसर्जरी को सुरक्षित बनाना : न्यूरोएनेस्थेटिस्ट की भूमिका। जे. न्यूरोएनेस्टेसियोल क्रिट केयर, 5 (3), 133-140.

टंडन, एमएस., खुराना, पी., अनेस्थिटिक। थोरैकोलम्बर स्पाइन ट्रॉमा रोगियों में विवक्षा। न्यूरोट्रुमा की अनिवार्यता। फ्रांसिस एंड टेलर, डॉ. हेमांशु प्रभाकर द्वारा संपादित।

टेम्प, डीके., सुजीथ, सीएन., दत्त, वी एट अल. (2018). ए न्यू राइट अट्रियल मास फॉलोइंग कार्डियोपल्मोनरी बायपास मिमिकिंग ए थ्रोम्बस। एन कार्ड अनेस्थि, 21, 203-4.

टेम्प, डीके., मलिक, आई.(2018). भारत में कार्डियक एनेस्थीसिया का इतिहास। जे. कार्डियोथोरैक वास्क. अनेस्थि, 32, 2344-55.

टेम्प, डीके., धीर, ए.(2019). इथनिसिटी और स्वास्थ्य देखभाल। जे. कार्डियोथोरैक वास्क. अनेस्थि, 33 (2), 394-95.

टेम्प, डीके., खुराना, पी.(2018). हृदय शल्य चिकित्सा में इष्टतम रक्त ट्रांसफ्यूजन प्रैक्टिस। जे. कार्डियोथोरैक वास्क. अनेस्थि 32, 2743-45.

टेम्पे, डी.के. (2018). टी.ई.ई. के साथ मज़बूती से बाएं वेंट्रिकुलर फ़ंक्शन का आकलन करने के लिए एक त्वरित और सरल विधि : क्या एम.ए.पी.एस.ई. जवाब है। जे. कार्डियोथोरैक वास्क. अनेस्थि. पीआईआई: एस 1053-0770 (18) 31097-8.

टेम्पे, डी.के. (2018). फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप की जटिलता और वाल्वुलर हृदय रोग के रोगियों में इसके रोग संबंधी महत्व। जे. कार्डियोथोरैक वास्क. अनेस्थि, पीआईआई, एस 1053-0770 (18) 30919-4

पत्रिकाएं (जर्नल)

एसोसिएट संपादक - एक जर्नल के लिए एक संकाय सदस्य
एसोसिएट संपादकीय बोर्ड सदस्य - एक जर्नल के लिए एक संकाय सदस्य
सेक्शन संपादक - एक जर्नल के लिए एक संकाय सदस्य
संपादकीय बोर्ड सदस्य - आठ जर्नल के लिए तीन संकाय सदस्य

आयोजित सम्मेलन

अकादमिक कार्यशाला समझौते - क्रिटिकल केयर सम्मेलन, मैट्रोपोलिस, नई दिल्ली दिसम्बर, 2018.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

अनिर्बान होम चौधुरी ने मैकेनिकल वेंटिलेशन यूसीएमएस एंड जीटीबी चिकित्सालय, दिल्ली में स्केलर्स एंड लूप्स पर वार्ता की। जनवरी, 2019.

डीके टेम्पे ने लुधियाना में जून, 2018 को "सी.ए.डी. के साथ रोगियों के संवेदनाहारी प्रबंधन में बदलते रूझान, नॉनकार्डिएक सर्जरी के दौर से गुजर रहे, इस पर एक भाषण(आरेशन) दिया। नॉर्थ ज़ोन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोथोरेसिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स।

प्रियंका खुराना ने न्यूरोलॉजिकल रोग के रोगियों में रीजिनल अनेस्थिसिया पर व्याख्यान दिया। नॉर्थ ज़ोन इस्कॉन और इस्कॉन दिल्ली। अप्रैल, 2018.

विष्णु दत्त ने 22वें आईएसीटीए सम्मेलन, स्वाभिमान द हेरिटेज, कोलकाता, पश्चिम में प्रमुख संवहनी सर्जरी के पश्चात की देखभाल पर व्याख्यान दिया।

संकाय की संख्या : 13

***

जैव-रसायन (एलएचएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

हाल के उन्नतों पर कार्यशालाओं और सीएमई का आयोजन किया।

प्रकाशन

भारद्वाज एस, मोंडल एस, बंधु एस, चौधरी डी, मलिक ई, स्वामी जी, मोंगा एम, अदलखा एम,(2018). परिधीय(पेरीफेरल) न्युरोपथी के साथ टी2डीएम के रोगियों में संज्ञानात्मक कार्य(कॉगनिटिव फंक्शन्स), भारत में किया गया एक अवलोकन पार अनुभागीय (क्रॉस सेक्शनल) अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करंट रिसर्च एंड रिव्यू डीओआई: 10.7324 /आईजेसीआरआर.1073.

चौहान पी, चेतीवाल आर (2018). पुराने अवरोधक फुफ्फुसीय रोग में रेनिन एंजियोटेंसिन प्रणाली और फुफ्फुसीय हेमोडायनामिक्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस इन मेडीसिन, 5 (2), 404-408.

दत्त रश्मि आर, मलिक ई, बरुआ ए, देबनाथ पी, जैन ए. केलेशन थेरेपी पर थैलेसीमिया प्रमुख रोगियों में एंडोक्रिनोपैथी : उत्तर भारतीय जनसंख्या का अध्ययन। जे.आई.एम.एस.ए। खंड - 30, नंबर 2.

डावर आर, शर्मा एम, सिंह एम, चौहान पी, त्रिपाठी एस, जैन ए. गर्भावधि ट्रॉफ़ोबलास्टिक रोग में हाइपरथायरायडिज्म। ग्लोबल जर्नल ऑफ रिसर्च एनालिसिस. (2018) 7 (4).

गर्ग एम, जैन ए, गोस्वामी बी, पुरी एम, (2018). पॉलिसिस्टिक अंडाशय(ओवरी) सिंड्रोम के साथ महिलाओं में पेरोक्सीसोम प्रोलिफ़ेर का सक्रिय रिसेप्टर γ प्रो 12 एला बहुरूपता का अध्ययन. इंडियन जर्नल ऑफ़ मेडिकल बायोकैमिस्ट्री, 22 (2): 126-131.

गोगोई पी, देबनाथ ई, चांगकटी आर, (2018). सीरम/जलोदर एल्बुमिन गेडिएंट(एसएएजी), जलोदर के विभेदक निदान में एक बहुत ही खर्चीला और विश्वसनीय पहली लाइन डायग्नोस्टिक पैरामीटर- उत्तर-पूर्व भारतीय आबादी में एक अध्ययन। इटरने. जे. रेस. रेव., 5 (12): 215-19 .

कुमावत आर., गौड़ा एस., देबनाथ ई., राशिद एस., निवास आर., गुप्ता वाई., उपाध्याय ए., सूरी ए., चंद्र पी., गुप्ता डी., लक्ष्मी आर., सरकार सी. सिन्हा एस., चोसडोल के. (2018). एसोसिएशन ऑफ सिंगल न्यूक्लियोटाइड पॉलीमॉर्फिम्स (एसएनपी) इन जीन्स एन्कोडिंग फॉर फोलेट मेटाबोलिजिंग एंजाइम्स विद ग्लियोमा एंड मेनिंजियोमा इन इंडियन पॉपुलेशन। एशियन पेसिफिक जर्नल ऑफ़ कैंसर प्रिवेंशन, 19 (12), 3415-3425.

मीना एमके, डे. सरकार पी, कछवा के, कुमार एस.(2018). एक तृतीयक हृदय देखभाल केंद्र में तीव्र रोधगलन(ममयकारर्डियल इनफ्रेक्शन) के साथ रोगियों में सीरम विटामिन-डी सांद्रता(कॅसेन्ट्रेशन) और अन्य बायोमार्कर्स की स्थिति। यूरोपीय जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोसाइंस, 6 (5), 76-79.

मीना एमके, खालिक एसएम, कछवा के, कुमार एस.(2018). स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी से पहले और बाद में रुग्ण(मोरबिड) मोटे(ओबेसे) विषयों(सब्जेक्ट्स) में सीरम लिपिड प्रोफाइल और इंसुलिन प्रतिरोध का अध्ययन। इंटरनेशनल जनरल ऑफ मेडिकल एंड हेल्थ रिसर्च। 4 (10), 131-135.

मीना एमके, शर्मा एस, भसीन एच, जैन पी, कपूर एस, जैन ए, अनेजा एस.(2018). बच्चों में इंफेन्टाइल स्पेस्मस के साथ विटामिन बी12 की कमी : एक केस-कंट्रोल स्टडी। जर्नल ऑफ चाइल्ड न्यूरोलॉजी, 33(12).

सिंह के, सिंह आर, चंद्र एस, त्यागी एस(2018). एथरोस्क्लेरोसिस के एचडीएल की तुलना में पैराऑक्सोनेज़ -1 एक बेहतर संकेतक है- उत्तर भारतीय आबादी में एक पायलट अध्ययन। डायबिटीज मेटाब सिंड्र.12 (3): 275-278.

त्रिपाठी आरके, देबनाथ पीआर, शाह एस, त्रिपाठी डी, देवनाथ ई. (2018) शिशुओं में गर्भनाल ग्रैनुलोमा पर टेबल नमक का चिकित्सीय प्रभाव - उत्तर भारतीय अनुभव। आईपी इंट. जे मेड पेडियाट्र ओनकोल, 4, 77-79.

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ. अंजू जैन, डॉ. आर.एम. पांडे, डॉ. अनुपम प्रकाश, डॉ. पाइके : (आईसीएमआर 2016, 34 लाख). क्लोमीफीन साइट्रेट के साथ पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम में बांझ महिलाओं के नैदानिक, हार्मोनल और ऑक्सीडेटिव तनाव प्रोफ़ाइल पर एन एसिटाइल सिस्टीन, मेटफॉर्मिन अथवा प्लेसबो थेरेपी की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

डॉ. रितु सिंह (डीएचआर एमओएचएफडब्ल्यु 29 लाख): म्योकार्डिअल रोधगलन (इनफरक्शन) में भड़काऊ और मैट्रिक्स रीमॉडेलिंग पाथवे के प्रोटीन और आनुवंशिक बायोमार्कर का अध्ययन.

डॉ. रितु सिंह (डीबीटी रुपए 1 लाख): टाइप 2 डायबिटीज के रोगियों में आनुवांशिक बहुरूपताओं और इंटरलेयुकिन-6, इंटरल्यूकिन-10 और ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर-अल्फा के जीन अभिव्यक्तियों का अध्ययन।

आयोजित संगोष्ठियां

"मधुमेह के लिए पोषण उपचार" पर अतिथि व्याख्यान, फरवरी, 2018.

"जेनेटिक मेथोडोलॉजी पर कार्यशाला" एलएचएमसी और एसएसकेएच, नई दिल्ली, अगस्त, 2018.

आयोजित सम्मेलन

एएमबीआईसीओएन 2018, एलएचएमसी, नई दिल्ली के एक भाग के रूप में "रियल टाइम पीसीआर" प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप। नवंबर, 2018.

एलएचएमसी, नई दिल्ली से एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया का 26वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन। नवंबर, 2018.

24 घंटे केएससीएच लैब, में हाल ही के अपडेट और भविष्य की संभावनाओं पर सीएमई. दिसंबर, 2018.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

एकता देबनाथ ने एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया, एलएचएमसी के 26वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में बच्चों और किशोरों में टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस और उनके सिबलिंग्स में थायरॉयड ऑटोम्यूनिटी एक मौखिक प्रस्तुति दी। नई दिल्ली, 2018.

रितु सिंह ने इंडियन सोसायटी फॉर एथेरोस्क्लेरोसिस शोध(आईएसआरसीओएन), 2019 में "ऑर्थोस्क्लेरोटिक अस्थिरता के जोखिम कारक - तृतीयक देखभाल चिकित्सालयों में इस्केमिक स्ट्रोक और मायोकार्डियल रोधगलन के रोगियों पर अध्ययन" पर एक मौखिक व्याख्यान दिया।

स्मिता त्रिपाठी ने क्लिनिकल लेबोरेटरी प्रैक्टिस, एएमबीआईसीओएन, दिल्ली, में एथिक्स पर एक व्याख्यान दिया। नवंबर, 2018.

संकाय की संख्या : 8

***

जैव-रसायन (एमएएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां (अधिकतम 150 शब्द)

सर्वश्रेष्ठ शोध कार्य के लिए विभाग को महाविद्यालय की फ्लेमिंग ट्रॉफी, फरवरी, 2019 से सम्मानित किया गया। विभाग ने इस अवधि के दौरान पांच कार्यशालाओं / सीएमई का आयोजन किया है।

सम्मान / गौरव

डॉ. टी.के मिश्रा को एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया द्वारा एफएएमबीआई की फेलोशिप प्रदान की गई थी।

डॉ. बी.सी कोनेर ने एलएचएमसी, नई दिल्ली में "एएमबीआई, 2018 में अनुसंधान और भविष्य के दृष्टिकोणों में कीटनाशक-प्रेरित मधुमेह मेलेटस करंट ट्रीड" विषय पर "श्री एस गोपाल कृष्णन ओरेशन" दिया।

प्रकाशन

अग्रवाल, पी., वर्मा, एन., और सेठी, एस (2018). उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में नियमित जांच के दौरान नव निदान अनुपचारित हाइपोथायरायड विषयों में आईएमए का स्तर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री एंड रिसर्च, 5 (2), 310-313.

अहिरवार, एके, जैन, ए., सिंह, ए., भारद्वाज, एस., गोस्वामी , बी., भटनागर, एम.के, और भट्टाचार्जी, जे.(2018). मेटाबोलिक सिंड्रोम के पैथोफिजियोलॉजी में आईएनओएस जीन (सी150टी) बहुरूपता और एंडोथेलियल डिसफंक्शन पर वार्ता। द टोकाई जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल एंड क्लिनिकल मेडिसिन, 43 (1), 24-29.

भाट एमए, गुरु एसए, मीर आर, वाजा एएच, जुबरी एम, सूमी एमपी, बोडेलीवाला एस, समाधिया ए., पुरी वी और सक्सेना ए.(2018). मिर्गी सिंड्रोम में एससीएन 1ए और एससीएनआर ए जीन पॉलीमॉर्फिम्स की भूमिका- भारत से एक अध्ययन। जनर्ल न्यूरो.साइंस, 9 (1), डीओआई: 10.21767 / 2171-6625.1000238.

गौड़ा, आर.एच, सुकुमार, जी.एम, और गौड़ा, एस.एच.(2019). तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल सुविधा में चयापचय(मेटाबोलिक) जोखिम, ऑक्सीडेटिव तनाव और घूर्णन पारी(रोटेटिंग शिफ्ट) के बीच सहयोग(एसोसिएशन)। क्लिनिकल इपिडेमिओलॉजी एंड ग्लोबल हेल्थ।

जमातिया, ई., लाली, पी., कोनेर, बी.सी., धनवाल, डी.के, मसरूर, एम., कृष्णमूर्ति, के., और सिंह, ए.(2018). भारतीय जनसंख्या में चयापचय सिंड्रोम में ओएलआर1 जीन पॉलीमोर्फिज्म और ऑक्सीडाइज़्ड एलडीएल स्तर। इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबोलिज्म, 22 (4), 530.

कुमावत, आर., गौड़ा, एस.एच., देवनाथ, ई., राशिद, एस., निवास, आर., गुप्ता, वाई., और लक्ष्मी, आर.(2018). भारतीय जनसंख्या में ग्लियोमा और मेनिंजियोमा के साथ फोलेट मेटाबोलिज़िंग एंजाइमों के लिए जीनिंग में एकल न्यूक्लियोटाइड पॉलीमॉर्फिम्स (एसएनपी) का एसोसिएशन । एशियन पैसिफिक जर्नल ऑफ कैंसर प्रीवेंशन : एपीजेसीपी, 19 (12), 3415.

कृष्णमूर्ति, के., मिश्रा, टी.के, सक्सेना, ए., डागा, एम.के., खुराना, एन., मसरूर, एम., और जमातिया, ई. (2018). नॉनस्मोकर, कैंसर मुक्त धूम्रपान करने वालों और फेफड़े के कैंसर वाले मरीजों में एनआईसीएच और सीडीएच1 प्रमोटर हाइपरमेथिलेशन का मूल्यांकन : एक केस कंट्रोल स्टडी। इंडियन जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री, 1-7.

प्रसाद, जे., गोस्वामी, बी., गौड़ा, एस.एच., गुप्ता, एन., कुमार, एस., अग्रवाल, के., और चौहान, ए.(2018). डॅज हाइपोक्सिया इन्डूसिबल फैक्टर - 1 α (एचआईएफ 1α) सी 1772टी पोलीमोरफिज्म प्रेडिक्ट शॉर्ट टर्म प्रोगोंसिस इन पैसेंट्स विथ ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (ओएससीसी) ? जर्नल ऑफ ओरल पैथोलॉजी एंड मेडिसिन, 47 (7), 660-664.

सिंह, वी.के, सरकार, एस.के, सक्सेना, ए., और कोनेर, बी.सी.(2019). लिंडेन के उप-विषाक्त जोखिम रेडॉ.क्स संवेदनशील किनेसेस को सक्रिय करता है और मांसपेशियों की सेल कल्चॅर में इंसुलिन संकेतन को बाधित करता है : लिंडेन-प्रेरित इंसुलिन प्रतिरोध का संभावित तंत्र(मेकेनिज्म)। टॉक्सिसोलॉजी इन विर्टो., 54, 98-104.

शंमुगसुंदरम, बी., सिंह, वी.के, श्रेष्ठ, एस., सरकार, एस.के., जीवनरत्नम, के., और कोनेर, बी.सी.(2018). विस्टार चूहों में सूजन मध्यस्थता विकारों पर अनहीटेड और थर्मली संशोधित तिल और नारियल तेल की खपत का प्रभाव।

शन्मुगसुंदरम, बी., सिंह, वी.के, श्रेष्ठ, एस., सरकार, एस.के., जीवनरत्नम, के., और कोनेर, बी.सी.(2019). ताप के विभिन्न तरीकों से प्रेरित तिल और कपास के तेल के पेरोक्सीडेशन का तुलनात्मक मूल्यांकन।

एस.श्रेष्ठा एस., सिंह वी.के., सरकार एस.के, शनमुगासुंदरम बी., जीवनरत्नम के., कोनर बी.सी.(2018). ऑक्सीकारक तनाव, प्रिनफ्लेमेटरी साइटोकिन्स, लेप्टिन और रेगनोफोस्फोरस में प्रेरित इंसुलिन प्रतिरोध की विस्टार एल्बिनो चूहों में भूमिका। एशियन जर्नल ऑफ बायोकेमिकल एंड फार्मास्युटिकल रिसर्च 2 (8): 58-66.

सिंह वी.के., सरकार एस.के., श्रेष्ठ एस., सक्सेना ए., कोनर बी.सी.(2018). क्या ऑर्गनोक्लोरिन कीटनाशकों के इंसुलिन प्रतिरोध-उत्प्रेरण गुण का पता लगाने के लिए पूरे रक्त शर्करा का उपयोग किया जा सकता है? विस्टा इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनर्जी एंड एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग 3, 57-62.

श्रेष्ठा, एस., कुमार सिंह, वी., कुमार सरकार, एस., शनमुगसुंदरम, बी., जीवनरत्नम, के., और चंद्र कोनेर, बी. (2018). इफेक्ट ऑफ सब-टॉक्सिस एक्पोजर टू मैलाथियान ऑन ग्लूकोज अपटेक एंड इंसुलिन सिंगलिंग इन एल6 मायोबलास्ट डिराइवड मायोट्यूब. ड्रग और केमिकल टॉक्सीकोलॉजी, 1-8.

श्रेष्ठा, एस., सिंह, वी.के., सरकार, एस.के, शनमुगसुंदरम, बी., जीवनरत्नम, के., और कोनेर, बी.सी.(2018). चूहे एल6 मायोट्यूब में रेडॉ.क्स संवेदनशील किनेसेस और इंसुलिन सिग्नलिंग पर उप-विषैले क्लोरपायरीफोस का प्रभाव। जर्नल ऑफ डायबिटीज एंड मेटाबोलिक डिसऑर्डर जर्नल, 17 (2), 325.

सक्सेना, पी., वर्मा, पी., और गोस्वामी, बी.(2017). गर्भावधि मधुमेह मेलेटस के निदान के लिए उपवास(फास्टिंग) डब्ल्यूएचओ मानदंड के साथ गैर-उपवास(नॉन-फास्टिंग) डी.आई.पी.एस.आई. और HbA1c के नैदानिक सटीकता की तुलना। द जर्नल ऑफ़ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ़ इंडिया, 67 (5), 337-342.

वर्मा, आर.(2017). प्रतिरक्षा में सक्रिय विटामिन डी 3 की भूमिका। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल बायोकैमिस्ट्री, 21 (2), 166-175.

वाजा, ए.ए., हामिद, जेड., अली, एस., भाट, एस.ए, एंड भट, एम.ए(2018). हीम आक्सीजन-I इंडक्शन पर एक समीक्षा : क्या यह एक आवश्यक बुराई है। इनफ्लेमेशन रिसर्च, 67 (7), 579-588.

वाजा, ए.ए., हामिद, जेड., भाट, एस.ए., शाह, एन.यू.डी, भाट, एम., और गनाई, बी.(2018). रिलैक्सिन प्रोटेक्ट्स कार्डियोमायोसाइट्स अगेन्स्ट हाइपोक्सिया-इंड्यूस्ड डेमेज इन-विट्रो कंडीशन : Nrf2/HO-1 सिग्नलिंग पाथवे का समावेश। जीवन विज्ञान, 213, 25-31।

पत्रिकाएं

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों)/सदस्य(संदस्यों) के रूप में सेवारत विभाग के शिक्षकों की संख्या : 2

अनुसंधान परियोजनायें

दिल्ली की जीएनसीटी, 1.5 लाख रुपये, मेथी का प्रभाव (ट्राइगोनफेलोनियम-ग्रेसम एल) के बीज निकालने और दालचीनी (दालचीनी) को एंडोप्लाज़्मिक रेटिकुलम स्ट्रेस (ईआर) से प्रेरित बीटा सेल शिथिलता एमआईएन 6 सेल लाइन में रिवर्सल हो जाती है", बिनीता गोस्वामी.

दिल्ली के एनसीटी, 1.5 लाख रुपये, "फाइब्रोब्लास्ट सेल लाइन में प्राकृतिक रूप से आयु बढ़ने की प्रक्रिया पर एलो वेरा निकालने का प्रभाव", श्रीनिवास एच.जी.

दिल्ली की जीएनसीटी, 1.5 लाख रुपये, "अग्नाशय बीटा सेल फ़ंक्शन पर मेथी और दालचीनी की छाल के अर्क का प्रभाव- एमआईएन6 माइस सेल लाइन पर इन विट्रो अध्ययन, माहेश्वरी के.

आयोजित सेमिनार

धृतिमान ने बायोकेमिस्ट्री विभाग, एमएएमसी में जनवरी, 2018 को माइक्रोएरे पर वार्ता की।

इमान भट्टाचार्जी ने बायोकेमिस्ट्री विभाग, एमएएमसी में अगस्त, 2018 को इल्लुमिना सिस्टम द्वारा नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिंग पर एक चर्चा की।

आयोजित सम्मेलन

"मायलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लाज्म के निदान और निगरानी में आणविक तकनीक", शीर्षक पर सितंबर 2018 में दो दिवसीय कार्यशाला।

"कोगुलेशन प्रोफाइल एंड प्लेटलेट अग्रेगेशन : एक अद्यतन" नवंबर, 2018 पर एक संगोष्ठी सह कार्यशाला।

"इम्यूनोलॉजिकल विकारों में लैब(एलएबी) निदान की भूमिका" पर एक सी.एम.ई। मार्च, 2019.

"सेल कल्चर तकनीकों" पर दूसरी कार्यशाला। मार्च, 2019.

संगोष्ठी/सम्मलेन में प्रस्तुति

ममता पेरविन सुमी एट अल. इमैटिनिब में पीडीजीएफआरए म्यूटेशन की वर्तमान संवेदनशीलता सीएमएल रोगियों में थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के विकास के जोखिम में योगदान कर सकती है। जापानी सोसायटी ऑफ मेडिकल ऑन्कोलॉजी की वार्षिक बैठक मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय और एसोसिएटेड लोकनायक चिकित्सालय, भारत। दिसंबर, 2018.

रंजनी कुमावत1 एट अल. ने एसोसिएशन ऑफ एमटीएचएफआर जीन पोलीमोरफिज्म विथ ग्लिओमा एंड मेनिनिगिओमा पेसेंट इन इंडिया पापुलेशन में प्रस्तुत किया। ई.एस.एम.ओ, सिंगापुर, नवंबर, 2018.

श्रीनिवास एच. को नेशनल कॉन्फ्रेंस, "न्यूरोबायोकॉन 2019", श्री बालाजी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, चेन्नई के लिए मुख्य वक्ता और मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

स्तन कैंसर के रोगियों की दक्षता की जांच करने और स्तन कैंसर की जांच में पेंडोरा सीडीएक्समोमोअलर्ट की संवेदनशीलता और सटीकता का आकलन करने के लिए मल्टीसेंट्रिक स्क्रीनिंग।

पंडोरा सीडीएक्स, कैलिफोर्निया, यूएसए के साथ बी. गोस्वामी.

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी

जामिया हमदर्द, नई दिल्ली से मिर्ज़ा मसरूर

नियोजन विवरण (नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत)

6 (4 एम.डी, 2 पीएच.डी), 100% प्लेसमेंट

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

दिल्ली की एन.सी.टी सरकार के चल रहे पल्स पोलियो प्रतिरक्षण कार्यक्रम में सभी वरिष्ठ निवासियों, पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थियों और तकनीकी कर्मचारियों ने भाग लिया।

प्रदत्त एम. फिल./ पीएच. डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी..: 2

एम.डी. : 4

संकायों की संख्या : 8

***

जैव-रसायन (वीपीसीआई)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग रोगी देखभाल, अनुसंधान, शिक्षण, पर्यवेक्षण एम.डी. मेडिकल बायोकेमिस्ट्री के विद्यार्थियों के लिए नैदानिक सेवाएं प्रदान करने में शामिल है। डायग्नोस्टिक सेवाएं इनडोर और आउटडोर रोगियों के लिए प्रदान की जाती हैं, नमूनों को एयू 480 ऑटोलिनाइजर, बेकमैन कोल्टर और डिरुई सीएस-टी 240 बायोकैमिस्ट्री विश्लेषक द्वारा विश्लेषण किया जाता है। कुल परीक्षण की संख्या दिनांक 01.04.18 से दिनांक 31.03.19 तक = 54,762 .

सम्मान/गौरव :

डॉ.एस.के. बंसल दिनांक 23.01.2018 से प्रभावी एक वर्ष की अवधि के लिए स्कूल ऑफ रिहेबिलिटेशन साइंसेज के शासी निकाय में विश्वविद्यालय के संविधि 30 (1) (सी) (i) के अंतर्गत विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति के नामित थे।

डॉ. विश्वजीत रोहिल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आई.एम.एस.) विश्वविद्यालय, गाजियाबाद द्वारा नवंबर, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानीय अतिथि(गेस्ट ऑफ ऑनर) थे।

प्रकाशन :

अग्रवाल, टी., वाधवा, आर., रोहिल, वी., और मौर्य, पी.के (2018)। बायोमेकर्स ऑफ ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एंड प्रोटीन-प्रोटीन इंटरेक्शन इन क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिसीज. आर्चिव्स ऑफ फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री, 124 (3), 226-231.

सिंह पाटीदार, बी., मीना, ए., कुमार, एम., मेनन, बी., रोहिल, वी., और कुमार बंसल, एस (2018). सीओपीडी में एडेनोसिन मेटाबोलिज्म : एडेनोसिन के स्तर पर एक अध्ययन, 5-न्यूक्लियोटिडेज़, एडेनोसिन डेमिनाज़ और सीरम, लिम्फोसाइट्स और एरिथ्रोसाइट्स में इसकी इयोसिनेज गतिविधि। सीओपीडी : जर्नल ऑफ क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिसीज, 15 (6), 559-571.

स्मृति गुप्ता, अजीत कुमार, विश्वजीत रोहिल, अनुज के भटनागर (2019). एडीएएम33 : दिल्ली एन.सी.आर. में सी.ओ.पी.डी. में भूमिका और रोगजनन अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल एंड मेडिकल रिसर्च, 10 (1), 6623 - 6630.

अनुसंधान परियोजनायें :

डॉ. एस.के.बंसल : (आई.सी.एम.आर -21.00 लाख रुपये) एस.आर.एफ. (श्री अनिल मीणा) "उत्तर भारतीय जनसंख्या में अस्थमा में विभिन्न सूजन (इन्फलेमेटॅरी) साइटोकिन्स के एक्सप्रेशन के साथ सी.आर.एच.आर.1 और जी.आर. जीन बहुरूपता और उनके सहसंबंध पर एक अध्ययन" (दिनांक 28.01.2014 से दिनांक 27.01,2019).

डॉ. एस.के. बंसल (आई.सी.एम.आर-एस.आर.एफ रुपए 7.20 लाख) (श्री मनोज कुमार) "ब्रोन्कियल अस्थमा में प्रोटीन की विशेषता भिन्न रूप से एरिथ्रोसाइट झिल्ली को व्यक्त करती है : एक प्रोटीन की पहचान और शुद्धि(प्योरीफिकेशन) और रोग की गंभीरता के साथ इसका सहसंबंध। (05.09.2018 - दो वर्ष के लिए)

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

एस.के. बंसल ने वी.पी. चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय में नवंबर में 2018 को एन.टी.एम. संक्रमण के पैरों के निशान एन.टी. मैपिंग के शीर्षक से व्याख्यान दिया : उपेक्षित माइकोबैक्टीरियल बीमारी,' विषय पर व्याख्यान दिया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

डॉ. विश्वजीत रोहिल अन्य संस्थानों के पीएच.डी. शोध के लिए सह-पर्यवेक्षक निम्नानुसार सूचीबद्ध थे :

सुश्री करुणा शर्मा, पीएच.डी. मेडिकल बायोकेमिस्ट्री को. 19 नवंबर, 2018 को पीएच.डी डिग्री प्रदान की गई थी। शोध प्रबंध का शीर्षक :"उत्तर भारतीय जनसंख्या में मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनिस-9(एम.एम.पी-9) का जेनेटिक पॉलीमॉर्फिज्म और प्रीप्लेम्पस में बायोमार्कर (पीएपीपी-ए, मुक्त β-h सीजी) और प्रिनफ्लेमेटरी साइटोकिन्स के साथ इसका संबंध।"।

सुश्री स्मृति गुप्ता पीएच.डी. बायोकेमेस्ट्री एस.आर.एम.यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर, सोनीपत, हरियाणा

शोध प्रबंध का शीर्षक : "दिल्ली-एनसीआर की जनसंख्या में एकल न्यूक्लियोटाइड बहुरूपता(पोलोमोरफिज्म) का अध्ययन करके दीर्घकालिक प्रतिरोधी फुफ्फुसीय रोग को समझना"।

संकायों की संख्या - दो

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. एस.के. बंसल ने विभिन्न संगठनों के चार विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया।

वीपीसीआई की बहु-अनुशासनात्मक(मल्टीडिस्प्लिनरी) अनुसंधान इकाई (एम.आर.यू.) के नोडल अधिकारी, सदस्य सचिव, विस्तारित अनुसंधान सलाहकार समिति (आर.ए.सी.) और वीसीसीआई बहु-विषयक अनुसंधान इकाई (एम.आर.यू) के लिए अनुसंधान सलाहकार समिति (आर.ए.सी.) के अध्यक्ष; वीपीसीआई के नोडल लोक शिकायत अधिकारी; स्वच्छता एक्शन प्लान वीपीसीआई के लिए नोडल अधिकारी; अपीलीय प्राधिकारी-आरटीआई, वीपीसीआई; सतर्कता अधिकारी, वीपीसीआई; अध्यक्ष, वैज्ञानिक समीक्षा समिति, वीपीसीआई; अध्यक्ष, संस्थागत जैव सुरक्षा समिति, वीपीसीआई, अध्यक्ष, बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन समिति, वीपीसीआई, अधिकारी-प्रभारी, एम.सी.आई. प्रकोष्ठ, वीपीसीआई, अध्यक्ष, ए.एम.सी. समिति; अध्यक्ष, एएमसी-एलएएन के लिए समिति; अध्यक्ष, वीपीसीआई स्वछता अभियान समिति; अध्यक्ष, पुस्तकालय सलाहकार समिति, वीपीसीआई; संयोजक, अनुसंधान प्रकोष्ठ, वीपीसीआई।

सदस्य, शिकायत निवारण समिति [यूजीसी (शिकायत निवारण) विनियमन, 2012 के अंतर्गत]।

डॉ.एस.के. बंसल अस्थमाटिक्स और स्वस्थ नियंत्रण के एरिथ्रोसाइट झिल्ली प्रोटीन प्रोफ़ाइल पर काम ने 97 प्रोटीन की उपस्थिति दिखाया जिसमें ≥2 अद्वितीय पेप्टाइड्स से शामिल थे। आगे के विश्लेषण में 9 प्रोटीनों में कई पी.टी.एम (फॉस्फोराइलेशन और एसिटिलीकरण) दिखाया गया है, जो जैविक प्रक्रियाओं, चयापचय कार्यों, कोशिका आकृति विज्ञान, आकृति और आकार इत्यादि सहित सेलुलर गतिविधियों के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। वे अस्थमा के विभिन्न प्रकारों में विशिष्ट रूप से मौजूद अथवा अनुपस्थित थे। प्रोटीन-प्रोटीन इंटरैक्शन

विश्लेषण ने ग्लिसराल्डेहाइड 3 फॉस्फेट डिहाइड्रोजनेज को एक महत्वपूर्ण प्रोटीन होने के लिए दिखाया, जो कि ग्लाइकोलाइसिस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए और अस्थमा में ऑक्सीडेंट और एंटीऑक्सिडेंट स्थिति के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए जाना जाता है।

अस्थमा और स्वस्थ नियंत्रण में सीआरएचआर1 जीन पर आनुवंशिक बहुरूपता पर हमारे एक अन्य अध्ययन में, हमने इसमें पच्चीस एसएनपी की उपस्थिति का अवलोकन किया (तीन प्रयोगशाला एसएनपी सहित पहली बार हमारी प्रयोगशाला से रिपोर्ट की गई)। इन पच्चीस एसएनपी में, सोलह अस्थमा से महत्वपूर्ण रूप से जुड़े पाए गए।

डॉ. विश्वजीत रोहिल

अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के विद्यार्थियों (6) को प्रशिक्षण दिया।

अनुसंधान कार्य के परिणाम से पता चला कि सीरम टीएनएफ-α को सीओपीडी गंभीरता के सीधे आनुपातिक पाया गया और रोगियों के एफईवी1 / एफवीसी अनुपात के विपरीत आनुपातिक है। एडीएएम33 के स्तर ने धूम्रपान करने वाले सीओपीडी और नॉन-स्मोकर सीओपीडी (पी वैल्यू<0.05) के बीच महत्वपूर्ण अंतर दिखाया, जो फेफड़ों के रीमॉडेलिंग में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को स्पष्ट करता है।

अध्ययन में, जीन एडीएएम33 में एसएनपी को सीओपीडी की संवेदनशीलता से जोड़ा गया है : एसएनपी एस1 और एसटी + 5 रोगी समूहों (सीओपीडी) में नियंत्रण की तुलना में महत्वपूर्ण अंतर दिखाते हैं।

श्रोडिंगर का उपयोग करके आणविक डॉ. किंग के माध्यम से ज्ञात प्रोटीन एडीएएम33 ज्ञात / अज्ञात अवरोधकों के बीच वार्ता का अध्ययन किया गया। कर्क्यूमिन व्युत्पन्न यौगिकों को एमएमपी के लिए अच्छा प्राकृतिक अवरोधक पाया गया।

एक अन्य अध्ययन में, एमएमपी-9 आनुवंशिक बहुरूपता (-1562 सी / टी) और गर्भावस्था प्रेरित उच्च रक्तचाप के साथ पहली तिमाही सीरम स्तर : एमएमपी9 -1562 सी / टी बहुरूपता में पहली तिमाही के दौरान एमएमपी9 के कम होने और गर्भावस्था के उच्च रक्तचाप के विकास के साथ संबंध नहीं पाया गया।

***

जैव-रसायन (यूसीएमएस)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने अनुसंधान के साथ-साथ स्नातक-पूर्व और स्नातकोत्तर प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हमारे कई संकाय सदस्यों को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था। उनमें से कई विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ/तकनीकी/समीक्षक समितियों में भी प्रतिष्ठित पदों पर हैं। वर्तमान में जैव रसायन विभाग में चार परियोजनाएं चल रही हैं। संकाय सदस्यों ने उच्च प्रभाव कारक की अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय पत्रिकाओं के 10 शोध लेखों की समीक्षा की। जैव-रसायन विभाग में डॉ. एस.बी. शर्मा, निदेशक-प्रोफेसर ने हाल ही में पी.जी एनईईटी और प्रतिस्पर्धी मेडिकल परीक्षाओं के लिए आवश्यक जैव रसायन का प्रकाशन किया है। प्रथम संस्करण 2018 एकेडेमा प्रकाशन। इन्होंने एंटी हाइपरग्लाइसेमिक कंपाउंड का रासायनिक संश्लेषण भी किया है और आईसीएमआर पेटेंटिंग सेल के माध्यम से पेटेंट के लिए आवेदन किया है।

प्रकाशन :

चंद्र एन, मेहंदीरत्ता एम, गर्ग एस, पुरी डी.(2018). भारत में चिकित्सा शिक्षा की वर्तमान स्थिति : एक परिप्रेक्ष्य। इंड. जे ऑफ मेड बायोकेम, 22 (2), 163-165.

चावला, डी., कर, आर., गुप्ता, बी., हलदर, एस., गर्ग, एस., मेहंदीरत्ता, एम., और अग्रवाल, आर. (2018). उत्तरजीविता की भूमिका और रसायन चिकित्सा(केमोथेरेप्यूटिक) एजेंटों के साथ उपचार के लिए डिम्बग्रंथि के कैंसर कोशिकाओं के प्राइमरी कल्चर की प्रतिक्रिया में पी 53 एक्सप्रेशन। गयनेकोलॉजिक कैंसर का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 28 (6), 1239-1246.

गुप्ता, एस., शर्मा, एम., मेहंदीरत्ता, एम., कालरा, ओ.पी, शुक्ला, आर., और गंभीर, जे.के.(2018). उत्तर भारतीय जनसंख्या में मधुमेह संबंधी नेफ्रोपैथी में सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव मार्कर के साथ प्लाज्मा यूरिक एसिड का एसोसिएशन : एक केस कंट्रोल स्टडी। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 12 (7).

गर्ग, एस., मेहंदीरत्ता, एम., कर, आर., और मलिक, पी. (2019). उपापचयी सिंड्रोम के युवा रोगियों में न्यूक्लियर कारक-एरिथ्रोइड -2-संबंधित कारक 2, एनएडीपीएच क्विनोन ऑक्सीडोरेडेज़ और लिपोप्रोटीन-संबंधित फ़ॉस्फ़ोलीपेज़ ए 2 एक्सप्रेशन के बीच अंतर्संबंध। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डाइबेट्स इन डेवेलोपिंग कंट्रीज, 39 (1), 74-81.

खुराना, एन., शर्मा, पी., भगत, एस., और शर्मा, एस.बी (2018). प्रयोगात्मक मधुमेह चूहों में संभावित एंटी-डायबिटिक एजेंट के रूप में एक नोवेल सॅकसिनेमिक एसिड डिरेटिव का प्रभाव। जर्नल ऑफ ड्रग डिलीवरी एंड थेरेप्यूटिक्स, 8 (6-एस), 57-62.

जाहिद, एम. चावला, डी., अवस्थी, आर., और अहमद, आर.एस (2018). उत्तर भारतीय संधिशोथ रोगियों में आईएल-1β प्रोटीन और इनफ्लेमेटॅरी मार्करों के स्राव के साथ आईएल1बी जीन में बहुरूपता(पोलीमोरि) का एसोसिएशन। जीन, 641, 63-67.

जाहिद, एम, अवस्थी, आर., और अहमद, आर.एस. (2018). इंटरलेयुकिन 10-1082 ए/जी बहुरूपता(पोलीमोरफिज्म) : एलेले आवृत्ति, रोग मार्करों के साथ सहसंबंध, उत्तर भारतीय संधिशोथ रोगियों में मैसेंजर आर.एन.ए और सीरम स्तर। क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री, 55, 80-85.

खान, एम.ए, अहमद, आर.एस, चंद्र, एन., अरोड़ा, वी.के, और अली, ए. (2019). इन विवो, एक्सट्रेक्ट फ्रॉम विटाहनिया सोम्निफेरा रूट अमेलिओरेट्स अर्थरिटिस वाया रेग्युलेशन ऑफ की इम्यून मेडीकेटॅर्स ऑफ इनफ्लेमेशन इन एक्सपेरिमेंटल मॉडल ऑफ अर्थरिटिस। औषधीय रसायन विज्ञान में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-एलर्जी एजेंट (पूर्व में वर्तमान औषधीय रसायन-एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-एलर्जी एजेंट), 18 (1), 55-70.

शर्मा, डी., गर्ग, एस., मेहंदीरत्ता, एम., मधु, एस.वी, और पुरी, डी.(2019). हाइपरट्रिग्लिसराइडिमिया के साथ टाइप 2 मधुमेह में IL-6 और NF-κB जीन के एमआरएनए एक्सप्रेशन के साथ एपोलिपोप्रोटीन एवी का एसोसिएशन : इनफ्लेमेशन के साथ एक संभावित लिंक। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डाइबेट्स इन डेवेलोपिंग कंट्रीज, 39 (2), 308-314.

अनुसंधान परियोजनायें

आईसीएमआर रुपए 50,00,000 (अनुमानित)। "एसटीजेड प्रेरित मधुमेह चूहे में एंटी डायबिटिक क्षमता के आकलन के लिए यूजेनिया जम्बोलाना और इसके संरचनात्मक एनालॉग्स से अलग अल्फा हाइड्रॉक्सी सक्सेसमिक एसिड के डिजाइन और संश्लेषण।" एस.बी शर्मा, 2015-2019.

आयुष (रुपए47,00,160 /-) संज्ञानात्मक(कॉगनिटिव) कार्यों और न्यूरोप्रोटेक्शन के सुधार के लिए आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले यूनानी फार्मूलेशन्स की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए 3 वर्ष प्रायोगिक अध्ययन. रफत एस. अहमद, 2016-2019.

आईसीएमआर, रुपए22,31,260/-, विटामिन (ए, सी, डी और ई) की भूमिका, टेलोमेयर बायोलॉजी और Keap1-Nrf2- ऐरे झिल्ली के इडियोपैथिक प्रीटरम प्रिलिम रॅप्चर के विकास में पाथवे हैं। मोहित मेहंद्रीरत्ता, 2017-2019.

डीबीटी रुपए 23,57,000 केमोथेरेप्यूटिक एजेंटों के प्रतिरोध का पता लगाने के लिए एक उपकरण के रूप में उपचारात्मक (इपिथेलिअल) डिम्बग्रंथि के कैंसर के प्राइमरी कल्चर्स - एक पायलट अध्ययन। वर्ष 2015 से 2019, राजर्षि कर.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति (अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय) (चयनित)

मोहित मेहंदीरत्ता ने भाग लिया और यूसीएमएस और जीटीबी चिकित्सालय, दिल्ली में आयोजित थीसिस राइटिंग वर्कशॉप में एक संसाधन संकाय के रूप में कार्य किया। मार्च, 2019।

राजर्षि कर ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, राजस्थान, भारत में उत्तर क्षेत्र एसीबीआईसीओएन 2018 में एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। अप्रैल, 2018.

राजर्षि कर ने चंडीगढ़ में इंडियन सोसाइटी फॉर कैंसर रिसर्च के 38 वें वार्षिक सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। मार्च, 2019.

रफत अहमद को एसीबीआईसीओएन 2018 गोवा के 45वें राष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ता, अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था। अक्तूबर, 2018.

एस.बी. शर्मा आईएसएआरसीओएन, जिपमेर, पॉन्डिचेरी में अध्यक्ष थे। अक्तूबर, 2018.

संकायों की संख्या : 6

***

हृदयरोग विज्ञान

(जी.बी पंत स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान)

प्रमुख उपलब्धियां

हृदयरोग विज्ञान विभाग का लक्ष्य प्रत्येक व्यक्ति की पहुंच के भीतर सर्वोत्तम मानकों पर हृदय की देखभाल करना है। वर्ष 2018-2019 एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर रहा है। उच्च रक्तचाप, रेयूमेटिक हृदय रोग और इस्केमिक हृदय रोग के आनुवांशिकी में बुनियादी शोध प्रमुख पत्रिकाओं के साथ अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए थे। हमारे विभाग के सदस्यों ने संकाय के रूप में प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय हृदयरोग विज्ञान सम्मेलनों में सहभागिता की। हमने शिक्षण उद्देश्यों के लिए लाइव केस और कार्यशाला का संचालन किया जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित किए गए थे।

सम्मान / गौरव

डॉ. गिरीश एम.पी कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया- दिल्ली शाखा के संयुक्त सचिव के रूप में चुने गए।
डॉ. मोहित गुप्ता को इंडियन हार्ट जर्नल के कार्यकारी संपादक के रूप में चुना गया था।

डॉ. मोहित गुप्ता को कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ़ इंडिया-दिल्ली शाखा के सचिव के रूप में चुना गया।

डॉ. संजय त्यागी और डॉ. विजय त्रेहान को इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ एंजियोलॉजी, टोक्यो 2018, एनआईसी-2018, इंडिया लाइव -2018, सीएसआईसीओएन-2018, दिल्ली सीएसआई 2018 जैसे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. विमल मेहता ने इंटरनेशनल फूरियर स्टडी के लिए वाशिंगटन यूएसए में आयोजित अमेरिकन कॉलेज ऑफ़ कार्डियोलॉजी के जांचकर्ताओं(इवेस्टीगेटर्स) की बैठक में भाग लिया।

प्रकाशन

देवी ए, सिंह आर, डावर आर, त्यागी एस (2017). एसोसिएशन ऑफ चॉलेस्ट्रीरी एस्टर ट्रांसफर प्रोटीन (सीईटीपी) जीन -629 सी / ए पोलिमोर्फिज्म विद एंजियोग्राफिकली प्रावेन एथेरोस्क्लेरोसिस। इंडियन जे क्लिन बायोकेम। जून, 32 (2): 235-238.

गर्ग, एन., मुदुली, एस.के, कपूर, ए., तिवारी, एस., कुमार, एस., खन्ना, आर., और गोयल, पी.के. (2017). कार्डियोवास्कुलर जोखिम भविष्यवाणी और दिशानिर्देश के लिए अलग-अलग कार्डियोवस्कुलर जोखिम स्कोर कैलकुलेटरों की तुलना और स्टेटिन उपयोग की गाइडलाइन की सिफारिश की गई है। इंडियन हार्ट जर्नल, 69 (4), 458-463.

गुहा, एस., सेठी, आर., रे., एस., बहल, वी.के., शनमुगसुंदरम, एस., केर्कर, पी., ... और महाजन, ए. (2017). कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया : भारत में एस.टी एलिवेशन मायोकार्डियल इनफ्रेक्शन के प्रबंधन के लिए पोजीशन स्टेटमेंट। इंडियन हर्ट जर्नल, 69, एस63-एस97.

गुप्ता, एमडी, गिरीश, एम.पी, सरकार, पी.जी., गुप्ता, ए., कटेगरी, ए., बंसल, ए., ... और पाशा, क्यू. (2018). तीव्र म्योकार्डिअल रोधगलन(इनफेरेक्शन) के साथ पेश करने वाले बहुत युवा व्यक्तियों (35 वर्ष से कम आयु) के बीच एपीओई जीन बहुरूपता(पोलीमोरफिज्म) और गैर-पारंपरिक(नॉन-कन्वेशनल) जैव रासायनिक जोखिम कारकों की भूमिका। इंडियन हार्ट जर्नल, 70, S146-S156.

मेहरा, पी., मेहता, वी., सुखिजा, आर., सिन्हा, ए.के., गुप्ता, एम., गिरीश एम.पी., और अरोनो, डब्ल्यू.एस (2019). बाएं हृदय रोग में फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप। आर्चिव्स ऑफ मेडिकल साइंस: ए.एम.एस, 15 (1), 262.

सरकार, पी.जी., गुप्ता, एम.डी, गिरीश, एम.पी., बंसल, ए., कोहली, एस., सैजपाउल, आर., ... और पाशा, क्यू. (2018). ताकेआसु धमनीशोथ के रोगियों में ट्यूमर परिगलन कारक-अल्फ़ा 308G/A जीन बहुरूपता और नोवेल बायोमार्कर प्रोफाइल। इंडियन हार्ट जर्नल, 70, S167-एस 172.

सरकार, पी.जी., गुप्ता, एम.डी, और गिरीश, एम.पी.(2017). एमाइलॉयडोटिक स्यूडो-स्पेक्टल्स। पोस्टग्रेजुएट मेडिकल जर्नल, 93 (1103), 568-568.

साहनी, जे.पी.एस, मुलसारी, ए., कहली, डी., मेहता, वी., नायर, टी., कौल, यू., और हिरेमथ, एम.एस.(2019). तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम के साथ चिकित्सालय में भर्ती मरीजों में एंटीथ्रॉम्बोटिक प्रबंधन पैटर्न के लघु और दीर्घकालिक अनुवर्ती : ईपीआईसीओआर एशिया अध्ययन के भारतीय उपसमूह। इंडियन हार्ट जनर्ल, 71 (1), 25-31.

सेठ, ए., नंजप्पा, एम.सी., महाजन, ए.यू., कुमार, वी., गोयल, पी.के., चंद्र, पी., ... और कौल, यू.(2017). टी.सी.ए.पी-003 फर्स्ट-इन-ह्यूमन इवेलुशन ऑफ ए नोवेल पॉली-एल-लेक्टाइड बेस्ड सिरोलिमॅस-इलुटिंग

बायोरेजोरबेबल वस्कुलर स्केफोल्ड फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ डी नोवो नेटिव कोरोनरी अर्टरी लेसिओन्स : MeRes-1 ट्रायल जर्नल ऑफ द अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी, 69 (16 सप्लीमेंट), एस 2.

सिंह, के।, सिंह, आर।, चंद्र, एस।, और त्यागी, एस। (2018)। पैराऑक्सोनेज़ -1 एथेरोस्क्लेरोसिस के एचडीएल की तुलना में एक बेहतर संकेतक है - उत्तर भारतीय आबादी में एक पायलट अध्ययन। मधुमेह और चयापचय सिंड्रोम: नैदानिक अनुसंधान और समीक्षा, 12 (3), 275-278।

यूसुफ, जे., जोतिनाथ, पी., मुखोपाध्याय, एस., विग्नेश, वी., और त्यागी, एस.(2018). कैल्शिफिक संधिशोथ माइट्रल स्टेनोसिस में सीरम 25-हाइड्रॉक्सी विटामिन डी का मूल्यांकन - एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। इंडियन हार्ट जर्नल, 70 (2), 206-213.

यूसुफ, जे., दास, डी., मुखोपाध्याय, एस., और त्यागी, एस.(2018). प्राइमरी पर्क्युटरी कोरोनरी इंटरवेंशन में मायोकार्डियल रोधगलन(रेपेफ्यूजन) के एक मार्कर के रूप में मायोकार्डियल ब्लश ग्रेड के साथ क्यूआरएस अवधि का सहसंबंध। इंडियन हार्ट जर्नल, 70, S359-S364.

पुस्तकें / अध्याय / योगदान :

बत्रा विशाल, गुप्ता एम.डी., एम.पी. गिरीश (2018) जे.पी. ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, दिल्ली, भारत, अध्याय 23, पृष्ठ 199-203 द्वारा प्रकाशित केवल सी.गोस्वामी द्वारा संपादित इसेंशियल ऑफ पोस्टग्रेजुएट कार्डियोलॉजी टेक्स्टबुक ऑफ कार्डियोलॉजी में लो ग्रेडिएंट एओरटिक स्टेनोसिस।

गुप्ता एम.डी., एम.पी. गिरीश, गुप्ता ए.(2018) कार्डियालॉजी की सीएसआई की पाठ्यपुस्तक में भारतीय आहार और कोरोनरी धमनी रोग : जे.पी. ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, दिल्ली, भारत, अध्याय 7, पेज 39-45 द्वारा प्रकाशित केवल सी.गोस्वामी द्वारा संपादित.

निगम ए.(2018) जे.पी. ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, दिल्ली, भारत, अध्याय 30, पृष्ठ 252-258 द्वारा प्रकाशित केवल सी. गोस्वामी द्वारा संपादित कार्डियोलॉजी की पोस्टग्रेजुएट कार्डियोलॉजी की अनिवार्यताओं में गर्भावस्था और जन्मजात हृदय रोग ।

त्रेहान वी.के., सिंह सफल, त्रेहान एस. (2018). जे.पी. ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, दिल्ली, भारत, अध्याय 27, पृष्ठ 219-232 द्वारा प्रकाशित केवल सी. गोस्वामी द्वारा संपादित कार्डियोलॉजी की पोस्टकार्डिएक कार्डियोलॉजी पाठ्यपुस्तकों की अनिवार्यताओं में ट्रांसकथेयर एओर्टिक वाल्व इंप्लांटेशन से परे पेरक्यूटेनियस वाल्व इंटरवेंशन।

त्यागी एस., बंसल ए.(2018). जे.पी. ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, दिल्ली, भारत, अध्याय 71, पृष्ठ 586-597 द्वारा प्रकाशित केवल सी. गोस्वामी द्वारा संपादित कार्डियोलॉजी के स्नातकोत्तर कार्डियोलॉजी की अनिवार्य पाठ्य पुस्तकों की टकायसु आर्टेरिटिस (नॉनसेप्टर ऑर्थोफेराइटिस) अनिवार्यता में इंटरवेंशन्स।

आयोजित सेमिनार :

चेक गणराज्य के मैरिएन ब्रनी ने टी.ए.वी.आर. में हेमोडायनामिक्स पर एक अतिथि व्याख्यान दिया। मई, 2019

आयोजित सम्मेलन/कार्यशाला :

मोहित गुप्ता ने दिल्ली कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई) अध्याय वार्षिक सम्मेलन, मार्च, 2019 का आयोजन किया।

विजय त्रेहान ने जी.आई.पी.एम;ई.आर. की ओर से इंडिया लाइव 2019 सम्मेलन में जटिल पी.सी;आई. पर लाइव केस परफार्म किया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

संजय त्यागी

स्टैटिंस के विकल्प के रूप में पी.सी.एस.के.9 अवरोधक : क्या वे पर्याप्त अच्छे हैं?

टाकायाकसु धमनियों में स्टेंट रेस्टेनोसिस के लिए कटिंग बैलून एंजियोप्लास्टी पर वार्ता की। सीएसआई का 70वां वार्षिक सम्मेलन- 2018.

प्राइमरी पीसीआई अथवा फ्रेमको-इनवेसिव पीसीआई पर एक चर्चा की : जो दिल्ली शहर के लिए अधिक प्रासंगिक है, कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया का वार्षिक सम्मेलन, दिल्ली शाखा, मार्च, 2018.

सफल किसी पुस्तक को उसके आवरण(कवर) से नहीं आंक सकता - हृदय स्वास्थ्य के लिए कौन-सा तेल उपयोग करना है? कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया, दिल्ली शाखा, 2018 का वार्षिक सम्मेलन।

विजय त्रेहन ने निम्नलिखित पर बात की

मूर्त उपकरणों की पुनः प्राप्ति। सीएसआई का 70 वां वार्षिक सम्मेलन - 2018.

मास्टर टॉक - सीएचआईपी : इसके बारे में कैसे जाना जाता है, कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की वार्षिक सम्मेलन, दिल्ली शाखा, 2018.

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

विभाग ने उन्नत आनुवंशिक विश्लेषण के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी को सहयोग किया है।

संकायों की संख्या : 14

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सामुदायिक विभाग की स्वास्थ्य सेवाओं द्वारा हृदय रोग की रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जाता है। विभाग के संकाय हृदय रोग पर विभिन्न जन जागरूकता कार्यक्रम चला रहे हैं। नर्सों के दिन "व्यस्त लोगों हेतु आसान जीवन", स्वस्थ और खुशहाल जीवन के रहस्य पर वार्ता की। तनाव प्रबंधन, आत्म-परिवर्तन, स्वस्थ जीवन शैली और विभिन्न जीवन शैली में बदलावों के रहस्य पर वार्ता की। विभाग का योग केंद्र हृदय रोगियों को रोकथाम और जीवन शैली प्रबंधन में मदद करता है

***

समुदाय औषध (एलएचएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य (आई.सी.ओ.ई.एच.) का चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए पाँच रेजीडेंस को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्रदान किए गए। राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में फोर्ड फाउंडेशन रिसर्च अनुदान के लिए परियोजनाओं में से एक परियोजना प्रस्ताव का चयन किया गया था। केरल बाढ़ में बाढ़ राहत गतिविधियों के लिए सार्वजनिक

स्वास्थ्य विशेषज्ञ और टीम के नेताओं के रूप में तीन संकाय सदस्यों ने भाग लिया। वरिष्ठ संकाय ने हमारे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में एमबीबीएस और स्नातकोत्तर (एमडी) परीक्षाओं के लिए बाहरी परीक्षकों के रूप में कार्य किया है। हमारे संकाय द्वारा इंट्राम्यूरल परियोजना प्रस्तावों की भी समीक्षा की गई। शहरी स्वास्थ्य केंद्र, कल्याणपुरी में गैर-संचारी रोगों के लिए स्वास्थ्य प्रचार क्लीनिक शुरू किया गया। विभाग को आई.ए.पी.एस.एम. द्वारा यू.जी. और पी.जी. दोनों श्रेणियों के लिए 'स्टॉप टी.बी अभियान' पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वीडियो के लिए प्रथम पुरस्कार दिया गया।

सम्मान / गौरव

डॉ. जे.जी. प्रसुना को दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत ई-ग्रंथालय के रूप में विभागीय पुस्तकालय की सुविधा दी गई थी।

डॉ. श्वेता अरोड़ा (सीनियर रेजिडेंट) को इंडियन चेस्ट सोसाइटी द्वारा दिसम्बर, 2018 में दिए गए लुंग इंडिया अवार्ड्स में “दिल्ली के एक शहरी स्लम इलाके की वयस्क महिलाओं के बीच परिवर्तित फेफड़ों के कार्य के लिए वायु प्रदूषण और पर्यावरणीय जोखिम कारक” पर प्रस्तुति हेतु सर्वश्रेष्ठ ओरिजनल पेपर प्रदान किया गया।

प्रकाशन :

आचार्य ए.एस, प्रियंका, खांडेकर जे, बचानी, रसानिया एस.के. (2018) दिल्ली की एक शहरी पुनर्वास(रि-सेटलमेंट) कॉलोनी की वयस्क आबादी के बीच नेत्रदान के लिए जागरूकता फैलाना और नेत्रदान का वचन दिलाना। इंडियन जे. ऑफ कम्युनिटी एंड फैमिली मेडिसिन, 4 (1): 28-33.'

अरोरा एस, रसानिया एस.के, बचानी डी, गांधी, छाबड़ा एस.के. (2018) दिल्ली के एक शहरी स्लम क्षेत्र की वयस्क महिलाओं के बीच परिवर्तित फेफड़ों के कार्य के लिए वायु प्रदूषण और पर्यावरणीय जोखिम कारक : एक व्यापक अध्ययन। लुंग इंडिया, 35: 193-8.

भुवनेश्वरी एन, प्रसुना जे.जी., गोयल एम.के., रसानिया एस.के. (2018) दक्षिण दिल्ली में 0-14 वर्ष के बच्चों में होम इंजरी पर एक महामारी विज्ञान का अध्ययन : इंडियन जे. पब्लिक हेल्थ, 62 (1): 4-9.

धामनेटिया डी., गोएल एम.के., धीमान बी., पठानिया ओ.पी. (2018) पित्त पथरी रोगों से जुड़े जोखिम कारक। इंडियन जे. कम्युनिटी हेल्थ, 30: 2.

धामनेटिया डी., गोएल एम.के., धीमान बी., पठानिया ओ.पी.(2018). गैलस्टोन रोग और स्वतंत्र जैव रासायनिक मापदंडों का मात्रात्मक विश्लेषण : भारत के तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में अध्ययन। जे. ऑफ लेबोरेटॅरी फिजीशियन्स, 10: 4.

धामनेटिया डी, गोएल एम.के., बलराज धीमान बी., पठानिया ओ.पी.(2018). पित्त पथरी की बीमारी से जुड़े जोखिम कारक। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी हेल्थ. 30 (02), 133-138.

धमतिया डी, गोएल एम.के, बलराज धीमान बी, पठानिया ओ.पी (2018). पित्त की पथरी की बीमारी और स्वतंत्र जैव रासायनिक मापदंडों का मात्रात्मक विश्लेषण : भारत के एक तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में अध्ययन, जर्नल ऑफ़ लेबोरेटरी फ़िज़िशियन, 10 (4): 448-452.

धमतिया डी, गोयल एम.के, बलराज धीमान बी, पठानिया ओ.पी(2019). पित्त की पथरी की बीमारी और उत्तर भारत के शिक्षण चिकित्सालय में आने वाले रोगियों के बीच इसका संबंध है। जर्नल ऑफ़ फैमिली मेडिसिन 8 (1), 189-193.

धीरार एन, डुडेजा एस, खांडेकर जे, बचानी डी एट अल. (2018). भारत में बचपन की रुग्णता और मृत्यु दर - राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 4 (एन.एफ.एस.-4) के निष्कर्षों का विश्लेषण। इंडियन पीडियाट्रिक्स, 55: 335-338

कुमार डी, रसनिया एस.के, दास आर.(2018). दिल्ली के पालम गांवों में बुजुर्गों के बीच कार्यात्मक विकलांगता का सामाजिक अध्ययन। इंडियन जे.ऑफ कम्युनिटी मेडीसिन एंड फैमिली मेडीसिन 3: 2, 44-48.

पाराशर एम, सिंह एम, लाल पी.(2018). जीवन की संतुष्टि और एक तृतीयक देखभाल स्वास्थ्य क्षेत्र की कामकाजी महिलाओं के बीच संबंध : दिल्ली, भारत से एक पार-अनुभागीय अध्ययन। मेड जे डीवाई पाटिल विद्यापीठ, 11,406-411.

पाराशर एम, एलावाड़ी डी, सिंह एम, जिलोहा आर.सी (2019). दक्षिण दिल्ली, भारत के एक स्कूल के स्कूली विद्यार्थियों के बीच तनाव का स्तर। क्रिसमेड जे. स्वास्थ्य रेज. डीओआई : 10.4103 / cjhr.cjhr_85_18। प्रिंट से आगे।

प्रसून, जे.जी. (2018) एमसीएच और सामाजिक सुरक्षा के लिए कानून(लेजिसलेशनन्स), मातृ और बाल एमएमई 301 मॉड्यूल में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, यूनिट 27 स्वास्थ्य, इग्नू, भारत सरकार.

सिंह ए, आचार्य ए.एस, धीमान बी.(2018) मधुमेह और वयस्कों में इसकी जटिलताओं के बारे में जागरूकता : दिल्ली के एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ़ मेडिकल स्पेशलिटीज़, 9(1):3-6

सिंह ए, आचार्य ए.एस, धीमान बी.(2018) गैर-संचारी रोगों के जोखिम वाले कारकों को साझा करते हैं : दिल्ली के एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में वयस्कों के बीच समुदाय आधारित अध्ययन। इंडियन जे ऑफ कम्युनिटी एंड फैमिली मेडिसिन, 4 (2): 42-48.

सिंह ए.बी, प्रसुना जे.जी, मेहरा पी, रसानिया एस.के (2018). कॉमन ओरल हेल्थ प्रॉब्लम एंड रिलेटेड हेल्थ सीकिंग बिहेवियर एमांग यंग एडोल्सकेंट्स इन एन अर्बन रिसैटलमेंट कॉलोनी, ईस्ट दिल्ली, इंडिया इंडियन जे. ऑफ यूथ एंड एडोल्सकेंट्स हेल्थ, 5 (3), 6-11.

सिंह टी, नागेश एस, रे टी.के (2018). दिल्ली की पुनर्वास कॉलोनी की बुजुर्ग महिलाओं में एनीमिया की तीव्रता और सहसंबंध। जे मिड-लाइफ हेल्थ, 9: 21-25.

ठाकुर ए, रे टी.के, गोयल एम.के. (2018). पूर्वी दिल्ली के तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में नामांकित मधुमेह रोगियों के बीच स्वास्थ्य -देखभाल सेवाओं का उपयोग। इंडियन जे ऑफ कम्यूनिटी मेडिसिन 43 (3): 248-49.

ठाकुर ए, रे टी.के, गोयल एम.के. (2018) पूर्वी दिल्ली के तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में नामांकित मधुमेह रोगियों के बीच स्वास्थ्य -देखभाल सेवाओं का उपयोग। इंडियन जे ऑफ कम्यूनिटी मेडिसिन 43 (3): 248-49.

जर्नल

डॉ. मनीष के. गोयल : सह-संपादक आईजेओवाईएएच

अनुसंधान परियोजनायें

"पालम क्षेत्र में 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में डब्ल्यूएचओ/आईएसएच जोखिम भविष्यवाणी चार्ट का उपयोग करते हुए कार्डियोवस्कुलर और स्ट्रोक रिस्क का आकलन" परियोजना के लिए वर्ष 2019-20 हेतु

फोर्ड फाउंडेशन अनुसंधान अनुदान (रुपए 10,000/-) के लिए परियोजना प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। अर्चना ठाकुर.

आईसीएमआर के अंतर्गत एसटीएस परियोजना, उच्च-हाईपरटेंसिव उपचार के लिए गैर-पालन और तृतीयक देखभाल चिकित्सालय, नई दिल्ली में व्यक्तिगत उपस्थित लोगों के बीच इसके निर्धारक उपस्थित शालिनी और मनीष के.

आयोजित संगोष्ठी / कार्यशालाएं :

स्वास्थ्य अर्थशास्त्र पर राष्ट्रीय कार्यशाला। अगस्त, 2018.

भारत में तपेदिक नियंत्रण पर सीएमई एक अद्यतन। अप्रैल, 2018

एमटीएस/सुलभ कार्यकर्ताओं और मेडिकल प्रोफेशनल के लिए बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन कार्यशाला। फरवरी, 2019.

फरवरी, 2019 को चौथा आईसीओईएच की पूर्व-सम्मेलन कार्यशालाएं - जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य।, सिलिकोसिस और तपेदिक; एस्बेस्टॉसिस से संबंधित बीमारियाँ - द वे फॉरवर्ड; कार्यस्थल पर तनाव और बर्नआउट प्रबंधन ; एमटीएस कार्यकर्ताओं के लिए व्यावसायिक चोट के लिए पूर्व चिकित्सालय ट्रामा प्रबंधन। फरवरी, 2019.

लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय अनुसंधान पद्धति कार्यशाला में आयोजित मेडिकस कॉन्वेंटस सम्मेलन में प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला, मार्च, 2019; डाइट डायलॉग एंड स्किल्स, मार्च, 2019.

आयोजित सम्मेलन

लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय में फरवरी, 2019 को आयोजित व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य (आईसीओईएच) का 4वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

संगोष्ठी/सम्मेलन की प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)(चयनित)

मृगेश के. की लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली में फरवरी, 2019 में "व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "दिल्ली के एक शहरी क्षेत्र में प्रसव पूर्व देखभाल सेवाओं के उपयोग पर एम-स्वास्थ्य के प्रभाव" विषय पर मौखिक प्रस्तुति ।

नाजिश रशीद ने जे.एन. मेडिकल कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यू.पी. में अक्तूबर, 2018 में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन (आईएपीएसएम) के XXI वार्षिक सम्मेलन, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य अध्याय - IAPSMUPUKCON-2018 के XXI वार्षिक सम्मेलन में 'नोएडा के किशोर विद्यार्थियों में अवसाद, चिंता और तनाव का प्रसार' विषय पर मौखिक प्रस्तुति दी।

अनन्या रे लस्कर ने नई दिल्ली के एलएचएमसी में फरवरी, 2019 में व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर 14वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'जेएनयू के विद्यार्थियों के बीच तंबाकू के उपयोग पर एक महामारी विज्ञान अध्ययन' विषय पर एक प्रस्तुति दी।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू)) के साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए सहयोग।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

सामुदायिक औषध यूनिट, कलावती सरन बाल चिकित्सालय, बाल स्वास्थ्य संवर्धन क्लिनिक (सीएचपीसी) में भाग लेने वाले बच्चों को निम्नलिखित प्रोत्साहक और निवारक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करता है। - टीकाकरण, विकास निगरानी और पोषण परामर्श, स्वास्थ्य शिक्षा सत्र, गैर संचारी रोगों के संबंध में वयस्कों के साथ परिवार कल्याण, स्क्रीनिंग और परामर्श के लिए परामर्श।

संकायों की संख्या : 12

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली में फरवरी 2019 में आयोजित व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य (आईसीओईएच) के चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. दीपक धामनेतिया, डॉ. श्वेता अरोड़ा, डॉ. अर्चना ठाकुर, डॉ. शिबजी देबर्मा, डॉ. मृगेश कुमार को मौखिक/पोस्टर प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार दिया गया।

***

सामुदाय औषध (एमएएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने नियमित एमबीबीएस, एमडी और पीएचडी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा अवधि के दौरान 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं आयोजित की हैं। आठ एम.डी शोध पूर्ण की गई, एक पीएच.डी उपाधि प्रदान की गई और दो आईसीएमआर छात्रवृत्तियां पूरी की गईं। वर्तमान में विभाग में आईसीएमआर, एमएएमसी रिसर्च सोसायटी, यूके-एनएचआर, डब्ल्यूएचओ / आरएनटीसीपी और अन्य द्वारा वित्त पोषित लगभग 12 परियोजनाएं चल रही हैं। विभाग में 44 प्रकाशन और 8 पुस्तकें/अध्याय में संकाय ने योगदान दिया था। संकाय अध्यक्ष, आमंत्रित वक्ताओं, अथवा प्रस्तुत पत्रों के रूप में कई सम्मेलनों/कार्यशालाओं/सेमिनारों में भाग लिया। विभाग के संकाय ने केंद्र और राज्य स्तर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के विभिन्न प्रशिक्षणों में विशेषज्ञों अथवा संसाधन व्यक्तियों के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विभाग अपने परिधीय केंद्रों के माध्यम से आउट पेशेंट सेवाएं प्रदान कर रहा है, बच्चों का टीकाकरण कर रहा है और कैचमेंट आबादी में महिलाओं को परिवार नियोजन से संबंधित परामर्श प्रदान कर रहा है। विभाग विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से समुदाय में स्वास्थ्य संवर्धन और शिक्षा गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से संलग्न है।

सम्मान / गौरव

डॉ. सुनीला गर्ग

आई.एम.ए. एवं डी.एन.बी. द्वारा प्रतिष्ठित शिक्षक पुरस्कार 2018 से सम्मानित।

आई.पी.एच.ए. (लखनऊ) के दौरान "स्वास्थ्य देखभाल पहुंच से बाहर है" में "के.एन. राव मेमोरियल ओरेशन" नवाचारों पर व्याख्यान दिया।

डॉ. नंदिनी शर्मा को दिल्ली राज्य द्वारा फरवरी, 2019 को स्टेट मेडिकल चिकित्सक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन :

अहलावत, पी., बत्रा, एन., शर्मा, पी., कुमार, एस., और कुमार, ए. (2018). ग्रीवा कैंसर के बारे में किशोर लड़कियों और उनकी माताओं का ज्ञान और दृष्टिकोण : एक समुदाय-आधारित क्रॉस-सेक्शनल। जर्नल ऑफ मिडलाइफ हेल्थ, 9 (3), 145.

आनंद, टी., ग्रोवर, एस., कुमार, आर., प्रभु, एन., और इंगल, जी.के. (2018). दिल्ली में डॉक्टरों के बीच निवारक स्वास्थ्य व्यवहार। जर्नल ऑफ द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, 66.

अरोड़ा, ई., गर्ग, एस., और सिंह, एम.एम. (2018). डेंगू की रोकथाम और नियंत्रण में चिकित्सा विद्यार्थियों की भूमिका और जिम्मेदारियां। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिकेबल डिजीज, 4 (2).

बनर्जी, बी., और बनर्जी, आर. (2017). मलेरिया पर चर्चा करें। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिकेबल, 3 (2), 61-68.

बसु, एस., गर्ग, एस., शर्मा, एन., सिंह, एम.एम, और गर्ग, एस. (2018). दिल्ली में एक तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में मधुमेह के रोगियों में स्व-देखभाल प्रैक्टिसेस, ग्लाइसेमिक स्थिति और कारकों को प्रभावित करना। वर्ल्ड जनरल ऑफ डाइबेट्स, 9 (5), 72-79.

बसु, एस., गर्ग, एस., सिंह, एम.एम और कोहली, सी. (2018). दिल्ली में मेडिकल विद्यार्थियों के बीच मोबाइल फोन के उपयोग से लत जैसा व्यवहार। इंडियन जर्नल ऑफ सायकोलॉजिकल मेडिसिन, 40 (5), 446.

बसु, एस., और गर्ग, एस. (2018). चिकित्सकों में एंटीबायोटिक निर्धारित व्यवहार : संसाधन-गरीब सेटिंग्स में नैतिक चुनौतियां। जर्नल ऑफ मेडिकल इथिक्स एंड हिस्ट्री ऑफ मेडिसिन, 11.

बसु, एस., गर्ग, एस., कुमार, आर., और शुक्ला, ए (2017). दिल्ली, भारत में एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में 5 से कम बच्चों की महिला देखभालकर्ताओं में स्वास्थ्य शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का उपयोग करने की इच्छा। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी हेल्थ, 29 (4), 439-444.

बसु, एस., खोबरागड़े, एम., राउत, डी.के., और गर्ग, एस.(2017). दिल्ली के सरकारी चिकित्सालयों में मधुमेह रोगियों में मधुमेह का ज्ञान। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉनकम्यूनिकेबल डिजीज, 2 (1), 8-9.

दहिया, एन., बसु, एस., सिंह, एम.सी., गर्ग, एस., कुमार, आर., और कोहली, सी. (2018). दिल्ली में महिलाओं में स्तन कैंसर के लिए स्क्रीनिंग से संबंधित ज्ञान और प्रैक्टिसेस। एशियन पेसिफिक जर्नल ऑफ कैंसर की रोकथाम, 19 (1): 155-159.

दहिया, एन., बसु, एस., सिंह, एम.सी, गर्ग, एस., कुमार, आर., और कोहली, सी. (2018). दिल्ली, भारत में महिलाओं में स्तन कैंसर के लिए स्क्रीनिंग से संबंधित ज्ञान और प्रैक्टिसेस। इंडियन एशियन पेसिफिक जर्नल ऑफ कैंसर की रोकथाम, 19 (1): 155.

दहिया, एन., और गर्ग, एस. (2018). तीन-माता-पिता का बच्चा : क्या यह नैतिक है? इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल इथिक, 3 (2), 169-169.

देवी, आर., और सिंह, एम.एम. (2018, जून, 4) भारतीय स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में नर्सों की मुख्य भूमिका। https://www.bmj.com/content/361/bmj.k2355/rr-1 से प्राप्त किया गया।

धाकड़, एस., शर्मा, एन., चोपड़ा, के.के., खन्ना, ए., और कुमार, आर. (2019). दिल्ली के शहरी क्षेत्रों में डॉ.ट्स केंद्रों में जाने वाले बाल चिकित्सा टीबी रोगियों में सामाजिक-जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल और उपचार के परिणाम। इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस, 66 (1), 123-128.

धाकड़, एस., शर्मा, एन., चोपड़ा, के.के, खन्ना, ए., और कुमार, आर. (2018). दिल्ली के शहरी क्षेत्रों में डॉ.ट्स केंद्रों में जाने वाले बाल रोग तपेदिक रोगियों में पाथवे की तलाश में उपचार। इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस, 65 (4), 308-314.

गर्ग, एस. (2018). भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज : नए नवाचार और सार्वजनिक स्वास्थ्य की भूमिका। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 62 (3), 167.

गर्ग, एस., कोहली, सी., मंगला, वी., चड्ढा, एस., सिंह, एम.एम., और दहिया, एन. (2018). दिल्ली, भारत में बर्डन ऑफ हियरिंग लॉस और इसके एसोसिएटेड फैक्टर्स पर एक महामारी विज्ञान का अध्ययन। एनल्स ऑफ़ ओटोलॉजी, राइनोलॉजी एंड लेरिंजोलॉजी , 127 (9), 614-619.

गर्ग, के., त्रिपाठी, टी. राय, पी., शर्मा, एन., और कानसे, ए. (2017). भारतीय जनसंख्या के लिए अनुकूलित पीआईडीएक्यू का उपयोग कर एक वर्ष के रूढ़िवादी(आर्थोडिक्स) उपचार के एक वर्ष के बाद मनोसामाजिक प्रभाव का संभावित मूल्यांकन। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डाइग्नोस्टिक रिसर्च : जेसीडीआर , 11 (8), जेड.सी 44.

गोयल, पी., कुमार, आर., मीना, जी.एस, और गर्ग, एस. (2018). दिल्ली में एक शहरी क्षेत्र में महिलाओं में मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में के.ए.पी के साथ समाजशास्त्रीय विशेषताओं का एसोसिएशन। ट्रॉपिकल जर्नल ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनोकोलॉजी, 35 (2), 158-164.

गुप्ता, पी.के., गर्ग, एस., सिंह, एम.एम., कोहली, सी., और राजेश्वरी, के.(2017). बाल चिकित्सा एच.आई.वी मामलों में अत्यधिक सक्रिय एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी के पालन को प्रभावित करने वाले कारक : एक खोजपूर्ण अध्ययन। जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 6 (6), 35-38.

कंसल, ए., गर्ग, एस., और शर्मा, एम. (2018). मातृ मृत्यु समीक्षा से निगरानी और प्रतिक्रिया की ओर बढ़ना : एक प्रतिमान बदलाव। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 62 (4), 299.

कुमार, वी., राठी, ए., लाल, पी., और गोयल, एस.के (2018). मलेरिया और डेंगू : स्वास्थ्य शिक्षकों के रूप में स्कूल के शिक्षकों के बीच संवेदीकरण कार्यशाला का ज्ञान, दृष्टिकोण, अभ्यास और प्रभाव। जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 7 (6), 1368.

कुमार, वी., राठी, ए., लाल, पी., और जैन, एस. (2018). दिल्ली के चिकित्सालय की तृतीयक देखभाल में रोगी विभागों में भाग लेने वाले रोगियों की निर्धारित दवाओं के बारे में जागरूकता पर एक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 8 (8), 1-3.

कुंडू, डी., शर्मा, एन., चड्ढा, एस., लोकोरी, एस., अवांगफाक, जी., जियांग, एल., और असारिया, एम.(2018). बहु दवा प्रतिरोधी तपेदिक (एमडीआर-टीबी) वित्तीय सुरक्षा नीति का विश्लेषण : छत्तीसगढ़ राज्य, भारत में एम.डी.आर.- टी.बी स्वास्थ्य बीमा योजनाएं। इंडियन हेल्थ इकॉमिक्स रिव्यू, 8(1), 3.

मीना, जे.के., कुमार, आर., और मीना, जी.एस (2018). रक्षक की रक्षा करें : भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पुलिस कर्मियों में रुग्णता और स्वास्थ्य व्यवहार। इंडियन जर्नल ऑफ ऑक्यूपेशनल एंड एनवायमेंटल मेडिसिन, 22 (2), 86.

नायर, टी.एस., गर्ग, एस., और सिंह, एम.एम. (2018). नई दिल्ली, भारत में किशोरों के बीच उच्च रक्तचाप का प्रसार और निर्धारक - एक पार अनुभागीय अध्ययन। हाइपरटेंशन का जर्नल, 36, e265-e266.

पांगटे, आर., शर्मा, पी., आहूजा, के., कुमार, एस., और गर्ग, एस. (2018). किशोरों द्वारा ऊर्जा पेय, विटामिन और खनिज की खुराक के उपभोग पैटर्न और बॉडी मास इंडेक्स के साथ उनका जुड़ाव। इंडियन जर्नल ऑफ यूथ एंड एडलोस्सेंट हेलथ, 5 (2), 2-6.

राठी, ए., कुमार, वी., मझी, जे., जैन, एस., लाल, पी., और सिंह, एस. (2018). नव स्थापित चिकित्सा संस्थान के उच्च जोखिम वाले सेटिंग में मेडिकल विद्‌यार्थियों में हेपेटाइटिस बी संक्रमण की रोकथाम के प्रति ज्ञान, दृष्टिकोण और प्रैक्टिसेस का आकलन। जर्नल ऑफ लेबोरेटरी फीजीशियन, 10 (4), 374.

रस्तोगी, आर., और गर्ग, एस.(2018). निप्पा वायरस : एक उभरता हुआ खतरा। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिकेबल डिजीज/खंड, 4 (2).

शर्मा, एम., बसु, एस., और बनर्जी, बी (2017). एसएबीएलए योजना के अंतर्गत किशोर लड़कियों के बॉडी मास इंडेक्स का अनुचित वर्गीकरण। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 61 (4), 312.

शर्मा, एन., बसु, एस., और चोपड़ा, ए.के (2018). भारत में टी.बी. उन्मूलन को प्राप्त करना : अव्यक्त टी.बी प्रबंधन की भूमिका। इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस.

शर्मा, एन., खन्ना, ए., चंद्र, एस., बसु, एस., बजाज, डी., सचदेवा, के.एस., और रामचंद्रन, आर.(2018). तपेदिक (टी.बी) हस्तक्षेप मॉडल दिल्ली, भारत में ट्रक ड्राइवरों की चल(मोबाइल) आबादी को लक्षित करता है। इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस.

शर्मा, एस., मेहरा, डी., नायक, एच., और सिंह, एम.एम (2018). भारत में सशर्त नकद हस्तांतरण योजना के जमीनी स्तर के कार्यान्वयन का आकलन करने के लिए गुणात्मक लेंस। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिप्रोडक्शन, कॉंट्रासेप्शन, ओबस्टेट्रिक्स एंड गायनोकोलॉजी, 7 (7), 2742-2743.

सिंह, एम.एम. और देवी, आर. (2018, 19 जनवरी). कन्नबिस मिथक। http://www.bmj.com/content/360/bmj.k72/rr से प्राप्त किया गया ।

सिंह, एम.एम. और देवी, आर. (2018, 20 जनवरी)। पुन: परिसंचारी विटामिन डी सांद्रता और सात कैंसर का खतरा : मेंडेलिआर्गेनाजिमाइजेशन अध्ययन। Http://www.bmj.com/content/359/bmj.j4761/rr-4 से प्राप्त किया गया।

सिंह, एम.एम. और देवी, आर. (2018, 22 जनवरी). धूम्रपान बंद करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट। http://www.bmj.com/content/360/bmj.j5543/rr-1 से प्राप्त किया गया।

सिंह, एम.एम. और देवी, आर. (2018, 23 जनवरी). मानसिक स्वास्थ्य - स्वास्थ्य का एक उपेक्षित पहलू। http://www.bmj.com/content/360/bmj.k233/rr-0 से प्राप्त किया गया।

सिंह, एम.एम. और देवी, आर. (2018, 24 जनवरी)। स्वास्थ्य कार्यक्रमों में नैदानिक दिशानिर्देश। https://www.bmj.com/content/360/bmj.k270/rr-0 से प्राप्त किया गया।

सिंह, एम.एम. और देवी, आर.(2018, 25 जनवरी)। एंटीवायरल के साथ संदिग्ध फ्लू का इलाज चिकित्सालय के चिकित्सक को बताया जाता है। http://www.bmj.com/content/360/bmj.k312/rr से प्राप्त किया गया।

सिंह, एम.एम. और देवी, आर. (2018, 1 जून)। आखिर धूम्रपान करने वाले धूमपान क्यों नहीं छोड़ते। https: //www.bmj.com/content/360/bmj.k350/rr-3 से प्राप्त किया गया।

सिंह, एम.एम. और देवी, आर. (2018, 1 जून)। पुन: टीबी से मरने वाले 10 बच्चों में नौ इलाज के चले गए। https://www.bmj.com/content/361/bmj.k2345/rr से प्राप्त किया गया ।

सिंह, एम.एम. और देवी, आर. (2018, 11 जून)। पुन: होम्योपैथी : दवाई के पर्चे पर प्रतिबंध लगाने की चुनौती हाई कोर्ट ने खारिज कर दी। Https://www.bmj.com/content/361/bmj.k2513/rr से लिया गया।

सिंह, टी., शर्मा, एस., बनर्जी, बी., और गर्ग, एस. (2018). नई दिल्ली के एक ग्रामीण चिकित्सालय में भाग लेने वाले रोगियों और परिचारकों के बीच एनेस्थेसियोलॉजिस्ट और एनेस्थिसियोलॉजी के बारे में ज्ञान। जर्नल ऑफ एजूकेशन एंड हेल्थ प्रोमोशन, 7.

सिंह, टी., शर्मा, एस., बनर्जी, बी., और गर्ग, एस. (2018). नई दिल्ली के एक ग्रामीण चिकित्सालय में भाग लेने वाले रोगियों और परिचारकों के बीच एनेस्थेसियोलॉजिस्ट और एनेस्थिसियोलॉजी के बारे में ज्ञान। जर्नल ऑफ एजूकेशन एंड हेल्थ प्रोमोशन, 7.

पुस्तकों / अध्यायों ने योगदान दिया

बनर्जी बी. (2018) भारत में डी.के. तनेजा की स्वास्थ्य नीतियां और कार्यक्रम, 16 वां संस्करण। जे.पी. ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स, दिल्ली, भारत। (नया संस्करण)

बनर्जी बी. (2018). पोलियोमाइलाइटिस का उन्मूलन : वर्तमान परिदृश्य। बाल रोग में हाल ही उन्नत : हॉट टॉपिक; 26: 410-419।

बनर्जी बी. (एड.). (2017). मेडिकल स्टूडेंट्स और रिसर्च वर्कर्स के लिए बायोस्टैटिस्टिक्स में महाजन के तरीके। 9वां संस्करण। जे.पी. ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स, दिल्ली, भारत.

बनर्जी बी. (2018). प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल : संकल्पना और कार्यान्वयन। एआईटीबीएस पब्लिशर्स; दिल्ली, भारत।

बनर्जी बी. (2018) नर्सिंग में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल। एआईटीबीएस पब्लिशर्स; दिल्ली, भारत।

बनर्जी बी. (2018) प्रजनन, मातृ, नवजात, चाइल्ड प्लस किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत किशोर स्वास्थ्य में सुधार की रणनीतियाँ। रिसेंट एडवांसेस इन पीडियाट्रिक्स. हॉट टॉपिक : 26: 404-409.

गर्ग एस, सिंह एम.एम., माला वाई.एम. गर्भावस्था में घरेलू हिंसा का परिमाण, इसके संबद्ध कारक, संबंधित मातृ स्वास्थ्य और दिल्ली में जन्म के परिणाम।

प्रेस में-इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन द्वारा प्रकाशित होने वाली बहु-लिखित पाठ्यपुस्तक में 'भारत में स्वास्थ्य नीतियां और स्वास्थ्य कार्यक्रम' अध्याय के लेखक।

डॉ. बी बनर्जी

भारतीय संचारी रोगों के संपादकीय बोर्ड के सदस्य

डब्ल्यूएचओ बुलेटिन के लिए पीयर समीक्षक के लिए सहकर्मी(पीयर) समीक्षक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, बेसिक रिसर्च जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड क्लिनिकल साइंसेज।

अनुसंधान परियोजनायें

आरएनटीसीपी, दिल्ली रुपए4,95000) टी.बी हस्तक्षेप लक्ष्यीकरण चल(मोबाइल) जनसंख्या "(ट्रक ड्राइवर्स और हेल्पर्स), नंदिनी शर्मा

आरएनटीसीपी, दिल्ली रुपए2,38350) एम.डी.आर. टीबी ट्रेंड्स इन केस फाइंडिंग एंड ट्रीटमेंट आउटकम इन दिल्ली, एस. गर्ग

आरएनटीसीपी, दिल्ली रुपए4,99300, दिल्ली में फार्मासिस्टों की भागीदारी के माध्यम से टीबी नियंत्रण में भागीदारी, नंदिनी शर्मा .

आईसीएमआर 40 लाख, गर्भावस्था में घरेलू हिंसा की भयावहता का एक संभावित अध्ययन, यह जुड़े हुए कारक हैं, दिल्ली में मातृ स्वास्थ्य और जन्म के परिणामों से संबंधित, सुनीला गर्ग.

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन 16 लाख, दिल्ली के ग्रामीण और शहरी पुनर्वास क्षेत्रों में किशोर लड़कियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता प्रैक्टिसेस, सुनीला गर्ग.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च यू.के रुपए16,85700, दक्षिण एशिया(एएसटीआरए) में धुआं रहित(स्मोकलेस) टोबैको और शोध क्षमता के निर्माण को संबोधित करते हुए, सुनीला गर्ग .

आई.सी;एम.आर रुपए20,34,334, समुदाय आधारित हस्तक्षेप अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक ' बचपन की चोटों की रोकथाम में बाल-बच्चों की दक्षता की क्षमता और उनकी परिणति' है. दि.27-04-2018 से दि.27-07-2019, ब्रतिति बनर्जी.

दिल्ली की एन.सी.टी सरकार रुपए16,48,223/-, पब्लिक स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण का प्रभाव-एक अवलोकन अध्ययन।*, नंदिनी शर्मा.

आरएनटीसीपी रुपए4,99,300 /-, मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट- तपेदिक के रोगियों में जोखिम कारकों और उपचार की मांग.

आयोजित संगोष्ठियां

"भारत में संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम में नई पहल" पर सी.एम.ई. का आयोजन। एमएएमसी मार्च, 2018.

महामारी विज्ञान और स्तन कैंसर की जांच। डॉक्टरों और नर्सों के लिए "स्तन कैंसर स्क्रीनिंग" पर कार्यशाला। फ़रवरी, 2018.

मातृ मृत्यु का वर्गीकरण। एनसीटी दिल्ली सरकार के अंतर्गत डॉक्टरों के लिए एम.डी.एस.आर प्रशिक्षण। सितंबर, 2018.

केस स्टडी पर समूह कार्य। एनसीटी दिल्ली सरकार के अंतर्गत डॉक्टरों के लिए एमडीएसआर प्रशिक्षण। सितंबर, 2018.

नेशनल प्रोग्राम फ़ॉर हेल्थ केयर ऑफ़ इल्डर्ली (सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता), एमएएमसी, नई दिल्ली के अंतर्गत प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण।, अप्रैल, 2018.

चिकित्सा विभाग, एमएएमसी द्वारा आयोजित "संक्रामक रोगों" पर मध्य अवधि सीएमई-2018। अक्तूबर, 2018.

14 नवंबर, 2018 को इम्यूनाइजेशन एंड वैक्सीन सेफ्टी, एमएएमसी में नई पहल पर सीएमई।

मेडिकल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग वर्कशॉप के स्ट्रेंग्थनिंग के अंतर्गत "मातृ मृत्यु निगरानी और प्रतिक्रिया और मातृ निकट मिस रिव्यू" पर 2 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। एमएएमसी (सितम्बर, 2018)

एसईए रीजन एंड टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप में ईयर एंड हियरिंग केयर पर डब्ल्यूएचओ मल्टी कंट्री वर्कशॉप। अक्तूबर, 2018.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

भारती बनर्जी ने दिल्ली के ग्रामीण परिवारों में अनजाने में लगी बचपन की चोटों का पर्यावरण जोखिम का विश्लेषण, पर एक पेपर प्रस्तुत किया। श्रीमती काशीबाई नावाले मेडिकल महाविद्यालय, पुणे में आयोजित

45वें वार्षिक राष्ट्रीय आईएपीएसएम सम्मेलन और 19वीं महाराष्ट्र राज्य के आईएएसएम तथा आईपीएचए का संयुक्त सम्मेलन में प्रस्तुत किया, जिसने प्रथम पुरस्कार जीता।

नंदिनी शर्मा ने 49वें यूनियन वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस ऑन लुंग हेल्थ, द हेग, नीदरलैंड में "सेल्फ नोटिफिकेशन थ्रू केमिस्ट : प्रोजेनेटर एप्रोच टुवर्ड्स टीबी इन दिल्ली" प्रस्तुत किया। अक्तूबर, 2018.

राठी ए, कुमार वी, लाल पी और सिंह ए. "नई दिल्ली में पेशेवर कैब ड्राइवरों में अवसाद, चिंता और तनाव की व्यापकता का एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।" राठी द्वारा डबलिन, आयरलैंड, में आयोजित "इंटरनेशनल कांग्रेस ऑक्युपेशनल हेल्थ" में पेपर प्रस्तुत किया गया । अप्रैल, 2018.

सुनीला गर्ग ने "बाली, इंडोनेशिया में बेहतर कान और हियरिंग की देखभाल के लिए शेयरिंग तथा केयरिंग करना," पर “द्वितीय ध्वनि पर वर्ष 2030 विश्व कांग्रेस” में "दिल्ली, भारत में कारखानों के श्रमिकों में शोर प्रेरित श्रव्य में हानि, व्यावसायिक और मनोरंजक ध्वनि प्रदर्शन से ड्यूल बर्डन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया। फरवरी, 2019.

विस्तार और अभिगाम्य कार्यकलाप

विभाग चार केंद्रों : गोकुलपुरी, बरवाला, दिल्ली गेट और बीवीके, नई दिल्ली में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करता है। हम समुदाय के साथ पूरा करते हैं।

प्रदत्त एम.फिल./ पीएचडी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी. : 1
संकायों की संख्या: 11

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी :

विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सामुदायिक और अभिगम्य सेवाएं।

ग्रामीण स्वास्थ्य और प्रशिक्षण केंद्र, बरवाला

आर.एच.टी.सी सामुदायिक औषध विभाग, मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय के ग्रामीण क्षेत्र प्रैक्टिसेस केंद्र में से एक है। यह दिल्ली, बरवाला गाँव- 110039 के उत्तर-पश्चिम भाग में स्थित है। बरवाला गाँव की आबादी लगभग 5100 है और आस-पास के क्षेत्रों की जनसंख्या की आवश्यकता को पूरा करता है जो 1 लाख से अधिक है। कुछ प्रासंगिक जनसांख्यिकीय संकेतक हैं :

जन्म दर : 100/ 1,00,000 जनसंख्या, मृत्यु दर : 19/1,00,000 जनसंख्या, आई.एम.आर: 2/1,00,000 जीवित जन्म, एम.एम.आर.: शून्य, अप्रैल, 2018 से मार्च, 2019 की अवधि के दौरान, 26,000 से अधिक रोगियों ने ओपीडी में दिखाया। उपलब्ध कराई गई सेवाएं : (ओ.पी.डी सेवाएं, एम.सी.एच और परिवार कल्याण सेवाएं, ए.एन.सी.- सामान्य चिकित्सा समस्याओं का प्रबंधन, रेफरल और अनुवर्ती।

आम सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्याओं और स्वस्थ जीवन शैली की आदतों, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का कार्यान्वयन, अनुसंधान गतिविधियों पर इंटर्न द्वारा समुदाय में स्वास्थ्य वार्ता की।

किशोरों में वृद्धि तथा विकास, पोषण, यौन और प्रजनन संबंधी चिंताओं, मानसिक स्वास्थ्य इत्यादि जैसे सामान्य मुद्दों को संबोधित करते हुए शनिवार को किशोरों(10-19 वर्ष) के लिए संचार रोगों, विशेष क्लीनिकों, दिशा क्लिनिक का नियंत्रण।

सामान्य एनसीडी जैसे डायबिटीज, हाइपरटेंशन इत्यादि की स्क्रीनिंग एवं प्रबंधन पर एन.सी.डी. क्लीनिक। एनसीडी के बारे में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाना और बरवाला गांव की आबादी की स्क्रीनिंग के साथ उनकी रोकथाम इस क्लिनिक का एक महत्वपूर्ण कार्य है। मधुमेह के रोगियों के लिए डायबिटिक रेटिनोपैथी जांच भी की जाती है।

आरएचटीसी बरवाला में संबंधित स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और समुदाय की शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य दिनों का उत्सव संबंधी प्रक्रिया जारी है। क्विज़, समूह चर्चा और रोल प्ले और स्किट्स के रूप में सामुदायिक सहभागिता के साथ समान तर्ज पर विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व एड्स दिवस, मानसिक स्वास्थ्य दिवस, विश्व टी.बी दिवस, विश्व तंबाकू निषेध दिवस इत्यादि को मनाया जाता है।

सर्वेक्षण : रिकॉर्ड को अपडेट करने के लिए समय-समय पर सामाजिक-जनसांख्यिकीय सर्वेक्षण किए गए।

दिल्ली गेट केंद्र
कुल जनसंख्या (स्वास्थ्य प्रैक्टिस क्षेत्र) : - दिनांक 31.12.2017 को : 10800; ओ.पी.डी. सेवाएं : -
कुल मरीज देखे गए : 11,468.

सामुदायिक सेवाएं : आम लोगों द्वारा इंटर्न द्वारा समुदाय में स्वास्थ्य वार्ता की गई।

सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्याओं और स्वस्थ जीवन शैली की आदतें, इंटर्न्स को दवा के तर्कसंगत उपयोग, सामान्य बीमारियों के प्रबंधन और इसकी जटिलताओं के बारे में पढ़ाया गया, टीकाकरण और रिकॉर्ड रखरखाव में प्रशिक्षुओं(इंटर्न्स) का प्रशिक्षण, डायरिया की रोकथाम और उपचार प्रशिक्षुओं(इंटर्न्स) को सिखाया गया, प्रशिक्षुओं(इंटर्न्स) को माताओं की वृद्धि निगरानी और परामर्श के साथ शिशु और बच्चों को दूध पिलाने की प्रैक्टिसेस के बारे में परामर्श देने के लिए प्रशिक्षित किया गया था, एएनसी- सामान्य चिकित्सा समस्याओं का प्रबंधन, रेफरल और अनुवर्ती इंटर्न्स को सिखाया गया

7 अप्रैल, 2018 : विश्व स्वास्थ्य दिवस "यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज" थीम के साथ मनाया गया।

16 मई, 2018 : राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया, जिसके दौरान दिल्ली गेट शहरी स्वास्थ्य केंद्र के सेवा क्षेत्रों में स्रोत में कमी की गतिविधियां की जाती हैं।

23 मई से 7 जून, 2018 : विश्व तंबाकू निषेध पखवाड़ा मनाया गया जिसमें स्वास्थ्य शिक्षा सत्र और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई।

1-7 अगस्त, 2018 : ब्रेस्ट फीडिंग सप्ताह मनाया गया, जिसमें माताओं और किशोरियों में विशेष रूप से स्तनपान कराने और कम से कम 2 वर्ष तक स्तनपान कराने का महत्व को बताया गया।

10 अक्तूबर, 2018 : विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया, जिसके दौरान सामान्य ओ.पी.डी रोगियों में नाटकों और पोस्टरों के माध्यम से मानसिक बीमारी की पहचान, प्रबंधन और रोकथाम के बारे में जागरूकता पैदा की गई। मानसिक रूप से बीमार लोगों के लिए स्टिग्मा की रोकथाम पर जोर दिया गया।

10 नवंबर, 2018 : 10 नवंबर को विश्व टीकाकरण दिवस मनाया गया। जिसमें यू5 बच्चों की सभी माताओं को इंटर्न द्वारा प्रस्तुत किए गए पोस्टरों के माध्यम से पूर्ण टीकाकरण के महत्व के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा दी जाती है।

1 दिसंबर, 2018 : विश्व एड्स दिवस मनाया गया, जिसमें सभी ओ.पी.डी रोगियों को एड्स, कारण, प्रबंधन, रोकथाम और डी-स्टिगमाटाइजेशन के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा दी गई।

4 फरवरी, 2019 : विश्व कैंसर दिवस मनाया गया, जिसमें स्तन और सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग से संबंधित स्वास्थ्य शिक्षा दी गई थी। वयस्क महिला रोगियों को स्वत: स्तन परीक्षण सिखाया गया था।

24 मार्च, 2019 : विश्व क्षय रोग(टी.बी.) दिवस मनाया गया जिसमें ओ.पी.डी अटेंडरों को टीबी के लक्षणों, स्क्रीनिंग, क्या करें तथा क्या न करें के बारे में जागरूक किया गया।

बाल्मीकि बस्ती

कुल जनसंख्या : 2500, दिए गए स्वास्थ्य वार्ता की संख्या : 25

स्वास्थ्य शिक्षा : मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा दी गई (स्नातक-पूर्व विद्यार्थी ने स्किट का आयोजन किया, चार्ट और स्वास्थ्य स्नातक शिक्षा के लिए वीडियो क्लिप का उपयोग किया गया था).

7 अप्रैल, 2018 को बी.वी.के निवासियों के बीच यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज के संबंध में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। आयुष्मान भारत पर मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं(इंटर्न्स) और स्नातकोत्तर द्वारा स्वास्थ्य चर्चा करने में अपनी भूमिका निभाई ।

7 अगस्त, 2018 को समुदाय में अंतर्राष्ट्रीय स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। प्रशिक्षुओं (इंटर्न्स) द्वारा स्तनपान के महत्व पर स्वास्थ्य चर्चा की गई। स्तनपान की प्रारंभिक दीक्षा, विशेष स्तनपान, पूर्व स्तनपान के प्रतिबंध, स्तनपान के समय ममता तथा स्थिति(पोजीशन) पर मुख्य ध्यान दिया गया था।

स्वास्थ्य संवर्धन गतिविधियाँ

बी.वी.के. के आंगनवाड़ी में कुपोषित बच्चों वाली माताओं के लिए कुपोषण के मद्देनजर स्वास्थ्य संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। मुख्य ध्यान पोषण पर था। लोहे और कैल्शियम सिरप के पूरक के साथ आहार संशोधनों (डायटरि मोडीफिकेशन्स) की सलाह दी गई थी।

"आओ स्कूल चलें" - पहल- दक्षिण दिल्ली एम.सी.डी स्कूल में 6 अगस्त, 2018 को डेंगू, चिकनगुनिया और मच्छरों की रोकथाम के बारे में जागरूकता के लिए स्वास्थ्य वार्ता आयोजित की गई।

मई से जुलाई, 2018 तक 18 वर्ष से अधिक की आबादी के बीच उच्च रक्तचाप के लिए स्क्रीनिंग की गई थी।

ओ.पी.डी के रोगियों को उच्च रक्तचाप और मधुमेह मेलिटस रोगियों के लिए जीवन शैली में बदलाव पर नियमित रूप से परामर्श दिया गया था।

7 अप्रैल, 2018 को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर केंद्र में अवसाद पर स्वास्थ्य वार्ता आयोजित की गई, जिसके बाद ध्यान(मेडिटेशन्स) और उसके बाद जलपान के साथ एक घंटा लंबा सत्र था।

रेफरल सेवाएं

मरीजों को आवश्यक होने पर एल.एन.जे.पी में दो तरह की रेफरल सेवाएं दी गईं।
नसबंदी के लिए सभी प्रेरित जोड़ों को एल.एन.जे.पी चिकिसालय में भेजा जाता है।

यू.एच.सी गोकलपुरी

गोकलपुरी दिल्ली के उत्तर-पूर्वी जिला में स्थित है, जिसकी जनसंख्या 29242 है, जिसमें कुल परिवार 5827 रहते हैं।

यू.एच.सी. गोकलपुरी में स्थानीय समुदाय को निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की जाती हैं :

ओ.पी.डी सेवाएं (प्रसव पूर्व सेवाएं, टीकाकरण सेवाएं और सामान्य ओ.पी.डी), एम.सी.एच और परिवार कल्याण सेवाएं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का कार्यान्वयन, स्कूल स्वास्थ्य सेवाएं, अनुसंधान गतिविधियों, महत्वपूर्ण आँकड़ों का संग्रह और संकलन, संचारी रोगों का नियंत्रण, समुदाय में स्वास्थ्य शिक्षा स्वास्थ्य वार्ता, प्रशिक्षुओं और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण, मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू) और नर्सिंग सहायक, रेफरल सेवाएं (प्रसव के लिए संस्थागत रेफरल, नसबंदी के लिए प्रेरित मामले, स्कूल स्वास्थ्य जांच) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, 3709 लोगों का टीकाकरण किया गया, 3804 महिलाओं की प्रसवपूर्व देखभाल और 4246 स्कूली बच्चों की जांच की गई।

***

त्वचा विज्ञान और यौन संक्रामक रोग (एलएचएमसी)

प्रकाशन

गर्ग टी, सेंके एस., अहमद आर., चंदर आर., बसु एस. (2018). स्टीवंस-जॉनसन सिंड्रोम और चिकनगुनिया बुखार की विषाक्त एपिडर्मल नेक्रोलिसिसक कटॅनेइअस प्रस्तुति : एक केस श्रृंखला । पीडियाट्रि. डर्माटो., 35 (3): 392-396.

जबीन एम., गर्ग टी, गौर एन, चंदर आर. (2018). उत्तर भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र से गर्दन के नग(नापे) पर रंजकता के साथ एक अवलोकन संबंधी क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। जे.एम.एस.सी.आर, 06: 252-54.

मैंडिरेट्टा वी., मलिक एम., अग्रवाल एम., जैन एम., गुप्ता बी.(2018) . जन्मजात एक्केरिन एंजियोमैटस हैमरोमा : ए रेयर एंटिटी रिविजिटेड। इंडियन डर्माटोल ऑनलाइन जे, 9 (3): 188-190.

मैंडिरेट्टा वी, राणा एस, मणिकवसगम एस, नांगिया ए, चंदर आर.(2018). प्रणालीगत काठिन्य वाले एक रोगी में त्वचीय एंजियोसारकोमा : भारत से पहला मामला। इंडियन जे. डर्माटोल वेनेरोल लेप्रोल, 84 (2): 214-217.

सेंके एस, कुमार ए, चंदर आर.(2018). लिनियर Ig ए बुलस डर्मेटोसिस डायक्लोफेनाक सोडियम द्वारा प्रेरित है। इंडियन जे डर्माटोल वेनेरोल लेप्रोल, 84 (4): 496-497.

सेंके एस , चंदर आर. , दलाल के , अग्रवाल एस. (2018). मेटास्टैटिक ट्यूबरकुलर गुमास एंड स्प्लेनिक ट्यूबरकुलोमा सेकेंडरी टू ट्यूबरकुलर लिम्फैडेनाइटिस इज एन इम्मुनोकॅम्पटेंट फीमेल । इंट जे. डर्माटोल, 57 (10) : 1229-1232.

यादव ए, गर्ग टी, मंडल ए.के, चंदर आर.(2018). अधिग्रहित रंजकता वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता : एक अवलोकन अध्ययन। जे कोस्मेटिक्स डर्मेटोल ; 17 (6): 1293-1294.

यादव पी, गर्ग टी, सेंके एस, चंदर आर, सिंह डी. (2018). सिस्टेमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस प्रजेंटिंग एज लिवॉइड वास्कुलोपैथी ओवर द फोरआर्म्स। स्किन्मेड, 16 (2): 125-127.

आयोजित सेमिनार / सम्मेलन :

एलएचएमसी में सितंबर, 2018 में आई.ए.डी.वी.एल. की मासिक क्लिनिकल मीट का आयोजन किया गया।

संकायों की संख्या : 6

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. राम चंदर जे.आई.पी.एम.ई.आर. में संकाय सदस्य की भर्ती के लिए विषय विशेषज्ञ थे।

पांडिचेरी, हिंदू राव चिकित्सालय में संकाय सदस्यों की भर्ती, व्यापक पुनर्विकास योजना के लिए टास्क फोर्स समिति के अध्यक्ष, सुरक्षा समिति के अध्यक्ष, सी.पी.डब्ल्यू.डी समिति के अध्यक्ष, संकाय कल्याण संघ के अध्यक्ष, यौन उत्पीड़न समिति के सदस्य, लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली कानून और व्यवस्था समिति के अध्यक्ष ।

***

त्वचा विज्ञान और यौन संक्रामक रोग (यूसीएमएस)

सम्मान / गौरव

डॉ. अर्चना सिंगल को पुडुचेरी में अक्तूबर, 2018 में फेलो, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एफ.ए.एम.एस) से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

आशिक के.टी, ग्रोवर सी.(2018) "वाई" तकनीक : नाखून ड्रेसिंग को मानकीकृत करने का प्रयास। जे एम अका डर्मटोल. 78 (5): E103-E104.

दौलताबाद डी, पंधी डी, तनवीर एन, शर्मा एस, कौर आई. (2018). सोलिटरी डोम-शेप्ड एरिथेमेटस लम्प्स ऑफ लॉग ड्यूरेशन ऑन द लम्बी हथेली पर। इंडियन जे डर्माटोल वेनेरोल लेप्रोल।, 37४: ४३9- ९।

दौलताबाद डी , नंदा एस , ग्रोवर सी . (2018) इरेटम : केमिकल पीलिंग फॉर नेल नेल डिसऑर्डर : ऑथर रेस्पॉन्स टू द पब्लिस्ड कमेंट। जे कटान एस्तेहट सर्ज. अक्तूबर-दिसंबर, 11(4):250-251। doi:10.4103/ JCAS.JCAS.170.18.

दीवान पी, गोमबर एस, बनर्जी ए, ग्रोवर सी, कोटरू एम.(2018). ल्यूकेमिया कटिस : तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के एक बच्चे में एक असामान्य प्रस्तुति। पीडियाट्रिक हेमाटोलॉजी ऑन्कोलॉजी जर्नल 3 S7eS65.

ग्रोवर सी. , बंसल एस. (2018). नेल डिसऑर्डर में इंट्रालेशनल थैरेपीज का एक संग्रह(कॅम्पेडियम)। इंडियन डर्मेटोल ऑनलाइन जे. 9 (6): 373-382। doi: 10.4103 / idoj.IDOJ.280.18.

ग्रोवर सी, आशिक के.टी. (2018). प्रोटेक्टिंग द डिसीज्ड डिजिट्स। होम रेमेडी फॉर द होममेकर। जे. एम. अकाड मेटोल. S0190-9622 (18) 32,339-9। doi: 10.1016 / j.jaad.2018.07.037. [मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन]

ग्रोवर सी, खरगोरिया जी.(2018). सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ ऑनिकोहेथरोटोपिया। जे. कटान एस्थेट. सर्ज. 11 (3): 140-142। doi: 10.4103 / JCAS.JCAS.84.18.

ग्रोवर सी, खरगोरिया जी, भट्टाचार्य एस.एन.(2018). लिनियर नेल बेड डिस्क्रोमिया : ए डिस्टिंक्टिव डर्मोस्कोपिक फीचर ऑफ नेल लिचेन प्लानस। क्लिन. एक्स. डर्माटोल..doi: 10.1111 / ced.13809.

ग्रोवर सी. (2018). संपादकीय- आई.ए.डी.वी.एल. एस.आई.जी. डर्मेटोसर्जरी न्यूज़लेटर। खंड 1, अंक 1, जुलाई 2018 पृष्ठ 2।.

ग्रोवर सी. (2018). लॉगरहेड्स- द बिग डिबेट। द मेयू कनेक्ट

ग्रोवर सी. (2018). एसीएसआईसीओएन 2019 के लिए सम्मेलन की रिपोर्ट। ओनिकोस्कोप 7 (2): 6-7.

ग्रोवर सी. (2019). संपादकीय। ओनिकोस्कोप, 8(1):1.

ग्रोवर सी. (2019). ग्लोमस ट्यूमर का संक्रमणकालीन अंश(एक्सिसॅन)- सबक सीखते हैं। ओनिकोस्कोप8(1):2.

ग्रोवर सी. गुप्ता एस. (2018). संपादकीय- आईएडीवीएल एसआईजी डर्मेटोसर्जरी न्यूज़लेटर। खंड 1, अंक 1, जुलाई 2018 पी.पी 2.

गुप्ता एस, सिंघल ए, अग्रवाल के, जांगड़ा आर.एस. (2019). बाल चिकित्सा और जराचिकित्सा रोगियों के लिए नेल फोटोग्राफी की ट्रिक्स। जे एम एकेड डर्माटोल.80 (2): e29-e30.

गुप्ता ए.के, मेयर्स आर.आर, वेरस्टीग एस.जी, पीरकीनी बी.एम, ताकवाले ए, शेमर ए, बाबदेव एम, ग्रोवर सी, डि चियाचियो एन.जी, तबोर्डा पीआरओ, टैबोर्डा वीबीए, शीर एन.एच, पिगुएट वी, टॉस्टी ए (2018) वैश्विक दृष्टिकोण। ओनिकोमायकोसिसs का प्रबंधन। इंट जे डर्माटोल. 25 दिसंबर. डीओआई: 10.1111 / ijd.14346.

जाखड़ डी, कौर आई, सिंघल ए, शर्मा एस (2019). प्रीकैक्लेनल कॉन्जेनिटल फाइब्रोलिपोमैटस हैमर्टोमा : रेयर या अंडर-रिपोर्टेड? जे कटान पथोल; 46: 277-79.

जाखर डी, पंधी डी, सिंघल ए, शर्मा एस (2018). एक द्विपक्षीय वितरण में एंजियोमा सर्पगिनोसम एकर्ल इनवाल्वमेंट प्रस्तुति के साथ : एक असामान्य प्रस्तुति। इंडियन जे डर्माटोल वेनेरोल लेप्रोल। 84 (3): 338-341.

जाखड़ डी, पंधी डी*, सिंगल ए, शर्मा एस (2018). अगिओमा सर्पगिनोसम इन ए बाईलेरल डिस्ट्रीव्यूशन विथ एकर्ल इनवाल्वमेंट : एक असामान्य प्रस्तुति। इंडियन जे डर्माटोल वेनेरोल लेप्रोल, 84: 338-41.

जाखड़ डी , ग्रोवर सी , कौर आई (2018). डेंड्रिटिक पैटर्न : यूनिक ऑनिकोस्कोपिक फीचर इन इन्डोनायक्स। जे एम अकाडर्मटोल। pi: S0190-9622 (19) 30182-3। doi: 10.1016 / j.jaad.2019.01.071। [मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन]।

जाखड़ डी , ग्रोवर सी , शर्मा एस. (2019). गेंट पिलोमेट्रिकोमा ऑन द अपर बैक। इंडियन जे डर्माटोल वेनेरेपोलो लेप्रोल. doi: 10.4103 / ijdvl.IJDVL.352.18. [मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन]

जाखड़ डी , ग्रोवर सी , कौर आई , शर्मा एस. (2019). "लिचेन नाइटिडस की डर्मेटोस्कोपिक विशेषताओं" का जवाब। पीडियाट्रि. डर्माटोल.। जनवरी, 36 (1): 179. doi: 10.1111 / pde.13693.

जाखड़ डी, ग्रोवर सी (2019). एक सार्वभौमिक सीरियल बस डर्मेटोस्कोप के साथ ऑकुलोस्कोपी प्रदर्शन के लिए एक कार फोन धारक का उपयोग करना। जे एम अकाड डर्माटोल. 80 (1): e1-e2.doi: 10. 1016 / जे.जैड। 2018.07.011.

जाखड़ डी, ग्रोवर सी (2018) . कोन्जेनिटल अलोपेसिया ऑफ आइब्रो। इंडियन जे. डर्माटोल वेनेरोल लेप्रोल. 84 (6): 743-744। doi: 10.4103 / ijdvl.IJDVL.156.18.

जाखड़ डी, ग्रोवर सी. (2018). डर्मेटोस्कोपी के दौरान लिंकेज फ्लूइड के समान प्रसार के लिए फेल्ट-टिप पेन एप्लीकेटर का अभिनव उपयोग। इंडियन डर्माटोल ऑनलाइन जे.9 (5): 322-323। doi: 10.4103 / idoj। IDOJ.58.18।.

जाखड़ डी, ग्रोवर सी, कौर आई, शर्मा एस (2018). लिचेन नाइटिडस की डर्मेटोस्कोपिक विशेषताएं। पीडियाट्रि. डर्माटोल. doi: 10.1111 / pde.13576.

जाखड़ डी, ग्रोवर सी. (2018). यूनिवर्सल सीरियल बस डर्मेटोस्कोप एक ऑकुलोस्कोपी उपकरण के रूप में। जे एम अकाड डर्माटोल. 78 (6): e139-E140.

कौल एस, सिंघल ए, ग्रोवर सी, शर्मा एस (2018). नेल सोरायसिस का नैदानिक और ऊतकीय स्पेक्ट्रम : एक क्रास सेक्शनल अध्ययन। जे. कटन पैथोल. नवम्बर, 45 (11): 824-830.

मुर्री डब्ल्यू.टी, शर्मा एस, अरोड़ा वी.के, भट्टाचार्य एस.एन, सिंगल ए (2018). साइटोमॉर्फोलॉजिकल स्पेक्ट्रम और त्वचीय तपेदिक के इम्यूनोकैमिस्ट्री। डाइग्न. साइटोपाथोल। 24 दिसंबर. डीओआई: 10.1002 / dc.24138.

पांधि डी., कौर आई, सिंघल ए, शर्मा एस (2019). प्रसारित तपेदिक में इम्युनोग्लोबुलिन ए वास्कुलिटिस की एटिपिकल प्रस्तुति। इंट जे डर्माटोल. 58(1):e1-e3.

पांधि डी, जाखड़ डी, टंडन ए, सिंगल ए. (2018). पीएचएसीईएस सिंड्रोम में टोपिकल टिमोलोल : क्या यह सुरक्षित है? इंडियन जे डर्माटोल वेनेरोल लेप्रोल। 84 (4): 488-49.

पांधि डी*, कौर आई, सिंगल ए, शर्मा एस (2019). प्रसारित तपेदिक में इम्युनोग्लोबुलिन ए वास्कुलिटिस की एटिपिकल प्रस्तुति। इंट जे डर्माटोल। 58: e1-3.

पांधि डी, जाखड़ डी, टंडन ए, सिंगल ए. (2018). पीएचएसीईएस सिंड्रोम में सामयिक टिमोल : क्या यह सुरक्षित है? इंडियन जे डर्माटोल वेनेरोल लेप्रोल; 84: 488-91.

रिगोपोलोस डी, बरन आर, चिहेब एस, डैनियल सी.आर 3, डि चियाचियो एन, ग्रेगोरीओ एस, ग्रोवर सी, हनेके ई, इरिजो एम, पास एम, पीरसीनी बीएम, रिच पी, रिचेर्ट बी, रोम्पोटी एन, रुबिन एआई, सिंगनल ए. स्टारसे एम, तोस्ति ए, ट्रिएताफायलापाउलु आई, जेइक एम. (2019). वयस्क रोगियों में नाखून सोरायसिस की परिभाषा, मूल्यांकन और उपचार के लिए सिफारिशें, बिना त्वचा या हल्के त्वचा के छालरोग के साथ : एक त्वचा विशेषज्ञ और नाखून विशेषज्ञ समूह की आम सहमति। जे अम अकाड डर्माटोल. 4 फरवरी .pii: S0190-9622 (19) 30183-5। doi: 10.1016 / j.jaad.2019.01.072.

रिगोपोलोस डी, बरन आर, चिहेब एस, डैनियल सी.आर 3, डि चियाचियो एन, ग्रेगोरीओ एस, ग्रोवर सी, हनेके ई, इरिजो एम, पास एम, पीरसीनी बीएम, रिच पी, रिचेर्ट बी, रोम्पोटी एन, रुबिन एआई, सिंगनल ए. स्टारसे एम, तोस्ति ए, ट्रिएताफायलापाउलु आई, जेइक एम. (2019). वयस्क रोगियों में नाखून सोरायसिस की परिभाषा, मूल्यांकन और उपचार के लिए सिफारिशें, बिना त्वचा या हल्के त्वचा के छालरोग के साथ : एक त्वचा विशेषज्ञ और नाखून विशेषज्ञ समूह की आम सहमति। जे अम अकाड डर्माटोल. pii: S0190-9622 (19) 30183-5। doi: 10.1016 / j.jaad.2019.01.072। [मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन]

सिंघल ए, क्यारकटे एम.एन, पांधि डी, भट्ट एस. (2018). एक कुष्ठ रोगी में असामान्य रूप से बड़े पैमाने पर अल्सर तंत्रिका फोड़ा ; एक नैदानिक और चिकित्सीय चुनौती। लेप्र रेव 89, 289-295.

सिंघल ए, पांधि डी (2018). चिकनगुनिया से जुड़े हुए नेल पिगमेंटेशन : ए हिथरो अनपोर्टेड मैनिफेस्टेशन। स्किन अपेंडेज डिसआर्ड.। 4 (4): 312-314.

सिंगल ए, मित्तल एच, अग्रवाल ए, दास एस, मनचंदा एस (2018). फेकोमेटोसिस पिगमेंटोवेस्कुलिस टाइप 2 बी (फेकोमेटोसिस सेसीओफ्लेमिया) जिसमें डबल सुपीरियर वेना कैवा, एब्डोमिनल वैरोसिटी, और नैटल टूथ है : नॉवेल एसोसिएशन । पीडियाट्रि. डर्माटोल.। 35 (3): e151-e154.

सिंगल ए, कौर आई, अरोड़ा वी.के. (2018). सोलिटेरी डिजिटल नोड्यूल इन एन इनफेंट। स्किन अपेंडेज डिस्आर्ड. 4 (1): 44-46.

सिंगल ए (2018). एसीएसआईसीओएन 2019 के लिए सम्मेलन की रिपोर्ट। ओनिकोस्कोप; 7 (2): 6-7.

सिंगल ए (2019) . संपादकीय ओनिकोस्कोप 9 (1): 1.

पुस्तकों में अध्याय

ग्रोवर सी, कावटेकर पी. (2018). नाखून के डर्माटोफाइटिक संक्रमण का उपचार। डर्माटोफाइट्स के प्रबंधन पर आईएडीवीएल मैनुअल। एडसर्डाना के, खुराना ए. सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली, प्रथम संस्करण। पी.पी : 112-120 आईएसबीएन978-93-87742-88-8.

ग्रोवर सी. (2018). नेल फ्रैगिलिटी इन नेल डिसऑर्डर। एड टोस्टि ए। एल्सेवियर (मिसौरी), आईएसबीएन: 978-0-323-54433-7. पीपी : 113-128.

पांधि डी, अनीता (2018). संयोजी ऊतक विकार। त्वचा विज्ञान की संक्षिप्त पाठ्यपुस्तक में, दूसरा संस्करण एड. गुप्ता एल, डिसूज़ा पी, मार्टिन ए.। पब्लिशड बाय जेपी पब्लिशर्स, नई दिल्ली पृष्ठ 299-321.

पांधि डी, अनीता (2018). एमब्रयओलॉजी ऑफ स्किन। स्नातकोत्तर त्वचा विज्ञान में, प्रथम संस्करण, एड लाहिरी के, डी. ए। पब्लिशड बाय जेपी पब्लिशर्स, नई दिल्ली.

पांधि डी, कटारिया वी. (2019). व्यावसायिक नाखून रोग। नाखून विकार में : एक व्यापक दृष्टिकोण प्रथम संस्करण एड सिंगल ए, नीमा एस, कुमार पी. सीआरसी प्रेस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, लंदन. पृष्ठ 293-303. नई दिल्ली। 293-303.

पांधि डी. (2018). फोटोटॉक्सिक और फोटालर्जिक ड्रग रिएशन्स। त्वचीय प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं पर आईएडीवीएल पाठ्यपुस्तक में. प्रथम संस्करण एड गुप्ता, एल. गुप्ता एल, मार्टिन ए, डिसूजा पी, पांडे एस. भालानी पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित, मुंबई । पृष्ठ 141-9.

पुस्तकें

अर्चना सिंगल, शेखर नीमा, पीयूष कुमार. (2019). 'नाखून विकार एक व्यापक दृष्टिकोण' प्रथम संस्करण, सीआरसी प्रेस द्वारा प्रकाशित; टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, 6000 ब्रोकन साउंड पार्कवे एनडब्ल्यू, लंदन;

अर्चना सिंघल ए, एमएन कयाकते. ट्रेचोनिचिया. (2019). नाखून विकार में : एक व्यापक दृष्टिकोण। प्रथम संस्करण, ईडीएस सिंगल ए, नीमा एस, कुमार पी; सीआरसी प्रेस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, लंदन . पृष्ठ 221-29.

अर्चना सिंगल, बर्ट्रेंड रिचर्ट. (2019). नेल इन्फ़ेट्स (बैक्टीरियल, वायरल और अन्य)। नाखून और उनके प्रबंधन की बारान और डॉ.बर डिजीज में। 5वां संस्करण। विली-ब्लैकवेल प्रकाशन यू.एस.ए द्वारा प्रकाशित। पीपी 390-409.

दीपक जाखड़, अर्चना सिंगल (2019); ओनिकोस्कोपी और नेलफोल्ड कैपिलाइरोस्कोपी। नाखून विकार में : एक व्यापक दृष्टिकोण, प्रथम संस्करण ईडीएस सिंगल ए, नीमा एस, कुमार पी. सीआरसी प्रेस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित, टेलर एंड फ्रांसिस समूह, लंदन. पृष्ठ 100-113.

इश्मीत कौर, अर्चना सिंघल। (2019). नेल टिक विकार। नाखून विकार में : एक व्यापक दृष्टिकोण, प्रथम संस्करण ईडीएस सिंगल ए, नीमा एस, कुमार पी. सीआरसी प्रेस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित, टेलर एंड फ्रांसिस समूह, लंदन . पृष्ठ 431-1140.

सुबुही कौल, अर्चना सिंघल. (2018). ड्रग के कारण नाखून में परिवर्तन। त्वचीय प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं पर आईएडीवीएल पाठ्यपुस्तक में, प्रथम संस्करण, एड गुप्ता एल गुप्ता एल, मार्टिन ए, डिसूजा पी, पांडे एस. भालानी पब्लिशर्स, मुंबई द्वारा प्रकाशित .231-243.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुत

अर्चना सिंघल

ले मेरिडियन, दिल्ली में मार्च, 2019 में 'फाइटस द फंगस' पर संगोष्ठी में 'क्लिनिकल रेसिस्टेंस इन सुपरफ़िशियल डर्माटोफाइटिस' पर आमंत्रित वक्ता।

बैंगलोर में जनवरी, 2019 में डीईआरएमएसीओएन इंटरनेशनल के दौरान 'सामयिक स्टेरॉयड दुर्व्यवहार' पर आमंत्रित वक्ता; 47 वें कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट (आईएडीवीएल) पर आमंत्रित वक्ता।

डॉ. चंदर ग्रोवर को नेल सर्जरी, एसीएसआईसीओएन 2018 (16वें नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ एसोसिएशन क्युटेनिअॅस सजर्न(आई), दमन में कार्यशाला के दौरान "डायग्नोस्टिक यूटिलिटी ऑफ ऑनकोस्कोपी" के लिए संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया। अप्रैल, 2018.

दीपिका पांधी

नई दिल्ली स्थिति सीयूटीआईसीओएन के आईएडीवीएल दिल्ली राज्य शाखा में जुलाई, 2018 को आयोजित वर्ष के मध्य में "पैरासिटिक संक्रमण में क्या नया है" शीर्षक के लिए आमंत्रित वक्ता।

बेंगलुरू में जनवरी, 2019 को आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट (आईएडीवीएल) के 47वां राष्ट्रीय सम्मेलन में “बालों के विकारों के प्रबंधन पर चुनौतियां” पर पैनल चर्चा के लिए पैनलिस्ट और "समय से पहले बालों का रंगरोगन" शीर्षक पर वार्ता हेतु आमंत्रित वक्ता ।

संकायों की संख्या : 5

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

मानसा के.एन : बेंगलुरू में जनवरी, 2019 में आयोजित डेरमेकॉन इंटरनेशनल-2019 के दौरान "नेल डर्मोस्कोपी (ऑनिकोस्कोपी) फाइंडिंग इन द डायग्नोसिस ऑफ प्राइमरी ऑनिकोमिकोसिस ; एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन" को बेस्ट थिसिस अवार्ड दिया गया।

प्रदीप कुमार को जनवरी, 2019 में आयोजित डेररमेकॉन इंटरनेशनल-2019 में प्रस्तुत मूल शोध पर सर्वश्रेष्ठ शोध के लिए प्रोफेसर के सिदप्पा पदक से सम्मानित किया गया।

गीताली खरघोरिया को थिसिस बेस्ड अवार्ड सत्र के लिए नागरकोइल, कन्याकुमारी, तमिलनाडु में अगस्त 2018 में आयोजित मिडडेरमेकॉन 2018 में "क्लिनिकल बनाम ओनिकोस्कोपिक फीचर्स ऑफ़ नेल लिचेन प्लानस : ए पायलट स्टडी" हेतु शोधप्रबंध आधारित अवार्ड सेशन के लिए तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

***

न्याय चिकित्सा (एमएएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और गतिविधियां

विभाग ने इस विभाग से जुड़े शवगृह में 1059 पोस्टमॉर्टम मामले किए और विभाग में तैयार 56 रेफरल मेडिकोलेगल मामलों की रिपोर्ट पर विचार किया।

विभाग की हिस्टोपैथोलॉजिकल प्रयोगशाला भी कुशलता से काम कर रही है और विभिन्न नमूनों को स्लाइड में बनाया गया है और जांच की गई है। सभी संकाय सदस्य शिक्षाविदों में शामिल हैं और जो देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों में बाहरी परीक्षक के रूप में नियुक्त किए गए हैं।

पोस्टमॉर्टम और समीक्षा बोर्डों के विभिन्न संवेदनशील मामलों में संकाय सदस्य को नियमित रूप से दिल्ली सरकार, सी.बी.आई और अपराध शाखा द्वारा अध्यक्ष/बोर्ड के सदस्यों के रूप में नामित किया जाता है।

संकाय के वरिष्ठ सदस्य राज्य सरकार के सचिवालय में आयोजित विभिन्न नीति निर्धारण बोर्ड / चर्चाओं के भी हिस्सा हैं।

सम्मान / गौरव

डॉ. एस.के खन्ना को उच्च प्रशासनिक ग्रेड(एच.ए.जी) स्तर के पद पर पदोन्नत और उन्हें उत्कृष्ट प्रोफेसर (प्रोफेसर ऑफ एक्सीलेंस) के रूप में नामित किया गया, अक्तूबर, 2018.

प्रकाशन

बाराव आर, प्रधान एम, खन्ना एस.के. (2018). कोरिलेशन ऑफ सेक्सुअल डिमॉर्फिज्म एंड पोस्टीरियर कर्व लेंथ ऑफ स्टेमम विथ द हेल्प ऑफ डिस्क्रिमिनेंट फंक्शन एनालिसिस-एन ऑटोप्सी स्टडी ऑन द पापुलेशन ऑफ दिल्ली, जे.आई.ए.एफ.एम, 40 (1): 85-90.

पत्रिकाओं का प्रकाशन / संपादन

अनिल अग्रवाल
"अनिल अग्रवाल की इंटरनेट जर्नल ऑफ़ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी" पत्रिका के मुख्य संपादक।

सेमिनार / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

अमनदीप कौर ने जे.आई.पी.एम.ई.आर, पुदुचेरी में फरवरी, 2018 में इंडियन एकेडमी ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन के 39वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में "पैथोलॉजी : जहर के मामलों में जवाब की उम्मीद" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

जितेंद्र कुमार, एस.आर ने जे.आई.पी.एम.ई.आर, पुदुचेरी में फरवरी, 2018 में इंडियन एकेडमी ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन के 39वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में "ऑटोप्सी पर किडनी : मौत समझने की कुंजी" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

जितेन्द्र कुमार, एस.आर ने आई.ए.एफ.ओ, गोवा में वर्ष 2018 में "एज इस्टीमेशन यूजिंग रेडियो-ग्राफिक विजिबिलिटी ऑफ रूट पल्प एंड पीरियडोंटल लिगामेंट" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।

श्रीनिवास एम. को एम्स, भोपाल में मार्च, 2018 में "फॉरेंसिक एंथ्रोपोलॉजी एट फॉरेंसिक अपडेट-II" पर कार्यशाला के लिए संसाधन संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया।

श्रीनिवास एम. को एम्स, भोपाल में मई, 2018 में " फ्रेमवर्क ऑफ मल्टीपल चॉइस" पर कार्यशाला के लिए संसाधन संकाय के रूप में नियुक्त किया गया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

फोरेंसिक तकनीकों में प्रशिक्षण के लिए दो सप्ताह के लिए रोहिणी के फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को तैनात किया गया था। नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल महाविद्यालय और

चिकित्सालय, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली के स्नातक-पूर्व विद्यार्थियों ने पोस्टमॉर्टम मामलों का अवलोकन किया।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

पैथोलॉजी विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का एक सप्ताह की अवधि का प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

संकायों की संख्या : 7

***

सामान्य औषध (एलएचएमसी)

सम्मान / गौरव

डॉ. रमेश अग्रवाल ने इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, (ए.पी.आई) की अकादमिक शाखा से फेलोशिप (एफआईसीपी 2018) प्राप्त की।

प्रकाशन

अग्रवाल आर, दुआ डी, जैन एस.के. (2018) हाइपरयुरिसीमिया : एक जीवन शैली में बदलाव। यूरोल नेयफ्रॉल ओपन एक्सेस जे, 6 (4): 1191121.DOI: 10.15406 / unoaj.2018.06.00217.

बंसल पी, सुधीर यू. (2018) निमोनिया में सीरम प्रोयलिसिटोनिन के नैदानिक और रोग-संबंधी(प्रोगनोस्टिक) मूल्य - एक संभावित अवलोकन अध्ययन। जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन मेडिसिन, 5 (4): 8-13.

भारद्वाज एस, मोंडल एस, बंधु आर, देवनाथ ईएम, चौधरी डी. (2018) टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस के रोगियों में तंत्रिका चालन वेग और ग्लाइकेटेड हीमोग्लोबिन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च फिजियोलॉजी; 7(7)(Epub).

भारद्वाज एस, मोंडल एस, बंधु आर, चौधरी डी. (2018) तंत्रिका संचलन वेग और टाइप 2 मधुमेह की अवधि के सहसंबंधी : एक तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में उत्तर भारतीय आबादी में एक अध्ययन किया गया। ओरिजनल रिसर्च आर्टिकल इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 3 (4): 35-40.

भारद्वाज एस, मोंडल एस, बंधु आर, चौधरी डी. (2018) परिधीय न्यूरोपैथी के साथ टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस के रोगियों में संज्ञानात्मक(कोगनिटिव) कार्य, भारत में एक वेधशाला पार अनुभागीय अध्ययन किया गया। इंट जे कर्व रेस रिसर्च आर्टिकल, 10 (7) (Epub).

चौधरी डी, अग्रवाल ए. (2018) डायबिटिक डिसिप्लिडिमिया : पैथोफिज़ियोलॉजी और प्रबंधन में वर्तमान अवधारणाएँ। समीक्षा लेख। जे.सी.डी.आर., 12 (1): OD06-OD09.

हिलब्रिड टी.डी, गर्ट्रू ए, कुपर टी. (2018) डायबिटीज में पर्वतारोहियों के लिए हिलवॉकर, ट्रैकर्स, रॉक एंड आइस पर्वतारोहियों के लिए यू.आई.ए.ए चिकित्सा आयोग ने सिफारियशें की हैं। उच्च ऊंचाई की दवा और जीव विज्ञान।

जैन एस.के, अग्रवाल आर, प्रकाश ए, देवनाथ ई, पांडे ए.के. (2018) वयस्क थैलेसीमिया प्रमुख रोगियों में थायरॉयड कार्यों(फंक्शन्स) का अध्ययन। थायराइड, 28 (1): A-115.

कश्यप बी, तिवारी यू, प्रकाश ए (2018) हेपेटाइटिस बी वायरस ट्रांसमिशन और स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता : महामारी विज्ञान, रोगजनन और संचरण .. इंडियन जे मेड स्पेक, 9: 30-35.

कश्यप एम, सुमन वी. (2018) बुजुर्गों में मधुमेह मेलेटस। जनरल ऑफ दिल्ली डायबिटिक फोरम, 27 (3): 98-101.

कुमार एल, गुप्ता एस.के, प्रकाश ए. (2018) टाइप 2 मधुमेह रोगियों में मधुमेह-रोधी दवाओं के पर्चे पैटर्न का आकलन। द फार्मा इनोवेशन जर्नल, 7: 392-394.

कुमार एस, धनवाल डी.के. (2018) ए.आर.टी पर एच.आई.वी रोगियों में सेंट्रल मोटापा और डिस्लिपिडेमिया। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च: 366-368.

कुमार ए, शर्मा ए, मार्गेकर वी.जी, मार्जेकर एस.एल. (2018) डायबिटीज मेलिटस में थायराइड डिसफंक्शन। जर्नल ऑफ दिल्ली डायबिटिक फोरम, 26 (2).

सुमन वी, बंसल ए .(2018) गैर-शराबी(नॉन एल्कोहिलक) फैटी लिवर रोग और इंसुलिन प्रतिरोध, 26 (1): 48-50.

मार्जकर पी, मार्जेकर एस.एल, कुमार ए. (2018) स्ट्रोक इन डायबिटीज। जनरल ऑफ दिल्ली डायबिटिक फोरम, 27(4).

प्रकाश ए. (2018) एक शोध पेपर की प्रामाणिकता : व्हेयर डॅज द बॅक स्टॉप? इंडियन जे मेड स्पेस, 9: 49-51.

मार्जकर एस.एल, मार्जकर वी.जी., कुमार ए. (2018) डीएम में रुमेटोलॉजिकल मैनिफेस्टेशंस। जर्नल ऑफ दिल्ली डायबिटिक फोरम, 26 (2): 120-28.

नमिता, बंधु आर, गौतम एस, चौधरी डी, मोंडल एस. (2018) शोध विश्लेषण के लिए ग्लोबल जर्नल। ओरिजनल रिसर्च पेपर(फीजियोलॉजी), 7 (8) (Epub).

प्रकाश ए. (2018) पेसेंट-रिपोर्टेड आउटकॅम्स : फ्रॉम क्लिनिकल ट्रायल टू क्लिनिकल प्रैक्टिस - अवारनेस इज द नीड ऑफ द ऑवर। इंडियन जे मेड स्पेक., 9: 1-2.

पांगते जी.एस, गुलाटी एस, माहेश्वरी ए. (2018) भारतीय मेडिकल महाविद्यालयों में स्नातक-पूर्व स्तर पर रुमेटोलॉजी के बारे में ज्ञान और जागरूकता में सुधार करना। इंडियन जे रुमेटोल, 13:217-9.

संथालनामी डी, गौतम एस, गांधी ए, चौधरी डी. (2018) एसोसिएशन बिटवेन नर्व कॅन्डक्शन वेलॉसिटी विथ इंसुलिन रजिस्टेंस इन प्रीडायबेटिक्स एंड हेल्दी कंट्रोल्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 7 (8.

सुमन वी, बंसल ए. (2018) ग्लाइसेमिक वेरिएबिलिटी। जर्नल ऑफ़ दिल्ली डायबिटिक फ़ोरम, 27 (4): 98-101.

पुस्तकें / अध्याय

अनुपम प्रकाश, घन श्याम पांगते, वाई.पी मुंजाल. (2018) "हैंडबुक ऑफ रिसर्च मेथोडोलॉजी।" एन ऑफिसियल पब्लिकेशन ऑफ फिजिशियन रिसर्च फाउंडेशन। आई.एस.बी.एन : 9788193670323.

अनुपम प्रकाश ने वर्ष 2018 में फिजिशियन रिसर्च फाउंडेशन ऑफ एपीआई द्वारा प्रकाशित 'हैंडबुक ऑन रिसर्च मेथडोलॉजी' शीर्षक से पुस्तक का संपादन किया।

घन श्याम पांगटे, परमजीत सिंह. पॉलीआर्थराइटिस नोडोसा (2018) : एन इनिज्मा । मेडिसिन अद्यतन, खंड 28,. ईडीआई : गुप्ता पी. 815-20.

घन श्याम पांगटे ने वर्ष 2018 में चिकित्सकों के रिसर्च फाउंडेशन ऑफ एपीआई द्वारा प्रकाशित 'हैंडबुक ऑन रिसर्च मेथोडोलॉजी' नामक पुस्तक का संपादन किया।

प्रीतम गुप्ता, घन श्याम पांगते, सुजाता मंगला. (2018) "मेडिसिन में रुझान बदलना : अतीत, वर्तमान और भविष्य"; मेडिसिन अपडेट, खंड 28, ईडीआई : गुप्ता पी. 909-17.

सचिन कुमार जैन, रमेश अग्रवाल, रति सिंह, रितिका सूद. (2018) बच्चों और किशोरों में रक्तचाप। इन : सिंह एनपी (ईडी). क्लिनिकल पर्ल्स ऑन हाइपरटेंशन । जेपी पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड चैप्टर 15: 114-125.

एस.के जैन, आर अग्रवाल, ए श्रीवास्तव. (2018) गर्भकालीन मधुमेह में ओरल एंटी डायबिटिक एजेंटों का उपयोग। सक्सेना पी, पांडे ए, प्रकाश ए (ईडीएस) में। क्लिनिकल गाईडलाइन्स फॉर मेनेजमेंट ऑफ डायबेटिक इन प्रेग्नेंसी। एफओजीएसआई पिब्लकेशनय, पृष्ठ 48-57.

नए एंटीहाइपरटेंसिव एजेंट। इन : सिंह एनपी (ईडी.) (2018) क्लिनिकल पर्ल्स ऑन हाइपरटेंशन। जेपी पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड.

इवोग्लिप्टिन, गौर जे, प्रकाश ए, गुप्ता एस.के. (2018) जर्नल ऑफ़ दिल्ली डायबिटिक फोरम; 26:67-68.

साहित्यिक चोरी। प्रकाश ए, सिंह एन.पी. (2018) इन : मुंजाल वाई.पी, प्रकाश ए, पांगते जी.एस (इडी)। अनुसंधान क्रियाविधि। फिजिशियन रिसर्च फाउंडेशन, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, मुंबई, भारत, पृष्ठ 17-28.

नैदानिक अनुसंधान में रोगी की सुरक्षा सुनिश्चित करना। इन : मुंजाल वाई.पी, प्रकाश ए, पांगते जी.एस (2018). अनुसंधान क्रियाविधि। फिजिशियन रिसर्च फाउंडेशन, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, मुंबई, भारत, पृष्ठ 132-140.

मोटापा और मेटाबोलिक सिंड्रोम के बीच परस्पर क्रिया। प्रकाश ए. इन : नवल सी.एल. (2018) मोटापा पर मोनोग्राफ। पब्लिशड बॉय आईसीपी/एपीआई, पृष्ठ 97-104.

गर्भावधि मधुमेह में ग्लाइसेमिक लक्ष्य और निगरानी के तरीके। प्रकाश ए. इन : सक्सेना पी, पांडे ए, प्रकाश ए (2018). गर्भावस्था में मधुमेह के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशानिर्देश। एफओजीएसआई पब्लिकेशन, पृष्ठ 48-57.

अनुसंधान परियोजनायें

अपर्णा अग्रवाल, देबाशीष चौधरी, अनुपम प्रकाश (एएलकेईएम- 2 लाख) एएलके 02-ईवीO1: एक मल्टीसेंटर, रैंडमाइज्ड, डबल ब्लाइंड, डबल डमी स्टडी, जिसमें टाइप 2 डायबिटीज़ मेलिटस प्राप्त करने वाले बैकग्राउंड थेरेपी के साथ रोगियों में इवाग्लिप्टिन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना की जाती है।

अनुपम प्रकाश, एस.के जैन, घन श्याम पांगते, शुभ लक्ष्मी मार्जेकर (नोवो नॉर्डिस्क -15 लाख) पॉयनियर 6।

घन श्याम पांगते, अनुपम प्रकाश, सचिन के जैन (नोवो नॉर्डिस्क - 20 लाख) मेटफोर्मिन बनाम ओएडी के रूप में विक्टोज़ा® (लिराग्लूटाइड) के साथ ग्लाइकेमिया को नियंत्रित करने में प्रभावकारिता के रूप में एड-ऑन के रूप में मेटऑफिन में 104 सप्ताह के उपचार के बाद टाइप 2 मधुमेह(डायबिटीज) वाले विषयों में मेटफोर्मिन मोनोथेरेपी के साथ अपर्याप्त रूप से नियंत्रित किया जाता है और प्राथमिक देखभाल सेटिंग (लीराप्राइम) में इलाज किया जाता है।

शुभा लक्ष्मी मार्जेकर, अनुपम प्रकाश (एमजे बायोपार्म प्राइवेट लिमिटेड - डेढ़ लाख) एमजेबीपीएल-बी 0101 : एक संभावित, बहु-कैंद्र, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, समानांतर-समूह, सक्रिय-नियंत्रित, चरण III का अध्ययन प्रभावकारिता, सुरक्षा की तुलना करने के लिए अध्ययन और प्रीमेस्ड ह्यूमन इंसुलिन बाइफैसिक (30% मानव इंसुलिन घुलनशील इंजेक्शन और 70% मानव इंसुलिन आइसोफेन सस्पेंशन) की इम्यूनोजेनेसिसिटी, एमजे बायोपार्म प्राइवेट लिमिटेड के इंजेक्शन को सस्पेंड कर दिया जाता है, जिसमें टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस से ग्रसित रोगियों का उपचार 30/70 ह्यूमिनुलिन से किया जाता है।

एस.के जैन, अनुपम प्रकाश, घन श्याम पांगते, रमेश अग्रवाल एलआईआरए- एडीडी2एसजीएलटी2i (नोवो नॉर्डिस्क- 7 लाख) - लीराग्लुटाइड बनाम प्लेसबो एज ऐड-ऑन टू एसजीएलटी 2 इनहिबिटॅर्स।

जर्नल

डॉ. अमित कुमार शर्मा जर्नल ऑफ़ मेडिकल साइंस एंड क्लिनिकल रिसर्च के संपादक हैं।

डॉ. विवेक सुमन जर्नल ऑफ एथेरोस्क्लेरोसिस और मेटाबोलिक रिसर्च के संपादक हैं।

आयोजित सेमिनार / सम्मेलन

स्वर्ण जयंती ऑडिटोरियम, लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली में मई, 2018 में थैलेसीमिया और थैलेसीमिया संक्रमण देखभाल पहल पर सी.एम.ई।

मेडिकस कॉन्वेंटस 18 में ई.सी.जी कार्यशालाएं, लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली में जून, 2018 में वार्षिक हार्डिंग सम्मेलन।

स्वर्ण जयंती सभागार, एलएचएमसी, नई दिल्ली में जुलाई, 2018 में दिल्ली डायबिटिक फोरम, के सहयोग से मेडिसिन विभाग, एलएचएमसी द्वारा मधुमेह-I पर सी.एम.ई, आयोजित की गई।

स्वर्ण जयंती सभागार, एलएचएमसी, नई दिल्ली में अगस्त, 2018 में दिल्ली डायबिटिक फोरम, के सहयोग से मेडिसिन विभाग, एलएचएमसी द्वारा मधुमेह-II पर सी.एम.ई, आयोजित की गई।

स्वर्ण जयंती सभागार, एलएचएमसी, नई दिल्ली में दिसम्बर, 2018 में एआरटी सेंटर, केएससीएच-सीएमई और क्षमता निर्माण के सहयोग से एचआईवी अपडेट।

सेमिनार / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. अनिल गुर्टू, पोस्ट ग्रेजुएट सीएमई, एमएएमसी नई दिल्ली में "नैदानिक निर्णय लेने के लिए दृष्टिकोण" शीर्षक विषय पर प्रस्तुति।

डॉ. अनुपम प्रकाश, नई दिल्ली में मई, 2018 को आयोजित दिल्ली भेषज विज्ञान और अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित "फार्माकोलॉजी में हालिया प्रगति" पर XXV- गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के स्पीकर ।

डॉ. अनुपम प्रकाश नई दिल्ली, अप्रैल, 2018 को आयोजित डायबकॉन 2018 दिल्ली मधुमेह मंच द्वारा आयोजित मधुमेह पर 26 वें वार्षिक सम्मेलन में "इंसुलिन- सुरक्षा, भंडारण और उपकरण" विषय पर स्पीकर।

डॉ. विवेक सुमन ने एस.जे. ऑडिटोरियम, एलएचएमसी, नवम्बर, 2018 में आयोजित एओजीडी एंड डीडीएफ द्वारा आयोजित "गर्भावस्था में थायराइड विकार" शीर्षक विषय पर एक प्रस्तुति दी।

शिक्षकों की संख्या : 25

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अमित कुमार शर्मा उत्तर प्रदेश मधुमेह एसोसिएशन गौतम बुद्ध नगर चैप्टर के कार्यकारी सदस्य हैं ।

अनिल गुर्टू को दिसंबर, 2018 में लेह के डिप्टी कमिश्नर ने लद्दाख में एक उच्च ऊंचाई वाली चिकित्सा और जमशार में चादर-ट्रेक के लिए खोज बचाव प्रणाली बनाने के लिए आमंत्रित किया था। डॉ. ए. गर्टू ने सेना के विशेष उन्नत पर्वतारोहण पाठ्यक्रम के लिए पर्वतारोहण और हाई एल्टीट्यूड मेडिसिन का प्रशिक्षण दिया; एनआईएमएएस।

एम्स, नई दिल्ली के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग से "फाइबर-ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोपी" में घन श्याम पांगटे ने 18 जून, 2018 - 17 सितंबर, 2018 तक 3 महीने का लघु प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।

रितिका सूद स्टूडेंट लीडरशिप मिशन - लॉ एंड एथिक्स का हिस्सा थीं; थैलेसीमिया संक्रमण देखभाल क्लिनिक में मुख्य समन्वयक, एलएचएमसी नई दिल्ली; एलएचएमसी नई दिल्ली में थैलेसीमिया रोगियों के विकलांगता बोर्ड की सदस्य।

शुभा लक्ष्मी मार्जेकर थैलेसीमिया संक्रमण देखभाल क्लिनिक में मुख्य समन्वयक थीं, एलएचएमसी नई दिल्ली; एलएचएमसी नई दिल्ली में थैलेसीमिया रोगियों के विकलांगता बोर्ड की सदस्य।

विवेक सुमन, संयुक्त सचिव, उत्तर प्रदेश मधुमेह एसोसिएशन- गौतमबुद्धनगर चैप्टर; एथरोस्क्लेरोसिस रिसर्च (ईसर) के लिए भारतीय सोसायटी के कार्यकारी सदस्य; विशेषज्ञ सदस्य- भारत के लिए रोगी सुरक्षा कार्यान्वयन फ्रेमवर्क के विकास पर पहले विशेषज्ञ समूह की बैठक। जो तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; विशेषज्ञ सदस्य- चिकित्सा अधिकारियों के लिए चयन समिति, जम्मू लोक सेवा आयोग हैं। फरवरी, 2018.

***

सामन्य औषध (एमएएमसी)

सम्मान / गौरव

पटियाला में 9 नवंबर 2018 को XXVI वार्षिक सम्मेलन 2018 में डॉ. नरेश कुमार को इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन और फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. सुनीता अग्रवाल को एपीआई दिल्ली राज्य चैप्टर में श्रीमती पवन कुमारी जैन ओरेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

अग्रवाल, एस., ईश, पी., निश्चल, एन., दीवान, आर., अनुराधा, एस., कर, पी., गर्ग, एस. अभिनारायण, एच., प्रयास, एस. (2018). एचआईवी / एड्स (पीएलएचआईवी) के साथ रहने वाले लोगों में हेपेटाइटिस बी अथवा हेपेटाइटिस सी के संक्रमण के नैदानिक संबंध(क्लिनिकल कोरिलेट्स)। जर्नल एडवांस्ड रिसर्च इन मेडिसिन, 5 (3), 7-14.

अग्रवाल, ए., चतुर्वेदी, वी., गर्ग, एस., डागा, एम.के., शर्मा, एस., धर, जे .(2018). थायरॉइड डिसफंक्शन में पल्मोनरी आर्टरी हाइपरटेंशन के प्रसार पर एक संभावित अध्ययन। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 12 (8), OC30-OC33.

अग्रवाल, एस., आनंद, पी., मिश्रा, आर., कुमार, एन. (2018). न्यू ओरल एंटीकोगुलेंट्स : एक अवलोकन। जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन मेडिसिन, 5 (1), 13-15.

अग्रवाल, एस., चतुर्वेदी, वी., गर्ग, एस., डागा, एम.के, शर्मा, एस., और धर, जे. (2018). थायरॉइड डिसफंक्शन में पल्मोनरी आर्टरी हाइपरटेंशन के प्रसार पर एक संभावित अध्ययन। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 12 (8), OC30-OC33.

बसु, एस., गर्ग, एस., शर्मा, एन., सिंह, एम.एम, और गर्ग, एस. (2018). दिल्ली में एक तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में स्व-देखभाल प्रैक्टिसेस, ग्लाइसेमिक स्थिति(स्टेट्स) और मधुमेह के रोगियों में कारकों को प्रभावित करना। वर्ल्ड जर्नल ऑफ डायबेट्स, 9 (5), 72.

छोडा, ए., जैन, डी., डागा, एम.के, और बत्रा, वी. (2018). सीलिएक रोग और सेकेंडरी अमायलोइडोसिस : एक संभावित कैजुएल एसोसिएशन ? एसीजी केस रिपोर्ट्स जर्नल, 5, e24.

डागा, एम.के, गुप्ता, बी.के, मावरी, जी., हीरा, एच.एस, सेखरी, टी., और भाराली, डी. (2018). ऑस्टियोपोरोसिस और ऑस्टियोपेनिया और इसके सह-संबंध का संबंध क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज के रोगियों में संबंधित जोखिम कारकों के संबंध में बीमारी की गंभीरता से है: भारत में एक केस नियंत्रण अध्ययन। पल्मोनरी एंड रेस्पिरेटरी मेडिसिन जर्नल, 8 (456), 2.

धर, जे., मीना, ए., डागा, एम.के, और अग्रवाल, एस. (2018). डायग्नोस्टिक चैलेंज के रूप में प्रस्तुत पॉलींगाइटिस के साथ ग्रैनुलोमैटोसिस : साहित्य समीक्षा के साथ दो मामलों की रिपोर्ट। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 12 (4), OD15-OD18.

डागा, एम.के, सिंह, एस., और मावरी, जी. (2018). चिकित्सा पोषण थेरेपी : सीओपीडी देखभाल का एक अनिवार्य घटक। करंट रेसपिरेटॅरी मेडिसिन रिव्यू, 14 (3), 149-155.

डागा, एम.के, कुमार, एल., और मवारी, जी. (2018). सीओपीडी और गैस्ट्रोओसोफेगल रिफ्लक्स रोग : एक डबल झटका(ब्लो)। करंट रेसपिरेटॅरी मेडिसिन रिव्यू, 14 (2), 77-82.

मोन्डल, ए., प्रधान, जी. मनचंदा, ए., गर्ग, ए., डागा, एम.के, जैन, एस.एल (2018). फेफड़े के कैंसर के लक्षण वर्णन में परिकलन की गई टोमोग्राफी की भूमिका। जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस एंड क्लिनिकल रिसर्च, 6, 662-669.

नाथ, एस., परमार, पी., शादाब, एस., गर्ग, एस., कुमार, एस., स्कारिया, वी., और शिवसुबू, एस. (2018). ग्लैमरुलोनफ्राइटिस के साथ पेश करने वाले एहलर्स-डानलोस सिंड्रोम के एक मामले में ZNF469 म्यूटेशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एकेडमिक मेडिसिन, 4 (3), 299.

सिंह, एस., डागा, एम.के, हीरा, एच.एस, कुमार, एल., और मवारी, जी. (2018). स्थिर क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज के मरीजों में बीओडीईई इंडेक्स के साथ क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिसीज असेसमेंट टेस्ट और क्लिनिकल क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिसीज प्रश्नावली स्कोर का सहसंबंध। लुंग इंडिया : आफिसियल ऑर्गन इंडियन चेस्ट सोसाइटी, 35 (6), 494-498.

सिंह, वी., गर्ग, एस., धनवाल, डी.(2018). उत्तरी भारत में सीएडी मधुमेह और गैर-सीएडी मधुमेह रोगियों में विटामिन डी की कमी का प्रसार। जर्नल एडवांस्ड रिसर्च इन मेडिसिन, 5 (3), 19-22.

सिंह, एस., डागा, एम.के, कुमार, ए., हुसैन, एस.ए, और कर, पी.(2019)। एच.ई.वी. से जुड़े भ्रूण मातृ परिणामों में एस्ट्रोजन और उसके रिसेप्टर्स की भूमिका। लीवर इंटरनेशनल, 39 (4), 633-639.

थॉयइब, एम., गर्ग, एस., गुप्ता, एन., अग्रवाल, एस., और पंडित, एस. (2018). थायराइड विकारों के रोगियों में जमावट(कोगुलेशन) कारक VIII और फाइब्रिनोजेन के स्तर पर अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबोलिज्म, 22 (4), 479-484.

आयोजित सेमिनार

मेडिसिन के एम.डी. और डी.एन.बी. विद्यार्थियों के लिए सीएमई-मेडिसिन 2018, एमएएमसी महाविद्यालय नई दिल्ली, अक्तूबर, 2018.

लोक नायक चिकित्सालय में वायरल हेपेटाइटिस पर कार्यशाला। दिसंबर, 2018.

मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय में, मेडिसिन अपडेट-2018,। मार्च, 2018.

एमएएमसी मेडिसिन मिडटर्म सीएमई, अक्तूबर, 2018.

आयोजित सम्मेलन

"जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण की चुनौती - स्वास्थ्य और आर्थिक बोझ पर प्रभाव" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली। दिसंबर, 2018.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

अग्रवाल एस. ने एपीकॉन, 2018 में 'विभिन्न रोगों में स्टेम सेल थेरेपी : एक नए युग की शुरूआत' पर व्याख्यान दिया।

अहलावत आर.एस वर्ष 2018 में नेफरोटिक सिंड्रोम, एमएएमसी ऑडिटोरियम, नई दिल्ली के प्रबंधन पर हाल ही के उन्नत पर एक सत्र में एक सीएमई, मेडिसिन अपडेट -2018 के लिए स्पीकर।

डागा एम.के ने एम्स पल्मोक्रिट - 2018, पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर एंड स्लीप मेडिसिन में अपडेट, मार्च, - अप्रैल, 2018 के दौरान वार्ता की।

कुमार एन. ने सितम्बर 2018 में अखिल भारतीय आयुर्वेदिक कांग्रेस, नई दिल्ली की दिल्ली राज्य इकाई द्वारा आयोजित "जे.डब्ल्यु.ए.आर.ए. (बुखार, डेंगू, चिकनगुनिया)" पर सम्मेलन में एक अतिथि व्याख्यान दिया।

गर्ग एस. ने एपीआईसीओएन 2018, बेंगलुरु में फरवरी, 2018 में जेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस-मेटफॉर्मिन वी/एस इंसुलिन के उपचार में विवादों पर एक व्याख्यान दिया।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी

गेरिएट्रिक मेडिसिन (पीजीडीजीएम, आईजीएनओयू) में डिप्लोमा के लिए 23 प्रशिक्षु (मई से नवंबर 2018 तक (छह महीने)

संकायों की संख्या : 13

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. अनुराधा एच.आई.वी में उत्कृष्टता केंद्र की कार्यक्रम निदेशक हैं, एन.ए.सी.ओ/डब्ल्यू.एच.ओ/डी.एस.ए.सी.एस के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित करती हैं।

डॉ. एम.के डागा मेडिकल एजुकेशन यूनिट, एमएएमसी में मानद संकाय हैं।

***

सूक्ष्म जीवविज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और गतिविधियां

मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय में सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग, स्नातक-पूर्व (एम.बी.बी.एस, बी.डी.एस, बी.एस.सी नर्सिंग), स्नातकोत्तर(एम.डी) और पीएच.डी विद्यार्थियों को सूक्ष्म जीवविज्ञान के सिद्धांतों को पढ़ाने में सबसे आगे है। डी.यू और एम.सी.आई द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार एमबीबीएस विद्यार्थियों को व्याख्यान, व्यावहारिक प्रदर्शन, सूक्ष्म शिक्षण सत्र, हैंडस-ऑन व्यावहारिक सत्र के माध्यम से पर्याप्त एक्सपोजर मिलता है। विभाग में अपने 3 वर्ष के प्रवास के दौरान, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को नैदानिक क्लिनिकल सूक्ष्म जीवविज्ञान कार्य, नैदानिक निष्कर्षों के साथ प्रयोगशाला परिणामों की व्याख्या और सहसंबंध में शामिल किया जाता है। उन्हें शोध कार्य करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

विभाग में प्रयोगशालाएँ नवीनतम उपकरणों जैसे कि विटेक-2 कॉम्पेक्ट सिस्टम, बीएसी / टी अलर्ट सिस्टम, डी.एन.ए. सिक्वेंसर, कोबास टैक्मैन 48एनालॉजर, बीडी एफएसीएस काउंट सिस्टम और फुली ऑटोमैटिक ईएसआईएसए प्रोसेसर से सुसज्जित हैं। विभाग में एचआईवी प्रयोगशाला एनएसीओ के तत्वावधान में एचआईवी के लिए एक स्टेट संदर्भ प्रयोगशाला (एस.आर.एल) के रूप में कार्य करती है। तीव्र परीक्षणों द्वारा किए गए एचआईवी परीक्षण को एनएबीएल द्वारा मान्यता दी गई है। विभाग में इन-पीयर समीक्षा की गई वैज्ञानिक जर्नल में प्रकाशनों की संख्या है और कुछ संकाय प्रसिद्ध सूक्ष्म जीवविज्ञान पाठ्य पुस्तकों के लेखक हैं।

सम्मान / गौरव

डॉ. सी.पी बवेजा
दिल्ली सरकार के एनसीटी से "डॉक्टर स्टेट अवार्ड" से सम्मानित।
मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली के "प्रतिष्ठित पूर्व विद्यार्थी पुरस्कार" से सम्मानित।
डॉ. रोहित चावला

मेडिकल एंड पब्लिक हेल्थ सूक्ष्म जीवविज्ञान के क्षेत्र में अमेरिकन कॉलेज ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, संयुक्त राज्य अमेरिका के डिप्लोमैटशिप से सम्मानित; कनाडा के माइक्रोबायोलॉजिस्ट (एफसीसीएम), कनाडा के फैलोशिप के साथ रॉयल कॉलेज ऑफ पैथोलॉजिस्ट (डिपरपाथ), यूनाइटेड किंगडम की डिप्लोमैटशिप से सम्मानि।

प्रकाशन

अग्रवाल, पी., कश्यप, बी. (2018). नैदानिक रूप से पृथक कैंडिडा द्वारा बायोफिल्म उत्पादन : नमूना, कार्यप्रणाली, और विभिन्न कैंडिडा प्रजातियों के आधार पर तुलनात्मक विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ़ मेडिकल स्पेशलिटीज़, 9, 69-72.

अग्रवाल, पी., भट्टर, एस., भल्ला, पी., शर्मा, एस.(2018). एचआईवी संक्रमित वयस्कों में प्रवाह साइटोमेट्री द्वारा निर्धारित वीनरल रोगों अनुसंधान प्रयोगशाला टाइटर्स और सीडी 4 टीलिम्फोसाइट काउंट के बीच सहसंबंध: एक 5 वर्षीय अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ सेक्सुअली ट्रांसमिटेड डिसीज, 39, 13 .7.

चौधरी, आर., कोकायिल, पी., घोष, ए., बहादुर, टी., कांत, के., सागा, टी., काबरा, एस.के, लोढ़ा, आर., डे, ए.बी, मेनन, वी. (2018). उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में विविध नैदानिक स्थितियों में बार्टोनेलेनेसेला संक्रमण। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 147 (2), 189-194.

चावला, आर., सूद, ए., अहमद, एन., बवेजा, सी.पी (2018). वेंट्रिकुलोपरिटोनियल शंट-एसोसिएटेड मेनिनजाइटिस काज्ड बाय कैंडिडा ऑरिस : एक केस रिपोर्ट। एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 4 (3), 149.

गुप्ता, आर., ठाकुर, आर., कुशवाहा, एस., जालान, एन., रावत, पी., गुप्ता, पी., अग्रवाल, ए., गुप्ता, एम., मनचंदा वी. (2018). इसोनाइज्ड एंड रिफैम्पिसिन हेटोरेसिस्टेंट मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस आइसोलेटेड फ्रॉम ट्यूबरकुलोसिस मेनिन्जाइटिस पेसेंट इन इंडिया। इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस, 65 (1), 52-56.

जाजू, एम., मनचनदा, वी., चौरसिया, एस., कुमार, एस., एट अल. (2018). उत्तर भारत में नवजात शिशुओं में रोगाणुरोधी प्रतिरोध और फंगल सेप्सिस की खतरनाक दर। पीएलओएस वन, 13 (6), e0180705। https://doi.org/ 10.1371 / journal.pone.0180705.

जयरामन, वाई., मेहेंदले जयरामन, आर., मनचंदा, वी., एट अल. (2018). सीएसएफ में इम्युनोक्रोमैटोग्राफी भारत में एस निमोनिया मेनिनजाइटिस की निगरानी पर डेटा में सुधार करता है। जर्नल ऑफ इंफेक्शन एंड पब्लिक हेल्थ, https: //doi.org/10.1016/j.jiph.2018.01.002.

कुमार, एस., रॉय, आर.डी, सेठी, जी.आर, सैगल, एस.आर (2018). बच्चों में माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया संक्रमण और अस्थमा। ट्रॉपिकल डॉक्टर्स, डॉ.ई : 10.1177 / 0049475518816591.

कुमार, एस., गर्ग, आई.बी, सेठी, जी.आर.(2018). मायकोप्लाज़्मा न्यूमोनिया इन कम्यूनिटी - अक्वायर्ड लोवर रेपिरेटॅरी ट्रैक्ट इंफैक्शन। इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, 85 (6), 415-419.

कुमार, एस, गर्ग, आई.बी, सेठी, जी.आर, कुमार, एस, सैगल, एस.आर 2018). इम्युनोग्लोबुलिन एम और इम्युनोग्लोबुलिन जी एंटीबॉडी का पता लगाने के साथ समुदाय में कम श्वसन तंत्र के संक्रमण वाले बच्चों में माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया के एंटीबॉडी। इंडियन जर्नल ऑफ़ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, 61 (2), 214-218.

कुमार, एस., मेहरा, बी., सेठी, जी.आर, सैगल, एस.आर (2018). रैपिड डिटेक्टशन ऑफ रेसपिरेटॅरी सिनसिटिअल वायरस इन कम्यूनिटी-अक्वायर्ड लोवर रेसपिरेटॅरी ट्रैक्ट इनफैक्शन्स इन चिल्ड्रेन बाय क्रोमैटोग्राफिक अस्से। इंडियन जर्नल ऑफ़ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, 61 (2), 236-260.

कुमार, एस. (2018). माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया : ए सिगनिफिकेंट बॅट अनडेरेटेड पैथोजेन इन पीडियाट्रिक कम्युनिटी-अक्वायर्ड लोवर रेसपिरेटॅरी ट्रैक्ट। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 147 (1), 23-31.

मनचंदा, वी., सुमन, यू., सिंह, एन. (2018). इंफेक्शन प्रिवेंशन एंड कंट्रोल प्रोग्राम्स को लागू करना जब संसाधन सीमित हों। करंट ट्रीटमेंट ऑप्सन्स इन इन्फैक्शस डिसीज, 10 (1), 28-39.

नारंग, एम, नटराजन, आर., शाह, डी., पुरी, ए.एस, मनचंदा, वी., कोटरू एम.(2018). मध्यम से गंभीर आयरन की कमी वाले एनीमिया वाले बच्चों में सीलिएक रोग। इंडियन पीडियाट्रिक्स, 55, 31-34.

निर्मल, के., मनचंदा, वी., बवेजा, सी.पी.(2018). नई दिल्ली में डायरिया के रोगियों में शिगेला के लिए रोगाणुरोधी प्रतिरोध में अलगाव और वर्तमान प्रवृत्ति : चिकित्सालय आधारित अध्ययन। जर्नल ऑफ कम्युनिकेबल रोगों, 50 (3), 22-27.

शर्मा, एस., उप्पल, बी., मनचंदा, वी., सूद, ए. (2018). बच्चों में सेप्सिस के बायोमार्कर के रूप में प्रोक्लेसीटोनिन की नैदानिक उपयोगिता। इनफैक्शस डिसीज, 50 (7), 567-568.

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादकों / सदस्यों के रूप में सेवारत विभाग शिक्षकों की संख्या : 3

डॉ. सी.पी बवेजा सदस्य, संपादकीय बोर्ड, एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस

डॉ. विकास मनचंदा संपादक मंडल के सदस्य

रोगी सुरक्षा और संक्रमण नियंत्रण जर्नल (जर्नल ऑफ हॉस्पिटल इन्फेक्शन सोसायटी ऑफ इंडिया (एचआईएसआई); एस्ट्रोसाइट (जर्नल बाय नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एनबीई)); जीवन टाइम्स (पब्लिकेशन फ्रॉम इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स, दिल्ली चैप्टर)

वेब संपादक आईएएमएम दिल्ली अध्याय; वेब एडिटर हॉस्पिटल इन्फेक्शन सोसाइटी, भारत

आयोजित सेमिनार

दिल्ली विश्वविद्याल के एम.डी(सूक्ष्म जीवविज्ञान) के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए "स्टैफिलोकोकल फेज टाइपिंग" पर कार्यशाला। जनवरी, 2019.

लिंक्ड आईसीटीसी और पीपीटीसीटीएस के प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए "एचआईवी सेरोलॉजी हेतु बाहरी गुणवत्ता आकलन योजना" पर कार्यशाला। मार्च., 2019.

क्षेत्रीय एसटीआई संदर्भ, अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र से संबंधित गतिविधि के हिस्से के रूप में, "एसटीआई और आरटीआई" पर स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए एक सीएमई कार्यक्रम। मार्च, 2019.

मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय के वरिष्ठ रेजिडेंट्स, जूनियर रेजिडेंट्स और तकनीकी कर्मचारियों के लिए बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

संगोष्ठी/ सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय) (चयनित)

रोहित चावला

इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन, वडोदरा, द्वारा आयोजित "क्रिटिकल केयर अपडेट इनफेक्शन" में पैनल चर्चा के दौरान पैनलिस्ट के रूप में "क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी संबंधी क्या करें क्या न करें" पर एक वार्ता की और भाग लिया। अप्रैल, 2018.

लिंक्ड आईसीटीसी और पीपीटीसीटीएस, के लिए एचआईवी सेरोलॉजी के लिए बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन योजना पर कार्यशाला के दौरान "एचआईवी सेरोलॉजी के लिए बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन योजना", "आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण" और "बायोसेफ्टी और पोस्ट-एक्सपोज़र प्रोफिलैक्सिस" पर व्याख्यान दिए। मार्च, 2019

विनियम कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी

बीएस.सी. (जैव-प्रौद्यागिकी और बायोमेडिकल साइंस)
बी.टेक (जैव प्रौद्योगिकी)

अन्य संस्थानों से एम.एल.टी विद्यार्थी

संकायों की संख्या : 7

***

सूक्ष्मजीव विज्ञान (यूसीएमएस)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग जीटीबी चिकित्सालय आईपीडी और ओपीडी से प्राप्त भिन्न नमूनों पर प्रतिमाह 40,000 - 45,000 नैदानिक परीक्षण कर रहा है। ऑटोमेटेड ब्लड एंड बॉडी फ्लूइड सिस्टम बीएसीटीईसी 9120 के आधार पर रक्त और शरीर के तरल पदार्थ का प्रसंस्करण नियमित रूप से किया जा रहा है। फफूंद आइसोलेट्स की

एंटिफंगल संवेदनशीलता और परीक्षण को शुरू किया गया है। आणविक जीव विज्ञान प्रयोगशाला में अनुसंधान गतिविधियां तेज हो गई हैं।

विभाग में विकसित रुचि के अन्य क्षेत्र हैं: ऑटोइम्यून रोगों और फंगल संक्रमण में इम्यूनोलॉजी और आण्विक जीवविज्ञान अध्ययन और ईएसबीएल और कार्बापनेमिस के आनुवंशिकी। भारत में एचआईवी उपप्रकारों का आनुवांशिक लक्षण वर्णन, डेंगू वायरस की आणविक रूपरेखा, उत्तर भारत, डायोरोहेइजेनिक ई कोलाई और ट्रांसक्रिप्टोम्स।

सम्मान / गौरव

डॉ. शुक्ला दास को कॅम्पेटैंसी बेस्ड इंटरनेशनल एस्जॉम्पलर ग्लोबल सिक्स सिग्मा ग्रीन सिग बेल्ट बॉडी ऑफ नॉलेज सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। अगस्त, 2018.

प्रकाशन

बाल्यान, पी., घोष, सी., दास, एस., और बनर्जी, शहरी महानगर के विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में इंडोर बायोएरोसोल्स के बीडी स्पेटियो-टेम्पोरल वैरिएशन। पॉलिश जर्नल ऑफ एनवायरमेंटल स्टडीज। 01311-2017-03.

चौधरी, डी.डी, सिंह, एन.पी, राय, एस., बत्रा, पी., और मनचंदा, वी. (2018). कार्बापेनम रेजिस्टेंट एंटरोबैक्टीरिया निओनटाल गॅट कोलोनाइजेशन : स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में भविष्य की चिंता। इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी रिसर्च, 5 (3), 348-354.

दास, एस., तिग्गा, आर., राय, जी., सिंह, पी.के, दत्त, एस., त्यागी, ए., और सिंह, एन.पी (2018). कैंडिडा ऑरिस कोलोनाइजेशन इन एन इम्मयुनोकोम्पेटेंट पेसेंट : ए न्यू थ्रेट इन मेडिकल आई.सी.यू.। मेडिकल माइकोलॉजी केस रिपोर्ट, 21, 54-56.

डार, एस.ए, राय, जी., अंसारी, एम.ए, अख़्तर, एन., गुप्ता, एन., शर्मा, एस., ... और चक्रबर्ती, ए. (2018). Fc FR1α जीन पोलीमोरफिज्म शोज एसोसिएशन विथ हाई IgE एंड एंटी- FcεR1α इन क्रोनिक रिनोसिनॅसिटिस विथ नासल पोलीपोसिस। जनरल ऑफ सेलुलर बायोकैमिस्ट्री, 119 (5), 4142-4149.

दास, एस., राय, जी., तिग्गा, आर.ए., श्रीवास्तव, एस., सिंह, पी.के., शर्मा, आर., दत्त, एस., सिंह, एन.पी, डार, एस.ए (2018)। गंभीर रूप से बीमार रोगियों में कैंडिडा एरीस : चिकित्सालयों की गहन देखभाल इकाई में उभरते खतरे। जर्नल डी मायकोलोगेमेडिकल, 28 (3), 514-518.

जैन, ए.के, जग्गी, के.आर, भयाना, एच., साहा, आर.(2018). ड्रग-रेजिस्टेंट स्पाइनल ट्यूबरकुलोसिस। इंडियन जे. आरथोप, 52,100-107.

गुप्ता, एन., कश्यप, बी., दीवान, पी., हयांकी, पी., सिंह, एन.पी (2018). बाल चिकित्सा तपेदिक के नैदानिक स्पेक्ट्रम : तृतीयक देखभाल केंद्र से एक सूक्ष्मजीवविज्ञानी सहसंबंध। जे. ट्रॉपिकल पीडियाट्रिक्स, fmy026, https://doi.org/10.1093/tropej/fmy026 .

जाखड़, एस.के, पांडे, एम., शाह, डी., रामचंद्रन, वी.जी, साहा, आर., गुप्ता, एन., गुप्ता, पी. (2018). पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में गंभीर निमोनिया के खराब परिणाम का निर्धारण करने वाला एटियलजि और जोखिम कारक। इंडियन जे. पीडियाट्रि. (1), 20-24.

जनाही, ई.एम.ए., हक, एस., अख्तर, एन., वाहिद, एम., जावेद, ए., मंडल, आर.के, लोहानी, एम., आरीशी, एम.वाई, अल्मल्की, एस., दास, एस., डार, एस.ए (2018). लैक्टोबैसिलस प्लांटारियम के जैवइंजीनियर्ड

इंट्रावेगिनल आइसोलेट्स में एंटी-एचआईवी-1 गतिविधि का प्रदर्शन करने वाले एंगल लेक्टिन स्केटोविरिन को व्यक्त किया गया है। माइक्रोब पैथो., 122,1-6.

जनाही, ई.एम.ए, दास, एस., भट्टाचार्य, एस.एन, हक, एस., अख्तर, एन., जावेद, ए., वाहिद, एम., मंडल, आर.के, लोहानी, एम., आरीशी, एम.वाई, रामचंद्रन, वी.जी अलमल्की, एस., डार, एस.ए (2018). साइटोमेगालोवायरस प्रणालीगत ऑटोइम्यून रोगों में ऑटोइम्यून घटना को बढ़ाता है। माइक्रोब. पैथोग., 120, 132-139.

कश्यप, बी., तिवारी, यू., प्रकाश, ए. (2019). हेपेटाइटिस बी वायरस के संचरण और स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता : रोकथाम, प्रबंधन और रोग के प्रति जागरूकता। इंडियन जे. मेडिकल स्पेशलिटीज, 10 (1), 6-11।.

कश्यप, बी., गुप्ता, एन., दीवान, पी., हयांकी, पी., सिंह एन.पी (2019). हाई सेंसिटिविटी सी रिएक्टिव प्रोटीन : एक एडजॅन्क्ट डायग्नोसिस इन रूलिंग आउट पीडियाट्रिक ट्यूबरकुलोसिस । इंडियन जे. क्लिन. बायोकेम. doi.org/10.1007/s12291-018-0806-2 .

कुमार ए, सागर पी, कश्यप बी, मधु एस.वी, अदिति, जैन एन. सेप्सिस का जीवाणुविज्ञानी प्रोफाइल और मधुमेह मेलेटस वाले रोगियों में प्रोक्लेसिटोनिन के साथ इसका संबंध। इंटरनेशनल जे. डायबिटीज डेवलपिंग सट्राइस 2019; 39 (1): 144-147.

कश्यप, बी., गोयल, एन., गुप्ता, एन., सिंह, एन.पी, कुमार, वी. (2018). वीनरियल डिसीज रिसर्च लैबोरेटरी टेस्ट के अलग-अलग टाइट्रेस के बीच ट्रेपोनिमा पैलिडम हेमाग्लूटिनेशन अस्सेय का मूल्यांकन। इंडियन जे. डर्माटोल, 63, 479-483.

कश्यप, बी., कश्यप, बी. सिंह, ए.के (2018). द्वितीय वर्ष एमबीबीएस पाठ्यक्रम में शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में अंतर की पहचान करने के लिए विद्यार्थियों की धारणा और दृष्टिकोण पर ज्ञान, अभिवृत्ति और अभ्यास (के.ए.पी) सर्वेक्षण। इंटरनेशनल जे. मेडिकल साइंसेज इनोवेटिव रिसर्च, 3 (4), 206-211।.

कश्यप, बी., गोयल, एन., दास, जी.के, सिंह, एन.पी, कौर, आई.आर.(2018). ऑपथेलमिक प्रेजेंटेशन ऑफ डिस्सेमिनेटेड, ट्यूबरकुलोसिस विथ रेलप्से-इम्मूनोलॉजिकल प्रोफाइल। इंडियन जे क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री, 33 (4), 483-486.

कश्यप, बी., तिवारी, यू., प्रकाश, ए. (2018). हेपेटाइटिस बी वायरस के संचरण और स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता : महामारी विज्ञान, रोगजनन और निदान। इंडियन जे. मेडिकल स्पेशलिटीज, 9 (1), 30-35.

कश्यप, बी., गोयल, एन., सिंह, एन.पी, कौर, आई.आर (2018). एडेनोसिन डीमिनाज़ डायग्नोसिस फुफ्फुस तपेदिक मामलों में परिसंचारी बायोमार्कर्स की नैदानिक क्षमता। इंडियन जे क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री , 33 (3), 334-340.

पी, अग्रवाल., बी, कश्यप. (2018). नैदानिक रूप से पृथक कैंडिडा द्वारा बायोफिल्म उत्पादन : नमूना, पद्धति, और विभिन्न कैंडिडा प्रजातियों के आधार पर तुलनात्मक विश्लेषण । इंडियन जे मेडिकल स्पेशिएलिटीज, 9 (2), 69-72.

राय, जी., दास, एस., अंसारी, एम.ए, सिंह, पी.के, गुप्ता, एन., शर्मा, एस., अख्तर, एन., रामचंद्रन, वी.जी, हक, एस., डार, एस.ए (2018). एलर्जी फंगल साइनसाइटिस में Th17 और Treg कोशिकाओं की फेनोटाइपिक और कार्यात्मक प्रोफ़ाइल। इंट इम्युनोफार्माकोल, 57,55-61.

सोंथालिया, एस., अग्रवाल, एम., गोल्डस्ट, एम., दास, एस., भट्टाचार्य, एस.एन.(2018). भारत में एंटिफंगल चिकित्सीय विफलताएं : एक महत्वपूर्ण मुद्दा को अनदेखा किया जा रहा है। लैंसेट इन्फेक्शन डिस, 18 (11), 1181-1182.

साहा, आर., ग्रोवर, एच., सिंह, एम., जमीर, एस.टी, सक्सेना, बी., खान, ए.एम, सिंह, एन.पी.(2018). ताजा जड़ी बूटियों के माध्यम से रोगाणुओं का संचरण और उन्हें सुरक्षित मसालों(कोन्डीमेंट्स) के रूप में उपयोग करने की विधि। जे गैस्ट्रोइंटेस्ट इंफेक्शन, 8 (1), 22-27.

सागर, पी., कुमार, ए., मधु, एस.वी, कश्यप, बी.(2018). डायबिटीज मेलिटस में सेप्सिस के मामले में मार्कर के रूप में प्रोकेलेटोनिन कितना अच्छा है? इंटरनेशनल जे. डायबेट्स डेव सट्राइस., 38 (2), 185-190.

सिंह, एन.पी, चौधरी, डी.डी, गुप्ता, के., राय, एस., बत्रा, पी., मनचंदा, वी., साहा, आर., कौर, आई.आर.(2018). एक नवजात शिशु देखभाल इकाई में नवजात शिशुओं में कार्बापनेम-प्रतिरोधी एंटरोबैक्टीरिया के आंत कोलोनाइजेशन के लिए पूर्वसूचक(प्रेडिक्टर्स)। अमेरिकन जर्नल ऑफ इंस्फेक्शन कंट्रोल, 46 (6), e31-5.

तिग्गा, आर.ए, दास, एस., भट्टाचार्य, एस.एन, साहा, आर., पांधी, डी., दत्त, एस., राय, जी. (2018). एक तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में क्रॉनिक डर्माटोफाइटिस का बोझ : इंटरेक्शन ऑफ फंगल विरुलेंस एंड होस्ट इम्युनिटी। मायकोपैथोलोगिया, 183 (6), 951-959.

जर्नल

डॉ. रम्पा साहा मार्च, 2019 से जठरांत्रीय संक्रमण(गेस्ट्रोइनटेसटाइनल इनफेक्शन्स), जर्नल ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सोसायटी ऑफ इंडिया के जर्नल के एसोसिएट संपादक हैं।

अनुसंधान परियोजनायें

डीबीटी(20 लाख) वर्ष 2017-2020 "ट्राइकोफाइटन एस.पी में उभरते दवा प्रतिरोध के तंत्र की जांच, कवक त्वचा संक्रमण के प्रमुख प्रेरक एजेंट"।

डीएसटी (50 लाख) Th17 और Treg सेल भेदभाव और पेम्फिगस वल्गैरिस में उनकी इन-विट्रो कार्यात्मक प्रतिक्रियाएं"।

डॉ. सुचिता, डॉ. शुक्ला दास आईएमआरजी(रुपए25000/-) लिम्फोनेटिकुलर दुर्दमता(मालिगेनन्सी) के साथ फिब्राइल पीडियाट्रिक रोगियों में कैंडिडिआमिया की व्यापकता।

डॉ. स्वीटी सिंह, डॉ. रुम्पा साहा, डॉ. अमिला सुनेजा. आईएमआरजी(रुपए25000/-) त्रिकोमोनस योनि की व्यापकता और इसके निदान के लिए माइक्रोस्कोपी, कल्चर और पीसीआर की सटीकता का मूल्यांकन : एक चिकित्सालय आधारित अध्ययन।

डॉ. भूमिका, डॉ. रुम्पा साहा, डॉ. वी.जी रामचंद्रन. (रुपए5000/-) आईएमआरजी, डेटेरमिनेशन ऑफ ईएलआईएसए रिएक्टिव मॅम्प्स IgG एंटीबॉडी इन एमएमआर वैक्सीन रेसिपिएंट्स एंड एमएमआर वैक्सीन नैवे चिल्ड्रेन : ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी।

आईएमआरजी, एटियलजि एंड रिस्क फैक्टर्स फॉर हॉस्पिटल अक्वायर्ड डायरिया। डॉ. नूपुर, डॉ. धीरज शाह, डॉ. रूपाशाह, डॉ.वी.जी. रामचंद्रन. रुपए 25000 /-

आईएमआरजी, क्लिनिकल प्रोफाइल एंड रोल ऑफ वीडियो असीस्टेड थोरैकोस्कोपिक सर्जरी इन एम्पाइमा थोरैसिस: एक अवलोकन अध्ययन। डॉ. हिमांशु शेकर, डॉ. नवीन शर्मा, डॉ. रुम्पा साहा, डॉ. पंकज अग्रवाल. रुपए25000 /-

आईएमआरजी, एक तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में हड्डी बैंक के लिए संभावित दाता का विश्लेषण। डॉ. अहमेर ज़फर, डॉ. ए.के. जैन, डॉ. रुम्पा साहा. रुपए 25000 /-

आईएमआरजी. प्रीवेलेंस ऑफ कार्बेप्नेमेज़ एन्कोडिंग जीन्स इन क्लेबसिएला आइसोलेट्स फ्रॉम निओनटाल सेप्सिस। डॉ. सीमा, डॉ. एन.पी. सिंह, रुपए25000 /-

आईएमआरजी. स्टडी ऑफ रेजिस्टेंस टू कोलस्टिन एंड टाइलेसाइक्लिन इन क्लेबसिएल्ला स्पेसिएस फ्रॉम क्लिनिकल स्पेसिमेन्स ऑफ आई.सी.यू. पेसेंट। डॉ. दिब्याश्री, डॉ. एन.पी. सिंह, रुपए 25000/-

आई.एम.आर.जी. बेसलाइन हाई सेन्सिटिविटी विथ रिएक्टिव प्रोटीन लेवल ऑफ एसमिअर पॉजिटिव पल्मोनरी ट्युबरकुलोसिस पेसेंट। डॉ. कृष्णा, डॉ. बिनीता कश्यप. रुपए 25000/-

आयोजित सेमिनार

आयोजित अंतर्राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी दिवस में आमंत्रित अतिथि वक्ता डॉ. उर्मी बाजपेयी "फेज थेरेपी", अप्रैल, 2018.

एन.डब्ल्यु.सी., दिल्ली की तरफ से फ़रवरी, 2019 में साइबर अलर्ट पर विद्यार्थियों और संकाय के लिए लिंग जागरूकता का आयोजन किया गया, जिसमें स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया।

संगोष्ठी/ सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय) (चयनित)

शुक्ल दास

डरमाकॉन 2018 आईवीडीएल में आमंत्रित स्पीकर, त्वचा परीक्षण और डर्माटोफाइटिस में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया। नवंबर 2018.

मेदांता चिकित्सालय में एसएआरसीसीयूएम में आमंत्रित स्पीकर, क्लिनिको- क्रोनिक त्वचीय मायकोसेस में माइकोलॉजिकल साक्ष्य और मेजबान प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया(रेस्पॉन्स), नवंबर, 2018.

डॉ. .रुम्पा साहा को संत परमानंद अस्पताल, दिल्ली में मार्च, 2019 में एक माइक्रोबायोलॉजिकल कल्चर सेंसिटिविटी रिपोर्ट के विश्लेषण और व्याख्या पर बात करने के लिए अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था : इसके पीछे क्या छिपा है।

डॉ. एन.पी सिंह ने एनआईएमएचएएनएस, बैंगलोर में सितंबर, 2018 में एमआईसीआरओसीओएन 2018, XXXIX नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट में पेपर प्रस्तुत किया।

प्रदत्त एम. फिल./ पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 1

संकायों की संख्या : 4

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. एन.पी सिंह वर्ष 2016-2018 तक आईएएमएम, नेशनल चैप्टर के कार्यकारी सदस्य थे; कार्यकारी सदस्य आईएएमएम, दिल्ली अध्याय, 2018-19; बोर्ड ऑफ रिसर्च स्टडीज के सदस्य, सूक्ष्म जीवविज्ञान, ए.एम.यू, अलीगढ़ 2018-19.

***

सूक्ष्म जीवविज्ञान (वीपीसीआई)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

वी.पी चेस्ट इंस्टीट्यूट में सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग सक्रिय रूप से निदान, शिक्षण और अनुसंधान में शामिल है। जीवाणु विज्ञान, अनेरोबिक जीवाणु विज्ञान, माइकोबैक्टीरियोलॉजी, वायरोलॉजी और माइकोलॉजी से संबंधित कई

निदान किए जा रहे हैं। रोगजनकों की पहचान के लिए जीन-विशेषज्ञ, एमजीआईटी, जीन सीक्वेंसर और एमएएलडीआई-टीओएफएफ जैसी उच्च (ड्राई एंड) सुविधाएं उपलब्ध हैं। एम. ट्यूबरकुलोसिस आइसोलेट्स, एथममब्यूटोल प्रतिरोध तंत्र, एम. ट्यूबरकुलोसिस के ड्रग प्रतिरोध में एफ्लुक्स पंपों की भूमिका सहित ड्रग रेजिस्टेंस प्रोफाइलिंग और आणविक लक्षण वर्णन और बैक्टीरियल रोगजनकों के टाइपिंग में अनुसंधान, नई नैदानिक तकनीकों का सक्रिय रूप से उपयोग किया जाता है। मेडिकल माइकोलॉजी डिवीजन संस्थान के क्लिनिकल रिसर्च सेंटर और दिल्ली के अन्य चिकित्सालयों में नैदानिक मायकोलॉजिकल और सीरोलॉजिकल सेवाएं प्रदान करता है। नैदानिक सेवाओं के अलावा विभाग विभिन्न मानव रोगजनक कवक में बड़े पैमाने पर काम कर रहा है जैसे कि कैंडिडा एरीस, सी. पैराप्सिलोसिस, सी. अल्बिकैंस, सी. ग्लोब्राटा, ट्राइकोफाइटन एसपीपी।, एस्परगुल्सुफिगाटस इत्यादि। विषाणु विज्ञान इन्फ्लूएंजा वायरस डायग्नोस्टिक्स और महामारी विज्ञान अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल है। प्रयोगशाला का प्रमुख ध्यान एंटीवायरल शोध है और इन्फ्लूएंजा और चिकनगुनिया वायरस के खिलाफ टीके का विकास है।

सम्मान / गौरव

डॉ. अनुराधा चौधरी को एएमआईटी यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश, भारत द्वारा हेल्थ केयर में महिला अचीवर अवार्ड से सम्मानित किया गया। 2018.

प्रकाशन

अदिति, शरीफ, एम. (2019)। निप्पा वायरस संक्रमण : एक समीक्षा। इपिडेमिनोलॉजी एंड इंफेक्शन, 147, ई 95, 1-6.

एरेन्ड्रुप, एम.सी, चौधरी, ए., एस्टवाड, के.एम.टी, जोर्जेसन, के.एम. (2018). APX001A इन वीट्रो अगेंस्ट कॉन्टेम्पॅरेरी ब्लॅड आइसोलेट्स एंड कैंडिडा ऑरिस डेटेरमाइंड बाय EUCAST रेफरेंस मैथॅड। एंटीमाइक्रोब एजेंट्स केमोथेर, 62. पीआईआई, e01225-18.

आशा, के., कुमार, पी., सानिकस, एम., मेस्को, सी., खन्ना, एम., और कुमार, बी. (2018). श्वसन वायरल संक्रमण के खिलाफ न्यूक्लिक एसिड आधारित चिकित्सीय में प्रगति। जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल मेडिसिन, 8 (1), 6. doi: 10.3390 / jcm8010006.

बिदूद, ए., चौधरी, ए., और दानौई, ई. (2018). कैंडिडा ऑरिस : एक उभरती दवा प्रतिरोधी खमीर - एक मिनी-समीक्षा। जर्नल डी माइकोली मैडिकल, 28 (3), 568-573.

बिल्ड, जे., हेगन, एफ., चौधरी, ए., वेरवीज, पी. और मीस, जे. (2018). इट्राकोनाज़ोल, वोरिकोनाज़ोल, और पॉसकोनाज़ोल सीएलएसआई एमआईसी डिस्ट्रीब्यूशन फॉर वाइल्ड-टाइप एंड एज़ोल-रेसिस्टेंट एस्परगिलस फ्यूमिगेटस आइसोलेट्स। जर्नल ऑफ फंगी, 4 (3), पृष्ठ 10.

चौधरी, ए., प्रकाश, ए., शर्मा, सी., कोर्डल्यूज़का, एम., कुमार, ए., और सरमा, एस. एट अल. (2018). ए मल्टीसेंटर स्टडी ऑफ एंटीफॅन्गल ससकेप्टिबिलिटी पैटनर्स अमॉन्ग 350 कैंडिडा ऑरिस आइसोलेट्स(2009-17) इन इंडिया : रोल ऑफ द ईआरजी 11 और एफकेएस 1 जीन इन अजोल एंड इकिनोकैंडिन रेजिस्टेंस। जर्नल ऑफ एंटीमाइक्रोबियल कीमोथेरेपी, 73 (4), 891-899.

चौधरी, ए., सिंह, ए., सिंह, पी., खुराना, ए., और मीस, जे. (2018). ट्राइकोफिटॉन इंटरडिजिटले/ट्राइकोफिटॉन मेनटाग्रोफिटेस यूजिंग इंटर्नल ट्रॉन्सक्राइब्ड स्पेसर रिजन सिक्वेंसिंग: अर्जेंट नीड टू अपडेट द सिक्वेंस डाटाबेस। मायकोसेस, 62 (1), 11-15। doi: 10.1111 / myc.12865 .

कोली, टी., शर्मा, सी., एलनियो, ए., किमुरा, जी., डेली, एल., और नाकोकी, टी. एट अल. (2019). एंटी-फंगल एक्टिविटी ऑफ ए नोवेल ट्राईजोल पीसी 1244 अगेंस्ट इमर्जिंग अजोल-रेजिस्टेंट एस्परगिल्लस फुमिगेट्स एंड अॅदर स्पेसिज ऑफ एस्परगिल्लस। जर्नल ऑफ एंटीमाइक्रोबियल कीमोथेरेपी। 62. पीआईआई :e01941-17.

कोरटेगिआनी एं., मिस्सेरी, जी., फेस्किआना, टी., जिअम्मानको, ए., गिअराटानो, ए., एवं चौधरी, ए. (2018)। कैंडिडा अॅरिस द्वारा महामारी विज्ञान, नैदानिक विशेषताओं, प्रतिरोध और संक्रमण के उपचार। जर्नल ऑफ इंटेंसिव, 6 (1), 69.

डी ग्रोट, टी., हेगन, एफ., व्रूल्स, डब्ल्यू., वेरवीज, पी., चौधरी, ए., और मीस, जे. (2018). फॉर्मेलिन-फिक्स्ड पैराफिन-एंबेडेड टिश्यू और इनवेसिव एस्परगिलोसिस वाले मरीजों के सीरम सैंपल में एस्परगिलस फ्यूमिगेटस का जीनोटाइपिंग। फ्रंटियर्स इन सेल्युलर एंड इंफेक्शन माइक्रोबायोलॉजी, 8, 377.

दीपक, डी., सिंह राजपूत, एम., शर्मा, बी., और चौधरी, ए.(2019). एस्परगिलस के अलावा अन्य कवक के कारण एलर्जी ब्रोंकोपुलमोनरी माइकोसिस। यूरोपीयन अन्नल्स ऑफ एलर्जी एंड क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी के 51 , (02), 75-79.

फकीम, एच., वैज़ी, ए., दानौई, ई., शर्मा, सी., मौसवी, बी., और चौधरी, ए. (2018). विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों से एस्परजिलस फ्यूमिगेटस के एज़ोले-प्रतिरोधी नैदानिक आइसोलेट्स के खिलाफ माइक्रोफैंगीन के साथ वोरिकोनाज़ोल के इन विट्रो संयोजन में। डायग्नोस्टिक माइक्रोबायोलॉजी एंड इन्फेक्सिअॅस डिसीज, 91 (3), 266-268 .

फकीम, एच., वैज़ी, ए., दानौई, ई., चौधरी, ए., नासिरि, डी., और फैली, एल. एट अल. (2018). कम्परेटिव विरुलेंस ऑफ कैंडिडा अॅरिस विथ कैंडिडा हेमुलोनि, कैंडिडा ग्लैब्रेटा एंड कैंडिडा अल्बिकैंस इन ए मुराइने मॉडल, 61 (6), 377-382.

गिरि, ए., सफी, एच., कैबीबे, ए.एम, गुप्ता, एस., नारंग, ए., त्यागी, जी., श्रीवास्तव, के. कुमार, चंचल., शर्मा, एन., लिंगराजु, एस., ट्रोवेटो. , ए., बैटलग्लिया, एस., सिरिलो, डीएम, बोस, एम., ऑलैंड, डी., वर्मा-बेसिल, एम. (2019). माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के नैदानिक आइसोलेट्स में एथमब्युटोल प्रतिरोध के साथ एफ़टीबी जीन में नोवेल म्यूटेशन एएसपी 397 जीएलवाई के एसोसिएशन की कमी। ट्युबरकुलोसिस, 115,49-55.

हीलेय, के., कोर्डल्यूस्का, एम., जिमेनेज ऑर्टिगोसा, सी., सिंह, ए., बेरियो, आई., चौधरी, ए., और पेरलिन, डी. (2018). लिमिटेड ईआरजी 11 म्यूटेशन आइडेंटीफाई इन आइसोलेट ऑफ कैंडिडा अॅरिस डायरेक्टली कॉंट्रीब्यूट टू रेड्यूस अजोल सस्केपटिबिलिटी। एंटीमाइक्रोबाइअल एजेंट्स एंड कीमोथेरेपी, 62 (10), पीआईआई: e01427-18.

जून, डी., निमेश, एम., गुप्ता, एस., कुमार, सी., वर्मा-बासिल, एम., और सलूजा, डी. (2019). तपेदिक के निदान के लिए Xpert MTB / RIF परख के साथ तीव्र और विशिष्ट sda LAMP-LFD परख का विकास और मूल्यांकन। जर्नल ऑफ़ माइक्रोबायोलॉजिकल मेथड्स, 159, 161-166.

किरण, बी., जयंती, जी., शरीफ, एम. (2018). फेनोटाइपिक और आणविक लक्षण वर्णन विस्तारित-स्पेक्ट्रम बीटा-लैक्टामेज़ क्लीबसेला निमोनिया के नैदानिक आइसोलेट्स का उत्पादन करता है। इंट जे साइंटिफिक रेस, 7,63-65.

खन्ना, एम., सैनी, एस., शरीफ, एम., रौंसार्ड, एल., सिंह, जे., और कुमार, एच. (2019). MiR-155 और GAPDH सहसंबंध को उजागर करने वाला डेटा। डेटा इन ब्रीफ, 24, 103945. doi: 10.1016 / j.dib.2019.103945.

खुराना, ए., मासिह, ए., चौधरी, ए., सरदाना, के., बोरकर, एस., और गुप्ता, ए. एट अल. (2018). टिनिया कॉर्पोरिस / क्राइरिसस वाले मरीजों में टेराबिनाफिन के क्लिनिकल रिस्पांस के साथ एमआईसी और स्क्वैलीन

एपॉक्सीडेस म्यूटेशन के आधार पर इन विट्रो संवेदनशीलता की सहसंबंध। एंटीमाइक्रोबियल एजेंटों एंड कीमोथेरेपी, 62 (12)। डोई, पीआईआई: e01038-18.

कुमार, बी., आशा, के., खन्ना, एम., रोंसार्ड, एल., मेस्को, सी., और सानिकस, एम. (2018). उभरते हुए इन्फ्लूएंजा वायरस का खतरा : स्थिति और इसकी चिकित्सा और नियंत्रण के लिए नई संभावनाएं। आर्कियोलॉजी ऑफ़ वायरोलॉजी, 163 (4), 831-844, पीआईआई: e00238-18.

कुमार, बी., आशा, के., खन्ना, एम., रोंसार्ड, एल., मेस्को, सी., और सानिकस, एम. (2018). उभरते हुए इन्फ्लूएंजा वायरस का खतरा : स्थिति और इसकी चिकित्सा और नियंत्रण के लिए नई संभावनाएं। आर्कियोलॉजी ऑफ़ वायरोलॉजी, 163 (4), 831-844। doi: 10.1007 / s00705-018-3708-y .

मार्टिनेज-मर्सिया, ए., नवारो, ए., ब्रू, जी., चौधरी, ए., हेगन, एफ., और मीस, जे. (2018). उभरते खमीर कैंडिडा ऑरिस का पता लगाने के लिए UNE / EN ISO / IEC 17025: 2005 के बाद GPS ™ MONODOSE CanAur dtec-qPCR किट की आंतरिक मान्यता। मायकोसेस, 61 (11), 877-884। doi: 10.1111 / myc.12834 .

माथुर, पी., हसन, एफ., सिंह, पी., मल्होत्रा, आर., वालिया, के., और चौधरी, ए. (2018). एक भारतीय आघात(ट्रॉमा) केंद्र में कैंडिडाएमिया की पांच-वर्षीय प्रोफाइल : कैंडिडा ऑरिस रक्त प्रवाह संक्रमण की उच्च दर। मायकोसेस, 61 (9), 674-680। doi: 10.1111 / myc.12790 .

मीस, जे., चौधरी, ए. (2018). कैंडिडा एरीस : एक वैश्विक कवक पब्लिक स्वास्थ्य खतरा। लांसेट संक्रामक रोग, 18 (12), 1298-1299। doi: 10.1016 / s1473-3099 (18) 30609-1.

प्रकाश, ए., रंधावा, एच., खान, जेड, अहमद, एस., हेगन, एफ., मीस, जे., और चौधरी, ए (2018). भारत में क्रिप्टोकोकस प्रजातियों और कुछ अन्य खमीर जैसी कवक के पर्यावरणीय वितरण। मायकोसेस, 61 (5), 305-313.

रेसेंडिज शार्प, ए., लग्रू, के., मीस, जे., चौधरी, ए., लॉकहार्ट, एस., और वेरवेइज, पी.(2018). एस्पेरगिल्लॅस फुमिगेटॅस में ट्राईजोल प्रतिरोध निगरानी। मेडिकल माइकोलॉजी, 56 (suppl_1), S83-S92.

रोपर्स, जे., मुफ्राईस, सी., डिओगो, डी., मार्केट-हूबेन, एम., पेरिन, ए., और सरटौर, एन. एट अल. (2018). जीन प्रवाह(फ्लो) प्रमुख कवक रोगज़नक़(पैथोजेल) कैंडिडा अल्बिकन्स के विविधीकरण में योगदान देता है। नेचर कम्युनिकेशन, 9 (1)। doi: 10.1038 / s41467-018-04787-4.

शरीफ, एम., अदिति, ए., बेरी, के. (2018). कोरिनेबेक्टेरिऑम स्ट्रएिटॅम : एक उभरती हुई श्वसन रोगज़नक़(पेथोजन)। जर्नल ऑफ इन्फेक्शन इन डेवेलोपिंग कंट्रीज, 12 (07), 581-586.

शर्मा, एस., श्योराण, ए., गुप्ता, के. यादव, ए., वर्मा-बासिल, एम., और श्रीनिवास, वी. एट अल. (2019). वास्तविक समय इम्यूनो-पीसीआर द्वारा तपेदिक रोगियों में माइकोबैक्टीरियल एमपीटी.64 और पीएसटीएस 1 के कॉकटेल की मात्रात्मक पहचान। फ्यूचर माइक्रोबायोलॉजी, 14 (3), 223-233.

सिंह, ए., हीलेय, के. यादव, पी., उपाध्याय, जी., सचदेवा, एन., और सरमा, एस. एट अल. (2018). डीएनए मिसमैच रिपेयर पाथवे में दोषों के साथ पृष्ठभूमि की व्यापकता के बावजूद भारत में कैंडिडा ग्लाब्रेटा आइसोलेट्स में एज़ोल या इचिनोकैन्डिन प्रतिरोध की अनुपस्थिति। एंटीमाइक्रोबिअल एजेंट्स और कीमोथेरेपी, 62 (6), पीआईआई: e00195-18.

सिंह, ए., सिंह, पी., डी ग्रोट, टी., कुमार, ए., माथुर, पी., और तराई, बी. (2019). भारत में बहुस्तरीय प्रयोगशाला-आधारित निगरानी अध्ययन में क्लोनल फ्लुकोनाज़ोल-प्रतिरोधी कैंडिडा पैराप्सिलोसिस क्लिनिकल का उत्सर्जन। जर्नल ऑफ एंटीमाइक्रोबियल कीमोथेरेपी, 74 (5), 1260-1268.

श्रीवास्तव, एस., बिमल, डी., बोहरा, के. सिंह, बी., पोन्नन, पी., और जैन, आर. एट अल. (2018). सिंथेसिस एंड एंटीमाइकोबैक्टीरियल एक्टिविटी ऑफ 1-(β-d-रिबोफुरेनोसिल)-4-कम्मेरिनायलॉक्सीमिथाइल- /-कॅमेरिनायल-1,2,3-ट्राइजोल। यूरोपीयन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री, 150, 268-281.

वातनशेनास्सन, एम., बोएखौत, टी., मीस, जे., बर्मन, जे., चौधरी, ए., और बेन-अमी, आर. एट अल. (2019). MALDI-TOF MS द्वारा इकिनोकेनडिन्स के खिलाफ कैंडिडा ऑरिस आइडेंटिफिकेशन एंड रैपिड एंटीफंगल सुस्पेक्टिबिलिटी टेस्टिंग। फ्रंटियर्स इन सेल्युलर एंड इंफेक्शन माइक्रोबायोलॉजी, 9. doi: 10.3389 / fcimb.2019.00020.

पुस्तक अध्याय

वर्मा-बासिल, एम., बोस, एम. 2019. नॉनटुबरक्यूलस मायकोबैक्टीरिया के फुटप्रिंट का मानचित्रण : एक नैदानिक दुविधा। नॉनटुबरक्यूलस मायकोबैक्टीरिया में : माइक्रोबायोलॉजिकल, नैदानिक और भौगोलिक वितरण। अकादमिक प्रेस, एल्सेवियर. ईडी. वेलयाती एए, फरनिया पी.

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों) / सदस्य(सदस्यों) के रूप में सेवारत विभाग के शिक्षकों की संख्या : 04

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ. मालिनी शरीफ, (आई.सी.एम.आर. प्रायोजित परियोजना, 2017-2010) : "आइसोलेशन एंड करैक्टराइजेशन ऑफ एनेरोबिक बैक्टीरिया काजिंग लोअर रेस्पिजेटॅरी ट्रेक्ट इन्फेक्शन्स इन पेसेंट एटेंडिंग वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली।

डॉ. मंदिरा वर्मा, बासिल(आईसीएमआर 2015-2018)., "दवा प्रतिरोधी तपेदिक के फेनोटाइपिक और जीनोटाइपिक संकेतक : क्या उन्हें एमडीआर और एक्सडीआर तपेदिक के लिए शुरुआती चेतावनी प्रणालियों के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है?"

डॉ. मधु खन्ना, (डीएसटी-एसईआरबी). आप्टामर-एमआरएनए चिमेरा- द नेक्स्ट जनरेशन आरएनए वैक्सीन।

डॉ. अनुराधाचौधरी आईसीएमआर) (2017-2020)। मल्टिलोकॅस माइक्रोसेटेलाइट टाइपिंग एंड एंटीफंगल प्रोफाइल ऑफ क्लिनिकल क्रिप्टोकोकस नियोफोरमेंस स्पेसीज ओमप्लेक्सआइसोलेट्ड फ्रॉम पेंसेंट्स ऑफ क्रप्टिोकोकासिस।

आयोजित सम्मेलन

कैंडिडा और एस्पेरगिलॅस में एंटिफंगल प्रतिरोध : क्लिनिक से नैदानिक प्रयोगशाला तक। यूरोपीय सोसाइटी क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड इन्फेक्शन डिसीज (ईएससीएमआईडी) यूरोपीय कोन्फेडरेशन फॉर मेडिकल माइकोलॉजी (ईसीएमएम)। सितंबर, 2018.

दिल्ली चैप्टर, आईएमएम, नवंबर., 2018 के सहयोग से वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट में “एनटीएस इन्फेक्शन के फुटप्रिंट्स की मैपिंग”, पर सी.एम.ई.।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

डॉ. अनुराधा चौधरी

आरएआई एम्स्टर्डम, नीदरलैंड्स में जुलाई, 2018 में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर ह्यूमन एंड एनिमल माइकोलॉजी (आईएसएचएएम) की 20वीं कांग्रेस में "कैंडिडा ऑरिस की पहचान और ऐंटिफंगल संवेदनशीलता" शीर्षक पर एक अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सैन जुआन, प्यूर्टो रिको में जुलाई, 2018 में 11वीं इंटरनेशनल मायकोलॉजिकल कॉग्रेस में "फफूंद मानव रोगजनकों : अस्पष्ट महत्व से आसन्न महत्व(फ्रॉम ऑब्सिक्योर सिग्नीफिकेंस टू इम्पेडिंग डिजास्टेरसेट)" शीर्षक पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

हांगकांग में अगस्त-सितम्बर, 2018 में एक 17वीं एशिया पेसिफिक कॉग्रेस ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायलॉजी एंड इन्फेक्शन कम 8वीं इंटरनेशनल इन्फेक्शन कंट्रोल कॉन्फ्रेंस में "चेंजिंग इपिडेमिओलॉजी ऑफ नासोकोमिअल फंगल इन्फेक्शन" शीर्षक पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

वियना, ऑस्ट्रिया में अक्तूबर, 2018 में कॉन्टीन्यूड एंटीफंगल रिसर्च और एजुकेशन में "एस्परजिलस फ्यूमिगेटस की महामारी विज्ञान में नई अंतर्दृष्टि" शीर्षक पर अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया। ,

मंदिरा वर्मा, बासिल एनटीएम इन्फेक्शन के फुटप्रिंट्स की मैपिंग पर स्पीकर, वीपीसीआई और दिल्ली चैप्टर, आईएएमएम, नवंबर, 2018.

प्रदत्त एम. फिल./ पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी. : 4

संकायों की संख्या : 4

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोफेसर मंदिरा वर्मा, बासिल और चंचल कुमार, श्रद्धा गुप्ता, कमल श्रीवास्तव, अस्थागिरि, नरेश कुमार शर्मा को 21 अप्रैल, 2018 को लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय में आयोजित आईएएमएम-डीसी सम्मेलन में पोस्टर में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मैलाबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की दवा अतिसंवेदनशीलता प्रोफाइलिंग फेनोटाइपिक विधि की स्लोपी मॉलीक्यूलॅर बीकन ऐस्से की की तुलना।

डॉ. अनुराधा चौधरी डब्ल्यूएचओ सलाहकार को कैंडिडा में एंटिफंगल प्रतिरोध के लिए प्रारंभिक कार्यान्वयन कार्यक्रम को विकसित करने के लिए जीएलएएसएस में शामिल किया गया है। नवंबर, 2018- फरवरी, 2019.

***

सूक्ष्म जीवविज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपविधियां

विभाग अनेक विभिन्न प्रयोगशालाओं (जीवाणु विज्ञान, माइकोलॉजी, सीरोलोजी, टी.बी, पैरासिटोलॉजी, चिकित्सालय संक्रमण नियंत्रण) में रोगी के नमूनों को प्रोसेस करता है। सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की विभिन्न प्रयोगशालाओं में वर्ष 2018-19 में लगभग 5 लाख प्रयोगशाला जांच की जाती है। यह चिकित्सालय की एंटीबायोटिक नीतियों के निर्माण, चिकित्सालय के संक्रमण नियंत्रण और बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन में भी शामिल है। यह विभाग राष्ट्रीय रोगाणुरोधी प्रतिरोध नेटवर्क, भारत में "रोगाणुरोधी प्रतिरोध के नियंत्रण में राष्ट्रीय कार्यक्रम" को लागू करने के लिए एक सहभागी प्रयोगशाला भी है। "भारत में कांगेनिटल रुबेला सिंड्रोम निगरानी - एक मल्टीसेंट्रिक अध्ययन" और "कैंडिडिआसिस की करेक्टराइजेशन और एंटीफंगल प्रतिरोध प्रोफाइल" शीर्षक की अनुसंधान परियोजनाएं क्रमश: भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित हैं।

एलएचएमसी में एचआईवी परीक्षण के लिए स्टेट संदर्भ प्रयोगशाला दिल्ली से एसआरएल 15 के बीच पहली प्रयोगशाला थी। जिसे एनएबीएल द्वारा ISO15189: 2012 मानदंडों के अनुसार मान्यता प्राप्त है। इसे सेंटिनेल प्रहरी निगरानी के अंतर्गत "सूखे रक्त स्पॉट परीक्षण" प्रयोगशालाओं में से एक प्रयोगशाला के रूप में भी चुना गया है। दिल्ली में विभिन्न आईसीटीसी, एसआरएल और एनआरएल के प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए इन्डक्शन और पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विभाग को मेडिकल महाविद्यालय स्तर की वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी (वीआरडीएल) की स्थापना के लिए डीएचआर से मंजूरी मिल गई।

प्रकाशन

अरोड़ा, पी., सरदाना, के., कौर, आर., गोयल, आर., और घुनावत, एस. (2018). क्या एंटिफंगल प्रतिरोध डर्मेटोफाइटोसिस में उपचार की विफलता का कारण है : एक अध्ययन एक तृतीयक केंद्र से टिनिया कॉर्पोरिस और क्रुरिस पर केंद्रित है। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 9 (2), 90-95.

बाला, वाई., रंधावा, वी., कौर, आर., सैली, ए., और चितकारा, एस. (2018). उत्तर भारतीय तृतीयक देखभाल केंद्र में प्रारंभिक ऑनसेट नवजात सेप्सिस के निदान में प्रोटोकिटोनिन की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 7 (08), 490-498.

बाला, वाई., रंधावा, वी.एस., सैली, ए., कौर, आर. (2018). उत्तर भारत के तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में नवजात सेप्सिस की शुरुआत की एक सूक्ष्मजीवविज्ञानी प्रोफ़ाइल। इंडियन जे. एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी, 21 (2), 20-28.

चौधरी, एम., रंधावा, वी.एस, दत्ता, आर., जैस, एम., कौर, आर. (2018). भारतीय एस टाइफी की टाइपिंग पल्लुोटाइप्स के विशेष संदर्भ के साथ अलग-थलग है। इंटरनेशनल जे. साइंटिफिक इंजीनियरिंग एंड रिसर्च, 6 (4), 82-85.

गुप्ता, आर., शर्मा, एस., सक्सेना, एस.(2018). डिवाइस से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी संक्रमणों की निगरानी के लिए पैनोरमा बदलना : वर्तमान दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इंड जे मेड माइक्रोबायोल, 36, 18-25.

कौर, आर., मेहरा, बी., धाकड़, एम.एस, गोयल, आर., दीवान, आर. (2017). मानव इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस-संक्रमित रोगियों के एक समूह में अवसरवादी मायकोसेस के रूप में पल्मोनरी एस्परगिलोसिस : उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल चिकित्सालय से रिपोर्ट। इंट जे हेल्थ साइंस (कासिम), 11 (2), 45-50.

कौर, आर., मेहरा, बी., धाकड़, एम., गोयल, आर., भल्ला, पी., और दीवान, आर.(2017). एचआईवी / एड्स रोगियों में आक्रामक(इनवैसिव) पल्मोनरी एस्परगिलोसिस के निदान में सीरम एस्परगिलुस गालाक्टोमेन्नन ऐसे की उपयोगिता: एक संभावित विश्लेषण। एनल्स ऑफ पैथोलॉजी एंड लेबोरेटरी मेडिसिन, 4 (5), ए 515-ए 521.

कौर, आर. मेहरा, बी., धाकड़, एम., गोयल, आर., भल्ला, पी., और दीवान, आर.(2018). क्लिनिको-माइकोलॉजिकल विश्लेषण और मानव इम्यूनोडिफीसिअन्सी वायरस-संबंधित कैंडिडिआसिस में एंटिफंगल प्रतिरोध पैटर्न : एक भारतीय परिप्रेक्ष्य। इंडियन जर्नल ऑफ सेक्सुअली ट्रांसमिटेड डिसीज एंड एड्स, 39 (2), 111.

सिंह, जी., सोलो, एम., कौर, आर., अरोड़ा, आर., और कुमार, एस. (2018). पुरानी सुप्पुरेटिव ओटिटिस मीडिया-कोलेस्टीटोमा रोग की माइकोलॉजी : एक मूल्यांकन अध्ययन। अमेरिकन जर्नल ऑफ ओटोलरीन्गोलॉजी, 39 (2), 157-161.

सिंह, आर.के, नाइक, एस.के, जैस, एम. एट अल; (2018). मेडिको-लीगल ऑटोप्सी के दौरान दावा किए गए और लावारिस शवों में हेपेटाइटिस सी वायरस एंटीबॉडी की स्क्रीनिंग। जे इंडियन एकेड फोरेंसिक मेड, 40 (4), 318-321.

थास, एन., कुमार, एम., कौर, आर. (2019). तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में मूत्र पथ के संक्रमण के कारण बैक्टीरिया के रोगजनकों का प्रसार और एंटीबायोग्राम। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस एंड पब्लिक हेल्थ, 8 (1), 53-57.

थास, एन., कुमार, एम., कौर, आर. (2018). एक अपरिपक्व रोगी में मूत्र पथ के संक्रमण का कारण मायरॉयड्स एसपीपी. : एक केस रिपोर्ट। इंड कॅर. माइक्रोबॉयल ऐप साइंस, 7 (4), 997-1001.

अनुसंधान परियोजनायें

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (5 करोड़)। एलएचएमसी में वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी (वीआरडीएल) की स्थापना।

आसीएमआर (2831605). विशेषता(करेक्टराइजेशन) और एंटिफंगल प्रतिरोध प्रोफ़ाइल।

आईसीएमआर. भारत में जन्मजात(कोंगेनिटल) रुबेला सिंड्रोम निगरानी- एक बहु-विषयक अध्ययन.

एनसीडीसी (8.4 लाख). रोगाणुरोधी(एंटीमाइक्रोबियल) प्रतिरोध की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम।

आईसीएमआर. भारत में 0-2 महीने के कम वजन के नवजात शिशुओं में नवजात सेप्सिस के उपचार में प्रोबायोटिक्स की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए फेज III बहु-विषयक(मल्टीसैंट्रिक) डबल ब्लाइंड याद्दच्छिक परीक्षण।

नॉर्वे की आईसीएमआर और अनुसंधान परिषद्. इंडो नॉर्वे की परियोजना शीर्षक "एंटीबायोटिक दवाओं के धुंधलके(ट्विलाइट) में जन्मी : प्रीटरम शिशु श्वसन माइक्रोबायोम और प्रतिरोध विकास के लिए एंटीबायोटिक उपयोग के विविक्षा(इम्लीकेशन)"।

एलएचएमसी और पीएचएफएल, कोलिंडेल, लंदन। राष्ट्रीय साल्मोनेला फेज टाइपिंग केंद्र।

आयोजित सेमिनार

आईएएमएम दिल्ली चैप्टर 2018 का पहला चैप्टर किया, " ओ.टी के अंदर संक्रमण नियंत्रण और रोकथाम : एक चुनौती" एलएचएमसी, अप्रैल, 2018 .

नसबंदी प्रक्रियाओं और इसकी निगरानी पर सीएमई, अगस्त 2018.

संक्रमण नियंत्रण और रोकथाम : प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, सेमिनार हॉल, सूक्ष्म जीवविज्ञान, दिसम्बर, 2018.

बायोमेडिकल अपशिष्ट और इंफेक्शन नियंत्रण पर पूर्वधारणा कार्यशाला, फरवरी, 2019.

मेडिकस कन्वेक्टस के हिस्से के रूप में देश भर के एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए "एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप कार्यशाला : एक योग्यता आधारित दृष्टिकोण". मार्च, 2019.

संगोष्ठी/ सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय) (चयनित)

रविन्दर कौर ने फंगल डिसीज "माइकोकॉन 2018", पर तीसरे इंटरनेशनल मास्टर क्लास में पोस्टर प्रस्तुत किया। होटल प्राइड प्लाजा, एयरोसिटी, सितंबर, 2018.

सोनल सक्सेना ने वार्ता की

आई.एच.सी., नई दिल्ली में "डिस्क डिफ्यूजन तकनीक द्वारा एंटीबायोटिक संवेदनशीलता परीक्षण में गुणवत्ता नियंत्रण मुद्दे", सीएमई : "विश्वसनीय एंटीमाइक्रोबियल सेंसिटिविटी टेस्टिंग इन एरा ऑफ़ एएमआर". नवंबर, 2018.

"एएमआर में चुनौतियां" सीएमई, आईएचसी, नई दिल्ली. मार्च, 2019.

संजीब गोगोई ने एलएचएमसी, नई दिल्ली में व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य (आईसीओईएच 2019) पर 4 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की पूर्व सम्मेलन कार्यशाला में "हैंड हाइजीन एंड स्टैंडर्ड प्रीकॉशन" पर व्याख्यान दिया। फरवरी, 2019.

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

कलावती सरन चिल्ड्रन हॉस्पिटल के साथ कैंडिडिआसिस की विशेषता और एंटिफंगल प्रतिरोध प्रोफ़ाइल.

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

एनसीडीसी और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ रोगाणुरोधी प्रतिरोध की रोकथाम के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम।

संकायों की संख्या : 9

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

रविन्दर कौर को सम्मानित किया गया: ए. इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट (आईएमएम) द्वारा एसटीआई/डायग्नोस्टिक माइक्रोबायोलॉजी में उत्कृष्ट वैज्ञानिक कार्य के लिए भुजवाला पुरस्कार।

रविन्दर कौर और दीप्ति रावत ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट- दिल्ली की अकादमिक बैठक में “एक एटिऑलॉजिकल एंड एंटीफंगल प्रोफाइल ऑफ चिल्ड्रेन इन चिल्ड्रन” शीर्षक पर अपने पोस्टर के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए मेघना बवेजा पुरस्कार जीता: चैप्टर, अप्रैल, 2018.

दीप्ति रावत और संजीब गोगोई : केरल बाढ़ के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य टीम के एक भाग के रूप में ईएमआर ड्यूटी की(01.09.2018-15.09.2018).

***

प्रसूति-विज्ञान एवं स्त्री रोग-विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग रोगियों के लिए तृतीयक देखभाल प्रदान करता है और प्रसूति और स्त्री रोग में शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम संचालित करता है। 250 स्नातक विद्यार्थियों को पढ़ाने और प्रतिवर्ष 20 स्नातकोत्तर, "प्रजनन चिकित्सा" और "उच्च जोखिम गर्भावस्था" में से प्रत्येक में 2 विद्यार्थियों को राष्ट्रीय बोर्ड की फेलोशिप। हम बांझपन और आईवीएफ, उच्च जोखिम गर्भावस्था, भ्रूण चिकित्सा, स्त्री रोग अंत: स्रावी और स्त्री रोग संबंधी ऑन्कोलॉजी पर विशेष क्लीनिक हैं। ओबीजीवाई में 21 वां व्यावहारिक पाठ्यक्रम और सीएमई ”विभाग द्वारा संचालित किया गया था। इस पाठ्यक्रम में पूरे भारत से 300 से अधिक स्नातकोत्तर विद्यार्थी आए और पूरे संकाय ने व्याख्यान और केस चर्चा की। विभाग से एक पुस्तक प्रकाशित

हुई थी। परिवार नियोजन और पीपीआईयूसीडी के लिए प्रशिक्षकों (टीओटी) का प्रशिक्षण। आईवीएफ प्रक्रिया के कुल 300 मामले 42-45% की सफलता दर के साथ किए गए थे।

प्रकाशन

कुमार, ए., शर्मा, डी.एस, वर्मा, एम., लांबा, ए.के, गुप्ता, एम.एम, शर्मा, एस., और पेरुमल, वी. (2018). पीरियडोंटल बीमारी और जेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस के बीच संबंध - एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन। जर्नल ऑफ क्लिनिकल पीरियोडोंटोलॉजी, 45 (8), 920-931.

राणा, ए., अग्रवाल, के., रामजी, एस., गांधी, जी., और साहू, एल. (2018). 34 सप्ताह से कम समय के गर्भधारण के पहले नवजात शिशुओं में विलंबित गर्भनाल की क्लैंपिंग की सुरक्षा : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान, 61 (6), 655-661.

रानी, आर., राठौर, ए.एम, और भसीन, एस. (2019). गर्भावस्था के तीव्र फैटी लीवर में घातक परिणाम और साहित्य की समीक्षा। जर्नल ऑफ रिप्रोडक्शन, कॉन्ट्रेसेप्सन, ओबस्टेट्रिक्स एडं गायनेकोलॉजी, 8 (3), 1197-1199.

सिंह, एस., डागा, एम.के, कुमार, ए., हुसैन, एस.ए, और कार, पी. (2019). एचईवी एसोसिएटेड फेटोमेटर्नल आउटकॅम्स में एस्ट्रोजन और उसके रिसेप्टर्स की भूमिका। लीवर इंटरनेशनल, 39 (4), 633-639.

अनुसंधान परियोजनायें

अशोक कुमार (यूजीसी): गर्भावस्था में विटामिन-डी की खुराक

अशोक कुमार (आईसीएमआर): मधुमेह गर्भवती महिलाओं में प्रीक्लेम्पसिया के लिए भविष्यवाणी मॉडल का विकास।

एम.एम. गुप्ता (आईसीएमआर) : तृतीयक देखभाल अस्पताल में प्रसव के बीच निर्धारक के निर्धारक।

सुधा प्रसाद (आईसीएमआर) : "सहायता प्राप्त प्रजनन से गुजर रही महिलाओं में नैदानिक गर्भावस्था दर और गर्भाशय धमनी प्रवाह(फ्लो) मापदंडों पर योग आधारित तनाव प्रबंधन के साथ परामर्श के प्रभाव का अध्ययन करना"।

आयोजित सम्मेलन

21वें व्यावहारिक पाठ्यक्रम और प्रसूति और स्त्री रोग में सीएमई, सितंबर, 2018.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

अस्मिता एम. राठौर ने एनएआरसीएचआई, नई दिल्ली के वार्षिक सम्मेलन, में 'गर्भावस्था में अल्टर्ड सेंसरियम, पर व्याख्यान दिया। फरवरी, 2018 .

अशोक कुमार ने डिवीजन ऑफ फेटल मेडिसिन, एम्स, दिल्ली द्वारा आयोजित इंट्रापार्टम मॉनिटरिंग और पोस्टपार्टम फॉलोअप, उच्च जोखिम गर्भावस्था पर सीएमई श्रृंखला में व्याख्यान दिया। मई, 2018.

संकायों की संख्या : 17

***

प्रसूति-विज्ञान एवं स्त्री रोग-विज्ञान (यूसीएमएस)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

भारी नैदानिक भार के बावजूद विभाग अकादमिक रूप से बहुत सक्रिय है और प्रसिद्ध जर्नल में इसके कई प्रकाशन हैं। यह विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल है। हमने वर्ष 2018 में प्रतिष्ठित एस.एन मुखर्जी रोटेटिंग ट्रॉफी को दिल्ली-एओजीडी के प्रसूति रोग विशेषज्ञ और स्त्री रोग विशेषज्ञ की नैदानिक बैठकों में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए फिर से प्रस्तुत किया है। हमारे संकाय सदस्यों ने विभिन्न सम्मान और पुरस्कार अर्जित किए हैं और सर्वश्रेष्ठ पेपर/पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों में कई पुरस्कार और पुरस्कार जीते हैं। स्नातकोत्तर शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए यूसीएमएस में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग दिल्ली के अन्य मेडिकल महाविद्यालयों में से एक पसंदीदा विकल्प है। विभाग ने इस वर्ष के दौरान कई सीएमई और कार्यशालाओं का आयोजन किया। हमारी पोस्टग्रेजुएट डॉ. वसुधा गुप्ता और डॉ. निकिता भाटिया ने अक्तूबर और नवंबर, 2018 को आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलनों में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीते। डॉ. आयुषी राठौर और डॉ. अनुश्री ने नोएडा में फरवरी 2018 में आयोजित नॉर्थ जोन युवा फोग्सी क्विज जीता।

सम्मान / गौरव

डॉ. अल्पना सिंह

अनुसंधान कार्य के लिए वर्ष 2018 के लिए जूनियर कोरियन पुरस्कार; "गर्भवती महिलाओं में पैस्सिव स्मोकिंग के संपर्क में आने और फुफ्फुसीय कार्य और गर्भावस्था के परिणाम पर इसके प्रभाव का अध्ययन" शीर्षक। एआईसीओजी, बैंगलुरु, जनवरी, 2019.

"मातृ गर्भावस्था से जुड़े प्लाज्मा प्रोटीन-ए (पैप-ए) के स्तर के रूप में देर से पहली तिमाही में गर्भपात के पूर्वसूचक" शीर्षक पर शोध पत्र हेतु एनएआरसीएचआई, दिल्ली के 25वें वार्षिक सम्मेलन में बेस्ट पेपर (डॉ. गांगुली थीम विषय) के लिए गोल्ड मेडल मिला। फरवरी, 2019.

एफआईसीओजी (इंडियन कॉलेज ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी के फेलो), जनवरी, 2019.

पूर्वी दिल्ली ज्ञान मंच फोरम द्वारा शिक्षकों का शिक्षक पुरस्कार. सितंबर, 2018.

डॉ. गीता राधाकृष्णन

सेवारत चिकित्सकों के लिए दिल्ली राज्य पुरस्कार दिल्ली, फरवरी, 2018.

डॉ. ऋचा शर्मा

एफओजीएसआई - आधिकारिक थीम विषय पर डॉ. सी.एस डॉ.न पुरस्कार (प्रजनन स्वास्थ्य का अनुकूलन)। एआईसीओजी, बैंगलुरु, जनवरी, 2019.

एफओजीएसआई - पद्मभूषण कमलाबाई होस्पेट पुरस्कार, 2018. एआईसीओजी, बैंगलुरु, जनवरी, 2019.

एफओजीएसआई लीडर्स ऑफ़ टुमारो अवार्ड 2019, नॉर्थ ज़ोन युवा एफओजीएसआई कॉन्फ्रेंस, नोएडा। फरवरी, 2019.

प्रथम पुरस्कार - आश्रमन के सिंड्रोम में निदान और चिकित्सीय चुनौतियों पर दोबारा गौर करना : 5 वर्षों का पूर्वव्यापी विश्लेषण। डीजीईएस - ईएसजीई, दिल्ली. अगस्त, 2018.

गोल्ड मेडल (पोस्टर) - हिस्टेरोलैपोस्कोपी के दौरान एक नैदानिक दुविधा। रीजनल जीसीएच एशिया पैसिफिक. 1 और 2 दिसंबर, 2018

एफओजीएसआई छात्रवृत्ति अवार्ड- न्यूनतम गायनेको. सर्जरी (एफएमएएस) में फैलोशिप.

आईसीओजी छात्रवृत्ति अवार्ड- एडवांस्ड इनफर्टिलिटी कोर्स में फैलोशिप, अक्तूबर, 2018.

डॉ. शालिनी राजाराम

प्रेसीडेंट, एसोसिएशन ऑफ गाइनोकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, 2018-2019; प्रेसीडेंट सोसायटी ऑफ वेजिनल सर्जियस, दिल्ली, 2018-19.

सदस्य, एफओजीएसआई ऑन्कोलॉजी समिति 2018-2021; सदस्य, एफओजीएसआई, एंडोमेट्रियोसिस समिति, 2018-2021.

सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान (वरिष्ठ श्रेणी), 2018 के लिए एफओजीएसआई कोरियन पुरस्कार, सर्वाइकल कैंसर के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट का विकास : पारंपरिक परीक्षणों से सेलुलर बायोमार्कर, जीनोमिक्स और एपिजेनेटिक्स, एआईसीओजी, बेंगलुरु, जनवरी, 2019.

एफओजीएसआई ने प्रेसीडेंशियल वर्ष 2017-18 के लिए एओजीडी, एआईसीओजी, बेंगलुरु में बेस्ट सोसाइटी अवार्ड से सम्मानित किया। जनवरी, 2019.

एओजीडी प्रेसीडेंट के ओरेशन 'सर्वाइकल कैंसर के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट का विकास : बायोमार्कर और जीनोमिक्स के युग में प्रवेश', 40वां वार्षिक सम्मेलन एओजीडी दिल्ली, 24 नवंबर, 2018.

आईसीओजी - डॉ. उषा सरैया ने स्त्री "रोग ऑन्कोलॉजी में डिम्बग्रंथि के कैंसर का कारण : क्या यह रोकथाम और उपचार योग्य है? में अतिथि वक्ता के रूप में अक्तूबर, 2018 में कानपुर में व्याख्यान दिया

ए.पी.जे अब्दुल कलाम अवार्ड फॉर एक्सीलेंस दिल्ली गाइनकोलॉजिक फोरम, अगस्त, 2018.

प्रकाशन

अग्रवाल आर, सिंह ए, राधिका ए.जी, वत्स जी.(2019). आश्चर्यजनक रूप से सौम्य हिस्टोपैथोलॉजी अंडाशय की तरह दिखने वाले एक मामले में। द न्यू इंडियन जर्नल ऑफ ओबीजीवाईएन, 5 (2), 142-45.

दिव्या चौहान, सिंह ए.(2019). स्पलिट हाथ/पैर की विकृति : एक केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। जे क्लिन डायग. रेस, 13 (1), 05-06.

गुप्ता वी., जैन एस.(2018). गर्भावस्था में पीलिया। जे इंड एकेड क्लिन मेड, 19 (1), 52-57.

विष्णु भारतीय, ऋचा शर्मा (2018). स्प्लेनिक हेमटोमा मिमिकिंग रुप्चर यूटेरॅस: ए डायग्नोस्टिक डिलेमा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड बेसिक मेडिकल रिसर्च, 8 (2), 132-134.

गुप्ता वी., राधाकृष्णन जी., अरोड़ा वी, सिंह ए.(2018). इवेल्यूशन ऑफ इंडोमेट्रियल स्क्रेचिंग ऑन इनट्रुटेराइन इनसेमिनेशन आउटकम एंड इंडोमेट्रियल रिसेपटिविटी। मेडल ईस्ट फर्टिलिटी सोसाइटी जर्नल, 23, 363-369.

जैन एस., दानोदिया के, सुनेजा ए, मेहंदीरत्ता एम, चावला एस.(2018). भारतीय महिलाओं में डिम्बग्रंथि दुर्भावना का पता लगाने के लिए लक्षण सूचकांक : एक चिकित्सालय आधारित अध्ययन। जे इंड एकेड क्लिन मेड, 19 (1), 27-32.

मीना, यू.के, जैन, एस., वैद, एन.बी, चावला, एस., गुलेरिया, के., मेहंदीरत्ता, एम. (2018). प्रीक्लेम्पसिया में सीरम रेटिनॉल बाइंडिंग प्रोटीन 4 की भूमिका : एक केस कंट्रोल स्टडी। इनडं ओब्सटे. गायनेको.जर्नल, 8 (2), 8-14.

शर्मा आर., सुनेजा ए. (2018). पूर्वी दिल्ली के तृतीयक देखभाल शिक्षण चिकित्सालय में प्रबंधित और संक्रमित आंतरायिक गर्भनिरोधक उपकरण : 5 वर्ष का पूर्वव्यापी विश्लेषण। जे.ऑब्स गायने. इंडस्ट्रीज़, 69 (3): 272-278.

सिंह ए, वर्मा ए.के, श्रीवास्तव ए, शर्मा टी, सुंदरम (2019). गर्भवती महिलाओं में दूसरे हैंडमोक के एक्सपोजर का अध्ययन और फुफ्फुसीय कार्यों और गर्भावस्था के परिणामों पर इसका प्रभाव। इंडियन जे. ओब्स्टेट. गायनेकोल. रे, 6 (1), 11-14.

पुस्तकों अथवा मैनुअल में अध्याय

भास्करन , एस., सुनेजा, ए. (2018). भविष्य के अनुसंधान की रणनीतियाँ और दिशाएँ। आवर्तक गर्भावस्था के नुकसान में, एड मेहता एस, गुप्ता बी. पब : स्प्रिंगर लिंक. अप्रैल, पी.जी. 283-292.

गुलेरिया, के., भानु, पी., चौधरी, ए. (2019). वेजिनल ब्लीडिंग इन लेट ट्रिमेस्टर। ईडीएस. आलोक शर्मा इन लेबर रूम इमरजेंसी। पहला संस्करण.

गुलेरिया, के., शर्मा, आर. (2019). ब्रीच. ईडीएस. आलोक शर्मा इन लेबर रूम प्रोटोकॉल्स फर्स्ट एडीशन रश्मि एम. नार्मल रूम, इन गोयल एन, राजाराम एस, जैन एस, मेहता एस, ईडीएस.

व्यावहारिक परीक्षा के लिए प्रसूति और स्त्री रोग के स्नातकोत्तर मैनुअल। (2018). जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स, नई दिल्ली; 57-72.

राजाराम, एस., भानु, पी. (2019). परिऑपरेटिव मैनेजमेंट ऑफ प्रेग्नेंट वूमेन विथ डायबटीज इन क्लिनिकल गाइडलाइन्स फॉर मैनेजमेंट ऑफ डाइबेटेज इन प्रेग्नेनसी, ईडीएस, सक्सेना पी, पांडे ए, प्रकाश ए, जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स.

रश्मि, एम. (2018). गर्भनिरोधक. इन : गोयल एन., राजाराम एस, जैन एस, मेहता एस, ईडीएस. व्यावहारिक परीक्षा के लिए प्रसूति एवं स्त्री रोग के स्नातकोत्तर मैनुअल। जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स, नई दिल्ली; 353-79.

रश्मि, एम. (2018). आवर्तक(इनकरंट) गर्भावस्था के नुकसान में साक्ष्य आधारित प्रबंधन। इन : एस.मेहता, बी. गुप्ता, ईडीएस. आवर्तक(इनकरंट) गर्भावस्था हानि। स्प्रिंगर, सिंगापुर; 181-96.

अनुसंधान परियोजनायें

किरण गुलेरिया (डीबीटी, भारत सरकार, 2018-22, 27.5 लाख) "दिल्ली वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य प्रभाव-एम.सी कोहर्ट (डीएपीएनएनई)"

अमिता सुनेजा (आईसीएमआर, भारत सरकार, 2018-2020 48 लाख) "आम(कॉमन) कैंसर (मौखिक, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा) की स्क्रीनिंग के लिए सरकारी दिशानिर्देशों का संचालन करने के लिए एसआरआरसीएस और शिक्षण संस्थानों के माध्यम से क्षमता निर्माण - आईसीएमआर टास्क फोर्स का अध्ययन"

आयोजित सम्मेलन

विश्व जनसंख्या दिवस मोबिलाइजेशन पखवाड़ा, जून-जुलाई, 2018.

विश्व जनसंख्या दिवस स्टेबलाइजेशन पखवाड़ा जुलाई, 2018.

परिवार नियोजन, जीटीबी चिकित्सालय द्वारा आयोजित ट्युबेक्टॉमी शिविर। जुलाई, 2018.

एओजीडी एंड एनजेड आरसीओजी के तत्वावधान में सिम्स ब्लैक फेलोशिप व्याख्यान के लिए विदेशी संकाय पैट ओ'ब्रायन द्वारा अतिथि व्याख्यान। अगस्त, 2018.

सोसाइटी ऑफ फेटल मेडिसिन एंड एओजीडी के भ्रूण मेडिसिन एजिस पर सीएमई, अगस्त 2018.

सर्जरी में ऊर्जा स्रोत : एक अद्यतन "एओजीडी, सितम्बर, 2019.

एओजीडी पूर्व-कांग्रेस कोलोप्स्कोपी कार्यशाला। नवंबर, 2018.

प्रसूति एवं स्त्री रोग में हाल ही के अपडेट। दिसंबर, 2018.

संगोष्ठी/ सम्मेलन में प्रस्तुति

अल्पना सिंह ने ऑल इंडिया कांग्रेस ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनोकोलॉजी में "एसेसमेंट ऑफ मेटेरल सीरम ऑफ वेसकुलर इंडोथेलिअल ग्रोथ फैक्टर एंड प्लेसेटल ग्रोथ फेक्टर इन थ्रेटेंड अबोरशन : एक केस कंट्रोल स्टडी" जनवरी, 2019 को बेंगलुरु में प्रस्तुत किया।

अमिता सुनेजा ने पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में फरवरी, 2019 में स्वास्थ्य पेशेवर के संवेदीकरण और प्रशिक्षण पर सीएमई के दौरान "ओपीडी में डिम्बग्रंथि के कैंसर रोगियों के पैटर्न और प्रोफाइल" पर एक व्याख्यान दिया ।

किरण गुलेरिया का मातृ और बाल स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण का प्रभाव - क्या हमारी भविष्य की पीढ़ी सुरक्षित है? - व्यावसायिक, पर्यावरण और लाइफस्टाइल फैक्टर पर फोकस के साथ रिप्रोडक्टिव स्वास्थ्य पर वैश्विक सम्मेलन और रिप्रोडक्शन और प्रजनन के अध्ययन के लिए भारतीय समाज की 29 वीं वार्षिक बैठक (आईएसएसआरएफ), फरवरी, 2019 को जेएनयू कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में।

रश्मि स्पीकर "पीओपी की पैथोफिज़ियोलॉजी" और "प्रोलैप्स के लिए पेसरी उपचार : पेल्विक फ्लोर में फिजियोथेरेपी की भूमिका पर कार्यशाला। डिस्फक्शन : पेल्विक ऑर्गन प्रोलैप्स एंड यूरिनरी इनकंटेंस इन वूमेन" फिजियोथेरेपी विभाग, आईपीएच,दिल्ली द्वारा 4 अप्रैल, 2018 को आयोजित किया गया।.

शालिनी राजाराम ने इंडो-अमेरिकन कैंसर सेंटर, हैदराबाद में 20 जून, 2018 को स्त्री रोग के कैंसर में हार्मोन थेरेपी पर अतिथि व्याख्यान दिया।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

पूर्वी दिल्ली में सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग कैंप
ए.आई.आर. पर संकाय ने रेडियो वार्ता की
संकायों की संख्या : 17

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग के संकाय को एमसीआई, यूपीएससी, डीएमसी, एनबीई, एफओजीएसआई, एओजीडी, एओजीआईएन जैसे विभिन्न अकादमिक निकायों के विशेषज्ञों के रूप में आमंत्रित किया जाता है और विभाग ने एओजीआईएन इंडिया, एनएआरसीएचआई और एओजीडी जैसे विभिन्न संघों के कार्यालय(ऑफिस ऑफ द वेरिऑस एसोसिएशन) का आयोजन किया है। संकाय इन एसोसिएशन्स में प्रमुख पदों पर रहा है और अपने कर्तव्यों का निर्वहन बड़ी जिम्मेदारी के साथ किया है। संकाय को व्याख्यान देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भी आमंत्रित किया जाता है और अपनी विशेषज्ञता को विभिन्न शैक्षिक सम्मेलनों में साझा करता है। यूसीएमएस काउंसलिंग के दौरान स्नातकोत्तरों की पहली पसंद है।

किरण गुलेरिया एमओएचएफडब्ल्यु एवं जी.ओ.आई. के अंतर्गत 'आयरन डेफिशिएंसी एनीमिया की रोकथाम और उपचार पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह तकनीकी परामर्श' की सदस्य हैं; अप्रैल, 2018। फ्रेंच एकेडमी ऑफ मेडिसिन- 'स्वास्थ्य के लिए रिवर्स इनोवेशन' पर एफएएम सम्मेलन में आमंत्रित व्यक्तित्व, मई- जून 2018; सीएचएआईआर- आईसीएमआर : जीडीएम पर जी.ओ.आई. दिशानिर्देशों के संचालन के लिए जीडीएम उप-समिति/कार्य(वर्किंग) समूह, फ़रवरी, 2019

बिंदिया गुप्ता कार्यकारी समिति सदस्य एओजीआईएन भारत हैं; सदस्य एफओजीएसआई ऑन्कोलॉजी समिति 2017-19; वेब एडिटर आईएससीसीपी(इंडियन सोसायटी ऑफ कोलपोस्कोपी और सरवाइकल पैथोलॉजी) 2018-2020.

सांध्य जैन ने वर्ष 2018 में जर्नल 'जेआईएसीएम' में सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए श्रीमती उमा बंसल-प्रोफेसर बी.सी. बंसल पुरस्कार जीता - भारतीय महिलाओं में डिम्बग्रंथि दुर्भावना(ओवेरियन मालिगेंसी) का पता लगाने के लिए लक्षण सूचकांक(सिम्पटॅम्स इंडेक्स)- एक चिकित्सालय आधारित वेधशाला अध्ययन XXVI इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन वार्षिक सम्मेलन पटियाला, नवंबर, 2018; 'रिस्पेक्टफुल मैटरनल केयर' एओजीडी पर सर्वश्रेष्ठ नारे(स्लोगन) के लिए स्वर्ण पदक दिया गया।

***

प्रसूति-विज्ञान एवं स्त्री रोग-विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय भारत का एक अग्रणी संस्थान है, प्रसूति विभाग और स्त्री रोग विभाग की प्रमुख डॉ. आभा सिंह, निदेशक प्रोफसर हैं, जो कि फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिशियन और भारत के स्त्री रोग विशेषज्ञों की चिकित्सा शिक्षा समिति की अध्यक्षा भी हैं। अप्रैल, 18 से मार्च 19 तक की अवधि के दौरान कुल 26 सीएमई/ सेमिनार/कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जिनमें जन जागरूकता कार्यक्रम शामिल थे। एओजीडी का वार्षिक सम्मेलन 24 और 25 नवंबर, 18 को इंडिया हैबिटेट सेंटर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था, जिसमें छह प्रीकांग्रेस कार्यशाला शामिल थीं। उनकी शैक्षणिक सामग्री के लिए उन्हें व्यापक रूप से सराहा गया। प्रतिष्ठित संकाय द्वारा अनुक्रमित जर्नल में कुल 38 प्रकाशन किये गये थे, यह दर्शाता है कि संकाय रेजीडेंट्स को शोध कार्य करने और प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। संकाय को 166 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों और बैठकों के लिए बुलाया गया था ताकि विभिन्न विषयों पर वार्ता की जा सके। डब्ल्युएचओ एसईएआरओ, आईसीएमआर, डीबीटी, डीएचआर द्वारा वित्त पोषित कुल 4 अनुसंधान परियोजनाएं की जा रही हैं। कला राष्ट्रीय कौशल लैब राज्य में वर्ष भर में सेवा और पूर्व-सेवा डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षण प्रदान करती है। विभाग को एमओएचएफडब्ल्यु द्वारा प्रसूति संबंधी आईसीयू एवं एचडीयू हेतु अनुमोदन और निदान केंद्र के नाम से डीबीटी द्वारा जेनेटिक लैब की स्थापना की मंजूरी अच्छी उपलब्धि है।

सम्मान और गौरव

डॉ. आभा सिंह

प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग एसोसिएशन दिल्ली (एओजीडी वर्ष 2018-2019) की प्रेसीडेंट।

होटल ली मेरिडियन में 17 और 18 अगस्त को दिल्ली गायने इंडोस्कोपिस्ट सोसायटी और एओजीडी के अंतर्गत गायने इंडोस्कोपिस्ट के लिए यूरोपीय सोसायटी में में अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया।

होटल क्लेरिजेज, नई दिल्ली में 26.10.2018 को आयोजित इकोनॉमिक टाइम्स हेल्थवर्ल्ड फर्टिलिटी कॉन्क्लेव 2018 में "नार्थ इंडिया के प्रेरणादायक गायनोकोलॉजिस्ट" पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

दिल्ली के मूलचंद चिकित्सालय में गायनेकोन द्वारा भारत के गायनेकोलॉजी के प्रतीक(आइकॉन) पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य-जीओआई पहल पर होटल इरोस, नई दिल्ली में फरवरी, 2019 में एनएआरसीएचआई, दिल्ली के 25वें वार्षिक सम्मेलन में लीलावती घई ओरेशन दिया।

डॉ. मीनक्षी सिंह ने एआईसीओजी जनवरी, 2019 को बैंगलोर में एमआईसीओजी फैलोशिप प्राप्त की।

डॉ. स्वाति अग्रवाल को " डॉ. कामिनी राव ओरेटर" फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एमओजीएसआई) द्वारा वर्ष 2018 के लिए उत्तर क्षेत्र के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया था और रेडिसन ब्लू, नोएडा में फरवरी 2019 में आयोजित नॉर्थ जोन युवा फोग्सी सम्मेलन में प्रतिष्ठित डॉ. कामिनी राव ने एफओजीएसआई थीम "वी फॉर स्त्री(STREE)- सुरक्षित, मजबूत, होशियार" पर ओरेशन दिया।

डॉ. विधी चौधरी को क्लेरिजेज, नई दिल्ली में अक्तूबर, 2018 में आयोजित इकोनॉमिक टाइम्स हेल्थवर्ल्ड फर्टिलिटी कॉन्क्लेव 2018 में "नार्थ इंडिया के प्रेरणादायक गायनोकोलॉजिस्ट" पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

अग्रवाल, के., अत्री, एस., पात्रा, एस., साहा, एस. (2018). रंग डॉ.पलर एडेनोमायोसिस के निदान के लिए अनुप्रस्थ(ट्रांसवेजिनल) अल्ट्रासाउंड की सटीकता को बढ़ाता है। मेडिकल साइंस एंड इनोवेटिव रिसर्च के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 3, 173 - 177.

अग्रवाल, एस., चोपड़ा, के., सक्सेना, पी., सिंह, बी. एंड पिंपारकर, एस. (2018). क्रोनिक अब्रुप्शन इन अर्ली सेकेंड ट्राईमेस्टर मिमिकिंग पार्शियल मोल - एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट । इंडियन जर्नल ऑफ केस रिपोर्ट्स, 4 (1), 22-24.

अग्रवाल, एस., अग्रवाल, के., सिंह, ए. (2019). पूर्ण हाइडेटीफॉर्म मोल और सह-जीवित भ्रूण के साथ जुड़वां गर्भावस्था : एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट। ओपन जर्नल ऑफ ऑबस्ट्रेटिक्स एंड गायनेकोलॉजी । 1: 31-34.

अरोड़ा, ए., विश्वास, आर., दुबे, बी., गोस्वामी , बी., और सक्सेना, एस. (2018). इफेक्ट ऑफ एंटीबायोटिक्स ऑन इनफ्लेमेटॅरी मार्कर(आईएल-6) एंड पेरिनाटल ऑउटकम्स इन वूमेन विथ प्रीटर्म प्रीमेच्योर रुप्चर ऑफ मेम्बरेन्स. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिप्रोडक्शन, कॉन्ट्रेसप्शन, ऑबस्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 7 (10), 4068-4076.

अकृति शुक्ला, पिकी सक्सेना, अमिता यादव (2018). सीरम ग्लूटाथियोन एस ट्रांसफ़रेज़ अल्फा का गर्भावस्था के अंतर्गर्भाशयी कोलेस्टेसिस के बायोमार्कर के रूप में मूल्यांकन। जर्नल ऑफ द एसोसिएशन ऑफ फिजीसियन्स ऑफ इंडिया; 66: 35-38.

विश्वास, आर., चोपड़ा, के., अग्रवाल, एस., और चौधरी, जी. (2018). क्रोनिक अब्रुप्शन ओलिगोहाइड्रामनिओस सीक्वेंस एट 16 वीन्स प्रेग्नेंसी विथ कम्पैनसेन्टेड सीवियर एनीमिया। इजर्नल ऑफ एसएएफओजी, 10 (1), 63-65। doi: 10.5005 / jp-journals-10006-1560.

भसीन, डी., शर्मा, आर., चौहान, ए.के., रंजन, आर. (2019). प्रीइंडक्शन सर्वाइकल रिपनिंग में पीजीई1 मिसोप्रोस्टोल और पीजीई2 डिनोप्रोस्टोन के बीच तुलनात्मक अध्ययन। एनल्स ऑफ इंटरनेशनल मेडिकल एंड डेंटल रिसर्च। 5 (2): OG01-OG03.

ब्लूमेंथल, पी.डी, लर्मा, के., भमराह, आर., सिंह, एस., और समर्पित पीपीआईयूडी इंसर्टर वर्किंग ग्रुप. (2018). तत्काल प्रसवोत्तर आईयूडी सम्मिलन के लिए एक समर्पित पोस्टपार्टम आईयूडी सम्मिलन बनाम फोरसेप्स की तुलनात्मक सुरक्षा और प्रभावकारिता : एक याहच्छिक परीक्षण। गर्भनिरोधक, 98 (3), 215-219.

बोलन्थकोडी, सी., रघुनंदन, सी., सेलि, ए., मोंडल, एस., और सक्सेना, पी. (2018). प्रसवपूर्व योग : प्रसव दर्द और जन्म के परिणामों के उन्मूलन(एलेविएशन) पर प्रभाव। द जर्नल ऑफ अल्टेरनेटिव एंड कॉम्लिमेंटॅरी मेडिसिन, 24 (12), 1181-1188.

जैन, एन., सिंह, ए., भट्टाचार्जी जे., (2018). सीरम होमोसिस्टीन और फोलेट का स्तर पूर्ववर्ती महिलाओं में मातृ-भ्रूण के परिणाम के भविष्यवक्ता के रूप में होता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिप्रोडक्शन, कॉन्ट्रसेप्शन, ओबस्ट्रेटिक एंड गायनेकोलॉजी।

चौधरी, वी., अग्रवाल, के. और नांगिया, ए. (2018). समय से पहले डिम्बग्रंथि विफलता के साथ युवा महिला में प्राथमिक डिम्बग्रंथि लेओमोमा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिप्रोडक्शन एंड कॉन्ट्रसेप्शन, 7 (10), 4301-4304.

प्रसाद, आई., प्रसाद, यू., अग्रवाल, के., और त्रिवेदी, एस.एस.(2018). क्रोमोहिस्टेरोस्कोपी : ए.यू.बी. के पेरिमेनोपॉज़ल महिलाओं में अंतर्गर्भाशयी गुहा घावों के मूल्यांकन में भूमिका। इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 8, 32-35.

चोपड़ा, के., एस., और लाल, पी. (2018). प्री-एक्लम्पसिया में अंतर्गर्भाशयी फोइटल डिमाइस - मिफेप्रिस्टोन की भूमिका : एक केस श्रृंखला। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिप्रोडक्शन, कॉन्ट्रसेप्शन, ऑबस्ट्रेटिक एंड गायनेकोलॉजी, 7 (7), 2952. doi: 10.18203 / 2320-1770.ijrcog20182914.

गर्ग, एम., जैन, ए., गोस्वामी, बी., पुरी, एम. (2018). पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम के साथ महिलाओं में पेरोक्सीसोम प्रोलिफ़ेर एक्टिवेटेड रिसेप्टर γ Pro12Ala पॉलीमोर्फिज़्म। 22 (2), 132-137.

कौर, एल., पुरी, एम., सरस्वती, के.एन., त्रिवेदी, एस.एस., सचदेवा, एम.के. (2018). आवर्तक गर्भावस्था नुकसान विस-ए-विस एनीमिया और विटामिन (फोलेट/बी12)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ गर्वनेंस इमीबेलेंश।

कंसारा, एम., यादव आर. (2019). प्रारंभिक सीजेरियन निशान एक्टोपिक गर्भावस्था-रूढ़िवादी दृष्टिकोण के प्रबंधन के लिए इंजेक्शन मेथोट्रेक्सेट की मल्टी खुराक रेजिमेंट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च, 8 (1), 1947-1950.

कुमार, एम., सिंह, एस., शर्मा, के. सिंह, आर., रवि, वी., गुप्ता, यू., और भट्टाचार्जी, जे. (2018). रिफ्रेंस सेंटाइल चार्ट्स ऑफ फर्स्ट-ट्राइमेस्टर अनेयुप्लॉइड स्क्रीनिंग एंड डॉ.पलर पैरामीटर्स फॉर इंडियन पापुलेशन। द इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 148 (4), 427-434.

कुमार, एम., गर्ग, एन., हसीजा, ए., प्रीतम, ए., शुक्ला, पी., वनमैल, पी., और रॉय चौधरी, एस. (2018). भ्रूण वेंट्रिकुलोमेगाली के 263 मामलों के दो वर्ष के बाद के परिणाम। जर्नल ऑफ मेटर्नल-फिटेल एंड निओनेटल मेडिसिन, 1-7.

कुमार, एम. (2018). अल्ट्रासोनोग्राफी और ऑटोप्सी कोररिलेशन ऑफ फेटल हाइपोप्लास्टिक लेफ्ट हार्ट सिंड्रोम। जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल अल्ट्रासाउंड, 46 (7), 480-482.

कुमार, एम., झा, वी., और सिंह, ए. (2018). नॉनइम्यून हाइड्रोप्स फेटलिस : फैक्टर्स जो आउटकम का अनुमान लगाते हैं। द जर्नल ऑफ़ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ़ इंडिया, 68 (3), 197-203.

कुमार, एम., गुप्ता, ए., कुमार, वी., हांडा, ए., बलियान, एम., मीना, जे., और रॉयचौधरी, एस. (2018). मेनेजमेंट ऑफ सीएचएओएस बाय इनटेक्ट कोर्ड रेसुसिटेशन : केस रिपोर्ट एंड लिटरेचर रिव्यू। जर्नल ऑफ मेटर्नल-फेटल एंड नियोनेटल मेडिसिन, 1-7.

लाल, पी., सिंह, ए., (2018). पीपीआईयूसीडी की स्वीकार्यता और जटिलताओं पर एक पूर्वव्यापी विश्लेषण. इंट. जे रिप्रोड. कॉन्ट्रसेप्शन, ओबस्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 7 (11), 4536-4539.

लाल, पी., पांडे, एन., और सिंह, ए. (2018).द पीपीआईयूसीडी सम्मिलन की स्वीकार्यता और जटिलताओं पर पूर्वव्यापी विश्लेषण। जर्नल ऑफ रिप्रोडक्शन, कॉन्ट्रसेप्शन, ओबस्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 7 (11), 4536. doi: 10.18203 / 2320-1770.ijrcog20184503.

मिश्रा, जे., पुरी, एम., सचदेवा, एम.पी., कौर, एल., कल्लूर, के.एन. (2018). हाइपरहोमोसिस्टीनमिया और झिल्ली(मेमब्रान्स) में समयपूर्व फटना में फोलेट की कमी : एक चिकित्सालय-आधारित केस नियंत्रण अध्ययन। वूमेन हेल्थ, इश्यूज केयर, 2325-9795.

मिश्रा जे, पुरी एम, सरस्वती के.एन. (2018). MTHFR C677T जीन बहुरूपता उत्तर भारतीय महिलाओं में झिल्ली(मेमब्रॉन्स) के समय से पहले टूटने से जुड़ा नहीं है। जीन रिपोर्ट, 13, 24-27.

मिश्रा, जे., कौर, एल., यादव, एस., पुरी, एम., सचदेवा, एम.पी., सरस्वती, के.एन. (2019). MTHFR जीन विशिष्ट मिथायलेशन और सामान्य गर्भायवस्था में वैश्विक मिथायलेशन पैटनर्स। एक पायलट अध्ययन (भारत)। मेटा जीन 19, 203-206.

मिश्रा, ए., आर्य, पी., और सक्सेना, पी. (2018). गर्भावस्था में मधुमेह : संतान(ऑफस्प्रिंग) पर दीर्घकालिक प्रभाव गर्भाशय में शुरू होता है। यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एंड मेडिकल रिसर्च (ईजेएमपीआर), 5 (1), 373-374.

मनीषा, के., और अस्मिता, बी.एच (2018). चिकित्सकों की जानकारी और मरीजों की समझ की सहमति की समझ : नैदानिक प्रैक्टिस में चुनौतियां।

नायर, एस., केशकर, एम., आर्य, ए., पुरी, एम. (2018). गेस्टेशनल गिगेंटोमास्टिया : ए रेअर केस। जे.एस.एम क्लिनिकल केस रिपोर्ट, 6 (4), 1157.

प्रसाद, आई., त्रिवेदी एस.एस., और अग्रवाल, के. (2017). एंडोमेट्रियल डिसीज वक रुल्ड आऊट बाय ए होमोजेनेसली लाइट स्टेंड इंडोमेट्रिअम ऑन क्रोमोहिस्टेरासोपी। गलोबल जर्नल फॉर रिसर्च एनालिसिस, 16 (2).

पिंकी सक्सेना, रक्षा सोनी, वी.एस रंधावा, नैन सिंह. (2018). क्या सेमिनल IL-8 लेवल को ल्यूकोसाइटोस्पर्मिया के मार्कर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है और क्या यह इनफर्टाइल कपल्स में वीर्य पैरामीटर के साथ कोई सहसंबंध है। जर्नल ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनोकोलॉजी ऑफ इंडिया https://doi.org/10.1007/s13224-018-1188-3.

प्रवीना, एस., आशा, जी., सुनीता, एम., अंजू, जे., और रत्ना, बी (2018). योग प्रारंभिक पोस्टमेनोपॉज़ल महिलाओं में हृदय सुरक्षा प्रदान करता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ योगा, 11 (1), 37-43.

प्रतिभा, पी।, राठी, एस., तोमर, एस., सिंह, एम, रंजन, आर., और शर्मा, आर. (2018). प्राथमिक प्रसवोत्तर रक्तस्राव - रुग्णता(मोरबिडिटी) और मृत्यु दर(मोरटालिटी)। एनल्स ऑफ इंटरनेशनल मेडिकल एंड डेंटल रिसर्च, 4 (4)। doi: 10.21276 / aim Dr. 2018.4.4.og2 .

सिंह, ए., और कुमार, एम. (2019). दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में स्टिलबर्थ के कारण का एक का विश्लेषण : डब्ल्यु.एच.ओ. एसईएआरओ परियोजना में एक योगदान। द जर्नल ऑफ़ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ़ इंडिया, 69 (2), 155-160.

सरस्वती, के.एन., कौर, एल, तलवार, एस., मिश्रा, जे., हुइद्रोम, एस., सचदेवा, एम.पी., पुरी, एम. (2018). मिथाइलनेटेट्राहाइड्रोफ्लोटरेडेसन जीन स्पेसिफिक मिथाइलेशन एंड रिकरंट मिसकैरेज : ए केस कंट्रोल स्टडी फ्राम नार्थ इंडिया।

सैनी, आर., यादव, आर., और पाठक, बी. गर्भाशय ग्रीवा की लंबाई का उपयोग, जुड़वां गर्भावस्था में प्रसव पूर्व प्रसव के पूर्वसूचक के रूप में 22 से 26 सप्ताह में ट्रांसवागिनलसोनोग्राफी द्वारा मापा जाता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिप्रोडक्शन कोन्ट्रेसेप्शन ऑबस्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 7(9), 3591.

सिन्हा एम. प्रवीना, गांधी आशा , मोंडल सुनीता , जैन अंजू , 1 और विश्वास रत्ना (2018. योग प्रारंभिक पोस्टमेनोपॉज़ल महिलाओं में कार्डियोवास्कुलर सुरक्षा प्रदान करता है। इंट जे योग. जन-अप्रैल; 11 (1: 37-43).

सक्सेना, पी., सोनी, आर., रंधावा, वी. एस। और सिंह, एन। क्या सेमिनल आईएल -8 स्तर को ल्यूकोसाइटोस्पर्मिया के मार्कर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है और क्या इनफर्टाइल कपल्स में सेमेस्टर पैरामीटर्स के साथ इसका कोई संबंध है? जर्नल ऑफ़ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ़ इंडिया, 1-6।

शुक्ला, ए, सक्सेना, पी., और यादव, ए. (2018). गर्भावस्था के अंतर्गर्भाशयी कोलेस्टेसिस के बायोमार्कर के रूप में सीरम ग्लुटाथियोन-एस ट्रांसफ़रेज़-अल्फा का मूल्यांकन। जर्नल ऑफ द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, 66,35-38.

सिंह, एम., रंजन, आर., मीनाक्षी, पाल, आर., दास, जे., और गुप्ता, एस. (2018). एक विकासशील देश में चिकित्सा चिकित्सकों के खिलाफ हिंसा का महामारी विज्ञान(इपिडेमिओलॉजी)(2006-2017)। जर्नल ऑफ हेल्थ रिसर्च एंड रिव्यूज , 5 (3), 153. doi: 10.4103 / jrr.jhrr_84_17.

यादव, आर., और श्रीवास्तव, ए. (2019). किशोरावस्था में अट्रैक्टिव डिसमेनोरिया : लैप्रोस्कोपिक रूडिमेंटरी हॉर्न एक्सिशन के दो मामलों की एक श्रृंखला। जर्नल ऑफ केस रिपोर्ट्स, 9 (1), 15-18.

पुस्तकों में योगदान दिया

अग्रवाल कविता, सक्सेना, पी. प्लेसेंटा इन डायबिटिक प्रेग्नेंसी। इन : पिकी सक्सेना, अलका पांडे, अनुपम प्रकाश (ईडीएस)। (2018)। गर्भावस्था में मधुमेह के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशानिर्देश। पहला संस्करण। नई दिल्ली : एफओजीएसआई पब्लिकेशन, जेपी पब्लिशर्स; 2018. पी 149-153.

मिश्रा, ए., सक्सेना, पी. भ्रूण गर्भावस्था में मधुमेह की निगरानी करते हैं। इन : पिकी सक्सेना, अलका पांडे, अनुपम प्रकाश (ईडीएस)। (2018)। गर्भावस्था में मधुमेह के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशानिर्देश। प्रथम संस्करण। नई दिल्ली: एफओजीएसआई पब्लिकेशन, जेपी पब्लिशर्स; 2018.p 135-142.

नैना, एस. ने “सीएमएस-प्रसाद कंबाइंड मेडिकल सर्विसेज-5वें संस्करण 2018 के लिए व्यापक गाइड” पुस्तक में योगदान दिया।

निगम, ए., सक्सेना, पी. बैरिएट्रिक सर्जरी और गेस्टेशनल डायबिटीज़ : इम्प्लीकेशन्स। इन : पिकी सक्सेना, अलका पांडे, अनुपम प्रकाश (ईडीएस) .. गर्भावस्था में मधुमेह के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशानिर्देश। पहला संस्करण। नई दिल्ली : एफओजीएसआई पब्लिकेशन, जेपी पब्लिशर्स; 2018.p 192-200.

पुरी, एम. ने मातृ पोषण चिकित्सा पर एक अध्याय का योगदान दिया : गर्भावस्था संस्करण 2018 में मधुमेह के प्रबंधन में क्लिनिकल गाइड नामक पुस्तक में जीडीएम के प्रबंधन में एक शीट एंकर। पिकी सक्सेना, अलका पांडे, अनुपम प्रकाश जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स दिल्ली।

पुरी, एम. ने गर्भावस्था में एनीमिया पर प्रसूति और स्त्री रोग में विश्व क्लिनिक के 10 वें संस्करण में दो अध्यायों में योगदान दिया है, जो एनीमिया, क्रोनिक एनीमिया के अवलोकन का इनटाइटल है।

पिकी सक्सेना, अलका पांडे, अनुपम प्रकाश (ईडीएस)। (2017). गर्भावस्था में मधुमेह के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशानिर्देश। पहला संस्करण। नई दिल्ली : एफओजीएसआई पब्लिकेशन, जेपी पब्लिशर्स।

सक्सेना, पी., निगम, ए. गर्भावस्था में हाइपरग्लेसेमिया की जांच और निदान। चुनौतियां और विवाद। इन: पिकी सक्सेना, अलका पांडे, अनुपम प्रकाश (ईडीएस)। (2018)। गर्भावस्था में मधुमेह के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशानिर्देश। प्रथम संस्करण। नई दिल्ली : एफओजीएसआई पब्लिकेशन, जेपी पब्लिशर्स; 2018. पृष्ठ.32-41.

सक्सेना, पी., गुप्ता, आर. गर्भावस्था में मधुमेह के रोगियों के लिए शारीरिक गतिविधि। इन : पिकी सक्सेना, अलका पांडे, अनुपम प्रकाश (ईडीएस)। (2018). गर्भावस्था में मधुमेह के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशानिर्देश। प्रथम संस्करण। नई दिल्ली : एफओजीएसआई पब्लिकेशन, जेपी पब्लिशर्स; 2018. पी 66-73.

सिंह, ए. ने ऑब्स्टेट्रिक्स की अनिवार्य पुस्तक में एंटीपार्टम् हैमरेज में योगदान दिया। संपादक पूनम सचदेवा और स्वराज बत्रा. दिआइमे प्रकाशन।

सक्सेना, पी. सिंह, ए., सोनी, आर. ने मधुमेह गर्भावस्था में मैक्रोसोमिया के प्रबंधन में चुनौतियां- अध्याय में योगदान दिया। गर्भावस्था में मधुमेह के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशानिर्देश। नई दिल्ली : एफओजीएसआई पब्लिकेशन, जेपी पब्लिशर्स; 2018.p 128-134 .: संपादक पिकी सक्सेना, अलका पांडे, अनुपम प्रकाश (एड्स)। (2018).

सक्सेना, पी. गुप्ता, पी. ने जीडीएम के बाद पोस्टपार्टम प्रबंधन। इन : पिकी सक्सेना,, अलका पांडे, अनुपम प्रकाश (ईडीएस)। गर्भावस्था में मधुमेह के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशानिर्देश। प्रथम संस्करण। नई दिल्ली : एफओजीएसआई पब्लिकेशन, जेपी पब्लिशर्स; 2018. पी 162-168.

सक्सेना, पी., गौर, जे. गर्भावधि मधुमेह के साथ माताओं में स्तनपान के लाभ। इन : पिकी सक्सेना, अलका पांडे, अनुपम प्रकाश (ईडीएस)। गर्भावस्था में मधुमेह के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशानिर्देश। पहला संस्करण। नई दिल्ली: एफओजीएसआई पब्लिकेशन, जेपी पब्लिशर्स; 2018.p 169-176.

सक्सेना, पी., गोयल, एन., राजाराम, एस. स्पीसीमेंस इन : प्रैक्टिकल मैनुअल ऑफ़ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी फॉर पोस्टग्रेजुएट। नई दिल्ली। जेपी पब्लिशर्स। 2018 प्रिंट में.

सिंह, ए, ने आलोक शर्मा कृत प्रसव कक्ष पर पुस्तक में आईयूजीआर पर एक अध्याय लिखा । 11 नवंबर, 2018 आईएसबीएन 978-981-10-4953-8.

जर्नल

विभाग द्वारा प्रकाशित- एओजीडी मासिक बुलेटिन विभाग द्वारा प्रकाशित किया गया था।

संपादक : डॉ. रत्ना विश्वास, सह संपादक : डॉ. पिकी सक्सेना, डॉ. स्वाति अग्रवाल।

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ. आभा सिंह, डॉ. जयश्री भट्टाचार्जी, डॉ. शालिनी सिंह, डॉ. मनीषा कुमार (डीएचआर - आईसीएमआर, जीआईए स्कीम के अंतर्गत 56,00,000/-) प्लेसेंटल प्रोफाइल में सीरियल परिवर्तन का अध्ययन और गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप की भविष्यवाणी में इसकी भूमिका।

डॉ. आभा सिंह, डॉ. पिकी सक्सेना : नेशनल स्किल लैब, एलएचएमसी एमओएसएफडब्ल्यु मंत्रालय से प्रशिक्षकों के वेतन के लिए धनराशि भेजी गई।

डॉ. मनीषा कुमार, डॉ. आभा सिंह (आईसीएमआर टास्कफोर्स परियोजना 30,000/-) सम्मानजनक मातृ देखभाल।

डॉ. जयश्री भट्टाचार्जी, डॉ. पिकी सक्सेना (आईसीएमआर रुपए34,06,669) क्लोमिफेने साइट्रेट के साथ पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम से पीड़ित महिलाओं के इंसुलिन प्रतिरोध पर N एसिटाइल सिस्टीन और मेटफोर्मिन थेरेपी की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

आयोजित सेमिनार

प्रीमेक्लेम्पसिया पर सीएमई, एस.जे ऑडिटोरियम एलएचएमसी मई, 2018

बांझपन अद्यतन, बांझपन समिति, एफओजीएसआई, जून, 2018

गर्भावस्था में यकृत रोग पर सी.एम.ई., जुलाई, 2018

सम्मेलन / सिम्पोजिया / सेमीनारों / कार्यशालाओं / सी.एम.ई.

एलएचएमसी में विद्यार्थियों और रेजीडेंट्स के लिए नॉटिंग एंड सुटुरिंग कौशल पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। फरवरी, 2018.

नॉटिंग एंड सुटुरिंग कौशल पर पोस्ट कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप मेडिकॅस कोवेंटॅस 2018, जून, 2018.

स्वर्ण जयंती ऑडिटोरियम एलएचएमसी में सीएनई के एक भाग के रूप में नर्सिंग अधिकारियों के लिए पीपीएच पर कार्यशाला। अगस्त, 2018.

लक्ष्या के सफल कार्यान्वयन के लिए नर्सिंग पेशेवरों के लिए गुणवत्ता सुधार पर कार्यशाला। नवंबर., 2018.

स्वर्ण जयंती सभागार एलएचएमसी में 40वें वार्षिक सम्मेलन एओजीडी में "ओव्यूलेशन इंडक्शन और आईयूआई" पर पूर्वधारणा कार्यशाला। नवंबर, 2018.

पीपीटीसीटी पर गायने. ओ.पी.डी. में जन जागरूकता कार्यक्रम। नवंबर, 2018.

माता-पिता से बच्चों में एचआईवी के संचरण के रोकथाम पर सीएमई। दिसंबर, 2018.

एलएचएमसी, नई दिल्ली में जीडीएम पर सीएमई में यू आर व्हाट योर मदर एट : एन इसाइट इनटू इन्ट्रायुटेराइन प्रोग्रामिंग” नवंबर, 2018.

एलएचएमसी में गर्भावस्था में मधुमेह पर जन जागरूकता कार्यक्रम। नवंबर., 2018.

मेडिकल एजुकेशन हॉल, एसजे ऑडिटोरियम, लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय में विश्व जनसंख्या दिवस, जीओपीडी और सीएमई सह हैंड्स पर वर्कशॉप के अवसर पर गर्भनिरोधक पर सार्वजनिक मंच। जुलाई, 2018.

गायने. ओपीडी, एलएचएमसी और एसएसके चिकित्सालय, नई दिल्ली में विश्व नसबंदी पखवाड़े के अवसर पर "गर्भनिरोधक के स्थायी तरीकों" पर जन जागरूकता कार्यक्रम और प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। नवंबर, 2018.

पूरे भारत में, मेडिकल महाविद्यालयों के लिए “पेरिपार्टम हिस्टेरेक्टोनी और पेल्विक ऑर्गन प्रोलेप्स” पर प्रात: 9.15 से 10.15 बजे तक एक घंटे के कार्यक्रम की वेबिनार और लाइव स्ट्रीमिंग की गइ। मार्च 2019 .

सेमिनार / सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय) (चयनित)

आभा सिंह ने मौखिक शोध पत्र प्रस्तुति सत्र में तृतीयक चिकित्सालय मॉडरेटर/अध्यक्षा में मटर्नल नियर मिस पर पेपर प्रस्तुत किया। क्योंकि लाइव स्टेशन में कार्यशाला में अंतर्राष्ट्रीय संकाय ने "ऑक्सीजन थेरेपी और गैर इनवेसिव वेंटीलेटर" का प्रदर्शन किया। एफआईजीओ, 22वें वर्ल्ड कांग्रेस इन गाकनेकोलॉजी एंड ओबस्टेट्रिक रियो डी जनेरियो, ब्राजील, अक्तूबर, 2018 .

मंजू पुरी ने मई, 2018 एम्स दिल्ली में प्रसूति भ्रूण चिकित्सा पर एक सीएमई में गर्भावस्था आहार और चिकित्सा प्रबंधन में हाइपरग्लाइकेमिया पर वार्ता की।

मनीष कुमार ने "भ्रूण वेंट्रिकुलोमेगाली के परिणाम: दस वर्ष के आंकड़े पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। एफआईजीओ, 22वें वर्ल्ड कांग्रेस इन गाकनेकोलॉजी एंड ओबस्टेट्रिक रियो डी जनेरियो, ब्राजील, अक्तूबर, 2018.

रीना स्पीकर प्रेग्नेंसी में एलएफटी एओजीडी, एलएचएमसी सीएमई ऑन लिवर की बीमारी की व्याख्या : साक्ष्य आधारित अपडेट - एलएचएमसी - जुलाई, 2018.

विधी चौधरी स्पीकर : विनाशकारी संचालन को एओजीडी, एलएचएमसी के आधुनिक प्रसूति विज्ञान वार्षिक सम्मेलन में जगह मिली है। नवंबर, 2018.

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

नेशनल स्किल लैब विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागियों को लेबर रूम और प्रसूति कौशल का प्रशिक्षण प्रदान करता है

संकायों की संख्या : 22

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

मनीषा कुमार को वर्ष 2018 के लिए एफओजीएसआई द्वारा भ्रूण चिकित्सा में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए रजत रे पुरस्कार (द्वितीय रनर अप) दिया गया।

सोनाली जैन, रत्ना बिस्वास, रितु सिंह को इंडिया हैबिटेट सेंटर, दिल्ली के एओजीडी के 40वें वार्षिक सम्मेलन में “एसोसिएशन ऑफ प्लेसेंटल ग्रोथ फैक्टर विथ सीवरिटी ऑफ प्रीक्लेम्प्सिया एंड एडवर्स फ्रटो-मेटेरनल आउटकम केटेगरी” शीर्षक पर कम्पेटिशन पेपर में तृतीय पुरस्कार दिया गया।

शारदा पात्रा को वर्ष 2018 के लिए एफओजीएसआई द्वारा प्रसूति और स्त्री रोग में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए कोरियन पुरस्कार (प्रथम रनर अप) दिया गया।

***

अस्थि रोग विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

ऑर्थोपेडिक्स विभाग, मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय ने उच्च शैक्षणिक मानक के कई लेख प्रकाशित करना जारी रखा है और इनमें ऑर्थोपेडिक्स विभाग, मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय ने दोनों स्नातक-पूर्व और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए ऑर्थोपेडिक्स के क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा के उच्च स्तर को बनाए

रखना जारी रखा है। विभाग को ख्याति अंतर्राष्ट्रीय प्राप्त जर्नल में पियर रिव्यु में प्रकाशित/स्वीकार किया गया है उन्होंने ख्याति पुस्तकों में अध्यायों में योगदान दिया है। संकाय सदस्यों ने अतिथि व्याख्यान दिए हैं और अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में पेपर प्रस्तुत किए हैं और उन्हें देश भर के विभिन्न पाठ्यक्रमों और मंचों में अतिथि संकाय और विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया है। विभाग ने ऑर्थोपेडिक्स में लोकप्रिय पोस्ट ग्रेजुएट इंस्ट्रक्शनल कोर्स का सफलतापूर्वक संचालन करना जारी रखा, जिसने देश भर के 300 से अधिक पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थियों को आकर्षित किया। संकाय के अधिकांश सदस्यों को विभिन्न विश्वविद्यालयों में परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया है और मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया और नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन में शामिल हैं और चिकित्सा परीक्षा के लिए योगदान दिया है।

सम्मान / गौरव

डॉ. ललित मैनी को स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्ट नवाचार के लिए रोटरी वोकेशनल अवार्ड 2018 मिला; इंडिया इंटरनेशनल सेंटर जून, 2018.

पेटेंट हेतु आवेदन : बेडिंग ऑफ ऑर्थोपेडिक प्लेट्स, इंडियन एप्लीकेशन नं. 201771103856З, आवेदक: आईआईटी दिल्ली, इन्वेंटर्स : डॉ. सुनील झा और डॉ. ललित मैनी।

प्रकाशन

भटनागर एन , शर्मा एस , लिंगैया पी , जयकुमार के , तिवारी ए . (2018). एक बच्चे में अनियंत्रित फ्रैक्चर मेडियल कंडेल : एक केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। जे आर्थोपेडिक्स केस रिपोर्ट। 8 (2): 65-68.

भटनागर एन , शर्मा एस , गौतम वी.के, कुमार ए , तिवारी ए . (2018). भारतीय जनसंख्या में घुटने के सहज अस्थिकोरक के लक्षण, प्रबंधन और परिणाम। इंट ऑर्थोपेडिक्स। 42 (7): 1499-1508.

गौतम वी.के, कुमार ए., अग्रवाल एम, सैनी आर, शर्मा एस, सबत डी. (2018). पूरे घुटने के रिप्लेसमेंट के पोस्ट-ऑपरेटिव रोगियों में एनाल्जेसिया के लिए दो कॉकटेल के पेरी आर्टिकुलर इनफिल्टरेशन का तुलनात्मक मूल्यांकन। जे आर्थोस्कोपी संयुक्त सर्जरी। https; // doi.org/10.1016/j.jajs.2018.11.001.

हरना बी , सबत डी. (2018). कॉम्प्लेक्स कार्पल इंजरी का एक दुर्लभ मामला : डायवर्जेंट ट्रेपेज़ियम-ट्रेपेज़ॉइड फ्रैक्चर डिस्लोकेशन। जे हैंड माइक्रोसर्जरी। 10 (3): 150-154.

हरना बी, दत्त द्विवेदी डी, पिप्पल एच.के, सबत डी. (2018). बिकॉन्डिलर कोनज्वाइंट हॉफा'एस फ्रैक्चर विथ पटेला इनट्रेप्पड इन द फ्रैक्चर : एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट। जे क्लिन ऑर्थोपेडिक्स ट्रॉमा। 9 (सप्ल 2): एस 35-एस 38.

हरना बी, सबत डी (2018). आर्थोपेडिक्स में सीरिंज के अभिनव उपयोग । इंट जे करंट रेस, 10 (3): 66421.

कश्यप ए , कडूर एस , मिश्रा ए , अग्रवाल जी , मीना ए , मैनी एल । (2018). सरवाइकल पेडिकल स्क्रू गाइडिंग जिग, एन इनोवेटिव सोल्युशन। जे क्लिन ऑर्थोपेडिक्स ट्रॉमा। 9 (3): 226-229.

कर्कूर वाई , तिवारी ए , मैनी एल , बंसल वी , ककरालिया ए. (2018). भारतीय जनसंख्या में पैल्विक इनलेट और आउटलेट रेडियोग्राफिक दृश्य का रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन। जे क्लिन ऑर्थोपेडिक्स ट्रॉमा। 9 (4): 334-337.

कुमार वी , भटनागर एन , लोधी जे.एस . (2018). एक युवा पेशेवर एथलीट में ग्रेड । ओस्टियोचोन्ड्रिटिस डिसेकैन। इंडियन जे आर्थोपेडिक्स। 52 (4): 344-352.

ललित एम, अंकुर एस, अंशुल जी, अमित एस, सुरभि आर.(2018). भारत की जनसंख्या में एकल रेडियस बनाम मल्टी-रेडी कुल घुटने आर्थ्रोप्लास्टी में घुटने कीनेमेटीक्स का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। जे बायोमेड इंजीनियरिंग बायोस्क 1 (3): 1-8.

लिंगैया पी , जयकुमार के., सुरल एस, ढाल ए. (2018). फुट ड्रॉप के लिए प्रारंभिक कण्डरा(टेनडोन) स्थानांतरण का कार्यात्मक मूल्यांकन। जे ऑर्थोपेडिक सर्ज 26 (3): 2309499018799766.

मैनी एल (2018). 3 डी प्रिंटिंग, आर्थोपेडिक सर्जरी में एक नया उपकरण। जे. बोन एंड ज्वाइंटDis.33 (3): 2-4.

मैनी एल, वैश्य आर, लाल एच. (2018). क्या 3 डी प्रिंटिंग डॉक्टरों से सर्जिकल प्लानिंग छीन लेगी? जे क्लिन ऑर्थोपेडिक्स ट्रॉमा. 9 (3): 193.

मैनी एल , वर्मा टी , शर्मा ए , शर्मा ए , मिश्रा ए , झा एस. (2018). एसिटाबुलर फ्रैक्चर फिक्सेशन में रोगी-विशिष्ट पूर्व-समोच्च(प्री-कोनचर्ड) प्लेट के लिए वर्चुअल सर्जिकल प्लानिंग की सटीकता का मूल्यांकन। आर्क ऑर्थोपेडिक ट्रामा सर्जन. 138 (4): 495-504.

मैनी एल, मिश्रा ए, अग्रवाल जी, वर्मा टी, शर्मा ए, त्यागी ए. (2018). एनाटोमिकल पोस्टीरियर कॉलम प्लेट के डिजाइन में 3 डी प्रिंटिंग। जे क्लिन ऑर्थोपेडिक्स ट्रॉमा. 9 (3): 236-240.

पुष्पसेकरन एन , गुप्ता डी , कश्यप ए. , अरोड़ा एस , गुप्ता ए.के. (2018). ट्यूबरकुलर सैक्रोइलाइटिस मासक्युरेडिंग में सहवर्ती मेथिसिलिन प्रतिरोधी स्टैफिलोकोकस ऑरियस संक्रमण, जो कि एंटी-ट्यूबरकुलर दवा प्रतिरोध के रूप में होता है : आणविक निदान हेतु भूमिका। इंडियन जे. ट्युबरकुलोसिस. 65 (4): 350-355। doi: 10.1016 / j.ijtb.2018.05.022.

शर्मा ए, लोधी जे.एस, लिंगैया पी, कुमार ए, अरोड़ा एस. (2018). हेमोफिलिया ए की एक असामान्य प्रस्तुति : रेडियस के बाहर के अंत के स्यूडोट्यूमर - विशालकाय कोशिका ट्यूमर के रूप में मासक्युरेडिंग। जे हैंड माइक्रोसर्जरी. 2018; 1.

तिवारी ए , कर्कूर वाई , मैनी एल. (2018). कूल्हे(हिप) के तपेदिक में पूरा कूल्हा प्रतिस्थापन : एक व्यवस्थित समीक्षा। जे क्लिन ओथोपेडिक्स ट्रॉमा। 9 (1): 54-57.

तिवारी वी , कर्कूर वाई , दास ए. (2018). कोनकॅमिटेंट पोस्टेरोलॉजिकल एल्बो डिसोक्युलेशन विथ इप्सिलेटरल कोम्मिनुटेड इंट्रा-आर्टिकुलर डिस्टल रेडियस फ्रैक्चर : ए दुर्लभ आर्थोपेडिक परिदृश्य। कुरेयस 3, 10 (3): e2264.

तिवारी ए, मोहिंद्रा एम, थोरा ए, सुरल एस, धल ए. (2018). अन्टेरियॅर रिकॉन्सट्रक्शन ऑफ स्पाइन बाय पोस्टेरियॅर एप्रोच इन केसस ऑफ अनस्टेबल थोरैकोलम्बर ब्रॅस्ट फ्रैक्चर्स। इंट जे आरएस ऑर्थोपेडिक्स 4, (3): 2018.

विवेक बंसल, अभिषेक मिश्रा, तरुण वर्मा, ध्रुव मैनी, युगल करखुर, एल. मैनी. (2018). भारतीय जनसंख्या में टिबियल घटक डिजाइन के लिए पूरे घुटने की आर्थ्रोप्लास्टी में टिबियल रेसेक्शन की सतह आकृति विज्ञान का एन्थ्रोपोमेट्रिक मूल्यांकन । जे आर्थ्रोस्कोपी ज्वाइंट सर्जि. 5 (1): 24-28.

वैश्य आर , मैनी एल , वैश ए. (2018). सर्जन को भारत में सुरक्षित बनाना। इंडियन जे आर्थोपेडिक्स. 2 (2):212-213.

वर्मा टी, मिश्रा ए, अग्रवाल जी, मैनी एल. (2018). फैमोरो-एसिटाबुलर इम्पिंजमेंट के कैम प्रकार के लिए सर्जरी में तीन आयामी मुद्रण का अनुप्रयोग। जे क्लिन ऑर्थोपेडिक्स ट्रॉमा. 9 (3): 241-246.

वैश्य आर , मैनी एल , लाल एच . (2018). जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा की एक यात्रा । जे क्लिन ऑर्थोपेडिक्स ट्रॉमा. 9 (4): 277-280.

वर्मा टी , मिश्रा ए , अग्रवाल जी , मैनी एल. (2018). थ्री डायमेंशनल सर्जिकल प्लानिंग फॉर मोसैस्प्लास्टी इन चोंड्रोब्लास्टोमा ऑफ फिमोरल हेड विथ अर्टीकुलर डिजरप्शन। जे आर्थोपेडिक साइ. । pii: S0949-2658 (18) 30300-2.

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों)/सदस्य(सदस्यों) के रूप में सेवारत विभाग के शिक्षकों की संख्या : 2.

डॉ. ललित मैनी : कार्यकारी संपादक - जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा; कार्यकारी संपादक - जर्नल ऑफ आर्थ्रोस्कोपी एंड ज्वाइंट सर्जरी (एल्सेवियर); सेक्शन संपादक - एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज (मेडकोन); कॅरेसपोन्डिंग संपादक एशियन आर्चिव ऑफ एनेस्थेसियोलॉजी एंड रिसॅससाइटेशन; संपादक इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स।

आयोजित सम्मेलन

एमएएमसी घुटने(नी) और कंधे(शोल्डर) कैडवरिक कार्यशाला, दिसंबर, 2018.

20वीं एमएएमसी पी.जी कोर्स, दिसंबर, 2018.

(राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय) सेमिनार, सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

अभिषेक कश्यप : रीढ़ में 3 डी प्रिंटिंग। आईसीएस (वार्षिक बैठक एएसएसआई), अमृतसर. जून, 2018.

ललित मैनी : वैज्ञानिक पेपर लेखन पर अवलोकन(ओवरविव्यु)। डीओए द्वितीय पेपर लेखन कार्यशाला। जनवरी,18.

सुमित सुराल : दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन मस्कुलो कंकाल(स्केलटल) इमेजिंग सीएमई, 2018 में व्याख्यान 'इमेजिंग इन डिस्क रोग'।

तरुण सूरी : एम्स दिल्ली में आयोजित, डीओएसीओएन 2018 में "डेवेलॅपमेंटल लम्बर कैनाल स्टेनोसिस : ए हिडन मॉन्स्टर" पर संकाय वार्ता। नवम्बर, 2018.

विनोद कुमार ने ट्रिनिटी चिकित्सालय और जीएमसी तथा एच, चंडीगढ़ 2018 में आयोजित 11 वें एमआईएसएस अपडेट 2018 (लाइव ऑपरेटिव एंड कैडेवरिक वर्कशॉप) में "एंडोस्कोपिक इंटरलामिनर अप्रोच : सर्जिकल एनाटॉमी" पर व्याख्यान दिया। मई, 2018.

अंतर-संस्थागत सहयोग

जेरिएट्रिक मेडिसिन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए इग्नू के साथ।

पीडीडीयूआईपीएच, दिल्ली विश्वविद्यालय में ऑर्थोटिक्स और प्रोस्थेटिक्स के लिए बीपीओ पाठ्यक्रम;

संकायों की संख्या : 14

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सुमित सुराल

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एनआईएचएफडब्ल्यु में आयोजित चिकित्सा अधिकारियों के लिए व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर "प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण" कार्यक्रम के लिए संकाय के रूप में नियुक्त किया गया है (तृतीय- 8 दिसंबर, 2018 और 25फरवरी-2 मार्च, 2019); सदस्य विशेषज्ञ निकाय : सदस्य, संस्थागत नैतिक समिति, एमएएमसी; विशेषज्ञ सदस्य, दिल्ली मेडिकल काउंसिल की कार्यकारी समिति और अनुशासनात्मक समिति।

एनबीई संस्थानों में डीएनबी ऑर्थोपेडिक्स पाठ्यक्रमों की मान्यता के लिए नियुक्त किए गए मूल्यांकनकर्ता(एसेसर)।

लोक नायक चिकित्सालय के मेडिको-कानूनी मामले, एमएसीटी मामलों के लिए न्यायलयों में उपस्थित हुए।

संकाय चयन और पदोन्नति के लिए ललित मैनी बाहरी विशेषज्ञ जेआईपीएमईआर, अक्तूबर, 2018;

अध्यक्ष आईएसकेएसएए (इंटरनेशनल सोसायटी फॉर नॉलेज फॉर सर्जन्स ऑन आर्थ्रोस्कोपी एंड आर्थ्रोप्लास्टी)

एमसीआई द्वारा वी.के गौतम को दिनांक 11.12.2018 को यू.जी मान्यता देने के लिए समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया; दिल्ली अंग प्रत्यारोपण सेल द्वारा आर एंड आर चिकित्सालय नई दिल्ली में अस्थि बैंकिंग सुविधाओं की मान्यता के लिए मूल्यांकनकर्ता(एसेसर) नियुक्त किया गया; 23 जनवरी, 2019 को बीएचयू में हड्डी रोग के प्रोफेसर के पद के लिए चयन समिति का सदस्य नियुक्त किया गया; दिसंबर, 2018 में जे एंड जे द्वारा दोषपूर्ण एएसआर हिप प्रत्यारोपण पर लगाए जाने वाले दंड(पेनाल्टी) की मात्रा का आकलन करने के लिए एनसीटी के ड्रग कंट्रोलर डिपार्टमेंट एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली राज्य स्तरीय समिति के नियुक्त सदस्य; कार्डियोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और कार्डिएक एनेस्थीसिया 10 जनवरी, 2019 के विषय में जीआईपीएमईआर नई दिल्ली के डीएम, एम.सीएच. विद्यार्थियों के अनुमोदन के लिए एमएएमसी स्तर की समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया; 10 दिसंबर, 2018 को आयोजित आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर में पीजी सीटों की वृद्धि के लिए एमसीआई द्वारा मूल्यांकनकर्ता (एसेसर) नियुक्त किए गए; तीर्थंकर महावीर मेडिकल कॉलेज मुरादाबाद में पीजी की सीटों में वृद्धि के लिए दिनांक 30.07.2018 को एमसीआई मूल्यांकनकर्ता नियुक्त किया गया; 12 और 13 नवंबर, 2018 को राज्य के विभिन्न मेडिकल महाविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर के पद पर चयन के लिए जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग में सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया; दिनांक 29.10.2018 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आर्थोपेडिक्स के प्रोफेसर के चयन के लिए स्थायी चयन समिति के सदस्य; अक्तूबर, 2018 में स्पर्श चिकित्सालय बैंगलोर में डीएनबी (ऑर्थो) मूल्यांकनकर्ता; 14 जनवरी, 2019 को जिला अस्पताल पलक्कड़ में डीएनबी ऑर्थो मूल्यांकनकर्ता(एसेसर); वी.सी द्वारा बीएफयूएचएस में सीनेट के सदस्य नियुक्त किए गए; पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में अप्रैल, 2018 को ऑर्थोपेडिक्स के प्रोफेसर के पद के लिए चयन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्ति की गई।

***

नेत्र विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

नेत्र और ईएनटी ओ.टी का नवीनीकरण और नेत्र ओटी 6 दिन/सप्ताह शुरू करना। केएससीएच में सोमवार और शुक्रवार को नेत्र ओ.टी शुरू किया। आई-बैंकिंग पर यू.जी के लिए समर्पित नेत्रदान मोबाइल नंबर, संगठित पोस्टर प्रतियोगिता शुरू की। विभाग ने भारत में आयुसंबंधी मोतियाबिंद के लिए आईओएल के स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन में सक्रिय भाग लिया और जिसके परिणामस्वरूप भारत में आईओएल मोतियाबिंद सर्जरी की लागत बहुत उपयुक्त स्तर तक पहुंच गई। संकायों और रेजीडेंटों ने सम्मेलनों डीओएस और एआईओएस, आईएनओएस के सत्रों में सक्रिय भाग लिया। इंडिया हैबिटेट सेंटर में दिनांक 30/08/2018 को न्यूरो-नेत्र

विज्ञान की मूल बातें। विभाग में ग्लूकोमा रोकथाम सप्ताह (10-16 मार्च, 2019) मनाया जाता है। उसकी रिपोर्ट डीजीएचएस को भेजी।

डॉ. सरिता बेरी, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख ने वर्ष 2018 में एलएचएमसी द्वारा आयोजित स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता। एमसीआई का आकलन और एमसीआई मान्यता प्राप्त पी.जी. सीटों हेतु 2 अनुमत सीटों की मंजूरी। शिक्षण के अंतिम वर्ष के लिए प्रैक्टिकल समेत प्रत्येक वर्ष पी.जी का मूल्यांकन शुरू किया।

सम्मान / गौरव

डॉ. जिया चौधरी को वर्ष 2018 में आयोजित दीक्षांत समारोह में जेनेटिक्स विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में "जेनेटिक एनालिसिस ऑफ़ स्ट्रैबिस्मस" में उनके मूल काम पर जेनेटिक्स में पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

अरोड़ा एन.के, नायर एम.के.सी, गुलाटी एस, देशमुख वी, मोहपात्रा ए, मिश्रा डी, (2018). 2-9 वर्ष की आयु के बच्चों में न्यूरो-विकासात्मक विकार : भारत में पाँच क्षेत्रों में जनसंख्या-आधारित बोझ(बर्डन) का अनुमान है। इPLoS मेड. 24, 15 (7): e1002615.

मदन एस., चौधरी जेड.(2018). ऑटो-इम्यून हाइपरथायरायडिज्म के साथ सेरेब्रल वेनस थ्रोम्बोसिस। इंडियन जे. ऑप्थेलमोल.; 66 (11): 1649-1651.

मदन एस, चौधुरी जेड. एमनियोटिक बैंड सिंड्रोम; 2 मामलों की समीक्षा। (2018)। ऑप्थेलमिक प्लास्ट रीकॉन्स्ट्रेट. सर्ज, 34 (4): e110-e113.

रामावत पी., वशिष्ठ एस. एट अल. (2018). उत्तर भारत में एक मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा विद्यार्थियों के बीच ग्लूकोमा जागरूकता। जेईबीएमएच; 5: 1287-1291.

जर्नल

संपादक मंडल के संपादक (संपादकों)/सदस्य(सदस्यों) के रूप में सेवारत विभाग के शिक्षकों की संख्या : 1

डॉ. जिया चौधरी : बीएमसी नेत्र विज्ञान [एसोसिएट एडिटर]; स्ट्रैबिस्मस एंड इंडियन जे. ऑप्थेलमोलॉजी [संपादकीय बोर्ड]; नेत्र विज्ञान और थेरेपी [संपादकीय सलाहकार परिषद]

आयोजित सेमिनार

डॉ. सरिता बेरी, डॉ. पीयूष कुमार आर. रामावत ने 29 अगस्त, 2018 को नेत्र विज्ञान सेमिनार हॉल में नर्सिंग स्टाफ के लिए नेत्र दान जागरूकता का आयोजन किया।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. ओम प्रकाश : इंडिया हैबिटेट सेंटर, दिल्ली में नवंबर, 2018 में डीओएस शीतकालीन सम्मेलन में "पार्सियल एक्वायर्ड पोस्ट ट्रूमैटिक एंकिलोब्लेफेरॉन" शीर्षक से ई-पोस्टर प्रस्तुति।

डॉ. पीयूष कुमार : स्पीकर "ग्लूकोमा संदिग्ध में व्यावहारिक दृष्टिकोण"; मौखिक प्रस्तुति "वॉन हिप्पेल लिंडौ रोग में अप्रत्यक्ष नेत्र विज्ञान का महत्व"; अखिल भारतीय ईएसआईसी नेत्र विज्ञान सम्मेलन, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और चिकित्सालय फरीदाबाद में प्रशिक्षक “वेट लैब फेको”।

डॉ. जिया चौधरी

यरकौड, सलेम, तमिलनाडु में अगस्त, 2018 में मेडिकल राइटिंग एंड क्लिनिकल रिसर्च पर तीसरी राष्ट्रीय संगोष्ठी कार्यशाला में "वैज्ञानिक प्रकाशन की प्रक्रिया", "एक प्रभावशाली शोध आलेख लेखन" और "एक शोध प्रोटोकॉल लेखन" शीर्षक से तीन वार्ताएं प्रस्तुत की गईं।

"बच्चों और वयस्कों में सामान्य और अस्पष्ट(एम्बलयोपिक) आंखों में पढ़ने की गति", "अल्जाइमर के मनोभ्रंश में दृश्य कार्य" मौखिक प्रस्तुति और "मौखिक प्रोप्रानोलोल के साथ पेरीओकुलर शिशु हेमांगीओमा का प्रबंधन: एक केस सीरीज़ और" अधिग्रहीत मस्तिष्क दृश्य हानि में पढ़ने की गति" इंदौर में फरवरी, 2019 को 77 वें अखिल भारतीय नेत्र रोग सोसायटी सम्मेलन में फिजिकल पोस्टर प्रस्तुति।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप :

कल्याण पुरी डिस्पेंसरी ओपीडी

प्रदत्त डिग्रियों की संख्या

एम.एस : 4

संकायों की संख्या : 6

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. पीयूष कुमार, आर. रामावत ने ओस्लो विश्वविद्यालय, नॉर्वे के सूचना विज्ञान विभाग से प्रशिक्षण; पीजीआईएमआर, चंडीगढ़ में 29 अक्तूबर- 2 नवंबर, 2018 को पब्लिक हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स पर दूसरा शॉर्ट कोर्स।

***

नेत्र विज्ञान (यूसीएमएस)

प्रकाशन

दास जी.के, साहू पी.के, कुमार एस, बिक्थांगी एल.वी.एल. (2018). एफिसेसी ऑफ फेकोट्रैबेकुलेटोमी अलोने वर्सेस फेकोट्रैबेकुलेटोमी ऑगमेंटेड विथ ऑटोलॉगस एनटेरिअॅर कैप्सूल इमप्लानटेशन बिनेथ द स्क्लेरा फ्लैप। सेमिन ऑपथैल्मोल। 33 (2): 143-148.

गोपाल के. दास, प्रमोद के. साहू, लौरा वी.एल बीकथंगी, दिव्या जैन. (2018). मोनोथेरेपी के रूप में इंट्राविट्रियल बेवाकिजुमैब का मूल्यांकन और डिफ्यूज डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा में मैक्यूलर ग्रिड लेजर फोटोकैग्यूलेशन के साथ संयोजन में । ओमान जे. ऑपथैल्मोल; 11 (3): 248-253।

गुप्ता, वेद प्रकाश, ईशा चौधरी. (2018). केराटोकोनस मिडल ईस्ट अफ्र के साथ पामोप्लांटर केराटोडर्मा । जे ऑपथैल्मोल; 25 (1): 49-51।

साहू, प्रमोद कुमार, गोपाल कृष्ण दास, नीतीश कुमार. (2018). एक्ट्रोपियन यूविआ के साथ लोव का ओकुलो-सेरेब्रल-रीनल सिंड्रोम। ब्रिटिश जे. ऑपथैल्मोल.; 44 (2):

संकायों की संख्या : 3

***

कान-नाक-गला रोग विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने कई कार्यशालाओं का आयोजन किया।

प्रकाशन

अनामिका ए, चक्रवर्ती ए, कुमार आर.(2019). बाल चिकित्सा क्रोनिक राइनोसिनिटिस में जीवन की एटॉपी और गुणवत्ता। एएम जे. राइनोल एलर्जी। doi: 10.1177 / 1945892419854266.

अनामिका अनामिका, अरुणाभ चक्रवर्ती, राज कुमार (2018). क्लिनिकल प्रोफाइल, एरोलेरजेन संवेदनशीलता और पीडियाट्रिक क्रोनिक राइनोसिनिटिस क्लीनिकल ट्रांसलेशनल एलर्जी में पल्मोनरी फंक्शन का आकलन, 8 (सप्ल 2) D24.

अरोड़ा आर, कुमार एस, सिंह जी.बी. (2018). प्रडिक्टर्स ऑफ इनजेस्टेड फॉरेन बॉडीज इन चिल्ड्रेन एंड एसेसमेंट ऑफ ऑपरेटिव आउटकॅम्स। इंट जे. पेडियाट. ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी; 113: 150-155.

अरोड़ा आर, कुमार एस, सिंह जी.बी. (2018). प्रडिक्टर्स ऑफ इनजेस्टेड फॉरेन बॉडीज इन चिल्ड्रेन एंड एसेसमेंट ऑफ ऑपरेटिव आउटकॅम्स। इंट जे. पेडियाट. ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी; 113: 150-155.

अरोरा एन.के, नायर एम.के.सी, गुलाटी एस., देशमुख वी., मोहपात्रा ए, मिश्रा डी, एट अल.(2018). 2-9 वर्ष की आयु के बच्चों में न्यूरोडेवलपमेंटल विकार। भारत में पाँच क्षेत्रों में जनसंख्या-आधारित बोझ(बर्डन) का अनुमान है। doi: 10.1371 / journal.pmed.1002615 eCollection.

क्वात्रा डी, कुमार एस, सिंह जी.बी, विश्वास आर, उपाध्याय पी.(2019). इफेक्ट ऑफ गेस्टेशनल डायबेट्स मेलिटॅस ऑन हियरिंग। इंट. जे ओआरएल-हेड नेक सर्जन. प्रिंट में.

पूनम सागर, ईश्वर सिंह, प्रज्ञा राजपुरोहित, श्रमण मंडल (2019). इनवर्टेड पैपिलोमा प्रेजेंटिंग एज यनिलेटरल प्रॉपटोसिस : साहित्य की समीक्षा के साथ एक केस रिपोर्ट। https://doi.org/10.1016/j.sjopt.2019.01.008 (प्रेस में).

नायक ए, कुमार एस, अरोड़ा आर, सिंह जी.बी. (2018)। इमेज एनालिसिस ऑफ इंटररियंटेनॉइड एरिया टू डिटेक्ट केसस ऑफ लारयंगोफारयंजियल : एक उद्देश्य विधि। एएम जे. ओटोलरिंजोल ।:39(2): 171-174.

सिंह जी.बी, सोलो एम, राणा एन, कुमार एस.(2019). कोलेस्टियोमा कान की सर्जरी में उपास्थि ऑसिकलोप्लास्टी का उपयोग करके टाइप III टाइम्पोप्लास्टी का मूल्यांकन। कान, नाक और गला जे; डीओई:10.1177 / 0145561319840546.

शंकर एम, अग्रवाल के, कुमार एस, सिंह एस.(2018). एक्सप्रेसन ऑफ एपिथेलिअल मेसेन्काइमल ट्रांसमिशन मार्कर्स एट इनवेसिव ट्यूमर्स फ्रांट इन प्राइमरी हेड एंड नेक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा। इंट. जे. साइंस रेस। 7 (11): 4-7.

सुधागर ई, कुमार एस, कुमार पूर्णिमा. (2018). ए रेयर केस ऑफ प्राइमरी ट्युबरकुलोअस ओटिटिस मीडिया विथ बेज़ोल्ड अबस्केस्स। इंडियन जे. ओटोलरिंजोल हेड नेक सर्ज. doi.org/10.1007/s12070-018-1554-6.

सैनी वी., गुप्ता एन, रॉय ए.के, क्वात्रा डी. (2019). जन्मजात लेरिंजियल सिस्ट और उसके सर्जिकल प्रबंधन का एक दुर्लभ मामला। इंट जे ओटोरहिनोलरिंजोल हेड नेक सर्ज.doi.org/10.18203/आईएसएसएन। 24545929. Ijohns.

सिंह जी.बी, सोलो एम, राणा एन, कुमार एस. (2019). कोलेस्टियोमा कान की सर्जरी में उपास्थि ऑसिकलोप्लास्टी का उपयोग करके टाइप III टाइम्पोप्लास्टी का मूल्यांकन। ईएनटी जे. Apr 11: 145561319840546.

शर्मा एस., अग्रवाल एस., जैन एम, सिंह जी.बी, एंडली एम. (2018). थायरॉइड लेसियन के फाइन-नीडल एस्पिरेट्स में लिक्विड-बेस्ड साइटोलॉजी और कन्वेंशनल स्मियर्स के बीच साइटोमॉर्फोलॉजिकल अंतर। जे. साइटोल. 35 (4): 208-211.

सिंह जी.बी, सोलो एम, कौर आर, अरोड़ा आर, कुमार एस. (2018). माइकोलॉजी ऑफ क्रॉनिक सपरेटिव ओटिटिस मीडिया-कोलेस्टीटोमा डिसीज : एक मूल्यांकनात्मक अध्ययन। एएम जे. ओटोलरिंजोल. 39 (2): 157-16.

सिंह जी.बी, शुक्ला एस, कुमारी पी, शुक्ला आई. (2018). एक फीमेल चाइल्ड में सेप्टम के अतिरिक्त-नासोफेरींजल एंजियोफिब्रोमा का एक दुर्लभ मामला है। जे. लारिंगोल ओटोल.:132(2): 184-187.

सैनी वी, गुप्ता एन, रॉय ए.के. क्वात्रा डी.(2019). जन्मजात लेरिंजियल सिस्ट और उसके सर्जिकल प्रबंधन का एक दुर्लभ मामला। इंट जे ओटोरहिनोलरिंजोल हेड neck Surg.doi.org/10.18203/9 आईएसएसएन.2454-5929.ijohns2019xxxx.

सागर पी, राजपुरोहित पी , सिंह आई , मंडल एस. (2019). गैंट नोवो प्लेमॉर्फिक एडेनोमा ऑफ़ पैरा ग्रसनील स्पेस, क्या यह स्पाइनल विकृति का कारण बन सकता है? एक केस रिपोर्ट। रीढ़ की विकृति : 7 (3): 505-508.

आयोजित सम्मेलन

पहली कैडवेरिक एफईएसएस कार्यशाला, मार्च 2019.

पहली टेम्पोरल बोन कार्यशाला, नवंबर, 2018.

एसोसिएशन ऑफ ओटोलरींगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली ब्रांच, एलएचएमसी, नई दिल्ली, का 41वां वार्षिक सम्मेलन। मार्च, 2019.

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के सहयोग से दो कार्यशालाएँ आयोजित।

संकायों की संख्या : 3

***

कान-नाक-गला रोग विज्ञान (एमएएमसी)

सम्मान / गौरव

डॉ. जे.सी. पाससी ने एओआई राजस्थान, पंजाब, यू.पी. के वार्षिक सम्मेलन में एक भाषण(ओरेशन) दिया।

डॉ. एच.सी तनेजा, दिल्ली चैप्टर ऑफ एसोसिएशन ऑफ ओटोलर्यनोलॉजी ऑफ इंडिया के निर्वाचित अध्यक्ष।

डॉ. ईश्वर सिंह, नई दिल्ली में 20 से 22 दिसंबर 2018 यूसीएमएस और यू शिकागो केंद्र में लेरिंक्स और हाइपोफरीनक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संकाय।

प्रकाशन

अग्रवाल आर, सिंह एम, शर्मा एस, जायसवाल ए, जैन एस.एल, खुराना एन, मेहर आर. (2018). इंट्रोरियल तपेदिक और अन्य मौखिक ग्रैनुलोमस घावों का निदान करने के लिए फाइन सुई एस्पिरेशन सायटोलॉजी की उपयोगिता। डायग्न. साइटोपोपैथोल। औडी: 10.1002 / dc.24059.

अरोरा एन, जुनेजा आर, मेहर आर. (2018). कॉम्प्लीकेशन ऑफ एन ओडोन्टोजेनिक इनफेक्शन टू ए ऑरबिटल अबस्केस्स: एक मेडिकल फ्रॉडस्टर की भूमिका ("क्वैक")। ईरान जे ओटोलर्यनोलॉजी, 30 (98): 181-184.

ढींगरा, श्रुति (2018), द नेसल डर्मॉइड। क्लिनिकल प्रेजेंटेशन एंड मैनेजमेंट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च. 6. 319.

ढींगरा, एस, जाफर एस.ए. (2018). गर्भाशय ग्रीवा लिम्फैडेनोपैथी का सोनोग्राफिक मूल्यांकन : उच्च रिजोल्युशन और रंग डॉ.पलर अल्ट्रासाउंड की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च. 6. 640.

गुप्ता डी, ढंडापानी एस, सिंह आई, पास्सी जे.सी. (2018). ब्रांचियोऑटिक सिंड्रोम - पूर्ण द्विपक्षीय ब्रांचियल फिस्टुला के साथ रोगियों के दुर्लभ मामले की रिपोर्ट। 4 (1): 44-47.

गुप्ता डी, मित्तल पी, गोयल के, सिंह आई.(2018). ओस्टोमा ऑफ फ्रंटल साइनस। 23 (2); 101-103.

जैन ए, सक्सेना ए, मेहर आर, खुराना एन. (2018) एंथोइड साइनस का सिनोवियल सार्कोमा। यूर एन ओटोलर्यनोलॉजी, हेड नेक डिस, 135 (6): 453-455.

जैन ए, सिंह आई, मेहर आर, राज ए, राजपुरोहित पी, प्रसाद पी. (2018). 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों और उनकी जटिलताओं में गहरी गर्दन की जगह(डीप नेक स्पेस) खाली हो गई है। इंट जे पेडियाट्र ओटोलर्यनोलॉजी, 109: 40-43.

राय चौधरी एस, अग्रवाल सी, गोले एस, ढींगरा एस.(2018). टॉन्सिल के बेसालॉइड स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा : एक असामान्य और आक्रामक वेरिएंट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी.10.1.

रानी पी, सिंह एम, मेहरोल सी, गुप्ता ए.जे, खुराना एन, मेहर आर. (2018). डेडिफरेंसिएशन ऑफ ओनोसायटिक एपिथेलियल-मायोएपीथेलियल कार्सिनोमा टू म्यूकोएपेर्मोइड कार्सिनोमा इन पेरोटिड ग्लेंड : एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल, 61 (4): 564-566.

सिंह के, पुजानी एम, अग्रवाल वी, ढींगरा एस.(2018). एनकैप्सुलेट फोल्लिकुलर वैरिएंट ऑफ पैपिलरी थायराइड कार्सिनोमा अराइजिंग इन ए फोल्लिकुलर एडेनोमा : एक नैदानिक दुविधा। इंडियन जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी.9.10.

आयोजित सेमिनार / सम्मेलन

नई दिल्ली में 19 दिसंबर, 2018 को शिकागो के विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालय के सहयोग से लारेंक्स और हाइपोफरीनक्स के कैंसर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

सेमिनार / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

ईश्वर सिंह ने नोएडा सुपर स्पेशियलिटी सेंटर में रेडिकल नेक डिसेक्शन पर एक वार्ता की।
रवि मेहर एमएएमसी 2017-18 में मेडिकल शिक्षा कार्यशालाओं में संकाय।

संकायों की संख्या : 7

***

कान-नाक-गला रोग विज्ञान (यूसीएमएस)

प्रकाशन

डार एस.ए, राय जी., अंसारी एम.ए, अख्तर एन, गुप्ता एन, शर्मा एस. एट अल. (2018). Fc FR1α जीन बहुरूपता नासिक(नासल) पॉलीपोसिस के साथ क्रोनिक राइनोसिनिटिस में उच्च IgE और एंटी - FcεR1α के साथ जुड़ाव को दिखाता है। जे सेल बायोकेम; 119 (5): 4142-4149.

गोगिया वी., वैद एल., सिंह पी.पी, साहा आर. (2018). क्रोनिक राइनोसिनिटिस में बैक्टीरियल बायोफिल्म के साक्ष्य : प्रभावित करने वाले कारकों और रोग(प्रोगोसिस) पर प्रभाव। इंट जे ओटोलर्यनोलॉजी हेड नेक सर्ज, 4 नवंबर (6): 1405- 1410.

राय जी, दास एस, अंसारी एम.ए, सिंह पी.के, गुप्ता एन, शर्मा एस, अख्तर एन, रामचंद्रन वी.जी, हक एस., डार एस.ए. (2018). एलर्जी फंगल साइनसाइटिस में Th17 और Treg कोशिकाओं की फेनोटाइपिक और कार्यात्मक प्रोफ़ाइल। इंट इम्युनोफार्माकोल. 30; 57: 55-61.

राय जी., अंसारी एम.ए, डार एस.ए, दत्त एस., गुप्ता एन, शर्मा एस., एट अल.(2018). एस्परगिलस फ्लेवस द्वारा संक्रमित नाक(नासल) पॉलीपोसिस के साथ क्रोनिक राइनोसिनिटिस वाले मरीजों में सीरम साइटोकाइन प्रोफ़ाइल। एन लैब मेड. 1; 38 (2): 125-31.

आयोजित सम्मेलन

शिकागो सेंटर, नई दिल्ली में दिसम्बर, 2018 में स्वरयंत्र और हाइपोफरीनक्स के कैंसर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

सिर और गर्दन के कैडेवर विच्छेदन, थायरोप्लास्टी और एयरवे पुनर्निर्माण; पोस्ट लैरिंजेक्टॉमी पुनर्वास और ट्रेकिओसोफेगल पंचर; यूसीएमएस, दिल्ली में दिसम्बर, 2018 में हैंड्स ऑन ट्रांस ओरल लेजर माइक्रोसेर्जरी कार्यशाला (टीओएलएमएस)।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

डॉ. नीलिमा गुप्ता ने हाल ही में 11 वें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया।

आईएसआरएनपी, बंगलौर में नवंबर, 2018 में रिहनोसिनुसाइटिस और नासल पॉलीपोसिस में उन्नत। पेपर को वरिष्ठ सलाहकार पुरस्कार श्रेणी में दूसरा सर्वश्रेष्ठ पेपर घोषित किया गया।

***

विकृति विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

इस वर्ष पैथोलॉजी विभाग द्वारा प्रयोगशाला में कुल 4,59,540 जांच की गई थी। पैथोलॉजी विभाग ने दिनांक 07/04/2018 को आईएपीएम की त्रैमासिक बैठक आयोजित की थी। विद्यार्थी नेतृत्व मिशन कार्यक्रम (चिकित्सा शिक्षा इकाई के तत्वावधान में) के तहत स्नातक-पूर्व विद्यार्थियों के साथ पैथोलॉजी और ब्लड बैंक द्वारा कई स्वैच्छिक रक्तदान शिविर और विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। डॉ. संगीता पाहुजा सिंधवानी, प्रोफेसर को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन "ई-राक्तोश सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण और रक्त सेवाओं को मजबूत करने" के लिए प्रशिक्षण मैनुअल को अंतिम रूप देने के लिए राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ और पहले रेफरल इकाइयों में रक्त भंडारण केंद्र स्थापित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने हेतु

राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया है। विभाग के संकाय सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों में वार्ता प्रस्तुत की।

प्रकाशन

दीप्ति बी , गोयल एस. , ढुल आर.एस, राय पी ., साहा ए. (2018). फ्रेक्वेंट रेलपसेस इन चाइल्ड विथ नेफ्रोटिक सिंड्रोम ड्यू टू पीएलईवीए। ट्रॉप डॉक्ट. ; 48 (4): 348-349.

गर्ग टी , संके एस , चंदर आर , अग्रवाल एस , अहमद आर. (2018). सेरेब्रल कैल्सीफिकेशन और डिलेड डेवलपमेंट के साथ शिशु प्रणालीगत(इनफेन्टाइल सिस्टेमिक) ल्यूपस एरिथेमेटोसस । इंडियन जे. पीडियाट्रि; 85(5): 394-395.

गौर के, गुप्ता आर.के, सरन आर.के एट अल. (2019). कम्पोजिट पेलोमोरफिक जेथेएस्ट्रोसायट्रोमा-गेंग्लिओगोयल. एसेसिंग एंड एड्रेसिंग द डिलेमा ऑफ डिफ्रेंसियल एक्सप्रेशन ऑफ नेचर मार्कर्स : केस रिपोर्ट विथ डायग्नोस्टिक पर्सपेक्टिव। इंडियन जे. पैथोल. माइक्रोबायोल.62 (2): 296-299.

जैन, एम राव एम , थॉमस एस, शर्मा एस, पुरी वी. (2018). क्या जीन प्रोफाइलिंग को स्तन कैंसर के आणविक उपप्रकारों की पहचान के लिए सरोगेट इम्यूनोहिस्टोकेमिकल पैनल द्वारा प्रतिस्थापित किया जा सकता है? DOI: https://doi.org/10.1016/S0959-8049(18)30652-X.

ज्योत्सना पी.एल, सहगल एस, चटर्जी पी.(2018). लाल रक्त कोशिका की छोटी मात्रा(स्माल वोल्युम) के ट्रांसफ्यूजन के बाद हाइपोकैल्केमिया : एक असामान्य मामला। जे. क्लिन. डायग्नोस्टिक रेस. 10. 10.7860 / जेसीडीआर / 2018 / 31938.11408.

मेंदीरत्त वी, राणा एस., मणिकावासगाम एस. , नांगिया ए., चंदर आर. (2018). कुटेनियस एंगिओसेरकोमा इन पेसेंट विथ सिस्टेमिक स्केलेरोसिस : फर्स्ट केस फ्रॉम इंडिया. इंडियन जे डर्मावेनेरोल लेप्रोल। ; 84 (2): 214-217।

नांगिया ए , सहगल एस. (2018). गामा-गैंग्डे बॉडीज इन स्यूडोपेल्लिरी ट्यूमर ऑफ पेरक्रियाज। इंडियन जे कैंसर., 55 (2): 201-202.

नांगिया ए , सहगल एस , अग्रवाल के . (2018). मेस्सॅन'स ट्यूमर मासक्वेराडिंग एज ए पैपिलरी एडेनोकार्किनोमा ऑन फाइन नीडल एस्पिरेशन कैटिओलॉजी : एक केस रिपोर्ट। तुर्क पैथालॉजी. डेर्ज. 34 (2): 179-181.

पहूजा एस, सहगल एस, शर्मा जी. एट अल. (2019). द एंटी मिअ एंटीबॉडी -रिपोर्ट ऑफ फोर केसेस इन ए टेरटिअरी केस हॉस्पिटल विथ रिव्यू ऑफ लिटरेचर। ग्लोबल जे. ट्रांस मेड., 4; (1): 79-83.

पात्रा बी , अजिज एम , चंद्र जे., अग्रवाल एन. , नांगिया ए. (2019). अऐटिओपैथोजेनेसिस ऑफ माईलोफाइब्रोसिस एंड इट्स मेनेजमैंट इन ए चाइल्ड विथ बिटा थेलेस्सेमिया मेजॅर। ट्रांसफ्यूज क्लिन. बायोल. ; 26 (1): 56-59.

प्रसाद जे , गोस्वामी बी , गौड़ा एस. एच , गुप्ता एन , कुमार एस , अग्रवाल के , मेहरा पी , पाहुजा, बी.के , चौहान ए. (2018). डॅज हाइपोक्सिया-इंडुसिबल फैक्टर -1 α(HIF-α) C1772T पालीमोरफिज़म प्रेडिक्ट शॉर्ट टर्म प्रोगोनोसिस इन पेसेंट्स विथ ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा? जे ओरल पैथोल मेड. ; 47 (7): 660-664.

पुरी वी, शर्मा पी, कोटरू एम, सिक्का एम, शर्मा एस. (2018). युटिलिटी ऑफ सिमुलटेनिअॅस एसेसमेंट ऑफ बोन मेरो एस्पिरेशन्स एंड ट्रेफियोन बायोप्सी सेक्शन इन वेरिअॅस हेमेटोलॉजिकल डिऑर्डर। इराकी जे. हेमाटोल; 7: 26-32.

पुरी, वी. , सहगल, एस., खातून, एम., शर्मा, जी. और देवरी, एस. (2018). एबीओ विसंगति का एक असामान्य मामला : सबक सीखा। जे क्लिन डायग्नोस्टिक रेस. 12 (3): EL01-EL02.

संके एस , चंदर आर , दलाल के , अग्रवाल एस . (2018). मेटास्टैटिक ट्यूबरकुलर गुमास एंड स्प्लेनिक ट्यूबरकुलोमा सेकेंडरी टू ट्यूबरकुलर लिम्फैडेनाइटिस इन एन इम्मूनोकोम्पेटेंट फीमेल। इंट जे डर्माटोल. ; 57 (10): 1229-1232.

शुक्ला एस , सहगल एस , प्रभात पी , दीवान के . (2018). कोन्जेनिटल प्रेजेंटेशन ऑफ ए सोलिटरी सुपरफिसियल एंजियोमाइक्सोमा इन द पैरोटिड रीजन मासक्वेराडिंग एज पैरोटिड ट्यूमर । तुर्क पटोलोजी डर्ज. , 34 (3): 262-264.

शर्मा एस , अग्रवाल एस , जैन एम , सिंह जी.बी , एंडली एम . (2018). सायटोमोरुलॉजिकल डिफरेंसेस बिटवीन लिक्विडबेस्ड सायटोलॉजी एंड कॉन्वेंशिनल स्मीयर्स इन फाइन-नीडल एस्पायरेट्स ऑफ थायराइड लेसन्स। जे साइटोल. ; 35 (4): 208-211.

सिंह जी.बी , शुक्ला एस , कुमारी पी , शुक्ला आई . (2018). ए रेयर केस ऑफ एक्सट्रा-नासोफेरींजल एंजियोफिब्रोमा ऑफ द सेप्टॅम इन ए फीमेल चाइल्ड। जे लारिंगोल ओटोल. ; 132 (2): 184-187.

सिंह के, जैन एम, अग्रवाल के, पठानिया ओ. (2018). कैंसर स्टेम सेल मार्कर, CD44 एक्सप्रेसन इन इंडिया ब्रेस्ट कार्सिनोमा पेसेंट्स एंड इट्स एसोसिएशएन विथ द मॉलीकुलर सॅबटाइप्स ऑफ ब्रेस्ट कार्सिनोमा। द ब्रेस्ट ऑनलाइन.105। DOI: https://doi.org/10.1016/S0960-9776(17)30334-X .

सिंह एस , स्वैन एम , शुक्ला एस , चंदर आर. (2018). एन अनयूजवल प्रेजेंटेशन गेंट मोल्लुस्कॅम कोन्टेजिओजॅम डायग्नोस्ड ऑन सायटोलॉजी। डायग्न. साइटोपैथोल; 46 (9): 794-796.

शर्मा एस, शिवली एस, दास आर, एट अल. (2019). फेनोटाइपिक हेटेरोजेनेइटी ऑफ डेल्टा-बीटा थैलेसीमिया। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबॉयल: 62: 185-186.

शुक्ला एस, सिंह डी, दीवान के, शर्मा एस, त्रिवेदी एस.एस. (2018). अन्टेनाटल कैरियर स्क्रीनिंग फॉर थेलेसेमिया एंड रिलेटेड हेमोग्लोबिनोपैथिज : एक चिकित्सालय आधारित अध्ययन। जे मेड सोस.: 32 (2): 118-122.

वर्मा डी, अग्रवाल के, टुडू एस.के. (2018). एक्प्रेशन ऑफ ब्रेस्ट कैंसर टाइप 1 एंड इट्स रिलेशन विथ एक्सप्रेशन ऑफ इस्ट्रोजेन रिसेप्टर्स, प्रोजेस्टेरोन रिसेप्टर्स एंड ह्यूमन एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टॅर रिसेप्टॅर 2/neu इन ब्रेस्ट कारसिनोमेओन ड्रुकॅट बायोप्सी स्पेसिमैन्स। इंडियन जे. पैथोल माइक्रोबॉयल., 61; (1): 31-38.

प्रकाशित पुस्तकें

शर्मा, एस., त्यागी, एस.पी, चौहान, आर. (2018). कंसीज हेमटोलॉजी, नई दिल्ली: सीबीएस।

पुरी, वंदना. (2018). पैथोलॉजी और हेमेटोलॉजी की पूरी समीक्षा, नई दिल्ली : सीबीएस।

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों) / सदस्य (सदस्यों) के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या : 01

अनुसंधान परियोजनायें

(स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग; वर्ष 2018-19; रुपए30 लाख) आरटी- पीसीआर फॉर डिटेक्शन ऑफ कॉमन फ्यूजन ट्रांसक्रिप्ट्स इन चाइल्डहुड।

आयोजित सम्मेलन

आईएपीएम त्रैमासिक, अप्रैल, 2018.

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. शिल्पी अग्रवाल : "लिम्फ नोड लेसन्स के लिए मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण" साइटोकॉन, 48वां वार्षिक सम्मेलन, गोवा; नवम्बर, 2018.

संकायों की संख्या : 13 (4 अनुबंध सहित)

***

विकृति विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

पैथोलॉजी विभाग 250 एमबीबीएस विद्यार्थियों, बीडीएस, बीपीओ और एमएलटी विद्यार्थियों के शिक्षण के साथ-साथ एक नैदानिक(डायग्नोस्टिक) प्रयोगशाला के रूप में कार्य करता है। प्रत्येक वर्ष हिस्टोपैथोलॉजी में 18818 नमूने प्राप्त होते हैं, जिसमें तीव्र अंतः-ऑपरेटिव निदान के लिए फ्रोजेन सेक्शन्स, त्वचा के घावों के लिए इम्यूनोफ्लोरोसेन्स, छोटे प्रसंस्करण, मध्यम और बड़े सर्जिकल नमूने, शव परीक्षण नमूने, प्रतिरक्षा-हिस्टोकैमिस्ट्री और विशेष दाग(स्टेन्स) शामिल हैं। हेमेटोलॉजी में 17591 नमूने प्राप्त हुए हैं। पूरा हेमोग्राम, अस्थि मज्जा अस्पिरेट्स और अस्थि मज्जा बायोप्सी। विशेष हेमेटोलॉजी नामत: जी6पीडी डिफ्यूजेंसी, ऑस्मोटिक फ्रेजिलिटी, एचपीएलसी, साइटोकैमिकल दाग के विभिन्न परीक्षण किए जाते हैं और एलई सेल, हेमटोलिम्फॉइड मालिगेनेन्सी और पीएनएच के निदान के लिए फ्लो साइटोमेट्री की जाती है। लिम्फोमस के निदान के लिए लिम्फ नोड एस्पिरेट्स से फ्लो साइटोमेट्री को जोड़ा गया है।

प्रत्येक वर्ष कई एफएनएसी, निर्देशित एफएनएसी और बेड एफएनएसी, एस्किटिक द्रव से द्रव एस्पिरेट्स, पेरिटोनियल द्रव, फुफ्फुस द्रव, बीएएल, स्पुटुम सायटोलॉजी, मूत्र सायटोलॉजी और गायने पीएपी स्मीयर्स सहित प्रत्येक वर्ष 9993 कोशिका विज्ञान (सायटोलॉजी) नमूनों को संसाधित किया जाता है। सभी संकाय नियमित रूप से सेमिनार, क्लिनिको-पैथोलॉजिकल मीट्स, प्रोजेक्ट्स, प्रकाशनों और थीसिस कार्य की व्यवस्था करने में गहरी रुचि लेते हैं। पिछले वर्ष की तुलना में 9.8% की कुल वृद्धि हुई है।

प्रकाशन

अग्रवाल आर, गुप्ता एल, सिंह एम, यशस्विनी एन, सक्सेना ए, खुराना एन, चौधरी डी. (2018). प्राथमिक स्वरयंत्र तपेदिक : 15 मामलों की एक श्रृंखला। सिर गर्दन पैथोल. 24.

अमिता जैन, मीता सिंह, जेना बी, अनुषा एस, नीता खुराना, एस जैन. (2018). डिम्बग्रंथि द्रव्यमान घावों(लेसन्स) से अंतर्गर्भाशयकला परिमार्जन(स्क्रेप) साइटोलॉजी की भूमिका : 81 मामलों का एक अध्ययन। जे. सायटोल. (मूल लेख स्वीकार किए जाते हैं)

आशुतोष रथ, सारिका सिंह, दीक्षा सिंह और नुपुर पारख. (2018). कम्पाउंड हेटेरोज़ीस हेमोग्लोबिन लेपोर / बीटा थैलेसीमिया रिपोर्ट और भारतीय परिप्रेक्ष्य के साथ साहित्य की समीक्षा. ejpmr, 5 (6) 612-616.

बरखा गुप्ता, प्रेरणा अरोड़ा, ऋचा गुप्ता, नीता खुराना. (2018). टी-तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया / लिम्फोमा, अचानक मौत का अप्रत्याशित कारण। जे इंडियन एकेड फॉरेंसिक मेड; 40, (2): 224-227.

चौधरी डी, कौर एन, मंडल एस, खुराना एन, सिंह सी.बी. (2019). संयोग से पता चला है एक्यूट ट्यूबरकुलर कोलेसिस्टिटिस : साहित्य की व्यापक समीक्षा के साथ एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबॉयल। (स्वीकृत मूल लेख)।

चौहान एम, बेहरा सी, मदिरेड्डी एस, मंडल एस, खन्ना एस.के. (2018). सडेन डेथ ड्यू टू एन इनवेसिव मोल इन ए यंग प्रिमिग्रेविदा : प्रेसिपिटॅस प्रेजेंटेशन मासक्वेराडिंग द नेचुरल मैनर। मेड साइंस लॉ; 58 (3): 189-193.

डिंपल चौधरी, श्रमण मंडल, नीता खुराना, पवनंदर लाल. (2018). पैराएस्टेसिस का आक्रामक एंजियोमाइक्सोमा : साहित्य की व्यापक समीक्षा के साथ एक केस रिपोर्ट। जे जेनिटल सिस्टम डिसऑर्डर्स।

गुप्ता एल, भट्ट ए.एस, माल्या वी, खुराना एन, लाल. पी. (2018). अड्रेनाल मेडुल्लरी हाइपरप्लासिया विथ कोइग्जिस्टेंट सेरेब्राल एंगिओमासद्य। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबॉयल; 61: 587-9.

गुप्ता एस, वत्स पी, झा ए, सिंह के, घोष एस, टंडन एस, खन्ना ए, कपूर एस, खुराना एन.(2019). गिंगिवल मेनीफेस्टेशन्स ऑफ ट्यूबरकुलोसिस इन प्रेडिएट्रिक पेसेंट्स : 4 मामलों की श्रृंखला। ओरल सर्ज. ओरल मेड. ओरल पैथोल. ओरल रेडिओल.।

गुप्ता बी, माल्या वी, जैन एस, अग्रवाल पी. एन. (2018). युटिलिटी ऑफ एफएनएसी इन डर्मेटोलॉजिकल मेनिफेस्टेशन ऑफ मेटास्टैटिक कैंसर विथ द रिव्यु ऑफ द लिटरेचर। जे साइटॉल; 35: 237-41.

गुप्ता ए, अरोड़ा पी, सिंह एम, बत्रा एस. (2018). टेस्टीकुलर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर (जीआईएसटी) : एन एक्सट्रीमेली अनयुजवल सेकेंडरी ऑफ गैस्ट्रिक प्राइमरी। जे. जीनिट सिस्ट. डिसॉर्डर; 7: 1.

गुप्ता बी, जैन एस. (2018). पेरिअनल नोड्यूल ड्यू टू इंटराबियॅस वरमिकुलरिस : साइटोमॉर्फोलॉजिकल स्पेक्ट्रम ऑन फाइन नीडल अस्पिरेशन सायटोलॉजी विथ ए रिव्यु ऑफ लिटरेचर। ट्रॉपिकल पारसीटोल; 8 (1): 53-55.

गुप्ता बी, जैन एस. (2018). प्राइमरी मार्जिनल जोन लिम्फोमा अराइजिंग फ्रॉम फ्लोर ऑफ माउथ : ए रेयर केस रिपोर्ट । जे साइटॉल; (केस रिपोर्ट स्वीकार)

जैन एन, गुप्ता वी, माथुर एन.बी, कुमार ए, खुराना एन, सरीन वाई.के. (2019). एक नवजात शिशु में मीडियास्टिनल द्रव्यमान(मास) के रूप में प्रेजेंट करने वाला एंटरोजेनस सिस्ट। जे इंडियन एसोस. पीडियाट्र. सर्जन; 24 (1): 72-74.

कुमार ए, हटवाल डी, बत्रा एन, वर्मा एन. (2018). प्रोस्टेटिक कार्सिनोमा में मेटास्टेस की भविष्यवाणी करने में nm23H1 की भूमिका। इंड. जे. पैथोल. माइक्रोबायोल.; 61: 70-5.

लतिका गुप्ता, सारिका सिंह. (2019). कॅटनेइअस मायोपेरिसायटोमा विथ कोज़िस्टेंट ग्लोमेनगिओपेरिसायटोमा : ए पेराडिगम ऑफ ओवरलेपिंग फीचर, ijdpdd। (मुद्रणालय में)

मेहुल अग्रवाल, मनु वत्स, सुशांतो नेगी, प्रणव मोहन सिंघल, श्रमण मंडल. (2019). एक वयस्क महिला में अग्न्याशय का स्यूडोपैपिलरी ट्यूमर। इंट जे. एनाटॉमी रेडिओल. सर्जरी; 8 (2): SC01-SC03.

माल्या वी, नारायण एस, जैन एस. (2018). ऑटोट्रांसप्लस थायरॉयड में मेटास्टैटिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा: एक नैदानिक दुविधा। इंडियन जे. पैथोल माइक्रोबॉयोल; 61: 399-400.

महाजन एन, पटेल आर, जैन एस. (2018). कार्सिनोमा ब्रेस्ट मासक्वेराडिंग एज एक्सट्रा मेडुल्लरी प्लासमासायटोमा : एन अनयुजवल केस रिपोर्ट विथ रिव्यु ऑफ लिटरेचर। कैंसर ट्रीटमेंट्स कम्युनिकेशन्स। (प्रिंट से आगे)

निशांत सागर, प्रितिका कुशवाहा, वरुण माल्या, नीता खुराना, एन.एस. हडके. (2018). प्रोस्टेट का न्यूरोएंडोक्राइन कार्सिनोमा - एक केस रिपोर्ट। जे. कैंसर रेस.थेरेपी। (स्वीकृत मूल लेख)

राठी आर, जैन ए, मंडल एस, खुराना एन, त्रिपाठी आर.(2018). गैंट कोरंगियोमा प्रेजेंटिंग विथ एन एबसेंट फोएटॅस : ए मिस्ट्री ! जे. ओबस्टेट गायनेकोल. [प्रिंट से आगे का लिंक] PubMed PMID: 29620423.

रानी पी, सिंह एम, मेहरोल सी, गुप्ता ए.जे, खुराना एन., मेहर आर. (2018). पेरोटिड ग्रंथि में म्यूकोएपिडर्मोइड कार्सिनोमा के लिए ऑन्कोसाइटिक उपकला-मायोइफिथेलियल कार्सिनोमा का डिडिफेंटेशन : एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट। इंडियन जे. पैथोल. माइक्रोबॉयल; 61 (4): 564-566.

रेल्हान वी, संधू जे, गर्ग वी.के, खुराना एन. (2019). लिनियर लिचेन निटिडुस विथ ओनिचोडायस्ट्राफी इन ए चाइल्ड। इंडियन जे डर्माटोल.; 64 (1): 62-64.

राधिका अग्रवाल, मीता सिंह, रीमा ढाहिया, नीता खुराना, वी.के गर्ग. अमिता जैन, मीता सिंह, जेना बी, अनुषा एस., नीता खुराना, एस. जैन. (2019). डिम्बग्रंथि द्रव्यमान(मास) घावों(लिसेन्स) से अंतर्गर्भाशयकला परिमार्जन साइटोलॉजी की भूमिका : 81 मामलों(केसेस) का एक अध्ययन। जे साइटोलॉजी (मूल लेख स्वीकार किए जाते हैं)

राधिका अग्रवाल, मीता सिंह, अंकिता जायसवाल, सुशील शर्मा, नीता खुराना, श्यामा जैन, रवि मेहर. (2019). युटिलिटी ऑफ फाइन नीडल अस्पिरेशन साइटोलॉजी टू डायग्नोस इंट्रोरल ट्युबरकुलोसिस एंड अॅदर ओरल ग्रैनुलोमैटस लेसन्स। डायग्नोस्टिक साइटोपैथोल (मूल लेख स्वीकार किए जाते हैं)

राधिका अग्रवाल, दीपिका राणा, मीता सिंह, श्रमण मंडल, श्यामा जैन, राठी. (2019). मुसिनोअॅस ब्रेस्ट कार्सिनोमा मेटास्टेटिक टू पैरोटिड ग्लेंड : रिपोर्ट ऑफ ए केस डायग्नोस्ड बाय फाइन-नीडल अस्पिरेशन साइटोपैथोल। (केस की रिपोर्ट के रूप में स्वीकार)

सक्सेना पी, अग्रवाल आर, नैन जी, खुराना एन, लाल पी, टुडू एस.के. (2018). सायनोविअल हेमांगिओमॅस ऑफ रिस्ट एंड एंकल ज्वाइंट : दो दुर्लभ मामलों (केसेस) की रिपोर्ट। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबॉयल. ; 61 (4): 604-606.

सुरेखा यादव, मीता सिंह, पोमिला सिंह, श्रमण मंडल, नीता खुराना, श्यामा लता जैन. (2019). पेरिकार्डियल तरल पदार्थों का साइटोलॉजिकल मूल्यांकन : तृतीयक देखभाल केंद्र में 5 वर्ष का अनुभव। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबॉयल; (स्वीकृत- संक्षिप्त कम्युनिकेशन)

सुरेखा यादव, वरुण माल्या, नीता खुराना. (2019). ज़ायलेने फ्री स्टेननिंग - इज इट प्रेक्टिकल एंड पॉसिबल? इंडियन जे पैथोल माइक्रोबॉयल. (स्वीकृत मूल लेख)

सागर पी, शंकर आर, वाधवा वी, सिंह आई, खुराना एन.(2018). प्राथमिक ट्यूबरकुलर डैक्रिसिस्टाइटिस - एक केस रिपोर्ट और साहित्य से 18 मामलों(केसेस) की समीक्षा। ओरबिट.; 24: 1-4.

सिंह एल, सेंगर एम, गोयल एस, मानसी एम, खुराना एन, मोहता ए. (2018). लिचेन स्क्लेरोसस के लिए बचपन फिमोसिस सेकेंडरी : हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तन का एक स्थानिक पैटर्न है? एएम जे डर्माटोपैथोल.; 40 (11): 824-828.

सुनील पसरीचा, मीनाक्षी कंबोज, पारुल तंवर, गुरुदत्त गुप्ता, मनोज पाणिग्रही, अनिला शर्मा, गरिमा दुर्गा, अनुराग मेहता. (2019). पुरुष स्तन कैंसर का इम्यूनोफेनोटाइपिंग - एक तृतीयक देखभाल केंद्र में अनुभव। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबॉयल.। (स्वीकृत मूल लेख)

सारिका सिंह, आशुतोष रथ, सुरेखा यादव. (2018). प्राथमिक प्लाज्मा सेल ल्यूकेमिया : केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। सुल्तान कबूस यूनिवर्सिटी मेडिकल जे; 18: 397-401.

सारिका सिंह, आशुतोष रथ, सुरेखा यादव, (2019). प्लाज्मा सेल ल्यूकेमिया पर केस सीरीज़। सुल्तान कबूस यूनिवर्सिटी मेडिकल जर्नल; (प्रेस में)

सुनीता गुप्ता, खुशबू सिंह, अंजू गर्ग, पी.एस भंडारी, श्याम किशोर शाह, अर्नस्ट रीचेनबर्गर, सीमा कपूर, श्यामा जैन, निरुपमा त्रेहानपति. (2019). अग्रेसिव विशेषताओं(करेक्टरिसटिक्स) के साथ चेरूबोलिज़्म का क्लिनिकोरैडोलोगिक का पालन करें : 3 मामलों(केसेस) की एक श्रृंखला। ओरल सर्जरी, ओरल मेडिसिन, ओरल पैथोलॉजी ओरल रेडियोलॉजी। (प्रेस में)

सुब्बारायण डी, भट्टाचार्य जे, रानी पी, खुरैजाम बी, जैन एस. (2019). यूज ऑफ पैनल ऑफ मार्कर्स इन सेरोअस इफ्यूजन टू डिस्टिनगुइश रिएक्टिव मेसोथेलियल सेल्स फ्रॉम एडेनोकार्सिनोमा। जे. साइटोल. ; 36 (1): 28-31.

सागर पी, जैन के, जैन एस, बंसल आर.(2019). सोलिटेरी गेंट ओस्टेओमा मैंडीबल। जे क्लीन. डायग्नोस्टिक रेस. e-pub ahead of print 2018 MD04- MD06

सागर पी, राजपुरोहित पी, सिंह आई, मंडल एस. (2019). गेंट डी नोवो प्लेआमोर्फिक एडेनोमा ऑफ पेराफेरिन्जियल स्पेस, कैन इट काज स्पाइनल डिफॉर्मिटी? एक मामले की रिपोर्ट। स्पाइन डिफॉर्म. ; 7 (3): 505-508.

यादव एस, सागर एन, माल्या वी, मंडल एस, खुराना एन, गुप्ता एस.(2018). एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा के मामले में व्यापक(एक्सटेंसिव) ट्रोफोब्लास्टिक भेदभाव(डिफेरेंसिएशन)। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबॉयल; 61: 614-6.

यादव एस, वर्मा एन, खुराना एन, नेओगी एस. (2018). रिकरंट डेरमाटो-फाइबरोसारकोमा प्रोट्युबरेन्स विथ पिगमेंटेशन एंड मायोइड डिफेरेंसिएशन। सुल्तान कबूस यूनिव. मेड जे; 18 (2): e228-e230.

वरुण माल्या, लतिका गुप्ता, नीता खुराना, ललित मैनी. (2019). स्नॉनटेनिअॅस रिग्रेसॅन ऑफ गेंट सेल ट्यूमॅर ऑफ द रिस्ट-मिथ ऑर फैक्ट? इंडियन जे पैथोल माइक्रोबॉयल.। (स्वीकृत मूल लेख)।

विनयागमणि एस., प्रकाश ए, चौधरी वी, जैन एस, गुलाटी ए, गर्ग ए. (2018). इज अकॉस्टिक रेडिएशन फोर्स इम्पल्स (एआरएफआई) अल्ट्रासाउंड इलास्टोग्राफी वैल्युएबल इन द असेसमेंट ऑफ सर्वाइकल लिम्फैोपैथी? इंड जे ओटोलरींगोल और हेड नेक सर्जरी; 70 (4): 597- 603.

विशाल सिंह, नवप्रीत कौर, श्रमण मंडल, नीता खुराना, संगीता भसीन. (2019). बाइलेटरल ओवेरियन फाइब्ररोमास विथ कॉनकोमिटेंट युनिलेटरल सेरोउस सीस्टेडेनोमास : साहित्य की समीक्षा के साथ एक रेयर केस। जे ऑब्स्टेट्रिक्स ग्यानकोल; (स्वीकृति)

वत्स एम, सचान वी, प्रजापति एस, मंडल एस. (2018). ट्रिपल रिसेप्टॅर पॉजिटिव प्राइमरी न्यूरोएंडोक्राइन कार्सिनोमा ऑफ ब्रेस्ट इन ए यंग पेसेंट। ब्रिटिश मेड जे. केस Rep; pii:bcr-2017-223280.

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादकों/सदस्य के रूप में सेवारत विभाग शिक्षकों की संख्या - एक

डॉ. श्यामा जैन "जर्नल ऑफ साइटोलॉजी" और "जर्नल ऑफ एमएएमसी मेडिकल साइंसेस' के लिए सदस्य संपादकीय बोर्ड की सदस्य रही हैं।

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ. रीना तोमर. (डीएसटी फंडेड एक्स्ट्रामुरल परियोजना), "मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य और चिकित्सा विद्यार्थियों के अनुभूति(कॉगनिशन) पर राजयोग मेडिटेशन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए"।

फालोइंग ऑनगोइंग इंट्रामुरल परियोजनाएं रुपए 1.5 लाख/परियोजना

खुरैजाम बेम्बेम : मारफोलॉजिकल एंड इम्यूनोहिस्टोकेमिकल स्टडी ऑफ ह्यूमन पेपिल्लोमावायरस-रिलेटेड कार्सिनोमस ऑफ द सिनानासल ट्रेक्ट।

निधि वर्मा : एफएनएसी नमूनों में पारंपरिक स्मीयरों के साथ मैनुअल लिक्विड आधारित साइटोलॉजी की उपयोगिता और इसकी तुलना।

प्रेरणा अरोड़ा : हिर्स्चस्प्रुंग रोग में काजल (आईसीसी) के अंतरालीय(इंटरस्टिसियल) कोशिकाओं का वितरण : एक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन।

रीना तोमर: ट्रिपल निगेटिव स्तन कैंसर में कैंसर स्टेम सेल मार्कर्स सीडी44, सीडी133 और सीडी49एफ की भूमिका और हिस्टोलॉजिकल ग्रेड, एंजियोजेनेसिस और मेटास्टेसिस के साथ उनका जुड़ाव(एसोसिएशन)।

सारिका सिंह : तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र में Myc, Bcl2 और Bcl6 के एक्सप्रेसन द्वारा डिफ्यूज़ बड़े Bcell लिम्फोमा के जीनोटाइपिक उप वर्गीकरण।

श्रमण मंडल : कोरिलेशन ऑफ P16 एंड गैलेक्टिन 1 एंड 3 एक्प्रेसन इन डिस्प्लेसिया एंड स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा ऑफ बुक्कल म्यूकोसा।

वरुण माल्या : डिम्बग्रंथि सीरस ट्यूमर में फैलोपियन ट्यूब के रूपात्मक(मॉरफोलॉजिकल) और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन।

आयोजित सेमीनार

सीपीसी नियमित रूप से मेडिसिन विभाग, सर्जरी विभाग और ओटोरहिनोलारिनोलॉजी विभाग के सहयोग से आयोजित की जाती है

आयोजित सम्मेलन

आईएपीएम की त्रैमासिक बैठक- दिल्ली अध्याय, अक्तूबर, 2018.

दिल्ली अध्याय आईएपीएम का 34 वां वार्षिक सम्मेलन, मार्च, 2019.

पी.जी विद्यार्थियों के लिए "साइटलोलॉजिकल अप्रोच टू लिम्फ नोड लेसियंस" पर इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलॉजिस्ट कार्यशाला का दिल्ली अध्याय, फरवरी, 2019.

सेमिनार सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

मीता सिंह ने नवंबर, 2018 में इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलॉजी, गोवा के वार्षिक सम्मेलन में "ओरल एनएचएल का साइटोलॉजिकल स्पेक्ट्रम" पर पोस्टर प्रस्तुति की।

नीता खुराना : कार्सिनोमा स्तन - वर्तमान अवधारणाओं पर अतिथि व्याख्यान और इसकी चिकित्सीय विविक्षा(इम्पलीकेशन्स)। सर्जरी विभाग, एमएएमसी और एलएनएच द्वारा आयोजित सर्जरी अपडेट में, अक्तूबर, 2018.

श्यामा जैन : यूपी साइटोकॉन, सुभारती मेडिकल कॉलेज, मेरठ, यू.पी में 'साइटोलॉजिकल एप्रोच ऑफ सॉफ्ट टिश्यू लेसिन्स' पर अतिथि व्याख्यान; सितंबर, 2018.

सारिका सिंह : हेमेटोलॉजिस्ट के क्लिनिकल मीट में नए आरबीसी मापदंडों पर अतिथि व्याख्यान। सितंबर, 2018.

एमएएमसी में अक्तूबर, 2018 में आयोजित आईएपीएम दिल्ली चैप्टर तिमाही मीट में ओरल लेसिन्स के डब्ल्युएचओ वर्गीकरण में नई संस्थाओं(इनटिटीज) पर श्रमण मंडल व्याख्यान।

संकायों की संख्या - 11

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

चिकित्सों द्वारा कई पुरस्कार जीते गए

डॉ. वरुण सिपय्या को दिसंबर, 18 में आयोजित आईएपीएम, एपीसीओएन, बरेली के 67वें वार्षिक सम्मेलन में “कैन ट्यूमर स्ट्रोमा रेसियो डेटेरमाइन रेसपॉन्स टू नियो एडजुवेंट कीमोथेरेपी?” पेपर के लिए प्रथम पुरस्कार।

स्नेहा गोस्वामी को मार्च, 2018 में ईएसआईसी फरीदाबाद में ओनकोपैथालॉजी-एक अद्यतन पर सीएमई में "इनफेन्टाइल फाइब्रोसारकोमा ऑफ बेस ऑफ टंग- ए रेयर केस” पर पोस्टर प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुरस्कार।

स्नेहा गोस्वामी को सितंबर, 2018 में दिल्ली सोसाइटी ऑफ हेमटोलॉजी, यूसीएमएस, की नियोनाटल सेप्सिस वार्षिक बैठक में न्यूट्रोफिल सीडी 64, मोनोक्लेट एचएलएडीआर और सीडी 16 की नैदानिक उपयोगिता पर पोस्टर प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुरस्कार ।

कनक गुप्ता को दिसंबर, 2018 में आईएपीएम, एपीसीओएन के 67 वें वार्षिक सम्मेलन में "कोंजेनिटल पुल्मोनरी एयरवे मालफॉरमेशन - ए हिस्टोमोर्फोलॉजिकल स्पेक्ट्रम ऑफ 14 केसेस" पर पोस्टर प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुरस्कार।

दीपिका - मार्च, 2019 में डीएपीसीओएन 2019 में दिल्ली चैप्टर, 34 वां वार्षिक सम्मेलन में "डायरेक्ट इम्यूनोफ्लोरेसेंस (डीआईएफ) वर्सस इम्यूनोहिस्टोकैमिकल (आईएचसी) स्टेननिंग ऑफ कॉम्प्लीमेंट्स एंड इम्यूनोग्लोबुलिन (आईजी) इन पेम्फिगस ग्रुप" हेतु सर्वश्रेष्ठ पोस्टर।

विस्तार एवं अधिगम्य गतिविधियां

पैथोलॉजी विज्ञान समुदाय के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल है। नोडल केंद्र होने वाले विभाग को दिल्ली में आयोजित विभिन्न शिविरों से "स्त्री शक्ति प्रोग्राम" और "कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम" के नमूने प्राप्त होते हैं और प्रसंस्करण और रिपोर्टिंग के लिए अन्य दिल्ली सरकार के चिकित्सालयों से कैंसर के निदान के लिए नियमित रूप से नमूने लिए जाते हैं।

डॉ. श्यामा जैन पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ और एम्स में संकाय पद के चयन के लिए यूपीएससी, यूजीसी, सीएसआईआर, ईएसआईसी, डीएमसी द्वारा सदस्य विषय विशेषज्ञ हैं।

डॉ. नीता खुराना एमएएमसी के निवर्तमान पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थी की सर्वश्रेष्ठ थीसिस का मूल्यांकन करने वाली समिति की सदस्य हैं; कार्यकारी सदस्य, आईएपीएम- दिल्ली चेप्टर; एसआरयू के लिए एनटीटीपी, बीसीडब्ल्यु, सीआईएसपी और कैप्सूल पाठ्यक्रमों में शामिल संकाय एमईयू-एमएएमसी; संयोजक, पैथोलॉजी; महाविद्यालय पत्रिका सिनैप्स के कोषाध्यक्ष; सीबीएमई की निगरानी और कार्यान्वयन के लिए महाविद्यालय पाठ्यक्रम समिति के सदस्य; एल.जी गवर्नर्स रोलिंग ट्रॉफी पुरस्कार हेतु समिति के सदस्य; के.बी शर्मा रोलिंग ट्रॉफी के लिए समिति के सदस्य; बी.एस. माथुर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार के लिए समिति के सदस्य; आर.पी माथुर सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर पैथोलॉजी पुरस्कार के लिए अध्यक्ष समिति; सदस्य संस्थागत आचार समिति एमएएमसी; पैथोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'पाठ्यक्रम और अध्ययन की समिति' के सदस्य; एमएएमसी के पीजी विद्यार्थियों और जीआईपीएमईआर के सुपर-स्पेशलिटी विद्यार्थियों के थीसिस / प्रोटोकॉल की मंजूरी के लिए पोस्ट ग्रेजुएट सेल के सह-अध्यक्ष; एमएएमसी में अटेंडेंट और लाइब्रेरी अटेंडेंट के पद के लिए ग्रुप 'डी' के कर्मचारियों के लिए स्क्रीनिंग कमेटी का सदस्य, एमएएमसी में सीनियर रेजिडेंटों के चयन के लिए साक्षात्कार बोर्ड के चेयरपर्सन।

***

विकृति विज्ञान (वीपीसीआई)

प्रकाशन :

कुमार एम, कुलश्रेष्ठ आर, सिंह एन, जग्गी ए.एस. (2019). मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को प्रभावित करने वाले विकारों में एंटीकैंसर ड्रग इमातिनब के स्पेक्ट्रम का विस्तार। औषधीय अनुसंधान; 143: 86-96.

पांडे ए, कुलश्रेष्ठ आर, मेनन बी, राजकुमार, गौर एस.एन. (2018). ट्रांसब्रोन्चियल फेफड़े की बायोप्सी में एन्थ्राकोटिक पिगमेंट: पैरेन्काइमल फेफड़ों की बीमारी के लिए एक इनोसेंट बायस्टेंडर अथवा रोगजनक(पैथोजेनिक) एजेंट। इंडियन जे चेस्ट डिस. एलाइड साइंस.; 60: 27-31 .

सिंह एल, कुलश्रेष्ठ आर, सिंह एन, जग्गी ए.एस. (2018). एडेनोसिन फ़ार्माकोलॉजिकल प्रीकॉन्डिशनिंग - प्रेरित कार्डियोप्रोटेक्शन में शामिल तंत्र। कोरियन जे फिजियोल फार्माकोल; 22: 225-234.

वैद्य एस, गोठी डी, कुलश्रेष्ठ आर. (2019). सेंट पेरेग्रीन ट्यूमर "सिंक्रोनस प्राइमरी रीनल सेल कार्सिनोमा' के साथ। लंग इंडिया। (स्वीकृत)।

अनुसंधान परियोजनायें

रितु कुलश्रेष्ठ (आईसीएमआर 2015. रुपए7.5 लाख) : - फुफ्फुसीय फाइब्रोसिस में मैट्रिक्स मैटलो-प्रोटीनों की एक्सट्रैसेल्युलर मैट्रिक्स रीमॉडेलिंग और एक्सप्रेशन।

रितु कुलश्रेष्ठ (डीएसटी रुपए 57.45 लाख), स्टडी ऑफ द पोस्ट ट्रांसक्रिप्शनल मैकेनिज्म अंडरलाइंग पल्मोनरी फाइब्रोसिस एंड दियर मोडुलेशन बाय थेरेप्युटिक एजेंट्स।

संगोष्ठि/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ

"फेफड़े की फाइब्रोसिस के उपचार के लिए पॉलिमेरिक नैनोपार्टिकल ड्रग डिलीवरी सिस्टम का डिजाइनिंग" नैनोबायोटेक-2018, एम्स, नई दिल्ली, अक्तूबर, 2018 में इंडियन सोसायटी ऑफ नैनोमेडिसिन का तीसरा वार्षिक सम्मेलन।

सिस्टोपेथोलॉजी प्रभाग नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च, नोएडा में जून, 2018 में ग्रे ज़ोन्स और हाल ही में अद्यतन ब्रेस्ट, थायराइड, ब्रोंकोपुलमोनरी और सर्वाइकल सायटोलॉजी पर सीएमई में "पोटपौरी ऑफ इंटरेस्टिंग केसेस एंड डायग्नोस्टिक ट्रैप्स इन ब्रोन्को-पल्मोनरी साइटोलॉजी" पर रिसोर्स पर्सन।

ताइपेई, ताइवान में मार्च - अप्रैल, 2018 में आयोजित एशिया-आस्ट्रेलिया पल्मोनरी पैथोलॉजी सोसाइटी के 5वें वार्षिक सम्मेलन में "ट्यूमर डिडिफर्टेन्शन एंड इंटरस्टीशियल लंग डिसीज आर इंडीकेटर्स ऑफ पुअर प्रोग्नोसिस इन एडवांस्ड स्टेज पैपिलरी एडेनोकार्सिनोमा ऑफ लंग ट्रीटेड विथ जेफिटनिब" पर प्रस्तुति।

इम्यूनोलॉजी, आम्सटेरडम, द नीदरलैंड में सितम्बर, 2018 में आयोजित 5वीं यूरोपीय कांग्रेस में "बोसेंटन थेरेपी मोड्यूल miR-21-TGF--1-bFGF-Let-7d एक्सिस एंड अटेनुएट्स द डेवेलपमेंट ऑफ पल्मोनरी आर्टरी हाइपरटेंशन आफ्टर ब्लेआमायसिन इंजरी" पर प्रस्तुति।

"इंटरप्रटिंग पैथालॉजी इन आईएलडी : व्हॉट एवरी फिजीशियन शुड नो" पर रिसोर्स पर्सन, नवंबर., 2018.

अंतर-संस्थागत सहयोग

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली; आईएनएमएएस, डीआरडीओ कौशिक, सीआईसी-दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ सहयोग कर रही हैं।

संकायों की संख्या : 1

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ

अप्रैल 2014 से 20 मई 2019 तक वीपीसीआई में स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार-आईसीएमआर-वीपीसीआई-बहु-विषयक अनुसंधान इकाई की सदस्य सचिव।

दिनांक 10/8/2018 से 9/8/2021 तक "परिष्कृत विश्लेषणात्मक साधन सुविधा (एसएआईएफ)", नई दिल्ली (एम्स) के लिए सुविधा प्रबंधन समिति में डीएसटी की नामित।

यूजीसी की लर्निंग आउटकम आधारित पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क (यूजीसी-एलओसीएफ) के अनुसार मानव पैथोलॉजी कोर्स, कोड 32581601 इन प्रोग्राम (सीबीसीएस) बी.एससी (ऑनर्स) बायोमेडिकल साइंसेज के पाठ्यक्रम के संशोधन के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के अंडर ग्रेजुएट पाठ्यक्रम संशोधन समिति -2019 के कार्य समूह के सदस्य।

वर्ष 2016 से एशिया-ऑस्ट्रेलियायन पल्मोनरी पैथोलॉजी सोसाइटी (एएपीपीएस) के पार्षद(काउंसिलॅर) सदस्य।

***

विकृति विज्ञान (यूसीएमएस)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

पैथोलॉजी विभाग एमबीबीएस, एमडी, पैरामेडिकल को पढ़ाने में सक्रिय रूप से शामिल है। एमएलटी और बी.एससी फिजियोथेरेपी के विद्यार्थी नैदानिक सेवाएं और अनुसंधान गतिविधियां प्रदान करते हैं। हिस्टोपैथोलॉजी अनुभाग में नियमित हिस्टोपैथालॉजी के साथ उपलब्ध सुविधाओं में विशेष दाग(स्टेन्स), इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री,

फ्रोजन सेक्शन, त्वचा और गुर्दे के नमूनों के लिए इम्युनोफ्लोरेसेंस, संदर्भित स्लाइड और ब्लॉक और ऑटोप्सी सेवाओं की समीक्षा शामिल हैं। हेमटोलॉजी प्रयोगशाला सेवाओं में पूर्ण हेमोग्राम और परिधीय स्मीयर, अस्थि मज्जा आकांक्षा और बायोप्सी, हेमोलिटिक एनीमिया, (एचबी इलैक्ट्रोफोरेसिस, एचपीएलसी इत्यादि) के रोगियों के काम(वर्कअप) के लिए विशेष जांच, पोषण संबंधी एनीमिया, जमावट विकार(कोएगुलेशन डिऑर्डर), ल्यूकेमिया और फ्लो साइटोमेट्री शामिल हैं।

साइटोपैथोलॉजी प्रयोगशाला में उपलब्ध सेवाओं में फाइन सुई(नीडल) एस्पिरेशन कोशिका विज्ञान (यूएसजी और सीटी निर्देशित सहित), स्त्री रोग संबंधी कोशिका विज्ञान, घातक(मालिगेंट) कोशिकाओं के लिए द्रव कोशिका विज्ञान, थूक स्मीयर परीक्षण और इम्युनोसायकेमिस्ट्री शामिल हैं। बाहरी गुणवत्ता आश्वासन प्रोग्रामों (ईक्यूआई) में ब्लड बैंक, हिस्टोपैथोलॉजी, साइटोपैथोलॉजी और हेमाटोलाजीबोरेट्री सहभागिता कर रहे हैं। पैथोलॉजी विभाग के संकाय, रेजीडेंट्स और प्रयोगशाला कर्मचारी न्यूनतम बारी-बारी समय के साथ अच्छी रोगी देखभाल प्रदान करने का प्रयास करते हैं।

प्रकाशन

आहूजा, एस., तनवीर, एन., हाफलोंगबार, टी., अरोड़ा, वी.के. (2018). सायटोलॉजिकल फाइंडिंग्स ऑफ ए रेयर केस ऑफ ट्रांजिसनल सेल कार्सिनोमा ब्लेडर प्रेजेंटिंग विथ सुप्राग्लेविकुलर लिम्फोडेक्ट मेटास्टेसिस। जे साइटॉल; 35: 129-30.

बंसल, टी., तनवीर, एन., सिंह, यू.आर., शर्मा, एस., कौर, एन. (2018). स्तन कैंसर में Y- बॉक्स बाइंडिंग प्रोटीन 1 एक्सप्रेसन और हार्मोन रिसेप्टर्स और अन्य रोगनिरोधी मार्करों के साथ इसके सहसंबंध। जे लैब फिजीशियन्स: 10 (4): 420-425.

भट्टाचार्य, जे., गुप्ता, आर. (2019). मिश्रित फेनोटाइपिक ब्लास्ट क्राइसिस में पेश किए गए पीडियाट्रिक सीएमएल : ए रेअर ऑक्युरेन्स. टर्क जे हैमाटोल. doi: 10.4274 / tjh.galenos.2019.2018.0428.

चोपड़ा, एन., नारंग, एस., दिवाकर, पी. (2018). "मल्टीपल कुटेनिअॅस मेटास्टेसिस ऑफ स्क्राल क्रोडोमा मिमिकिंग न्यूरोफाइब्रोमास क्लिनकली"। एन्नल्स ऑफ पैथालॉजी एंड लेबोरेटॅरी मेडिसिन; 5 (4): C65-C67.

ढकर, एस., दिवाकर, पी., गोगोई, पी., सिंह, बी., कुमार, एस. (2018). प्लेटलेट काउंट इस्टीमेशन यूजिंग अनस्टेन्ड एंड स्टेंड पेरीफेरल ब्लड स्मीयर : एक तुलनात्मक अध्ययन। जे क्लीन डायग्नो. रेस. 12 (7): EC14-EC16.

गर्ग, एन., दिवाकर पी, अग्रवाल एस, गौर जे.एच. (2018). कोरलियोसिस प्लेसेन्टा विथ 5-वेसेल उमबिलिकल कॉर्ड विथ ओम्फोलोमसेंटरिक डक्ट रेउनन्ट : एन अनयूजवल एसोसिएशन । तुर्क जे ओब्स्टेट गाइनकोल; 15 (4): 270-272.

गर्ग, एन., बंसल डी, मंगला जी, कोटरू, एम. (2018). बोन मेरो इडेमा मिमिकिंग एमिलॉइड। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल।, 61 (4): 623-625.

गर्ग, एन., कोटरू, एम., कुमार, डी., पाठक, आर., सिक्का, एम. (2018). कोरिलेशन ऑफ एसप्रेसन ऑफ अबेरांट इम्युनोफोटोपिक मार्कर्स इन टी-एएलएल विथ इट्स मोरफोलॉजी : एक पायलट अध्ययन। जे लैब फीजिशियन; 10 (4): 410-413.

गर्ग, एन, कोटरू, एम., यादव, ए., रूसिया, यू., सिक्का, एम., कालरा, ओ.पी. (2018). सीरम फेरिटिन<70μg / L प्रेडिक्ट्स फंक्शनल आयरन डिफेसिएंसी इन पेसेंट विथ क्रोनिक किडनी डिसीज। सऊदी जे. किडनी डिस्क. ट्रांसप्लांट; 29 (5): 1035-1041.

गर्ग, एन., रैना, एस., कोटरू, एम., सिक्का, एम. (2018). अस्थि मज्जा में एरिथ्रोपागोसाइटोसिस : ए क्यु टू पायरेक्सिया ऑफ अननोन ओरिजिन। जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड इनफेक्शियस; 8 (2): 73-75.

गर्ग, पी., पाठक, पी., गोयल, आर., अरोड़ा, वी.के., सिंह, एन. (2018). करंट प्रेक्टिस इन हैंडलिंग एंड रिपोर्टिंग नीडल बायोप्सी : एक चिकित्सालय-आधारित सर्वेक्षण। इंडियन जे. पैथोल माइक्रोबॉयल; 61 (2): 197-200.

गर्ग, एन., तनवीर, एन., गौर जेएच.2019. युटिलिटी ऑफ व्हाटसअप एज ए टूल फॉर टेली-ओनकोपैथोलॉजी फॉर ओरल लेसिन्स, इंडियन जे सर्ज ऑनकोल; प्रिंट के आगे ऑनलाइन।https: //doi.org/10.1007/s13193-019-00919-4.

गोयल, ए., नारंग एन.सी., शर्मा एस, कोटरू एम.(2018). अनयूजवल मोरफोलॉजी ऑफ मल्टीपल मायलोमा। जे हेमटोपैथोल; 11: 81-2.

गोयल, ए., पाठक, पी., शर्मा, पी., शर्मा, एस. (2018). रोल ऑफ एफएनएसी इन डायग्नोसिंग लेसिन्स ऑफ हैंड एंड रिस्ट। डायग्नो. साइटोपोपैथोल। 46 (10): 853-858.

गोगोई, पी., सिन्हा, पी., गुप्ता, बी., फर्मल, पी., राजाराम, एस. (2019). प्री-एक्लेमप्सिया में न्युट्रोफिल-टू-लिम्फोसाइट रेशन्ड प्लेटलेट इंडेक्स। इंट जे गायनेकोल. ओब्सेट.; 144 (1): 16-20.

गोगिया, ए., सिक्का, एम., शर्मा, एस., रूसिया, यू. (2018). हेमोस्टेटिक एबनार्मलिटीज इन मल्टीपल मायलोमा। एशियन पेसिफिक जर्नल ऑफ़ कैंसर प्रिवेंशन; 19 (1): 127-130.

गोयल, आर., तनवीर, एन., सिंह, यू.आर. (2019). प्राइमरी म्यूकिनस एकरीन एडेनोकार्किनोमा : ए रेयर स्किन ट्यूमर एट एन अनयूजवल साइट। जे साइटोल; 36: 71-72.

सोढ़ी, आर., सिक्का, एम., कोटरू, एम., गुरुबचन, एन. (2018). थ्रोम्बोसाइटोपेनिया एंड कोगुलोपेथी इन इंडिया पेसेंट्स विथ आइसोलेटेड हेड ट्रॉमा। अन्नल्स ऑफ पैथोलॉजी एंड लेबोरेटॅरी मेडिसिन; 5 (1): 17-21.

सोढ़ी, आर., सिक्का, एम., कोटरू, एम., गुरुबचन, एन. (2018). कोगुलोपैथी एज ए प्रीडिक्टॅर ऑफ आउटकम इन इंडिया। पेसेंट्स विथ आइसोलेटेड रेड ट्रामा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च; 10 (4): 68203-68205.

तनवीर, एन. (2018). गुणवत्ता फाइलों में नहीं रहती है : यह जीवन का एक तरीका है। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबॉयल; 61: 304-305.

यादव, एस., गुप्ता, आर., अनुराधा, एस., मक्कर, ए.एम. (2019). ए रेयर केस ऑफ डिसेमिनेटेड पैंसिल्लिओसिस - फर्स्ट ऑफ इट्स काइंड फ्रॉम नार्थ इंडियन। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबॉयल., 62 (1): 156-158.

योम, ए.वी., तनवीर, एन., पांधी, डी., वाधवा, एन., मिश्रा, के. (2018). पृष्ठ 16 इम्युनोपोसिटिविटी इन एनोजेनिटल। इंड. जे. बेसिक अप्पल मेड रेस; 8: 91-95.

पुस्तकों में अध्याय

गर्ग एन, कोटरू एम. हेमोलिटिक एनीमिया के निदान के लिए दृष्टिकोण। हेमोटोलजी पर्ल्स 2018.eds पुरोहित ए, बोहरा जी, एम्स जोधपुर. मुस्कान ग्राफिक्स, जोधपुर।

गोगोई पी. फेटल ऑटोप्सी एंड प्लेसेंटल एक्जामिनेशन एज ए कॉम्पलिमेंटॅरी टूल इन रिकरंट। प्रेग्नेंसी लॉस, 227-241, 2018। स्प्रिंगर.

गोगोई पी. सी.ओ.पी.डी की पैथोलॉजी, क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिसीज, 31-47, 2018 सी.बी.एस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड.

कोटरु एम. थ्रोम्बोटिक माइक्रोएंगिओपैथी। नया क्या है? हेमाटोलॉजी-2018 में। एजुकेशन प्रोग्राम बुक पब हेमटोलॉजी एजुकेशन एंड रिसर्च सोसायटी(एईआरएस) एंड डिमार्टमेंट ऑफ हेमेटोलॉजी। एम्स, नई दिल्ली.2018.111-113.

सिक्का एम, हरेश कुमार बी. आयरन मेटाबोलिज्म डिफिसिएंसी एनेमिया। इन अपडेट इन हेमटोलॉजी 2018.

सिक्का एम. एप्रोच टू ए पेंसेंट विथ ब्लीडिंग डिसआर्डर। इन हेमोटॉलॉजी पर्ल्स 2018 ईडीएस. पुरोहित ए. बोहरा जी. एम्स जोधपुर मुस्कान ग्राफिक्स, जोधपुर।

संपादन मंडल के संपादक/सदस्य के रूप में सेवारत विभाग शिक्षकों की संख्या : 2

डॉ. मृणालिनी कोटरू ने सितंबर, 2018 में संपादक-प्रमुख के रूप में चिकित्सा शिक्षा इकाई 'एमईयू कनेक्ट' के लिए जर्नल प्रकाशित किया।

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ. सोनल शर्मा (यूजीसी रुपए14,20,000/-. इनटाइटिल्ड टू स्टडी द रोल ऑफ टाइप I रेग्युलेटॅरी T सेल्स इन स्किन इन पेसेंट विथ पेम्फिगस वल्गरीज ड्यूरिंग एक्यूट डिसीज एंड रिमिशन, ग्रांट।

आयोजित सम्मेलन

23 सितंबर, 2018 को दिल्ली सोसायटी ऑफ हेमेटोलॉजी का वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया।

25 अगस्त, 2018 को दिल्ली चैप्टर इंडियन एकेडमी ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स की त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

आशीष सी. फिलिप, गुंजन मंगला, प्रीति दिवेकर, नदीम तनवीर, विनोद के. अरोरा. एफएनए डायग्नोसिस ऑफ मेटास्टैटिक सेबेसियस कार्सिनोमा इन द इनट्रापेरोटाइड लिम्फ नोड। 7lवें वार्षिक सम्मेलन दिल्ली चैप्टर आईएसी, डीसी आईएसी 2018 का आयोजन यूसीएमएस एंड जीटीबी चिकित्सालय, दिल्ली द्वारा सितंबर, 2018 में आयोजन किया गया।

मारु पी. शर्मा एस., कोटरु एम., गंगोई पी., अवस्थी आर;, पैराओक्सानेस 2 जीनेपोलीमोरफिज्म इज नॉट एसोसिएटेड विथ द डेवेलॅपमेंट ऑफ कोरनरी आर्टरि डिसीज इन इंडियन पापुलेशन। लीला एंबियंस कन्वेंशन होटल में सितंबर, 2018 में यूसीएमएस एंड जीटीबीएच द्वारा आयोजित दिल्ली सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी का 29 वां वार्षिक सम्मेलन।

फिलिप ए.सी, सिक्का एम., गोगोई पी, दिवाकर पी, कोटरू एम. पहली बार में सीरम फेरिटिन और नियमित स्वैच्छिक रक्त दाताओं। लीला एंबियंस कन्वेंशन होटल में सितंबर, 2018 में यूसीएमएस एंड जीटीबीएच द्वारा आयोजित दिल्ली सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी का 29 वां वार्षिक सम्मेलन।

शास्त्री एम, कोटरू एम, रायजादा ए, शर्मा एस, सिक्का एम, महाजन बी. इनफ्लैमेटॅरी मार्कर्स इन गेरिएट्रिक एनेमिया। लीला एंबियंस कन्वेंशन होटल में सितंबर, 2018 में यूसीएमएस एंड जीटीबीएच द्वारा आयोजित दिल्ली सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी का 29 वां वार्षिक सम्मेलन।

शर्मा आई, सिक्का एम, कोटरू एम, रायज़ादा ए, तनवीर एन. लीला एंबियंस कन्वेंशन होटल में सितंबर, 2018 में यूसीएमएस एंड जीटीबीएच द्वारा आयोजित दिल्ली सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी का 29 वां वार्षिक सम्मेलन में प्रीवेलेंस ऑफ एंटीफॉस्फोलिपिड एंटीबॉडीज इम्पेसेंट।

यादव पी, तनवीर एन. गैंट कोलोनिक लिपोमा काजिंग इन्टुससेप्शन इन एडल्ट : ए केस रिपोर्ट । मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय और जीआईपीएमईआर, नई दिल्ली द्वारा मार्च, 2019 में एमएएमसी सभागार में एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ दिल्ली चैप्टर ऑफ इंडियन चैप्टर ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स 2019 दिल्ली चैप्टर का वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

आशीष सी. फिलिप, मीरा सिक्का, प्रियंका गोगोई, प्रीति दिवेकर, मृणालिनी कोटरू : यूसीएमएस एंड जीटीबी चिकित्सालय, दिल्ली द्वारा सितंबर, 2018 में आयोजित दिल्ली सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी के 29वें वार्षिक सम्मेलन में प्रोसीडिंग्स में "पहली बार में सीरम फेरिटिन और नियमित स्वैच्छिक रक्त दाताओं" के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार।

प्रीति दिवेकर ने ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट, दिल्ली के माध्यम से ब्लड बैंक विशेषज्ञ के रूप में ब्लड बैंकों का निरीक्षण किया; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग (एनआईओएस) के अंतर्गत चलाए जा रहे डीएमएलटी पाठ्यक्रम(कोर्स) के लिए हिस्टोपैथोलॉजी और साइटोलॉजी और हेमेटोलॉजी और रक्त बैंकिंग के लिए प्रशिक्षण शेड्यूल तैयार किया।

झीनी चौरसिया, सोनल शर्मा. को डॉ. डी.वाई. पाटिल महाविद्यालय और चिकित्सालय, नवी मुंबई द्वारा आयोजित डर्मेटोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया 2018 के वार्षिक सम्मेलन में "डीआईएफ की भूमिका, विशेष दाग(स्टैंन्स) और क्रिटिकल एलोपेसिया में CK15 IHC" पर ओरल पेपर श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

ओरल पेपर श्रेणी में तृतीय पुरस्कार। मालविका शास्त्री, मृणालिनी कोटरू, अल्पना रायज़ादा, सतेंद्र शर्मा, मीरा सिक्का, भावना महाजन। यूसीएमएस एंड जीटीबी चिकित्सालय, दिल्ली द्वारा सितंबर, 2018 में आयोजित दिल्ली सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी के 29वें वार्षिक सम्मेलन में प्रोसीडिंग्स में इन्फ्लेमेटॅरी मार्कर्स इन गेरिएट्रिक एनीमिया।

गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल पैथोलॉजी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार। यादव पी, तनवीर एन. गैंट कोलोनिक लिपोमा काजिंग इन्टुस्ससेप्शन इन एडल्ट। ए केस रिपोर्ट। मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय और जीआईपीएमईआर, नई दिल्ली द्वारा मार्च, 2019 में आयोजित एमएएमसी सभागार में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स 2019 के दिल्ली चैप्टर का 34 वां वार्षिक सम्मेलन।

संकायों की संख्या : 11

***

बाल चिकित्सा (एमएएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

सभी संकाय सदस्य सक्रिय रूप से यू.जी और पी.जी शिक्षण में शामिल थे और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में कई पेपर्स प्रकाशित किए और कई कार्यशालाओं और सिम्पोजिया का भी आयोजन किया। संकाय के कुछ लोग एक अनुपात में पीएच.डी कार्यक्रमों में शामिल है और सरकार के स्वास्थ्य कार्यक्रम में विभिन्न सलाहकार समूहों का एक हिस्सा भी है।

सम्मान / गौरव

डॉ. एस. यादव

ए.एच.ए. नागपुर स्थापना के लिए मुख्य अतिथि, जीवन कौशल पर मुख्य की नोट पर वार्ता प्रस्तुत की। जुलाई, 2018.

पूर्वी दिल्ली मीट में आल एबाउट फीवर, डब्ल्यू.एस हेतु गेस्ट ऑफ ऑनर। अक्तूबर, 2018.

प्रकाशन

अग्रवाल, ए., जैन, ए., खलील, एस., मिश्रा, डी., सेठी, एम .. (2018)। अंडर ग्रेजुएट मेडिकल विद्यार्थियों में कक्षा शिक्षण को पूरक बनाने के लिए पाठ-संदेश (टेक्स्ट मैसेजिंग): एक गैर-यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एमएएमसी जे.मेड एससी, 4,128-132.

अग्रवाल, एस., डबास, ए., मंटन, एम., यादव, एस. (2019). स्क्रब टाइफस के साथ एक शिशु में न्यूरोलॉजिकल अभिव्यक्तियों(मेनिफेस्टेशन्स) के साथ हेमोफैगोसिटिक लिम्फोहिस्टोसाइटोसिस : एक दुर्लभ घातक घटना। ट्रॉप डोक्ट, 49 (1), 52-53.

अल्जाहरानी, एफ., अलहबीब, एल., अलसाहली, एस., कपूर, एस., मदिरेवुला, एस., पटेल, एन., शमशेल्डिन, एच.ई, एट अल. (2018). कंकाल(स्केल्टल) डिसप्लेसिया के फेनोम और वेरोम का विस्तार। जेनेट मेड, 20 (12), 1609-1616.

अनेजा, एस., भसीन, एच., जैन, ए., जैन, पी., कपूर, एस., मीना, एम.के, शर्मा, एस.(2018). विटामिन बी(12) डिफेसिएंसी इन चिल्ड्रेन विथ इनफेन्टाइल स्पेस्मस : एक केस-कंट्रोल स्टडी। जे चाइल्ड न्यूरोल, 33 (12): 767-771.

अरोड़ा, एन.के, देशमुख, वी., गुलाटी, एस., नायर, एम.के.सी., महापात्र, ए., मिश्रा, डी. (2018). 2-9 वर्ष की आयु के बच्चों में न्यूरोडेवलपमेंटल विकार : भारत में पांच क्षेत्रों में जनसंख्या-आधारित बोझ(बर्डन) का अनुमान है। पीएलओएस मेड; 15: e1002615.

भंडारी, पी.एस, गर्ग, ए., गुप्ता, एस., जैन, एस., कपूर, एस, रीचेनबर्गर, ई., सिंह, के., साह, एस.के., त्रेहानपति, एन. (2019). क्लिनिकार्डिआलॉजिकल फॉलो अप ऑफ केरूबेरिज्म विथ एग्रेसिव करेक्टिरिस्टिक : ए सिरीज ऑफ 3 केसेस। ओरल सर्ज. ओरल मेड ओरल पैथोल ओरल रेडिओल, पीआईआई: एस 2212-4403 (19) 30110-5.

बसु, एस., जैन, आर., कुमार, पी., कपूर, एस., लोमश, ए., रोहतगी, एस.(2019). रिलायबिलिटी ऑफ सेलिएक सेरोलॉजी इन मॉनिटरिंग डायटेरी एडेरेंस इन चिल्ड्रेन विथ सीलिएक डिसीज ऑन ए ग्लुटेन-फ्री डाइट। ट्रॉप डॉक्ट, https://doi.org/10.1177/0049475519835732.

चावला, डी., जुनेजा, एम., मिश्रा, डी., सिंह, एस.(2019). लॉगिट्युडिनेल्ली एक्सटेंसिव ट्रांसवर्स मायलिटिस। इंडियन जे पीडिएट्रि, 86 (1), 91-92.

डबास, ए., मारवाहा, आर.के. (2019). इंटरवेंशन्स फॉर प्रीवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ एपिडेमिक ऑफ विटामिन डी डिफिसिएंसी। इंडियन जे पीडिएट्रि, 86 (6), 532-537.

डबास, ए., सेठ, ए. (2018). बचपन के मोटापे की रोकथाम और प्रबंधन। इंडियन जे पीडिऐट्रि, 85 (7), 546-553.

डबास, ए., अग्रवाल, एस., पाल, टी., झंब, यू. (2019). जन्मजात(कोनजेनिटल) यकृत(हेपाटिक) फाइब्रोसिस के साथ गोल्डस्टोन सिंड्रोम : नवजात कोलेस्टेसिस का एक दुर्लभ कारण। मामले की रिपोर्ट। इंटरेक्टेबल एंड रेयर डिसीज रिसर्च, 8 (2), 154-157.

धिनकरन, आर., मिश्रा, डी. (2019). आईएलएई क्लासिफिकेशन ऑफ सीजुर्स एंड एपिलेप्सिस : एन अपडेट फॉर द पीडिऐट्रिशियन। इंडियन पीडिऐट्रि., 56, 60-62.

गौतम, ए., जुनेजा, एम., जैन, आर., खन्ना, आर., नारंग, के. (2017). इफेक्ट ऑफ मल्टीलेबल लोअर-लिम्ब बोटुलिनुम इंजेक्शन्स एंड इंटेसिव फिजिकल थेरेपी ऑन चिल्ड्रेन विथ सेरेब्रल पाल्सी। इंडियन जे मेड रेस, 146, S8-S14.

गोयल, डी., मंतन, एम., सेठी, जी.आर (2018). मंटौक्स टेस्ट रिविजिटेड : वेरिएबिलिटी इन रीडिंग ट्यूबरकुलिन टेस्ट इन पीडिऐट्रिक पापुलेशन। द जे ऑफ इनफ इन डेव कंट्रीज, 12, 625-630.

ग्रोवर, आर., कौशिक, एस., मंतन, एम., यादव, एस. (2018). एड्रेनोकोरटिकल सुपरसेसन इन चिल्ड्रेन विथ नेफ्रोटिक सिंड्रोम ट्रीटेड विथ लो-डोज अल्टरनेट डे कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स। कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स. इंडियन जे नेफ्रॉल, 28, 203-208.

गुप्ता, एस, घोष, एस., झा, ए., खन्ना, ए., खुराना, एन., कपूर, एस., सिंह, के. टंडन, एस., वत्स, पी. (2019). गिन्जिवल मेनिफेस्टेशन्स ऑफ ट्युबरकुलोसिस इन पीडिऐट्रिक पेसेंट : सिरीज ऑफ 4 केसेस। ओरल सर्ज ओरल मेड ओरल पैथोल ओरल रेडिओल, पीआईआईः एस 2212-4403 (19) 30009-4.

गुनसेकरन, वी., हैगरमैन, आर., जैन, पी., कपूर, एस., केडिया, एस.एन., मुखर्जी, एस., महाय, एस.बी, सचदेवा, ए., शंकर, एस (2019). आई.ए.पी. कोन्सेन्सॅस इन डायग्नोसिस एंड मैनेजमेंट ऑफ फ्रैजाइल X सिंड्रोम कमेटी। भारत में फ्रेगाइल एक्स सिंड्रोम के निदान और प्रबंधन पर भारतीय बाल रोग अकादमी की सहमति वक्तव्य(कोन्सेन्सॅस)। इंडियन पीडिऐट्रि., 56(3), 221-228.

आईसीएमआर टास्क फोर्स ऑन इनहेरिटेड मेटाबोलिक डिसऑर्डर। (2018). हाई रिस्क स्ट्रेटिफाइड निओनाटल स्क्रीनिंग। इंडियन जे पेडियाट्र, 85 (12), 1050-1054.

आईसीएमआर टास्क फोर्स ऑन इनहेरिटेड मेटाबोलिक डिसऑर्डर। (2018). न्यूबॉर्न स्क्रीनिंग फॉर कोंजेनिटल हाइपोथायरायडिज्म एंड कोंजेनिटल एड्रेनल हाइपरप्लासिया। इंडियन जे. पीडिऐट्रि. 85 (11), 935-940.

आईसीएमआर टास्क फोर्स ऑन इनहेरिटेड मेटाबोलिक डिसऑर्डर। (2018). नॉर्मेटिव डाटा फॉर थॉयराइड स्टिमुलेटिंग हार्मोन फॉर स्क्रीनिंग ऑफ कोंजेनिटल हाइपोथायरायडिज्म। इंडियन जे पीडिऐट्रि. 85 (11), 941-947.

आईसीएमआर टास्क फोर्स ऑन इनहेरिटेड मेटाबोलिक डिसऑर्डर। (2018). द जर्नी ऑफ न्यूबॉर्न स्क्रीनिंग : इंसेप्शन टु कॉनक्लुजन। इंडियन जे पीडिऐट्रि. 85 (11), 933-934.

जैन, ए., कुमारी, एन., मंतन, एम., सिंह, एस. (2018). प्रोफाइल ऑफ बॉयज विथ पोस्टेरिअॅर यूरेथ्रल वाल्वस फ्रॉम ए टेरिटिअॅरि केयर सेंटर इन ए डेवेलोपिंग कॅन्ट्री। इंडियन जे चाइल्ड हेल्थ, 5, 302-304.

जुनेजा, एम., जैन, आर., कपूर, एस., वेंकटकृष्णन, ए. (2018). ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिऑर्डर्स एंड सीलिएक डिसीज : इज दियर एन एसोसिएशन ? इंडियन पीडिऐट्रि., 55 (10), 912-914.

जैन आर, जुनेजा, एम, कपूर, एस, वेंकटकृष्णन, ए.(2018). ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिऑर्डर्स एंड सीलिएक डिसीज : इज दियर एन एसोसिएशन ? इंडियन पीडिऐट्रि., 55 (10), 912-914.

कान्तपुत्र, पी.एन, कपूर, एस., वर्मा, पी., इंताचाई, डब्ल्यू., केतुदत केर्न्स, जे.आर.(2018). स्पिलिट हैंड-फूट मालफॉर्मेशन एंड ए नोवेल WNT10B मुटेशन। यूर जे मेड जेनेट, 61 (7), 372-375.

कपूर, एस., थेल्मा, बी.के (2018). स्टेट्स ऑफ न्यूबर्न स्क्रीनिंग एंड इनबर्न इर्रर्स ऑफ मेटाबोलिज्म इन इंडिया। इंडियन जे पेडियाट्र, 85 (12, 1110-1117).

जुनेजा, एम., खारोद, पी., मिश्रा, डी. (2019). तृतीयक देखभाल वाले सार्वजनिक चिकित्सालय में भारतीय बच्चों में दवा प्रतिरोधी मिर्गी(एपिलेप्सी)। चिल्डस नर्व सीस, 35 (5), 775-778.

जिंदल, पी., कौशिक, एस., मंतन, एम. (2018). एक्यूट किडनी इन्जुरी इन चिल्ड्रेन ट्रीटेड विथ अमीनोग्लाइकोसाइडस। एशियन जर्नल पीडिऐट्रिक नेफ्रोलॉजी, 1, 17-21.

जुनेजा, एम., त्यागी, वी., जैन, आर. (2019). ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के साथ बच्चों में नींद की समस्या और उनके सहसंबंध(कोरिलेट्स) : एक भारतीय अध्ययन। जर्नल ऑफ आटिज्म एंड डेवेलॅपमेंट डिस्आर्डर्स, 3, 1169-1181.

मेहर, आर., जैन, ए., कपूर, एस. (2019). कोंगेनिटल सीएसएफ ओटोरहिनोरहिआ इन एन इन्फेंट विथ इनकॅम्पलीट पार्टिशन-1 एंड इट्स मेनेजमेंट। इंडियन जे. पीडिऐट्रि.86 (6), 558-559.

मिश्रा, टी.के, रस्तोगी, डी., रामजी, एस., यादव, एस. (2018). ग्रोथ पैटर्नस इन स्माल फॉर ग्रैस्टेशनल एज बेबीज एंड कोरिलेशन विथ इंसुलिन-लाइक ग्रोथ फैक्टर -1 लेवल्स। इंडियन पीडिऐट्रि.55, 975-978.

मिश्रा, डी., वत्स पी. (2018). कम्प्रेजन ऑफ इंटरनेशनल क्लिनिकल एपिडेमिआलॉजिकल नेटवर्क डायग्नोस्टिक टूल फॉर ऑस्टिम स्पेक्ट्रम डिस्ऑर्डर (आईएनटी-एएसडी) अगेंस्ट डीएसएम-5 फॉर द डायग्नोसिस हॉफ आस्टिम। इंडियन पीडिऐट्रि. 55, 482-484.

नारायण, बी., उर्स, ए.बी, ऑगस्टीन, जे., सिंह, एच., पॉलीपल्ली, एस.के, कुमार, एस., कपूर, एस. (2019). जेनेटिक अल्टरेशन ऑफ एक्सऑन 5 ऑफ द पीटीईएन जीन इन इंडियन पेसेंट्स विथ एमेलोबलास्टोमा। ओरल सर्ज. ओरल मेड ओरल पैथोल ओरल रेडिओल, 127, 225-230.

नेगी, डी., उर्स, ए.बी, कुमार, पी., महाजन, बी., सिंह, एच., पॉलीपल्ली, एस.के, कपूर, एस.(2019). एसेसमेंट ऑफ इंटरलेयुकिन-18 जीन पोलिमोरफिज्म एंड सीरम लेवल्स इन ओरल लिचेन प्लेनॅस इन एन इंडियन पापुलेशन। जे ओरल पैथोल मेड, 48 (3), 244-250.

शेठ, जे., भावसार, आर., मिस्त्री, एम., पंचोली, डी., बावाडेकर, ए., दलाल, ए., एट अल. (2019). गौचर डिसीज : सिंगल जीन मोलीक्यूलर करेक्टेराइजेशन ऑफ वन-हन्डरेड इंडियन पेसेंट्स रिवेल्स नोवेल वेरिएंट्स एंड द मोस्ट प्रीवेलेंट म्युटेशन। बीएमसी मेड जेनेट, 20 (1), 31.

साहू, पी.के, मिश्रा, डी., जुनेजा, एम., तनेजा, के. (2019). क्लिनिको-एटियलॉजिकल प्रोफाइल एंड डेवेलॅपमेंटल स्टेटॅस ऑफ इनफेंट्स एज्ड 1-24 मॅनथ्स विथ एपिलेप्सी। इंडियन जे. पीडिऐट्रि. 86 (8), 681-685.

वत्स, पी., वर्मा, पी., वरुगीस, एस., कुमार, एस., कपूर, एस. (2018).. फ्रंटोटेम्परल एट्रोफी : प्रेजेंटिंग साइन इन इनफैंटाइल कोबालिन डेफिसिएंसी। इंडियन जे पीडिऐट्रि., 85 (7), 565-566.

पुस्तकें/अध्याय/अभिदत्त पुस्तकें

ए डबास. (2018). फेलियर टू थ्राइव एंड शॉर्ट स्टेचर इन टेक्स्टबुक ऑफ पीडिऐट्रिक फॉर अंडरग्रेजुएट, द्वितीय संस्करण एड, ईडीएस: पीयूष गुप्ता जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स

ए डबास. (2018). एपिडेमिओलॉजी ऑफ ओबेसिटी इन रिसेंट एडवांसेस इन पीडिएट्रिक, ईडीएस : सूरज गुप्ते, जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स

ए डबास. (2018). हाइपरटेंशन इन चिल्ड्रेन इन टेक्स्टबुक ऑफ पीडिऐट्रिक्स फॉर अंडरग्रेजुएट, द्वितीय संस्करण, ईडीएस: पीयूष गुप्ता, जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

धिनकरन, आर., मिश्रा, डी. (2019). आईएलएई क्लासिफिकेशन ऑफ सेजुरेस एंड एपिलेप्सिस । इन : मिश्रा डी, शाह डी. बेस्ट ऑफ इंडियन पीडिऐट्रिक्स, तीसरा संस्करण. सीबीएस पब्लिशर्स, दिल्ली.

झांब यू. (2018). कोरोसिव प्वाइजनिंग । इन-पी.जी टेस्ट बुक ऑफ पीडिऐट्रिक। द्वितीय संस्करण संस्करण। ईडीएस पीयूष गुप्ता, पीएसएन मेनन, सिद्दार्थ रामजी और राकेश लोढ़ा। जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स

मिश्रा, डी., शर्मा, एस., सांख्यान, एन., एट अल. (2019). मेनेजमेंट ऑफ चाइल्डहुड कोनयुल्सिव स्टेट्स एपिलेप्टिकस। इन : मिश्रा डी, शाह डी. बेस्ट ऑफ इंडियन पीडिऐट्रिक्स, तीसरा संस्करण। सीबीएस पब्लिशर्स, दिल्ली।

मिश्रा, डी., शाह, डी. बेस्ट ऑफ इंडियन पीडिऐट्रिक्स, सीबीएस पब्लिशर्स, दिल्ली द्वारा प्रकाशित तीसरा संस्करण; 2019. आईएसबीएन: 978-9388725620.

सुरेश, गुप्ता., अनुराग, अग्रवाल. (2018). रेबीज की रोकथाम और टीकाकरण : नया क्या है? बचपन के टीकाकरण में - बाल रोग विशेषज्ञ के लिए एक गाइड। द्वितीय संस्करण। ईडी ए.के. दत्ता पब्लिशर्स : इंडियन जे पीडिऐट्रिक्स.

शर्मा, एन., मिश्रा, आर., मिश्रा, डी. (2019). नैदानिक और सांख्यिकीय मैनुअल, 5वां संस्करण। इन : मिश्रा डी, शाह डी. बेस्ट ऑफ इंडियन पीडिऐट्रिक्स, तीसरा संस्करण। सीबीएस पब्लिशर्स, दिल्ली।

यादव, एस., मन्थन, एम. (2018). खसरा, कण्ठमाला और रूबेला। बाल रोग टीकाकरण में बाल रोग विशेषज्ञ के लिए एक गाइड। ईडी. दत्ता ए.के. प्रकाशक : द इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडिऐट्रिक्स, नई दिल्ली।

यादव, एस., डबास, ए. (2018). एपिडेमोलॉजी ऑफ ओबेसिटी। इन रिसेंट एडवांसेस इन पीडिऐट्रिक्स, ईडीएस : सूरज गुप्ता, जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स

ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर- एक भारतीय परिप्रेक्ष्य : ऑटिज्म में हालिया प्रगति। www.smgebooks.com

अनुसंधान परियोजनायें

डीएसटी, वर्ष 2018-2019, डेवेलपमेंट ऑफ प्वाइंट-ऑफ-केयर(पी.ओ.सी.) डायग्नोस्टिक पैनल फॉर रेपिड डिटेक्शन एंड स्ट्राटिफिकेशन ऑफ बैक्टीरियल सेप्टीसीमिया इन क्रिटिकली-इल पेसेंट्स, यू.जैम्ब

आइ.सी;एम.आर, वर्ष 2016-2019), ऑटिज्म वाले बच्चों के लिए साप्ताहिक बनाम 6-साप्ताहिक प्रशिक्षण सत्रों के साथ देखभाल करने वाले प्रशासित हस्तक्षेप प्रोग्राम की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए, एम.जुनुजा

एनसीटी, दिल्ली सरकार, वर्ष 2018-2019) की। थैलेसीमिया स्थिति(स्टेट्स) के लिए महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच(स्क्रीनिंग), एस. कपूर

आई.सी.एम.आर., वर्ष 2018-2019, ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के लिए साप्ताहिक बनाम छह-साप्ताहिक प्रशिक्षण सत्रों के साथ देखभाल करने वाले प्रशासित व्यवहार हस्तक्षेप प्रोग्राम की तुलना : एक यादृच्छिक परीक्षण(ट्रायल), आर. जैन.

आयोजित सम्मेलन / कार्यशालाएं

बाल चिकित्सा प्राथमिक प्रतिरक्षा कमी पर अद्यतन। एमएएमसी, अप्रैल, 2019.

मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली में फरवरी, 2019 में 10वें विश्व दुर्लभ बीमारी दिवस (वर्ल्ड रेयर डिसीज डे) का आयोजन किया गया।

डॉ. राहुल जैन : सेमिनार कक्ष, बाल रोग विभाग, एमएएमसी और एलएनएच में विकासात्मक मूल्यांकन के व्यावहारिक पहलुओं पर पी.जी कार्यशाला। फरवरी, 2019

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

डॉ. ए. डबास ने अपोलो चिकित्सालय, नई दिल्ली में जून, 2018 में आयोजित ग्रोथ हार्मोन रिसर्च सोसाइटी की वार्षिक बैठक में "सबक्लिनिकल हाइपोथायरायडिज्म" पर एक वार्ता की।

डॉ. एम. मंतन ने हैदराबाद में नवंबर-दिसंबर, 2018 में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडिऐट्रिक नेफ्रोलॉजी की 30वीं वार्षिक बैठक में "एक्यूट किडनी इंजरी इन नेफ्रोटिक सिन्ड्रोम" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

डॉ. यू. झाम्ब ने बाल चिकित्सा गहन और क्रिटिकल देखभाल समितियों, सिंगापुर के विश्व महासंघ में "पोस्ट एक्स्टर्बेशन स्ट्राइडर की रोकथाम में स्टेरॉयड की भूमिका" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया। जून, 2018.

डॉ. एस. यादव को पीईडीआईसीओएन 2018, नागपुर, महाराष्ट्र में जनवरी, 2018 में डिफिकल्ट किशोरों, हैंडलिंग पर कार्यशाला में "किशोर चिंता विकार" शीर्षक पर व्याख्यान देने हेतु स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. एस. कपूर ने बाल रोग विभाग, आईएमएस-बीएचयू में सितंबर, 2018 में लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर (आईएसआईईएम) के दृष्टिकोण में डायग्नोसिस एंड मैनेजमेंट एलएसडी (गौचर रोग पर फोकस) शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया।

एम. फिल./पीएच.डी की संख्या : डिग्री प्रदान की गई

पीएच.डी : 1

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

ए.अग्रवाल उपाध्यक्ष(वाइस प्रेसीडेंट) आईएपी दिल्ली; प्रेसीडेंट आईएपी उत्तरी दिल्ली; रेबीज के खिलाफ सचिव कंसोर्टियम; औषधीय(मेडिकोलीगल) शिकायतों और साक्षात्कार पैनलों की जांच के लिए दिल्ली सरकार के विशेषज्ञ के रूप में; टीकाकरण पर राज्य तकनीकी सलाहकार समूह के सदस्य; रेबीज के लिए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के विशेषज्ञ पैनल के सदस्य हैं।

एम.जुनेजा, मफफ, मोस्जे और अन्य सरकारी और एनएमएचपी, एनसीडीसी के अंतर्गत न्यूरो-विकासात्मक विकार (एनडीडी) के प्रबंधन और निगरानी में गैर सरकारी हितधारक के साथ सहयोग के अंतराल(गैप्स) और क्षेत्रों की पहचान करने के लिए विशेषज्ञ समूह है। जून, 2018.

एम. मटन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत पेरिटोनियल डायलिसिस के रोल आउट के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए समिति के सदस्य हैं।

यु. झाम्ब एम्स में मार्च, 2018 में आईएपी एएलएस पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम निदेशक; 15 -16 दिसंबर, 2018 को कुरुक्षेत्र में पीएफसीसीएस पाठ्यक्रम के लिए संकाय; पाठ्यक्रम और दिल्ली विश्वविद्यालय चिकित्सा विज्ञान संकाय की परीक्षाओं की समिति के सदस्य; बाल चिकित्सा के लिए विभागीय अनुसंधान समिति के सदस्य, दिल्ली विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संकाय : 8 दिसंबर, 2018 को सुरक्षित माँ और बाल पैनल चर्चा पर दूरदर्शन 1 चैनल में कार्यक्रम में सहभागिता की थी।

एस. यादव पूर्वी दिल्ली में जनवरी, 2018 में आईएपी वार्षिक मीट में सम्मानीय अतिथि; नई दिल्ली में 17 फरवरी, 2018 को आयोजित प्राथमिक प्रतिरक्षण पर कार्यशाला के चेयरपर्सन; नई दिल्ली में 18 फरवरी, 2018

को आयोजित बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी पर कार्यशाला के चेयरपर्सन; हैदराबाद में 8 मार्च, 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आईएपी महिला विंग कार्यक्रम "युवा पे चर्चा" प्रोग्राम हेतु सम्मानीय अतिथि;

एस. कपूर को डी.बी.टी. द्वारा ह्यूमन जेनेटिक्स एंड जीनोमिक्स का टास्क फोर्स सदस्य को नियुक्त किया गया।

आईसीएमआर द्वारा मेटाबोलिक त्रुटियों के लिए टास्क फोर्स के सदस्य; आईवीएफ और प्रजनन जीवविज्ञान केंद्र, एमएएमसी, नई दिल्ली के सलाहकार बोर्ड के सदस्य; आईसीएमआर द्वारा लाइसोसोमल भंडारण विकार पर सदस्य कार्य बल; रजिस्ट्री के अंतर्गत छोटे अणु समूह रजिस्ट्री के सदस्य; ए. केंद्रीय पीएनडीटी समिति के सदस्य; राष्ट्रीय नवजात स्क्रीनिंग समिति के सदस्य।

सोनाली जैन, अमोल प्रीत कौर सैनी, रोहिणी दत्ता, इधा सूद, सरगुन विर्क, कुआलालंपुर, मलेशिया में जुलाई, 2018 में आयोजित 39वें एशियन मेडिकल स्टूडेंट्स कॉन्फ्रेंस(एएमएससी) 2018, में पेपर शीर्षक "टू स्टडी द एफेक्ट ऑन माइक्रोबायल लोड बिफोर एंड ऑफ्टर इंस्टालेशन ऑफ पोर्टेबल एयर प्युरिफायर्स इन ए पीडिऐट्रिक इन्टेंसिव केयर यूनिट इन ए पब्लिक सेक्टर हॉस्पिटल इन अर्बन इंडिया"

***

भेषजगुण विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 तक की अवधि में, विभाग ने डिस्प्लीन की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विभाग के संकाय और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में पेपर्स प्रस्तुत किए। कुल सात शोध पत्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में पीयर रिव्युड इंडेक्स में प्रकाशित किया गया है। डॉ. एच.एस रेहान, निदेशक प्रोफेसर और विभाग के प्रमुख, सीडीएससीओ, आईसीएमआर, आईपीसी इत्यादि के लिए विषय विशेषज्ञ के सदस्य के रूप में कार्य करते हैं और राष्ट्रीय और संस्थागत स्तर पर कई समितियों के अध्यक्ष हैं। डॉ. ललित कुमार गुप्ता, विभाग के निदेशक प्रोफेसर, संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में कार्य करते थे। सभी प्रोफेसरों और एसोसिएट प्रोफेसर ने देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित स्नातक और स्नातकोत्तर फार्माकोलॉजी परीक्षाओं के लिए परीक्षक के रूप में कार्य किया। विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने दिसंबर, 2018 में पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित 'नेशनल फार्मा क्विज-2018' में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। विभाग आईपीसी गाजियाबाद के सहयोग से भारत के फार्माकोविजिलेंसप्रोग्राम में सहभागिता की और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी के आइटम में इसे शीर्ष पांच राष्ट्रीय केंद्रों में माना जाता है। हाल ही में विभाग भारत के मातृत्व कार्यक्रम के लिए एक एएमसी केंद्र बन गया है।

प्रकाशन

अरोड़ा, टी., रुद्र, पी.के, चंदाने, आर.डी, गौतम, सी. (2018). प्रेस्क्राइबिंग पैटर्न ऑफ एंटीमाइक्रोबिअल्स एंड एडवर्स ड्रग रिएक्शनइन चिल्ड्रेन सफरिंग फ्रॉम लोअर रेस्पिरेटॅरी ट्रेक्ट इंफेक्शन इन टेरटिएरि केयर हॉस्पिटल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बेसिक एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, 7 (11), 2240-2246.

गोयल एन, रेहान एच.एस. (2018). जॅर्नी ऑफ मार्केटेड अनअप्रूव्ड ड्रग्स द युनाइटेड स्टेट्स। जर्नल ऑफ रेशनल फार्माकोथेरेप्यूटिक्स एंड रिसर्च, 4 (2), 35-41.

कुमार, एम., रेहान, एच.एस, पुरी, आर., यादव, एम., और गुप्ता, एल.के (2018). रैंडमॉइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल कॅम्पेयरिंग द एफिसेसी ऑफ डेली एंड एवरी अॅदर डे एटोरवास्टेटिन थेरेपी एंड इट्स कोरेरिलेशन विथ सीरम

हाइड्रॉक्सीमेथाइग्ल्यूटरीएल-सीओए रिडक्टेस एंजाइम लेवल्स इन नैवे डयस्लिपिडेमिक पेसेंट। इंडियन हार्ट जर्नल 70, S64-S67.

कपूर, ए., रेहान, एच.एस. (2019). ड्रग रिएक्शन विथ एओसिनोफिलिया एंड सिस्टेमेटिक सिम्पटोमस सिंड्रोम एसोसिऐटेड विथ एटमब्यूटोल यूज : एक केस रिपोर्ट, करंट ड्रग सेफ्टी, doi: 10.2174 / 15748863146661907150507।

रेहान, एच.एस, गोयल, एन. (2018). जॅर्नी ऑफ मार्केटेड अनअप्रूव्ड ड्रग्सिन द यूनाइटेड स्टेट्स। जर्नल ऑफ रेशनल फार्माकोथेरेप्यूटिक्स एंड रिसर्च, 4 (1), 7-11.

रेहान, एच.एस, बनर्जी, आई, और अरोड़ा, टी. (2018). डॅज यूनिफॉर्मिटी एक्जिस्ट इन प्रेजेंट एम.डी. फार्माकोलॉजी कॅरीकुलम इन इंडिया ? जर्नल ऑफ रेशनल फार्माकोथेरेप्यूटिक्स एंड रिसर्च. 4 (2)।

रेहान, एच.एस, मैनी, जे., और हंगिन, ए.पी (2018). वेपिंग वर्सेस स्मोकिंग : ए क्वेस्ट फॉर एफिसेसी एंड सेफ्टी ऑफ ई-सिगरेट। करंट ड्रग सेफ्टी, 13 (2), 92-101.

शर्मा, एम., पठानिया, ओपी., कपूर, ए., थॉमस, एस., और कुमार, ए. (2018). ए रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल ऑफ एक्सिजन वर्सेस इनवेजिनेशन इन द मेनेजमेंट ऑफ इनडायरेक्ट इनगुइनल हेरनिअल सेक. द अन्नल्स ऑफ द रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स ऑफ इंग्लैंड, 101 (2), 119-122.

सोलंकी, बी., प्रकाश, ए., रेहान, एच.एस, और गुप्ता, एल.के (2019). एफेक्ट ऑफ इनहेल्ड कोटिकोस्टेरॉइड्स ऑन सीरमपेरिओस्टिन लेवल्स इन एडल्टस पेसेंट्स विथ माइल्ड-मोडरेट आस्थमा। इन एलर्जी एंड अस्थमा प्रोसीडिंग, 40 (1), 32-34.

जर्नल (प्रकाशित/संपादन मंडल के सदस्यों के रूप में शिक्षक)

जर्नल ऑफ़ इंडियन सोसाइटी ऑफ़ रेशनल थैरेप्यूटिक्सय (वोल्युम 4: 2 इश्यूज) आईएसएसएन: 2394-0064

संगोष्ठी /सम्मेलन : (राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय) (चयनित)

हरमीत सिंह रेहान

सीएनई प्रकोष्ठ, केएससीएच द्वारा अप्रैल, 2018 में आयोजित रोड टू एक्सीलेंस इन नर्सिंग प्रैक्टिस की कार्यशाला में फार्माकोविजिलेंस एंड एडवर्स ड्रग रिएक्शन-नर्सेज रोल पर व्याख्यान दिया।

लिपिड एसोसिएशन ऑफ इंडिया और इंटरनेशनल एथेरोस्क्लेरोसिस सोसायटी द्वारा रेडिसन ब्लू, द्वारका, दिल्ली में अगस्त, 2018 में आयोजित लिपिडोलॉजी सर्टिफिकेशन कोर्स में "ड्रग्स काजिंग डिसिप्लिडेमिया" पर एक व्याख्यान दिया गया।

जयपुर में अगस्त, 2018 में मेटाबोलिक एंड मॉलिक्यूलर रिसर्च सोसाइटी, जयपुर द्वारा आयोजित संगोष्ठी में "लाइफस्टाइल इंटरवेंशन इन डिसिप्लिडिमिया" पर वार्ता की।

फार्मा मेडिकोन्ट कर्नूल, तेलेंगाना में अगस्त, 2018 में "मरीज की सुरक्षा में फार्मेसी की भूमिका" पर एक वार्ता की।

गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, ग्रेटर नोएडा में सितंबर, 2018 में आयोजित डॉ. हरमीत सिंह रेहान संगोष्ठी में "चिकित्सा अनुसंधान में नैतिकता के सिद्धांतों" पर एक व्याख्यान दिया।

संकायों की संख्या : 11

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

नई दिल्ली में सितंबर, 2018 में एसिनसियल्स ऑफ क्लिनिकल रिसर्च पर कार्यशाला आयोजित क्विज में प्रथम पुरस्कार।

आईजीआईएमएस, पटना में नवंबर, 2018 में इंडियन सोसायटी फॉर रेशनल फ़ार्माकोथेरेप्यूटिक्स (आईएसआरपीटीसीओएन) के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजित क्विज़ में तृतीय पुरस्कार।

पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में दिसंबर, 2018 में आयोजित 'नेशनल फार्मा क्विज -2018' में प्रथम पुरस्कार।

***

भेषजगुण विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और गतिविधियां

फार्माकोलॉजी विभाग का उद्देश्य एमबीबीएस, बीडीएस और पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थियों के लिए फार्माकोलॉजी में समग्र, शिक्षा का अनुभव प्रदान करना है। जिन पर शिक्षण अधिगम गतिविधियों की सतत निगरानी और सुधार किया जा रहा है। विभाग के एमबीबीएस और एमडी दोनों कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से जुड़ी नई शिक्षण गतिविधियाँ शुरू की गई। विभाग दिल्ली में दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य सुविधाओं में दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, विभाग ने दिल्ली सरकार के एनसीटी के अंतर्गत स्वास्थ्य सुविधाओं में काम करने वाले डॉक्टरों के लिए 'दवाओं की उपलब्धता और तर्कसंगत उपयोग में सुधार' पर चैथे सीएमई और कार्यशाला का आयोजन किया। विभाग मान्यता प्राप्त है, भारत सरकार के नेशनल फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम के लिए ड्रग रिएक्शन मॉनिटरिंग सेंटर। डॉक्टरों, नर्सों और फार्मासिस्टों के बीच फार्माकोविजिलेंस के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभाग द्वारा दो कार्यशालाओं का आयोजन किया गया था। वैज्ञानिक और नैतिक प्रिंसिपलों पर आधारित शोध को बढ़ावा दिया जाता है। सीपीसीएसईए द्वारा अनुमोदित पूरी तरह से कार्य करने वाला एनिमल हाउस है।

सम्मान और गौरव

डॉ. वंदना रॉय

राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी की सदस्यता।

बायोएथिक्स और मानव अधिकारों पर यूनेस्को की सार्वभौमिक घोषणा के जैव-सिद्धांतों और मानव अधिकारों के सिद्धांतों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रमाण पत्र। यूनेस्को चेयर बायोएथिक्स हाइफा, शिक्षा विभाग, मई-अगस्त 2018.

दिल्ली विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संकाय के डीन के रूप में नियुक्त।

चैथे मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित, डॉ. वी.के विजयन ओरेशन, वल्लभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली। अक्तूबर, 2018.

प्रकाशन

अग्रवाल, एम., चावला, एस., सिंह, के., और राणा, पी. (2018)। टेरीटरी केयर हाॅस्पिटल, नई दिल्ली में कैंसर कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले इनडोर रोगियों में एंटीकैंसर ड्रग यूटिलाइजेशन और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया की निगरानी। बेसिक और क्लिनिकल फार्मेसी जर्नल, 9 (2)।

अग्रवाल, एम., रॉय, वी. (2018)। फार्माकोलॉजी से जुड़े हैं, विद्यार्थी हित के लिए एक प्रयोग। जर्नल ऑफ रेशनल फार्माकोथेरेप्यूटिक्स एंड रिसर्च, 4 (2), 31-34।

छाबरा, एन., रॉय, वी. (2018)। गुणात्मक अनुसंधान का अवलोकन। जर्नल ऑफ रिसर्च इन मेडिकल एजुकेशन एंड एथिक्स, 8, एस 30-39।

दत्ता, एस., चावला, एस., श्रीवास्तव, एस., लांबा, पी., रॉय, वी. (2018)। फीकल ई कोली प्रतिरोध पैटर्न और सहज बैक्टीरियल पेरिटोनिटिस के लिए प्रोफिलैक्सिस से राहत देने वाले रोगियों में प्रभावकारिता पर ट्राइमेथो प्रिमसुल्फा मेथोक्साज़ोलोव्सोर्फोक्सासिन का प्रभाव। जर्नल आफ बेसिक एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, 7, 2209-15।

दत्ता, एस., चावला, एस., श्रीवास्तव, एस., लोम्बा, पी, और रॉय, वी. (2019)। यकृत सिरोसिस के रोगियों में या बिना सहज बैक्टीरियल पेरिटोनिटिस के साथ खराब गुर्दे के कार्य की व्यापकता। ड्रग डिलीवरी एंड चिकित्सीय जर्नल, 9 (1-एस), 286-289।

दत्ता, एस., चावला, एस., कुमार, एस. (2018)। सोरायसिसः उपचार में मौजूदा चिकित्सा और हाल की प्रगति की समीक्षा। जर्नल ऑफ रेशनल फार्माकोथेरेप्यूटिक्स एंड रिसर्च, 4 (1), 12-23।

दत्ता, एस., चावला, एस., श्रीवास्तव, एस., लांबा, पी. (2018)। सहज जीवाणु पेरिटोनिटिसरू एक समीक्षा, 04 (11), 3872-3876।

दत्ता, एस., चावला, एस., बनर्जी, एस. (2018)। भारत में फार्माकोविजिलेंसरू समय की आवश्यकता। एक्टा साइंटिफिक मेडिकल साइंस, 2 (8), 98-100।

जैन, ए., कालरा , बी.एस., श्रीवास्तव, एस., और चावला, एस. (2019)। लिपिड प्रोफाइल पर सोफोसबुवीर और डेक्लाटसवीर का प्रभाव , क्रोनिक हेपेटाइटिस सी में जीन इंडेक्स 3 रोगियों पर ग्लाइसेमिक नियंत्रण और जीवन सूचकांक की गुणवत्ता। इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, 38 (1), 39-43।

जुनेजा, एस. चावला, एस., कंवर, ए., अग्रवाल, ए. (2018)। तृतीयक देखभाल अस्पताल में रोगाणुरोधी उपयोग के बारे में ज्ञान और मान्यताओं का एक सर्वेक्षण। चिकित्सा विज्ञान और नैदानिक अनुसंधान, 6 (3), 642-647।

कुमार, एस., टेकुर , यू., सिंह, बी., कुमार, डी. (2018)। रक्तस्रावी गर्भाशय में रक्तस्राव और कष्टार्तव के उपचार में मेफेनामिक एसिड और डाइक्लोफेनाकएसिड और डाईक्लोफेनाक। एक यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बेसिक एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, 7, 1905-11।

कुमार, एस़. चावला, एस., दत्ता, एस (2018)। बायोबेटर्स: भविष्य पर सट्टेबाजी। जर्नल ऑफ रेशनल फार्माकोथेरेप्यूटिक्स एंड रिसर्च, 2018, 4 (2)। 13-21.

मिन्हाज , एम.ए., चावला, एस., लोटे , वी.बी., आहूजा, ए. (2018)। मधुमेह मेलेटस और चूहों में जुड़े जटिलता के लिए ग्लिमेप्राइड का औषधीय मूल्यांकन । वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल रिसर्च, 7(6), 341-351.

राणा, पी., चावला, एस (2018)। अनाथ ड्रग्स: ड्रग विकास में ट्रेंड्स और मुद्दे। जर्नल ऑफ बेसिक एंड क्लिनिकल फिजियोलॉजी एडं फार्माकोलॉजी, 29 (5), 437-446.

राणा, पी., रॉय, वी., और अहमद, जे. (2018)। बड़े पैमाने पर दवा प्रतिरोधी फुफ्फुसीय तपेदिक के एक मामले में दवा-प्रेरित ऑप्टिक न्यूरोपैथी। जर्नल ऑफ बेसिक एंड क्लिनिकल फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी, 30 (1), 139-140.

रॉय, वी., राणा , पी. (2018)। जेनेरिक प्रिस्क्रिप्शन: एक नाम में सभी। व्यू प्वांइट। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 147, 442-444.

सिंघल, एस., और रॉय, वी. (2018)। एलोपैथिक डॉक्टरों के एलोपैथिक पाठ्यक्रम में आयुष को एकीकृत करने के बारे में जागरूकता, अभ्यास और विचार। नई दिल्ली, भारत में टेरीटरी केयर टीचिंग हाॅस्पिटल में प्रशिक्षु। जर्नल आॅफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन, 16 (2), 113-119.

विक्रमजीत, एस., एंजेलिका, बी., और निष्ठा., एम. (2019)। एक स्व-उपचारित वयस्क महिला रोगी में नॉरफ्लोक्सासिन इनड्यूज़्ड रिकरंट फिक्स्ड ड्रग इरप्शन-एक केस रिपोर्ट। वर्तमान दवा सुरक्षा, 14 (1), 72-76.

संपादकीय बोर्ड के संपादक (ओं)/सदस्य (ओं) के रूप में सेवारत विभाग के शिक्षकों की संख्या - 2

अनुसंधान परियोजनाएं

दिल्ली राज्य टीबी कार्यालय, वर्ष: 2017 -2-19 के बाद, शीर्षक: एलएन अस्पताल के डॉ.ट्स क्लिनिक में तपेदिक के साथ नव निदान रोगियों में सह रुग्ण अवसाद का मूल्यांकन करने के लिए, 5 लाख

डॉ. वंदना रॉय, डॉ. प्रोटीस राना , डॉ. सीमा कपूर, डॉ. अश्विनी खन्ना

वर्ष 2018 के बाद एमएएमसी में चिकित्सा अनुसंधान को मजबूत करने के अंतर्गत एनसीटी दिल्ली सरकार। शीर्षक: कोलिस्टिन प्रेरित गुर्दे की चोट के लिए थाइमोक्विनोन का अम्लीरेटिव प्रभाव। 1.5 लाख रुपये। डॉ. वंदना रॉय

वर्ष 2018 के बाद एमएएमसी में चिकित्सा अनुसंधान को मजबूत करने के अंतर्गत एनसीटी दिल्ली सरकार। एल्युमिनियम क्लोराइड मेंं ज़िजीबर आफिसिनेल (अदरक) के न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभाव का अध्ययन करने के लिए चूहे के मॉडल में अल्जाइमर रोग का प्रयोग। 1.5 लाख रुपए। डॉ. वंदना तायल, डॉ. वंदना रॉय

आयोजित सम्मेलनों

दिल्ली सरकार के चिकित्सालयों में काम करने वाले चिकित्सको के लिए एमएएमसी में, 19-22 फरवरी 2019 तक "सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में दवाओं की बेहतर उपलब्धता और तर्कसंगत उपयोग" पर चैथी सीएमई कार्यशाला।

7वीं सीएमई और कार्यशाला 'रोगी की सुरक्षा के लिए फार्माकोविजिलेंस', 27 मार्च, 2019, एमएएमसी।

एमएएमसी के संबद्ध चिकित्सालयों में कार्यरत नर्सों के लिए 'हमारी सुरक्षा के लिए फार्माकोविजिलेंस' विषय पर पहली सीएमई और कार्यशाला। एमएएमसी 3 अगस्त, 2018।

वंदना रॉय ने सांस्कृतिक उत्सव 'एमएएमसी स्पिक मैके विरासत 2018 की अध्यक्षता एवं समन्वय किया। इसका आयोजन सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक, आर्ट एंड कल्चर असिस्टेंट यूथ के सहयोग से किया गया था। पूरे सप्ताह चलने वाला यह त्योहार 02 से 08 अप्रैल, 2018 तक आयोजित किया गया था।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

वंदना रॉय

दिल्ली सरकार के चिकित्सालयों और एमसीडी चिकित्सालयों के चिकित्सा अधिकारियों, नर्सिंग अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के लिए संक्रमण नियंत्रण, रोगी सुरक्षा और ऑडिट - राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रिस्क्रिप्शन ऑडिट, दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन पर सत्र आयोजित करने के लिए एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन, विकास भवन, दिल्ली, नवम्बर, 2018।

ट्रांसलेशनल मेडिसिन पर बात करने के लिए अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया: भारत में एक व्यापक संदर्भ और पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करने के लिए। ट्रांसलेशनल मेडिसिन और फार्माकोविजिलेंस में वर्तमान रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन: कौशल विकास पर तनाव। फार्माकोलॉजी शिक्षा और अनुसंधान विभाग, फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित। जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय। नई दिल्ली अक्तूबर, 2018।

9 वें फार्माकोविलेंस कार्यक्रम में 'बेसिक्स एंड रेगुलेटरी एस्पेक्ट्स ऑफ फार्माकोविजिलेंस-मरीज की सुरक्षा को अपनाना हमारा लक्ष्य है में एक संसाधन वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। कौशल विकास कार्यक्रम। भारतीय फार्माकोपिया आयोग, राष्ट्रीय समन्वय केंद्र, भारत के फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम द्वारा आयोजित। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार। मई, 2018.

डॉ. शालिनी चावला

एक स्वच्छ खेल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर कॉन्क्लेव में एक व्याख्यान दिया: 'चिकित्सीय उपयोग की छूट का प्रबंधन' पर एंटीडोपिंग पर एथलीट परिप्रेक्ष्य। जून , 2018

मैक्स वैशाली में आईईसी सदस्यों की एनएबीएच मान्यता के लिए 'कार्यशाला और प्रशिक्षण', 'आईईसी की संरचना' पर एक व्याख्यान दिया। जुलाई, 2018

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत - शैक्षणिक संस्थानों में 2 में से 2 एमडी उम्मीदवार शामिल हुए, 100 प्रतिशत प्लेसमेंट।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

विभाग फार्माकोविजिलेंस में महाविद्यालय से जुड़े चिकित्सालयों में काम करने वाली सभी नर्सों को संवेदनशील बनाने और प्रशिक्षित करने के लिए एक कार्यक्रम तैयार कर रहा है। शुरुआत में इसमें लगभग 1600 नर्सों को प्रशिक्षित करने का प्रस्ताव है।

समुदाय के लिए स्वास्थ्य सेवाएँ

विभाग समुदाय के लिए दवाओं के सुरक्षित और तर्कसंगत उपयोग में सुधार से संबंधित कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसमें शामिल हैः-

प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की निगरानी

विभाग ने 458 व्यक्तिगत मामले की सुरक्षा रिपोर्ट (आईसीएसआरे) नेशनल फार्माकोविजिलेंस सेंटर को 2018 में विगिब्से के माध्यम से उप्साला में फार्माकोविजिलेंस के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र को रिपोर्ट करने के लिए कहा है। सितंबर 2014 से दिसंबर 2018 तक कुल 1400 प्रतिकूल ड्रग प्रतिक्रिया (एडीआर) की रिपोर्ट की गई है।

विभाग ने 2018 में रोगी की सुरक्षा के लिए फार्माकोविजिलेंस पर 2 कार्यशालाएं आयोजित कीं और 372 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया, जिनमें डॉक्टर, नर्स और फार्मासिस्ट शामिल हैं। विभाग ने 300 स्नातक एमबीबीएस और बीडीएस विद्यार्थियों को फार्माकोविजिलेंस और एडीआर रिपोर्टिंग में प्रशिक्षित किया है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में दवाओं की उपलब्धता और तर्कसंगत उपयोग में सुधार

प्रति वर्ष विभाग "बेहतर स्वास्थ्य की उपलब्धता और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में दवाओं के तर्कसंगत उपयोग" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन करता है, दिल्ली सरकार के चिकित्सालयों में काम कर रहे चिकित्सको को बेहतर चयन, दवाओं के उपयोग और तर्कसंगत उपयोग से संबंधित पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया

जाता है। इससे उन्हें दवाओं का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलेगी। इस तरह के प्रशिक्षण को यदि व्यवहार में लागू किया जाता है, तो आवश्यक दवाइयों में सुधार होगा और सामुदायिक सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए उनका सुरक्षित उपयोग होगा। वर्ष 2018 में, दिल्ली सरकार के 30 विभिन्न चिकित्सालयों से कार्यशाला में 65 चिकित्सको ने भाग लिया। वर्ष 2016 से अब तक कुल मिलाकर 132 डॉक्टर, 13 नर्स और फार्मासिस्ट प्रशिक्षित किए गए हैं।

संकायों की संख्या : छह(6)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

शोध में निम्नलिखित शोध पत्रों को पुरस्कार मिले:

वी. सिंह, वी. रॉय। प्रथम पुरस्कार - इंडियन पेपर सोसाइटी फॉर रैशनल फार्मासियोथेरेप्यूटिक्स इस्रप्टन के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में आईजीआईएमएस, पटना, नवम्बर, 2018 में आयोजित 'नेशनल जेरिएट्रिक इनिप्टिएंट्स में निर्धारित: नशीली दवाओं के उपयोग का मूल्यांकन, व्यय, उपयुक्तता और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं का मूल्यांकन।

वी. सिंह, वी. राय, एम. के. डागा। मूल शोध लेख पर मौखिक प्रस्तुति के लिए तृतीय पुरस्कार, जिसका शीर्षक 'जराचिकित्सा के रोगियों में वर्णन' फार्माको-आर्थिक परिप्रेक्ष्य'' है, जो गोल्डन जुबली पर भारतीय फार्माकोलॉजी की भारतीय पत्रिका के लिए मिलते हैं और भारतीय फार्माकोलॉजी सोसायटी की बैठक (आईपीएस-आईजेपी स्वर्ण जयंती समारोह) आयोजित की जाती है। दिसंबर, 2018, पीजीआई, चंडीगढ़।

ए. बंसल, वी.राय. साइंटिफिक पेपर जिसका शीर्षक 'निर्धारित दवाओं और मरीजों को तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल में प्रभावित करने वाला कारक' है, को मेडिकस कॉन्वेंटस 2017-वार्षिक लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार दिया गया। जून, 2018, नई दिल्ली।

आई. हक, कविता, वी. रॉय प्रथम पुरस्कार: पार्किंसंस रोग के उपचार में चुनौतियां और संभावनाओं के लिए वैज्ञानिक पत्र : एक समीक्षा फिजियोलॉजी संगोष्ठी। फिजियोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित, मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय, फरवरी 2019, नई दिल्ली।

आर गहलोत, एंजेलिका, वी. रॉय। द्वितीय पुरस्कार: फिजियोलॉजी-फार्माकोलॉजी इंटरफेस पर वैज्ञानिक पत्र: पार्किंसंस रोग के उपचार में लक्ष्य। भौतिक विज्ञान विभाग, फिजियोलॉजी विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली फरवरी 2019 द्वारा आयोजित संगोष्ठी ।

वी॰ बाबासाहेब लोटे, वी. रॉय। द्वितीय पुरस्कार: सल्फिनामाइड: लाभ और नुकसान। भौतिक विज्ञान विभाग, फिजियोलॉजी विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी।

संकाय सदस्यों को विषय विशेषज्ञों, अन्य समितियों के सदस्यों के रूप में आमंत्रित किया गया था

वंदना रॉय

एंटीमलेरियल दवा प्रतिरोध की उपचार प्रभावकारिता पर विशेषज्ञ परामर्श बैठक में आमंत्रित। डब्ल्यूएचओ देश भारत कार्यालय और राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित। मेट्रोपॉलिटन होटल, 30 अगस्त, 2018; दिल्ली फार्माकोलॉजिकल सोसायटी के कार्यकारी सदस्य; राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2018 के लिए उपकरण, किट और दवाओं के विनिर्देश को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ सदस्य तकनीकी विशिष्टता समिति; नई दवा सलाहकार समिति (एनडीएसी) के विषय विशेषज्ञ, ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (भारत), डीसीजीआई को नए ड्रग्स और क्लिनिकल परीक्षण, केंद्रीय मानक नियंत्रण संगठन, एफडीए भवन, नई

दिल्ली के आवेदनों की समीक्षा के मामलों में सलाह देने के लिए; विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण के लिए केरल राज्य परिषद् की अनुसंधान परिषद् के लिए परियोजना की समीक्षा करने के लिए विशेषज्ञ; विशेषज्ञ सदस्य, प्रेस्क्रिप्शन ऑडिट में महंगी दवाओं के आकलन के लिए समिति, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, दिल्ली सरकार, एनसीटी की अक्तूबर 2018, सदस्य; रोगी और स्टाफ सुरक्षा समूह, दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, सरकार दिल्ली के एन.सी.टी. अगस्त 2018; टीकाकरण के लिए सदस्य राज्य तकनीकी सलाहकार समिति, दिल्ली राज्य, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, दिल्ली के एनसीटी सरकार। 2018 ; सदस्य राज्य कार्य बल क्षय रोग, दिल्ली; डीन, चिकित्सा विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय अगस्त 2018- अक्तूबर 2019;

अध्यक्ष, अनुसंधान अध्ययन बोर्ड, चिकित्सा विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालयय कार्यकारी समिति के सदस्य, दिल्ली विश्वविद्यालय, 27 जुलाई 2018- जनवरी 2019; सदस्य, अकादमिक परिषद्, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2 जुलाई, 2018 - जुलाई, 2021; सदस्य शासी निकाय, वल्लभ भाई पटेल चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, जुलाई 2018-अक्तूबर 2019; गवर्निंग बॉडी, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिल्ली विश्वविद्यालय (2018- अक्तूबर 2019); दिल्ली विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट के लिए सदस्य समिति अगस्त 2018; सदस्य वैज्ञानिक सलाहकार समिति, वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालयय नर्सिंग आर्मी चिकित्साल्य महाविद्यालय (आर एंड आर), 2018- की सदस्य सलाहकार समिति; अध्यक्ष, राज कुमारी अमृत कौर नर्सिंग चिकित्साल्य, 2018 के निरीक्षण के लिए समिति य चेयरपर्सन, फैक्ट फाइंडिंग कमेटी, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2018; चेयरपर्सन, स्क्रीनिंग कमेटी फॉर सीनियर असिस्टेंट रजिस्ट्रार ऑफ प्लेसमेंट, सीनियर स्केल ऑफ दिल्ली, 2018।

सदस्य, स्वास्थ्य पर अंतरिम समिति, विश्व विश्वविद्यालय सेवा (डब्ल्यूयूएस), दिल्ली विश्वविद्यालय (2018-); सह अध्यक्ष, स्वास्थ्य केंद्रों के लिए दवाओं की खरीद करने वाली समिति, विश्व विश्वविद्यालय सेवा, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2018; चिकित्सालयों, स्वास्थ्य केन्द्रों, नैदानिक प्रयोगशालाओं को लिस्ट में शामिल करने के लिए समिति, सदस्य, दिल्ली विश्वविद्यालय, अगस्त 2018।

प्रमुख, फार्माकोलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय; प्रमुख, पाठ्यक्रम समिति फॉर फार्माकोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय; प्रमुख विभाग अनुसंधान अध्ययन, फार्माकोलॉजी, चिकित्सा विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय सदस्य कार्यकारी समिति, दिल्ली चिकित्सा परिषद्; पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक विकलांग व्यक्तियों के लिए संस्थान (दिव्यांगन) (2018-) की सदस्य संस्थान आचार समिति

ड्रग कंट्रोलर जनरल इंडिया को सलाह देने के लिए डीसीजीआई द्वारा गठित विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) के सदस्य, (ए) क्लीनिकल ट्रायल (बी) नई दवाओं और (सी) नई चिकित्सा उपकरणों के अनुमोदन से संबंधित मामलों में।

एमएएमसी महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के लिए गैर-उपभोग्य सामग्रियों/उपकरणों की खरीद के लिए उपकरण वस्तुओं और ई निविदा दस्तावेज के विनिर्देश को अंतिम रूप देने के लिए सदस्य स्क्रीनिंग समिति और समिति; अध्यक्ष और संयोजक, मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय के लिए विच्छेदन निगरानी समिति; अध्यक्ष और समन्वयक, फार्माकोविजिलेंस के लिए मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय समिति; प्रतिकूल दवा निगरानी केंद्र, मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय, भारत के राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के समन्वयक; एमएएमसी के अध्यक्ष और संकाय समन्वयक-स्पिक मैके समिति (युवाओं में भारतीय शास्त्रीय संगीत, कला और संस्कृति के संवर्धन के लिए समिति) (2005 से - आज तक)

सदस्य सचिव, ड्रग्स और चिकित्सा विज्ञान समिति, लोक नायक चिकित्सालय, नई दिल्ली

संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम आरएनटीसीपी की सदस्य कोर कमेटी, मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय; प्रमुख, सेंट्रल एनिमल हाउस, मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय; प्रभारी अधिकारी, व्याख्यान थिएटर, मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय।

शालिनी चावला एमएएमसी और एसोसिएटेड हॉस्पिटल की संस्थागत पशु आचार समिति के सदस्य सचिव हैं; सदस्य, संस्थागत आचार समिति, एमएएमसी और एसोसिएटेड चिकित्साल्य; गंभीर प्रतिकूल घटना के सदस्य (एसएई) समिति, एमएएमसी और एसोसिएटेड चिकित्साल्यय फार्माकोलॉजी विभाग से उनके अगले स्तर पर पदोन्नति के लिए जेआईपीएमईआर के संकाय के वार्षिक मूल्यांकन संवर्धन योजना के संचालन के लिए बाहरी विशेषज्ञ, एफएसएसएआई द्वारा गठित कीटनाशकों और एंटीबायोटिक अवशेषों के लिए राजपत्र अधिसूचित वैज्ञानिक पैनल; ड्रग कंट्रोलर जनरल इंडिया को सलाह देने के लिए डीसीजीआई द्वारा गठित विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) के सदस्य, (ए) क्लीनिकल ट्रायल (बी) नई दवाओं और (सी) नई चिकित्सा उपकरणों के अनुमोदन से संबंधित मामलों मेंय चिकित्सीय उपयोग छूट समिति (टीयूईसी) के सदस्य, राष्ट्रीय डोप-विरोधी एजेंसी, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली; जैव कीटनाशकों के पंजीकरण पर विशेषज्ञ समिति के सदस्य य पाठ्यक्रम समिति के सदस्य, फार्माकोलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालयय सदस्य, संस्थागत आचार समिति, एक्शन बालाजी; सदस्य, संस्थागत आचार समिति, भारतीय प्रजनन सोसायटी, दिल्ली; डीजीएचएस द्वारा देश में नैदानिक परीक्षणों के संचालन की देखभाल और निगरानी के लिए गठित तकनीकी समिति के विशेषज्ञ।

डीजीएचएस द्वारा देश में ड्रग प्रतिस्थापन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने और सिफारिशें करने के लिए गठित तकनीकी समिति के विशेषज्ञ; एफएसएसएआई द्वारा गठित रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर ऍडहॉक कोडेक्स अंतरसरकारी टास्क फोर्स (टीएफएएमआर) के लिए विशेषज्ञ; सीएसआईआर एसआरएफ/आरए चयन समिति के सदस्य "चिकित्सा एवं औषधि विज्ञान (मेडिक -11)" सीएसआईआर कॉम्प्लेक्स के क्षेत्र में बैठक, लाइब्रेरी एवेन्यू, पूसा, नई दिल्ली - 110 012" मार्च 2018; हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, (एचआईएमएसआर), जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में फार्माकोलॉजी के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) के सदस्य। 303-ए, 3 तल, आयोग सचिवालय भवन, शाहजहां रोड, नई दिल्ली में दिनाँक 11 से 13 जून, 2018 तक आयोग में आयोजित गोपनीय बैठक के लिए विशेषज्ञ ।

डॉ. भूपिंदर कालरा, खरीद समिति, मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय के सदस्य हैं; सदस्य, संस्थागत पशु आचार समिति, मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय;

सदस्य, महाविद्यालय कंडमनेशन और नीलामी समिति, मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय;

सदस्य, पाठ्यक्रम समिति, चिकित्सा विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. वंदना तायल एमएएमसी एंड एसोसिएटेड चिकित्सालयों की फार्माकोविजिलेंस कमेटी की सदस्य सचिव हैं; नर्सों के प्रशिक्षण के लिए फार्माकोविजिलेंस समिति के सदस्य सचिव य सदस्य सचिव, मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय के लिए विच्छेदन निगरानी समिति

ग) जोड़ी गई नई सुविधाएं:

विभाग की प्रयोगशालाओं, सेमिनार कमरे, निवासी कमरे, संकाय कमरे और शौचालय के प्रमुख नवीकरण किया जा रहा है। वर्ष 2018 में एक नई स्नातकोत्तर प्रयोगशाला को कार्यात्मक बनाया गया था। उसी के लिए नए उपकरण खरीदे गए हैं। प्रयोगात्मक अनुसंधान के लिए प्रयोगशाला का उन्नयन किया जा रहा है।

दो और नई प्रयोगशालाएं- फार्माकोजेनामिक और क्रोमैटोग्राफी प्रयोगशाला तैयार होने की प्रक्रिया में हैं। उसी के लिए नए फर्नीचर और उपकरण लगाए जा रहे हैं।

***

भेषजगुण विज्ञान (वीपीसीआई)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

फार्माकोलॉजी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय के वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट (वीपीसीआई) के फार्माकोलॉजी के विद्यार्थियों के स्नातकोत्तर (एमडी)/डॉक्टरेट (पीएचडी) के शिक्षण और अनुसंधान में शामिल है। शोध में, हम विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं का अनुसरण करते हैं, जिनमें से कुछ एमडी और पीएचडी डिग्री प्राप्त करने के उद्देश्य से हैं, और कुछ फार्माकोएपिडेमिलॉजी के क्षेत्र में अनुसंधान परियोजनाएं हैं, दवाओं की पहुंच में सुधार और रोगाणुरोधी प्रतिरोध की रोकथाम के लिए जनसंख्या चिकित्सा। अधिकांश अनुसंधान परियोजनाएँ एक्स्ट्रामोरली वित्त पोषित हैं और कुछ अन्य शोध संस्थानों के साथ मिलकर बहु-अनुशासनात्मक हैं।

प्रकाशन

बबीता, गुलाटी, के, रे, ए., मेनन , बी.के., राजकुमार। (2018)। ब्रोन्कियल अस्थमा के मरीजों में फुफ्फुसीय कार्यों पर सहायक योगिक हस्तक्षेप के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए एक नैदानिक अध्ययन। जर्नल ऑफ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन एंड स्टडीज, 1 (3), 1-4।

चौधरी, एस, गुलाटी , के., राय, ए., मेनन, रे, ए। एलबिज़िएलेबेक ब्रोन्कियल अस्थमा की प्रयोगात्मक मॉडल के एंटी-इनफ्लेमेट्री और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रॉनिक डिजीज, 60, 147-152।

दुबे , एच., गुलाटी, के., और रे, ए. (2018)। चूहों में अल्जाइमर रोग के प्रायोगिक मॉडल में न्यूरोबेहेवियरल और जैव रासायनिक परिवर्तनों पर नाइट्रिक ऑक्साइड (एनओ) मेटिमिक्स द्वारा संशोधन। न्यूरो टॉक्सिकोलॉजी , 66, 58-65।

गुलाटी , के., राय , एन., और रे, ए. (2018)। पिछले पांच वर्षों (2012-2017) के दौरान भारत में रेस्पिरेटरी फार्माकोलॉजी में अनुसंधान की स्थिति। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही 84 (1), 55-72।

गुलाटी, के., और रेशी, एम.आर (2018). हेपेटोटॉक्सिसिटी: इसके मैकेनिज्म, एक्सपेरिमेंटल इवैल्यूएशन एंड प्रोटेक्टिव स्ट्रैटेजीज। अमेरिकन जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी, 1(1), 1004।

गुलाटी, के., राय, एन., नकवी, एम., राय, ए. (2018)। तनाव प्रेरित इम्यूनोसप्रेशन और संभव तंत्र के खिलाफ हर्बल दवाओं की सुरक्षात्मक भूमिका । ईसी मनोविज्ञान और मनोचिकित्सा, 7(7), 370-376।

होलोवे, के.ए., कोटवानी, ए, बेटमेनाबेन, जी, सैंटोसो, बी, रत्नाविज़िेत्रासिन, एस., और हेनरी, डी. (2018)। दक्षिण-पूर्व एशिया में दवाओं के गुणवत्ता उपयोग को बढ़ावा देना: देश के स्थिति संबंधी विश्लेषण से रिपोर्ट। बीएमसी स्वास्थ्य सेवा अनुसंधान, 18 (1), 526.

पाल आर, गुलाटी के, बनर्जी बीडी, राय ए. एंडोसल्फान में मेलाटोनिन के सुरक्षात्मक प्रभाव से प्रेरित इम्यूनोमॉड्यूलेशन और चूहों में ऑक्सीडेटिव तनाव मार्करों के साथ उनका जुड़ाव। द इंडियन जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी, 56, 725-733.

नकवी, एम., राय, एन., गुलाटी, के., राय, ए. (2018)। प्रायोगिक अध्ययन अस्थमा के प्रयोगात्मक मॉडल में अनुकूलित पॉलीहेरल तैयारी के इम्युनोमोडायलेटरी और एंटी-इनफ्लेमेटरी क्षमता का मूल्यांकन। ग्लोबल वैक्सीन एंड इम्यूनोलॉजी, 3(1), 1-5.

थोकचोम, एस.के, गुलाटी , के., राय, ए., और मेनन, बी.के. (2018). सीओपीडी और संभावित तंत्र के रोगियों में फुफ्फुसीय कार्यों और स्वास्थ्य की स्थिति पर योगिक हस्तक्षेप के प्रभाव। नैदानिक अभ्यास में पूरक चिकित्सा, 33, 20-26.

राय, ए., गुलाटी, के., थोचोम, एस.के., और राय, एन. (2018). भारत में टीकाकरण सहित प्रतिरक्षा विज्ञान अनुसंधान (2012-2017)। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही, 84(1), 169-183.

सिंह, ए., गुलाटी, के. एच., छाबड़ा, एस.के. दुबे , एच, कालासल्वान, वी., और राय, एल्ब्युटेरोल और इप्रेट्रोपियम ब्रोमाइड के साथ संयुक्त नेबुलाइजेषन के बाद एग्रेवेष ऑफ सीज़र। जे फार्माकोल क्लिन रेस, 6 (2), 001-002.

अनुसंधान परियोजनायें

डीबीटी, 2018-2021, 'भारत में एंटीबायोटिक उपयोग का स्मार्ट विनियमन: समझ, नवाचार और अनुपालन में सुधार' एएमआर, 136.988 लाख के समावेश के लिए भारत-यूके सहयोग के अंतर्गत बहु-अनुशासनात्मक परियोजना। डॉ. अनीता कोटवानी

डॉ. कविता गुलाटी

आयुष, 2015-2019, ''ब्रोन्कियल अस्थमा के रोगियों में योग के प्रभाव, सेलुलर और आणविक मार्करों और जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए एक नैदानिक अध्ययन, 37 लाख।

सीसीआरयूएम, 2017-चल, ''चूहों पर हिपेटो प्रोटेक्टिव और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी दावा-उल-कुरकुम, एक पॉलीहर्बल यूनानी प्रिपरेशन और उसके सेलुलर और आणविक तंत्र के प्रभाव का प्रयोगात्मक अध्ययन'', 60लाख।

एनआईएफ, 2016-2018, ''प्रायोगिक पशुओं में ब्रोन्कियल अस्थमा के प्रयोगात्मक मॉडल में पारंपरिक हर्बल तैयारियों के प्रभावों को मान्य करने के लिए प्रायोगिक अध्ययन, 14.5 लाख।

एनआईएफ, 2017-2018, "ब्रोन्कियल अस्थमा में पारंपरिक हर्बल एजेंटों की क्रिया के मूल्यांकन के लिए प्रायोगिक अध्ययन, 18.55 लाख.

आयुष, 2018-ऑन गोइंग, 'क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के रोगियों में पल्मोनरी फंक्शन, इन्फ्लेमेटरी मार्करों, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और स्वास्थ्य की स्थिति पर यौगिक हस्तक्षेप के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए एक नैदानिक अध्ययन, 39.77 लाख।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अनीता कोटवानी

लिवरपूल में आयोजित स्वास्थ्य प्रणालियों के अनुसंधान पर पांचवें वैश्विक संगोष्ठी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया, कम और मध्य आय वाले देशों में निजी प्रदाताओं के साथ संबंध पर एक सत्र में उद्बोधन - देखभाल की गुणवत्ता और प्रभावी विनियमों को मजबूत करना। अक्तूबर, 2018.

दिसम्बर, 2018 को आयोजित होने वाले अपने क्वालिटी सर्किल मीटिंग में भाग लेने के लिए क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर के प्रमुख और संक्रामक रोगों के प्रमुख और एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप प्रोग्राम के प्रमुख द्वारा 'एंटीबायोटिक उपयोग में स्मार्ट नियमों की आवश्यकता' प्रवक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

21 दिसंबर 2018 को 'एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध और एंटीबायोटिक उपयोग के स्मार्ट विनियमन' पर एएमआर संगोष्ठी के दौरान उद्बोधन के लिए 70वें आईपीसी सम्मेलन के आयोजकों द्वारा आमंत्रित किया गया।

कविता गुलाटी

तनाव के दौरान 'प्रतिरक्षा प्रणाली की भूमिका' पर एक व्याख्यान दिया-इन्ड्यूज्ड गैस्ट्रिक अल्सरोजेनेसिस: जीआई-सिम्पोज़ियम द्वारा गैस्ट्रिक साइटोप्रोटेक्शन, आईएससीटीआईसीओ, आईयूपीएचएआर क्यूटो, जापान में आयोजित। जून, 2018

दिल्ली फार्माकोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा संगोष्ठी, एम्स, नई दिल्ली, दिसम्बर, 2018 में हाल के रुझानों पर एक संगोष्ठी में 'ब्रोन्कियल अस्थमा के प्रबंधन में योगिक हस्तक्षेप' पर अतिथि व्याख्यान।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

डॉ. अनीता कोटवानी

सेंटर फॉर डिसीज डायनेमिक्स एंड इकोनॉमिक पॉलिसी एंड एमिटी यूनिवर्सिटी और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एनिमल बायोटेक्नोलॉजी के साथ सहयोग से परियोजना।

नियोजन विवरण (नियोजित विद्यार्थियों की संख्या् और प्रतिशत)

डॉ. तपन बहल - एसोसिएट प्रोफेसर, औषधि विभाग चितकारा कॉलेज ऑफ फार्मेसी, चितकारा यूनिवर्सिटी, पंजाब।

डॉ. हरिकेश दुबे - मान्यता प्राप्त सलाहकार प्रा. लि., दिल्ली में रखा गया।

डॉ. निशांत राय - बीवीजी लाइफ साइंस लिमिटेड, पुणे में रखा गया।

डॉ. रविंदर यादव - डॉ. रेड्डीज लैब, दिल्ली पर रखा गया।

डॉ. गौतम अरोरा - एबॉट इंडिया लिमिटेड, दिल्ली में रखा गया।

प्रदान की गई एमडी/पीएचडी डिग्री की संख्या

पीएच.डी : 4
एम.डी पुरस्कृत : 2

संकायों की संख्या :

तीन : 2 प्रोफेसर और 1 सहायक प्रोफेसर

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के 'फेयर मेडिसिन प्राइसिंग फोरम' पर सलाहकार समूह की सदस्य डॉ. अनीता कोटवानी। मार्च 2019 में दक्षिण अफ्रीका के एक जोहान्सबर्ग में आयोजित बैठक में भाग लिया।

***

शरीर क्रिया विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियां

विभाग एमबीबीएस, एमडी, नर्सिंग और पीटीटी विद्यार्थियों की शिक्षण गतिविधियों में शामिल है। इसके अलावा, विभाग रोगी देखभाल और विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों में भी शामिल है, जिसमें पी 300 सहित न्यूरोफिजियोलॉजिकल मापदंडों की रिकॉर्डिंग शामिल है, तंत्रिका चालन, संज्ञानात्मक कार्य, पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट और हृदय गति भिन्नता। अध्ययनों में अटेंशन डेफिसिट हाइपर एक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी),

पार्किंसनिज्म, सिजोफ्रेनिया, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी), डायबिटीज मेलिटस टाइप -2 और रूमेटॉइड आर्थराइटिस के मरीज शामिल थे। अंडर ग्रेजुएट योलॉजी विभाग 4 इंटरकॉलेजिएट अंडर फिजियोलॉजी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, जिसमें दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से 15 मेडिकल महाविद्यालयों ने भाग लिया है

इसकी स्थापना के बाद से फिजियोलॉजी विभाग में योग और लाइफस्टाइल इंटरवेंशन केंद्र ने एक लंबा सफर तय किया है, जहां विभिन्न बीमारियों से पीड़ित रोगियों के योग में भाग लेने से लाभान्वित किया जा रहा है। कई मेडिकल विद्यार्थी , डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ के साथ-साथ मरीज भी केंद्र की सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। उपरोक्त केंद्र के सहयोग से विभाग ने 21 जून, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और 16 नवंबर, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस का आयोजन किया है।

प्रकाशन

अदलाखा, एम., गौतम., एस., मंडल., एस. सिंह, आर., चैधरी, डी., गांधी, ए. (2018)। ब्रोन्कियल अस्थमा के रोगियों में पल्मोनरी कार्य करता है और इनफ्लेमेटरी मार्कर (एचएस-सीआरपी) के साथ इसका संबंध है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 7 (8), 89-91.

भारद्वाज, एस., मंडल, एस., बंधु, आर, मलिक देबनाथ, ई., चैधरी, डी. (2018)। रोगियों में तंत्रिका प्रवाहकत्त्व वेग और ग्लाइकेटेड हीमोग्लोबिन टाइप 2 डायबिटीज इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 7(7), 71-73.

भारद्वाज, एस., मंडल, एस., बंधु, आर, चैधरी , डी., मलिक देबनाथ, ई. (2018); सहसंबंधी तंत्रिका चालन वेग और अवधि 2 मधुमेह की अवधि एक अध्ययन, उत्तर भारतीय आबादी में टेरिटरी केयर चिकित्साल्य में किया गया। मेडिकल साइंस एंड इनोवेटिव रिसर्च के इंटरनेशनल जर्नल, 3(4), 35-40.

डोगरा, पी., मंडल, एस., बंधु, आर., कटारिया, डी., रमेश, वी. ओएस, अदलखा एम. (2018)। एचकआरवी इन अटेंशन - मिथाइलफेरीडेट के पहले और बाद में कमी/हाइपर एक्टिविटी डिसआर्डर (एडीएचडी)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 7(3), 14-15.

डोगरा, पी., बंधु, आर., मंडल, एस., कटारिया, डी., रमेश, वी. ओएस (2018)। आटोनोमस फंक्शन इप अटेंशन-मिथाइलफेरिडेट के पहले और बाद में कमी/हाइपर एक्टिविटी डिसआर्डर (एडीएचडी)। आईओएसआर-जर्नल ऑफ डेंटल एंड मेडिकल साइंसेज (आईएसओआर-जेडीएमएस), 17(6), 01-04.

डोगरा, पी, मंडल, एस., बंधु, आर., कटारिया, डी, रमेश, वी. ओएस. (2018)। एडीएचडी के बच्चों के माता-पिता रेटिंग स्कोर और एचआरवी के बीच सहसंबंध मिथाइलफिनेट के साथ इलाज किया गया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेंटल एंड मेडिकल साइंसेज रिसर्च, 2018; 2 (6): 44-49.

डोगरा, पी., मंडल, एस., बंधु, आर., कटारिया, डी., रमेश , वी. ओएस। (2018)। मेथिलफेनिडेट के साथ इलाज किए गए बच्चों में एचआरवी वेंडरबिल्ट अभिभावक रेटिंग स्कोर के बीच संबंध। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 7(7), 177-178.

डोगरा, पी., मंडल, एस., बंधु, आर., कटारिया, डी., रमेश, वी. ओएस। अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) से पीड़ित बच्चों में मेथेनफिडेट के कार्डियोवस्कुलर प्रभाव। जेएमएससीआर, 6(6), 227-230.

डोगरा., पी., मंडल, एस., बंधु, आर, कटारिया., डी., रमेश., वी. ओएस। (2018)। मिथाइलफेनिडेट के पहले और बाद में एडीएचडी में वेंडरबिल्ट मूल रेटिंग पैमाने और स्वायत्त कार्यों के बीच सहसंबंध। स्कालर जर्नल आफ एप्लाइड मेडिकल साइंसेज, 6(7), 2669-2673.

डोगरा, पी., बंधु, आर., मंडल, एस., कटारिया, डी., रमेश, वी. ओएस (2018)। अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसआर्डर (एडीएसडी) में मेथेफिनेट की दक्षता और सहनशीलता: 12 सप्ताह का भावी अध्ययन। आईओएसआर जर्नल ऑफ डेंटल एंड मेडिकल साइंसेज (आईओएसआर-जेडीएमएस), 17(7), 17-19.

डोगरा, पी., मंडल, एस, बंधु, आर., कटारिया, डी., रमेश, वी. ओएस. (2018)। मिथाइलफेनिडेट के पहले और बाद में एडीएचडी में कोनर पेरेंट रेटिंग स्केल एडं ऑटोनोमिक फंक्शन। जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस एंड क्लिनिकल रिसर्च, 06(06), 959-963.

काहलान, एम, गांधी, ए., मंडल, एस., और नारायण, एस. (2018)। आयरन की कमी वाले एनीमिक किशोर लड़कियों में स्वायत्त स्थिति का आकलन करने के लिए सरल परीक्षण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, 6(4), 43-47.

कुकरेजा, ए., बोनीपल्ली, एस., चैहान, एस.एस., और कनोजिया, एस. (2018)। प्रथम एमबीबीएस विद्यार्थियों में लर्निंग फिजियोलॉजी के लिए पारंपरिक और संशोधित केस आधारित विधि के बीच एक तुलना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, 6(2), 1-4।

लक्ष्मी एस, गौतम एस, गांधी ए, चैधरी डी, गोस्वामी बी, मंडल एस, मोंगा एम. (2018) में इंसुलिन प्रतिरोध के साथ तंत्रिका चालन वेग के बीच प्रिडायबेटिक एंड हेल्थ कंट्रोल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 7(8), 25-27.

मनावत, आर. (2018)। मोटापे में छह मिनट के वॉक टेस्ट का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल आफ साइंस एंड पब्लिक हेल्थ, 7(4), 260-263।

नमिता, बंधु आर, गौतम एस., चैधरी डी, मंडल एस, मोंगा एम. (2018)। पी 300, ईआरपी अध्ययन के माध्यम से हल्के से मध्यम सीओपीडी रोगियों में संज्ञानात्मक कार्य मूल्यांकन। शोध विश्लेषण के लिए वैश्विक पत्रिका, 7(8), 35-38।

प्रवीना, एस.एम., आशा, जी., सुनीता, एम., अंजू, जे., और रत्ना, बी. (2018)। योग पोस्टमेनोपॉजल महिलाओं में हृदय सुरक्षा प्रदान करता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ योगा, 11(1), 37-43.

जर्नल

डॉ. राजीव बंधुरू शरीर विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के सलाहकार बोर्ड के सदस्य।
डॉ. गौरव स्वामीरू नैदानिक निदान और अनुसंधान के संपादकीय बोर्ड पत्रिका के सदस्य।

अनुसंधान परियोजनाएं

डीएसटी परियोजना, स्वायत्त कार्यों, न्यूरोफिजियोलॉजिकल कार्यों और मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों की देखभाल करने वालों में मनोवैज्ञानिक मापदंडों पर एकीकृत योगिक हस्तक्षेप का प्रभाव। यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणय पीआई- डॉ. सुजाता गौतमरू सीओ-पीआई डॉ. सुनीता मंडल, डॉ. मैरी विभा लाकर

आईसीएमआर, 2018, स्मार्टफोन का उपयोग करने वाले स्कूल जाने वाले किशोरों में संज्ञानात्मक कार्य प्रारंभिक अध्ययन, पीआई-डॉ. मैरी विभा लाकर

आईसीएमआर, 2018, मधुमेह मेलेटस टाइप -2 के नियंत्रित और अनियंत्रित मामलों में हृदय गति दर का आकलन और

एचबी एल्क. पीआई के साथ इसका संबंध - डॉ. सुजाता गौतम

आईसीएमआर, 2018, कॉलेज गोइंग फीमेल्स में स्लीप क्वालिटी और ऑटोनोमिक फंक्शन पर स्मार्टफोन के इस्तेमाल का अध्ययन करना। पीआई - डॉ. मधुलिका मोंगा।

आईसीएमआर, 2019, हार्ट रेट वेरिएबिलिटी पर कोल्ड प्रेसर टेस्ट का प्रभाव और टाइप ए और टाइप बी व्यक्तित्व के युवा वयस्कों में तनाव। पीआई - डॉ. सुजाता गौतम

आयोजित संगोष्ठी

लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 जनवरी, 2018.

एमबीबीएस बैच 2018-19, के लिए 'स्टूडेंट मेंटरशिप प्रोग्राम' का शुभारंभ, सितम्बर, 2018.

फिजियोलॉजी विभाग ने योग थेरेपी विभाग के सहयोग से 06 नवम्बर, 2018 को सर्वप्रथम प्राकृतिक चिकित्सा दिन का आयोजन किया।

संगोष्ठी सम्मेलन की प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय) (चयनित)

डॉ. सुनीता मंडल ने तनाव प्रतिक्रिया में जाने पर विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया: एचटीपीए अक्ष, पोषण और व्यायाम 'एमएएमसी, नई दिल्ली, नवम्बर, 2018

संकायों की संख्या : 10

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

सुश्री हर्षा पटनायक, एमबीबीएस तृतीय वर्ष विद्यार्थी पोस्टर प्रस्तुति 'मधुमेह मेलिटस टाइप 2 के मामलों में हृदय गति परिवर्तनशीलता पर ग्लाइसेमिक नियंत्रण का प्रभाव' में प्रथम पुरस्कार जीता। मेडिकसकॉनवेंटस 2019, एलएचएमसी, नई दिल्ली।

***

शरीर क्रिया विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

फिजियोलॉजी विभाग शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासनिक कार्यों से संबंधित है। एमबीबीएस, बीडीएस, नर्सिंग और एमडी के विद्यार्थियों को पढ़ाया जाता है। विभाग एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए संस्थान के इंटर्नशिप कार्यक्रम का समन्वय करता है।

प्रकाशन

महाजन, ए.एस., माहौर, आर., सिंह, टी., जैन, ऐ॰के॰, धनवाल, डी.के., और गुप्ता, एम. (2018)। हेमोस्टैटिक फंक्शन और उपक्लीय हाइपोथायरायड और हाइपोथायरायड रोगियों के मेटाबोलिक प्रोफाइल। बांग्लादेश जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस, 17(4), 532-536.

महादुले अश्विनी ए, जैन प्रीति, जैन ए.के. (2018) लघु और दीर्घकालीन राजयोग ध्यान के चिकित्सकों में संज्ञानात्मक प्रदर्शन का आकलन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रीसर्च, 7(7), 269-272.

जैन प्रीति , महादुले अश्विनी ए. (2018). राजयोग मेडिटेशन के चिकित्सकों में शारीरिक और मनोवैज्ञानिक कल्याण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च, 7(8), 37-39.

सिन्हा एसएस, जैन एके, त्यागी एस, महाजन एएस. (2018) कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में हृदय गति, रक्तचाप पर ध्यान और व्यायाम प्रदर्शन का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी, 62(2), 209-16.

वार्ष्णेय, वी.पी., और बेदी, एम. (2019)। फॉरेंसिक हैंडराइटिंग परीक्षा में लैकुनेइ: स्कोप फॉर एक्सप्लॉयटेशन। एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल सांइस, 5(1), 19.

आयोजित सम्मेलन

फिजियोलॉजी अपडेट 2018 "तनाव की प्रतिक्रिया में विलंब: एचटीपीए अक्ष पोषण और व्यायाम" एमएएमसी। नवम्बर, 2018

"दूसरा इंट्रा-कॉलेज अंडरग्रेजुएट फिजियोलॉजी क्विज", 2019 डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोलॉजी, एमएएमसी, नई दिल्ली, मार्च, 2019।

संकायों की संख्या : 11

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. आरती सूद महाजन बीएसए मेडिकल कॉलेज, एनसीटी सरकार में संकाय पदों के लिए विशेषज्ञ; 8-9-18 को वीएमएमसी में एपीकान-डीसी 2018 में पोस्टर प्रतियोगिता के जज सह-अध्यक्ष महाविद्यालय, मेडिसिन विभाग के लिए प्रोटोकॉल समिति: क्षेत्रीय केंद्र के लिए सह-प्रबंधक, एमसीआई द्वारा सीआईएसपी प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एमएएमसी

***

शरीर क्रिया विज्ञान (यूसीएमएस)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

यू.जी और पी.जी लैब का उन्नयन।

सम्मान/गौरव

डॉ. सतेंद्र सिंह को मुंबई में एम्पल मिशन द्वारा अगस्त, 2018 में विकलांगता के क्षेत्र में पहल के लिए शूरवीर अवार्ड 2018 से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

धालीवाल, यू, सिंह, एस., और सिंह, एन. (2017). चिंतनशील विद्यार्थी कथाएँ व्यावसायिकता और सहानुभूति का सम्मान करना। भारतीय जे मेड एथिक्स, 3(1), 9-15.

गोयल, एस., दीक्षित, ए., वेनी, एन., और मधु, एस.वी. (2018). यूथायरायड स्टेट की प्राप्ति से पहले और बाद में हाइपोथायरायड रोगियों में संज्ञानात्मक स्थिति। इंडियन जे फिजियोल फार्माकाल, 62 (1), 113-119।

गुप्ता, ए., सिंह, एस., खालिक, एफ, धालीवाल, यू., और मधु, एस.वी (2017)। एंडोक्राइन फिजियोलॉजी में प्रारंभिक नैदानिक जोखिम प्रदान करने के लिए नकली आभासी रोगियों का विकास और सत्यापन। फिजियोलॉजी शिक्षा में अग्रिम, 42 (1), 15-20।

खालिक, एफ., और फहीम, एम. (2018)। हृदय संबंधी कार्यों में सुधार करने में टर्मिनलियार्जुन की भूमिका: एक समीक्षा। इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी, 62(1), 8-19.

सिंह, एस. (2019). निर्दिष्ट विकलांगता वाले व्यक्तियों के प्रवेश पर मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के नए दिशानिर्देशः अनुचित, भेदभावपूर्ण और गैरकानूनी। मेडिकल नैतिकता की भारतीय पत्रिका, 4(1), 29-34.

जर्नल

डॉ. खालिक, फराह, एसोसिएट एडिटर, इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी 2017 - आज तक

डॉ. सिंह, सतेंद्र संपादकीय बोर्ड के सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल एथिक्स (पबमेड), 2019

डॉ. वेनी, नीलम, संपादक - इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी, 2017-19

डॉ. वेनी, नीलम सदस्य, एडवाइजरी बोर्ड, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज, दिल्ली. 2018

अनुसंधान परियोजनाएं

आईसीएमआर, 2017-18, युवा वयस्कों में अनुभूति और नींद के पैटर्न पर मोबाइल फोन के उपयोग के प्रभाव, 10000 रुपये, प्रधान अन्वेषकः डॉ. नीलम वाणी।

आयोजित सेमिनार

संगठित 'निरस्त्रीकरण संवाद' अध्यापन नैतिकता और स्वास्थ्य के लिए बदलाव की वकालत करना (डीडी-टीच) में बक्सबाउम इंस्टीट्यूट फॉर क्लिनिकल एक्सीलेंस एंड यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो सेंटर, दिल्ली, अक्तूबर, 2018.

संगठित 'निरस्त्रीकरण संवाद' जानने (डीडी बात) के लिए एक दृष्टिकोण के रूप में प्रोफिशनलिज़्म और इथिक्स की कहानियां' के साथ बक्सबाउम इंस्टीट्यूट फॉर क्लिनिकल एक्सीलेंस एंड यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो सेंटर, दिल्ली, अक्तूबर, 2018.

आयुष के अंतर्गत योग प्रयोगशाला, फिजियोलॉजी विभाग के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस। 21 जून 2018.

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुति (अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय) (चयनित)

डॉ. सतेंद्र सिंह

स्कूल ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज, मणिपाल यूनिवर्सिटी, अप्रैल, 2018 में 'विकलांगता के साथ लोगों की सामुदायिक महत्वाकांक्षा को बढ़ाने के लिए एक सार्वभौमिक डिजाइन को अपनाने' पर अतिथि व्याख्यान।

'चिकित्सा शिक्षा में मानविकी के मूल्य' पर आमंत्रित वार्ता कंसेप्टज़ द मणिपाल ग्लोबल मेडिकल एजुकेशन कॉन्क्लेव, केएमसी मणिपाल, अप्रैल, 2018

आमंत्रित अतिथि व्याख्यान 'ब्रिजिंग द डिवाइडः ख्वाहिश-ए-परवाज़' रीच में, लेडी श्रीराम महाविद्यालय के समान अवसर सेल, अप्रैल, 2018.

विचारों के उत्सव, मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, में 'कलंक, सामाजिक पहचान और सामाजिक न्याय' पर अतिथि व्याख्यान, अगस्त 2018

यूथ अददा में आमंत्रित वक्ता एएडीआई और डीएफआईडी द्वारा विकलांगता अधिनियम-एएडीआई, यूके सरकार द्वारा आयोजित, जून, 2018.

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग:

सतेंद्र सिंह

सहायक संकाय, चिकित्सा शिक्षा विभाग, केएमसी मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी, 2018-20.

कोलंबिया ग्लोबल सेंटर, मुंबई में 18-19 फरवरी, 2019 को 'स्वास्थ्य, राजनीति और औपनिवेशिक और समकालीन भारत में कल्पना' संकाय।

संकायों की संख्या : 05

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी :

डॉ. सतेंद्र सिंह, फेसबुक एक्सेसिबिलिटी टीम के साथ सोशल मीडिया एक्सेसिबिलिटी चर्चा का हिस्साः एफआईएसएफए में जूरी सदस्य - 26-29 अप्रैल 2018 नई दिल्ली में 15वें विश्व ग्रामीण स्वास्थ्य सम्मेलन, के दौरान आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म और कला महोत्सव;

सदस्य, संचालन समिति, दिल्ली सरकार में विकलांगता विभाग का गठन करने के लिए 2018-19 सुलभ चुनाव पर राज्य संचालन समिति, दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी), 2018-20; विकलांग व्यक्तियों के नियमों के दिल्ली अधिकारों को अंतिम रूप देने के लिए समिति 2018, दिल्ली सरकार, 2018: जीएनसीटीडी, 2018-19 के अंतर्गत सभी तीन शिक्षण चिकित्सालयों में शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास विभाग शुरू करने के लिए समिति; दिल्ली मेडिकल काउंसिल के कार्यकारी सदस्य और आचार समिति के सदस्य, 2015-20; स्वास्थ्य अकादमी शिक्षा अकादमी के कार्यकारी सदस्य 2017-19.

डॉ. नीलम वाणी: भौतिकी विभाग के प्रमुख- चिकित्सा विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2017 - 2020; सदस्य, सलाहकार बोर्ड, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशिलिटीज, दिल्ली, 2018; एसटीएस परियोजनाओं के समीक्षक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, 2018; नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन, नई दिल्ली., 2018

डॉ. आशा यादव अध्यक्ष, यूसीएमएस 2017 में 'उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव की रोकथाम' के लिए समिति।

***

शरीर क्रिया विज्ञान (वीपीसीआई)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

कार्डियो-पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन सेवाएं प्रदान करना; विश्वनाथन चेस्ट चिकित्साल्य में कार्डियो-पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन क्लिनिक, वीपीसीआई पुराने श्वसन रोगियों के प्रबंधन में शामिल है, जो सांस लेने में तकलीफ और अक्सर दैनिक जीवन की गतिविधियों में अक्षम होते हैं (एडीएल) सांस की तकलीफ के बावजूद इष्टतम औषधीय उपचार। पल्मोनरी पुनर्वास कार्यक्रम इस प्रकार के रोगियों में कार्यात्मक क्षमता को कम करने और विकलांगता को कम करने में मदद करता है।

प्रकाशन

डोगरा, वी., मेनन, बी.के., बंसल, वी. और गौर, एस.एन. (2018). पुरुष सीओपीडी रोगियों के बीच सेंट जॉर्ज रेस्पिरेटरी प्रश्नावली (एसजीआरक्यू) का उपयोग करते हुए श्वसन रुग्णता संबंधी जीवन की गुणवत्ता के सहसंबंधों का आकलन करने के लिए। इंट जे एडवांस मेड, 5(3), 498-504.

डोगरा., वी., मेनन, बी.के., बंसल., वी. और गौर, एस.एन. (2018). सीओपीडी रोगियों के बीच नैदानिक, पोषण और फुफ्फुसीय कार्य मापदंडों के साथ सीटी फेनोटाइपिक पैटर्न के बीच सहसंबंध। इंट जे रेस मेड साइंस, 6(5), 1770-1777.

रामास्वामी, एस., छाबड़ा, एस.के., गुप्ता, एम., डैश, डी.जे. और बंसल, वी. (2018). सालबटामोल बट नाॅट इप्रेट्रोपियम शिफ्ट स्वायत्त संतुलन क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज में सिम्पैथेटिक की ओर जाना। करं रेश्पायर मेड रेव., 14(3), 166-71.

जर्नल

कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, महाराष्ट्र, भारत द्वारा प्रकाशित कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जेकेआईएमएसयू) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

अनुसंधान परियोजनाएं

डीआईपीएएस, डीआरडीओः सितम्बर, 2014 - 8 सितंबर 2018, हाइपोक्सिक सहिष्णुता में सुधार के लिए व्यायाम प्रोटोकॉल का विकास, राशि स्वीकृत राशि 50.00 लाख रुपये।

एलएसआरबी, डीआरडीओ; 27 जून, 2018 से 27 जून, 2021 तक, युवा वयस्कों में छोटी अवधि के उप-अधिकतम व्यायाम के बाद संज्ञानात्मक प्रदर्शन। स्वीक1त राशि 26,59,329/- रुपय

अंतर-संस्थागत सहयोग

डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज, डीआरडीओ, तिमारपुर, दिल्ली-110054

सीएसआईआर-आईजीआईबी (इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी), माल रोड, दिल्ली-110007

संकायों की संख्या : 1

***

बाल दंत चिकित्सा व निवारक दंत चिकित्सा (यूसीएमएस)

प्रकाशन

गुप्ता, आर., त्यागी., एन., गुप्ता, एस., त्यागी, आर (2019). बड़े विशाल कक्ष फाइब्रोमा प्लेटल म्यूकोसा के रूप में पेश करने का प्योजेनिक ग्रेन्युलोमा: ए रेरिटी. आईओएसआर जर्नल ऑफ डेंटल एंड मेडिकल साइंस, 18(4), 69-72.

कालरा, एन., त्यागी, आर., खत्री, ए., कुमार, एस., अफसल, एम.एम., और खंडेलवाल, डी. (2019)। लैंगरहान सेल हिस्टियोसाइटोसिस के साथ एक बच्चे में नवजात दाढ़। जर्नल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री, 37(1), 107.

कालरा, एन., त्यागी., आर., खत्री, ए., पोसवाल, ए., पंवार, जी., और गर्ग, के. (2018)। डबल लिप-ए एटिपिकल फेशियल एनोमलीः दो केस रिपोर्ट। नैदानिक बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 11(5),451.

खंडेलवाल, डी., कालरा, एन., त्यागी, आर., खत्री, ए., और गुप्ता, के. (2018)। "टेल शो डू" विधि और दृश्य-श्रव्य व्याकुलता का उपयोग कर बाल चिकित्सा रोगियों में चिंता का नियंत्रण। जे. कन्टेंप.डेंटल अभ्यास, 19 (9), 1058-1064.

खंडेलवाल, डी, कालरा, एन., त्यागी, आर., खत्री, ए., कुमार, डी., और कुमार, एस. (2018) 12 साल के बच्चे-ए में दो दांतों का फ्रैगमेंट रीटैचमेंट। ओरल केयर एंड रिसर्च का अंतर्राष्ट्रीय जे, 6(1), 1-3.

खत्री, ए., बेनीवाल, पी., कालरा, एन., और त्यागी , आर. (2019)। एक्सनफेल्ड-रीजर सिंड्रोम से जुड़ी दंत और क्रेनियोफेसियल विसंगतियां। सऊदी जर्नल ऑफ ओरल साइंसेज, 6(1), 41.

कुमार, डी., कालरा, एन., त्यागी, आर., खत्री, ए., खंडेलवाल, डी., कुमार, एस. (2018)। पूर्वोत्तर दिल्ली के 6-12 वर्ष पुराने स्कूल जाने वाले बच्चों का मौखिक स्वास्थ्य ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री, 5(1), एस12-15।

संगोष्ठी/सममेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय) (चयनित)

डॉ. ऋषि त्यागी ने नई दिल्ली, अक्तूबर , 2018 को आईएसडीटी के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पोस्टर प्रस्तुत किया

डॉ. अमित खत्री ने पोस्ट-ट्रॉमाटिक नासिका रुकावट के प्रोस्थेटिक प्रबंधन पर एक पेपर का उपयोग किया, जिसमें एकतरफा इंट्रानेशन स्टेंट का उपयोग किया गया था; आईएसएसपीपीडी, नागपुर अक्तूबर 2018 के राष्ट्रीय सम्मेलन में एक केस रिपोर्ट।

संकायों की संख्या : 04

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोफेसर ऋषि त्यागी को डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के इंस्पेक्टर के रूप में नियुक्त किया गया था।

***

विकिरण चिकित्सा विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने हाल ही में स्थापित सीटी सिम्युलेटर और एचडीआर ब्रेकीथेरेपी मशीन का उपयोग शुरू किया,जिससे कैंसर रोगियों के लिए उचित योजना और ब्रेकीथेरेपी संभव हो सके। एमडी रेडियोथेरेपी थीसिस प्रस्तुत की गई थी और परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले दो उम्मीदवारों को एमडी की डिग्री सफलतापूर्वक प्रदान की गई थी। हमारे विद्यार्थियों ने कई सम्मेलनों में विभाग का प्रतिनिधित्व किया और विभाग के लिए प्रशंसा हासिल की (मैक्स चिकित्साल्य द्वारा आयोजित केस कैप्सूल के विजेताऔ ने हाल ही में ब्रेकीथेरेपी सोसायटी द्वारा आयोजित ब्रेकीथेरेपी कार्यशाला में ब्रेकीथेरेपी क्विज जीता)।

सम्मान/गौरव

डॉ. किशोर सिंह को दिल्ली के लोकनायक चिकित्साल्य में चिकित्सा निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रकाशन

अग्रवाल, एम., अग्रवाल, ए., सिंह, के. अरोड़ा, एस., राठी, ए.के. (2019). पैटर्न ऑफ क्लीनिकल प्रिजेन्टेशन एण्ड डैमोग्राफिक प्रोफाइल ऑफ पेशेन्ट्स डायग्नोसड विद पेरीएम्पुलरी कार्सिनोमा इन ए टेरटिअरी केयर सेन्टर ऑफ नार्थ इंडिया। इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 9 (4), 53-54

अग्रवाल, एम., अग्रवाल, ए., सिंह, के. अरोड़ा, एस., राठी, ए.के. (2019). क्लिनीकल एण्ड डैमोग्राफिक प्रिजेन्टेशन इन पेशेन्ट्स डायग्नोसड विद पैन्क्रिएटिक कैंसर ए टएटेरटिअरी केयर सेन्टर ऑफ नार्थ इंडिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च इंडियन.8 (4), 50-51

अरोड़ा, एस. (2018). ओबीजीवाई सब स्पेस्लिटीज इन द बुक गायनिकोलॉजिकल मैलीगनेन्सीज। प्रकाशक सीबीएस

रथ, एस, गांधी, ए.के., रस्तोगी, एम., साहनी, के., नंदा, एस.एस, आजम, एम., सिंह, एच.बी., खुरानाहादी, आर.आर., मिश्रा, एसपी., श्रीवास्तव, ए.के., फरजाना, एस. (2018).पैटर्नस ऑफ फैलियर पोस्ट ऑपरेटिव बुक्कलम्यूकोसा कैंसर के असफल और नैदानिक परिणामों के पैटर्न इप्सीलेटरल विकिरण थेरेपी के साथ इलाज किया गया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रेडिएशन ऑन्कोलॉजी बायोलॉजी फिजिक्स, 102, 3: e289

रॉय, एस., सुब्रमणि, वी., सिंह, के., राठी, ए.के., अरोड़ा, एस., अग्रवाल, ए. (2018). डोसिमैट्रीक कम्पेरीजन ऑफ ग्राफिकल एण्ड इनवर्स प्लानिंग सिमूलेटेड एन्नीलिंग बेसड डोजऑपटिमाइजेशन्स प्लान्स विद वरींग वेल्यूज ऑफ ड्वेलटाइमडेविएशन कंसट्रैन्ट्स फॉर इनटरएसटियल ब्रैकीथेरेपी ऑफ कैंसर सर्विक्स। जेमेडिकलफिजिक्स, 43, एब्सट्रैक्टओपी 26, एस27

सिंह, के. (2018) “रोल ऑफ रेडियोथैरेपी इन चिलड्रन ”इन प्रोसीडिंग्स ऑफ पेडीआरट्रीक सर्जरी अपडेट।

सिंह, के. (2018). केयर ऑफ पेशेंट रिसीविंग किमोथैरेपी फॉर गायनी कॉलोजिकल कैंसर्स। प्रसूति और स्त्री रोग विषय में 21वें व्यावहारिक पाठ्यक्रम में अध्याय।

पत्रिकाएं

संपादकीय बोर्ड के संपादक (कों) सदस्य (यों) के रूप में सेवारत विभाग के शिक्षकों की संख्या: 2

अरुण कुमार राठी को जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरप्यूटिक्स, जो एसोसिएशन ऑफ रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया की एक आधिकारिक पत्रिका है, के कार्यकारी संपादक के रूप में नियुक्त किया गया।

किशोर सिंह “जर्नल ऑफ़ कैंसर रिसर्च एंड थेरप्यूटिक्स” जो की एसोसिएशन ऑफ रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया की एक आधिकारिक पत्रिका है, के ‘मुख्यसंपादक’ ’के रूप में कार्यरत हैं।

शोध परियोजनाएं

कैडिला हेल्थ केयर लिमिटेड, वर्ष/अवधि: 2019; डिफ्यूज लार्जबीसेललिम्फोमा के रोगियों में रितुक्सिमाब (रोचें/गेनेटेच) की तुलना में रितुक्सिमाब (जायडस) की प्रभावकारिता, फार्माकोकाइनेटिक्स, फार्माकोडायनामिक्स, इम्युनोगैनेसी और सुरक्षा का आकलन करने के लिए यादृच्छिक, एसेसर-बलाइंड, बहुउपयोगी, समानांतरसमूह, टूआर्मस, क्लीनिकल अध्ययन।

रिलायंसलाइफसाइंसेस, वर्ष/अवधि: 2019; सोलिड ट्यूमर्स से बोनमेटास्टेसिस के रोगियों में कंकाल संबंधी मामलों की रोकथाम के लिए आर-टीपीआर-045/Xgeva की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए संभावित, बहु-कैंद्र, यादृच्छिक, डबल-बलाइंड, टूआर्म, समानांतर समूह, सक्रिय नियंत्रण, तुलनात्मक, नैदानिक अध्ययन।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुति

ए. के. राठी

व्याख्यान दिया: कोलोरेक्टल कैंसर में विकिरण ऑन्कोलॉजिस्ट की भूमिका; "कोलोरेक्टल कैंसर अपडेट, ईएसआई-पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, नई दिल्ली, मार्च, 2018

ऑन्कोलॉजीएक्स 2018 में अपडेट, सिर और गर्दन के कैंसर में विवाद, एसजीआरएच, दिल्ली "एचपी वीपॉजीटिव के कैंसर का इलाज भिन्न है" अप्रैल 2019

डॉ. अनुरीता श्रीवास्तव ने कैंसर एसोफैगस रोगियों में पूर्व शल्य उपचार के साथ Talk'QoL परिवर्तन के विषय में बताया: सितंबर, 2018 में बाली इंडोनेशिया में एनएसीटी बनाम एनएसीटीआरटी की तीसरी एफएआरओ बैठक।

किशोर सिंह

फरवरी 2018 में एक्सपीडियाट्रिक सर्जरी अपडेट, में "बच्चों में रेडियोथेरेपी की भूमिका "विषय पर व्यख्यान।

अगस्त 2018 में एस.पी. मेडिकल महाविद्यालय, राजस्थान में आरएजेएआरओआईसीओएन-2018 कार्यक्रम के दौरान "प्रिवेन्शन ऑफ गायनिकॉलोजिकल कैसरः भारत में साक्ष्य और संभावना तथा एचपीवीटी का करण" विषय पर व्याख्यान दिया।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम में भाग लिया
चालू जनसंख्या आधारित कैंसर रजिस्ट्री
चिकित्साल्य आधारित कैंसर रजिस्ट्री शुरू करना

संकाय की संख्या: 8

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. किशोर सिंह को एससीआई एवं टीसीसीसी के रूप में क्रमशः वित्तीय सहायता के लिए कैंसर, सीवीडी, मधुमेह और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) की रोकथाम तथा निवारण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की तृतीय कैंसर देखभाल सुविधाएं योजना को सुदृढ़ करने के अंतर्गत निरीक्षक, भारत सरकार, डीजीएचएस नामित किया गया; डीसीजी (I), सीडीएससीओ (मुख्यालय), एफडीए, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में नैदानिक परीक्षणों के दौरान मृत्यु की गंभीर प्रतिकूल घटनाओं (एसएई) की रिपोर्ट के लिए स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति; डीसीजी (I), सीडीएससीओ, एफडीए, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में विशेषता में नई दवा की मंजूरी के मामले में सिफारिशों के लिए रेडियोलॉजी/रेडियोडायग्नोस्टिक्स श्रेणी में समिति के सदस्य; सदस्य निराकरण समिति और नीलामी समिति, एलएनचिकित्साल्य, नई दिल्ली; "नैदानिक इमेजिंग और रेडियो थेरेपी उपकरण अनुभाग समिति, एमएचडी15" के लिए भारतीय मानक ब्यूरो के सदस्य; पीजी छात्रों के बैच 2015 के थीसिस प्रोटोकॉल की चर्चा और अनुमोदन के लिए सदस्य पोस्टग्रेजुएट सेल; दिल्ली मेडिकल काउंसिल के विशेषज्ञ सदस्य; डॉ. बीआरएआईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली में विश्वस्त रपरटेंडरेड मशीनरी और उपकरण की अनुमोदन/अस्वीकरण के लिए तकनीकी चयन समिति के सदस्य; आईएलबीएस, दिल्ली में एसोसिएट प्रोफेसर के चयन हेतु समिति के सदस्य; डॉ.अरुण कुमार राठी को एसकेआईएमएस, सौरा, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर में लिनियर एक्सीलेटर और सीटीसिम्युलेटर के क्रय हेतु तकनीकी विशिष्टता समिति में नामांकित किया गया।

डॉ. अनुरीता श्रीवास्तवः सदस्य पुस्तकालय सलाहकार समिति, एमएएमसी।

डॉ. सविता अरोड़ा: एलएनएच में रेडियोथेरेपी के लिए सदस्य तकनीकी मूल्यांकन समिति।

डॉ. सविता अरोड़ा को 40 से 50 वर्ष की आयु वर्ग में एआरओआई विदेशी फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

***

शल्य चिकित्सा (एलएचएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

एसएसकेएच, एलएचएमसी के सर्जरी विभाग, में बेरिएट्रिक कार्यक्रम शुरू किया गया। प्रथम एक्यूट क्रिटिकल केयर प्रोवाइडर पाठ्यक्रम (एसीसीसी) का आयोजन मैनचेस्टर, ब्रिटेन विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया। प्रथम सर्जरी पीजी नैदानिक अद्यतन आयोजित किया गया था और इसे एक जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। हमें पूरे भारत से वीडियो असिस्टेड एनलफिस्टुलाट्रीटमेंट (वीएएएफटी) के लिए रेफर किए गए मामले मिले। हमने प्रीहॉस्पिटल ट्रॉमा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए और हमारे प्रशिक्षित छात्रों में से अधिकांश को कैट एम्बुलेंस में नियुक्त किया गया, जो आघात के शिकार लोगों की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। टीयूआरपी(बीएचपी के लिए), टीयूआरबीटी (मूत्राशय के ट्यूमर), यूआरएस जैसे एंडरोग्लॉजिकल प्रोसीजर को नियमित रूप से किया गया। सीआरएफ के रोगियों के लिए वसकुलर सर्जरी प्रक्रिया- ए-वीफिस्टुला (प्रतीक्षीत ट्रांस्पलांट/जारी डायलिसिस) नियमित रूप से किया गया। हमने अपनी सुविधाओं में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, यूरोलॉजिकल, ब्रेस्ट कैंसर का व्यापक सर्जिकल और मेडिकल प्रबंधन किया। डायग्नोस्टिक और रिसर्च के उद्देश्य के लिए इम्पेडेंस पीएच मॉनिटरिंग और एसोफैगलमेनोमेट्री तथा हाई डेफिनेशन कैमरा का उपयोग कर एडवांस लेप्रोस्कोपिक सर्जरी नियमित रूप से की गई।

सम्मान/गौरव

डॉ. अनूप मोहता: अक्टूबर 2018 को राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (भारत) फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. प्रिया हज़रा: मई, 2018 को द इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ़ रोबोटिक सर्जन की फेलो से सम्मानित किया गया।

डॉ. आशीष अरसिया: एएमएएसआई द्वारा एफएमएएस डिग्री प्रदान की गई।

प्रकाशन

बंसल, एल., शर्मा, डी., शेखर, एस. (2018). स्मॉल बाउल ऑबस्ट्रक्शन कॉश्डबायइनटरनलहरनिएशन थ्रू एमेसेन्ट्रीक डिफेक्ट - एक केस रिपोर्ट। इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी .88 (1) .83-85

चौधरी, पी., मुंजेवार, सी. (2018).एडवांस्ड हेपेटो सेलुलर कार्सिनोमा इन ए पेशेन्ट विद टाइप 1 न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस। हेलेनिक जर्नल ऑफ सर्जरी, 90, 151-53

चौधरी, पी., कुमार, आर. (2018). रेडियोलॉजीकल इवेल्यूएशन ऑफ पेनक्रियाटिक पैथालोजीस एण्ड देयर हेल्प इन सर्जिकल इनवेन्शन: ए प्रोस्पेक्टिव स्टड़ी। सर्जिकल क्रोनिकल्स, 23 (2), 112-115

चौधरी, पी., लाल, आर., खान, एक्यू .. (2018). गैस्ट्रिक ट्यूबरक्लोसिस। इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 66 (3), 411-417

धामनेटिया, डी., गोयल, एम.के., धीमान, बी, पठानिया, ओ.पी। (2018). गलस्टोन डिजीज एण्ड क्वालिटेटिव एनालिसिस ऑफ बायो केमिकल पैरामिटर्स, स्टडी इन ए टरटिअरी केयर होस्पिटल ऑफ इंडिया। जे.लैब फिजीशियन, 10,448-52

धामनेटिया, डी., गोयल, एम.के., धीमान, बी., पठानिया, ओ.पी. (2018). रिस्क फैकटर्स एसोसिएटेड विद गलस्टोन डिजीज। इंडियन जे कॉम हेल्थ, 30 (2), 133-138

गुप्ता, आर. (2018). स्पोरेडिक डेसमिड टाइप फाइब्रोमैटोसिस ऑकरिंग एट लैप्रोस्कोपिक ट्रॉकरसाइट: एन अनयूज़ुअल एनटिटी। इंडियनजे सर्ज, 80 (3), 275-277

गुप्ता, आर., एंडली, एम., पुसुलुरी, आर., कुमार, ए. (2019). लेट प्रीजेन्टेशन ऑफ क्रोनिक ऑरगनाइज्ड बिलिओमामस्कुएरडिंग एज गलब्लेडर फोस्सामासइयर्स आफ्टर क्लोइक्सिस्टेक्टॉमी। एडायग्नोस्टिक एनिग्मा। इंडियन जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, 10 (2), 318-320

कश्यप, ए., जैन, एम., शुक्ला, एस., एंडले, एम. (2018). रोल ऑफ न्यूकलर मोर्फोमेट्री इन ब्रेस्ट कैंसर एण्ड इट्स कोरिलेशन विद साइटोमोर्फोलॉजिकल ग्रेडिंग ऑफ ब्रेस्ट कैंसर: ए स्टडी ऑफ 64 केसेस्।, जे साइटोल, 35 (1), 41-45

खान, ए.क्यू., हज़रत, पी., वसीम, आर, दार, एस.टी., अहमद, आई. (2018). टोर्सड इनट्राअब्डोमिनल टेसटिस मिमिकिंग एक्यूट एपेंडेसिटीक्स इन ए 60 ईयर ओल्ड मेलइन्टसर्ज, 5 (1), 336-338

मीना, के., सिंगला, एस., अग्रवाल, एस. (2018) इंफ्लाम्मेट्रीमायोफिब्रोब्लास्ट ट्यूमर ऑफ गल ब्लेडर: ए सर्जिकल सरप्राइस, ए केस रिपोर्टdoi: 10.5455 /आईजेएणआरसीआर

मीना, के., सिंगला, एस., कुमार, पी. (2018). डेंजर्स साइट टू वियर एमेटालिकरिंग: ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर ऑफ पिनाइल स्ट्रैंगूलेशन।Doi: 10.5455 /आईजेएमआरसीआर

मीना, के., सिंगला, एस., कुमार, बी. अनयूज़ूअल प्रीजेनटेशन ऑफ ए बिनाइन ब्रेस्ट मासः एक्सटेन्शिव स्कीन नेक्रोसिस इन सेटिंग ऑफ ट्यूमर: ए डियैग्नॉस्टिक डिलेमा

मीना, के., सिंगला, एस., कुमार, बी. (2018) अन कम्प्लीटेड मेकल्सडाइवर्टिकुलैडिटोडजइट रिअली नीड रिसेक्शन? doi: 10.15373 / 2249555x

शर्मा, डी., उपाध्याय, वी., लाल, आर. मल्टी-डिटेक्टर कम्प्यूटेड टोमोग्राफी (एमडीसीटी) बेसड कोम्पोनेन्ट से परेशनइंडेक्स (सीएसआई) इन मैनेजमेन्ट ऑफ लार्ज वेन्ट्रल हार्नियस बाय कंपोनेन्ट से प्रेशनटेक्निक: ए प्रोस्पेक्टिव को होर्टस्टडी। सर्जरी का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (स्वीकृत, प्रकाशन प्रतीक्षित)

शर्मा, एम., पठानिया, ओ.पी., कपूर, ए., थॉमस एस., कुमार, ए. (2018). ए रेन्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल ऑफ एस्सीसन वर्सेस इन वेजीनेशन इन द मेनेजमेन्ट ऑफ इनडायरेक्ट इनग्यूनियलसेक्। एन्नआरकोल सर्जन एंगल, 101 (2), 119-122

शर्मा, एस., अग्रवाल, एस., जैन, एम, सिंह, जी.बी., एंडले, एम. (2018). साइटोमोरफोलॉजीकल डिफरेन्सेस बिटविन लिक्विड बेस्ड साइटोलॉजी एण्ड कंवेन्शन लमियर्स इन फाइन निडल एस्पीरेट्स ऑफ थायरॉइडलेसन। जे साइटोल, 35 (4), 208-211

सिंह, बी.के., नेगी, एस., मीना, के. सिंह, एन. (2018). प्राइमरी एंटरोलिथियासिस विद इन टेसटिनल ट्यूबरक्लोसिस: रेयरप्रीजेन्टेशन ऑफ कॉमन डिजीज। बीएमजे केस की रिपोर्ट्स http://dx.doi.org/101136/bcr-2018-225469

सिंगला, एस., मीना, के., अग्रवाल, एस. (2018). ब्रोकियल प्लेक्सोपैथी इन ए केस ऑफ कार्सिनोमा ब्रेस्ट: ए रेयर प्रीजेन्टेशन doi: 10.5455/आईजेएमआरसीआर

तलवार एन. (2018). सर्जिकल न्यूट्रैशन इन: सिंह आर (एड) प्रोसिडिंग ऑफ सर्जरी अपडेट 2018: XXXVI नेशनल कंटिन्यूइंग मेडिकल एजूकेशन प्रोग्राम इन सर्जरी, 252-256

पत्रिकाएं

संपादक/संपादक मंडल के सदस्य के रूप में सेवारत विभाग के शिक्षकों की संख्या: 10

डॉ. अनूप मोहता: "बाल चिकित्सा सर्जरी" के लिए सेक्शन एडिटर और "भारतीय बाल चिकित्सा के सहयोगी संपादक नियुक्त हुए।

डॉ. देबोश्री शर्मा, इण्डियन जर्नल ऑफ सर्जरी, एसोसिएशन ऑफ सर्जन ऑफ इंडिया का आधिकारिक अंग, के संपादकीय बोर्ड की सदस्य निर्वाचित हुईं।

आयोजित संगोष्ठियां

मासिक बैठक, दिल्ली स्टेट चैप्टर, एएसआईएलएचएमसी सितंबर, 2018

सम्मेलनों का आयोजन किया

58वाँ एएमएएसआई कौशल पाठ्यक्रम। एलएचएमसी। अक्टूबर, 2018

जून, 2018 में लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली में मेडिकस कॉन्वेंटस 2018 के दौरान सूट्यूरिंग और नॉटिंग विषय पर कार्यशाला।

अगस्त 2018 में लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली में एक्यूट क्रिटिकल केयर कोर्स

एलएचएमसी सर्जरी पीजी क्लिनिकल अपडेट। फरवरी, 2019

मार्च, 2019 में एलएचएमसी, नई दिल्ली में बैरियाट्रिक सर्जरी पर सी.एम.ई.।

भारत के सर्जन संघ का दिल्ली चैप्टर। सितंबर, 2018 में एलएचएमसी में आयोजित एएसआई के दिल्ली चैप्टर की मासिक बैठक।

संगोष्ठी / सम्मेलन प्रस्तुति

अप्रैल 2019 में देबोश्री शर्मा ने 55वें एएमएएसआई कौशल पाठ्यक्रम वीएपीआई, वीएपीआई, गुजरात में "डायग्नोस्टिकलेप्रोस्कोपी" पर व्याख्यान दिया।

ज्ञान सौरभ ने दिसम्बर 2018 में, एस जे ऑडिटोरियम, एलएचएमसी, नई दिल्ली में हाल में ऑन्कोलॉजी की बढ़ोत्तरी पर सीएमई में "पैल्लीएशन इन कार्सिनोमा गालब्लेडर" विषय पर व्याख्यान दिया।

जून, 2018 में निखिल तलवार ने आईजेएस साइंटिफिक राइटिंग कार्यशाला, नई दिल्ली में "पब्लिश अथवा पेरिश" अथवा "पब्लिश एंड फॉलिश" विषय पर व्याख्यान दिया।

अगस्त, 2018 में सुदीप्त साहा एलएचएमसी के एप्लाइड फिजियोलॉजी एट् एक्यूट क्रिटिकल केयर प्रोवाइडर पाठ्यक्रम में संकाय एवं अनुदेशक थे तथा उन्होंने फ्लुइड एंड सोडियम विषय पर व्याख्यान दिया।

दिसम्बर, 2018 में नई दिल्ली के एलएचएमसी में शाजी थॉमस ने हाल में ऑन्कोलॉजी में बढ़ोत्तरी पर सीएमई में एड्जूवेन्ट थेरेपी इन ब्रेस्ट कैंसर विषय पर व्याख्यान दिया।

अन्य अंतर संस्थागत सहकार्यता

प्रथम एक्यूट क्रिटिकल केयर प्रोवाइडर पाठ्यक्रम (एसीसीसी) सर्जरी विभाग, एलएचएमसी द्वारा अगस्त 2018 में मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम के सहयोग से आयोजित किया गया था। एलएचएमसी में

विभिन्न नैदानिक विभागों के 25 से अधिक रेजिडेन्टों को क्रिटिकल लाइफ सेविंग कौशल में प्रशिक्षित किया गया।

संकाय की संख्या: 27

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अज़ाज़ अख्तर: दिसंबर 2018 में लोक सेवा आयोग साक्षात्कार, जम्मू और कश्मीर लोक सेवा आयोग में विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया।

देबोश्री शर्मा को एसपीजीआई में आयोजित 13वें एएमएएसआईसीओएन 2018 के दौरान एसोसिएशन ऑफ़ मिनिमल एक्सेस सर्जन्स ऑफ़ इंडिया में उपाध्यक्ष (सीजेड) निर्वाचित किया गया;, केरल बाढ़ पीड़ितों को राहत के लिए आयोजन सचिव के रूप में लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय में 58वें एएमएएसआई कौशल पाठ्यक्रम का आयोजन और एएमएएसआई के माध्यम से केरल के मुख्यमंत्री कोष को 10,00,000 रुपये का दान किया; दिल्ली विश्वविद्यालय, एनईआईजीआरआईएचएमएस (शिलांग), बाबा फरीदकोट विश्वविद्यालय पंजाब, दत्तामेघे विश्वविद्यालय वर्धा, एमजीएम मुंबई तथा औरंगाबाद और राष्ट्रीय बोर्ड परीक्षा में मास्टर ऑफ सर्जरी परीक्षक के रूप में नियुक्ति; गुरुगोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (दिल्ली) में पाठ्यक्रम के अध्ययन के लिए निरीक्षक नियुक्त; संघ लोक सेवा आयोग, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड तथा कर्मचारी राज्य बीमा मेडिकल महाविद्यालय संकाय चयन बोर्ड में विशेषज्ञ नियुक्त किया गया।

मनोज एंडले और डॉ. ज्ञान सौरभ: 30 मई, 2018 को लंदन में आयोजित यूरोपीयन एसोसिएशन ऑफ सर्जरी की 26वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में आयोजित "मास्टर क्लास ऑन बेरिएट्रिक सर्जरी" में भाग लिया।

मनोज एंडले: शोध समिति के सदस्य, ड्रग स्टोर निरीक्षण समिति, एएमसी कमेटी प्रोप्राइटरी कमेटी, लिनन कमेटी डिस्नेफेक्शन कमेटी, लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय के मेडिकल स्टोर्स की निरीक्षण समिति सदस्य; ने 30 मई, 2018 को लंदन में आयोजित 26वीं इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ सर्जरी में आयोजित बैरिएट्रिक सर्जरी पर मास्टर क्लास में उपस्थित हुए।

पीयूष पिप्पल पीजी तृतीय को देहरादून में एएसआई (एनजेड) रीजनल पुनश्चर्य पाठ्यक्रम के दौरान 21 से 23 सितंबर 2018 तक तीसरी सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति टीवाईएसए (एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया) से सम्मानित किया गया। उन्होंने दिसंबर में भी राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रिया हजारा: परीक्षक/मूल्यांकनकर्ता: 58वाँ एएमएएसआई कौशल पाठ्यक्रम और एफएमएएसपरीक्षा, अक्टूबर 2018, एलएचएमसी

ज्ञान सौरभ: सदस्य, तकनीकीविनिर्देश/मूल्यांकनसमिति, एम्स, नईदिल्ली; बाह्य विशेषज्ञ, सर्जरी के सहायक प्रोफेसर के पद हेतू साक्षात्कार (अनुबंध के आधार पर), डॉ. आरएमएलचिकित्साल्य; सदस्य, ड्रग निरीक्षण समिति और शोध समिति के सदस्य, एलएचएमसी; लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय के वार्षिक दिवस समारोह हेतू विभिन्न समितियों के सदस्य; बाह्य परीक्षक

रोमेशलाल: इन्हें ईएसआई फरीदाबाद में वेंट्रल हर्निया की सर्जरी तथा एएसआई के राजस्थान चैप्टर में इन जूइनल हर्निया (टीएपीपी) की सर्जरी केस जीव प्रदर्शन हेतू आमंत्रित किया गयाःईएसआईएस मेडिकल महाविद्यालय फरीदाबाद में विभिन्न संकाय पदों के साक्षात्कार के लिए बाहरी विशेषज्ञ; रोहतक विश्वविद्यालय में विभिन्न संकाय पदों के साक्षात्कार के लिए बाह्य विशेषज्ञ।

शाजी थॉमस: 12 सितंबर 2018 से विभागाध्यक्ष, सर्जरी;बीओजी (एमसीआई) के सदस्य बने यूजी विशेषज्ञ समिति नियुक्त किया; ट्रामा केयर फैसिलिटीज, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय हेतू न्यूनतम मानकों

को अंतिम रूप देने के लिए सदस्य, तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी); डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर मेडिकल महाविद्यालय एंड हॉस्पिटल, एनसीटी दिल्ली में संकाय पदों के लिए साक्षात्कार हेतू विशेषज्ञ; एम्स, भुवनेश्वर में सदस्य, पूर्वस्नातक चिकित्सा पाठ्यक्रम अध्ययन बोर्ड।

***

शल्य चिकित्सा (एमएएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

सर्जरी विभाग भारत का प्रमुख सर्जिकल शिक्षण और प्रशिक्षण विभाग है। हम प्रत्येक क्षण, 1250 स्नातक और 48 स्नातकोत्तर छात्रों की सर्जिकल शिक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। इस वर्ष 16 स्नातकोत्तर लेख प्रस्तुत किए गए जो शोध के उत्कृष्ट कार्य हैं। हमारे संकाय और छात्रों की डिग्री उपरांत नियोजन, सुपर-स्पेशलिटी पाठ्यक्रमों और चिकित्सा सम्मेलनों में भी मांग की जाती है।

ऑनर्स तथा विशिष्टता

डॉ. पवनीन्द्र लाल

दिसम्बर, 2018 को चेन्नई में एएसआईसीओएन 2018 में एएसआई द्वारा डॉ. ए.के. सेंसर्माएं डॉवमेंट लेक्चर से सम्मानित किया गया।

मेडिकल स्टेट ऑफ़ एक्सीलेंस के रूप में दिल्ली स्टेट हेल्थ अवार्ड 2014-15 से सम्मानित।

भारतीय मानक ब्यूरो की सर्जिकल अनुभागीय समिति के अध्यक्ष नियुक्त किए गए।

डॉ. दीपक घुलियानी ने अमेरिकन कॉलेज ऑफ़ सर्जन्स (एफएसीएस) से फ़ेलोशिप अक्तूबर, 2018 में प्राप्त की।

प्रकाशन

अग्रवाल, एस, सिंह, आर., मिश्रा, ए., अग्रवाल, पी.एन., प्रकाश, ए. (2019). मैनेजमेन्ट ऑफ चाइलफिस्टुला विद कॉन्ट्रास्टइंस्टीलेशन: एक केस रिपोर्ट। इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी, 81 (3), 287-289

अग्रवाल आर., सिन्हा डी., तोमर आर., मंडल एस., बैंस एल., जैन एस. (2019). प्राइमरी मैलिगनेन्ट पेरीफरल नर्वशीथ ट्यूमर ऑफ द ब्रेस्ट। द ब्रेस्ट जर्नल, 25 (4), 742-74

अनुराग, एम. (2018). सर्जरी विभाग, एमएएमसी द्वारा प्रकाशित, सर्जरी अपडेट की कार्यवाही में "डैमेजकंट्रोल सर्जरी" नामक अध्याय।

बैंस, एल. (2018). "सर्जरी फॉर मेडिकल ग्रेजुएट्स" एल्सेवियर इंडिया के प्रथम संस्करण में एक अध्याय का योगदान दिया। ई-पुस्तक

भाटिया, एस., जैन, एस.के, सिंह, सीबी, बैंस, एल., कौशिक, आर., गौड़ा, एन.एस. (2018). माल रोटेशन ऑफ द गटइनअडल्ट्स: एन ऑफन-फोरगोटन एनटिटी, क्यूरस, 12, 10(3) .ई2313. डोई: 10.7759/क्योरस2313

सेलेन्टानो, वी., स्मार्ट, एन., मैकग्राथ, जे., काहिल, आरए., स्पिनेली, ए., ओबमैरव ए., हसेगावा, एच., लाल, पी., अल्मोडारिस, एएम, हिचिन्स, सीआर, पेलिनो, जी.. एलएपी-वीईजीएएस (2018). लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में शैक्षिक वीडियो की रिपोर्टिंग हेतू अभ्यास दिशानिर्देश: एक संयुक्त प्रशिक्षक और प्रशिक्षु आम सहमति वक्तव्य, 268(6), 920-926

गुप्ता, एल., भट्ट, ए.एस., माल्या, वी., खुराना, एन., लाल, पी. (2018). एड्रनल मेड्यूल्लरी हायपर पलेशिय विद को एक्सीसटेन्टसेरीब्रल एन जीओम्स। इंडियन जे पैथोलमाइक्रोबॉयल, 61: 587-9

जैन, एस., जैन, एसके., काजा, आरसी, सिंह, वाई. (2018). इस चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया के सफल परिणाम हैं: लैपेरोस्कोपी नेफरेक्टोमी इन इनफ्लामेट्रीरीनल डीजीजीस। यूरोल ऐन, 10, 35-40

कुमार, एस, कुमार, एल., मनचंदा, ए., बत्रा, आर, वीआर, विंदल, ए., गर्ग, ए., लाल, पी. (2018). मल्टी पलओस्टिओलिटिक लेसियन्स ड्यू टू प्राइमरी हाइपर पैराथायराइडिज्म। एमएएमसीजे मेडिकल साइंस, 4, 155-8

कुमार, एस, कुमार, एल., मनचंदा, ए., बत्रा, आर, वीआर, विंदल, ए., गर्ग, ए., लाल, पी. (2018). मल्टी पलओस्टिओलिटिक लेसियन्स ड्यू टू प्राइमरी हाइपर पैराथायराइडिज्म। एमएएमसीजे मेडिकल साइंस, 4, 155-8

कंसकर, एन., सिंह, आर., मिश्रा, ए., अग्रवाल, पीएन., सेठ, एस. (2018). इवोल्यूशन ऑफ कम्बाइन्ड यूज ऑफ मोडिफाइड अलवारेडोस्कोर एण्ड उल्ट्रासाउंड इन प्रिडिक्टिंग एक्यूट अप्पेन्डिक्स: ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी। इंटसर्जजे, 5 (11), 3594-7

मिश्रा, एम.के., विंदल, ए., लाल, पी. (2018). सोलीटरीमैसिवहाइड्रोपोप्रोपाइटोनम इन अबडोमन रोएंटजेनोग्राम: ए प्वाइन्टर टूवर्ड परफोरेटेड विसकसइन एन अबडोमिनल कोकून, एमएएमसीजे मेडिकल साइंस, 4, 52-3

पांडे, वी.के., गुलियानी, डी., निओगी, एस., खुराना, एन., जिंदल, आर.के. (2019). इवेल्यूएशन ऑफ एक्स्लियेरी लिम्फनोड मेटास्टेटिस इनइलेशन टू साइज एण्ड मेटास्टेटिक स्टेटस ऑफ सेंटिनल लिम्फनोडइन कार्सिनोमा ब्रेस्ट, इंटरनेशनल सर्जरी जर्नल, 6 (4), 1269-73

सिंघल, पी.एम., वत्स, एम., अग्रवाल, एम., नियोगी, एस (2018). पैनकेक किडनी: एन इनसीडेनशल फाइनडिंग इन ए यंग मैन। बीएमजे केस आईपीडीओआई: 10.1136 / bcr-2018-226751

सेठ, एस., कंसकर, एन., सिंह, आर., मिश्रा, ए., अग्रवाल, पी.एन. (2018). रप्चर्ड इनफिरियर मेसिनट्रिकअर्ट्री ए नियूरसिम इन ए पेशेन्ट विद न्यूरो फाइब्रोमेटोसिस टाइपI एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट सर्जजे, 5(2)।डीओआई http://dx.doi.org/10.18203/2349-2902.isj20180384

त्रिलोक, सी. (2018). सर्जरी विभाग, एमएएमसी द्वारा प्रकाशित, "लिम्फेडेमा" इन प्रोसिडिंग ऑफ सर्जरी अपडेट नामक अध्याय।

विंदल, ए. (2018). लेप्रोस्कोपिक वेंट्रल हर्निया रिपेयर। सर्जरी अपडेट की कार्यवाही में, नई दिल्ली, एमएएमसी, 240-249

पुस्तक

जैन, एस. (2018), सर्जरी फॉर मेडिकल ग्रेजुएट्स, एल्सेवियर इंडिया

वैज्ञानिक पत्र

बैंस, एल (2018). इंट्रावेसिकल गॉसिपिबोमा- हमारे अनुभव और आवश्यक जाँच सूची और प्रशिक्षण की आवश्यकता! बीएमजे केस रिपोर्ट (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)

पत्रिकाएं

डॉ. पवनिन्द्र लाल, एमएएमसी जर्नल ऑफ़ मेडिकल साइंसेज के मुख्य संपादक हैं, जो मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय की आधिकारिक पत्रिका है।

सेवारत संपादक संकाय/सदस्यों की संख्या: 3

अनुसंधान परियोजनायें

टीआईटीसीओ इंडिया, 2016-2020, मल्टीसेन्ट्रेवल ऑब्जर्वेशनल स्टडी- "द ट्रॉमाट्राइएज स्टडी इन इंडिया (टीटीआरआईएस) -चिकित्साल्य में पेश होने वाले वयस्क आपात रोगियों में गम्भीर रोगियों को पहले चिकित्सा देने की विधि हेतू पूर्वाभासी मॉडल का सादृश्य"। [प्रोफेसरराजदीप सिंह और सहायक प्रोफेसर अनुराग मिश्रा।

टीआईटीसीओ इंडिया, 2018 - 2020

टीआईटीसीओ इंडिया, 2018 - 2020, टीएएफटी- ट्रामा में ऑडिट फिल्टर्स पर बहु-विषयक परीक्षण।" प्रोफेसर राजदीप सिंह और सहायक प्रोफेसर अनुराग मिश्रा।

संगोष्ठी का आयोजन

अप्रैल, 2018 को एएसपीडीएससी हैंड्स ऑन वर्कशॉप ऑन लैप्रोस्कोपी

मई, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय हर्निया सहयोग 2018

जून 2018 को गैसलेस लैप्रोस्कोपी पर कार्यशाला,

अगस्त 2018 को प्रथम एमएएमसीएसीसीसी प्रशिक्षक पाठ्यक्रम

नवंबर 2018 में ट्रॉमा गुणवत्ता सुधार प्रक्रिया पर कार्यशाला।

सम्मेलनों का आयोजन

सर्जरी अपडेट 2018, सितंबर, 2018

एंडोलैप 2019

संगोष्ठी/सम्मेलन की प्रस्तुतियाँ (अंतर्राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय) (चयनित)

अनुभव विंदल: एपीएचएस 2018, एशिया पैसिफिक हर्निया सोसाइटी की 14वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, दुबई, यूएई, 29 से 1 दिसंबर 2018 में वेंट्रल हर्निया रिपेयर के लिए जालीदार और स्थिरकरण उपकरणों के विषय में गेस्ट लेक्चर्र थे।

अनुराग मिश्रा, फरवरी, 2018 में गैसलेस लेप्रोस्कोपिक सर्जरी वर्कशॉप, मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, कोलकाता के प्रमुख संकाय थे।

पवनेंद्रलाल यूनिलैटरल हर्निया में बायलैटरल टीईपी-, नवम्बर, 2018 को दुबई में आयोजित 14वीं एशिया पैसिफिक हर्निया सोसाइटी की अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में दशक के अनुभवी!

राजदीप सिंह को एएसआई, 2019 में दिल्ली चैप्टर के एसयूआरजीआईओएन संस्था के वार्षिक सम्मेलन में वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया।

संकाय की संख्या: 13

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

दीपक गुलियानी ने सर्जरी अपडेट 2018 में स्नातकोत्तर सर्जरी प्रश्नोत्तरी 2018 के लिए एएमएएमसी सरजी क्विज काआयोजन किया

लॉविंश बैंस स्पोरैडिक रेनल हेमांगीओब्लास्टोमा - असामान्य ट्यूमर; असामान्य स्थान,एमएएससीओएन 2018, ऐम्स ऋषिकेश, मार्च, 2018 में पोस्टर जारी कियाः डॉ.लवनिश बैंस जिनर सिंड्रोम: मूत्राशय निकास अवरोध का

एक असामान्य कारण विषय पर एसयूआरजीआईसीओएन 2018, एनआरसीएच, नई दिल्ली में पोस्टर नवंबर 2018 (तृतीय पुरस्कार) को पोस्टर जारी किया; नवंबर 2018 को पैराटैस्टिकुलर स्पिंडल सेल रहाबडोमयोसारकोमा विद एसाइट्स बीमारी के लिए एसयूआरजीआईसीओएन 2018, एनआरसीएच, नई दिल्ली में पोस्टर जारी किया।

पवनिन्द्र लाल: क्लिनिकल स्किल सेंटर के प्रमुख तथा एमएएमसी में पीजीएमईटी प्रकोष्ठ के सदस्य सचिव; सदस्य विशेषज्ञ सर्जरी - दिल्ली मेडिकल काउंसिल और सीजीएचएस, भारत सरकार; संकाय प्रभारी सीएसएसडी, एलएनएच और मुख्य ओ.टी परिसर, एलएनएच; भारत के सर्जन संघ के प्रबंध परिषद् के सदस्य के रूप में चुने गए; (एएसआई) - 2019-2021 और उपाध्यक्ष (उत्तर) के रूप में चयनित - एसईएलएसआई (भारत) 2019-20

राजदीप सिंह: भारत सरकार के लिए मानक उपचार कार्य प्रगति के विकास हेतू निदेशक आसीएमआर की अध्यक्षता में सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त हुए; डीएचआर/आसीएमआर के लिए मानक उपचार कार्य प्रगति विकसित करने के लिए सर्जरी में विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष; आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पैकेजों को स्पष्ट करने के लिए स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ सहयोग हेतू सर्जरी में विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष; सदस्य, सर्जिकल उपकरण अनुभागीय समिति एमएचडी 01, भारतीय मानक ब्यूरो; कार्यकारी सदस्य, भारत का न्यूनतम अभिगम सर्जन संघ; सदस्य साक्षात्कार बोर्ड, इंडियन चेप्टर ऑफ अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स; सदस्य, यौन उत्पीड़न समिति, लोकनायक चिकित्साल्य।

***

शल्य चिकित्सा (यूसीएमएस)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

संकाय की गंभीर कमी से जूझने के बावजूद, विभाग द्वारा कई प्रकाशन किए गए हैं। विभाग ने इस अवधि के दौरान एक्यूट क्रिटिकल केयर पर एक कार्यशाला भी आयोजित की है। सदस्यों में से एक को भारतीय चिकित्सा परिषद् की यूजी समिति में नामित किया गया है। एक संकाय सदस्य ने अपनी पीएच.डी. डिग्री प्राप्त की है। दो संकाय सदस्यों को ग्लासगो के रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स एण्ड फिजीशियन में मानद नामांकन मिला। विभाग ने अपनी आपातकालीन सुविधाओं को उल्लेखनीय ढंग से उन्नत किया है।

सम्मान/गौरव

डॉ. पंकज कुमार गर्ग को रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन एंड फिजिशियन (ग्लासगो) की अध्येता वृत्ति मिली।

डॉ. पंकज कुमार गर्ग ने ईएसएसओ प्रशिक्षण फेलोशिप अनुदान, सामान्य विभाग प्राप्त किया। थोरैसिक, और विसरल सर्जरी, चराईट, बर्लिन विश्वविद्यालय, जर्मनी।

डॉ. नवनीत कौर को नवंबर 2018 में दिल्ली विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह के दौरान पीएचडी सर्जरी से सम्मानित किया गया।

डॉ. नवीन शर्मा को रॉयल कॉलेज ऑफ़ सर्जन एंड फिजिशियन (ग्लासगो) की फ़ेलोशिप प्राप्त हुई।

प्रकाशन

अल्बर्टो, एम., ब्रैंडल, ए., गर्ग, पी.के., गुएल-क्लेन, एस., डहलमैन, एम., स्टीन, यू., राऊ, बी (2019). प्रेशराइज्ड इंट्रापेरिटोनियल एरोसोल कीमोथेरेपी और गैस्ट्रिक-कैंसर-डिराइव्ड पेरिटोनियल मेटास्टेस पर इसके प्रभाव: संक्षिप्त विवरण। क्लिन एक्सपमेटास्टेसिस, 36 (1), 1-14

आर्य, एस., शहाब, एस., कुमार, आर., गर्ग, पी.के. (2018). एडल्ट बोचडेलक हर्निया विद ऑर्गेनो-एक्सियल गैस्ट्रिक वॉल्वुलस: हाइड्रो पोफॉथोरैक्स के रूप में गलत पहचान। एक्टामेडिका (हरडेकक्रालोव), 61 (3), 108-110

गर्ग, पी.के., ब्रांडल, ए., राऊ, बी (2018). हाइपर थेराटिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी-फेडिंग प्रेस्पेक्टिव इन द लाइट ऑफ मॉर्डन सिस्टामैटिक कीमोथेरेपी? विस्कमेड, 34 (6), 412-416

गर्ग, पीके., जखेतिया, ए., शर्मा, जे., चिशी, एन. (2018). द रोल ऑफ प्रोफाइ लेटिकओक्ट्रीओटाइड टू प्रीवेन्ट पोस्ट ओपरेटिव पेनक्रियाटिक फिस्टूला फोलोविंग पैनक्रियाटिकोड्यूओडिनक्टोमि: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणों का मेटा-विश्लेषण। सर्जन जे, 4 (4): e182-e187

गर्ग, पी.के., शर्मा, जी., राय, एस., जाखेटिया, ए. (2019). प्राइमरी सलाइवरी ग्लैन्ड-टाइप ऑफ द लंग: ए सिस्टामैटिक रिव्यू एण्ड पूल्ड एनालैसेस। लंग इंडिया 36 (2), 118-122

गर्ग, पी.के. (2019). संपादक को पत्रः रूटीन पैथालॉजी एण्ड पोस्टोपरेटिव फोलो-अप आर नॉट कोस्ट-एफेक्टिव इन कोलेक्स्टिकटोमी फॉर बिनाइन ग्लब्लैडर डिजीज। वर्लड जे सर्ज. doi: 10.1007/s00268-019-04919-x.

गोयल, ए., गर्ग, पीके. (2018). द रोल ऑफ सर्जरी इन द पाल्लीएटिव केयर ऑफ कैंसर: एक समीक्षा। गल्फ जे ऑन्कोलॉजी, 28,61-71

गोयल, ए., गौड़, एम.के.गर्ग, पीके (2018). मिल्कीमेसेन्टेरी: एक्यूट एब्डोमेन विद काइलसएस्काइट्स। भारतीय बाल रोग, 55, 909-10

गोयल, ए., इंसा, आर, गौड़, एम.के, गर्ग, पी.के. (2018). पैलिएटिव सर्जरी फॉर मेटास्टैटिक फंगेटिंगफीलोड्स ट्यूमर्सः ए सिरीज ऑफ टू केसेस। प्रेमजे, 19 (22)।डोई: 10.7812/TPP/17-100

कौर, एन., गुप्ता, ए., शर्मा, ए., जैन, ए. (2018). स्तन कैंसर के उपचार के बाद जीवन की गुणवत्ता के निर्धारक के रूप में उत्तर जीविता मामले: एक सीमित संसाधन सेटिंग से रिपोर्ट। स्तन, 41, 120-126।

कौर, एन., जैन, ए. कम-संसाधन लागत में महिलाओं को जीवित रहने की देखभाल प्रदान करना: भारत से एक रिपोर्ट। DOI: https://doi.org/10.1200/JGO.18.10240

कौर, एन., कुमार, ए., सक्सेना, ए.के., ग्रोवर, आर.के. (2019). प्रीगैबलिन इन द ट्रीटमेन्ट ऑफ पोस्टमास्टेक्टॉमी क्रोनिकपेन: रिज्लट्स ऑफ एन ओपन लेबल, सिंगल-आर्म क्लिनिकल स्टडी। ब्रेस्टजे, 25 (3), 465-46

कौर, एन., कुमार, ए., सक्सेना, ए.के. और अन्य (2018). पोस्टमास्टेक्टॉमी क्रॉनिक पेन इन ब्रेस्ट कैसर सर्वाइवर्सः एन एक्सप्लोरेट्री स्ट्डी ऑन प्रीवेलेन्स, केरेक्टेरेस्टिक्स, रिस्क फैक्टर्स, एण्ड इम्पैक्ट ऑन क्वालिटी ऑफ लाइफ। इंडियन जे सर्ज, 80 (6), 592-598

कुमारी, ए., दिवाकर, पी, गोगोई, पी., अरोड़ा, वी.के., गर्ग, पी.के., पांडे, आर (2018). प्राइमरी एक्सट्रा न्यूरल एपेंडिमोमा ऑफ द ब्रोड लिगामेन्ट: एक दुर्लभ इकाई। J Can Res Ther.DOI: 10.4103 / jcrt.JCRT_672_17

स्वैन, एस.के., कौर, एन., बनर्जी, बी.डी., थमिननी, के., शर्मा, टी. (2018). ऑर्गेनोक्लोरिन कीटनाशक का संपर्क युवा महिलाओं में स्तन कैंसर के लिए जोखिम कारक के रूप में: ए केस कंट्रोल स्टडी जर्नल ऑफ ग्लोबल ऑन्कोलॉजी, डीओआई: 10.1200 / jgo.18.76300

शर्मा, ए., जरीवाला, पी., कौर, एन. (2018). बाइलियरी एस्कारियासिस प्रिजेन्टिंग विद गेंग्रेनिअस पर्फोरेशन ऑफ द गलब्लैडर: एक मामले की रिपोर्ट और साहित्य की संक्षिप्त समीक्षा। ट्रॉपिकल डॉक्टर, 48 (3), 242-24

शर्मा, जी., जैन, ए., शर्मा, पी, शर्मा, एस., राठी, वी, गर्ग, पी.के. (2018). जाइन्ट एक्सोफाइटिक रीनल एंजियोमायोलिपोमा मस्क्यूरेडिंग एज ए रेट्रोपरिटोनियल लिपोसारकोमा: एक केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। वर्ल्ड जे क्लिन ओनकोल, 10; 9 (7), 162-166

शर्मा, जी., राय, एस., गर्ग, पी.के. (2018). स्पोन्टेनियस एस्येएमपोमेटिक रपचर ऑफ स्यूडोसिस्ट इन्टू स्टोमेक। बीएमजे केस रिपोर्ट्स डीओआई: 10.1136 / bcr-2,018-226,717

सिंह, आई, शाह, एस., गुप्ता, एस., सिंह, एन.पी.। (2019). एफ्फेकेसी ऑफ इंटेरपोपरेटिव रेनल स्टोन कल्चर इन प्रीडिक्टिंग पोस्टप्रक्यूटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी यूरीप्सिस/सिस्मिक इंफ्लेमेटरी रिस्पांस सिंड्रोमः ए प्रोस्पेक्टिव एनालिटिक्ल स्ट्डी विद रिव्यू ऑफ लिट्रेचर। जर्नल ऑफ एंड्रोलॉजी, 33 (2), 84-92।

सिंह, आई., सुमन, डी., गुप्ता, एस., गर्ग, जी. (2018). पिनाइल स्ट्रैंगूलेशन बाय मल्टीपल स्टील बॉल बेयरिंग्सः डेसपिरेट सिच्यूएशन-डेसपिरेट मेजर्स। बीएमजे केस रिपोर्ट्स, doi: 10.1136 / bcr-2018-227586

पुस्तक

गुप्ता एस. एक थीसिस में तरीके और सामग्री। इन: परीजा एस.सी, केट वी., संपादक। मास्टर और पीएचडी के लिए थीसिस लेखन। सिंगापुर; स्प्रिंगर; 2018, पृष्ठ 141-152

आयोजित संगोष्ठी

अगस्त, 2018 में सर्जनों के लिए एक्यूट क्रिटिकल केयर पाठ्यक्रम।

आयोजित किए गए सम्मेलन

दिसंबर, 2018 में लारेंक्स और हाइपोफरीनक्स के कैंसर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और सम्मेलन पूर्व कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

संगोष्ठि/सम्मेलन में प्रस्तुति (अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय) (चयनित)

डॉ. पंकज कुमार गर्ग को सितंबर, 2018 में दिल्ली राज्य चैप्टर -एएसआई और के.आर.आई.एस.एच फाउंडेशन के सहयोग से सर गंगाराम चिकित्साल्य में लेप्रोस्कोपिक और जनरल सर्जरी विभाग द्वारा आयोजित अग्न्याशय पर सीएमईमें "अग्नाशयी न्यूरो-एंडोक्राइन ट्यूमर" पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

डॉ. पंकज कुमार गर्ग को अप्रैल, 2018 में रूस के समारा में आयोजित ईएएफओ (यूरेशियन फेडरेशन ऑफ ऑन्कोलॉजी) ओरल कैंसर फोरम में दो दिनों के "मैनेजमेन्ट ऑफ नेक इन क्लीनीकली नोड-नेगेटिव ओरल कैंसर" विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

डॉ. संजय गुप्ता ने फरवरी, 2019 को डॉ. राम मनोहर लोहिया चिकित्साल्य और पीजीआई एमईआर, नई दिल्ली में आयोजित सर्जरी क्लीनिकल ओरिएंटेड पोस्टग्रेजुएट एग्जामिनेशन कोर्स (एससीओपीईपी कोर्स) के दौरान 'पीजी परीक्षा में थ्योरी पेपर का प्रयास कैसे करें' विषय पर चर्चा की।

डॉ. संजय गुप्ता ने एमएसी, नई दिल्ली में सर्जरी अपडेट 2018 के दौरान 'मूत्रमार्ग में पथरी के सर्जिकल प्रबंधन' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. नवनीत कौर को अप्रैल, 2018 को शल्य चिकित्सा विभाग, जवाहरलाल नेहरू मेडिकल महाविद्यालय, एएमयू., अलीगढ़, उ.प्र. द्वारा आयोजित एएमयू सर्जरी अपडेट 2018 में "ऑन्कोप्लास्टिक स्तन सर्जरी" पर वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. नवनीत कौर को फरवरी, 2019 में एसएच के एम गवर्नमेंट मेडिकल महाविद्यालय, नल्हार,नूह हरियाणा में एचएएसआईसीओएन 2019 में "स्तन कैंसर में ऑन्कोप्लास्टिक सर्जरी की भूमिका" विषय पर वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

संकाय की संख्या : 7

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. संजय गुप्ता: बीएचयू में डीएसीपीएस के अंतर्गत संकाय के प्रचार के लिए विशेषज्ञ सदस्य नियुक्त किए गए; भारतीय चिकित्सा परिषद् की यूजी विशेषज्ञ समूह समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त हुए; पीजी, पीएचडी परीक्षाओं, मौखिक परिक्षाओं, साक्षात्कार में विषय विशेषज्ञ के लिए परीक्षक के रूप में नियुक्ति।

***

विश्वविद्यालय का आयुर्विज्ञान महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

ऑर्थोपेडिक्स विभाग ने जीवित दाताओं से प्राप्त हड्डियों की कटाई और भंडारण (ताजा जमे हुए और डी-कैल्सीफाइड) हेतू एक बोनबैंक शुरू किया। एनेस्थिसियोलॉजी इन पेन एण्ड पाल्लिएटिव केयर क्लिनिक विभाग ने अत्यधिक दर्द तथा कैंसर के रोगी जो दर्द से पीडित हैं के लिए अनुसंधान के एक विशेष क्षेत्र के रूप में "पेनजेनेटिक्स" की स्थापना की । बाल रोग विभाग ने बाल चिकित्सा हेमाटोलॉजी ऑन्कोलॉजी क्लिनिक के रूप में विशेष क्लिनिक शुरू किया।

सम्मान/गौरव

डॉ. सक्सेना ए.के, एनेस्थिसियोलॉजी को इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थियोलॉजिस्ट्स (आईएसए), नॉर्थ ज़ोन के अध्यक्ष के रूप में चुना गया। दर्द के अध्य्यन हेतू अतर्राष्ट्रीय संघ की "फेलोशिप, अवार्ड्स एंड ग्रांट्स यूएस ए कमेटी" की सदस्यता प्रदान की गई।

डॉ. चौहान आर, कोन्शटिट्यूशन क्लब में ए.आर फाउंडेशन द्वारा सामाजिक गतिविधियों हेतू दिया जाने वाला एनाटॉमी जय हिंद पुरस्कार प्रदान किया गया; चिकित्सा पेशे और समुदाय में उत्कृष्ट योगदान प्रदर्शित करने पर दिल्ली डॉक्टर्स फोरम द्वारा पुरस्कृत, पीएफआई द्वारा शिक्षक दिवस पर उत्कृष्ट और अनुकरणीय शिक्षक पुरस्कार।

डॉ. ग्रोवरसी, को मुंबई, भारत में आयोजित 5वीं आरएसएफ वार्षिक सम्मेलन तथा डर्मोस्कोपी और ट्राइकोस्कोपी विषय पर कार्यशाला में मानद फैलो, रीटास्किन फाउंडेशन, की उपाधि से सम्मानित किया गयाः, संयोजक, एसआईजी-डरमेटो सर्जरी के रूप में एसआईजीटरमेटो सर्जरी की ओर से माह (2018 के लिए) की एसआईजीएसीएडी गतिविधि के विजेता।

डॉ. सिंगल ए., डर्मेटोलॉजी; को बैंगलौर में आयोजित डरमेकोन अंतर्राष्ट्रीय 2019 का सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार "नेलडर्मोस्कोपी (ऑनिकोस्कोपी) प्राथमिक ऑनिको माइकोसिस के निदान हेतू खोज; एक प्रतिनिघ्यात्मक अध्ययन", से सम्मानित किया गया।

डॉ. अग्रवाल एन.के., फॉरेंसिक मेडिसिन; इन्हें डीएमए दिल्ली द्वारा आयोजित एमएएमसी ऑडिटोरियम में डॉक्टर्स डे पुरस्कार समारोह के अवसर पर "विशिष्ट चिकत्सरत्न पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

डॉ. वर्मा एस.के., फॉरेंसिक मेडिसिन को सर्वश्रेष्ठ नागरिक प्रकाशन हाउस, नई दिल्ली द्वारा "ग्लोरी ऑफ इंडिया" (स्वर्ण पदक विजेता) के लिए चयनित किया गया।

एजीओडी की नैदानिक बैठकों में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग एसएन मुखर्जी रोटेशन ट्रॉफी प्रदान की गई।

डॉ. राजाराम एस., प्रसूति एवं स्त्रीरोग, को उत्कृष्टता के लिए दिल्ली स्त्रीरोग फोरम द्वारा एपीजे अब्दुल कलाम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. शर्मा आर., प्रसूति एवं स्त्री रोग को बेंगलुरु में वार्षिक आईसीओजी दीक्षांत समारोह में आईसीओजी एम क्योर ट्रैवल अवार्ड 2018; डॉ. सी.एस. डॉ.न पुरस्कार एक आधिकारिक विषय पर थीम प्रदान किया गया; एफओजीएसआई - पद्मभूषण कमला बाई होस्पेट पुरस्कार 2018; एफओजीएसआई - लीडर्स ऑफ़ टुमारो अवार्ड 2019

डॉ. सिंह ए, प्रसूति एवं स्त्रीरोग को शोध कार्य के लिए वर्ष 2018 का जूनियर कोरियन अवार्ड 2018 प्रदान किया गया; एनएआरसीएचआई दिल्ली के 25वें वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध के लिए स्वर्णपदक (डॉ. गांगुली थीम विषय)।

डॉ. सुनेजा ए., प्रसूति एवं स्त्रीरोग को पूर्वी दिल्ली स्त्रीरोग विशेषज्ञ मंच द्वारा टीचर्स ऑफ टीचर्स अवार्ड प्रदान किया गया।

डॉ. हरित डी., पेडियाट्रिक्स को भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी, पेडिकॉन के 56वें राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए 'जेम्स फेल्ट एंडोमेंट अवार्ड' (प्रथम पुरस्कार) प्रदान किया गया।

डॉ. सिंह एस., फिजियोलॉजी को विकलांगता क्षेत्र में पहल के लिए मुंबई में एम्पल मिशन द्वारा शूरवीर अवार्ड 2018 प्रदान किया गया।

प्रकाशन

भाटिया एम.एस., साहा आर. (2018) बर्न आउट इन मेडिकल स्टूडेन्टस: एग्रो विंग कनसर्न। जे पोस्टग्रेडमेड, 64, 136-137

गोगिया वी., वैद एल., सिंह पी.पी., साहा आर. (2018). क्रोनिक राइनोसिनिटिस में बैक्टीरियल बायो फिल्म के साक्ष्य: फैक्टर्स अफेक्टिंग एण्ड द इम्पैक्ट ऑन प्रोग्नोसिस। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ओटोरहिनोलारिनोजी एंड हेड नेक सर्जरी, 4 (6), 1405-10

गोमबर एस., बागेरिया ए., मधु एस.वी., दीवान पी. (2018). ग्लूकोज होमोस्टेसिस मार्कर इन बीटा-थैलेसीमिया। जे पेडियाट्र हेमटोल ऑंकोल, 40 (7), 508-510

जैन ए.के, धामी आई.के. (2019) इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स: एन ऑडिट ऑफ़ 12 इयर्स। इंडियन जे ऑर्थोप. 53 (1), 1-4

जैन ए.के, जग्गी के.आर, भयाना एच, साहा आर. (2018). ड्रग-रेजिसटेन्ट स्पाइनल ट्यूबरक्लोसिस। इंडियन जे ऑर्थोप, 52, 100-7

कालरा एन., त्यागी आर., खत्री ए., पोसवाल ए., पंवार जी., गर्ग के. (2018). डबल लिप-एन एटिपिकल फेशियल एनोमली: दो केस रिपोर्ट। इंट जे क्लिनिकल पीडियाट्रेंट डेंट, 11 (5), 451-455

पंधी डी., कौर आई., सिंघल ए., शर्मा एस., (2019) ए टिपिकल प्रिजेन्टेशन ऑफ इम्युनो ग्लोबुलिन एवास्कुलिटिस इन डिस्सिमिनेटेड ट्यूबरक्लोसिस। इंट जे डर्माटोल. 58, ईएल 1-3

सक्सेना ए.के., जैन परमानंद, दुरेजा गुर प्रसाद एवं अन्य। (2018). फार्माकोलोजिकल मैनेजमेन्ट ऑफ न्यूरोपैथिक पेन इन इंडिया: ए कंसेन्सस स्टेटमेन्ट फ्रोम इंडिया एक्सर्पट्स, इंडिया जे पेन,32 (3), 1-13

शर्मा ए.के., कालरा ओ.पी., सैनी एन.के., केलकर एच. (2019) पायलट स्टडी ऑफ क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज इन एन इंडस्ट्रीयल टाउन इन इंडिया। जे हेल्थ पोल्यूशन 9(21), 190304

सुनेजा ए., प्रियदर्शनी वी. रोड़ मैप टू सेफ हिस्टेरोस्कोपी। (2018). इंडियन जे गायनेकोल एन्डोसक्, अगस्त, 5-10

पत्रिकाएं

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित : 2
सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या : 13
संपादक मंडल के संपादक(कों) सदस्य(यों) के रूप में

शोध परियोजनाएं

आयुष अनुदान 47,00,160 रुपये। डॉ.अहमद आर.एस, संज्ञानात्मक कार्यों और न्यूरो प्रोटेक्शन के सुधार हेतू सामान्य रूप से उपयोग किए जाने वाले यूनेनिफ़ॉर्मुलेशन की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए प्रायोगिक अध्ययन। 2016-2019

डीबीटी अनुदान 23,57,000 रुपए डॉ. कर आर, केमोथेरेप्यूटिक एजेंटों के प्रतिरोध का पता लगाने के लिए एक उपकरण के रूप में एपीथीलीयल ओवरियन कैंसर का प्राइमरी कल्चर - एक प्रायोगिक अध्ययन।

आईसीएमआर, अनुदान 22,31,260 रुपए मेहंदीरत्ता ऑफ विटामिन्स (ए, सी, डी और ई), टेलोमेरबायलॉजी एण्ड कीप1-एनआरएफ2-एआरई पाथवे इन द डवलपमेन्ट ऑफ इडियोपैथिक प्रीटरमप्रीलेबर रप्चर ऑफ मेम्बरान्स। 2017-2019,

आईसीएमआर, अनुदान रुपए 50,00,000 डॉ. शर्मा एसबी, डिजाइन एण्ड सिंथेसिस ऑफ अल्फा हाइड्रोक्सी सूक्सइनेमिक एसिड आइसोलेटेड फ्राम यूजेनिया जंबोलाना एण्ड इट्स स्ट्रक्चरल एनालॉग्स फॉर द एसेस्मेंट ऑफ द एंटी डायबटिक पोटेन्शियल इन एसटीजेड इन्डूज्ड डायबटिक रेट, 2015-2019

डीबीटी, अनुदान, रु 20, 00,000 डॉ. दास एस, इंवेस्टीगेशन ऑफ मैक्निशम ऑफ इमरजिंग ड्रग रेजिस्सटेन्श इनट्राइकोफाइटन एसपी द मेजर क्यूशेटिव एजेन्ट्स ऑफ फंगल स्कीन इन्फेक्शन्स, 2017-2020

डीबीटी, अनुदान 27, 50, 000 रुपए डॉ. गुलेरिया के, दिल्ली वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य प्रभाव-एम.सी. कोहोर्ट (डीएपीएचएनई), 2018-22

आसीएमआर, अनुदान 48,00000 रुपए, डॉ. सुनेजा ए, सामान्य कैंसर (मौखिक, स्तन और सर्वाइकल) की स्क्रीनिंग के लिए सरकारी दिशानिर्देशों का संचालन करने के लिए एचआरआरसी और शिक्षण संस्थानों के माध्यम से क्षमता निर्माण, - आईसीएमआर टास्क फोर्स अध्ययन, 2018-2020

यूजीसी, अनुदान 14,20,000 रुपये। डॉ. शर्मा एस, टू स्ट्डी द रोल ऑफ टाइप I रेगूलेटरी टीसेल्सइन स्किन इन पेशेन्ट्स विद पेमफिगसवलगेरिस ड्यूरिंग एक्यूट डिजीज एण्ड रेमिश्न, 2018-19

संगोष्ठियों का आयोजन

"क्रिटिकलकेयर- एक प्रतिमान बदलाव" विषय पर सीएमई

ईएनटी कार्यशाला (लारेंक्स और हाइपोफरीनक्स के कैंसर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का एक हिस्सा और प्रीकॉन्फ्रेंस कार्यशाला पर क्रियाशीलता)

सीएफएनईयू, खाद्य एवं पोषण बोर्ड तथा सामुदायिक औषध विभाग द्वारा आयोजित पर्यवेक्षकों और सीडीपीओ के लिए पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा पर प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी दिवस, आमंत्रित अतिथि वक्ता डॉ. उर्मीबाजपेयी "फेजथेरेपी"

हैड एण्ड नेक कैडेवर डायसेक्शन, थायरोप्लास्टी एण्ड एयरवे रिकन्शट्रक्शन; पोस्ट लैरिंजेक्टॉमी रिहेबिलेशन एण्ड ट्रेकिओसोफेगल पंचर; हैंड्स ऑन ट्रांस ओरल लेजर माइक्रोसर्जरी वर्कशॉप (टीओएलएमएस) पर क्रियाशीलता

सम्मेलनों का आयोजन

17वां उत्तर जोन आईएसएस सम्मेलन तथा एनएसी-आईसीएआर कॉम्प्लेक्स, पूसा, नई दिल्ली में दिल्ली शाखा का 57वां वार्षिक सम्मेलन

लारेंक्स और हाइपोफरीनक्स कैंसर, पर यूशिकागो केन्द्र, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

पोस्टग्रेजुएट्स सीओसीईपी 2019 के लिए नैदानिक परीक्षण पर पाठ्यक्रम

दिल्ली सोसायटी ऑफ हेमटोलॉजी वार्षिक सम्मेलन

सर्जनों के लिए दो दिवसीय एक्यूट क्रिटिकल केयर पाठ्यक्रम 2018

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

चौधरी एस., एनेस्थिसियोलॉजी, 17वां उत्तर जोन आईएसए सम्मेलन और आईएसए दिल्ली शाखा आईएसएके 57वें वार्षिक सम्मेलन के लिए आयोजन टीम का हिस्सा है और "ऑपरेशन थियेटर में सीपीआर" पर एक चर्चा की।

चतुर्वेदी एस., कम्युनिटी मेडिसिन, भारत, विशाखापत्तनम में एईएफआई की भारत सरकार की बहुकेन्द्रीय सक्रिय निगरानी का गुणवत्ता आश्वासन।

दीवान पी. और डॉ. हरित डी, बाल रोगविशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय पाचन रोग मंच 2018, हांगकांग (प्रतिनिधि)।

दास एस., माइक्रोबायोलॉजी, ने अंतर्राष्ट्रीया आईएसएचएएम सम्मेलन,एम्स्टर्डम, नीदरलैंड्स में भाग लिया और शोध कार्य प्रस्तुत किया।

गुप्ता एन., ओटोरहिनोलारिनोलॉजी, कान, नाक और गले के विकार पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ओसाका, जापान में शामिल (अध्यक्ष और अतिथि वक्ता) हुए।

कौर एन., सर्जरी, "सर्वाइवरशिप इश्यूसएज डिटरमिनेन्ट्स ऑफ क्वालिटी ऑफ लाइफ आफटर ब्रेस्ट कैंसर ट्रीटमेन्टः रिपोर्ट फ्राम ए लिमेटेड सोर्ससेटिंग" विश्व कैंसर कांग्रेस कुआलालंपुर, मलेशिया में लेख प्रस्तुतीकरण।

जैन ए.के., हड्डी रोग विशेषज्ञ, तुर्की के अंताल्या में एशिया पैसिफिक ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन की द्विवार्षिक कांग्रेस में शामिल हुए।

सुनेजा ए., प्रसूति एवं स्त्रीरोग, अध्यक्ष डीजीईएस- होटल लेमेरिडियन में आयोजित ईएसजीई (यूरोपियन सोसाइटी ऑफ गाइनोकोलॉजिकल एंडोस्कोपिस्ट्स) का वार्षिक सम्मेलन और क्षेत्रीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

सक्सेना ए.के., एनेस्थिसियोलॉजी, ने पोस्ट हेरपटिकन्यूरलगिया पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया और बोस्टन, यूएसए में आयोजित 17वें विश्व कांग्रेस के दौरान क्रॉनिक पेन विषय की "व्यवस्थत समीक्षा" पर आमंत्रित संकाय के रूप में एक सत्र संचालित किया।

सिंघल ए., डर्मेटोलॉजी ने डर्मेटोलॉजी और वेनेरोलॉजी कांग्रेस (ईएडीवी) पेरिस (फ्रांस) की 25वीं यूरोपीय अकादमी में शामिल हुए।

पुस्तकालय विकास

कुल बजट

पुस्तकें: 7,87,806 रु = 00 (रुपये सात लाख सत्तासी हजार और आठ सौ छह मात्र)

पत्रिकाएं: 41,51,328 रुपए= 00 (रुपए इक्कतालीस लाख इक्यावन हजार तीन सौ अट्ठाइस मात्र)।

शामिल की गई पुस्तकों की संख्या (01/04/2018-31/03/2019): 158

खरीदी = 139, दान = 19

पुस्तकों की कुल संख्या (दिनांक 31/03/2019 को): 20216

अभिदत्त पत्रिकाओं की संख्या:

विदेशी: 47

भारतीय: 53

कुल: 100

दिनांक 31/03/2019 तक आने वाली पत्रिकाओं की संख्या: 24520

ऑनलाइन संसाधन

एनएमएल द्वारा शुरू की गई ईआरएमईडी संघ हेतू ली गई सदस्यता चार प्रमुख प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित 241 उच्चगुणवत्ता वाली ई-पत्रिकाएँ उपलब्ध करवाता है।

विकासशील पुस्तकालय ने टवर्ड (डीईएलएनईटी) की सदस्यता। उपयोगकर्ता के अनुरोधों के अनुसार, पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं होने वाले लेखों और पुस्तकों की व्यवस्था डीईएलएनईटी इंटर लाइब्रेरी लोन सर्विस के माध्यम से की गई थी।

प्रिंट सदस्यता के साथ ई-जर्नल प्राप्त होना।

वाई-फाई-सक्षम पुस्तकालय और उपयोगकर्ताओं को इंटरनेट खोज सुविधा प्रदान करने के लिए 21 कंप्यूटर।

संकाय की संख्या: 93

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विशेष सम्मान प्राप्त छात्र

डॉ. स्वाति दास, एनेस्थिसियोलॉजी, (स्नातकोत्तर तृतीय वर्ष की छात्रा, परामर्शदाता तथा पर्यावेक्षक: प्रोफेसर अशोक कुमार सक्सेना) को दिनांक 29.11.19 को सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार आईएसए राष्ट्रीय टी.एन.झा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. मनसा के.एन., डरमेटोलॉजी, को जनवरी, 2019 में डेरेकॉन इंटरनेशनल 2019 के दौरान बेंगलुरु, में आयोजित एक "नेलडर्मोस्कोपी (ऑनिकोस्कोपी) फाइनडिंग्स इन द डायगनोसिस ऑफ प्राइमरी ओनिको माइकोसिस; ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी” के लिए बेस्ट थीसिस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

ई-पोस्टर ‘नेलडरमोस्कोपी (ऑनिकोस्कोपी) फाइन्डिंग्स इन द डायगनोसिस ऑफ प्राइमरी ऑनिचोमाइकोसिस ’के लिए 10-15 जून 2019 से त्वचा विज्ञान, मिलान, इटली के 24वीं विश्व कांग्रेस में भाग लेने के लिए आईएडीवीएल छात्रवृत्ति।

भारतीय निकिता, प्रसूति एवं स्त्रीरोग, को डॉ. उर्मिल शर्मा अवार्ड होलिस्टिक अप्रोच इन प्रैक्टिस ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी से सम्मानित किया गया। नईदिल्ली में 3 और 4 नवंबर, 2018 को 32वें एआईसीसीआरसीओजी वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गोरिका सिंघल, बालरोग विशेषज्ञ को "ट्वाइस वीकली वरसेज थ्राइस वीकली प्रोफाइ लेटिकफैक्टरVIII थैरेपी इन चिलड्रन विद हीमोफिलियाए: एन ओपन लेबल रेन्डोमाइज्ड क्लीनीकल ट्रायल”शीर्षक हेतू शोध कार्य के लिए वीबी राजू प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. फिलिप आशीष, पैथालॉजी को 23 सितंबर 2018 को दिल्ली सोसाइटी ऑफ हीमेटोलॉजी, 2018 के 29वें वार्षिक सम्मेलन में “सीरम फिर्रिटिन इन फस्ट टाइम एण्ड रेगूलर वोलेन्ट्री ब्लड डोनर्स” मूल वस्तु पोस्टर शीर्षक में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

***

वी.पी. वक्ष संस्थान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

इस संस्था ने अपनी ‘शिक्षा’, ‘शोध तथा रोगीयों की देखभाल’ की गतिविधियों को जारी रखा है। मुख्य शैक्षिक, शोध तथा रोगी की देखभाल की गतिविधियाँ, बायोस्टेटिक्स, बायोकैमिस्ट्री, मायक्रोबायलॉजी, पलमोनरी मेडिसन, पैथोलॉजी, फार्माकोलॉजी तथा फिजियोलॉजी विभाग द्वारा की जाती हैं। विश्वनाथन चेस्ट चिकित्साल्य, डीओटीएस सेन्टर, नेशनल सेनटर ऑफ रेस्पीरेट्री अलर्जी, अस्थमा एण्ड इम्यूनॉलॉजी, नेशनल टोबेको क्युटलाइन, कार्डियो-पलमोनरी रिहेबिलेशन क्लिनिक, योगा थैरेपी सेन्टर इत्यादि समर्पित रोगी देखभाल सुविधाओं में शामिल हैं। इस संस्थान में स्टेट ऑफ आर्ट लाइब्रेरी, पशुगृह, ऑडिटोरियम, इनडोर स्पोर्टस कोम्पलेक्स, पीजी छात्रों का छात्रावास तथा व्यायामशाला भी है।

स्नात्कोत्तर छात्रों को पलमोनरी मेडिसिन में डीएम तथा एमडी डिग्रीयों के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है; बायोकैमिस्ट्री, फिजियोलॉजी, माइक्रोबायलॉजी तथा फार्माकॉलॉजी में एमडी डिग्री के लिए एवं चेस्ट मेडिसिन तथा संबद्ध विज्ञान में पीएचडी डिग्री के लिए दिया जाता है। इस संस्थान ने बहुत से व्याख्यान, सम्मेलन, कार्यशालाएं, निरंतर स्वास्थ्य शिक्षा (सीएमई) पाठ्यक्रम, लोक व्याख्यान इस अवधि के दौरान आयोजित किये हैं। आयुष, डीएचआर, सीसीआरयूएम, डीएसटी, डीआईपीएएस, आईसीएमआर, एनआईएफ जैसे विभिन्न सरकारी संस्थानों द्वारा 10.00 करोड़ राशि की 17 शोध परियोजनाएं इस संस्थान को प्रदान की गई हैं। क्लिनिकल विंग, वीसीएच, एक तृतीयक देखभाल केंद्र ने रोगियों को विशेष नैदानिक परामर्श, निदान और उपचार सेवाएं प्रदान कीं। चिकित्साल्य की ओपीडी में 15700 से अधिक नए मरीज और 59,800 अनुवर्ती मामले दर्ज किए गए। आईपीडी ने जनरल वार्डों में 2500 और आपातकालीन वार्डों में 2,500 मरीजों को भर्ती किया। आरआईसीयू ने गहन देखभाल के लिए 350 मरीजों को भर्ती किया। 40,000 से अधिक रोगियों को आपातकालीन सेवाएं प्रदान की गईं। तम्बाकू निवारण क्लिनिक ने 436 नए रोगियों का पंजीकरण किया और 228 पर अनुवर्ती कार्रवाई की गई। योग थेरेपी एंड रिसर्च सेंटर ने योग द्वारा विभिन्न श्रेणियों के रोगों के उपचार के लिए 400 से अधिक व्यक्तियों को सेवाएं प्रदान की हैं। कार्डियो-पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन क्लीनिक ने 430 से अधिक रोगियों को श्वास-प्रश्वास शिक्षा, पुनर्वास कार्यक्रम सेवाएं प्रदान कीं। पल्मोनरी पुनर्वास कार्यक्रम, इस प्रकार के रोगियों में कार्यात्मक क्षमता को पुनः प्राप्त करने तथा विकलांगता को कम करने में मदद करता

है। नेशनल टोबैको क्विटलाइन सर्विस (एनटीक्यूएलएस) एक टेलीफोन आधारित मुफ्त काउंसलिंग सेवा है, जिसे टोल-फ्री नंबर 1800-11-2356 के माध्यम से एक्सेस किया जाता है, इसमें 50,000 से अधिक फोन कॉल प्राप्त किए गए और तंबाकू का उपयोग छोड़ने के लिए उचित परामर्श प्रदान किया गया। विभिन्न विभागों के अंतर्गत क्लिनिकल प्रयोगशालाओं द्वारा 25,000 पल्मोनरी फंक्शन टेस्टिंग, 160 ब्रोंकोस्कोपी, 3,000 सीटी-स्कैन, 26,000 एक्स-रे, 55,000 क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री, 16,000 सूक्ष्म जीवविज्ञान, 20,000 आर्टेरियल ब्लडगैस, 39,000 पैथोलॉजी, 1,000 त्वचा एलर्जी परीक्षण सहित 200 पॉलीसोमोग्राफ विशेष जांच, 1500 एचआईवी, 5400 सीरमआईजीई, 1000 सीरमएसीई, 700 थायरॉयड प्रोफाइल, 1000 एएनए, 400 सी-एएनएसीए एवं पी-एएनसीए, 1500 एचबीएसएजी, 1500 एचसीवी सहित विभिन्न डायग्नोस्टिक सेवाएं प्रदान की गई।

सम्मान/गौरव

डॉ. राज कुमार

इन्होंने प्रधान संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एंड एलाइड साइंसेज जो कि वी.पी. चेस्ट इन्सटिट्यूट एण्ड द नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन्स (भारत) का आधिकारिक प्रकाशन है, के रूप में सेवा प्रदान की; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली में अध्येता के रूप में; विश्वविद्यालय प्रतिनिधि, भारतीय चिकित्सा परिषद्, भारत सरकार के रूप में सेवा प्रदान की;विशेषज्ञ के रूप में, नेशनल सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल (एनसीडीसी), दिल्ली के अंतर्गत उनके समावेश के लिए सीओपीडी/अस्थमा के लिए दिशानिर्देश;राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति-2017, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अंतर्गत नशा मुक्ति अभियान टास्क फोर्स (तंबाकू, शराब और मादक द्रव्यों के सेवन सहित) में सदस्य के रूप में; विशेषज्ञ सदस्य, संयुक्त वैज्ञानिक सलाहकार समिति, आईसीएमआर, नई दिल्ली के रूप में कार्य; वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियां मानव स्वास्थ्य और सतत विकास, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ईएसडी ए ग्लोबल ग्रीन अवार्ड -2019 के प्राप्तकर्ता।

जैव रसायन विभाग

डॉ. एस.के. बंसल, कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय नामित, दिनांक 23.01.2018 से एक वर्ष की अवधि के लिए स्कूल ऑफ रिहैबिलिटेशन साइंसेज के प्रबंध निकाय विश्वविद्यालय के अधिनियम के 30 (1) (सी) (i) कानून के अंतर्गत विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए; भारत के जैवप्रौद्योगिकी सोसायटी के महासचिव के रूप में; उपाध्यक्ष - एसीबीआई दिल्ली चैप्टर के रूप में; संपादकीय बोर्ड, श्वसन रोगों के ओपन जर्नल के सदस्य के रूप में।

डॉ. विश्वजीत रोहिल

डीआईपीएएस, डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड अलाइड साइंसेज, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार 2019 में आयोजित 12वीं पंचवर्षीय योजना परियोजना, की "प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग एंड रिव्यू कमेटी मीटिंग" (पीएमआरसी) की बैठक में भाग लेने के लिए डीआईपीएएस द्वारा बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया है; चिकित्सा विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एमडी (बायोकेमिस्ट्री) शास्त्र में आंतरिक परीक्षक और संयोजक के रूप में नियुक्त; मई, 2018 में डीआईपीएएस, डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड अलाइड साइंसेज, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में आयोजित XII पंचवर्षीय योजना परियोजना की "सातवीं कार्यकारी बोर्ड की समीक्षा बैठक" में भाग लेने के लिए डीआईपीएएस द्वारा बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; इंसटीट्यूट ऑफ मेनेजमेन्ट स्ट्डीज (आईएमएस) संस्थान विश्वविद्यालय, गाजियाबाद द्वारा नवंबर, 2018 को आयोजित "इमरजिंग ट्रैंड्स इन नॉन-कम्यूनीकेबल डीजीजेस: रोड़ टू प्रीवेन्शन एण्ड क्योर" विषय पर

नेशनल कॉन्फ्रेंस में सम्मानीय अतिथि।स्कूल ऑफ बायो साइंसेज, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस), गाजियाबाद की संस्थागत आचार समिति में अध्यक्ष के रूप में सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग

डॉ. मन्दिरा वर्मा बेसिल को 21 अप्रैल, 2018 को लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय में आयोजित आईएएमएम-डीसी सम्मेलन में बेसिल फर्स्ट पोस्टर अवार्ड प्रदान किया गया। चंचल कुमार, श्रद्धा गुप्ता, कमल श्रीवास्तव, अस्था गिरी, नरेश कुमार शर्मा, मंदिरा वर्मा बेसिल, ए कम्पेरिजन ऑफ फेनोटाइपिक मैथड ऑफ ड्रगस सपैक्टिबिलिटी प्रोफालिंग ऑफ मैलाबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस विद स्लोपी मोलीकूलर बीकन एस्से।

डॉ. अनुराधा चौधरी को ग्लास में शामिल करने के लिए कैंडिडा में एंटिफंगल प्रतिरोध के लिए प्रारंभिक कार्यान्वयन कार्यक्रम को विकसित करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया। (नवंबर 2018- फरवरी 2019); एमिटी यूनिवर्सिटी, उत्तरप्रदेश, भारत द्वारा 2018 में हेल्थ केयर में वूमन अचीवर अवार्ड प्राप्त किया।

भेषजगुज विज्ञान विभाग

डॉ. अनीता कोटवानी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के "फेयर मेडिसिन प्राइसिंग फोरम" पर सलाहकार समूह की सदस्य ने मार्च 2019 में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित बैठक में भाग लिया; भारत-ब्रिटेन सहयोग के अंतर्गत बायोटेक्नालॉजी विभाग द्वारा एक बहु-विषयक परियोजना को मंजूरी दी गई, "भारत में एंटी बायोटिक उपयोग के लिए स्मार्ट विनियमन: समझ, नवाचार और अनुपालन में सुधार", सितंबर 2018-सितंबर 2021। परियोजना के लिए कुल बजट: 136.988 लाख।

डॉ. कविता गुलाटी को दिनांक 12.11.2018 को गाजियाबाद, भारत में आईपीसी में आईपीसी-पीवीपीआई, एमएचएफ एण्ड डब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा आयोजित कौशल विकास कार्यक्रम हेतू गेस्ट फैकल्टी के तौर पर आमंत्रित किया गया।

विकृति विज्ञान विभाग

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ अप्रैल 2014 से 20 मई 2019 तक वीपीसीआई में स्वास्थ्य शोध विभाग जीओआई-आईसीएमआर-वीपीसीआई-बहुविषयक शोध यूनिट स्वास्थ्य विभाग की सदस्य सचिव रहीं; दिनांक 10/8/2018 से 9/8/2021 तक “सोफेस्टीकेटेड एनालिटिकल इन्सट्रयूमेन्ट फेसिलिटी (एसएआईएफ)”, नई दिल्ली (एम्स) की सुविधा प्रबंधन समिति, के लिए डीएसटी नामांकित; मानव पैथोलॉजी कोर्स, कोड 32581601 यूजीसी के लर्निंग आउटकम आधारित पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क (यूजीसी-एलओसीएफ) के अनुसार शीर्षक वाले पाठ्यक्रम (सीबीसीएस) बीएससी (ऑनर्स) बायोमेडिकल साइंसेज में ह्यूमन पैथोलॉजी कोर्स, कोड 32581601 शीर्षक पाठ्यक्रम के संशोधन के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की अंडर-ग्रेजुएट पाठ्यक्रम संशोधन समिति -2019 की कार्यकारी समूह के सदस्य के रूप में शामिल;वर्ष 2016 से एशिया-ऑस्ट्रेलियन पल्मोनरी पैथोलॉजी सोसायटी (एएपीपीएस) की परिषद् सदस्य के रूप में शामिल।

शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

डॉ. विशाल बंसल, कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, महाराष्ट्र, भारत द्वारा प्रकाशित कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जेकेआईएमएसयू) की पत्रिका के संपादक मंडल के सदस्य थे।

विशिष्ट छात्र

ऑनर्स:

प्रकाशन

पाटीदार, बी.एस., मीणा, ए., कुमार, एम., मेनन, बी.के., रोहिल, वी., एवं बंसल, एस. (2018). एडेनोसिन मेटाबोलिज्म इन सीओपीडी: ए स्टडी ऑन एडेनोसिन लेवल्स, 5'-न्यूक्लियोटिडेज़, एडेनोसिन, एडेनोसिनडेमिनमिनस एण्ड इट्स आईसोएनजाइम्स एक्टिविटी इन सीरम, लिम्फोसाइट्स और एरिथ्रोसाइट्स। सीओपीडी: जेसीओपीडी, 15, 559-571

अग्रवाल, टी., वाधवा, आर., रोहिल, वी., और मौर्य, पी.के. (2018). बायोमेकर्स ऑफ ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस एण्ड प्रोटीन-प्रोटीन इनट्रैक्शन एन क्रोनिक ऑबस्ट्रक्टिव पलमोनरी डीजीज। आर्किव ऑफ फिजियोलॉजी एंड बायो कैमिस्ट्रीः द जर्नल ऑफ मेटाबोलिक डिजीज, 124 (3), 226-231.DOI: 10.1080 / 13813455.2017.1387796

गुप्ता, एस., कुमार, ए., रोहिल, वी, और भटनागर, ए.के (2019).एडीएएम33: रोल एण्ड पैथोजेनसिस स्ट्डी इन सीओपीडी इन दिल्ली एनसीआर पोपूलेशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल एंड मेडिकल रिसर्च [इंट जे बायोल मेड रेस।], 10 (1), 6623 - 6630.आईएसएसएन: 0976: 6685

गुप्ता, एस., कुमार, ए., रोहिल, वी., और भटनागर, ए.के. (2019). रोल ऑफ ट्यूमर ने क्रोसिस अल्फा (TNFα) इन पल्मोनरी पैथोफिजियोलॉजी ऑफ क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट (स्वीकृत)

अदिति, एवं शरीफ, एम. निपाह वायरस संक्रमण: एक समीक्षा। एपीडेमियोलॉजी एण्ड इनफेक्शन 2019, 147, ई 95, 1-6।DOI10.1017 / S0950268819000086

अरेंड्रुप, एम.सी., चौधरी, ए., अस्टवाड, के.एम.टी., एवं जॉर्गेसन, के.एम. (2018).APX001A इन विट्रो एक्टिविटी अगेन्सट कंटेंपरेरी ब्लड आईसोलेट्स एण्ड कैंडिडा ओरिस डिटरमिन्ड बाय द ईयूसीएएसटी रेफरेन्स मैथड। एंटी माइक्रोब एजेंट्स केमोथेर, 62, पीआईआई: e01225-18

गिरि, ए., सैफी, एच., कैबीबे, ए.एम., गुप्ता, एस., नारंग, ए., त्यागी, जी., श्रीवास्तव, के., कुमार, सी., शर्मा, एन., लिंगाराजू, एस., त्रोवाटो, ए., बैटलग्लिया, एस., मारिया-सिरिलो, डी., बोस, एम., डेविड, ए., एवं वर्मा - बेसिल, एम. (2019). लैक ऑफ एसोसिएशन ऑफ नोवल म्यूटेशन एएसपी 397 जीएलवाई इन ए एफटीबी जीन विद ए थमब्युटोलरेसिसटेन्स इन क्लिनिकल आईसोलेट्स ऑफ माइको बैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस। ट्यूबरकुलोसिस115,49-55

बिदूद, ए.एल., चौधरी, ए., एवं दानौनीई. (2018). कैंडिडा ओरीस: एन इमरजिंग ड्रगरेसिसटेन्ट ईस्ट - ए मिनी-रिव्यू। जे माय कोल मेड, 28, 568-573

बियूइल, जे., हेगन, एफ., चौधरी, ए., वेरवीज, पी., एवंमीस, जे. (2018). इट्राकोनाज़ोल, वोरिकोनाज़ोल, एण्ड पॉसकोनाज़ोलसी एलएसआईएमआईसी डिस्ट्रीब्यूशन्स फॉर वाइल्ड-टाइप एण्ड ए जोल-रेसीसटेन्ट एसपरजीलियस फ्यूमेगेट्स आइसोलेट्स। जे फंगी (बेसल), 4, पीआईआई: ई 103

चौधरी, ए., प्रकाश, ए., शर्मा, सी., कोर्डल्यूसका, एम., कुमार, ए., सरमा, एस., तराई, बी., सिंह, ए., उपाध्याय, जी., उपाध्याय, एस. यादव, पी., सिंह, पी.के, खिल्लन, वी., सचदेवा, एन., पेर्लिन, डी.एस., एण्ड मीस, जे एफ (2018). ए मल्टी केयर स्टडी ऑफ एन्टी फंगल ससपेक्टिबिलिटी पैटर्नस अमंग 350 कैंडिडा ओरिस आईसोलेट्स (2009-17) इन इंडियाःरोल ऑफ द ईआरजी11 एण्ड एफकेएस1 जीन इन एजोल एण्ड ईचिनोकाडिन रेजिसटेन्स। जे एंटी माइक्रोब चेमोथेर, 73, 891-899

चौधरी, ए., सिंह, ए., सिंह, पी.के., खुराना, ए., मीस, जे.एफ .. (2019). पर्सपेक्टिव ऑन मिसआईडेन्टिफिकेशन ऑफ ट्राइक्पाइथन इनटर डिजिटेबल/ट्राइकोपाइथनमेनटाग्रोफाइट्स यूजिंग इनटरनल ट्रांसक्राइब्ड स्पेसर रीजनसीक्वेन्सिंग: अर्जेन्ट नीड टू अपडेट द सीक्वेन्स डाटाबेस। माइकोस, 62, 11-15

कोली, टी., सेहरा, जी., चौधरी, ए., एलनियो, ए., केली, एस.एल., किज़वा, वाई., आर्मस्ट्रांग-जेम्स, डी., फिशर, एम.सी., वॉरिलो, ए.जी.एस., पार्कर, जे.ई., केली. डीई, किमुरा, जी., निशिमोटो, वाई., सनोज, एम., अनियन्स, एस., क्रेपिन, डी., लागसे, एफ., क्रिटॉल, एम., शैनन, जे., मैककोविल, एम., किंग-अंडरवुड, जे., नाइलर, ए., ब्रेटेग्न, एस., मरे, जे., इटो, के., स्ट्रोंग, पी., एवं रेपपोर्ट, जी। (2018). इन विट्रो इनविवो एफिकेसी ऑफ ए नोवल एण्ड लोंग-एक्टिंग फंगी साइडल एजोल, पीसी1244, ऑन एस्परजिलस फ्यूमिगेटस इन्फेक्शन। एंटी माइक्रोब एजेंट्स केमोथेर, 62, पीआईआई: e01941-17

कोर्टिगियानी, ए., मिस्सेरी, जी., फासियाना, टी., जिआम्मानको, ए., जीआर्रेनटो, ए., एवं चौधरी, ए. (2018). एपिडिमिओलॉजी क्लीनिकल कैरेक्टेरेक्टिक्स रेजिस्टेन्स एण्ड ट्रीटमेन्ट ऑफ इन्फैक्शन्स बाय कैंडिडा ओरीस। जे इंटेंसिव केयर, 6, 69

डी. ग्रोट, टी., हेगन, एफ., व्रूल्स, डब्ल्यू, वेरवेइज, पी. ई., चौधरी, ए., एवं मीस, जे.एफ. (2018). जीनोटाइपिंग ऑफ एस्परगिलोसिस एस्परगिलस फ्यूमिगेटस इन फोरमेलिन-फिक्स्डपैराफिन-एम्बेडिड टिशूज एण्ड सिरमसैम्पल्सफ्राम पैशेन्ट्स विद इनवेसिव एस्परगिलोसिस। फ्रंट सेल इन्फेक्टमाइक्रोबियो, 8, 377

दीपक, डी., सिंह-राजपूत, एम., शर्मा, बी., एवं चौधरी, ए. (2019). एलर्जिक्ब्रोन्कोपल्मोनरीमाइकोसिस ड्य्यू टू फंगी अदर देन एस्परगिलस। यूरएन एलर्जी क्लिन इम्युनोल, 51, 75-79

फाखिम. एच, वाएज़ी, ए., दानौई, ई., शर्मा, सी., मौसवी, बी., चौधरी, ए., मीस, जे.एफ, एवं बादाली, एच. (2018). इन विट्रो कंबीनेशन ऑफ वोरिकोनाज़ोल विद माइका फंगिन अगेन्स्ट एजोल-रेजीस्टेन्ट क्लीनिकल आइसोलेट्स ऑफ एस्परजिलस फ्यूमिगेटस फ्रॉम डिफरेन्ट जियोगरेफिकल रिजन्स। डाइग्नमाइक्रोबायोल इन्फेक्शन डिस, 91, 266-268

फकीम, एच., वाएज़ी, ए., दानौई, ई., चौधरी, ए., नासिरि, डी., फेली, एल., मीस, जे.एफ, एवं बादाली, एच. (2018). कंपैरेटिव वायरुलैन्स ऑफ कैंडिडा ओरिस विद कैंडिडा हेमुलोनि, कैंडिडा ग्लैब्रेटा एण्ड कैंडिडा अल्बिकैंस इन ए मूरिनमॉडल। माइकिसस, 61, 377-382

हीले, के.आर., कोर्डल्यूस्का, एम., जिमेनेज-ओर्टिगोसा, सी., सिंह, ए., बेरियो, आई., चौधरी, ए., एवं पेरलिन, डी.एस. (2018). लिमिटेड ईआरजी 11 म्यूटेशन्स आईडेन्टीफाइड इन आइसोलेट्स ऑफ कैंडिडा ओरिस डायरेक्टिली कोन्ट्रीब्यूट टू रिडियूज्ड एजोलसस्पेक्टेबिलिटी। एंटीमाइक्रोब एजेंट्स केमोथेर, 62, पीआईआई: e01427-18

जून, डी., निमेश, एम., गुप्ता, एस., कुमार, सी., वर्मा-बेसील, एम., एवं सलूजा, डी. (2019). डेवलपमेन्ट एण्ड इवेल्यूएशन ऑफ रेपिड एण्ड स्पेसिफिक एसडीएएएलएएमपी-एलएफडी एस्से विद एक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ एस्से फॉर डायग्नॉसिस ऑफ ट्यूबरक्लोसिस। जे माइक्रोबायोल मेथड्स, 159,161-166

किरण, बेरी., जयंती, जी., और शरीफ, एम. फेनोटाइपिक एवं मोलीकीयूलर कैरेक्टराईजेशन ऑफ एक्टेन्ड-स्पेक्ट्रम बीटा-लैक्टमेज़ प्रोड्यूशिंग क्लीनीकल आइसोलेट्स ऑफ क्लेबसिएला निमोनिया (2018) इंट जे. साइंट. रेस 7, 63-65

खन्ना, एम., सैनी, एस., शरीफ, एम., रोनसार्ड, एल., सिंह, जे.के., एवं कुमार, एच. (2019) डेटा हाइलाइटिंग मिर -155 एण्ड जीएपीडीएच कोरिलेशन। जर्नल ऑफ डेटा इन ब्रीफ। डीओआई: 10.1016 / j.dib.2019.103945

खुराना, ए., मसीह, ए., चौधरी, ए., सरदाना, के., बोरकर, एस., गुप्ता, ए., गौतम, आर.के., शर्मा, पी.के., एवं जैन, डी. (2018). कोरिलेशन ऑफ इन विटरो सस्पेक्टीबिलीटी बेसड ऑन एम आईसी एण्ड स्कूएलेन्स एपओक्सीडेसम्यूटेशन्स विद क्लीनिकल रेसपोन्स टू टेरबाइनाफाइन इन पेशन्ट्स विद टिनियाकॉर्पोरिस/क्रूरिस। एंटी माइक्रोब एजेंट चेमोथेर, 62, पीआईआई: e01038-18

कोर्डल्यूस्का, एम., ली, ए., पार्क, एस., बेरियो, आई., चौधरी, ए., झाओ, वाई., एवं पेरलिन, डी.एस. (2018). अंडरस्टैंडिंग इचिनोकैन्डिन रेजिस्टेंस इन द इमरजिंग पैथोजन कैंडिडा ए यूरिस। एंटी माइक्रोब एजेंट्स केमोथेर, 62, पीआईआई: e00238-18

कुमारी, ए., कुमार, पी., सानिकस, एम., मेस्को, सी.ए., खन्ना, एम., एवं कुमार, बी (2018). एडवांसमेंट्स इन न्यूक्लिक एसिड बेस्ड थेरेप्यूटिक्स अगेंस्ट रेस्पीरेट्री वायरल इनफेक्शन्स।जर्नल ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन

कुमार, बी., कुमारी, ए., खन्ना, एम., रोंसार्ड, एल., मेस्को, सी.ए., एवं सानिकस, एम., (2018). द इमरजिंग इन्फ्लूएंजा वायरस थ्रेट: स्टेट्स एण्ड न्यूप्रोस्पेक्ट फॉर इट्स थैरेपी एण्ड कंट्रौल। पुरातत्व के अभिलेखागार। डीओआई 10.1007 / s00705-018-3708-वाई

शरीफ, एम., अदिति, और बेरी, के. (2018) कोरिनेबैक्टीरियमस्ट्रिएटम: एन इमरजिंग रेस्पीरेट्री पैथोजन। जे इंफेक्टदेवसीट्रीज़, 12 (7), 581-586 डोई: 10.3855 / jidc.10406

मार्टिनेज-मर्सिया, ए., नवारो, ए., ब्रू, जी., चौधरी, ए., हेगन, एफ, एवं मीस, जे.एफ (2018). इनटरनल वैलीडेशन ऑफ जीपी एटीएम मोनोडोजकेनओरडीटीईसी-क्यूपीसीआरकिट फोलोविंग द यूएनई/ईएनआईएसओ/आईईसी 17025:2005 फॉरडिटेक्शन ऑफ द इमरजिंग यिस्ट कैंडिडा ओरिस। माइकोस, 61, 877-884

माथुर, पी., हसन, एफ., सिंह, पी.के., मल्होत्रा, आर., वालिया, के., एवं चौधरी, ए. (2018). फाइव ईयर प्रोफाइल ऑफ कैंडिडा एमिया एट एन इंडियन ट्रॉमा सेन्टर: हाई रेट्स ऑफ कैंडिडा ओरिस ब्लड स्ट्रीम इन्फेक्शन्स। माइकोस, 61, 674-680

मीस, जे.एफ., और चौधरी, ए. (2018). कैंडिडा ओरिस: ए ग्लोबल फंगल पब्लिक हैल्थ थ्रेट। लैंसेट इन्फेक्शनडिस, 18, 1298-1299

प्रकाश, ए., रंधावा, एच.एस., खान, जेड.यू., अहमद, एस., हेगन, एफ., मीस, जे.एफ., एवं चौधरी, ए (2018). इनवारोमेन्टल डस्ट्रिब्यूशन ऑफ क्रिप्टोकोकसस्पीसीस एण्ड सम अदर ईस्ट-लाइक फंगी इन इंडिया। माइकोस, 61, 305-313

रेसैंडिज़-शार्प, ए., लग्रू, के., मीस, जे.एफ., चौधरी, ए., लॉकहार्ट, एस.आर., एवं वर्वेइज, पी.ई. आईएसएचएएम/ईसीएमएम एस्परगिलसरेसिस्टेंस सर्विलेंस वर्किंग ग्रुप। 2018. ट्राईज़ोल रेजिस्सटेंस सर्विलेंस इन एस्परगिलस फ्यूमिगेटस। मेड मायकोल, 56, 83-92

शर्मा, एस., शिरोन, ए., गुप्ता, के.बी, यादव, ए., वर्मा-बेसील, एम., श्रीनिवास, वी., चौधरी, डी., एवं मेहता, पी.के. (2019). क्वांटिटेटिव डिटेक्शन ऑफ ए कोकटेल ऑफ माइकोबैक्टीरियल एमपीटी 64 और पीएसटीएस1 इनट्यूबरक्लोसिस पेशेन्ट्स बाय रियल-टाइम इम्यूनो-पीसीआर।फ्यूचर माइक्रो बायोल, 14, 223-233

शरलॉक, जी., बुग्नौक्स, एम.ई., एवं डी'एनफ़र्ट, सी. (2018). जीन फ्लो कंट्रीब्यूट्स टू डायवरसिफिकेशन ऑफ द मेजर फंगल पैथाजन कैंडिडा अल्बिकन्स। नेट कम्युन, 9, 2253

सिंह, ए., हीले, के.आर, यादव, पी., उपाध्याय, जी., सचदेवा, एन., सरमा, एस., कुमार, ए., तराई, बी., पेरलिन, डी.एस, एवं चौधरी, ए. (2018))। अबसेंस ऑफ ए जोल और इचिनो कैन्डिन रेजिस्टेंस इन कैंडिडा ग्लाब्रेटा आईसोलेट्स इन इंडिया डीएनए मिसमैच रिपेयर पाथवे। कैंडिडा ग्लाब्रेटा में एजोलया प्रतिरोध की अनुपस्थिति

डीएनए बेमेल मरम्मत मार्ग में दोषों के साथ पृष्ठ भूमि की व्यापकता के बावजूद भारत में अलग-थलग है। एंटीमाइक्रोब एजेंट्स केमोथेर, 62, पीआईआई: e00195-18।

सिंह, ए., सिंह, पी.के. द ग्रूट, टी., कुमार, ए., माथुर, पी., तराई, बी., सचदेव, एन., उपाध्याय, जी., सरमा, एस., मीस, जी.एफ., एवं चौधरी, ए. (2019). इमरजेन्स ऑफ कलोनल फ्लू कोनेजोल-रेसिस्टेन्ट कैंडिडा पैरापसिलोसीस क्लीनीकल आयसोलेट्स इन ए मल्टी सैन्टर लैबोरेट्री-बेसड सर्विलैंस स्ट्डी इन इंडिया। जे एन्टी माइक्रोब किमोथर, डीओआईः10.1093/jac/dkz029.

श्रीवास्तव, एस., बिमल, डी., बोहरा, के. सिंह, बी., पोन्नन, पी., जैन, आर., वर्मा-बेसील, एम., मैती, जे., थिरुमल, एम., एवं प्रसाद, ए.के (2018). सिंथेसिस एण्ड एंटी माइकोबैक्टीरियल एक्टिविटी1- (β-d-राइबोफ्यूरेनओसिल)-4- कुमारिनललोक्सीमिथाइल-I-कुमारिनइल-1,2,3-ट्राइजोल. Eur जेमेडचेम, 150, 268-281.

वतंशेनसां, एम., बोएखौत, टी., मीस, जे.एफ., बर्मन, जे., चौधरी, ए., बेन-आमी, आर., स्पार्बियर, के., एवं कोस्त्रे ज़ेवा, एम. (2019). कैंडिडा ओरिस आईडेन्टिफिकेशन एण्ड रैपिड ऐंटिफंगलसस्पैक्टेबिलिटी टेस्टिंग अगेंस्ट इक्नोकैंडिंस बायएमएएलडीआई-टीओएफएमएस। फ्रंट सेल इन्फेक्ट माइक्रो बायोल, 9, 20

बबीता, गुलाटी, के., रे., ए., मेनन, बी.के., राजकुमार। (2018). ए क्लीनीकल स्टडी टू इवेल्यूएट द इफेक्ट्स ऑफ एडजंक्टयोगिक इंटरवेंशन ऑन पलमोनरी फंक्शन्स इन पेशेन्ट्स ऑफ ब्रोन्कियल अस्थमा। जर्नल ऑफ़ क्लीनिकल इन्वेस्टिगेशन एंड स्टडीज़, 1 (3), 1-4

चौधरी, एस., गुलाटी, के., राय, एन., एवं रे, ए. (2018). एन्टी-इन्फ्लामेट्री एण्ड इम्यूनो मॉड्यूलेटरी इफेक्ट्स ऑफ एल्बिजियलबेबेक इन एक्सपेरिमेन्टल मोडल ऑफ ब्रोन्कियल अस्थमा। आईजेसीडी, 60, 147-152

दुबे, एच., गुलाटी, के., एवं रे, ए. (2018). अमिलिओरेशन बाय नाइट्रिक ऑक्साइड (NO) मेटामिक्स ऑन न्यूरोबेहेवियरल एण्ड बायो कैमिकल चैंजेस इन एक्सपेरिमेन्टल मोडल ऑफ अल्जाइमर डिजीज इन रेट्स। न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी, 66, 58-65

गुलाटी, के., राय, एन., नकवी, एम., एवं रे, ए. (2018). प्रोटेक्टिव रोल ऑफ हर्बल ड्रग्स अगेंस्ट स्ट्रैस इन्ड्यूस्ड इम्यूनोसप्रेशन एण्ड द पोसिबल मैकेनिज्म। ईसीसाइकोलॉजी एण्ड साइकेट्री, 7 (7), 370-376

गुलाटी, के।, राय, एन।, और रे, ए। (2018) स्टेट्स ऑफ रिसर्च इन रेस्पिरेट्री फार्माकोलॉजी इन इंडिया ड्यूरिंग द लास्ट फाइव ईयर्स (2012-2017)। प्रोकइंडियन नटसीआस्कैड, 84 (1), 55-72

गुलाटी, के., राय, एन., रेशी, एम.आर., एवं रे, ए. (2018). हेपेटोटॉक्सिसिटी: इट्स मैकेनिज्म्स, एक्स पेरिमेन्टल इवेल्यूएशन एण्ड प्रोटक्टिव स्ट्रैटेजीस। एमजेफार्माकोल, 1,1-9

होलोवे, के.ए., कोटवानी, ए., एवं बैटमैनबेन, जी. और अन्य। (2018). प्रोमोटिंग क्वालिटी यूज ऑफ मेडिसिन इन साउथ ईस्टएशिया: रिपोर्ट्स फ्रॉम कंट्री सिचूएशनल एनालाइसेस। बीएमसी हेल्थ सर्विसेस रिसर्च, 18, 526

नकवी, एम., राय, एन., गुलाटी, के., एवं रे, ए. (2018). एक्सपेरिमेन्टल स्टडीज टू इवाल्यूएट द इम्युनोमोडायलेटरी एण्ड एन्टी-इनफ्लामेट्री पोटेन्शियल ऑफ ओपटिमाइज्ड पॉली हरबल प्रिप्रेशन्स इन एक्सपेरिमेन्टल मॉडल ऑफ अस्थमा। ग्लोब वैक्सीनइम्युनोल, 3 (1), 1-5

पाल, आर., गुलाटी, के., बनर्जी, बी.डी., एवं रे, ए. (2018). प्रोटक्टिव इफेक्ट्स ऑफ मेलाटोनिन इन एंडोसल्फान इन्ड्यूज्ड इम्युनोमोड्यूलेशन एण्ड देयर एसोशियेशन विद ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस मार्कर्स इनरैट। इंडियन जे एक्स बायोल, 56, 725-733

रे, ए., गुलाटी, के., थोकचोम, एस., एवं राय, एन. (2018). इम्यूनोफार्माकोलॉजी रिसर्च इंक्लूडिंग वेक्सीन्स इन इंडिया (2012-2017)। प्रोक इंडियन नेटनसाईअकेड, 84 (1), 169-183

सिंह, ए., गुलाटी, के., छाबड़ा, एस.के., दुबे, एच., कलाइसिलवन, वी., एवं रे, ए. (2018) अग्रेवेशन ऑफ सीजर आफटर कंबाइन्ड नेबुलाइजेशन विद अलब्यूट्रोल एण्ड आइप्रोट्रोपियम ब्रोमाइड। जे फार्माकोलक्लिन, 6, 1-2

सिंघल, एस., एवं रॉय, वी. (2018) अवेयरनेस, प्रैक्टिस एण्ड व्यू अबाउट इंटिग्रेटिंग आयुष इन एलोपैथिक क्यूरिकूलम ऑफ एलोपैथिक डॉक्टर्स एण्ड इंट्रन्स इन टरटिअरी केयर टिचिंग होस्पिटल्स इन न्यू दिल्ली, इंडिया। जे इंटीग्रेटेड मेड, 16 (2), 113-119

सिंघल, एस., गुप्ता, ए.के., एवं रॉय, वी. (2018). कॉस्ट इफेक्टिवनेस ऑफ लेबेटालोलवर्सेस मिथाइल डोपाइन द ट्रीटमेन्ट ऑफ पीआईएच. आईजेबीपीआर, 9 (3), 79-85

थोकचोम, एस., गुलाटी, के, रे, ए., मेनन, बी.के., एवं राजकुमार (2018). इफेक्ट्स ऑफ योगिक इंटरेन्शन ऑन पलमोनरी फंक्शन एण्ड हेल्थ स्टेट्स इन पेशेन्ट्स ऑफ सीओपीडी एण्ड द पोसिबल मैकेनिज्म्स। कोम्प्लथैरेपीज क्लिनप्रैक्टिस, 33, 20-26

कुमार, एम., कुलश्रेष्ठ, आर., सिंह, एन., एवं जग्गी, ए.एस. (2019). एक्सपेन्डिंग स्पैक्ट्रम ऑफ एंटी कैंसरड्रग, इमैटिनिब, इन द डिसऑर्डर्स अफेक्टिंग ब्रेन एण्ड स्पाइनल कोर्ड। फार्माकोलॉजीकल रिसर्च, 143, 86-96.https: //doi.org/10.1016/j.phरुपए2019.03.014

वैद्य, एस., गोठी, डी., एवं कुलश्रेष्ठ, आर. (2019). सेंटपेरेग्रीन ट्यूमर" विद "सिंक्रोनस प्राइमरी रीनल सेल कार्सिनोमा'। पेपर एक्सेपटेड फॉर पब्लिकेशन इन लंग इंडिया।

पांडे, ए., कुलश्रेष्ठ, आर., मेनन, बी., राजकुमार, एवं गौर, एस.एन. (2018) एन्थ्राकोटिकपिगमेंट इन ट्रांसब्रोन्चियल लंग बायोप्सी: एन इनोसेंटबाय सेंडर और पैथोजनिक एजेन्ट फॉर पैरेन्काइमल लंग डिजीज। इंडियन जे चेस्ट डिसएलाइडसाइंस, 60,27-31

सिंह, एल., कुलश्रेष्ठ, आर., सिंह, एन., एवं जग्गी, ए.एस. (2018). मैकेनिज्म इन वोलव्ड इन एडेनोसिनफ़ार्माकोलॉजिकल प्रीकॉन्डिशनिंग- इंड्यूज्ड कार्डियो प्रोटेक्शन। कोरियन जेफिजियोलफार्माकोल, 22, 225-234

रामास्वामी, एस., छाबड़ा, एस.के., गुप्ता, एम., डैश, डी.जे.एवं बंसल, वी. (2018). सालबटामोलबटनॉटइ प्रेट्रोपियम शिफ्ट्स ऑटोमेटिक बैंलस टूवर्ड्स सिम्पेथेटिक इन क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज। क्यूररेस्पिर मेड रेव, 14 (3), 166-71

डोगरा, वी., मेनन, बी.के., बंसल, वी. एवं गौर, एस.एन. (2018). टू असेस्स द कोरिलेट्स ऑफ रेस्पिरेटरी मोर्बिडिटि रिलेट्ड क्वालिटी ऑफ लाइफ, यूजिंग सेंट जॉर्ज रेस्पिरेटरी कोश्नेयर (एसजीआरक्यू) अमंगमेल सीओपीडी पेशेन्ट्स। इंट जे एडव मेड, 5 (3), 498-504

डोगरा, वी., मेनन, बी.के., बंसल, वी. एवं गौड़, एस.एन. (2018). कोरिलेशन बिटवीन सीटी फिनोटाइपिक पैटर्नस विद क्लिनीकल, न्यूट्रिशनल एण्ड पलमोनरी फंक्शन पैरामीटर्स अमंग सीओपीडी पेशेन्ट्स।। इंट जे रेस मेड साइन्स, 5 (3), 498-504

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ

इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एंड एलाइड साइंसेज (आईजेसीडीएएस), प्रकाशित लेखों की गुणवत्ता से समझौता किए बगैर जर्नल को एक नया रूप देने के लिए फिर से शुरू किया गया है।

वीपीसीआई न्यूज लेटर के जुलाई-दिसंबर 2016 तथा जनवरी-जून 2017 के लंबित मुद्दों को प्रकाशित और वितरित किया गया था।

संपादक(कों)/सदस्य(यों) संपादक मंडल के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या:04

डॉ. राजकुमार मुख्य संपादक; डॉ. मालिनी शेरिफ, सदस्य; डॉ. बालाकृष्णनमेनन, सदस्य; डॉ. अनुराधा चौधरी, सदस्य, डॉ. रितुकुलश्रेष्ठ, संपादक, वीपीसीआईन्यूज़लेटर।

शोध परियोजनाएँ

वर्ष 2017 में आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित । 2017-2020 में शोध किया गया। वीपीसीआई, दिल्ली में उपस्थित रोगियों में कम श्वसन पथ के संक्रमण के कारण एनारोबिक बैक्टीरिया का आइसोलेशन और लक्षण वर्णन। 24.04 लाख रुपये की मंजूरी के साथ।

वर्ष 2015 में आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित। 2015 - 2018 में शोध किया गया। दवा प्रतिरोधी तपेदिक के फेनोटाइपिक और जीनोटाइपिक संकेतक: क्या उन्हें एमडीआर और एक्सडीआर तपेदिक के लिए शुरुआती चेतावनी प्रणाली के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है? 62.34 लाख रुपये की मंजूरी के साथ।

वर्ष 2017 में आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित। 2017-2020 में शोध किया गया। मल्टीकोकस माइक्रोसेटेलाइट टाइपिंग एण्ड एन्टीफंगल्स प्रोफाइल ऑफ क्लीनिकल क्रीपटोकोकस नियोफॉरमेन्स स्पीसीज कॉम्पलेक्स आइसोलेटड फ्रॉम पेशेन्ट्स ऑफ क्रिपटोकोकोसिस। 13.13 लाख रुपये की मंजूरी के साथ। ।

वर्ष 2014 में आयुष (सीसीआरएएस) द्वारा वित्त पोषित। 2014-2018 में शोध किया गया। इवेल्यूएशन ऑफ एन्टीवायरल एक्टीविटी ऑफ मेडिसनल प्लांट एक्सट्रेक्ट्स अगेंस्ट इन्फ्लूएंजा ए वायरस। 23.04 लाख रुपये की मंजूरी के साथ।

वर्ष 2016 में डीएसटी- एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित। 2016-2019 में शोध किया गया। अप्टेमर-एमआरएनए चिमरा - अगली पीढ़ी का आरएनए वैक्सीन। 28.31 लाख रुपये की मंजूरी के साथ।

वर्ष 2015 में डीएसटी द्वारा वित्तपोषित। 2015-2018 में शोध किया गया। स्टडी ऑफ द ट्रांस्क्रिप्शनल मेकेनिज्म्स अंडरलाइलिंग पल्मोनरी फाइब्रोसिस एण्ड देयर मोड्यूलेशन बाय थेरोप्टिक एजेन्ट्स। 43.00 लाख रुपये की मंजूरी के साथ।

वर्ष 2017 में एनआईएफ द्वारा वित्त पोषित। 2017-2018 में शोध किया गया। एक्सपेरिमेन्टल स्टडीज टू इवेल्यूएट द मोड ऑफ एक्शन ऑफ ट्रेडिशनल हर्बल एजेंट्स इन ब्रोन्कियल अस्थमा। 20.37 लाख रुपये की मंजूरी के साथ।

2018 में डीबीटी द्वारा वित्त पोषित। 2018-2021 में शोध किया गया। स्मार्ट रेग्यूलेशन फॉर एन्टीबायोटिक यूज इन इंडियाः अंडरस्टेन्डिंग, इनोवेटिंग एण्ड इम्प्रूविंग कंपलाएन्स। 21.47 लाख रुपये की मंजूरी के साथ।

वर्ष 2015 में आयुष द्वारा वित्त पोषित। 2015-2018 में शोध किया गया। ए क्लीनिकल स्टडी टू इवेल्यूएट द एफेक्ट्स ऑफ योग ऑन पलमोनरी फंक्शन्स, सेलूलर एण्ड मोलिक्यूलर मार्कर्स एण्ड क्वालिटी ऑफ लाइफ इन पेशेन्ट्स ऑफ ब्रोन्कियल अस्थमा । 30.04 लाख रुपये की मंजूरी के साथ।

वर्ष 2017 में सीसीआरयूएम, आयुष द्वारा वित्त पोषित। 2017-2020 में शोध किया गया। एक्सपेरिमेन्टल स्ट्डीज ऑन द हेपटो-प्रोटेक्टिव एण्ड इम्यून मॉड्यूलेटरी इफेक्ट्स ऑफ दावा-उल-कुरकुम, ए पॉलीहेरल यूनानी प्रिप्रेशन एण्ड इट्स सेलुलर एण्ड मोलिक्यूलर मेकेनिज्म्स इन रेट्स । 23.57 लाख रुपये की मंजूरी के साथ।

वर्ष 2018 में आयुष द्वारा वित्त पोषित। 2018-2021 से किया गया। ए क्लीनिकल स्ट्डी टू इवेल्यूएट द इफेक्ट्स ऑफ योगिक इंटरवेंशन ऑन पलमोनरी फंक्शन्स, इनफ्लामेट्री मार्कर्स, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एण्ड हेल्थ स्टेट्स इन पेशेन्ट्स ऑफ क्रॉनिक ऑबस्ट्रक्टिव पलमोनली डिजीज (सीओपीडी)। 18.12 लाख

रुपये की मंज़ूरी के साथ।

वर्ष 2015-2018 में डीआईपीएएस, डीआरडीओ द्वारा वित्त पोषित। 2015-2018 में शोध किया गया। डेवल्पमेन्ट ऑफ एक्सर्साइज प्रोटोकॉल टू इम्प्रूव हाइपोक्सिक टोलरेंस। 50.00 लाख रुपये की मंज़ूरी के साथ।

वर्ष 2018 में एलएसआरबी, डीआरडीओ द्वारा वित्त पोषित किया गया। 2018-2021 में शोध किया गया। कोगनिटिव पर्फोमेन्स आफटर शोर्ट ड्यूरेशन सब-मेक्सीमल एक्सर्साइज इन यंग अडल्ट्स। 11.62 लाख रुपये की मंज़ूरी के साथ।

वर्ष 2015-2018 में आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित। वर्ष 2015-2018 में शोध किया गया। बच्चों में इनडोर वायु प्रदूषण और अस्थमा का प्रसार: जनसंख्या आधारित अध्ययन। 180.00 लाख रुपये की मंज़ूरी के साथ।

वर्ष 2015-2018 में एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित। वर्ष 2015 - 2018 में शोध किया गया। राष्ट्रीय तंबाकू छोड़ो सेवा। 382.41 लाख रुपये की मंज़ूरी के साथ।

वर्ष 2017 में आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित। वर्ष 2017-2018 में शोध किया गया। दिल्ली में तीव्र श्वसन प्रणाली पर बाहरी वायु प्रदूषण का प्रभाव: एक मल्टीसाइट परियोजना। 43.43 लाख रुपये की मंज़ूरी के साथ।

वर्ष 2016 में डीएसटी द्वारा वित्त पोषित। 2016-2019 में शोध किया गया। टू इन्वेसटिगेट द रोल ऑफ जे-रेसीपटर्स एज ए प्राइमरी क्यूसेटिव फेक्टर लीडिंग टू डिसोपोनिया ऑन एक्सट्रेक्शन इन पेशेन्ट्स विद पलमोनरी हाइपरटेंशन 1 (i) विद एण्ड (ii) विदआउट एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट एण्ड (2) विद कनेक्टिव टिश्यू डिजीज। 14.13 लाख रुपये की मंज़ूरी के साथ।

आयोजित की गई संगोष्ठियां

अप्रैल, 2018 में वीपीसीआई द्वारा "सरकॉइडोसिस: नॉट अननोन डिजीज" विषय पर 20वां रमनविश्वनाथन वीपीसीआई भाषण संगोष्ठी आयोजित की गई थी।

अप्रैल 2018 को वीपीसी आई.के नेशनल सेंटर ऑफ़ रेस्पिरेटरी एलर्जी, अस्थमा एण्ड इम्यूनोलॉजी (एनसीआरएएआई) द्वारा प्रयोगशाला कर्मचारियों के लिए गुणवत्ता प्रयोगशाला सेवाओं पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

जून, 2018 में वीपीसीआई द्वारा रेस्पीरेट्रीए लर्जी: डायग्नोसिस एण्ड मेनेजमेन्ट विषयपर 43वीं कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

नवंबर, 2018 में वीपीसीआई द्वारा “मैपिंग द फुट प्रिंट्स ऑफ एनटीएम इनफेक्शनः द नेग्लेक्टेड माइक्रोबैक्टीरियल डिजीज ”विषय पर सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

दिसंबर, 2018 में वीपीसीआई द्वारा "धूम्रपान और फेफड़ों के स्वास्थ्य" विषय पर सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था

जनवरी, 2019 में वीपीसीआई द्वारा कर्मचारियों के लिए बेसिक फायर फाइटिंग अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया गया था।

जनवरी, 2019 में वीपीसीआई द्वारा ट्यूबरक्लोसिस आरवीलूजिंग द बैटल? विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय के जीवविज्ञान विभाग के प्रोफेसर योगेन्द्र सिंह द्वारा संस्थान दिवस एवं 5वें डॉ.एच.एस.रंधावा कार्यक्रम में भाषण दिया गया।

फरवरी 2019 में वीपीसीआई द्वारा एंटीबायोटिक दवाओं के इष्टतम उपयोग के लिए फार्मासिस्टों की क्षमता विकसित करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

आयोजित संगोष्ठियां

सितंबर 2018 में यूरोपियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड इंफेक्शियस डिजीज के सहयोग से वीपीसीआई द्वारा "एंटीफंगल रेजिस्टेंस इन सिगनिफिकेन्ट फंगी "विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय स्नातकोत्तर तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मार्च, 2019 में जर्मनी के मुंस्टर, यूनिवर्सिटी चिकित्साल्य मुंस्टर के अलर्गोलॉजी विभाग के साथ मिलकर "प्रथम अपडेट ऑन एलर्जेनइम्यूनोथेरेपी" आयोजित किया गया।

संगोष्ठि/सम्मेलन में प्रस्तुति

अनुराधा चौधरी

जुलाई, 2018 में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर ह्यूमन एंड ए निमलमाइकोलॉजी (आईएसएचएएम) आरएआई एम्स्टर्डम, नीदरलैंड्स की 20वीं कांग्रेस में शीर्षक" आइडेन्टिफिकेशन एण्ड ऐंटिफंगल सस्पेक्टेबिलिटी ऑफ कैंडिडा ऐरियस" विषय पर गेस्ट लेक्चर।

जुलाई, 2018 में 11वीं अंतर्राष्ट्रीया माइकोलॉजिकल कांग्रेस, सैनजुआन, प्यूर्टोरिको में “फंगल ह्यूमन पेथोजन्सः फ्राम ऑबस्कयोर सिगनिफिकेन्स टू इम्पेन्डिंग डिसासट्रस्ट” शीर्षक से व्याख्यान प्रस्तुत किया गया है।

अगस्त, 2018 में "क्लीनिकल माइक्रोबायोलॉजी एण्ड इंफेक्शन कम 8th इंटरनेशनल इफेक्शन कंट्रौल कॉनफ्रेन्स, हांगकांग की 17वीं एशिया पेसिफिक कांग्रेस में “नोसोकोमियल फंगल इंफेक्शन्स” शीर्षक पर एक गेस्ट लेक्चर प्रस्तुत किया।

अक्तूबर, 2018 में वियना, ऑस्ट्रिया में "न्यू इनसाइट्स इन एपीडेमियोलॉजी ऑफ एस्परजिलस फ्यूमिगेटस" शीर्षक पर अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया, एंटिफंगल अनुसंधान और शिक्षा, जारी है।

नवंबर, 2018 में मध्यपूर्व, दुबई, में फंगल संक्रमण पर तृतीय मंच में "नेचुरल डिजास्टर्स एण्ड माइकोसिस "शीर्षक पर एक अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया।

मार्च, 2019 में वेस्टमिंस्टर, लंदन में 14वें वार्षिक फंगल अपडेट पर “द इमरजिंग प्रोब्लम ऑफ अनट्रीटेबल सीवीयर सुपरफिसीयल डरमेटोफाइटोसिस ड्यू टू इमरजिंग रेजिस्टेंस इन इंडिया” शीर्षक पर पूर्ण व्यख्यान दिया।

अनीता कोटवानी

अक्तूबर, 2018 में यू.के. के लिवरपूल में आयोजित हेल्थ सिस्टम रिसर्च विषय पर पांचवीं वैश्विक संगोष्ठी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

देखभाल और प्रभावी विनियमों की गुणवत्ता को मजबूत करना विषय पर निम्न एवं मध्य आय वाले देशों में निजी प्रदाताओं के साथ शामिल सत्र में से एक में अध्यक्ष।

अक्तूबर, 2018 में यूके रिसर्च एंड इनोवेशन इंडिया के लॉन्च तथा भारत-यूके रिसर्च एंड इनोवेशन साझेदारी की साझा सफलता का जश्न मनाने के लिए, पैनल चर्चाओं के बाद पूर्ण उद्घाटन के लिए यूके रिसर्च इनोवेशन द्वारा आमंत्रित किया गया।

नवंबर, 2018 में एंटी माइक्रोबियल स्टीवर्डशिप प्रोग्राम गतिविधियों की मासिक बैठक में भाग लेने के लिए फार्माकोलॉजी विभाग, पीजीआई, चंडीगढ़ द्वारा आमंत्रित किया गया।

एक वक्ता के रूप में डॉ. द्वारा "एंटीबायोटिक उपयोग में स्मार्ट नियमों की आवश्यकता" और संक्रामक रोगों के विभाग प्रमुख और क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर के एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप प्रोग्राम में दिसंबर,

2018 को आयोजित होने वाले उनके गुणवत्ता सर्कल बैठक में भाग लेने के लिए के अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित।

दिसंबर 2018 में 70वें आईपीसी सम्मेलन के आयोजकों द्वारा "एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध और एंटीबायोटिक उपयोग के स्मार्ट विनियमन" विषय पर एएमआर संगोष्ठी के दौरान वक्ता के रूप आमंत्रित किया गया।

मार्च, 2019 में बैंगलौर में "भारत में एंटीबायोटिक उपयोग का स्मार्ट विनियमन: एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण", विषय पर आयोजित एएमआर सत्र के दौरान व्याख्यान के लिए 7वें पैन कॉमनवेल्थ वेटरनरी सम्मेलन के आयोजकों द्वारा आमंत्रित किया गया।

कविता गुलाटी

जून, 2018 में आईएससीटीआईसीओ, आईयूपीएचएआर-जीआई,क्योटो, जापान द्वारा आयोजित एक जीआई-परिसंवाद में “रोल ऑफ इम्यून सिस्टम ड्यूरिंग स्ट्रैस-इंड्यूज्ड गैस्ट्रिकअल सरोजनेसिसः स्ट्रेटजीस फॉर गैस्ट्रिक साइटो प्रोटेक्शन ”विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

अगस्त, 2018 में हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में "फार्माको-विजिलेंस: बेसिक कॉन्सेप्ट्स एंड एप्लीकेशन "विषय पर अतिथि व्यख्यान दिया।

नवंबर, 2018 में आईपीसी-पीवीपीआई, एमएचएफ एण्ड डब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा गाजियाबाद में आयोजित एक कौशल विकास कार्यक्रम में, “असेस्मेन्ट ऑफ ADRs: क्लीनीकल रिलेवेन्स एण्ड मैनेजमेन्ट- बेसिक एण्ड रेग्यूलेट्री आसपेक्ट्स ऑफ फार्माकोविजिलेंस: ऑपटिमाइजिंग मेडिसिन सेफ्टी इज अवर गोल” विषय पर व्याख्यान दिया।

दिसंबर, 2018 में एम्स, नई दिल्ली में दिल्ली फार्माकोलॉजी सोसाइटी द्वारा फार्माकोलॉजी रिसर्च में अधुनातन पहलू पर आयोजित “योगिक इंटरवेन्शन इन द मेनेजमेन्ट ऑफ ब्रोन्कियल अस्थमा” विषय पर एक परिसंवाद में अतिथि व्याख्यान दिया।

फरवरी, 2019 में बैंगलौर में आईएसीएस-इंडिया द्वारा ट्रांसलेशनल रिसर्च इन कार्डियो वास्कुलर साइंसेज विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “थियोफिला इन इंड्यूज्ड कार्डियो टॉक्सिसिटी एंड इट्स मेकेनिज्म: ए ट्रांसलेशनल एप्रोच” विषय पर अध्यक्ष तथा अतिथि व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित।

मंदिरा वर्मा बेसिल

अप्रैल में टीबीसीएमई, पीजीआई, चंडीगढ़ में अतिथि व्याख्यान दिया।

अगस्त, 2018 में एंटीबायोटिक्स, रोम, इटली, मीटिंग्स इंटरनेशनल, एंटीबायोटिक्स 2018 पर विश्व कांग्रेस में अतिथि व्याख्यान दिया।

वीपीसीआई, दिल्ली, 1 नवंबर, 2018 वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट एण्ड दिल्ली चैप्टर, आईएएमएम में मैपिंग द फुट प्रिंट्स ऑफ एन टीएम इन्फेक्शन पर अतिथि व्याख्यान।

रितु कुलश्रेष्ठ

नवंबर, 2018 में अहमदाबाद गुजरात में इंटर्सटिटियल लंग डिजीज पर कार्यशाला में “इंटरप्रेटिंग पेथालॉजी इन आईएलडी: वॉट एवरी फिजीशियन शुड नो” विषय पर रिसोर्स पर्सन के रूप में तथा 'पल्मोनरी डिजीज (एनएपीसीओएन) पर एमडीडी सत्र 2018 के 20वें राष्ट्रीय सम्मेलन में पैनलिस्ट' के रूप में।

सितंबर, 2018 में हयात रीजेंसी, नई दिल्ली में आयोजित "पैथोलॉजिस्ट ऑन पैनल फॉर ब्रेक-आउट प्रैक्टिकल वर्कशॉप -क्लीनिकल केसेस" डिफ्यूज लंग डिजीज - अपडेट 2018 कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में।

सितंबर, 2018 में भारतीय साइटोलॉजिस्ट अकादमी यू.पी.चेप्टर की 6ठें वार्षिक सम्मेलन पर पैथोलॉजी विभाग, सुभारती मेडिकल महाविद्यालय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ यूपी साईटोकॉन 2018, द्वारा आयोजित “इंटर्सटिंग केसस ऑफ मॉलिक्यूलर डायग्नोसिस ऑफ लंग कैंसर विषय पर रिसोर्स पर्सन के रूप में।

जून, 2018 में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेन्शन एण्ड रिसर्च, नोएडा, सीएमई के ग्रे जोन्स एण्ड रिसेन्ट अपडेट्स इन ब्रेस्ट, थाइरायड, ब्रोंकोपल्मोनरी एण्ड सर्वाइकल साइटोलॉजी प्रभाग द्वारा “पोटोपॉरी ऑफ इंटर्सटिंग केसस एण्ड डायगनोस्टिक ट्रैप्स इन ब्रोंकोपल्मोनरी साइटोलॉजी” विषय पर रिसोर्सपर्सनकेरूपमें।

राज कुमार

जून, 2018 में नई दिल्ली मेंविश्व तंबाकू निषेध दिवस सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय तंबाकू छोड़ने के विस्तार पर व्याख्यान दिया।

चेस्ट केयर एंड रिसर्च सोसाइटी, एरा के लखनऊ मेडिकल महाविद्यालय एंड हॉस्पिटल, लखनऊएवं यूपी ट्यूबरकुलोसिस एसोसिएशन द्वारा आयोजित सारकॉइडोसिस के निदान और उपचार में वर्तमान मुद्दों पर अतिथि व्याख्यानदिया गया।

मई, 2018 को लखनऊ में आयोजित आईएलडीपर राष्ट्रीय सीएमई।

जून, 2018 में वीपीसीआई द्वारा आयोजित रेस्पीरेट्री एलर्जीःडायगनोसिस एण्ड मेनेजमेन्ट विषय पर 43वीं कार्यशाला के दौरान इन-विवो;माइट्स एण्ड इट्स एलर्जेन्ट्स; इट्स कोन्सर्टेशन एण्ड क्लीनिकल रिलेवेन्स; की फैक्टर्स टू बी कंसीडर्ड बीफोर इनीशियोशन ऑफ एआईटी एण्ड मेनेजमेन्ट ऑफ पॉलीसिन्थैसाइज्ड पेशेन्ट्स; सेटिंग अप एन एलर्जी क्लीनिक; हैंड्स ऑन प्रैक्टिकल ट्रैनिंग - एसपीटी पर व्याख्यान दिया।

नवंबर, 2, 2018 को नई दिल्ली में आयोजित स्मोकिंग सिस्सेशन - नीड ऑफ द होउरैट द रेस्पीकॉन इंडिया 2018 विषय पर अतिथि व्याख्यान

नवंबर, 2018 को नई दिल्ली में फेंफडों के स्वास्थ्य पर 50वें विश्व संघ सम्मेलन में फेफड़े के स्वास्थ्य पर अतिथि व्याख्यान दिया।

नवंबर, 2018 को अहमदाबाद में गुजरात विश्वविद्यालय, एनसीसीपी, आईसीएस द्वारा संयुक्त रूप से नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजीशियन (एनसीसीपी) तथा इंडियन चेस्ट सोसाइटी (आईसीएस) एनएपीसीओएन - 2018 के 20वें संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन में एलर्जी और एरोबायोलॉजी पर परिसंवाद में अध्यक्ष के रूप में और धूम्रपान निषेध, खाद्य एलर्जी के लिए स्मार्टफोन एप्लिकेशन के उपयोगः एक विंहगावलोकन,रोकथाम/सुझाव पर अतिथि व्याख्यान दिए, एलर्जी क्लीनिक की स्थापना की।

दिसम्बर, 2018 को वीपीसीआई एवं तंबाकू रोकथाम संस्था द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम में धूम्रपान तथा फेफड़ों के स्वास्थ्य विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

जनवरी, 2019 को जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियां मानव स्वास्थ्य एवं सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मेंपर्यावरण प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य खतरें विषय पर अध्यक्ष तथा अतिथि व्याख्यान दिया।

फरवरी, 2019 में वीपीसीआई द्वारा आयोजित एंटीबायोटिक दवाओं के इष्टतम उपयोग के लिए फार्मासिस्टों की क्षमता को विकसित करने के लिए कार्यशाला में अध्यक्ष के रूप में।

एस.के. बंसल

वीपीसीआई दिल्ली द्वारा आयोजित 'मैपिंग द फुटप्रिंट्स ऑफ एनटीएम इंफेक्शनः द नेगलेक्टेड माइबैक्टिरियल डिजीज पर सीएमई कार्यक्रम में "एथिक्स इन बायोमेडिकल रिसर्च इंवॉल्विंग ह्यूमन पार्टिसिपेंट्स"'नामक व्याख्यान दिया।

जून-जुलाई, 2018 को इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर ह्यूमन एंड एनिमल माइकोलॉजी (आईएसएचएएम) आरएआई,एम्स्टर्डम, नीदरलैंड की 20वीं कांग्रेस में अनुराधा चौधरी/चेष्ठाशर्मा ने "जीनोमिक प्रेस्पेक्टिव ऑफ ट्राइजॉल रेजिस्सटेन्स इन एस्परगिलस फ्यूमिगेटस आइसोलेट्स विद्आउटcyp51A म्यूटेशन्स यूजिंग होल-जिनोम सिक्वेनसिंग"।

जून-जुलाई, 2018 को इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर ह्यूमन एंड एनिमल माइकोलॉजी (आईएसएचएएम) आरएआई,एम्स्टर्डम, नीदरलैंड की 20वीं कांग्रेस में अनुराधा चौधरी/आशुतोष सिंह, "उत्तर भारत में ट्राइकोफाइटन इंटरडिजिटल संक्रमण में नैदानिक और माइकोलॉजिकल प्रतिरोध का उद्भव"।

जून-जुलाई, 2018 को इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर ह्यूमन एंड एनिमल माइकोलॉजी (आईएसएचएएम) आरएआई,एम्स्टर्डम, नीदरलैंड की 20वीं कांग्रेस में अनुराधा चौधरी/आशुतोष सिंह, "भारत में कैंडिडा पैराप्सिलोसिस में फ्लुकोनाज़ोल प्रतिरोध और स्टेरोल बायोसिंथेसिस जीन (ईआरजी 11) का विश्लेषण।

अप्रैल, 2019 को मैक्स सुपर स्पेशिलटी चिकित्साल्य, साकेत में दिल्ली एसोशिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबाइलॉजिस्ट्स (आईएएमएम) दिल्ली चेप्टर में "K143R एमिनो एसिड सबस्टिट्यूशन्स इन एज़ोल टारगेटErg11 प्रोटीन डायरेक्टली कंट्रीब्यूट टू रिड्यूस्ड फ्ल्यूकोनेजोल सस्पेक्टिबिलिटी इन सी. पैराप्सिलोसिस क्लीनिकल आईसोलेट्सः रिजल्ट्स फ्रॉम लैबोरेट्री बेसड सर्विलेन्स इन इंडिया"अनुराधा चौधरी/आशुतोष सिंह, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट (आईएएमएम) दिल्ली चैप्टर।

अप्रैल, 2019 में कंजेनटियल एण्ड पेरीनेटल इनफेक्शन्स, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, साकेत में इंडियन एसोशिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स (आईएएमएम) दिल्ली चेप्टर में "टार्बीनाफिन रेजिस्टेन्स प्रीडोमिनेन्टली ड्यू टू एल397एफ म्यूटेशन इन स्क्वैलेन एपॉक्सीडेज (एसक्यूएलई) जीन इन क्लीनिकल आईसोलेट्स ऑफ ट्राईकोपाइथन स्पीसीस इन इंडिया" नामक पोस्टर अनुराधा चौधरी/आशुतोष सिंह ने (एसक्यूएलई) प्रस्तुत किया।

जून, 2018 को इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर ह्यूमन एण्ड एनिमल माइकोलॉजी (आईएसएचएएम) आरएआई एम्स्टर्डम, नीदरलैंड्स की 20वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में अनुराधा चौधरी/प्रदीप कुमार सिंहने "इन विट्रो एक्टिविटी ऑफ द न्यू एन्टीफंगल ड्रग्स ओलोरोफिम (एफ901318) एण्ड टोपिकल एन्ज़ोल्स, लुलिकोनज़ोल एण्ड सेराटेकोनाज़ोल, अगेंस्ट मोलिक्यूलेरीली केरेक्टेराइज्ड क्लीनिकल पेनिसिलियम एण्डटालारोमाइसेस आइसोलेट्स" नामक एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

जून-जुलाई, 2018 में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर ह्यूमन एण्ड एनिमल माइकोलॉजी (आईएसएचएएम) आरएआईएम्स्टर्डम, नीदरलैंड्स की 20वीं कांग्रेस में "इवेल्यूएशन ऑफ स्पीसीस डायवर्सीटी अमंग इंडियन क्लीनिकल स्किज़ोफिलम कोम्यून यूजिंग मैट्रिक्स-असिस्टेड लेजर डेजोरप्शन आयोनाइजेशन-टाइम ऑफ फ्लाइट मास स्पेक्ट्रोमीटरी एण्ड एमएलएसटी" नामक पोस्टरअनुराधा चौधरी/प्रदीप कुमार सिंह, द्वारा प्रस्तुत किया गया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली; लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली।; वर्धमान महावीर मेडिकल महाविद्यालय एंड सफदरजंग चिकित्साल्य, नई दिल्ली; एसआरएम यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर, सोनीपत, हरियाणा; राजमन बाबू इंस्टीट्यूट फॉर पल्मोनरी मेडिसिन एंड ट्यूबरकुलोसिस;

(आरबीआईपीएमटी), नई दिल्ली; सेंटर फॉर डिसीज डायनामिक्स एंड इकोनॉमिक पॉलिसी एंड एमिटी यूनिवर्सिटी और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एनिमल बायोटेक्नोलॉजी; सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन युनानी मेडिसिन, आयुष मंत्रालय, परमाणु चिकित्सा और संबद्ध विज्ञान संस्थान, डीआरडीओ, दिल्ली; सीआईसी; दिल्ली विश्वविद्यालय। भौतिक विज्ञान और संबद्ध विज्ञान संस्थान, डीआरडीओ, दिल्लीसीएसआईआर-आईजीआईबी (इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी), दिल्ली।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत	...	100 %
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या	...	-लागू नहीं-

संकाय की संख्या: 14

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. नेहा कौशिक (एमडी छात्रा) को भारतीय हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में जनवरी 2018 को आयोजित एनसीसीपीक्विज में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. नेहा कौशिक (एमडी छात्रा) को नई दिल्ली में पुलमोकॉन -2018 में आयोजित क्विज के दौरान तीसरा पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. नवीन वेणीलवन आर. (एमडी छात्र) को फरवरी में पीजीआईएमएस,रोहतक में आयोजित ऑब्स्ट्रक्टिव एयरवे डिसीज़ एंड एनआईवी पर सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति में तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

दिसंबर 2018 को अहमदाबाद में आयोजित एनएपीसीओएन-2018 में डॉ. लोविका लखटकिया (एमडी छात्र) को मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

दिसंबर 2018 को अहमदाबाद में आयोजित एनएपीसीओएन-2018 के दौरान डॉ. नवीन वेणीलवन, डॉ. नेहा कौशिक, दोनों एमडी छात्र और श्री अनिल कुमार मावी और श्री कमल सिंह, दोनों पीएचडी छात्र सहित वीपीसीआईछात्रों द्वारा एक दर्जन से अधिक शोध प्रस्तुत किए गए थे। ।

डॉ. नेहा ने नवंबर में ताइपेई, ताइवान में आयोजित एपीएसआर-2018 कांग्रेस में पोस्टर प्रस्तुत किया।

श्री अनिल कुमार मावी, पीएचडी छात्र, ने दिसंबर 2018 में फ्लोरेंस, इटली में आयोजित डब्ल्यूएओ अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति दी।

पुस्तकालय विकास

संस्थान में पल्मोनरी डिजीज एंड एलाइड साइंसेज के क्षेत्र में 10100 पुस्तकें, 25025 बाउंड जर्नल, 175 CD's, 570 थीसिस और 27 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीयरिपोर्टों के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालय है। संस्थान के जर्नल विनिमय कार्यक्रम पर कुल 16 पत्रिकाएँ (06 अंतर्राष्ट्रीय एवं 10 राष्ट्रीय) प्राप्त हो रही हैं और 03 पत्रिकाएँ (02 अंतर्राष्ट्रीय एवं 01 राष्ट्रीय) मानार्थ आधार पर प्राप्त की जाती हैं। वीपीसीआईवर्ष 2018 से कैलेंडर के लिए राष्ट्रीय स्तर के ईआरएमईडीकंसोर्टियम (ई-जर्नल) का सदस्य है। ईआरएमईडीकंसोर्टियम ने पांच प्रकाशकों से 239+ ई-जर्नल की सदस्यता ली।सभी ई-जर्नल हमारे संस्थान के स्टेटिक IP/IP's पर कॉन्फ़िगर किए गए हैं। विशिष्ट रूप से तैयार ई-जर्नल गेटवे http://www.ermed.in के माध्यम से संबंधित पुस्तकालय से ई-जर्नल का अधिकतम उपयोग बढ़ाने और पहुंच/डाउनलोड के लाभ के लिए पुस्तकालय समय-समय पर कर्मचारियों,अनुसंधान विद्वानों, छात्रों आदि के बीच जागरूकता पैदा करता है।डीयूसीसीनेटवर्क/एलएएनके माध्यम

से प्रत्येक संकाय सदस्य के डेस्कटॉप पर ही इंटरनेट सेवाएं और एमटीएनएलसे 10 एमबीपीएस की एक अलग लीज्ड लाइन कनेक्टिविटी (वीपीसीआई) प्रदान की गई हैं। पुस्तकालय मांग किए जाने पर अंतर-पुस्तकालय ऋण सुविधाएं तथा रिप्रोग्राफिक सेवाएं प्रदान करता है। पुस्तकालय एक खुली पहुंच प्रणाली का अनुसरण करता है। पुस्तकालय आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों से सुसज्जित है और उपयोगकर्ताओं को सीएएस (करंट अवेयरनेस सर्विसेज) तथा एसडीआई (सूचना का चयनित निष्क्रियकरण) सेवाओं तक पहुँचने के लिए इंटरनेट/ई-मेल सेवाएं प्रदान करना जारी रखती है। ये ई-मेल के माध्यम से ऑनलाइन/ऑफ़लाइन रूप में और/या वर्ष के दौरान प्रिंट के रूप में उपयोगकर्ताओं को प्रदान किए जाते हैं।पुस्तकालय "LibSys 4.0"लाइब्रेरी प्रबंधन सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है, जो एक एकीकृत बहु-उपयोगकर्ता पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली है जो पुस्तकालय के सभी इन-हाउस संचालन का समर्थन करता है। 'लिबसिस' में अधिग्रहण, कैटलॉगिंग, सर्कुलेशन, सीरियल्स, आर्टिकल इंडेक्सिंग और ओपैक के मॉड्यूल शामिल हैं।

वित्तीय आबंटन और उपयोग

मंजूर अनुदान   62.00 करोड़ रूपये

उपयोग किए गए 62.00 करोड़ रूपये

संकाय सदस्यों द्वारा उन्नत और विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ (पैथोलॉजी) ने अक्तूबर, 2018 को रोश डायग्नोस्टिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली द्वारा आयोजित एनएससीएलसी के लिए पीडी-एल 1 (एसपी263) पैथोलॉजिस्ट प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. कविता गुलाटी (भेषजगुण विज्ञान विभाग)

मार्च, 2019 में भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी), गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) द्वारा होस्ट किए गए एएसयू-एचफार्माकोविज की आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी तथा होम्योपैथी ड्रग्स/मूल परिचय और अवधारणा के लिए फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम में भाग लिया।

दिसंबर, 2018 में उत्तर क्षेत्र, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के एडीआरमॉनिटरिंग सेंटर्स (एएमसीएस) द्वारा होस्ट किये गए एएमसी समन्वयक मीट-कम- एडवांस्डट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर पेशेंट सेफ्टी फ़ार्माकोविजिलेंसआसोशियेट्स (पीएसपीवीएएस) में भाग लिया।

डॉ. उमा त्यागी (पुस्तकालय) ने नवंबर-दिसंबर, 2018 में सीएसआईआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस कम्युनिकेशन एंड इंफॉर्मेशन रिसोर्सेज (सीएसआईआर-एनआईएससीएआईआर)द्वारा होस्ट लाइब्रेरी ऑटोमेशन एण्ड नेटवर्किंग में भाग लिया।

संकाय सदस्यों द्वारा अल्पकालिक विशेषीकृत प्रशिक्षण दिया जाना

डॉ. एस.के. बंसल (बायोकेमिस्ट्री)

जून, 1 - जुलाई, 13 से श्री सुधांशु शर्मा एमएससी (बायोकैमिस्ट्री) गलगोटिया यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, सुश्री अवजीत कौर और सुश्री पूजा बंसल M.Sc (जैव प्रौद्योगिकी) दीनबंधु छोटू राम विश्वविद्यालय विज्ञान और प्रौद्योगिकी, मुरथल, हरियाणा को जैव रसायन में तकनीक पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

सुश्री निशा कौशिक एम.एससी (जैव-प्रौद्यागिकी) दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल, हरियाणा को 14 जून से 13 जुलाई, 2018 तक जैव रसायन में तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

डॉ. विश्वजीत रोहिल (क्लीनिकल बायोकैमिस्ट्री)

15 मई से 6 जून, 2018 तक अमेटी इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नॉलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा (उ.प्र.) की सुश्री संत्रीप्ता भौमिक बीएससी (ऑनर्स) (बायोटेक्नोलॉजी) को क्लीनिकल बायोकैमिस्ट्री/बायोटेक्नोलॉजी पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

1 जून से 16 जुलाई, 2018 तक सुश्री वाणी श्री बीटेक (बायोटेक्नोलॉजी) जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा को क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री/बायोटेक्नोलॉजी पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

1 जून से 31 अगस्त तक सुश्री पारुल खत्री तथा सुश्री रिची कुशवाहा एमएससी (बायोटेक्नोलॉजी) दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल (हरियाणा) को क्लीनिकल बायोकेमिस्ट्री/बायोटेक्नोलॉजी पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

1 जून से - 31 जुलाई 2018 तक सुश्री संयोगिता राय सुश्री गुंजन एमएससी(बायोटेक्नोलॉजी) इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड मेडीसिन एंड रिसर्च, गाजियाबाद (उ.प्र.) को क्लीनिकल बायोकैमिस्ट्री/बायोटेक्नोलॉजी पर प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रतिष्ठित आगंतुक

श्री. जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार।

डॉ. एड्रैस मोवाकोवा मालता, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मलावी, दक्षिण-पूर्वी अफ्रीका के कुलपति।

डॉ. संजीब भाटिया, आईएसएमबी-माइक्रोबैक्टिरीया शोध प्रयोगशाला, बिरबेक लंदन विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम।

डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

डॉ. ए.के. जैन, प्रोफेसर ऑफ एक्सीलेन्स, फिजियोलॉजी विभाग, मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली।

डॉ. अचल गुलाटी, निदेशक-प्रधानाचार्य, डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर मेडिकल महाविद्यालय एंड हॉस्पिटल, दिल्ली।

डॉ. जे.सी. सूरी, पूर्व सलाहकार, प्रोफेसर तथाविभाग प्रमुख, पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर एंड स्लीप मेडिसिन, वीएमएमसी और सफदरजंग चिकित्साल्य, नई दिल्ली। डॉ. योगेंद्र सिंह, जूलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

डॉ. सुरेन्द्र कश्यप, निदेशक, कल्पना चावला मेडिकल महाविद्यालय, करनाल।

श्री प्रवीण सिन्हा, राष्ट्रीय व्यावसायिक अधिकारी, विश्व स्वास्थ्य संगठन, नई दिल्ली।

डॉ. मनोज खन्ना, प्रधानाचार्य, रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

डॉ. विभा सिंह चौहान, प्रधानाचार्य, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

डॉ. सिमरित कौर, प्रधानाचार्य, श्री राम वाणिज्य महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

डॉ. विपिन अग्रवाल, प्रधानाचार्य, सर अरबिंदो महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

डॉ. दमन सलूजा, निदेशक, अम्बेडकर सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च, दिल्ली विश्वविद्यालय।

श्री संजीव कुमार, अपर सचिव (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

डॉ. जगदीश कौर, क्षेत्रीय सलाहकार, तंबाकू मुक्त पहल, दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन क्षेत्रीय कार्यालय, नई दिल्ली।

डॉ. बी.एल. शेरवाल, निदेशक, निदेशक, राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी चिकित्साल्य, नई दिल्ली।

डॉ. रोहित सरीन, निदेशक, राष्ट्रीय क्षय रोग और श्वसन रोग संस्थान, नई दिल्ली।

सांस्कृतिक और खेल गतिविधियाँ

संस्थान ने वीपीसीआईखेल और सांस्कृतिक गतिविधि कार्यक्रम का संचालन किया। खेल कार्यक्रमों में शामिल हैं: म्यूजिकल चेयर, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, बेंच प्रेस (वेट लिफ्टिंग), कैरम और शतरंज; तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल हैं: नाटक, नृत्य, वोकल म्यूज़िक, इंस्ट्रूमेंटल म्यूज़िक एंड काव्य गायन। वीपीसीआई स्पोर्ट्स एंड कल्चरल एक्टिविटी - 2018 का आयोजन 26 दिसंबर 2018 को किया गया था और इवेंट्स के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए थे।

अतिरिक्त जानकारी

जून 2018 में एमसीआईकी मंजूरी के बाद, वीपीसीआईने सुपर-स्पेशियलिटी पाठ्यक्रम कीपल्मोनरी मेडिसिन में डीएम की 2 सीटों पर दाखिला लिया है, । 2018-21 सत्र के दौरान दो छात्र शामिल हुए हैं तथा पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक चल रहा है।

18 जून 2018 को प्रतीक्षारत रोगियों की सुविधा के लिए विश्वनाथन चेस्ट चिकित्साल्य में एक नए "रोगी पंजीकरण हॉल" का उद्घाटन किया गया।

श्री जेपी नड्डा, माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री,भारत सरकार, मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने संस्थान के गेट नंबर 1 और 4 में स्थापित “जनता के लिए दैनिक डिजिटल पोलन गणना सूचना” का उद्घाटन किया। डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड संस्थान में पुरानी एलर्जी वाले लोगों को सड़क पर धूल भरे या पराग के खतरे सेनिपटने में बेहतर तरीके से तैयार करने में सक्षम बनाएगा।यह हवा में पराग एकाग्रता के बारे में जागरूकता पैदा करने में भी मदद करेगा, जो अस्थमा के रोगियों में बार-बार हानि पहुँचाने वाले कारणों में से एक प्रमुख कारण है।

21 जून 2018 को चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। ऑडिटोरियम के बेसमेन्ट में योग सत्र का आयोजन किया गया जिसमें सभी क्षेत्रों के लोगों ने भाग लिया और योग तकनीकों को सीखा।

चिकित्साल्य परिसर में दिनांक 12.01.2018 को रोगी शिक्षा केंद्र (पीईसी) का उद्घाटन किया गयाजिसमें सांस की बीमारियों और उनके प्रभावी प्रबंधन के क्षेत्र में चिकित्साल्य के रोगियों और आगंतुकों के लिए दृश्य-श्रव्य और मुद्रित शैक्षिक सामग्रियों तक पहुंच की पेशकश की गई।

15 अक्तूबर 2018 को वीसीएचके रोगी रसोईघर का नवीनीकरण और उद्घाटन किया गया है।

बायोकेमिस्ट्री विभाग ने अस्थमैटिक्स के एरिथ्रोसाइट मेम्बरान प्रोटीन प्रोफाइल और स्वस्थ नियंत्रण पर अध्ययन किया, जिसमें 97 प्रोटीनों की उपस्थिति को दिखाया गया जिसमें ≥2 अद्वितीय पेप्टाइड्स शामिल थे। आगे के विश्लेषण में 9 प्रोटीनों में कई पीटीएम (फॉस्फोराइलेशन और एसिटिलीकरण) दिखाया गया है, जो जैविक प्रक्रियाओं, चयापचय कार्यों, सेल मोरफोलॉजी, आकृति एवं आकार आदि सहित सेलुलर गतिविधियों के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। वे अस्थमा के विभिन्न प्रकारों में विशिष्ट रूप से मौजूद या अनुपस्थित थे। प्रोटीन-प्रोटीन इंटरैक्शन विश्लेषण ने ग्लिसराल्डिहाइड 3 फॉस्फेट डिहाइड्रोजनेज को एक महत्वपूर्ण प्रोटीन होनादर्शाया, जो ग्लाइकोलाइसिस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और अस्थमा में ऑक्सीडेंट और एंटीऑक्सिडेंट की स्थिति के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए जाना जाता है।

वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट में सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग सक्रिय रूप से निदान, शिक्षण और अनुसंधान में शामिल है। जीवाणु विज्ञान, अनेरोबिक जीवाणु विज्ञान, माइकोबैक्टीरियोलॉजी, वायरोलॉजी एवं माइकोलॉजी से संबंधित कई निदान किए जा रहे हैं। रोगजनकों की पहचान के लिए जीन-विशेषज्ञ, एमजीआईटी, जीन सीक्वेंसर और

एमएएलडीआई-टीओएफएफ जैसी उच्च श्रेणी की सुविधाएं उपलब्ध हैं। एम. ट्यूबरकुलोसिस आइसोलेट्स, ईथमब्यूटोल प्रतिरोध तंत्र, एम. ट्यूबरकुलोसिस के ड्रग प्रतिरोध में एफ्लुक्स पंपों की भूमिका सहित ड्रग रेजिस्टेंस प्रोफाइलिंग और मोलिक्यूलर लक्षण और बैक्टीरियल रोगजनकों के प्रकारों में अनुसंधान, नई नैदानिक तकनीकों का सक्रिय रूप से अनुसरण किया जाता है।

मेडिकल माइकोलॉजी प्रभाग, संस्थान के क्लिनिकल रिसर्च सेंटर और दिल्ली के अन्य चिकित्सालयों में नैदानिक मायकोलॉजिकल और सीरोलॉजिकल सेवाएं प्रदान करता है। नैदानिक सेवाओं के अलावा विभाग विभिन्न मानव रोगजनक कवक जैसे कि कैंडिडा एरीस, सी. पैराप्सिलोसिस, सी. अल्बिकैंस, सी. ग्लोब्राटा, ट्राइकोफाइटन एसपीपी., एस्परगुलस फ्यूमिगेटस आदिमें बड़े पैमाने पर कार्यरत है। विषाणु विज्ञान इन्फ्लूएंजा वायरस डायग्नोस्टिक्स और महामारी विज्ञान अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल है। प्रयोगशाला का प्रमुख ध्यान एंटीवायरल शोध तथा इन्फ्लूएंजा एवं चिकनगुनिया वायरस के टीके को विकसितकरना है।

वीपीसीआई-डीएचआर-आईसीएमआर- मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट (एमआरयू) की स्थापना की गईतथा वर्ष 2015-16 के दौरानवी.पी. चेस्ट इंस्टीट्यूट में क्रियान्यवित की गई। यह एमआरयू 12वीं योजना अवधि के दौरान सरकारी मेडिकल महाविद्यालयों /अनुसंधान संस्थानों में बहु-विषयक अनुसंधान इकाइयों की स्थापना के लिए भारत सरकार की पहल का एक हिस्सा है। एमआरयू फेफड़े के फाइब्रोसिस के उपचार के लिए साँस लेना आधारित पॉलिमेरिक नैनोपार्टिकल ड्रग डिलीवरी सिस्टम की डिजाइनिंग में शामिल था; पलमोनरी एक्सट्रासेलुलर मैट्रिक्स के रीमॉडलिंग के दौरान bFGF / FGFR-1,2 सिग्नलिंग पाथवे।

फिजियोलॉजी विभाग ने कार्डियो-पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन सेवाएं प्रदान कीं: विश्वनाथन चेस्ट चिकित्साल्य, वीपीसीआई में कार्डियो-पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन क्लिनिक, पुराने श्वसन रोगियों के प्रबंधन में शामिल है, जो सांस लेने में तकलीफ और इष्टतम औषधीय उपचार होने के बावजूद सांस की तकलीफ के कारण दैनिक जीवन (एडीएल) की गतिविधियों में अक्षम होते हैं। पल्मोनरी पुनर्वास कार्यक्रम इस प्रकार के रोगियों में कार्यात्मक क्षमता को पुनःप्राप्त करने और विकलांगता को कम करने में मदद करता है।

पल्मोनरी मेडिसिन विभाग (incl। कार्डो-रेस्पिरेटरी फिजियोलॉजी एंड रेस्पिरेटरी एलर्जी एंड एप्लाइड इम्यूनोलॉजी), वीपीसीआईके क्लीनिकल विंग विश्वनाथन चेस्ट हॉस्पिटल (वीसीएच) में रोगी की देखभाल (आउटडोर और इंडोर) में शामिल है।संकाय व्यक्तिगत अनुसंधान और श्वसन रोगों के विभिन्न पहलुओं पर शोध कार्य में शामिल है और साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय के पल्मोनरी मेडिसिन (डीएम, एमडी और डीटीसीडी) - विषय के स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण के लिए भी है। शोध के विषयों में शामिल थे - एन्थ्राकोटिक पिगमेन्ट इन ट्रांसब्रोन्चियल लंग बायोप्सी: एन इनोसेन्ट बायसटेन्डर अथवा पेथोजनिक एजेंट फॉर पैरेन्काइमल लंग डिजीज; द डायग्नोसिस एण्ड ट्रीटमेन्ट ऑफ आईडियोपैथिक पलमोनरी फाइब्रोसिस इन रिसोर्स - कंस्ट्रैंड सेटिंग्स के लिए सामूहिक वक्तव्य; नेशनल टोबैको क्विटलाइन सर्विसेज - भारत में धूम्रपान और धूम्रपान रहित तंबाकू के उपयोग की व्यापकता का तुलनात्मक अध्ययन: एक एक वर्षीय संक्षिप्त रिपोर्ट; 4 अस्थमा नियंत्रण परीक्षण और भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में अस्थमा रोगियों में स्पाइरोमेट्री और इंफ्लामेट्री मार्कर्स के साथ सहसंबंध; दो वर्षो में जनसांख्यिकी प्रोफ़ाइल, धूम्रपान बंद करने का हस्तक्षेप और तंबाकू उपयोगकर्ताओं का लगातार संयम; 6 संयुक्त इंडियन चेस्ट सोसाइटी-नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (इंडिया) स्पाइरोमेट्री के लिए दिशानिर्देश, आदि।

श्वसन एलर्जी और एप्लाइड इम्यूनोलॉजी विभाग भारत में त्वचा की चुभन परीक्षण प्रतिक्रियाशीलता के आधार पर ब्रोन्कियल अस्थमा और/अवा एलर्जी रिनिटिस के रोगियों में एरोल्जेन के प्रसार पर अनुसंधान कार्य में शामिल था; दिल्ली में पराग दूषित वायु की पहचान; नेशनल टोबैको क्विटलाइन: द प्रिलिमिनरी इंडियन एक्सपीरियंस।

****

संगीत और ललित कला संकाय

संगीत

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां:-

संगीत और ललित कला विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, कर्नाटक संगीत जैसे संगीत रूपों, संगीत में रोजगारोन्मुखी शिक्षा, पश्चिमी शास्त्रीय संगीत और हिंदुस्तानी संगीत जैसी विभिन्न कार्यशालाओं और विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। "मल्हार" राग की कई किस्मों के वयोवृद्ध संगीतकारों द्वारा स्वर और वाद्य गायन के माध्यम से वर्षा ऋतु की खुशी और भावना का जश्न मनाने के लिए 30-31 अगस्त, 2019 को दो दिनों के लिए मल्हार उत्सव, 2018 का आयोजन किया गया था। संगीत विभाग के छात्रों ने पेरिसेपियंस - द एमिनेंट एलुमनी लेक्चर सीरीज़ के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी।

सम्मान/गौरव:

प्रोफेसर अनुपम महाजन को संगीत श्री, एबीपी अवार्ड, नई दिल्ली से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर दीप्ति ओमचेरी भल्ला को भारतनिर्माण, नई दिल्ली द्वारा मेक इन इंडिया पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर पी.बी. कन्नाकुमार को कर्नाटक संगीत सभा, नई दिल्ली द्वारा संगीत रत्नाकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर टी.वी. मणिकंदन को कर्नाटक संगति सभा, नई दिल्ली द्वारा संगीत रत्नाकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन:

भल्ला, दीप्ति ओमचेरी। (मार्च 2019)। मोहिनीअट्टम में बलराम भारतम् के प्रतिबिंब, संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली का जर्नल

भल्ला, दीप्ति ओमचेरी। (नवंबर, 2018)। संपादक, संगत दर्पण, स्वरभारती जर्नल, भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली

कासलीवाल, सुनेरा (2018). वाड्य अध्याय, संगित पारिजात, स्वरभारती जर्नल, भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली

महाजन, अनुपम (2018). अहोबल की विक्रिति स्वर व्यस्था, संगत पारिजात, स्वरभारती जर्नल, भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली

महाजन, अनुपम (2018). आईडीश्नल आसपेक्ट्स ऑफ इंडियन राग्स, विजडम स्पीक्स, वोल्यूम3

पत्रिकाएं: 1

वागेश्वरी (सितंबर 2018) प्रकाशन के लिए प्रक्रियाधीन है।

संपादकीय बोर्ड के संपादकों/सदस्यों के रूप में सेवारत विभाग शिक्षकों की संख्या: 9

आयोजित संगोष्ठियां/कार्यशालाएं -12

21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए योग विषय पर कार्यशाला।

17 अगस्त 2018 को विदुषी कृष्णा बिष्ट के साथ बातचीत में विदुषी शन्नो खुराना को प्रदर्शित करने वाला एक इंटरेक्टिव सत्र।

29 सितंबर, 2018 को कुरईपू-दक्षिण भारतीय तलस (कर्नाटक संगीत) पर चेन्नई से प्रतिपादक श्री वैद्यनाथन सुरेश द्वारा एक कार्यशाला।

16 जनवरी, 2019 को साध्यायन कार्यक्रम।

28 जनवरी, 2019 को स्वर्गीय पंडित निखिल बनर्जी के जीवन पर निनाद ऑडियो-विज़ुअल प्रस्तुति।

लघु अवधि के पाठ्यक्रमों ने 29 जनवरी, 2019 को संगीत में रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने के 10 वर्ष मना रहे हैं।

14 फरवरी, 2019 को प्रोफेसर टी. वी. मणिकंदन के द्वारा घनरागा पंचरत्न के सदगुरु त्यागराज आराधना समूह गायन पर कार्यशाला।

26 फरवरी, 2019 को प्रोफेसर डेविड क्लमैन द्वारा पश्चिमी शास्त्रीय संगीत पर कार्यशाला।

7 मार्च, 2019 को विदुषी. वी.राधा. द्वारा कर्नाटक संगीत पर कार्यशाला।

8 मार्च, 2019 को डॉ. जयंत खोट द्वारा टप्पा (हिंदुस्तानी संगीत) पर कार्यशाला।

12 मार्च, 2019 को चंदूसी कर्नाटक संगीत पर डॉ. एस.सोवम्या द्वाराकार्यशाला।

सम्मेलनों का आयोजन:

संगीत विभाग द्वारा मल्हार उत्सव 2018 का आयोजन किया गया था। भारतीय शास्त्रीय संगीत का एक वार्षिक दो दिवसीय उत्सव, संगीत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा, प्रत्येक वर्ष अगस्त-सितंबर के महीनों में आयोजित किया जाता है। इसमें"मल्हार"राग की कई किस्मों के वयोवृद्ध संगीतकारों द्वारा गायन और वाद्य गायन के माध्यम से वर्षा ऋतु की खुशी और भावना का जश्न मनाया जाता है। इस वर्ष, मल्हार उत्सव का आयोजन 30 अगस्त, 31 अगस्त, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत विभाग, सुमति सभागार में किया गया था, जिसका उद्घाटन प्रोफेसर योगेश त्यागी, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति तथाप्रोफेसर विदुषी शोवना नारायण, प्रख्यात कथक नृतक, पद्म श्री विजेता, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र द्वारा किया गया थे।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप:

शुक्रवार दिनांक 8 फरवरी, 2019 को वाइस-रिगल लोज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन हॉल में विभाग ने अवबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया - डॉ. बिबेक देबरॉय, माननीय प्रधानमंत्री जी की आर्थिक सलाहकार परिषद् के अध्यक्ष तथा सदस्य नीति आयोग के एक व्याख्यान के साथ प्रख्यात एलुमनी व्याख्यान श्रृंखला में एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

पी.एच.डी/एम.फिल पुरस्कृत व्यक्तियों की संख्या:

पी.एच.डी. - 8
एम.फिल.- 22

संकाय की संख्या

स्वीकृत पद: 41

कुल शिक्षक काम कर रहे: 25

प्रोफेसर: 10

एसोसिएट प्रोफेसर: 0

सहायक प्रोफेसर: 6

सहा. प्रोफेसर (तदर्थ): 9

अतिथि व्याख्याता: 6

****

विज्ञान संकाय

नृविज्ञान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के नृविज्ञान विभाग ने क्यूएस वैश्विक रैंकिंग -2019 में शीर्ष 100 में भाग लिया। यह दिल्ली विश्वविद्यालय का एकमात्र विभाग है, और भारत में एकमात्र नृविज्ञान विभाग है जिसने यह गौरव हासिल किया है।

सम्मान/प्रतिष्ठा

डॉ. के.एन. सरस्वती को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च, 2019 को आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा तेलुगु कर्मचारी कल्याण संघ, दिल्ली द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया

प्रोफेसर पी.सी जोशी को 28 फरवरी, 2019 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के एन्थ्रोपोलॉजी विभाग ने लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किया।

प्रकाशन

चट्टोपाध्याय, आई. (2019). आर्किलियोजीकल एन्थ्रोपोलॉजी: एन इन्ट्रोडक्शन टू प्रीहिस्ट्री। इंडियन बुक्स एण्ड पीरियोडिकल्स।

ढल, एम., कपूर, एस. (2018). डायनामिज्म ऑफ फिजीकल एक्टिवीटी पैटर्न एण्ड लाइफस्टाइल डिजीज। दिल्ली: धनराज बुक हाउस।

ढल, एम., त्यागी, आर., कपूर, एस., कपूर, ए.के. (2019). नॉर्थ ईस्ट इंडिया: इश्यूज एण्ड चैलेन्जेस्। दिल्ली: बुकवेलप्रकाशक ।

ढल, एम, त्यागी, आर., तुंगडिम, एम.जी, कपूर, ए.के. (2019). ग्लोबलाइजेशन ऑफ इंडियन ट्राइब्स: पास्ट, प्रजेन्ट एण्ड फ्यूचर डायन्मिक्स। दिल्ली: बुकवेल प्रकाशक।

चोफी, जी.के., झिमो, ए जी (2018). द केस ऑफ नागा ट्राइबल बॉडिज इन ए फ्लेजलिंग डेमोक्रेटिक सेट-अप। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक। 53 (32), पीपी 18-21

दास, एस., चंदेल, एस। (2018). फ्रैलटी पैटर्न अमंग द एलडर्ली रूरल वूमन ऑफ इंडिया। इंडियन जर्नल ऑफ जेरोन्टोलॉजी। 32 (2), पीपी 138-148

देवी एन.के., लोंगकुमेर आई., चंदेल एस., मंडल पी.आर., सरस्वती के.एन. (2018). नो इफेक्ट ऑफ हाई फिजीकल एक्टिविटी ऑन बॉडी मास इंडेक्स अमंग भील ट्राइबल पोपूलेशन इन इंडिया। ऑनलाइन जे हेल्थ एलाइड साइंसेज। 17 (2): 2

ढल, एम, श्रेत्रीमायूम सुरमाला दिवी, नीलूफर, गुप्ता, गुप्ता, यू, त्यागी,आर., कपूर, एस. (2018). हाइपरटेंशन एण्ड इट्स कोरिलेट विद जनरल एण्ड सैन्ट्रल एडिपोस्टी: ए स्टडी अमंग अर्बन पोपूलेशन ऑफ दिल्ली। डायबटीज एण्ड मेटाबोलिक सिंड्रोम: क्लीनिकल रिसर्च एण्ड रिव्यू।

ढल, एम., कपूर, ए.पी., भसीन, पी., कपूर, एस. (2018). पैटर्नस ऑफ फिजीकल एक्टिविटीज इंफ्लूएन्सिंग कार्डियो वैस्कुलर एणअड रेस्पीरेट्री फंक्शन्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल एंड हेल्थ साइंसेज। 7 (2): 47-52

फ़िरोज़ एन., धल्ल एम., कपूर एस. (2019). हेरीडिटरी कंट्रीब्यूशन टूवर्ड्स डेवल्पमेन्ट ऑफ टाइप 2 डाइबटीज मेलीटस अमंग इंडियन पोपूलेशन। डायबटीज रेस ओपन जे.; 5 (1), पीपी 18-22

फ़िरोज़, एन., ढल, एम., कपूर, एस. (2018). लाइफस्टाइल एण्ड डायबटीज अमंग मुस्लिम पोपूलेशन ऑफ मणीपुर।डायबटीज एण्ड मेटाबोलिक सिंड्रोम: क्लीनिकल रिसर्च एण्ड रिव्यूज।

गर्ग, एस.एवं गुप्ता वी. (2018). रिस्क फैक्टर्स ऑफ लो बोन मिनरल डेन्सिटी। वॉइस ऑफ इंटेलेक्चुअल मैन, 8 (1), पीपी 137-148

घोष, पी., एवं महाजन, सी. (2019). इनइक्वेलिटी, पोलिटिक्स एण्ड एक्सपल्वाएटेशन इन ए राजस्थान विलेज। इन उत्पल कुमार डेएण्ड मनोरंजन पाल (Eds.), डेवल्पमेन्ट एण्ड डेपरीवेशन इन द इंडियन सब-कोन्टीनेन्ट। दिल्ली: राउटलेज विद लेवेंट बुक्स, पीपी.411-419

गुप्ता, वी., सचदेवा, एम.पी., वालिया, जी.के. (2019). “मेंडेलियन रैंडमाइजेशन”अप्रौच इन इकोनॉमिक असेसमेन्ट ऑफ हेल्थ कंडीशन्स। पब्लिक हेल्थ, 04 फरवरी 2019

गुप्ता, वी., सक्सेना, आर., वालिया, जीके, अग्रवाल, टी., वत्स, एच., दून्न, डब्ल्यू., रेल्टन, सी., सोवियो, यू., पपजोरघीउ, ए., स्मिथ, जीडी, खडगावत, आर., सचदेवा, एम.पी. (2019). गेसटेशनल रूट टू हेल्थी बर्थ(जीएआरबीएच): प्रोटोकॉल फॉर एन इंडियन प्रोस्पेक्टिव कोहॉर्ट। बीएमजे ओपन। 9(4)

गुप्ता, वी., कुमार, ए., शर्मा, एल., भाटिया, के., वालिया, जी.के. (2018). एसोसिएशन ऑफ टीएएस2आर38 पोलीमॉरफीश्म इन इन्फल्यूएनसिंग बॉडी मास इंडेक्स इन इंडियन पोपूलेशन। मेटा जीन (एल्सेवियर), 18, पीपी 68-72

गुप्ता, वी., सचदेवा, एम.पी. एवं वालिया, जी.के. (2019). “मेंडेलियन रैंडोमाइजेशन” अप्रौच इन इकोनॉमिक असेस्मेन्ट ऑफ हेल्थ कंडीशन्स। फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ, 7: 2

जोशी, पी.सी. (2019). एक्सप्लोरिंग प्रेस्क्रीप्शन्स: अस्सेसिंग पी.ओ. बोडिंग कंट्रीब्यूशन। इन रंजना रे (ईडी) ट्राइबल हेल्थ केयर सिस्टम: ए ट्रिब्यूट टू पी.ओ. बोडिंग। द एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता। पीपी 80-99

जोशी, पी.सी. एवं श्रीवास्तव, वी.के. (2019). कल्चर, मायथोलॉजी एण्ड रिलीजन। इन चड्डा, आर.के., कुमार,वी.एवं सरकार, एस.(ईडीएस.) सोशल साइकेट्री: प्रिन्सीपल एण्ड प्रेस्पेक्टिव्स. नई दिल्ली। जेपी ब्रदर्स, मेडिकल पब्लिशर्स। पीपी.130-138

जोशी, पी.सी.एवं वशिष्ठ, एन. (2018). इलनेस, हेल्थ एण्ड कल्चर: एन्थ्रोपोलॉजीकल प्रेस्पेक्टिव ऑन एथनोमेडिसिन इन इंडिया। इनमिसरा, जी.(ईडीएस)। फिजियोलॉजिकल इन्टरवेंशन फॉर हेल्थ एण्ड वेल बींग। स्प्रिंगर, पीपी 227-240.

जोशी, पी. सी. (2018). ससटेनेबल डेवल्पमेंट एण्ड इंडिया। वर्ल्ड फोकस। नंबर 464: 13-16.

कौर, जी., गौड़, आर., यादव, एस., एवं सरस्वती, के.एन. (2018). एसोसिएशन ऑफ विटामिन बी 12 मेडिटेटिड हाइपरहोमोसिस्टीनमिया एण्ड मेथिलनेटेट्राफोलटेरड्यूडेस (सी677टी) जीन पॉलीमॉर्फिज्म विद कॉग्निटिव इम्पेयरमेंट: ए पोपूलेशन बेसड स्टडी फ्रॉम नॉर्थ इंडिया। साइकेट्री रिसर्च, 270: 123-125.

कौर, जी., गौड़, आर., ठाकुर, एम.के., एवं सरस्वती, के.एन. (2018). डिप्रेशन एण्ड वन कार्बन मेटाबोलिक पाथवे: ए स्टडी अमंग ए मेंडेलियन पोपूलेशन फ्रॉम नॉर्थ इंडिया। करंट साइकोलॉजी, 1-7

कौर, एल., गर्ग, पी.आर., घोष, पी.के., एवं सरस्वती, के.एन. (2018). इम्पेयरड होमोसिस्टीन मेटाबॉलिज्म एसोसिएटेड विद हाई प्लाज्मा इंटरलेयुकिन -17ए लेवल्स, ए प्रो-एथरोजेनिक मार्कर, इन एन एनडोगेमस पोपूलेशन ऑफ नॉर्थ इंडिया। एथनीसिटी एण्ड डिजीज, 28 (4): 525-530

कौशल, एस.एवं जोशी, पी.सी. (2018). इकोसिस्टम एण्ड रिलीजन इन द हिमालयाज। वर्ल्ड फोकस। नं.464, पीपी 66-70

क्षत्रिय, जी.के. (2019). एलुऊ इनसर्शन-डिलीशन पोलीमोर्फिशम्स इन द टिबेटो-बर्मन स्पीकिंग ग्रुप्स ऑफ मणिपुर, नॉर्थ-ईस्ट इंडिया। जीन रिपोर्ट्स, 15: 1-5.

क्षत्रिय, जी.के. (2019) डेमोग्राफिक एण्ड कल्चर्ल फैक्टर्स अफेक्टिंग फर्टिलिटी लेवल्स: ए स्ट्डी अमंग संथाल वूमन इन पूर्वाबिंघम डिस्ट्रिक्ट, झारखण्ड। इन एन्थ्रोपोलॉजी एण्ड हेल्थ। ईडी. रश्मि सिन्हा, रावत पब्लिकेशन, नई दिल्ली, पीपी .90-198.

क्षत्रिय, जी.के. (2019). एडिपोसिटी मार्कर्स एण्ड इट्स एसोसिएशन विद ऐज एट मेनराकेःए कंपेरेटिव स्ट्डी अमंग रूरल एण्ड अर्बन मेईटेई फीमेल्स ऑफ मणिपुर, नॉर्थ-ईस्ट इंडिया डायबटीज एण्ड मेटाबोलिक सिंड्रोम: क्लीनिकल रिसर्च एण्ड रिव्यूज़: 13, पीपी 500-503

कुमार, ए., वालिया, जी.के., सचदेवा एम.पी., गुप्ता वी. (2019). जेनेटिक्स ऑफ नॉन अलकहोल्कि फैटी लीवर डिजीज इन एशियन पोपूलेशन्स। जर्नल ऑफ़ जेनेटिक्स (स्प्रिंगर नेचर), 98: 29.

कुमारी, एस., शर्मा, एन., मिश्रा, जे., सरस्वती, के.एन., सागर, एस.के., एवं मंडल, पी.आर. (2019). जनरल ऑबेसिटी एण्ड कार्डियोवस्कुलर डिजीजेस् अमंग गौड़ ब्राह्मिन पोपूलेशन ऑफ एनसीआर/दिल्ली।डायबटीज एण्ड मेटाबोलिक सिंड्रोम: क्लीनिकल रिसर्च एण्ड रिव्यूज.13 (2): 1335-1339

मंगला गर्ग, ए., धमीजा, एन., गुप्ता, यू., ढल, एम. (2019). लाइफस्टाइल ट्रेंड्स एंड ओबेसिटी अमंग कॉलेज गोइंग गर्ल्स ऑफ दिल्ली । हेल्थ खंड 11, अंक 2, पीपी 201-210.

मंगला, ए.जी., धमीजा, एन., गुप्ता, यू., ढल, एम.2019। फैमिलीयल बेकग्राउंड एज ए हिडन कौज फॉर ऑबेसिटी अमंग कॉलेज गोइंग गर्ल्स। जर्नल ऑफ बायोमेडिकल साइंस एंड इंजीनियरिंग, 7, पीपी 1-13.

मिश्रा, जे., कौर, एल., यादव, एस., पुरी, एम., सचदेवा, एम.पी., एवं सरस्वती, के.एन. (2019). एमटीएचएफआरजीन स्पेसिफिक् एण्ड ग्लोबल मिथाइलेशन पैटर्न्स इन नोरमल प्रैगनेन्सी: ए पायलट स्टडी(इंडिया)। मेटा जीन, 19, पीपी 203-206.

मिश्रा, जे., तलवार, एस., कौर, एल., चंडोक, के., यादव, एस., पुरी, एम., एवं सरस्वती, के.एन. (2019). डिफ्रैन्शियल ग्लोबल एण्ड एमटीएचएफआर जीन स्पेसिफिक मिथाइलेशन पैटर्न्स इन प्रीक्लेम्पसिया एण्ड रिकरंट मिसकेरिएजेस: ए केस-कंट्रोल स्टडी फ्रॉम नॉर्थ इंडिया। जीन .704: 68-73.

न्यूमेई, एम.के., निंगमबम, एस.एस., मंडल, पी,आर., एवं सरस्वती, के.एन. (2018). ट्रैजेक्ट्री ऑफ फीमेल रिप्रोडक्टिव लाइफ ऑफ लिआंगमाई पोपूलेशन ऑफ मणिपुर, इंडिया। वॉइस ऑफ़ इंटेलेक्चुअल मैन-एन इंटरनेशनल जर्नल, 8 (1), पीपी 115-120.

नीलुफर, गुप्ता, यू., क्षत्रियम सुरमाला देवी, ढल, एम., त्यागी, आर., कपूर, एस.। द एफटीओ जीन rs9939609 पोलीमोरफिज्म एण्ड इट्स एसोसिएशन विद बीएआई एज वेल एज अदर एडिपोसिटी मार्कर्स। आर्किव्स ऑफ एपीडिमियोलॉजी।

राव, अदिति सिंह, पुरी, एम., तलवार, एस., मिश्रा, जे., भट्टाचार्जी, जे., सरस्वती, के.एन. (2018) बायोकेमिकल एण्ड जेनेटिक प्रोफाइल ऑफ वूमन विद अर्ली एण्ड लेट ऑनसेट सिवियर प्रीक्लेम्पसिया: ए प्रोस्पेक्टिव ऑबसर्वेशनल स्टडी। बायोमेडिसिन 21; 3; पीपी 488-544

रावत, एस., राजकुमारी, एस., जोशी, पी.सी., खान, एम.ए. एण्ड सरस्वती, के.एन. (2019). हू डायिज एण्ड हू सर्वाइव्स? इनवेसटिगेटिंग द डिफ्रेंस बिटवीन स्यूसाइड डिसेन्डेन्ट्स एण्ड स्यूसाइड अटेमटर्स।। इजिप्शियन जनर्ल ऑफ फोरेंसिक साइंस।

रावत, एस., जोशी, पी.सी., खान, एम.ए. एवं सरस्वती, के.एन. (2018). ट्रैन्ड्स एण्ड डिटर्मिनेन्ट्स ऑफ स्वीसाइड इन वारंगल डिस्ट्रिक्ट, तेलंगाना, इंडिया: सिक्स ईयर्स रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी बेस्ड ऑन सेकेन्ड्री डाटा। इजिप्शियन जनर्ल ऑफ फोरेंसिक साइंसेज्स8: 8.

रावत, एस., यादव, एस., जोशी, एस., एवं सरस्वती, के.एन. (2018). एमटीएचएफआरसी677टीपोलीमोर्फिज्म एण्ड स्मोकिंग इन्फ्लूएंश प्लाज्मा होमोसिस्टीन लेवल इन नॉर्थ इंडियन पोपूलेशन। एशियन मैन (द) -एन इंटरनेशनल जर्नल, 12 (1), पीपी 66-71.

सैनी, एस., सचदेवा, एम.पी. एवं गुप्ता, वी. (2018). रिलेशन बिटवीनऑबेसिटी एण्ड टाइप 2 डायबटीज मेलीटस। एशियन मैन 12 (2): 196-202.

सैनी, एस., वालिया जी.के., सचदेवा, एम.पी., गुप्ता. वी. (2018). जेनेटिक्स ऑफ ऑबेसिटी एण्ड इट्स मेजर्स इन इंडियन पोपूलेशन। जर्नल ऑफ़ जेनेटिक्स (स्प्रिंगर नेचर)।

सरस्वती, के.एन., अंसारी, एस.एन., कौर, जी., जोशी, पी.सी. एवं चंदेल, एस. (2019). एसोसिएशन ऑफ विटामिन बी 12 मेडिएटेड हाइपर होमोसिस्टीनिया विद डिप्रेशन एण्ड एनजाइटी डिसऑर्डर: ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी अमंग भील इंडीजीनियस पोपूलेशन ऑफ इंडिया। क्लिनिकल न्यूट्रिशन ईएसपीएन। (Http://doi.org/10.1016/j.clnesp.2019.01.009)

सरस्वती, के.एन., जोशी, एस., यादव, एस., एवं गर्ग, पी. आर. (2018). मेटाबोलिक डिस्ट्रेस इन लिपिड एण्ड वन कार्बन मेटाबोलिक पाथवे थ्रू लो विटामिन बी -12: उत्तर भारत से एक जनसंख्या आधारित अध्ययन। स्वास्थ्य और रोग में लिपिड, 17 (1), पीपी 96.

सरस्वती, के.एन, कौर, एल., तलवार, एस. मिश्रा, जे., ह्युद्रोम, एस., सचदेवा, एमपी, पुरी, एम. (2018) मेथिलनेटेट्राहाइड्रोफ्लोटरेडक्टेज जीन स्पेसिफ्कि मेथाइलेशन एण्ड रिकरंट मिसकेरिएज्स: ए केसकंट्रोल स्टडी फ्रॉम नॉर्थ इंडिया जे ह्यूमन रिप्रोड साईंस

सरस्वती, के.एन., अंसारी, एस.एन., कौर, जी., जोशी, पी.सी., एवं चंदेल, एस. (2019) एसोसिएशन ऑफ विटामिन बी 12 मेडिएटेड हाइपरहोमोसिस्टीनेमियाविद डिप्रेशन एण्ड एनजाइटी डिसऑर्डर: ए क्रॉस-सेक्शनल स्टडी अमंग भील इंडिजीनियस पोपूलेशन ऑफ इंडिया। क्लिनिकल न्यूट्रिशन ईएसपीएन, पीपी 199-203.

शर्मा, एस., यादव, एस., चंडोक, के. शर्मा, आर.एस., मिश्रा, वी., एवं सरस्वती, के.एन. (2019) प्रोटीन सिगनेटर्स लिंकिंग हिस्ट्री ऑफ मिसकेरिएज्स एण्ड मेटाबोलिक सिंड्रोमः: प्रोटिओमिक स्टडी अमंग नॉर्थ इंडियन वूमन। पीयर, 7, ई 6321.

शुमायला, ढल, एम., निलुफर एवं कपूर, एस. (2018) एन इनवेसटिगेशन ऑफ एसीई एण्ड टीसीएफ7एल2 जीन्स इन रिलेशन विद मेन्सट्रूअल केरेक्टेरेक्टिक्स अमंग मुस्लिम वूमन: ए पोपूलेशन स्टडी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एण्ड एनालिटिक्ल रिव्यूज। खंड 5: अंक 4, 574-591

ठाकुर, एम.के., देवी, एन.के., एवं सरस्वती, के.एन. (2018) गट माक्रोबायोटा एण्ड ह्यूमन हेल्थ विद स्पेशल रेफरेन्स टू विटामिन सिन्थेसिस। वॉयस ऑफ इंटेलेक्चुअल मैन-एन इंटरनेशनल जर्नल, 8 (1), पीपी 101-114

ठाकुर, एम.के., जोशी, एस., यादव, एस., देवी, एन.के., एवं सरस्वती, के.एन. (2018). विटामिन बी12 डेफिसिएनसी अमंग ए मैंडेलियन पोपूलेशन ऑफ नॉर्थ इंडिया। एप्लाइड बायोलॉजिकल रिसर्च, 20 (2), पीपी 184-192

वाहेंगबाम, ए.के.जी.एस., कुमारी, के., सिंह, आर.के, राव, वी.आर, सरस्वती, के.एन, धाराजीया, के, ... एवं मरी, बी. (2019) एन अनकॉमन वेरीएन्ट हेमोग्लोबिन: एचबी टाइ गार्ड डिटेक्टेड फ्रॉम गुजरात, इंडिया । इंडियन जर्नल ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन, पीपी 1-2.

यादव, एस., मिश्रा, जे., मरी, बी., एवं सरस्वती, के.एन. (2018) ए स्टडी ऑन रिप्रोडक्टिव ट्रैजेक्टरीज ऑफ भील वूमन ऑफ राजस्थान, इंडिया। वॉइस ऑफ़ इंटेलेक्चुअल मैन-एन इंटरनेशनल जर्नल, 8 (2), पीपी 141-150

यादव, एस., कुमारी, एम., नोरेम किरणमाला देवी, सरस्वती, के.एन. (2018) माइक्रोन्यूट्रिएंट डेफिशिएन्सी एण्ड बर्डन ऑफ एनीमिया ए पोपूलेशन बेस्ड स्टडी फ्रॉम हरियाणा, इंडिया। नेशनल जर्नल ऑफ लेबोरेटरी मेडिसिन।

झिमो, एविटोली, जी. (2018) कस्टमरी लॉ, पेट्रीआरकी एण्ड जेन्डर रिलेशन्स इन कंटमपररी सुमी नागा सोसाइटी। इन एम.सी. बेहेरा (ईडी) रीविजिटिंग ट्राइबल स्टडीज़: ग्लीम्पस आफटर हंडरेड ईयर्स।

एमओओसी मॉड्यूल

ज़िमो, एविटोली जी (2018) विज़ुअल एंथ्रोपोलॉजी। एमओओसीमॉड्यूल, एसडब्ल्यूएवाईएएम (एनआरसी, एमएचआरडी)। https://archive.swayam.gov.in/courses/5298-एंथ्रोपोलॉजी।

ज़िमो, एविटोली जी (2018) थ्योरीज ऑफ़ ग्लोबलाइज़ेशन। एमओओसीमॉड्यूल, एसडब्ल्यूएवाईएएम (एनआरसी, एमएचआरडी)। https://archive.swayam.gov.in/courses/5298-एंथ्रोपोलॉजी।

अनुसंधान परियोजनायें:

ज़िमो, एविटोली जी (2018) विज़ुअल एंथ्रोपोलॉजी। एमओओसीमॉड्यूल, एसडब्ल्यूएवाईएएम (एनआरसी, एमएचआरडी)। https://archive.swayam.gov.in/courses/5298-एंथ्रोपोलॉजी।

ज़िमो, एविटोली जी (2018) थ्योरीज ऑफ़ ग्लोबलाइज़ेशन। एमओओसीमॉड्यूल, एसडब्ल्यूएवाईएएम (एनआरसी, एमएचआरडी)। https://archive.swayam.gov.in/courses/5298-एंथ्रोपोलॉजी।

आईसीएसएसआर, डिटरमिनेन्ट ऑफ स्यूसाइडल बिहेवियर, ए स्टडी फ्रॉम तेलंगाना स्टेट, इंडिया,, 1/06/2018 - 31/12/2018, डॉ.के.एन.सरस्वती, रुपए 8 लाख

डीयू-डीएसटी: फिजियोसोशल एण्ड बायलॉजीकल डिटरमिनेन्ट्सऑफ कार्डियोवस्कुलर डिजीज: ए स्टडी अमंग भील्स एण्ड मीणास ऑफ राजस्थान,, 2014-2018, डॉ. के.एन.सरस्वती, 2 करोड़ रुपए।

आईसीएमआर, एन्थ्रोपोलॉजीकल स्टडी ऑफ हाई रिस्क कम्यूनिटी लोहान्स ऑफ गुजरात फॉर बीटा थैलेसीमिया:जेनेटिक हेटरोजेनिटी एण्ड ओरिजिन ऑफ 619बीपीडिलीशन म्यूटेशन, 2014-2018/2019 एक्सटेंशन, डॉ. बेनरिथुंग मरी, 33 लाखरुपए

वेलकम ट्रस्ट-डीबीटी: लोंगीट्यूडनल असेसमेन्ट ऑफ मेटाबोलिक चेन्जेस ड्यूरिंग प्रेगनेन्सी ऑन फीटल ग्रोथ, 2017-2022, डॉ. विपिन गुप्ता, 3.81 करोड़रुपए

एसईआरबी-डीएसटी: जीनोम-वाइड इनवेसटिगेशन ऑफ बॉडी फेट डिस्ट्रीब्यूशन अमंग द वूमन पोपूलेशन ऑफ आंध्रा प्रदेश,, 2015-2018, डॉ. विपिन गुप्ता, 23 लाख रुपए

आयोजित संगोष्ठियां: 2

26 अक्तूबर 2018 को “ग्लोबलाइजेशन ऑफ इंडिया ट्राइब्स: पास्ट, प्रीजेन्ट एण्ड फ्यूचर डायनामिक्स” विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

वक्ता

प्रोफेसर पापा ए. राव, (तिरुपति विश्वविद्यालय) भारत में जनजातीय स्थिति: एक सिंहावलोकन; प्रोफेसर फाल्गुनी चक्रवर्ती, (विद्या सागर विश्वविद्यालय), पवित्र ग्रोव और संथालों के बीच अंतर जातीय एकता; डॉ. जे.एस. सेहरावत, (पंजाब यूनिवर्सिटी), सांस्कृतिक और फोरेंसिक नृविज्ञान में पहचान के उपकरण के रूप में गोदने की जनजातीय कला।

"स्वास्थ्य नीति अनुसंधान: वर्तमान परिदृश्य" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

15 मार्च, 2019. मुख्य अतिथि: डॉ. एस सी राव, वरिष्ठ सलाहकार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और गेस्ट ऑफ ऑनर: प्रोफेसर एम.एस. भाटिया, मनोचिकित्सा विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज

वक्तागण:

प्रोफेसर अवनीश कुमार, एमडीआई, पॉलिसी रेसपोन्सेस टू सोशल एण्ड स्पेटियल एक्सक्लूशन।

डॉ. गौतम कुमार सिंह, (चिकित्सा अधिकारी, एनसीटीडी) प्रजनन मातृ नवजात शिशु और किशोर स्वास्थ्य (आरएमएनसीएच + ए) कार्यक्रम

प्रोफेसर पी.सी. जोशी, (प्रमुख, एंथ्रोपोलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियां और स्वदेशी चिकित्सा प्रणाली।

डॉ. रबी भूषण, (आईएचएफडब्ल्यू), प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में चुनौतियां

प्रोफेसर आर.के. चड्डा, (प्रमुख, मनोरोग विभाग, एम्स) मानसिक स्वास्थ्य: अवधारणाएं और चुनौतियां।

डॉ. राजमोहन पांडा, पीएचएफआई, साक्ष्य आधारित नीति: भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक मामला

डॉ. सुनीता रेड्डी, एसोसिएट प्रोफेसर, जेएनयू, स्वास्थ्य देखभाल नीतियों में प्रतिमान बदलाव: चिकित्सा पर्यटन का मामला

प्रोफेसर सुबीर कुमार मौलिक, एम्स, इंट्रीगेशन ऑफ ट्रैडिशनल मेडिसिन्स विद कंवेन्शनल मेडिसिन्स: नीड ऑफ द हावर इन इंडिया।

आयोजित किए गए विशेष व्याख्यान: 5

इसाबेले लेंग, लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, यूजिंग लेयर्ड इथनोग्राफिक् मैथड्स इन क्लीनिकल सेटिंग्स: द प्रीकेरीटी ऑफ हेल्थ वर्कर्स इन प्राइवेट मेटरनल फेसीलिटीज इन राजस्थान, 15 नवंबर 2018

डॉ. एलिसन लुईस कहन, निदेशक, ओडीएफआई एवं अनुसंधान और ट्यूटोरियल फैलो, स्टैनफोर्ड ओवरसीज लर्निंग प्रोग्राम, ऑक्सफोर्ड, इथनोग्राफिक फिल्म मेकिंग इन एन्थ्रोपोलॉजी, 18 जनवरी 2019

प्रोफेसर वी.के. श्रीवास्तव, निदेशक, एंथ्रोपोलॉजीकल सर्वे ऑफ इंडिया, एथनोग्राफी मैथड, 22 फरवरी 2019

डॉ. ललित कुमार, पूर्व सलाहकार, योजना आयोग, एप्लिकेशन ऑफ एन्थ्रोपोलॉजीकल नोलिज इन स्टडीज ऑफ ट्राइबल वेलफेयर, कम्यूनल हार्मोनी, सिविल सोसाइटी एण्ड सेनीटेशन एण्ड हाईजीन,12 अप्रैल 2019।

डॉ. कुमकुम श्रीवास्तव, इतिहास के एसोसिएट प्रोफेसर (पूर्व), जानकी देवी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, रिसर्चिंग द 'अदर' एक्सपीरियन्स फ्रॉम द फील्ड, 26 अप्रैल 2019

आयोजित किए गए सम्मेलन

यूएसए द्वारा "वर्चुअल कॉन्फ्रेंस ऑन डिस्प्लेसमेंट", 20 अप्रैल 2018, ऑर्गनाइजेशन फॉर कल्चरल एंथ्रोपोलॉजी, आयोजित किया गया। एंथ्रोपोलॉजी विभाग ने स्थानीय दिल्ली नोड की मेजबानी की। फंडिंग एजेंसी: वेनर-ग्रेन फाउंडेशन।

प्रशिक्षण/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

14-24 जनवरी 2019को "पार्टिसिपेटरी डिजिटल मेथडोलोजी एंड एथनोग्राफिक फिल्ममेकिंग" विषय पर,रिसर्च पार्टोलॉजी पाठ्यक्रम को आईसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित किया गया, पाठ्यक्रम निदेशक: प्रोफेसर पी.सी. जोशी एवं डॉ. एविटोली जी. झिमो।

कार्यशाला का आयोजन किया

20 सितंबर, 2018 को इंटरनेशनल गेस्ट हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय में बोलोग्ना (इटली) विश्वविद्यालय, भारत एंथ्रोपोलॉजीकल एसोसिएशन तथा उत्कल विश्वविद्यालय के सहयोग से एंथ्रोपोलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालयद्वारा 'बिल्डिंग इंटरकल्चरल कंपीटेंसीः पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम इंडिया एण्ड इटली' विषय पर अतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

वक्तागण

प्रोफेसर विन्सेन्ज़ो मटेरा, डिपार्टिमेंटो डी बेन्सेन्टुरली, यूनिवर्सिटो डी बोलोग्ना

प्रोफेसर स्टेफानो कैल्डिरोला, एशियाई इतिहास, बर्गामो विश्वविद्यालय

प्रोफेसर एस.एम. पटनायक, कुलपति, उत्कल विश्वविद्यालय।

संगोष्ठियां/सम्मेलनो का प्रस्तुतीकरण (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

ढल, मीनल, ने 3-7 जनवरी, 2019 को लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालांधर, पंजाब, में106वीं इंडियन साइंस कांग्रेस 2019 के अवसर पर"बायो-जेनेटिक मार्कर्स एण्ड क्वालिटी ऑफ लाइफ" विषय पर व्याख्यान दिया।

गुप्ता, विपिन, "लैंडस्केप ऑफ लाइफ-कोर्स एपिडेमियोलॉजी इन इंडिया", आईएनसीएए, पुणे, फरवरी 2019

गुप्ता, विपिन, "गेस्टेशनल रूट टू हेल्दी बर्थ" (पोस्टर), वेलकम ट्रस्ट/डीबीटी इंडिया एलायंस वार्षिक बैठक 2018, नई दिल्ली।

क्षत्रिय, गौतम के., नेमार्च 9-10, 2019 को उत्कल विश्वविद्याल के एंथ्रोपोलॉजी विभाग के नव-उदारवादी युग में जनजातियों को समझने पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के "अंडर न्यूट्रिशन एण्ड जेंडल डिस्पेरिटिजः ए स्टडी अमंग द इंडियन ट्राइब्स", विषय पर व्याख्यान दिया।

सरस्वती, के.एन., ने 3-7 जनवरी, 2019 को 106वीं इंडियन साइंस कांग्रेस, सेक्शनः एंथ्रोपोलॉजीकल एण्ड बीहेवीअरल साइंस, में "रिलेवेन्स ऑफ एंथ्रोपोलॉजी इन हेल्थ थ्रू एपीजेन्टिक्स" विषय पर व्याख्यान दिया।

सिंह, एम. कैनेडी ने 21 जून 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय, के एंथ्रोपोलॉजी विभाग, दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर "योगः एक पेशे के रूप में" विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

झिमो एविटोली जी, "इंडो-पेसिफिक बीड्स ऑफ द कचीन ऑफ म्यांमार एण्ड द नागास ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडियाः सिगनिफिकेन्स एण्ड मिस्ट्री" 25-26 अक्तूबर, 2018 को बी.आर. अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली में नॉर्थ ईस्ट इंडिया एण्ड साउथईस्ट एशियाः एक्सप्लोरिंग कंट्रीज परअंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

झिमो, एविटोली जी, "वी वर द अदर्सः विज्यूएलिटी इन कोलोनियल राइटिंग्स", उत्तर पूर्व भारत में भौतिकता और दृश्यता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 28 फरवरी 2019 से 1 मार्च, 2019 तक उत्तर पूर्व अध्ययन और नीति अनुसंधान, जामिया मिल्लिया इस्लामिया केंद्र।

झिमो, एविटोली जी, "ट्रैडिशनल हीलिंग प्रेक्टिस अमंग द झिमे: रिफलेक्शन्स ऑन चेलेंजेस फ्रॉम द फील्ड", पारंपरिक ज्ञान प्रणाली और उत्तर पूर्व भारत में स्वदेशी हीलिंग अभ्यास,पर पर आजीएनसीए में 17 अक्तूबर 2018 को कार्यशाला।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

अंतर्गामी छात्र

फ्राय यूनिवर्सिट बर्लिन, जर्मनी से,मैक्सिमिलियन एपेल, जनवरी से मई 2018 तक, गाइड: डॉ. एविटोली जी. झिमो

व्हिटनी रसेल, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो, यूएसए, जनवरी से अक्तूबर 2018, फुलब्राइट-नेहरू रिसर्च स्कॉलर, गाइड: डॉ. एविटोली जी. झिमो

लॉरा मुरे, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय, यूएसए, अक्तूबर 2018 से अक्तूबर 2019, गाइड: डॉ. एविटोली जी. झिमो

नीना बॉम, फ्रेइ यूनिवर्सिट बर्लिन, जर्मनी, जनवरी से मई 2019 तक, गाइड: डॉ. एविटोली जी. झिमो

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

डॉ. एविटोली जी. झिमो ने 21 फरवरी 2019 को मिरांडा हाउस के उत्तर-पूर्व छात्रों को रिप्रजेन्टेशन्स ऑफ नॉर्थईस्ट्रन ट्राइब्स इन कोलोनियल फोटोग्राफी एण्ड राइटिंग्स विषय पर संबोधित किया। इस कार्यक्रम का

आयोजन आईबीएसडी मिरांडा हाउस-सेंटर फॉर नॉर्थ ईस्ट स्टडीज, दिल्ली यूनीवर्सिटी के सहयोग से नॉर्थ ईस्ट सोसाइटी द्वारा आयोजित किया गया था।

डॉ. एविटोली जी. झिमो को अमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एंथ्रोपोलॉजी (एआईए) द्वारा 'वर्ल्ड एंथ्रोपोलॉजी डे' पर 21 फरवरी, 2019 को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से जिन मामलों में काम किया और रोजमर्रा केउन मामलों का उदाहरण देकर तथा एंथ्रोपोलॉजी में सिद्धांतों के साथ उन्हें जोड़कर स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के साथ डिजिटल एवं विजुअल एथनोग्रोफी विषयों पर बातचीत की।

डॉ. एविटोली जी. झिमो को एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, कोलकाता के सहयोग से 11 से 22 मार्च, 2019 तक अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित एथनोग्राफी वर्कशॉप फॉर रिसर्च स्कॉलर्स में रिसोर्स पर्सन के रूप में ‘विजुअल एण्ड वर्चुअल एथनोग्राफी’ विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. एविटोली जी. झिमो को 12 मार्च 2019 को जीसस एंड मैरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'नॉर्थ ईस्ट सोसाइटी में महिलाओं की स्थिति' विषय पर पैनल चर्चा के लिए एक पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. एविटोली जी. झिमो को 14 मार्च 2019 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में एम.ए लिंग अध्ययन के छात्रों के लिए “जेंडर वर्ल्डःमेमोरी एंड पॉलिटिक्स इन नॉर्थईस्ट इंडिया” विषय पर पाठ्यक्रम के लिए 'जेंडर एंड कस्टमरी लॉ' पर विशेष व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. चक्रवर्ती महाजन ने 2 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा लोकगीत और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में लघु-अवधि के सर्टिफिकेट कोर्स के प्रतिभागियों के लिए “फील्डवर्क एण्ड रिसर्च मेथोडोलॉजी इन फोल्कलोर स्टडीज” शीर्षक पर व्याख्यान दिया।

डॉ. चक्रवर्ती महाजन ने 3 फरवरी, 2019 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली द्वारा लोककथाओं और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में लघु-अवधि के सर्टिफिकेट कोर्स के प्रतिभागियों के लिए “प्रीपेयरिंग फॉर फील्डवर्क इन फोल्कलोर स्टडीज” शीर्षक पर व्याख्यान दिया।

डॉ. कैनेडी एम. सिंह ने 18 जनवरी 2019 को उत्तर पूर्व में पारंपरिक हीलिंग पद्धतियों पर आईसीएसएसआरपरियोजना कार्यशाला में एक व्याख्यान दिया, जिसका आयोजन सेंटर ऑफ सोशल मेडिसिन एंड कम्युनिटी हेल्थ, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा किया गया था।

डॉ. कैनेडी एम. सिंह ने सोमवार, 18 फरवरी, 2019 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर एनेक्सी, कमेटी रूम 1 में आदिवासी मानव विकास रिपोर्ट के लिए परामर्श बैठक में भाग लिया, जो कि दिल्ली के मानव विकास संस्थान द्वारा आयोजित किया गया था।

डॉ. मीनल ढल को 25 फरवरी, 2019 को झारखंड एनसीडी कार्यक्रम प्रसार कार्यशाला के लिए दिल्ली में आमंत्रित किया गया था, परियोजना एचओपीई ने बोस्टन साइन्टिफ्कि के समर्थन और विकास भारती केम्पःझारखण्ड रूरल हेल्थ मिशन सोसाइटी(जेआरएचएमएस) के सहयोग से आयोजित किया था।

डॉ. मीनल ढल ने 28 नवंबर, 2018 को एससीओपीई स्कूल केप टाउन में भाग लिया।

प्रोफेसर पी.सी. जोशी ने1 सितंबर, 2018 को जे.एन.मेडिकल कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में यूनिवर्सिटी एक्सटेन्शन लेक्टर दिया।

प्रोफेसर पी.सी. जोशी ने इब्नसीना एकेडमी ऑफ मेडीसिनल मेडिसिन एंड साइंस, अलीगढ़ में 1सितंबर, 2018 को गेस्ट लेक्चर दिया।

प्रोफेसर पी.सी. जोशी को 28 फरवरी, 2019 को एंथ्रोपोलॉजी विभाग, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में प्रथम प्रोफेसर एस.आर.के.चोपड़ा मेमोरियल व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रोफेसर पी.सी. जोशी ने 11 मार्च, 2019 को नई दिल्ली के अम्बेडकर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज में रिसर्च मेथोडोलॉजी पर एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा वित्त पोषित कार्यशाला में एथनोग्राफी विषय पर एक व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर पी.सी. जोशी ने दिनांक 14 मार्च, 2019 को एंथ्रोपोलॉजी विभाग, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में आईसीएसएसआरवित्त पोषित अनुसंधान मेथोडोलॉजी कार्यशाला में फील्ड रिसर्च पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. विपिन गुप्ता, ने मार्च, 2019 को वेलकम ट्रस्ट यूके/डीबीटी इंडिया अलायंस द्वारा आयोजित ईएमबीओ प्रयोगशाला नेतृत्व पाठ्यक्रम में भाग लिया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्याः

पीएचडी : 20

एमफिल. : 17

संकाय की संख्या : 18

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोफेसर पी.सी. जोशी ने 15 जुलाई, 2018 को डॉ. हरि सिंह गौड़ यूनिवर्सिटी, सागर, म.प्र. में तृतीय प्रोफेसर एस.सी. दुबे मेमोरियल व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर पीसी जोशी ने 28 फरवरी, 2019 को एंथ्रोपोलॉजी विभाग, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में प्रथम एस.आर.के. चौपड़ा मेमोरियल व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर पी.सी. जोशी को 23 फरवरी, 2019 को सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में आईएनसीएए एंथ्रोपोलॉजीकल कांग्रेस में प्रोफेसर इरावती कर्वे मेमोरियल ओरेशन की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. के.एन. सरस्वती, डॉ. बेनरिथुंग मुर्री, डॉ. आर.पी. मित्रा, डॉ. चक्रवर्ती महाजन,बी एस सीपार्टII। के छात्रों और एम.एस.सी पार्ट II के छात्रों कोमार्च 2019 के महीने में एंथ्रोपोलॉजिकल फील्डवर्क आयोजित करने के लिए राजस्थान के उदयपुर जिले में लेकर गए।

***

वनस्पति विज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धि

वनस्पति विज्ञान विभाग वनस्पति जीव विज्ञान और अंतःविषय क्षेत्रों के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षण और अत्याधुनिक अनुसंधान में लगा हुआ है। मोलिक्यूलर मार्करों को नियुक्त करने वाले विभिन्न पौधों की प्रजातियों में आनुवंशिक विविधता, जनसंख्या संरचना और लिंग पहचान की गई है।बायोएसे निर्देशित पृथक्करण, लक्षण वर्णन और बायोएक्टिव अणुओं के उत्थान को पौधे के ऊतकों में पूरा किया गया है।मानव कैंसर सेल लाइनों और मलेरिया, फिलेरियल और डेंगू करने वाले मच्छर वैक्टर के विरूद्ध हर्बल अर्क और उनका जैव-क्षमता अध्ययन का उपयोग करके चांदी के नैनोकणों को फेबरिकेटकिया गया था। डायोस्कोरिया अल्ता ट्यूबर्स पर

प्रोटोमिक्स और जैव रासायनिक अध्ययन ने कुछ नए रूपों सहित विभिन्न डायोस्कोरिन आइसोफॉर्म के बारे में जानकारी प्रदान की। ब्रैसिका जूनसिया में नाइट्रोसायलेशन अध्ययन ने मायोसिनिस के एस-नाइट्रोसीलेशन की पुष्टि की। अनोखे द्रव्यमान रेंज वाले साइक्लोटाइड्स की उपस्थिति और वायोला कैन्केंस में मलेरिया रोधी गतिविधि का पता चला था। कई एमआईआरएनएजीनों और ओवीएटीई फेमलीप्रोटीनों का विकासवादी इतिहास पौधों में खोजा गया था। विभिन्न पौधों, कीटों और रोगजनकों में कई ट्रांसक्रिप्टोमिक्स और ट्रांसजेनिक-आधारित अध्ययन किए गए थे।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर वीना अग्रवाल को समरकंद स्टेट यूनिवर्सिटी, उज्बेकिस्तान द्वारा 2018 में उनकी विशिष्ट शैक्षणिक सेवाओं के लिये में "मानद प्रोफेसर" से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर पी.एल. उनियाल को भारतीय फर्न सोसाइटी, भारत के एक फेलो के रूप में चुना गया था।

प्रोफेसर रेणु देसवाल को सीबकथॉर्न एसोसिएशन ऑफ इंडिया के कार्यकारी समिति सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था।

प्रकाशन

अग्निहोत्री, पी.ए., झा मैती, पी. द्विवेदी, के.के., भट, वी. (2018). आईसोलेशन ऑफ न्युक्लिन जीन प्रमोटर फ्रॉम हॉर्डियम वल्गारे एण्ड इट्स केरेक्टराइजेशन इन ए. थलियाना। द इंटरनेशनल जर्नल ऑप प्लांट रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी, 10 (2), 151-156

आनंद, जी., कपूर, आर. (2018). पोपूलेशन स्ट्रक्चर एण्ड वायरूलेंस एनालाइसेस ऑफ अल्टरनेरिया कार्टामी आईसोलेट्स ऑफ इंडिया यूजिंग आईएसएसआर एण्ड एसएसआर मारकर्स। वर्ल्ड जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, 34 (9), 140

आनंद, एस., लाल, एम., दास, एस. (2018). आईडेन्टिफिकेशन ऑफ प्री-मिओटिक एण्ड पोस्ट मिओटिक स्टेज्स ऑफ पोलन, स्टेंडराइजेशन एण्ड वेलीडेशन ऑफ ए मोडिफाइड मेथड फॉर आरएनए आईसोलेशन फ्रॉम एंथर,पिस्टिल एण्ड डेवलपिंग सीड्स ऑफ ब्रासिका रैपा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी, 10 (2), 178-183

बहुगुणा, वाई.एम., गोविंदप्यारी, एच., सुमन, एस., उनियाल, पी.एल. (2018). ब्रायोफाइट डायवर्सिटी, यूटिलिटी एण्ड प्रोस्पेक्ट्स। पृष्ठ 128-179 इन: प्लांट डाइवर्सिटी इन इंडिया (Eds ए.के. भटनागर और आर. कपूर)। नई दिल्ली, आई.के.इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड

भंडारी, पी.के., ठाकुर, जे., शर्मा, एस., उनियाल, पी.एल. (2018). ऑरचिड डायवर्सिटी इन बासुकेदार रिजन (रूद्रप्रयाग डिस्ट्रिक्) ऑफ उत्तराखंड। जर्नल ऑफ़ आर्किड सोसाइटी ऑफ़ इंडिया, 32,73-80.

भटला, एस.सी., लाल, एम.ए. (2018). प्लांट फिजियोलॉजी, डेवलपमेंट एण्ड मेटाबोलिज्म। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्रा. लिमिटेड

भाटिया, एम., कुमार, बी., उनियाल, पी.एल. (2018). इन विट्रो स्पोर जरमिनेशन, गैमेटोफाइट ओटोजनी एण्ड स्पोरोफाइट रिजनरेशन इन प्लैटाइकेरियम बाइफरकैटम (कैव) सी.सीएचआर. इंडियन फर्न जर्नल, 35, 54-66.

बिदालिया, ए., ओकराम, जेड., हनीफ, एम., राव, के.एस. (2018). एसेसमेन्ट ऑप टोलरेन्सेस इन मित्रज्ञाना परविफोलिया (रोक्सब।) कोर्थ एण्ड सियाजियम क्यूमिनी कील्स। सीडलिंग्स टू वॉटरलोगिंग। फोटोसिंथेटिका, 56 (2), 707-717

चौधरी, ई., तिवारी, पी., उनियाल, पी.एल. (2018). मोरफोलॉजी एण्ड पोलन केमिस्ट्री ऑफ सेवरल बी फोरेज टेक्सा ऑफ फेमिली रोसासिए फ्रॉम गढ़ाल हिमालय, उत्तराखण्ड, इंडिया। जर्नल ऑफ एपिकल्चर साइंस, 62 (2)

चौधरी, ई., तिवारी, पी., उनियाल, पी.एल. (2018). मेक्रो एण्ड एसेन्शियल ट्रेस एलिमेन्ट्स इन एपिस सेराना-इंडिका हनी फ्रॉम गढ़वाल हिमालय, इंडिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड एनवायरनमेंट, 4 (1), 49-54

डंगवाल, एम., दास, एस. (2018) आईडेन्टीफिकेशन एण्ड एनालाइसेस ऑफ ओवीएटीई फेमिली मेम्बर्स फ्रॉम जीनोम ऑफ द अर्ली लेन्ड प्लांट्स प्रोवाइड इनसाइट्स इनटू इवोल्यूश्नरी हिस्ट्री ऑफ ओएफपी फेमली एण्ड फंक्शन। जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर इवोल्यूशन, 86 (8), 511-530

ध्यानी, एस., मैखुरी, आर.के., राव, के.एस. (2018). केनोपी गेप फेस रिजनरेशन: ए स्टडी इन मोएस्ट टेम्परेट फोरेस्ट ऑफ सेन्ट्रल हिमालयास्, इंडिया। सस्टेनेबल फॉरेस्ट्री, 1(4), 1-16.

दिनाकरन, जे., चंद्रा, ए., चमोली, के.पी., डेका, जे., राव, के.एस. (2018). सोयल ऑर्गनिक कार्बन स्टेबलाइजेशन चेंजेस विद एन अलटीट्यूड ग्रेडियन्ट ऑफ लेन्ड कवर टाइप्स इन सेन्ट्रल हिमालयास्, इंडिया। सीएटीईएनए, 170, 374-385.

इवेलिन, एच., थोकचोम, एस.डी., गुप्ता, एस., कपूर, आर. (2019). मिटीगेशन ऑफ सेलीनिटी स्ट्रैस इन प्लांट्स बाय अर्बसकुलर माइकोर्रहिजल सिमबायोसिस: करंट अंडरस्टैंडिंग एण्ड न्यू चेलेंजेस। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस (प्लांट अबायोटिक स्ट्रेस)।

गोयल, एम., लाट्सश, एच., उनियाल, पी.एल. (2019). कैरेक्टराइजेशन ऑफ फिनोलिक कंपाउंड्स फ्रॉम परमिलिया रेटिकुलेटा तायल। नेशनल एकेडमी साइंस लैटर।

पंडित, एस., दलाल, वी., मिश्रा, जी. (2018). आईडेन्टीफिकेशन ऑफ नोवल फोसफेटिडिक एसिड बाइंडिंग डोमेन ऑन स्फिंगोसाइन काईनेस 1 ऑफ अर्बिडोपसिस थलियाना। प्लांट फिजियोलॉजी एण्ड बायोकेमिस्ट्री, 128,178-184

इस्माइल, जेड., खुरो, ए.ए., भट, एम.वाई., रशीद, एस. उनियाल, पी.एल. (2018). लुनुलारिया कुरूसिएटा (एल.) ड्यूमॉर्ट.एक्स लिंडब: ए न्यू प्लांट रिकॉर्ड फॉर द ब्रायोफ्लोरा ऑफ कश्मीर हिमालय, इंडिया.। इवांसिया, 35 (3), 100-105

जैन, पी., भटला, एस.सी. (2018). ट्रायोसाइन नाइट्रेशन ऑफ साइटोसोलिक पेरोक्सीडेज इज प्रोबेबली ट्रिगर्ड एज ए लोंग डिस्टेंस सिगनेलिंग रेस्पॉन्स इन सनफलॉवर सिडलिंग कोटलिडन्स सबजेक्टेड टू साल्ट स्ट्रैस। पीएलओएस वन, 13 (5), e0197132.

जोशी, जी., चौहान, सी., दास, एस. (2018). माइक्रोसिनटेनी एनालाइसेस टू अन्डरस्टेन्ड इवेल्यूएशन एण्ड इम्पेक्ट ऑफ पॉलीप्लाइडाइजेशन ऑन एमआईआर319 फेमिली विदइन ब्रैसिसेकेई।डेवलपमेन्ट, जीन्सएण्ड इवेल्यूएशन, 228 (6), 227-242.

कसाना, एस., द्विवेदी, एम.डी., उनियाल, पी.एल. (2018). टेक्सोनोमिक स्टेट्स ऑफ सोसुरिया कोस्टस (फाल्च।) लिप्श (एस्टेरसिया: कार्डुइए); ए क्रिटिकली एनडेनजर्ड स्पीसीस फ्रॉम हिमालय इंडिया। प्लेयोन, 12 (1), 81-84

कसाना, एस., उनियाल, पी.एल., पांडे, ए.के. (2019). रिडिस्कवरी ऑफ सौसुरिया एंड्रीलायड्स (एस्टेरसिया: कार्डुइए) फ्रॉम उत्तराखंड, इंडिया। राहेदिया, 29 (1), 116-118

कश्यप पी., देशवाल, आर. (2019). फाइटोहोरमोन्स रेगुलेटिंग द मास्टर रेगुलेटर्स ऑफ सीबीएफ डिपेन्डेन्ट कोल्ड स्ट्रेस सिगनेलिंग पाथवे। इन: (ईडीएस विजय रानी राजपाल, दीपमाला सहगल, अविनाश कुमार, एस.एन. रैना) जेनेटिक एनहांसमेंट टू क्रॉप्स टू टॉलरेंस टू एबायोटिक स्ट्रेस: मैकेनिज्म एंड अप्रोचेस, खंड I, पीपी 249-264

कश्यप, पी., देशवाल, आर. (2019). टू आईसीई आईसोफोर्मस सोविंग डिफ्रैन्शियल ट्रांसक्रिप्शनल रेग्यूलेशन बाय कोल्ड एण्ड हार्मोन्स पार्टिसिपेट इन ब्रासिका जंसिया कोल्ड स्ट्रेस सिग्नलिंग। जीन, 695, 32-41

कौर, आई., उनियाल, पी.एल. (2019). टेक्सटबुक ऑफ जिमनोस्पर्म। नई दिल्ली, दया प्रकाशन हाउस। पीपी 165

कीशाम, एम., जैन, पी., सिंह, एन., वॉन टर्नने, सी., भटला, एस.सी., लिंडरमेयर, सी. (2019). डेसिफरिंग द नाइट्रिक ऑक्साइड, साइनाइड एण्ड आयरन-मेडिएटड एक्शन्स ऑफ सोडियम नाइट्रोप्रासाइड इन कोटलिडन्स ऑफ साल्ट स्ट्रेस्ड सनफलॉवर सिडलिंग्स। नाइट्रिक ऑक्साइड, 88,10-26.

कीशाम, एम., मुखर्जी, एस., भटला, एस.सी. (2018). मेकेनिज्म्स ऑफ सोडियम ट्रांस्प्लांट इन प्लांट्स-प्रोग्रेसेस एण्ड चेलेन्जेस। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मोलिक्यूलर साइंसेस, 19 (3), 647

कुमार, डी., कुमार, जी., अग्रवाल, वी. (2018). ग्रीन सिंथेसिस ऑफ सिल्वर नेनोपार्टिकल्स यूजिंग होलेर्रिना एन्टीडायसिनटिरिका (एल) वाल। बार्क एक्स्ट्रेक्ट एण्ड देयर लार्विसाइडल एक्टिविटी अगेंस्ट डेंगी एण्ड फिलारिएसिस वैक्टर्स। पैरासिटोलॉजी रिसर्च, 117 (2), 377-389

कुमार, डी., कुमार, जी., दास, आर., अग्रवाल, वी. (2018). स्ट्रॉंग लार्विसाइडल पोटेंशियल ऑफ सिलवर नेनोपार्टिकल्स (एजीएनपीएस) सिंथेसाइज्ड यूजिंग होलार्रहीना एन्टीडायसिन्टेरिका (एल.) वाल. बार्क एक्सट्रेक्ट अगेंस्ट मलेरिया वेक्टर, एनोफेलीज स्टीफेंसि लिस्टन। प्रोसेस सेफ्टी एण्ड एन्वायरोमेंटल प्रोटेक्शन, 116, 137-148

कुमार, डी., कुमार, जी., दास, आर., कुमार, आर., अग्रवाल, वी. (2018). इन विट्रो एलिसिटेशन, आइसोलेशन एण्ड केरेक्टराइजेशन ऑफ कोनससिन बायोमोलेक्यूल फ्रॉम होलार्रहीना एन्टीडायसिनटेरिका (एल.) वाल. कैलस एण्ड इट्स लार्विसाइडल एक्टीविटी अगेंस्ट मलेरिया वेक्टर, एनोफ़ेलीज़ स्टेफ़ेंसि लिस्टन। एनवायरोमेन्टल साइंस एण्ड पोल्यूशन रिसर्च, 25 (7), 6783-6796

कुमार, जे., अग्रवाल, वी. (2019). एसेसमेन्ट ऑफ जेनेटिक डायवर्सिटी, पोपूलेशन स्ट्रकचर एण्ड सेक्स आईडेन्टीफिकेशन इन डायोसियश क्रोप, ट्राइकोसैंथेस डायिका इमप्लोइंग आईएसएसआर, एससीओटी एण्ड एसआरएपी मार्कर्स। हेलियोन, 5 (3), e01346.

कुमार, जे., हिक्रूजम, एम., शर्मा, के., अग्रवाल, वी. (2019). एसआरएपी एण्ड एसएसआर मार्कर-असिस्टेड जेनेटिक डायवर्सिटी, पोपूलेशन स्ट्रक्टर एनालिसिस एण्ड सेक्स आईडेन्टीफिकेशन इन जोजोबा (सिममंडिया चिनेंसिस)।इंडस्ट्रियल क्रॉप्स एण्ड प्रोडक्ट्स, 133, 118-132.

ममगाईं, ए., उनियाल, पी.एल. 2018. स्पीसीस डिस्ट्रीब्यूशन मोडलिंग ऑफ रोडोडेंड्रोन आर्बोरियम एसम. - ए कीस्टोन स्पीसीस इन इंडिया एण्ड एडज्वाइनिंग रीजन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज, 44 (3), 261-286

माथुर, पी. सिंह, वी.पी., कपूर, आर. (2018). इंटरेक्टिव अफेक्ट्स ऑफ CO2 कोंसर्टेशन्स एण्ड अल्टरनेरिया ब्रासिका (बर्क।) एसएसीसी इनफेक्शन ऑन डिफेन्स सिगनेलिंग इन ब्रासिका जंकिया (एल.) जर्न एण्ड कोस। यूरोपीयन जर्नल प्लांट पैथोलॉजी, 151, 413-425

मीना, ए., बिडालिया, ए., हनीफ, एम., दिनाकरन, जे., राव, के.एस. (2019). एसेसमेन्ट ऑफ अबो-एण्ड बीलोग्राउंड कार्बन पूल्स इन ए सेमी-एरीड फोरेस्ट इकोसिस्टम ऑफ दिल्ली, इंडिया। इकोलोजिकल प्रोसेस, 8 (1): 8.

नंदा, आर, अग्रवाल, वी. (2018). पिरिफोर्मोस्पा इंडिका, एन एक्सीलेन्ट सिस्टम फॉर हेवी मेटल स्वीकेस्ट्रैशन एण्ड अमिलियोरेशन ऑफ ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एण्ड डीएनए डेमेज इन कैसिया एंगुस्टिफोलिया वाहल अंडर कॉपर स्ट्रेस। एकोटॉक्सिकोलॉजी एनवायरोमेन्टल सेफ्टी, 156, 409-419.

निंदावत, एस., अग्रवाल, वी. (2019). फेबरिकेशन ऑफ सिलवर नेनोपार्टिकल्स यूजिंग अर्नबीया हेपिडिसिमा (लेहम।) ए डीसी रूट एक्ट्रेक्ट एण्ड अनरेवेलिंग देयर पोटेंशियल बायोमेडिकल एप्लीकेशन्स। आर्टिफिशियल सेल्स, नैनोमेडिसिन, एण्ड बायोटेक्नोलॉजी, 47 (1), 166-180

रावत, डी.एस., तिवारी, जे.के., उनियाल, पी.एल. तिवारी, पी. (2018). एसेसमेन्ट ऑफ फुडल स्पीसीस इन वेस्टर्न हिमालय, रामगंगा वेली, उत्तराखंड, इंडिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल एग्रीकल्चर, 36 (1), 23-35.

रुस्तगी, ए., शेखर, एस., कुमार, डी., लॉरेंस, के., भट्ट, वी., भल्ला सरीन, एन. (2019). हाई स्पीड रीजनरेशन वाया सोमेटिक इम्ब्रयोजेनेसिस इन इलाइट इंडियन बनाना सीवी. सोमरानी मोंथन(एबीबी).वेजीटोस. (Doi.org/10.1007/s42535-019-00005-8).

शर्मा, बी., देशवाल, आर. (2019). इकोफिजियोलॉमिक एनालाइसेस ऑफ स्ट्रेस टोलरेन्ट हिमालयन शर्ब हिप्पोपोफेरामेनोइड्स शोज मल्टीफेक्टोरियल एलीमेशन स्ट्रेटेजिस इनड्यूस्ड बाय डायवर्स इनवारोमेन्टल कंडीशन्स। फिजियोलॉजीआ प्लांटारम, https://doi.org/10.1111/ppl.12942

शर्मा, बी., गुप्ता, आर., साहू, डी., देशवाल, आर. (2019). प्यूरिफिकेश ऑफ ड्यूअल फंक्शनिंग चिनेशिस विद हाइड्रोलाइटिक एण्ड एन्टीफ्रीज एक्टीविटीज फ्रॉम हिप्पोफै रैनैनोइड्स सिडलिंग्स।। जर्नल ऑफ प्रोटीन्स एण्ड प्रोटिओमिक्स, 1-13.

शर्मा, बी., साहू, डी., देशवाल, आर. (2018). संगल स्टेप प्यूरिफिकेशन एण्ड केरेक्टराइजेशन ऑफ एन्टीफ्रीज प्रोटीन्स फ्रॉम लीफ एण्ड बेरी ऑप ए फ्रीज टोलरेन्ट शर्ब सीबकथ्रोन (हिप्रोपपहरेअमोनाइड्स)। जर्नल ऑफ़ सेपरेशन साइंस, 41 (20), 3938-3945

शर्मा, ई., तायल, पी., आनंद, जी., माथुर, पी., कपूर, आर. (2018). फंक्शनल एनालीसिस ऑफ डायसिलग्लिसरोल ओ-एसिल ट्रांसफिरेस 2 जीन टू डिसाइफर इट्स रोल इऩ वायरूलेंस ऑफ बोट्रीटिस सिनेरा। करंट जेनेटिक्स, 64 (2), 443-457.

शर्मा, बी., देशवाल, आर. (2018). सिंगल पोट सिन्थेसाइज्ड नेनोपार्टिक्लस यूजिंग हिप्पोफेह रैंमोनाइड्स लीफ एण्ड बेरी एक्सट्रैक्ट शोड शेप डिपेन्डेन्ट डिफरेन्शियल नॉनबायोटेक्टनोलॉजीकल एप्लीकेशन। आर्टिफिशियल सेल, नैनोमेडिसिन एण्ड बायोटेक्नोलॉजी। । 46,1-11.

शर्मा, पी., सनवर, गोविंदप्यारी, एच., कुमारी, पी., उनियाल, पी.एल. (2018). डायवर्सिटी एण्ड डेवलप्मेन्टल बायलॉजी ऑफ जिम्नोस्पर्म पीपी 280-318. इन प्लांट डायवर्सिटी इन इंडिया (ईडीएस ए.के. भटनागर एण्ड आर. कपूर)। न्यू दिल्ली, आई.के. इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाऊस प्राइवेट लिमिटेड आईएसबीएन978-93-85909-69-6.

शर्मा, यू., अग्रवाल, वी. (2018). इन विट्रो शूट रीजनरेशन एण्ड एनहेन्स्ड सिन्थेसिस ऑफ प्लंबैगिन इन रूट कैलस ऑफ पल्मबेगो ज़ेनलिका एल - एन इम्पोर्टेन्ट मेडिसनल हर्ब। इन विट्रो सेल्युलर एंड डेवलपमेंटल बायोलॉजी-प्लांट, 54 (4), 423-435.

शेरावत ए., सौगृकपम वाई।, देसवाल, आर. (2018). कोल्ड मॉड्यूलेटेड न्यूक्लियर एस-नाइट्रोसोप्रोटेम एनालिसिस इंडिकेट्स रिडॉ.क्स मोड्यूलेशन ऑफ नोवल ब्रासिसकसी स्पेसिफिक, माइरोसिनेस एण्ड नेपिन इन ब्रासिका जंसीसा जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल एंड एक्सपेरिमेंटल वनस्पति विज्ञान, 161, 312-333.

सिंह, एन., भटला, एस.सी. (2018). नाइट्रिक ऑक्साइड रेग्यूलेट्स लेटरल रूट फॉरमेशन थ्रू मोड्यूलेशन ऑफ एसीसी ऑक्सीडेस एक्टीविटी इन सनफलॉवर सिडलिंग्स अंडर साल्ट स्ट्रेस। प्लांट सिगनेलिंग एण्ड बिहेवियर, doi.org/10.1080/15592324.2018.1473683

सिंह. एन., भटला, एस.सी. (2019). हीमोग्लोबिन एज प्रोब फॉर एस्टीमेशन ऑफ नाइट्रिक ऑक्साइड एमिशन फ्रॉम प्लांट टिश्यूस। प्लांट मेथड्स, 15:39। 1-8

सिंह, एन., कपूर, आर. (2018). क्विक एण्ड एक्यूरेट डिटेक्शन ऑफ फुसैरियम ऑक्सीस्पोरम एफ. एसपी. कारथमी इन होस्ट टिश्यू एण्ड सोयल यूजिंग कंवेंशनल एण्ड रियल-टाइम पीसीआर एस्से वर्ल्ड जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एण्ड बायोटेकनोलॉजी, doi.org/10.1007/s11274-018-2556-y

सिंह, एन., भटला, एस.सी., डेमिडचिक, वी. (2019). प्लांट्स एणअड ह्यूमन बींग्स इंगेज सिमिलर मोलिक्यूलर क्रेटाल्क विद नाइट्रिक ऑक्साइड अंडर कंडीशन्स। फंक्शनल प्लांट बायोलॉजी, doi.org/10.1071/FP1908.

सिंह, एस., दास, एस. गीता, आर. (2018). ए सेगमेटन्ल ड्यूप्लिकेशन इन द कोमन एनसेस्टर ऑफ ब्रैसिसेकी इज रेसपोन्सेबल फॉर द ऑरिजन ऑफ द पेरालॉग्स KCS6-KCS5 विज आर नॉट शेयर्ड विद अदर एंजियोस्पर्म।मोलिक्यूलर फाइलोजेनेटिक्स एण्ड इवोल्यूशन, 126, 331-345

सिंह, ए., उनियाल, पी.एल. (2018). स्टडी ऑन द एक्यूमूलेशन ऑफ हेवी मेटल्स इन सम एपिफाइटिक मॉसिस ऑफ नेनीताल सिटी, उत्तराखण्ड, इंडिया। क्रिप्टोगम बायोडायवर्सिटी एण्ड एस्सेमेन्ट, 3 (1), 1-6..

सिंह, ए., शर्मा, बी., देशवाल, आर. (2018). ग्रीन सिल्वर नेनोपार्टिकल्स फ्रॉम नोवल ब्रैसिसेकी कल्टीवेटर्स विद एनहेन्सड एंटीमाइक्रोबियल पोटेन्शियल देन अर्लियर रिपोर्टेड ब्रास्सिकेसीए मेम्बर्स। जर्नल ऑफ ट्रेस एलीमेंट्स इन मेडिसिन एण्ड बायोलॉजी में, 4, 1-11

सौग्रकपम वाई., बाबुता पी., देसवाल, आर. (2018). करंट सिनेरियो ऑफ एनओ (एस नाइट्रोसिलेशन) सिगनेलिंग इन कोल्ड स्ट्रेस (ईडीएस अकुला रामकृष्ण, सर्वजीत सिंह गिल) टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप इन: मेटाबोलिक एडप्टेशन्स इन प्लांट्स ड्यूरिंग एबायोटिक स्ट्रेस, पीपी। 351-360

सौरभ, पी., ठाकुर. जे., प्रीति, शर्मा. पी., उनियाल, पी.एल. पांडे, ए.के. (2018). हेबीटेट डिस्ट्रीब्यूशन मॉडलिंग फॉर रीइनट्रोडक्शन ऑफ एनडेन्जर्ड मेडिसनल प्लांट्स एफेड्रा गेरार्डियाना, लिलियम पॉलीफाइलम, क्रेपिडियम एक्युमिंटम, पित्तोस्पोरम एरीओकार्पम एण्ड स्केमिया एनकेटीलिया इन इंडिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज, 44 (2), 207-216, 2018

श्रीवास्तव, आर., उनियाल, पी.एल. (2018). इन्फल्यूएन्श ऑफ एंथरिडाइओजन ऑन द गैमेटोफाइट डेवलप्मेंट इन ऑनीचईअम कंटीग्यूम (वॉल)। होप इन पेटरीडोलॉजी टूडेः चेलेन्जेस एण्ड ऑपोरचनीटीज (एड एस.सी. वर्मा, एस.पी. खुल्लर, ए. बेनीमिन, पी. लक्ष्मीनारसिम्हन एवं पी. सिंह)। कोलकाता, बॉटोनिकल सर्वे ऑफ इंडिया।

ठाकुर, जे., द्विवेदी, एम.डी., उनियाल, पी.एल. (2018). अल्ट्रास्ट्रक्चरल स्टडीज एण्ड मोलीक्यूलर केरेक्टराइजेशन ऑफ रूट-एसोसिएटेड फंगी ऑफ क्रीपीडियम एक्यूमिनेटम (डी डॉ.न)जलेच : ए थ्रेटेन्ड एण्ड मेडिसनली इम्पोर्टेन्ट टैक्सन। जर्नल ऑफ़ जेनेटिक्स, https // doi.org / 10। 1007 / एस 12041-018-1007-8.

त्यागी, एस., मजूमदार, पी.ए., मेई, पी., शिवराज, एस.एम, आनंद, एस., सिंह, ए., मधुरंतकम्, सी., शर्मा, पी., दास, एस., कुमार, ए., सिंह, ए. (2018). नेचुरल स्ट्रक्टरल वेरिएन्ट्स ऑफ ब्रैसिका एफटी डेपिक्ट डिफ्रेन्शियल

इन्टेरेक्शन विद अरबिडोप्सिस एफडी एण्ड इन्फ्ल्यूएन्श मल्टीपल अग्रोनॉमिक ट्रेट्स इन रेपसीड मस्टर्ड। प्लांट साइंस, 277, 251-266.

पत्रिकाएं/आवधिक पत्रिकाएँ

फाइटोमॉर्फोलॉजी (इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ प्लांट मॉर्फोलॉजिस्ट द्वारा प्रकाशित छह मासिक पत्रिका)

द बोटानिका (दिल्ली विश्वविद्यालय बॉटनिकल सोसायटी की वार्षिक वैज्ञानिक पत्रिका)

संपादकों/संपादकीय बोर्ड के सदस्यों के रूप में सेवारत संकाय की संख्या

संपादक/सहयोगी संपादक - तीन पत्रिकाओं में दो शिक्षक

संपादकीय बोर्ड के सदस्य - चार पत्रिकाओं में एक शिक्षक

शोध परियोजनाएं

डीएसटी: इंडो-बेलारूस संयुक्त परियोजना “आरओएस/आरएनएस-इन्ड्यूज्ड K+ लॉस एज ए की डिटर्मिनेन्ट ऑफ सनफलॉवर प्लांट इंजरी एण्ड सर्वाइवल अंडर अबायोटिक स्ट्रेस”, 2017-2019, रुपए 2,9,96,000

यूजीसी: संयुक्त यूसीजी-आईएसएफ परियोजना शीर्षक "कैल्शियम एण्ड ऑक्सिन सिगनेलिंग ड्यूरिंग एड्वेनटियस रूट डेवल्पमेंट एणअड एनालिसिस ऑफ पोसिबल नाइट्रिक ऑक्साइड क्रॉस्टल क्रॉसटॉल्क; 2017-2020, रुपए 95,17,728

एसईआरबीः “बायो-एस्से गाइडेड आईसोलेशन, आईडेन्टीफिकेशन एणअड एलीसीटेशन ऑफ एन्टीकेनसरस बायोएक्टिव कंपाउंडस फ्रॉम नार्डोस्टेचिस जटामंसी, पसोरालीया कोरिलिफोलिया एण्ड प्लंबेगो जिलेनसिया” ; 2017-2020,रुपए 33,18,480.00.

डीबीटी-आईबीएसडी: केरेक्टराइजिंग अन-एक्सप्लोर्ड सीबकथ्रोन जर्मप्लास्म इन सिक्किम फॉर एन्टीफ्रीज प्रोटीन्स, सेकेन्डरी मेटाबोलाइट्स, इट्स कंपेरिजन विद जर्मप्लाज्म ऑफ लाहौल एण्ड स्पीति वेली, हिमाचल प्रदेश एण्ड आलसो यूटिलाइजिंग द बायोरिसोर्सेस फॉर अपलिफ्टिंग द लाइवलीहुड ऑफ लोकल पीपल; 2017-2019 रुपये. 50 लाख.

एसईआरबी-ईएमआर: डायवर्सिटी एण्ड पर्फर्मेन्स ऑफ की फोरेस्ट ट्री स्पीसीस एण्ड ब्रायोटाइप्स इन गेप एण्ड लॉन गेप एरिसाज अलोंग एन अलटीट्यूडल ग्राडियेन्ट इन उत्तराखण्ड, 2018-2021, रुपए 41 लाख.

डीबीटी: 2017-2020, आईडेन्टीफिकेश ऑफ ट्रांस-फैक्टर्स इनटरेक्टिंग पार्टनर्स ऑफ प्रोमोटर्स ऑफ ए miRNA-ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर मॉड्यूल फ्रॉम ब्रेस्सिका जंकिया; 2017-2020, रुपए54.813 लाख

डीएसटी सर्ब: 2019-2022, फॉस्फेटिक एसिड-प्रोटीन इंटरैक्शन्स: मोलीक्यूलर मेकेनिज्म एण्ड रोल ड्यूरिंग अबायोटिक स्ट्रेस इन अरबिडोप्सिस; 2019-2022, रुपए 46.67 लाख

डीएसटी एसईआरबी: 2017-2020, एट एनडीएल प्रोटीन्स : मोलीक्यूलर मेकेनिज्म ऑफ एक्शन इन रेग्यूलेशन ऑफ प्लांट ग्रोथ एण्ड डेवलप्मेंट; 2017-2020, रुपए 40.89 लाख

डीबीटी: 2018-2021, रूट डेवलपमेंट रिलेटड सिगनेलिंग नेटवर्क्स: रोल ऑफ एट एन- माइक् डाउनरेग्यूलेटड लाइक प्रोटिन्स एण्ड इनटरेक्टिंग पार्टनर्स; 2018-2021, रुपए 49.87 लाख

संगोष्ठियां/सम्मेलन प्रस्तुतीकरण

अग्रवाल, ए.,

नई प्रौद्योगिकियों (न्यूटेक'18) मैड्रिड, स्पेन में 19 - 21 अगस्त, 2018 को चतुर्थ विश्व कांग्रेस में सूखा एवं लवणता सहिष्णुता और वीड मेनेजमेन्ट पर आनुवंशिक रूप से इंजीनीयरड इंडिका राइस पर सह-प्रस्तुत शोध।

फरवरी 14-16, 2019 को आईआईटी, गुवाहाटी में आयोजित प्लांट साइंसेस एण्ड एग्रोबायोटेक्नोलॉजी ट्रेन्ड्स पर प्लांट टिश्यू कल्चर एसोसिएशन-इंडिया एण्ड इंटरनेशनल सम्मेलन की 40वीं बैठक में हर्बल प्लांट टेक्सा की माइक्रोप्रोपगेशन पर मुख्य भाषण दिया तथा हर्बेसियस की माइक्रोप्रोपगेशन में सर्वोत्तम प्रथाओं के तकनीकी सत्र की अध्यत्रता की

फरवरी, 13-14, 2019 को रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय मे मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की कार्यशाला में जेनेटिकली मोडिफाइड प्लांट्स एण्ड एनवारोमेन्ट सेफ्टी विषय पर व्याख्यान दिया।

15-16 दिसंबर, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय में मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए रसायन विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

दिनांक 29.10.2018 को मिरांडा हाउस में मानव कल्याण (औषधीय पादप जैव प्रौद्योगिकी) के लिए औषधीय पादप अनुसंधान में नवाचारों पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित ।

दिनांक 26 जुलाई 2018 को सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय में पैराडाइज्म इन मेडिसिनल प्लांट बायोटेक्नोलॉजी: रिसोर्स मेनेजमेन्ट ऑफ एलाईट जर्मप्लाज्म विषय पर वार्ता ।

दिनांक 26 जुलाई, 2018 को सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय में आईसोलेशन एण्ड एलीसीटेशन ऑफ थेरॉपटिक बायोमोलिक्यूलस फ्रॉम प्लांट्स विषय पर व्याख्यान ।

25-26 फरवरी, 2019 को यूनिवर्सिटी ऑफ लोयोला, शिकागो और हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित इंटीग्रेटिव केमिस्ट्री, बायोलॉजी एंड ट्रांसलेशनल मेडिसिन पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की।

बबूटा पी. तथा देसवाल आर ने 1-3 फरवरी, 2019 को प्लांट साइंस रिसर्च सेन्टर ऑफ एडवांस स्टडी, वनस्पति शास्त्र विभाग. विज्ञान संस्थान, बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय भारत में करंट ट्रेन्डस एण्ड फ्यूचर प्रोस्पेक्टर विषय पर राष्ट्रीय परिसंवाद में प्यूरीफिकेशन ऑफ एस-नाइट्रोसोग्लूथेथीयोनिरीड्कटेस (जीएसएनओआर) फ्रॉम ब्रेस्सीका जूनसियाःइट्स इन सिलीको एण्ड बायोटेकनीकल एनालाइसिस विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

14-16 फरवरी, 2019 को दास, एस., ने आईआईटी गुवाहाटी में इन प्लांट साइंसेज एणअड एग्रोबायोटेक्नोलॉजी 2019 तथा प्लांट टिश्यू कलचर एसोसिएशन ऑफ इंडिया की 40वीं बैठक में ट्रेन्ड्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर पॉलीप्लॉडी, जिनोम इवोल्यूएशन एण्ड फंकशनल डायवर्सिफिकेशनः इनसाइट्स फ्रॉम कम्प्रेटिव एनालाइसिस ऑफ रेग्यूलेटरी एलीमेन्ट्स विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

देशवाल, आर.

24 नवंबर, 2018 को जेएऩयू कंवेशन सेन्टर, जेएनयू, नई दिल्ली में अंडर रिप्रजेन्टेशन ऑफ वूमन इन साइंस इन इंडिया। इन इमरजेन्स ऑफ फेमिनिज्म इन 2021 सेन्चुरी इंडियाः ग्रुप एक्टीविज्म टू हैश टैग विषय पर व्याख्यान।

22 अक्तूबर, 2018 को आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय (एआरएसडी), दिल्ली विश्वविद्यालय में सतत और हरित विकास पर संकाय विकास कार्यक्रम में स्मॉल स्टेप्स टूवर्ड्स ग्रीन डेवलप्मेन्ट ऑफ नेशन थ्रू रिसर्च इन प्लांट साइंसेज विषय पर व्याख्यान।

27-28 जनवरी, 2019 को बिट्स पिलानी दुबई कैम्पस में बायोटेक्नोलॉजीकल इनोवेशन्स इन फूड एण्ड हेल्थ केयर (BIfhc 2019) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डायोसोरिया - एन अलटर्नेटिव क्रॉप टू केटर द वर्ल्ड फूड क्राईसिस सिनेरियो विषय पर प्रस्तुतीकरण।

23-25 अक्तूबर, 2018 को होटल पीटरहोफ, शिमला में सीबकथॉर्न एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित "सीबकथॉर्न-टेक्नोलोजीज फॉर कल्टिवेशन एनवायरनमेंटल कंजर्वेशन प्रोटेक्शन न्यूट्रिशन सिक्योरिटी एंड हेल्थ प्रोटेक्शन" विषय पर द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन के तकनीकी सत्र की सह-अध्यक्षता की।

28 फरवरी से 2 मार्च, 2019 को ध्यानी तथा उनीयाल पी.एल.ने कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट में प्लांट साइंसेजः करंट चेलेन्जेस एण्ड प्रस्पेक्टिव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में बायोसिसटमेटिक्स ऑफ ब्रायोफाइट्स - रिसेन्ट डेवलप्मेन्ट विषय पर व्याख्यान दिया।

कपूर, आर.

26 तथा 27 मार्च, 2019 को बायोटेक्टनोलॉजी, स्कूल ऑफ केमिकल एणअड लाइफ साइन्सेज, हमदर्द विश्वविद्यालय में बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च इंडियाः करंट स्टेट्स एणअड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में अर्बस्कुलर माइकोरिझा इन इमप्रुविंग द प्रोडक्टिविटी ऑफ टरपेन्डोएस इन मेडिसनल प्लांट विषय पर प्रस्तुतीकरण।

फरवरी, 18-19 वनस्पति शास्त्र विभाग, पंजाब यूनीवर्सिटी, पटियाला में प्लांट एण्ड माइक्रोबीयल रिसर्चः प्रिजेन्ट सिनेरियो पर राष्ट्रीय सम्मेलन में अर्बस्क्यूलर माइकोराइजा इन सस्टेनेबल एग्रीकलचर विषय पर प्रस्तुतीकरण।

8 मार्च, 2019 को देशबंधु महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में एवेन्यूज इन प्लांट साइंसेज: ए होप फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर ई परिसंवाद

नवंबर, 19-12, 2018 को नेशनल फंगल कलचर कलेक्शन ऑफ इंडिया (एनएफसीसीआई) तथा एमएसी के अगरकर रिसर्च इंस्टिट्यूट, पुणे द्वारा फंगल बायलॉजीः एडवांसेज, एप्लीकेशन्स एण्ड कंशरवेशन तथा माइक्रोलॉजीकल सोसाइटी ऑफ इंडियाकी चतृथ बैठक के अवसर पर, पैथोजेनेसिटी ऑफ बोट्रीटिस सिनेरिया इन इंटरनेशनल सिमपोजियम के लिए सहायक नूतन निर्धारकों की पहचान का प्रस्तुतिकरण।

मिश्रा, जी.

8 मार्च, 2019 को देशबंधु महाविद्यायलय, दिल्ली यूनिवर्सिटी द्वारा एवन्यूज इन प्लांट साइंसेजः ए होप पर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर परिसंवाद में सस्टेनेबल प्रोडक्शन ऑफ ओमेगा-3 पोलीअनसेच्यूरेटड फेटी एसीड्स फ्रॉम माइक्रोलेज विषय पर प्रस्तुतिकरण।

15 मार्च, 2019 को जूलॉजी विभाग, दिल्ली यूनवर्सिटी में मछली के पोषण में अधुनातन प्रगति पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रचलित ओमेगा -3 पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड की वृद्धि की दिशा में माइक्रोएलगल फ़ीड पर प्रस्तुति।

दिनांक 29 मार्च, 2019 को भाभा आणविक अनुसंधान केन्द्र, अणुशक्ति नगर, मुंबई द्वारा आयोजित फॉस्फेटिक एसिड: की मिडिएटर ड्यूरिंग एबायोटिक स्ट्रेस इन प्लांट्स एट डीएई-बीआरएनएस लाइफ साइंस परिसंवाद में प्रस्तुतिकरण।

मुदगिल, वाई. प्लांट डेवलपमेंट एंड एम्ब्रियोलॉजी, सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी में 27 अप्रैल 2018 को शिक्षण और अध्ययन कौशल पर कार्यशाला में मेरिस्टेम संगठन के विनियमन में वर्तमान अंतर्दृष्टि पर प्रस्तुति।

निंदावत एस. और अग्रवाल, वी. ने 7 से 9 जनवरी, 2019 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में नेनोमेडिकल साइंसेज पर आईएनएसएससीओएन 2018, 6ठीं विश्व कांग्रेस में सिल्वर नैनोपार्टिकल्स के ग्रीन सिंथेसिस पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया, जिसमें अरब प्राइमरोज रूट एक्सट्रेक्ट का उपयोग और उनके एंटी कैंसर और एंटी-माइक्रोबियल क्षमता का मूल्यांकन किया गया था।

निंदावत एस और अग्रवाल, वी. ने 24 से 27 अक्तूबर, 2018 तक एम्स, नई दिल्ली में इंडियन सोसाइटी ऑफ नैनोमेडिसिन (नेनोबायोटेक-2018) के तीसरे वार्षिक सम्मेलन मेंफेब्रीकेशन ऑफ सिलवर नेनोपार्टिकल्स यूजिंग अर्नबिया हेपिडिसिमा (लेहम।) ए. डीसी रूट एक्सट्रैक्ट एण्ड अनरेवेलिंग देयर पोटेंशियल बायोमेडिकल एप्लिकेशन्स पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

प्रकाश, एस. और देसवाल ने 13-14 दिसंबर, 2018 को आदित्य भवन ऑडिटोरियम, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी (एनआईएसई), ग्वाल पाहाड़ी गुरूग्राम में कृषि खोज, संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों का उत्तरदायी उपयोग के लिए नेनोबायोटेकनोलॉजी पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एनालिसिस ऑफ ब्रॉन्का जंकिया लीफ प्रोटीन कोरोना फोर्मड ऑन द सर्फेस ऑफ गोल्ड नेनोपार्टिकल्स विषय पर प्रस्तुतिकरण।

प्रीति, उनियाल, पी.एल. ने 8-10 मार्च, 2019 को डॉ. बी.एन दत्त समृति महाविद्यालय, हटगोबिंदपुर, बर्धमान (प.बं.) में नेक्स्ट जनरेशन पर्टिडोलॉजीः द इंडियन प्रेस्पेक्टिव पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अमिनो एसिड एण्ड फैटी एसिड प्रोफाइल्स ऑफ वाइल्ड एडिबल फर्न नेफ्रोलेपिस कॉर्डिफ़ोलिया (एल.) सी पर्सी पर प्रस्तुतिकरण किया।

राजपूत एस. और अग्रवाल, वी. ने दिनांक 14-16 फरवरी, 2019 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी में प्लांट साइंसेज एण्ड एग्रोबायोटेकनोलॉजी में प्रचलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में इन विट्रो माइक्रोप्रोपैगेशन इवेल्यूएशन ऑफ जेनेटिक फिडेलिटी एण्ड एन्टिऑक्सिडेन्ट लेवल्स इन द रिजेनरेन्ट्स ऑफ एट्रोपा एक्यूमिनटा रोले एक्स लिंडल, ए क्रिटिकली एनडेन्जर्ड मेडिसनल हर्ब विषय पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

राव, के.एस. ने 1 मार्च 2019 को स्कूल ऑफ स्टडीज इन बोटनी, ग्वालियर, जीवाजी विश्वविद्यालय में प्रोफेसरआर.आर. दास मेमोरियल लेक्चर प्रदान दिया।

शर्मा, बी. तथा देसवाल आर.

दिनांक 7-9 जनवरी, 2019 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में नेनोमेडिकल साइंसेज एण्ड केमिस्ट्री बायोलॉजी इंटरफेस 2019 में 6ठीं विश्व कांग्रेस तथा साइंस एण्ड टेकनोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मेन काइंड में हिप्पोफै रहामनोइड्स ए कोल्ड टोलरेन्ट वांडर प्लांट विद पोटेन्शियल बायोमेडिकल एण्ड नैनोटेक्नोलॉजिकल एप्लिकेशन्स विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

दिनांक 23-25 अक्तूबर, 2018 को होटल पीटरहॉफ, शिमला में सीबकथॉर्न एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा सीबकथॉर्न-टेक्नोलॉजीस फॉर कल्टिवेशन एनवारोनमेन्टल कंजरवेशन न्यूट्रिशन सिक्यूरिटी एण्ड हेल्थ प्रोटक्शन पर सीबकथॉर्न एसोसिएशन ऑफ इंडिया के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में "नेनोबायोटेकनोलॉजीकल पोटेंशियल ऑफ द अंडरयूटिलाइज्ड हिमालयन शर्ब, सीबकथॉर्न फॉर डिकंटामिनेटिंग फैब्रिक डाई कंटेनिंग वेस्ट वॉटर" विषय पर मौखिक प्रस्तुति।

दिनांक 27-28 जनवरी, 2019 को बिट्स पिलानी दुबई कैंपस में बायोटेकनोलॉजिकल इनोवेशन्स इन फूड एणअड हेल्थ केयर (बीआईएफएचसी 2019) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एनालाइजिंग द रोल ऑफ नाइट्रिक ऑक्साइड (NO) इन डायोसकोरिया अलाटा ट्यूबर फॉर मेनेजिंग इट्स पोस्ट-हार्वेस्ट शेल्फ लाइफ विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

सिंह टी. अग्रवाल, वी., ने दिनांक 14 से 16 फरवरी, 2019 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, असम में आयोजित ट्रेंड्स इन प्लांट साइंसेज एंड एग्रोबायोटेक्नोलॉजी 2019 पर अतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रोटोकोल फॉर द आइसोलेशन, केरेक्टराइजेशन ऑफ बायोएक्टिव कंपाउंडस फ्रॉम प्लंबगोज़ेनलानिकाएल रूट्स एण्ड देयर एलिसिटेशन थ्रू एबायोटिक एलिसिटर्स विषय पर इंटरैक्टिव पोस्टर प्रस्तुत किया।

ठाकुर, जे., प्रीति, उनियाल पी.एल. और पांडे ए.के. ने दिनांक 15-17 फरवरी 2019 को रिसेंट एडवांसेस इन ऑर्किडोलॉजी विद स्पेशल एमफेसिस ऑन बायोलॉजी, क्लाइमेट चेंज, कंजरवेशन एण्ड कमरशलाइजेशन फलोरिकलचरली एण्ड थिरोपटिकली इम्पोरटेन्ट टेक्सा एण्ड ऑर्चिड शो पर राष्ट्रीय सम्मेलन सह कार्यशाला में स्टेटस सर्वे, रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी, जेनेटिक डायवर्सिटी एण्ड कंजरवेशन ऑफ क्रीपीडियम एक्यूमिनेटम विषय पर प्रस्तुतिकरण दिया।

यादव, के. और देशवाल आर. ने 24-27 अक्तूबर, 2018 को एम्स, नई दिल्ली, भारत में इंडियन सोसायटी ऑफ़ नैनोमेडिसिन के तृतीय वार्षिक सम्मेलन में ग्रीन सिंथेसिस ऑफ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स यूजिंग पाइपर लोंगम एल. लीफ एक्ट्रेक्ट एण्ड दियर स्टॉग वायो-एफिकेसी स्टडीज अगेंस्ट ह्यूमन सर्वाइकल कैंसर सेल लाइन (हेला) एण्ड मलेरिया एण्ड डेंगी वेक्टर्स विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

के पर पीपर लोंगम ली। लीफ एक्सट्रैक्ट का उपयोग कर रहा है और मानव ग्रीवा कैंसर सेल लाइन (हेला) और मलेरिया और डेंगू वैक्टर के खिलाफ उनकी मजबूत जैव प्रभावकारिता का अध्ययन करता है।, 24-27 अक्तूबर, 2018.

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

अंतर्राष्ट्रीय: दिल्ली विश्वविद्यालय और समरकंद राज्य विश्वविद्यालय (एसएसयू), समरकंद, उज्बेकिस्तान के मध्य औषधीय पादप जैव प्रौद्योगिकी में पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए एमओयू।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मलेरिया रिसर्च (एनआईएमआर), नई दिल्ली के साथ अनुसंधान सहयोग।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

बहिर्गमनः

सुश्री लाईश्रम सुंदरी देवी ने 28.02.18 से 28.08.18 के दौरान इंडो-यूएस जीईटी इंटर्न के रूप में पर्ड्यू विश्वविद्यालय, लाफाफाएट का दौरा किया।

सुश्री प्रियंका राठौड़ ने न्यूटन-भाभा पीएचडी प्लेसमेन्ट कार्यक्रम के अंतर्गत 01.06.18 से 30.09.18 तक जेनेटिक्स विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ लीसेस्टर यूके का दौरा किया।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

दिनांक 6-10 जुलाई, 2018 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक द्वारा आयोजित स्कूली छात्रों के लिए डीएसटी-इंस्पायर कार्यक्रम में "एप्स एन्सेस्टर्स, कजन और अस?" नामक कार्यक्रम में प्रोफेसर आर. गीता ने एक व्याख्यान दिया।

दिनांक 6-10 जुलाई, 2018 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक द्वारा आयोजित स्कूली छात्रों के लिए डीएसटी-इंस्पायर कार्यक्रम में प्रोफेसर एस. लखनपॉल ने "जीव विज्ञान: जीवन के रहस्यों का प्रवेश द्वार" नामक व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी के अवसर पर 1 मार्च, 2019 को वनस्पति विज्ञान विभाग के छात्रों द्वारा "सर्वाइवल ऑफ द फिटेस्ट" विषय पर एक नुक्कड नाटक का आयोजन किया गया था।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या :

पीएचडी. - 20

एम.फिल- 3

संकाय की संख्या: 20

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

विभाग ने जूलाई 17-अगस्त 06, 2018 के दौरान लाइफ साइंस में यूजीसी प्रायोजित रिफ्रेशर कोर्स आयोजित किया; जोकि प्रोफेसर राजेश टंडन, प्रोफेसर एस. गोयल और डॉ. संदीप दास द्वारा समन्वित था।

श्रुति निंदावत, रिसर्च स्कॉलर को दिनांक 7 से 9 जनवरी, 2019 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में नेनोमेडिकल साइंसेज पर आईएसएनएससीओएन 2018, छठीं विश्व कांग्रेस में उनके काम के लिए बेस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया, जिसका शीर्षक था "ग्रीन सिन्थेसिस ऑफ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स यूजिंग अरेबियन प्राइमरोस रूट एक्सट्रैक्ट एण्ड इवोल्यूएशन ऑफ देयर एंटी-कैंसर एंड एंटी-माइक्रोबियल पोटेंशियल" था।

***

रसायन विज्ञान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

रसायन विज्ञान विभाग देश का प्रमुख शोध विभाग है तथा रसायन विज्ञान के उन्नत क्षेत्रों में एम.एस.सी. शिक्षण तथा प्रशिक्षण प्रदान करता है। शोध क्षेत्रों का विस्तार जैव कार्बनिक रसायन विज्ञान, रासायनिक जीव विज्ञान, समन्वय रसायन विज्ञान, विद्युत रसायन, हरित रसायन विज्ञान, पदार्थ रसायन विज्ञान, औषधीय रसायन विज्ञान, प्राकृतिक उत्पाद, नैनो रसायन विज्ञान, पॉलीमर, सिंथेटिक रसायन आदि पर प्रायोगिक से सैद्धान्तिक तथा गणनात्मक अध्ययनों तक विस्तृत है। पिछले एक वर्ष में संकाय सदस्यों ने 62 पी एच डी प्रदान किए हैं तथा उच्च स्तरीय पत्रिकाओं में कई शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। विभाग ने प्रख्यात वक्ताओं द्वारा कई व्याख्यान तथा वार्तालाप आयोजित किए जिनमें समकालिक क्षेत्रों में उन्नत ज्ञान प्रदान किया गया। अंतर-राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ सहयोग करने के अलावा संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय तथा अंतर-राष्ट्रीय सम्मेलनों तथा संस्थानों में की-नोट, प्लेनरी तथा आमंत्रित व्याख्यानों के माध्यम से अपने शोध निष्कर्षों को सांझा करने के लिए आमंत्रित किया गया। हमारे संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त की गई बाहय शोध परियोजनाएं आधुनिकतम प्रयोगशाला सुविधाओं के विकास एवं उन्नयन तथा शोध छात्रवृत्तिधरियों को प्रशिक्षण को सुगम बनाती हैं। बहुत से संकाय सदस्यों को प्रतिष्ठित मेडल तथा सम्मान प्रदान किए गए। एक संकाय सदस्य भारतीय विज्ञान अकादमी के फैलो हैं।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर रमेश चंद्र

अध्यक्ष - वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑफ नैनो मेडिकल साइंसिज़ 7-9 जनवरी 2019

2017-2018 के लिए मिलेनियम प्लेक्स ऑफ ऑनर अवार्ड (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड); (16 मार्च 2018 को मणिपुर में आयोजित 105वीं भारतीय विज्ञान कॉन्ग्रेस में इंडियन साइंस कॉन्ग्रेस एसोसिएशन (आई एस सी ए) द्वारा प्रदान किया गया)

प्रोफेसर रमा कांत : सीआरएसआई परिषद् के चयनित सदस्य (2017-2020) तथा रसायन की अनुभागीय समिति, भारतीय विज्ञान अकादमी के सदस्य (2019-2021)।

प्रोफेसर डी.एस. रावत : अनुभागीय अध्यक्ष(रासायनिक विज्ञान), भारतीय विज्ञान कॉन्ग्रेस एसोसिएशन(2019-2020)।

डॉ. एस. कौर-घुमान : ग्लोबल यंग अकेडमी,हेल, जर्मनी के सदस्य चयनित(2019-2024)।

प्रकाशन

पी. अग्रवाल, एन. तिरूपति एवं एम. नेताजी(2019). डिस्क्रीट मोनोमर [Cd(κ2-OC(O)tBu)2(H2O)2] तथा एक ट्राई न्युक्लियर हेटरो बाई मेटलिक 1डी सीपी, {Na2[Cd(μ5-κ3:κ3-OAc)(μ3-κ2:κ3-OC(O)tBu)(μ3-κ1:κ2-OC(O)tBu)2]•2tBuC(O)OH}∞ के निर्माण पर कैडमियम(II) स्रोत का प्रभाव। इनॉर्गैनिका किमिका एक्ट, 489, 126-131 ।

एल. अग्रवाल एवं पी. बिस्वास (2018). हाइड्रेशन वाटर डिस्ट्रीब्यूशन एराउंड इंट्रिंज़ीकली डिसॉर्डर्ड प्रोटींस । द जर्नल ऑफ फीज़िकल कैमिस्ट्री बी, 122, 4206-4218 ।

पी. अग्रवाल, एस. शर्मा, एच. कौर, एस. यादव एवं आर.के. हाजरा (2019). इलेक्ट्रॉनिक स्पेक्ट्रा एण्ड केमिकल पोटेंशल ऑफ 2-डी मल्टी-इलेक्ट्रॉन क्वांटम डॉ.ट्स इन मैग्नेटिक फील्ड : एग्ज़ेक्ट मल्टी-पोल एक्सपेंशन ऑफ कूलंब कोरिलेशन. जर्नल ऑफ फीज़िक्स कम्युनिकेशंस, 3, 035011 ।

एस. अहमद, एम. कौशिक, एस. चौधरी एवं एस. कुकरेती (2018). फॉर्मेशन ऑफ जी-वायर्स, बाई मोलेक्युलर एण्ड 2 टेट्रा मोलेक्युलर क्वाड्रुपलेक्स : केशन-इंड्यूस्ड स्ट्रक्चरल 3 पॉलीमॉर्फ्स ऑफ जी-रिच डीएनए सीक्वेंस ऑफ ह्यूमन एसवाईटीएक्स जीन. बायोपॉलीमर्स, doi.org/10.1002/bip.23115.

आर. अरोड़ा, यू. इस्सर एवं आर. कक्कड़ (2018). थ्योरेटिकल इनवेस्टीगेशन ऑफ ऑर्गेनोटिन(IV) कॉम्पलेक्सेस ऑफ सब्स्टीट्यूटिड बेंजो हाइड्रॉक्सैमिक एसिड्स. कम्पुटेशनल एण्ड थ्योरेटिकल कैमिस्ट्री, 138, 57-65 ।

आर. अरोड़ा, यू. इस्सर एवं आर. कक्कड़ (2018). आइडेंटीफिकेशन ऑफ नॉवल यूरीज़ इनहिबिटर्स: फार्मेकोफोर मॉडलिंग, वर्चुअल स्क्रीनिंग़ एण्ड मोलेक्युलर डॉ.किंग स्टडीज़। जर्नल ऑफ बायोमोलेक्युलर स्ट्रक्चर एण्ड डायनेमिक्स, डीओआई: 10.1080/07391102.2018.1546620.

आर. अरोड़ा, के. कश्यप, ए. मित्तल एवं आर. कक्कड़ (2019). सिंथेसिस एण्ड रिएक्शंस ऑफ डायज़ोकीटोंस । ऑर्गेनिक प्रिपरेशंस एण्ड प्रोसीज़र्स इंटरनेशनल, 51(29), 1-44.

एस. अग्रवाल, एम. किदवई एवं एम. नाथ (2019). ए फेसाइल एण्ड ग्रान पाथवे फॉर वन-पॉट मल्टीकंपोनेंट सिंथेसिस ऑफ फंक्शनलाइज़्ड स्पायरोज़िनडोल्स यूज़िंग कैफीनियम हाइड्रोजन सल्फेट एज़ ए कैटालीस्ट. कैमिस्ट्री सिलेक्ट, 4(7), 2135-2139.

एस. अग्रवाल, आर. किदवई, एम. किदवई एवं एम. नाथ (2018). कैफीनियम हाइड्रोजन सल्फेट: ए ग्रीन सॉलिड एसिड कैटालीस्ट फॉर सिलेक्टिव वन-पॉट डोमिनो नॉवेनेजल-माइकेल ट्रांसफॉर्मेशंस. कैमिस्ट्रीसिलेक्ट, 3(39): 10909-10914.

जी. आर्या, एम. कुमारी, एन. गुप्ता, ए. कुमार, आर. चंद्रा एवं एस. निमेश (2018). ग्रीन सिंथेसिस ऑफ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स यूज़िंग प्रोसोप्सिस जूलिफ्लोरा बार्क एक्सट्रेक्ट: रिएक्शन ऑप्टीमाइज़ेशन, एंटीमाइक्रोबियल एण्ड कैटलीटिक एक्टीविटीज़. आर्टिफिशियल सेल्स, नैनोमेडीसिन एण्ड बायोटेक्नोलॉजी, 46(5), 985-993.

ए. बाल्डी, एम. चौधरी, एस. सेठी, आर. चंद्रा एवं जे. मदान (2018) आर्मामेंटेरियम ऑफ नैनोस्केल्ड लिपिड ड्रग डिलिवरी सिस्टम्स कस्टमाइज़्ड फॉर ओरल एडमिनिस्ट्रेशन: इन सिलिको डॉ.किंग पैट्रोनेज, एब्ज़ॉरप्शन फेनोमेन, प्रीक्लीनिकल स्टेटस, क्लीनिकल स्टेटस एण्ड फ्यूचर प्रोसपेक्ट्स. कलॉयड्स सर्फ बी बायोइंटरफेसिस, 170, 637-647 ।

एन. बत्रा, वी. राजेंद्रन, डी. अग्रवाल, आई. वाडी, पी.सी. घोष, आर.डी. गुप्ता एवं एम. नाथ (2018). सिंथेसिस एण्ड एंटीमटीरियल इवेल्युएशन ऑफ [1,2,3]- ट्रायज़ोल-टीदर्द सल्फोनामाइड-बरबेरीन हाइब्रिड्स. कैमिस्ट्रीसिलेक्ट, 3(34): 9790-9793.

ए. भट, ए.एम. महालक्ष्मी, बी.रे., एस. तुलाधर, ए.डी. हेडिया, ई. मंथियानेम, जे. पदमती, आर. चंद्रा, एस. चिदम्बरम, एम. सखरकर (2019). बेनेफिट्स ऑफ कर्क्युमिन इन ब्रेन डिसऑर्डर्स. बायोफैक्टर्स, 1-24.

पी. ब्राग्त, आर.के. सिधु, के. ज्योति, ए. बाल्डी, यू.के. जैन, आर. चंद्रा एवं जे. मदान (2018). इंट्राट्यूमरल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ कार्बोप्लेटिन बीयरिंग पॉली (ई-कैप्रोलेक्टोन) नैनो पार्टिकल्स अमल्गामेटिड विद इन सिटु जेल टैंडर्ड ऑगमेंटिड ड्रग डिलिवरी, साइटोज़िसिटी, एण्ड एपोप्टॉसिस इन मेलानोमा ट्यूमर. कलॉयड्स एण्ड सर्फेसिस बी, 166, 339-348.

वी. चाहल, एस. निर्वान एवं आर. कक्कड़ (2019). इसैटिन एण्ड इट्स डेरिवटिव्स: ए सर्वे ऑफ रीसेंट सिंथेसीस, रिएक्शंस एण्ड एप्लीकेशंस. मेडकेमकॉम 10(3) 351-368.

एम. चौधरी, एन. कुमार, ए. बाल्डी, आर. चंद्रा, एम.ए. बाबू, जे. मदान (2019). 4-ब्रोमो-4क्लोरो पाइराज़ोलीन एनालॉग ऑफ कर्क्युमिन ऑगमेंटिड एंटीकैंसर एक्टीविटी अगेंस्ट ह्यूमन सर्वाइकल कैंसर, हेला सेल्स: इन सिलिको-गाइडिड एनालीसिस, सिंथेसिस एण्ड इन विट्रो साइटोटॉक्सीसिटि. जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एण्ड डायनेमिक्स, 8, 1-19.

एम. चौधरी, एन. कुमार, ए. बाल्डी, आर. चंद्रा, एम.ए. बाबू, जे. मदान (2019). क्लोरो एण्ड ब्रोमो-पायराज़ोल करक्युमिन नोवेनजेल कंडेनसेट्स ऑगमेंटिड एंटीकैंसर एक्टीविटी अगेंस्ट ह्यूमन सर्वाइकल कैंसर सेल्स: डिज़ाइन, सिंथेसिस, इन सिलिको डॉ.किंग एण्ड इन विट्रो साइटोक्सीसिटी एनालीसिस: करक्यूमिन नोवेनजेल कंडेनसेट्स ऑगमेंटिड एंटीकैंसर एक्टीविटी अगेंस्ट ह्यूमन सर्वाइकल कैंसर सेल्स. जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एण्ड डायनेमिक्स, 27, 1-19.

एम. छतवाल, आर. मित्तल एवं एस.के. अवस्थी (2018). सैंसिंग एनसेम्बल्स फॉर नाइट्रोएरोमैटिक्स. जर्नल ऑफ मटीरियल्स कैमिस्ट्री सी 6, 12142-12158.

एस.बी. चिदम्बरम, ए.जी. रतिप्रिया, एस.आर. बोल्ला, ए. भट, बी.रे, ए.एम. महालक्ष्मी, टी. मणिवसगम, ए.जे. तेन्मोजी, एम.एम.एस, जी.जे. गिलेमिन, आर. चंद्रा, एम. सखरकर (2019). डैंड्राइटिक स्पाइंस: रीविज़िटिंग द फीज़ियोलोजिकल रोल। प्रोग्रेस इन न्यूरो-साइकोफार्मैकोलॉजी एण्ड बायोलोजिकर साइकेट्री, 92, 161-193.

एन.आर. चौधरी एवं आर. कांत (2018). थ्योरी ऑफ जनरलाइज़्ड गेरिशर इम्पीडेन्स फॉर क्वासी-रिवर्सिबल चार्ज ट्रांसफर ऐट रफ एण्ड फाइनाइट फ्रेक्टल इलेक्ट्रोड्स, इलेक्ट्रोकिमिका एक्ट, 281, 445-458.

एच. चुघ, पी. कुमार, वी. तोमर, एन. कौर, डी. सूद तथा आर. चंद्रा (2019). इनटरेक्शन ऑफ नोसकैपाइन विद ह्यूमन सीरम एल्बुमिन (एच एस ए): ए स्पेक्ट्रोस्कोपिक एण्ड मोलेक्युलर मॉडलिंग एप्रोच. जर्नल ऑफ फोटोकैमिस्ट्री एण्ड फोटोबायोलॉजी ए : कैमिस्ट्री. 372, 168-176.

एच. चुघ, डी. सूद, आई. चंद्रा, वी. तोमर, जी. धवन और आर. चंद्रा (2018). रोल ऑफ गोल्ड एण्ड सिल्वर नैनोपार्टिकल्स इन कैंसर नैनो-मेडीसिन. आर्टीफिशियल सेल्स, नैनोमेडीसिन एण्ड बायोटेक्नोलॉजी, 46(सप1), 1210-1220.

वी. दास, आर. गुप्ता, एन. इसेकी, एम. सदाकने, ए.एस. मोगरबेल, यू. कोर्ट्ज़ व एफ. हुसैन (2019). सिंथेसेज़ एण्ड क्रिस्टल स्ट्रक्चर्स ऑफ YIII कंटेनिंग डाई-मेटल सब्सटिट्यूटिड 1, 5 आइसोमर्स ऑफ हेट्रोमेटलिक टंगस्टोफॉस्फेट नैनोक्लस्टर्स: [Y{PM2W10O38 (H2O) 2}2]11- (M = CoII तथा ZnII) कैमिस्ट्री सिलेक्ट, 4(9), 2538-2544.

वी. दास, आई. खान, एफ. हुसैन, एम. सदाकने, के. हेजिओ, के. इचिहाशि, के. इनो व एस. निशिहारा (2019). ए सेल्फ- असेम्बल्ड हेट्रोमेटलिक {Co7-Ho1}नैनोक्लस्टर: 3d-4f ट्राइमरिक केजिन- टाइप सिलिकोटंगस्टेट [HoCo7Si3W29O108 (OH) 5(H2O)4]18- एण्ड इट्स कैटालीटिक एण्ड मैगनेटिक एप्लीकेशंस. यूरोपीयन जर्नल ऑफ इनॉर्गेनिक कैमिस्ट्री, 2019(3-4), 430-436.

एस. ढिल्लों, एन. गोस्वामी व आर. कांत (2019). थ्योरी फॉर लोकल ईआईएस ऐट रफ इलेक्ट्रोड अंडर डिफ्यूज़न कंट्रोल्ड चार्ज ट्रांसफर: ऑनसेट ऑफ व्हिस्कर्स एण्ड डेंड्राइट्स. जर्नल ऑफ इलेक्ट्रोएनालीटिकर कैमिस्ट्री, 840, 193-207.

ए. दीक्षित, पी. कुमार तथा एस. सिहं (2018). सिंथेसिस ऑफ चिरल सलालेन लिगेंड्स एण्ड देयर इन- सिटु जेनेरेटिड Cu- कॉम्पलेक्सेस फॉर एसिमिट्रिक हेनरी रिएक्शन. चिरेलिटी, 30(12), 1257-1268.

ए. दीक्षित, पी. कुमार, जी.डी. यादव तथा एस. सिहं (2018). एसिमिट्रिक हेनरी रिएक्शन कैटालाइज़्ड बाई चिरल Cu(II) सलालेन एण्ड सैलेन कॉम्पलेक्सेस डिराइव्ड फ्रॉम (एस)-प्रोलाइन. इनॉर्गैनिका किमिका एक्टा, 479, 240-246.

पी. इलुमलाई, आर. उज्ज्वल, एम. नेताजी व एन. तिरुपति (2018). सिंथेसेज़, करेक्टराइज़ेशन, सॉल्यूशन बिहेवियर एण्ड कैटालिटिक एक्टीविटी ऑफ ट्रांस--[(guanidine)2PdX2] (X = Cl and OC(O)R; R = Me, Ph and tBu) इन हेक-मिज़ोरोकी कपलिंग रिएक्शंस इनवॉल्विंग क्लोरोएरींस/मिथाइल एक्रिलेट, पोलीहेड्रन 151, 313-322.

एस. गांधी, आई. रॉय (2019). डोक्सोरुबिसिन-लोडिड केस इन नैनोपार्टिकल्स फॉर ड्रग डिलिवरी: प्रिपरेशन, करेक्टराइज़ेशन एण्ड इन विट्रो इवेल्युएशन. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलोजिकर मैक्रोमोलेक्यूल्स, 121, 6-12.

वी. गर्ग, पी. कुमार व ए.के. वर्मा (2018). सबस्ट्रेट-कंट्रोल्ड रेजियो- एण्ड स्टीरिओसेलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ (ज़ेड)- एण्ड (ई)-एन-स्टाइराइलेटिड कार्बाज़ोल्स, अज़ा-कार्बाज़ोल्स एण्ड γ कार्बोलींस वाया हाइड्रोएमीनेशन ऑफ एल्काइन. जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक कैमिस्ट्री, 83, 11686-11702.

के. गोपालैआ, डी.सी. राव, के. माहिया, ए. तिवारी (2019). आयरन-कैटालाइज़्ड एयरोबिक ऑक्सीडेटिव क्लीवेज एंड कंसट्रक्शन ऑफ सी-एन बॉन्ड्स: ए फेसाइल मेथड फॉर सिंथेसिस ऑफ 2,4,6-ट्राईसब्स्टीट्यूटिड पाइरीडींस. एशियन जरनल ऑफ ऑर्गेनिक कैमिस्ट्री, 7, 1872-1881.

एन. गोस्वामी व आर. कांत (2019). थ्योरी फॉर इम्पीडेंस रेस्पॉन्स ऑफ ग्रेन एंड ग्रेन बाउंडरी इन सॉलिड स्टेट इलेक्ट्रोलाइट, जर्नल ऑफ इलेक्ट्रोएनालीटिकल कैमिस्ट्री, 835, 227-238.

यू.सी. गुलाटी, यू. राजेश व डी.एस. रावत (2018). RGO@CuO नैनोकम्पोज़िट्स फ्रॉम ए रिन्युएबल कॉपर मिनरल प्रिकर्सर: ए ग्रीन एप्रोच फॉर डीकार्बोक्सीलेटिव C(sp3)-H एक्टीवेशन ऑफ प्रोलाइन एमीनो एसिड टू अफोर्ड वेल्यु-एडिड सिंथंस. एसीएस ससटेनेबल केम. इंग.6, 10039-10051.

ए. गुप्ता, एस. पाल व एस. उमा (2019). सिस्टेमैटिक कलर वैरिएशन एक्रोस द सॉलिड सॉल्यूशन मेम्बर्स, Li2Mn1-xTixO3 ($0.0 \leq x \leq 1.0$). जर्नल ऑफ फीज़िक्स एण्ड कैमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स, 134, 238-244.

एन. गुप्ता, एन. शर्मा, एस.के. माथुर, आर. चंद्रा व एस. निमेश (2018). एडवांसमेंट इन नैनोटेक्नोलॉजी-बेस्ड एप्रोचेज़ फॉर द ट्रीटमेंट एण्ड डायग्नोसिस ऑफ हाइपरकोलेस्टेरोलीमिया. आर्टीफीशियल सेल्स, नैनोमेडिसिन एण्ड बायोटेक्नोलॉजी, 46(सप1), 188-197.

एस. गुप्ता व पी. बिस्वास (2018). इफेक्ट ऑफ पीएच ऑन साइज़ एंड इनटर्नल स्ट्रक्चर ऑफ पोली(प्रोपीलीन इमाइन) डेंड्राइमर्स: ए मोलेक्युलर डायनेमिक्स सिमुलशन स्टडी. द जर्नल ऑफ फीज़िकल कैमिस्ट्री बी, 122, 9250-9263.

यू. इस्सर, आर. अरोड़ा व आर. कक्कड़ (2019). कम्बाइंड फार्मैकोफोर-गाइडिड 3डी-क्यूएसएआर, मोलेक्युलर डॉ.किंग, एंड वर्चुअल स्क्रीनिंग ऑन बिस-बैंज़िमिडाज़ोल्स एंड टेर-बैंज़िमिडाज़ोल्स ऐज़ डीएनए-टोपोआइसोमरेज़ प्वायज़ंस. स्ट्रकचरल कैमिस्ट्री, DOI: 10.1007/s11224-018-1257-3.

आर. जैन, पी. गहल्यान, एस. द्विवेदी, आर. कंवर, एस. कुमार, एम. भंडारी, आर. अरोड़ा, आर. कक्कड़, आर. कुमार व ए.के. प्रसाद (2018). डिज़ाइन, सिंथेसिस एंड इवल्युएशन ऑफ 1एच-1, 2, 3-ट्राइएज़ोल-4-वायएल-मिथाइल टेदर्द 3-पाइरोलाइलिसैटिंस एज़ पोटेंट एंटी-ब्रेस्ट कैंसर एजेंट्स. कैमिस्ट्रीसिलेक्ट, 3(19), 5263-5268.

वी. कायम, एम. नटराजन, एस. कौर-घुमन (2018). डाइन्युक्लीयर मैंगनीज़ कार्बोनील कॉम्प्लेक्सेस: इलेक्ट्रोकैटालीटिक रिडक्शन ऑफ प्रोटोंस टू डाईहाईड्रोजन. कैमिस्ट्रीसिलेक्ट, 4, 1789-1794.

आर. कांत, एन.आर. चौधरी व एस. श्रीवास्तव (2019). थ्योरी फॉर आईएमपीएस ऑन रफ एंड फाइनाइट फ्रेक्टल डाई सेंसीटाइज़्ड सोलर सैल, जर्नल ऑफ इलेक्ट्रोकेमिकल सोसाइटी, 5, एच3047-एच3064. (कृष्णन राजेश्वर के सम्मान में सेमीकंडक्टर इलेक्ट्रोकेमिकल व फोटोइलेक्ट्रोकेमिस्ट्री पर जेईएस केंद्र विषय)

ए. कश्यप, आर. कौर, ए. बाल्डी, यू.के. जैन, आर. चंद्रा व जे. मदान (2018). क्लोरोक्वीय डाईफ़ास्फ़ेट बीयरिंग डेक्सट्रन नैनोपार्टिकल्स ऑगमेंटेड ड्रग डिलिवरी एंड ओवरव्हेल्म्ड ड्रग रेज़िस्टेंस इन प्लाज़मोडियम फाल्सीपेरम पैरासाइट्स. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, 114, 161-168.

के. कश्यप व आर. कक्कड़ (2019). ऐन इनसाइट इनटू सेलेक्टिव एंड पोटेंट इनहिबीशन ऑफ हिस्टोन डीएसिटाईलेज़ 8 थ्रू इंड्यूस्ड-फिट डॉ.किंग, फार्मैकोफोर मॉडलिंग एंड क्यूएसएआर स्टडीज़. जर्नल ऑफ बायोमोलेक्युलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स doi: 10.1080/07391102.2019.1567388

ए. कौर, के. ज्योति, ए. बाल्डी, यू.के. जैन, आर. चंद्रा व जे. मदान (2018). सेल्फ-असेम्बल्ड नैनोमाइसेल्स ऑफ एम्फीफिलिक क्लोट्रिमाज़ोल ग्लाइसिल-ग्लाइसीन एनालॉग ऑगमेंटिड ड्रग डिलिवरी, एपोप्टॉसिस एंड रेस्ट्रेंड मेलानोमा ट्यूमर प्रोग्रेशन, मैटीरियल्स साईंस एंड इंजीनियरिंग सी, 89, 75-86.

एच. कौर, एस. शर्मा, पी. अगरवाल व आर.के. हाजरा (2019). बाइंडिंग एनर्जीज़ एंड केमिकल पोटेंशल ऑफ न्यूट्रल एंड चार्ज्ड एक्सिटॉन-कॉम्पलेक्सेस ऑफ ट्रांज़ीशन मेटल डाईकैल्कोजीनाइड्स/एनिसोट्रोपिक 2-डी क्वांटम डॉ.ट्स इन मैग्नेटिक फील्ड बाय एग्ज़ैक्ट मल्टी-पोल एक्सपेंशन ऑफ कूलम्ब कोरिलेशंस. फीज़िका ई: लो-डायमेंशनल सिस्टम्स एंड नैनोस्ट्रक्चर्स, 108, 347-357.

जे. कौर व आर. कांत (2018). मॉडल ऑफ लोकल वर्क फंक्शन एंड पीज़ेडसी फॉर मोलेक्युलर सेल्फ असेम्बली ओवर नैनोस्ट्रक्चर्ड मेटल इलेक्ट्रोड जे.फीज़िकल कैमिस्ट्री सी, 122, 911-918।

एन. कौर, एच. चुघ, वी. तोमर, एम. सखरकर, एस.के. दास, आर. चंद्रा (2019). सिनामन अटेन्युएट्स एडीपॉज़िटी एंड अफेक्ट्स द एक्सप्रेशन ऑफ मेटाबोलिक जींस इन डाइट-इंड्यूस्ड ऑबेसिटी मॉडल ऑफ ज़ेब्राफिश. आर्टीफीशियल सेल्स, नैनोमेड एन्ड बायोटेक्नॉल. 47:1, 2930-2939. डीओआई: 10.1080/21691401.2019.1641509.

आर. कौशिक, आई. खान, एम.के. सैनी, एफ. हुसैन व एम. सदाकने (2018). सिंथेसिस एंड करेक्टराइज़ेशन ऑफ कार्बोनेट-एनकेप्सुलेटिड यिटरबियम-एंड यिटरबियम-कंटेनिंग पोलिऑक्सोटंगस्टेट्स. एक्टा क्रिस्टेलोग्राफिका सेक्शन सी : स्ट्रक्चरल केमिस्ट्री, 74(11), 1355-1361.

जी. कुमार, एफ. हुसैन व आर. गुप्ता (2018). कॉपर बेस्ड कोऑर्डिनेशन पॉलीमर्स बेस्ड ऑन मेटलोलिगेंड्स: यूटीलाइज़ेशन एज़ हेटरोजीनस ऑक्सीडेशन कैटालीस्ट्स. डाल्टन ट्रांज़ेक्शंस, 47(47), 16985-16994.

जी. कुमार व आर. गुप्ता (2018). कोऑर्डीनेशन ड्रिवन आर्कीटेक्चर्स बेस्ड ऑन मेटलोलिगेंड्स ऑफरिंग अपेंडिद कार्बोक्सिलिक एसिड ग्रुप्स. जर्नल ऑफ केमिकल साइंसिज़, 130, 86.

के. कुमारी, पी. सिहं, के. बौद्ध, श्वेता, एस. मलिक व आर. चंद्रा (2018). इम्प्लीकेशंस ऑफ मेटल नैनोपार्टिकल्स ऑन एक्वेटिक फॉन: ए रिव्यु. नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी-एशिया, 9(1), 30-43.

एम. कुमार, जी. कुमार, एन.के. मोघा, आर. जैन, एफ. हुसैन व डी.टी. मश्राम (2019). स्ट्रक्चर, डीएनए/प्रोटींस बाइंडिंग, डॉ.किंग एंड साइटोज़िसिटी स्टडीज़ ऑफ कॉपर(II) कॉम्पलेक्सेस विद द फर्स्ट क्विनोलोन ड्रग नैलीडिक्सिक एसिड एंड 2, 2’-डाईपाइरीडाइलेमाइन. स्पेक्ट्रोकीमिका एक्टा पार्ट ए: मोलेक्युलर एंड बायोमोलेक्युलर स्पेक्ट्रोस्कॉपी, 212, 94-104.

एम. कुमार, एन.के. मोघा, जी. कुमार, एफ. हुसैन व डी.टी. मश्राम (2019). बायोलोजिकल इवेल्यूएशन ऑफ कॉपर (II) कॉम्पलेक्स विद नैलीडिक्सिक एसिड एंड 2, 2’-बाईपाइरिडीन(बीपीवाय). इनऑर्गेनिका किमिका एक्ट. 490, 144-154.

एम. कुमार, एम. पोखरियाल, एम. गुप्ता, जी.वी. प्रकाश, एस. उमा व आर. नागराजन (2018). ऑप्टिकल प्रॉपर्टी इवेल्युएशन ऑफ थोरिया डोप्ड विद हैवीयर रेयर- अर्थ ऑक्साइड्स LnO1.5 (Ln = Er3+, Ho3+, Tm3+, and Yb3+) . जर्नल ऑफ द अमेरिकन सिरेमिक सोसाइटी, 102, 1832-1842.

एन. कुमार, ए. सिहं, एस. ग्रोवर, ए. कुमारी, पी.के. धर, आर. चंद्रा व ए. ग्रोवर (2019). एचएचवी-5 एपीटोप: ए पोटेंशल वैक्सीन कैंडीडेट विद हाई एंटीजेनिसिटी एंड लार्ज कवरेज. जर्नल ऑफ बायोमोलेक्युलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स 37(8), 2098-2109.

एन. कुमार, एच. चुघ, डी. सूद, एस. सिहं , ए. सिहं, ए. अवस्थी, आर. तोमर, वी. तोमर व आर. चंद्रा (2019). बायोलॉजी ऑफ हीम: ड्रग इंटरेक्शंस एंड एडवर्स ड्रग रिएक्शंस विद सीवायपी 450. करंट टॉपिक्स इन मेडिसिनल केमिस्ट्री, 18(23), 2042-2055.

एन. कुमार, एच. चुघ, आर. तोमर, वी. तोमर, वी.के. सिहं व आर. चंद्रा (2018). एक्सप्लोरिंग द इंटरप्ले बिटवीन आटोइम्यूनिटी एंड कैंसर टू फाइंड द टारगेट थेरेप्युटिक हॉटस्पॉट्स. आर्टीफिशियल सेल्स, नैनोमेडिसिन एंड बायोटेक्नोलॉजी, 46(4), 658-668.

एन. कुमार, आर. तोमर, ए. पांडेय, वी. तोमर, वी. सिहं व आर. चंद्रा (2018). प्रीक्लीनिकल इवेल्युएशन एंड मोलेकुलर डॉ.किंग ऑफ 1,3, बेंजोडायोज़ोल प्रोपार्जिल ईथर डेरिवेटिव्स एस नॉवल इन्हिबिटर फॉर कॉम्बैटिंग द हिस्टोन डीएसिटीलेज़ एंजाइम इन कैंसर. आर्टीफीसियल सेल्स, नैनोमेडिसिन एंड बायोटेक्नोलॉजी, 46(6), 1288-1299.

पी. कुमारी, एम. पोखरियाल, एस. उमा व आर. नागराजन (2018). एफीशियंट यूज़ ऑफ ए पॉलीएमाइन कार्बोक्सीलेट लीगेंड टू प्रोब द एक्सटेंट ऑफ इनकॉर्पोरेशन ऑफ स्टीरिओकेमिकली एक्टिव Bi3+ in ThO2. केमिस्ट्री सेलेक्ट, 3, 5005-5012.

पी. कुमार, एस.के. कांडी, एस. मनोहर, के. मुखोपाध्याय व डी.एस. रावत (2019). मोनोकार्बोनिल करक्युमिनॉयड्स विद इम्प्रूव्ड स्टेबिलिटी एज़ एंटीबैक्टीरियल एजेंट्स अगेंस्ट स्टेफीलोकोकस ऑरियस एंड देयर मेकैनिस्टिक स्टडीज़, एसीएस ओमेगा, 4, 675-687.

पी. कुमार, वी. कुमार, एस. पांडेय व आर. गुप्ता (2018). डिटेक्शन ऑफ सल्फाइड आयन एंड गैसीयस H2S यूज़िंग ए सीरीज़ ऑफ पाइरीडीन-2, 6-डाईकार्बोक्सामाइड बेस्ड स्केफल्ड्स. डाल्टन ट्रानज़ेक्शंस, 47, 9536-9545.

आर. कुमार, आर. बावा, पी. गहल्यान, एम. डलेला, के. जिंदल, पी.के. झा, एम. तोमर व वी. गुप्ता (2019). पाइरीन अपेंडिड बिस-ट्रायज़ोलाइलेटिड 1, 4-डाईहाइड्रोपाइरीडीन एज़ ए सेलेक्टिव फ्लोरोजेनिक सेंसर फॉर Cu2+. डाईज़ एंड पिगमेंट्स, 161, 162-171.

आर. कुमार, पी. गहल्यान, ए. वर्मा, आर. जैन, एस. दास, आर. कंवर व ए.के. प्रसाद (2018). डिज़ाइन एंड सिंथेसिस ऑफ फ्लोरसेंट सिमेट्रिक बिस-ट्रायज़ोलाईलेटिड-1, 4-डाईहाईड्रोपाइरिडींस एज़ पोटेंट एंटीब्रेस्ट कैंसर एजेंट्स. सिंथेटिक कम्युनिकेशंस, 48(7), 778-785.

आर. कुमार, एच. जैन, पी. गहल्यान, ए. जोशी व सी.एन. रामचंद्रन (2018). ए हाइली सेन्सिटिव पाइरिडीन-डाईकार्बोहाईड्राज़ाइड बेस्ड केमोसेंसर फॉर कॉलोरिमीट्रिक रेकगनिशन ऑफ Cu2+, AMP2−, F− and AcO− आयंस. न्यु जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 42(11), 8567-8576.

आर. कुमार, आर. किशन, जे.एम. थॉमस, एस. चिनप्पन व एन. तिरूपति (2018). प्रोबिंग द फैक्टर्स दैट इनफ्लुएंस द कंफ्रेटेशन ऑफ ए ग्वानिदिनैटो लिगेंड इन [(η5-C5Me5)M(NN)X] (NN = chelating N,N′,N″-ट्राई(ओ-सब्स्टीट्यूटिड एराइल) ग्वानिदिनेट (1−); X = क्लोरो, एज़ीडो एंड ट्रायज़ोलैटो), न्यु जे.केम. 42, 1853-1866.

वी. मलिक, एन. भारद्वाज व एस. उमा (2019). ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ शीलाइट M2MoTiO8 (M = Eu, Gd, Dy, Y) एंड ज़िरकॉन MVO4 (M = Ce, Sm, Gd, Dy) ऑक्साइड्स टू फ्लोराइट ऑक्सीनाईट्राइड्स एंड पेरोव्सकाइट ऑक्साइड्स अंडर माइल्ड एमोनोलीसिस कंडीशंस. सॉलिड स्टेट साइंसेज़, 89, 114-120.

वी. मलिक व एस. उमा (2019). इफेक्टिव कैटालीटिक रिडक्शन ऑफ एरोमैटिक नाइट्रोकंपाउंड्स यूज़िंग मिनरल बेराइट, CaBi2O2(CO3)2 . जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग, 6, 4755-4763.

जी. मनचंदा, आर.के. सोढी, यू.के. जैन, आर. चंद्रा व जे. मदान (2018). आयोडिनेटिड कर्क्युमिन बीयरिंग डर्मल क्रीम ऑगमेंटिड ड्रग डिलिवरी, एंटीमाइक्रोबीयल एंड एंटीऑक्सीडेंट एक्टीविटीज़. जर्नल ऑफ माइक्रोएनकैप्सुलेशन, 35(1), 49-61.

मंदीप, एल. शर्मा व आर. कक्कड़ (2019). एड्ज़ॉर्प्शन ऑफ ब्रोमोनाइट्रोमीथेन ओवर ग्राफीन बेस्ड सबस्ट्रेट्स: ए डेंसिटी फंक्शनल थ्योरी अनालीसिस. केमिस्ट्री सिलेक्ट, 4(17), 4967-4974.

मंदीप, एल. शर्मा व आर. कक्कड़ (2018). डीएफटी स्टडी ऑन द एडज़ॉर्प्शन ऑफ पी-नाइट्रोफीनॉल ओवर वेकेंसी एंड पीटी-डोप्ड ग्राफीन शीट्स. कंपुटेशनल एंड थ्योरेटिकल केमिस्ट्री, 1142, 88-96.

एस.एस. मौर्या, ए. बहुगुणा, एस.आई. खान, डी. कुमार, आर. खोलिया व डी.एस. रावत (2019). एन-सब्स्टीट्यूटिड अमीनोक्विनोलाइन-पाइरिमिडीन हाईब्रिड्स: सिंथेसिस, इन विट्रो एंटीमलेरियल एक्टीविटी इवेल्युएशन एंड डॉ.किंग स्टडीज़. इयुर.जे.मेड.केम. 162, 277-289.

पी.के. मिश्रा, पी. गहल्यान, आर. कुमार व पी.के. राय (2018). एयरो-जेल बेस्ड सीरियम डोप्ड आयरन ऑक्साइड सॉलिड सोल्यूशन फॉर अल्ट्राफास्ट रिमोवल ऑफ आर्सेनिक. एसीएस ससटेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग, 6(8), 10668-10678.

पी.के. मिश्रा, आर. कुमार व पी.के. राय (2018). सर्फेक्टेंट-फ्री वन-पॉट सिंथेसिस ऑफ CeO2, TiO2 एंड Ti@Ce ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स फॉर द अल्ट्राफास्ट रिमूवल ऑफ Cr(vi) फ्रॉम एक्युअस मीडिया. नैनोस्केल, 10(15), 7257-7269.

पी.के. मिश्रा, ए.सक्सेना, ए.एस. रावत, पी.के.दीक्षित, आर. कुमार व पी.के. राय (2018). सर्फेक्टेंट-फ्री वन-पॉट सिंथेसिस ऑफ लो डेंसिटी सीरियम ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स फॉर एडज़ॉर्प्टिव रिमोवल ऑफ आर्सेनिक स्पीसिस. एनवायर्नमेंटल प्रोग्रेस एंड ससटेनेबल एनर्जी, 37(1), 221-231.

पी.के. मिश्रा, एस. वर्मा, एम. कुमार व ए.के. वर्मा (2018). बेस-मीडियेटिड डायरेक्ट ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ एन-प्रोपैर्जाइलेमाइंस इंटू 2,3,5-ट्राईसबस्टिट्यूटिड 1एच-पाइरोल्स. ऑर्गेनिक लेटर्स, 20, 7182-7185.

वी. मिश्रा व एन. तिरूपति (2018). क्रिटिकल रोल ऑफ एनायंस इन प्लेटिनम (II) प्रीकर्सर्स अपॉन द स्ट्रक्चरल मोटिफ्स ऑफ सिक्स-मेम्बर्ड साइक्लोप्लेटिनेटिड N,N′,N″-ट्राइएरिल्ग्वेनिडाइंस. एसीएस ओमेगा 3(6), 6075-6090.

वी. मिश्रा , जे.एम. थॉमस, एस. चिनप्पन व एन. तिरूपति (2019). होमोलेप्टिक सिस- एंड ट्रान्स-पेलेडियम (II) बिस(ग्वानिडिनाटो) कॉम्पलेक्सेस डीराइव्ड फ्रॉम एन-एरिल-एन′, एन″-डाई(पाइरिडीन-2-यिल)- एन्ड एन-एरिल-एन′, एन″-बिस(6-मिथाइलपाइरिडिन-2यिल)ग्वानिडाइंस: कैटालीस्ट्स फॉर हेक-मिज़ोरोकी कपलिंग रिएक्शंस. जर्नल ऑफ ऑर्गेनोमेटलिक केमिस्ट्री, 892, 1-17.

ए. मित्तल व आर. कक्कड़ (2019). नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेसीज़ एंड देयर इन्हीबिटर्स: ए रिव्यु. लेटर्स इन ड्रग डिज़ाइन एंड डिसकवरी प्रिडेटरि, 16. डीओआई: 10.2174/1570180816666190222154457.

ए. मित्तल, आर. अरोड़ा व आर. कक्कड़ (2018). फार्मेकोफोर मॉडलिंग, 3डी-क्यूएसएआर एंड मोलेक्युलर डॉ.किंग स्टडीज़ ऑफ क्विनाज़ोलाइंस एंड एमीनोपाइरिडींस एज़ सिलेक्टिव इन्हिबिटर्स ऑफ इनड्यूसिबल नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेज़. जर्नल ऑफ थ्योरेटिकल एंड कंपुटेशनल केमिस्ट्री, 18.

एम. नागपाल, जी. अग्रवाल, एम. जिंदल, ए. बाल्डी, यू.के. जैन, आर. चंद्रा व जे. मदान (2018). अल्ट्रासाउंड, माइक्रोवेव एंड बॉक्स-बेहनकेन डिज़ाइन एमल्गमेशन ऑफर्ड सुपीरियर यील्ड ऑफ Gu, फ्रॉम ऐबलमोशस एसुलेंटस: इलेक्ट्रिकल, केमिकल एंड फंक्शनल पेक्युलियरिटी. कंप्यूटर्स एंड इलेक्ट्रोनिक्स इन एग्रीकल्चर, 145, 169-178.

एम. नागपाल व आर. कक्कड़ (2018). यूज़ ऑफ मेटल ऑक्साइड्स फॉर द एड्ज़ॉर्प्टिव रिमोवल ऑफ टॉक्ज़िक ऑर्गेनिक पोल्यूटेंट्स. सेपरेशन एंड प्योरिफिकेशन टेक्नोलॉजी, 211, 522-539.

एम. नागपाल, एम. कौर, डी. शर्मा, ए. बाल्डी, आर. चंद्रा व जे. मदान (2019). ऑप्टीमाइज़ेशन ऑफ सल्फेशन ऑफ ओक्रा फ्रूट गम फॉर इम्प्रूव्ड रहिओलॉजिकल एंड फार्मेकोलॉजिकल प्रॉपर्टीज़. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलोगिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, 122, 1-9.

एम. नटराजन, वी. कईम, एन. कुमार, एस. कौर-घुमान (2018). ए टेट्रान्युक्लीयर आयरन कॉम्पलेक्स : सब्स्टीट्यूशन विद ट्राईफिनाइलफॉसफीन लिगेंड एंड इनवेस्टीगेशन इंटू इलेक्ट्रोकैटालीटिक प्रोटोन रिडक्शन. जर्नल ऑफ केमिकल साइंसेज़, 130, 126.

बी. नेगी, पी. पूनम, एम.एफ. अंसारी, डी. कुमार, एस. अग्रवाल, आर. सिहं, ए. आज़म व डी.एस. रावत (2018). सिंथेसिस, एंटीअमीबिक एक्टीविटी एंड डॉ.किंग स्टडीज़ ऑफ मेट्रोनिडाज़ोल-ट्राईएज़ोल-स्टाइराइल हाइब्रिड्स. इयुर.जे.मेड.केम. 150, 633-641.

बी. नेगी व डी.एस. रावत (2018). एंटीट्यूबरक्लोसिस एक्टीविटी इवेल्युएशन ऑफ थाइमोल शिफ बेसीज़, केम.बायोल.इंटर्फेस. 8, 244-254.

एस. निर्वान, वी. चाहल व आर. कक्कड़ (2019), थायाज़ोलिडिनोंस: सिंथेसिस, रिएक्टीविटी, एंड देयर बायोलोजिकल एप्लीकेशंस. जर्नल ऑफ हेटरोसाइक्लिक केमिस्ट्री, 56(4). डीओआई:10.1002/ जएचईटी.3514.

जे. पांडे, ए. सेठी, एस. उमा व आर. नागराजन (2018). कैटालीटिक एप्लीकेशन ऑफ ऑक्सीजन वेकेंसीज़ इंड्यूस्ड बाई Bi3+ इनकार्पोरेशन इन ThO2 सैम्पल्स ऑब्टेंड बाय सॉल्यूशन कंबशन सिंथेसिस. एसीएस ओमेग, 3, 7171-7181.

एस. प्रभाकर, आर. कौशिक व एफ. हुसैन (2018). सिंथेसिस एंड करेक्टराइज़ेशन ऑफ सेल्फ-असेम्बल्ड इनोर्गेनिक-ऑर्गेनिक हाईब्रिड आर्सेनोटंगस्टेट्स. एक्टा क्रिस्टेलोग्राफिका सेक्शन सी: स्ट्रक्चरल केमिस्ट्री, 74(12), 1561-1568.

एम. पटेल, आर.के. सौंथवाल व ए.के. वर्मा (2018). बेस-मीडियेटिड ड्युट्रेशन ऑफ स्माल ऑर्गेनिक मोलेक्यूल्स: ए मेकैनिस्टिक इनसाइट. एसीएस ओमेग, 3, 10612-10623.

एम. पटेल, सुष्मिता व ए.के. वर्मा (2018). कॉपर-कैटालीज़्ड स्टीरियो- एंड केमोसिलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ इनेमिनोंस वाया माइकेल टाइप एडीशन. जर्नल ऑफ केमिकल साइंसेज़, 130(70).

एम. पटेल, सुष्मिता व ए.के. वर्मा (2018). बेस-प्रोमोटिड स्टीरियोसिलेक्टिव हाइड्रोएल्कॉक्सीलेशन ऑफ एल्काइंस. इंडियन जर्नल ऑफ हेटरोसाइक्लिक केमिस्ट्री, 28(1), 169-175.

ए. प्लिस, एस.एम. लेवचेंको, एल. लिउ, एक्स. पेंग, टी.टी. ओहल्चेंस्कि, आई. रॉय, ए.एन. कुज़्मिन, जे.क्यु, पी.एन. प्रसाद (2019). साइकल्स ऑफ प्रोटीन कंडेनसेशन एंड डिस्चार्ज इन न्युक्लियर ऑर्गैनेल्स स्टडीड बाय फ्लोरेसेंस लाइफटाइम इमेजिंग. नेचर कम्युनिकेशंस, 10(1), 455-463.

एम. पोखरियल, एम. शर्मा, वी.के. त्रिपाठी, एस. मुरुगवेल, एस. उमा व आर. नागराजन (2018). कोरेलेटिंग ऑक्साइड आयन कंडक्टिविटी विद आयनिक साइज़ ऑफ डोपेंट एंड डिफेक्ट स्ट्रक्चर्स इन ThO2-LnO1.5 (Ln = Y, La and Gd) प्रेपेयर्ड बाय मॉडीफाइड इपोक्साइड जेल मेथड. सॉलिड स्टेट आयनिक्स, 329, 67-73.

एम. पोखरियल, पी. कुमारी, एस. उमा व आर. नागराजन (2018). इवेल्युएशन ऑफ सॉलिड सॉल्यूशन फॉर्मेशन बिटवीन ThO2 एंड δ- Bi2O3 बाय मोलेक्युलर प्रीकर्सर रूट. मटीरियल्स रिसर्च बुलेटिन, 107, 66-73.

ई. पुनिया, पी.के. मिश्रा, वी. किरन, जे. सांगवान, आर. कुमार, पी.के. राय व वी.के. तोमर (2018). एयरो-जेल असिस्टिड सिंथेसिस ऑफ एनाटेज़ TiO2 नैनोपर्टिकल्स फॉर ह्युमिडिटी सेंसिंग एप्लीकेशन. डाल्टन ट्रांज़ेक्शंस, 47(18), 6293-6298.

एस. प्रसाद, के. अचाज़ी, बी. शेड, आर. हाग, एस.के. शर्मा (2018). नॉनआयनिक डेंड्राइटिक एंड कार्बोहाइड्रेट बेस्ड एम्फीफाइल्स: सेल्फ-असेम्बली एंड ट्रांसपोर्ट बिहेवियर. मैक्रोमोलेक्युलर बायोसाइंस, 18(7), ई1800019.

एन.पी. राधिका, आर. सेल्वन, आर. कक्कड़, एच.एल. ह्सु. (2018) टर्शरी बुटाइलेशन ऑफ एनिलाइन ओवर नैनोसाइज़्ड ज़िओलाइक बीटा कैटालीस्ट. जर्नल ऑफ नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी, 18(11), 7960-7968.

एन.पी. राधिका, आर. सेल्वन, आर. कक्कड़, एल.एस. रोज़्लिन (2018). नैनोक्रिसटलाइन हियरार्किकल ZSM-5 : एन एफीशियेंट कैटालीस्ट फॉर द एल्काइलेशन ऑफ फीनॉल विद साइक्लोहेक्ज़ीन. जर्नल ऑफ नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी, 18(8), 5404-5413.

एन. राणा, एम. कुमार, ए. सिहं, जे. मैती, पी. शुक्ला व ए.के. प्रसाद (2018). सिंथेसिस ऑफ नॉवल 3'-एज़िडो-3'-डीऑक्सी-αएल-रिबो कनफिगर्ड न्युक्लिओसाइड्स: ए कम्पेरेटिव स्टडी बिटवीन केमिकल एंड केमो-एंज़ाइमैटिक मेथडोलॉजीज़. न्युक्लेओसाइड, न्युक्लिओटाइड एंड न्युक्लीक एसिड्स, 37(4), 217-231.

एम. रावत व डी.एस. रावत (2018). कॉपरऑक्साइड नैनोपार्टिकल कैटालाइज़्ड सिंथेसिस ऑफ इमिडेज़ो[1,2-ए] पाइरिमिडाइन डेरीवेटिव्स, देयर ऑप्टीकल प्रॉपर्टीज़ एंड सिलेक्टिव फ्लोरसेंट सेंसर टूवर्ड्स ज़िंक आयंस टेट्राहेड्रन लैटर, 59, 2341-2346.

एम. रावत व डी.एस. रावत (2019). CuI@Al2O3 कैटालाइज़्ड सिंथेसिस ऑफ 2-एमीनोनिकोटीनोनाइट्राइल्स डेरीवेटिव्स अंडर सॉल्वेंट फ्री कंडीशन, टेट्राहेड्रन लैटर, 60, 1153-1157.

के.एम. सैनी, आर.के. सौंथवाल, एस. कुमार व ए.के. वर्मा (2019). ओन वाटर : मेटल-फ्री सिंथेसिस ऑफ हाइली फंक्शनलाइज़्ड बेंज़ोथायएज़ोलाइलीडीन फ्रॉम ऑर्थो-हैलोएनिलाइंस जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 84, 2689-26987.

के.एम. सैनी, आर.के. सौंथवाल, एस. कुमार व ए.के. वर्मा (2019). ओन वाटर : आयोडीन-मीडियेटिड डायरेक्ट कन्स्ट्रक्शन ऑफ 1,3-बेंज़ोथायाज़ींस फ्रॉम ऑर्थो-एल्किनिलेनिलाइंस बाय रेजियोसिलेक्टिव 6-एक्सो-डिग साइक्लाइज़ेशन. ऑर्गैनिक एंड बायोमोलेक्युलर केमिस्ट्री, 17, 2657-2662.

एम.के. सखरकर, के. राजमणिकम, आर. चंद्रा, एच.ए. खान, ए.एस. अल्हेमिदा व जे यांग (2018). आइडेंटीफिकेशन ऑफ नॉवल ड्रग टारगेट्स इन बोवाइन रेस्पीरेटरी डिज़ीज़: एन असेंशल स्टेप इन एप्लाइंग बायोटेक्नोलॉजिक टेकनीक्स टू डेवलप मोर इफेक्टिव थिरेप्युटिक ट्रीटमेंट्स. ड्रग डिज़ाइन, डेवलपमेंट एंड थेरेपी, 12, 1135-1146.

पी. सक्सेना, जे.एम. थॉमस, सी. शिवशंकर, एन. तिरुपति (2019). सिंथेसीज़ एंड स्ट्रक्चरल आसपेक्ट्स ऑफ सिक्स-मेम्बर्ड पैलैडासाइक्लिक कॉम्पलेक्सिज़ डिराइव्ड फ्रॉम एन,एन',एन''-ट्राइएरिलग्वेनिडाइंस विद एन- ऑर स-थायोसायनेट लिगेंड्स, न्यु जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 43, 2307-2327.

शालू, वी. मलिक, एस. उमा व आर. नागराजन (2019). कैटालीटिक एप्लीकेशंस ऑफ मीज़ोपोरस CaBi2O4 ऑबटेंड फ्रॉम ए सिंगल सोर्स प्रीकर्सर. रिसर्च ऑन केमिकल इंटरमीडिएट्स, 45, 2457-2470.

ए. शर्मा, आर. कक्कड़ व आर.के. शर्मा (2019). मल्टीफंक्शनल मीज़ोपोरस करक्युमिन एनकैप्सुलेटिड आयरन-फीनेंथ्रोलीन नैनोक्लस्टर: ए न्यु एंटी-एचआईवी एजेंट. कॉलॉयड्स एंड सर्फेसिज़ बी: बायोइंटरफेसिज़. 180.

वी. शालिनी, पी. मिश्रा, एम. कुमार, एस. सुर व ए.के. वर्मा (2018). ट्रांज़ीशन-मेटल-फ्री एक्सेस टू पाइरिडोकार्बाज़ोल्स फ्रॉम 2-एल्किनिलिंडोल-3-कार्बाल्डीहाइड्स वाया एज़ोमिथाइन यिलाइड. जर्नल ऑफ ऑर्गेनिस केमिस्ट्री, 83, 6650-6663.

एल. शर्मा व आर. कक्कड़ (2018). मैगनेटीकली रीट्रीवेबल वन-पॉट फैब्रीकेशन ऑफ मीज़ोपोरस मैग्नीशियम फेराइट(MgFe2O4) फॉर द रीमिडिएशन ऑफ क्लोरपाइरिफॉस एंड रीयल पेस्टीसाइड वेस्टवाटर. जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग, 6(6), 6891-6903.

एन. शर्मा, आर. कक्कड़, पी. बंसल व आर. कुमार (2018). होस्ट-गेस्ट कॉम्पलेक्सेशन स्टडीज़ ऑफ पी-टर्टब्यूटाइलकैलिक्स[4]अरीन अगेंस्ट आयंस ऑफ इंटरस्ट फॉर रेडियोलॉजिकल डीकंटैमिनेशन. इनऑर्गेनिका केमिका एक्ट, 484, 111-124.

एस. शर्मा, पी. अग्रवाल, एच. कौर, एस. यादव व आर.के. हाजरा (2018). एडीशन एनर्जी एंड मैग्नेटाइज़ेशन ऑफ 3-डी मल्टीकैरियर एनीसोट्रॉपिक क्वांटम डॉ.ट्स इन मैग्नेटिक फील्ड बाय एग्ज़ैक्ट मल्टी-पोल एक्सपेंशन ऑफ कूलंब कोरेलेशंस. फीज़िका ई: लो-डायमेंशनल सिस्टम्स एंड नैनोस्ट्रक्चर्स, 104, 206-215.

एस. शर्मा, पी. अग्रवाल, एच. कौर, व आर.के. हाजरा (2018). शैल स्ट्रक्चल एंड पैरामेग्नेटिज़्म ऑफ 3-डी एन-ई एनीसोट्रॉपिक (एलिप्सॉयडल)क्वांटम डॉ.ट्स: एग्ज़ैक्ट मल्टी-पोल एक्सपेंशन ऑफ कूलंब इंटरेक्शन अंडर फर्मिऑनिक एक्सचेंज सिमिट्री. एआईपी एडवांसेज़, 8(9), 095116.

एस. शर्मा, एन. सिहं, वी. तोमर व आर. चंद्रा (2018). ए रिव्यु ऑन इलेक्ट्रोकेमिकल डिटेक्शन ऑफ सेरोटोनिन बेस्ड ऑन सरफेस मॉडीफाइड इलेक्ट्रोड्स. बायोसेंस एंड बायोइलेक्ट्रोनिक्स, 107, 76-93.

ए. सिहं, एन. कुमार, डी. सूद, एस. सिहं , ए. अवस्थी, वी. तोमर व आर. चंद्रा (2019). डिज़ाइनिंग ऑफ ए नॉवल इंडोलाइन स्कैफल्ड बेस्ड एंटीबैक्टीरियल कंपाउंड एंड फार्मेकोलोजिकल इवेल्युएशन यूज़िंग केमोइंफोर्मैटिक्स एप्रोच. करंट टॉपिक्स इन मेडिसिनल केमिस्ट्री, 18(23), 2056-2065.

एस. सिहं, वी. राजेंद्रन, जे. ही, ए.के. सिहं, ए.ओ. अचेंग, वंदना, ए. पंत, ए.एस. नसमु, एम. पंडित, जे. सिहं, ए. क्वादिरि, एन. गुप्ता, पूनम, पी. घोष, बी. सिहं, एल. नारायणन, पी. कम्पईआ, आर. चंद्रा, बी. दुन, के.सी. पांडेय, डी.ई. गोल्डबर्ग, ए. सिहं व आर. ब्रिजेश (2019). फास्ट-एक्टिंग स्माल मोलेक्यूल्स टारगेटिंग मलेरियल एस्पार्टाइल प्रोटिएसिज़, प्लाज़्मेप्सिंस, इन्हिबिट मलेरिया इनफेक्शन एट मल्टीपल लाइफ स्टेजेस. एसीएस इनफेक्शस डिज़ीज़िज़, 5(2), 184-198.

एस. सिहं , ए. सिहं, एम. सिहं, डी. सूद, बी. राठी, वी. तोमर व आर. चंद्रा (2018). मॉडर्न एडवांसमेंट इन द एरिया ऑफ एंटीमलेरियल ड्रग डेवलपमेंट. इंडियन जर्नल ऑफ हेटरोसाइक्लिक केमिस्ट्री, 28, 185-194.

डी. सूद, एन. कुमार, जी. राठी, ए. सिहं, वी. तोमर व आर. चंद्रा (2018). मकेनिस्टिक इनटरेक्शन स्टडी ऑफ ब्रोमो-नोस्कैपाइन विद बोवाइन सीरम एल्बुमिन एम्प्लॉयिंग स्पेक्ट्रोस्कोपिक एंड केमोइंफॉर्मैटिक्स अप्रोचेज़, नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 8(1), 16964.

डी. सूद, एन. कुमार, ए. सिहं, एम.के. सखरकर, वी. तोमर व आर. चंद्रा (2018). एंटीबैक्टीरियल एंड फार्मेकोलॉजिकल इवेल्युएशन ऑफ फ्लोरोक्विनोलोंस: ए केमोइनफोर्मेटिक्स एप्रोच. जीनोमिक्स एंड इनफोर्मैटिक्स, 16(3), 44-51.

ज़ेड. टियां, एल. शर्मा, आर. कक्कड़ व एम. काओ (2019). एराउज़िंग द रिएक्टिव Fe साइट्स इन पाइराइट (FeS_2) वाया इंटीग्रेशन ऑफ इलेक्ट्रोनिक स्ट्रक्चर रीकंफिग्रेशन एंड इन सिटु इलेक्ट्रोकेमिकल टोपोटेक्टिक ट्रांसफोर्मेशन फॉर हाइली एफीशिएंट ऑक्सीजन इवोल्यूशन रिएक्शन. इनऑर्गेनिस केमिस्ट्री, 58(11).

आर. तोमर, के. इबितानी व आर. चंद्रा (2019). हाइड्रोटेलसाइट सप्पोर्टेड सेरिया नैनोपर्टिकल्स एज़ हेटरोजीनस कैटालीस्ट फॉर वन-पॉट सिंथेसिस ऑफ इमाइंस अंडर एटमसफेरिक एयर. केमिस्ट्री सिलेक्ट, 4(2), 3577.

आर. तोमर, जी. राठी, आई. चंद्रा, एन. कुमार, वी. तोमर व आर. चंद्रा (2018). सिंथेसिस एंड करेक्टराइज़ेशन ऑफ मैग्नीशियम हाईड्रॉक्साइड एंड सेरियम ऑक्साइड कम्पोज़िट:एप्लीकेशन इन ऑर्गेनिक ट्रांसफॉर्मेशन. केमिस्ट्री सिलेक्ट, 3, 1645-1649.

आर. तोमर, ए. साहनी, आई. चंद्रा, वी. तोमर व आर. चंद्रा (2018). रिव्यु ऑफ नोस्कैपीन एंड इट्स एनालॉग्स एज़ पोटेंशल एंटी-कैंसर ड्रग्स. मिनी-रिव्युज़ इन ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 15(5), 345-363.

आर. तोमर, एन. सिहं, एन. कुमार, वी. तोमर व आर. चंद्रा (2019). बेस-फ्री सुज़ुकी-मियौरा कपलिंग रिएक्शन यूज़िंग पेलैडियम(II) सप्पोर्टेड कैटालीस्ट इन वाटर. कैटालीसिस लैटर्स, 149(6), 1589-1594.

एम. त्रिपाठी, डी. टेलर, एस.आई. खान, बी.एल. टेकवानी, पी. पोन्नन, टी. वल्पांडियन, यू. दास व डी.एस. रावत (2019). हाईब्रिडाइज़ेशन ऑफ फ्लोरो-एमोडिएक्वीन (एफएक्यु) विद पाइरिमिडाइंस : सिंथेसिस, इन विट्रो एंड इन विवो एंटीमलेरियल पोटेंसी ऑफ एफएक्यु-पाइरिमिडाइंस, एसीएस मेडिसिनल केमिस्ट्री लैटर्स, 10, 714-719.

आई. वाड़ी, ए.आर. अंविकर, एम. नाथ , सी.आर. पिल्लई, ए. सिन्हा व एन. वलेचा (2018). क्रिटिकल एग्ज़ामिनेशन ऑफ एप्रोचेज़ एक्सप्लॉयटेड टू असेस द इफेक्टिवनेस ऑफ ट्रांसमिशन-ब्लॉकिंग ड्रग्स फॉर मलेरिया. फ्यूचर मेडिसिनल केमिस्ट्री, 10(22), 2619-2639.

आई. वाड़ी, डी. प्रसाद, एन. बत्तर, के. श्रीवास्तव, ए.आर. अंविकार, एन. वालेचा व एम. नाथ (2019). टारगेटिंग असेक्सुअल एंड सेक्सुअल ब्लड स्टेजिस ऑफ द ह्यूमन मलेरिया पैरासाइट पी.फाल्सीपेरम विद 7-क्लोरोक्विनोलाइन-बेस्ड 1,2,3-ट्रायज़ोल्स. केममेडकेम, 14(4), 484-493.

डी.के. यादव, ए. सेठी, एस. अत्रि व एस. उमा (2019). न्यु सीरिज़ ऑफ हनीकॉम्ब ऑर्डर्ड ऑक्साइड्स, $Na_3M_2SbO_6$ (M (II) = Mn, Fe, (Mn, Fe), (Mn, Co)), सिंथेसिस, स्ट्रक्चर एंड मेग्नेटिक प्रॉपर्टीज़, डाल्टन ट्रांज़ेक्शंस, 48, 8955-8965.

पुस्तक

जे. मदान, आर. चंद्रा व आर. शर्मा (एडि.)(2018). सिल्वर नैनोपार्टिकल्स इन ड्रग डिलिवरी : फ्रॉम बेंच टू बेडसाइड. लैप लैम्बर्ट अकैडमिक पब्लिशिंग, आईएसबीएन: 978-613-7-32812-5.

पुस्तक के अध्याय

एस.बी. चिदम्बरम, बी. रे, ए. भट्ट, ए.एम. महालक्ष्मी, टी. सुनंदा, पी. जगदीश्वरी, एम.पी. गौरव, आर. चंद्रा, एम.के. सखरक (2019). माइटोकॉन्ड्रियल टारगेटेड ड्रग डिलिवरी इन न्युरोडीजेनेरेटिव डिज़ीज़िज़. प्रकाशक : एल्ज़ेवियर.

वी. सेंगर, के. ज्योति, यू.के. जैन, ओ.पी. कटारे, आर. चंद्रा, जे. मदान (2018). लिपिड नैनोपार्टिकल्स फॉर टोपिकल एंड ट्रांसडर्मल डिलिवरी ऑफ फार्मास्यूटीकल्स एंड कॉस्मेस्यूटिकल्स : ए ग्लोरियस विक्टरी इन लिपिड नैनोकैरियर्स फॉर ड्रग टारगेटिंग, अध्याय 10. प्रकाशक: एल्ज़ेवियर. आईएसबीएन: 978-0-12-813687-4.

एम.के. सखरकर, के. राजमणिकम, सी.एस. बाबु, जे. मदान, आर. चंद्रा, जे. यैंग (2018). प्रीक्लीनिकल : ड्रग टारगेट आईडेंटीफिकेशन एंड वैलीडेशन इन ह्यूमन" चैप्टर 20665 इन एनसाइक्लोपीडिया ऑफ बायोइंफॉर्मैटिक्स एंड कंपुटेशनल बायोलॉजी, प्रकाशक : एल्ज़ेवियर. डीओआई: 10.1016/बी978-0-12-811414-8.20665-2.

वी. तोमर, एम. मजूमदार, आर. चंद्रा, जे. यैंग, एम.के. सखरकर (2018). स्माल मोलेक्यूल ड्रग डिज़ाइन, इन एनसाइक्लोपीडिया ऑफ बायोइनफॉर्मेटिक्स एंड कंपुटेशनल बायोलॉजी, प्रकाशक : एल्ज़ेवियर. डीओआई: 10.1016/बी978-0-12-811414-8.20157-0.

आर.एम. कुमारी, एन. शर्मा, एन. गुप्ता, आर. चंद्रा व एस. निमेश (2018). सिंथेसिस एंड इवोल्युशन ऑफ पॉलीमरिक नैनोपार्टिकल्स : डेवलपमेंट ऑफ एन इम्प्रूव्ड जीन डिलिवरी सिस्टम. पुस्तक का अध्याय 11 : डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ न्यु नैनोकैरियर्स, संपादक : अलेग्ज़ेंड्रु मिहाई ग्रुमेज़ेस्कु, प्रकाशक : एल्ज़ेवियर, विलियम एंड्रु प्रकाशन. आईएसबीएन: 978-0-12-813627-0.

ए. गुलाटी व आर. कक्कड़ (2018). डीएफटी स्टडीज़ ऑन स्टोरेज एंड एड्ज़ॉर्प्शन कैपेसिटीज़ ऑफ गैसेज़ ऑन एमओएफ्स. पुस्तक का अध्याय 6 : डेंसिटी फंक्शनल थ्योरी : एडवांसेज़ इन एप्लीकेशंस. (एड्स.) पी. रामासामी, पृष्ठ 18.

एस. निर्वान व आर. कक्कड़ (2019). राइनोवायरस आरएनए पॉलीमरेज़ : स्ट्रक्चर, फंक्शन एंड इन्हिबिटर्स. पुस्तक का अध्याय 11 : वायरल पॉलीमरेज़.(एड्स), सत्या पी.गुप्ता. एल्ज़ेवियर, (पृष्ठ 301-331).

संपादकों के रूप में संकाय सदस्य/संपादक मंडल के सदस्य

प्रोफेसर रमेश चंद्रा

इंट.जे.ह्यूमन जेनेटिक्स, इंडिया

जे.हेटरोसाइक्लिक कम्युनिकेशंस

अर्काइव ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, आर्किवोक, स्विटज़रलैंड

इंट. जे.आर्टीफिशियल सेल्स, ब्लड सब्स्टीट्यूट्स एंड बायोटेक्नोलॉजी, कनाडा

आर्टीफिशियल सेल्स, नैनोमेडिसिन एंड बायोटेक्नोलॉजी, कनाडा

इंडियनजर्नल ऑफ बायोकेमिस्ट्री एंड बायोफीज़िक्स (सीएसआईआर)

अतिथि सहायक संपादक, सैल बायोकेमिस्ट्री एंड बायोफीज़िक्स, संस्करण 43-1/2005 तथा संस्करण 44-1/2006, ह्युमैना प्रेस, न्यु यॉर्क.

प्रोफेसर डी.एस. रावत

वैज्ञानिक रिपोर्टों (नेचर पब्लिशर)के सहायक संपादक, 2019-2021

आरएससी एडवांसेज़ के सहायस संपादक, 2018-2019

शोध परियोजना

डीएसटी-एसईआरबी, 2019-2022, डायवर्सिटी ओरिएंटेड सी-एच फंक्शनलाइज़ेशन ऑफ एरीन/हेटरोएरीन, प्रोफेसर ए.के. वर्मा, रुपए 38,19,000/-

डीआरडीओ, 2019-2022, डिज़ाइन ऑफ नॉवल फ्लॉरिनेटिंग रीएजेंट : एप्लीकेशन इन द सिंथेसिस ऑफ फ्लोरो ऑर्गेनिक मोलेक्यूल्स, प्रोफेसरए.के. वर्मा व प्रोफेसर रमेश चंद्रा (को-पीआई) रुपए 39,35,000/-

सीएसआईआर, 2019-2022, डिज़ाइन ऑफ नॉवल एप्रोचेज़ फॉर द सिंथेसिस ऑफ हाइली फंक्शनलाइज़्ड एन-हेटरोसाइकल्स : एन एप्लीकेशन इन टोटल सिंथेसिस ऑफ आइसोक्विनोलाइन एल्कलॉयड्स. प्रोफेसर ए.के. वर्मा, रुपए28,00,00,000/-

डीएसटी-ब्रिक्स, 2019-2022, बायोफंक्शनल थेरानॉस्टिक्स नैनोकॉम्पलेक्सेस फॉर कम्बाइंड थेरेपी ऑफ सॉलिड कैंसर. डॉ. इंद्रजीत रॉय, रुपए 43,12,054/-

सीएसआईआर, डॉ. संदीप कौर, 2018-2021, डिज़ाइन, सिंथेसिस एन्ड करेक्टराइज़ेशन ऑफ अर्थ-एबंडेंट मेटल कॉम्पलेक्सेस (Co, Fe, Ni) एज़ इलेक्ट्रोकैटालीस्ट्स फॉर प्रोटॉन रिडक्शन. रुपए15,75,000/-

डीआरडीओ(आर्मरेब), प्रोफेसर रमेश चंद्रा, 2018, डिज़ाइन ऑफ नॉवल फ्लॉरिनेटिंग रीएजेंट : एप्लीकेशन इन द सिंथेसिस ऑफ फ्लोरोर ऑर्गेनिक मोलेक्यूल्स. रुपए 40,00,000/-

सीएसआईआर, डॉ. सुरेंद्र सिहं, 2018, सिंथेसिस एंड डेवलपमेंट ऑफ चिरल मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स एंड देयर एप्लीकेशन इन असिम्मिट्रिक कैटालीसिस. रुपए 28,06,000/-

यूजीसी, डॉ. आलोक कुमार राय, 2018-2023, स्टार्ट-अप शोध ग्रांट. रुपए 10,00,000/-

डीएसटी-सर्ब, डॉ. राज किशोर शर्मा, 2018-2020, फीज़ियोकेमिकल परफॉर्मेंस इवोल्यूशन बाय ट्यूनिंग द ग्रोथ वैरिएबल्स ऑफ होली ग्राफीन नैनोरिबन कार्बन सूट डिराइव्ड एयरोजेल बेस्ड एसिम्मिट्रिक सुपरकेपेसिटर. रुपए39,00,000/-

डीएसटी-सर्ब, डॉ. फिरासत हुसैन, 2017-2020, सिंथेसिस, करेक्टराईज़ेशन एंड कैटालीटिक एप्लीकेशन्स ऑफ ऑर्गेनिक-इनऑर्गेनिक हाईब्रिड 3डी-4एफ हेट्रोमेटलिक पोलीऑक्सोटंगस्टेट्स. रुपए32,00,000/-

डीएसटी-सर्ब, प्रोफेसर आर. नागराजन : 2017-2020, एक्सप्लोरिंग़ मल्टीफंक्शनल प्रॉपर्टीज़ ऑफ द सॉलिड सॉल्यूशंस ऑफ रेयर-अर्थ ऑक्साइड्स विद ऑक्साइड्स ऑफ पी-ब्लॉक मेटल आयंस पोज़ेसिंग रिलेटिड स्ट्रक्चर्स. रुपए33,68,695/-

डीएसटी-सर्ब, प्रोफेसर रमा कांत, 2017-2020, इलेक्ट्रोकेमिकल इम्पीडेंस एट रफ एंड पोरस इलेक्ट्रोड्स : थ्योरी एंड एक्सपेरीमेंटल कोरोबोरेशन. रुपए 38,50,440/-

डीएसटी-सर्ब, डॉ. ससांक डेक, 2017-2020, डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड नैनोमटीरियल्स फॉर बेंचमार्क इलेक्ट्रोकैटालीटिक हाईड्रोजन एंड ऑक्सीजन इवोल्यूशन फ्रॉम वाटर. रुपए 35,00,000/-

डीएसटी-सर्ब, प्रोफेसरपार्बती बिस्वास, 2017-2020, हाईड्रेशन पैटर्न ऑफ मिसफोल्डिड प्रोटींस. रुपए 43,39,940/-

नैनोमिशन, डॉ. इंद्रजीत रॉय, 2017-2020, ड्रग-लोडिड मैग्नेटिक-नैनोस्केल मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स (MNMOFs) फॉर एप्लीकेशंस इन टारगेटेड ड्रग डिलिवरी एंड लाइट-एक्टीवेटिड थेरेपी. रुपए 54,30,316/-

यूजीसी-यूकीरी, डॉ. इंद्रजीत रॉय, 2017-2020, मल्टीफंक्शनल नैनोपार्टिकल्स इन कैंसर थेरेपी. रुपए 34,11,828/-

डीएसटी-सर्ब, डॉ. फिरासत हुसैन, 2017-2018, सिंथेसिस, करेक्टराईज़ेशन एंड कैटालीटिक एप्लीकेशन्स ऑफ ऑर्गेनिक-इनऑर्गेनिक हाईब्रिड 3डी-4एफ हेट्रोमेटलिक पोलीऑक्सोटंगस्टेट्स. रुपए35,00,000/-

सीएसआईआर, डॉ. पी. वेंकटेसु, 2017-2020, द अटेन्युएटिंग एबीलिटी ऑफ आयनिक लिक्विड्स अगेंस्ट द थर्मल, केमिकल एंड कोल्ड-इंड्यूस्ड अनफोल्डिंग ऑफ प्रोटींस. रुपए 18,00,000/-

डीएसटी-सर्ब, डॉ. पी. वेंकटेसु, 2017-2020, द फेज़ ट्रांज़ीशन ऑफ थर्मो-रिस्पांसिव पॉलीमर इन द प्रेज़ेंस ऑफ प्रोटींस एज़ स्टिमुली. रुपए 40,00,000/-

डीएसटी-सर्ब, डॉ. सुरेंद्र सिहं, 2017-2020, डेवलपमेंट ऑफ एफीशियंट एंड रीयूज़ेबल चिरल कैटालीस्ट्स फॉर द एसिम्मिट्रिक फ्रिडल-क्राफ्ट रिएक्शन फॉर द सिंथेसिस ऑफ बायोलॉजिकल इम्पॉर्टेंट मोलेक्यूल्स. रुपए 35,93,480/-

डीएसटी-डब्लूटीआई, प्रोफेसर आर.के. शर्मा , 2017-2020, डिज़ाइनिंग एंड सिंथेसिस ऑफ हाइली स्टेबल फंक्शनलाइज़्ड सिलिका बेस्ड ऑर्गेनिक-इनऑर्गेनिक हाईब्रिड मैटीरियल्स/नैनोमैटीरियल्स फॉर द ऑनलाइन एंड सिलेक्टिव रिकवरी ऑफ वैरियस मेटल्स फ्रॉम डिफरेंट चार्ज्ड वेस्टवाटर. रुपए47,27,000/-

डीआरडीओ, प्रोफेसर ए.के. प्रसाद, 2018-2020, कार्स "सिंथेसिस ऑफ फ्लेम-रिटार्डेंट ब्रीदेबल मॉयस्चर-क्योर पॉलीयूरीथेन (पीयू) बेस्ड अधेसिव" अंडर सीएफईईएस एस एंड टी प्रोजेक्ट "डेवलपमेंट ऑफ मल्टीफंक्शनल मॉयस्चर बैरियर फैब्रिक फॉर फायर प्रोटेक्टिव स्यूट्स". रुपए 44,37,600/-

डीआरडीओ-दीपास, प्रोफेसर ए.के. प्रसाद, 2018-2019, सिंथेसिस एंड स्टडी ऑफ एग्रेगेशन बिहेवियर ऑफ शुगर-पेग बेस्ड एम्फीफिलिक को-पॉलीमर्स फॉर द एनकैप्सुलेशन ऑफ डाईहाइड्रोपाइरिडीन डेरीवेटिव्स. रुपए 9,60,000/-

डीएसटी-सर्ब, प्रोफेसर एस. उमा, 2017-2020, एक्सप्लोरेटरी सिंथेटिक इनवेस्टीगेशन टु रिकग्नाइज़ नॉवल सॉलिड ऑक्साइड मैटीरियल्स विद एन एम्फसिस ऑन लेयर्ड स्ट्रक्चर्स. रुपए34,28,480/-

डीएसटी-डीएफजी इंटरनेशनल कोलैबोरेशन, प्रोफेसरएस.के. शर्मा , 2017-2020, केमो-एंज़ाइमेटिक सिंथेसिस ऑफ मल्टीवैलेंट डेंड्राइटिक आर्किटेक्चर्स फॉर द कंट्रोल ऑफ न्यूरोडीजेनेरेटिव डिसॉर्डर्स. रुपए 38,60,980/-

डीएसटी-सर्ब, डॉ. आलोक कुमार राय, 2016-2021, रामानुजन फैलोशिप रिसर्च ग्रांट, रुपए 7,00,000/- प्रति वर्ष

डीएसटी-सर्ब, प्रोफेसर रमेश चंद्रा, 2016-2019, सिंथेसिस एंड करेक्टराइज़ेशन ऑफ ईको-फ्रेंडली गोल्ड सप्पोर्टिड एलडीएच कैटालीस्ट, एप्लीकेशन इन सिंथेसिस ऑफ ऑर्गेनिक कंपाउंड्स. रुपए 49,61,440/-

डीएसटी-सर्ब, प्रोफेसर रमेश चंद्रा, 2016-2019, डिज़ाइन, सिंथेसिस एंड बायोलॉजिकल स्क्रीनिंग ऑफ चिरल पाइराज़ीनोयंडोल्स एंड पाइराज़िनोपाइरोल्स एज़ पोटेंशल एंटीबैक्टीरियल एजेंट. रुपए 43,26,000/-

सीएसआईआर, प्रोफेसर रमेश चंद्रा, 2016-2019, सिंथेसिस एंड बायोलॉजिकल इवैल्युएशन ऑफ ए नॉवल क्लास ऑफ एंटी-ट्यूमर ड्रग्स बेस्ड अपॉन द नैचुरल अल्कलॉयड नॉस्कैपीन. रुपए 29,76,540/-

डीएसटी-सर्ब, 2016-2019, आईडेंटीफिकेशन ऑफ 5-हाईड्रोक्सीमिथाइलसाईटोसीन मार्कर्स एंड डिज़ाइन ऑफ एपीजेनेटिक ड्रग्स फॉर हेड एंड नेक कार्सिनोमास. प्रोफेसर रमेश चंद्रा, रुपए 70,00,000/-

डीएसटी-सर्ब, 2016-2018, डिज़ाइन एंड सिंथेसिस ऑफ ऑलिगोग्लिसरॉल एंड पेग बेस्ड नैनोकैरियर्स फॉर बायोमेडिकल एप्लीकेशंस. प्रोफेसर एस.के. शर्मा , रुपए 47,26,000/-

सर्ब, 2016-2019, मोलेक्युलर असेम्बलीज़ एंड कोऑर्डीनेशन पॉलीमर्स डेकोरेटिड विद हाईड्रोजन बॉन्ड्स : रिकग्नीशन, बाइंडिंग एंड एक्टीवेशन ऑफ एनालाइट्स/सबस्ट्रेट्स, प्रोफेसर आर. गुप्ता, रुपए 49,35,040/-

सीएसआईआर, 1 जून 2016- 31 मई 2019, मेटल कॉम्पलेक्सेस विद सेकेंडरी कोऑर्डीनेशन स्फीयर; रिकग्नीशन एंड बाइंडिंग ऑफ एनालाइट्स एंड एक्टीवेशन ऑफ सबस्ट्रेट्स, प्रोफेसर आर. गुप्ता, रुपए 6,00,000/-

फाइल/प्रदान किए गए पेटेंट

एस.के. अवस्थी*, पी. सिहं नॉवल हाईब्रिड 1,2,4,5-टेट्राऑक्सेन एंड एनालॉग्स एज़ एंटीमलेरियल ड्रग्स, (2018 में फाइल किया गया भारतीय पेटेंट)

आयोजित किए गए सेमीनार

एस.के. अवस्थी, रीसेंट ट्रेंड्स एंड एड्वांसमेंट्स इन केमिकल साइंसेज़, 29-31मार्च 2019. फन्ड किया गया : दिल्ली विश्वविद्यालय, डीएसटी, डीबीटी, सीएसआईआर, यूजीसी द्वारा.

आयोजित किए गए सम्मेलन

प्रोफेसर रमेश चंद्रा

नैनोमेडिकल साइंसेज़ पर छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस - इसस्कॉन-2018 तथा 7-10 जनवरी 2019 के दौरान सैटेलाइट कॉनफ्रेंस 'साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड' .

इमर्जिंग ट्रेंड्स इन ड्रग्स डेवलपमेंट एंड नेचुरल प्रोडक्ट्स पर 12-14 जनवरी 2018 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ईटीडीडीएनपी-2018).

डॉ. राकेश कुमार, छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑफ इंटरनेशनल सोसाइटी ऑन नैनोमेडिकल साइंस, 7-10 जनवरी, 2019.

डॉ. राकेश कुमार, नेशनल कॉनफ्रेंस ऑन रीसेंट ट्रेंड्स एंड एडवांसेज़ इन केमिकल साइंस, 29-31 मार्च 2019.

संगोष्ठि/सम्मेलन में प्रस्तुति

ए.के. राय, तृतीय इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन सॉफ्ट मैटीरियल्स (आईसीएसएम 2018), मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनआईटी), जयपुर, 9-14 दिसंबर, 2018.

डी. एस. रावत

नैनो कैटलीसिस इन ऑर्गेनिक कनवर्शंस नेशनल सेमीनार ऑन रोल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इन नेशन बिल्डिंग, इंडियन साइंस कॉन्ग्रेस एसोसिएशन, हरिद्वार चैप्टर, जी बी पंत कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर, 13 अक्तूबर 2018.

की-नोट व्याख्यान, मोलेक्युलर हाईब्रिडिज़ेशन इन ड्रग डिसकवरी : चैलेंजेज़ एंड अपॉर्चुनिटीज़ नेशनल सेमीनार ऑन केमिस्ट्री इन इंटरडिसिप्लीनरी रिसर्च, नागालैंड विश्वविद्यालय, नागालैंड, 9-10 नवम्बर 2018

फंडामेंटल्स ऑफ एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कॉपी एंड इट्स रोल इन स्ट्रक्चर डिटर्मीनेशन, दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 9 अक्तूबर 2018

ग्रीन केमिस्ट्री बाय नैनोकैटालीसिस नेशनल कॉनफ्रेंस ऑन इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड एडवांसेज़ इन केमिकल साइंस, सेंट स्टीफन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 26 सितम्बर 2018

एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कॉपी: बेसिक इंट्रोडक्शन टू स्ट्रक्चर डिटर्मीनेशन, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 18 सितम्बर 2018

ऑर्गेनिक स्पेक्ट्रोस्कॉपी : सेलिंग थ्रू कंफ्लुएंस ऑफ इंट्रोडक्शन एंड स्ट्रक्चर डिटर्मिनेशन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जालंधर, 17 अगस्त 2018.

स्पेक्ट्रम टू स्ट्रक्चर, यूजीसी रिफ्रेशर पाठ्यक्रम, यूजीसी-एचआरडीसी केंद्र, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, 30 जुलाई 2018

ऑर्गेनिक स्पेक्ट्रोस्कॉपी, यूजीसी रिफ्रेशर पाठ्यक्रम, यूजीसी-एचआरडीसी केंद्र, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, 30 जुलाई 2018

लीड आईडेंटिफिकेशन वाया रेशनल ड्रग डिज़ाइन, आईएससीबी नेशनल कॉनफ्रेंस ऑन रोल ऑफ केमिस्ट्री एंड बायोलॉजी इंटरफेस इन ड्रग रिसर्च, ग्रैंड ट्यूलिप होटल, लखनऊ. 23 जून 2018.

की नोट व्याख्यान, एन आर्ट ऑफ ड्रग डिस्कवरी, एच एन बी केंद्रीय विश्वविद्यालय, श्रीनगर. 27-28 अप्रैल 2018.

ग्रीन केमिस्ट्री बाय नैनोकैटालीसिस: नैनो-मैटीरियल्स फॉर ऑर्गेनिक ट्रांसफॉर्मेशंस, नेशनल सेमीनार ऑन फ्रंटीयर्स इन हेटरोजीनस कैटालीसिस, एम एस विश्वविद्यालय, वडोदरा, 8-9 दिसंबर 2018

उच्चतर शिक्षा में गुणवत्ता सुधार पर राष्ट्रीय सम्मेलन- ज्ञान कुम्भ 2018 उत्तराखंड सरकार तथा पतंजलि योग पीठ, हरिद्वार, 3-4 नवंबर 2018

आई. रॉय, नैनोफोटोनिक्स पर 11वीं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएनपी 2018, व्रोक्ला यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, व्रोक्ला, पोलैंड, 2-6 जुलाई 2018.

खान तथा एफ. हुसैन, “फ्रंटीयर्स एट द केमिस्ट्री-अलाइड साइंसेज़ इंटरफेस” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, रसायन विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, 21-22 दिसंबर 2018.

रोड ऑफ ड्रग डिस्कवरी : फ्रॉम आईडिया टू बेंच टू मार्केट, रसायन विज्ञान तथा मानवीय स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन, औरबिंदो महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 8 मार्च 2019.

ऑर्गेनिक स्पेक्ट्रोस्कॉपी एंड इट्स रोल इन स्ट्रक्चर डिटर्मिनेशन, एआरएसडी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1 मार्च 2019.

एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कॉपी : बेसिक इंट्रोडक्शन टू स्ट्रक्चर डिटर्मिनेशन, श्रीराम इंस्टीट्यूट, दिल्ली, 27 फरवरी 2019.

एनएमआर : बेसिक इंट्रोडक्शन टू स्ट्रक्चर डिटर्मिनेशन, 3सरी एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन : न्यु होराइज़ंस इन ड्रग डिस्कवरी एंड डेवलपमेंट, द रोल ऑफ एन एम आर, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली, 18 फरवरी 2019.
डी.एस. रावत, केमिस्ट्री, सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड ह्यूमन हेल्थ, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 16 मार्च 2019.

साइंस ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री इन द डिस्कवरी ऑफ मेडिसिंस : फ्रॉम आइडियाज़ टू ट्रेंचेज़ टू मार्केट, 11वां नाइपर(आर) सिम्पोज़ियम ऑन नैचुरल प्रोडक्ट्स बेस्ड थिरेप्युटिक्स इन ड्रग डेवलपमेंट : नाइपर राय बरेली, 14-15 फरवरी 2019.

लीड आइडेंटीफिकेशन वाया रैशनाल ड्रग डिज़ाइन, 25वीं आईएससीबी इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस, ट्रेंड्स इन केमिकल एंड बायोलॉजिकल साइंसेज़ : इम्पैक्ट ऑन हेल्थ एंड एनवायर्नमेंट, लखनऊ, 12-14 जनवरी 2019

पी. बिस्वास

डायनैमिक्स ऑफ डेंड्राइमर्स विद सेमीफ्लेक्सीबिलिटी एंड एक्सक्लूडिड वॉल्यूम, कॉनफ्रेंस ऑन नॉनलाइनर सिस्टम एंड डायनेमिक्स-2018, एससीआईएस, जे एन यू, नई दिल्ली, 11-14 अक्तूबर 2018

कनफर्मेशनल ट्रांज़ीशन इन डेंड्राइटिक पॉलीमर्स, इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन पॉलीमर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, एसपीएसआई-मैक्रो-2018, आईआईएसईआर पुणे, 19-22 दिसंबर 2018

एन. कुमार, डी. सूद, पी. जैन, जी.पांडे, एस. शर्मा व आर. चंद्रा, नोस्कैपाइन स्ट्रक्चर-गाईडिड पोटेंशल एनालॉग डिज़ाइनिंग एंड फार्मेकोलॉजिकल इवेल्यूएशन एम्प्लोयिंग केमोइनफॉर्मेटिक्स एप्रोच. इंटीग्रेटिव केमिस्ट्री, बायोलॉजी एन्ड ट्रांसलेशनल मेडिसिन - (आईसीबीटीएम), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत 25-26 फरवरी 2019.

हाईड्रेशन पैटर्न ऑफ इंट्रिंज़ीकली डिसॉर्डर्ड प्रोटींस, कॉनफ्रेंस ऑन एड्वांस्ड सिमुलेशन मेथड्स : डीएफटी, एमडी एंड बीयॉन्ड(ए एस एम 2019), आईआईटी दिल्ली, 6-10 मार्च 2019.

हाऊ डू प्रोटींस मिसफोल्ड ? सिम्पल मॉडल्स टू रीयल प्रोटींस, कॉनफ्रेंस ऑन रीसेंट एडवांसेज़ इन डायनेमिक्स एट द इंटरफेस ऑफ केमिस्ट्री एंड बायोलॉजी (डीआईसीबी-2019), आईआईएससी बंगलूरू, 18-20 फरवरी 2019

आर. कुमार

106वीं इंडियन साइंस कॉन्ग्रेस - फ्यूचर इंडिया एंड टेक्नोलॉजी, लवली प्रोफेशनल यूनीवर्सिटी, जालंधर, पंजाब. 3-7 जनवरी 2019

एशियन नेटवर्क फॉर नेचुरल एंड अननेचुरल मैटीरियल्स (एनम), डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री एंड बायोमोलेक्युलर साइंस, गिफु विश्वविद्यालय, जापान, 27 जुलाई 2018

आर. चंद्रा

कीनोट लेक्चर, ए जर्नी फ्रॉम बेंच टू बेडसाइड नोस्केपाइन : ओपियम अल्कलॉयड, जापान एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इशिकावा, जापान, 4 अक्तूबर 2018

कीनोट लेक्चर, नोस्केपाइन जर्नी फ्रॉम बेडसाइड टू बेड, साइंस एंड टेक्नोलॉजी इन सोसाइटी फॉरम (एसटीएस फोरम), क्योटो, जापान, 7 अक्तूबर 2018

कैंसर रोधी दवाओं के विकास पर समूह चर्चा. ड्रेक्सल विश्वविद्यालय, 3141 चेस्टनट स्ट्रीट, फिलाडेल्फिया, यूएसए, प्रिंस्टन विश्वविद्यालय, न्यू जर्सी, यूएसए, 13 जून 2018.

आई. रॉय, 3सरा इंटरनेशनल सिम्पोज़ियम ऑन फीज़िक्स, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजीस फॉर बायो-मेडिसिन, नेशनल रिसर्च न्युक्लियर यूनिवर्सिटी (मेफी), मास्को, रशिया, 13-17 अक्तूबर, 2018.

कीनोट लेक्चर, ए जर्नी फ्रॉम बेंच टू बेडसाइड नोस्केपाइन : ओपियम अल्कलॉयड- ए पोटेंशल केमोथिरेप्युटिक एजेंट, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लेसोथो, लेसोथो, साउथ अफ्रीका, 17-16 जून 2019

कीनोट लेक्चर, ए जर्नी फ्रॉम बेंच टू बेडसाइड नोस्केपाइन : ओपियम अल्कलॉयड, डिपार्ट्मेंट ऑफ फीज़ियोलॉजी, स्कूल ऑफ मेडिसिन, वायने स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए, 13 मई 2019

कीनोट लेक्चर, नोस्केपाइन एनालॉग्स : पोटेंशल केमोथिरेप्युटिक एजेंट, डिपार्ट्मेंट ऑफ फीज़ियोलॉजी, स्कूल ऑफ मेडिसिन, वायने स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए, 18 अप्रैल 2019

कीनोट लेक्चर, ए जर्नी फ्रॉम बेंच टू बेडसाइड नोस्केपाइन : ओपियम अल्कलॉयड- ए पोटेंशल केमोथिरेप्युटिक एजेंट, डिपार्ट्मेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, केमिस्ट्री एंड फार्मेसी, यूनिवर्सिटी ऑफ सियना, इटली, 8 फरवरी 2019.

आर. कांत

मॉडलिंग ऑफ ईआईएस रेस्पॉन्स ऑफ सुपरकैपेसिटर. नेशनल सिम्पोज़ियम ऑन इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री इन मैटीरियल्स एंड डिवाइसिज़, भावनगर, 28-29 सितंबर 2018.

मॉडलिंग फंडामेंटल इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री एंड डिवाइसेज़. बीसवीं नेशनल कनवेंशन ऑफ इलेक्ट्रोकेमिस्ट्स (एनसी ई-20), वीआईटी वेल्लोर, तमिलनाडु भारत, 7-8 जून 2018.

कीनोट लेक्चर, कॉम्पलेक्सिटीज़ इन मॉडलिंग ऑफ इलेक्ट्रोकेमिकल प्रोसेसेज़. 16वां थ्योरेटिकल केमिस्ट्री सिम्पोज़ियम (टीसीएस), बिट्स पिलानी. 13-16 फरवरी 2019.

आर. कांत , मल्टीस्केल मॉडलिंग ऑफ इलेक्ट्रोकेमिकल सिस्टम्स : डिसॉर्डर्ड एंड नैनोस्ट्रक्चर्ड इलेक्ट्रोड्स, बारहवीं इंटरनेशनल सिम्पोज़ियम ऑन एडवांसेज़ इन इलेक्ट्रोकेमिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईसेयस्ट-12), होटल ट्राइडेंट, चेन्नै, भारत, 8-10 जनवरी 2019.

एस.के. अवस्थी

प्रोफेसर आर.डी. तिवारी मेमोरियल लेक्चर, विज्ञान परिषद्, प्रयाग, इलाहाबाद, उ.प्र. द्वारा आयोजित, 24 अक्तूबर 2018

न्यूअर एप्रोच फॉर एंटीमलेरियल ड्रग डिस्कवरी "द प्लेटीनम जुबली लेक्चर 106वीं द इंडियन साइंस कॉन्ग्रेस", जालंधर, 3-7 जनवरी 2019.

आर.के. हाजरा, मल्टी-कैरियर सिस्टम्स इन लेटरल (इलेक्ट्रिकल) एंड ट्रांसवर्स (मैग्नेटिक) कनफाइनमेंट्स बाय मल्टी-पोल एक्स्पेंशन : एटम्स, मोलेक्यूल्स टू सुपरलैटिसिज़, 16वीं थ्योरेटिकल केमिस्ट्री सिम्पोज़ियम 2019,बिट्स-पिलानी, राजस्थान, भारत, 13-16 फरवरी 2019.

एस. उमा, बेसिक कंसेप्ट्स टू एंडलेस प्रॉसपेक्ट्स, इनऑर्गेनिक सॉलिड स्टेट केमिस्ट्री पर एक दिवसीय कार्यशाला, रसायन विभाग, बंगलोर यूनिवर्सिटी, फरवरी 2019.

वी. दास व एफ. हुसैन, "फ्रंटीयर्स एट द केमिस्ट्री-एलाइड साइंसेज़ इंटरफेस" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, रसायन विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, 21-22 दिसंबर 2018.

पोस्टर प्रस्तुतियाँ

ए. सिहं, एम. सिहं, एस. कक्कड़, आर. चंद्र, डिज़ाइन एंड सिंथेसिस ऑफ बायोएक्टिव पाइराज़ीनोइंडोल्स, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

गगनदीप, एस.के. कंडी, पी. कुमार, के. मुखोपाध्याय तथा डी.एस. रावत, लीड ऑप्टीमाइज़ेशन ऑफ एंटीबैक्टीरियल सी-5 करक्युमिनॉयड्स अगेंस्ट स्टेफिलोकोकस ऑरियस एंड देयर मेकेनिस्टिक इनवेस्टीगेशंस, नेशनल सेमीनर ऑन फ्रंटीयर्स इन हेटरोजीनस कैटालीसिस (हेटकैट-2018), ग्रैंड मर्करी (सूर्या प्लेस) पारसी अग्यारी के सामने, सायाजीगंज, वडोदरा, भारत. 8-9 दिसंबर 2018.

जी.के. मिश्रा, आर. कांत, फेनोमेनोलॉजिकल थ्योरी ऑफ ईआईएस रेस्पॉन्स फॉर सुपरकैपेसिटर्स, इलेक्ट्रोकेमिस्ट्स(एनसी ई-20) का बीसवां राष्ट्रीय सम्मेलन, वीआईटी वेल्लोर, 7-8 जून 2018.

एच. सहरावत, आर. तोमर, वी. तोमर, आर. चंद्रा, सिंथेसिस एंड करेक्टराइज़ेशन ऑफ 1,3-बैंजोडाईऑक्ज़ोल-एम आईएम/पाई आयनिक लिक्विड्स विद देयर एंटीकैंसर एक्टीविटी ऑन वैरियस सेल लाइंस, "थाईम केमिस्ट्री : साइंस ऑफ सिंथेसिस", रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 28 सितंबर 2018.

एच. चुघ, पी. कुमार, एन. कौर, वी. तोमर व आर. चंद्रा, इंटरेक्शन ऑफ नोस्केपाइन विद ब्लड प्रोटींस. साइंस ऑफ सिंथेसिस पर राष्ट्रीय सम्मेलन "थाईम केमिस्ट्री : साइंस ऑफ सिंथेसिस", रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 28 सितंबर 2018.

एन. कुमार व एस. कौर-घुमान, ए टेट्रान्युक्लीयर आयरन कॉम्पलेक्स : सबस्टीटयूशन विद ट्राईफिनाइलफॉसफाइन लिगेंड एंड इंवेस्टीगेशन इंटू इलेक्ट्रोकैटालीटिक प्रोटोन रिडक्शन, थाईम केमिस्ट्री : साइंस ऑफ सिंथेसिस पर राष्ट्रीय कार्यशाला, रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 28 सितंबर 2018.

नेहा, आर. कांत , डायनेमिक्स ऑफ स्टार पॉलीमर नैनोपार्टिकल इन एक्सटर्नल फील्ड्स, 23वां सीआरएसआई नेशनल सिम्पोज़ियम इन केमिस्ट्री, आईआईएसईआर भोपाल, 13-15 जुलाई 2018.

एम. कुमार, एस. श्रीवास्तव, आर. कांत , इंफ्लुएंस ऑफ अनकम्पेंसेटिड सॉल्यूशन रेज़िस्टेंस ऑन डिफ्यूज़न लिमिटेड एडज़ॉर्पशन एट रफ इलेक्ट्रोड, इलेक्ट्रोकेमिस्ट्स(एनसीई-20) का बीसवां राष्ट्रीय सम्मेलन, वीआईटी वेल्लोर, 7-8 जून 2018.

यू. गुलाटी, यू.सी. राजेश, डी.एस. रावत, डिज़ाइन एंड सिंथेसिस ऑफ कम्पोज़िट्स एंड कोर-शेल्स एज़ रीसाइकलेबल नैनोकैटालीस्ट्स फॉर द सिंथेसिस ऑफ वेल्यु एडिड सिंथंस, नेशनल सेमीनर ऑन फ्रंटीयर्स इन हेटरोजीनस कैटालीसिस (हेटकैट-2018), ग्रैंड मर्करी (सूर्या प्लेस) पारसी अग्यारी के सामने, सायाजीगंज, वडोदरा, भारत. 8-9 दिसंबर 2018.

एस. रावत, टी.पी. गोसाइं, आर. सिहं, डी.एस. रावत, डिज़ाइन, सिंथेसिस, फार्मेकोकायनेटिक एनालीसिस एंड बायोलॉजिकल इवेल्युएशन ऑफ इंडोल डेरीवेटिव्स एज़ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस मेम्ब्रेन इन्हिबिटर्स, नेशनल सेमीनर ऑन फ्रंटीयर्स इन हेटरोजीनस कैटालीसिस (हेटकैट-2018), ग्रैंड मर्करी (सूर्या प्लेस) पारसी अग्यारी के सामने, सायाजीगंज, वडोदरा, भारत. 8-9 दिसंबर 2018.

वी. ठाकुर, एम. अदनान, जी.वी. प्रकाश, एन. तिरूपति (2018) सिंथेसिस, स्ट्रक्चरल एंड ऑप्टिकल स्टडीज़ ऑफ सिक्स-मेम्बर्ड साइक्लोप्लेटीनेटिड ग्वानिडाइंस, [Pt{□2(C,N)}{□2(O,O□-acac)}], फर्स्ट इंटरनेशनल सिम्पोज़ियम ऑन मेन-ग्रुप मोलेक्यूल्स टू मैटीरियल्स (एम एम एम), आईआईएस सी बंगलौर, भारत, 28-31 अक्तूबर 2018

आर. उज्ज्वल, एन. तिरूपति (2018) रिएक्टीविटी स्टडीज़ ऑफ सिक्स-मेम्बर्ड साइक्लोप्लेटीनेटिड ग्वानिडाइंस, [Pt{□2(C,N)}(OC(O)CF3)(DMSO)] विद Ph2P(CH2)nPPh2 (n = 1-3), एफर्ट्स टू अनरेवल फैक्टर्स दैट डिटरमिन सी,एन वर्सस एन,एन कोऑर्डीनेशन मोड्स ऑफ N,N□,N□-ट्राईएरिलग्वानिडाइंस इन द प्रोडक्ट्स. फर्स्ट इंटरनेशनल सिम्पोज़ियम ऑन मेन-ग्रुप मोलेक्यूल्स टू मैटीरियल्स (एम एम एम), आईआईएस सी बंगलौर, भारत, 28-31 अक्तूबर 2018

वी.के. सिहं, ए.सैनी, आर. चंद्रा, मैनुफेक्चरिंग ब्लड (सेल्स) टु डील विद सेफ्टी एंड सप्लाई कनसर्न्स : टिश्यु इंजीनियरिंग एप्रोचेज़ यूज़िंग स्टेम सेल्स एंड अदर असेंशल टेक्नीक्स, “6 वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन.

ए. सिहं, एम. सिहं, एस. कक्कड़, आर. चंद्र, डिज़ाइन एंड सिंथेसिस ऑफ बायोएक्टिव पाइराज़ीनोइंडोल्स, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में “छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018”, “केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा “साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड” पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

ए. अवस्थी, एम. सिहं, वी. तोमर, आर. चंद्रा, सिंथेसिस ऑफ नॉवल नोस्केपाइन-एमीनो एसिड कॉन्जुगेट्स फॉर द पोटेंशल ट्रीटमेंट ऑफ कैंसर, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में “छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018”, “केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा “साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड” पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

ए. तोमर, एस. मोहपात्रा, एस.वी. नायर, ए.के. राय, व आर. चंद्रा, सिंथेसिस ऑफ नैनोपार्टिकल्स रैप्ड विदिन फुल कार्बन. मैट्रिक्स एज़ एन एनोड मैटीरियल फॉर लीथियम आयन बैटरीज़, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में “छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018”, “केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा “साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड” पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

सी. चौधरी, एस. शर्मा, आर. चंद्रा, बायोरिसेप्टर लेस बायोसेंसिंग प्लेटफॉर्म फॉर एफीशियंट डिटेक्शन ऑफ सेरोटोनिन न्यूरोट्रांसमिटर, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में “छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018”, “केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा “साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड” पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

डी. सूद, एन. कुमार, वी. तोमर, आर. चंद्रा, कैंसर एंटीजेनिक पेप्टाइड प्रेज़ेंटेशन एंड ऑप्टीमाइज़ेशन एम्प्लोयिंग इम्युनोइनफॉर्मेटिक्स एंड स्ट्रक्चरल बायोलॉजी एप्रोचेज़, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में “छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018”, “केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा “साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड” पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

डी. तिवारी व आर. चंद्रा, डिज़ाइन एंड इंजीनियर्ड पेजीलेशन टेक्नोलॉजी बायोलोजिक्स ओपन द न्यु विज़न ऑफ बायोथेरप्युटिक्स, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में “छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018”, “केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा “साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड” पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

एफ. हुसैन, आईएस एन एस (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर नैनोमेडिकल साइंसेज़) विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़, रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और जामिया हमदर्द. 7-9 जनवरी 2019.

जी. राठी, आर. चंद्रा, ए न्यु इमर्जेंट बायोकम्पैटिबल निफेति लेयर्ड डबल हाईड्रॉक्साइड एडज़ॉर्बेंट फॉर अल्ट्राफास्ट रिमोवल ऑफ एनायनिक ऑर्गेनिक डाईज़, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

जी.के. मिश्रा, आर. कांत , फिनोमेनोलॉजिकल थ्योरी फॉर डायनेमिक एनर्जी डेंसिटी एंड पावर डेंसिटी फॉर सुपरकैपेसिटर्स, ट्वेल्फ्थ इंटरनेशनल सिम्पोज़ियम ऑन एड्वांसेज़ इन इलेक्ट्रोकेमिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईसेयिस्ट-12), होटल ट्राइडेंट, चेन्नै, भारत, 8-10 जनवरी 2019. (*सिम्पोज़ियम का सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया*)

गगनदीप, एस.के. कंडी, पी. कुमार, के. मुखोपाध्याय, डी.एस. रावत, सी-5 करक्युमिनॉयड्स : सिंथेसिस एंड एंटीबैक्टीरियल एक्टीविटी अगेंस्ट स्टेफिलोकोकस ऑरियस एंड देयर मेकेनिस्टिक स्टडीज़, 25वीं आईएस सीबी कॉनफ्रेंस-2019, होटल गोल्डन ट्यूलिप, लखनऊ, भारत, 12-14 जनवरी 2019.

एच. चुघ, पी. कुमार, एन. कौर, वी. तोमर व आर. चंद्रा, इंटरेक्शन ऑफ नोस्केपाइन विद ब्लड प्रोटींस. विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

एच. सहरावत, आर. तोमर, एन. कुमार, वी. तोमर, आर. चंद्रा, सिंथेसिस, इन-सिलिको एंड इन-विट्रो इवेल्युएशन ऑफ नॉवल नॉस्केपाइन बेस्ड आयनिक लिक्विड्स शोइंग पोटेंशल एंटीकैंसर एक्टीविटी, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

एच. कौर तथा आर.के. हाजरा; बाइंडिंग एनर्जीज़ एंड केमिकल पोटेंशल ऑफ न्यूट्रल एंड चार्ज्ड एक्सीशन-कॉम्पलेक्सेस ऑफ ट्रांज़ीशन मेटल डाईकैल्कोजेनाइड्स/एनिसोट्रोपिक 2-डी क्वांटम डॉ.ट्स इन मैग्नेटिक फील्ड बाय एग्ज़ैक्ट मल्टी-पोल एक्सपेंशन ऑफ कूलम्ब कोरिलेशंस, 16वीं थ्योरेटिकल केमिस्ट्री सिम्पोज़ियम, बिट्स पिलानी, 13-16 फरवरी 2019(*सिम्पोज़ियम का सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया*)

जे. मदान, आर.के. सोढी, एस.के. चाहल, एम.ए. बाबु, आर. चंद्रा, एंटी-इनफ्लेमेटरी तथा एनलजेसिक गतिविधि के लिए नॉवल डाइक्लोफेनक डाई इथाइलेमाइन जेल का विकास और मूल्यांकन, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

के. ज्योति, जे. मदान, एम.ए. बाबु, ओ.पी. कटारे, ए.कत्याल, आर. चंद्रा, लंग कैंसर के उपचार के लिए इनहेलेबल एमयूसी-1 पेप्टाइड वैक्सीन : अवसर तथा चुनौतियाँ, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

न्यु ट्रेंड्स इन एप्लाइड केमिस्ट्री (एनटीएसी-2019) पर के.वी. थॉमस एंडोमेंट सेमीनार व इंटरनेशनल सिम्पोज़ियम, रसायन का स्नातकोत्तर एवं शोध विभाग, सेक्रेड हार्ड कॉलेज, कोच्चि, भारत, 14-15 जनवरी 2019.

एल. अग्रवाल तथा पी. बिस्वास, एमाइलॉयड- β के हाइड्रेशन एनवायर्नमेंट पर म्यूटेशनों का प्रभाव, ए एस एम2019, आईआईटी दिल्ली, 9 मार्च 2019.

एल. अग्रवाल तथा पी. बिस्वास, हाइड्रेशन वाटर डिस्ट्रीब्यूशन एराउंड इंट्रिंज़ीकली डिसॉर्डर्ड प्रोटींस, 16वां थ्योरेटिकल केमिस्ट्री सिम्पोज़ियम-2019, बिट्स पिलानी, 13-16 फरवरी 2019.

एल. कुमार, आर. तोमर, वी. तोमर, आर. चंद्रा, बेस-फ्री ऑक्सीडेशन ऑफ एल्डोज़ यूज़िंग सॉलिड सप्पोर्ट कैटालीस्ट, छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018.

विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "केमिस्ट्री-बायोलॉजी इंटरफेस 2019" तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

नेहा, आर. कांत , डायनेमिक्स ऑफ जनरलाइज़्ड गॉसियन पॉलीमरिक स्ट्रक्चर विद नैनोपार्टिकल्स इन एक्सटर्नल फील्ड्स, 16वां थ्योरेटिकल केमिस्ट्री सिम्पोज़ियम-2019, बिट्स पिलानी, 13-16 फरवरी 2019.

एम. सिहं, ई. सोलेल, ई. कीनेन, ओ. रियनी, एस एम एस चौहान, आर. चंद्रा, एज़ा-बेम्बुसुरील्स एन रूट टू एनायन ट्रांसपोर्टर्स. विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

एम. चौधरी, यू.के. जैन, जे. मदान, आर. चंद्रा, मोलेक्युलर डॉ.किंग तकनीक द्वारा करक्युमिन और इसके नॉवल एनालॉग्स के लिए प्रोमिसिंग मोलेक्युलर टारगेट्स की पहचान, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

एम. कुमार, आर. कांत, रफ तथा फ्रेक्टल इलेक्ट्रॉड्स पर द्वि चारणीय इलेक्ट्रोन स्थानांतरण प्रक्रिया के इम्पीडेंस की थ्योरी, 16वां थ्योरेटिकल केमिस्ट्री सिम्पोज़ियम-2019, बिट्स पिलानी, 13-16 फरवरी 2019. (*सिम्पोज़ियम का सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया*)

एम. रावत, डी.एस. रावत, CuO@NiO एंड CuI@Al2O3नैनोपार्टिकल्स कैटालाइज़्ड सिंथेसिस ऑफ बायोलॉजिकली एक्टिव हेटरोसाइकल्स, 25वीं आईएससीबी कॉनफ्रेंस-2019, होटल गोल्डन ट्यूलिप, लखनऊ, भारत, 12-14 जनवरी 2019.

एन. शर्मा, एन. गुप्ता, आर. चंद्रा, आर.मनचंदा, एस. निमेश, कैंसर के उपचार के लिए पॉलीमरिक नैनोकैरियर सहायक ड्रग डिलिवरी, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

एन. सिहं, एम. सिहं, वी. तोमर, आर. चंद्रा, नॉवल पाइरेज़िनोपाईरोल डेरीवेटिव्स का सक्षम तथा स्टीरियोसिलेक्टिव सिंथेसिस, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

एन. कुमार, आर. चंद्रा, प्रोटीन-पेप्टाइड फ्रेगमेंट्स का विस्तृत लोचनीयता विश्लेषण : पोटेंशल एंटीबैक्टीरियल पेप्टाइड डिज़ाइन करने की उन्नत एप्रोच, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल

साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

पी. अग्रवाल व आर.के. हाजरा, एग्ज़ेक्ट फॉर्मलिज़्म ऑफ स्ट्रॉन्गली कोरेलेटिड ऑफ 2-डी एन-ई (एन=2,3,4,5..) सुपरलेटिसिज़ वाया मल्टीपोल एक्सपेंशन, 16वां थ्योरेटिकल केमिस्ट्री सिम्पोज़ियम-2019, बिट्स पिलानी, 13-16 फरवरी 2019. (*सिम्पोज़ियम का सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया*)

आर. चंद्रा, ए जर्नी फ्रॉम बेंच टू बेडसाइड नोस्केपाइन : ओपियम अल्कलॉयड- ए पोटेंशल केमोथिरेप्युटिक एजेंट. विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

आर.एम. कुमारी, एन. गुप्ता, आर. चंद्रा, एस. निमेश, चिटोसन/एस आई आर एन ए नैनोपार्टिकल्स : ब्रेस्ट कैंसर उपचार के लिए एक सक्षम एप्रोच, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

आर. तोमर, एस. निशिमुरा, के. इबितानी व आर. चंद्रा, वन-पॉट सिंथेसिस ऑफ इमाइंस यूज़िंग हाइड्रोटेल्साइट सप्पोर्टेड सीरिया नैनोपार्टिकल्स एज़ हेटरोजीनस कैटालीस्ट. विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

आर. तोमर, आई. चंद्रा, वी. तोमर व आर. चंद्रा, सिंथेसिस एंड करेक्टराइज़ेशन ओफ नॉवल नोस्केपाइन एंड इट्स एनालॉग्स : इनोवेटिव एंटी-कैंसर ड्रग, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

आर. तोमर, वी. तोमर, आर. चंद्रा, ग्रीनर एप्रोचेज़ टूवर्ड्स ऑर्गेनिक ट्रांसफॉर्मेशन यूज़िंग हेटरोजीनस कैटालीसिस, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

आर. कौशिक व एफ. हुसैन, आईएसएनएस(इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर नैनोमेडिकल साइंसेज़)नैनोमेडिकल साइंसेज़ पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस, रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं जामिया हमदर्द. 7-9 जनवरी 2019.

आर. कौशिक तथा एफ. हुसैन, "फ्रंटीयर्स एट द केमिस्ट्री-एलाइड साइंसेज़ इंटरफेस" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, रसायन विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर. 21-22 दिसंबर 2018.

आर. तोमर व आर. चंद्रा, एम्पलॉयमेंट ऑफ सीरियम-बेस्ड कैटालीस्ट इन ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, जापान-इंडिया सिम्पोज़ियम, स्कूल ऑफ मैटीरियल्स साइंस, जापान एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इशिकावा, जापान, 7 मार्च 2019.

एस. कौर-घुमान, पी. हैश व टी.ब्यूरीज़, इलेक्ट्रोकैटालीटिक प्रोटोन रिडक्शन बाय PXCXP (X, X = O, O: O, S; S, S) Ni(II) पिंसर कॉम्पलेक्सेस, हैंस केमिस्ट्री सिम्पोज़ियम, लेबनिज़ इंस्टीट्यूट फॉर कैटालीसिस(लिकेट), रोस्टोक, जर्मनी, नवंबर 2018.

एस. गुप्ता तथा पी. बिस्वास, पोली(प्रोपीलीन इमाइन)डैंड्राइमर्स के आकार तथा आंतरिक ढांचे पर पीएच का प्रभाव : एक मोलेक्युलर डायनेमिक्स सिमुलेशन अध्ययन, 16वां थ्योरेटिकल केमिस्ट्री सिम्पोज़ियम-2019, बिट्स पिलानी, 13-16 फरवरी 2019.

एस. शर्मा व आर.के. हाजरा, शैल स्ट्रक्चर एंड पैरामैग्नेटिज़्म ऑफ 3-डी एन-ई एनिज़ोट्रॉपिक (इलिपसॉयडल) कवांटम डॉ.ट्स : एग्ज़ैक्ट मल्टी-पोल एक्सपेंशन ऑफ कूलम्ब इंटरेक्शन अंडर फर्मियोनिक एक्सचेंज सिम्मिट्री, 16वां थ्योरेटिकल केमिस्ट्री सिम्पोज़ियम-2019, बिट्स पिलानी, 13-16 फरवरी 2019.

एस. रावत, टी.पी. गोसाइं, आर. सिहं, डी.एस. रावत, माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस मेम्ब्रेन इन्हिबिटर्स : डिज़ाइन, सिंथेसिस, बायोलॉजिकल इवेल्युएशन एंड एडीएमई एनालीसिस, 25वीं आईएससीबी कॉनफ्रेंस-2019, होटल गोल्डन ट्यूलिप, लखनऊ, भारत, 12-14 जनवरी 2019.

एस. सिहं , ए. सिहं, आर. चंद्रा, सी. काफ्री, बी. राठी, एक्टीविटी प्रोफाइल ऑफ थैलीमाइड एनालॉग्स अगेंस्ट सिस्टोसोमिएसिस : सिंथेसिस, एंटी-सिस्टोसोमल एंड स्ट्रक्चर एक्टीविटी रिलेशनशिप, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

एस. निमेश, जी. आर्या, आर.एम. कुमारी, एन. शर्मा, एन. गुप्ता, आर. चंद्रा, हाइपरकोलेस्ट्रोलीमिया तथा संबंधित हृदय रोगों के उपचार के लिए नैनोमेडिसिन आधारित तरीके, "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन.

एस. कोहली, आर. तोमर, वी. तोमर, आर. चंद्रा, डायरेक्ट सिंथेसिस ऑफ इमाइंस फ्रॉम बेंज़ाइल अल्कोहल्स यूज़िंग गोल्ड नैनोपार्टिकल्स सपोर्टेड कंपोज़िट, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज़-इस्नस्कॉन-2018", "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

टी. अग्रवाल व एस. कौर-घुमान, 4-मिथाइलबेंज़ीन थायोलेट-ब्रिज्ड एंड 1,3,5-ट्राईएज़-7-फॉसफैडामैंटेन सब्स्टीट्यूटिड कोर : इलेक्ट्रोकैटालिटिक हाईड्रोजन इवोल्यूशन स्टडीज़, न्यु ट्रेंड्स इन एप्लाइड केमिस्ट्री (एनटीएसी-2019) पर 17वां के.वी. थॉमस एंडोमेंट सेमीनार व इंटरनेशनल सिम्पोज़ियम, रसायन का स्नातकोत्तर एवं शोध विभाग, सेक्रेड हार्ड कॉलेज, कोच्चि, भारत, 14-15 जनवरी 2019.

विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "केमिस्ट्री-बायोलोजी इंटरफेस 2019" तथा "साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड" पर सम्मेलन, 7-9 जनवरी 2019.

यू. गुलाटी, यू.सी. राजेश तथा डी.एस. रावत, बायोलॉजिकली एक्टिव एन-हेटरोसाइकल्स के सिंथेसिस के लिए रीसाइकलेबर नैनोकैटालीस्ट्स के रूप में RGO@CuI कम्पोज़िट तथा Ni@CuI कोर-शैल्स, 25वीं आईएससीबी कॉनफ्रेंस-2019, होटल गोल्डन ट्यूलिप, लखनऊ, भारत, 12-14 जनवरी 2019.

वी. कईम, एम. नटराजन, आर.एल. कुमावत, मो. एहसान अली व एस. कौर-घुमान, मोनोन्युक्लियर रूथीनियम फॉसफाइन कॉम्पलेक्सेस : सिंथसिस, करेक्टराइज़ेशन एंड डीएफटी कैलकुलेशंस, 17वें प्रोफेसर

वी. सिहं तथा पी. बिस्वास, प्रोटीन मिसफोल्डिंग का औसत फर्स्ट पैसेज टाइम आकलित करना, 16वां थ्योरेटिकल केमिस्ट्री सिम्पोज़ियम-2019, बिट्स पिलानी, 13-16 फरवरी 2019.

वी. दास व एफ. हुसैन, आईएसएनएस(इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर नैनोमेडिकल साइंसेज़) नैनोमेडिकल साइंसेज़ पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में छठी वर्ल्ड कॉन्ग्रेस, रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं जामिया हमदर्द. 7-9 जनवरी 2019.

वी. तोमर, आर. तोमर, आर. चंद्रा, इमर्जिंग इम्प्लीकेशंस ऑफ नैनोस्केल बेस्ड ड्रग डिलिवरी सिस्टम्स इन डिलिवरी एंड टारगेटिंग टुबुलिन बाइंडिंग एजेंट, नोस्केपाइन एंड इट्स एनालॉग्स इन कैंसर सेल्स, जापान-इंडिया सिम्पोज़ियम, स्कूल ऑफ मैटीरियल्स साइंस, जापान एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इशिकावा, जापान, 7 मार्च 2019.

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, का जापान एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, जापान के साथ, 2016-2019

रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, का दिपार्तिमेंतो दि बायोतेक्नोलॉजी, चिमिका ए फार्मासिया, यूनिवर्सिता दि सिएना, इटली के साथ

रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली और नेशनल रेसर्च न्युक्लियर यूनिवर्सिटी मेफी (मास्को, रशिया)

अन्य अंतर-संस्थानात्मक सहयोग

प्रोफेसर रमेश चंद्रा

प्रोफेसर सत्य प्रकाश, मैक्गिल यूनिवर्सिटी, मॉन्ट्रीयाल, कनाडा.

प्रोफेसर क्रिस्टोफ अरेंज, हम्बोल्ट यूनिवर्सिटी ऑफ बर्लिन, बर्लिन, जर्मनी

जापान एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, जापान

प्रोफेसर मॉरीज़ियो तादई, दिपार्तिमेंतो दि बायोतेक्नोलॉजी, चिमिका ए फार्मासिया, यूनिवर्सिता दि सिएना, इटली

डॉ. मीना सखरकर, यूनिवर्सिटी ऑफ ससकैशवां, ससकाटून, कनाडा

डॉ. आलोक कुमार राय

डिपार्टमेंट ऑफ मैटीरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग, चोन्नम नेशनल यूनिवर्सिटी, ग्वांग्झु, दक्षिण कोरिया

अर्गोन नेशनल लैब, यूएसए

प्रोफेसरएस.के. अवस्थी, साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली एवं जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के साथ सहयोग

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

प्रोफेसर रमेश चंद्रा - डॉवर्तिका तोमर, शास्त्री इंडो-केनेडियन पोस्ट डॉक्टॉरल फेलोशिप 2017-18

प्रोफेसर रमेश चंद्रा - स्निग्धा सिहं, इंडो-इटली एक्सचेंज प्रोग्राम बाय एम एच आर डी एंड इटेलियन एम्बैसी कल्चरल सेंटर, 2018-19

प्रोफेसर रमेश चंद्रा - आरूषि सिहं, जे ए एस एस ओ स्टुडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, 2019

प्रोफेसर रमेश चंद्रा - इशिता चंद्रा, जे ए एस एस ओ स्टुडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, 2018

डॉ. सुरेंद्र सिहं - श्री दीपांकर घोष (पी.एच.डी. छात्र), रसायन विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ आइसलैंड,

अवधि 2 माह, इरेसमस + कार्यक्रम

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी. : 62
एम.फिल. : शून्य

संकाय की संख्या : 36

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

वर्तमान में विभाग में 600 एम.एस.सी. तथा 300 पीएच.डी. स्कॉलर हैं।

***

पर्यावरणीय अध्ययन

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

पर्यावरणीय अध्ययन विभाग पर्यावरणीय अध्ययन के क्षेत्र में शिक्षण तथा शोध कार्य में संलग्न है। असांख्यिक सीटों के अलावा हम प्रत्येक वर्ष अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दो स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों (एम.एस.सी.-36 तथा एम.ए.-26) में 62 छात्रों को प्रवेश देते हैं। छात्र विभिन्न विषयों वाली भिन्न-भिन्न अकादमिक पृष्ठभूमियों से आते हैं। हमारे विभाग में कुछ श्रेष्ठतम अध्यापकों में से हैंजो आधारभूत पारिस्थितिक, पर्यावरणीय तथा अनुप्रयुक्त पर्यावरणीय विज्ञानों में शोध के अग्रिम क्षेत्रों में भी संलग्न हैं। हम राष्ट्रीय विकास से जुड़े सामाजिक रूप से संगत क्षेत्रों में भी शोध कार्य करते हैं तथा पर्यावरणीय गिरावट से उत्पन्न होने वाले विषयों के समाधान में योगदान देते हैं। शोध के विषय नवीन योगदानों पर केंद्रित होते हैं, पारिस्थितिकी तथा पर्यावरण के आधारभूत एवं अनुप्रयुक्त दोनों पहलुओं पर। हमारे संकाय सदस्य अपने शोध निष्कर्ष नियमित रूप से उच्च स्तरीय कुलीन समीक्षित पत्रिकाओं जैसे नेचर, साइंस, तथा अन्य अत्यधिक प्रभावी पत्रिकाओं में प्रकाशित करते हैं। हमारे संकाय सदस्यों ने बाहय शोध परियोजना भी हासिल किए हैं जिनका उपयोग आधुनिक प्रयोगशाला सुविधाएं विकसित करने तथा नए शोध छात्रों को प्रशिक्षण देने के लिए किया जाता है। हमारे संकाय सदस्यों की पहचान अपने क्षेत्रों में वैश्विक अग्रणियों के रूप में है जो अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों से विस्तृत सहयोग करते हैं तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों/सम्मेलनों में की-नोट तथा प्लेनरी व्याख्यान देकर अपने शोध निष्कर्ष सांझा करते हैं।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर एम.के. पंडित- सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, सिंगापुर द्वारा नी एन कोंसी डिस्टिंग्विश्ड विज़िटिंग प्रोफेसर से सम्मानित किए गए।

प्रोफेसर इंद्रजीत- जनवरी 2018 में सम्मानित अतिथि के रूप में एल्बर्टा विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्हें एल्बर्टा विश्वविद्यालय, कनाडा द्वारा 2017 में डिस्टिंग्विश्ड विज़िटर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

डॉ. चिराश्री घोष

भुवनेश्वर, उड़ीसा में 1 दिसंबर 2018 को इंटलैक्चुअल्स सोशल रेस्पोंसिबिलिटी (आई एस आर आई, इंडिया) द्वारा “भारत विकास अवार्ड” प्रदान किया गया ।

नेशनल एनवायर्नमेंटल साइंस अकादमी (नेसा) द्वारा16 दिसंबर2018 को “नेसा एंनवायर्नमेंटलिस्ट ऑफ द यीअर अवार्ड-2018 प्रदान किया गया।

प्रकाशन

पी. बाल्यान, सी. घोष, एस. दास तथा बी.डी. बैनर्जी (2019). स्पेश्यो-टेम्पोरल करेक्टराइज़ेशन ऑफ बायोएयरोसोल्स ऐट डाइवर्स आउटडोर लैण्ड-यूज़ साइट्स इन एन अर्बन एनवायर्नमेंट. एयरोबायोलोजिया।https://doi.org/10.1007/s10453-019-09582-2

पी. बेसरा, आर. कालवे, जे. कैटफोर्ड, इंद्रजीत, के. एंडोनियन, एम. लूस, ई. ऐशोग तथा डी. मोंटेसिनो(2018). इनहिबिटरी इफेक्ट्स ऑफ यूकलिप्टस ग्लोबुलस ऑन अंडरस्टोरी प्लांट ग्रोथ एण्ड स्पीसिज़ रिचनेस आर ग्रेटर इन नॉन-नेटिव रीजन्स. ग्लोबल इकोलॉजी एण्ड बायोज्योग्राफी, 27, 68-76.

ई. बेरी, एस.के. शर्मा, एम.के. पंडित तथा आर. गीता (2018). इवोल्यूशनरी कोरिलेशन बिट्वीन फ्लोरल मोनोसिमिट्री एण्ड कोरोला पिगमेंटेशन पैटर्न्स इन होंडोडेंड्रन. प्लांट सिस्टेमैटिक्स एण्ड इवोल्यूशन, 304,219-230.

ए. बर्जर, आर. ब्रुकीस, पी.के. पाठक, आई. हिचरी, इंद्रजीत, एस. भाटिया, ए. बोसारी, ए.यू. इगेम्बर्दीव तथा जे.के. गुप्ता (2018). पाथवेज़ ऑफ नाइट्रिक ऑक्साइड मेटाबॉलिज़्म एण्ड ऑपरेशन ऑफ फाइटोग्लोबिंस इन लेग्यूम नॉड्यूल्स : मिसिंग लिंक्स एण्ड फ्यूचर डायरेक्शंस. प्लांट सेल एण्ड एनवायर्नमेंट, 41, 2057-2068.

जे.पी. भट्ट तथा एम.के. पण्डित (2019). लोकल हंटिंग प्रेक्टिसिस एण्ड वाइल्डलाइफ कंज़र्वेशन इन अरुणाचल प्रदेश, इंडिया. एनीमल कंज़र्वेशन,doi:10.1111/acv.12492

ए. गर्ग, पी. शर्मा, जी. बेग तथा सी. घोष (2018). टेम्पोरल माउण्ट इन एयर पोल्यूटेंट्स अलाइड विद रिलीजियस फिएस्टा : दीवाली, फेस्टीवल ऑफ लाइट्स, इमर्जिंग इश्यूज़ इन इकोलॉजी एण्ड एनवायर्नमेंटल साइंस,12, 11-25.

एस. गर्ग एण्ड एस.डी. बीजू (2019). न्यू माइक्रोहाइलिड फ्रॉग जीनस फ्रॉम पेनिनसुलर इंडिया विद साउथ ईस्ट एशियन एफीनिटी सजेस्ट्स मल्टीपल सीनोज़ोइक बायोटिक एक्सचैंजिस बिट्वीन इंडिया एण्ड यूरेशिया. साइंटिफिक रेपोर्ट्स, 9 (1906), 1-13.

एस. गर्ग, आर. सुयेश, ए. दास, जे. जियांग, एन. विजयतिलक, ए.ए.टी. अमरसिंघे, एफ. अल्हादी, के.के. विनीत, एन.ए. अरविंद, जी. सेनेविरत्ने, एम. मीगसकुम्बुरा, तथा एस.डी. बीजू (2018). सिस्टेमेटिक रेवीज़न ऑफ माइक्रोहाइला (माइक्रोहाईलिडे) फ्रॉग्स ऑफ साउथ एशिया: ए मोलेक्युलर, मोर्फोलोजिकल एंड अकाउस्टिक असेसमेंट. वर्टेब्रेट ज़ूलॉजी, 69(1), 1-71.

एस. गर्ग, ए. दास, आर.जी. कामई व एस.डी. बीजू (2018). डीलीनिएटिंग माइक्रोहाइला ऑरनेट(अनूरा, माइक्रोहाईलिडे) : माइटोकोंड्रियल डीएनए बारकोड्स रेज़ॉल्व सेंचुरी-ओल्ड टेक्सोनॉमिक मिसआईडेंटीफिकेशन. माइटोकोंड्रियल डीएनए पार्ट बी, 3(2), 856-861.

एस. गर्ग, जी. सेनेविरत्ने, एन. विजयतिलक, एस. फुगे, के. द्युति, के. मनमेंद्र-अरच्ची, एम. मीगसकुम्बुरा तथा एस.डी. बीजू (2018). एन इंटीग्रेटिव टेक्सोनॉमिक रिव्यु ऑफ द साउथ एशियन माइक्रोहाइलिड जीनस उपरोडॉ.न. ज़ूटेक्सा, 4384(1), 1-88.

एन. गोयल, के. एस्लर तथा जी.पी. शर्मा (2018). व्हट डीराइव्स परफॉर्मेंस पोटेंशल ऑफ लेंटाना कामरा एल. (सेंसु लातो) इन द इनवेडिड रेंज? ट्रोपिकल इकोलॉजी, 59(1): 57-68.

एन. गोयल तथा जी.पी. शर्मा (2019). अनवीलिंग क्रिप्टिक इकोलॉजिकल फंक्शंस : प्रोस्पेक्ट्स इन प्लांट इंवेज़ंस. ट्रोपिकल इकोलॉजी, 60(1), 1-5 .

एन. गोयल तथा जी.पी. शर्मा (2019). इट टेक्स टू टु टैंगो : वैरिएबल आर्किटेक्चरल स्ट्रेटेजीस बूस्ट इनवेसिव सक्सेस ऑफ लेंटाना कामरा एल. (सेंसु लातो) इन कॉन्ट्रास्टिंग लाइट एनवायर्नमेंट्स. बायोलॉजिकल इनवेज़ंस, 21, 163-174.

एच. गुप्ता, सी. तिवारी तथा एस. दिवाकर (2019). बटरफ्लाई डायवर्सिटी एंड इफेक्ट ऑफ टेम्परेचर एंड ह्युमिडिटी ग्रेडिएंट्स ऑन बटरफ्लाई असेम्बलेजिस इन ए सब-ट्रॉपिकल अर्बन लैंडस्केप. ट्रोपिकल इकोलॉजी, 60(1), 150-158.

इंद्रजीत, जे. पर्जि, एम. वैन क्ल्युनेन, एम. हेज्दा, सी.आर. बाबू, एस. मजुमदार, पी. सिहं, एस.पी. सिहं, एस. सालम्मा, बी.आर.पी. राव तथा पी. पाइसे (2018). नेचुरलाइज़्ड एलियन फ्लोरा ऑफ द इंडियन स्टेट्स: बायोज्योग्राफिक पैटर्न्स, टेक्सोनॉमिक स्ट्रक्चर एन्ड ड्राइवर्स ऑफ स्पीसिज़ रिचनेस. बायोलॉजिकल इनवेज़ंस, 20, 1625-1638.

आर. जैन, पी. शर्मा, सी. घोष (2018). ए सस्टेनेबल वे ऑफ वेस्ट मैंनेजमेंट : ए ग्रीन नैनोटेक्नोलॉजी एप्रोच. एशियन अकेडमिक रिसर्च जर्नल ऑफ मल्टी-डिसिप्लीनरी. 5(4), 1-9.

डी. कोथामसी, जे. वानिन, एम. वैन हीस, आर. नॉट्स, ए. वॉन गॉम्पल, एन. वैनहोत, एच. वैंदेन्होव (2019). एक्सपोज़र टू आयनाइज़िंग रेडियेशन अफेक्ट्स द ग्रोथ ऑफ एक्टोमाइकोर्हिज़ल फंजाई एंड इनड्यूसिस इनक्रीज़्ड मेलानिन प्रोडक्शन एंड इनक्रीज़्ड कपैसिटीज़ ऑफ रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीसिज़ स्केवेंजिंग एन्जाइम्स. जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल रेडियोएक्टीविटी, 197,16-22.

एस. महोनी, आर.जी. कामई, ई.सी. टीलिंग तथा एस.डी. बीजु (2018). क्रिप्टिक डायवर्सिटी विदिन द मेगोफ्रिस मेजर स्पीसिज़ ग्रुप (एम्फीबिया: मेगोफ्रीडे) ऑफ द एशियन हॉर्न्ड फ्रॉग्स: फाइलोजेनेटिक पर्सपेक्टिव्स एंड ए टेक्सोनोमिक रिवीज़न ऑफ साउथ एशियन टेक्सा, विद डेस्क्रिप्शंस ऑफ फोर न्यू स्पीसिज़. ज़ूटेक्सा, 4523(1), 001-096.

के. मनीश, तथा एम.के. पंडित (2019). आइडेंटीफाइंग कंज़रवेशन प्रायोरिटीज़ फॉर प्लांट स्पिसिज़ इन द हिमालया इन करंट एंड फ्यूचर क्लाइमेट्स : ए केस स्टडी फ्रॉम सिक्किम हिमालया, इंडिया. बायोलोजिकल कंज़रवेशन, 233,76-184.

के. मनीश, तथा एम.के. पंडित (2018). फाइलोजेनेटिक डायवर्सिटी, स्ट्रक्चर एंड डायवर्सीफिकेशन पैटर्न्स ऑफ एंडेमिक प्लांट्स एलॉन्ग एन एलीवेशनल ग्रेडियेंट इन द ईस्टर्न हिमालया. प्लांट इकोलॉजी एंड डायवर्सिटी, 11, 501-513.

के. मनीश, तथा एम.के. पंडित (2018). ज्यो-फीज़िकल अपहीवल्स एंड इवोल्यूशनरी डायवर्सीफिकेशन ऑफ प्लांट स्पीसिज़ इन द हिमालया. जे.पीअर, 6, पी.ई 5919.

पी. पारध-सारधी, एन. शबनम, पी. शर्मिला, ए.के. गांगुली तथा एच. किम (2018). डिफरेंशल सेंसिटिविटी ऑफ लाइट-हार्नेसिंग फोटोसिंथेटिक इवेंट्स इन व्हीट एंड सनफ्लॉवर टू एक्सोजीनसली अप्लाइड आयनिक एंड नैनोपर्टिकुलेट सिल्वर. केमोस्फीयर 194 : 340-351.

के. राणा, एन. गोयल तथा जी.पी. शर्मा (2018). स्टेजिंग स्टेवर्डेस ऑफ एग्रो-ईकोसिस्टम्स इन द ईकोसिस्टम सर्विसिज़ फ्रेमवर्क. ईकोसिस्टम सर्विसेज़, 33, 89-101.

ई. सांचेज़, एस.डी. बीजू, एम.एम. इस्लाम, एम.हसन, ए. ओहले, एम. वेंसेज़ तथा ए. कुराबायशी (2018). फाइलोजेनी एंड क्लासीफिकेशन ऑफ फेज़ेरवर्यान फ्रॉग्स (अनूरा : डाइक्रोग्लॉसिडे). सालामांद्रा, 54, 109-116.

पी. सक्सेना तथा सी. घोष (2018). एस्टेब्लिशिंग कोरिलेशन बिटवीन अबायोटिक स्ट्रेस एंड आइसोप्रीन एमिशन ऑफ सेलेक्टिड प्लांट स्पीसिज़. इमर्जिंग इश्यूज़ इन इकोलॉजी एंड एनवायर्नमेंटल साइंस, 12, 11-25.

जी. शर्मांद तथा सी. घोष (2018). माइक्रोप्लास्टिक्स : एन अनसेफ पाथवे फ्रॉम एक्वेटिक एनवायर्नमेंट टू हेल्थ- ए रिव्यु, इमर्जिंग इश्यूज़ इन इकोलॉजी एंड एनवायर्नमेंटल साइंस, 12, 11-25.

एस.पी. सिहं, इंद्रजीत, जे.एस. सिहं , एस. मजुमदार, जे. मोयनो, एम.ए. नूनेज़ एंड डी. रिचर्डसन (2018). इनसाइट्स ऑन द परसिस्टेंस ऑफ पाइंस (पाइनस स्पीसिज़) इन द लेट क्रेटेशियस एंड देयर इनक्रीसिंग डोमीनेंस इन द एंथ्रोपोसीन. इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन, 8: 10345-10359.

ए. सनी, एस. दिवाकर तथा जी.पी. शर्मा (2018). इनटरेक्शंस बिटवीन नॉन-नेटिव प्लांट्स एंड नेटिव इनसेक्ट्स : रिसर्च गैप्स. करंट साइंस, 114 (4), 728.

सी. तिवारी तथा एस. दिवाकर (2018). सिंगर्स इन द ग्रास : काल डिस्क्रिप्शन ऑफ कोनहेड कैटीडिड्स (फैमिली : टेटीगोनाईडे) एंड ऑब्ज़र्वेशंस ऑन एवॉयडेंस ऑफ एकाउस्टिक ओवरलैप. बायोएकाउस्टिक्स, 1-17.

एम. वैन ल्युनेन, पी. पाइसे, डब्लु डॉ.सन, एफ. एस्ल, एच. क्रेफ्ट, जे. पर्जल, पी. वेल्ट, ए. स्टीन, एस. दुलिंजर, सी. कोनि, बी. लेंज़नर, एन. मॉरल, डी. मोज़र, एच. सीबंस, जे. कार्तेज़, एम. निशिनो, ए. अलेक्सान्यां, एम. एनसॉन्ग, एल.ए. एंटोनोवा, जे.एफ. बार्सिलोन, एस.डब्ल्यू. ब्रेकेल, जी. ब्रुंदु, एफ.जे. कबेज़ा, डी. कार्देनास, जे. कार्देनास-तोरो, एन. कस्तानो, ई. चाकोन, सी. चैटलेन, बी. कॉन, एम. दे एस. दिशूं, जे.एम. दुफोर-द्रोर, अल इबल, ई. फिगुरेदो, ओ. फ्रेग्मान-स्पेर, एन. फुएंतेस, क्यु.जे. ग्रूम, एल. हेंडरसन, इंद्रजीत, पी. क्रेस्तोव, ए. कुप्रियानोव, एस. मसियाद्री, जे. मीरमन, ओ. मोरोज़ोवा, डी. निक्रेंट, एन. नोगान, ए. नोवाक, ए. पाज़ेल, पी.बी. पेल्से, डब्लू.एस. शु, जे. थॉमस, ए. उलुदग, एम. वेलायोस, ए. वेर्कोसिन, जे.एल. विलासनर, ई. वेबर, जे. विरिंगा, ए. याज़िलक, ए. ज़ेद्दाम, ई. ज़ाइकोवा तथा एम. विंटर (2019). द ग्लोबल नैचुरलाइज़्ड एलियन फ्लोरा(ग्लोनाफ) डाटाबेस. इकोलॉजी, 100(1) ई2542.

जर्नल

अकेड्मिक एडिटर/एसोशिएट एडिटर - दस अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में तीन अध्यापक

शोध प्रोजेक्ट

आरसेट, बायोडायवर्सिटी स्टडीज़ ऑफ रैपम एचईपी, रेगो एचईपी इन अरूणाचल प्रदेश एंड डाटा कंपाइलेशन फॉर टेरेस्ट्रियल एंड एक्वेटिक बायोडायवर्सिटी ऑफ ब्यास बेसिन इन हिमाचल प्रदेश; 2017-185. प्रोफेसर एम.के. पंडित, 50 लाख

आरसेट, बायोडायवर्सिटी स्टडीज़एज़ पार्ट ऑफ ईआई ए स्टडीज़ फॉर टू पम्प स्टोरेज स्कीम्ज़, यानि पिन्नपुरम, आंध्र प्रदेश तथा सौंदात्ती, कर्नाटक; 2018-19, प्रोफेसर एम.के. पंडित, रुपए 4 लाख

आरसेट, बायोडायवर्सिटी स्टडीज़ ऑफ गोरी गंगा III ए एचईपी इन उत्तराखंड, 2018-19, प्रोफेसर एम.के. पंडित, रुपए 2.70 लाख

वापको, इकोलॉजिकल स्टडी फॉर ओड़ीसा थर्मल पावर प्लांट प्रोजेक्ट एट कामाख्यानगर, उड़ीसा, 2018-19, प्रोफेसर एम.के. पंडित, रुपए 4.90 लाख

आरसेट, बायोडायवर्सिटी स्टडी ऑफ दिखु एचईपी, नागालैंड, 2018-19 प्रोफेसर एम.के. पंडित, रुपए 3 लाख

सी ईपी एफ, यूएसए: वेस्टर्न घाट्स नेटवर्क ऑफ प्रोटेक्टेड एरियाज़ फॉर थ्रेटंड एम्फीबियंस (डब्लुएनपीएटी ए); 2009- अब तक, प्रोफेसर एस.डी. बिजु, 1,20,000 यू एस डॉलर

भू विज्ञान मंत्रालय (एम ओ ईएस), भारत सरकार, मॉनीटरिंग इनडोर एयर पोल्यूशन (आईएपी) इन दिल्ली यूनिवर्सिटी एरिया एंड एक्सेसिंग इट्स ह्यूमन हेल्थ इम्पैक्ट्स; 2016-2019, डॉ. चिरलश्री घोष, रुपए 86,70,500

स्वास्थ्य एवं परिवार मामले मंत्रालय, स्वास्थ्य शोध विभाग : स्पेशियो-टेम्पोरल एपिडेमियोलॉजी ऑफ क्रोनिक रेस्पीरेटरी इलनेस इन अर्बन इंडियन सेटलमेंट्स (स्टेपक्रूज़);

2016-2019, डॉ. चिरलश्री घोष, रुपए 30,63,720

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, इम्पैक्ट ऑफ एनवायर्नमेंटल बायोएयरोसोल पोल्यूशन ऑन ह्यूमन हेल्थ : ए केस कंट्रोल स्टडी फॉर एग्ज़ासरबेशन ऑफ सीओपीडी इन नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशन, 2015-2018,डॉ. चिरलश्री घोष, रुपए 37,72,216

डीयू-डीएसटी पर्स फेज़ 2, इम्पैक्ट ऑफ एनवायर्नमेंटल बायोएयरोसोल पोल्यूशन ऑन ह्यूमन हेल्थ ; 2014-2015,,डॉ. चिरलश्री घोष, रुपए 10.4 लाख

मै. गोदावरी बोरेफाइनरीज़ लि., सकरवाडी, महाराष्ट्र : बायोरेमेडिएशन ऑफ कंटेमिनेटिड सॉयल एंड सरफेस वाटरबॉडीज़ एंड ग्राउंड वाटर (एक्वाइफर) ऑफ द डीस्लज्ड एंड रीफिल्ड लगूंस ऑफ डिस्टिलरी स्पेंट वाश (वेस्ट वाटर्स रिलीज़्ड फ्रॉम डिस्टिलरीज़) ऑफ मै. गोदावरी बोरेफाइनरीज़ लि. एट सकरवाडी, महाराष्ट्र; 2017 से आज तक, डॉ. डेविड कोथामसी : रुपए 17 लाख

डीयू-डीएसटी पर्स ग्रांट : इनसेक्ट्स हर्बीवोर्स .... एन इवोल्युशनरी ट्रैप, 2015 से आज तक डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, रुपए 13 लाख

डीयू-डीएसटी पर्स ग्रांट : इनसेक्ट्स हर्बीवोर्स .... एन इवोल्युशनरी ट्रैप, 2015 से आज तक डॉ. स्वाति दिवाकर, रुपए 13 लाख

आयोजित किए गए सेमीनार

ब्रेनस्टॉर्मिंग मीट : रेजुवनेटिंग इंडियन पेलियंटोलॉजी एंड एस्टब्लिशिंग ए नेशनल अर्थ म्यूज़ियम; 10-11 सितम्बर 2018; भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी एवं दिल्ली विश्वविद्यालय

आयोजित किए गए सम्मेलन

नेशनल वर्कशॉप ऑन इमर्जिंग पोल्यूशन चैलेंजेज़ ऑन अर्थ ईकोसिस्टम- सफर, भारत की नवीन पहल, 26 मार्च 2019, पर्यावरणीय प्रदूषण प्रयोगशाला द्वारा आयोजित; भू विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित

सेमीनार/कॉनफ्रेंस प्रस्तुतियाँ

पी. बाल्यान, सी. घोष, ए.के. शर्मा, आर. अवस्थी व बी.डी. बैनर्जी. इम्पैक्ट ऑफ एनवायर्नमेंटल बायो-एयरोसोल पोल्यूशन ऑन ह्यूमन हेल्थ : ए "फालो अप स्टडी" ऑन एग्ज़ासरबेशन ऑफ सीओपीडी इन कॉनफ्रेंस ऑफ इंडियन एयरोसोल साइंस एंड टेक्नोलॉजी एसोसिएशन (इयास्टा) ऑन एयरोसोल इम्पैक्ट्स : ह्यूमन हेल्थ टू क्लाइमेट चेंज, आई आई टी, नई दिल्ली 26-28 नवम्बर 2018

एस.डी. बीजु, ए मॉडर्न इंडियन म्यूज़ियम : स्कोप एंड रेलेवेंस फॉर प्रीज़र्वेशन ऑफ बायोलोजिकल कलेक्शंस एंड रिसर्च,ब्रेनस्टॉर्मिंग मीट : रेजुवनेटिंग इंडियन पेलियंटोलॉजी एंड एस्टब्लिशिंग ए नेशनल अर्थ म्यूज़ियम; 10-11 सितम्बर 2018; भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी एवं दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली 10 सितम्बर 2018

एस.डी. बीजु, की नोट व्याख्याता, बायोडायवर्सिटी कंज़र्वेशन एंड इकोलॉजिकल सस्टेनेबिलिटी, फोर्थ नेशनल सिम्पोज़ियम ऑन एनवायर्नमेंट : ग्रीन टेक्नोलॉजी फॉर एनवायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटी, जीव विज्ञान विभाग, देशबंधु महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली. 25 सितम्बर 2018.

ए. गर्ग तथा सी. घोष. हेवी मेटल एनरिचमेंट ऑन इंडोर फाइन पर्टिकुलेट मैटर इन डिफरेंट सोश्यो-इकोनॉमिक ज़ोंस ऑफ दिल्ली,कॉनफ्रेंस ऑफ इंडियन एयरोसोल साइंस एंड टेक्नोलॉजी एसोसिएशन (इयास्टा) ऑन एयरोसोल इम्पैक्ट्स : ह्यूमन हेल्थ टू क्लाइमेट चेंज, आई आई टी, नई दिल्ली 26-28 नवम्बर 2018

ए. गर्ग, ए.आर. साहा तथा सी. घोष. रोल ऑफ ग्रीन बेल्ट इन रिड्यूसिंग पार्टिकुलेट मैटर इनसाइड एन इंस्टीट्यूशनल ऐरिया. नेशनल कॉनफ्रेंस ऑन “अर्बन एनवायर्नमेंट सस्टेनेबिलिटी” जीव विज्ञान विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ कॉम्बैटिंग क्लाइमेट चेंज (एमजीआईसीसीसी), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, नई दिल्ली सरकार 7-8 फ़रवरी 2019.

एन. गोयल तथा जी.पी. शर्मा (2018). स्टेज-बेस्ड ट्रेट आइडेंटीफिकेशन बाय प्लेसिंग मॉडल सिस्टम्स ऑन द यूनीफाइड फ्रेमवर्क फॉर बायोलॉजिकल इनवेशंस. 10वी इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन बायोलोजिकल इनवेशंस : न्यु डायरेक्शंस इन इनवेशंस बायोलॉजी,नीयोबायोट, डनलोगेयर, डबलिन, आयरलैंड. 3-7 सितंबर 2018.

एम. जीना, पी. बाल्यान, ए.के. यादब, एस. दास तथा सी. घोष. एयर-बॉर्न बायोएयरोसोल्स एंड सीओपीडी : ए केस-कंट्रोल स्टडी. नेशनल कॉनफ्रेंस ऑन केमिस्ट्री फॉर ह्यूमन हेल्थ एंड एनवायर्नमेंट (सीएचएचई), ग्रीन केमिस्ट्री नेटवर्क सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (आरएससी) लंदन उत्तर भारतीय खंड द्वारा भारतीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी (नेसा) नई दिल्ली के साथ आयोजित 15-16 दिसंबर 2018

एस. कुमार तथा सी. घोष, मरकरी पोल्यूशन इन सरफेस एंड सबसरफेस वाटर एट अपर स्ट्रेच ऑफ रिवर यमुना इन दिल्ली. इंटरनेशनल कॉनफरेंस ऑन एनवायर्नमेंटल एंड इकोलॉजिकल सस्टेनेबिलिटी : एंगेजिंग द स्टेकहोल्डर्स, एसओआईटीएस, इग्नु, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 4-5 अक्तूबर 2018

एस. कुमार, सी. तिवारी तथा एस. दिवाकर. फिनिकी फैनरोप्टरीन : ऑब्ज़र्वेशन ऑन कालिंग साइट फाइडेलिटी इन ए बुश क्रिकेट, पोस्टर प्रेज़ेंटेशन इन 13 वेस्टर्न पेसेफिक एकाउस्टिक्स कॉनफ्रेंस, नई दिल्ली; 11-15 नवंबर 2018

पी. पार्ध-सारधी. बाकु तथा लंकरण, अजर्बैजान में 8-10 अक्तूबर 2018 के दौरान टेक्निकल मैंनेजमेंट कमेटी (टीएमसी) की छठी बैठक के शुभारंभ पर “सीडब्लुए राइस कैपबीलिटीज़ एंड इट्स एडवांटेजेज़ फॉर सेंट्रल एंड वेस्ट एशियन कंट्रीज़” पर समीक्षा प्रस्तुत की ।

पी. पार्ध-सारधी. बाकु तथा लंकरण, अजर्बैजान में 8-10 अक्तूबर 2018 के दौरान टेक्निकल मैंनेजमेंट कमेटी (टीएमसी) की छठी बैठक के तकनीकी चरण में “मैंनेजिंग सस्टेनेबिलिटी ऑफ राइस एग्रो-ईकोसिस्टम” पर समीक्षा प्रस्तुत की ।

पी. पार्ध-सारधी. मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली में “चैलेंज ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड एयर पोल्यूशन - इम्पैक्ट ऑन हेल्थ एंड इकोनॉमी” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “इंडोर एयर पोल्यूशन” पर सैशन की अध्यक्षता की. 14-15 दिसंबर 2018

पी. शर्मा, तथा सी. घोष. रोल ऑफ अर्बन वेजीटेशन इन अटेन्युएटिंग पार्टिकुलेट पोल्यूशन. इंटरनेशनल स्काईनेट वर्कशॉप, आईएमडी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित. 13-15 फ़रवरी 2019.

पी. शर्मा, आर. जैन तथा सी. घोष (2018). एप्लीकेशन ऑफ ग्रीन नैनो पार्टिकल इन डाई डीजेनेरेशन. एनवायर्नमेंटल एंड इकोलॉजिकल ससटेनेबिलिटी : एंगेजिंग द स्टेकहोल्डर्स विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एसओआईटीएस, इग्नु, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 4-5 अक्तूबर 2018

पी. शर्मा, तथा सी. घोष.पोटेंशल ऑफ अर्बन वेजीटेशन इन अटेन्युएटिंग पार्टिकुलेट पोल्यूशन. कॉनफ्रेंस ऑफ इंडियन एयरोसोल साइंस एंड टेक्नोलॉजी एसोसिएशन (इयास्टा) ऑन एयरोसोल इम्पैक्ट्स : ह्यूमन हेल्थ टू क्लाइमेट चेंज, आई आई टी, नई दिल्ली 26-28 नवम्बर 2018

एम. तोमर तथा एस. दिवाकर. एन एकाउस्टिक इनवेंटरी : एस्टीमेटिंग द काल डायवर्सिटी फ्रॉम डिफरेंट बायोज्योग्राफिक रीजंस (इंफ्राऑर्डर : ग्रिलाआइडिया), 13वीं वेस्टर्न पेसेफिक एकाउस्टिक्स कॉनफ्रेंस, नई दिल्ली में मौखिक प्रस्तुति ; 11-15 नवंबर 2018.

आई. सिहं. को स्टेलनबॉश, दक्षिण अफ्रीका में स्टेलनबॉश विश्वविद्यालय में कार्यशालाओं में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया . यह कार्यशाला ब्रिक्स देशों (ब्राज़ील, रशिया, भारत, चीन तथा दक्षिण अफ्रीका) के लिए इनवेज़न साइंस हेतु एक रिसर्च नेटवर्क की स्थापना पर केंद्रित थी. 6-9 नवंबर 2018.

आई. सिहं. "कॉज़ेज़ऑफ बायोलॉजिकल इनवेज़ंस" पर एक आमंत्रित व्याख्यान नेचुरल रिसोर्सेस, अल्बर्टा विश्वविद्यालय, कनाडा में दिया. 11 जनवरी 2018.

ए.के. यादव, पी. बाल्यान तथा सी. घोष. ए रिव्यु ऑन इंडोर एयर पॉल्यूशन एंड एसोसिएटिड हेल्थ इम्पैक्ट विद स्पेशल रेफरेंस टू बिल्डिंग डिज़ाइन. एनवायर्नमेंटल एंड इकोलॉजिकल ससटेनेबिलिटी : एंगेजिंग द स्टेकहोल्डर्स विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लीनरी एंड ट्रांस-डिसिप्लीनरी स्टडीज़ (एसओआईटीएस), इग्नु, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 4-5 अक्तूबर 2018

ए.के. यादव, पी. बाल्यान तथा सी. घोष. एस्टीमेशन ऑफ इंडोर बायोएयरोसोल्स एंड अकरेंस ऑफ एसबीएस सिम्पटम्स विदिन ऑफिस प्रेमाइसिस इन दिल्ली, एशियन कॉनफ्रेंस ऑन इंडोर एनवायर्नमेंटल क्वालिटी, प्रथम संस्करण हैबीटबल बिल्ट एनवायर्नमेंट -एक्सपीरियंस द अनसीन, नई दिल्ली. 1-2 फरवरी 2019.

जी. यमल, डी. लाल तथा पी. पार्थ-सारथी. मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली में "चैलेंज ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड एयर पोल्यूशन - इम्पैक्ट ऑन हेल्थ एंड इकोनॉमी" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एन आइडियल अवेन्यु ट्री टु कर्ब एयर पोल्यूशन" पेपर प्रस्तुत किया, 14-15 दिसंबर 2018.

अन्य अंतर-संस्थानात्मक सहयोग

प्रोफेसर एस.डी. बीजु का निम्नलिखित संस्थानों के साथ इंटर-लैब वैज्ञानिकीय सहयोग है :

प्रोफेसर माधव मीगसकुम्बुरा, डिपार्टमेंट ऑफ मोलेक्युलर बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, पेरादेनिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका (दो वैज्ञानिक प्रकाशन, अप्रैल 2018-मार्च 2019)

डॉ. अभिजित दास, वाइल्ड्लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, देहरादून, भारत (दो वैज्ञानिक प्रकाशन, अप्रैल2018-मार्च 2019)

प्रोफेसर ज्यांपिंग जियांग, चेंगदू इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजी, चाइनीज़ अकेडमी ऑफ साइंसेज़, चेंगदू, चीन (एक वैज्ञानिक प्रकाशन, अप्रैल 2018-मार्च 2019)

प्रोफेसर ई.सी. तीलिंग, स्कूल ऑफ बायोलॉजी एंड एनवायर्नमेंटल साइंस, यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन, आयरलैंड(एक वैज्ञानिक प्रकाशन, अप्रैल2018-मार्च 2019)

डॉ. आमीर हमीदी, म्यूज़ियम ज़ूलोजिकम बोगोरेंस, इंडोनेशियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंसेज़ (लिपि), जावा, इंडोनेशिया

प्रोफेसर इंद्रजीत सिहं अल्बर्टा विश्वविद्यालय तथा टोरंटो विश्वविद्यालय, कनाडा के वैज्ञानिकों के साथ सहयोग कर रहे हैं ।

डॉ. चिराश्री घोष के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज़(यूसीएमएस), नई दिल्ली, आईआईटीएम, पुणे तथा आईएमडी के साथ अंतर-प्रयोगशाला वैज्ञानिक सहयोग जारी हैं।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

एस.डी. बीजु, रिसोर्स पर्सन/आमंत्रित व्याख्याता (2017), अंडरस्टेंडिंग लाइफ, करंट स्टेट ऑफ स्पीसिज़ डॉ.क्युमेंटेशन एंड बायोडायवर्सिटी क्राइसिस. डिपार्ट्मेंट ऑफ वनस्पति विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 17 जुलाई 2018.

एस.डी. बीजु आमंत्रित चर्चा (2018), एम्फीबियंस: द पायोनीयर्स ऑफ वरटेबरेट लाइफ ऑन लैंड, जीव विज्ञान विभाग, हंस राज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 20 सितंबर 2018.

एस.डी. बीजु आमंत्रित चर्चा तथा पैनल विचार विमर्श (2019), हाल्टिंग ह्यूमन-इंड्यूस्ड एम्फीबियन एक्सटिंक्शन, वाइल्डलाइफ सोसाइटी, हिंदू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 25 जनवरी 2019.

सी. घोष (2018), डस्ट कैप्चरिंग कपैसिटी ऑफ द एग्ज़िस्टिंग ग्रीन कवर एंड लेसंस फॉर द फ्यूचर : ए स्टडी फॉर आईपी कॉलेज फॉर वुमन, अप्रैल 2018- अब तक.

सी. घोष (2018), कार्यशाला एवं प्रायोगिक सैशन, हिंदू महाविद्यालय, 11 अक्तूबर 2018.

सी. घोष (2019), सेंट स्टीफन महाविद्यालय के छात्रों के लिए वायु तथा जल प्रदूषण मॉनीटरन पर प्रायोगिक सैशन 21 व 28 फ़रवरी 2019.

सी. घोष (2018), पुस्तक प्रस्ताव की समीक्षा - इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट मैंनेजमेंट इन इंडिया- चैलेंजेज़ एंड अपॉर्चुनिटीज़, रूटले, इंडिया, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप.

सी. घोष (2019), विशेषज्ञ समिति तथा ब्लॉक बनाने वाले दल के सदस्य, इग्नु स्टडी मैटीरियल यूनिट 4 (पृष्ठ 39-48) शीर्षक - इंट्रोडक्शन टू एनवायर्नमेंटल हेल्थ, आई एस बी एन संख्या :978-93-88498-80-7.

प्रदान की गई पी.एच.डी./एम.फिल डिग्रियों की संख्या :

एम.फिल : एन/ ए

पी.एच.डी. : 07

संकाय की संख्या : 11 (स्थायी)

***

भूविज्ञान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

भूविज्ञान विभाग ने छात्रों को कक्षा शिक्षण, प्रयोगशाला कार्य तथा फील्ड-आधारित प्रायोगिक प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षण देने की प्रतिबद्धता को बनाए रखा है ताकि वे भूविज्ञान के क्षेत्र में अत्यधिक कुशल व्यावसायी बनें। संकाय सदस्यों द्वारा शिलाविज्ञान, जल विज्ञान, अवसाद विज्ञान, जीवाश्म विज्ञान तथा जीवाश्म वातावरण के क्षेत्रों में किए गए शोध कार्य पर और अधिक ध्यान गया है और पहचान प्राप्त हुई है तथा यूजीसी द्वारा अगले पांच वर्षों के लिए विभाग को सीएएस-III प्रदान किया गया है। साथ ही, कई संकाय सदस्यों को प्रमुख फ़ंडिंग एजेंसियों जैसे सर्ब, मोएस, सीएसआईआर आदि द्वारा कई बड़े थीम-आधारित शोध परियोजना स्वीकृत किए गए हैं। प्रोफेसर प्रसाद तथा उनके समूह ने कावेरी बेसिन के उपरी क्रिटेशियस परतों से तथा पश्चिमी भारत की विस्तृत डायनोसोर के अंडे देने वाली जगहों से प्राप्त डायनोसोर के एगशैल पर शोध किया। प्रोफेसरचट्टोपाध्याय ने विकृत खनिज भंडारों तथा शीयर ज़ोन ढान्चों की जीआईएस-आधारित डिजिटल स्ट्रक्चरल मैपिंग पर काम किया। प्रोफेसर चक्रबर्ती ने पैलियोप्रोटेरोज़ोइक दरारों में सेडीमेंटेशन पैटर्न तथा मीज़ोप्रोटेरोज़ोइक के दौरान रिडॉ.क्स स्थितियों को दस्तावेज़बद्ध किया। प्रोफेसर पंत ने अंटार्टिका के मरीन सेडीमेंट्स में संभावित धूमकेतु के टुकड़ों के बारे में बताया।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर सी.एस. दुबे को ओपन एजुकेशन रिसोर्सेज़ (ओईआर), इंटरनेशनल कौंसिल ऑफ डिस्टंस एजुकेशन, नॉर्वे के लिए राजदूत नामित किया गया ।

प्रोफेसर एन.सी. पंत को जियोसाइंसेज़ ग्रुप ऑफ द साइंटिफिक कमेटी ऑन अंटार्टिक रिसर्च (स्कार) का उप मुख्य अधिकारी (2017-2020) तथा नागालैंड विश्वविद्यालय में तीन साल के लिए विज़िटर्स नॉमिनी (2019-22) बनाया गया ।

प्रोफेसर पी. श्रीवास्तव को द क्ले मिनरल सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली का फेलो चुना गया, 2018.

प्रकाशन

एस. अली, एस. शेखर, पी. भट्टाचार्य, जी. वर्मा, टी. गुरव, ए.के. चंद्रशेखर (2018). एलीवेटिड फ्लोराइड इन ग्राउंडवाटर ऑफ सिवनी ब्लॉक, वेस्टर्न हरियाना, इंडिया : ए पोटेंशल कंसर्न फॉर ससटेनेबल वाटर सप्लाईस फॉर ड्रिंकिंग एंड इरिगेशन. ग्राउंडवाटॅर फॉर ससटेनेबल डेवलपमेंट. 7 : 410-420.

एच. धीमान, जी.वी.आर. प्रसाद, ए. गोस्वामी (2018). पैराटेक्सोनॉमी एंड पैलिओबायोज्योग्राफिक सिग्नीफिकैंस ऑफ डायनोसोर एगशैल फ्रेगमेंट्स फ्रॉम द अपर क्रिटेशियस स्ट्राटा ऑफ द कावेरी बेसिन, साउथ इंडिया : हिस्टोरिकल बायोलोजी, डीओआई :10.1080/08912963.2018.1450408

ई.एच. दिंगले, एच.डी. सिनक्लेयर, एम. अत्तल, ए. रोड्स तथा वी. सिहं (2018). टेम्पोरल वैरिएबिलिटी इन डेट्राइटल10 कोनसनट्रेशन्स इन ए लार्ज हिमालयन कैचमेंट. अर्थ सर्फ. डायनम 6, 611-635.

बी. गोगोई तथा ए. सैकिया (2019). द जेनेसिस ऑफ इमल्शन टेक्स्चर ओइंग टु मैग्मा मिक्सिंग इन द घनसुरा फेल्सिक डोम ऑफ द छोटानागपुर ग्रेनाइट नीस कॉम्पलेक्स ऑफ ईस्टर्न इंडिया. द कैनेडियन मिनरलोजिस्ट 57(3), पृष्ठ 311-338.

बी. गोगोई तथा ए. सैकिया (2018). रोल ऑफ विस्कस फोल्डिंग इन मैग्मा मिक्सिंग. केमिकल ज्योलॉजी, 501, पृष्ठ 26-34. डीओआई : 501.10.1016/जे.केमजियो 2018.09.035.

बी. गोगोई तथा ए. सैकिया (2018). साइन्यूसिस : डज़ इट्स प्रिज़र्वेशन इम्प्लाई मैग्मा मिक्सिंग ? मिनेरलोजिया, 49(1-4), पृष्ठ 99-117.डीओआई :10.2478/मिपो-2018-0009.

एन. घोष, के. हटुई, ए. चट्टोपाध्याय (2019). प्रोपेगेशन एंड कॉलेसेंस ऑफ एन-इकेलॉन क्रैक्स अंडर ए फार-फील्ड टेंसाइल स्ट्रेस रिजीम : एन एक्सपेरीमेंटल स्टडी. जर्नल ऑफ अर्थ साइंस 128 :23.

ए. हमीद, पी. राजा, एम. अली, एन. उप्रेति, एन. कुमार, जे.के. त्रिपाठी, पी. श्रीवास्तव (2018). माइक्रोमॉर्फोलॉजी, क्ले मिनरलोजी, एंड जियोकेमिस्ट्री ऑफ कैल्सिक-सॉयल्स फ्रॉम वेस्टर्न थार डेज़र्ट : इम्प्लीकेशंस फॉर ओरिजिन ऑफ पैलीगोर्स्काइट एंड साउथवेस्टर्न मॉनसूनल फ्लक्चुएशंस ओवर द लास्ट 30ka . कैटीना 163, 378-398.

पी. हैप्रोफ, ए.वी. ज़ुज़ा, ए. यिन, टी.एम. हैरीसन, सी.ई. मैपिंग, सी.एस. दुबे, एल. डिंग, सी वु तथा जे.एल. शेन (2019), जियोलॉजिक फ्रेमवर्क ऑफ द नॉर्दर्न इंडो-बर्मा रेंजेस एंड लेटरल कोरेलेशन ऑफ हिमालयन-तिबेतन लिथोलोजिक यूनिट्स एक्रॉस द ईस्टर्न हिमालयन सिनटिक्सिस : जियोस्फीयर 15 :1-26.

ए. जैन तथा एस. शेखर (2019). एस्टीमेशन ऑफ रीजनल ग्राउंडवाटॅर डिस्चार्ज एंड बेस फ्लो कंट्रीबूशन इन नॉर्दर्न स्ट्रेच ऑफ द यमुना रिवर सिस्टम ऑफ दिल्ली. करंट साइंस 116 (4), 660-664.

एस.के. जोशी, एस.पी. राय, आर. सिन्हा, एस. गुप्ता, ए.एल. डेंसमोर, वाय.एस. रावत, एस. शेखर (2018) ट्रेसिंग ग्राउंडवाटॅर रीचार्ज सोर्सेस इन द नॉर्थवेस्टर्न इंडियन अलुवियल एक्विफर यूज़िंग वाटर आइसोटोप्स (δ18O, δ2H एंड3H). जर्नल ऑफ हाइड्रोलॉजी 559:835-47.

ए. कुमार, शशांक शेखर, ए. सरकार एंड ए.के. शर्मा (2019). ए प्रोसेस-बेस्ड इनसाइट टु द रीसेंट डिसपीयरेंस ऑफ स्ट्रीम्स इन द सेंट्रल पार्ट ऑफ तराई रीजन, उत्तराखंड, इंडिया. एनवायर्नमेंटल मॉनीटरिंग एंड असेसमेंट, 191(2), 66.

ए. कुमार तथा जे.पी. श्रीवास्तव (2019) थर्मोडायनेमिक मॉडलिंग एंड एक्सपेरीमेंटल वैलीडेशन ऑफ मिनरल CO2 सिक्वेस्ट्रेशन इन मांड्ला बसाल्ट ऑफ द ईस्टर्न डेक्कन वॉल्केनिक प्रोविंस, इंडिया. जर्नल ऑफ द जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया 93:269-277.

मीनाक्षी, पी. कुमार, जे.पी. श्रीवास्तव, आर. चंद्रा, एस. चोपड़ा, जी.एस. रूनवाल तथा आर. शर्मा (2018) हाई रिज़ोल्यूशन 14C AMS एजिज़ (~50 ka)ऑफ ऑर्गेनिक मैटर एसोसिएटिड विद द लोएस-पैलिओसोल होलोसीन-लेट प्लीस्टोसीन सेडीमेंट्स ओफ दिलपुर फॉर्मेशन, करेवा ग्रुप, कश्मीर, इंडिया. क्वेटरनरी जियोक्रोनोलोजी 47 :170-179.

आई. मुखर्जी, ए. चट्टोपाध्याय, एम. देब (2018) डीफॉर्मेशन ऑफ पाईराइट एट वैरींग मेटामॉर्फिक ग्रेड्स इन सेडीमेंट-होस्टिड बेस मेटल सल्फाइड डिपोज़िट्स ऑफ राजस्थान, इंडिया. इन : मंडल, एम.ई.ए. (एड) प्रिकैम्ब्रियन क्रस्टल इवोल्यूशन ऑफ इंडिया : जियोलॉजिकल एंड जियोडायनेमिक पर्सपेक्टिव. स्प्रिंगर (एसईएस सीरीज़), पृष्ठ 221-237.

पी.एस. निंगथोजम, एल.के. लोली, सी.एस. दुबे, ज़ेड.पी. गोन्मई, एल. थोईथोई, टी. ओयनम (2018) पोस्ट-अर्थक्वेक जियोडिज़ास्टर ऑफ 6.7 मेगा वाट मणिपुर अर्थक्वेक 2016.इन : ए. सिहं, एम. पुनिया, एन.पी. हरन, टी.बी. सिहं (एडि) डेवलपमेंट एंड डिज़ास्टर मैंनेजमेंट, पृष्ठ 161-167, पालग्रेव मैकमिलन, सिंगापुर.

एन.सी. पंत, जे. फ्रांसिस्को एफ.जे. जिमेंज़-एस्पेजो, सी.पी. कुक, पी. बिस्वास, आर. मैके, सी. मर्चेसी, एम. इटो, डी. उपाध्याय, जे. कुरोदा, के. शिम्जु, आर. सेंदा, टी. फ्लिर्टे, वी.डी., वाय. तकानो, के. सुज़ुकी, सी. इसुटिया, पी.के. श्रीवास्तव (2018). सस्पेक्टेड मीटिओराइट फ्रेगमेंट्स इन मरीन सेडीमेंट्स फ्रॉम ईस्ट अंटार्टिका. अंटार्टिक साइंस 30 :307-321.

एम. पांडे, डी. पंडित, डी. अरोड़ा, एन.वी.सी. राव, एन.सी. पंत (2019). एनालीटिकल प्रोटोकोल फॉर केमिकल डेटिंग ऑफ मोनाज़ाइट यूज़िंग कैमेका एस एक्स फाइव एपमा इंस्टाल्ड एट द मैंन्टल पेट्रोलॉजी लैबोरेटरी, डिपार्टमेंट ऑफ जियोलॉजी, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी. जर्नल ऑफ द जीयोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया 93 (1) :46-50.

ए. सरकार, ए. चट्टोपाध्याय, टी. सिहं (2019) राउंडनेस ऑफ सरवाइवर क्लास्ट्स एज़ ए डिस्क्रिमिनेटर फॉर मेल्टिंग एंड क्रशिंग ओरिजन ऑफ फॉल्ट रॉक्स : ए रीएप्रेज़ल. जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस,128:51.

ए. सरकार, एस. शेखर (2018) आयरन कन्टेमीनेशन इन द वाटर्स ऑफ अपर यमुना बेसिन. ग्राउंडवाटॅर फॉर ससटेनेबल डेवलपमेंट 7 : 421-429.

ए.के. सिहं, पी.पी. चक्रबर्ती, एस.सरकार (2018). रीडॉ.क्स स्ट्रक्चर ऑफ विंध्यन हाइड्रोस्फीयर : क्लूज़ फ्रॉम टोटल ऑर्गैनिक कार्बन, ट्रांज़ीशन मेटल (Mo, Cr) कनसंट्रेशंस एंड स्टेबल आइसोटोप(δ13C) केमिस्ट्री. करंट साइंस 115(7) :1334-1340.

डी.एन. स्पिनोला, आर.सी. पोर्त्रेस, पी. श्रीवास्तव, जे. टॉरेंट, वी. बैरन, पी. कुहन (2018). डायाजेनेटिक रेडनिंग ऑफ अर्ली इओसीन पैलिओसोल्स ऑन किंग जॉर्ज आइलैंड, अंटार्टिका. जियोडर्मा 315 : 149-159.

एन. वेदांती, ए. मालकोटी, ओ.पी. पांडे, जे.पी. श्रीवास्तव, (2018) अल्ट्रासोनिक पी- एंड एस-वेव अटेन्युएशन एंड पेट्रोफीज़िकल प्रॉपर्टीज़ ऑफ डेक्कन फ्लड बसाल्ट्स, इंडिया, एज़ रिवील्ड बाय बोरहोल स्टडीज़. प्योर एंड अप्लाइड जीयोफीज़िक्स 175(8) : 2905-2930.

ए.एल. उशम, सी.एस. दुबे, डी.पी. शुक्ला, बी.के. मिश्रा, जी.पी. भारतीय (2018), सोर्सेज़ ऑफ फ्लोराइड कनटेमीनेशन इन सिंगरोली विद स्पेशल रेफरेंस टू रिहंद रेज़रवायर एंड इट्स सराउंडिंग, जर्नल जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया 91(4) :441-448.

संपादित पुस्तकें

एन.सी. पंत, आर. रवींद्रान, डी. श्रीवास्तव, एल.जी. थॉम्पसन (एड) (2018). द हिमालयन क्रायोस्फीयर : पास्ट एंड प्रेज़ेंट, जियोलॉजिकल सोसाइटी, लंदन, स्पेशल पब्लिकेशंस, वी 462, पृष्ठ 205.

शोध परियोजनाएँ

डीएसटी-सर्ब, जीआईएस बेस्ड डिजिटल मैपिंग ऑफ नेचुरल डीफॉर्मेशनल स्ट्रक्चर्स : डेवलपमेंट ऑफ मेथडोलॉजी एंड एप्लीकेशन टु स्ट्रक्चरली कंट्रोल्ड ओर डिपोज़िट्स अप्रिल 2015-सितंबर2018 (सितम्बर 2018 में पूरा), प्रोफेसर ए. चट्टोपाध्याय, रुपए 37.06 लाख.

डीएसटी-सर्ब, इवोल्यूशन ऑफ वर्टेबरेट लाइफ ड्यूरिंग द नॉर्थवर्ड ड्रिफ्ट ऑफ इंडिया, 2015-2010, प्रोफेसर जी. वी.आर. प्रसाद; रुपए 1,57,60,000/-

मोएज़, जीयोकेमिकल फ्लो स्ट्रेटीग्राफी, एज एंड ड्यूरेशन ऑफ डेक्कन वोल्केनो सेडीमेंटरी ससेशन फ्रॉम कोयना ड्रिल-कोर साइट, 2016-2019, प्रोफेसर जे.पी. श्रीवास्तव, रुपए 58, 43, 600/-

सीएसआईआर, क्ले ओर्गैनो-मोलेक्युलर स्टडीज़ ऑन लेट क्रिटेशियस-अर्ली पैलेओसीन सकसेशन ऑफ द महादेव-चेरापूंजी सेक्शन एंड इट्स लेटरल कोरिलेशन विद दK/Pg लेयर ऑफ द उम-सोहिंक्यु रिवर सेक्शन मेघालया : पैलिओएनवायर्नमेंटल इम्प्लीकेशंस एंड K/Pg ट्रांज़ीशन 2016-2020, प्रोफेसर जे.पी. श्रीवास्तव; रू 20,00,000/-

आईयूएसी, आइसोटोपिक कम्पोज़ीशंस,10Be एंड14Cडेटिंग ऑफ लोएस-पैलिओसोल फ्रॉम दिलपुर फॉर्मेशन ऑफ कश्मीर : पैलिओक्लाईमैटिक रीकंसट्रक्शन, 2016-2019, प्रोफेसर जे.पी. श्रीवास्तव; रू 5,79,000.

मोएज़, ग्राउंड वाटर इम्पैक्ट असेसमेंट स्टडी फॉर यमुना बैंक डिपो. मै. दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन लि. (ए ज्वायंट वेंचर ऑफ गवर्न्मेंट ऑफ इंडिया एंड गवरनमेंट ऑफ दिल्ली), 2018, डॉ. एस. शेखर; रू 4-8 लाख.

मोएज़, डेवलपमेंट ऑफ ए प्रिडिक्टिव जीयोमॉर्फिक मॉडल एज़ ए टूल फॉर सस्टेनेबल रिवर मैंनेजमेंट, 2018-2021, डॉ. एस. शेखर; रू 25,36,800.

मोएज़, पैलिओपेडोलॉजिकल, सेडीमेंटोलोजिकल एंड थर्मोक्रोनोलोजिकल रेकॉर्ड्स ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड टेक्टॉनिक्स ड्यूरिंग द इवोल्यूशन ऑफ सिवालिक सकसेशंस, पंजाब री-एंट्रेंट, 2018-2021 ,, प्रोफेसर जे.पी. श्रीवास्तव; रू 34,00,000

आयोजित किए गए सेमीनार

रॉक डीफॉर्मेशन एंड स्ट्रक्चर (आरडीएस-V) पर 5वीं कॉनफ्रेंस तथा कार्यशाला, 4 से 6 अक्तूबर 2018 (प्रोफेसर ए.सी. चट्टोपाध्याय, संयोजक)

वर्कशॉप ऑन एड्वांसेज़ इन स्ट्रेटीग्राफी एंड जियोक्रोनोलॉजी ऑफ इंडियन सेडीमेंटरी बेसिंस : रोड एहेड. 26.02.2019 (प्रोफेसर पी.पी. चक्रबर्ती, संयोजक)

आयोजित किए गए सम्मेलन

“रीजुवनेटिंग इंडियन पैलिऑटोलॉजी एंड एस्टेबलिशिंग ऑफ ए नैशनल अर्थ म्यूज़ियम, पर सम्मेलन, 10-11 सितम्बर 2018, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय द्वारा प्रायोजित (प्रोफेसर जी.वी.आर. प्रसाद-संयोजक)

संगोष्ठि/सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डी. बासुरॉय, एस.के. टंडन तथा वी. सिहं : ड्रेनेज एंड स्लोप रिलेशनशिप्स ऑफ द पंजाब हरियाणा अलुवियल प्लेंस, नॉर्थ वेस्ट हिमालयाज़. ईजीयू जनरल असेम्बली कॉनफ्रेंस ऐबस्ट्रेक्ट्स, 8-13 अप्रैल 2018, वियना, आस्ट्रिया.

आर. देवरानी, मुद, एस.एम.वी. सिहं तथा ए.एल. रामानाथन. प्रेडिक्टिंग सैंसिटिव रीचिज़ ड्यूरिंग एन एक्सट्रीम इवेंट इन द हेडवाटर्स ऑफ द गंगा रिवर बेसिन, नॉ वे हिमालय. ईजीयू जनरल असेम्बली कॉनफ्रेंस एबस्ट्रक्ट्स, 8-13 अप्रैल 2018, वियना, ऑस्ट्रिया.

ई. डिंगले, एच. सिंक्लेयर, एम. अत्तल, ए. रोड्स तथा वी. सिहं. टेम्पोरल वैरियेबिलीटी इन डिट्राइटल सीआरएन कंसंट्रेशंस इन लार्ज हिमालायन कैचमेंट्स. ईजीयू जनरल असेम्बली कॉनफ्रेंस एबस्ट्रक्ट्स, 8-13 अप्रैल 2018, वियना, ऑस्ट्रिया.

ए. दिव्यदर्शिनी तथा वी. सिहं. एक्सप्लोरिंग स्ट्रक्चरल मॉडल ऑफ द मेन फ्रंटल थ्रस्ट अलॉन्ग द सेंट्रल हिमालय,थ्रू ज्योमॉर्फिक एनालीसीस. ईजीयू जनरल असेम्बली कॉनफ्रेंस एबस्ट्रक्ट्स, 8-13 अप्रैल 2018, वियना, ऑस्ट्रिया.

सी.एस. दुबे

विशिष्ट अतिथि, आमंत्रित व्याख्याता, इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऐंड वर्कशॉप ऑन नैनोस्ट्रक्चर्ड सिरेमिक्स ऐंड अदर नैनोमैटीरियल्स, सेंटर फॉर पोटेंशल फॉर एक्सीलेंस, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूरू, 18-21 मार्च 2019.

विशिष्ट अतिथि, इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऐंड एग्ज़ीबीशन ऑन “एनर्जी ऐंड एनवायर्नमेंट: चैलेंजेज़ ऐंड अपॉर्चुनिटीज़”(एंको-2019), विज्ञान भवन, नई दिल्ली, भारत 20-22 फरवरी 2019.

एन.सी. पंत. एनसीपी : XXXV स्कार ओपन साइंस कॉनफ्रेंस-2018, “इनफरिंग ए रिफ्ट-थिन्न्ड लिथोस्फीयर बेस्ड ऑन आइसकैप-2 ऑब्ज़र्वेशंस इन प्रिंसेस एलिज़ाबेथ लैंड, अंटार्क्टिका”, दावोस, स्विट्ज़रलैंड. 19-23 जून 2018.

एस. परिदा, वी. सिहं तथा एस.के.टंडन. इवोल्युशन ऑफ ग्रेवल साइज़ अलॉन्ग द रिवर्स इन एन इंटरमोंटेन वैली-ए केस स्टडी फ्रॉम देहादून, नॉ वे सब-हिमालया.ईजीयू जनरल असेम्बली कॉनफ्रेंस एबस्ट्रक्ट्स, वियना, ऑस्ट्रिया.8-13 अप्रैल 2018

जी.वी.आर. प्रसाद. द फॉसिल वीक : 5वां इंटरनेशनल पैलिऑटोलोगिकल कॉन्ग्रेस, पैरिस, फ्रांस. 9-13 जुलाई 2018.

जी.वी.आर. प्रसाद. द फॉसिल वीक : 6ठा इंटरनेशनल सिम्पोज़ियम ऑफ आईजीसीपी परियोजना 608, खोनकेय्न, थाईलैंड,12-17 नवंबर 2018.

जी.वी.आर. प्रसाद. रीजुवनेटिंग इंडियन पैलिऑन्टोलोजी ऐंड एस्टेब्लिशिंग ऑफ ए नेशनल अर्थ म्यूज़ियम, नई दिल्ली, 10-11 सितम्बर 2018.

ए. सरकार तथा एस. शेखर. अप्रेज़ल ऑफ सेडीमेंट-ग्राउंडवाटर इंटरेक्शन यूज़िंग पीएचआरई ई क्युसी बेस्ड सिमुलेशन इन पार्ट्स ऑफ एक्टिव फ्लड प्लेंस ऑफ अपर यमुना बेसिन इंडिया. गोल्ड्स्मिट, बॉस्टन, यूएसए, 12-17 अगस्त 2018.

जे.पी. श्रीवास्तव. डिलिवर्ड प्रेज़ीडेंशल ऐडरेस ऑन “ज्योलॉजी, एनवायर्नमेंटल ससटेनेबिलिटी ऐंड क्लाइमेट चैंज” इन द 106थ इंडियन साइंस कॉन्ग्रेस, जालंधर, 3-7 जनवरी 2019.

वी. सिहं : इनवेस्टीगेटिंग द पाइडमॉन्ट फॉल्ट टू द साउथ ऑफ हिमालयन फ्रंट-इविडेंसेस ऑफ इट्स एग्ज़िस्टेंस ऐंड एबसेंस एलॉन्ग द हिमालया.ईजीयू जनरल असेम्बली कॉनफ्रेंस एबस्ट्रक्ट्स, वियना, ऑस्ट्रिया.8-13 अप्रैल 2018

अन्य अंतर-संस्थानिक सहयोग

प्रोफेसर जी.वी.आर. प्रसाद का डॉ.इमेन्युअल गीब्रेंट ऑफ म्यूज़ियम नेशनल द’हिस्तॉयर, नेचरेल, पेरिस (फ्रांस) के साथ फंक्शनल इवोल्यूशन इन लेट पैलिओसीन मैमल्स ऑफ मोरक्को, नॉर्थवेस्ट अफ्रीका से संबंधित एक शोध परियोजना में सहयोग है।

प्रोफेसर एन.सी. पंत ने अप्रैल 2018 के दौरान ब्रिटिश कौंसिल द्वारा वित्तपोषित परियोजना आइसकैप (इंटरनेशनल कोलैबोरेटिव एक्सप्लोरेशन ऑफ सेंट्रल ईस्ट अंटार्क्टिका थ्रू एयरबॉर्न जियोफीज़िकल प्रोफाइलिंग) के परिणाम पर चर्चा के लिए डिपार्ट्मेंट ऑफ स्टेट, वाशिंग्टन डीसी में एस बैठक में भाग लिया. यह यूके-यूएसए-चाइना-इंडिया सहयोग था ।

प्रोफेसर पी.पी. चक्रबर्ती के आई आई टी, खड़गपुर; प्रोफेसर ए. सरकार, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता; प्रोफेसर एस. बैनर्जी, पॉन्डिचेरी विश्वविद्यालय; एस. बालाकृष्णन, आई आई टी, मुम्बई; डॉ. के. दास, नेशनल साइंस म्यूज़ियम; हियाकुनिन-चो, शिंजुकु-कु, टोक्यो, जापान; डॉ. फुमितो शिरायशी हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान के साथ शोध सहयोग हैं (डीएसटी, आई आई टी, जे एसपीएस द्वारा प्रायोजित)।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

1. सीएसआईआर सीआईएमएफआर, धनबाद
2. सहायक प्रोफेसर, राजकीय डिग्री महाविद्यालय, राजौरी, जम्मू कश्मीर

3. सहायक प्रोफेसर राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

प्रोफेसर जी.वी.आर. प्रसाद: साइंस अकेडमिक्स' समर रिसर्च फेलोशिप के अंतर्गत दो छात्रों के परामर्शदाता के रूप में भूमिका निभाई ।

रिया बिदये, सेंट ज़ेवियर कॉलेज,मुम्बई

प्रणय कुमार तिरपुड़े, फरगूसन कॉलेज, पुणे

प्रोफेसर ए. चट्टोपाध्याय : (i) आईएएससी-आईएनएसआई-एनएएसआई। समर रिसर्च फेलोशिप के लिए राष्ट्रीय परामर्शदाता (ii) थीम 27 के संयोजक : रॉक डिफॉर्मेशन ऐंड रहियोलॉजी फॉर अपकमिंग आईजीसी 2020.

बहुत से महाविद्यालयों के छात्र अध्ययन दौरे पर डिपार्टमेंटल म्यूज़ियम आए.

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी. :6
एम.फिल..: 6

शिक्षकों की संख्या

कुल: 13

प्रोफेसर: 8
एसोसिएट प्रोफेसर: 1
सहायक प्रोफेसर: 4

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोफेसर जी.वी.आर. प्रसाद

इंसपायर फेलोशिप स्टेंडिंग कमेटी के अध्यक्ष नामित किए गए (2018-2021)

सीएसआईआर की अर्थ एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज़ तथा सब-कमेटी ऑफ अर्थ साइंसेज़ कमेटी ऑन डिज़ास्टर प्रिपेयर्डनेस के सदस्य नामित किए गए (2019-2022)

प्रोफेसर एन.सी. पंत : ड्युअल ज्योलॉजी- दिल्ली विश्वविद्यालय से ज्योलॉजी एलम्नी की पंजीकृत निकाय की वार्षिक महाबैठक आयोजित की.

प्रोफेसर जी.वी.आर. प्रसाद : इंडियन नेशनल साइंस अकेडमी, नई दिल्ली के कौंसिल सदस्य नामित किए गए

***

भौतिकी और खगोल भौतिकी

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

भौतिकी तथा खगोलभौतिकी विभाग ने क्युएस रैंकिंग में देश में शीर्षतम यूनिवर्सिटी भौतिकी विभाग की अपनी स्थिति को बनाए रखा। इसने अपने उच्च-स्तरीय शोध को जारी रखा जो वर्ष के दौरान अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ पत्रिकाओं में संकाय तथा छात्रों द्वारा 350 से भी अधिक शोध प्रकाशनों से प्रमाणित होता है। करीब 40 संकाय

सदस्यों सहित लगभग 520 एम.एस.सी. के छात्रों तथा 180 से अधिक पी.एच डी. छात्रों के साथ यह देश का सबसे भौतिकी विभाग है। इसकी संकाय को बहुत सी राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय ग्रांट प्राप्त हुई हैं तथा कई वैश्विक सहयोगात्मक परियोजनाओं में भाग लिया। विभाग ने विश्व भर से प्रमुख शोधकर्ताओं को आमंत्रित किया जिन्होंने छात्रों को प्रेरक व्याख्यान दिए। अपने एम.एस.सी तथा बी.एस.सी पाठयक्रमों को संशोधित करने के लिए विभाग ने गहन कार्य किया जिससे छात्रों को अंतर-विभागीय विषयों सहित इलेक्टिव विषयों के विस्तृत विकल्प उपलब्ध कराए गए। शैक्षणिक तथा अन्य गतिविधियों पर नियमित अद्यतन जानकारी प्रदर्शित करने वाला एक विशेष विभागीय पोर्टल वर्ष के दौरान सफलतापूर्वक ऑनलाइन कर दिया गया।

सम्मान तथा विशिष्टताएं

प्रोफेसर अविनाश खरे, सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय के उप-कुलपति नियुक्त किए गए।

प्रोफेसर ब्रजेश सी. चौधरी

प्रवक्ता, इंडिया-फर्मीलैब न्युट्रीनो सहयोग

प्रवक्ता, इंडिया-सीएमएस सहयोग

प्रोफेसर एच.पी. सिहं, इंडो-जापान विज्ञान परिषद् के सदस्य, डीएसटी इंडिया द्वारा नियुक्त

प्रोफेसर संजय जैन, बाह्य प्रोफेसर, सांता फे इंस्टीट्यूट, यूएसए

प्रोफेसर समित के.मंडल

न्यूस्टार परिषद् के सदस्य(मतदान के अधिकार सहित), फेयर-न्यूस्टार सहयोग, जीएसआई, डर्मस्टैट, जर्मनी

संयुक्त सचिव : भारतीय भौतिक एसोसिएशन

सदस्य, आण्विक भौतिकी पर सर्ब स्कूल की नियोजन समिति

प्रोफेसर विनय गुप्ता, सदस्य, थिंक टैंक, "डिजिटल इंडिया- फ्रॉम एजुकेशन टू जॉब्स"

प्रकाशन

अब्बास, दास एवं पात्रा (2018). लूप इंड्यूस्ट H± →w±Z डिकेज़ इन द अलाइंड टू-हिग्स-डबले मॉडल लूप इंड्यूस्ट H± →w±Z डिकेज़ इन... गौहर अब्बास, दिगंत दास तथा मोनालिसा पात्रा, फीज़िकल रिव्यु डी, 98, 11, 115013.

अब्दल अज़ीज़, कुमार व सरमा (2019). इफेक्टिव फोकसिंग ऑफ ए डायवर्जिंग एटमिक बीम बाय ए सिक्वेंस ऑफ आल्टरनेटिवली चर्प्ड फ्यु-साइकल पल्स्ड लेज़र फील्ड्स, फीज़िकल रिव्यु ए, 99, 2, 23408.

असीरो अत अल. (2018). न्यु कंस्ट्रेंट्स ऑन ऑसीलेशन पैरामीटर्स फ्रॉम ई अपीयरेंस एंड डिसपीयरेंस इन द नोवा एक्सपेरीमेंट, फीज़िकल रिव्यु डी, 98, 3, 32012.

अगाता अत अल. (2018). स्टडी ऑफ आइसोमरिक स्टेट्स इन 198, 200, 202, 206 Pb एंड 206 Hg पोपुलेटिड इन फ्रेगमेंटेशन रिएक्शंस, जर्नल ऑफ फीज़िक्स जी : न्युक्लीयर एंड पार्टिकल फीज़िक्स, 45, 3, 35105.

अहमद अत अल (2018). डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ गैस लीकेज स्टेशन फॉर गैस इलेक्ट्रॉन मल्टीप्लायर (जेम) चैम्बर, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, 889-891.

अहमद अत अल (2018). ए फ्री-स्टैंडिंग, फ्लेक्सिबल पीडॉ.ट: पीएसएस फिल्म एंड इट्स नैनोकम्पोज़िट्स विद ग्राफीन नैनोप्लेटेलेट्स एज़ इलेक्ट्रॉड्स फॉर क्वासी-सॉलिड-स्टेट सुपरकैपेसिटर्स, नैनोटेक्नोलॉजी 29, 39, 395401.

अमीर. (2019). इनसाइट इंटू इलेक्ट्रॉनिक, मैग्नेटिक एंड ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज़ ऑफ मैग्नेटिकली ऑर्डर्ड Bi 2 Fe 4 O 9, जर्नल ऑफ मैग्नेटिज़्म एंड मैग्नेटिक मैटीरियल्स, 475, पृष्ठ 695-702.

अमीर अत अल. (2018), स्टडी ऑफ हाफ-मेटलीसिटि इन BiMn x Fe 1-x O 3, एआईपी कॉनफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 1953, 110018.

अमीर अत अल. (2018) स्ट्राक्चरल, मॉर्फोलॉजिकल एंड ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज़ ऑफ BiFe 0.99 Cr 0.01 O 3 थिन फिल्म्स, वैक्यूम, 158, पृष्ठ 166-171.

अमीर अत अल. (2018) इनसाइट इंटू द गैस फेज़ डिसोसिएशन ऑफ CF3CH2I एंड इट्स रिएक्शंस विद एच एंड ओएच बाय फर्स्ट प्रिंसिपल्स, जर्नल ऑफ मोलेक्युलर मॉडलिंग, 24, 11, 315.

अमीर अत अल. (2018) इफेक्ट ऑफ Li डोपिंग ऑन द इलेक्ट्रॉनिक एंड मैग्नेटिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ BiFeO 3 बाय फर्स्ट प्रिंसिपल्स, इंटीग्रेटिड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 193, 1, पृष्ठ 123-128.

अमीर अत अल. (2018). ए थ्योरेटिकल एंड एक्सपेरीमेंटल फॉर्मलिज़्म ऑफ इलेक्ट्रोनिक स्ट्रक्चर ऑफ बीएफओ: Cr थिन फिल्म्स एंड मॉड्युलेशन ऑफ देयर इलेक्ट्रिकल प्रॉपर्टीज़ अपॉन विज़िबल लाइट इल्युमिनेशन, जर्नल ऑफ एप्लाईड फीज़िक्स, 124, 15, 155304.

अनंतनारायण, कैप्रीनी व दास. (2018). पीयन इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फॉर्म फैक्टर एट हाई प्रिसीज़न विद इम्प्लीकेशंस टू ए $\pi\pi$ एंड द ऑनसेट ऑफ परटर्बेटिव क्यूसीडी, फीज़िकल रिव्यु डी, 98, 11, 114015.

अंसारी एंड श्रीनिवास (2018). थर्मोग्रेवीमीट्रिक, डायइलेक्ट्रिक एंड स्ट्रक्चरल प्रॉपर्टीज़ ऑफ BaSn 0.1 Ti 0.9 O 3 प्रिपेयर्ड बाय सॉलिड स्टेट रूट, एआईपी कॉनफरेंस प्रोसीडिंग्स, 2009, 20003.

अंसारी एंड श्रीनिवास (2018). इंफ्लुएंस ऑफ Sn डोपिंग इन BaSnxTi1- xO3 सिरेमिक्स ऑन माइक्रोस्ट्रक्चरल एंड डायइलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज़, एआईपी कॉनफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 1953, 90029.

अंतिल एत अल. (2019). प्रेशर डिपेंडेंट ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज़ ऑफ क्वांटम डॉ.ट विद स्पिन ऑर्बिट इंटरेक्शन एंड मैग्नेटिक फील्ड, ऑप्टिक, 176, पृष्ठ 278-286.

अंतिल एत अल. (2019). इनफ्लुएंस ऑफ हाइड्रोस्टेटिक प्रेशर एंड स्पिन ऑर्बिट इंटरेक्शन ऑन ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज़ इन क्वांटम वायर, फीज़िकर बी : कनडेंसड मैटर, 552, पृष्ठ 202-208.

अरूण, चौधरी एवं सचदेवा (2019). लिविंग ऑर्थोगनली : क्वासी-यूनिवर्सल एक्स्ट्रा डायमेंशंस, जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फीज़िक्स, 2019, 1, 230.

अरूण, चौधरी एवं सचदेवा (2018). ग्रेविटन पोर्टल टू डार्क मैटर इन यूनिवर्सल एक्स्ट्रा डायमेंशंस, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, पर 101-104.

बाजपेई एत अल. (2019). Cr-डोप्ड लेड लेंथानम ज़िरकोनेट टीटानेट (पीएलज़ैडटी) सिरेमिक्स फॉर पायरोइलेक्ट्रिक एंड एनर्जी हार्वेस्टिंग डिवाइस एप्लीकेशंस, सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 45, 11, पृष्ठ 14111-14120.

बाजपेई एत अल. (2019). पायरोइलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ (Ba 1-x Cd x) (Zr 0.13 Ti 0.87) O 3 फेरोइलेल्ट्रिक सिरेमिक्स इन पोलीमॉर्फिक स्टेट, सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 44, 12, पृष्ठ 14698-14703,

बाले एत अल. (2018).स्ट्रक्चर एंड ट्रांसपोर्ट प्रॉपर्टीज़ ऑफ निकल-इम्प्लांटेड स्कटरुडाइट थिन फिल्म्स सिंथेसाइज़्ड वाया पल्स्ड लेसर डीपोज़ीशन, एसीएस एप्लाईड एनर्जी मैटीरियल्स, 1,11, पृष्ठ 5879- 5886

बालेंद्र एत अल. (2019). स्ट्रॉन्शियम-कार्बोक्सिलेट-बेस्ड कोऑर्डीनेशन पोलीमर्स : सिंथेसिस, स्ट्रक्चर एंड डायइलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज़, केमिस्ट्री सिलेक्ट, 4, 16, पृष्ठ 4756-4766.

बेंदे एवं मुरुगवेल (2018). पोलरोनिक कनडक्टीविटी एंड स्केलिंग बीहेवियर ऑफ लीथियम आरन फॉसफेट ग्लास, एआईपी कॉनफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 1953, 90077.

बैनर्जी एत अल. (2019). इफेक्ट्स ऑफ वैरींग आयन फ्लक्स ऑन हाई वैक्यूम इवेपोरेटिड एरबियम थिन फिल्म्स, वैक्यूम, 165, पृष्ठ 68-71.

बेंदे एत अल (2019). डायरेक्ट इविडेंस फॉर द इनफ्लुएंस ऑफ लीथियम आयन वैकेंसीज़ ऑन पोलेरॉन ट्रांस्पोर्ट इन नैनोस्केल लाइफ 4, फीज़िकल केमिस्ट्री केमिकल फीज़िक्स, 21, 19, पृष्ठ 9858-9864.

बैनर्जी एत अल. (2019). ए कॉम्पैक्ट स्किंटीलेटर-बेस्ड पोज़ीशन सैंसिटिव डेटेक्टर सिस्टम फॉर गामा रे ट्रैकिंग एप्लीकेशंस, न्युक्लियर इंस्ट्रूमेंट्स एंड मेथड्स इन फीज़िक्स रिसर्च, सेक्शन ए : एक्सलरेटर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स एंड एसोसिएटिड इक्विपमेंट, 930, पृष्ठ 100-104.

बैनर्जी एत अल. (2018). मैटीरियल इंजीनियरिंग टू फैब्रीकेट रेयर अर्थ एरबियम थिन फिल्म्स फॉर एक्सप्लोरिंग न्युक्लियर एनर्जी सोर्सेज़, न्युक्लियर इंस्ट्रूमेंट्स एंड मेथड्स इन फीज़िक्स रिसर्च, सेक्शन ए : एक्सलरेटर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स एंड एसोसिएटिड इक्विपमेंट, 887, पृष्ठ 34-39.

बनु एत अल. (2019). टूवर्ड्स एक्स-रे वेवगाइड फॉर्मेशन अपोन आयन इरेडियेशन ऑफ ए को थिन फिल्म ऑन Si (111) , मैटीरियल्स रिसर्च एक्सप्रेस, 6, 5, 56419.

बांगुरा एंड वर्मा. (2018). स्ट्रक्चरल, मैग्नेटिक एंड इलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ प्योर, Pr, Ce डोप्ड एंड Ce-Mn को-डोप्ड बिस्मथ फेराइट्स, इंटीग्रेटिड फेरोइलेल्ट्रिक्स, 194, 1, पृष्ठ 8-15.

बांगुरा एत अल. (2018). ए सिस्टेमेटिक स्टडी ऑफ स्ट्रक्चरल, मैग्नेटिक एंड इलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ पेरोव्स्काइट-स्पाइनल कम्पोज़िट्स प्रिपेयर्ड बाय सोल-जेल टेक्नीक, जर्नल ऑफ एलॉय्स एंड कमपाउंड्स, 739, पृष्ठ 319-326.

बांगरूवा एत अल. (2018). एनोमेलस फेरोइलेक्ट्रिक ऍंड मेग्नेटिक बिहेवियर इन BPFO-NZFO मल्टीफेरोइक नैनो-कम्पोज़िट्स, सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 44, 10, पृष्ठ 11737-11744.

बत्रा, सिन्हा ऍंड कुमार. (2019). फ्लेक्सीबल लेड-फ्री पिएज़ो-/फेरोइलेक्ट्रिक Bi 0.5 (Na 0.6 K 0.4) 0.5 Trio 3 सिरेमिक इनकार्पोरेटिड पीडीएमएस पॉलीमर कम्पोज़िक्स फॉर एनर्जी हार्वेस्टिंग एप्लीकेशन, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रोनिक्स, 30, 6, पृष्ठ 6157-6165.

बत्रा एत अल. (2018). एनहांस्ड डाई इलेक्ट्रिक, फेरोइलेक्ट्रिक ऍंड पिएज़ोइलेक्ट्रिक परफॉर्मेंस ऑफ Nd-ZnO नैनोरॉड्स ऍंड देयर एप्लीकेशन इन फ्लेक्सीबल पिएज़ोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर, जर्नल ऑफ एलॉयज़ ऍंड कम्पाउंड्स, 7 67, पृष्ठ 1003-1011.

भारद्वाज एत अल. (2019). बाई-एंजाइम फंक्शनलाइज़्ड इलेक्ट्रो-केमिकली रिड्यूस्ड ट्रांसपेरेंट ग्राफीन ऑक्साइड प्लेट्फॉर्म फॉर ट्राईग्लिसराइड डिटेक्शन, बायोमैटीरियल्स साइंस, 7,4, पृष्ठ 1598-1606.

भाटिया, मैत्रा ऍंड नियोगी. (2018). डिस्कवरी प्रॉसपेक्ट्स ऑफ ए लाइट हिग्स बॉज़ोन एट द एल एच सी इन टाइप- I 2एचडीएम, फीज़िकल रिव्यु डी, 97, 5, 52010.

भट, यादव ऐंड हाशमी (2019). पाइनकॉन-डिराइव्ड पोरस एक्टीवेटिड कार्बन फॉर हाई परफॉर्मेंस आल-सॉलिड-स्टेट इलेक्ट्रीकल डबल लेयर कैपेसिटर्स फैब्रीकेटेड विद फ्लेक्सीबल जेल पोलीमर इलेक्ट्रोलाइट्स, इलेक्ट्रोकेमिकल एक्टा, 304, पृष्ठ 94-108.

भट ऐंड हाशमी (2019). सॉलिड स्टेट स्यूडो कैपेसिटर्स बेस्ड ऑन MnO2-नैनोरॉड-इलेक्ट्रॉड्स ऐंड प्लास्टिक क्रिस्टल इनकॉर्पोरेटिड जेल पोलीमर इलेक्ट्रोलाइट : सिनर्जिस्टिक इफेक्ट ऑफ Li-साल्ट एडीशन इन इलेक्ट्रोलाइट एंड मोर्फोलॉजी ऑफ इलेक्ट्रॉड्स, जर्नल ऑफ सॉलिड-स्टेट इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री, 23, 2, पृष्ठ 591-606.

बंदोला ऐंड देव (2019). इवोल्यूशन ऐंड डायनैमिक्स ऑफ द करंसी नेटवर्क, न्यु इकोनॉमिस विंडोज़, पृष्ठ 133-145.

भदोला ऐंड देव (2018). फीज़ियोकेमिकल प्रॉपर्टी-बेस्ड एप्रोच फॉर प्रोटीन सिक्वेंस एनालीसिस, जर्नल ऑफ फीज़िक्स : कॉनफरेंस सीरीज़, 1144, 1, 12083.

भारद्वाज एत अल. (2018). वीक एंटीलोकलाइज़ेशन ऐंड क्वांटम ऑसीलेशंस ऑफ सरफेस स्टेट्स इन टोपोलोजिकली नॉनट्रिवियल DyPdBi (110) हाफ ह्युस्लर एलॉय, साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 8, 1, 9931.

भारद्वाज, जैन ऐंड रंजन (2018). सिलिकॉन सेंसर्स इन एक्स्पेरीमेंटल हाई एनर्जी फीज़िक्स एक्सपेरीमेंट्स, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 201, पृष्ठ 3-13.

भुक्कल एत अल. (2019). एनिसोट्रोपिक इलेक्ट्रीकल ऐंड ऑप्टिकल स्टडीज़ ऑफ ऑर्गेनिक बाईफिनाइल सिंगल क्रिस्टल ग्रोन बाय मॉडीफाइड शोच्राल्स्की टेकनीक, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रोनिक्स, 30, 4, पृष्ठ 3909-3920.

भुक्कल एत अल. (2018). ग्लिसरीन ग्लुटेरिक एसिड कोक्रिस्टल्स : मॉर्फोलॉजिकल, ऑप्टिकल, डाई इलेक्ट्रिक ऐंड मेकेनिकल प्रॉपर्टीज़ वाया नैनोइंडेंटेशन, वैक्यूम, 154, पृष्ठ 90-100.

बोरकर एत अल. (2018). जायंट एन्हांसमेंट इन फेरोइलेक्ट्रिक पोलराइज़ेशन अंडर इल्युमिनेशन, मैटीरियल्स टुडे कम्युनिकेशंस, 14, 116, 123.

बोरकर एत अल. (2018). नीयर रूम टेम्परेचर बिस्मथ ऐंड लीथियम को-सब्स्टीट्यूटिड रिलेक्सर फेरोइलेक्ट्रिक्स फैमिली, जर्नल ऑफ एलॉयज़ ऐंड कम्पाउंड्स, 737, पृष्ठ 821-828.

बुकोव्स्की, प्रसाद ऐंड कैपिटेनियन(2018). डिसक्राइबिंग केओटिक अट्रैक्टर्स : रेगुलर ऐंड परपेचुअल प्वाइंट्स, केओज़, 28, 3, 33604.

बुधिराजा एत अल. (2018). स्ट्रक्चरल, ऑप्टिकल ऐंड फोटोकैटालीटिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ ZnO नैनोस्ट्रक्चर्स, एआईपी कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 2006, 30046.

बुधिराजा एत अल. (2018). फेसाइल सिंथेसिस ऑफ पोरस Cuco नैनोशीट्स एज़ हाई-परफॉर्मेंस NO 2 गैस सेंसर, इंटीग्रेटिड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 193, 1 पृष्ठ 59-65.

बुधिराजा एत अल. (2018). स्ट्रक्चरल ऐंड डाई इलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ Cu 2- x Nd x O नैनोस्ट्रक्चर्स, एआईपी कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 1942, 120022.

चक्रबर्ती. (2019). सर्च फॉर द 23/2+ आइसोमरिक स्टेट इन 125 Te, EPL, 125,5, 52001.

चक्रबर्ती एत अल. (2018). रोटेशनल बैंड ऑन ए थ्री-क्वासीन्युट्रॉन आइसोमर इन Xe 127, फीज़िकल रिव्यु सी, 97,5,54311.

चक्रबर्ती एत अल. (2018). रिवाइज़्ड लेवल स्ट्रक्चर ऑफ 127Xe, EPL , 121, 4, 42001.

चक्रबर्ती एत अल. (2018). नेगेटिव पैरिटी थ्री-क्वासीपार्टिकल बैंड इन 127I, यूरोपीयन फीज़िकल जर्नल ए, 54, 6, 112.

कैमार्गो-मोलीना एत अल. (2018). हैवी चार्ज्ड स्केलर्स फ्रॉम सीएस फ्यूज़न : ए जेनरिक सर्च स्ट्रेटेजी एप्लाइड टू ए3HDM विद U (1)? U (1) फैमिली सिमिट्री, जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फीज़िक्स, 3, 24.

चांसल एत अल. (2018). इफेक्ट ऑफ नॉन-मेग्नेटिक Al 3+ डोपिंग ऑन स्ट्रक्चरल, ऑप्टिकल, इलेक्ट्रीकल, डाई इलेक्ट्रिक ऐंड मेग्नेटिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ BiFeO 3 सिरेमिक्स, सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 44, 5, पृष्ठ 4711-4718.

चंद्रा एत अल. (2018). इफेक्ट ऑफ Pr 3+ सब्स्टीट्यूशन ऑन स्ट्रक्चरल, डाई इलेक्ट्रिक, इलेक्ट्रीकल ऐंड मेग्नेटिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ BiFe 0.80 Ti 0.20 O 3 [Bi 1-x Pr x Fe 0.80 Ti 0.20 O 3, x = 0.05, 0.10, 0.15] सिरेमिक्स, इंटीग्रेटिड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 193, 1, पृष्ठ 1-13.

चंदेल एत अल. (2018). इनवेस्टीगेशन ऑफ एक्सेस ऐंड डेफीशिएंसी ऑफ आयरन इन BiFeO 3, मैटीरियल्स केमिस्ट्री ऐंड फीज़िक्स, 204, 207, 215.

चन्ने ऐंड कुमार. (2019). टू सिम्पल टेक्सचर्स ऑफ द मैजिक न्युट्रिनो मास मैट्रिक्स, जर्नल ऑफ फीज़िक्स जी : न्युक्लीयर ऐंड पार्टिकल फीज़िक्स, 46, 1, 15001.

चौहान एत अल. (2019). इनफ्लुएंस ऑफ 120 MeV S 9+ आयन इरेडिएशन ऑन स्ट्रक्चरल, ऑप्टिकल ऐंड मॉर्फोलॉजिकल प्रॉपर्टीज़ ऑफ ज़िरकोनियम ऑक्साइड थिन फिल्म्स डिपोज़िटेड बाय आर एफ स्पटरिंग, फीज़िक्स लैटर्स, सेक्शन ए : जनरल, एटमिक ऐंड सॉलिड-स्टेट फीज़िक्स, 383, 9, पृष्ठ 898-907.

चौधरी ऐंड महाजन. (2019). डायरेक्ट केलकुलेशन ऑफ टाइम वैरींग अहरोनोट-बोहम इफेक्ट, फीज़िक्स लैटर्स, सेक्शन ए : जनरल, एटमिक ऐंड सॉलिड-स्टेट फीज़िक्स, 383, 21, पृष्ठ 2467-2471.

चौधरी, अन्नपूर्णी ऐंड मलिक (2019). इवोल्यूशन ऐंड ग्रोथ मेकिनिज़्म ऑफ हेक्सागोनल ZnO नैनोरॉड्स ऐंड देयर एल पी जी सेंसिंग रिस्पॉन्स एट लो ऑपरेटिंग टेम्परेचर, सेंसर्स ऐंड एक्चुएटर्स, ए : फीज़िकर, 293, पृष्ठ 207-214.

चौधरी, घोष ऐंड नियोगी. (2018). प्रोबिंग नॉन स्टेंडर्ड न्युट्रिनो इंटरेक्शंस एट द एल एच सी रन II, फीज़िक्स लैटर्स, सेक्शन बी : न्युक्लीयर, एलीमेंटरी पार्टिकल ऐंड हाई-एनर्जी फीज़िक्स, 784, पृष्ठ 248-254.

चौधरी एत अल. (2018). आर के(?) तथा R(D(?)) एनॉमलीज़ रिज़ॉल्व्ड विद लेप्टन मिक्सिंग, न्युक्लिअर फीज़िक्स बी, 933, पृष्ठ 433-453.

दास एत अल. (2018). ऑन द वैरीयेशन ऑफ लाइट-कर्व पैरामीटर्स ऑफ आरआर लाइरे वैरियेबल्स एट मल्टीपल वेवलेन्थ्स, मंथली नोटिसिज़ ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, 481, 2, पृष्ठ 2000-2017.

दास. (2018). मॉडल इंडिपेंडेंट न्यु फीज़िक्स एनालीसिस इन? b?? ? +? - डिके, यूरोपीयन फीज़िकल जर्नल सी, 78, 3, 230.

दासिया एत अल. (2018). एस एन 2015 बीए: ए टाइप IIP सुपरनोवा विद ए लॉन्ग प्लेटो, मंथली नोटिसिज़ ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, 479, 2, पृष्ठ 2421-2442.

दास (2018). ऑन द एंगुलर डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ? b? ?(? N π) τ +τ? डिके, जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फीज़िक्स, 2018, 7, 63.

देब एत अल. (2018). ज्योमेट्री ऑफ द लार्ज मैग्लेन क्लाउड यूज़िंग मल्टीवेवलेंथ फोटोमीट्री ऑफ क्लासिकल सेफीड्स, मंथली नोटिसिज़ ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, 478, 2, पृष्ठ 2526-2540.

देवी एत अल. (2018). फैब्रीकेशन ऑफ 121 एस बी आइसोटोपिक टारगेट्स फॉर द स्टडी ऑफ न्युक्लीयर हाई स्पिन फीचर्स, न्युक्लीयर इंस्ट्रूमेंट्स ऐंड मेथड्स इन फीज़िकल रिसर्च, सेक्शन ए : एक्सलरेटर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स ऐंड एसोसिएटिड इक्विपमेंट, 893, 35, 38.

देवी, कुमार ऐंड आर.प्लाइत (2018), ज्योमेट्री ऑफ मैग्नेटिक रोटेशनल (एम आर) बैंड-क्रॉसिंग फिनोमेना इन एम आर बैंड्स, प्रमाण- जर्नल ऑफ फीज़िक्स, 91, 1, 8.

देवन एत अल. (2019). इन-सिटू ऐंड पोस्ट डिपोज़ीशन एनालीसिस ऑफ लेज़र एमबी ई डिपोज़िटिड GaN फिल्म्स एट वरींग नाईट्रोजन गैस फ्लो, वैक्यूम, 164, पृष्ठ 72-76.

देवन एत अल. (2018). सरफेस प्लाज़मोन रेज़ोनेंस ऐडिड एनालीसिस ऑफ क्वांटम वेल्स फॉर फोटोनिक डिवाइस एप्लीकेशंस, मैटीरियल्स ऐंड डिज़ाइन, 150, 94, 103.

देवन एत अल. (2018). लेज़र मोलेक्युलर बीम एपिटेक्सी (एल एम बी ई) टेक्नीक ग्रोन GaN p-n जंक्शन, मैटीरियल्स टुडे : प्रोसीडिंग्स, 5, 7, पृष्ठ 15361-15365.

देवन एत अल. (2018). XPS रिज़ोल्व्ड सरफेस स्टेट्स एनालीसिस ऑफ ZnO ऐंड Ni डोप्ड ZnO फिल्म्स फॉर क्वांटम वेल एप्लीकेशंस, फेरो इलेक्ट्रिक्स, 534, 1, पृष्ठ 199-205.

धींगरा, आर. गुप्ता, एस. अन्नपूर्णी (2018), डिफेक्ट इंड्यूस्ड फेरोमेग्नेटिज़्म इन Zn/ZnO इंटरफेसिज़, क्रिस्टल रिसर्च ऐंड टेक्नोलॉजी, 53, 7, 1700293.

डुल एत अल. (2018) डेवलपमेंट ऑफ नैनोस्ट्रक्चर्ड निकल ऑक्साइड थिन फिल्म मैट्रिक्स बाय आर एफ स्पटरिंग टेक्नीक फॉर द रीयलाइज़ेशन ऑफ एफीशियेंट बायोइलेक्ट्रॉड, वैक्यूम, 158, पृष्ठ 68-74.

डुल एत अल (2019). हाइली सेंसिटिव ऐंड नॉन-इनवेसिव इलेक्ट्रोकेमिकल इम्युनोसेंसर फॉर सैलिवरी कोर्टीज़ोल डिटेक्शन, सेंसर्स ऐंड एक्चुएटर्स, बी : केमिकल, 293, पृष्ठ 281-288.

दत्ता एत अल (2018). री-मेज़रमेंट ऑफ रिड्यूस्ड ट्रांज़ीशन प्रोबेबिलिटीज़ इन 132बीए, एक्टा फीज़िकल पोलोनिका बी, 49, 3, 535, 540.

दत्ता, गोयल ऐंड सैनी (2018). स्पिन-0 ± पोर्टल इंड्यूस्ड डार्क मैटर, जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फीज़िक्स, 2018, 2-23.

एक्स्टेंट एत अल. (2018). मिनिमल एनामोलस यू (1) थ्योरीज़ ऐंड कोलाइडर फेनोमेनोलॉजी, जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फीज़िक्स, 2018, 2, 152.

गैरोला एत अल (2018). कार्बन मैटीरियल-नैनोफेराइट कम्पोज़िट फॉर रेडिएशन शील्डिंग इन माइक्रोवेव फ्रिक्वेंसी, इंटीग्रेटिड फेरो इलेक्ट्रिक्स, 186, 1, पृष्ठ 40-48.

गर्ग, शर्मा ऐंड चौधरी (2018). एक्साइटिड स्टेट्स सर्चेज़ फॉर लाइट ऐंड हेवी फ्लेवर क्वार्क्स विद सीएम एस डाटा एट$\sqrt{S}$ = 13 TeV, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, पृष्ठ 673-675.

गौतम ऐंड कुमार (2018). टू ज़ीरोस इन द मैगिक न्युट्रिनो मास मैट्रिक्स, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, पृष्ठ 231-233.

गौतम एत अल (2018). एन्हांस्ड रिस्पॉन्स ऐंड इम्प्रूव्ड सेलेक्टिविटी फॉर टॉक्ज़िक गैसेज़ विद फंक्शनलाइज़्ड सीएनटी थिन फिल्म रेज़िस्टर्स, इंटीग्रेटिड फेरो इलेक्ट्रिक्स, 186, 1, 65, 70.

गौरव ऐंड अविनाश (2018). इफेक्ट ऑफ आओन ड्रैग ऑन जींस इंस्टेबिलिटी इन डस्टी प्लाज़्मा, फीज़िक्स ऑफ प्लाज़्मास, 25, 11, 114503.

ए. गौर, कुमार ऐंड नईमुद्दीन (2018). टाइमिंग ऐंड चार्ज मेज़रमेंट ओफ सिंगल गैप रेज़िस्टिव प्लेट चैम्बर डिटेक्टर्स फॉर INO? ICAL एक्सपेरीमेंट, न्युक्लीयर इंस्ट्रूमेंट्स ऐंड मेथडस इन फीज़िक्स रिसर्च, सेक्शन ए : एक्सलरेटर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स ऐंड एसोसिएटिड इक्विपमेंट, 877, पृष्ठ 246-251.

गौर एत अल (2018). टाइमिंग ऐंड इंड्यूस्ड चार्ज प्रोफाइल ऑफ लार्ज साइज़ आर पी सी डिटेक्टर फॉर INO-ICAL एक्सपेरीमेंट, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, पृष्ठ 369-371.

गिल एत अल (2019). एनहांस्ड माइक्रोवेव एब्ज़ोर्प्शन ऐंड सपरेस्ड रिफलेक्शन ऑफ पॉलीपाइरोल-कोबाल्ट फेराइट-ग्राफीन नैनोकम्पोज़िट इन एक्स-बैंड, जर्नल ऑफ एलॉयज़ ऐंड कम्पाउंड्स, 797, पृष्ठ 1190-1197.

गोदारा एत अल (2018). न्यु टोपोलॉजिकल टूल फॉर मल्टीस्टेबल डायनेमिकल सिस्टम्स, चाओस, 28, 11, 111101.

गोयल एत अल (2018). 2डी पोरस नैनोशीट्स ऑफ वाय-डोप्ड ZnO फॉर डाई इलेक्ट्रिक ऐंड फेरो इलेक्ट्रिक एप्लीकेशंस, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रोनिक्स, 29, 16, पृष्ठ 13818-13832.

गोयल एत अल (2018). सनसेट येलो डाइड ट्राईग्लाइसीन सल्फेट सिंगल क्रिस्टल्स : एनहान्स्ड थर्मल, मेकेनिकल, ऑप्टिकल ऐंड डाई-/पिएज़ो-/फेरो-/पाइरो-इलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज़, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 29, 16, पृष्ठ 13449-13463.

गोयल एत अल (2018). सनसेट येलो डाईड ट्राईग्लाइसीन सल्फेट सिंगल क्रिस्टल्स : एनहांस्ड थर्मल, मेकेनिकल, ऑप्टिकल ऐंड डाई-/पिएज़ो-/फेरो-/पाइरो-इलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज़, जर्नल ऑफ मैटिरियल्स साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रोनिक्स, 29, 16, पृष्ठ 13449-13463.

गोयल एंड कुमार (2019). हिअरार्किकल एस एम-डोप्ड ZnO नैनोरॉड-नैनोशीट आर्किटेक्चर : डाई इलेक्ट्रिक ऐंड फेरो इलेक्ट्रिक स्टडीज़, एप्लाईड फीज़िक्स ए : मैटीरियल्स साइंस ऐंड प्रोसेसिंग, 125, 5, 289.

गोयल एत अल (2019). डाई-/पिएज़ो-/फेरो-इलेक्ट्रिक कैरेक्टराइज़ेशंस ऑफ 3 डी हिअरार्किकल सिसल-लाइक Eu 3+ /Gd 3+ co-doped ZnO माइक्रो-फ्लॉवर्स असेम्बल्ड विद 1डी नैनोपेंसिल्स, आयनिक्स, 25, 3, पृष्ठ 1373-1386.

गोयल एत अल (2018).एक्स-रे, डाई इलेक्ट्रिक, पिएज़ो इलेक्ट्रिक ऐंड ऑप्टिकल एनालीसिस ऑफ ए न्यु नॉनलीनियर ऑप्टिकल 8-हाईड्रोक्सीक्विनोलिनियम हाईड्रोजन स्क्वारेट क्रिस्टल : एक्टा क्रिस्टेलोग्राफिका सेक्शन बी : सट्रक्चरल साइंस, क्रिस्टल इंजीनियरिंग ऐंड मैटीरियल्स, 74, 1.

गोयल एत अल (2019). ऑन द प्रिडिक्शन ऑफ एक्सटर्नल शेप ऑफ नैनोक्रिस्टल्स, फीज़िकल ई : लो-डायमेंशनल सिस्टम्स ऐंड नैनोस्ट्रक्चर्स, 106, पृष्ठ 291-297.

गोयल, सिन्हा एंड कुमार (2019). 3डी हिअरार्किकल Ho-डोप्ड ZnO माइक्रो फ्लॉवर्स असेम्बल्ड विद नैनोशीट्स : ए हाई टेम्परेचर फेरो इलेक्ट्रिक मैटीरियल, फीज़िकल ई : लो-डायमेंशनल सिस्टम्स ऐंड नैनोस्ट्रक्चर्स, 105, पृष्ठ 29-40.

गोपल एत अल (2018). लेज़र-पल्स शेप इफेक्ट्स ऑन मैग्नेटिक फील्ड जेनरेशन इन अंडरडेंस प्लाज़्माज़, इंडियन जर्नल ऑफ फीज़िक्स, 92, 7, पृष्ठ 919-925.

गोत्तार्दो एत अल (2019). न्यु स्पेक्ट्रोस्कोपिक इनफॉर्मेशन ऑन TI 211,213 : ए चेंजिंग स्ट्रक्चर बीयॉन्ड द N=126 शेल क्लोज़र, फीज़िकल रिव्यु सी, 99, 5, 54326.

गोयल एत अल (2018). स्पेक्ट्रोस्कोपिक स्टडी ऑफ ईयूवी ऐंड एसएक्सआर ट्रांज़ीशंस ऑफ Cs XXV , कैनेडियन जर्नल ऑफ फीज़िक्स, 96, 8, पृष्ठ 871-877.

गोयल, शर्मा ऐंड गुप्ता (2018). व्हिसलर मोड लोकलाइज़ेशन ऐंड टर्बुलेंस इम्प्लिकेटिंग पार्टिकल एक्सलरेशन इन रेडियेशन बेल्ट्स, फीज़िक्स ऑफ प्लाज़्माज़, 25, 12, 122903.

गोयल एत अल (2018) मोडलिंग ऑफ पिनिंग-डीपिनिंग रिवर्सल मेकेनिज़्म इन आयन-इरेडिएटिड Co/Al 2 O 3 थिन फिल्म्स, फीज़िकल स्टेटस सॉलिडि(ए) एप्लीकेशंस ऐंड मैटीरियल्स साइंस, 215, 14, 1800141.

गोयल एंड शर्मा (2018). इफेक्ट ऑफ आयन-न्युट्रल कॉलीज़ंस ऑन द इवोल्यूशन ऑफ कायनेटिस अल्फ्वेन वेव्स इन प्लाज़्मास, प्लाज़्मा फीज़िक्स ऐंड कंट्रोल्ड फ्यूज़न, 60, 3, 35002.

गुम्बर, भट्टाचार्जी एंड झा (2018). स्पिन ट्रांसपोर्ट इन ए रशबा-कपल्ड टू-डायमेंशनल क्वांटम रिंग : एन एनालीटिकल मॉडल, इंटीग्रेटिड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 98, 20, 205408.

गुप्ता (2019). आर-मैट्रिक्स स्टडी फॉर इलेक्ट्रॉन स्कैटरिंग ऑफ बेरीलियम डाईहाईड्राइड फॉर फ्यूज़न प्लाज़्मा, जर्नल ऑफ फीज़िक्स बी : एटमिक, मोलेक्युलर एंड ऑप्टिकल फीज़िक्स, 52, 6, 65204.

गुप्ता एत अल (2019). इलेक्ट्रीकल प्रॉपर्टीज़ ऑफ स्ट्रॉन्शियम बेरियम नियोबेट(Sr0.6Ba0.4Nb2O6) थिन फिल्म्स डिपोज़िटेड बाय पल्स्ड लेज़र डेपोज़ीशन टेक्नीक, वैक्यूम, 160, पृष्ठ 434-439.

गुप्ता एत अल (2018). डेमंस्ट्रेशन ऑफ वाइड फ्रिक्वेंसी बैंडविड्थ इलेक्ट्रो-ऑप्टिक रेस्पॉन्स इन एसबीएन थिन फिल्म वेवगाइड, ऑप्टिकल मैटीरियल्स, 85, पृष्ठ 26-31.

गुप्ता, वी. गुप्ता ऐंड तोमर (2019). स्ट्रक्चरल ऐंड डाई इलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ पीएलडी ग्रोन बीएसटी थिन फिल्म्स, वैक्यूम 159, पृष्ठ 69-75.

गुप्ता एत अल (2019).एनहांसमेंट इन थर्मो इलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज़ ड्यु टू Ag नैनोपार्टिकल्स इनकॉर्पोरेटिड इन Bi 2 द 3 मैट्रिक्स, बिल्स्टीन जर्नल ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी, 10, पृष्ठ 634-643.

गुप्ता, कांत ऐंड सिहं (2019). इलेक्ट्रॉन एक्सलरेशन बाय ए रेडियली पोलराइज़्ड लेज़र पल्स इन द प्रेज़ेंसऑफ एन इंटेंस पल्स्ड मैग्नेटिक फील्ड, लेज़र फीज़िक्स, 29,1,15301.

गुप्ता एत अल (2018). अनएक्सप्लोर्ड फोटोल्युमिनेसेंस फ्रॉम बल्क ऐंड मेकेनिकली एक्सफोलियेटिड फ्यु लेयर्स ऑफ Bi2Te3, साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 8, 1, 9205.

गुप्ता एत अल (2018). इलेक्ट्रॉन इम्पेक्ट इलास्टिक ऐंड एक्साइटेशन क्रॉस-सेक्शंस ऑफ द आइसोमर्स ऑफ C4F6 मोलेक्यूल फॉर प्लाज़्मा मॉडलिंग, फीज़िक्स ऑफ प्लाज़्माज़, 25, 6, 63504.

गुप्ता, दत्ता एंड टंडन (2018), ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज़ ऑफ स्पिन कोटेड Co0.6Zn0.4Mn0.3Fe1.7O4 थिन फिल्म्स डेपोज़िटिड ऑन सिलिकॉन ऐंड प्लेटिनम कोटिड सिलिकॉन सबस्ट्रेट्स, इंटीग्रेटिड फेरो इलेक्ट्रिक्स, 186, 1, पृष्ठ 100-105.

गुप्ता एत अल (2018). वेवगाइड कपल्ड सरफेस प्लास्मोन रेज़ोनेंस-बेस्ड इलेक्ट्रो ऑप्टिक मॉड्युलेशन इन एसबीएन थिन फिल्म्स, एप्लाईड सरफेस साइंस, 458, पृष्ठ 139-144.

गुप्ता एत अल (2018). गेस्ट एडिटोरियल इंटीग्रेटिड, फेरो इलेक्ट्रिक्स, 193, 1, v-vi.

गुप्ता एत अल (2018). नॉवल टेक्नीक ऑफ मेकिंग थिन टारगेट फॉयल ऑफ हाई-डेंसिटी मैटीरियलवाया रोलिंग मेथड, एआईपी कॉनफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 1962, 30013.

गुप्ता एत अल (2018). स्टडी ऑफ बायर फ्रिंजेंस ऐंड इलेक्ट्रो-ऑप्टिक इफेक्ट इन एसबीएन60 थिन फिल्म, फेरो इलेक्ट्रिक्स, 533, 1, पृष्ठ 35-42.

गुप्ता एत अल (2018). हाई फ्रिक्वेंसी कोप्लानर माइक्रोवेव रेज़ोनेटर यूज़िंग फेरोइलेक्ट्रिक थिन फिल्म फॉर वायरलेस कम्युनिकेशन एप्लीकेशंस, मैटीरियल्स टुडे : प्रोसीडिंग्स, 5, 7, 15395-15398.

गुप्ता एत अल (2018). कैरेक्टराईज़ेशन ऑफ लैड ज़िरकोनियम टीटानेट थिन फिल्म्स बेस्ड मल्टीफंक्शनल एनर्जी हार्वेस्टर्स, थिन सॉलिड फिल्म्स, 652, पृष्ठ 39-42.

गुप्ता एत अल (2018). इफेक्ट्स ऑफ ट्रांज़ीशन मेटल आयन डोपेंट्स(Ag, Cu and Fe) ऑन द स्ट्रक्चरल, मेकेनिकल ऐंड एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज़ ओफ बायोएक्टिव ग्लास, कोलॉयड्स ऐंड सरफेसिस ए : फीज़िकोकेमिकल ऐंड इंजीनियरिंग आस्पेक्ट्स, 538, 393, 403.

गुप्ता, दत्ता ऐंड टंडन (2018). ग्रोथ ऐंड मैग्नेटिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ स्पिन कोटिड Co0.6Zn0.4Mn0.3Fe1.7O4 अल्ट्राथिन फिल्म्स ऑन सिलिकॉन(100), (110) तथा (111) सबस्ट्रेट्स, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 29, 4, 2764, 2770.

हालादर एत अल (2019). डेवलपमेंट ऑफ पॉलीविनाइलिडीन फ्लोराइड-ग्रेफाइक कम्पोज़िट्स एज़ एन आल्टरनेट मैटीरियल फॉर इलेक्ट्रोमैग्नेटिक शील्डिंग एप्लीकेशंस, मैटीरियल्स रिसर्च एक्सप्रेस, 6, 7, 75324

हालदर एत अल (2018). टु स्टडी द इफेक्ट ऑफ MWCNT इनकार्पोरेटिड इनटू PVDF-ग्रेफाइट कम्पोज़िट्स फॉर ईएमआई शील्डिंग एप्लीकेशंस, मैटीरियल्स टुडे : प्रोसीडिंग्स, 5, 7, 15348-15353.

हाल एत अल (2018). मेथड्स फॉर द कैरेक्टराइज़ेशन ऑफ इम्पोज़्ड, ऑर्डर्ड स्ट्रक्चर्स इन एमडीपीएक्स, फीज़िक्स ऑफ प्लाज़्मास, 25, 10, 103702.

हुसैन एत अल (2019). Y 3+ डोप्ड 0.64PMN-0.36PT सिरेमिक फॉर एनर्जी स्केवेंजिंग एप्लीकेशंस : एक्सीलेंट पिएज़ो-/फेरो-रेस्पॉन्स विद द इनवेस्टीगेशंस ऑफ ड्ड-रेमनेंट पोलराइज़ेशन ऐंड रेज़िस्टिव लीकेज, जर्नल ऑफ एलॉयज़ ऐंड कंपाउंड्स पृष्ठ 274-287.

हुसैन एत अल (2018). फेरो इलेक्ट्रिक एसबी-डोप्ड पीएमएन-पीटी क्रिस्टल : हाई इलेक्ट्रोमेकेनिकल रेस्पॉन्स विद ड्ड-रेमनेंट पोलराइज़ेशन ऐंड रेज़िस्टिव लीकेज एनालीसिस, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 29, 22, पृष्ठ 19567-19577.

हुसैन ऐंड कुमार (2018). इनट्रिनज़िक पोलराइज़ेशन ऐंड रेज़िस्टिव लीकेज एनालीसिस इन हाई परफॉर्मेंस पिएज़ो-/पाइरोइलेक्ट्रिक Ho-डोप्ड 0.64PMN-0.36PT बाइनरी सिरेमिक, एडवांस्ड पाउडर टेक्नोलॉजी, 29, 12, पृष्ठ 3124-3137.

हुसैन एत अल (2018). जायंट पिएज़ोइलेक्ट्रिक बिहेवियर इन रेलेक्सर फेरोइलेक्ट्रिक एनवायर्नमेंट फ्रेंडली Na 0.52 K 0.44 Li 0.04 Nb 0.84 Ta 0.10 Sb 0.06 O 3सिरेमिक्स फॉर हाई टेम्परेचर एप्लीकेशंस, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 29, 8, पृष्ठ 6403-6411.

जैन एत अल (2019). प्रेडिक्शन ऑफ बैंड-हेड स्पिन ऑफ ट्राईएक्सल सुपर-डिफॉर्म्ड बैंड्स यूज़िंग द मॉडीफाइड वीएमआई मॉडल, यूरोपीयन फीज़िकल जर्नल प्लस,134, 2, 72.

जैन एत अल (2018). इफेक्ट ऑफ मेटल कॉन्टेक्ट्स ऑन ए GaN/सैफायर-बेस्ड एमएसएम अल्ट्रावायलेट फोटोडिटेक्टर, जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मैटीरियल्स, 47, 10, पृष्ठ 6086-6090.

जैन ऐंड मंडल (2018), बैंड हेड स्पिन फॉर ट्राईएक्सल सुपर-डेफॉर्म्ड बैंड्स इन 165, 167 Lu, ईपीजे वेब ऑफ कॉनफ्रेंसेज़, 177, 3002.

जैन एत अल (2018). डेवलपमेंट ऑफ एसी-कपल्ड, पॉली-सिलिकॉन बेस्ड, पी-ऑन-एन सिलिकॉन स्ट्रिप डिटेक्टर्स इन इंडिया फॉर एच ई पी इक्सपेरीमेंट्स, न्यूक्लीयर इंस्ट्रूमेंट्स ऐंड मेथड्स इन फीज़िक्स रिसर्च, सेक्शन ए : एक्सलरेटर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स ऐंड एसोसिएटिड इक्विपमेंट, 882, 1, 10.

जैन एत एल (2018). स्टडी ऑफ ट्रैपिंग प्रॉबेबिलीटी इन प्रोटोन इरेडियेटिड सिलिकॉन पैड डिटेक्टर्स यूज़िंग ट्रांज़िएंट करंट टेक्नीक सिमुलेशंस, 203, पृष्ठ 293-296.

जैन एत अल (2019). रेडियेशन टोलरेंस स्टडी ऑन इरेडियेटिड एसी-कपल्ड, पॉली-सिलिकॉन बायेस्ड, पी-ऑन-एन सिलिकॉन स्ट्रिप सेंसर्स डेवेलप्ड इन इंडिया, न्युक्लियर इंस्ट्रुमेंट्स ऐंड मेथड्स इन फीज़िक्स रेसर्च, सेक्शन ए : एक्सलरेटर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स ऐंड एसोसिएटिड इक्विपमेंट, 913, पृष्ठ 97-102.

जांगड़ा एत अल (2018). सैपोनिन-लोडेड एसबीए-15 : रिलीज़ प्रॉपर्टीज़ ऐंड साइटोटॉग्ज़ीसिटी टू पैंक- I कैंसर सेल्स, जर्नल ऑफ पोरस मैटीरियल्स, 25, 4, पृष्ठ 945-953.

झा एत अल (2018). ए डेंसिटी ऑफ स्टेट्स फॉर क्युजीपी फायर्बाल फॉर्मेशन इन हेवी आयन कॉलीज़ंस इनकार्पोरेटिंग हाइड्रोडायनेमिकल फीचर्स इन द मॉडल, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, पृष्ठ 13-315.

झिंगन (2019). एन एन्युलर पैरलल प्लेट एवालांच काउंटर फॉर हेवी-आयन γ-रे कोइंसीडेंस मेज़रमेंट्स, न्युक्लीयर इंस्ट्रूमेंट्स ऐंड मेथड्स इन फीज़िक्स रिसर्च, सेक्शन ए : एक्सलरेटर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स ऐंड एसोसिएटिड इक्विपमेंट, 922, पृष्ठ 209-216

जॉली ऐंड विद्या (2018). एडिटोरियल रेज़ोनेंस, 23, 3, पृष्ठ 245-248.

जोसेफ एत अल (2018). 0.37BF-0.31PMN-0.32PT: ए सुपीरियर पिएज़ो-/पाइरो-/फेरो-इलेक्ट्रिक टर्नरी सिरेमिक एट एमपीबी, सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 44, 15, पृष्ठ 18633-18640.

जोसेफ ऐंड कुमार (2018). स्टडी ऑफ ड्रु-रेमनेंट पोलराइज़ेशन यूज़िंग रेमनेंट हिस्टेरेसिज़ टास्क ऐंड रेज़िस्टिव लीकेज एनालीसिस इन फेरोइलेक्ट्रिक 0.64Pb (Mg1/3Nb2/3) O3-0.36PbTiO3 सिरेमिक्स, सॉलिड स्टेट कम्युनिकेशंस, 271, पृष्ठ 11-15.

कबीर, मुखर्जी ऐंड लोहिया (2019). रीहीटिंग कंस्ट्रेंट्स ऑन काहलर मॉड्युली इनफ्लेशन, मॉडर्न फीज़िक्स लैटर्स ए, 34, 15, 1950114.

कमल एत अल (2018). स्टडी ऑफ इलेक्ट्रिकल, डाई इलेक्ट्रिक ऐंड ईएम आई शील्डिंग बिहेवियर ऑफ कॉपर मेटल, कॉपर फेराइट ऐंड पीवीडीएफ कम्पोज़िट, इंटीग्रेटिड फेरो इलेक्ट्रिक्स, 194, 1, पृष्ठ 80-87.

कमल एत अल (2018). वर्महोल्स इन ए थ्योरी ऑफ स्केलर फैंटम फील्ड, फ्यु-बॉडी सिस्टम्स, 59, 4, 70

कमल एत अल (2018). शैडोइंग इन हिडन अट्रेक्टर्स, नॉन लीनियर डायनेमिक्स, 91, 4, पृष्ठ 2429-2434.

कत्ती, यादव ऐंड प्रसाद (2018). ब्राइट ऑप्टिकल स्पेशल सॉल्यूशंस इन फोटोरेफ्रेक्टिव वेवगाइड्स हेविंग बोथ द लीनियर ऐंड क्वाड्रेटिक इलेक्ट्रो-ऑप्टिक इफेक्ट, वेव मोशन, 77, पृष्ठ 64-76.

खरबंदा एत अल (2019). फेराइट्स : मैग्नेटिक मैटीरियल्स एज़ एन आल्टरनेट सोर्स ऑफ ग्रीन इलेक्ट्रिकल एनर्जी, हेलियन, 5, 1, ई01151.

खोजली एत अल (2018). स्पिन-3/2 डार्क मैटर इन ए सिम्पल टी-चैनल मॉडल, यूरोपीयन फीज़िकल जर्नल सी, 78, 11, 920.

खुराना ऐंड चंद्रा (2018). आयनिक लिक्विड-बेस्ड ऑर्गेनिक ? इनॉर्गेनिक हाईब्रिड इलेक्ट्रोलाइट्स: इम्पैक्ट ऑफ इन सिटु ऑब्टेंड ऐन्ड डिसपर्स्ड सिलिका, जर्नल ऑफ पॉलीमर साइंस, पार्ट बी : पॉलीमर फीज़िक्स, 56, 3, 207, 218.

कौर ऐंड गुप्ता (2018). इक्साइटेशन ऑफ प्लाज़्मा वेव बाय लेज़र्स बीटिंग इन ए कॉलीज़नल ऐंड माइल्ड-रिलेटीविस्टिक प्लाज़्मा, जर्नल ऑफ फीज़िक्स : कॉनफ्रेंस सीरीज़, 1067, 4, 42014.

कौर एत अल (2018). द INO-ICAL सेंसिटीविटी फॉर द सेपरेट मेज़रमेंट ऑफ न्युट्रिनोज़/एंटी-न्युट्रिनोज़ पैरामीटर्स, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, पृष्ठ 423-426.

कौर ऐंड गुप्ता (2018). इलेक्ट्रोन एनर्जी ऑप्टीमाइज़ेशन बाय प्लाज़्मा डेंसिती रैम्प इन लेज़र वेकफील्ड एक्सलरेशन इन बबल रिजीम लेज़र ऐंड पार्टिकल बीम्स, 36, 2, पृष्ठ 195-202.

कौर (2018). क्वासी-इलास्टिक स्कैटरिंग इन द 48Ti+232Th रिएक्शन, एक्टा फीज़िकल पोलोनिका बी, 49, 3, 651, 656.

कौर एत अल (2018). हाई-यील्ड सिंथेसिस ऐंड लिक्विड-एक्स्फोलिएशन ऑफ टू-डायमेंशनल बेल्ट-लाइक हफ्नियम डाईसल्फाइड, नैनो रिसर्च, 11, 1, पृष्ठ 343-353.

कौर एत अल (2018). स्कैटरिंग क्रॉस सेक्शंस फॉर कॉलीज़ंस ऑफ इलेक्ट्रोंस विद टेट्राहेड्रल मोलेक्यूल्स इन द एनर्जी रेंज0.1-100 eV: C H4, Si H4, तथा Ge H4, फीज़िकल रिव्यु ए, 97, 5, 52711.

कुज़्नेत्सोवा एत अल (2018). फाईनाइट-टाइम लियापुनोव डायमेंशन ऐंड हिडन अट्रेक्टर ऑफ द राबिनोविच सिस्टम, नॉन लीनियर डायनेमिक्स, 92, 22, पृष्ठ 267-285.

कोजेकी एत अल (2018), इनवेस्टीगेशन ऑन अनकनवेंशनल सिंथेसिस ऑफ एस्ट्रोइंफॉर्मेतिक डाटा क्लासीफायर पावर्ड बाय इरेग्युलर डायनिमिक्स, आईईईई इंटेलीजेंट सिस्टम्स, 33, 4, 8497013, 63, पृष्ठ 77

कुलश्रेष्ठ, कुलश्रेष्ठ ऐंड वैरी. (2018) इंसटेंट-फॉर्म ऐंड लाइट-फ्रंट क्वांटिज़ेशन ऑफ फील्ड थ्योरीज़, फ्यु-बॉडी सिस्टम्स, 59,3,20

कुमार ऐंड कुमार (2018). ग्रोथ ऑफ एन 8-हाइड्रोक्सीक्विनोलाइन सिंगल क्रिस्टल बाय ए मॉडीफाइड ज़ोच्राल्स्की ग्रोथ टेक्नीक, ऐंड क्रिस्टल कैरेक्टराइज़ेशन, क्रिस्टइंगकॉम, 20, 5, पृष्ठ 624-630.

कुमार एत अल (2018). कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ वेट सल्फर पैसिवेशन प्रोसेस ऑन GaSb (100) सरफेस, इंटीग्रेटिड फेरो इलेक्ट्रिक्स, 186, 1, पृष्ठ 77-83.

कुमार, सहारा ऐंड कुमार (2018). मॉर्फोलॉजिकल ट्रांसफॉर्मेशंस इंड्यूस्ड बाय Co इम्प्योरिटी इन ZnO नैनोस्ट्रक्चर्स प्रिपेयर्ड बाय rf-स्पटरिंग ऐंड देयर फीज़िकल प्रॉपर्टीज़, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 29, 14, पृष्ठ 11719-11729.

कुमार एत अल (2018). आयन बीम असिस्टेड फॉर्टीफिकेशन ऑफ फोटोकंडक्शन ऐंड फोटोसेंसिटीविटी, सेंसर्स ऐंड एक्चुएटर्स, ए : फीज़िकल, 279, पृष्ठ 343-350.

कुमार एत अल (2019). स्टेडी माइक्रोवेव एब्ज़ॉर्प्शन बिहेवियर ऑफ टू-डायमेंशनल मेटल कार्बाइड MXene ऐंड पॉलीएनीलीन कम्पोज़िट इन एक्स-बैंड, जर्नल ओफ मैग्नेटिज़्म ऐंड मैग्नेटिक मैटीरियल्स, पृष्ठ 488. 165364.

कुमार एत अल (2019). सेंसिंग ऑफ डीब्युटाइल सल्फाइड यूज़िंग कार्बोक्सिलिक एसिड फंक्सनलाइज़्ड सिंगल वाल्ड नैनोट्यूब्स, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 215, पृष्ठ 923-926.

कुमार एत अल (2019). पाईरीन अपेंडिड बिस-ट्राइएज़ोलाईलेटिड 1, 4-डाईहाइड्रोपाइरिडीन एज़ ए सिलेक्टिव फ्लोरोजेनिक सेंसर फॉर Cu 2+ , डाईज़ ऐंड पिग्मेंट्स, 161, पृष्ठ 162-171.

कुमार एत अल (2019). थर्मल कंडक्टीविटी ऐंड फायर-रिटार्डेंट रेस्पॉन्स इन ग्रेफाइट फोम मेड फ्रॉम कोल टार पिच डेराइव्ड सेमी कोक, कम्पोज़िट्स पार्ट बी : इंजीनियरिंग, 172, पृष्ठ 121-130.

कुमार एत अल (2019). बैकग्राउंड, फंडामेंटल अंडरस्टैंडिंग ऐंड प्रोग्रेस इन इलेक्ट्रोकेमिकल कैपिसिटर्स, जर्नल ऑफ सॉलिड-स्टेट इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री, 23, 3, पृष्ठ 667-692.

कुमार एत अल (2019). मल्टीफंक्शनल बिहेवियर ऑफ एक्सेप्टर-केशन सब्स्टीट्यूशन एट हायर डोपिंग कंसनट्रेशन इन पीज़ैडटी सिरेमिक्स, सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 45, 10, पृष्ठ 12716-12726.

कुमार, आदित्य ऐंड मुरुगवेल (2019). इफेक्ट ऑफ सर्फेक्टंट कनसनट्रेशन ऑन टेक्सचुअल कैरेक्टरिस्टिक्स ऐंड बायोमिनरलाइज़ेशन बिहेवियर ऑफ मीज़ोपोरस बायोएक्टिव ग्लासेस, मैटीरियल्स साइंस ऐंड इंजीनियरिंग सी, 96, पृष्ठ 20-29.

कुमार ऐंड वेदेश्वर (2018). जेनरेशन ऑफ फ्रिक्वेंसी-ट्यूनेबल स्क्वीज़्ड सिंग्ल फोटोंस फ्रॉम ए सिंगल क्वांटम डॉ.ट, जर्नल ऑफ द ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका बी : ऑप्टिकल फीज़िक्स, 35, 12, पृष्ठ 3055-3062.

कुमारी एत अल (2019). हायर परमिटिविटी ऑफ Ni-डोप्ड लैड ज़िरकोनेट टीटानेट, Pb[(Zr0.52Ti0.48) (1-x) Nix] O3, सिरेमिक्स, सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 45, 4, पृष्ठ 4398-4407.

कुमार एत अल (2019). ग्रोथ ऑफ प्योर ऐंड बीएफओ डोप्ड केसीएल क्रिस्टल्स बाय शोच्राल्स्की टेक्नीक ऐंड फैब्रीकेशन ऑफ माइक्रोस्ट्रिप पैच एंटीना फॉर GHzएप्लीकेशंस, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रोनिक्स, 30, 3, पृष्ठ 2118-2126.

कुमार, माहपात्र ऐंड मिश्रा (2018). स्विफ्ट हेवी सिल्वर(Ag +7) आयन इरेडियेशन इंड्यूस्ड सेल्फ-असेम्बल्ड नैनोडॉ.ट्स ऑन एमबीई ग्रोन गैलियम एंटीमोनाइड(GaSb), एप्लाइड सरफेस साइंस, 462, पृष्ठ 815-821.

कुमारस्वामी ऐंड पिसर्चिक (2018). एक्सट्रीम इवेंट्स इन सिस्टम्स विद डिसकंटीन्युअस बाउंडरीज़, फीज़िकल रिव्यु ई, 98, 3, 32203.

कुमार एत अल (2018). फास्टर आयन स्विचिंग NiCo 2 O 4 नैनोपार्टिकल इलेक्ट्रोड-बेस्ड सुपरकैपेसिटर डिवाइस विद हाई परा फॉर्मेसेज़ ऐंड लॉन्ग साइकलिंग स्टेबिलिटी, एसीएस एप्लाईड एनर्जी मैटीरियल्स, 1, 12, पृष्ठ 6999-7006.

कुमार एत अल (2018). ट्यूनिंग ऑपरेटिंग टेम्परेचर ऑफ BaSnO3गैस सेंसर फॉर रिड्यूसिंग ऐंड ऑक्सीडाइज़िंग गैसेज़, एआईपी कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 1953, 90059.

कुमार, महाजन ऐंड जैन (2018). फीडबैक्स फ्रॉम द मेटाबॉलिक नेटवर्क टू द जेनेटिक नेटवर्क रिवील रेगुलेटरी मॉड्यूल्स इन ई. कोली ऐंड बी.सबतिलिस, PLoS ONE, 13, 10, e0203311

कुमार ऐंड मुखोपाध्याय (2018). (3+1) - डायमेंशनल टोपोलोजिकली मासिव 2-फॉर्म गॉज थ्योरी : ज्योमेट्रिकल सुपर फील्ड एप्रोच, यूरोपीयन फीज़िकल जर्नल सी, 78, 6, 452

कुमार (2018). हिग्स बॉसॉन मेज़रमेंट्स इन सीएम एस विद रन II डाटा, फ्यु-बॉडी सिस्टम्स, 59, 5, 97

कुमार, कुलश्रेष्ठ ऐंड कुलश्रेष्ठ (2018). बॉसॉन स्टार्स ऐंड बॉसॉन शेल्स, फ्यु-बॉडी सिस्टम्स, 59, 2, 6

कुमार ऐंड वेदेश्वर (2018). मैपिंग द कंडक्शन बैंड एज डेंसिटी ऑफ स्टेट्स ऑफ? - In2Se3 बाय डिफ्यूज़ रेफ्लेक्टेंस स्पेक्ट्रा, जर्नल ऑफ एप्लाइड फीज़िक्स, 123, 12, 125107.

कुमार ऐंड कौर (2018). इफेक्ट ऑफ वैरीयस रिडक्शन मेथड्स ऑफ ग्राफीन ऑक्साइड ऑन इलेक्ट्रोमैग्नेटिक शील्डिंग, परफॉर्मेंस ऑफ रिड्यूस्ड ग्राफीन ऑक्साइड अगेंस्ट इलेक्ट्रोमैग्नेटिक पोल्युशन इन एक्स-बैंड फ्रिक्वेंसी, मैटीरियल्स टुडे कम्युनिकेशंस, 16, पृष्ठ 374-379.

कुमार (2018). रिप्लाई टू कमेंट ऑन द पेपर? रिमार्केबल एनहांसमेंट इन डाई इलेक्ट्रिक, पिएज़ोइलेक्ट्रिक, फेरोइलेक्ट्रिक ऐंड एस एचजी प्रॉपर्टीज़ बाय आयरन डोपिंग इन सोडियम पैरा-नाइट्रोफिनोलेट्डाईहाईड्रेट सिंगल क्रिस्टल? [मैटर.लेट.165(2016)99?102], मैटीरियल्स लैटर्स 218, पृष्ठ 360-363.

कुमार (2018). चार्जड कॉम्पैक्ट बोसोन स्टार्स इन ए थ्योरी ऑफ मासलेस स्केलर फील्ड, फ्यु-बॉडी सिस्टम्स, 59, 3, पृष्ठ 35.

कुमार, सहारा ऐंड कुमार (2018). ऑप्टिमाइज़ेशन ऑफ द सीवीडी पैरामीटर्स फॉर ZnO नैनोरॉड्स ग्रोथ : इट्स फोटोल्युमिनेसेंस ऐंड फील्ड एमिशन प्रोपर्टीज़, मैटीरियल्स रिसर्च बुलेटिन, 105, पेज्ज 237-245.

कुमार ऐंड ए.शुक्ला (2018). क्रिस्ट-ली मॉडल : ऑगमेंटेड सुपरवैरिएबल एप्रोच, एडवांसेज़ इन हाई एनर्जी फीज़िक्स, 2018, 7381387.

कुमार ऐंड सिहं (2018). करवेचर इफेक्ट ऑन क्युजीपी इक्वेशन ऑफ स्टेट, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, पृष्ठ 867-869.

कुमार, ठाकुर ऐंड लूथ्रा (2018). मॉड्युलेटिंग द इफेक्ट ऑफ यिट्रियम डोपिंग ऑन द स्ट्रक्चरल ऐंड डाई इलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ बेरियम टिटानेट, फीज़िकल स्टेटस सॉलिडि (ए) एप्लीकेशंस ऐंड मैटीरियल्स साइंस, 215, 7, 1700710.

कुमार एत अल (2018). फ्लेक्सीबल सिंगल वाल्ड नैनोट्यूब बेस्ड केमिकल सेंसर फॉर 2, 4-डाईनाइट्रोटालुईन सेंसिंग, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रोनिक्स, 29, 8, पृष्ठ 6200-6205.

कुमार एत अल (2018). थ्री-बॉडी डिसोसिएशन ऑफ OCS3+: सेपेरेटिंग सिक्वेंशल ऐंड कनसर्टिड पाथवेज़, जर्नल ऑफ केमिकल फीज़िक्स, 148, 6, 64302.

कुंज ऐंड श्रीनिवास (2018). डिफेक्ट मीडिएटिड फेरोमैग्नेटिज़्म इन क्लस्टर फ्री Zn1? xNixO नैनो पाउडर्स प्रिपेयर्ड बाय कम्बशन मेथड, जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल ऐंड इंजीनियरिंग केमिस्ट्री, 60, पृष्ठ 151-159.

महाजन एत अल (2018). सिस्टेमैटिक स्टडी ऑफ Po 192,202,206,210 कम्पाउंड न्युक्लिआई यूज़िंग न्युट्रोन मल्टीप्लिसिटी एज़ ए प्रोब, फीज़िकल रिव्यु सी, 98, 3, 34601.

महाजन एत अल (2018). फिशन डायनेमिक्स ऑफ 192,202,206,210 Po कम्पाउंड न्युक्लिआई बाय न्युट्रोन मल्टीप्लिसिटी मेज़रमेंट्स, एक्टा फीज़िकल पोलोनिका बी, 49, 3, पृष्ठ 645-650.

मलिक एत अल (2019). इफेक्ट ऑफ को-एक्टीवेशन ओन द थर्मोल्युमिनेसेंस ऐंड फोटोल्युमिनेसेंस प्रॉपर्टीज़ ऑफ नैनो-क्रिस्टलाइन K 2 Ca 2 (SO 4) 3: EU, Cu, जर्नल ओफ ल्युमिनिसेंस, 207, पृष्ठ 526-533.

मंडलीक एत अल (2019). थर्मोल्युमिनिसेंस स्टडीज़ ऑफ CaSO 4: डाई नैनोफॉस्फॉर फोर एप्लीकेशन इन हाई डोज़ मेज़रमेंट्स, एप्लाइड रेडियेशन ऐंड आइसोटोप्स, 148, पृष्ठ 253-261.

मंडल, मित्रा ऐंड राज़ (2019). आरडी (?) मोटिवेटिड एस1 लेप्टोक्वार्क सेनेरियोज़ : इम्पैक्ट ऑफ इंटरफीयरेंस ऑन द एक्सक्लूज़न लिमिट्स फ्रॉम एल एच सी डाटा, फीज़िकल रिव्यु डी, 99, 5, 55028.

मंगला एत अल (2018). अनीलिंग ऑफ डीप लेवल डिफेक्ट्स इन GaAs नैनोस्ट्रक्चर्स बाय आयन बीम इरेडिएशन, मैटीरियल्स लैटर्स, 217, पृष्ठ 231-234.

मेदवाल एत अल (2018). सेल्फ-स्टेबीलाइज़्ड कार्बन-एल1 0 FePt नैनोपार्टिकल्स फॉर हीटिड डॉ.ट रिकॉर्डिंग मीडिया, आईईईई मैग्नेटिस लैटर्स, 9, 5504105.

मीना, कुमार ऐंड श्रीनिवास (2018). स्ट्रक्चरल, इलास्टिक ऐंड मैग्नेटिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ स्पाइनल Co3O4, इंडियन जार्नल ऑफ प्योर ऐंड एप्लाईड फीज़िक्स, 56, 11, पृष्ठ 890-895.

मेरीनो एत अल (2018). कूलम्ब एक्सप्लोज़न ऐंड फिशन ऑफ चार्ज्ड डस्ट क्लस्टर्स, एआईपी कॉनफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 1925, 20021.

मिश्रा एत अल (2019). रैपिड एंटीबायोटिक ससेप्टीबिलीटी टेस्टिंग बाय रेसाज़ुरिन यूज़िंग थिन फिल्म प्लेटिनम एज़ ए बायो-इलेक्ट्रॉड, जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजिकल मेथड्स, 162, पृष्ठ 69-76.

मिश्रा एत अल (2018). ए मॉडल फॉर द इवोल्यूशन ऑफ द न्यूरोनल नेटवर्क इन किंडल्ड ब्रेन स्लाइसिज़, फीज़िकल ए : स्टेटिस्टिकल मेकेनिक्स ऐंड इट्स एप्लीकेशंस, 505, पृष्ठ 444-453.

डी.के.मुखर्जी, एस.राव ऐंड दास (2019). फेब्री-पेरो इंटरफेरोमीट्री इन वे1 सेमी-मेटल्स, जर्नल ऑफ फीज़िक्स कंडेंस्ड मैटर, 31, 4, 45302.

मुंजाल सिलोतिया ऐंड प्रसाद (2018). इरेटम : स्पेक्ट्रा ऑफ कनफाइंड पॉज़ीट्रोनियम (फीज़िक्स ऑफ प्लाज़्मास (2017), 24, (122118) डीओआई: 10.1063/1.5008949), फीज़िक्स ऑफ प्लाज़्मास, 25, 7, 79901.

मुंजाल, विधानी ऐंड प्रसाद (2018). पॉज़ीट्रॉनियम अंडर हार्मनिक ऐंड प्लाज़्मा कनफाइनमेंट. एआईपी कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 1953, 140040.

नकवी एत अल (2019). न्युक्लीयल लेवल डेंसिटीज़ ऐंड? - रे स्ट्रेंथ फंक्शंस इन समेरियम आइसोटोप्स, फीज़िकल रिव्यु सी, 99, 5, 54331.

नॉटिकल ऐंड सिलोतिया (2018). सेकेन्ड हार्मनिक जेनरेशन इन ए डिस्क-शेप्ड क्वांटम डॉ.ट इन द प्रेज़ेंस ऑफ स्पिन-ऑर्बिट इंटरेक्शन, फीज़िक्स लैटर्स, सेक्शन ए: जनरल, एटमिक ऐंड सॉलिड-स्टेट फीज़िक्स, 382, 31, पृष्ठ 2061-2068.

नेगी ऐंड चंद्रा (2019). आयनिक स्विच यूज़िंग नैनो-चैनल्स इन पॉलीमरिक मेम्ब्रेन, आयनिक्स, 25, 3, पृष्ठ 1123-1130.

नेहरा एत अल (2019). एनहांस्ड कैटालीटिक ऐंड एस ई आर एस परफॉर्मेंस ऑफ शेप/साइज़ कंट्रोल्ड एनिज़ोट्रोपिक गोल्ड नैनोस्ट्रक्चर्स, न्यु जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 43, 9, पृष्ठ 3835-3847.

नेहरा ऐंड कुमार (2018). क्लोराइड आयन रिफाइंड गल्वेनिक रेप्लेसमेंट: बूस्टिंग मोनोडिसपर्स्ड ऑफ Au-Ag हॉलो नैनोपार्टिकल्स ऐंड देयर एनहांस्ड एप्लीकेशंस, करंट एप्लाईड फीज़िक्स, 18, 10, पृष्ठ 1158-1170.

निशा एत अल (2019). फर्स्ट-प्रिंसिपल्स स्टडी ऑन इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनिकल ऐंड थर्मोइलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्ट प्रॉपर्टीज़ ऑफ टोपोलोजिकल इंसुलेटर NaAuS, एआईपी कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 2093, 20016

पालीवाल, तोमर ऐंड वी. गुप्ता (2019). रीफ्रेक्टिव इंडेक्स सेंसर यूज़िंग लॉन्ग-रेंज सरफेस प्लाज़्मोन रेज़ोनेंस विद प्रिज़्म कपलर, प्लाज़्मोनिक्स, 14, 2, पृष्ठ 375-381.

पालीवाल, तोमर ऐंड गुप्ता (2018). स्टडी ऑफ ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज़ ऑफ Ce ऐंड Mn डोप्ड BiFeO 3 थिन फिल्म्स यूज़िंग एस पी आर टेक्नीक फॉर मैग्नेटिक फील्ड सैंसिंग, वैक्यूम, 158, पृष्ठ 48-51.

पंवार एत अल (2019). अंडरस्टेंडिंग फॉर्मेशन ऑफ यंज़, डिस्ट्रीब्यूटिड लो-मास स्टार्स ऐंड क्लस्टर्स इन द W4 क्लाउड कॉम्पलेक्स, एस्ट्रोनोमिकल जर्नल, 157, 3, 112.

पाठक, सेंथिल ऐंड शर्मा (2019). स्टडी ऑफ ऑप्टिकल क्रॉस सेक्शन ऑफ एनिज़ोट्रॉपिक कोर-शैल नैनोस्ट्रक्चर इन्साइड ए पेरोव्स्काइट एनवायर्नमेंट : द इनफ्लुएंस ऑफ गेन मीडिया, प्लाज़्मॉनिक्स, 14, 1, पृष्ठ 63-70.

पंवार एत अल (2018). यंग क्लस्टर बर्कले 59 : प्रॉपर्टीज़, इवोल्युशन, ऐंड स्टार फॉर्मेशन, एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल, 155, 1, 44.

पाठक एत अल (2019). ट्यूनिंग ऑफ द सरफेस प्लाज़्मोन रेज़ोनेंस ऑफ अल्युमीनियम नैनो शैल नीयर-इंफ्रारेड रेजीम्स, फ़िज़िकल केमिस्ट्री केमिकल फीज़िक्स, 21, 18, पृष्ठ 9441-9449.

पटनायक एत अल (2018). थ्योरेटिकल एनालीसिस ऑफ द इलैक्ट्रिकल ऐंड ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज़ ऑफ ZnS , लेक्चर नोट्स इन इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, 442, 9-19.

पटनायक एत अल (2019). एनहांसमेंट इन पावर कनवर्ज़न एफीशिएंसी ऑफ मल्टी-क्रिस्टलाइन सिलिकॉन सोलर सैल बाय zns नैनो पार्टिकल्स विद pmma , स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 215, पृष्ठ 399-405.

पटनायक एत अल (2018). ऑप्टिकल स्टडी ऑफ ZnS नैनो स्पीसिज़ विद वैरींग अमाउंट ऑफ इथाईलीनडायमीन फॉर फोटोवोल्टाइक एप्लीकेशन, इंटीग्रेटिड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 194, 1, पृष्ठ 135-144.

पॉल, साहा ऐंड दास (2018). स्पिन-सिलेक्टिव कपलिंग टू मजोराना ज़ीरो मॉड्स इन मिक्स्ड सिंगले ऐंड ट्रिप्ले सुपरकंडक्टिंग नैनोवायर्स, इंटीग्रेटिड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 97, 20, 205446.

फोगाट एत अल (2018). न्यु फ्रंट-एंड इलेक्ट्रोनिक्स फॉर INO-ICAL एक्सपेरीमेंट, न्युक्लीयर इंस्ट्रूमेंट्स ऐंड मेथड्स इन फीज़िक्स रिसर्च, सेक्शन ए : एक्सलरेटर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स ऐंड एसोसिएटिड इक्विपमेंट, 905, पृष्ठ 193-198.

पाहुजा, तोमर ऐंड टंडन (2018). इम्प्रूव्ड प्रॉपर्टीज़ इन Dy3+ सब्स्टीट्यूटिड बेरियम टिटानेट. इंटीग्रेटेड फेरो इलेक्ट्रिक्स, 186, 1, 49, 53.

फोगाट एत अल (2018). परफोर्मेंस स्टडी ऑफ लार्ज साइज़ आरपीसी डिटेक्टर फॉर INO-ICAL एक्सपेरीमेंट, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, पृष्ठ 755-757.

पोखरियाल एत अल (2019). कोरेलेटिंग ऑक्साइड आयन कंडक्टीविटी विद आयनिक साइज़ ऑफ डोपेंट ऐंड डेफेक्ट स्ट्रक्चर्स इन द2 -LnO 1.5 (Ln=Y, La ऐंड Gd) प्रिपेयर्ड बाय मॉडीफाइड इपोक्साइड जेल मेथड, सॉलिड स्टेट आयनिक्स, 329, पृष्ठ 67-73.

पूनम एत अल (2019). स्ट्रक्चरल, इलेक्ट्रॉनिक ऐंड मैग्नेटिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ टाई-डोप्ड MgSe डील्यूटिड मैग्नेटिक सेमीकंडक्टर कम्पाउंड, एआईपी कॉनफरेंस प्रोसीडिंग्स, 2093, 20001.

प्रगति एत अल (2018). पैरिटी डबले स्ट्रक्चर्स इन डबली-ऑड Fr 216, फीज़िकल रिव्यु सी 97, 4, 44309

प्रेमराज एत अल (2018). बायफर्केशन डिले इन ए नेटवर्क ऑफ लोकली कपल्ड स्लो-फास्ट सिस्टम्स, फीज़िकल रिव्यु ई. 98, 2, 22206.

प्रियंका, के.रंजन ऐंड भारद्वाज (2019). सिंगल-टॉप क्वार्क प्रोडक्शन एट सीएमएस, यूनिवर्स, 5, 1, 19

पुनीता एत अल (2018). डायनेमिकल इफेक्ट्स ऑफ ब्रेकिंग रोटेशनल सिमिट्री इन काउंटर-रोटेटिंग स्टुअर्ट-लैंडो ऑसीलेटर्स, फीज़िकल रिव्यु ई. 98, 2, 22212.

पुरी, टंडन ऐंड माहपात्र (2019). सिग्नीफिकेंट एनहांसमेंट इन थर्मोइलेक्ट्रिक पावर फैक्टर ऑफ बल्क नैनोस्ट्रक्चर्ड कैल्शियम कोबाल्ट ऑक्साइड सिरेमिक्स, एसीएस एप्लाइड एनर्जी मैटीरियल्स, 2, 2, 269, 277.

पुरी, टंडन ऐंड माहपात्र (2018). फुली डेंस हॉट-प्रेस्ड कैल्शियम कोबाल्ट ऑक्साइड सिरेमिक्स, सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 44, 6, पृष्ठ 6337-6342.

पुरी, टंडन ऐंड माहपात्र (2018). वैरीएबल रेंज हॉपिंग कनडक्शन इन फुली डेंस कैल्शियम कोबाल्ट ऑक्साइड टेक्सचर्ड सिरेमिक्स, सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 44, 13, पृष्ठ 15478-15482.

राहुल एत अल (2018). लैस टॉग्ज़िक टिन इनकार्पोरेटिड पेरोव्स्काइट सोलर सैल यूज़िंग पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट प्रोसेस्ड इन द एयर, ऑप्टिक, 169, पृष्ठ 166-171.

रफीक एत अल (2018). फ्रंट-एंड रीडआउट फॉर INO-ICAL GRPC , स्प्रिंगल प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, पृष्ठ 805-807

राजपूत एत अल (2018). नेटिव फ्रेम्स : डिसएनटैंगलिंग सिक्वैंशल फ्रॉम कनसर्टिड थ्री-बॉडी फ्रेगमैंटेशन फीज़िकर, रिव्यु लैटर्स, 120, 10, 103001.

राणा एत अल (2018). फेब्रीकेशन ऑफ सरफेस एकाउस्टिक वेव बेस्ड वायरलेस NO 2 गैस सेंसर, सरफेस ऐंड कोटिंग्स टेक्नोलॉजी, 343, 89, 92.

राणा एत अल (2018). बाउंड्स ऑन ग्रेविटन मास यूज़िंग वीक लेंसिंग ऐंड एस ज़ेड इफेक्ट इन गेलेक्सी क्लस्टर्स, फीज़िक्स लैटर्स, सेक्शन बी : न्युक्लीयर, एलीमेंटरी पार्टिकल ऐंड हाई-एनर्जी फीज़िक्स, 781, पृष्ठ 220-226.

राणा एत अल (2018). नॉवल डिज़ाइंस ऑफ एसएडब्लु डिवाइसेस फॉर हाइली सैंसिटिव केमिकल सेंसर्स, मैटीरियल्स टुडे : प्रोसीडिंग्स, 5, 7, पृष्ठ 15371-15375.

राणा एत अल (2018). फेब्रीकेशन ऑफ ZnO/Si लैम्ब वेव एकाउस्टिक डिवाइसेज़, फेरो इलेक्ट्रिक्स, 535, 1, पृष्ठ 41-46.

राणा एत अल (2018). हाइली सैंसिटिव लव वेव एकाउस्टिक बायोसेंसर फॉर यूरिक एसिड, सेंसर्स ऐंड एक्चुएटर्स, बी : केमिकल, 261, पृष्ठ 169-177.

राणा एत अल (2018). इनवेस्टीगेशन ऑफ कोबाल्ट सब्स्टीट्यूटिड एम-टाइप बेरियम फेराइट सिंथेसाइज़्ड वाया को-प्रेसिपिटेशन मेथड फॉर राडार एबज़ॉर्बिंग मैटीरियल इन Ku-बैंड (12?18 GHz), सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 44, 6, पृष्ठ 6370-6375.

राणा एत अल (2018). डेवलपमेंट ऑफ मेम्स-बेस्ड लैम्ब वेव एकाउस्टिक डिवाइसेज़, आईईईई ट्रांज़ेक्शंस ऑन इलेक्ट्रॉन डिवाइसेज़, 65, 4, पृष्ठ 1523-1528.

रानी एत अल (2019). फर्स्ट प्रिंसिपल्स इनवेस्टीगेशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक प्रॉपर्टीज़ एंड मैग्नेटिक रेस्पॉन्स ऑफ Fe 3 Co 3 Ti 2 इन नॉन-क्युबिक फेज़, एआईपी कॉनफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 2093, 20009

रानी एत अल (2019). मैग्नेटोक्रिस्टलाइन एनिज़ोट्रॉपी ऑफ Pt-डोप्ड L10-FeNi कमपाउंड फॉर क्लीन एनर्जी एप्लीकेशंस, वैक्यूम, 159, पृष्ठ 186-190.

रोहिन (2018). कॉरेलकैल्क : ए 'जेनेरिक' रेसिपि फॉर कैलकुलेशन ऑफ टू-प्वायंट कोरेलेशन फंक्शन, एस्ट्रोनॉमी ऐंड कम्प्यूटिंग, 25, पृष्ठ 149-158.

रॉय एत अल (2018). एक्स-रे स्ट्रक्चर एनालीसिस ऑफ अल्ट्रा-थिन सिल्वर फिल्म्स ऑन द (0001) सरफेस ऑफ द टोपोलॉजिकल इंसुलेटर Bi2Se3, फीज़िकल स्टेटस सोलिडि-रैपिड रिसर्च लैटर्स, 12, 7, 1800138.

सैनी एत अल (2018). प्रोबिंग द मेकेनिज़्म फॉर बाईपोलर रेज़िस्टिव स्विचिंग इन अनील्ड ग्राफीन ऑक्साइड थिन फिल्म्स, एसीएस एप्लाइड मैटीरियल्स एंड इंटरफेसिज़, 10, 7, 6521, 6530.

सरकार एत अल (2018). ए होलोग्राफिक डेस्क्रिप्शन ऑफ बीसीएस इंस्टेबिलिटी एट फाइनाइट बेरियन डेंसिटी, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, पृष्ठ 607-609.

सरकार एंड सेठी (2018). इंटरसेक्टिंग डी-ब्रेन स्टेक्स ऐंड टेक्योंस एट फाईनाइट टेम्परेचर, न्युक्लियर फीज़िक्स बी, 936, पृष्ठ 118-150.

सबरत्नम ऐंड प्रसाद (2018). जनरलाइज़्ड सिंक्रोनाइज़ेशन इन ए कंज़र्वेटिव ऐंड नीयरली कंज़र्वेटिव सिस्टम्स ऑफ स्टार नेटवर्क, केओज़, 28, 11, 113107.

सबरत्नम ऐंड प्रसाद(2018). मेमरिस्टर इमुलेटर कॉज़ेज़ डिस्सिमिलेरिटी ऑन ए कपल्ड मेमरिस्टिव सिस्टम्स, एआईपी कॉनफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 1942, 60025.

सबरत्नम ऐंड तमिलमारन (2018). कंट्रोलिंग ऑफ केओज़ इन ए ट्यूमर ग्रोथ कैंसर मॉडल : एन एक्सपेरीमेंटल स्टडी, इलेक्ट्रोनिक्स लैटर्स, 54, 20, EL.2018.5126, पृष्ठ 1160-1162.

सभजीत, यादव ऐंड सोनकर (2018). सॉल-जेल फॉर्म्ड स्फेरिकल नैनोस्ट्रक्चर्ड टिटेनिया बेस्ड लिक्वीफाइड पेट्रोलियम गैस सेंसर, एआईपी कॉनफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 1953, 30078.

सैनी एत अल (2018). पेक्ट्रोस्कोपिक ऐंड इलेक्ट्रॉनिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ पोलीएलीलेमाइन फंक्शनलाइज़्ड ग्राफीन ऑक्साइड फिल्म्स, वैक्यूम, 154, पृष्ठ 110-114.

साहा एत अल (2019). ऑब्ज़र्वेशन ऑफ रोटेशन अबाउट द लॉन्गेस्ट प्रिंसीपल एक्सिस इन Zr 89, फीज़िकल रिव्यु सी, 99, 5, 54301.

साहू एत अल. (2019). सब-बैरियर फ्यूज़न इन द Cl 37 + Te 130 सिस्टम, फीज़िकल रिव्यु सी, 99, 2, 24607

सहरे एत अल (2018). n-ZnO/p-Si हेटेरोजंक्शन नैनोडायोड्स बेस्ड सेंसर फॉर मॉनीटरिंग यूवी रेडियेशन, सेंसर्स ऐंड एक्चुएटर्स, ए : फीज़िकल, 279, पृष्ठ 351-360.

सहरे एत अल (2018). n-ZnO/p-Si हेटेरोजंक्शन नैनोडायोड्स बेस्ड सेंसर फॉर मॉनीटरिंग यूवी रेडियेशन, सेंसर्स ऐंड एक्चुएटर्स, ए : फीज़िकल, 279, पृष्ठ 351-360.

सहरे ऐंड सरन (2018). पार्टिकल साइज़ इफेक्ट्स ऑन द डॉ.ज़िमेट्री कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ K3Na (SO4)2: Eu TLD माइक्रो- ऐंड नैनोफोस्फोरस, जर्नल ऑफ ल्युमिनेसेंस, 198, पृष्ठ 488-496.

सांगवान एत अल (2018). इम्प्रूव्ड डाई इलेक्ट्रिक ऐंड फेरो इलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ Mnडोप्ड बेरियम ज़िरकोनियम टीटानेट(बीज़ेडटी) सिरेमिक्स फॉर एनर्जी स्टोरेज एप्लीकेशंस, जर्नल ऑफ फीज़िक्स ऐंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स, 117, 158, 166.

सरीन एत अल (2018). डेसिफरिंग द रोल ऑफ ऑक्सीजन वेकेंसीज़ ऑन स्ट्रक्चरल, इलेक्ट्रीकल ऐंड मैग्नेटिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ Fe-सब्स्टीट्यूटिड स्ट्रॉन्शियम टीटानेट, फीज़िकल स्टेटस सॉलिडि(बी) बेसिक रिसर्च, 255, 8, 1700683.

सरीन एत अल (2019). इनफ्लुएंस ऑफ हयुमिडिटी ऑन द नं.2 सेंसिंग प्रॉपर्टीज़ ऑफ स्क्रोड 0.1 it 0.9 o 3, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 215, पृष्ठ 905-911.

सामंत एत अल (2019). सिंगल पार्टिकल कनफिगरेशंस इन Ni 61, फीज़िकल रिव्यु सी, 99, 1, 14315

सामंत एत अल (2018). सिंगल पार्टिकल एक्साइटेशंस इन द लेवल स्ट्रक्चर ऑफ Cu 64, फीज़िकल रिव्यु सी, 97, 1, 14319

सरीन (2018). इलुसिडेटिंग आयरन डोपिंग इंड्यूस्ड एन- टू पी- कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ स्ट्रॉन्शियम टीटानेट बेस्ड इथेनॉल सैंसर्स, करंट एप्लाइड फीज़िक्स, 18, 2, 246, 253.

सक्सेना एत अल (2019). स्ट्रक्चरल प्रॉपर्टीज़ ऐंड डिके मॉड्स ऑफ Z = 1 2 2, 120 and 118 सुपर हेवी न्युक्लाई, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडर्न फीज़िक्स ई, 28, 1950008.

सक्सेना एत अल (2018). रेडियेशन स्टेबिलिटी ऑफ सीबीडी ग्रोन नैनोक्रिस्टलीन सीडीएस फिल्म्स अगेंस्ट आयन बीम इरेडियेशन फॉर सोलर सैल एप्लीकेशंस, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 29, 13, पृष्ठ 11013-11019.

सहदेव एत अल (2018). थर्मल अनीलिंग ऐंड ट्रांज़िएंट इलेक्ट्रॉनिक एक्साइटेशंस इंड्यूस्ड इंटरफेशियल ऐंड मैग्नेटिक इफेक्ट्स ऑन Pt/Co/Pt ट्राईलेयर, न्युक्लियर इंस्ड्रुमेंट्स ऐंड मेथड्स इन फीज़िक्स रिसर्च, सेक्शन बी : बीम इंटरेक्शंस विद मैटीरियल्स ऐंड एटम्स, 420, पृष्ठ 50-56.

सेठी, चौधरी ऐंड सरकार (2018). इंटरसेक्टिंग डी3-ब्रेंस एट फाइनाइट टेम्परेचर, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, पृष्ठ 463-466.

शाह एत अल (2018). ए नॉवल असेम्बली प्रोसीजर ऑफ जी ई1/1 डिटेक्टर्स फॉर सीएमएस हाई ल्युमिनॉज़िटी फेज़ ऑफ द एलएचसी, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, 775, 777.

शाह, कुमार ऐंड पुलिसिनो (2018). सर्च फॉर हेवी न्युट्रल हिग्स इन डाई-बोसोन फाइनल स्टेट एट (फॉर्मूला प्रेज़ेंटेड)=13 टी ईवी, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, पृष्ठ 905-907.

शाह एत अल (2018). डेवलपमेंट, कैरेक्टराइज़ेशन ऐंड क्वालीफिकेशन ऑफ फर्स्ट जेम फॉयल्स प्रोड्यूस्ड इन इंडिया, न्युक्लियर इंस्ट्रूमेंट्स ऐंड मेथड्स इन फीज़िक्स रिसर्च, सेक्शन ए: एक्सलरेटर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स ऐंड एसोसिएटिड इक्विपमेंट, 892, 10,17.

शेख एत अल (2018). इनवेस्टीगेशन ऑफ फ्यूज़न हिंडरेंस इन ए सॉफ्ट एसिम्म्ट्रिक सिस्टम डीप बिलो द बैरियर, जर्नल ऑफ फीज़िक्स जी : न्युक्लीयर ऐंड पार्टिकल फीज़िक्स, 45, 9, 95103.

शर्मा एत अल (2018). ग्रोथ ऑफ टर्नरी Cd x Zn 1-x O थिन फिल्म्स इन ऑक्सीजन एम्बियेंट यूज़िंग पल्स्ड लेज़र डिपोज़ीशन, एआईपी कॉनफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 1953, 100059.

शर्मा एत अल (2018). स्पेक्ट्रल प्रॉपर्टीज़ ऑफ एमएक्सबी 1658-298 इन द लो/हार्ड ऐंड हाई/सॉफ्ट स्टेट, मंथली नोटिसिज़ ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, 481, 4, 5560-5569.

शर्मा एत अल (2018).डीटेल्ड ऑप्टिकल एनालीसिस ऑफ 100 MeV Ni 7+ आयन इरेडिएटिड WO 3 थिन फिल्म्स यूज़िंग सरफेस प्लाज़्मोन रेज़ोनेंस रेडिएशन, फीज़िक्स ऐंड केमिस्ट्री, 153, 51-57.

शर्मा एत अल (2018). ट्यूनेबल ब्लू-ग्रीन एमिशन फ्रॉम ZnS (Ag) नैनोस्ट्रक्चर्स ग्रोनबाय हाइड्रोथर्मल सिंथेसिस, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स रिसर्च, 33, 23, पृष्ठ 3963-3970.

शर्मा एत अल (2019). इफेक्ट ऑफ ऑक्सीजन प्रेशर ऑन ग्रोथ ऑफ cd 0.05 zn 0.95 o थिन फिल्म्स यूज़िंग पल्स्ड लेज़र डिपोज़ीशन, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 215, 1059-1064.

शर्मा एत अल (2019).डाई इलेक्ट्रिक ऐंड फेरो इलेक्ट्रिक स्टडीज़ ऑफ के एन एन थिन फिल्म ग्रोन बाय पल्स्ड लेज़र डेपोज़ीशन टेक्नीक, वैक्यूम, 160, 233-237.

शर्मा एत अल (2019). लो रेज़िस्टीविटी ऑफ पल्स्ड लेज़र डिपोज़िटिड Cd x Zn 1-x O थिन फिल्म्स, सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 45, 2, पृष्ठ 1900-1908.

शर्मा एत अल (2019). फेब्रीकेशन ऑफ थिन सैंडविच्ड 142, 150 एनडी टारगेट्स फॉर हायरा स्पेक्ट्रोमीटर एक्सपेरीमेंट्स, न्युक्लीयर इंस्ट्रुमेंट्स ऐंड मेथड्स इन फीज़िक्स रिसर्च, सेक्शन ए : एक्सलरेटर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स ऐंड एसोसिएटिड इक्विपमेंट, 935, पृष्ठ 65-68.

शर्मा एत अल (2018). WO 3 /BTO हेटरोस्ट्रक्चर्स बेस्ड NO 2 सेंसर विद एनहांस्ड रेसपॉन्स कैरेक्टरिस्टिक्स, इंटीग्रेटिड फेरो इलेक्ट्रिक्स, 193, 1, पृष्ठ 106-120.

शर्मा, पाठक ऐंड शर्मा (2018), कम्पुटेशनल स्टडी ऑफ प्लाज़्मोन इंटरेक्शन इन ऑर्गेनिक मीडिया : ए कम्पेरिज़न बिटवीन एनालीटिकल ऐंड न्युमेरिकल मॉडल फॉर डाइमर, प्लाज़्मोनिक्स, 13, 5, पृष्ठ 1775-1784.

शर्मा एत अल (2018). स्टडीज़ ऑन द इफेक्ट ऑफ इंटीग्रेशन ऑफ मेटल नैनोक्लस्टर्स ऑन द इलेक्ट्रिकल ऐंड फेरो इलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ बेरियम टिटानेट थिन फिल्म, फेरो इलेक्ट्रिक्स, 533, 1, पृष्ठ 43-48.

शर्मा ऐंड हाशमी (2019). मैग्नीशियम आयन-कंडक्टिंग जैल पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट नैनोकम्पोज़िट्स : इफेक्ट ऑफ एक्टिव ऐंड पैसिव नैनोफिलर्स, पॉलीमर कम्पोज़िट्स, 40, 4, पृष्ठ 1295-1306.

शर्मा, सी.जैन ऐंड दत्ता (2019). स्टडी ऑफ द रिफलेक्शन स्पेक्ट्रा ऑफ SAX J1748.9-2021, मंथली नोटिसिज़ ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, 482, 2, पृष्ठ 1634-1639.

शर्मा, तोमर ऐंड गुप्ता (2018). इफेक्ट ऑफ टॉप मेटल कॉन्टेक्ट ऑन द फेरो इलेक्ट्रिक फोटोवोल्टाइक रिस्पॉन्स ऑफ बीएफओ थिन फिल्म कैपेसिटर्स, वैक्यूम, 158, पृष्ठ 117-120.

शर्मा, अविनाश ऐंड गुप्ता (2018). ऑसिलेटिंग टू-स्ट्रीम इनस्टेबिलिटी इन स्ट्रॉन्गली कपल्ड प्लाज़्मा, लेज़र ऐंड पार्टिकल बीम्स, 36, 3, पृष्ठ 376-383.

शर्मा, सुब्रामण्यम ऐंड शेषाद्री (2018). जेनरेशन ऑफ हेलिकल मैग्नेटिक फील्ड इन ए वायबल सेनारियो ऑफ इनफ्लेशनरी मैग्नेटोजेनेसिस, फीज़िकल रिव्यु डी, 97, 8, 83503.

शर्मा एत अल (2018). फर्स्ट प्रिंसिपल्स स्टडी ऑफ ए इनफ्लुएंस ऑफ मेटलिक-डोपिंग ऑन क्रिस्टलाइन ZnS : फ्रॉम एफीशिएंसी आस्पेक्ट्स फॉर यूज़ इन ए ZnS बेस्ड डाइ सेंज़ीटाइज़्ड सोलर सैल(डीएसएससी), इंटीग्रेटिड फेरो इलेक्ट्रिक्स, 194, 1, पृष्ठ 96-103.

शर्मा एत अल (2018). ग्रोथ ऑफ के एन एन थिन फिल्म्स फॉर नॉन-लीनियर ऑप्टिकल एप्लीकेशंस, फीज़िकल स्टेटस सॉलिडि (ए) एप्लीकेशंस ऐंड मैटीरियल्स साइंस, 215, 1700452.

शर्मा, पांडेय ऐंड जैन (2018). मॉडलिंग द कॉस्ट ऐंड बेनेफिट ऑफ प्रोटियोम रेगुलेशन इन ए ग्रोइंग बैक्टीरियल सैल, फीज़िकल बायोलोजी, 15, 4, 46005.

शर्मा एत अल (2018). रिवर्सल इन द लैटिस कॉनट्रेक्शन ऑफ α-Fe 2 O 3 नैनोपार्टिकल्स, जर्नल ऑफ फीज़िकल केमिस्ट्री सी, 122, 17, पृष्ठ 9292-9301.

वी.शर्मा (2018). सर्च फॉर एक्साइटिड क्वार्क रेज़ोनेंसेज़ इन द फोटोन एत इनवैरियंट मास स्पेक्ट्रम एट 13 टी ई वी, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, पृष्ठ 197-200.

पी. शर्मा, पी.पी.पांडेय ऐंड एस.जैन (2018). मॉडलिंग द कॉस्ट ऐंड बेनेफिट ऑफ प्रोटियोम रेगुलेशन इन ग्रोइंग बैक्टीरियल सैल, फीस. बायोलोजी 15, 046005.

शर्मा एत अल (2018). फेब्रिकेशन ऐंड कैरेक्टराइज़ेशन ऑफ ABS/rGO नैनो-कम्पोज़िट्स फॉर ईएमआई शील्डिंग एप्लीकेशन, एआईपी कॉनफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 2009, 20008.

श्रेष्ठा (2018). एन एडवांस्ड सैंडविच-टाइप आर्किटेक्चर ऑफ MnCo 2 O 4 @N-C@MnO 2 एज़ एन एफीशियंट इलेक्ट्रोड मैटीरियल फॉर ए हाई-एनर्जी डेंसिटी हाईब्रिड एसिमिट्रिक सॉलिड-स्टेट सुपरकैपिसिटर, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स केमिस्ट्री ए, 6, 47, 24509, 24522.

एम.के.शुक्ला ऐंड के.अविनाश (2019). इक्विलिब्रियम कंफिगरेशन ऑफ सेल्फ-ग्रेविटेटिंग चार्ज्ड डस्ट क्लाउड्स : पार्टिकल एप्रोच, फीज़िक्स ऑफ प्लाज़्मास, 26, 1, 13701.

सिकरवार एत अल (2019). सिंथेसिस ऐंड कैरेक्टराइज़ेशन ऑफ हाइली पोरस हेक्सगनल शेप्ड CeO 2 -Gd 2 O 3 -CoO नैनोकम्पोज़िट ऐंड इट्स ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक ह्युमिडिटी सेंसिंग, एप्लाइड सरफेस साइंस, 479, पृष्ठ 326-333

सिकरवार एत अल (2018). सिंथेसिस ऐंड इनवेस्टीगेशन ऑफ क्युबिकल शेप्ड बेरियम टीटानेट ऐंड इट्स एप्लीकेशन एज़ ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक ह्युमिडिटी सेंसर, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 29, 15, पृष्ठ 12951-12958.

सिलोतिया, आर गेरी ऐंड प्रसाद (2018). स्पेक्ट्रा ऑफ डिस्टॉर्टिड क्वांटम रिंग इन एक्सटर्नल फील्ड्स, इंडियल जर्नल ऑफ प्योर ऐंड एप्लाइड फीज़िक्स, 56, 12, पृष्ठ 941-948.

सिहं एत अल (2019). लाइटवेट रिड्यूस्ड ग्राफीन ऑक्साइड-ZnO नैनोकम्पोज़िट फॉर एनहांस्ड डाई इलेक्ट्रिक लॉस ऐंड एक्सीलेंट इलेक्ट्रोमैग्नेटिस इंटरफीयरेंस शील्डिंग, कम्पोज़िट्स पार्ट बी : इंजीनियरिंग, 172, पृष्ठ 234-242.

सिहं एत अल (2019). रिलेटीविस्टिक आर-मैट्रिक्स केलकुलेशंस ऑफ फोटोआयनाइज़ेशन क्रॉस सेक्शंस ऑफ Cu XVIII, यूरोपीयन फीज़िकल जर्नल डी, 73, 5, 85.

सिहं, झा ऐंड भट्टाचार्जी (2019). फोटोन ब्लोकेड इंड्यूस्ड ट्यूनेबल सोर्स ऑफ वन/टू फॉटोन इन ए डबल क्वांटम डॉ.ट-सेमीकंडक्टर माइक्रोकैविटी सिस्टम, ऑप्टिक, 185, पृष्ठ 685-691.

सिहं ऐंड कर (2019). इमर्जेंट डी-इंस्टेंटन एज़ ए सोर्स ऑफ डार्क एनर्जी, ब्राज़ीलियन जर्नल ऑफ फीज़िक्स, 49, 2, पृष्ठ 249-255.

सिहं एत अल (2019). रिलेटीविस्टिक आर-मैट्रिक्स फोटोआयनाइज़ेशन क्रॉस सेक्शन केलकुलेशंस ऑफ Ne-like Co XVIII विद रेज़ोनेंस पैरामीटर्स, जर्नल ऑफ फीज़िक्स बी : एटमिक, मोलेक्युलर ऐंड ऑप्टिकल फीज़िक्स, 52, 7, 75002.

सिहं एत अल (2019). स्पेक्ट्रोस्कोपिक स्टडी ऑफ ईयूवी ऐंड एस एक्स आर ट्रांज़ीशंस ऑफ Cu XIX विद प्लाज़्मा पैरामीटर्स, रेडिएशन फीज़िक्स ऐंड केमिस्ट्री, 156, पृष्ठ 174-192.

सिहं एत अल (2018). एक्सप्लोरिंग द ऑप्टिकल बिहेवियर ऑफ ए टाइप इएक्स सुपरनोवा SN 2014dt, मंथली नोटिसेज़ ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, 474, 2, 2551-2563.

सिहं एंड यादव (2019). द रेडियल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ ब्लु स्ट्रेग्लर्स इन गैलेक्टिक ग्लोबुलर क्लस्टर एनजीसी 6656 ? क्लूज़ टू द डायनेमिकल स्टेटस, मंथली नोटिसेज़ ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, 482, 4, पृष्ठ 4874-4882.

सिहं एत अल (2019). एक्युरेट स्टडी ऑन द प्रॉपर्टीज़ ऑफ स्पेक्ट्रल लाइंस फॉर Na-like Cr 13+, कनेडियन जर्नल ऑफ फीज़िक्स, 97, 4, पृष्ठ 436-442.

सिहं, गोयल ऐंड मोहन (2018). एक्सटेंडिड एटमिक स्ट्रक्चर केलकुलेशंस फॉर एनर्जी लेवल्स ऐंड रेडियेटिव डाटा ऑफ Xu XLIII, जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी ऐंड रिलेटिड फिनोमेना, 229, पृष्ठ 94-99.

सिहं एत अल (2018). डीजेनरेट क्वांटम वैक्युआ ऐंड केर फेमिली ऑफ ब्लैक होल्स, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, 271-273.

सिहं ऐंड चट्टोपाध्याय (2018). स्टडी ऑफ मैग्नेटाइज़्ड एक्रीशन फ्लो विद वैरियेबल Γ इक्वेशन ऑफ स्टेट, मंथली नोटिसेज़ ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, 476, 3, पृष्ठ 4123-4138.

सिहं एत अल (2018). ट्यूनेबल नैनोस्ट्रक्चर्ड कॉलमर ग्रोथ ऑफ SnO 2 फॉर एफीशिएंट डिटेक्शन ऑफ CO गैस, नैनोटेक्नोलोजी, 29, 6, 65502.

एन. सिहं, एस. अग्रवाल ऐंड मोहन (2018). एटमिक डाटा फॉर Ne-लाइक आयंस यूज़फुल इन प्लाज़्मा डायग्नॉस्टिक, कनाडियन जर्नल ऑफ फीज़िक्स, 96, 1, पृष्ठ 36-54.

सिहं एत अल (2018). कॉस्मोलोजिकल पेयर क्रिएशन ऑफ यूनिवर्स ऐंड एंटी यूनिवर्स एट बिग बैंग, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 203, पृष्ठ 305-308.

सिहं, अग्रवाल ऐंड मोहन (2018). थ्योरेटिकल स्टडी ऑफ एनर्जी लेवल्स ऐंड रेडियेटिव प्रॉपर्टीज़ ऑफ Be-लाइक W70+, जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कॉपी ऐंड रिलेटिड फेनोमेना, 229, पृष्ठ 124-131.

सिहं एत अल (2018). ग्रोथ ऑफ हाइली पोरस ZnO नैनोस्ट्रक्चर्स फॉर कार्बन मोनोक्साइड गैस सैंसिंग, सरफेस ऐंड कोटिंग्स टेक्नोलॉजी, 343, 49, 56.

सिहं एत अल (2018). मेम्स-बेस्ड माइक्रोहीटर्स इंटीग्रेटिड गैस सैंसर्स, इंटीग्रेटिड फेरो इलेक्ट्रिक्स, 193, 1, पृष्ठ 72-87.

सिहं ऐंड रामनाथन(2018). स्पीड ऑफ साउंड इन ए क्वार्क? ग्लुओन-प्लाज़्मा विद वन लूप करेक्शन इन मीन-फील्ड पोटेंशल, इंडियन जर्नल ऑफ फीज़िक्स, 92, 2, पृष्ठ 245-248.

सिहं, गोयल ऐंड मोहन (2018). थ्योरेटिकल स्टडी ऑफ एक्स्ट्रीम अल्ट्रावायलेट ऐंड सॉफ्ट एक्स-रे ट्रांज़ीशंस ऑफ इन XLVI एंड Sn XLVII विद प्लाज़्मा पैरामीटर्स, जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी ऐंड रिलेटिड फेनोमेन, 227, पृष्ठ 23-30.

सिन्हा एत अल (2018). Y-डोप्ड ZnO नैनोशीट्स : जाईजैंटिक पिएज़ोइलेक्ट्रिक रिस्पॉन्स फॉर एन अल्ट्रा-सैंसिटिव फ्लेक्सीबल पिएज़ोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर, सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 44, 7, पृष्ठ 8582-8590.

सिहं ऐंड गुप्ता (2018). लेज़र-एब्ज़ॉर्प्शन इफेक्ट ऑन पल्स-कम्प्रेशन अंडर ओहि्मक ऐंड वीक-रिलेटिविस्टिक पोंडरोमोटिव नॉनलीनियेरिटी इन प्लाज़्मास, लेज़र फीजिक्स लैटर्स, 15, 1, 16001.

सिहं ऐंड लोहिया (2018). इनहोमोजीनस न्युक्लियोसिंथेसिस इन लीनिअर्ली कोस्टिंग कॉस्मोलोजी, मंथली नोटिसेज़ ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, 473, 1, पृष्ठ 14-19.

सोनकर एत अल (2018). स्फेरिकल ग्रोथ ऑफ नैनोस्ट्रक्चर्स ZnO बेस्ड ऑप्टिकल सैंसिंग ऐंड फोटोवोल्टाइक एप्लीकेशन, ऑप्टिकल मैटीरियल्स, 83, पृष्ठ 342-347.

सोनकर, शास्त्री ऐंड यादव (2019). थ्योरेटिकल ऐंड एक्सपेरीमेंटल इनवेस्टीगेशन ऑन स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी, इलेक्ट्रॉनिक ऐंड वायब्रेशनल प्रॉपर्टीज़ ऑफ पॉलीएनीलाइन (पानी), प्रोसीडिंग्स ऑफ द जानियन मैथेमैटिकल सोसाइटी, 22, 1, 129-139.

सोमरेंद्र ऐंड सक्सेना (2019). इफेक्ट ऑफ टू-लूप करेक्शन इन द फॉर्मेशन ऑफ क्वार्क-ग्लुओन प्लाज़्मा ड्रॉप्ले, प्रमाण - जर्नलऑफ फीज़िक्स, 92, 5, 69.

सोनिया एत अल (2019). इवेल्युएशन ऑफ स्ट्रक्चरल, ऑप्टिकल ऐंड मेकेनिकल बिहेवियर ऑफ एल-अर्जिनिनियम बिस(ट्राईफ्लोरोएसीटेट) सिंगल क्रिस्टल : एन एफीशियंट ऑर्गेनिक मैटीरियल फॉर सेकेंड हार्मनिक जेनरेशन एप्लीकेशंस, जर्नल ऑफ फीज़िक्स ऐंड केमिस्ट्रीऑफ सॉलिड्स, 129, पृष्ठ 401-412.

सोनिया एत अल (2019). एन एफीशिएंट पिएज़ोइलेक्ट्रिक सिंगल-क्रिस्टल 1-अर्जिनिनियम फॉस्फाइट : स्ट्रक्चरल, हर्शफ़ेल्ड, इलेक्ट्रिकल ऐंड मेकेनिकल एनालीसीस फॉर एन एल ओ एप्लीकेशंस, एप्लाइड फीज़िक्स ए: मैटीरियल्स साइंस ऐंड प्रोसेसिंग, 125, 5, 363.

सोनकर, राहुल ऐंड सभजीत (2018). ZnO नैनोनीडल स्ट्रक्चर-बेस्ड डाई-सेंसिटाइज़्ड सोलर सैल यूटीलाइज़िंग सॉलिड पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट, मैटीरियल्स लैटर्स, 223, 133, 136.

सूद (2019). एंट्रेंस चैनल इफेक्ट्स ऑन फिशन फ्रेगमेंट मास डिस्ट्रीब्यूशन इन12 C+ 169 Tm सिस्टम, एक्टा फीज़िकल पोलोनिका बी, 50, 3, पृष्ठ 291-296.

श्रीवास्तव एत अल (2018). एप्लीकेशंस ऑफ फंगल सेलुलेज़िज़ इन बायोफ्युअल प्रोडक्शन : एडवांसेस ऐंड लिमिटेशंस, रेन्युएबल ऐंड ससटेनेबल एनर्जी रेव्यूज़, 82, 2379, 2386.

श्रीवास्तव एत अल (2018). रीसेंट डेवलपमेंट ऑन ससटेनेबल बायोडीज़ल प्रोडक्शन यूज़िंग सीवेज स्लज, 3 बायोटेक, 8, 5, 245.

श्रीवास्तव एत अल (2018). ए नॉवल स्ट्रेटेजी टू एनहांस बायोहाईड्रोजन प्रोडक्शन यूज़िंग ग्राफीन ऑक्साइड ट्रीटिड थर्मोस्टेबल क्रूड सेलुलेज़ ऐंड सुगरकेन बैगेस हाईड्रोलाइसेट अंडर co-कल्चर सिस्टम, बायोरेसोर्स टेक्नोलॉजी, 270, पृष्ठ 337-345.

सुब्रमणियन एत अल (2019). प्रेक्टिकल बायोइंस्ट्रुमेंटेशन डेवलपमेंट्स फॉर एसी मैग्नेटिक फील्ड-मीडिएटिड मैग्नेटिक नैनोपार्टिकल हीटिंग एप्लीकेशंस, एप्लाइड फीज़िक्स ए : मैटीरियल्स साइंस ऐंड प्रोसेसिंग, 125, 3, 194.

ठाकुर एत अल (2018). ऑब्ज़र्वेशन ऑफ हाई मैग्नेटो क्रिस्टलाइन एनिसोट्रोपी ऑन Co डोपिंग इन रेअर अर्थ फ्री Fe 2 P मैग्नेटिक मैटीरियल, एआईपी कॉनफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 1942, 140014.

ठाकुर एत अल (2018). फिशन डायनेमिक्स स्टडीज़ ऑफ नीयर सुपर-हेवी कम्पाउंड न्युक्लियस 256Rf , एक्टा फीज़िकल पोलोनिका बी, 49, 3, पृष्ठ 631-637.

टेक एत अल (2019). हाई-टेम्परेचर फोटोकरंट मेकेनिज़्म ऑफ β-Ga 2 O 3 बेस्ड मेटल-सेमीकंडक्टर-मेटल सोलर-ब्लाइंड फोटोडिटेक्टर्स, जर्नल ऑफ एप्लाईड फीज़िक्स, 125, 14, 144501.

टेक एत अल (2019). प्वाइंट डिफेक्ट्स इंड्यूस्ड वर्क फंक्शन मॉड्युलेशन ऑ β-Ga 2 O 3, एप्लाईड सरफेस साइंस, 465, पृष्ठ 973-978.

तकाहाशी एत अल (2018). पावर-लॉ डिके ऑफ डबली आयनाइज़्ड इथाइलीन, फीज़िकल रिव्यु ए, 98, 6, 62708.

टाया एत अल (2019). फर्स्ट प्रिंसिपल्स स्टडी ऑफ स्ट्रक्चरल, इलेक्ट्रॉनिक ऐंड ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज़ ऑफ Cs-डोप्ड CH3NH3PbI3फॉर फोटोवोल्टाइक एप्लीकेशंस, वैक्यूम, 160, पृष्ठ 440-444.

तिवारी ऐंड कपूर (2018). नॉन-फोटोनिक मेकेनिज़्म ऑफ सुपरकंडक्टिविटी इन प्योर सेमि-मेटलिक बिस्मथ सिंगल क्रिस्टल एट सब-मिलि केल्विन, फीज़िक्स लैटर्स, सेक्शन ए : जनरल, एटमिक ऐंड सॉलिड-स्टेट फीज़िक्स, 382, 42-43, पृष्ठ 3131-3134.

ठाकुर एत अल (2018). इमर्जेंस ऑफ मैग्नेटिज़्म इन सिलिकोन बाय इंट्रोड्यूसिंग कार्बन एटम एज़ फॉरन एटम इन आल पॉसिबल वेज़, इंटीग्रेटिड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 194, 1, पृष्ठ 53-59.

ठाकुर एत अल (2018). मेज़रमेंट ऑफ मास-गेटिड न्युट्रॉन मल्टीप्लीसिटी फॉर द Ti 48 + Pb 208 रिएक्शन एट57.4 MeV एक्साइटेशन एनर्जी, फीज़िकल रिव्यु सी, 98, 1, 14606.

तोमर एत अल (2018). ऑप्टिकल ट्यूनेबिलिटीइन Er3+सब्स्टीट्यूटिड Sr0.7Bi2.2Nb2O9 (बीएलएफएस) मल्टीफंक्शनल सिरेमिक्स, एआईपी कॉनफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 2006, 30032.

तोमर एत अल (2018). सिंथेसिस, स्ट्रक्चरल ऐंड मॉर्फोलोजिकल स्टडीज़ ऑफ Er3+ सब्स्टीट्यूटिड बिसमथ लेयर्ड पेरोव्स्काइट Sr0.7Bi2.2Nb2O9 सिरेमिक, एआईपी कॉनफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 2006, 30037.

तामर, सहरे ऐंड मोहायर (2018). एनर्जी ट्रांसफर स्टडीज़ इन Ca10Li (PO4)7: Ce3+, Nd3+ , ऑप्टिक, 168, पृष्ठ 92-100.

तुमरम, सहरे ऐंड मोहरिल (2018). KCl.SrCl2: Eu2+, Nd3+फॉसफॉर फॉर पॉसिबल एप्लीकेशन इन सोलर फोटोवोल्टाइक्स, जर्नल ऑफ ल्युमिनिसेंस, 199, 78, पृष्ठ 81.

त्रिपाठी एत अल (2019). क्वांटम चार्ज पम्पिंग थ्रू मजोरना बाउंड स्टेट्स, इंटीग्रेटिड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 99, 8, 85435.

त्यागी, तोमर ऐंड वी. गुप्ता (2019). एनहांस्ड इलेक्ट्रॉन ट्रांसफर प्रॉपर्टीज़ ऑफ नो थिन फिल्म फॉर द एफीशिएंट डिटेक्शन ऑफ यूरिया, मैटीरियल्स साइंस ऐंड इंजीनियरिंग बी : सॉलिड-स्टेट मैटीरियल्स फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, 240, पृष्ठ 147-155.

वल कुंदे एत अल (2018). एक्सपोनेंशल डेंसिटी ट्रांज़ीशन बेस्ड सेल्फ-फोकसिंग ऑफ गॉसियन लेज़र बीम इन कॉलीज़नल प्लाज़्मा, ऑप्टिक, 158, पृष्ठ 1034-1039.

वार्ष्णेय एत अल (2018). इनफाइनाइट नंबर ऑफ हिडन अट्रिक्टर्स इन मेमरिस्टर-बेस्ड ऑटोनोमस डफिंग ऑसिलेटर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बाइफरकेशन ऐंड केओस, 28, 1, 1850013.

वशिष्ठ एत अल (2019). स्टडीज़ ऑफ एक्स्चेंज कपलिंग इन Eco/L1 0 -FePt बाईलेयर थिन फिल्म्स, ट्रांज़ेक्शंस ऑन मैग्नेटिक्स, 55, 3, 8525425.

वशिष्ठ, गोयल ऐंड अन्नपूर्ना (2018). एक्स्चेंज स्टिफनेस वैरियेशन फॉर थर्मली अनील्ड FeCo थिन फिल्म्स, एआईपी कॉनफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 1942, 130017.

वशिष्ठ एत अल (2018). स्ट्रक्चरल, डाई इलेक्ट्रिक, फेरोइलेक्ट्रिक ऐंड मैग्नेटिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ Gd डोप्ड BiFeO 3 , इंटीग्रेटिड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 194, 1, पृष्ठ 21-27.

वर्मा, तंवर ऐंड श्रीनिवास (2019). फेज़ इवोल्यूशन ऑफ स्ट्रॉन्शियम बिसमथ नियोबेट सिरेमिक्स बाय कनवेंशनल सॉलिड-स्टेट रिएक्शन मेथड, जर्नल ऑफ थर्मल एनालीसिस ऐंड कैलरीमीट्रि, 135, 4, पृष्ठ 2077-2087.

वर्मा, कैथी ऐंड कुमार (2018). मेटल प्रिकर्सर इंड्यूस्ड शेप-कंट्रोल्ड सिंथेसिस ऑफ गोल्ड नैनोस्ट्रक्चर्स, एआईपी कॉनफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 1953, 30225.

वर्मा, तंवर ऐंड श्रीनिवास (2019). इनफ्लुएंस ऑफ लोन पेयर ऑन स्ट्रक्चरल ऐंड इलेक्ट्रीकल प्रॉपर्टीज़ ऑफ Sb सब्स्टीट्यूटिड बिसमथ लेयर्ड SrBi2Nb2O9 सिरेमिक्स, मैटीरियल्स केमिस्ट्री ऐंड फीज़िक्स, 209, पृष्ठ 159-164.

विनीत ऐंड एस.रॉथ (2019). ऑप्टीमाइज़ेशन ऑफ द कंसनट्रेशन ऑफ मॉलिब्डेनम डाईसल्फाइड(एमओएस 2) फॉर फॉर्मेशन ऑफ एटमिकली थिन लेयर्स, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फीज़िक्स, 215, पृष्ठ 39-43.

वित्तोन एत अल (2019). डिटर्मीनेशन ऑफ रेडिएशन हार्डनेस ऑफ सिलिकॉन डायोड्स, न्युक्लियर इंस्ड्रुमेंट्स ऐंड मेथड्स इन फीज़िक्स रिसर्च, सेक्शन बी : बीम इंटरेक्शंस विद मैटीरियल्स ऐंड एटम्स, 449, पृष्ठ 6-10.

व्हानमोर एत अल (2018). इफेक्ट ओफ क्यु-पैरामीटर ऑन रिलेटिविस्टिक सेल्फ-फोकसिंग ऑफ क्यु-गॉसियन लेज़र बीम इन प्लाज़्मा, ऑप्टिक, 158, पृष्ठ 574-579.

व्यास ऐंड चंद्रा (2019). सिनर्जिस्टिक इफेक्ट ऑफ कनडक्टिंग ऐंड इंसुलेटिंग फिलर्स इन पॉलीमर नैनोकम्पोज़िट फिल्म्स फॉर अटेन्युएशनऑफ एक्स-बैंड, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस, 54, 2, पृष्ठ 1304-1325.

व्यास एत अल (2018). एन आई आर एमिशन इन Ba2SiO4:Eu2+, Nd3+ फॉस्फोर्स विद नीयर यूवी/वायलेट एक्साइटेशन, जर्नल ऑफ एलॉयज़ ऐंड कम्पाउंड्स, 743, 789-794.

व्यास ऐंड चंद्रा (2018). रोल ऑफ ऑर्गेनिक/इनॉर्गेनिक साल्ट्स ऐंड नैनोफिलर्स इन पॉलीमर नैनोकम्पोज़िट्स : एनहांस्ड कनडक्शन, रहीयोलोजिकल, ऐंड थर्मल प्रोपर्टीज़, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस, 53, 7, पृष्ठ 4987-5003.

वाधवां एत अल (2018). मल्टी इलेक्ट्रॉन ज्योमेट्रिक फेज़ इन इंटेंसिटी इंटरफेरोमेट्री, फीज़िकल रेव्यु बी, 98, 15, 155113.

यादव एत अल (2019). नॉन एक्वस, रिडॉ.क्स-एक्टिव जैल पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट फॉर हाई-परफॉर्मेंस सुपरकेपेसिटर, एनर्जी टेक्नोलॉजी, 1900132.

यादव एत अल (2018). हाई परफॉरमेंस क्वासि-सॉलिड-स्टेट सुपरकेपेसिटर्स विद पीनट-शैल-डिराइव्ड पोरस कार्बन, जर्नल ऑफ पावर सोर्सेज़, 402, पृष्ठ 133-146.

यादव, मिश्रा ऐंड हाशमी (2018). नैनोफिलर-इनकार्पोरेटिड पोरस पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट फॉर इलेक्ट्रोकेमिसल एनर्जी स्टोरेज डिवाइसिज़, हाई परफॉरमेंस पॉलीमर्स, 30, 8, पृष्ठ 957-970.

यादव, प्रसाद ऐंड श्रीमती (2018). कंट्रोल ऑफ कोएग्ज़िस्टिंग अट्रैक्टर्स वाया टेम्पोरल फीडबैक, फीज़िक्स लैटर्स, सेक्शन ए: जनरल, एटमिक ऐंड सॉलिड-स्टेट फीज़िक्स, 382, 32, 2127-2132.

यादव, शर्मा ऐंड गुप्ता (2018). इलेक्ट्रॉन एक्सलरेशन बाय ए रिलेटिविस्टिक इलेक्ट्रॉन प्लाज़्मा वेव इन इनवर्स-फ्री-इलेक्ट्रॉन लेज़र मेकेनिज़्म, आईईईईई ट्रांज़ेक्शंस ऑन प्लाज़्मा साइंस, 46, 7, पृष्ठ 2521-2527.

यादव एत अल (2018). कपल्ड मॉड सरफेस प्लाज़्मोन रेज़ोनेंस सेंसर : इन सिटु डिटेक्शन ऑफ ह्युमिडिटी विद स्टार्च बायोफिल्म, ऑप्टिकल ऐंड क्वांटम इलेक्ट्रोनिक्स, 50, 1, 11.

वार्ष्णेय एत अल (2018). एग्ज़िस्टेंस ऐंड कंट्रोल ऑफ हिडन ऑसिलेशंस इन ए मेमरिस्टिव ऑटोनोमस डफिंग ऑसिलेटर, स्टडीज़ इन सिस्टम्स, डिसीज़न ऐंड कंट्रोल, 133, पृष्ठ 27-344.

यावाहचोवा एत अल (2018). एग्ज़ाम्पल्स ऑफ डायनेमिक शिरेलिटी इन न्युक्लीआई, ईपीजे वेब ऑफ कॉनफ्रेंसेज़, 194, 5003.

यावाहचोवा एत अल (2018). डायनेमिक शिरेलिटी इन मास रीजंस ए=105 ऐंड ए=130, जर्नल ऑफ फीज़िक्स : कॉनफ्रेंस सीरीज़, 1023, 1, 12020.

झाओ एत अल (2019). स्ट्रॉन्ग-फील्ड-इंड्यूस्ड बॉन्ड रीअरेंजमेंट इन ट्राईएटमिक मोलेक्यूल्स, फीज़िकल रिव्यु ए, 99, 5, 53412.

पत्रिकाएं

संपादक/संपादकीय मंडल के सदस्यों के रूप में सेवारत संकाय की संख्या
संपादक/अतिथि संपादक - दो अध्यापक तीन पत्रिकाओं में कार्यरत
संपादक मंडल के सदस्य - तीन अध्यापक चार पत्रिकाओं में सेवारत

शोध परियोजना

डीएसटी, 2019-2024, भारतीय संस्थान-फर्मीलैब न्युट्रीनो फ़िज़िक्स में सहयोगी, रू 280.71 लाख

सर्ब-डीएसटी, 2019-2022, मल्टी-न्युक्लीऑन ट्रांसफर रिएक्शन डायनेमिक्स ऐंड इट्स इफेक्ट ऑन फ्यूज़न नीयर द कूलम्ब बैरियर फॉर मीडियम मास न्युक्लीआई, रुपए 41.745 लाख

सर्ब-डीएसटी, 2019-2022, टु डिज़ाइन ऐंड डेवलप ए नॉवल स्पिन कंट्रोल्ड शिरल क्वांटम डॉ.ट डीएन ए बायो-सेंसर, रुपए 17.17 लाख

इम्प्रिंट2, एमएच आर डी-डीएसटी + इंडस्ट्री, 2019-2022, डेवलपमेंट ऑफ स्पिन डिपेंडेंट स्मार्ट इलेक्ट्रोड फॉर डीएनए बायो-सेंसर, रुपए 35.45 लाख.

डायरेक्टरेट ऑफ एक्स्ट्राम्युरल रिसर्च ऐंड इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (ईआर ऐंड आईपीआर), 2019-2022, फेब्रिकेशन ऑफ लैम्ब वेव डिवाइसेज़ ऑन SiO2/Si, रुपए 428.032 लाख.

सर्ब-डीएसटी, 2019-2022, सर्च फॉर क्वाड्रुपल ऐंड ऑक्टुपोल कलेक्टिविटी इन न्युक्लीआई ऑफ मास A~150 रीजन, रुपए 23.136 लाख

सर्ब-डीएसटी, 2019-2022, एक्सप्लोरिंग मोलेक्युलर ग्रोथ ऑफ हाइड्रोकार्बस इन स्लो (एनर्जी1 के ईवी ओर लैस) आयन-मोलेक्यूल कॉलीज़ंस, रुपए 33.11 लाख

आईयूएसी(यूजीसी), 2015-2019, इनवेस्टीगेशन ऑफ फ्यु-न्युक्लीऑन्स ट्रांसफर ऐंड फ्यूज़न रिएक्शन मेकेनिज़्म इन मीडियम मास न्युक्लीआई एट एंड नीयर द कूलम्ब बैरियर, रू 6.03 लाख

डीएसटी, 2013-2019, आर एंड डी एफर्ट्स बाय यूनिवर्सिटी ग्रुप्स फॉर आईएनओ परियोजना, रुपए177.8 लाख

डीएसटी, 2014-2019, कमपैक्ट म्युऑन सोलनॉय्ड (सीएम एस) अपग्रेड, ऑपरेशन ऐंड यूटीलाइज़ेशन, रू 999 लाख

डीएसटी, 2017-2020, सिमुलेशन स्टडीज़ ऐंड टेस्ट्स टु डेवलप रेडियेशन टॉलरेंट सिलिकॉन डिटेक्टर्स फॉर हाई ल्युमिनोसिटी कॉलाइडर्स, रुपए 10.8 लाख

डीआरडीओ आर्मरेब, 2015-2018 फ्लक्स ग्रोथ ऑफ Pb (Mg1/3Nb2/3) O3-PbTiO3 (PMNT) सिंगल क्रिस्टल्स फॉर पिएज़ोइलेक्ट्रिक ऐंड पायरोइलेक्ट्रिक एप्लीकेशंस, रू 85 लाख

सर्ब-डीएसटी, 2016-2019, फेब्रिकेशन ऐंड कैरेक्टराईज़ेशन ऑफ पिएज़ो नैनोक्रिस्टल्स-ऑर्गेनिक हाईब्रिड शीट फॉर एनर्जी हार्वेस्टिंग ऐंड प्रेशर सेंसर, रू 72 लाख

एसएसपीएल, डीआरडीओ, 2017-2019, इनवेस्टीगेशन ऑफ थर्मोइलेक्ट्रिक (टी ई) प्रॉपर्टीज़ ऑफ कैल्शियम कोबाल्ट ऑक्साइड($Ca3CO4O9$) ऐंड ग्राफीन डेरिवेटिव्स (एज़ नैनो-इनक्लूज़ंस) फॉर टी ई जेनरेटर एप्लीकेशंस, रू 9.83 लाख

सर्ब-डीएसटी, 2017-2020, फंक्शनल डोमेंस ऐंड साइट कोरिलेशन नेटवर्क्स इन इवॉल्विंग प्रोटीन फेमिलीज़, रू 23.84 लाख

सर्ब-डीएसटी, 2017-2019, टेलरिंग ऑफ मैग्नेटिक ऐंड अदर फंक्शनल प्रॉपर्टीज़ ऑफ थिन फिल्म नैनोस्ट्रक्चर्स यूज़िंग लो एनर्जी आयन बीम्स, रू 60 लाख

डीएसटी(इंडो-यूएस ज्वायंट नेटवर्क), 2018-2022, थ्योरेटिकल एनालीसिस ऑफ वैरिएबल स्टार डाटा इन द इरा ऑफ लार्ज सर्वेज़, रू 45 लाख

डीआरडीओ, 2018-2019, ऑप्टीमाईज़ेशन ऑफ टिक्स फिल्म ऐंड पैटर्निंग ऑफ द पॉलीमर (पीआई-2610) एज़ सैक्रिफिशियल लेयर फॉर पिक्सल फेब्रिकेशन, रू 22.19 लाख

डीआरडीओ, 2017-2019, फीज़िबिलिटी स्टडी फॉर फेब्रिकेशन ऑफ एयर ब्रिजिज़ बाय गोल्ड इलेक्ट्रोप्लेटिंग (विनय गुप्ता), रू 9.42 लाख

सेफिप्रा (इंडो-फ्रेंच), 2018-2021, प्रि-इवोल्यूशनरी प्रोसेसिज़इन ऑटोकैटालीटिक आरएनए नेटवर्क्स, रू 17.73 लाख

फाइल/प्रदान किए गए पेटेंट

आवेदन सं. 201911006783, ए नॉवल हाइली सेंसिटिव ऐंड रेलायबल एलआरएसपीआर बायोसेंसर फॉर डिटेक्टिंग यूरिक एसिड ऐंड फेब्रिकेशन.

आवेदन सं. 201811006329, इलेक्ट्रिक फील्ड असिस्टिड लो पावर कनज़्यूमिंग कंडक्टो-मीट्रिक गैस सेंसर, विनय गुप्ता, मोनिका तोमर, अंजली शर्मा, अवनीत सिहं

आयोजित किए गए सेमीनार

सेमीनारों की कुल संख्या 24 :

प्रोफेसर अनुपम मजुमदार, वैन स्विंडरन इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रोनिंगन, द नीदरलैंड्स, शीर्षक : न्यु क्लास ऑफ ग्रेविटी : कनफॉर्मल इन यूवी, न्यूटोनियन इन आई आर; 20 अगस्त 2018

प्रोफेसर पावेल मोस्कल जेजिलोनियन यूनिवर्सिटी, क्राकोव, पोलैंड, शीर्षक : टेस्ट्स ऑफ डिस्क्रीट सिमिट्रीज़ इन पॉज़ीट्रॉनियम डिकेज़ विद द जे-पीईटी डिटेक्टर; 13 दिसंबर 2018

प्रोफेसर अलकाभा दत्ता, यूनिवर्सिटी ऑफ मिसीसिपि, ऑक्सफोर्ड, यूएस ए ऐंड यूनिवर्सिटी ऑफ हवाई, होनोलुलु, यूएसए ऐंड यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, इर्विन, यूएसए, शीर्षक : बी फ्लेवर एनोमलीज़; 9 जुलाई 2019

प्रोफेसर जोनाथन पी.बर्ड, सनी, बफलो, यूएसए, शीर्षक : अल्ट्रा थिन कनडक्टर्स फॉर नैनोस्केल इलेक्ट्रोनिक्स; 10 जनवरी 2019.

प्रोफेसर कौरु हागिवारा, केक, जापान (हाई एनर्जी एक्सलरेटर रिसर्च ऑर्गनाइज़ेशन), शीर्षक : फन विद सिंगल टॉप ऐंड हिग्स प्रोडक्शन एट द एलएचसी; 28 मार्च 2019.

प्रोफेसर लुइज़ ए.फरेरा, यूनिवर्सिदेद दि साओ पालो, ब्राज़ील, शीर्षक : हिडन सिम्मिट्रीज़; 14 दिसम्बर 2018.

प्रोफेसर मैक्स्वेल शेर्तोक, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया, डेविस, शीर्षक : हाई ल्युमिनोसिटी एलएचसी फीज़िक्स ऐंड द सीएमएस डिटेक्टर अपग्रेड; 21 फरवरी 2019.

प्रोफेसर रोहिणी गोडबोले, शीर्षक : टॉप पोलराइज़ेशन : ए टूल फॉर स्टडिंग़ द स्टेन्डर्ड मॉडल ऐंड बीयॉन्ड; 18 मार्च 2019

प्रोफेसर सब्यसाची भट्टाचार्य, अशोका यूनिवर्सिटी (पूर्व निदेशक, टीआईएफआर), शीर्षक : रोल ऐंड स्टम्बल : ग्रेन्युलर सेल्फ-ऑर्गनाइज़ेशन बाय आटो-ट्यूनिंग ऑफ फ्रिक्शन ऐंड एनालोजीस टु रन-ऐंड-टम्बल केमोटेक्सीस ऑफ बैक्टीरिया ऐंड स्टेम्पीड प्रिवेंशन इन ए मूविंग क्राउड; 29 मार्च 2019.

आयोजित किए गए सम्मेलन

विज़िटर्स प्रोग्राम-2019, “रीसेंट एडवांसेज़ इन फीज़िक्स” 27 मार्च 2019, फंडिंग : भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (प्रोफेसरनिवेदिता देव, संयोजक)

आउटर ट्रैकर सेंसरों के उत्पादन के लिए गुणवत्ता आश्वासन पर भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में तीसरी कार्यशाला 22 जनवरी से 24 जनवरी 2019(डॉ.आशुतोष भारद्वाज, संयोजक)

नैनो-स्ट्रक्चर्ड मैटीरियल्स ऐंड डिवाइसिज़ पर अंतर राष्ट्रीय सम्मेलन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत, 17-20 दिसंबर 2018 (डॉ.अजित माहपात्र, संयोजक)

सेमीनार/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

भारद्वाज, आशुतोष ने इंटारनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन फीज़िक्स, सोसाइटी ऐंड टेक्नोलोजी (आईसीपीएसटी-2019), दिल्ली विश्वविद्यालय में हाई एनर्जी भौतिकी प्रयोगों के लिए सिलिकॉन डिटेक्टरों में चुनौतियों तथा हाल की उन्नति पर पेपर प्रस्तुत किए, देशबंधु महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय 17-19 जनवरी 2019.

कुमार, बिनय. 22वीं इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑफ द इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फीज़िकल साइंसिज़ (CONIAPS-XXII) अवध विश्वविद्यालय, फैज़ाबाद में पिएज़ोइलेक्ट्रिक अनुप्रयोगों के लिए प्रोद्योगिकीय रूप से महत्वपूर्ण क्रिस्टलों के विकास तथा कैरेक्टराईज़ेशन पर चर्चा में आमंत्रित किए गए, 13-15 अप्रैल 2018

अजित कु. माहपात्र

ऑप्टिमल बिस्टेबल स्विचिंग इन ग्राफीन ऑक्साइड थिन फिल्म डिवाइसेज़ पर पेपर प्रस्तुत किया, कोलैबोरेटिव कॉनफ्रेंस ऑन मैटीरियल्स रिसर्च(सीसीएमआर), इंचिऑन/सियोल, दक्षिण कोरिया, 25-29 जून 2019

कोलोक्विम, यूटीलाईज़ेशन ऑफ ग्राफीन ऑक्साइड थिन फिल्म्स इन नैनोइलेक्ट्रोनिक्स ऐंड बायोसेंसर्स, भौतिकी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, 22 अप्रैल 2019.

देव, निवेदिता. इंडियन स्टेटिस्टिकल फीज़िक्स कम्युनिटी मीटिंग में फंक्शनल डोमेंस इन प्रोटींस पर चर्चा में आमंत्रित किया गया, आईसीटीएस बंगलोर, भारत, 14 फरवरी 2019.

समित कु. मंडल

इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन न्युक्लियर, पार्टिकल ऐंड एक्सलरेटर फीज़िक्स (ICNPAP-2018) में कूलम्ब बैरियर के निकट मल्टी-न्युक्लिऑन ट्रांसफर रिएक्शन पर चर्चा में आमंत्रित, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड, भारत, 26 अक्तूबर 2018.

न्युस्टार, सर्ब स्कूल ऑन न्युक्लियर एस्ट्रोफ़िज़िक्स 2019, साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्युक्लियर फीज़िक्स, कोलकाता के साथ न्युक्लियर एस्ट्रोफ़िज़िक्स पर ईवनिंग लेक्चर, 25 फरवरी 2019

गामा ट्रैकिंग अर्रे पर आमंत्रित चर्चा : ए न्यु जेनरेशन हाई रेज़ोल्यूशन गामा रे स्पेक्ट्रोमीटर फॉर एग्ज़ॉटिक न्युक्लियर स्ट्रक्चर स्टडीज़ इन नैशनल कॉनफ्रैंस ऑन "रीसैंट ट्रैंड्स इन रिसर्च इन एप्लाईड साइंसेज़ : एन इंटरडिसिप्लीनरी एप्रोच, एन.पी. यूनिवर्सिटी, मेदिनीनगर, झारखंड, 8 दिसम्बर 2018

गामा ट्रैकिंग अर्रे पर आमंत्रित सेमीनार : ए न्यु जेनरेशन हाई रेज़ोल्यूशन गामा रे स्पेक्ट्रोमीटर फॉर एग्ज़ॉटिक न्युक्लियर स्ट्रक्चर स्टडीज़ इन इंटरनैशनल कॉनफ्रैंस ऑन फीज़िक्स, सोसाइटी ऐंड टेक्नोलोजी (ICPST-2019), दिल्ली विश्वविद्यालय, देशबंधु महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 18 जनवरी 2019.

जैन, संजय. नॉनलीनियर सिस्टम्स ऐंड डायनेमिक्स पर सम्मेलन में सिस्टम लेवल डायनेमिक्स ऑफ ग्रोइंग ऐंड डिवाइडिंग सैल्स थ्रू कोर्स ग्रेंड मॉडल्स पर आमंत्रित चर्चा, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली, 11-14 अक्तूबर 2018

अन्य अंतर-संस्थानात्मक सहयोग

अंतर्राष्ट्रीय

मार्च 2018 में इंडो-यूएस साइंस ऐंड टेकनोलोजी फोरम द्वारा एक इंडो-यूएस संयुक्त नेटवर्क किया केंद्र "थ्योरेटिकल एनालीसिस ऑफ वैरीयेबल स्टार डाटा इन द इरा ऑफ लार्ज सर्वेज़" स्वीकृत किया गया जिसका नोडल पीआई प्रोफेसरएच.पी. सिहं को बनाया गया. अन्य सांझेदार हैं स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यु यॉर्क, ऑस्वेगो, येल यूनिवर्सिटी तथा आईयूसीएए।

इंडो-यूएस परियोजना जिसका नोडल संस्थान दिल्ली विश्वविद्यालय(पीआई: एच पी सिहं) है तथा सनी(ओस्वेगो), टेक्सस ए एंड एम यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडा, गेनेसविले और आईयूसीएए(पुणे) सांझेदार संस्थान हैं।

कम्पैक्ट म्युऑन सोलनॉयड(सीएमएस) एक्सपेरीमेंट इन हाई एनर्जी फीज़िक्स पर राष्ट्रीय(टीआईएफआर, एसआईएनपी, बार्क आदि) तथा अंतर्राष्ट्रीय(सर्न, फर्मिलैब, डेज़ी आदि) संस्थानों के साथ देश-व्यापी सहयोग (बी.सी. चौधरी, अशोक कुमार, ए.भारद्वार, एम.नईमुद्दीन, के.रंजन)

क्वीन'स यूनिवर्सिटी, किंगस्टन, कनाडा के साथ सहयोग (विनय गुप्ता)

प्रेसपेक सहयोग : जीएसआई, जर्मनी, अंतर-संस्थानात्मक तथा बहु-देशीय सहयोग; अगाता सहयोग : यूरोपीय सहयोग (प्रोफेसर समित मंडल)

फेयर सहयोग : जीएसआई, जर्मनी, अंतर-संस्थानात्मक तथा बहु-देशीय सहयोग (प्रोफेसर समित मंडल)

राष्ट्रीय

आईएनओ सहयोग : भारत, अंतर-संस्थानात्मक सहयोग(एचईपी समूह)

आईएनजीए सहयोग : अंतर-संस्थानात्मक सहयोग(समित मंडल तथा सुरेश कुमार)

आईजीसीएआर के साथ सहयोग (सेवि मुरुगवेल)

आईआईटी दिल्ली के साथ सहयोग (विनय गुप्ता)

सॉलिड स्टेट फीज़िक्स लैबोरेटरी (डीआरडीओ), दिल्ली के साथ सहयोग (विनय गुप्ता)

नेशनल फीज़िकल लैबोरेटरी दिल्ली के साथ सहयोग (विनय गुप्ता)

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

प्रोफेसर अमिता चंद्रा के शोध छात्र श्री मनोज कुमार व्यास को अलेग्ज़ेंडर वॉन हम्बोल्ट फाउंडेशन द्वारा फंड किए गए रिसर्च ग्रुप लिन्हेज प्रोग्राम के अंतर्गत यूनिवर्सिटेट पेदरबॉर्न में शोध दौरे के लिए आमंत्रित किया गया।

नियोजन ब्यौरा

पी एच.डी. छात्रों ने पोस्टडॉक्टरल फेलो के रूप में विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों में तथा विभिन्न राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं/विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में वैज्ञानिकों/संकाय के रूप प्रवेश किया। कुछ छात्रों ने उद्योग जगत में प्रवेश किया।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

"ब्लैक होल" की थिएटर प्रस्तुति, विभाग के समिति-सह-सम्मेलन कक्ष में 11 दिसंबर 2018 को सुश्री ज्योति डोगरा द्वारा तैयार तथा प्रस्तुत किया गया।

28 फरवरी, 2019 को विज्ञान दिवस-2019 मनाना जिसमें प्रोफेसर अभिषेक धर, इंटरनेशनल सेंटर फॉर थ्योरेटिकल साइंसेज़, बंगलोर का "पैटर्न्स इन रेंडमनेस" पर एक व्याख्यान तथा विभाग के पीएच.डी. विद्यार्थियों द्वारा एक पोस्टर प्रस्तुति सेशन रखा गया ।

विभाग के एम.एस.सी(फाइनल) के बीस चयनित विद्यार्थियों ने मार्च, 2019 में सेमेस्टर मध्य छुट्टी के दौरान नेशनल सेंटर फॉर रेडियो एस्ट्रोनोमी(एनसीआरए-टीआईएफआर), पुणे तथा जायंट मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप (जीएमआरटी-टीआईएफआर), खोदाद का दौरा किया।

विभाग के एडवांस्ड न्युक्लियर फीज़िक्स लैबोरेटरी के एम,एस.सी सेमेस्टर IV के विद्यार्थियों का मार्च, 2019 में इंटर यूनिवर्सिटी एक्सलरेटर सेंटर (आईयूएसी), नई दिल्ली का शैक्षणिक दौरा ।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी. : 12
एम.फिल. : शून्य

संकाय की संख्या

स्थायी	: 40
यूजीसी-एफआर पी	: 03
डीएसटी-इंसपायर	: 04
एमेरिटस	: 02

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विश्वविद्यालय के प्रमाणीकरण के लिए नैक टीम के 28-30 अक्तूबर 2018 के दौरे के समय निरीक्षण दौरे के लिए नैक टीम/विश्वविद्यालय द्वारा विभाग को चुना गया ।

वर्ष 1968 में विभाग में प्रवेश करने वाले बैच के लगभग 30 एलम्नी के समूह ने 29 अक्तूबर, 2018 को विभाग का दौरा किया. समूह में भारत तथा विदेश(प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी तथा बैल लैब्स के वैज्ञानिकों सहित) से प्रख्यात शिक्षक, वरिष्ठ प्रशासक(पूर्व आईएएस तथा आईपीएस अधिकारियों सहित), उद्योगपति तथा अन्य लोग सम्मिलित थे। विभाग के इन एलम्नी ने संकाय तथा विभाग के वर्तमान विद्यार्थियों के साथ बातचीत की।

मेधावी एम.एस.सी विद्यार्थियों के लिए कम्पुटेशनल फीज़िक्स में वार्षिक रमन रामकुमार मेमोरियल अवार्ड प्रदान किया गया।

ईडब्लुएस श्रेणी के अंतर्गत स्नातक के विद्यार्थियों के लिए जून 2018 में ग्रीष्म कार्यक्रम फीज़िक्स में एम.एस.सी. प्रवेश परीक्षा हेतु प्रशिक्षित तथा प्रेरित किया गया।

***

प्राणि विज्ञान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

प्राणि विज्ञान विभाग देश के प्रमुख शोध विभागों में से एक है। माइक्रोब्स से लेकर मानव तक विभिन्न क्षेत्रों में शोध किया जाता है। पिछले एक साल में संकाय सदस्यों ने लगभग 32 शोध पत्र उच्च प्रभाव वाले विशेषज्ञ समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित किए हैं। उन्होंने अपने निष्कर्ष भी कई राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किए हैं। उनमें से कईयों को प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किए गए हैं तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों फंडिंग एजेंसियों से पर्याप्त राशि प्राप्त हुई है। प्राणि विज्ञान विभाग को डीएसटी-फिस्ट, यूजीसी-सैप/कैस तथा डीयू-डीएसटी पर्स योजनाओं के लिए मान्यता प्रदान की गई है। यह विभाग लगभग 200 विद्यार्थियों को प्राणि विज्ञान के उन्नत क्षेत्रों में एम एस सी शिक्षण तथा प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसके अलावा, पिछले एक वर्ष में 9 एम.फिल तथा 22 पीएच.डी डिग्रियाँ विद्यार्थियों को प्रदान की गई हैं।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर आलोक सी. भारती

आईएनएसए सीए एस द्विपक्षीय विनिमय कार्यक्रम के लिए फैलोशिप (वरिष्ठ वैज्ञानिक) 2018 में 2 सप्ताह का चीन(ग्वांग्झु इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिसिन ऐंड हेल्थ, चाईनीज़ एकेडमी ऑफ साइंसेज़) का दौरा (30-08-2018 से 12-09-2018 तक)

प्रोफेसर मदन मोहन चतुर्वेदी

सदस्य, बोर्ड ऑफ गवर्नर (बीओजी), तथा बोर्ड ऑफ मैंनेजमेंट (बीओएम), जीएसएफसी यूनिवर्सिटी, वडोदरा, गुजरात

अध्यक्ष, एसोसिएशन ऑफ टीचर्स इन बायोलोजिकल साइंसेज़, मुम्बई, भारत

प्रोफेसर रीना चक्रबर्ती

एल्सवीअर की पत्रिकाओं से उत्कृष्ट समीक्षक प्रमाण-पत्र : " एक्वाकल्चर, फिश एंड शैलफिश इम्युनोलोजी ऐंड फूड केमिस्ट्री" के लिए समीक्षा करने में उत्कृष्ट योगदान के प्रमाण-पत्र ।

टीईसी : बायोटेक्नोलोजी विभाग, भारत सरकार की एक्वाकल्चर तथा मरीन बायोटेक्नोलोजी पर तकनीकी विशेषज्ञ समिति के एक सदस्य के रूप में सेवारत ।

सदस्य, बोर्ड ऑफ गवर्नर (बीओजी), तथा बोर्ड ऑफ मैंनेजमेंट (बीओएम), जीएसएफसी यूनिवर्सिटी, वडोदरा, गुजरात

प्रोफेसर रीता सिहं

प्रजनन स्वास्थ्य/पीसीओ के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्य के सम्मान में प्रोफेसरएल.एस.रामास्वामी मेमोरियल ओरेशन अवार्ड और गोल्ड मेडल प्राप्त किया, जे एन यू कनवेंशन सेंटर, जवाहरलाल यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में व्यावसायिक, पर्यावरणीय तथा जीवनशैली कारकों पर केंद्रित प्रजनन स्वास्थ्य पर वैश्विक

सम्मेलन(आईएसएसआरएफ-2019) के दौरान व्याख्यान का शीर्षक: 'गोनादोट्रोपिन इम्बैलेंस ऐंड मेटाबोलिक डिफेक्ट्स इन पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम' 22-24 फरवरी 2019।

प्रकाशन

एन. अग्रवाल, आई. मिश्रा, एस. रानी तथा वी. कुमार (2018) टेम्पोरल एक्सप्रेशन ऑफ क्लॉक जींस इन सेंट्रल ऐंड पेरीफेरल टिश्युज़ ऑफ स्पॉटिड मुनिया अंडर वैरींग लाइट कंडीशंस : इविडेंस फॉर सिर्केडियन रेगुलेशन ऑफ डेली फीज़ियोलोजी इन ए नॉन-फोटोपीरियोडिक सिर्कैनुअल सॉन्गबर्ड स्पीसिज़. क्रोनोबायोलोजी इंटरनेशनल.

ए.सी. भारती, टी. सिहं , ए. भट, डी. पांडे, एम. जदली (2018) थिरेप्युटिक स्ट्रेटेजीज़ फॉर ह्यूमन पेपिलोमा वायरस इंफेक्शन ऐंड एसोसिएटिड कैंसर्स. फ्रंट बायोसाइ (इलीट एडि), पृष्ठ 15-73.

ए. भट, ए. शर्मा तथा ए.सी. भारती (2018). अपस्ट्रीम हेजहॉग सिग्नलिंग कम्पोनेंट्स आर एक्सपोर्टिड इन एक्सोसोम्स ऑफ सर्वाइकल कैंसर सैल लाइंस. नैनोमेडिसिन, 13(17), पृष्ठ 2127-2138.

आर. चक्रबर्ती, डब्लु.डी. क्लार्क, जे.जी. शर्मा, आर.के. गोस्वामी, ए.के. श्रीवास्तव तथा डी.आर. टोचर 2018. मास प्रोडक्शन ऑफ लेम्ना माइनर ऐंड इट्स अमीनो एसिड ऐंड फैटी एसिड प्रोफाइल्स. फ्रंटीयर्स इन केमिस्ट्री 6:479.

आर. चक्रबर्ती, एम.के. सिहं. जे.जी. शर्मा तथा पी. मित्तल (2019). डायटरी सप्लीमेंटेशन ऑफ विटामिन सी : एन इफेक्टिव मेज़र टु गिव प्रोटेक्शन अगेंस्ट यूवी-बी इरेडियेशन यूज़िंग फिश एज़ मॉडल ऑर्गनिज़्म. फोटोकेमिकल ऐंड फोटोबायोलोजिकल साइंसेज़ 18, पृष्ठ 224-231.

डी. दत्ता, पी. खत्री, ए. सिहं, डी.आर. साहा, जी. वर्मा, आर. रमन, एस. मजुम्दार (2018). माइकोबैक्टीरियम फोर्ट्वीटम-इंड्यूस्ड ईआर-माइटोकोंड्रियल कैल्शियम डायनेमिक्स प्रोमोट्स कालपेन/कासपेस-12/ कासपेस-9 मीडिएटिड एपोपटोसिस इन फिश मैक्रोफेजिस. सैल डेथ डिसकव. (स्प्रिंगल-नेचर).

एम. गौतम, आई. भट्टाचार्या, यू. राय, एस.एस. मजुमदार (2018). हार्मोन इंड्यूस्ड डिफरेंशल ट्रांसक्रिप्टोम एनालीसिस ऑफ सेर्टोली सैल्स ड्यूरिंग पोस्टनटाल मैच्योरेशन ऑफ रैट टेस्टिस. पीएलओएस ऑन.

एस. गुप्ता, पी. कुमार, एच. कौर, एन. शर्मा, डी. सलूजा, ए.सी. भारती तथा बी. दास (2018) कंस्टीट्युटिव एक्टीवेशन ऐंड ओवरएक्सप्रेशन ऑफ NF-kappaB/c-Rel इन कनजंक्शन विद कंट्रीब्यूट टू अग्रेसिव टंग ट्युमरोजिनेसिस. ऑन्कोटार्गेट, 9(68), पृष्ठ 33011-33029.

बी.डी. जोशी, जे.ए. जॉन्सन, एस.पी. गोयल, टी. नेगी तथा आर.के. नेगी (2018). नॉन-इनवेसिव सैम्पलिंग : रिलायबल मेथड्स फॉर डीएन ए एक्सट्रेक्शन ऐंड पीसीआर एम्प्लीफिकेशन फ्रॉम ए सिंगल स्केल ऑफ स्माल साइप्रिनिडे फिश : ज़ूलॉजी ऐंड इकोलॉजी, 28, पृष्ठ 425-428.

एच. कौर, शशि, आर.के. नेगी तथा के. कामरा (2019). मॉर्फोलोजिकल ऐंड मोलेक्युलर कैरेक्टराइज़ेशन ऑफ नियोगैस्ट्रोस्टाइला एक्वा नोव.जेन, नोव.स्पेक. (सिलिओफोर, हाइपोट्रिशिया) फ्रॉम रिवर यमुना, दिल्ली; कम्पेरिज़न विद गेस्ट्रोस्टाइल- लाइक जेनेरा, यूरोपियन जे. प्रोटिस्टोलोजी, पृष्ठ 68-79.

एन.ए. खान, जे.जी. शर्मा तथा आर. चक्रबर्ती (2019). द स्टडी ऑफ अमीलियोरेटिव इफेक्ट ऑफ डायटरी सप्लीमेंटेशन ऑफ विटमिन सी, विटमिन ई ऐंड ट्रिप्टोफेन इन लेबियो रोहिट(साईप्रिनिडे) फ्राई एक्सपोस्ड टु इनटेंस लाइट. फिश फीज़ियोलोजी एंड बायोकेमिस्ट्री. https://doi.org/10.1007/s10695-019-00626-5.

बी.के. खंगेम्बम तथा आर. चक्रबर्ती (2018) विसरा ऑफ लेबियोरोहिता : ए पोटेंशल सोर्स ऑफ ट्रिप्सिन फॉर इंडस्ट्रियल एप्लीकेशन. जर्नल ऑफ एक्वेटिक फूड प्रोडक्ट टेक्नोलोजी (टेलर ऐंड फ्रांसिस(स्वीकृत).

सी.डी. खंगेम्बम, एस.पी. सिहं, आर. चक्रबर्ती तथा जे.जी. शर्मा (2018). द स्टडी ऑफ इफेक्ट ऑफ वैरियस टेम्परेचर्स ऑन द एबंडेंस ऑफ अमोनिया ऑक्सीडाइज़िंग अर्शिया ऐंड बैक्टीरिया. इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल साइंसेज़ 88, पृष्ठ 626-632.

सी.डी. खंगेम्बम, एस.पी. सिहं, आर. चक्रबर्ती तथा जे.जी. शर्मा (2018). द स्टडी ऑफ इफेक्ट ऑफ वैरियस टेम्परेचर्स ऑन द एबंडेंस ऑफ अमोनिया ऑक्सीडाइज़िंग अर्शिया ऐंड बैक्टीरिया. इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल साइंसेज़ (इंडियनकौंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च, आई सी ए आर) 88, पृष्ठ 626-632.

एन. कुमार, जे.जी. शर्मा, सिहं एत अल (2019). वैलीडेशन ऑफ ग्रोथ एनहांसिंग, इम्यूनोस्टिमुलेटरी ऐंड डिज़ीज़ रेज़िस्टेंस प्रॉपर्टीज़ऑफ अकिरेंथेस अस्पेरा इन लेबेयो रोहिता फ्राई इन पॉन्ड कंडीशंस. हेलियन 5. doi: 10.1016/j.heliyon.2019.e01246.

ए.बी. कुन्नुमक्कर, बी.एल. सायलो, के. बानिक एत अल (2018). क्रोनिक डिज़ीज़िज़, इंफ्लेमेशन, ऐंड स्पाइसिज़ : हाओ आर दे लिंक्ड? जे ट्रांस1 मेड. 25;16(1):14. doi: 10.1186/s12967-018-1381-2.

आर. लोहिया, पी. जैन, एम. जैन, एच. मिश्रा, पी. बर्मा, ए. श्रीवास्तव तथा श्वेता सरन (2018). डिलीशन ऑफ डिक्टियोस्टेलियमडिस्कोयडियम सर2ए इम्पेयर्स सैल प्रोलिफरेशन ऐंड इन्हिबिट्स आटोफेजी. जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज़, 43(2), पृष्ठ 351-364.

ए. माजी, आर. मिश्रा, डी.बी. धाकन एत अल (2018). गट माइक्रोबायोम कंट्रीब्यूट्स टु इम्पेयरमेंट ऑफ इम्यूनिटी इन पल्मोनरी ट्यूबर्कुलोसिस पेशेंट्स बाय आल्टरेशन ऑफ ब्यूटीरेट ऐंड प्रोपिओनेट प्रोड्यूसर्स. एनवायर्नमेंटल माइक्रोबायोलोजी, 20, पृष्ठ 402-419.

आई. मिश्रा, डी. सिहं तथा वी. कुमार (2018) टेम्परल एक्सप्रेशन ऑफ सी-फॉस ऐंड जींस कोडिंग फॉर न्युरोपेप्टाइड्स ऐंड एंजाइम्स ऑफ एमीनो एसिड ऐंड एमाइन न्युरोट्रांसमिटर बायोसिंथेसिस इन रेटिना, पिनेअल ऐंड हाइपोथेलेमस ऑफ ए माइग्रेटरी सॉन्गबर्ड : इविडेंस फॉर सिर्केडियन रिद्म डिपेंडेंट सीज़नल रेस्पोंसेज़. न्युरोसाइंस, 371:309-324.

ए. पांडे, एस.सी. त्रिपाठी, एत अल (2018). डिफरेंशली लोकलाइज़्ड सरवाइव इन ऐंड स्टेट3 एज़ मार्कर्स ऑफ गेस्ट्रिक कैंसर प्रोग्रेशन : असोसिएशन विद एच.पाइलोरि.कैंसर रेप (प्रेस में)

एम. प्रियम, एम. त्रिपाठी, यू. राय, एस.एम. घोराई (2018). डाइवर्जेंस ऑफ प्रोटीन सैंसिंग(टीएलआर4,5) ऐंड न्युक्लिक एसिड सैंसिंग(टीएल आर3,7) विदिन द रेपटीलिअन लीनिएज. मोलेक्युलर फाइलोजेनेटिक्स ऐंड इवोल्यूशन, 119, पृष्ठ 210-224.

वी. राचप्पा, एस.जी. हनचिनल, शेखर एत अल (2018). रिफाइनमेंट ऐंड इवेल्युएशन ऑफ आर्टीफिशियल डाइट फॉर रेयरिंग ओफ लेग्यूम पॉडबोरर, मरुकेवित्राटा गेयर(लेपिडोप्टेरा : क्रेम्बिदे). लेग्यूम रिसर्च 41(3):461-467.

आर. राव, ए. हुसैन, ए.सी. भारती ऐंड एम.के. कश्यप (2019). डिसकवरी ऑफ ए नॉवल कनेक्टिंग लिंक बिटवीन रेनिन एंजियोटेंसिन सिस्टम ऐंड कैंसर इन बैरेट्स इसोफेगस बाय प्रोटेओमिक स्क्रीनिंग. प्रोटिओमिक्स-क्लीनिकल एप्लीकेशंस, 1900006.

जे.जी. शर्मा, एन. कुमार ऐंड सिहं एत अल (2019). इवेल्युएशन ऑफ इमयुनोस्टिमुलेटरी प्रॉपर्टीज़ ऑफ प्रिक्ली शैफ फ्लावर अचाईरेंथेस अस्पेरा इन रोहू लेबियो रोहिता फ्राई इन पॉन्ड कंडीशंस. एक्वाकल्चर 503, पृष्ठ 183-189. https://doi.org/10.1016/j.aquaculture.2019.02.065.

जे.जी. शर्मा, आर.मसूदा तथा आर. चक्रबर्ती (2018). द कंटीन्युअस कल्चर ऑफ रोटिफर ब्रेचियोनस प्लिकेटिलिस विद सीवाटर. मेड्रिज जर्नल ऑफ एक्वाकल्चर रिसर्च एंड डेवलपमेंट 2:35-37.

जे.जी. शर्मा, आर.मसूदा तथा एम. एत अल (2018). द कंटीन्युअस कल्चर ऑफ रोटिफर ब्रेचियोनस प्लिकेटिलिस विद सीवाटर. मेड्रिज जर्नल ऑफ एक्वाकल्चर रिसर्च एंड डेवलपमेंट 2:35-37.

ए. शर्मा, डी. सिहं, एस. दास तथा वी. कुमार(2018). हाइपोथेलेमिक ऐंड लिवर ट्रांसक्रिप्टोम फ्रॉम टू क्रिटिकल लाइफ-हिस्टरी स्टेजिस इन ए माइग्रेटरी सॉन्गबर्ड. एक्सपेरीमेंटल फीज़ियोलोजी, doi: 10.1113/EP086831.

जी. सिसोदिया, जी. वर्मा तथा दास एत अल (2018). मिरना एज़ वाइरल ट्रांसक्रिप्शन ट्यूनर्स इन एचपीवी-मीडिएटिड सर्वाइकल कार्सिनोजेनेसिस. फ्रंट बायोसाइ, 1;10:21-47.

ए. सिहं, जे.जी. शर्मा, एम. पाइछा तथा आर. चक्रबर्ती (2019). अकाइरेंथेस अस्पेरा (प्रिक्ली शैफ फ्लावर) लीव्स ऐंड सीड्स सप्लीमेंटेड डाइट्स रेगुलेट द ग्रोथ, इन्नेट इम्युनिटी ऐंड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन एयरोमोनस हाइड्रोफिला चैलेंज्ड लेबियो रोहित. जर्नल ऑफ एप्लाइड एक्वाकल्चर. https://doi.org/10.1080/10454438.2019.1615594.

सी. तलवार, एस. नागर, आर. लाल तथा आर.के. नेगी (2018). फिश गट माइक्रोबायोम : करंट एप्रोचेज़ ऐंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स. इंडियन जे.माइक्रोबायोलोजी : 58, 397-414.

एस.के.टी. तौफीक, ए. प्रभात तथा वी. कुमार (2018). कॉन्सटेंट लाइट एनवायर्नमेंट सप्रेसेज़ मेच्योरेशन ऐंड रिड्यूसिज़ कॉम्प्लेक्सिटी ऑफ न्यु बॉर्न न्युरॉन प्रोसेसेज़ इन द हिपोकैम्पस ऐंड कॉडल निडोपिलियम ऑफ ए डाईअर्नल कोर्विद : इम्प्लीकेशन फॉर इम्पेयर्मेंत ऑफ द लर्निंग ऐंड कॉग्निटिव परफॉर्मेंस. न्युरोबायोलोजी ऑफ लर्निंग ऐंड मेमरी, 147 : 120-127.

के. वेंकटेश्वरन, ए. वर्मा तथा भट्ट एत अल (2018). इमर्जिंग रोल्स ऑफ केलरेटिकुलिन इन कैंसर : इम्प्लीकेशंस फॉर थेरेपी. करंट प्रोटीन ऐंड पेप्टाइड साइंस, 19(4), 344-357.

पत्रिकाएँ (जर्नल्स)

संपादक/सदस्य, वैज्ञानिकीय पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल - 22

शोध परियोजना

इंटरनेशनल एटमिक एनर्जी एजेंसी(आईए ई ए), वियना : 'क्वालिटी इम्प्रूवमेंट ऑफ मास रीयर्ड मॉथ्स ऐंड असेसमेंट ऑफ कम्पिटीटिवनेस ऑफ रेडियो-स्टेरीलाइज़्ड लेपिदोटेरन पेस्ट, स्पोदोप्टेरालिटुरा ऐंड इट्स एफ 1 प्रोजेनी इन फील्ड सिमुलेटिड केजिस फॉर पेस्ट सप्रेशन थ्रू इनहेरिटिड स्टेरीलिटी टेक्नीक अंडर एफएओ/आईएईए सीआरपी (डी41026) ऑन "इम्प्रूव्ड फील्ड परफॉर्मेंस ऑफ स्टेराइल मेल लेपिडोप्टेरा टु एनश्योर सक्सेस इन एसआईटी प्रोग्राम्स" 2016-2021, प्रोफेसर आर.के.सेठ (पीआई); € 40,000.

एएमएएएस तथा एनबीएआईएम अप्रैल, 'टु स्टडी द माइक्रोबियल डाइवर्सिटी एसोसिएटिड विद फिश गट बाय यूज़िंग कल्चर डिपेंडेंट ऐंड इनडिपेंडेंट एप्रोचेज़', 2017-मार्च, 2020, प्रोफेसररूप लाल(पीआई) एवं डॉ.आर.के. नेगी ((को-पीआई), रुपए19.5 लाख

डीबीटी, 'एक्सप्लोरिंग डायवर्सिटी, फंक्शनल डायनेमिक्स ऐंड बायोटेक्नोलोजिकल एप्लीकेशंस ऑफ बैक्टीरियल कम्युनिटीज़ इन्हैबिटिंग हॉट वाटर स्प्रिंग अटॉप द हिमालयन रेंजेज़ एट मणिकरन, हिमाचल प्रदेश, इंडिया', फरवरी 2017- जनवरी 2020, डॉ.आर.के. नेगी(पीआई) तथा प्रोफेसर रूप लाल (को-पीआई), रू 52.2 लाख

आईएईए/एफएओ, 'फील्ड-डिप्लॉयेबल एनालीटिकल मेथड्स टु असेस द ऑथेंटीसिटी, सेफ्टी ऐंड क्वालिटी ऑफ फूड इन इंडिया', 2017-202, प्रोफेसर डी.के.सिहं (पीआई); यूरो 30,000.

डीबीटी, 'रीमीडिएशन ऐंड रीक्लेमेशन ऑफ एचसीएच डम्पसाइट बाय यूज़िंग माइक्रोबियल बायोरीमीडिएशन टेक्नोलोजी', मार्च 2018-मार्च 2020, डॉ.आर.के. नेगी (पीआई) तथा प्रोफेसर रूप लाल (को-पीआई); रु 113 लाख.

डीबीटी, 'डिस्सेमीनेशन ऐंड डेमंस्ट्रेशन ऑफ फिश कल्चर टेक्नोलोजी अमॉन्ग वूमन सेल्फ हेल्प ग्रुप्स इन एनसीआर रीजन ऑफ दिल्ली एज़ ए सेल्फ एम्प्लॉयमेंट एक्टीविटी- दिल्ली टेक्नोलोजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली के साथ सहयोग' 2018-2021, प्रोफेसर रीना चक्रबर्ती (पीआई), रू 58 लाख

आईसीएम आर, 'इनवेस्टीगेशन ऑफ मोलेक्युलर मेकेनिज़्म(स) ऑफ स्टेट3-मीडिएटिड रेगुलेशन ऑफ एचपीवी इंफेक्शन ऐंड सर्वाइकल कार्सिनोजेनेसिस'; 2018-2021 प्रोफेसर आलोक सी.भारती(पीआई); रू 39.6 लाख

एनएएसएफ(आईसीएआर), 'बायोरेमेडिएशन ऑफ केमिकल कनटेमीनेंट्स ऐंड देयर कॉम्पलेक्सेस प्रेज़ेंट इन ड्रेनेज वेस्ट वाटर विद हाई डायनेमिक फ्लक्स यूज़्ड फॉर इरिगेशन इन अर्बन ऐंड पेरी-अर्बन एग्रीकल्चर' दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (लीड सेंटर), 2018-2021, (लाख), प्रोफेसरडी.के.सिहं(पीआई);: कुल बजट : रू 170.84, डीयू बजट रू 95.46 (लाख).

डीएसटी-सर्ब, 'इनवेस्टीगेशन ऑफ द रोल ऑफ एक्सोसोम्स इन सर्वाइकल कैंसर एंजियोजेनेसिस ऐंड एंडोथीलियल सैल कंडीशनिंग' 2019-2021, प्रोफेसर आलोक चंद्र भारती, रू 30 लाख(राशि प्रतीक्षित).

यूजीसी, डी.एस.कोठारी पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप, 'टु आइडेंटीफाई स्पेसीफिक एम आई आर एन एज़ अट्रीब्यूटिड टू ड्रग रेज़िस्टेंस इन नॉन-स्माल सैल लंग कैंसर स्टेम सैल', 2018-2019, डॉ. कविता बघेल रू 651744.

डीएसटी-सर्ब:, डीएसटी-टेअर कार्यक्रम, 'टारगेटिंग ऑफ द स्प्लीशिओसोम इन ईसोफेगल स्क्वेमस सैल कार्सिनोम', डॉ. मनोज कश्यप, 2019-2022, रू 325000.

नेशनल ब्यूरो ऑफ एग्रीकल्चरली इम्पॉर्टेंट माइक्रोऑर्गनिज़्म्स (एनबीए आईएम, 'टु स्टडी द माइक्रोबियल डायवर्सिटी एसोसिएटिड विद फिश गट बाय यूज़िंग कल्चर-डिपेंडेंट ऐंड -इनडिपेंडेंट एप्रोचेज़'. डॉ. आर.के. नेगी, 2017-2020, रु 20,32,335.

डीबीटी, 'रीमीडिएशन ऐंड रीक्लेमेशन ऑफ हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन (एचसीएच) डम्पसाइट बाय यूज़िंग माइक्रोबियल बायोरेमीडिएशन टेक्नोलोजी, 2019-20, डॉ. आर.के. नेगी, रू 190.5 लाख

आयोजित किए गए सेमीनार - 2

डॉ. हेमंत अग्रवाल, एप्लीकेशन साइंटिस्ट, डे नोवो सॉफ्टवेयर्स द्वारा "एफसीएस एक्सप्रेस-फ्लो डाटा एनालीसिस सॉफ्टवेयर" पर 24 मई 2019 को सेमीनार

कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इनडस्ट्रियल टेक्नोलोजी तथा इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर माइक्रोबियल इकोलोजी (आईएसएमई) के तत्वावधान में केआईआईटी, भुवनेश्वर में 3 मई 2018 को "हैंड्स ऑन टू कम्पुटेशनल बायोलोजी फॉर (मेटा) जीनोमिक्स एनालीसिस" पर आईएसएमई एम्बेसडर मीट ऐंड वर्कशॉप-2018 आयोजित की।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

ए.सी. भारती

"सर्वाइकल कैंसर - ए सक्सेस स्टोरी फ्रॉम एन इम्यूनोलोजिस्ट व्युपॉइंट इवन ए स्माल स्टार शाइंस इन द डार्क", विश्व इम्युनोलोजी दिवस, 'नर्चरिंग इम्यूनोबायोलोजी .... ऐंड बीयॉन्ड', प्राणि विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय. 11 मई 2018.

“स्टेट3: ए मास्टर रेगुलेटर ऑर प्राईम टारगेट ऑफ एचपीवी-इंड्यूस्ड ट्यूमरिजेनेसिस”, इंडियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च, चंडीगढ़ का 38वां वार्षिक सम्मेलन, 01 मार्च 2019.

“वायरल ऑन्कोप्रोटींस एज़ रेगुलेटर्स ऑफ सर्वाइकल कैंसर स्टेम सैल्स ऐंड केमो/रेडिओ-रेज़िस्टेंस”, दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान. 29 दिसंबर 2018.

“एंटी-सर्वाइकल कैंसर ऐंड एंटी-एचपीवी एक्टीविटी ऑफ न्यूट्रास्युटिकल्स ऐंड प्लांट डेराइव्ड होमोपैथिक फॉर्मुलेशंस”, न्यूट्रास्युटिकल्स तथा क्रोनिक रोग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन. 14-16 सितम्बर 2018.

“एक्सप्लोरेशन ऑफ एक्सोसोमल कार्गो फ्रॉम सर्वाइकल कैंसर सैल्स ऐंड इट्स फंक्शनल रेलेवेंस”, “ ट्यूमर माइक्रो एनवायर्नमेंट ऐंड कैंसर प्रिवेंशन ऐंड थेरेप्युटिक्स” पर अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोज़ियम, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज़, जे एन यू, नई दिल्ली. 09 फरवरी 2019.

हाईटेक ग़ाज़ियाबद में इंसपायर “कैंसर: ए चैलेंज, वट्स एप ज्ञान ऐंड करियर प्रॉसपेक्ट्स”. 20 जनवरी 2019

भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी में “सर्वाइकल कैंसर ऐंड एक्सोसोम्स : फ्रॉम ट्रैश कैंस टू सिग्नलोसोम्स” 11 फरवरी 2019.

हाईटेक ग़ाज़ियाबद में इंसपायर “कैंसर: ए चैलेंज ऐंड करियर प्रॉसपेक्ट्स”. 30 जुलाई 2018

भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में “ह्यूमन पेपिलोमा वायरस - इंड्यूस्ड ट्यूमरिजेनेसिस” 05 फरवरी 2019.

एचपीवी ऐंड सर्वाइकल कैंसर स्टेम सैल्स : वायरल ऑन्कोप्रोटींस एज़ कॉज़ेटिव लिंक ऐंड प्रोमोटर ऑफ केमोरेज़िस्टेंस. सन यात सन, ग्वांग्झु. 7 सिटम्बर 2018.

स्टेट3: इज़ इट ए मास्टर रेगुलेटर ऑर प्राइम टारगेट ऑफ वायरली-इंड्यूस्ड ट्यूमर्स? इंसा-कैस द्विपक्षीय विनिमय कार्यक्रम, जीआईबीएच दौरा. 31 अगस्त 2018.

एस. जैन, गौरी तथा एस.बसु-मोदक, एनालीसिस ऑफ सेक्स-रेशो इन माउस एम्ब्रियोज़ फ्रॉम फीमेल्स विच आर हेटरोज़ाइगस फॉर एचमॉक्स 1 जीन, नेशनल कॉनफ्रेंस ऑन ट्रेंड्स इन लाइफ साइंसेज़ ऐंड बायोटेक्नोलोजी: इनोवेटिव पैराडाइम्स, मैत्रेयी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 19-20 फरवरी 2019 (पोस्टर प्रस्तुति)

नमिता अग्रवाल, ‘फ्रूटफ्लाई ड्रोसोफिला इन द नैनोवर्ल्ड : बिरेटिंग इम्पैक्ट ऑन एनवायर्नमेंट ऐंड ह्यूमन हेल्थ’ “चेंजिंग एनवायर्नमेंट : अंडरस्टेंडिंग द इमर्जिंग चैलेंजेज़ ऐंड देयर मैनेजमेंट स्ट्रेटेजीज़” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत, 10-12 अप्रैल 2019.

रीना चक्रबर्ती, इंटरनेशनल साइंटिफिक कमेटी ऑफ आईएसएफएनएफ, ला पामास दे ग्रें कनेरिया, स्पेन द्वारा आयोजित 18वां इंटरनेशनल सिम्पोज़ियम ऑन फिश न्युट्रिशन ऐंड फीडिंग(आईएसएफएनएफ) में इवेल्युएशन ऑफ इम्युनोस्टिमुलेटरी प्रॉपर्टीज़ ऑफ अकाईरैंथेस अस्पेरा इन रोहु लेबिओ रोहिता इन पॉन्ड कंडीशंस, जून 2018.

रीता सिहं, “एनवायर्नमेंटल थ्रेट्स टू रीप्रोडक्टिव हेल्थ : इंक्रीज़िंग पीसीओएस/पीसीओडी इन यंग वुमन इन इंडिया”, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन चेंजिंग एनवायर्नमेंट : अंडरस्टेंडिंग द इमर्जिंग चैलेंजेस ऐंड देयर मैनेजमेंट स्ट्रेटेजीज़ विद प्री-कॉनफ्रेंस वर्कशॉप “द फोल्ड्स्कोप” इन इंटरनेशनल कॉनफरेंस ऑन “चेंजिंग एनवायर्नमेंट : अंडरस्टेंडिंग द इमर्जिंग चैलेंजेज़ ऐंड देयर मैनेजमेंट स्ट्रेटेजीस”, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत, 10-12 अप्रैल 2019.

टी. सिहं , डी. पांडे, एम. जदली , ए. भट, एन. अग्रवाल, के.ठाकुल तथा ए.सी. भारती, एंटी-सर्वाइकल कैंसर ऐंड एंटी-एचपीवी एक्टीविटी ऑफ न्युट्रास्युटिकल्स ऐंड प्लांट डिराइव्ड होमोपैथिक फॉर्मुलेशंस. 3सरी इंटरनेशनल

कॉनफेरेंस ऑन न्युट्रास्युटिकल्स ऐंड क्रोनिक डिज़ीज़ेज़, स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, जॉली ग्रांट, डोईवाला, देहरादून, उत्तराखंड. 14-16 सितम्बर 2018 (पोस्टर प्रस्तुति)

विनोद कुमार, "क्रोनोबायोलोजी: ट्रांसलेशन अपोर्चुनिटीस ऐंड चैलेंजेस", वर्ल्ड कॉन्ग्रेस इन क्रोनोबायोलोजी, सुझु, चीन, 24-27 अप्रैल 2019.

विनोद कुमार, "बायोलोजिकल रिदम्स", वर्ल्ड फ़ेडरेशन ऑफ सोसाइटीज़ फॉर क्रोनोबायोलोजी (ड्ब्लुएफएससी), चाइनीज़ सोसाइटी फॉर बायोलोजिकल रिद्म्स, जेबीआर-सेज सिम्पोज़ियम ऑन क्रोनोबायोलोजी, सुझु, चीन, 25-27 अप्रैल 2019.

विनोद कुमार, 'टाइम, ब्रेन ऐंड बिहेवियर' इन इंटरनेशनल सिम्पोज़ियम ऑन बायोलोजिकल रिद्म, मेरठ,11-13 मार्च 2019

विनोद कुमार, 'द क्लॉक्स ऐंड सीज़नल कैलेंडर्स इन सॉन्ग बर्ड्स, प्रजननत्मक जीव विज्ञान के लिए 32वीं सोसाइटी की वार्षिक बैठक, एम एस यूनिवर्सिटी, बड़ोद, 19-21 जनवरी 2019.

विनोद कुमार, 'द क्लॉक्स ऐंड सीज़नल कैलेंडर्स इन सॉन्ग 27वीं अंतर्राष्ट्रीय ऑर्निथोलोजिकल कॉन्ग्रेस, वैंकुवर, कनाडा, 19-26 अगस्त 2018.

विनिमय कार्यक्रम में छात्र

"रीसेंट एड्वांसेज़ इन फिश न्युट्रीशन" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम एक्वा रिसर्च लैब, प्राणि विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 15-17 मार्च 2019 के दौरान आयोजित किया गया (पांच भिन्न-भिन्न देशों- कीन्या, तंजानिया, बंगलादेश, नेपाल तथा भारत से पच्चीस अभ्यर्थियों को इस कार्यक्रम के लिए चुना गया)

अन्य संस्थानात्मक सहयोग

प्रोफेसर डी.के. सिहं एन इ एस एफ(आईसीएआर) के साथ सहयोग, 2018-2021, "बायोरीमीडिएशन ऑफ केमिकल कंटेमीनेंट्स ऐंड देयर कॉम्पलेक्सेस प्रेज़ेंट इन ड्रेनेज वेस्ट वाटर विद हाई डायनेमिक फ्ल्क्स यूज़्ड फॉर इरिगेशन इन अर्बन ऐंड पेरी-अर्बन एग्रीकल्चर", दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (लीड सेंटर). कुल बजट : रु 170.84 (लाख), डीयू बजट, रू 95.46 (लाख)

प्रोफेसर रीना चक्रबर्ती, बायोटेक्नोलोजी विभाग (डीबीटी), सहयोगी संस्थान : दिल्ली टेक्नोलोजिकल यूनिवर्सिटी, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज़ एजुकेशन (सीआईएफई), रोहतक सेंटर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, 2018-2021. दिल्ली के एनसीआर क्षेत्र में महिला स्वयं सहायता समूहों के मध्य फिश कल्चर टेक्नोलोजी का वितरण तथा प्रदर्शन. रू 58.0 लाख.

प्रोफेसर रीना चक्रबर्ती के पास डीबीटी(भारत)-बीबीएसाआरसी (यूके) सहयोगात्मक परियोजना है जिसमें निम्नलिखित सहयोगी शामिल हैं : गोआ विश्वविद्यालय, केरला यूनिवर्सिटी ऑफ फिशरीज़, दिल्ली टेक्नोलोजिकल यूनिवर्सिटी (भारत); यूनिवर्सिटी ऑफ स्टर्लिंग, स्कॉटिश एसोसिएशन फॉर मरीन साइंस (यूके); सोखोइन यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, एक्वा कल्चरल एसोसिएशन ऑफ कीन्या, स्टेट डिपार्ट्मेंट ऑफ फिशरीज़ (अफ्रीका).

प्रोफेसर आर.के. सेठ - अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अजेंसी(आईएईए) का निम्नलिखित देशों वियना, यूएसए, यूके, भारत, चीन, युगांडा, के संस्थानों/विश्वविद्यालयों/प्रयोगशालाओं के साथ, 2016-2021, "क्वालिटी इम्प्रूवमेंट ऑफ मास रेयर्ड मॉथ्स ऐंड असेसमेंट ऑफ कम्पीटीटिवनेस ऑफ रेडियो-स्टर्लाइज़्ड लेपिडोप्टेरन पेस्ट, स्पोडोप्टेरलितुरा ऐंड इट्स एफ1 प्रोजेनी इन फील्ड सिमुलेटिड केजिस फॉर पेस्ट सपरेशन थ्रू 'इनहेरिटिड स्टेरिलिटी टेक्नीक" अंडर एफएओ / आईएईए सीआरपी (डी41026) ऑन "इम्प्रूव्ड फील्ड परफॉर्मेंस ऑफ स्टेराइल मेल लेपिदोप्तेरा टु एन्श्योर सक्सेस इन एसाआईटी प्रोग्राम्स", € 40,000

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

रीना चक्रबर्ती

6 फरवरी, 2019 को इंडिया साइंस, डीएसटी चैनल, भारत सरकार पर "ऑर्नामेंटल ऐंड फूड फिशेज़" पर चर्चा में मत्स्य विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।

11 मार्च, 2019 को डीडी किसान चैनल, भारत सरकार पर "एनीमल हेल्थ मैनेजमेंट इन स्प्रिंग" पर चर्चा में मत्स्य विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।

रीता सिहं

संयोजक, मोलेक्युलर एंडोक्राइनोलोजी ऐंड रीप्रोडक्शन में विशेषज्ञता, आईसीएआर-एनडीआरआई, करनाल, हरियाणा में एम.एस.सी विद्यार्थियों का दौरा आयोजित किया जो ब्रीड सुधार, अधिक दूध देने वाली प्रजातियों का प्रिज़रवेशन तथा स्पर्म फ्रीज़िंग व प्रिज़र्वेशन द्वारा देसी गायों के कंज़रवेशन के प्रति विद्यार्थियों का स्किल बेस्ड आउट्लुक विकसित करने के उद्देश्य के किया गया था।

बिड़ला बालिका विद्यापीठ, बिट्स कैम्पस, पिलानी, राजस्थान में 15-16 सितम्बर 2018 को वरिष्ठ स्कूली विद्यार्थियों के लिए प्रजनन स्वास्थ्य जागरूकता पर राष्ट्रीय सेमीनार के अंतर्गत पर्यावरणीय टॉक्सिन तथा स्वास्थ्य पर एक अभिगम्य कार्यक्रम के दौरान एक सैशन की अध्यक्ष। उन्होंने "हाऊ प्लास्टिक्स कॉज़ हार्मोनल इम्बैलेंस इन चिल्ड्रन" विष्य पर जागरूक करने वाला व्याख्यान दिया।

प्रदान की गई एम.फिल./पीएच.डी.

एम.फिल. : 9
पीएच.डी. : 22

संकाय की संख्या

स्थायी - 17

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोफेसर डी.के. सिहं को 10 मई, 2018 से तीन साल के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान का सदस्य, प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा अकादमिक परिषद् नियुक्त किया गया ।

प्रोफेसर मदन मोहन चतुर्वेदी को सीपीसीएस ईए, पर्यावरण एवं वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का सदस्य (2018-21); पशु विज्ञान समिति, विज्ञान तथा प्रोद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का सदस्य (2018-21); बायोकेयर, जैव प्रोद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का विशेषज्ञ सदस्य; डीबीटी नेशनल रिसर्च एसोसिएट्शिप कमेटी, जैव प्रोद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का विशेषज्ञ सदस्य नियुक्त किया गया

प्रोफेसर रीना चक्रबर्ती को अक्तूबर, 2018 से जैव प्रोद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के "एक्वाकल्चर ऐंड मरीन बायोटेक्नोलोजी" पर तकनीकी विशेषज्ञ समिति का सदस्य नियुक्त किया गया ।

प्रोफेसर रीना चक्रबर्ती को अक्तूबर, 2017 से जैव प्रोद्योगिकी विभाग के "एक्वाकल्चर ऐंड मरीन बायोटेक्नोलोजी" पर टास्क फोर्स समिति के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं।

प्रोफेसर रीना चक्रबर्ती 18 जून-17 अगस्त, 2018 तक इनरा-सेंटर वाल दे लोग्र, 37380 नुज़िली, टुअर्स, फ्रांस में रीयल-टाइम रिसेप्टर ऐंड मेसेंजर इनटरेक्शंस पर महत्वपूर्ण शोध निष्कर्ष के विनिमय के लिए विज़िटिंग प्रोफेसर रही।

3-7 जून, 2018 के दौरान इंटरनेशनल साइंटिफिक कमेटी ऑफ आईएसएफएनएफ द्वारा ला पामा दे ग्रैं कनेरिया, स्पेन में आयोजित 18वें इंटरनेशनल सिम्पोज़ियम ऑन फिश न्युट्रिशन ऐंड फीडिंग (आईएसएफएनएफ) में अध्यक्ष रही।

प्रोफेसर आर.के. सेठ को पर्यावरण एवं वन मंत्रालय में सलाहकार; प्राणि विज्ञान विभाग, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु में कैस/सैप कार्यक्रम के लिए यूजीसी नामिति; पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में कैस/सैप कार्यक्रम के लिए यूजीसी नामिति; पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में कैस/सैप कार्यक्रम के लिए यूजीसी नामिति नियुक्त किया गया।

प्रोफेसर शिबनाथ मजुमदार 5-8 मार्च, 2018 को राजीव गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी में इनस-टीचर फेलो के रूप में दौरे पर गए।

प्रोफेसर विनोद कुमार को सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय समिति, वर्ल्ड कॉन्ग्रेस इन क्रोनोबायोलोजी, सुझु, चीन (2019); सदस्य, प्रोग्राम कमेटी फॉर एशियन क्रोनोबायोलोजी फोरम मीटिंग, सपोरो, जापान(2018); संयोजक, सिम्पोज़ियम ऑन एवियन क्लॉक्स एंड कैलेंडर्स, इंटरनेशनल ऑर्निथोलोजिकल कॉन्ग्रेस, वैंकुवर (2018) नियुक्त किया गया।

प्रोफेसर विनोद कुमार ने टाइम, ब्रेन एंड बिहेविअर पर मेरठ में 6-10 मार्च, 2019 तक कार्यशाला में भाग लिया

****

सामाजिक विज्ञान संकाय

प्रौढ़, सतत् शिक्षा एवं विस्तार

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

इस विभाग ने संकाय तथा छात्र विनिमय कार्यक्रम के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ वुर्ज़बर्ग, जर्मनी के साथ समझौता किया। इस समझौते के अंतर्गत 2015, 2016, 2017, 2018 तथा 2019 में 6 विद्यार्थियों के पहले बैच, 11 विद्यार्थियों के दूसरे बैच, 10 विद्यार्थियों तथा 4 विद्यार्थियों ने प्रत्येक अवसर पर संकाय के साथ भाग लिया। वुर्ज़बर्ग यूनिवर्सिटी के छात्र भी सितम्बर, 2018 में ऑटम स्कूल में प्रौढ़, शिक्षा जारी रखना तथा विस्तार विभाग में आए। विभाग ने विद्यार्थियों और समुदाय के लोगों के लिए अपने व्यक्तिगत रुचि प्रोत्साहन तथा दक्षता प्रशिक्षण को आगे बढ़ाने के लिए लघु अवधि का अनूठा कार्यक्रम विकसित किया है। कुछ प्रसिद्ध पाठ्यक्रम हैं ट्रेवल एंड टूरिज़्म तथा काउंसलिंग एंड गाईडेंस।

प्रकाशन

राजेश व नितिश (2018). इनोवेशन ऐंड अपॉर्चुनिटीज़ टू मार्जिनलाइज़्ड ग्रुप इन इंडिया, एक्सपीरियेंसेज़ ऑफ कम्यूनिटी लर्निंग सेंटर्स. इंडिया जर्नल ऑफ एडल्ट एजुकेशन, 9(3), 104-120.

राजेश व जे.पी. सिहं (2018). कम्युनिटी लर्निंग सेंटर्स एज़ ए टूल फॉर वुमेन एमपावरमेंट. आईएईए.42-50

राजेश (2018) इनोवेशन ऐंड अपॉर्चुनिटीज़ टू मार्जिनलाइज़्ड ग्रुप इन इंडिया: एक्सपीरियेंसेज़ ऑफ कम्यूनिइटी लर्निंग सेंटर. आईएईए, खंड 78(04), 104-110.

राजेश, आनंद व नितिश (2018). लाइफलॉन्ग लर्निंग इन साउथ ईस्ट एशिया : ए स्टडी ऑफ सार्क नेशंस. इंडियन जर्नल ऑफ साइंस ऐंड एजुकेशन. 368-373.

वी. सिसोदिया व डी. गोस्वामि (2017). अंडरस्टैंडिंग सोश्यो-इकोनोमिक कंडीशंस ऑफ रिक्शा पुलर्स ऑफ दिल्ली आफ्टर इंट्रोडक्शन ऑफ ई-रिक्शाज़. इंडियन जर्नल ऑफ एडल्ट एजुकेशन, 8(02), 40-51.

सिहं एत अल (2018). इफेक्ट ऑफ फोलियर एप्लीकेशन ऑफ बॉरान ऐंड ज़िंक ऑन ग्रोथ ऐंड फ्लोइंग कैरेक्टर्स इन अफ्रीकन मैरीगोल्ड सीवी पूसा नारंगी गेंदा. जर्नल ऑफ ऑर्नामेंटल होर्टीकल्चर. 21(1),1-6.

सिहं एत अल (2019). रोल ऑफ माइक्रोब्स इन रेस्टोरेशन इकोलोजी ऐंड इकोसिस्टम्स सर्विसेज़. इन न्यु ऐंड फ्यूचर डेवलपमेंट्स इन माइक्रोबियल बायोटेक्नोलोजी इन एग्रो-एनवायर्नमेंटल ससटेनेबिलिटी. एल्ज़ेवियर पब्लिकेशन, एमस्टर्डम, नीदरलैंड. 57-68.

एस. सिसोदिया व पियूश (2018). सागा ऑफ चाइल्ड रैगपिकर्स - ऑबस्ट्रक्शंस ऐंड कंस्ट्रेन्ट्स. वंदना सिसोदिया ऐंड पियूश. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च. 04 (12).

शोध परियोजना

यूजीसी (इंडो-जर्मन पार्टनरशिप इन हायर एजुकेशन एट जर्मन एकेडमिक एक्सचेंज सर्विस (डीएएडी) ऐंड यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी), एडल्ट ऐंड लाइफ लॉन्ग एजुकेशन : इंडिया ऐंड जर्मन इंसाइट्स, 2016-2020, € 118140/- (रुपए 88,00,000/-)

आयोजित किए गए सेमीनार

ऑटम स्कूल 10-21 सितम्बर 2018

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

वुर्ज़बर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी में अंतर्राष्ट्रीय विंटर स्कूल 2019 आयोजित किया गया, विभाग के 2 संकाय सदस्यों ने अपने व्याख्यान दिए डॉ. वंदना सिसोदिया तथा श्री राहुल यादव का विषय था स्किल डेवलपमेंट इन इंडिया 13 फरवरी, 2019

जे.पी. दुबे

22 फरवरी 2017 को जम्मू विश्वविद्यालय में रूरल डेवलपमेंट एंड एक्सटेंशन पर कीनोट संबोधन।

जम्मू विश्वविद्यालय में 22-23 फरवरी 2017 को लाइफलॉन्ग लर्निंग ऐंड ससटेनेबल रूरल डेवलपमेंट पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार में भाग लिया।

वंदना सिसोदिया व श्वेता तिवारी. रोल ऑफ आईसीटी इन क्रिएटिंग अवेयरनेस अबाउट वुमन राइट्स. नेशनल सेमीनार ऑन वुमेन राइट्स ऐंड रेस्पॉन्सिबिलिटीज़ इन प्रोग्रेसिव इंडिया : ए डिस्कोर्स, पत्रकारिता विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, 23-24 मार्च 2017

वंदना सिसोदिया. ए स्टडी ऑफ अवेयरनेस अबाउट "स्वच्छ भारत मिशन अमॉन्ग स्टुडेंट्स ऑफ नॉर्थ कैम्पस. थर्ड नेशनल सिम्पोज़ियम ऑन एनवायर्नमेंट चैलेंजेज़ : जेनरेशन नेक्स्ट, 31 मार्च 2017. देशबंधु महाविद्यालय

सीआईई, शिक्षा विभाग में टीचर एजुकेशन : करंट सेनारियोज़ ऐंड फ्यूचर पॉसीबिलिटीज़ पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया 10-11 मार्च 2017

हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

जे एम यूनिवर्सिटी, वुर्ज़बर्ग, जर्मनी के साथ इंडो जर्मन प्रोजेक्ट समझौता ज्ञापन

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

जे एम यूनिवर्सिटी, वुर्ज़बर्ग, जर्मनी के साथ छात्र विनिमय कार्यक्रम

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ प्रायोगिक अनुभव लेने के लिए विद्यार्थियों ने इंटर्नशिप के लिए बहुत सी सिविल सोसाइटी संगठनों तथा चल रहे फील्ड वर्क कार्यक्रम का दौरा किया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी.: 06 (2018-2019)
एम.फिल.: 08 (2018-2019)

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय	-	06
अस्थायी	-	शून्य
तदर्थ	-	शून्य

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

वी.के. दीक्षित को पाठ्यक्रम संशोधन के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में 23 व 30 अप्रैल, 2019 को जम्मू विश्वविद्याल्त में आमंत्रित किया गया।

डॉ. वंदना सिसोदिया तथा श्री राहुल यादव ने यूनिवर्सिटी ऑफ वुर्ज़बर्ग, जर्मनी में मेंटर के रूप में दौरा किया फरवरी 2019

***

अफ्रीकी अध्ययन

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

अफ्रीकी अध्ययन विभाग वर्ष 1955 में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री (स्व.) पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्थापित किया गया था जो अफ्रीकी मामलों पर इतिहास, राजनीती, समाज, अर्था व्यवस्था, भूगोल तथा साहित्य में विशेषज्ञता प्राप्त है । यह विभाग स्कॉलरों को शोध करने के लिए शिक्षण तथा प्रशिक्षण देने में सक्रिय है । एम.फिल तथा पीएच डी स्कॉलरों को अफ्रीका से संबंधित संगत मामलों तथा विषयों पर शोध करने तथा गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। आर तक विभाग ने 416 स्कॉलरों को एम.फिल की डिग्री तथा 109 स्कॉलरों को पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की है । इसके अलावा, विभाग में स्वाहिली भी पढ़ाई जाती है जो पूर्वी अफ्रीका में बोली जाने वाली मुख्य अफ्रीकी भाषाओं में से एक है। आज तक 200 से अधिक विद्यार्थियों को स्वाहिली भाषा में डिप्लोमा तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। इनमें से बहुत से अनुवाद कार्य तथा उन लोगों के लिए भाषांतरण में संलग्न हैं जो अफ्रीका में अपना व्यापार कर रहे हैं । यह

विभाग इसके द्वारा स्थापित विभिन्न अध्ययन समूहों में चयनित विषयों पर गहराई से अध्ययन तथा शोध संचालित करता है जैसेकि भारत अफ्रीका संबंधों पर अध्ययन समूह, दक्षिण अफ्रीका पर अध्ययन समूह, मानवाधिकार, रिफ्यूजी तथा सुडान अध्ययन इकाइयाँ.

प्रकाशन

संदीपनी दास (2018). मैपिंग द ग्लोबल एक्सपीरिएंस ऑफ सेक्योलरिज़्म : एन इंडियन पर्सपेक्टिव एड. पॉलिटिक्स फॉर ए न्यु इंडिया : ए नेशनलिस्ट पर्सपेक्टिव.

संदीपनी दास (2018). इंडिया-अफ्रीका रिलेशंस : इश्यूज़ ऐंड प्रायोरिटीज़, इमेजिनिंग इंडिया एज़ ए ग्लोबल पावर: प्रॉसपेक्ट्स ऐंड चैलेंजेज़.

सुरेश कुमार (2019). मोरक्को : फास्ट ट्रैकिंग प्रोग्रेस. एफ्रोएशियन बिज़नेस क्रोनिकल. खंड 9, अंक 1

सुरेश कुमार (2019). इंडिया ऐंड साउथ अफ्रीका : फ्रेंड्स ऑन टोज़ ऐंड फ्रेंडशिप रिमेंस, डिप्लोमेटिस्ट, एक्स्ट्राऑर्डिनरी ऐंड प्लेनीपोटेंशरी.

सुरेश कुमार (2018). कल्चरल डायवर्सिटी इन इंडिया ऐंड अफ्रीका : ए स्ट्रेंथ नॉट ए प्रॉब्लम, इंडियन जर्नल ऑफ अफ्रीकन स्टडीज़, खंड XXIII

सुरेश कुमार (2018). इंडिया ऐंड अफ्रीका ट्रेड रिलेशंस. डिप्लोमेसी ऐंड बीयॉन्ड प्लस

सुरेश कुमार (2019). मोरक्को : फास्ट ट्रैकिंग प्रोग्रेस. एफ्रोएशियन बिज़नेस क्रोनिकल. खंड 9, अंक 1

सुरेश कुमार, इंडिया ओपीनियन ऑन मोरक्को-क्यूबा रिएक्शंस

विधान पाठक, (2018) इंडिया-अफ्रीका कल्चरल लिंकेजेज़ : ए स्टडी ऑफ द सिद्दी ट्राइब इन गुजरात, इंडियन जर्नल ऑफ अफ्रीकन स्टडीज़, खंड XXIII, सं. 1 व 2 पृष्ठ 10-25

विधान पाठक, (2018) इंडिया ऐंड अफ्रीका ऑन ए मोमेंटस जर्नी ऑफ एवंर-राइज़िंग टाईज़, डिप्लोमेटिस्ट, खंड 6, अंक 4, पृष्ठ 49-52.

विधान पाठक, (2018), इंडियन डायस्पोरा : ए स्ट्रेटेजिक असेट फॉर इंडियन फ़ॉरेन पोलिसी इन द 21 सेंचुरी, इमेजिनिंग इंडिया एज़ ए ग्लोबल पावर : प्रॉसपेक्ट्स ऐंड चैलेंजेज़, लंदन ऐंड न्युयॉर्क : रूटले, टेलर ऐंड फ्रांसिस.

विधान पाठक, (2018) इमेजिनिंग इंडिया एज़ ए ग्लोबल पावर : प्रॉसपेक्ट्स ऐंड चैलेंजेज़, लंदन ऐंड न्युयॉर्क : रूटले, टेलर ऐंड फ्रांसिस.

संपादक मंडल के संपादक/सदस्यों के रूप में कार्यरत विभाग के शिक्षकों की संख्या

प्रबंध संपादक - एक संकाय सदस्य दो पत्रिकाओं में सेवारत
संपादक मंडल सदस्य - एक संकाय सदस्य दो पत्रिकाओं में सेवारत

शोध परियोजना

(आईसीएसएसआर-एनआईएचएसएस), 2016-2019, इंटरनेशनल ज्वायंट रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन रिलीजन, योगा ऐंड एजुकेशन इन इंडिया ऐंड साउथ अफ्रीका.

यूनेस्को 2012- कंटीन्युइंग रिसर्च ग्रुप ऑन अफ्रीकन ऐंड ब्राज़ीलियन नॉलेज, प्रेक्टिसिज़, एजुकेशन ऐंड हिस्टरीज़ इन ए सदर्न पर्सपेक्टिव, पोर्तो यूनिवर्सिटी, ब्राज़ील.

आयोजित किए गए सेमीनार

आयोजित किए गए कुल सेमीनार-3

प्रोफेसर आर. मुकंदला, उपकुलपति, दर-अस-सलाम विश्वविद्यालय(यूडीएसएम), तंजानिया "कंटेम्परेरी ट्रेंड्स इन अफ्रीकन पॉलीटिक्स" 9 अक्तूबर 2017.

डॉ. देवेंद्र राजावत, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मेट्रो एसडीए हॉस्पीटल लि. कितवे, ज़ाम्बिया "हेल्थ ऐंड एजुकेशन सिस्टम ऑफ ज़ाम्बिया",23 जनवरी 2018

प्रोफेसर केनेथ किंग, अफ्रीकन स्टडीज़ ऐंड स्कूल ऑफ एजुकेशन, द यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग, "कंटेम्परेरी अफ्रीका" 2 फरवरी 2018.

आयोजित किए गए सम्मेलन

इंटरनेशनल अम्बेडकर कंक्लेव : कंस्टीट्यूशन, एजुकेशन, स्किल डेवलपमेंट, इकोनोमी ऐंड एंटरप्रेन्यर्शिप फॉर एस सीज़ ऐंड एस टीज़, अजा तथा अजजा विधायकों तथा सांसदों की फोरम द्वारा आयोजित, 27-28 नवम्बर, 2017.

इंक्लूसिव ट्राइबल कॉन्ग्रेगेशन : शेयरिंग एक्सपीरिएंसेज़ ऑफ इंडिया ऐंड अफ्रीका, 22 फरवरी, 2018

इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन ट्रांसफॉर्मिंग अफ्रीका : पोटेंशल्स ऐंड चैलेंजेज़. इंडियन कौंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर) के सहयोग से अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित,06-08, फ़रवरी 2019

इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन "ट्रांसफॉर्मिंग अफ्रीका : पोटेंशल्स ऐंड चैलेंजेज़'', 06-08 फ़रवरी, 2019

सेमीनार/सम्मेलन प्रस्तुति

ए.एस. यरूइंगम

इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन एशियन टाईकूंस इनवेस्टमेंट ऑन लैंड इन अफ्रीका : मिथ ऑर रीयेलिटी जामिया मिलिया इसलामिया यूनिवर्सिटी, दिल्ली में 15-17 फरवरी, 2018

इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन पैन-अफ्रीकन ई-नेटवर्क : फ्रॉम द पर्सपेक्टिव ऑफ इंडिया - अफ्रीका रिलेशन 19-20 फरवरी, 2018

नेशनल सेमीनार ऑन इम्प्लीमैंटेशन ऑफ पैन-अफ्रीकन ई-नेटवर्क : चैलेंज ऐंड प्रोस्पेक्ट्स, मद्रास विश्वविद्यालय 28 फरवरी, 2018

"ए काल टू द चर्च फॉर सोशल ट्रांस्फॉर्मेशन" पर विशेष व्याख्यान मणिपुर 15-17 मार्च, 2018

गजेंद्र सिहं

सोसाइटी ऐंड कल्चर ऑफ खोयसन कम्युनिटी ऑफ साउथ अफ्रीका पर अफ्रीका तथा यूरेशिया में विकास अनुभवों को साझा करने हेतु प्रस्तुति सेंट्रल यूरेशियन स्टडीज़ ऐंड सेंटर फॉर अफ्रीकन स्टडीज़, मुम्बई विश्वविद्यालय तथा ऑब्ज़र्वर रिसर्च फाउंडेशन मुम्बई के लिए मुम्बई विश्वविद्यालय में 19-20 फरवरी, 2018 को आयोजित

"गांधी ऐंड हिज़सत्याग्रह इन साउथ अफ्रीका" रीविज़िटिंग गांधी ऐंड अम्बेडकर पर प्रस्तुति, सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय,24 अक्तूबर, 2017

“वेल्यु, एथिक्स ऐंड सोसाइटी ऑफ पास्टोरल कम्युनिटी ऑफ ईस्ट अफ्रीका” पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली मे 22 फरवरी, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

रश्मि कपूर

अडेप्टेशन ऐंड इम्प्लीमेंटेशन ऑफ पेरिस एग्रीमेंट : नेशनल इनिश्येटिव्स टूवर्ड्स “क्लाईमेट चेंज मिशन” पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार में ‘पेरिस एग्रीमेंट ऐंड इम्पैक्ट्स ऑफ क्लाईमेट चेंज ऑन रिवर्स : ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ द नाइल रिवर ऐंड द इंडस रिवर’, भूगोल विभाग, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय(सायं), दिल्ली विश्वविद्यालय, शेख सराय फेज़-II, नई दिल्ली -110017 द्वारा 21-22 अप्रैल, 2017 को आयोजित

‘एनवायर्नमेंट ससटेनेबिलिटी ऐंड कंज़र्वेशन:इश्यूज़ ऐंड चैलेंजेज़ इन 21वीं सेंचुरी” पर राष्ट्रीय सेमीनार में ‘एनवायर्नमेंट ससटेनेबिलिटी ऐंड कंज़र्वेशन इन अफ्रीका : रीविज़िटिंग ट्रेडीशनल अफ्रीकन नॉलेज’ 15 नवम्बर, 2017 को सत्यवती महाविद्यालय में

‘डीकोडिंग द पार्टीशन ला(इ/ए)न्स : रिफ्लेक्शंस ऑन लैंग्वेज, लिटरेचर ऐंड कल्चर’ पर राष्ट्रीय सेमीनार में “सेवन डीकेड्स ऑफ द पार्टीशन : अनसेटल्ड इमोशंस ऐंड एंटेंगल्ड आईडेंटिटीज़” किरोड़ीमल महाविद्यालय,दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली तथा नेशनल कौंसिल फॉर प्रोमोशन ऑफ सिंधि लैंग्वेज, एमएच आर डी, भारत सरकार संयुक्त रूप से 6-7 फरवरी, 2018 को आयोजित.

‘एड्वांस ग्रीन केमिस्ट्री :बिल्डिंग ए ससटेनेबल टूमारो’ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “अंडरस्टैंडिंग द नेचर ऑफ इम्पैक्ट ऑफ वेदर कंडीशंस ऐंड अदर पोल्यूटंट्स ऑन द एयर क्वालिटी : ए स्टेटिस्टिकल मॉडल”, ग्रीन केमिस्ट्री नेटवर्क सेंटर, रसायन विभाग,दिल्ली विश्वविद्यालय तथा हिंदु महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 3-4 अक्तूबर 2017 को संयुक्त रूप से आयोजित.

‘इनक्लूसिव ट्राइबल कॉन्ग्रेगेशन : शेअरिंग एक्सपीरिएंसेज़ ऑफ इंडिया ऐंड अफ्रीका’पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “चेंजिंग ऑक्युपेशनल पैटर्न्स ऑफ ट्रांसह्यूमेन पास्टोरलिस्ट्स : ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ द मासई ट्राइब ऑफ ईस्ट अफ्रीका ऐंड द गद्दी ट्राइब ऑफ हिमाचल प्रदेश इन इंडिया” 22 फरवरी, 2018 को अजा तथा अजजा विधायकों एवं सांसदों की फोरम तथा अफ्रीकी अध्ययन विभाग,दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित.

‘21वीं सेंचुरी इंडिया : इंटेरोगेटिंग सोशल इकोनॉमिक, पॉलीटिकल ऐंड एनवायर्नमेंटल प्रोसेसिज़’अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “इंडियाज़ राइज़िंग ग्लोबल स्टेचर इन द21वीं सेंचुरी : कंटेक्स्चुअलाइज़िंग इन इंडियाज़ एक्सटर्नल रिलेशंस विद अफ्रीका” 24-25 अप्रैल 2018 को बी ए(प्रोग) सोसाइटी, सत्यवती महाविद्यालय (सायं) दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित.

संदीपनी दास

फाइनेंशल रिफॉर्म्स इन अफ्रीकन यूनियन : ए कलेक्टिव सेल्फ रिलायंस पर्सपेक्टिव, “ ट्रांसफॉर्मिंग अफ्रीका :पोटेंशल्स ऐंड चैलेंजेज़” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अफ्रीकी अध्ययन विभाग,दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 6-8, फरवरी 2019 को आयोजित.

लिबरल-आईडियलिस्ट कंटेम्पलेशन इन नॉन-वेस्टर्न वर्ल्ड : ए स्टडी ऑफ उबुंतु इन अफ्रीका, राष्ट्रीय सेमीनार इंडिक पर्सपेक्टिव ऑन इंटरनेशनल रिलेशंस, राजनीतिक विज्ञान तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय 1-2 फरवरी, 2019.

आईडिएशनल नरेटिव ऑफ इंडिया एज़ ए ग्लोबल पावर : ए स्टडी ऑफ वसुधैव कुटुम्बकम, 58वी आल इंडिया पोलिटिकल साइंस कॉनफरेंस ऑफ इप्सा, सि.सि.एस. यूनिवर्सिटी, मेरठ 29-30 दिसम्बर, 2018.

सुरेश कुमार

इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन सोशल जस्टिस, ससटेनेबल डेवलपमेंट ऐंड क्वालिटी ऑफ लाइफ, 31 मार्च -04 अप्रैल, 2019, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमैनिटीज़ ऐंड सोशल साइंसेज़(एनआईएचएसएस) एवं साउथ अफ्रीका ब्रिक्स थिंक टैंस (एसएबीटीटी), पार्कतोनिना होटल, जोहांसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका द्वारा 31 मार्च 2014, को आयोजित.

कंसेप्चुअलाइज़ेशन ऑफ ट्रांसफॉर्मिंग अफ्रीका : पोटेंशल्स ऐंड चैलेंजेज़ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं आईसीएसएसआर. सत्यकाम भवन 06-08 फरवरी, 2019

इंटरनेशनल मॉज़ेम दे तान, 14वां एडिशन कल्चरल फेस्टीवल ऐंड ग्रीन इनवेस्टमेंट कॉन्फ्रेंस, युनेस्को तथा दे ला फोनदेशन अलमूग़र, मोरक्को 6-9 जुलाई, 2018.

डेलीगेट, इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन 14 सीआईआई इंडिया-अफ्रीका प्रोजेक्ट पार्टनर्शिप, ताज पैलेस, दिल्ली 17-19 मार्च, 2019.

श्री नरेंद्र मोदी, भारत के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में रिपब्लिक ऑफ साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति महामहिम श्री मातामेला सीरिल रेमाफोसा द्वारा डेलीगेट, पहला इब्सा गांधी-मंडेला मेमोरियल फ्रीडम लेक्चर. द लीला पैलेस. दिल्ली 25 जनवरी, 2019.

ट्रांसफॉर्मिंग अफ्रीका : पोटेंशल्स ऐंड चैलेंजेज़ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं आईसीएसएसआर. सत्यकाम भवन 06-08 फरवरी, 2019

एथिक्स ऐंड रिसर्च इन सोशल साइंसेज़ पर संकाय विकास कार्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान,श्री गुरू नानक देव खालसा महाविद्यालय,दिल्ली विश्वविद्यालय 1 मई, 2018.

विधान पाठक

“इंडियन डायस्पोरा ऐंड एचएसएस : ए स्टडी इन कीनयन कंटेक्स्ट” ट्रांसफॉर्मिंग अफ्रीका : पोटेंशल्स ऐंड चैलेंजेज़ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 06-08 फरवरी, 2019 को आयोजित.

इंडिक पर्सपेक्टिव ऑन इंटरनेशनल रिलेशंस पर राष्ट्रीय कॉनफ्रेंस में “इंडिया ऐंड इंडियन ओशन रीजन :स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप विद डब्लुआई ओ आईलैंड स्टेट्स” राजनीतिक विज्ञान तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान विद्यालय, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, उ.प्र. 1-2 फरवरी, 2019.

अफ्रीका तथा यूरेशिया में विकास अनुभवों को साझा करने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “रशिया-लीबिया रिलेशंस : ए जियोस्ट्रेटिजिक पर्सपेक्टिव” सेंट्रल यूरेशियन स्टडीज़ ऐंड सेंटर फॉर अफ्रीकन स्टडीज़, मुम्बई विश्वविद्यालय तथा ऑब्ज़र्वर रिसर्च फाउंडेशन मुम्बई द्वारा मुम्बई विश्वविद्यालय में 19-20 फरवरी, 2018 को आयोजित.

इंटीग्रल ह्युमनिज़्म : ए विज़न ऐंड मिशन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में “आइडिया ऑफ इंटीग्रल ह्युमनिज़्म :रेलेवेंस फॉर द कंटेम्परेरी वर्ल्ड” इंडियन कौंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर) के सहयोग से राजनीति विज़ान विभाग,महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय,दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 5-6 जनवरी, 2018 को आयोजित.

इंटीग्रल ह्युमनिज़्म : ए विज़न ऐंड मिशन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में “आइडिया ऑफ इंटीग्रल ह्युमनिज़्म :रेलेवेंस फॉर द कंटेम्परेरी वर्ल्ड” इंडियन कौंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर) के सहयोग से राजनीति विज़ान विभाग,महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय,दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 5-6 जनवरी, 2018 को आयोजित.

एम.फिल/पी एच. डी की संख्या

पीएच.डी.: 7
एम.फिल: 13

संकाय की संख्या

प्रोफेसर-3
एसोसिएट प्रोफेसर-2
सहायक प्रोफेसर-2

***

पूर्व एशियाई अध्ययन

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

यह विभाग पूर्व एशियाई अध्ययन में एम.ए., जापानी में एम.ए. में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तथा पूर्व एशियाई अध्ययन में पीएच.डी प्रदान करता है। इस विभाग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का ध्यान क्षेत्र के अध्ययन के प्रति अंतर-विषयक एप्रोच पर होता है। भाषा इस कार्यक्रम का अनिवार्य अंग है और छात्र तीन पूर्व एशियाई भाषाओं यानि चीनी, जापानी या कोरियाई में से एक भाषा सीखते हैं। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को विषय तथा संबंधित भाषा का वृहद तथा एकीकृत ज्ञान प्राप्त करने के योग्य बनाता है। इसका उद्देश्य पूर्व एशिया पर विशेषज्ञ तैयार करना है जो थिंक टैंक, एनजीओ, सरकारी एजेंसियों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, समाचार एजेंसियों आदि में काम कर सकें। साथ ही, यह विभाग चीनी, जापानी तथा कोरियाई भाषाओं में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है। इन पाठ्यक्रमों को पूरा करने वाले छात्र भारत के अंदर और बाहर कम्पनियों में नियुक्त हो जाते हैं। इस वर्ष की मुख्य बात समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर करना रहा है। ताईवान से आए विज़िटिंग संकाय इकेदा इसामु और सुश्री गेंग यांग्ज़िया हस्ताक्षर किए गए समझौता ज्ञापन के अंतर्गत विभाग में भेजे गए। सोमवारी सेमीनारों तथा सम्मेलनों के लिए जाने-माने वक्ताओं को आमंत्रित किया गया। बहुत से संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुत किए। मेधावी विद्यार्थियों को उच्चतर शिक्षा के लिए चीन, ताईवान और जापान जाने के लिए छात्रवृत्तियाँ प्राप्त कीं। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने विभाग की प्लेसमेंट सैल के माध्यम से प्लेसमेंट पाई।

प्रकाशन

जी. बालाचंदिरेन (2018). हायर एजुकेशन इन इंडिया ऐंड चाइना : गेम चेंजर ऑर अपॉर्चुनिटी लॉस्ट? श्रीमती चक्रबर्ती (एड.) हायर एजुकेशन इन इंडिया ऐंड चाइना : सिलेक्ट पर्सपेक्टिव्स. आकार बुक्स : दिल्ली. 74-104.

जी. बालाचंदिरेन (2018). नॉट विदाउट ब्लड, स्वेट ऐंड टीयर्स : पीज़ेंट फार्मिंग इन प्रि वार जापान. चाइना रिपोर्ट. 54(2), 194-212.

अबंती भट्टाचार्या. (2019). इमर्जिंग फॉरेन पॉलिसी ट्रेंड्स अंडर शी ज़िनपिंग. इन एम.एस.प्रतिभा, एड. ईस्ट एशिया स्ट्रेटेजिक रिव्यु : चाइनाज़ राइज़िंग स्ट्रेटेजिक एम्बीशंस इन एशिया (:पेंटागन प्रेस).

रंजना मुखोपाध्याय, "द साइनो-जैपनीज़ वार, पैन-एशियनिज़्म ऐंड द इंटरेक्शंस बिटवीन इंडियन ऐंड जैपनीज़ लीडर्स ड्यूरिंग द वर्ल्ड वार्स : इम्प्लीकेशंस फॉर कोलोनियल ऐंड पोस्ट-कोलोनियल रिलेशंस इन ईस्ट एशिया." द साइनो-जैपनीज़ वार ऐंड द चेंजिज़ इन ईस्ट एशिया. हुआंग त्सु-चिन तथा पैन कुआंग-चि द्वारा संपादित। मॉडर्न साइनो-जैपनीज़ रिलेशंस स्टडी सीरीज़. अकेडेमिया सिनिका, 2018.

शोध परियोजना

आईसीएचआर-जे एसपीएस संयुक्त शोध परियोजना “जैपनीज़ पिल्ग्रिमेजिज़ टू बोधगया : बुद्धिस्ट रिवाइवल मूवमेंट्स इन इंडिया ऐंड एक्सचेंजिज़ बिटवीन इंडिया ऐंड जापान.” रंजना मुखोपाध्याय, 2016-2018, 5 लाख

आयोजित किए गए सेमीनार - 27

डॉ. कैरल डोरमन, रियर्सन यूनिवर्सिटी टोरंटो, “आर्ट ऐंड कल्चर : वुडब्लॉक प्रिंट्स इन एडो पीरियड जापान” 22 अक्तूबर, 2018.

डॉ. देबाशीश चौधरी, लेखक, ज़िनजियांग ऐंड द चाइनीज़ स्टेट एडजंक्ट फेलो, इंस्टीट्यूट ऑफ चाइनीज़ स्टडीज़, ज़िनजियांग प्रॉब्लम : थ्योरेटिकल आस्पेक्ट 9 अप्रैल, 2018.

किम की-जुंग, योनसई यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान तथा अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विभाग, पूर्व उप निदेशक, राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यालय, द ब्लु हाउस तथा यू चांग-हो, मंत्री परामर्शदाता, नई दिल्ली में रिपब्लिक ऑफ कोरिया का दूतावास, पीस ऐंड डीन्युक्लीयराईज़ेशन प्रोसेस ऑन द कोरियन पेनिनसुला 16 अप्रैल, 2018.

दीपक मिश्रा, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ रीजनल डेवलपमेंट, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ जे.एन.यू, पर्सपेक्टिव ऑन रिसर्च इन सोशल साइंसेज़, 6 अगस्त, 2018.

इकेदा इसाओ, कल्चरल हिस्टरी ऑफ ट्यूबरकुलोसिस, 16 अगस्त, 2018.

हिरोयुकि सातो, महाभारत काबुकि तारिक से, 20 अगस्त, 2018.

होन-शियांग लओ, प्रोफेसर मैनेजमेंत साइंस ओकलाहोमा स्टेट यूनिवर्सिटी (यू.एस.ए) प्रोफेसर ऑपरेशंस मैनेजमेंट सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ हॉन्ग कॉन्ग, चाइनाज़ परसेप्शन ऑफ तिबेत ड्यूरिंग मिंग ऐंड किंग डायनेस्टी 12 अप्रैल, 2018 (विशेष व्याख्यान)

इकेदा इसाओ, अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार, इंडो-जापान लिटरेरी एक्सचेंज, 28 अगस्त, 2018.

महामहिम राजदूत शिन बोंगकिल, दूतावास रिपब्लिक ऑफ कोरिया, नई दिल्ली, “रीसेंट डेवलपमेंट इन इंडिया-रिपब्लिक ऑफ कोरिया रिलेशंस” 01 अक्तूबर, 2018.

राजदूत शिवशंकर मेनन, भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (जनवरी 2011-मई 2014), भारत के विदेश सचिव (अक्तूबर 2006-जुलाई 2009), चीन और इज़राइल के पूर्व भारतीय राजदूत पाकिस्तान और श्रीलंका के उच्चायुक्त, वी.पी.दत्त मेमोरियल लेक्चरर, 20 अप्रैल, 2018.

आयोजित सम्मेलन

“पार्टी अंडर शी जिनपिंग : इलीटिस्ट ऑर इनक्लुसिव” पर राष्ट्रीय सम्मेलन 14-15 फरवरी, 2019.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

अम्बिका बसु, “एन एक्सपीरियेंस ऑफ ट्रांसलेटिंग ताकुबोकु’ज़ तंका इन बांग्ला ऐंड हिंदी” इंडो-जापान लिटरेरी एक्सचेंज में 28 अगस्त, 2018 को प्रस्तुत.

अम्बिका बसु, “ द रोल ऑफ डिजिटल रिसोर्सेज़ इन जैपनीज़ लर्निंग” जैपनीज़ लैंग्वेज एजुकेशन इन साउथ एशिया एजुकेशन इन साउथ एशिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 25-26 फरवरी, 2019 को.

अबंति भट्टाचार्या, कोरियन करंट अफेयर सेमीनार “पीस ऐंड डीन्युक्लियराइज़ेशन प्रोसेस ऑन द कोरियन पेनिनसुला” 16 अप्रैल, 2018 को.

हर्ष बिष्ट, "कल्चर ऑफ गढ़वाल रीजन ऑफ उत्तराखंड ऐंड जापान : ए कम्पेरेटिव स्टडी" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - कल्चरल ऐंड लिटरेरी रिसर्च इन इंडिया ऐंड जापान में प्रस्तुत. 7 व 8 सितम्बर, 2018 को .

राशी चौधरी, "माई फर्स्ट एनकाउंटर विद इशिकावा ताकुबोकु'ज़ तंका" इंडो-जापान लिटरेरी एक्सचेंज में 28 अगस्त 2018 को प्रस्तुत.

रंजीत कुमार धवन, "चाइना'ज़ रिलेशनशिप विद नॉर्थ कोरिया अंडर शी जिनपिंग"14-15 फरवरी, 2019

गगनदीप, "माई फर्स्ट एनकाउंटर विद इशिकावा ताकुबोकु'ज़ तंका" इंडो-जापान लिटरेरी एक्सचेंज में 28 अगस्त, 2018 को प्रस्तुत.

स्वीटी गुप्ता, "बेनेफिट्स ऐंड चैलेंजेज़" जैपनीज़ लैंग्वेज एजुकेशन इन साउथ एशिया एजुकेशन इन साउथ एशिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 25-26 फरवरी, 2019 को.

अपर्णा राम कुमार, "माई फर्स्ट एनकाउंटर विद इशिकावा ताकुबोकु'ज़ तंका" इंडो-जापान लिटरेरी एक्सचेंज में 28 अगस्त, 2018 को प्रस्तुत.

राखी मंडल, "माई फर्स्ट एनकाउंटर विद इशिकावा ताकुबोकु'ज़ तंका" इंडो-जापान लिटरेरी एक्सचेंज में 28 अगस्त, 2018 को प्रस्तुत.

रंजना मुखोपाध्याय : बोस' एसोसिएशन विद जापान ऐंड द मेकिंग ऑफ प्रोविन्शियल गवर्नमेंट ऑफ फ्री इंडिया. इंडियन कौंसिल ऑफ हिस्टरिकल रिसर्च (आईसीएचआर) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार - इम्पैक्ट ऑफ द प्रॉविज़नल गवर्नमेंट ऑफ आज़ाद हिंद ऑन इंडियन फ्रीडम मूवमेंट ऐंड द वर्ल्ड : रीविज़िटिंग हिस्टरी में प्रस्तुत पेपर (आज़ाद हिंद की प्रोविंशियल गवर्नमेंट की स्थापना के 75 वर्ष के अवसर पर). 23 व 24 जनवरी, 2019.

चेयर ऐंड पेपर प्रेजेंटर एट द फोर्थ एशिया फ्यूचर कॉनफ्रेंस (एएफसी4) राउंड टेबल द्वितीय साउथईस्ट एशिया इंटर-रिलीजस डायलॉग : टॉलरेंस ऐंड रीकॉन्सिलिएशन. 25-26 अगस्त, 2018 (सेट). सियोल, साउथ कोरिया. अत्सुमी इंटरनेशनल फाउंडेशन सेकिगुची ग्लोबल रिसर्च एसोसिएशन (एसजीआरए).

रंजना नरसिम्हन, "टीचिंग मेथडोलॉजी ऐंड एन अकेडेमिक इंटारेक्शन" विशेष कार्यशाल, 2 अप्रैल, 2019.

नबीन कुमार पंडा

जैपनीज़ लैंग्वेज एजुकेशन इन साउथ एशिया एजुकेशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जापानी भाषा के सहयोगी शिक्षण पर पेपर प्रस्तुत किया, 25-26 फरवरी, 2019.

विशेष कार्यशाला में "टीचिंग मेथडोलॉजी ऐंड एन अकेडेमिक इंटरेक्शन" पर चर्चा प्रस्तुत की.

अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार - इंडो-जापान लिटरेरी एक्सचेंज में "माई रिफलेक्शंस ऑन ट्रांसलेटिंग ताकुबोकु'ज़ तंका इन ओरिया" पर पेपर प्रस्तुत किया.28 अगस्त, 2018.

अविनाश चंद राही, "इंडो-जापान लिटरेरी एक्सचेंज में 28 अगस्त, 2018 को "लोनलीनेस एज़ सीन इन ताकुबोकु'ज़ तंका" प्रस्तुत.

श्रीपर्णा रॉय, "चाइना ऐंड द अरब वर्ल्ड : ए मॉडल फॉर इंडियन फॉरेन पॉलिसी?" 25 मार्च 2019 को राष्ट्रीय सम्मेलन में

उनिता सचिदानंद

जैपनीज़ लैंग्वेज एजुकेशन इन साउथ एशिया एजुकेशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डिस्टेंस लर्निंग : डेवलपमेंट ऑफ कोर्स ऐंड इट्स चैलेंजेज़" पर पेपर प्रस्तुत किया, 25-26 फरवरी 2019.

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - कल्चरल ऐंड लिटरेरी रिसर्च इन इंडिया ऐंड जापान "लर्निंग लैंग्वेज ऐंड कल्चर थ्रू लिटरेचर: ए केस स्टडी ऑफ "इज़ु नो ओदोरिको" पर पेपर प्रस्तुत किया 7 व 8 सितम्बर 2018 को.

"कल्चरल ऐंड लिटरेरी रिसर्च इन इंडिया ऐंड जापान" सम्मेलन में अकेडमिक सेशन 1 की अध्यक्षता की 7 सितम्बर 2018. दून यूनिवर्सिटी.

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "जैपनीज़ लैंग्वेज एजुकेशन इन साउथ एशिया" में सेशन 1 की अध्यक्षता की 25 फरवरी 2019. आईएफएफएलयू.

जनार्दन साहु, 14 से 15 फरवरी 2019 को शी जिनपिन की ताईवान पॉलिसी पर राष्ट्रीय सम्मेलन.

स्तुति थपलियाल, "कल्चर ऑफ गढ़वाल रीजन ऑफ उत्तराखंड ऐंड जापान : ए कम्पेरेटिव स्टडी" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - कल्चरल ऐंड लिटरेरी रिसर्च इन इंडिया ऐंड जापान में प्रस्तुत. 7 व 8 सितम्बर 2018 को .

स्तुति थपलियाल, "28 अगस्त, 2018 को इंडो-जापान लिटरेरी एक्स्चेंज में "माई परसेप्शन ऑन ताकुबोकु'ज़ तंका व्हाइल रेंडरिंग इंटू हिंदी" पर प्रस्तुति दी.

हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

और ताईपेई इकोनोमिक ऐंड कल्चरल सेंटर, भारत के मध्य समझौता ज्ञापन

और नेशनल चुंग चेंग यूनिवर्सिटी, ताईवान, आर.ओ.सी. के मध्य समझौता ज्ञापन

अन्य अंतर-संस्थानात्मक सहयोग

सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली

इंस्टीट्यूट ऑफ चाइनीज़ स्टडीज़, नई दिल्ली

इंस्टीट्यूट ऑफ पीस ऐंड कनफ्लिक्ट स्टडीज़, नई दिल्ली

डॉ. उनिता सचिदानन्द को जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में सेंटर ऑफ कोरियन स्टडीज़ ऑफ द स्कूल की सेंटर कमेटी की सदस्य नामित किया गया

डॉ. उनिता सचिदानन्द को जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में स्पेशल सेंटर फॉर ई-लर्निंग की सदस्य नामित किया गया

डॉ. उनिता सचिदानन्द का चयन जापान फाउंडेशन तथा एम ईए और जापानी दूतावास द्वारा समर्थित जैपनीज़ लैंग्वेज टीचर्स' ट्रेनिंग प्रोग्राम की सदस्य के रूप में किया गया।

जापान फाउंडेशन कलैबोरेटिव कार्यशाला

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

इनबाउंड - सुश्री मिनाको वाकासुगी, 1975 में दक्षिण और उत्तर कोरिया के मध्य नाम में डिप्लोमेटिक कम्पीटीशन तथा यू एन में "कोरीयन क्वेश्चन" 05 मार्च 2019.

आउटबाउंड - जापान के दूतावास द्वारा जेनेसुस कार्यक्रम के अंतर्गत पाँच विद्यार्थियों ने 10 दिनों का दौरा किया

नियोजन विवरण (नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत)

कैम्पस रिक्रूटमेंट के लिए पाँच कम्पनियाँ आई।

100% विद्यार्थियों को कम्पनियों, थिंक टैंकों तथा सरकारी संगठनों में प्लेसमेंट मिला या भारत और विदेश में उच्चतर अध्ययन में प्रवेश पाया ।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

रीजनल जैपनीज़ लैंगवेज स्पीच कंटेस्ट में भाग लिया।

आल इंडिया जैपनीज़ लैंगवेज स्पीच कंटेस्ट आयोजित किया।

जैपनीज़ लैंग्वेज जलताई एस्से कंटेस्ट में भाग लिया।

संविधान दिवस मनाया गया

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजित किया

स्वच्छता अभियान में भाग लिया

चीनी, जापानी और कोरियाई भाषा में अंशकालिक प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा और एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम दिल्ली यूनिवर्सिटी के विभिन्न महाविद्यालयों के माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं।

एसएफएफ चीनी छात्र के साथ हमारे विभाग में इंटरेक्शन और एक्सचेंज कार्यक्रम.

27.03.2019 को चीनी भाषा के विद्यार्थियों और एसएफएल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में अकादमिक व्याख्यान तथा अकादमिक विनिमय

डॉ. उनिता सचिदानंद ने भारतीय शिक्षा पर व्याख्यान दिए तथा दक्षिण कोरिया में विभिन्न विश्वविद्यालयों और संकाय के साथ चर्चा की 21 अप्रैल से 27 अप्रैल

प्रदान की गई पीएच.डी./एम.फिल की संख्या

पीएच.डी	-	3

संकाय की संख्या

स्थायी	-	11
तदर्थ	-	3
अतिथि	-	7
बाहर से आने वाली संकाय	-	3

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. परेश कुमार ने इंग्लिश ऐंड फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी, तेलंगाना, हैदराबाद का 24 फरवरी से 2 मार्च 19 तक शैक्षिक फील्ड ट्रिप किया।

दो विद्यार्थियों को जापान में शोध (अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक)करने के लिए छात्रवृत्ति मिली

ताईपई इकोनोमिक तथा कल्चरल सेंटर इन इंडिया के मध्य हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अंतर्गत इकेदा इसामु और सुश्री गेंग यांग्ज़िया को 17.08.2017 से 31.08.2017 तक विज़िटिंग फेकल्टी के रूप में विभाग में भेजा गया।

***

अर्थशास्त्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

अप्रैल 2018 से मार्च 2019 के दौरान अर्थशास्त्र विभाग के सदस्य अर्थशास्त्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण तरीके से योगदान देते रहे। कई संकाय सदस्यों ने अग्रणी राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक पत्रिकाओं में अपने शोध कार्य प्रकाशित किए। उन्होंने प्रसिद्ध पत्रिकाओं में लेखों के माध्यम से नीति संबंधी वाद-विवादों में भाग लिया और दो सम्मानित आर्थिक अनुमान प्रस्तुत किए। यह विभाग अग्रिम अध्ययन का यूजीसी केंद्र बना हुआ है और लगातार छठे साल रेपेक, अर्थशास्त्र में वर्किंग पेपर तथा प्रकाशनों के वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक आर्काइव द्वारा इसे भारत में यूनिवर्सिटी अर्थशास्त्र विभागों में शीर्ष स्थान दिया गया (http://ideas.repec.org/top/top.india.html). संकाय सदस्यों ने भी कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। वर्ष के दौरान, विभाग ने दो बड़े अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा एक साप्ताहिक सेमीनार सीरीज़ आयोजित की जिसमें भारत और विदेश से ख्याति-प्राप्त वक्ता अपने शोध प्रस्तुत करने के लिए आए। यह विभाग एम.ए., एम.फिल. तथा पीएच.डी. कार्यक्रमों को सहयोग करता है। वर्ष 2018-19 में 3006 विद्यार्थियों ने एम.ए. कार्यक्रम के लिए आवेदन किया। यह विभाग अपने एम.फिल तथा पीएच.डी. कार्यक्रमों के प्रति भी शोध विद्यार्थियों को लगातार आकर्षित कर रहा है। एम.फिल. और पीएच.डी. विद्यार्थियों के लिए नियमित कोलोक्वियम आयोजित की गई जिसमें शोध विद्यार्थियों ने अपने जारी कार्य प्रस्तुत किए तथा संकाय सदस्यों ने शोध विधियों तथा आदर्शों पर व्याख्यान दिए। शोध विद्यार्थियों ने व्यावसायिक सम्मेलनों में भी अपने कार्य प्रस्तुत किए। अपने स्नातकोत्तरों को कार्पोरेट नौकरियों तथा विदेश में उच्च स्तरीय विश्वविद्यालयों में पीएच.डी. कार्यक्रमों में स्थापित करवाने में यह विभाग बेहद सफल रहा है।

सम्मान/गौरव

डॉ. आदित्य भट्टाचार्जी

सदस्य, औद्योगिक आंकड़ों की स्थायी समिति, आंकड़े एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन, भारत सरकार, 2012-18.

सदस्य, “फंडिंग रिसर्च स्टडीज़, वर्कशॉप्स ऐंड कॉनफ्रेंसेस” के लिए तकनीकी समिति, शोध एवं विश्लेषण प्रभाग, कार्पोरेट मामले मंत्रालय, भारत सरकार, 2017- अब तक.

सदस्य, प्रतियोगिता कानून समीक्षा समिति, कार्पोरेट मामले मंत्रालय, भारत सरकार, 2017- अब तक.

डॉ. पमी दुआ

सदस्य, मौद्रिक नीति समिति, भारतीय रिज़र्व बैंक, 2016 का 2020

संपादक, भारतीय आर्थिक समीक्षा (दिसंबर 2018 तक)

संपादक मंडल, जर्नल ऑफ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स, जर्नल ऑफ डेवलपिंग एरियाज़

डॉ. श्रीकांत गुप्ता

इंटरगवर्नमेंटल पेनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की छठी आकलन रिपोर्ट के लीड ऑथर नामित, भारत से 32 लोगों में से एक (90 देशों से कुल 721 विशेषज्ञों में)

उपाध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स (आईएनएसई ई) दो वर्ष के लिए (2018-2020)

डॉ. दिब्येंदु मैती

सदस्य, मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च ऐंड स्टडीज़.

सहायक संपादक : प्रोग्रेस इन डेवलपमेंट स्टडीज़, सेज (यूजीसी संस्तुत जर्नल)

डॉ. जे.वी. मीनाक्षी

सदस्य, नेशनल स्टेटिस्टिकल कमीशन, आंकड़े एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन, भारत सरकार

सदस्य, स्टेंडिंग पेनल ऑन इम्पैक्ट असेसमेंट, इंटरनेशनल साइंस ऐंड पार्टनरशिप कौंसिल ऑफ द कंसलेटिव ग्रुप ऑन इंटरनेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च.

डॉ. राम सिहं

सदस्य, अपील समिति, द नेशनल असेसमेंट ऐंड एक्रेडिटेशन कौंसिल(नैक), भारत सरकार

सब-डोमेन चेयर फॉर द स्कीम फॉर प्रोमोशन ऑफ अकेडमिक ऐंड रिसर्च कोलैबोरेशन (स्पार्क), भारत सरकार

डॉ. रोहिणी सोमानाथन इंटरनेशनल इकोनोमिक एसोसिएशन (आई ई ए) की 2018-नियुक्त फैलो (आजीवन उपाधि) हैं।

प्रकाशन

ए. भट्टाचार्जी (2018). प्रिडेटरी प्राइसिंग इन प्लेटफॉर्म कम्पीटीशन, इन ए. भारद्वाज, वी.एच. देवैयाह एवं आई. गुप्ता (संपादक), मल्टीडायमेंशनल एप्रोचेज़ टूवर्ड्स न्यु टेक्नोलॉजी : इनसाइट्स ऑन इनोवेशन, पेटेंट्स ऐंड कम्पीटीशन, सिंगापुर ; स्प्रिंगर.

ए. भट्टाचार्जी, ओ. डे एवं जी. गौरी (2018). कम्पीटीशन लॉ ऐंड कम्पीटीशन पॉलिसी इन इंडिया : हाउ द कम्पीटीशन कमीशन हैज़ डेल्ट विद एंटीकम्पीटीटिव रेस्ट्रेंट्स बाय गवर्नमेंट एंटिटीज़. रिव्यु ऑफ इंडस्ट्रियल ऑर्गनाइज़ेशन, 54(2), 221-250. doi: 10.1007/s11151-018-9641-0.

ए. भट्टाचार्जी, द एनफोर्समेंट ऑफ इंडियन कम्पीटीशन लॉ : एडमिनिस्ट्रेटिव ऑर रेगुलेटरी?, इन डी.कपूर ऐंड एम.खोसला (संपादक), रेगुलेशन इन इंडिया : डिज़ाइन, कैपेसीटी, परफॉर्मेंस. ऑक्सफोर्ड : हार्ट पब्लिशिंग.

ए. बैनर्जी, एस. चौधरी, एच. डे ग्रूटे, जे.वी. मीनाक्षी, जे. हलीगुआ ऐंड एम. इवूल. (2018). इलिसाइटिंग विलिंगनेस-टु-पे थ्रू मल्टीपल एक्सपेरीमेंटल प्रोसीजर्स : इवीडेंस फ्रॉम लैब-इन-द-फील्ड इन रूरल घाना. कैनेडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, 66(2), 231-254.

पी. दुआ एवं एन.के. गर्ग (आगामी). डेट्रीमेंट्स ऑफ लेबर प्रोडक्टीविटी: कम्पेरीज़न बिट्वीन डेवलपिंग ऐंड डेवलप्ड कंट्रीज़ ऑफ एशिया-पेसिफिक, पिसिफिक इकोनोमिक रिव्यु.

पी. दुआ एवं आर. सूरी (आगामी). इंटर-लिंकेजिज़ बिट्वीन यूएसडी-आईएनआर, ईयूआर-आईएन आर, जीबीपी-आईएन आर तथा जेपीवाय-आईएन आर एक्सचेंज रेट मार्केट्स ऐंड द इम्पैक्ट ऑफ आरबीआई इंटरवेंशन, जर्नल ऑफ इमर्जिंग मार्केट फाईनेंस.

एस. गुप्ता ऐंड एस. सक्सेना ऐंड ओमर एफ.बेरीस, 2019. एनवायर्नमेंटल एनफोर्समेंट ऐंड कम्प्लायंस इन डेवलपिंग कंट्रीज़ : इविडेंस फ्रॉम इंडिया, वर्ल्ड डेवलपमेंट, 117:313-327.

एस. कुमार, ऐंड पी. प्रभाकर (आगामी). इंडस्ट्रियल एनर्जी प्राइसेज़ ऐंड एक्सपोर्ट कम्पीटीटिवनेस : इविडेंस फ्रॉम इंडिया. एनवायर्नमेंटल इकोनॉमिक्स ऐंड पोलिसी स्टडीज़.

एस. कुमार, ऐंड आर.के. जैन (2019). कार्बन-सेंसिटिव मेटा-प्रोडक्टिविटी ग्रोथ ऐंड टेक्नोलॉजिकल गैप : ऐन इम्पीरिकल एनालीसिस ऑफ इंडियन थर्मल पावर सेक्टर. एनर्जी इकोनॉमिक्स, खंड81, पृष्ठ 104-116.

डी. मैती, एफ. केस्टेलसी ऐंड ए. मेल्शियर (2019). डिजिटलाइज़ेशन ऐंड डेवलपमेंट : इश्यूज़ फॉर इंडिया ऐंड बीयॉन्ड, स्प्रिंगर.

डी. मैती ऐंड ए. अवस्थी (2019). आईसीटी एक्सपोज़र ऐंड द लेवल ऑफ वेलबींग ऐंड प्रोग्रेस : ए क्रॉस कंट्री एनालीसिस'. सोशल इंडीकेटर्स रिसर्च (स्वीकृत)

डी. मैती ऐंड सी. भट्टाचार्या (2019). इनफॉर्मेलिटी, एनफोर्समेंट ऐंड ग्रोथ. इकोनॉमिक मॉडलिंग, https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0264999318309325

डी. मैती (2019). ट्रेड, लेबर शेअर, ऐंड प्रोडक्टिविटी इन इंडिया'ज़ इंडस्ट्रीज़. एडीबीआई वर्किंग पेपर 926. टोक्यो : एशियन डेवलपमेंट बैंक इंस्टीट्यूट. उपलब्ध : https://www.adb.org/publications/trade-labor-share-and-productivity-india-industries.

पी. सिहं ऐंड डी. मैती (2019). सोर्स ऑफ फाइनेंस, इनोवेशन ऐंड एक्सपोर्टेबिलिटी : ए क्रॉस कंट्री स्टडी ऑफ एशिया. जर्नल ऑफ एशियन इकोनॉमिक इंटीग्रेशन, 1(1): 1-24

डी. मैती (2019). ट्रेड, लेबर शेअर, ऐंड प्रोडक्टिविटी इन इंडिया'ज़ इंडस्ट्रीज़. इन फील्ड्स, गैरी ऐंड पॉल, सौमिक (संपादक), लेबर इंकम शेअर इन एशिया : कंसेप्चुअल इशुज़ ऐंड द ड्राईवर्स, स्प्रिंगर ऐंड एडीबी इंस्टीट्यूट : //www.springer.com/gp/book/9789811378027

ए. अग्रवाल ऐंड डी. मैती (2019). आईसीटी ऐंड गवर्नेंस : ए क्रॉस कंट्री एनालीसिस. इन डी. मैती, ए. मेल्शियर ऐंड एफ. कस्टेलसी (2019) डिजिटलाईज़ेशन ऐंड डेवलपमेंट : इशुज़ फॉर इंडिया ऐंड बीयॉन्ड, स्प्रिंगर

पी. सिहं ऐंड डी. मैती (2019). आईसीटी, एक्सेस टू फाइनेंस ऐंड एक्सपोर्टेबिलिटी : ए क्रॉस कंट्री एनालीसिस. इन डी. मैती, ए.मेल्शियर ऐंड एफ.कस्टेलसी (2019) डिजिटलाईज़ेशन ऐंड डेवलपमेंट : इशुज़ फॉर इंडिया ऐंड बीयॉन्ड, स्प्रिंगर

ए. अग्रवाल ऐंड डी. मैती (2019). डिजिटलाइज़ेशन ऐंड डेवलपमेंट इन इंडिया : मिथ्स ऐंड रीयेलीटीज़. डी.सान्याल ऐंड एस.दत्ता (संपादक), इम्पैक्ट ऑफ डिजिटल टेक्नोलोजीज़, कुणाल पब्लिशर्स, दिल्ली

अलेन दे ब्रॉ, पैट्रिक योज़ेनु, डेनियल गिलिगन, क्रिस्टीन होत्ज़, नेहा कुमार ऐंड जे.वी. मीनाक्षी (2018). बायोफोर्टीफिकेशन, क्रॉप एडोप्शन ऐंड हेल्थ इंफॉर्मेशन : इम्पैक्ट पाथवेज़ इन मोज़ाम्बीक ऐंड यूगांडा. अमेरिकन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एकोनॉमिक्स. doi: 10.1093/ajae/aay005.

एन. मित्तल ऐंड जे.वी. मीनाक्षी (2018). डज़ द आईसीडीएस इम्प्रूव द क्वांटिटी ऐंड क्वालिटी ऑफ चिल्ड्रन'स डाइट्स? सम इविडेंस फ्रॉम रूरल बिहार. जर्नल ऑफ डेवलपमेंट सटडीज़. DOI: 10.1080/00220388.2018.1487054

डी. वार्षणेय, डी. गोयल ऐंड जे.वी. मीनाक्षी (2018). द इम्पैक्ट ऑफ मनरेगा ऑन एग्रीकल्चरल आउटकम्स ऐंड द रूरल लेबर मार्केट : ए मैच्ड डीआईडी एप्रोच. द इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, 61: 589-621.

एच-बी शेफर, ऐंड आर. सिहं (2018). टेकिंग्स ऑफ लैंड बाय सेल्फ-इंटरेस्टेड गवर्नमेंट्स : इकोनॉमिक एनालीसिस ऑफ एमिनेंट डोमेन. जर्नल ऑफ लॉ ऐंड इकोनॉमिक्स, 2018, वॉल 61(3), पृष्ठ 427-459.

आर. सिहं (2018). पब्लिक-प्राईवेट पार्टनरशिप्स वर्स्स ट्रेडीशनल कॉन्ट्रेक्ट्स फॉर हाईवेज़ : कम्पेरिज़न ऑफ कॉस्ट ऐंड क्वालिटी ऑफ रोड्स. इंडियन इकोनॉमिक रिव्यु, 2018, वॉल 2 पृष्ठ 29-64.

आर. सिहं (आगामी). इकोनॉमिक एफीशिएंसी. एनसाइक्लोपीडिया ऑफ लॉ ऐंड इकोनॉमिक्स, स्प्रिंगर.

आर. सिहं (2018). इज़ लैंड ए बॉटलनेक फॉर इकोनॉमिक डेवलपमेंट इन इंडिया? इकोनॉमिक थ्योरी ऐंड पॉलिसी एमिड्स्ट ग्लोबल डिसकंटेंट, संपादक अनन्या घोष दस्तीदार, राजीव मल्होत्रा ऐंड विवेक सुनेजा, टेलर ऐंड फ्रांसिस, 2018.

ए. मुखर्जी ऐंड यू.बी. सिन्हा (2019). एक्सपोर्ट कार्टल ऐंड कंज़्यूमर वेलफेयर. रिव्यु ऑफ इंटरनेशनल इकोनोमिक्स, 27, 91-105.

पी. बर्धन, एस. मुंडले ऐंड आर. सोमानाथन (संपा) (2019). ईपीडब्लु, खंड 1 : अवधि- 1949-1965. ऑरिएंट् ब्लैक्स्वैन.

जे.एम. बालंड, आर. सोमानाथन ऐंड एल. वंदेवाले (2019). सोशली डिसएडवांटेज्ड ग्रुप्स ऐंड माइक्रोनेंस इन इंडिया. इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऐंड कल्चरल चेंज, 67(3), 537-569.

आई. अल्मास, ए. जेल्सूद ऐंड आर. सोमानाथन (2019). ए बिहेवियर-बेस्ड एप्रोच टू द एस्टीमेशन ऑफ पावर्टी इन इंडिया. स्कैंडेनेविअन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स, 121(1), 182-224.

आर. सोमानाथन (2019). ग्रुप इनेक्वेलिटी इन डेमोक्रेसीज़ : लेसंस फ्रॉम क्रॉस-नेशनल एक्सपीरिएंसेज़. इन जीन-मेरी बालंद, फ्रांसेस बोर्गिनॉन, जीन-फिलिप प्लेटो, ऐंड थियरी वर्डिअर (संपा) द हैंडबुक ऑफ इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऐंड इंस्टीट्यूशंस, प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी प्रेस.

पत्रिकाएं :

इंडियन इकोनॉमिक रिव्यु : विभाग द्वारा 1952 से इन-हाउस प्रकाशिए. 2017 में उत्पादन स्प्रिंगर को स्थानांतरित

विभाग के संपादकों की संख्या : चार

इंडियन इकोनॉमिक रिव्यु के संपादक मंडल के संपादक/सदस्य(यों) के रूप में सेवारत विभाग के अध्यापकों की संख्या - ग्यारह

आयोजित किए गए सेमीनार

आयोजित किए गए सेमीनार की संख्या - 23

शिवि कालड़ा, स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यु यॉर्क ऐट बिनघेम्टन, मॉडलिंग सोशल लर्निंग एज़ एपिडेमिक्स यूज़िंग ट्विटर डाटा 26 फरवरी 2019

कर्ण बसु, हंटर कॉलेज, सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यु यॉर्क. कमिटमेंट एज़ एक्सटॉर्शन? 14 फरवरी 2019

सौरव सरकार, अर्थशास्त्र विभाग, एमआईटी वोट्स ऐंड पॉलिसीज़ : इविडेंस फ्रॉम क्लोज़ इलेक्शंस इन इंडिया. 31 जनवरी 2019

अभिनाश बोराह, अशोका यूनिवर्सिटी. चॉयस वाया सोशल इंफ्लुएंस. 24 जनवरी 2019

राजीव सेठी, बर्नार्ड कॉलेज, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी. द ज्योग्राफी ऑफ लीदल फोर्स. 15 जनवरी 2019

रोद्ने स्मिथ यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा जनरल इक्विलिब्रियम ऐंड ग्रोथ. 11-14 जनवरी 2019

अरिजित सेन आईआईएम कोलकाता. सेगमेंटेड एसिमिलेशन: ए माइनॉरिटी'ज़ डायलेमा. 19 नवम्बर 2018

पुलप्रे बालाकृष्णन, अशोका यूनिवर्सिटी. इंफ्लेशन मॉडल्स ऐंड इंफ्लेशन इन इंडिया. 19 सितम्बर 2018

देबोपम भट्टाचार्य यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज (8 अगस्त 2018 अप.3:00 बजे) इम्पीरिकल वेलफेयर एनालीसिस अंडर सोशल इंटरेक्शंस.

अतानु रक्षित नज़ार्बायेव यूनिवर्सिटी (2 अगस्त 2018 अप. 3:00 बजे). बेयसिअन लर्निंग ऐंड स्टेटिस्टिकल डिसक्रिमिनेशन इन द मार्केट फॉर स्माल बिज़नेस लोंस.

राम सेवक दुबे, मॉन्टक्लेयर स्टेट यूनिवर्सिटी (26 जुलाई 2018 अप.3:00 बजे) एनॉनीमस रीप्रेज़ेंटेशन अंडर यूनिफॉर्म इम्प्रूवमेंट परेटो : ए कैरेक्टराईज़ेशन ऑफ इनफाईनाइट यूटिलिटी डोमेंस.

रोहन दत्ता, मैक्गिल यूनिवर्सिटी (25 जुलाई 2018 अप.3:00 बजे).पीअर मॉनीटरिंग, ऑस्ट्रासिज़्म ऐंड द इंटर्नलाइज़ेशन ऑफ सोशल नॉर्म्स (विद डेविड के.लेविन ऐंड सल्वाटोर मॉडिका).

माधव एस.अनेय, सिंगापुर मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी (26 अप्रैल 2018 अप.3;00 बजे). जॉब्स फॉर जस्टिस

नेहा खन्ना अर्थशास्त्र विभाग बिंगेम्टन यूनिवर्सिटी.(5 अप्रैल 2018 अप.3:00 बजे) हाई प्रायोरिटी वायोलेशंस ऐंड इंट्रा-फर्म पोल्यूशन सब्स्टीट्यूशन.

आयोजित सम्मेलन

यूजीसी-सैप प्रायोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला “ग्रोथ ऐंड प्रोडक्टीविटी ऑफ इंडियन इकोनॉमी : कंटेम्पारेरी इशुज़” 11-12 फरवरी 2019

दो दिवसीय एशिया-पेसिफिक इनोवेशन सम्मेलन 2018, 13-14 दिसम्बर 2018 को अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स द्वारा आयोजित।

विंटर स्कूल 2018

10-13 दिसम्बर 2018 के दौरान विंटर स्कूल 2018 चलाया गया।

पब्लिक लेक्चर्स 2018-19

अर्थशास्त्र विभाग ने 7 जनवरी 2019 को “कैन इकोनॉमिक मल्टीलेटरलिज़्म सरवाइव?” पर जीन पिसनी-फेरी द्वारा पब्लिक लेक्चर आयोजित किया गया.

पब्लिक लेक्चर्स 2018-19

आदित्य भट्टाचार्जी

“एंटी-कार्टल एनफोर्समेंट : सम सिम्पल एनालीटिक्स ऐंड एप्लीकेशंस टू इंडिया” पर पेपर प्रस्तुत किया, कीनोट एड्रेस, नेशनल कॉनफ्रेंस ऑन द इकोनॉमिक्स ऑफ कम्पीटीशन लॉ, कम्पीटीशन कमीशन ऑफ इंडिया, अप्रैल 2018.

“बिट्वीन द लॉ ऐंड रिकवरी : पेनल्टीज़ अंडर इंडिया’ज़ कम्पीटीशन एक्ट” पर पेपर प्रस्तुत किया, 1स्ट यूसीएल साउथ एशियन कम्पीटीशन लॉ कॉनफ्रेंस, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन, नवम्बर 2018.

“लेबर मार्केट फ्लेक्सीबीलिटी इन इंडियन इंडस्ट्री” पर पेपर प्रस्तुत किया, सिम्बायोसिस इंटारनेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे, फरवरी 2019.

“द टीचिंग ऑफ इकोनॉमिक्स” पर पेपर प्रस्तुत किया, पेनल चर्चा, अम्बेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली, मार्च 2019

“पॉलिसी ट्रान्ज़ीशंस इन द इंडस्ट्रियल सेक्टर इन इंडिया” पर पेपर प्रस्तुत किया, डायमंड जुबली कोलोक्विअम, आईआईटी-मुम्बई, मार्च 2019

पमी दुआ

“इकोनोमीट्रिक्स ऐंड फोर्कास्टिंग : अल्केमी ऑर साइंस” पर पेपर प्रस्तुत किया, वर्कशॉप ऑन एप्लीकेशंस ऑफ स्टेटा ऐंड इव्यूज़ पैकेजेज़ फॉर एनालीसिस ऑफ सोश्यो-इकोनॉमिक डाटा, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ ऐंड पॉलिसी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया, मार्च 2019.

“सिंक्रोनाईज़ेशन ऑफ साइक्ल्स बिट्वीन यू.एस. ऐंड इमर्जिंग इकोनॉमिक्स” पर मेमोरियल लेक्चर, फर्स्ट डी.आर.गाडगिल मेमोरियल लेक्चर, इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन फाईनेंसऐंड एप्लाइड इकोनॉमिक्स, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंत एजुकेशन रिसर्च ऐंड ट्रेनिंग, पुणे, फरवरी 2019.

“अकेडमिक इंटेग्रिटी, रिसर्क कंडक्ट ऐंड एथिक्स” पर प्रारम्भिक भाषण, इनॉग्रल एड्रेस, इंटर्नेशनल कॉनफ्रेंस ऑन फाइनेंस ऐंड एप्लाइड इकोनॉमिक्स, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एजुकेशन रिसर्च ऐंड ट्रेनिंग, पुणे, फरवरी, 2019.

“फिलिप्स कर्व इन ए डाटा रिच एनवायर्नमेंट : एन एप्लीकेशन ऑफ एफएवीएआर टू इंडियन इंफ्लेशन” पर पेपर प्रस्तुत किया, इंडियन इंस्टीट्यूटऑफ फॉरेन ट्रेड, नवम्बर 2018

दिब्येंदु मैती

व्याखयान दिए, डीएसई-केस कार्यशाला (दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स), कोपेनहेगन बिज़नेस स्कूल, टीआईके, ओस्लो विश्वविद्यालय, सैंट स्टीफन महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय), वार्षिक कार्यशाला (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दिल्ली), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (रोपड़)

इंडियन ग्रोथ ऐंड प्रोडक्टीविटी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया, 11-12 फरवरी 2019, सैप-यूजीसी प्रायोजित (एस. कुमार के साथ संयुक्त रूप से)

श्रीकांत गुप्ता ने बॉस्टन कॉलेज, बॉस्टन, यूएसए में कार्यशाला “एयर पोल्यूशन इन इंडिया : इम्पैक्ट्स ऑन द एनवायर्नमेंटल बर्डन ऑफ डिज़ीज़, द इकोनॉमी ऐंड ह्यूमन केपिटल” में “ द स्टॉक ऑफ ह्यूमन केपिटल : ए सिम्पल व्यु” पेपर प्रस्तुत किया 25-26 अक्तूबर 2019

राम सिहं

‘लैंड एक्वीज़ीशन : द पास्ट, प्रेज़ेंट ऐंड द फ्यूचर’ पर पब्लिक लेक्चर दिया, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, जम्मु, 28 अगस्त 2018

‘आर पीपीपीज़ ए बैटर चॉयस फॉर प्रोक्योरमेंट ऑफ पब्लिक गुड्स?’ महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, 11 मार्च 2019.

‘अनएम्प्लॉयमेंट इन इंडिया’ पर पब्लिक लेक्चर दिया, दिल्ली पब्लिक लाईब्रेरी, दिल्ली, 03 जनवरी 2019

“डू पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप्स डिलिवर बैटर आउटकम्स?” पर लेक्चर दिया, गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलीटिक्स ऐंड इकोनॉमिक्स, 8 मार्च 2019 12 अक्तूबर 2018.

“पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप्स वर्सस ट्रेडीशनल कॉन्ट्रेक्ट्स : इम्पीलिकल एनालीसिस” पर पब्लिक लेक्चर दिया, साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, 12 अक्तूबर 2018

उदय बी सिन्हा ने 14 मार्च 2019 को द इकोनॉमिक रिसर्च यूनिट, इंडियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, कोलकाता में “एफडीआई ऐंड इंटरनेशनल क्ल्यूज़न” पर पेपर प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-संस्थानात्मक सहयोग

अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, वर्ल्ड प्रोजेक्ट लिंक का भारत प्रतिपक्ष है (नोबेल पुरस्कार विजेता स्वर्गीय प्रोफेसर लॉरेंस क्लेन द्वारा शुरू और निर्देशित), जो कि व्यापक आर्थिक विकास और नीति

विश्लेषण के लिए वैश्विक मॉडल में स्वतंत्र रूप से विकसित राष्ट्रीय मैक्रो मॉडल को एकीकृत करता है और है संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग और टोरंटो विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से समन्वित। प्रारंभिक चरण में आर्थिक विकास संस्थान से वी. पंडित और स्वर्गीय के। कृष्णमूर्ति परियोजना लिंक के साथ सक्रिय रूप से जुड़े थे। अर्थशास्त्र विभाग से, के। सुंदरम और पामी दुआ हाल के वर्षों में संयुक्त रूप से शामिल थे। वर्तमान में परियोजना को संयुक्त रूप से प्रोफेसर वी. पंडित के सलाहकार समर्थन के साथ पमी दुआ और एन. आर. भानुमूर्ति, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

नियोजन विवरण (नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : - 113 व 91.87%

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या : - 22

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी. : 6
एम.फिल : 1

संकाय की संख्या:

स्थायी संकाय - 18
तदर्थ - 6

***

भूगोल

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

भूगोल विभाग भारत में भूगोल के अनुशासन को मजबूत बनाने के लिए इंटरडिसिप्लिनरी, इनोवेशन और इनक्लूसिविटी पर जोर देता है। देश में भूगोल के विभागों में यह पहले स्थान पर है। अपने शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के माध्यम से, विभाग का उद्देश्य भौतिक विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के बीच की खाई को पाटना है। विभाग के संकाय सदस्यों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ज्ञात, विशेषज्ञ द्वारा समीक्षित अनुशासन केंद्रित तथा अंतरविषयक पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित किए हैं। इनमें प्रमुख हैं जलवायु, डायनेमिक्स, ऊर्जा, ऋतु विज्ञान में उन्नति, पर्वत शोध एवं विकास, प्राकृतिक जोखिम, मानव भूगोल में प्रगति, जियोहेरिटेज की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका और कई अन्य। विभाग को रिमोट सेंसिंग के क्षेत्र में विशेषज्ञता और आधुनिक जीआईएस लैब के लिए जाना जाता है। जीआईएस प्रयोगशाला पूरी तरह से 30 कंप्यूटर, 3 वर्क स्टेशन, सर्वर, स्कैनर, प्लॉटर, प्रिंटर, नवीनतम जीआईएस, रिमोट सेंसिंग और सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर जैसे आर्क व्यू / इंफो जीआईएस, आईएलडब्ल्यूआईएस, मैपइन्फो, आईडीआरआईएसआई, ईआरडीएएस इमेज, डब्ल्यूएमएस, एसपीएस से सुसज्जित है। यह विभाग दुनिया के विभिन्न देशों में अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के साथ अनुसंधान सहयोग में अत्यधिक व्यस्त है। विभाग ने मौसम स्टेशनों को स्थापित किया है जो देश के किसी भी भूगोल विभाग में पहली बार है।

सम्मान/गौरव

आर.बी. सिहं

2018-22 के लिए इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के पहले भारतीय और दूसरे एशियन महासचिव और कोषाध्यक्ष

2019-20 के लिए इंडियन साइंस कॉन्ग्रेस एसोसिएशन के अर्थ सिस्टम साइंस सेक्शन के अध्यक्ष चुने गए

डॉ. सुभाष आनंद कमीशन ऑन जियोहेरीटेज, इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के कार्यकारी सदस्य हैं

डॉ. नेत्रानंद को जापान सोसाइटी फॉर प्रोमोशन ऑफ साइंस (जे एस पी एस) द्वारा पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप प्रदान की गई.

प्रकाशन

सुभाष आनंद ऐंड विधि मल्होत्रा (2018). ससटेनेबल वाटर मैनेजमेंट, वर्ल्ड फोकस, 39(10), पृष्ठ 109-113

सुभाष आनंद, बी.डब्लु. पांडे, एच.कुमार ऐंड एस.अहमद (2018). रीविज़िटिंग द एनवायर्नमेंटल कंडीशंस इन सीलमपुर जे.जे.क्लस्टर, द हॉराइज़न, 9(2), पृष्ठ 122-131.

सुभाष आनंद, ई. रामन ऐंड यू. रानी (2018). रोल ऑफ स्वच्छ भारत मिशन इन म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट इन पटना, बिहार, एडवांस इन एनवायर्नमेंटल वेस्ट मैनेजमेंट ऐंड रीसाइक्लिंग, 1(1), पृष्ठ 1-5.

सुभाष आनंद (2018). बैटर मैनेजमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल वेस्ट, एनर्जी नेक्स्ट, खंड 9(1), पृष्ठ 21-23.

एम. बासुमतारी ऐंड सुभाष आनन्द (2018). ससटेनेबल अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेंट फॉर स्मार्ट सिटी इन गुवाहाटी, इंडिया, ह्यूमन जियोग्राफी जर्नल, खंड25, पृष्ठ 54-65.

ए.डे ऐंड आर. नंदी (2018). "हिस्टरी एट द मार्जिंस : कोच-राजबंशीज़ ऐंड देयर पॉलीटिक्स ऑफ रेज़िस्टेंस ऐंड रीराइटिंग ऑफ द पास्ट", बंगाबिद्या, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बेंगाल स्टडीज़ 10 (2018) 253-259.

जन्मेजय, मानसी, आर.बी. सिहं ऐंड एस.के. ढाका (2018). डेटेक्शन ऑफ टेम्परेचर वेरिएबिलिटी ऐंड ट्रेंड्स इन द लोअर ट्रोपोस्फीयर ओवर दिल्ली : ए स्टडी ऑफ जॉयन्ट इनफ्लुएंस ऑफ एंसो ऐंड लैंड यूज़/लैंड कवर ड्यूरिंग 1980-2015, सिंगापुर जे 1 ऑफ ट्रोपिकल जियोग्राफी.

आर. किम, पी. पाठक, वाय. ज़ु, डब्लु जो, ए. कुमार, आर. वेंकटरमनन, एस. सुब्रामन्यन (2019). माइक्रो-जियोग्राफिक टारगेटिंग ऑफ प्रिसीज़न पब्लिक पॉलिसी : एन एनालीसिस ऑफ चाइल्ड सेक्स रेशो एक्रॉस 587,043 सेंसस विलेजिस इन इंडिया, 2011. हेल्थ ऐंड प्लेस 57 : 92-100.

एम. कुमार, आर.बी. सिहं, आर. प्रवेश, पी. कुमार, डी.के. त्रिपाठि, एन. साहु (2018).

अर्बन ग्रोथ डायनेमिक्स ऐंड मॉडलिंग यूज़िंग रिमोट सैंसिंग डाटा ऐंड मल्टीवेरिएट स्टेटिस्टिकल टेक्नीक्स, करंट साइंस, (खंड114(2080 10). इम्पैक्ट फेक्टर :0.883, स्कोपस), जर्नल एच-इंडेक्स 98.

पी. कुमार, ए. हुसैन, आर.बी. सिहं एत अल. इम्पैक्ट ऑफ लैंड कवर चेंज ऑन लैंड सरफेस टेम्परेचर : ए केस स्टडी ऑफ स्पीति वैली, (2018) जे.माट.साइ, 15: 1658. https://doi.org/10.1007/s11629-018-4902-9

पवन कुमार ऐंड एस.सी. राय (2018). एग्रीकल्चरल डायवर्सिटीज़ ऐंड इट्स ससटेनेबिलिटी इन सिक्किम हिमालया : एन एनालीसिस. पॉलीटिकल इकोनॉमिक जर्नल ऑफ इंडिया, 27(1), पृष्ठ 91-104, (आईएसएस एन : 0971-2097).

एस.मल, एम.मेहता, आर.बी. सिहं, यू.शिखव ऐंड एम.पी.एस.बिष्ट(2019). "रिसेशन ऐंड मॉर्फोलोगिकल चेंजेज़ ऑफ द डेब्रिस-कवर्ड मिलम ग्लेशियर इन गोरी गंगा वैली, सेंट्रल हिमालया, इंडिया, डिराइव्ड फ्रॉम सैटेलाइट डाटा", "फ्रंटियर्स इन एनवायर्नमेंटल साइंस", https://doi.org/10.3389/fenvs.2019.00042.

एम. मलिक ऐंड एस.सी. राय (2019). ड्राइवर्स ऑफ लैंड-यूज़/कवर चेंज ऐंड इट्स इम्पैक्ट ऑन पोंग डैम वेटलैंड. एनवायर्नमेंटल मॉनीटरिंग ऐंड असेसमेंट, 191(4), पृष्ठ 203, स्प्रिंगर (नीदरलैंड्स) (आईएसएसएन:0167-6369) https://doi.org/10.1007/s10661-019-7347-x.

ए.के. मिश्रा ऐंड एस.सी. राय (2019). असेसमेंट ऑफ स्पेश्यो-टेम्पोरल वेरिएबिलिटी ऑफ टेम्परेचर यूज़िंगजिओ-स्टेटिस्टिकल टेक्नीक्स : ए केस स्टडी ऑफ अपर तीस्ता रिवर बेसिन, इंडिया. एनवायर्नमेंटल ससटेनेबिलिटी, स्प्रिंगर (नीदरलैंड्स), (आईएसएसएन:2523-8922) https://doi.org/10.1007/s42398-019-00049-1

बी. मंडल ऐंड ए.के.

एस. नैथानी ऐंड ए.के. साहा (2019). चेंजिंग लैंडस्केप ऐंड इकोटूरिज़्म डेवलपमेंट इन ए लार्ज डैम साइट : ए केस स्टडी ऑफ टेहरी डैम, इंडिया, एशिया पेसिफिक जर्नल ऑफ टूरिज़्म रिसर्च, 24(3): 193-205.

ए. पंडा ऐंड एन. साहु (2018). अंडरस्टेंडिंग द रिलेशन बिट्वीन सीज़नल क्लाईमेटिक पैरामीटर्स ऐंड क्रॉपिंग पैटर्न इन बोलंगीर डिस्ट्रिक्ट ऑफ ओडिशा, जर्नल ऑफ वाटर रिसोर्सेज़ ऐंड लैंड यूज़ मैनेजमेंट, खंड 16(2)

बी.डब्लु पांडे, ऐंड ए.एस. प्रसाद (2018). स्लोप वल्नरेबिलिटी, मास वेस्टिंग ऐंड हाइड्रोलॉजिकल हेज़र्ड्स इन हिमालया : ए केस स्टडी ऑफ अलकनंदा बेसिन, उत्तराखंड टेराए डिडेटिका. 395-404.

पी. गौतम ऐंड सुभाष आनंद (2018). फ्लैश फ्लड ऐंड इट्स मिटिगेशन : ए केस स्टडी ऑफ अल्मोड़ा, उत्तराखंड, इंडिया, जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल हैज़र्ड्स, 2018, I (1), 1-7.

एस.सी. राय ऐंड एम. कुमार (2018). रिसोर्स यूज़ ऐंड कंज़रवेशन ऑफ कबरताल वेटलैंड इकोसिस्टम, बिहार. नेशनल ज्योग्राफिकल जर्नल ऑफ इंडिया, 64(1-2), 104-110.

एस. सेनगुप्ता, डी.यू. सरकार ऐंड अंजन सेन (2018). री-इनवेंटिंग हाउसहोल्ड शॉपिंग पैटर्न्स ऐंड बाइंग रोल्स : एक्सप्लोरिंग द 'न्यु वोमेन' इन अर्बन इंडिया. अकादेमोस, खंड (XII), 263-284.

बी.वी.आर. सिहं ऐंड अंजन सेन (2018). जियो-स्पेशल मैपिंग ऑफ लैंड यूज़ ऐंड लैंड कवर चेंजिज़ इन द कोर ऐंड पेरीफेरी एरिया ऑफ रणथम्बोर टाइगर रिज़र्व, राजस्थान, इंडिया, 1975-2015. एनल्स ऑफ वलहिआ यूनिवर्सिटी ऑफ तर्गोविस्ते. ज्योग्राफिकल सीरीस, 18(1),62-67.

एस. जमाल ऐंड अंजन सेन (2018) "प्रोस्पेक्ट ऑफ फरिदाबाद एज़ ए स्मार्ट सिटी : ए रिव्यु" इन विश्व राज शर्मा ऐंड चंद्रकांता (एड्स.) मेकिंग सिटीज़ रेज़ीलिएंट, स्प्रिंगर, अध्याय 4, पृष्ठ 39-50.

एस. राजपूत, के. अरोड़ा, आर. माथुर ऐंड बी. डब्लु पांडे (2019). एनवायर्नमेंटल साइकोलोजी ऐंड हेल्थ केअर कॉस्ट : अंडरस्टैंडिंग द वेल-बींग लेवल ऑफ दिल्ली रेज़ीडेंट्स. इन वी.शर्मा, चंद्रकांता (एड्स.) मेकिंग सिटीज़ रेज़ीलिएंट. द अर्बन बुक सीरीज़, चैम.स्प्रिंगर. डीओआई https:/doi.org/10.1007/978-3-319-94932-1_14.

एस. सेनगुप्ता ऐंड अंजन सेन (2018). "इमर्जेंसऑफ 'न्यु वुमेन' इन अर्बन इंडिया : एक्सप्लोरिंग द चेंजिज़ इन बाइंग रोल्स ऐंड मीडिया पोर्ट्रेयल इन द वेक ऑफ ग्लोबलाइज़ेशन" इन महमूद मसेली ऐंड मोनिका प्रभाकर (एड्स.) इंडिया एज़ ए मॉडल फॉर ग्लोबल डेवलपमेंट, कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, न्यु कैसल अपॉन टाइने, अध्याय 12, पृष्ठ 183-202.

आर.बी. सिहं, एस आनंद, वी. सलूजा (2018). "लो कार्बन रेज़ीलिएंट दिल्ली मेगासिटी फॉर ससटेनेबल फ्यूचर अर्थ", वाय.हिमियामा (एड.) एक्सप्लोरिंग ससटेनेबल लैंड यूज़ इन मॉनसून एशिया, स्प्रिंगर, सिंगापुर, पृष्ठ 137-155.

सूरज मल, आर.बी. सिहं ऐंड क्रिश्चन हगल (2018). क्लाइमेट चेंज, एक्स्ट्रीम इवेंट्स ऐंड डिज़ास्टर रिस्क रिडक्शन, स्प्रिंगर, स्विट्ज़रलैंड

एस.सी.राय (2019) जियो एनवायर्नमेंट ऑफ मणिपुर. एने बुक प्रा.लि.

पत्रिकाएं

संपादक मंडल के संपादक(कों)/सदस्य(यों) के रूप में सेवारत विभाग के संकाय सदस्यों कि संख्या - 3

सम्मेलन/सेमीनार

सुभाष आनंद

पानी की वैश्विक कमी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एग्रीकल्चर ऐंड फूड सिक्योरिटी इन द इरा ऑफ क्लाईमेट चेंज में "रोल ऑफ वुमेन, पॉलीटिक्स इन फूड सिक्योरिटी ऐंड न्युट्रीशन" सैशन की सह-अध्यक्षता की, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, 1-3 दिसम्बर 2018

आईजीयू-इंडिया में पर्यावरण परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा तथा सतत विकास पर सम्मेलन में "एग्रीकल्चर डेवलपमेंट, फोरेस्ट्री ऐंड बायोटेक्नोलॉजी" सैशन की अध्यक्षता की, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पंचकुला, हरियाणा, 22-24 फरवरी 2019.

आईजीयू-इंडिया में पर्यावरण परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा तथा सतत विकास पर सम्मेलन में "स्वाट मॉडल" सैशन की सह-अध्यक्षता की, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पंचकुला, हरियाणा, 22-24 फरवरी 2019.

"जियोहेरिटेज ऐंड जियोपार्क्स इन इंडिया : नीड फॉर प्रोमोशन ऐंड डेवलपमेंट" पर पेपर प्रस्तुत किया, इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन नेशनल पार्क्स, बीजिंग नॉर्मल यूनिवर्सिटी, बीजिंग, चीन, 9-10 अक्तूबर 2018.

हिंदास में "अर्बन ऐंड पेरी अर्बन अग्रीकल्चर इन नेशनल केपिटल रीजन" व्याख्यान दिया, हिरोशिमा यूनिवर्सिटी, जापान, 1-2 मार्च 2019.

किरन भैरन्नवर

"कनटेम्पोरेरी अर्बन लैंडस्केप्स ऐंड हेरिटेज गार्डंस : द केस ऑफ सुंदर नरसरी", दिल्ली पेपर प्रस्तुत किया, आईजीयू थिमेटिक कॉनफ्रेंस : प्रक्टिकल ज्योग्राफी ऐंड XII सेंचुरी चैलेंजेज़, मास्को, रशिया, 4-6 जून 2018

'ओरल हिस्टरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया कॉनफ्रेंस' में "अनईज़ी रिलेशनशिप : हेरिटेज लैंडस्केप्स ऐंड कम्युनिटी आईडेंटिटीज़ इन दिल्ली, इंडिया" पेपर प्रस्तुत किया, अम्बेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली 1-2 फरवरी 2019.

'40वीं इंडियन ज्योग्राफर्स मीट 2019 ऐंड इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन वाटर, ससटेनेबिलिटी, लिवलीहूड ऐंड क्लाईमेट चेंज' में "अनफर्लिंग अजेंडा फॉर ज्योग्राफिकल रिसर्च ऑन सेक्सुएलिटीज़ इन इंडिया : सम इफ्लेक्शंस ऐंड फ्यूचर डायरेक्शंस" पेपर प्रस्तुत किया, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, 14-16 मार्च 2019.

अपराजिता डे ने "फ्रॉम द मार्जिंस : द रीराइटिंग ऐंड सेल्फ-ऑथरिंग ऑफ कोच-राजबंशी हिस्टरी" पर पेपर प्रस्तुत किया, ईसीएसए एस, ईएचई एस एस, पेरिस, 24-27 जुलाई 2018.

"डिजिटल स्पेशलिटी: द मैपिंग ऐंड री इमेजिनिंग ऑफ कोलोनियल कैलकटा इन न्यु मीडिया", 40थ आईआईजी मीट ऐंड इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली, 14-16 मार्च 2019.

"मैपिंग कोलकाता : री इमेजिनिंग ऐंड रीलिविंग इट्स कोलोनियल पास्ट इन न्यु मीडिया" पर पेपर प्रस्तुत किया, कॉनफ्रेंस ऑन पॉपुलर इमेजिनरीज़ ऐंड डिस्कॉर्सेस ऑन द पॉलीटिक्स इन इंडिया, आईआईए एस, शिमला, 8-9 फरवरी, 2019

पंकज कुमार

"मॉनीटरिंग ऐंड स्टडी ऑन द ईकोसिस्टम ऑफ सेंट्रल एशिया : रिज़ल्ट्स ऐंड साइंटीफिक प्रेक्टिकल इम्प्लीकेशंस" व्याख्यान दिया, तियान शन हिंग माउंटेन रिसर्च सेंटर, इसिक-कुल, बिश्केक, किर्गिज़्तान, 26-30 अगस्त 2018

इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑफ लिवेबल सिटीज़ : ट्रांसफॉर्मिंग ससटेनेबिलिटी ऐंड इट्स चैलेंजेज़ में "सीज़नलऐंड स्पेशल कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ अर्बन हीट आईलैंड : ए केस स्टडी ऑफ मुम्बई" पर पेपर प्रस्तुत किया, भूगोल विभाग, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय द्वारा आयोजित, 5-7 फरवरी 2018.

बी.डब्लु पांडे

नेशनल सेमीनार ऑन क्लाईमेट चैंज कनक्लेव में "असेसिंग द इफेक्टिवनेस ऑफ नॉन-स्ट्रक्चरल मेज़र्स ऑफ फ्लड मैनेजमेंट : केस स्टडी ऑफ ब्रहमापुत्र वैली इन असम" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया, भूगोल विभाग, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय (सायं), 21-22 अप्रैल 2018.

फर्स्ट इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन मास डिज़ास्टर ऐंड इमरजेंसी मैनेजमेंट में "डिज़ास्टर रिस्क रिडक्शन (डीआरआर) प्लानिंग ऐंड मैनेजमेंट इन हिमालयन कंटेक्स्ट" पर मुख्य भाषण दिया. किंग्स्मीड स्कूल, इंग्लैंड तथा दयाल सिहं महाविद्यालय के सहयोग से नेशनल टास्क फोर्स फॉर डिज़ास्टर मैनेजमेंट द्वारा आयोजित, 20-21 अप्रैल 2018

भूगोल विभाग, बथ स्पा यूनिवर्सिटी, यू.के. में हाइ-फ्लो-डैट कार्यशाला में "क्लाउड बर्स्ट ऐंड फ्लैश फ्लड इन कुल्लु वैली, हिमाचल प्रदेश" पर व्याख्यान दिया, 4-5 नवम्बर 2018

"इम्पैक्ट असेसमेंट ऑफ फ्लड डिज़ास्टर : ए केस स्टडी ऑफ किशनगंज डिस्ट्रिक्ट, बिहार" पेपर प्रस्तुत किया (बी.डब्लु पांडे, गणेश पुशालल) तथा इकोनॉमिक्स ऑफ वाटर सिस्टम ऐंड इम्पैक्ट्स ऑन वाटर क्वालिटी ऑन ह्यूमन हेल्थ पर एक तकनीकी सेशन की अध्यक्षता की. इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन ग्लोबल वाटर क्रिसिस : एग्रीकल्चर, ऐंड फूड सिक्योरिटी इन द इरा ऑफ क्लाइमेट चैंज. भूगोल विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ 01-03 दिसम्बर 2018.

इंटरनेशनल कॉनफ्रेंस ऑन सोसाइटी ऐंड ससटेनेबिलिटी : एन इंटरडिसिप्लिनरी एप्रोच में "सोशल डायमेंशंस इन ज्योग्राफी" पर सेशन की अध्यक्षता की. भूगोल विभाग, विवेकानंद महाविद्यालय, कोलकाता, प.बंगाल तथा द ईस्टर्न ज्योग्राफिकल सोसाइटी, भुबनेश्वर, उड़ीसा, 12-13 जनवरी 2019.

40वीं इंडियन ज्योग्राफर्स मीट 2019 ऑफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन ज्योग्राफर्स ऐंड नेशनल कॉनफ्रेंस ऑन वाटर, ससटेनेबिलिटी, लिवलीहुड ऐंड क्लाइमेट चैंज में "अर्बन एग्रीकल्चरल लैंड यूज़ प्लानिंग फॉर दिल्ली- सेंट्रल नेशनल केपिटल रीजन(सीएनसीआर)" पर पेपर प्रस्तुत किया. सीएस आर डी जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, 14-16 मार्च 2019.

एस.सी.राय ने शि'आन, चीन में 28-31 अगस्त 2018 तक 2018 चाइना कॉनफ्रेंस में पेपर प्रस्तुत किया.

अंजन सेन

कार्डिफ, युनाइटेड किंगडम, 2018 में रॉयल ज्योग्राफिकल सोसाइटी (आरजीएस) वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "री-इमेजिंग द इटर्नल सिटी : ब्रैंडिंग ए स्मार्ट आईडेंटिटी फॉर वाराणसी इन ए कनटेम्परेरी ग्लोबलाइज़्ड वर्ल्ड" पेपर प्रस्तुत किया.

वाशिंगटन डीसी, यूएसए में अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ ज्योग्राफर्स (एएजी) की 115वीं वार्षिक बैठक में "ब्रैंडिंग दिल्ली'ज़ हिस्टरिक अर्बन विलेजिज़ -द रीक्रिएशन ऑफ शाहपुर जाट विलेज" पेपर प्रस्तुत किया, 2019

आर.बी. सिहं

इंडियन साइंस कॉन्ग्रेस, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर, पंजाब में विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया, 3-6 जनवरी 2019

हिरोशिमा यूनिवर्सिटी, जापान में हिंदास सेमीनार में विशेष व्याख्यान दिया, 1-2 मार्च 2019

हस्ताक्षरित अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

भारत और यूनिवर्सिटी ऑफ बथ स्पा, यूके के मध्य "(हाइ-फ्लो-डैट): इंडियन हिमालयन फ्लड डाटाबेस, फॉर डिज़ास्टर रिस्क रिडक्शन" पर यूजीसी-उकीरी- परियोजना 2018-2020. स्वीकृत राशि : रू 1533233/-

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र:

इनबाउंड : 01
आउटबाउंड : 01

नियोजन ब्यौरा:

बहुत से छात्र संघ तथा राज्य लोक सेवा आयोग में ग्रुप ए में तथा अन्य संगठनत्मक नौकरियों में चुने गए.

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप:

आजीविका सुरक्षा, वलनरेबिलिटी, पर्यावरणीय मरम्मत तथा महिला सशक्तीकरण के सम्बंध में एम.ए., एम.फिल. तथा पीएच.डी विद्यार्थियों के साथ अलकनंदा रिवर बेसिन में स्थानीय पहाड़ी समुदाय के साथ बातचीत तथा जागरूकता।

प्रदान की गई पीएच.डी/एम.फिल की संख्या

एम.फिल : 19
पीएच.डी : 5

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय : 13

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोफेसर आर.बी. सिहं, जुलाई 2018 से भूगोल में अंडर ग्रेजुएट पाठ्यक्रम के लिए लर्निंग आउटकम बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क तैयार करने के लिए यूजीसी समिति के अध्यक्ष.

डॉ. सुभाष आनंद

जुलाई 2018 से भूगोल में अंडर ग्रेजुएट पाठ्यक्रम के लिए लर्निंग आउटकम बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क तैयार करने के लिए यूजीसी समिति के सदस्य.

प्रोफेसर एस.सी. राय

सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, अरूणाचल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडीज़, नम्साई, अरूणाचल प्रदेश, अगस्त 2018 से अगस्त 2021 तक.

सदस्य, भूगोल का शिक्षा बोर्ड, क्लस्टर यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मु, जम्मु व कश्मीर, 11 मार्च 2019 से 10 मार्च 2022 तक.

डॉ. बी.डब्लु पांडे, सदस्य, सलाहकार बोर्ड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लीनरी रिसर्च इन साइंस, सोसाइटी ऐंड कल्चर (आईजेआईआरएससीसी) गुवाहाटी, असम. आईएसएसएन: (P) 2395-4335, (O) 2455-2909; संपादक मंडल के सदस्य, जर्नल ऑफ सोशल साइंस, गुरू गोविंद सिहं खालसा महाविद्यालय ऑफ वुमेन, झाड़ साहिब, लुधियाना, पंजाब; कालिंदी महाविद्यालय की वार्षिक शैक्षणिक पत्रिका के संपादक मंडल के सदस्य.

डॉ. एन.साहु, सदस्य, जर्नल ऑफ एटमसफेरिक साइंस रिसर्च का संपादक मंडल आईएसएसएन: 2630-5119; सदस्य, संपादक मंडल जियोग्राफी.

***

इतिहास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विश्वविद्यालय के संस्थापक विभागों में से एक इतिहास विभाग वर्तमान में 31 संकाय सदस्यों सहित एक उच्च अध्ययन केन्द्र है। संकाय सदस्यों को विचारकों और वैश्विक स्तर पर इतिहास में योगदान देने वाले तथा उनके संबंधित अनुसंधान क्षेत्रों में विशेषज्ञों के तौर पर जाना जाता है। इतिहास विभाग में एक कम्प्यूटर सेंटर, विभागीय पुस्तकालय और लघु चित्रों, पांडुलिपियों तथा शिल्पकृतियों के दुर्लभ संग्रह वाला एक संग्रहालय है। हमारे एम.ए. और एम.फिल. कार्यक्रम भारत में सबसे कठिन कार्यक्रमों में शामिल हैं तथा वार्षिक तौर पर 3-5 विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शीर्ष विश्वविद्यालयों में पूर्ण अध्येतावृत्ति प्राप्त करते हैं। वर्ष 2018-19 में, हमारे संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मुख्य अभिभाषण दिए; हमारी सेमिनार श्रंखला में प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय विद्वानों की मेजबानी की गई। वर्ष 2018-19 के दौरान, इतिहास विभाग ने दो कार्यशालाओं, एक प्राचीन शिलालेखों का अध्ययन और पांडुलिपि विज्ञान विषय पर तथा दूसरी 'द रिसेंट हिस्टारियोग्राफी ऑफ द अर्ली मॉडर्न इस्लामिक एम्पायर' विषय पर, और दस सेमिनारों का आयोजन किया। विभाग द्वारा दो 'बैठकों' और तीन 'पुस्तकालय', चर्चा आधारित कार्यक्रमों, का भी आयोजन किया गया। हमारे इतिहास अनुसंधान शोधार्थी मंच ने सातवें वार्षिक 'शोधार्थी सम्मेलन', शोधार्थियों का एक राष्ट्रीय सम्मेलन, का आयोजन किया। 15 पी.एच.डी. शोधार्थियों तथा 16 एम.फिल. शोधार्थियों ने सरकारी मौखिक परीक्षाओं में अपने संबंधित शोध निबंधों का सफलतापूर्वक बचाव किया।

सम्मान/गौरव

अलावी, सीमा

अंसारी मेमोरियल लेक्चर, जामिया मिलिया इस्लामिया;

बर्लिन, जर्मनी में आयोजित जेडएमओ सम्मेलन में मुख्य अभिभाषण

अराफात, पी.के. यासिर, 2018 - पांचवा प्रोफेसर के.वी. कृष्णा अय्यर एंडोवमेंट लेक्चर, 'द ओसन बिटविन एम्पायर्स; बॉडी, सेक्सुएलिटी एंड लैंग्वेज इन अर्ली मॉडर्न कालीकट' 23 दिसम्बर, 2018, के.वी. कृष्णा अय्यर हेरिटेज ट्रस्ट, कालीकट, केरल।

बावा, सीमा, 2018 - अध्यक्षीय भाषण (प्राचीन इतिहास खंड) हरियाणा के विभागाध्यक्ष : 'कंटेक्सचुएलाइज्ड रीडिंग ऑफ स्कल्पचरल रिमेंस फ्रॉम द अर्ली हिस्टारिकल पीरियड', हरियाणा इतिहास सम्मेलन का तीसरा सत्र, गुड़गांव, 20 अक्तूबर, 2018.

धार, पारूल पंड्या, 2019 - 15 मार्च को कलकत्ता विश्वविद्यालय में 'अर्ली इंडिया एंड कम्बोडिया : एवेन्यूज ऑफ लिंकेजिज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'फ्रॉम फुनान वाया अंगकोर : हिस्ट्री, मेमोरी एंड कंटम्परेरी इमेजिनिंग्स ऑफ इंडिया, कम्बोडिया कल्चरल कनेक्शंस' शीर्षक के अंतर्गत मुख्य अभिभाषण दिया।

फारूकी, अमर, 2018 - दिसम्बर, 2018 को सेंट लुइस, सेनेगल में 'कोलोनियल सिरीज इन ग्लोबल परस्पेक्टिव' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनोर में 'ए हाऊस फार द गवर्नर जनरल : आर्किटेक्चर, स्पलेंडर एंडद कालोनियल कैपिटेल सिटी इन ब्रिटिश इंडिया' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

गुप्ता, विकास, 2018 - 14 और 15 नवम्बर, 2018 को डीआईईटी, बागेश्वर, उत्तराखंड द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'हिस्टारिकल ट्रेजेक्ट्री एंड कंटेम्परेरी पॉलिटिक्स आफ पब्लिक एजुकेशन' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

प्रकाशन

चौधरी, एम. (2019) - ट्रांसपोर्ट एंड टांडा : शिफ्टिंग आइडेंटिटीज आफ द बंजारा, दिल्ली : मनोहर।

गुप्ता, सी. (2017) - 'द जेंडर आफ कास्ट 'रिप्रेजेंटिंग दलित इन प्रिंट' रानीखेत : परमानेंट ब्लैक, इन एसोसिएशन विद अशोक यूनिवर्सिटी।

जैन, एस. (2018) - आइडेंटिटी, कम्युनिटी एंड स्टेट : द जैन अंडर द मुगल, दिल्ली : प्राइमस।

कुमार, एस. (2019) - संस्कृति और संभावना, दिल्ली : अनन्य प्रकाशन।

साहू बी.पी. एंड कुल्के, एच. (2018) - औपनिवेशिक पूर्व भारत का इतिहास : मुद्दे और चर्चाएं, नई दिल्ली : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

सिंह, वी. (2018) - स्पीकिंग रिवर्स : एनवायरमेंटल हिस्ट्री ऑफ मिड-गंगा फ्लैड कंट्री, 1540-1885, दिल्ली : प्राइमस।

पुस्तकें : सह-लेखन

गुप्ता, सी. एंड शर्मा, एम. (2018) - 'कंटेस्टिड कोस्टलाइंस : फिशरफॉल्क, नेशंस एंड बार्डर्स इन साऊथ एशिया, नई दिल्ली एवं लंदन : राऊटलेज (आईएसबीएन : 978-1-138-49759-7)।

पुस्तकें : संपादित और सह-संपादित

बालाचन्द्रन, ए., रमण, बी. और पंत, आर. (संपादन) (2018)। 'इंटीरेशंस आफ ला : लीगल हिस्ट्रिज फ्राम इंडिया, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

फारूकी, ए., वर्दराजन, एल. और मनलेकनदाथिल, पी. (संपादन) (2018)। इंडिया, पोर्टूगस एंड मेरीटाइम इंटरएक्शंस, खंड 1 : साइंस, इकानामी एंड अर्बेनिटी, दिल्ली : प्राइमस।

फारूकी, ए., लीला, वी. और मनलेकनदाथिल, पी. (संपादन) (2018)। इंडिया, पोर्टूगस एंड मेरीटाइम इंटरएक्शंस, खंड 2 : धर्म, भाषा और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति, दिल्ली : प्राइमस।

साहू, बी.पी. और वेलूथाट, के. (संपादन) (2018)। इतिहास और सिद्धांत : राज्य, संस्थानों और इतिहास निर्माण का अध्ययन, दिल्ली : ओरिएंट ब्लैक्सवान।

पुस्तकों में लेख/अधयाय

अराफात, वाई. (2018) - मालाबार उलेमो इन द शेफाइट कासमोपोलिस, फिटना, पिएटी एंड रेजिस्टेंस इन द ऐज आफ फसाद: द मेडिवल हिस्ट्री जर्नल, 21(1), सेज, इंडिया।

अराफात, वाई. (2018) - मलयालम, मालाबारी, अरबी : 'द वीक काउंटर-माडल्स', मध्यमम वीकली, पृष्ठ 36-49.

अराफात, वाई. (2018) - 'द ग्रेट फ्लड। एन इको क्रिटिकल स्टडी ऑफ अरबी मलयालम लिटरेचर : माथुरभूमि वीकली, 45-62 (इन मलयालम), शाबू किलीथात्तिल (संपादित), रेन, लैंड एंड ह्यूमन : दे बुक आफ सर्वाइवल, कैरली बुक्स, केरल, 2019 में पुन: प्रकाशित।

बालाचन्द्रन, ए. (2018) - 'हाऊ टू ट्रीट द नेटिव्ज एंड अदर लेसंस फ्राम द कालोनियल किचन : गोया जर्नल। रिट्राइव्ड फ्राम जर्नल https://www.goyajournal.in/blog/culinary-jottings-for-madras

बालाचन्द्रन, ए. (2018) - 'पीटिशन टाऊन : लॉ, कस्टम एंड अर्बन स्पेस इन अर्ली कालोनियल साऊथ इंडिया।' ए. बालाचन्द्रन, बी. रमन एवं आर. पंत (संपादित), इटिरेशंस आफ लॉ : लीगल हिस्ट्रिज फ्राम इंडिया, ऑक्सफार्ड यूनिवर्सिटी प्रेस में प्रकाशित।

बालाचन्द्रन, ए. (2019) - पीटिशंस : द सिटी एंड द अर्ली कालोनियल स्टेट इन साऊथ इंडिया, मॉडर्न एशियन स्टडीज, 53, मार्च।

बावा, एस. (2018) - विजुएलाइजिंग द रामायण : पावर रिडेम्पशन एंड इमोशन इन अर्ली नरेटिव स्कल्पचर्स (फिफ्थ टू सिक्सथ सेंचुरीज सीई), इंडियन हिस्टारिकल रिव्यू, 45(1), 92-123.

बावा, एस. (2018) - रथ यात्रा आफ बटुका महादेव एट छतरारी : सम आर्ट हिस्टॉरिकल एंडरिलीजियस इनक्वारीज, एथनालोगिया पोलोना, 38, 221-242.

बावा, सीमा (2018) - पावर एंड पालिटिक्स आफ पोरट्रेट्स, आइकान एंड हेजियोग्राफिक इमेज ऑफ गांधी, इकॉनामिक एंड पालिटिकल वीकली, 53(5), 54-61.

देशपांडे, ए. (2018) - 'हिस्ट्रीज एकेडमिक एंड पब्लिक : इश्यूज इन ट्रीटिंग द विज्युएलएज एन आर्काइव, इकॉनामिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 53(50), 16-20.

धार, पी.पी. (2019) - प्राइड एंड पेनिटेंस आफ एन एंटी हीरो : रावनअनुग्रह एज मोटिफ एंड मेटाफर इन इंडिया एंड चम्पा। ए. हर्डी, ए. ग्रिफिथ एवं जी. वाडे (संपादित) प्रोसिडिंग्स आफ एन इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन न्यू रिसर्च इन हिस्टारिकल चम्पा स्टडीज, एनएससी-सिंगापुर एंड ईएफईओ-पेरिसर, पेरिस : ईएफईओ में।

धार, पी.पी. (2019) - 'रिसरेक्टिंग ए यूनिक टोराना फ्राम फनीगिरी तेलंगाना' प्रोसिडिंग्स ऑफ द सेकंड इंटरनेशनल कांफ्रेंस, तेलंगाना थ्रू एजिज : परस्पेक्टिव ऑन द एनसिएंट एंड मेडिवल पीरियड्स। हैदराबाद : डिपार्टमेंट ऑफ आर्कियोलाजी एंड म्युजियम।

धार, पी.पी. (2019) - करेक्टेराइजिंग कंट्रेरिरिटी : रिप्रेंजिटिंग रावन इन द अर्ली वेस्टर्न डेक्कन, बर्लिनर इंडोलागिशे स्टडिएन/बर्लिन इंडोलाजिकल स्टडीज, 24, 131-164, गेर्ड जे.आर. मेविसन (बर्लिन) द्वारा संपादित।

धार, पी.पी. (2019) - पिएसिंग ए पजल : ए यूनिक टोराना फ्राम फनीगिरी, तेलंगाना। एस. गनवीर, एच. दलवई एवं एच. विरकुड (संपादित) (2018) तेलंगाना थ्रू एजिज : परस्पेक्टिव फ्राम अर्ली एंड मेडिवल पीरिएड्स। प्रोसिडिंग्स ऑफ द सेकिंड इंटरनेशनल सेमिनार, हैदराबाद, 19-20 जनवरी, 2018, हैदराबाद : हेरिटेज विभाग : तेलंगाना।

धार, पी.पी. (2018) - मोन्यूमेंट्स, मोटिफिज, मिथ्स : आर्किटेक्चर एंड इट्स ट्रांसफार्मेशंस इन इंडिया एंड साऊथ ईस्ट एशिया इन कल्चरल एंड सिविलाइजेशनल लिंक्स बिटविन इंडिया एंड साऊथ ईस्ट एशिया :

हिस्टारिकल एंड कंटम्परेरी डायमेंशंस, प्रोसिडिंग्स ऑफ एशियन-इंडियन कल्चरल लिंक्स : हिस्टारिकल एंड कंटम्परेरी डायमेंशंस, संपादन, श्याम सरन, 325-345, पालग्रेव मैकमिलन।

धार, पी.पी. (2018) - 'द लाइव्ज आफ टेम्पल्स इन चम्पा, इन वाइब्रेंसी इन स्टोन। कैटेलाग आफ द कलेक्शंस आफ द डा नांग म्युजियम आफ चाम स्केल्पचर, विजतनाम, इन कॉआपरेशन विद एसओएएस, लंदन एंड डा नांग म्युजियम, वियतनाम, लंदन एंड बैंकाक रिवर बुक्स।

फारूकी, ए. (2018) - कालोनियम गवर्नेंस, ब्रिटिश पालिटिक्स एंड द ईस्ट इंडिया कंपनी। इन एम.वी. देवादेवन (संपादित), क्लियो एंड हर डिसंडेंट्स : एसेज फार केसवन वेलूथाट (पृष्ठ 558-583) नई दिल्ली : प्राइमस।

फारूकी, ए. (2019) - 'वुमनहुड एंड एंजाइटी इन ए मार्जिनल कालोनी : ए गोवन एपिसोड', इन भैराबी प्रसाद साहू एंड केसवन वेलूथाट हिस्ट्री एंड थ्यूरी : द स्टडी ऑफ स्टेट, इंस्टीट्यूशंस एंड द मेकिंग ऑफ हिस्ट्री (पृष्ठ 301-313), नई दिल्ली, ओरिएंट ब्लैकस्वैन।

फारूकी, ए. (2018) - 'सिपाहीराज में दिल्ली के चार महीने', आउटलुक हिंदी, 5 जून पृष्ठ 34-38.

फारूकी, ए. (2019) - 'ग़ालिब', साइकिल-बच्चों की दुनिया (पत्रिका), अगस्त-सितम्बर, पृष्ठ 37-38.

गोविन्द, आर. (2019) - 'ब्रिटिश साम्राज्य में संप्रभुता, धर्म और विधि : राजा राम मोहन राय पब्लिक हरमेनूटिक्स इन हिज टाइम्स, स्टडीज इन हिस्ट्री वाल्यूम 35, अंक 2.

गोविन्द, आर. (2018) - अम्बेडकर के पाठ, अम्बेडकर की चुनौतियां हिन्दुत्व, हिन्दुवाद और भारतीय राष्ट्र, इकानामिक एंड पोलिटिकल वीकली, वाल्यूम 53, अंके 4, 27 जनवरी।

गुप्ता, सी. (2019) - कास्टिंग एंड ट्रांसलेटिंग सेक्स इन द वर्नेक्यूलर : द राइटिंग्स ऑफ संतराम बीए इन हिन्दी। पार्न स्टडीज, 22 जनवरी : 1-17 (आईएसएसएन: 2326-8751) [आनलइन])

गुप्ता, सी. (2018) - रहबर से अपनी राह जुडा : संतराम, जाति और लिंग, प्रतिमान: समय, समाज, संस्कृति, वॉल्यम 6, सं.12, जुलाई-दिसम्बर : 295-324.

गुप्ता, सी. (2018) - डोमेस्टिक एंजाइटिज : रिकेलसिट्रेंट इंटिमेसिज : रिप्रेजेंटेशंस आफ सर्वेन्ट्स इन हिन्दी प्रिंट कल्चर ऑफ कालोनियल इंडिया। स्टडीज इन हिस्ट्री, 34, 2: 141-63.

गुप्ता, सी. (2018) - एलगारिज आफ 'लव जिहाद' और घर वापसी' : इंटरलाकिंग द सोसियो-रिलिजियस विद द पॉलिटिकल। इन एम. रहमान (संपादित), राइज आफ सैफरन पावर : रिफलेक्शंस आन इंडियन पॉलिटिक्स (84-110)। लंदन एंड न्यूयार्क राउटलेज।

गुप्ता, सी. (2018) - धारा के विरूद्ध : स्त्री, हिन्दी प्रिंट संस्कृति और अभिलेखागार (हिन्दी में)। इलाहाबाद : जी.बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान (व्याख्यान श्रंखला : भारतीय समाज के समक्ष चुनौतियां, 3), पृष्ठ 1-28.

गुप्ता, सी. (2018) - चैलेंजिंग कास्ट, डुइंग जेंडर : पैराडॉ.क्सिज आफ गेल राइटिंग्स इन नार्थ इंडिया। इन मैन एंड फेमिनिज्म इन इंडिया, सम्पादन-रोमित चौधरी एवं जैद अल बासित, 214-36. ऑक्सन एवं न्यूयार्क : राउटलेज (आईएसबीएन : हर्डबैक : 978-1-138-21038-7; ई-बुक 978-1-351-04824-8).

गुप्ता, सी. (2018) - इमेजिंग दलित आइडंटिटीज : परफार्मिंग फेमिनिनिटीज एंड मेसकुलिनिटीज इन अर्ली ट्वनिटएथ सेन्चूरी। इन जेंडर, कास्ट एंड इमेजिनेशन आफ इक्विलिटी, संपादन अनुपमा राव, पृष्ठ 154-72. नई दिल्ली - वुमन अनलिमिटेड।

गुप्ता, सी. (2018) - पेराडॉ.क्सिज आफ विक्टिमहुड : दलित वुमन बॉडीज एज पाल्युटिड एंड सफरिंग इन कालोनियल नार्थ इंडिया। इन ई. रसकोव, एस. घोष एवं यू. चक्रबर्ती (संपादन), मेमरी, आइडंटिटी एंड द कालोनियल इनकाउंटर इन इंडिया : एसेज इन ऑनर आफ पीटर राब (पृष्ठ 110-31)। नई दिल्ली एवं लंदन : राउटलेज।

हसन, एफ. (2019) - 'ला एज कंटेस्टिड कम्युनिकेशन : लिटरेसी, परुर्मिटिविटी एंड द लीगल आर्डर इन द मुगल एम्पायर, आक्सफार्ड जर्नल आफ ला एंड रिलीजन, 8 (2019), 1-18.

हसन, एफ. (2019) - 'मुगल राज्य का राष्ट्रवादी प्रतिनिधित्व : तिलक और गांधी का दृष्टिकोण', स्टडीज इन पीपील हिस्ट्री, 6, 1 (2019), 52-62.

हसन, एफ. (2018) - मुगल भारत में सम्पत्ति और सामाजिक संबंध : शहरी क्षेत्रों के काजी न्यायालय में मुकदमेबाजी एवं विवाद, 17वीं-18वीं शताब्दी, जर्नल आफ द इकानामिक्स एंड सोशल हिस्ट्री आफ द ओरिएंट, 61, 5-6 (2018), 849-875.

जैन, एस. (2018) - 'रिप्रेजेंटेशन एंड परसेप्शंस : पोर्टुगस-जैन इंटरएक्शन इन मुगल इंडिया', अमर फारूकी, लीला वरदराजन एवं पीयूष मनलेकनदाथिल संपादित पोर्टुगस एंड मेरीटाइम इंटरएक्शंस, वाल्यूम 2 : रिलीजन, लैंग्वेज एंड कल्चरल एक्सप्रेसन में, दिल्ली : प्राइमस, पृष्ठ 159-168.

जाफरी, एस.जेड.एच. (2019) - 'मेकिंग आफ द इंडो-इस्लामिक इंटलेक्चुएल ट्रेडिशन ड्यूरिंग द प्री-नवाबी अवध : माइग्रेशन, सेटलमेंट्स, एडेपशंस एंड अल्टीमेट डिकलाइन।' एस.एन.आर. रिजवी और ए.के. सिन्हा (संपादित), 'इतिहास के मुद्दे और समस्याएं' में, दिल्ली : अनामिका, पृष्ठ 17-38.

जाफरी, एस.जेड.एच. (2018) - 'द मुगल-नवाबी लीगेसी अंडर 'सीज' इन द ऐज ऑफ एम्पायर : फेमिलियल ग्रांट्स एंड द वक्फ ऑफ खानकाह- ए करीमिया सैलून, इंडिया, एम. तोरू (संपादित) कम्पेरेटिव स्टडी आफ द वक्फ फ्राम द ईस्ट : डायनेमिज्म ऑफ नार्म एंड प्रैक्टिसिज इन रीलिजियस एंड फेमिलियल डोनेशंस में (पृष्ठ 191-216), टोक्यो।

कुमार, एस. (2018) - आर्किटेक्चरल इनवेस्टिगेशन आफ मुगल मान्यूमेंट्स इन फरीदाबाद, हरियाणा, प्रोसिडिंग आफ हरियाणा हिस्ट्री कांग्रेस।

कुमार, एस. (2018) - 'द टायरेनी आफ मेटा-नरेटिव्ज : री-रीडिंग द हिस्ट्री आफ सल्तनत दिल्ली : इन के. राय एवं एन. दयाल (संपादित)' ए फेस्टक्रिफ्ट फार रोमिला थापर : क्वेशनिंग पैराडिगमस, कंस्ट्रक्टिंग हिस्ट्रीज, पृष्ठ (220-233), दिल्ली : एलेफ बुक कंपनी।

कुमार, एस. (2018) - 'हिस्ट्री एंड द फोर्टिन्थ सेंचूरी चिस्तिय्या', प्रेजिडेंशियल एड्रेस, मेडिवल इंडिया सेक्शन, प्रोमिडिंग इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस, जादवपुर, पृष्ठ 243-252.

मिश्रा, संघमित्रा (2019) - औपनिवेशिक असम में बंगाली समुदाय 'इन द आक्सफोर्ड रिसर्च एनसाइक्लोपीडिया आफ एशियन हिस्ट्री, संपादन डी. लुडेन न्यूयार्क : आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

मिश्रा, एस. (2018) - द सोवरेनिटी ऑफ पॉलिटिकल इकानामी : द गारोस इन ए प्री-कंक्वेस्ट एंड अर्ली कंक्वेस्ट ऐरा', द इंडियन इकानामिक एंड सोशल हिस्ट्री रिव्यू, 55, 3 (2018): 345-387

मिश्रा, एस. (2019) - औपनिवेशिक असम में बंगाली समुदाय, इन द आक्सफोर्ड रिसर्च एनसाइक्लोपीडिया आफ एशियन हिस्ट्री, संपादन डेविड लुडेन। न्यूयार्क : आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

राय, एस.के. (2018) - 'सोशल हिस्ट्रीज आफ एक्सक्लुसन एंड मोमेंट्स ऑफ रेजिसटेंस : द केस आफ मुस्लिम जुलाहा वीवर्स इन कालोनियल यूनाइटेड प्रोविन्सिज, द इंडियन इकॉनामिक एंड सोशल हिस्ट्री रिव्यू', 55(4), 549-574.

राय, एस.के. (2019) - 'गांधी इन चम्पारन एंड बीयांड : एनान वायलेंट माडर्निस्ट एंड हिज रेलिवेंस इन अवर टाइम्स, इन ए. हैमलिंग (संपादित), कंटम्परेरी आइकान्स आफ नान वायलेंस, कैम्ब्रिज स्कालर्स पब्लिशिंग।

साहू, बी.पी. (2019) - 'सरला ओडरा-देसा : लिटरेरी रिप्रेजेंटेशन आफ एरीजनल सोसायटी' इन ओ. बोपेयाराच्छी एंड एस. घोष (संपादित) अर्ली इंडियन हिस्ट्री एंड बीयांड, एसेज इन ऑनर ऑफ प्रोफेसर बी.डी. चट्टोपाध्याय (पृष्ठ 94-105), प्राइमस बुक्स, दिल्ली।

साहू, बी.पी. (2018) - जर्मन एंगेजमेंट एंड द चैंजिंग कंटावर्स आफ ओडिशियन हिस्टारियोग्राफी, इन एम.वी. देवादेवन (संपादित), क्लियो एंड हर डिसंडेंट्स : एसेज फार केशवन वेलूथट (पृष्ठ 83-96), प्राइमस बुक्स, दिल्ली।

साहू, बी.पी. (2018) - अनॉदर ट्रांजिशन डिबेट? चार्टिंग द मूवमेंट टुवर्डस द अर्ली मेडिवल एंड आऊट ऑफ इट। इन आर. शेषन एवं एस. कंबोझकर (संपादित), रि-सर्चिंग ट्रांजिशन इन इंडियन हिस्ट्री (पृष्ठ 66-85), नई दिल्ली, राउटलेज।

साहू, बी.पी. (2018) - 'अशोकन एडिक्ट्स : द इम्पीरियल आइडिया एंड द कल्चर इन आर्मी इंडिया एंड इट्स डेट टू ईरान, स्टडीज इन पीपील्ज हिस्ट्री, 5 (2), 143-53.

साहू, बी.पी. (2018) - 'फ्रॉम किंग्डम्स टू ट्रांसरीजनल स्टेट्स : एक्सप्लारिंग द डायनेमिक्स आफ स्टेट फार्मेशन इन प्री-माडर्न ओडिशा, स्टडीज इन हिस्ट्री, 35 (1), 1-19.

सिंह, वी.एल. (2019) - 'इमेजिंग वुमन इन एनसिएंट इंडियन कंटेक्सट। इन डी.के. चक्रवर्ती (संपादित) प्राचीन भारत का इतिहास, खंड 4, दिल्ली : विवेकानन्द फाउंडेशन एंड आर्यन इंटरनेशनल पब्लिशर्स।

सिंह, वी.एल. (2019) - 'सेक्रेड एंड प्रोफेन इन द रीलिएजिस्टी आफ द ब्राहमेनिकल बनारस : पास्ट टू प्रेजेंट, जर्नल आफ हिस्टारिकल आर्कियालाजी एंड एंथ्रोपालिजिकल साइंसिज।

सिंह, वी. (2019) - 'इंटरसेक्टोरेलिटी इन द गवर्नेंस आफ इनलैंड फिशरीज' सिंथेसिस पेपर (मल्टीपल आथर्स), इकालॉजी एंड सोसायटी 23(2)।

जोऊ, डी.वी. (2019) - 'पिक्चरिंग ए रीजन : ए जियाग्राफिकल हिस्ट्री आफ ब्रिटिश असम। इन एन. भट्टाचार्य एवं जे. पछाऊ (संपादन), लैंडस्केप, कल्चर एंड बीलांगिक : राइटिंग द हिस्ट्री आफ नार्थ ईस्ट इंडिया (पृष्ठ 89-109), कैम्ब्रिज, यू.के. : कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

जोऊ, डी.वी. (2018) - 'वाई फोबिया टू राज नोस्टाल्जिया : साहिब, चीफ एंड कामनर्स इन कालोनियल लुसाई हिल्स', इन एल. जुविचू एवं एम. बरूआ (संपादित), माडर्न प्रैक्टिसिज इन नार्थ ईस्ट इंडिया : हिस्ट्री, कल्चर, रिप्रेजेंटेशन (पृष्ठ 119-143), लंदन एवं न्यूयार्क राउटलेज।

अनुसंधान परियोजनाएं : 02

डॉ. विपुल सिंह 2016-2020 - प्रोजेक्ट पार्टनर इन सिमोन मूलर (पीआई) डीएफजीएम्मे-नाइदर रिसर्च ग्रुप 'हजार्डस ट्रेवल्स. घोस्ट एकर्स एंड द ग्लोबल वेस्ट इकानामी' रेकल कार्सन सेंटर, म्यूनिख (जर्मनी)।

प्रोफेसर अमर फारूकी एवं डॉ. प्रभु महापात्र, 2016 - वेदरहेड इनिसिएटिव ऑन ग्लोबल हिस्ट्री, हार्वड यूनिवर्सिटी, दिल्ली यूनिवर्सिटी एंड अदर्स इन द ग्लोबल हिस्ट्री नेटवर्क।

विभाग द्‌वारा आयोजित सेमिनार : 10

अतुल भारद्‌वाज, आईसीएसएसआर, इंस्टीट्यूट आफ चाइनीज स्टडीज : 'इंडिया-अमेरिका रिलेशंस (1942-62) : रूटेड इन द लिबरल इंटरनेशनल आर्डर, 22 फरवरी, 2019.

दिलीप मेनन, यूनिवर्सिटी आफ विटवाटर्सरेंड, जोहान्सबर्ग : 'आऊट आफ टाइम, इंडिया आफ्रीका एंड पॉसिबल हिस्ट्रीज, 18 सितम्बर, 2019.

जन लुकासेन, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ सोशल हिस्ट्री, एमस्टर्डम, 'रियल वेजिज इन नार्दन इंडिया सी. (1300) 1590-1875 : ए कंट्रीब्यूशन टू द ग्रेट डायवर्जेस डिबेट, 29 मार्च, 2019.

मालविका कस्तूरी, यूनिवर्सिटी आफ टोरन्टो : 'गुरूस, मठ एवं पॉलिटिक्स इन नेहरूवियन इंडिया; स्वामी करपात्री और राम राज्य परिषद्', 8 अगस्त, 2019.

महेश रंगराजन, अशोक यूनिवर्सिटी : 'एट नेचर ऐज : लोंगर टर्म हिस्ट्री एंड द ग्लोबल पॉसिबल', 16 जनवरी, 2019.

निशिकांत कालगे, सेंटर फार द स्टडी आफ डिवलपिंग सोसायटीज, दिल्ली : 'वाज गांधी ए चैंपियन आफ द कास्ट सिस्टम'? रिफलेक्शंस ऑन हिज प्रैक्टिस, 6 मार्च, 2019.

नंदिनी-भट्टाचार्य पांडा, कोलकाता, इंडिपेंडेंट स्कॉलर : 'द मेकिंग एंड ब्रेकिंग आफ 'ला' : कस्टम, कोड एंड द कालोनियल स्टेट इन नार्थ ईस्ट इंडिया' 27 मार्च, 2019.

प्रसेनजीत दुआरा, ड्यूक यूनिवर्सिटी 'रिविजिटिंग द चाइनिज वर्ल्ड आर्डर : सॉफ्ट पावर ओर द इम्पीरिएलिज्म आफ नेशन-स्टेट्स', 10 अप्रैल, 2019.

सेमुएल राइटद्‌व यूनिवर्सिटी आफ शिकागो/अहमदाबाद यूनिवर्सिटी : 'द मनुस्क्रिप्ट इकानामी आफ अर्ली माडर्न इंडिया' 24 अक्तूबर, 2019.

विनय लाल, यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया, लास एंजेलिस : 'द कल्चरल पॉलिटिक्स एंडपालिटिकल सोशोलॉजी आफ इंडियन 'लैंड-ग्रेबिंग' इन इथोपिया', 1 अगस्त, 2019.

आयोजित सम्मेलन : 9

इतिहास विभाग द्‌वारा चार तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया : 1) सम्मेलन; 2) कार्यशाला; 3) बैठक; 4) पुस्तकलाय

सम्मेलन : 02

कोनोलाजिज एंड कनेक्शंस एंड हिस्टारियोग्राफिज द सस्टेन देम, 2-3 मार्च, 2019.

सातवां अनुसंधानकर्ता सम्मेलन : सेंस एंड सेंसिबिलिटी, 11-13 मार्च, 2019.

कार्यशाला : 02

21 दिसम्बर (शुक्रवार) : कार्यशाला मध्याहन पश्चात 2.00 बजे 'रिसेंट ट्रेंड्स इन द हिस्टारियोग्राफी आफ द अर्ली माडर्न इस्लामिक एम्पायर्स' विषय पर।

16, 20, 27 फरवरी, मध्याहन पश्चात 3.00 बजे 'रीडिंग मैटिरियल टेक्स्ट्स : ए पेलियोग्राफी एंडकाडिकॉलाजी वर्कशाप'।

बैठक : 2

5 नवम्बर (सोमवार) : मध्याह्न पश्चात 3.00 बजे नीलाद्रि भट्टाचार्य (जेएनयू) की बैठक।

बैठक में चर्चा के लिए प्रोफेसर भट्टाचार्य ने अपनी हाल ही में प्रकाशित पुस्तक 'द ग्रेट एगरेरियन कंक्वेस्ट एंड दे आर अटेच्ड बिलो' से निम्नलिखित अध्यायों का चयन किया : 'प्रस्तावना', अध्याय 4 : 'द पावर आफ कैटगरीज', अध्याय 7 : 'बियांड द कोड', अध्याय 5 : 'कालोनाइजिंग द कॉमन्स।'

10 जनवरी (बृहस्पतिवार), मध्याह्न पश्चात 3.00 बजे : अकील बिलग्रामी (कोलम्बिया) बैठक - लेखक ने अपनी पुस्तक 'धर्मनिरपेक्षता, पहचान एवं संवर्धन' पर चर्चा की।

पुस्तकालय : 3

31 अक्तूबर (बुधवार), मध्याह्न पश्चात 3.00 बजे, जार्ज फ्लॉर्स पुस्तकालय चर्चा : अनवांटेड नेबर्स : द मुगल, द पोर्टुगीस एंड देयर फ्रंटीयर जोन्स।

इस कार्यक्रम के लिए वक्ता/वार्ताकार थे :

1. प्रोफेसर सुनील कुमार, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
2. आकाश चट्टोपाध्याय, एम.फिल. (पार्ट 1), इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

सुनील कुमार एक वार्ताकार हैं - हमें विद्यार्थी वार्ताकारों की पहचान करने की आवश्यकता है।

14 नवम्बर (बुधवार), मध्याह्न पश्चात 3.00 बजे : सुमित कुमार पुस्तकालय 'एसेज आफ ए लाइफ टाइम'

इस कार्यक्रम के लिए वार्ताकार थे :

प्रोफेसर पी.के. दत्ता, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में शिक्षक।

प्रोफेसर जी. अरूणिमा, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में शिक्षक।

13 मार्च (बुधवार) : पुस्तकालय - ऐब्बा कोच

ऐब्बा कोच के साथ उनकी हाल ही की पुस्तक 'द मुगल एम्पायर फ्राम जहांगीर टू शाहजहां : आर्ट, आर्किटेक्चर, पालिटिक्स, लॉ एंड लिटरेचर, बाम्बे : मार्ग, 2019' पर चर्चा।

इस कार्यक्रम के वार्ताकार थे :

1) प्रोफेसर सुनील कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षक
2) आकाश अवस्थी, एम.फिल. (पार्ट-I), इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

सेमिनार और सम्मेलन प्रस्तुतियां

अलवी, सीमा, 2019 - 'ट्विन सीज', 6 जनवरी को दोहा, कतर में कार्नेल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सम्मेलन में पत्र प्रस्तुत किया।

अलवी, सीमा, 2019 - 14 मई को ज्यूरिख विश्वविद्यालय, स्विटजरलैंड में 'हैंडबुक आफ रिलीजन एंड मेडिसन' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

अराफात, पी.के. यासिर, 2019 - 12 मार्च को लिबरल स्टडीज, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बैंगलोर, भारत में 'द लैंग्वेज आफ इंटेलकच्युअल्स इन द इंडियन ओसन : वारियर्स, सूफी एंड द अर्ली फिरंगी (1500-1700)' 2019 विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'पब्लिक लेक्चर' के लिए आमंत्रित किया गया।

अराफात, पी.के. यासिर, 2019 - 29 जनवरी को इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 'मध्यकालीन भारत में संघर्ष और सहयोग' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'डिसिप्लिनिंग इंटीमेसी इन द इंडियन ओसन : मोरल मैन्युअल्स इन द ऐज आफ फसाद (सी 15001600)' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

अराफात, पी.के. यासिर, 2019 - 26 मार्च को राजनीतिक अध्ययन केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'ग्लोबलाइजेशन एंड द मुस्लिम मिडिल क्लास इन इंडिया, 2019' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'इस्लामिक फिलेन्थ्रपी, फूड चेरिटी एंड सरटोरियल इमेजिनेशंस : व्हाट इज मुस्लिम इन द मुस्लिम मिडिल क्लास' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

बावा, सीमा, 2018 - 1 नवम्बर, 2018 को आर्यभट्ट महाविद्यालय में 'कला, विरासत एवं इतिहास' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

बावा, सीमा, 2018 - 9 जुलाई, 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, इंडिया आर्कियालाजी सीरिज में ' व्याख्यान परामर्श ऑन अर्ली विजुएल्स फ्राम द रामायण : लोकेटिंग द इमेजरी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

बावा, सीमा, 2019 - 29 मार्च, 2019 को कमला नेहरू महाविद्यालय में 'मेसकुलिनिटी एंड फेमिनिटी' विषय पर पेनल में पैनेलिस्ट।

बावा, सीमा, 2019 - 21 फरवरी को एनएमएमएल द्वारा एनएमएएल में 'द प्रीसिएंट गांधी : रिव्यूविंग द सोशल, पालिटिकल, इकानॉमिक, मोरल एंड बियांड' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द आइकानोग्राफी आफ गांधी : कंस्ट्रक्टिंग द केनन' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

बावा, सीमा, 2019 - 09 मार्च, 2019 को पीजीडीएवी महाविद्यालय में 'विजुएल नरेटिव्ज आफ रामायण : आर्ट, हिस्ट्री एंड मेमरी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

बावा, सीमा, 2019 - 11 मार्च को सर अरबिंदो महाविद्यालय में 'विजुएलाइजिंग गांधी, गांधी स्टडी सर्किल' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

बावा, सीमा, 2019 - 2-6 जुलाई, 2018 को नेपल्स में 24वें 'कांफ्रेंस आफ यूरोपियन एसोसिएशन आफ साऊथ एशियन आर्कियालॉजी में 'द आर्ट आफ, एंड फार, द वांडरिंग एसेटिक्स : ए स्टडी आफ सेंट्रल इंडियन केव स्कल्पचर्स' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

बावा, सीमा, 2018 - 25 जून, 2018 को लेपजिंग विश्वविद्यालय में 'जेंडर इन अर्ली नरेटिव्ज इन इंडिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

देशपांडे, अनिरूद्ध 2019 - 8 अप्रैल, 2019 को मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (सायंकालीन) में 'गांधी, नेहरू एवं बोस : एक तुलनात्मक ऐतिहासिक मूल्यांकन' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

देशपांडे, अनिरूद्ध 2019 - 11 अप्रैल को दयाल सिंह हिस्ट्री सोसायटी में 'इंटेरोगेटिंग इंडियन नेशनेलिज्म : ए हिस्टारिकल परस्पेक्टिव' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

देशपांडे, अनिरूद्ध 2019 - 1 अप्रैल को ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिस्ट्री सोसायटी में 'इज मिलिट्री हिस्ट्री पासिबल' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

देशपांडे, अनिरूद्ध 2018 - 3 अप्रैल को हंस राज कालेज हिस्ट्री सोसायटी में 'द प्रीहिस्ट्री आफ फासिज्म : यूरोप इन द नाइटिंथ सेन्चुरी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

धर, पारूल पंड्या, 2019 - 15 मार्च, 2019 को कलकत्ता विश्वविद्यालय में 'अर्ली इंडिया एंड कम्बोडिया : एवेन्यूज आफ लिंकेजिज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'फ्राम फुनान वाया अंगकोर : हिस्ट्री, मेमरी एंड कंटम्परेरी इमेजिंग्स आफ इंडिया कम्बोडिया कल्चरल कनेकशंस' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

धर, पारूल पंड्या, 2019 - 15 मार्च, 2019 को कलकत्ता विश्वविद्यालय में 'अर्ली इंडिया एंड कम्बोडिया : एवेन्यूज आफ लिंकेजिज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'फ्राम फुनान वाया अंगकोर : हिस्ट्री, मेमरी एंड कंटम्परेरी इमेजिंग्स आफ इंडिया कम्बोडिया कल्चरल कनेकशंस' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

फारूकी, अमर, 2018 - दिसम्बर माह में सेंट लुइस, सेनेगल में 'कालोनियल सिटीज इन ग्लोबल परस्पेक्टिव' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'ए हाऊस फार द गवर्नर जनरल : आर्किटेक्चर, स्प्लेंडर एंड द कालोनियल कैपिटल सिटी इन ब्रिटिश इंडिया' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

फारूकी, अमर, 2019 - मार्च, 2019 को इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'क्रॉनोलाजिज एंड कनेक्शंस, एंड द हिस्टारियोग्राफिज देट सस्टेन देम' विषय पर उच्च अध्ययन केन्द्र में 'इम्पीरियल मोटिफ्ज एंड हिस्टारिकल टाइम जोन्स : ए व्यू कैपिटल फार द ब्रिटिश इंडियन एम्पायर' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

गोविन्द, राहुल, 2019 - तुलनात्मक राजनीति और राजनीतिक सिद्धांत केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में 'एम्पायर : स्केचिंग द एिपिस्टेमिक एंड पालिटिकल इम्पलीकेशंस आफ एन इवेंट' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

गुप्ता, चारू, 2019 - 29 मार्च को इतिहास विभाग, कमला नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में पेनल चर्चा में 'मेसकुलिनिटी एंड फेमिनिटी' विषय पर पैनेलिस्ट के तौर पर भाग लिया।

गुप्ता, चारू, 2019 - 26 मार्च को इतिहास एवं आईक्यूएसी विभाग, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'जेंडर एंड हिस्ट्री' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'राइटिंग जेंडर : रिफलेक्शंस आन माडर्न इंडियन हिस्टारियोग्राफी' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

गुप्ता, चारू, 2019 - 26 मार्च को इतिहास एवं आईक्यूएसी विभाग, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'जेंडर एंड हिस्ट्री' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'राइटिंग जेंडर : रिफलेक्शंस आन माडर्न इंडियन हिस्टारियोग्राफी' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

गुप्ता, चारू, 2019 - 13-15 मार्च को अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'दलित साहित्य : पाठा एवं संदर्भ' विषय पर आयोजित वार्षिक सम्मेलन में 'यूनिक रिलेशंस : कास्ट, मैरिज एंड सेक्सेइन द राइटिंग्स आफ संतराम बीए' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

गुप्ता, चारू, 2019 - 'प्लीजर्स एंड पाइटिक्स आफ वर्नेक्यूलर सेक्सोलॉजी', विषय पर 12 मार्च को इतिहास विभाग, लेडी श्रीराम महिला महाविद्यालय में आमंत्रित व्याख्यान।

गुप्ता, चारू, 2019 - 'फेन्टसी, फिटनेस, फ्रीडम : मसकुलर नेशनेलिज्म एंड वेर्नेक्यूलर ट्रेवलॉगस', विषय पर 8 मार्च को सेंटर फार कमपेरेटिव पॉलिटिक्स एंडपालिटिकल थ्यूरी, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में सेमिनार वार्ता के लिए आमंत्रण।

गुप्ता, चारू, 2019 - 1-2 मार्च को अंग्रेजी साहित्य एसोसिएशन, एलएसआर, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'इंडियन एक्सपीरियंस आफ कनफिलक्ट एंड ट्रांसफार्मेशन' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'कंटैसंस आफ कास्ट' विषय पर लिटमस 2019 व्याख्यान के लिए आमंत्रण।

गुप्ता, चारू, 2019 - 13 फरवरी को इतिहास विभाग, दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'सबअलटर्न स्टडीज एंड बियांड' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में 'सबअलटर्न सेक्सुएलिटिज एंड वर्नेक्यूलर आर्काइव्ज' विषय पर आमंत्रण व्याख्यान।

गुप्ता, चारू, 2019 - 17 जनवरी को सीडब्ल्यूडीएस, दिल्ली द्वारा 'संवाद व्याख्यान श्रंखला में 'अतिक्रमण कृति अंतरंगता : अंतरजातीय विवाह, सेक्स और संतराम' विषय पर आमंत्रण व्याख्यान।

गुप्ता, चारू, 2018 - 26 अक्तूबर को द हिस्ट्री सोसायटी, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'फ्रेगेमेंट्री हिस्ट्रीज, सबअलटर्न सैक्सुएलिटिज एंडवर्नेक्यूलर आर्काइव्ज' विषय पर वार्ता आमंत्रण।

गुप्ता, चारू, 2018 - 28 अगस्त को सेंटर फार वुमन स्टडीज, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा 'डिस्टेबिलाइजिंग द सेक्सुएल : ट्रांसलेटिंग एंड ट्रांसफार्मिंग सेक्सालॉजी इन द वर्नेक्यूलर' विषय पर सेमिनार व्याख्यान आमंत्रण।

गुप्ता, विकास, 2018 - शनिवार, 24 मार्च, 2018 को शिक्षा विभाग (सीआईई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'हिस्ट्री एजुकेशन : परस्पेक्टिव एंड पॉसिबिलिटीज फ्राम द फील्ड' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कालोनियल ट्रांसफार्मेशंस इन टीचर प्रैक्टिसिज, हिस्ट्री क्रिटिक्स एंड कंटम्परेरी रेलिवेंस' पर व्याख्यान।

गुप्ता, विकास, 2018 - 14-15 नवम्बर, 2018 को डीआईईटी, बागेश्वर, उत्तराखंड द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'हिस्टारिकल ट्रेजेक्टरी एंड कंटेम्परेरी पालिटिक्स आफ पब्लिक एजुकेशन' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

गुप्ता, विकास, 2019 - 15 जून, 2019 को प्रोफेसर विनोदानंद सिंह स्मृति समिति, मुज्जफरपुर, बिहार द्वारा आयोजित 7वें प्रोफेसर विनोदानंद सिंह स्कृति व्याख्यान में 'नव उदारवाद का प्रभाव : बढ़ती विषमता और गरीबों से दूर होती हुई शिक्षा' विषय पर व्याख्यान दिया।

गुप्ता, विकास, 2019 - 8 जनवरी, 2019 को रमन अनुसंधान संस्थान (आरआरआई) बेंगलुरू द्वारा आयोजित वार्ता में 'ए क्रिटिकल लुक एट द न्यू एजुकेशन पालिसी : इंटरएक्शन विद साइटिस्ट' विषय पर वार्ता।

गुप्ता, विकास, 2019 - 'क्रिटिकल पेडागागी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह-कार्यशाला में 'एजुकेशन एंड द प्रेक्सिज आफ सोशल इमेनसिपेशन इन फूले वर्क'विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

गोविन्द, राहुल, 2019 - स्मिथ कॉलेज, यूएसए में 'बिटवीन द जेविस क्वेश्चन एंड द ग्लोबल क्वेश्चन : इनहेरिटिंग, डिफरैंशिएटिंग एंड करेक्टरेजाइजिश द मारल एंड द लीगल इन हुमे, कांत एंड द ऐटींथ सेंचूरी' विषय परा आमंत्रण व्याख्यान।

गुप्ता, चारू, 2018 - 24-27 जुलाई को दक्षिण एशियाई अध्ययन संबंधी 25वें यूरोपीय सम्मेलन (ईसीएसएएएस), पेरिस, फ्रांस में 'लिटरेरी सेंटिमेंट्स : जेंडर एंड द वर्नेक्यूलर इन कालोनियल एंड पोस्टकालोनियल साऊथ एशिया' विषय पर पेनल चर्चा में 'मेसुकुलाइन वर्नेक्यूलर हिस्ट्रीज आफ ट्रेवल इन कालोनियल इंडिया : राइटिंग्स आफ सत्यदेव परिव्रजक' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

गुप्ता, चारू, 2018 - 5-8 जुलाई को एशिया, इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित एएएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पब्लिक लाइव्ज, प्राइवेट मेमरीज : ट्रेवल एंड वर्नेक्यूलर लाइफ राइटिंग इन एशिया' विषय पर आयोजित पेनल चर्चा में 'वाइसिंग सेल्फ, पेनिंग ट्रेवल : मेसकुलाइन वर्नेक्यूलर लाइफ राइटिंग आफ सत्यदेव परिव्रजक' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

गुप्ता, चारू, 2018 - 11-13 अप्रैल को हम्बोल्डट विश्वविद्यालय, बर्लिन, जर्मनी में 'सर्वेंट्स पास्ट' विषय पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मिस्ट्रेस एंड सर्वेंट्स : लिटरेरी एंड लीगल स्केचिज इन अर्ली 20 सेंचुरी उत्तर प्रदेश' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

हसन, फरहत, 2018 - 20-22 फरवरी, 2018 को नन्टेस इंस्टीट्यूट फार एडवांस्ड स्टडीज, नन्टेस, फ्रांस द्वारा 'द सोशल लाइफ आफ कमर्सियल इस्ट : कम्पेरेटिव हिस्टारिकल परस्पेक्टिवज फ्राम एशिया, अफ्रीका एंड यूरोप 1600-1950 विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'द मर्चेन्ट फर्म्स एंड द लीगल आर्डर इन अर्ली माडर्न साऊथ एशिया : स्टेट, कारपोरेट ग्रुप्स एंड लीगल प्लुरेलिज्म' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

हसन, फरहत, 2018 - 20-22 फरवरी, 2018 को इतिहास विभाग, विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांति निकेतन द्वारा 'कनसेप्ट्स एंड केनवस आफ नॉलेज : एशियन स्टडीज फ्राम प्री-माडर्न टू माडर्न टाइम्स' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'इंडो पर्शियन एपिस्टेमालाजी इन द अर्ली माडर्न पीरियड' पत्र पढ़ा।

जैन, शालिन, 2019 - 6 मार्च, 2019 को अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'गांधी विजन एवं पर्यावरण' विषय पर आयोजित अंतर-विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-कार्यशाला में 'एनवायरमेंटल मूवमेंट्स बेस्ड ऑन गांधीयन मेथड' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

जैन, शालिन, 2019 - 1 मार्च को इतिहास विभाग, शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'डायनेमिक्स आफ लैंग्वेज इन हिस्ट्री' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'द लैंग्वेज आफ प्रीज्यूडिस' विषय पर पत्र प्रस्तत किया।

जैन, शालिन, 2018 - 19-21 मार्च को इतिहास विभाग, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'द चेंजिंग कल्चरल नरेटिव्ज आफ दिल्ली : थ्रू द ऐजिज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'दिल्ली जो एक शहर था : व्यापार और बाजार का' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

जैन, शालिन, 2018 - 12-13 मार्च को इतिहास विभाग, श्याम लाल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'द होली सिटी आफ बनारस थ्रू द ऐजिज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'द सिटी आफ पार्श्व : बनारस इन जैन नरेटिव्ज' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

जाफरी, एस.जेड.एच., 2018 - 30 सितम्बर, 2018 को अखिल भारतीय इतिहास समारोह, नेहरू स्मृति संग्रहालय एवं पुस्तकालय, तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली में 'एजुकेशन एंड ट्रांसमिशन आफ नॉलेज अंडर द मुस्लिम रूलर्स इन इंडिया' विषय पर विदाई भाषण दिया।

जाफरी, एस.जेड.एच., 2018 - 5 जुलाई, 2018 को एशियन सिविलाइजेशन आफ पाकिस्तान ऑन पाकिस्तान प्लुरेलिस्टिक कल्चरल वेल्यूज आफ पीस, टालीरेंस एंड लव, इस्लामाबाद, पाकिस्तान द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द इवोल्यूशन आफ प्लुरेलिस्टिक कल्चरल इथोज इन इंडस एनक्लेव एंड पंजाब अप टू द कालोनियल टाइम्स' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

जाफरी, एस.जेड.एच., 2019 - 2-3 मार्च, 2019 को सेंटर आफ एडवांस्ड स्टडीज, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'क्रोनोलाजिज एंड कनेक्शंस इन द अपर गंगेएटिक वेली : ए स्टडी आफ सम एस्पेक्ट्स आफ अवध रीजन ड्यूरिंग इंडिया मेडिवल पास्ट', प्रेजेंटेड इन क्रोनोलाजिज एंड कनेक्शंस एंड द हिस्टोरिग्राफिज टू सस्टेन देम' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

जाफरी, एस.जेड.एच., 2019 - 28-30 जनवरी, 2019 को सीएएस, इतिहास विभाग, अलीगढ़ द्वारा 'मध्यकालीन भारत में संघर्ष और सहयोग' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'औपनिवेशिक काल पूर्व अवध में संघर्ष और सहयोग' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

जाफरी, एस.जेड.एच., 2019 - 22 फरवरी, 2019 को इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 'इंडीजिनस सेंटर्स आफ द ट्रांसमिशन आफ नॉलेज एंड द ब्रिटिश कालोनियल पालिसिज' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

जाफरी, एस.जेड.एच., 2019 - 22 फरवरी, 2019 को इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 'नॉलेज एंड इट्स ट्रांसमिशन ड्यूरिंग इंडिया मेडिवल पास्ट' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

जाफरी, एस.जेड.एच., 2019 - 2 फरवरी, 2019 को दक्षिण एशियाई इतिहास कांग्रेस, इतिहास विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा आयोजित छठे वार्षिक सत्र में 'मैपिंग द मार्जिनेलाइज्ड इन साऊथ एशिया विद

स्पेशल रेफ्रेंस टू दे लीगेसी आफ गुरू नानक देव' विषय पर आयोजित पेनल चर्चा की अध्यक्षता एवं एंकरिंग की।

जाफरी, एस.जेड.एच., 2019 - 29 जनवरी, 2019 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, ए.एस.आर.डी. महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा इंडियन वर्नेक्यूलर लिटरेचर; प्रेमाख्यान द्वारा आयोजित सम्मेलन में 'चिश्ती सूफी एंड प्री-एक्जिस्टिंग कल्चरल वर्ल्ड आफ अपर गंगेइटिक वैली', विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

जैन, शालिन, 2018 - 12-13 मार्च को इतिहास विभाग, श्यामलाल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'द होली सिटी आफ बनारस थ्रू द ऐजिज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द सिटी आफ पार्श्व : बनारस इन जैन नरेटिव्ज' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

जैन, शालिन, 2018 - 6 मार्च, 2019 को गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में अदिति महाविद्यालय द्वारा 'गांधी विजन एंड एनवायरमेंट' विषय पर आयोजित अंतर-विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-कार्यशाला में 'एनवायरनमेंट मूवमेंट्स बेस्ड आन गांधीयन मैथड' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

जैन, शालिन, 2019 - 1 मार्च को इतिहास विभाग, शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'इतिहास में भाषा के आयाम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द लैंग्वेज आफ प्रीज्यूडिस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

जैन, शालिन, 2018 - 20-23 अगस्त को फ्रेंच इंस्टीट्यूट आफ पांडिचेरी, पांडिचेरी में 'लिटरेसी सर्कुलेशंस इन साऊथ एशिया : प्रोड्यूसिंग, ट्रांसलेटिंग, प्रीजरविंग टेक्स्टस' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कंस्ट्रक्टिंग नॉलेज एंड सर्कुलेटिंग परसेप्शंस द जैन विज्ञप्तिपात्र इन अर्ली माडर्न साऊथ एशिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

कुमार, सुनील, 2018 - 6-8 नवम्बर को एरफ्रूट विश्वविद्यालय में 'रिलीजन एंड अर्बेनिटी, थ्यूरेराइजिंग म्युचयुअल फार्मेशंस' विषय पर आयोजित सम्मेलन में पेनल चर्चा में भाग लिया।

कुमार, सज्जन - 1 अक्तूबर, 2018 को अग्रवाल कालेज, बल्लभगढ़ (हरियाणा) में 'द कनसेप्ट एंड मेथड्स आफ कनजरवेशन आफ हिस्टॉरिकल मान्यूमेंट्स इन इंडिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

कुमार, सज्जन - 20-21 अक्तूबर, 2018 को स्टारेक्स यूनिवर्सिटी, गुरूग्राम (हरियाणा) में आयोजित हरियाणा इतिहास कांग्रेस के तीसरे सत्र में भाग लिया एवं एक पत्र प्रस्तुत किया।

कुमार, सज्जन - 27-28 सितम्बर, 2018 - हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र द्वारा अभिलेखागार एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा सरकार के सहयोग से चंडीगढ़ में 'जियोस्पेशल टेक्नालॉजी फार आर्कियालाजी' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

कुमार, सुनील, 2018 - इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में रोमिला थापर के सम्मान में 'क्वेश्निंग, पैराडिगम्स, कनस्ट्रक्टिंग हिस्ट्रिज' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'द टायरनी आफ मेटा नरेटिव्ज : री-रीडिंग द हिस्ट्री आफ सल्तनत दिल्ली' विषयपर पत्र प्रस्तुत किया।

कुमार, सुरेन्द्र, 2018 - 4 नवम्बर, 2018 को डॉ. अम्बेडकर अनुसूचित जाति अधिकारी-कर्मचारी एसोसिएशन (एजेएके), चूरू, राजस्थान द्वारा 'भारत में समानता के लिए संघर्ष का संदर्भ' विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

कुमार, सुरेन्द्र, 2018 - 14 अक्तूबर, 2018 को मेघवंशीय समाज चेतना संस्थान झुंझुनु (राजस्थान) द्वारा 'अधिकारिता के मुद्दे: चुनौतियां एवं अवसर' विषय पर आयोजित सम्मेलन में व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया।

कुमार, सुरेन्द्र, 2018 - 29 सितम्बर, 2018 को राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर), झुंझुनु, राजस्थान की वार्षिक बैठक में 'लिमिटेशंस आफ एम्पावरमेंट एंड रीमिडिज अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन' विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

कुमार, सुरेन्द्र, 2018 - 1 मई, 2018 को महाविद्यालय अनुसूचित जाति एवं जनजाति शिक्षक संघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'अंडरस्टेडिंग यूजीसी गाइडलाइंस, 2006 एवं 200 प्वाइंट रोस्टर' विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

कुमार, सुरेन्द्र, 2019 - 6 मार्च, 2019 को रिसर्च स्कालर्स एसोसिएशन राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित 'युवा संवाद' में 'कंटेक्सप्युएलाइजिंग आफ डायलाग एंड संवाद' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

मिश्रा, संघमित्रा, 2018 - 21 फरवरी, 2018 को सेंट स्टीफंस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'आर्डरिंग एंड ओरिएंटिंग स्पेसिज : द इकालॉजी आफ ब्रिटिश इम्पीरिएलिज्म' विषय पर व्याख्यान दिया।

मिश्रा, संघमित्रा, 2019 - 5 मार्च, 2019 को इतिहास विभाग, मिरांडा हाऊस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'थिंकिंग स्पेस इन/थ्रू हिस्ट्री' विषय पर आयोजित पेनल चर्चा में 'पालिटिकल इकानामी एंड द स्टेट : स्टेजिंग एंड एम्बेडिंग स्पेस' विषय पर व्याख्यान दिया।

मिश्रा, संघमित्रा, 2019 - 11 फरवरी, 2019 को इतिहास विभाग, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'द इकालाजी आफ ब्रिटिश इम्पीरिएलिज्म : आर्डरिंग एंड ओरिएन्टिंग स्पेसिज इन फ्रंटियर्स' विषय पर व्याख्यान दिया।

मिश्रा, संघमित्रा, 2019 - 7-9 मार्च, 2019 को शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (आईएएसई, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्वावधान में) द्वारा आयोजित 'फूले राइटिंग्स' विषय पर व्याख्यान दिया।

राय, संतोष कुमार, 2019 - 28 फरवरी को जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'पापुलर सेंटर' संबंधी संगोष्ठी में 'लोकेटिंग पापुलर कल्चर इन इंडियन हिस्ट्री : पासिबिलीटीज एंड कंस्ट्रेंट्स' विषय पर व्याख्यान दिया।

राय, संतोष कुमार, 2019 - 6 मार्च को गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'गांधी विजन एंड एनवायरमेंट' विषय पर आयोजित अंतर-विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-कार्यशाला में 'पर्यावरणीय गांधी : खादी और लघु स्तरीय उद्योग' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

राय, संतोष कुमार, 2019 - 21 फरवरी को एनएमएमएल द्वारा नेहरू स्मृति संग्रहालय एवं पुस्तकालय में 'द परसिस्टेंट गांधी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ह्यूमेनाइजिंग माडर्निटी एंड रिवाइटेलाइजिंग ट्रेडिशन : लाइफ, टाइम्स एंड आइडियाज आफ महात्मा गांधी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

राय, संतोष कुमार, 2019 - 4-5 अक्तूबर, 2018 को भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में 'गांधीवादी विचार और राजनीति : समसामयिक समाज' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में 'गांधी जी : एक अहिंसक सुधारवादी और हमारे दौर में उसकी प्रासंगिकता' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

राय, संतोष कुमार, 2019 - 7 मार्च, 2019 को इतिहास विभाग, सत्यवती महाविद्यालय (सायं), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समसामयिक दौर में गांधी जी की प्रासंगिकता संबंधी अंतर-विषयक सेमिनार में 'गांधी जी की प्रासंगिकता : महात्मा की एक यात्रा' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

राय, संतोष कुमार, 2019 - 30-31 मार्च, 2019 को भारतीय प्रबंध संस्थान-कलकत्ता (आईआईएम-सी) में एम.एस. मेरियन-आर-टैगोर इंटरनेशनल सेंटर फार एडवांस्ड स्टडीज 'मैटोमारोसिस आफ द पालिटिकल' (आईसीएएस-एमपी), जर्मन फेडरल मिनिस्ट्री आफ एजुकेशन एंड रिसर्च एवं पब्लिक पालिसी एंड मैनेजमेंट ग्रुप (पीपीएम) द्वारा वित्तपोषित, द्वारा संयुक्त तौर पर 'टेकिंग स्किल' सीरियसली-टुवर्डस ए हिस्ट्री आफ

आक्युपेशनल ट्रेनिंग इन माडर्न इंडिया विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित सदस्य के तौर पर 'रिवाइटेलाइजिंग कम्युनिटिज आफ स्किल इन द ऐज आफ कैपिटेलिज्म : हैंडलूम वीवर्स इन ट्वन्टिएथ सेंचूरी यूनाइटेड प्रोविन्सिज, इंडिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

राय, संतोष कुमार, 2019 - 28 फरवरी, 2019 को पापुलर सेंटर, जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में 'लोकेटिंग पापुलर कल्चर इन इंडियन हिस्ट्री : पासिबिलिटीज एंड कंस्ट्रेंट्स' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

राय, संतोष कुमार, 2019 - 31-31 मार्च, 2019 को को भारतीय प्रबंध संस्थान-कलकत्ता (आईआईएम-सी) में एम.एस. मेरियन-आर-टैगोर इंटरनेशनल सेंटर फार एडवांस्ड स्टडीज 'मैटोमारोसेसिस आफ द पालिटिकल' (आईसीएएस-एमपी), जर्मन फेडरल मिनिस्ट्री आफ एजुकेशन एंड रिसर्च एवं पब्लिक पालिसी एंड मैनेजमेंट ग्रुप (पीपीएम) द्वारा वित्तपोषित, द्वारा संयुक्त तौर पर 'टेकिंग स्किल' सीरियसलि-टुवर्डस ए हिस्ट्री आफ आक्युपेशनल ट्रेनिंग इन माडर्न इंडिया विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित सदस्य के तौर पर 'रिवाइटेलाइजिंग कम्युनिटिज आफ स्किल इन द ऐज आफ कैपिटेलिज्म : हैंडलूम वीवर्स इन ट्वन्टिएथ सेंचूरी यूनाइटेड प्रोविन्सिज, इंडिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

सिंह, विपुल, 2019 - रसेल कार्सन सेंटर, म्युनिख (जर्मनी) में' माइग्रेशंस, क्रासिंग्स, अनइटेंडिड डेस्टिनेशंस : इकालॉजिकल ट्रांसफर्स एक्रास द इंडियन ओसन 1850-1920' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'फ्लेग पोस्ट इन द इंडियन ओसन : पीपलिंग आफ द अंडमाने आइलैंड्स; 1780 से 1900 विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

सिंह, विपुल - जॉन होप फ्रेंकलिन सेंटर, ड्यूक यूनिवर्सिटी, डरहम में 'फ्लड, एवंलसन एंड गवर्नेंस : द गंगा रिवर इन द नाइनटिंथ सेंचुरी' विषय पर कार्यशाला में पत्र प्रस्तुत किया।

शाह, शालिनी, 2019 - 22 फरवरी को इतिहास विभाग, रामजस महाविद्यालय में 'परफार्मिंग बॉडीज इन द आर्ट्स, पेंटिंग, म्युजिक एंड लिटरेचर' विषय पर आयोजित सेमिनार में 'एनडेंजारिंग सैक्सुएलिटी एंड डिजायर इन द संस्क्रेटिक ट्रेडिशन' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

शाह, शालिनी, 2018 - 8 मार्च को एआईएचसी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय में आयोजित 'राइटिंग सोशल एंड इकानामिक हिस्ट्री : इश्यूज एंड परस्पेक्टिव' विषय पर आयोजित सेमिनार में 'एनडेंजरिंग द मैटीरियल बॉडी : ए स्टडी आफ संस्कृत टेक्स्ट्स' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

शाह, शालिनी, 2019 - 21-23 मार्च को इतिहास विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में यूजीसी एसएपी-डीआरएस-।। कार्यक्रम के अंतर्गत 'प्राचीन भारतीय इतिहास संबंधी व्याख्यान' प्रस्तुत किया।

शाह, शालिनी, 2019 - 22 फरवरी को इतिहास विभाग, रामजस महाविद्यालय में 'परफार्मिंग बॉडीज इन द आर्ट्स, पेंटिंग, म्युजिक एंड लिटरेचर' विषय पर आयोजित सेमिनार में 'एनडेंजारिंग सैक्सुएलिटी एंड डिजायर इन द संस्क्रेटिक ट्रेडिशन' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

यादव, सोनू, 2018 - 20-21 अक्तूबर को स्टारेक्स यूनिवर्सिटी, गुरूग्राम (हरियाणा) में आयोजित हरियाणा हिस्ट्री कांग्रेस के तीसरे सत्र में 'डिप्रेस्ड कास्ट्स एंड द आइडियालॉजी आफ आर्य समाज इन साऊथ-ईस्ट पंजाब, सी 1900 से 1947' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

एम.फिल/पीएच.डी. की संख्या

पीएच.डी - 15
एम.फिल - 16

***

राजनीति विज्ञान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

राजनीतिक विभाग यूरोप केन्द्रित विचार एवं इतिहास में निहित परम्परागत राजनीति से राजनीतिक अवधारणाओं और रीतियों के प्रचार-प्रसार का प्रयास कर रहा है। गत कुछ समय से यूरोपीयन प्रभुत्व वाले मॉडल से शोध एजेंडा से हटकर कार्य करने में संलग्न राजनीतिक विभाग पश्चिमी विचारों एवं संस्थाओं संबंधी अधिगम और अनुसंधान कार्य प्रारंभ करने पर बल दे रहा है ताकि यूरोप और पश्चिमोत्तर क्षेत्रों, विशेष तौर पर भारत के आपसी सह अंतर्ग्रथन का अधिक गंभीरता से अध्ययन किया जा सके। विभाग के मौजूदा मुख्य क्षेत्रों 'नामत: लोकतंत्र, मानदंड और संस्थाएं' को समझने के लिए पश्चिम एवं पश्चिमोत्तर के बीच आदान-प्रदान और विषमता के संबंध को समझना निश्चित तौर पर महत्वपूर्ण है।

विभाग के विभिन्न संकाय सदस्यों द्वारा प्रारंभ की गई विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं, विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रायोजित, के साथ-साथ दो अंतर-सांस्थानिक सहयोग परियोजनाएं भी प्रारंभ की गई हैं। विभाग ने दो अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों, 9 राष्ट्रीय सेमिनारों, दो आईसीएसएसआर शोध परियोजनाएं कार्यशालाएं, सात विभागीय साप्ताहिक सेमिनारों, छह विजिटिंग अध्येता व्याख्यान तथा पीएच॰डी विद्यार्थियों द्वारा एक 'वर्क-इन-प्रोगेस कार्यशाला का आयोजन किया। विभाग ने उभरते हुए क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए कालेज शिक्षकों के सहयोग से अनुसंधान समूहों और नेटवर्क की एक श्रृंखला प्रारंभ की है। इनमें शामिल हैं : दक्षिण पूर्व एशिया अनुसंधान समूह, बौद्धिक इतिहास अनुसंधान समूह, विधि एवं राज्य के साथ महिला सहभागिता संबंधी अनुसंधान नेटवर्क, शांति और संघर्ष अध्ययन अनुसंधान समूह। विभाग ने सभी अवर स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए हिन्दी भाषा में शिक्षण सामग्री तैयार करने तथा उसका समानुक्रम करने के लिए कालेज शिक्षकों के सहयोग से एक अभियान प्रारंभ किया है।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर नवनीता चड्ढा बेहेरा

मार्च 2016 में अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संघ अभिसमय में गठित 'विश्व राजनीति में दक्षिण एशिया' के आईएसए खंड हेतु प्रथम सह-अध्यक्ष चुना गया और वर्ष 2017 में इसी खंड के लिए पुन: सह-अध्यक्ष चुना गया।

मार्च 2019 में आईएसए के लिए उपाध्यक्ष चुना गया।

प्रोफेसर सुनील के. चौधरी

प्रोफेसर जी. राम रेड्डी, आईपीएसए राष्ट्रीय पुरस्कार, 2018, इंडियन पालिटिकल साइंस एसोसिएशन।

सदस्य, (वीसी, जेएनयू) अकादमिक परिषद्, एलबीएसएनएए, मसूरी, उत्तराखंड (2019-2021)।

सदस्य, कुलपति द्वारा नाम-निर्देशित 'राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन हेतु विशेष केन्द्र' जेएनयू, (15/12/2018 - 15/12/2021)।

यूजीसी द्वारा नामित, मानव संसाधन विकास केन्द्र, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में स्थानीय कार्यक्रम एवं प्रबंधन समिति (एलपीपीएमसी) (2018-2020)।

सदस्य, अकादमिक परिषद्, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (वीसी के नामिती के तौर पर), (मई 2018-2021)।

प्रकाशन

आचार्य, ए. (2019) - विजयलक्ष्मी नंदा एवं नुपुर राय (संपादित) 'डिसकार्स ऑन राइट्स इन इंडिया-डिबेट्स एंड डायलेमा, राउटलेज में 'कंस्टिट्यूशनेलाइजिंग राइट्स, नेगोशिएटिंग डिफरेंस : द इंडियन एक्सपेरीमेंट'।

चौधरी, एस.के. (2018) - 'द चैंजिंग फेस आफ पार्टीज एंड पार्टी सिस्टम : ए स्टडी आफ इजराइल एंड इंडिया', स्प्रिंगर एवं पालग्रेव मैकमिलन।

चौधरी, एन. (2018) - 'रिफ्यूजी, सीजनशिप एंड बिलागिंग इन साऊथ एशिया- कंटेस्टिड टेरेन्स'। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड।

चौधरी, एन. (2019) - 'डिटेरिटोरिएलाइज्ड आइडंटिटी एंड ट्रांसबार्डर मूवमेंट इन साऊथ एशिया' स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड।

गिरी, एस. (2018) - 'द बुद्धिस्ट इनएफेबल सेल्फ एंड ए पासिबल इंडियन पालिटिकल सबजेक्ट, स्पेशन सेक्शन: पालिटिकल थियालॉजी इन इंडिया', थियालॉजी, 19 (8) : 734-750.

रागी, एस.के. (2019) - 'इंटेडिड इलिगल इनफिलट्रेशन ओर कम्पेल्ड माइग्रेशन : डिबेट्स ऑन सेटलमेंट आफ रोहिंग्या मुस्लिम इन इंडिया'। इन रटुआ, स्टेवेन। द पालग्रेव हैंडबुक ऑन एथनिसिटी, स्प्रिंगर, न्यूजीलैंड।

सक्सेना, आर. (2018) - जेंडरिंग फेडरेलिज्म इन इंडिया। फोरम आफ फेडरेशंस, ओट्टावा।

सक्सेना, आर. (2018) - भारतीय उच्चतम न्यायालय और संघवाद : संघवाद और क्षेत्रवाद।

सक्सेना, आर. (2018) - एसिमिट्रिकल फेडरिलिज्म इन इंडिया : प्रोमोटिंग सेसशन ओर अकोमोडिटिंग डायवर्सिटी? इन रिविजिटिंग यूनिटी एंड डायवर्सिटी इन फेडरल कंट्रीज : चैंजिंग कनसेप्ट्स, रिफार्म प्रोपोजल्स एंड न्यू इंस्टीट्यूशनल रिएलिटीज', एलेन-जी गगनॉन एवं माइकल बर्गेस द्वारा संपादित।

सिंह, एस. (2018) - विकेन्द्रीकरण, स्वायत्ता और शक्ति : राज्य और वन अभिशासन की राजनीति। विधु वर्मा (सम्पादित) - द स्टेट इन इंडिया : आइडियाज, नार्मस एंड पालिटिक्स, ओरिएंट ब्लैक्सवान, दिल्ली।

सिंह, एस.पी. (2018) - नए भारत के लिए राजनीति : एक राष्ट्रवादी परिपेक्ष्य। रूपा प्रकाशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

सिंह, यू.के. (2018) - रेगुलेटिंग द इलेक्शन डोमेन : द इलेक्शन कमीशन आफ इंडिया। इंडियन जर्नल आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशने, 64(13)।

तिवारी, बी.के. (2018) - भारत की विदेश नीति, दिल्ली, विजडम प्रकाशन।

अनुसंधान परियोजनाएं

यूजीसी/सीएएस/एसएपी - डेमोक्रेसी, नार्मस एंड इंस्टीट्यूशंस नवनीत सी बेहरा (विभागाध्यक्ष के तौर पर और सीएएस/एसएपी समन्वयक) सुनील चौधरी, उप-समन्वयक के तौर पर।

आईसीएसएसआर - द पालिटिक्स आफ आटोनोमस माइगेशन : ए स्टडी आफ इंडियन मिडल क्लास वूमन, डॉ. नसरीन चौधरी।

आईसीएसएसआर - एजुकेशन एज ए साइट आफ एक्सक्लुसन : ए स्टडी आफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, एन. सुकुमार।

आईसीएसएसआर - सोशल साइकालाजी आफ मार्जिएनाइलेजेशन एंड एक्सक्लुसन : ए केस स्टडी आफ डोम एंड मुसाहर कम्युनिटी इन बिहार, संगीत के. रागी (जी.पी. ठाकुर, सीएआरडीसी के साथ)।

आईसीएसएसआर - पालुलर इमेजिनरीज एंड डिसकोर्सिज आन पालिटिक्स इन इंडिया : एक्सप्लारिंग कल्चरल नरेटिव्ज एज एल्टरनेटिव साइट्स आफ नॉलेज कंस्ट्रक्शन, संजीव कुमार एच.एम.।

आईसीएसएसआर - डेमोक्रेटाइजेशन आफ स्टेट इन साऊथ एशिया, वीना कुकरेजा।

आयोजित सेमिनार/सम्मेलन - 10

5-6 फरवरी, 2019 को राजनीतिक विज्ञान विभाग के सहयोग से 'भारतीय लोक नीति नेटवर्क' विषय पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'राजनीतिक और लोक नीति' विषय पर सम्मेलन।

1-2 मार्च, 2019 को 'इलेक्टोरल डायनेमिक्सएंड कंटावर्स आफ पार्टी सिस्टम : रन अप टू 2019'।

11-12 मई, 2018 को 'रिविजिटिंग पीस एंड सिक्योरिटी इन कंटेम्परेरी वर्ल्ड : इंटरवेंशन फ्राम इंडिया'।

21 फरवरी, 2019 - 'माडिनामिज : मिथ ओर रिएलिटी'।

26 फरवरी, 2019 - 'स्टेट एंड सोसायटी इन आफ्रीका'।

28 फरवरी, 2019 - 'नेशन, सोशल पॉलिसी एंड एक्सकलुडिड : अनफोल्डिंग द मल्टीपल साइट्स आफ एक्सक्लुसन'।

5 मार्च, 2019 - विकास : समसामयिक दौर में चिंताएं एवं चुनौतियां'।

6 मार्च, 2019 - भारत में लोकतंत्र के सिद्धांत और रीतियां : चुनौतियां एवं संभावनाएं।

6 मार्च, 2019 - भारतीय मतदान व्यवहार में निरंतरता और बदलाव।

7 मार्च, 2019 - 'मैपिंग इंडियन फॉरेन पालिसी : रीजनल एंड ग्लोबल डायनेमिक्स'।

8 मार्च, 2019 - प्रोबलेमेटाइजिंग इंटरनेशनल रिलेशंस : फेमिनिस्ट परस्पेक्टिव।

पत्र प्रस्तुति

अशोक आचार्य

24-25 मार्च, 2019 को तेजपुर विश्वविद्यालय में आईसीएसएसआर-एनईआरसी वार्षिक सामाजिक विज्ञान सम्मेलन में 'सिटिजनशिप, एथनिसिटी एंड नेशन-स्टेट इन नार्थ ईस्ट इंडिया' विषय पर मुख्य अभिभाषण।

2-4 दिसम्बर, 2018 को जियांगनान कंटेस्ट फोरम, वुक्सी, चीन तथा 1 दिसम्बर, 2018 को साऊथ ईस्ट यूनिवर्सिटी, नानजिंग, चीन में 'एथिकल कैसेसिस एंड ह्यूमन मोरल डिवलपमेंट' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ह्यूमन डिगनिटी, रिलेशनिलिटी एंड द कास्मोपालिटन आइडियल : जस्टिस फ्राम ए ग्लोबल साऊथ परस्पेक्टिव' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

एन. सुकुमार

22 और 23 मार्च, 2019 को सामाजिक विज्ञान संकाय, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा 'आरक्षण, प्रतिनिधित्व और सामाजिक न्याय' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'आरक्षण और सामाजिक न्याय' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

15-16 मार्च, 2019 को राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय (भारत सरकार), डॉ. अम्बेडकर पीठ-तेजपुर विश्वविद्यालय तथा ओमियो कुमार दास सामाजिक परिवर्तन और विकास संस्थान, गुवाहाटी द्वारा 'मार्जिनेलाइजेशन एंड मार्जिनेलिटी इन इंडिया विद ए फोकस ऑन नार्थ ईस्टर्न रीजन : मल्टीपल कंटेक्सट्स फार स्टेट इंटरवेंशन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रिप्रेजेटिग मार्जिनेलिटी : रोस्टर इन रिजर्वेशन' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

6 दिसम्बर, 2018 को आंध्र विश्वविद्यालय एवं दलित अध्ययन मंच, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश द्वारा 'भारतीय अर्थव्यवस्था एवं दलित' विषय पर आयोजित सेमिनार में 'वैश्वीकरण और दलित' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

26 नवम्बर, 2018 को दलित अध्ययन केन्द्र, अंग्रेजी विभाग द्वारा 'द इम्पार्टेंस आफ द इंडियन कंस्टीट्यूशन एंड द नीड टू प्रोटेक्ट इट' विषय पर आयोजित सेमिनारे में 'विदर कंस्टीट्यूशन डे' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

23-24 अगस्त, 2018 को भारतीय दलित अध्ययन संस्थान और रोजा लक्समबर्ग स्टिफटंग साऊथ एशिया द्वारा 'राजनीतिक प्रतिनिधित्व : भारत में सिद्धांत, रीति और उभरती हुई चुनौतियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पावर एंड ट्रांसफार्मेशन इन पंचायत : ए रियलिटी चेक' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

श्री प्रकाश सिंह

16 फरवरी, 2019 को एचआरडीसी, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन में 'इंम्पारटेंस आफ संस्कृत लिटरेचर इन स्टडीज आफ पालिटिकल साइंस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

संगीत के. रागी

फरवरी, 2019 में केनबरा, आस्ट्रेलिया में 'अंत्योदय, डिलीवरिंग डेमोक्रेसी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

21-25 जुलाई, 2019 को ब्रिस्बेन, आस्ट्रेलिया में 'इंटेडिड इलिगल इन्फिलट्रेशन ओर कम्पेल्ड माइग्रेशन : डिबेट्स ऑन सेटलमेंट्स आफ रोहिंग्या मुस्लिम इन इंडिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

उज्जवल कुमार सिंह

7 फरवरी, 2019 को श्री गुरू नानक देव खालसा महाविद्यालय द्वारा 'भारत में गठबंधन की राजनीति : वरदान या अभिशाप' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'विकास प्रक्रिया और गठबंधन की सरकार' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

4 जनवरी, 2019 को समाज शास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल आफ इकानॉमिक्स एंड सोशोलॉजी द्वारा 'रिसर्च कालोक्वेम आफ द डिपार्टमेंट आफ सोशॉलाजी' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'भारत में राजनीतिक कैदी, राज कैदी और राजनीतिक कारावास की राजनीति' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

27-28 सितम्बर, 2018 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के यूजीसी-सीएएस राष्ट्रीय सेमिनार में 'वर्ड, वर्ल्ड एंड इफेक्ट : स्टडिंग द साइट आफ लॉ' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

19-20 मार्च, 2018 को राजनीतिक अध्ययन केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 'धर्म, मत-भिन्नता और राजनीति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'क्या आतंकवाद का रंग होता है : धर्म, विधि और राजनीति' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

मधुलिका बनर्जी

बृहस्पतिवार-शुक्रवार, 5-6 अप्रैल, 2018 को इतिहास विभाग, शिवाजी महाविद्यालय द्वारा 'भारतीय इतिहास : बहु स्थलीय' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'नॉलेज एट मल्टीपल लोकेशंस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

रेखा सक्सेना

1 और 2 मार्च, 2019 को राजनीतिक विज्ञान विभाग द्वारा 'इलेक्टारल डायनेमिक्स एंड कंटावर्स आफ पार्टी सिस्टम : रन अप टू 2019' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीएएस-एसएपी कार्यक्रम के अंतर्गत)

में 'एफिकेसी आफ कैपेंस एंड कंसीक्वेंट इलेक्टोरेट्स, च्वाइसिज इन इंडियन इलेक्शनियरिंग : ए कम्पेरेटिव स्टडी आफ इलेक्टोरल कैपेंस आफ बीजेपी एंड कांग्रेस इन 2014 एंड 2019' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

11-13 अगस्त, 2018 को स्कूल आफ लॉ, काठमांडू विश्वविद्यालय द्वारा 'नेपाल का संविधान' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कॉर्टस एंड फेडरेलिज्म : डायलेटिक्स आफ इंडिपेंडेंस एंड अकांउटेबिलिटी इन इंडिया एंड नेपाल' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

नसरीन चौधरी

25-28 नवम्बर को कलकत्ता में 'स्टेट आफ ग्लोबल प्रोटेक्शन सिस्टम ऑन रिफ्यूजी एंड माइग्रेंट्स' विषय पर आयोजित अनुसंधान कार्यशाला में 'राउंडटेबल डिसकशन ऑन द एशियन माइग्रेशन सीरेरियो : एनआरसी एंड पासिबिलीटिज आफ स्टेटलेसनेस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

31 अगस्त - 1 सितम्बर को पॉपुलिज्म एंड पापुलिस्ट मूवमेंट मूवमेंट, 'हू आर द पीपल' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'संस्थान, अप्रवासी और लोक लुभावन राजनीति' संबंधी पेनल चर्चा के लिएआमंत्रण और 'द आइडिया आफ प्रोटेक्शन एंड इंडिया रिफ्यूजी कनेनड्रम : ए कनवरशेसन' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

24-27 जुलाई, 2018 को मेसिडोनिया थेसालोनिकी विश्वविद्यालय, ग्रीस में आयोजित आईएएसएफएम17 में 'पेनल : रिफ्यूजीनेस एंड प्रीकेरिटी : ए न्यू फ्रोम ग्लोबल साऊथ' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'वाई डू पीपल मूव? नरेटिव्ज आफ एनक्लेव ओर 'यून' सिटीजंस इन नार्थ बंगाल इन इंडिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

24-27 जुलाई, 2019 मेसिडोनिया थेसालोनिकी विश्वविद्यालय में आयोजित आईएएसएफएम 17 में 'पेनल : ट्रांजिशनल जस्टिस एंड तमिल इन श्रीलंका' में 'द रिकंसिलिएशन एंड रिकंस्ट्रक्शन इन पोस्ट कन्फलिक्ट श्रीलंका : क्वेश्चन आफ एजेंसी एंड इम्पावरमेंट आफ द फार्मर एलटीटीई फीमेल कम्बेटेंट्स' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया (सह-लेखक शामना हुसैन)।

24-27 जुलाई, 2019 मेसिडोनिया थेसालोनिकी विश्वविद्यालय में आयोजित आईएएसएफएम 17 में 'पेनल : स्टेटलेसनेस, प्रीकेरिटी एंड रिप्रेजेंटेशन आफ रोहिंग्या रिफ्यूजी : साऊथ एशियन परस्पेक्टिव' में प्रीकेरिटी एंड लीगल कंसेपच्युलाइजेशन आफ रोहिंग्या : ए डायलेमा आफ सिटीजनशिप' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

22-25 मई को कार्लटेन विश्वविद्यालय में कनाडाई एसोसिएशन आफ रिफ्यूजी एंड फार्सड माइग्रेशन स्टडीज (सीएआरएफएमएस) वार्षिक सम्मेलन 2018 : डायलाग बियांड बार्डर' में 'रिसर्चिंग रिफ्यूजी : सम एथिकल कनसिडिरेशंस एट द बार्डर' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

सोहिनी गुहा

23-24 जनवरी, 2019 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय में 'इंडियन डेमोक्रेसी एट द क्रॉसरोड्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'डायलेमा आफ डेमोक्रेटिक डीपनिंग इन इंडिया : नोट्स फ्राम टू नार्थ इंडियन स्टेट्स' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

दिए गए व्याख्यान

अशोक आचार्य

25 फरवरी, 2019 को रामजस महाविद्यालय में प्रथम वी.आर. मेहता व्याख्यान में 'लिबरल मूरिंग्स आफ इंडियन प्लुरेलिज्म' विषय पर व्याख्यान दिया।

24 जनवरी, 2019 को किरोडीमल महाविद्यालय में दूसरे फ्रैंक ठाकुरदास स्मृति व्याख्यान में 'पालिटिकल थ्यूरी : क्लासिकल कंसर्स, कन्टमपरेरी चैलेंजिज' विषय पर व्याख्यान दिया।

26 अक्तूबर, 2018 को स्कूल आफ लैंग्वेजिज एंड कल्चर, शारदा विश्वविद्यालय में 'एफरमेटिव एक्शन इन कंटम्परेरी इंडिया' विषय पर व्याख्यान दिया।

सत्यजीत सिंह

16 अक्तूबर, 2018 को वैश्विक अध्ययन विभाग, कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय, संता बारबरा में रिफार्मिंग द सेंट्रेलाइज्ड स्टेट : डिसंट्रेलाइजेशन पैराडिगमस इन इंडिया एंड द फिलीपींस' विषय पर व्याख्यान दिया।

15 अक्तूबर, 2018 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय, संता बारबरा में 'द लोकल इन गवर्नेंस : इंस्टीट्यूशनल डिजाइन एंड लोकल पॉलिटिक्स' विषय पर व्याख्यान दिया।

27 सितम्बर, 2018 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित प्रदीप कुमार स्मृति व्याख्यान में 'द लोकल इन गवर्नेंस : इंस्टीट्यूशनल डिजाइन एंड लोकल पॉलिटिक्स' विषय पर व्याख्यान दिया।

25 सितम्बर, 2018 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में 'मानव संसाधन विकास केन्द्र के उद्घाटन व्याख्यान में 'विलेज इमरसन एज मेथडालॉजी' विषय पर व्याख्यान दिया।

वीना कुकरेजा

30 जनवरी, 2019 को राजधानी महाविद्यालय में 'भारतीय विदेश नीति' विषय पर व्याख्यान दिया।

5 मार्च, 2019 को साऊथ कैंपस, राजनीतिक विज्ञान विभाग में 'विकास : समसामयिक दौर में चिंताएं एवं चुनौतियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में एक सत्र की अध्यक्षता की।

1-2 मार्च, 2019 को राजनीतिक विज्ञान विभाग में 'इलेक्टॉरल डज्ञयनेमिक्स एंड कंटोवर्स आफ पार्टी सिस्टम रन-अप टू 2019' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विदाई सत्र की अध्यक्षता की।

5-6 फरवरी, 2019 को राजनीतिक विज्ञान विभाग के सहयोग से सम्मेलन केन्द्र में 'भारतीय लोक नीति' विषय पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'क्रॉस कंट्री एनलिसिस' विषय पर सत्र की अध्यक्षता की।

25 जनवरी, 2019 को आईसीएसएसआर और विकासशील देश अनुसंधान केन्द्र (डीसीआरसी) द्वारा 'इंडिक थॉट' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'री-विजिटिंग हिंदुइज्म एंड इट्स एम्बेडिड आइडियाज' विषय पर सत्र की अध्यक्षता की।

30 अगस्त, 2018 को श्यामलाल कालेज में 'गांधी इन द ग्लोबेलाइज्ड वर्ल्ड' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की।

सुनील के. चौधरी

2 मार्च को राजनीतिक विज्ञान विभाग (यूजीसी-सीएएस-एसएपी ।।) द्वारा 'इलेक्टॉरल डायनेमिक्स एंड कंटावर्स आफ पार्टी सिस्टम : रन अप 2019' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'वोटिंग बिहेवियर : इफेक्ट आफ इश्यूज एंड क्लीवेज बेस्ड पॉलिटिक्स' तकनीकी सत्र-3 की अध्यक्षता की।

7 फरवरी को आफ्रीकी अध्ययन विभाग द्वारा 'ट्रांसफर्मिंग आफ्रीका पोटेंशियल एंड चैलेंजिज' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एमर्जिंग ट्रेंड्स इन आफ्रीकाज ग्लोबल एंगेजमेंट' तकनीकी सत्र-2 की अध्यक्षता की।

6 फरवरी को इंडियन पब्लिक पॉलिसी नेटवर्क और राजनीतिक विज्ञान विभाग द्वारा 'राजनीति और लोक नीति' विषय पर आयोजित दूसरे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रोजगार नीति' तकनीकी सत्र 17 की अध्यक्षता की।

29 दिसम्बर को इंडियन पालिटिकल साइंस एसोसिएशन (आईपीएसए), चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश द्वारा 'एस्पायरिंग इंडिया' विषय पर आयोजित 58वें अखिल भारतीय राजनीतिक विज्ञान सम्मेलन एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'समसामयिक भारत' विषय पर प्रारंभिक सत्र में 'समसामयिक भारत में भारतीय राजनीतिक वैज्ञानिक' विषय पर व्याख्यान दिया।

26 मार्च, 2019 को दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय में 'लोक सभा चुनाव, 2019' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार की अध्यक्षता की।

23 मार्च, 2019 को डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात द्वारा 'भारतीय राजनीति के विभिन्न आयाम (हिन्दी में) विषय पर राष्ट्रीय राजनीतिक विज्ञान सम्मेलन में 'चेंजिंग नेचर आफ इलेक्टॉरल पॉलिटिक्स इन इंडिया : द सेलिएन्स आफ सी3 फिनोमिनन' विषय पर व्याख्यान (प्रारंभिक) दिया।

10 मार्च, 2019 को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान द्वारा 'सेलिएन्स आफ इलेक्टॉरल पॉलिटिक्स इन इंडियन स्टेट्स : फ्राम द परस्पेक्टिव आफ राजस्थान एसेम्बली इलेक्शन 2018' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'इंडियाज चेंजिंग इलेक्टॉरल डेमोक्रेसी : वोटर्स एज चेंजर्स' विषय पर व्याख्यान दिया।

29 जनवरी, 2019 को दैनिक जागरण, नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित जागरण विमर्श में 'हाऊ स्ट्रांग इज द ग्रेंड कोएलिशन विज-ए-विज मोदी' विषय पर वार्ता।

19 जनवरी, 2019 को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् - उत्तरी क्षेत्रीय केन्द्र और जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ (सम विश्वविद्यालय), उदयपुर, राजस्थान द्वारा 'बौद्धिक इतिहास और बदलती हुई वास्तविकताएं : 21वीं सदी में भारत' विषय पर आयोजित छठे उत्तरी क्षेत्रीय सामाजिक विज्ञान सम्मेलन, वैश्विक परिदृश्य में भारतीय राजनीतिक विचार तकनीकी सत्र, में 'फ्राम इनक्लुजन टू इंटीग्रेशन : रीविजिटिंग अफरमेटिव एक्शन इन न्यू इंडिया' विषय पर व्याख्यान दिया।

8 दिसम्बर, 2018 को इंस्टीट्यूट आफ कंस्टीट्यूशनल एंड पार्लियामेंट्री स्टडीज द्वारा आयोजित 'सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन कंस्टीट्यूशनल लॉ' में 'नागरिकता : बदलते परिदृश्य' विषय पर व्याख्यान।

11 सितम्बर, 2018 को यूजीसी मानव संसाधन विकास केन्द्र, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, लेंसिंग साइंस थ्रू सोशालाजिकल परस्पेक्टिव : ए मैथडोलाजिकल नरेटिव में व्याख्यान।

29 अगस्त, 2018 को यूजीसी मानव संसाधन विकास केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम 'इलेक्टारल डोमोक्रेसिज अंडर ट्रांसफार्मेशन : ए स्टडी आफ इंडिया' में व्याख्यान।

13 अगस्त, 2018 को यूजीसी मानव संसाधन विकास केन्द्र, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 'इलेक्टारल डेमोक्रेसी एंड डेमोक्रेटिक कम्पलशंस : लुकिंग लोक सभा 2019 फ्राम कनवर्जिंग परस्पेक्टिव' में व्याख्यान।

30 जून, 2018 को इंस्टीट्यूट आफ कंस्टीट्यूशनल एंड पार्लियामेंट्री स्टडीज द्वारा आयोजित 'सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन कंस्टीट्यूशनल लॉ' कार्यक्रम में 'नागरिक और नागरिकता : बदलता स्वरूप' विषय पर व्याख्यान।

29 मई, 2018 को दैनिक जागरण, नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित जागरण विमर्श में 'हाऊ स्ट्रांग इज द अपोजिशन यूनिटी' (हिन्दी में) विषय पर वार्ता।

9 मार्च, 2019 को गांधी शांति प्रतिष्ठान, जोधपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित 'पालिटिकल साइंस : आपरचुनिटिज एंड चैलेंजिज' कार्यक्रम में व्याख्यान।

13 सितम्बर, 2018 को समाज शास्त्र और राजनीतिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'इलेक्टारल डोमोक्रेसिज अंडर ट्रांसफार्मेशन : लैंसिंग 2019 लोक सभा इलेकशंस' कार्यक्रम में सार्वजनिक व्याख्यान।

12 सितम्बर, 2018 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में 'चेंजिंग ट्रेजेक्टरी आफ सोशल साइंस रिसर्च : फ्राम डिडक्शन एंड इंडक्शन टू एक्सपेरिमेंटेशन' विषय पर व्याख्यान।

3 अप्रैल, 2018 को विकासशील देश अनुसंधान केन्द्र (डीसीआरसी) में आयोजित 11वें पाबलो नेरूडा व्याख्यान में 'फिलॉसाफिकल ओरिजंस आफ क्रीएटिव टीचिंग' विषय पर व्याख्यान।

15 मार्च, 2019 को कालिंदी महाविद्यालय में भारत में 'राजनीतिक दल, चुनाव और राजनीतिक प्रक्रिया' विषय पर आयोजित 'स्टूडेंट सेमिनार' में 'इंडियाज चैंजिंग इलेक्टारल पॉलिटिक्स : वोटर्स एज चेंजर्स' विषय पर व्याख्यान (विदाई)।

6 मार्च, 2019 को दौलत राम महाविद्यालय और आईसीएसएसआर-उत्तरी क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा 'सर्वेक्षण अनुसंधान' विषय पर आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में 'इवोल्यूशन आफ सोशल साइंस रिसर्च : द डीआईई फिनोमिनन' विषय पर व्याख्यान।

23 अप्रैल, 2018 को श्यामलाल महाविद्यालय में 'ग्रास रूटिंग गवर्नेंस : एन इंडियन परस्पेक्टिव' विषय पर व्याख्यान।

6 अप्रैल, 2018 को दयाल सिहं महाविद्यालय में 'पार्टीज अंडर ट्रांसफार्मेशन : फ्राम पापुलिज्म टू गवर्नेंस' विषय पर व्याख्यान।

6 अप्रैल, 2018 को जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय द्वारा आयोजित 30वें जाकिर हुसैन स्मृति व्याख्यान में 'चैलेंजिज आफ टेक्नॉलाजिकल चेंजिज' विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता।

एन. सुकुमार

22 मार्च, 2019 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 'डिबेटिंग रिजर्वेशंस एंड सोशल जस्टिस' विषय पर व्याख्यान।

16 फरवरी, 2019 को बीएपीएसए उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में '13 बिन्दु रोस्टर प्रणाली' विषय पर सार्वजनिक वार्ता।

5 फरवरी, 2019 को भारतीय दलित अध्ययन संस्थान और रोजा लक्समबर्ग स्टिफटंग साऊथ एशिया, दिल्ली में 'इज पालिटिकल रिप्रेजेंटेशन एडीक्वेट फार एससी/एसटी', इंसेपशन वर्कशाप ऑन पालिटिकल पार्टिसिपेशन आफ कास्ट, एथनिक, रीलिजियस माइनार्टिज एंड वुमन इन इंडिया : ए स्टडी आफ इम्पेक्ट आफ अंडर रिप्रेजेंटेशन एंड नॉमिनल रिप्रेजेंटेशन' विषयपर व्याख्यान।

5 फरवरी, 2019 को दक्षिण अध्ययन केन्द्र, मुक्त अधिगम स्कूल, मोती बाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में अवर स्नातक विद्यार्थियों के लिए 'जेंडर सेंसीटाइजेशन' विषय पर व्याख्यान।

30 जनवरी, 2019 को जेएनयू स्टूडेंट एसोसिएशन, साबरमती ढाबा, जेएनयू में 'मोदी सरकार की आरक्षण विरोधी नीतियां' विषय पर व्याख्यान।

24 जनवरी, 2019 को अम्बेडकर फूले स्टडी सर्किल, सेंट स्टीफन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पेनल चर्चा में 'सोशल एक्सक्लुसने इन यूनिवर्सिटी स्पेशिज : कास्ट एज ए वेरिएबल' विषय पर चर्चा में भाग लिया।

17 जनवरी, 2019 को यूथ फार सोशल जस्टिस, कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सार्वजनिक व्याख्यान में 'पब्लिक हीयरिंग ऑन डिस्क्रिमिनेशन इन यूनिवर्सिटीज' विषय पर व्याख्यान।

16 जनवरी, 2019 को राजनीतिक विज्ञान विभाग और सामाजिक न्याय मंच द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'आरक्षण, प्रतिनिधित्व और सामाजिक न्याय' विषय पर व्याख्यान।

14 जनवरी, 2019 को यूडीएसएफ-जेएनयू, एसआईएस सभागार में 'सोशल जस्टिस एंड 10 परसेंट रिजर्वेशन' विषय पर व्याख्यान।

14 नवम्बर, 2018 को अम्बेडकर स्टडी सर्किल, श्यामलाल महाविद्यालय में 'समसामयिक भारत में संविधान की प्रासंगिकता' विषय पर व्याख्यान।

3 नवम्बर, 2018 कोआईआईपीए, दिल्ली में अम्बेडकर पीठ, आईआईपीए और सामाजिक न्याय मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'स्टेट्स एंड माइनार्टिज - बी.आर. अम्बेडकर' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में पुस्तक वाचन।

1 नवम्बर, 2018 को सतलुज हॉस्टल मेस, जेएनयू, दिल्लीमें 'बुक, मैथड एंड ट्रूथ : रीडिंग सोशल साइंसिज एंड पेडागागी इन इंडियन यूनिवर्सिटीज' विषय पर सार्वजनिक वार्ता।

28 अप्रैल, 2018 को दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म में 'दलित एवं मीडिया' विषय पर व्याख्यान।

11 से 13 अप्रैल, 2018 को अम्बेडकर फूले जन्म शताब्दी समारोहके अवसर परयूडीएसएफ तीन दिवसीय व्याख्यान श्रंखला में 'उच्चतर शिक्षा में दलित विद्यार्थियों से भेदभाव' विषय पर व्याख्यान।

7 मार्च, 2019 को सेंटर फॉर इंग्लिश स्टडीज, यूजीसी-एसएपी (डीएसए-I), जेएनयू में 'भारत में दलित अध्ययन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की।

22 फरवरी, 2019 को नागा स्कॉलर्स एसोसिएशन द्वारा जेएनयू, दिल्ली में 'पॉलिटिक्स आफ 13 प्वाइंट रोस्टर सिस्टम : मार्जिनेलाइजेशन ओर एम्पावरमेंट' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय चर्चा की अध्यक्षता की।

16 फरवरी, 2019 को उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में 'द रेटोरिक ऑफ एक्सक्लुसिव डिवलपमेंट, सेंटरे फार द स्टडी आफ सोशल एक्सक्लुसन एंड इनक्लुसिव पॉलिसी' विषय पर मुख्य अभिभाषण।

8-9 फरवरी, 2019 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में, 'पापुलर इमेजनरीज एंड डिसकार्सेज ऑन पॉलिटिक्स इन इंडिया : एक्सप्लॉरिंग कल्चरल नरेटिव्ज एज अल्टरनेटिव साइट्स आफ नॉलेज कंस्ट्रक्शन' के प्रारंभिक सत्र की अध्यक्षता की।

8-9 फरवरी, 2019 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में कल्चर, पॉलिटिक्स एंड स्पेटियल ऑटोलाजी : इमेजिज आफ एवंरीडे पालिटिक्स आफ फेमिनाइन सब्जेक्टिविटी इन चालुक्यन रिलीजियस आइकनाग्राफी, 'पापुलर इमेजनरीज एंड डिसकार्सेज ऑन पॉलिटिक्स इन इंडिया : एक्सप्लॉरिंग कल्चरल नरेटिव्ज एज अल्टरनेटिव साइट्स आफ नॉलेज कंस्ट्रक्शन' के तकनीकी सत्र में परिचर्चा में भाग लिया।

10-11 दिसम्बर, 2018 को डॉ. अम्बेडकर सामाजिक न्याय केन्द्र, मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 'इनविजनिंग पॉलिटिकल एम्पावरमेंट आफ दलित' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'द पालिटिक्स आफ द पॉसिबल : फ्राम आइडंटिटी टू आइडियालॉजी' विषय पर मुख्य वक्ता।

2 नवम्बर, 2018 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, दिल्ली कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, दिल्ली में आयोजित डॉ. सी.आर. राय प्रथम स्मृति व्याख्यान : संसदीय लोकतंत्र एवं इसकी प्रासंगिकता पर अम्बेडकर' में व्याख्यान।

11 अक्तूबर, 2018 को सेंटर फॉर इक्विटी स्टडीज एंड इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में 'वेयर द माइंड इज फ्री एंड नॉलेज इज विदइन रीच: हायर एजुकेशन, पब्लिक फंडिंग एंड इक्विटी' विषय पर आयोजित चर्चा में पैनेलिस्ट।

29 सितम्बर, 2018 को बौद्ध अध्ययन विभाग, नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटुर, आंध्र प्रदेश में विशेष व्याख्यान : 'नियो बुद्धिज्म एंड दलित एसरसन इन कंटेम्परेरी इंडिया'।

21 सितम्बर, 2018 को पेरियार, तमिल संत, की 140वीं जयंती पर जेएनयू में आयोजित 'पेरियर डायलॉग : एनिहिलिएटिंग कास्ट फ्राम विदइन कास्ट एसोसिएशंस' की अध्यक्षता।

12 अगस्त, 2018 को 20वें बीएएमसीईएफ राज्य अधिवेशन, दिल्ली में 'काउंटरिंग ब्रहमिनिकल वायलेंस : रिविजिटिंग फूले, साहूजी एंड अम्बेडकर विजन' विषय पर मुख्य वक्ता।

10 अगस्त, 2018 को हिस्ट्री सोसायटी, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 'रिमेम्बरिंग करूणानिध' विषय पर आयोजित 'करूणानिधि का तमिलनाडु एवं राष्ट्रीय राजनीति में योगदान' व्याख्यान में मुख्य वक्ता।

13 मई, 2018 को एससी/एसटी कर्मचारी संघ, जीटीबी चिकित्साल्य, दिल्ली द्वारा जीटीबी चिकित्साल्य में बुद्ध जयंती के अवसर पर 'बौद्ध धर्म एवं इसकी प्रासंगिता' विषय पर आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता।

18 अप्रैल, 2018 को एससी/एसेटी लायर्स एसोसिएशन, रोहिणी कोर्ट द्वारा रोहिणी कोर्ट परिसर में आयोजित बाबा साहेब अम्बेडकर के 127वीं जयंती समारोह में मुख्य वक्ता।

14 अप्रैल, 2018 को डॉ. अम्बेडकर शिक्षा समिति, हरियाणा द्वारा डॉ. अम्बेडकर पब्लिक स्कूल, रोहतक में आयोजित बाबा साहेब अम्बेडकर के 127वीं जयंती समारोह में मुख्य वक्ता।

श्री प्रकाश सिंह

24 अप्रैल, 2018 को सत्यवती महाविद्यालय (सायं), दिल्ली द्वारा '21वीं सदी का भारत : सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय प्रक्रियाओं पर प्रतिप्रश्न' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान।

17 मार्च, 2018 को संवैधानिक एवं संसदीय अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित 'प्रधान मंत्री कार्यालय और मंत्री परिषद्' विषय पर व्याख्यान।

14 अप्रैल, 2018 को डॉ. अम्बेडकर पीठ, बीएचयू द्वारा 'आइडिया आफ इंडिया आफ डॉ. अम्बेडकर' विषय पर आयोजित डॉ. अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान में व्याख्यान।

14 अप्रैल, 2018 को एक्सक्लुसन सेंटर, बीएचयू द्वारा 'डो0 अम्बेडकर की प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित व्याख्यान श्रंखला में व्याख्यान।

18-19 मार्च, 2019 को यूजीसी - मानव संसाधन विकास केन्द्र, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा 'द आइडिया आफ इंडिया इंटेलेक्चुएल ट्रेडिशंस आफ इंडिया स्टडीज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में व्याख्यान।

23 फरवरी, 2019 को लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से किंग विक्रमादित्य पर विक्रमादित्य स्मृति व्याख्यान में मुख्य अभिभाषण।

28-29 जनवरी,2019 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, गोवा विश्वद्यालय, गोवामें 'इंडिक थॉट' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में व्याख्यान।

6-8 फरवरी, 2019 को आफ्रीकी अध्ययन विभाग द्वारा 'ए ट्रांसफार्मिंग अफ्रीका : पोटेंशियल एंडचैलेंजिज' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता।

1-2 मार्च, 2019 को राजनीतिक विज्ञान विभाग द्वारा 'इलेक्टॉरल डायनेमिक्स एंड कंटावर्स आफ पार्टी सिस्टम : रन अप टू 2019' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की।

25 मई, 2018 को एचआरडीसी, पंजाब विश्वविद्यालय, पंजाब द्वारा आयोजित 'रीसर्च मैथडालॉजी टू रिसर्च ऑन इंडियन क्लासिक्स' विषय पर व्याख्यान।

25 मई, 2018 को एचआरडीसी, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, संघ राज्य क्षेत्र द्वारा आयोजित 'इंडियन नॉलेज ट्रेडिशन' विषय पर व्याख्यान।

10 अगस्त, 2018 को जेएनयू, एचआरडीसी, जेएनयू द्वारा 'इंडियन नॉलेज ट्रेडिशन एंड रिसर्च मैथडालॉजी आफ क्लासिक्स' विषय पर व्याख्यान।

उज्जवल कुमार सिंह

29 मार्च, 2019 को यूजीसी-डीआरएस कार्यक्रम फेज-।।। के अंतर्गत राजनीतिक विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता द्वारा 'डेमोक्रेसी एज ए पेडागागिकल एक्सपीरियंस' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अभिभाषण।

11 मार्च, 2019 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, मिरांडा हाऊस, दिल्ली द्वारा 'लोकतंत्र, विकास और अभिशासन: मूल्य, संस्थाएं और प्रक्रियाएं' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'भारत में लोकतंत्र : मुद्दे और चुनौतियां' विषय पर व्याख्यान।

19 फरवरी, 2019 को दयाल सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक उत्सव में 'द डिसकार्स ऑन राइट्स इन द ऐरा आफ ज्यूडिशल अपहिवल' विषय पर आयोजित पेनल चर्चा में 'भारतीय न्यायिक प्रणाली और न्याय के लिए संघर्ष' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

30 जनवरी, 2019 को यूजीसी-सेंटर फार फेडरल स्टडीज, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के फेडरल स्टडीज व्याख्यान श्रृंखला 2019 के एक भाग के तौर पर 'एक्स्ट्राआर्डिनरी लॉज एंड देयर इंपलीकेशंस ऑन इंडियाज फेडरल डेमोक्रेसी' विषय पर रजत जयंती विशेष अभिभाषण।

23 जनवरी, 2019 को स्कूल आफ लॉ, गवर्नेंस एंड सिटीजनशिप, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'एक्सट्राआर्डिनरी लीगल रीजिम्स, पार्लियामेंट्री रिसपांस एंड ज्यूडिशियल डिफरेंस' विषय पर व्याख्यान।

2 नवम्बर, 2018 को कर्त्तव्य - किरोडीमल महाविद्यालय, दिल्ली की द सिविल सर्विस सोसायटी' द्वारा आयोजित 'सिक्योरिटीज लॉज इन इंडिया' में विशेष व्याख्यान।

1 नवम्बर, 2018 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, मिरांडा हाऊस में कार्ल मार्क्स के 200 वर्ष की स्मृति में 'कार्ल मार्क्स एवं समकालिक भारत' विषय पर उद्घाटन भाषण।

23 अक्तूबर, 2018 को 'ओघमा - द इंग्लिश एडिटोरियल सोसायटी, इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली द्वारा 'गांधी और पत्रकारिता' विषय पर आयोजित वार्ता में विशिष्ट वक्ता।

25 सितम्बर, 2018 को टीयूएलए, मिरांडा हाऊस, कंज्यूमर क्लब, मिरांडा हाऊस, दिल्ली द्वारा 'उपभोक्ता मुद्दों संबंधी जागरूकता' विषय पर आयोजित अल्पावधि प्रमाण-पत्र कार्यशाला में 'उपभोक्ता और राज्य' विषय पर उद्घाटन व्याख्यान।

5 अप्रैल, 2018 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय द्वारा 'भारत में चुनाव प्रक्रिया और लोकतंत्र के आयाम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनोर में 'इलेक्टॉरल डेमोक्रेसी : नारमेटिव कंसर्स एंड प्रोसिजरल फार्मस' विषय पर विदाई सम्बोधन।

24 मार्च, 2018 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी द्वारा 'राज्य, पहचान और नागरिकता' विषय पर आयोजित सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संगोष्ठी की अध्यक्षता और वक्ता।

24 मार्च, 2019 को सेंटर फार ह्यूमन राइट्स, रामानुजन महाविद्यालय में संसाधन व्यक्ति और 'सुरक्षा विधियों और मानव अधिकार' विषय पर व्याख्यान।

10 मार्च, 2019 को संकाय विकास केन्द्र (पीएसएमएमएनएमटीटी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार), ईश्वर सरन पीजी महाविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश द्वारा 'फैकल्टी, अकादमिक पैरामीटर्स एंड आर्गेनाइजेशनल परफार्मेंस' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य वक्ता।

8 मार्च, 2019 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, भारती महाविद्यालय द्वारा आयोजित एवं राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग द्वारा समर्थित एक-दिवसीय मानव अधिकार मूलभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति।

12 मार्च, 2019 को दुर्गाबाई देशमुख स्मृति हाल, सामाजिक विकास परिषद् द्वारा आनंद चक्रवर्ती द्वारा लिखी गई पुस्तक 'इज दिस आजादी?, एवंरीडे लाइव्ज आफ दलित एग्रीकल्चरल लेबरर्स इन ए बिहार विलेज' पर आयोजित पैनल चर्चा में भाग लिया।

1 मार्च, 2019 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, दिल्ली द्वारा 'क्रिटिकल एक्सप्लारेशंस एंड रिफ्लेक्शंस ऑन पार्टी सिस्टम इन एन इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन इलेक्टॉरल डायनेमिक्स एंड कंटावर्स आफ पार्टी सिस्टम : रन अप टू 2019' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा की अध्यक्षता।

28 फरवरी, 2019 को उत्कृष्टता केन्द्र, जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, जनजातीय अनुसंधान एवं अन्वेषण केन्द्र, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान में 'जनजातीय विकास हेतु विभिन्न अभिकरणों के बीच संवाद हेतु मंच निर्माण' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में भाग लिया।

27 फरवरी, 2019 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली द्वारा 'राज्य, बाजार और लोकतंत्र' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत में राज्य, बाजार और लोकतंत्र' विषय पर पैनल चर्चा की अध्यक्षता।

5 जनवरी, 2019 को 'इंडिया पब्लिक पॉलिसी नेटवर्क' एवं राजनीतिक विज्ञान विभाग, दिल्ली द्वारा 'राजनीति और लोक नीति' विषय पर आयोजित दूसरे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मेकिंग पब्लिक पॉलिसी वर्क - स्टेट एंड पॉलिसी-पॉलिटिक्स इनटेंगलमेंट इन बिहार' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा की अध्यक्षता।

30 जनवरी, 2019 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, कमला नेहरू महाविद्यालय में 'गांधी @ 150' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा की अध्यक्षता।

6-7 अक्तूबर, 2018 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, ग्लोबल जिंदल लॉ स्कूल, सोनीपत एवं राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 'इंडियन फेमिनिस्ट जजमेंट्स प्रोजेक्ट : 'राइटिंग टुगेदर' विषय पर आयोजित सत्र में चर्चा में भाग लिया।

29-30 जनवरी, 2018 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, दिल्ली द्वारा 'पालिटी एज फिक्शन, फिक्शन एज रियलिटी : फिफ्टी ईयर्स आफ राग दरबारी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पॉलिटिक्स, इंस्टीट्यूशंस एंड विलेज इंडिया' विषय पर सत्र की अध्यक्षता की।

मधुलिका बनर्जी

6 अप्रैल, 2018 को शिवाजी महाविद्यालय द्वारा 'डायनेमिक्स अराऊंड कल्चर एंड लैंग्वेज इन इंडियन हिस्ट्री' विषय पर आयोजित चर्चा में पैनलिस्ट।

20 अप्रैल, 2018 को लेडी श्रीराम महाविद्यालय में 'हूज नॉलेज इज इट एनीवे' विषय पर चर्चा में भाग लिया।

14 सितम्बर, 2018 को जेएमडी कॉलेज द्वारा महात्मा गांधी की 150वीं जयंती समारोह में 'आज के गांधी' विषय पर चर्चा में भाग लिया।

22 अक्तूबर, 2018 को सस्टेनेबल डिवलपमेंट एफडीपी, एआरएसडी महाविद्यालय द्वारा 'आलरेडी एक्जिस्टिंग नॉलेज फार ए सस्टेनेबल प्रजेंट एंड फ्यूचर' विषय पर चर्चा में भाग लिया।

5 दिसम्बर, 2018 को दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय में 'एंथ्रापालाजी एंड पालिटिकल लाइफ' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में 'क्रिटिक आफ मार्डेनिटी, क्रिटिक आफ ट्रेडिशन : आन मेथड टू स्टडी द पालिटिक्स आफ नॉलेज' विषय पर; 24 अक्तूबर, 2018 को 'एनुएल ओरिएंटेशन प्रोग्राम आफ हायर एजुकेशन फैकल्टी, रामानुजन महाविद्यालय' में 'ह्यूमन राइट्स, एनवायरमेंट एंड एथिक्स' विषय पर; राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र के तत्वावधान में 'ह्यूमन राइट्स; एनवायरमेंट एंड डिवलपमेंट' विषय पर; 26 अक्तूबर, 2018 को दर्शन शास्त्र विभाग में 'आयुर्वेद एवं जैव चिकित्सा के बीच समसामयिक संवाद : फ्राम रिफार्मुलेटिंग ड्रग्स टू रिफैशनिंग पैरामीटर्स' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

6 मार्च, 2019 को कालिंदी महाविद्यालय में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती समारोह के अवसर पर 'आज के गांधी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

8 मार्च, 2019 को दौलत राम महाविद्यालय में 'मिक्सड मेथड इन रिसर्च; फैकल्टी डिवलपमेंट प्रोग्राम' विषय पर पत्र प्रस्तु किया।

11 मार्च, 2019 को मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय में में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती समारोह के अवसर पर 'आज के गांधी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

13 मार्च, 2019 को जी.डी. गोयनका विश्वविद्यालय, गुड़गांव में 'ए नेशनल एंड इट्स डिवलपमेंट : द एक्सक्लुडिड नॉलेज सोसायटी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

13-14 मार्च, 2019 को विवेकानंद महाविद्यालय में 'द सागा आफ फूड : पालिटिक्स, एसथेटिक्स, एंड टेक्नालॉजी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में प्रारंभिक व्याख्यान दिया।

नसरीन चौधरी

15 फरवरी, 2019 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, कमला नेहरू महाविद्यालय द्वारा आयोजित वार्षिक विभाग दिवस 'पॉलिटिक' में 'द आइडिया आफ प्रोटेक्शन : नार्मस एंड प्रैक्टिस आफ रिफ्यूजी मैनेजमेंट इन इंडिया' विषय पर वक्ता के तौर पर आमंत्रण।

11 मार्च, 2019 को मिरांडा हाऊस द्वारा 'लोकतंत्र, विकास और अभिशासन : मूल्य, संस्थाएं और प्रक्रियाएं' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'इश्यू आफ जेंडर एंड मिडल क्लास वूमन' विषय पर वक्ता के तौर पर आमंत्रण।

31 अगस्त-11 सितम्बर, 2018 को कलकत्ता अनुसंधान समूह और रोसा लक्समबर्ग शिफ्टिंग द्वारा 'हू आर द पीपल? पापुलिज्म एंड पापुलिस्ट मूवमेंट' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संस्थाएं, अप्रवासी एवं लोकलुभावन राजनीति विषय पर पैनल में चर्चा के लिएआमंत्रण, जिसमें 'द आइडिया आफ प्रोटेक्शन एंड इंडियाज रिफ्यूजी कननड्रम : ए कनवरजेशन' विषय पर विचार रखे।

14 सितम्बर, 2018 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, मिरांडा हाऊस द्वारा 'सिटीजनशिप एंड इमिग्रेशन' विषय पर आयोजित पैनल में 'सिटीजनशिप एंड मेम्बरशिप' विषय पर वक्ता के तौर पर आमंत्रण।

कार्यशाला

30-31 अगस्त, 2018 को नेहरू स्मृति संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली में 'पापुलर इमेजनरीज एंड डिसकार्स ऑन पालिटिक्स इन इंडिया' एक्सपलारिंग नरेटिव्ज एज एल्टरनेटिव साइट्स आफ नॉलेज कंस्ट्रक्शन' विषय पर आईसीएसएसआर अनुसंधान परियोजना की दूसरी कार्यशाला (प्रायोजित)।

8-9 फरवरी, 2019 को इंडियन इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडी, शिमला में 'पापुलर इमेजनरीज एंड डिसकार्स ऑन पालिटिक्स इन इंडिया' एक्सपलारिंग नरेटिव्ज एज एल्टरनेटिव साइट्स आफ नॉलेज कंस्ट्रक्शन' विषय पर आईसीएसएसआर अनुसंधान परियोजना की तीसरी कार्यशाला (प्रायोजित)।

अन्य अंतर सांस्थानिक सहयोग

'नॉलेज, डिवलपमेंट एंड पालिटिक्स इन पोस्ट कालोनियल इंडिया : कंटेस्टेशन इन स्टेट, मार्किट एंड सिविल सोसायटी, आईसीएसएसआर भागीदार संस्थान हैं - ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आनंद, अजीज प्रेम जी यूनिवर्सिटी एवं 'साऊथ एशियन नेटवर्क फार डैम्स, रिवर्स एंड पीपल', मधुलिका मुखर्जी।

यूनिवर्सिटी आफ मेलबार्न, आस्ट्रेलिया एवं यूनिवर्सिटी आफ बर्मिंघम, यूके, प्रोफेसर नवनीत चड्ढा बेहेरा (विभाग की तरफ से संयोजक) और डॉ. नसरीन चौधरी।

संकाय सदस्यों की उच्चतर पदों पर नियुक्ति/संस्थान के बाहर कार्यभार।

वर्ष 2018-19 में प्रदान की गई पी.एच.डी. डिग्रियों की संख्या : 21
वर्ष 2018-19 में प्रदान की गई एम.फिल. डिग्रियों की संख्या : 23

***

समाज कार्य

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

सामाजिक कार्य विभाग देश में सामाजिक कार्य की शिक्षा प्रदान करने वाला एक प्रतिष्ठित संस्थान है। देश में सामाजिक कार्य कार्यक्रम प्रदान करने वाले व्यावसायिक कालेजों, संस्थाओं के मुख्य सर्वेक्षणों में दूसरा रैंक प्राप्त इस विभाग ने अपने समकक्ष विभागों के बीच गौरवमयी स्थान बनाए रखा है। इसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग उच्च अध्यन केन्द्र का दर्जा प्राप्त है। इस विभाग ने मास्टर डिग्री के उपरांत कार्य करने के इच्छुक सभी विद्यार्थियों के लिए उत्कृष्ट रोजगार नियोजन प्राप्त किया है। शेष विद्यार्थी उच्च अध्ययन करने के लिए चले गए। विभाग के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों ने विकासात्मक मुद्दों और चिंताओं की बहुलता के साथ सहभागिता में सक्रिय भूमिका निभाई है। समीक्षाधीन अकादमिक वर्ष में कई पाठ्यक्रम एवं सह-पाठ्यकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें से कई कार्यक्रमों के लिए विविध सरकारी एवं सिविल सोसायटी संगठनों के साथ नेटवर्किंग एवं सहयोग किया गया। इन अवसरों ने विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को अपनी समझ को सुदृढ़ करने तथा मानव सेवा के क्षेत्र में श्रेष्ठ पेशेवर के तौर पर उभरने के लिए दक्षता हेतु एक समृद्ध एवं गतिमान मंच प्रदान किया।

विभाग की विविध क्षेत्रीय स्तर की कार्य योजनाओं के अतिरिक्त सामुदायिक विकास एवं कार्य केन्द्र तथा किशोर एवं बालक कल्याण केन्द्र, दोनों ने कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया, के साथ मिलकर विभाग ने समाज के लिए उन्नत भारत अभियान (यूबीए) को आगे बढ़ाना जारी रखा। विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के एक दल ने गोद लिए गए पांच गांवों में आवश्यकता आधारित एवं सहभागी सामुदायिक पहलों में सक्रिय तौर पर कार्यरत रहा। उन्नत भारत अभियान के मुख्य क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य और

महिला विकास एवं सशक्तिकरण शामिल हैं। निष्कर्ष तौर पर, विभाग सम्पूर्ण अकादमिक वर्ष के दौरान विशिष्ट विकास पथ पर अग्रसर रहा।

सम्मान/गौरव

विभाग को प्रतिष्ठित आऊटलुक दृष्टि प्रोफेशनल कालेज रैंकिंग, 2018 में देश में सामाजिक कार्य शिक्षा प्रदान कर रही दस शीर्ष संस्थाओं में प्रतिष्ठित द्वितीय स्थान प्रदान किया गया। विभाग को अपने कार्य-निष्पाद पर अत्यधिक गर्व है और शिक्षण, अनुसंधान तथा सामाजिक पहुंच के अनवरत उच्च मानकों को बनाए रखकर विश्वविद्यालय को गौरान्वित किया है। विभाग को दो सर्वाधिक महत्वपूर्ण मानकों 'अकादमिक उपलब्धि' और 'नियोजन' के संबंध में देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ है। इसके अतिरिक्त, विभाग ने 'अकादमिक मेरिट', 'स्टूडेंट प्रोग्रसन एंड प्लेसमेंट' और 'अभिशासन' के संघटकों में शीर्ष स्थान प्राप्त करते हुए भारत के प्रथम 'इंडिया टुडे सर्वेक्षण' रैंकिंग में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

संजय भट्टा को प्रतिष्ठित 'हेरीटेट श्री अवार्ड' 2018 प्रदान किया गया और उन्हें क्षेत्रीय अध्यक्ष (दक्षिण एशिया), अंतर्राष्ट्रीय समाज कल्याण परिषद् भी नियुक्त किया गया।

डॉ. संजय राय को 'ग्लोरी आफ इंडिया गोल्ड मेडलिस्ट अवार्ड', 2018; 'द नीलकंठ अवार्ड' और लोकतंत्र के प्रहरी के तौर पर प्रशंसा पत्र, द बेस्ट एकेडमिसिएन आफ द ईयर अवार्ड' (पुरूष), 2018, 'ग्लोबल एजुकेशन एवं कारपोरेट लीटरशिप अवार्ड' प्रदान किया गया और रिफेसिमेंटो इंटरनेशनल ग्रुप आफ एडीटर्स द्वारा 'राइजिंग पर्सेनिलिटी आफ द ईयर 2018' घोषित किया गया।

प्रकाशन

अदुसुमाली, एम. और दत्ता, एस. (2018) - डाइसेक्टिंग ए हिमालयन डिजास्टर : फाइंडिंग पाथवेस, इन लेना डोमिनेली (संपादित), राउटलेज हैंडबुक आफ ग्रीन सोशन वर्क, लंदन, राउटलेज।

अग्निमित्र, एन. (2018) - 'एम्पावर प्रगति - ट्रांसफार्मेशनल ट्रेनिंग एंड वुमन एम्पावरमेंट' (सह-लेखक सुश्री विद्या एम. अय्यर), 'हाऊ द प्राइवेट सेक्टर डिवलपस स्किल्स : लेसंस फ्राम इंडिया', संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) - इस्तांबुल गैर सरकारी क्षेत्र विकास अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र रिपोर्ट में प्रकाशन।

अग्निमित्र, एन. (2018) -'द स्टेट आफ मार्जिनेलाइजेशन एंड द पब्लिक हेल्थ इश्यूज इन इंडिया (लेखक-शशि रानी एवं वकार अमीन) पुस्तक, विनशील्ड प्रेस में 'एनएसेसमेंट आफ रेशेनल एंड सेफ यूज आफ मेडिसन इन द कम्युनिटी : एन एडवोकेसी कम एक्शन एंगेजमेंट' का प्रकाशन।

आनंद, एम. (2018) - 'जेंडर अंडरस्टेंडिंग अमंग स्टूडेंट्स एंड टीचर्स : डिसकार्सिज फ्राम दिल्ली' साऊथ एशिया रिसर्च, 38 (3), 307-326, सेज प्रकाशन।

आनंद, एम. (2018) - 'द पालिटिक्स आफ हायर एजुकेशन : क्रिटिकल परस्पेक्टिव्ज' जामिया जर्नल आफ एजुकेशन, 4 (2), 162-169. शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया।

आनंद, एम. (2018) - 'डिसकंसट्रक्टिंग द इटियोलाजी एंड प्रीवेंशन आफ मेंटल इलनेस' ए डिवलपमेंटल परस्पेक्टिव। दिल्ली साइकिएट्रिक जर्नल, 21, 1, 19-25, दिल्ली साइकियाट्रिक सोसायटी।

आनंद, एम. (2017) - 'बैटर्ड कांजुगेलिटी : डायनेमिक्स आफ इंटीमेट पोर्टनर वायलेंस एंड सोशल वर्क प्रैक्टिस'। सोशल वर्क एजुकेशन, रिसर्च एंड एक्शन।

भट्ट, एस. (2018) - 'ए सेंचुरी आफ सोशल वर्क प्रोफेशन : एन एनलिसिस आफ चेंजिंग डेफिनेशंस, जर्नल आफ सोशल वर्क एजुकेशन रिसर्च एंड एक्शन, खंड 4 सं.2.

भट्ट, एस. (2018) - द लोहाटसांपा पीपल आफ भूटान : रेजिलिएंड एंड सर्वाइवल, द इंटरनेशनल जर्नल आफ कम्युनिटी एंड सोशल डिवलपमेंट, खंड 1, सं.1, सेज प्रकाशन।

भट्टा, एस. और फूकॉन डी. (2018) - 'भारत में सामाजिक कार्य शिक्षा संस्थान : एस.एम. साजिद एवं रश्मि जैन की पुस्तक' रिफलेक्शंस आन सोशल वर्क एजुकेशन : ब्लूमसबर्ग में विश्लेषण।

डार, एस.ए. (2017) - 'शिक्षा और सामाजिक बहिष्कार - जम्मू एवं कश्मीर के गुज्जर एवं बक्करवाल समुदाय का अध्ययन', ए. सेशर, टी. कौशिक और ई.जैन, एलिक्सर (पृष्ठ 417-430) : ब्लूमसबर्ग प्राइम इंडिया' में प्रकाशन।

डार, एस.ए. (2017) - 'जम्मू एवंकश्मीर के गुज्जर : जम्मू एवं कश्मीर के स्कूलों में शिक्षा सुविधाओं का अध्ययन, मैनपावर जर्नल (एनआईएलईआरडी), पृष्ठ 57-68.

डार, एस.ए. (2017) - जम्मू एवं कश्मीर के गुज्जर : विद्यालयों में बहिष्करण रीतियों का एक अध्ययन। जर्नल आफ सोशल वर्क एजुकेशन, रिसर्च एंड एक्शन (जेएसडब्ल्यूईआरए), पृष्ठ 117-127.

झा, एम. एवं जामिल, जी. (2018) - 'डिसमेंटलिंग द पब्लिकयूनिवर्सिटी' द इंडियन एक्सप्रेस, 19 सितम्बर, 2018.

झा, मनोज (2019) - 'डियर फ्रेंड्स इन दे अपोजिशन', द इंडियन एक्सप्रेस 1 फरवरी, 2019.

झा, मनोज (2019) - 'ईडब्ल्यूएस कोटा इज ए रोबरी', द स्टेट्समैन, 9 फरवरी, 2019.

झा, मनोज (2018) - 'टेम्पल्स आफ लर्निंग हैव बीकम ब्रीडिंग ग्राउंड्स फार बायगेटरी : ए लेटर टू नेहरू', द वायर, 14 नवम्बर, 2018.

झा, मनोज (2019) - 'बापू के नाम : आज आप जैसा कोई नहीं, जो भरोसा दिला सके की सब ठीक हो जाएगा', द वायर हिन्दी, 16 फरवरी, 2019.

झा, मनोज (2018) - 'इज ए ग्रेंड अपोजिशन अगेंस्ट द बीजेपी पासिबल? ओपिनियन पीस फार द हिन्दू, सह लेखक, 15 नवम्बर, 2018.

झा, पी. (2019) - 'बुक रिव्यू : लारेंस कॉक्स एंड एल्फ गुनवल्ड निलसन, वी मेक अवर आऊन हिस्ट्री : मार्क्सज्म एंड सोशल मूवमेंट्स इन द टिवलाइट आफ नियोलिबरेलिज्म एंड एल्फ गुनवल्ड निलसन, पॉलिटिक्स फ्राम बिलो : एसे आन सबअल्टरनिटी एंड रेजिस्टेंस इन इंडिया : सोशल चेंज, सेज प्रकाशन।

झा, पी. (2018) - एज्जाद हसन (संपादित) इंडिया टुगेदर : इंडिया स्टेट आफ मायेनारटिज रिपोर्ट, 2018 में 'भारत में अल्पसंख्यकों की पहचान एवं सांस्कृतिक अधिकार' शीर्षक के अंतर्गत अध्याय।

कौशिक, ए. (2018) - 'यूज आफ सेल्फ इन सोशल वर्क : सम रिफलेक्शंस इंडियन जर्नल आफ सोशल वर्क, खंड 79, इश्यू 4, पृष्ठ 403-141.

कौशिक, ए. (2018) - 'कनसिएसनेस रेजिंग : क्रिटिकल पेडागामी एंड प्रैक्टिस फार सोशल चेंज (संपादक : नीलन यू) (सह-लेखक : लेनिन रघुवंशी एवं एम.एल. पांडा), राऊटलेज एडवांसिज इन सोशल वर्क, पृष्ठ 14-31 में 'टचिंग द अनटचेबल : दलित एम्पावरमेंट थ्रू कनसिएसनेस रेजिंग इन एन इंडियन विलेज' शीर्षक के अंतर्गत अध्याय।

कौशिक, ए. (2018) - 'लिविंग पैटर्न आफ नट इन राजस्थान : लुकिंग बियांड एक्सक्लुसन (प्रथम लेखक : हेमराज पी. जांगिड़), इन जर्नल आफ सोशल इनक्लुजन स्टडीज' सेज प्रकाशन, खंड 3, सं.1 एवं 2, पृष्ठ 113-125, आईएसएसएन : 2394-4811.

खान, ए. एवं सिकंदर, आर. (2018) - 'लिंकिंग जेंडर वलनेरेबिलिटी एंड डिजास्टर्स' इन बी. जुत्सी; अहमद, ए.; श्रंगारपति, ए.बी. (संपादित), 'डिजास्टर रिस्क रिडक्शन : कम्युनिटी रेजिलिएंस एंड रेस्पांस, पालग्रेव मैकमिलन पब्लिकेशंस, स्प्रिंगर, पृष्ठ 215-230.

खान, ए., इस्लाम, के.एम.बी. एवं मित्रा, ए. (2018) - 'एक्सप्लारिंग द स्टेट्स आफ कम्युनिटी इनफार्मेशन एंड ट्रेनिंग फार डिजास्टर प्रीपेरेशन एंड मिटिगेशन प्रैक्टिसिज : एन एपरेजल आफ 2013 फ्लैश फ्लड इन उत्तराखंड'। इंटरनेशनल जर्नल आफ एमरजेंसी मैनेजमेंट। इंटर साइंस, एबीडीसी रैंक जर्नल : कैटगरी 'ग'।

खान, ए. एवं बहरूल इस्लाम, के.एम. (2019) - भारत में सोशल मीडिया की निगरानी : एक पारिस्थितिक विश्लेषण। इन एस. चक्रवर्ती हैंडबुक आफ सोशल मीडिया फार डिजिटल एंड सोशल इनक्लुजन, दिल्ली एबीएस प्रकाशन, पृष्ठ 1-18.

मस्के, एस. (2018) - अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति समुदाय की पोषण स्थिति - महाराष्ट्र का अध्ययन' इन : द स्टेट आफ मार्जिनलाइजेशन एंड पब्लिक हेल्थ इश्यूज इन इंडिया, सुश्री शशि रानी एवं वकार अमीन द्वारा संपादित, विनशील्ड प्रेस, दरियागंज, नई दिल्ली।

पांडे, एन. एवं कैथवास, एम. (2018) - 'बलात्कार मामलों में पुलिस की अक्षमता और चुनौतियां' सोशल वर्क क्रॉनिकल, खंड 7, सं.1, 52-71.

पांडे, एन., कुमार, एच. (2019) - 'उत्तर प्रदेश में मुशाहर का सामाजिक बहिष्कार : एक सिंहावलोकन, जर्नल आफ सोशल एक्सक्लुसन, खंड 9(1), 26-34.

पांडे, एन. (2019) - 'फॉल्क कल्चर एंड जेंडर : स्टडी आफ फॉल्क कल्चर इन ईस्टर्न उत्तर प्रदेश', इन बुक 'लैंग्वेज, आइडंटिटी एंड कंटम्परेरी सोसायटी (संपादित) राजेश कुमार एवं ओम प्रकाश, 84-105, यूके, कैम्ब्रिज स्कालर्स पब्लिशिंग।

पाटिल, पी. (2018) - 'डिकंस्ट्रक्टिंग द नोशन आफ मदरिंग इन फेमिली एंड चाइल्ड सेंट्रड सोशल वर्क : ए केस आफ सेक्स वर्कर मदर्स।

पाटिल, पी. (2018) - 'न्यू हारिजंस इन यूनिवर्सिटी एजुकेशन : ए जर्नल आफ डिवलपमेंट एंड सोशल जस्टिस' वाल्यूम 08(1) जनवरी-अप्रैल, 2018.

राय, संजय (2018) - सोशल वर्क इन करेक्शनल सेटिंग इन इंडिया, एशिया पेसिफिक जर्नल आफ एडवांस्ड बिजनेस एंड सोशल स्टडीज (एपीआईएआर), वाल्यूम 4, अंक 2, पृष्ठ 114-129, आस्ट्रेलिया।

राय, एस. और कुमार, ए. (2018) - अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों में शैक्षिक आकांक्षाएं एवं संभावनाएं : उत्तर प्रदेश, भारत के एक मामले का अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल आफ हिस्टारिकल आर्कियालाजी एंड एंथ्रापालिजिकल साइंसिज, मेड क्रेव, पृष्ठ 689-694, खंड 3 - अंक 5, यूएसए।

राय, एस. एवं मासौमी, क्यू. (2018) - 'इंटीमेसी एंड एल्कोहालिज्म : रिथिंकिंग रेजिलिएंस इन द फेमिलिज आफ एल्कोहालिक मैन : ए केस स्टडी फ्राम पब्लिक हेल्थ परस्पेक्टिव, सीपीक्यू मेडिसन, सिएंट पीरियाडिक पब्लिकेशन, खंड 3 (3), पृष्ठ 01-8, कनाडा, जर्मनी।

राय,एस. एवं हरिप्रिया (2018) - 'डिवलपिंग इमोशनल कंपीटेंसिज एज ए लाइफ स्किल अमंग एडोलिसेंट्स', इंटरनेशनल जर्नल आफ हिस्टारिकल आर्कियालाजी एंड एंथ्रापालिजिकल साइंसिज, मेड क्रेव, पृष्ठ 813-816, खंड 3, अंक 6, यूएसए।

राय, एस. (2018) - 'सोशल वर्क इन ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड : प्रैक्टिसिज एंड चैलेंजिज', जयपुर : रावत प्रकाशन।

राय, एस. (2019) - जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य: भारतीय दृष्टिकोण से एक यथार्थवादी आउटलुक, इंटरनेशनल जर्नल आफ इकालॉजी एंड नेचुरल रिसार्सिज, मेडविन प्रकाशन, पृष्ठ 1-8, खंड 3, अंक 1, यूएसए।

शर्मा, एस. (2018) - 'स्ट्रक्चरल चेंजिज वर्सेज वेलफयर : द रिनीव्ड चैलेंज बीफार द प्रोफेशन' शहरे एवं रहमान (संपादित) प्रैक्टिस आफ सोशल वर्क : एमर्जिंग कनसर्सं : ब्लूम्सबरी।

शर्मा, एस. (2017) - 'ए पालिटिको जियोग्राफी स्टडी आफ गडुलिया लोहार कम्युनिटी इन दिल्ली' द डेक्कन जियोग्राफर 55 (1 एवं 2)।

सिंगला, पी. (2018) - 'उज्जवला स्कीम फार कर्बिंग आफ ट्रेफिकिंग आफ वुमन एंड गर्ल चाइल्ड : ए क्रॉस स्टेट एनलिसिस इन वायलेंस अगेंस्ट वुमन : वेरिएड परस्पेक्टिवज बाय नलिन रमौला एवं विवेक नेगी (संपादित), अमेजन ग्लोबल द्वारा प्रकाशित।

सिंगला, पी. (2019) - 'माय जर्नी इन टू सोशल वर्क एजुकेशन, प्रैक्टिस एंड जेंडर इन मनन रिफलेक्शंस आन सोशल वर्क एजुकेशन एंड प्रैक्टिस बाय रत्न वर्मा, BookGanga.com.

सिंगला, पी. बनीवाल, एस., मेनन, के.; विश्वनाथ, के.; देसाई, एन. और कुमार, एम. (2018) - राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा, दिल्ली पुलिस।

वर्मा, एस. (2018) - 'अंडरस्टेंडिंग सोशल इकानामिक एंड पालिटिकल इकानामी आफ फुटवियर आर्टिजंस फ्राम मेडिवल पीरियड टू कालोनियल पीरियड' इंटरनेशनल जर्नल आफ इनोवेटिव नॉलेज कनसेप्ट्स, खंड 6, सं.7.

वर्मा, सुरिन्द्र (2018) - 'भारत में जनजातीय लोगों की आजीविका और विकास की राजनीति' द वाइस : एन इंटरनेशनल रेफ्रड रिसर्च जर्नल, खंड 5, सं.1.

वर्मा, सुरिन्द्र (2017) - 'इज लॉ स्ट्रांग एनफ ओवर कस्टम्स? द सेलिएंस आफ चाइल्ड मैरीज इन इंडिया। लीगल रिसर्च डिवलपमेंट : एन इंटरनेशनल रेफ्रड ई-जर्नल 3, इश्यू-1.

संपादक/एसोसिएट संपादक/प्रबंधन संपादक-2 जर्नल में कार्यरत 2 शिक्षक

सदस्य, संपादकीय मंडल/परामर्शी बोर्ड - 9 जर्नल में कार्यरत 4 संकाय सदस्य।

अनुसंधान परियोजनाएं

आईसीसीएसआर, अदुसुमल्ली, बी. ने 'सस्टेनेबल डिवलपमेंट आफ माउंटेन कम्युनिटीज : ए पार्टिसिपेटरी एप्रोच-इनहांसिंग लाइवलिहुड्स, फूड सिक्योरिटी एंड कैपेसिटी डिवलपमेंट फार डिजास्टर प्रीपेयर्डनेस एंड रिस्पांस, भटवारी ब्लॉक, उत्तरकाशी जिला' में एक अनुसंधान परियोजना प्रारंभ की।

आनंद, एम. ने 'इम्पेक्ट एसेसमेंट आफ सीएसआर इनिसिएटिव्ज आफ टाटा पावर - दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड' का अनुसंधान परामर्शी अध्ययन किया।

भट्ट, एस.

'इवेल्यूएशन आफ प्रोजेक्ट आन अटेनिंग चाइल्ड राइट्स : रेस्क्यू असिसटेंस एंड सोशल रिइंटीग्रेशन आफ चाइल्ड लेबर' बीबीए द्वारा कार्यान्वित, एसोसिएशन आफ वोलेन्ट्री एजेंसिज द्वारा वित्त पोषित, नई दिल्ली।

सीएएसपी-पीएलएएन के लिए 'सार्वजनिक परिवहन में किशोर बालिकाओं की सुरक्षा' विषय पर शोध अध्ययन आयोजित किया, जिसका वित्त पोषण प्लान इंडिया, नई दिल्ली द्वारा किया गया।

अकादमिक ब्लॉक लखनऊ विश्वविद्यालय में 'ओएनजीसी सेंटर फार एडवांस्ड स्टडीज की प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की, सीएसआर, ओएनजीसी द्वारा वित्त पोषित।

'इनहांसिंग एजुकेशनल एंड वोकेशनल एस्पिरेशन अमंग शिड्यूल्ड कास्ट एंड शिड्यूल्ड ट्राइब्स स्टूडेंट्स : एन एक्शन रिसर्च इन अंडरडिवलपड डिस्ट्रिक्ट आफ छत्तीसगढ़, आईसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित।

पांडे, एन.

एस्टेबलिशमेंट आफ सोशल सर्विस यूनिट इन पुलिस स्टेशन इन दिल्ली, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार (निर्भया फंड)।

'रिव्यू आफ रिड्रेसल सिस्टम आफ पब्लिकग्रिवेंसिज कमीशन (पीजीसी) इन दिल्ली। टीवाईसीआईए प्रतिष्ठान के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग द्वारा प्रारंभ किया जाने वाला अनुसंधान अध्ययन, सहयोग एवं वित्त पोषण-पब्लिक ग्रिवेंस कमीशन।

शर्मा, एस.

'लोकेटिंग नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन विद इन द ह्यूमन राइट्स डिसकोर्स एट द ग्रास रूट्स इन रूरल इंडिया' - राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग द्वारा वित्त पोषित।

'एचपीसीएल-सीएसआर परियोजनाओं का प्रभाव मूल्यांकन' एचपीसीएल द्वारो वित्त पोषित।

'मेम्बर्स, नेशनल सीएसआर अवार्डस कमिटी', आईआईसीए द्वारा वित्त पोषित।

आयोजित सेमिनार

कुल आयोजित किए गए सेमिनार - 7

सामाजिक कार्य विभाग ने नेशनल एसोसिएशन आफ प्रोफेशन सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्ल्यूआई) के सहयोग से दिनांक 1 से 3 नवम्बर, 2018 को 'ह्यूमन डिवलपमेंट एंड सोशल इनक्लुजन : इम्पीरेटिव्ज फार सोशल वर्क एजुकेशन एंड प्रैक्टिस' विषय पर छठे भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन का आयोजन किया।

विभाग ने एनएपीएसडब्ल्यूआई के साथ मिलकर संयुक्त तौर पर 16 मार्च, 2019 को 'काउंसिल फार सोशल वर्क एजुकेशन : चैलेंजिज एंड वे फारवर्ड' विषय पर गोलमेज चर्चा का आयोजन किया।

विभाग ने विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर दिनांक 5 फरवरी, 2019 को 'असंगठित क्षेत्र कर्मकार सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, 2008' पर गोलमेज चर्चा का आयोजन किया।

विभाग ने 'एक्टिव ऐजिंग' विषय पर इंडो-जर्मन फिल्म फेस्टिवल' के आयोजन के लिए जर्मन हाऊस का सहयोग लिया। एक्टिव ऐजिंग और इसके साथ जुड़े हुए जनसांख्यिकीय बदलावों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए पीढ़ियों के बीच संवाद को बढ़ावा देने हेतु 24 सितम्बर, 2018 को इस 'फेस्टिवल' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विभिन्न सहयोगों के साथ प्रारंभ की गई एक पहल थी, जिनमें 'द यूरोपियन फिल्म फेस्टिवल फार जेनरेशंस, सामाजिक कल्याण और न्याय मंत्रालय, यूनाइटेड नेशंस पापुलेशन फंड एवं मेजबान भागीदार के तौर पर 'इंडिया इंटरनेशनल सेंटर' शामिल हैं।

8 अक्तूबर, 2018 को एगरेरियन क्राइसिस : चैलेंजिज एंड पासिबिलिटीज' विषय पर एक संवादात्मक सेमिनार का आयोजन किया गया।

विभाग ने 12 नवम्बर, 2018 को 'लोकतंत्र, विविधता एवं समावेशिता' विषय पर पैनेलिस्ट के रूप में भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी और सामाजिक कार्यकर्ता अरूणा राय के साथ आधे दिन का परस्पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया।

26 अप्रैल, 2018 को 'डॉ. अम्बेडकरे'ज थॉट ऑन वुमन इमेनसिपेशन' विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

13 एवं 15 फरवरी, 2019 को 'एक्शन ऐड इंडिया' के सहयोग से 'पार्टिसिपेटरी रूरल एपरेजल' विषय पर दो-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन

विभाग ने इंस्टीट्यूट आफ लीवर एंड बायलरी साइंसिज (आईएलबीएस), नई दिल्ली के सहयोग से 'एम्पावरिंग पीपल अगेंस्ट हेपपटाटिस' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

विभाग ने 14 जनवरी, 2019 को 'लेप्रोसी' पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला के आयोजन के लिए ससकावा-इंडिया लेप्रोसी फाउंडेशन (एस-आईएलएफ), एक पंजीकृत भारतीय धर्मार्थ न्यास, के साथ सहयोग स्थापित किया।

1 दिसम्बर, 2018 को एसएसयू, दिल्ली पुलिस के सामाजिक कर्मियों का एक दिवसीय 'केस कांफ्रेंस' आयोजित किया गया।

विशिष्ट क्षेत्रों में कौशलों के संवर्धन हेतु 24 सितम्बर और 4 अक्तूबर, 2018 को 'सामाजिक सेवा इकाईयों' के अंतर्गत कार्य कर रहे सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए तकनीकी सहायता अभिकरण के तौर पर नीना पांडे, मुख्य जांचकर्ता ने दो दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

1 मार्च, 2019 को विभाग के सहयोग से कोच्ची स्थित गैर-सरकारी संगठन लेटर फार्म ने 'चेंज 150' शीर्षक के अंतर्गत परस्पर संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अदुसुमल्ली, एम.

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (एनआईएमएचएएनएस), बैंगलोर में आयोजित व्यावसायिक मनोचिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता वार्षिक सम्मेलन में मोनिशा एल. नारायणन के साथ मिलकर 'रिसर्चिंग चिल्ड्रन इन स्ट्रीट सिचुएशंस : फील्ड चैलेंजिज एंड इनावेशंस' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (एनआईएमएचएएनएस), बैंगलोर में आयोजित व्यावसायिक मनोचिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता वार्षिक सम्मेलन में मनीशा चन्द्रा के साथ 'कम्युनिटी एप्रोच टू रेजिलिएंस एंड वेल-बींग' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

20 मार्च, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 'सामाजिक कार्य एवं लाभ वंचित समूह' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में विदाई भाषण दिया।

22 अक्तूबर, 2018 को भारतीय कारपोरेट कार्य संस्थान, हालीडे इन, नई दिल्ली में सीएसआर संबंधी विशेषज्ञ समिति के लिए आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में विशेषज्ञ सदस्य के तौर पर भाग लिया।

1 नवम्बर, 2018 को एनएपीएसडब्ल्यूआई और सामाजिक कार्य विभाग द्वारा सम्मेलन केन्द्र में संयुक्त तौर पर 'मानव विकास एवं सामाजिक समावेशिता : सामाजिक कार्य शिक्षा एवं अभ्यास के लिए अनिवार्यताएं' विषय पर आयोजित छठे भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन में उद्घाटन भाषण दिया।

18 जनवरी, 2019 को सामाजिक कार्य विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया और स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, मिन्नेसोटा विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा 'पर्यावरणीय एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य तथा संधारणीयता के लिए उभरती हुई चुनौतियां' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में चिकित्सा सामाजिक कार्य विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

17 नवम्बर, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में 'स्वदेशी सामाजिक कार्य : चुनौतियां, प्रक्रियाएं और भविष्य' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंडिजिनस सोशल वर्क प्रैक्टिसिज एंड सिविल सोसायटी आर्गेनाइजेशंस' विषय पर प्रारंभिक सत्र की अध्यक्षता की।

14 मार्च, 2019 को सामाजिक कार्य विभाग संकाय, महाराजा सायाजीराव बड़ौदा विश्वविद्यालय द्वारा जलवायु परिवर्तन विभाग, गुजरात सरकार के सहयोग से 'जलवायु परिवर्तन और संधारणीय विकास : तथ्य, प्रभाव और परिपेक्ष्य' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'जलवायु परिवर्तन और संधारणीय विकास : संबंध, प्रभाव और सामाजिक कार्य अनिवार्यताएं' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

1-3 नवम्बर, 2018 को एनएपीएसडब्ल्यूआई एवं सामाजिक कार्य विभाग द्वारा संयुक्त तौर पर 'मानव विकास और सामाजिक समावेशिता : सामाजिक कार्य शिक्षा के लिए अनिवार्यताएं' विषय पर आयोजित छठे भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन में आयोजक सचिव।

3 से 5 जनवरी, 2019 को 'साइकिएट्रिक सोशल वर्क' विभाग, एनआईएमएचएएनएस के स्वर्ण जयंती समारोह में 'स्ट्रेंथ बेस्ड एप्रोच टू सोशल वर्क प्रैक्टिस विद सरवायवर्स आफ डोमेस्टिक वायलेंस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया तथा इंडियन सोसाइटी आफ प्रोफेशनल सोशल वर्क एवं 'साइकिएट्रिक सोशल वर्क' विभाग, एनआईएमएचेएएनएस द्वारा 'सोशल वर्क एंड वेलबिईंग : प्रैक्टिस एंड स्ट्रेटीज' विषय पर राष्ट्रीय आईएसपीएसडब्ल्यू के XXXVIIवें वार्षिक सम्मेलन में पत्र प्रस्तुत किया (सह-प्रस्तुतकर्ता)।

आनंद, एम.

28 से 29 नवम्बर, 2018 को एसोसिएशन आफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, नई दिल्ली और सरोजिनी नायडू महिला अध्ययन केन्द्र, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा 'वुमन एमपावरमेंट : परस्पेक्टिव आन जेंडर डिस्क्रिमिनेशन एंड इनक्लुसिव पॉलिसिज विद स्पेशल रेफ्रेंस टू हायर एजुकेशन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनोर में 'जेंडर मेनस्ट्रीमिंग एंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट : टुवर्डस ए प्रैक्सिज' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

1-3 नवम्बर, 2018 को एनएपीएसडब्ल्यूआई एवं सामाजिक कार्य विभाग द्वारा 'ह्यूमन डिवलपमेंट एंड सोशल इनक्लुसन : इम्पीरिटिव्ज फार सोशल वर्क एजुकेशन एंड प्रैक्टिस' विषय पर आयोजित छठे भारतीय सामाजिक सम्मेलन में 'डायलेटिक्स आफ मेंटल हेल्थ एंड इलनेस : टुवर्डस इनक्लुसनरी प्रैक्टिसिज' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

1-3 नवम्बर, 2018 को एनएपीएसडब्ल्यूआई एवं सामाजिक कार्य विभाग द्वारा 'ह्यूमन डिवलपमेंट एंड सोशल इनक्लुसन : इम्पीरिटिव्ज फार सोशल वर्क एजुकेशन एंड प्रैक्टिस' विषय पर आयोजित छठे भारतीय सामाजिक सम्मेलन में 'मेंटल हेल्थ' विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की।

भट्ट, एस.

1-3 नवम्बर, 2018 को एनएपीएसडब्ल्यूआई एवं सामाजिक कार्य विभाग द्वारा 'ह्यूमन डिवलपमेंट एंड सोशल इनक्लुसन : इम्पीरिटिव्ज फार सोशल वर्क एजुकेशन एंड प्रैक्टिस' विषय पर छठे भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन 2018 का आयोजन।

16 मार्च, 2019 को एनएपीएसडब्ल्यूआई के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग में 'सामाजिक कार्य शिक्षा परिषद् एवं इसका भविष्य' विषय पर गोलमेज चर्चा का आयोजन किया।

25 मार्च, 2019 को एनएपीएसडब्ल्यूआई और जीएसएसडब्ल्यूए के सहयोग से पैरवी द्वारा 'पीपल मेनिफेस्टो फार जनरल इलेक्शन, 2019' का आयोजन किया।

23 मार्च, 2019 को राष्ट्रीय सेवा योजना, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम और भूमिका वुमन कलेक्टिव्ज, हैदराबाद द्वारा 'यूथ एंड सिविक एंनगेजमेंट : परस्पेक्टिव्ज एंड प्रोस्पेक्ट्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनोर में विदाई भाषण।

19 मार्च, 2019 को सामाजिक कार्य विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय में सामाजिक कार्य दिवस, 2019 के अवसर पर 'मानव संबंध का संवर्धन' विषय पर विदाई भाषण दिया।

18 जनवरी, 2019 को सामाजिक कार्य विभाग, एलवा कॉलेज मूदबिदरी, मंगलौर, कर्नाटक द्वारा 'एलवा रीच-2019' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि।

5-7 दिसम्बर, 2018 को 'प्लान इंडिया नेशनल कांफ्रेंस प्लान (पीएलएएन) फार एवंरी चाइल्ड', नई दिल्ली द्वारा 'फ्राम सेफ्टी नेट्स टू स्प्रिंगबोर्डस : पुटिंग द लास्ट गर्ल्स फर्स्ट - द रोल आफ लेजिस्लेचर' विषय पर आयोजित सम्मेलन में भाषण।

16 और 17 नवम्बर, 2018 को जामिया मिलिया इस्लामिया में 'इंडिजिनस सोशल वर्क : चैलेंजिज, रिस्पांसिज एंड वे फारवर्ड' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में पैनेलिस्ट।

डार, एस.

9-10 फरवरी, 2015 को जोसेफ कॉलेज, बैंगलोर में 'ह्यूमन कैपिटल फार्मेशन : इश्यूज एंड चैलेंजिज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सोशल एक्सक्लुजन आफ गुज्जर ट्राइब आफ जम्मू एंड कश्मीर' शीर्षक के अंतर्गत पत्र प्रस्तुत किया।

8 सितम्बर, 2017 को चौथे अंतर्राष्ट्रीय केस कनक्लेव, जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी में 'एजुकेशन एंड सोशल एक्सक्लुसन : ए केस स्टडी आफ गुज्जर्स एंड बकरवाल इन जम्मू एंड कश्मीर' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

झा, पी.

26-27 जुलाई, 2018 को टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान और फोर्ड फाउंडेशन द्वारा ओल्ड कांफ्रेंस हाल, टाटा इंस्टीट्यूट फार सोशल साइंसिज, मुम्बई में संयुक्त तौर पर 'अनुभव, आकांक्षाएं और संघर्ष : भारतीय शहरों में नया मध्यम वर्ग' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'सोशल पॉलिटिकल एक्टिविज्म एंड द न्यू मिडल क्लास : एन एक्सपलारेशन आफ द कंटम्परेरी मोबिलाइजेशंस इन अर्बन स्पेसिज' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

14-15 मार्च, 2018 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय, दिल्ली और महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा संयुक्त तौर पर आयोजित एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रायोजित 'इंडियन सोशल वर्क : स्कॉप एंड चैलेंजिंज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'यूरो-सेंट्रिज्म एंड सोशल वर्क एजुकेशन : रिपोस्टस फ्राम इंडिजिनस ट्रेडिशंस फ्राम इंडिया एंड थर्ड वर्ल्ड' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

19-20 मार्च, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (एमएएनयूयू) हैदराबाद द्वारा 'सोशल वर्क एंड मार्जिनेलाइज्ड ग्रुप्स' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनोर में 'मार्जिनेलाइज्ड ग्रुप्स एंड एनजीओ' विषय पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

3 नवम्बर, 2018 को कांफ्रेंस सेंटर में छठे भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन के समानांतर सत्र की सह अध्यक्षता की।

कौशिक, ए.

1-3 नवम्बर, 2018 को सामाजिक कार्यविभाग और एनएपीएसडब्ल्यूआई द्वारा आयोजित छठे भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन में 'चेजिंग लाइफ अनलिव्ड : अंडर द शैडो आफ डेथ' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

1-3 नवम्बर, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग और एनएपीएसडब्ल्यूआई द्वारा आयोजित छठे भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन में 'रीडिफाइनिंग सक्सेस : रोल एंड स्कॉप आफ सोशल वर्क' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

21 फरवरी, 2019 को मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की, उत्तराखंड और एनआईएसडी, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 'एल्डर अब्यूज एंड क्राइम अगेंस्ट द एल्डरजह : चैलेंजिज एंड प्रीवेंटिव मेजर्स' विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में 'एल्डर अब्यूज : मेनिकेस्टेशन, मैग्नीट्यूड, काजिज एंड कांसिक्वेन्सिज' विषय पर संसाधन व्यक्ति के तौर पर भाषण दिया।

14-15 मार्च, 2018 को 'इंडियन सोशल वर्क : स्कॉप एंड चैलेंजिज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंडिजेनाइजेशन आफ सोशल वर्क एजुकेशन एंड प्रैक्टिस थ्रू भक्ति एंड योग' विषय पर विशेषज्ञ के तौर पर भाषण दिया।

29 और 30 मार्च, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय और एनआईएसडी द्वारा 'ऐजिंग एंड एल्डरली केयर : क्रिटिकल इश्यूज, चैलेंजिज एंड वे फारवर्ड' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'रिड्यूसिंग वलनेरेबिलिटीज अमंग ओल्डर परसंस थ्रू सोशल स्पोर्ट' विषय पर प्रारंभिक सत्र में भाषण दिया।

10 अप्रैल, 2018 को नेशनल इंस्टीट्यूट आफ क्रिमिनालॉजी एंड फारेंसिक सांइसिज 'जुवेनोइल जस्टिस (केयर एंड प्रोटेक्शन एक्ट), 2015 : मेन फीचर्स एंड इश्यूज' विषय पर देश भर के 'जेएम/डिप्टी एसपी/एएसपी, एपीओ/पब्लिक प्रोसिक्यूटर्स एंड करेक्शन/प्रिजन आफिसर्स' सहित आपराधिक न्याय प्रणाली के वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों के लिए व्याख्यान दिया।

13 जुलाई, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय के संकाय, पीएच॰डी शोधार्थियों, एमएसडब्ल्यू विद्यार्थियों के लिए 'बेसिक्स आफ क्वांटिटेटिव रिसर्च' विषय पर आयोजित सम्मेलन में विशेष व्याख्यान दिया।

कौशिक, ए., 20 जुलाई, 2018 को अदिति महाविद्यालय में 'जियोग्राफिकल सोशल वर्क : एन एमर्जिंग एरिया आफ स्टडी एंड प्रैक्टिस' विषय पर व्याख्यान दिया।

4 जुलाई, 2018 को डाटा प्रोसेसिंग : डिवलपिंग यूनिवेरिएट, बाई-वेरिएट एंड मल्टी वेरिएट टेबेल्स एंड एनलिसिस विषय पर देश भर के 'जेएम/डिप्टी एसपी/एएसपी, एपीओ/पब्लिक प्रोसिक्यूटर्स एंड करेक्शन/प्रिजन आफिसर्स' सहित आपराधिक न्याय प्रणाली के वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों के लिए व्याख्यान दिया।

27-28 सितम्बर, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान और एनआईएसडी द्वारा 'एक्टिव ऐजिंग इन 21वीं सेंचुरी : चैलेंजिज, कनसंर्स एंड आपरचुनिटिज एक्रॉस मल्टीपल स्टेकहोल्डर्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'थ्यूरेपिटिक इंटरवेंशंस फार एक्टिव ऐजिंग' विषय पर व्याख्यान दिया।

27-28 सितम्बर, 2018 को 27-28 सितम्बर, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान और एनआईएसडी द्वारा 'एक्टिव ऐजिंग इन 21वीं सेंचुरी : चैलेंजिज, कनसंर्स एंड आपरचुनिटिज एक्रॉस मल्टीपल स्टेकहोल्डर्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'इंस्टीट्यूशनल एंड कम्युनिटी बेस्ड इंटरवेंशंस फार गेरियाट्रिक पापुलेशन' विषय पर व्याख्यान दिया।

27-28 सितम्बर, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान और एनआईएसडी द्वारा 'एक्टिव ऐजिंग इन ट्वन्टी फर्स्ट सेंचुरी : चैलेंजिज, कनसंर्स एंड आपरचुनिटिज एक्रॉस मल्टीपल स्टेकहोल्डर्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनोर में 'एक्टिव ऐजिंग एंड एम्पावरमेंट : कनसेप्ट एंड पॉसिबिलिटी' विषय पर व्याख्यान दिया।

1 और 2 नवम्बर, 2018 को आल इंडिया वुमन एजुकेशन फंड एसोसिएशन और लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'एनसुरिंग हेल्थ लाइव्ज एंड प्रोमोटिंग वेलनेस इन ओल्ड एज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'सर्किल आफ केयर : रोल आफ सोशल सपोर्ट' विषय पर व्याख्यान दिया।

12 अप्रैल, 2018 को अदिति महाविद्यालय में 'न्यूअर चैलेंजिज इन एडमिनिस्ट्रेशन एंड न्युएंसिज आफ गुड गवर्नेंस' विषय पर आयोजित सेमिनार में व्याख्यान दिया।

4 अक्तूबर, 2018 को जानकी देवी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'गेरियाट्रिक्स : इंस्टीट्यूशनेलाइजेशन, हेल्थ कंडीशंस एंड सोशल प्रोबलम्स आफ द ऐल्डरली' विषय पर व्याख्यान दिया।

1 से 3 नवम्बर, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग और एनएपीएसडब्ल्यूआई द्वारा आयोजित छठे भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन में 'चेजिंग लाइफ अनलिव्ड : अंडर द शैडो आफ डेथ' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

1 से 3 नवम्बर, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग और एनएपीएसडब्ल्यूआई द्वारा आयोजित छठे भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन में 'रिडिफाइनिंग सक्सेस : रोल एंड स्कॉप आफ सोशल वर्क' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

खान, ए. - 1 से 3 नवम्बर, 2018 को 1 से 3 नवम्बर, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग और एनएपीएसडब्ल्यूआई द्वारा आयोजित छठे भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन में 'एमर्जिंग ट्रेंड्स आफ मास मीडिया इन प्री एंड पोस्ट डिजास्टर सिचुएशंस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

मस्के, एस. - डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और सामाजिक कार्य विभाग, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय में 'एक्सपेरिंशियल लर्निंग इन रूरल डिवलपमेंट : इनसाइट्स फ्राम प्रैक्टिस विजन (ए केस स्टडी आफ वांगेगांव विलेज)' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

पांडे, एन.

'मानव संसाधन विकास और सामाजिक समावेशिता : सामाजिक कार्य शिक्षा और अभ्यास के लिए अनिवार्यताएं, 2018' विषय पर आयोजित छठे भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन में 'अनडिकलेयर्ड सिंगल पेटेंट वुमन : स्ट्रगल, चैलेंज एंड एचीवमेंट' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

अमिटी विश्वविद्यालय, 2018 में 'सामाजिक कार्य और बाल अधिकार : समसामयिक मुद्दे और भविष्य' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एक्सक्लुसन आफ ग्रोईंग सेक्सुएलिटिज : रिडिफाइनिंग रोल आफ स्कूल सोशल वर्क' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

निर्भया फंड और दिल्ली पुलिस के माध्यम से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की भूमिकाओं द्वारा अत्यधिक पद दुरूपयोग के मामलों की जांच करते समय सामाजिक कार्यकर्ताओं के मुद्दों का समाधान और परामर्श के माध्यम से लैंगिकता एवं यौन स्वास्थ्य मुद्दों का समाधान करने के लिए 'सोशल वर्कर्स वर्किंग इन सोशल सर्विस यूनिट्स (एसएसयू) इन स्पेशल पुलिस यूनिट्स फार वुमन एंड चिल्ड्रन (एसपीयूडब्ल्यूएसी)' विषय पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण।

निर्भया फंड और दिल्ली पुलिस के माध्यम से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'केस कांफ्रेंस, केपसिटी बिल्डिंग एंड लर्निंग एक्सरसाइज आफ सोशल वर्कर्स आफ सोशल सर्विस यूनिट्स आफ दिल्ली पुलिस' विषय पर एक दिवसीय केस कांफ्रेंस'।

रानी, एस.

1-3 नवम्बर को आयोजित छठे भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन में 'एग्रेसन एंड वायलेंस अमंग चिल्ड्रन : काजिज, ट्रेंड्स एंड सोशल वर्क इंटरवेंशन' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

1-3 नवम्बर को एनएपीएसडब्ल्यूआई और सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित छठे भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन (आईएसडब्ल्यूसी) 'रिडिफाइनिंग सक्सेस रोल एंड स्कॉप आफ सोशल वर्क' विषय पर संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया।

14-15 मार्च, 2018 को डॉ. आर.बी. अम्बेडकर महाविद्यालय द्वारा 'इंडियन सोशल वर्क स्कॉप एंड चैलेंजिज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'रिविजिटिंग फूले एंड अम्बेडकर एप्रोचिज आफ सोशल जस्टिस एंड इट्स रेलिवेंस इन कंटम्परेरी सोशल वर्क प्रैक्टिस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

राय, एस.

छठे भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन में 'गेरियाट्रिक सोशल वर्क इन इंडिया' स्कॉप एंड कनसंर्स' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

मार्च, 2018 में 'भारतीय सामाजिक कार्य : क्षेत्र एवं चुनौतियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'टैगोर का शांति निकेतन प्रयोग : ग्रामीण विकास के लिए एक व्यवहार्य भारतीय स्वदेशी मॉडल' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

छठे भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन 2018 के सत्र की अध्यक्षता की।

डाक्टर्स विदआउट बार्डर्स (एमएसएफ), इंडिया की एक परियोजना, उम्मीद की किरण क्लिनिक द्वारा वित्त पोषित, 'अंडरस्टेडिंग बैरियर्स टू एक्सेस टाइमली मेडिकल एंड साइकॉलाजिकल केयर फेस्ड बाय सरवाइवर आफ सेक्सुअल एंड जेंडर बेस्ड वायलेंस' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला-सह-चर्चा का आयोजन किया।

सिंगला, पी.

9 फरवरी, 2019 को भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) की उत्तरी भारतीय क्षेत्रीय परिषद् (एनआईआरसी) द्वारा होटल रायल प्लाजा, दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय महिला सम्मेलन अस्तित्व' में 'महिला सशक्तिकरण : कार्य जीवन संतुलन' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

28 दिसम्बर, 2018 को लॉ कॉलेज आडिटोरियम, भारती विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, पुणे में सामाजिक कार्य विभाग, जामिया जामिया इस्लामिया, दिल्ली और सामाजिक विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, पुणे द्वारा 'भारत में जनजातीय आश्रम विद्यालयों की स्थिति : मुद्दे, चुनौतियां और संभावनाएं' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'आश्रम विद्यालय : जनजातीय बालिकाओं की सुरक्षा, संरक्षा और शैक्षिक सशक्तिकरण के मुद्दे' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

1-3 नवम्बर, 2018 को कांफ्रेंस हाल में 'मानव विकास और सामाजिक बहिष्कार : सामाजिक कार्य शिक्षा एवं रीतियों हेतु अनिवार्यताएं' विषय पर इंडियन नेशनल कांग्रेस में पत्र प्रस्तुत किया।

थॉमस, एन.टी. - एनएपीएसडब्ल्यूआई द्वारा आयोजित छठे भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन के दौरान 3 नवम्बर, 2018 को 'डिमांड फार इनक्लुसन इन द सिक्स्थ शेड्यूल : द केस आफ आटोनोमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल, मणिपुर' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

वर्मा, एस. - 15-18 नवम्बर, 2018 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी में 'डिजास्टर मैनेजमेंट एंड कनसिएसनेस फार नॉन-ह्यूमन लाइव्ज अमंग यूथ : ए थ्यूरेटिकल एप्रोच इन रिइनफार्सिंग कोस्टल जोन मैनेजमेंट : सेविंग लाइव्ज', हेबिटेट्स एंड लाइवलीहुड आफ पीपल' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग :

प्रतिष्ठित एशिया प्रशांत सामाजिक कार्य शिक्षा संघ (एपीएएसडब्ल्यूई) की सदस्यता कायम रखने के अतिरिक्त, विभाग ने हेल्डबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी; विलफ्रिड लाउरियर यूनिवर्सिटी, कनाडा; यूनिवर्सिटी आफ साऊथ आस्ट्रेलिया; यूनिवर्सिटी आफ कलग्र; यूनिवर्सिटी आफ एडिनबर्ग, यूनिवर्सिटी आफ साऊथ आस्ट्रेलिया एवं विक्टोरिया यूनिवर्सिटी के साथ सहयोग स्थापित करने की दिशा में कार्य किया।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या : 54 (वर्तमान में 90 प्रतिशत। विभागीय नियोजन प्रकोष्ठ का कार्य अभी भी जारी है)।

कैम्पस नियोजन के लिए विभाग का दौरा करने वाले संगठन : 41

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

एक अग्रणी सामाजिक कार्य शिक्षा संस्थान के तौर पर, विभाग ने सामाजिक मुद्दों और समस्याओं का समाधान करने में सामाजिक कार्य अन्त:क्षेप की प्रासंगिकता प्रदर्शित करने के लिए क्षेत्रीय कार्य परियोजनाएं प्रारंभ की हैं। सामुदायिक विकास और कार्य केन्द्र (सीसीडीए) ने सामुदायिक क्षेत्रों में अर्थपूर्ण सहभागिता जारी रखी। कई आवश्यकता आधारित और अनवरत विकसित होते अंत:क्षेपों का कार्यान्वयन करने के अतिरिक्त, सीसीडीएटीम ने बुराड़ी में कई सफल सहभागिताओं का कार्यान्वयन भी सुनिश्चित किया।

विभाग की दूसरी परियोजना 'सेंटर फार चाइल्ड एंड एडोलिसेंट वेल बीईंग (सीसीएडब्ल्यू)' के अंतर्गत डॉ. ए. मलाथी के मार्गदर्शन में विविध नैदानिक समूहों के लिए नवाचारी अंत:क्षेप प्रदान किए गए।

विभाग ने प्रतिष्ठित परियोजना 'उन्नत भारत अभियान' जारी रखा। यह परियोजना विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिएगए और निम्न सामाजिक आर्थिक संकेतकों के आधार पर अभिनिर्धारित किए गए पांच गांवों में कार्यान्वित की जा रही है। ये गांव हैं : बदरपुर खादर, चौहान पट्टी, जगतपुर, मुकुंदपुर और झाडौदा। गांव विशिष्ट कार्य क्षेत्रों के अतिरिक्त, यूवीए पहलों का संकेन्द्रण स्वच्छता, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण पर रहा है। यहां पर 'सखी सहेली' कार्यक्रम 'पीररियड पावर्टी' को दूर करने के लिए कार्यक्रम, का विशेष उल्लेख किया जाना आवश्यक है। सहभागिता और प्रक्रिया उन्मुखी प्रशिक्षण, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ यह कार्यक्रम समुदाय की महिलाओं और बालिकाओं में मासिक धर्म साफ-सफाई को बढ़ावा दे रहा है। नीरा अग्निमित्रा विश्वविद्यालय के उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम की नोडल व्यक्ति हैं।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

वर्तमान अकादमिक वर्ष में 11 शोधार्थियों को एम.फिल डिग्री और शोधार्थियों को पीएच॰डी डिग्री प्रदान की गई है।

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय-15, तदर्थ संकाय-1 और गेस्ट संकाय-5.

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग ने वर्ष के दौरान कार्यशालाओं, सेमिनारों, चर्चाओं और प्रशिक्षण का आयोजन किया। कई नई पहलों में दिल्ली पुलिस केस कांफ्रेंस की सामाजिक सेवा इकाईयों (एसएसयू) के सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण तथा एसएसयू, दिल्ली पुलिस के सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए एक दिवसीय केस कांफ्रेंस; 'मानसिक

स्वास्थ्य और तंदरूस्ती' विषय पर व्याख्यान श्रंखला; 'लोकतंत्र, विविधता और समावेशिता' विषय पर लोकतंत्र संवाद : डिकोडिंग एगरेरियन क्राइसिस : चैलेंजिज एंड पासिबिलिटीज' विषय पर व्याख्यान श्रंखला; और पीड़ित किसानों के लिए एकता मार्च तथा हस्ताक्षर अभियान; विभिन्न हितधारकों के साथ असंगठित क्षेत्र के कर्मकार और सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, 2008 विषय पर गोलमेज चर्चा; शिक्षा के अधिकार का दावा करने के लिए हुंकार रैली के आयोजन हेतु तैयारी बैठक तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम विषय पर दिल्ली समन्वय समिति की बैठकों का आयोजन; सफाई कर्मचारी आन्दोलन; डॉ. सेलवम स्मृति चर्चा; अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान श्रंखला; नवाचारी हिन्दी दिवस और पौधारोपण कार्यक्रम : 'ऐक्टिव एजिंग' पर भारत-जर्मनी फिल्मोत्सव में भागीदारी; 6 लेपरासी का उपशमन विषय पर जागरूकता और कार्य योजना तैयार करने के लिए ससकावा इंडिया लेपरोसी फाउंडेशन कार्यशाला; 'द एम्पेथी' अभियान : एम्पावरिंग पीपल अगेनस्ट हेपेटाइटिस; पीआरए कार्यशाला तथा 'शोधार्थियों के लिएअनुसंधान पद्धति एवं अकादमिक लेखन' विषय पर कई कार्यशालाएं और अत्यधिक अर्थपूर्ण अनुसंधान श्रंखलाएं शामिल हैं।

सामाजिक कार्य शिक्षा और रीति के संदर्भ में, विभाग ने छह सामाजिक कार्य सम्मेलनों का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिनका विषय था : 'ह्यूमन डिवलपमेंट एंड सोशल इनक्लुसन : इम्पीरेटिव्ज फार सोशल वर्क एजुकेशन एंड प्रैक्टिस'। इनका आयोजन भारत में पेशेवर सामाजिक कार्यकता राष्ट्रीय संघ के सहयोग से किया गया। यह मंच सामाजिक कार्य बिरादरी और सामाजिक कार्य संकाय के लिए 'मक्का' का कार्य करता है और देश भर के वृतिको, विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया।

विभाग ने पूर्वोत्तर दिवस समारोह ताकि दृष्टि दोष पीड़ित राहत संघ के सहयोग से दिव्यांगजनों के लिएविशिष्ट 'मेगा जॉब फेयर' के रूप में कई विशेष कार्यक्रमों का भी आयोजन किया। केरल में बाढ़ पीड़ितों के लिए विभागीय राहत पहल का आयोजन हमारे शोधार्थियों द्वारा किया गया, जिन्होंने केरल राहत केन्द्र के साथ नेटवर्क स्थापित कर राहत पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत की। इस दौरान, केरल बाढ़ पीड़ितों के लिए बहुमूल्य संसाधन जुटाने हेतु संकाय और विद्यार्थियों ने एक साथ मिलकर कार्य किया।

विभाग के पूर्व विद्यार्थियों (एलुमनी) के नेटवर्क के सुदृढ़ीकरण हेतु प्रारंभ की गई पहल ने विद्यार्थियों, संकाय और एलुमनी के सक्रिय प्रयासों से महत्वपूर्ण आयाम हासिल किए। एक महत्वपूर्ण एवं स्वागत योग्य कदम गतिशील एलुमनी कार्य समिति का गठन है, जिसमें 13 सदस्य और विभागाध्यक्ष शामिल है। समिति की बैठक का आयोजन नियमित तौर पर किया जा रहा है तथा एक सक्रिय और गतिशील एलुमनी संघ के गठन हेतु रूपरेखा तैयार की जा रही है। दो महत्वपूर्ण पहलें हैं : अद्यतन एलुमनी डाटा बैंक तैयार करने के लिए एलुमनी पोर्टल प्रारंभ करना तथा विभाग एवं इसकी एलुमनी के बीच सहयोगी संबंध स्थापित करना और विशिष्ट एलुमनी व्याख्यान श्रंखला प्रारंभ करना।

***

सामाजिक विज्ञान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

इस वर्ष की मुख्य विशेषताओं में एनएएसी दल का दौरा था। संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों तथा भारत एवं विदेशों की कई अन्य संस्थाओं में 60 से अधिक प्रस्तुतियां दी; समीक्षाधीन अवधि के दौरान 30 से अधिक शोध पत्र/लेखों/पुस्तकों का प्रकाशन किया; दो अंतर्राष्ट्रीय वित्त पोषित परियोजनाएं जारी हैं; संकाय सदस्यों के पास कई प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रों के संपोदकीय मंडलों की सदस्यता है तथा विभिन्न स्तरों पर कई अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग कर रहे हैं। प्रतिष्ठित समाज शास्त्र अनुसंधान संघ के तत्वावधान में 19 सेमिनारों का आयोजन किया गया तथा निदेशक द्वारा डीएसई स्तर पर वीकेआरवी राव स्मृति व्याख्यान श्रंखला प्रारंभ की गई; तथा वर्ष के दौरान विद्यार्थियों के साथ एक अकादमिक कार्यशाला एवं

कई वाचन और लेखन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। विभाग दिवस, जो फरवरी के अंतिम शुक्रवार को मनाया गया, इसमें साहित्य और समाज शास्त्र के बीच अंतरापृष्ठ पर सजीव चर्चा का आयोजन किया गया। विभाग में विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के बीच आदान-प्रदान हेतु जियांगतन विश्वविद्यालय, चीन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया भी जारी है।

सम्मान और गौरव

तिला कुमारी को कोसली क्रियानुष्ठान समिति, बारगढ़ द्वारा बारगढ़ में दिनांक 21 फरवरी, 2019 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस में भाषा समानता अधिकार अभियान (सीएलईएआर) द्वारा सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

अब्राहम, जानकी एवं आरिफ, यसमीन (संजय श्रीवास्तव के साथ सह-संपादक) (2019) - क्रिटिकल थीमस इन इंडियन सोशोलाजी : सेज प्रकाशन।

अब्राहम, जानकी एवं आरिफ, यसमीन (संजय श्रीवास्तव के साथ सह-संपादक) (2019) - इंट्रोडक्शन, क्रिटिकल थीमस इन इंडियन सोशोलॉजी, संपादक - संजय श्रीवास्तव, जानकी अब्राहम एवं यसमीन आरिफ, पृष्ठ ix-xxiv. : सेज प्रकाशन।

अब्राहम, जानकी (2019) - चैंजिंग कंटावर्स आफ लेजिटिमेसीइन नेबरहुड्स : रिफ्लेक्शंस फ्राम एटाऊन इन नार्थ केरल। लेजिटिमेसी : ऐथनाग्राफिक एंड थ्यूरेटिकल इनसाइट्स। संपादक-इटालो पार्डो एवं गुइलियाना प्राटो, पृष्ठ 125-143, स्विटजरलैंड : पालग्रेव मैकमिलन।

अब्राहम, जानकी (2018) - 'एक्सपलारिंग द कंटावर्स आफ लेजिटेमेसी इन नेबरहुड्स इन नार्थ केरल, इंडिया, अर्बेनिटिज, 8(1), 32-37.

अग्रवाल, अनुजा (2018) - स्पेशल आर्टिकल : सिचुएटिंग द ला ऑन प्रोस्टिट्यूशन/सेक्स वर्क इन इंडिया। एक्सपलोरेशंस : ई-जर्नल आफ द इंडियन सोशोलाजिकल सोसायटी, 2(1), 3-20.

अग्रवाल, अनुजा (2018) - जेंडर क्वेशचंस एट द मार्जिंस : द केस आफ नोमेडिक एंड डीएनटी कम्युनिटीज अंत्याजा : इंडियन जर्नल आफ वुमन एंड सोशल चेंज, 3(2), 147-62.

अग्रवाल, अनुजा (2018) - रिविजिटिंग द मार्किस्ट एप्रोच टू सेक्स वर्क। लेफ्ट पालिटिक्स इन साऊथ एशिया : रिफ्रेमिंग द एजेंडा, संपादक रवि कुमार, पृष्ठ 154-73, दिल्ली : आकार बुक्स।

अफुन, के. (2019) - नागाओं की पहचान और राष्ट्रवाद : पूर्वोत्तर भारत में जेलियाग्रोंग नागाओं का स्वदेशी आन्दोलन। द पेलग्रेव हैंडबुक आफ एथनिसिटी। संपादक स्टीवन रतुआ, लंदन/सिंगापुर : पालग्रेव मैकमिलन।

चटर्जी, रोमा (2018) - 'द आर्टिस्ट एज वेफयर्र'। कैटेलाग फार तारसिटो फाल इन लव विद इंडिया : एक्जिबिशन एट आर्ट कोनेसल्ट एंड आर्टस आफ अर्थ, 2-15.

चटर्जी, रोमा (2018) - फारवर्ड : टुवर्डस ए सोशोलाजी फ्राम 'अनएक्सपेक्टिड प्लेसिज' एंड ए सोशोलाजी आफ पासिबिलिटीज इन साऊथ एशिया। सोशोलाजी एंड सोशल एंथ्रोपालाजी इन साऊथ एशिया : हिस्ट्रिज एंड प्रैक्टिसिज। संपादक आर. कुमार, डी.एन. पाठक एवं एस. पेरेरा, पृष्ठ 1-18, दिल्ली : ओरिएन्ट ब्लैकसवन।

चटर्जी, रोमा (2019) - 'द फाल्क एंड द मेकिंग आफ एन इंडियन ऐस्थैटिक' क्रिटिकल थीमस इन इंडियन सोशोलाजी, संपादक संजय श्रीवास्तव, जानकी अब्राहम एवं यसमीन, आरिफ, पृष्ठ 19-30, सेज प्रकाशन।

चौपड़ा, राधिका (2018) - अमृतसर 1984 : ए सिटी रिमम्बर्स। लंदन, न्यायार्क, लनहम : लेक्सिटंगन बुक्स/रोमैन एंड लिटलफिल्ड।

चौपड़ा, राधिका (2018) - अपना-पराया : अप्रवासी पड़ोस का निर्माण। आधुनिकता और पंजाब एवं हरियाणा का बदलता हुआ ताना-बाना। संपादित योगेश स्नेही एवं ललन एस. बघेल, पृष्ठ 299-323. शिमला : भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान।

चौपड़ा, राधिका (2018) - मैपस आफ एक्सपीरियंस : नरेटिव्ज आफ माइग्रेशन इन एन इंडियन विलेज। ए हैंडबुक आफ रूरल इंडिया। संपादक - सुरिन्द्र एस. जोधका, पृष्ठ 360-376; ओरिएंट ब्लैक्सवन।

चौपड़ा, राधिका (2018) - ए म्यूजियम, ए मैमोरियल एंड मार्टर : पालिटिक्स आफ मेमरी इन द सिख गोल्डन टेंपल। इंडिया एंड इट्स विजुअल कल्चर्स : कम्युनिटी, क्लास एंड जेंडर इन ए सिम्बोलिक लैंडस्केप। संपादक - यूवे स्कोडा एवं बिरगिट लेट्टमन, पृष्ठ 255-277 : सेज प्रकाशन।

देशपांडे, एस. (2018) - एंथ्रोपालाजी इन इंडिया। द इंटरनेशनल इनसाइक्लोपीडिया आफ एंथ्रोपालाजी, एच. कैलन (संपादित)। डीओआई 10.1002/9781118924396.wbiea2355

देशपांडे, एस. (2018) - एम.एन. श्रीवास्तव। द इंटरनेशनल इनसाइक्लोपीडिया आफ एंथ्रोपालाजी। एच. कैलन (संपादित)। डीओआई : 10.1002/9781118924396.wbiea2218

देशपांडे, एस. - (पालशिखर एस. के साथ) (संपादित) (2019) - भारत में क्षेत्रीय हिंसा : हिन्दू-मुस्लिम संघर्ष, 1966-2015, हैदराबाद एवं दिल्ली : ओरिएंट ब्लैक्सवन।

देशपांडे, एस. - (पालशिखर एस. के साथ) (2019)। परिचय : द सोशल साइंसिज एंड द इकोनामिक एंड पालिटिकल वीकली ऑन हिंदू-मुस्लिम कनफ्लिक्ट, भारत में क्षेत्रीय हिंसा : हिन्दू-मुस्लिम संघर्ष, 1966-2015, पालशिखर, एस. एवं देशपांडे, एस., पृष्ठ 1-24, हैदराबाद एवं दिल्ली, ओरिएंट ब्लैक्सवन।

देशपांडे, एस. (बत्रा, पी.; कोठारी, ए.; कुमार एस.; जैन, एन. और चन्द्रा, के. के साथ) (2018) - शिक्षा : संकट, चुनौतियां और अवसर। प्रतिमान : समय, समाज, संस्कृति, 6(11), 117-153.

देशपांडे, एस. (अपूर्वानन्द के साथ) (2018) - एक्सक्लुसन इन इंडियन हायर एजुकेशन टुडे, संपादन, सेंटर फार इक्विटी स्टडीज, पृष्ठ 191-218. : योदा प्रेस।

पालड़ीवाला, आर. (2019) - जेंडर सोशोलाजी, ए सोशोलाजी आफ जेंडर ओर स्टडींग वुमन?: सम रिफ्लेकशंस, इन क्रिटिकल थीमस इन इंडियन सोशोलाजी, क्रिटिकल थीमस इन इंडियन सोशोलाजी, संपादक- संजय श्रीवास्तव, जानकी अब्राहम एवं यासमिन, आरिफ : सेज प्रकाशन।

पालड़ीवाला, आर. एवं एन. नीथा (2018) - फेमिली पालिसी इन इंडिया कंट्रेडिक्शंस, कंटीन्यूटिज एंड चेंज। हैंडबुक आफ फेमिली पालिसी, संपादन जी. बजार्क एईडल एवं टी. रोसटगार्ड, चेलतेनहम, यू.के. : एडवार्ड एलगर।

पालड़ीवाला, आर. (2018, जून 21) - 'रिविजिटिंग ए लोस्ट फील्ड' पोस्टिड आन ग्लोबल इकानामी एंड कल्चर। लेडन एंथ्रोपालीजी ब्लाग। यह उपलब्ध है http://www.leidenanthropologyblog.nl/articles/revisiting-a-lost-field/

पालड़ीवाला, आर.(कौर, आर के साथ) (संपादित) (2018) - मैरिंग इन साऊथ एशिया : शिफ्टिंग कनसेप्ट्स, चैंजिंग प्रैक्टिसिज इन ए ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड दिल्ली : ओरिएंट ब्लैकसवन, पेपरबैक रिप्रिंट।

पालड़ीवाला, आर. (2018) - ट्रांजिटरी रेजिडेंस एंड इनविजिबल वर्क : केस स्टडी आफ ए राजस्थान विलेज। इन ए हैंडबुक आफ रूरल इंडिया, संपादन एस.एस. जोधका, पृष्ठ 317-336 : ओरिएंट ब्लैक्सवन एंड ईपीडब्ल्यू।

पालड़ीवाला, आर. (2018) - एक्टस आफ ओमिसन एंड एक्टस आफ कमीशन : द ऐडवर्स जुवेनाइल सेक्स रेशो एंड द इंडियन स्टेट।

टू मैनी मैन, टू फ्यू वुमन : सोशल कनसिकवेन्सिज आफ जेंडर इम्बेलेंस इन इंडिया एंड चीन, संपादन - रविन्द्र कौर, दिल्ली : ओरिएंट ब्लैक्सवेन पेपरबैक रिप्रिंट।

सुंदर, नंदिनी (2018, 2019) - द बर्निंग फारेस्ट : इंडियाज वार इन बस्तर। लंदन : वर्सो (गुजराती और तमिल संस्करण भी)।

सुंदर, नंदिनी (24 मार्च, 2019) - 'वी द पीपल' आर मोर देन ए 'ट्रैफिक जाम'। ब्लॉग आन जुडिथ बटलर 'नोट्स टुवर्डस ए पपरफार्मेटिव थ्यूरी आफ एसेम्बली', यह उपलब्ध है http://blogs.law.columbia.edu/praxis1313/nandini-sundar-we-the-people-are-more-than-a-traffic-jam/

सुंदर, नंदिनी (2018) - फ्राम दिल्ली टू ईरान वाया अमेरिका : रिफ्लेकशंस आफ एन इंडियन एंथ्रोपालिजिस्ट। अमेरिकन एंथ्रोपालिजिस्ट, 120(1), 151-152.

मीनाक्षी, थापा, संपादन (2019) - जे. कृष्णामूर्ति एवं शैक्षिक रीतियां : समावेशी शिक्षा हेतु सामाजिक एवं नैतिक विजन, दिल्ली, ऑक्सफोर्ड प्रेस।

वासन, एस. (2018) - इकालाजिकल क्राइसिस एंड द लाजिक आफ कैपिटल सोशोलाजिकल बुलेटिन, 67(3), 1-15.

वासन, एस. (2018) - कंज्युमिंग द टाइगर : एक्सपीरियंसिंग नियोलिबरल नेचर। कंजरवेशन एंड सोसायटी, 16(4), 481-492.

वासन, एस. - (नंदन, एन. और कोठारी, ए. के साथ) (2018) - सिचुएटिंग एग्रोइकालॉजी इन द इनवायरमेंट - डिवलपमेंट मेट्रिक्स, इकानामिक एंड पालिटिकल वीकली, 53(41), 50-51.

पत्र

संपादकीय मंडल में संपादक/सदस्य (सदस्यों) के तौर पर कार्यरत विभागीय संकाय सदस्यों की संख्या

संपादक/सहायक संपादक - तीन शिक्षक तीन पत्रों में कार्यरत
संपादक मंडल के सदस्य - सात शिक्षक 25 पत्रों में कार्यरत

अनुसंधान परियोजनाएं

राधिका चौपड़ा

भारत में शहरी बदलाव विषय पर ईएसआरसी-आईसीएसएसआर - सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम।

एडिनबर्ग विश्वविद्यालय की परियोजना 'फ्राम द मार्जिंस : लो इनकम माइग्रेंट्स एक्सेस टू बेसिक सर्विसिज एंड प्रोविजंस : जालंधर एंड गुवाहाटी' राधिका चौपड़ा, नार्वे अनुसंधान परिषद्। मई 2018, वर्तमान में भारतीय रूपए 2500000/-.

इंडियन कासमोपालिटन एल्टरनेटिव्ज : रिचुएल इंटरसेक्शंस एंड द प्रोसक्रिप्शन आफ रिलीजियस आफेंस, राधिका चौपड़ा, मई 2014-सितम्बर, 2019. भारतीय रूपए 2550949/-.

आयोजित सेमिनार

आयोजित किए गए सेमिनार की कुल संख्या - 19

सतीश, देशपांडे, प्रोफेसर आफ सोशोलाजी, डिपार्टमेंट आफ सोशोलाजी ने शुक्रवार, 7 सितम्बर, 2018 को 'द क्यूरियस कनसेप्च्युअल कैरियर आफ द 'वोट बैंक'' विषय पर 'सोशोलाजिकल रिसर्च कोलोक्वम' में एक पत्र प्रस्तुत किया।

रोमा चटर्जी, प्रोफेसर आफ सोशोलाजी, डिपार्टमेंट आफ सोशोलाजी ने शुक्रवार, 14 सितम्बर, 2018 को 'सुपर हीरो कामिक्स एंड बर्नेक्यूलर कल्चर'विषय पर सोशोलाजिकल रिसर्च कोलोक्वम में एक पत्र प्रस्तुत किया।

डायट्रिक रिट्ज, प्रोफेसरे आफ सोशोलाजी, पीआई, बर्लिन ग्रेजुएट स्कूल मुस्लिम कल्चर्स एंड सोसायेटिज, फ्रेई यूनिवसिटेट, बर्लिन ने शुक्रवार, 28 सितम्बर, 2018 को 'बिटविन नॉलेज, एक्टिविज्म एंड द ग्लोबल मार्किट : इंटरनेशनल स्टूडेंट्स एट इस्लामिक मदरसा एंड द इंटरनेशनल इस्लामिक यूनिवर्सिटी इन पाकिस्तान एंड इंडिया' विषय पर आयोजित सोशोलाजिकल रिसर्च कोलोक्वम' में एक पत्र प्रस्तुत किया।

राधिका, चौपड़ा, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज शास्त्र विभाग, ने शुक्रवार, 26 अक्तूबर, 2018 को 'बाजार डिविनिटी : द श्राइन बाजार आफ अमृतसर' विषय पर आयोजित सोशोलाजिकल रिसर्च कोलोक्वम' में एक पत्र प्रस्तुत किया।

डाली किकॉन, सीनियर लेक्चरर, स्कूल आफ सोशल एंड पालिटिकल साइंसिज, मेलबर्न विश्वविद्यालय ने शुक्रवार, 2 नवम्बर, 2018 को 'कार्बन फेनटेसिज एंड एस्पीरेशंस अलांग द फुटहिल्स आफ असम एंड नागालैंड' विषय पर आयोजित सोशोलाजिकल रिसर्च कोलोक्वम में एक पत्र प्रस्तुत किया।

फरहान इब्राहिम, एसोसिएट प्रोफेसर, सोशोलाजी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली ने शुक्रवार, 16 नवम्बर, 2018 को 'रिमेमब्रिंग 1971 इन गुजरात : सिटीजनशिप एंड (इन) सिक्योरिटी अक्रॉस सिविल-मिलिट्री टेरेशंस' विषय पर आयोजित सोशोलाजिकल रिसर्च कोलोक्वम में एक पत्र प्रस्तुत किया।

येल बेरडा, सहायक प्रोफेसर, सोशोलाजी एंड एंथ्रोपालाजी, हरब्रिव यूनिवर्सिटी ने शुक्रवार, 15 फरवरी, 2019 को 'द फाइल एंड द चेक प्वाइंट : हाऊ ब्यूरोक्रेसी मेड ससपिसियस सिटीजनशिप' विषय पर आयोजित सोशोलाजिकल रिसर्च कोलोक्वम में एक पत्र प्रस्तुत किया।

ओईशिक सरकार, सहायक प्रोफेसर, जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने शुक्रवार, 22 फरवरी, 2019 को 'वालीवुड ला : सिनेमा, जस्टिस एंड द गुजरात 2002 मास वायलेंस' विषय पर आयोजित सोशोलाजिकल रिसर्च कोलोक्वम में एक पत्र प्रस्तुत किया।

इशिता डे, सहायक प्रोफेसर, समाज शास्त्र विभाग, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, दिल्ली और मोहम्मद सईद, सहायक प्रोफेसर, समाज शास्त्र विभाग, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय ने शुक्रवार, 15 मार्च, 2019 को 'स्मेल एंड द सिटी : टुवर्डस एन एथनोग्राफी आफ 'नोज' विषय पर आयोजित सोशोलाजिकल रिसर्च कोलोक्वम में एक पत्र प्रस्तुत किया।

कपिल राज, रिसर्च प्रोफेसर आफ हिस्ट्री आफ साइंस, एकोल डेस हयूट्स एटुडेस एन साइंसिज सोशिएल्स, पेरिस और वर्तमान में विजिटिंग प्रोफेसर, स्कूल आफ हयूमेनिटिज एंड सोशल साइंस, शिव नादर यूनिवर्सिटी ने शुक्रवार, 29 मार्च, 2019 को 'गो-बिटविंस इन द सोशल साइंसिज, हयूमेनिटिज एंड साइंस स्टडीज' विषय पर आयोजित सोशोलाजिकल रिसर्च कोलोक्वम में एक पत्र प्रस्तुत किया।

आयोजित सम्मेलन

विभाग ने 7 अप्रैल, 2018 को 'रीडिंग मार्क्स कैपिटल' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें प्रस्तुत किए गए पत्र हैं : 'इंटरप्रेटिंग द वेल्यू-फार्म इन मार्क्स'; 'इक्कीसवीं सदी में मार्क्स की पूंजी'; 'रीडिंग कैपिटल आफ्टर क्लाइमेट चेंज : मैटीरिएलिस्टि डायलेटिक्स एंड द हयूमन-नेचर रिलेशनशिप' और 'एन एप्रेंटिसशिप इन टाइम : डाक्टोरल रिसर्च एंड लर्निंग टू लेबर इन एकेडेमिया'।

प्रोफेसर मीनाक्षी थापा, निदेशक, डीएसई द्वारा डीएसई में वार्षिक वीकेआरवी राव स्मृति व्याख्यान श्रंखला प्रारंभ की गई है। प्रथम व्याख्यान दिनांक 14 मार्च, 2019 को प्रोफेसर महेश रंगराजन (अशोक यूनिवर्सिटी, सोनीपत) द्वारा 'नेचर नेशन : इकालाजी, हिस्ट्री एंड सोसायटी इन इडिपेंडेंट इंडिया' विषय पर दिया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अब्राहम, जानकी

26-29 दिसम्बर, 2019 को मैसूर में इंडियन सोशोलाजिकल कांफ्रेंस में 'टर्निंग ए फेमिनिस्ट आई आन जेंडर, कास्ट एंड किनशिप' विषय पर प्रथम वक्ता।

16-20 जुलाई, 2018 को इंटरनेशनल यूनियन आफ एंथ्रापालिजिकल एंड एथनालाजिकल साइंसिज (आईयूएईएस), फ्लोरियाजापोलिस, ब्राजील में 'रोल मॉडल एंड रेस्ट्रिकशंस : द इन्फ्लुएंस आफ नेबर्स एंड द प्रोडक्शन आफ जेंडर इन ए टाऊन इन नार्थ इंडिया' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

आरिफ, यसमीन

19-20 नवम्बर, 2018 को द ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट, जेनेवा, स्विटजरलैंड में 'साइंटिफिक कमिटी फार ह्यूमेनिटेरियन इनसाइक्लोपीडिया प्रोजेक्ट' विषय पर सम्मेलन एवं कार्यशाला का आयोजन किया।

3-4 मई, 2018 को मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फार द स्टडी आफ रिलिजियस एंड एथनिक डायवर्सिटी, गोट्टिनजेन, जर्मनी में 'फैंटेसिज, एनजाइटिज, डिफरेंस : द फिगर आफ द अदर इन द आफ्टरमेथस आफ वायलेंट पालिटिकल ट्रांसफार्मेशन' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'फार एन एस्थेटिक्स आफ आइडंटिटी, ओर, अगेंस्ट द फेरिस आफ डिफरेंस' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

रोमा चटर्जी

5-6 सितम्बर, 2018 को क्रिएटिव थ्यूरी कोलोक्वम, आईआईसी, दिल्ली में 'सुपर हीरो कॉमिक्सएंड वर्नेक्यूलर कल्चर' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

22-24 नवम्बर, 2018 को किरन नादर म्यूजियम आफ आर्ट और अम्बेडकर यूनिवर्सिटी में 'ग्राफिक स्टोरी टेलिंग इन इंडिया' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'फ्राम कामिक बुक टू फॉक परफार्मेंस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

चौपड़ा, राधिका

25 अप्रैल, 2019 को सेंटर फार ग्लोबल पब्लिक हेल्थ एंड द ग्लोबल पालिसी इंस्टीट्यूट, क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी (लंदन), इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशन ऑन माइग्रेशन (आईओएम), यूएन यूनिवर्सिटी - इंस्टीट्यूट आफ ग्लोबल हेल्थ एंड एमएचए डीआरआई नेटवर्क, काठमांडू, नेपाल में 'जिद्दी मुंडे - पिग हेडिड ब्वायज : आन द माइग्रेशन आफ सेन' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया।

'विजुएलाइजिंग द बायलेंस आफ लेबर - अमृतसर एंड जालंधर', यूनिवर्सिटी आफ वाशिंगठन। अम्बेडकर विश्वविद्यालय एवं यूएसईएफआई, 'रूरल-अर्बन एनटेंगलमेंट इन इंडिया' विषय पर कार्यशाला, दिल्ली, अप्रैल 2018.

अभिजीत दासगुप्ता, 13-14 मार्च, 2019 को बरिशाल विश्वविद्यालय, बांग्लादेश में 'सामाजिक विज्ञान और विधि' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'लॉ एंड पीपल आन मार्जिंस'विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

देशपांडे, सतीश

भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोलकाता, अध्येता कार्यक्रम, वार्षिक शोध कार्यशाला। 'कास्ट टूडे' और 'कंटेम्परेरी पापुलिज्म' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, 13 मई, 2018.

यूनाइटेड थियोलाजिकल कॉलेज, बैंगलुरू में दूसरा डॉ. के.सी. अब्राहम मेमोरियल सेमिनार। मुख्य अभिभाषण 'द आटोनॉमी एंड अकाउंटेबिलिटी आफ रिलीजंस : एकेडमिक परस्पेक्टिवज ऑन मेजोरिटी, मायनारिटी एंड मार्किट इन द मोदी युग', 16 जून, 2018.

अजीज प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बैंगलुरू में एडवांस्ड ग्रेजुएट वर्कशाप, आमंत्रित व्याख्यान : 'अफरमेटिव एक्शन इन द कंटेक्सट आफ कास्ट', 16 जुलाई, 2018.

सेंटर फार स्टडीज इन सोशल साइंसिज, कोलकाता, 8वां अंजान घोष मेमोरियल कांफ्रेंस ऑन पालिटिक्स, रूमर एंड मीडिया। प्रस्तुति : डिजिटल रूमर इन द ऐज आफ एलटरनेटिव फैक्ट्स, 21 जुलाई, 2018.

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी सेंटर फार चाइनीज स्टडीज एंड साऊथ एशिया इंस्टीट्यूट, पैनल चर्चा 'मेरिटोक्रेसी इन चाइना एंड इंडिया, आईआईसी, दिल्ली' में पैनेलिस्ट, 28 नवम्बर, 2018.

साऊथ एशियन यूनिवर्सिटी, दिल्ली में 'दक्षिण एशिया में विकास और लोकतंत्र' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में पैनेलिस्ट, 22 फरवरी, 2019.

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, सेंटर फार हिस्टारिकल स्टडीज, नीलाद्री भट्टाचार्य की पुस्तक 'द ग्रेट एगरेरियन कंक्वेस्ट : द कालोनियल रिशेपिंग आफ एरूरल वर्ल्ड', 28 नवम्बर, 2018.

पालरीवाला, रजनी

22 मार्च, 2019 को केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम में शोभा नायर की सेवानिवृत्ति के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जैंडरिंग डिस्प्लेसमेंट्स : वुमन प्लेस मेकिंग इन माडर्निटी' विषय पर व्याख्यान।

30 जनवरी-1 फरवरी, 2019 को हमबोल्ट यूनिवर्सिटी में 'केयर, माइग्रेशन, जेंडर - एम्बीवेलेंट इंटरडिपेंसिज' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'सोशिएलिटीज आफ केयर एंड लेबर : माइग्रेशन, जेंडर एंड एजेंसी' विषय पर मुख्य अभिभाषण।

14-15 जून, 2018 को लेडन विश्वविद्यालय में लेडन विश्वविद्यालय, लेडन इंस्टीट्यूट फार एरिया स्टडीज, इंस्टीट्यूट फार कल्चरल एंथ्रोपालाजी एंड डिवलपमेंट सोशोलाजी, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार एशियन स्टडीज, लेडन ग्लोबल इंटरएक्शंस, एशियन माडर्निटीज एंड ट्रेडिशंस द्वारा 'दक्षिण एशिया में विस्थापन के तौर-तरीके' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'द आर्डिनरी एंड द एकस्ट्राआर्डिनरी आफ जेंडर्ड डिस्प्लेस्मेंट्स' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

सुंदर, नंदिनी

15 जून, 2018 को लेंडन यूनिवर्सिटी में 'वायलेंस, मिलिट्रिज्म एंड द ला' : ए ब्रीफ हिस्ट्री आफ डिसपाजेशन' विषय पर व्याख्यान।

एकेडमिक फ्रीडम एंड इंडियन यूनिवर्सिटीज, जेडएमओ, बर्लिन, 28 जून, 2018.

यूनिवर्सिटीज एज साइट्स आफ पावर, वायलेंस (एंड जस्टिस), प्रेजिडेंशियल प्लीनरी पैनल, इंटरनेशनल सोशोलाजिकल एसोसिएशन, टोरंटो, 16 जुलाई, 2018.

10 जून, 2019 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटरे में रोहित डे की पुस्तक 'पीपलज हिस्ट्री आफ द इंडियन कंस्टीट्यूशन' के विमोचन पर आयोजित चर्चा में पैनेलिस्ट।

24 जनवरी, 2019 को समाज शास्त्र विभाग, केटीएचएस कॉलेज, नासिक में 'भारत में विकास और विस्थापन पर पुनर्विचार' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'वायलेंस, मिलिटैरिज्म एंड द लॉ' विषय पर मुख्य अभिभाषण।

9 फरवरी, 2019 को प्रयास, पुणे में 'रोल आफ सिविल सोसायटी आर्गेनाइजेशंस इन शेपिंग पब्लिक पालिसी एंड डिसकार्स' विषय पर गिरीश संत मेमोरियल कार्यक्रम में पैनेलिस्ट।

27 फरवरी, 2019 को मलयालम यूनिवर्सिटी, थिरू, केरल में 'सोशोलाजी एंगेजमेंट्स विद स्टेट, सोसायटी एंड अकेडमिया' विषय पर मुख्य अभिभाषण।

2-3 मार्च, 2019 को निकोसिया यूनिवर्सिटी, साइप्रस में 'बुक आन डेविएंस' पर चर्चा में भाग लिया।

27 मार्च, 2019 को कोलंबिया सेंटरे फार कंटेम्परेरी क्रिटिकल थॉट, कोलंबिया विश्वविद्यालय में 'असेम्बली, क्रिटिक एंड प्रेक्सिज 13/13' विषय पर पैनेलिस्ट।

एम.एन. टंडन मेमोरियल व्याख्यान, आगरा, 6 अप्रैल, 2019.

वासन, सुधा - 15 फरवरी, 2019 को स्कूल आफ ह्यूमन इकालाजी, अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में 'द वर्क आफ मेकिंग नेचर : एट एनटेंगल्ड नेचर' विषय पर मुख्ये अभिभाषण।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र : 1

लारेन निप्पोल्डट, फुलब्राइट नेहरू रिसर्चर (इनबाऊड) 2019 - ऑनगोईंग।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

अभिजीत दासगुप्ता ने 13 फरवरी, 2019 को ए.बी.एन. सील कॉलेज, कूचे बिहार, पश्चिमी बंगाल में 'नेगोशिएसन बिटवीन द लोकल एंड द ग्लोबल' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'द लोकल एंड द ग्लोबल इन रूरल बंगाल' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

अब्राहम, जानकी

'पावर एंड प्यूरिटी : सम रिफ्लेक्शंस ऑन जेंडर, कास्ट एंड किनशिप', ए पब्लिक लेक्चर, यूनिवर्सिटी आफ हैदराबाद, मार्च 2019.

अंडरस्टेंडिंग द इंटरसेक्शन आफ कास्ट, क्लास एंड जेंडर : ए लेक्चर टू बी.लेड स्टूडेंट्स। जीसस और मैरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अप्रैल 2019.

4-8 मार्च, 2019 को सोशोलाजी डिपार्टमेंट, हैदराबाद यूनिवर्सिटी में यूजीसी एसएपी विजिटिंग फैलो।

मार्च, 2019 में समाज शास्त्र विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय में शोधार्थियों के लिए एक 'राइटिंग वर्कशाप' का आयोजन किया।

हैदराबाद विश्वविद्यालय में बी.ए. विद्यार्थियों को 'क्वीरिंग मैरिज एंड द फेमिली इन इंडिया' विषय पर दो व्याख्यान दिए।

22 फरवरी, 2019 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 'फेमिली फोटोग्राफ्स : स्कूल आफ आर्ट्स एंड ऐस्थेटिक्स' विषय पर आयोजित गोलमेज चर्चा में भाग लिया।

24 जनवरी, 2019 को एंथ्रोपालाजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'पार्टिसिपेटरी डिजिटल मैथडालाजिज एंड एथनोग्राफिक फिल्म मेकिंग' विषय पर आयोजित आईसीएसएसआर रिसर्च मैथडालाजी कोर्स में 'विजुएलाइजिंग किनशिप' विषय पर व्याख्यान दिया।

13 दिसम्बर, 2018 को 'जेंडरिंग द स्मार्ट सेफ सिटी' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के भाग के तौर पर 'जेंडरिंग द इंडियन स्मार्ट सिटी : कंटेक्सट्स, चैलेंजिज एंड फ्यूचर डायरेक्शंस' विषय पर आयोजित गोलमेज चर्चा में वक्ता।

29 नवम्बर, 2018 को हंसराज महाविद्यालय, संकाय विकास केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में संकाय विकास कार्यक्रम में महाविद्यालय शिक्षकों को व्याख्यान' कास्ट एंड जेंडर।

रोमा चटर्जी

14 से 24 जनवरी, 2019 को एंथ्रापालाजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'पार्टिसिपेटरी डिजिटल मैथडालाजिज एंड एथनोग्राफिक फिल्म मेकिंग' विषय पर आयोजित 'रिसर्च मैथडालाजी वर्कशाप' में '9/11 एंड फॉल्क आर्ट' और 'फ्राम कॉमिक बुक टू फॉल्क परफार्मेंस' विषयों पर दो व्याख्यान।

8 फरवरी, 2019 को सोशियालाजी फेस्टिवल, मिरांडा हाऊस में 'मिथ्सद्व सिमिलीज एंड मैमोरी ट्रेसिज : इमेजिज आफ एबडक्शन इन द रामायण यूनिवर्स' विषय पर व्याख्यान।

22 फरवरी, 2019 को नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय में 'लिविंग एंड डाइंग. मीनिंग्स इन मैथिली फॉकलोर' बाय देव नाथ पाठक विषय पर पैनल चर्चा में भाग लिया।

चौपड़ा, राधिका

13 जुलाई, 2018 को आईसीसी, दिल्ली में 'एक्सपलारिंग लो इनकम माइग्रेंट्स एक्सेस टू सर्विसिज', विषय पर कार्यशाला, ईएसआरसी-आईसीएसएसआर और एडिनबर्ग विश्वविद्यालय की परियोजना, का आयोजन (12 वक्ता)।

20-25 मार्च, 2019 को नार्वेयिन केन्द्र, दिल्ली में 'कास्मोपालिटन एल्टरनेटिव्ज : यूनिवर्सिटी आफ बर्गेन' में राइटिंग वर्कशाप का आयोजन (परियोजना टीम के 8 सदस्य)।

22-24 मार्च, 2019 को काठमांडू, नेपाल में डाटा विश्लेषण कार्यशाला का आयोजन, ईएसआरसी-आईसीएसएसआर और एडिनबर्ग विश्वविद्यालय की परियोजना (परियोजना टीम के 8 सदस्य)।

देशपांडे, सतीश

8 अप्रैल, 2018 को अजीत फाउंडेशन, बीकानेर, राजस्थान द्वारा 'जाति क्यों नहीं जाती' विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान (अनुपस्थिति में रिकार्डिंग के माध्यम से) के लिए आमंत्रित।

12 अप्रैल, 2018 को रामलाल आनंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'इक्कीसवीं सदी में जाति का विनाश' विषय पर आयोजित अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान में व्याख्यान।

20 जुलाई, 2018 को ईस्ट-वेस्ट सोसायटी, पटना द्वारा 'आखिर विश्वविद्यालय क्यों? तीन सदियों के प्रतिपादक तर्क' विषय पर आयोजित प्रथम विनय कुमार कंठ स्मृति व्याख्यान में व्याख्यान।

31 अगस्त, 2018 को दर्शन शास्त्र विभाग द्वारा 'मोरल लक एंड द एथिक्स आफ आइडंटिटी' विषय पर वार्ता के लिए आमंत्रण।

5 सितम्बर, 2018 को केन्द्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'द क्वेशचन आफ लैंगवेज इन हायर एजुकेशन' विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रण।

14 सितम्बर, 2018 को प्रौढ़, सतत शिक्षा और विस्तार विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जर्मन विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत 'रिजर्वेशन, ग्लेईचेस्टलंग एंड वुमन राइट्स : इंडो-जर्मन कम्पेरिजशंस' विषय पर व्याख्यान आमंत्रण।

30 सितम्बर, 2018 को केरल साहित्य अकादमी, पय्यानूर, केरल द्वारा महात्मा गांधी की शहादत की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर रक्त सकश्याम पब्लिक लेक्चर श्रंखला में 'रिमेमबरिंग गांधी मारटिडम इन ए टाइम आफ नार्मेलाइज्ड कम्युनेलिज्म' विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रण।

15-16 अक्तूबर, 2018 को इंदिरा गांधी विकास अर्थव्यवस्था संस्थान, मुम्बई द्वारा 'टू लेक्चर्स ऑन कास्ट इनइक्विलिटी फॉर इकानामिस्ट्स' विषय पर व्याख्यान आमंत्रण।

27 नवम्बर, 2018 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, स्कूल आफ लैंग्वेजिज, कन्नड़ अध्ययन पीठ द्वारा कर्नाटक राज्योत्सव समारोह में 'द आइडिया आफ कर्नाटक' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में पैनेलिस्ट के तौर पर भाग लिया।

1 दिसम्बर, 2018 को 'असहमति और लोकतंत्र' विषय पर कंस्टीट्यूशन क्लब, दिल्ली में आयोजित 'पब्लिक मीटिंग' के सह-आयोजक (रोमिला थापर, प्रभात पटनायक, माजा दारूवाला और देवकी जैन के साथ)।

15 दिसम्बर, 2018 को टोक्यो यूनिवर्सिटी आफ फारेन स्टडीज, टोक्यो में 'दक्षिण एशिया में समावेशी विकास' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'हायर एजुकेशन एंड द फ्यूचर आफ इनइक्विलिटी इन इंडिया' विषय पर आमंत्रण पत्र।

8 दिसम्बर, 2018 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, दिल्ली में गांधी जयंती के 150वें वर्ष के अवसर पर सफदर हाशमी मैमोरियल ट्रस्ट (एसएएचएमएटी) पब्लिक लेक्चर श्रंखला में 'द डिसाइसिव डिकेड : अम्बेडकर, गांधी एंड कास्ट इन द 1930' विषय पर व्याख्यान दिया।

2 फरवरी, 2019 को मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई द्वारा 'फार मोमेन्ट्स इन द कैरियर आफ कास्ट' विषय पर व्याख्यान आमंत्रण।

5 मार्च, 2019 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा मानव संसाधन विकास केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मैथडालाजी एज परसुएशन' विषय पर व्याख्यान आमंत्रण।

7 मार्च, 2019 को गांधी स्टडी सर्किल, गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'द महात्मा एज मोर्टल : मोहनदास गांधी एंड हिज स्ट्रगल्स विद कास्ट' विषय पर व्याख्यान आमंत्रण।

15 मार्च, 2019 को शिव नादर विश्वविद्यालय, दादरी, गौतम बुद्ध नगर द्वारा 'जल विज्ञान और नीति कार्यक्रम' के अंतर्गत 'टू लेक्चर्स आन कास्ट एज डिस्क्रिमिनेशन' विषय पर व्याख्यान आमंत्रण।

25-26 मार्च, 2019 को सेंटर फार द स्टडी आफ डिवलपिंग सोसायटीज, दिल्ली द्वारा 'लैंग्वेज, नॉलेज, प्रोडेक्शन एंड सोशल-कल्चरल कैपिटल : हिस्ट्री एंड कंटेम्परेरी रियलिटी' विषय पर आयोजित परिचर्चा-कार्यशाला (कोई औपचारिक पत्र नहीं) में भाग लिया।.

25 मार्च, 2019 को जाकिर हुसैन सेंटर फार एजुकेशनल स्टडीज, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा 'हायर एजुकेशन एंड द फ्यूचर आफ इनइक्विलिटी' विषय पर व्याख्यान आमंत्रण।

वासन, सुधा

3 नवम्बर, 2018 को अमिता भविस्कर के साथ संसाधन व्यक्ति के तौर पर 'इकालॉजी एं सोसायटी क्लास' के एम ए विद्यार्थियों के लिए 'रिज वॉक' का आयोजन किया।

5 अप्रैल, 2018 को डब्ल्यूजीडीएस प्रकोष्ठ, हिन्दू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'स्वाभिमान 2018' में इज फेमिनिज्म पासे? एजेंसी/स्ट्रक्चर एंड नियोलिनिरल कैपटेलिज्म' विषय पर व्याख्यान आमंत्रण।

आरिफ, यसमीन

11 जनवरी, 2019 को समाज शास्त्र विभाग के 'फ्राइडे रिसर्च कोलोक्वम' में 'लाइफ इन ए सुसाइड नोट, फार ए पालिटिक्स अगेनस्ट आइडंटिटी'।

15 मई, 2018 को इंडिया हैबिटेट सेंटर में 'स्कूल आफ आर्ट एंड आर्किर्किटेक्चर', जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के शुभारंभ अवसर पर 'वेहन इज आर्किटेक्चर' विषय पर पैनल चर्चा का प्रारंभ किया।

23 अप्रैल, 2018 को जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में लेखक के साथ 'लाइफ, एमरजेंट : द सोशल इन द आफ्टरलाइव्ज आफ वायलेंस' पुस्तक पर चर्चा।

17-21 जनवरी, 2019 को 'सेल्फ, टेकनी एंड बायोपालिटिक्स' विषय पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में समसामयिक 5 दिवसीय क्लासरूम में 'ट्रेवलिंग क्लासरूम-।' में संकाय के तौर पर भागीदारी।

23 मार्च, 2019 को अमान श्रेयस (एम.फिल) और करनदीप मेहरा (एलुमनी) के साथ 'द वर्ल्ड वाइड वेब क्लासरूम वर्कशाप फार द सोशोलाजी आफ साइंस कोर्स' का आयोजन।

22-23 अप्रैल, 2019 को द यूनिवर्सिटी आफ शिकागो सेंटर, दिल्ली द्वारा 'क्रिएटिव क्रिटिकेलिटी अन कालोनियल एंड इंडिजिनस आर्काइव्ज' में आमंत्रित भागीदार।

प्रदान की गई एम.फिल/पीएच.डी डिग्रियों की संख्या :

पीएच॰डी - 10
एम. फिल - 30

संकाय की संख्या:

प्रोफेसर -6
एसोसिएट प्रोफेसर -5
सहायक प्रोफेसर -5

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अभिजीत गुप्ता प्रेजिडेंसी यूनिवर्सिटी, कोलकाता में कुलाधिपति नामिती

राधिका चौपड़ा, सदस्य, राष्ट्रीय चयन समिति, फुलब्राइट-नेहरू अनुदान

रजनी पालरीवाला

विजिटिंग प्रोफेसर, इंस्टीट्यूट आफ कल्चरल एंथ्रोपालाजी एंड डिवलपमेंट सोशोलाजी, लेडन यूनिवर्सिटी, एनडब्ल्यूओ (राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन), नीदरलैंड (मार्च-जुलाई 2018)।

एंथ्रोपालाजी आफ कमर्शियल इश्योरेंस, लेडन यूनिवर्सिटी, सामाजिक विज्ञान संकाय, कल्चरल एंथ्रोपालाजी एंड डिवलपमेंटल सोशोलाजी विभाग, यूरोपीयन रिसर्च काउंसिल द्वारा वित्त पोषित, डॉ. ऐरिक बेहरे, मुख्य अनुसंधानकर्ता के साथ सहयोग। टिम वन डेर मीरेनडांक, डाक्टोरल अभ्यर्थी, लेडन यूनिवर्सिटी, फसल बीमा पर कार्यरत, का लोकल सुपरविजन। बीमा के विभिन्न पहलुओं पर अल्पावधि फील्डवर्क परियोजनाओं में विभाग के 4 विद्यार्थियों को सुपरवाइज किया।

लेडन यूनिवर्सिटी की परियोजना 'पोस्टकालोनियल डिसपलेस्मेंट्स : माइग्रेशन, नरेटिव्ज एंड प्लेस मेकिंग इन साऊथ एशिया', डॉ. एरिक डे मक्केर, लेडन यूनिवर्सिटी, फैकल्टी आफ सोशल साइंसिज, डिपार्टमेंट आफ कल्चरल एंथ्रोपालाजी एंडडिवलपमेंट सोशोलाजी के साथ सहयोग एवं एनडब्ल्यूओ (डच साइंटिफिक

रिसर्चकाउंसिल) की 'जेंडर्ड डिस्पलेसमेंट्स: द आर्डिनरी एंड द एक्स्ट्राआर्डिनरी इन वुमन लाइफ हिस्ट्री नरेटिव्ज' विषय पर प्रोफेसरशिप शोध निधियन में सहयोग।

'माइनर कास्मोपोलिटेनिजम्स', पोटस्डम विश्वविद्यालय, फ्रेई यूनिवेर्सिटी, बर्लिन और हमबोल्डट विश्वविद्यालय तथा न्यू साऊथ वेल्स विश्वविद्यालय, मैक्वायर विश्वविद्यालय, केप टाऊन विश्वविद्यालय, प्रीटोरिया विश्वविद्यालय, यार्क विश्वविद्यालय, ड्यूक विश्वविद्यालय और आईएफएलयू, हैदराबाद का अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान प्रशिक्षण समूह। ईरेन हिल्डन, हमबोल्डट यूनिवर्सिटी में पंजीकृत, 'एबसेन्ट प्रेजिन्सिज इन द कालोनियल आर्काइव : डीलिंग विद द बर्लिन साऊंड आर्काइव एकाऊस्टिक हेरिटेज' विषय पर कार्यरत, की को-सुपरवाइजर।

****

महाविद्यालय

आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित एनआईआरएफ रैंकिंग 2019 में महाविद्यालय श्रेणी में अखिल भारतीय स्तर पर 24वीं रैंक तथा 'इंडिया टुडे' सर्वेक्षण 2018-19 में देश के श्रेष्ठ विज्ञान महाविद्यालयों में 22वीं रैंक प्रदान की गई। पांच संकाय सदस्यों को विज्ञान एवं समाज में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। चार विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परीक्षाओं में मेरिट प्राप्त की है और 13 विद्यार्थियों ने साऊथ कैंपस स्तर पर मेरिट प्राप्त की है। विश्वविद्यालय खेल स्पर्धा में काजल पाण्डेय ने 20 किलोमीटर 'वॉक' में स्वर्ण पदक और देवेन्द्र ने 'जेवलिन थ्रो' में कास्य पदक प्राप्त किया। मंयक अग्रवाल ने दिल्ली राज्य योग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस वर्ष दो नई छात्रवृत्तियां - आशा वालिया स्कॉलरशिप और उर्मिला गुप्ता स्कॉलरशिप प्रारंभ की गई हैं। महाविद्यालय अपनी फ्लैगशिप योजनाओं - सक्षम (विद्यार्थियों के लिए वित्तीय सहायता), एलीट (ग्रीष्मकालीन अध्येतावृति), एक्सपॅलार (द्वितीय वर्ष के सभी विद्यार्थियों के लिए भ्रमण) और वार्षिक थियेटर प्रोडक्शन (एटीपी) के लिए अनवरत तौर पर निधि प्रदान करता है। महाविद्यालय ने अनुसंधान आकस्मिक अनुदान के अंतर्गत कालेज की पन्द्रह अनुसंधान प्रयोगशालाओं में से प्रत्येक को 15000/- रूपए प्रतिवर्ष का वित्त पोषण प्रदान किया।

सम्मान/गौरव

डॉ. सावित्री सिंह (पूर्व प्राचार्य) को महिला आर्थिक मंच-2018 में 'असाधारण उत्कृष्ट महिला' सम्मान प्रदान किया गया।

डॉ. उर्मी बाजपेयी, जैव चिकित्सा विज्ञान विभाग को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) पुरस्कार, 2018 प्रदान किया गया।

डॉ. सीमा मखीजा, प्राणी विज्ञान विभाग, को उच्चतर शिक्षा निदेशालय, जीएनसीटीडी द्वारा वर्ष 2018-19 के लिए श्रेष्ठ महाविद्यालय व्याख्याता पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. सत्यपाल सिंह, द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त, को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने उनके योगदान के लिए सम्मानित किया।

डॉ. चारू के. गुप्ता, वनस्पति विज्ञान विभाग को आईएनएसए द्विपक्षीय आदान-प्रदान कार्यक्रम के लिए चुना गया और उन्होंने दो सप्ताह का सलोवेनिया का दौरा किया।

महाविद्यालय को भारतीय पारितंत्र और पर्यावरण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय पर्यावरण अधिवेशन-2018 में 'प्लास्टिक फ्री कॉलेज आफ द ईयर' पुरस्कार प्रदान किया गया।

विशिष्ट उपलब्धियों वाले विद्यार्थी

पूर्वा, बी.एस.सी. (ऑनर्स) बायोमेडिकल साइंस, प्रथम वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

रोहिणी भट्ट, बी.एस.सी. (ऑनर्स) बायोमेडिकल साइंस, प्रथम वर्ष ने विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

राहुल चावला, बी.एस.सी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स प्रथम वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अश्विनी वार्ष्णेय, बी.एस.सी. (ऑनर्स) कम्प्यूटर विज्ञान द्वितीय वर्ष ने विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

13 विद्यार्थियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के साऊथ कैंपस में मेरिट में स्थान बनाया।

प्रकाशन

अब्राहम, जे.एस.; सुंदरम, एस.; मौर्य, एस.; मखीजा, एस.; गुप्ता, आर.; टुटेजा, आर; (2019) - 'टेकनीक्स एंडटूल्स फॉर स्पिसिज आइडंटिफिकेशन इन सिलिएट्स : ए रिव्यू', इंटरनेशनल जर्नल आफ सिस्टेमेटिक एंड इवोल्यूशनरी माइक्रोबायलाजी - डीओआई 10.1099/ijsem.0.003176.

चेतना; कुमार, एस., गर्ग, ए., चौधरी, ए., जैन, ए., कपूर, ए. (2018) - 'स्ट्रक्चरल एंड आप्टिकल प्रोपर्टीज आफ इलेक्ट्रोकेमिकली डिपाजिटिड जेडएनओनैनोरोड्स बाययूजिंग ग्राफिन आक्साइड एंड आईटीओ एज सब्सट्रेट मैटीरियल : ए कम्पेरेटिव स्टडी। मेटर रेज एक्सप्रेस 5 095024 डीओआई.ओआरजी/10.1088/2053-1591/aad7a5.

चुघ, एच., सूद, डी., चन्द्रा, आई., तोमर, वी., धवन, जी., चन्द्रा, आर. (2018) - रोल आफ गोल्ड एंड सिल्वर नैनोपार्टिकल्स इन कैंसर नैनोमेडिसन। आर्टिफिसिएल सेल्स, नैनोमेडिसन एंड बायोटेक्नालॉजी (टेलर एंड फ्रैंसिस पब्लिशर्स, यू.के.) डीओआई : 10.1080/21691401.2018. 1449118.

डागर, वी.एस. और कुमार, एस. (2018) - इमेमेक्टिन बेन्जाएट : पोटेंशियल लार्विसाइड एंड एंटीफीडेंट एजेंट अगेंस्ट कॉटन बाल वार्म हेलीकवरपरमीजेरा (लेपिडोपट्रा : नाकटुएड) जर्नल आफ एप्लाइड एंड नेचुरल साइंसिज, 10(2): 564-571.

एनियन, के., धारवथ, एस., विजयन, आर., बाजपेयी, यू., गौरीनाथ, एस. (2018) - स्ट्रक्चर आफ यूडीपी-एन-एसिटाइलग्लुकोसेमाइन - एनोलेपूरवेट रिडकटेज (एमयूआरबी) फ्राम माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस : बायोकेमिकेटा बायोफिजिकाऐक्टा (बीबीए) - प्रोटीन एंड प्रोटियोमिक्स, 1866 (3): 397-406.

गुप्ता, सी.के., सिंह, जे.पी., चौपड़ा, पी., राज, वी.बी., चौधरी, ए. (2018) - 'गेजिंग द नेचर एंड मैग्नीट्यूड आफ पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) कनसनट्रेशंस इन बेंगलुरू, द आईटी कैपिटल आफ इंडिया', डीयू जर्नल आफ अंडरग्रेजुएट रिसर्च एंड इनोवेशन, 3(2): 71-81.

खन्ना, एल., खन्ना, पी. और जैन, एस.सी. (2018) - ए कनसाइस सिंथेसिस आफ 2-एलकेनाइल-3-फिनाइल-4एच-क्रोमेन-4-वनस वाया नावेल सी-सी बांड फार्मेशन यूजिंग सलफोन एज पोटेंशियल इंटरमीडिएट। इंडि.जे. केम. 57B: 945-954.

लाल, एस., कुमार, एस., हुड्डा, एस., कुमार, पी. (2018) - एहायली सेलेक्टिव सेंसर सीयू2+ और एफई3+ आयंस इन एक्वेस मीडियम : स्पेक्ट्रोस्कापिक कम्प्यूटेशनल एंड सेल इमेजिंग स्टडीज। जर्नल आफ फोटोकेमिस्ट्री एंड फोटोबायलॉजी : केमिस्ट्री. 364: 811-818.

सोमसुन्द्रम, एस., अब्राहम, जे.एस., मौर्य, एस., मखीजा, एस., गुप्ता, आर., टुटेजा, आर. (2018) - सेलुलर एंड मालीक्यूलर बेसिस आफ हैवी मोरल इंड्यूस्ड स्ट्रेस इन सिलिएट्स, करंट साइंस 114: 1858-1865.

सक्सेना, आर., कौर, एस., भटनागर, वी. (2018) - सोशल सेंट्रेलिटी यूजिंग नेटवर्क हायरेरकी एंड कम्युनिटी स्ट्रक्चर। डाटा माइनिंग एंड नॉलेज डिसकवरी 32(5): 1421-1443.

जर्नल

संपादक/संपादक मंडल के सदस्य के तौर पर कार्यरत कालेज संकायों की संख्या : 09 (समीक्षक)

अनुसंधान परियोजनाएं

डीएसटी (भारत-सलोवेनिया संयुक्त परियोजना), 2015-2018 'एक्सपोजर-रिसपांस एसेसमेंट आफ एम्बिएंट एयर पालुशन (एएपी) एंड एचजी कंटामिनेशन इन अफेक्टिड सिटीज आफ इंडिया एंड सलोवेनिया : ए कम्पेरेटिव स्टडी', डॉ. अरीजित चौधरी (मुख्य अन्वेषक), डॉ. सावित्री सिंह (सह-मुख्य अन्वेषक), डॉ. चारू के. गुप्ता (सह-मुख्य अन्वेषक), राशि 16.11 लाख रूपए।

डीएसटी महिला वैज्ञानिक स्कीम-ख परियोजना, 2018-2021, 'डिवलपिंग एंड डाकुमेंटिंग इनोवेटिव प्रैक्टिसिज फार लर्निंग फिजिक्स एंड बायलाजी थ्रू एक्सपेरिमेंटेशन फार चिल्ड्रन एंड यंग अडल्टस', डॉ. सरिता कुमार। राशि 12.6 लाख रूपए।

एसईआरबी-डीएसटी, 2018-2021, 'रिकंबिनेंट एंडोलाइसिस फ्राम माइकोबैक्टीरियोफेजिज : एक्सपलारिंग देयर एंटी माइक्रोबैक्टीरियल पोटेंशियल, डॉ. डर्मी बाजपेयी, राशि 46.702 लाख रूपए।

आयोजित किए गए सेमिनार

डॉ. अनुराग अग्रवाल, निदेशक आईजीआईबी (सीएसआईआर) - डिमिस्टिफाइंग मिथ्ससराउंडिंगह्यूमन हेल्थ, 31 जनवरी, 2019.

डॉ. गणेश बागलेर, आईआईआईटी, दिल्ली, कम्प्यूटेशेनल गैस्ट्रोनामी, 14 फरवरी, 2019.

श्री रोहित गंभीर, लीड इन मोबाइल एप्लीकेशन डिवलपमेंट, करंट ट्रेंड्स इन मोबाइल एप्लीकेशन डिवलपमेंट, 20 सितम्बर, 2019.

प्रोफेसर हर्क होई टन, रिसर्च स्कूल आफ फिजिक्स एंड इंजीनियरिंग, ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, केनबरा, ऑस्ट्रेलिया, नैनोटेक्नालॉजी-एप्लकेशंस इन आप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स एंड रिनीवेबल एनर्जी, 31 जनवरी, 2019.

डॉ. शैलजा सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, स्पेशल सेंटर फार मालीक्यूलर मेडिसन (एससीएमएम), जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, कटेम्परेरी एप्रोचिज इन एंटीमलेरियल ड्रग्स डिसकवरी, 10 अक्तूबर, 2018.

आयोजित किए गए सम्मेलन

4 से 6 अप्रैल, 2018 को मैत्रेयी महाविद्यालय और श्री गुरू तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 'सिलिएट बायलॉजी 2018' विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया। वित्त पोषण

एजेंसीज : आईएसओपी, आईयूबीएस, आईएनएसए, डीबीटी, डीएसटी-एसईआरबी, सीएसआईआर, आईसीएमआर, डीआरडीओ और जेडएसआई।

2 नवम्बर, 2018 को 'एजुकेशन डिकंस्ट्रक्टिड : डायलॉगस विद एक्सपर्टस' विषय पर शिक्षा सम्मेलन का आयोजन।

8 मार्च, 2019 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं में जागरूकता पैदा करने तथा उनकी उपलब्धियों को रेखांकित करने के लिए सीएसआईआर के सहयोग से 'मिनी सिम्पोजियम ऑन इंटरनेशनल वुमन डे' का आयोजन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

उर्मी बाजपेयी ने 9 से 13 जुलाई, 2018 को रोकलाव, पौलेंड में 'वायर्सिज आफ माइक्रोबस' विषय पर आयोजित यूरोपीयन मालीक्यूलर बायलॉजी लेबोरेट्री (ईएमबीएल) कार्यशाला में 'फंक्शनल करेक्टराइजेशन आफ लाइसिन ए एंड बी फ्राम न्यू दिल्ली माइक्रोबैक्टीरियोफेजिज, वर्लुएंट अगेन्स्ट माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस' विषय पर अपना पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी एक्ट के अंतर्गत स्थापित एक गैर-सरकारी विश्वविद्यालय, इलेक्ट्रॉनिक सिटी, बैंगलोर के साथ समझौता ज्ञापन।

विज्ञान सेतु कार्यक्रम के लिए आचार्य नरेन्द्र देव महाविद्यालय (एएनडीसी) और ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नालॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद के साथ समझौता ज्ञापन।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 57 (उपस्थित हुए विद्यार्थियों का 35 प्रतिशत)
कैम्पस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या - 05

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

एनएसएस स्वयंसेवकों ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय के सहयोग से प्रारंभ किए गए स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षु कार्यक्रम-2018 को सफलतापूर्वक पूरा किया। महाविद्यालय में 1 से 15 सितम्बर, 2018 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा' मनाया गया, जैसाकि दिल्ली विश्वविद्यालय के माध्यम से मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्देशित किया गया था। एनएसएस यूनिट ने इस स्वच्छता पखवाड़े में भाग लिया तथा 177 स्वयंसेवकों ने सम्पूर्ण गिरी नगर, दिल्ली में पूरे पखवाड़े के दौरान लगभग 1000 कार्य घंटों का श्रमदान किया। एएनडीसी की एनएसएस यूनिट ने सप्तांहत में गोद लिए गांवों में सफाई अभियान चलाया। स्वयंसेवकों ने जमरूदपुर, गोविंदपुरी, खानपुर और कोटला के गांवों का दौरा किया। ड्रामेटिक्स सोसायटी 'ध्वनि' ने 9 सितम्बर, 2018 को एएनडीसी की एनएसएस यूनिट द्वारा गोद लिए गए गांवों में तथा महाविद्यालय के आस-पास के क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटक 'हवाबाजी' का आयोजन किया। 27 और 28 सितम्बर, 2018 को आचार्य नरेन्द्र देव महाविद्यालय में मतदाता पंजीकरण कैम्प - 'स्पेशल समरी रिवीजन आफ फोटो इलेक्टॉरल रोल्स इंटेसिव नेचर-2019' का आयोजन किया गया, जैसाकि दिल्ली विश्वविद्यालय के एनएसएस केन्द्र के माध्यम से मुख्य चुनाव अधिकारी, दिल्ली द्वारा निर्देश दिया गया था।

पुस्तकालय विकास

रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान (आरएफआईडी) आधारित पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली से पुस्तकालय में पुस्तकों के शीर्ष लेन-देन को सुकर बनाया गया है। 'सेल्फ चेक आऊट सर्विस' एवं 'एक्सटरनल बुक रिटर्न/बुक ड्राप स्टेशंस' से अत्यधिक भीड़-भाड़ के दौरान पुस्तकों के परिचालन/रिजर्व डेस्क पर लम्बी पंक्तियों से बचा जा सकता है। संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए दिनांक 10-11 सितम्बर, 2018 को महाविद्यालय पुस्तकालय में दो-दिवसीय वार्षिक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस वर्ष पुस्तकालय में लगभग 900 नई पुस्तकों को शामिल किया गया।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी : 72 और प्राचार्य
कुल तदर्थ : 57 (सम सेमेस्टर); 54 (विषम सेमेस्टर)

वित्तीय आबंटन और उपयोग

मंजूर अनुदान : रूपए 439699923.00/-
उपयोग किया गया अनुदान : रूपए 354160152.00/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

संकाय सदस्यों अर्थात डॉ. मोनिशा खन्ना कपूर, डॉ. सरिता कुमार, डॉ. उर्मी बाजपेयी, डॉ. सुनीता हुड्डा, डॉ. अमित गर्ग, डॉ. उदयवीर सिंह, डॉ. शरणजीत कोर; डज्ञ0 विभा गौड़, डॉ. सीमा मखीजा, डॉ. गगन धवन, डॉ. सदानंद प्रसाद, डॉ. चमन सिंह, डॉ. लक्ष्मी नारायण और डॉ. रवि टुटेजा को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पीएच॰डी 'रिसर्च सुपरवाइजर' के तौर पर मान्यता प्रदान की गई। एक पोस्ट डाक्टोरल फैलो, एक रिसर्च एसोसिएट और 23 पीएच॰डी शोधार्थी वर्तमान में एएनडीसी के छह विभिन्न विभागों में पंजीकृत हैं। इस वर्ष चार विद्यार्थियों ने अपनी पीएच॰डी थीसिस जमा करवाई है। महाविद्यालय 'एलिट योजना' (एक सजीव नवाचारी प्रशिक्षण परिवेश में शिक्षा) प्रदान करता है, जिसके अंतर्गत एएनडीसी विद्यार्थी ग्रीष्मकालीन अवकाश (दसो माह) के दौरान अल्पावधि अनुसंधान परियोजनाएं प्रारंभ करते हैं। महाविद्यालय उन्हें 1000/- रूपए प्रति माह की अध्येतावृत्ति प्रदान करता है।

***

अदिति महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

यह अकादमिक वर्ष हमारे विद्यार्थियों के लिए जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय विकास और उनके सपनों को पूरा करने वाला वर्ष रहा है। महाविद्यालय ने प्रत्येक वर्ष आयोजित किए जाने वाले वार्षिक सांस्कृतिक पर्व 'उत्सव' के अतिरिक्त इस वर्ष अपने पहले अकादमिक पर्व 'क्वेस्ट' का भी आयोजन किया। महाविद्यालय के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर दिनांक 25 फरवरी से 1 मार्च, 2019 तक एक पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 12 मार्च, 2019 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की एक पहल 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत 'अरूणोदय 2019' का आयोजन किया गया। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा निदेशालय (समग्र शिक्षा अभियान, एच.आर.डी.डी. सिक्किम) और अदिति महाविद्यालय के बीच एक सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 21 विद्यार्थियों और 5 शिक्षकों का दल इस कार्यक्रम का हिस्सा था। सांस्कृतिक समिति ने सात विद्यार्थियों और शिक्षकों को भव्य

‘अर्ध-कुंभ 2019’ में - ‘धार्मिक तीर्थ यात्रियों का विश्व का सबसे बड़ा समागम’ - भाग लेने के लिए प्रयागराज, उत्तर प्रदेश भेजा।

सम्मान/गौरव

डॉ. ममता शर्मा, प्राचार्य को 5 जून, 2018 को भारतीय पारितंत्र और पर्यावरण संस्थान और एनआईसीईआर द्वारा विश्व पर्यावरण के अवसर पर महाविद्यालय की ओर से ‘प्लास्टिक फ्री कॉलेज आफ द ईयर’ सम्मान प्रदान किया गया।

डॉ. ममता शर्मा, प्राचार्य को 5 अक्तूबर, 2018 को कनफिडिरेशन आफ इंडियन यूनिवर्सिटीज सीआईयू, द एजुकेशनल स्टैंडर्डस एंड टेस्टिंग काउंसिल आफ इंडिया, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ कलीनलीनेस, एजुकेशन एंड रिसर्च एनआईसीईआर, आईआईईई द्वारा संयुक्त राष्ट्र शिक्षक दिवस के अवसर पर ‘लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड’ से सम्मानित किया गया।

डॉ. नीनू कुमार को 30 अप्रैल, 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में न्यूट्रिशन एंड नेशनल हेल्थ साइंसिज एसोसिएशन द्वारा ‘पब्लिक हेल्थ एंड न्यूट्रिशिनोलाजी’ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ‘सोशल वर्कर एंड न्यूट्रिशन एजुकेशनिस्ट अवार्ड’ से सम्मानित किया गया।

डॉ. अर्चना सावशिल्या को 18 मार्च, 2019 को उच्चतर शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा ‘बेस्ट टीचर अवार्ड 2019’ से सम्मानित किया गया।

विशिष्ट उपलब्धियों वाले विद्यार्थी

कोयल, बी.ए. कार्यक्रम प्रथम वर्ष ने कामनवेल्थ जूडो चैम्पियनशिप, 2018 में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

सीमा, बी.ए. कार्यक्रम प्रथम वर्ष ने द्वितीय ओपन इंटरनेशनल ताइक्वांडो चैम्पियनशिप 2018 में रजत पदक प्राप्त किया।

संजना, बी.ए. (ऑनर्स), हिन्दी पत्रकारिता, प्रथम वर्ष ने तीसरी राष्ट्रीय योग खेल-कूद प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

मीनाक्षी पाल, बी.ईएल.ईडी., IV वर्ष ने विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पूजा सिवाच, बी.ईएल.ईडी. III वर्ष ने विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

डबास, एन.आर. (2018) - ‘भारत में जीवन बीमा कंपनियों के विकास पर सक्रिय और स्वतंत्र बोर्ड का प्रभाव’, इम्पेक्ट : इंटरनेशनल जर्नल आफ रिसर्च इन ह्यूमेनिटिज, आर्टस एंड लिटरेचर, आईएसएसएन: 2347-4564, खंड 6 अंक।

गोयल, एन. (2019) - शेपिंग मैथमेटिक्स क्लासरूम थ्रू फं्स आफ नॉलेज। इन प्रोसिडिंग्स आफ द टेन्थ इंटरनेशनल मैथमेटिक्स एजुकेशन एंड सोसायटी कांफ्रेंस (एमईएस 10), संपादन श्री जयश्री सुब्रहमण्यम द्वारा, आईएसएसएन: 2077-9933, प्रकाशन, एमईएस 10, मुद्रण श्री सत्य साईं डिजाइनिंग स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, भारत।

जैन, एस. (2018) - ‘एचआईवी और एड्स के साथ जी रहे बच्चों में व्यवहारगत मुद्दे’ इंटरनेशनल जर्नल आफ ह्यूमन रिसार्सिज एंड सोशल साइंसिज, आईएसएनएन (ओ) : 2349-4085.

कुमार, एन. (2018) - 'बियांड बार्डर्स : यूनिवर्सेलिटी आफ शेक्सपीयर थ्रू एवंते-गार्डे एडेप्शन आफ हैमलेट इनटू हैदर', ए मीडिया सर्कस : द स्टडी आफ मॉडर्न इंडिया एंड लिटरेचर, संपादन नागराज जी. होलेयन्नावर। नईदिल्ली : क्रिसेंट पब्लिशिंग कारपोरेशन, आईएसबीएन : 978-81-8342-482-0. पृष्ठ 149-162.

लोमेश, मधु (2019) - पुस्तक प्रकाशन: 'जन माध्यमों की भाषा' - आईएसबीएन सं. -978-93-82662-00000, हिमाद्री प्रकाशक, शाहदरा, दिल्ली।

पात्रा, पी. (संपादन) (2019) - 'स्मार्ट एग्रीकल्चर : ए ब्लेंड आफ एंसिएंट विजडम एंड मॉडर्न टेक्नालाजी, रावत प्रकाशन, जयपुर।

जर्नल

संपादक के तौर पर कार्यरत संकाय सदस्यों की संख्या - 3

आयोजित किए गए सेमिनार

डॉ. हेम चन्द जैन, उप-प्राचार्य, दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, टैली-ई.आर.पी. 9', 24 अगस्त, 2018.

श्री अनिल चौपड़ा, समूह निदेशक, कारपोरेट कार्य, बजाज कैपिटल, 'करियर इन फायनेंस', 29 जनवरी, 2019.

डॉ. सौरभ शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक, आयुर्वेद एवं पंचकर्मा विशेषज्ञ, महर्षि आयुर्वेद चिकित्साल्य 'परस्पेक्टिव ऑन हेल्थ एंड वेल बीईंग', 21 फरवरी, 2019.

प्रोफेसर रमेश गौतम, श्रीमती वसुधा गुप्ता, श्री प्रियरंजन झा, श्री मनीष आजाद, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, एडीजी, प्रकाशन विभाग, सहायक संपादक, नवभारत टाइम्स, रेडियो जॉकी, एफएम रेनबो, विकास के मुद्दे और हिंदी मीडिया', 29 मार्च 2019.

डॉ. सत्य पंत, पूर्व विभागाध्यक्ष, परामर्श, एनसीईआरटी, 'मानसिक स्वास्थ्य के लिए मनोवैज्ञानिक जांच और परामर्श कैम्प', 20 फरवरी, 2019.

आयोजित किए गए सम्मेलन

6-7 मार्च, 2019 को इको क्लब, दिल्ली सरकार और गांधी भवन (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा 'गांधीवादी दृष्टिकोण और पर्यावरण' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।

10 अप्रैल, 2019 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित 'ई-कचरा प्रबंधन और स्वच्छ भारत मिशन' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुति

27-29 मार्च, 2019 को वाणिज्य विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा द्वारा 'गवर्नेंस इन ई-मॉमर्स : कंटम्परेरी इश्यूज एंड चैलेंजिज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में रीतू राणा डबास ने 'भारतीय बैंकिंग क्षेत्र पर ई-बैंकिंग का प्रभाव' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

28 जनवरी से 2 फरवरी, 2019 को हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित 'दसवें अंतर्राष्ट्रीय गणित शिक्षा और सोसायटी सम्मेलन' में निधि गोयल ने 'शेपिंग मैथमेटिक्स क्लासरूम थ्रू फंड्स आफ नॉलेज' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

25 से 27 सितम्बर, 2018 को किरोडीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'ओलम्पिक्स एंड इंडियन वेल्यूज इन द ग्लोबल कंटेक्स' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रश्मि गुप्ता ने 'ए सर्वे

आफ आब्जेक्टिव्ज आफ फिजिकल एजुकेशन कुरिकुलम अमंगस्ट फिजिकल एजुकेशन प्रोफेशनल्स' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

31 अक्तूबर, 2018 को अदिति महाविद्यालय द्वारा 'शिक्षा, स्वास्थ्य, साहित्य और मीडिया' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में साधना जैन ने 'स्ट्रेस एंड कोपिंग मैकेनिज्म आफ एडोलिसेंट्स' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

16 मार्च, 2019 को जाकिर हुसैन महाविद्यालय (सायं), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा '(रि) डिफाइनिंग मार्जिनेलिटिज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में नीनू कुमार ने 'द पेरिफेरल एंड द मार्जिनेलाइज्ड : डेपिक्शन आफ द डिसऐबल्ड इन हिन्दी सिनेमा' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

16 फरवरी, 2019 को आईआईईई, ग्लोबल पीस फाउंडेशन, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित गोलमेज सम्मेलन में अर्चना साशिल्या ने 'वन फेमिली वन गॉड' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी

21 विद्यार्थी सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत मार्च 2019 में सिक्किम गए।

नियोजन ब्यौरा

कैम्पस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या : लगभग 10, जिनमें रोपियो फाउंडेशन (एनजीओ), बेस्ट आरपीओ, सक्षम फाउंडेशन, एकोवेशन, शेरखान.कॉम, अमेजन लिमिटेड, जेनपेक्ट, नेविग8, शाही एक्सपोर्ट इत्यादि जैसी कंपनियां/उद्योग शामिल थे तथा इनमें से कई ने नियोजन हेतु 'ऑफर लेटर' भी प्रदान किए।

पुस्तकालय विकास

इस अकादमिक सत्र में 620 नई पुस्तकें पुस्तकालय में शामिल की गईं। कम्प्यूटर भी लगवाए गए। पुस्तकालय के स्वचालन की प्रक्रिया जारी है।

संकाय की संख्या

कुल संकाय की संख्या : 100

वित्तीय आबंटन और उपयोग

मंजूर अनुदान : 21. 78 करोड़ रूपए (लगभग)
उपयोग किया गया अनुदान : 22.40 करोड़ रूपए (लगभग)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय के पुस्तकालय में वाचनालय और सम्मेलन कक्ष का जीर्णोद्धार किया गया। परिसर में छह अतिरिक्त कक्षा-कक्षों का निर्माण किया गया। एनसीसी, एनएसएस और विद्यार्थी यूनियन कक्ष के साथ कैंटीन ब्लॉक का निर्माण किया गया। अल्पावधि पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए महाविद्यालय ने वाईडब्ल्यूसीए के साथ सहयोग स्थापित किया।

***

अहिल्याबाई नर्सिंग महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

अहिल्याबाई नर्सिंग महाविद्यालय अपने नैदानिक प्रशिक्षण और कार्य के लिए लोक नायक चिकित्साल्य से सम्बद्ध है, जिसका प्रशासनिक नियंत्रण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के पास है।

विशिष्ट उपलब्धियों वाले विद्यार्थी

13 एवं 14 मार्च, 2019 को राम मनोहर लोहिया चिकित्साल्य और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित 'विश्व गुर्दा दिवस' के अवसर पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कालेज के विद्यार्थियों को प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया, जिसके अंतर्गत 1,500/- रूपए नकद, एक प्रमाण-पत्र और एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

13 एवं 14 मार्च, 2019 को राम मनोहर लोहिया चिकित्साल्य और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित 'स्लोगन मेकिंग प्रतियोगिता में कॉलेज के विद्यार्थियों को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया, जिसके अंतर्गत 1,000/- रूपए नकद, एक प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया और इसके साथ ही एक सांत्वना पुरस्कार, 500 रूपए नकद और एक प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की अंतर महाविद्यालय (इंटरकालिजिएट) प्रतियोगिता 'टाऊवेली 2019' में महाविद्यालय ने नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार, क्विज में प्रथम पुरस्कार, वाद-विवाद में प्रथम पुरस्कार तथा 'पेबल पेंटिंग' में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

लेडी हर्डिंग मेडिकल कालेज में आयोजित अंतर महाविद्यालय लोक नृत्य में हमारे विद्र्याथियों ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

***

अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी, दिल्ली विश्वविद्यालय को कौशल एवं दक्षता, नैदानिक एवं अकादमिक दोनों, के विकास हेतु फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता केन्द्र के तौर पर जाना जाता है। संस्थान ने अपनी सफल यात्रा के 20 वर्ष पूरे किए हैं और उत्कृष्टता प्राप्त करने का हमारा प्रयास जारी रहेगा। हमारे सभी एमपीटी विद्यार्थियों ने दिल्ली में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपनी अनुसंधान परियोजनाओं के संबंध में पत्र और पोस्टर प्रस्तुत किए हैं। 2 मार्च, 2019 को कालेज के सामने नजदीकी पार्क में तथा सर्विस लेन पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। बीपीटी प्रथम वर्ष से चौथे वर्ष के विद्यार्थियों ने स्वेच्छा से इस अभियान में भाग लिया। विद्यार्थियों ने झाड़ू से पार्क और सर्विस लेन की सफाई की। विद्यार्थियों ने 3 घंटे में सफाई कार्य पूरा किया। एकत्र किए गए कचरे को गीले एवं सूखे कूड़े में अलग-अलग रखा गया और नजदीकी नगरपालिका के कूड़ा घर में इसका निपटान किया गया। इस अभियान का मुख्ये उद्देश्य आम लोगों तथा संस्थान के विद्यार्थियों में स्वच्छता एवं इसके लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करना था। विद्यार्थियों ने नजदीकी क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान जारी रखने की शपथ लेते हुए 'स्वच्छ भारत अभियान' में अपना पूर्ण समर्पण दिखाया।

विशिष्ट सम्मान/गौरव

डॉ. राजू के. पाराशर को 29 एवं 30 सितम्बर, 2018 को आयोजित न्यूरेक्सिस सम्मेलन में फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. राजू के. पाराशर को भारत के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए स्वास्थ्य विज्ञान मैन्युअल तैयार करने हेतु एनएएसी कोर समिति का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया।

डॉ. जेयन्थी एस. (पीटी) को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या कृति बल का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया, जिसका गठन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा योग को फिजियोथेरेपी पाठ्यचर्या के एक विषय के तौर पर शामिल करने के लिए किया गया था।

डॉ. सोनम चड्ढा और डॉ. जेयन्थी एस. (पीटी) ने सातवें अंतर्राष्ट्रीय फिजिकल थेरेपी सम्मेलन, एम्स 2018, दिल्ली में 'प्रीवेलेंस आफ पालीसिस्टिक ओवेरियन सिन्ड्रोम इन दिल्ली कालेज स्टूडेंट्स' विषय पर पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. राजू के. पाराशर, डॉ. जेयन्थी एस. (पीटी), डॉ. क्षितिजा बंसल (पीटी), डॉ. संपदा जहागिरदार (पीटी) ने दिनांक 15-17 फरवरी, 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में इंडियन फिजियोथेरेपिस्ट सोसायटी के चौथे वार्षिक सम्मेलन की वैज्ञानिक समिति के सदस्यों के तौर पर कार्य किया।

विशिष्ट उपलब्धि वाले विद्यार्थी

श्री विकल्प मोहन सक्सेना, बीपीटी प्रथम वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सुश्री मृदुला दुआ और सुश्री रमिता गुप्ता, बीपीटी द्वितीय वर्ष ने सुश्री ऐश्वर्या गुप्ता के बाद विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सुश्री श्रेया वशिष्ठ, श्री तन्मय कुमार और सुश्री कनिष्का, बीपीटी तृतीय वर्ष ने विश्वविद्यालय में क्रमश: प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

श्री दिग्विजय सिंह, सुश्री शिवानी आहुजा और सुश्री पिंकी मसीद, बीपीटी चतुर्थ वर्ष ने विश्वविद्यालय में क्रमश: प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

स्नातक विद्यार्थी सुश्री हरितिमा वधावा ने विश्वविद्यालय में समग्र तौर पर (I, II, III, IV वर्ष एवं इंटर्नशिप) प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

जेयन्थी, एस.; अरूमुगम, एन.; पाराशर, आर.के. (2018) - 'इफेक्ट आफ फिजिकल एक्सरसाइसिज ऑन अटेंशन, मोटर स्किल एंड फिजिकल फिटनेस इन चिल्ड्रन विद अटेंशन डेफिसिट हायपर एक्टिव डिसआर्डर-ए सिस्टेमेटिक रिव्यू', एडीएचडी अटेंशन डेफिसिट आय पर एक्टिव डिसआर्डर्स, 11(2):DOI 10.1007/s12402-018-0270-0

जेयन्थी, एस. (2018) - न्यूरोलिंगविस्टिक प्रोग्रामिंग थ्यूरी-ए फिजियोथेरेपी परस्पेक्टिव, फिजियो टाइम मैगजीन, 10(1): 16-23 आईएसएसएन सं.: 0976-1993

कोमल, पी., जैन, ए. (2018) - 'द इफेक्ट आफ स्ट्रेंथनिंग द एंकल मेस्कुलिरेट ऑन बैलेंस इन एल्डरली यूजिंग ईएमजी बायोफीडबैक वर्सिज कनवेंशनल मैथड', इंटरनेशनल जर्नल आफ रिसेंट साइंटिफिक रिसर्च, 9(11): 29598-29602.

पटकी, के., भटनागर, बी., पाराशर, आर.के. (2018) - रिलेशनशिप बिटवीन न्यूट्रिशन, सोशियो इकानामिक स्टेटस एंड फिटनेस इन एलीमेंट्री स्कूल चिल्ड्रन : ए रिव्यू आफ द लिटरेचर, इंडियन जर्नल आफ पब्लिक हेल्थ रिसर्च एंड डिवलपमेंट, 9(2):154-159.

रेनई, टी., जहागिरदार, एस. (2018) - 'कोरिलेशन आफ रिएक्शन टाइम एंड विजुअल अटेंशन विद फियर आफ फाल्स इन एलडरली पापुलेशन', इंटरनेशनल जर्नल रिसेंट साइंस रिसर्च, 9(10):29414-29419.

सक्सेना, पी.एम. (2019) - इफेक्टिवनेस आफ मैन्युअल थेरेपी विद होम एक्सरसाइसिज इन द मैनेजमेंट आफ सर्वाईकोजेनेक हेडेक : ए सिंगल केस स्टडी। इंटरनेशनल जर्नल आफ साइंस एंड रिसर्च (आईजेएसआर), 8(2):1810-1813.

यादव, ए., बंसल, के. (2018) - 'द प्रीवेलेंस आफ मस्कुलोस्केलटल प्रोबलम्स इन स्कूल टीचर्स इन दिल्ली-एनसीआर, ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी, इंटरनेशनल जर्नल आफ साइंस एंड रिसर्च, 9 (10ख) : 29156 - 29161.

जर्नल

संपादक/संपादकीय मंडल में कार्यरत महाविद्यालय संकायों की संख्या : 3

अनुसंधान परियोजना

डॉ. जेयन्थी, एस. (पीटी), डॉ. किरण शर्मा (पीटी) सेल्फ 2019-20, डिवलपमेंट एंड वेलीडेशन आफ क्वेशनेयर टू एक्सपलॉर नॉलेज, बैरियर्स, फेसिलिटेटर्स एंड प्रीफेरेंसिज आफ फिजिकल एक्सरसाइज इन कैंसर सर्वाइवर्स, शून्य।

डॉ. जेयन्थी, एस. (पीटी), डॉ. नरकीश अरूमुगम, डॉ. राजू के. पाराशर, सेल्फ 2017-19, 'इफेक्टिवनेस आफ न्यूरो लिंग्विस्टिक प्रोग्रामिंग (एनएलपी) एंड स्ट्रक्चरड एक्सरसाइसिज आन मोटर स्किल्स, फिजिकल फिटनेस एंड अटेंशन इन चिल्ड्रन विद एडीएचडी-ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल, शून्य।

डॉ. क्षितिजा बंसल (पीटी), डॉ. बर्खा भटनागर, डॉ. राजू के. पाराशर, सेल्फ 2017-19, 'फिटनेस आफ अर्बन ऐलीमेंट्री स्कूल चिल्ड्रन' इम्पेक्ट आफ एक्सरसाइसिज, न्यूट्रिशन एंड सोशियो-इकोनामिक स्टेटस, शून्य।

डॉ. संपदा जहागिरदार, डॉ. सोनिया सिंह, डॉ. राजू के पाराशर, सेल्फ 2018-20 - 'ए स्टडी आफ द फैक्टर्स एसोसिएटिड विद फीयर आफ फाल्स ड्यूरिंग ऐजिंग एंड एस्टेबलिशिंग देयर रिलेशनशिप विद फंक्शनल एबिलिटीज, शून्य।

डॉ. सोनम चड्ढा (पीटी), डॉ. जेयन्थी, एस. (पीटी), डॉ. राजू के. पाराशर - सोसायटी आफ इंडियन फिजियोथेरेपिस्ट 2019-20, डिवलपमेंट एंड वेलिडेशन आफ ए स्क्रीनिंग टूल टू डिटरमाइन द प्रीवेलेंस आफ अर्बन वुमन प्रीडिस्पोज्ड टू पालिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम इन दिल्ली, 25,00/- रूपए।

संगोष्ठि/सम्मेलन प्रस्तुति

राजू के. पाराशर ने 30 मार्च, 2019 को स्कूल आफ फिजियोथेरेपी, आर.के. यूनिवर्सिटी, राजकोट, गुजरात में आयोजित दसवे राष्ट्रीय स्तर के 'फिजियोथेरेपी स्टूडेंट समिट' में 'गेस्ट आफ ऑनर एंड कीनोट स्पीकर' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

एस. जेयन्थी ने 16 जनवरी, 2018 को इंडियन एसोसिएशन आफ फिजियोथेरेपिस्ट- वुमन सेल (आईएपीडब्ल्यूसी) द्वारा वेंकटेश्वर चिकित्साल्य में आयोजित कार्यशाला में 'शोल्डर रिहेबिलेशन फार एसएलएपी लेसन एंड रोटेटर कफ इंजुरिज' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

क्षितिजा बंसल ने 16 मार्च, 2019 को जी.डी. गोयनका यूनिवर्सिटी द्वारा 'रिसेंट एडवांसिज एंड चैलेंजिज इन हेल्थ केयर (आरईएसीएच)' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'मूवमेंट फार हेल्थ : ए स्टेप टुवर्डस फिजिकल एक्टिविटी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

मंजुषा डोभाल ने 8 से 22 फरवरी, 2019 को दिल्ली सरकार के स्कूलों के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के कक्षा शिक्षकों एवं माता-पिता हेतु 'इंट्रॉडक्शन टू द कनसेप्ट आफ इनक्लुसन' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया (शिक्षा निदेशालय, ऐडिड स्कूल, एमसीडी एंड एमसीडी ऐडिड)।

संपदा जहागिरदार ने 30 नवम्बर, 2018 को नई दिल्ली में आयोजित पांचवें अंतर्राष्ट्रीय समावेशी शिक्षा सम्मेलन में 'इम्पेक्ट आफ इनक्लुसिव एजुकेशन यूजिंग ए होलिस्टिक एप्रोच ऑन सेल्फ-कनसेप्ट एंड एटीट्यूड टुवर्डस डिसएबिलिटी इन एलीमेंट्री स्कूल चिल्ड्रन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सोनम चड्ढा ने 23 दिसम्बर, 2018 को एम्स, दिल्ली में आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय फिजिकल थेरेपी सम्मेलन में 'प्रीवेलेंस आफ पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम इन दिल्ली कालेज स्टूडेंट्स' विषय पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

आशीष यादव ने 17 फरवरी, 2019 को दिल्ली में आयोजित सोसायटी आफ इंडियन फिजियोथेरेपिस्ट के चौथे वार्षिक सम्मेलन में 'द प्रीवेलेंस आफ मस्कुलोस्केलटल प्रोबलम्स इन स्कूल टीचर्स इन दिल्ली-एनसीआर-ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

कोमल ने 16 फरवरी, 2019 को 'द इफेक्ट आफ स्ट्रेंथनिंग द एंकल मेस्कुलेचर ऑन बैलेंस इन एल्डरली यूजिंग ईएमजी बायोफीडबैक वर्सिज कनवेंशनल मैथड' विषय पर एक पत्र प्रस्तत किया।

थैबा रेनई ने 16 फरवरी, 2019 को 'रिलेशनशिप आफ डायनेमिक एंड फंक्शनल बैलेंस विद एक्जीक्यूटिव फंक्शन इन एल्डरली' विषय पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

यूनिवर्सिटी आफ जीलैंड, डेनमार्क के साथ 10 सप्ताह के नैदानिक प्रशिक्षण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

10 सप्ताह की अवधि, नैदानिक प्रशिक्षण

इनबाउंड : 3

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

नजदीकी क्षेत्रों में आयोजित किए गए कैंपों की संख्या - 5

कैंपों में शामिल/पंजीकृत लोगों की संख्या - प्रत्येक कैंप में 60 से 100 व्यक्ति

कैंपों में कार्य करने वाले विद्यार्थियों की संख्या - प्रत्येक कैंप में 6 विद्यार्थी

इन कैंपों के लिए समर्पित कुल घंटे - 4 से 5 घंटे प्रत्येक कैंप के लिए

पुस्तकालय विकास

कुल बजट : समग्र 2,03,728/- रूपए

शामिल की गई पुस्तकें : 43

खरीदे गए फिजियोथेरेपी संबंध पत्र - 6

संकाय की संख्या

कुल संस्वीकृत संख्या : 16 (16 अकादमिक और 2 नैदानिक)

***

आर्यभट्ट महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय के भूतल सहित तीन मंजिला भवन का निर्माण कार्य पूरे जोरों से जारी है और यह लगभग समाप्ति की ओर अग्रसर है। महाविद्यालय ने नए अकादमिक ब्लॉक के लिए तीन अतिरिक्त तलों के लिए प्रस्ताव संबंधित प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया है। मौजूदा दूसरे अतिरिक्त ब्लॉक (तारेगाना ब्लॉक) में 5 कक्षा-कक्षों और 3 प्रयोगशालाओं वाले एक अतिरिक्त तल का निर्माण किया गया है। पुराने प्रशासनिक ब्लॉक में एक 70 सीटों वाले सम्मेलन कक्ष का निर्माण किया गया है। एक नियोजन कक्ष, एक संसाधन केन्द्र, दूसरी मनोविज्ञान प्रयोगशाला औरे तीसरी कम्प्यूटर प्रयोगशाला का भी निर्माण किया गया है। 3 दुकानों वाले 'यूटिलिटी' केन्द्र का कार्य भी प्रारंभ किया गया है और इसके नए अकादमिक सत्र के प्रारंभ होने से पूर्व पूरा होने की संभावना है।

सम्मान/गौरव

डॉ. मनोज सिन्हा, प्राचार्य को शिक्षा के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए अखिल भारतीय स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक संघ द्वारा 34वां डॉ. एस. राधा कृष्णन मेमोरियल राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार, 2018 प्रदान किया गया है।

प्रकाशन

कुमार, के. (2018) - 'द पार्टिशन आफ इंडिया : बियांड इम्प्रोबेबल लाइंस, रिफ्यूजी : द इलुसिव नूतन बाडी', संपादक : डेनिला रोगोबेटे, एलिसेबल ए मेरिनो आईएसबीएन-13:978-1-5275-0846-0 आईएसबीएन-10:1-5275-0846-3.

सिंह, जे.के. (2018)- 'इम्पेक्ट आफ डिमानिटाइजेशन ऑन डिजिटल ट्रांजेक्शंस इन इंडिया', जर्नल आफ मॉडर्न मैंनेजमेंट एंड एंटरप्रिन्योरशिप 8(4): 2231-2267.

सिंह, जे.के. (2019) - 'ब्लेडिंग एनवायरमेंटल, सोशल एंड गवर्नेंस एस्पेक्ट्स विद ट्रेडिशनल इनवेस्टमेंट प्रैक्टिसिज : एन एमर्जिंग ट्रेंड इन पोर्टफोलियो मैंनेजमेंट', सारांश, यूएसए 10 (2).

अनुसंधान परियोजनाएं

श्री बिनोय भूषण अग्रवाल को उनकी परियोजना 'आफ टेम्पचुएस लाइव्ज : ब्रिटिश फीमेल ट्रेवलर्स टू इंडिया अमाउंटिंग टू जीबीपी 1400 फार आर्काइवल रिसर्च'के लिए द सेंटर आफ साऊथ एशियन स्टडीज (कैम्ब्रिज) और ब्रिटिश लाइब्रेरी इने लंदन, यूके में 'द चार्ल्स वैलेस इंडिया ट्रस्ट रिसर्च फैलोशिप 2019' पुरस्कार प्रदान किया गया।

आयोजित किए गए सेमिनार

प्रोफेसर बोनी जरे, प्रोफेसर, वर्जिनिया टेक यूनिवर्सिटी, यूएसए ने 15 जनवरी, 2019 को टोनी मारिसन एंड 'बायस्टेंडर इंटरवेंशन प्रोग्राम' पर विशेष व्याख्यान दिया।

सिद्धार्थ पांडे, फेलो इन ग्लोबल हिस्ट्री एट लडविगस मैक्समिलन यूनिवर्सिटी, म्यूनिख, जर्मनी, 'स्पेशल लेक्चर ऑन हिल स्टेशंस', 26 फरवरी, 2019.

जेनिस पेरिएट, ए साहित्य अकादमी यंग राइटर अवार्ड एंड क्रॉसवर्ड बुक अवार्ड विनिंग' लेखक, क्रिएटिव राइटिंग वर्कशाप, 29 मार्च, 2019.

लिवलीन जे. काहलोन, एसोसिएट निदेशक, टीईआरआई, 'सस्टेनेबल डिवलपमेंट', 29 मार्च, 2019.

डॉ. सुरेन्द्र कुमार, दिल्ली स्कूल आफ इकानामिक्स, 'क्लाइमेट, ग्लोबल इकानॉमी एंड पालिसी', 19 फरवरी, 2019.

पारूल जैन, गूगल मीडिया एडुकेटर, 'हाऊ टू वेरिफाई फेक न्यूज', 23 अक्तूबर, 2018.

आयोजित किए गए सम्मेलन

23 और 24 फरवरी, 2019 को महाविद्यालय ने देशबंधु महाविद्यालय और शैक्षिक प्रतिष्ठान के सहयोग से 'भारतीय नारी' विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, आईसीएसएसआर, आईसीएचआर, आईसीपीआर और चौधरी बंशीलाल विश्वविद्यालय ने सहयोग प्रदान किया।

7 और 8 मार्च, 2019 को 'नोस्टालजिया इन ट्वेन्टिएथ सेंचुरी : लिटरेचर, सिनेमा एंड आर्टस' विषय पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

23 और 24 मार्च, 2019 को दृष्टि, पुणे के सहयोग से 'इंडियन परस्पेक्टिव ऑन वूमन' विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुति

जे.के. सिंह ने 29-30 सितम्बर, 2018 को इंस्पीरा रिसर्च एसोसिएशन द्वारा 'वैश्विक अर्थव्यवस्था : अवसर और चुनौतियां' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'इम्पेक्ट आफ डिमोनिटाइजेशन ऑन डिजिटल ट्रांजेक्शंस इन इंडिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

बिनोय भूषण अग्रवाल ने 1-3 मार्च, 2019 को वेन स्टेट यूनिवर्सिटी, डेट्राइट, मिशीगन, यूएसए में 'टेलिंग एंडरिटेलिंग स्टोरीज : (रि) इमेजिंग पापुलर कल्चर' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'आफ क्रॉस कल्चरल कंजम्पशन : (रि) इमेजिंग पापुलर कल्चर' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

बिनोय भूषण अग्रवाल ने 1-3 जून, 2018 को यूरोपीयन यूनिवर्सिटी एंड न्यू लिटरेरी आबजर्वर द्वारा सेंट पीटसबर्ग, मास्को, रूस में 'ए हीरो आफ अवर टाइम : (इंटर) नेशनल सिंबोलिक पब्लिक फिगर्स एंड देयर कल्ट इन द ऐज आफ पोस्ट (मोर्डनिटी)' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

बिनोय भूषण अग्रवाल ने 17-19 मार्च, 2019 को अंग्रेजी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय में मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान के सहयोग से 'बिटविन हिस्ट्री एंड लिटरेचर : इनक्वायरिज इन टू कालोनियल मार्डर्निटिज' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'द पास्ट एंड इट्स नरेशन : एन इनक्वायरी इन टू डिसीपलिनरी कनसंर्सएंड क्वेशचंस आफ फार्म इन हिस्ट्री' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

सुरजीत देब ने 20-25 अगस्त, 2018 को 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फार रिसर्च इन इनकम एंड वेल्थ (आईएआरआईडब्ल्यू)' की 35वीं आम सभा, कोपेनहेगन, डेनमार्क में 'ग्लोबलाइजेशन एंड द रूरल-अर्बन डिवाइड: इन इनक्वायरी ऑन द हेल्थ, एजुकेशन एंड बेसिक एमिनिटीज इन इंडिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

नवीन कुमार जैन ने 13-14 दिसम्बर, 2018 को गणित विभाग, एसएसएन इंजीनियरिंग कालेज, चेन्नई, तमिलनाडु, भारत द्वारा 'मैथेमैटिकल एनलिसिस एंड कम्प्यूटिंग (एनसीएमएसी-2018)' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बोहर रेडियस फार सर्टेन क्लासिज आफ एनलिटिक फंक्शंस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

सतीश कुमार झा ने 6 सितम्बर, 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर द्वारा आयोजित क्रिएटिव थ्यूरी कालोक्वम में 'व्हाट इज क्रिएटिव सोशल थ्यूरी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु कारोबार विकास संस्थान, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार का एक संगठन, के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर।

एलायंस फ्रेंकेएस, फ्रांसीसी दूतावास से सम्बद्ध, भारत, के साथ समझौता ज्ञापन।

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) और राष्ट्रीय अभिकल्पन और उत्पाद विकास केन्द्र, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 'इंटरनेशनल एस्ट्रॉनामी डे' का आयोजन।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत: 16 (23%)
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 03

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

एनक्टस आर्यभट्ट ने विभिन्न अंतर-महाविद्यालय 'बी-प्लान' प्रतियोगिताओं में भाग लिया है तथा पुरस्कार प्राप्त किए हैं। विभागीय सीमाओं से बाहर जाते हुए कई कार्यक्रमों में सम्पूर्ण महाविद्यालय संकाय ने भाग लिया है और एक समग्र परिवेशी वातावरण तैयार किया है। ज्ञान और अनुसंधान को साझा करने के लिए अंतराष्ट्रीय अकादमिक एवं संसाधन व्यक्तियों के अनुरूप आधार तैयार करने के लिए विभागों और विषयों में संवादात्मक सहयोग के लिए कार्यशालाओं और विशेष व्याख्यानों के रूप में एक अंतर-विषयक मंच की अभिकल्पना की गई है। नया मानक स्थापित करते हुए विद्यार्थियों के कल्याण के लिए चौथी बार एक पांच-दिवसीय व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्यों सहित विभिन्न विषयों के संकाय सदस्यों नेभाग लिया और व्याख्यान तथा प्रस्तुतियां दी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंग्रेजी दक्षता संवर्धन सहित विद्यार्थियों का समग्र व्यक्तित्व विकास करना और उन्हें सॉफ्ट कौशलों, भाषाई दक्षताओं तथा शारीरिक भाषा में तीक्ष्ण बनाते हुए रोजगार तथा व्यावसायिक जगत में प्रवेश के लिए तैयार करना है।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय के संग्रह में 600 पुस्तकें शामिल की गई हैं। पुस्तकालय ई-पुस्तकों तथा ई-पत्रों की ऑनलाइन सुलभता हेतु एनएलआईएसटी की सेवाएं भी ले रहा है।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी : 53
कुल तदर्थ :40

वित्तीय आबंटन और उपयोग

मंजूर अनुदान: 3,07,95,000/- रूपए
उपयोग किया गया अनुदान : 25,89,97,163/- रूपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

बिनोय भूषण अग्रवाल ने 'द रॉयल कॉमनवेल्थ सोसायटी, लंदन' के तत्वावधान में आयोजित 'दक्वीन कामनवेल्थ एस्से कंपीटिशन, 2018' के लिए वरिष्ठ निर्णायक की भूमिका निभाई। हमारा महाविद्यालय उच्च स्तरीय खिलाड़ी तैयार करने के लिए जाना जाता है। ऐसा विभिन्न खेलों ताइकवांडों, वालीबाल, फुटबाल, बाल-बैडमिंटन, कबड्डी, टेबलटेनिस, शतरंज और जूडो के प्रशिक्षित प्रशिक्षकों के अधीन नियमित और अनुशासित अभ्यास के कारण संभव हुआ है। इस वर्ष हमारी विभिन्न टीमों ने अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय, राज्य और अंतर-महाविद्यालय स्तर पर खेलों में पदक जीते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय जिमनास्टिक अंतर विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप का आयोजन 12 से 15 जनवरी, 2019 को पटियाला में किया गया।

***

आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

चार भागीदार विभागों अर्थात् भौतिक विज्ञान, रसायन शास्त्र, गणित और जीव विज्ञान ने एक साथ मिलकर एक सप्ताह तक चलने वाले संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय 'दीर्घकालिक विकास' था। महाविद्यालय ने एनआइईएसबीयूडी के सहयोग से सप्ताह भर चलने वाले संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संकाय को इस एफडीपी के माध्यम से जानकारी प्रदान करके तथा उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करते हुए विद्यार्थियों को स्वयं का कारोबार स्थापित करने के लिए प्रेरित करना था। महाविद्यालय को कालेज श्रेणी में 14वीं रैंक प्रदान की गई, जिससे हितधारकों के समग्र विकास के लिए इसके समर्पण का पता चलता है। इस वर्ष हमारे महाविद्यालय परिसर को हरे-भरे खुले क्षेत्र, पेड़ो की संख्या, हर्बल गार्डन, बांस के कक्षा-कक्षों, कागज के कचरे की निपटान प्रणाली, वर्षा जल संचय और कागज पुनर्चक्रण जैसी नियमित आधार पर अपनाई जाने वाली पर्यावरण अनुकूल प्रक्रियाओं के कारण पर्यावरण अनुकूल परिसर घोषित किया गया। गत इंडिया टूडे कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय रैंकिंग के अनुसार, महाविद्यालय को देश के 100 विज्ञान महाविद्यालयों में 12वीं रैंक, भारत में वाणिज्य महाविद्यालयों में 11वीं रैंक तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के वाणिज्य महाविद्यालयों में छठा श्रेष्ठ महाविद्यालय तथा भारत में कला पाठ्यक्रमों में 15वीं रैंक और दिल्ली विश्वविद्यालय में 8वां स्थान प्राप्त किया।

सम्मान/गौरव

डॉ. राघवेन्द्र को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए), नई दिल्ली द्वारा 'इनवेस्टिगेशन आफ द नावल आइकानिक कंडक्टर्स फार इंटरमीडिएट टेम्परेचर सालिड आक्साइड फ्यूल सेल्स' नामक परियोजना पर उच्च द्विपक्षीय सहयोगात्मक अनुसंधान के आयोजन हेतु टोक्यो प्रौद्योगिकी संस्थान, टोक्यो, जापान में छह माह के लिए 'एस्टेबलिसमेंट आफ यंग रिसर्चर फेलोशिप प्रोग्राम-2018-19' नामक भारत-जापान की संयुक्त परियोजना में कार्य करने के लिए 'सर्वाधिक प्रतिष्ठित' यंग रिसर्चर अवार्ड प्रदान किया गया।

सीनियर इंडिया हैंडबाल टीम ने 29 सितम्बर, 2018 को ताशकंद, उजबेकिस्तान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हैंडबाल प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।

आयुष भारद्वाज ने 10-18 अक्तूबर, 2018 तक जियांगजिंग, चीन में आयोजित एशियन चैम्पियनशिप लॉन बाल्स में क्रमश: 'मैन 4 एंड मैन पेयर्स' में 2 कांस्य पदक जीते।

कर्णिक राज शर्मा, बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष ने दिल्ली राज्य शूटिंग चैम्पियनिशिप में 'ट्रैप इवेंट' में स्वर्ण पदक जीता।

नितिन त्यागी, बी.ए. प्रथम वर्ष ने 1500 फ्री स्टाइल में अंटर कालेज स्विमिंग में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

विशिष्ट उपलब्धि वाले विद्यार्थी

मनीष सिंह, बी.एस.सी. (ऑनर्स) प्रथम वर्ष ने अकादमिक वर्ष 2018-19 में सीजीपीए 10 अंक प्राप्त किए।

प्रकाशन

झा, जी.के. (2018) - रंगभूमि का सूरदास : अधिकारों के लिए सजग नायक, विकलांगता समीक्षा।

शर्मा, ए. (2018) - डिवलपमेंट आफ एमईएमएस बेस्ड लैंब वेव एकास्टिक डिवाइसिज, आईईईई ट्राजेक्शंस आफ इलेक्ट्रान डिवाइसिज 65(4): 1-4.

कुमार, ए. (2018) - 'एक्स रे फोटोइलेक्ट्रान स्पेक्ट्रोसकापी (एक्सपीएस), स्टडी आफ ह्यूसलर एलॉय (सीओ2एफईएएल) इंटरफेस्ड विद सेमीकंटक्टर (एन-एसआई) स्ट्रक्चर। मैटीरियल्स साइंस. 37(1): 116-121.

पांडे, आर. (2018) - 'द इफेक्ट आफ सिंथेसिस एंड थर्मल ट्रीटमेंट आन फेज कंपोजिशन एंड आयकॉनिक कंडक्टिविटी आफ एनए-डोप्ड एसआरएसआईओ3, सालिड स्टेट आइकानिक्स, 314: 172-174.

तुली, वी. (2018) - इनवेस्टिगेशन आफ लेड फ्री बीएलएफओ-बीटी कंपोजिट फार मल्टी-फेरियर सेंसर, जर्नल आफ बेसिक एंड एप्लाइड इंजीनियरिंग रिसर्च।

सिंह, आर. (2018) - ट्राइमेटलिक आक्साइड नैनोकंपोजिट आफ ट्राजिशंस मेटल्स टाइटेनियम एंड वनेडियम बाय साल-जेल टेक्नीक : सिंथेसिस, करेक्टराइजेशन एंड इलेक्ट्रालिक प्रोपर्टीज। मैटीरियल्स रिसर्च एक्सप्रेस. 5(4): 17-21.

दीक्षित, वी.एस. (2018) - ए बिजनेस इंटेलीजेंट फ्रेमवर्क टू इवेलुएट प्रीडिक्शन एकुरेसी फार ई-कॉमर्स रिकमेंडर्स। लेक्चर नोट्स इन कम्प्यूटर साइंस, स्प्रिंगर, पृष्ठ 275-288.

बत्रा, जी. (2018) - स्टेकहोल्डर्स इनफ्लुएंस ऑन सस्टेनेबिलिटी डिसक्लोजर्स : एन एम्पीरिकल इंवेस्टिगेशन, बिजनेस एनलिस्ट-2018.

माथुर, सी. (2018) - चेंजिंग डिजिटल लैंडस्केप इन स्मार्ट एनवायरमेंट (संपादन), रोल आफ वुमन एंटरप्रेन्योरशिप इन इंडियन इकानॉमी, 2018, आईएसबीएन : 9789386690876. आरेंज बुक इंटरनेशनल।

सिंह, ए. (2019) - प्रवासी भारतीयों के महत्वपूर्ण सरोकार, पायनियर (हिन्दी संस्करण)।

जर्नल

संपादक और संपादक मंडल में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या - 01

सदस्य, संपादक मंडल : डॉ. ज्ञानतोष कुमार झा, विकलांगता समीक्षा (हिन्दी पत्रिका), दिसम्बर 2018 से नई दिल्ली से प्रकाशित।

अनुसंधान परियोजनाएं

स्ट्रक्चरल डाइइलेक्ट्रिक आप्टिकल एंड मैगनेटो-इलेक्ट्रिक प्रोपर्टीज आफ मल्टीफेरोइक नैनोकंपोजिस्ट्स, डॉ. विनिता तुली, राशि 28 लाख रूपए।

स्टडी एंड डिवलपमेंट आफ नॉवल एंटी-बायो फिल्म कम्पाउंड्स करकुमिन एंड बोरोन कम्पाउंड्स, डॉ. सुनीता बंसल, राशि 16.60 लाख रूपए।

डिजाइन एंड सिंथेसस आफ स्मॉल मॉलीक्यूल्स आफ बेंजीमाइडोजोल एंड क्विनोलाइन एंड थेरी मेटल कंपलेक्सिज फार एटीमलेरियल एंड कैटलिटिक एक्टिविटीज, डॉ. सुनीता बंसल, राशि 24 लाख रूपए।

आर्काईविंग गांधी जी बुनियादी स्कूल : टुवर्डस एन इनक्लुसिव एंड सस्टेनेबल स्कूल सिस्टम, डॉ. इन्द्रजीत कुमार झा, राशि 18.25 लाख रूपए।

रिइनवेंटिंग सेलेक्ट फाल्क थियेटर फार्मस आफ नार्थ एंड ईस्ट इंडिया : टुवर्डस ए न्यू इंडियम आफ कंटेम्परेरी थियेटर, डॉ. अनामिका प्रसाद, राशि 30.40 लाख रूपए।

स्टडी आफ फाइन आर्टस क्रिएटिविटी, आप्टिमिस्टिक एप्रोच एंड थ्यूरेप्टिक बेनेफिट्स, डॉ. सुमन डुडेजा, राशि 17.60 लाख रूपए।

एन एल्टरनेटिव फार पेट्रोकेमिकल बेस्ड पालीमर्स : सिंथेसिस आफ बायोबेस्ड/सेमी बायोबेस्ड, बायोडिग्रेडेबल, फोटो फंक्शेनल एंड हाई परफार्मेंस पालीमर्स विद एडवांस्ड प्रोपर्टीज फार ए सस्टेनेबल फ्यूचर, डॉ. राजीव सिंह, राशि 20.15 लाख रूपए।

आयोजित किए गए सेमिनार

24 अगस्त, 2018 को 'राहुल संकृत्यायन : लिटरेचर, हिस्ट्री एंड पालिटिकल फिलासाफी' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन।

27 और 28 सितम्बर, 2018 को 'न्यू ट्रेंड्स इन नैनोटेक्नालॉजी एंड एप्लीकेशंस' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन।

29 और 30 जनवरी, 2019 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ ने 'इंडियन वर्नेक्यूलर लिटरेचर : प्रेमाख्यान' विषय परएक दो-दिवसीय अंतर-विषयक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

प्रियंका यादव ने 9 से 11 जनवरी, 2018 तक इंडियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली केन्द्र : केन्द्र में 'ऑपरेशंस रिसर्चएंड गेम थ्यूरी : मॉडलिंग एंडकम्प्यूटेशन' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आप्टीमेलिटी कंडीशंस फार आप्टीमाजेशन प्रोबलम्स विद नॉनकन्वेक्स फीजिबल सेट' विषय पर पत्र प्रस्तुत किए।

छत्रपाल ने 23 से 25 अक्तूबर, 2018 को आयोजित 'आईसीआरएपीएएम-2018' में ' 'रिव्यू आफ गोडुनॉव टाइप हाई रिजोल्यूशन न्यूमेटिकल स्कीम्स फॉर हायपरबालिक कंजरवेशन लांज' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

बलजीत कौर ने 30 अगस्त, 2018 को आइडियल इंस्टीट्यूट आफ मैंनेजमेंट एंड टेक्नालॉजी एंड स्कूल आफ लॉ में 'क्रिएटिंग इनोवेशंस इन डिजिटल एरा : मैंनेजमेंट एंड आईटी परस्पेक्टिव' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

अनु प्रिया अरोड़ा ने 25 मई, 2018 को चित्रिका बिजनेस स्कूल, चित्रिका विश्वविद्यालय, पंजाब द्वारा आईएआरडीओ के सहयोग से आयोजित सम्मेलन में 'एमरजिंग ट्रेंड्स एंड चैलेंजिज इन ग्लोबलाइज्ड डिजिटल ऐरा' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

रविंद्र पंत ने 14 और 15 मार्च, 2019 को आयोजित वीआईएनसी'19 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकाशित एवं प्रस्तुत 'सस्टेनेबल बिजनेस प्रैक्टिसिज : ए स्टडी आफ कंज्यूमर अवेयरनेस आफ ईको-लेबल्स' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

अमित सिंह ने 17 और 18 मार्च, 2019 को श्री वेंटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरूपति द्वारा 'इंडिया वियतनाम रिलेशंस थ्रू द प्रिज्म आफ गांधीयन एंड हो ची मिन्ह स्टार फिलासफिज' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंडिया वियतनाम रिलेशंस एंड द साऊथ चाइना सी डिस्प्यूट्स' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

अमित सिंह ने 14 और 15 जुलाई, 2018 को सेंटर फार कनाडियन, यूएस एंड लेटिन अमेरिकन स्टडीज (सीसीयूएस एंड एलएएस) जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा कलिंगा इंस्टीट्यूट आफ इंडो-पेसिफिक : इश्यूज एंड चैलेजिंज विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'साऊथ चाइना सी डिस्पयूट्स : इश्यूज एंड चैलेंजिज' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

गुरूवंदन सिंह ने 31 जनवरी, 2019 को मानव रचना अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान और अध्ययन संस्थान में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फाइंडिंग ए वाइस : ट्रांजिशन फ्राम जेन आयर टू वाइड सरगासो सी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

अचिंगलिऊ कमेई ने 16 मार्च, 2019 को जाकिर हुसैन कालेज द्वारा '(रि) डिफाइनिंग मार्जेनेलिटी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'नरेटिव्ज आफ मधुबनी एंड ग्रफिटी : फ्राम द मार्जिन्स टू सेंटर' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रेरणा सिन्हा ने 5 और 6 अप्रैल, 2018 को भारती महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंडियन वूमन फिल्ममेकर्स एंड देयर वाइस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

विद्यार्थियों को प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और अन्य अधिगम अवसर प्रदान करने के लिए कंपनियों, गैर-सरकारी संगठनों और सरकारी एजेंसियों जैसे बीएसई इंस्टीट्यूट लिमिटेड, एआईएफएमआर, एनआईईएसबीयूडी, जागृति, पामपॉम और अन्य के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

साऊथ कैंपस में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए अवसंचराइमक, आर्थिक और इंस्ट्रूमेंटल सहायता मान करने के लिए 'सोसायटी फार डिसएबिलिटी एंड रिहेबिलेटेशन स्टडीज' के साथ समझौता ज्ञापन।

रद्दी कागज प्रबंधन के लिए जागृति पेपर रिसाइक्लिंग यूनिट के साथ समझौता ज्ञापन।

ई-कचरा प्रबंधन के लिए 'पाम पाम' के साथ समझौता ज्ञापन।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या : 109
कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/ उद्योगों की संख्या : 07

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

महाविद्यालय की एनएसएस यूनिट ने स्वच्छ भारत समिति के सहयोग से गई आऊटरीचकाय कार्यकलापों का आयोजन किया। एनएसएस ने भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार तीन स्वच्छता पखवाडों का आयोजन किया। प्रथम पखवाड़े (1-15 अगस्त, 2018) के एक भाग के तौर पर कालेज की एनएसएस यूनिट ने केरल के बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए हाथ बढ़ाया। महाविद्यालय के भीतर दो दिन (19-20 अगस्त) का दान अभियान चलाया गया। 5 सितम्बर को महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा करते हुए उन्हें 'जीवन रोपण' की दिश में कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान के सहयोग से 19 सितम्बर, 2018 को 'युवाओं में नशाखोरी पर रोक' विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रौढ़ सतत शिक्षा और विस्तार विभाग के सहयोग से 28 मार्च, 2019 को 'उच्चतर शिक्षा में नशाखोरी' विषय पर दूसरे जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय ने उपभोक्ताओं की सूचना आवश्यकता को पूरा करने के लिए गत वर्ष (2018-19) में 1128 पुस्तकों, 40 आवधिक पत्रों और 27 पत्रिकाओं की अधिप्राप्ति की। पुस्तकालय में 111216 (लगभग) पुस्तकों और जिल्दबद्ध आवधिक पत्रों का समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय में विभिन्न संगठनों और संकाय सदस्यों इत्यादि द्वारा उपहार स्वरूप भेंट की गई पुस्तकें भी शामिल की गई। पुस्तकालय सॉफ्टवेयर द्वारा ओपीएसी (ऑनलाइन सार्वजनिक सुलभ कैटलाग) सुविधा भी प्रदान की जाती है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए पुस्तकालय दस्तावेजों को एन-लिस्ट डिजिटल पुस्तकालय, यूजीसी इंफोनेट और इनफ्लिबेनेट के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है।

संकाय की संख्या

कुल संस्वीकृत संकाय संख्या : 194

वित्तीय आबंटन और उपयोग

मंजूर अनुदान : 45.43 करोड़ रूपए
उपयोग किया गया अनुदान: 50.13 करोड़ रूपए

***

भागिनी निवेदिता महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय की एनसीसी यूनिट ने एएनओ कैप्टन परमिन्द्र सेहगल के मार्गदर्शन में 160 कैडेटों के लिए कैंप का आयोजन किया। एससीओ अवंतिका ने प्रधान मंत्री की रैली में अपनी प्रथम पैरासेलिंग उड़ान भरी। उद्यान समिति और ईवीएस विभाग ने महाविद्यालय और नजदीकी कैर गांव में पोधारोपण अभियान चलाया। ड्रामेटिक्स सोसायटी ने इंट्रा कालेज प्रतियोगिता 'नवरंग' में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा आयोजित भारत रंग महोत्सव में भाग लिया तथा चुनाव आयोग द्वारा 3,000/- रूपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। हिस्ट्री सोसायटी ने 2 मार्च, 2019 को 'ए न्यू साइट इन टू द हेड़प्पन सिविलाइजेशन, आर्कियालाजिकल परस्पेक्टिवज' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया, जिसमें डॉ.

केमरन ए. पेट्री, एसोसिएट प्रोफेसर, आर्कियालाजी विभाग, यूनिवर्सिटी आफ कैम्ब्रिज, यूके को विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु आमंत्रित किया गया।

सम्मान और गौरव

डॉ. अलोक्का दत्त को उच्चतर शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सकरार द्वारा 'श्रेष्ठ कालेज लेक्चरर अवार्ड, 2018' प्रदान किया गया।

डॉ. ममता सेहरावत ने सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में 04 फरवरी, 2019 को आयोजित दिल्ली वेटरन एथलेटिक्स और नेशनल मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप में शॉट-पुट में स्वर्ण पदक जीता।

कैप्टन परमिन्द्र सेहगल को एनसीसी और एनएसएस के माध्यम से महिला सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए भागीदारी जन सहयोग समिति द्वारा महिला दिवस के अवसर पर 'महिला सशक्तिकरण अवार्ड' प्रदान किया गया।

डॉ. योगेश कुमार को सेंटर फार ग्लोबल हेल्थ, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली यूनिवर्सिटी तथा टीसीआई केमिकल्स के सहयोग से लोपोला यूनिवर्सिटी शिकागो, स्कूल आफ मेडिसन, यूएसए द्वारा उल्लेखनीय अकादमिक उद्योग अनुसंधान उत्कृष्टता हेतु 'डिसिटंगविशड इनवेस्टिगेटर अवार्ड' प्रदान किया गया।

श्री विशाल चौधरी को 'एडवांस्ड मेटीरियल एनर्जी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'यंग साइंटिस्ट' का अवार्ड प्रदान किया गया।

प्रकाशन

गर्गेन, के., शर्मा, सी., समेशिमा, टी., वू शि-जुआन, यंग. एल. (2018) - 'कल्चर्स इन मोशन : चैलेंजिज टू फ्यूचर इनक्वायरी'। इन : येह, कुआंग हुई (संपादित) एशियन इंटीजिनस साइकोलॉजिस इन द ग्लोबल कंटेक्सट, पालग्रेव मेकमिलियन, पृष्ठ 47-67.

गुप्ता, एस. (2019) - 'एनलिसिस आफ डिफरेंट डोमेंस आफ आर्टिफिसिएल इंटेलीजेंस, इंजीनियरिंग एंड साइंटिफिक इनफार्मेशन जर्नल (ईएसआईजे), 61(1): 1-5.

परवेन्द्र, के., वेदेश्वर, ए.जी. (2018) - 'जनरेशन आफ फ्रीक्वेंसी - ट्यूनेबल स्किविज्ड सिंगल फोटोन्स फ्राम ए सिंगल क्वाटंम डोट जे. आप्ट. सोश. एम.बी. 35: 3035.

परवेन्द्र, के., वेदेश्वर, ए.जी. (2018) - 'स्किविज्ड फोटोन फ्राम एसिंगल क्वांटम डॉ.ट विद ट्यूनेबल सेंट्रल फ्रीक्वेंसी, लेजर साइंस जे टू 3 ए: 65.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

आलोक दत्त ने 25-26 अक्तूबर, 2018 को पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सम्मेलन में 'एसेसमेंट आफ साऊथ कोरियन यूएन मेम्बरशिप' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

सीमा गुप्ता ने सूचना प्रणाली प्रबंधन विभाग, एल्फा कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, चेन्नई द्वारा 'डायनेमिक्स आफ डाटा एनलिसिस एंड रिसर्च पब्लिकेशंस' विषय पर आयोजित दूसरे राष्ट्रीय सेमिनार में 'एनलिसिस आफ डिफरेंट डोमेन्स आफ आर्टिफिसिएल इंटेलीजेंस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

विशाल चौधरी ने 12-13 अप्रैल, 2018 को शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'नैनो-वर्ल्ड'विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एनर्जी एफिसिएंट स्मार्ट सेंसर्स बेस्ड ऑन कंडक्टिंग पालीमर्स फार मॉनीटरिंग हजरड्स कंटामिनेंटस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्‌यार्थियों की संख्या: 01

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

स्वास्थ्य और स्वच्छता समिति ने 20 फरवरी, 2019 को 'स्वास्थ्य कैंप' का आयोजन किया। डॉ. श्वेता पुरी, स्त्री रोग विशेषज्ञ, वेकटेश्वर चिकित्साल्य ने 'महिलाओं में कैंसर की रोकथाम' विषय पर अपने विचार रखे। स्वच्छ भारत समिति ने महाविद्‌यालय की एनएसएस यूनिट के सहयोग से 'स्वच्छता ही सेवा' विषय पर वर्ष भर विभिन्न कार्यकलापों का आयोजन किया। कैर गांव में 'स्वच्छता जागरूकता रैली' और 'डोर-टू डोर' अभियान जैसे कई कार्यकलापों का आयोजन किया गया। 'कचरा प्रबंधन' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता ग्रीन सर्किल स्पीकर्स श्री अनिल पाराशर द्‌वारा की गई, जिन्होंने 'स्वच्छ पर्यावरण : एक मानव अधिकार परिपेक्ष्य' विषय पर व्याख्यान दिया और श्री वी. सेलवारासन ने 'कचरा : एक गंभीर पर्यावरणीय चिंता' विषय पर व्याख्यान दिया। फिजिक्स सोसायटी ने 25 फरवरी, 2019 को 'फिजिअन' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। एलन एंड एन. विजन, आईआईटी हैदराबाद और अजूर स्काइनेट सोल्यूशन के सहयोग से साइबर सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्‌यालय पुस्तकालय में 32316 पुस्तकों का संग्रह है। इस अकादमिक वर्ष में 440 पुस्तकें पुस्तकालय में शामिल की गई। पुस्तकालय द्‌वारा 32 पत्रों और पत्रिकाएं खरीदी गई। संकाय और विद्‌यार्थियों के लिए 14 विभिन्न समाचार-पत्र सुलभ हैं। पुस्तकालय द्‌वारा विश्वविद्‌यालय अनुदान आयोग की एन-सूची के माध्यम से एक लाभ ई-पुस्तकें भी प्रदान की जाती हैं।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी संकाय : 40
कुल तदर्थ संकाय : 44

वित्तीय आबंटन और उपयोग

मंजूर अनुदान : 12,18,00,000/- और 30,00,000/- रूपए
उपयोग किया गया अनुदान : 17,60,24,031/- और 55,22,968 रूपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सुश्री सिमरन ने कोलकाता में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। सुश्री प्रतिज्ञा ने दिल्ली ओलम्पिक गेम्स में कांस्य पदक, 35वीं राज्य ताइक्वांडों चैम्पियनिशिप में कांस्य पदक, 8वीं सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडों चैम्पियनशिप स्वर्ण पदक, 5वीं ड्रीम्स कप ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में 1 रजत पदक, टेलेंट आप्टिमाइजेशन कार्यक्रम में स्वर्ण पदक जीता। सुश्री खुशी कसाना ने महाराष्ट्र में आयोजित नेशनल टग आफ वार चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक, साऊथ एशियन टग आफ वार में रजत पदक (महिला वर्ग), श्रीलंका में आयोजित टग आफ वार चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता। हमारे महाविद्‌यालय की वालीबाल टीम ने डीडीए स्पोर्ट्स कम्प्लेक्स पश्चिम विहार, दिल्ली द्‌वारा आयोजित ओपन टूर्नामेंट में द्‌वितीय स्थान प्राप्त किया।

***

भारती महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

इस महाविद्यालय का स्थान भारत में वाणिज्य विषय के 100 श्रेष्ठ महाविद्यालयों में से 36वां और इंडिया टुडे-एमडीआरए सर्वेक्षण, 2018 द्वारा ललित कला में घोषित भारत के 100 सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालयों में 74वां था। इसका चहुमुखी विकास समिति, डॉ. अम्बेडकर इंटर नेशनल सेंटर (डीएआईसी) और मेक ए डिफरेंस (एमएडी) के साथ सफल सामंजस्य स्थापित हुआ था। पुस्तकालय अनुभाग में कंप्यूटर प्रयोगशाला को गणित विभाग की व्यावहारिक कक्षाओं हेतु लेपटॉप से सुसज्जित किया गया था। इसका संचालन मौजूदा पुस्तकालय स्टॉफ और गणित विभाग के शिक्षकों की सहायता से किया जा रहा है।

डॉ. सुभद्रा कथूरिया को नार्थ जोन बैडमिटन चैंपियनशिप का प्रतिनिधित्व करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की बैडमिंटन टीम के दिल्ली टीम प्रबंधक के रूप में चुना गया था। उन्हें चीन में आयोजित एशियन लॉन बौल्स चैंपियनशिप, 2018 के लिए भारतीय बौलिंग परिसंघ से संबंधित चयन समिति का सदस्य भी चुना गया है।

डॉ. विपुल के.राय ने भारत के माननीय प्रधानमंत्री के साथ भारत में कंम्बोडिया के प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान हैदराबाद हाउस में संबंधित संगीत से अपना कार्यक्रम प्रस्तुत किया था। उन्होंने दिल्ली में आईजीएनसीए और संगीत पर्व, 2018 द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बीएचयू में तानसेन संगीत समारोह, 2018 के अवसर पर ध्रुपद त्रिवेणी पर भी अपना कार्यक्रम प्रस्तुत किया था।

डॉ. बिंदु कोहली को स्वच्छ भारत अभियान के प्रति विशेष सहयोग देने पर दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी (संस्कृति मंत्रालय द्वारा) द्वारा सम्मानित किया गया था।

डॉ. सोनाली जैन को दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में एफएसएलइ-भारत से संबंधित कार्यकारी परिषद् की सदस्यता के लिए नामित किया गया।

विद्यार्थियों द्वारा अर्जित विशेष उपलब्धियां

श्रीया शर्मा को फिरोजशाह कोटला स्टेडियम में बीसीसीआई द्वारा संचालित 19 कार्यक्रमों के अंतर्गत जेडसीए (उत्तर भारत) शिविर के लिए चुना गया। उन्होंने दिल्ली और जयपुर में संचालित सुपर लीग के लिए यू-23 राष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट टूनामेंट में दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया था।

निकिता एन. बिंदिया ने ऑल इंडिया नार्थ जोन इंटरयूनिवर्सिटी में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया था जबकि राधा को फैडरेशन कप खो-खो चैपियनशीप में दिल्ली का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था।

रिया और मनीषा ने ऐम्स में युगल वादन शास्त्रीय नृत्य प्रतिस्पर्धा में पहला स्थान प्राप्त किया जबकि वैश्नवी और भूमिका को एकल गायन प्रतिस्पर्धा में आईबीएस में क्रमश: दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त हुआ था।

प्रियंका छाबड़ा को एकल शास्त्रीय कत्थक नृत्य प्रतिस्पर्धा में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ था। उन्होंने अपने नृत्य समूह के साथ समूह नृत्य प्रतिस्पर्धा में आदिति महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

प्रकाशन

बनर्जी, ए. (2018). गार्गेंद्रनाथ टैगोर का व्यंगात्मक उपहास चित्र अनुलेख: साहित्यिक अध्ययन से संबंधित अंतरविषयक आवधिक पत्रिका, 3(2): 33-52.

भूषण. एन., अग्रवाल, बी. (2019). खुदरा दुकानों पर विक्रय बढ़ाने के संबंध में उपभोक्ताओं के प्रति व्यवहार। इंडियन जनरल ऑफ इकोनामिक्स एंड बिजनेस. 18(1): 325 - 341.

भूटानी, के., भूषण, एन. (2019). व्यापारिक गणित और सांख्यिकी, दिल्ली, दिल्ली: जेएसआर प्रकाशक

चड्डा, पी., अग्रवाल, बी., जरीन, ए. (2018). बैंकिंग क्षेत्र आर्थित सेवा के लाभार्थ उपभोक्ता प्रवृति के अंतर्गत सुविख्यात व्यक्ति के अनुमोदन पर उत्पन्न निष्कर्ष की समीक्षा। इंटरनेशनल जनरल ऑफ़ मैनेजमेंट स्टडीज़, 4 (7): 17-29।

द्वेदी , एस. एस. (2018). अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और विश्व इतिहास का परिदृष्य। गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।

गुप्ता, एम. (2019). संभाव्य रिक्त व्यवस्था के साथ शंकुओं के क्रम में निर्धारित ईष्टतम स्थिति के साथ स्पष्ट परिरूप और आदेश आकृति। ग्लोबल ऑप्टिमाइज़ेशन जर्नल, 73: 447-463।

जोहरी, आर. (2018). लेखा नियंत्रण प्रणाली से संबंधित नैतिक कार्ययोजना की जांच - साहित्यिक समीक्षा, अर्थवान, 2 (1): 95-101

आवधिक पत्रिका

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित आवश्यक पत्रिकाएँ: 01
संपादक के रूप में सेवारत महाविद्यालय के अध्यापक : 06

अनुसंधान परियोजनाएं

भयग्रस्त किशोरों व किशोरियों की स्व-अवधारणा, स्व-सम्मान और समायोजन पर केंद्रित सिद्धांत की प्रभावशीलता विषय पर परियोजना (2017-19) राशि $ 2500।

आयोजित संगोष्ठियां

प्रोफेसर संजय पांडे और प्रोफेसर संजय भारद्वाज, द्वारा 12 नवंबर 2018 को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, "इंडिया एंड दैन वर्ल्ड" विषय पर व्याख्यान दिया गया है।

श्री हरिंदर पाल सिंह, अध्यक्ष गुरमेल कॉलेज द्वारा 11 फरवरी, 2019 को 'गुरु नानक का जीवन दर्शन: समकालीन दृष्टिकोण', विषय पर व्याख्यान दिया गया।

सुश्री ईशा पांडे, आईपीएस अधिकारी द्वारा 28 फरवरी 2019 'वर्क लाइफ बैलेंस एंड कैरियर इन सिविल सर्विसेज' विषय पर व्याख्यान दिया गया।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं

5-7 अप्रैल 2018 के दौरान 'कक्षा में इतिहास: इतिहास की स्नातक पूर्व शिक्षा में चुनौतियाँ, नवाचार और शैक्षणिक मुद्दे, विषय पर आयोजित सम्मेलन

वैश्विक राजनीति में राजनीतिक सक्रियता- नैतिक, कार्यनीतिक और कार्यशैली से संबंधित मुद्दे विषय पर 19-20 नवंबर 2018 के दौरान आयोजित सम्मेलन।

संस्कृत साहित्य में विज्ञान, 'कालीदास संस्कृति, संगीत और ललित कला अकादमी और स्व-वित्तपोषण'19-20 जनवरी 2019

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुति

माधव गोपाल ने जनवरी 2019 को भारती महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संगोष्ठी "संस्कृत क्रियाओं पर परिचर्चा" विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

माधुरी शर्मा ने ''बीसवीं शताब्दी के दौरान भारत में स्वास्थ्य और औषधि विपणन- दवाई में अव्वल, पैसा लेना डबल", चिकित्सीय वस्तुएं: वैश्विक औषधियों का व्यापार, स्थानांतरण और संस्कृति, 1600-2000 विषय पर अपना शोध प्रस्तुत किया। ग्लोबल हिस्ट्री एंड कल्चर सेंटर (यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक) और सेंटर फॉर हिस्टोरिकल स्टडीज (जेएनयू) द्वारा एक संयुक्त कार्यशाला 5-6 नवंबर, 2018 को कन्वेंशन सेंटर, जेएनयू न्यू कैंपस, नई दिल्ली में आयोजित की गई थी।

मीनाक्षी गुप्ता ने 28 दिसंबर, 2018 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित सोसाइटी के 33वें वार्षिक सम्मेलन में "लेविटिन-पोलयक-स्पष्ट परिरूप एवं ईष्टतम स्थिति का निर्धारण" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नंदिनी सेन ने 9 जनवरी, 2019 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 'आदिकाबी सरला दास अध्यक्ष, उडिया अध्ययन और शोध संवाद अनुसंधान मंच द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "मेरा घर कहाँ है?" विषय पर व्याख्यान दिया।

शैलेश कुमार ने वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान, वेल्लोर, तमिलनाडु द्वारा 27-29 दिसंबर, 2018 के दौरान 'भारतीय अर्थव्यवस्था एसोसिएशन के दूसरे शताब्दी सम्मेलन में रोजगार की चुनौतियों एवं संबंधित नीतियां' के विषय पर आयोजित संगोष्ठी में "भारत में संतुलित रोजगार पर वैश्विकरण का प्रभाव" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शैलज़ा ने 11-12 मई 2018 को अंतर्राष्ट्रीय राजनीति अनुसंधान से संबंधित शांति और सुरक्षा नेटवर्क द्वारा "समकालीन विश्व में शांति और सुरक्षा का परिमार्जित रूप: भारत द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम" विषय पर आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी में अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था में घरेलू सुरक्षा: "दक्षिण क्षेत्र वैश्विक्ता की दृष्टि से समीक्षात्मक अवलोकन" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया

शालू कौर ने 19 अप्रैल 2018 को दयाल सिंह महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कट्टि होई बाह दो नटकी परात"शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शिवानी झा ने 20-23 मार्च, 2018 को महिला महाविद्यालय के दिल्ली विश्वविद्यालय विकास प्रकोष्ठ और भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद् द्वारा "भारत में महिलाओं की दुर्दशा और अधिकार की ऐतिहासिक समीक्षा" विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'स्मोदर्ड वायसेस: रीडिंग वीमेन एज विक्टिम्स इन शशि थरूर्स राइएट" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भारतीय/विदेशी कंपनियों/उद्योग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

एनआईईएलआईटी पास करने के लिए एनआईआईटी एंबिट कम्प्यूटिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

रद्दी कागजों के पुनरावर्तन के लिए ग्रीन -ओ - टेक के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और उनका प्रतिशत: 54 (50.94%)
परिसर भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 12

विस्तार और अभिगम्यता कार्य

महाविद्यालय की एनएसएस इकाई ने 19 अगस्त, 2018 को केरल बाढ़ राहत के लिए एक पूर्ण दिवसीय अभियान को सफलतापूर्वक संचालित किया। मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में अंशदान भेजे गए। स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों और गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के हितार्थ, निजी सफाई, बाल अधिकार और बच्चों से संबंधित कानून और नीतियों, टीकाकरण और प्रवासी मजदूरों के बच्चों को आस-पास के इलाके में शिक्षित करने के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए मिलकर कार्य करते रहे हैं। तीसरे वर्ष के विद्यार्थियों ने "मंथन शिक्षा कार्यक्रम विशेष आवश्यकता वाले बच्चे" घटक के एक भाग के रूप में आशीर्वाद, एसएआरडी,डीसीसीडब्ल्यू, लक्ष्य स्लम बालक ट्रस्ट दिव्यांग बाल पुनर्वास एसोसियएशन (एचसीआरए) संस्थान, नामक परियोजना के अंतर्गत दिव्य ज्योति जागृति संस्थान जैसे संगठनों के साथ बड़े पैमाने पर कार्य किया है।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय के पास अद्यतन पाठय पुस्तकों और विभिन्न विषयों की आवधिक पत्रिकाओं से सुसज्जित एक बड़ा पुस्तकालय है। इस वर्ष के दौरान पुस्तकालय में लगभग 645 नई पुस्तकें शामिल की गई जिसके फलस्वरूप पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या 52910 हो गई। पुस्तकालय में हिंदी और अंग्रेजी में 18 दैनिक समाचार पत्र, 17 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आवधिक पत्रिकाएं और 13 पत्रिकाएं आती हैं। इस वर्ष पुस्तकालय के उपहार अनुभाग को विभिन्न शुभेच्छुओं, शिक्षकों और विद्यार्थियों से 174 पुस्तकें प्राप्त हुई हैं।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी: 65
कुल तदर्थ: 61

वित्तीय आबंटन और उपयोग

मंजूर अनुदान: रूपए 223904000/-
उपयोगित अनुदान : रूपए 271181727/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

भारती महाविद्यालय का शैक्षणिक सहायता प्रकोष्ठ अपनी अनूठी विशेषता रखता है जहां परम्परागत शिक्षा पद्धति की बजाय, विशेष समूह शिक्षण मॉडल पर अमल किया जाता है। गणित विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अन्य विद्यार्थियों के लिए कक्षाओं का संचालन किया। यूजी पाठ्यक्रम (5-7 अप्रैल 2018) में मौजूदा अनुसंधान कार्य को समाहित करने संबंधी विषय पर संकाय सशक्तीकरण विभाग (एचडीएफई) ने एक विचार-विमर्श सभा का संचालन किया। इसके अलावा, वाणिज्य विभाग ने 15-21 दिसंबर, 2018 के दौरान आधुनिक डाटा-विश्लेषण संसाधन विषय पर आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के सहयोग से एक कार्यक्रम का आयोजन किया। गैर-अध्यापन स्टाफ ने सीपीडीएचई और अन्य महाविद्यालयों द्वारा संचालित संकाय विकास कार्यक्रमों और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके अतिरिक्त 2870 नियमित विद्यार्थियों, एनसीडब्ल्यूईबी और एसओएल केंद्रों ने लगभग 1100 और विद्यार्थियों को लाभान्वित किया है। भारती परिवार अपने पोर्टल पर शामिल होने वाले सभी विद्यार्थियों के लाभार्थ कार्य कर रहा है।

***

भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

26 अक्तूबर 2018 को 'पूर्वोत्तर भारत: असम' विषय पर एक वृत्तचित्र दिखाया गया। इसके अलावा, 29 सितंबर 2019 को महाविद्यालय के पूर्वोत्तर प्रकोष्ठ द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र में सांस्कृतिक विविधता विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। महाविद्यालय के चार विभागों अर्थात इलैक्ट्रॉनिक्स, भौतिकी विज्ञान, इंस्ट्रूमेंटेशन और कंप्यूटर विज्ञान को उनकी स्टार महाविद्यालय योजना के अंतर्गत डीबीटी के जरिए वित्तीय सहायता दी गई है। ओपन जिम फैसिलिटी कार्य शुरू हो गया है और अन्य पूरा होने के करीब है। 23 -24 फरवरी, 2019 के दौरान 'सिरीजान 2 के19' का आयोजन किया गया। 25 सितंबर 2018 को मतदाता दिवस मनाया गया। 28 सितंबर 2018 को विवेकानंद एवं विचार मंच (वीवीएम) सार्वभौमिक भाईचारा दिवस और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की वर्षगांठ बनाई गई। 19 जुलाई 2018 को 'जैव चिकित्सा व्यर्थ पदार्थ' विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा 6 से 11 अगस्त 2018 के दौरान स्वच्छ पखवाड़ा अवधि में कालेज के सभी विभागों ने स्वछता अभियान चलाया। कैरियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ ने 28 सितंबर 2018 को विदेश में उच्च शिक्षा के अवसर विषय पर एक सत्र का आयोजन किया गया।

सम्मान/गौरव

उच्चतर शिक्षा निदेशालय, दिल्ली एन.सी.टी. सरकार द्वारा डॉ. मधुलिका बाजपेयी को महाविद्यालय शिक्षक पुरस्कार (2017-18) से सम्मानित किया गया।

विशेष दर्जा प्राप्त करने वाले छात्र

बी.एससी. (ऑनर्स) इलाक्ट्रॉनिक्स द्वितीय वर्ष के छात्र निशांत सिंधु ने 6 नवंबर, 2018 को गुरू नानक देव विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय निशानेबाजी चैम्पियनशिप (2018-2019) में 10 मीटर एयर पिस्टल-मेन (टीम इवेंट) में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान, दूसरे वर्ष की छात्रा कुमारी शक्ति सिंह ने भारत सरकार द्वारा दी जा रही इंस्पायर स्कॉलरशिप में अर्हता प्राप्त की। इस छात्रवृत्ति की अवधि पांच वर्ष है।

प्रकाशन

ऐश पी.इ.ए, धवन, यू. बोदो, एस. ली., एस., कार्लोमैंगो, वाई. नोबेल, एम., एआई मोहन्ना, एलएफए, बूमहॉवर, एस.आर. न्यूलैंड, एम.सी. शेर, डी.एच. और वोलोजिन, बी (2019))। हेवी मेटल न्यूरोटॉक्सिकेंट्स इनडयूस एएलएस-लिंक्ड टीडीपी -43 पैथोलॉजी, टाक्सिकोलोजिकल साईसेज, 167 (1): 105-115 (*इक्वल फर्स्ट आथर्स)

नैन, आर., डोभाल, एस., बिदालिया, पी., सैनी, जी., पाणी, बी. एंड सिरोही, एस. (2018)। फार सरफेस प्लासमोन एनहास्ड फोटोकैटालाइसिस आरएससी एडवांस, 8: 20287-20294।

पवार, ए.झा, कुंवर, सी. चौधरी यू., चौपड़ा, एम., सलूजा. डी (2019)। एथमबुटोल टार्गेटस द ग्लूटामेट रेसमास ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस एन.इनजाइम इनवाल्ड इन पेप्टिडाजलाइकेन बायोसिंथेसिस एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी 103 (2): 843-851।

शर्मा, आर., जैन, पी., साधु, एस.डी., (2019)। स्टडी ऑफ मारफोलोजिक एंड मैकेनिकल परोपर्टीज ऑफ पीबीटी/पीटीटी ब्लेंडस एंड दियर नैनोकोम्पोजिट एंड दियर कोरिलेशन। अरब जे साइंस इंजीनियरिंग, 44 (2): 1137-1150।

शुक्ल, एस. के., कुशवाहा, सी.एस., दूबे, जी.सी., (2018)। जिंक ऑक्साइड और पॉलीपीरोल कम्पोजिट से अधिक कुशल आर्द्रता संवेदना के लिए एकीकृत दृष्टिकोण। सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग सी। 90: 325-332।

सिंह, ए के., ठाकुर, एस., पाणि, बी. और सिंह, जी. (2018)। 2-अमीनो-एन '- (थायोफेन -2-वाईएल मेथीलीन) बेनोजाइड्रेजाइड का ग्रीन सिंथेसिस एंड कोरोशल इनहिबिशन स्टडी आफ न्यू जनरल ऑफ कैमिस्ट्री, 42: 2113-2124।

सिंह, पी. शुक्ला, एस. के. (2018)। ऑप्टो-केमिकल ग्लूकोज सैंसिंग ओवर निया/पॉलीनीलाइन हाइब्रिड मैट्रिक्स यूजिंग ऑप्टिकल फाइबर अप्रोच आपटिक 165: 94-101।

सिंह, पी., कुशवाहा, सी.एस., शुक्ल, एस. के., दुबे, जी. सी., (2018)। सिनयोसिस एंड ह्यूमिडिटी सेन्सिंग परोपर्टीज ऑफ नियो इंटरकेलेटिड पालीमानी लाइन नैनोकम्पोजिट पॉलिमर-प्लास्टिकस प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग। 58 (2): 139-147।

सिरोही, एस., जैसल, एम., अग्रवाल, ए.के., (2018) सर्फैक्टेंट-फ्री नैनोएन्कैप्सुलेशन यूजिंग रिएक्टिव ओलिगोमर्स आब्टेंड एक्ट पॉलीमराइजेशन आफ स्टाइरीन एंड मेलिक एनहाइड्राइड एप्लाइड नैनोसाइंस, 8 (7): 1701-1710।

सूराह, एस.एस., विश्वकर्मा, एम., कुमार, आर., नैन, आर., सिरोही, एस., (2019)। बोरान डोपिंग द्वारा टीआईओ2 नैनोट्यूब की इलेक्ट्रॉनिक बैंड एलाइनमेंट परोपर्टीज को निर्धारित करना। आवधिक पत्रिकाएं 12: 1725-1731।

पत्रिकाएं

संपादक/संपादक बोर्ड के सदस्यों के रूप में कार्यरत महाविद्यालय के शिक्षकों की संख्या: 03

अनुसंधान परियोजना

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में "एंटीबायोटिक्स के अंधाधुंध प्रयोग: बहुआयामी अभिविन्यास प्रदर्शनियों और प्रदर्शन के जरिए विद्यार्थियों और अर्धचिकित्सा कार्मिकों, औषध विपणन प्रणालियों में चिकित्सा जागरूकता और क्षमता का निर्माण" विषय पर डॉ. उमा चौधरी और डॉ. बलराम पाणि द्वारा शोघपत्र प्रस्तुत किए गए। (2017-2019) राशि 22.72 लाख रुपए।

डॉ. उमा धवन द्वारा प्रमुख अन्वेषक के रूप में ''रेपिड आई मूवमेंट स्लीप डिप्राईवेशन से जुड़े न्यूरोडीजेनेरेशन में 5 हाइड्रॉक्सीमिथाइलसिटोसिन का महत्व'' विषय पर अपनी परियोजना प्रस्तुत की एसईआरबी-डीएसटी। राशि 40.11 लाख रुपए।

डॉ. उमा चौधरी का: माइक्रोब की द्रुत पहचान के फोल्डस्कोप का उपयोग माइक्रोब की स्क्रीनिंग के लिए सस्ता और प्वाइंट आफ केयर समाधान" शीर्षक से रचित शोधपत्र जिसे जैव प्रौद्योगिकी विभाग के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। (2018-2019) राशि 8 लाख रूपए।

आयोजित संगोष्ठियां

जैव रसायन विभाग ने जन्तु विज्ञान विभाग के सहयोग से 20 फरवरी 2019 को '' ''न्यूरोप्लास्टिसिटी: लर्निंग, मेमोरी और स्पाइनल इंजरी में भूमिका'' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया

भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ द्वारा 05 अक्तूबर 2018 को विज्ञान के क्षेत्र में अवसर, चुनौतियां और सफलता विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

10 अक्तूबर 2018 को “स्नातक के बाद सूचना प्रौद्योगिकी में कैरियर” विषय पर डॉ. संगीता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

16 अक्तूबर 2018 को "शून्य भूख" के वैश्विक स्तर को प्राप्त करने के लिए "भागीदारी निर्माण" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

भव्य दीप ने 30-31 अगस्त,2018 के दौरान ‘कम्प्यूटिंग और नेटवर्क संधारणियता पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संगोष्ठी के साथ सह-स्थापित सतत विकास हेतु आईसीटी पर अंतर्राष्ट्रीय स्प्रिंगर सम्मेलन में फाग कंप्यूटिंग और आईओटी के जरिए वायु प्रदूषण के स्तर के बारे में और अधिक सटीक अनुमान का प्रयास’ शीर्षक से अपना शोघपत्र प्रस्तुत किया।

भव्य दीप ने 2 जुलाई 2018 को सैनफ्रांसिस्को, कैलिफ़ोर्निया, अमरीका में आईईई विश्व कांग्रेस सेवा द्वारा आयोजित आईईई क्लाउड 2018 सम्मेलन में "भारित ढाल एकल योजना के माध्यम से क्लाउड अभिमुखी सामग्री संवितरण नेटवर्क के लिए सामग्री रेटिंग तकनीक’ शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

इराम शाहिद राव ने 28-29 अगस्त 2018 को "पोषण तत्व विज्ञान और क्रियात्मक आहार" पर आयोजित प्री-कनेक्ट कांग्रेस में तीन तत्वों के जरिए "खाद्य सुरक्षा विनिर्माण: खाद्य अभिगम्यता अनुपालन और गुणवत्ता नियंत्रण" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मीनाक्षी गर्ग ने 27-28 सितंबर, 2018 को नई दिल्ली के एआरएसडी महाविद्यालय में ‘नैनो प्रौद्योगिकी और उसके अनुप्रयोग में नए रुझानों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "वनस्पति तेल आधारित पॉलिमर और पीवीए ब्लेंड की तैयारी और उसका यांत्रिक गुण" शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रोशन लाल ने 7 दिसंबर, 2018 को एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा में “जैव प्रौद्योगिकीय नवाचारों (एमबीआई-2018) के लिए माइक्रोब्स” पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न योगो के मसालेदार पनीर के रासायनिक और सूक्ष्म जैविक विशेषताओं पर अध्ययन’ शीर्षक से एक दस्तावेज प्रस्तुत किया।

तान्या लूवा स्वेर ने 15-16 सितंबर 2018 को जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में “मानव स्वास्थ्य में विटामिन डी की कमी पर विशेष ध्यान के साथ आहार पुष्टिकरण में हाल में हुई प्रगति- खाद्य प्रसंस्करण में प्रोन्नू स्नैफलेन्सिस एल. से निकाले गए एंथोसायनिन का अनुप्रयोग" शीर्षक से अपना दस्तावेज प्रस्तुत किया।

मधुलिका बाजपेयी ने 5-7 अक्तूबर, 2018 के दौरान फार्टिस मेमोरियल अनुसंधान संस्थान, गुड़गांव में "अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान में संस्कृति का निर्धारण" विषय पर आयोजित फोर्टिस के दूसरे वार्षिक मनोविज्ञानिक सम्मेलन में "दबाव प्रबंधन में जीवन शैलीगत हस्तक्षेप: भारतीय कार्यपद्धति’ शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

गीता भट्ट ने 17-19 जनवरी,2019 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के देशबंधु महाविद्यालय और ‘भौतिकी विभाग द्वारा भौतिकी, सोसाइटी और प्रौद्योगिकी’ विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लासी माड रेसानेंस (एलएमआर) और उसके संवेदी अनुप्रयोग" पर परिचर्चा की।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत: 15
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 03

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने 22 अक्तूबर 2018 को सर्वोदय बाल विद्यालय, मटियाला, दिल्ली के विद्यार्थियों के लिए नाशीजीवमार पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने नजदीक के राजकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए अभिगम्य कार्यकलापों के रूप में महाविद्यालय परिसर के भीतर आईसीटी अकादमी के सहयोग से "एम-कॉमर्स" पर 23 जनवरी 2019 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी का संचालन श्री वेद शुक्ला (संस्थापक एवं सीईओ, बेनीफीस मीडिया) और श्री करन डोभाल (प्रमुख-गठबंधन एवं भागीदारी सस्ती परिचर्चा) द्वारा किया गया। डॉ. संगीता श्रीवास्तव ने 9 अक्तूबर 2018 को नजदीकी स्कूलों की लिए एक अभिगम्य कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री भव्यदीप ने 9 अक्तूबर 2018 को “अंकीय विभक्ति और सोशल मीडिया की भूमिका” पर नजदीकी स्कूलों के आईसीटी के सहयोग के साथ एक अभिगम्य कार्यक्रम का आयोजन किया। जन्तु विज्ञान विभाग ने जैव चिकित्सा विज्ञान और जैव रसायन विभाग के सहयोग से एक अभिगम्य कार्यक्रम का आयोजन किया। जबकि 02 फरवरी 2019 को आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय के जैव चिकित्सा विभाग में फोल्ड स्कोप विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में संदर्भ पुस्तकों, 336 आवधिक पत्रिकाओं के जिल्दबंद खंडों और अनेकों सीडी/डीवीडी सहित 25737 पुस्तकें मौजूद हैं। कुछ आवधिक पत्रिकाओं के लिए नियमित अंशदान दिए जाने के अलावा, पुस्तकालय ने इस वर्ष आईएनएफकेआईबीएनईटी के एनएम- एलआईएसटी (नेशनल लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर स्कॉलरली कॉन्टेंट्स) कार्यक्रम के लिए अपने अंशदान को नवीकृत किया। पुस्तकालय एलएसई (लिबसिस) पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर से कोहा में सफलतापूर्व हस्तांतरित हो गया है। ज्ञात्वय हो कि यह केवल पिछले वर्ष तक पुस्तकालय प्रबंधन के लिए एक युक्त संसाधन सॉफ्टवेयर था। इस वर्ष भी हम कोहा से संबंधित कई विशेषताओं को विकसित करने में सफल हुए हैं जिसके आधार पर यह सॉफ्टवेयर के अनुकूल रूप धारण कर लेगा और एलएमएस हमारी अपेक्षाओं को पूरा कर सकेगा।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी कार्मिक : 46 (+ 01 पुस्तकाध्यक्ष)
कुल तदर्थ कार्मिक: 42

वित्तीय आबंटन और उसका उपयोग

मंजूर अनुदान (आवर्ती): 22,73,86,881.43 रूपए

मंजूर अनुदान (गैर- आवर्ती): 1,48,55,963.00 रूपए

उपयोग में लाया गया अनुदान (आवर्ती): 22,33,86,814.30 रूपए

अनुदान में लाया गया अनुदार (गैर- आवर्ती): 50,50,621.60 रूपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अंकीय व्यवस्था के अंतर्गत दस्तावेज, शिक्षकों से संबंधित डाटाबेस, वर्कलोड और विद्यार्थियों से संबंधित विभिन्न प्रकार के डाटाबेस का अनुरक्षण किया जाता है। यह एक ऑनलाइन क्लाउड-आधारित प्रणाली है जिस तक सभी संकाय सदस्यों को अभिगम्यता प्राप्त है। इस अंकीय व्यवस्था के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक ईकाईयों से आग्रह किया जाता है। इस व्यवस्था के अंतर्गत समय सूची निर्माण और क्लाउड-आधारित अनुप्रयोग जो मोबाइल डेक्सटॉप प्लेटफार्म को प्रभावित करता है, के जरिए आंतरिक मूल्यांकन

निष्पादन स्वत: संपन्न होता है। इस व्यवस्था के जरिए संबंधित शिक्षकों को गुप्त रूप से अपेक्षित फीडबैक भी उपलबध कराया जाता है। महाविद्यालय के सभी वर्गों से ऑनलाइन बजट प्रस्ताव करने संबंधित कार्य तंत्र भी स्थापित किया गया है। महाविद्यालय में स्थित उद्यान के कचरे और अन्य व्यर्थ पदार्थों के वास्ते दो सुव्यवस्थित कूड़ेदान बनाये गये हैं। इन व्यर्थ पदार्थों को खाद में परिवर्तित करके महाविद्यालय में मौजूद पौधों के लिए प्रयोग में लाया जाता है। महाविद्यालय में वर्षा जल संचयन प्रणाली से संबंधित दो इकाइयाँ भी मौजूद हैं जिनको प्रतिवर्ष रिचार्ज किया जाता है।

***

चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय

प्रमुख उपलब्धियां और कार्यकलाप

सीएनबीसी दिल्ली सरकार के अधीन 221 बिस्तरों वाला एक सर्वोत्तम बाल चिकित्सा विशेषज्ञता वाला स्वायत्त संस्थान है। इसका उद्देश्य 12 वर्ष की आयु वाले बच्चों को 'निवारक एक उपचारात्मक सेवाएं' प्रदान करना है। सीएनबीसी भारत का वह पहला सार्वजनिक चिकित्साल्य है जिसे फरवरी 2009 में एनएबीएच प्रत्यायन प्राप्त हुआ था तथा जिसमें अक्तूबर 2018 में पुनः प्रत्यायन से संबंधित अपना चौथा आवर्तन पूरा कर लिया था। इस समय सीएनबीसी देश में बाल चिकित्सा और बाल शल्य चिकित्सा से संबंधित स्नातकोत्तर डीएनबी पाठ्यक्रम चलाने के साथ-साथ बाल रोग नेफ्रोलॉजी में भी दो वर्षीय एनबीई फैलोशिप दे रहा है। सीएनबीसी बाल चिकित्सा एनेस्थिसिया, बाल चिकित्सा, हड्डी रोग और बाल चिकित्सा संक्रमण विकारों में भी एक वर्षीय की फैलोशिप चला रहा है। वर्ष 2018 के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में लगभग 50 शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं और संस्थान में इस समय नौ बाह्य स्थाने परियोजनाएं चल रही हैं।

सम्मान एवं गौरव

डॉ. बी.एल. शेरवाल, निदेशक सीएनबीसी को सूक्ष्म शरीर विज्ञान से संबंधित भारतीय एसोसिएशन का अध्यक्ष मनोनीत करके सम्मानित किया गया।

माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नाडा ने डीएमएस के तत्वावधान में चिकित्सक दिवस के अवसर पर बालरोग विभाग की प्रोफेसर डॉ. ममता जाजू को विशिष्ट चिकित्सा पुरस्कार से सम्मानित किया।

रेडियोलॉजी की विशेषज्ञ डॉ. नताशा गुप्ता को रक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत कारगर कार्यक्रम संचालित किए जाने के लिए फरवरी, 2019 में आईआरआईए, दिल्ली की ओर से राष्ट्रपति सराहना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बाल शल्य चिकित्सा की प्रोफेसर डॉ. ममता सेंगर को हाइपोस्पेडिया की प्रोस्थेटिक यूट्रिकल्स की गंभीर स्थिति: एनाटोमिकल उपचार पद्धति एवं निदान विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए आईएपीएससीओएन 2018, चंडीगढ़ के श्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नेत्र रोग संकाय में सहायक प्रोफेसर डॉ. मीनाक्षी वाधवा को 'दिल्ली में बच्चों के अंधत्व की बाबत ऐपेडेमियोलोजिकल अध्ययन' शीर्षक से प्रस्तुत पीएच॰डी शोध पत्र के लिए दिसंबर 2018 में बीएमजे पुरस्कार श्रेणी में दूसरे पाइज सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

अग्रवाल, ए, अग्रवाल, एन, बारिक, एस., गुप्ता, एन. (2018) 'रेडियोपैथिक क्लबफीट ने निष्फल टेनोटॉमी के लिए विस्तारित पान सेटी पद्धति: एक प्रायोगिक अध्ययन' जे. पेडियाटर ऑर्थोप बी. 27: 425-7

गुप्ता, ए., कमल, जी., सहगल, एन., भटला, एस., कुमार, आर. (2018) चयनात्मक शल्य चिकित्सा से गुजर रहे शिशुओं के संबंध में एंडोट्रैचियर इंटुबेशन हेतु सीएमएसी और ट्रूव्यू पिक्चर कैप्चर डिवाइस से संबंधित तुलनात्मक मूल्यांकन: एक आशातीत रेन्डोनाइजर नियंत्रण परीक्षण- पेडियेटर ऐनेस्थिसिया 28: 1148-1153

जाजू, एम., मनचंदा, वी., चौरसिया, एस., शंकर, एम.जे., गौतम, एच, अग्रवाल, आर. (2018) दिल्ली प्रसव पूर्व संक्रमण अध्ययन (डेनिस) सहयोग, नई दिल्ली, भारत से संबंधित अवषेकगण उत्तरी भारत में आउट बोन न्यूनेट्स एंटिमाइक्रोबियल प्रतिरोध और फंगल सेप्सिस की चिंताजनक स्थिति पलास वन 28, 13 (6)।

कुमार, एम.एस. डबास, मनचंदा, वी, महाजन, एन, मित्रा, के. (2019)। ओवेरियन पैरागैंगलियो में हाइपोनेट्रेमिक-हाइपरटेंसिव सिंड्रोम। भारतीय बाल रोग विशेषज्ञ। 15; 56 (1): 69-71।

मल्होत्रा, एस, टंडन, एस. (2018)। बच्चों में मानस विकृति खांसी के लिए कागनिटिव व्यवहार चिकित्सा: ए के सीरीज़। भारतीय जे मानस स्वास्थ्य, 5 (2); 223-28।

मिश्रा, के., कंवल, एस.के., सज्जन, एस.वी., भास्कर, वी, रथ, बी. (2018)। स्टेरॉयड सैंसिटिव नेफ्रोटिक सिंड्रोम के साथ बच्चों में भविष्यवक्ता के दुष्परिणाम, नेफ्रोलोजिया। 38 (4): 420-424

मित्तल, एम, यादव, वी, खडगावत, आर, कुमार, एम, शेरवानी, पी. (2018)। न्यूरिशनल रिकेटस में 90,000 आईयू बनाम 300,000 आईयू एकल मुख्य खुराक विटामिन डी की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण। भारतीय एंडोक्रिनॉलमेटेप, 22 (6): 760-765।

सेंगर, एम, मोहता, ए, न्यूगी, एस, गुप्ता, ए, विश्वनाथन, वी. (2018)। बच्चों में स्पिगेलियन हर्निया: लो वर्सेस क्लासिकल जे. पेडिएटर सर्ज 53 (11): 2346-2348

शर्मा, एस, डाबला, पी.के., कुमार, एम. (2018)। बाल चिकित्सा स्टेरॉयड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम में मेटाबोलिक हड्डी रोग की स्थिति: उत्तर भारत की ओर से निष्पादित अध्ययन: नैदानिक और प्रयोगशाला अनुसंधान से संबंधित आयाम, 6 (2): 1-5।

सिंह, एल, सेंगर, एम., गोयल, एस, मानसी, एम, खुराना, एन, मोहता, ए. (2018)। लाईचेन स्लेरोसस में चाइल्डहुड फिमोसिस सैकण्ड्री : क्या इसमें हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तन से संबंधित कोई विशेष पद्धति है? एम जे डर्माटोपैथोल। 40 (11): 824-828।

आवधिक पत्रिकाएं

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित: 02
संपादकों/संपादक मंडल के सदस्यों के रूप में सेवारत शिक्षकों की संख्या: 03.

अनुसंधान परियोजनायें

“गैर पेचीदा प्रसवपूर्व बैक्टीरियल सेप्सिस के उपचार में इंट्रावेनस एंटीबायोटिक्स के सात दिवसीय बनाम चौदह दिवसीय पाठ्यक्रम की प्रभावकारिता की तुलना: एक यादिच्छक नियंत्रित नॉन-इन्फीरियरिटी ट्रायल" विषयक आईसीएमआर परियोजना प्रमुख अन्वेषक के रूप में कार्यरत डॉ. ममता जाजू द्वारा रचित (2018-2021)। राशि 17.5 लाख रूपए प्रति वर्ष।

प्रमुख अन्वेषक के रूप में कार्यरत डॉ. मनीष कुमार की “बाल चिकित्सा रेंटल जीवविज्ञान कार्यक्रम में नेप्रोटिक सिंड्रोम पर अनुसंधान" विषयक जैव प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना (2017-2021)। राशि 13.08 लाख रुपए।

प्रमुख अन्वेषक के रूप में कार्यरत डॉ. कीर्ति सुधा मिश्रा की "जीर्ण यकृत रोगों के साथ बच्चों में एंडोथेलियल डिसफंक्शन: नाइट्रिक ऑक्साइड पाथवे एंड फ्लो मेडिएटेड डिलैटेशन" विषयक जैवप्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना (2018-2021)। राशि 85 लाख रूपए।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में प्रमुख अन्वेषक के रूप में कार्यरत डॉ. लवलीन सिंह की "नेफ्रोटिक सिंड्रोम के साथ बच्चों में "पोडोसाइटोरिया: क्या यूरिन पॉडोकाइट स्तर और इसकी विकासगत विशेषताओं से स्टेरॉयड प्रतिरोध का अनुमान लगाया जा सकता है" विषयक परियोजना (2017-2021)। राशि 28.5 लाख रूपए।

प्रमुख अन्वेषक के रूप में कार्यरत डॉ. कर्णिका सहगल की ओर से भारत में एंट्रिक ज्वर के लिए राष्ट्रीय अनुवीक्षण प्रणाली विषय पर बिल और मेलिंडा गेट्स प्रतिष्ठान की परियोजना (2017-2021)। राशि 23 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठीयां

हड्डी रोग चिकित्सा विभाग पीजीआई, चंडीगढ़, के अपर प्रोफेसर डॉ. निर्मल गोपीनाथन ने दिसंबर, 2018 को सीएनबीसी में "नैदानिक वर्ग-लोवर लिम्ब परीक्षा" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं

मार्च 2019 में एनक्यूओसीएन के सहयोग से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और भारत सरकार के साथ मातृ और प्रसवपूर्व स्वास्थ्य के लिए गुणवत्तायुक्त सुधार कार्यशाला का आयोजन।

जनवरी,2018 में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के सहयोग से सीएनबीसी में संकाय और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए अनुसंधान कार्यपद्धति पर कार्यशाला का आयोजन।

जनवरी 2018 को भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी के साथ न्योनटाल रेसीटेशन कार्यक्रम (एएचए 2015 के दिशानिर्देशों के अनुसार)

संगोष्ठी/सम्मेलन/प्रस्तुति

गीता कमल ने 25-29 नवंबर,2018 को भारतीय एनेस्थिसियोलॉजी के 66 वें वार्षिक सम्मेलन में निओनेट्स में पेरियॉपरेटिव पीरियड में कार्डिएक अरेस्ट: कारण, निवारण और समाधान" विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

ममता जाजू ने 6-8 दिसंबर 2018 के दौरान वाराणसी राष्ट्रीय नियोनटोलॉजी सम्मेलन में "न्योनेटस में वेंटीलेटर एसोसिएटेड न्यूमोनिया के निवारण से संबंधित कार्ययोजना" पर व्याख्यान दिया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौते ज्ञापन

न्योनटाल सेपसिस पर अनुसंधान परियोजना संचालित करने के लिए आईसीएमआर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अनुसंधान परियोजनाओं को चलाने के लिए डीबीटी के साथ समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

न्योनटाल सेप्सिस में अनुसंधान संचालित करने के लिए नार्वेजियन अनुसंधान सहयोग एकांश के साथ एसएएमजेएचओटीए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

एलएनजेपी चिकित्साल्य के अंतरामूरल एनआईसीयू में डीएनबी बाल चिकित्सा विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

डीएनबी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की आधारभूत विज्ञान की कक्षाओं के लिए एमएएमसी के साथ समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

सीएनबीसी ने 2018 के दौरान कैंसर जागरूकता, संक्रमण निवारण, हस्त स्वच्छता, यकृत रोग निवारण, मां के दूध के जरिए शिशु की परवरिश, थैलेसीमिया, डायरिया और वेक्टर जन्य रोगों के निवारण जैसे विषयों पर रोगियों और स्कूल के बच्चों के लिए कई जन जागरूकता कार्यक्रम चलाए। भारत सरकार द्वारा सीएनबीसी को सरकारी यूडीआईडी (दिव्यांग) प्रमाण केन्द्र घोषित किया गया है। विभिन्न रोगों के बारे में निवारक सूचनाएं कैलेंडर के रूप में प्रकाशित करके उन्हें व्यापक रूप से वितरित किया गया।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2018 के दौरान पैडिएट्रिक सुपर और सब-स्पेशलइटी के विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन और हार्ड कॉपी के रूप में 40 से भी अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आवधिक पत्रिकाओं को खरीदा है।

संकाय सदस्यों की संख्या

संकाय सदस्यों की कुल मंजूर संख्या: 35

अंतिम आबंटन और उसका उपयोग

मंजूर अनुदान : 84 करोड़ रूपए

उपयोगित अनुदान : 76.77 करोड़ रूपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सीएनबीसी ने ओपीडी, सुपर स्पेशियलिटी ओटी और वार्डों के साथ नए सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के निर्माण और मौजूदा सेवाओं के विस्तारण के लिए डीडीए से 9480 वर्ग मीटर जमीन (सड़क पार) प्राप्त की है।

***

नर्सिंग आर्मी चिकित्साल्य महाविद्यालय (अनुसंधान एवं निर्दिष्ट)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

4 अगस्त 2018 को मुख्य अतिथि के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल यू के शर्मा, कमांडेंट एएचआरआर और सम्मानित अतिथि के रूप में मेजर जनरल अन्नकुट्टी बाबू, अपर डीजीएमएनएस की मौजूदगी में कॉलिज दिवस मनाया गया। महाविद्यालय ने इस अवसर पर महाविद्यालय की पत्रिका "तरंगिनी" का तीसरा संस्करण प्रकाशित किया। 30 विद्यार्थियों के पहले बैच को 4 वर्षीय बी.एस.सी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद 24 अगस्त 2018 को सेवा नर्सिंग सर्विस में दिया गया। इस महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अलग-अलग इंट्रा और इंटर-कॉलेज छात्र नर्स एसोसिएशन प्रतियोगिताओं में शामिल होकर कॉलिज के लिए कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज कराईं।

विशेष स्थान प्राप्त करने वाले छात्र

बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग (फाइनल) की एन/कैडेट अरुणिमा जी.पी. ने विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान हासिल किया।

बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग की एन/कैडेट डिक्सेना ओ.ए. ने विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान हासिल किया।

बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग की एन/कैडेट अश्प्रीत कौर I सेमेस्टर ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

डोगरा, के. (2019)। क्वेटरनरी स्तर के चिकित्साल्य में चिकित्साल्य सूचना प्रणाली के उपयोगकर्ता से संबंधित कार्यक्रम, अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान पत्रिका। 8 (2): 7-11।

आयोजित संगोष्ठियां

लेफ्टिनेंट कर्नल प्रिया ए वी, एसोसिएट प्रो, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एएचआरआर, लेफ्टिनेंट कर्नल सरताज, 17 अगस्त 2018, नीडल स्टिक इनजरी

लेफ्टिनेंट कर्नल ए डी चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एएचआरआर, 5 जून 2018, मधुमेह की औषधि

लेफ्टिनेंट कर्नल सुमन ढाका, 14 जुलाई 2018, बच्चों में कंजेस्टिव हृदय रोग

लेफ्टिनेंट कर्नल डोला बनर्जी, एसोसिएट प्रो, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एएचआरआर, लेफ्टिनेंट कर्नल चंद्रिका, एएचआरआर, 5 अक्तूबर 2018, पैलिएटिव केयर

आयोजित सम्मेलन

7 अगस्त 2018 को विनिर्दिष्ट सैन्य अनुसंधान चिकित्साल्य द्वारा मां के दूध पर एक कार्यशाला और पैनल परिचर्चा का आयोजन किया गया।

विनिर्दिष्ट सैन्य अनुसंधान चिकित्साल्य द्वारा 17 नवंबर 2018 को डेवलपमेंट ऑफ प्रीरिटर्न विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विनिर्दिष्ट सैन्य अनुसंधान चिकित्साल्य द्वारा 18 नवंबर को स्वास्थ्य परिचर्चा व्यावसायिकों के लिए सॉफ्ट स्किल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

डोला बनर्जी ने 11 अक्तूबर 2018 को टीएमएच कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय ऑन्कोलॉजी सम्मेलन में "कीमोथेरेपी के रोगियों पर मसकोसिटिस के निवारण पर मुख्य आइस चिप्स सैलीन माउथ वाश की प्रभावशीलता" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

'मैरी प्रिया ने 09- 10 फरवरी 2018 के दौरान बेस चिकित्साल्य दिल्ली छावनी द्वारा आयोजित ट्रामा परिचर्या नर्सिंग - एक मानदंड भविष्य और चुनौतियों सीएनई' पर "ट्रॉमा परिचर्या का इतिहास" शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

जिमी अनु जोस ने 09 से 10 फरवरी 2018 के दौरान बेस चिकित्साल्य दिल्ली छावनी द्वारा आयोजित सीएनई ट्रामा परिचर्या नर्सिंग - नए मानदंड भविष्य और परिवर्तन पर आपात स्थिति और आपदा के प्रति नैतिक जवाबदेही" शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

कुमुद डोगरा ने 09- 10 फरवरी 2018 के दौरान बेस चिकित्साल्य दिल्ली छावनी द्वारा आयोजित सीएनई संघात परिचर्या नर्सिंग- नए मानदंड भविष्य और चुनौतियों से संबंधित "स्त्री रोग विज्ञानी ट्रामा संबंधी आघात" शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रेनजिनी गोपालकृष्णन ने 23 फरवरी 2019 को आनको विजन पर "सर्वाइकल कैंसर के संबंध में महिलाओं को जानकारी और उनका रूझान" शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत: 30 (100%)

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

मार्च,2019 में शहरी स्वास्थ्य केन्द्र द्वारका द्वारा "बेटी बचाओ बेटी पढाओ" विषय पर एक नुक्कड़ नाटक खेला गया। 21 फरवरी 2019 को तीसरे वर्ष के बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग कैडेट् द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय, नजफगढ़ में स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी विद्यार्थियों ने 13 मार्च 2019 को "अंग दान के लिए जागरूकता अभियान" में भाग लिया।

पुस्तकालय विकास

कुल पुस्तकों की संख्या: 5000

विनिर्दिष्ट सैन्य अनुसंधान चिकित्साल्य में कुल पुस्तकों की संख्या: 10000

संकाय सदस्यों की संख्या

कुल स्थायी संकाय सदस्यों की संख्या: 19
कुल तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्या : 3

वित्तीय आबंटन और उसका उपयोग

मंजूर अनुदान: एसीजी अनुदान; 48,04,111/ - रुपये 18,08,000 / - रूपए का टीटीआईईजी अनुदान; 2,00,000/- रूपए की आईएचक्यू निधि

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विनिर्दिष्ट सैन्य अनुसंधान चिकित्साल्य और नर्सिंग कॉलेज भारतीय नर्सिंग परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग में छह पोस्ट बेसिक डिप्लोमा विशेषज्ञता पाठ्यक्रम भी चलाता है। भारतीय नर्सिंग परिषद् द्वारा हेमैटोलॉजी नर्सिंग और स्टेम सेल ट्रांसप्लांट और पोस्ट बेसिक डिप्लोमा इन बर्नस नर्सिंग को भी विकसित और अनुमोदित किया गया है जिसको इस समय एमओडी से मंजूरी की प्रतीक्षा हैं। बी.एस.सी ऑनर्स (नर्सिंग) के स्नातकों का पहला बैच 24 अगस्त 2018 को नियोजित किया गया तथा विद्यार्थियों का दूसरा बैच डीयू द्वारा बी.एससी होने के बाद विद्यार्थियों का दूसरा बैच नियोजित होने की प्रतीक्षा कर रहा है।

***

व्यवसायिक अध्ययन महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

इतिहास विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शालिनी सिंघल ने "बुद्ध धर्म के विकास में नालंदा महाविहार का योगदान: एक सांस्कृतिक अभियान' विषय पर पीएच.डी. शोध पत्र का पर्यवेक्षण किया। विदेश मंत्रालय की उच्च स्तरीय नीति निर्माता समिति द्वारा डा. चौधरी के भारतीय शास्त्र ओर हिंदी अध्ययन पर संकेतिक शोध पत्र को 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन में प्रस्तुत करने के लिए स्वीकार कर लिया गया जिसके फलस्वरूप उन्होंने

मॉरीशस में 18 से 20 अगस्त, 2018 के दौरान आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन के दो अलग-अलग सत्रों में अपना व्याख्यान दिया।

प्रकाशन

मदन, एन. (2018)। अमरीकी साहित्य का विश्लेषण: चयनित लघु कहानियां और कविताएं- आईएसबीएन 93-87914-2।

तिवारी, वी. (2019)- कुंभ मेला इतिहस के आइने में, केशव संवाद आईएसएसएन सं०: 2581-3528, 20-22

आवधिक पत्रिकाएं

संपादक/संपादकगण/संपादक मंडल के सदस्य/सदस्यों के रूप में सेवारत महाविद्यालय के शिक्षकों की संख्या: 01

आयोजित संगोष्ठीयां

31 अगस्त 2019 को सुश्री शिवानी छाबड़ा, डिजिटल मार्केटिंग '

डॉ. वी. कल्याणी इतिहास सोसायटी द्वारा 30 जनवरी 2019 को, म्यूजियोलॉजी पर, म्यूसिंग।

30 जनवरी 2019 को हिस्ट्री सोसाइटी द्वारा डॉ. शुभा बनर्जी, "म्यूजियोलॉजी: ए क्यूरेटर्स पर्सपेक्टिव", पर व्याख्यान दिया गया है।

आयोजित संगोष्ठीयां

दिवाकर कुमार सिंह ने 29- 30 मार्च 2018 के दौरान आईजीएनसीए द्वारा आयोजित मध्य एशियाई कला और संस्कृति के प्रति योगदान पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर "नालंदा और बौद्ध तीर्थस्थल: रेशम मार्ग संबंधों की मीमांसा शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वीरेंद्र सिंह बिठू ने दक्षिण एशिया, काठमांडू, नेपाल में स्थित आधुनिक अध्ययन केन्द्र में "ज्योतिषशास्त्र में महिलाओं की भूमिका" शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

आवेदन करने वाले छात्र बनाम नियोजित विद्यार्थियों का अनुपात: 9.22 (100/922)
नियोजित करने वाली कंपनियों की संख्या: 43
इंटर्नशिप के लिए कंपनियों की संख्या: 42

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

5 और 7 सितंबर, 2018 को हमारे माहोल और स्वास्थ्य पर प्लास्टिक के इस्तेमाल से पड़ने वाले दुष्प्रभावों को दूर करने के लिए महाविद्यालय के अध्यापन और गैर-अध्यापन स्टाफ के निमित एक जागरूकता अभियान संचालित किया गया। महाविद्यालय ने स्वच्छता और पेयजल मंत्रालय के 'स्वछता ही सेवा कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम हमारे मालोल में मित्रता को स्पष्ट करने के साथ-साथ व्यर्थ पदार्थों, स्वच्छता और प्लास्टिक से उत्पन्न प्रदूषण के बारे में था। 28 अक्तूबर 2018 को, स्वयंसेवकों' ने तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय युवा अभियान में भाग लिया। स्वंय सेवकों ने 30 अक्तूबर 2018 को आईआईटी-दिल्ली में आयोजित भ्रष्टाचार उन्मूलन पर पैनल परिचर्चा: नए भारत का निर्माण कार्यक्रम में भी भाग लिया। एनएसएस ने 1 नवंबर 2018 को महाविद्यालय के मैदान में एकता दौड़ अभियान का संचालन किया। जसोला गाँव के

बच्चों द्वारा 23 दिसंबर 2018 को लाजपत नगर में एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। एनएसएस-सीवीएस ने 23 फरवरी 2019 को एक 'रक्तदान शिविर' का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

स्टॉक में 57501 पुस्तकें मौजूद हैं। इंटरनेट सुविधाओं का उन्नयन किया गया है। इन्फ्लिबनेट सुविधाओं के जरिए पुस्तकालय का इस्तेमाल करने वाले व्यक्तियों के लिए वाई-फाई, लैपटॉप कनेक्टिविटी के साथ-साथ और ई-रिसोर्स सुविधाएं भी दी गई हैं। शिक्षकों को उनके संबंधित क्षेत्रों में शैक्षणिक/अनुसंधान कार्य करने के लिए यूजीसी/इनफ्लिबनेट एन-सूची और दिल्ली विश्वविद्यालय की पुस्तकालय व्यवस्था से जुड़े ई-रिसोर्स तक अभिगम्यता प्रदान की गई है।

संकाय सदस्यों की संख्या

कुल स्थायी सदस्य: 41

कुल तदर्थ सदस्य: 71

वित्तीय आबंटन और उसका उपयोग

मंजूर अनुदान: 20,09,50775/- रूपए

उपयोगित अनुदान: 19,11,29869/- रूपए

***

दौलत राम महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

वर्ष 2018-19 के दौरान महाविद्यालय के अध्यापन संकाय ने अनेकों शैक्षणिक कार्यकलापों में भाग लिया। उन्होंने 150 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित करवाए। वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने भी पीएच॰डी कर रहे विद्यार्थियों का पर्यवेक्षण कार्य किया। महाविद्यालय ने 17 से 21 दिसंबर, 2018 के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित पहला आईएनएसपीआईआरई (इनोवेशन इन साइंस, पसूट आफ इंसपायर्ड रिसर्च) विज्ञान शिविर लगाया। दिल्ली एनसीआर के विभिन्न स्कूलों के लगभग 150 विद्यार्थियों ने शिविर में सक्रिय रूप से भाग लिया। महाविद्यालय ने 7 अंतरगृह कौशल विकास प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम चलाए। विख्यात वक्ताओं और विशेषज्ञों द्वारा विभागीय एसोसिएशन के कार्यकलापों में चार चांद लगाए गए जिससे विद्यार्थियों को अपना कार्यक्षेत्र विस्तारित करने में मदद मिली। इस वर्ष वनस्पति विज्ञान विभाग के 50 उत्कृष्ट शैक्षणिक वर्ष पूरे हुए। विचाराधीन वर्ष के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में लगभग 92 सुविख्यात प्रोफेसरों, वैज्ञानिकों, वक्ताओं, न्यायाधीशों, प्रशासकों ने भाग लिया।

सम्मान

प्रोफेसर सोहन राज लक्ष्मी देवी तातेर (राज) के साथ वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग डॉ. सोनिया मेहता को भारतीय दर्शनशास्त्र में अर्थ की समस्या शीर्षक से लिखी गई पुस्तक के लिए विचाराधीन वर्ष के दौरान दर्शनशास्त्र की श्रेष्ठ पुस्तक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विशेष स्थान प्राप्त करने वाले छात्र

चहुमुखी श्रेष्ठ छात्र पुरस्कार बी.ए. कार्यक्रम की सुश्री रहीशा सहगल को दिया गया।

महाविद्यालय शैक्षणिक/अतिरिक्त पाठ्यक्रम/खेलों में अंतर्राष्ट्रीय पहचान बनाने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने के लिए प्रोफेसर मदन मोहन प्रसाद मेमोरियल एवार्ड के लिए विनियत किया गया। पुरस्कार जैव रसायन (ऑनर्स) की आकांक्षा सतपथी को दिया गया।

नंदिनी पुरी ने दिल्ली विश्वविद्यालय में एम.ए (प्रथम और अंतिम वर्ष) में फर्स्ट पोजिशन प्राप्त की।

कमलेश को दिल्ली विश्वविद्यालय में एम.ए (हिंदी) में तृतीय स्थान मिला।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 14 विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी मेमोरियल एवार्ड 2018-19 से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

खोसला, एम. (2018)- आर. मूडले में हिंदूइज्म और हीलिंग" मानस स्वास्थ्य में नस्ल, नस्लीय भेदभाव और संस्कृति की रूटलेज अंतर्राष्ट्रीय पुस्तिका, रूटलेज, कनाडा।

मेहता, एस., सेनरंग, ए. (2018), नॉर्थ ईस्ट इंडिया: द अनटैप्ड टूरिज्म इंडस्ट्री, नई दिल्ली, कृषि संस्कृत प्रकाशन।

न्योरेम, डी. (2018)- रीमेम्बरिंग जापान लान स्ट्रगल फार रिलीफ रीहेबीलिटेशन एंड कंमेंनसेशन- नॉर्थ-ईस्ट स्कॉलर जर्नल।

प्रभाकर, एम. (2018)- वैश्विक विकास के लिए मॉडल के रूप में भारत न्यूकैसल ऑन टाइन, इंग्लैंड कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग।

रॉय, एस. (2018)- स्टडी आफ, मारफोलाजिकल, स्ट्रक्यरल ऑप्टिकल एंड ट्रांसपोर्ट प्रोपर्टीज आफ गैलियम नाइट्राइड नैनोडॉ.ट्स फैफ्रीकेटेड अंडर एक्सट्रीम प्लाजमा कंडीशन। नैनो विज्ञान, नैनो प्रौद्योगिकी और एडलांस्ट मेटेरियल 1-5 आईएसबीएन: 978-93-88350-976

रॉय, सा (2019)। जिंक ऑक्साइड नैनोस्ट्रक्चर्स फैब्रीकेटिड अंडर एक्सटर्नली नन-इक्विलीब्रियम प्लाज्मा कंडीशंस सॉलिड स्टेट फेनोमेना। 287: 75-79।

शर्मा, के. (2019)- ट्रेंडस इन स्पोर्टस एंड रिक्रीएशन पार्टीसियेशन इंटरनेशनल इंटरडिसीपिलीनरी रिसर्च जनरल- 9 (1) 10-20

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ

महाविद्यालय के महिला विकास प्रकोष्ठ ने 8 मार्च, 2019 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपनी द्विभाषी पत्रिका- "श्रेष्ठा" के चौथे संस्करण को जारी किया।

आयोजित संगोष्ठियां

डॉ. वंदना त्रिपाठी, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा 1 नवंबर 2018 को "सोशल मीडिया एज पर्सेप्टिवली इंपेक्टफुल वाचडाग लोवर मेनस्ट्रीम मीडिया' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन

10-11 जनवरी 2019 को भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद् और पी.ए. संगमा फाउंडेशन द्वारा "पूर्वोत्तर भारत: दर्शन, संस्कृति और पर्यावरण संधारणियता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

डॉ. रजनी साहनी, आईसीएसएसआर द्वारा 8-9 जनवरी 2019 के दौरान "समकालीन पाश्चात्य स्वास्थ्य प्रणाली के साथ पारंपरिक भारतीय स्वास्थ्य अभ्यासों का समावेश" विषय पर आयोजित सम्मेलन में प्रस्तुति।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

4-7 दिसंबर 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतकी और एस्ट्रोभौतिकी विभाग में प्लाज़्मा विज्ञान और प्रौद्योगिकी (प्लाज़्मा 2018) को 33वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लान इरिडिएट गा एज़ नोनोस्ट्रक्चर से संबंधित संरचनात्मक, मोरफ़ोलॉजिकल और विद्युत परिचालन गुणों का अध्ययन' शीर्षक से अपना शोष पत्र प्रस्तुत किया।

दीपक नोरेम ने 26 मई 2018 को ऑक्सफोर्ड मानवशास्त्र अनुसंधान विज्ञान केन्द्र, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में "युद्ध पर्यटन युद्ध स्मृतियां-पूर्वोत्तर भारत आर्थिक विकास' विषय पर से अपना शोध पत्र ''युद्धोपरान्त परिदृश्य: यादें, स्मृतियां और समायोजन'' विषय पर आयोजित सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

कविता शर्मा ने 25-27 सितंबर, 2018 को करोडीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में ''वैश्विक संदर्भ में ओलंपिक और भारतीय मूल्य'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, ''सेडेंटरी महिला आबादी पर बाह्य उपस्कर फिटनेस (ओईएफ) सर्किट प्रशिक्षण का प्रभाव'' शीर्षक से अपना शोष पत्र प्रस्तुत किया।

मीतू खोसला ने 1-5 जुलाई 2018 के दौरान गुल्फ विश्वविद्यालय, कनाडा में सह-'संस्कृति मनोविज्ञान कांग्रेस, बहुसंस्कृतिवाद दौर वैश्विक परिप्रेक्ष्य: लाभ और चुनौतियां' विषय पर आयोजित एआईएसीसीपी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वास्थ्य और कल्याण के लिए अनासक्ति और आत्मतोष से संबंधित धार्मिक प्रतिबद्धता और सांस्कृतिक अभ्यास' शीर्षक से अपना शोष पत्र प्रस्तुत किया।

मीतू खोसला ने 8-9 जून 2018 को शास्त्री भारत-कनाडा संस्थान, आईआईसी द्वारा 'भारत और कनाडा के परस्पर संबंध: चुनौतियां और संधारणीय विकास लक्ष्य' विषय पर आयोजित सम्मेलन में भारत और कनाडा में पारम्परिक स्वास्थ्य अभ्यास से संबंधित 'सह-सांस्कृतिक तुलना' शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मोनिका प्रभाकर ने 13-20 अगस्त, 2018 को पेकिंग विश्वविद्यालय, बीजिंग द्वारा "दर्शनशास्त्र विश्व कांग्रेस" विषय पर आयोजित सम्मेलन में "सभी मानवों द्वारा खुशी की आकाक्षा- एक विश्लेषनात्मक मीमांसा" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मोनिका प्रभाकर ने 17. मार्च 2018 को लिस्बन, पुर्तगाल में प्रगतिशील कनेक्शन्स इंटरडिसिप्लिनरी जीवन संगठन द्वारा 'आध्यात्मिकता और संस्कृति' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्वामी विवेकानंद का अध्यात्मिक सार्वभौमिकता: सभी संस्कृतियों को आधुनिक वैश्विक ग्राम में संगठित करना' शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या: 100
आने वाली कंपनियों की संख्या: लगभग 20

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

विद्यार्थियों के लिए आत्म रक्षा कार्यशाला, वरिष्ठ नागरिक दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, स्वच्छ पखवाड़ा, रक्तदान अभियान और मतदाता मंच अभियान राष्ट्रीय सामाजिक सेवा मंच (एनएसएस) द्वारा आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने सेवा आंदोलन, भारत उदय अभियान और वृक्षारोपण आयोजन के लिए युवाओं के बीच अपनी सेवाएं प्रदान कीं। हमारे महाविद्यालय के महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्लूडीसी) के सदस्य "पालना"

अनाथालय का दौरा कर रहे हैं तथा स्वयंसेवक पाबंदी के साथ प्री-नर्सरी से कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों को पढ़ा रहे हैं।

पुस्तकालय विकास

18-19 के दौरान पुस्तकों में वृद्धि : 1430
पुस्तकालय में कुल पुस्तकें : 1,16,489

संकाय सदस्यों की संख्या

कुल स्थायी सदस्य : 67
कुल तदर्थ सदस्य : 116

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय के पास अपने परिसर में एक पुनरावर्तन इकाई है जो रद्दी कागजों और अन्य जैविक अपशेषों का पुनरावर्तित करता है। इस इकाई का उद्देश्य परिसर को जीरो वेस्ट डिस्चार्ज इकाई बनाना है।

***

दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने 2018 के दौरान इंडिया टुडे द्वारा प्रचालित एमडीआरए श्रेष्ठ कॉलिजों की श्रृंखला में दिल्ली (साइंस कॉलेज) में छठा और भारत में 11वां स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय ने दिल्ली के कॉमर्स महाविद्यालयों में 9 वां और भारत में 17 वां स्थान प्राप्त किया। यह कार्य भी इंडिया टुडे (एमडीआरए) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) के जरिए अखिल भारतीय सर्वेक्षण के द्वारा किया जिसके अंतर्गत महाविद्यालय को 16 वें स्थान प्राप्त हुआ। संकाय सदस्यों की अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय आवधिक पत्रिकाओं और पत्रिकाओं में 63 लेख प्रकाशित होने के साथ-साथ 24 पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित हुए। 'इसके अलावा, सम्मेलनों और संगोष्ठीयों में उप व्याख्यान दिए जबकिपोस्टर और मौखिक प्रस्तुतियाँ की संख्या क्रमशः 15 और 27 थी। मई/ जून 2018 में संचालित विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में पास होने का प्रतिशत 97.18% था।

डॉ. राजकुमारी सनायाइमा देवी को एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा वर्ष 2018-19 के लिए "मेधावी व्याख्याता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार के अंतर्गत प्रशस्ति पत्र के साथ 11 लाख रूपए नकद दिए जाते हैं।

डॉ. सुधीर वर्मा को प्रोफेसर राम बल्लाव रॉय, गोवा विश्वविद्यालय के अंतर्गत काम करने के लिए विज्ञान अकादमियों की ओर से ग्रीष्मकालीज अनुसंधान फेलोशिप प्रदान की गई।

डॉ. प्रमोद कुमार को 26 सितंबर, 2018 को गुरू गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा 'एमओडीआईएस डेटा का इस्तेमाल करके दिल्ली में एयरोसोल ऑप्टिकल प्रोपर्टीज और फाइन मोड वैरीएशंस का अध्ययन' विषय पर पीएच॰डी की डिग्री प्रदान की गई।

विशेष स्थान प्राप्त करने वाले छात्र

अमन सैनी ने 18 अगस्त - 02 सितंबर 2018 के दौरान जकार्ता में एशियाई खेलों तीरंदाजी में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। वे बीए (पी) तृतीय वर्ष के छात्र हैं।

बी.एस.सी. भौतिक विज्ञान (रसायन विज्ञान) से अर्चना, बी.एससी (ऑर्नस) से प्रेरणा गुलिया और गीतू तथा बी.एससी (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस से साहिल निशाल को उच्चतर शिक्षा निदेशालय, एनसीटी दिल्ली सरकार की ओर से दस-दस हजार रूपए के पुरस्कार प्रदान किए गए।

बी.एस.सी. (आनर्स) के दस विद्यार्थियों को दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से उनके द्वारा खरीदी गई पुस्तकों की प्रतिपूर्ति के रूप में स्नातक पूर्व विज्ञान पुरस्कार प्रदान किए गए।

बी.एस.सी. (आनर्स) भौतिकी, दूसरे वर्ष की छात्रा दीपज्योति सपकोटा ने वार्षिक तकनीकी उत्सव, एनएसयूटी, दिल्ली में प्रथम पुरस्कार जीता।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

सिंह, ए.के., डिमरी, एम. डावरा, डी, झा, ए.के., मोहन, एम.(2019)-रेजोनेन्स पैरामीटर के साथ न्यू-लाइक को XVIII के रेलेटिवइस्टिक आर-मेट्रिक्स फोटोरिज़ेशन क्रॉस सेक्शन कैल्कुलेशंस, जनरल ऑफ फिजिक्स बी: एटोमिक, मालेक्यूलर एंड ऑप्टिकल फिजिक्स, 52: 27-99

राजपाल, ए., मिश्रा, ए., बाला, आर. (2019) ए नॉवेल फजी फ्रेम सलेक्शन बेस्ट वॉटरमार्किंग स्कीम फार एमपीईजी -4 वीडियो यूजिंग बाई-डाइरेक्शनल एक्सट्रीम लर्निंग मशीन, एप्लाइड सॉफ्ट कम्प्यूटिंग 74 (2019: 603-620)

कुमारी, आर., प्रजापति, एस., शर्मा, आर., कौल, एस., कालरा, सी. (2019) द एक्सीजेंसी ऑफ सॉइल रिस्टोरेशन एंड रेमेडिएशन। जर्नल ऑफ एग्रोकोलॉजी एंड नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट, 6 (3): 88-91, पी-आईएसएसएन: 2394 - 0786, ई-आईएसएसएन: 2394 - 0794।

जैन, एच.सी., तिवारी, एच. एन (2018), भारतीय औषध उद्योग में पूंजीगत अवसंरचना के निर्धारक, अभियांत्रिकी अनुप्रयोग में अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, खंड 4, अंक 7, पीपी। 337-345, आईएसएसएन: 24549150।

दहिया, एस., सिंह, के., चौधरी, एस. के., देवी, एम. (2018) एक्स-रे स्विचिंग स्टडीज़ ऑफ़ प्योर लीड ऑक्साइड एंड इट्स कम्पोजिट विथ पॉली मिथाइल मेथैक्रिलेट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल एंड कम्प्यूटेशनल सिस्टम आईजेईईसीएसआई 7 (4) आईएसएसएन 2348-117X

ललित, के. (2018)-बिना देश की भाषा: मैथिली साहित्य का प्रारंभिक इतिहास, मानव और सामाजिक विज्ञान अध्ययन, एंड सुमन्यु सत्पथी, शिमला: भारतीय आधुनिक अध्ययन संस्थान, XXV (1): पीपी 15-29, आईएसएसएन 0972-1401।

कुमार, एस., कुमारी, वी., सिंह, एस., सक्सेना, एम., गुप्ता, एम. (2018) रिक्नाइटर द लेवनिंग ऑफ स्किन-डीप इंसुलेटेड एक्सटेंडेंस ऑन एनालॉग परफॉरमेंस ऑफ़ रिंगफेट, एईयू-अंतर्राष्ट्रीय इलैक्ट्रानिक्स और संचार पत्रिका 83: 67-72।

अमीर, एस., जिंदल, के., तोमर, एम., झा, पीके, गुप्ता, वी. (2019) इनसाइट इनटू इलेक्ट्रॉनिक, मैग्नेटिक एंड ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज़ ऑफ मैग्नेटिकली ऑर्डरेड बीआई 2 एफई409, मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स, 475: पीपी। 695-702।

पत्रिकाएं

संपादक/संपादकगण/संपादक मंडल के सदस्य/सदस्यगण के रूप में सेवारत महाविद्यालय के शिक्षकों की संख्या: एक

अनुसंधान परियोजनाएं

“फैब्रीकेशन आफ लैम्ब वेव डिवाइसेस आन एसआईओ2/एसआई मेम्ब्रेन फार एप्लीकेशंस” पर डॉ. पी.के. की परियोजना जो 26 मार्च, 2019 से प्रारंभ हुई है। संस्वीकृत धनराशि 428 लाख रूपए जो डीआरडीओ से प्राप्त हुए।

“डाइनामिक्स आफ कपल्ड क्वानटम डाट्स इन ए सेमीकंडक्टर माइक्रो केविटी: सभी आप्टिकल स्विचेज को बनाने का कौशल” विषय पर डॉ. पी.के. झा की परियोजना जिसके लिए विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसइआरबी) की ओर से 31 लाख रूपए मंजूर किए गए।

“लेआउट ऑप्टिमाइज़ेशन एंड थर्मल एनालिसिस स्विचिंगग एप्लीकेटलांस एंड एलएनए डिज़ाइन” पर डॉ. मनोज सक्सेना की परियोजना जिसके अंतर्गत एक वर्षीय अवधि (2019-2020) के लिए सीएआरएस, डीआरडीओ की ओर से 23 लाख रुपये मंजूर किए गए।

“मेगनेटिकली एक्टिव आयोनिक लिक्विडस, सिंथेसिस एंड दियर एप्लिकेशंस इन अर्गेनिक” विषय पर डॉ. सनी मनोहर की परियोजना। दो-वर्षीय कार्यकाल के लिए यूजीसी द्वारा 6 लाख रूपए की मंजूरी (2018-2020)।

दाखिल/प्रदत्त पेटेंट

डॉ. सनी मनोहर ने यूएस पेटेंट को को-आथर किया। दीवान एस. रावत, मिंगे वांग, नितिन कुमार, सनी मनोहर, जिओचुआन यांग, गुओजिंग सन और नान्टिंग नी "क्युरक्यूमिन एनालॉग्स और उनको बनाने व इस्तेमाल करने की पद्धतियां"- संयुक्त राज्य अमेरिका पेटेंट यूएस 9884825बी2 (2018)।

आयोजित संगोष्ठीयां

डॉ. एचपी रॉय ने 26 मार्च 2019 को दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में लोकसभा चुनाव 2019 पर आयोजक के रूप में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

डॉ. ए.के. सिंह ने आयोजक के रूप में डॉ. आर्यभट्ट विज्ञान मंच (एएसएफ) के सहयोग से 19 सितंबर, 2017 को आटोमिक और मालेक्यूल भौतिकी में हाल की उपलब्धियों पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया तथा डा. ए.के. सिंह ने 20 फरवरी 2019 को सीमित मात्रा मैकेनिकल सिस्टम पर डीएसटी अनुसंधान प्रयोगशाला और आर्यभट्ट विज्ञान मंच (एएसएफ) के साथ मिलकर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

डॉ. राजन गुप्ता ने 19 सितंबर 2018 को दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय के डेटा विश्लेषण क्लब के अंतर्गत मुक्त राजकीय डाटा मंच- भारत पर संगोष्ठी का आयोजन किया।

डॉ. पूनम गर्ग और डॉ. ममता अमोल वाघ ने 17 से 22 सितंबर 2018 को डीबीटी स्टार महाविद्यालय कार्यक्रम के तत्वावधान में गणित के साथ विज्ञान के विभिन्न संबद्ध क्षेत्रों में न्यूमेरिकल पद्धतियों और उनके अनुप्रयोगों पर समन्यनकगण के रूप में एक पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

सम्मेलनों का आयोजन

4-5 जनवरी 2019 को जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के आयोजन और अनुसंधान अध्ययन दिल्ली स्कूल के सहयोग से प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा वैश्विक दृष्टिकोण 2030: चुनौतियों और अवसर विषय पर दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय, नई दिल्ली में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित XXवें वार्षिक सम्मेलन में दीपक कामरा ने सह-संयोजक के रूप में कार्य किया।

आर.एम. भारद्वाज ने 12-13 अक्तूबर, 2018 को प्रारंभिक भारत में 13वीं शताब्दी तक शैक्षणिक उत्कृष्टता केन्द्र और ज्ञानार्जन स्थल: इतिहास, आयाम और नए अनुसंधान विषय पर सह-आयोजक के रूप में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

अर्पिता शर्मा ने 20-22 फरवरी 2018 के दौरान एसओएल दिल्ली विश्वविद्यालय में भारतीय इंडिक अध्ययन समाज विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'संकट प्रबंधन के लिए जागरूकता और नेतृत्व' शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

एच.पी. रॉय ने 25-27 फरवरी, 2019 के दौरान राजनीति विज्ञान विभाग, पॉन्डिचेरी विश्वविद्यालय में भारतीय कार्यनीतिक संस्कृति और नीतिगत विकल्प पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आंतरिक सुरक्षा: 'माववादियों से पूछताछ' शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

योगिता मेहरा ने 4-5 जनवरी, 2019 के दौरान दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय महा विद्यालय में वैश्विक मंतव्य, 2030: चुनौतियां और अवसर विषय पर आईसीएसआर द्वारा प्रायोजित और डीएसपीएसआर द्वारा आयोजित XXवें अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत में मुद्रा स्फीति पर मौद्रिक नीति पर प्रभाव शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राकेश कुमार ने 21-22 सितंबर, 2018 के दौरान अर्थशास्त्र एवं प्रबंधन विद्यालय, राष्ट्रीय अनुसंधान विश्वविद्यालय, उच्चतर अर्थशास्त्र स्कूल, रूस द्वारा अर्थ व्यवस्था एवं प्रबंधन, 2018 के विश्लेषण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत और दक्षिण एशिया: भौगोलिक राजनीतिक, व्यापारिक संबंध और प्रगतिगत" परिदृश्य पर अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

ममता अमोल वाघ ने 22-23, 2019 को गणित विभाग, दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय द्वारा "गणित में लघु संगोष्ठी के परिप्रेक्ष्य में कतिपय संपूर्ण बायो-कांप्लेक्स स्पेस के डुअल्स" पर आयोजित संगोष्ठी में अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कमलेश कुमारी ने 6 अक्तूबर, 2018 को जीजीडीएसडी कालेज, पलवल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत में रोजगार सृजन हेतु विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पबंधन की भूमिका विषय पर अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

आंचल गर्ग, प्रमोद कुमार और एन सी गुप्ता ने 11-12 फरवरी, 2019 को दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, सेक्टर-3, द्वारका, नई दिल्ली में दिल्ली वालों का बाह्य वातावरण में विज्ञान उत्सव टूरीयोजास, 2019 के परिप्रेक्ष्य में मानव स्वास्थ्य पर बीटीईएक्स उत्सर्जन और उससे संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों पर अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

आर.एम. भारद्वारा ने 6-9 दिसंबर, 2018 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में पूर्ण-क्लश: कुंभ चार दिवसीय उत्सव पर वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कला संग्राहलय में कुंभ का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य विषय पर अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

महाबीर जेनवा ने 2 जुलाई, 2018 को हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में "भारत-अमेरिका सहयोग क्षेत्र में अंतर-विषय अनुसंधान पृष्ठभूमि पर हाल के विकास कार्य" शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

शिवांगीदास और संदीप कुमार ने 11-12 फरवरी, 2019 को दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय), सेक्टर-3, द्वारका, नई दिल्ली, भारत में विज्ञान उत्सव-टुरीयोजास, 2019 में बाल स्वास्थ्य और सामाजिक-आर्थिक स्थिति, विज्ञान क्षेत्र में अटल यर्थाथ विषय पर अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

20 मई 2018 को 13 इंडिया प्रौद्योगिकी इकाईयों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

31 अक्तूबर 2018 को कीसाईट प्रौद्योगिकी इकाईयां, इंक के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

3 मई 2019 को फिक्सगेन प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

2017-2018 को आईसीटी अकादमी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

3 जून 2019 को क्विक हील अकादमी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

12 मार्च 2019 को नेशनल रोग प्रतिरोधक संस्थान (एनआईआई) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

26 अप्रैल 2019 को ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी (टीएचएसटीआई) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नियोजन ब्यौरा

नियोजिन विद्यार्थियों की प्रतिशतता: 7.44%
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 7

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

27 सितंबर, 2018 को ''मुक्त दिवस (आऊटरीच कार्यकलाप) के दौरान जिनोमिक्स और इंटेग्रेटिव शरीर विज्ञान संस्थान में एक संस्थागत यात्रा का आयोजन किया गया (आईजीआईबी, मथुरा रोड परिसर)। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) के सहयोग से राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बनी, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश में बनी स्कूल नवाचार शिविर-।।। (बेसिक ।।।) लगाया गया। 13-16 अक्तूबर, 2018 के दौरान दूरस्थ/ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर स्कूल और कालेजों के युवा विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए आईएनएसए फेलोज/युवा वैज्ञानिक/पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों द्वारा व्याख्यान दिए गए जिनका संचालन जंतु विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय (मुख्य समन्वयक: प्रोफेसर रूपलाल, बेसिक-।।। समन्वयक: डाक्टर शैली आनंद, डीडीयूसी और रामजस महाविद्यालय के डाक्टर सुकनिया लाल, सह-समन्वयक: डाक्टर सुधीर वर्मा) द्वारा किया गया। केंद्रीय विद्यालय, सेक्टर-12, द्वारका के कक्षा-10 के विद्यार्थियों के लिए एक चार दिवसीय आऊटरीच कार्यक्रम का आयोजन एनएएसआई-दिल्ली कैपिटल, विज्ञान प्रतिष्ठान और डीबीटी स्टार कालेज कार्यक्रम के तत्वाधान में किया गया।

पुस्तकालय विकास:

कालेज पुस्तकाल क्लाइंट सर्वर सिस्टम नेटवर्क के जरिए व्यावसायिक डाटा बेस साफ्टवेयर का इस्तेमाल करके पिछले 15 वर्षों से आटोमेटिक संचालन कार्यों को सफलतापूर्वक निष्पादित कर रहा है। इसमें अद्यतन पुस्तक विज्ञान और पत्रिकाओं से संबंधित डाटा बेस मौजूद है। पुस्तकालय में इस वर्ष के दौरान 961 पुस्तको की वृद्धि हुई है। इस समय पुस्तकालय में कुल मिलाकर 45590 पुस्तकें मौजूद हैं। पुस्तकालय विभिन्न विषयों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की 72 आवधिक और गैर-आवधिक पत्रिकाओं में अंशदान देता है। इसके अलावा पुस्तकालय राष्ट्रीय स्तर के 15 समाचार-पत्रों के लिए भी अंशदान देता है। इसके संग्रह में आवधिक पत्रिकाओं/पत्रिकाओं के 613 जिल्दबंद खंड और 850 सीडी मौजूद हैं। पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान लगभग 51000 विद्यार्थियों द्वारा इस संग्रह का उपयोग किया गया। कमजोर वर्ग के इच्छुक विद्यार्थियों को भी बैंक सुविधा के अंतर्गत पुस्तकें जारी की गईं।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी: 94
कुल तदर्थ: 32

वित्तीय आबंटन और उसका उपयोग

मंज़ूर अनुदान: रूपये. 357179170/-
उपयोगित अनुदान: रूपये. 326406977/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कालेज संग्रहालय के परिसर में सिक्किम से संबंधित हस्तकरघा उत्पादों और दस्तकारी की वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सिक्किम के प्रसिद्ध नकाबपोष नृत्य और याक चाम नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके बाद विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सिक्किम क्षेत्र की संस्कृति को विद्यार्थियों पर अभिप्रदर्शित करने तथा इसके संबंध में मंच की स्थापना करने के प्रयोजनार्थ कालेज में पूर्वोत्तर क्षेत्र के समारोहों का पहली बार आयोजन किया गया। अनेक राष्ट्रीय और राज्य स्तर के पुरस्कार विजेता और प्रसिद्ध कलाकार प्राचुजर्या बोर्गोहीन द्वारा डीएचयूएल के बारे में प्रदर्शन किया गया। वे 4 क्रमिक वर्षों से पुरस्कार जीतने वाले श्रेष्ठ धूलिया लोक गायक हैं। इस अनुक्रम में फ्रोटोबूथ, कला प्रदर्शन, अंतर कालेज लोक नृत्य और गायन प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। 8 कालेजों के विद्यार्थियों ने लोक गायन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। 7 कालेज के प्रतिभागियों ने कला प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से भाग लिया। 6 कालेजों ने समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता में भाग लिया। सिक्किम की संस्कृति अभिप्रदर्शित करने के लिए प्रसिद्ध नकाबपोष नृत्य और याक चाम नृत्य प्रस्तुत किया गया।

***

दिल्ली कला और वाणिज्य महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

2019 ,अप्रैल 15 को महात्मा ज्योतिबा फूले और डाक्टर भीमराव अम्बेडकर पर एससी/एसटी/ओबीसी प्रकोष्ठ द्वारा परिचर्चा की गई। नवंबर, 2018 को जागरूकता पैनल परिचर्चा की गई जिसे मनोवैज्ञानिक डाक्टर नीतू राणा, सुजाता शर्मा, डॉ. रुचिका कंवल, डॉ. अवधेश शर्मा द्वारा संबोधित किया गया। 9 अप्रैल 2019 को प्रोफेसरराजकुमार, अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दलित साहित्य: पाठ्य सामग्री और संदर्भ पर व्याख्यान दिए गए। प्रोफेसर संतोष मेहरोत्रा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने 20 फरवरी 2019 को इस विषय पर अपना व्याख्यान दिया। प्रोफेसर स्वर्ण सिंह, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने 5 मार्च 2019 को इस विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। पद्मश्री विजेता, जुबान प्रकाशन की संस्थापक, सुश्री उर्वशी बुटालिया ने दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर महाविद्यालय छात्र अनुसंधान प्रस्तुतियों सहित 13 मार्च, 2019 को "वाचक महिलाएं, लेखक महिलाएं: अपने स्वयं के साहित्य की ओर" विषय से व्याख्यान दिया। महाविद्यालय की बास्केटबॉल टीम ने फरवरी 2018-19 को बिट्स, पिलानी, गोवा परिसर क्रीड़ा उत्सव में पहला स्थान हासिल किया। 2018-19 को टीम ने आईआईटी, कानपुर स्पोर्टस उत्सव में भाग लिया तथा इसी टीम ने 2018-19 को नई दिल्ली प्रबंधन वार्षिक क्रीड़ा कार्यक्रम में भाग लिया। कालेज की क्रिकेट टीम ने 2018-19 को तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित दूसरे एसजीएनडी खालसा क्रिकेट टूर्नामेंट में विजय प्राप्त की।

सम्मान/गौरव

डॉ. अमृत कौर बसरा (इतिहास) को एमटीएनएल परफेक्ट हेल्थ मेला में 25 सितंबर 2018 को उनकी विशिष्ट सामाजिक सेवा के लिए सम्मानित किया गया है।

विशिष्ट स्थान प्राप्त करने वाले छात्र:

भव्यांश माथुर, बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, सेम VI, ने दिल्ली के हंसराज महाविद्यालय में आयोजित स्नातक अनुसंधान सम्मेलन 2019 में ज्योतिबा फूले पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया और सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार जीता।

प्रकाशन:

अनीता (2018)। ई-गवर्नेंस एक प्रभावी विश्लेषण और एक प्रभावी मॉडल, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली आईएसबीएन- 978-93-87195-35-6।

बसरा, ए.के. (2018)। कनाडा में सिख महिलाओं के जीवन के अनुभव: अम्बा पांडे (संपादित) में अतीत और वर्तमान। भारतीय समाज में महिलाएं: ऐतिहासिक गाथा और समकालीन चुनौतियां, स्प्रिंगर। आईएसबीएन 978-981-10-5951-3।

गोयल, आर.के., गोयल, आई (2019)।प्रबंधन लेखा से संबंधित अवधारणा निर्माण एप्रोच टू मैनेजमेंट अकाउंटिंग। कैनगेज लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली। आईएसबीएन- 13: 9789353500368

गुप्ता, एस, सक्सेना, एस., बारिस, ओ. एफ. (2019) विकासशील देशों में पर्यावरणीय प्रवर्तन और अनुपालन: भारत से प्राप्त साक्ष्य। विश्व विकास, 117: 313-327।

कुमार, एस. (2019) दलित संस्कृति के आयाम- श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली। आईएसबीएन 978-93-86113-28-3।

कुमारी, एम., शर्मा, एम., सिंह, वी. बी. (2018) अपनी अनिश्चितता और अनियमित स्थिति को देखते हुए एक रिपोर्टेड बग की तीव्रता का आकलन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर एंड प्रोसेसेस (आईजेओएसएसपी), 9 (4), 20-46,आईएसएसएन: 1942-3926, एससीओपीयूएस और डीबीएलपी में सूचीबद्ध।

पांडे, एस. (2018) भारत में पार्टी प्रणाली: बदलते प्रतिमान, चर्चा, खंड VI, नंबर 3, जुलाई-सितंबर, 48-53। आईएसएसएन-2250-3412।

सिंह, ओ., (2019) प्रारंभिक भारत में लौह और सामाजिक परिवर्तन का पुरातत्व विज्ञान प्राइमस बुक्स, नई दिल्ली। आईएसबीएन 9789352904631

अनुसंधान परियोजनाएं।

डॉ. शालिनी सक्सेना: राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2017-18, एनसीईआरटी की एमओओसी परियोजना के लिए जीएसटी पर एक मॉड्यूल

सुश्री मीरा मल्हान: केंदीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, एनसीईआरटी दिल्ली, जून-नवंबर 2018: एमओओसी के लिए वीडियो की अंतिम समीक्षा और स्क्रिप्ट लेखन के लिए बारहवीं कक्षा के वास्ते अर्थशास्त्र मॉड्यूल की समीक्षा और विकास

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

मधु कुमारी ने 27-29 दिसंबर, 2018 के दौरान दिल्ली, विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत द्वारा "गुणवत्ता, विश्वसनीयता, इन्फोकॉम प्रौद्योगिकी और व्यापार प्रचालन" विषय पर आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''राडूप का इस्तेमाल करते हुए रिपोर्ट सिर्फ बग से संबंधित निर्धारित समय का पूर्वानुमान: एक बिग डेटा एप्रोच" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

स्मिता बनर्जी ने 5-7 जुलाई 2018 के दौरान अंतरर्राष्ट्रीय सम्मेलन एशिया इन मोशन: जियोग्राफीज एंड जिनियालाजी एएएस-इन-एशिया एएएस एंड अशोक विश्वविद्यालय, भारत हैबिटेड केंद्, नई दिल्ली विषय पर आयोजित कार्यक्रम में ''मेलोड्रामा और पोस्टकोलोनियलिटी: सेल्फ फैशनिंग इन द पॉपुलर बंगाली सिनेमा ऑफ द 1950-70'' के शीर्षक से अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

रेनू सिंह ने 16 मार्च, 2019 को जाकिर हुसैन महाविद्यालय (सायं) द्वारा डिफाइनिंग मार्जिनलिटीज़ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "दलित भाषा और साहित्य: विरोध और प्रतिरोध का माध्यम'' शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

अनिमेश महापात्रा ने 10-11 सितंबर 2018 के दौरान आईआईटी मद्रास में "प्रभु के साथ संबंध: सामुदायिक गठन में जगन्नाथ का उपयोग और ओडिशा तथा उसके बाहर लोकप्रिय संस्कृति'' विषय पर आयोजित कार्यशाला में ''अन्य विश्वपरकता की विश्वपरकता: कैसेट युग में भक्ति का प्रसार'' शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

श्रीकांत पांडे ने 18-20 जनवरी 2019 के दौरान जेआरएन विद्यापीठ, उदयपुर में आयोजित छठी उत्तरी क्षेत्रीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में “सोसाइटी आइडेंटिटी एंड पार्टी सिस्टम: ए केस स्टडी ऑफ इंडिया” शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

मुकेश बागोरिया ने 23-24 अक्तूबर, 2018 के दौरान गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय उर्दू विकास परिषद् द्वारा राष्ट्र भाषा पर महात्मा गांधी का मंतव्य और दृष्टिकोण विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में “भारतीय भाषाओं के संबंध में महात्मा गांधी का दृष्टिकोण” विषय से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

अमृत कौर बसरा ने 5 जनवरी 2019 को भारत अंतरर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में "सिख धर्म: एक सुदृढ़ धारणा'' शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

के. सुरेश कुमार ने जेएनयू और साहित्य अकादमी में “भारतीय भाषा तमिल साहित्य केंद्र” विषय पर आयोजित कार्यशाला में ''तमिल महाकाव्यों में लिंग के सवाल का पुनर्निर्माण: मणिमक्कलई का एक केस अध्ययन'' शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

डीसीएसी की जेंडर सेंसिटाइजेशन कमेटी के साथ आंतरिक शिकायत समिति द्वारा 10 सितंबर 2018 को "यौन उत्पीड़न" विषय पर एक कानूनी सहायता फर्म, बहु-आयामी कार्य अनुसंधान समूह (एमएआरजी) की प्रसिद्ध वकील और कार्यक्रम अधिकारी सुश्री वर्षा मिश्रा द्वारा एक संवाद का आयोजन किया गया जो कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन- उत्पीड़न, उसके निषेध और निवारण अधिनियम 2013 से संबंधित था।

1 मार्च, 2019 को महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन सुरक्षा पर राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से साइबर पीस फाउंडेशन द्वारा "डिजिटल शक्ति कार्यशाला" का आयोजन किया गया।

11 अक्तूबर 2018 को एमएआरजी (बहुआयामी कार्य अनुसंधान समूह) द्वारा प्रायोजित और ब्रिटिश उच्चायोग, नई दिल्ली के सहयोग से अर्द्ध-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या:88
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: लगभग 70

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

परियोजना तंजील के अंतर्गत, विद्यार्थियों ने सप्ताह के दौरान परिसर में पड़ोसी झुग्गियों के 120 विद्यार्थियों को पढ़ाया। विद्यार्थियों की मानसिक और शारीरिक आवश्यकताओं का ख्याल रखने के लिए एक समग्र शिक्षण मॉड्यूल तैयार किया गया है। हेल्प डेस्क के माध्यम से पुरानी किताबों को विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुसार एकत्र किया गया। सभी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दिवस और त्यौहार उनके साथ मनाए गए। परियोजना तालीम और परियोजना साहस का उद्देश्य यह है कि एक सक्रिय कहानी आधारित पाठ्यक्रम के माध्यम से शरणार्थियों के लिए शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव और स्तन कैंसर से बचे लोगों को कम लागत वाली प्रोस्थैटिक ब्रा उपलब्ध कराई जाएं। ये वस्तुएं क्रमशः मास्टेक्टॉमी और वर्जना कराने वाले व्यक्तियों के लिए होंगी। इलेक्टस डीसीएसी ने थिंक पिंक'19- ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता के बारे में युवाओं की भूमिका पर पैनल डिस्कशन का आयोजन किया जिसमें विन ओवर कैंसर, ओवीकेन, रोको कैंसर, इंडियन कैंसर सोसाइटी और चीयर्स टू लाइफ एनजीओ जैसे संगठनों के पैनलिस्टों ने भाग लिया।

पुस्तकालय विकास

2018-19 के दौरान पुस्कालय में कुल 751 पुस्तकों की वृद्धि की गई हैं। पुस्तकालय ने अपने यहां मौजूद संग्रह में वृद्धि करने के लिए विकल्पों और सुझावों का पता लगाने के प्रयोजनार्थ एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया। ई-संसाधन अनुभाग के साथ-सा और एन-लिस्ट और डेलनेट के माध्यम से ई-संसाधान सेवाओं और सुविधाओं का उपयोग किया गया। मौजूदा जागरूकता अनुभाग को पत्रिकाओं, समाचारपत्रों और तुलनात्मक पुस्तकों (बैंकिंग, रेलवे और अन्य एसएससी परीक्षा) से सुसज्जित किया गया। मुक्त अभिगम्य प्रणाली को अपनाया गया। सुलभ संदर्भ सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न विषयों और पत्रकारिता परियोजनाओं से संबंधित पिछले वर्ष के प्रश्न पत्रों को उपलब्ध कराया गया। प्रदर्शित नई आमदों को वेबसाइट के जरिए अभिप्रदर्शित किया गया।

संकाय की संख्या

कुल स्वीकृत संकाय: 48

वित्तीय आबंटन और उपयोग

मंजूर अनुदान: 30,05,76,000/- रूपये
उपयोगित अनुदान: 27,53,96,000/- रूपये

***

दिल्ली भेषज विज्ञान और अनुसंधान संस्थान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

डीआईएसपीएआर एक ऐसा स्थान है जहां सभी संकाय सदस्य अनुसंधान और शिक्षण गतिविधियों में शामिल होते हैं और उन्होंने प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और पुस्तकों में 50 से भी अधिक शोध-पत्र (अनुसंधान एवं समीक्षा) प्रकाशित कराए हैं। संस्थान द्वारा 2018-19 के सत्र में विभिन्न कार्यक्रमों यथा भेषज

विज्ञानी दिवस, गुरूपर्व, सरस्वती पूजा, खेल दिवस, नव-आगंतुक दिवस, शिक्षक दिवस, वार्षिक दिवस और स्वतंत्रता दिवस के साथ-साथ औद्योगिक पर्यटन, सम्मेलन, कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

सम्मान/विशेष स्थान

डीआईपीएसएआर के लिए एमएचआरडी द्वारा भारत सरकार द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय संस्थागत श्रेणीकरण कार्य-व्यवस्था (एनआईआरएफ) भेषज शास्त्र में दर्ज 301 प्रविष्टियों में से 26 है।

विभिन्न सम्मेलनों में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पेपर पुरस्कार: भेषज विज्ञान विभाग में कार्यरत डॉ. मीनाक्षी के. चौहान और औषध विज्ञान एवं रसायन विज्ञान विभाग में कार्यरत सुश्री अमृता पारले को ये पुरस्कार प्रदान किए गए।

डीआईपीएसएआर ने बी फार्मा की चौथे वर्ष के छात्र श्री पंकज गुप्ता ने जीपीएटी, 2019 में 8वां स्थान प्राप्त किया। कुल 38 विद्यार्थियों ने डीआईपीएसएआर से जीपीएटी 2018 को पास किया।

प्रकाशन

चौहान, एम.के., भट्ट, एन. (2018) नवीन औषध वितरण के साथ पॉलीमिक्सिन में जैव उपलब्धता में वृद्धि: गुणवत्ता-सह-डिजाइन युक्ति का उपयोग करके विकास और इष्टतमकरण। जर्नल फार्मास्युटिकल साइंसेज, 108 (4): 1521-1528।

गोस्वामी, एम भट्ट, एन., शर्मा, पी.के., चौहान, एम.के. (2018) एक चुंबकीय रूप से सक्रिय गैर-आक्रामक पुन: औषध वितरण उपकरण का डिजाइन और निर्माण। औषध विकास एवं औद्योगिक और इंडस्ट्रियल फार्मेसी, 44 (7): 1070-1077।

कल्याण, एस., पारले, ए. (2019) डिजाइन द्वारा गुणवत्ता: औषध विकास के प्रति दृष्टिकोण बदलना। फार्मास्यूटिकल विज्ञान और अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 10 (7): 1000-1009।

लता, एस, यामिनी, पी., माथुर, आर. (2018)। इन-ओवो चिक कोरियोएलांतोइक झिल्ली परख का इस्तेमाल करके सीडियोगुआजावा की पत्तियों की एंटिआयोजेनिक क्षमता का मूल्यांकन। फार्माकोग्नॉसी पत्रिका, 14: S284-93।

मल्होत्रा, एम., गुप्ता, एस., प्रकाश ए. (2019)। सीताग्लिप्टिन: एक औषध की समीक्षा। दिल्ली डायबिटिक फोरम, 28 (1): 20-21।

नायर, जे.सी.वी., खान, एम., अंजुम, वी., अहमद, एस., माथुर, आर. (2018)। गैस क्रोमैटोग्राफी- एगेलमर्लोस और साइडीयमगुआजवा के पत्तों के घटक और निगेला सैटाइवा के बीजों की इन विट्रो एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि के साथ सह-संबंध का व्यापक स्पेक्ट्रोमेट्रिक निर्धारण। फोर्माकागनोसी रिसर्च, 10 (2): 230-235।

सक्सेना, टी., मल्होत्रा, एम., कुमार, आर., गुप्ता, एस. (2019)। दिल्ली-एनसीटी, भारत में प्रेसक्रिप्शन पैटर्न के साथ मधुमेह के रोगियों में सह-रुग्णता की व्यापकता और समावेशन। मधुमेह और उपापचयी सिंड्रोम: नैदानिक अनुसंधान और समीक्षा, 13 (2): 1209-1212।

सिंह., वी के पारले, ए. (2019) बेंज इमिडाजोल की व्यापक समीक्षा। भेषज विज्ञान और अनुसंधान की अंतरर्राष्ट्रीय पत्रिका, 10(4):1540-1552

श्रीवास्तव, एम., सूरी, सी., सिंह, एम., माथुर, आर., अस्थाना, एस. (2018)। आणविक गतिशीलता सिमुलेशन से यूएसपी 7 के संभावित ड्रगेबल हॉटस्पॉट का पता चलता है। ओंकोटरगेट, 9 (76): 34289-34305।

अनुसंधान परियोजनायें

आईसीएमआर ने मस्तिष्क ग्लूकोज ट्रांसपोर्टरों पर मोबाइल हैंडसेट से ईएमएफ विकिरण का प्रभाव: एक प्रायोगिक अध्ययन (2017-2020) नामक परियोजना को वित्त पोषित किया। रुपये 30.18 लाख।

स्ट्रेप्टोज़ोटोकिन प्रेरित प्रायोगिक मधुमेह में कार्डियोमायोपैथी के प्रबंधन में डीपीपी-4 अवरोधक से संबंधित नोवार्टिस वित्त पोषित परियोजना। (2017-2019) रु 20.5 लाख।

आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठीयां

एआईसीटीई ने 11-15 मार्च 2019 में हाल की घटनाओं पर XXVIII क्यूआईपी को प्रायोजित किया।

एआईसीटीई ने 8- 12 अप्रैल 2019 को फ़ार्मेसी में मौज़ूदा रुझानों पर XXIX क्यूआईपी को प्रायोजित किया

एआईसीटीई ने 25-29 मार्च 2019 को फार्मेसी के क्षेत्र में अद्यतन स्थिति पर XXX क्यूआईपी को प्रायोजित किया,

एआईसीटीई ने 1-5 अप्रैल 2019 को फ़ार्मास्युटिकल साइंसेज में नए रुझानों पर XXXI क्यूआईपी को प्रायोजित किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

एस. कल्याण ने 5-6 अक्तूबर 2018 को भारत के फार्मास्यूटिकल शिक्षकों के संघ की 23वें वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन की कार्यवाही के दौरान "डिजाइन द्वारा गुणवत्ता: औषध विकास के बदलते दृष्टिकोण" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एस. कल्याण ने 1 मार्च 2019 को ‘’ऑनलाइन फार्मेसी पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही: नियामक दृष्टिकोण- भारत का ई-फार्मा उद्योग: विकास और चुनौतियां" शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वीके सिंह ने 5-6 अक्तूबर 2018 को भारत के फार्मास्यूटिकल शिक्षकों के संघ के 23वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही के दौरान "बेंज़िमिडाज़ोल पर व्यापक समीक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कुमार एन ने 26-28 जनवरी 2019 को मालीना फार्मेसी कॉलेज, उकतरसादिया विश्वविद्यालय, गुजरात, भारत में ‘’नैनो प्रौद्योगिकी और ओकुलर औषध वितरण प्रणाली पर उसके अनुप्रयोग से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ओकुलर वितरण प्रणाली के रूप में एसेटाज़ोलैमाइड एथोनियोसोम" शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया;।

मिश्रा जे ने 26-28 जनवरी, 2019 को मणिना फार्मेसी कॉलेज, उकतरसादिया विश्वविद्यालय, गुजरात, भारत में ’नैनो प्रौद्योगिकी और ओकुलर औषध वितरण प्रणाली पर उसके अनुप्रयोग विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान मुक्त एंगल कालामोतिया के ओकुलर संवितरण में ब्रिममिडीन टार्टारेट के नियंत्रित वितरण हेतु "चिटोसन नोइरोमस" शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

शर्मा पी ने 26-28 जनवरी 2019 को मालिबा फार्मेसी कॉलेज में उकतरसादिया विश्वविद्यालय, गुजरात, भारत में "नैनो प्रौद्योगिकी और ओक्यूलर औषध वितरण प्रणाली पर इसके अनुप्रयोग विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान मैट्रिक्स निर्माण की प्रकृति और उसके कृत्रिम पोलिमर पर आधारित ड्रिल्टिज़म मैट्रिक्स टैबलेट से अर्जित औषध निर्मुक्ति से संबंधित काइनेटिक माडलिंग शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रकाश यू ने 26-28 जनवरी 2019 को मालीना फार्मेसी कॉलेज, उकतरसादिया विश्वविद्यालय, गुजरात, भारत में नैनो प्रौद्योगिकी और ओक्यूलर औषध वितरण प्रणाली पर इसके अनुप्रयोग विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कालामोतिया से संबंधित ब्रिनज़ोलैमाइड स्पानलेस्टिक्स शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

चौहान एम.के ने 26-28 जनवरी, 2019 को मालिबा फार्मेसी कॉलेज, उकतरसादिया विश्वविद्यालय, गुजरात, भारत नैनो प्रौद्योगिकी और ओक्यूलर औषध वितरण प्रणाली पर उसके अनुप्रयोग विषय पर आयोजित

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेल में ''बायोमेट्रिक आधारित बहुउद्देशीय 3 डी स्कैफोल्ड का निर्माण और मूल्यांकन'' शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

चोदोन यू ने 1 मार्च 2019 को स्कूल ऑफ मेडिकल एंड एलाइड साइंसेज, के आर मंगलम विश्विद्यालय सोहना रोड में गुड़गांव द्वारा ''भारतीय फार्मेसी स्नातकों के संबंध में ओकुलर वितरण हेतु यूडरागिट आरएल 100 भारित वोरिकोनाज़ोल से संबंधित पॉलीमेरिक नैनो योग'' शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत: 35 (नियोजन के लिए नामांकित विद्यार्थियों में से 80% विद्यार्थियों को नियोजित किया गया, अन्य विद्यार्थियों ने उच्च अध्ययन के लिए विकल्प दिया)।

नियोजन के लिए आने वाली कंपनियों की सं. 25

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

सत्र के दौरान पल्स पोलियो प्रतिरक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया है

पुस्तकालय विकास

वर्तमान में, पुस्तकालय में फार्मास्युटिकल साइंसेज की सभी शाखाओं को कवर करने वाली 18000 से अधिक पुस्तकें हैं। पुस्तकालय में अद्यतन पत्रिकाएं, पुस्तकें, आवधिक पत्रिकाएं और ऐसी अन्य अनुसंधानगत सामग्री मौजूद है जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है। पुस्तकाल द्वारा 8 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और 23 राष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए अंशदान दिया जाता है। यह 6 दैनिक समाचार पत्रों और 12 आवधिक पत्रिकाओं को भी अंशदान देता है। पुस्तकालय का ज्ञान भंडार केंद्र शीघ्र ही डिजिटलाइजेशन में बदल दिया जाएगा।

संकाय की संख्या

कुल स्थाई संकाय: 11

***

देशबंधु महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

इस वर्ष महाविद्यालय को जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार द्वारा "स्टार कॉलेज का दर्जा" प्रदान किया गया है। हमारे छात्र, मिलन चौधरी ने 2018 को म्यूनिख, जर्मनी में इंटरशूट चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

सम्मान/गौरव

डॉ. राजीव अग्रवाल, प्राचार्य, अगस्त, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय खगोल संघ (आईएयू) के सदस्य बनाए गए हैं।

डॉ. कुमार शांतनु ने जोधपुर में 24 अक्तूबर, 2018 से 04 नवंबर, 2018 के दौरान जोधपुर स्थित अखिल भारतीय वायु सैनिक शिविर में वन दिल्ली एयर स्कवेड्रन (एफएलजी) के वरिष्ठ डिवीजन कैडेट्स एनसीसी के कंटीजेंट कमांडर के रूप में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

डॉ. इंद्रकांत कुमार सिंह को 27 अक्तूबर, 2018 को हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली में आयोजित पुरस्कार समारोह में, ग्रेस इंडिया शैक्षणिक धर्मार्थ न्यास, नई दिल्ली द्वारा अनुसंधान कार्य में सहयोग देने के लिए श्रेष्ठ

अध्यापक पुरस्कार, 2018 के संबंध में भारत रत्न डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम मेमोरियल से सम्मानित किया गया।

डॉ. कृष्णन उन्नी को 29 अक्तूबर, 2018 को केरल के मुख्यमंत्री द्वारा कोच्ची में अभिनव केरलम: ओरू डोकोमेंटा के लिए अबू धाबी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. कृष्णन उन्नी पी को 27 दिसंबर, 2018 को केरलम के लिए यस प्रेस नोबल पुरस्कार: ओरू डोकोमेंटा से सम्मानित किया गया।

विशेष स्थान प्राप्त करने वाले छात्र

जेयूओ कुमार रौशन ने 2019 के दौरान दिल्ली निदेशालय श्रेष्ठ कैडेट और कंटीजेंट कमांडर के रूप में आरडीसी में दिल्ली निदेशालय का प्रतिनिधित्व किया।

प्रकाशन

नौटियाल, ए. (2018). जीव विज्ञान: जीवन और विविधता विज्ञान, एस.के. अग्रवाल, अपर्णा गायरी नौटियाल, अंजू छिब्बर, मेडटेक प्रकाशन

कुमार, एस. (2019) हिंदी कहानी की 21वीं सदी/पाथ के पास: पाथ से परे. राजकमल प्राकाशन, नई दिल्ली।

मिश्रा, एम.के. (2018). पूर्ववर्ती काव्य शास्त्र अवधरणीयम तथा श्रीमगराप्रकाशा परिमल प्रकाशन, दिल्ली। आईएसबीएन: 978-81-7110-462-8, 2018

करवाल, पी., वत्स, आई. डी., सिन्हा, एन., सिंघल, ए., सहगल, टी., कुमारी, पी. (2019) जीका वायरस के खिलाफ पेप्टाइड्स के चिकित्सीय अनुप्रयोग: एक समीक्षा. कर्र मेड रसायन. डीओआई: 10.2174 / 0929867326666190111115132. [प्रिंट से आगे की अवधि] पबमेड पीएमआईडी: 30636575.

सूरज, एम.एस., मित्तल, ए., अग्रवाल, आर. (2019) परिपत्र स्वायत्त प्रतिबंधित चहारम शरीर की समस्याओं में संतुलन बिंदुओं के अस्तित्व और स्थिरता को प्रकट करते हैं। न्यू एस्ट्रोनॉमी, एल्सिवियर, 68: 1-9.

गुप्ता, के. के., शहजाद, एम., कुमार, एस. (2019) डिसॉडरस्कस केओनिगि फैब्रिअस (हेटोप्टेरोपा, पाइरोहोकोरिडे) के प्रजनन बायोएक्टीविटीज में लंबे समय तक पहले मैटिंग की प्रासंगिकता. एंटोमोलॉजी 88 (1) पोलिश जर्नल: 63-77. डीओआई: 10.2478 / पीजेईएन-2019-0005

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ. इंद्रकांत कुमार सिंह, जंतु विभाग, फार्माकोफोर मॉडलिंग को मानव कैंसर (2019-22) (भारत के डीएचआ/आईसीएमआर सरकार द्वारा वित्तपोषित) के रूप में एमसीएल-1 के नवीन अवरोधकों को बनाने के लिए मॉडलिंग करता है.

आयोजित संगोष्ठियां

6 सितंबर 2018 को भारत में सबसे प्रभावशाली प्रेरक वक्ता द्वारा सफलता प्राप्त करने के निमित अपने अवचेतन मन को अनुकूलित करना विषय पर श्री नीरज सिंह राठौर (अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणित व्यापार कोच) द्वारा एक प्रेरक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

स्पीकर नीता माथुर ने 4 अक्तूबर 2018 को तीन वर्टिकल-कोचिंग एंड ट्रेनिंग, एक्जीक्यूटिव सर्च और एचआर कंसल्टेंसी की अगुवाई करते हुए “फर्स्ट इम्पैक्ट: एनहांसिंग एम्प्लॉएबिलिटी” बढ़ाने संबधी विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

1 नवंबर 2018 को विद्यार्थियों के लिए मुक्त मिक सत्र के माध्यम से उनकी अपनी साहित्यिक प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान करने हेतु एक अत्यधिक प्रशंसनीय साहित्यिक दिवस को “फर्स्ट इंप्रेशन” शीर्षक के साथ आयोजित किया गया।

2 नवंबर, 2018 को आर्थिक अध्ययन और आयोजना केंद्र में सुविख्यात प्रोफेसर विश्वजीत धार द्वारा "मुक्त व्यापार करार के साथ भारत द्वारा निष्पादित कार्रवाई'' विषय एक एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

'विनीता अग्रवाल स्मृति रचना पाठ द्वारा वार्षिक कार्यक्रम के अंतर्गत "कवियों के नाम'' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के लिए 7- 8 जून 2018 को “कौशल विकास के लिए स्वच्छ भारत का निर्माण”विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

24-29 जुलाई 2018 के दौरान ''डिफरेंशियल इक्वेशन मैथमेटिकल मॉडलिंग और विश्लेषण (डीईएमएमए), विषय पर एक छः दिवसीय शिक्षक संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

13-27 दिसंबर 2018 को एनएसटीईडीबी, एबीएसईएस, दिल्ली विश्वविद्यालय और शिक्षण ज्ञानार्जन केंद्र (पीएमएमएनएमटी स्कीम के अंतर्गत) द्वारा ''विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन सोसायटी में उद्यम'' विषय पर एक संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

17-19 जनवरी 2019 को सम्मेलन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में ''आईसीपीएसटी-2019” (भौतिकी, समाज और प्रौद्योगिकी-2019 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन) का आयोजन किया गया।

23-24 फरवरी 2019 को एनडीएमसी कन्वेंशन केंद्र, संसद मार्ग, नई दिल्ली में देशबंधु महाविद्यालय के सहयोग से शैक्षिक प्रतिष्ठान द्वारा ''भारतीय महिला भूत, वर्तमान और भविष्य' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियां

नदीम अहमद ने 1-2 मार्च 2019 को फ्लेम विश्वविद्यालय, पुणे में ''अनिश्चित विश्व: प्रगति, विकास और संधारणीयता विषय पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत में अनौपचारिक क्षेत्रक परिवारों के बीच नगण्य स्वास्थ्य खर्च और गरीबी की भयावह स्थिति'' शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने 10-12 दिसंबर, 2018 के दौरान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में सामाजिक विज्ञान और स्वास्थ्य के लिए भारतीय मंच, कल्याण और क्षेत्रीय विकास: उभरते हुए मुद्दे और चुनौतियां'' विषय पर आयोजित 16वें वार्षिक सम्मेलन में अपना एक अन्य शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

नदीम अहमद ने 30 जनवरी से 1 फरवरी 2019 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा ''अखिल भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में आरोही भारत पर क्षेत्र अध्ययन कंवेशन से सबंधित स्वास्थ्य खर्च: वैश्विक और क्षेत्रीय आयामों पर प्रतिक्रिया'' शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कृष्णन उन्नी पी ने 26-28 मार्च 2019 को अंग्रेजी विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर द्वारा '' गड़ा कर्मी रिटर्न: फिलिस्तीनी स्मृति'' विषय से ड्रमैटिक स्पेस एंड अनमैप्ड जियोग्राफ़ीज़: अध्ययन की बावत आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

बजरंग बिहारी तिवारी ने 29-30 मार्च 2019 को हिंदी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस द्वारा आयोजित "मध्य युग में स्त्री लेखन के आदि हस्ताक्षर" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

बजरंग बिहारी तिवारी ने 13-14 फरवरी 2019 को हिंदी विभाग, शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कलादी द्वारा आयोजित "भाटी अंदोलन के अवसान का प्रश्ना और कबीर" शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

राजीव अग्रवाल ने 20-31 अगस्त 2018 को अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष शास्त्र संघ, वियना, ऑस्ट्रिया की XXXवीं महासभा में ''एक्सिसिमेट्रिक सीमित पंच तत्व समस्या से संबंधित मुक्ति बिंदु के अभिसरण से संबंधित बेसिन'' शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. राजवीर शास्त्री ने 11-12 जनवरी, 2019 को श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली और राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली के संयुक्त प्रयासों से आयोजित "संस्कृत वांग्मयमेमिष्ठास्तिपरायपरम्परा लोकजीवन" शीर्षक के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "वैदिक वांगमयी आश्रम कथा" शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की प्रतिशतता: 60%
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 27

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

एनएसएस स्वयंसेवकों ने बच्चों को मूल्यगत शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रत्येक सोमवार को एसडीएमसी स्कूल, डिफेंस कॉलोनी और एसडीएमसी स्कूल, लाजपत नगर का दौरा किया। इस परियोजना को दिसंबर 2018 के अंतिम महीने में शुरू करके मार्च के पहले सप्ताह में पूरा कर लिया गया था तथा इसे श्री सत्य साईं सेवा संगठन के सहयोग से संपन्न किया गया था। एनएसएस ने 10 जनवरी 2019 को प्रवाह एनजीओ के सहयोग से परियोजना जेएजीआरआईके शुरू की थी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 6 सप्ताह तक चलने वाले फंड गेम्स के माध्यम से संवैधानिक और एसडीजी साक्षरता हासिल करना था। चर्चा और संवादों के माध्यम से विद्यार्थियों को उनके अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी जानने के महत्व के बारे में बताया गया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने वर्ष 2018-2019 के दौरान नई सुविधाएं/विशेषताएं प्राप्त कीं। पुस्तकालय ने डीईएसएच मैगज़ीन के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया शुरू की जो अब महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। पुस्तकालय ने लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर के सुचारू संचालन के लिए नया सर्वर डीईएल पावर एज टी430 खरीदा। शैक्षणिक सत्र 2018-2019 की शुरुआत में, पुस्तकालय ने पहले वर्ष के विद्यार्थियों के लिए एक उपयोगकर्ता अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। पुस्तकालय ने 2018-2019 के दौरान अपने संग्रह में 2619 नई पुस्तकों की वृद्धि भी की।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी सदस्य: 116
कुल तदर्थ: 88

वित्तीय आबंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: 50.09 + (16.33 पूर्व) करोड़ रुपए
उपयोग अनुदान: 63.43 करोड़ रु

***

डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय वैकल्पिक विषयों के रूप में बी.कॉम और उर्दू के अलावा लगभग 3100 विद्यार्थियों (39% लड़कियों) और 123 संकाय सदस्यों के साथ कई ऑनर्स पाठ्यक्रम भी चलाता है। अतिरिक्त और सह-पाठयक्रम गतिविधियों में 'वरिष्ठ नागरिकों' से संबंधित कार्यक्रम, सिक्किम सप्ताह समारोह, रक्त दान शिविर, आतंकवाद विरोधी दिवस, 'समानता और सामाजिक सद्भाव' के बारे में अभियान और 'नशीली दवाओं का उपयोग और दुरुपयोग' कार्यक्रम शामिल था। निम्नलिखित विषयों अर्थात शिक्षा की स्वायत्तता: चुनौतियां और समाधान, भारतीय सामाजिक कार्य: कार्यक्षेत्र और चुनौतियां, वैश्विक व्यापार और डिजिटल अर्थव्यवस्था, नए भारत के लिए पर्यावरण संबंधी चुनौतियां और मानव स्वास्थ्य एवं संधारणीय विकास विषयों पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठीयां आयोजित की गईं जिनमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों ने सहयोग दिया। एनएसएस और एनसीसी इकाइयों ने भी इस दिशा में कई कदम उठाए। इस संबंध में कल्याण/शुल्क समिति, नियोजन प्रकोष्ठ और आईक्यूएसी प्रकोष्ठ द्वारा निष्पादित कार्य भी उल्लेखनीय है।

प्रकाशन

अरोड़ा, जी.के. (2019) भारत के वैश्वीकरण में उच्च शिक्षा: आने वाली चुनौतियां- शीबा जोसेफ- और निलोफर कादीर (संस्करण, 2018): भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता: भावी मार्ग का प्रशस्तिकरण, बीएसएसएस, भोपाल।

अरोड़ा, जी.के. (2019), उभरता हुआ भारत और उसकी अर्थव्यवस्था के बारे में डॉ. अम्बेडकर के विचार, एकेडेमिया-खंड II, संख्या 1, आईएसएसएन 2395-0161 दिल्ली. पी.37-48.

भारद्वाज, टी. (2018) केयरगीवर डिफिक्लटी रेटिंग स्केल: इंडियन जर्नल ऑफ़ पालीएक्टिव केयर, 24 (3): 300-307 में इंडियन केयरगीवर्स की अनिश्चित आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए एक युक्ति का विकास और उसका प्रारंभिक सत्यापन

डैश, बी.एम. (2018). भारत में मुक्त और सुदूर ज्ञानार्जन के माध्यम से सामाजिक कार्य शिक्षा: अवसर और चुनौतियां, सामाजिक कार्य शिक्षा, 37: 813-820.

डैश, बी.एम., बोथा, आर (2018). मुक्त और सुदूर ज्ञानार्जन के माध्यम से सामाजिक कार्य शिक्षा: भारतीय परिप्रेक्ष्य- तुर्किश आनलाइन जर्नल आफ डिस्टेंस एजुकेशन, 19: 149-165.

शाहनी, आर. (2018) वित्तीय विकास और आर्थिक विकास नेक्सस-तीन दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं की अनुभवजन्य-जांच, प्रशांत व्यापार समीक्षा अंतर्राष्ट्रीय, 11: 69-78.

शाहनी, आर. (2018) स्टॉक और जिंस इंडिसेस के बीच संबंध: एक अनुभवजन्य जांच. प्रयास, 16: 24-26.

सिंह, ए.पी. (2018) सामाजिक कार्य में केस रिकॉर्ड. रैपिड बुक सर्विस, लखनऊ, आईएसबीएन: 978-93-82462-99-6 (2018).

पत्रिकाएं

महाविद्यालय द्वारा "एकेडेमिया" नाम से एक पत्रिका प्रकाशित की जा रही है।

यह संपादक/संपादकगण/संपादक बोर्ड के (सदस्य)/सदस्यगण के रूप में सेवारत महाविद्यालय के शिक्षकों की संख्या: 2

अनुसंधान परियोजनायें

आईसीएसएसआर द्वारा डॉ. बी.एम.दास द्वारा "वित्त व्यवस्था तक अभिगम्यता प्राप्त करने के परिपेक्ष्य में लैंगिक भेदभाव को समझने हेतु एक बहु-आयामी दृष्टिकोण" शीर्षक से एक परियोजना शुरू की गई तथा इसके लिए 6 लाख रूपए का अनुदान दिया गया।

आयोजित संगोष्ठीयां

वाणिज्य विभाग द्वारा 9 अक्तूबर 2018 को भारतीय वाणिज्य संघ, दिल्ली एनसीआर के सहयोग से "वैश्विक व्यापार और डिजिटल अर्थव्यवस्था (अवसर और चुनौतियां)" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन

2 और 3 नवंबर 2018 को सीएसआईआर-एनईईआरआई, ईएसडीए और एनईएसए के सहयोग से 'नए भारत के लिए पर्यावरणीय चुनौतियां 'विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

11-13 जनवरी 2019 को सीएसआरडी-जेएनयू, एनईईआरआई, ईएसडीए, यूएमईटी-यूएसए, आरजीएसएसएच, एमिटी यूनिवर्सिटी, जीआरसी इंडिया और ईसीपीएफओ दिल्ली के सहयोग से 'वैश्विक पर्यावरण चुनौतियां, मानव स्वास्थ्य और सतत विकास' विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

5 जून 2018 को अतुल प्रताप सिंह द्वारा क्षेत्रीय शहरी और पर्यावरण अध्ययन केंद्र (आसीयूईएस), लखनऊ, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय में 'सॉलिड वेस्ट प्रबंधन' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में सरकारी पदाधिकारियों के लिए 'सॉलिड वेस्ट प्रबंधन' के संबंध में आईईसी और समुदाय की भूमिका' के बारे में एक व्याख्यान दिया गया।

जया वर्मा ने 24-25 अप्रैल 2019 को सत्यवती महाविद्यालय (सायं) द्वारा "21वीं सदी का भारत: अंतर्राष्ट्रीय, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय प्रक्रियाओं का साक्षात्कार" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "निर्वाण कोष: असफल परिणाम, बदलते लक्ष्य" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

संगीता शर्मा धौर ने 25 फरवरी 2018 को एनएसीसी प्रत्यायित ग्रेड 'ए' संस्थान, सेना शिक्षण संस्थान, द्वारा "वैश्विक परिप्रेक्ष्य में अध्यापन शिक्षा की रूपरेखा: पुन:विचार, पुन: निर्माण और पुन: उद्धार' विषय पर आयोजित सम्मेलन में अपना विशेष व्याख्यान दिया है।

संगीता शर्मा धोर ने 16-17 नवंबर 2018 को देश में 'सामाजिक कार्य: चुनौतियां, प्रतिक्रियाएं और आगे का मार्ग' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सामाजिक कार्य विभाग, जामिया मिल्लिया द्वारा एचआईवी पाजिटिव व्यक्तियों के साथ गैर दमनकारी सामाजिक कार्य अभ्यास' शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

तुलिका सनाढ्य, भूगोल विभाग ने 11 से 13 जनवरी, 2019 के दौरान वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियां, मानव स्वास्थ्य और सतत विकास विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिल्ली में "भलस्वा लैंडफिल साइट के पास समुदाय का स्वास्थ्य संबंधी जोखिम और भेद्यता" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

निंगोबम विक्टोरिया चानू ने 26 और 27 अक्तूबर, 2018 के दौरान भारत और दक्षिण कोरिया के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने संबंधी विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'लोक गीतों के माध्यम से समाज की गतिशीलता की समझबूझ: मिन्यो और खुनुंग ऐशी का मामला' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों का ब्यौरा: 61/61%
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 14

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

वाहन चालन और यातायात अनुसंधान संस्थान, ईडीटीआर, वज़ीराबाद रोड, दिल्ली -94 के सहयोग से एनएसएस इकाई द्वारा सड़क सुरक्षा और यातायात जागरूकता विषय पर आधे दिन की कार्यशाला आयोजित की गई.

एनएसएस स्वयंसेवक ने केरल प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री एकत्र करने के बाद 28 अगस्त 2018 को उसे केरल हाउस को सौंप दिया। एनएसएस के लगभग 30 स्वयंसेवकों ने 6 नवंबर 2018 को पूर्वी दिल्ली में पुराने लोहे के पुल पर स्लम में रहने वाले लोगों के साथ दीवाली मनाई। रेड रिबन क्लब ने "रोटरी क्लब" के सहयोग से 20 सितंबर 2018 को एक रक्तदान शिविर चलाया। रेड रिबन क्लब ने सामाजिक अनुसंधान केंद्र के सहयोग से 2 फरवरी 2019 को इंटरनेट सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

हमारा पुस्तकालय इनफ्लिबनेट की ओपीएसी और एन-लिस्ट जैसी विस्तारित सुविधाओं और मंजिलवार साइनेज के साथ लगभग 39,053 पुस्तकों से सुसज्जित है। इस वर्ष महाविद्यालय ने 1889 नई पुस्तकों को खरीदा है। महाविद्यालय ने टीआईसी/पुस्तकालय समिति की सिफारिशों पर 23 दैनिक अखबारों के अलावा लगभग 31 अवधिक पत्रिकाओं (17 अंग्रेजी और 14 हिंदी) के लिए भी अंशदान दिया है। मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों (लगभग 45) को एसएएफ योजना के अंतर्गत किताबें प्रदान की जाती हैं। पुस्तकालय द्वारा हमारे दिव्यांगजन विद्यार्थियों के लिए विशेष कंप्यूटर और ऑनलाइन सुगम्य पुस्तकालय सदस्यता सुविधाओं के साथ पृथक एसी केबिन जैसी विशेष सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं।

संकाय की संख्या

कुल स्वीकृत संकाय: 123

वित्तीय आबंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान	:	373829684 /-रुपए
उपयोगित अनुदान	:	321663771/-रुपए

***

दुर्गाबाई देशमुख विशेष शिक्षा महाविद्यालय (दृष्टि बाधित)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

इस महाविद्यालय की स्थापना दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के अंतर्गत दृष्टि बाधित व्यक्तियों को डिग्री स्तर की विशेष शिक्षा देने के लिए 2006 में की गई थी। इस महाविद्यालय को भारतीय पुनर्वास परिषद् द्वारा मान्यता प्रदान की गई है। महाविद्यालय का संचालन ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन, दिल्ली द्वारा किया जाता है जो एक प्रमुख गैर-सरकारी संगठन है। महाविद्यालय को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के

अंतर्गत एक सर्वोच्च निकाय राष्ट्रीय दृष्टि बाधित दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान से आंशिक वित्तीय सहायता मिलती है। महाविद्यालय में प्रति शैक्षणिक सत्र 28 विद्यार्थियों को लेने की क्षमता है।

सम्मान/गौरव

डॉ. स्वाति सान्याल भारतीय पुनर्वास परिषद् अधिनियम से संबंधित संशोधन समिति की सदस्य थीं और इस समय भारतीय पुनर्वास परिषद् से संबंधित निरीक्षण रिपोर्ट फार्मेट संशोधन समिति की सदस्य हैं।

डॉ. स्वाति सान्याल एसओएसएस वाचस्पति समिति, इग्नू की भी सदस्य थीं।

डॉ. सुदीप कुमार दूबे को टीईकेएनआईए, रोहिणी, नई दिल्ली में 'बधिर और दृष्टि बाधित आईइपी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था और उन्होने ने वहां तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की थी।

प्रकाशन

दूबे, एस. के. (2018) "विजुअल इम्पेयरमेंट: 'ए बुक फार पेरेंट्स एंड केयरगीवर्स' के लिए एक पुस्तक", रेनोवा इंटरनेशनल प्रकाशन, नई दिल्ली।

अनुसंधान परियोजनायें

नरेंद्र कुमार झा ने 2018-19 की अवधि के दौरान एससीईआरटी के अंतर्गत 'दृष्टि बाधित विद्यार्थियों के बीच स्थानिक अवधारणाओं के लिए सामग्री विकास' विषयक परियोजना में योगदान दिया।

आयोजित कार्यशालाएं

महाविद्यालय ने बीआरए में 6 सितंबर 2018 को राष्ट्रीय दृष्टि बाधित एसोसिएशन द्वारा दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए मोबाईल ऐप्प उपयोग विषय पर आयोजित डिजिटल साक्षरता कार्यशाला की मेजबानी की।

यह आरपीडीडी अधिनियम, 2016 की बाबत शिक्षकों के लिए एक दिवसीय सेवा प्रशिक्षण- सह- कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला को राष्ट्रीय सशक्तिकरण संस्थान द्वारा प्रायोजित किया गया तथा इसका आयोजन 9 फरवरी 2019 को आयोजित को हुआ।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

एस के दूबे ने 19 और 20 नवंबर 2018 के दौरान क्षेत्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन केंद्र (एनआईईपीआईडी), कोलकाता के सहयोग से राष्ट्रीय सशक्तिकरण संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'दृष्टि बाधिता के साथ हाल की बौद्धिक विक्लांगता वाले विद्यार्थियों द्वारा ब्रेल लेखन क्षमता का अध्ययन' शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एस.के. दूबे ने 9 फरवरी, 2019 को एनआईईपीवीडी द्वारा प्रायोजित और डी.डी. दृष्टि बाधित राहत एशोसिएशन महाविद्यालय द्वारा संचालित कार्यशाला के दौरान 'आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 के कार्यान्वयन में समस्याएं और चुनौतियां' विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

एस.के. दूबे ने 20 फरवरी, 2019 को उच्चतर शिक्षा निदेशालय, जीएनसीटी दिल्ली के शिक्षकों के लिए सर्वोदय कन्या विद्याल, विकासपुरी में आयोजित कार्यशाला के दौरान 'आरपीडब्ल्यूडी 2016 अधिनियम और उसका कार्यान्वयन' विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

एस. के. दूबे ने 6 मार्च 2019 को एससीईआरटी गुरुग्राम में हरियाणा राज्य के शिक्षकों के लिए आयोजित कार्यशाला के दौरान "दृष्टि बाधितों के लिए पाठ्यचर्या अनुकूलन" विषय पर व्याख्यान दिया।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत: 50%

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

बी.एड विशेष शिक्षा के विद्यार्थियों ने दिल्ली के विभिन्न स्कूलों में "दिव्यांगजनों का समावेश" विषय पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकों की कुल संख्या (प्रिंट + ब्रेल): 4457
विशेष शिक्षा के साथ-साथ शिक्षा पर प्रिंट पत्रिकाएँ: 20
2018-2019 के दौरान कुल पुस्तकों की संख्या: 75

संकाय की संख्या

कुल स्थायी: 4

***

दयाल सिंह महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

एमएचआरडी द्वारा राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) को महाविद्यालयों की श्रेणी (वर्ष 2019 में) में समग्र रैंकिंग में दयाल सिंह महाविद्यालय द्वारा 20 वें स्थान पर रखा गया है. पेड़ों और मातृ पृथ्वी की रक्षा के लिए नींव के निर्माण में अथक प्रयासों और बहुमूल्य भूमिका के लिए ग्रीन ग्लोबबेयर द्वारा 'प्रशंसा का प्रमाण पत्र' से सम्मानित किया गया. 'आध्यात्मिक और मूल्य शिक्षा पुरस्कार' भारतीय विश्वविद्यालयों (सीआईयू) के परिसंघ द्वारा प्रदान किया गया था. महाविद्यालय के आईक्यूएसी ने पर्यावरण स्थिरता और उच्च शिक्षा पर एफडीपी का आयोजन किया. 5 जून 2019 को विश्व पर्यावरण दिवस एक विशेष वृक्षारोपण अभियान के रूप में मनाया गया. संकाय और विद्यार्थियों के लिए कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया गया था. भविष्य के कैरियर की संभावनाओं पर एक सत्र प्रोफेसर उज्जवल के. चौधरी द्वारा दिया गया था. स्वच्छ भारत समर इंटर्नशिप (एसबीएसआई) कार्यक्रम के लिए पंजीकृत छात्र, स्वच्छता संबंधी कार्यों के लिए अपने कौशल और अभिविन्यास को विकसित करने के लिए, स्वच्छ भारत मिशन के स्वच्छता और सीमेंट लोगों के आंदोलन (जन एंडोलन) पहलू पर जन जागरूकता बढ़ाते हैं.

सम्मान / गौरव

सुश्री सदफ इकरा खान को ed योगा कॉन्फेडरेशन इंडिया 'द्वारा आयोजित 11 वें राष्ट्रीय महिला उत्कृष्टता पुरस्कार, इंडो-यूरोपियन चैंबर ऑफ स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज' के सहयोग से मिला.

डॉ. पी.वी. आर्य को सीएसटीटी, एचआरडी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति के लिए तीसरे स्थान से सम्मानित किया गया और दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी महाविद्यालय में आयोजित किया गया.

डॉ. श्वेता रानी को क्लाइमेट चेंज कॉन्क्लेव 'पर राष्ट्रीय सेमिनार में जूरी' के रूप में आमंत्रित किया गया था.

भेद वाले छात्र

दीपान्विता बोस ऑफ बी.एससी. (ऑनर्स) गणित ने परिपूर्ण 10.5 अंक प्राप्त किए.

के छात्र बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल सेमेस्टर IV को दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह महाविद्यालय द्वारा आयोजित "भूगोल के युवा सम्मेलन" में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतकर्ता के रूप में सम्मानित किया गया.

प्रकाशन

आर्य, पी.वी., सिंह, एच.एस. (2018). एस्केरिडिया गली (अम्क, 1788) फ्रीबोर्न में अमीनो एसिड अध्ययन. जे. कंट. रेस. और कम्युनि. (१) 2: ४१-४३.

सीआसेपाग्लिया, जी., डिंड्रिया, ए. गौर, एन., हरदा, डी., ओकाडा, वाई., पेंजिजी, एल. (2018). वेक्टर जैसी क्वार्क की LHC क्षमता दोगुनी हो जाती है. सैद्धांतिक भौतिकी, 055: 1-27.

जैन, पी. पी. सिंह, ए. पी., सिंह, एम., स्टेपानोव, वी. डी. (2018). भव्य लेबेस्ग रिक्त स्थान के लिए सॉयर का द्वैत सिद्धांत. मैथिसिचे नचरिचें. 292 (4): 841-849.

कुमार, ए., राम, आई.एस., कुमार, एस., राम, जे., उपाध्याय, ए. एन., सिंह, के. (2018). ग्लास बनाने की क्षमता और Se100 Ge x (Ge2Sb2Te5) x ग्लासी मिश्र की थर्मल स्थिरता. थर्मल विश्लेषण और कैलोरीमेट्री जर्नल. 134 (2): 923-931.

मानव, एन., द्विवेदी, वी., भगी, ए.के. (2018). डीडीटी की गिरावट, मिश्रित धातु आक्साइड नैनोकणों द्वारा एक कीटनाशक. में: परमार वी., मल्होत्रा पी., माथुर डी. (सं.) ग्रीन केमिस्ट्री इन एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी एंड केमिकल एजुकेशन. स्प्रिंगर, सिंगापुर.

नैन, ए.के., ड्रोलिया, पी., गुप्ता, जे. (2018). विभिन्न तापमानों पर 1-एल्कोनोल्स के साथ मिथाइल एक्रिलाट के द्विआधारी मिश्रण के लिए चिपचिपापन और चिपचिपाहट के थर्मोडायनेमिक्स में विचलन. इंडियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री -सेंशन ए (IJC-A); 57: 761-769.

पांडे, पी.के. (2018). सामान्य आठवीं क्रम सीमा मूल्य समस्याओं के समाधान के लिए एक संख्यात्मक तकनीक: एक परिमित अंतर विधि. यूराल गणित जर्नल. 4 (1): 56-62.

पांडे, पी.के. (2018). साधारण अंतर समीकरणों में द्वितीय आदेश प्रारंभिक मूल्य समस्याओं के समाधान के लिए एक नया कम्प्यूटेशनल एल्गोरिदम. एप्लाइड मैथमेटिक्स एंड नॉनलीनियर साइंसेज, 3 (1): 167-174.

पांडे, पी.के. (2018). साधारण अंतर समीकरणों में तीसरे क्रम सीमा समस्या के समाधान के लिए एक कुशल संख्यात्मक विधि, इंट. जे. कम्प्यूटिंग विज्ञान और गणित, 9 (2): 171-180.

सरोहा, एम., मीना, के., खुराना, जे.एम. (2018). PPh3 4 Subst फ्यूमरेट के 3 व्युत्पन्न स्टीरियो चयनात्मक संश्लेषण 3 एड एसिलकूमारिन्स प्रतिस्थापित: अल्काइन डेरिवेटिव्स के साथ 3 yl असिल कूमारिन का कैस्केड रिएक्शन. रसायन विज्ञान चयन, 3 (21): 5905-5909.

पत्रिकाओं

संपादकीय बोर्ड के संपादक (सदस्य) / सदस्य (एस) के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या - 12 से अधिक

अनुसंधान परियोजनायें

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. अरुण पाल सिंह, गणित विभाग. राशि रुपए 41 लाख.

इंडो-फ्रेंच सहयोगी परियोजना डॉ. नवीन गौड़, भौतिकी विभाग. राशि रुपए 1,02,000 यूरो.

इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च प्रोजेक्ट की डॉ. रविंदर सिंह, पंजाबी विभाग. राशि रुपए 40 लाख.
जैव प्रौद्योगिकी पायलट विभाग के डॉ. अरुणा छिकारा, रसायन विज्ञान विभाग. राशि रुपए 25 लाख.

सेमिनार का आयोजन किया

“सावन कवि दरबार” शीर्षक से संगोष्ठी जिसमें डॉ. के दौरान भारत के विभिन्न हिस्सों से बारह कवियों ने भाग लिया. वंजारा बेदी मेमोरियल लेक्चर.

संगोष्ठी का शीर्षक "पर्यावरणीय स्थिरता के लिए जैव विविधता" है. फैयाज अहमद खुद्दार, वैज्ञानिक, यमुना जैव विविधता पार्क, नई दिल्ली.

थीम पर वार्षिक सेमिनार, "विभाजन साहित्य" उर्वशी बुटालिया द्वारा दिया गया था.

संगोष्ठी, "संस्कृत साहित्य में समसामयिकी" डॉ. रंजन त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय.

एडोब सिस्टम से श्री अक्षत अग्रवाल द्वारा दिया गया टेक व्याख्यान परामर्श.

सम्मेलनों का आयोजन किया

वाणिज्य विभाग ने एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया, जिसका शीर्षक था, "व्यापार, प्रबंधन और उद्यमिता में परिवर्तन: भारत में वित्तीय और कार्यस्थल मेटोपॉर्फोसिस". प्रोफेसर आर.के. सिंह, दिल्ली के वाणिज्य विभाग के प्रमुख विभाग ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए.

वनस्पति विज्ञान विभाग ने पूरे संकाय सदस्यों के लिए, "प्लांट सिस्टमैटिक्स और फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स में हाल के रुझान" नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया.

महाविद्यालय के आईक्यूएसी ने संकाय शिक्षण के लिए, "पर्यावरणीय स्थिरता और उच्च शिक्षा" नामक एक संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया.

महाविद्यालय के आईक्यूएसी ने विद्यार्थियों और शिक्षण संकाय के लिए "कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री" नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया.

वाणिज्य विभाग ने एक संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका शीर्षक है, "शोध पत्र लेखन", "एमएस-एक्सेल उपयोग" और "टीम बिल्डिंग और पारस्परिक संबंध".

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियां

सीमा बोस ने 24 वीं विश्व कांग्रेस ऑफ फिलॉसफी, बीजिंग, चीन में "मानवतावाद पुनरीक्षित" नामक एक पत्र प्रस्तुत किया और एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान, "काउंसिल ऑफ रिसर्च इन हिंदू बिहेवियर डैफर्न" नामक एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान, वाशिंगटन डीसी, यूएसए में आयोजित किया.

राजेश कुमार अभय ने एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक है, ओडिशा, भारत के उत्तरी हाइलैंड्स में किसानों द्वारा अपनाई गई भूमि प्रबंधन प्रथाओं की स्थिति का मूल्यांकन करना, भूगोल, रूसी अकादमी के भूगोल संस्थान द्वारा आयोजित इंटरनेशनल ज्योग्राफिक यूनियन थैमैटिक कॉन्फ्रेंस ऑन प्रैक्टिकल जियोग्राफी और XXI सेंटॉरी चैलेंजेस. विज्ञान मॉस्को और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में "जल प्रबंधन के पारंपरिक तरीके और भारत की भावी स्थिरता के लिए उनका महत्व" पर.

रतनदीप कौर ने पंजाबी साहित्याचार संगठन द्वारा आयोजित महिला दिवस विशेष कार्यक्रम के दौरान एक स्व लिखित कहानी प्रस्तुत की.

नीतू भट्टाचार्य ने दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एक आमंत्रित बात की.

नियोजन ब्योरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या यू और प्रतिशत: 148 (संख्या) 8.37 (कुल उत्तीर्ण विद्यार्थियों का%)

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या : 10

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

आसपास के क्षेत्रों में 5 से अधिक शिविरों का आयोजन किया गया है, जिसमें 400 से अधिक लोगों को शामिल किया गया है. इन शिविरों में लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया और उन्हें प्रति शिविर लगभग 5 घंटे समर्पित करके उन्हें सफल बनाया.

पुस्तकालय विकास

पिछले वर्ष के दौरान 1184 पुस्तकें जोड़ी गईं और कुल संग्रह का लगभग एक लाख है. महाविद्यालय पुस्तकालय 59 जर्नल / पत्रिकाओं और 19 समाचार पत्रों की सदस्यता लेती है और ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए एनएलएसआईटी कार्यक्रम का एक सदस्य है. यह दृष्टिबाधित छात्र / संकाय सदस्यों को आईटी आधारित सेवाएं भी प्रदान करता है.

संकाय की संख्या

कुल स्थायी संकाय - 153

कुल तदर्थ - 102

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान को रुपए 52,61,54,000 / -

उपयोगित अनुदान रुपए 64,52,97,056/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

राष्ट्रीय कौशल संसाधन विकास पुरस्कार राष्ट्रीय सामुदायिक महाविद्यालय फॉर स्किल डेवलपमेंट (एनसीसीएसडी), रोजगार सृजन करने वाली महिला एजेंसी (मजदूरी), भारतीय विश्वविद्यालयों का परिसंघ (सीआईयू) और उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय स्वच्छता शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (एनईआरईआर) द्वारा प्रदान किया गया था.

आध्यात्मिक और मूल्य शिक्षा पुरस्कार भारतीय विश्वविद्यालयों (सीआईयू) के परिसंघ द्वारा प्रदान किया गया था. विश्व शांति के लिए अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन शिक्षकों ने "सर्वश्रेष्ठ प्रबंधित ग्रीन कैम्पस अवार्ड" से सम्मानित किया. 1663 किलोग्राम अपशिष्ट कागज के निपटान के लिए "रीसाइक्लिंग का प्रमाण पत्र" प्राप्त किया. श्री सुनील कुमार और डॉ. नवीन गौड़ यूनिवर्सिटी एकेडमिक काउंसिल के लिए चुने गए.

***

दयाल सिंह महाविद्यालय (सायं)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

नए शैक्षणिक ब्लॉक की चार मंजिलों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए जो इस वर्ष की मुख्य उपलब्धि थी। निन्यान्वे से अधिक संकाय सदस्यों ने पुस्तकों और लेखों के रूप में अपनी उपलब्धियां दर्ज कराईं। कला और संस्कृति एसोसिएशन (एफआईएनए), महाविद्यालय नियोजन प्रकोष्ठ, वाणिज्य विभाग से संबंधित सीओएमएचयूबी, अंग्रेजी विभाग की साहित्य और ध्यान सोसाइटी, इवीएस विभाग की पर्यावरण सोसाइटी, राजनीति विज्ञान विभाग की राजनीति विज्ञान परिषद्, पंजाबी विभाग की विरसा, एनएसएस इकाई, धारा मित्र और छात्र संघ ने अथक मेहनत करके परो एक्टिव ज्ञानार्जन माहोल सृजित किया ताकि छात्र विकास पथ की ओर अग्रसर हो सकें।

प्रकाशन

बरुआ, एम. (2018)- लोकगीत- पुराण कथाओं की साहित्यिक मीमांसा अथवा यथार्थ संघर्ष: असमी लोक साहित्य का अध्ययन, साहित्यिक मीमांसा और विवादस्पद अध्ययन, रामायण प्रिंटर, आईएसबीएन 978-93-5281-230-1

प्रकाश, सी. (2018)- भारत में पर्यावरण संरक्षण और विनियमन: केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भूमिका। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, सेज प्रकाशन, https://doi.org/10.1177/0019556118785427।

गुप्ता, पी. (2019)- भारत में ई-खुदरा कंपनियों द्वारा प्रयुक्त अभ्यास और हरित एचआरएम कार्यनीतियों का अध्ययन। अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान पत्रिका, 10 (2), 15-29।

मल्होत्रा, एस., मिश्रा, आर., कर्माकर, एस. रावत, डी., शर्मा, एस., सिंह, एस., कुमार, पी., रेपिंग, एस. मिश्रा, वी. (2018) प्लांट माइक्रोब एसोसिएशंस बनाने वाले पर्यावरणीय कारक: अवनतिकृत जमीनों में पादप स्वास्थ्य और वनस्पति बहालीकरण में उनकी भूमिका। अंसारी एम. डब्ल्यू., कुमार एस.,कौला बी.सी. एंड वट्टल आर.के. (एड्स), परिवर्तनशील पर्यावरण में फसल उत्पादकता में सुधार लाने से संबंधित समस्याएं और कार्यनीतियां (पीपी। 1-16)। नई दिल्ली: समृद्ध प्रकाशन प्रा. लिमिटेड।

पुरी. एस. (2019) सेम स्टोरीज: वैकल्पिक निष्कर्ष: नवीन लेखन जगत में कनाडियन फेमीनिस्ट फैंटास्टिकल केस अध्ययन: लोक संस्कृति और सिनेमा, प्रेस्टीज बुक्स इंटरनेशनल, पीपी.38-60

शर्मा, पी.के. (2018)- "चीन-अमेरिका के बीच व्यापारिक युद्ध: विश्व शांति और समृद्धि संभाव्य खतरा: भारत को चीन-अमेरिकी व्यापारिक युद्ध के बारे में क्यों चिंता करनी चाहिए? वैश्वीकरण को एक नया खतरा", विस्टा इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली: आईएसबीएन: 978-93-83905-19-5

सिंह, ए. (2018) जादूगरनियों के रूप में चिन्हित महिलाएं- केस अध्ययन का विश्लेषण, उद्धत-गैर उद्धत। अंतर्राष्ट्रीय भाषा पत्रिका, मानव शास्त्र, बाहरी प्रकाशन।

सिंह, एस. के. (2018)- संधारणीय दायित्वपूर्ण निवेश- पोर्टफोलियो प्रबंधन में उभरती हुई प्रवृत्तियां। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस एंड इनोवेटिव रिसर्च, 5 (4) (xviii)।

त्यागी. ए. (2019) नारद भक्ति सूत्र के जरिए भक्ति का पुन: प्रशस्तिकरण। डी. के. प्रिंट वर्ल्ड, नई दिल्ली।

पत्रिकाएं

संपादक/संपादक बोर्ड के सदस्यों के रूप में सेवारत महाविद्यालय **के अध्यापक: 03**

अनुसंधान परियोजनाएं

“वायु प्रदूषण से संबंधित नीति और राजनीति” के शीर्षक से भारतीय विज्ञान अनुसंधान परियोजना (2017-19) का लेख। प्रमुख अन्वेषक: डॉ. प्रकाश चंद, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग। 8 लाख रुपये।

अनुसंधान परियोजनाएं

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी श्री सोहेल ने 21 अगस्त 2018 को जीएस मेंटर्स के सहयोग से "सिविल सेवा की तैयारी कैसे करें” विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

श्री निखिल चैनानी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, 26 सितंबर 2018 को "पर्सपेक्टिको: प्लेसमेंट कैप्सूल" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में अपना व्याख्यान दिया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी और स्किल सर्कल के संस्थापक श्री शिवम आहूजा ने 11 अक्तूबर 2018 को "डिजिटल मार्केटिंग" पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

आईएमआई में एसोसिएट प्रोफेसर मनीत मिश्रा ने 14 जनवरी, 2019 को "उद्योग 4.0: अवसर और चुनौतियां" विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

केसी क्षेत्र - दक्षिण दिल्ली के व्यापार प्रमुख ने 25 जनवरी 2019 को "राइट एग्जाम-कैट बनाम जीमैट बनाम जीआरई और डिकोडिंग कैट के बीच का चयन" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में अपना व्याख्यान दिया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

अमित कुमार ने 30 नवंबर से 2 दिसंबर 2018 के दौरान आईआईटी, रुड़की द्वारा आयोजित पहले अखिल आईआईटी अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन के दौरान, "निर्धारित मंडी में खाद्यान्न की विशेष और अनुपूरक जिंस के लिए उपभोक्ता केंद्रित विषय के विभेद" शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अंजलि कायस्थ ने पाठी कला साहित्य अकादमी, दिल्ली: पुणे महाविद्यालय, हिंदी विभाग और हिंदी साहित्य अकादमी, गांधीनगर, गुजरात में "गांधी और मानस के राम का दृष्टिकोण" " शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

लेहरी राम मीणा ने संस्कृत विभाग और संगीत नाटक अकादमी, प्रतिकल्प सांस्कृतिक संस्था, उज्जैन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लोक एवं जनजातीय साहित्य और संस्कृति" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मृदु स्मिता बरुआ ने 23 और 24 फरवरी 2019 के दौरान एनडीएमसी, नई दिल्ली में “भारतीय महिला भूत, वर्तमान और भविष्य” विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्वोत्तर भारत में आजादी के बाद महिलाओं की भूमिका” शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नसीम अख्तर ने 14 से 19 मार्च 2019 के दौरान एमिटी महाविद्यालय ऑफ़ कॉमर्स एंड फ़ाइनेंस, एयूयूपी, नोएडा द्वारा “ आधुनिक व्यापार जगत, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पुनर्विचार से संबंधित नवाचार की भूमिका” विषय पर आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “मुद्रा का विशेष विश्लेषण” शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रिया शर्मा ने 30 जून 2019 को जेएनयू दिल्ली में जेएनयू और इंद्रप्रस्थ केंद्र द्वारा “नानकवाणी में धर्म और आचरण का सामाजिक स्वरूप” शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

पृथ्वीराज थापर ने 16 मार्च, 2019 को गांधी नेशनल महाविद्यालय, अंबाला, हरियाणा में आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान "पंजाबी कविता: वर्तमान और भविष्य" शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सुमिता पुरी ने 17 से 19 फरवरी 2018 के दौरान सोफिया गर्ल्स कॉलेज द्वारा "समाज, बहुसंस्कृतिवाद और पहचान की खोज" विषय पर आयोजित सम्मेलन में "डेरेक वॉलकॉट्स की कविताओं में डास्टकालोनियल डायस्पोरिक सिज़ोफ्रेनिया के आयाम" शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

विमल नारायण पांडे ने 29 और 30 मार्च 2019 को आईसीडब्ल्यूए, नई दिल्ली में "भारतीय विदेश नीति: प्रधानमंत्री मोदी के अधीन निरंतरता और परिवर्तन" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "हिंद महासागर में भौगोलिक रणनीति: 21वीं शताब्दी के लिए भारत की रणनीति" शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों का प्रतिशत : प्रतिभागियों में से 65%
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या i: 12

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप:

महाविद्यालय 2017-18 शैक्षणिक वर्ष स्कूल केंद्र चलाने के साथ-साथ बी.कॉम (ऑनर्स) के विद्यार्थियों के लिए कक्षाएं भी चला रहा है।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में कुल 28 आवधिक पत्रिकाएँ और जर्नल उपलब्ध हैं। स्टाफ के लिए भी 14 दैनिक समाचार पत्र आते हैं। 2018-19 के सत्र के दौरान पुस्तकालय के संग्रह में कुल 1407 पुस्तकों की वृद्धि हुई। पुस्तकालय का स्टाफ नियमित रूप से अपने तकनीकी कौशल में वृद्धि कर रहा है ताकि वे पुस्तकालय को नए डिजिटल युग में दाखिल कर सकें। पुस्तकालय अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय एवं सूचना सेवा (एनलिस्ट वेबसाइट) भी उपलब्ध करा रहा है।

संकाय की संख्या

कुल संकाय की संख्या : 92

वित्तीय आबंटन और उसका उपयोग

संस्वीकृत अनुदान: 2075.45 लाख रूपए
उपयोगित अनुदान: 1872.57 लाख रूपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

दयाल सिंह महाविद्यालय (सायं) दिल्ली विश्वविद्यालय से संबंधित कार्यकारी परिषद् की संकल्प संख्या 8.8 के अनुसार पूर्ण विकसित महाविद्यालय के रूप में काम कर रहा है। महाविद्यालय हिंदी के अलावा चार अलग-अलग भारतीय भाषाओं यानी पंजाबी, संस्कृत, तमिल और उर्दू में शिक्षा प्रदान करता है। महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई ने 16 अप्रैल 2019 को जलयानवाला बाग नरसंहार की 100वीं वर्षगांठ को शहीद भगत सिंह के पोते यदविंदर सिंह संधू के एक विशेष व्याख्यान के साथ मनाया। महाविद्यालय की कॉमर्स सोसाइटी सीओएमएचयूबी ने आठ शैक्षिक, कैरियर मार्गदर्शन और प्रशिक्षण संगोष्ठीयां आयोजित कीं। इस अवसर पर छह इंटर कॉलेजों ने प्रतियोगी कार्यक्रमों के साथ-साथ एक वार्षिक वाणिज्य उत्सव 'कॉम्फिएस्टा' का भी आयोजन

किया। अंग्रेजी विभाग की वार्षिक साहित्यिक इकाई लिट्रोस्पेक्ट ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करके साहित्यकारों और लॉगोफाइल्स की मेजबानी की। पर्यावरण विज्ञान विभाग की ईवीएस सोसाइटी ने एक व्याख्यान और वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया जिसमें मैग्सेसे अवार्ड 'के प्राप्तकर्ता चंडी प्रसाद भट्ट ने विद्यार्थियों के साथ चिपको आंदोलन के अनुभवों को साझा किया।

***

गार्गी महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

राष्ट्रीय संस्थागत श्रेणीकरण कार्य व्यवस्था (एनआईआरएफ) ने गार्गी महाविद्यालय को 12वें स्थान पर (महाविद्यालय श्रेणी के अंतर्गत) रखा। पांच संकाय सदस्यों यथा हिंदी विभाग की डॉ. कृष्णा मीणा, अंग्रेजी विभाग की डॉ. मुदिता मोहिले, गणित विभाग की डॉ. भारती शर्मा, रसायन विज्ञान विभाग की डॉ. सलमा खान और वाणिज्य विभाग की डॉ. रोमिता पोपली को इस शैक्षणिक वर्ष में पीएच॰डी की उपाधि प्रदान की गई।

सम्मान/गौरव

डॉ. अपराजिता मोहंती को एनसीटी के उच्चतर शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार द्वारा स्थापित श्रेष्ठ निष्पादन शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. अंजना नीरा देव को नागरिक अधिकार न्यास द्वारा 7 मार्च 2019 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर "वीमेन टू लीड द नेशन" विषय पर आयोजित एक समारोह में सम्मानित किया गया।

डॉ. ममतेश सिंह को राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी (एनईएसए), दिल्ली द्वारा एनईएसए यंग साइंटिस्ट अवार्ड -2018 प्रदान किया गया।

डॉ. वंदना लूथरा को “टीआरओपी आईसीएसयू वेबसाइट पर प्रकाशित "पर्माफरोस्ट और जलवायु परिवर्तन" पाठय योजना के लिए अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद् (आईएससी) द्वारा सहायता प्राप्त जलवायु परिवर्तन अध्ययन और उसकी समझ (टीआरओपी आईसीएसयू) परियोजना को बेहतर बनाने के लिए ट्रांस-डिसिप्लिनरी रिसर्च ओरिएंटेड पेडागोजी द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

डॉ. अंजना रुस्तगी को '7 और 8 दिसंबर 2018 को वनस्पति विज्ञान विभाग, केंद्रीय जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर के (आरडीपीएसबी-2018) द्वारा प्लांट स्ट्रेस शरीर विज्ञान में हालिया विकास: मानव कल्याण के लिए प्रयोगशाला अनुसंधान का उपयोग विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. नेहा शर्मा को श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय में 8 और 9 अगस्त 2018 को आयोजित "ग्रीनिंग अ अंडरग्रेजुएट केमिस्ट्री लैब" नामक संगोष्ठीयों में शोध प्रस्तुत करने पर प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. तृप्ति कुमारी को 26 फरवरी 2019 को सैंट स्टीफन महाविद्यालय में आयोजित क्रिस्टल ग्रोइंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

विशेष स्थान प्राप्त करने वाले छात्र (अधिकतम 5)

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दस विद्यार्थियों को विज्ञान मेधावी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सुश्री अनुश्री मुरली, बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, द्वितीय वर्ष को सिंगापुर में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में श्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

भाटिया, एस. (2018)। मनोवैज्ञानिक परिणामों पर कैंसर परिचारकों की प्रतिरोधक रणनीतियों का प्रभाव: एक एकीकृत समीक्षा। मनोवैज्ञानिक अनुसंधान और व्यवहार प्रबंधन, 11, 207-215।

चौहान, एच. (2018)। उच्च प्रदर्शन और लंबी साइकिलिंग के साथ तेज़ आयन स्विचिंग एनआईसीओ2O4 नैनोपार्टिकल इलेक्ट्रोड-आधारित सुपरकैपेसिटर डिवाइस। एसीएस एप्लाइड एनर्जी मटेरियल, 10 (38), 32404-32412।

चटर्जी, डी., मुनीर, एम., प्रणीत, एम., कौर, पी., सिंह, पी., कालरा, के., यशपाल, एम. (2018)। पुनिका ग्रेनटम के फलों के अर्क और उनके रोगाणुरोधी गुणों द्वारा सोने के नैनोकणों का जैव संश्लेषण। पर्यावरणीय स्थिरता के लिए हरित प्रौद्योगिकी, 18 / पीपी / 09, 56 पीपी।

कुमार, पी., शर्मा, बी. (2018)। बहुउद्देश्यीय नियंत्रण समस्या एप्लाइड एनालिसिस जर्नल, 24 (2), 223231।

कुमार, पी., शर्मा, बी. (2019)। उच्च क्रम की दक्षता के माध्यम से परिवर्तनशील समस्या के लिए दूसरा क्रम द्वैत। प्रचालनात्मक अनुसंधान में गणित की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 14 (1)।

मणि, आई., वासदेव, के. (2018)। बायोसेंसर प्रौद्योगिकी में मौजूदा विकास और संभावित अनुप्रयोग। बायोसेंसर और बायोइलेक्ट्रोनिक पत्रिका 9, (2): 1-3।

पांडे, पी., चुघ, एस., राव, यू (2018)। बंबुसा बम्बोस प्रजाति के इन विट्रो ऑर्गेनोजेनेसिस के दौरान बीज प्रकंद। जाइगेन्टिया बैंनेट और गौर। फाइटोमॉर्फोलॉजी, 68 (1 और 2): 1-6।

सैनी, जी, काजल, ज्ञानेश्वरी, डी (2019)। नैनो सिल्वर कोटेड कॉटन फैब्रिक और उसके जीवाणुनाशक मूल्यांकन की तैयारी। जर्नल आफ मैटीरियल्स नैनोसाइंस, 6 (1), 7-11।

सिंह, ए, पांडे, ए, लूथरा, वी (2018)। किरण विकिरणित नैनोक्रिस्टलाइन जेडएन0.99एम0.01O (एम = एआई/जीडी) के संरचनात्मक, विद्युत और थर्मस-ल्यूमिनिसेंस गुणों को संशोधित करना। विकिरण भौतिकी और रसायन विज्ञान, 152, 69-74। डीओआई.ओआरजी/10.1016/j.radphyschem.2018.06.050

ठुकराल, एस, अरोड़ा, ए, भंडारी, वी (2018)। जब अर्थव्यवस्था गिरती है, बिटकाइन फलती फूलती है: बिटकॉइन के लाभ पर वृद्धि आर्थिक कारक के प्रभाव के साक्ष्य। व्यापार विश्लेषक, 39 (1), 3-25।

पत्रिकाएं

संपादकीय बोर्ड के संपादक (सदस्य) / सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: तीन

आयोजित संगोष्ठी (अधिकतम 5)

वाणिज्य विभाग ने 23 अक्तूबर 2018 को "अनैतिक आचरण: भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव" शीर्षक से एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

अर्थशास्त्र विभाग ने 14 सितंबर 2018 को "रुपये की अस्थिरता" विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

जन्तु विज्ञान ने 14 से 16 मार्च 2019 के दौरान वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग (सीएसटीटी), एमएचआरडी, भारत सरकार के सहयोग से भारत के "सतत पर्यावरण विकास, इसकी चुनौतियां, कम्प्यूटेशनल विश्लेषण और अवसरों में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली का उपयोग" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

महाविद्यालय की आईक्यूएसी द्वारा 26 दिसंबर 2018 को प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए "सार्वजनिक जीवन में नैतिकता" और "दिल्ली विश्वविद्यालय में गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सेवा शर्तें" शीर्षक से संगोष्ठीयां आयोजित कीं।

मार्केटिंग सोसाइटी ने 21 जनवरी 2019 को "विपणन सेवाएं: द इनसकैपेबल अटल आवश्यकता एसेंशियल" शीर्षक से एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

सम्मेलनों/कार्यशालाओं का आयोजन किया

29 और 30 मार्च 2019 को "तृतीयक शिक्षा में उभरते रुझान: चुनौतियों और संभावनाओं का आकलन" शीर्षक से बहुसांस्कृतिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

19 जनवरी 2019 को स्टार महाविद्यालय स्कीम के तत्वावधान में और इको क्लब के सहयोग से, "खाद्य पदार्थों में मिलावट और हर्बल सौंदर्य प्रसाधनों में मिलावट" विषय पर एक व्याख्यान सह प्रदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 17 और 18 जुलाई, 2018 के दौरान "दिन प्रतिदिन के जीवन में रसायन विज्ञान" विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

जुलाई 2018 के दौरान भौतिकी विभाग द्वारा एक ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में एक्स-रे विवर्तन, नैनो प्रौद्योगिकी, ऑड्यूइनो और इंटरफेसिंग डिवाइस जैसे विषयों पर अनुसंधान के अंतःविषय के आयामों पर प्रकाश डाला गया।

21 और 22 फरवरी, 2019 के दौरान 18वीं सदी 21 वीं सदी में ज्ञानपीठ, महाकाव्यों, शिक्षाशास्त्र और ज्ञान के पहलुओं पर जेएनयू के जाकिर हुसैन शैक्षणिक अध्ययन केंद्र (जेडएचसीईएस) के सहयोग से "अठारहवीं-शताब्दी अध्ययन के लिए भारतीय अंतर्राष्ट्रीय सोसाइटी (आईआईएसईसीएस)" विषय पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

अनीता राजेन्द्रन ने 10 से 15 सितंबर 2018 के दौरान जॉर्ज-ऑगस्ट-यूनिवर्सिटी गोटिंगेन, जर्मनी में आयोजित 10वें यूरोपीय फेमिनिस्ट अनुसंधान सम्मेलन में भारत में समकालीन ग्राफिक नाविल "माइथोलॉजीज़: रिवाइज़िज्म एंड ए इंट्रसेक्टेशनल फेमिनिस्ट एस्थेटिक्स" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। ।

रुचिका शर्मा ने 11 से 13 अप्रैल, 2018 के दौरान हम्बोल्ट विश्वविद्यालय, बर्लिन, जर्मनी में आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एंगरिंग ऑर्गनरांग, प्रूविंग लव: सखी, दुती, और गो-बीच-रीति कविता' शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कविता वासदेव ने 14 जून 2018 को आयोजित आईआरईडी पेरिस, फ्रांस द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में "वाइट-रोट फंगी और औद्योगिक अपशिष्ट उपचार प्रणालियों के विकास में उनके एंजाइम" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अंजलि सिवाल ने 4 से 5 फरवरी 2019 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 'सतत विकास और विश्व अर्थव्यवस्था' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कार्यस्थल में नैतिकता और विविधता" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस सम्मेलन का आयोजन जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा किया गया था।

हीरा जोशी ने 13 और 14 दिसंबर, 2018 को कोलंबो, श्रीलंका में नैनोसाइंस एंड नैनो टेक्नोलॉजी विषय पर आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

इंद्रा मणि ने 6 से 9 सितंबर 2018 को शिकागो, इलिनोइस, यूएसए में हाई ब्लड प्रेशर रिसर्च (एचबीपीआर) मीटिंग के दौरान, "एन11 जीन-नॉकआउट चूहे की किडनी में टी रेगुलेटरी सेल्स, फॉक्सवेय, और टोल-लाइक रिसेप्टर्स की अभिव्यक्ति पर रैपामाइसिन का प्रभाव" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। ।

अपर्णा जोशी ने महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, वडोदरा द्वारा आयोजित 14 से 16 दिसंबर 2018 के दौरान "आधुनिकता, परिवर्तनशील सामाजिक पहचान और तुलनात्मक संदर्भ" विषय पर आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "8वीं कक्षा की एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तकों में किसानों और कृषि क्षेत्र के मूल्य एवं प्रतिनिधित्व" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

गीता सैनी ने 4 और 5 अक्तूबर, 2018 को इग्नू, नई दिल्ली में "पर्यावरण और पारिस्थितिक स्थिरता: अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों द्वारा नियोजन" विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " नैनो सिल्वर कोटेड एंटी-माइक्रोबियल सूती कपड़े "शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

ज्योतिका बहल ने जून 2018 में भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से पर्यावरण और सामाजिक विकास एसोसिएशन, दिल्ली द्वारा "नए भारत के लिए पर्यावरणीय चुनौतियां" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

"समेकित रसायन, विज्ञान, शरीर विज्ञान और ट्रांसलेशनल औषधि" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एम. दिव्या ज्ञानेश्वरी ने 25 और 26 फरवरी 2019 को "कीड़े से इनडयूसिबल हयूमोरल प्रोटीन पर एक नजर: बैक्टीरियल एंटीबायोटिक्स दवाओं का बेहतर विकल्प" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

कुल नियोजित विद्यार्थियों की संख्या: 77
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 61

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप:

राष्ट्रीय सेवा सोसाइटी (एनएसएस) ने 2018 में 700 से अधिक सक्रिय स्वयंसेवकों के सामूहिक प्रयास से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। दो विशेष स्कूलों यथा 'तमन्ना' और 'मुस्कान' ने दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ 'हैप्पीनेस डे' मनाया गया। एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा पूरे वर्ष कई स्वच्छता अभियान चलाए गए।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस का अवसर 'दान उत्सव' के एक भाग के रूप में समाचार पत्र संग्रह और वस्त्र संग्रह अभियान, गैर सरकारी संगठनों दिव्यांग परिवार और गूंज आदि की मदद करने के लिए नियमित रूप से कार्यक्रम आयोजित किए गए। एनएसएस स्वयंसेवकों ने नेत्रहीन विद्यालयों, चेशायर होम, उड़ान, चेतना, यूथ फ़ॉर सर्विस, आधारशिला, जमघट, कैनसपोर्ट और कई अन्य मामलों में सेवाएं प्रदान कीं। विद्यार्थियों के समग्र जीवन कौशल को विकसित करने के लिए नकारात्मकता और तनाव के प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व, रिश्तों की कुंजी, इच्छाओं की हदबंदी आदि जैसे विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित की गईं। चुनावों में भाग लेने संबंधी प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए एनएसएस ने 'मतदाता दिवस' के अवसर पर 25 जनवरी, 2019 को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

विचाराधीन वर्ष के दौरान डब्ल्यूईबीओपीएसी और यूजीसी इनफ्लिबनेट की सुविधा और डीयू पुस्तकालय कैटलॉग तक अभिगम्यता जारी रही। वर्ष के दौरान गार्गी पुस्तकालय की वेबसाइट

http://www.gargicolglibrary.webs.com और ई-संसाधनों के ऑनलाइन उपयोग में वृद्धि हुई है। 31 मार्च, 2019 तक 513 पुस्तकें खरीदी गईं, जिसके फलस्वरूप पुस्तकालय में कुल मिलाकर 75045 पुस्तकें हो गई हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में 389 सीडी हैं और 42 आवधिक (5 अंतर्राष्ट्रीय, 11 राष्ट्रीय, 26 पत्रिकाएं) और 10 समाचार पत्रों की सदस्यता है। ई-संसाधनों के प्रबंधन और उपयोग के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधन प्रबंधन पैकेज उपलब्ध कराया गया है। पुस्तकालय यूजीसी-इनफोनेट के माध्यम से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक्स संसाधनों की सदस्यता लेती है जिसमें ई-संसाधन (6,000+ ई-जर्नल और 31,35,000+ ई-पुस्तकें) और दिल्ली विश्वविद्यालय कनेक्टिविटी शामिल है।इस अनुक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली भी शामिल है।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी: 144
कुल एडहॉक: 72

वित्तीय आबंटन और उपयोग

मंजूर अनुदान:

यूजीसी: 3942.71 लाख रुपए

दिल्ली सरकार: 43 लाख रुपए

आंतरिक प्राप्तियां: 15.36 रुपए

उपयोगित अनुदान: 5564.73 लाख रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सुश्री पिंकी बलहारा, छात्रा बी.ए. कार्यक्रम III वर्ष को इंडोनेशिया के जकार्ता नगर में 18वें एशियाई खेलों में कुरैश के खेल के लिए रजत पदक से सम्मानित किया गया। उन्होंने जुलाई 2018 में मकाऊ में आयोजित जूनियर एशियन जूडो चैम्पियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता।

***

हंसराज महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) ने हंसराज महाविद्यालय को 9 वें स्थान पर (महाविद्यालय श्रेणी के अंतर्गत) रखा। यह स्कोर स्टाफ और विद्यार्थियों द्वारा किए गए सचेत और सुसंगत प्रयासों का प्रतिबिंब है और लगातार अपनी उत्कृष्टता को प्राप्त करने का प्रयास है। महाविद्यालय के आईक्यूएसी ने शैक्षणिक और प्रशासनिक कामकाज में गुणात्मक सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाए। पूर्व विद्यार्थियों से एक व्यवस्थित प्रतिक्रिया प्रणाली लागू है और महाविद्यालय भर्तियों के लिए कार्पोरेटर संस्थाओं को आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है। वास्तव में शैक्षणिक लेखा परीक्षा हर साल की जाती है। इस लेखा परीक्षा का उद्देश्य संकाय के प्रयासों को परिभाषित करना है जो शिक्षण और सीखने की गुणवत्ता में सुधार के लिए आवश्यक हैं। विभिन्न सांस्कृतिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से विद्यार्थियों को पूरा करने के लिए मेंटोरशिप कार्यक्रम की भी मांग की गई है।

सम्मान/गौरव

ग्रेस इंडिया एजुकेशनल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 27 अक्तूबर 2018 को डॉ. ज्योति भोला को "श्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार -2018" से सम्मानित किया गया।

डॉ. बृजेश राठी को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिष्ठित "सेवारत शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार अकादमिक गतिविधियों में योगदान के लिए अत्यधिक योग्य व्यक्तियों को दिया जाता है।

डॉ. ब्रिजेश राठी को भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की 87वीं जयंती के अवसर पर ग्रेस इंडिया एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा "श्रेष्ठ युवा शिक्षक" पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

विशेष स्थान प्राप्त करने वाले छात्र

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षाविदों में से दस विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

वनस्पति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने दौलत राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर- महाविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम और अन्य विद्यार्थियों ने भी आयोजित प्रतियोगिताओं में आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय और थेरुदमल महाविद्यालय द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विद्यार्थियों ने एयर पिस्टल (एम), एयर राइफल (एम), स्क्वैश (एम), तीरंदाजी (एम) कंपाउंड, तीरंदाजी (एम) इंडियन राउंड, बैडमिंटन (एम), और एयर पिस्टल (डब्ल्यू) जैसे खेलों में अंतर- महाविद्यालय चैंपियनशिप जीती।

प्रकाशनों की कुल संख्या

गेरा, जे., कौर, एच. (2018)। क्राउडफंडिंग मंचों के प्रदर्शन में सुधार करने के लिए एक अभिनव रूपरेखा। एक्सप्रेस एल्सेवियर प्रकाशन। 4 (2): 55-62।

जहान, एफ., बाली. (2018)। हेट्रोपनिनेस्टेस फिशिलिस (बलोच) में हेमाटोलॉजिकल और बायोकेमिकल विसंगतियाँ, स्ट्रेस द्वारा निकेल क्लोराइड के कारण होती हैं। एशियन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 9 (5): 8075-8078।

मित्तल, ए., ढिल्लन, ए (2019)। अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध, प्रभाव और परिणाम। मानविकी, इंजीनियरिंग और फार्मास्युटिकल विज्ञान से संबंधित इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल। 1 (17): 21-28।

पूनम., गुप्ता, वाई., सिंह, एस., वू, एल., रावत, एम., राठी, बी (2018)। मलेरिया परजीवी मल्टीस्टेज इनहिबिटर, कीमोप्रोटेक्शन और मलेरिया उन्मूलन के लिए एक आशा। मेड रेस रेव, 38, 1511-1535।

पांडे, के. सिंह, एस., भट्टा, पी, मेधा, शर्मा, एम, चौधरी, ए., शर्मा, एस (2019)। टीबी रोगियों और उनके स्वस्थ संपर्कों में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के डीओएसआर प्रोटीन द्वारा कोशिकाओं को प्रभावित करने के साथ-साथ नियामक टी कोशिकाओं का उन्नयन। माइक्रोबियल पैथोजेनेसिस। 126: 399-406।

शर्मा, एस (2018)। भारतीय विकल्प बाजार में ब्लैक एंड स्कोल्स प्राइसिंग मॉडल के प्रदर्शन का परीक्षण। वित्त और लेखा एमयूडीआरए पत्रिका। 5: 18-34।

शर्मा, बी.बी. (2018)। स्कूलों में दर्शन। परिप्रेक्ष्य- नए विचारों की शोध पत्रिका। 30: 11-17।

वर्मा, एम, तंवर, ए, श्रीनिवास, के (2018)। एसबी के संरचनात्मक और बिजली के गुणों पर एकल युग्म के प्रभाव द्वारा बिस्मथ का स्तरित एसबीएन सिरेमिक निर्माण। सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी, 209: 159-164।

सिंह, एस, शर्मा, एम, चौधरी, ए, शर्मा, एस (2019)। आरवी2626सी और आरवी2032 टीएच1 प्रतिक्रिया को सक्रिय करते हैं और तपेदिक रोगियों की परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में विनियामक टी कोशिकाओं को न्यूनतम करते हैं। तुलनात्मक इम्यूनोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और संक्रामक रोग 62: 46-53।

अनुसंधान परियोजनायें

इंडो-हंगेरियन द्विपक्षीय अनुसंधान अनुदान (डीएसटी परियोजना) (2017-20) परियोजना "स्थिर ग्लाइकोमीमैटिक और चिरल ऑक्साथिएक्रोन इथर के संश्लेषण के लिए थियो-क्लिक दृष्टिकोण"।

डीआरडीओ परियोजना (2017-20) परियोजना "डिजाइन और कैटेलिटिक लार्ज-स्केल सिंथेसिस ऑफ न्यू फंक्शनलिज्ड पेरफ्लुअरीटेड केटोन्स / इयर्स ऑफ़ पोटेंशियल फायर एक्सटिंग्फ़िशन्स"। 48.2 लाख रुपये।

यूजीसी वित्त पोषित परियोजना (2016-18) "संरचना विविधता और जी-समृद्ध डीएनए अनुक्रमों की स्थिरता" 6.0 लाख रुपए।

डीएसटी-एसईआरबी वित्त पोषित परियोजना (2016-19) "एंटी-मलेरियल्स का एक नया वर्ग": एंटी-मलेरिया थेरेपी के लिए नई युक्तियां 32.89 लाख रुपये।

यूजीसी द्वारा वित्त पोषित परियोजना (2015-18) "उपज और गुणवत्ता के मामले में अपने जैव सक्रिय घटकों की वन्य, खेतीजन्य और नियंत्रित परिस्थितियां और उनके जैव-प्रदूषण की प्रतिक्रिया पर चार औषधीय पौधों का मूल्यांकन और विश्लेषण" 9.8 लाख रुपये।

दायर/प्रदत्त पेटेंट

रसायन विज्ञान विभाग ने "हाइड्रॉक्सीएथाइलमाइन-आधारित पाइपरज़ीन यौगिकों और रोगों के उपचार के लिए उत्पादन और उपयोग करने के तरीके" के लिए (यूएस अनंतिम पेटेंट ऐप 62/ 804,927, फरवरी 2019) पेटेंट दायर किया है।

आयोजित संगोष्ठियां

5 नवंबर 2018 को "संयुक्त रमन और एफटीआईआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके एमाइलॉयड-फाइब्रिल का वास्तविक समय सचेतक" विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। डॉ. गजेंद्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक, सिंगापुर-एमआईटी एलायंस फॉर रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी, सिंगापुर इस संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता थे।

23 जुलाई 2018 को " गणित शिक्षण के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलू" विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। आईआईटी- बॉम्बे के प्रोफेसर आई. के. राणा इस संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता थे।

6 फरवरी 2019 को "आत्माक्षकार के सोपान: योगदर्शन के संदर्भ में" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डॉ. ओमनाथ बिमली, एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और प्रोफेसर भुवनेश गोस्वामी, क्लेम्सन विश्वविद्यालय, अमेरिका इस संगोष्ठी के मुख्य वक्ता थे।

5 मार्च 2019 को "लुईस कैरोल की जाबरवॉकी और संस्कृत साहित्यिक सिद्धांत" विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। एशियन अध्ययन विभाग, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अशोक अकलुजकर इस संगोष्ठी के मुख्य वक्ता थे।

आयोजित सम्मेलन

2 जुलाई 2018 को इंटरडिसिप्लिनरी साइंसेज में हाल के घटनाक्रमों पर एक "इंडो-यूएस वार्तालाप" विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई।

25 और 26 फरवरी 2019 को लोयोला विश्वविद्यालय, शिकागो स्ट्रिच स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए के सहयोग से "समेकित रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और ट्रांसलेशनल औषधि (आईसीबीटीएम 2019)" विषय पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

एमओयू पर 2 जुलाई 2018 को लोयोला विश्वविद्यालय स्ट्रिच स्कूल ऑफ मेडिसिन मेवुड, आईएल, अमरीका के साथ समझोता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन का मुख्य उद्देश्य संकाय विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं, अल्पकालिक संबद्ध पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण और सम्मेलन आदि हैं।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों का प्रतिशत : 67%
परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या: 55

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

एनएसएस हंसराज महाविद्यालय ने परिसर के अंदर और बाहर सफल कार्यक्रमों को प्रतिपादित किया। परवरिश, एनएसएस हंसराज ने अपने प्रमुख कार्यक्रम के अंतर्गत गोद लिए गए यमुना खादर स्लम में कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया। यूनिट और समान अवसर प्रकोष्ठ ने इस आशय के साथ अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य किया है ताकि हमारे दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए जीवन को आसान और सुखद बनाया जा सके। 18 जनवरी 2019 को इंटर-कॉलेज सोलो लाइट संगीत प्रतियोगिता और एक एक्रोबैटिक योग प्रदर्शन का आयोजन किया गया। सोसाइटी ने महाविद्यालय प्रशासन की मदद से सभी सहायक युक्तियों और ब्रेल पुस्तकों के साथ दिव्यांगजनों के लिए पुस्तकालय में एक अलग पढ़ने-लिखने का कमरा स्थापित किया। हरीतिमा समाज ने हंस चेतना परियोजना की शुरुआत की। इस पहल के अंतर्गत, एक स्कूल को गोद लिया गया है, जिसमें सदस्य विद्यार्थियों के साथ पर्यावरण के मुद्दों पर मासिक सत्र आयोजित करते हैं।

पुस्तकालय विकास

आरएफआईडी को शुरू किया गया है जिसमें बारकोड आधारित समाधान की तुलना में पुस्तकालय सेवाओं को गति देने और चेक-इन, चेक आउट, सॉर्टिंग, स्टॉक प्रबंधन और इन्वेंट्री जैसे समय साधक कार्यों को सुव्यवस्थित करने की महत्वपूर्ण क्षमता है। पुस्तकालय सलाहकार समिति की देखरेख और स्टाफ सदस्यों के परामर्श से सुविख्यात प्रकाशकों से पुस्तकालय की खरीदारी की जाती है। पिछले साल 1440 पुस्तकें खरीदी गई थी। 50 पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई थी। विद्यार्थियों और शिक्षकों को कुल 143500 पुस्तकें जारी की गईं थी। केंद्रीय पुस्तकालय सभी कार्य दिवसों पर सुबह 8:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक खुला रहता है। यह विद्यार्थियों को उनकी कक्षाओं के बाद भी पुस्तकालय सेवाओं का आसानी से लाभ उठाने में मदद करता है। परीक्षा के समय के दौरान, शनिवार और रविवार को शाम 4:00 बजे तक खुला रहता है। हमारे महाविद्यालय में एक ब्रेल पुस्तकालय, कंप्यूटर, और अन्य सुविधाएं जैसे पाठकों, लेखकों, स्कैनिंग, प्रिंटआउट आदि के साथ दृष्टिबाधित और दिव्यांग विद्यार्थियों की मदद के लिए एक सुव्यवस्थित इकाई मौजूद है।

संकाय की संख्या:

कुल संकाय की संख्या:
स्थायी और तदर्थ सहित कुल संकाय की संख्या:

वित्तीय आबंटन और उपयोग:

कुल संस्वीकृत राशि: 49,65,00,000/- रूपए
उपयोगित अनुदान: 50,53,00,000/- रूपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अंतरण कार्यक्रमों के अंतर्गत छात्र: एमडी के दो विद्यार्थियों (श्री स्टीवन गोइकोए और सुश्री जेसिका एल सिम्पसन) लोयोला यूनिवर्सिटी-स्ट्रिच स्कूल ऑफ मेडिसिन (एलयू-एसएसओएम) यूएसए ने 15 जून से 14 अप्रैल 2019 के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए महाविद्यालय का दौरा किया। यह दौरा एलयू-एसएसओएम और हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच वैश्विक स्वास्थ्य भागीदारी के अंतर्गत किया गया था।

***

हिंदु महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय को एनआईआरएफ ऑल इंडिया रैंकिंग 2019 में 2वां स्थान दिया गया। 'इंडिया टुडे' रैंकिंग में, महाविद्यालय ने विज्ञान, वाणिज्य और कला स्ट्रीम में भारत में दूसरा स्थान हासिल किया। महाविद्यालय ने एशियन स्नातक पूर्व शिखर सम्मेलन, 2018 की मेजबानी के लिए नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस) के साथ सहयोग करके वास्तविक वैश्विक संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त होने के अपने दावे को मजबूत किया। शिखर सम्मेलन का विषय जटिल विश्व में नेतृत्व: दुष्कर जिम्मेदारियों को संभालना था। शिखर सम्मेलन की अनूठी विशेषता हांगकांग, सिंगापुर, थाईलैंड, चीन और दक्षिण कोरिया के विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों की भागीदारी थी। दूसरे शिखर सम्मेलन में, एनयूएस, सिंगापुर में आयोजित कार्यक्रम में हमारे महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ अन्य एशियाई देशों के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। महाविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण शैक्षणिक योगदान दिया गया। 9 पीएच.डी. डिग्रियां प्रदान की गईं। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशनों को पेश किया गया और पुस्तकों और पत्रिकाओं में कई शोध पत्र प्रकाशित किए गए।

विशेष स्थान प्राप्त करने वाले छात्र

नौ संकाय सदस्यों को पीएच.डी. की डिग्री दी गई।

डॉ. रवि एन सिंह को अक्तूबर 2018 से फरवरी 2019 के लिए अंतर-धार्मिक संवाद, पानटिफिकल परिषद् से संबंधित नोस्ट्रा एटेट परिषद्, वेटिकन सिटी एवं रोम, इटली द्वारा फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. रवि एन. सिंह को 5 से 8 जुलाई 2018 के दौरान "विंड्स ऑफ चेंज: भारत में इको-क्रिमेशन और सामसो डेनमार्क में ग्रीन पावर" अल जज़ीरा की मेजबानी में ग्रेन मीडिया यूके डाक्यूमेंट्री द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बुलाया गया।

सुश्री प्रिया सिंह ने 59वें “जीनो मिक्स विश्लेषण के लिए कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान पर "हैंड्स-ऑन” के दौरान 9 दिसंबर 2018 को हैदराबाद विश्वविद्यालय के लाइफ साइंसेज स्कूल में आयोजित एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया और इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन होस्ट-पैथोजेन इंटरैक्शन (एएमआई - 2018) के 59वें वार्षिक सम्मेलन आईएसएमई-एएमआई प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप आयोजित करने के लिए आईएसएमई-एएमआईशुरुआती- कैरियर यात्रा फेलोशिप अवार्ड -2018 से सम्मानित किया जिसका शीर्षक है, “पर्सन ऑन कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी (मेटा) जीनोमिक्स एनालिसिस"।

डॉ. हरिन्द्र कुमार मॉरीशस में आयोजित ग्यारहवें विश्व हिंदी सम्मेलन में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा सरकारी प्रतिनिधि के रूप में चुने गए।

डॉ. पल्लवी सक्सेना को 1 जनवरी 2018 से 31 दिसंबर 2019 की अवधि के लिए आईएलईएपीएस समुदाय के प्रारंभिक कैरियर वैज्ञानिक नेटवर्क से संबंधित दक्षिण-एशियाई और मध्य-पूर्व क्षेत्र के अध्यक्ष के रूप में चुना गया।

प्रकाशन

एंटनी, डी. एम. (2018)। नैतिक और धार्मिक अवधारणनात्मक समानता। एप्लाइड एथिक्स से संबंधित इंटरनेशनल जर्नल। 6: 85-101 (आईएसएसएन: 2321-2497)।

आशधीर, पी.।, सक्सेना, वाई, कुशवाहा, ए (2018)। संदर्भ का जड़त्वीय बनाम गैर-जड़त्वीय फ्रेम। भौतिकी शिक्षा (आईएपीटी)। 34 (3) (आईएसएसएन नंबर: 0970-5953)

घोराई, एस. एम. (2018)। रेप्टीलिया: सरीसृप में सेलुलर प्रतिरक्षा: विकास तत्वों पर एक नज़र। में ई.एल. कूपर (सं।), एडवांस इन कम्पेरेटिव इम्यूनोलॉजी। स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग एजी, स्प्रिंगर नेचर।

जैन, आर., शर्मा, पी, घोष, सी. (2018)। डाइग्रेड में ग्रीन नैनोपार्टिकल का अनुप्रयोग। पर्यावरणीय और पारिस्थितिक स्थिरता। (आईएसबीएन: 978-93-87960-94-7)

जोनवाल, सी. एल. (2018)। स्विस एल्बिनो चूहे के वृषण में जैव रासायनिक परिवर्तन 2.45 गीगाहर्ट्ज माइक्रोवेव के विकिरण से संपर्क। जर्नल ऑफ़ मेडिकल फ़िज़िक्स, आईएईए (अंतर्राष्ट्रीय परमाणु सूचना प्रणाली, अप्रैल 2018)

कपूर, एस. (2018)। अफ्रीकी प्रोडोनोवा, अफ्रीकी रेजीलियंस और अफ्रीका टुडे। इंडियन जर्नल ऑफ अफ्रीकन स्टडीज। 22 (1 और 2): 109-125।

खरे, डी., श्रीवास्तव, ए, सक्सेना, पी. (2018)। ब्लू हेज़ प्रदूषण - स्वास्थ्य के लिए एक छिपा हुआ खतरा। साइंस इंडिया पत्रिका, scienceindia.in/home/view_article/355

मनोचा, आर. (2019)। भारत की व्यापार क्षमता पर क्षेत्रीय व्यापार समझौतों का प्रभाव: सार्क और एपीटीए का केस। ध्यान: जर्नल आफ इंटरनेशनल बिजनेस। 5: 13-16।

सक्सेना, पी., नाइक, वी. (2018)। वायु प्रदूषण: स्रोत, प्रभाव और नियंत्रण। ऑक्सफोर्ड, यूके: कैबी पब्लिशर्स। (आईएसबीएन 13: 9781786393890; ऑनलाइन उपलब्ध)

टंडन, ए. काला, जी. (2018)। साक्षरता, भाषा और सामाजिक विज्ञान। आर. कुमार, एस. चंद्रा और बी। कौशिक (सं.) 21वीं सदी में शिक्षक की शिक्षा। नई दिल्ली: सेज।

आयोजित संगोष्ठीयां

एक अर्हता प्राप्त एक्चुएरी श्री चारचित अग्रवाल जिन्हें इस क्षेत्र में 10 वर्षों का अनुभव प्राप्त है, उनके द्वारा 2 अप्रैल, 2019 को "एक्चुरियल विज्ञान और साक्षात्कार कौशल" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

डॉ. प्रथा प्रातिम द्वारा वर्ष 2018 के दौरान "कांस्टेबुलरी और चौकीदारी इन कालोनियल बंगाल" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डॉ. प्रथा कैंब्रिज विश्वविद्यालय से संबंधित हैं।

प्रोफेसर जीन सल्दान्हा, एमएचआरएम, एटीडी मास्टर ट्रेनर द्वारा 7 सितंबर 2018 को "व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए बोधगम्यता और तैयारी करना" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

श्री अर्जुन शर्मा, प्रबंधक (मान्या) 7 जनवरी 2019 को "पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए एडमिशन प्रोसेस एब्रोड" विषय पर आयोजित एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया गया।

16 जनवरी 2019 को "मैनेजमेंट कैरियर की तैयारी कैसे करें" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में ग्रेट लेक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के सीएमओ, गौतम लखराजू द्वारा व्याख्यान दिया गया।

आयोजित सम्मेलन

4 से 6 फरवरी 2019 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से "सार्वजनिक नीति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" विषय से आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान दिया गया।

8 और 9 फरवरी 2019 को इंडियन एसोसिएशन फॉर द स्टडीज ऑफ रीलिजियन(आईएएसआर) और इंडियन काउंसिल फॉर सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर) के सहयोग से 10वें आईएएसआर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

अर्चना अग्रवाल ने 16-18 जून, 2018 को पटना में एडीआरआई द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विनिर्माण लाभ: वैश्विक मूल्य श्रृंखला के निचले स्तर पर अधिशेष निष्कर्षण की पद्धति" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

चंदन सिंघा ने 12 से 14 सितंबर 2018 के दौरान किंग्स कॉलेज, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, कैम्ब्रिज, यूनाइटेड किंगडम 20वें वार्षिक जैव सम्मेलन के दौरान "दार्जिलिंग जिले, भारत में फार्म प्रॉफिट, राजस्व और विविध लागत से संबंधित मृदा संरक्षण उपायों के अंगीकरण के प्रभाव" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

गितिका डे ने 23 से 25 मई 2018 के दौरान कोसमोस/एसएनएस, ईसीपीआर/एसजीपी एंड एम स्कुओला नॉर्मले सुपरियोर, फ्लोरेंस द्वारा "1968-2018, 50 वर्ष बाद: सामाजिक आंदोलन क्षेत्र कहां जा रहा है?" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में पारदर्शी कानून के लिए जमीनी स्तर पर संगठन: सारगर्भित नागरिता" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

चंद्रचूर सिंह ने 17 और 18 मई 2018 को ब्रिटेन के बर्मिंघम विश्वविद्यालय में उन्नत अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान "लैंगिक असमानता के लिए संघर्ष और बोधगम्यता" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मनीषा पांडे ने भारत पब्लिक पॉलिसी नेटवर्क और दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "सफाई की चिंताओं का निराकरण; स्वच्छ भारत मिशन" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शंकर कुमार ने 28 और 29 जनवरी 2019 को “भारतीय विचार: भारतीयता की खोज” विषय पर गोवा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान "इंडिक की प्राचीन चिकित्सा संकल्पना: इसके अभिसरण और यूनानी आयाम" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अनीता राजपाल ने 22 और 23 अगस्त 2018 को स्वामी समरपानंद वैदिक शोध संस्थान, मेरठ में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में “शतपथ ब्राह्मण में पच्छगग्नि-विद्या” शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रीमा गुप्ता ने 27 और 28 सितंबर 2018 के दौरान एआरएसडी महाविद्यालय, नई दिल्ली में न्यू ट्रेंड्स इन नैनो टेक्नोलॉजी एंड एप्लीकेशन’ (एनटीएनए-2018) पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में “पीजोइलेक्ट्रिक कैंटिलीवर्स: सेल्फ सस्टेनेंस की ओर कदम ”शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत: लगभग 70% विद्यार्थियों ने नियोजन प्रकोष्ठ में पंजीकरण कराया।

परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या: 30 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां और स्टार्ट-अप।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

महाविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, कपड़ा दान अभियान, छात्रवृत्ति अभियान और स्वच्छ परिसर रैली जैसे शिविरों को लगाया गया। संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में भाग लेना, गणतंत्र दिवस शिविर और नौ-सैनिक शिविर में प्रतिनिधित्व करना वर्ष की महत्वपूर्ण घटनाएं थीं। महाविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दौरान शिविर आयोजित किया। एनसीसी कैडेटों को शामिल करके सर्जिकल स्ट्राइक दिवस और राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया।

पुस्तकालय विकास

कुल बजट = 9,97,500/- रुपए (पुस्तक निधि) और 9,75,000/- रूपए (पुस्तकालय विकास)
वर्ष 2018-2019 के दौरान खरीदी गई पुस्तकों की संख्या = 1284

पुस्तकालय में उपलब्ध वाईफाई सुविधा

संकाय की संख्या v

कुल संख्या स्वीकृत संकाय: 163
वित्तीय आबंटन और उपयोग
मंजूर अनुदान: 50.68 करोड़ रूपए
उपयोग अनुदान: 46.83 करोड़ रूपए

***

होली फैमिली नर्सिंग महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

अक्तूबर 2018 के महीने के दौरान छात्र नर्स एसोसिएशन (एसएनए) के चुनाव हुए थे। एसएनए विद्यार्थियों की सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों में सहायता करने में शामिल है। विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक, खेल और शैक्षिक गतिविधियों में भाग लिया, जो पूरे साल राज्य स्तर पर एसएनए की मदद लेते रहे। स्वास्थ्य

संबंधी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस भी मनाए गए। वार्षिक खेल सप्ताह फरवरी 2019 के महीने में मनाया गया था। 15 मार्च 2019 को तीसरा वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया था। शांति के नोबल पुरस्कार विजेता, श्री कैलाश सत्यार्थी, दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि थे। महाविद्यालय की नई वेबसाइट www.hfcondelhi.edu.in को 1 जनवरी 2019 को आर्कबिशप अनिल जे. टी. कॉटो द्वारा शुरू किया गया था। एमसीएच लैब को सभी नवीनतम उपकरणों और मैनीकिन के साथ कौशलयुक्त प्रयोगशाला के रूप में उन्नयकृत किया गया।

विशेष स्थान प्राप्त करने वाले छात्र

अंजलि भारती, प्रथम वर्ष की छात्रा को भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् द्वारा आयोजित "उत्पादकता और स्थिरता के लिए सरकुलर अर्थव्यवस्था" विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

अरोड़ा, एस (2018)। दिल्ली के शहरी और ग्रामीण समुदाय में पदार्थ उपयोगकर्ताओं के साथ रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता। वर्तमान चिकित्सा अनुसंधान और अभ्यास। 8 (3): 3-9।

पत्रिकाएं

डॉ. सुमित अरोड़ा इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्रिक नर्सिंग में समीक्षक के रूप में सेवारत हैं।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं

संकाय सदस्य द्वारा "एचआईवी जागरूकता और परामर्श" विषय से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें होली फैमिली चिकित्साल्य के प्रयोगशाला और नर्सिंग विभागों के कर्मचारियों ने भाग लिया।

एमएस..सी नर्सिंग के दूसरे वर्षों के विद्यार्थियों द्वारा 19 से 21 नवंबर 2018 के दौरान "नर्सिंग सिद्धांतों" विषय पर एक राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई।

एमएस..सी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा 7 से 9 मार्च 2019 के दौरान "संचार-एक रोगी केंद्रित दृष्टिकोण" विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

एमएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों द्वारा निम्नलिखित विषयों पर सीएमई का आयोजन:

एचआईवी एड्स-एक मूक हत्यारा; मनोरोग संबंधी आपात स्थिति; दर्द निवारण और शॉक निवारण; 11 जनवरी 2019 को आशा कार्यकर्ताओं के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मॉड्यूल।

नियोजन ब्यौरा

सफल नियोजन पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या: 100%

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों / उद्योगों की संख्या: प्रोत्साहित नहीं किया गया क्योंकि सभी विद्यार्थियों को पसंद किया गया था और माता-पिता चिकित्साल्य (पवित्र परिवार चिकित्साल्य) में नौकरी की पेशकश की गई थी।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

होली फैमिली चिकित्साल्य के सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य अनुभव उपलब्ध कराया गया। डिफेंस कॉलोनी, चेशायर होम, जीवन ज्योति एंड चेस्ट क्लिनिक, नेहरू नगर और गोधुली

ओल्ड एज होम में एमसीएच केंद्रों में छात्र तैनात थे। आरएचटीसी नजफगढ़ में विद्यार्थियों को ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य का अनुभव था। विद्यार्थियों ने स्क्रिट, रोल प्ले, नुक्कड़ नाटकों और प्रदर्शनियों के माध्यम से राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। विद्यार्थियों ने विद्या भवन स्कूल और चेशायर होम डे केयर सेंटर में मासिक आधार पर स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम भी चलाया। उन्होंने पीएचएन के विभिन्न क्षेत्रों में राजकीय स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। । सुभाष कैम्प और तैमूर नगर में दो स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने नेहरू पब्लिक स्कूल अली गाँव और तैमूर नगर क्षेत्र में डिजास्टर ड्रिल का आयोजन किया। अली गांव और तैमूर नगर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में 5 जर्नल रैकों सहित कुल 96 पुस्तक रैक उपलब्ध कराए गए थे। विद्यार्थियों के लिए 1789 नर्सिंग किताबें उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों के लिए बैठने की जगह और इंटरनेट की सुविधा भी उपलब्ध है।

***

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

एमटीएस कर्मचारियों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम 5 से 24 मई 2018 के दौरान आयोजित किया गया। योग शिक्षा में स्व-वित्तपोषण प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 29 मई से 30 जून 2018 के दौरान आयोजित किया गया। स्व-वित्तपोषण फिटनेस ट्रेनर पाठ्यक्रम (एफआईटीसीओ) 2 से 31 जुलाई 2018 तक आयोजित किया गया। बीएससी (पीईएचई एंड एस) 2018-19 को प्रवेश आधारित दाखले के कार्यवाहक प्रधानाचार्य की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक पूरे हुए। श्री अमित पंघाल, गोल्ड मेडलिस्ट, एशियन गेम्स 2018 (बॉक्सिंग) के साथ छात्र संवाद का आयोजन स्टूडेंट्स यूनियन द्वारा किया गया। दिल्ली ओलंपिक संघ ने JUDO (पुरुष और महिला) और रोप स्किपिंग के दिल्ली ओलंपिक खेलों - 2018 का आयोजन किया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2018 के दौरान सतर्कता जागरूकता व्याख्यान और प्रस्तुति का आयोजन किया गया। कथावाचन कार्यक्रम की सराहना की गई। 22 नवंबर 2018 को "सड़क सुरक्षा" पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया था। फ्रेशर की पार्टी - यूडीबीएचएवी विद्यार्थियों के लिए आकर्षण थी।

विशेष स्थान वाले छात्र

एम.पी.एड की नेहा शर्मा, बी.पी.एड की राजश्री और बी.एससी. के वृषभ बजाज को विश्वविद्यालय में प्रथम रैंक से सम्मानित किया गया।

एम.पी.एड की सुरभि जैन,बी.पी.एड के जिमी जॉय, बी.एससी के सत्य कुमार और दीपाल सिंह को विश्वविद्यालय में दूसरी रैंक से सम्मानित किया गया।

एम.पी.एड की दीपाली सेठ, बी.पी. एड के भारत हरित और बी.एससी के कमल सिंह ने विश्वविद्यालय में तीसरी रैंक से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

अहलावत, यू., शॉ, डी., (2018)। 15 आरएम लोड के साथ लोअर एक्स्ट्रीमिटीज के लिए क्वाड्रिसेप्स एक्सटेंशन एक्सरसाइज का काइनमैटिक विश्लेषण। खेल और व्यायाम में वैज्ञानिक जर्नल लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी, 14: 09-17।

अहलावत, यू., शॉ, डी.।, (2018)। 15 आरएम लोड के साथ निचले छोरों के लिए बाएं (अधीनस्थ) लेग लंग्स के व्यायाम के संबंध में खिलाड़ियों/दोहराव और जेंडर के बीच कीनेमेटिक अंतर। एक अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक अनुसंधान और विकास जर्नल । 3: 167-173।

भट्ट, एस. ए., कुमार, बी., शॉ, डी., (2018)। एरोबिक फिटनेस स्तर के संबंध में हैंड ग्रिप टेस्ट (ऑटोनोमिक टेस्टिंग प्रोटोकॉल में से एक) के दौरान रिकवरी ब्लड प्रेशर रिएक्टिविटी पैटर्न। शारीरिक शिक्षा और खेल का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 3 (6): 08-13।

प्रेमचंद्र, टी., कुमार, पी., पाणि, बी., कपूर, एल., और शॉ, डी। (2018)। स्प्रिंटिंग और ड्रिब्लिंग प्रदर्शन के बायोमैकेनिकल वेरिएबल्स फुटबॉल खिलाड़ी में हाइलाइट लिंग अंतर। डीयू जर्नल ऑफ अंडरग्रेजुएट रिसर्च एंड इनोवेशन। 3 (1): 74-82।

शालिनी, एस., शुक्ला, आर., शॉ, डी. (2018)। 118 और 6 बीट प्रति मिनट (बीपीएम) पर गतिज (आंशिक लौकिक) वेराइएबल्स पर 6 इंच स्टेप प्लेटफॉर्म के साथ छह सप्ताह के लिए चरण एरोबिक प्रशिक्षण का प्रभाव। योग, भौतिक चिकित्सा और शारीरिक शिक्षा का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 3 (2): 70-75।

शॉ, डी. (2018)। शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में व्यावसायिक और अकादमिक विकास कौशल भारत: ए विजन डॉ.क्यूमेंट 2018। शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान पर चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। पीपी। 55-61।

शॉ, डी. (2018)। किनोसिलाजी और बायोमैकेनिक्स प्रदर्शन में वृद्धि। विज्ञान रिपोर्टर ए पीपी. 23-24।

पत्रिकाएं

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित प्रियदर्शिनी - 2017

संपादक/संपादकगण/संपादक मंडल के सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय के शिक्षकों की संख्या: 7

डॉ. संजीव कौशल (सी), डॉ. सरिता त्यागी, डॉ. राकेश गुप्ता, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. विजय, डॉ. एकता भूषण सत्संगी, डॉ. मीनाक्षी।

आयोजित संगोष्ठी/कार्यशालाएं

5 अक्तूबर 2018 को "कार्यस्थल पर महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए संवेदनशीलता" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में सुश्री सस्मिता त्रिपाठी अधिवक्ता, माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा व्याख्यान दिया गया।

सुश्री सोम्या सिंघल, अभियान प्रबंधक, अभिजात नाहिन द्वारा 22 जनवरी 2019 को "नो योर राइट्स (लैंगिक संवेदशीलता)" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान दिया गया।

डॉ. बलराम पाणि द्वारा प्राचार्य, भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय 5 मार्च 2019 को स्वस्थ जीवन शैली, आहार और विटामिन अनुपूरक 'विषय पर एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

धनंजय शॉ फिजियोथैरेपी-2018 (जीसीपी-2018) से संबंधित वैश्विक सम्मेलन के मुख्य स्पीकर थे और उन्होंने 20 और 21 अगस्त 2018 के दौरान कुमालालम्पुर, मलेशिया में "खेल प्रदर्शन और बेहतर/सक्रिय/गुणवत्ता वाले जीवन के लिए काइन्सियोलॉजी टैपिंग: एरिसर्च प्रोस्पेक्टिव" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

धनंजय शॉ 30 और 31 जनवरी 2019 को युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (एनएडीए) और फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित नई दिल्ली में डीएआईसी में एंटी-डोपिंग पर राष्ट्रीय सम्मेलन में रिसोर्स पर्सन थे।

धनंजय शॉ ने 16 और 17 फरवरी 2019 को डॉ.अम्बेडकर महाविद्यालय, देवभूमि, नागपुर, महाराष्ट्र की अध्यक्षता में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "स्पोर्ट साइकोलॉजी एंड योगिक साइंसेज (आईएससीपीवाईएस-2019)" के तकनीकी सत्र के दौरान गेस्ट ऑफ ऑनर और रिसोर्स पर्सन के रूप में कार्य किया।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या: 89

पुस्तकालय विकास

डिजिटल पुस्तकालय को 2018-19 के दौरान सफलतापूर्वक लागू किया गया था और उपयोगकर्ताओं के पास एम.पी.एड., बी.पी.एड और बी.एससी. पाठ्यक्रमों से संबंधित पुराने प्रश्न पत्रों के पूर्ण पाठयदस्तावेजों तक पहुंच प्राप्त है। पाठ्यक्रम; सभी पीएच.डी. शोधपत्रों और शोध प्रबंधकों को 2013 के बाद से सम्मानित किया गया। पुस्तकालय डेटाबेस, "विद्या: लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर" को एक्सएएमपीपी सर्वर के माध्यम से ऑन-लाइन रखा गया है। कुल पुस्तकालय संग्रह 12644 पुस्तकों (जिसमें 9017 एक्सेसिबल बुक्स, 2300 रीडिंग रूम बुक्स, 729 थीसिस और 598 डिपार्टमेंट बुक्स शामिल हैं) को डेटाबेस और बार-कोडेड में कम्प्यूटरीकृत किया गया है जो ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) के माध्यम से खोजी जा सकती हैं। पुस्तकालय ने भौतिक और डिजिटल सूचना संसाधन के उपयोग को बढ़ाने के लिए तीन पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रम भी आयोजित किए।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी: 27 (कार्यवाहक प्राचार्य सहित)

वित्तीय आबंटन और उपयोग

मंजूर अनुदान: 9,69,888/- रुपए

उपयोगित अनुदान: 1,3,68,25,024/- रूपए

***

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां:

महाविद्यालय ने अपने छटे संस्कृत अध्ययन और अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन किया और इस साल दस दिवसीय संस्कृत बोलचाल पाठयक्रम शुरू किया। महाविद्यालय ने अपनी साइंस सोसायटी - अनंत को लॉन्च किया। मल्टी मीडिया और मास कम्युनिकेशन विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय मीडिया महोत्सव के आयोजन के साथ अपने 20 वर्षों के कार्यकाल को मनाया। महाविद्यालय ने पहले फुलब्राइट-नेहरू विजिटिंग स्कॉलर (रेजिडेंट), प्रो रोजीन एम. मंडज़िक की मेजबानी की। महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 7 पुस्तकें और 160 शोध लेख प्रकाशित कराए। बी0 ए0 कार्यक्रम के विद्यार्थियों ने एक ऑन-लाइन रेडियो वेबकास्ट-आईपी वीएएएनआई लॉन्च किया। सामुदायिक अभिगम्य कार्यक्रम के अंतर्गत गैर गौरवशाली श्रम में लगे व्यक्तियों के गौरव को बहाल करने के लिए अथक प्रयास किए गए। बहु-आयामी मानसिक स्वास्थ्य

जागरूकता कार्यक्रम भी शुरू किया गया। महाविद्यालय को 'प्लास्टिक फ्री कॉलेज अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

सम्मान/गौरव

डॉ. प्रधानाचार्य बबली मोइत्रा सराफ को स्वच्छ विश्व के लिए उच्च शिक्षा और अनुसंधान शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया।

डॉ. देबजानी सेनगुप्ता फ्रांस के मोंटपेलियर विश्वविद्यालय पॉल वालेरी में एक आमंत्रित विद्वान थे।

कॉमन-वेल्थ स्कॉलर डॉ. अंकिता पांडे, डॉ. चंदर शेखर, डॉ. मोहम्मद सईद और डॉ. नवीन कुमार तिवारी को डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया।

विशेष स्थान प्राप्त करने वाले छात्र

विभिन्न पाठ्यक्रमों के 16 विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान दिया गया।

श्रेया सकसेना ने मई 2018 के महीने में चेक गणराज्य के प्लीसेन में लिबरेशन की 49वीं ग्रैंड प्रिक्स में भाग लिया और 50 मीटर राइफल 3पी में नवें स्थान पर रहीं। उन्होंने सितंबर 2018 में दक्षिण कोरिया के चांगवोन में 52वें आईएसएसएफ विश्व शूटिंग के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व किया।

सेमेस्सा डोलमा ने वर्ष 2018 में कुआलालंपुर, मलेशिया में इंटरनेशनल आइस हॉकी फेडरेशन (आईआईएचएफ) द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व किया।

पलक माहेश्वरी और उनकी टीम को दिसंबर 2018 के महीने में इंटरनेशनल डॉ.क्यूमेंट्री फिल्म फेस्टिवल, प्राकृति 'के दौरान उनकी फिल्म डिस एबल्ड' के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कौशिकी नेगी ने वर्ष 2018 में जागो ग्रहाक जागो द्वारा आयोजित राष्ट्रीय लघु विज्ञापन फिल्म प्रतियोगिता के दौरान एक लघु विज्ञापन फिल्म 'कॉल ड्रॉप' के लिए तीसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

संकाय द्वारा प्रकाशनों की कुल संख्या: पुस्तकें 7; शोध लेख 83 (अंतर्राष्ट्रीय) 77 (राष्ट्रीय)

ढांडा, पी. (2019)। चरण सिंह के विचार: विकास का वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक। LIV (14): 35-42

गर्ग, ए. (2018)। धार्मिक पर्व के साथ संबद्ध वायु प्रदूषकों में टेम्पोरल माउंट: तनु जिंदल में दीपावली का त्यौहार। ईडी। पारिस्थितिकी और पर्यावरण विज्ञान में उभरते मुद्दे। चम: स्प्रिंगर। पीपी. 11-25 आईएसबीएन नंबर 978-3-319-99397-3

खुराना, जी (2018)। आई डी गैर-रेखीय तरंग समीकरणों की प्रणाली के लिए आधे-चरण के विवेकीकरण के आधार पर एक नई उच्च सटीकता क्यूबिक स्पलाइन विधि। इंजीनियरिंग संगणना। डीओआई संख्या: 10.1108 /ईसी-04-2018-0194

कुमारी, बी. (2018)। बुजनुक पटना/मधुबनी: नवरम्भ प्रचार। आईएसबीएन नंबर 9789382013747

कुमार, एच (2018)। आगरा भागवतम। नई दिल्ली: अग्रविश्व न्यास। आईएसबीएन नंबर 978-93-87232-03-07

मेहता, डी. (2018)। कॉस्मोपॉलिटन रिटेलिंग एंड द आइडिया ऑफ द लोकल: द केस ऑफ सलमान रुश्दी रोम जे.वाई.सी. वोंग एड। एशिया और ऐतिहासिक कल्पना। सिंगापुर: पालग्रेव मैकमिलन। पीपी। 127-154 आईएसबीएन नंबर 978-981-10-7400-4

मिश्रा, ए.एन. (2018)। बाजार के अरन्या में। पंचकूला: आधार प्रकाशन। आईएसबीएन नंबर 9789387555006

सेनगुप्ता, डी (2018)। विभाजन साहित्य: एक मानव विज्ञान। नई दिल्ली: वर्ल्डव्यू पब्लिशर्स। आईएसबीएन नंबर 978-93-82267-37-9

सेठी, आर (2019)। मैं कहीं और भी होता हूं: कुंवर नारायण की कविताएँ। पंचकुला: आधार प्रकाशन। आईएसबीएन नंबर 9789387555259

सिंह, आर.के. (2018)। स्त्री विमर्श की भारतीय जमीन और हिंदी कहानी, नई दिल्ली: श्री नटराज प्रकश। आईएसबीएन नंबर 978-93-86113-79-5

पत्रिकाएं

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित: कोड: अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केंद्र की पत्रिका

संपादक/संपादकगण/संपादक मंडल के सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय के शिक्षकों की संख्या: 4

अनुसंधान परियोजनायें

महाविद्यालय द्वारा सहायता प्राप्त: "भविष्य के लिए मौजूदा ग्रीन कवर और लेसन्स की डस्ट पर कब्जा करने की क्षमता: इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक अध्ययन"। मंजूर राशि 6000/- रूपए

आयोजित संगोष्ठीयां

डॉ. हिलाल अहमद द्वारा फरवरी,2019 "गांधी का धर्म के प्रति दृष्टिकोण" शीर्षक से आयोजित संगोष्ठी साथ सगाई' । के महीने में फरवरी 2019 को ।

जनवरी 2019 के दौरान प्रोफेसर कुमकुम सांगरी द्वारा 30 इयर्स ऑफ़ रिसस्टिंग वुमन: द नेम ऑफ़ वायलेंस शीर्षक से एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

जनवरी 2019 के महीने में संजय जोशी द्वारा "विकास मॉडल और आदिवासियों" 'शीर्षक से एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

डॉ. मार्क हैम्पटन द्वारा सितंबर 2018 को "कोस्टिंग द अर्थ-पर्यटन एवं तटीय क्षेत्र: दक्षिण पूर्व एशिया से प्राप्त अनुभव" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं

ग्लोबल यूथ इंडिया टीम के सहयोग से राजनयिक श्रृंखला की एक वार्ता का आयोजन किया गया। जर्मन कार्यालय, जर्मनी दूतावास के औद्योगिक अताशे श्री बीजार्न ग्रोजिंगर, अगस्त 2018 के वक्ता थे।

रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, यूके ने सिपला द्वारा प्रायोजित "विज्ञान के स्कूल शिक्षकों के लिए यूसुफ हामिद इंस्पिरेशनल टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम" आयोजित करने के लिए महाविद्यालय के साथ सहयोग किया।

ख्याति गुप्ता बब्बर संस्थापक संतुलन द्वारा "सॉफ्ट स्किल - ए गाइड टू बॉडी लैंग्वेज डयूरिंग इंटरव्यू" विषय पर लीन-इन-इंडिया के सहयोग के फरवरी 2019 में एक कार्यशाला आयोजित की गई।

अक्तूबर, 2018 को पीस एजुकेशन प्रोग्राम- प्रेम रावत प्रतिष्ठान द्वारा “कल्याण” विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

बबली मोइत्रा सराफ ने 15 नवंबर 2018 को महाविद्यालय में "प्लेटो के गणराज्य से गुफा का रूपक: विश्व दर्शन दिवस के अवसर पर एक मल्टीमीडिया प्रस्तुति" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

जयश्री बोरा ने 10-11 जनवरी 2019 को भारतीय दर्शनशास्त्र अनुसंधान परिषद् और पीए संगमा प्रतिष्ठान के सहयोग से दौलत राम विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में "स्मृति और पहचान: असम, उत्तर पूर्व भारत में प्रवासन की कथा: दर्शनशास्त्र, संस्कृति और पर्यावरणीय स्थिरता" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पापोरी कोंवार ने 14 मार्च 2019 को पूर्वोत्तर अध्ययन और नीति अनुसंधान केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा “पूर्वोत्तर भारत में साहित्य और संस्कृति की खोज” विषय पर आयोजित सम्मेलन में "मूगा और ताई अहोम: सीमाओं और हदबंदियों के बीच इतिहास और पहचान तथा विविधता” शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अंदिता रॉय साहा ने 7-8 फरवरी 2019 को कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और महात्मा गांधी जलवायु परिवर्तन संघर्ष संस्थान, एनसीटी दिल्ली सरकार, नई दिल्ली द्वारा “बाहरी पर्यावरणीय स्थिरता” विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में “संस्थागत क्षेत्र के भीतर के पार्टिकुलेट पदार्थों को कम करने में हरित पट्टी का महत्व“शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

विनीता सिन्हा ने 1-2 फरवरी, 2019 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक सम्मेलन के दौरान "रेविसिटिंग ट्रॉमा: कला, समुदाय, स्थान और पहचान में संभावनाएं: मौखिक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य“ शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मनीषा बंसल ने 10-14 दिसंबर 2018 के दौरान भारतीय कम्प्यूटिंग विज्ञान एसोसिएशन (आइएआरसीएस) द्वारा “सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी और सैद्धान्तिक कंप्यूटर विज्ञान की आधारशिला” विषय पर आयोजित सम्मेलन में "सार्वभौमिक सुविधा अर्जन से संबंधित पांच सन्निकट बिंदु" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मीना भार्गव ने 5 सितंबर 2018 को अशोक विश्वविद्यालय, सोनीपत द्वारा आयोजित अशोक इतिहास मानसून संगोष्ठी श्रृंखला के दौरान "भारतीय इतिहास में '(मध्यकालीन) भारत की पुन: प्रस्तुति” शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अंकिता पांडे ने 18 से 20 अप्रैल 2018 को ब्रिटिश एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन स्टडीज एक्सेटर, यूके द्वारा आयोजित एक वार्षिक सम्मेलन के दौरान "नागरिक अधिकारों के परिप्रेक्ष्य में तथ्यात्मक पत्र” शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रश्मि पंत ने 5 से 8 जुलाई 2018 के दौरान अशोक विश्वविद्यालय, सोनीपत के सहयोग से येल विश्वविद्यालय, अमेरिका द्वारा “एशिया की गतिशीलता भौगोलिक और प्रजनक आयाम” विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “1900-1950 के दौरान कुमाऊं, क्षेत्र में भूमि, जाति और रीति रिवाज की व्याख्या” शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

देबजानी सेनगुप्ता ने सीएसएसएस, कोलकाता द्वारा 13 से 15 दिसंबर 2018 के दौरान यूनिवर्सिटी ऑफ़ पोएटियर्स, यूनिवर्सिटी पॉल वैलेरी, कॉनकॉर्डिया यूनिवर्सिटी के सहयोग से आयोजित एक सम्मेलन में "इकोटोन: पार्टिशन एंड बॉर्डर्स" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

अप्रैल 2019 को मिडबरी, वरमोंट, यूएसए के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

संचार अध्ययन विभाग, टेक्सास स्टेट यूनिवर्सिटी, सैन मार्कोस, टेक्सास, यूएसए तथा महाविद्यालय के मल्टी मीडिया और मास कम्युनिकेशन विभाग के साथ जनवरी-मई 2019 में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

बलिपारा ट्रैक्ट और फ्रंटियर एजुकेशन, गुवाहाटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

प्लास्टिक और ई-कचरा प्रबंधन के लिए चिंतन पर्यावरण अनुसंधान और एक्शन ग्रुप के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या: 63
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 10

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

महाविद्यालय के अभिगम्य कार्यक्रम, परियोजना नूर को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इस परियोजना का उद्देश्य खैबर पास क्षेत्र में गैर-गौरवशाली श्रम कर रहे लोगों को गोद लेकर उनके गौरव को बहाल करना है। सितंबर 2018 में अंतर्राष्ट्रीय युवा जन पुरस्कार कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। डॉ. धवल मोदी, राउंड ग्लास पीस प्रतिष्ठान द्वारा अगस्त 2018 को “मानसिक स्वास्थ्य' पर एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. अरुणा रॉय द्वारा अप्रैल 2018 में आयोजित एक संगोष्ठी में “द आरटीआई स्टोरी: पॉवर टू द पीपुल” पुस्तक का विमोचन किया गया। महाविद्यालय के संगीत अभिलेखागार और श्रवण कक्ष समुदाय के लिए “संगीत की मीमांसा- हिंदुस्तानी संगीत का परिचय: परपंरा और आयाम” विषय पर एक प्रमाण पत्र पाठयक्रम संचालित किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में कुल 94347 पुस्तकें उपलब्ध हैं। ई-जर्नल और ई-डेटाबेस जैसी ऑनलाइन सेवाएं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हैं। फोटोकॉपी और मुद्रण सेवा भी उपलब्ध है। पीएच/वीएच विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा उनके लिए स्क्रीन रीडिंग सॉफ़्टवेयर से सुसज्जित कंप्यूटरों के साथ विशेष क्यूबिकल्स, थ्री-इन-वन एंगल पाकेट डेज़ी प्लेयर, डेज़ी पुस्तकें (टाकिंग बुक्स) और अन्य प्रासंगिक सॉफ़्टवेयर भी उपलब्ध हैं।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी : 87
कुल तदर्थ : 83

वित्तीय आबंटन और उपयोग

मंजूर अनुदान: 33,45,00,000/- रूपए
उपयोगित अनुदान: 44,51,40,000/- रूपए

***

गृह आर्थिकी संस्थान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

गृह आर्थिकी संस्थान महिला विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के लिए मूल्य आधारित गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करने वाला एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है। इसकी स्थापना 1961 में डॉ. एस. मल्हान द्वारा की गई थी और तब से यह दिन दुगुनी रात चौगुनी प्रगति कर रहा है। महाविद्यालय में गृह विज्ञान (ऑनर्स एंड पास), सूक्ष्म जीव विज्ञान (ऑनर्स), जैव रसायन विज्ञान (ऑनर्स), खाद्य प्रौद्योगिकी में बी.एड., बी.एससी और पत्रकारिता में बी.ए. (ऑनर्स) के स्नातक पूर्व पाठ्यक्रम चल रहे हैं। इसके अलावा महाविद्यालय में वस्त्र एवं वेशभूषा विज्ञान तथा आहार और पोषक तत्व खाद्यान्न के बारे में भी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। महाविद्यालय डाइटेटिक्स एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य वर्धक पोषक आहार तथा स्वास्थ्य एवं सामाजिक जीरॉन्टोलॉजी में भी डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। कई विद्यार्थियों को पीएच॰डी कार्यक्रम के लिए भी पंजीकृत किया गया है। एनएएसी द्वारा महाविद्यालय को 'क' श्रेणी से सम्मानित किया गया है, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से एफआईएसटी अनुदान और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) से स्टार महाविद्यालय योजना अनुदान दिया गया है।

सम्मान/विशेष स्थान प्राप्त करने वाले छात्र

डॉ. गीता त्रिलोक कुमार को प्रत्येक वर्ष 2016 से लेकर अब तक भारत फ्रांस वैज्ञानिक कृषि अनुसंधान सहयोग के लिए आमंत्रित किया जाता रहा है। वे वर्ष 2017 से अब तक यूके अनुसंधान पहल की सदस्य और चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, यूके की समीक्षक रही है वे वर्ष 2016 से 2019 तक स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार सहायता अनुदान योजना के अंतर्गत छानबीन समिति की सदस्य रही हैं।

डॉ. भूपेंद्र कुमार और डॉ. सविता बंसल को 12 नवंबर 2018 को तकनीकी अनुसंधान में अंतर्राष्ट्रीय नवाचार, बेहतरी और उत्कृष्टता के लिए अंतर्राष्ट्रीय आरयूएलए पुरस्कार वितरण समारोह में मोलेक्यूलर ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में उनके अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन के लिए श्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. सीमा पुरी 2017 से लेकर अब तक लेबलिंग/दावे और विज्ञापन, एफएसएसएआई से संबंधित वैज्ञानिक पैनल की सदस्य रही हैं। वे 2017 से लेकर अब तक राष्ट्रीय पोषक तत्व डेयरी विकास बोर्ड प्रतिष्ठान की शासी परिषद् की भी सदस्य रही हैं।

डॉ. प्रतिमा सिंह 1 और 2 फरवरी 2019 के दौरान भारतीय विमानन अकादमी, वसंत कुंज, नई दिल्ली में आईएसएचआरएई, आईएक्यूए और एसआईईई द्वारा अंतर्गृह पर्यावरणीय गुणवत्ता पर आयोजित पहले एशियाई सम्मेलन में "अधिग्रहणकर्ता का प्रदर्शन और व्यवहारक अध्ययन श्रेणी" विषय की बाबत स्प्रिंगर श्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से सम्मानित किए गए।

प्रकाशन

अग्रवाल, एस., गोस्वामी, एस, नैय्यर, टी, कुमार, के (2018)। डिजिटल साक्षरता में लैंगिक अंतराल: शहरी ग्रामीण स्थल की पृष्ठभूमि। आंदोलन शिक्षा और सामाजिक विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 7 (स्प्लिट अंक 1): 219-226

आजाद, वाई, कौर, बी (2018)। मीडिया शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण: निर्माताओं को बदलने के लिए दर्शकों में परिवर्तन। अंग्रेजी अध्ययन अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका। 6 (1): 34 -38

गुप्ता, एस, अरोड़ा, के, कुमार, टी जी (2018)। दिल्ली में अनाज और दलहन का जिंक कन्टेंट द इंडियन जर्नल ऑफ़ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स, 55 (2): 227-241

गुप्ता, एस, कपूर, डी (2018)। सामान्य और अव्यवस्थित भोजन व्यवहार रखने वाली दिल्ली की फीमेल महाविद्यालय छात्राओं में डिप्रेशन, चिंता और तनाव, । भारतीय युवा और किशोर स्वास्थ्य पत्रिका, 5 (4): 1-5

कुमारी, टी, कुमार, बी (2018)। उच्च-गतिशीलता समूह बॉक्स 1 प्रोटीन (एचएमजीबीवन) जीन बहुरूपता और कैंसर की संवेदनशीलता: एक व्यापक मेटा-विश्लेषण। क्लिनिका चिमिका एक्टा। 483: 170-182

मलिक, ए, एगर्सडॉ.फेर, एम, कुमार, टी जी (2019)। एशिया में स्वस्थ जनसंख्या में विटामिन ई की स्थिति: वर्तमान साहित्य की समीक्षा। विटामिन और पोषण अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। पीपी1-14

पन्नू, पी, कौर, एम (2018)। भारतीय दैनिक समाचार पत्रों में कन्या भ्रूण हत्या से संबंधित समाचार कवरेज का विश्लेषण। मानवाधिकार अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका। 6 (विशेष संस्करण): 224-227

सिंह पी, अरोड़ा आर, (2018), स्कूलों में अंतर्गृह वायु गुणवत्ता एक समीक्षा आधारित अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड साइंटिफिक रिसर्च। 6 (3): 139-144

सूरी, एम, भारद्वाज, एम, सिंह, पी, कपिला, आर (2018)। दिल्ली की बुजुर्गों वाली आबादी में कुपोषण, दर्द, अवसाद और चिंता के प्रसार पर एक प्रायोगिक अध्ययन। जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल जेरोन्टोलॉजी एंड जेरिएट्रिक्स, 9 (3): 91-98

वैद, एन, गुप्ता, एम (2018)। महिलाओं की रक्षा और सुरक्षा के लिए जमीनी स्तर के उपाय: जागरूकता फैलाने के लिए भागीदारी युक्तियों का उपयोग करने संबंधी एक खोजपूर्ण अध्ययन। मानवाधिकार अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका । 4: 253-258

पत्रिकाएं

संपादक/संपादक मंडल के सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या - 3

अनुसंधान परियोजनाएं (अधिकतम 5)

सिडनी विश्वविद्यालय और विश्व बैंक की 8 "शहरी दिल्ली में कामकाजी महिलाओं के बीच शिशु और बाल पोषण के संबंध में उल्लेखनीय असफलताओं का समाधान" नामक परियोजना (2018-2019)। स्वीकृत राशि: यूएसडी 59,500/- रूपए

यूजीसी और न्यूज़ीलैंड अनुसंधान परिषद् एवं शिक्षा परिषद् द्वारा दक्षिण दिल्ली की गंदी बस्तियों में रहने वाले छोटे बच्चों की पोषक स्थिति नामक परियोजना को अनुदान प्रदान किया गया (2015 -18)। स्वीकृत राशि एनजेडडी 53,463/- रूपए

वेलकम ट्रस्ट- डीबीटी और लन्दन स्कूल ऑफ़ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन प्रोजेक्ट ने 'आईयूजीआर के बीच परस्पर संबंधों को समझने के प्रयोजनार्थ एलबीडब्ल्यू बच्चों में शीघ्र विकास, शरीर के वसा, आहार, शारीरिक कार्यकलाप तथा जीर्ण रोगों- का जोखिम (2018-22)। स्वीकृत राशि 4,29,21,974/- रूपए।

बिल एंड मेलिंडा गेट्स प्रतिष्ठान बीआईआरएसी परियोजना स्वस्थ जन्म, विकास और विकास ज्ञान एकीकरण (एचबीजीडीकेआई) '(2017 -19)। स्वीकृत राशि 8 लाख रूपए।

महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार की परियोजना- "डिजिटल साक्षरता में अवसर और चुनौतियां : शहरी गरीब महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण के प्रभाव का आकलन (2017-19)। स्वीकृत राशि 11,06,700 लाख रूपए है।

आयोजित संगोष्ठीयां/कार्यशालाएं

14 मार्च 2019 को 'माइक्रोकैलिप्स- माइक्रोब्स का क्षेत्र' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें निम्नलिखित वक्ताओं को उनकी संबंधित वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया था:

'अनुसंधान में आईसीएमआर की भूमिका' विषय पर डॉ. चंद्रशेखर, एडीजी, आईसीएमआर।

डॉ. अमूल्य पांडा, निदेशक, राष्ट्रीय रोग प्रतिरोधक संस्थान द्वारा बायोलोजिकल प्रस्तुति के संबंध में हाई सैल डेंसिटी फर्मेंटेशन विषय पर आयोजित कार्यशाला में व्याख्यान दिया गया।

डॉ. नसीम गौड़, वैज्ञानिक, खमीर पर आईसीजीईबी द्वारा “यीस्ट: ए प्रीफर्ड होस्ट फॉर इंडस्ट्री एंड एमर्जिंग ह्यूमन-फंगल पैथोजीन।”

प्रोफेसर कुंडू, अध्यक्ष, जैव रसायन विज्ञान विभाग, दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा “प्रोटीन और हीमोग्लोबिन जैव रसायन विज्ञान” विषय पर आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान दिया गया।

24 अगस्त, 2018 को मानव संसाधन प्रबंधक, सुश्री साक्षी सेठ द्वारा “नेतृत्व कौशल की व्याख्या” विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई।

डॉ. लक्ष्मी शंकर बाजपेयी, सेवानिवृत्त उप महानिदेशक एआईआर द्वारा 2 फरवरी 2019 को “रेडियो सामाजिक परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण माध्यम” विषय से आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान दिया गया।

आयोजित सम्मेलन

एम.एससी के 25 वर्ष मनाने के प्रयोजनार्थ खाद्य और पोषक तत्व विभाग ने 15 मार्च 2019 को कमला रहेजा ऑडिटोरियम, एनएएमएस, अंसारी नगर, नई दिल्ली में भारतीय पोषक आहार सोसाइटी, दिल्ली के सहयोग से “स्वास्थ्य और कल्याण के लिए खाद्यान्न और पोषक आहार संवर्द्धन” विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

सीमा पुरी को 6-8 जुलाई 2018 के दौरान हांगकांग में को आयोजित 7वें एशियाई आहार सम्मेलन में “बढ़ती हुई आयु में अपेक्षित आहार: एशियाई पृष्ठभूमि” विषय पर अपनी प्रस्तुति देने के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

आशिमा वोहरा 20-21 मार्च, 2019 को न्यूयॉर्क, अमेरिका में जंतु विज्ञआहार संबंधी सूक्ष्म“ान और आहार मंडीविषय पर आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय ” सम्मेलन के दौरान “ गट माइक्रोबायोटा: अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी” विषय पर अपनी प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित वक्ता थीं।

सुनीता मिश्रा ने जुलाई 2018 को पेरिस में विनिर्माण व्याकरण पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “हिंदी में हास्य विनोद उत्पन्न करने के लिए व्याकरण संबंधी लैंगिक भेद: एक विनिर्माण व्याकरण दृष्टिकोण" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रूचिरा दास ने 14-16 दिसंबर 2018 के दौरान समाजशास्त्र विभाग, महाराजा सयाजीराव, बड़ौदा विश्वविद्यालय, गुजरात विश्व विद्यालय द्वारा “तुलनात्मक संदर्भ में आधुनिकता, परिवर्तनशील सामाजिक पहचान और शिक्षा” विषय पर आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' के दौरान "स्कूल जाने वाले बच्चों पर नागरिकता का बोझ और हिंसा" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सविता अग्रवाल ने 22-24 फरवरी, 2018 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक अनुसंधान प्रतिष्ठान द्वारा (आईएमआरएफ) चंडीगढ़ में मानव अधिकार विषय पर ”यन विधि और सामाजिक विज्ञानलैंगिक अध्य“

जलवायु“ लन के दौरानय सम्मेआयोजित अंतर्राष्ट्री परिवर्तन के लैंगिक प्रभाव: एशिया और अफ्रीका में किए गए केस अध्ययन” शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। ।

सीमा पुरी ने 7 जून 2018 को आईडीआरसी और टीआईएनआई, नई दिल्ली में डीएफएस के लिए आयोजित प्रसार कार्यशाला के दौरान “दोहरे संपुष्ट नमक की उपभोक्ता द्वारा स्वीकार्यता” शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मंजुला सूरी ने एम्स, नई दिल्ली के रोग विज्ञान विभाग में अंतराष्ट्रीय मस्तिक अनुसंधान संगठन, एशिया पैसिफिक क्षेत्रीय समिति स्कूल द्वारा आयोजित सम्मेलन के दौरान "मानव सूक्ष्म-डायलिसिस" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रतिमा सिंह ने 1 और 2 फरवरी को भारतीय विमानन अकादमी, वसंत कुंज, नई दिल्ली में आईएसएचआरएई, आईएक्यूए और एसआईईई द्वारा " अंतर्गृह पर्यावरणीय गुणवत्ता" विषय पर आयोजित पहले एशियाई सम्मेलन के दौरान "विद्यार्थियों के ध्यान केन्द्रण पर कक्षाओं की उपलब्धि" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौते ज्ञापन

पर्ल अकादमी और महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और डिजाइन अनुप्रयोग विभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भारतीय प्रदूषण नियंत्रण समिति और संसाधन प्रबंधन तथा डिजाइन अनुप्रयोग विभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

ग्रीनपीस, भारत और महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और डिजाइन अनुप्रयोग विभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या: 29 इंटर्न के रूप में नियोजित छात्र
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 26

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

प्रारंभिक शिक्षा विभाग ने “बचपन, बच्चों के विकास और विशेष आवश्यकताएं” शीर्षक से संचालित छमाही डिजाइनिंग और अध्यापन प्रमाणपत्र के लिए एक सामुदायिक अभिगम्य टीम “एकलव्य” के साथ समन्वय किया। संसाधन प्रबंधन डिजाइन अनुप्रयोग विभाग ने 1 और 2 फरवरी, 2019 को भारतीय विमानन अकादमी, वसंत कुंज में अंतर्गृह पर्यावरणीय गुणवत्ता विषय पर आयोजित एशियाई सम्मेलन के पहले सत्र के दौरान वायु प्रदूषण और उससे संबंधित समस्याओं के बारे में नुक्कड़ नाटक हेतु विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया। इस नुक्कड़ नाटक के जरिए वायु प्रदूषण की बढ़ती हुई संभाव्य घटनाओं और मानव स्वास्थ्य पर उनके प्रभाव की बाबत प्रकाश डाला गया। महाविद्यालय ने सतत विकास के लिए मौजूदा पर्यावरणीय समस्याओं और नवाचारी उपायों से विद्यार्थियों को अवगत कराने के प्रयोजनार्थ 29 अक्तूबर 2018 को “टेरी ग्राम” की यात्रा का आयोजन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को हरित भवनों, जैविक कचरा प्रबंधन, वर्मी-कम्पोस्टिंग, रूट ज़ोन कचरा प्रबंधन, जैव मास गैसीफायर, स्मार्ट ग्रिड और सौर चार्जिंग केंद्रों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।

पुस्तकालय विकास

संस्थान के पास एक पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय है जिसमें पाठय/संदर्भ पुस्तकों, पत्रिकाओं, शोधपत्रों और आवधिक पत्रिकाओं के रूप में 25,000 से भी अधिक उच्चस्तरीय संदर्भ पुस्तकें मौजूद हैं। संस्थान लगभग

40 राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और डीयू पत्रिकाओं का सदस्य है। पुस्तकों के परिचालन के लिए स्मार्ट कार्डों और स्कैनरों के साथ बार-कोड प्रणाली का इस्तेमाल किया जाता है। पुस्तकालय में पुस्तकों को खोजने के लिए विद्यार्थियों को लैपटॉप सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अनुक्रमण ऑनलाइन स्रोत भी उपलब्ध कराए जाते हैं।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी: 45
कुल तदर्थ: 40

वित्तीय आबंटन और उपयोग

मंजूर अनुदान: 29,98,52,827/- रूपए
उपयोगित अनुदान: 24,12,24,079.56/- रूपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

संस्थान अपने विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए संस्थान में विभिन्न समितियां अर्थात कला, पाश्चात्य नृत्य, फैशन, भारतीय शास्त्रीय संगीत, नाटक, साहित्यिक और वाद-विवाद मंच मौजूद है। इनमें से प्रत्येक सोसाइटी में विश्वविद्यालय और उससे बाहर आयोजित कार्यक्रमों में विभिन्न पुरस्कार जीते हैं।

***

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विचाराधीन वर्ष के दौरान महाविद्यालय की विशेष उपलब्धियों में से एक उपलब्धि कृष्णा छात्रावास का निर्माण कार्य पूरा होना था। छात्रावास का उद्घाटन भारत के पूर्व माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने 1 अगस्त 2018 को किया था। छात्रावास में 100 से अधिक विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित आवास और स्वच्छ भोजन की व्यवस्था है। इसमें दिव्यांग विद्यार्थियों की आवश्यकता पूरा करने का भी ख्याल रखा गया है। न्यायकेन्द्र विद्यार्थियों को उनकी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी में भी मदद करता है। संस्थान में 4 नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए। छात्र-संकाय के बीच नियमित वार्तालाप आयोजित किए गए। उपचारात्मक कक्षाएं और मेंटोरिंग प्रणालियां शुरू की जा रही है विद्यार्थियों के माता-पिता से नियमित अंतरालों पर बातचीत होती है जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए कल्याणकारी कार्य किए जा रहे हैं तथा गैर-अध्यापन स्टाफ के लिए कौशल विकास को भी बढ़ाया जा रहा है। कई अध्ययन और गैर अध्ययन सदस्यों ने अपनी शैक्षणिक उपाधियों में वृद्धि की है।

सम्मान/विशेष स्थान प्राप्त करने वाले छात्र

डॉ. स्वाति पाल को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष सेवा और योगदान देने के लिए कांस्टिटयूशन क्लब आफ इंडिया में 4 सितंबर 2018 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस की 131वीं जयंती के अवसर पर 34वें डॉ. एस राधा कृष्णन स्मृति राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार-2018, से सम्मानित किया गया।

डॉ. नमिता सेठी को अक्तूबर 2018 में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जाने के लिए यूजीसी यात्रा अनुदान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. सुधा उपाध्याय को यूजीसी-एमएचआरडी वाली एसडब्ल्यूएवाईएएम परियोजना के लिए छात्र स्वागत अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया। उन्होंने टेक महिंद्रा द्वारा संचालित एमसीडी अध्यापक कार्यशाला सेवा टीयर आईटीआईई का भी समन्वय किया।

सुश्री निर्मला मुरलीधर (एचडीएफई) को निपुण परियोजना को विकसित करने के बारे में ई-मॉड्यूल तैयार करने हेतु दिल्ली पुलिस प्रशिक्षण स्कूल, सेक्टर 9, द्वारका, नई दिल्ली द्वारा सराहना प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

सुश्री स्वाति, सुश्री पुष्पा और श्री विकास सैनी (पुस्तकालय स्टाफ सदस्य) ने यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण की। अन्य सदस्यों नामत:, श्री जय प्रकाश ने सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ से एम.एल.एससी और श्री ओमवीर सिंह ने उसी विश्वविद्यालय से अपनी बी.एल.आई.एस.सी परीक्षाओं को पास किया।

डॉ. आभा जैन को विश्वविद्यालय स्तर पर कई खेल समितियों का आयोजक नियुक्त किया गया।

गार्डन समिति ने विश्वविद्यालय पुष्प प्रदर्शनी 2019 के दौरान तृतीय स्थान प्राप्त किया

विशेष स्थान प्राप्त करने वाले छात्र

बी.ए. कार्यक्रम (एचडीएफई) के सेजल जैन और लवण्य शर्मा को जॉर्जियाई कॉलेज, ओन्टेरियो, कनाडा में समाज सेवा डिप्लोमा कार्यक्रम में चुना गया।

बी.ए प्रोग्राम (एचडीएफई) की ग्रितिका सहगल ने किंग्स्टन विश्वविद्यालय में समेकित नियोजन के साथ व्यावसायिक और व्यापारिक मनोविज्ञान के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में दाखिला लिया।

बी.ए. प्रोग्राम की भानु प्रिया ने अखिल भारतीय सांस्कृतिक संघ द्वारा पुणे में आयोजित वैश्विक सदभावना कार्यक्रम 2018 (सूफी/गज़ल श्रेणी) में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उन्होंने मुख्य कलाकार के रूप में कोलकाता के द ओबेरॉय ग्रैंड में गायक रमणीक सिंह (कनाडा) के साथ अभिनय किया।

बी. कॉम (ऑनर्स) III की जया ग्रोवर। वर्ष ने भारत सरकार द्वारा आयोजित स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप 2018-19 पूरा किया।

बी.ए. कार्यक्रम के पहले वर्ष की अनीशा को दिल्ली ओलंपिक खेलों की ताइक्वांडो स्पर्धा में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

बी.ए. प्रोग्राम की दीक्षा सरदाना ने दिल्ली ओलंपिक खेल की तांग सु डो स्पर्धा (मार्शल आर्ट) में अपने वजन वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान तृतीय वर्ष की पिंकी शर्मा ने इंटर बटालियन फायरिंग प्रतियोगिता (राज्य स्तर) में पहला स्थान प्राप्त किया। उन्होंने अखिल भारतीय थल सैनिक शिविर (राष्ट्रीय स्तर) में दूसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा उन्हें अंतर निदेशालय शूटिंग चैंपियनशिप (राष्ट्रीय स्तर) के लिए चुना गया था।

बी.कॉम. कार्यक्रम II वर्ष की तरनजीत कौर और सुष्मिता ने भारत का प्रतिनिधित्व किया और कोलकाता में आयोजित थर्ड इंडिया टीआईए ओपन इंटरनेशनल ताइक्वांडो चैम्पियनशिप 'में दूसरा स्थान हासिल किया।

प्रकाशन

चरण, ए (2018) भारत में मोबाइल विज्ञापन की प्रभावशीलता का परिमापन। ग्रीन ग्रोथ, वैश्वीकरण और सुशासन के माध्यम से व्यापार परिवर्तन। नई दिल्ली: जेएसआर पब्लिशिंग हाउस, 2018. 28-35

चोपड़ा, सी. (2018) क्या विदेशी प्रत्यक्ष निवेश महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है: विकसित और विकासशील देशों का एक पैनल डेटा विश्लेषण। अनुप्रयुक्त व्यापार और आर्थिक अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 8 (1): 83

मौर्य, एस. (2019) भारत में वित्तीय समावेशन- प्रधानमंत्री जन धन योजना के विशेष संदर्भ में हालिया रुझान। इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन इंजीनियरिंग एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट 4 (10): 228-91

पाल, पी. (2018) सामाजिक सुरक्षा और कल्याण संहिता, 2017 से पहले की चुनौतियां। मानविकी, कला और साहित्य में अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 6: 6

नारायण, एस.ए., पायल, एन. भारत। कॉमनवेल्थ साहित्य का जर्नल। 53 (4): 600-631

गुप्ता, एस. (2019) विभाजन का इतिहस-लेखन: बदलती रूपरेखा, अलोचना 59वें में: विभाजन के सत्तार साल। 29-41

मुरलीधर, एन, विकास, एम (2018) देखने वाले की नज़र: कैचिंग रेटिनोब्लास्टोमा अर्ली। इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेलबिंग 9.6: 881-885

शर्मा, ए, गौर, ए (2018) छोटे क्रम की गैर न्यूनीकृत रिंग्स और उनका अधिकतम ग्राफ। बीजगणित और संबंधित विषयों की पत्रिका। 6 (1): 35-44

चंचल, के (2018) अवैध सीमापार पलायन- क्षेत्रीय सहयोग के लिए रूकावटें। वर्ल्ड फोकस, XXXIX। 6: 91-98

श्री, आर (2018) रीवर्स एज कॉमन्स: वास्तविकता या मिथक? एसएएनडीआरपी ब्लॉग। वेब। 16।

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ. स्वाति पाल की "टीचिंग सिमुलेशन" शीर्षक से ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस परियोजना (1 नवंबर 2017 से 31 मार्च 2018 तक) 1 लाख रुपए

फिल्म अध्ययन मीमांसा: प्रचार के माध्यम के रूप में सिनेमा पर विशेष ध्यान के साथ शीर्षक से दर्शनशास्त्र विभाग की महाविद्यालय द्वारा प्रायोजित परियोजना-सीड ग्रांट- 30,000/- रूपए

कुपोषित बच्चों में "प्रारंभिक जांच और रेटिनोब्लास्टोमा की स्क्रीनिंग" पर एक संवेदीकरण परियोजना नवंबर 2017 में शुरू की गई थी। परियोजना का दूसरा चरण जुलाई 2018 में शुरू हुआ और फरवरी 2019 तक श्रीमती निर्मला मुरलीधर (परियोजना समन्वयक, जेडीएमसी) की देखरेख और डॉ. विकास मेनन (परियोजना सलाहकार, परामर्शदाता ओकुलर ऑन्कोलॉजिस्ट, सीएफएस, नई दिल्ली) की सहायता से जारी रहा।

2 जनवरी 2019 से "एरोबिक और एनारोबिक फिटनेस ऑफ गर्ल्स स्टूडेंट (एक अनुदैर्ध्य अध्ययन) पर कॉलेजिएट शारीरिक शिक्षा कार्यक्रमों का प्रभाव" शीर्षक से एक अनुसंधान परियोजना चल रही है।

आयोजित संगोष्ठियां

30 जनवरी 2019 को इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ फाइनेंशियल प्लानिंग के सहयोग से सेमिनार, "फाइनेंशियल प्लानिंग एंड ल्यूसरेटिव कैरियर" विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। श्री अनिल चोपड़ा (ग्रुप डायरेक्टर, कॉर्पोरेट अफेयर्स, बजाज कैपिटल लिमिटेड) इसके (संसाधन व्यक्ति) थे।

16 जनवरी 2019 को दिल्ली स्कूल ऑफ बिजनेस,वीआईपीएस तकनीकी परिसर के सहयोग से "उद्योग 4.0 की तैयारी" शीर्षक से एक संगोष्ठी का आयोजित की गई। प्रोफेसर नीरजा अरोड़ा, पीजीडीएम आईआईएम उसके विशेष वक्ता थे।

25 अक्तूबर 2018 को "भारत का भविष्य, आगामी दशको के आर्थिक सुधार और कौशल" और "ग्लोबल करियर इन लॉ, डिप्लोमेसी एंड पब्लिक पॉलिसी" शीर्षक प्रोफेसर आनंद प्रकाश मिश्रा (असिस्टेंट डीन- ओपी जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल) और प्रोफेसर राजीव मल्होत्रा (संकाय और कार्यकारी निदेशक, विकास और वित्त केंद्र - ओपी जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय) इन संगोष्ठीयों के वक्ता थे।

26 अक्तूबर 2018 को "रिविज़िटिंग दिल्ली-6" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध इतिहासकारों और विद्वानों यथा प्रोफेसर नदीम रिजवी (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय), प्रोफेसरनजफ हैदर (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय), प्रोफेसर फरहत नसरीन (जामिया मिलिया इस्लामिया) और डॉ. लुबना इरफान ने शाहजहानाबाद के गौरवशाली इतिहास के उन विभिन्न पहलुओं पर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया जिसे हम आज कभी-कभी दिली -6 भी कहते हैं।

आयोजित सम्मेलन

भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में 4 और 5 फरवरी, 2019 को वाणिज्य विभाग द्वारा "सतत विकास और विश्व अर्थव्यवस्था" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। डॉ. एंड्रियास बाउर, वरिष्ठ काउंटी प्रतिनिधि (भारत), अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष इसके मुख्य अतिथि थे।

28 फरवरी और 1 मार्च 2019 के दौरान "लोकप्रिय संस्कृति" नामक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

"अध्यापन फिल्म पक्ष: प्रसार मूल्यों के माध्यम के रूप में सिनेमा पर विशेष ध्यान देने" 29 और 30 अक्तूबर 2018 को कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के सहयोग से विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित किया गया था।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

चंचल चोपड़ा ने 16 और 17 जुलाई 2018 को भारत अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र में नीति आयोग के सहयोग से श्रीराम महाविद्यालय द्वारा “महिला सशक्तिकरण: उद्यमशीलता, नवाचार और स्थिरता संवर्धन” विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “महिला सशक्तिकरण पर प्रत्यक्ष विदेशी का प्रभाव” जिसमें श्रीराम जैन महाविद्यालय द्वारा आयोजित शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अनुराधा गोयल ने 16 और 17 जुलाई 2018 को एसआरसीसी और नीति आयोग द्वारा "महिला सशक्तिकरण: उद्यमिता, नवाचार और स्थिरता” विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "महिला सशक्तिकरण के माध्यम से उद्यमिता" शीषर्क से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पूजा पाल ने 4 और 5 फरवरी 2019 को जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में "सतत विकास और विश्व अर्थव्यवस्था" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में रोजगार वृद्धि संगठित विनिर्माण" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

स्वाति पाल ने 16 और 17 नवंबर 2018 को आईएएआरएचआईईएस (आईसीडब्ल्यूएलआरआर-2018) के सहयोग से राजकीय मोहिंद्रा महाविद्यालय, पटियाला द्वारा "युद्ध साहित्य: रिवीजनिंग अक्रॉस जेनेसिस" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “युद्ध (और युद्ध विरोधी) प्रचार: शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

स्वाति पाल ने 7 से 9 फरवरी 2019 के दौरान नेपाल स्थित मीडिया और संचार स्कूल में “भारतीय डिसेंटर्स: डिस्कार्स थियेटर अनुसंधान सोसाइटी: पैराडिम्स की खोज: विषय पर आयोजित XV अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “राजनीतिक आयाम: राष्ट्रवाद का निर्माण” शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

तारा शिमर मल्हान ने जुलाई, 2018 को "सक्रिय एशिया: भूगोल और जीनियोलाजी" विषय से आयोजित जोशन इमेजीनरीज और सांस्कृतिक विरासत के दौरान जेंडर्ड" स्पेटियलाइजेशन ऑफ द जोशन: कागतासरितसागर में कावार्ता, वणिक, ब्रह्मानंद विद्याधारी" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

माधवी ने 5 से 8 जुलाई 2018 के दौरान एशियाई अध्ययन समिति, इंक, अशोक विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत द्वारा "सक्रिय एशिया: जियोग्रॉफिज एंड जेनेलॉजी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय एएएसइन एशिया - लन मेंसम्मे"एशियन बियंड एशिया: द रिक्रुटमेंट इनडेंनचर्ड लेबरर्स फार प्लांटेशन इकोनामी सीआई 1834 - 1910" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आकांक्षा कुमार ने 5 अप्रैल 2018 को सैन फ्रांसिस्को, यूएस में आयोजित नेशनल स्टडीज एसोसिएशन (आईएसए) की बैठक के दौरान "विभाजन पर दोबारा विचार-विमर्श के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

जुबैर अहमद ने 5 फरवरी 2019 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में "पश्चिम एशिया और उत्तर अफ्रीका के परिवर्तनशील भूगोलिक-राजनीतिक निर्माता: भारत पर उनके प्रभाव" शीर्षक से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय शक्ति प्राप्त करने के लिए ईरान और सऊदी अरब के बीच प्रतिद्वंद्विता" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पुरीयांगठानलियु ने 6 और 7 सितंबर 2018 के दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ भारत और भूटान केन्द्र के सहयोग से प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, बंगलौर द्वारा 'लैंगिक मेनस्ट्रीमिंग कार्यनीति के जरिए लैंगिक समानता" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "वस्त्रों की दुनिया में: नागा वस्त्रों का सामाजिक उत्पादन और संधारणीय" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

दिल्ली पुलिस प्रशिक्षण स्कूल, द्वारका के सहयोग से समाजशास्त्र विभाग ने सितंबर से अक्तूबर 2018 तक पुलिस कर्मियों के लिए लैंगिक संवेदीकरण कार्यशालाएं करने के लिए एक परियोजना 'क्लैप' शुरू की। इस परियोजना के अंतर्गत 1250 पुलिस रिक्रुटों को 2 संकाय सदस्यों और 4 विद्यार्थियों द्वारा प्रशिक्षित किया गया।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या: 84

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 10 (9 परिसर में + 1 परिसर के बाहर)

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

वाणिज्य विभाग ने नई दिल्ली में मदर डेयरी और कोकाकोला प्लांट के लिए शैक्षिक यात्राओं की योजना बनाई। महाविद्यालय ने "कैंसर से जीत के लिए प्रतिबद्ध पहल के माध्यम से स्तन कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 'ब्लिस फाउंडेशन' के साथ हाथ मिलाया। 'स्मार्ट कंपनी' के सहयोग से 22 सितंबर 2018 को "पर्यावरण और प्लास्टिक के विकल्प" नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें ब्लैक प्लास्टिक के विकल्प के रूप में निर्मित बायोडिग्रेडेबल/ग्रीन बैग के उपयोग को बढ़ावा देकर प्लास्टिक मुक्त दुनिया को बढ़ावा देने का आहवान किया गया। बिन लाइनर्स प्लास्टिक कचरे के संचय की समस्या को हल करने के लिए उन ग्रीन बैगों के उपयोग को बढ़ावा दिया गया जो विशेष रूप से सार्वजनिक टॉयलेटों में सैनिटरी नैपकिन और डायपर के लिए डिज़ाइन किए गए थे। विश्व कैंसर दिवस पर रेटिनोब्लास्टोमा पर जन जागरूकता अभियान 'वॉकथॉन

संकल्प' के साथ मनाया गया। वॉक डॉ. ने महिपाल सचदेव (अध्यक्ष और प्रबंधन निदेशक, सेंटर फॉर साइट, नई दिल्ली) हरी झंडी दिखाई।

पुस्तकालय विकास

इस वर्ष कुल 1148 पुस्तकें प्राप्त की गईं, जिनमें से 1004 खरीदी गईं और उनमें से 144 महाविद्यालय को उपहार में दी गईं। पत्रिका / पत्रिका संग्रह की सूची में 7 अंतर्राष्ट्रीय और 62 राष्ट्रीय पत्रिकाएं / पत्रिका शामिल हैं। 11 विभिन्न अखबारों में सदस्यता है। पुस्तकालय ने एनएलिस्ट में भी नामांकन कराया है (इनफ्लिबनेट के जरिए अंशदानकृत ईडाटाबेस रिसोर्स-)

संकाय की संख्या

कुल स्थायी संकाय: 69
कुल तदर्थ संकाय: 73

वित्तीय आबंटन और उपयोग

प्राप्त अनुदान: 61.00 करोड़ रुपए
उपयोगित अनुदान 40.42 करोड़ रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय ने इस शैक्षणिक वर्ष में हरिक जयंती वर्ष के लिए अपने समारोहों की शुरुआत की। कई पहलें जैसे कि कॉफी टेबल बुक, एक ई-जर्नल, एक प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला, एक वृत्तचित्र फिल्म, वृक्षारोपण अभियान आदि की योजना बनाई गई थी। शास्त्रीय नृत्य समिति 'नुपुर', ने पूरे वर्ष के दौरान प्रशंसा हासिल की। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वाइस-रीगल लॉज में विश्वविद्यालय एनएएसी पीयर टीम का नेतृत्व करते हुए इस समिति को भी आमंत्रित किया गया। अधिकांश समितियों के विद्यार्थियों को महाविद्यालय में प्रशंसा मिली। उन्होंने विश्वविद्यालय के खेल क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के विद्यार्थियों ने विभिन्न इंटर कॉलेज और एनसीसी कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वीरोत्सव - 2018 में, गुरू नानक देव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के एनसीसी फेस्ट में क्वार्टर गार्ड प्रतियोगिता और स्क्वाड ड्रिल प्रतियोगिता में एनसीसी कैडेटों को प्रथम घोषित किया गया। एनसीसी विद्यार्थियों को पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान कई अन्य पुरस्कार भी मिले।

***

जीसस और मैरी महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने अपने 'गोल्डन जुबली' समारोहों को जारी रखा, जिसका उद्घाटन 2017 में माननीय श्री राम नाथ कोविंद ने किया था। "सशक्त शिक्षा के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण" दृष्टिकोण के 50 वर्ष पूरे होने पर, इसी विषय पर स्वर्ण जयंती अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 3 और 4 अक्तूबर 2018 किया गया। इसमें भारत और विदेश के प्रतिष्ठित विद्वानों, उद्यमियों और परोपकारी लोगों ने भाग लिया। माननीय राष्ट्रपति द्वारा शुरू की गई प्रतिष्ठित एनडीएमसी स्कूल परियोजना ने गणित, अंग्रेजी, खेल और ललित कला में कक्षाओं/कार्यशालाओं के माध्यम से स्कूली बच्चों को अकादमिक और समग्र शिक्षा प्रदान करने के लिए अपने दूसरे वर्ष में प्रवेश किया। हाल ही अर्थात जुलाई 2019 में स्वास्थ्य परिचर्या और रिटेल क्षेत्र में प्रशिक्षित होने

के बाद नियोजन और खुदरा प्रबंधन एवं आईटी और स्वास्थ्य परिचर्या प्रबंधन में बी.वोक कार्यक्रम शुरू किया गया।

सम्मान/गौरव

डॉ. रेनी थॉमस को 2019 में सोशल एंथ्रोपोलॉजी, क्वीन विश्वविद्यालय, बेलफास्ट, यूके में चार्ल्स वालेस फैलोशिप 'से सम्मानित किया गया।

डॉ. रीना मारवाह को, इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल सिक्योरिटी स्टडीज, श्रीलंका (आईएनएसएसएसएल) द्वारा सीनियर फेलो के रूप में मान्यता दी गई थी।

डॉ. ऋचा राज ने प्री-कमीशन ट्रेनिंग के दौरान "कोर्स पर सर्वश्रेष्ठ एसोसिएट एनसीसी अधिकारी" के लिए डीजी एनसीसी ट्रॉफी प्राप्त की। (पीआरसीएन/एसडब्ल्यू/102) अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, ग्वालियर में 2 अगस्त से 17 नवंबर 2018 तक।

डॉ. रेनी थॉमस को पांडुलिपियों (पीयर समीक्षा) की समीक्षा करने और रूटलेज (लंदन), लेक्सिंगटन (न्यूयॉर्क), ओरिएंट ब्लैकस्वान (भारत) द्वारा प्रकाशित पुस्तकों के पृष्ठावानों का लिखने के लिए एक विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

विशेष स्थान प्राप्त करने वाले छात्र

समाजशास्त्र विभाग के सुभाषलक्ष्मी रे और सहर बजाज ने सर्वश्रेष्ठ चहुमुखी छात्र होने के लिए 'मारिया फिलिप छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास की प्रियंका फोगट को वर्ष 2018 में एनसीसी में सार्जेंट के पद से सम्मानित किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र के यादवल्ली अंतरा राव ने फिल्म 'आस्थी' में अभिनय किया, जिसे कांस फिल्म समारोह, 2018 में प्रदर्शित किया गया।

प्रकाशन

शाशवती, एस. (2019) द अनबियरेबल जेंडररिंग ऑफ बीइंग: परफ़ॉर्मेंस ऑफ़ वूमनहुड एज ए सोर्स ऑफ़ स्ट्रेस। एप्लाइड सामाजिक विज्ञान का इंटरनेशनल जर्नल। 2394-1405।

डॉ.स, सी. (2018) आहार में नेहरू: धार्मिक अल्पसंख्यक और भारतीय धर्मनिरपेक्षता। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिकी। 53 (29): 38-47

डॉ.स, सी. (2018) भारतीय ईसाई और दक्षिण भारत में समग्र संस्कृति का निर्माण। साउथ एशिया रिसर्च, सेज पब्लिकेशन। 38 (3): 1-21, 247-267

खान, ए. शिखा (2018) संयोजन का सामान्यीकरण - संयोजन अनुकूली स्लाइडिंग मोड नियंत्रण के माध्यम से एन-आयामी विलम्बक एवं अराजक प्रणाली का सिंक्रनाइज़ेशन। एप्लाइड साइंसेज में गणितीय तरीके। 41 (9): 3356-3369

कुमार, एम. (2018) स्वत्रंता आन्दोलन में गाँधी की पत्राचारिता का सक्रिया योगदान। अभिनव सामाजिक विज्ञान और मानविकी अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 5 (2): 2349-1876

भटनागर, पी। (2019) अनुभूति: इसकी प्रक्रिया और अनुप्रयोग का अवलोकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिव्यू। 6 (6): 1186 - 1190

सरीन, सी. मोडा, वी. (2019) हरित उपभोक्तावाद: एक सनक और एक सतत दृष्टिकोण - एक अनुभवजन्य अध्ययन: 21वीं सदी में व्यापार स्थिरता पर XIV का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। लोग, ग्रह, लाभ का प्रबंधन। आईएसबीएन 978-93-88912-91-4

अब्राहम, एम. (2018) “स्व” को घोषित और अन्य को सशक्त बनाना ': औपनिवेशिक दक्षिण दिल्ली में विज़नरीज़। धर्म का जर्नल। 43 (2)

त्रिपाठी, ए. (2018) रामस्वरूप चतुर्वेदी आलोककथायन, महेंद्र प्रसाद कुशवाहा, साहित्य भंडार इलाहाबाद, आईएसबीएन नंबर 978---81---7779–621--6 द्वारा संपादित।

पत्रिकाएं

महाविद्यालय आईएसएसएन नंबर 2456 - 9550 के साथ अपना ई-जर्नल ‘द जेएमसी रिव्यू’ प्रकाशित करता है।

इस पत्रिका के संपादकीय बोर्ड में निम्नलिखित शिक्षक हैं:

डॉ. तैशा अब्राहम, एसोसिएट प्रोफेसर (आरडीटी), अंग्रेजी विभाग

डॉ. माया जॉन, सहायक प्रोफेसर, इतिहास विभाग

डॉ. सायं देवसेन नांबियार, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग

डॉ. रेनी थॉमस, सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ. मेघा जैकब से संबंधित पंचायती राज मंत्रालय, एनएचआरएम द्वारा प्रायोजित परियोजनाएँ। प्रत्येक 25,000/- रुपये।

मनोविज्ञान विभाग की डॉ. रेशमा रायचेल जोस द्वारा भारत सरकार के मुख्य सलाहकार के साथ "गिफ्टेड एजुकेशन" शीर्षक से अनुसंधान परियोजना 1,95,000/- रुपये।

सम्मेलनों / कार्यशालाओं का आयोजन

7, 11 और 13 फरवरी 2019 को मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों के लिए ट्रांसेक्शनल एनालिटिक सेंटर फॉर एजुकेशन (टीएसीईटी) द्वारा "लेन-देन विश्लेषण" विषय पर आयोजित कार्यशाला।

महाविद्यालय के 50 वर्षों के पूरे होने के उपलक्ष्य में "शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना" विषय पर हरिक जयंती अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

मार्च 2019 को "सामाजिक मीडिया विपणन: अवसर और चुनौतियाँ" शीर्षक से एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

ऋचा राज ने 26 से 28 फरवरी 2019 के दौरान भोपाल में आयोजित भारतीय इतिहास कांग्रेस के 79वें सत्र में दौरान एक आमंत्रित पैनलिस्ट के रूप में “महात्मा गांधी और भारतीय राष्ट्र निर्माण” शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुसान जॉर्ज ने 14 अक्तूबर, 2018 को पीजी एवं अंग्रेजी अनुसंधान विभाग, राजकीय विक्टोरिया महाविद्यालय, पलक्कड़ द्वारा “थॉट मशीन्स: नेशनल सेमिनार ऑन टेक्नोमेटी रियलइटी एंड ह्यूमैनिटीज”

विषय पर आयोजित संगोष्ठी के दौरान "मेमोरी का औद्योगिकीकरण: स्टीगलर के साथ यूट्यूब देखना" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

समीरा मेहता ने 2019 में अंग्रेजी विभाग, भारतीय महाविद्यालय द्वारा अंग्रेजी सिनेमा विभाग द्वारा "भारतीय सिनेमाई परिकल्पना में महिलाओं की आवाज/नजर" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में "वृद्धाओं के लिए कोई सिनेमा नहीं" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

माया जॉन ने '17 से 18 जनवरी 2019 के दौरान इतिहास और संस्कृति विभाग, बोलोग्ना विश्वविद्यालय बोलोग्ना (इटली) के द्वारा "महिला श्रमिक इतिहास के नए आयाम: कार्य और सक्रियता" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (स्काइप के माध्यम से), "वन डे इन द लाईफ ऑफ़ जोहरा बीबी: ए हिस्ट्री ऑफ़ माइग्रेशन, प्रीकरिटी एंड रेजिस्टेंस विमेन डोमेस्टिक वर्कर्स" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अमिता पालीवाल ने 25 से 27 अक्तूबर 2018 के दौरान काठमांडू, नेपाल में दक्षिण एशिया अध्ययन केन्द्र साउथ एशियन स्टडीज सेंटर फॉर साउथ एशियन स्टडीज द्वारा आयोजित दक्षिण एशियाई सम्मेलन के दौरान, "सत्रहवीं शताब्दी में सिंध की शहरी अर्थव्यवस्था" शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

सुशीला रामास्वामी ने 21 से 25 जुलाई 2018 के दौरान ब्रिसबेन, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित 25 वें विश्व कांग्रेस ऑफ इंटरनेशनल पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन (बॉर्डर्स एंड मार्जिन्स) की 25वीं विश्व कांग्रेस में "महिला सफ्रेज आंदोलन: राजनीतिक, समाजीकरण, नागरिकता और वैश्वीकरण प्रक्रिया (आरसी21.08)" में मार्जिन से मेनस्ट्रीम शीर्षक से एक शोध पद्ध प्रस्तुत किया।

सुशीला रामास्वामी ने फरवरी 2019 के महीने में जामिया मिल्लिया यूनिवर्सिटी में आयोजित, स्टेट, मार्केट एंड डेमोक्रेसी इन इंडिया विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान "द लिबरल स्टेट एंड इट्स एवोल्यूशन, यूजीसी- डीआरएस-एसएपी-1" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

28 जुलाई 2018 को पेरिस में आयोजित ईएचईएसएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'के दौरान सरबानी शर्मा ने "यूरोपीय एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन स्टडीज" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अंजू लूथरा ने मार्च 2019 में महाविद्यालय में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "सोशल मीडिया मार्केटिंगअवसर और चुनौतियां आईसीएसएमएम :'19" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

थाईलैंड के चियांग माई विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नॉर्थ चाइना यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी (एनसीयूटी), बीजिंग, चीन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

अन्य अंतर-अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

आईआईएसईआर (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, एजुकेशन एंड रिसर्च), पुणे के सहयोग से 18 और 19 मार्च 2019 को 'जलवायु परिवर्तन पर पाठ योजना लेखन' विषय पर एक दिवसीय संकाय विकास कार्यशाला का आयोजन किया।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

दो विद्यार्थियों को 2015 - 2018 से कॉनकॉर्डिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क, यूएसए के साथ किए गए करार के अंतर्गत नियोजित किया गया।

नियोजन प्रारूप ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या: लगभग 101
परिसर में भर्ती के लिए जाने वाली कंपनियों की संख्या: लगभग 40

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

व्यावसायिक अध्ययन विभाग ने बी. वोक विद्यार्थियों के लिए एएमएन अभिगम्य कार्यक्रम शुरू किया। सर गंगा राम चिकित्साल्य (एसजीआरएच) के साथ साझेदारी में 'जेरिएट्रिक्स' और 'किशोरों' में छात्र/विद्यार्थियों के एक समूह ने 1 और 2 फरवरी 2019 को एसजीआरएच की रीच आउट टीम द्वारा कीर्ति नगर, गीता भवन विषय पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित एक नेत्र शिविर का दौरा किया। गेरिएट्रिक्स समूह ने 19 फरवरी और 19 मार्च 2019 को छतरपुर के निर्मल छाया नामक वृद्धाश्रम का दौरा किया। महाविद्यालय की एजुकेशनल प्रोग्राम सोसाइटी ने आस-पास की कॉलोनियों के कमजोर बच्चों की मदद की और स्कूल स्तर की शिक्षा प्रदान करने के लिए कक्षाएं संचालित कीं। उन्होंने 100 से अधिक बच्चों के लिए स्टेशनरी और नोटबुक के वितरण के लिए विवेकानंद शिविर और संजय शिविर का भी दौरा किया। अर्थशास्त्र विभाग के अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ ने स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, घरेलू संपत्ति और अन्य जनसांख्यिकीय विशेषताओं के मुद्दों पर अनुसंधान और जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से डेटा एकत्र करने के लिए संजय कैंप स्लम में एक परियोजना शुरू की।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने 2018 - 2019 के दौरान 616 पुस्तकें प्राप्त की। वर्ष के दौरान कुल 95 पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई, जिनमें से 79 राष्ट्रीय और 16 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं हैं। पुस्तकालय की पुस्तकों का कुल संग्रह बढ़कर 54536 हो गया जिसमें 48133 सामान्य पुस्तकें और 4975 दान की गई पुस्तकें (जिनमें से 1428 बुक बैंक में उपलब्ध हैं) शामिल हैं। पुस्तकालय का कुल बजट 11,90,000/- रुपए था। और शैक्षणिक वर्ष में खरीदी गई पुस्तकें 616 थीं। पुस्तकालय उस वर्ष के दौरान एन-सूची (इनफ्लिबनेट) कार्यक्रम के लिए नामांकित हुआ, जहां उपयोगकर्ता ई-जर्नल और ई-बुक्स तक पहुंच सकते हैं।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी: 72

कुल तदर्थ: 57

वित्तीय आबंटन और उपयोग

मंजूर अनुदान: 34,44,60,000.00/- रूपए

उपयोग अनुदान: 40,94,51,983.00/- रूपए

***

कालिंदी महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

कालिंदी के आदर्श वाक्य 'ज्ञानंशीलमुर्मचैवभूषणं' '(ज्ञानम् शीलम् धर्मश्चैव भूषणम) मानव जीवन के तीन गुणों का बोध कराते हैं: ज्ञान, विनय और कर्तव्य बोध। महाविद्यालय का लक्ष्य 3622 नियमित विद्यार्थियों, लगभग 1257 गैर-कॉलेजिएट विद्यार्थियों और लगभग 2500 विद्यार्थियों को मुक्त अधिगम स्कूल केंद्र के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सर्वांगीण विकास प्रदान करना है। यह गर्व की बात है कि महाविद्यालय ने पूरे भारत

में शीर्ष 100 महाविद्यालयों और 4 हजार महाविद्यालयों के बीच एनआईआरएफ इंडिया रैंकिंग 2019 में 89वीं रैंक हासिल की। महाविद्यालय को बर्कशायर मीडिया एलएलसी, यूएसए द्वारा "भारत के शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार 2018" से सम्मानित किया गया है। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में सम्मेलनों में 170 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए और संकाय सदस्यों द्वारा पांच पुस्तकें प्रकाशित की गईं। 400 से अधिक विद्यार्थियों ने कई पेपरों में 'ओ' ग्रेड प्राप्त किया। विद्यार्थियों का कई अंतर्गृह परियोजनाओं में शामिल करके उनके बीच अनुसंधान परियोजनाओं में रुचि उत्पन्न की गई। इन परियोजनाओं के सुचारू संचालन के लिए विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया गया। एनएएसी और यूजसी के सहयोग से आईक्यूएसी के प्रशासन प्रयोगशाला और पुस्तकालय स्टाफ के संकाय विकास और प्रशिक्षण के लिए "उच्चतर शिक्षा संस्थानों में कौशल संवर्धन: कल के लिए कौशल विकास" शीर्षक से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सम्मान/गौरव

डॉ. अनुला मौर्य, प्रधानाचार्या को 14 से 16 मार्च 2019 को दुबई, यूएई द्वारा बिज़ॉक्स (ग्लोबल लीडर अवार्ड) वर्ष के सर्वश्रेष्ठ महिला व्यक्तित्व के लिए "ग्लोबल लीडर्स अवार्ड 2019" से सम्मानित किया गया, ।

डॉ. अनुला मौर्य, 25 नवंबर 2018 को भारत-नेपाल समरसता संगठन द्वारा राष्ट्रीय सत्यनिष्ठा के लिए "इंडो-नेपाल एकता पुरस्कार" से सम्मानित, किया गया।

डॉ. अनुला मौर्य, प्रधानाचार्या को 4 मई 2018 को इंडिया इंटरनेशनल फ्रेंडशिप सोसायटी के सहयोग से थाईलैंड के उप-प्रधान मंत्री द्वारा उत्कृष्टता के आधार पर सामाजिक और आर्थिक रूप से विशिष्ट पहचान के लिए "ग्लोरी ऑफ इंडिया अवार्ड" से सम्मानित किया गया।

डॉ. रूचि त्यागी को 1 मई 2018 को 96वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "अकादमिक गतिविधियों में उत्कृष्ट सेवा और योगदान" को मान्यता देने (इन महाविद्यालयों की श्रेणी) पर उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. मीना चरणदा को दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय द्वारा " महाविद्यालय व्याख्याता 2018-19 के लिए पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

विशेष स्थान प्राप्त करने वाले छात्र

बी.ए (ऑनर्स) पत्रकारिता की निधि सिंह ने विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

मौर्य, ए. कौशिक, आर. (2019)। संयमित जीवन की कला। विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली। आईएसबीएन 978-93-85539-49-7

मंगला, एस. (2018) समावेशी शासन और मानवाधिकार, ब्लूम्सबरी प्रकाशन, नई दिल्ली, आईएसबीएन: 978-93-88038-99-7

मंगला, एस. (2018) महिलाओं के अधिकार और लैंगिक समानता विषय पर डॉ. बी. आर. अम्बेडकर, सम्यक प्रकाशन, दिल्ली, आईएसबीएन: 978-93-88487-62-7

नारज़री, एम. (2018)। मिस्र में प्रजातंत्र और नागरिक समाज की भूमिका, नए युग की मानसिकता के लिए एनएएम अंतर्राष्ट्रीय मासिक। करंट अफेयर्स रिसर्च जर्नल, आईएसएसएन 2347-3193 पंजीकरण सं. आरएन/नंबर -45896/87, खंड एलवीएक्सएक्सआईएक्स, नंबर 06

सिंह, आर.(2018) महिला उद्यमी: उद्यमिता के सच्चे प्रेरक, शोध वार्ता। एक इंटरनेशनल रेफरीड रिसर्च जर्नल, VIII (XXVI): 84-86

दास, सी. (2018) बांग्लादेश में युद्ध और उसके बाद का जीवन: धर्मनिरपेक्षता, विश्वास और विवादास्पद विरासत। एड्स. खुर्शेद आलम। बांग्लादेश: आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक मुद्दे। न्यूयॉर्क: नोवा साइंस पब्लिशर्स।

मंगला, एस. (2018) इंडियन एजुकेशन सिस्टम: द ग्रेवेस्ट कंसर्न इम्प्लॉयबिलिटी गैप है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट इन्वेंशन। आईएसएसएन (ऑनलाइन) - 2319-8028, आईएसएसएन (प्रिंट) -2319-801X: 7 (8): 89-93

गिरि, एन. (2018)। भारत में शासन और विकास: नेहरूवादी मॉडल का आलोचक। नेहरू की विरासत: मूल्यांकन और विश्लेषण, एड।, लिन्सी लोबो और जयेश शाह, मनोहर पब्लिशर्स द्वारा: नई दिल्ली, पीपी .69-181

कपिंदर, तारकेश्वर, सिंह, ए.के. (2018)। वयस्क परजीवी की उड़ान की प्रतिक्रिया, कोट्सिया प्लूटेला (कुर्डजुमोव) (हाइमेनोप्टेरा: ब्रेकोनिडे) पर प्रकाश की तीव्रता और खाद्य संसाधनों के पोषक मूल्य का प्रभाव। बायोरेक्सिव 444224; (ऑनलाइन) doi: https://doi.org/10.1101/444224

पत्रिकाएं

2018-19 (18वें अंक) में कालिंदी महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित वार्षिक अकादमिक जर्नल।

संपादक के रूप में सेवारत महाविद्यालय संकायों की संख्या/संपादकीय बोर्ड के सदस्य

संपादक- डॉ. चैत्य दास; सह-संपादक डॉ. पुनीता वर्मा, सदस्य - डॉ. रक्षा गीता, डॉ. विश्वजीत विद्यालंकार, डॉ. रीना जैन, डॉ. शिप्रा गुप्ता, डॉ. त्रिरंजिता श्रीवास्तव, डॉ. तनु शर्मा

अनुसंधान परियोजनायें

इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर (आईयूएसी) प्रायोजित परियोजना डॉ. पुनीता वर्मा की "एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी अत्यधिक चार्ज किए गए धीमे आयनों के साथ"।

डॉ. पुनीता वर्मा इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर (आईयूएसी) ने प्रायोजित परियोजना "छोटे अंतर परमाणु दूरी पर एक्स-रे माप की गणना के लिए आणविक कक्षीय दृष्टिकोण" 6,43,000/- रुपये ।

डॉ. वर्षा सिंह डीएसटी-एसईआरबी परियोजना “कैटफ़िश हेटरोपन्यूसवेस जीवाश्म में वेसोटोसिन और कार्टीकासटीराइड्स के बीच कार्यात्मक बातचीत” 23,07,201/- रुपये।

टेरी स्कूल ऑफ एडवांस स्टडीज द्वारा प्रायोजित डॉ. शनुजा बेरी की परियोजना "कोयला खदानों की अत्यधिक और अवशेषित मिट्टी में माइक्रोबियल विविधता का अध्ययन"। एसएएस ने अपनी भागीदारी के लिए 25 विद्यार्थियों को सभी उपभोग्य सामग्रियों और प्रमाणपत्रों को प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की।

डॉ. वंदना रानी की जैवप्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित परियोजना " बैक्टीरिया और फेड आन सप्लिमेंटिड फीड के साथ मछली में स्वास्थ्य सुधार का मूल्यांकन"। 8 लाख रुपये।

आयोजित संगोष्ठीयां

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर अध्ययन वृत्त ने 10 अप्रैल 2019 को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की भविष्य दृष्टि और यथार्थवादी क्रियाएं विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

10 से 12 अप्रैल, 2019 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केन्द्र में "बदलता पर्यावरण: उभरती चुनौतियां और उनके प्रबंधन की रणनीतियां" विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग 14 और 15 मार्च 2019 को द्वारा विद्यार्थियों की दो दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई इस संगोष्ठी का विषय भारत में पार्टी, चुनाव और राजनीतिक प्रक्रिया था। इस संगोष्ठी में डीयू, जेएनयू, एनसीडब्ल्यूईबी, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक और मुंबई लॉ कॉलेज के 11 स्नातकोत्तर और 7 पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

7 और 8 फरवरी 2019 को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में सरकार के एक उपक्रम महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्बेटिंग क्लेमैटिक चैलेंजेस (एमजीआईसीसीसी), के सहयोग से "शहरी पर्यावरणीय स्थिरता" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

9 और 10 अक्तूबर 2018 को पत्रकारिता विभाग द्वारा "संगोष्ठी का मानव अधिकार: हाथ एक साथ" शीर्षक से एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

राखी चौहान ने 6 से 8 फरवरी 2019 के दौरान अफ्रीकन अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "दक्षिण अफ्रीका की सत्ता में महिला: समाज में परिवर्तन" नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आर. त्यागी ने 28 और 29 जनवरी, 2019 को राजनीति विज्ञान विभाग, गोवा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आईसीआईसीआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारतीय नीति में विदेशी नीति का विचार" नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें 'भारतीयता की व्याख्या' है।

मनीला नारज़ारी ने । 24 और 25 जनवरी 2019 को राष्ट्रीय शोध केंद्र (डीसीआरसी), दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर- उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र) द्वारा आयोजित 'इंडिका विचारधारा' पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला में "श्रीमंत शंकदेव और उनके दर्शन" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पी. वर्मा ने टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च द्वारा 3 से 8 दिसंबर 2018 को “परमाणु और आणविक भौतिकी” विषय पर आयोजित 13वें एशियाई अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में “120 और 200 मेव एग-आयनों के प्रभाव द्वारा एयू में एकाधिक आयनीकरण” नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

तारकेश्वर गौतम ने 16 से 18 नवंबर 2018 के दौरान जूलॉजी विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा “मानव कल्याण के लिए जैविक और पर्यावरण अनुसंधान में प्रगति” विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “जैव विविधता संरक्षण के माध्यम से टैगफेलर्स: इंस्टीट्यूशन एंड यूथ की भूमिका” शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुनीता मंगला ने 14 नवंबर 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदु महाविद्यालय में “भारतीय मीडिया में स्त्री: चुनौतियां और उपलब्धियां” शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मीना चरणदा ने 5 और 6 अक्तूबर 2018 को राष्ट्रसंत तुकादोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में “भारत के संदर्भ में एक राष्ट्र एक चुनाव: परिप्रेक्ष्य चुनौतियां” शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रीनी पुंडीर ने 14 और 15 सितंबर 2018 के दौरान इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा “मध्यकालीन भारत में समग्र संस्कृति का विकास” विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय

संगोष्ठी में “मध्यकालीन उत्तर प्रदेश के संदर्भ में खाद्य संस्कृति का विकास” नामक शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

निवेदिता गिरि ने 21 से 25 जुलाई 2018 को ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन नगर में आयोजित 25वीं राजनीति विज्ञान विश्व कांग्रेस की आईपीएसए-एआईएसपी के दौरान “राजनीतिक एकीकरण: दक्षिण एशिया की महिलाओं के बारे में एक अध्ययन” नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौते ज्ञापन

25 जनवरी 2017 को कालिंदी महाविद्यालय ने कालिंदी पूर्वोत्तर महिला उद्यम आईबीएसडी केन्द्र स्थापित करने के लिए जैव संसाधन और संधारणीय विकास संस्थान, इम्फाल, मणिपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

वर्ष 2018-19 के लिए टेरी स्कूल ऑफ एडवांस स्टडीज (टेरी एसएएस) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

10 सितंबर 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के आठ अन्य महाविद्यालयों के आईक्यूएसी के साथ आईक्यूएसी द्वारा कालिंदी महाविद्यालय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या: 11
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों\ उद्योगों की संख्या: 06

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

एनएसएस के स्वयंसेवकों ने 31 अगस्त 2018 को स्वच्छता अभियान के लिए 'अग्रसेन की बावली' का दौरा किया। इसके अलावा उन्होंने अन्ना नगर, आईटीओ, नई दिल्ली के कुछ स्लम क्षेत्रों का दौरा किया, जहां उन्होंने कुछ लोगों के साथ बातचीत की और उन्हें स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया। महाविद्यालय के आसपास के क्षेत्रों को कवर करने वाले केरल बाढ़ पीड़ितों को राहत देने के लिए एक अभियान का आयोजन बी एल कपूर चिकित्साल्य और राजेंद्र प्लेस मेट्रो स्टेशन के साथ-साथ सामाजिक दायित्व प्रकोष्ठ, छात्र संघ और एनसीसी के सहयोग से किया गया। राहत कार्यक्रम के दूसरे खंड में राजौरी गार्डन, चांदनी चौक, दरिया गंज, तिलक नगर, जनकपुरी, पैसिफिक मॉल, सुभाष नगर, टैंक रोड, पटेल नगर, कनॉट प्लेस, पहाड़गंज और करोल बाग सहित दिल्ली के सबसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा एक संग्रह अभियान 31 अगस्त और 1 सितंबर 2018 को चलाया गया।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2018-19 के दौरान पुस्तकालय संसाधनों में वृद्धि की गई और पुस्तकालय का कुल संग्रह 83,464 पुस्तकों तक पहुंच गया है, जिसमें बुक बैंक और छात्र सहायता निधि पुस्तकें भी शामिल हैं। पुस्तकालय उपयोगकर्ता नई पुस्तकों के माध्यम से स्वयं को लाभान्वित करने में सक्षम हो गए हैं। वर्तमान में पुस्तकालय अपने पाठकों की लिए रुचि के विभिन्न क्षेत्रों पर 103 पत्रिकाओं/आवधिक पत्रिकाओं और अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में 16 समाचार पत्रों की सदस्यता ले रहा है। पुस्तकालय में ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए एक वेब केंद्र है, परामर्श उद्देश्यों के लिए अलग वाचनालय और विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए फोटोकॉपी सुविधा है। पुस्तकालय द्वारा एन-सूची लॉगिन आईडी के माध्यम से ई-संसाधनों का रिमोट लॉगिन भी प्रदान किया जाता है।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी: 80
कुल तदर्थ: 81

वित्तीय आबंटन और उपयोग

मंजूर अनुदान: 3139.26 लाख रूपए
उपयोग अनुदान: 4348.48 लाख रूपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

6 अप्रैल 2019 को आईक्यूएसी के सहयोग से अंग्रेजी विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "यात्रा वृतांत लेखन" शीर्षक से नव-वर्ष में नवनिर्मित अनुशासन केंद्रित वैकल्पिक पेपर में फैकल्टी डेवलपमेंट के अंग्रेजी तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम का संचालन किया गया था। फर्जी खबरों के प्रचार का मुकाबला करने के उद्देश्य से, पत्रकारिता विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 12 और 13 फरवरी, 2019 को महाविद्यालय में युवाओं के लिए दो दिवसीय "ऑल इंडिया मीडिया कॉन्क्लेव" का आयोजन किया। 25 जनवरी 2019 को सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और कार्यालय कर्मचारियों के साथ हर चुनाव में निर्भय होकर मतदान करने का संकल्प लिया गया और एनएसएस ने सर्जिकल स्ट्राइक दिवस मनाया। 29 सितंबर 2018 को धर्म, जाति, जाति, समुदाय, भाषा या किसी भी उत्पीड़न के विचार से प्रभावित हुए बिना हमारे बहादुर भारतीय सेना के जवानों को श्रद्धांजलि दी गई।

***

कमला नेहरू महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने प्रवेश सत्र के दौरान आवेदकों और उनके माता-पिता के लिए अपना पहला 'ओपन हाउस' कार्यक्रम आयोजित किया। जुलाई 2018 के महीने में एक द्विभाषी प्रॉस्पेक्टस जारी करने के साथ-साथ एक नई वेबसाइट लॉन्च की गई। वेबसाइट मोबाइल के अनुकूल मोबाइल के बारे में संपूर्ण जानकारी प्रदान करती है। टीईडीएक्सकेएनसी: टीईडी, यूएस के लाइसेंस के अंतर्गत आयोजित एक कार्यक्रम 'खोजें या बनाओ' का आयोजन 19 मार्च 2018 को किया गया। शाइनिंग नेटवर्क: कॉलेज ऑफ सोसाइटी फॉर द फिलॉसॉफर्स इन अमेरिका (सोफिया) के सहयोग से "युवाओं का सशक्तिकरण और सार्वजनिक दर्शन" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठीयां, कार्यशालाएं और वार्ता केएनसी बौद्धिक जलवायु समूह की एक नियमित विशेषता थी। केएनसी के अति सक्रिय पर्यावरण क्लब ग्रीन बीन्स ने 23 मार्च 2018 को "वर्षा जल संचयन और जल पदचिह्न" और "भारत में इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट उत्पादन और प्रबंधन" जैसे प्रासंगिक विषयों पर व्याख्यानों का आयोजन किया।

सम्मान/गौरव

26 जनवरी 2018 को राजपथ पर चलने वाली राष्ट्रीय ड्रिल टीम का हिस्सा बनने के लिए बबीता शर्मा और दिव्या मिश्रा को सम्मानित किया गया।

एनसीसी के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय स्तर पर 9 पुरस्कार, राज्य स्तर पर 1 पुरस्कार और राष्ट्रीय स्तर पर 4 पुरस्कार जीतकर महाविद्यालय के लिए ख्याति अर्जित की।

कई विद्यार्थियों को राज्य/विश्वविद्यालय स्तर, राष्ट्रीय स्तर और इंटर कॉलेज स्तर पर सम्मानित किया गया।

सह-पाठयक्रम गतिविधियों में, विद्यार्थियों ने राज्य / विश्वविद्यालय स्तर पर 29 पुरस्कार, राष्ट्रीय स्तर पर 1 पुरस्कार और इंटर कॉलेज स्तर पर 22 पुरस्कार जीते।

सांस्कृतिक गतिविधियों में, विद्यार्थियों ने राज्य / विश्वविद्यालय स्तर पर 86 पुरस्कार और राष्ट्रीय स्तर पर 13 पुरस्कार जीते।

प्रकाशन

अग्रवाल, ए., गुप्ता, एस. (2018) संगठन में कर्मचारियों पर 360 डिग्री फीडबैक के व्यवहार का प्रभाव। आयूषी इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल। 5 (III): 341-345। आईएसएसएन: 2349-638X

अग्रवाल, ए., सलाहुद्दीन, एम. (2018)। ब्याज मुक्त बैंकिंग प्रणाली: मानवता के लिए एक समाधान। प्रबंधन, अनुप्रयोग और अनुसंधान के एशियाई जर्नल। 8 (1)। पीपी। 443-456। आईएसएसएन: 2230-8660

भल्ला, पी. (2018)। दिल्ली और इसके आसपास के भू-क्षेत्र का क्षेत्रीयकरण। अकेडेमास XII: 144-154। आईएसएसएन: 2231-0584

भारती, एस. (2018)। नया अंतराल-मूल्यवान अंतर्ज्ञानवादी फजी संख्या: रैंकिंग पद्धति और अनुप्रयोग। नई गणित और प्राकृतिक संगणना विश्व वैज्ञानिक। 14 (3): 363-381।

भारती, एस. 2018)। धारीमुक्तिकेप्रशरण और अल्मा-कबूतरी। अकेडेमास XII बारहवीं: 94-201। आईएसएसएन: 2231-0584

गौतम, पी. (2018)। गणित में आधुनिक केलकुलस का संक्षिप्त इतिहास। अकेडेमास XII बारहवीं। आईएसएसएन: 2231-0584

कौर, जी. (2018)। कायानुपासना: प्रारंभिक बौद्ध धर्म में शरीर की मनोदशा की जांच। गौहाटी यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ फिलॉसफी। II (I): 37-54। आईएसएसएन: 2456-3285।

मिश्रा, ए. (2018)। फास्फोरस: सीमित संसाधन के साथ एक सीमित पोषक तत्व। अकेडेमास XII बारहवीं: 34-46। आईएसएसएन: 2231-0584

नागर, आई. (2018)। आत्म-नियमन के लिए खुशी और कल्याण: भारतीय परिप्रेक्ष्य। मनोवैज्ञानिक अध्ययन। 63 (2): 181-186। आईएसएसएन: 0033-2968।

प्रजापति, एच. आर. (2018)। भारत में गहन खेती, भूमि उन्नयन और खाद्य सुरक्षा मुद्दे। अकेडेमास XII बारहवीं: 313-30।

पत्रिकाएं

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित: महाविद्यालय की अकादमिक पत्रिका - अकादमी का अपना वेबपेज महाविद्यालय की वेबसाइट से जुड़ा हुआ है।

संपादकीय बोर्ड के संपादक (सदस्य) / सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: दो संकाय सदस्य

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ. अर्चना प्रसाद की 2016-18 तक इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित पोस्ट-डॉक्टोरल रिसर्च फैलोशिप राशि 9 लाख रुपए

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित डॉ. उरना की सरकार परियोजना को जनवरी 2018 में मंजूरी दी गई। राशि 6.5 लाख रूपए

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित डॉ. शर्मिष्ठा मल्लिक परियोजना को जनवरी 2018 में मंजूरी दी गई। राशि 6.5 लाख रूपए

आयोजित संगोष्ठीयां

23 अगस्त 2018 को वैश्विक जोखिम प्रबंधक संस्थान के सहयोग से "जोखिम प्रबंधन" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

सम्मेलनों/कार्यशालाओं का आयोजन किया

संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत अकादमी, दिल्ली में 20 से 31 अगस्त 2018 तक विशेष रूप से संस्कृत ऑनर्स विद्यार्थियों के लाभ के लिए संस्कृत अकादमी के सहयोग से "संस्कृत संभाषण" नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

19 सितंबर, 2018 को जेएनयू से प्रोफेसर मैत्रेयी चौधरी, डीएसई से प्रोफेसर सतीश देशपांडे, प्रो सतीश देशपांडे और जेएमआई से प्रोफेसरसैय्यासाची जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाविदों के साथ कार्यशाला का शीर्षक, " समाजशास्त्र अकादमिक वाचन, लेखन और तर्क" शीर्षक से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

समाज शास्त्र विभाग द्वारा 4 और 5 अप्रैल 2019 को "पर्यावरणीय संकट, नैतिकता और सामाजिक न्याय: एक गंभीर परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

कल्पना भाकुनी ने 3 से 7 अप्रैल 2019 के दौरान वाशिंगटन डीसी में अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ ज्योग्राफर्स द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “पर्यटन उद्यम के रूप में नैनीताल झील की पारिस्थितिक तंत्र सेवाएं" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अल्का अग्रवाल ने 22 और 23 अप्रैल,2018 को टेरी स्कूल ऑफ एडवांस स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित बिजनेस, इकोनॉमिक्स एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (सीबीईएसडी 2018) विषय पर आयोजित सम्मेलन में "भारतीय वित्तीय प्रणाली के उभरते मुद्दे: इसकी स्थिरता पर गंभीर दृष्टिकोण" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रूपाली खन्ना ने 10 अप्रैल 2018 को सुखमविट, बैंकॉक, थाईलैंड में “आसियान, भारत और चीन ऊर्जा संकट से संबंधित समूह” विषय पर आयोजित कार्यशाला में “ऊर्जा संकट का आकलन और सूक्ष्म स्तरीय समाधान” शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

साधना अग्रवाल ने 26 और 27 अप्रैल 2018 को पीजीडीएवी महाविद्यालय (सायं) और भारतीय जनसंघर्ष संस्थान द्वारा आयोजित सम्मेलन में “हिंदी कविता में राष्ट्रीयत मीडिया और राष्ट्रवाद” शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शोभना वॉरियर ने 27 जून 2018 को नेहरू मेमोरियल पुस्तकालय, विदेश मंत्रालय द्वारा संचालित अंतर्राष्ट्रीय समर स्कूल में "राष्ट्र निर्माण के लिए उपनिवेशवाद", नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

गीतेश को 13 और 14 मार्च 2018 को “ईसाई धर्म और वैष्णववाद विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा "तीर्थयात्रा और सामाजिक कैपिटल: 'बॉन्डिंग एंड ब्रिजिंग' में अनुभव” विषय पर आयोजित पोस्ट सेंटीनरी

डायमंड जुबली अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में “तीर्थयात्रा में नैतिक सामाजिक और पर्यावरणीय आयाम: महाभारत में पवित्र फोर्ड का नैतिक रूपांतरण“ विषय पर परिचर्चा के लिए आमंत्रित किया गया।

रमेश ने भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 21 फरवरी 2018 को कन्नड़ भाषा चेयर (सीआईएल/जेएनयू) और शोधसंवाद/अनुसंधान मंच, स्कूल द्वारा 'राष्ट्र निर्माण में मातृभाषाओं की भूमिका' विषय पर आयोजित संगोष्ठी के दौरान "मीडिया और भाषा: कन्नड़ भाषा प्रेस पर अंग्रेजी का प्रभाव" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। ।

11 मई 2018 को ऋतंभरा मालवीय ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा “रिविसिटिंग पीस एंड सिक्योरिटी इन कंटेम्परेरी वर्ल्ड: इंटरवेंशन्स फ्रॉम इंडिया” विषय पर आयोजित एक सम्मेलन के दौरान शांति और शिक्षा का विचार ”शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

मैत्रेयी कुमारी ने 18 से 20 मई 2018 के दौरान श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल (गुजरात) द्वारा आयोजित “आधुनिक संस्कृत साहित्य ’विषयक संगोष्ठी के दौरान“ शारदुलशक्तम: एकदृष्टि दशी 49वीं एआईओसी, सोमनाथ ”शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

वाणिज्य विभाग ने "इक्विटी ट्रेडिंग और निवेश" पर एक प्रमाणित ऐड-ऑन कोर्स शुरू करने के लिए आईसीआईसीआई और एनआईएसएम के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

डीटीसी बस मार्ग 544 पर विद्यार्थियों द्वारा यौन उत्पीड़न की शिकायतों के जवाब में, गार्गी महाविद्यालय और जीजाबाई प्रौद्योगिकी संस्थान के सहयोग से आंतरिक शिकायत समिति ने विद्यार्थियों की चिंताओं को दूर करने के लिए डीटीसी अधिकारियों, एसएचओ, हौसखास के साथ कई बैठकें आयोजित कीं।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या: 27

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 5

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

4डीजीबीएन के सहयोग से एनसीसी इकाई ने 21 जून को चौथे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 18 से 21 जून 2018 तक चार दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया, जिसमें गार्गी महाविद्यालय, एलएसआर, मेधावी महाविद्यालय, देशबंधु महाविद्यालय और विभिन्न स्कूलों के कैडेट शामिल थे। जेयूओ दिव्या मिश्रा और एसयूओ बबिता शर्मा को गणतंत्र दिवस शिविर के लिए चुना गया वे 26 जनवरी 2018 को राजपथ पर एनसीसी आकस्मिक दल का हिस्सा थे। एनसीसी की ड्रिल और गार्ड टीमों ने सर्वोच्च स्थान हासिल करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। 24 अक्तूबर 2018 को जानवरों की सुरक्षा के लिए युवाओं में जागरूकता फैलाने के लिए फेडरेशन ऑफ इंडियन एनिमल प्रोटेक्शन एंड ऑर्गेनाइजेशन (एफएआईपीओ) द्वारा बैगन बैग उपलब्ध कराए गए। महाविद्यालय के परिसर में 2 नवंबर 2018 को दिवाली के अवसर पर नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर के लिए विज़न आई सेंटर, नई दिल्ली को आमंत्रित किया गया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय पूरी तरह से स्वचालित (एनईटीटीएलआईबी सॉफ्टवेयर के माध्यम से) है। यह लोकल एरिया नेटवर्क के एक सर्वर और तेरह क्लाइंट के साथ जुड़ा हुआ है और बार-कोडेड आई.डी स्थापित है। यह दो कंप्यूटर

इंटरनेट सुविधा से लैस हैं। पुस्तकालय में ऑडियो-विजुअल, जेंडर अध्ययन, फ्रेंच पुस्तक खंड और गांधीवादी अध्ययन के लिए भी एक अलग खंड है। पुस्तकालय में अंतर-पुस्तकालय ऋण के लिए DELNET की सदस्यता और ई-पत्रिकाओं की खोज के लिए आईएनएफएलआइबीएनईटी की व्यवस्था है। पुस्तकालय ने नए विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास सत्र आयोजित किए हैं।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी: 92
कुल तदर्थ: 64

वित्तीय आबंटन और उपयोग

मंजूर अनुदान: 40,99,13,000/- रूपए
उपयोग अनुदान: 38,53,42,000/- रूपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

भारतीय स्टेट बैंक के साथ शुल्क / विलंब शुल्क आदि के भुगतान के लिए विद्यार्थियों को ऑन-लाइन बैंकिंग (ई-कलेक्शन) प्रदान करने की प्रक्रिया चल रही है। स्टाफ और विद्यार्थियों के लाभ के लिए महाविद्यालय की प्राथमिकताओं में एक एटीएम कियोस्क स्थापना भी है।

***

केशव महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

वर्ष 2018-19 में, महाविद्यालय ने अपनी एनआईआरएफ रैंकिंग को उन्नत कर 75 वां स्थान प्राप्त किया। इस वर्ष जर्मन और फ्रेंच में डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किए गए. आईसीएसी अकादमी के सहयोग से, आईक्यूएसी के तत्वावधान में 'भविष्य के लिए रोजगार कौशल' और 'डिजिटल साक्षरता' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। उद्यमिता विकास कार्यक्रम प्रकोष्ठ (ईडीपीसी) ने अनुप्रयुक्त विज्ञान का शहीद राजगुरु महाविद्यालय की संस्थापक प्राचार्य, डॉ.एस लक्ष्मी देवी और प्रख्यात निदेशक, ग्रेट लेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के संस्थापक प्रोफेसर पल्हन के साथ मुख्य रूप से इंटर्नशिप से संबंधित गतिविधियों पर केंद्रित करने के लिए एक नया प्रकोष्ठ- अनुभव आरंभ किया था। अर्थव्यस्था - वित्त सम्मेलन के पहले संस्करण में 'भारतीय वित्तीय प्रणाली के वर्तमान परिदृश्य' पर एक महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किया गया। रसोई और बगीचे के कचरे का प्रबंधन करने के लिए महाविद्यालय परिसर में एक खाद बनाने वाली मशीन स्थापित की गई थी। पहली बार उचित चुनावों के साथ केशव महाविद्यालय छात्र संघ (केएमवीएसयू) का गठन किया गया। महाविद्यालय ने स्पिक मैके के तत्वावधान में, शुभा मुद्गल और पद्म श्री डॉ.शोभना नारायण द्वारा प्रदर्शन का आयोजन किया।

सम्मान/गौरव

डॉ. प्रदीप कुमार दो वर्ष की अवधि के लिए शैक्षणिक परिषद्, दिल्ली विश्वविद्यालय के सदस्य चुने गए थे।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

मनोविज्ञान (ऑनर्स) की अश्विका ए. सिंह, कामाक्षी जोशी और प्रिया रत्ती, बी.ए. ने डॉ. हरप्रीत भाटिया और डॉ. शैलजा राणा की देखरेख में बैंगलोर के एनआईएमएचएएनएस में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

बी.एम.एस. के बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स और मयन कुमार सिंह ने, डॉ.शैलजा राणा और डॉ.हरप्रीत भाटिया की देखरेख में दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम महाविद्यालय में राष्ट्रीय शोध पत्र प्रस्तुति प्रतियोगिता में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया और दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान के छात्र कनिष्क कालरा और बी.एससी. (जनरल) गणितीय विज्ञान के प्रसून प्रसाद कांत, प्रत्येक को उच्च शिक्षा निदेशालय, दिल्ली की एन.सी.टी सरकार द्वारा 10,000/- रुपए का पुरस्कार मिला।

नितिन शर्मा और रोहित रैना ने जम्मू और कश्मीर से संबंधित विद्यार्थियों के लिए प्रधान मंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के साथ महाविद्यालय में प्रवेश लिया।

प्रकाशन

बंसल, ए., कुमार, ए., शर्मा, जे. (2018) गैबर परिवर्तन के लिए हार्डिस प्रमेय. जर्नल ऑफ ऑस्ट्रेलियन मैथेमेटिकल सोसायटी. 106(2): 143-159.

बंसल, एस., कौशिक, एस., चोपड़ा, एम., भाटिया, एच., राणा, एस. (2018). त्वचा टोन से संबंधित स्टीरियोटाइप का आकलन. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी. 6(3): 134-140.

खामेसियन, एम., अयुज़, एम., सिंह, जे., कोकोओलाइन, वी.(2018). इलेक्ट्रॉन प्रभाव द्वारा हेह (एचईएच)+ अणु की घूर्णी उत्तेजना के लिए पार अनुभाग और दर गुणांक. एटम्स, एमडीपीआई, 6(3): 49.

सचदेवा, ए., सिंह, ए. के. (2018), कर्म जीवन संघर्ष और कर्म जीवन संतुलन पर उसके प्रभाव और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में चिकित्सको का व्यक्तिपरक कल्याण. रामानुजन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड रिसर्च, 3: 1-15.

के कला, गोयल, एस., राणा, एस., भाटिया, एच. (2018) समलैंगिकता पश्चात् हस्तक्षेप की दिशा में रुख में बदलाव. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 6(3): 27-34.

मेंदीरत्ता, ए. मेंदीरत्ता, एम. (2018). विवेकाधीन स्रोतों और बिग 4 क्लाइंट फर्मों का संघ: भारत से साक्ष्य। मुद्रा- जर्नल ऑफ फिनांस एंड एकाउंटिंग, 5(1): 48-58.

गणेश, एम. शर्मा, डी. (2018) कार्यस्थल पर भावनात्मक बुद्धि और नेतृत्व के बीच प्रेरणा की मध्यस्थता की भूमिका. आईओएसआर जर्नल ऑफ ह्यूमिनिटीज एंड सोशल साइंस (आईओएसआर -जेएचएसएस) 23(8), खंड. 3, 7-16.

कुमार, एस., कौर, जे., वर्मा, ए., मुकेश, कुमार, ए., और डोमिनिक, एस. (2018) गैर-सहसंयोजक सहभागिता और कैलिक्स [4] की अनुरूपताओं की स्थिरता पर पॉलिथर चेन का प्रभाव। क्राऊन एथर्स जे. इंक. फ्नम. मैक्रोसाइकल. केम. 91(1-2): 81-93.

जिंदल, वी., बेदी, पी. (2019). सड़क की वास्तविक स्थिति के लिए इनमैको में पैमानों का अनूकूलन। वायरलेस पर्सनल कम्यूनिकेशंस। डब्ल्यूपीसी, स्प्रिंगर साइंस + बिजनेस मीडिया, एलएलसी, स्प्रिंगर, नेचर का भाग

सिंह, डी., एस. डी. राम (2018). विश्वसनीयता का सिद्धांत: एक गणितीय विशेषता. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स, 118(22), 1425-1434.

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित जर्नल/पत्रिकाएँ:

जीनेसिस का नौवां संस्करण: वाणिज्य विभाग विभाग

ई-पत्रिका ई-ब्लिट्जिन का तीसरा संस्करण: कंप्यूटर विज्ञान विभाग।

पर्सपेक्टिव: प्रबंधन अध्ययन विभाग

सिनोप्सिस: मनोविज्ञान विभाग

न्यूज़लैटर निवेश एक्सप्रेस: निवेश सेल

आयोजित सम्मेलन

डॉ. प्रवीण पांडे, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा रोबोटिक्स और अर्दुइनो पर एक दिवसीय संगोष्ठी।

प्रबंधन अध्ययन विभाग की मेटामोर्फोसिस सोसायटी ने 'न्यू इंडिया @ 75' विषय पर वार्षिक कॉर्पोरेट सेमिनार, काग्निजेन्स 19 का आयोजन किया। डॉ. एसपी शर्मा, मुख्य अर्थशास्त्री, पीएच॰डीसीसीआई, प्रो सौमेन चट्टोपाध्याय, अध्यक्ष, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू और सुश्री अंबिका जैन, कार्यकारी निदेशक, सतर्कता लेखा, भारतीय रेलवे आमंत्रित वक्ता थे।

प्रमाणित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कोच श्री नीरज सिंह राठौड़ द्वारा 'कैम्पस टू कॉर्पोरेट' विषय पर संगोष्ठी।

आयोजित कार्यशालाएँ

"गिटहब" शीर्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसमें हमारे महाविद्यालय के छात्र मोहित उनियाल ने कंप्यूटर साइंस सोसायटी, ब्लिट्ज़ द्वारा डेटा भंडारण के लिए एक ऑनलाइन रिपॉजिटरी के रूप में "जीआईटी हब" के उपयोग का प्रदर्शन किया।

प्रोफेसर डी.पी. विद्यार्थी, स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम साइंस, जेएनयू द्वारा "इंटरनेट ऑफ थिंग्स" शीर्षक कार्यशाला। महाविद्यालय के संकाय सदस्य श्री आनंद द्वारा इसी विषय पर एक प्रत्यक्ष सत्र आयोजित किया गया था।

आईसीटी अकादमी के सहयोग से और आईक्यूएसी के तत्वावधान में "डिजिटल साक्षरता" शीर्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

सम्मेलनों में प्रस्तुति

अंजू अरोड़ा ने 24 अक्तूबर 2018 को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित नौवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "उभरती अर्थव्यवस्थाओं में ऋण जोखिम प्रशासन ढांचा: भारतीय वाणिज्यिक बैंकों से अनुभवजन्य साक्ष्य" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अनीता मेंदीरत्ता ने, वर्ष 2018 में तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड, नई दिल्ली के सहयोग से देशबंधु महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'भारत को स्वच्छ बनाने के लिए कौशल विकास' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में "कौशल विकास-एक स्पष्टीकरण" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया। ।

आशीष बंसल ने 1 से 3 जून, 2018 तक आयोजित गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की रामानुजन गणितीय सोसाइटी के 33वें वार्षिक सम्मेलन में "हार्डिस के प्रमेय का विस्तृत विवरण" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डेजी शर्मा कपूर ने टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई द्वारा 29 और 30, अगस्त 2018 को संगठन विकास, परिवर्तन और नेतृत्व (ओडीसीएल) पर आयोजित वार्षिक सम्मेलन में "नेता के रूप में महिलाएं: ग्लास सीलिंग और संगठनात्मक विकास की एक व्यवस्थित समीक्षा" शीर्षक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। ।

एच. शर्मा ने मनोविज्ञान विभाग पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा वर्ष 2018 में आयोजित नेशनल एसोसिएशन ऑफ साइकोलॉजिकल साइंस (एनएपीएस) के पाँचवें सम्मेलन और सातवें भारतीय मनोवैज्ञानिक विज्ञान कांग्रेस (आईपीएससी) में "दिल्ली के निजी और सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के बीच संचार कौशल, अंतरवैयक्तिक संबंध कौशल और तनाव कौशल का एक तुलनात्मक अध्ययन: एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

हरप्रीत भाटिया ने 'मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा शिक्षा विभाग, एनआईएमएचएएनएस, बेंगलोर द्वारा 23 फरवरी 2019 को,

'मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा, एमएचईसीओएन2019 - मीडिया में मानसिक स्वास्थ्य पर रिपोर्टिंग:मानसिक स्वास्थ्य पर आयोजित दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में "वीडियो इंटरवेंशन का उपयोग करके मानसिक बीमारी के कलंक का मुकाबला: एक प्रायोगिक अध्ययन का संयोजन" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रीति सहगल ने वर्ष 2018 में स्प्रिंगर द्वारा आयोजित 'इंटेलीजेंट ह्यूमन कंप्यूटर इंटरेक्शन' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आइरिस रिकॉग्निशन सिस्टम पर साथ-साथ रिप्ले अटैक और डेटाबेस अटैक को कम करने के लिए गैर-निर्धारक दृष्टिकोण" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

ऋतु अरोड़ा ने रामानुजन गणितीय सोसाइटी, गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के 33वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान "बहु-विकल्प पैमानों के साथ द्विस्तरीय यातायात समस्या" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

विनीता जिंदल ने स्प्रिंगर, दिल्ली, भारत द्वारा 27 से 29 दिसंबर 2018 तक 'गुणवत्ता, विश्वसनीयता, इन्फोकॉम टेक्नोलॉजी एवं व्यवसाय संचालन (रुझान और भविष्य के संचालन) (आईसीक्यूआरआईटीबीओ-2018)' पर आयोजित नौवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "वाहक तदर्थ नेटवर्कों में तेज प्रतिक्रिया के लिए सीयूडीए त्वरित एचएपीओ (सी- एचएपीओ) एल्गोरिदम" शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन विवरण:

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या : 61
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियाँ :07

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

रोटरैक्ट क्लब के तत्वावधान में विद्यार्थियों ने किताबें, जूते और कपड़ों के दान अभियान का आयोजन किया। महाविद्यालय की एनएसएस इकाई ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, स्वच्छ पखवाड़ा, राष्ट्रीय एकता दिवस, स्वच्छता अभियान, मतदाता जागरूकता अभियान, आत्मरक्षा कार्यक्रम, सड़क सुरक्षा अभियान जैसी कई गतिविधियाँ आयोजित कीं। थैलेसेमिया और स्तन कैंसर पर सामाजिक जागरूकता उत्पन्न करने के लिए एक शिविर, एनएसएस इकाई के सहयोग से रोट्रेक्ट क्लब ने 'अभिवृत्ति 2019' का आयोजन किया। परिसर में मैमोग्राफी स्कैनिंग मशीन के साथ एक मोबाइल मेडिकल वैन लगाई गई थी, जो स्टाफ सदस्यों को कैंसर के किसी भी अवांछित लक्षण की जांच करने में सक्षम बनाती थी। दिल्ली पुलिस के प्रशिक्षकों की मदद लेने के लिए लड़कियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण आरंभ किया गया था। एनेक्टस प्रकोष्ठ के विद्यार्थियों ने एहसास परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया और परियोजना पहल, परियोजना सहायता और परियोजना ओरल हाइजीन शीर्षक तीन और परियोजनाएं आरंभ की हैं।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में विभिन्न खंडों में लगभग 27,498 पुस्तकें हैं। इसमें पाठ्य पुस्तकों, संदर्भ सामग्री और विभिन्न क्षेत्रों के विश्वकोषों का एक समृद्ध संग्रह है। पाठकों के लिए पुस्तकालय द्वारा पैंतीस (35) पत्रिकाएँ और अठारह (18) समाचारपत्रों की सदस्यता ली जाती है। पुस्तकालय में 760 से अधिक सीडी और डीवीडी हैं जो

महाविद्यालय के विभिन्न विभागों को जारी किए जाते हैं। इसके अलावा, यह इंटरनेट के माध्यम से स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों को लगभग तीस हजार (30,000) ई-जर्नल और दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (डीयूएलएस) द्वारा उपलब्ध कराए गए शोध लेखों को तक पहुंच की सुविधा भी प्रदान करता है। पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को सर्कुलेशन सेवा, तकनीकी सेवाएँ, आरक्षण सेवा, इंटरनेट सेवा आदि विभिन्न सेवाएँ प्रदान करता है। पुस्तकालय में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए एक अलग इंटरनेट लैब है। सुरक्षा उद्देश्य के लिए महाविद्यालय के पुस्तकालय में 16 सीसीटीवी कैमरे हैं। पुस्तकालय में दृष्टिबाधित उपयोगकर्ताओं के लिए ब्रेल सामग्री भी है।

संकाय की संख्या

स्वीकृत संकाय की कुल संख्या: 100

अंतिम अनुदान और उपयोग (2018-19)

स्वीकृत अनुदान: रुपए 15,76,00,000/-

अनुदान का उपयोग: रुपए 21,77,55,245/-

अन्य महत्वपूर्ण विवरण

हमारी शिक्षा प्रणाली के चुनौतीपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए अक्तूबर 2018 में, एनसीटी, दिल्ली के हमारे माननीय उप मुख्यमंत्री, एनसीटी, दिल्ली श्री मनीष सिसोदिया जी के साथ महाविद्यालय के संकाय सदस्यों का एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था। भारत सरकार की पहल और एक गैर-लाभकारी सोसायटी आईक्यूएसी ने, जो उच्च शिक्षा, विद्यार्थियों और अन्य स्टाफ सदस्यों के शिक्षकों को प्रशिक्षित करने का प्रयास करती है, आईसीटी अकादमी की संस्थागत सदस्यता प्राप्त करने के लिए एक पहल की है। महाविद्यालय ने छात्र छात्रवृत्ति के लिए एनएसपी 2.0 पोर्टल और जिला पोर्टल पर भी अपना पंजीकरण कराया है। यूजीसी के निर्देशों के अनुसार, हमारी संस्था में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए, महाविद्यालय 2017-18 से जेंडर चैंपियन नियुक्त कर रहा है। शारीरिक शिक्षा विभाग ने फरवरी 2018 के महीने में एक वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया।

***

किरोड़ीमल महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने अपनी एनआईआरएफ रैंकिंग को उन्नत करते हुए इस शैक्षणिक वर्ष में 18वां स्थान प्राप्त किया।इस वर्ष राष्ट्रीय कौशल दक्षता ढांचे के अंतर्गत एक विशिष्ट यूजीसी प्रायोजित अनुदान प्राप्त हुआ। उद्यमिता और स्टार्ट-अप पर छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स भी शुरू किया गया था। महाविद्यालय परिसर को प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र बनाया गया। यह वर्ष जुलाई 2018 में लॉन्च की गई ओशनवैल वर्कशॉप जैसी शैक्षणिक गतिविधियों के आयोजन के कारण भी महत्वपूर्ण रहा है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में अपनी तरह का पहला आयोजन है। सितंबर 2018 में, "ओलंपिक और वैश्विक संदर्भ में भारतीय मूल्य" शीर्षक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कि या गया। फरवरी 2019 में, महाविद्यालय के प्रीमियर में दो दिवसीय दलित महोत्सव आयोजित किया गया था। मार्च 2019 में शेक्सपियर सोसाइटी ऑफ इंडिया और अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से "शेक्सपियर में राजनीति, शक्ति और तमाशा" शीर्षक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

सम्मान/गौरव

डॉ. रीना सक्सेना को अक्तूबर 2018 में रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (एफआरएससी), लंदन, यूके द्वारा फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. अनीता कामरा वर्मा को नैनो प्रौद्योगिकी में उत्कृष्ट योगदान के लिए बायोमेडकॉन 2018 में "एसबीएमएलएस लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड" से सम्मानित किया।

डॉ. सीमा मेहरा परिहार को 15 मार्च, 2019 को आईआईआरएस अकादमिया मीट, 2019 (आईएएम-2019) में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग (आईआईआरएस), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), भारत द्वारा 'वार्षिक पुरस्कार 2018' से सम्मानित किया गया।

डॉ. सीमा जोशी को इंडिया हैबिटेट सेंटर में, शिक्षक दिवस के अवसर पर एसोसिएशन ऑफ नेशनल एक्स्चेंज मेम्बर्स ऑफ इंडिया (एएनएमआई) द्वारा "श्रेष्ठ" पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. प्रज्ञा को कहानी संग्रह 'तकसीम' के लिए, 20 जनवरी 2019 को लखनऊ में प्रोफेसर महेंद्र प्रताप स्मृति फाउंडेशन द्वारा उपन्यासकार शिवमूर्ति के हाथों से 'महेंद्र स्वर्ण साहित्य सम्मान पुरस्कार' प्रदान किया गया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के कुल 41 विद्यार्थियों को 2018-19 के शैक्षणिक वर्ष में शीर्ष/पहले तीन स्थान प्राप्त करने के लिए अकादमिक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

आयुष नेगी और मनविंदर सिंह ने मुक्केबाजी के लिए ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

वरुण बिष्ट और जयंत सिंह ने फुटबॉल की एनजेडआईयू चैम्पियनशिप में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

रजत बिधूड़ी ने गोरखपुर क्लब के पूरवी लॉन में 18 से 22 जनवरी 2019 के बीच आयोजित "सातवीं राष्ट्रीय ब्लाइंड जूडो चैम्पियनशिप" में जूडो के लिए स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

प्रवीन रावत ने डिस्कस थ्रो के लिए नई दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में 10 से 13 दिसंबर 2018 के बीच आयोजित "21 वीं यूएसएए नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप फॉर द ब्लाइंड" में कांस्य पदक प्राप्त किया।

प्रकाशन

कठपालिया, आर. भाटला, एस.सी. (2018). प्लांट वाटर रिलेशन्स. भाटला, एस.सी. और लाल, एम.ए. (संपा.) में.। प्लांट फिजियोलॉजी, डेवलपमेंट एंड मेटाबॉलिज्म, स्प्रिंगर, पृष्ठ 3-36.

कुमार, वी., चौधरी, ए.के., कुमार, पी..शर्मा, एस. (2019) नैनो टेक्नोलॉजी: नैनोमेडिसिन, नैनोटॉक्सिसिटी और भविष्य की चुनौतियां. नैनोसाइंस और नैनोटेक्नोलॉजी-एशिया. 26, 1-15.

लाल, एम.ए., कठपालिया, आर., सिसोदिया, आर., शाक्य, आर. (2018). बायोटिक स्ट्रेस. भटला, एस.सी. और लाल, एम.ए., (संपा.) में। प्लांट फिजियोलॉजी, डेवलपमेंट एंड मेटाबॉलिज्म, स्प्रिंगर, पृष्ठ 1029-1095.

महताब, ए., रिजवानुल्लाह, एम., पांडे, एस., लीखा, ए., रब्बानी, एस.ए., वर्मा, ए.के., आकिल, एम., तालेगांवकर, एस. (2019). डिजाइन संचालित विकास और टेरीफ्लुओनॉइड लोडेड नैनोलिपोसोम के अनुकूलन से संधिशोथ के उपचार के लिए गुणवत्ता: विट्रो और विवो आकलन में. जर्नल ऑफ ड्रग डिलीवरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी. 51: 383-396.

नेगी, एल एम., तालेगांवकर, एस., जग्गी, एम., वर्मा, ए.के. (2019). एमडीआर कैंसर को अति व्यक्त करने पर सीडी44 और पी-जीपी को लक्षित करने के लिए हाइब्रिड दृष्टिकोण के साथ हिलुरोनेटेडीमेटिनिब लिपोसोम: एक इन-विट्रो, इन-विवो और यांत्रिकी जांच. जर्नल ऑफ ड्रग टार्गेटिंग 27 (2), 183-192.

पांडे, एस., महताब, ए. कुमार, वी. अहमद, एफ.जे. वर्मा, ए. के. और तालेगांवकर, एस. (2019). एमटीएक्स के बायोप्रेरित कैल्शियम फॉस्फेट नैनोपार्टिकल्स की डिजाइन और विकास: फार्माकोडीनामिक और फार्माकोकाइनेटिक मूल्यांकन। ड्रग डेवलपमेंट एंड इंडस्ट्रियल फार्मेसी, 1-38. doi:10.1080/03639045.2019.1602139.

प्रज्ञा, बाल रंगमंच: संभावनाएं और चुनौतियाँ-नटरंग, मार्च 2018, आईएसएसएन 0971-0825

प्रवीण कुमार अंशुमान, (2019). आखर सोवत नाहिं नई दिल्ली. डायमंड बुक्स.

एन शर्मा, (2019) मान, संगठनात्मक संस्कृति और भारत में संगठनात्मक प्रभावशीलता। द इंडियन जर्नल ऑफ़ इंडस्ट्रियल रिलेशंस (श्री राम सेंटर फॉर इंडस्ट्रियल रिलेशंस, ह्यूमन रिसोर्स, इकोनॉमिक एंड सोशल डेवलपमेंट), खंड-54, अंक-4, आईएसएसएन: 0019-5286.

सक्सेना, आर., मदान, के., बंसल, एस., सक्सेना, एम., शर्मा, एन. (2018). पर्यावरण नमूनों में लीड के निर्धारण के लिए नैनोमैटेरियल्स सॉलिड फेज एक्सट्रैक्टेंट्स पर समीक्षा. आईओएसआर जर्नल ऑफ एप्लाइड केमिस्ट्री, e-आईएसएसएन: 2278-5736, 11(9), 27-38.

तिवारी, एस., शर्मा, एन., सक्सेना, आर (2018) पीटीएफई बीड्स पैक्ड मिनी कॉलम और एफआई-एफएएएस निर्धारण का उपयोग करके दूषित पानी के नमूनों में क्रोमियम की विशिष्टता. एटॉमिक स्पेक्ट्रोस्कॉपी. आईएसएसएन: 01955373, 39(4), 151- 157.

शोध परियोजनाएं

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय की "एसआईआरएनए को एन्कैप्सुल करने वाले कार्यात्मक बायोपॉलिमर नैनोकण के छोटे अणु और अस्थि विकारों के प्रबंधन के लिए ओस्टियोब्लास्ट्स को लक्षित डिलीवरी" शीर्षक परियोजना। डॉ. अनीता कामरा वर्मा (2017-2020) द्वारा, राशि 67.56 लाख रुपए

ओएनजीसी, 2017-2020, डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा "भारत के आठ राज्यों में सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत स्ट्रीट लाइट के वितरण के प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन" शीर्षक परियोजना। राशि 8.96 लाख रुपए

युवा मामले और खेल मंत्रालय, खेल विभाग, 2016-2017, डॉ. बेना गुप्ता द्वारा "मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल और प्रदर्शन निरंतरता के साथ भारतीय एथलीटों की असमानता को दूर करना: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन" शीर्षक परियोजना राशि 10.00 लाख रुपए

डॉ. रूपिंदर ओबेरॉय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एचआरडी, भारत सरकार की "यूजीसी-यूकेआईईआरआई थमैटिक पार्टनरशिप -2017" शीर्षक परियोजना। राशि 35.29 लाख रुपए

डीएसटी-एसईआरबी, 2015-2018, "फोटोकैटलिटिक वॉटर स्प्लिटिंग के लिए धातु ऑक्साइड नैनोक्रिस्टल के पदनाम और रणनीतियाँ" शीर्षक परियोजना। राशि 31.86 लाख रुपए

आयोजित सम्मेलन

20 सितंबर 2018 को "द ऑटम ओशनवले" शीर्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जूलॉजी विभाग ने 9 अक्तूबर 2018 को "उन्नत स्पेक्ट्रोस्कोपी और डायनामिक लाइट स्कैटरिंग" शीर्षक एक कार्यशाला का आयोजन किया।

संयोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

अनिता कामरान वर्मा को 16 से 18 नवंबर 2018 को जूलॉजी विभाग, डीडीयू विश्वविद्यालय, गोरखपुर में आयोजित "मानव कल्याण के लिए जैविक और पर्यावरण अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, (आईसीएबीईआरएचडब्ल्यू) -2018 में एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

रीना सक्सेना ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में जनवरी 2019 में आयोजित नैनोमेडिकल साइंस के छठे विश्व कांग्रेस: आईएसएनसीओएन-2019 में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सीमा मेहरा परिहार ने 18 और 19 मार्च 2019 को आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय में आईजीएसएनपीआर, चीनी विज्ञान अकादमी, आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत के सहयोग से चीन द्वारा समन्वित; आईसीआईएमओडी; त्रिभुवन विश्वविद्यालय और नेपाल भौगोलिक समाज, नेपाल द्वारा समर्थित "भूमि उपयोग और भूमि आवरण में बदलाव और उच्च एशिया में पारिस्थितिकी तंत्र और सतत विकास पर इसका प्रभाव" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में, "सतत विकास लक्ष्यों की सफलता के लिए महत्वपूर्ण भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी: हिमालय से कुछ अंतर्दृष्टि" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों का विवरण: 66

कंपनियों द्वारा परिसर में भर्ती: 10

कंपनियों द्वारा परिसर के बाहर भर्ती: 65

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

एनएसएस-सहयोग, महाविद्यालय का 'हर एक-एक को पढ़ाए कार्यक्रम' है, जिसमें छात्र स्वयंसेवक कम आयु के बच्चों को पढ़ाते हैं। एनएसएस-साहस महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ है, जिसका उद्देश्य कमजोर बच्चों को सशक्त बनाना और उनका उत्थान करना है। इसके अलावा, प्रकोष्ठ महिलाओं के प्रति समाज की रूढ़िवादी मानसिकता को बदलना चाहता है। एनएसएस -दर्पण, महाविद्यालय का नुक्कड़ नाटक ग्रुप है, जो समाज में सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता के लिए काम करता है। नासा रोवर-केएमसी रोबो-फिजिसिस्ट ने इस वर्ष नासा के आरएएससी-एएल, मूनबगी चुनौती में भाग लिया और एस्ट्रोनॉट्स के साथ काम कर सकने वाला एक रोवर बनाने में सक्षम रहे। डांस सोसाइटी- संसेशन ग्रुप के विद्यार्थियों ने लगभग पचास संस्थानों (पूरे भारत में) में भाग लिया और प्रशंसा प्राप्त की। थिएटर सोसाइटी- प्लेयर्स ने मानव कौल के 'चुहल', और एक स्व-पटकथा नुक्कड़ नाटक 'कार्य प्रगति पर है' शीर्षक दो नाटक प्रस्तुत किए. डिबेटिंग सोसाइटी, डीईबीएसओसी ने वार्षिक फ्रैंक ठाकुर दास मेमोरियल पार्लियामेंट्री डिबेट के 39 वें संस्करण (एफटीडी/39) का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

व्यय का सारांश: 3,23,573/- रुपए ; आई-कार्ड: 3,29,751/- रुपए ; कुल बजट: 15,20,000/- रुपए

पुस्तकालय में इस वर्ष जोड़ी गई पुस्तकें: 1744, पुस्तकालय में उपलब्ध कुल पुस्तकें: 1,50,949;

पुस्तक बैंक का कुल संग्रह: 5929; कुल: 53 एंजल्स, नेत्रहीन विकलांगों के लिए 81 नोटबुक।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी संकाय : 138

कुल तदर्थ संकाय : 58

वित्तीय आबंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: 6,245.97/- रुपए (लाख में)
अनुदान का उपयोग: 5,818.78/- रुपए (लाख में)

***

लेडी इर्विन महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

अप्रैल 2018 में खाद्य और पोषण विभाग, लेडी इरविन महाविद्यालय, नई दिल्ली में यूनिसेफ द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान केंद्र (एनसीएआर-डी) की स्थापना की गई थी। यह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा महिलाओं के पोषण के लिए अनुसंधान और नीति निर्माण के लिए एक तकनीकी सहायता संसाधन केंद्र होगा। एनसीएआर-डी ने परिचालन संबंधी व्यवहार्यता और नियमित पोषण संबंधी देखभाल (एएनसी) और प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) में मातृ पोषण को एकीकृत करने की चुनौतियों का परीक्षण करने के लिए एनडीएमसी प्रसूति क्लीनिक में मातृ पोषण पैकेज का परीक्षण किया। 'महिला सामूहिक नेतृत्व वाली सामाजिक कार्रवाई' के लिए केंद्र की स्थापना की गई और डे-एनआरएलएम के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए. महाविद्यालय को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की एफओएसटीएसी (खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन) पहल में एक प्रशिक्षण भागीदार के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। महाविद्यालय ने प्रमाणन पाठ्यक्रम ('फूड सेफ्टी सुपरवाइजर -बेसिक कैटरिंग एंड एडवांस्ड कैटरिंग' में तीन) आयोजित किए। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता में सुधार करना है।

सम्मान/गौरव

महाविद्यालय को एनएएसी द्वारा सितंबर 2018 में ए+ प्रदान किया गया था। एनआईआरएफ ने 2018 में राष्ट्रीय स्तर पर महाविद्यालय को 12वें स्थान पर रखा।

डॉ. अनुपा सिद्धू और डॉ. नीना भाटिया को डब्ल्यूसीडी मंत्रालय द्वारा होटल अशोक, पोषण माह में राष्ट्रीय मान्यता प्रदान की गई।

डॉ. अनूपा सिद्धू को 26 सितंबर, 2017 को एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा और एसोसिएशन ऑफ फूड साइंटिस्ट एंड टेक्नोलॉजिस्ट (एएफएसटीआईआई), भारत द्वारा खाद्य सुरक्षा, पोषण सुरक्षा और स्थिरता पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "एमीफास्ट -2017 पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम, भारत में 2 से 4 नवंबर 2017 को आयोजित न्यूट्रिशन सोसायटी के 49वें राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. पुलकित माथुर ने "न्यूट्रिशन नॉलेज, एटीट्यूड्स एंड प्रैक्टिस ऑफ स्कूल गोइंग अडेलोसेंट गर्ल्स में अंतराल और बाधाएं" शीर्षक शोध पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति (पोषण शिक्षा वर्ग) के लिए एनएसआई पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. श्रेया अरोड़ा को डॉक्टरेट के काम में उत्कृष्टता के लिए "अनुप साही सिद्धू गोल्ड मेडल" से सम्मानित किया गया।

विशेष उपलब्धि प्राप्त छात्र

अनन्या भारद्वाज, एम. एससी. फैब्रिक एंड अपैरल साइंस द्वितीय वर्ष को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर संजम रंधावा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अपराजिता शर्मा, एम.एससी. विकास संचार और विस्तार द्वितीय वर्ष को प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए दुर्गा देउलकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी. एड, विशेष शिक्षा की रवनीत कौर को विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए 'सूरज और संतोष भसीन' और स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

सोनिका शर्मा, एम.एससी. मानव विकास और बचपन अध्ययन द्वितीय वर्ष को प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए बाल विकास अलुमनाई पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

एम.एससी. खाद्य और पोषण, द्वितीय वर्ष की यामिनी गुसाईं को प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए बी. तारा बाई पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

कालरा, एम. बी (2018). विविधता: प्रतिबिंब और अंतर्दृष्टि. भारत: विवा बुक्स प्राइवेट लिमिटेड. आईएसबीएन संख्या: 9789387925205.

कौर, एच., गोयल, एस (2018). इलेक्ट्रॉनिक कचरा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन पर इसका प्रभाव: एक समीक्षा। जलवायु परिवर्तन के सामाजिक-कानूनी आयामों में, (संपा. राव व अन्य) बैंगलोर: पर्यावरण कानून और नीति एनएलएसआईयू पर ईएनवीआईएस केंद्र। पृष्ठ 23-40, आईएसबीएन: 978-93-83363-69-8.

पी॰ माथुर, (2018). खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण. हैदराबाद: ओरिएंट ब्लैक स्वान. आईएसबीएन 9789352873791.

उपाध्याय, आर., द्विवेदी, आर., कृष्णा, वी., पांडे, आर (2018). कुकुर्बिटेसियस फसलों की उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार करने के लिए प्रबंधन अभ्यास. बदलते परिवेश में फसल उत्पादकता में सुधार की चुनौतियों और रणनीतियों का परिचय में. नई दिल्ली: एनरिच्ड पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड। आईएसबीएन संख्या 978-81-934634-9-9. पृष्ठ 255- 263.

शोध परियोजनाएं

एफएसएसएआई प्रायोजित फ्लैगशिप पहल एसएनएफ@स्कूल (स्कूल में सुरक्षित और पौष्टिक भोजन)। दिसंबर से जनवरी 2018 तक सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत निचले और उच्च प्राथमिक स्कूल के बच्चों (6 से 12 वर्ष) के स्वास्थ्य कार्डों का विकास।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने कृषि विस्तार प्रभाग के "पोषण सुरक्षा और लिंग सशक्तिकरण को बढ़ाने" के लिए परियोजना को वित्तपोषित किया।

फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज़ ने लेडी इर्विन महाविद्यालय के खाद्य और पोषण विभाग को "खाद्य प्रौद्योगिकी डिग्री कोर्स के लिए बुनियादी सुविधाओं का निर्माण" की परियोजना सौंपी। जिसके लिए दिल्ली सरकार के कार्यालय द्वारा एक सौ लाख का अनुदान दिया गया था।

आयोजित सम्मेलन

16 मार्च 2018 को भारत के प्रोटीन आहार और पोषण विकास संगठन द्वारा प्रायोजित एक पोषण जागरूकता गतिविधि का आयोजन किया।

22 मार्च 2018 को "फैशन मर्चेन्डाईज़िंग: उभरते रुझान" विषय पर आधारित एक वार्षिक कार्यक्रम '16वां संजाम रंधावा मेमोरियल सम्मेलन' आयोजित किया गया था।

6 अप्रैल 2018 को सत्रहवां रौशनी देशपांडे मेमोरियल ओरेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

संदीप कुमार सिंह द्वारा 11 अप्रैल 2018 को "टाटानगर से हार्वर्ड: विज्ञान में एक यात्रा" शीर्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

वीप्लांट के संतोष जॉर्ज द्वारा 18 अगस्त 2019 को "भूख प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण की दिशा में एक कदम के रूप में बीज संरक्षण का महत्व" पर सम्मेलन आयोजित किया गया था।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

एस. आनंद ने, वर्ष 2018 में चीन के चेंगदू में, चीन के इलेक्ट्रॉनिक साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी में आयोजित प्रथम पैन हिमालयन रीजनल कम्युनिकेशन एकेडमिक फोरम में "भौगोलिक सीमाओं को पिघलाना: लोगों को समर्थक सामाजिक व्यवहार के पक्ष में शामिल करना" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शीतल चोपड़ा ने, वर्ष 2018 में, डिजाइन, जी. डी. गोयनका विश्वविद्यालय, सोहना रोड, गुड़गांव में 'डिजाइन-संसाधन के रूप में वर्ज्य' पर सम्मेलन में "चयनित प्राकृतिक और सिंथेटिक कपड़ों की सतत डाइंग के लिए टीक के बेकार पत्तों (टेक्टोना ग्रैन्डीस)का उपयोग" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एस. कपूर ने 24 फरवरी, 2018 को लेडी श्रीराम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'समकालीन भारत में मनोसामाजिक अवधारणाओं' पर आयोजित सम्मेलन में "अतीत का भविष्य: भारतीय संस्कृति के लिए आगे क्या है?" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आर. माथुर ने 24 फरवरी, 2018 को कमल देवी कॉम्प्लेक्स, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित एक सम्मेलन में "भारत की टेक्सटाइल विरासत को बनाए रखने के लिए क्षमता निर्माण के उपायों पर संगृहीत शिल्प, संगोष्ठी के लिए अपनाया गया विविध पद्धति दृष्टिकोण" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नीना भाटिया ने 7 से 9 मई 2018 को यूनिसेफ, रोजा द्वारा काठमांडू, नेपाल में आयोजित 'स्टंटिंग रोकें-मातृत्व पोषण की शक्ति - दक्षिण एशिया में गर्भावस्था और प्रसव के बाद महिलाओं की पोषण संबंधी देखभाल के उन्नयन' पर क्षेत्रीय सम्मेलन में "दृश्य बनाना-मातृ-पोषण पर वैश्विक मार्गदर्शन और मातृ पोषण पर सिफारिशें" पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के साथ जारी समझौता ज्ञापन - यह विदेश में सेमेस्टर के लिए छात्र विनिमय कार्यक्रम है।

सिरैक्यूज़ विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क राज्य, यूएसए के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

हम्बोल्ट विश्वविद्यालय और पोर्टलैंड विश्वविद्यालय (डीसीई विभाग) के साथ समझौता ज्ञापन।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

छात्र विनिमय और ट्विनिंग कार्यक्रम (डीसीई विभाग) के अंतर्गत मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी से चार और हम्बोल्ट स्टेट यूनिवर्सिटी के आठ विद्यार्थियों ने अपना कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

विद्यार्थियों ने "हर एक, एक को सक्षम बनाए" कार्यक्रम में भाग लेने वाले वयस्क शिक्षार्थियों के लिए महाविद्यालय परिसर में वार्षिक "युवा शक्ति मेला" का आयोजन किया। महाविद्यालय में छात्र शिक्षार्थियों के बीच जागरूकता पैदा करने और उन्हें जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए पर्याप्त कार्रवाई करने के

लिए जागरूक करने के उद्देश्य से महाविद्यालय में एक कियोस्क स्थापित किया गया था। विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए, डॉ. अपर्णा खन्ना और एक गैर सरकारी संगठन- विश्वास के सहयोग से छात्र स्वयंसेवकों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सत्रों की श्रृंखला आयोजित की गई। स्वयंसेवकों ने माइंड पाइपर (गैर सरकारी संगठन) के साथ दुर्गा पूजा पंडाल (फरीदाबाद) में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पर एक सत्र का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एम्स, नई दिल्ली में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान भी आयोजित किया गया। रिचमंड फेलोशिप सोसाइटी और एनएसएस टीम के समर्थन से दयाल सिंह महाविद्यालय में एक सत्र आयोजित किया गया था।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी संकाय: 44

कुस तदर्थ संकाय: 72

प्रदत्त एम.फिल/ पीएच. डी. की संख्या: 13

अन्य महत्वपूर्ण विवरण

विकास संचार और विस्तार विभाग, लेडी इरविन महाविद्यालय का मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी (एमएसयू), यूएसए के साथ ग्रीष्मकालीन ट्विनिंग कार्यक्रम, (छात्र विनिमय कार्यक्रम) चल रहे सबसे पुराने विनिमय कार्यक्रमों में से एक है, इसे लगभग दो दशक पहले शुरू किया गया था और तब से इस कार्यक्रम के अंतर्गत 128 से अधिक विद्यार्थियों और 12 संकाय सदस्यों ने सीमाओं को पार किया है। कार्यक्रम ने एक जुड़वां दृष्टिकोण अपनाया है, जिसमें एमएसयू के विद्यार्थियों को विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के साथ रखा गया है और एक परियोजना सौंपी गई है। विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों से एमएसयू के चार विद्यार्थियों ने गर्मियों की छुट्टियों के दौरान परिसर का दौरा किया और उन्हें "गंगा परियोजना" के अंतर्गत एम.एससी. डीसीई (फाइनल) कार्यक्रम के दो विद्यार्थियों के साथ रखा गया। इसके अलावा एक अन्य कार्यक्रम, अर्थात्, भारत में ग्रामीण युवा स्वयंसेवक: एचएसयू-एलआईसी ट्विनिंग कार्यक्रम, भारत में स्थित अमेरिकी दूतावास द्वारा समर्थित है।

***

लेडी श्रीराम महिला महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

वर्ष 2019 में एआईआरएफ द्वारा महाविद्यालय को पांचवा स्थान दिया गया है। वीक द्वारा वर्ष 2018 में किए गए सर्वेक्षण में महाविद्यालय को देश में पहला स्थान दिया गया है। एलएसआर में विदेशी प्रतिनिधिमंडल: साइन्स पो से एक प्रतिनिधिमंडल ने दिसंबर 2018 में महाविद्यालय का दौरा किया। विद्यार्थियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय यात्रा: ऑस्ट्रेलिया के मैकक्वेरी विश्वविद्यालय में कला संकाय के विद्यार्थियों के साथ-साथ प्रोफेसर एंड्रयू ऑल्टर ने सितंबर 2018 में संकाय सदस्यों द्वारा अवधारणा और विनिमय के एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम के लिए महाविद्यालय परिसर का दौरा किया। दिसंबर 2018 में बाथ विश्वविद्यालय द्वारा जिसका नाम 'बाजार से व्यक्ति तक की वैश्विक जिम्मेदारियां' आठ दिवसीय लंबा शीतकालीन स्कूल आयोजित किया गया था। 8 जनवरी 2019 को प्रशासनिक कर्मचारी, महाविद्यालय संकाय और छात्र निकाय के दर्शकों की उपस्थिति में महाविद्यालय ऑडिटोरियम में एमएचआरडी की एक पहल, नवाचार परिषद् का औपचारिक उद्घाटन किया गया। महिला दिवस के अवसर पर भारतीय भौगोलिक नौसेना की छह महिला अधिकारियों द्वारा विश्व की परिक्रमा, दस्तावेजीकरण का राष्ट्रीय भौगोलिक उत्पादन, तारिणी प्रदर्शित किया गया।

सम्मान/गौरव

महाविद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. सुमन शर्मा को भारतीय अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली 13 मार्च 2019 को पारिस्थितिकी और पर्यावरण संस्थान (आईआईईई) द्वारा 'आध्यात्मिक और मूल्य शिक्षा (एसएवीई) समिट-2019' के लिए ' मूल्य शिक्षा के लिए विश्व पुरस्कार' (वेभ) प्राप्त हुआ।

डॉ. सुमन शर्मा को 5 अक्तूबर 2018 को को भारतीय अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित 'शिक्षक शिक्षा और एक स्वच्छ दुनिया के लिए अनुसंधान शिखर सम्मेलन' के साथ आयोजित 'संयुक्त राष्ट्र विश्व शिक्षक दिवस समारोह' के अवसर पर 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' प्राप्त हुआ।

डॉ. गौरी हरि सिंघानिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, कानपुर (यूपी) द्वारा 8 जनवरी 2018 को आयोजित पाँचवें अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन शिखर सम्मेलन के दौरान डॉ. अरविंद कुमार को '2018 के लिए अकादमिक उत्कृष्टता मानविकी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

17 दिसंबर 2018 को दिल्ली सरकार द्वारा विज्ञान भवन में एनजीओ सेक्टर में उत्कृष्टता के लिए डॉ. शेरनाज़ कामा को सम्मानित किया गया।

दिसंबर 2018 में श्रीमती रुक्षणा श्रॉफ को विज्ञान भवन में दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग, एनसीटी की दिल्ली सरकार से 'उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार' मिला।

डॉ. प्रीति धवन को एकीकृत अनुसंधान परियोजना 'शहरी भारत में मनोचिकित्सा: रुख और उपचार की मांग की दिशा में कथित बाधाओं' पर टीचर्स महाविद्यालय, कोलंबिया यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. द्वारा 'आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट अवार्ड' प्राप्त हुआ।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

बीए इतिहास (ऑनर्स), तृतीय वर्ष की अनन्या भट्ट को 62वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप 2018 में स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

चारू शौकेन ने 2018 में ओपन दिल्ली स्टेट एथलेटिक्स टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

देवांशी राणा ने बी.ए. कार्यक्रम द्वितीय वर्ष को जनवरी 2019 में पुणे में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ।

इशिता शर्मा ने इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित 57वीं दिल्ली राज्य प्रतियोगिता में हूप और बॉल इवेंट में 2 रजत पदक प्राप्त किये।

जैस्मिन ने ऑल इंडियन इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में 4 x 200 मीटर फ़्रीस्टाइल रिले में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

प्रकाशन

पी. बंसल, (2019)। मनोविज्ञान: वाद-विवाद और विवाद। दिल्ली: सेज प्रकाशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड.

गोविंदन, के. झा, पी. सी., अग्रवाल, वी., दरबारी, जे.डी. (2019). विपरीत आपूर्ति श्रृंखला सहयोग के लिए पर्यावरण प्रबंधन भागीदार चयन: एक स्थायी दृष्टिकोण. जर्नल ऑफ एनवॉयरमेंटल मैनेजमेंट. 236: 784-797.

मैत्रा, एस., मदन, एस., कंडवाल, आर., महाजन, पी (2018). नाओवे बेयस क्लासिफायर का उपयोग करके संकाय के लिए माइनिंग प्रामाणिक छात्र प्रतिक्रिया. प्रोसिडिया कंप्यूटर साइंस. 132: 1171-1183.

मिनोचा, ए (2018). वैकल्पिक साहित्यिक आधुनिकताएँ: औपनिवेशिक पंजाब से एक आवाज़. द जेटस्क्रिफट फर एंगलिस्टिक एंड अमेरिकानेस्टिक/भाषा, साहित्य और संस्कृति की एक त्रैमासिक. 66(1): 35-48.

झा, पी (2018). साहित्य का एक राजनीतिक इतिहास: विद्यापति और पंद्रहवीं शताब्दी, आईएसबीएन-13: 978-0199489558, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली।

सेन, पी (2019). ट्रोलिंग: ग्लोबलाइजेशन का अंधेरा पक्ष" द ग्लोबलाइजेशन कॉड्रम- डार्क क्लाउड्स बिहाइंड सिल्वर लाइनिंग में, सिंगापुर: स्प्रिंगर, (आईएसबीएन 978-981-13-1727-9), पृष्ठ 243-256.

शर्मा, आर (2018). मीडिया, राज्य और उपेक्षा: चुनौतियों से निपटना। यूके: कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग। आईएसबीएन (10): 1-5275-0883-8; आईएसबीएन (13): 978-1-5275-0883-5.

सिंह, मोनिका, जैन, पी..सिंह, ए.पी., स्टेपानोव, वी.डी. (2019) ग्रैंड लेब्सग्यू स्पेसेस में गणितज्ञ का द्वैध सिद्धांत" मैथिसिसे नचरिटेन 292:841-849.

जर्नल

महाविद्यालय में प्रकाशित जर्नल- 11; जर्नलों के नाम इस प्रकार हैं: ईक्लेट (गणित विभाग); इज्तिहाद (इतिहास विभाग); सेहर (अनिवार्य शिक्षा विभाग), जबेरवॉक(अंग्रेजी विभाग); तेजस(संस्कृत विभाग); लर्निंग कर्व (मनोवैज्ञानिक विभाग); इलोक्वीयल (अर्थशास्त्र विभाग); कमकार्ड (वाणिज्य विभाग); सबब (राजनीति शास्त्र विभाग); नेयसिस (दर्शन विभाग); द फील्डवर्क (समाज शास्त्र विभाग)।

शोध परियोजनाएं

जनवरी 2018 से जनवरी 2020 तक डॉ. सुमन शर्मा, प्रधानाचार्य को सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की अनुसंधान परिषद् की "स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच सहयोग: लाभ और चुनौतियां" शीर्षक परियोजना सौंपी गई है।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की, डॉ. शेरनाज कामा और निदेशक यूनेस्को की जियो पारसी चरण - 2, 2018 सामुदायिक स्वास्थ्य- शीर्षक परियोजना।

जुबान ससाकावा पीस फाउंडेशन ग्रांट फॉर यंग रिसर्चर्स 2018 द्वारा प्रायोजित सुश्री लीकी वांग्मो थुंगों की 'पूर्वोत्तर और लिंग पर, मेरी दादी: प्रदर्शनी ए' शीर्षक रचनात्मक परियोजना।

बेट्स फैकल्टी डेवलपमेंट फंड, बेट्स महाविद्यालय, द्वारा प्रायोजित सुश्री प्रियंका पाध्य की 'भारत में विकलांगता और समावेश- शैक्षिक नीतियां और व्यवहार' पर पार सांस्कृतिक अनुसंधान परियोजना।

आयोजित संगोष्ठी

कॉमक्वेस्ट- 4 और 5 अक्तूबर 2018 को वार्षिक संगोष्ठी- कॉमक्वेस्ट आयोजित की गई थी।

दर्शनशास्त्र विभाग ने 11 फरवरी 2019 को अलेथिया पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

राजनीति विज्ञान विभाग ने 15 मार्च 2019 को पॉलपाउरी 2019 का आयोजन किया।

समाजशास्त्र विभाग ने 28 और 29 मार्च 2019 को अपना वार्षिक शैक्षणिक सेमिनार, 'कुला 2019' आयोजित किया।

3 अक्तूबर 2018 को मैक्वेरी के कानून विभाग के डॉ. कर्स्टन डेविस द्वारा "वार्मिंग युद्ध: जलवायु परिवर्तन अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए कैसे खतरा उत्पन्न कर रहा है" पर व्याख्यान दिया गया था।

4 अक्तूबर 2018 को अर्थशास्त्र विश्वविद्यालय के विभाग प्रमुख डॉ. पीटर पोस्ले द्वारा "व्यक्ति से बाजार तक की वैश्विक जिम्मेदारियां" शीर्षक व्याख्यान दिया गया।

आयोजित सम्मेलन

17 और 18 जनवरी 2019 को अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सम्मेलन, 'इकोन्विस्टा-2019' आयोजित किया गया था।

8 और 9 मार्च 2019 को 'मातृभाषा का विखंडन': प्रतिरोध और पहचान संरचनाओं की जटिलताएं' विषय पर 'माजी-ओ-मस्तकबिल' शीर्षक वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

'मुक़ाबला' 27 और 28 सितंबर 2018 को पत्रकारिता विभाग द्वारा 'जेयूएक्सटीपोज' शीर्षक सम्मेलन आयोजित किया गया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

आकांक्षा नारायण सिंह ने, 'एशिया 1409-1900 में कब्जा, बंधन और जबरन पुनर्वास' पर लियन, फ्रांस में 13 और 14 मार्च, 2019 को आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक घरेलू दास बनाना: 19वीं सदी के भारत में कैद और बंधुआ" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आरती मिनोचा ने 28 और 29 जून 2018 को इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंग्लिश स्टडीज़, स्कूल ऑफ़ एडवांस स्टडी, यूनिवर्सिटी ऑफ़ लंदन में आयोजित लिटरेरी लंदन सोसाइटी के कॉन्फ्रेंसवार्षिक सम्मेलन में "भारतीय आँखों के से लंदन का लिखना" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

जोनाथन कोशी वर्गीज ने 30 और 31 अप्रैल 2019 को मुंबई विश्वविद्यालय के सहयोग से फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, सीईएआईएस (ईएचईएसएस) द्वारा आयोजित खोज अध्ययन सम्मेलन में "सुरियानी: वास्तुकला और कथा" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

ज्योति दरबारी ने 5 से 7 मार्च, 2019 को बैंकाक, थाईलैंड में आयोजित 'औद्योगिक इंजीनियरिंग और संचालन प्रबंधन' पर नौवें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सबसे बेहतर-सबसे बुरे तरीके का उपयोग करते हुए खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में सतत नवाचार प्रथाओं का प्रदर्शन मूल्यांकन" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

महेश कुमार ने भारतीय सांख्यिकी संस्थान, बैंगलोर में 13 से 19 दिसंबर 2018 को आयोजित 'संचालक सिद्धांत और संचालक बीजगणित 2018 में हाल की प्रगति' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "संरचना संचालक जो खुली इकाई डिस्क पर होलामार्फिक कार्य की विभिन्न शाखाओं के रिक्त स्थान पर एक आइसेमेट्री के समान हैं" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रियंका पाधी ने न्यू इंग्लैंड एजुकेशनल रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (एनईईआरओ), न्यू हैम्पशायर, यूएसए में 24 से 26 अप्रैल, 2019 को आयोजित वार्षिक सम्मेलन में "भारत में समावेश और विकलांगता: दिल्ली में और उसके परे एक विशेष कार्यक्रम का अध्ययन" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शेरनाज कामा ने 3 और 4 दिसंबर, 2018 को आयोजित 'भारत और मध्य एशिया: आईआईसी अंतर्राष्ट्रीय शोध प्रभाग और भारत-फारसी अध्ययन संस्थान बैठक' में "भारत-मध्य एशिया के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर सत्र 'इतिहास का उदय: पारसी धर्म, इसके विचार और प्रभाव" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुचेता नायक ने दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 21 और 23 अप्रैल, 2019 को आयोजित थ्योरी एंड कम्प्यूटेशन एंड एप्लीकेशन ऑफ डिफरेंशियल इक्वेशन में हालिया विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरडीटीसीएडीई-2019) में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन- 9

ब्राउन यूनिवर्सिटी, यूएसए

ला ट्रोब यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया

एनयूएस, सिंगापुर

मिडिलबरी, यूएसए

फुकुओका वीमेन यूनिवर्सिटी, जापान

मोनाश यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया

साइन्सपो, पेरिस

यूनिवर्सिटी ऑफ बाथ, ब्रिटेन

यूसीडी माइकल स्मर्फिट ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, आयरलैंड

भारतीय/विदेशी कंपनियों/उद्योग के साथ: 3

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

महाविद्यालय ने शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के दौरान कई विनिमय कार्यक्रमों का आयोजन किया। मिडिलबरी महाविद्यालय, ओंटारियो के छह विद्यार्थियों और सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (एनयूएस) के दो विद्यार्थियों ने भारत में महाविद्यालय परिसर का दौरा किया। महाविद्यालय से अनेक विद्यार्थियों को विदेशी विश्वविद्यालयों में सहयोगी कार्यक्रमों के लिए नामांकित किया गया है। शर्मिष्ठा सिंह को पेरिस में विज्ञान पीओ कार्यक्रम के लिए नामित किया गया था। रेशमा गणेश बाबू और मुस्कान कुशवा को मैक्वेरी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए चुना गया है। विशाखा चौधरी और चारवी वाधवा को एनयूएस में समर स्कूल के लिए नामांकित किया गया है, जबकि कुमारी स्मृति और समीक्षा पुरोहित को जापान के फुकुओका विश्वविद्यालय में एक वर्ष के विनिमय कार्यक्रम के लिए चुना गया है।

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या: 115

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या:100+

इंटर्नशिप के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या:320

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

महाविद्यालय ने चार अभिनव कार्यक्रम शुरू किया - (i) स्वैच्छिक एजेंसी नियोजन कार्यक्रम जो विद्यार्थियों को सामुदायिक विकास और सामाजिक कल्याण में सकारात्मक योगदान देने के लिए अवसर प्रदान करता है; (ii) ध्यान, समाज चेतना और जागरूकता सोसायटी, अनुभव से सीखने को प्रोत्साहित करती है; (iii) महिला विकास प्रकोष्ठ जो महिलाओं के मुद्दों के साथ संलग्न है; तथा (iv) रीच जो समानता, पहुँच, क्षमता और मानवतावाद को सुनिश्चित करने लिए परिचित है और सकारात्मक और समावेशी शिक्षण के मुद्दों से संबंधित है। एनएसएस में काला, नूर और नेक्सस आदि कई प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए गए, 2018-19 के मुख्य आकर्षणों में, एक नयी इन-हाउस परियोजना- इख्तियार की स्थापना शामिल है, जो मूक लोगों के लिए वैलेंटाइन की मेजबानी, सड़क सुरक्षा कार्यशाला और तिहाड़ कार्यक्रम आदि करती है। 19 फरवरी 2019 को दिल्ली पुलिस द्वारा एक आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत उपयोगकर्ता अनुकूल डेटा फाइलिंग सिस्टम के साथ 111000 पुस्तकों, 6481 सजिल्द, 1300 रिप्रोग्राफिक सामग्री और लगभग 350 सीडी और डीवीडी का अमूल्य संग्रह है। यह कई समाचार पत्रों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की एक श्रृंखला की सदस्यता लेता है। पुस्तकालय में एक पुस्तक बैंक अनुभाग है, जो विद्यार्थियों को दीर्घकालिक आधार पर उधार लेने में सक्षम बनाता है। पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, पाठ और सामग्री तक पहुंच की सुविधा प्रदान करता है। यह सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहता है और पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है। इसमें सभी पुस्तकों और सजिल्द जर्नलों का त्रुटि मुक्त डेटाबेस है, जिसे इन-हाउस टीम द्वारा बनाया और सहेजा गया है।

संकाय की संख्या

स्वीकृत संकाय की कुल संख्या: 144

वित्तीय आबंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: 39,15,69,000/- रुपए
अनुदान का उपयोग: 39,07,74,517/- रुपए

***

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने एनआईआरएफ इंडिया रैंकिंग में 80 वां स्थान प्राप्त किया। 'इंडिया टुडे' ने मानविकी विभाग को 31वें, वाणिज्य विभाग को 41वें और विज्ञान विभाग को 59वें स्थान पर रखा। महाविद्यालय ने विद्यार्थियों के साथ-साथ संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए अपनी अवसंरचनात्मक क्षमता में वृद्धि की। स्थापित पोर्टा केबिन कमरों के पास और खेल मैदान में नए टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण किया गया था। अन्य प्रमुख विकासों में नए प्रशासनिक ब्लॉक का निर्माण, संकाय कमरे और 'विश्वकर्मा कौशल केंद्र' का निर्माण शामिल हैं। महाविद्यालय ने हाल ही में सीसीटीवी कैमरे, कंप्यूटर और नए फर्नीचर स्थापित किए हैं। महाविद्यालय परिसर के भीतर सेनेटरी नैपकिन का निर्माण कर रहा है और ये उन सभी के लिए उपलब्ध हैं जिन्हें इनकी आवश्यकता है। विद्यार्थियों ने वज़ीरपुर गांव का दौरा किया और छोटे बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान की। शिक्षा महाविद्यालय के क्षेत्र में हमारी भूमिका को व्यापक बनाने के लिए विदेशी भाषा के पाठ्यक्रमों जैसे पाठ्यक्रमों को जोड़ा जाता है युवा उत्साही दिमागों के लिए एनएसडीसी कौशल पाठ्यक्रम की भी पेशकश की जा रही है। महाविद्यालय ने एक सप्ताह का आवासीय युवा प्रेरणा शिविर भी आयोजित किया।

सम्मान/गौरव

महाविद्यालय को दिल्ली के एनसीसी एलुमनी क्लब द्वारा 15 जुलाई 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय (एसडब्ल्यू) होने के लिए 'एनसीसी अचीवर्स अवार्ड' प्रदान किया गया।

प्राचार्या डॉ. प्रत्युष वत्सला को संसदीय हिंदी समिति द्वारा राष्ट्र गौरव सम्मान 2018 से सम्मानित किया गया।

डॉ. अलका हरनेजा को उच्च शिक्षा निदेशालय, एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा मार्च 2019 में 'मेरिटोरियस कॉलेज लेक्चरर अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

डॉ. अनीता मल्होत्रा को एफएसएसएआई, भारत सरकार (2018-21) के दूसरे कार्यकाल के लिए अनाज, दलहन और फलियों पर वैज्ञानिक पैनल के राष्ट्रीय सदस्य के रूप में नामित किया गया और साथ ही विज्ञान, एसएनडीटी विश्वविद्यालय, मुंबई के कुलपति द्वारा सर विट्ठलदास ठाकरसी कॉलेज ऑफ एकेडमिक काउंसिल के व्यावसायिक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामित किया गया (2018-2021)।

डॉ. सीमा कौशिक को 10 अगस्त, 2018 को प्रगति मैदान, दिल्ली में 'फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन' (पीईएफआई) द्वारा सर्वश्रेष्ठ शारीरिक शिक्षा शिक्षक (उत्तर भारत) होने के लिए 'डॉ. जीपी गौतम पुरस्कार (शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार)' से सम्मानित किया गया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

खुशी ने कैडेट कुश्ती महासंघ टूर्नामेंट में पहला स्थान प्राप्त किया।

खुशी ने खेलो इंडिया कुश्ती टूर्नामेंट में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

निखत को पुणे में आयोजित सीनियर नेशनल बेसबॉल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

सुष्मिता ने ओपन अर्बन नेशनल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में पहला स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

चावला, आई. (2019). विदेश में निवेश करने के लिए फर्मों के प्रारंभिक निर्णय के निर्धारक: भारत में विनिर्माण फर्मों के लिए "अस्तित्व" विश्लेषण का एक आवेदन. इमर्जिंग फिनान्स एंड ट्रेड, 55(3): 562-583.

दुआ, पी., सूरी, आर. (2018). भारत में विनिमय दर और केंद्रीय बैंक हस्तक्षेप: एक अनुभवजन्य विश्लेषण. द जर्नल ऑफ डेवलपिंग एरियाज. 52(2): 127-143.

हरनेजा, ए (2018-19). कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से भारतीय खेलों का उत्थान. इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन स्पोर्ट्स मेडिसिन एंड एक्सरसाइज साइंस, 18 (विशेष अंक (1): 32-35.

कौल, आर., मल्होत्रा, डी. ए (2018). महिला और विकास: मुद्दे और चुनौतियां। नई दिल्ली: एलिट पब्लिशिंग हाउस, आईएसबीएन:9788193599631.

मल्होत्रा, ए (2018). एक चिकित्सक को लस मुक्त आहार के बारे में जो पता होना चाहिए. इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, 37(5): 392-401.

नांगिया, आर (2019). स्टॉक मार्केट्स में निवेश करना (दूसरा संस्करण)। नई दिल्ली: एनी बुक्स प्रा. लिमिटेड आईएसबीएन:978-93-88264-50-1.

शर्मा, एन. के., शर्मा, एल (2019). जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन: विभिन्न तकनीकों का अवलोकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज, 6(1): 65-73.

शर्मा, एल., कौशिक, डी. एस (2018-19). सीएसआर के माध्यम से खेल प्रोत्साहन में भारतीय कंपनियों का योगदान। इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन स्पोर्ट्स मेडिसिन एंड एक्सरसाइज साइंस, 18 विशेष अंक (3): 201-203.

सुल्ताना, टी (2018). चौथे क्रम के पैराबोलिक आंशिक अंतर समीकरण के समाधान के लिए तनाव तख़्ता तकनीक. मलाया जर्नल ऑफ मैटेमैटिक, 6(3): 514-520.

उमा (2018). आधुनिकीकरण या उपेक्षा, पसंद या नियति द्वारा: दक्षिण अफ्रीका की ज़ुलु जनजाति और भारत की भील जनजाति का अध्ययन. इंडियन जर्नल ऑफ अफ्रीकन स्टडीज. XXIII (1 & 2): 110-119.

शोध परियोजनाएं

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च द्वारा वित्त पोषित परियोजना, शीर्षक, "ग्लूटेन फ्री फूड्स" (जनवरी 2018), प्रधान अन्वेषक, एम्स के डॉ. गोविंद मखारिया और सह-अन्वेषक लक्ष्मीबाई महाविद्यालय की डॉ. अनीता मल्होत्रा। स्वीकृत राशि 22 लाख रुपए।

डॉ. अमृता शिल्पी, प्रधान अन्वेषक की आईसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित परियोजना, शीर्षक "बिहार का सामाजिक मनोविज्ञान और बहिष्कार: डोम और मुसहर समुदायों का एक अध्ययन" (2016-18) दिया। स्वीकृत राशि 15 लाख रुपए।

डॉ. अमृता शिल्पी, प्रधान अन्वेषक की आईसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित परियोजना, शीर्षक "अनुच्छेद 370 का विकास और कार्यान्वयन" (2017-2018). स्वीकृत राशि 17.5 लाख रुपए।

युवा मामलों और खेल मंत्रालय के राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान द्वारा वित्त पोषित परियोजना, डॉ. सुनीता अरोड़ा, प्रधान अन्वेषक के रूप में, शीर्षक "भारत के मेट्रो शहरों में युवाओं की आधुनिक जीवन बाधाओं का अध्ययन" (2016- 2018) शीर्षक इस परियोजना को किया। स्वीकृत राशि 175, 20,000/-रुपए।

आयोजित संगोष्ठियाँ

4 फरवरी 2019 को "विशिष्ट शिक्षा" द्वारा 'आईएएस के विभिन्न पहलुओं' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

6 फरवरी 2019 को वित्तीय गलियारे में श्री केशव कुमार, सीएफए, निदेशक और प्रमुख प्रशिक्षक द्वारा संगोष्ठी,

'स्टॉक मार्केट्स' शीर्षक एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

20 फरवरी 2019 को 'सतत पर्यावरण के लिए जैविक खाद्य और जैविक वस्त्र' शीर्षक एक दिवसीय सम्मेलन।

महाविद्यालय के नियोजन प्रकोष्ठ ने 24 जनवरी 2019 को 'बेहतर भविष्य के लिए रोजगार कौशल में सुधार' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

8 मार्च 2019 को "स्पीकिंग ऑफ़ साइलेंस: स्पीकिंग फ्रॉम द साइलेंस" शीर्षक एक अंतर महाविद्यालयीन छात्र सम्मेलन आयोजित किया गया था।

यूजीसी ने 27 और 28 मार्च 2019 को आयोजित "युवाओं की जीवन शैली पर प्रभाव" शीर्षक राष्ट्रीय सम्मेलन को प्रायोजित किया।

क्यूटी एनालिटिक्स के सहयोग से आईक्यूएसी और अर्थशास्त्र विभाग ने 20 से 26 नवंबर, 2018 के बीच सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम "एसपीएसएस और ईवीआईईडब्ल्यूएस का उपयोग करते हुए अनुसंधान विधियों एवं डेटा विश्लेषण" का आयोजन किया।

2 नवंबर, 2018 को जाकिर हुसैन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की डॉ. अनुराधा मारवाह रॉय द्वारा "क्रिएटिव-राइटिंग" शीर्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संयोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

अलका हरनेजा ने 27 और 28 मार्च 2019 को महाविद्यालय द्वारा आयोजित "युवाओं की जीवनशैली पर खेलों का प्रभाव' विषय पर एक यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "खेलों के माध्यम से लैंगिक समानता को बढ़ावा" पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अमृता शिल्पी ने "कस्तूरबा: ए वूमन ऑफ सब्स्टेंस" पर एक व्याख्यान दिया और 22 और 23 फरवरी 2019 को गांधीवादी अध्ययन केंद्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में 'गांधी के जीवन और दर्शन में कस्तूरबा की भूमिका' पर आयोजित दो दिनों की राष्ट्रीय संगोष्ठी' में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की थी।

अनीता मल्होत्रा ने 15 से 18 नवंबर 2018 को सियोल, कोरिया में आयोजित 'एशिया पैसिफिक डाइजेस्टिव वीक कॉन्फ्रेंस' में "लस मुक्त भोजन की उनके लस युक्त समकक्षों के साथ लागत और पोषण संबंधी संरचना का तुलनात्मक विश्लेषण" शीर्षक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रितु कुमार ने मराठवाड़ा मित्र मंडल के आईएमईआरटी, पुणे द्वारा पोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स, पुणे, मर्डोक विश्वविद्यालय, दुबई; भारतीय अर्थमितीय सोसायटी, नई दिल्ली (टीआईईएस) के सहयोग से 15 से 17 फरवरी 2019 तक आयोजित 'फाइनेंस एंड एप्लाइड इकोनॉमिक्स' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए भारत का निर्यात: एक विश्लेषण" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुचेता गौबा ने शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 24 और 25 फरवरी 2019 को आयोजित 'व्यापार और प्रबंधन, 2019: 21वीं सदी के माध्यम से रास्ता तय करना' पर छठे राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत के धातु उद्योग के संदर्भ में कॉर्पोरेट निवेश में रुझान" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

उमा ने सत्यवती महाविद्यालय (सायं) द्वारा महिला अध्ययन और उन्नत अध्ययन के विकास केंद्र (डब्ल्यूएसडीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 15 से 21 अक्तूबर 2018 को आयोजित 'लिंग संवेदीकरण और मानव अधिकार' पर एक संकाय विकास कार्यक्रम में "भारत में महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक भागीदारी पर मतभेद और तर्क" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या:10
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या: 20

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

एनएसएस और एनसीसी के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गतिविधियों में भाग लेकर प्रशंसा प्राप्त की। जो छात्र नियमित महाविद्यालय में प्रवेश पाने में असमर्थ हैं, उन विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करने के लिए महाविद्यालय एनसीडब्ल्यएबी और इग्नू केंद्र चलाता है। 'लाइफ केयर' संगठन के सहयोग से महाविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारी समिति ने 21 फरवरी 2019 को पॉप गायक शील के लाइव प्रदर्शन के द्वारा पुलवामा शहीदों को संगीतमय श्रद्धांजलि देने के लिए 'एक शाम शहीदों के नाम' शीर्षक कार्यक्रम का आयोजन किया। पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले सीआरपीएफ जवानों की याद में मोमबत्तियां जलाकर विद्यार्थियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पुस्तकालय विकास

डेलनेट और एनसिस्ट के माध्यम से पुस्तकालय सुविधाओं का विस्तार

संकाय की संख्या

संकाय की कुल संख्या: 155

अंतिम आबंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदानः 3741.81 लाख रुपए
अनुदान का उपयोग: 3668.51 लाख रुपए

***

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय को एनएएसी द्वारा ग्रेड 'ए' से मान्यता दी गई है। इंडिया टुडे और नील्सन कंपनी द्वारा भारत के सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालयों के सर्वेक्षण में, महाविद्यालय ने विज्ञान विभाग में 18वां स्थान, कला विभाग में 32वां और वीणिज्य विभाग में 30 वां स्थान प्राप्त किया है। भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क में, महाविद्यालय को 47 वें स्थान पर रखा गया है। आज, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय को उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट संस्थान माना जाता है। बुनियादी ढाँचा हो या शोध और नवाचार, पाठ्यक्रम संवर्धन हो या सर्वोत्तम अभ्यास, संस्थान विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों को समग्र विकास प्रदान करने के लिए अपने तेज़ गति वाले विकास पर गर्व करता है। महाविद्यालय अब अपने 25वें वर्ष में है और यह केवल जश्न मनाने का ही नीं बल्कि आने वाले वर्षों के लिए आत्मनिरीक्षण और योजना बनाने का भी अवसर है। इस विशेष उपलब्धि को चिह्नित करने के लिए इस वर्ष कई पहल की गईं।

प्रकाशन

अग्रवाल, एम., अरोड़ा, एस., गुप्ता, बी. (2018). शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य शिक्षा पर एक पाठ्यपुस्तक: आसन, पुष्ट देखभाल और प्राथमिक चिकित्सा। सार्थक प्रकाशन, दिल्ली, आईएसबीएन 978-93-83914-89-0

कुमार, एन. (2019). भारत से परे एशिया और अफ्रीका में संघवाद. इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन. 65(1), 229-235 https://doi.org/10.1177/0019556118820390

कुमार, वी., कुमार, ए., सक्सेना, एम., गुप्ता, एम (2018). गौसियन डोप्ड डबल गेट जंक्शन कम (जीडी-डीजी-जेएल) ट्रांजिस्टर का अध्ययन जिसमें स्रोत नाली की लंबाई में कमी भी शामिल है: उप-दहलीज व्यवहार, सुपरलिटिस और माइक्रोस्ट्रक्चर के लिए मॉडल, 113, 57-70.

मित्तल, एस (2018). 'आधुनिक दिल्ली के बाद: कुछ उपन्यासों में एक दृश्य' प्रभाव में: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमेनिटीज, आर्ट एंड लिटरेचर, 6(6), (आईएसएसएन: 2347-4564(प्रिंट), 2321-8878 (ऑनलाइन).

प्रसन्नन ए आर, (2019). सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त गणित के क्षेत्र में प्रगति, 14(1), पृष्ठ 1-16.

राम, आर (2019). "समन्वय कॉम्प्लेक्स और संक्रमण धातुओं का रसायन विज्ञान" मैनकिन प्रेस। आईएसबीएन सं. 9788193877203.

सचदेवा, एस.एम (2018). स्व प्रबंधन नेतृत्व: मानव संसाधन प्रबंधन में एक नया परिप्रेक्ष्य" मानव संसाधन प्रबंधन में परिप्रेक्ष्य, रणनीतियाँ और व्यवहार (संपा., रजनीकांत वर्मा), भारती प्रकाशन आईएसबीएन/आईएसएसएन 978-93-866-08-59-8,

सोनी, वी (2019). समन्वय जटिल और संक्रमण धातुओं का रसायन विज्ञान" मैनकिन प्रेस। आईएसबीएन संख्या 9788193877203.

श्रीवास्तव, पी के (2018)। अमेरिकन लिटरेचर पर पुनर्विचार (चयनित लघु कथाएँ और कविताएँ) आईएसबीएन: 93-87914-99-2, मैकमिलन पब्लिशर्स इंडिया प्रा लिमिटेड, नई दिल्ली।

शोध परियोजनाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय की परियोजना, डॉ. सुनील सोंधी (प्रधान अन्वेषक) द्वारा, शीर्षक "वैश्विक संगठन में संस्कृति और संचार" दिल्ली विश्वविद्यालय के परिसर में भर्ती के लिए जाने वाली कंपनियों की संख्या। राशि 12 लाख रुपए

दिल्ली विश्वविद्यालय की परियोजना, डॉ. मीना मेहता (प्रधान अन्वेषक) डॉ. प्रीति गुप्ता (सह अन्वेषक), डॉ. वंदना (सह अन्वेषक) द्वारा, शीर्षक "साइबर सुरक्षा सहायता प्रणाली"। राशि 12 लाख रुपए

दिल्ली विश्वविद्यालय की परियोजना, शीर्षक "दिल्ली विश्वविद्यालय में इन-हाउस प्रदर्शन मूल्यांकन और कर्मचारियों के प्रबंधन के लिए एक रणनीति विकसित करें" डॉ. टी.एन.ओझा (प्रधान अन्वेषक), डॉ. कल्पना (सह अन्वेषक), डॉ. प्रिया गुप्ता (सह अन्वेषक) द्वारा। राशि 12 लाख रुपए

दिल्ली विश्वविद्यालय की परियोजना, शीर्षक "उच्च शिक्षा के सूचना प्रबंधन के लिए ई-लर्निंग सामग्री का विकास" श्री एस.के. रिंटेन (प्रधान अन्वेषक), श्री विनय राय (सह अन्वेषक), सुश्री रचिता (सह अन्वेषक), राशि 12 लाख रुपए

दिल्ली विश्वविद्यालय की परियोजना, शीर्षक "उच्च शिक्षा संस्थानों का रणनीतिक प्रबंधन: दिल्ली विश्वविद्यालय का एक प्रकरण अध्ययन" डॉ. संजीव के तिवारी (प्रधान अन्वेषक), सुश्री सुष्मिता (सह अन्वेषक), द्वारा, राशि 12 लाख रुपए

दिल्ली विश्वविद्यालय की परियोजना, शीर्षक "कार्यक्षेत्र अनुकूलन, संचार और नवाचार के लिए अनुकूलन"। डॉ. नीरज कुमार (प्रधान अन्वेषक), डॉ. अंशुल तनेजा (सह अन्वेषक), सुश्री सोनिया सचदेवा (सह अन्वेषक), द्वारा राशि 12 लाख रुपए

दिल्ली विश्वविद्यालय की परियोजना, शीर्षक "डिजाइन और विकसित करने के लिए कम लागत, स्व-शिक्षण विषम रोबोटिक पारिस्थितिकी तंत्र"। डॉ. प्रवीण के पांडे (प्रधान अन्वेषक), डॉ. मनीषा (सह अन्वेषक), श्री सचिन कुमार (सह अन्वेषक), राशि 12 लाख रुपए

दिल्ली विश्वविद्यालय की परियोजना, शीर्षक डॉ. संजीव. के. तिवारी (प्रधान अन्वेषक) द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय की परियोजना, शीर्षक "भारतीय संसद और विधान सभा में जम्मू-कश्मीर के विवादों का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन", राशि 16.7 लाख रुपए

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

व्यापारिक अर्थशास्त्र विभाग ने 28 फरवरी 2019 को 'क्रिप्टोक्यूरेंसी और ब्लॉकचैन' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

पत्रकारिता विभाग ने 14 सितंबर 2018 को भारतीय ग्रामीण संवाद पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

पत्रकारिता विभाग ने 6-7 अक्तूबर 2018 को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग (सीएसटीटी) के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 'पत्रकारिता में समकालीन शब्दावली की प्रासंगिकता' का आयोजन किया।

अंग्रेजी विभाग ने 16-17 जनवरी, 2019 को फोरटेल के सहयोग से इंडियन पॉपुलर फिक्शन: द रिडिफाइनिंग कैनन: शीर्षक से अपने चौथे अंतःविषय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

आभा मित्तल ने भारत के आईसी रिसर्च एंड डेवलपमेंट के शिवालिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, देहरादून द्वारा साउथ एशियन एसोसिएशन एसोसिएशन के साथ 29-31 दिसंबर 2018 को आयोजित 14 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बहु-विषयक दृष्टिकोण के रूप में "पवित्र गंगा की मंजिल" शीर्षक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रीति सिंह ने करुण्या विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, भारत में 16-17 मार्च 2018 को उपकरणों, सर्किट और प्रणालियों पर आयोजित चौथे आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीएस2018), में "बेहतर डीसी प्रदर्शन के लिए दोहरे-गेट मिश्मेट्स के गेट ऑक्साइड का अनुकूलन" (पेपर आईडी -53) शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नेहा ने 25-26 अक्तूबर, 2018 को नैनो-एप्लिकेशन एडवांस एंड इनोवेशन, पुणे में आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, “न्यूमेरिकल सिमुलेशन का उपयोग करके 3-स्टेप फील्ड प्लेट एएलजीएएन / जीएएन एचईएमटी का तापमान आधारित विश्लेषण” शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रेम के. ने 15-17 दिसंबर, 2018 को अमृत विश्व विद्यापीठ, अमृतपुरी परिसर, कोल्लम, केरल में एफएसएलई-इंडिया और अमृता विश्व विद्यापीठमठम द्वारा पारिस्थितिक और सांस्कृति पर आयोजित "पारिस्थितिक और सांस्कृतिक संज्ञान: स्थायी परिवर्तनशीलता का एक प्रमुख बिंदु" शीर्षक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आध्यात्मिक पारिस्थितिकी, स्वदेशी और मौखिक अभिव्यक्ति" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वंदना कुमारी ने 20-22 जून, 2018 को बार्सिलोना, स्पेन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइसेस एंड टेक्नोलॉजी माइकडैट -2018, में "गॉसियन डॉ.प्ड डबल गेट जंक्शनलेस (जीडी-डीजी-जेएल) ट्रांजिस्टर की टीसीएडी आधारित जांच" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रीति सिंह ने करुणा विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, भारत में 16 -17 मार्च 2018 को उपकरणों, सर्किट और प्रणालियों पर आयोजित चौथे आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीएस2018), में "बेहतर डीसी प्रदर्शन के लिए दोहरे-गेट मिश्मेट्स के गेट ऑक्साइड का अनुकूलन" (पेपर आईडी -53) शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रितु कोहली ने 30-31 अगस्त 2018 को श्याम लाल महाविद्यालय (सायं) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अनिवार्य सीआरएस: रिविज़िटिंग ट्रस्टीशिप" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

देबोस्मिता पॉल ने 16 -17 जनवरी 2019 को अंग्रेजी विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, द्वारा आयोजित भारतीय लोकप्रिय कथा: कैनन को पुनर्परिभाषित करना पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "ठाकुरमार झूली के संस्करण और बंगाल: बच्चों की लोकप्रिय बांग्ला कहानियों के माध्यम से बदलते बंगाली समाज का एक अध्ययन" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शीतल बी. सचदेवा ने 3-7 अगस्त 2018 को ब्रह्माकुमारियों, माउंट आबू और राजस्थान का गौरव के एसपीआर्क द्वारा आयोजित एसआईआर: शोधकर्ताओं में आध्यात्मिकता पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "दिल्ली विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के बीच शांति एवं शांति शिक्षा के बारे में जागरूकता का एक अनुभवजन्य आकलन" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

इंद्राणी दास गुप्ता ने अंग्रेजी विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय में 16-17 जनवरी 2019 को आयोजित भारतीय लोकप्रिय कथा: कैनन को पुनर्परिभाषित करना पर चौथे अंतःविषय राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक सहस्राब्दि नायक का निर्माण: अमीश त्रिपाठी के मेलुहा के अमरों को पढ़ना" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या- 92 में से 13 (14%)
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या: 9

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय की एनएसएस इकाई ने इस शैक्षणिक सत्र के दौरान कई गतिविधियाँ आयोजित कीं। "पर्यावरण पर शून्य प्रभाव" - मैक-एनएसएस के समूह ने महाविद्यालय और आस-पास के क्षेत्रों में 'चार' महीने तक साप्ताहिक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। तनाव प्रबंधन पर कार्यशालाएँ: "नाइटाई साउंड योगा" और सामुदायिक रूप से दृष्टिबाधित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशीलता का पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में एक परियोजना रक्त समूह: जीवन की बूँद शुरु की गई है। 20 सदस्यीय टीम ने एक जागरूकता कार्यक्रम चलाया और महाविद्यालय के विद्यार्थियों को रक्त समूह से संबंधित जानकारी प्रदान करने और इकट्ठा करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक गूगल फॉर्म भरने के लिए कहा। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण के मुख्य कारण के रूप में जलते हुए पुआल की समस्या को ध्यान में रखते हुए, एनएसएस टीम ने खेत में कचरे को सड़ाने के लिए उपलब्ध विभिन्न तकनीकों से ग्रामीणों को अवगत कराने के लिए गाँवों में कार्यशालाएँ आयोजित की और डीकंपोज़िंग संस्कृति वितरित की।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में 41837 से अधिक पुस्तकों और 47000 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ई-जर्नलों और विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान, कला और मानविकी से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण ई-संसाधनों का अच्छा संग्रह है। पुस्तकालय अच्छी तरह से योग्य और समर्पित पुस्तकालय कर्मचारियों द्वारा प्रबंधित नवीनतम सूचना और प्रौद्योगिकियों से सुसज्जित है। एक सूचना प्रौद्योगिकी छात्र, संकाय सदस्यों, अनुसंधान विद्वानों और व्यवहार अनुशासन की तलाश में शामिल समुदायों की सेवा करती है। पुस्तकालय पूरी तरह से एलिस फॉर विन्डो (लाइब्रेरी ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर) द्वारा प्रबंधित है। पुस्तकालय ने उपयोगकर्ताओं के लिए समय-समय पर पुस्तकालय उन्मुखीकरण कार्यक्रम, पुस्तक प्रदर्शनी कार्यशाला आदि का आयोजन किया।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी संकाय: 63
कुस तदर्थ संकाय: 58

अंतिम आबंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रुपए 23.44 करोड़
अनुदान का उपयोग:रुपए 28.43 करोड़ (लगभग)

***

महर्षि बाल्मिकी शिक्षा महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दो वर्षीय बी.एड कार्यक्रम के सभी पहलुओं को संबोधित करते हुए एक सुनियोजित अभिविन्यास कार्यक्रम के साथ शैक्षणिक सत्र आरंभ हुआ। महाविद्यालय का स्थापना दिवस 16 नवंबर, 2018 को मनाया गया। प्रोफेसर मोहम्मद अख्तर सिद्दीकी, पूर्व अध्यक्ष, एनसीटीई और शिक्षा के प्रोफेसर, जामिया मिलिया इस्लामिया ने

स्थापना दिवस को संबोधित किया। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री पीएस शारदा द्वारा ‘शिक्षा का अधिकार और इसके संशोधन का एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया था। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह से स्वतंत्रता दिवस, शिक्षक दिवस, अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस और मानवाधिकार दिवस को चिह्नित करने वाली विशेष सभाओं में भाग लिया। विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संवेदीकरण, लिंग संवेदीकरण, समावेश, मतदाता दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस और पृथ्वी दिवस पर विशेष सह-पाठयक्रम कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पूर्वी दिल्ली) द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए आपदा-प्रबंधन-प्रशिक्षण-सह-संवेदीकरण कार्यक्रम पर एक प्रदर्शन आयोजित किया गया था।

प्रकाशन

बाला, आर., प्रपन्ना, आर (2018) अखबारो मेइन्बारों में व्यक्त परीक्षा परिणाम एवंम शैक्षिक विसमता। कला, संस्कृति, दर्शन, धर्म, भाषा और साहित्य। 4(2): 266-268.

चावला, एम. (2018). बदलते परिदृश्य में शिक्षक शिक्षकों की भूमिका की जाँच करना। यूनिवर्सल रिव्यू. XI (7):17-29.

चावला, एम. (2018). स्कूल इंटर्नशिप मॉडल के अंतर्गत बदलते परिदृश्य में शिक्षक शिक्षकों की भूमिका को समझना। एमईआरआई जर्नल ऑफ एजुकेशन. दिल्ली। XIII (1): 36-48.

प्रपन्ना, आर., बाला, आर. (2018)। विद्यालयी हिंदी शिक्षण रजनीतिक चेतना हमारा शिक्षण शास्त्र। कला, संस्कृति, दर्शन, धर्म, भाषा और साहित्य। 4.(2): 263-265.

प्रपन्ना, आर. (2018)। हिंदी भाषा शिक्षण की ज्ञानमीमांसा: विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के दृष्टिकोण से, एमईआरआई जर्नल ऑफ एजुकेशन, 8(2): 66-73.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

परमेश कुमार शर्मा ने शिक्षा विभाग की मुख्य अकादमिक इकाई (सीएयू) की मूल्यांकन क्षमता को समृद्ध करने के लिए अंतर-संस्थागत उद्यम, और शिक्षा विभाग, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 08-12 अक्तूबर 2018 से आयोजित आयोजित “शैक्षिक मूल्यांकन में क्षमता निर्माण कार्यक्रम में शिक्षण और सीखने के लिए मूल्यांकन” विषय पर पूर्ण व्याख्यान दिया।

राघवेंद्र प्रपन्ना ने 29 दिसंबर 2018 को कृषि संस्कृति, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित शिक्षा, निर्देशात्मक अध्ययन, मानव विज्ञान, लिंग अध्ययन, मानविकी, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, कानून और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रितु बाला के साथ 'विद्यालयी हिंदी शिक्षण, रजनीतिक चेतना और शिक्षा शास्त्र' शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वंदना गुप्ता, 10 सितंबर 2018 को आइडियल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी (जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी) के शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम में 'शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं का आकलन’ पर संसाधन व्यक्ति थीं।

निशा ने 3-4 अक्तूबर, 2018 को जीसस एंड मैरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित ‘परिवर्तनकारी शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना’ पर सम्मेलन में 'समानता, पवित्रता और कामुकता: भारतीय संदर्भ में लेस्बियन पहचान की घोषणा' शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

निशा ने 28-30 सितंबर, 2018 को दिल्ली के लेडी इरविन महाविद्यालय, शिक्षा विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत में, ‘भारत में शिक्षक शिक्षा को बदलना: कुछ प्रतिबिंब” शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आयोजित सम्मेलन

डॉ. रमेश चंदर, एसोसिएट प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), शिक्षा संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अनुशासन की प्रकृति का विश्लेषण, सरलीकरण और विविधता की समस्याएं, 28 जनवरी 2019.

डॉ. सुशील धीमान, एसोसिएट प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), महर्षि वाल्मीकि कॉलेज ऑफ एजुकेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय, उच्च शिक्षा स्तर पर नैतिकता की प्रासंगिकता, 01 अप्रैल 2019.

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय के पुस्तकालय ने वर्ष 2018-2019 के दौरान 260 पुस्तकें खरीदीं और डीयूएलएस के माध्यम से उपलब्ध जर्नलों के अलावा 18 जर्नल/पत्रिकाओं और 06 दैनिक समाचार पत्रों (अंग्रेजी/हिंदी), ई-जर्नलों की सदस्यता ली।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी संकाय: 14

कुल तदर्थ संकाय: 04

वित्तीय आबंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: 85148849/-रुपए

अनुदान का उपयोग: 61198093/- रुपए

***

मैत्रेयी महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

मैत्रेयी महाविद्यालय ने शैक्षणिक, खेल और पाठ्यक्रम गतिविधियों में अपनी उत्कृष्टता बनाये रखी। कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 89.74% था। हमारे संकाय सदस्यों ने महाविद्यालय के लिए प्रशंसा अर्जित करना जारी रखा और 11 किताबें, संपादित पुस्तकों में 15 अध्याय और 60 शोध पत्र प्रकाशित किए. महाविद्यालय ने अद्वितीय अंतःविषय उत्सव "अवगाहन" का आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों की व्यापक भागीदारी रही। "रिसर्च एंड इनक्यूबेशन सेंटर" के तत्वावधान में, 24 विद्यार्थियों ने महाविद्यालय द्वारा वित्त पोषित शोध परियोजनाओं के साथ समर इंटर्नशिप कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया गया। सक्षम करने वाली इकाई ने "विकलांगता अध्ययन: परिप्रेक्ष्य और उभरते रुझान" पर एक अंतःविषय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। महाविद्यालय में पीडब्ल्यूडी (विकलांग व्यक्तियों) के लिए एक नोडल स्पोर्ट्स सेंटर "सशक्त" स्थापित किया गया हैदो स्टार्टअप- "गुलिस्तान" और "कृति" सफलतापूर्वक लॉन्च किए गए हैं।

सम्मान/गौरव

मैत्रेयी महाविद्यालय ने भारतीय पारिस्थितिकी और पर्यावरण संस्थान और राष्ट्रीय स्वच्छता शिक्षा और अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस राष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन -2018 में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर "प्लास्टिक फ्री महाविद्यालय ऑफ द ईयर" पुरस्कार -2018 जीता।

मार्च 2019 में दिल्ली सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय द्वारा समाजशास्त्र विभाग की डॉ. माला कपूर शंकरदास को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार दिया गया।

डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, संस्कृत विभाग ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी श्रेणी के अंतर्गत "राष्ट्रीय पुरस्कार (राष्ट्रीय पुरस्कार)" प्राप्त किया। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति, श्री एम. वेंकैया नायडू ने पुरस्कार दिया। उन्हें दिसंबर 2018 में बीडीएस अकादमी, नई दिल्ली द्वारा “डॉ. अंबेडकर साहित्यश्री राष्ट्रीय पुरस्कार-2018” से भी सम्मानित किया गया।

जूलॉजी विभाग की डॉ. रेणु गुप्ता को ऑस्ट्रियन एजेंसी फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन इन एजुकेशन एंड रिसर्च, सेंटर फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड मोबिलिटी (आईसीएम) द्वारा इंस्टीट्यूट फॉर लिमोनोलोजी, मॉन्डी, ऑस्ट्रिया में काम करने के लिए तीन महीने की पोस्ट-डॉक्टोरल स्कॉलरशिप से सम्मानित किया गया।

सुश्री स्मृति सिंह, अंग्रेजी विभाग को 'बढ़ते कदम-एनजीओ' द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर झुग्गियों की महिलाओं के उत्थान के लिए उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया था।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

बीएससी (ऑनर्स) केमिस्ट्री छठे सेमेस्टर की अनुष्का मान ने सीजीपीए के साथ विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया. 9.62।

प्रकाशन

चौधरी, ए., खुराना, जे.एम., खन्ना, जी., सरोहा (2018). नाइट्रोकेस्टीन- एन, एस-एसेटल केमिस्ट्री के माध्यम से जलीय माध्यम में बहुक्रियाशील पिरामिडों के रासायनिक संश्लेषण के लिए एक उत्प्रेरक-मुक्त डोमिनोज़ प्रोटोकॉल” केमिस्ट्री सेलेक्ट, 3(23), 6334-6337.

चोपड़ा, एच., चौधरी, ए., गाबा, आर (2018). कार्बनिक परिवर्तनों में चिटोसन आधारित उत्प्रेरक के उत्प्रेरक शोषण में हालिया प्रगति, फार्मा इनोवेशन जर्नल, 7(10): 311-318.

गुप्ता, आर. (2018). तकनीक और उपकरणों के लिए सिलियेट्स में प्रजातियों की पहचान: एक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टमेटिक एंड इवोल्यूशनरी माइक्रोबायोलॉजी, DOI: 10.1099/ijsem.0.003176 2.(2018)

सलूजा पी., खन्ना जी., चौधरी ए., खुराना जे.एम. (2018). एक-पॉट तीन घटक के माध्यम से टास्क स्पेसिफिक आयोनिक लिक्विड का उपयोग कर स्पिरो का संश्लेषण [इंडेन-2,2 -नेफ़्थालीन] -4कार्बोनिट्राइल्स और स्पिरो [नेफ़्थालीन-2,5′-पाइरीमिडीन]-4-कार्बोनाइट्रिल्स। पर्यावरणीय स्थिरता और रासायनिक शिक्षा में हरित रसायन विज्ञान। परमार वी., मल्होत्रा पी..माथुर डी, (संपा.) स्प्रिंगर, सिंगापुर।

सिंह, अनामिका (2018). पौध विकास नियामक: सैद्धांतिक रसायन विज्ञान और भौतिक रसायन विज्ञान अनुसंधान पद्धति और व्यावहारिक तरीकों में प्रयोगात्मक दृष्टिकोण में। सीआरसी प्रेस: टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, यूएसए.

सिसोदिया, आर (2018). पौध आंदोलन में: विकास और चयापचय, स्प्रिंगर 2018. आईएसबीएन-10: 9811320225

तलवार, एस.एल. (2018). सीमित अणुओं, रासायनिक भौतिकी के थर्मोडायनामिक गुणों पर विद्युत क्षेत्र का प्रभाव केमिकल फिजीक्स. 510, 37-46.

तलवार, एस.एल. (2018). डेल्टा संभावित बाधा के साथ डायटोमिक अणु की घूर्णी उत्तेजना. जर्नल ऑफ थियोरोटिकल एंड कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री, 17, 1850022.

यादव, एम. (2018)। मासिक धर्म चक्र और दिल्ली, एनसीआर, भारत में युवा महिलाओं में इससे जुड़ी भ्रांति. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ साइंस एंड रिसर्च, 8(4): 185-191.

यादव, एम. (2018). इन-विट्रो में चयनित औषधीय पौधे की पत्ती के अर्क के कारण मानव आरबीसी में रूपात्मक परिवर्तन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फर्माच्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च, 9(6): 2405-2410.

जर्नल

संपादक (संपादकों)/ संपादकीय मंडल के सदस्य(सदस्यों) के रूप में सेवारत विभाग के संकायों की संख्या -1

शोध परियोजनाएं

डीबीटी, भारत सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (31-3-19 तक), डॉ. ब्रोतती रॉय (प्रधान अन्वेषक) द्वारा " मछली चन्ना पंक्टैटस की सूजन के संकेत तंत्र को समझना "राशि 27,643.90 रुपए

यूजीसी स्टार्टअप परियोजना, डॉ. अंकिता चौधरी, डॉ. रजनी जौहर चटवाल, डॉ. हेमा भंडारी, डॉ. लता वोडवाल, राशि 24, 00, 000/-रुपए 6,00,000 प्रत्येक)

आयोजित संगोष्ठियां

हिंदी विभाग ने 30 जनवरी 2019 को ‘ जयशंकर प्रसाद: साहित्य और चिंतन’ पर एक दिन का राष्ट्रीय सेंगोष्ठी आयोजित की।

आयोजित सम्मेलन

वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा 19-20 फरवरी 2019 को "जीवन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में रुझान: अभिनव प्रतिमान" पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

वाणिज्य विभाग द्वारा "अनुसंधान: समस्या निर्माण और विश्लेषण" शीर्षक दो दिवसीय राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

सक्षम करने वाली इकाई ने टीएलसी, रामानुजन महाविद्यालय के सहयोग से "विकलांगता अध्ययन: परिप्रेक्ष्य और उभरते रुझान" पर एक अंतःविषय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

संगोष्ठियों / सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

पी कविता और अनामिका सिंह ने 22-24 फरवरी 2019 को जेएनयू में आयोजित व्यावसायिक, पर्यावरण और जीवन शैली कारकों पर ध्यान देने के साथ प्रजनन स्वास्थ्य पर वैश्विक सम्मेलन में "ट्राइकोमोनास वेजाइनलिस के खिलाफ नए हर्बल लिगेंड की पहचान" पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

ज्योति सिंह, रेनू गुप्ता, ब्रोटोटी रॉय, मीना यादव, अर्चना अग्रवाल और डॉ. शालिनी सिंह ने इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित सिलिएट बायोलॉजी (आईएससीबी) पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किए।

प्रदीप राय ने 14-16 मार्च 2019 को श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्व विद्यालय, इंदौर में आयोजित 64 वें भारतीय पुस्तकालय संघ (आईएलए) के एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मैत्रेयी महाविद्यालय पुस्तकालय में सर्वश्रेष्ठ अभ्यास: एक प्रकरण अध्ययन" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रदीप राय ने 30 नवंबर, 2018 को जलगांव, महाराष्ट्र में “अगली पीढ़ी के लिए अकादमिक पुस्तकालयों का पुनरुद्धार” पर एमयूसीएलए राष्ट्रीय सम्मेलन में “सूचना साक्षरता: एक वैचारिक रूपरेखा” शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रमोद कुमार सिंह, ने यूपी संस्कृत संस्थान और सरकार द्वारा सितंबर 2018 में पीजी महाविद्यालय, मऊ, यूपी में संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "संस्कृत एवं पाली भाषा का अन्तःसम्बन्ध" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रजनी जौहर ने दिल्ली के ग्रीन केमिस्ट्री नेटवर्क सेंटर यूनिवर्सिटी और रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री लंदन द्वारा दिल्ली यूनिवर्सिटी में रसायन शास्त्र के "एक स्थायी कल के लिए रसायन विज्ञान डिजाइन करने पर मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए रसायन विज्ञान" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुत किया।

सुशील कुमारी ने 9-13 जुलाई 2018 को कनाडा के वैंकूवर में आयोजित 17वें विश्व संस्कृत सम्मेलन में “भोजोक्ता वैशेषिकगुणावधारणा - एकमनुशीलनम्” शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नूपुर कटारिया और श्रद्धा वर्मा ने 12 जनवरी 2019 को जी.जी.डी.एस.डी. महाविद्यालय, पलवल द्वारा जीएसडीएसडी महाविद्यालय, एनएसआरक्यूई 2019 में आयोजित 'गुणवत्ता शिक्षा में हालिया प्रगति:राह बनाएं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से आर्थिक विकास: भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव का विश्लेषण 'शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

नेशनल एजिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट लिमिटेड (एनएआरआई), ऑस्ट्रेलिया के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भारतीय व्यापार मंडल, नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

राज्य सरकारों और उद्योगों के सहयोग से भारत सरकार की एक पहल- आईसीटी अकादमी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

मैत्रेयी महाविद्यालय ने ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद के सहयोग से "शैडो वैज्ञानिक कार्यशाला" के अंतर्गत एक छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ किया है। बी.एससी. जीवन विज्ञान के छठे सेमेस्टर के चार विद्यार्थियों ने एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया था जिसे दो सप्ताह तक बढ़ाया गया था।

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत: 1400 में से 150 (11%)
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्याः लगभग 10

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

अपने अभिगम्य कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, मैत्रेयी महाविद्यालय के एनएसएस शाखा ने पूरे भारत में पांच गांवों- तरैया छपरा (बिहार), जिवाना गुलियान (उत्तर प्रदेश, मेरठ के पास), डाकपत्थर (उत्तराखंड), डिग्गी (झारखंड) और डिब्रूगढ़ (असम) को गोद लिया। इसने तीन वृद्धाश्रमों -सायं वरिष्ठ नागरिक वृद्धाश्रम, गोधुली ओल्ड एज होम और दिल्ली एनसीआर में वरदान वरिष्ठ नागरिक केंद्र को भी अपनाया। यूथ फॉर सेवा के सहयोग से एनएसएस द्वारा एक बच्चों के कार्निवल-नवोदित का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली एनसीआर

की झुग्गियों के, 8 से 14 वर्ष की उम्र के 1500 विद्यार्थियों ने भाग लिया। एनडीआरएफ और प्राथमिक चिकित्सा और सड़क सुरक्षा द्वारा आपदा प्रबंधन, में दिल्ली विश्वविद्यालय के 28 महाविद्यालयों को आमंत्रित किया गया और 300 से अधिक विद्यार्थियों, संकायों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने भाग लिया। एनेक्टस मैत्रेयी ने गूंज के सहयोग से 'दान उत्सव', अनुकृति स्कूल के विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिए स्प्रे पेंटिंग प्रतियोगिता और सुलभ स्कूल स्वच्छता क्लब के सहयोग से विश्व शौचालय दिवस पर जागरूकता अभियान जैसे विभिन्न अभियान चलाए।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय के पुस्तकालय ने 2018-19 के दौरान 878 पुस्तकें खरीदीं। यह लोकप्रिय पत्रिकाओं सहित 56 जर्नलों की सदस्यता लेता है और पुस्तकालय में 19 समाचार पत्रों का संग्रह उपलब्ध है। 14-16 मार्च 2019 के दौरान श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्व विद्यालय, इंदौर में आयोजित 64वें भारतीय पुस्तकालय संघ (आईएलए) सम्मेलन में पुस्तकालय के कुल संग्रह को 96600 और 675 सीडी से संवर्धित किया गया है। पुस्तकालय एन-लिस्ट के माध्यम से छह हजार से अधिक ई-जर्नलों, ई-ब्रेरी द्वारा ई-पुस्तकों के 1,25000+ शीर्षक और विश्व-पुस्तक पुस्तकालय (30,00,000 शीर्षक) की सदस्यता लेता है। पुस्तकालय ने डीएसपीएसीई सॉफ्टवेयर का उपयोग करके अपनी संस्थागत रिपोजिटरी बनाई है जो केवल पुस्तकालय में ही उपलब्ध है। महाविद्यालय के पुस्तकालय ने 2018 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम विशिष्ट सूचना साक्षरता कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

संकाय की संख्या

कुल स्थायी संकाय: 92
कुल तदर्थ संकाय: 64

अंतिम अनुदान और उपयोग

प्राप्त अनुदान: रुपए 846,495,850/-
अनुदान का उपयोग: रुपए 480,073,349/-

***

माता सुंदरी महिला महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय द्वारा इस वर्ष कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार 15-16 मार्च 20 को 'कृषि का सामाजिक-सांस्कृतिक अध्य्यन' पर आयोजित की गई। प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला 29 से 31 जनवरी, 2019 के दौरान हॉटे ईकोले पोडागोगीक (एचईपी), लुसाने, स्विटरलैंड द्वारा ''अनवरत विकास हेतु शिक्षा : स्विटरलैंड एवं भारत से पाठ्यक्रम संबंधी अनुभव' पर आयोजित की गई। 'सिख धर्म में महिलाओं की स्थिति' विषय पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय लेक्चर सीरीज (वयाख्यान माला) 19 दिसंबर, 2018 को आयोजित की गई। फरवरी 2019 में बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सहयोग से 'मास्टरिंग द स्टॉक मार्केट' पर एक अतिरिक्त पाठ्यक्रम का प्रारंभ किया गया।

विशेष योग्यता वाले विद्यार्थी

बी.कॉम. (ऑनर्स) की रिचा मल्होत्रा ने पाठेत्तर क्रियाकलापों (एक्स्ट्रा-करिकुलर) में सक्रिय सहभागिता एवं 5वें सेमेस्टर में 9 सीजीपीए सहित 'वर्ष की सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी' का पुरस्कार प्राप्त किया।

महाविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा एसबीएसआई कार्यक्रम के दौरान सकीना, सोनल यादव और निधि चौधरी ने 'सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु' का पुरस्कार प्राप्त किया।

रीटा, एमएटी ने सर्वश्रेष्ठ एथलीट अवार्ड प्राप्त किया। उन्होंने 11 प्रतियोगिताओं में भाग लिया और 2 स्वर्ण, 1 रजत और 6 कांस्य पदक जीते।

बी.कॉम. (कार्यक्रम) की चंचल ने खो-खो, बॉल-बैडमिंटन, बैडमिंटन और फुटबाल में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और 'वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' अवार्ड प्राप्त किया।

हिस्ट्री (ऑनर्स), द्वितीय वर्ष की छात्रा मीनाक्षी नेगी ने 14-21 मार्च, 2019 के दौरान अबू धाबी में सम्पन्न ओलंपिक वर्ल्ड गेम्स में एसओ भारत की टीम में फुटबाल कोच के रूप में सहभागिता की। उनके मार्गदर्शन में टीम ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

प्रकाशन

अहलावत, एम., सेन, एच., चौधरी, एम., पोखरियाल, ए. (2019). ब्रिटिश लिटरेचर: सेलेक्शन. दिल्ली : वर्ल्डवाइड पब्लिकेशन । आईएसबीएन 978-93-82267-50-8

अरोरा, आर. (2018). बिजनेस लॉज फॉर बी.कॉम. (ऑनर्स.) सेमेस्टर 1। दिल्ली : नेटशॉप 18 । आईएसबीएन 9789387633049.

गुप्ता, एल. (2019). रतनकुमार सांभ्रिया की प्रतिनिधि कहानियां । दिल्ली : श्री साहित्य प्रकाशन । आईएसबीएन संख्या 978-93-86402-35-6

कौर, एच. (2018). (अनूदित)। दिल्ली विच बाबा बांदा सिंह, बहादुर नाल संबंधित साथना दि निशानदेही द्वारा हरबंस कौर सागो। मनप्रीत प्रकाशन। आईएसबीएन : 81-87654-23-6.

कौर, एस. (2018). रिलेशनशिप ऑफ बॉडी डिसटिस्फेक्शन ऑफ सेल्फ-इस्टीम एंड सोशियो-कल्चर प्रेशर. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिव्यू. 1320-1329। आईएसएसएन-2347-3797

कुंवर, एन. (2019). ऑक्सफोर्ड एडवांटेज लिटल चैंप्स 'हिंदी': एन इंटीग्रेटेड लर्निंग सोल्यूशन' लेवल 1। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रैस। दिल्ली आईएसबीएन 978-0-19-949201-5

लूथरा, पी., कुमार, ए. (2018). न्यूक्लिएरिटी प्रॉपर्टी एंड सी * - एन्वेलप्स ऑफ ऑपरेटर सिस्टम इंडक्टिव लिमिट्स. जर्नल ऑफ कोरियन मेथमेटिक्स सोसाइटी. 55(5): 1045-1061.

वर्मा, आर. (2019). इंजीनियरिंग मेथमेटिक्स (कंवेशनल एंड ऑब्जेक्टिव टाइप)। एस. चंद और कंपनी लिमिटेड, नई दिल्ली. आईएसबीएन : 978-93-52836-53-6

आयोजित सेमिनार

महाविद्यालय द्वारा 15-16 मार्च, 2019 को 'सोशियो-कल्चरल स्टडी ऑफ एग्रिकल्चर' पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

बी.ए. प्रोग्राम सोसाइटी द्वारा 'लिटरेचर एंड डिस्कोर्स' पर 12 जनवरी, 2019 को एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

हिंदी विभाग द्वारा 14 सितम्बर 2018 को 'हिंदी भाषा और साहित्य का भविष्य' पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

फिलोसॉफी विभाग द्वारा 9 अगस्त, 2018 को ' जर्नी इनवार्ड : पर्सपेक्टिव ऑन कंसियसनैस' पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुति

ममता चावला ने माता सुंदरी महिला महाविद्यालय में 12 जनवरी, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'स्त्री-विमर्श : हिंदी साहित्य के संदर्भ में 'विषय पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

दलजीत कौर ने 29-30 जनवरी, 2019 को आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में सम्पन्न 'इंडियन वर्नाकुलर लिटरेचर : प्रेमाख्याना' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'पंजाबी प्रेमाख्यान्स : मार्क ऑफ कंवर्जेंट ट्रेडिशंस' विषय पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

गुरशरण कौर ने माता सुंदरी महिला महाविद्यालय में 12 जनवरी, 2019 को सम्पन्न राष्ट्रीय सेमिनार 'लिटरेचर एंड डिस्कोर्स' में 'पंजाबी लोक गीतों में नारी का चित्रण' विषय पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

गुरविंदर कौर ने 4-5 जनवरी, 2019 को दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में सम्पन्न अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'काइंड ऑफ कमिटमेंट मेटर्स : इफेक्टिव एंड प्रोफेशनल कमिटमेंट एज सिगनिफिकेंट प्रेडिक्टर्स ऑफ ओसीबी ऑफ एकेडेमिया' नामक विषय पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

हरलीन कौर ने शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 24-25 फरवरी, 2019 को सम्पन्न 'बिजनैस एंड मैनेजमेंट' पर आयोजित 6ठें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एनर्जी एफिसियेंशी एटीट्यूड्स एंड इंम्पिकेशन फॉर प्रमोशन स्ट्रेटेजीज' विषय पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

राजिंदर कौर ने माता सुंदरी महिला महाविद्यालय में 12 जनवरी, 2019 को 'लेंग्वेज एंड डिसकोर्स' पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'मध्यकालीन साहित्य में नारी' विषय पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

मनीषा सुब्बा ने जनवरी, 2019 के दौरान माता सुंदरी महिला महाविद्यालय में आयोजित '' एजूकेशन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट: करिकुलर एंड पीडागोजिक एक्सपीरिएंसेज फ्रॉम स्विटजरलैंड एंड इंडिया'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में ' टीचिंग ईवीएस फॉर सस्टेनिबिलिटी: कन्सर्न फॉर फूड एक्सेस एंड हंगर' विषय पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

लक्ष्मी वत्स ने माता सुंदरी महिला महाविद्यालय में 15-16 मार्च, 2019 के दौरान सम्पन्न ' सोशियो-कल्चरल स्टडी ऑफ एग्रिकल्चर' पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'रूरल डेवलपमेंट' विषय पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

इश्प्रीत विर्धी ने स्कूल ऑफ बिजनैस स्टडीज, विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, दिल्ली में 14-15 मई, 2018 के दौरान 'ट्रांसफार्मिंग नेशन थ्रू : सीएसआर, फाइनेंसियल इन्क्लूजन, इम्पॉवरमेंट और डिजिटेलाइजेशन' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ' द इंपेक्ट ऑफ एडवरटाइजिंग ऑन द डिजिटल कंज्यूमर : ए केस ऑफ एमेजॉन एंड जाबोंग' शीर्षक पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

पूजा वधावन और कृष्नानी, हेमलता ने 15-16 मार्च को माता सुंदरी महिला महाविद्यालय में 15-16 मार्च, 2019 के दौरान 'सोशियो-कल्चरल स्टडी ऑफ एग्रिकल्चर' पर सम्पन्न अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में ' विनिंग द बेटल ऑफ लाइफ : सुसाइड एंड स्ट्रैस' विषय पर एक संयुक्त आलेख प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

बी.एल.एड. विभाग ने श्री गुरू हरकिसन खालसा गर्ल्स सीनियर सैकेंडरी स्कूल और कमलेश बालिका विद्यालय (प्राइमरी एवं मिडिल) के सहयोग से 'स्टेपिंग टूगेदर अहेड' नामक अपने स्कूल सहयोग को जारी रखा।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या: 13
कैंपस भर्ती हेतु दौरा किए गए कैंपसों की संख्या : 9

पुस्तकालय का विकास

इस शिक्षण वर्ष के दौरान कुल 1,528 पुस्तकों को पुस्तकालय में शामिल किया गया। महाविद्यालय 70 जर्नल और मैगजीन तथा 17 अखबारों को नियमित रूप से मंगाता है।

संकाय की संख्या

कुल स्थाई: 89
कुल तदर्थ: 99

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

मंजूर अनुदान: रुपए 38,43,30,000/-
उपयोग किया गया अनुदान: रुपए 39,08,89,134/-

***

मौलाना आजाद दंत विज्ञान संस्थान

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

यह संस्थान औसतन प्रतिदिन 1470 मरीजों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराता है। संस्थान ने 2021 तक तीन वर्षों की अवधि के लिए अपनी एनएबीएच मान्यता का नवीनीकरण किया है जो कि इस प्रकार की मान्यता वाला एकमात्र दंत संस्थान है। भारत में यह अपनी तरह का यह एकमात्र संस्थान है जिसमें एनएचएम के अंतर्गत 06 मोबाइल दंत इकाइयों वाली परियोजनाएं हैं, जो दिल्ली की डिस्पेंसरियों को सेवा प्रदान करती हैं। संस्थान ने अमेरिका के फिलाडेल्फिया के कोर्नबर्ग स्कूल ऑफ डेंटिस्ट्री की ओर से टेंपल यूनिवर्सिटी ऑफ कॉमन वेल्थ सिस्टम ऑफ हायर एजुकेशन के साथ सहयोग किया है। डीआरआई क्लिंटन पहल से समर्थित यह एशिया का पहला संस्थान हैं, जिसमें "क्लिंटन ग्लोबल इनिशिएटिव" के एक हिस्से के रूप में उच्च तकनीक फिल्टर: डेंटल चेयर्स हेतु एमलगम विभाजक की संस्थापना की गई है । इस संस्थान को आउटलुक, इंडिया टुडे पत्रिका और द वीक डेंटल महाविद्यालय सर्वे-2018 द्वारा भारत में नंबर वन महाविद्यालय घोषित किया गया है। एनआईएमटीएलआई दंत प्रत्यारोपण परियोजना के अंतर्गत यहां एक कोन बीम कंप्यूटेड टोमोग्राफी (सीबीसीटी) को स्थापित किया गया है।

सम्मान/ गौरव

संस्थान को 15 दिसंबर 2018 को आईसीडी के वार्षिक दीक्षांत समारोह एवं पुरस्कार समारोह हैदराबाद में इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्स द्वारा "डॉ. केदार एन रुस्तगी पुरस्कार 2018" से सम्मानित किया गया।

संस्थान को दिसंबर 2018 में मुंबई में फैमडेंट पुरस्कार 2018 द्वारा सर्वश्रेष्ठ अभिगम्य गतिविधियों के लिए "राव मेमोरियल पुरस्कार" से सम्मानित किया गया था।

संस्थान को दिसंबर 2018 में मुंबई में " दंत चिकित्सा में नवाचार और अनुसंधान के लिए वर्ष कालमेघ पुरस्कार" के लिए नामांकित किया गया।

संस्थान को 30 अगस्त 2018 को दिल्ली में सोशल इनिशिएटिव कटेगरी (सामाजिक पहल श्रेणी) में 10वें फिक्की हेल्थ केयर एक्सीलेंस अवार्ड्स 2018 द्वारा जूरी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. महेश वर्मा को 30 जून 2018 को मुंबई में वैद्यकीय मादत निधि द्वारा "आरोग्य सेवाव्रती पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

गोपाल, आर., सिंह, एन., त्रिपाठी, टी., राय, पी., गुप्ता, पी. (2018)। द एंगल ऑर्थोडोंटिस्ट रिस्पांस टू : इफेक्ट्स ऑफ स्केलेटली एंकर्ड क्लास II एलास्टिक्स: ए पाइलट स्टडी एंड न्यू एप्रोच फॉर ट्रीटिंग क्लास मेलोक्क्लूजन। सेलिन ओजिबिलेक, अहमत याल्सिन गुंगोर और सालिह सेलिक । एंगल ऑर्थोड 2017;87:505-512। द एंगल ऑर्थोडोंटिस्ट, 88 (5), 665-665 । डीओआई:10.2319/0003-3219-88.5.665।

कुमार, ए., शर्मा, डी. एस., वर्मा, एम., लांबा, ए.के., गुप्ता, एम. एम., शर्मा, एस., एवं पेरुमल, वी्. (2018) । एसोसियेशन बिटवीन पीरियोडोन्टल डिजीज एंड जेस्टेशनल डायाबिटीज मेलिटस- ए प्रोस्पेक्टिव कोहॉर्ट स्टडी। जर्नल ऑफ क्लीनिकल पीरियोडांटोलॉजी, 45 (8), 920-931। डीओआई:10.1111/जेसीपीई.12902.

कुमार, पी., सूर्या, वी., उर्स, ए.बी., अगस्टाइन, जे., मोहांती, एस. एवं गुप्ता, एस.। सरकोमस ऑफ द ओरल एंड मेक्सिलोफेसियल रीजन: नैदानिक चुनौतियों पर विशेष बील देते हुए 26 मामलों का विश्लेषण। पैथालॉजी एंड ऑंकोलॉजी रिसर्च, 25(2), 593-601. डीओआई:10.1007/s12253-018-0510-9 (2018)

नारायन, बी., उर्स, ए.बी., अगस्टाइन, जे., सिंह, एच., पॉलिपल्ली, एस.के., कुमार, एस., एवं कपूर, एस. (2019)। जेनेटिक आल्टरेशन ऑफ एक्सॉन 5 ऑफ द पीटीईएन जीन इन इंडियन पेंशेंट्स विद एमेलोब्लास्टोमा। ओरल मेडिसिन, ओरल पेथोलॉजी एंड ओरल रेडियोलॉजी, 127(3), 225-230. डीओआई:10.1016/जे.oooo.2018.11.011.

नेहा, त्रिपाठी, टी., मोहांती, एस., राय, पी. (2018)। ए नॉवेल मिनिमली इनवेसिव टेक्नीक ऑफ यूजिंग टूथ-बॉर्न हाइरेक्स एक्सपेंशन स्क्रू फॉर डिस्ट्रेक्शन ऑस्टियोजेनेसिस ऑफ लार्ज एल्विओलर क्लेफ्ट डिफेक्ट्स (एचवाईडीआईएस-टीबी)। द क्लेफ्ट पेलेट-क्रेनियोफेसियल जर्नल, 55(6), 895-902. डीओआई:10.1597/15-335.

पियूष, पी., महाजन, ए., सिंह, के., घोष, एस., गुप्ता, एस. (2018)। कंपेरिजन ऑफ थेराप्यूटिक रेस्पांस ऑफ लाइकोपीन एंड करक्यूमिन इन ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस: ए रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायला ओरल डिजीजेज, 25(1), 73-79. डीओआई:10.1111/odi.12947.

रावत, जी., उर्स, ए., चक्रवर्ती, ए., कुमार, पी. (2018)। इवेल्यूएशन ऑफ डीएनए डेमेज इन पेरिफेरल ब्लड ल्यूकोसाइट्स इन ओरल पोटेंशियली मेलिग्नेंट एंड मेलिंग्नेंट डिस्ऑर्डर बाई कोमेट असे. क्लिनिकल केंसर इंवेस्टिगेशन जर्नल,7(2), 50. डीओआई:10.4103/सीसीआईपे.सीसीआईजे _66_17.

सुल्ताना, एन., सिंह, एम., नवल, आर.आर., चौधरी, एस., यादव, एस., मोहांती, एस., तलवार, एस. (2018). इवेल्यूएशन ऑफ बॉयोकंपेटिबिलिटी एंड ऑस्टियोजीनिक पोटेंशियल ऑफ ट्राइकैल्शियम सिलिकेट- बेस्ड सीमेंट यूजिंग ह्यूमन बोन मैरो- डेराइव्ड मीसेंकाइमल स्टेम सैल. जर्नल ऑफ एंडोडोंटिक्स, 44(3), 446-451. डीओआई: 10.1016/जे. जेओईएन. 2017.11.016.

उत्नेजा, एस., तलवार, एस., नवल, आर., सप्रा, एस., मित्तल, एम., राजेन, ए., वर्मा, एम. (2018). इवेल्यूएशन ऑफ रिमिनरेलाइजेशन पोटेंशियल एंड मेकेनिकल प्रापर्टीज ऑफ पिट एंड फिशर सीलेंट फोर्टिफाइड विद नेनो-हाइड्रोक्सिपेटाइट एंड नेनो- एमोरफस कैल्शियम फॉस्फेट फिलर्स : एन इन विट्रो स्टडी। जर्नल ऑफ कंजरवेटिव डेंटिस्ट्री, 21(6), 681. डीओआई:10.4103/जेसीडी.जेसीडी_31_18.

वर्मा, एम., मोहांती, वी., तलवार, एस. (2018)। डी-सीएएसटी : एन्हेंसिंग कम्यूनिकेशल स्किल्स एमांग डेंटल स्टेडेंट्स। मेडिकल एजूकेशन, 52(5), 557-557. डीओआई:10.1111/एमईडीयू.13551.

जर्नल

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित जर्नल : 01
महाविद्यालय के उन संकायों की संख्या जिन्होंने संपादकीय मंडल के संपादक (कों)/सदस्य (यों) : 33

अनुसंधान परियोजना

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (2015-2018), "बॉयोकेमिल मार्कर एंड देयर कंपरेटिव इवेल्यूशन विद रेडियोग्राफिक स्केलेटल ग्रोथ मेच्योरेट इंडिकेटर्स" राशि 14 लाख

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (2018-2021), "डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ इंडिजीनस इंस्ट्रूमेंट रिट्रीवल इक्विपमेंट फॉर रिमूवल ऑफ ब्रोकन/सेपरेटेड फाइल्स ड्यूरिंग एंडोडांटिक थिरेपी", राशि 91 लाख ।

नेशनल ओरल हेल्थ प्रोग्राम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, (2017-2018), "पिट एंड फिशर सीलांट प्रोजेक्ट अंडर नेशनल ओरल हेल्थ प्रोग्राम"। राशि 7 लाख ।

आयोजित सेमिनार

डॉ. जोसेफ मसाद, डेंटल प्रेक्टिशनर, तुलसा, ओक्लाहोमा, न्यूयर एंड इस्टेब्लिस्ड डेंटिस्ट्री फॉर प्रोस्पेक्टिव इंजीनियर्ड रिहेबिलिटेशन, 10 अप्रैल, 2018।

डॉ. सिग्रिड हैदर, साइंटिफिक अफेयर्स, 3 एम हैल्थ केयर एकेडमी, इंडाइरेक्ट प्रोसीजर सिंम्प्लिफाइड, 7 अगस्त,

प्रोफेसर पीटर मोस्सी, यूनिवर्सिटी ऑफ डुंडी, एडवांस्ड एजूकेशन एंड अपॉर्चुनिटीज फॉर पोस्ट ग्रेजुएट इन यूके यनिर्विटी इन यूके यूनिवर्सिटीज फॉर स्टूडेंट्स, 24 नवंबर, 2018.

डॉ. राना जे सिंह एंड डॉ. सोनू गोयल, द यूनियन एंड पीजीआई (चंडीगढ़), राउंडटेबल कंसलटेशन ऑफ कोलिएशन पार्टनर फॉर डेवलपमेंट ऑफ रिसोर्स सेंटर- टोबाको कंट्रोल, 27 जुलाई, 2018 ।

डॉ. स्वस्ति चरन एंड डॉ. महेश वर्मा, एमएआईडीएस, नई दिल्ली, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 24 अगस्त, 2018 को सम्पन्न 'फर्स्ट ड्राफ्टिंग वर्कशॉप ऑन नेशनल ओरल हेल्थ पॉलिसी'

आयोजित सम्मेलन

पियरे फॉचर्ड एकेडमी, इंडिया सेक्सन फंडिंग एजेंसी के सहयोग से - पियरे फॉचर्ड एकेडमी, इंडिया सेक्शन एंड एमएआईडीएस द्वारा 22 दिसंबर को 32वीं वार्षिक दीक्षांत समारोह और पुरस्कार समारोह

फिफ्थ ग्लोबल अमेरिकन एकेडमी ऑफ इंम्प्लांट डेंटिस्ट्री- कांफरेंस एंड फर्स्ट एशियन हार्ड एंड साफ्ट टिशू सिंपोजियम, 1-3 मार्च, 2019 के दौरान आयोजित

सेमिनार/सम्मेलनों में प्रस्तुति

आदित्य बी उर्स ने '' जेनेटिक पॉलिमार्फिज्म एंड जीन एक्सप्रेशन ऑफ पी13के जीन इन एमेलोब्लास्टोमा'' 23-28 जून, 2018 के दौरान वेनकोवर, कनाडा में सम्पन्न 19वीं आईएओपी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

विक्रांत मोहांती ने 13-15 सितंबर, 2018 के दौरान श्रीलंका में सम्पन्न एशियन पेसिफिक कांफ्रेंस ऑन टोबेको ऑन हैल्थ में सम्पन्न'' टोबेको सेशेसन क्लिनिक्स'' में ई-पोस्टर प्रस्तुत किया।

विक्रांत मोहांती ने बाली, इंडोनेशिया में 13-15 सितंबर, 2018 में सम्पन्न एशियन पेसिफिक कांफ्रेंस ऑन टोबेको ऑन हेल्थ में ''इलेक्ट्रानिक सिगरेट्स यूजर्स: इन-डेप्थ इंटरव्यू'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अश्विनी बालापन्नावर ने इंडिया हेबिटेट सेंटर, दिल्ली में 27 अप्रैल, 2018 को आयोजित 15वीं डल्यूओएनसीए वर्ल्ड रूरल हेल्थ में '' रोड ब्लॉक टू डिलीवरी ऑफ रूरल ओरल हेल्थ केयर'' नामक शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

संगीता तलवार ने यांत्रिक इंजीनियरिंग यूनिट, आईपीएस, नागपुर शाखा के सहयोग से डेंटल इनोवेशन: आर वी कीपिंग पेस विद द टेक्नोलॉजी एट नेशनल कांफ्रेंस ऑन डिजिटल डेंटिस्ट्री: सीएडी, सीएएम एंड सीएई पर (की नोट एड्रेस) मुख्य संबोधन प्रस्तुत किया।

तूलिका त्रिपाठी ने आर्मी डेंटल सेंटर, आर एंड आर, नई दिल्ली में 23 मार्च, 2018 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में ''मैंनेजमेंट ऑफ लार्ज एल्विओलर क्लेफ्ट डिफेक्ट्स इन क्लेफ्ट लिप एंड पेलेट फ्रॉम इंफेंट्स टू एडल्टस में अतिथि व्याख्यान दिया।

साझेदारों के साथ हस्ताक्षरित घरेलू/अंतर्राष्ट्रीय (एमओयू) का नाम और संख्या

मॉरिस एच. कॉर्नबर्ग स्कूल ऑफ डेंटिस्ट्री, टेंपल यूनिवर्सिटी, फिलाडेल्फिया, पेन्नसिल्वेनिया, यूएसए के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

हेब्रू युनिवर्सिटी, इजराइल के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

डेंटल रिसाइक्लिंग इंटरनेशनल, इंकार्पोरेशन (डीआरआई) के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया।

विद्यार्थी विनिमय प्रोग्राम

इनाउंड : 10 और आउटबाउंड: 15

नियोजन का विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशतता : 14% प्राइवेट प्रेक्टिस में; 16% विभिन्न चिकित्सालयों में जूनियर रेसिडेंट के रूप में कार्यरत; 18 (100%) संस्थान से उत्तीर्ण स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का प्लेसमेंट ।

कैंपस भर्ती हेतु दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : 1

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

सेटेलाइट केंद्रों की संख्या =8 और रोगियों की संख्या = 1735

विद्यालय के केंद्रों की संख्या =3+3 और रोगी =556+2641

डेंटल कैंपों की संख्या = 56

राष्ट्रीय कार्यक्रमों की संख्या =4 (एमडीसीपी, एनईईवी, एएसएचए, एनओएचपी = पिट एंड फिशर सीलांट प्रोजेक्ट)

मोबाइल डेंटल क्लिनिक प्रोजेक्ट सर्विसेज = 1 परियोजना (6 डिस्पेंसरी सर्विसेज, 3 स्कूल सर्विसेज, एएसएचए) एवं रोगियों की संख्या =23401, 56 एएसएचए`एस

पुस्तकालय का विकास

यहां सुसज्जित पुस्तकालय है जिसमें 6 डेस्कटॉप, 6727 पुस्तकें, 109 अंतर्राष्ट्रीय जर्नल तथा 24 भारतीय जर्नल उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में 59 ऑनलाइन पुस्तकें तथा 44 ऑनलाइन जर्नल उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में

6 कंपेक्टर्स हैं। यहां पर उत्कृष्ट ई-पुस्तकालय के विकसित किया जा रहा है जिसमें रीडिंग रूम, वाई-फाई सुविधा तथा 17,600 स्क्वायर फिट में फैली एर्गोनामिक कुर्सियों का प्रावधान किया जा रहा है।

संकाय संख्या (स्ट्रैंथ)

कुल स्थाई : 34

वित्तीय आबंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान : रूपए 39.50 करोड़

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

नई अनुसंधान सुविधाओं और प्रतिस्पर्धी क्वालिटी उपकरणों के साथ एमएआईडीएस के भवन का द्वितीय फेज प्रारंभ हो चुका है। बधिरों (हियरिंग इम्पेयर्ड) के लिए साइन भाषा युक्त आईईसी सामग्री को विकसित किया गया है। एनआईएमटीएलआई डेंटल इम्प्लांट परियोजना के अंतर्गत एक कोन बीम कम्प्यूटेड टोमोग्राफी (सीबीसीटी) को संस्थापित किया गया है। पेरियोडॉन्टिक्स विभाग का उद्देश्य एक विश्व स्तरीय टिशू बैंक की स्थापना करके जो कि देश की राजधानी में अनूठा होगा की स्थापना द्वारा सीमित उपलब्धता तथा ग्राफ्टिंग उद्देश्य हेतु उच्च क्वालिटी वाले ऊतकों की अति उच्च लागत का सामना करना है। अभी हाल ही में ओरल पेथालॉजी विभाग में एक पॉलिमेरेज चैन रिएक्शन (पीसीआर) प्रयोगशाला की संस्थापना की गई है। इस उत्कृष्ट प्रयोगशाला से हम मेक्सिलोफेसियल पेथोलॉजी के आनुवंशिक पहलुओं का उपयोग और मूल्यांकन करने में समर्थ हो सकेंगे।

***

मिरांडा हाउस

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

मिरांडा हाउस को लगातार विभिन्न महाविद्यालयों में तीसरी बार नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2019 के अंतर्गत ऑल इंडिया रैंक वन से पुरस्कृत किया गया। इसे भारत में विज्ञान स्ट्रीम में लगातार दूसरी बार इंडिया टुडे बैस्ट महाविद्यालय सर्वे 2019 में टॉप मोस्ट महाविद्यालय का रैंक प्रदान किया गया। इससे इसकी साख मजबूत हुई तथा इसे एनएएसी ने A+ प्रत्यायन (एक्रिडिशन)य प्रदान किया तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने इसे स्टॉर महाविद्यालय का स्तर स्वीकार किया। 7 मार्च, 1948 को स्थापित यह महाविद्यालय अपनी अनवरत उत्कृष्टता के सात दशक मना चुका है। इस वर्ष के दौरान कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया: इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्यूर एंड एप्लाइड कैमेस्ट्री (आईयूपीएसी) के शताब्दी समारोह के एक भाग के तौर पर महिलाओं के सशक्तिकरण पर संगोष्ठी आयोजित की गई; डीएसटी द्वारा प्रायोजित स्नातक तथा स्नातकोत्तर आईएनएसपीआईआरई (इंस्पायर) स्कॉलरों के लिए साइंस कॉन्क्लेव 2019 का आयोजन किया गया। महाविद्यालय ने 91वें वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में वाइस चांसलर कप प्राप्त किया तथा लगातार दूसरे वर्ष 11 अन्य पुरस्कार भी प्राप्त किये।

सम्मान/विशेष पुरस्कार

डॉ. प्रतिभा जॉली को 9वीं महिला उद्यमशीलता सम्मेलन, 2019 में महिला उद्यमशीलता मेंटर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

डॉ. बिजयलक्ष्मी नंदा को कविकुंभ सम्मेलन, 2019 में स्वयंसिद्ध सम्मान प्रदान किया गया।

डॉ. पूनम ने सेंटर फॉर ग्लोबल हैल्थ, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत तथा लोयोला यूनिवर्सिटी शिकागो स्ट्रिच स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए ने टीसीआई कैमिकल्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, 2019 के सहयोग से आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन इंटिग्रेटिव केमिस्ट्री, बॉयलॉजी एंड ट्रांसलेशनल मेडिसिन में विशिष्ट खोजकर्ता अवार्ड प्रदान किया गया।

डॉ. शम्पा राय ने चार्ल्स वालेस ट्रस्ट ट्रांसलेशन फैलोशिप अवार्ड 2019 प्राप्त किया।

डॉ. मोनिका शर्मा ने बैनफ, एल्बर्टा, कनाडा, 2019 में भाग लेने और एक पेपर प्रस्तुत करने पर बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ग्लोबल हैल्थ ट्रेवल अवार्ड प्राप्त किया।

विशिष्ट योग्यता वाले विद्यार्थी

देविका ग्रोवर, बी.ए. प्रोग्राम III वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

नीलांजल पॉल बी.ए. (एच) बेंगाली III वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रिया गुप्ता बी.ए. (एच) फिलोसोफी III वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अनमोल मोर बी.ए. (एच) फिजिक्स III वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

रुचि भट्ट, एम.एससी (एफ) वनस्पति विज्ञान, ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के इंटर-कॉलेज ताइक्वांडों चैंपियनशिप में महाविद्यालय की ताइक्वांडों टीम ने लगातार छठें वर्ष भी अपनी जीत जारी रखी और 5 गोल्ड मेडल तथा 2 सिल्वर मेडल प्राप्त किए।

प्रकाशन

अमीर, एस., जिंदल, के., तोमर, एम., झा, पी.के., गुप्ता, वी. (2019)। इनसाइट इनटू इलेक्ट्रॉनिक, मैग्नेटिक एंड ऑप्टिकल प्रापर्टीज ऑफ मैग्नेटिकली आडर्ड Bi2Fe4O9. जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स, 475, 695-702.

बोरकर, एच., राव, वी., तोमर, एम., गुप्ता, वी., कुमार, ए. (2018). नियर रूम टेंपरेचर बाइस्मथ एंड लिथियम BaTiO3 रिलेक्सर फेरोइलेक्ट्रिक्स फेमिली. जर्नल ऑफ एलॉय एंड कंपाउंड्स, 737, 821-28.

गुप्ता, बी. (2018)। लैंड यूज/लैंड कवर चैंज एंड इट्स इम्पेक्ट ऑन क्लाइमेट इन द आरक वैली ऑफ आसाम. इन: प्लेइंग विद नेचर, हिस्ट्री एंड पॉलिटिक्स ऑफ एन्वायरनमेंट इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया (एडिटर एस. नाग), रूटलेज, लंदन ।

गुप्ता, एम., श्रीवास्तव, एम. (2019). वैल-पोज्डनैस एंड स्केलेराइजेशन इन सेट ऑप्टिमाइजेशन इवॉल्विंग आर्डरिंग कोन्स विद पासिबली एंप्टी इंटीरियर्स. जर्नल ऑफ ग्लोबल ऑप्टिमाइजेशन, 73, 447-63.

नंदा, बिजयलक्ष्मी, (2018) । सेक्स-सेलेक्टिव एबोर्शन एंड रिप्रोडक्टिव राइट्स : ए सिंक्रेटिक फेमिनिस्ट एप्रोच, इन: डिस्कोर्स ऑन राइट्स इन इंडिया: डिबेट्स एंड डाइलेम्माज, नंदा, बी. एंड रे, एन.(एडिटर), रूटलेज पब्लिकेशन, न्यू यॉर्क ।

पांडे, के., सिंह, एस., मेधा, पी., शर्मा, एम., चौधरी, ए., शर्मा, एस. (2019). DosR प्रोटीन ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस अपरेगुलेट इफेक्टर टी सैल्स एंड डाउन रेगुलेट टी रेगुलेटरी सैल्स इन टीबी पैंशेंट्स एंड देयर हेल्दी कांटेक्स। माइक्रोबियल पेथोजेनेसिस, 126, 399-406.

पाठक, एम., शर्मा, डी., शर्मा, एम., शर्मा, एन. (2018) । स्पेक्ट्रोस्कोपिक एंड थर्मोडाइनेमिक स्टडीज ऑफ मेटफार्मिन टू पेप्सिन । जे. मोल. स्ट्रक्चर, 1166, 183-189.

साहू, एस. (2018)। द ट्रेजेक्टरीज ऑफ लाइफ, वर्क एंड सेक्सुएलिटी: द राइट्स ऑफ द ट्रांसजेंडर इन इंडिया । इन: डिस्कोर्स ऑन राइट्स इन इंडिया : डिबेट्स एंड डाइलेम्माज, नंदा, बी. एंड रे, एन. (एडिटर), रूटलेज पब्लिकेशन, न्यू यॉर्क ।

सेनी, के., भाटिया, एस.एस., गुप्ता, एन. (2018)। इलेक्ट्रोकेमिकल सिंथेसिस ऑफ मल्टीडाइमेंशनल नेनोपार्टिकिल्स एंड देयर फोटोकेटेलिक एप्लिकेशन इन : ग्रीन कैमेस्ट्री इन एन्वायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी एंड केमिकल एजूकेशन परमार, विरिंदर एस., मल्होत्रा, प्रीति, माथुर, दिव्या (एडिटर्स) स्प्रिंजर नेचर, पीपी 51-59

सिंह, एस., मोनिका, एम., चौधरी, ए., शर्मा, एस. (2019). . Rv2626c एंड Rv2032 एक्टिवेट TH1 रेस्पांस एलांग विद डाउन रेगुलेशन ऑफ टी सैल्स इन पेरीफेरल ब्लड मोनोन्यूक्लियर सैल्स ऑफ ट्यूबरकुलोसिस पेशेंट. कंपरेटिव इम्युनोलॉजी, माइक्रोबॉयलॉजी एंड इंफेक्शस डिजीजेज 62: 46-53.

सुनेजा, एस., शर्मा, एस., चौधरी, एम. (2018)। वेक्टर ऑप्टिमाइजेशन विद जेनरेलाइज्ड कोन लोकली कनेक्टेड फंक्शंस. ऑप्सर्च 55: 302-19.

अनुसंधान परियोजनाएं

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2018-2021, शीर्षक," ए स्टडी ऑफ मेक्रोफेग एपॉप्टोसिस एंड माइटोकांड्रियल इंटेग्रिटी इन रेस्पांस टू पीई / पीई _पीजीआरएस फेमिली प्रोटीन्स ऑफ माइकोबेक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस बाई डॉ. मोनिका शर्मा (पीआई), डॉ. साधना शर्मा (को-पीआई), राशि रूपए 68 लाख

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2014-2019, शीर्षक,"डेवलपमेंट ऑफ थिन फिल्म सर्फेस एकाउस्टिक वेव डिवाइस एज ए प्लेटफार्म फॉर द सेंसिंग एप्लिकेशन" बाई डॉ. मोनिका तोमर (पीआई), एमाउंट रुपए 474.34 लाख

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2017-2020, शीर्षक, "डेवलपमेंट ऑफ फेरोइलेक्ट्रिक थिन के फिल्म बेस्ड फोटोवोल्टिक सैल्स" बाई डॉ. मोनिका तोमर (पीआई), राशि रुपए 31.54 लाख

यूजीसी, 2017-2019, शीर्षक, "डिटाक्सिफिकेशन ऑफ एन्वायरनमेंट पर्सिसटेंट ऑर्गेनिक पोलुटेंट्स प्राइमरिली पेस्टिसाइड्स यूजिंग फंक्शनेलाइज्ड नेनोमेटेरियल्स" डॉ. पूनम (पीआई), राशि रुपए 10 लाख

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2016-2019, शीर्षक, "थियो-क्लिक एप्रोच फॉर द सिंथेसिस ऑफ स्टेबल ग्लाइको मिमेटिक्स एंड चिरेलोक्सेथियाक्राउन ईथर" द्वारा डॉ. पूनम (पीआई), राशि रुपए 36.816 लाख

जैवप्रौद्योगिकी विभाग, "टू इस्टेब्लिश ए पोल्यूशन मोनिटरिंग स्टेशन एक्रास रोड ओवर द नाला एट किंग्सवे कैंप एंड डिटरमाइन इफेक्ट्स ऑफ पोलुटेंट्स एंड एयर क्वालिटी ऑन द पब्लिक हैल्थ एंड माइक्रोफ्लोरा/माइक्रोफौना" द्वारा डॉ. कलावती सेनी (पीआई), सुश्री नूतन रानी (को-पीआई), डॉ. स्मृति शर्मा भाटिया (को-पीआई), राशि रुपए 8 लाख

आवेदित/ स्वीकृत पेटेंटों के लिए आवेद

डॉ. मोनिका तोमर ने दो पेटेंटों की स्वीक़ृति हेतु आवेदन किया :

इंडियन् पेटेंट (27 फरवरी 2019 को दाखिल किया) यूरिक एसिड की जॉच हेतु : एक नूतन, अति संवेदनशील और विश्वसनीय एलआरएसपीआर बॉयोसेंसर और उनका फेब्रिकेशन, विनय गुप्ता, मोनिका तोमर, आयुषि पालिवाल, सुरभि जैन (आवेदन सं0 201911006783).

इंडियन पेटेंट (27 फरवरी 2019 को दाखिल किया गया) : इलेक्ट्रिक फील्ड असिस्टेड लो पॉवर कंज्यूमिंग कंडक्टो-मेट्रिक गैस सेंसर, विनय गुप्ता, मोनिका तोमर, अंजलि शर्मा, अवनीत सिंह (आवेदन सं0 201811006329).

डॉ. पूनम ने एक पेटेंट की स्वीकृति हेतु आवेदन दिया है :

इंटरनेशनल पेटेंट (प्रोविजनली दाखिल ईएफएस आईडी : 35137507): हाइड्रोक्सिएथाईल एमाइन आधारित पिपराजीन यौगिक और रोगों के उपचार हेतु उन्हें उत्पन्न करने और उपयोग में लाने की विधियां। राठी, बी., सिंह, एस., माउंस, बी., पूनम केम्पइया, पी., सिंह, ए.पी. एवं दूर्वासुला, आर., आवेदन संख्या: 62804927, पुष्टि संख्या : 4661.

आयोजित संगोष्ठियां एवं कार्यशालाएं

डॉ. मुकुल प्रियदर्शिनी ने 24 सितंबर, 2018 को एसपीएम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रभावी शिक्षण और शिक्षण प्रक्रियाओं पर एक फैकल्टी विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में 'द्विभाषी शिक्षण : कक्षा में व्याख्यान की भाषाएं'' पर एक कार्यशाला सत्र का संचालन किया।

डॉ. सीमा रानी ने 21-22 फरवरी, 2019 को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के एनआरएल ऑडिटोरियम में कृषि के लिए रिमोट सेंसिंग में प्रगति पर एक पोस्ट-वर्कशॉप ट्यूटोरियल का संचालन किया।

डॉ. रीमा भाटिया और डॉ. बलवंत कौर ने 11-12 फरवरी 2019 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस में सक्षम भारत और हेल्प द ब्लाइंड फाउंडेशन के सहयोग से करियर प्रशिक्षण पर इंटर-कॉलेज कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. रीमा भाटिया और डॉ. बलवंत कौर ने 14 मार्च 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस में अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से आरपीडब्ल्यूडी एक्ट 2016 पर संवेदीकरण और जागरूकता पर इंटर-कॉलेज कार्यशाला का आयोजन किया।

डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के तत्वावधान में 22 मार्च 2018 को "बोनसाई कार्यशाला" आयोजित की गई। इंडियन बोनसाई एसोसिएशन की पूर्व अध्यक्षा सुश्री श्यामा बलबीर ने एक व्यावहारिक व्याख्यान दिया और बोनसाई तैयार करने और उनके रखरखाव पर कार्यशाला का संचालन किया।

जंतुविज्ञान विभाग ने 2-3 अगस्त 2018 के दौरान "मूल सिद्धांतों और फ्लोसाइटोमेट्री की उन्नत अवधारणाओं" पर एक दो-दिवसीय छात्र कार्यशाला का आयोजन किया।

एनएसएस ने 5 अक्तूबर 2018 को टीच फॉर इंडिया के सहयोग से एक कार्यशाला का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एंड एप्लाइड केमिस्ट्री (आईयूपीएसी) के शताब्दी समारोह के एक हिस्से के रूप में 12 फरवरी 2019 को रसायन विज्ञान में महिलाओं को सशक्त बनाने पर संगोष्ठी।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा प्रायोजित स्नातक और स्नातकोत्तर इंस्पायर अध्येताओं हेतु एक विज्ञान सम्मेलन 2019 का आयोजन किया गया और 16 से 18 जनवरी 2019 तक कॉन्क्लेव के दौरान विद्यार्थियों को प्रदर्शित वैज्ञानिक पोस्टर तैयार करने और प्रस्तुत करने का अवसर भी मिला।

मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय और जैव-संसाधन और सतत विकास संस्थान (आईबीएसडी), मणिपुर ने संयुक्त रूप से 31 अगस्त 2018 को प्रत्येक जीवन के लिए जैव-विविधता पर एक कॉन्क्लेव का आयोजन किया।

संगोष्ठी /सम्मेलन में प्रस्तुतियां

श्वेता सचदेवा झा ने 17-19 मार्च 2019 के दौरान अंग्रेजी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय और मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, कोलकाता द्वारा आयोजित 'इतिहास और साहित्य के बीच: औपनिवेशिक आधुनिकता पर जानकारी' नामक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बच्चों की चित्र पुस्तकों (1950 -2018) के माध्यम से भारत में बचपन का इतिहास लेखन' शीर्षक पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

स्निग्धा सिंह ने 23-24 जनवरी 2019 को एमिटी विश्वविद्यालय में सम्पन्न 'वुमन थ्रू द एजेज' पर विश्व सम्मेलन में 'वुमन इन ट्रांजिशन एट मथुरा सेंक्चुरीज' शीर्षक पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

मोनिका शर्मा ने 17-21 जनवरी 2019 को, अलबर्टा, कनाडा में आयोजित ए3 ट्यूबरकुलोसिस: मैकेनिज्म, पैथोजेनेसिस और उपचार सम्मेलन में "माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस लेटेंसी एसोसियेटेड प्रोटीन Rv2628 टारगेटिंग होस्ट माइटोकॉन्ड्रिया मे रैव रोल इन पर्सिसटेंस आफ पैथोजन" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अनीता कुमारी ने 25-26 फरवरी, 2019 के दौरान सेंटर फॉर ग्लोबल हेल्थ, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और लोयोला विश्वविद्यालय शिकागो स्ट्रिक स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए द्वारा इंटीग्रेटिव कैमेस्ट्री, बॉयलॉजी एंड ट्रांसलेशनल मेडिसिन (आईसीबीटीएम-2019) पर आयोजित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 0.5 एम एच2एसओ4 मीडियम: इलेक्ट्रोकेमिकल एंड सरफेस मॉर्फोलॉजिकल स्टडीज में हल्के स्टील के लिए ग्रीन एंड एफिशिएंट जंग अवरोधक के रूप में शिफ बेस पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

भारती जगन्नाथन ने 5 दिसंबर 2018 के दौरान रिलिजियस स्टडीज विभाग, वर्जीनिया विश्वविद्यालय, शार्लोट्सविले में "वुमेन डिवोशन, वुमेन लाइव्ज: इंट्रोगेटिंग द पोयट्री एंड नेरेटिव्ज ऑफ एंडाल एंड कराइक्कल अमायर" नामक आलेख प्रस्तुत किया।

बिजयलक्ष्मी नंदा ने 15-21 अक्तूबर 2018 के दौरान फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में 'जेंडर सेंसिटाइजेशन एंड ह्यूमन राइट्स' विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय के डब्ल्यूएसडीसी में 'बालिकाओं के अधिकार' पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

अमिता राणा और डॉ. नीरू यादव ने 25 -27 सितंबर 2018 के दौरान युवा मामलों और खेल मंत्रालय के शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग एवं किरोड़ी मल महाविद्यालय द्वारा वैश्विक संदर्भ में ओलंपिक और भारतीय मूल्यों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में इक्कीसवीं सदी में वैश्विक फिटनेस पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

ए. आर. सीतालक्ष्मी ने 10-14 जुलाई 2018 के दौरान आईयूपीएसी और सिडनी विश्वविद्यालय, सिडनी द्वारा सिडनी में आयोजित रासायनिक शिक्षा पर 25वें आईयूपीएसी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीसीई 2018 में "वैचारिक विकास को सुगम बनाने के लिए रचनात्मक शिक्षा शास्त्र को शामिल करने पर "फेज चैंजेज : इफेक्ट ऑफ एन इंटरवेंशन " पर विद्यार्थियों की अवधारणा शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

शर्मिला पुरकायस्थ ने 25-26 जुलाई 2018 तक युनिवर्सिटी सेन्स मलेशिया, पेनांग में साहित्य: समकालीन परिप्रेक्ष्य पोस्टकोलोनियल एंड डायस्पोरिक लिटरेचर एंड थ्योरी पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

शास्वती सेनगुप्ता ने 25-26 जुलाई 2018 को यूनिवर्सिटी सैंस मलेशिया, पेनांग में साहित्य: समकालीन परिप्रेक्ष्य इन पोस्टकोलोनिक और डायस्पोरिक लिटरेचर एंड थ्योरी नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन (एमओयू)

नीदरलैंड के एप्लाइड साइंसेज के होग स्कूल यूट्रेक्ट युनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नीदरलैंड; जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय, वाशिंगटन डीसी; लिंचबर्ग कॉलेज, यूएसए; ओंटारियो विश्वविद्यालय, कनाडा; इंटरनेशनल रिसर्च ग्रुप ऑन फिजिक्स एजुकेशन (गिरेप) के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

एनआईआई (विज्ञान सेतु कार्यक्रम); गूगल लिमिटेड; यूज़ गूगल ऐप्स फॉर एजूकेशन; वीकेंडर (मोबिकेल); नेहरू आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कोयंबटूर; आईसीटी एकेडमी; स्टूडेंट परियोजना के लिए टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड; इंडियन रिप्रोग्राफिक राइट्स ऑर्गनाइजेशन के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

विद्यार्थियों के लिए एक्सचेंज कार्यक्रम

आउटबाउंड: एसपी जैन स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंट: इनीशिएटिव एट मिरांडा हाउस (दिसंबर 2018 में 2 छात्र); यूट्रेक्ट बिजनेस स्कूल ऑन स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट एंड कल्चर 4-8 जून 2018 (1 संकाय और 9 छात्र)

इनबाउंड: यूट्रेक्ट बिजनेस स्कूल 28 जनवरी - 1 फरवरी 2019 (7 छात्र और 1 संकाय)

नियोजन का विवरण

प्लेस्ड (चयनित) विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 250 में से 27
कैंपस भर्ती के लिए आईं कंपनियों की संख्या : 16

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

कालेज की पर्यावरण सोसायटी एमएच वातावरण ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डीयूएसयू) के चुनाव अभियान के दौरान महाविद्यालय परिसर व आसपास के क्षेत्रों में फैले रद्दी कागज (पेपर वेस्ट) एकत्र करने के लिए एनएसएस, मिरांडा हाउस के सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाया। दिल्ली ग्रीन्स और मिरांडा हाउस द्वारा संयुक्त रूप से जलवायु परिवर्तन पर चौथा दिल्ली युवा शिखर सम्मेलन 2018 का आयोजन किया गया जिसकी मेजमानी मिरांडा हाउस ने 3 और 4 अक्तूबर 2018 को की। एसपीआईसी मैके ने महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में मिरांडा हाउस द्वारा आयोजित म्यूजिकल थिएटर का प्रदर्शन किया। सुन्नाड, बैंगलोर में स्थित गायकों का एक विस्तृत समूह है जो स्कूल जाने वाले, सेवानिवृत्त, शौकीनों, गृहणियों और हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रति रुचि रखने वाले पेशेवरों से मिलकर बना है। केपीएमजी बिजनेस एथिक्स ने दो परियोजनाएं - जफरान और इख्तियार अनुमोदित की हैं। केपीएमजी के नेतृत्व वाले कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजनाओं का उद्देश्य आर्थिक रूप से हाशिए पर पड़े समुदायों, विशेष रूप से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से किया गया था; जबकि इख्तियार नदियों के अंदर की जलीय प्रजातियों को नुकसान पहुंचाने वाले जल कुंभों को दूर करने का कार्य करता है।

पुस्तकालय का विकास

पुस्तकालय के लिए कुल स्वीकृत बजट 16,78,900 रुपए था। शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के दौरान पुस्तकों के 962 वाल्यूम को पुस्तकालय में शामिल किया गया। पुस्तकालय के वार्षिक फेस्ट ''एमएआईएसओएन'' को 7-8 फरवरी, 2019 को आयोजित किया गया।

संकाय सदस्यों की संख्या

कुल स्थाई : 134
कुल तदर्थ : 63

वित्तीय आबंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान : रुपए 53,58,50,000/-
उपयोग में लाया गया अनुदान: रुपए 52,89,99,000/-

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

वर्तमान में पीएच.डी के लिए 16 शिक्षकों सहित लगभग 32 विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया। सर्वोत्तम संस्थानों में इंटर्नशिप के लिए विद्यार्थियों का चयन किया गया। विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर, आइएसआरओ, चैन्नई, मैथमेटिकल इंस्टीट्यूट, एनआईयूएस, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, इंटर-युनिवर्सिटी एक्सीलेटर सेंटर, जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च (जेएनसीएएसआर) में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए 20 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। स्नातक कक्षाओं के 10 विद्यार्थियों ने विदेशों के उत्कृष्ट मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालयों में छात्रवृत्ति के साथ प्रवेश प्राप्त किया। स्वरीना गुरुंग ने लंदन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओरियेंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज (एसओएएस) में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए बंगाल सरकार से रुपए 34 लाख की छात्रवृत्ति प्राप्त की।

***

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने 21 और 22 फरवरी, 2019 को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (एनआईईएसबीयूडी) द्वारा गणित और भौतिकी विभागों के विद्यार्थियों के लिए उद्यमिता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को खुद का बिजनेस शुरू करने के लिए प्रेरित करना था।

'पीएम युवा योजना' के अंतर्गत विभिन्न पाठ्यक्रमों में महाविद्यालय के 88 विद्यार्थियों ने दो बैचों ने अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। इस पाठ्यक्रम का प्रमाणन भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय से प्रक्रियाधीन है।

सम्मान/विशिष्ट योग्यता

प्रांजल प्रोटिम बरुआ ने 11 सितंबर 2018 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इंग्लिश स्टडीज से अंग्रेजी साहित्य में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।

डॉ. मनीष कुमार को 19-21 दिसंबर 2018 के दौरान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर) कोलकाता में आयोजित कार्बो-XXXIII सम्मेलन में एसोसिएशन ऑफ कार्बोहाइड्रेट केमिस्ट्स एंड टेक्नोलॉजिस्ट्स, इंडिया (एसीसीटीआई) द्वारा सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार-2018 से सम्मानित किया गया।

डॉ. ओमप्रकाश गुसाईं का चयन 5-6 जनवरी 2019 के दौरान मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित 41वें वार्षिक जीबीएम में ऑल इंडिया अकाउंटिंग एसोसिएशन के ईसी सदस्य के रूप में किया गया ।

निखिल खन्ना को 19 नवंबर 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के 95वें वार्षिक वार्षिक दीक्षांत समारोह में गणित में पीएच॰डी की उपाधि प्रदान की गई।

डॉ. ऋचा जैन ने 14-16 फरवरी 2019 के दौरान जेआईआईटी नोएडा में सम्पन्न मैथमेटिक्स एवं प्लासमोनिक्स - 2019 (पीएमपी-2019) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

विशेष योग्यता वाले विद्यार्थी

इंटर-कॉलेज तैराकी प्रतियोगिता में बीए (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष के गौरव टोकस ने रजत पदक प्राप्त किया।

बीए प्रथम वर्ष (संस्कृत)। के धर्मवीर यादव ने इंटर-कॉलेज कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

इंटर-कॉलेज बॉक्सिंग प्रतियोगिता में बी ए (कार्यक्रम) प्रथम वर्ष के जय कुमार ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) केमिस्ट्री प्रथम वर्ष के छात्र जयंत द्विवेदी ने इंटर-कॉलेज जूडो प्रतियोगिता में कांस्य प्राप्त किया।

बी कॉम (पी) प्रथम वर्ष के छात्र रोइन सैकैई ने इंटर-कॉलेज ताइक्वांडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

प्रकाशन

जर्राह, ए.एम., खन्ना, एन. (2018)। वेवलेट पैकेट, कॉनवोल्युशन और क्रॉस-रिलेशन ऑफ वेवलेट्स, अरब जर्नल ऑफ मैथमेटिकल साइंसेज के लुप्त क्षणों पर कुछ परिणाम

गुसाई, ओ.पी. (2019)। साइबर अपराधों और साइबर कानूनों के लिए अवधारणा निर्माण दृष्टिकोण. आईएसबीएन-13:978-93-86668-31-8 (प्रिंट) और आईएसबीएन: 1093-86668-31-9 (ई-बुक), सीईएनएजीई (सेनेज) लर्निंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (www.cengage.co.in) द्वारा प्रकाशित.

पौमाई, के. टी., कौशिक, एस. के. (2018). ग्रीडी एल्गोरिद्म एंड एप्रोक्सिमेशन प्रोपर्टीज फॉर फ्रेम्स इन हिलबर्ट स्पेसेज, 17 (1), 73-94.

खन्ना, एन., कौशिक, एस. के. (2019). वेवलेट पैकेट एप्रोक्सिमेशन टाइप नॉर्म, इंटीग्रेटेड ट्रांसफर स्पेशल फंक्शन, 30 (3), 231-239.

पंवार, के. (2018). संस्कृत अध्ययन में जाति और लिंग 'वागर्थ' में (इंटरनेशनल जर्नल ऑफ संस्कृत रिसर्च) आईएसएसएन: 2456-9186, खंड II, 9II), पेज 1-7, लिंक -http://cphfs.in/research.php

पंवार, के. (2019). धर्मशास्त्र (धर्म) में जाति-प्रणाली की भूमिका: विद्यावर्थ में एक विश्लेषण, पियर रिव्यूड इंटरनेशनल जर्नल प्रकाशनों की समीक्षा की, 29 (02) आईएसएसएन: 23199318

सेमिनार का आयोजन

राष्ट्रीय संगोष्ठी, सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की स्थिति में प्रबंधन, मार्च 8, 2019.

द हिस्ट्री सोसायटी एटीईटी ने 1 फरवरी, 2019 को 'ओरिएंटलिज्म एंड इंडियन हिस्ट्री' पर अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत दो व्याख्यानों का आयोजन किया। ये व्याख्यान यूज़ेनिया वानीना, प्रोफेसर, सेंटर फॉर इंडियन स्टडीज, इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल स्टडीज, रशियन एकेडमी ऑफ साइंसेज, मास्को, रूस एवं रामेश्वर पी. बहुगुणा, प्रोफेसर, इतिहास एवं संस्कृति विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली द्वारा दिए गए।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतिकरण

देवेंद्र जारवाल ने 20-22 दिसंबर 2018 के दौरान उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद द्वारा आयोजित 71वें अखिल भारतीय वाणिज्य संघ में 'पोस्ट लिबरलाइज्ड युग में अपरंपरागत उद्यमिता का विकास' नामक एक आलेख प्रस्तुत किया।

कल्पना मलिक ने 26-28 फरवरी 2019 के दौरान बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल, मप्र में आयोजित भारतीय इतिहास कांग्रेस के 79वें सत्र में 'पार्टनरशिप इन द अर्धकथानक" नामक एक आलेख प्रस्तुत किया।

रितु कथूरिया ने 21-23 जनवरी 2019 के दौरान दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में "थ्योरी, कंप्यूटेशन एंड एप्लिकेशन ऑफ डिफरेंशियल इक्वेशन" में हुई हालिया प्रगति पर आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ऑन स्लांट वेटिड टोप्लिट्ज ऑपरेटर्स ' नामक एक आलेख प्रस्तुत किया।

निखिल खन्ना ने 21-25 अक्तूबर 2018 तक मेक्सिको के जुआरेज ऑटोनोमस युनिवर्सिटी ऑफ टबास्को, विलाहरमोजा द्वारा आयोजित द मैक्सिकन मैथमेटिकल सोसायटी के 51वें नेशनल कांग्रेस में 'ऑन हिलबर्ट ट्रांसफॉर्म एंड रिलेटेड इंटीग्रल ट्रांसफॉर्म्स ऑफ द वेवलेट्स' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान (स्काइप के माध्यम से) दिया।

निखिल खन्ना ने 22-23 फरवरी 2019 के दौरान दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा आयोजित 'मिनी सिंपोजियम इन मैथमेटिक्स' में 'हिलबर्ट ट्रांसफॉर्म ऑफ वेवलेट्स एंड देयर एप्लिकेशन' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

कौशल पंवार ने 9-13 जुलाई 2018 के दौरान ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय में आयोजित 17वें विश्व संस्कृत सम्मेलन, 2018 में 'ब्रह्मविद्या प्राप्त करने के लिए शूद्र का अधिकार: एक विश्लेषण'' नामक एक आलेख प्रस्तुत किया।

कौशल पंवार ने 2-3 नवंबर 2018 के दौरान युनिवर्सिटी ऑफ अबात ओलिबा सीईयू, बर्सिलोना, स्पेन में आयोजित 'मानव विज्ञान' पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में धर्मशास्त्र में जाति प्रथा की भूमिका : एक विश्लेषण" नामक एक आलेख प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर

इग्नू ने क्षेत्रीय केंद्र (आरसी) -3 के अंतर्गत मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय में अध्ययन केंद्र स्वीकृत किया है और पिछले शैक्षणिक सत्र से इसकी शुरुआत की है।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय के विजन स्टेटमेंट को देखते हुए समाज के सभी वर्गों को सशक्त बनाने और महिला सशक्तिकरण की गंभीर आवश्यकता के आह्वान को दूर करने के लिए एनसीवेब सेंटर युवा ओं को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता पर खरा उतरी है। एनसीवेब सेंटर, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय गर्व से बताता है कि हमारे बी. कॉम(आनर्स) और बीए (आनर्स) के विद्यार्थियों के पहले बैच ने सफलतापूर्वक स्नातक की पढ़ाई पूरी की। पिछले तीन वर्षों के अंतराल में, गंभीर अकादमिक व्यस्तताओं के अलावा, केंद्र समग्र व्यक्तित्व विकास, सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता, हमारे समाज और बड़े पैमाने पर राष्ट्र के बहु सांस्कृतिक पहलू की समझ पर लक्ष्य विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए एक प्रशंसनीय स्थान बनाया गया है। विश्वविद्यालय सर्किट में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यों में विद्यार्थियों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाता है।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय वर्तमान में लगभग 104 आवधिक, पत्रिकाओं की सदस्यता ले रहा है। वैज्ञानिक और सामान्य हित के समाचार पत्र। पुस्तकालय पूरी तरह कंप्यूटरीकृत वातावरण के अंतर्गत काम कर रही है और 'नेटलिब' सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रही है। लाइब्रेरी ओपन एक्सेस सिस्टम का पालन करना जारी रखे हुए है जो विद्यार्थियों को अधिक सुविधा प्रदान करती है। पुस्तकालय में सभी उपयोगकर्ताओं के लिए अपनी होल्डिंग्स की अप-टू-डेट ऑन लाइन कैटलॉग (ओपीएसी) है। यूजीसी भारत सरकार के एमएचआरडी द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना सेवा बुनियादी ढांचे के माध्यम से महाविद्यालयों में ई-पुस्तकों की उपलब्धता की सुविधा प्रदान कर रहा है । इस कार्यक्रम में महाविद्यालय पुस्तकालय में उस कार्यक्रम तक पहुंचने वाले सभी लोगों को लगभग 97000 + ई-बुक्स और 6000 + ई-जर्नल तक पहुंचने की सुविधा दी गई है।

संकाय सदस्यों की संख्या

कुल स्वीकृत: 138

वित्तीय आबंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रुपए 34,19,70,000/-
उपयोग में लाया गया अनुदान: रुपए 33,37,47,000/-

***

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (सायं)

मुख्य क्रियाकलाप एवं उपलब्धियां

सांस्कृतिक एवं विभागीय सोसाइटीओ ने पूरे वर्ष के दौरान एकेडमिक एवं एक्स्ट्रा करिकुलर गतिविधियों का आयोजन किया है। विद्यार्थियों ने भी अनेक अंतर महाविद्यालयी एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं को जीतकर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है। थिएटर सोसायटी- अस्तित्व प्रथम बार बी.एम.एल. मुंजाल विश्वविद्यालय गुड़गांव के वार्षिक टेक्नो कल्चरल फेस्टिवल तथा कालिंदी महाविद्यालय के वार्षिक थियेटर फेस्टिवल में आया। नॉर्थ ईस्ट सोसाइटी ने जाकिर हुसैन महाविद्यालय के नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल के सांस्कृतिक कार्यक्रम में जीत हासिल किया। हमारे खिलाड़ी छात्र बहुत आगे बढ़ रहे हैं तथा महाविद्यालय के लिए गौरव ला रहे हैं।

अनुभव कुमार, बी.ए. प्रोग्राम ने राष्ट्रीय सीनियर हॉकी चैंपियनशिप में दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया। आशीष जाधव बी.ए. प्रोग्राम ने संतोष ट्रॉफी- नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता में दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया। हमारे 5 विद्यार्थियों ने अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय उत्तर अंचल फुटबॉल प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

रिलायंस फाउंडेशन यूथ स्पोर्टज कॉलेज फुटबॉल प्रतियोगिता में एमएलएनसीई ने 128 महाविद्यालयों में से प्रथम रहा।

सम्मान/गौरव

डॉ. राकेश सिन्हा जुलाई 2018 में राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में संसद सदस्य के लिए नामित किए गए।

डॉ. रजनीश क्लेर का रिसर्च पेपर मार्च 24-26, 2019 के दौरान यूएई विश्वविद्यालय में आयोजित 8वें एशियन मैनेजमेंट रिसर्च एंड केस कॉन्फ्रेंस में सर्वोत्तम पेपर के रूप में मूल्यांकित किया गया।

डॉ. देवाशीष पराशर को अक्तूबर 2019 में यूनेस्को के एसोसिएशन में राइटर्स यूनियन ऑफ तरीजा द्वारा बोलीवीया में अंतर्राष्ट्रीय लेखक सम्मेलन में भारत के प्रतिनिधि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

पुष्पा मीना को नवंबर 19, 2018 को हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उनका पीएच॰डी प्रदान अपनी कोकिया गया।

योगेंद्र कुमार सागर को दिसंबर 4, 2018 को सनराइज विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा उनका पीएच॰डी प्रदान किया गया।

एम.एल.एन.सी.इ. के शिक्षकों की क्रिकेट टीम ने शहीद भगत सिंह मेमोरियल टूर्नामेंट 2019, दिल्ली विश्वविद्यालय को जीता।

डॉ. आर.एन. त्रिपाठी ने कॉमनवेल्थ परियोजना के अंतर्गत यूनिवर्सिटी ऑफ लीडस, यूके, 2019 में विजिटिंग स्कॉलरशिप प्राप्त किया।

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्य के रूप में कार्य करने वाले महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 01

शोध परियोजना

डॉ. पी.के. बैरवा(पी.आई.) तथा डॉ. पिंटू कुमार(का-पी.आई) द्वारा भारत सरकार एम. आर. डी. इंप्रेस स्कीम 2019-20 के अधीन आईसीएस एस आर की स्वच्छ भारत मिशन की छाप एवं राजस्थान के सवाई माधोपुर जिला बिहार के नालंदा जिले का एक प्रकरण अध्याय।

सेमिनारसम्मेलन में प्रस्तुति

विद्या शंकर सिंह ने दिनांक 12-13 दिसंबर 2018 को केंद्र उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार मैं "आधुनिक कविता और बुद्ध धर्म" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

विद्या शंकर सिंह ने दिनांक 14-15 दिसंबर 2018 को शेक्सपियर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर हिंदू महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार मैं "आधुनिक कविता और राष्ट्रीय राष्ट्रीय आंदोलन" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

जी.एन. त्रिवेदी ने राजनीति विज्ञान, विभाग, साउथ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय में "इंडियन डेमोक्रेसी कंटेस्टेड टीरैन ऑफ द पॉलिटिक्स" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

रजनीश क्लेर ने दिनांक 24-26 मार्च, 2019 के दौरान यू.ए.वी. विश्वविद्यालय मैं आयोजित "आठवां एशियन मैनेजमेंट रिसर्च एंड केस कॉन्फ्रेंस" में "इंडियन स्टॉक मार्केट सस्टेनेबिलिटी: रोल ऑफ डेमोक्रेटिक एंड फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

रजनीश कलेर ने 18-20 जनवरी 2019 से जनार्दन राय नगर, राजस्थान विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, उदयपुर में छठा नॉर्दर्न रीजनल सोशल साइंस कांग्रेस में एक पेपर प्रस्तुत किया।

रजनीश कलेर ने 30 नवंबर- 2 दिसंबर 2018 से आयोजित आईआईटी रुड़की में द PAN आईआईटी इंटरनेशनल मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस में एक रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया।

कान्हाराम मीणा ने आत्मा सनातन धर्म महाविद्यालय, डीयू में संपन्न इंटरनेशनल सेमिनार ऑन इंडियन वर्नाकुलर लिटरेचर में "सूफी प्रेमाख्यानो में लोकतत्वों एवं संस्कृति लास्ट समावेश" मे एक पेपर प्रस्तुत किया।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

सितंबर 2018 में एनएसएस विद्यार्थियों द्वारा केरल केरल एवं नागालैंड में प्राकृतिक आपदाओं के लिए मनी डोनेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

26-27 सितंबर 2018 को एनएसएस विद्यार्थियों द्वारा साउथ कैंपस में "स्वच्छता ही सेवा" रैली का आयोजन किया गया। 01-02-2019 से 25 दिनों के लिए बसंत गांव में एक टीचिंग कैंप की स्थापना एनएसएस विद्यार्थियों द्वारा की गई तथा एआईआईएमएस के सहयोग से 8 अप्रैल 2019 को एक ब्लड डोनेशन कैंप चलाया गया।

पुस्तकालय विकास

कुल बजट वयय: रुपए 6,08,000/-

परिवर्त पुस्तकें: 1240

अभिदन्त जर्नल: 07

अभिदन्त मेगज़ीन :07

अभीदत्त समाचार पत्र: 07

लिए गए एन-लिस्ट की सदस्यता: 07

संकाय संख्या :

कुल स्थाई: 35

कुल तदर्थ: 39

वित्तीय आबंटन एवं उपयोग

आवंटित अनुदान: रुपए 29,04,44,000/-

उपयोग किया गया अनुदान: रुपए 24,60,04,133/-

***

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय

(पन्नालाल गिरधारी एंग्लो वैदिक महाविद्यालय)

सम्मान/ विशेष योग्यता

डॉ. अश्विनी महाजन ने सुरेश प्रभु, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री भारत सरकार के साथ मिलकर अर्थशास्त्र के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए “स्कॉच चैलेंज अवार्ड” प्राप्त किया।

डॉक्टर उर्वशी साबू को अक्तूबर से दिसंबर 2018 तक 10 सप्ताह की अवधि के लिए ब्रिटिश सेंटर फॉर लिटरेरी ट्रांसलेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट आंगलिया, नॉर्विच, यू.के. में चार्ल्स वेलेस इंडिया ट्रस्ट ट्रांसलेशन फैलोशिप प्रदान किया गया। सुरेंद्र सिंह, सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग को वाणिज्य में पीएच.डी प्रदान किया गया।

सी.एल. सिंह ने मार्च 2019 में “इंपैक्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन ऑन सॉवरेनटी”: ए. केस स्टडी इंडिया एंड चाइना डॉक्टरेट प्राप्त किया।

इस वर्ष श्री तारक सिंहा(पूर्व कर्मचारी) जिन्होंने अपना जीवन क्रिकेट कोचिंग को लगा दिया उन्हें राष्ट्रपति द्वारा द्रोणाचार्य अवॉर्ड प्रदान किया गया।

छात्र

बी. कॉम की अनुषा ने योगा में भारत का प्रतिनिधित्व किया तथा चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

प्रदीप चौरसिया, पी.एच. श्रेणी के छात्र को बीएससी सामान्य मैथमेटिकल साइंस में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए साइंस श्रेणी में पी.एच. के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

शोध परियोजना

आईसीएसएसआर, शीर्ष "भारत-चीन व्यापार असंतुलन: डॉक्टर अश्विनी महाजन(पीआई)

सेमिनार आयोजित

अंग्रेजी विभाग ने आईक्यूएसी पी.जी.डी.ए.वी महाविद्यालय के सहयोग से 12-13 मार्च 2019 को "द 21वीं सेंचुरी इंडियन विमेन: रिप्रेजेंटेशन डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड द डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स एंड एक्सप्रेशन्स" पर एक इंटर डिसीप्लिनरी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

10-11 दिसंबर 18 को कंटेंपरेरी बिजनेस एनवायरनमेंट पर एक फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

प्रकाशन

अग्रवाल, ए. (2019). प्राचीन भारतीय परंपरा में सामाजिक सहिष्णुता एवं समन्वय पूराप्रवाह, 19:1-2.

झा, एम.के., वर्मा, ए. (2018). कंस्ट्रक्शन ऑफ बैलेंसड सेकंड-ऑर्डर डिजाइन विदइन स्पलीट प्लॉट स्ट्रक्चर। इंटरनेशनल जनरल ऑफ एग्रीकल्चरल एंड स्टैटिसटिकल साइंसेस 14(2): 1-19

सिंह, सी.एल.. इंपैक्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन ऑन इंक्लूसिव डेवलपमेंट ऑफ वीमेन इन इंडिया: प्रोस्पेक्टस एंड चैलेंजज इन द 21वीं सेंचुरी इन पाटलिपुत्र जर्नल ऑफ इंडोलॉजी।

सिंह, सी.एल. 'फोकस ऑफ इंडिया फॉरेन पॉलिसी लेड बाई पीएम नरेंद्र मोदी इन द इरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन' वर्ल्ड फोकस।

सेमिनार/ सम्मेलन

शशिनंदा ने 14-15 मार्च 2019 को एमिटी महाविद्यालय ऑफ कॉमर्स एंड फाइनेंस, एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस "रीथिंकिंग इनोवेशन: रोल ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी इन मॉडर्न बिजनेस प्रैक्टिसेस में "इंश्योरेंस ए सस्टेनेबल कॉम्पिटेटिव एज थ्रू सर्विस क्वालिटी: ए स्पेशल फोकस ऑन फुल सर्विस रेस्टोरेंट्स" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

वरुण भूषण ने 17-18 जनवरी 2019 के दौरान संपन्न विश्व बैंक द्वारा समर्थित भारत सरकार के रूफ टॉप सोलर टेक्निकल असिस्टेंस प्रोग्राम के सहयोग से टेहरी स्कूल ऑफ एडवांस स्टडी द्वारा आयोजित "सस्टेनेबल डेमोग्राफिक डिविडेंड" एट द सेकंड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन बिजनेस, इकोनॉमिक्स एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट 2019 विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

वरुण भूषण ने 12-13 मार्च 2019 को अंग्रेजी विभाग एवं आईक्यूएसी पी.जी.डीए.वी. महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन द 21वीं सेंचुरी इंडियन विमेन: रिप्रेजेंटेशन्स एंड एक्सप्रेशन्स में "द फीमेल डेमोग्राफिक डिविडेंड इन इंडिया" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

अश्विनी महाजन एवं फूलचंद ने पेसिफिक बिजनेस रिव्यु इंटरनेशनल, 2019 में "डब्ल्यूटीओ कंप्लेंट प्रोटक्शन विद स्पेशल रिफरेंस टू चाइना" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

वंदना अग्रवाल ने 12-13 मार्च 2019 को अंग्रेजी विभाग और आईक्यूएसी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस "द 21वीं सेंचुरी इंडियन वूमेन: रिप्रेजेंटेशन एंड एक्सप्रेशन" मे "ए पावरफुल डिजायर टू रन आउट एंड पिकअप ए गर्ल... सेक्सुअल वायलेंस एंड बियोंड" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

आरती माथुर ने 12-13 मार्च 2019 को अंग्रेजी विभाग एवं आईक्यूएसी, पी.जी.डीए.वी., महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "द 21वीं सेंचुरी इंडियन विमेन: रिप्रेजेंटेशन्स एंड एक्सप्रेशन" पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में "विमेन इंसाइड एंड आउटसाइड इन कंटेंपरेरी हिस्टॉरिकल फिक्शन" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

नेहा किशोर ने 30 जनवरी 2019 को जे.एन.यू. नई दिल्ली द्वारा आयोजित ऑल इंडिया इंटरनेशनल एंड एरिया स्टडीज कन्वेंशन में "सोशल इंस्टिट्यूशन्स, कल्चरल प्रैक्टिसेज एंड सोशल चेंज" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

अभिषेक श्रीवास्तव ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा में " फिलॉस्फीकल फाउंडेशन ऑफ इंडियाज फॉरेन पॉलिसी" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

एम.के. झा ने 20-22 फरवरी 2019 के दौरान एआईबीएस एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इनबुश युग वर्ल्ड सम्मिट 2019 में "कैजुअल रिलेशनशिप बिटवीन इकोनामिक ग्रोथ, स्टॉक प्राइस एंड एक्सचेंज रेट: एविडेंस फ्रॉम ब्रिक्स कंट्रीज" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

संपादकीय बोर्ड में संपादक/सदस्य के रूप में कार्य करने वाले महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 01

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

महाविद्यालय की एन.एस.एस. यूनिट आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में युवा बच्चों को पढ़ाने हेतु एक अभिगम्य कार्यकलाप चलाता है।

नियोजन ब्यौरा

प्लेस किए गए विद्यार्थियों की संख्या: 300

कैंपस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 10

पुस्तकालय विकास

वर्तमान में पुस्तकालय में 98,937 पुस्तकें तथा 4395 पीरियोडिकल वॉल्यूमस हैं। छात्र एवं संकाय के ज्ञान एवं पढ़ाई में रुचि के लिए 19 समाचार पत्रों को नियमित रूप से मंगाया जाता है।

महाविद्यालय मेधावी एवं आवश्यकतामंद विद्यार्थियों को बुकबैंक सुविधा छात्र सहायता कोष उपलब्ध कराता है। महाविद्यालय नेत्रहीन विद्यार्थियों के लिए विभिन्न सहायक यंत्र एवं सॉफ्टवेयर जैसे ब्रेली, एस/एन जॉस, एनजेल डेयसी रीडर, एमपी3 रिकॉर्डर, लैपटॉप, ज़ूम X, इंसटेंट टेक्स्ट रीडर, लेक्स पोर्टेबल कैमरा आदि उपलब्ध कराता है। यह उन्हें ब्रेयल पुस्तकालय तक पहुंच तथा साउंड रिकॉर्डिंग सुविधा भी उपलब्ध कराता है जिसके लिए 5 कंप्यूटर स्टेशनों की व्यवस्था की गई है।

***

पी.जी.डी.ए.वी महाविद्यालय (सायं)

प्रमुख क्रियाकलाप एवं उपलब्धियां

महाविद्यालय ने इस वर्ष भारत के उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की उपस्थिति में अपने स्थापना के 60 वर्ष पर गोल्डन जुबली महोत्सव मनाया। यह वास्तव में महाविद्यालय के लिए बहुत सम्मान है गौरव की बात है। वार्षिक दिवस के अवसर पर हमारे मुख्य सम्मानीय अतिथि कमांडेंट चेतन कुमार चीता थे। वे ऐसे रक्षा जवानों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो हमारे बॉर्डर एवं प्रजातंत्र को सुरक्षित रखते हैं।

प्रकाशन

गुप्ता, डी. (2018): प्रवासी हिंदी कहानी: अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में हिंदी साहित्य में मूल संवेदना
अनामिका पब्लिशर्स एवं वितरक प्रा.लि., नई दिल्ली

आयोजित सेमिनार

सेमिनार, मन पर नियंत्रण की कला, आयोजित, 27 मार्च 2019

सेमिनार, सी.सी.सी. संकल्प, 2 दिनों का कैंपस आयोजित, 15-16 अक्तूबर 2018

सेमिनार, कॉमर्स, सेमिनार कॉमान्तरा एवं युवा कॉन्क्लेव 8-9 फरवरी 2019 को आयोजित

योगा क्लब ध्यान एवं तनाव मुक्ति पर 2 फरवरी 2019 को सेमिनार आयोजित

नियोजन ब्यौरा

सफल प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या: 132
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों/ उद्योगों की संख्या: 18

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

नजदीकी क्षेत्रों में आयोजित केम्पों की संख्या: 01
कैंपस में नामांकित/शामिल किए गए लोगों की संख्या: 23
कैंपस में कार्य करने वाले विद्यार्थियों की संख्या: 20
इन कैंम्पसों लिए समर्पित घरों की कुल संख्या: 48

पुस्तकालय विकास

कुल बजट रुपए 625000/-
परिवर्दित पुस्तकों की संख्या: 727
आभिदत्त जर्नल: 68

स्थाई/ अस्थाई/तदर्थ संकाय की संख्या

कुल स्थाई: 39
कुल तदर्थ: 36

वित्तीय आबंटन एवं उपयोग

आवंटित अनुदान: रुपए 21,01,51000/-
उपयोग में लाई गई अनुदान: रुपए 20,41,94,504/-

***

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक विकलांग व्यक्ति संस्थान (दिव्यांगजन)

प्रमुख क्रियाकलापों एवं उपलब्धियां

संस्थान समाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय के वित्तीय नियंत्रण के अधीन बैचलर आफ फिजियोथैरेपी (बीपीटी), बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी(बी॰ओ॰टी) तथा बैचलर ऑफ प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक्स (बीपीओ)

का पाठ्यक्रम चलता है। संस्थान ने शैक्षिक सत्र 2017-18 से प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक्स (एमपीओ) में मास्टर प्रोग्राम की शुरुआत किया है। आगे हम फिजियोथैरेपी तथा ऑक्यूपेशनल थेरेपी में पीजी कोर्स आरंभ करने जा रहे हैं। संस्थान में 3 दिसंबर 2018 को निःशुल्क व्यक्तियों के राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने के सफल संचालन में सक्रिय भाग लिया तथा सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय को सहयोग प्रदान किया।

आर्य, के.एन., पांड्या, एस., विकास, अग्रवाल, जी.जी., अस्थाना, ए. (2018) पोस्ट स्ट्रोक विजुअल गैट

मेजर फॉर डेवलपिंग कंट्रीज: ए रिलायबिलिटी एंड वैलिडिटी स्टडी। न्यूरोलॉजी, इंडिया, 674(4): 1033-1040.

आर्य, के.एन. (2018). इवोल्यूशन ऑफ मोटर थैरेपीज इन स्ट्रोक रिहैबिलिटेशन: एन इटरनल पाथ, न्यूरोलॉजी इंडिया, 66: 1303-05.

आर्य, के.एन., पंडियन, एस., विकास, पुरी, वी. (2018). मिरर इल्यूजन फॉर सेंसरी-मोटर ट्रेनिंग इन स्ट्रोक : ए रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल.. जर्नल ऑफ स्ट्रोक एंड सेरिब्रोव्स्कुलर डिजीज. 27(11): 3236-3246.

बत्रा, एम., बत्रा, वी., अग्रवाल, ए. (2018). रेगुलेटिंग डेवलपमेंटल पैरामीटर इन चिल्ड्रन विद रिकेट्स हैविंग लोअर एक्सट्रीमिटी एंगुलर डेविएशन. इंडियन जे ऑकूप थेर. 50: 81-5

विमल, ए.के., स्वामी, पी., आनंद, एस., सिंह, यू., भसीन, एस., जोशी, डी. (2019). सर्च एल्गोरिथम फॉर ऑप्टिमल डैंपिंग पैरामीटर ऑफ़ ट्रांसफेमोरल प्रोस्थेटिक लिंब्स. अप्लाइड मैथमेटिकल मॉडलिन, 73: 356-368.

विमल, ए.के., गोड़ियाल, के.ए., सिंह, यू., भसीन, एस., जोशी, डी. (2019). ट्रांसफेमोरल एंप्यूटीस लिमिट ऑफ स्टेबिलिटी एंड स्वे एनालिसिस ड्यूरिंग वेट शिफ्टिंग एक्सरसाइज विद ए वाइब्रोटेक्टाइल फीडबैक सिस्टम. सोमटोसेंसरी एंड मोटर रिसर्च. 14:1-10.

अनुसंधान परियोजनाएं

परियोजना शीर्ष, "आईडेंटिफाइंग एंड माड्यूलेटिंग इस्टैब्लिशमेंट ऑफ़ लेटरलिटि चिल्ड्रन विद डेवलपमेंटल डिसेबिलिटीज"

परियोजना शीर्ष " बिल्डिंग सेंसरीमोटर फ्रेमवर्क फॉर प्ले इंगेजमेंट फॉर सेंसरीमोटर एंड सोस्योइमोशनल डेवलपमेंट इन चिल्ड्रन विद डेवलपमेंटल एंड मल्टीपल डिसेबिलिटीज"

आयोजित किया गया सेमिनार

1 फरवरी 2019 को लिम्फेडेना का प्रबंधन

16 फरवरी 2019 को वेस्टीबुलर पुनर्वास

1 मार्च 2019 को विभिन्न मसेल्स संबंधी न्यूरोलॉजिकल कंडिशन्स मे एडवांस एवं एविडेंस आधारित फिजिकल थेरेपी(इलेक्ट्रो एंड एक्सरसाइज थेरेपी)

आयोजित किए गए सम्मेलन :

20 से 24 फरवरी 2019 के दौरान अपंगता पुनर स्थापन एवं विशेष शिक्षा के क्षेत्र में रिसर्च मेथडलॉजी पर एक पांच दिवसीय रिफ्रेशर प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुति:

कमल नारायण आर्य एवं शांता पांडियन ने 16 से 18 फरवरी 2018 के दौरान नागपुर में संपन्न अखिल भारतीय ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट एसोसिएशन के 55 में वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में" स्ट्रोक में अल्ट्रासुनोग्राफी

आधारित सोल्जर सब्लक्सेशन का प्रबंधन: पी.जी.आई.एम.ई.आर.मे राष्ट्रीय ऑक्यूपेशनल थेरेपी कॉन्फ्रेंस में फेशियल पल्सी में साइक्लोजिकल एवं फंक्शनल एसिमेट्री इंप्लीकेशन" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

मीनाक्षी बत्रा का जालंधर में 3 जुलाई 2019 को इंडियन साइंस कांग्रेश एसोसिएशन के 106वां सत्र/कॉन्फ्रेंस में" मोडुलटिंग पोसटुरो-गैट डायनामिक्स यूजिंग एन एफ डी आर इन चिल्ड्रन विद लोवर एक्सट्रीमिटी गेट डिफॉरमेटी" विषय पर एक रिसर्च पेपर प्रस्तुत करने के लिए इंडियन साइंस कांग्रेस द्वारा अभिनंदन किया गया।

शिवानी शर्मा ने आई.एस.आई.सी दिल्ली में एवीडेंस आधारित ऑर्थोटिक मैनेजमेंट ऑफ स्पाइनल कॉर्ड इंजुरी पैसेंट्स मैं "अप्पर लिंब ऑर्थोटिक्स इन एस सी आई" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किए गए:

इसरो से मिलकर शारीरिक रूप से अपंग व्यक्तियों के लिए आर्टिफिशियल जॉइंट नी तथा फूट के डिजाइन एवं विकास के लिए इसरो के साथ पी डी यू आई पी पी एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य संस्थागत गठजोड़:

संस्था ने अपने विद्यार्थियों के नियमित इंजीनियरिंग तथा मेडिकल कक्षाओं के लिए एन एस आई टी के साथ अपने गठजोड़ का नवीकरण किया।

नियोजन का ब्यौरा :

प्लेस किए गए विद्यार्थियों की संख्या एवं प्रतिशत : बी ओ टी 100% एवं बी पी ओ 92%
कैंपस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या :बी ओ टी : 14 एवं बी पी ओ 28

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप;

प्रोफेशनल एवं फैकल्टीज को इनके अभिगम्य कार्यकलाप के द्वारा अपन व्यक्तियों के पुनर्वास कैंपों प्रतिनियुक्त किया गया तथा कुल दो पुनर्वास कैंपों का संचालन देश भर के शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक्स अप्लायंसेज वितरित करने के लिए किया गया। फरवरी 2019 माह में हरिद्वार में कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्तियों के लिए टीम सदस्यों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न किए गए आकलन।

पुस्तकालय विकास

कुल बजट (2018-19): रुपये 22500000/-; पुस्तकों की कुल संख्या: 1403; प्रोफेशनल या ननप्रोफेशनल पुस्तकों पर व्यय: रुपए 1085342/- प्रोफेशनल विदेशी जर्नल (सब्सक्रिप्शन) की संख्या:11 ; जर्नल पर व्यय: रुपए 359436/-; पुस्तकालय यूजर्स: 26714 पुस्तकालय नियमों के अनुसार अपने यूजर्स को एलीफेंट सर्विस, इंटरनेट, प्रिंटआउट एवं फोटोग्राफी सुविधा उपलब्ध करा रहा है।

संकाय संख्या: कुल स्थाई; (बीपीटी) 03 एवं (बीओटी) 15 एवं बीपीओ तथा एमपीवो 11

वित्तीय आबंटन एवं उपयोग (अन ऑडिटेड)

संस्वीकृत अनुदान: रुपए 2872.80 लाख

उपयोग किया गया अनुदान: रुपए 2682.38 लाख

***

राजधानी महाविद्यालय

प्रमुख क्रियाकलाप एवं उपलब्धियां

वर्ष 2018- 2019 अकादमीक एवं करिकुलर उपलब्धियों की दृष्टि से एक ऐतिहासिक वर्ष रहा है। महाविद्यालय को सीजीपीए 3.00 प्राप्त करने पर एन ए ए सी द्वारा आकलन कर बी++ ग्रेड दिया गया है। महाविद्यालय ने एकेडमिक के साथ साथ अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टॉफ एवं विद्यार्थियों के महत्वपूर्ण व्यस्तताओं के लिए अवसंरचनाओ की आवश्यकता को पूरा करने के लिए प्रयास किया है तथा इस प्रकार वर्तमान अवसंरचनाओं में वृहद स्तर पर अभिवृद्धि कर इसे अधिक दक्ष बनाया जा सके। ईश्वर अनेक व्याख्यान, वर्कशॉप ,सेमिनार एवं सम्मेलन आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने ना केवल एकेडमिक क्षेत्रों में उत्कृष्टता दर्शाया है बल्कि एक्स्ट्रा करिकुलर एवं स्पोर्ट्स एक्टिविटीज में भी उभरते स्टार की तरह सामने आए हैं। वर्ष 2019 के अल्लाह हू अकबर त्रेयाम्बकम का स्ट्रीट प्ले प्रोडक्शन ने भारत में आतंकवाद की स्थिति को दर्शाया तथा दिल्ली सर्किट में लोगों की प्रशंसा जीती।

डिबेटिंग सोसायटी, चैतन्य ने विचार मंथन 2018 वार्षिक नेशनल कन्वेंशनल डिबेट का आयोजन किया जिसका विषय था क्या भारत ने गांधी जी के साथ न्याय किया।

सम्मान/गौरव

डॉ. जसवीर त्यागी को 03 मार्च 2019 को अमर भारतीय साहित्य संस्कृति संस्थान गाजियाबाद में एक कवि के रूप में आमंत्रित किया गया।

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद शुक्ला को दिल्ली की राष्ट्रीय राजधानी सरकार द्वारा श्रमविषयों पर एक विशेषक के रूप में ईएसआईसी के बोर्ड सदस्य के रूप में नामित किया गया।

डॉ. उमेश ने किंग्स कॉलेज लंदन के मैथमेटिक्स विभाग के बेस्ट टीचिंग असिस्टेंट रनर अप पुरस्कार को प्राप्त किया।

डॉ. आर डी शर्मा को 15-16 मार्च, 2019 को एकदिवसीय वर्कशॉप के लिए गुवाहाटी विश्वविद्यालय के मैथमेटिक्स विभाग द्वारा रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. रचना सेठी सितंबर 2018 में अंग्रेजी प्रोफेशनल के एक स्वायत्त रजिस्टर निकाय द्वारा फॉरटेल (फोरम फॉर टीचर्स ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर) का प्रेसिडेंट चुने गए।

डॉ. बरुण कुमार मिश्रा को अंग्रेजी भाषा में कार्य प्रवीणता हेतु एयर ट्रेफिक कंट्रोलर्स को प्रशिक्षित एवं मूल्यांकन करने हेतु भारतीय विमानण प्राधिकरण द्वारा एविएशन इंग्लिश विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

छात्र एवं डिस्ट्रक्शनस

हेमंत यादव, बी.ए.(प्रोग्राम) द्वितीय वर्ष, ने 21-28 फरवरी, 2019 के दौरान जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, उदयपुर संस्थान में संपन्न 75 किलो ग्राम वेट कैटेगरी में अखिल भारतीय यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग मेन टूर्नामेंट 2019 में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

रामभरोस बी.ए.(ऑनर्स) इतिहास, द्वितीय वर्ष ने राष्ट्रीय जूडो चैंपियनशिप 2018 में कांस्य पदक जीता।

महाविद्यालय के ट्रायम्कम सोसायटी द्वारा तैयार जय हिंद प्ले ने आई.आई.टी. रुड़की के थामसको’18, नॉर्थकेप यूनिवर्सिटी के मोमेंटम’18 एवं कालिंदी महाविद्यालय के मित्राक्षर’18 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सिमरन, रसायन शास्त्र ने बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष में डॉ. एन.के. आनंद मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया।

नवनीत आनंद बी.एस.सी.(ऑनर्स) भौतिकशास्त्र, वर्ष ने डॉ. एस.एस. राव मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया।

राहुल डोभाल, बी.एस.सी.(रसायन शास्त्र) प्रथम वर्ष को श्रीमती कृष्णावती गौतम के साथ पुरस्कृत किया गया।

प्रकाशन

घोष, आर., लाथा, के., गुप्ता, एस. (2018). इंटरेस्ट रेट सैंसटिविटी ऑफ नॉन-बैंकिंग फाइनैंसियल सेक्टर इन इंडिया। विकल्पा: द जनरल फॉर डिसीजन मेकरस, 43(3), 152-170.

गोपाल, के., राजा, एम.ए., गुप्ता, डी.एन., अविनाश, के., शर्मा, एस.सी. (2018). लेजर-पल्स शेप इफेक्टस ऑन मैग्नेटिक फील्ड जनरेशन इन अंडरडेन्स प्लाज्मास। इंडियन जनरल ऑफ फिजिक्स, 92(7), 919- 925.

कौशिक, आर., खान, आई., सैनी, एम.के., सदाकेन, एम.(2018). सिंथेसिस एंड कैरक्टराइजेशन ऑफ कार्बोनेट एनकैप्सूलेटेड उहतूहबीउहम एंड ईटरीउहम कंटेनिंग पोलिओक्सोतुंग्स्टटेस। एक्टा क्रिस्ट., सी74,1355-1361.

कुमार, एस. (2018). परफॉर्मेंस एनालिसिस ऑफ इमेज स्टेक्नोग्राफी स्कीमस बेस्ड ऑन डिफरेंट ट्रांसफार्म डोमेनस. इंटरनेशनल जनरल ऑफ मैनेजमेंट, टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग(आईजेएमटीई), 8,(X), 2810-2828.

लंब, एस., लंब, एस., प्रसाद, वी., सुगनी, डी.(2018)। इफेक्ट ऑफ इलेक्ट्रिक ऑन थर्मोडायनेमिक प्रॉपर्टीज ऑफ कन्फाइंड मॉलिक्यूलस। केमिकल फिजिक्सस 510, 37-46.

सीलोटिया, पी., गिरी, आर., प्रसाद, वी., (2018)। स्पेक्ट्रा ऑफ डिस्टोर्टेड क्वांटम रिंग इन एक्सटर्नल फील्ड्स, इंडियन जनरल ऑफ प्योर एंड अप्लाइड फिजिक्स, 56, 941-948.

सेठी, आर.(2018). आउट ऑफ प्लेस वुमन: एक्सप्लोरिंग जेंडरेड स्पेटिलिटी इन दिल्ली। राऊटलेज जनरल ऑफ पोस्टकॉलोनियल राइटिंग, 54(3). 398-410.

शर्मा, आर.डी. (2018). ड्यूल टोपोलॉजीज फॉर फंक्शन स्पेसस ओवर (Y,X). इंटरनेशनल जनरल "साइंटिफिक स्टडीज एंड रिसर्च सीरीज" मैथमेटिकल एंड इनफॉर्मेटिक्स, 28, 41-52.

जर्नल

संपादक बोर्ड के संपादक/ सदस्य के रूप में सेवा देने वाले महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 2

आयोजित किया गया सेमिनार

10-11 जनवरी 2019 को राजधानी महाविद्यालय में "विमेन एंपावरमेंट इन इंडिया: हिस्ट्री एंड पॉलिटिक्स" विषय पर भारतीय समाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा स्पॉन्सर्ड एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन लेक्चर सीरीज कमेटी द्वारा किया गया।

27 फरवरी 2019 को एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन "फ्रॉम टेक्स्ट टू परफॉर्मेंस ड्रामा इन क्लास रूम एंड बियोंड" पर अंग्रेजी साहित्य संघ द्वारा किया गया।

समान अवसर प्रकोष्ठ ने 6 मार्च 2019 को "डायमेंशन्स ऑफ डिसेबिलिटी स्टडीज: इवोल्यूशन एंड प्रोस्पेक्ट्स" प्रोस्पेक्टर्स पर एक अन्तवृस्यक नेशनल सेमिनार का आयोजन किया।

मैथमेटिक्स विभाग ने 12-18 फरवरी 2019 को प्रोफेसर शुभेंदु घोष, अध्यक्ष एवं प्रोफेसर, सांख्यिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "मैथमेटिक्स एंड म्यूजिक" पर एक व्याख्यान परामर्श आयोजित किया।

आयोजित सम्मेलन

पर्यावरण एवं संबंधित विषयक कमेटी ने पर्यावरण अध्ययन विभाग से मिलकर 15-16 फरवरी, 2019 को "इमर्जिंग चैलेंजज ऑफ एनवायरमेंटल हेल्थ, सोसाइटी एवं नीति 2019" पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

सेमिनार/ सम्मेलन में प्रस्तुति

सुनील बाबू ने 1-3 नवंबर, 2018 को वर्ल्ड सेंटर फॉर विमेन स्टडीज, न्यूयॉर्क सिटी, यूएसए द्वारा आयोजित 4था वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस ऑन विमेन्स स्टडीज में "जेंडर इक्वलिटी अनलॉक्स द पावर ऑफ नेशन्स" विषय एक पेपर प्रस्तुत किया।

सच्चिदानंद झा ने 16-17 फरवरी 2019 को जॉर्जिया साउदर्न यूनिवर्सिटी, जॉर्जिया, यूएसए द्वारा सुविधा प्राप्त ब्रिटिश कॉमनवेल्थ एंड पोस्टकॉलोनियल स्टडीज कॉन्फ्रेंस मे "गांधी एंड इंडियन पोस्टकॉलोनियल मोमेंट" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुमन कुमार ने 16 मार्च, 2019 को आर.के.एस.डी (पी.जी.) महाविद्यालय, कैथल, हरियाणा में आयोजित "कश्मीर प्रॉब्लम: द वे फॉरवर्ड" पर एक दिवसीय सेमिनार में " आर्टिकल 35ए तथा जम्मू एवं कश्मीर" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सोनिया लम्ब ने 14-16 फरवरी, 2019 को जेपी इंस्टिट्यूट ऑफ़ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा, के डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स एंड मैटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग, में फोटोनिक्स, मेटामैटेरियल एवं प्लास्मोनिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लेजर वैकफील्ड इलेक्ट्रॉन एकक्सरलेसन बाइ शेपड लेजर पल्स इन प्लाज्माज" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

रचना सेठी ने 22 जनवरी, 2019 यू.पी.एस.ए(यूनाइटेड प्रोफेशनल एंड स्कॉलर्स फॉर एक्शन) तथा राजधानी महाविद्यालय द्वारा आयोजित भारत में साहित्य, राष्ट्रवाद एवं राजनीति: उभरती प्रवृतियां पर राष्ट्रीय सेमिनार में "एक्सप्लोरिंग पॉलिटिक्स एंड मोनुमेंटालिटी थ्रो कंटेंपररी लिटरेचर" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

अदिती शर्मा ने 1 मार्च 2019 कोई जामिया मिलिया इस्लामिया के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित "हिंदी साहित्य में वर्तमान: समाज, संस्कृति और राजनीति" पर एक राष्ट्रीय सेमिनार में " सोशल रियलिटी इन रामदास मिश्राज "हॉक्स पॉक्स" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

आरती रस्तोगी ने 22 जनवरी 2019 को यूनाइटेड प्रोफेशनल प्रोफेशनलस एंड स्कॉलर फॉर एक्शन(यूपीएसए) तथा राजधानी महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "भारत में साहित्य, राष्ट्रवाद एवं राजनीति: उभरते स्वरूप" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

चयनित विद्यार्थियों की संख्या एवं प्रतिशत: 165
कैंपस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 45

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

एनएसएस यूनिट पूरे वर्ष विविध प्रोग्रामों के साथ क्रियाशील रही, जैसे महाविद्यालय कैंपस क्लीनिंग, स्वच्छता पखवाड़ा, केरला फ्लड रिलीफ कलेक्शन ड्राइव तथा स्लम एरिया डेवलपमेंट, ब्लड बॉन्ड विद्यार्थियों का एक ब्लड डोनर ग्रुप तथा प्रत्येक नजदीक केस फिल्म के बच्चों को प्रदान करने का भाग लेता है। 5 जून 2018 को

एन.सी.सी द्वारा एक पौधा रोपण ड्राइव भी चलाया गया। डिबेटिंग सोसायटी ने विचार मंथन 2018 आयोजित किया। वार्षिक राशि कन्वेंशनल डिबेट, "क्या भारत ने गांधीजी के साथ न्याय किया?" 2 नवंबर 2018 को आयोजित किया गया। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कमेटी ने शिक्षण एवं गैर शिक्षण स्टाफ के लिए 6 फरवरी 2019 को कालरा हॉस्पिटल, कीर्तिनगर से मिलकर एक नि:शुल्क दांत जांच प्रोग्राम का आयोजन किया। बीए प्रोग्राम सोसाइटी ने 26 अक्तूबर 2019 को " मीडिया को जानो" पर एक व्याख्यान का आयोजन किया।

महाविद्यालय पुस्तकालय में विविध विषयों पर 1.35 लाख विद्वता पुस्तकें है तथा 33 समाचार पत्र एवं करीब 55 मैगजीन एवं जनरल मंगाती है। यह यूजीसी के इन्फोसेट के एन-लिस्ट का भी सदस्य है जिसके द्वारा पुस्तकालय के यूजर्स रिमोट लॉगइन सुविधा के द्वारा 6000+ ई. जनरल्स तथा 31,35,000+ ई. बुक्स तक पहुंच सकते हैं। पुस्तकालय का अध्ययन कक्ष पूरी तरह वातानुकूलित है तथा पुस्तकालय मोड ऑटोमेटिक है। एक विशेष वातानुकूलित रीडिंग, कॉर्नर नि:शुल्क विद्यार्थियों तथा शिक्षण स्टाफ के लिए बनाया गया है जहां शब्दकोश पुस्तके उपलब्ध है तथा हाई स्पीड इंटरनेट है।

संकाय संख्या बल:

कुल स्थाई: 90

कुल तदर्थ: 70

वित्तीय आबंटन एवं उपयोग

संस्वीकृत अनुदान: रुपए 366592704(यूजीसी) + 3700000(रा॰रा॰ संघ राज्य दिल्ली)

उपयोग किया गया अनुदान: रुपए 366592704(यूजीसी) + 3700000(रा॰रा॰ संघ राज्य दिल्ली)

***

राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय

प्रमुख क्रियाकलापें एवं उपलब्धियां

राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय गत 72 वर्षों से उत्तम नर्सिंग शिक्षा प्रदान कर रहा है महाविद्यालय चार नर्सिंग प्रोग्राम तथा बी.एस.सी(आनर्स) नर्सिंग, एम.एस.सी नर्सिंग तथा एम.फिल. एवं पीएच॰डी(नर्सिंग) प्रदान करता है। सेमेस्टर प्रणाली के अंतर्गत बी.एस.सी(आनर्स) नर्सिंग ऐंव एम.एस.सी नर्सिंग दोनों के लिए संसोधित करिकुलम सफलतापूर्वक चला रहा है। वस्तु पूरक सामुदायिक अनुभव तथा प्राइमरी हैल्थ केयर प्रदान करने के लिए आर.एच.टी.सी. नजफ़गढ़ के अंतर्गत छावला गाँव के एक ग्रामीण शिक्षण केंद महाविद्यालय के पास हैं। नर्सस के लिए नेशनल इमरजेनसी लाइफ सपोर्ट पर मॉड्यूलस तैयार करने के लिए महाविद्यालय को स्वस्थ्य एंवपरिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नामित किया गया है। महाविद्यालय ने विविध प्रोग्राम जैसे नेशनल ऑर्गन डोनेशन दिवस, विश्व किडनी दिवस, पूर्ण स्वास्थ्य मेला आदि में भाग लिया। महाविद्यालय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सानिध्य में तथा विभिन्न विविध हॉस्पिटल, स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य सहायक एजेंसियों के साथ कार्य करता है।

डॉ. हरिंदरजीत गोयल प्रधानाचार्य रेकन ने जिनेवा में एक व्यापार बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

डॉ. डेज़ी थॉमस ट्यूटर, रेकन ने प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली नर्सिंग परिषद् के रजिस्ट्रार के रूप में पदभार ग्रहण किया।

श्री उषा फूलारा, संकाय Rakon का चुनाव राज्य एस.एन.ए सलाहकार के रूप में हुआ।

जबलपुर के कुछ चुने गए हॉस्पिटल में लाइफ स्कोर्स की गुणवत्ता के संदर्भ में "कैंसर रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का महत्व" पर नियोजित शिक्षण प्रोग्राम के प्रभाव के आकलन हेतु एक अध्ययन

फिजियोलॉजी पैरामीटर के आधार पर नर्सिंग इंटरवेंशनस के प्रभाव तथा दिल्ली के कुछ चुने गए हॉस्पिटल में एब्डोमिनल रोगियों के बीच कुछ पोस्ट ऑपरेटिव परिणामों का मूल्यांकन करने हेतु एक अध्ययन।

कुछ चुने हुए हरियाणा के महाविद्यालयों में ज्ञान एवं प्रैक्टिस को देखते हुए एडोलिसेंट लड़कियों के बीच एडोलिसेंट रीप्रोडक्टिव हेल्थ, प्रॉब्लमस एंड प्रीवेंशनपर हेल्थ पैकेट के प्रभाव को विकसित एवं आकलन करना।

कुछ चुने हुए उत्तराखंड के हॉस्पिटलों में डायबिटीजमेल मेलिटस वाले बच्चों में नॉलेज एवं प्रैक्टिस को देखते हुए ब्लड ग्लूकोस लेवल तथा सेल्फ एडमिन्सट्रेशन पर एक एजुकेशनल पैकेज के प्रभाव का मूल्यांकन करना।

एल्कोहलिक रोगियों की पत्नियों के स्ट्रेस एवं अपनाए गए उपायों तथा दिल्ली के चुने गए हॉस्पिटलों में एल्कोहलिक रोगियों की पत्नियों के लिए प्रबंधन पर नियोजित टीचिंग प्रोग्राम के प्रभाव के मूल्यांकन का अध्ययन।

घर पर जलने के बाद की समस्याओं पर रोग एवं प्रबंधन पर स्ट्रक्चर्ड टीचिंग प्रोग्राम के प्रभाव का, लाइफ, जानकारी एवं सफदरजंग हॉस्पिटल, दिल्ली में जलने के बाद रोगियों के लिए अपनाए गए उपायों के आधार पर मूल्यांकन का एक अध्ययन।

आयोजित किए गए सम्मेलन

25 फरवरी से 1 मार्च 2019 तक "भारत में नर्सों की उभरती भूमिका" पर सम्मेलन

11 से 15 मार्च 2019 तक "हीलिंग टच इन क्वालिटी पेशेंट केयर" पर सम्मेलन

सेमिनार/ सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

हरिंदरजीत गोयल ने मार्च 2019 में "एक्सप्लोरिंग नोवल प्रोस्पेक्टर्स इन एडवांस एडवांसड नर्सिंग एंड रिसर्च" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

हरिंदरजीत ने मई 2018 में जिनेवा में संपन्न "अपस्केलिंग नर्सिंग एंड मिडवाइफ एजुकेशन इन इंडिया" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

मिताली विश्वास ने "इमर्जिंग ट्रेंड्स इन साइकाइट्रिक नर्सिंग" विषय पर एक पेपर फरवरी 2019 माह में प्रस्तुत किया।

विस्तार एवं अधिगम्य कार्यकलाप

ग्रामीण शिक्षण केंद्र की स्थापना 1950 में विद्यार्थियों को वस्तुपरक ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से की गई। उसमें करीब 23000 की जनसंख्या शामिल है तथा यह महाविद्यालय से 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। केंद्र समुदाय को एक एकीकृत वृहद स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण की सेवा प्रदान करता है। ग्रामीण इकाई के विद्यार्थियों एवं स्टाफ द्वारा आर.एच.टी.सी से मिलकर एम.सी.एच सेवाएं, परिवार योजना प्रशिक्षण, परिवार कल्याण सेवाएं, पौष्टिकता, किशोर लड़कियों के स्वास्थ्य स्वास्थ्य शिक्षण योजना पर विशेषजो दिया गया। स्टाफ तथा विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना जैसे मलेरिया नियंत्रण प्रोग्राम, डेंगू नियंत्रण प्रोग्राम संशोधित राष्ट्रीय क्षयरोग नियंत्रण प्रोग्राम, एड्स नियंत्रण प्रोग्राम, डायरिया रोग नियंत्रण तथा सघन पल्स पोलियो प्रोग्राम आदि में भाग लिया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय में कुल 20381 पुस्तकें हैं; विदेशी जनरल: 18; भारतीय जनरल: 10; समाचार पत्र: 06;

मैगजीन: 07; इस अवधि के दौरान पुस्तकों एवं जनरल पर कुल वयय रुपए 14,30,000.00 थे।

संकाय संख्या बल

कुल संकाय संख्या बल: 33

वित्तीय आबंटन एवं उपयोग

कुल संस्वीकृत: रुपए 13,46.00,000.00 (मुख्य शीर्ष 2210) एवं रुपए 30,39,00,000.00 (मुख्य शीर्ष के अंतर्गत 4210 (पूंजी)

***

रामानुजन महाविद्यालय

प्रमुख क्रियाकलाप एवं उपलब्धियां

महाविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान द्वारा बिल्डिंग निर्माण हेतु कुल रुपए 10 करोड़ों संस्वीकृत किए गए। महाविद्यालय ने एम.सी.आई. के साथ शैक्षणिक सहयोग हेतु एक करार पर हस्ताक्षर किया है। मेनेजमेंट सेंटर इन्सब्रक, ऑस्ट्रेलिया के साथ 5 वर्षों के लिए एम.ओ.यू. यह स्वीकार करते हुए कि उससे दोनों संस्थानों को लाभ पहुंचेगा तथा अपने संस्थान के हित एवं योग्यता के भीतर दोनों शिक्षण एकेडमिक रिसर्च एंड ऑपरेशन्स विद्यार्थियों, स्टाफो तथा ज्ञान के एक्सचेंज में सहयोग करेंगे। 2018-19 के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा पोषित द पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग(पीएमएमएमएनएमएमटीटी) के अंतर्गत टीचर लर्निंग सेंटर(टीएलसी) ने 23 प्रोग्रामों का संचालन कर 1000 से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया। एच.आर.डी मंत्रालय ने तीन विषयों- मानव अधिकार, पर्यावरण एवं नीतिशास्त्र के लिए राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के रूप में रामानुजन महाविद्यालय को अधिसूचित किया। एम.एच.आर.डी. द्वारा किया गया पहल शिक्षण में वार्षिक पुनश्चर्या कार्यक्रम के अंतर्गत लिया जाता है।

सम्मान/गौरव

डॉ. अश्विनी यादव, अप्लाइड मनोविज्ञान विभाग, डॉ. श्रुति जैन, अंग्रेजी विभाग तथा मिस जयरुनिशा, फिलॉसफी विभाग ने इस वर्ष पी.एच.डी. डिग्री प्राप्त किया।

मिस शिप्रा यादव, राजनीति विज्ञान विभाग तथा मिस सोनिया मुदेल, वाणिज्य विभाग ने इस वर्ष एम.फिल. डिग्री प्राप्त किया।

डॉ. निर्मला सामंता को 7 मार्च 2019 को अंग्रेजी विभाग, फैकल्टी ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड लैंग्वेजेस के लिए ट्रांसलेटिंग प्रेमचंद पर एसएपी-डीआरएस परियोजना के लिए अनुवाद वर्कशॉप हेतु रिसोर्स व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. विभाष कुमार ने 6 से 7 फरवरी 2019 को हो चि मिन्ह कॉन्फ्रेंस रूम, ए/एस, जामिया मिलिया इस्लामिया में एम.एम.ए.जे. एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित दो दिवसीय नेशनल रिसर्च मेथाडोलॉजी वर्कशॉप में 7 फरवरी 2019 रिसोर्स व्यक्ति के रूप में ”एकेडमिक इंटीग्रिटी एंड अनइंटेंशनल प्लेगियरिजम” पर 2 सत्र का संचालन किया।

अनुराग सोनी, बी.एम.एस., तृतीय वर्ष को बाबसुन कॉलेज, मस्कटस, यूएसए में वर्ष 2019-20 के लिए मास्टर ऑफ साइंस इन मैनेजमेंट इन एंटरप्रेन्योरशिप में प्रवेश मिला।

शिवरंजनी, द म्यूजिक सोसाइटी ऑफ रामानुजन महाविद्यालय ने सेमीक्लासिकल ग्रुप सिंगिंग प्रतियोगिता में भास्कराचार्य महाविद्यालय में तथा क्लासिकल ग्रुप सिंगिंग में भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

बत्रा, के., कुमार, वी. (2018). इंडियन इंडिविजुअल इन्वेस्टर बिहेवियर: ए मॉडल बेस्ड स्टडी टू मीट सस्टेनेबल एंड इंक्लूसिव ग्रोथ. वर्ल्ड रिव्यू ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप, मैनेजमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, 14(6), 705-716.

चो, एन. इ., कुमार, एस., कुमार, वी., रविचंद्रन, वी. (2018). डिफरेंशियल सबोर्डिनेशन एंड रेडियस एस्टीमेट फॉर स्टारलाइक फंक्शन एसोसिएटेड विद द बूथ लेमनिस्केट. तुर्किश जनरल ऑफ मैथमेटिक्स, 42(3), 1380-1399.

चो, एन. इ., कुमार, वी., कुमार एस.एस., रविचंद्रन वी. (2019) रेडियस प्रॉब्लमस फॉर स्टारलाइक फंक्शनस एसोसिएटेड विद द सिने फंक्शन. बुलेटिन ऑफ द ईरानियन मैथमेटिकल सोसाइटी, 45(1), 213-232.

गुप्ता, पी., सिंह, आर. (2018) डोमिनेशन इन ग्राफोडली कवर्ड ग्राफस: लिस्ट-कर्नल ग्राफोडल ग्राफस II. AKCE इंटरनेशनल जनरल ऑफ ग्राफस एंड कॉम्बिनैटोरिक्स, 15(1), 63-71.

गुप्ता, आर., चौधरी, ए., जयसवाल, एस., सिंह, बी. (2018). क्लासिकल एंड बेयसियन एनालिसिस ऑफ ए टू आईडेंटिकल यूनिट स्टैंडबाय सिस्टम विथ फॉल्ट डिटेक्शन, माइनर एंड मेजर रिपेयरस अंडर ज्योमैट्रिक डिस्ट्रीब्यूशनस. इंटरनेशनल जनरल ऑफ एग्रीकल्चर एंड स्टैटिसटिकल साइंसस, 14(2), 791-801.

कुमारी, पी., नयन, आर., अग्रवाल, एस.पी., बसवानी, जी. (2019). रिथिंकिंग टीचर एजुकेशन प्रोग्रामस फॉर इंक्लूसिव क्लासरूमस: इसूज़ एंड चैलेंजस इन इंडिया. इंटरनेशनल जनरल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड एजुकेशन टेक्नोलॉजी, 9(2), 143-148.

मुखर्जी, टी., सिंह, एके., सेनापति, डी. (2019). परफॉर्मेंस एवोल्यूशन ऑफ वायरलेस कम्युनिकेशन

सिस्टमस ओवर वेबुल/q-लोगनोरमल शैडोड फेडिंग यूजिंग टसालिस एंट्रॉपी फ्रेमवर्क. वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशनस, 1-15.

पार्क, जे.एच., कुमार, वी., चो, एन. (2019). शार्प कोफिसियन्ट एस्टीमेटस फॉर नॉन बिजलेविक फंक्शनस. जनरल ऑफ कंप्यूटर एनालिसिस एंड एप्लीकेशनस, 27(7), 1103-1112.

यादव, डी.के., शुक्ला, ए.के., तोमर, एस., कुमार, बी. (2018). प्रिडिक्टिव ऐस्टीमेशन ऑफ फाईनाइट पॉपुलेशन

मीन यूजिंग कोफिसियन्ट ऑफ कुर्तोसिस एंड मीडियन ऑग्ज़ीलियरी वेरिएबल अंडर सिंपल रैंडम सैंपलिंग स्कीम. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैथमेटिकल आर्काइव, 9(5), 137-143.

यादव, एन. (2018). एल्डरली पीपल डोंट प्रेफर टू क्लेम देयर मेंटेनेंस फ्रॉम देयर चिल्ड्रन? इंटरनेशनल जनरल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 6(3), 159-166.

जर्नल

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित :01

संपादकीय बोर्ड में संपादक/ संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या:10

अनुसंधान परियोजनाएं

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, शीर्षक, "इंटरएक्टिव एंड इमर्सिव फ्रेमवर्क फॉर कल्चरल हेरिटेज": डॉक्टर निखिल कुमार राजपूत(पी आई), डॉ. अमित कुमार सिंह-को) (पीआई, डॉ. विपिन राठी(पीआई-को)

दिल्ली के पांच विश्वविद्यालय संतोषजनक प्रगति के लिए स्टार इनोवेशन परियोजना को स्पौंसोर किया है तथा यह अपने तीसरे वर्ष में हैं। (संस्वीकृत अनुदान: रुपए 8750000)

फाइल किए गए/मंजूर किए गए पैटेंट्स

श्री विपिन कुमार राठी (सहायक प्रोफ़ेसर, कंप्यूटर साइंस विभाग) द्वारा दिनांक: 17.10.2018 को फाइल किए गए पेटेंट, ब्लॉकचेन डिफाइंड multi-domain औरकैस्ट्रेटर- आवेदन संख्या 201811039422)

आयोजित किए गए सेमिनार/ वर्कशॉप:

9 अप्रैल से 5 मई 2018 के दौरान एक माह का फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम

23 से 29 मई 2018 के दौरान "रिसर्च मेथाडोलॉजी एंड स्टैटिसटिकल टूल्स पर फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम"

1 से 7 अगस्त 2018 के दौरान साहित्य, सिनेमा एवं इलाइड आर्ट्स में मल्टीमॉडलिटी मल्टीमीडियालिटी" पर फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

8 सितंबर 2018 को "वित्तीय प्रबंधन में स्प्रेडशीट के आवेदन पर 1 दिन का वर्कशॉप"

24 से 30 सितंबर2018 तक “आई.सी.टी इंटीग्रेटेड रिसर्च इन मैथमेटिकल साइंसेस” पर एक सप्ताह का फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

1 मार्च 2019 को ’कैरियर गाइडेंस प्रि एंप्लॉयमेंट अपॉर्चुनिटीज” पर एक कार्यशाला का संचालन डॉ. वंदना गंभीर चोपड़ा एक सॉफ्ट स्किल बिहेवियरल ट्रेनर एवं एक मनोवैज्ञानिक क्षेत्र के विद्वान द्वारा किया गया। उन्होंने वर्कशॉप को चार भागों में विभाजित किया: एटीट्यूड एंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, 21वीं सदी के लिए स्किल बिल्डिंग, ग्रुप चर्चा एवं साक्षात्कार पर मॉक सत्र तथा कैरियर एवेन्यूज एंड रोड आगे।

आयोजित सम्मेलन

19-21 दिसंबर 2018 के दौरान अप्लाइड मनोवैज्ञानिक विभाग द्वारा राष्ट्रीय मनोविज्ञान एकेडमी का 28वा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

कॉमर्स, मैनेजमेंट एवं कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा शंकर लाल ऑडिटोरियम नॉर्थ कैंपस था यूनिवर्सिटी कॉन्फ्रेंस सेंटर, नॉर्थ कैंपस में 23-24 फरवरी 2019 के दौरान फिनटेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन एंड क्राउडफंडिंग पर दो दिवसीय “ग्लोबल प्रिंटर कॉन्फ्रेंस” का आयोजन किया गया।

दर्शन शास्त्र, विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय ने दर्शन शास्त्र विभाग, रामानुजन महाविद्यालय के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के आर्टस फैकेल्टी में 22 मार्च 2019 को “बिल्डिंग ब्रिजेज बिटवीन लेटिन अमेरिकन फिलासफी एंड इंडियन फिलासफी’ पर एक अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस आयोजित किया।

सेमिनार/सममेलन में प्रस्तुति

आशीष कुमार शुक्ला ने दिसंबर 22-23, 2018 के दौरान होटल आई.बी.आई.एस. बैंकॉक में डी.बी.एम.ए. यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड ईस्टर्न शोर, यू.एस.ए., डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट, फ्रोस्टबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए एंड कॉलेज ऑफ बिजनेस, बोवी स्टेट यूनिवर्सिटी यू.एस.ए. द्वारा स्पॉन्सर्ड 2018 एम.टी.एम.आई. इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इमर्जिंग इश्यूज इन बिजनेस टेक्नोलॉजी एंड अप्लाइड साइंसेस में "जनरलाइजड क्लास ऑफ सेपरेट रिग्रेशन- टाइप एस्टीमेट फॉर द ऐस्टीमेशन ऑफ़ फाइनाइट पापुलेशन मीन" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सचिन तंवर ने दिसंबर 22-23, 2018 के दौरान होटल आईबीएस बैंकॉक थाईलैंड में डी.वी.एम.ए. यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड ईस्टर्न शोर, यू.एस.ए. डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट फ्रोस्टबर्ग यूनिवर्सिटी, यूएसए एंड कॉलेज ऑफ बिजनेस, बोवी स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा स्पॉन्सर्ड 2018 एम.टी.एम.आई. इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इमर्जिंग इश्यूज इन बिजनेस टेक्नोलॉजी एंड अप्लाइड साइंसेज में "ऐस्टीमेशन आफ पैरामीटर ऑफ मिक्सचर मॉडल टाइप-II प्रोग्रेसिव सेंसरिंग" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

नवाब सिंह ने 16 फरवरी 2019 को पी.जी.डीए.वी. इवनिंग महाविद्यालय में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार "हिंदी साहित्य और समकालीन विमर्श" में तमस: सांप्रदायिकता और हाशिए का समाज विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

नवाब सिंह ने 15-16 मार्च 2019 को माता सुंदरी महाविद्यालय फॉर विमेन में "सोस्यो कल्चरल स्टडी ऑफ एग्रीकल्चर" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में " कृषि संकट का यथार्थ और प्रेमचंद" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

निरुपमा यादव ने फर्स्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंटीग्रेटिंग ट्रेडिशनल इंडियन हीलिंग प्रैक्टिस प्रैक्टिसेज विद कंटेंपरेरी वेस्टर्न हेल्थ सिस्टम में "स्प्रिचुअलिटी एन अल्टरनेटिव टेक्निक टू डील विद मेंटल डिसऑर्डर्स, स्कोपिंग लिटरेचर रिव्यू" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

ईशा गुप्ता ने 13-15 दिसंबर, से यूनिवर्सिडेड कारलॉस III डी मेड्रिड, पेन द्वारा आयोजित 43ई सिंपोजियम डी ला एसोसिएशन इसपानौला डी इकोनोमिया - स्पेनिश इकोनामिक एसोसिएशन में पेपर प्रस्तुत किया।

अर्चना जमाटीया ने दर्शन विभाग ओसमानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद (2018) द्वारा आयोजित फिलॉस्फी पर राष्ट्रीय सेमिनार: द इंटरनल एवेकनर ऑफ ह्यूमैनिटी में "क्राइसिस इन द पोस्ट मॉडर्न सिविलाइजेशन विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

बृजेश कुमार ने दिसंबर 22-23 2018 के दौरान होटल आई.बी.आई.एस. बैंकॉक, थाईलैंड में डी.वी.एम.ए., यूनिवर्सिटी आफ मैरीलैंड ईस्टर्न-शोर यू.एस.ए. डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट फ्रास्टबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए एंड कॉलेज ऑफ बिजनेस, बोवी स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा स्पॉन्सर्ड 2018 एम.टी.एम.आई. इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इमर्जिंग इश्यूज इन बिजनेस टेक्नोलॉजी एंड अप्लाइड साइंसेज में "सेंसटिविटी एनालिसिस ऑफ सी- चार्ट इन टर्म्स ऑफ़ ओ.सी. एंड ए.आर.एल." विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

राजेश सिंह ने 03 से 05 दिसंबर 2018 के दौरान मैथमेटिक्स विभाग, एस.एस.एन. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई में संपन्न पॉलीटिकल कंप्यूटर साइंस एंड डिस्क्रीट मैथमेटिक्स (आईसीटीसीएसडीएम) पर "ऑन ग्राफोड़ियल लेंथ ऑफ़ ए ट्री इन टर्म्स ऑफ़ इट्स डायमीटर" विषय पर एक रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया।

सुमित नागपाल ने 22-23 फरवरी 2019 को मैथमेटिक्स विभाग, दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय, सिंपोजियम में "एन इंट्रोडक्शन टू यूनीवेलेंट हार्मोनिक मैपिंगस" विषय पर एक व्याख्यान परामर्श दिया।

हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यू.

डब्लू.सी.एल. मैनेजमेंट प्रा. लिमिटेड फरीदाबाद के साथ एम.ओ.यू.

यंग इंडियन कनफेडरेशन इंडियन इंडस्ट्रीज के साथ एम.ओ.यू.

एम.सी.आई. मैनेजमेंट सेंटर इन्साब्रक, ऑस्ट्रेलिया के साथ 5 वर्षों के लिए एम.ओ.यू. यह स्वीकार करते हुए कि इससे दोनों संस्थानों को लाभ पहुंचेगा तथा अपने संस्थान के हित एवं योग्यता के भीतर दोनों शिक्षण एकेडमिक रिसर्च एंड ऑपरेशन्स, छात्रो, स्टॉफो तथा ज्ञान के एक्सचेंज में सहयोग करेंगे।

मोहर ऑर्गेनिक्स के साथ एमओयू जिसके अंतर्गत मोहर ऑर्गेनिक्स मैं इंटर्नस के रूप में चार छात्र कार्य कर रहे हैं गर्ल छात्र को सैनिटरी नैपकिन प्रयोग के बारे में विभिन्न स्कूलों एवं महाविद्यालयों शिक्षा प्रदान करते हैं।

एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत छात्र

एम.सी.आई. मैनेजमेंट सेंटर इन्साब्रक तथा रामानुजन महाविद्यालय के बीच स्टूडेंट एक्सचेंज एग्रीमेंट के अनुसार एक्सचेंज प्रोग्राम में उन अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा जिन्होंने अपने संस्थान में टेरिटरी स्टडी के कम से कम 3 (अंडर ग्रेजुएट में) या दो सेमेस्टर ग्रेजुएट में पूरा किया हो। दोनों संस्थान प्रत्येक एकेडमिक वर्ष में एक दूसरे संस्थान को दो एक्सचेंज छात्र को भेजेगा।

नियोजन ब्यौरा

प्लेस किए गए विद्यार्थियों की संख्या: 326 छात्र

कैंपस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 42 कंपनी

विस्तार एवं अभिगम्य कार्यकलाप

“बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट” पर एक कार्यशाला गोविंदपुरी स्लम के विद्यार्थियों के लिए एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अक्तूबर 2018 माह में रामानुजन महाविद्यालय की पर्यावरण सोसाइटी “टीएटीवीए” के सहयोग से एक स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। एक दस दिवसीय सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय का एन.एस.एस. यूनिट ने कालकाजी मंदिर, नई दिल्ली में लापता बच्चे सहायता डेस्क के साथ सहयोग कर सेवा प्रदान किया। रामानुजन महाविद्यालय के एनएसएस यूनिट ने महाविद्यालय कैंपस में 6 फरवरी, 2019 को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

नए बिल्डिंग के पास एयर कंडीशन अध्ययन कक्ष एवं वाई-फाई के साथ एक नया पुस्तकालय का जगह बनाया गया। फोल्डेबल अलमीरा को बढ़ाकर पुस्तकालय स्टॉक हॉल में अतिरिक्त भंडारण क्षमता में वृद्धि की गई है। पुस्तकालय ऑटोमेशन पैकेज को ओपन सोर्स इंटरनेशनल लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर केओएचए से अपडेट किया गया है। महाविद्यालय पुस्तकालय में एडवांस सर्च फैसिलिटी के साथ e-रिसोर्सेज ओपीएसी के आधुनिक वेब आधारित डिलीवरी एवं डिस्कवरी प्रोविजन्स का प्रयोग किया जाता है। पुस्तकालय स्टाफ को उनकी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम में भेजा गया। 1318 टेक्स्ट बुक तथा 75 जर्नल नए शामिल किए गए हैं।

संकायों की संख्या

कुल संस्वीकृत संकाय: 110

वित्तीय आबंटन एवं उपयोग:

संस्वीकृत अनुदान: रुपए 204736000/-
उपयोग किया गया अनुदान: रुपए 223979557/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के 131वी जयंती के अवसर पर रामानुजन महाविद्यालय फाउंडेशन दिवस(22 दिसंबर 2018) के जन्म को याद करने के लिए मनाया गया था, इस अवसर पर प्रख्यात इतिहासकार प्रोफेशन महेश रंगाराजन, इतिहास प्रोफेसर एवं डीन एकेडमिक अफेयर, अशोक की विश्वविद्यालय ने छवां वार्षिक रामानुजन मेमोरियल लेक्चर दिया। रामानुजन महाविद्यालय ने 18 नवंबर 2018 को डायमंड जुबली कार्निवल मनाया। कार्निवल का विषय राष्ट्रपिता की 150वी जयंती को स्मरण करने के लिए कल्पित "गुजरात" था।

***

रामजस महाविद्यालय

प्रमुख क्रियाकलाप एवं उपलब्धियां

रामजस महाविद्यालय की एक प्रशंसनीय विरासत है तथागत वर्ष 2017 को महाविद्यालय के शताब्दी वर्ष को एक राष्ट्रीय जोश के साथ मनाया गया। वर्ष पूर्ण होने के सम्मान में राष्ट्रपति डॉ. प्रणब मुखर्जी ने रामजस महाविद्यालय के फोटो को दर्शाता एक डाक टिकट जारी किया। वर्षो से रामजस महाविद्यालय उत्कृष्टता का केंद्र बन गया है। महाविद्यालय विद्यार्थियों को चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि के हो सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली शिक्षा देने तथा मूल्यों, लिंगसमानता, तथा प्रोफेशनल नैतिकता पैदा करने के लिए प्रतिबंध है। छात्र एवं शिक्षकों ने अपने अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विद्यार्थियों ने ना केवल अध्ययन बल्कि स्पोर्टस एवं एक्स्ट्रा क्रियाकलापों में ख्याति लाकर हमें गौरवान्वित किया है। एकेडमिक वर्ल्ड 2018-19 में चर्चा लेक्चर एवं सेमिनार की श्रृंखला विविध क्षेत्रों में हजारों विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को ज्ञान देने वाले विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित की गई।

सम्मान/गौरव

डॉ. सुमनजीत, वाणिज्य विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय के फाउंडेशन दिवस पर सेवा में शिक्षकों का उत्कृष्ट पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. मोनिका पटेल, रसायन शास्त्र विभाग ने 28 नवंबर से 01 दिसंबर 2018 को सीएसआईआर-आईसीटी, हैदराबाद में आयोजित XIV जे- एनओएसटी 2018 में बेस्ट थीसिस अवार्ड प्राप्त किया।

डॉ. चारू डोगरा ने प्राणी विज्ञान विभाग में संकाय अचीवमेंट अवार्ड, 2018, रामजस महाविद्यालय प्राप्त किया।

विशिष्ट योग्यता वाले छात्र

आकांक्षा खोसला, बी.एस.सी. लाइफ साइंसेज ने सर्वोत्तम छात्र का प्रधानाचार्य अवार्ड जीता।
आकांक्षा सिंह, बी.एस.सी.(ऑनर्स), जूलॉजी उत्कृष्ट स्त्री छात्र का प्रधानाचार्य पदक प्राप्त किया।

भानु श्री, बी.कॉम. ने उत्कृष्ट छात्र का प्रधानाचार्य अवार्ड प्राप्त किया।

के.एस. संजना, बी.ए.(ऑनर्स), राजनीति विज्ञान ह्यूमैनिटीज(अर्थशास्त्र एवं वाणिज्य छोड़कर) में सबसे अच्छे छात्र का प्रोफेसर एंबेसडर प्रसाद स्मारक स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

शिवम कंसल, बी.कॉम(ऑनर्स) समाजिक विज्ञान(अर्थशास्त्र एवं वाणिज्य) में सबसे अच्छे छात्र का राय केदार नाथ स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

वैभव पांडे, बी.एस.सी.(ऑनर्स), मैथमेटिक्स ने विज्ञान में सबसे तेज छात्र का राय केदारनाथ स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

प्रकाशन

अग्निहोत्री, पी.के., मैती, पी.जे., द्विवेदी, के.के., एंड भट्ट, वी. (2018). आइसोलेशन ऑफ न्यूसेलीन प्रमोटर फ्रॉम होरदुम वल्गर एंड इट्स कैरक्टराइजेशन इन अरबइडॉ.प्सिस थालीआना: द इंटरनेशनल जनरल ऑफ प्लांट रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी 10(2),151-156.

चौधरी, बी. (2019). ए हैंडबुक ऑफ़ कॉमेडिक मेडिसिनल प्लांट्स यूज्ड इन आयुर्वेदा. दिल्ली, इंडिया: कोजो प्रेस. आईएसबीएन: 978-81-933805-7-4.

दास, डी.के. (2018). प्रोडक्टिविटी डायनॉमिक्स इन इमर्जिंग एंड डेवलप्ड कंट्रीज(ed). राऊटलेज, इंडिया.

कुमार, एस. (2018). Ed.एथनोवनस्पति विज्ञान. खंड 1 दिल्ली इंडिया, कोजो प्रेस, आईएसबीएन 978-81933805-4-3.

लाल, एस., फॉसेट, डी., रतन, एस., पोइनर्न, जी.इ.जे. एंड लाल, आर. (2019). चिकन गट माइक्रोबायोलॉजी एंड ह्यूमन हेल्थ: पास्ट सिनेरियो, करंट पर्सपेक्टिवस, एंड फ्यूचर एप्लीकेशनस: इंडियन जे. माइक्रोबायोलॉजी. http://doi.org/10.1007/s12088-019-00785-2.

शशि, जे.एम., कुमार सी.वी., मनी. बी., भारद्वाज, ए.आर., अग्रवाल, एम., कटियार-अग्रवाल, एस. (2019). आईडेंटिफिकेशन एंड कैरक्टराइजेशन ऑफ़ मिर्नास ड्यूरिंग लीफ सेंससिन इन राइस बाय हाई-थ्रोपुट सीक्वेंसिंग: इंडियन जनरल ऑफ प्लांट साइकोलॉजी 24(1):1-14. ऑनलाइन आईएसएसएन : 2662- 2548, प्रिंट आईएसएसएन 2662-253X.

पटेल, एम., वर्मा, ए.के., (2018). बेस्ट मेडिटेटेड ड्यूटेरेशन ऑफ ऑर्गेनिक मॉलिक्यूल: ए मैचा नीस्टिक इनसाइट: एसीएस ओमेगा, 3, 10612-10623.

आयोजित किये गाये सेमिनार

प्रोफेसर आर.के. भंडारी, चेयरमैन, फोरम ऑन डिजास्टर मिटिगेशन ऑफ द इंडियन नेशनल अकैडमी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मेंबर, नेशनल एडवाइजरी कमिटी ऑफ नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ने वनस्पति विभाग द्वारा 25 सितंबर 2018 को आयोजित “डेस्टिनेशन: डिजास्टर फ्री इंडिया” पर एक व्याख्यान परामर्श दिया।

डॉ. के. शारदा, प्रभारी सहयोग किशोर केयर सेंटर, बारा हिंदू राव हॉस्पिटल, दिल्ली ने विभाग द्वारा 9 अक्तूबर 2018 को वर्कशॉप का संचालन किया तथा किशोर विद्यार्थियों के लिए “अंडरस्टैंडिंग एडोलिसेंट बिहेवियर” पर एक व्याख्यान परामर्श दिया तथा डिप्रेशन इंपल्सिव बिहेवियर, आत्मसम्मान तथा जनरेशन गैप संबंधी विषयों को उठाया।

प्रोफेसर ए.जी. वेदेश्वर, भौतिक शास्त्र विभाग एवं एस्ट्रोफिजिक्स द्वारा 28 दिसंबर 2018 को आयोजित “द जर्नी रमन इफेक्ट” पर एक व्याख्यान परामर्श दिया गया।

डॉ. मनोज खन्ना, प्रधानाचार्य, रामजस महाविद्यालय भौतिकी विभाग द्वारा मार्च 15, 2019 को आयोजित "फेब्रिकेशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज" पर एक व्याख्यान परामर्श दिया।

प्रोफेशन निवेदिता मेनन, जे.एन.यू. ने दिनांक जनवरी 28, 2019 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "तीन तलाक की राजनीति" पर एक व्याख्यान परामर्श दिया गया।

आयोजित किये गयेसम्मेलन

महाविद्यालय ने फरवरी 2019 को "साइंस ऑफ कॉन्साइज़नेस: एक्सप्लोरिंग दी इंटरेक्शन बिटवीन बॉडी, माइंड एंड स्पिरिट" पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

महाविद्यालय में 13 एवं 14 फरवरी 2019 को "इमर्जिंग ग्रीन टेक्नोलॉजी एंड टेक्निकल टर्मिनोलॉजी" पर एक दो दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया।

महाविद्यालय ने 12 मार्च 2019 को एक दो दिवसीय कार्यशाला 'आयुर्वेदा: ए होलस्टिक अप्रोच टू हेल्थ एंड लोंगेविटी' पर आयोजित किया।

संस्कृत विभाग ने मार्च 15-16, 2019 को "संस्कृत लिटरेचर इन ग्लोबल पर्सपेक्टिव" पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

वनस्पति विज्ञान विभाग ने 27 मार्च, 2019 को 'रिसेंट ट्रेंड्स ऑफ रिसर्च इन मेडिकल प्लांट एंड अप्लाइड साइंसेज' पर एक नेशनल सेमिनार का आयोजन किया। प्रोफेसर तनुजा मनोज नेसारी, निदेशक अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली में मुख्य संबोधन किया।

सेमिनार/ कॉन्फ्रेंस प्रस्तुति

डॉ. भारती चौधरी एवं सुरेश कुमार ने 18-20 जुलाई 2018 से "माइक्रोप्रोपेगेशन ऑफ ए मेडिसिनली इंपॉर्टेंट प्लांट: बकोपा मोनेरी" इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मेडिकल प्लांटस एंड ड्रग डिस्कवरी में भाग लिया तथा प्रस्तुत किया।

डॉ. चारू डोगरा ने 26-27 जंबो 2018 को यंग साइंटिस्ट कॉलोकियम एट इंडियन नेटवर्क फॉर सॉयल कॉन्टेमिनेशन रिसर्च (आईएनएससीआर), इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस केआईआईटी, भुवनेश्वर, इंडिया(आईआईसी) मे एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉक्टर नीलू आनंद झा एवं प्रोफेसर विनोद कुमार ने 18-21 जनवरी 2019 के दौरान आयोजित " इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिप्रोडक्शन, एंडोक्रिनोलॉजी एवं डेवलपमेंट तथा 37वा एनुअल मीटिंग ऑफ द सोसाइटी फॉर रिपोर्ट बायोलॉजी एंड कंपैरेटिव एंडोक्रिनोलॉजी में "ट्रांस-जेनरेशनल इफेक्टस ऑफ कांस्टेंट लाइट एनवायरमेंट ऑन रिप्रोडक्शन एंड एसोसिएटेड बिहेवियर इन जेब्रा फींचेज़" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित किए गए विद्यार्थियों की संख्या एवं प्रतिशत: 40
कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या: 32

विस्तार एवं अभिगम्य कार्यकलाप

प्राणी विज्ञान विभाग 15, अक्तूबर 2015 को (डी.बी.टी महाविद्यालय के तत्वाधान में) बानी, हिमाचल प्रदेश में एक अभिगम्य कार्यकलाप टू बानी स्कूल इनोवेशन कैंप का आयोजन किया। वनस्पति विज्ञान विभाग ने 06 मार्च 2019 को (डी.बी.टी महाविद्यालय के तत्वाधान में)एक आउट अ प्रोग्राम टू अमर सिंह महाविद्यालय,

लाखोटी यूपी का आयोजन किया। प्राणी विज्ञान विभाग के 12 शिक्षकों एवं 30 विद्यार्थियों के एक ग्रुप ने प्राणी विज्ञान में विभिन्न प्रयोगों पर कक्षा IX तथा XI के करीब 450 विद्यार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

***

रामलाल आनंद महाविद्यालय

महाविद्यालय ने सीजीपीए 2.84 के साथ एनएएसी एक रेडिएशन का प्रथम चक्र पूर्ण किया। प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उनके मानवीय मूल्यों, नैतिकता जीवन कौशल पर एक सर्टिफाइड कोर्स ऑफर करते हुए मानवीय मूल्यों का एक नया केंद्र महाविद्यालय द्वारा आरंभ किया गया है। कौशल विकास पर तीन विज्ञापन निजावन ग्रुप ऑफ कंपनी के साथ मिलकर हॉस्पिटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट, हिंदी अनुवाद परिषद् के सहयोग से हिंदी अनुवाद, स्टेप अप एनालिटिक्स के सहयोग से डाटा एनालिटिक्स:एसक्यूएल, एडवांस एक्सल एंड आर. इस वर्ष सफलतापूर्वक संचालित किए गए। महाविद्यालय का एल्यूमिनी एसोसिएशन सोसायटी एक्ट के अंतर्गत औपचारिक रूप से रजिस्टर किया गया है तथा प्रथम एलुमनी मिलन आयोजित किया गया जिसमें करीब 120 एलुमनी ने भाग लिया।

एलुमनी ने स्वयं को एनपीटीईएल लोकल चैप्टर फॉर इनहैंड्स लर्निंग ऑफ स्टूडेंटस के रूप में दाखिल करवाया।

सम्मान/गौरव

डॉ. राकेश के गुप्ता, प्रधानाचार्य एवं डॉ. कुसुम आर गुप्ता, नोडल अधिकारी ने युवा मामलों एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पोषित महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा संसद उत्सव 2019 के अंतर्गत जिला यूथ संसद सफलतापूर्वक मनाने एवं आयोजित करने के लिए उन्हें प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किया किया।

डॉ. राकेश के गुप्ता, प्रधानाचार्य को अखिल भारतीय निबंध लेखन इवेंट की सफलता में उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत एवं भूटान के संयुक्त राष्ट्र सूचना केंद्र द्वारा प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

डॉ. देवेंद्र कुमार, इतिहास विभाग के 21-30 जनवरी 2019 के दौरान आयोजित “द मेकिंग ऑफ इंडिविजुअल एंड सोसायटी” पर विंटर वर्कशॉप के आयोजन में उपसमन्वयक के रूप में उत्कृष्ट योगदान के लिए निदेशक गांधी भवन दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

डॉ. नीरज कुमार शर्मा को बी.ए. प्रोग्राम विद कॉम्प एप्लीकेशन के सिलेबस एंड ढांचे को रिडिजाइन करने के लिए कंप्यूटर साइंस विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

डॉ. प्रभास कुमार पांडे को एशियन इंडिया आर एंड डी प्रपोजल केद द अर्थ एरिया, सीस्मोलॉजी, एटमॉस्फेरिक, मैरिन एंड सोशल साइंसेज आदि टेक्निकल इवोल्यूशन मॉनिटरिंग आदि में डीएसटी द्वारा गठित साइंटिफिक कमिटी में नामित किया गया।

विशिष्ट योग्यता वाले छात्र

शरबानी स्निग्धा, बीएससी(आनर्स), सूक्ष्म जीवविज्ञान द्वितीय ने सीजीपीए 9.57 के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय में टॉप किया।

उपेंद्र यादव ने एनपीटीईएल लिनियर एलजेबरा कोर्स में 93% मार्क्स के साथ ऑल इंडिया टॉपर पोजीशन प्राप्त किया।

इस वर्ष महाविद्यालय के 8 विद्यार्थियों को रुपए 80,000 का प्रतिष्ठित डी.एस.टी. इंस्पायर फैलोशिप प्रदान की गयी।

प्रिया कुमारी को आईआईटी मुंबई के प्रसिद्ध वार्षिक महोत्सव में पेंटिंग प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

बी.जे.एम.सी के श्रेया उत्तम को राष्ट्रीय वाद विवाद प्रतियोगिता में रुपए 11,000/- के तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया जिसमें 11 राज्यों से 54 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्रकाशन

डबास, एस.सी. (2019). मनोविश्लेषण और नई कविता. श्री नटराज प्रकाशन. नई दिल्ली, आईएसबीएन: 978-93-86113-20-7.

गुप्ता, वी., भाटिया, एस., सतपथी, ए., पाधि, टी. (2018). अडॉ.प्टिंग ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिसेस टू एडवोकेट चेंजज इन इंडियन पॉलिसी फ्रेमवर्क और फॉर स्मार्ट सिटीज इंप्लीमेंटेशनस. वाइट पेपर, IET 3rd एडिशन IoT इंडिया कांग्रेस.

कुमार, आर. (2019). बुक रिव्यू तंग गलियों से भी दिखता है आसमान. परीकथा, 78; 149. आईएसएसएन: 2320-1274.

कुमार, आर. (2019) किसानों का लॉन्ग मार्च और मीडिया. कथन, 81:194. आईएसएसएन: 38623/80.

कुमार, एन. (2017). रीडिंग गुरदयाल सिंह: ए रिफ्लेक्शन ऑन कास्ट एंड जेंडर इन पंजाब। स्टडीज इन ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसस, 24, 55-59, आईएसएसएन: 09721401.

लाल, आर., सैनी, एच.एस., पंत, एन.सी., मुज्तबा, एस) .आई.ए.2019). टेक्टोनिक्स इंड्यूस्ड स्विचिंग ऑफ प्रोवेनेन्स ड्यूरिंग द लेट क्वार्टरनरी एग्रेडेशन ऑफ द इंडस रिवर वैली, लद्दाख, इंडियाजिओसाइंस फ्रंटियरस ., 10(1), 285-297 ओपन एक्सेस. http://do/10.1016/j.gsf.2017.12.016/

प्रसाद, एस., दत्ता, एस., आदर्श, टी., दीवान, पी., अन्नपूर्णा, के., कुंडू, बी., विश्वास, के.जे.(2018)। इफेक्ट ऑफ बोरोन ऑक्साइड ऑन स्ट्रक्चरल, थर्मल, इन विट्रो बायोएक्टिविटी एंड एंटी बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज ऑफ बायोएक्टिव ग्लाससेस इन द बेस S53P4 कंपोजीशन, जनरल ऑफ नॉन-क्रिस्टलाइन सॉलिडस, 498, 204-215.

राज, टी.(2018) सिटीजन चार्टर ऐज़ ए टूल फॉर एंपावरमेंट एंड गवर्नेंस। द इंडियन जनरल ऑफ पॉलीटिकल साइंस, LXXIX(2); 480-486. आईएसएसएन: 0019-5510.

राउत, एस.पी.(2018) इंडिया ए ग्लोबल पावर: इट्स सक्सेस एंड कैलेंडर कैलेंडर चेलेंजेज़। द इंडियन जनरल ऑफ पॉलिटिकल साइंस, LXXIX(4); 872-78. आईएसएसएन: 0019-5510.

शर्मा, एस., कालरा, के.(2018). विमुद्रीकरण: एन इनीशिएटिव फॉर डिजिटाइजेशन इंटरनेशनल जर्नल

ऑफ सोशल साइंस एंड ह्यूमैनिटीज रिसर्च, 6(3), 734-740. आईएसएसएन: 2348-3156(पी) आईएसएसएन: 2348-3164(O)

संपादक/संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में सेवा देने वाले महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 4

अनुसंधान परियोजनाएं

आइसीएसएसआर का इंप्रेस स्कीम शीर्षक, "स्टडी ऑफ वैरिड कंपलेक्सिटीज ऑफ नार्थ-ईस्ट रिजन एंड रोल ऑफ नेशनल कैडेट कॉप्स टू इंटीग्रेट इट स्ट्रांगली विदिन द नेशनल मेनस्ट्रीम" डॉ. संजय कुमार शर्मा (प्रोजेक्ट डायरेक्टर), डॉ. रीता जैन (कॉ-प्रोजेक्ट डायरेक्टर), राशि रुपए 4.99 लाख

आयोजित सेमिनार

सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग ने 1 फरवरी 2019 को प्रोबायोटिक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया से मिलकर "प्रोबायोटिक्स:

राजनीति विज्ञान विभाग ने आईआईपीए से मिलकर "अंबेडकर थॉट्स ऑन सोशियो- इकोनॉमिक्स ट्रांसफॉरमेशन" पर एक कंसल्टेशन/ वर्कशॉप का संचालन किया।

गांधी स्टडी सर्किल ने गांधी स्मृति तथा दर्शन समिति, राजघाट, नई दिल्ली के साथ मिलकर "अंडरस्टैंडिंग गांधी" विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया।

कंप्यूटर साइंस विभाग ने 7 मार्च 2019 को आई.सी.टी. एकेडमी के साथ मिलकर "एथिकल हैकिंग" पर एक सेमिनार आयोजित किया।

14 फरवरी 2019 को "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के अंतर्गत सेमिनार सह एकीकरण उत्सव नॉर्थ-ईस्ट सोसाइटी द्वारा आयोजित किया गया। वक्ता: डॉ. ठोकचोम मेन्या, एम.पी. लोकसभा, मणिपुर।

13 अगस्त 2018 को प्रख्यात व्यक्तियों के संगोष्ठी एवं एन.सी.सी द्वारा राष्ट्रवाद, देशभक्ति, एवं मानवीय मूल्यों पर सेमिनार आयोजित किया गया।

हिंदी विभाग ने 3 अगस्त 2018 को "नाटक एक मंच: आशाद एक दिन: डॉ. रामा यादव का आयोजन किया।

बी.ए. प्रोग्राम विभाग ने "यूथ इन इमर्जिंग इंडिया" डॉ. रवि कांत मिश्रा उपनिरीक्षक, नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी पर 22 जनवरी 2019 को एक चर्चा का आयोजन किया।

मैथमेटिक विभाग ने 12 मार्च 2019 को डॉ. गीता वेंकटरमन, प्रोफेसर, अंबेडकर विश्वविद्यालय द्वारा "फर्मेटस लास्ट थ्योरम एंड इट्स स्पेशल केसेस एप्लीकेशन पर एक व्याख्यान परामर्श का आयोजन किया।

दिनांक 26 अक्तूबर को महिला कल्याण समिति से मिलकर ब्रेस्ट कैंसर में जागरूकता बढ़ाने के लिए डॉ. स्वरूपा मित्रा, सीनियर कंसलटेंट, राजीव गांधी कैंसर अनुसंधान केंद्र रोहिणी नई दिल्ली पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

आयोजित कांफ्रेंस/वर्कशॉप

29 से 30 मार्च 2019 तक "राइटिंग रिसर्च प्रपोजलस एंड ऐड्रेसिंग आई.पी.आर रिलेटेड इसूज" विषय पर 2 दिनों का एफडीपी आयोजित किया गया।

15 से 19 मार्च 2019 के दौरान आई.क्यू.ए.सी क्लस्टर के अंतर्गत(दिल्ली के 10 महाविद्यालयों द्वारा हस्ताक्षरित एम.ओ.यू) एस.जी.एन.डी खालसा महाविद्यालय से मिलकर "क्वालिटी एश्योरेंस इन एच.इ.आई: रिओरियंटिंग टीचिंग-लर्निंग पैराडिगम" विषय पर पांच दिवसीय एफ.डी.पी. का आयोजन किया गया।

4-5 जनवरी 2019 से आई.सी.टी अकादमी के साथ मिलकर "इमोशनल इंटेलिजेंस" शीर्षक पर एक दो दिवसीय एफ.डी.पी आयोजित किया गया।

21 से 25 मई, 2019 के दौरान आई.सी.टी. अकादमी से मिलकर "हडोप" शीर्षक पर एक एफ.डी.पी. आयोजित किया गया।

30 मार्च 2019 को "इफेक्टिव राइटिंग ऑफ ग्रांट प्रपोजल, आईपीआर एंड इट्स टाइप" विषय पर संकाय के लिए कार्यशाला आयोजित किया गया।

17 से 19 जनवरी 2019 तक विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के गैर शैक्षिण कर्मचारी के लिए "आईसीटी टूल्स फॉर बिगनर्स" पर प्रशिक्षण प्रोग्राम आयोजित किया गया।

30 मार्च 2019 को "एंटरप्रेन्योरशिप: हाउ टू किक स्टार्ट योर स्टार्टअप" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गयी।

के द्वारा डायलॉग डिलीवरी के साथ तथा इमोशनल रेंज को एक्सप्लोर करते हुए थिएटर के बेसिक बॉडी कंट्रोल, वॉइस माड्यूलेशन, बिल्डिंग एंड परफॉर्मिंग ए करैक्टर सहित 1 सप्ताह का वर्कशॉप आयोजित किया गया।

सेमिनार/कॉन्फ्रेंस प्रस्तुति

सृष्टि भाटिया ने 4-5 जनवरी 2019 से दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में "डेवलपमेंट इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: ए ग्लोबल पर्सपेक्टिव बीसवां वार्षिक इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस: ग्लोबल विजन 2030: चैलेंजस एंड अपॉर्चुनिटी" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

पारुल लॉ गौर ने 5 से 7 दिसंबर 2018 के दौरान ऑक्सफोर्ड, यू.के. में संपन्न धार्मिक अध्ययन पर ऑक्सफोर्ड सिंपोजियम में सैक्रेड लैंडस्केप: मेमोरी एंड रि-एप्रोप्रियेटिंग हिस्टोरीसिटी फ्लोर थ्रौ पॉलिटिक्स डिसकोर्सेज" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुनीला हुड्डा ने 8 से 9 मार्च तक एन.आई.पी.जी.आर नई दिल्ली में "मॉलिक्यूलर कैरक्टराइजेशन ऑफ नाइट्रेट असिमिलेशन एंड प्रोटीन प्रोडक्टिविटी" इनवाइटेड व्याख्यान परामर्श इन आई-डीबीटी बायो-कैरे कांक्लेव विमेन साइंटिस्ट अचिएविंग ग्रेटर हाइट्स" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

आर.लाल ने 27 फरवरी 2019 को भूगर्भ शास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में " जिओ क्रोनोलॉजी एंड पोलियों मैग्नेटिज्म रिकंस्ट्रक्शन ऑफ लेट क्वार्टरनरी स्ट्रटीग्राफी

प्रभास पांडे ने 10-11 सितंबर 2018 को आईएनएसए एवं दिल्ली विश्वविद्यालय में मेजर इश्यूज इन अर्थसाइंस एजुकेशन सॉल्यूशन" रिजूवनेटिंग इंडियन पालीऑटोलॉजी एंड एस्टेब्लिशिंग ए नेशनल अर्थ म्यूजियम पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

नीरज कुमार शर्मा ने 29 अगस्त से 19 सितंबर 2018 के दौरान जामिया मिलिया इस्लामिया में कंप्यूटेशनल एंड मैथमेटिकल स्टडी में रेफ्रेशर कोर्स में "रेपुटेशन कंप्यूटिंग यूजिंग अटैक-रेसिलियंट पैरामीटर्स इन मार्केट" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

आर. सिंह ने 20-21 अप्रैल 2018 को "डिजिटल इंडिया: अपॉर्चुनिटी, चैलेंजस एंड इंपैक्ट ऑन डिफरेंट सेक्टर्स ऑफ इकोनामी, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डिजिटल इकोनामी: इनोवेशन एंड चैलेंजज पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

केजी त्यागी ने 30 मार्च 2019 को संस्कृत सेंटर जे.एन.यू., नई दिल्ली में "कंटेंपलेशन ऑफ अद्वैतवाद, द्वैतवाद एंड त्रेतवाद इन वेदिक फिलॉसफी इन भारत मंथन" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

के. शर्मा ने 14-15 मार्च से भारतीय लोक प्रशासन संस्थान नई दिल्ली में "इंटीग्रेटिंग एग्रीकल्चरल वर्कर्स इनटू एसडीजी: ऐड्रेसिंग की प्रॉब्लम्स एंड सर्विस सॉल्यूशन्स" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

अलंकार कोली फिशर फॉल्क इन मुंबई: इंटरनेशनल सेमिनार में जलवायु परिवर्तन में अनिश्चितता

ट्रांसफॉरमेशन एज प्राक्सिस: 8 से 12 जनवरी 2019 तक संपन्न एक्सप्लोरिंग सोशली जस्ट एंड ट्रांस-डिसीप्लिनरी पाथवेज टू सस्टेनेबिलिटी इन मार्जिनल एनवायरनमेंट।

आर. मिश्रा 14-15 दिसंबर 2018 को हिंदू गर्लस महाविद्यालय में संपन्न स्वतंत्रा संग्राम के कवियों पर DHE

स्पॉन्सर्ड अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में श्री अरविंदो के लिरिकल एक्सप्रेशन ऑफ फ्रीडम फ्रॉम ह्यूमन वर्ल्ड टू स्पिरिचुअलिटी" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यू.

दिल्ली के 10 महाविद्यालयों के आईक्यूएसी(आईक्यूएसी क्लस्टर) के साथ हस्ताक्षर किए गए एम.ओ.यू.

एस.एम. सहगल फाउंडेशन के साथ हस्ताक्षर किए गए एम.ओ.यू

मॉलिटिक्स के साथ हस्ताक्षर किया गया एम.ओ.यू.

अमर उजाला पब्लिकेशन्स के साथ हस्ताक्षर किया गया एम.ओ.यू.

अन्य अंतरसंस्थागत सहयोग

एल्फाबेटिकल ऐसे(परख) अध्ययन हेतु सी.एस.आई.आर. सेंट्रल ग्लास एंड सेरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, कोलकाता

अनुवादकीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रोद्योकी संस्थान(टी.एच.एस.टी.आई.): विज्ञान सेतु प्रोग्राम के अंतर्गत गत वर्ष हस्ताक्षर किए गए समझौता ज्ञापन के भाग के रूप में 25 विद्यार्थियों ने "इम्मुनोकोन- 2018" में तथा 11 विद्यार्थियों ने सेल्यूलर एवं मॉलिक्यूलर इम्यूनोलॉजी के अवलोकन पर एक तीन दिवसीय व्यव्यान में भाग लिया।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, राजघाट, नई दिल्ली

जी.जी.एस. इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

संत एडमण्ड्स कॉलेज शिलांग, मेघालय

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों एवं उत्तरदायित्व का बोध लाने तथा उनके समग्र विकास के लिए महाविद्यालय ने समर्पित एन.एस.एस. यूनिट तथा अनेक स्टॉफ काउंसिल समितियों के अंतर्गत अनेक गतिविधियों का आयोजन किया। महाविद्यालय ने द्विमासिक स्वच्छता अभियान चलाया है जिसके अंतर्गत 55 संकाय सदस्यों तथा 500 विद्यार्थियों ने कैंपस के स्वच्छता अभियान में भाग लिया। अनेक जागरूकता रैली। प्रोग्राम। स्वच्छता/ कैंसर/ जल संरक्षण/ सर्जिकल स्ट्राइक की दूसरी सालगिरह/ स्पाइनल इंजरी/ कस्तूरबा गांधी की 100 पुण्यतिथि पर अहिंसा रैली, जलियांवाला बाग नरसंहार की 100 वर्ष की यादगार मनाना, वस्त्र दान, पौधरोपण का अभियान चलाया गया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में अनेक नवीनीकरण किए गए। महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों एवं संकाय को पाठ्य सामग्री तक रिमोट एक्सेस के लिए इनफ्लिबनेट को सब्सक्राइब किया गया है। पुस्तकालय में आसान पहुंच तथा किताबों के रखाव के लिए ओपेक सिस्टम को कार्यरत गया है। पुस्तकों की डिजिटल रीडिंग के लिए किंडल सेकसन खोला गया है। पुस्तकालय में पी.डबलू.डी. विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए ब्रेल लिपि में पुस्तकों के साथ एक रीडिंग रूम को कार्यशील किया गया है। विद्यार्थियों द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मांग की गई है। नए मैगजीन को महाविद्यालय द्वारा सब्सक्राइब किया गया है। वर्तमान में पुस्तकालय में करीब 60,705 पुस्तके हैं तथा 2018-19 में 1093 पुस्तकें विविध विषयों पर अतिरिक्त रखी गई है।

शिक्षकों की संख्या

कुल स्थाई: 40

कुल तदर्थ: 45

वित्तीय आबंटन एवं उपयोग

संस्वीकृत अनुदान: रुपए 18.31 करोड़

उपयोग किया गया अनुदान: रुपए 18.31 करोड़

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रश्नोत्तरी में एक्स्ट्रा करिकुलर क्रियाकलापों के लिए आरक्षण के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में स्नातक पूर्व प्रवेश के लिए विद्यार्थियों की केंद्रीकृत टेस्ट का संचालन महाविद्यालय में दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से किया गया। विविध संस्थानों जैसे याकुल्ट उद्योग, आई.ए.आर.आई पुसा, राष्ट्रीय भूकंप केंद्र, आई.एम.डी दिल्ली परमाणु खनिज निदेशालय, बाबा साहब डॉक्टर बी. आर. अंबेडकर स्मारक, दिल्ली के अनेक भ्रमण कराए गए।

***

सत्यवती महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने एक सॉफ्टवेयर लॉन्च किया जो महाविद्यालय के सभी पहलुओं को कवर करता है अर्थात एडमिशन, टाइम टेबल, छुट्टी, वेतन, पेंशन, शुल्क, वित्त और पुस्तकालय. यह विद्यार्थियों और कर्मचारियों को प्रदान किए गए स्मार्ट कार्ड की सहायता से उनके रिकॉर्ड को ऑनलाइन जांचने में सक्षम करेगा। कर्मचारी द्वारा अपना बिल ऑनलाइन भरने और अपने घर से भुगतान की स्थिति को ट्रैक करने में सक्षम बनाने के लिए महाविद्यालय द्वारा ऑनलाइन मेडिकल पोर्टल भी लॉन्च किया गया था। महाविद्यालय के कई विभागों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय सेमिनार भी आयोजित किए गए थे।

सम्मान /गौरव

डॉ. आभा माथुर को वर्ष 2018-19 के लिए दिल्ली सरकार के एन॰सी॰टी॰ के उच्च शिक्षा निदेशालय से "सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार" पुरस्कार मिला।

1 सितंबर से 6 सितंबर, 2018 के दौरान लंदन में आयोजित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय खो-खो टूर्नामेंट के लिए, डॉ. रेखा शर्मा ने गर्ल्स खो-खो टीम इंडिया के प्रबंधक के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

प्रकाशन

झा, बी. (2019). सरदार पटेल, लीग और द हिंदू नाट्यलॉनिस्ट इन: पटेल: पॉलिटिकल आइडियाज़ एंड पॉलिसीज़ (शक्ति सिन्हा और हिमांशु रॉय), सेज, नई दिल्ली, 100-124, आईएसबीएन: 978-93-528-0853-3

माथुर, ए. (2018). व्यवसाय और अर्थशास्त्र अनुसंधान, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार-अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, 16 (2)। आईएसएसएन-0972-7302.

माथुर, ए. (2018). अनुसंधान की समीक्षा, "उद्यमिता का नया आयाम-चार्टरप्रेनर्स, ईबीएससीओ, यूएसए का एक केस अध्ययन.

प्रसाद, पी. (2018). कुषाणों के अंतर्गत बौद्ध विस्तार का पुरातत्व, ऐतिहासिक अनुसंधान: सिद्धांत और व्यवहार, आईएसबीएन: 978-81925005-7-7, पीपी. 18-26प्रसाद, पल्लवी, (2018), कुषाणों के अंतर्गत अर्थशास्त्र प्रणाली, इतिहस डारपन, खंड. XX III (I), आईएसबीएन: 0974-3065, पीपी. 32-36.

प्रसाद, पी. (201), कुषाणों से पुष्यभुतियों के लिए बौद्ध धर्म के दृष्टिकोण, 4 (01), आईएसएसएन: 2455-56

सिंह, आर. (2019). एग्लेमार्मेलोस: मानव उपहार के लिए प्रकृति उपहार ग्रीन रसायन विज्ञान और जैव विविधता सिद्धांत, तकनीक और सहसंबंध.सीआरएस प्रेस: टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, यूएसए, आईएसबीएन: 9781771887946

सिंह, आर. (2019). शैवाल: पर्यावरण सुरक्षा में भूमिका. रासायनिक और जैविक इंजीनियरिंग में अनुसंधान के तरीके और अनुप्रयोग। एप्पल अकादमिक प्रेस, आईएसबीएन: 9781771887687

त्रिपाठी, आर. (2018), थाईलैंड में भारतीय बौद्ध धर्म जीवित है, दक्षिण पूर्व एशिया में बिधवाद, आईएसबीएन: 978-818290-484-2।

त्रिपाठी, आर. (2018). कंबोडिया में बौद्ध धर्म का विकास, दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति और विरासत, ओम जी उपाध्याय और सौरभ कुमार मिश्रा प्रकाशन, अखिल भारतीय इतिहास संकल्प समिति, दिल्ली, आईएसबीएन: 978-93-82424-314

आयोजित संगोष्ठी

18 जनवरी 2019 को हिंदी विभाग द्वारा "पत्राचार और रोज़गार" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

“श्री ऋषि कुमार मिश्र स्मारक” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन संस्कृत विभाग द्वारा 02 फरवरी 2019 को किया गया।

संस्कृत विभाग द्वारा 04 फरवरी, 2019 को "वेदांत दर्शन के व्यावहारिक पक्ष" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

11 मार्च 2019 को डॉ. तरुण कुमार गर्ग के मार्गदर्शन में एनसीसी नेवल विंग द्वारा "राइजिंग इंडिया: न्यू एस्पिरेशन" पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

आभा माथुर ने पीएच॰डी में आयोजित 21 वीं सदी में बिजनेस सस्टेनेबिलिटी पर XIV इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में Math ग्रीन मार्केटिंग एंडेवर- ए स्टडी ऑफ सलेक्ट इंडस्ट्रीज ’शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। 23 फरवरी 2019 को चैंबर कोनराड अदनूर स्टिफ्टंग, एडीएमीएसए और जिम्स।

अंजू सेठ ने 27 नवंबर 2018 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय केंद्र द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "वैदिक वास्तुकला प्रणाली की आधुनिकता में प्रासंगिकता" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

एक्विल अहमद ने 10 नवंबर 2018 को मजलिस-ए-अर्ज़ान शाही द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में इंडियन सोसाइटी और तसव्वुफ़ का 21 वीं सदी में महत्व के बारे में एक पत्र प्रस्तुत किया।

भुवन कुमार झा ने “गांधी और मालवीय: राष्ट्रवादी सम्मेलन में मतभेदों के भीतर समझौता” नामक एक पत्र प्रस्तुत किया, जिसे 21 फरवरी, 2019 को नेह्रौ मेमोरियल म्यूजियम द्वारा आयोजित सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, नैतिक और परे की समीक्षा करते हुए प्रस्तुत किया गया था।

भुवन झा ने 28 जनवरी, 2019 को राजनीति विज्ञान विभाग, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा द्वारा आयोजित भारतीय संगोष्ठी: इंडिक थॉट पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में “हिंदू, हिंदू धर्म और हिंदुत्व” इतिहास और व्याख्या के शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

बिरेश चौधरी ने 23 जनवरी 2019 को आईसीएचआर द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में “लोकतंत्र और महिला सशक्तिकरण में एक अनूठा प्रयोग: आजाद हिंद फौज की अनंतिम सरकार में नागरिक प्रशासन” शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

लाजपत राय ने 24 अप्रैल 2018 को सत्यवती महाविद्यालय (सायं) द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय जनजातियों पर वैश्वीकरण का प्रभाव" शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

मालती राघव ने 25 सितंबर 2018 को एससी / एसटी सलाहकार समिति, सत्यवती महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में “अम्बेडकर और सामाजिक न्याय” नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।

पुस्तकालय विकास

कुल नियमित बजट: रुपए 945,600 / -; कुल व्यय: रुपए 710,689 / -; नई पुस्तक खरीदी: 1186; समाचार पत्र, पत्रिका और पत्रिकाएँ: 48

शिक्षकों की संख्या

कुल स्थायी: 103

कुल तदर्थ: 40

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान स्वीकृत: रुपए 55,

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान स्वीकृत: रुपए 55,78,06,000 / -

अनुदान का उपयोग: रुपए 4,2,29,01,000 / -

***

मुक्त अधिगम विद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

एसओएल ने प्रोफ़ेसर रजनीश जैन, सचिव, यूजीसी, एमएचआरडी, सरकार से प्राप्त के पत्र संख्या एफ .13-13 / 2015 (सीपीपी- II) दिनांक 13-03-2018 के अनुसार 21 जून, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। एसओएल विद्यार्थियों के लाभ के लिए स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग ने 4 सितंबर, 2018 से एक नियोजन सेल की स्थापना की है। एसओएल में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद उपयुक्त प्लेसमेंट खोजने के लिए विद्यार्थियों की आवश्यकता को संबोधित करने के लिए प्रकोष्ठ सेल बनाया गया है। नियोजन प्रकोष्ठ के पास पूरी तरह कार्यात्मक वेबसाइट (https://sol.du.ac.in/placement_cell/) उपलब्ध नौकरी रिक्तियों के बारे में विद्यार्थियों

को नवीनतम जानकारी प्रदान करने के लिए है। स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग विद्यार्थियों को क्षमता निर्माण प्रशिक्षण भागीदारों के साथ मिलने की पेशकश करता है जो स्वरोजगार और मजदूरी रोजगार के माध्यम से कम-विशेषाधिकार प्राप्त युवाओं के कौशल के लिए आईसीआईसीआई अकादमी के सहयोग से रोजगार और स्थायी आजीविका के लिए कौशल प्रशिक्षण और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

नियोजन का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत रखा गया: 300

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या: 04

पुस्तकालय विकास

कुल बजट: रुपए 1,38,000,00 / -; शामिल की गई पुस्तकों की संख्या: 11333 खण्ड; राष्ट्रीय आवधिक / पत्रिकाओं की संख्या: 11; अंतर्राष्ट्रीय आवधिक / पत्रिकाओं की संख्या: 02।

डेलनेट सेवाओं को उन दस्तावेजों के उनके अनुरोधों के लिए शिक्षाविदों तक विस्तारित किया जाता है जो एसओएल पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं हैं। दस्तावेजों को डेलनेट के सदस्य पुस्तकालयों से एकत्र किया जाता है और केवल एसओएल पुस्तकालय परिसर में परामर्श के लिए उपलब्ध कराया जाता है। विद्यार्थियों को 10 साल और 31,35,809 + ई-बुक..एकल मौका सेल (ईओसी) के लिए 6257+ ई-जर्नल के एन-लिस्ट डेटाबेस के साथ प्रावधान किया गया है। विशेष अवसर प्रकोष्ठ (ईओसी) के पास विशेष गैजेट्स और सॉफ्टवेयर की पूर्ण सुविधा है। नेत्रहीनों के लिए जिनका नाम सेका वी 3-ब्रेल डिस्प्ले, ब्रेल सेंस यू 2 नोट टेकर है।

संकायों की संख्या

कुल स्थायी: 21

कुल तदर्थ: 01

***

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज, महाविद्यालय द्वारा पिछले 30 वर्षों से प्रकाशित जर्नल को यूजीसी की स्वीकृत पत्रिकाओं की सूची में शामिल किया गया है। वर्ष 2018 में जर्नल का दसवां खंड जारी किया गया।

सम्मान / गौरव

अंग्रेजी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. नीलांजना मुखर्जी को अक्तूबर 2018 में लीबज़िग विश्वविद्यालय में एसएफबी 1169, लीबज़िग विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा "हिमालय में फ्रंटियरस्ट्रक्टिंग द फ्रंटियरस्ट्रिंग: रीडिंग स्पैशल ऑल्टरिटीज़" शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए यात्रा अनुदान से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

अग्रवाल, एन. (2018)। भारत में बैंकों से ग्राहकों की अपेक्षाओं की पहचान करना। प्रंजना, द जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट अवेयरनेस। 21 (1)। 10.5958 / 0974-0945.2018.00001.8

अग्रवाल, के. (2018) "द्रौपदी" और "वैदिक हिंदू धर्म में महिलाएं और स्त्री" विश्व धर्मों में महिलाओं के विश्वकोश में दिखाई दिए: इतिहास और आस्था के पार संस्कृति, एड. सुसान डे-गैया कैलिफ़ोर्निया: एबीसी क्लियो / ग्रीनवुड, आईएसबीएन: 9781440848490 (प्रिंट), 9781440848506 (ई-बुक)।

गुप्ता, आर. (2018)। "एडवरटाइजिंग", स्कॉलर टेक प्रेस नामक पुस्तक का संशोधित संस्करण।

कपूर, आर. "डब्ल्यूटीओ एओए (2019)। भारतीय कृषि क्षेत्र में मुद्दे और चुनौतियां "ए

संपादित पुस्तक, में आईएसबीएन 978-93-87684-37-9 बनारसीदास चंडीवाला संस्थान में प्रकाशित

व्यावसायिक अध्ययन 2019

- पूजा, जी. (2019) "सेवा गुणवत्ता आयाम, संतुष्टि और ई-रिटेलिंग में वफादारी:

  एक व्यावसायिक अध्ययन "17 की व्याख्याएं (1)।

- पूजा, जी. (2019) "जेंडर की मॉडरेटिंग रोल और ई-रिटेलर की पसंद और ई-लॉयल्टी फॉर्मेशन प्रोसेस में ई-कस्टमर सैटिस्फैक्शन की मध्यस्थता भूमिका" DIAS टेक्नोलॉजी रिव्यू इश्यू 29 (2, आईएसएसएन 0972-9658 2018।
- पूनम, एस. (2018) "हाइड्रो पावर डेवलपमेंट इन हिमालयन हाई एल्टीट्यूड इकोसिस्टम" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंटिफिक रिसर्च एंड रिव्यूज़ में, खंड 7, अंक 2, अप्रैल-जून। आईएसएसएन: 2279-0543
- रमन, वी. ए. वी. (2019)। "लाहौल और स्पीति, हिमाचल प्रदेश (भारत) में मौसमी अर्थव्यवस्था पर आधारित भूविज्ञान का भौगोलिक विश्लेषण।" टूरिज्म एंड जियोसाइट्स का जियो जॉर्नल, 24 (1), 118-132। https://doi.org/10.30892/gtg.24110-347 "

त्रिपाठी, पी. अनेजा, एन, शर्मा, बी.एन. (2019) "एक निश्चित सीमा में एक नई हाइपर अराजक प्रणाली के गतिशील व्यवहार की स्थिरता और इसके संकर प्रक्षेप्य तुल्यकालन व्यवहार", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ डायनेमिक्स एंड कंट्रोल 157: 15-166, https://doi.org/10.1007/s4043588 -0424-0 © स्प्रिंगर-वर्लग जीएमबीएच जर्मनी, स्प्रिंगर नेचर 2018 का हिस्सा

वराधारा "रीडर और परे: माइकल क्रिक्टन के लेखन के माध्यम से एक अंतरंग यात्रा" पुस्तक में द इम्पावरमेंट एंड फ्यूचर चैलेंजेस ऑफ द विजुअली इम्प्रूव्ड, आईएसबीएन 978-81-931407-2-7 शीर्षक के साथ।

पत्रिकाएं (जर्नल)

बिजनेस जर्नल ऑफ जर्नल को यूजीसी की स्वीकृत पत्रिकाओं की सूची में शामिल किया गया है। कॉमर्स विभाग पिछले 30 से अधिक वर्षों से इस पत्रिका को निकाल रहा है। जर्नल का दसवां खंड वर्ष 2018 में जारी किया गया था। डॉ. डी. आर. सकलानी ने, जर्नल के लिए एक एडिटर-इन-चीफ के रूप में कार्य किया।

आयोजित संगोष्ठी

अर्थशास्त्र विभाग ने 11 फरवरी 2019 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में "वैश्विकता बनाम राष्ट्रवाद: अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध और भारत" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों, शिक्षाविदों, व्यापार नीति विशेषज्ञों और सरकार के सलाहकार; कुल 8 विशिष्ट वक्ताओं ने विषय पर अपने विचार साझा किए।

हिंदी विभाग ने 29 मार्च, 2019 को "हिंदी नवजागरण और आज के सांवल" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

वाणिज्य विभाग ने डॉ. पी.के. खुराना. के नेतृत्व में 24-25 फरवरी, 2019 को व्यापार और प्रबंधन पर अपने दो दिवसीय 6 वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन "21 वीं सदी के माध्यम से मार्ग दर्शन" पर आयोजित किया।

द एसोसिएशन ऑफ ज्योग्राफिकल स्टडीज के सहयोग से भूगोल विभाग ने 13-14 अप्रैल 2019 तक दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के भूगोल विभाग में "भारत में ऐतिहासिक भौगोलिक स्थिति और सांस्कृतिक विकास के ऐतिहासिक सम्मेलन" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड पुस्तकालय के सहयोग से राजनीति विज्ञान विभाग ने 11-12 अप्रैल, 2019 को किशोर मूर्ति भवन में 'द गैंडियन वे: एन आइडिया किसका समय आ गया है?' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

संगोष्ठी / सम्मेलन प्रस्तुति

रूचि गुप्ता ने एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक था, "डिजिटल एरा में माइक्रो-सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट: ब्रांड प्रभाव और खरीद इरादा पर प्रभाव का आकलन" और 7 वीं एआईएम (भारतीय विपणन अकादमी) -एएमए (अमेरिकन मार्केटिंग एसोसिएशन) में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार जीता शेथ फाउंडेशन डॉ.क्टोरल कंसोर्टियम एंड कॉन्फ्रेंस, एमआईसीए, अहमदाबाद, भारत में 4-6 जनवरी 2019 को आयोजित की गई।

कोमल अग्रवाल ने 15-16 अप्रैल 2018 को आयोजित विश्व साहित्य, गांधीनगर, गुजरात में महाकाव्य कथा के लिए IACLSC अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में महाभारत के चुनिंदा आधुनिक रीति-रिवाजों में वीरता और धर्म के शब्दार्थ की धारणा का विस्तार करते हुए “सेलिब्रेटिंग एपोकल एंटी-हीरोज़: एंगेजिंग एपिकल एंटी-हीरोज़ का विस्तार करते हुए” प्रस्तुत किया।

वीएवी रमन ने 30 वें आईजीआई नेशनल कॉन्फ्रेंस, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 3-5 अक्तूबर 2018 को आयोजित 30 वें आईजीआई नेशनल कॉन्फ्रेंस में "लाहौल और स्पीति, हिमाचल प्रदेश में भू-गर्भवाद आधारित स्थानिक विश्लेषण का स्थानिक विश्लेषण" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

पूनम शर्मा ने 21 वीं सदी में थीम 'शहरी पर्यावरण: मुद्दे और चुनौतियां' विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय संगोष्ठी में "तापमान में वृद्धि और शहरीकरण को प्रभावित करने वाले शहरी क्षेत्रों के मानचित्रण को नियंत्रित करने और माइक्रोकलाइमेट में सुधार करने के लिए एक पेपर प्रस्तुत किया दिनांक 27-28 मार्च 2018 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

कविता अरोड़ा ने "सार्वजनिक स्थानों पर प्रदूषण और पर्यावरण न्याय का सवाल: दिल्ली शहर में वायु प्रदूषण का एक केस अध्ययन" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया, पर्यावरण और पारिस्थितिक स्थिरता पर दिनांक 4-5 अक्तूबर 2018 को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन मै स्टेकहोल्डर को शामिल करते हुये एक पेपर प्रस्तुत किया

स्वाति राजपूत ने "सार्वजनिक स्थानों पर प्रदूषण और पर्यावरण न्याय का प्रश्न: दिल्ली शहर में वायु प्रदूषण का एक केस अध्ययन" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया, पर्यावरण और पारिस्थितिक स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: 4-5 अक्तूबर 2018 को नई दिल्ली में स्टेकहोल्डर को शामिल करते हुये

विश्व राज शर्मा ने 22-24 फरवरी 2019 के दौरान आयोजित जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाओं और सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ (आईजीयू) के क्षेत्रीय सम्मेलन में आगरा की पर्यटन क्षमता: कैरिंग क्षमता आकलन ”शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

कृष्णानंद ने 30 वें आईजीआई नेशनल कॉन्फ्रेंस, जामिया मिलिया इस्लामिया, विश्वविद्यालय नई दिल्ली, 3-5 अक्तूबर 2018 को आयोजित 30 वें आईजीआई नेशनल कॉन्फ्रेंस में "लाहौल और स्पीति, हिमाचल प्रदेश में भू-गर्भवाद आधारित स्थानिक विश्लेषण" शीर्षक वाला एक पेपर प्रस्तुत किया।

पूजा राज वर्मा ने नेशनल कांफ्रेंस ऑन कॉम्प्लेक्स सिस्टम इन इंटरडिसिप्लिनरी साइंस में "एक पीज़ोइलेक्ट्रिक स्ट्रिप को कमजोर करने वाली मोड-III अर्ध-पारगम्य दरार दरार के लिए गणितीय विद्युत-उपज वाले मॉडल" नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसे सेंटर फॉर इंटर डिस्प्लेनि रिसर्च सेण्टर फॉर बेसिक साइंस जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली मै दिनांक 11-12 मार्च 2019 को आयोजित किया गया था।

नियोजन का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत रखा गया: 160
कैंपस भर्ती के लिए देखी गई कंपनियों की संख्या: 20

पुस्तकालय विकास

कुल बजट: रुपए16,42,500 / -; जोड़ी गई पुस्तकों की संख्या: 1528; पत्रिकाओं की संख्या जोड़ा गया: 101
इंटरनेट सुविधाओं का उन्नयन: हाँ

संकायों की संख्या

कुल स्थायी: 90
कुल तदर्थ : 58

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान मंजूर: रुपए 3,5,50,38,017 / -
अनुदान का उपयोग: रुपए 28,37,68,577 / -

***

शहीद राजगुरु अनुप्रयुक्त विज्ञान महिला महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

1304 संस्थानों के बीच, हमारे महाविद्यालय ने 2018 में राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क 2019 में 53 से 31 तक अपनी रैंकिंग में काफी सुधार किया है। यह ओलेवा में चेक गणराज्य के सिलेसियन विश्वविद्यालय, दर्शनशास्त्र और विज्ञान के साथ इरास्मस परियोजना का एक हिस्सा बन गया है। विद्यार्थियों और संकाय के आदान-प्रदान के लिए महाविद्यालय के उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ ने अप्रैल 2018 और मार्च 2019 में प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर के अंतर्गत राज्य और राष्ट्रीय स्तर की योजना का आयोजन किया। महाविद्यालय को वर्ष 2014 में डीबीटी स्टार ग्रांट से सम्मानित किया गया और वर्ष 2018 में अगले दो वर्षों के लिए और विस्तार दिया गया।

सम्मान / गौरव

श्री रामदास अठावले, माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा 28 जुलाई 2018 को 25 वर्ष के उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें 38 वें वार्षिक उत्सव वर्ष 2018 के

दौरान इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग की डॉ. दया भारद्वाज को अखिल भारतीय बौद्धिक सम्मेलन में दिल्ली रतन पुरस्कार से सम्मानित किया गया,

सुश्री वेनिका गुप्ता, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने दिसंबर 2018 में सराहनीय सेवाओं, उत्कृष्ट प्रदर्शन और उल्लेखनीय भूमिका के लिए भारत ज्योति पुरस्कार प्राप्त किया। उन्हें दिल्ली एन.सी.टी. सरकार द्वारा वर्ष 2018-2019 के लिए मेरिटोरियस टीचर अवार्ड से भी सम्मानित किया गया था।

डॉ. अमिता कपूर, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग को सिस्को नेटवर्किंग अकादमी में सक्रिय भागीदारी और समर्पित सेवा के पंद्रह वर्षों के लिए "सेवा के प्रशिक्षक वर्ष" पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सिस्कोनेटवर्किंग अकादमी। उन्हें बर्टेल्समैन और उडनेस द्वारा उडनेस से ऑनलाइन नैनोडेग्री बनाने के लिए "बर्टेल्समन डेटा साइंस स्कॉलरशिप" से भी सम्मानित किया गया।

श्री ए. आर. उन्नी कृष्णन नायर, सहायक, प्रशासन; श्री राम प्रभेश राय, जूनियर, सहायक, प्रशासन; श्री संजय, दफ्तरी, लेखा; और सुश्री सावित्री गुप्ता, तकनीकी सहायक, खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग को 25 साल के उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

कौर, जे. (2018) "द फॉरगॉटन इंडियन पायनियर्स ऑफ़ फ़िंगरप्रिंट साइंस: फॉलआउट ऑफ़ कॉलोनियलिज़्म" इंडियन जर्नल ऑफ़ हिस्ट्री ऑफ़ साइंस, 53 84-90।

कुमार, वी., जायसवाल, एम.के. (2018), "SnO2-TiO2 नैनोकंपोजिट पतली फिल्मों के संरचनात्मक, ऑप्टिकल और रूपात्मक गुणों पर कम ऊर्जा (कीव) आयन विकिरण का प्रभाव", सामग्री विज्ञान के जर्नल: इलेक्ट्रॉनिक्स में सामग्री 29: 13328-13336।

मिश्रा, ए., दत्ता, एस (2019) सामाजिक प्रभाव और हस्तक्षेप: धूम्रपान विरोधी विज्ञापनों की प्रभावी प्रभावशीलता। सामाजिक विज्ञान और आर्थिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। खण्ड 4 (3)

निधि. (2018) मल्टी-रिलीज़ ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर सिस्टम, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट (आईजेआईटीएम), विश्व वैज्ञानिक के लिए एक एसआरजीएम. 15 (02), 1-20।

पाल, पी., प्रताप, वाई, गुप्ता, एम., काबरा, एस। (2019) "बायोसेंसर अनुप्रयोगों के लिए AlGaN / GaN एमओएस-एचईएमटी की मॉडलिंग और सिमुलेशन" आईईईईई सेंसर जर्नल, 19: 2, 587-593।

सभरवाल, पी. के., चट्टोपाध्याय, एस, सिंह, एच. (2018)। पैकेजिंग अनुप्रयोगों के लिए रोगाणुरोधी, बायोडिग्रेडेबल, ट्राईक्लोसन-निगमित पॉलीहाइड्रोक्सीब्युटिरेट-को-वालरेट फिल्मों की तैयारी और लक्षण वर्णन। जर्नल ऑफ़ एप्लाइड पॉलिमर साइंस, 135 (44), 46862।

सक्सेना, पी. (2019) "दिल्ली परिवहन निगम के लिए एक बेंचमार्किंग रणनीति: डेटा विकास विश्लेषण का एक अनुप्रयोग", गणितीय, इंजीनियरिंग और प्रबंधन विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 4 (1), 232-244।

शर्मा, यू. उरोज, एस. काबरा, एस. (2018) " इंगास की जांच इंगाप / इंगाप / इंगास / जीई मल्टीजंक्शन सौर सेल में विश्लेषणात्मक फ्रेमवर्क के साथ सब-इन के लिए कुलसचिव", सामग्री आज: कार्यवाही, 5 (9), भाग 3 18,574-18,579।

सोनी, नेहा, सिंह, एन., कपूर, ए., शर्मा, ई.के. (2018) "कम-रिज़ॉल्यूशन इमेज रिकॉग्निशन ऑफ़ क्लाउड होपफील्ड न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करना।" उन्नत कम्प्यूटिंग और इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग, स्प्रिंगर, सिंगापुर में प्रगति। 39-46

त्यागी, ए।, प्रमाणिक, आर।, विष्णुभटला, एस।, बख्शी, आर।, बख्शी, एस। (2019) "माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए के रोगजनक प्रभाव डी-लूप में बाल रोग तीव्र माइलॉइडलुकिमिया में परिवर्तन" 12 अक्तूबर; 10 (13) : 1334-1343।

अनुसंधान परियोजनायें

दो विचार प्रस्ताव- (i) "स्टार्च-आधारित खाद्य पैकेजिंग फिल्म का उपयोग और प्राकृतिक एंटी-माइक्रोबियल गुणों वाले साइट्रस फ्रूटवेस्ट का मानकीकरण और विकास" और "स्टारफ़र्ट (स्टार फ्रूट कैंडी) का उपयोग करके ऑस्मोटली डिहाइड्रेटेड लो कॉस्ट नोवल फ्रूट उत्पाद का विकास"। दिल्ली विश्वविद्यालय के क्लस्टर इनोवेशन सेंटर द्वारा आयोजित आइडिया प्रतियोगिता 2019 के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

टीम टेक दिवस नवाचार 'एआई आधारित मिलावट डिटेक्टर' एमएचआरडी इनोवेशन सेल आइडिया प्रतियोगिता 2019 के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया।

आयोजित सेमीनार

कैरियर एंड ग्रोथ एस्पेक्ट्स ऑफ फूड टेक्नोलॉजी” सेमिनार का आयोजन 13 सितंबर, 2018 को किया गया था।

"जीवन में सफलता के सूत्र और मंत्र जप के महत्व पर संगोष्ठी"। डॉ. सुरेश भल्ला, प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी दिल्ली और श्री असित नेमा, सिविल इंजीनियर और इस्कॉन मंदिर के एक सदस्य ने आईक्यूएसी के तत्वावधान में आयोजित किया गया था

“सॉफ्ट स्किल्स फॉर इम्प्लॉयबिलिटी” विषय पर सेमिनार, 8 अक्तूबर, 2018 को आयोजित किया गया था।

24 अक्तूबर, 2018 को "विदेशी कैरियर संभावनाएं" पर संगोष्ठी।

सितंबर 2018 को 'एक्चुअरी ऑफ एक्चुअरी साइंस एंड डेटा साइंस' पर सेमिनार आयोजित किया गया।

आयोजित सम्मलेन

"मैथमेटिका" पर दो दिवसीय कार्यशाला 12-13 मार्च 2019 को आयोजित की गई थी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना था कि कक्षा में सिखाई गई सैद्धांतिक अवधारणाओं का उपयोग उनके संबंधित क्षेत्रों में व्यावहारिक समस्याओं को हल करने के लिए कैसे किया जा सकता है।

27-29 मार्च, 2019 को आयोजित "वैकल्पिक तरीकों से पशु परीक्षण" पर राष्ट्रीय कार्यशाला।

डीबीजे प्रायोजित कार्यशाला का आयोजन 1-4 जुलाई 2018 तक “विश्लेषणात्मक इंस्ड्रुमेंटेशन फूड प्रोसेसिंग एंड लाइफ साइंसेज तकनीक” पर आयोजित किया गया था। यह एक अंतःविषय कार्यशाला थी जिसमें बायोमेडिकल साइंस, खाद्य प्रौद्योगिकी और इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग ने भाग लिया।

“डॉ.क्यूमेंट वेरिफिकेशन: ए फॉरेंसिक पर्सपेक्टिव” नामक कार्यशाला 11 जून, 2018 को दिल्ली एनसीआर में महाविद्यालयों के स्टाफ और संकाय सदस्यों के लिए आयोजित की गई थी।

14 जनवरी 2019 को मुकुता के सहयोग से अनुभूति द्वारा जोश वार्ता के साथ मिलकर “अपने अधिकारों को जानें” नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सेमिनार / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

श्रुति बंसवाल ने 5-8 अक्तूबर 2018 से भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव, लखनऊ में "प्याज और लहसुन के अर्क के रोगाणुरोधी गतिविधि का आकलन" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

वर्षा मेहरा ने हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और ट्रांसलेशनल मेडिसिन (आईसीआईसीटीएम-2019) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एंटीसिडायबेटिक, एंटीमाइक्रोबियल और एंटी-इन्फ्लेमेटरी एक्टिविटी ऑफ जस्टिसियाडाटोडा लीफ अर्क" नामक पोस्टर प्रस्तुत किया।

अंजीता रानी ने 2 जुलाई 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय में इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च में हालिया विकास पर मौखिक प्रस्तुति-इंडो-यूएस कॉलोक्विम वितरित की।

सुश्री उर्मिल ने गांधी इंस्टीट्यूट फॉर टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर, ओडिशा, भारत में 26-27 अक्तूबर, 2018 को आयोजित कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस एंड डेटा एनालिटिक्स (आईसीसीआईडीए-2018) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "PaaS प्रदाताओं और उनके प्रसाद" नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। जो कंप्यूटर और सूचना संचार (सीएसआईसी) श्रृंखला, स्प्रिंगर में संचार में प्रकाशित हुआ।

अमिता कपूर सोनी, नेहा, एनाक्षी खुल्लर शर्मा, नरोत्तम सिंह और अमिता कपूर ने भारतीय सड़कों पर वाहनों के लिए सहायता प्रणाली (एएस) पर एक पत्र प्रस्तुत किया: मानव प्रणाली इंजीनियरिंग और डिजाइन में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: भविष्य के रुझान। और अनुप्रयोग।

रंजना सिंह ने 'आटा के विभिन्न आकार के गुणों के साथ आटे के कण के आकार का संबंध और कुकीज़ की बेकिंग गुणवत्ता पर इसके प्रभाव' पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया - पैरा ढोलकिया, रंजना सिंह, अनूपसिद्धू, नेशनल कॉन्फ्रेंस 2 एमिफोस्ट -2018 में "हाल ही में नवाचार और तकनीकी विकास पर।" फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी ”28 सितंबर 2018 को एमिटी यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश, नोएडा में आयोजित किया गया।

प्रभजोत कौर सभरवाल ने 5 अक्तूबर 2018 को लखनऊ में इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल के अंतर्गत एक सम्मेलन में यंग साइंटिस्ट्स में "पॉलीमेरिक फंक्शनल मैग्नेटिक नैनोसेम्पर फॉर सेपरेशन एंड एन्यूमेशन ऑफ एनालिटिक्स" पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

नेहा गर्ग ने 24-25 नवंबर 2018 को आईईईई इलेक्ट्रॉन डिवाइस कोलकाता सम्मेलन में “डिजिटल सर्किट अनुप्रयोगों के लिए डबल गेट जंक्शन रहित नैनोवायर ट्रांजिस्टर (डीजी-जेएनटी) के इंटरफ़ेस ट्रैप चार्ज का विश्लेषण” नामक एक सम्मेलन पत्र प्रस्तुत किया।

हिमानी दुआ ने 16-19 दिसंबर 16-19 2018 को इमर्जिंग इलेक्ट्रॉनिक्स पर 4 वें आईसीईई-अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जंक्शन रहित फिनफेट के बायो-सेंसिंग रिस्पांस पर विभिन्न गुहा संरचनाओं का प्रभाव" नामक एक सम्मेलन पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत रखा गया: 15 (15%)

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 2

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

गणित विभाग एक एनजीओ “संकल्प हमरा” के साथ मिलकर “उत्थान” नामक एक परियोजना चला रहा है जो समाज के वंचित वर्गों के लिए काम करती है। वर्तमान में, मानक VI-IX से लगभग 20-25 विद्यार्थियों को गणित का सामना करने में मदद मिली।

इस परियोजना में व्यक्तिगत स्वच्छता पर महिलाओं में जागरूकता फैलाना शामिल है। बायोमेडिकल साइंसेज और इंस्ट्रूमेंटेशन विभागों के साथ खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग ने 4 जून - 1 जुलाई 2018 तक "विश्लेषणात्मक उपकरण, खाद्य प्रसंस्करण और जीवन विज्ञान तकनीकों" पर एक महीने की अंतःविषय ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यशाला का आयोजन किया। महाविद्यालय के नॉर्थ ईस्ट सेल ने महाविद्यालय के सांस्कृतिक उत्सव के दौरान सिक्किम के स्ट्रीट फूड प्रदर्शित करते हुए एक विशेष स्टाल लगाया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकों के लिए बजट: रुपए 954228 / -; पत्रिकाओं और समाचार पत्र: रुपए 49,181 / -; गैर-आवर्ती: रुपए 528739 / -; जोड़ी गई पुस्तकों की संख्या: मुद्रित -723, ई-बुक-135000; पत्रिकाएँ: मुद्रित -19, ई-जर्नल - 5000 (निलस्ट) + 42000 (डीयूएलएस)

शिक्षकों की संख्या

कुल स्वीकृत संकाय: 94

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान मंजूर: रुपए 172,435,850.91

अनुदान का उपयोग: रुपए 209,955,638.50

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सीआईएससीओ के सहयोग से, महाविद्यालय 2002 से सीआईएससीओ नेटवर्किंग अकादमी चला रहा है। अकादमी सीसीएनए (सिस्को सर्टिफाइड नेटवर्क एसोसिएट) प्रमाणन और विभिन्न अन्य खोजपूर्ण पाठ्यक्रम प्रदान करती है। इस वर्ष हमारे दो प्रशिक्षकों सुश्री दीपाली बजाज और सुश्री जी। विजया ने सफलतापूर्वक "सिस्को एप्लीकेशन पॉलिसी इन्फ्रास्ट्रक्चर कंट्रोलर एंटरप्राइज मॉड्यूल" (एपीआईसीईएम) पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है। महाविद्यालय ने ट्रांसलेटेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (थस्टी), प्रतिष्ठित विज्ञान सेतु कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के एक संस्थान के साथ सहयोग किया। महाविद्यालय ने पहली बार विद्यार्थियों और संकाय के लिए "सुगम संगीत" पर एक लघु अवधि का संगीत पाठ्यक्रम पेश किया है। महाविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस, संकल्प से सिद्धि, एनएसएस अभिविन्यास दिवस, साक्षरता ड्राइव, ओल्ड एज होम / अनाथालय यात्रा, संग्रह अभियान, भित्तिचित्र प्रतियोगिता, स्वच्छ भारत अभियान, एनएसएस दिवस, दिवाली मेला, राष्ट्रीय युवा दिवस, खेल दिवस, ड्रग्स पर व्याख्यान, स्कूटी ड्राइविंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि जैसी गतिविधियों का आयोजन किया।

***

शहीद सुखदेव व्यापार अध्ययन महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

एसएससीबीएस को वर्ष 2019 को जारी इंडिया टुडे रैंकिंग द्वारा स्नातक व्यवसाय प्रबंधन पाठ्यक्रम के लिए द्वितीय स्थान दिया गया है। इसके अलावा, इंडिया टुडे ने एसएससीबीएस को सर्वश्रेष्ठ इंटेक गुणवत्ता और शासन, कैरियर में प्रगति और नियुक्ति, उच्चतम वेतन की पेशकश, सबसे कम शिक्षण शुल्क, पैसे के लिए मूल्य और धारणा के साथ महाविद्यालय में पहला स्थान दिया है। छात्र उच्चतम नियोजन पैकेज की पेशकश की गई रुपए 18 लाख पीए और औसत पैकेज रुपए 6.9 लाख प्रतिवर्ष जो अत्यधिक सफल रहा है। एसएससीबीएस ने दिल्ली विश्वविद्यालय और साइबर सुरक्षा और कानून संस्थान के साथ मिलकर साइबर सुरक्षा और कानून (पीजीडीसीएसएल) में 42 सप्ताह का पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा लॉन्च किया। महाविद्यालय ने अपने विद्यार्थियों और लड़कों के छात्रावास में वातानुकूलित आवास प्रदान करके अपने विद्यार्थियों के लिए सेवाओं का विस्तार किया। इसके अलावा, कॉलेज फॉर प्रोफेशनल्स और अंडरग्रेजुएट्स के लिए डेटा एनालिटिक्स पर सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया गया, जो मशीन लर्निंग, डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय तरीके, पायथन / आर प्रोग्रामिंग, न्यूरल नेटवर्क और डीप लर्निंग में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

विशेष योग्यता वाले छात्र

एसएससीबीएस के छात्र ने यूलर के नंबर मेमोरियल (3141 अंक) के अधिकांश दशमलव स्थानों के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

लुफ्थांसा प्रभाव सप्ताह 2018 में प्रथम पुरस्कार (एसएससीबीएस के ऊष्मायन केंद्र द्वारा सामाजिक समस्याओं को हल करने के लिए डिजाइन सोच तकनीकों का उपयोग करने पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, लुफ्थांसा की वैश्विक सीएसआर पहल के अंतर्गत एशिया में पहली बार आयोजित की गई)।

नेशनल विनर - डफ एंड फेल्प्स वाईओ यूनिवर्सिटी डील चैलेंज

मीका द्वारा सबसे बड़ी राष्ट्रीय अंडरग्रेजुएट केस स्टडी प्रतियोगिता में मीका इम्पेटस को प्रथम पुरस्कार।

एसएससीबीएस के विद्यार्थियों ने एचईसी पेरिस, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय आदि के साथ प्रतिस्पर्धा में हार्वर्ड ग्लोबल केस स्टडी प्रतियोगिता में शीर्ष 10 टीमों में अर्हता प्राप्त की।

एसएससीबीएस के विद्यार्थियों ने केपीएमजी एथिक्स ग्रांट 2018 (रुपए 25000) जीत

प्रकाशन

अरोड़ा, ए. (2018)। जब इकॉनमीज जिटर, बिटकॉइन फ्लूटर्स: बिटकॉइन रिटर्न पर मैक्रोइकॉनॉमिक फैक्टर के प्रभाव से साक्ष्य। व्यापार विश्लेषक, 29 (1), 3-25।

जग्गी, सीके, कौसर, ए., तिवारी, एस., और गुप्ता, एम., (2019) “स्टाकेलबर्ग और नैश इक्विलिब्रियम सॉल्यूशन” का उपयोग करके दो इकोलॉइन सप्लाई चेन में प्रदर्शित स्टॉक आश्रित मांग के साथ वस्तुओं के बिगड़ने के लिए इन्वेंटरी और क्रेडिट निर्णय। संचालन अनुसंधान के इतिहास, 274 (1), 309-329

कुमार, आर. (2019) "उपभोक्ता व्यवहार पर विभिन्न जनसांख्यिकी कारकों का प्रभाव - ग्रामीण हिमाचल में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का एक अनुभवजन्य अध्ययन (भारत)" अर्थशास्त्र और व्यवसाय का भारतीय जर्नल, 19 (1), पृष्ठ 10-12-127

कुमार, आर. (2019) "सोशल एंटरप्रेन्योर्स रिफॉर्मिंग एग्रीकल्चर सेक्टर: ए सोल्यूशन टू द वर्ल्ड" कॉन्फ्रेंस पेपर तेरहवें द्विवार्षिक सम्मेलन 20 फरवरी, 2019 को ईडीआईआई अहमदाबाद, गुजरात द्वारा आयोजित किया गया। आईएसबीएन: 978-93-8 6578-39-6 (खंड II) 957-967।

मौर्य, ए., बंसल, सी., सिंह, एस., और सुष्मिता (2019)। आर्थिक संकट मॉडलिंग: एक संकट के प्रभाव को सामान्य करने के लिए डेटा आधारित दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंगिनरिंग एंड फ्यूचर टेक्नोलॉजी, 16 (2) आईएसएसएन 24556432।

सुष्मिता, भाटिया, बी., शर्मा, एस. (2018)। निवेशक ओवरकॉन्फिडेंस एंड डिस्पेंस इफेक्ट: एन एविडेंस फ्रॉम इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन कैपिटल मार्केट्स, 5 (3) पी. 31-41

सुष्मिता, शर्मा, यू. (2018)। विद्यार्थियों के बीच मासिक भत्ता और बचत व्यवहार के पैटर्न के बीच व्यापार का अध्ययन, विवेकानद जर्नल ऑफ रिसर्च, 7 (2), पी. 13-13-136, आईएसएसएन 2319 8702

सुष्मिता, प्रजापत, वी. (अक्तूबर - दिसंबर 2018)। ऑनलाइन और ऑफलाइन खरीदारी का तुलनात्मक विश्लेषण, सामाजिक विज्ञान और मानविकी अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 6 (4), पी: 979-998, आईएसएसएन 2348-3164 (ऑनलाइन), यहां उपलब्ध: www.researchbublish.com

वर्मा, पी. (2018) "लीडरशिप चैलेंजेस पर काबू पाने के लिए व्यवहारिक तंत्र: इनवर्ड लुकिंग लीडरशिप की भूमिका" मंथन: जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, 5 (2), जर्नल प्रेस इंडिया, प्रिंट आईएसएसएन, 2347-4440; e-आईएसएसएन: 2395-2601

पत्रिकाएं(जर्नल)

संपादक मंडल के संपादक के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 3

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ.अभिषेक टंडन, "ए स्टडी ऑन कंज्यूमरिज़्म, मार्केट कॉम्पिटिशन इन डिजिटल एरा" आईसीएसएसआर, एमएचआरडी द्वारा वित्त वर्ष 2018-20 के लिए 7,52,500 रुपये के अनुदान के साथ वित्त पोषित।

आयोजित सेमिनार

मयूख दत्ता, ज़ोनल हेड, मिराए एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने 28 जनवरी 2019 को "स्मार्ट तरीके से धन कैसे पैदा करें" विषय पर एक भाषण दिया।

श्रीजीत एस.जी. और प्रोफेसर आनंद प्रकाश मिश्रा ने 26 फरवरी 2019 को "यूनिवर्सिटी गेम थ्योरी एंड लॉ" विषय पर एक भाषण दिया।

इपसोस, नीदरलैंड के वरिष्ठ ग्राहक निदेशक, रोहित झांब ने फरवरी 2019 को "मार्केट रिसर्च में आईटी की भूमिका" पर व्याख्यान दिया।

सौरभ मदान, सहायक निदेशक, नैसकॉम फाउंडेशन; प्रमुख: संचार और कार्यक्रम लीड, 3 अप्रैल 2019 को "नकली जानकारी के खिलाफ सर्वोत्तम प्रथाओं" पर एक चर्चा

अमरेन्द्र कुमार, प्रमुख, साझेदारी और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, टाटा स्टील, ने 12 अप्रैल 2019 को "इमेजिनेशन, एक्ज़ीक्यूशन एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट की मॉडलिंग" पर एक चर्चा की।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुति

रमेश बारपा, "भारतीय घरों के परिप्रेक्ष्य के माध्यम से ई-कचरे के वर्तमान परिदृश्य पर जोर देते हुए: दिल्ली का एक मामला" 71 वें अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन में 20-22 दिसंबर 2018 को उस्मानिया विश्वविद्यालय में आयोजित

नरेंद्र कुमार निगम, मैनेजमेंट रिसर्च (कोसमार) में विद्यार्थियों के 18 वें कंसोर्टियम - प्रबंधन अध्ययन विभाग, आईआईएसईआर बैंगलोर द्वारा आयोजित; पेपर शीर्षक: सहसंबंध आधारित विविधता और दृढ़ प्रदर्शन: भारत की एक अनुभवजन्य जांच।

रमेश बारपा, "सामाजिक उद्यमी कृषि सुधार क्षेत्र: विश्व को खिलाने का एक समाधान" उद्यमिता 20-22 फरवरी 2019 को तेरहवें द्विवार्षिक सम्मेलन ईडीआईआई अहमदाबाद, गुजरात द्वारा आयोजित किया गया।

नरेंदर कुमार निगम, फ्लेम द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2019 - फ्लेम -विश्वविद्यालय पुणे; पेपर शीर्षक: एक अध्ययन सहसंबंध आधारित विविधता और फर्म का वित्तीय प्रदर्शन: भारतीय कंपनियों से साक्ष्य।

नरेंद्र कुमार निगम, वित्त और अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - एमएमईएस आईएमईआरटी पुणे; कागज शीर्षक: नकारात्मक और सकारात्मक रूप से संबंधित फर्म विविधीकरण: मापन और निहितार्थ।

अभिमन्यु वर्मा, पेपर शीर्षक: 'ई-कॉमर्स के युग में देश का मूल प्रभाव: एक अवधारणा अवलोकन' सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया "भारत 2.0: आर्थिक नीतियां: संभावनाएं और चुनौतियां: 1 दिसंबर 2018 को जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा आयोजित" ,

डॉ. अमृणकौसर, अमृणकौसर, सान्या कपूर, आयुष मोहंती और चंद्र के। जग्गी: "एफएमसीजी क्षेत्र में टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखला का एक अनुभवजन्य अध्ययन", दिल्ली विश्वविद्यालय में इन्वेंटरी, आपूर्ति श्रृंखला और विश्वसनीयता मॉडलिंग में उभरते रुझान पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में। , दिल्ली, 21-23 दिसंबर 2018 के दौरान।

गुरजीत कौर, " ऐन-प्रोमेथेट मॉडल फॉर पोर्ट्रेट ऑप्टिमाइज़ेशन" सीईजीआर इंटरनेशनल मैनेजमेंट कॉन्क्लेव में, 29 जून 2018

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

एफएमएटी (फाइनेंशियल मॉडलिंग और एल्गो ट्रेडिंग) कोर्स चलाने के लिए बीएसई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

एनसीसीएमपी (एनएसई सर्टिफाइड कैपिटल मार्केट्स प्रोफेशनल) कोर्स चलाने के लिए एनएसई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

चार्टर्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स (सीआईएमए) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

शहीद सुखदेव महाविद्यालय ऑफ बिजनेस स्टडीज में वित्तीय प्रौद्योगिकी पर सर्टिफिकेट कोर्स, दिल्ली को संयुक्त रूप से वित्तीय अध्ययन विभाग (साउथ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय) के शैक्षणिक मार्गदर्शन में वाईस्टार्ट इनोवेशन लैब्स के सहयोग से पेश किया जाता है।

कोलंबिया का एक छात्र एसएससीबीएस के बैचलर ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के अंतर्गत ग्लोबल बिजनेस ऑर्गनाइजेशन का अध्ययन कर रहा है। छात्र दिल्ली के विश्वविद्यालय और यूनीवीसडैडसैटरेडा डी कोलम्बिया

के बीच एमओयू के आलोक में यूनीवीसडैडस्टेनडो डी कोलंबिया के साथ एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत महाविद्यालय से जुड़ा हुआ है।

नियोजन का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत रखा गया: 177 (84.29%)

कैंपस भर्ती के लिए दौरा किया कंपनियों की संख्या: 52

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

महाविद्यालय में एक्टस चैप्टर 3 सोशल एंटरप्रेन्योरियल प्रोजेक्ट्स- परियोजना राहत, परियोजना उदय और परियोजना खिदकी का काम कर रहा है। परियोजना रावत खुले में शौच के उन्मूलन के उद्देश्य से शहरी मलिन बस्तियों में सामुदायिक शौचालय परिसर (सीटीसी) में सरकारी मानकों के उपयोग और निगरानी के लिए संवेदीकरण और निगरानी तंत्र के विकास के क्षेत्र में काम करता है। परियोजना उदयन गांवों में ई-कचरा प्रबंधन और डिजिटल साक्षरता के क्षेत्र में काम करता है। परियोजना खिडकी दिल्ली में बच्चों के बीच कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए आंगनवाड़ियों के साथ मिलकर काम करने वाली एक परियोजना है।

उपरोक्त पहलों के हिस्से के रूप में, महाविद्यालय की टीम नियमित रूप से सरकार एजेंसियों, स्वास्थ्य और चिकित्सा एजेंसियों और गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करती है और गांवों और शहरी झुग्गियों में संवेदीकरण शिविर, स्वच्छता शिविर, गर्भावस्था और मासिक धर्म जागरूकता शिविर, नेत्र जांच शिविर और वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित करती है। मंथन-एन इंटरनेशनल स्ट्रीट थिएटर फेस्टिवल का आयोजन एसएससीबीएस के वर्वे-द स्ट्रीट प्ले सोसाइटी द्वारा किया गया था।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या 22,295 है। इसके अलावा, पुस्तकालय 53 पत्रिकाओं और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की पत्रिकाओं और 13 राष्ट्रीय और व्यावसायिक समाचार पत्रों की सदस्यता लेता है। पुस्तकालय में इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों अर्थात इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं, दिल्ली विश्वविद्यालय नेटवर्क के माध्यम से रिपोर्ट, और केस स्टडीज तक पहुंच है। इसमें 02 फेडरेटेड / कॉमन सर्च इंजन शामिल हैं, जैसे जेसीसीसी और निंबस, 10 संदर्भ और प्रशस्ति पत्र स्रोत, 06 ग्रंथ सूची स्रोत, 02 उद्धरण विश्लेषण संसाधन अर्थात् स्कोपस और वेब ऑफ साइंस और प्रबंधन अध्ययन और कंप्यूटर विज्ञान आदि के क्षेत्र में अन्य पूर्ण पाठ डेटाबेस। इस वर्ष, पुस्तकालय ने रुपए के खर्च के लिए 883 पाठ्यपुस्तकों और संदर्भ पुस्तकों को जोड़ा। 4,98,065/-, रुपये के लिए 53 आवधिक। 1,80,066 / - और 13 अखबारों के लिए रुपए 25,373 / -। इलेक्ट्रॉनिक मोर्चे पर, पुस्तकालय ने रुपए 13,570 / - और रुपए 5,900 / - क्रमशः डिजिटल डेटाबेस, डेलनेट और एन-लिस्ट की सदस्यता के लिए।

संकायों की संख्या

कुल स्थायी : 32

कुल तदर्थ : 10

वित्तीय आबंटन और उपयोग

प्राप्त उपयोग किया

सहायता अनुदान (सामान्य) रुपए 2,47,81,235.69 रुपए 2,99,97,536.00

ग्रांट-इन-एड (कैपिटल एसेट्स) 42,34,251.00 रुपए 7,83,734.00

सहायता अनुदान (खेल सुविधाएं) 12,92,200.00 रुपए 79,129.00

ग्रैंड टोटल 165573626.8 रुपए 147822606

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय बीबीए (उद्यमिता) में स्नातक स्तर पर दो नए पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए अनुमोदन की मांग कर रहा है। यह अपने बी.एससी के लिए सेवन की ताकत बढ़ाने पर भी काम कर रहा है। (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस कोर्स।

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन साइबर सिक्योरिटी एंड लॉ (पीजीडीसीएसएल) कोर्स की शुरुआत सितंबर 2018 में ल्यूसिडस टेक से हुई थी। प्रा। एक ज्ञान भागीदार के रूप में लि। यह पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मोड में संचालित होने वाला पहला कोर्स है।

***

शिवाजी महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

शिवाजी महाविद्यालय, एनएएसी द्वारा ग्रेड ए से मान्यता प्राप्त अब जैव प्रौद्योगिकी विभाग, सरकार द्वारा वित्त पोषित महाविद्यालयों की एक कुलीन सूची में शामिल है। भारत के स्टार महाविद्यालय योजना के अंतर्गत। इंडिया टुडे द्वारा 2018 में एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण में हमारे महाविद्यालय को मानविकी में 11 वें स्थान पर, विज्ञान में 12 वें और वाणिज्य में 11 वें स्थान पर दिल्ली के सभी महाविद्यालयों में स्थान दिया गया। शिवाजी महाविद्यालय विज्ञान, कला और वाणिज्य की विभिन्न धाराओं में शीर्ष 40 महाविद्यालयों में शामिल है। नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), एमएचआरडी, सरकार। भारत के, शिवाजी महाविद्यालय को देश के सभी महाविद्यालयों के बीच 54 वें स्थान पर रखा गया। महाविद्यालय लैंगिक समानता का कारण बनता है और महिलाओं के उत्थान के लिए जमीनी स्तर पर काम करने वाले असाधारण पुरुषों और महिलाओं को 2010 से जिजाबाई अचीवर्स अवार्ड्स प्रदान कर रहा है। नीतिआयोग, फिक्की, शोरओस और दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से महिला विकास प्रकोष्ठ ने एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसका शीर्षक संगठित लैंगिक समानता: आईएसएस और चुनौतियां' है। इस आयोजन के दौरान जीजाबाई पुरस्कार प्रदान किए गए और "समतुल्य: दार्शनिक टू अस्तित्वगत समानता" नामक एक पुस्तक का विमोचन किया गया।

सम्मान / गौरव

महाविद्यालय के हर्बल गार्डन, जो औषधीय पौधों की एक विस्तृत विविधता को बनाए रखता है, को of बेस्ट हर्बल गार्डन इन द यूनिवर्सिटी 'के लिए डॉ. मीनाक्षी गोपीनाथ कप से सम्मानित किया गया।

डॉ. शशि निझावन "भारतीय विज्ञान और पर्यावरण और भारतीय विश्वविद्यालयों के परिसंघ, 2019 के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा मूल्य शिक्षा (डब्ल्यूएवी) के लिए विश्व पुरस्कार"।

डॉ. तेजबीर सिंह राणा "एनसीटी -दिल्ली सरकार द्वारा" मेधावी शिक्षक पुरस्कार 2018 "और 1 लाख रुपये का इनाम।

डॉ. रुचिरा ढींगरा "महिला सशक्तिकरण पुरस्कार 2019" सामाजिक कार्य के लिए आज की दिल्ली और डीडी समाचार द्वारा 8 मार्च, 2019 को और "वुमन एक्सीलेंस अवार्ड 2019" S2S वर्गों और राजस्थानी की पाठशाला के साथ 8 मार्च, 2019 को स्वस्थ यूनिवर्स फाउंडेशन द्वारा वायएमसीए में

डॉ. दीपिका यादव “11 वीं डीएनए इनोवेटिव एजुकेशन लीडरशिप अवार्ड” के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रोफेसर इन जूलॉजी स्टडीज़ इन ताज लैंड्स एंड, मुंबई और “बेस्ट पोस्टर पोस्टर अवार्ड”, “यूनीवर्सिटी लिविंग एंड वाइल्डलाइफ़ कंजर्वेशन विद सस्टेनेबल इकोटिज्म” इंटरनेशनल ई। दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी महाविद्यालय में 14 फरवरी 2019 को "पूर्वोत्तर भारत में ईकोटोरिज़्म के माध्यम से उद्यमिता विकास" पर शिखर सम्मेलन।

विशेष योग्यता वाले विद्यार्थी

बीएससी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान तृतीय वर्ष के शुभांगी सांगवान को दिल्ली विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय द्वारा "मेधावी पुरस्कार (विश्वविद्यालय रैंक धारक- III पद)" के लिए चुना गया था।

शैक्षणिक सत्र 2018-19 के लिए बीएससी (ऑनर्स) बायोकेमेस्ट्री तृतीय वर्ष के आयुष गांगुली को "स्टूडेंट ऑफ द ईयर अवार्ड" से सम्मानित किया गया। उन्होंने 26 मई, 25 जून, 2018 से के लिंक इंटरनेशनल, कुआलालंपुर, मलेशिया में पीडीबी और बायो-इन्फॉर्मेटिक्स और उत्पाद डिजाइनिंग के लिए जॉब ट्रेनिंग प्रोग्राम को आगे बढ़ाया और 2-9 जुलाई, 2018 को आईआईटी दिल्ली में 'ऑप्टिकल फाइबर एनालिसिस' पर एक परियोजना भी शुरू की है।

90 देशों के एशियाई अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए एचपीएआईआर-हार्वर्ड कॉलेज परियोजना में 300 प्रतिनिधियों में से एक के रूप में बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र II वर्ष का निष्ठा सेठी को चुना गया। उसने डीयू, एसपीए और आईआईटी-डी द्वारा आयोजित नवीनता दिल्ली डिजाइन इनोवेशन बूटकैम्प ’में सेल्फ-क्लीनिंग टॉयलेट सीट का एक कार्यशील प्रोटोटाइप तैयार किया। उन्होंने एक कंटेंट राइटर के रूप में एक आईआईटी - डी इनक्यूबेटेड स्टार्ट-अप माईवेज की कोर टीम में भी काम किया।

ऋषभ उपाध्याय बीए (ऑनर्स) इंग्लिश तृतीय वर्ष में इंटरकॉलेज बेस्ट फिजिक टूर्नामेंट में पहला स्थान हासिल किया, 75 किलोग्राम वर्ग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित और ऑल इंडिया द्वारा आयोजित इंटर यूनिवर्सिटी बेस्ट फिजिक टूर्नामेंट, 75 किलोग्राम वर्ग में भी पांचवां स्थान हासिल किया। नेशनल इंटर यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप।

बी.एससी (ऑनर्स) बायोकेमिस्ट्रीस्ट वर्ष की सुकृति शर्मा ने एकल गायन प्रतियोगिता में भाग लिया और महाराजा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव में पहला स्थान हासिल किया, डीआईएएस में दूसरा स्थान और कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, डीयू द्वारा आयोजित ओकट्रोबेस्ट में तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने अंबेडकर विश्वविद्यालय और श्री गुरु गोबिंद सिंह महाविद्यालय ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एयूडी@सिटी 2019 में युगल गायन प्रतियोगिताओं में पहला और तीसरा स्थान प्राप्त किया.

प्रकाशन

अरोड़ा, आर., इस्सर, यू., और कक्कर, आर. (2018)। ऑर्गनोटिन (IV) के सैद्धांतिक जांच के स्थानापन्न बेन्ज़ोहाइड्रॉक्समिक एसिड होते हैं। कम्प्यूटेशनल और सैद्धांतिक रसायन विज्ञान, 1138, 57-65।

अरोड़ा, आर., इस्सर, यू., और कक्कर, आर. (2018)। उपन्यास मूत्र रोग निरोधकों की पहचान: फार्माकोफोर मॉडलिंग, वर्चुअल स्क्रीनिंग और आणविक डॉ.किंग अध्ययन। जर्नल ऑफ़ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनामिक्स, 1-15

भट्टाचार्य, ए., गुप्ता, ए., कौर, ए., मलिक, डी. (2018)। सूक्ष्मजीवों का उपयोग करते हुए फिनोल का उपचार: रासायनिक प्रदूषण खतरे से निपटने का स्थायी तरीका। वर्तमान कार्बनिक रसायन विज्ञान, 22 (4), 370-385।

देवी, के., राजेंद्रन, वी., रंगराजन, टी., सिंह, आर., घोष, पी., और सिंह, एम. (2018)। संस्कृति में प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम के खिलाफ 2, 2, 2-ट्राइफ्लूरोएथोक्साइक्लोन और 2-फ्लुओरोहेथोक्सीकोलोन की एंटीप्लाज्मोडियल गतिविधि का संश्लेषण और मूल्यांकन. अणु, 23 (5), 1174

कुमार, वी., जोली, वी., और बाबू, सी. आर. (2019)। दिल्ली में एवेन्यू वृक्षारोपण और वायु प्रदूषण को कम करने में उनकी प्रभावकारिता। अर्बोरसिटिकल जर्नल, 1-13.

मिश्रा, पी. के., राय, ए., और राय, एस. सी. (2019)। सिक्किम हिमालय, भारत में भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग करके भूमि उपयोग और भूमि कवर परिवर्तन का पता लगाना। रिमोट सेंसिंग और अंतरिक्ष विज्ञान के मिस्र के जर्नल।

प्रियंका, के., त्रिसायं, पी., और मित्तल, आर. (2018)। तले हुए प्रतिक्रिया तकनीकों का उपयोग करके आकलनकर्ताओं के एक सामान्य वर्ग के माध्यम से लगातार अवसरों पर संवेदनशील पात्रों का व्यवहार करना। मेट्रोन, 76 (2), 203-230

तिवारी, ए., और मिश्रा, पी. के. (2019)। भू-स्थानिक वातावरण में भोपाल शहर (भारत) के शहरी-लैंडस्केप विशेषता के एक अध्ययन. शहरों को लचीला बनाने में. 207-226। स्प्रिंगर, चाम।

सिंह, ए., शर्मा, ए., तोमर, एम., और गुप्ता, वी. (2018)। कार्बन मोनोऑक्साइड गैस सेंसिंग के लिए अत्यधिक झरझरा ZnO नैनोस्ट्रक्चर का विकास। भूतल और कोटिंग्स प्रौद्योगिकी, 343, 49-56

शर्मा, ए., और राणा, टी.एस. (2019)। अलीगढ़ जिले, भारत में जैव विविधता के संरक्षण और उपयोग में सामाजिक मानदंडों की पहचान। शहरों को लचीला बनाने में। 253-266)। स्प्रिंगर, चाम।

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ. कुमारी प्रियंका सर्ब के परियोजना इंवेस्टिगेटर ने प्रमुख अनुसंधान परियोजना को "सफलता के अवसरों और इसके अनुप्रयोगों पर संवेदनशील मुद्दों के डिजाइन और विश्लेषण" शीर्षक दिया [रेफरी नंबर EMR (2016) / 000455]

डॉ. प्रबुद्ध कुमार मिश्रा आईसीएसएसआर के परियोजना अन्वेषक ने सिक्किम हिमालय में "मिट्टी, जल और पोषक संरक्षण के लिए स्वदेशी पारिस्थितिक ज्ञान" नामक प्रमुख अनुसंधान परियोजना को वित्तपोषित किया (2017-2019)

डॉ. सुनीता गुप्ता, सुश्री निमिता कांत और डॉ. पारुल कुलश्रेष्ठ। डीबीटी के परियोजना जांचकर्ताओं ने वित्त पोषित मामूली परियोजना को "एक अनुसंधान उपकरण के रूप में सिलवटों का उपयोग करके दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में यमुना नदी के रिपेरियन क्षेत्र में अकशेरुकी जैव विविधता के मौसमी बदलाव को रिकॉर्ड करने का अधिकार दिया" (2018-2019)

पेटेंट / आवेदित

श्री अवनीत सिंह ने प्रोफेसरविनय गुप्ता, मोनिका तोमर, और अंजलि शर्मा के साथ 18 फरवरी, 2019 (आवेदन संख्या 201811006329) पर “इलेक्ट्रिक फील्ड असिस्टेड लो पॉवर कंज्यूमिंग कंडक्टोमेट्रिक गैस सेंसर” शीर्षक से भारतीय पेटेंट कार्यालय में एक पेटेंट दायर किया।

आयोजित संगोष्ठी

15-16 जनवरी, 2019 को "लिंग समानता: मुद्दे और चुनौतियाँ" पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

इतिहास विभाग द्वारा "डायनेमिक्स ऑफ़ लैंग्वेज इन हिस्ट्री" नामक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 28 फरवरी से - 1 मार्च, 2019

डीएसटी इंस्पायर साइंस कैंप 16-20 जुलाई 2018 से विज्ञान विभागों द्वारा आयोजित किया गया था।

वनस्पति विज्ञान विभाग ने निम्नलिखित वक्ताओं के साथ व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की:

पद्मश्री प्रो एस के सोपोरी, एसईआरबी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के प्रतिष्ठित साथी। भारत, अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरिंग और जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, नई दिल्ली, "पौधों में संवेदी धारणा", 30 अगस्त, 2018

प्रोफेसर अतुल नारंग, प्रमुख, जैव रासायनिक इंजीनियरिंग और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, "इथेनॉल और जैव रासायनिक प्रोटीन उत्पादन के लिए जैव रासायनिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग", जनवरी 29, 2019

आयोजित सम्मलेन

उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (ईडीसी), शिवाजी महाविद्यालय, इंस्टीट्यूट ऑफ बायोरसोर्स एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (आईबीएसडी) इम्फाल और नितियोग के सहयोग से, 14 फरवरी को “पूर्वोत्तर भारत में उद्यमिता विकास के माध्यम से” विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय ई समिट का आयोजन किया गया। 15, 2019

जैव रसायन विभाग ने 10 अप्रैल, 2019 को "जैविक प्रवृत्तियों में हालिया रुझान" पर एक दिन की राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुति

सुनीता सिंह ने "फ्रिककोसिटी एंड सर्वाइमीटर: न्यू सर्फेस एनर्जी-नैनो-इमल्शन एंड फिजियोकेमिकल सेंसर के लिए नई प्रवृत्तियां" शीर्षक से कागजी प्रस्तुति अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फिजिकल एंड लाइफ साइंसेज के इंटरफेसेस में हालिया एडवांसमेंट' - आरआईपीएलएस-2019रसायन विज्ञान विभाग, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की राजस्थान, जयपुर में 28-30 जनवरी 2019 तक आयोजित किया गया।

अंजलि रमन ने रोमानी भाषा, भाषाई अधिकार और भाषाई न्याय (आईसीआरएलआरएलजे) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एटिट्यूड टूवार्ड्स रोमा: द प्रेज्यूडिस एंड मार्जिनलाइज़ेशन फेस' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, जो कि सेंटर फॉर लिंग्विस्टिक जस्टिस और लुप्तप्राय भाषाओं द्वारा राष्ट्रीय संस्थान के सहयोग से आयोजित किया गया था। ओरिएंटल लैंग्वेजेस एंड कल्चर, पेरिस (आईएनएएलसीओ) के लिए 5 दिसंबर 2018 को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली में आयोजित किया गया।

प्रबुद्ध कुमार मिश्रा ने विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांति निकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सिक्किम हिमालय के कृषि प्रणालियों में स्थानीय समुदायों के of जलवायु धारणा ’का एक पेपर प्रस्तुत किया। 19-20 जनवरी 2019

रुचिरा ढींगरा ने 29 जनवरी, 2019 को एआरएसडी महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'भारतीय देश साहित्य: प्रेमखान्यक' पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर 'हिंदी प्रेमखान्यक पद्मावत माईलोकतव' प्रस्तुत किया।

दर्शन पांडे ने 3 नवंबर 2018 को जेडीएम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रसाद युगीन हिंदी नेटकॉन छैना चेतना ’प्रस्तुत किया।

कुमारी प्रियंका ने 01-03 दिसंबर 2018 को गणित, एसएयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित गणितीय मॉडलिंग और संगणना पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सैंसिटिव इश्यूज़ ऑन सैंसिटिव इश्यूज़' के गणितीय मॉडलिंग का शीर्षक वाला एक पेपर प्रस्तुत किया।

निमिता कांत ने अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस इंटीग्रेटिड केमिस्ट्री, बायोलॉजी एंड ट्रांसलेशनल मेडिसिन (आईसीबीटीएम-2019) में आयोजित कार्यक्रम के लिए एक पोस्टर प्रेजेंटेशन (पीपी-62) "प्रोग्राम्ड डेथलीगेंड 1 और पी53 उत्परिवर्ती ग्रंथि कार्सिनोमा में परस्पर संबंधित स्थिति का सहसंबद्धता और पूर्वानुमान संबंधी महत्व दिया।" 25-26 फरवरी 2019 को ग्लोबल हेल्थ, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत, लोयोला यूनिवर्सिटी शिकागो स्ट्रिच स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए।

पारुल बहल ने एक पत्र प्रस्तुत किया: 2-4 जुलाई 2018 को बैंकॉक, थाईलैंड में एजीबीए की 15 वीं वार्षिक विश्व कांग्रेस।

ऋचा अरोड़ा ने 2-6 जुलाई, 2018 को मॉरीशस में आयोजित प्योर एंड एप्लाइड केमिस्ट्री पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हेलिकोबेक्टर पाइलोरी यूरिज़ के सक्रिय स्थल और हाइड्रॉक्सैमिक एसिड के निषेध में सिलिको अध्ययन पर पोस्टर" प्रस्तुत किया।

विराट जोली ने 20-21 नवंबर, 2018 को ब्रिटिश ऑर्निथोलॉजिस्ट यूनियन 2018 ट्विटर कॉन्फ्रेंस, यूनाइटेड किंगडम में सिटीजन साइंस: ए टूल फॉर हिमालयन बर्ड्स के संरक्षण के लिए एक टूल 'प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

Mahidol विश्वविद्यालय, थाईलैंड के साथ समझौता ज्ञापन

उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (ई.डी.सी) ने विद्यार्थियों के लिए नए अवसर प्रदान करने के लिए नीति अयोग के साथ एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए।

फिक्की फ्लो के साथ एमओयू

नियोजन का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या: 58
कैंपस भर्ती के लिए देखी गई कंपनियों की संख्या: 31

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

एनसीसी ने 24 अगस्त 2018 को दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर एक ट्रैफिक अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया। एनसीसी कैडेट्स ने 15-16 सितंबर 2018 को स्वच्छ भारत पखवाड़ा के अंतर्गत महाविद्यालय और आसपास के स्थानों में स्वच्छता अभियान में भाग लिया। एनएसएस ने 8 अगस्त 2018 को एक स्वच्छता अभियान चलाया। मानव श्रृंखला और पोस्टर रैलियों के गठन से। एक अभियान के लिए अभियान बेहतर स्वच्छता आचरण '18 सितंबर, 2018 को आयोजित किया गया था। एक्टस शिवाजी ने दान के लिए किताबें, स्कूल की आपूर्ति, कपड़े, जूते आदि एकत्र किए। जैव रसायन विज्ञान विभाग और जूलॉजी विभाग ने 31 अक्तूबर 2018 को सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए पश्चिम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डब्ल्यूडीएलएसए) के सहयोग से एक स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया। कल के नेताओं ने 5-7 दिसंबर 2018 से एक दान अभियान का आयोजन किया। केरल बाढ़ से प्रभावित स्कूली विद्यार्थियों के लिए स्टेशनरी का सामान इकट्ठा करना। फीडिंग इंडिया के सहयोग से एक अनाज दान अभियान 21-23 जनवरी 2019 को आयोजित किया गया। रक्तदान शिविर एनएसएस, एनसीसी और नेताओं के लिए कल आयोजित किया गया।

पुस्तकालय विकास

शिवाजी महाविद्यालय में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए वातानुकूलित रीडिंग हॉल के साथ एक पूरी तरह से स्वचालित पुस्तकालय है। शैक्षणिक सत्र 2018-2019 में लगभग 1557 पुस्तकों को पुस्तकालय संग्रह में जोड़ा गया है। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए, ब्रेल किट जिसमें सीडी, 33 एंजेल डिवाइस और एक लेक्स पोर्टेबल कैमरा रीडिंग सिस्टम के साथ 286 ब्रेल पुस्तकें शामिल हैं, पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को कैंपस के भीतर और बाहर इनफ्लिबनेट ई-जर्नल तक पहुंचने के लिए अलग-अलग लॉगिन आईडी प्रदान की जाती है।

संकायों की संख्या

कुल स्थायी: 105

कुल तदर्थ : 96

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान मंज़ूर: रुपए 56.57 करोड़ है

ग्रेनाइट का उपयोग: रुपए 51.08 करोड़ है

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

शिवाजी महाविद्यालय ने 24 अगस्त 2018 को अपना पहला टीईडीएक्स कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम संगठित F5: ताज़ा'थीम पर आधारित था और यह जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के वक्ताओं द्वारा बातचीत का एक समूह था। इस कार्यक्रम में युवा सामाजिक उद्यमी सुहानी जलोटा, संस्थापक मैना महिला फाउंडेशन, रुद्राणी चेट्री, एमआईटीआर ट्रस्ट के संस्थापक, पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ और उनकी पत्नी पूजा यादव कैफ, आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर राजदरी चटर्जी, अमृत भट, की उपस्थिति देखी गई। ड्रम सर्कल, अनामिका सिंह, डांस एंड आर्ट्स एकेडमी के संस्थापक, दिव्य प्रकाश दुबे, हिंदी लेखक और एक कहानीकार, श्रुति शर्मा, 'बुक्स ऑन दिल्ली मेट्रो' की पहल।

भारतीय कला को बढ़ावा देने के प्रयास में महाविद्यालय ने विराट 2018 'का आयोजन किया, जो स्पिक मैके के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम की पद्मश्री गीता चंद्रन और पद्मश्री भजन सोपोरी ने की। वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव अनेक कंपनसेशन भारतीय फिल्म निर्माता और दूरदर्शी मुजफ्फर अली द्वारा प्रस्तुत किया गया था। शिवाजी महाविद्यालय के पास दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में सबसे बड़ा खेल मैदान है। विद्यार्थियों को क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, सॉफ्टबॉल आदि जैसे खेल उपलब्ध कराए जाते हैं। हमारे छात्र रणजी ट्रॉफी और अन्य राज्य स्तरीय टूर्नामेंट के लिए खेल रहे हैं।

***

श्रीराम वाणिज्य महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

वर्ष के दौरान, महाविद्यालय ने बिजनेस डेटा एनालिटिक्स में एक मूल्य वर्धित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किया। ईशा फाउंडेशन के सहयोग से महाविद्यालय ने सद्गुरु को यूथ एंड ट्रुथ: अनप्लग्ड विद सद्गुरु के उद्घाटन समारोह की मेजबानी की। । एलुमनी लेक्चर सीरीज़ 'नामक एक अनूठी पहल" स्टॉक मार्केट्स में पैसा कैसे बनाएँ "और" बजट 2019 "जैसे विषयों को शुरू किया गया। वर्चुअल और फेस-टू-फेस प्लेटफार्मों पर विभिन्न हितधारकों के लिए महाविद्यालय में मनोवैज्ञानिक और कैरियर परामर्श सत्र शामिल करने वाली परामर्श सेवाएँ

शुरू की गईं। इसी प्रकार, महाविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के कार्यालय द्वारा अट्ठाईस अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाविद्यालय ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई नई विस्तार गतिविधियों और परियोजनाओं को शुरू करते हुए अपनी संस्थागत सामाजिक जिम्मेदारी का विस्तार किया जैसे कि वित्साला, एसआरसीसी द्वारा वित्तीय साक्षरता, एनएसएस, एसआरसीसी द्वारा शहरी साक्षरता, और एनक्टस, एसआरसीसी द्वारा स्वच्छ पेयजल।

सम्मान / गौरव

भारत के सर्वश्रेष्ठ कॉलेज ऑफ कॉमर्स, 2019 के लिए "इंडिया टुडे सर्वे" द्वारा नंबर 1 कॉलेज ऑफ कॉमर्स के लिए रैंक किया गया।

विशेष योग्यता वाले विद्यार्थी

तृप्ति गोयल ने प्रथम रैंक, एम.कॉम हासिल की।

स्मिता राय: पहली रैंक, जीबीओ में पीजी डिप्लोमा

दीपिका कुमार: प्रथम रैंक, बी। कॉम। (ऑनर्स)

निकिता गुप्ता: प्रथम रैंक, बी.ए (ऑनर्स) इको।

प्रकाशन

आहूजा, जी., गुप्ता आर. (2018): व्यवस्थित दृष्टिकोण आयकर के लिए। नई दिल्ली: फ्लेयर प्रकाशन।

चड्ढा, आर., चड्ढा, एस. (2018): कॉर्पोरेट कानून। दिल्ली: स्कॉलर टेक प्रेस।

दीपश्री. (2018). मैक्रोइकॉनॉमिक्स के सिद्धांत। नई दिल्ली: स्कॉलर टेक प्रेस।

जैन, वी. (2019). उद्यमिता। दिल्ली: सिंघल पब्लिकेशन।

आहूजा, जी., गुप्ता आर. (2018): व्यवस्थित दृष्टिकोण आयकर के लिए। नई दिल्ली: फ्लेयर प्रकाशन।

चड्ढा, आर., चड्ढा, एस.(2018): कॉर्पोरेट कानून। दिल्ली: स्कॉलर टेक प्रेस।

दीपश्री. (2018). मैक्रोइकॉनॉमिक्स के सिद्धांत। नई दिल्ली: स्कॉलर टेक प्रेस।

जैन, वी. (2019). उद्यमिता दिल्ली: सिंघल पब्लिकेशन।

जवा, आर., कुमार, एच., और एथिली, एन. (2018). ई-मार्केटिंग (दूसरा संस्करण)। दिल्ली: सिंघल प्रकाशन।

कौर, एस (2018)। 21 वीं शताब्दी की प्रमुख चुनौती के रूप में भूख और कुपोषण। विश्व वैज्ञानिक प्रकाशन कंपनी लिमिटेड।

कुमार, ए., गुप्ता, एल., और अरोड़ा, जे. आर. (2019). ऑडिटिंग और कॉर्पोरेट गवर्नेंस (2 डी।)। दिल्ली: टैक्समैन

प्रकाश, एस. (2018). विपणन प्रबंधन। नई दिल्ली: कल्याणी प्रकाशक।

रुस्तगी, आर.पी. (2018). वित्तीय प्रबंधन के बुनियादी ढांचे। दिल्ली: टैक्समैन प्रकाशन।

ठुकराल, जे. के. (2018). पथरी दिल्ली: मैक्सिमैक्स पब्लिशिंग हाउस।

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ

व्यापार विश्लेषक: द्वि-वार्षिक अनुसंधान पत्रिका

स्ट्राइड्स: एसआरसीसी की एक छात्र की पत्रिका: छात्र शोध पत्रिका

संपादक के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 9

आयोजित सेमीनार

"समकालीन आर्थिक मुद्दे और अनुसंधान विधियों" (मार्च 2019) पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला।

मार्च 2019 के दौरान "ई-व्यू 10" पर कार्यशाला।

आईक्यूएसी द्वारा अक्तूबर 2018- फरवरी 2019 के दौरान पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया।

नवंबर 2018 के दौरान "टाइम सीरीज एनालिसिस" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला।

अगस्त 2018 के दौरान आईक्यूएसी द्वारा आयोजित "प्रूव आईक्यू और इकोनॉमिक आउटलुक" पर कार्यशाला।

आयोजित सम्मेलन

महिला सशक्तिकरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, श्री राम वाणिज्य महाविद्यालय (ओआईपी-एसआरसीसी) और नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी) के कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से 16-17 जुलाई, 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में उद्यमशीलता, नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देना।, दिल्ली। सम्मेलन के मुख्य अतिथि श्री वेंकैया नायडू थे, भारत के माननीय उपराष्ट्रपति, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. किरण बेदी, माननीय उपराज्यपाल, पुडुचेरी और श्री अमिताभ कांत, सीईओ, नीति आयोग थे।

जीबीओ ग्लोबल बिज़नेस समिट 2019, एसआरसीसी, ने अपने वार्षिक फ्लैगशिप कार्यक्रम, द ग्लोबल बिज़नेस समिट 2019, 01-02 मार्च 2019 को कल्पना 360 ° - वैश्ववाद के लिए एक प्रतिमान बदलाव का आयोजन किया। शिखर सम्मेलन का उद्घाटन भाषण दिल्ली स्कूल ऑफ बिजनेस के महानिदेशक प्रोफेसर आई। एम. पांडे द्वारा दिया गया। श्री अशोक भसीन, प्रमुख-डिजिटलीकरण, हीरो मोटोकॉर्प और श्री कुसुमाकर पांडे, उपाध्यक्ष, गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड। लिमिटेड शिखर सम्मेलन के मुख्य वक्ता थे।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल, एसआरसीसी और ईशा फाउंडेशन ने 4 सितंबर 2018 को संयुक्त रूप से "युवा और सत्य: अनप्लग्ड विद सद्गुरु" कार्यक्रम का आयोजन किया।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

अनिल कुमार ने क्षमता स्थिरता, व्यवसाय के अवसर, और सामाजिक उत्तरदायित्व: पर एक एशियाई परिप्रेक्ष्य 'में व्यापार और अर्थशास्त्र में एयू अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में" भारत में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में कॉर्पोरेट प्रशासन: आईएफ एंड एलएस का शीर्षक "नामक पेपर प्रस्तुत किया। 13-15 मार्च 2019।

असीरवाड द्विवेदी ने 6-7 से कुनमिंग, चीन के इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन स्टडीज, युनान यूनिवर्सिटी और पीकिंग यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विकास देशों की जनसंख्या और विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड पॉपुलेशन: अर्बन इंडिया का एक अनुभवजन्य मूल्यांकन" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया। 8 अगस्त 2018।

कुलजीत कौर ने 25-27 सितंबर 2018 को किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ओलंपिक और भारतीय मूल्यों पर वैश्विक संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के बीच "व्यक्तित्व की स्थलाकृति, जो कि घृणित हित का पीछा करते हैं" शीर्षक से प्रस्तुत किया।

प्रियंका अग्रवाल को 19-20 जून, 2018 को यूके में 22 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ऑक्सफोर्ड, यूके में 22 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रोफेसर आर के सिंह के साथ "सीएसआर और संगठनात्मक प्रतिबद्धता: ए मेटा-एनालिसिस" नामक एक पेपर प्रस्तुत करने के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला।

28-30 जनवरी 2019 को मलेशिया के पेनांग में यूनिवर्सिटी सेन्स मलेशिया में आयोजित सीएमएआई के 6 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में राजीव कुमार ने इंडो-गल्फ लेबर माइग्रेशन एंड रेमिटेंस के निर्धारक 'नामक पेपर प्रस्तुत किया।

संतोष कुमार ने "भारत में मौद्रिक नीति का विकास और डॉ. बीआर अंबेडकर के योगदान" नामक एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत के संविधान में सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर के विजन" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया। 26 नवंबर 2018 को अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली।

शिखा मक्कर ने ग्लोबल विजन 2030 पर आईसीएसएसआर प्रायोजित XX वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता: काम पर शिक्षक के रवैये पर आध्यात्मिकता के प्रभाव को मापने" नामक पेपर प्रस्तुत किया: 4 नवंबर को नई दिल्ली में दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय में आयोजित चुनौतियां और अवसर। -5 जनवरी 2019।

सूर्य प्रकाश ने 14-16 दिसंबर 2018 को आईईए और आईएसआईएस कैम्पस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित भारतीय आर्थिक संघ के 101 वें वार्षिक सम्मेलन में भारतीय खुदरा क्षेत्र पर एफडीआई का प्रभाव: दिल्ली क्षेत्र का एक केस स्टडी "नामक पत्र प्रस्तुत किया।

सुमन भाकरी ने 14-15 अप्रैल 2018 को आयोजित इकोनॉमिक्स, फाइनेंस एंड स्टैटिस्टिक्स, आईईटीआई, हांगकांग के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एफडीआई: ए रियल बूस्ट टू ग्रोथ ऑफ इमर्जिंग इकोनॉमीज" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

वंदना जैन ने "भारत में नवप्रवर्तन और महिला उद्यमिता: सड़क से आगे" शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया, एसआरसीसी और एनओआईएयोग के डब्ल्यूईपी द्वारा संयुक्त रूप से भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित "सशक्त महिला: सशक्त उद्यमशीलता, नवाचार और स्थिरता" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में। , नई दिल्ली, 16-17 जुलाई 2018

भारतीय / विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन: 6

मेलबर्न बिजनेस स्कूल, ऑस्ट्रेलिया के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

थाउमासैट विश्वविद्यालय, बैंकॉक, थाईलैंड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

गेडू कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज, गेडु, भूटान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भारतीय रिजर्व बैंक के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

आईसीयू अकादमी, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। भारत की सरकारी कॉलेज फॉर वूमेन, गांधी नगर, जम्मू के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

सांस्कृतिक: यूएनईएससीएपी, थाईलैंड; स्टार्टअप्स: युवा मामले मंत्रालय, भारत; अभिनव: ग्रीनफिट; शैक्षिक: ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, मेलबोर्न बिजनेस स्कूल, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा, शिकागो विश्वविद्यालय

एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत छात्र

इनबाउंड: 23 इनबाउंड कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों ने पेन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ़ वोल्वरहैम्पटन, मेलबर्न बिजनेस स्कूल, हांगकांग विश्वविद्यालय, विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, सिंघुआ विश्वविद्यालय, हेग विश्वविद्यालय, आदि से भाग लिया।

आउटबाउंड: 6 आउटबाउंड कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें छात्र यूट्रेक्ट बिजनेस स्कूल (नीदरलैंड्स), एसआरसीसी-मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एक्सचेंज प्रोग्राम्स 2018 (साउथ कोरिया), ब्रिक्स यूथ समिट 2018 (चीन), इंडियन यूथ डेलिगेशन टू थाईलैंड 2018 आदि गए।

नियोजन का विवरण

स्नातकोत्तर विद्यार्थियों

विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशतता : 42 छात्र (93.3%)

कैंपस भर्ती के लिए जाने वाली कंपनियों की संख्या: 35

स्नातक के विद्यार्थी

विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत: 290 विद्यार्थी (56.53%)

कैंपस भर्ती के लिए देखी गई कंपनियों की संख्या: 90

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

एसआरसीसी महाविद्यालय ने 2108-19 के दौरान निम्नलिखित परियोजनाएं शुरू कीं: ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने के लिए परियोजना कुशाली, (सोनीपत, हरियाणा); शहरी झुग्गी निवासियों को सशक्त बनाने के लिए परियोजना सशक्त (रोहिणी, दिल्ली); रिक्शा चालक को आर्थिक रूप से साक्षर बनाने के लिए परियोजना समर्थ (डी.यू., दिल्ली); हॉकर्स एंड वेंडर्स को वित्तीय रूप से साक्षर बनाने के लिए उत्थान (कमला नगर, दिल्ली) और अधिक 'ततवा'-सेंटर फॉर ग्रीन इनिशिएटिव्स, एसआरसीसी द्वारा आयोजित वार्षिक ग्रीन फेस्टिवल। महिलाओं को आत्मनिर्भरता प्रदान करने के लिए परियोजना संजीवनी (दिल्ली); अगरबत्ती बनाने वालों को आत्मनिर्भरता प्रदान करने के लिए परियोजना अरपन (दिल्ली); दिल्ली में स्लम स्कूलों को किताबें दान करने के लिए परियोजना ड्रीम लाइब्रेरी (दिल्ली); सेनेटरी पैड और परियोजना अंशुमी (दिल्ली) की सरलीकृत आपूर्ति श्रृंखला की स्थापना के लिए परियोजना आरोग्य (दिल्ली), बाजार वितरण तंत्र में सुधार के लिए आत्मनिर्भर उद्यमशीलता मॉडल परियोजना एस्टिटवा (हरियाणा) बनाने के लिए; स्वच्छ पेयजल के लिए परियोजना अस्बाह (ए.सी.नगर, दिल्ली); तीतरों को आत्मनिर्भरता प्रदान करने के लिए परियोजना विराट (अमृतसर) और रिमरी हेल्थ केयर के लिए परियोजना निडान (दिल्ली) भी चलाया गया।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2018-19 में 1600 पुस्तकें शामिल की गईं। पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को पूरा करने के लिए, पुस्तकालय विज्ञान, लिबसिस संस्करण 7 में नवीनतम सॉफ्टवेयर को नियुक्त करता है। महाविद्यालय के इतिहास को संरक्षित करने और उजागर करने के लिए पुस्तकालय में एक अलग अभिलेखागार अनुभाग स्थापित किया गया है। पुस्तकालय ने ई-व्यू संस्करण 10 का नवीनतम संस्करण ई-व्यू संस्करण हासिल कर लिया। इसने सीएमआईई द्वारा पेश किए गए वित्तीय डेटाबेस, शोध आधारित सॉफ्टवेयर प्रोवेस आईक्यू की वार्षिक सदस्यता का नवीनीकरण किया है। सब्सक्राइबर उरकुंड, प्रमुख एंटी-प्लाजिरिज़्म सॉफ्टवेयर।

संकायों की संख्या

कुल स्थायी: 59

कुल तदर्थ: 67

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान स्वीकृत: रुपए 2768.64 लाख

अनुदान का उपयोग: रुपए 2692.38 लाख

महिला विद्यार्थियों को अधिक से अधिक आवास की सुविधा प्रदान करने के लिए, 180 लड़कियों को समायोजित करने की क्षमता वाली एक नई बालिका छात्रावास का निर्माण किया गया है। स्वच्छ परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने और महाविद्यालय के पर्यावरण जिम्मेदारी प्रोफाइल को बढ़ाने के लिए, सेंटर फॉर ग्रीन इनिशिएटिव्स ने ग्रीन राइड प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से ग्रीन राइड पब्लिक साइकिल शेयरिंग सर्विस की शुरुआत की। लिमिटेड एसआरसीसी बिरादरी द्वारा पचास दिनों में औसतन 50 से अधिक यात्राएं, 2500 से अधिक यात्राएं की गई हैं।

***

श्याम लाल महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने भारत में महाविद्यालयों की एमएचआरडी एनआईआरएफ रैंकिंग में रैंक 41 प्राप्त की है। महाविद्यालय ने "स्टॉक मार्केट और एक्सपर्ट ट्रेड" पर एक ऐड-ऑन कोर्स शुरू किया है और जर्मन और रोमंस स्टडीज विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में नए विदेशी भाषा पाठ्यक्रम भी शुरू किए हैं, शाहदरा मंडी और हनुमान सेवा बस्ती, झिलमिल को अपनाया है। डीसीपी कार्यालय, दिल्ली पुलिस, शाहदरा के सहयोग से पहली बार, "पूर्वी दिल्ली पुष्प प्रदर्शनी 2019" के लिए कई कल्याणकारी उपाय और आयोजित किए गए हैं। महाविद्यालय के अकादमिक मामलों और निगरानी समिति (एएएमसी) ने इंटरडिसिप्लिनरी स्टूडेंट रिसर्च प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की, जिसका नाम था परिवर्तन; खाद्य पालन और गैस रिसाव डिटेक्टर। एमएचआरडी की इनोवेशन काउंसिल के अंतर्गत इनोवेशन सेंटर (आईसी) ने अग्रणी पहल की है और विद्यार्थियों को अभिनव विचारों को विकसित करने और आइडियल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया है।

सम्मान / गौरव

प्रो रबी नारायण कर, प्राचार्य ने विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल के लिए आगंतुक नामांकित व्यक्ति के रूप में नामांकन किया है।

विशेष योग्यता वाले विद्यार्थी

श्री सचिन मलिक, बी.ए. (कार्यक्रम) भाग III ने मकाऊ में जूनियर एशियाई जूडो कप 2018-19 में कांस्य पदक जीता।

श्री आशु दत्त भारद्वाज, बी.ए. (कार्यक्रम) भाग I ने बैंगलोर में आयोजित ऑल इंडिया इंटर-वर्सिटी एक्वाटिक चैम्पियनशिप 2018-19 में आई.एम स्प्रिंग बोर्ड डाइविंग इवेंट में स्वर्ण पदक जीता।

श्री अभय ओबरोई को 12 -21 सितंबर 2018 से एनएसएस एडवेंचर कैंप के लिए एबीवीआईएमएस (अटलबिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड एलाइड स्पोर्ट्स) से संबद्ध क्षेत्रीय खेल केंद्र में चुना गया। उन्होंने 12- 21 अक्तूबर 2018 से प्री-आरडी कैंपलीड एटसीकर (राजस्थान) में दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व करके महाविद्यालय को गौरवान्वित किया।

सुश्री प्रिया दास ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया और 4 अक्तूबर 2018 को एसआरसीसी की एनएसएस इकाई के सहयोग से राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (नोटो) द्वारा आयोजित द्वितीय स्थान हासिल किया।

श्री अभय ओबेरॉय, श्री साई वैष्णवी और श्री गौरव सिंह को "स्वच्छ भारत समर इंटर्नशिप" के लिए सर्वश्रेष्ठ इंटर्नसर्ड चुना गया।

श्री रोहन और श्री गौरव सिंह को महाविद्यालय का एसवीईईपी एंबेसडर चुना गया और इंडिया हैबिटेट सेंटर, गुलमोहर ऑडिटोरियम दिल्ली में "इंडियन इलेक्टोरल डेमोक्रेसी की चुनौतियाँ" विषय पर एक सेमिनार में भाग लिया।

प्रकाशन

अरोड़ा, के. (2018) "जोखिम का एक तुलनात्मक विश्लेषण, भारत में म्युचुअल फंड स्कीम का समायोजित प्रदर्शन" आईटी और प्रबंधन के एमएएमटी - जर्नल में। 12 (1) 1। 20-44। आईएसएसएन 0974-066X।

अरोड़ा, ए., बंसल, एस।, पैट्रिक, एस। वार्ड (2019) "क्या किसान चावल की किस्मों को सूखा और बाढ़ के लिए सहन करते हैं? ओडिशा में एक असतत विकल्प प्रयोग से साक्ष्य "जल संसाधन और अर्थशास्त्र, एल्सेवियर पब्लिकेशन 25 (27-41)।

डबास, एन. "ईएलएम-कर्नेल और कर्नेल ईएलएम आधारित वॉटरमार्किंग योजना को कम करें" सूचना सुरक्षा और अनुप्रयोग, एल्सेवियर में।

कुमार, एस. (2019) "जीएफ (क्यू) पर रैखिक कोड को सही करने में बार-बार फटने वाली त्रुटि, q = 3"। कंप्यूटर और सूचना विज्ञान (सीसीआईएस), स्प्रिंगर में संचार।

कुंभार, एस. "भारत में शहरी शासन", अभय प्रताप सिंह और के। मुरारी, ईडीएस में। भारत में संवैधानिक सरकार और लोकतंत्र, पृष्ठ .311-344, पियर्सन प्रकाशन, दिल्ली।

मजूमदार, के. (2018) "द प्रॉब्लम ऑफ माइग्रेंट्स इन द शैडो लाइन्स" म्यूजियम इंडिया इशू 80, जुल-ऑग। आईएसएसएन: 0975-1815।

नारायण कर, आर. (2019) "सतत विकास और बहुराष्ट्रीय उद्यम विकास देशों में संचालन: संस्थागत ढांचे की भूमिका"। प्रबंधन और आर्थिक अनुसंधान पत्रिका। 5, एस 3। 1-11। DOI: 10.18639 / MERJ.2019.738226

नारायण कर, आर. (2018) "भारतीय आईटी क्षेत्र में एम एंड ए की गतिशीलता को समझना: रुझान, पैटर्न और दिशाओं का विश्लेषण"। संचालन और सामरिक योजना के जर्नल, SAGE। 1 (1), 1-20। DOI: 10., 1177 / 2516600X18774195

नारायण कर, आर. (2018) "वैश्विक परिप्रेक्ष्य में एम एंड ए की रणनीति को समझना: भारतीय आईटी उद्योग से अनुभव"। इन: ओबेरॉय आर., हल्सल जे. (एड) रिविज़िटिंग ग्लोबलाइज़ेशन: इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव्स ऑन सोशल पॉलिसी, एडमिनिस्ट्रेशन एंड प्रैक्टिस। स्प्रिंगर, चम डीओआई 10.1007 / 978-3-319- 79123- 4_7

शर्मा, ए.के., तिवारी एस., जग्गी, सी. के., यादवल्ली, वी. एस. एस. (2018), "विभिन्न क्रेडिट शर्तों के अंतर्गत मूल्य पर निर्भर मांग और स्वीकार्य कमी के साथ गैर-तात्कालिक बिगड़ती वस्तुओं के लिए एक फजी ईओक्यू मॉडल - आरएआईआरओ में एक नया दृष्टिकोण" (संशोधन के अंतर्गत)। आईएसएसएन: 0399-0559

सिंग एन. (2019) "रिलेटिव एविएशन एनर्जीज़ का अध्ययन और बी-लाइक आयनों में एक्स-रे और ईयूवी संक्रमण का संक्रमण डेटा". इलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी और संबंधित घटना (एल्सेवियर पत्रिका) 53-72, 232 की पत्रिका।

सामी, एस. (2019) "एशिया में चीन के बाहरी विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के निर्धारक: एक पैनल डेटा विश्लेषण"। आर्थिक राजनीतिक अध्ययन। 7 (1) टेलर एंड फ्रांसिस समूह को नियमित करें।

सिकंदर, ए. "यूनिवर्सिटी न्यूज़ में भारतीय विश्वविद्यालयों में डिजिटल वर्क कल्चर की आवश्यकता"। जर्नल ऑफ हायर एजुकेशन, यूनिवर्सिटी न्यूज, त्रैमासिक जर्नल, जुलाई 2018।

पत्रिकाएं (जर्नल)

प्रोफेसर रबी नारायण कर, प्रधान, दक्षिण एशियाई सर्वेक्षण के विशेषांक के एक अतिथि संपादक हैं, जो “विकास के क्षेत्र का निर्माण: बोबास रिम देशों और सार्क” पर आधारित है। खंड 25 अंक 1-2 मार्च, 2019।

प्रोफेसर रबी नारायण कर, प्रधानाचार्य, एडिटोरियल एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य, कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यूके।

डॉ. कुशा तिवारी, अंग्रेजी विभाग, संपादकीय सलाहकार बोर्ड की सदस्य, कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यूके।

अनुसंधान परियोजनायें

तीन फिनिश विश्वविद्यालयों टीयूएएस, एक्सएएमके और टीयू सीआईएमओ, फिनलैंड द्वारा वित्त पोषित के साथ सहयोग में "फिनलैंड और भारत व्यापार में जिम्मेदार व्यावसायिक पेशेवरों" परियोजना।

वियना, ऑस्ट्रिया में अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) से बीस हजार यूरो मूल्य के "फ्यूजन उपकरणों में वाष्प परिरक्षण के लिए परमाणु डेटा" परियोजना का शीर्षक।

आयोजित सेमीनार

अंग्रेजी विभाग ने अपने वार्षिक विभागीय सेमिनार का आयोजन 12 मार्च, 2019 को "मैपिंग फैंटेसीज: रिविसिटिंग द फैन्टैस्टिक इन लिटरेरी एंड विजुअल नैरेटिव्स" थीम के साथ किया।

अर्थशास्त्र विभाग ने "निवेश योजना" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया

अर्थशास्त्र विभाग ने 8 मार्च को विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया: "भारतीय अर्थव्यवस्था को बदलने में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिका"। सेमिनार के लिए रिसोर्स पर्सन डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार, किरोड़ीमल महाविद्यालय, डीयू थे, जिसके बाद डिक्लेरेशन प्रतियोगिता हुई।

राजनीति विज्ञान विभाग ने 26 मार्च, 2018 को भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय के अनिवार्य संस्थान, दिल्ली के दीक्षांत शैक्षिक केंद्र, मुखर्जी नगर, के सहयोग से "आईएएस की तैयारी कैसे करें" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

अम्बेडकर स्टडी सर्कल ने एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया विषय पर “डॉ. 23 अक्तूबर 2019 को सामाजिक न्याय, जाति आधारित भेदभाव और बहुजन पहचान पर बी.आर. अम्बेडकर के विचार ”।

भौतिकी विभाग ने प्रख्यात संसाधन व्यक्ति, डॉ. मनोज खन्ना, प्रधानाचार्य, रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ "सेमीकंडक्टर उपकरणों के निर्माण" पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

नैस्कॉम फाउंडेशन के सहयोग से आईक्यूएसी ने व्हाट्सएप पर एक दिन की कार्यशाला का आयोजन किया "नकली सूचनाओं के खिलाफ सर्वोत्तम अभ्यास"। कार्यशाला में लगभग 100 विद्यार्थियों और कर्मचारियों के

सदस्यों ने भाग लिया। नैस्कॉम सहायक निदेशक श्री सौरभ मदान ने विद्यार्थियों को गलत सूचना पर अंकुश लगाने में मदद के लिए हाथ मिलाने के लिए प्रोत्साहित किया और पर पंजीकरण करने के लिए भी विद्यार्थियों को प्रेरित किया। www.Mykartavya.nasscomfoundation.org।

24 सितंबर 2018 को महाविद्यालय के ई-सेल ने एक दिवसीय संगोष्ठी, of साइकी ऑफ ए एंटरप्रेन्योर 'का आयोजन किया, जिसे मनोवैज्ञानिक और प्रेरक वक्ता श्री गौरव गिल ने संबोधित किया।

महाविद्यालय के कौशल विकास प्रकोष्ठ ने 29 मार्च, 2019 को "वित्तीय क्षेत्र में अवसर" पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें श्री संजीव दास, सीनियर फैकल्टी, बीएसई इंस्टीट्यूट शामिल थे। लिमिटेड ने बैंकिंग, वित्त और बीमा क्षेत्र में विभिन्न मार्गों पर चर्चा की।

आयोजित सम्मेलन

गांधी स्टडी सर्कल, राजनीति विज्ञान विभाग और आईक्यूएसी ने 27-28 सितंबर, 2018 को "आधुनिकता के माध्यम से गांधी: पुन: एक सतत भविष्य की ओर" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

दिल्ली के एनआईईएसबीयूडी और क्लस्टर इनोवेशन सेंटर (सीआईसी) के सहयोग से वाणिज्य और आईक्यूएसी विभाग ने 24 -25 अप्रैल 2019 को "मेक इन इंडिया: टूवार्ड्स ग्रोथ एंड प्रोग्रेस" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन और युवा उद्यमी सम्मेलन आयोजित किया।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

सुबोध कुमार ने 27-29 दिसंबर 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईक्यूआरआईटी 2018 में "ऑन द रेस्टेड बर्स्ट एरर करेक्टिंग लीनियर कोड्स इन ब्लॉक्स" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

ज्योति अत्री ने 27-28 अप्रैल 2018 को गान्धी के श्याम लाल महाविद्यालय के राजनीतिक विभाग द्वारा आयोजित एक सेमिनार में "आधुनिक समय में गाँधीवादी अर्थशास्त्र की प्रासंगिकता" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

ज्योति अत्री ने 3-4 फरवरी, 2019 को जेडीएमसी महाविद्यालय द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में उच्च शिक्षा का निजीकरण और उभरते मुद्दे" नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।

कविता अरोरा ने 18-19 जनवरी, 2019 को वाणिज्य विभाग, श्री अरविंदो महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "रणनीतिक व्यापार साम्राज्य: विकास और नवाचार को बढ़ावा देना" में भारत में "स्वामित्व पैटर्न और प्रदर्शन के एक अध्ययन का शीर्षक" नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया। ।

कविता अरोरा ने 4-5 फरवरी, 2019 को वाणिज्य विभाग, जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "समावेशी सतत विकास और बुजुर्गों की देखभाल: वृद्धावस्था के कैदियों का एक अध्ययन" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। समान हेतु।

कविता अरोड़ा ने 4-5 फरवरी 2019 को वाणिज्य विभाग, जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय द्वारा आयोजित "सतत विकास और विश्व अर्थव्यवस्था" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सतत विकास में माइक्रोफाइनेंस की भूमिका" नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कविता अरोड़ा ने 4-5 फरवरी 2019 को वाणिज्य विभाग, जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में म्यूचुअल फंड स्कीमों के जोखिम के एक अध्ययन के जोखिम का अध्ययन" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कविता अरोड़ा ने 24-25 अप्रैल 2019 को वाणिज्य विभाग, एसएलसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन "मेक इन इंडिया: टूवार्ड्स ग्रोथ एंड प्रोग्रेस" में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सिंपल अरोरा ने सैन फ्रांसिस्को, सीए, यूएसए, 24 - 27 मई 2018 को 30 वें एपीएस वार्षिक सम्मेलन में कर्मचारी प्रदर्शन की प्रणाली की प्रभावशीलता और संगठनात्मक प्रभावशीलता पर इसके प्रभाव के बारे में पोस्टर प्रस्तुत किया।

सिंपल अरोरा ने "समाज और प्रबंधन - भारतीय संस्कृति की दृष्टि से पश्चिमी संस्कृति" 7 वीं- 8 दिसंबर को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "संतुलित स्कोरकार्ड दत्तक ग्रहण और संगठनात्मक प्रभावकारिता: एक पीएमएस प्रभावकारिता के एक मध्यस्थ के रूप में" का सम्मेलन प्रस्तुत किया। 2018।

कुशा तिवारी ने 6-8 जून, 2018 को पुर्तगाल के लिस्बन विश्वविद्यालय में साहित्य और कला में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 6-8 जून, 2018 को "भारतीय सीमा में रहने वाले तीसरे स्थान: भारतीय संदर्भ में तीसरे लिंग के रूप में संस्थागत पहचान" के मामले में एक पत्र प्रस्तुत किया।

कुशा तिवारी ने 25-26 फरवरी, 2019 को सेंटर फॉर वूमेन डेवलपमेंट स्टडीज द्वारा आयोजित विकलांगता, लिंग और हिंसा: राष्ट्रीय सम्मेलन और मुद्दों पर चुनौतियां: “अन-मदरिंग डिसएबिलिटी: न्यू मीडिया रिप्रेजेंटेशन बनाम रियल स्ट्रगल” नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

कुशा तिवारी ने 6-7 मार्च, 2019 को जाधवपुर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के अंतर्राष्ट्रीय संबंध और स्कूल ऑफ वुमेन स्टडीज़ विभाग द्वारा आयोजित महिला कॉन्क्लेव में "हिंदी सिनेमा में यौन इच्छाओं की बदलती अर्थव्यवस्था" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

कुशा तिवारी ने द वॉयस वॉयस पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "द डिसाइडिंग फिमेल: सिनेमैटिक इंटरवेंशन बाई वीमेन डायरेक्टर्स" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, अंग्रेजी विभाग, भारती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 4-5 अप्रैल, 2019 को आयोजित भारतीय सिनेमाई कल्पना में टकटकी।

मोनिका खेमानी ने जामिया मिलिया द्वारा आयोजित "महिला सशक्तीकरण: विशेष शिक्षा के साथ विशेष संदर्भ के साथ लैंगिक भेदभाव और समावेशी नीतियों पर परिप्रेक्ष्य" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ग्लास सीलिंग को ध्वस्त करके समानता के विकास के लिए एक सतत विकास लक्ष्य नामक एक पत्र प्रस्तुत किया। 28-29 नवंबर 2018 को इस्लामिया।

जामिया मिलिया इस्लामिया में 17 को आयोजित "पर्यावरण और व्यवसाय और स्वास्थ्य के लिए उभरती चुनौतियां" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मोनिका खेमानी ने "एनसीआर में बहुराष्ट्रीय निगमों के संदर्भ में काम के जीवन संतुलन की चुनौतियों का एक अनुभवजन्य जांच का एक पत्र" प्रस्तुत किया। -18 जनवरी 2019।

नेहा बोथरा ने 29-30 मार्च 2019 को दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी में "वैल्यू रिबलेंस ऑफ इन्टैंगिबल्स: अ रिकग्निशन स्टैंडर्ड्स द्वारा मान्यता की आवश्यकता" नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

किंशुक मजूमदार ने 20 अप्रैल, 2018 को अंग्रेजी विभाग, श्याम लाल द्वारा आयोजित "ए कल्चरल पर्सपेक्टिव: ए कल्चरल पर्सपेक्टिव: नैरेटिव्स जर्नी ऑफ नैरेटिव्स एंड नैरेट्रिवाइजेशन ऑफ जर्म्स" पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "ट्रैवलिंग रियल या मेटाफर: ए स्टडी ऑफ द शैडो लाइन्स" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया। एसएलसी सेमिनार हॉल में महाविद्यालय, और कैटा, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

किंशुक मजूमदार ने 16 मार्च, 2019 को ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय (इवनिंग) में राष्ट्रीय सम्मेलन (री) को परिभाषित करते हुए राष्ट्रीय सम्मेलन में "द रिग्रेसन का दमन: द रि-रीडिंग ऑफ़ द हंग्री टाइड" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

गायत्री चतुर्वेदी ने " गांधीवाद की प्रासंगिकता पर पर्यावरणीय दृष्टि से प्रासंगिकता ", 'आधुनिकता के माध्यम से गांधीवाद फिर से जिंदा करना: एक सतत भविष्य की ओर' विषय पर गांधी सर्किल, राजनीति विज्ञान विभाग और आईक्यूएसी, एसएलसी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित श्याम लाल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में पेपर प्रस्तुत किया 27-28 सितंबर, 2018।

अनीता सिकंदर ने 21 अप्रैल 2018 को महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित "भारतीय विश्वविद्यालयों में डिजिटल कार्य संस्कृति की भूमिका" शीर्षक प्रस्तुत किया।

भारतीय / विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

वर्ष 2016-18 के लिए सीआईएमओ, फ़िनलैंड के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय परियोजना "फ़िनलैंड और इंडिया ट्रेड के लिए जिम्मेदार व्यावसायिक पेशेवर" के लिए तुर्क विश्वविद्यालय एप्लाइड साइंसेज, फ़िनलैंड के साथ।

वाधवानी ऑपरेटिंग फाउंडेशन के साथ, चार मुख्य स्ट्रीट, सुइट 120, लॉस अल्टोस, सीए 94022

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), वियना, ऑस्ट्रिया के साथ "फ्यूजन डिवाइसेज में वाष्प परिरक्षण के लिए परमाणु डेटा (एफ43024)" पर लागू परियोजना के लिए।

भारतीय / विदेशी कंपनियों / उद्योगों के साथ

प्रोबुद्धि ग्रोथ प्राइवेट लिमिटेड के साथ एमओयू।, 5 वीं मंजिल, ओकुस टेक्नोपोलिस बिल्डिंग, डीएलएफ गोल्फ कोर्स, गुड़गांव -122002, हरियाणा

अमर ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट, कड़कड़डूमा, विकास मार्ग, दिल्ली 110092 के साथ समझौता ज्ञापन -

ग्रीन ई-वेस्ट रिसाइकलर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन। लिमिटेड, 97 ए, डीडीए फ्लैट्स, शास्त्री पार्क, दिल्ली - 110053

जोश टेक्नोलॉजी ग्रुप, 861, फेज 5, उद्योग विहार, गुड़गांव, हरियाणा, 122016 के साथ समझौता ज्ञापन

जाग्रुति वेस्ट पेपर रीसाइक्लिंग सर्विसेज, एफ -3, शॉपिंग सेंटर- I, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली -110015 के साथ अपशिष्ट पेपर रीसाइक्लिंग के लिए समझौता ज्ञापन।

टीएलएम सामुदायिक चिकित्साल्य, नंद नगरी, दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन - टीएलएम सामुदायिक चिकित्साल्य के सामुदायिक अभिगम्य कार्यक्रम के लिए 110093

एज़्योर सोलर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन। लिमिटेड, बिल्डिंग नंबर 8, ग्राउंड फ्लोर, एलएससी, पुष्प विहार, मदन गिर, नई दिल्ली - 110062

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थान और प्रशासन संस्थान (नीपा) और गुरु अंगद देव टीचिंग एंड लर्निंग सेंटर (पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग, भारत सरकार के सहयोग से एसएलसी के एएएमसी और आईक्यूएसी) ने एक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया, जिसका शीर्षक था " 24-30 नवंबर 2018 तक फैले हुए क्षेत्रों के शिक्षण और अनुसंधान में उभरते क्षेत्र "।

सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी और यूजीसी-एचआरडीसी जामिया मिलिया इस्लामिया के सहयोग से एसएलसी के आईक्यूएसी के साथ भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित विभाग ने विज्ञान संकायों के लिए एक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया, जिसका शीर्षक था "इंटीग्रेशन इन

इंटीग्रेटेड साइंसेज: लर्निंग एंड एडाप्टेशन फॉर इफेक्टिव। शिक्षण और अनुसंधान "10-16 दिसंबर 2018 से फैलेगा।

एनआईईएसबीयूडी और क्लस्टर इनोवेशन सेंटर (सीआईसी) दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से वाणिज्य और आईक्यूएसी विभाग ने 24-25 अप्रैल 2019 को "मेक इन इंडिया: टुवार्ड्स ग्रोथ एंड प्रोग्रेस" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन और युवा उद्यमी सम्मेलन आयोजित किया।

नियोजन का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या: 53

परिसर में भर्ती के लिए जाने वाली कंपनियों की संख्या: 6

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

“युवा स्पंदन : नेशनल स्किल डेवलपमेंट एंड स्टार्टअप फेयर” का आयोजन स्किल डेवलपमेंट सेल और ई-सेल, SLC द्वारा 7-8 फरवरी 2019 को किया गया था। एनएसएस यूनिट ने स्पोर्ट्स कमेटी, सीएचडी और एनसीसी इकाई के सहयोग से एक-सप्ताह योग शिविर का आयोजन किया। 21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महाविद्यालय । इसने 23 जुलाई 2018 को एक स्वच्छता अभियान भी चलाया। एनएसएस इकाई के साथ शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने 25 जुलाई 2018 को महाविद्यालय के खाद गड्ढे को पुनर्जीवित किया और संगठित किया शाहदरा मंडी में एंटी पॉलिथीन ड्राइव और फाइबर बैग के नि: शुल्क नमूने वितरित किए गए। 30 जुलाई 2018 को "स्वच्छता", "प्लास्टिक खतरों" और "यमुना प्रदूषण" के विषयों पर वृत्तचित्रों की स्क्रीनिंग की गई, ताकि युवाओं को अपने पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में जागरूक किया जा सके। नेशनल मेडिकोस ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से, एनएसएस यूनिट ने 9 अप्रैल 2019 को हनुमान सेवा बस्ती, झिलमिल में एक स्वास्थ्य जांच शिविर और 10 अप्रैल 2019 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया। एनएसएस यूनिट ने समुदाय के आधार पर एक रोल परियोजना " जागृति " प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के आईक्यूएसी के लिए स्वच्छता और स्वास्थ्य के मुद्दों पर विशेष ध्यान देने वाली सेवा। एनएसएस टीम ने वंचित बच्चों को शिक्षित करने का बीड़ा उठाया है।

पुस्तकालय विकास

कुल पुस्तकें खरीदी: 576; कुल राशि खर्च: रुपए 2,49,617 / -; पत्रिकाओं / पत्रिका / पत्रिकाओं की संख्या: 41

संकायों की संख्या

कुल स्थायी: 63

कुल तदर्थ: 56

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान स्वीकृत: रुपए 30,12,08,000 / -

अनुदान का उपयोग: रुपए 26,08,19,561 / -

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री। वेंकैया नायडू ने हमारे महाविद्यालय के 55 वें वार्षिक दिवस और पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अपनी शानदार उपस्थिति के साथ किया। माननीय उपराष्ट्रपति के राजकाज और भाषण ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और विशेष रूप से विद्यार्थियों

को प्रेरित किया। एसएलसी ने बेहतर प्रर्दशन किया और इस वर्ष एनआईआरएफ महाविद्यालय रैंकिंग में 41 वीं रैंक हासिल की। एसएलसी ने 50,000 लीटर क्षमता के ओवरहेड वॉटर टैंक का निर्माण किया है। महाविद्यालय ने पीडब्ल्यूडी विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय की इमारत को अधिक सुलभ बनाने के लिए दो लिफ्ट भी स्थापित की हैं।

***

श्याम लाल महाविद्यालय (सायं)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने एक दो दिवसीय वाणिज्य एस्पिरेरे', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट (आईएसएसएन: 2394-0484 (प्रिंट), 2394-6601 (ऑनलाइन)) प्रकाशित किया, जिसका प्रभाव कारक 6.629 है।

महाविद्यालय में "महात्मा गांधी इन ए प्रिस्टिन पर्सपेक्टिव: ए सेस्क्विसेंटेनियल ऑब्जर्वेशन" पर सेमिनार महाविद्यालय आयोजित किया गया।

प्रकाशन

हाओकिप, एन. (2018), "स्टॉक मार्केट अस्थिरता और भारत में मैक्रोइकॉनोमिक अस्थिरता का अनुभवजन्य विश्लेषण", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट एंड सोशल साइंस खंड 6 (11) नवंबर, आईएसएसएन 2321-1784

हाओकिप, एन. (201.), "स्टॉक मार्केट की अंतर्निर्भरता और भारत में घरेलू मैक्रोइकॉनॉमिक फैक्टर", रिसर्च खंड 2 (2) नवंबर की समीक्षा में प्रकाशित, आईएसएसएन 224 9-9 एक्स 4, यूजीसी अप्रूव्ड जर्नल नंबर 485514

कुमार, आर. (2018), "गांधी के गाँव (अंतरिम जन - मार्च 2019)", जीएसडीएस, नई दिल्ली, अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 'चर्चा' खंड- VI, संख्या 4, अक्तूबर-दिसंबर, आईएसएसएन संख्या 2250- 3412 सेंटर फॉर रिफॉर्म्स, डेवलपमेंट एंड जस्टिस द्वारा प्रकाशित।

कुमार, आर. (2018), "लोहिया का चौखम्बा राज और सुशासन: वर्तमान भारत में प्रासंगिकता", इंटरनेशनल जर्नल 'द डिस्कसेंट'। VI (4) 4, अक्टूबर-दिसंबर, आईएसएसएन संख्या 2250-3412 सेंटर फॉर रिफॉर्म्स, डेवलपमेंट एंड जस्टिस द्वारा प्रकाशित।

रितेश, बी. (2018), "तुलनात्मक सरकार और राजनीति में सरकार (केंद्र-राज्य संबंध) की तुलना", प्रोफेसर एमएम सेमवाल और डॉ. मनीष कुमार मिश्रा द्वारा संपादित, अंकित प्रकाशन, पीपी। 165-191, आईएसबीएन 978-81। -7988-186-6

रितेश, बी. (2018), "तुलनात्मक सरकार और राजनीति में शासन (कार्यकारी और विधायी संबंध) की तुलना", प्रोफेसर एमएम सेमवाल और डॉ. मनीष कुमार मिश्रा, अंकित प्रकाशन, पीपी। 125-164, आईएसबीएन 978-81 द्वारा संपादित। -7988-186-6

रितेश, बी. (2018), "नौकारशाही या सुशासन", इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (IIPA), लोक प्रकाशन, वर्ष 9, खंड 2, जुलाई-दिसंबर 2017, आईएसएसएन: 2249-2577, 2016, पीपी। 345-351

रघुवंशी, रोली, "राष्ट्रीय चेतना के अग्रभाग में स्वच्छता - खंड. संख्या 5 में एक उल्लेखनीय सफलता के लिए एक शानदार रिकॉर्ड से एक यात्रा". सितंबर, 2018 में एस्पिरे -इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट का अंक।

शर्मा, कुमार, एस. (2018), "रेनवेंटिंग सीएसआर: कंपनी परोपकार के कार्य" खंड संख्या 5 में, ASPIRARE - इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट का सितंबर अंक।

पत्रिकाएं(जर्नलस)

एस्पिरेरे, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट (आईएसएसएन: 2394-0484 (प्रिंट), 2394-6601 (ऑनलाइन))

आयोजित सेमीनार

डॉ. एपी त्रिपाठी ने 28 अगस्त 2018 को 'द पावर एंड पर्पज ऑफ एसीबीएसपी यूएसए ग्लोबल एक्रेडिशन' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। डॉ. जेफरी एल्डरमैन, प्रेसिडेंट / सीईओ, एसीबीएसपी, कैनसस सिटी, कैनसस चैंबर ऑफ कॉमर्स ने मुख्य नोट एड्रेस दिया। सेमिनार।

गांधी स्मृति और दर्शन समिति (जीएसडीएस), राजघाट, दिल्ली, खादी ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के वित्तीय सहयोग से 30-31 अगस्त 2018 को "महात्मा गांधी इन ए प्रिस्टिन पर्सपेक्टिव: ए सिसक्वेंटेनियल ऑब्जर्वेशन" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई।), राजघाट, दिल्ली,

महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी) और महाविद्यालय परिसर में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा।

सेमिनार / सम्मेलन में प्रस्तुति

अनिल राय ने 30-31 अगस्त 2018 को राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'महात्मा गांधी इन प्रिस्टीन पर्सपेक्टिव: ए सिसक्वेंटेनियल ऑब्जर्वेशन' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने 'हिंदी की कथयार गद्य विधाएं' नामक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में अतिथि वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। 7-8 दिसंबर 2018 को भारतीय हिंदी परिषद् प्रयागराज द्वारा मुंबई में आयोजित किया गया। उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध पत्र भी प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक है, अधुनातन भारत में राष्ट्रवाद: परिकल्पना और चुनौतियाँ ’का आयोजन एसजेएनपीजी महाविद्यालय, लखनऊ में 21-22 दिसंबर 2018 को किया गया। अतिथि वक्ता के रूप में एक व्याख्यान और 14-16 फरवरी 2019 को नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध पत्र भी प्रस्तुत किया।

रमेश कुमार ने आइडिया ऑफ इंडिया: ए रेनबो पर्सपेक्टिव ’विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ine प्रिस्टाइन पर्सपेक्टिव में महात्मा गांधी: एक सेसक्वेंटेनियल ओवरव्यू’ऑन 30/31 अगस्त 2018 को एक पेपर प्रस्तुत किया। उन्होंने एक आमंत्रित व्याख्यान भी दिया। 26 मार्च, 2019 को समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान विभाग में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम डिजाइनिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जो कि दिलबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), दियाबाग, आगरा, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित किया जाता है।

मनु उमेश, 20-22 दिसंबर 2018 से उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित 71 वें अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन के दौरान “मानव संसाधन लेखांकन: 21 वीं सदी की आवश्यकता” पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

ए. पी. त्रिपाठी, सह-अध्यक्षता में एक तकनीकी सत्र प्रोफेसर के.वी. भानुमूर्ति के साथ सस्टेनेबल एनर्जी मैनेजमेंट ’पर आईसीएसएसआर प्रायोजित XX वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ग्लोबल विजन 2030 पर: डीडीयू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 4-5 जनवरी 2019 को चुनौतियां और अवसर।

सुनीता सक्सेना, महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ़ बड़ौदा द्वारा 1-2 फरवरी 2019 को आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सोशल मीडिया - उन्नावती अवंती" नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने

"लगु कथा" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। - 7 फरवरी, 2019 को मिरांडा हाउस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में "बहुआयामी जीवन का विस्टा"।

रोली रघुवंशी, सह-अध्यक्षता तकनीकी सत्र 5ई पर विपणन शोध पत्र प्रस्तुति समकालीन मुद्दों पर: डिजिटल मार्केटिंग 'आईसीएसएसआर प्रायोजित XX वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ग्लोबल विजन 2030 पर: डीडीयू महाविद्यालय में 4-5 जनवरी 2019 को चुनौतियां और अवसर।

संजीव कुमार शर्मा, श्याम लाल महाविद्यालय (ई) में आयोजित "प्राचीन परिप्रेक्ष्य में महात्मा गांधी: एक सेक्वीसेंटेनियल सिंहावलोकन" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सुशासन के लिए गांधीवादी अवधारणा की खोज' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर मनोज कुमार ने श्याम लाल महाविद्यालय (ई) द्वारा आयोजित "महात्मा गांधी इन ए प्रिस्टिन पर्सपेक्टिव: ए सिसक्वेंटेन्निअल ऑब्जर्वेशन" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "स्वच्छ के नंगे मेंव गांधी गांधी ही हम आपके हैं क्या" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

नियोजन का विवरण

विद्यार्थियों का प्रतिशत रखा गया : 68%

कैंपस भर्ती के लिए दौरा किया कंपनियों की संख्या: 14

पुस्तकालय विकास

हमारे पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की एक सरणी को कवर करने वाली 50,049 से अधिक पुस्तकों का एक समृद्ध संग्रह है। यह 14 हिंदी और अंग्रेजी समाचार पत्रों, 55 पत्रिकाओं और पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। ई-संसाधन सुविधा भी उपलब्ध है जिसके माध्यम से छात्र और शिक्षक विश्व के सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस, डीयूएलएस, ई-जर्नल, ई-बुक्स और रिपोर्ट तक पहुंच सकते हैं। हमारे पुस्तकालय स्वचालित है और प्रकाशकों, कैटलॉग, पुस्तक समीक्षाओं और प्रकाशक वेबसाइटों से परामर्श करके वर्तमान शीर्षक की उपलब्धता सुनिश्चित करती है। विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए ओपन एक्सेस सुविधाएं भूतल और ऊपरी पुस्तकालय भवन पर उपलब्ध हैं। पुस्तकालय को बार कोडेड किताबों और सदस्यता कार्डों के साथ कम्प्यूटरीकृत किया गया है। स्टाफ सदस्यों के लिए ज़ेरॉक्स सुविधा भी उपलब्ध है। खरीदी जाने वाली शीर्षक की प्रतियों की संख्या की मौजूदा सीमा को नए पाठ्यक्रम के मद्देनजर पाँच से बढ़ाकर बीस कर दिया गया है। नई आवक विधिवत अधिसूचित और प्रमुखता से प्रदर्शित की जाती हैं।

संकायों की संख्या

कुल स्थायी: 47

कुल तदर्थ: 27

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान मंज़ूर: रुपए 21,80,00,000 / -

अनुदान का उपयोग: रुपए 18,96,70,000 / -

***

श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय (महिला)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

कॉलेजियम जीवन के कई पहलुओं में एसपीएम महाविद्यालय का बहुत ही आशाजनक और आकर्षक साल रहा। महाविद्यालय ने एनएएसी मान्यता प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और उसे B प्रमाणपत्र मिल गया है। इसके अलावा, बी.ए. भूगोल (ऑनर्स) और तीन और ऐड-ऑन पाठ्यक्रम इस शैक्षणिक वर्ष में शुरू किए गए थे। संस्था ने ऑफिस ऑटोमेशन की सफलतापूर्वक शुरुआत की है। शिक्षकों को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी से सम्मानित किया गया। अनुसंधान और प्रकाशन में, हमारे संकाय सदस्यों ने 19 पुस्तकें, 14 पुस्तक अध्याय और 30 से अधिक शोध लेख प्रकाशित किए। विभिन्न सेमिनारों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में 50 से अधिक पत्र प्रस्तुत किए गए। इसने अंधे कवियों के लिए 1 एफडीपी और 2 सम्मेलन, 4 सेमिनार और 1 कवि सम्मेलन का आयोजन किया था। खेल के क्षेत्र में, हमारे पूर्व छात्र सुश्री मधु ने एशियाई खेलों 2018 में कबड्डी में रजत पदक जीता। महाविद्यालय ने भारती महाविद्यालय में आयोजित भारती कप खो-खो चैम्पियनशिप भी जीता और मल्टीपर्पज हॉल, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित इंटर कॉलेज योग चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सम्मान/ गौरव

डॉ. पूजा वशिष्ठ को दिल्ली सरकार की एनसीटी की योजना के अंतर्गत वर्ष 2017-18 के लिए "सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय व्याख्याता का पुरस्कार" मिला।

डॉ. अंजू जैन को वर्ष 2019 में “महाविद्यालय शिक्षक / व्याख्याता के लिए पुरस्कार” योजना के अंतर्गत दिल्ली सरकार से रुपए 100000 का पुरस्कार मिला.

डॉ. ऋषिराज पाठक को भाऊराव देवरस सेवा न्यास, लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा उनकी पुस्तक आदयोन्मेषः पर’ के लिए पंडित प्रताप नारायण मिश्र स्मृति युवा सम्मान समारोह 2018’ से सम्मानित किया गया।

विशेष योग्यता वाले विद्यार्थी

सुश्री मीनाक्षी ने बी.एल.डी की तृतीय वर्ष परीक्षा 2017-18 में तीसरा स्थान प्राप्त किया

सुश्री शुचित्रा तुली ने बी.एल.डी तृतीय वर्ष परीक्षा 2017-18 में चौथा स्थान प्राप्त किया।

सुश्री पूजा यादव और सुश्री नितिक्षा ने बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतम पुरा, नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली स्टेट योग चैम्पियनशिप में क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सुश्री भावना और सुश्री कृष्णा ने नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली ओलंपिक खेलों में कराटे में क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सुश्री रूचि ने 78 वीं दिल्ली राज्य वार्षिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप में चर्चा में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

गुप्ता, एस. (2018). सोशियो-इमोशनल लर्निंग: एक बौद्ध परिप्रेक्ष्य. आर. सपरा (सं.) में, प्रतिबिंब: सामाजिक और भावनात्मक कल्याण के लिए कौशल, खंड II. नई दिल्ली, दिल्ली: लेखक प्रेस .180-194

गेरा, जे. कौर, एच. (2018). क्राउड फंडिंग प्लेटफॉर्म के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए एक नोवेल फ्रेमवर्क। आईसीटी एक्सप्रेस, एल्सेवियर, 4 (2), 55-62।

जैन, ए. (2018). आयकर कानून और अभ्यास. नई दिल्ली, दिल्ली: प्रगति प्रकाशन।

कपूर, वी, घोष, एस (सं.) (2018). शिक्षा में डायनेमिक लर्निंग स्पेस. सिंगापुर: स्प्रिंगर.

कुमार, एन. एन. (2018). उत्तर आधुनिक नाटक रूप और सुजान-लोरी पार्क्स के 365 दिन 365 प्ले. आशंका: अंग्रेजी विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, खंड एक्स, ५४-६४ के जर्नल। आईएसएसएन 2321-1261।

मिर्जा, ए. (सं.) (2018) ग्लोबल पॉलिटिक्स को बैठाना। नई दिल्ली, दिल्ली: वीएलएमएस।

शर्मा, एस., अग्रवाल, एम., और शर्मा, डी. (सं.) (2019). फूड फ्रंटियर्स नई दिल्ली, दिल्ली: नई दिल्ली प्रकाशक।

थरेजा, आर. (2018). सी में प्रोग्रामिंग (नवीनतम एआईसीटीई सिलेबस के अनुसार)। नई दिल्ली, दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस.

वत्स, यू., चहल, पी. (2018). हमरे कानून, हमरे अधिकर. नई दिल्ली, दिल्ली: जेएसआर, पब्लिशिंग हाउस एलएलपी।

वाधवा, टी। (2018)। भारतीय कक्षाओं में विषमता और गतिशीलता। कपूर, वी. और घोष, एस. (ईडीएस) 2018 में। शिक्षा में डायनेमिक लर्निंग स्पेस। सिंगापुर: स्प्रिंगर। पीपी। 301-317। (आईएसबीएन: 978-981-10-8521-5)।

अनुसंधान परियोजना

डॉ. संजीव कुमार ने Res स्टेटस ऑफ़ रिज़र्वेशन पॉलिसी: ए स्टडी ऑफ़ हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस इन बिहार 'आईसीएसएसआर द्वारा वित्त वर्ष 2016-18 की अवधि के लिए एक परियोजना पूरी की है। कुल अनुदान रुपए 8,00,000/-

आयोजित संगोष्ठियां

11-12 जनवरी, 2019 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय), दिल्ली के सहयोग से संस्कृत वांग्मय में शास्त्री परम्परा उद्गम लोक जीवन 'पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन।

14-15 फरवरी 2019 से भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित a गुरु रविदास, संत कबीर और डॉ. अंबेडकर का दामाजिक, संस्कृतिक दैनिक योगतिदान 'पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

29-30 अक्तूबर 2018 से सीएसटीटी, एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित "उच्च शिक्षा में संरचना और तकनीकी शब्दावली का उपयोग" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

महाविद्यालय आईक्यूएसी ने 22-26 नवंबर, 2018 से प्रभावी शिक्षण और सीखने के तरीकों 'पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

5 अप्रैल 2019 को "साइबर सुरक्षा प्रणालियों" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

आयोजित सम्मलेन

19-20 अप्रैल 2018 से उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति मंत्रालय, अयोध्या शोध संस्थान द्वारा प्रायोजित "ग्लोबल आर्ट, कल्चर एंड लिटरेचर में राम" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग, एसपीएमसी ने "कम्प्यूटिंग और संचार प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग (आईसीएसीसीटी)" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

सेमिनार और सम्मेलन में प्रस्तुति

अनीता गुप्ता ने दिनांक 20-21 अक्तूबर 2018 को स्टारेक्स विश्वविद्यालय, गुरुग्राम में आयोजित हरियाणा इतिहास कांग्रेस में समकालीन सामाजिक-कानूनी मुद्दों के साथ जाट समुदायों के प्रथागत विवाह कानून के बीच संबंध का एक-पत्र प्रस्तुत किया।

अंजू जैन ने वाणिज्य विभाग, असम विश्व विद्यालय द्वारा दिनांक 29-30 नवंबर 2018 में आयोजित "सतत उद्यमिता विकास" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के सतत व्यापार के लिए भारत की अधिनियम पूर्व नीति और अवसर पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

अनुराधा सिंघल और पुनम बेदी ने संयुक्त रूप से 8 ब्लाइंड क्वांटिटेटिव स्टेग्नालिसिस ऑन एसवीडी फीचर्स: 2018 'का उपयोग करते हुए कम्प्यूटिंग, कम्युनिकेशंस एंड इंफॉर्मेटिक्स (आईसीएसीसीआई), एडवांस में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, बैंगलोर, इंडिया, 19-22 सितंबर 2018 को एक पेपर प्रस्तुत किया।

चेतना गुप्ता ने 19 मई 2018 को एसपीएम महाविद्यालय द्वारा आयोजित "ग्लोबल आर्ट, कल्चर एंड लिटरेचर में राम" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "रामायण का समकालीन प्रासंगिकता: नैतिक मूल्यों से परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

निर्मला शाह ने द कॉलोनियल पॉलिसीज एंड इट्स कांटेस्टेशन: द डेवलपमेंट ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया 1900-1920 शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया और 15-18 जुलाई 2018 से आयरलैंड के डबलिन में आयोजित वर्ल्ड कांग्रेस ऑन एजुकेशन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

नीता एन कुमार ने अमेरिकी नाटक और रंगमंच पर 5 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "अमेरिकन ड्रामा एंड थिएटर इन माइग्रेशन इन अमेरिकन ड्रामा एंड थिएटर", यूनिवर्सिटेट / लोरेन, नैन्सी, फ्रांस, दिनांक 4-6 2018 जून को "एड्रिएन कैनेडी की द फनीहाउस ऑफ ए नेग्रो: इनहैबीटिंग द डिवोर्स" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

रागिनी कुमारी ने भातखंडे संगीत संस्थान डीम्ड विश्वविद्यालय, लखनऊ से दिनांक 28-30 जनवरी 2019 तक आयोजित "संगीत और कैरियर विकल्पों में पारंपरिक शिक्षा" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में संगीत समान 'शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

ऋषिराज पाठक ने दिनांक 27-28 अक्तूबर 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजीएवी महाविद्यालय (इवनिंग) द्वारा आयोजित शिक्षा मॉडर्न एजुकेशन एंड वेद 'पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अग्निमेडा इटिरिचि यज्ञशैति पद्श्यान्वैवमविर्ष' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

उर्मिल वत्स ने दिनांक 27-28 फरवरी 2019 को आर्य पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, पानीपत, हरियाणा में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: प्रदूषण: थ्रेट टू ह्यूमन हेल्थ 'नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

वीना कपूर ने भारत में K शिक्षक शिक्षा शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया- राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थान, सिंगापुर में 12-14 नवंबर, 2018 को आयोजित इरास-एपेरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में समकालीन आवश्यकताओं और रुझानों के साथ संकलित किया गया।

राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया जाना

ई-कचरा और पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता संबंधित परियोजनाओं के क्षेत्र में काम करने के लिए सतत पहल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अभिविन्यास सत्र और आईबी ब्रिज कार्यक्रम सहित सामाजिक रूप से उपयोगी घटनाओं के सहयोग और आयोजन के लिए एकल संस्थान, नई दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

उत्तर पूर्वी राज्यों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के कार्यक्रमों, कार्यक्रमों और पर्यटन के आयोजन के लिए युवा एवं सेवा फाउंडेशन, दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

2018 में बाल आश्रम आश्रम, दिल्ली के सहयोग से एसपीएमसी की एनएसएस इकाई द्वारा एक कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

कक्षा से परे: शिक्षा विभाग के साथ एसपीएमसी (डब्ल्यू) की एनएसएस इकाई द्वारा संचालित

2018 में रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से एसपीसीओ (डब्ल्यू) के पर्यावरण क्लब और एनएसएस यूनिट द्वारा रक्तदान ड्राइव का आयोजन किया गया था।

एनएसएस एसपीएम यूनिट ने 20-24 अगस्त 2018 से केरल के बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री एकत्र करने के लिए वाइब्रेंट अर्थ प्राप्त करने के लिए सोसायटी के सहयोग से एक दान अभियान का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

संस्था ने रुपए 516,425/- पुस्तकालय के रखरखाव और विकास के लिए रखे। पुस्तकालय संग्रह को 1630 पुस्तकों, 35 पत्रिकाओं और 50 पत्रिकाओं के अलावा 78,880 में नवीनीकृत किया गया।

संकायों की संख्या

कुल स्थायी: 84

कुल तदर्थ: 77

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान स्वीकृत: रुपए 30,18,04,000/-

अनुदान का उपयोग: रुपए 30,18,04,000/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

नेत्रहीन प्रभावित कवियों के लिए कवि सम्मेलन का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय ब्रेल दिवस, 4 जनवरी 2019 को किया गया। एंट्रिक्स अकादमी के सहयोग से 2-13 जुलाई 2018 से "डेटा एनालिटिक्स विथ पायथन" पर दस दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। एलएस यूथ फ़ॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट ’विषय पर एक नुक्कड़ नाटक विभिन्न महाविद्यालयों - एलएसआर, गार्गी में प्रस्तुत किया गया था। नरेश कौशिक द्वारा लिखित और 'स्मार्थ थिएटर ग्रुप' से संदीप रावत द्वारा निर्देशित नाटक 'मोल्की' कई स्थानों पर प्रस्तुत किया गया था।

***

श्री अरबिंदो महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

शिक्षाविदों के अलावा, महाविद्यालय के विभिन्न विभागों ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों और दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए अपने वार्षिक एक / दो दिन की गतिविधि कार्यक्रम का आयोजन किया। महाविद्यालय का साहित्यिक समाज विद्यार्थियों के लिए कार्यशालाओं और प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है, अन्य समाजों जैसे- अकराया (वाणिज्य), इलेक्ट्रोनिक '(इलेक्ट्रॉनिक्स),

फीनिक्स-प्रो (अंग्रेजी) पूरे वर्ष सक्रिय रहे हैं। महाविद्यालय में कला, संगीत, नृत्य, चित्रकारी और फ़ोटोग्राफ़ी में छात्र की प्रतिभा को प्रदर्शित करने वाले नौ सांस्कृतिक समाज भी हैं। महाविद्यालय ने मार्च, 2019 में अपने तीन दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव महक -2018-19 का आयोजन किया। स्वच्छ भारत अभियान, पर्यावरण बचाओ, और रक्तदान शिविर, स्वच्छ भारत इंटर्नशिप जैसे कार्यक्रम पूरे प्रोत्साहित किए जाते हैं।

सम्मान/ गौरव

डॉ. मंजू एम गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान, ने इंटरनेशनल सिम्बायोसिस सोसाइटी (2018-2021) में उपाध्यक्ष का पद संभाला

इलेक्ट्रॉनिक्स की एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. वंदना भल्ला को आईआईटी दिल्ली से पीएच॰डी की उपाधि से सम्मानित किया गया।

सुश्री ऋषिका नय्यर, सहायक प्रोफेसर, को वाइब (इंटरनेशनल बिजनेस की अकादमी में महिला) हैंड्स स्कॉलरशिप से सम्मानित किया गया।

विशेष योग्यता वाले विद्यार्थी

आदित्य राज गौतम, बी.ए. प्रोग्राम थ्री ईयर ने जेवलिन और शॉट-पुट में पहला स्थान और पैरा-एथलेटिक्स नेशनल चैम्पियनशिप (9/10 मार्च, 2019, पटना) में चर्चा फेंक में दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने नवंबर, 2019 में दुबई में होने वाली पैरा-एथलेटिक्स विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया।

आशीष नागर, बी.ए. कार्यक्रम 1 वर्ष को प्रो-कबड्डी के लिए यूपी योध्दा टीम (2019) के सदस्य के रूप में चुना गया।

हमारे वेस्टर्न म्यूजिक सोसाइटी (एलेग्रो) के छात्र अध्यक्ष हितेश गर्ग ने जयपुर के जेईसीआरसी फाउंडेशन में सर्वश्रेष्ठ गिटारिस्ट का पुरस्कार जीता।

अंजलि नेगी ने नाटक "जुबान संभल के" के लिए साहित्य कला परिषद् में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री जूरी का पुरस्कार जीता।

हमारी अकादमिक उपलब्धि अन्नु कुमारी (बी.एससी। भौतिक विज्ञान, तृतीय वर्ष), रचित हरजाई (बी एस लाइफ साइंस, तृतीय वर्ष), शिखा अग्रवाल (बी.एससी। भौतिक विज्ञान, तृतीय वर्ष), मोहन चावला (बी. कॉम कार्यक्रम, तीसरा वर्ष) और डिंपल गर्ग (बी. कॉम. ऑनर्स, तीसरा वर्ष)।

प्रकाशन

गुप्ता, एम. एम. (2019) सस्टेनेबल प्लांट प्रोडक्शन सिस्टम्स के संबंध में आरबसकुलर माइकोरिज़ल फंगी की विविधता। इन: इकोसिस्टम सस्टेनेबिलिटी और बायोटेक्नोलॉजिकल एप्लिकेशन में माइक्रोबियल विविधता - खंड 1. (एड। टी। सत्यनारायण, एस. के. दास और बी. एन. जोहरी) स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर (प्रेस में)।

जैन, पी. (2019) यूरोपियन फिजिकल जर्नल 134, 72 DOI 10.1140 / epjp / i2019-12443-3 में संशोधित VMI मॉडल का उपयोग करते हुए त्रिकोणीय सुपर-विकृत बैंड के बैंड-हेड स्पिन की भविष्यवाणी।

कुमार, ए. (2019) "लो प्रोफाइल कप्लिंग फीड डब्ल्यूएलएएन एप्लीकेशन के लिए सर्कुलर पोलराइज्ड एंटेना," इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आरएफ एंड माइक्रोवेव कम्प्यूटर-एडेड इंजीनियरिंग,).

कुमार, ए. (2018) 'पतली और निम्न प्रतिरोधकता वाले थोक Si डिटेक्टरों की विकिरण कठोरता जांच', भौतिकी अनुसंधान खंड ए में प्रकाशित न्यूक्लियर इंस्ट्रूमेंट्स एंड मेथड्स: एक्सेलेरेटर, स्पेक्ट्रोमीटर, डिटेक्टर और एसोसिएटेड उपकरण .https: //doi.org/ 10.1016 / j.nima..09.108।

रिशिका एन. (2018) ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अकादमी में "भारत की विदेशी अधिग्रहण उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में भूमिका: उप-राष्ट्रीय संस्थागत विकास की भूमिका" नामक शीर्षक प्रस्तुत किया (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विद्वानों और विशेषज्ञों का प्रमुख संघ), जून 2018 में आयोजित वार्षिक बैठक मिनियापोलिस, संयुक्त राज्य अमेरिका में।

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ

अरबिंदो महाविद्यालय जर्नल ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज, आईएसएसएन 2455-5401

संपादक मंडल के संपादक (सदस्य) / सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: चार

अनुसंधान परियोजनायें

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के डॉ. अश्विनी कुमार ने पंजीकृत दो पीएच.डी. उसके अधीन छात्र। वह सक्रिय रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलियाई समूहों के साथ अनुसंधान में लगे हुए हैं।

सुश्री शास्त्री गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, केन्द्रीय विभाग, पीएच॰डी कोर्परेट गवर्नेंस के क्षेत्र में, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के केंद्रीय विभाग में ओबीडी।

आयोजित सेमिनार

आईसीएसएसआर ने 17-18 फरवरी 2017 को केंद्र और अर्थशास्त्र विभाग द्वारा "भारत के लिए सुधार: एक सड़क आगे" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

6-7 जनवरी 2017 को आयोजित "थ्योरी एंड प्रैक्टिस: अचीवमेंट्स एंड चैलेंजेस" में सकारात्मक कार्रवाई पर आईसीडीएसआर ने राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रायोजित की।

3-4 मार्च 2017 को यूजीसी द्वारा प्रायोजित और डीआरडीओ, ओडसी और एसईआरबी (डीएसटी) द्वारा अनुमोदित "रासायनिक विज्ञान और पर्यावरण प्रौद्योगिकी में हालिया नवाचार" पर दो दिव्य राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया

आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठी

रसायन विज्ञान विभाग ने “पर्यावरणीय के लिए प्रौद्योगिकी, सामाजिक-आर्थिक स्थिरता और 21 वीं सदी में एसोसिएटेड इंटरप्रेन्योरियल ऑपर्च्युनिटीज” पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 8-9 मार्च 2019 को आईसीएसएसआर और सर्ब, डीएसटी द्वारा किया था। इस कार्यक्रम की क्लिप प्रोफेसर अमिता सिंह, जेएनयू, प्रो डीएस रावत, डॉ. प्रवीण इंगोले, आईआईटी दिल्ली, प्रोफेसर बी.एस. क्रेन, एनआईटी जालंधर और अन्य

केरल विभाग ने 18-19 जनवरी, 2019 को "रणनीतिक व्यापार विकास: बढ़ावा देने और नवाचार" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन किए।

आयोजित कायर्शाला

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने लाइन वेब डेवलपमेंट पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका आयोजन आईएससीएल ऑनलाइन के सहयोग से 2-4 जनवरी, 2019 से किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर टी॰वी. विजय कुमार, कंप्यूटर और सिस्टम विभाग, जेएनयू द्वारा किया गया।

आईएससीएल ऑफ़लाइन के निदेशक श्री इस्राग राजन ने अपनी पांच सदस्यीय टीम के साथ हर दिन सात घंटे एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी लाइव वेबसाइट डिजाइन करने के तरीके के बारे में मार्गदर्शन किया।

सुश्री रचनावद, एक प्रसिद्ध कथक कलाकार और हिंदी साहित्यिक पत्रिका हंस के प्रबंध निदेशक, ने पारंपरिक नृत्य रूपों के माध्यम से विद्यार्थियों को कहानी कहने की कला से परिचित कराने के लिए 2 नवंबर 2018 को एक कार्यशाला का आयोजन किया और साहित्यिक अनुकूलन के प्रदर्शनकारी पहलुओं पर विचार किया।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

अपराजिता चौहान ने 9 वीं वार्षिक कांग्रेस और जैव ईंधन और जैव ऊर्जा पर एक्सपो में बायोएथॉल उत्पादन के लिए जल जलकुंभी के रूप में एक पत्र प्रस्तुत किया। दुबई, यूएई। अप्रैल 16-17, 2018

हीरा एम गुप्ता ने जुलाई 2018 में ISS 9 ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी (संयुक्त राज्य अमेरिका) में प्राचीन मानव अरावली पर्वतमाला में "मानव हस्तक्षेपों की जैव विविधता को प्रभावित करता है" जिसे एक पत्र प्रस्तुत किया है।

अश्विनी कुमार ने "ज्यामिति संशोधन के अंतर्गत कॉम्प्लेक्स प्लेटफॉर्म पर ऑपरेशन के लिए मल्टीबंड एंटिना डिजाइन के लिए एक मजबूत और व्यवस्थित दृष्टिकोण", 2018 आईईईईई इंटरनेशनल सिम्पोजियम पर एंटेना और प्रोपेगैशन और यूएसएनसी-यूआरएसआई रेडियो की बैठक 8-13 जुलाई 2018 बोस्टन, मैसाचुसेट्स को बुलाया। एक पेपर प्रस्तुत किया। अमेरिका।

अजय कुमार ने फ्यूचरिस्टिक एप्लिकेशन (एएमडीएफए-2018), 19 मई 2018 के लिए एडवांस्ड मटेरियल्स एंड डिवाइसेस में दिल्ली विश्वविद्यालय में मल्टी-स्ट्रिप सीके नैनो सेक्टराइजेशन के हस्तक्षेप और अटूट पर "करीब ओरल प्रेजेंटेशन" अवार्ड जीता।, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली, पंजाब (भारत)।

17 मार्च, 2019 को सीपीडीएचई, डीयू में "कौटिल्य और समकालीन विश्व-अर्थव्यवस्था, रणनीति, शासन" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में श्रुति गर्ग ने "गुड इकोनॉमिक्स टू गुड इकॉनोमिक्स एंड गुड गवर्नेंस" के लिए एक पत्र प्रस्तुत किया।

ऋषिका नय्यर ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अकादमी (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विद्वानों और विशेषज्ञों की अग्रणी एसोसिएशन) में मिनिस्ट्री ऑफ जून 2018 में मिनियापोलिस में वार्षिक बैठक, "उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में भारत के विदेशी अधिग्रहण: उप-राष्ट्रीय संस्थागत विकास की भूमिका" शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया। अमेरीका।

नरपत राज नेनिवाल ने देशबंधु महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, कालकाजी, नई दिल्ली में आयोजित (7-8 जून, 2018 से) राष्ट्रीय संगोष्ठी में "स्किल डेवलपमेंट टू ए क्लीन इंडिया" नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन विवरण:

विद्यार्थियों की संख्या: लगभग 20
परिसर में भर्ती के लिए जाने वाली कंपनियों की संख्या: लगभग 6

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

महाविद्यालय में एक उद्यमिता-प्रकोष्ठ (ई-सेल) है, जिसने "ई-सेल कैंपस एंबेसडर कार्यक्रम" शुरू किया, जो भारत के सभी विश्वविद्यालयों के लिए खुला था और एक निश्चित कार्यकाल के लिए 600+ राजदूतों की भर्ती की गई थी।

पुस्तकालय विकास

कुल 59785 पुस्तकें, 10 पत्रिकाओं (प्रिंट + ऑनलाइन) और 20 पत्रिकाओं, 16 समाचार पत्रों को उपयोगकर्ताओं के लिए वेब ओपैक सुविधा, ईडीडीएस, कैस, बुक बैंक, ब्रेल लैपटॉप सह पाठ स्कैनर, ई-लाइब्रेरी अनुभाग और डेज़ी खिलाड़ियों के साथ सदस्यता ली गई है। उपयोगकर्ताओं के लिए।

संकायों की संख्या

कुल स्वीकृत संकाय: 130

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान स्वीकृत: रुपए 3094 लाख है

अनुदान का उपयोग: रुपए 3094 लाख है

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सुश्री ऋषिका नैय्यर को पीएच.डी में भाग लेने के लिए हेनले बिजनेस स्कूल द्वारा प्रतिष्ठित एलन रगमैन छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। हेनले बिजनेस स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग, यूनाइटेड किंगडम में 5-9 नवंबर 2018 के दौरान आयोजित मास्टर कक्षाएं। क्रैंक, हमारी वेस्टर्न डांस सोसाइटी, ने 2018-19 में 56 पुरस्कार जीते हैं, जिसमें आईआईटी दिल्ली, सेंट स्टीफेंस महाविद्यालय, मिरांडा हाउस, हंसराज, जानकी देवी, सत्यवती रामानुजन महाविद्यालय, कालिंदी, शिवाजी, मोती लाल नेहरू ने पहला स्थान हासिल किया है। , माता सुंदरी, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, गलगोटिया विश्वविद्यालय, एनएसयूटी, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज।

***

श्री अरविंदो महाविद्यालय (सायं)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

इस शैक्षणिक वर्ष में प्राचार्य डॉ. नमिता राजपूत के तत्वावधान में संकाय और विद्यार्थियों की ओर से कई नई पहल हुईं। महाविद्यालय ने संस्थान के विकास और विकास के साथ-साथ छात्र निकाय के लिए कई नई समितियों और समितियों की शुरुआत की।

महाविद्यालय ने पाठ्येतर गतिविधियों में महान ऊंचाइयों को हासिल किया है। कई नए समाज जैसे कि फैशन सोसाइटी,, डायनेमिक्स ', आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स सोसाइटीज, इमैजिनेनिक', नुक्कड नाटक सोसाइटी, रंगमंच 'आदि का गठन किया गया है। महाविद्यालय ने डॉ. राजपूत के मार्गदर्शन और मार्गदर्शन में विभिन्न विभागों के हिस्से के रूप में, 'कॉफ़ीफ़ीड', 'द फिनवेस्ट हेराल्ड', 'द पर्क्स इनविज़न', 'विनसम बुधवार', और कई अन्य के रूप में न्यूज़लेटर्स भी लॉन्च किए हैं। अन्य संकाय सदस्य। महाविद्यालय ने आर्थिक विकास और अनुसंधान केंद्र (सीईजीआर) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

सम्मान / गौरव

डॉ. नमिता राजपूत, प्रधानाचार्य, (ओएसडी) को गर्ल सेंट्रिक तृतीयक शिक्षा और प्रशिक्षण अवार्ड सहित कई पुरस्कार मिले- रोजगार सृजन के लिए महिला एजेंसी, सर्वश्रेष्ठ महिला आइकॉनिक अवार्ड - अर्थ सेवर्स फाउंडेशन, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन लाइफ टाइम अचीवमेंट नेशनल अवार्ड, आईआरडीपी समूह जर्नल की, लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड - भारत के शिक्षा मानक और परीक्षण परिषद्, भारतीय विश्वविद्यालय का

लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड कंफेडरटन, लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड- राष्ट्रीय स्वच्छता, शिक्षा और अनुसंधान संस्थान और कई अन्य।

विशेष योग्यता वाले विद्यार्थी

अन्वेषा सान्याल, बी.ए. एप्लाइड साइकोलॉजी (ऑनर्स) तृतीय वर्ष, 8.75 सीजीपीए

जोशुआ सोलोमन, बी.ए. एप्लाइड साइकोलॉजी (ऑनर्स) तृतीय वर्ष, 8.75 सीजीपीए

पूजा बिस्सा, बी.ए. एप्लाइड साइकोलॉजी (ऑनर्स) तृतीय वर्ष, 8.63 सीजीपीए

स्निग्धा दत्ता, बी.ए. एप्लाइड साइकोलॉजी (ऑनर्स) तृतीय वर्ष, 8.63 सीजीपीए

शांति कुमारी, बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष, 8.54 सीजीपीए

प्रकाशन

गोस्वामी, आर. (2018). कमला दास के लेखन में आध्यात्मिकता: एक वेदांत की व्याख्या। जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, 5 (8).

राजन, आर। (2018). हिंदुस्तानी शास्त्रीया संगीत की अतुलनिया संकल्पना - राग। संगतिका, कृति- 5, गीतम - 1, अक्तूबर 2018 अंक, 15-19।

राजपूत, एन। 201. खोज और अस्थिरता स्पिलओवर: भारत में गैर-कृषि जिंस बाजार से साक्ष्य। वित्तीय जोखिम प्रबंधन के आईयूपी जर्नल, 15 (3), 1-25।

राजपूत, एन. (2018). भारत में अत्यधिक ट्रेडेड कमोडिटी के sSot और फ्यूचर्स मार्केट के बीच अस्थिरता सिलोवर: डीसीसी-गार्च दृष्टिकोण. व्यापार और प्रबंधन अनुसंधान के जर्नल, 5 (9), 25-40।

रथ, एस. (2018). द सीक्रेट हिस्ट्री ऑफ मुंबई टेरर अटैक (दूसरा संस्करण)। लंदन, लंदन: रूटलेज पब्लिकेशन।

रथ, एस. (2019). महान खेल वापस आ गया है। फाउंटेन इंक (भारत), 8 (5)।

सिंह, ए. (2018). भारत में शहरीकरण की संरचना में उभरते रुझान। ग्लोबल सूचना और व्यापार रणनीति के जर्नल, 10 (1)।

सिंह, एस. (2018) .रोड रेज: ए साइकोसोशल पर्सपेक्टिव।ज्ञान गरिमा।

वर्मा, एस। (2018). अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सूत्र। नोएडा, यूपी: डोरलिंग किंडरस्ले (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, पियर्सन एजुकेशन।

वर्मा, एस। (2018). गुरुग्राम में सामुदायिक रेडियो: सामाजिक उद्यमिता में एक केस स्टडी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च, 9, नंबर 1-2, दिसंबर 2018

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ. सरोज कुमार रथ, प्रधान अन्वेषक को होसी विश्वविद्यालय, टोक्यो, जापान द्वारा वित्त पोषित "अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद" शीर्षक की परियोजना के लिए वर्ष 2017-20 की अवधि के लिए 16,00,000 रुपये की राशि स्वीकृत की गई/

डॉ. सरोज कुमार रथ, परियोजना के प्रधान अन्वेषक को उनके शीर्षक "भारतीय विदेश नीति" है, भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित, वर्ष 2018-20 की अवधि के लिए 5,00,000 रु की स्वीकृत राशि की गई।

डॉ. सरोज कुमार रथ, इस परियोजना के सह-प्रधान अन्वेषक, जिसका शीर्षक "उत्तर पूर्व और जम्मू और कश्मीर का एकीकरण" है, को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित, वर्ष 2017 की अवधि के लिए 15,20,000 रुपये की राशि स्वीकृत की गई।

डॉ. सरोज कुमार रथ, परियोजना के प्रधान अन्वेषक, के अपने शीर्षक "सरदार पटेल: भारत का एकीकरण" है, को वित्त वर्ष 2018-20 की अवधि के लिए 5,00,000 रुपये की स्वीकृत राशि के साथ, कंफ्लुएंस मीडिया, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित किया गया है।

सुश्री लीना परियोजना की सह प्रधान अन्वेषक को उनके शीर्सक "भारत-अफगानिस्तान संबंध: अफगानिस्तान के लिए भारत की आर्थिक सहायता का एक आकलन" विषय पर उन्हें वर्ष 2018-20 की अवधि के लिए 5,00,000 रुपये की राशि स्वीकृत की गई।

आयोजित संगोष्ठियां

पेरसेवेरे - 3 अक्तूबर 2018 को कैरियर और गाइडेंस सेल के सहयोग से संचार कौशल पर एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था। अतिथि वक्ता मयंक शर्मा थे। सेमिनार छात्र परिणाम और बेहतर भविष्य की दिशा में उनके कदम के संदर्भ में बेहद सफल था।

कैरियर और गाइडेंस सेल के साथ साझेदारी में प्लेसमेंट सेल ने दिनांक 15 जनवरी, 2019 को महाविद्यालय परिसर में । मैं अपने कैरियर की योजना कैसे बनाऊं 'विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। दिन के लिए अतिथि और वक्ता, ऐस सॉल्यूशंस के सीईओ तन्मय गोस्वामी थे, जिन्होंने मार्गदर्शन प्रावधान और सलाह के माध्यम से विद्यार्थियों को सफलता की राह पर ले जाने के लिए प्रबुद्ध किया।

महाविद्यालय के प्लेसमेंट सेल के सहयोग से कैरियर और गाइडेंस सेल ने "फाइनेंस मेक फॉरनेट" का आयोजन किया: वित्त और निवेश पर एक खुला सेमिनार! दिन के विशिष्ट अतिथि और वक्ता श्री जसजीत भाटिया और श्री नितिन मल्होत्रा थे, जिन्होंने वित्तीय क्षेत्र में रास्ता दिखाया!

"फिर से शुरू करें, पुरस्कार पुनः प्राप्त करें" और "साक्षात्कार का सामना कैसे करें" विषय पर संगोष्ठी में दिनांक 26 मार्च 2019 को एक संवादात्मक सत्र हुआ। प्लेसमेंट "इंटर्नशिप टू रिज्यूम" का आयोजन कैरियर और गाइडेंस सेल द्वारा प्लेसमेंट इंटर्नशिप और प्रशिक्षण सेल द्वारा किया जाता है।

कैरियर और गाइडेंस सेल ने 3 अक्तूबर 2018 को अपने विद्यार्थियों के लिए संचार कौशल, समूह चर्चा, प्रेरणा, व्यक्तित्व विकास और कॉर्पोरेट कौशल निर्माण पर व्यावसायिक संगोष्ठी "एक घंटे: एक उत्पादक घंटे" का आयोजन किया।

आयोजित सम्मलेन

दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड रिसर्च के संयुक्त तत्वावधान में दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 4-5 जनवरी 2019 से XX वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया; भारतीय आर्थिक संघ, दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, श्याम लाल महाविद्यालय (ई), श्री अरबिंदो महाविद्यालय (ई), इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन दिल्ली- एनसीआर अध्याय, रोटरी क्लब ऑफ़ दिल्ली मौर्य; और दिव्य इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट ग्वालियर। सम्मेलन का व्यापक विषय "वैश्विक दृष्टिकोण 2030: चुनौतियां और चुनौतियां" था।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

नमिता राजपूत, प्रधानाचार्य ओएसडी, "मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में अनुभवजन्य शोध" वर्ष 2018 में उस्मानिया विश्वविद्यालय में आयोजित 71 अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन में भाग लिया /

महेश दरोलिया, ग्रामीण भारत में स्वयंसेवी: 24-30 जून 2018 को कनाडा के एप्लाइड साइकोलॉजी, मॉन्ट्रियल के अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों की खोज और संरचना।

प्रज्ञेन्दु, दिनांक 24-30 जून 2018 को मॉन्ट्रियल, कनाडा के इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी में एवंरीडे लाइफ में स्वयंसेवीवाद के मनोवैज्ञानिक-सामाजिक निर्धारक का अन्वेषण।

रजनीकांत गोस्वामी, कमला दास के लेखन में आध्यात्मिकता: दिनांक 05 अगस्त 2018 को उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद में रिसर्च ट्रेंड्स इन इंजीनियरिंग, एप्लाइड साइंस एंड मैनेजमेंट -2018 पर एक वैदिक व्याख्यात्मक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

सुमति वर्मा, अफ्रीका जाने के लिए भारतीय एफडीआई क्या कहती हैं ", अंकुर भटनागर और स्वरूप संतरा के साथ, व्यवसाय और प्रबंधन पर 6 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिनांक 24 - 25 फरवरी 2019 और" कैसे भारतीय एमनेईएस अपना एफडीआई FDI चुनते हैं गंतव्यों: पारंपरिक सैद्धांतिक ढांचों का विस्तार ", ऋषिका नय्यर और जयदीप मुखर्जी के साथ, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में अनुभवजन्य मुद्दों पर 6 वें आईआईएफटी सम्मेलन दिनांक 13-14 दिसंबर 2018, नई दिल्ली में।

राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

आर्थिक विकास और अनुसंधान केंद्र (सीईजीआर) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नियोजन का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत रखा: 6 (2.21%)

कंपनियों की संख्या: 8

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

जैसलमेर में भागीदारी ग्रामीण मूल्यांकन अध्ययन, राजस्थान। प्रतिभागी ग्रामीण मूल्यांकन पद्धति का उपयोग कर विभिन्न ग्रामीण मनो-सामाजिक मुद्दों को समझने के लिए 1-5 मार्च 2019 के दौरान 65 विद्यार्थियों और 6 शिक्षकों ने उदयपुर, राजस्थान का दौरा किया। यह पीआरए अध्ययन दो अलग-अलग चरणों में किया गया था अर्थात् व्यवहार्यता चरण और कार्रवाई उन्मुख चरण। अध्ययन का आयोजन राजस्थान के उदयपुर जिले के पलोदरा गाँव में किया गया था। संक्षेप में, पीआरए अध्ययन के अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियां की गईं: पीआरए की विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके ग्रामीण समुदाय के सदस्यों का साक्षात्कार लिया गया। ज्वलंत मनो-सामाजिक मुद्दों की खोज की गई जैसे कि गरीबी, बेरोजगारी, महिला शिशुहत्या, लैंगिक असमानता, गरीबी और अमानवीयकरण, अंतरग्रही संघर्ष, जातिगत भेदभाव आदि। अध्ययन के दूसरे चरण में, विस्तारविद्यार्थियों ने ग्रामीण समुदायों में विभिन्न सामाजिक और मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर पोस्टर का उपयोग करके नुक्कड़ नाटक और समूह चर्चा का आयोजन किया। गाँव में घरों और संस्थानों की दीवारों पर नारे लगाए गए और उनका हवाला दिया गया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय लगभग सभी प्रासंगिक विषयों और सभी आईसीटी सुविधाओं से 40,000 से अधिक पुस्तकों (सामान्य पुस्तकों, एसएएफ, बुक बैंक और उपहार की पुस्तकों सहित) से सुसज्जित है। पाठ्यक्रम की आवश्यकता से संबंधित पुस्तकों के खानपान के अलावा, पुस्तकालय में संदर्भ स्रोतों का एक समृद्ध संग्रह है, जिसमें विश्वकोश, साहित्य का क्लासिक संग्रह, श्री अरबिंदो और महात्मा गांधी पर विशिष्ट संग्रह, हस्त पुस्तकें, और समृद्ध करने के लिए विभिन्न विषयों पर शब्दकोश शामिल हैं। पुस्तकालय संग्रह। अपने सभी वर्गों के साथ पुस्तकालय कम्प्यूटरीकृत हैं और यह आरडी सिस्टम ऑफ़ लाइब्रेरी मैनेजमेंट पर, पुस्तकालय मुद्रित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और समाचार पत्रों की संख्या की सदस्यता काम करता है। पुस्तकालय परिसर के भीतर दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय स्थल के माध्यम से ई-पत्रिकाओं की पहुंच सुविधा भी प्रदान करता है। पुस्तकालय स्टाफ विद्यार्थियों को कुशल और जिम्मेदार उपयोगकर्ता बनने में मदद करता है और प्रोत्साहित करता है।

पुस्तकालय में पुस्तकों के संग्रह को बढ़ाने के उद्देश्य से दिनांक 23-24 अगस्त 2018 से महाविद्यालय पुस्तकालय के भीतर ज्ञान संगम पुस्तक मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। 15 प्रसिद्ध पुस्तक प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

संकायों की संख्या

कुल स्वीकृत संकाय: 73

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान मंजूर: रुपए 210656000/-

अनुदान का उपयोग: रुपए 226641000/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय ने एनआईआरएफ रैंकिंग में भाग लिया और समग्र रैंक में शीर्ष 150 संस्थानों में मूल्यांकन किया।

महाविद्यालय को एनएए द्वारा बी + ग्रेड से सम्मानित किया गया था।

***

श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

26 फरवरी 2019 को 'ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया के बिजनेस लैंडस्केप: विघटनकारी नवाचार और उद्यमिता की भूमिका' पर 4 वें द्विवार्षिक सम्मेलन, विमर्स'19 का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड नॉलेज पार्टनर, पीएच॰डी चैंबर के सहयोग से आयोजित किया गया था। वाणिज्य और उद्योग के लिए। इस अवसर पर भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. प्रणब मुखर्जी मुख्य अतिथि थे। महाविद्यालय में शोध की गुणवत्ता को प्रोत्साहित करने के लिए बीएसई-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की गई है। व्यावसायिक विकास के लिए एसजीजीएससीसी केंद्र की स्थापना युवा विद्यार्थियों को उन्हें बाजार तैयार करने के लिए हाथों पर प्रशिक्षण के विकल्प प्रदान करने के लिए की गई है। केंद्र ने आईसीएआई और बीएसई के सहयोग से शैक्षणिक वर्ष 2018-19 में कराधान, पूंजी बाजार और डेटा विश्लेषण के क्षेत्र में पाठ्यक्रमों पर

छह ऐड का आयोजन किया। ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्रोतों का उपयोग करने के लिए, छात्रावास की छत पर स्वच्छ ऊर्जा के लिए उच्च गुणवत्ता वाले सौर पैनलों और पवन पैनलों की संख्या की स्थापना की गई है। महाविद्यालय में वर्षा जल संचयन प्रणाली का निर्माण पूरा हो चुका है।

विशेष योग्यता वाले विद्यार्थी

दिव्या कौशिक, गणित के क्षेत्र में कुल दस विश्व रिकॉर्ड और पांच राष्ट्रीय रिकॉर्ड रखती हैं। लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल नौ विश्व रिकॉर्ड कंप्यूटिंग के लिए हैं- 21 मिनट और 40 सेकंड में 120 अंकों की तालिका, 9 अंकों के घन जड़ों के 50 योग, 12 अंकों के घन जड़ों के 30 रकम, 8 अंकों के वर्ग के 2 और 2 ड्रम 15 अंकों की एक्स 15 अंकों की संख्या 5 मिनट में क्रमशः, उसने हाल ही में मार्च, 2019 में दसवें विश्व रिकॉर्ड यानी 'सबसे लंबे समय तक लगातार तीस गुणा' में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का खिताब हासिल किया है।

अक्षय चोपड़ा, बी.कॉम के अंतिम वर्ष के छात्र हैं। शिक्षाविदों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और दूसरे वर्ष में 9.18 का सीजीपीए स्कोर किया है। उन्होंने इंटर्नशिप की और अब सफलतापूर्वक इंड वेल्थ, गुड़गांव में पदस्थापित हैं।

मेहरवान सिंह, अंतिम वर्ष के छात्र बी.ए. (ऑनर्स) ने अर्थशास्त्र ने ऑपरेशंस, नेट इम्पैक्ट, दिल्ली (मुख्यालय: सैन फ्रांसिस्को) के प्रमुख के रूप में कार्य किया है और प्लांटेशन ड्राइव, नेट इम्पैक्ट लोकल आदि सहित कई आयोजन किए हैं।

उर्वी मिड्ढा, अंतिम वर्ष की छात्रा बी.ए. (ऑनर्स) ने बिजनेस इकोनॉमिक्स ने ग्रेजुएशन के दूसरे और पहले दोनों वर्षों में क्रमश: 8.45 और 8.68 के सीजीपीए हासिल कर पहला स्थान हासिल किया।

आदित्य चौहान, जो बी.कॉम प्रथम वर्ष का छात्र था ने चंडीगढ़ में आयोजित ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी शूटिंग चैम्पियनशिप, 2018 में रजत पदक और इंटर-यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप 2018 में रजत पदक जीता है। उन्होंने सीबीएसई क्लस्टर (शूटिंग) में कांस्य पदक भी जीता है।

प्रकाशन

अंजला, के, कौर, जे। (2018)। "वित्तीय उदारीकरण और बैंकिंग संकट: आसियान राष्ट्रों का एक अध्ययन" प्रयास, खंड में। 16, नंबर -2, जुलाई - दिसंबर, 2018, आईएसएसएन (O): 2456-6675, आईएसएसएन (P): 0972-8058।

गुप्ता, आर, मूर्ति, के.वी.बी. (2018)। बैंकिंग सुधार, वित्तीय मंदी और प्रतियोगिता: भारतीय बैंकिंग सेगमेंट में एनपीए ट्रेंड में टर्निंग प्वाइंट। अयम, 8 (1) (पृष्ठ 1-10)। आईएसएसएन: 2231-4326

कवल, जी (2018)। "क्या आर्थिक स्वतंत्रता खुशी की ओर ले जाती है: एक तुलनात्मक विश्लेषण", ऑनलाइन इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल, {द्वि-मासिक}, आईएसएसएन 2249-9598, खंड -08, जुलाई 2018 विशेष अंक (01), प्रभाव 5.818।

कौर, एच, कौर, यू (2018)। "गवर्नमेंट इनिशिएटिव ऑफ डिजीलॉकर: अंडर ग्रेजुएट कॉलेज स्टूडेंट्स के संबंध में एक अनुभवजन्य अध्ययन" इंजीनियरिंग, आईटी और सोशल साइंस में रिसर्च के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, आईएसएसएन 2250-0588, खंड -9, मार्च 2019, पृष्ठ 135-141, इम्पैक्ट फैक्टर (एसजेआईएफ) - 2018

कवल, जी, (2018)। “शांति और भारतीय शांति के रखवाले का विकास: चुनौतियाँ और उपलब्धियाँ” शांति अध्ययन, खंड 25, अंक 1 और 2 के जर्नल। जनवरी-जून 2018 आईएसएसएन 0972-5563।

कौर, एस, (2018)। "दृष्टिबाधितों के लिए शिक्षण और सीखने में चुनौतियां" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंजीनियरिंग साइंस इन्वेंशन: आईएसएसएन (ऑनलाइन): 2319 - 6734, आईएसएसएन (प्रिंट): 2319 - 6726, 7 (6), पृष्ठ संख्या 57-59 जून 2018।

मल्होत्रा. आर, खन्ना . एम, (2018)। "एक अनुभवजन्य अध्ययन वस्तु-उन्मुख मेट्रिक्स और परिवर्तन कौशल के संबंध का मूल्यांकन करने के लिए" अंतर्राष्ट्रीय अरब सूचना प्रौद्योगिकी, खंड के जर्नल। 15, नहीं। 6, पीपी 1016-1023, आईएसएसएन: 1683-3198, नवंबर 2018।

मल्होत्रा. आर, खन्ना. एम. (2018)। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग के लिए खोज-आधारित भविष्य कहने वाला मॉडलिंग में वैधता के लिए खतरा। आईईटी सॉफ्टवेयर, 12 (4), 293305। डोई: 10.1049 / आईईटी-.2018.5143

सिंह, बीर जे, संगीता डी (2018) ‘अर्थव्यवस्था और व्यवसाय में समकालीन सुधार’, मिशा बुक्स। आईएसबीएन: 978-81-937251-3-9, 2018

सिंह, बीर जे।, संगीता डी (2018) मार्केटिंग और प्रबंधन में हाल के सूधारै " मीशा बुक्स, आईएसबीएन 978-81-937251- 5-3, 2018।

पत्रिकाएं(जर्नल)

'जर्नल ऑफ बिजनेस थॉट' महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जाता है। यह एक ऐसा मंच प्रदान करना चाहता है जो अनुसंधान विद्वानों और शिक्षाविदों को व्यापार और अर्थशास्त्र के संबंधित क्षेत्रों में समकालीन विचारों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। जर्नल पूरी तरह से रेफरी है और यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं की सूची (जर्नल नंबर 64092) में है। सात संकाय सदस्य संपादकीय बोर्ड के सदस्यों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

आयोजित सेमिनार

"डिकोडिंग स्टॉक मार्केट" पर व्याख्यान अगस्त 2018 में आयोजित किया गया था।

व्यवसाय अर्थशास्त्र और प्रबंधन अध्ययन विभाग ने अगस्त 2018 में " एसीबीएसपी की शक्ति और उद्देश्य" (बिजनेस स्कूलों और कार्यक्रमों के लिए प्रत्यायन परिषद्) पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। यूएसए ग्लोबल प्रत्यायन भारतीय वाणिज्य संघ द्वारा आयोजित - दिल्ली एनसीआर अध्याय एसजीजीएससीसी के सहयोग से, दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड रिसर्च, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, श्याम लाल महाविद्यालय (सायं), और शहीद भगत सिंह महाविद्यालय (सायं), दिल्ली विश्वविद्यालय इसके साथ विशेष रूप से बिजनेस स्कूलों के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायन क्यों महत्वपूर्ण है, इस पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

डॉ. जेमी बेली, यूनिवर्सिटी ऑफ वोलोंगॉन्ग, ऑस्ट्रेलिया द्वारा ‘डिजिटल मार्केटिंग स्ट्रैटेजी- बिफोर बिफोर एंड आफ्टर’ का सेमिनार जनवरी, 2019 में आयोजित किया गया था।

मार्च 2019 में "टेक्स्ट माइनिंग, टेक्सटाइल एनालिसिस एंड रिस्कमेंट ऑफ रिस्क" पर एक इंटरैक्टिव सेमिनार आयोजित किया गया था।

'डिजिटल मार्केटिंग' पर पीजीडीआईएम और डीबीजेसीसी के पीजी विद्यार्थियों के लिए एक सेमिनार अक्तूबर, 2018 में आयोजित किया गया था।

सम्मेलनों का आयोजन किया

26 फरवरी 2019 को चौथा द्विवार्षिक सम्मेलन, 'ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया के बिजनेस लैंडस्केप: विघटनकारी नवाचार और उद्यमिता की भूमिका को आयोजित किया गया था।

दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के वाणिज्य विभाग, और नॉलेज पार्टनर, पीएच॰डी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से आयोजित किया गया था।

विज़न अनप्लग्ड 18, 26 अक्तूबर 2018 को एक स्टार्टअप मीट का आयोजन किया गया

अचीवर्स व्याख्यान परामर्श 5.0, एक दिवसीय फ्लैगशिप कार्यक्रम 20 फरवरी, 2019 को आयोजित किया गया था, जिसमें उपलब्धि हासिल करने वालों में श्री हरदीप सिंह पुरी, केंद्रीय राज्य मंत्री, डॉ. राजगोपाला चिदंबरम, जिन्हें न्यूक्लियर वेपर्स प्रोग्राम में अपनी भूमिका के लिए जाना जाता है, श्री संजय सेठी , संस्थापक और सीईओ, शॉपक्लूज, सुश्री प्रीत धूप, सीएफओ, आईकेईए, श्री टाटवा के, लोकप्रिय डीजे और आरजे और कई अन्य।

जनवरी, 2019 में डिजिटल मार्केटिंग स्ट्रैटेजी- इंपोर्टेंस ऑफ बिफोर एंड आफ्टर 'का सम्मेलन, डॉ. जेमी बेली, यूनिवर्सिटी ऑफ वोलोंगॉन्ग, ऑस्ट्रेलिया द्वारा किया गया।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

रेणु गुप्ता ने डीएसपीएसआर, डीडीयू महाविद्यालय, श्याम लाल महाविद्यालय और अर्बिंडो महाविद्यालय द्वारा आयोजित XX इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में आध्यात्मिक खुफिया के संबंध, शिक्षण प्रभावकारिता और व्यक्तिगत कल्याण के बारे में और बाद के माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों के संतुष्टि स्तर 'पर एक पत्र प्रस्तुत किया। ।

मीनू गुप्ता ने रिलेशनशिप ऑफ स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस, टीचिंग इफिशिएंसी, पर्सनैलिटी वेल-बीइंग और इनका प्रभाव पोस्ट-सेकंडरी लेवल पर स्टूडेंट्स की संतुष्टि लेवल 'पर आधारित एक पेपर प्रस्तुत किया।

तरविन्दर कौर, सैश पटशाह के पुरस्कार समारोह में उद्घाटन भाषण - रूसी विज्ञान और संस्कृति केंद्र, दिल्ली में एक धार्मिक मासिक पत्रिका। उन्होंने माता सुंदरी महाविद्यालय फॉर वुमेन में आयोजित पहले अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'सूचन क्रांति दे युग विच पंजाब सबिछार दा बदाल्डा मुंद्रा: किरसानी समाज दे विश्व संदर्भ विच' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

गुरदीप कौर ने भारत के कृषि क्षेत्र में प्रोमोटिंग वुमन एंटरप्रेन्योरशिप: राशनेल एंड चैलेंजेज 'नामक एक पेपर प्रस्तुत किया, जो माता सुंदरी महाविद्यालय ऑफ वूमेन में आयोजित पहले अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में हुआ।

नेहा गोयल ने नियोबायोटा 2018 के लिए यूनिफाइड फ्रेमवर्क ऑन द यूनीफाइड फ्रेमवर्क पर प्लेसिंग मॉडल सिस्टम द्वारा प्लेसिंग मॉडल सिस्टम द्वारा एक पोस्टर / स्टेज-बेस्ड ट्रिट आइडेंटिफिकेशन, बायोलॉजिकल इनवेशन पर 10 वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस: इनवेशन बायोलॉजी, डन लॉघायर, आयरलैंड में इंटरनेशनल डायरेक्शंस प्रस्तुत किया। उन्होंने 11 वीं वार्षिक द साइटोमेट्री सोसायटी सम्मेलन और कार्यशालाओं, फ्लो साइटोमेट्री: मल्टी-आयामी और बहुआयामी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली द्वारा भाग लिया। उन्हें राष्ट्रीय पशु कल्याण बोर्ड, द्वारा 'विश्व गौरैया दिवस' पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था।

हरप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी में ईस्ट एशिया फोरम में प्रोफेसर सिमित कौर के साथ संयुक्त रूप से बदल ए स्टॉर्म ऑफ़ क्लाइमेट चेंज माइग्रेशन ब्रूइंग इन साउथ एशिया 'शीर्षक से एक लेख प्रस्तुत किया।

आराधना नंदा, ने आईआईएम, शिलॉन्ग द्वारा आयोजित स्थिरता पर सातवीं वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विकास सतत विकास और पुरानी आबादी के बीच घनिष्ठ संबंध 'नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।

काजलीन कौर ने आईआईएम कलकत्ता में आयोजित द न्यू डायरेक्शन इन इकोनॉमिक थ्योरी 'पर सम्मेलन में Trans भारत में मिशन मौद्रिक नीति प्रसारण तंत्र' नामक एक पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने आईआईएफटी, दिल्ली में आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में अनुभवजन्य मुद्दों पर सम्मेलन' में 'संकट के दौरान' मौद्रिक नीति पर एक पेपर प्रस्तुत किया। उन्होंने आईसीएसआरआर के 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ग्लोबल विजन' में 'मुद्रास्फीति पर' मौद्रिक नीति प्रभाव पर एक पत्र भी प्रस्तुत किया।

मेघा उन्मत ने इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय प्रबंधन में हाल के रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'में सॉफ्टवेयर परिवर्तन की भविष्यवाणी के लिए खोज-आधारित एल्गोरिदम की प्रयोज्यता पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

केप ब्रेटन विश्वविद्यालय, सिडनी, नोवा स्कोटिया, कनाडा

उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद् आईसीएआई

यूरेका एजुकेशन ग्रुप, ऑक्सफोर्ड साइंस पार्क, जॉन एक्लस हाउस, ऑक्सफोर्ड, यूके

अल्फ्रेड यूनिवर्सिटी, न्यूयॉर्क, यूएसए

डोमिनिकन कॉलेज, न्यूयॉर्क, यूएसए

अंतर संस्थानिक सहयोग

शिक्षाविद: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, स्नान विश्वविद्यालय, यूके, नीतियोग, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय महिला, वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ स्कूल बिजनेस, कैनसस विश्वविद्यालय, यूएसए, जगन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, रोहिणी, सिडनी बिजनेस स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ वोलांगोंग, ऑस्ट्रेलिया, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज इंस्टीट्यूट लिमिटेड, दिल्ली स्कूल ऑफ बिजनेस, वीआईपीएस, इंद्रप्रस्थ महाविद्यालय फॉर विमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय, के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय

कॉर्पोरेट: इन्नोबल्ज़ वेंचर्स, इंडिया फ़ाइनेंशियल सर्विसेस, शॉपक्लूज़, वर्ल्ड बैंक, केवीएच, द यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ़ इंडिया, कोडिंग निन्जा, वीकेंड्र, ब्लॉकस्पेस, लेंसकार्ट, पीएच.डी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, केपीएमजी, डेलॉयट, प्राइसवाटरहाउसकूपर्स

सामाजिक: गुरुद्वारा नानक दरबार का बृहदाश्रम, कैंसर एड सोसायटी, नोएडा डेफ सोसाइटी, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस, आकाश, दिल्ली का रोटरैक्ट क्लब, कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन, गूंज, रोको कैंसर, यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क, ई-वेस्ट रिसाइकलर्स इंडिया, नेशनल एनिमल एनिमल कल्याण बोर्ड, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, एएएस फाउंडेशन

नियोजन का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या (परिसर में): 207

विद्यार्थियों की संख्या (परिसर से दूर): 26

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

ड्रीमिंग तिब्बत सोसाइटी के सदस्यों को बोधगया में परम पावन दलाई लामा की शिक्षाओं में स्वयंसेवकों के रूप में समृद्ध अनुभव था। उन्होंने मजनू का टीला, दिल्ली में तिब्बती कॉलोनी में कुछ अर्थशास्त्र ऑनर्स स्वयंसेवकों के साथ 'द कैंसर अवेयरनेस कैंप' में भी भाग लिया

जाग्रति, सक्षम इकाई ने अपने वार्षिक उत्सव सहर्ष'19 का आयोजन किया, 27 फरवरी 2019 को विकलांग विद्यार्थियों के लिए एक इंटरकॉलेज फेस्ट। एनएसएस ने अक्तूबर, 2018 के महीने में गूंज के साथ मिलकर एक सप्ताह का अभियान चलाया। स्वयंसेवकों ने एक कार्यक्रम में भाग लिया। कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन्स फाउंडेशन का उद्देश्य झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों को अनुकूल बनाना है। एक अनाथालय 'बाल सहयोग' में एक दान अभियान चलाया गया था। एनएसएस यूनिट ने 31 जनवरी 2019 को जोश टॉक्स के साथ मिलकर लैंगिक-संवेदनशील मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने और विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों से लैस करने के उद्देश्य से आईटीसी वीवेल द्वारा प्रायोजित "अबसजौतानाहिन" कार्यशाला का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

वर्ष के दौरान पुस्तकालय में 1741 पाठ्य पुस्तकें शामिल की गईं। पुस्तकालय में कुल पाठ्य पुस्तकों की संख्या अब 49919 है। पुस्तकालय में डीयूएलएस और इनफ्लिबनेट के माध्यम से ई-पुस्तकों और डिजिटल डेटाबेस का भी प्रावधान है।

संकायों की संख्या

कुल स्थायी संकाय: 42

कुल तदर्थ संकाय: 26

वित्तीय आबंटन और उपयोग:

प्राप्त अनुदान: रुपए 1524.90 लाख

अनुदान का उपयोग: रुपए 1524.90 लाख

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय ने संकाय द्वारा अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए बीज वित्त पोषण शुरू किया है। संकाय या वेब ऑफ साइंस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में अपने शोध को प्रकाशित करने वाले संकाय को रुपए 10 का एक मौद्रिक प्रोत्साहन मिलेगा, अधिकतम रुपए 20,000 प्रति शैक्षणिक वर्ष के अधीन। महाविद्यालय ने ऊष्मायन के लिए रुपए 50, 000 का पुरस्कार भी दिया है। बेस्ट इनोवेटिव आइडिया को स्टार्ट-अप में बदला जाए। इसके अलावा, महाविद्यालय ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज इंस्टीट्यूट लिमिटेड के साथ मिलकर एक संगोष्ठी का केंद्र बनाया है, जिसमें संगोष्ठी, सम्मेलन, डेटा का प्रावधान आदि सहित संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए विभिन्न महाविद्यालयों के 150 से अधिक विद्यार्थियों के साथ एक इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किया गया था, स्कूल, और पेशेवर पृष्ठभूमि, वित्तीय दुनिया की पेचीदगियों के बारे में सीखना। जनवरी 2019 के महीने में एफआईसी के परियोजना विट्टियान - वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत एक वित्तीय साक्षरता अभियान चलाया गया। एफआईसी ने अपने साप्ताहिक वित्तीय समाचार पत्र एफआईसी वीकली के 15 मुद्दों को सफलतापूर्वक जारी किया है।

***

श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी) ने उच्च शिक्षा, शिक्षण प्रबंधन प्रणाली, उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन आदि के लक्ष्यों पर विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों और कार्यशालाओं का आयोजन किया। आईक्यूएसी ने परिसर में शिक्षण और सीखने में सुधार के लिए कई पहल कीं और विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों की प्रतिक्रिया पर जोर दिया। महाविद्यालय ने अपने द्वि-वार्षिक ऑनलाइन ई-न्यूज़लेटर और अपने जर्नल ऑफ़ रिसर्च एंड इनोवेशन के तीसरे अंक को प्रकाशित किया। महाविद्यालय में एक गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस (जेम) लॉन्च किया गया। महाविद्यालय ने: अंकुर: एथलेटिक मीट फॉर विजुअली इम्प्रूव्ड 'का आयोजन किया, जिसमें अलग-अलग तरीके से आत्म विश्वास जगाने के लिए

छात्र और उन्हें विकास के एजेंट के रूप में मुख्यधारा का हिस्सा बनाते हैं। नैतिक और नैतिक मूल्यों वाले विद्यार्थियों को आत्मसात करने के लिए, हमारे महाविद्यालय ने हाल ही में बिस्मैन: सेंटर फॉर ह्यूमन वैल्यूज़ की शुरुआत की है, ताकि हम समाज के लिए काम करने के लिए शिक्षित, विनम्र और चिंतित नागरिक प्रदान कर सकें।

सम्मान/ गौरव

डॉ. हरदीप कौर को भूपिंदर महिला काव्य मंच द्वारा सरस्वती सम्मान से सम्मानित किया गया।

तारक नाथ बाली स्मृति सम्मान 2018, के बी हिंदी साहित्य समिति, बदायूं, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदान किया गया।

सिंह, गुरमोहिंदर को भारत के राष्ट्रपति द्वारा बीईएमएल (एक मिनीरत्न कंपनी, रक्षा मंत्रालय) का स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया गया। उन्हें पंजाबी विकास समिति का सदस्य भी नियुक्त किया गया, डी.एस.जी.एम.सी.

बख्शी, भूपिंदर पाल सिंह को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 19 नवंबर, 2018 को आयोजित 95 वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। उनके पीएच॰डी का विषय था तरलोक सिंह कंवर की साहित्यिक आलोचना का मेटा-स्टडी 'है।

खुराना, सारिका को पीएच.डी. 18 अप्रैल, 2018 को प्रदान की गई थी उनके पीएच॰डी का विषय था पंजाब से फेल्ड इमीग्रेशन 'है: ए स्टडी ऑफ द सक्सेस एंड फेल्योर ऑफ एस्पायरिंग माइग्रेंट्स'।

मिश्रा, राधिका ने अपनी पीएच.डी. 27 अप्रैल, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रस्तुत की । उनके पीएच.डी. थीसिस स्कूलिंग द पुअर: ब्रिटिश भारत में कामकाजी लोगों के प्रति शैक्षिक प्रथाओं और सामाजिक नीति के पहलू सी। 1880-1940 '।

सिंह, बलजीत को पीएच.डी. दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 19 नवंबर, 2018 को आयोजित 95 वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में उनके पीएच॰डी का विषय थीसिस 'महाकवि संतोख सिंह डायन साहित्य रचावन: इतिहस चेतना' है।

विशेष योग्यता वाले विद्यार्थी

अतुल कुमार ने अमृतसर के गुरु नानक देव विश्वविद्यालय में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी हैंडबॉल चैम्पियनशिप में भाग लिया।

पैरा एथलीट प्रशांत ने ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक और 200 मीटर में, 150 मीटर में रजत पदक जीता। मार्च 2019 में पटना में आयोजित नेशनल पैरा एथलेटिक चैम्पियनशिप में शॉट-पुट थ्रो में कांस्य पदक और कांस्य पदक।

जेयूओ साहिल दत्त ओटीए इलाहाबाद में शामिल हुए। जेयूओ वरुण त्रिपाठी को ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी, कैम्पटी में एसएसबी कोर्स में भाग लेने के लिए चुना गया था।

4 अप्रैल, 2019 को सेंट स्टीफन महाविद्यालय में आयोजित अलग-अलग एबल्ड विद्यार्थियों के लिए राजेश ने इवेंट 'वॉकथॉन' में 7 वां स्थान हासिल किया।

फोटोबग सदस्य (फ़ोटोग्राफ़ी सोसाइटी) हरमीत सिंह (बीकॉम (पास) III वर्ष) द्वारा कैप्चर की गई एक तस्वीर को सर्वश्रेष्ठ तस्वीरों में से एक के रूप में चुना गया था और फोटोग्राफी पत्रिका चिइज़ में चित्रित किया गया था।

प्रकाशन

बाला, अंजू (2018) हिंदी साहित्य और दलित विमर्ष। दिल्ली: साहित्य मंच।

बिंद्रा, जसविंदर कौर, जे. (2018)। देश-धर्म के रक्षक: गुरु गोविंद सिंह। दिल्ली, भारत: प्रभात पेपरबैक।

चतुर्वेदी, सौम्या (2019) व्यापारिक वातावरण। दिल्ली, भारत: स्कॉलर टेक प्रेस।

सिंह, गुरमोहन. (2018) सांख्य संधर् (आलोचना), नई दिल्ली, भारत: एम. पी प्रकाशन।

ममता, ए. (2018)। भारत और लैटिन अमेरिकी देशों के बीच व्यापार का विश्लेषण: पैटर्न और संरचना। जर्नल ऑफ रिसर्च एंड इनोवेशन, खंड 3 (1)

कौर, बी। (2018) गुरु गोबिंद सिंह के काव्य में राष्ट्रीय बोध की प्रतिध्वनि। नवीन सामाजिक विज्ञान और मानविकी अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड 5 (2), 440-444

कौर, एम. विज, एम. (2018) कॉर्पोरेट गवर्नेंस इंडेक्स और फर्म का प्रदर्शन: भारतीय बैंकिंग, एफ्रो-एशियन जर्नल ऑफ फाइनेंस एंड अकाउंटिंग, खंड से अनुभवजन्य साक्ष्य। 8 (2), 190-207

थॉमस, ए. कुमार, एम. (2019) वितरण और लुप्तप्राय बैंगनी बैंगनी मेंढक, नासिकबतराचस सहाद्रेंसिस (एनुरा: नासिकबतराचिडे) के टैडपोल्स की बहुतायत पर धारा निवास स्थान चर का प्रभाव। जर्नल ऑफ एशिया पैसिफिक बायोडायवर्सिटी। प्रेस में (ऑनलाइन उपलब्ध) doi: 10.1016 / j.japb.2019.01.009

पत्रिकाएं (जर्नल)

जर्नल ऑफ रिसर्च एंड इनोवेशन (आईएसएसएन 2456-8740)

सम्पादक / सम्पादक मंडल के सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय के शिक्षकों की कुल संख्या: 6

संगोष्ठियों का आयोजन किया

भारत में गठबंधन राजनीति: बून या बैन? '7 फरवरी 2019 को।

विकलांगता पर पैनल चर्चा: 14 मार्च, 2019 को समकालीन भारत में मुद्दे और चुनौतियां।

1 नवंबर 2018 को हिंदी और हिंदी पत्रकारिता विभाग द्वारा 'हिंदी कविता लोकधर्म परम्परा' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

2018 फरवरी, 2019 को विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता में सुधार कैसे करें।

24 जनवरी, 2019 को 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' पर सेमिनार

संगोष्ठी / सम्मेलन की प्रस्तुतियाँ

दीपमाला, ने 26-27 अप्रैल 2018 को पी.जी.डी.ए.वी महाविद्यालय (इवनिंग), दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित मीडिया, साहित्य, और राष्ट्रसंत पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारतेन्दु का राष्ट्रवादी चिंतन 'नामक पत्र प्रस्तुत किया।

कौर, भूपिंदर ने, गुरु गोबिंद सिंह के काव्या में राष्ट्र बोध की प्रतिज्ञा 'शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, जो कि थीम मीडिया पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में, साहित्य और राष्ट्रवाद द्वारा आयोजित पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सायं) 26-27 अप्रैल 2018 को द्वारा किया गया / और साहित्य संस्थान प्रकाशन।

कौर, जैस्मीन और कौर, गुरनीत ने विषय सशक्त बनाने वाली महिलाओं पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत में डिजिटलीकरण पर प्रभाव का प्रभाव' नामक एक पत्र प्रस्तुत किया: श्री राम वाणिज्य कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स ऑफ़ इंटरनेशनल प्रोग्राम्स के श्री राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित उद्यमिता, नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देना। दिल्ली विश्वविद्यालय और नीति आयोग की महिला उद्यमिता मंच, भारत सरकार और 16-17 जुलाई 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

कुंद्रा, बलबीर ने 18-22 अगस्त 2018 को मॉरीशस में आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन में वैशविक स्टार पार हिंदी बाशा और भारतीय संस्कृति 'नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।

शैलजा ने 23 अक्तूबर, 2018 को हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित वैशविक पाताल पार हिंदी 'विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में वैशविक पारिवेश मीन हिंदीभाषण: सम्मिश्रण और सम्मान' नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।

सिंह, इंद्रजीत ने 24 जुलाई 2018 को आयोजित इंटरनेशनल पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस, ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया में और सिविल सोसाइटी एंड ह्यूमन राइट्स इन कंटेम्परेरी इंडिया 'नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

सिंह, महेंद्र प्रताप ने दिल्ली विश्वविद्यालय में 26-27 अप्रैल, 2018 को पी.जी.डी.ए.वी महाविद्यालय (सायं) द्वारा आयोजित मीडिया और राष्ट्रवाद पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी कविता राष्ट्रवादी' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

यादव, सविलाता ने मीडिया, साहित्य, और राष्ट्रवाद 'विषय पर जिसका आयोजन पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 22 अप्रैल 2018 को एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रवादी पत्रकारिता' नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।

चतुर्वेदी, सौम्या ने 20-22 दिसंबर 2018 को उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित भारतीय वाणिज्य संघ के 71 वें अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन में फाइनेंशियल बूटस्ट्रैपिंग: सोर्स ऑफ फंडिंग फॉर टेक्नोलॉजी बेस्ड स्टार्टअप्स इन इंडिया 'प्रस्तुत किया।

कौर, परमजीत ने 1 नवंबर 2018 को दयाल सिंह महाविद्यालय में पंजाबी साहित डे समाजिक सरोकार पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में रवींद्रनाथ टैगोर दी पुष्ट भारती संस्कृत केंद्र: एक आदर्श 'शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

हरिभाई के साथ एमओयू वी. देसाई कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय, पुणे एक उद्देश्य के साथ दोनों संस्थानों में बौद्धिक जीवन और सांस्कृतिक विकास को बढ़ाने के लिए सहयोगी और पारस्परिक रूप से लाभप्रद कार्यक्रमों के विकास को प्रोत्साहित और सुविधाजनक बनाता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय और गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के दस महाविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहयोगी गतिविधियों को शुरू करने के लिए एक क्लस्टर बनाने के उद्देश्य से है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों के आदान-प्रदान कार्यक्रमों को बढ़ावा देना और उनकी सुविधा प्रदान करना और संकाय विकास में संयुक्त गतिविधियों को शुरू करना है।

विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत रखा गया: 153 (61.2%)

कैंपस भर्ती के लिए देखी गई कंपनियों की संख्या: 23

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

एनएसएस द्वारा आयोजित **विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप** की संख्या: 30

वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में एनएसएस सदस्यों की संख्या: 110

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2018 को आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों के प्रदर्शन के साथ-साथ योग प्रशिक्षक द्वारा बात की गई थी। महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने कार्यक्रमों में भाग लिया और महाविद्यालय परिसर में एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ योगासनों का अभ्यास किया। एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा 2-16 अगस्त, 2018 तक स्वच्छ पखवाड़ा मनाया गया, जिसमें प्रधानाचार्य और शिक्षकों के साथ एनएसएस स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय और पर्यावरण को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। 'स्वच्छ पर्यावरण और प्रदूषण प्रबंधन' पर एक बातचीत भी आयोजित की गई। हमारे स्वयंसेवकों ने डॉ. एनसी जोशी मेमोरियल चिकित्साल्य और कीर्ति नगर में एक झुग्गी में जागरूकता अभियान भी चलाया और स्वच्छ पखवाड़ा के दौरान देव नगर में एक स्वच्छता रैली भी निकाली। एनएसएस स्वयंसेवकों ने केरल बाढ़ दान के लिए कपड़े और धन इकट्ठा करने के लिए एक सप्ताह की लंबी ड्राइव का आयोजन किया। केरल के बाढ़ पीड़ितों को भेजने के लिए एकत्रित कपड़े और रूपए 5000/- नकद राशि गूंज-गैर सरकारी संगठन को दी गई।

पुस्तकालय विकास

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के दौरान पुस्तकें, पत्रिकाएँ और पत्रिकाएँ जोड़ी गईं; सामान्य निधि: 1255; छात्र सहायता निधि: 86; बीबीई फंड: 27; हिंदी पत्रकारिता कोष: 75

संकायों की संख्या

स्थायी संकाय: 48

तदर्थ संकाय: 37

वित्तीय आबंटन और उपयोग

प्राप्त अनुदान: रुपए 2570.80 लाख है

अनुदान का उपयोग: रुपए 2482.70 लाख (लगभग)

***

श्री गुरु तेगबहादुर खालसा महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने 20 जुलाई 2018 को ओरिएंटेशन डे आयोजित किया और 11 दिसंबर 2018 को अपने स्थापना दिवस को मनाया। महाविद्यालय को एनआईआरएफ द्वारा देश के शीर्ष 100 महाविद्यालयों में 23 वें स्थान पर रखा गया है और प्रति व्यक्ति अनुसंधान प्रकाशनों के मामले में 3 वें स्थान पर है। गुरु अंगद देव-महाविद्यालय में टीचिंग लर्निंग सेंटर (जीएडी-टीएलसी) को एमएचआरडी द्वारा देश में एकमात्र राष्ट्रीय संसाधन केंद्र (एनआरसीसी) के रूप में सम्मानित किया गया। केंद्र ने ई-लर्निंग और एमओओसी पर 1 संकाय इंडक्शन प्रोग्राम और 4 संकाय विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए। महाविद्यालय ने 3 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मेलनों का आयोजन किया, जिसमें "गुरु नानक के दर्शन और विरासत" शामिल हैं। महाविद्यालय में शैक्षणिक वर्ष में तीन विश्वविद्यालय के टॉपर्स थे और 73% विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी हासिल की थी। महाविद्यालय ने खेलों में अत्यधिक प्रदर्शन किया, 6 दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज टूर्नामेंट जीते।

सम्मान / गौरव

रसायन विज्ञान में प्रथम ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स की नवीन संकल्पना, डिजाइन और संरचना, नेशनल रिसोर्स सेंटर ऑफ केमिस्ट्री (एनआरसीसी) को डिस्टिक्टिव प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया - इंडिया डिडेक्टिक्स एसोसिएशन (आईडीए) अवार्ड (कॉर्पोरेट) 2018 वर्ष की श्रेणी में उत्पाद- उच्च और आगे 10 वीं शिक्षाप्रद में शिक्षा।

प्रधानाचार्य, डॉ. जसविंदर सिंह को 34 वें डॉ. राधाकृष्णन मेमोरियल नेशनल अवार्ड में उत्कृष्ट शिक्षक के रूप में अखिल भारतीय स्वतंत्राता पाटकर और लेखक संघ द्वारा सम्मानित किया गया।

डॉ. वनिता (पंजाबी विभाग) को ग्लोबल इकोनॉमिक प्रोग्रेस एंड रिसर्च एसोसिएशन द्वारा भारत रत्न इंदिरा गांधी गोल्ड मेडल अवार्ड से सम्मानित किया गया।

डॉ. सुमिता लोहिया (हिंदी विभाग) को "विश्व हिंदी साहित्य परिषद्" द्वारा मिलान, इटली में हिंदी भाषा और साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान के लिए 'साहित्य सम्मान समारोह' से सम्मानित किया गया।

डॉ. विमल रार (रसायन विभाग) पूरे देश से एकमात्र रसायन विज्ञान शिक्षक हैं जिन्हें एमएचआरडी, द्वारा रसायन विज्ञान के राष्ट्रीय संसाधन केंद्र का समन्वयक चुना गया है। भारत की।

महाविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में पुरुषों की श्रेणी में बास्केटबॉल और बेसबॉल में तीसरा स्थान भी हासिल किया।

विशेष योग्यता वाले विद्यार्थी

सुश्री मनप्रीत काऊ, आर बी ए (एच) पंजाबी तृतीय वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान पर रही।

सुश्री सिमरन कौर, बीएससी (एच) जूलॉजी तृतीय वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान पर रही।

सुश्री सिमरन कौर, एम. ए। (एच) पंजाबी द्वितीय वर्ष 2018 की दिल्ली परीक्षा में प्रथम स्थान पर रहीं।

अमोज जैकब ने एथलेटिक्स में राष्ट्रमंडल खेलों 2018 में भारत का प्रतिनिधित्व किया और सीनियर फेडरेशन में 800 मीटर में तीसरा स्थान हासिल किया।

महाविद्यालय के एथलेटिक्स खिलाड़ियों, प्रज्जवल रॉय, अमित तिवारी, गगनदीप भारती और पार्थ लकड़ा ने आमंत्रण दक्षिण कोरिया एथलेटिक मीट 2018 में भाग लिया।

राजू राजन ने जूनियर पुरुष सॉफ्टबॉल विश्व चैम्पियनशिप 2018 में भाग लिया

प्रकाशन

बुमराह, जी.एस., सोढ़ी, जी.एस., कौर, जे (2019) अव्यक्त उंगलियों के निशान का पता लगाने के लिए ऑयल रेड ओ (ओआरओ) अभिकर्मक: एक समीक्षा। फोरेंसिक साइंसेज के मिस्र के जर्नल, 9 (1), 3. https://doi.org/10.1186/s41935-018/010/1

घोष, एस (2018) विश्वविद्यालयों के लिए स्वायत्तता: सरकार का निजीकरण का कदम बहिष्करण है। द इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 53 (13), 31

जून, डी, निमेश, एम., गुप्ता, एस। कुमार, सी, वर्मा-तुलसी, एम., सलूजा, डी (2019)। तपेदिक के निदान के लिए Xpert MTB / RIF परख के साथ तीव्र और विशिष्ट sda LAMP-LFD परख का विकास और मूल्यांकन। जर्नल ऑफ़ माइक्रोबायोलॉजिकल मेथड्स, 159, 161-166 https://doi.org/https://doi.org/10.1016/j.mimet.2019.03.002。

जोसेफ, ए. जे. सिन्हा, एन, गोयल, एस।, हुसैन, ए, कुमार, बी (2018) ड्र के 0.64PMN-0.36PT सिंगल क्रिस्टल्स के सच्चे-अवशेष, प्रतिरोधक-रिसाव और यांत्रिक अध्ययन में वृद्धि हुई। रसायन विज्ञान के अरब जर्नल। https://doi.org/https://doi.org/10.1016/j.arabjc.2018.06.012。

कौर, ए. (2018)। आये न ने यदन तेरियन (अमृता प्रीतम की यादें) (प्रथम)। दिल्ली: शिलालेख।

कौर, एच, शशि, नेगी, आर.के., कामरा, के (2019)। नियोगास्ट्रोस्टाइल एक्वा नोव के रूपात्मक और आणविक लक्षण वर्णन। gen।, nov। कल्पना। (सिलियोफोरा, हाइपोट्रीचिया) यमुना नदी से, दिल्ली; गैस्ट्रोस्टेला की तरह जेनेरा के साथ तुलना। यूरोपीय जर्नल ऑफ़ प्रोटिस्टोलॉजी, 68, 68-79 https://doi.org/https://doi.org/10.1016/j.ejop.2019.01.002

कुमार, एस, कुमार, डी। (2019) लेट सममिति विश्लेषण, (2 + 1) के जटिल और एकवचन समाधान-आयामी संयुक्त MCBS - nMCBS समीकरण इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ डायनामिक्स एंड कंट्रोल, 7 (2), 496-509। https://doi.org/10.1007/s40435-018-0463-6

सागर, ए, कौर, आई।, माथुर, पी। (2019) ऑर्गेनिक फार्मिंग में एक नई अवधारणा: ब्रिगोस्टोस्टेरॉइड्स की प्रभावकारिता के रूप में मैरीगोल्ड पौधों की अमलीयोर्थ वृद्धि के लिए पर्ण स्प्रे। पर्यावरण और हम- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, (14), 25-36

शर्मा, जी, सुब्रमण्यम, एस, सहगल, एस। (2019) भारत में प्रमुख इक्विटी बाजार की विसंगतियाँ दूर हो रही हैं? वैश्विक व्यापार की समीक्षा, 097215091881124. https://doi.org/10.1177/0972150918811248

शर्मा, एस के, कौर, जी (2019)। फंडामेंटल ऑफ इंवेस्टमेंट्स (प्रथम) दिल्ली: सुल्तान चंद एंड संस(पी) लिमिटेड.

अनुसंधान परियोजनायें

कोमल कामरा, डीएसटी-सर्ब परियोजना 'प्रदूषण के संकेतक के रूप में नि: शुल्क रहने वाले अभिलषित संरक्षण की विशेषता और दिल्ली, भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, यमुना नदी के सूक्ष्म पारिस्थितिकी पर उनके प्रभाव', ईएमआर / 2015 / 00,255, रुपए 63,26,840 (2016-2019)

ममता और सुकांता दत्ता, सीएसआईआर परियोजना Su वर्तमान और भविष्य में नए भौतिकी के हस्ताक्षर ', 03 (1340) / 15 / ईएमआर-II, रुपए 4,25,000 (2016-2019)

आवेदित पेटेंट / मंजूर

राष्ट्रीय पेटेंट की संख्या और शीर्षक

जीएस सोढ़ी और जसजीत कौर:, नम, गैर-छिद्रपूर्ण सतहों पर अव्यक्त उंगलियों के निशान का पता लगाना, भारतीय पेटेंट संख्या 295542, 5 अप्रैल, 2018

जीएस सोढ़ी और जसजीत कौर: नम, गैर-छिद्रपूर्ण सतहों पर अव्यक्त उंगलियों के निशान और उसी की तैयारी की एक विधि का पता लगाने के लिए एक स्प्रे सूत्रीकरण, भारतीय पेटेंट नंबर 304796, 21 दिसंबर, 2018

आयोजित सेमिनार / कार्यशालाएं

श्री। दीपक आर। हांडा, प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, नई दिल्ली ने 22 जनवरी 2019 को बुनियादी पहलुओं के फोरेंसिक दस्तावेज़ीकरण के एक व्याख्यान दिया।

एडवोकेट शुभ्रा मेंदीरत्ता, रेप क्राइसिस सेल, दिल्ली महिला आयोग ने 21 सितंबर 2018 को 'महिलाओं के कानूनी अधिकारों और यौन उत्पीड़न रोकथाम कानून' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रो॰ नित्यानंद तिवारी (आलोचक और प्रख्यात विचारक), प्रोफेसर अपूर्वानंद (प्रख्यात स्तंभकार), प्रोफेसर सुधा सिंह (नारीवादी विचारक), डॉ. आशा मेहता (एसोसिएट प्रोफेसर, श्री गुरू तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय), श्री गुरुभेज सिंह गुरैया (सचिव, मैथिली) भोजपुरी अकादमी, दिल्ली सरकार) ने 1 नवंबर 2018 को नवजागरण की विचारीकी इवाम पुण्यावैख्याये 'नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में वार्ता की।

जीएडी-टीएलसी को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन प्लानिंग एंड लीडरशिप (एनआईईपीए) के रूप में चुना गया, जो एक सप्ताह की कार्यशाला के अंतर्गत 10 जनवरी 2019 को अपने वन वीक नेशनल वर्कशॉप फॉर लीडरशिप इन हायर एजुकेशन के अंतर्गत 7-11 जनवरी 2019 से एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित करेगा।

श्री आनंद मोहन डे (आईआईएम कलकत्ता से पूर्व छात्र) ने 22 अक्तूबर 2018 को प्रभावी और रचनात्मक फिर से शुरू करने पर सेमिनार के दौरान एक वार्ता की।

आयोजित सम्मलेन / संगोष्ठियां

गुरु नानक के दर्शन और विरासत पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 22-23 फरवरी 2018 को, महाविद्यालय, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

महाविद्यालय और सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजिकल एडवांस्ड मटेरियल्स ऑफ इंडिया (एसटीएएमआई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से 17-21 दिसंबर, 2018 को नैनोस्ट्रक्चरड मटीरियल्स एंड डिवाइसेस 'पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कॉलेजिएट बायोलॉजी पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 4-6 अप्रैल, 2018 को आयोजित किया गया था, जो कि महाविद्यालय ऑफ बायोडायवर्सिटी ऑफ सिलिअट्स (आईआरसीएन-बीसी), इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ प्रोटिस्टोलॉजिस्ट (आईएसओपी) के एक संबद्ध संगठन द्वारा संयुक्त रूप से महाविद्यालय और इंटरनेशनल रिसर्च कोऑर्डिनेशन नेटवर्क द्वारा किया गया था।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

राजश्री धाली ने दक्षिण एशियाई अध्ययन (ईसीएसएएस2018) के 25 वें यूरोपीय सम्मेलन में "दलित और आदिवासी कथाओं और अंतरिक्ष की प्रतियोगिता" पैनल में "मेकिंग ऑफ स्पेस इनस्टार्ट अन-टूचेबल्स: ए स्टडी ऑफ हिस्टोरिकल नैरेटिव्स" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया। पेरिस (फ्रांस), 24-27 जुलाई 2018।

स्मिता मिश्रा ने 18-20 अगस्त 2018 को मॉरीशस में आयोजित विदेश मंत्रालय, भारत सरकार और मॉरीशस मंत्रालय द्वारा आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन में हिंदी खेल पत्रकारिता 'पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

बिपिन ठाकुर ने हिंदू सांस्कृतिक ट्रेल्स पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संगोष्ठी में "भारत में वर्तमान राजनीति और शासन के लिए शांति पर्व की प्रासंगिकता" नामक एक पत्र प्रस्तुत किया: एक कालातीत परंपरा का उत्सव- देवताओं और देवताओं, तीर्थयात्रियों और प्रार्थनाओं, मंदिरों और ग्रंथों का आयोजन। 8-9 अक्तूबर 2018 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली, भारत में सार्क सांस्कृतिक केंद्र, श्रीलंका और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया।

ठाकुर, चिन्मय लाल ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के टोलरेंस एंड बिगोट्री में अंग्रेजी में "टॉलरेंस से लेकर रिस्पॉन्सिबिलिटी: रीडिंग सबाल्टर्निटी इन / इन एंड इण्डियन लिटरेचर इन इंग्लिश" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। फरवरी 2018 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय. आईएसीएलएएल और अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित अंग्रेजी में भारतीय साहित्य में प्रतियोगिता हुई।

तरुण कुमार ने 26-27 अक्तूबर 2018 को सम्मेलन में ईस्ट एशियन स्टडीज (दिल्ली विश्वविद्यालय) विभाग के सहयोग से रिसर्चर्स एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ कोरिया (रैस्क) द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "पुरातत्व के माध्यम से कोगुरो साम्राज्य के इतिहास को समझना" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

अमनप्रीत सिंह गिल ने 22-23 फरवरी, 2019 को श्री गुरू तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय, दिल्ली में गुरु नानक: जीवन और दर्शन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में गुरु नानक: समकालीन प्रासंगिकता 'पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

कामरा के, कौर एच, शशि, नरुला एल, कौर एस, लाल आर, वारेन ए ने एक बहुत से जल निकाय के साथ मिलिंग पर एक पत्र प्रस्तुत किया जिसमें एक बहुत से जल निकाय के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पानी की गुणवत्ता खराब हो सकती है। इंडियन हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 4-6 अप्रैल 2018 से आयोजित इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ पोर्टिस्टोलॉजिस्ट की संबद्ध सोसायटी के जैव विविधता के लिए अनुसंधान समन्वय नेटवर्क

अन्य अंतर- संस्थानिक सहयोग

गुरु अंगद देव- टीचिंग लर्निंग सेंटर, श्री गुरू तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय पीएमएमएमएनएमएनटी योजना के अंतर्गत भारत सरकार के एमएचआरडी का केंद्र है। केंद्र ने 7 मई से 2 जून, 2018 तक एक महीने की अवधि के फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम -02 का आयोजन किया।

ई-लर्निंग और इन-सर्विस शिक्षकों के लिए एमओओसी में चार संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किए गए। शिक्षकों की पदोन्नति के लिए सीएएस द्वारा इन एफडीपी को मान्यता दी जाती है।

नियोजन का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत रखा गया: 75, 62.5%

कैंपस भर्ती के लिए दौरा किया कंपनियों की संख्या: 48

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

महाविद्यालय की एनएसएस इकाई ने 10 अक्तूबर, 2018 को स्वच्छ रैली 'सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया, जिसमें स्वयंसेवकों ने मुख्य सड़क के साथ महाविद्यालय परिसर और सार्वजनिक स्थानों की व्यापक सफाई की; शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए) बॉर्न टू रन 'इवेंट (मैक्स चिकित्साल्य के सहयोग से); रेड क्रॉस इंडिया के सहयोग से एक रक्तदान शिविर; दिल्ली विश्वविद्यालय के कई महाविद्यालयों और एक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग तरह से विकलांग विद्यार्थियों के लिए इसका वार्षिक आयोजन, किया गया.

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय में एक अच्छी तरह से स्टॉक की गई पुस्तकालय है, जिसमें रिकॉर्ड पर लगभग 1,36,000 किताबें हैं और भारतीय पत्रिकाओं की नियमित सदस्यता है; पत्रिकाओं और दैनिक समाचार पत्र। पुस्तकालय का वार्षिक आम बजट रुपये की राशि के लिए है। 12,60,000 (केवल बारह लाख साठ हजार रुपये)। शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न विषयों की लगभग 2000 पुस्तकें शामिल की । पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय के व्यापक क्षेत्र परिसर नेटवर्किंग प्रणाली से जुड़ा हुआ है और दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (डीयूएलएस) और इन्फोनेट कंसोर्टियम से अपने उपयोगकर्ताओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुँच प्रदान करता है। महाविद्यालय पुस्तकालय ने एनएलआईएसटी (नेशनल लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर स्कॉलरली कंटेंट) की सदस्यता ली, जो अपने सदस्यों को ई-संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है। पुस्तकालय 12 पत्रिकाओं, 46 पत्रिकाओं और 27 समाचार पत्रों की सदस्यता ले रहा है। महाविद्यालय पुस्तकालय ने हाल ही में दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए कुछ ब्रेल पत्रिकाओं की सदस्यता शुरू की है। पुस्तकालय को कम्प्यूटरीकृत किया जाता है और पुस्तकों को बार-कोडित किया जाता है और ओपैक (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) के माध्यम से आसानी से सुलभ बनाया जाता है। पुस्तकालय में निगरानी के लिए 32 सीसीटीवी कैमरों के साथ गेट सुरक्षा जांच प्रणाली है। महाविद्यालय के घंटों के दौरान विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए लाइब्रेरी रीडिंग रूम में महाविद्यालय इंटरनेट तक पहुँच प्रदान करता है।

संकायों की संख्या

कुल स्थायी: 94

कुल तदर्थ: 62

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान स्वीकृत: रुपए 35,00,00,000/-

उपयोग: रुपए 35,00,00,000/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

बदलते समय, और हमारे विद्यार्थियों की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, प्रबंधन ने महाविद्यालय के बुनियादी ढांचे का विस्तार किया है, और महाविद्यालय में लड़कों के छात्रावास का निर्माण तेजी से चल रहा है। सेंटर फॉर ई-लर्निंग (सीफेल) ने वीडियो रिकॉर्डिंग और संपादन सुविधा के क्षेत्रों में तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए एमएचआरडी, भारत सरकार, दिल्ली पुलिस और इंडियन कैंसर सोसायटी के साथ हालिया सहयोग किया। जीएडी-टीएलसी द्वारा तैयार पहला ऑनलाइन केमिस्ट्री रिफ्रेशर कोर्स भारत के विश्वविद्यालयों / महाविद्यालयों के सभी केमिस्ट्री टीचरों के लिए 1 नंवबर 2018 से उपलब्ध कराया गया था। यह कोर्स जो एमओएचआरडी के स्वयं पोर्टल पर एमओओसी के रूप में अपलोड किया गया है, मुफ्त उपलब्ध कराया गया

था। 28 फरवरी 2019 तक। महाविद्यालय में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के लिए कॉलेटन विश्वविद्यालय के साथ सहयोग जारी है, जिसमें शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए एक आदान-प्रदान कार्यक्रम और नए युग के शिक्षकों के लिए संयुक्त शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करना शामिल है।

***

श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

इस वर्ष महाविद्यालय ने फरवरी 2019 में मार्टिन लूथर विश्वविद्यालय, हाले-विटनबर्ग, जर्मनी के साथ जैव सूचना विज्ञान में सहयोग के लिए संयुक्त समझौते पर हस्ताक्षर करके अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक क्षेत्र में प्रवेश किया है। नॉर्डिक केंद्र के साथ शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) भी, स्वीडन, नॉर्वे, आइसलैंड, डेनमार्क और फिनलैंड में 19 विश्वविद्यालयों के संघ पर हस्ताक्षर किए गए हैं। महाविद्यालय ने समकालीन विषयों जैसे कि उद्यमशीलता, जलवायु परिवर्तन, बौद्धिक संपदा अधिकारों, आयुर्विज्ञान पर नियमित स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के गुलदस्ते को बढ़ाने के लिए विभिन्न डोमेन और संकाय सदस्यों में सीमांत क्षेत्रों के विद्यार्थियों को एक्सपोजर देने के लिए ऐड-ऑन पाठ्यक्रम संचालित किए हैं। कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान और डीएसटी भारत-थाईलैंड संकाय विनिमय कार्यक्रम में डीएसटी-ऑस्ट्रिया सहयोग निधि का एक हिस्सा रहा है। एक समर्पित नए शैक्षणिक ब्लॉक, प्रशासन के निरंतर प्रयासों की गवाही और टीटीडी द्वारा अथक समर्थन का उद्घाटन आने वाले सेमेस्टर में किया जाना है।

सम्मान/गौरव

एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. एन। लता को 97 वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालय श्रेणी में प्रतिष्ठित "इन-एक्सीलेंस अवार्ड फॉर इन-सर्विस शिक्षकों" से सम्मानित किया गया है।

विशेष योग्यता वाले विद्यार्थी

विकास शर्मा, बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी तृतीय वर्ष, द्वितीय रैंक डीयू

शिवानी मल्होत्रा, बी. ए. (ऑनर्स) सोशियोलॉजी, II रैंक यूडीएससी

मनु कृष्ण, बी.एससी. (ऑनर्स) केमिस्ट्री, आईआईटी जेएएम टॉपर

प्रकाशन

चिंग, एन. (2019) एक देश के पुरुषों के रूप में: एंग्लो-कुही युद्ध के इतिहास को फिर से संगठित करना 'गाईट और हाओकिप (एड), द एंग्लो कुही युद्ध, 1917-1919। लंदन और न्यूयॉर्क: राउत लेडगे, 2019

कुमार, आर, कादयान, एम.एस. (2018) अनुपूरक परिवर्तनीय तकनीक का उपयोग करके चीनी उद्योग में वाष्पीकरण प्रणाली का विश्लेषण और रखरखाव योजना। औद्योगिक एकीकरण और प्रबंधन की पत्रिका: नवाचार और उद्यमिता (विश्व वैज्ञानिक) 3 (1), 1850004-22

कुमार, के. (2018) संयुक्त राज्य अमेरिका और वैश्विक अर्थव्यवस्था में बहुपक्षवाद के लिए इसकी चुनौती। भारत त्रैमासिक खंड 74 (4) ऋषि आईएसएसएन-0974-9284 ऑनलाइन आईएसएसएन: 0975-2684।

कुमार, एन, कौर, आर .. (2019) दो हिंदी फिल्मों में सक्रिय और वास्तविक विधवा: एक केस स्टडी ऑफ कट्टी पटांग और प्रेम रोग। मनीष कुमार मिश्रा के पेट में मंजीत मान, ईडीएस, भारतीय सिनेमा के कैलीडोस्कोप:

वर्सेस के वोइकोस्टो यूथोनी के कैकोफ़ोनी से। कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पीपी 22-33, आईएसबीएन सं। 978-81-8457-859-1

कुमार, के. (2018) विश्व व्यापार प्रणाली में मेगारेग्लियंस: डब्ल्यूटीओ के लिए सड़क का अंत? वर्ल्ड अफेयर्स, खंड 22, नंबर 4, आईएसएसएन 0971-8052

माथुर, एस. (2018) संप्रभु रेटिंग: निर्धारक और भारत के लिए नीतिगत निहितार्थ। आईआईएमबी प्रबंधन की समीक्षा खंड 30 (29) 140-159

सिंह, एस. सिंह, एस. और अरोड़ा, आर। (2019) दो-आयामी हाइपरबोलिक समीकरणों के लिए एक बिना शर्त स्थिर संख्यात्मक विधि। एप्लाइड मैथमेटिक्स पर ईस्ट एशियन जर्नल, 195-211

सीनिवासन, एस. (2018) .कोलाईयिल उथिथ कुलसामिकल: अर्यप्पदथ अरुथथियार इनावारिव्याल। नीथल अविवु: तमिल त्रैमासिक, चेन्नई: जनवरी-मार्च, 2019, पीपी 10-18, आईएसएसएन: 2456-2882

सिंह, के. के., भारद्वाज, एन, संकेत, जी.डी., उदयकुमार, एन।, सिंह, आर।, मल्होत्रा, वी., सैनी, डी के। (2019)। एम. तपेदिक में प्रतिक्रिया नियामक प्रोटीन, TcrX और MtrA के एसिटिलिकेशन उनके फॉस्फोट्रांसफर क्षमता को ट्यून करते हैं और दो-घटक सिग्नलिंग क्रॉसस्टॉक को संशोधित करते हैं। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर बायोलॉजी doi: 10.1016 / j.jmb.2019.01.004

सिंह, एस. राजेंद्रन, वी., हे, जे, सिंह, एके, अचेंग, एओ, पंत, वी., नासामु, एएस, पंडित, एम., सिंह, जे, चतुरी, ए।, गुप्ता, एन, घोष, पीसी, सिंह, बीके, लाथा, एन, केम्पैया, पी, चंद्र, आर, दून, बीएम, पांडे, केसी, गोल्डबर्ग, डीई, सिंह, एपी, राठी, बी (2018)। तेजी से अभिनय करने वाले छोटे अणु मलेरिया एस्पार्टिल प्रोटीज, प्लास्मेपिंस को लक्षित करते हैं, कई जीवन चरणों में मलेरिया संक्रमण को रोकते हैं। एसीएस संक्रामक रोग।

पत्रिकाएं(जर्नल)

संपादकीय बोर्ड के संपादक (सदस्य) / सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या:

डॉ. वंदना मल्होत्रा, सहायक प्रोफेसर, जैव रसायन विभाग, एक सदस्य, संपादकीय बोर्ड, माइकोबैक्टीरियल बीमारी के लिए ओएमआईसीएस पत्रिका है।

डॉ. वंदना जोशी, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, संपादक, सीएएसएच (सांस्कृतिक और सामाजिक इतिहास), एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, यूके।

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ. निर्मल कुमार, मिशन ऑफ़ हिमालयन स्टडीज़, नेशनल मिशन ऑफ़ हिमालयन, एमओईएफसीसी द्वारा, "उत्तराखंड के परित्यक्त गाँवों में पहाड़ी संस्कृतियों और पारिस्थितिकी का सतत पर्यटन - एक पायलट परियोजना" (50,00,000/- रुपये)।

डॉ. वीना बुद्धिराज, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के द्वारा कुशल प्रवृत्ति मुक्त तथ्यपरक डिजाइनों के लिए (रु 1,7,90,000/-)योगदान" ।

डॉ. एन. लता, डीएसटी इंडिया-ऑस्ट्रिया कोऑपरेशन फंड: पेक्टेट लाइसेज़ प्रमुख एलर्जी (2018) फंडिंग के पुनः संयोजक उत्पादन के लिए संयुक्त कम्प्यूटेशनल और प्रायोगिक दृष्टिकोण: 8.6 लाख रुपए

आयोजित सेमिनार

6-7 अप्रैल 2019 को श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय और एसईडी इंडिया द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

14 नवंबर 2018 को "पहाड़ी राज्यों की समस्या: उत्तराखंड का एक केस अध्ययन" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। आयोजित किये गए सम्मेलन

13, 14 अक्तूबर 2018 को आईआईएसईआर पुणे के सहयोग से दो दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम सह कार्यशाला पाठ्यक्रम के पार जलवायु - जलवायु विज्ञान और विज्ञान शिक्षा को एकीकृत करना"।

1-4 नवंबर, 2018 से आईक्यूएसी, श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय द्वारा आयोजित आईसीटी एनहांसमेंट टीचिंग एंड लर्निंग पर संकाय विकास कार्यक्रम।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

मार्टिन लूथर विश्वविद्यालय हाले-विटनबर्ग, जर्मनी में 8,2019 को पहली इंडो-जर्मन जैव सूचना विज्ञान कार्यशाला।

मानसी वर्मा ने सिंगापुर शहर, सिंगापुर में 20-21 मार्च, 2019 के दौरान आयोजित "जैव सूचना विज्ञान और प्रणाली जीवविज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में मुख्य प्रस्तुति दी।

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किया जाना

महाविद्यालय ने फरवरी 2019 में मार्टिन लूथर विश्वविद्यालय, हाले-विटनबर्ग, जर्मनी के साथ जैव सूचना विज्ञान में सहयोग के लिए एक संयुक्त समझौते पर हस्ताक्षर किए।

महाविद्यालय ने स्वीडन, नॉर्वे, आइसलैंड, डेनमार्क और फिनलैंड में 19 विश्वविद्यालयों के एक संघ, नॉर्डिक सेंटर के साथ शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया।

संकाय का ऑस्ट्रिया और थाईलैंड के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग था। डॉ. एन. लता ने कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान में डीएसटी-ऑस्ट्रिया सहयोग निधि के अंतर्गत सहयोग किया है।

डॉ. एन. लता और डॉ. निमिषा सिन्हा डीएसटी इंडिया-थाईलैंड संकाय एक्सचेंज प्रोग्राम का एक हिस्सा हैं।

अन्य अंतर-संस्थानिक सहयोग:

कोर पाठ्यक्रम के साथ जलवायु शिक्षा को एकीकृत करने के लिए ई-पाठ योजनाओं को विकसित करने के लिए ट्रांस डिसिप्लिनरी रिसर्च ओरिएंटेड पेडागोजी-इंटरनेशनल काउंसिल फॉर साइंस (ट्रॉपिकसु) पर आईआईएसईआर, पुणे के साथ सहयोग।

नियोजन का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 158

उच्चतम पैकेज: 17.75 लाख प्रतिवर्ष

औसत पैकेज: 4.04 लाख पा

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

1 मई -31 जुलाई 2018 तक स्वच्छ भारत समर इंटर्नशिप, 18 स्वयंसेवक इसका हिस्सा थे । 18 स्वयंसेवकों को पी.ओ. 21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह, एनएसएस-एसवीसी के 30 स्वयंसेवकों, 20 शिक्षकों और एसवीसी के 10 कर्मचारियों ने भाग लिया। 17 जुलाई 2018 को उच्च शिक्षा पर दूरदर्शन

कार्यक्रम, एनएसएस-एसवीसी के 10 स्वयंसेवकों ने इसमें भाग लिया। केरला बाढ़ संग्रह अभियान: एनएसएस-एसवीसी पर 21-22 अगस्त 2018 को केरल बाढ़ संग्रह अभियान के लिए स्वेच्छा से किया गया । कुल राशि रुपए 54,138 जो एकत्र किया गया था, उसे एनईएफटी के माध्यम से केरेला रिलीफ (खाता: 13621001100745) में स्थानांतरित कर दिया गया और 48 पेटी सामग्री एम्स, दिल्ली भेज दी गई। यह दूरदर्शन द्वारा कवर किया गया था और 30 अगस्त 2018 को संगोष्ठी और वृक्षारोपण अभियान में प्रसारित किया गया था, सुशांत कुमार (आईएफएस) द्वारा "पर्यावरण" पर संगोष्ठी और वृक्षारोपण अभियान एसवीसी में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में एनएसएस-एसवीसी ने स्वेच्छा से भाग लिया। डॉ. इस्तियाक अहमद, सीईसी, नई दिल्ली ने वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया। एसवीसी परिसर में 71 पेड़ एनएसएस-एसवीसी के 50 स्वयंसेवकों द्वारा लगाए गए थे।

पुस्तकालय विकास

हमारे पुस्तकालय में वातानुकूलित और वाई-फाई सक्षम रीडिंग रूम है। विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए अलग से पढ़ने का कमरा। पुस्तकों / अभिगमों की संख्या 1,45,891 है और पुस्तकालय में इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस की संख्या 14386 है। अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं (इलेक्ट्रॉनिक): 7832 (डीयूएलएस) और 6327 (एन-सूची के माध्यम से) की सदस्यता की कुल संख्या। नेशनल और इंटरनेशनल जर्नल की कुल संख्या क्रमशः 24 और 3 है।

संकायों की संख्या

कुल स्वीकृत संकाय: 183

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान मंजूर: रुपए 55,14,84,000.00

अनुदान का उपयोग: रुपए 60,11,46,000.00

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय ने समकालीन विषयों पर विद्यार्थियों के लिए ऐड-ऑन पाठ्यक्रम की पेशकश की। ये पाठ्यक्रम अन्य विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए खुले थे, और ये नियमित स्नातक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त थे। इस शैक्षणिक वर्ष में स्पैनिश, जर्मन जैसी विदेशी भाषाओं में चल रहे सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के अलावा कुल चार ऐड-ऑन पाठ्यक्रम आयोजित किए गए।

आयुर्विज्ञान: यह पाठ्यक्रम विषम सेमेस्टर में आयोजित किया गया था और इसमें 35 प्रतिभागी थे। एम्स, आईजीआईबी, चौधरी ब्रम्हप्रकाश इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद से विशेषज्ञ आए थे। प्रतिभागी ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के फील्ड विजिट पर भी गए।

बौद्धिक संपदा अधिकार: पाठ्यक्रम कुछ वर्षो से सफलतापूर्वक चल रहा है और यहां तक कि सेमेस्टर में भी आयोजित किया गया है। इसमें 55 प्रतिभागी थे और अटॉर्नी-इन-लॉ मिस्टर हरि सुब्रमणियम और डाहलिया सेन ओबेरॉय सेन ओबेरॉय लॉ फर्म के संसाधन व्यक्ति थे।

उद्यमिता पाठ्यक्रम भी सेमेस्टर में आयोजित किया गया था और इसमें 36 प्रतिभागी थे। विशेषज्ञों को डीएसई, वाणिज्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, एएनडीसी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय से आमंत्रित किया गया था। इस पाठ्यक्रम में एमओओसी प्लेटफॉर्म का उपयोग करके पहली बार ऑनलाइन मूल्यांकन मोड भी शामिल किया गया।

जलवायु परिवर्तन: मुद्दों, चिंताओं और रणनीतियों (वनस्पति विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान विभाग): पाठ्यक्रम भी सेमेस्टर में आयोजित किया गया था और 46 स्नातक और साथ ही विभिन्न महाविद्यालयों से प्रतिभागियों के रूप में स्नातकोत्तर छात्र थे। जेएनयू, आईएआरआई, आईपी विश्वविद्यालय, डीयू, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, डीएसटी से विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था।

***

सेंट स्टीफन महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

सेंट स्टीफन महाविद्यालय को एनआईआरएफ रैंकिंग में अखिल भारतीय नंबर चार स्थान पर और इंडिया टुडे रैंकिंग में अखिल भारतीय नंबर एक स्थान पर रखा गया था।

7 दिसंबर, 2018 को आयोजित संस्थापक दिवस समारोह में एच एच दलाई लामा मुख्य अतिथि थे।

एक एनसीसी लड़की की विंग औपचारिक रूप से महाविद्यालय में स्थापित की गई थी।

सम्मान / गौरव

डॉ. रनीश गिवर्गीस अब्राहम को 5-14 अक्तूबर, 2018 से सोका विश्वविद्यालय, और केइओ विश्वविद्यालय (एसएफसी) टोक्यो, जापान में भारतीय शास्त्रीय साहित्य और अंडरस्टैंडिंग इंडिया 'पर व्याख्यान देने के लिए विजिटिंग लेक्चरशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. सी. बी. झा. ने गुजरात के सोमनाथ में अपने 49 वें सत्र में अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन के शास्त्रीय संस्कृत अनुभाग के अनुभागीय अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

डॉ. आदित्य प्रताप देव ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडी, शिमला में फैलोशिप के दो वर्ष पूरे किए। वह आईआईएएस में फैलो काउंसिल के संयोजक भी थे।

विशेष योग्यता वाले विद्यार्थी

एम. माखन लाल स्वर्ण पदक - गरिमा थरेजा, बी.एससी. गणित (ऑनर्स)

राय बहादुर बृजमोहनलाल साहेब मेमोरियल गोल्ड मेडल - गरिमा थरेजा, बी.एससी. गणित (ऑनर्स)

श्री सुरेश भाटिया मेमोरियल गोल्ड मेडल - गरिमा थरेजा, बी.एससी. गणित (ऑनर्स)

प्रोफेसर के. एन. जोहरी मेमोरियल गोल्ड मेडल - दीपांशु गिल, एम. एससी. रसायन विज्ञान

कुलपति के स्वर्ण पदक (शारीरिक रूप से विकलांग छात्र) - शुभति खंडेलवाल, बी.ए. अर्थशास्त्र (मानद)

बी. एससी. (ऑनर्स) फिजिक्स में - सौरभ कुमार

डॉ. जे.एन. मित्रा मेमोरियल पुरस्कार - गरिमा थरेजा, बी एससी गणित (ऑनर्स)

प्रकाशन

दयाल, एन. रॉय, के. पूछताछ के प्रतिमान, निर्माण इतिहास: रोमिला थापर, 2019 के लिए एक फेस्टिचर।

गेब्रियल, के. इलेक्ट्रॉनिक पोर्नोग्राफी एंड द ट्रांसनेशनल एसेंबलीज ऑफ सेक्शुअलिटी', जेफ़ हर्न एट (सं.) पुरुषों के अनसुने इंस्टीट्यूशन इंस्टीट्यूशंस: ट्रांसपेंशनल डिसपेंडेड सेंटर्स, जेंडर पावर, कॉन्ट्रिब्यूशन, यूके: रूटलेज, 2019

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ. राज कुमार भारद्वाज द्वारा "दिल्ली में उच्च शिक्षा संस्थानों में दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए सूचना अभिगम तंत्र का एक अध्ययन"।

डॉ. सतीश कुमार के अधीन डीआरडीओ परियोजना, सेंट स्टीफन महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग।

आयोजित सेमीनार

चक्रवर्ती, डी. सेंट स्टीफन महाविद्यालय और द यूनिवर्सिटी ऑफ़ शिकागो सेंटर, दिल्ली में इंटरएक्टिव सेमिनार, प्रोफेसर चक्रवर्ती के साथ क्लाइमेट चेंज एंड द ह्यूमन साइंस, 26 मार्च 2019

लाहिड़ी, एन. 'सम्राट अशोक: एन इंटरप्ले ऑफ़ हिस्ट्री एंड मेमोरी' शीर्षक से 9 जनवरी 2019 को व्याख्यान।

सैमुअल, जे. द पोपली मेमोरियल लेक्चर सीरीज, 18-20 अप्रैल 2019

आयोजित सम्मेलन

25-26 सितंबर 2019 को सेंट स्टीफन महाविद्यालय में रासायनिक विज्ञान (ईटीएसीएस) में उभरते रुझान और अग्रिमों पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

ग्रंथों, यूटोपिया और डायस्टोपियास पर राष्ट्रीय सम्मेलन, अंग्रेजी विभाग, सेंट स्टीफन महाविद्यालय 27-29 मार्च 2019 को।

24 जनवरी 2019 को सेंट स्टीफंस महाविद्यालय के सक्षमकरण इकाई और गांधी- अंबेडकर स्टडी सर्कल के सहयोग से, यूनिवर्सिटी स्पेस में मार्जिनलाइजेशन और भेदभाव के अनुभवों 'पर पैनल डिस्कशन।

पैनल चर्चा क्या बॉर्डर मैटर चाहिए? उत्तर-पूर्व भारत में आव्रजन विरोधी भावनाएं, उत्तर-पूर्व समाज, सेंट स्टीफन महाविद्यालय

सेमिनार / सम्मेलन में **प्रस्तुति**

नैना दयाल ने जुलाई 2018 में कोलकाता में द सीगल फाउंडेशन फॉर द आर्ट्स द्वारा आयोजित सम्मेलन रीचिंग हिस्ट्री 'पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हमारे प्राचीन अतीत पर भारतीय और पाकिस्तानी पाठ्य पुस्तकों के पुनर्निर्माण' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

करेन गेब्रियल ने 20 अगस्त 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में और वैश्वीकरण, संस्कृति और पहचान: नई दिशाओं 'पर एक सम्मेलन में गबरी विज़ुअलिटी, मध्यस्थता, प्रौद्योगिकी और पाठ' नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

रेनिश जी। अब्राहम ने केयो विश्वविद्यालय (शोनन फुजीसावा परिसर) में 'टैगोर और जापान' पर एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया।

विभा शर्मा ने जून, 2018 में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्री-प्रवेश समर स्कूल में 'अकार्बनिक रिएक्शन मैकेनिज्म' नामक आमंत्रण पर व्याख्यान दिया।

आशुतोष दयाल माथुर ने दिसंबर 2018 में केरल के तिरूर में अंतर्राष्ट्रीय महाभारत सम्मेलन में महाभारत मंजरी पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

नियोजन का विवरण

इस शैक्षणिक वर्ष में हमारे विद्यार्थियों द्वारा 50 से अधिक इंटर्नशिप किए गए थे।

कई विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर शीर्ष बहुराष्ट्रीय कंपनियों और कॉर्पोरेट प्रतिष्ठानों में स्थान प्राप्त किया।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

स्तन कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड, डिस्कवरिंग हैंड्स एंड फोर्टिस हॉस्पिटल के साथ मिलकर एक ओपन, ब्रैस्ट कैंसर ब्रैस्ट कैंसर अवेयरनेस व्याख्यान परामर्श।

कैंपस में मानसिक कल्याण बढ़ाने के उद्देश्य से ऑफबीट कार्निवल।

सक्शम के सहयोग से नेत्रहीनों के लिए शैक्षणिक पहुंच को बढ़ावा देने के लिए एक सुलभ पाठ निर्माण कार्यशाला।

एक्टस सेंट स्टीफन के चैप्टर ने परियोजना आइशा को लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य उन क्षेत्रों को चिकित्सा सहायता प्रदान करना है जो सामान्य परिस्थितियों में- डेटा संग्रह के स्केलेबल मॉडल पर काम करके उस तक पहुँच नहीं रखते हैं।

पर्यावरण पखवाड़े का अवलोकन किया गया।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2018-19 में, महाविद्यालय के पुस्तकालय ने अपने संग्रह में 876 पुस्तकें जोड़ीं और किताबों पर रुपए 1343891 और रुपए 185238 की 11 प्रिंट पत्रिकाओं की सदस्यता ली। इसके अलावा, पुस्तकालय ने रुपए फर्नीचर पर 69797 और रुपए पुस्तकों के बंधन पर 43569। पुस्तकालय ने वर्ष 2018-19 में नेशनल लाइब्रेरी इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर स्कॉलरली कंटेंट (एनलिस्ट) की सदस्यता को भी नवीनीकृत किया। सेंट स्टीफन महाविद्यालय पुस्तकालय ने प्रतिक्रिया तंत्र प्रणाली शुरू की है, जिसमें छात्र पुस्तकालय में अपनी प्रतिक्रियाएं दे सकते हैं। 25 जनवरी, 2019 को विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए ई-संसाधनों पर एक उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। पुस्तकालय के कर्मचारियों के लिए 19-20 दिसंबर, 2018 को "मोटिवेशन एंड प्रोफेशनल कम्पीटिशन फॉर लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स" विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अलावा, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षेत्र में उभरते मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक संवाद श्रृंखला शुरू की गई। । महाविद्यालय पुस्तकालय ने 2018-19 के दौरान विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए 14 थीम आधारित पुस्तक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया। पुस्तकालय ने लीव वन-टेक वन (एलओटीओ) भी शुरू किया है, जिसमें छात्र किसी भी व्यक्तिगत पुस्तक को छोड़ सकते हैं और एक ले सकते हैं। एलओटीओ को जूनियर सदस्यों के बीच साझा करने और पढ़ने की आदतों को बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। एलओटीओ का उद्घाटन 19 दिसंबर, 2019 को प्रधानाचार्य द्वारा किया गया था।

संकायों की संख्या

कुल स्थायी: 58

कुल तदर्थ: 38

वित्तीय आबंटन और उपयोग:

अनुदान स्वीकृत: रुपए 25,03,39,000 / -

अनुदान का उपयोग: रुपए 29,76,65,465 / -

***

स्वामी श्रृद्धानन्द महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

शिक्षकों के काम करने के लिए बहुत आवश्यक स्थान प्रदान करने के लिए एक अलग वातानुकूलित वाचनालय बनाया गया है। महाविद्यालय के नेत्रहीन विकलांग विद्यार्थियों के लिए एक अलग सुव्यवस्थित केबिन प्रदान किया गया है। विभिन्न प्रकार के ई-मेल खोजने के लिए, पुस्तकालय में इंटरनेट ब्राउजिंग की सुविधा उपलब्ध है।

सम्मान / गौरव

महाविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय उद्यान दिवस में द्वितीय पुरस्कार जीता।

केविन साधु ने एम्स, दिल्ली द्वारा आयोजित पल्स गोट टैलेंट में दूसरा पुरस्कार जीता।

नई दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (एनडीआईएम), तराना 18 द्वारा आयोजित समूह गायन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार।

नवरंग - द सांस्कृतिक फेस्टिवल ऑफ भगिनी निवेदिता महाविद्यालय में वर्तमान वर्ष के अपने पहले प्रदर्शन में पहला स्थान हासिल किया।

सुरक्षित प्रदर्शन युगल प्रदर्शन में पहला स्थान - टीवीएफ मुंबई द्वारा आयोजित। आईआईटी पवई (मुंबई) में प्रदर्शन किया।

प्रकाशन

गिरि, बी. (2018) जड़ जीव विज्ञान। स्प्रिंगर इंटरनेशनल प्रकाशन एजी।

गिरि, बी. (2018) अध्याय: रुथेनियम यौगिक: पान स्टैनफोर्ड प्रकाशक, आईएसबीएन: 9789814774390. (2018) अध्याय: न्यूटन केमिस्ट्री में नैनो रसायन विज्ञान में एक नया दृष्टिकोण, अध्याय: नैनो टेक्नोलॉजी: सतत जल के लिए एक उभरता हुआ क्षेत्र वाइली-स्क्रिप्नर पब्लिशर्स, यूएसए, आईएसबीएन: 978-1-119-32359-4 द्वारा सतत जल संसाधन के लिए नैनो टेक्नोलॉजी नामक पुस्तक में संसाधन।

गुप्ता, आर. (2019) सह जेएसआर प्रकाशन हाउस एलएलपी, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण (आईएसबीएन: 978-93-87684-36-2) द्वारा प्रकाशित एक पुस्तक "वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्लेषण" के लेखक हैं।

गर्ग, पी. ने एक पुस्तक प्रकाशित की, 'जैव विविधता और उसका संरक्षण'। नीरज पब्लिशिंग हाउस। गर्ग पी।

कुमारी, एम. शर्मा, एम. सिंह, वी.बी. (2018)。बग प्राथमिकता भविष्यवाणी के लिए एन्ट्रापी और गहन शिक्षा पर आधारित एक बेहतर क्लासिफायरियर। इंटेलीजेंट सिस्टम डिज़ाइन और एप्लिकेशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में आईएसबीएन 978-3-319-76348-4।

कुमारी, एम. शर्मा. एम. सिंह, वी.बी. (2018) अपनी अनिश्चितता और अनियमित स्थिति, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर एंड प्रोसेसेज, खंड 9, अंक 4, पृष्ठ.20-47, DOI: 10.4018 /JOSSP.2018100102 पर विचार करके एक रिपोर्टेड बग की गंभीरता का आकलन।

कुमारी, वी. (2018) केंद्रीय हिंदी निदेशालय, एचआरडी मंत्रालय, सरकार द्वारा प्रकाशित 'बृहत् हिंदी-हिंदी कोश' के सह-लेखक। भारत की।

प्लायवाल, एल.आर. (2018) राजस्थान पथ्य प्रकाशन, जोधपुर द्वारा अंडर ग्रेजुएशन कोर्स के लिए वित्तीय स्वीकृति (हिंदी और अंग्रेजी)।

रूपिनी. बी. कुमार. वाई. सिंह. पी. गुप्ता. एम. (2018) रासायनिक आपदा प्रबंधन और पर्यावरणीय प्रभाव: भारत में वर्तमान दिवस परिदृश्य पर एक समीक्षा, पुस्तक "पर्यावरण में गिरावट" में अध्याय संख्या 10, जेआरएफ इंटरनेशनल बुक पब्लिकेशन, पीपी 143-155 आईएसबीएन-978-93-87739-20-8.

सक्सेना, जी. (2018) नेमाटोफैगस कवक का उपयोग करके रूट गाँठ और पुटी नेमाटोड का जैविक नियंत्रण। गिरि एट अल में। (सं।) रूट बायोलॉजी, स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग एजी, पीपी-221-238.

शर्मा, एम. फाम, एच. सिंह, वी.बी. (2019) बचे हुए मुद्दों का मॉडलिंग और विश्लेषण और एन्ट्रोपी आधारित मापक सॉफ्टवेयर का उपयोग करके मल्टी-रिलीज़ ओपन सोर्स सॉफ़्टवेयर में समय नियोजन की योजना इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर सिस्टम्स साइंस एंड इंजीनियरिंग, खंड 34, अंक 1, पीपी। 33-46। डीबीएलपी, स्कोपस में अनुक्रमित।

सिंह, पी.पी. (2018)। “विवो बुक्स प्राइवेट लिमिटेड” द्वारा “ऑर्गेनिक स्पेक्ट्रोस्कोपी” नई दिल्ली। आईएसबीएन: 9789387925120.

यादव, आर. सिंह, पी. गुप्ता, एम. (2018) ने एक पुस्तक "पर्यावरणीय उन्नयन", जेआरएफ इंटरनेशनल बुक पब्लिकेशन, "मल्टीलेवल ग्रेडेड एनवायरनमेंट एजुकेशन एंड इवोल्यूशन ऑफ़ ग्रीन केमिस्ट्री रिसर्च एंड एक्सेप्लेसमेंट फ़ॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट" का लेखन किया। पीपी। 107-128, आईएसबीएन - 978-93-87739-20-8.

यांग, एच. श्रोएडर-मोरेनो एम, गिरी बी, हू एस (2018) अर्बुकुलर चरहीजल कवक और पोषक तत्व संवर्धन के लिए उनकी प्रतिक्रिया। में: गिरी एट अल। (सं।) रूट बायोलॉजी, स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग एजी, पीपी - 429-450.

कुमारी, एम. शर्मा, एम. सिंह, वी.बी. (2018) एक रिपोर्टेड बग की गंभीरता का आकलन इसकी अनिश्चितता और अनियमित स्थिति को देखते हुए। ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और प्रक्रियाओं के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड 9, अंक 4, पीपी .20-47, डीओआई: 10.4018 / IJOSSP.2018100102.

पत्रिकाएं(जर्नल)

महाजन एल, मॉलिक्यूलर इनट इम्युनिटी में समीक्षा संपादक के रूप में संपादकीय बोर्ड के सदस्य, पत्रिका का हिस्सा (एस) फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी (जर्नल इम्पैक्ट फैक्टर 6.429, दुनिया में 5 वाँ सबसे उद्धृत इम्यूनोलॉजी पत्रिका)।

चनाना के.एस. (2018) "रितुपर्णो घोष का चित्रांगदा जैसा कि एसआरएस (सेक्स-रीसाइनमेंट सर्जरी) के लेंस के माध्यम से देखा गया" जेएसएल, द जर्नल ऑफ द स्कूल ऑफ लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, विंटर।

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ. आनंद मलिक, भूगोल में एसोसिएट प्रोफेसर, शीर्षक- "जलवायु परिवर्तन" आईसीएसएसआर द्वारा अनुदान।

आयोजित संगोष्ठियां

सुकश्मा, माइक्रोबायोलॉजी सोसाइटी ने 11 अक्तूबर, 2018 को इनोवेट इंटेलिजेंस के संस्थापक और निदेशक सुश्री पूजा कुमार और एक पंजीकृत ट्रेडमार्क एजेंट सुश्री रुचिता सिंह के साथ "बौद्धिक संपदा अधिकारों" पर "एक दिवसीय संगोष्ठी" का आयोजन किया। पोस्टर मेकिंग और क्रॉसवर्ड पहेली का आयोजन किया गया था और महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए थे।

सुकश्मा, माइक्रोबायोलॉजी सोसाइटी ने एक प्रतिष्ठित और वरिष्ठ सलाहकार, डॉ. सुनील मोदी, एमडी, डीएम, इंद्रप्रस्थ अपोलो चिकित्साल्य, नई दिल्ली द्वारा "हार्ट अटैक- कैसे, क्यों, कब, किससे और क्या रोका जा सकता है" पर एक वार्ता का आयोजन किया। , 7 फरवरी 2019 को। इसने मैगजीनोम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट। के साथ "ब्रिजिंग द गैप" नामक एक उद्योग-अकादमिक सहभागिता का आयोजन किया। 22 फरवरी -23 फरवरी 2019 को। भारत के कोचीन में मुख्यालय, मैगनेनोम टेक्नोलॉजीज ने 2014 में परिचालन शुरू किया।

डॉ. मुकेश राणा ने 28-29 मार्च 2019 को स्मार्ट एनर्जी रिसोर्सेज एंड सस्टेनेबल इंजीनियरिंग पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

Dec 2018 - फरवरी 2019 की अवधि के दौरान एमजीआईसीसीसीसी के सहयोग से "एनर्जी टेक्नोलॉजी एंड सस्टेनेबिलिटी में प्रशिक्षण" पर शॉर्ट टर्म कोर्स।

8 फरवरी 2019 को एमजीआईसीसीसीसी और डीसीआरयूएसटी के सहयोग से "स्मार्ट ऊर्जा प्रौद्योगिकियों" पर एक दिवसीय कार्यशाला।

"जलवायु परिवर्तन और सतत विकास" फरवरी 2019 पर दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम।

वाणिज्य विभाग ने 29 जनवरी 2019 को समय से स्नातक के बाद करियर और दिनांक 18/9/2019 को समय से भारत और विदेश से विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

धरम वीर भारद्वाज, प्रशासनिक प्रस्ताव, 41 वां अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और राष्ट्रीय सम्मेलन, मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर, राजस्थान। 5-6 जनवरी 2019, "भारत में लेखा शिक्षा और अनुसंधान: चुनौतियां और समस्या" शीर्षक से पत्र

71 वें अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन का आयोजन वाणिज्य संकाय, उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद, तेलंगाना भारत द्वारा किया जाता है। 20-22 दिसंबर। 2018, तकनीकी सत्र III में पेपर का शीर्षक "कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी: नीतियां और व्यवहार" है।

गीता सक्सेना ने 7 फरवरी, 2019 को दिल्ली के किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित सतत पर्यावरण में सूक्ष्म जीवविज्ञान और नैनो में राष्ट्रीय संगोष्ठी में निमेटोफैगस कवक: जैव-नियंत्रण एजेंटों 'पर बात की।

भूपेन्द्र गिरी ने, प्लांट स्ट्रेस बायोलॉजी में हालिया विकास पर नेशनल कॉन्फ्रेंस में एक पर्यावरण तनाव निवारक के रूप में मेरे अरबुकुलर माइकोरिज़ल कवक'पर एक बात की: मानव कल्याण (आरडीपीएसबी-2018) के लिए प्रयोगशाला अनुसंधान का अनुवाद, 7-8 दिसंबर, 2018, द्वारा आयोजित वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू के केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर।

मीरा शर्मा, वाणिज्य में सहायक प्रोफेसर: सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और डेटा साइंसेज (कॉड्स 2018), 20-21 जून, 2018 कश्मीर विश्वविद्यालय में सम्मेलन में "नई विशेषताओं, फ़ीचर सुधार और कोड परिवर्तन की जटिलता के माध्यम से सॉफ्टवेयर विकास का विश्लेषण" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

एस.के. श्रीवास्तव, 14-23 इंडो-ऑस्ट्रेलियन बायोटेक्नोलॉजी सम्मेलन में थीम के साथ इमर्जिंग मोडेलिटीज ऑन इंप्रूव्ड कैंसर इंप्रूवमेंट्स टू टेटा मेमोरियल सेंटर - एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर, नवी मुंबई 22-23 अक्तूबर, 2018।

इम्यूनोकॉन 2018 में भाग लिया, जो कि एक अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान में इम्यूनोथेरेपी और अग्रिम में अंतर्राष्ट्रीय बैठक 1-3 नवंबर 2018 को।

मनीष कुमार, पोल में सहायक प्रोफेसर राजनीतिक विज्ञान: ने 4-5 अगस्त 2018 से गांधी और शांति अध्ययन केंद्र, स्कूल ऑफ सोशल साइंस, इग्नू, नई दिल्ली के लिए केंद्र द्वारा आयोजित "राष्ट्रवादी प्रवचन पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लिया।

पंकज लखेरा ने 30 -31 अगस्त 2018 को श्याम लाल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "महात्मा गांधी इन प्रीस्टाइन पर्सपेक्टिव" में "लोकप्रिय संस्कृति: भारत की आजादी के कपड़े से लेकर फैशन स्टेटमेंट तक" नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

उन्होंने 2 फरवरी 2019 को मैकेनसी 7 एस मॉडल: इनोवेशन ग्रोथ, सस्टेनेबिलिटी और स्केलेबिलिटी ऑफ बिजनेस पर 35 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में एक व्याख्यान दिया, जो कि नई दिल्ली के टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज द्वारा आयोजित किया गया था। वह दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट द्वारा आयोजित डिजिटलीकरण इन एजुकेशन, लॉ एंड मैनेजमेंट पर एक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में रिसोर्स पर्सन थे। करनाल रोड, नंगली पूना, दिल्ली 17-23 दिसंबर 2018 से

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय में 108000 से अधिक पुस्तकों का विशाल संग्रह है और इसमें लगभग 26 समाचार पत्र और 70 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएँ प्राप्त होती हैं जो उपयोगकर्ताओं को नवीनतम जानकारी और ज्ञान प्रदान करती हैं। पुस्तकालय में समृद्ध संग्रह है, जो विभिन्न प्रकार के उपयोगकर्ताओं की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने वाले विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कला और वाणिज्य और मानविकी और सामाजिक विज्ञान विषयों पर आधारित सामान्य पुस्तक अनुभाग, पाठ्य पुस्तक अनुभाग और संदर्भ पुस्तक अनुभाग के साथ वर्गीकृत किया गया है। पुस्तकालय भी एस.ए.एफ. (स्टूडेंट एडेड फंड) विद्यार्थियों के लिए किताबें। पुस्तकों का संग्रह तथा पुस्तकालय में विशाल वाचनालय है और शिक्षण संकाय के लिए और अलग-अलग विकलांग विद्यार्थियों के लिए एक अलग खंड है। इस सत्र में विभिन्न सेवाओं के लिए रोजाना 400 से अधिक छात्र आते हैं।

पुस्तकालय नेत्रहीन विद्यार्थियों के लिए विशेष उपकरण और सहायक उपकरण भी प्रदान करता है। महाविद्यालय का पुस्तकालय एमएचआरडी (मानव संसाधन विकास मंत्रालय) के एन-लिस्ट कार्यक्रम से जुड़ा है, जिसके माध्यम से संकाय और छात्र 500 से अधिक ई-पत्रिकाओं और 1 लाख ई-पुस्तकों तक पहुंच सकते हैं। पुस्तकालय द्वारा प्रदान की गई गुणवत्ता सेवाओं के साथ उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए पुस्तकालय पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। पुस्तकालय स्टाफ पुस्तकालय सेवाओं की गुणवत्ता को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए समर्थन करता है। अपने कर्मचारियों के कौशल को बनाए रखने और बेहतर बनाने के लिए नियमित अंतराल पर डीयूएलएस के साथ भागीदारी और प्रशिक्षण होता है।

संकायों की संख्या

कुल स्वीकृत संकाय: 173

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान प्राप्त: रुपए 56,16,00,000 / -
अनुदान का उपयोग: रुपए 49,60,80,706 /

***

विवेकानंद महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) और महाविद्यालय के खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 13-14 मार्च, 2019 को दो दिवसीय अंतःविषय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था, "भोजन की गाथा - राजनीति, सौंदर्यशास्त्र और प्रौद्योगिकी"। जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण के सहयोग से आईक्यूएसी ने 20 फरवरी -3 अप्रैल 2019 से एक कानूनी जागरूकता पाठ्यक्रम का आयोजन किया। प्रतिभागियों को पूरी दिल्ली से जिला मजिस्ट्रेटों के साथ बातचीत करने और कड़कड़डूमा कोर्ट का दौरा करने का अवसर मिला। महाविद्यालय के अन्य विभागों के सहयोग से आईक्यूएसी ने विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों के बीच बातचीत की सुविधा के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए शिक्षक संकाय बैठकें आयोजित कीं। कैंपस जीवन के विभिन्न पहलुओं पर तीसरे वर्ष के विद्यार्थियों के लिए छात्र प्रतिक्रिया गतिविधि का आयोजन किया गया था। पूर्व आईक्यूएसी द्वारा कई विभागों के लिए प्रारंभिक आंतरिक शैक्षणिक लेखा परीक्षा आयोजित की गई थी।

विशेष योग्यता वाले विद्यार्थी

शिवांगी त्यागी, बी॰.एससी. (ऑनर्स) को दिल्ली सरकार से मेधावी छात्र के रूप में गणित को 10,000 / - से सम्मानित किया गया।

महाविद्यालय तीरंदाजी टीम ने इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया।

महाविद्यालय हॉकी टीम ने इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया।

महाविद्यालय हॉकी टीम ने इंटर कॉलेज हॉकी लीग में दूसरा स्थान हासिल किया।

प्रकाशन

जैन, ए. माथुर, पी. (2019) दिल्ली, भारत के किशोरों के बीच खाद्य पदार्थों के माध्यम से सल्फाइट एक्सपोजर का जोखिम मूल्यांकन। वर्तमान पोषण और खाद्य विज्ञान, 15 (2) (पब्लिकेशन के लिए स्वीकृत)।

नंदराजोग, एच. (2018) अंग्रेजी में चखने के तंदूरी चिकन: अनुवाद से असंभव से अनुवाद तक संभव है, अनुवाद असंभव: दक्षिण एशियाई साहित्य में कट्टरपंथी अनुवाद की नैतिकता, राजनीति और प्रगति। सांगलैप: जर्नल ऑफ़ लिटरेरी एंड कल्चरल इन्क्वायरी, 5 (1), 78-91॰

नंदराजोग, एच. (2018) भारत के विभाजन के शरणार्थी: ट्रामा और रिकवरी की रणनीतियाँ। भारत के विभाजन का मनोवैज्ञानिक प्रभाव, एड. जैन. एस. और सरीन, ए नई दिल्ली: ऋषि प्रकाशन। आईएसबीएन 978-93-528-0650-8 (एचबी)।

सुनील, एस. वर्मा, एस. (2018)। नैतिक समाजीकरण: माता-पिता की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिव्यू, 6 (1), 165-170。

सेठ, एस. भाटिया, एच. और चड्ढा, एन.के. (2018)। परामर्श कौशल: स्वयं और दूसरों को जानना। भारत: रीडर्स पैराडाइज। (आईएसबीएन: 978-93-85958-89-2)

आयोजित सेमीनार

वीर, पी. सूरी, एस. दो-दिवसीय अंतःविषय राष्ट्रीय संगोष्ठी "द सागा ऑफ फूड - पॉलिटिक्स, एस्थेटिक्स एंड टेक्नोलॉजी" 13-14 मार्च 2019 को विवेकानंद महाविद्यालय के आईक्यूएसी और खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। यह भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) द्वारा समर्थित था।

पालीवाल, ए. मुखर्जी. सी. स्टूडेंट सेमिनार "विषय 1960 के दशक में महिला कथाकार" विषय पर 30 अक्तूबर 2018 को विवेकानंद महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

दीपा वार्ष्णेय ने 4-6 अक्तूबर 2018 को “लोक संगीत संस्कृति: परंपरा” नृत्य विभाग में एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, नृत्य कला विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के संकाय में एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में “लोक संगीत व शास्त्र: संगीत: एक विज्ञापन” प्रस्तुत किया।

दीपा वार्ष्णेय ने 28-30 जनवरी, 2019 को लखनऊ विश्वविद्यालय में भारतीय पारंपरिक संगीत शिक्षा और कैरियर विकल्पों पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में “भारतीय संगीत की लोकप्रियता में मीडिया, प्रिंट मीडिया और इंटरनेट की भूमिका” नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

हिना नंदराजोग ने “इन्द्रप्रस्थ से दिल्ली तक: सिटीस्केप फॉर सेडिमेंट ऑफ मेमरीज” नामक एक पेपर प्रस्तुत किया, 7-9 नवंबर 2018 को अर्बन हेरिटेज एंड द मॉडर्न सिटी एट द आईएएफओआर कॉन्फ्रेंस ऑन हेरिटेज एंड द सिटी - न्यूयॉर्क (एचसीएनवाई 2018)।

हिना नंदराजोग ने "साहित्य का एक कफन: 1947 के विभाजन में महिलाएं" नामक पेपर 16-17 नवंबर 2018 को युद्ध साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकाशित किया: मानव जाति में अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक एसोसिएशन ऑफ रिसर्च में सकल शैलियों (आईसीडब्ल्यूएलआरजी-2018) का संशोधन। पटियाला में आईटी, इंजीनियरिंग और विज्ञान (आईएएआरएचआईईएस)।

रेनू गर्ग ने 12 अक्तूबर 2018 को आईईईईई इंटरनैशनल कॉन्फ्रेंस इन एडवांसिंग इन कम्यूनिकेशन कम्यूनिकेशन कंट्रोल एंड नेटवर्किंग पर एक पेपर "सॉफ्टवेयर की अधिकतम समय सुनिश्चित करने की भविष्यवाणी" प्रस्तुत किया।

चंद्रेई मुखर्जी ने 20 अप्रैल, 2018 श्याम लाल महाविद्यालय (एम) को "कल्चरल पर्सपेक्टिव: नैरेटिव्स जर्नी ऑफ नैरेटिव्स एंड नैराटेरिवलाइजेशन ऑफ जर्म्स" पर नेशनल कॉन्फ्रेंस में हारुकी ममराकामी के वाइल्ड शीप चेज में ट्रैवल के मोटिफ का विश्लेषण करते हुए एक पेपर प्रस्तुत किया।

नलिनी गांधी कपूर ने 25 सितंबर, 2018 को देशबंधु कॉलेज में सरिस्का टाइगर रिज़र्व में मानव हस्तक्षेप 25 सितंबर, 2018 को पर्यावरण पर 4 राष्ट्रीय संगोष्ठी में:, दिल्ली विश्वविद्यालय में पर्यावरण के लिए हरित प्रौद्योगिकी का विश्लेषण करते हुए एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुखनीत सूरी ने 12 सितंबर 2018 को श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति में पारंपरिक खाद्य पदार्थों में संवर्धन अनुसंधान और व्यापार परिषद् (सीपीआरटीटीएफ) द्वारा आयोजित "पोषण सुरक्षा में पारंपरिक खाद्य पदार्थों की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी" में एक दिन के दौरान "न्यूट्रिशन में पारंपरिक खाद्य पदार्थों के स्कोप" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

नियोजन का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या: 54

परिसर में भर्ती के लिए जाने वाली कंपनियों की संख्या: 05

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

महाविद्यालय की सामाजिक अभिगम्य और सामुदायिक विकास समिति ने - परियोजना हम- ब्रिज द गैप 'लॉन्च किया। जैसा कि नाम से पता चलता है, इस परियोजना के माध्यम से हम समुदाय के सदस्यों (झिलमिल कॉलोनी के अधिक विशेष रूप से समुदाय के सदस्यों) के साथ सहयोग करने की उम्मीद करते हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षा के क्षेत्र में मुख्य धारा और हमारे समाज के सीमांत वर्गों के बीच के अंतराल को कम करने के साथ-साथ नागरिक शिक्षा भी देते हैं। पहल।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय संग्रह 47 पत्रिकाओं, ऑडियो-विज़ुअल सामग्री और ई-संसाधनों के साथ 64105 पुस्तकों तक पहुंच गया है। इस वर्ष पुस्तकालय ने लगभग 34191 से अधिक संचलन लेनदेन के साथ लगभग 45177 फ़ुटपाथ दर्ज किए। बुक बैंक योजना से लाभान्वित 531 विद्यार्थियों और इस अवधि के दौरान 1474 पुस्तकें जारी की गईं। साहित्यिक चोरी के लिए "उर्कुंड" सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है।

संकायों की संख्या

कुल स्थायी: 44

कुल तदर्थ: 58

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान स्वीकृत: यूजीसी - रुपए 26,32,19,000/-; दिल्ली सरकार। - रुपए 70,00,000/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय को नैक पीयर टीम द्वारा ग्रेड 'ए' में मान्यता दी गयी थी।

***

ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय का वार्षिक दिवस 2019 26 अप्रैल 2018 को मनाया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति एस.पी. सिंह ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। 23 अप्रैल 2019 को “गांधी इस समय” विषय पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष श्री राम बहादुर राय द्वारा 12वां दिल्ली महाविद्यालय व्याख्यान दिया गया था। कला और संस्कृति समाज अपने छह

समुदाय के साथ बहुत सक्रिय रहा है जिसने विभिन्न प्लेटफार्मों पर कई प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते। अमर जवान ज्योति के लिए एनसीसी के छह कैडेटों का चयन किया गया और वरिष्ठ अवर अधिकारी मुनीश राणा को अखिल भारतीय कमांडर के रूप में चुना गया। गार्डन कमेटी ने 1 मार्च 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय के 61 वें वार्षिक फ्लावर शो में कुल 10 कप जीते। महाविद्यालय की व्यावसायिक सेवा योजना ने मतदाता जागरूकता और ईवीएम वीवीपीएटी प्रदर्शन का आयोजन किया।

सम्मान / गौरव

डॉ. अब्दुल वाहिद फारूकी, वाणिज्य विभाग, ने दक्षिण एशिया प्रबंधन संघ से उच्च शिक्षा में शिक्षण में उत्कृष्टता के साथ प्रोफेसरों के लिए रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया से उच्च क्षमता वाले शिक्षकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार; और वैश्विक आर्थिक प्रगति अनुसंधान संघ से 'भारत रत्न डॉ. अब्दुल कलाम गोल्ड मेडल अवार्ड' पुरुस्कार जीता।

डॉ. संगीता पंडिता, रसायन विभाग, ने पेपर रीसाइक्लिंग सेवाओं के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप 930 किलोग्राम अपशिष्ट पेपर के बदले ए4 आकार के कागज के 55 रिम्स की खरीद की गई।

अंग्रेजी विभाग के अब्दुल हमीद ने डिजिटल लर्निंग पहल के एक भाग के रूप में दूसरे वर्ष के अंग्रेजी ऑनर्स विद्यार्थियों के लिए अनुवाद अध्ययन पाठ्यक्रम के लिए एक एमओओसी मंच सफलतापूर्वक विकसित किया।

डॉ. संजीव कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग, दक्षिण एशियाई अध्ययन के लिए यूरोपीय संघ के जीवन सदस्य बने।

राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ. आफताब आलम को 30 जुलाई 2018 को स्पेन के ग्रेनेडा विश्वविद्यालय में वैश्विक अध्ययन सम्मेलन के दौरान इमर्जिंग स्कॉलर अवार्ड मिला।

विशेष योग्यता वाले विद्यार्थी

महाविद्यालय में विश्व विद्यालय टॉपर थे :- अब्दुल बारी एम. ए. उर्दू (फाइनल), मोहम्मद रिज़वान रज़ा एम. ए. अरबी, मो. नाज़िम बी.ए. (एच) फारसी (तृतीय वर्ष), सलीम अख्तर बी.ए. (एच) अरबी (तृतीय वर्ष), और अनुराधा बसु बी.ए. (एच) बंगाली (तृतीय वर्ष)।

प्रकाशन

अब्दुल, एम. (2018) शमा-ए-हयात में, उर्दू भाषा और साहित्य के संवर्धन में पुरानी दिल्ली के अरबी शिक्षकों की भूमिका "।

अनीता, सी. रजनी, ए. (2019) विकासात्मक जीवविज्ञान: सिद्धांतों और अवधारणाओं और सिद्धांतों और अवधारणाओं, आर। चंद और कं प्रकाशकों, नई दिल्ली।

दीपक, के. (2018) "अद्वैतत्व शुद्धि का समालोचनात्मक अध्ययनन", जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

इमरान, के (2018) पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में उपयोगी शब्दों का एक व्यापक शब्दकोश।

कुमार, संजीव (2018) ।रजनीति सिद्धान्त का समाज ', ओरिएंट ब्लैकस्वाण, नई दिल्ली।

मोहम्मद, ए. (2019) ।लोकेरेटिंग जेन आइरे: धर्म और राजनीति विक्टोरियन ब्रिटेन में, बुकेज प्रकाशक, नई दिल्ली।

मुकुल, सी. (2018) कॉमनवेल्थ लिटरेचर एंड लैंग्वेज स्टडीज जर्नल, वॉल्यूम के लिए इंडियन एसोसिएशन में हीस्नाकन्हैयालाल के द्रौपदी और कंगला किले में नग्न विरोध में अवतार और एजेंसी। 4, पीपी 88-97。

रंजन, रवि (2018) "टाइम्स ऑफ इंडिया हायर एजुकेशन: ए गाइड टू भारत और अबोराड में अवसर के लिए एक गाइड -2019, टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप ग्रुपेशन, नई दिल्ली में" इंटर-डिसिप्लिनरी नीड्स रीविजिटेड तो यूनिवर्सिटी क्यूरी कुलम।

शबाना, ए. (2018)। संजीव कुमार (संस्करण), " राजनीतिक सिद्धांत की समझ ", ओरिएंट ब्लैकस्वाण, नई दिल्ली में "रूडीवाड"।

सिंह, आर. (2018) विभा एस. चौहान (सं।), रिवेंज, ब्राइट / रोडी पब्लिकेशन, नीदरलैंड के आठ चेहरे में, भारत में दलितों द्वारा हेगमेनिक कल्चर का एक वैकल्पिक पाठ: " बदला के रूप में तोड़फोड़ "।

तारिक, एस. एम. (2018) "भारत में बच्चों का अरबी साहित्य"।

पत्रिकाएं(जर्नल)

श्रद्धा आदित्यवीर सिंह, लैपिस लज़ुली के संपादकीय बोर्ड में एक समीक्षक के रूप में शामिल हुए - अप्रैल 2019 में एक अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक पत्रिका।

डॉ. इमरान खान, जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड रिसर्च इन लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस के एसोसिएट एडिटर और लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एकेडमिक रिसर्च के एडिटोरियल बोर्ड सदस्य।

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ. शिरीन अख्तर ने आईसीएसएसआर (2018) द्वारा वित्तपोषित एक लघु अनुसंधान परियोजना आरम्भ करी. जिसका शीर्षक "द मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का रोजगार: फैक्टर एंडॉवमेंट्स की भूमिका और फैक्टर मार्केट इंप्रेशन" है।

डॉ. तृप्ता शर्मा आईसीएसएसआर (2018) द्वारा वित्त पोषित परियोजना में सह-निदेशक बनीं, जिसका शीर्षक, बृहदान्त्र औपनिवेशिक भारत में ज्ञान, विकास और राजनीति: राज्य, बाजार और नागरिक समाज में प्रतियोगिता 'है।

आयोजित सेमीनार

बंगाली विभाग ने डॉ. शर्मिष्ठा सेन के मार्गदर्शन में एक संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

वनस्पति विज्ञान विभाग ने मेसर्स एसवी इंस्ट्रूमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से "आर्ट ऑफ साइंटिफिक राइटिंग एंड कम्यूनिकेटिंग स्किल्स" और "एनालिटिकल इंस्ट्रूमेंटेशन तकनीक" पर दो कार्यशालाओं का आयोजन क्रमशः 16- 23 जुलाई 2018 और 6-7 अक्तूबर 2018 गुड़गांव में किया।

इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी ने "मिथक और आर्कटाइप्स, और ड्रामा में उनके कामकाज" पर एक दिन के अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के सेमिनार का आयोजन किया।

गांधी स्टडी सर्किल ने प्रोफेसर आनंद कुमार द्वारा समकालीन विश्व में गांधी की प्रासंगिकता 'पर, 31 जुलाई 2018 को और क्रमशः गांधी आज के गांधी पर प्रोफेसर मधुलिका बनर्जी' द्वारा 15 से 2019 को दो सेमिनार और सह वार्ता आयोजित की।

राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से पूर्वोत्तर के छात्र परामर्श और कल्याण प्रकोष्ठ ने राजनीतिक विज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया के प्रोफेसर मोनिरुल हुसैन और एशियाई लोकतंत्र सूचकांक (सीएडीआई) के

कंसोर्टियम के बोनोजित हुसैन ने असम में "असम: राष्ट्रीय रजिस्टर" पर चर्चा की। नागरिक (एनआरसी) और नागरिकता का प्रश्न ", 20 सितंबर 2018 को।

फ़ारसी विभाग ने 25-26 अप्रैल 2018 से "हिंद वा ईरान मी दास्तान नवासी" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

संस्कृत विभाग ने बी.ए. ऑनर्स के विद्यार्थियों के लिए 10 दिन संस्कृत सम्भाषण शिविर यानि भाषा शिक्षण सीखने और बोलने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया। संस्कृत और बीए कार्यक्रम

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

अब्दुल वाहिद फारूकी ने दिसंबर 2018 में मलेशिया के लिंटन यूनिवर्सिटी महाविद्यालय में आधुनिक व्यवसाय प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान-2018 पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय डिजिटल सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की; मार्च 2019 में क्लारा के कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बहु-विषयक सम्मेलन में "डिजिटल वित्तीय समावेशन भारत: एक खोजपूर्ण अध्ययन" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया; और लेडी श्री राम महिला पी.जी. महाविद्यालय, मिर्जापुर (यूपी) द्वारा आयोजित "विश्वविद्यालय स्तर में वाणिज्य के उभरते रुझान" नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।

आफताब आलम ने स्पेन के यूनिवर्सिटी ऑफ़ ग्रेनेडा में आयोजित ग्लोबल स्टडीज़ के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तीन पत्र प्रस्तुत किए; क्रमशः यूनिवर्सिटी ऑफ पेरिस, फ्रांस में साउथ एशियन स्टडीज (ईसीएसएएस) के 25 वें यूरोपीय सम्मेलन में और टोरंटो में इंटरनेशनल स्टडीज एसोसिएशन (आईएसए) के 60 वें वार्षिक सम्मेलन में

उन्हें आईपीएसए, ऑस्ट्रेलिया, यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेरिस, आईएसए और टोरंटो, कनाडा जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा यात्रा अनुदान भी प्रदान किया गया।

अमीर जमाल ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अरबी विभाग में 29-30 जनवरी 2019 को आयोजित "दिल्ली के अरबी विद्वानों और उनके अकादमिक योगदान" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया।

दीपक कालिया ने जुलाई 2018 में 17 वें विश्व संस्कृत सम्मेलन, वैंकूवर, कनाडा में "आत्मप्रबंध प्रबंधन" नामक एक पत्र प्रस्तुत किया। इसी सम्मेलन के लिए उन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से यात्रा अनुदान भी मिला।

मोहम्मद कासिम ने अरबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और अरबी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों में दो शोध पत्र प्रस्तुत किए।

मुकुल चतुर्वेदी ने पॉन्डिचेरी विश्वविद्यालय में आईएसीएलएएल के वार्षिक सम्मेलन 2019 में "असंभव गवाह: द एज ऑफ़ पोस्ट ट्रुथ" में दो पेपर प्रस्तुत किए और "सेंटरिंग द मार्जिन: दलित महिला प्रशंसापत्र और भारतीय भाषाविज्ञान" को केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान विश्वविद्यालय में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया। क्रमशः अजमेर।

सितंबर 2018 में दुबई कैंपस के बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस में, रवि रंजन ने "मानव अधिकारों के रूप में मानवीय गरिमा की खोज: गांधी और अंबेडकर के दृष्टिकोण" पर एक आमंत्रित सार्वजनिक व्याख्यान दिया। आधुनिक भारत: एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज पटना द्वारा यूनिसेफ और टाटा-कॉर्नेल इंस्टीट्यूट, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, एसडीजी के परिप्रेक्ष्य के सहयोग से अप्रैल 2019 में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में असंतुलित बच्चे की अध्ययन पर चर्चा की।

संगीता पंडिता ने 8 अगस्त 2018 को श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय में डीएसटी प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम में "पर्यावरण के अनुकूल नवाचार जैविक रसायन प्रयोगशाला में" पर व्याख्यान और प्रदर्शन किया।

संजीव कुमारवास 2019 में गांधी पर दो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक प्रमुख पैनलिस्ट थे। जुलाई 2018 में पेरिस में आयोजित 25 वें यूरोपीय सम्मेलन में दक्षिण एशियाई अध्ययन (ईसीएसएएस) के लिए "भुज में गाँव पुनर्निर्माण की राजनीति" शीर्षक से उनका प्रमुख पत्र स्वीकार किया गया था।

नियोजन का विवरण

कैरियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेल के पांच विद्यार्थियों को टीपीडीडीएल में और छह को विप्रो टेक्नोलॉजीज में नौकरी के लिए चुना गया। जॉब फेयर-2019 में 100 से अधिक विद्यार्थियों को इंटर्नशिप और नौकरी का अवसर मिला।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

महाविद्यालय के एनसीसी ने कैशलेस लेनदेन के बारे में जागरूकता अभियान चलाया। कैडेट्स ने स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर के तुर्कमान गेट के आसपास की सफाई का काम भी शुरू किया। उन्होंने क्षेत्रों के निवासियों को अपने आस-पास के क्षेत्र को साफ और स्वच्छ रखने के लिए भी निर्देश दिया और प्रेरित किया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में कुल 85 कैडेटों ने भाग लिया। कैडेटों ने 14-15 फरवरी 2019 को चरखा प्रदर्शन का भी आयोजन किया जहाँ स्वयंसेवकों ने चरखे का प्रदर्शन किया और अन्य विद्यार्थियों को ऑपरेशन और महत्व चरखा से परिचित कराया।

एनएसएस ने 2018 के डीयूएसयू चुनाव के दौरान एक सफाई अभियान चलाया। रेड्डी कलेक्शन ड्राइव और दिवाली मेला 'क्रमशः 30 अक्तूबर और 1 नवंबर को आयोजित किए गए थे। ईवीएम और वीवीपीएटी के प्रदर्शन के साथ मतदाताओं के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा आयोजित 16 फरवरी 2018 को एनएसएस स्वयंसेवकों ने मॉक पोल में भाग लिया।

पुस्तकालय विकास

बुक बैंक में जोड़े गए 10000 से अधिक पुस्तकों, पुस्तकालय ऑटोमेशन को नई पहल करके अगले स्तर के लिए योजना बनाई गई है, जैसे कि स्टेक के लिए ब्रेल नाद क्यूआर कोडिंग में नई पुस्तकों की खरीद।

संकायों की संख्या

कुल स्थायी: 135

कुल तदर्थ: 82

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान स्वीकृत: रुपए 6605.01 लाख

अनुदान का उपयोग: रुपए 6545.21 लाख

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभिन्न विभागों ने अपने पत्रिका सदस्यों को बाहर लाने का प्रयास किया है, जैसे कि राजनीति विज्ञान विभाग, बंगाली विभाग द्वारा बरनोमला, फिकर-ए-नौबी उर्दू विभाग, शारीरिक विभाग द्वारा गमबोल, अंग्रेजी विभाग, रश्मिबी द्वारा रामबॉलर हिंदी विभाग, आर्थिक विभाग द्वारा उदय, स्पेक्ट्रम विज्ञान विभाग, प्रकृति और पर्यावरण क्लब द्वारा सृष्टि, और वाणिज्य विभाग द्वारा विश्व कॉम।

***

ज़ाकिर हुसैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय (सायं)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

चूंकि महाविद्यालय की स्थापना 1958 में हुई थी, इसलिए वर्ष 2018 को महाविद्यालय के हीरक जयंती वर्ष के रूप में मनाया गया। 22 सितंबर 2019 को इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, महाविद्यालय परिसर में सलमान ग़नी हाशमी सभागार में डायमंड जुबली समारोह को 'स्थापना दिवस' के रूप में मनाया गया। भारत के पूर्व माननीय राष्ट्रपति, महामहिम राष्ट्रपति डॉ. प्रणब मुखर्जी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, और प्रोफेसर योगेश त्यागी, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति, को अतिथि के रूप में इस अवसर पर सम्मानित किया। प्रोफेसर बिद्युत चक्रवर्ती, कुलपति, विश्व भारती विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, और राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में एक प्रख्यात व्यक्तित्व, को भी मिर्ज़ा के दौरान "गांधी को कैसे देखें?" विषय पर विद्यार्थियों और शिक्षकों की एक सभा को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। महमूद बेग स्मारक व्याख्यान 18 अप्रैल 2019 को आयोजित किया गया।

प्रकाशन

अफ़ज़ल, एम. (2018) जेन आइरे को स्थानांतरित करना: विक्टोरियन ब्रिटेन में धर्म और राजनीति। दिल्ली: बुक एज।

डीईओ, टी. (2018) ज्योति में प्रकाश डालना: दलित महिलाओं के जीवन कथाओं का अध्ययन।

कुमार, एस. सईद, एम.टी. (2018)। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का भारत का विजन, दिल्ली: बुक एज प्रकाशन।

रंजन, पी. (2018) अनूदित सत्या नडेला की (सीईओ माइक्रोसॉफ्ट) पुस्तक हिट रिफ्रेश इन हिंदी। दिल्ली: हार्पर कॉलिन्स।

रंजन, पी. (2019) पलटू। दिल्ली राजकमल प्रकाशन।

रूपेला, एस.सी. (2018) गजलमना ज़िन्दगी का। राज सूर्य प्रकाशन।

सिंह वी. (2019) धम्मचिन्ता ट्रांस. (धम्म के विचार)। गौतम प्रकाशन।

यूनुस एम.एम., मुज़म्मिल, एम. (2019) बंगला साहित्य: पथ, पथ-केंद्रीकृत हे पाठक प्रतिज्ञा। खंड. आई। पश्चिम बंगाल: शंभबी।

यूनुस एम.एम., मुज़म्मिल, एम. (2019) बंगला साहित्य: पथ, पथ-केंद्रीकृत हे पाठक प्रतिज्ञा। खंड द्वितीय। पश्चिम बंगाल: शंभबी।

आयोजित की गयी संगोष्ठियां

सी. उपेंद्र राव, प्रोफेसर, स्कूल ऑफ संस्कृत एंड इंडिक स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "नाट्यशास्त्र के प्रकाश में संस्कृत नाटक पर रासा और इसके अनुप्रयोग", 25 सितंबर 2018।

रुद्राशीष चक्रवर्ती, सहायक प्रोफेसर, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "साहित्यिक आलोचना युग से अधिक", 5 अक्तूबर, 2018।

हरीश नारंग, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), अंग्रेजी अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "साहित्य के साहित्य", 2 नवंबर, 2018 को।

रमेश चंद भारद्वाज, निदेशक, गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय, "विश्व संस्कृत साहित्य", 25 फरवरी 2019।

शरीफ हुसैन कासमी, पूर्व प्रमुख, फ़ारसी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "भारत में फारसी साहित्य", 5 मार्च 2019।

आयोजित सम्मेलन

"टेक्स्ट: टेक्स्टुअलिटी एंड रीडर्स रिस्पांस", 15-16 नवंबर 2018, बंगाली विभाग।

"[पुनः] परिभाषित मार्जिन", 16 मार्च 2019, अंग्रेजी विभाग।

"भारतीय संविधान", "भारत में शहरी शासन", 25-26 अक्तूबर 2018, को सेंटर फॉर लॉ एंड पॉलिसी रिसर्च एंड द प्रजा फाउंडेशन, दिल्ली के सहयोग से राजनीति विज्ञान विभाग।

'अदब की तफ़हीम', 12 नवंबर 2018, उर्दू विभाग।

"आदर्श गंगा: सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से जल संसाधनों का संरक्षण", 25 अक्तूबर 2018, इको क्लब।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

विकास सिंह, आधुनिक समाज में बुधवादी नैतिकता की भूमिका, आईएटीबीयू, कोलंबो, 2018 और बुद्धवाद, एनआईआरसीबीएसएच, 2019, केलमिया, श्री लंका पर डॉ. बी.आर. अंबेडकर के विचार

14-16 दिसंबर 2018 को आईएसआईडी कैंपस, नई दिल्ली में भारतीय आर्थिक संघ द्वारा आयोजित 101 वें वार्षिक सम्मेलन में इकबाल सईद, "स्वतंत्रता मुद्दों और चुनौती के बाद से भारत में ग्रामीण विकास के लिए कृषि की भूमिका"।

अल-मोहोशिना मुज़म्मिल, "पोस्टकोलोनियल साहित्य के संकेत: अमिताव घोष की रचनाओं का चुनिंदा अध्ययन" दो दिनों के राष्ट्रीय सेमिनार में "भारतीय भाषाओं और साहित्य पर वैश्वीकरण का प्रभाव", मराठी खंड, एमआईएल, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, 11-12 द्वारा आयोजित किया गया। फरवरी 2019

अल-मोहशिना मुज़म्मिल, "परिवार में वृद्ध की देखभाल की अवधारणा: एक धार्मिक परिप्रेक्ष्य" अल-मुस्तफा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, ईरान और इंटरडिथिथ के लिए केंद्र, अलीगढ़ द्वारा आयोजित "विश्व धर्मों में परिवार प्रणाली" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। 13-14 फरवरी 2019 को मुस्लिम विश्वविद्यालय, भारत।

24 अक्तूबर 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुंशी एमडी यूनुस, भाषा आधुनिक भारतीय भाषा पर गांधीजी के दृष्टिकोण का महत्व और प्रासंगिकता '।

खुर्शीद अहमद, "फ़ारसी और उर्दू मुझे तज़किरा निगार की मुहब्बत के लिए", दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मई 2018 में फारसी विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित।

राकेश सिंह, "भाषा की भाषाविज्ञान: पहचान से अंतर में एक दार्शनिक अध्ययन (अशोक में)", विभाग द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में। संस्कृत, जेडएचडीसी (ई), डीयू

प्रवीण के प्रियदर्शी, "गवर्निंग अर्बनाइजिंग इंडिया" एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में, ओस्लो विश्वविद्यालय, ओस्लो, नॉर्वे, 8-9 जून 2017।

शुभ्रा पंत कोठारी, "तुलनात्मक प्रतिनिधित्व, भागीदारी और महिला: तुलनात्मक सिद्धांत पर एक दिन के सेमिनार में एक तुलनात्मक विश्लेषण": दिल्ली विश्वविद्यालय के डीसीआरसी (विकासशील देश अनुसंधान केंद्र) में 12 मार्च, 2018 को परिवर्तन और चुनौतियां।

नियोजन का विवरण

विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत रखा: 45-50 (26% -29%)

कैंपस भर्ती के लिए दौरा किया कंपनियों की संख्या: 14।

विस्तार और अभिगम्य कार्यकलाप

कैशलेस इकोनॉमी: एनसीसी कैडेट्स ने कैप्टन (डॉ.) एम. एम. खेमन के साथ मिलकर महाविद्यालय के आसपास के क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, अजमेरी गेट, तुर्कमान गेट और महाविद्यालय के बगल में कॉलोनी जैसे क्षेत्रों को इस जागरूकता अभियान में शामिल किया गया था। उन्होंने लोगों को अपनी दैनिक आवश्यकताओं के लिए भुगतान करने के लिए ई-मुद्रा के बारे में शिक्षित किया। स्वच्छ भारत अभियान: कैप्टन के नेतृत्व और मार्गदर्शन में एनसीसी कैडेट्स। (डॉ.) एम. राहीमन ने स्वच्छ भारत के अंतर्गत महाविद्यालय के आसपास की सफाई का काम किया। भारत अभियान। उन्होंने महाविद्यालय, तुर्कमान गेट क्षेत्र, महाविद्यालय के पीछे के क्षेत्र के बगल में कॉलोनी क्षेत्र में पूरे एक सप्ताह तक लगातार सफाई अभियान चलाया और इस क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने के साथ-साथ क्षेत्रों के निवासियों को भी साफ-सुथरा रखने के लिए प्रेरित किया। रक्तदान शिविर: भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से छात्र संघ ने 11 फरवरी 2019 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

पाठ्य पुस्तक अनुभाग में कुल 90 पाठ पुस्तकें और सामान्य खंड में 1413 पुस्तकें जोड़ी गई हैं। बार कोड और स्पाइन लेबल की छपाई के लिए पुस्तकालय में एक थर्मल प्रिंटर स्थापित किया गया है। एक कंप्यूटर लैब कम टीचर के रीडिंग रूम में फुल इंफ्रास्ट्रक्चर यानी लैपटॉप और प्रोजेक्टर के साथ 24 सिटिंग कैपेसिटी को विशेष रूप से पुस्तकालय में विकसित किया गया है।

संकायों की संख्या

कुल स्वीकृत संकाय: 48

वित्तीय आबंटन और उपयोग

अनुदान प्राप्त: रुपए 2424.74 लाख

अनुदान का उपयोग: रुपए 224.25 लाख

****

विश्वविद्यालय छात्रावास/हॉल

अंबेडकर-गांगुली महिला छात्रावास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

रिपोर्ट की अवधि के दौरान छात्रवास में फ्रेशर का स्वगत, दिवाली, क्रिसमस, लोहड़ी और होली समारोह जैसी विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया । राष्ट्रीय ध्वज फहराकर, राष्ट्रगान गाकर और निवासियों और कर्मचारियों के बीच मिठाई और नाश्ते का वितरण कर स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस मनाया गया । 2 अक्तूबर 2018 को स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया था जिसमें निवासियों और कर्मचारियों ने इस गतिविधि में भाग लिया था। उन्मुख कार्यक्रम सह फ्रेशर पार्टी का आयोजन 1 अक्तूबर,

2018 को किया गया था। नवफ्रेशर निवासियों के लिए "स्ट्रेंथ आधारित कैरियर चयन" पर पेशेवर व्यवहार प्रशिक्षक श्री श्रीकुमार राजगोपालन द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। छात्र व्यक्तित्व विकास और जीवन कौशल की ओर उन्मुख थे ।

छात्रावास का वार्षिक समारोह 2 मार्च, 2019 को धूमधाम से मनाया गया था। दिल्ली विश्वविद्यालय की संयुक्त संकायाध्यक्ष (महाविद्यालय) पायल मागो मुख्य अतिथि थी। चारू मल्होत्रा, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान विशिष्ट अतिथि थीं।

सुविधायें

दिव्यांग अनुकूल, दिव्यागों के लिए रैंप, कॉमन रूम (टीवी एंड प्रोजेक्टर), कंप्यूटर रूम (वातानुकूलित), पुस्तकालय (वातानुकूलित), मेस (वातानुकूलित), व्यायामशाला (कार्डियो-वैस्कुलर उपकरण), लॉन्ड्री रूम (पूर्णत: स्वचालित वाशिंग मशीन), सोलर वॉटर हीटर, फ्रिज, माइक्रोवेव और हॉटप्लेट, वाटर प्यूरिफायर, निवासियों के कमरों की सफाई के लिए सफाई कर्मचारी, सुबह और शाम की सैर के लिए व्यापक लॉन, बैडमिंटन कोर्ट, सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था है।

***

अरावली स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

अरावली हॉस्टल ने 12 अप्रैल 2018 और 30 मार्च 2019 को सारामती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास के साथ वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम "माईलेज 2018 और मिलांज 2019" का आयोजन किया। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि अरावली छात्रावास में विदेशों के कुछ विद्यार्थियों के साथ, भारत के लगभग सभी राज्यों के निवासियों की पर्याप्त संख्या है।, विद्यार्थियों के प्रदर्शन के माध्यम से समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक परंपरा को प्रदर्शित करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा छात्रावास में नए साल की पूर्व सायं और राष्ट्रीय पर्व भी मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर छात्रावास प्रशासन, रहवासियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

समितियां

हर वर्ष छात्रावास प्रशासन छात्रावास के सुचारू संचालन के लिए अनुशासन समिति, सांस्कृतिक समिति, मेस समिति, खेल समिति जैसी कई समितियों का गठन करता है।

सुविधाएं

छात्रवास में कई अखबारों और पत्रिकाओं सहित मनोरंजन कक्ष और कॉमन रीडिंग रूम है। छात्रावास में टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम-बोर्ड आदि इंडोर खेल सुविधाएं भी दी गई हैं। छात्रावास क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन और कई अन्य खेल स्पर्धाओं के लिए कई खेल गियर भी प्रदान करता है। छात्रावास, निवासियों को सुचारू तेज इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए आधुनिक वाई-फाई सुविधा से सुसज्जित है। छात्रावास में सुरक्षा और निगरानी के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर 5 कैमरे लगाए गए हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

छात्रावास में दो लोगों के ठहरने के लिए एक वातानुकूलित अतिथि कमरा और निवासियों के मेहमानों और माता-पिता के ठहरने के लिए एक सामान्य उपयोगिता कमरा है।

***

केंद्रीय शिक्षा संस्थान छात्रावास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

केंद्रीय शिक्षा संस्थान में दो छात्रावास, महिलाओं के लिए श्री भवन और पुरुषों के लिए शक्ति भवन है, जिनकी स्थापना 1950 में हुई थी। छात्रावास में बीएड, एमएड, एमफिल और पीएच.डी कार्यक्रमों के विद्यार्थियों को रखा जाता है। टीवी और पढ़ने की सुविधाओं सहित एक आगंतुक कक्ष है। पढ़ने की सामान्य पुस्तकों के अलावा, निवासियों के लिए आवधिक पत्रिकाएं और नियमित समाचार-पत्र की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। विभागीय व्यवस्था के माध्यम से विद्यार्थियों को खेल कूद सुविधा प्रदान की जाती है। छात्रावास में निवासी विभिन्न त्योहारों का आयोजन करते हैं और चर्चाओं, वाद-विवादों और नुकाड नाटकों के माध्यम से अपनी प्रतिपुष्टि प्रदान करते हैं। छात्रवास के रहवासियों द्वारा छात्रावास मेस का रखरखाव किया जाता है। हर महीने दो पुरुषों और महिलाओं निवासियों की एक नई समिति का गठन किया जाता है। वे वार्डन/रेजिडेंट ट्यूटर के परामर्श से छात्रावास का मेन्यू तैयार करते हैं।

छात्रावास, जागरूकता और सामान्य अनुसरण के संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आवधिक बैठकों का आयोजन करता है। वर्ष के दौरान, छात्रावास और विभाग ने संयुक्त रूप से भारतीय रैड क्रास सोसायटी के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

समितियां

छात्रावास मेस समिति के अलावा स्वच्छता एवं शिकायत समिति, अनुशासन समिति, मेस कमेटी सहित अन्य समितियां हैं।

***

डी.एस. कोठारी छात्रावास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

पूर्व विद्यार्थियों की बैठक - छात्रावास की दूसरी पूर्व विद्यार्थियों की बैठक 30 मार्च, 2019 को आयोजित की गई थी और इसमें 70 पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया था। निजामी बंधु द्वारा सूफी गजलों और गीतों का प्रदर्शन किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो दिनेश सिंह मुख्य अतिथि थे।

वार्षिक समारोह - छात्रसंघ की ओर से 31 मार्च, 2019 को वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एबीवीपी के राष्ट्रीय संयुक्त आयोजन सचिव श्री श्रीनिवास थे। समारोह में दिल्ली विश्वविद्यालय के 15 छात्रावासों, 13 महाविद्यालयों और कई विभागों के 600 से अधिक विद्यार्थियों, छात्रावास प्राधिकारियों ने भाग लिया। वार्षिक दिवस के कार्यक्रमों में नोवजोत के गीतों का गायन किया गया। मुख्य अतिथि ने छात्रावास जीवन के संबंध में वार्षिक दिवस भाषण दिया।

फ्रेशर का समारोह -विद्यार्थियों के प्रवेश के बाद डी.एस. कोठारी छात्रावास के छात्रसंघ द्वारा हर साल एक फ्रेशर पार्टी/समारोह का आयोजन किया जाता रहा है । नए निवासियों का स्वागत छात्रसंघ के सदस्यों द्वारा किया जाता है ।

छात्रावास में मनाए जाने वाले त्योहार हैं-

स्वतंत्रता दिवस, ईद-उल-अजहा, महात्मा गांधी जन्मदिन, दशहरा, दिवाली, क्रिसमस डे, नववर्ष, लोहड़ी, गणतंत्र दिवस, सरस्वती पूजा, होली

समितियां

एंटी रैगिंग कमेटी, धूम्रपान विरोधी समिति, एंटी रैगिंग स्क्वॉड कमेटी, यौन उत्पीड़न समिति, पूर्वोत्तर समिति, होली के दौर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए समिति, मेस कमेटी।

सुविधायें

कॉमन रूम, टीवी रूम, मेस, लॉन्ड्री, कंप्यूटर रूम, यूनियन रूम-व-रीडिंग रूम, जिम रूम, गेस्ट रूम।

प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स

छात्रावास संघ की देखरेख में छात्रावास कार्यालय के बाहर प्राथमिक चिकित्सा किट भी उपलब्ध है। पीडब्ल्यूडी के अनुकूल संसाधन

इस हॉस्टल में दिव्यांग के विद्यार्थियों के लिए 5 प्रतिशत स्वीकृत सीटें हैं। दिव्यांग के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक शुल्क और मासिक शुल्क में छूट दी जाती है और दिव्यांग के विद्यार्थियों से 50 प्रतिशत मेस शुल्क लिया जाता है।

दिव्यांग निवासियों को निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की गई हैं। अन्य सुविधाओं में व्हील चेयर, दिव्यांग शौचालय और वॉश रूम, रैंप शामिल हैं।

नेत्रहीन विकलांग निवासियों के लिए हेडफोन सुविधा के साथ कंप्यूटर स्क्रीन रीडर सॉफ्टवेयर

सीसीटीवी कैमरे सहित सुरक्षा: - छात्रावास की अलग-अलग जगहों पर 8 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। छात्रावास की सुरक्षा के लिए छह सुरक्षा गार्ड (तीन पालियों में दो-दो) तैनात किए गए हैं।

***

गीतांजली छात्रावास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

वर्ष 2018-2019 एक घटनापूर्ण वर्ष था। गीतांजलि छात्रावास ने स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस मनाया, जिसमें प्रोवोस्ट द्वारा ध्वज फहराया गया। 2 अक्तूबर को स्वच्छता अभियान चलाया गया था। त्योहारों को हमेशा की तरह जोश और उत्साह पूर्वक के साथ मनाया गया। छात्राओं ने पूरे वर्ष विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भाग लिया। वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव मृदंग ने निवासियों द्वारा नाटकों, शास्त्रीय नृत्य और गीतों सहित अद्भुत प्रदर्शन देखा। छात्रावास में सुरक्षा गार्ड राजिंदर सिंह को उनकी सेवा-निवृति पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। पर्यावरण क्लब ने चित्रकला प्रतियोगिता और कचरे से कुछ उपयोगी वस्तु बनाने के रूप में विभिन्न गतिविधियां की। इंजीनियरिंग शाखा की मदद से कंपोस्ट बनाने के लिए सुरक्षित, निर्धारित स्थान का निर्माण किया। साहित्यिक क्लब ने कॉलोक्की, उनके चर्चा मंच सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया और एक चर्चा में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। साहित्यिक क्लब ने एक ब्लॉग भी बनाया है जहां निवासी और अन्य अपने विचारों और अनुभवों (https://geetanjali.home.blog/) को साझा कर सकते हैं।

समितियां

नस्लीय विरोधी और पूर्वोत्तर समिति, एंटी रैगिंग कमेटी, आंतरिक शिकायत समिति, आंतरिक अनुशासन समिति।

सुविधायें

सैनिटरी पैड डिस्पेंसिंग मशीन, अच्छी तरह से सुसज्जित जिम और खेल उपकरण, कॉमन रूम में टेलीविजन, स्पीकर के साथ संगीत प्रणाली, कंप्यूटर सुविधा, सामान्य पठन के लिए कुछ पुस्तकों के साथ पुस्तकालय, रेफ्रिजरेटर, प्रत्येक मंजिल के लिए इंडक्शन कुक टॉप, रीडिंग रूम, और माइक्रोवेव।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

परिसर में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और संबंधित क्षेत्रों में चार सीसीटीवी कैमरों के साथ छात्रावास में सुरक्षा की व्यवस्था है। चार सुरक्षा गार्ड अधिकतम कार्यकुशलता प्रदान करने के लिए ड्यूटी की अदला-बदली करते हैं। छात्रावास में एंटी रैगिंग, एंटी मादक द्रव्यों के सेवन और परिसर स्वच्छ रखने संबंधी पोस्टर लगे हैं।

***

ग्वेयर हॉल

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

ग्वेयर हॉल सबसे पुराना और दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे प्रतिष्ठित पुरुषों के स्नातकोत्तर छात्रावास में से एक है। इस छात्रावास में एक अनूठी और विशिष्ट विशेषता मौजूद है जहां छात्र और संकाय सदस्य रहते हैं और एक साथ भोजन करते हैं। इन वर्षों में ग्वेरियन ने अपनी उपस्थिति भारत और विदेशों में जीवन के सभी क्षेत्रों में महसूस की है। छात्रावास यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाता है कि अपने अस्तित्व के वर्षों में जो भावना और समृद्ध विरासत बच गई है, वह फलती-फूलती रहे ।

पिछले वर्षों की तरह वर्तमान शैक्षणिक वर्ष 2018-2019 के दौरान इस हॉल में प्रवेश के लिए काफी भीड़ थी और विश्विद्यालय के स्नातकोत्तर, एल.एल.बी., बी.सीआईसी, एम.फिल, पीएच.डी, बी.एड एम.एड कार्यक्रम के लिए लगभग 711 आवेदन प्राप्त हुए थे। प्रवेश समिति ने सावधानीपूर्वक जांच के बाद विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से जुड़ी खाली सीटों को भर दिया। मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया गया।

ग्वेयर हॉल ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 61 वें वार्षिक फ्लावर शो में भाग लिया और उसे वर्ष 2018-2019 के लिए नकद पुरस्कार और पुरस्कार (काली चरण अग्रवाल पुरस्कार) से सम्मानित किया। हॉल निवासियों ने बुद्ध पूर्णिमा, स्वतंत्रता दिवस, दिवाली, क्रिसमस, नववर्ष, गणतंत्र दिवस, सरस्वती पूजा, ईद-उल-फितर, होली और बीआर अंबेडकर जयंती जैसे अवसर पर विभिन्न समारोहों का आयोजन किया। ग्वेयर हॉल ने विभिन्न विषयों पर विभिन्न क्षेत्रों के प्रख्यात प्रोफेसरों द्वारा कई आवधिक भाषणों का आयोजन किया।

सुविधायें

डिजिटल पुस्तकालय का व्यापक उपयोग वर्ष 2018-2019 में हुआ क्योंकि माननीय संसद सदस्य (श्री मनोज तिवारी) द्वारा दिए गए विशेष अनुदान से 13 कंप्यूटर खरीदे गए थे और डिजिटल पुस्तकालय में स्थापित किए गए थे। कॉमन रूम में स्क्रीन के साथ एक प्रोजेक्टर स्थापित किया गया है और निवासियों को इसके पूर्ण लाभ प्राप्त होते हैं। चार बड़े लॉन बनाए गए और उच्च गुणवत्ता की नई घास उगाई गई है जिसने लॉन की सुंदरता बढ़ गई।

स्वच्छ सुविधाएं बढ़ाने के लिए समय-समय पर ओवरहेड पानी की टंकियों की सफाई कराने के लिए कदम उठाए गए हैं। रसोईघर, पेंट्री, स्टोर और शौचालय सहित पूरे हॉल में साफ-सफाई को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के उपाय भी किए गए। दिव्यांग के विद्यार्थियों के लिए शौचालय और रैंप बनाया गया है। दिव्यांग के विद्यार्थियों के लिए सात कमरे, व्यायामशाला और पठन अभिगम्यता की सुविधा है।

***

अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

अंतर्राष्ट्रीय छात्र सभा की स्थापना 1964 में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्, विदेश मंत्रालय द्वारा विदेशी विद्यार्थियों और स्नातकोत्तर भारतीय विद्यार्थियों के लिए की गई थी। इसमें 98 कमरे हैं और सभी सिंगल रूम हैं। शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के दौरान, 30 भारतीय विद्यार्थियों के अलावा 28 देशों के 70 विदेशी विद्यार्थियों को इसमें प्रवेश दिया गया, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय संस्कृतियों का समामेलन का प्रस्तुत किया गया। अपने अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप के कारण, अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रावास प्रणाली में एक विशेष हैं।

सभा में स्वतंत्रता दिवस, दीपावली, क्रिसमस, नववर्ष दिवस, गणतंत्र दिवस, लोहड़ी, स्वामी विवेकानंद जयंती, ईद-उल-फितर, ईद-उल-अजहा, सरस्वती पूजन और उत्साह के साथ होली मनाई गई। इन अवसरों पर अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और भारतीय विद्यार्थियों के बारे में जानने का अवसर पैदा किया ताकि वे विदेशी संस्कृतियों के बारे में जागरूक हों ।

अंतर्राष्ट्रीय छात्र सभा ने भारत सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे "स्वच्छ भारत अभियान" को बढ़ावा देने के लिए 1 से 15 सितंबर, 2018 तक "स्वच्छता पखवाड़ा" का आयोजन किया। हाउस यूनियन के उद्घाटन के साथ एक फ्रेशर वेलकम पार्टी की व्यवस्था 19 जनवरी, 2019 को की गई थी। अंतर्राष्ट्रीय छात्र यूनियन ने फरवरी-मार्च, 2019 के महीने में अंतर्राष्ट्रीय छात्रावासखेल-कूद प्रतियोगिता इंट्रा एंड इंटर छात्रावास का आयोजन किया था। अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास ने अपनी 55 वीं वर्षगाठ और मील का पत्थर "19" का 9 मार्च, 2019 को बहुत उत्साह और उल्लास के साथ आयोजन किया। भारत, श्रीलंका, फिजी, इथियोपिया, कंबोडिया, इंडोनेशिया, नेपाल, मॉरीशस, अफगानिस्तान, तिब्बत, थाईलैंड, मिस्र, केन्या, कांगो, गुयाना, जापान और नाइजीरिया सहित विभिन्न देशों के विद्यार्थियों और कलाकारों ने सांस्कृतिक रूप से समृद्ध दर्शकों का मनोरंजन किया।

समितियां

एंटी रैगिंग कमेटी, पूर्वोत्तर समिति, यौन उत्पीड़न समिति, धूम्रपान विरोधी समिति, होली समिति, अनुशासन समिति, स्वच्छता अभियान समिति

सुविधायें

कॉमन रूम, कंप्यूटर रूम, वाचनालय, वाशिंग रूम, कैंटीन, व्यायामशाला, गेस्ट रूम, स्पोर्ट्स, वाई-फाई, टेलीफोन, सिक्योरिटी/सीसीटीवी, गीजर, इन्वर्टर, वाटर कूलर।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

नई जोड़ी गई सुविधाओं में एक वाशिंग मशीन, कंप्यूटर रूम के लिए एक एचपी लेजरजेट M1005 MFP प्रिंटर, कंप्यूटर रूम के लिए 10 कुर्सियां और डाइनिंग हॉल के लिए 18 कुर्सियां शामिल हैं। व्यायामशाला के लिए खेल मदों के लिए बॉक्स, स्पीकर, स्वचालित चक्र, जिम चटाई के अलावा विविध वस्तुओं जैसे वजन स्प्रिंग स्ट्रेच, डम्बल, रॉड, लंघन रस्सी और पशुओं की घंटी आदि सहित कई नए उपकरण खरीदे गए हैं और विद्यार्थियों द्वारा इसका उपयोग किया जा रहा है ।

***

अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

3 जून, 2002 को स्थापित अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्र सभा का बहुसांस्कृतिक सभा द्वारा आयोजित सभी गतिविधियों का केंद्र है। 32 से अधिक देशों के निवासी संयुक्त रूप से सद्भाव और मित्रता की भावना से अपने सांस्कृतिक त्योहारों और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसरों का जश्न मनाते हैं । सभा विविधता में एकता के लिए प्रयासरत है।

बीते वर्ष सभा/छात्रावास में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। ध्वजारोहण, मिठाई और विशेष नाश्ते के साथ मनाए गए स्वतंत्रता दिवस से विद्यार्थियों व कर्मचारियों में देशभक्ति की भावनाएं जागृत हुई। वर्ष भर में मनाई जाने वाले अन्य कार्यक्रम थे- आईडी-उल-फितर, फ्रेशर्स की पार्टी, दिवाली थी; क्रिसमस और नया साल; लोहड़ी; गणतंत्र दिवस और खेल दिवस। वार्षिक अतिथि रात्रि का आयोजन 'वुमन ऑफ द वर्ल्ड' विषय पर किया गया था। कार्यक्रम में विभिन्न दूतावासों के गणमान्य लोग और दिल्ली विश्वविद्यालय के पदाधिकारी और ईएचएसडब्ल्यू के विगत प्रोवोस्ट्स मौजूद थे। अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रवास ने वार्षिक फ्लावर शो में सर्वश्रेष्ठ माली पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ लॉन पुरस्कार जीता। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का दूसरे वर्ष आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों की संयुक्त संकायाध्यक्ष डॉ. पायल मागो और श्री सेदिउल्लाह सेहेर, शिक्षा अताशे, अफगानिस्तान के इस्लामी गणराज्य के दूतावास, उपस्थित थे। इस अवसर पर छात्राओं को अत्यंत जानकारी पूर्ण बातों से अवगत कराया। सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित अपने-अपने देशों में महिलाओं की स्थिति पर पांच देशों की छात्राओं द्वारा दी गई प्रस्तुति से खुशी हुई, जिसके बाद सामूहिक रात्रिभोज हुआ। रंगों की धूम-धाम के साथ होली मनाई गई। निवर्तमान निवासियों को विदाई पार्टी दी गई, जिन्होंने घर में बिताए गए अद्भुत समय को फिर से जीवित किया।

समितियां

छात्रावास के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया, जिसमें सांस्कृतिक समिति, खेल समिति, पुस्तकालय समिति, गृह-व्यवस्था समिति, मेस कमेटी एंटी रैगिंग कमेटी और अनुशासन समिति जाति आधारित भेदभाव समिति, धूम्रपान विरोधी समिति, और होली समिति है।

सुविधायें

अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास में अपने छात्र निवासियों के लिए विभिन्न सुविधाएं है:

अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास में अपने छात्र निवासियों के लिए विभिन्न सुविधाएं है: 98 अच्छी तरह से सुसज्जित कमरे एकल बिस्तर, अलमारी, गद्दे, पर्दा, अध्ययन तालिका, कुर्सी आदि युक्त आगंतुक लॉबी, समिति कक्ष, चिकित्सा कक्ष, डाइनिंग हॉल, पुस्तकालय, वाचनालय, लाउंज रूम (एलसीडी प्रोजेक्टर, बड़ी स्क्रीन सिस्टम के साथ), बैडमिंटन कोर्ट, इंटरनेट रूम, टीवी रूम, व्यायामशाला। हर मंजिल पर पेंट्री हैं। बाथरूम गीजर और सौर मंडल के माध्यम से गर्म पानी के लिए सौर हीटर से लैस हैं। इसमें अपने निवासियों के लिए वाई-फाई की सुविधा है। पूरा छात्रावास परिसर वाई-फाई कनेक्शन से लैस है।

सभी मंजिलों पर आर.ओ वाटर कूलर उपलब्ध हैं। इलेक्ट्रिक हीटर, माइक्रोवेव, वॉटर डिस्पेंसर, इलेक्ट्रिक केतली और दो फ्रिज के साथ पूरी तरह से सुसज्जित पेंट्री, शाकाहारी निवासियों के लिए एक और मांसाहारी निवासियों के लिए, सभी चार मंजिलों पर है।

निवासियों के कपड़े एक परिचर द्वारा लाउंड्री रूम में धोए जाते हैं जिसमें पांच पूरी तरह से स्वचालित वाशिंग मशीन हैं। अलग इस्त्री कक्ष भी उपलब्ध है।

इसमें आधुनिक उपकरणों सहित व्यायामशाला और पूरी तरह से वातानुकूलित मैस है।

शट डाउन या बिजली कटौती बिजली से निपटने के लिए हॉस्टल के पूरे परिसर में जेनसेट की सुविधा दी गई है।

विद्यार्थियों के लिए चौबीसों घंटे सुरक्षा की व्यवस्था है।

पूरा छात्रावास परिसर सीसीटीवी है जो अपने निवासियों को एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने में सक्षम है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रवास से बस शटल सुबह से शाम तक कॉम्प्लेक्स से विश्वविद्यालय (नॉर्थ) कैंपस तक उपलब्ध है।

फर्स्ट एड किट उपलब्ध है। निवासी डब्ल्यूयूएस हेल्थ सेंटर, (डीयू) के सदस्य हैं ।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि छात्रावास के कर्मचारियों के लिए छात्रावास जीवन को समृद्ध करने के लिए, निम्नलिखित सुनिश्चित किया जाता है: छात्रावास के कर्मचारियों के साथ मासिक मेल-मिलाप। इससे सदस्यों के बीच संबंध बनाने में सुविधा हुई है और बेहतर नौकरी संतुष्टि मिली है ।

यदि कोई हो, तो शिकायतों का समाधान करने के लिए अपने कर्मचारियों के साथ प्रोवोस्ट की नियमित बातचीत।

प्रोवोस्ट द्वारा छात्रावास के कर्मचारियों के साथ लिंगभेद संवेदीकरण सत्र।

दूतावासों द्वारा छात्रावास व्यवस्था के आपसी सहयोग और समझ सुनिश्चित करने के लिए छात्रावास परिसर के भीतर दूतावासों के गणमान्य लोगों के साथ लगातार बैठकें की जाती हैं।

***

जुबली हॉल

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

जुबली हॉल दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक स्नातकोत्तर और शोध विद्यार्थियों के लिए निवास का एक प्रमुख हॉल है। 1947 में विश्वविद्यालय की रजत जयंती के अवसर पर इसकी स्थापना हुई थी। हॉल का आंतरिक प्रशासन और अनुशासन प्रोवोस्ट में निहित है जिसे वार्डन और एक निवासी ट्यूटर द्वारा सहायता दी जाती है।

जुबली हॉल ने अपना वार्षिक समारोह "उत्साह" मनाया और कई प्रतिष्ठित पूर्व विद्यार्थियों ने इस अवसर की शोभा बढ़ाने के लिए अन्य प्रसिद्ध हस्तियों के साथ भाग लिया ।

सद्भाव और "विविधता में एकता" के अपने मूल चरित्र को बनाए रखने के लिए हॉल ने सरस्वती पूजा, होली, ईद, स्वतंत्रता दिवस, दीपावली और क्रिसमस के सभी त्योहारों को बहुत हर्षोल्लास के साथ मनाया ।

***

मानसरोवर छात्रावास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

मानसारोवार छात्रावास पूर्णकालिक स्नातकोत्तर और शोध विद्यार्थियों के लिए पुरुषों का निवास हॉल है, जिनमें दिल्ली विश्वविद्यालय में उच्च अध्ययन के लिए भारत के विभिन्न भागों और विदेशों से आने वाले 165 निवासियों के रहने की व्यवस्था है।

स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रोवोस्ट प्रोफेसर हीरापॉल गंगनेगी ने डॉ. संजॉय रॉय (वार्डन), श्री सैफुद्दीन अहमद (रेजिडेंट ट्यूटर), हॉस्टल रेजिडेंट्स, स्टाफ और मेहमानों की उपस्थिति में झंडा फहराया। छात्रावास परिसर में दशहरा, दिवाली, होली, ईद, सरस्वती पूजा, क्रिसमस, गांधी जयंती और अंबेडकर जयंती जैसे त्योहार भी मनाए गए। छात्रावास निवासी यूनियन ने पूर्व विद्यार्थियों और अन्य मेहमानों को आमंत्रित करते हुए फ्रेशर पार्टी और नए साल के दिन का आयोजन किया है ।

छात्रावास निवासी यूनियन ने 30 मार्च 2019 को छात्रावास के पूर्व विद्यार्थियों की बैठक और विदाई का आयोजन किया है। छात्रावास के निवासियों ने वर्ष के दौरान विभिन्न आउट डोर और इंडोर खेलों में भाग लिया।

समितियां

प्रबंध समिति, छात्र संघ, मेस कमेटी, एंटी रैगिंग कमेटी, अनुशासन समिति, एससी/एसटी/ओबीसी कमेटी, पूर्वोत्तर समिति, धूम्रपान विरोधी समिति, यौन उत्पीड़न समिति।

सुविधायें

छात्रावास अपने निवासियों को उनके आवास को आरामदायक बनाने के लिए कई सुविधाएं प्रदान करता है।

डाइनिंग हॉल, रीडिंग रूम, कंप्यूटर/इंटरनेट रूम, कॉमन रूम, न्यूज पेपर रूम, व्यायामशाला, गेस्ट रूम, विजिटर रूम, कैफेटेरिया, लॉन्ड्री, टेलीफोन/फैक्स/फोटोस्टेट, जेनरेटर रूम, हेल्थ सेंटर।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

पूरे जिम रूम का जीर्णोद्धार किया; एक सुरक्षा गार्ड कमरे का निर्माण; पूरे हॉस्टल वॉशरूम में नए एग्जास्ट फैन लगाए लए; रहवासियों के लिए नया वाटर कूलर लगाया।

ग्राउंड फ्लोर के कॉरिडोर, डाइनिंग हॉल, मेस आदि की ट्यूब लाइट एलईडी ट्यूब लाइट से परिवर्तित की गई।

हॉस्टल ने एक कंपोस्ट पिट बनाया जो जैविक सामग्री जैसे यार्ड वेस्ट और किचन स्क्रैप को पोषक तत्वों से भरपूर सामग्री में बदलता है जो मिट्टी को बेहतर बनाता है और पौधों को उपजाऊ बनाता है ।

***

मेघदूत छात्रावास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

मेघदूत छात्रावास ने शैक्षणिक वर्ष 2018-19 में कई गतिविधियों और उत्साही नवाचारों का अवलोकन किया। इनमें से कुछ इस प्रकार सूचीबद्ध हैं-

स्वतंत्रता दिवस का आयोजन, गांधी जयंती पर स्वच्छ अभियान, दशहरा उत्सव, दिवाली का उत्सव, क्रिसमस और फ्रेशर पार्टी का उत्सव, नए छात्रसंघ का चुनाव, लोहड़ी का उत्सव, पोंगल और बसंत पंचमी और होली के अवसर पर बिहू, गणतंत्र दिवस समारोह, सरस्वती पूजा

61 वां वार्षिक फ्लावर शो, 2019,

मेघदूत छात्रावास ने 1 मार्च 2019 को आयोजित 61वें वार्षिक फ्लावर शो में फूलों की अलग-अलग प्रविष्टियां देकर भाग लिया था। छात्रावास को कोषाध्यक्ष कप और एमएम बेग कप से सम्मानित किया गया है।

26 वीं वार्षिक सांस्कृतिक रात्रि-मेग्हियामिनी 2019

प्रोवोस्ट एंड छात्र यूनियन द्वारा छात्रावास अर्थात् वार्षिक सांस्कृतिक रात्रि मेग्यामिनी-19 का सर्वाधिक प्रतीक्षित समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में आईएएस, श्रीमती गीता रानी वर्मा, आईपीएस और प्रो नीता सहगल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। समारोह की अध्यक्षता प्रोवोस्ट प्रो॰ वीणा अग्रवाल, वार्डन श्रीमती शशि रानी व रेजिडेंट ट्यूटर डॉ. सुनीता सिंह ने की। सभी निवासियों ने उत्साह से भाग लिया। सुंदर रात्रि, सांस्कृतिक प्रदर्शन और फैशन शो को संजोने के लिए सभी कर्मचारी और निवासी मौजूद थे । इसके बाद एक डिस्क जॉकी और स्पेशल डिनर किया गया।

***

पूर्वोत्तर महिला छात्रावास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

पूर्वोत्तर महिला छात्र सभा की स्थापना 2002 में की गई थी। पूर्वोत्तर महिला छात्र सभा में 101 सिंगल रूम और 1 गेस्ट रूम है जिसमें एयर कंडीशनर और अटैच बाथ हैं। 101 कमरों में से 70 प्रतिशत सीटें पूर्वोत्तर क्षेत्र की छात्राओं के लिए आरक्षित हैं, और शेष भारत की छात्राओं के लिए 30 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं। वर्ष के दौरान स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, दिवाली, क्रिसमस, लोहड़ी व अन्य त्योहारी दिनों पर उत्कृष्ट समारोह किए गए। खेल गतिविधियों 3 दिनों तक चली। फ्रेशर और विदाई पार्टियों का निवासियों ने उत्साहपूर्वक आनंद लिया। छात्रावास की दो प्रमुख घटनाएं हैं- खाद्य समारोह जिसमें पूर्वोत्तर छात्राओं द्वारा विदेशी भोजन पकाया जाता है अपने देशी मसालों का उपयोग किया जाता हैं, और, उत्तर पूर्व सांस्कृतिक संगीत, नृत्य, कपड़े और नाटक के सहित वार्षिक सांस्कृतिक रात्रि इथनिकोस।

समितियां

वर्तमान में छात्रावास में 07 समितियां हैं जो सांविधिक आवश्यकताओं के अनुसार स्थापित की गई हैं

एंटी रैगिंग कमेटी, नो स्मोकिंग कमेटी, मादक द्रव्यों का सेवन (ड्रग्स) समिति, जाति आधारित भेदभाव की रोकथाम पर समिति, आंतरिक शिकायत समिति, होली उत्सव समिति, प्रकृति संरक्षण समिति।

छात्र कल्याण एसोसिएशन में निम्नलिखित उप समितियां है

मेस कमेटी, सांस्कृतिक समिति, खेल समिति है।

सुविधायें

छात्रावास अपने निवासियों को निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करता है:

एलईडी टीवी और संगीत प्रणाली के साथ सुसज्जित कमरा; कपड़े धोने के कमरे आठ वाशिंग मशीन से लैस; प्रत्येक मंजिल एक हॉट प्लेट, रेफ्रिजरेटर, माइक्रोवेव और पानी मशीन/ प्रिंटर और इंटरनेट सुविधा के साथ वातानुकूलित कंप्यूटर कक्ष; नवीनतम पत्रिकाओं और समाचार पत्रों वाला वातानुकूलित वाचनालय।

पीने के पानी के लिए प्रमुख आरओ प्रणाली; बस, सोमवार से शनिवार तक प्रति घंटा के आधार पर विश्वविद्यालय के लिए चल रहा है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

चौबीसों घंटे गर्म पानी की आपूर्ति सौर ऊर्जा हीटिंग के माध्यम से होती है।

छात्रावास परिसर व आसपास जितना संभव हो उतना हरियाली बनाए रखने का प्रयास किया जाता है।

बगीचे में इस्तेमाल होने वाली जैविक खाद को कर्मचारियों द्वारा मल्चिंग और कंपोस्टिंग के माध्यम से तैयार किया जाता है। रासायनिक उर्वरकों से पूरी तरह बचा जाता है।

***

स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास का उद्घाटन 24.10.1975 को 100 एकल बिस्तर वाले कमरों के साथ किया गया था। इसमें इंटरनेट के साथ वातानुकूलित कंप्यूटर लैब, वाई-फाई, मोटर चालित ट्रेडमिल के साथ जिम, लाउंड्री और प्रत्येक मंजिल पर सेमी-आटोमेटिक वाशिंग मशीन, कैंटीन, फोटोकॉपी आउटलेट, दो बैडमिंटन कोर्ट और मनोरंजन हॉल जैसी सुविधाएं हैं। अजित सिंह यादव स्मारक वाद-विवाद का आयोजन हर वर्ष किया जाता हैं। होली, दिवाली, ईद, क्रिसमस, नववर्ष जैसे प्रमुख भारतीय त्योहार और छात्रावास आदि का वार्षिक समारोह और क्रीडा महोत्सव भी हर वर्ष छात्रावास में मनाया जाता है। छात्रावास में हर वर्ष गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस भी मनाया जाता है।

समितियां

कॉमन रूम कमेटी, सांस्कृतिक समिति, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति, खेल समिति, मेस कमेटी, एंटी रेगिंग एवं अनुशासन विरोधी समिति, होली समिति, धूम्रपान विरोधी समिति।

सुविधायें

टीवी/कॉमन रूम, लॉन्ड्री, इंटरनेट और वाई-फाई सुविधाओं के साथ वातानुकूलित कंप्यूटर लैब, वातानुकूलित पुस्तकालय और वाचनालय, समाचार पत्र/पत्रिका कक्ष, मोटर चालित ट्रेडमिल के साथ जिम, दो बैडमिंटन कोर्ट, फोटोकॉपी आउटलेट, आगंतुक कक्ष।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

वातानुकूलित अतिथि (माता-पिता) कक्ष।

अध्यक्ष, प्रोवोस्ट्स, वार्डन और रेजिडेंट ट्यूटर के लिए स्क्रोल बोर्ड।

***

राजीव गांधी स्नातकोत्तर महिला छात्रावास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

राजीव गांधी महिला छात्रावास ढाका छात्रावास परिसर, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 में स्थित एक बहुत ही विशाल और सुंदर छात्रावास है। छात्रावास भवन का निर्माण दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडीओएनईआर/एनईसी) और जनजातीय मामलों के मंत्रालय (एमटीए) की वित्तीय सहायता से किया गया था। छात्रावास, परिसर दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने वाले पूर्वोत्तर और भारत के अन्य हिस्सों से महिला विद्यार्थियों (स्नातकोत्तर और शोधार्थियों) के लिए एक संपोषित निवास है। छात्रावास को 8 क्लस्टरों में बांटा गया है, जिनमें प्रत्येक में स्वतंत्र जलापूर्ति, रेस्ट रूम आदि हैं। प्रत्येक क्लस्टर में चार मंजिलें होती हैं जिनमें वैकल्पिक मंजिलों में पेंट्री की सुविधा होती है, जिसका उपयोग निवासियों द्वारा कुछ आपातकालीन भोजन तैयार करने के लिए किया जाता है।

स्वतंत्रता दिवस, फ्रेशर्स वेलकम पार्टी, दिवाली, क्रिसमस, लोहड़ी, गणतंत्र दिवस, सरसावती पूजा, होली का आयोजन निवासियों द्वारा किया गया।

छात्रावास का अति प्रतिक्षित समारोह अर्थात् "रागाज" समारोह 8 मार्च, 2019 को आयोजित किया गया था। सिक्किम सरकार के मानव संसाधन विकास विभाग के आईएएस अपर मुख्य सचिव ज्ञान प्रकाश उपाध्याय मुख्य अतिथि थे। इसका प्रयोजन छात्रावासियों को एकजुट होने के लिए प्रोत्साहित करना था। इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। भारत के विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक पहलुओं को निवासियों द्वारा उत्कृष्ट नृत्य प्रदर्शन द्वारा प्रदर्शित किया गया ।

छात्रावास ने 1 मार्च, 2019 को आयोजित 61वें वार्षिक फ्लावर शो में भाग लेकर फूल और लॉन की अलग-अलग प्रविष्टियां देकर अपनी क्षमता सिद्ध की और इस लौन को लेडी श्रीराम महाविद्यालय कप से सम्मानित किया गया है।

समितियां

छात्राओं के बीच सुरक्षा की भावना को सुदृढ करने और छात्रावास के सुचारू संचालन के लिए छात्रावास ने निम्नलिखित समितियों का गठन किया: एंटी रैगिंग कमेटी, धूम्रपान विरोधी समिति, यौन उत्पीड़न विरोधी समिति, सांस्कृतिक समिति, नस्लीय भेदभाव समिति, मेस कमेटी, सफाई समिति।

सुविधायें

पेंट्री सुविधा, पानी की सुविधा, स्टोर रूम की सुविधा, कॉमन रूम, विजिटर रूम, स्वास्थ्य सुविधा, हेल्थ सेंटर की सदस्यता, परामर्शी व्यवस्था, खेल-कूद सुविधा - इंडोर गेम, आउटडोर गेम्स, मेस एंड डाइनिंग हॉल, रीडिंग रूम, पुस्तकालय, सीसीटीवी कैमरा।

इसमें ट्विन शेयरिंग के आधार पर 386 कमरे हैं। हॉस्टल में 772 विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है। सभी कमरे विशाल और छात्रावास निवासियों के आरामदायक रहने के लिए हवादार हैं। सभी कमरों में सीलिंग फैन हैं। प्रत्येक निवासी को बिस्तर, एक निर्मित अलमारी, दीवार पर पुस्तक रैक प्रदान किया जाता है। हर कमरे में आईना होता है।

***

सारामती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

सारामती हॉस्टल ने 12 अप्रैल 2018 और 30 मार्च 2019 को अरावली स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास के साथ वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम "मिलांज 2018 और मिलांज 2019" का आयोजन किया। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि सारामती छात्रावास में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के निवासियों की पर्याप्त संख्या है, पूर्वोत्तर सांस्कृतिक परंपरा को प्रदर्शित करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा छात्रावास निवासियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में, नए वर्ष की सायं, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और राष्ट्रीय ध्वज जैसे राष्ट्रीय पर्व भी मनाए गए।

समितियां

हर साल छात्रावास प्रशासन विभिन्न छात्रावास सुविधाओं के सुचारू संचालन के लिए अनुशासन समिति, सांस्कृतिक समिति, मेस समिति और खेल समिति का गठन करता है।

सुविधायें

छात्रावास में मनोरंजन कक्ष और कई समाचार पत्रों और पत्रिकाओं वाला वाचनालय है। छात्रावास में टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम-बोर्ड आदि इंडोर गेम्स, व्यायामशाला और खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। छात्रावास क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन और कई अन्य खेल स्पर्धाओं के लिए कई खेल गियर भी प्रदान करता है। छात्रावास निवासियों को सुचारू और तेज इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए आधुनिक वाई-फाई सुविधा से लैस है। छात्रावास में सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी बेहतर होने के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर 8 कैमरों वाले सीसीटीवी लगाए गए हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

छात्रावास में एयर कंडीशनर और हीट कंवेक्टर से लैस डबल ऑक्यूपेंसी गेस्ट रूम और गेस्ट हाउस है। दोनों सुविधाएं आने वाले मेहमानों और निवासियों के माता-पिता के लिए खुली हैं ।

***

सामाजिक कार्य छात्रावास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग का पास अपना छात्रावास है। इस छात्रावास का शिलान्यास 25 जुलाई, 1962 को भारत सरकार के केंद्रीय समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गाबाई देशमुख ने किया था। यह छात्रावास 16 जुलाई, 1966 से कार्यरत हो गया था। यह छात्रावास विभाग, परिसर से संलग्न होने के फलस्वरूप सामाजिक कार्य में विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व के विकास को जोड़ता है और उनके पेशेवर कारकों को मजबूत करने में मदद करता है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में 35 महिला विद्यार्थियों और 45 पुरुष विद्यार्थियों (कुल: 89) को 45 कमरों में ठहराया जा रहा है। मार्च, 2019 तक कमरों में ठहरने का विवरण नीचे दिए गए हैं:

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

इस परिसर की एक विकलांग अनुकूल स्थान के रूप में कल्पना की गई है । इसके प्रवेश द्वार को पुनर्निमित किया गया है और विकलांगों की विशेष आवश्यकताओं के अनुरूप रैंप के साथ फिट किया गया है । वहाँ 49

कमरे हैं; एक विद्यार्थियों द्वारा प्रबंधित सुसज्जित रसोई और भोजन सुविधाओं सहित मेस; रिवर्स ऑस्मोसिस फ़िल्टरिंग सुविधाओं के साथ तीन पेयजल स्थल; एक वातानुकूलित कॉमन रूम; दो बीमार/आइसोलेशन रूम (प्रत्येक विंग में एक); एक बैठक कक्ष; कार्यालय कक्ष; वार्डन निवास; हरे भरे लॉन; पेड़ और उद्यान; नगर निगम की जलापूर्ति के अलावा एक बोर वेल; सुरक्षा सेवाओं के अलावा सीसीटीवी निगरानी; आम कमरे में डीटीएच सेवाओं के साथ टीवी; और कई समाचार पत्र, पत्रिकाएं और पत्रिकाएं उपलब्ध है। सामाजिक कार्य छात्रावास की अपनी वेबसाइट http://dswh.du.ac.in है जो छात्रावास के बारे में जानकारी देती है। पूरे दिन विभाग परिसर में सुरक्षा की व्यवस्था रहती है। छात्रावास के लिए रात के समय अतिरिक्त सुरक्षा रहती है। दो सुरक्षा गार्ड प्रतिदिन दो पारियों में अपनी सेवाएं देते हैं। अग्नि सुरक्षा के उपाय भी लागू हैं।

बुनियादी ढांचे और सेवाओं में वृद्धि

एक इन्वर्टर की खरीद की गई है और बिजली गुल होने के दौरान आकस्मिक उपाय के रूप में मौजूदा के अतिरिक्त एक और विद्युत तारों की व्यवस्था की गई है। इस समय, छात्रावास के कॉमन रूम, डाइनिंग हॉल, रसोई और कुछ कार्यालय स्थान तक यह सुविधा दी जा रही है। सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़कर बारह हो गई है। परिसर की वर्तमान हरियाली में वृद्धि करते हुए छात्रावास परिसर में पॉम, गुड़हल और गुलाब जैसे कुछ बारहमासी पौधों की खरीद की गई और पौधे लगाए गए हैं । मौजूदा सुविधाओं के अलावा वर्तमान शैक्षणिक वर्ष 2018-2019 में विभाग के छात्रावास में निम्नलिखित अतिरिक्त सुविधाएं और सेवाएं जोड़ी गई हैं:-

छात्रावास के प्रत्येक विंग में वाचनालय का निर्माण।

छात्रावास मेस में डाइनिंग टेबल की मरम्मत/प्रतिस्थापन।

छात्रावास में पुरानी वाशिंग मशीनों को बदलकर नई मशीनें लगाना।

छात्रावास के सौंदर्यीकरण के लिए फूलों के बर्तनों की खरीद।

छात्रावास में वर्षा जल संचयन प्रणाली निर्माण के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय को औपचारिक अनुरोध भेजा गया है।

छात्रावास मेस में पीएनजी लाइन (गैस लाइन) की व्यवस्था।

छात्रावास क्लब यूनियन

छात्रावास क्लब यूनियन, सामाजिक कार्य विभाग छात्रावास के निवासियों की लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई संस्था है। यह छात्र संस्था छात्रावास निवासियों के बीच अकादमिक/बौद्धिक, सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधियों को बढ़ावा देती है। छात्रावास क्लब यूनियन ने सितंबर, 2018 को अपनी प्रथम आमसभा आयोजित की थी। छात्रावास के कर्मचारियों के सहयोग और छात्रावास निवासियों की भागीदारी के साथ ही छात्रावास क्लब यूनियन द्वारा निम्नलिखित प्रमुख पहल की गई। इसने नवोदित सामाजिक कार्यकर्ताओं का स्वागत करने के लिए फ्रेशर की पार्टी और महत्वाकांक्षी परिवर्तन निर्माताओं को विदाई देने के लिए एक विदाई समारोह जैसे समारोह आयोजित किए गए। निवासियों के बीच सौहार्द बढाने के उद्देश्य से छात्रावास क्लब यूनियन ने ईद, दिवाली, लोहड़ी, होली और क्रिसमस जैसे विभिन्न त्योहारों को अन्य लोगों के बीच मनाया ।

***

स्नातक-पूर्व बालिका छात्रावास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

छात्रावास में विद्यार्थियों को उत्पादक गतिविधियों में लगे रहने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष युवाओं को उनके बुनियादी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए 13 अप्रैल, 2018 को "अपना अधिकार जानो" कार्यशाला का आयोजन किया गया था। आर्ट ऑफ लिविंग में अध्यक्ष और पूर्णकालिक अंतर्राष्ट्रीय संकाय के अध्यक्ष और पूर्णकालिक अंतर्राष्ट्रीय संकाय श्री अविनाश टीकू ने 16 जनवरी, 2019 को "माइंड मैटर्स" पर एक भाषण दिया, जिसे विद्यार्थियों ने काफी सराहा। 18 फरवरी, 2019 को देश की सेवा में सीआरपीएफ के 40 से अधिक जवानों की शहादत पर शोक जताने के लिए शोक सभा का आयोजन किया गया था। 2018 की आईपीएस अधिकारी बैच की मिस इल्मा अफरोज ने 8 मार्च, 2019 को "थिंक इक्वल बिल्ड, स्मार्ट, इनोवेट फॉर चेंज" विषय पर भाषण दिया। छात्राएं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर "भारतीय नारी" विषय पर "पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता" में भाग लेती हैं।

छात्रावास अभिग्रहण और आनंद के लिए अनुकूल माहौल बनाने का प्रयास करता है। स्वतंत्रता दिवस, फ्रेशर्स पार्टी, दिवाली, क्रिसमस डे, लोहड़ी, होली से शुरू होकर छात्रावास में सभी प्रमुख त्योहार मनाए गए। वार्षिक खेल दिवस का आयोजन 31 मार्च, 2019 को किया गया था। छात्रावास ने दिनांक 22.02.2019 को आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय फ्लावर शो में भाग लिया और कई पुरस्कार जीते।

समितियां

वर्ष 2018-19 की अवधि के दौरान निम्नलिखित समितियों का गठन किया गया था-

धूम्रपान विरोधी समिति, यौन उत्पीड़न विरोधी समिति, रैगिंग विरोधी समिति, नस्लीय भेदभाव समिति, पूर्वोत्तर के लिए नोडल अधिकारी, होली समिति, तंबाकू मुक्त परिसर के लिए नोडल अधिकारी, छात्र सलाहकार, सांस्कृतिक समिति, साहित्यिक समाज, पूर्व छात्र समिति, पुस्तकालय समिति, अनुशासन समिति, खेल समिति, ब्लॉक प्रतिनिधि

सुविधायें

छात्रावास में वातानुकूलित कॉमन रूम, कंप्यूटर लैब, दो वाचनालय, व्यायामशाला, खेल कक्ष, पुस्तकालय, आगंतुककक्ष, चिकित्सा सुविधाओं के साथ चिकित्सा कक्ष सहित कई आधुनिक सुविधाएं है, जिसमें एक नर्स का दैनिक और डॉक्टर का सप्ताह में तीन बार दौरा शामिल हैं। छात्रावास में एक हवादार डाइनिंग हॉल भी है

अन्य सुविधाओं में शामिल हैं: कपड़े धोने का कमरा, टक-शॉप, बैडमिंटन कोर्ट, बास्केट बॉल कोर्ट, टेबल टेनिस कोर्ट, दो टीवी कमरे।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

हरे-भरे लॉन और फूल निवासियों को आंनदित करते हैं।, भारत की समृद्ध विरासत को जीवित रखते हुए दीवारों को चित्रों से सजाया गया है। विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए आम स्थानों और गेटों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। यहां विकलांग अनुकूल वॉशरूम और रैंप हैं। सभी फीस ऑनलाइन वसूली जाती है। मेस में दोपहर के पैक भोजन की सुविधा सहित दिन में चार बार भोजन की व्यवस्था है। छात्रावास में अपशिष्ट अलगाव, बगीचे के कचरे की कंपोस्टिंग, पर्यावरणीय अनुकूल एलईडी लाइटिंग में स्विचओवर, न्यूनतम कागज उपयोग आदि सहित हरित प्रथाओं को अपनाया गया है।

***

विश्वविद्यालय महिला छात्रावास

वर्ष 1973 में स्थापित, विश्वविद्यालय छात्रावास महिलाओं के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। छात्रावास में देश-विदेश के विभिन्न भागों से आने वाली स्नातकोत्तर और अनुसंधान महिला विद्यार्थियों के लिए 320 सीटों की क्षमता है और यह नारीत्व की देदीप्यमान भावना के पोषण के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां ;

विश्वविद्यालय महिला छात्रावास की अनेक कार्यों और समारोहों के आयोजन की परंपरा रही है। वर्ष 2018-2019 में निम्नलिखित समारोह आयोजित किए गए थे; छात्रावास में दिवाली, लोहड़ी, सरस्वती पूजा और होली जैसे त्योहार मनाए गए। 15 अगस्त 2018, स्वतंत्रता दिवस, 2 अक्तूबर 2018, स्वच्छ भारत अभियान, 26 जनवरी 2019, गणतंत्र दिवस - समारोहों का आयोजन किया गया।

समितियां

अनुशासन समितियां (एंटी रैगिंग, एंटी स्मोकिंग, नॉर्थ ईस्टर्न), सांस्कृतिक समिति, मेस समिति, सफाई समिति।

सुविधायें

जिम, कॉमन रूम, रीडिंग रूम, बीमार रूम, यूनियन रूम, लॉड्रोमैट की स्थापना प्रक्रिया में है, निवासियों के लिए रेफ्रिजरेटर, निवासियों के लिए टेलीविजन।

***

वी.के.आर.वी.राव छात्रावास

प्रमुख गतिविधियों और उपलब्धियों

हर वर्ष छात्रावास के निवासी स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और गांधी जयंती सहित राष्ट्रीय पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। राष्ट्रीय एकता की संस्कृति को जागृत करने के लिए स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस को तिरंगा फहरान कर मनाया जाता है जबकि गांधी जयंती स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से स्वच्छता पर जोर देती है। छात्रावास के निवासी दिवाली, होली, लोहड़ी, सरस्वती पूजा और क्रिसमस की पूर्व सायं सहित विभिन्न त्योहारों को खूब उत्साह के साथ मनाते हैं। छात्रावास के सांस्कृतिक कार्यक्रम सत्र की शुरुआत में फ्रेशर्स के स्वागत के साथ शुरू होते हैं और सत्र के अंत में विदाई पार्टी के साथ समाप्त होते हैं । स्पिक मैके कार्यक्रम छात्रावास में एक नियमित कार्यक्रम बन गया है। इस वर्ष उस्ताद शाहिद परवेज ने छात्रावास के कॉमन रूम में गायन किया। छात्रावास वार्षिक सांस्कृतिक एक्ट्रा वेंगांजा, उमंग, कार्यक्रम धूमधाम से मनाया जाता है।

समितियां

छात्रावास में एंटी रैगिंग समिति, शिकायत समिति और पूर्वोत्तर के कश्मीरी विद्यार्थियों के कल्याण के लिए एक समिति सहित मेस समिति, सांस्कृतिक समिति का गठन किया गया है।

सुविधायें

चिकित्सा सुविधाएं, मेस और डाइनिंग हॉल, कैंटीन, कंप्यूटर और इंटरनेट वाई-फाई सुविधाएं, कॉमन रूम, स्पोर्ट्स / जिम, बुक बैंक, कपड़े धोने की सेवाएं, पढ़ने के कमरे, आगंतुकों के कमरे, छात्रावास सुरक्षा, दिव्यांग अनुकूल उपलब्ध है।

***

डब्ल्यूयूएस विश्वविद्यालय छात्रावास

डब्ल्यूयूएस विश्वविद्यालय छात्रावास महिलाओं विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विजिटिंग शिक्षकों और पोस्ट डॉक्टरेट शोधकर्ताओं के लिए निवास-स्थान है जिसमें, 18 कमरे हैं। इस छात्रावास को विश्वविद्यालय ने 1990 में विश्व विश्वविद्यालय सर्विसेज से अपने कब्जे में ले लिया था। प्रोफेसर (सुश्री) मिन्नी साहनी 1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 की अवधि के दौरान छात्रावास का प्रशासन देख रही थी।

निवासियों को निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की गई हैं: - आगंतुक कक्ष (वातानुकूलित), रंगीन टीवी, रेफ्रिजरेटर, समाचार पत्र (हिंदी और अंग्रेजी), आरओ सिस्टम के साथ वाटर कूलर, सीसीटीवी और वाशिंग मशीन।

यहां के निवासी दिवाली, क्रिसमस, होली, नववर्ष आदि विभिन्न त्योहार मनाते हैं। यह मेस को-ऑपरेटिव आधार पर निवासियों द्वारा चलाई जाती है। हालांकि छात्रावास द्वारा मेस सुविधा के लिए आधारिक संरचना उपलब्ध कराया जा रहा है।

****

<u>वर्ष 2018-19 के वार्षिक लेखे</u>

विषय-सूची

क्रम संख्या	विवरणी का नाम
	<u>क. दिल्ली विश्वविद्यालय</u>
1	तुलन-पत्र
2	आय और व्यय लेखा
3	31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ : अनुसूची 1,2,3,4,5,6,7,8
4	आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ: अनुसूची 9,10,11,12,13,14,15,16,17,18,19,20,21,22.
5	महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां : अनुसूची 23
6	आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां : अनुसूची 24
7	प्राप्ति और भुगतान लेखा
	<u>ख. भविष्य निधि लेखा</u>
8	तुलन-पत्र
9	आय और व्यय लेखा
10	प्राप्ति और भुगतान लेखा
	<u>ग. नई पेंशन योजना</u>
11	तुलन-पत्र
12	आय और व्यय लेखा
13	प्राप्ति और भुगतान लेखा
	<u>घ. विश्वविद्यालय मुद्रणालय</u>
14	तुलन-पत्र
15	लाभ व हानि लेखा
16	प्राप्ति और भुगतान लेखा
	<u>ड. हॉल और छात्रावास</u>
17	समेकित तुलन-पत्र
18	समेकित आय और व्यय लेखा
19	समेकित प्राप्ति और भुगतान लेखा

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2019 का तुलन-पत्र

राशि रुपए में

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
निधियों के स्त्रोत			
कॉर्पस/पूंजी निधि	1	(16300485154)	-----
नामित/अंकित/वृत्ती निधियां	2	7679054711	6812347938
चालू देयताएं और प्रावधान	3	29980071347	27366821395
कुल		**21358640904**	**34179169333**
निधियों का अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां			
मूर्त परिसंपत्तियां	4	3702203920	1302350394
अमूर्त परिसंपत्तियां		1398111	2190247
पूंजीगत कार्य प्रगति में		122872429	4065825877
अंकित/वृत्ती निधियों से निवेश	5	883083000	883083000
निवेश - अन्य	6	-----	-----
वर्तमान परिसंपत्तियां	7	13743862296	12067138607
ऋण, अग्रिम और जमा	8	2905221148	3223753863
कॉर्पस/पूंजी निधि		-----	12634827345
कुल		**21358640904**	**34179169333**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23
आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां	24

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

राशि रुपए में

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	920718581	1079933933
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	5265660407	5268907887
निवेश से आय	11	52734780	38074029
अर्जित ब्याज	12	57188754	2907044
अन्य आय	13	83506316	67821287
पूर्वावधि आय	14	0	0
स्टॉक में वृद्धि		0	0
कुल (क)		**6379808838**	**6457644180**
व्यय			
स्टॉफ भुगतान व हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	6681419208	5207492367
शैक्षणिक व्यय	16	562118283	565335417
प्रशासनिक और सामान्य खर्चे	17	908848745	860614848
परिवहन खर्चे	18	10080	1402609
मरम्मत और अनुरक्षण	19	199746212	157267464
वित्तीय लागत	20	156089	469669
मूल्यह्रास	4	442567008	351441789
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	21	145980806	336578401
पूर्वावधि व्यय	22	1298098067	0
स्टॉक में कमी		3295165	5925876
कुल (ख)		**10242239664**	**7486528440**
व्यय से अधिक आय का शेष/ (व्यय से अधिक आय) (क-ख)		(3862430826)	(1028884260)
नामित निधि में/से अंतरित			
शेष, पूंजी निधि में अग्रेनीत अधिषेश (घाटा)		**(3862430826)**	**(1028884260)**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां	24		

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 1 - कॉर्पस/पूंजी निधि		**वर्तमान वर्ष**		**विगत वर्ष**
वर्ष के प्रारंभ में शेष		(12634827345)		(11813457121)
जमा : कार्पस/पूंजी निधि में अंशदान-योजना लेखा		-----		-----
जमा : कार्पस/पूंजी निधि में अंशदान		-----		-----
जमा : अनुदान आयोग, भारत सरकार और राज्य सरकार से अनुदान, पूंजीव्यय में उपयोगिता सीमा तक				
(क) योजना लेखे	55298928		116788962	
(ख) गैर-योजना लेखे (वेतन/ आवर्ती अनुदान)	79959314		65898724	
(ग) गैर-योजना लेखे (पूंजीगत परिसंपत्तियां)	30384385	165642627	-----	182687686
जमा : अंकित निधियों से क्रय की गई परिसंपत्तियों				
(क) विविध लेखे	15096229		6220593	
(ख) अन्य अंकित निधियां	4654189	19750418	4534471	10755064
जमा : प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय परिसंपत्तियां, जहां स्वामित्व संस्थान का है				
जमा : दान दी गई परिसंपत्तियां/प्राप्त उपहार	785		778	
जमा : बंद की गई परियोजनाओं की परिसंपत्तियां	14486860		14399432	
जमा : अन्य वृद्धियां	----	14487645	----	14400210
घटा : वर्ष के दौरान निपटाई गई परिसंपत्तियों का प्रतिह्रासित मूल्य		(3107673)		(328924)
जमा : व्यय से अधिक आय / (आय से अधिक व्यय)				
आय और व्यय लेखे से अंतरित		(3862430826)		(1028884260)
वर्ष के अंत में शेष		**(16300485154)**		**(12634827345)**

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

विवरण	निधिवार विवरण-				कुल	
	विविध लेखे	प्रकाशन	वृत्ति निधियां	अन्य अंकित	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
क.						
क) **अथशेष**	**761858184**	**5898798**	**854122893**	**5190468063**	**6812347938**	**5895188592**
ख) वर्ष के दौरान वृद्धियां	-----	-----	2810714	-----	2810714	----
ग) निधियों के निवेश से आय	18855085	292123	47681099	210212810	277041117	242861575
घ) निवेश/अग्रिम पर उपार्जित ब्याज	30991794	80933	10933759	117205086	159211572	157323421
ङ) बचत बैंक खाते में ब्याज	464085	9878	1128617	6423043	8025623	5875732
च) अन्य वृद्धियां (स्वरूप निर्दिष्ट करें)	348270720	0	1121477	478725498	828117695	921667343
कुल (क)	**1160439868**	**6281732**	**917798559**	**6003034500**	**8087554659**	**7222916663**
ख.						
निधियों के उद्देश्य के प्रति उपयोगिता/व्यय						
ii) पूंजी व्यय	15096229	-----	-----	4654189	19750418	10755064
ii) राजस्व व्यय	307126420	1062	9327231	72294817	388749530	399813661
कुल (ख)	**322222649**	**1062**	**9327231**	**76949006**	**408499948**	**410568725**
वर्ष के अंत में इति शेष (क-ख)	**838217219**	**6280670**	**908471328**	**5926085494**	**7679054711**	**6812347938**
द्वारा प्रदर्शित						
नगद और बैंक शेष						
चालू लेखे	12912664				12912664	4456292
चालू लेखे	81548712	1070912	49274569	293527941	425422134	306345189
निवेश	18000000	300000	319800000	544900000	883000000	883000000
सावधि जमा	678377540	4800000	528380000	4884268480	6095826020	5372127605
उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज	31669234	80933	10933759	117558392	160242318	170068082
शेयर	-----	-----	83000	-----	83000	83000
अन्य ऋण और अग्रिम	12683056	-----	-----	27118432	39801488	36875468
यूडीएफ से विविध में ऋण	-----	-----	-----	30000000	30000000	30000000
एलसी मार्जिन	-----	-----	-----	-----	-----	-----
विद्युत जमा	-----	-----	-----	9409500	9409500	9409500
वापसनीय स्त्रोत पर काटा गया कर	3112818	28825	-----	20885969	24027612	1592838
अनुरक्षण अनुदान लेखा	(86805)	-----	-----	(1583220)	(1670025)	(1610036)
कुल	**838217219**	**6280670**	**908471328**	**5926085494**	**7679054711**	**6812347938**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 2 क - वृत्ति निधियां राशि रुपए में

		अथशेष		वर्ष के दौरान वृद्धियां		कुल			इति शेष		कुल
1. क. सं	2. वृत्ति का नाम	3. वृत्ति	4. संचयी ब्याज	5. वृत्ति (विविध प्राप्तियां)	6. ब्याज	7. वृत्ति (3+5)	8. संचयी ब्याज (4+6)	9 वर्ष के दौरान प्रयोजन पर व्यय	10. वृत्ति	11. संचयी ब्याज	(10+11)
1	सर शंकर लाल संगीत संस्थान (298355)	2275052	360677	147897	43448	2422949	404125	59489	2422949	344636	2767585
2	श्री श्रीराम भौतिकी चेयर (298399)	7063201	2606333	493039	176749	7556240	2783082	3712	7556240	2779370	10335610
3	सर शंकर लाल रसायन-विज्ञान चेयर (298402)	7898119	2888132	525413	221070	8423532	3109202	3382	8423532	3105820	11529352
4	प्रबंधन अध्ययन संकाय में आईएफसी चेयर(298683)	13863470	5322299	1184687	220380	15048157	5542679	6509	15048157	5536170	20584327
5	एसपी जैन उन्नत प्रबंधन अनुसंधान (299041)	1959645	644971	119176	50957	2078821	695928	856	2078821	695072	2773893
6	पंडित मन मोहन नाथ धर (298956)	1265507	458026	80612	38046	1346119	496072	1283	1346119	494789	1840908
7	अर्थशास्त्र में प्रोफेसरशिप (298741)	12971931	4914771	904015	334149	13875946	5248920	5072	13875946	5243848	19119794
8	ओरियंट इन्सेक्ट का प्रकाशन (299416)	550899	184067	34818	16247	585717	200314	818	585717	199496	785213
9	डीयू वृत्ति निधि (299733)	235517371	53524324	16957040	3381003	252474411	56905327	2560348	252474411	54344979	306819390
10	पंडित मन मोहन कृष्ण कौल (299880)	1527132	530545	79212	58592	1606344	589137	958	1606344	588179	2194523
11	पुस्तक अनुदान आरटीएल (300228)	275170522	75737383	19866894	4847888	295037416	80585271	6492568	295037416	74092703	369130119
12	उद्यमिता विकास में डीयू एमवे प्रोफेसरशिप (300705)	11437894	3921978	785588	248749	12223482	4170727	4720	12223482	4166007	16389489
13	क्लस्टर नवाचार केंद्र कॉपर्स निधि	100582419	30939249	7556684	2355957	108139103	33295206	80016	108139103	33215190	141354293
14	एमएचआरडी आईपीआर चेयर	488	6488	0	247	488	6735	0	488	6735	7223
15	भारतीय स्टेट बैंक छात्रवृति एडवांस आरपीए छात्रवृति (46397)	0	0	2810714	136394	2810714	136394	107500	2703214	136394	2839608
	कुल	**672083650**	**182039243**	**51545789**	**12129876**	**723629439**	**194169119**	**9327231**	**723521939**	**184949389**	**908471328**

टिप्पणी

1 तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अंकित निधियों की अनुसूची 2 में "वृत्ति निधियों" कालम में कॉलम 3 और 4 का जोड़ अथशेष के रूप में दर्शाया जाएगा।

2 कॉलम 9 का जोड़ प्रायः कॉलम 8 के जोड़ से कम नहीं होना चाहिए क्योकि वृत्तियों के प्रयोजन पर व्यय के लिए केवल ब्याज का ही प्रयोग किया जाना है (चेयर वृत्तियों के आलावा)

3 अनुसूची में प्रायः नामे शेष नहीं होना चाहिए । यदि किसी कतिपय मामले में,किसी भी वृत्तिका निधि में कोई नामे शेष है तो नामे शेष को तुलन-पत्र में अनुसूची-8 ऋण, अग्रिम और जमा में परिसंपत्ति कॉलम में के "प्राप्य" रूप में दर्शाया जाए

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 3 - चालू देयताएं और प्रावधान	**वर्तमान वर्ष**	**विगत वर्ष**
क. चालू देयताएं		
1. स्टाफ द्वारा जमा	-----	-----
2. छात्रों द्वारा जमा	-----	-----
3. विविध लेनदार		
क) सामान के लिए	12277710	25943604
ख) अन्य	-----	-----
4. जमा-अन्य (ईएमडी-प्रतिभूति जमा सहित)	378068	378068
5. सांवधिक देयताएँ (जीपीएफ़, टीडीएस, डबल्यूई कर, सीपीएफ़, जीआईएस, एनपीएस)		
क) अन्य निकाय लेनदेन	4314496	5321264
ख) शुल्क व कर	799134	1258258
6. अन्य चालू देयताएं		
क) वेतन	-----	-----
ख) प्रायोजित परियोजनाएं से प्राप्तियां	1645776335	1499877620
ग) प्रायोजित फैलोशिप व छात्रवृत्ति से प्राप्तियां	86932037	95731206
घ) अनुपयोगित अनुदान	6076211611	5587750339
ङ) यूजीसी को वापसनीय राशि	24433545	18198383
च) अग्रिम अनुदान	-----	-----
छ) अन्य निधियां	114388107	163053237
ज) अन्य देयताएं	8330586	11580180
कुल (क)	**7973841629**	**7409092159**
ख. प्रावधान		
1. कर के लिए	-----	-----
2. ग्रेच्युटी	1371782081	1246794419
3. अधिवर्षिता पेंशन	19335915063	17828303630
4. संचयी छुट्टी नगदीकरण	1211502217	873230725
5. व्यापार वारंटियां/दावे	-----	-----
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)/ देय खर्चे	87030357	9400462
कुल (ख)	**22006229718**	**19957729236**
कुल (क+ख)	**29980071347**	**27366821395**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची - 3 (क) प्रायोजित परियोजनाएँ

राशि रुपए में

1	2	3	4	5	6	7	8	
क्र. सं.	परियोजना का नाम	अथ शेष क्रेडिट	नामे	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ/वसूलियाँ	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	इतिशेष क्रेडिट	नामे
1	अनुसंधान योजना लेखा (298650)	456024994		213743578	669768572	132483537	537285035	
2	आईएएसई स्कीम लेखा (295853)	902824		1650000	2552824	1464038	1088786	
3	अनुसंधान स्कीम लेखा (एसडीसी) (546386)	708806754		381173735	1089980489	272023323	817957166	
4	बी.आर.ए. परियोजना लेखा (298264)	55122811		44417696	99540507	37605722	61934785	
5	युवा अनुसंधान वैज्ञानिक लेखा (29859)	234458111		52851924	287310035	102579571	184730464	
6	सीईएमडीई / जैव-विविधता उद्यान (डीडीए)	44562126		82108230	126670356	83890257	42780099	
कुल		**1499877620**		**775945163**	**2275822783**	**630046448**	**1645776335**	
	विगत वर्ष (2017-18)	**1386557463**		**663890765**	**2050448228**	**550570608**	**1499877620**	

1. परियोजनाओं को प्रत्येक एजेंसी के लिए उप-जोड़ सहित एजेन्सी-वर सूचीबद्ध किया जाए।
2. कॉलम (क्रेडिट) का जोड़ तुलन-पत्र की देयताओं में उपरोक्त शीर्ष में दर्शित होगा (अनुसूची-3)
3. कॉलम 9 (नामें) का जोड़ तुलन-पत्र की परिसंपत्तियों में अनुसूची-8 ऋण, अग्रिम और जमा में प्राप्तनीय के रूप में दर्शित होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची-3 (ख) प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्तियाँ

राशि रुपए में

क्र.सं.	प्रायोजक का नाम	01.04.2017 को अथ शेष		वर्ष के दौरान लेनदेन		31.03.2018 को इति शेष	
1	2	3	4	5	6	7	8
		क्रेडिट	नामे	क्रेडिट	नामे	क्रेडिट	नामे
1	सीएसआईआर फैलोशिप (298413)	40566438		21274588	25680460	36160566	
2	यूजीसी फैलोशिप (298560)	9079186		8993027	10877094	7195119	
3	अन्य निकाय छात्रवृत्ति (298707)	40884136		54238378	55417184	39705330	
4	सीएसआईआर फैलोशिप (एसडीसी) (545269)	1530869		1862907	3351956	41820	
5	यूजीसी फैलोशिप (एसडीसी) (545258)	3670577		230153	71528	3829202	
	कुल	**95731206**	**0**	**86599053**	**95398222**	**86932037**	**0**
	विगत वर्ष (2017-18)	**73570373**	**31192212**	**143446769**	**90093724**	**95731206**	

टिप्पणी:

1. कालम 7 (क्रेडिट) का जोड़ तुलन-पत्र (अनुसूची 3) की देयताओं में उपरोक्त शीर्ष में दर्शित होगा।
2. कालम 8 (नामें) का जोड़ अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम और जमा) में तुलन-पत्र की परिसंपत्तियाँ में प्राप्तनीय के रूप में दर्शित होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची-3 (ग) यूजीसी, भारत सरकार और राज्य सरकारों से प्राप्त अनुपयोगिता अनुदान

राशि रुपए में

		वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
क. योजना अनुदानः भारत सरकार			
अग्रेनीत शेष			
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्तियां			
	कुल (क)	0	0
घटा : वापसी			
घटा : राजस्व व्यय के लिए उपयोगित			
घटा : पूंजी व्यय के लिए उपयोगित			
	कुल (ख)	0	0
अग्रेनीत अनुपयोगित (क-ख)		0	0
ख. विश्वविद्यालय अनुदान योजना			
अग्रेनीत शेष		5587750339	5721197188
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्तियां		285864306	260850724
	कुल (ग)	5873614645	5982047912
घटा : वापसी		0	
घटा : राजस्व व्यय के लिए उपयोगित		27507904	277508611
घटा : पूंजी व्यय के लिए उपयोगित		55298928	116788962
	कुल (घ)	82806832	394297573
अनुपयोगित अग्रेनीत (ग-घ)		**5790807813**	**5587750339**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

ग. यूजीसी, अनुदान गैर-योजना (वेतन और आवर्ती के लिए)			
जमा वर्ष के दौरान प्राप्तियां :		5312400000	5057298000
	कुल (ड)	5312400000	5057298000
घटा : वापसी		0	0
घटा : राजस्व व्यय के लिए उपयोगित		5232440686	4991399276
घटा : पूंजी व्यय के लिए उपयोगित		79959314	65898724
	कुल (च)	**5312400000**	**5057298000**
अनुपयोगित अग्रेनीत (ड.-च)		0	0
घ. पूंजीगत परिसंपित्तयों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुदान			
अग्रेनीत शेष		0	0
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्तियां		321500000	0
	कुल (छ)	321500000	0
घटा : वापसी			
घटा : राजस्व व्यय के लिए उपयोगित		5711817	0
घटा : पूंजी व्यय के लिए उपयोगित		30384385	0
	कुल (ज)	36096202	0
अनुपयोगित अग्रेनीत (छ-ज)		285403798	0
कुल जोड (क+ख+ग+घ)		**6076211611**	**5587750339**

टिप्पणी:-

अनुपयोगित अनुदान में पूंजी लेखा में अग्रिम शामिल है।

अनुपयोगित अनुदान में आगामी वर्ष के लिए अग्रिम में प्राप्त अनुदान शामिल है।

अनुपयोगित अनुदान परिसंपत्तियों में बैंक शेष, बैंको में अल्पविधि शेष और पूंजी लेखे में अग्रिम के रूप में दर्शित है।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 - अचल-परिसंपत्तियां **राशि रुपए में**

क्र.सं.	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ में ह्रासित मूल्य	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौती/बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	पूर्वावधि से संबंधित मूल्यह्रास	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2019 को ह्रासित मूल्य	31.03.2019 को ह्रासित मूल्य
1	भूमि		19716892	0	0	19716892		0	19716892	19716892
2	स्थल विकास/लघु निर्माण कार्य		0	0	0	0		0	0	0
3	भवन	5%	662328304	3942953448	0	4605281752	1298098067	165359184	3141824501	662328304
4	सड़क व पुल		0	0	0	0		0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0		0	0	0
6	मल-प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0		0	0	0
7	विद्युत स्थापना व उपकरण		0	0	0	0		0	0	0
8	संयंत्र व मशीने	20%	195983775	24707001	1152829	219537947		43907589	175630358	195983775
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	40%	136734599	91844915	8042	228571472		91428589	137142883	136734599
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0		0	0	0
11	श्रवण दृष्य उपकरण	50%	727982	1372248	10270	2089960		1044980	1044980	727982
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	40%	165311232	29397654	1790435	192918451		77167381	115751070	165311232
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	25%	80275999	8905224	96034	89085189		22271297	66813892	80275999
14	खेल-कूद उपकरण	50%	14386	0	0	14386		7193	7193	14386
15	वाहन	25%	1015860	0	1917	1013943		253486	760457	1015860
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	50%	36931365	43520167	48146	80403386		40201692	40201694	36931365
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0		0	0	0
18	कला कार्य		3310000	0	0	3310000		0	3310000	3310000
कुल (क)			**1302350394**	**4142700657**	**3107673**	**5441943378**	**1298098067**	**441641391**	**3702203920**	**1302350394**
19	**पूंजीकृत कार्य प्रगति में (ख)**		**4065825877**	**0**	**3942953448**	**122872429**		**0**	**122872429**	**4065825877**
क्र.सं.	**अमूर्त परिसंपत्तियां**	**मूल्यहास की दर**	**वर्ष के प्रारंभ मे हासित मूल्य**	**वर्ष के दौरान वृद्धि**	**वर्ष के दौरान प्राप्तियां कटौती**	**वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य**	**पूर्वावधि का मूल्यहास**	**वर्ष का परिशोधन**	**31.03.2019 को हासित मूल्य**	**31.03.2018 को हासित मूल्य**
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	2164416	133481	0	2297897		919159	1378738	2164416
21	ई-जर्नल	25%	0	0	0	0		0	0	0
22	पेटेंट	25%	25831	0	0	25831		6458	19373	25831
कुल (ग)			**2190247**	**133481**	**0**	**2323728**		**925617**	**1398111**	**2190247**
कुल जोड (क+ख+ग)			**5370366518**	**4142834138**	**3946061121**	**5567139535**	**1298098067**	**442567008**	**3826474460**	**5370366518**
विगत वर्ष (2017-18)			**5514294271**	**207842960**	**328924**	**5721808307**	**0**	**351441789**	**5370366518**	

टिप्पणी:

पूंजीगत-कार्य-प्रगति शीर्ष में सकल ब्लॉक के अंतर्गत "कटौतियां" कॅालम में आंकड़े वर्ष के दौरान परिसंपत्तियों से अंतरित के रूप में दर्शित हैं।

परिसंपत्तियां कॉलम 1 से 14 में सकल ब्लाक के अंतर्गत वर्ष के दौरान वृद्धियां कालम में आंकड़े में वर्ष के दौरान और वर्ष के दौरान अधिग्रहित कार्य प्रगति - में से अंतरित शामिल हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 क - योजना **राशि रुपए में**

क्र.सं.	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ में ह्रासित मूल्य	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौती/बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	पूर्वावधि से संबंधित मूल्यह्रास	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2019 को ह्रासित मूल्य	31.03.2018 को ह्रासित मूल्य
1	भूमि		0	0	0	0		0	0	0
2	स्थल विकास/लघु निर्माण कार्य		0	0	0	0		0	0	0
3	भवन	5%	254821749	682672498	0	937494247	205936831	36577871	694979545	254821749
4	सड़क व पुल		0	0	0	0		0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0		0	0	0
6	मल-प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0		0	0	0
7	विद्युत स्थापना व उपकरण		0	0	0	0		0	0	0
8	संयंत्र व मशीने	20%	94000962	569080	0	94570042		18914008	75656034	94000962
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	40%	93570123	52351770	0	145921893		58368757	87553136	93570123
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0		0	0	0
11	श्रवण दृष्य उपकरण	50%	447936	29820	0	477756		238878	238878	447936
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	40%	150575030	284824	1386720	149473134		59789254	89683880	150575030
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	25%	29145637	61454	0	29207091		7301773	21905318	29145637
14	खेल-कूद उपकरण	50%	0	0	0	0		0	0	0
15	वाहन	25%	309059	0	0	309059		77265	231794	309059
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	50%	6880595	2001980	0	8882575		4441288	4441287	6880595
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0		0	0	0
18	कला कार्य		1310000	0	0	1310000		0	1310000	1310000
कुल (क)			**631061091**	**737971426**	**1386720**	**1367645797**	**205936831**	**185709094**	**975999872**	**631061091**
19	**पूंजीकृत कार्य प्रगति में (ख)**		**804296182**	**0**	**682672498**	**121623684**		**0**	**121623684**	**804296182**
क्र.सं .	**अमूर्त परिसंपत्तियां**	**मूल्यह्रास की दर**	**वर्ष के प्रारंभ मे ह्रासित मूल्य**	**वर्ष के दौरान वृद्धि**	**वर्ष के दौरान प्राप्तियां कटौती**	**वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य**	**पूर्वावधि का मूल्यह्रास**	**वर्ष का परिशोधन**	**31.03.2019 को ह्रासित मूल्य**	**31.03.2018 को ह्रासित मूल्य**
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	0	0	0	0		0	0	0
21	ई-जर्नल	25%	0	0	0	0		0	0	0
22	पेटेंट	25%	10890	0	0	10890		2723	8167	10890
कुल (ग)			**10890**	**0**	**0**	**10890**		**2723**	**8167**	**10890**
कुल जोड (क+ख+ग)			**1435368163**	**737971426**	**684059218**	**1489280371**	**205936831**	**185711817**	**1097631723**	**1435368163**
विगत वर्ष (2017-18)			**1535404943**	**116788962**	**0**	**1652193905**		**216825742**	**1435368163**	

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 ख - (i) गैर-योजना (आवर्ती) **राशि रुपए में**

क्र.सं.	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ में ह्रासित मूल्य	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौती/बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2019 को ह्रासित मूल्य	31.03.2018 को ह्रासित मूल्य
1	भूमि		19716892	0	0	19716892	0	19716892	19716892
2	स्थल विकास/लघु निर्माण कार्य		0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	5%	330875224	0	0	330875224	16543761	314331463	330875224
4	सड़क व पुल		0	0	0	0	0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0	0	0	0
6	मल-प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0	0	0	0
7	विद्युत स्थापना व उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
8	संयंत्र व मशीने	20%	61406025	11270206	1152829	71523402	14304680	57218722	61406025
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	40%	17494682	10132704	8042	27619344	11047738	16571606	17494682
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
11	श्रवण दृष्य उपकरण	50%	229621	848832	10270	1068183	534092	534091	229621
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	40%	11275124	13390832	403715	24262241	9704896	14557345	11275124
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	25%	43849884	4190168	96034	47944018	11986005	35958013	43849884
14	खेल-कूद उपकरण	50%	14340	0	0	14340	7170	7170	14340
15	वाहन	25%	706799	0	1917	704882	176221	528661	706799
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	50%	28284171	39993091	48146	68229116	34114558	34114558	28284171
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0	0	0	0
18	कला कार्य		0	0	0	0	0	0	0
कुल (क)			**513852762**	**79825833**	**1720953**	**591957642**	**98419121**	**493538521**	**513852762**
19	**पूंजीकृत कार्य प्रगति में (ख)**		**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
क्र.सं.	**अमूर्त परिसंपत्तियां**	**मूल्यह्रास की दर**	**वर्ष के प्रारंभ मे ह्रासित मूल्य**	**वर्ष के दौरान वृद्धि**	**वर्ष के दौरान प्राप्तियां कटौती**	**वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य**	**वर्ष का परिशोधन**	**31.03.2019 को ह्रासित मूल्य**	**31.03.2018 को ह्रासित मूल्य**
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	1877236	133481	0	2010717	804287	1206430	1877236
21	ई-जर्नल	25%	0	0	0	0	0	0	0
22	पेटेंट	25%	9991	0	0	9991	2498	7493	9991
कुल (ग)			**1887227**	**133481**	**0**	**2020708**	**806785**	**1213923**	**1887227**
कुल जोड (क+ख+ग)			**515739989**	**79959314**	**1720953**	**593978350**	**99225906**	**494752444**	**515739989**
विगत वर्ष (2017-18)			**546751235**	**65898724**	**328924**	**612321035**	**96581046**	**515739989**	

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 ख - (ii) पूंजीगत परिसंपत्ति — राशि रुपए में

क्र.सं.	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ में ह्रासित मूल्य	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतीबिक्री/	वर्ष के अंत मे लागतमूल्य/	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2019 को ह्रासित मूल्य	31.03.2018 को ह्रासित मूल्य
1	भूमि		0	0	0	0	0	0	0
2	स्थल विकास/लघु निर्माण कार्य		0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	5%	0	0	0	0	0	0	0
4	सड़क व पुल		0	0	0	0	0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0	0	0	0
6	मल-प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0	0	0	0
7	विद्युत स्थापना व उपकरण	20%	0	0	0	0	0	0	0
8	संयंत्र व मशीने	20%	0	5491145	0	5491145	1098229	4392916	0
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	40%	0	11822710	0	11822710	4729084	7093626	0
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
11	श्रवण दृष्य उपकरण	50%	0	329511	0	329511	164756	164755	0
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	40%	0	12107203	0	12107203	4842881	7264322	0
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	25%	0		0	0	0	0	0
14	खेल-कूद उपकरण	50%	0		0	0	0	0	0
15	वाहन	25%	0		0	0	0	0	0
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	50%	0	633816	0	633816	316908	316908	0
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0	0	0	0
18	कला कार्य		0	0	0	0	0	0	0
कुल (क)			**कुल (क)**	**30384385**	**0**	**30384385**	**11151858**	**19232527**	**0**
19	**पूंजीकृत कार्य प्रगति में (ख)**		**19**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
क्र.सं.	**अमूर्त परिसंपत्तियां**	**मूल्यह्रास की दर**	**वर्ष के प्रारंभ मे ह्रासित मूल्य**	**वर्ष के दौरान वृद्धि**	**वर्ष के दौरान प्राप्तियां कटौती**	**वर्ष के अंत मे लागतमूल्य/**	**वर्ष का परिशोधन**	**31.03.2019 को ह्रासित मूल्य**	**31.03.2018 को ह्रासित मूल्य**
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	0	0	0	0	0	0	0
21	ई-जर्नल	25%	0	0	0	0	0	0	0
22	पेटेंट	25%	0	0	0	0	0	0	0
कुल (ग)			**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
कुल जोड (क+ख+ग)			**0**	**30384385**	**0**	**30384385**	**11151858**	**19232527**	**0**
विगत वर्ष (2017-18)			**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 ग - अमूर्त परिसंपत्तियां

राशि रुपए में

क्र.सं.	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ में ह्रासित मूल्य	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतीबिक्री/	वर्ष के अंत मे लागतमूल्य/	वर्ष का मूल्यह्रास/ परिशोधन	31.03.2019 को ह्रासित मूल्य वर्ष / का परिशोधन	31.03.2018 को ह्रासित मूल्य
1	पेटेंट और कॉपीराईट	25%	25831	0	0	25831	6458	19373	25831
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	2164416	133481	0	2297897	919159	1378738	2164416
3	ई-जर्नल	25%	0	0	0	0	0	0	0
कुल			2190247	133481	0	2323728	925617	1398111	2190247
विगत वर्ष (2017-18)			**3192579**	**449223**	**0**	**3641802**	**1451555**	**2190247**	

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 4(ग) (I) पेटेंट और कॉपीराइट	**अथ शेष**	**वृद्धि**	**सकल**	**परिशोधन**	**निवल ब्लॉक 20.....**	**निवल ब्लॉक 20.....**
क. पेटेंट प्रदान किए गए						
1. 2018.19 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.2019 को शेष	-----	-----	-----	-----	-----	-----
(मूल मूल्य रुपये-/...)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
2. 2018.19 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.2019 को शेष	-----	-----	-----	-----	-----	-----
(मूल मूल्य रुपये-/...)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
3. 2018.19 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.2019 को शेष	-----	-----	-----	-----	-----	-----
(मूल मूल्य रुपये-/...)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
4. वर्तमान वर्ष में मंजूर पेटेंट	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल	-----	-----	-----	-----	-----	-----
विवरण	**अथ शेष**	**वृद्धि**	**सकल**	**मंजूर/अस्वीकृत पेटेंट**	**निवल ब्लॉक 20.....**	**निवल ब्लॉक 20.....**
ख. आवेदित पेटेंट के संबंध में लंबित पेटेंट						
1. 20.........मे किया गया व्यय	-----	-----	-----	-----	-----	-----
2. 20.........में किया गया व्यय	-----	-----	-----	-----	-----	-----
3. 20.........में किया गया व्यय	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ग. कुल जोड़ (क+ख)	-----	-----	-----	-----	-----	-----

टिप्पणीः भाग क (मंजूर पेटेंट) में वृद्धि वर्ष के दौरान मंजूर पेटेंट, भाग ख (कॉलम-पेटेंट मंजूर/नामंजूर) से अंतरित आंकड़े होंगे। वर्ष के दौरान नामंज़ूर अनुदान की राशि को आय व व्यय लेखे में बट्टे खाते डाला गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 घ-अन्य | राशि रुपए में

क्र. सं.	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे ह्रासित मूल्य	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती/बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	पूर्वावधि से संबंधित मूल्यह्रास	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2019 को ह्रासित मूल्य	31.03.2018 को ह्रासित मूल्य
1	भूमि		0	0	0	0		0	0	0
2	स्थल विकास/लघु निर्माण कार्य		0	0	0	0		0	0	0
3	भवन	5%	76631331	3260280950	0	3336912281	1092161236	112237552	2132513493	76631331
4	सड़क व पुल		0	0	0	0		0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0		0	0	0
6	मल-प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0		0	0	0
7	विद्युत स्थापना व उपकरण		0	0	0	0		0	0	0
8	संयंत्र व मशीने	20%	40576788	7376570	0	47953358		9590672	38362686	40576788
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	40%	25669793	17537731	0	43207524		17283010	25924514	25669793
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0		0	0	0
11	श्रवण दृष्य उपकरण	50%	50424	164085	0	214509		107255	107254	50424
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	40%	3461079	3614795	0	7075874		2830350	4245524	3461079
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	25%	7280478	4653602	0	11934080		2983520	8950560	7280478
14	खेल-कूद उपकरण	50%	46	0	0	46		23	23	46
15	वाहन	25%	1	0	0	1		0	1	1
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	50%	1766595	891280	0	2657875		1328938	1328937	1766595
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0		0	0	0
18	कला कार्य		2000000	0	0	2000000		0	2000000	2000000
कुल (क)			**157436535**	**3294519013**	**0**	**3451955548**	**1092161236**	**146361320**	**2213432992**	**157436535**
19	**पूंजीगत कार्य प्रगति में (ख(**		**3261529695**	**0**	**3260280950**	**1248745**		**0**	1248745	**3261529695**
क्र.सं.	**परिसंपति शीर्ष**	**मूल्यह्रास की दर**	**वर्ष के प्रारंभ मे ह्रासित मूल्य**	**वर्ष के दौरान वृद्धि**	**वर्ष के दौरान कटौती/बिक्री**	**वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य**	**पूर्वावधि से संबंधित मूल्यह्रास**	**वर्ष का मूल्यह्रास**	**31.03.2019 को ह्रासित मूल्य**	**31.03.2018 को ह्रासित मूल्य**
20	कंप्यूटर सॉफटवेयर	40%	287181		0	287181		114872	172309	287181
21	ई-जर्नल	25%	0	0	0	0		0	0	0
22	पेटेंट	25%	4950	0	0	4950		1238	3712	4950
कुल (ग)			**292131**	**0**	**0**	**292131**	**0**	**116110**	**176021**	**292131**
कुल जोड (क+ख+ग)			**3419258361**	**3294519013**	**3260280950**	**3453496424**	**1092161236**	**146477430**	**2214857758**	**3419258361**

टिप्पणीः वर्ष के दौरान निम्नलिखित से वृद्धि शामिल है:

उपहार	785
बंद परियोजना	14486860
विविध लेखा निधि	15096229
उपहार	4654189
भवन में अंतरित निर्माणाधीन कार्य	3260280950
कुल	**3294519013**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 5 - अंकित/वृत्ति निधियों से निवेश	**वर्तमान वर्ष**	**विगत वर्ष**
1. केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	883000000	883000000
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	-----	-----
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में	-----	-----
4. शेयर	83000	83000
5 डिबेंचर और बांड	-----	-----
6. बैंको में सावधि जमा	-----	-----
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----
कुल	**883083000**	**883083000**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 5 (क) अंकित/वृत्ति निधियों से निवेश (निधि-वार)

राशि रुपए में

क्र.सं.	**निधियां**	**वर्तमान वर्ष**	**विगत वर्ष**
1	विविध लेखे-सरकार प्रतिभूति	18000000	18000000
2	प्रकाशन-सरकारी प्रतिभूति	300000	300000
3	वृत्ति निधि-सरकारी प्रतिभूति	319800000	319800000
4	अन्य अंकित निधि-सरकारी प्रतिभूति	544900000	544900000
5	वृत्ति निधि-शेयर	83000	83000
	कुल	**883083000**	**883083000**

टिप्पणी : इस उप अनुसूची का जोड़ अनुसूची 5 के बराबर होगा

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 6 - निवेश - अन्य	**वर्तमान वर्ष**	**विगत वर्ष**
1. केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में		
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	-----	-----
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में	-----	-----
4. शेयर	-----	-----
5. डिबेंचर और बांड	-----	-----
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----
कुल	-----	-----

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 7 - वर्तमान परिसंपत्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. **स्टॉक**		
क. भंडार और फालतू पुर्जे	-----	-----
ख. खुले पुर्जे	-----	-----
ग. प्रकाशन	-----	-----
घ. प्रयोगशाला रसायन, उपभोज्य और कांच का सामान	-----	-----
ड. भवन सामग्री	-----	-----
च. विद्युत सामग्री	-----	-----
छ. स्टेशनरी	7236511	9362094
ज. जल आपूर्ति सामग्री	-----	-----
झ. वर्दी	-----	-----
ञा. औषधि और दवाइयाँ	10235191	16531904
ट. उत्तर-पुस्तिका	5127131	-----
2. **विविध देनदार**		
क. छह माह से अधिक अवधि के अन्य बकाया	-----	-----
ख. अन्य	8941820	-----
3 . **नगद और बैंक शेष**		
क. **अनुसूचित बैंकों में**		
- चालू खाते मे	102222076	66031191
- सावधि जमा लेखों में	12388074281	11082529870
- बचत लेखों में	1221087686	891760948
ख. गैर अनुसूचित बंकों में:		
- सावधि जमा लेखों में	-----	-----
- बचत लेखों में	-----	-----
ग. हाथ में नगद शेष (चैक/ड्राफ्ट सहित)	937600	922600
4. डाक घर बचत लेखे	-----	-----
कुल	**13743862296**	**12067138607**

टिप्पणी : अनुबंध "क" बैंक लेखों का ब्यौरा दर्शाता है

दिल्ली विश्वविद्यालय **अनुबंध "क"**

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

I	चालू खाता	_ _ _	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1	बी.आर. अंबेडकर केंद्र समान्य निधि लेखा		236000	8000
2	आईसीआईसीआई बैंक लेखा		2907408	3685476
3	एसबीआई विधि केंद्र II		134017	134017
4	एसबीआई एमजी I		14774149	6826915
5	एसबीआई एमजी II		92990	10092507
6	एसबीआई एमजी III		25567528	1160304
7	एसडीसी परीक्षा लेखा		35580154	20073893
8	एसडीसी सामान्य निधि लेखा		5394655	15884699
9	प्रयोजित परियोजना बैंक खाता		1088787	902824
10	योजना चालू खाता		3533724	2806264
11	अंकित निधि के चालू खाते		12912664	4456292
			102222076	**66031191**
II	**बचत बैंक खाते**			
1	बाह्य उम्मीदवार सैल लेखे		1203472	897165
2	एनसीडब्ल्यूई लेखा		16502238	12658956
3	एसबीआई विभागीय प्राप्तियां लेखे		7044196	2149027
4	एसबीआई सामान्य निधि लेखे		22311911	92087485
5	एसबीआई चिकित्सा प्रतिपूर्ति लेखे		1761872	310382
6	प्रायोजित परियोजना बैंक खाता		325521253	296041608
7	प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति		88714879	98598341
8	योजना बचत लेखे		39737770	31341187
9	अंकित निधि के बचत खाते		425422134	306345189
10	यू.जी.सी. को वापसनीय सीपीएफ़ लेखा		106089	4025

11	आईबीआईडी बैंक खाता	790661	4438342
12	आईसीआईसीआई बैंक खाता (ऑनलाइन फीस)	4954220	46889241
13	आवर्ती लेखा	84649474	-----
14	आईसीआईसीआई बैंक खाता (परीक्षा) - 004318	3268779	-----
15	पूंजीगत परिसंपत्तियां-36467	136690389	-----
16	वेतन खाता -11307	62408349	-----
		1221087686	**891760948**
III	**सावधि जमा लेखे**		
1	अंकित निधि से सावधि जमा रसीद	6095826020	5372127604
2	यू.जी.सी. वापसनीय लेखे से सावधि जमा रसीद	24169694	18072925
3	एसीबीआर लेखे से सावधि जमा रसीद	918073	918073
4	अनुरक्षण अनुदान से सावधि जमा रसीद	1230000000	1215000000
5	प्रायोजित परियोजना बैंक खाता	1135737205	1024108838
6	प्रायोजित फैलोषिप और छात्रवृत्ति	25000000	25000000
7	योजना लेख से सावधि जमा रसीद(मार्जिन राषि सहित)	3867423289	3419302430
8	आईसीआईसीआई बैंक खाता से सावधि जमा रसीद	9000000	8000000
		12388074281	**11082529870**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 8- ऋण, अग्रिम और जमा	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. कर्मचारियों को अग्रिम (गैर ब्याज धारक)		
क. वेतन	-----	-----
ख. त्यौहार	70762	736612
ग. चिकित्सा अग्रिम		
घ. छुट्टी यात्रा रियायत	7974556	13308426
ङ. अन्य (निर्दिश्ट करें)	-----	-----
2. कर्मचारियों को दीर्घावधि अग्रिम (ब्याज धारक)		
क. वाहन ऋण/परिवहनकम्यूटर/	421940	807020
ख. गृह ऋण/भवन निर्माण अग्रिम	910650	1405975
ग. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----
3. अग्रिम और अन्य राशि नगद अथवा वस्तु में प्राप्तनीय अथवा प्राप्त किए जाने वाले मूल्य		
क. पूंजी खाते पर	-----	-----
ख. आपूर्तिकर्ताओं को	-----	-----
ग. दिल्ली विश्वविद्यालय पेंशन लेखे	2980000	2980000
घ. दिल्ली विश्वविद्यालय मुद्रणालय	17395000	17395000
ङ. सर शंकर लाल चेयर रसायन-विज्ञान निधि लेखा	1100000	1100000
च. अंकित निधियों से अन्य अग्रिम	38468897	34662473
छ. अनुरक्षण अनुदान लेखों से अन्य अग्रिम	515617891	611078101
ज. प्रायोजित परियोजनाओं से अन्य अग्रिम	134207222	126829527
झ. योजना लेखों से अग्रिम	1725113078	2026199559
ञ. अन्य	48078224	1640866
4. पूर्व-प्रदत्त खर्चे		
क. बीमा	-----	-----
ख. अन्य खर्चे	34044622	13813289
5. जमा		

क.	टेलीफोन	-----	-----
ख.	पट्टा भाड़ा	-----	-----
ग.	विद्युत	20805300	20805300
घ.	एआईसीटीई, यदि लागू हो	-----	-----
ङ.	डेसू (प्रतिभूति)	4795	4795
च.	अन्य	202373	202373
6. उपार्जित आय:			
क.	अंकित/वृत्ति निधियों से निवेश पर	160242318	170068082
ख.	एसीबीआर/यूजीसी वापसनीय लेखों से निवेश पर	-----	-----
ग.	यूजीसी वापसनीय लेखों से निवेश पर	33725	121433
घ.	प्रायोजित परियोजनाओं से निवेश पर	49972233	53199322
ङ.	प्रायोजित परियोजनाओं और छात्रवृत्ति से निवेश पर	3217158	2132865
च.	योजना से निवेश पर	139931084	118473352
छ.	एमजी अर्थात (आईसीआईसीआई, एसडीसी) से निवेश पर	3578835	4517867
ज.	ऋण और अग्रिम पर	-----	-----
झ.	अन्य (अप्राप्य देय आय शामिल)	712558	2271284
7. अन्य - यूजीसी प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्तनीय अचल परिसंपत्तियां			
क.	प्रायोजित परियोजनाओं में नामें शेष	-----	-----
ख.	प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति में शेष	-----	-----
ग.	प्राप्तनीय अनुदान	-----	-----
घ.	अन्य प्राप्तनीय	137927	342
8. प्राप्तनीय दावे		-----	-----
कुल		**2905221148**	**3223753863**

टिप्पणी:

1. यदि कर्मचारियों को भवन निर्माण, कंप्यूटर ओर वाहन अग्रिम के लिए चक्रीय निधि का सृजन किया गया है तो अग्रिम, अंकित/वृत्ति निधि के भाग के रूप में दर्शित होगा। इन ब्याज-धारक अग्रिम के शेष इस अनुसूची में दर्शित नहीं होंगे।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 9 - शैक्षणिक प्राप्तियां	**वर्तमान वर्ष**	**विगत वर्ष**
छात्रों से शुल्क		
शैक्षणिक		
1. ट्यूशन शुल्क	11047415	15562124
2. दाखिला शुल्क	8597053	2428539
3. पंजीकरण शुल्क	47170557	19578022
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	7605517	1155149
5. प्रयोगशाला शुल्क	274235	29508
6. खेलकूद और एथलेटिक एसोशिएशन शुल्क	10984310	7093785
7. कंप्यूटर शुल्क	-----	-----
8. कला और शिल्प शुल्क	-----	-----
9. पंजीकरण शुल्क	142660599	138611263
10. पाठ्यक्रम शुल्क	-----	-----
11. अन्य शुल्क	41099472	18332612
कुल (क)	**269439158**	**202791002**
परीक्षा		
1. दाखिला परीक्षा शुल्क	-----	-----
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	564257945	812885165
3. अंक तालिका, प्रमाण पत्र शुल्क	28239228	17361725
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क	58748560	46651301
कुल (ख)	**651245733**	**876898191**
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क	-----	-----

2. जुर्माना/विविध शुल्क	-----	-----
3. चिकित्सा शुल्क	-----	-----
4. परिवहन शुल्क	-----	-----
5. होटल शुल्क	-----	-----
कुल (ग)	0	0
बिक्री प्रकाशन		
1. दाखिला प्रपत्रों की बिक्री	-----	-----
2. पाठ्यक्रम और प्रश्न-पत्र आदि की बिक्री	-----	-----
3. दाखिला प्रपत्रों सहित सूची-पत्र की बिक्री	33690	244740
कुल (घ)	**33690**	**244740**
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियां		
1. कार्यशालाओं/कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क	-----	-----
2. पंजीकरण शुल्क (शैक्षणिक स्टॉफ कॉलेज)	-----	-----
कुल (ड)	0	0
कुल जोड (क+ख+ग+घ+ड)	**920718581**	**1079933933**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 10 - अनुदान/आर्थिक सहायता (प्राप्त स्थिर अनुदान)

राशि रुपए में

विवरण	भारत सरकार	योजना यू.जी.सी योजना	योजना यू.जी.सी विशिष्ट योजनाएं	कुल योजना	गैर-योजना यू.जी.सी पूंजीगत परिसंपत्तियां	गैर-योजना यू.जी.सी आवर्ती/ वेतन अनुदान	कुल एमजी अनुदान	चालू वर्ष जोड़	विगत वर्ष जोड़
अग्रनीत शेष		**5587750339**	**0**	5587750339	0	0	0	5587750339	5721197188
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		285864306	0	285864306	321500000	5312400000	5633900000	5919764306	5318148724
कुल		5873614645	0	5873614645	321500000	5312400000	5633900000	11507514645	11039345912
घटा : यू.जी.सी शेष में वापसी		0	0	0	0	0	0	0	0
घटा : पूंजी व्यय के लिए उपयोगित (क)		55298928	0	55298928	30384385	79959314	110343699	165642627	182687686
शेष		5818315717	0	5818315717	291115615	5232440686	5523556301	11341872018	10856658226
घटा: राजस्व व्यय के लिए उपयोगित (ख)		**27507904**	**0**	**27507904**	5711817	5232440686	5238152503	5265660407	**5268907887**
शेष सी/एफ़ (ग)	**-**	**5790807813**	**0**	**5790807813**	**285403798**	**0**	**285403798**	**6076211611**	**5587750339**

क- वर्ष के दौरान पूंजी निधि में की गई वृद्धि और अचल परिसंपत्ति में की गई वृद्धि के रूप में बकाया

ख- आय और व्यय लेखे में आय के रूप में बकाया

ग- (i) तुलन-पत्र में चालू देयताओं के अंतर्गत दर्शित और आगामी वर्ष का अथशेष बनेगा

(ii) परिसम्पत्तियों में बैंक शेष, निवेश और अग्रिम के रूप में दर्शित

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 11- निवेश से आय	उद् दिष्ट/ अक्षय निधियां		अन्य निवेश	
	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. ब्याज				
क. सरकारी प्रतिभूति पर	-----	-----	-----	-----
ख. अन्य बॉन्ड/डिबैंचर	-----	-----	-----	-----
2. सावधि जमा पर ब्याज	436252689	400184996	52734780	38074029
3. कर्मचारियों को दिये गए अग्रिम पर सावधि जमा/ब्याज पर उपार्जित किन्तु देय नहीं आय	-----	-----	-----	-----
4. बचत बैंक खाते पर ब्याज	8025623	5875732	-----	-----
5. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	-----	-----
कुल	**444278312**	**406060728**	**52734780**	**38074029**
अंकित/वृत्ति निधियों में अंतरित	**444278312**	**406060728**		

टिप्पणीः भवन निर्माण अग्रिम निधि, वाहन अग्रिम निधि और कंप्यूटर अग्रिम निधि से सावधि जमा पर उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज ओर कर्मचारियों को ब्याज वाले अग्रिमों को यहां शामिल किया जाएगा किंतु केवल उन्हीं मामलों में जहां ऐसे अग्रिमों के लिए चक्रीय निधियां बनाई गई हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 12 - अर्जित ब्याज	**वर्तमान वर्ष**	**विगत वर्ष**
1. अनुसूचित बैंकों में बचत खातों पर	57188754	2907044
2. ऋण पर		
क. कर्मचारी/स्टॉफ	-----	-----
ख. अन्य	-----	-----
3. देनदारों और अन्य प्राप्तनीय पर	-----	-----
कुल	**57188754**	**2907044**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 13- अन्य आय

राशि रुपए में

		वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
क.	**भूमि और भवन से आय**		
1.	भवन/भूमि आदि से किराया	3135068	3909655
2.	लाईसेंस शुल्क	21238721	9057198
3.	प्रभार, क्रीडा मैदान, सभागार सम्मेलन आदि का किराया	-----	-----
4.	वसूल किया गया विद्युत प्रभार	-----	-----
5.	वसूल किया गया जल प्रभार	-----	-----
कुल (क)		**24373789**	**12966853**
ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री			
ग .कार्यक्रमों के आयोजनों से आय			
1. वार्षिक कार्यक्रम/क्रीडा समारोह से सकाल प्राप्तियाँ		-----	-----
घटाः वार्षिक कार्यक्रम/क्रीडा समारोह पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय			
2. समारोह से सकल प्राप्तियां		-----	-----
घटाः समारोह पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय			
3. शैक्षणिक दौरों हेतु सकल प्राप्तियां		-----	-----
घटाः दौरों पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय			
4. अन्य (निर्दिष्ट करें और पृथक प्रकटन करें)		-----	-----
कुल (ग)			
घ. अन्य			
1.	परामर्शी से आय	-----	-----
2.	आरटीआई शुल्क	110261	42932
3.	स्वत्व शुल्क से आय	-----	-----
4.	दिल्ली विश्वविद्यालय भर्ती	451351	5753000
5.	विविध प्राप्तियां (टेंडर/प्रपत्र, रद्दी कागज़ आदि की बिक्री)	1175700	1048814
6.	परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ		
	स्व परिसंपत्तियां .क	-----	-----
	निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां .ख	-----	-----
7.	संस्थानों, कल्याण निकायों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से अनुदान/दान	-----	-----
8.	स्वास्थ्य केंद्र अंशदान	51524801	27351104
9.	अन्य (निर्दिष्ट करें)	5870414	20658584
कुल (घ)		**59132527**	**54854434**
कुल जोड (क+ख+ग+घ)		**83506316**	**67821287**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 14 - पूर्वावधि आय

राशि रुपए में

विवरण	**वर्तमान वर्ष**	**विगत वर्ष**
1. शैक्षणिक प्राप्तियां	-----	-----
2. निवेश से आय	-----	-----
3. अर्जित ब्याज	-----	-----
4. अन्य आय	-----	-----
कुल	-----	-----

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची - 15 स्टॉफ भुगतान व हितलाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपए में

विवरण	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर-योजना	जोड़	योजना	गैर-योजना	जोड़
क. वेतन और मजदूरी				`		
शिक्षण स्टॉफ	-----	1665314377	1665314377	2491765	1371974516	1374466281
गैर-शिक्षण स्टॉफ	6294106	1077805581	1084099687	4634617	1217629147	1222263764
निम्न अधीनस्थ स्टॉफ	352305	240175343	240527648	-----	241914911	241914911
ख. भत्ते और बोनस	-----	-----	0	-----	-----	0
ग. भविष्य निधि में अंशदान	-----	6442384	6442384	-----	3399921	3399921
घ. अन्य निधियों में अंशदान (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	0	-----	-----	0
ड. स्टॉफ कल्याण खर्चे (वर्दी)	-----	1001789	1001789	-----	739484	739484
च. सेवानिवृत्ति और अंतिम हितलाभ	-----	3406519947	3406519947	-----	2045419564	2045419564
छ. रियायत सुविधा छुट्टी यात्रा	13942	59922709	59936651	-----	39823840	39823840
ज. चिकित्सा सुविधा	10913	155566493	155577406	-----	151888149	151888149
झ. बाल शिक्षा भत्ता	-----	9922635	9922635	227107	12032239	12259346
ट. मानदेय	-----	52076684	52076684	346500	114970607	115317107
ठ. अन्य	-----	-----	0	-----	-----	0
कुल	**6671266**	**6674747942**	**6681419208**	**7699989**	**5199792378**	**5207492367**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 15 - क - कर्मचारी सेवा-निवृत्ति और अंतिम हितलाभ

राशि रुपए में

	पेंशन	**उपदान**	**छुट्टी नगदीकरण**	**कुल**	**विगत वर्ष**
दिनांक 01.04.2018 को अथ शेष	**17828303630**	**1246794419**	**873230725**	**19948328774**	**19159102113**
वृद्धि : अन्य संगठनों से प्राप्त अंशदान का पूंजीकृत मूल्य	11819546	2474989	1341689	**15636224**	**31170507**
कुल (क)	**17840123176**	**1249269408**	**874572414**	**19963964998**	**19190272620**
घटाः वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	1191952434	107280386	80804672	**1380037492**	1239233194
31.03.2019 को उपलब्ध शेष (ग) (क-ख)	**16648170742**	**1141989022**	**793767742**	**18583927506**	17951039426
वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2019 को वांछित प्रावधान (घ)	**19335915063**	**1371782081**	**1211502217**	**21919199361**	19948328774
क. वर्तमान वर्ष में किया जाने वाला प्रावधान (घ-ग)	2687744321	229793059	417734475	**3335271855**	**1997289348**
ख. नई पेंशन योजना में अंशदान	-----	-----	-----	70690760	47410216
ग. सेवा-निवृत्ति कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-----	-----	-----	-----	-----
घ. सेवा-निवृत्ति पर गृहनगर की यात्रा	-----	-----	-----	-----	-----
ड. जमा संबद्ध बीमा भुगतान	-----	-----	-----	557332	720000
कुल (क+ख+ग+घ+ड)	**2687744321**	**229793059**	**417734475**	**3406519947**	**2045419564**

टिप्पणी:

1. इस उप अनुसूची में जोड़ (क+ख+ग+घ+ड) अनुसूची 15 में सेवा निवृत्ति और अंतिम हितलाभ के आंकडे होंगे।
2. मद ख,ग,घ और ड़ का उपार्जन आधार पर लेखांकन किया जाएगा और प्रदत्त किंतु 31/3/2018 को भुगतान हेतु बकाया बिल शामिल होंगे।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 16 - शैक्षणिक व्यय	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	**गैर-योजना**	**कुल**	**योजना**	**गैर-योजना**	**कुल**
क. प्रयोगशाला खर्चे	3844130	17883545	21727675	2998402	17659833	20658235
ख. क्षेत्र कार्य/सम्मेलनों में सहभागिता	471501	0	471501	1188760	627344	1816104
ग. संगोष्ठी/कार्यशालाओं पर खर्च	5220817	4661335	9882152	2426947	5754422	8181369
घ. पुरस्कार और छात्रवृत्ति	775503	78787818	79563321	39614484	45263028	84877512
ङ. शैक्षणिक व्यय	-----	-----	0	-----	10000000	10000000
च. अतिथि संकाय को भुगतान	807516	-----	807516	659816	38290	698106
छ. परीक्षा	4525	427707947	427712472	-----	394012058	394012058
ज. शुल्क वापसी	-----	3394239	3394239	-----	1088947	1088947
झ. प्रवेश परीक्षा	-----	17868042	17868042	-----	42940437	42940437
ञ. छात्र कल्याण खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
ट. दाखिला खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
ठ. दीक्षांत खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
ड. प्रकाशन	46668	414966	461634	318778	319985	638763
ढ. वृत्ति/साधन-व-मेरिट छात्रवृत्ति	-----	229731	229731	-----	423886	423886
ण. अंशदान खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
त. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	0	-----	-----	0
कुल	**11170660**	**550947623**	**562118283**	**47207187**	**518128230**	**565335417**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 17 - प्रशासनिक और सामान्य खर्चे	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
क. अवसंरचना						
क) बिजली और विद्युत	-----	278513967	278513967	-----	272639105	272639105
ख) जल प्रभार	-----	39352754	39352754	-----	69810200	69810200
ग) बीमा	-----	-----	0	-----	-----	0
घ) किराया, दर कर (संपत्ति कर सहित)	-----	49119817	49119817	79632	48479683	48559315
ख. संचार	-----	-----				
ङ) डाक और टेलीफ़ोन	27	5563631	5563658	300	7392485	7392785
च) टेलीफ़ोन फ़ैक्स और इंटरनेट प्रभार	-----	-----	0	-----	-----	0
छ) संयोजकता खर्चे	29500	78108511	78138011	-----	79682177	79682177
ग. अन्य	-----	-----				
ज) मुद्रण और स्टेशनरी (उपभोज्य)	873651	41603929	42477580	980687	16932575	17913262
झ) यात्रा और परिवहन खर्चे	2163807	8298998	10462805	5657385	6861559	12518944
ञ) आतिथ्य	337381	-----	337381	725779	-----	725779
ट) लेखापरीक्षक परिश्रमिक	-----	-----	0	-----	-----	0
ठ) विधिक और व्यावसायिक प्रभार	-----	9104699	9104699	-----	9864021	9864021
ड) विज्ञापन और प्रचार	-----	127140	127140	-----	3206557	3206557
ढ) पत्रिकाएँ और जर्नल	57000	55657707	55714707	-----	68596187	68596187
ण) सुरक्षा खर्चे	-----	89426950	89426950	-----	118539386	118539386
त) गृह-व्यवस्था खर्चे	-----	107227171	107227171	-----	76520732	76520732
थ) खेल और क्रीडा	-----	8225305	8225305	-----	8894746	8894746
द) चिकित्सा खर्चे	-----	96926926	96926926		42641036	42641036
ध) अन्य/आकस्मिक	1395440	36734434	38129874	739634	22370982	23110616
कुल	**4856806**	**903991939**	**908848745**	**8183417**	**852431431**	**860614848**

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची - 18 परिवहन खर्चे	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
1. वाहन (संस्थान के स्वामित्व में)	-----	-----	0	-----	-----	0
क) संचालन खर्चे	-----	,-----	0	-----	-----	0
ख) मरम्मत और अनुरक्षण	-----	-----	0	-----	-----	0
बीमा खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
2. किराए/पट्टे पर वाहन	-----	-----	0	-----	-----	0
ग) किराया/पट्टा खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
3. वाहन (टैक्सी) किराया खर्चे	10080	-----	10080	33283	1369326	1402609
कुल	**10080**	**0**	**10080**	**33283**	**1369326**	**1402609**

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची - 19 मरम्मत और अनुरक्षण	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	**गैर-योजना**	**कुल**	**योजना**	**गैर-योजना**	**कुल**
क) भवन	-----	166799115	166799115	-----	123572932	123572932
ख) फर्नीचर और फिक्सचर	-----	8836462	8836462	48540	4831969	4880509
ग) संयंत्र और मशीनरी	-----	1072562	1072562	16166	1087548	1103714
घ) कार्यालय उपकरण	2016712	4586700	6603412	2956347	6384473	9340820
ङ) कंप्यूटर	330288	5239421	5569709	415354	5895341	6310695
च) प्रयोगशाला और वेज्ञानिक उपकरण	-----	1206911	1206911	-----	969496	969496
छ) श्रवण दृश्य उपकरण	-----	-----	0	-----	-----	0
ज) सफाई सामग्री और सेवाएँ	-----	-----	0	-----	-----	0
झ) पुस्तक जिल्दसाजी प्रभार	-----	-----	0	-----	-----	0
ञ) बागवानी	-----	8794016	8794016	5450	7561940	7567390
ट) सम्पदा अनुरक्षण	-----		0	-----	-----	0
ठ) वहाँ	-----	864025	864025	-----	1970904	1970904
ड) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	0	1551004	-----	1551004
कुल	**2347000**	**197399212**	**199746212**	**4992861**	**152274603**	**157267464**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची - 20 वित्तीय लागत		वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
		योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
क)	बैंक प्रभार	54299	101790	156089	363044	1,06,625	469669
ख)	अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल		**54299**	**101790**	**156089**	**363044**	**106625**	**469669**

टिप्पणीः यदि राशि अधिक नहीं है तो बैंक प्रभार शीर्ष को लुप्त किया जाए और इनका अनुसूची 17 में प्रशासनिक खर्चों के रूप में लेखांकन किया जाए।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची - 21		**वर्तमान वर्ष**			**विगत वर्ष**	
अनुदान/आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**योजना**	**गैर-योजना**	**कुल**	**योजना**	**गैर-योजना**	**कुल**
क. खराब और संदिग्ध ऋण/अग्रिम हेतु प्रावधान	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ख. बट्टे खाते डाला अप्राप्तीय शेष	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ग. अन्य संस्थानों/संगठनों को अनुदान/आर्थिक सहायता	2397793	143583013	145980806	209028830	127549571	336578401
घ. अन्य (निर्दिश्ट करें)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल	**2397793**	**143583013**	**145980806**	**209028830**	**127549571**	**336578401**

टिप्पणीः अन्य खर्चो के अचल परिसंपत्तियों आदि की बिक्री पर अचल परिसंपत्तियों की हानि और हानि बट्टे खाते, प्रावधान, विविध खर्चों, निवेश की हानि आदि के रूप में वर्गीकृत और प्रस्तुत किया जाएगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची - 22 - पूर्वावधि व्यय

राशि रुपए में

विवरण	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
1. स्थापना खर्चे	0	0	0	-----	-----	-----
2. शैक्षणिक व्यय	-----	-----	0	-----	-----	-----
3. प्रशासनिक खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	-----
4. परिवहन खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	-----
5. मरम्मत और अनुरक्षण	-----	-----	0	-----	-----	-----
6. अन्य खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	-----
7. पूर्वावधि से सम्बंधित मूल्यह्रास	0	1298098067	1298098067	0	0	0
कुल	**0**	**1298098067**	**1298098067**	**0**	**0**	**0**

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

स्टॉक में वृद्धिकमी/	**वर्तमान वर्ष**	**विगत वर्ष**
क) इतशेष		-
स्टेशनरी	7236511	9362094
ड्रग्स और औषधि	10235191	16531904
वर्दी	-----	-----
उत्तर पुस्तिका	5127131	-----
कुल (क)	**22598833**	**25893998**
ख) घटा : अथशेष	25893998	31819874
कुल (ख)	**25893998**	**31819874**
निवल वृद्धि/कमी (क-ख)	**(3295165)**	**(5925876)**

दिल्ली विश्वविद्‍यालय
31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लेखों का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 23 : <u>महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां</u>

1. **लेखे तैयार करने का आधार:**

   क. वित्तीय विवरणियां ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर और जब तक अन्यथा कथित न हो प्रायः लेखांकन की उपार्जित विधि पर तैयार की जाती हैं।

2. **राजस्व मान्यता:**

   क. छात्रों से शुल्क, प्रवेश प्रपत्रों की बिक्री, स्वत्व शुल्क प्रत्येक सेमेस्टर के ट्यूशन शुल्क और बचत बैंक खातों पर ब्याज का लेखांकन नगद आधार पर किया जाता हैं।

   ख. भूमि, भवन और अन्य संपत्ति और निवेश पर ब्याज से आय का लेखांकन उपार्जित आधार पर किया जाता है।

   ग. भवन निर्माण, वाहन और कंप्यूटर के क्रय हेतु स्टॉफ को ब्याज वाले अग्रिम का लेखांकन प्रतिवर्ष उपार्जित आधार पर किया जाता है, हालांकि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन के पूर्ण भुगतान के पश्चात प्रारंभ होती है।

3. **अचल परिसंपत्तियां और मूल्यह्रास:**

   अचल परिसंपत्तियां का आंकलन अधिग्रहण की लागत पर किया जाता है जिसमें आंतरिक भाड़ा, शुल्क और कर और अधिग्रहण, स्थापना और प्रचालन, घटा मूल्यह्रास, से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्चे शामिल हैं। विश्वविद्‍यालय से किसी प्रतिफल के प्राप्त अचल परिसंपत्तियों को वित्तीय विवरणी में नाममात्र मूल्य अर्थात एक रुपया प्रति संपत्ति पर पूंजीकृत किया गया है।

   3.1 उपहार/दान दी गई परिसंपत्तियों को नाममात्र मूल्य अर्थात रुपये 1/- (एक) प्रति परिसंपत्ति पर मूल्यांकित किया जाता है।

   3.2 उपहार में प्राप्त पुस्तकों को नाममात्र मूल्य अर्थात रुपये 1/- (एक) प्रति परिसंपत्ति पर मूल्यांकित किया जाता है।

   3.3 अचल परिसंपत्तियों का मूल्यांकन संचयी मूल्यह्रास घटाकर लागत पर लगाया जाता है। अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्‍वारा जारी मार्गदर्शक टिप्पणी में यथा निर्दिष्ट प्रतिलेखित मूल्य विधि पर निम्नलिखित दरों पर किया जाता है:

मूर्त परिसंपत्तियां :

क्र सं	परिसंपत्ति का स्वरूप	दर

1	भूमि	0 %
2	भवन	5 %
3	फर्नीचर और फिक्सचर	25 %
4	वैज्ञानिक उपकरण	40 %
5	प्रिंटर, यूपीएस आदि सहित कंप्यूटर	40 %
6	पुस्तकालय पुस्तकें	50 %
7	बसें, वैन आदि	30 %
8	कार, स्कूटर	25 %
9	एयर कंडीशनर, जनरेटर, अग्निशमन, टेलीफोन,टेलीवीजन सैट,फोटोकॉपीयर, फैक्स मशीन,वाटर कूलर, प्रोजेक्टर आदि सहित संयंत्र और मशीनें	20 %
10	संगीत वाद्य	50 %
11	क्रीड़ा उपकरण	50 %

अमूर्त परिसंपत्तियां (परिशोधन) :

1	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40 %
2	पेटेंट	25 %

3.4 वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियां में वृद्धि के संबंध में मूल्यह्रास पूर्ण वर्ष के लिए प्रावधानित किया जाता है। अचल परिसंपत्तियों से बिक्री/कटौतियों के संबंध में कोई मूल्यह्रास प्रभारित नहीं किया जाता।

3.5 अंकित निधियों और प्रायोजित परियोजनाओं की निधियों से सृजित परिसंपत्तियों जहां ऐसी परिसंपत्तियों का स्वामित्व विश्वविद्यालय है, उन्हें पूंजी निधि में क्रेडिट करके सैट-अप किया जाता है और विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों में मिला दिया जाता है। मूल्यह्रास को संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर प्रभारित मे से क्रय की गई परिसंपत्तियां परियोजना के बंद होने तक संबंधित वित-पोषित एजेंसी की संपत्ति रहती है। परियोजना के बंद होने के बाद परियोजना की परिसंपत्तियों को विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों के साथ संबंधित अचल परिसंपत्तियों को क्रेडिट करके प्रतिलेखित मूल्य पर मिला दिया जाता है।

3.6 परिसंपत्तियों, जिनका वैयक्तिक मूल्य रुपये 5000/- अथवा कम है, का पुस्तकालय पुस्तकों के अलावा का राजस्व व्यय के रूप में संव्यवहार किया जाता है। तथापि, ऐसी परिसंपत्तियों के धारकों द्वारा जारी भौतिक लेखांकन और नियंत्रण जारी रहता है।

4. अमूर्त परिसंपत्तिया:

पेटेंट, कापी राईट और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त परिसंपत्तियों के अंतर्गत समूहित किया जाता है।

4.1 **पेटेंट:** पेटेंट प्राप्त करने के लिए समय-समय पर किए गए व्यय (आवेदन शुल्क, विधिक शुल्क आदि) को अस्थायी रूप से पूंजीकृत किया जाता है और तुलन-पत्र में अमूर्त परिसंपत्तियों के भाग के रूप में दिखाया जाता है। पेटेंट के आवेदन अस्वीकार करने पर, आवेदन अस्वीकार करने के वर्ष में, पेटेंट विशेष पर किए गए संचयी व्यय को आय व व्यय में प्रतिलेखित किया जाता है। इसके अलावा, पेटेंट पर वित्तीय वर्ष के दौरान कोई राशि व्यय नहीं की गई। मूल्यह्रास की दर का प्रावधान प्रतिलेखित मूल्य विधि पर 25 प्रतिशत की दर पर किया जाता है।

4.2 **इलेक्ट्रॉनिक जर्नल:** ई-जर्नल पर खर्च की गयी राशि को जिस बर्ष में राशि कर्च की गई है उस वर्ष में राजस्व व्यय के रूप में माना जाता है और शेष राशि का लेखा बहियों में पूर्व प्रदत्त खर्चों के रूप में उपार्जित आधार पर लेखांकन किया जाता है।

4.3 सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर व्यय को कंप्यूटर और अनुषंगियों से पृथक किया गया और 1.4.2014 से मूल्यह्रास की दर का प्रावधान प्रतिलेखित मूल्य विधि पर 40 प्रतिशत की दर से किय गया है।

5. स्टॉक:

वर्ष के अंत में स्टॉक को लागत पर मूल्यांकित किया गया है

6. सेवानिवृत्ति हितलाभ:

सेवा-निवृत्ति हितलाभ अर्थात पेंशन, ग्रेच्यूटी ओर छुट्टी नगदीकरण का प्रावधान लेखांकन मानक 15 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है। विश्वविद्यालय के ऐसे कर्मचारी जिनका विश्वविद्यालय में आमेलन हो गया है उनके पूर्व नियोक्ता से प्राप्त पेंशन, ग्रेच्यूटी और अर्जित छुट्टी के पंजीकृत मूल्य को संबंधित प्रावधान लेखों में क्रेडिट किया गया है। प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियों के संबंध में प्राप्त पेंशन और छुट्टी अंशदान को संबंधित प्रावधान में क्रेडिट किया गया है।

7. निवेश:

सभी निवेश लागत पर कथित हैं।

8. उद् दिष्ट/अक्षय निधियां :

अंकित निधि, जिसमें कॉर्पस निधि, अन्य निधियां गृह भवन निधि, परिवहन निधि (कंप्यूटर अग्रिम सहित) शामिल है, दीर्घावधि निधियां हैं और विशिष्ट प्रयोजनों के लिए अंकित हैं। निधियों में से प्रत्येक का पृथक बैंक खाता है। वृहत, धनराशि वालों का विशिष्ट प्रयोजनों के लिए सरकारी प्रतिभूतियों, डिबेंचर और उपार्जित आधार पर बॉण्ड और बैंकों में सावधि जमा में भी निवेश है। उपार्जित आधार पर अग्रिम (गृह भवन, परिवहन और कंप्यूटर) से आय और बचत बैंक खातों पर ब्याज को संबंधित निधि में नगदी आधार पर क्रेडिट किया जाता है। व्यय और अग्रिम (गृह भवन परिवहन/कंप्यूटर) को संबंधित निधियों में डेबिट किया जाता है।

8.1 संबंधित निधियों के शेष को तुलन-पत्र की देयताओं में अग्रेनीत किया जाता है और तुलन-पत्र में परिसंपत्तियों में बैंक-शेष, अग्रिम, सावधि जमा और निवेश द्वारा दर्शाया जाता है।

8.2 अंकित निधियों से क्रय/सृजित परिसंपत्तियां जिनका स्वामित्व विश्वविद्यालय के पास है उन्हें संबंधित अचल परिसंपत्तियां खाते में डेबिट करके और पूंजी निधि खाते को क्रेडिट करके विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों में मिला दिया जाता है। मूल्यह्रास को संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दर पर प्रभारित किया जाता है।

8.3 **वृत्ति निधिः** वृत्ति निधियां विभिन्न वैयक्तिक दाताओं, न्यासों और अन्य संगठनों से चेयर स्थापित करने और दाताओं द्वारा निर्दिष्ट मंडल पुरस्कार और छात्रवृत्ति के लिए प्राप्त होती हैं।

प्रत्येक वृत्ति निधि के निवेश से आय को निधि में जोड़ा जाता है। मंडल और पुरस्कारों पर व्यय संबंधित वृत्ति निधियों के निवेश पर अर्जित ब्याज से किया जाता है और शेष को अग्रेनीत किया जाता है। तथापि, चेयर के संबंध में, वृत्ति के कार्पस का भी प्रयोग किया जाता है। आरबीआई बॉण्ड और सावधि जमा में निवेश, सभी वृत्तियों के लिए समान बचत बैंक खाते और निवेश पर उपार्जित ब्याज, शेष का प्रतिनिधित्व करते हैं।

8.4 निदेशक अग्रिम आरपीए छात्रवृत्ति लेखा संख्या 10043546397 (दक्षिणी दिल्ली कैम्पस) को विश्वविद्यालय के लेखों में पहली बार शामिल किया गया है और अनुसूची-2 नामित/अंकित/वृत्ति निधियों में शामिल किया गया है भारतीय स्टेट बैंक द्वारा एकबारगी किराया भुगतान के रूप में जमा किए गए रुपए 10,80,000/- की मियादी जमा पर अर्जित ब्याज को जमा करने के लिए कार्यकारी परिषद् के संकल्प संख्या 179(9) दिनांक 25.03.1989 के अनुसरण में खाता खोला गया था। लेखे का उपयोग छात्रों को फैलोशिप का भुगतान करने के लिए किया जात है।

9. सरकार और यू.जी.सी. अनुदान:

9.1 सरकारी अनुदान और यूजीसी अनुदान का पावती आधार पर लेखांकन किया जाता है। तथापि, संबंधित वर्ष की अनुदान निर्मुक्ति की मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होने पर किंतु, अनुदान वास्तव में अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होने पर, अनुदान का लेखांकन उपचित आधार पर किया जाता है और दाता से वसूलनीय के रूप में बराबर की राशि दर्शाई जाती है।

9.2 पूंजी व्यय (उपचित आधार पर) सरकारी अनुदान और यूजीसी से अनुदान को उपयोगित सीमा तक पूंजी निधि में अंतरित किया जाता है।

9.3 राजस्व व्यय की पूर्ति हेतु उपयोगित सीमा तक यूजीसी अनुदान को (उपचित आधार पर) सरकारी और वसूली के वर्ष की आय के रूप में माना जाता है।

9.4 अनुपयोगित अनुदान (ऐसी अनुदानों से प्राप्त अग्रिम सहित) को तुलन-पत्र में अग्रेनीत किया जाता है और देयता के रूप में दर्शाया जाता है।

10. उद् दिष्ट निधि से निवेश और ऐसे निवेश पर उपार्जित ब्याज व्यय:

ऐसी निधियों के प्रति व्यय के लिए तत्काल आवश्यक न होने वाली उपलब्ध राशि को बचत बैंक खाते में शेष छोड़कर अनुमोदित प्रतिभूतियों और बॉडो में निवेश किया जाता है अथवा बैंकों में सावधि जमा में जमा किया जाता है।

प्राप्त ब्याज उपार्जित और देय ब्याज और ऐसे निवेश पर उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज को संबंधित निधियों में जोड़ा जाता है और संस्थान की आय नहीं माना जाता।

11. प्रायोजित परियोजनाएं:

11.1 प्रायोजकों से चालू प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में प्राप्त राशि को "'चालू देयताएं और प्रावधान चालू -अन्य देयताएं-चालू देयताएं-प्रायोजित परियोजनाओं से प्रति प्राप्ति" शीर्ष में क्रेडिट किया जाता है। ऐसी परियोजनाओं के संबंध में जब कभी व्यय किया जाता है, अग्रिम दिया जाता है अथवा संबंधित परियोजना लेखे को आबंटित ऊपरी खर्चों सहित डेबिट किया जाता है, देयता खाते को डेबिट किया जाता है।

11.2 यूजीसी फैलोशिप द्वारा वित्तपोषित कनिष्ठ अनुसंधान फैलोशिप हेतु अंकित निधियों के अतिरिक्त विभिन्न संगठन छात्रवृत्ति भी प्रायोजित करते है। - इनका लेखांकन प्रायोजित परियोजना की भांति ही किया जाता है, सिवाय इसके कि व्यय प्रायः फैलोशिप और छात्रवृत्ति के विवरण पर होता है जिसमें फैलो और शोधछात्रों द्वारा आकस्मिक व्यय हेतु भत्ते शामिल हो सकते हैं।-

11.3 संस्थान स्वयं भी फैलोशिप और छात्रवृत्ति देता है जिसका लेखांकन शैक्षणिक व्यय में किया जाता है।

11.4 बाह्य एजेंसियों द्वारा वित्त-पोषित परियोजना से क्रय परिसंपत्तियां परियोजना के बंद होने तक संबंधित वित्त-पोषित एजेंसी की संपत्ति रहती है। परियोजना के बंद होने के बाद परियोजना परिसंपत्तियों को विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों में प्रतिलेखित मूल्य पर संबंधित अचल परिसंपत्ति लेखे बे नामे करके और पूंजी निधि लेखे में क्रेडिट करके मिला दिया जाता है।

12. आयकर:

संस्थान की आय को आयकर अधिनियम की धारा 10 (23) (ग) के अंतर्गत आयकर से छूट प्राप्त है। अतः लेखों में कर के लिए कोई प्रावधानहीं किया गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.201अनुसूचियां को समाप्त वर्ष के लिए लेखों का अंग बनने वाली 9

अनुसूची 24 : आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां

1 आकस्मिक देयताएं:

(क) विश्वविद्यालय के वर्तमान पूर्व कर्मचारियों द्वारा दायर विभिन्न दावे औघोगिक अधिकरण और माननीय दिल्ली/उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। दावों की मात्रा का निर्धारण नहीं किया जा सकता है।

(ख) राष्ट्रमंडल खेल 2010 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न स्थलों पर सुरक्षा उपकरणों की आपूर्ति और संचालन हेतु शेष भुगतान के रूप में ईसीआईएल को रूपये 14.25 करोड़ की राशि (रूपय 28.23 करोड़ के बिल के विरुद्ध) देय है। मामला माननीय न्यायालय में होने के कारण गृह मंत्रालय ने शेष राशि के भुगतान पर रोक लगा दी है।

2 पूंजी प्रतिबद्धता (पूंजीगत कार्य प्रगति में)

पूंजीगत कार्य प्रगति में निम्नलिखित परियोजनाओं के निर्माण के लिए 31 मार्च, 2019 तक विश्वविद्यालय द्वारा भुगतान की गई राशि शामिल हैः

I. योजना और अंकित/वत्ति निधि से अन्य परियोजनाएं रुपए 12,28,72,429/-

वर्ष के दौरान, रुपए 3942953448/- के पूंजीगत निर्माण कार्य की पूर्ण की गई और विश्वविद्यालय को सौंपी गई परियोजनाओं (राष्ट्रमंडल खेल रुपए 3111850653/-, राजीव गांधी बालिका छात्रावास रुपए 747281869/- और ढाका में 'डी' टाईप फ्लैट रुपए 83820926/-) को भवन लेखों में स्थानांतरित किया गया है।

3 अचल परिसंपत्तियां:

3.1 अनुसूची 4 में वर्ष के दौरान जुड़ी अचल परिसंपत्तियों योजना निधियों से क्रय की गई गैर-योजना रूपय 737971426/- की परिसंपत्तियों ('निर्माणाधीन कार्य' से अंतरित भवन शामिल रूपय 682672498/- शामिल), निधियां आवर्ती रूपय 79959314/-, (पूंजीगत परिसंपत्तियां) रूपय 30384385/- और अंकित/वृत्ती निधि (निर्माणाधीन कार्य' से अंतरित रूपय 3260280950/- की भवन राशि शामिल) रूपय 3280031368/-, बंद प्रायोजित परियोजना रूपय 1448686 और विश्वविद्यालय को उपहार में दी गई पुस्तकालय पुस्तकें और अन्य परिसंपत्तियां जिनका मूल्य रूपय 785/- है।

3.2 31 मार्च, 2014 के तुलन-पत्र में और पूर्व के वर्षों के तुलन-वर्षों में योजना निधि से सृजित अचल परिसंपत्तियां और गैर-योजना निधियों से सृजित अचल परिसंपत्तियों को विशिष्ट रूप से नही दर्शाया गया है। इसके अलावा योजना और गैर-योजना निधियों और अन्य निधियों से वर्ष के दौरान वृद्धि और उन वृद्धियों पर मूल्यह्रास को अचल परिसंपत्ति (अनुसूची 4) की मूख्य अनुसूची की उप-अनुसूची क ख (1) ख (2) और (घ) में दर्शाया गया है।

3.3 अनुसूची 4 में निर्धारित अचल परिसंपत्तियों में विश्वविद्यालय द्वारा परियोजना संविदा के रूप में धारित और प्रयुक्त प्रायोजित परियोजना की निधियों से क्रय की गई परिसंपत्तियां शामिल नहीं हैं किंतु यह शर्त शामिल है कि परियोजना निधियों से क्रय की गई ऐसी सभी परिसंपत्तियां परियोजना के बंद होने तक प्रायोजक की संपत्ति बनी रहेगीं।

4 जमा देयताएं :

बयाना जमा राशि और प्रतिभूति जमा की ऐसी कोई राशि नहीं है जिसे राजस्व खाते में अंतरित किय गया हो।

5 विदेशी मुद्रा में व्यय :

विदेशी मुद्रा में भुगतान/वसूली का लेखांकन लेन-देन की तारीख को लागू विनिमय दर पर किया जाता है ।

6 चालू परिसंपत्तियां, ऋण व अग्रिम और जमा :

6.1 प्रबंधन के मत में, चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम का साधारण दशा में वसूली पर मूल्य कम से कम तुलन-पत्रमें दर्शित कुल राशि के बराबर है।

6.2 तुलन-पत्र मे परिसंपत्ति मे दर्शित ऋण व अग्रिम में 31 मार्च, 2006 की अवधि से संबंधित अग्रिम जिनका अंतिम निपटान अभी तक बकाया हैं शामिल नहीं है। इन अग्रिम को अग्रिम की निर्मुक्ति के समय संबंधित लेखाशीर्ष में प्रभारित किया गया था।-

7 बैंक शेष:

बचत बैंक खातों, चालू खातों और बैकों के पास सावधि जमा के शेष का ब्यौरा चालू परिसंपत्तियों की अनुसूची के संलग्नक “क” के रूप में संलग्न है।

- स्वतः स्वीप सुविधा (फ्लेक्सी जमा) वाले सभी बचत बैंक खातों पर जिस अवधि के लिए निधिया ”फ्लेक्सी जमा खाते”में रखी जाती है उस अवधि पर सावधि जमा दर से ब्याज मिलता है। ऐसे बचत बैंक खातों पर ब्याज आय का उपार्जित आधार पर लेखांकन किया जाता है

8 पूर्व वर्ष के आंकडों को यथावश्यक पूनर्समूहित/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

9 अंतिम लेखों में आंकडों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

10 संलग्न अनुसूची 1 से 24, 31 मार्च, 2019 को तुलन-पत्र और 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के आय व व्यय लेखे की अभिन्न अंग हैं।

11 भविष्य निधि लेखा :

नई पेंशन स्कीम निधि सहित भविष्य निधि लेखों का स्वामित्व चूंकि विश्वविद्यालय के स्थान पर उनकी निधियों के सदस्यों के पास है, अतः इस लेखों को विश्वविद्यालय लेखों से अलग कर दिया गया था। तथापि, वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा 19-2018, आय व व्यय लेखा और भविष्य (उपचित आधार पर) निधि लेखा और नई पेंशन योजना विश्वविद्यालय के लेखों के साथ संलग्न किए गए हैं।

12 वेतन:

वेतन पर व्यय मार्च 2018 से फरवरी 2019 की अवधि का है। मार्च, 2019 माह के वेतन का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

13 हॉल और छात्रावास:

हॉल और छात्रावास चूंकि पृथक ईकाइयां है अतः उनके लेखे विश्वविद्यालय लेखों से अलग तैयार किए जाते हैं। तथापि, सभी हॉल, छात्रावास और अतिथि गृह के समेकित प्राप्तियां व भुगतान लेखे, समेकित आय व व्यय लेखे और समेकित तुलन-पत्र विश्वविद्यालय लेखों के साथ संलग्न हैं।

14 दिल्ली विश्वविद्यालय मुद्रणालय:

विश्वविद्यालय मुद्रणालय चूंकि पृथक ईकाई है, अतः इसके लेखे पृथक तैयार किए जाते हैं और विश्वविद्यालय लेखों के साथ संलग्न किए गए हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा

राशि रुपए में

	प्राप्तियां		वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष		भुगतान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1.	**अथ शेष**				**1**	**खर्चे**		
क.	नगद शेष		----	----	क)	स्थापना खर्चे	4710548621	4418265705
ख.	बैंक शेष				ख)	शैक्षणिक व्यय	561954538	565335417
i	चालू खाते मे		66031191	65626464	ग)	प्रशासनिक खर्चे	894045727	853301118
ii	बचत खाते मे		891760948	1228784221	घ)	परिवहन खर्चे	10080	1402609
iii	जमा खाते मे		11082529870	10123882586	ड.)	मरम्मत और अनुरक्षण	180040236	157267464
ग.	स्थायी अग्रिम		922600	943500	च)	वित्त लागत	156089	469669
II	**प्राप्त अनुदान**				छ)	अनुदान पर व्यय	145980806	336578401
क.	भारत सरकार से		----	----	ज)	पूर्वावधि व्यय मदें	----	----
ख.	राज्य सरकार से		----	----				
ग.	यू.जी.सी. से				**II**	**अंकित/वृत्ति निधि के प्रति भुगतान**	388749530	399813660
	पूंजी व्यय गैर-योजना हेतु अनुदान	110343699		----				
	राजस्व व्यय गैर-योजना हेतु अनुदान	5523556301	5633900000	5057298000	**III**	**प्रायोजित परियोजनाओं/स्कीमों के प्रति भुगतान**	630046448	550570609
घ.	अन्य स्त्रोतों से (ब्यौरा)				**IV**	**प्रायोजित फैलोशिप/छात्रवृत्ति के प्रति भुगतान**	95398221	90093724
III	**शैक्षणिक प्राप्तियां**				**V**	**योजना लेखों के प्रति भुगतान**	----	----
क.	शुल्क और अंशदान		920684892	1079689193				
ख.	प्रकाशनों की बक्री		33690	244740	**VI**	**किया गया निवेश और जमा**		
					क)	अंकित/वृत्ती निधि से	----	635100000
IV.	**अंकित/वृत्ती निधियों के प्रति प्राप्तियां**		832598434	927543075	ख)	स्वत्व निधि से (अन्य निवेश)	----	----
					VII	**अनुसूचित बैंक मे सावधि जमा**	----	----
V.	**प्रायोजित परियोजनाओं/स्कीमों से प्राप्तियां**		687285490	582212537				
					VIII	**अचल परिसंपत्तियों पर व्यय**	----	----
VI.	**योजना से प्राप्तियां**		35944405	37029625	क)	अचल परिसम्पत्तियाँ	176812980	193607434
					ख)	पूंजी कार्य-प्रगति में	0	0
VII.	**प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियो से प्राप्तियां**		80304722	137431420	**IX**	**अन्य भुगतान (अन्य निकाय लेनदेन सहित)**	121871867	15966727
VIII	**निवेश से आय**				**X**	**अनुदान की वापसी**	----	----
क)	**अंकित/वृत्ती निधियां**		431669302	427321925				

ख)	योजना लेखे	203020846	226236751	**XI**	**जमा और अग्रिम**		
ग)	प्रायोजित परियोजनाएं	90951125	116182720	क)	त्यौहार अग्रिम	70762	12500809
घ)	प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवत्ति	5691539	6071230	ख)	अग्रिम	----	----
				ग)	स्थायी अग्रिम	----	----
IX	**प्राप्त ब्याज**			घ)	चिकित्सा अग्रिम	0	----
क)	बैंक जमा	51143555	40172529	ङ)	छुट्टी यात्रा रियायत अग्रिम	7974556	9260915
ख)	ऋण और अग्रिम	----	----	च)	धन प्रेषण	1961357	----
ग)	बचत बैंक खाता	57188754	2907044				
X	**निवेश नगदीकरण**	----	----	**XII**	**अन्य भुगतान**	2088801180	----
XI.	**अनुसूचित बैंको में नगदीकरण सावधि जमा**			**XIII**	**इतिशेष**		
		----	----	क)	हेड इन नगद	----	----
				ख)	बैंक शेष		
XII	**अन्य आय (पूर्वावधि व्यय मदों सहित)**	76037082	66129293		चालू खाते मे	102222076	66031191
					बचत खाते मे	1221087686	891760948
XIII	**जमा और अग्रिम**				जमा खाते मे	12388074281	11082529870
क)	त्यौहार अग्रिम	736612	12701449	ग)	स्थायी अग्रिम	937600	922600
ख)	छुट्टी यात्रा रियायत अग्रिम	13308426	----				
ग)	चिकित्सा अग्रिम	0	53000				
घ)	स्थायी अग्रिम	0	----				
ङ)	अग्रिम	95453566	87528256				
च)	प्रेषित धन	----	4672176				
छ)	प्रायोजित परियोजनाओं, योजना और अंकित निधि से अग्रिम	290782766	----				
XIV.	**संविधिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां**	120094100	39016709				
XV.	**कोई अन्य प्राप्तियां**	2048670726	11100427				
	कुल	**23716744641**	**20280778870**		**कुल**	**23716744641**	**20280778870**

दिल्ली विश्वविद्यालय
भविष्य निधि लेखा
31 मार्च, 2019 का तुलन-पत्र

राशि रुपए में

विगत वर्ष 31.03.18	देयताएं		वर्तमान वर्ष 31.03.19	विगत वर्ष 31.03.18	परिसंपत्तियां		वर्तमान वर्ष 31.03.19
	<u>सामान्य भविष्य निधि</u>	_					
3490971612	अथशेष	3718050214		2626990000	निवेश (बॉड)		
481248991	जमा: वर्ष में अंशदान	555083796			-- सामान्य भविष्य निधि	1343000000	
268576530	जमा: ब्याज क्रेडिट	287912546			-- अंशदायी भविष्य निधि	1283990000	2626990000
(522501493)	घटा: अग्रिम/निकासी	(570011685)					
(245426)	घटा: विगत वर्ष से संबंधित समायोजन	(545)		1770000000	जमा लेखे (मियादी जमा)		
3718050214	इति शेष		3991034326		-- सामान्य भविष्य निधि	1332300000	
	<u>अंशदायी भविष्य निधि</u>	_			-- अंशदायी भविष्य निधि	829694717	2161994717
630616105	अथशेष	614883516		155787703	उपार्जित ब्याज 31.03.2019 को		139183795
41381377	जमा: वर्ष के दौरान अभिदान और अग्रिम का पुनर्भुगतान अंशदान	58210366			एसबीआई बैंक में बचत लेखे में :-		
42060633	जमा: ब्याज क्रेडिट	40615088					
(99174494)	घटा: अग्रिम/निकासी/अंतिम निपटान	(96122478)		62286851	-- जीपीएफ लेखा संख्या 10851298435	88359659	
(105)	घटा: विगत वर्ष से संबंधित समायोजन	(1336834)					
				86188226	-- सीपीएफ लेखा संख्या 10851298457	21603430	109963089
614883516	इति शेष		616249658				
	<u>ब्याज आरक्षित</u>	_					
330002324	अथशेष	368319050					
38316726	जमा: व्यय से अधिक आय	62528567					
368319050	इति शेष		430847617				
4701252780	**कुल**		**5038131601**	**4701252780**			**5038131601**

दिल्ली विश्वविद्यालय
भविष्य निधि लेखा
31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

राशि रुपए में

विगत वर्ष 31.03.18	व्यय	वर्तमान वर्ष 31.03.19	विगत वर्ष 31.03.18	आय	वर्तमान वर्ष 31.03.19
	ब्याज क्रेडिट:		294099093	निवेश और बचत बैंक खाते पर अर्जित ब्याज	408178329
268576530	सामान्य भविष्य निधि लेखा	287912546	122884777	जमा: वर्ष 2017-18 के दौरान उपार्जित ब्याज	106280869
42060633	अंशदायी भविष्य निधि लेखा	40615088	245531	जमा: विगत वर्ष से संबंधित समायोजन (जीपीएफ लेखा 545 + सीपीएफ लेखा 1336834)	1337379
4328	बैंक प्रभार (जीपीएफ लेखा 3528 + सीपीएफ लेखा 507)	4035	(68271184)	घटा: वर्ष 2017-18 के लिए उपार्जित ब्याज, किन्तु वर्ष 2017-18 के दौरान वसूल	(122884777)
	टीडीएस कटौती:				
	-- अंशदायी भविष्य निधि लेखा	426958			
	-- सामान्य भविष्य निधि लेखा	1424606			
38316726	व्यय से अधिक आय	62528567			
348958217	**कुल**	**392911800**	**348958217**	**कुल**	**392911800**

दिल्ली विश्वविद्यालय

भविष्य निधि लेखा

वित्तीय वर्ष 2018-19 का प्राप्ति और भुगतान लेखा

प्राप्ति	राशि रुपए में	भुगतान	राशि रुपए में
01/04/2018 को अथशेष			
जीपीएफ लेखा 10851298435	62286851	जीपीएफ अग्रिम/निकासी/अंतिम निपटान	570011685
सीपीएफ लेखा 10851298457	86188226	सीपीएफ अग्रिम/निकासी/अंतिम निपटान	96122478
जीपीएफ अभिदान	555083796	वर्ष के दौरान निवेश (जीपीएफ 1332300000 + सीपीएफ 829694717)	2161994717
सीपीएफ अभिदान व विश्वविद्यालय अंशदान	58210366	बैंक प्रभार (जीपीएफ लेखा 3528 + सीपीएफ लेखा 507)	4035
		फ्लेक्सी एफडी ब्याज पर घटाया गया टीडीएस (जीपीएफ 156790 + सीपीएफ 75554)	232344
		एफडी ब्याज पर एसबीआई द्वारा काटे गए टीडीएस (जीपीएफ 1267816 + सीपीएफ 351404) इति शेष:	1619220
निवेश नगदीकरण (जीपीएफ 1136300000 + सीपीएफ 633700000)	1770000000	जीपीएफ लेखा संख्या 10851298435	88359659
प्राप्त ब्याज (जीपीएफ 238428831 + सीपीएफ 169749498)	408178329	सीपीएफ लेखा संख्या 10851298457	21603430
कुल	**2939947568**	**कुल**	**2939947568**

दिल्ली विश्वविद्यालय
एनपीएस टायर-I लेखा
31 मार्च, 2019 का तुलन-पत्र

राशि रुपए में

राशि 31.03.18		**देयताएं**		**राशि 31.03.19**	**राशि 31.03.18**	**परिसंपत्तियां**	**राशि 31.03.19**
		<u>**एनपीएस टायर-I लेखा :-**</u>					
365981		अथशेष	599785		2807000	निवेश	3115000
93973576		जमा: अभिदान और विश्वविद्यालय अंशदान	137375588		57408	उपार्जित किंतु वसूल नहीं ब्याज	77867
73612		जमा: अधिक प्राप्तियां (धन प्रेषण)	67996		421217	बचत बैंक लेखे में शेष	4354707
–			–				
–		घटा (प्रेषण) मूल आधिक्य रसीदें :	(73612)				
–			–				
<u>(93813384)</u>	599785	घटा: एनएसडीएल में अंतरित राशि	<u>(133514128)</u>	4455629			
			–				
		<u>**ब्याज आरक्षित:-**</u>					
2390667		अथशेष	2685840				
<u>295173</u>	2685840	जमा: व्यय से अधिक आय	<u>406105</u>	3091945			
3285625		**कुल**		**7547574**	**3285625**	**कुल**	**7547574**

दिल्ली विश्वविद्यालय
एनपीएस टायर-I लेखा
वित्तीय वर्ष 2018-19 का आय और व्यय लेखा

राशि रुपए में

राशि 31.03.18	**व्यय**	**राशि 31.03.19**	**राशि 31.03.18**	**आय**	**राशि 31.03.19**
767	बैंक प्रभार	856	295141	निवेश पर प्राप्त ब्याज (मियादी जमा व फ्लेक्सी लेखा)	394772
295173	निवेश पर टीडीएस कटौती	8270			
	व्यय से अधिक आय	406105			
			(56609)	वर्ष 2017-18 में उपार्जित किंतु 2018-19 के दौरान वसूल ब्याज	(57408)
			57408	उपार्जित किंतु वसूल नहीं ब्याज	77867
295940	**कुल**	**415231**	**295940**	**कुल**	**415231**

दिल्ली विश्वविद्यालय
एनपीएस टायर-I लेखा
वित्तीय वर्ष 2018-19 का प्राप्ति और भुगतान लेखा

राशि 31.03.18	प्राप्ति	राशि 31.03.19	राशि 31.03.18	भुगतान	राशि 31.03.19
83039	01/04/2018 को अथशेष	421217	2807000	निवेश	3115000
	<u>एनपीएस टायर-I लेखा</u>				
93973576	स्व अभिदान और विश्वविद्यालय अंशदान	137375588	93813384	निकासी/एनडीएसएल को वापसी	133514128
73612	अधिक प्राप्तियां (धन प्रेषण)	67996	767	बैंक प्रभार	856
270552	निवेश पर प्राप्त ब्याज (एनपीएस)	281526	-	निवेश पर टीडीएस कटौती	8270
24589	बचत बैंक लेखे पर ब्याज	113246		प्रदत्त मूल आधिक्य (प्रेषण)	73612
2617000	नगदीकरण निवेश (मियादी जमा)	2807000	421217	31.03.2019 को इति शेष	4354707
97042368	**कुल**	**141066573**	**97042368**	**कुल**	**141066573**

विश्वविद्यालय मुद्रणालय

31 मार्च, 2019 का तुलन-पत्र

निधियां व देयताएं	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
	रुपए	रुपए
1. पूंजी	33,81,931.00	87,06,160.00
2. चालू देयताएं		
(क) वर्तमान देयताएं		
(ख) देय बिल	12,41,869.00	11,99,974.00
3. ऋण व अग्रिम:	-	29,42,246.00
(क) किए जाने वाले कार्य हेतु अग्रिम		
(ख) अंतर बैंक अंतरण	1,30,000.00	1,30,000.00
(ग) अन्य देयताएं	1,73,95,492.00	1,73,95,492.00
(घ) बयाना राशि	10,162.00	10,050.00
3. पूंजी	53,500.00	53,500.00
कुल	**2,22,12,954.00**	**3,04,37,422.00**

परिसंपत्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
	रुपए	रुपए
1. मशीनरी, फर्नीचर और उपकरण	1,61,588.00	2,03,977.00
2. प्राप्तनीय राशि	2,05,28,126.00	2,24,33,386.00
3. हेड इन स्टॉक		
(क) कच्चा माल	12,89,027.00	13,83,462.00
(ख) तैयार माल	-	45,978.00
4. प्रगति में कार्य	-	48,17,430.00
5. बैंक में नगदी	2,18,213.00	15,37,189.00
7. स्थायी परिसंपत्तियां	1,000.00	1,000.00
8. अग्रिम आकस्मिकताएं	15,000.00	15,000.00
कुल	**2,22,12,954.00**	**3,04,37,422.00**

विश्वविद्यालय मुद्रणालय

वर्ष 2018-19 का लाभ व हानि लेखा

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. प्रारंभिक स्टॉक::			1. आय:		
(क) कच्चा माल	13,83,462.00	6,14,900.00	(क) मुद्रण और जिल्दसाजी से आय	98,96,508.00	1,43,01,450.00
(ख) तैयार माल	45,978.00	20,640.00			
2. प्रगति में कार्य में	48,17,430.00	11,53,000.00			
3. वेतन व भत्ते में:	31,89,321.00	65,98,380.00	2. अंतिम स्टॉक द्वारा:		
(क) छुट्टी यात्रा रियायत	51,872.00	40,363.00	(क) कच्चा माल	12,89,027.00	13,83,462.00
(ख) ट्यूशन शुल्क	13,500.00	27,000.00	(ख) तैयार माल	-	45,978.00
(ग) बोनस		-			
(घ) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	3,15,358.00	7,62,664.00			
4. कच्चे माल के क्रय में	6,42,746.00	48,03,385.00	3. प्रगति में कार्य द्वारा	-	48,17,430.00
5. विविध आकस्मिक खर्चे में	4,836.00	37,758.00			
6. दर, किराया और कर	1,369.00	9,425.00	4. हानि	53,24,229.00	-
7. बाह्रय एजेंसी से कराए गए काम एजेंसी	60,01,503.00	40,35,951.00			
8. मूल्यह्रास:					
(क) मशीनरी, फर्नीचर और उपकरण	42,389.00	54,246.00			
9. लाभ	-	23,90,608.00			
कुल	**1,65,09,764.00**	**2,05,48,320.00**	**कुल**	**1,65,09,764.00**	**2,05,48,320.00**

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय मुद्रणालय लेखा संख्या 10851295354

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष का प्राप्ति और भुगतान लेखा

राशि रुपए में

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
I **अथ शेष**			I **खर्चे**		
बैंक शेष	1537189	3770136	स्थापना खर्चे	3570051	7428407
बैंक में जमा	----	----			
II **मुद्रण और जिल्दसाजी से प्राप्तियां**	11801768	12103022	II **अन्य प्रशासनिक खर्चे**		
			व्यय	9592588	6951623
III **कटोती/वसूली**	1206346	3516406			
			त्यौहार अग्रिम	----	5400
त्यौहार अग्रिम	----	6300			
			धन प्रेषण	1164451	3476245
बयाना राशि	----	3000			
			III **इतिशेष**		
			बैंक शेष	218213	1537189
कुल	**14545303**	**19398864**		**14545303**	**19398864**

दिल्ली विश्वविद्यालय
हॉल और छात्रावास
31 मार्च, 2019 का तुलन-पत्र

राशि रुपए में

निधियों के स्त्रोत	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
कोर्पस / पूंजी निधि	316409334	281063732
नामित/ अंकित/ वृत्ती निधियाँ	48810145	46210352
चालू देयताएं और प्रावधान	19274316	16895694
कुल	**384493795**	**344169778**
निधियों का अनुप्रयोग		
अचल परिसंपत्तियां		
मूर्त परिसंपत्तियां	18092779	20615957
अमूर्त परिसंपत्तियां	9740	9331
पूंजीगत कार्य प्रगति में	0	0
अंकित/वृत्ती निधियां से निवेश		
दीर्घावधि	0	0
अल्पावधि	12753269	11928551
निवेश- अन्य	74581662	57443772
वर्तमान परिसंपत्तियां	267281021	239296149
ऋण, अग्रिम और जमा	11829548	14930242
विविध व्यय	(54224)	(54224)
कुल	**384493795**	**344169778**

दिल्ली विश्वविद्यालय
हॉल और छात्रावास
31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

राशि रुपए में

विवरण	**वर्तमान वर्ष**	**विगत वर्ष**
(क) आय		
शैक्षणिक प्राप्तियां	58949398	55866961
अनुदान/आर्थिक सहायता	141784977	126457557
निवेश से आय	18956006	15297355
अर्जित ब्याज	1648722	1709805
अन्य आय	55933570	49624023
पूर्वावधि आय	0	0
कुल (क)	**277272673**	**248955701**
(ख) व्यय		
स्टॉफ भुगतान व हितलाभ (स्थापना व्यय)	158610939	137592475
शैक्षणिक व्यय	0	0
प्रशासनिक और सामान्य खर्चे	67732899	65838607
परिवहन खर्चे	531863	580876
मरम्मत और अनुरक्षण	9213593	8137143
वित्तीय लागत	355650	147136
मूल्यह्रास	5199543	6362887
अन्य खर्चे	0	0
पूर्वावधि व्यय	0	0
कुल (ख)	**241644487**	**218659124**
व्यय से अधिक आय / (आय से अधिक व्यय) (क-ख)	**35628186**	**30296577**
शेष , पूंजी निधि में अग्रेनीत अधिषेश (घाटा)	**35628186**	**30296577**

दिल्ली विश्वविद्यालय

हॉल और छात्रावास

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा

राशि रुपए में

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष		भुगतान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
				I खर्चे		
I. अथ शेष				(क) स्थापना खर्चे	158161911	137473819
- हेड इन नगदी	163129	143310		(ख) शैक्षणिक खर्चे	0	3986207
- बैंक शेष	63404134	92897226		(ग) प्रशासनिक खर्चे	65676872	66146409
- पेशगी	336061	10240104		(घ) परिवहन खर्चे	545863	607266
- जमा लेखा	216175292	144407997		(ड) मरम्मत और अनुरक्षण खर्चे	9071187	7774884
II अन्य बैंक शेष	3797750	0		II (क) अंकित निधि के प्रति भुगतान	19262108	14204725
III प्राप्त अनुदान	141931663	126258771		(ख) परियोजनाओं के प्रति भुगतान	0	81213
IV शैक्षणिक प्राप्तियां	53247743	48747364		III निवेश और जमा	8545263	7705401
V अंकित/वृत्ती निधियों से प्राप्ति	22406384	20653594		IV अचल परिसंपत्तियां और पूंजी कार्य-प्रगति पर व्यय	2869336	2909339
VI प्राप्त ब्याज	3774672	2409349		V वित्त प्रभार	85514	61587
VII निवेश से आय	22173313	18888258		VI जमा और अग्रिम	6550019	8359184
VIII अन्य आय	61165799	51530453		VII अन्य भुगतान	7199895	3240562
IX जमा और अग्रिम	1316120	2391290		**VIII इतिशेष**		
X अन्य प्राप्तियां	13830066	14061497		- हेड इन नगदी	71275	163129
				- बैंक शेष	136690466	63404134
				- पेशगी	414581	336061
				- जमा लेखा	188550304	216175292
				- सावधि जमा रसीद पर टीडीएस	27532	0
कुल	603722126	532629213		**कुल**	603722126	532629213